ईसा का सन्देश

लेखक—डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा.

अनुवादक -सुरेश रामभाई.

ः इस किताब में हज़रत ईमा के सन्देश की व्याख्या ऐसे लाजवाब ढंग से की गई है कि पढ़ने वाला बड़ी श्रामानी से यह समभ जाएगा कि ईसाई धर्म की खाम नालीम क्या है श्रीर हजरत ईसा ने इन्सान-इन्सान की बरावरी, भाई चारे, प्रेम श्रीर श्रहिन्सा पर कितना जोर दिया है.

श्राज हम योरप और अमरीका के लीगों की एक तरफ अपने को ईसा का पैरा कहते और दसरी तरफ **क्षमजोर कौमों को** गुलाम बनाने के लिये एटम वम और **हाइडरोजन बम की रचना कर**ने देख सोचने लगते हैं कि क्या ईसाई धर्म में यह सब जल्म श्रीर नाइन्माफी जायज है ? लेकिन इस किताब को पढ़ कर इस तरह के सारे श्रम दर हो जाएंगे और इंजील का पित्र तालीम अपने सही रें में पूरे तौर पर श्रापके सामने श्रा जाएगी.

यह किताब कुमारण्या जी ने सन 1944 में जबलपुर 🐃 में लिखो थी. इसके बारे में राश्ट्रियता महात्मा गांजी की राय है--

"मैं अपने अनुभव के बल पर कह सकता हूँ कि श्रोफ़ेसर कुमारपा ने इन सकों में गास्पेल (इंजील) का जो मतलब लगाया है वह मच्चा श्रीर सही है..."

महात्मा जी ने यह भी कहा था कि-

"हर श्रास्तिक से, चाहे वह ईसाई हो या किसी और धर्म का मानने वाला हो मेरी सिफ़ारिश है कि इसे पढे

श्चंगरेजी में इस किताब के कई एडीशन निकल चुके हैं. श्रव यह इसका सरल और वामहावरा हिन्दूस्तानी श्रनुताद निकल रहा है. किताब के श्रास्तीर में 'ईसा के जीवने के कुछ क़िस्से' देकर अनुवादक ने इसकी शोभा और भी बढ़ा दी है.

किताब का दीम सिर्फ डेट रुपया

मिलने का पता---मैनेजर, 'नया हिन्द', 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

عیسی کا سندیش

لیکرک حقاداتر جے ، سی ، کمارپپا ، انووادك-- سريش رام مهائي.

اس کتاب میں حضرت میسی کے سندیش کی والهها ایسے لاحواب دهنگ ہے کی کئی ہے نه پوهنے والا ہوی أسائى سے يه سمجه جائها كه عهسائى دورم كى خاص تعلهم کھا ہے آور حضات عیسیل نے انسان انسان کی براہی بهائی چارے بریم آور اهنسا بر کتنا زور دیا هے .

آبے ہم یورپ اور امریکہ کے لہوں کو ایک طرف اپنے کو ههسی کا پهرو کهشے آور دوسری طرف کمزور قوصوں کو فلام بغانے کے لئے ایکم ہم أور هائيدروجي ہم کی وچذا كرتم ديكه سوجنے لكتم مدر كه كها عيسائر دهرم مهن يه سبب ظلم أرد تاأنصافي جائز هي لا ليكن إس كتاب کو پوشکر اِس طرح کے سارے بہام دور تفوجائیں کے آور أسجهل كي بوتر تعليم أنني صعيم روب مين بورت طور یر آپ کے سامنے آجائیگی

یم کتاب کماریپا جی نے سی 1941 میں جبل ہور جهل میں لکھی تھی اِحکے بارے میں راشقہ پھا مہانما لاندهی کی رائے ہے۔

المهول الهي النويهو کے بل یہ کہ سکھا بھوں که میرونهسو کماریدا نے ان صعحون میرون کال (انتجال) كا جو مطلب لكايا في وا سنيا أور صعیم هے.....

مهاتماً جینے یہ بھی کہا تھا کہ۔۔۔ العر أستك سے جاهے وہ عيسائي هو يا كسل أور دهرم کا مانقے والا هو' مهدی سدارش هے له اِسے

انکریزی میں اِس کتاب کے نئی ایدیشن نکل چکے ههن . أب يه إس كا سول أور بامتحاورا هلاستاني الوواد نکل رہا ہے . کتاب کے آخھر میں 'عہسی کے جھری کے المجه قصے دیکر انووادک نے اسکی شوبها آور بھی بوهادی

سندر جلد' برهها كافل قريب ديوه سو صفتحي كي ﴿ सुन्दर ज़िल्क ﴿ وَعِلْ مَا اللَّهُ وَاللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ كياب كا دام صرف ديوه رويهه .

> مللنے کا یتہ۔۔۔ ميلينجر 'نها هند' 145' منهى المم المآباد . . .

क्लक-पंडित झुन्देखाल गीता और कुरान

इस कितान में हिन्दू धर्म और इसवास दोनों के सेक में बार्ट, गीता का गड़प्पन, गीता के एक एक अध्याय मं भीषोड़, कुरान का बड़प्पन, लगभग १५ खास खास अध्योग पर कुरान की करीब ५०० घायतों का लक्ष्मी

की सोग सन पर्सो की मुनियादी बकता को जातना भीर समझना चार्ड धनके जिये यह किताब चनमोल है.

्षीने दोन सी सके की सुन्दर जिल्द वंधी किताब की विसत सिर्फ ढाई कपया, डाक खर्च अलग.

हिन्दू मुसलिम एकता

इस किताब में वह चार लेक्चर जमा किये गए हैं जो बित की ने कम्सीलियेटरी बोर्ड खालियर की शवत पर खालियर में दिये थे.

सी सके की किताब. क्रीमत सिक बारह जाने.

नहात्मा गांधी के बलिटान से सबक

आकाषिकता यानी फिरकापरस्ती की बीमारी पर प्रकार की मुखदूबी चौर इतिहासी पहलू से बिबार कौर क्षमा हकान, जिसने माजिर में रेश पिता महात्मा गांधी का की हमारे बीच में न रहने दिया.

बीसर्वे अस्तर भाने.

अक्षा हमें क्या सिखाता है

नदास्या गांधी की सकाइ से अक्तूबर सन् 1947 में क्षित्रमां कीर पृह्वी पंजाब के किर के बाद वहाँ की अयंकर बंद बाद की मांपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो स्वीवर्ते काई वन का दर्वनाक वर्नन इस छोटीसी किताब कि अस्तुकत की मुसीवर्तों की इस करने के किये कुछ स्वीवर्त की पेरा किये गए हैं. कीमत बाद बाने,

ं बंगाल और उससे सबक

इस होटें इसी किताब में 1949-50 में प्रबी कीर बाजकारी बंगाल के कि रहे बाराना सगरी पर रोशनी डाकी महें हैं और प्रदे कामनों के देगेशा के बिये खता करने कि करका की सुकाई नहें हैं हैं संस्थान हो जाने.

Mar Sant Mary Laborate Sant Annual Mary Labo

يكونية توقيق كراال

للعارز فران

اِسِ الْکَالِيدُ مَيُونَ هَلَمُو فِحَوْمِ أُورُ اِسْلَمَ دُولُونَ اِلْکَالِمُ مُلِّلِي الْکَالِمُ الْکَالِمُ ک باتمن الْکِتَا کَا بَرْفِينَ لَيْكَ بَعْكَ ١٥ اَخْلَمَ خَاصَ مَفْسَوْفُونَ فَرْأِنَ كَى قَرْيْبَ حَجَةً الْكَبِنِ كَا لَمُطَّى تَرْجَمَا وَفَيْرَة دَهِا الْهِي فَي قَرْيْبَ حَجَةً الْكَبِنِ كَا لَمُطَّى تَرْجَمَا وَفَيْرَة دَهِا

جو لوگ سب دهرس کی بلیادی آیکنا کو جانگا سمجھلا جاهیں آن کے لگے یہ کتاب انمول ہے ۔ پولے تین سو مفصے کی سندر جاند بندھی کتاب کی معد صرف تعالی رربیع قاک خرج الگ ۔

هندو مسلم ایکتا

اس کتاب میں وہ چار لیکنچر جمع کئے گئے میں جو تت جی دعوت پر تت جی نے کلسیلیٹری ہورۃ گوالیار کی دعوت پر الیار میں دئے تیے ۔

سو صفتھے کی کتاب ، قیبت صرف ہارہ آئے ،

مماتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

سامپردایکتا یعنی فرقه پرستی کی بهماری پر راج هی' مذهبی ارر اتباسی پیالو سے وچار اور اسکا علاج' س نے آغر میں دیش پتا مہاتما کاندھی تک کو همارے ہے میں نہ رهنے دیا ،

قهمت ياره آنے .

بنجاب هییں کیا سکھاتا ھے

منگال اور اس سے سول

الی چاہلی سے کتاب میں 4940-50 میں ہوائی چھومی (محال کے فرقباللہ جائزی پر کسی کا کا کرنے جھوائی کی مسید کرنے کی اور ان کا ماری محال کرنے کی کست میٹ کر ل

क्रिरक्राष्ट्दी पर वाष्

सम्बादम हो श्रीकृरन दास

इस पुस्तक में सन 1921 के सन 1948 तक गांची जी ने साम्प्रदायिकता के सवाल पर जो कुछ कहा या शिखा वह सब आपको एक जगह मिलेगा.

भारत के बाजाव होने पर यह बीर भी ज़हरी हो गवा है कि इर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक्रमानों को समग्रेक बीर इस ज़हर को बपने अन्दर से साफ करे.

सुन्दर जिल्द. चण्डा काराज, दो सी सके कीमत को रुपया.

भाषा

लेखक--साला मंदन गोपाल

हिन्दी, उर्दू और हिंदुस्तानी की तकरार पर एक वे लाग राथ इस किताब में आपको मिलेगी. राष्ट्र माधा के सवाल में दिलचरपी रखने वाले हर भाई-बहन को इस किताब के पढ़ने से फायदा होगा—सोचने की राहें सूफोंगी, जानकारी बढ़ेगी और तरह तरह की तंग नज़रिया मिटेंगी. करीण सवा सौ सके की सुन्दर किताब, दाम ढेंद रुपया.

भंकार

सक्पादक- भी रघुपति सहाय 'किराक्र'

पिछले पनद्रह बरस से आज तक की उरदू की चुनी हुई किविताओं का यह संग्रह पड़कर आप को मालम होगा कि उरदू किविता ने किस तरह खयाली दुनिया की छोड़ कर किन्द्रा की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. आज की टरदू शायरी गुल व बुलबुल और वस्त व किराक तक ही सीमित नहीं है. अब आप को उरदू कविता में किसोती और मजदूरों के दिलों की घड़की सुनाई देंगी. गुलामी, अन्वाय और सूट ससोट के ख़िलाफ आप दें देंसी आवाज सुनेंगे जो आप के दिल गहराइयों की खुयेशी.

- सागरी जिल्लाकड में ऐसा भरपूर वरदू कविता संमह आज तक सही निकला सुन्दर जिल्दा बदिया काराज वन्दा कार्यों समाधिक सीन कपया

And the section of th

فرقابتدي پر باير

سیاطات فویکردن داس

یہائیں کی آزاد هونے یو یہ اور بھی ضرووی هو کھا ہے کہ اور بھیارتھا کے نقصانوں کو سنجمے اور سندمی واللہ کو این اید این الدو سے صاف کونے ،

مخالفان والمد . أورا كافل . دو سو متعجب والمدعد و وواده ،

tata

ليهك سلاله مدن كويال

فقدی آردو اور هددستانی کی تکران پر ایک پے لاگ رائی آئی آئی آئی کی دراشتر بهاشا کے رائی آئی کو ملے گی ۔ راشتر بهاشا کے سوال میں دلچسپی رکیلے والے هر بهائی بہن کو اِس لگالیہ کے پومل سے قائدہ هوا —سوچنے کی واهیں سوجهیں لیا جانکاری بروے کی آور طرح طرح کی تنگ نظریہ گئی ،

الريكية شؤوا منوا متخصير كي سائدرا كثاب دأم ديوه روييد.

جهنكار

سمهادک -- شری رگهردتی سهائے افراق

قائری لهماوی میں ایسا بهرورر أردو كورتا سلكرة آج لكت ليون نكل ساخر جلد . بوديا كافل . قدده چهوائی .

والمن العاملة 145 مام قلم العاباد

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

पचास रुपए से जियादा दाम की किताने स्परीदने वाकी को भीर नुकसेकरों को स्वास रिकायत दी जायगी. पूरी जानकारी के लिये किसिये.

ड़ाक या रेल सर्च हर हातत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

'भारत में अंग्रेज़ी राज' के लेखक पं० सुन्दरताल द्वारा मुल अंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का फर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह सममे भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है.

आसान समहावरा भाशा. रायल घठपेजी वड़ा साहज़ सगमग चार सी पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द, कीमत केवल साढ़े सात कपप.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक-श्री मंजर श्रली सोखता

खपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस को स्रोक सेवा संघ में बदल देने के लिये अपनी सजबीज लिखी थी. यह देश के नाम उनकी आखिरी बसीयत है और इसकी व्याख्या गांधीजी के परम मक्त श्री अंजर असी सोखता ने की है जो गांधीवाद को समम्पने अने स्थानाने वाले देश के इने गिने लोगों में से एक हैं. गांधीवाद को समम्पने के लिये इसका पढ़ना बहुत जरूरी है. 225 सके की सुन्दर जिल्द वँधी किताब की क़ीमत सिर्फ को हम्पर.

आज के शहीद

तेसक—भी रतन ताल वंसल. इन वहादुरों की कहानियाँ जिन्होंने विदेशी दाकिमों की फैलाई फूट की जाग में इनसानियत को भस्म होते देख

एक छन की भी देर न की और उसे बुमाने की कोशिश में अपनी जान कुरवान कर दी. दाम सिर्फ ढाई रुपया

मुस्लिम देश भक्त

सम्पादक--श्री रतन साक्ष वंसक

का मुसलमान देशमकों के जीवन का हाल जिन्होंने आपनी जान हथेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विवेशों में रहते हुए भारत माता को गुलामी की जंजीरों से आजाद बहने की कोशिश की, किताब बढ़े दिलक्स हंग से लिख मार्ट में कीसत किये एक क्षेत्रा सारह जाने.

بچاس وریائے بے زیافہ دام کی کتابھی خریدنے والوں کو اور بکسیلیوں کو خاص رعایت کی جائیکی، پوری جانکاری کے لئے لکھائے

داکت یا ول کرے هر حالت میں اهک کے نمے هوا .

ابهارت کا و دهان

قبھارت میں انکریزی راج کے لھمک بلقت سلدر الل درارا مول انکریزی سے انورادت ،

ھر بھارت راسی کا فرض ہے کہ جس ودھان کے ادھین سوادھین بھارت کا شاسن اِس سے چال رھا ہے آسے اُچھی طرح سمجھے بھارت کے عر گھر میں اس یستک کا رھنا ضروری ہے ۔

آسان بامتحاورہ بھاشا ، رایل آتھ پھتجی ہوا سائز ، لگ بھٹ جار سو پللے کہتے کی سلدر جلد ، قیمت کیول ساتھ سات رویگے ،

مهاتما گاندهی کی وصیت لیمهدات شری منظر علی سرخته

ائے دیہانت سے کچھ کھذتے پہلے مہاتما کاندھو نے کانگریس کو لوک سھوا سفکھ مھی بدل دینے کے لئے اپنی تجویز لکھی تھی ہی دیش کے نام اُنکی آخری وصیبت ہے اور اسکی ریانھیا کاندھی جی کے پرم بھکت شری مفظر علی سوخته نے کی ہے جو کاندھی واد کو سمجھنے اور ایفانے والے سیش کے آنے گئے لوگوں مھی سے ایک ھیں .

گاندھی واد کو سمجھپنے کے لئے اِسکا پڑھنا بہت ضروری ہے۔ 225 صفحے کی سندر جاد بندھی کتاب کی قیست سرف در رریئے۔

آج کے شہید

لیکهک سے شری رتی قل بلسل اس بہادروں کی کہائیاں جلہوں نے ودیشی جاکموں لی پہیادروں کی کہائیاں جلہوں نے ودیشی جاکموں لی پہیادی کی آور اُسے بجھانے کی ایک جھوں کی بھی دیر نه کی آور اُسے بجھانے کی اور اُسے بجھانے کی اور سے دام صرف دھائی روپھے۔

مسلم ف دش بهکت سبهادک-شوری رسی الل بنسل

ان مسلمان دیش بهکترن کے جمہوں کا حال جلہوں ایلی جان دھمیلی پر رکھکر ہندستان آور ودیشوں میں متر مولے بھارت ماتا کو فلامی کی زنجیروں نے آزاد کرنے کی فلام کی رافقات بنی دفیجسپ ڈھفاک سے لکھی کلی ہے۔ فلام کی دفیجسپ ڈھفاک سے لکھی کلی ہے۔ मगर यह एक सरह की दिवस हैं जिसकी रोक-धाम करनी है. और इस तरह रोक-धाम करनी है कि जियावती करने वाला साँप भी मर जाए और अपनी लाठी भी न दृटे. चीन को जान बूम कर रोर केन्द्रीकरन और द्रस्टीशिप और रोर हथियार बन्दी के तरीक्षों को अपनाना क्षेगा. इसके बाद ही ईमानदारी, सादगी और सेवा के उसके जत पूरी तरह खिल सकेंगे और तभी अपनी कस्तूरी से वह दुनिया को पूरी तरह मोहित कर सकेगा.

हमें साफ माल्म पड़ता है कि बीनी कम्यूनिकम क अगर एसे कम्यूनिकम कहा जाए—कसी कम्यूनिकम के मुक्काबले इम्सानियल और दियानतदारी में कहीं जियादा तर है, इतना तुर है कि दोनों में पहचान नहीं की जा सकती. और जाने बाले जमाने में सारे मुल्क—चाहे वह कम्यूनिस्ट होने का ही सपना क्यों न देखते हों—कस की तरफ उतना न देखेंगे जितना चीन की तरफ, दूसरे सफ्जों में जिस तरह जिटेन की डेमोकसी (कोकराज) हिटलर या मुसोलिनी की नाजी शाही से ज्याला और ऊंची चीज है, उसी तरह चीन की नई डेमोकसी (नया स्नोकराज) रूस की सोशलिस्ट रिपबलिक (समाजी प्रजा तन्त्र) से आला और ऊंची चीज है.

सी बातों की एक बात यह है कि इनसानी समाज लगातार आगे बद रहा है. इटली या जर्मनी के नाजी बाद के आगे ब्रिटेन या अमरीका का प्रजा तन्त्र, इस प्रजा तंत्र के आगे रूस का प्रजा तंत्र, और इसके भी आगे नए चीन का लोकराज. लेकिन अभी आगे मंजिल बहुत बाक़ी है—सर्वोदय इनसानी समाज का मक्सद है और सत्याग्रह उस तक पहुँचने का असली और अकेला रास्ता है.

—सुरेश रामभाई

کوری کی حیس می جستی ویک تهام کوئی ه . اوری کا درای کرتے والا اور ایانی ایان طرح ووک تهام کرئی هے که زیادتی کرتے والا الی بهی بهی نه ترتی . چهن ایانی الی ایانی اور ترستی شب اور فهر کندری کرن اور ترستی شب اور فهر علی یعد هی مانداری سادتی کے طریقوں کو ایفان هوال . اسکے بعد هی مانداری سادتی اور تههی ایلی کستروی سے واد دنیا کو پوری طرح بعدی جمع کوسکھکے اور تههی ایلی کستروی سے واد دنیا کو پوری طرح بومن کوسکھکے .

همهی ماف معلوم پرتا هے که چهلی کمهونوم—اگر یہ کمهونوم کہا جائے—روسی کمهونوم کے مقابلے انسانهت و فیائمت داری مهی کههی زیادہ تو هے' اتفا تو هے که واپن مهی همین نهیں کی جاسکتی اور آنے والے مالئے مهی ساوے ملک—جاهے ولا کمهونسمت هونے کا کی شهلا کهوں نه دیکھتے هوں—روس کی طرف اتفا نه یکھلگے جتفا چهیں کی طرف ، دوسرے لفظوں میں یکھلگے جتفا چهیں کی طرف ، دوسرے لفظوں میں سولقی کی ناری شاهی سے اعلی اور اونجی چهز هے' سولقی کی ناری شاهی سے اعلی اور اونجی چهز هے' می طرح چهیں کی ناری شاهی سے اعلی اور اونجی چهز هے' می سوشلست ریباک (سماجی پرجا نفتر) سے می سوشلست ریباک (سماجی پرجا نفتر) سے می سوشلست ریباک (سماجی پرجا نفتر) سے

سريش ولميهاثى

किस की रोशनी ये साम पता नवता है कि इमारे -आजादी के चार वरस बाद भी हवारी इसनी हि हाकत है-ऐसे नहीं को इक्ष न किये जा सकते । बीन ललकार कर कहता है कि हमारे देश में को ्र तक्क-भव्क, चटक-मटक, पिछमी "पेक्सपर्हों" तिर रुपया बद्दाने भीर उनके बढाए खयाली पुलाब का सिलसिला चल रहा है यह मुठा है भौर मर्ज इाने बाला है. जिसे हमारी हकूमत ने "शान" या नेटी" समभ रखा है वह मुल्क को बरबाद करने ता है. अगर हुकूमत इस पर और चली तो मुल्क बाएगा, चंद देशी और परदेशी पंजी पतियों के इमको ऐसे ही डाक्टरों से अपना हेलाज कराना जो हमारे जैसे रोगों के शिकार हो चुके हैं और रमसे संच्यी हमदर्दी है, यह कोई ऐसी पेचीदा हीं है जिसके इस करने के लिये कम्यूनिज्म से री की दरकार हो. दीवार पर साक लिखा है-जो रेगा उसे बाद में पछ्यांना होगा.

ाके बाद अदब के साथ अपने चीनी भाई बहनों से एक बात कहना चाहते हैं. हमें इतमिनान है कि बह ीज को पकड़ते हैं पूरे दिल से और पूरी ताक़त से हैं. इसी वजह से हम कुछ चरण करने की हिम्मत हैं. नए चीन के कारनामों से साफ चाहिर है कि वह नहीं चाहता, मेल मुहन्यत से रहना चाहता है और क्जें को ही हाथ उठाता है. हम मानते हैं कि भी का द्रथियार से मुकाबला करना मुकाबला न करने कर और शानदार चीच है. मगर इससे भी । पक्की बात यह है कि इथियार के मुकाबले से दर और शानदार होता है-विला हथियार के ा करना, जिसका नाम है सत्यामह, यह हथियार किस्मानी, दिमासी, माली, फीजी वरौरा ताक्षतों के होते हैं, लेकिन सत्यामह हमारी भन्दर की यानी कारमा की ताक़त का निशान है. सत्याप्रह का भने कुछ देर में असर दिसाए मगर यह असर रीं के मुकाबले कहीं वियादा साबित और टिकाऊ , सन तो यह है कि ६थियारों का जवाब ६थियारों देने से मसला इल नहीं होता है, जो उसका इल है वह सिर्फ आरजी होता है और सवाल को । लिये टाल देता है.

में यह राक इस वजह से हुआ कि चीन जहां हिटे इकोग चंदे कारखाने संमाल रहा है वहाँ वह मरखानों और बड़े पैमानों पर माल तैयार करने के में भी रहता है, ऐसा होना कुछ तो कुद्रती है और दूसरा चारा इसे अपने सामने नहीं दीखता.

را که جنگی وطی میں ماف چه واقع که معالیه دلوی-آزادی کے جار برس بعا تھے۔ ن اتلی کری هوئی حالت در-ایسے نہیں جو جل على جاسكت هيل . أينا جين للكار كبعا ه كه جماري بي ميں جو تظام توگ بهوک جانگ مثک پیچھنی بکس پرتاں " کی خاطر روہہ بہائے اور ان کے بتائے الى يال يكالي كا سلساء جال رها هے وہ جهوالا هے أور ں کو بوھائے والا ھے ، جسے ھماری حکومت نے ''شان'' الكلك " سمجه ركها هـ ولا ملك كو برياد كرنيكا وأسعه ، الرحكومت أس بر اور جلى تو ملك يك جاليكا ندديشي اور وديشي پرنجي پتيوں کے هاتھ ، همكو نے ھی ڈائٹروں سے ایٹا علیہ کرانا چاعثے تو ھمارے سے روگوں کے شکار ہو چکے میں اور جنہیں مم سےسچی درديي هے . يه كوئي أيسے پهنچيده چيز نهيوں هے جسكے ے کرنے کے لیے کمھونوم سے جانکاری کی درکار ھو، دیوار پر ف لكهاه .-- جونهين يوهيكا أس بعد مين يجهتانا هوكا.

اس کے بعد ادب کے ساتھ آئے چیلی بھائی بھلوں یے بھی هم ایک بات کہنا چاهتے هیں . همیں اطمینان هے له وہ جس چھڑ کو پکرتے میں پورے دل سے اور پرری طاقت سے پکرتے میں امی وجه سے هم کچه عرض کرنے کی هست لررهے هيں . نبي چين کے کارناموں سے صاف ظاهر هے که ولا نوائی نہیں چاھٹا میل مصبت سے رھلا چاھٹا ہے ارر مجبوري درج كو هي هاته أثهاتا هي هم مانتي هيل كه زیادتی کا هتهیار سے مقابلہ کرنا مقابلہ نہ کرنے سے بہتر ارر شاندار چیز هے ، مگر اس سے بھی زیادی پکی بات یہ ھے کہ ھتھھار کے مقابلے سے بھی بہتر اور شاندار ھوتا ہے۔ بالے متهیار کے مقابلہ کرنا جسکا نام کے ساتھائرہ، يه هعههار هماري جسماني دمافي مالي قوچي وقیرہ طاقتوں کے نشان هوتے هیں الیکن ستیاگرہ هماری اندر کی یعلی هماری آنیا کی طاقت کا نشان هے . ستهاكره كا طريقه بهلے كجه دير ميں اثر دكهائے مكر ولا اثر متمهاروں کے مقابلے کہیں زیادہ ثابت اور تکاؤ ہوتا ھے . سیے تو یہ ھے کہ متمیاروں کے جواب متمیاروں سے ھی دیتے سے مسلم حل نہیں ھرتا ھے' جو اُس کا حل دیکھٹا ہے وہ صرف عارضی ہوتا ہے اور سوال کو آگے کے لئے تال دیعا ہے .

جبیں یہ شک اِس وجہ سے هوا کہ چین جہاں جھوائے چھوڑے اُدیوگ دھندے کارخانے سنبھائی رہا ہے رہاں وہ جماعی کارخانے سنبھائی رہا ہے رہاں وہ جماعی کرخانوں اور بڑے کے نیال میں بھی رہتا ہے ۔ ایسا مونا کچھ تو قدرتی ہے کہونکہ کیلئے کیلئے فوسر جارا ایے لیے سامنے نہیں دیکھا۔

कायका प्रकार है बनाबी चिन्त्नी इस बात का बेहतरीन नमुना के कि दूसरी की बातें किस तरह जजन कर के एक्ट्रेस अपनी बना की जार्थ. इसके अलावा माओ ने हर किसी की वालीम से कायदा डठाया है. वह उस पादरी की तरह नहीं है जिसके लिये पाल और पीटर की करनी आखरी करनी है, उस कठमुला की तरह नहीं हैं जिसके लिये इरान जासरी किताब है, उस आ समाजी की तरह नहीं हैं जिसके लिये चेद ही हर चीज का आखरी प्रमान है, इस दिन्दुस्तानी कम्यूनिस्ट की तरह नहीं हैं जिसके लिये मास्को में अ। खिरी जियारत-गाइ है. मात्रो दिल के बसी, दिमारा के बुलन्द और छाती के चौड़े मालूम होते हैं. वह अपने असती दोस्त और असली दुशमन की पहचानते हैं और उनका कहना है कि इन्क़लाव की कांमधाबी या. नां-कामयाबी इस बात पर मुनहसिर है कि हमें अपने दास्त और दुशमन में तमीज कर सकें ताकि "दंग अपने सगे दोस्तों के साथ मिल कर सगे दुशमनों का मुक्ताबला कर सकें." मा शो का उसूल है—"मेल में मगड़ा और भगदे में मेलं." यानी हर किसी से मेल, मगर भगड़ा मजबूरी की हालत में जब कोई बुनियादी तौर पर अपने स्तिलाफ हो और जब मेल करने में अपने उसूल को ही चोट पहुंचता हो. यही वजह है कि चीत में निजा जायदाद है. निजी दीलत है, निजी कारखाने हैं. सब अपनी मेहनत करते और कमाते-खाते, न लेना एक न दना दा. यही वजह है कि वेश्यापन, भिक्रमंगी श्रीर बेरोजगारी का वहां नाम निशान भी मुश्किल से मिलता है.

नया चीन जीता जागता सबूत है कि दबे पिसे मुलक किस तरह सीना खोल कर खड़े हो सकते हैं. दो बरस के अपने कारनामों से नया चीन मानो चुनौती देता है—

अमरींका को या लड़ाई की शौकांन पिछम की दूसरी कौमों को —िक अपना हाथ रोक लों, जरा होश में आएं, दूसरों के ऊपर अन्दरूनी राज क़ायम करने के ख़याल से मदंद करने या दूसरों को आपस में लड़ा कर बेवकूक बनाने का जाल वह जहां चाहें विद्याएं, पशिया और ख़ासकर प्रकी पशिया में नहीं विद्या सकते.

पशिया के आजाद मुल्कों को — जैसे तुरकी, अरब, ईरान, पाकिस्तान, लंका और हिन्दुस्तान को — कि जरा हट कर खड़े हों, दूसरों का सहारा तकना या दूसरों से मांग मांग कर खाने से काम नहीं चलने वाला है. संभलें और अपनी वागडीर संस्वी तरह से अपने हाथ में लंकर अपना वर्तमोंने और भविश्य खुद ही बनाएं.

हिन्दुस्तान के लिये तो मानो चीन एक सगे बड़े भाई की तरह बहुत कुछ रहवरी कर रहा है. उससे हम काकी बार्त सींख कर कायदा डॉंग सकते हैं. नया चीन एक मशाल الماليدة العالم في النفي إنداي أس بات كا بهدرين نمونه هي كه موسوں کی مالیں اس طرح جزب کرکے ایکدم اپنی عامل کی جائیں ۔ اِسکی عارہ ماہ نے عر کسی المُعْرِمُ لَهِينَ هَيْنَ جَسَامُ لَيْنَ قِالَ أَوْرَ بِهِالَّوْ كَيْ كُرْنَى أَحْرَى گرتی ہے؛ اس کالہ ما کی طرح نہیں میں جس کے لگے الرَّأَنَّ آخري كتاب هے' أس أربة سماجي كي طرح نهين حهن جسكي لكم ويد هي هر چهز كا أخرى إبرمان هے، أس هندستاني كيورنست كي طرح نهين هين جسكم ليُ ماسکو میں آخری زیارت گا ھے، ماؤ دل کے وسیع' دمائم کے بلند اور چھاتی کے چوڑے معلوم هوتے هھی ، وہ ایم اصلی درست اور اصلی دشمن کو پهنچانته هیس اور أن كا كهذا هـ كه انقلاب كي كامهابي يا ناكامهابي إس يات پر ملتحصر هے که هم آنها دوست اور دشمن میں تمیز کو سکیس تاکه ۱۰ هم ایل سکے دوستوں کے ساتھ مل کو سکے فشمقين كا مقابله كر شكهن ." ماؤ كا أصول هي---! مهل میں جھگوا اور جھگوے میں میل 'شیعلی عر کسی سے ميل مكر جهكوا مجبوري كي حالت مين جب كولي بنهادس طور ير أيه خلاف هو أورجب مهل درني مهن أيهايي اصول کو هی چوت بهلنچتی هو . یهی وجه هے که چین مهن نجي جائداد هـ' نجي درلت هـ' نجي الرخاني ههن . سب اپنی مصلت کرتے اور کماتے کھاتے کے لیدا ایک نه دیدا دو . یهی وجه هے که ویشهاین بهکملکی اور یے روز گاری کا وهاں نام نشان بھی مشکل سے ملتا ھے .

نیا چھی جھٹا جاگٹا ثبوت ہے کہ دیے پسے ملک کس طرح سینا کیول کر کھڑے ہو سکتے ہیں۔ در پرس کے آیے کارناموں سے نیا چین مانو چلوتیدیا ہے۔۔۔

امریکه کو یا لوائی کی شوتین پچهم کی دوسری قرموں کوست ایف الها الهائی کی شوتین پچهم کی دوسری قرموں کوست ایف الهائی خوست کو خیال سے مدد کوئے یا دوسترن کو آیس میں لوا کر بھوقون بنانے کا جال ولا جہاں جانھیں بچھائیں' ایشیا اور خاص کر پوربی آیشیا میں نہیں بچھا سکتے .

ایشها کے آزاد ملکوں کو۔۔جہسے ترکی' عرب' ایران ایکستان کو کھڑے ھوں' ایران کا اور ھلدستان کو۔۔۔کہ ڈرا ڈٹ کر کھڑے ھوں' دوسروں کا سیارا تکفا یا دوسرں سے مانگ مانگ گو کھالے سے کا نہیں چلئے والا ہے' سقیملیں اور اینی باگی گور سعوی طرح سے آئے ھاتھ میں لے کر ایفا ورتمان اور یہوشیہ خود ھی بقائیں۔

مقدستان کے لئے مانو چین ایک سکے بوے بہائی کی طرف بہائی کی طرف بہائی کی طرف بہائی کے لئے مانو چین ایک سکے مم کافی ایک سکتے میں. نیا چین ایک مشعل

دسمبر <u>5</u>1

श्रिक्षाय का सब में जाता, जीर रीशन काम है न्द बीहा का जानाज के मामले में स्वावतान्त्री कर जाना जीर इस बद बीन का मंदा कहा करने वाले सब से जन्मक अलमकरदार चेयरमैन माजो-स्से-दूंग हैं.

माओं ने अपनी सारी इमारत तीन सम्बों के बत्त पर सकी की है-एक ईमानदारी, दो-सादगी, तीन-सेवा. चीनी इन्क्रताब की बुनियाद में यही तीन ईंटें हैं-ई-सा-से. बाह! क्या खूब बैठा है—इंसा से या साई से. यही यह सबक्र है जो दुनिया ने ईसा से सीखा, यही वह सबक्र जो मुहम्मद से सीखा, यही वह जो वेद-गीता से सीखा, यही वह जो बुद्ध से सीखा, यही वह जो कन्फ्रशियस से सीखा, यही वह जो लाखो-रसे से सीला-यही उस सबका निचोड़ है जो द्रितया में किसी ने अब तक जो कुछ सिखाया है. जरूरत हैं सिर्फ इस सबक को अमली जामा पहनाने की, तारीक है इस सबक को अमली जामा पहना देने की. यह जामा पहना देने का का काम कौन कर सकता था ? दुनिया की सिर्फ वो क्रोमें कर सकती थीं-चीन या हिन्दुस्तान, हिन्दुस्तान अपनी दूसरी मुसीवतों के शिकंजे में बा, तैयारी कर रहा था. मगर बाजादी के बाद ध्यान कुछ बहक गया और इसिल्ये बह पिछड़ गया. हमारे बड़े भाई, चीन ने जियादा साबित क्रद्मी के साथ क्रद्म बढ़ाया और वह कामयाव हो गया. कोई बात नहीं, बड़ा भाई आज कामयाव हुआ तो छोटा कल हो ही जाएगा. लेकिन यह तय हैं कि बढ़े के तज़रने से फाबदा उठा कर छोटा कहीं आगे क़दम रखेगा.

बाज चीन ईमान, सादगी और सेवा का मानो पुतला बना हुआ है. चेयरमैन माओ चीनी खजाने से छै सी रुपए के करीब तनखा केते हैं. इससे कम तनखा शायद ही दुनिया के किसी देश का राजा या राश्ट्र पित या बड़ा बज़ीर लेता हो. यह करीब करीब वही आदर्श है जो हमारे बापू ने हमें बताया था और जिसकी बिना पर 1931 में राश्ट्र ने करांची में एक ज़बरदस्त ठहराव पास भी किया था. हम अपने ठहराव से हटे यानी हिन्दुस्तान के हाकिम हिन्दुस्तान की जनता से हटे और दोनों के बीच में एक चौड़ी खाई बन गई जिसकी हमारे बड़े बज़ीर पंडित जबाहर लाल नेहरू ने अपनी चार साला रिपोर्ट में कृत्व भी किया है.

स्ती इद तक चीन में यह खाई जो वो बरस पहले स्वा तरककी पर थी, अब पट गई, सरकार और प्रजा एक दूसरे से चिपट गए और फिर जो न हो जाए थोड़ा है.

कोई कहेगा कि यह सब करिश्मा 'कम्यूनिअम' का है. हमारी राय में चीन के साथ कम्यूनिअम का जोड़ना चीन के साथ नाइन्साकी करना है. लेकिन हां, माध्यो-स्से-तुँग कम्यूनिस्ट हैं. मार्स्स और लेनिन की तालीय से क्राहोंने اِنقلاب کا سب کی افغال اور اولان کا ہے نگے جان کا افغال کی معاملے میں نگے جین کا افغال کی معاملے میں نگے جین کا جہن کا کہنا کرنے والے سب کی آئل علمہردار چھرمین مارتھے تلک میں ،

ماو نے اپنی ساری سمارت ٹین کہمیوں کے بل پور _{کوتی} کی ہے۔ ایک سدایمالد!ری' دوسسادگی' ٹونی'۔۔ سيراً - حيث القاب كي بدياه مين يهي تين اينتين هيرإلى . سا . سُ . وأه ! وه كها خوب بياتها هـ... میسیل سے یا سالیں سے ، یہی وہ اسبق ہے جو دنیا نے 🚜 جو وید گهتا سے سیکها' یہی رہ جو بدھ سے سیکھا' يري ولا جو كلفوشس سے سهكها يهي ولا جو الواسے سے سیکها سیهی اُس سب کا نجور هے جو دنیا مهی کسی نے اب تک جو کچھ سکھایا ہے . ضرورت ھے صرف اس سبق کو عملی جامه پهلانے کی تعریف هے اِس سبق کو عملی جامع بہنا دیلے کی ، یہ جامع پہنا دیلے کا کام کون ک سکتا تها ؟ دنها که صرف در فوسین کر سکتی تهین--چین یا هندستان . هندستان اینی دوسری مصهبتر کے شمنتهمیں تها تیاری کر رها تها مکر آزادی کے بعد دههاں كجه بهك كها اور اس لله وه يحهم كها . همارم بوح بھائی' چھوں نے زیادہ ثابت قدمی کے ساتھ قدم ہوھایا اور ولا كامياب هوگيا ، كوئى بات نهون بوا بهائى آج كامهاب هوا تو چهوٿا کل هو هي جائے کا ، ليکن يه طے هے که بڑے كے تجريه سے قائدہ أتها كر كهيس آئے قدم ركھے كا .

آج چین ایدان سادگی اور سهوا کا مانو پتلا بنا هوا علی جورمین ماؤ چیلی خزانے سے چه سو روپے کے تربیب تنظواہ لیتے میں اس سے کم تنظواہ شاید هی دنیا کے کسی دیسی کا راجه یا راشتر پتی یا بڑا وزیر لیتا هو اور جنگی بنا پر 1931 میں راشتر نے عدین بتایا تها اور جنگی بنا پر 1931 میں راشتر نے کرانچی موں ایک زبود ست تھہراؤ پاس بھی کیا تھا ، هم اپنے تھہزاؤ سے متے اور دونوں کے بینے میں ایک مندستان کی جنتا سے متے اور دونوں کے بینے میں ایک چوری گھائی بین گئی جس کو همارے برے وزیر پندس جواهر لال نہرو نے آپنی چار سالا رپورت میں قبول سے کیا هم

أَسَى حَدَ تَكَ حَدِينَ مَهِن يَهُ كَهَائَيْ جُو دُو بَرَسَ يَهِلَمَ خُوبِ رُسِ يَهِلَمَ خُوبِ أَنْ يَهِلَمُ خ خُوبَ تُرَقَى يُهِرِ تَهَىُ الْفِ يَبْتُ كُنِّي سُرَازً أور بِرجا أَيْكَ دُوسَرِيمِ مِنْ يَهِرَا هِ . دُوسَرِيمِ مِنْ جَهِيْتَ كُنِّهَ أُورِ يَهْرُ جُو لَهُ هُوجَالِمُ تَهُورًا هِ .

کوئی کہم کا کد یع سب کرشمہ کمھونوں 'کا ہے ، مماری وائی میں چھی کے ساتھ کمھونوں کو جورانا جھی کے ساتھ کمھونوں کو جورانا جھی کے ساتھ کمھونوں میں مارتیس تلک کمھوٹیسٹ کھی تعلقم نے آنھوں کے کمھوٹیسٹ کھی تعلقم نے آنھوں کے

शिकर दुनिया के एक विदार्थ से जियादा होती है. पक्की रि सक्की बात है कि हिन्दुस्तान और चीन के बीच एक सती और पायेदार मेस दुनिया के अन्तर अमन-शान्ति सम रसने की सब से बढ़ी जमानत है.

—सुन्दरतात

جان کر داید کی ایک تہائی سے زیادہ ہوتی ہے ۔ یکی اور سچی ایک اصلی اور چین کے بھی ایک اصلی اور پہلی کی بعض ایک اصلی اور پہلی کی الدر اس شاتعی قائم رکھلے کی سب سے ابھی ضمانت ہے ،

--سلدر لال

ए चीन की चुनौती

बहे तारु ब बी बात है कि जिस चीन के लोग कीमची नाम से बदनाम थे, जिस के सरकारी इलकों में एवत छोरी और मन मानी बेहद चलती थी, जिसमें लाखों ड़ों अनाज के दाने दाने के लिये तरसते थे, जिसमें यापन और भिक्रमंगी और बे-रोजगारी का बोल जा था, जिसमें सब तरह से मानो तारीकी ही छाई थी— उस चीन में अंधेरे को चोरते हुए यकायक एक । सबेरा हो गया. यक्तीन नहीं आता, सच्चे जी से निन नहीं जाता कि क्रीम की क्रीम की काया इस तरह ट सकती है. लेकिन आज की दुनिया की सब से बड़ी चाई यही है कि मानिये या न मानिये—बेहतर है कि नये, आज नहीं तो कल जरूर मानियेगा— कि चीन में । मुख नया सबेरा हो गया है और उजाला देने वाला सूरज निकल आया है—जो दुनिया के कोने कोने में । हुए अंधेरे को चुनौती दे रहा है.

इस नए सूरज ने चीन को अब एक नया देश बना है और आज चीन सिर्फ चीन नहीं, 'नया चीन' लाता है. पहली अक्तूबर 1949 को इस नए चीन जनम हुआ। उसी दिन नया लोकराज या न्यूडेमोक्रेसी हिंदा जनता का राज चीन में क्रायम हुआ।

चीन के जैसे इन्कलाव न एक दिन की करनी होती हैं न धारमी की. यह नतीजा होते हैं सारी क्रोम की क्रीम तपस्या और साधना का. यह इशारा होते हैं क्रीम क्रोम के दिल के दर्व और तक्ष्य और उभार का जो आने-अनजाने बदाए ले जाते हैं. यह नतीजा होते हैं ता के अन्दर की शक्तियों को टक्कर और मेल का, ही समंगों के दबाव और चढ़ाव का, उसके आदर्शों कशिश और गठाव का. यह सब चीजें ज्वाला मुखी तरह अन्दर ही अन्दर काम करती हैं और बाहर तभी आती हैं जब वह कोई ठोस और टिकाऊ और रारी शक्त ले बेती हैं. दुनिया को उनका पता अकसर रहता और यह उन्हें कुछ चंद कारनामों से पहचानती रहता और यह उन्हें कुछ चंद कारनामों से पहचानती रहता और यह उन्हें कुछ चंद कारनामों से पहचानती

نئے چین کی چنوتی

ہوے تعجب کی بات ہے کہ جس چھن کے لوگ افیمیچی نام سے بدنام تھے' جھکے سرکاری ھلقوں میں رشوس خوری اور من مانی ہے حد چلتی تھی' جس میں لاکھوں کروروں آناج کے دانے دانے کے لئے ترستے تھے' جسمیوں ویشیاین' بھکملگی اُور بے روزگاری کا بول بالا تھا' جس میں سب طرح سے مانو تاریکی ھی چھائی ھوئی تھی ۔ اُس چھن میں آندھورے کو چھرتے ھوئے یکایک نیما سویرا ھوئیا ۔ یقین نہیں آنا' سچے جی سے یقین نہیں آتا کہ قوم کی قوم کی کایا اِس طرح پلت سکتی نہیں آتا کہ قوم کی دنیا کی سب سے بڑی سچائی یہی ھے میں میں سے می نیا سویرا ھوئیا ھے اور مانیکا۔۔کہ چین میں سے می نیا سویرا ھوئیا ھے اور مانیکا۔۔کہ چین میں سے می نیا سویرا ھوئیا ھے اور مانیکا ایک اُجالا دینے والا ایک نیا سورج نکل آیا ہے۔۔۔جو دنیا ایک اُجالا دینے والا ایک نیا سورج نکل آیا ہے۔۔۔جو دنیا رہا ھے ۔

اِس نئے سورچ نے چھن کو آب ایک نہا دیھی بنا دیھی بنا دیھی اور آج چھن صرف چین نہیں ' نیا چھن ' کہلاتا ہے ۔ پہلی ائتوبر 1949 کو اِس نئے چین کا چئم ھوا ۔ اُسی فن نیا لوک یا نیو ڈیما کویسی نام کا جئتا کا راج چھن میں قائم ھوا ۔

چین کے جیسے انقلاب نہ ایک دن کی کرلی ہوتی ہیں نہ ایک ادسی کی ، وہ نتھجہ ہوتے ہیں ساری قوم کی قوم کی قوم کی توم کی کی توم کی توم

كسنبر 1

णाने, धार्मिक मत, जबस विकासने और प्रदर्शन करें केंद्र

नप चीन की सरकार कन्यूनिस्ट सरकार नहीं हैं. न यह पारटी सरकार है. यह दर असल मिली जुली (को आलीशान) सरकार है जिसमें सभी राजकाजी पारटियों के तुमायनदे शरीक हैं. सरकारी हाकिमों में सिर्फ एक तिहाई ऐसे हैं जो कम्यूनिस्ट पारटी से ताल्लुक रखते हैं.

सारे चीन में निजी जायदाद रखने का इक माना जाता है और निजी जायदाद लोग रखते भी हैं. निजी व्योपार, जेन देन और कारखानों को तरक्षकी दी जाती है. इमने देखा कि टिंटसिन, शंघाई और दूसरी जगहों पर अंगरेजी कम्पनियां खूब व्योपार कर रही हैं. अगर नया चीन कम्यूनिस्ट है तो उसका कम्यूनिजम 'चीनी कम्यूनिजम, है जो उसकी तासीर के मुताबिक है और वहां के लोगों के रिवाज से मेल खाता है.

तीन गुन

मद चीन में तीन गुनों पर खास जोर दिया जाता है— "इंमानदारी, सादगी और देश की सेवा". इन तीनों को चीनी विभान में खास तौर से शामिल किया गया है. बाहर से आने वाला कोई भी बेलाग आदमी चीन को देख कर यह महसूस करेगा कि क्या बहां की जनता और क्या सरकार, सब के सब फिल हाल एक साथ मिलकर इन तीनों गुनों पर अमल करने पर तुल गये हैं. नए चीन के क्रीमी स्वभाव, दिल और दिमाश की बुनियाद इन्हीं तीन अटल चट्टामों पर क्रायम है.

आज कल चीन कोरिया से लड़ाई लड़ रहा है. तिस पर भी चीन में हमने लड़ाई की चर्चा बहुत ही कम सुनी. चीन का आर्थिक संगठन लड़ाई को निशाना बना कर नहीं खड़ा किया गया है बिक रोज की जरूरत की चीजों को पैदा करने के इरादे से खड़ा किया गया है. मुकडन के शहर में, जो लड़ाई के हज़के के नजदीक था, हमने देखा कि कारोबार बदस्तूर चल रहा है. चीन में लड़ाई के शीकीन कोग हैं ही नहीं. नए चीन और उस के नेता दुनिया के हर दूसरे मुक्क के साथ मिल कर और शान्ति के शाब उहना चाहते हैं. चीन के पिछले दो बरस के कारनामों को देख कर हर कोई इसी नतीजे पर पहुँचेगा कि नए चीन के महान और ज्यारे नेता पाओ-त्ये-तुँग केवल एक बहादुर सिपाई। ही नहीं हैं बिक एक रचनात्मक जीहरी भी हैं.

भीन की तरह से हिन्दुस्तान भी दुनिया के हर देश के साथ मिल कर शान्ति से रहना चाहता है. हमारे प्रधान-भंजी ने राश्ट्रों के बीच शान्ति रखने की खातिर कोई कुद्म-चठा नहीं रखा. हिन्दुस्तान और चीन की आवादी بھائے دھائمگ میں ہولرس نکاللے اور پردوشن کرنے کوالے کی آزادی رہ کی "

نٹے چھیں کی سوکار کمھونست سرکار نہیں ہے' نہ یہ ارتی کورنمٹت ہے ۔ وہ دو اصل ملی جلی (کوالیشن) اورنمئت ہے جسمیں سمھی والےکاچی یارتھوں کے نمائٹدے اریک کھیں ، سوکاری حاکموں میں صوف ایک تہائی یسے میں جو کمھونست ہارتی سے تعلق رکھتے میں ،

سارہے بھین میں نجی جائداد رکھنے کا حق مانا ہاتا ہے اور نجی جائداد لوگ رکھتے بھی ھیں ، نجی پرپار' لین دین اور کارخانس کو ترقی دسیجاتی ہے ، ھم نے پرپار' لین دین شاکھائی اور دوسری جگہوں پر انگریؤی پہنیاں عوب بیرھار کر رھی ھیں ، اگر نیا چین کسیونست پنیاں عوب بیرھار کر رھی ھیں ، اگر نیا چین کسیونست یہ اور رھاں کے لوگوں کے دواج آ سے مطل یہ مطابق ہے اور رھاں کے لوگوں کے دواج آ سے مطل ہاتا ہے .

تين گن .

نگے چھن میں تین گئوں پر خاص زور دیا جاتا ہے۔
ایمانداری سادگی اور دیش کی سیوا ۔'' اِن تیلوں کو
چیئی ودھان میں خاص طور سے شامل کیا گیا ہے ۔
اھر سے آنے والا کوئی بھی بیلاگ آدمی چھن کو دیکھکر
ع متحسوس کریکا کہ کیا یہاں کی جنتا اور قیا سرکار' سب
نے سب فی التحال ایک ساتھ مل کر اِن تیلوں گئوں پر
سل کرتے پر تل گئے ھیں . نگے چین کے قومی سوبھاؤ' دل
ور دماغ کی بنیاد اِنھی تین اتل چتائوں پر قائم ہے .

آج کل چین کوریا سے لوائی لو رہا ہے ۔ ٹس پر بھی چین میں ہم نے لوائی کی چرچا بہت ہی کم سقی ، چین میں ہم نے لوائی کی چرچا بہت ہی کم سقی ، پیا گیا ہے بلکھ روز کی ضرورت کی چیزوں کو پیدا کرنے کے رادے سے کھوا کیا گیا ہے ۔ مکتن کے شہر میں' جو لوائی نے حلتے کے نودیک تھا' ہم نے دیکھا که کاروبار بدستور چل رہا ہے ، چین میں لوائی کے شوقین لوگ ہیں ہی بین ، نئے چین اور اسکے نیتا دنیا کے ہر درسرے ملک بیس ، نئے چین اور اسکے نیتا دنیا کے ہر درسرے ملک بچھلے دو پرس کے کارناموں کو دیکھکر ہر کوئی اِسینتیج بچھلے دو پرس کے کارناموں کو دیکھکر ہر کوئی اِسینتیج بر پہونچے کا کتا نئے چھیں کے میان اور پھارے نیتا ماوتسے بر پہونچے کا کتا بہادر سیاھی ہی نیس ہیں بلکہ ایک رحفاتی بہوھری بھی ہیں ،

چھیں کی طرح سے مقدستان بھی دنیا کے هر دیش کے ساتھ ملکر شاہتی سے رهنا چاهتا ہے ، همارے پردهان مقتری نے راشتروں کے بعج شانتی رکھنے کی خاطر کوئی قدم آٹھا نہیں رکھا ، هفدستان اور چین کی آبادی बौरत की सिन्हें पृष्ट शावी का चाल पड़ गया है. शादी के सिल सिन्हें में पैसे का लेन देन एक दम बन्द हो गया है. आज वहां के समाजी या जीवन के दूसरे किसी पहलू में श्रीरतें मदीं के बराबर का हिस्सा जेती हैं. टेटसिन से पेकिंग जाने वाली एक रेल हैं जिस में ब्राईवर से लेकर गार्ड तक सभी चलाने वाले ब्रीरतें हैं.

हमने नए चीन के सिनेमा और थेटरा देखे. उनसे काफी तालीम हासिल की जा सकती है, और जियादा तर में जागीरशाही, पूँजीशाही व साम्राजशाही की बुराइयां दिखाई जाती है. इन खराब शाहियों के मुझाबल चीनी लोग अपनी एक नई शाही पेश करते हैं जिसे उन्होंने "क्रीमी पूँजीशाही" नाम दिया है और उसकी तरफ लागों की दिखाबरी बढ़ाते हैं. यहां की फिल्मों में मई औरत के बहुत्यों के हक पर बेहद जोर दिया जाता है, मेहनत को सबसे बुलम्दी का दर्जा दिया जाता है और तमाम दुनिया के रहने वालों की एकता का विचार फैलाया जाता है. देखने वालों के दिल व दिमारा पर असर करने वालों और बहुत सी चीजें होती हैं. लेकिन किसी भी फिल्म में कोई एसी बात हमें नहीं मिली जिसे गनदी या भट्टी कहा जा सके.

ग्रदालतें

नए चीन ने अपनी अदालतों को एक दम बदल दिया
है. उनके यहां तीन तरह की अदालतें होती हैं, जैसे हमारे
यहां जिला अदालत, सूचा हाई कोटी और सुप्रीम कोट हैं.
यहां जिला अदालत, सूचा हाई कोटी और सुप्रीम कोट हैं.
पिछ्ठमी ढंग की बकालत का तरीक़ा चीन में रह ही नहीं
गया. वकील और वैरिस्टर नदारद हैं. जज फरीक़ों या
गवाहों से खद आमने सामने बात करते, मामले की जाँच
करते, मौक़ा महल जा कर देखते और फिर फैसला देते हैं.
अगर खहरत पड़ी तो छळ क़ानृती माहिरों से मदद लत
अगर खहरत पड़ी तो छळ क़ानृती माहिरों से मदद लत
हैं. इन क़ानृती माहिरों को "जनता के हकों के रखवाल"
कहा जाता है. इन्हें सरकार से तनखा मिलती है. यह
लोग किसी भी पारटी से एक पैसा भी नहीं ले सकते.
नतीजा यह है कि नए चीन में इन्ताफ सस्ता होता है,
जल्दी होता है और सखा होता है. यह चीज शायद ही
किसी दूसरे देश में मिले.

चीन में धार्सिक आजादी पूरी तरह से मिलती हैं. हमने कई जगह पर महिजदे, गुरुद्वारे और मन्दिर देखे जहां कोग आजादी के साथ पूजा बन्दगी कर रहे थे. लेकिन अदिक्रस्मती है कि चीन में जो मजहब या बोल चात की आजादी है उसके बारे में अजब अजब गलत फहमियां फैली हुई हैं. इसिलये हम चीनी विधान की पांचवीं धारा की बढ़ां पेश करते हैं जिससे पता चलता है कि यह गलत फहमी कितनी बेजा है—

भ क्यानी सोकराज में लोगों को विचार, बोलचाल, भक्ताशन, भिज्ञना खुलना, चिट्ठी-पत्री, रहन-सहन, आने خورسائی مرفی ایک شادی کا جال ہو گھا ہے ، شادی کے ساسی کے ساسی کے میں وہیں وہیں ایک دم بند ہوگھا ہے . آج وہاں کے سماجی یا جیوں کے درسرے کسی پہلو میں مورتیں مردوں کے برابر کا حصہ لھتی میں ۔ تیکنسن سے پیکنگ جائے والی ایک ریل ہے جس میں قرائیور سے لے کر کارت سامی خلانے والے مرتیں میں .

ظم نے ٹکے چین کے سنیما اور تھیتھر دیکھے۔ اُن سے کافی تعلیم حاصل کی جا سکتی ہے' اور زیادہ تر میں جاکھر شاھی' پونجی شاھی' سامراج شاھی کی برائیاں دکھائی جاتی ھیں، اِن جواب شاھھوں کے مقابلے چینی لوگ اپنی ایک نئی شاھی پیش کرتے ھیں جسے اُنھوں نے '' قومی پونجی شاھی' نام دیا ہے اور اُسکی طرف لوگوں کی دلچسپی بڑھاتے ھیں۔ یہاں کی قلموں میں مرد عورت کے برابری کے حق پر بے خد زور دیا جاتا ہے۔ محمدت کو سبسے بلندی کا درجہ دیا جاتا ہے اور تمام دنھا کے رھنے والوں کی ایکٹا کا رچار پھیلایا جاتا ہے۔ دیکھئے والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی چھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی چھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی چھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی جھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی جھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی جھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی جھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی جھڑیں والوں کے دل و دماغ پر اثر کرنے والی اور بہت سی جھڑیں میں دیکھیا

مدالتين.

نئے چین نے اپنی عدالہوں کو ایک دم بدل دیا ھے .

اُن کے یہاں تین طرح کی عدالہیں ھوتی ھیں' جیسے ھمارے یہاں ضلع عدالت' صوبہ ھائی کورت اور سیریم کورت ہیں ، پنچھمی تھنگ کی وکلت کا طریقہ چین میں ، پنچھمی تھنگ کی وکلت کا طریقہ چین میں وہ ھی نہیں گیا ، وکیل اور بیرستر ندارن ھیں' جہم فریقوں یا گواھوں سے خود آمنے سامنے بات کرتے' معاملے کی جانبے کرتے' موقع مصل جاکو دیکھتے اور پھر فیصلہ دیتے ھیں ، اگر ضرورت پڑی تو کچھ قانونی ماعروں سے مدد لھتے ھیں ، اگر ضرورت پڑی ماعروں کو '' جفتا کے سے مدد لھتے ھیں ، اُن قانونی ماعروں کو '' جفتا کے مقوں کے رکھوالے '' کہا جاتا ھے ، اِنھیں سرکار سے تفخوالا ملتی ھے ، یہ لوگ کسی بھی پارتی سے ایک پیسم بھی ملتی ھے ، یہ لوگ کسی بھی یارتی سے ایک پیسم بھی نہیں انصاف نہیں لے سکتے ، نتیجہ یہ ھے کہ نگے چین میں انصاف نہیں ہے ہیں میں میں میں میں ہیے ۔ یہ چین شاید ھی کسی دوسرے دیش میں میں میے ،

چین میں دھارمک آزادی پوری طرح سے ملتی ہے ،
اللہ فیکٹی جبته پر مسجدیں کرودوارے اور مندر دیکھے
جہاں لوگ آزرنی کے ساتھ پوجا بندگی کر رہے تھے ، لیکن فیڈانسٹی ہے کہ چین میں جو مذھب یا بول چال کی آزائی ہے آسکے بارے میں عجبعجب علط فہمیاں پھیلی ہوئی ھیں ، اس لئے ھم چینی ودھان کی یانچویں دھارا لو یہاں پھش کرتے ھیں جس سے بتد حلتا ہے کہ یہ لیک طبعی کنٹی بیجا ہے۔

''پھیٹی لوک راج میں لوگوں کو وچار' بول چال' پرکاشن' ملفا جلفا' چانھی پاتری' رھن سین' آنے

والمعادية المراج الموادية والمعاشلة المنتجوالين

भाई उनके गांव में गए जहां हमने उनके परको व करवे चलते देखे. हमने देखा कि उनकी चीचें हमारे यहाँ के मुकाबले जियादा शीधी-सादी हैं. शंधाई में हमने एक जगह देखा कि पुराने ढंग के 200 चरखों पर साराब चौर वेकार अन को कात कर सुत तैयार कर रहे हैं. हमारे मेजबानों को जब पता चला कि हमें हाथ की कती और हाय की बुनी चांचों में दिलचस्पी है तो हमारे मिशन के हर मेम्बर को चीनी खादी क दो-दो थान मेंट दिये गए.

माज चीन में खाने पीने की हर चीज काकी तादाद में मिलती है और ऐसे दाम पर कि हर कोई खरीद सके--न दाम का कन्द्रोल है, न कपड़े या अनाज की वहां राशनिंग है. वहां के ट्रेड यूनियन भाव को ठीक रखते हैं. न कोई मिक मिक होती है, न कोई चोर बाजारी करता है भौर न कोई जमा कर लेता है. सट्टे बाजी सरकारी हक्स से बन्द कर दी गई क्योंकि यह बनावटी तौर पर क्रीमर्ते घटाती बढ़ाती है.

समाज सुधार.

अब इस उन समाज सुधारों पर विचार करेंगे जो नई सरकार ने किये. पेकिंग के बारे में यह कहा जाता है कि जब नई सरकार ने चार्ज लिया तो वहां तीन हजार वेश्याएं थीं, लेकिन आज एक भी नहीं है. यही हाल दूसरे शहरों भीर क्रसंबों में भी था. नई सरकार ने इतने बड़े देश से वेरवा-पन मानो एक दम उठा ही दिया. यह सुधार भी कोई सरकारी हक्मनामे से नहीं किया गया, न मजबूरी या ज्बरत्स्ती से, बल्कि सममा बुमा कर और लोगों की मरजी से. नायब बड़े बज़ीर को-मो-जो ने हमें बताया कि किस तरह छन सब बहुनों को सममा बुमा कर, दस्तकारी सिस्ताने के नए नए दरजे खुलवा कर, जहां वह अपनी रोजी इज्जत के सायकिमाने का परिया निकाल लें, और इज्जत वाले लोगों से उनकी शादी करके उन्हें सही रास्ते पर लाया गया. इसी तरह से नए चीन ने भिकमंगी खत्म कर दी. पहले के सारी भिकारी आज किसी न किसी पैदावारी प्रोप्राम में काम कर रहे हैं. आज चीन में बे-रोजगारी नहीं है. जब इसने पेकिंग के मेबर से पूछा- "कहिये, बापके यहां आबादी का मसला कैसा है." उन्होंने मुस्करा कर बवाब दिया-- 'हमारे यहां आवादी का मसता है ही नहीं. आप चाहें तो कुछ भाई बहनों को यहां भेज दीजिये."

शहरों में मकान या रहने सहने की पूरी सुविधा है. भक्रीम खाना या पीना मुल्क भर में मना है. किसी तरह का जुन्ना, सट्टा या रेस कोर्स वहां नहीं खेले जा सकते. शादी का जो नया कानून बना है वह वहां की एक खास भीज है, इसके आधार पर औरतों को बराबर के इक मिस्र गए हैं, उनका दर्जा ऊंचा उठ गया है और एक मई

بہائی ان کے گوں میں گئے جہاں مم نے ان کے چرکے و رائهے چلعے دیکھ . هم في تنهما كه أن كى جمزيں هماري یہاں کے مقابلے زیادہ سیدھی سادی ھیں . شلکہائی میں مم نے ایک جگم دیکھا کہ پرانے ڈھنگ کے 200 چرخوں پر خواب اور بیکار اُون کو کات کر سوت تھار کر رمے میں ، همارے مهزبانین کو جب یاته چلا که همین هاته کی کای اور هاته کی بلی چهزوں میں دلچسپی کے تو همارے مشن کے هو ممهر کو چیشی کهائسی نے دو دو تهان بههلت ديئے گئے.

آنے جین میں کہانے پیلے کی هر چیز کافی تعدأد میں ملتی ہے اور ایسے دام پر که هر کوئی خرید سکے۔نه دام کا کلگرول هے' نه کھوے یا آناج کی وهاں راشلنگ هے . رماں کے قرید یونین بھاؤ کو قهیک رکھتے هیں ، نه کوئی جهک جهک هوتی هے' نه کوئی چور بازاری کرتا هے ارر نه کوئے جمع کو لیکا ہے، ساتے بازی سرکاری حکم سے بند کر دی گئی کیونکه یه بناوتی طور پر قیمتیں گھٹا**تی ہوماتی ہے ،**

سماج سدهار .

اب هم أن سماج سدهاروں پر وچار كرينكے جو نئى سرکار نے کئے ۔ پیکنگ کے بارے میں یہ کہا جاتا ہے کہ جب نکی سرکار نے چارج لیا تو وہاں تین ہزار ویشهائیں نهیں' لیکن آج ایک بھی نہیں ہے . یہی حال دوسرے شہروں اور قصبوں مہی بھی تھا ، نگی سرکار نے اِتنے ہو ہے دیس سے ویشھایوں مانو ایک دم آتھا ھی دیا ۔ یہ سدھار بھی کوئی سرکاری حکمقامے سے نہیں کیا گیا' نہ مجبوری یا زبردستنی سے بلغت سمنجها بنجها کر اور لوگوں کی موضی سے، نائب ہوے وزیر کو مو جو نے همهن بتایا که کس طرح أن سلِّ پهلول كو سمجها بجها كوا دستكاري سكهالي کے نئے نئے درجے کھلوا کر جہاں وہ ایڈی روزی عزت کے ساته کمانے کا دریعہ نکال لیں' اور عزت والے لوگوں سے أن کی شادی کر کے اُنہیں صحیم راستے پر لایا گیا . اِسی طرح سے لیے چھن نے بھکملگی خاتم کر دی. پہلے کے سارے بهکاری آبے کسی نه کسی پهداواری پروگرام مهل کام کر رهے هيں . آب چهن ميں يه روزگاري نهيں هے . جب هم نے پیکنگ کے میڈر سے پوچھا -- " کھٹے' آپ کے یہاں آبادی کا مسلاله کیسا هے۔'' أنهوں نے مسکرا کر جواب دیا۔ '' همارے یہاں آبادی کا مسکلہ ہے هی نہیں . آپ چاهین تو کچه بهائی بهنون کو یهان بهیم دیجئے ."

شہروں مهی مکان یا رهلے سہلے کی پوری سوودها ھے ، اقیم کھانا یا پیٹا ملک بھر میں ملع ھے ، کسی طرے کا جوا' سکا یا ریس کورس وہاں نہیں کھیلے جا سكتّم . شادي كا جو نها قانون بنا هـ وه وهال كيخاص چهز ھے . اُسکے آدھار پر عورتوں کو برابر کے حق مل گئے هين أن كا درجه أرنيها أنَّه كيا هي اور أيك مود

J. W. Manderson

۽ نهين کے مشعلف عصوں ميں لوگوں کی جهزیں عُونِيدِ لِي كَي طَالِبُ 30 سِي 53 في صدى تك يوهي هـ . پنجهای دو سال مهن أدر پورب چهن مهن-جس مهن پائیے صربے هیں۔۔۔کسانوں کی چهز خریدنے کی طاقت 69 فی مدی ہودی ۔ نئی سرکار نے 1949 میں جارج لها أور 1950 مهن ديهن كي كايا بلت كئي . أسي سال اناج کی کھیٹی اتلی برھی که دیہات کے ساتھے پچھس کرور لوگ شہروں کے آتم کرور اور پچملے سال کے اکال کہلانے والے علاقہ کے 4 کرور لوگوں کو کھلا کر انغا انام بیمی بچا که سازه چار کروز لوگ سال بهر تک اور کہاتے رہیں . 1950 میں پچہلے برس کے مقابلے كل پهداوار چوده في صدي زياده تهي اور 1951 سهن 1950 كِ مُقَابِلُمُ آنَهِ فَي صدى زيادة . تَحْمِينًا يَهُ هِ كَهُ 1951 کے آخیر میں چھن کے پاس اتنا اناج هوا که اینی کل آبادی کو کہا کر اور اکلی فصل کے لئے کافی جمع رکھیر، اُس کے پاس اہلا اناج بنچے گا که دس کرور آدمهوں کو ایک سال تک کھلاتا رھے ، ایک بات یہ بھی قابل تعریف هے که نئے چهن میں هر سپاهی روز سات آثه كهنتي كهيتى كايا دوسرا دهندا كرتا ه. . صرف ولا سهاهی جو اصلی مورچے میں لڑتے هیوں اِس کهیتی کے کام سے بری رهتے هیں . اُس سے نه صرف قوب کا خربے كهشتا ه بلكة كهيتي كي بيداوار بومتي هے اور سياهي اور فهرسیاهی مهی آپس کا بهائی چاره قائم رهتا هے .

کارخالے .

کهانے کے ملاوہ ضرورت کی قریب قریب دوسری سبھی چھڑوں میں چھنی لوگ اِن دو بوس میں سواولمبی هوگئے میں اللہ اِس سلسلے میں اُنھوں نے جو ایک خاص طریقہ اپنایا ہے' وہ ہے ایمولیشن قرائیو یعنی هوزبازی وہ مردور یا کاریگر جو خاص طور سے زیادہ پیدا کرتے هیں یا ایک کام میں کوئی نئی ایجاد کرتے هیں اُن کی بہت والا واهی دوتی ہے اور سارے دیش سیں اُن کے نام کا پرچار کیا جاتا ہے اور وہ 'آدرش کاریہ کرتا' 'مردور بہادر' یا 'کل چین مزدور بہادر' یا 'کل چین مزدور بہادر' کے نام سے مشہور ہوتے هیں .

چہلی تیتا آئے دیش میں کارخانے پہیلانے کی بہرسک کوشش کورھے میں ۔ ساتھ می ساتھ وہ اتلے ویوهارک بھی میں کہ آئے بہاں کسی آدمی کو نتھلا نہیں رھلے دیتے . آئے بہاں کے دیہاتی دهندوں کو آنہوں نے دهیاں کے ساتھ سلبھال لیا ہے . پیکنگ راجدھانی میں ایک بازار کا بازار ایسا ہے جہاں روز مبنے چہ سے نو بنچے تک صرف بازار ایسا ہے جہاں روز مبنے چہ سے نو بنچے تک صرف ماتھ کا بقا کہوا ملتا ہے . سوت کنچھ ھاتھ کا موتا ہے اور متھ بنے کہوے کو کنچھ مٹل کا چینی لوگ متھکتے اور ھتھ بنے کہوے کو ان بھیو " کہتے میں ، قاکٹر کمارپیا' میں اور کنچھ

वीन के बुखरिक दिस्सों में लोगों की चीजें खरीदने की ताकृत 30 से 53 फीसदी तक बढ़ी है. पिछले दा साल में इत्तर-पूरबी चीन में — जिस में णंच सूबे हैं — किसानों की चीज खरीदने की ताकत 69 कीसदी बढी. नई सरकार ने 1949 में चार्ज लिया श्रीर 1950 में देश की काया पलट गई. उसी साल अनाज की सेती इतनी बढ़ी कि देहात के साढ़े पच्चीस करोड़ लोग, शहरों के आठ करोड़ और पिछले साल के श्रकाल कहलाने वाले इलाक के चार करोड़ लोगों को खिला कर इतना अनाज बेशी बचा कि साढ़े चार करोड़ लोग साल भर तक श्रोर खाते रहें. 1950 में पिछले बरस के मुकाबले कुल पैदावार चौदह फीसदी (ज्यादा थी, और 1951 में 1950 के मुकाबले आठ की सदी ज़ियादा. तखमीना यह है कि 1951 के आखीर में चीन के पास इतना अना ज होगा कि अपनी कुल आबादी को खिलाकर और अगली फसल के लिये काफी जमा रखकर, उसके पाम इनना अनाज बचेगा कि दस करोड़ आदमियों को एक साल तक खिलाता रहे. एक बात यह भी का बिल-तारीक है कि नए चीन में हर सिपाडी रोज सात आठ घन्टे खेती का या दूसरा धन्दा करता है. सिर्फ वह सिपाही जो असली मोरचे में लड़तं हैं इस खेती के काम से बरी रहते हैं. इस से न सिर्फ फीज का खर्च घटता है बल्क खेती की पैदाबार बढ़ती है और सिपाही श्रीर ग़ैर सिपाही में श्रापस का भाई चारा कायम रहता है.

कारख़ाने.

Commence of the second

खाने के श्रलावा जरूरत की क़रीब करीब दूसरी सभी चीजों में चीनी लोग इन दो बरस में स्वावलम्बी हो गए हैं. इस सिल्लिसे में उन्होंने जो एक खास तरीका श्रपनाया है, वह है एमुलेशन ड्राइव यानी होड़ बाजी. वह मजदूर या कारीगर जो खास तौर से जियादा पैदा करते हैं या अपने काम में कोई नई ईजाद करते हैं उनकी बहुत वाह बाही होती है और सार देश में उनके नाम का प्रचार किया जाता है और वह 'आदर्श कार्यकर्ता', 'मजदूर बहादुर', 'सुबाई मजदूर बहादुर' या 'कुल चीन मजदूर बहादुर' के नाम से मशहूर होते हैं.

चीनी नेता अपने देश में कारखाने फैजाने की भरसक कोशिश कर रहे हैं. साथ ही साथ वह इतने व्यवहारिक भी हैं कि अपने यहां किसी आहमी को निट्या नहीं रहने देते. अपने यहां के देहाती घंदा को उन्होंन ध्यान के साथ संभाल लिया है. पेकिंग राजधानी में एक बाजार का बाजार ऐसा है जहां रोज सुबह छै से नौ बजे तक सिर्फ हाथ का जुना कपड़ा मिलता है. सूत कुछ हाथ का होता है और कुछ मिल का. चीनी लोग हथ-कते और हथ-बुने कपड़े को 'शुपु" कहते हैं. डाक्टर कुमारप्या, में और कुछ

كالخاليس أورف فليون مين مين في قد كنوب هي ماهر يا خاص الماليم رائے ایسے لوگ الین جانہیں للخواہ کے مقوہ ایک فہالی اری سے بہتے کے طور پر مل جاتا ہے . اس چیز سے چہاں ایک طرف سرکاری خریج بهمت کم هوگیا، دوسری طرف زیاده تنخواہ والوں اور کم تخصوله والوں کے بھیج کی کھائی بہت کھے پت گلی وایب امیر کا فرق دور هوگیا اور سماج کے اندر جو مالدار اور نادار کے بیچ کی دیوار تھی وہ ایک دم دَهِ كُنُى ، إِس كَا نَتْهِجِهِ هِي كَهُ نَدُ چِهِن مِهِن آبٍ صرف کیروں کو دیکھکر یہ نہیں پہنچان سکتے کہ ایک آدمی یونیورستی کا وائس چانسلر ہے یا چپراسی کارخانے کا منيجر هے يا مزدور' دفتر كا أنجارج هے يا كلرك . يه بات یاں رکھنے کی ہے کہ یہ قربانی جو سب لوگوں نے کی ۔۔ ليكن أصل ميں يه قرباني نهيں هے كيرنكه اپني بنيائي ضرورت كىسب چيزين سب كو مل هي جاتي هين -- تو خوشی سے کی' دل سے کی' جان کر کی ، هر چهلی کو ناز ھے کہ میں اپے دیش اور دیش واسیوں کے لئے کچھ نه ونچه کر رها هوں ،

سواری.

اسکے عالوہ نئے چین نے اپنے یہاں سواری اور مال تھونے کا انتظام بہت کچھ سنجھال لیا ہے جر کومنتانگ راج میں چکنا چور ھوگیا تھا . 1950 کے آخیر میں 22 ھزار کلومینٹر سوکیں جو مرمت یا بندوبست نہ ھونے کی وجہ سے بند اور بیکار پوی تھیں' پھر سے چالو ھوگئی ھیں ، بوے پیمانے پر نئی نئی النائیں کھول دی گئی ھیں کہ آزادی کے پہلے جاتنی سوکیں ریابی وفیرہ تھیں جذوری 1951 میں اس سے پانچ گنا زیادہ ھوگئیں۔ قاک کے راستے دائی صدی بوھائے گئے تار 36 فی صدی' تیلی فون پہلے کے مقابلے سوا در گئے زیادہ ھیں ، ھوائی راستے کا بھی کافی استعمال ھوتا ہے .

سواولمدن .

اِن طریقوں سے اور درسری ایسی هی باتوں سے نئے چین نے مہاکائی اور قیمتوں کے ٹھتاؤ بوهاؤ پر قابو پالھا اور نیتک درجه کہیں زیادہ اونتھا اُتھادیا . آزادی کے اور نیتک درجه کہیں زیادہ اونتھا اُتھادیا . آزادی کے پہلے ایک امریکن قالو کی قیمت جہاں کئی ارب کھرب چہئی بین ہوتی تھی وہ 1950 میں 42000 بین اور عہئی علی مارچ 1950 سے لیکو مئی 1951 میں 1950 سے لیکو مئی 1950 تک تھی ماہ کے اندر قامدے کے ساتھ قیمتوں کو تھکانے پر لٹا دیا گیا جس کی وجه سے چھڑوں کے اوسط دام 100 سے گو کو پر آئے اور اب اور بھی گو رہے میں امریکہ میں یہ دام 100 ایس کے خلاف اِس عرصہ میں امریکہ میں یہ دام 100 سے برہمو 150 ہوگیا .

कारकानी और दक्तरों में भी है. कुछ ही माहिर वा काल तालीम पाप ऐस लोग हैं जिन्हें तनसा के असावा एक तिहाई ऊपर से भन्ते के तौर पर मिल जाता है. इस चीज से जहां एक तरक सरकारी खर्च बहुत कम हो गया, वहां " इसरी तरफ जियादा तनखा वालों भीर कम तनखा बालों के बीच का खाई बहुत कुछ पट गई, रारीब अमार का फ्रक्त दूर हां गया और समाज क अन्दर जो मालदार और नादार के बीच की दीवार थी वह एक दम उह गई. इसका नतीजा है कि नए चीन में आप सिर्फ कपड़ों को रेखकर यह नहीं पहचान सकते कि एक भादमी यूनिवर्सिटी का वाइसचांसलर है या चपरासी, कारखाने का मैनेजर र या मजदूर, दक्तर का इन्चार्ज है या कलर्क. यह बात याद् रखने की है कि यह क़ुर्बोनी जो सब लोगों ने की-नेकित असल में यह कुर्वानी नहीं है क्योंकि अपनी युनियादी करूरत की सब चीजें सब को मिल ही जाती हैं—तो ख़शी से की, दिल से की, जानकर की. हर चीनी को राज है कि मैं अपने देश और देशवासियों के लिये कुछ न कुछ कर रहा हैं.

सवारी,

इसके खलावा नए चीन ने अपने यहां सवारी श्रीर प्राल ढाने का इन्तजाम बहुत छुछ संभाल लिया है जो कोमिनटांग राज में चकता चूर हो गया था. 1950 के बार्खार में 22 हजार किलो मटीर सड़कें जो मरम्मत या वन्दोबस्त न होने की बजह से बन्द श्रीर बेकार पड़ी थीं फर से चाल हो गई हैं. बड़े पैमाने पर नई नई लाइनें बोल दी गई हैं. कहा जाता है कि श्राजादी के पहले जतनी सड़कें-रेलें बग़ैरा थीं जनवरी 1951 में उस से पांच पुना जियादा हो गई. ढाक के रास्ते 60 की सदी बढ़ाए गए, गर 36 की मदी, टेली को न पहले के मुकाबले सवा हो गुने ज़्यादा हैं. हवाई रास्ते का भी काकी इस्तेमाल होता है.

स्वावलम्बन.

इन तरीक्नों से और दूसर ऐसी ही बातों से नए चीन महरााई और कीमतों के घटाव-बढ़ाव पर कायू पा लिया, बेती और कारखानों की पैदावार बढ़ा ली और लोगों का माद्वी और नैतिक दर्जा कहीं जियादा ऊंचा चठा दिया. माजादी के पहले एक अमर्शकन डालर की क्रीमत जहां कई अरब खरब चाना यन हाती थी वह 1950 में 42,000 स्न और 1951 में 22,270 यन रह गई. मार्च 1950 से किए मई 1950 तक-तान माह के अन्दर कायदे के साथ हीमता का ठिकान पर लगा दिया गया जिस की वजह से बाखा के औसत दाम 100 गर कर 98 पर आए और इस और मा गिर रहे हैं. इसक खिकाफ इस अरसे में र क्या कार्य कार्य की ने क्या कमाल के साथ त-जागृति का काम किया है. यह उन्हों की मेहनत का ता है कि लोगों के जन्दर मेहनत और क़ुरवानी की विना घर कर गई है. कहने की जरूरत नहीं कि विना इस विना के ऐसे काम दुवा भी नहीं करते हैं.

नए चीन में तनख़ाहें.

नई चीन सरकार ने चीथी खास बात जो की वह थी कूमत के खर्च को घटाना. आजादी के पहले जियादातर किसरों को ऊंची वनखाहें भिलती थीं और बेतहाशा खर्च ।ता था. नई सरकार ने जहां ऊपर के हाकिमों की तनखा म की, बहां नीचे वालों की बढ़ा दी. ऐसा लगता है कि ए चीन के नेताओं को यह सूम गई कि रुपए पैसे का हत्व ज़ियादा नहीं होता और इनसान की मेहनत ही मसली क्रीमती और कद के काबिल बीज हैं. इसी वजह । नए चीन में तनखाहें नोटों के हिसाब से नहीं बल्क पनाज के हिसाब से दी जाती हैं.

सरकारी नौकर दो तरह के हैं--- एक वह जिन्हें सपलाई तरीक़े 'पर तनसा मिलती है, दूसरे वह जिन्हें शक्तायदा तनखा मिलती है. 'सपलाई तरीक्रे' में मुलाज़िम बीर इसके बाल बच्चों को भर-पेट खाना श्रीर खास तादाद में कपड़े मिलते हैं. उसके बच्चों को तालीम मुक्त, घर बार को द्वा-दारू माफ और जेब खर्च के लिये दस-बीस हपप हर महीने जपर से मिलते हैं. इस सपलाई तरीक में सूबे के एक गवर्नर या दक्तर के क्लर्क में कोई कर्क नहीं किया जाता है. दूसरे यानी तनखा वाले तरीक़े में सरकारी लोग अन्दाजा कर लेते हैं कि फलां-नौकर श्रीर उसके बाल बच्चों को कुल कितने अनाज की जरूरत होगी, कितना दूध, दवा, कपड़ों बग़ैरा की और फिर सब को जोड़ कर "इकाई" बना लेते हैं. इम तरह वह तय कर लेते हैं कि फलां आदमी को इर महीने कितनी 'इकाईयां' या 'पाइन्ट' मिलने चाहियें, असली रक्तम की अश्वयगी गल्ले की शकल में न की जा कर राल्ले की कीमत के बराबर नाटों की शकत में की जाती हैं. अगर किसी महीने चीजों के भाव बदले तो उस महीने की तनखा भी उस हिसाब से बदल जाती हैं.

अब जरा देखें कि हमारे हिन्दुस्तानी सिक्के के हिसाव से बीन के सरकारी अफ़सरों का क्या तनखा हैं मिलता हैं. बीन में सब से ऊंची तनखा 600 ठपए के क़राब है जो चेयरमैन माओ-त्से-तुँग को मिलती हैं. सेन्ट्रल केबिनेट के मिनिस्टरों को 440 ठपए मिलते हैं. सरकारी कारखानों, फीब, यूनिवर्सिटी, स्कूल, कालिज, दफ्तरों बरोरा में आम तौर पर सब से ऊंची तनखा साढ़े तीन सी ठपए हैं और सब से कम डेढ़ सी. यही सूरत निजी اور آئے کے اگل کاریہ کرتاؤں نے کیا کبال کے ساتھ جن جاگرتی کا کام کیا ہے ، یہ اُنھیں کی متحلت کا پہل ہے کہ لوگوں کے الدر متحلت اور قربانی کی بھاونا گھر کر گئی ہے ۔ کہلے کی ضرورت نہیں کہ بٹا اِس بہاونا کے ایسے کام ہوا بھی نہیں کرتے ھیں ۔

نئے چین میں تنخواہیں .

نگی چھن سرکار نے چوتھی خاص بات جو کی وہ

تھی حکومت کے خرچ کو گھٹانا ، آزادی کے پہلے زیادہ تر

افسروں کو اونچی تلخواھیں ملتی تھیں اور بے تحاشا
خرچ ہوتا تھا ، نگی سرکار نے جہاں اوپر کے حاکموں کی

تنخواہ کم کی وہاں نہتے والوں کی بڑھا دی ، ایسا لکتا
ھے کہ نگے چھن کے نہتاؤں کو یہ سوجھ کئی کہ روپ پھسے
کا مہتو کوئی زیادہ نہیر ہوتا اور اِنسان کی متحلت ھی
اصلی قیمتی اور قدر کے قابل چیز ھے ، اِسی وجہ سے
اصلی قیمتی اور قدر کے قابل چیز ھے ، اِسی وجہ سے
نیکے چھن میں تنخواھیں نوٹوں کے حساب سے نہیں بلکہ
انام کے حساب سے دی جاتی ھیں ،

سرکاری نوکر در طرح کے هیں ۔۔ ایک وہ جلههں ا سهائي طريقے ، پر تلخواه ملتي هے دوسرے وا جلهيں بانامدة تلتخواه ملتى هي . ' سيلائي طريق ' ميس مالزم أرر أسكير بال بحول كو بهر يهت كهانا اور خاص تعداد مهن كهري ملقي هيل . أسكم بحول كو تعليم مفت كهر بار كو درأ دارو معاف اور جیب خرج کے لیے دس بیس روپے هر مهینے اوپر سے ملتے ہیں ، اس سیائی طریقے میں صوبے کے ایک گورنر یا دفار کے کلرک میں لوئی فرق نہیں کیا جاتا هے ، دوسرے یعلی تلخواہ والے طریقہ میں سرکاری لوگ اندازه کر لهتے هیں که فلال نوکر اور اسکے بال بچوں کو کل کتیے اناج کی ضرورت ھرکی' کتیا دودھ' دوا' کھورں وقهود کی اور پهر سب کو جور کر " اِکائی " بنا له م ھیں ، اِسطرے وہ طے کر لیکے ھیں که قال آدمی کو ھر مهيني كتني (اكاثيان) يا (باننت) ملني چاهلين. اصلی وقم کی ادائیگی فلے کی شکل میں نہ کی جا کر فلے کی قیمت کے برابر نوٹوں کی شکل میں کی جاتی ہے . اکر کسی مہیلے چیزوں کے بھاؤ بدلے تو اُس مہیلے کی تنظوالا بهي أس حساب سے بدل جاتي هے .

اب قرا دیکھیں که همارے هندستانی سکے کے حساب سے چھیں کے سرکاری انسروں کو کیا تفخواهیں ملتی هیں ، چھیں میں سب سے اونچی تذخواه (60) روپے کے قریب جو چھرمھیں ماؤنسے تفک کو ملتی ہے ، سفترل کھیلت کے مفساروں کو 440 روپے ملتے هیں ، سرکاری کارخانوں فوچ فوچ یونیورستی اسکول کالیے دفتروں وهیره میں عام طور پر سب سے آونچی تفخواه ساتھے تین سو روپے ہے آور سب سے آونچی تفخواه ساتھے تین سو روپے ہے آور سب سے کم تیزه سو ، یہی صورت نجی

I dollar to it

A The Control of the

اتا تھا گھکی گھی کے پہلے لگان تقدی فکل مہی اتا تھا گھی کی میں اتا تھا گھی اور کے تکسیلے کے آدھ سے کم نہیں لیا جاتا ہے کہیں کہیں کہیں کہیں تو پوری کی پرری پیداوار لگان میں جاتی تھی اور بیتچارے کسان کو روزی کے لئے کوئی دمندا کھوجلا ہوتا تھا ۔ لیکن نئے نظام میں سرکار مقرر کر دیا ہے کہ لگان اصل پیداوار کا 13 فی سے زیادہ نہ ہوگا ۔ پیکنگ کے میڈر نے ہیں بتایا کہ بین اس کمی کر دینے کا نتیجہ یہ ہوا کہ در کرور ایم ہمارے کسانرں کو ان کے استعمال کے لئے ایک میں بہے کھا ۔

نی سرکار نے اِس سلسلے میں تیسرا قدم جو اُٹھایا سينجائي [كرسادهنو مين سدهار كرناء بهت مینین آیسی تهین جهان زیاده کاشت تبهی هو تھی جَبکہ نَکْے نگے کارئیں کھودے جائیں اور اطمیدان کے ساتھ ملتا رہے . سرکار نے اس کے لئے ے دیا اور لائھوں کنوٹیں جگہ جگہ کھد گئے . اِس ہی سرکار کی طرف سے بہت تھوری سی مدد اور ی فسرورت تھی۔ گاؤں والوں نے سامان أینے پاس سے محملت اید آب کی . اِسی طرح سرکار نے اُن جگہوں ن تاللے کی اسکیمیں بنائیں جہاں اندر باڑھ آیا نهی . اِس پانی کو اُن حصوں کی طرف بههم دیا اکثر سوکھے پڑے رہتے تھے . یہ کام بھی کاؤں والوں اسے کہا گھا . صرف أوپر سے سرکاری دیکھ بھال رھی . ا اسکیسوں کے علاوہ ہو آئی ندی کو باندھنے والی بوق اسکیدوں میں بھی سرکار نے زیادہ تر گؤں سے هو ، مدد لی . اِس هوآئی ندی یوجلا کی ي نومبر 1950 مهن کي گئي . اِس يوجنا مهن له کسانوں نے حصم لها جلهوں نے نوممبر 1950 روع کر نے جولائی 1951 تک قریب 19 کرور 50 یتر متی هٹا پهیلکی اور ندیوں کو تھامنے کے لئے نكه حوض اور كلق بلا لئے . إس كا ناهجه يه هوا ومے یانیم کرور آدمی (جو لگ بھگ همارے أثر ا کی آبادی کے برابر ھے) باڑھ کی آفت سے همیشه ، بي كئه . ابهى حال هي مين إس علاقے مين جو بار قصل هوای أسے دیکھکر هر کسی کاجی بانسوں ہوتا تھا ، یہ بات دھیان دیلے کی ہے کہ اِن اِسکیموں جہری کے نگے نبتاؤں نے باہر سے ایک پیسہ بھی نہیں لیا . اُنہوں نے سب کام اہلی جن شکتی کے کیا ، هر کوئی جو ذرا نودیک سے اِن چیزوں کو ھے وہ محصوب کرتا ہے کہ کس جوش ولکن کے ساتھ س لے اینا جیجان لکا دیا ، أنههں خوشی هوتی هے كه امے دیمی کی خاطر احجه کام ایا . نئے، چین کے نیٹا

हासत ठीक करना. आजारी के पहले समान नकदी राक्या में सिया जाता था, तेकिन अब अनाज की शकत में सिया जाता है. पहले सगान पैदाबार के सक्सीने के आधे से कम नहीं लिया जाता था. कभी कभी तो पूरी की पूरी पैदाबार सगान में खप जाती थी और वेबारे किसान को रोजी के लिये कोई दूसरा घंदा खोजना पड़ता था. लेकिन नए निजाम में सरकार ने यह मुकर्र कर दिया है कि सगान असल पैदाबार का 13 फीसदी से जियादा न होगा. पेकिंग के मेयर ने हमें बताया कि सगान में इस कमी कर देने का नतीजा यह हुआ कि दो करोड़ टन गल्ला हमारे किसानों को उनके इस्तेमास के लिये एक साल में बच गया.

नई सरकार ने इस सिलसिले में तीसरा क़दम जो हठाया वह था सिंचाई के साधनों में सुधार करना. बहत सी जमानें ऐसी थीं जहां जियादा कारत तभी हो सकती थी जब कि नए नए कुएं खोदे जाएं भौर पानी इतमिनान के साथ मिलता रहे. सरकार ने इसके लिये हुक्म दे दिया चौर लाखों कुंएं जगह जगह ख़ुद गए. इस काम में सरकार की तरफ से बहुत थोड़ी सी मदद और डमार की जरूरत थी. गांव बालों ने सामान अपने पास से लगाया, मेहनत अपने आप की. इसी तरह सरकार ने उन जगहों से पानी निकालने की स्कीमें बनाइ जहां अकसर बाद आया करती थी. इस पानी को उन हिस्सों की तरफ भेज दिया गया जो अकसर सखे पड़े रहते थे. यह काम भी गांव वालों की मदद से किया गया. सिर्फ ऊपर से सरकारी देख भात रही. छोटी स्कीमों के मलावा हुआई नदी को बांधने वाली जैसी बड़ी स्कीमों में भी सरकार ने जियादा तर गांव वालों से ही मदद ली. इस दुन्नाई नदी योजना की शुरूबात नवन्बर 1950 में की गई. इस योजना में 30 लाख किसानों ने हिस्सा लिया जिन्होंने नवन्वर 1950 से शुरू करके जुलाई 1951 तक क़रीब 19 करोड़ 50 लाख मीटर मिट्टी हटा फेंकी और नदियों को थामने के लिये जगह जगह हीज और कुन्द बना लिये. इसका नतीजा यह हुन्ना कि साढे पांच करोड़ आदमी (जो लगभग हमारे उत्तर प्रदेश की आबादी के बराबर है) बाद की आफत से हमेशा के लिये बच गए. बासी डाल ही में इस इलाक में जो पहली बार फसक हुई चसे देख कर हर किसी का जी बांसों उड़त पड़ता था. यह बात प्यान देने की है कि इन स्कीमों के लिये चीन के नए नेत:बों ने बाहर से एक पैसा भी डधार नहीं लिया. उन्होंने सब काम अपनी जन शक्ति के बल पर किया. हर कोई जो जरा नजदीक से इन चीजों को देखता है वह महसूस करता है कि किस जोश व जगन के साथ इन लोगों ने अपना जी-जान लगा दिया. उन्हें ख़शी होती है कि हमने द्धापने देश की खातिर कुछ काम किया. नए चीन के नेता الله کی پهداوار بوهائی جائے، نئی سرکار نے دیکھا کہ چین کی ساوھ سینتالیس کرور آبادی میں اکتالیس کرور آبادی میں اکتالیس کرور آبادی میں اکتالیس کرور سے ارپر کسان میں' جن کا ایک ماتر سہارا کھیتی ہے، لیکن زمین کی ساری ملکیت 10 فیصدی زمیندار بائی (90 فی صدی فریب کسان کے هائم میں والے مزدور تھ، چین میں کھیتی کے لائق 140 کرور مئو (قریب 24 کرور ایکز) کھیتی کے لائق 80 فی صدی زمینداری اور رئیس کسائیں کے هائم میں تھی' باتی (الا ٹی صدی غریب کسائیں اور کھیتی مؤدروں میں بتی ہوئی تھی' جن کی تعداد کل کھیتی مؤدروں میں بتی ہوئی تھی' جن کی تعداد کل کیپیتی آبادی کی (90 فی صدی کے قریب تھی۔

نها زمهن سدهار .

ندی سرکار نے تھاں لیا کہ یہ اندھا دھندی تو ختم هي هونا چاهيُد . ' نيا زمين سدهار قانون ' پاس کيا گھا جسکے مطابق زمینداروں کے پاس کی ساری بیشی زمین أن سے لے كر بے زمین والے كهيتى مزدوروں میں بانت دی گئی . لیکن نئے حالموں نے یہ احتیاط رکھی کہ کسی زمیددار کو روزی کے سادھنوں سے محصوم نہ کیا۔ جائے تاکه وہ اپنے بال بحوں کا بیت بال سکے. هر زمیندار کے پاس کم سے کم اُتنی زمین چھور دی گئی جتنی ایک معمولی کسان کو دی جاتی تھی ، کبھی کبھی اُس سے زیادہ زمین بھی زمیندار کو دے دہی گئی جس سے وہ بوے مزے میں اینی اور ایے بال بحوں کی پرورش کو سکتا هے . زیور یا نقدی جسکے ہاس جو کچھ تھا رہاے دیا کھا ، اِسکے علاوہ اگر کسی زمیندار کے پاس کوئی کارخانہ تها یا وه کوئی دعددا کرتا تها تو اُس میں بهی هاته نہیں لکایا گیا . یہی نہیں سرکار نے ایسے کاموں مهن برانے زمهنداروں كى مدد كى اور أن كا حوصله بوهايا .

چھن کے نئے حائم اِس زمین سدھار قانون کو اپنی نئی اُرتھ ویوستھا کی بنیاد مانتے ھیں ۔ یہ سب کرشمہ سرکاری حاکموں یا حکم نا وں کے ذریعے سے نہیں کیا گیا باکھ گؤں والوں نے خود اینے آپ کیا ، وبجمع ھوکر آپس میں طے کر لیکے تھے کہ اپنے علاقے میں زمین سدھار کے سلسلے میں کیا کیا جائے اور زمینیں کیسے تقسیم کی جائیں ، اِس قانون کی بدولت آج چین میں اور تھاتے بے زمین والے مزدور زمین کے مالک بن کئے ھیں اور تھاتے سے اپنی زمین پر کھیٹی کر رہے ھیں ، اُمید کی جاتی ہے کہ 1952 کے جون تک یہ کھیٹی سدھار سارے چین میں بورا کھا جا سکے کا .

اہے یہاں کی کھیتی کی پہدارار سنبھالنے کے لئے سرکار نے دوسری چھن جو کی وہ تھی لگان بندی کی

अनाज की वैद्यानीर नहीं जाय. नई सरकार ने देखा कि चीन की साढ़े सैंबाजीस करोड़ आवादी में इकताजीस करोड़ से उपर किशान हैं, जिनका एक मात्र सहारा खेनी है. लेकिन जमीन की सारी मिलकियत 10 फीसदी जमीदार या रईस किसान के हाथ में थी. बाक़ी 80 की सदी गरीब किसान या बेजमीन बाले मज़दूर थे. चीन में खेती के लायक 140 करोड़ मी (करीब 24 करोड़ एकड़) जमीन में से 80 फीसदी जमीदारों और रईस किसानों के हाथ में थी, बाक़ी 20 फीसदी गरीब किसानों और वितीमजदूरों में बंटी हुई थी, जिनकी तादाद कुल खेती बाबादी की 90 फीसदी के क़रीब थी.

नया ज़मीन सुधार.

नई सरकार ने ठान लिया कि यह श्रंधाध्ँदी तो खत्म ी होना चाहिये. 'नया जमीन सुवार कानून' पास किया ाया जिसके मुताबिक जमींदारों के पास की सारी बेशी ामीन उनसे लेकर बेजमीन वाले खेती मजदरों में बांट दी ाई. लेकिन नए हाकिमों ने यह एहतियात रखी कि किसी मींदार को रोजी के साधनों से महरूम न किया जाए ाकि वह अपने बाल-बच्चों का पेट पाल सके. हर जमींदार ; पास कम से कम इतनी जमीन छोड़ दी गई जितनी क मामुली किसान को दी जाती थी. कभी कभी उससे तयादा जमीन भी जमींदार को दे दी गई जिससे वह बड़े जो में अपनी और अपने बाल बच्चों की परविरश कर कता है. जेवर या नक़दी जिसके पास जो कुछ था रहने या गया. इसके श्रलावा अगर किसी जमींदार के पास . ।ई कारलाना थाया वह कोई धन्दा करताथातो उसमें ो हाथ नहीं लगाया गया. यहीं नहीं, सरकार ने ऐसे ामों में पुराने जमींदारों की मदद की श्रीर उनका हौसला दाया.

चीन के नए हाकिम इस जमीन सुधार क़ानून को ।पनी नई अर्थ-व्यवस्था की बुनियाद मानते हैं. यह सब रिशमा सरकारी हाकिमों या हुक्मनामों के ज़रिये से नहीं त्या गया बिल्क गांव वालों ने खुद अपने आप किया. इ जमा हो कर आपस में तय कर लेते थे कि अपने नाक्षे में ज़मीन सुधार के सिलसिले में क्या किया जाए ।र ज़मीने कैसे तक़सीम की जाएं. इस क़ानून की बदौलत ।।ज चीन में 30 करोड़ बेजमीन वाले मज़दूर ज़मीन के लिक बन गए हैं और ठाठ से अपनी ज़मीन पर खेती र रहे हैं. चम्मीद की जाती है कि 1952 के जून तक यह ।ती सुधार सार चीन में पूरा किया जा सकेगा.

अपने यहां की खेती की पैदाबार संभालने के लिये ।रकार ने दूसरी चोज जो की वह भी लगानवन्दी की

الما المعالمة المعالمة المعالمة المعالمة المعالمة المالية

हमारे इस दौरे से एक खयात हर किसी के अन्दर रेदा होता है. वह यह कि क्या हम हिन्दुस्तान के कोम भी नए चीन से कोई सबक्र सीख सकते हैं. और अगर धीख सकते हैं तो वह सबक्र क्या है और उससे किस तरह देश की हालत को संभाता जा सकता है.

चीनी कोग नए लोकराज के कायम होने को 'आजादी' [लांबेरेशन) नाम से पुकारते हैं. आजादी के पहले वहां रर कोमिनटांग पारटी का राज था जिस के सिरमीर जनरल चियांग काई शेक थे. उस सरकार की राय थी के चीन की बढ़ती हुई आजादी की जरूरत के मुताबिक वहां अनाज नहीं पैदा होता और इसलिये अनाज बाहर से मंगाना चाहिये. सच यह है कि विदेश से, खास कर अमरीका से, करोड़ों मन गल्ला आया करता था. तिस पर भी देश के किसी न किसी हिस्से में अकाल पड़ता था या खाने की कमी की शिकायत रहती थी. कुछ इलाक़ों में बाढ़ की वजह से खेती करना नामुमिकन था. दूसरों में पानी न बरसने की वजह से बंटाधार हो जाता था. किर ऊपर से सवारी की दिककत थी जिसकी वजह से मुमीबत जदा कोगों की मदद के लिये अनाज इधर से उधर आसानी से आ-जा नहीं सकता था.

आजादी के पहले चीन में काराजी नोटों की इतनी भरमार थी कि सन 1939 वाली लड़ाई के पहले जितने नोट जियादा बतते थे उसके मुकाबले 1770 खरब गुने नोट जियादा चलने लग गए थे. सन 1940 और 1948 के बीच की इस हालत की यह जानकारी हमें चीन के पीपुलस बैंक के मुखिया से ही मिली है. चीजों के भाव इतनी शिहत से बढ़ गए थे कि सुनकर तबियत दंग रह जाती थी. लड़ाई के पहले अगर किसी आदमी का सौ इकाई से काम चलता था तो उस वक्षत 1388-4000 खरव इकाइयां चाहिये थीं. इसका मतलब यह है कि अगर किसी के पास दस हजार चीनी डालर होते तो इससे वह दियासलाई की एक कांटी भी नहीं खरीद सकता था, पूरी दियासलाई की पेटी की तो बात ही क्या है. इसके श्रवादा, लोगों का कहना है कि उस जमाने में चीन के जैसे घूसखोर हाकिम दुनिया में भीर कहीं मुश्कल से थें. बड़े बड़े कारखाने वाले, फीजी सामान का ब्योपार करने वाले, जर्मीदार और रईस लोग ऐश-आराब करते थे और भोग-विलास की जिन्दगी विताते थे, लेकिन हास्तों करोड़ों रारीबी भौर बेकसी में पिसे जा रहे थे. इसका जरूरी नतीजा यह था कि बेरोजगारी, वेश्यापन और भिक्मंगी का देश भर में बोल बाला था.

1949 में जब नई सरकार ने राज संभाका तो पहला इरादा बसने यह किया कि देश में से ग़रीबी खत्म करके همارے اِس فوریے سے ایک خهال هو کسی کے اندو پیدا هوتا هے ، وہ یہ کہ کیا هم هندستان کے لوگ بھی نے چین سے کوئی سبق سیکھ سکتے هیں ، اور اگر سیکھ سکتے هیں تو وہ سبق کیا هے اور اُس سے کس طرح دیش کی حالت کو سنمھالا جاسکتا هے .

چینی لوگ نئے لوک راج کے قائم ہونے کو آزادی اور الیبریشن) نام سے پکارتے ہیں ۔ آزادی کے پہلے وہاں پر کو منتانگ پارٹی کا راج تھا جس کے سرمور جلول چھانگ کائی شهک تھے ۔ اُس سرکار کی رائے تھی که چھن کی بوهتی ہوئی آبادی کی ضرورت کے مطابق یہاں اللہ نہیں پیدا ہوتا اور اس لئے اناج باعر سے منکانا چاھئے ۔ سمج یع ہے که ودیش سے خاص کر امریکہ سے کرزوں من فله آیا کرتا تھا . تس پر بھی دیش کے کسی شکیت وہتی میں اکال پڑتا تھا یا کھانے کی کمی کی شکیت وہتی تھی ۔ کچھ مقاتوں میں باڑھ کی کمی کی کہوتی کرنا نامیکن تھا . درسروں میں باڑھ کی وجہ سے کہوتی کرنا نامیکن تھا . درسروں میں یاری نه برسلے کی وجہ سے مصیحت زدہ لوگوں کی مدد کی دیت تھی جس کی وجہ سے مصیحت زدہ لوگوں کی مدد کے ائے اناج ادھر سے ادھر آسانی سے آجا نہیں سکتا تھا .

آزادی کے پہلے چین میں کفڈی نوٹوں کی اتلی بهرمار تھی که سن 1939 والی لوائی کے پہلے جھلے نوت زیادہ چلتے تھے اُس کے مقابلے 1770 کھرب گلے نوت زیادہ چلنے لگ گئے تھے۔ سن 1940 اور 1948 کے بھی کی اِس حالت کی یہ جانکاری همیں چین کے پیپلس بیلک کے مکھیا سے ھی ملی ھے . چھزوں کے بھاؤ اتلی شدت سے بچھ کئے تھے که سن کر طبیعت دنگ راہ جاتی تھی . نوائی کے پہلے اگر کسی آدمی کا سو اِکائی سے کام چلتا تها تو اُس وقت 13884000 كهرب اكائياں چاهئے تهیں۔ اِس کا مطلب یہ ہے کہ اگر کسی کے پاس دس هزار چینی دالر هوتے تو اُس سے وہ دیاسائی کی ایک كانتى بهى نههن خريد سكتا تها پورى دياسلائي كي پيتى كى تو يات هي كها هي . إس كي علوه الولون كا كهذا هي كه أس زمانے میں چین کے جیسے گھوس خور حاکم دنیا مهن اور کههن مشکل سے بتھے، بوے بوے کارخانے والي وجي سآمان كا بهويار كرنے والے زميددار أور رابس لوف عیمل آرام کرتے تھے اور بھوگ والس کی زندگی بھاتے تھے' لیکن الانہوں کروڑوں غریبی اُور بے کسی میں پسے جارهے تھے، اس کا ضروری تعیجہ یہ تھا کہ ہے روزگاری' ويشهايون أور بهكمدلكي كا ديم بهر مهن بول بالاتها .

1949 میں جب نئی سرکار نے راج سنبھالا تو پہلا اِرادہ اُس نے یہ کیا کہ دیش میں سے مریبی ختم کرکے



नए चीन का संदेश

पहली अक्तूषर 1951 को नए चीन के लोकराज की दूमरी सालगिरह थी. चीन की कई संस्थाओं की यह इच्छा हुई कि हिन्दुस्तान व दूसरे देशों के डेलीगेशन इस ख़शी के मौक़े पर उनके साथ शरीक हों. इसलिये उन संस्थाओं ने, जिनमें पांच खास हैं--कुत चीन पीस कौंसिज, कुल चीन फोडरेशन आफ लेबर, कुल चीन डेमोकेटिक विमेन्स फेंडरेशन, कुल चीन डेमोक्रेटिक वर्कर्स फेंडरेशन श्रीर कुल चीन फेंडरेशन श्राफ लिट्रेचर एन्ड श्रार्ट सर्किल्ज ने नई दिल्ली वाले चीनी राजदूत के जारिये हिन्द जनता के एक डेलीगेशन के आने के लिये दावत नामा भेजा और यह इच्छा जाहिर की कि इस डेलीगेशन में हिन्द चीन दोस्ती संघ, कुल हिन्द पीस कौंसिल, ट्रेड यूनियन श्रीर विमेन इलकों के प्रतिनिधि, और हिन्दुस्ताने के नामी विद्वान, लेखक, साइन्सदां, शिचाशास्त्री वरौरा भी शामिल हों. यह दावत नामा सितम्बर के पहले हफ़्ते के श्रास्त्रीर में मिला था श्रीर दिल्ती से हवाई जहाज में रवाना होने की आखिरी तारीख 20 सितम्बर थी. इसलिये जल्दी जल्दी में सब इन्तजाम किया गया. फिर भी यह कोशिश की गई कि डेलीगेशन में सब सूत्रों के श्रीर तरह

हेलीगेशन के 13 मेम्बर थे और 2 सेकेटरी. चीन में हम लोग 39 दिन तक रहे. दिन खन से लेकर इत्तर तक हमने चीन के सात बड़े बड़े शहर देखे—कैन्टन, पेकिंग, मुक्डन, टिन्टसिन, नानिकंग, शंघाई और हांगचू. हम नए चीन की यूनिवर्सिटियों, स्कूजों, कालिजों, निजी और सरकारी कारखानों, गांवों और बाजार हाटों में भी गए. हमने वहां की अदालतों को काम करते देखा, चीन के नए लोक संगठनों के काम करने के तरीकों को देखा सममा. हमने वहां के सिनेमा, थेटर, देहाती और दस्तकारी नुमायशं भी देखीं. हमारे ऊपर कोई पाबन्दी नहीं थी. हम जहां चाहें जा सकते थे, जो चाहें देख सकते थे. क्या सरकार, क्या जनता, सभी हमारे साथ प्रेम से पेश आते और दिल खोल कर वात करते थे.

तरह की विचार धारा वाले लोग हों.

نئے چین کا سندیش

پہلی اکتوبر 1951 کو نئے چین کے لوک راج کی دوسرى سال کره تهى . چدن کې کأي سنستهاؤن کې يه اچها هوئی که هندستان و دوسرے دیشوں کے دیلی کیشن اس خوشی کے موقعے پر اُن کے ساتھ شریک ھوں . اس لليِّے أن سلستهاؤں نے جن میں بانچ خاص هیں۔۔کل چهن پوس كونسل كل چين فيدريشن آف لهبر كل چهبی دیدوکریٹک ویمنس فیڈریشن' کل چهن دیدوکریٹک وركرس فهدريشن أور كل چون فهدريشن آف لغريچر ایدت آرے سرکلز نے نگی دانی والے چینی راجدرت کے فریعے هذه جلتا کے ایک دیلی گهشن کے آنے کے لیے دعوت نامه بههتجا أور يه إچها ظاهر كي كه اِس دَيلي كهشن مهى هند چين درستى سلكه كل هند پيس كونسل ا تریق یونین اور ویدن حلقوں کے برتی ندھی اور هندستان کے نامی ودوان' لیکھک' سائلس دان' شکشا شاشعری وقیرہ ہوی شامل ہوں . یہ دعوت نامہ ستمبر کے پہلے هَنْتُم کَ آخهر میں ملا تھا اور دلی سے هوائی جہاز میں روانه هرنے کی آخری تاریخ 20 ستمبر تھی. اسلمہ جادی جادی میں سب انتظام کیا کیا ، پهر بهی یه کوشش کی گئی که قیلی گیشن میں سب صوبوں کے اور طرح طرح کی وچار دهارا والے لوگ هوں .

تیلی گیشن کے 13 ممبر تھے اور 2 سکریڈری، چھن مھی ھم لوگ 39 دن تک رھے . داھن سے لے کر اتر تک ھم نے چین کے سات ہوے ہوے شہر دیا ہے۔ کیلئن عمر نے چین کے سات ہوے ہوے شہر دیا ہے۔ کیلئن پہلاگ محتن ٹلٹسن ؛ نائکلگ ، شلکھائی اور ھائگ چو . ھم نگے چین کی یونیورسٹیوں اسکولوں ، کالجوں ، نجی اور سرکاری کارخانوں ، گوں اور بازار ھائوں مھی بھی گئے . ھم نے رھاں کی عدالتوں کو کام کرتے دیکھا . چین کے نئے لوگ سلکٹھلوں کے کام کرنے کے طریقوں کو دیکھا سمجھا . ھم نے رھاں کے سلیما ' ٹھیٹر ' دیہانی اور دسٹکاری عمارے لوپر کوئی پابندی نہیں نمائشیں دیکھیں . ھمارے لوپر کوئی پابندی نہیں نمیں مملے تھے ، کیا سرکار کیا جنتا سبھی ھمارے ساتھ پریم مکتے تھے ، کیا سرکار کیا جنتا سبھی ھمارے ساتھ پریم مکتے تھے ، کیا سرکار کیا جنتا سبھی ھمارے ساتھ پریم میکھی آتے اور دال کھول کر بات کرتے تھے .

⁹51 same

शुक्र. हिन्दुस्तान की बड़ी अदालत—सुप्रीम कोर्ट के चीक जसटिस का देहान्त हो गया.

- 7. रूसी इन्क्रलाय की 34 वीं सालगिरह—मास्कों में परेड. शान्ति के लिये अमरीकी राज पति ट्रमैन का बाडकास्ट—निहत्था करने के लिये तीन मद बाली योजना कश्मीर क्षानून सभा का इजलास खत्म.
- 8. रूसी विदेश मंत्री, विशिन्सकी का पांचों बड़ी साक़तों की मीटिंग के लिये सुमाव कर्ल्ड बैन्क मिशन बम्बई पहुंचा—हिन्दुस्तान में पांच इन्ते रहेगा.
- 9. स्वेज शहर चौर पोर्ट सईद में कारोबार बन्द. कनाडा हिन्दुस्तान को एक करोड़ डालर का गेहूँ देगा.
- 10. सिक्युरिटी कौंसिल ने कशमीर के मामले में हाक्टर प्राहम को छै हक्तों की मोहलत छौर दी. सीरिया की सरकार ने स्तीका दे दिया. बीच पूरबी कौजी दल बनाने के लिये फांस, अमरीका, ब्रिटेन और रूस की तरफ से बयान.
- 11. बीच पूरबी फ़ौजी दल वालों के बयान पर आजम पाशा का एतराज. सूडान में "मुश्तरका मोर्चे" के नाम से एक नया आन्दोलन. उत्तर प्रदेश के 11 पूरबी जिलों के 13000 गांवों के 31 लाख लोगों के लिये अनाज का टोटा.
- 12. ब्रिटेन के बड़े बजीर अमरीकी राजपित से जनवरी में मिलेंगे. चुनाव खुबसूरती और नेक दिली से चलाने के लिये पंडित जवाहर लाल की देश भर से अपील.
- 13. मिस्र में तीन दिन के लिये खतरे की हालत का एलान. नैपाल के बड़े वजीर राना का इस्तीका. आचार्य विनोबा जी भूदान यह के सिलसिले में पैदल सकर करते हुए दिल्ली पहुँचे.
- 14. क्राहिरा में आंगरेजों के खिलाफ दिन मनाने के लिये पाँच लाख का जुलूस—बड़े वज़ीर नहास पाशा आगे आगे. सऊदी अरब और सीरिया मिस्र के हक्त में हैं. नैपाल में श्री कोइरेला नई मिनिस्ट्री बनाएंगे. रिज़र्व बैंक ने सूद की दर तीन की सदी से बढ़ा कर सादे तीन की सदी कर दी.
- 15. बाशिंगटन में ईरानी बढ़े वजीर डाक्टर मुस्सा-विक्र का ऐलान—ईरान की माली हालत खतरे में—अमरीका ने रुपया देने से इनकार कर दिया. दिक्खनी अकरीका में मनी लाल गांधी का गारे क़ानून पर विरोध.

، هندستان کی ہوئی عدالت -- سپریم کورت -- کے۔ حساس کا دیہانت هوگیا .

روسی انقلاب کی 34 ویں سال کرہ — ماسکو رہتی ۔ شاتعی کے لئے امریعی راج پھی ترومین کا ۔۔ بت — نہتھا کرنے کے لئے تین مد والی یوجفا ۔ قانون سبھا کا اجلاس کتم .

. روسی ودیش منتری؛ وشنسکا پانچوں بری ل کی میتنگ کے لئے سجھاؤ . ورلت بینک مھن ل پہونچا ۔۔۔ هندستان میں پانچ هنتے رہے گا .

، سوئو شهر اور پورت سعید میں کاروبار بلد . مندستان کو ایک کررو ڈاڈر کا گیہوں دیکا .

1. سکھورتی کونسل نے کشمھر کے معاملے میں اراھم کو چھ ھفتوں کی مہلت اور دی ، سھریا کی نے استعفیٰ دے دیا ، بیچ پوربی فوجی دل بنانے فرانس امریکہ برتھن اور روس کی طرف سے بیاں،

بھچ پوربی فوجی دل والوں کے بھان پر اعظم
 اعتراض ، سودان میں '' مشترکہ مورچے '' کے نام
 نیا آندولن ، آتر پردیش کے 11 پوربی ضلعوں کے
 کاؤوں میں 31 لاکھ لوگوں کے لئے اناج کا ٹوٹا ،

11. برتین کے بڑے وزیر امریکی راج پتی سے جذوری ملینگی . چناؤ خوبصورتی اور نیک دلی سے چالے ، پندے جواہر لال کی دیش بھر سے ایدل .

11. مصر میں تین دن کے لئے خطرے کی حالت ان . نیپال کے بوے وزیر وانا کا استعفی . آچاریہ جی بھودان یکھے کے سلسلے میں پیدل سفر کرتے ۔ بلی پہونچے .

1. قاهرہ میں انگریزوں کے خلاف دن منائے کے نیج لاکھ کا جلوس — بڑے وزیر نصاس پاشا آگے آگے . عرب اور سیریا مصر کے حق میں ہیں انہال شری کوٹوالا نئی منستری بنائنگے . رزرو بینک نے کی در تین فی صدی سے بڑھا کو ساڑھے تین فی کر دبی .

11. واشلکتن میں ایرانی بوے وزیر ڈاکٹر مصادق بے ۔ ایران کی مالی حالت خطرے میں ۔ امریکہ یہ دیلے سے انکار کر دیا ، دکھئی افریقہ میں ملی دھی کا گورے قانون پر ورودھ ،

- 26. जंगरेजी जुनाव में कंजरवेदित दल जीत गया— वर्राचता साहब वर्षे क्लीर बने.
- 27. कोंद्रिया में सुतह की बात चीत जारी. तिब्बत के दलाई सामा ने चीन सरकार को सबूत किया. गुजरात में आकात. मध्य भारत का दौरा करते हुए विनोबा जी आगरा जिले में चूमे.
 - 28. बीन से एक गुडबिल मिशन कलकता पहुँचा.
- 29. पूर्वी क्लर प्रदेश में फसल की खराबी से पांच लाख आदमियों को तुक्रसान.
- 30. कन्दोडिया में फ्रान्सीसी हाई कमिश्नर मार-डाला गया. जिटेन के फीजी खफसरों का आपस में मशबरा
- 31. बीच पूरबी पैक्ट में शरीक होने न होने के वास्ते क्स की चेतावनी. नार्षे घटलांटिक पैक्ट में शामिल होगा. श्रीनगर में कश्मीर कानून सभा का इजलास शुरू. विलायती खाद बनाने वाले सिन्द्री (बिहार) के कारखाने में काम शुरू.

नथम्बर

- 1. चीन ने पंच क्रीम सुलहनामे के लिये अपील की. अंगरेजी हाकिमां को मिस्न सरकार की चेतावनी. थाई लैंड में कम्यूनिस्ट कारवाई जोरों पर. बंगाल के नए गवर्नर डाक्टर हरेन्द्र कुमार मुकरजी ने चार्ज लिया.
- 2. मराको में पुलिस और जनता में मुठभेड़---पांच आदमी हलाक. ब्रिटेन ने मिस्न में कीजें पहुँचाई. हिन्द् गुडविक मिरान--खदर पंडित सुन्दर लाल-चीन से नई दिल्ली वापिस आया.
- 3. मिस्न की नील नदी की घाटी में तेल पर से अंगरेज़ों ने रोक टोक इटा ली. हिन्दुस्तान बरसों तक अनाज के मामले में स्वावलम्बी नहीं हो सकता—ग्वालियार में प्लानिंग कमीशन के एक मेम्बर का बयान.
- 4. षाटलान्टिक पैक्ट में शामिल होने पर रूस की तुरकी को चेतावनी. सीरिया में राजकाजी हल चल. खेडी की तालीन के लिये एक कुत हिन्द कौंसिल आफ एमी-कल बरल एजुकेशन बनाई जाएगी.
- 5. अरव देश मिस्न के साथ हैं—आजम पाशा का वयान. स्वेज नहर के इलाक में अंगरेजों के खिलाक मिस्न वालों ने "आजादी" की कारवाई शुरू की दिल्ली यूनिवर्सिटी ने चीन गुडविल मिशन के सदर व एक मेम्बर को डाक्टरेट की डिमी मेंट की.
- 6. अंगरेजी नई पार्तिमेन्ट के खुलने पर बादशाह की स्पीय. यूनो की जनरस अधेम्बली का पैरिस में इजलास

- 26. انگروزي چاو مين کازرويٽو دل جيڪ کيا --چرچل صاحب برے رزير باء .
- 27. کوریا میں صلع کی بات چیمت جاری ، تبت کے دلائی لا مانے چین سرکار کو تبول کیا ، کجرات میں اکال ، مدھیت بہارت کا دررہ کرتے ھوئے رنوبا جی آگوہ فلع میں گھونے .
 - 28. چون سے ایک گذرل مشن کلکته پہنچا.
- 29. پوریی آثر پودیش میں قصل کی خرابی سے پانچ لاکھ آدمیوں کو نقصان ۔
- 80۔ کمبرتیا میں فرانسیسی ھائی کمشفر مار ڈالا گیا . ہرٹین کے فوجی انسروں کا آپس میں مھورہ ۔
- 31. بینچ پررہی پیکت میں شریک ہونے نہ ہونے کے واسطے روس کی چیتاونی. ناررے انقابتک پیکت میں شامل ہوتا . شری نکر میں کشمیر قانون سبها کا اجلاس شروع . ولایتی کهاد بنانے والے سندری (بہار) کے کارخانے میں کام شروع .

لومهر

- 1. چین نے پنچ قوم صابح نامے کے لئے اپیل کی . الکریزی حاکموں کو مصر سرکار کی چیٹاونی . تھائی لیفقہ میں کمیونست کاروائی زوروں پر . بنگال کے نئے گورنر قاکٹر فریندر کمار مکر جی نے چارج لیا .
- 2 مراکو میں پولیس اور جنتا میں متب بھیو پانچ آدمی ہلک برتین نے مصر میں فوجیں پہونچائیں ، هندگذول مشن چین سے نئی دلی وایس آیا ،
- 3. مصر کی نیل ندی کی گھاتی میں تیل پر سے آگریزوں نے روک توک مقالی، ھندستان برسوں تک اناج کے معاملے میں سواولمبی نہیں ھو سکتا گوالیار میں پلاندگ کمیشن کے ایک ممبر کا بیان .
- 4. اثلانتک پیکت میں شامل ہونے پر روس کی توکی کو چیتاونی ۔ سیریا میں راج کاجی ہل چل ، کھیتی کی تعلیم کے لئے ایک کل ہند کونسل آف آگریکلچرل ایجوکیشن بنائی جائے گی ،
- 5. مرب دیش مصر کے ساتھ ھیں اعظم یاشا کا بھانی ، سوئز نہر کے عالقے میں انگریزرں کے خالف مصر والوں نے '' آزادی '' کی کاروائی شروع کی، دلی یونهورستی نے چھن گذول مشن کے مدر و ایک ممبر کو قاکتریت کی تگری بھیلت کی ،
- 6. انگریزی نئی پارلیمنت کے کہلنے پر بادشاہ کی اسیعے، یو نو کی جنرل استہلی کا پیرس میں اجلاس

- British of the second to the second to

देश विदेश की डायरी

(16 अस्तूबर 1951 से 15 नवस्वर 1951 तक)

अक्तूबर

- 16. क़ाहिरा चौर सिकंदरिया में अंगरेजों के जिलाफ़ सरगरिमयां. कश्मीर के बारे में डाक्टर प्राहम ने अपनी रिपोर्ट सिक्युरिटी कौंसिज में पेश की पाकिस्तान के बड़े बज़ीर नवाब जादा जियाक़त अली का रावज़िपंडी में गोली से मार दिये गए.
- 17. ख्वाजा नाषिमवद्गीन पाकिस्तान के बढ़े बखीर खीर सैयइ गुजाम मुहम्मद गश्ररनर जनरत मुक्टर्र किये गए. सत्यवती नगर (नई दिल्ली) में हिन्द कांगरेस का 57 वां इजलास शुरू.
- 18. मिस्र में स्वेख नहर के इसाक़े में अंगरेसी और मिस्ती कीजों में सुकाबता. पंडित नेहरू की सवारत में कांगरेस का खुझा इसतास.
- 19. मिस्न सत्याग्रह करेगा अंगरेजी चीजों का बोईकाट शुरू, कांगरेस का इजलास खत्म. 24 वरस पुरानी आत इंडिया स्टेटस पीपुल कान्फ्रेस ने अपना संगठन खत्म किया.
- 20. दिल्ली में भारती जन संघ का डाक्टर शयामा प्रशाद मुकरजी की सदारत में पहला जलसा. गुजरात से लेकर पंजाब तक 1000 मील लम्बे इलाके में कसल को भारी तुक्रसान.
- 21. कोरिया में अमरीकी और कन्यूनिस्ट अफसर सुलह की बात जीत करने को तैयार. बर्मा के बड़े वजीर नई दिक्सी पहुंचे.
- 22. स्वेख नहर की जहाजरानी पर अंगरेजों का क्रब्जा. चीनी नेता माओ-त्से-तुग की अमरीका से ईमानदारी के लिये अपील. फारमूसा में जलजला.
- 23. मिस्र अपने इक्त के लिये लड़ने को तैयार— नहासपाशा का एलान. कम्यूनिस्टों ने तेलंगाना (हैंदराबाद) में आन्दोकन बन्द किया. तालीम का ढंग बदलने के लिये बम्बई के बड़े बजीर बाला साहब की अपील.
- 24. यूनो हे दुनिया में जगह जगह मनाया गया. मिस्र में संगरेकों के लिलाफ जगह जगह जुलूस व मीटिंग. सूचा सरहद में आजाद सुनाव के लिये पखतूनों की मांग.
- 25. त्रिटेन में साम चुनाव. पत-मत-जू. (कोरिया) में ख़बह की बात चीत शुरू. हिमाचल प्रदेश में चुनाव शुरू.

ںیش وںیش کی ڈائری

(16 اكتوبر 1951 سے 15 نومبر 1951 تك)

اكعوبر

- 16. قاهرہ اور سکندریا میں انگریزوں کے خلاف سرٹرمیاں ، کشمیو کے باریے میں ڈاکٹر گراهم نے اپنی ربورت سیکیورٹی کونسل میں پیش کی، پاکستان کے بڑے وزیر نواب زادہ لیالت علی خال راول پندی میں گولی ہے ماردئے گئے ،
- 17. خواجه ناظم الدین پاکستان کے بڑے وزیر اور سید غلم محصد گورنرجڈرل مقرر کئے گئے . ستھه وتی نکر (نئی دلی) میں ہند کانکریس کا 57 وال اجلاس شروع،
- 18. مصر میں سوئز نہر کے علاقے میں انگریزی اور مصری فوجوں میں مقابلہ ، پلڈت نہرو کی صدارت میں کانگریس کا کہلا اِجلاس ،
- 19. مصر ستیناگرہ کریگا—انگریزی چیزوں کا بائی کات شروع ، کانگریس کا اجلاس ختم ، 24 بوس پرانی آلانگیا استیتس پیویل کانفرنس نے ایدا سلکیتن ختم کیا ،
- 20۔ دلی میں بھارتی جن سنگھ کا ڈاکٹر شیاما پرشاد مکرجی کی صدارت میں پہلا جلسا ، گجرات سے لیکر پنجاب تک 1000 میل لمبے علانے میں فصل کو بھاری نقصان ،
- 21. کوریا میں امریکی اور کنیونست افسر صلع کی بات چیت کرنے کو تھار ، برما کے بوے وزیر نگی دلی پہونچے ،
- 22. سویو نهر کی جهاز رانی پر انگریزوں کا قبضہ ۔ چیلی نیکا ماوتسے تلک کی امریکہ سے ایمان داری کے لئے ایمل ، فارموسا میں زلزلہ ،
- 23. مصر آبھ حتی کے لگے لونے کو تھار نصاص پاشا کا اعلان ، کمیونسٹوں نے تھلگانہ (حیدرآباد)، میں آندولن بند کیا ، تعلیم کا دَمنگ بدلنے کے لگے بندگی کے بڑے وزیر بالا صاحب کی ایٹل ،
- 24۔ یونو ڈے دنیا میں جگھ جگھ مقایا گیا ، مصر میں انگریزوں کے خلاف جگھ جگھ جلوس و میٹنگ ، صوبہ سرحد میں آزاد چفاؤ کے لئے پطٹونوں کی مانگ ،
- 25. پرتهن میں عام جداؤ . پن . من . جو . (کوریا) میں صلع کی بات چیت شروع . هماچل پردیش میں جداؤ شروع .

फिर से दोस्ती कायम.

द्धाव हम जपने चीनी दोस्तों से विदा मांगते हैं.

सिर्फ अपने मेजवानों से ही नहीं बिल्फ चीन की महान
जनता से विदा मांगते हैं. जनता की तरफ से स्वागत
और शुभ कामनाएं जहां भी हम गए हर जगह हमें
भिजती रहीं—पेकिंग या टिनसिन, नानिकंग या शंघाई,
कैन्टन या सुकडन, गांव या कारखाने, यूनिवर्सिटी या
स्कूल, अदालनें या थेटर. सच यह है कि सड़कों-गिलयों
तक में अजनवी लोगों ने भाई चारे व दोस्ती की सुस्कान
के साथ हमारा स्वागत किया.

अब इम वापस जा रहे हैं. ऐसे वक्तत अपनी अहसान मन्दी दिखलाने का हमारे पास सिर्फ एक ही जरिया है. वह यह कि अपने लोगों के पास—जिनके प्रतिनिधि बन कर हम यहां आए—जाकर हम वह शुभ कामनाएं पहुंचा दें जो नए चीन की जनता और नेताओं से हमें मिलीं. और उस अचरज भरी हर-पहलू तरवक्षी की भी जानकारी उन्हें दें जो आपने इन दो बरसों में की है. इस तरह हमको आपको मिलाने वाले प्रेम और दोस्ती के—जो सम्बन्ध दो हजार बरम से चले आते हैं—बन्धन में बांधने वाले धारों को फिर से जोड़ कर हम मजबूत और पक्का करेंगे.

सुन्दर लाल (सदर)
श्रार. के. करंजिया.
टी. चक्रवती.
(बहन) हन्ना सेन.
जे. सी. कुमारप्पा.
ख्वाजा श्रहमद श्रव्यास.
वी. के. श्रार. वी. राव.
जी. पी. हत्थी सिंह.
र्निमल भट्टाचार्य.
एम. भगेरिया.
वी. कल्यानम.

پهر سے دوستی قائم .

آپ هم آنه چهندی درستری سے بدأ مانگتے هیں، موف آنه میزبائوں سے هی نہیں بلکه چین کی مهان جنتا کی طرف مهان جنتا اور شبه کا مانگتے هیں . جنتا کی طرف سے سوالت اور شبه کا منائیں جہاں بهی هم گئے هر جگه همیں ملتی رهیں سے پیکنگ یا تینسن' نانکن یا شنکهائی' کینتی یا مکدن' گؤں یا کارخانے' یونیورستی یا آمکول' عدالتیں یا تهیقر سے یہ ہے که سوکوں یا آمکول تک میں اجنبی لوکوں نے بھائی چارے و دوستی گلیوں تک میں اجنبی لوکوں نے بھائی چارے و دوستی کی مسکن کے ساتھ همارا سواقت کیا .

اب هم واپس جا رہے هیں ۔ ایسے وقت اپنی احسان مثدی دکھانے کا همارے پاس صرف ایک هی ذریعہ ہے وہ یہ کہ اپنے لوگوں کے پاس — جن کے پرتی ندهی بن کر هم یہاں آئے — جا کر هم وہ شبھ کاملائیں پہونچا دیں جو نئے چھن کی جفتا اور نیتاؤں سے همیں ملیں ۔ اور اس اچرج بھری هر پہلو ترقی کی بھی جانکاری اُنھیں دیں جو آپنے اِن دو پرسوں میں کی ہے ۔ اِسطرے همکو دیں جو آپنے اِن دو پرسوں میں کی ہے ۔ اِسطرے همکو آپ کو مائے والے پریم اور درستی کے —جو سمبنده دو هوار پرس سے چلے آتے هیں — بندین میں باندهنے والے پھائے کو پھر سے جوڑ کر هم مضبوط اور پکا کریں گے ۔

سندر لال . (صدر)

آر . کے ، کرنجھا .

ٿي چ*کرورتي* .

(بهن) هلاسهن .

چے . سی . کمارپیا ،

خراجه احدد عباس.

وی ، کے ، آر ، وی ، راؤ ،

جي . پي . هٽهي سلگه ۽

نرمل بهتا چاریه .

ايم بهكيريا .

وي . کلهانم ا

ارر پرشوتم پرشاد.

पुनर्जन्म हो रहा है. हमारे चीनी भाईयों के पास अगी का अनुभव और जानकारी है. सनके अन्दर सदियों पुरानी इनसानी कलचर के संस्कार हैं. सैकड़ों बरसों की आगीर-दारी, गुलामी और साम्राजशाही, शोशन के बावजूद सनकी हिम्मत और नेकी में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया है. अब हमारे इन भाईयों को प्रेरना और शक्ति का एक नया सोता मिल गया है जो उन्हें हमेशा मस्त रखता है. यह सोता है चीन की नई सरकार और उसके नेता चेयरमैन माओ-से-तुंग जो जी जान से अपने लोगों की सेवा में लगे हुए है.

आजादी के बाद दो बरस के अन्दर क़ौमी फिर-बनाब के काम के सभी दायरों में जो तरक़्क़ी उन्होंने की है उससे एशिया के सभी देशों को प्रेरना मिलती है.

जो नई बड़ी तबदीलियां हमने यहां देखीं उनमें से सिर्फ दो की तरफ़ हम इशारा करेंगे. एक है नए चीन का जमीन सुधार जिसकी बदौलत तीस करोड़ चीनी किसान सादयों की गुलामी से मुक्त हो गए. यह ऐसा इन्क्रलाबी क़दम है जो दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं मिलता. दूसरा है यहां का नया शादी क़ानून, जिसने चीन की खौरतों को आजादी और बराबरी का दर्जा दे दिया है. इस चीज का एक बहुत दूर-गामी असर सारी दुनिया की, खास कर पशिया की खौरतों पर पड़ने बाला है.

लोगों की ऊंची भावना.

यहां के मजदूर और किसान पैदावार के बड़े भारी काम में लगे हैं. उनके देश प्रेम की आग एक-सू हो कर सगन से काम करने की आदत देख कर हम दंग रह गए. नए चीन के नौजवानों की ऊंची भावना और क़ुरवानी का जजवा देखकर भी हम पर बहुत असर पड़ा. हमने देखा कि अपने देश की आने वाली बेहतरी की खातिर यह जवान मर्द औरत ख़ुशी ख़ुशी तकली कें सह रहे हैं और जिस आत्म विश्वास के साथ अपने नन्हें कंघों पर भारी से भारी बोम उठा रहे हैं, वह तो कमाल की बात है.

मज़दूर तबक्रे के या जंग आजादी के बहादुर मर्द औरतों ने तो हमारे सामने एक नई दुनिया ही पेश कर दी. इनके अन्दर की रचनात्मक बहादुरी में निजी कामयाबी और बढ़ोतरी की शान-अजमत के साथ साथ कुल देश के लोगों का दित बहुत ही सुन्दर ढंग से पैवस्ता है. और नए चीन के बच्चों को देख कर तो हमारा मन ही मोहित हो गया. इनके चमकते, हंसमुख और प्रसन्न चेहरों पर हमें चीन के इतिहास के नए सबेरे की आमा दिखलाई पड़ी.

جنم هو رها ہے ، هیارے چینی بھائیوں کے اندر صدیوں انسانی کلتچر کے سنسکار هیں ، این کے اندر صدیوں انسانی کلتچر کے سنسکار هیں ، سیکروں برسوں کی دراری فقصی اور سامراج شاهی شوشن کے ان کی هست اور نیکی میں رتی بھر بھی فرق آیا ہے ، آب همارے اِن بھائیوں کو پریرنا اور شکتی نیا سوتا مل گیا ہے جو اُنھیں همیشت مست رکھنا یہ سوتا ہے چین کی نئی سرکار اور اس کے نیتا یہ سوتا ہے چین کی نئی سرکار اور اس کے نیتا یہ سوتا ہے چین کی نئی سرکار اور اس کے نیتا یہ سوتا ہے چین کی نئی سرکار اور اس کے نیتا یہ لوگوں ہیں ماؤتسے تلگ جو جی جان سے آپ لوگوں ہیں ،

زادی کے بعد دو برس کے اندر تومی پھر بناؤ کے کام سبھی دائروں میں جو ترقی اُنھوں نے کی ہے اُس سے اُکے سبھی دیشوں کو پریرنا ملتی ہے .

جو نئی ہوی تبدیایاں هم نے یہاں دیکھیں اُن سے صرف دو کی طرف هم اشارہ کرینگے ۔ ایک هے چین کا زمین سدهار جس کی بدرلت تیس کرور کسان مدیوں کی فلامی سے مکت هوگئے . یہ ایسا ی قدم هے جو دنیا کے انہاس میں کہیر نہیں ملتا ۔ اُن کی ازادی اور برابری کا درجہ دیا هے . اُس چین کی ا بہت دور کامی اثر ساری دیا کی' خاصکر ایشیا کی ی پر پرنے والا ہے .

لوگوں کی اونچی بھاونا ۔

یہاں کے مزدور اور کسان پیداوار کے بڑے بھاری کام لگے ھیں ۔ اُن کے دیش پریم کی آشا اور ایک ہو کر لگن سے کام کرنے کی مادت دیکھکر ھم دنگ رہ نئے چین کے نوجوانوں کی اونچی بھاونا اور اُل کا جذبہ دیکھکر بھی ھم پر بہت اثر پڑا ۔ ھم نے اُ کہ ایے دیم کی آنے والی بہتری کی خاطر یہ مرد مورت خوشی خوشی تکلیفیں سہت رہے ھیں ۔ مرد مورت خوشی خوشی تکلیفیں سہت رہے ھیں ۔ مس آتم وشواس کے ساتھ آیے نئیے کلدھوں پر بھاری سے بوجھ اُٹھا رہے ھیں وہ تو کمال کی بات ہے ۔

مؤدور طبقے کے یا جنگ آزائی کے بہادر مرد عورتوں نو هدارہے سامنے ایک نئی دنیا هی پیش کر دی . اندر کی رچناتمک بہادری میں نجی کامیابی اور نری کی شان عظمت کے ساتھ ساتھ کل دیش کے کا هت بہت هی سندر تھنگ سے پیوستا هے . اور چین کے بیچوں کو دیکھکر تو همارا من هی موهت ایر آن کے چمکتے هنس مکھ اور پرسن چهروں میں جھن کے اتہاس کے نئے سوہرے کی آبھا اگی پی .

The second second second

इस काम को जनजाम देने के जिए दस लाख नए मास्टर भरती किये जा रहे हैं. चनको ट्रेनिंग दी जा रही है और कुछ दिनों बाद खोंक शिक्कों की कलचरी फीज की तादाद में कम से कम बीस लाख जवान मई औरत होंगे.

तालीम की मिनिस्ट्री अपने इस अहम काम को पूरा करने की कोशिश कर रही है. पहला क़दम उठा लिया गया है. हमें यकीन है कि अपने काम में हमें कामयाबी व कर मिलेगी. इस कामयाबी की गारंटी मार्क्स वाद-जेनिन वाद के उस्तूल हैं, माओ-रसे-लुँग के उपदेश हैं और चीनी कम्यूनिस्ट पारटी की रहनुमाई है.

('शंघाई न्यूज' से)

اس کام کو انتجام دینے کے لئے دس لاکھ نئے ماسٹر بھرتی کئے جا رہے ھیں' اُن کو ٹریننگ دی جا رھی ھے اُرر کچھ دنرں بعد لوگ شکشکوں کی کلچری فوج کی تعداد میں کم سے کم بیس لاکھ جوان مرد عورت ھرنگے ،

تعلیم کی منسکری اپنی اِس اهم کام کو پورا کرنے کی کوشھی کو رہی ھے ۔ پہلا قدم اُٹھا لیا گیا ھے ، همیں یتھین ھے کہ اپنے کام میں همیں کامهابی ضرور ملے گی ۔ اِس کامهابی کی گارنٹی مارکس واد۔۔۔ییٹن واد کے اُصول هیں ماوتسے تذکی کے اُپدیش هیں اور چھنی کیھونست پارتی ماوتسے تذکی کے اُپدیش هیں اور چھنی کیھونست پارتی کی رهنمائی ھے .

(' شفکهائی نهوز ' سے)

चीन की जय

(हिन्द् गुडविल मिशन का बयान)

चीन में इम लोग चार इफ्ते रहे. इसकी याद इमें हमेशा बनी रहेगी. इस अर्से में इमने जो बहुत से अपने दोस्त अजीज बनाए छनसे अब इमें बिदा होना पड़ रहा है. इम अपने देश वापस जा रहे हैं. लेकिन अपने इस सकर की लुभावनी याद मुलाए न भूलेगी. यहां पर जो मुहज्बत, दोस्ती, स्वागत, आब भगत हमारीकी गई उनके बोम से इम दबे जाते हैं, और न इम इन्हें कभी भूल सकते हैं.

चीन की जिन लोक संस्थाओं ने बड़े प्रेम के साथ हमें बुलाया था—जैसे चीन पीस कमेटी, कुल चीन फैडरेशन आफ हिमाकेटिक विमेन, कुल चीन असोसियेशन आफ राईटर्स एन्ड आर्टिस्ट और न्यू डेमोकेटिक यूथ लीग—उनके हम कितने अहसान मन्द हैं हम कह नहीं सकते. चीनी लोकराज की दूसरी साक्षिगरह के मौक्रे पर हमारे इन मेजबानों ने हमारी, जो लाविर की वह बयान से बाहर है. उन्होंने बेहद तकलीकों बदीशत करके हमें हर तरह का आराम पहुँचाने की कोशिश की. यही नहीं, उन्होंने हमें मौक्रा दिया कि नए चीन के जीवन के जुदा जुदा पहलुकों को अच्छी तरह देखें और समकें.

चीन की इन्क्रलाबी तरक्की.

इस मौक्रे के लिये हम खास तौर से अहसान मन्द हैं क्योंकि हमें यह देखने की खुश क़िसमती हासिल हुई कि किस तरह एक प्राचीन और महान देश का शानदार چين کی هے (هند گذول مشن کا بيان)

چهن مهن هم لوگ چار هنتے رہے . اِسکی یاد همهن همیشة بنی رہے گی . اِس عرصے میں هم نے جو بہت سے ابعد دوست عزیز بنائے اُن سے اب همهن بدا هونا بورها هے . هم ایے دیش واپس جا رہے هیں . لهکن ایے اِس سفر کی لبهاونی یاد بهلائے نه بهولے گی . یهان پر جو محصبت دوستی سوائت آؤ بهگت هماری کی گئی اُن کے بوجه سے هم دیے جاتے ههن اور نه هم اِنههن کہی بهول سکتے ههن .

چین کی جن لوک سنستهاؤں نے بڑے پریم کے سانھ همیں بلایا تھا — جھسے چین پیس کمیتی، کل چین فیدویشن آف دیماکویٹک ویمن، کل چین فیدویشن آف رائٹرس اینڈ آرٹسٹس اور نیو دیمو کویٹک یوتھ لیگ — اُن کے هم کتنے احسان مند هیں هم کھ نہیں سکتے . چیلی لوک راج کی دوسرے سال کرہ کے موقعے پر همارے اِن میزبانوں نے هماری جو خاطر کی وہ بیان سے باهر هے . اُنہوں نے بے حد تکلیفیس برداشت کر کے همیں هر طرح کا آرام بہونچیانے کی کوشش کی . یہی نہیں اُنہوں نے همیں موقع دیا کہ نئے چین کے جھوں کے جدا جدا چیا چیلوؤں کو لچھی طرح دیکھیں اور سمجھیں .

چين کي انقلابي ترقی .

اس موقعہ کے لکہ خاص طور سے احسان ملد ہیں کیونکم معدی یہ دیکھنے کی خوش قسمتی خاصل ہوئی کہ کس طرح ایک پراچوں اور مہان دیش کا شاندار

के साथ अपने आवर्श वाद को फिर से नई शकत देने का कि हैं हैं हैं कर करें के कि हैं कि हैं कि हैं कि काम कर रहे हैं.

चीन में भीरे भीरे खेती सुभार का प्रोप्राम पूरा हो रहा है, खेती और दस्तकारी-कारखानों का विकास हो रहा है और वह अपने रंग में आ रहे हैं, जनता के रहन सहन का दर्जा ऊंचा उठ रहा है और क्रीमी रचना के लिये बढ़े पैमाने वाली योजनायें भी अमल में आ रही हैं. इनकी वजह से हमारे तालीमी निश्वाम पर बड़ी जिम्मेदारी आ पड़ी है--राश्ट्रीय पुनर्रचना के काम के लिए काकी तादाद में जवानों को तैयार करना छौर साथ ही साथ देश के बच्चों की तालीम की मांग पूरी करना. पिछले दो बरस का काम हमारे आगे के काम के मुकाबले में, जैसा चेयरमैन माझो-त्से-तुँग ने एक बार कहा था, "दस हजार कोस के सफर का सिर्फ पहला क़दम" जैसा है.

इन नई बढ़ती हुई मांगों को पूरा करने के लिये चीनी सरकार की इन्तजामिया कौन्यिल ने 10 बगस्त 1951 को प्राने स्कूली तरीक के सुधार के लिये ठहराव पास किए और बीनी लोकराज की मंजिल के पहले क़दम के लिये नया स्कूली तरीक़ा जारी किया. यह नया तरीक़ा इस बात की गारंटी होगा कि सब काम करने वालों और उनके बच्चों को तालीमी आसानियों का आनन्द लूटने का पूरा मीका मिले. इसकी बदौलत जनता में का हर मर्द-श्रौरत-जिसमें जो तासीर है--उसके मुताबिक सच्चे और पक्के तौर पर देश निर्मात के काम में हाथ बंटा सकेगा.

दस लाख नए मास्टरों की ट्रेनिंग.

लोक तालीम के चीनी कार्यकर्ता अपने अन्दर के क्तिलाबी जजबे का सही इस्तेमाल कर रहे हैं. इसकी ब्दोच्चत वह अपनी आरजी अङ्चनों और किमयों का रुकावला आसानी से कर लेते हैं. आने वाले कुछ बरसों । इन्हें एक डेद लाख के करीब ट्रेन्ड जवान मर्द भौरत थार करना है जो देश निर्मान में जोरदार हिस्सा ले सकें मीर पांच लाख मामृली जवान तैयार करना है. इनका गम है कि सारे चीन के किसान और मजदूर बुनियादी ज्लचरी तालीम पा जाएं. धनका यह भी काम है कि ारखानों में लगे सभी आदिमयों को राजकाजी तालीम रत जाए और उनके बीच से जहातत एक दम खत्म हो ाए. राजकाजी तालीम हर किसान को देनी है और लिखना इना भी उनमें से बहुत से जवानों को सिखाना है. हमारे स्मने दूसरा कौरी मक्तसद यह है कि स्कूल जाने वाजी मर के बच्चों में से 80 की सदी के ऊपर बच्चों को क्तीम पाने की आसानी मिले और देश के जितने अवान क्षत सबको तालीम के लियं पूरे पूरे साधन होने चाहियें. ي _دهِ، ههن ا

چهن میں دمهرے دههرے کهیشی سدهار کا پروگرام برا مو رها هے کیهای آور دستکاری-کارخانوں کا وکاس هم ما هے آور وہ اُن رنگ میں آ رہے میں جنتا کے رهن سین کا درجه اونجها آته رها هے آور قومی رچنا کے لئے بوے بیمانے والی یوچگالهن بھی عمل میں آرھی ھیں . اِن کی رجه سے همارے تعلیمی نظام پر ہوی ذمنداری آ ہوی یے ۔۔ راشتری پدر رچانا کے کام کے لئے کانی تعداد میں جرانوں کو تیار کرنیا آور ساتھ ھی ساتھ دیش کے بحورں کی تعلیم کی مانگ ہوری کرنا ، پنچھلے دو برس کا کام همارے آئے کے کام کے مقابلے میں جیسا چیرمین ماؤنسے نلگ نے ایک بار کہا تھا' '' دس ھزار کرس کے سنر کا صرف يهلا قدم " جهسا ه_ .

اِن مُنَّى بوهتى هوئى مانكوں كو پورا كرنے كے ليَّے چیلی سرکار کی انتظامیه کونسل نے 10 اکست 1951 کو پرانے اِسکولی طریقے کے سدھار کے لئے تھہرا؛ یاس کئے اور چینی لوگ راہ کی منزل کے پہلے قدم کے لئے نہا إسكولى طريقه جآري كها. يه نها طريقه إس بات كي کارنتے موکا که اب کام کرنے والوں اور أن کے بحوں کو تعلیمنی آسانهو کا آنده لوثله کا پورا موقعه مله . اِسکی بدولت جنتا میں کا هر مرد فررت ۔۔ جس میں جو تاثیر ہے اُسکے مطابق سجے اور پکے طور پر دیش نرمان کے کام میں هانه بتا سکے گا.

دس لانه نگ ماسگروں کی تریلنگ .

لوک تعلیم کے چینی کاریه کرتا ایے آندر کے اِنقلابی جذبے کا صحیم استمال کر رہے ھیں . اس کی بدولت و ایڈی عارضی اوچلوں اور کمیرں کا مقابلہ آسانی سے کر ليتے هيں آنے والے كنچه برسوں ميں أنهيں ايك ديوه لاء کے قریب تریند جوان مرد مورت تھار کرنا ہے جو دیھی نرمان مهن زوردار حصه لے سکهن أور پانچ لاکه معبولی جوان تهار کرنا ہے . اِن کا کام ہے که سارے چھن کے كسان اور مزدور بلهادي كلحوري تعليم يا جائيس. أن كا یہ بھی کام ہے کہ کارخانوں میں لکے سبھی آدمھوں کو راج کاجی تعلیم مل جائے اور اُن کے بیچے سے جہالت ایک دم ختم هو جائے ، راج کاجی تعلیم هر کسان کو دیلی ہے اور لکھلا پوھلا ہمی اُن میں سے بہت سے جوانیں کو سکھانا ہے . همارے ساملے دوسرا فوجی مقصد یے ہے کہ اِسکول جانے والی عمر کے بنجوں میں سے 80 فی صدی کے آریر بحوں کو تعلیم یائے کی آسانی ملے آرر دیش کے جعنے جوان هیں أن سب کی تعلقم کے لیے ہورہے ہورے سادھن عونے جامئیں۔

> '51 yang and the second of the second

The Market Market and the second of the seco

राष्ट्र निर्मान के काम में सब में जियादा फायदेमन्द साबित हो सकते हैं. सब यह है कि आज इमारे कालिजों को रोना रहता है कि पूरी तादाद में विद्यार्थी नहीं मिलते क्योंकि मंकन्डी स्कूल में तालीम लेने के बाद वह बाहर काम पर निक्त जाते हैं. जमीन के बटवारे के बाद किसान मां-बाप __ उनकी **आंखें शान से चमक**ती होती हैं— अपने बच्चों को लेकर स्कूल चलते चले आते हैं और उनके दाखिले की मांग करते हैं. बहुत से प्राईमरी स्कूल तो एक दम भर गए हें श्रीर सब उम्मीद वारों को भरती करने से मजबूर हैं. कल किसान-जो अपर के बोभों से मुक्त हो कर ख़द मखतार बन गए हैं - अपने ही बल पर बड़ी तादाद में नए नए स्कूल खोल देते हैं. लोगों की इस तालीमी प्यास से शिचकों या मास्टरों के अन्दर शिद्धत की डमंगें पैदा होती हैं. वह सोचते हैं कि हमारी लोक शिद्या का भविश्य कितना सुन्दर होने जा रहा है श्रीर लोक शिक्षक होना कितने गौरव की बात है.

श्राज चीनी जीवन के हर पहलू में नए व पुराने में कश्मेकश हो रही है. इस वजह से समाज के हर दायरे मं बड़ी बड़ी तबदीलियां जोरों से हो रही हैं. हमारे तीतों आन्दोलनों-से अमरीकी हमले,का मुक्ताबला और कोरिया को इमदाद, खेती सुधार श्रीर ग़ैर इन्क़लाबी लोगों को दबाना - जनता की तालीम सफलता से आप से आप होती है. चीन के साढ़े 47 करोड़ भाई बहनों में देश प्रेम के साथ साथ अन्तर कीमी भावना अच्छी तरह बढ़ रही है. इतिहास का यह तकाजा है कि जब दूसरे बढ़े चले जा रहे हों तो एक आदमी खड़ा नहीं रह सकता. चीन की गहरी समाजी तबदिलीयों का असर वहां की तातीम पर भी पड़ा है. आप से आप इस में सुधार हो रहा है और यह इन्चे दर्जे की तरक जा रही है.

अभी हाल में एक तहरीक चलाई गई. उसमें तालीम के अन्दर "सुधार वाद" पर जो पुराने खयाल थे उन पर चर्चा और बहस.की गई. यह सुधार वाद इन्क़लावी मान्दोलन के रास्ते में रुकावट पैदा कर देता है. इस तहरीक में हमारे सभी कारकुन शरीक हुए और पुराने आदरी बाद के असर के जिलाफ आन्दोलन ने जोर पकड़ा. इस तरह की गम्भीर बहसों से तरह तरह के तालीमी सुधारों के लिये खासा दिमागी मसाला मिलता है. और विशेष कर करीकुलम के और पढ़ाई का कोर्स बनाने में--जो तालीमी इन्कलाब में सब से जियादा ऋहमियत रखने बाली चीजें हैं. इसके अन्दर यह लाजमी था कि दुनिया या विश्व के बारे में जो दो अन्तग अन्तग रायें हैं उनमें मुकाबला हो-यानी आदर्श बाद और भौतिक बाद में मुकाबला, मार्कस वाद, लेनिन वाद, और माम्रो-त्से-तुँग के

واشکر ترمای کے کام میںسب میں زیادہ فائدے مند ثابت هوسكتے ههن. سي يه هے كه آج همارے كالنجوں كو رونا رها هے که پوری تعداد میں ودیارتهی نهیں ملتے کیونکه سیکفتری اسکول میں تعلیم لینے کے بعد وہ باہو کم پر نعل جاتے هيں. زمين كے بتوارے كے بعد كسان ماں ہاپ۔۔ان کی آنکھیں شان سے چمکٹی ہوتی موں۔۔ الم بحول كو لے كر أسكول چلاتے چاتے آتے هوں اور أن كے داخلے کی مانگ کرتے هیں . بہت سے پرائمری اسکول تو ایک دم بهر کئے هیں اور سب اُمهدواروں کو بهرتی كرتے سے منجهور ههن. كچه كسان--جو أوپر كے بوجهوں سے مكيت موكر خود مختار بن كيُّ هينساني هي بل ير ہوں تمداد میں نیّے نیّے اسکول کھرل دیتے ھیں ، لوگوں کی اِس تعلیمی پیاس سے شکشکوں یا ماسٹروں کے اندر شدت کی امنائیں بهدا هوتی ههن ، ولا سوچاتے ههن که هماری لوک شکشا کا بهرشیة کتفا سلدر هوئے جارها هے اور لوک شکشک هونا کندے گورو کی بات ھے .

آبے چیلی جہوں کے هر پہلو میں نئے و پرانے میں کشمکش هررهی هے اِس رجه سے سماج کے هر دائرے میں بڑی بڑی تبدیلیاں زرروں سے هورهی هیں ، همارے تهلون آندوللون سے امریکی حملے کا مقابلہ آور کوریا کو امداد کهیتی سدهار اور فیر انقلابی لوگوں کو دیایا--جلتا کی تعلیم سپهلتا سے آپ سے آپ هوتی هے . چهن کے ساتھے 47 کروڑ بھائی بھدوں میں دیش پریم کے ساتھ ساته انتر قومی بهاونا أچهی طرح بوه رهی هے . أتهاس کا یہ تقاضہ هے که جب دوسرے بوهے چاہے جارهے هوں تو ایک آدمی کهوا نهین ره سکتا . چین کی گهری سماجی تبدیلهوں کا اثر رماں کی تعلیم پر بھی پوا ہے . آپ ہے آپ اُس مهن سدهار هورها هے اور یه اونجے درجے کی طرف جا رهی هے .

اہمی حال مهن ایک تصریک چلائی گئی اُس میں تعلیم کے اندر '' سدھار راد '' پر جو پرانے کیال تھے أن ير چرچا آور بعدث كى كئى . يه سدهار واد انقلابي آندولن کے راستے میں راوت پیدا کر دیتا ہے اس تعصریک مهی همارے سبهی کارکن شریک هوئے آرر پرانے آدرم واد کے ادر کے خلاف آندران نے زور پکوا ، اِسطرم کی گمیهور بحدثوں سے طرح طرح کے تعلیمی سدھاروں کے لئے خاصا دمائی مساله ملتا مي . آور وشيش كر كريكولم كے أور پومائی کا کورس بنانے میں -- جو تعلیمی انقلاب مهن سب سے زیادہ اهمیت رکھنے والی چیزین هیں ، اِسکے اندر یہ الرمی تھا کہ دنیا یا وشو کے بارے میں جو دو الگ الگ رائیں هیں أن میں مقابله هو سيعلى آدره واد أور بهونك واد مين مقابله . مارکس رأه لیلن واه آور ساوتسے تدی کے

के लिये पांच बड़े बड़े इन्क्रिलाबी कालिज खोले गए हैं. इन कालिजों में इजारों लाखों मई औरत अब तक राज-काजी तालीम पा भी चुके हैं.

1951 के पहले दौर तक चीन के 5100 से केन्ड्री स्कूलों में पढ़ने वालों की तादार 15,70,000 थी. उंची सालीम की 201 संस्थाएं थीं (यूनिवर्सिटी, कालिज, खास ट्रेनिंग के स्कूल) जिनमें 1951 के शुरू में छै माह में 1,28,000 विद्यार्थी थे. इन से केन्ड्री स्कूलों और उंची विद्या की संस्थाओं में भरती जड़ाई के पहले से कहीं जियादा है.

इन कामयावियों के साथ साथ यह भी ध्यान देने की बात है कि सारे देश के विद्वान बड़ी लगन के साथ तालीम ले रहे हैं और अपने आदर्श और खयालात को फिर से ढाल रहे हैं. आजादी के बाद वाले पहले साल में, तालीमी कार्यकर्ताओं में से ही, चार लाख से ऊपर लोग शर क हुए. यहां उन्हें "समाजी विकास का इतिहास", माश्रो-त्से-तुंग का नया लोकराज" और चीनी क्रांति पर दूसरी ब्रहम किताबों के जरिये तालीम दी गई. आज कल सारे देश के तालीमी जवान 'कम्यूनिस्ट पारटी के जवानों की तरह' सरकार में, कीज में, लोक संस्थाओं में रोज दो घंटे पढ़ते हैं. पदने वाले विश्यों में सरकारी नीति, राजकाजी वसूल और द्स्तकारी के हुनर बताये जाते हैं. सारे देश के चीनी विद्वान मार्क्स बाद, लेनिन बाद और माश्रो-त्से-तुँग के उपदेश पद रहे हैं चीन के मास्टरों ने अपने सामने यह मक़सद रखा है-जनना के मासरों को भच्छे मार्क्स बादी होने के साथ साथ अच्छे मासर भी होना चाहिये."

लोक शिक्षा के दायरे में काम करने वालों ने 'एजुकेशनल वर्कर्स ट्रेड्यूनियन' नाम का एक संगठन खड़ा किया है. इसके आज दस लाख मेम्बर हैं.

हर ग्रेजुएट की मुलाज़मत.

चीन के तालीमी कार्यकर्ताओं को नाज है कि अपने देश वासियों की सेवा में वह कुछ कर सकें. पिछले पचास साल में किसी को सपने में भी खयाल नहीं हो सकता था कि यह बातें मुमिकन हैं. ज्ञान वह अपनी आंखों से देखते हैं कि तालीम—जहां यह एक बार इन्क्रलाव जीर क्रीमी पुनर्रचना के जन्दाज में ठीक बैठी—जनता की कोकशाही को पक्की शकल देने में खबरदस्त मदद करती हैं. सिर्फ दो साल के अन्दर पुरानी हालत काफर हो गई. कालिज या सेकेन्डी स्कूल में तालीम पाये किसी भी मेजुएट को अब बेरोजगारी का सामना नहीं करना पड़ता. मेजुएट बड़ी खुशी के साथ उन कामों पर जाते हैं जो सरकार उनके लिये तय करती है जीर जिनके अन्दर वह

لئے پانچ ہونے ہونے انقلابی کانچ کھولے گئے میں ، اِن جوں میں مؤاروں لاکھوں مرد عورت آب تک راچ کاجي ليم پا بھی چکہ میں ،

آ 1951 کے پہلے دور تک چین کے 5100 سیکنڈری کرارں میں پڑھنے والوں کی تعداد 15,70,000 تھی، کہارں میں پڑھنے والوں کی تعداد 201 تھی، کیوں تعلیم کی 201 سنسٹھائیں تھیں (یونیورسٹی کے خاص ڈریڈنگ کے اسکول) جن میں 1,28,000 کے روع کے چھ ماہ ہمیں 1,28,000 ودیارتھی تھی، اُن ہمیں اور اونچی ودیا کی سنسٹھاؤں میں ہی لڑائی کے پہلے سے کہیں زیادہ ہے.

ان کامیابیوں کے ساتھ ساتھ یہ بھی دھیان دیئے کی ے قے کہ سازے دیمی کے ودران بڑی لکن کے ساتھ تعلیم رهے ههی اور الله آدرهی اور خهالات کو پهر سے دهال ي هيس . آزادي كي بعد وآلم بهلم سال مين تعليمي يه کرتاؤں ميں سے هي' چار لاکھ سے أوپر لوگ شريک رئے جہاں اُنہیں ''سماجی وکاس کا اتہاس'' ماؤتسے ک کا "نها لوک راج" اور چیلی کرانعی پر دوسری م کتابوں کے ذریعے تعلقم دی گئی ، آج کل سارے دیھی ا تعلیمی جوان کمهونست پارتی کے جوانوں کی طرح رکار میں' فوج میں' لوک سفستهاؤں میں' روز ''گھنٹے ھتے ھیں . پوھلے والے وشیوں میں سرکاری نیٹی^ا ج کلجی اُصول اور دستکاری کے هذر بنائے جاتے هيں . ارے دیش کے جیلی ودوان مارکس واد' لهدن واد آور اہتسے تنگ کے اُیدیش پوہ رہے میں. چین کے ماستروں الي سامنے يه مقصد ركها هے -- "جنتا كے ماستروں اچھے مارکس وادی ہوئے کے ساتھ ساتھ اچھے ماسٹر ہونا الهنَّے ."

اوک شکشا کے دائرے میں کام کرنے والوں نے 'ایجوکیشڈل کوس تریتیونیں' نام کا ایک سنگھٹن کھڑا کیا ہے ، س کے آج دس لاکھ منبر ھیں ،

هر گرينجوثهت كو ملازمت.

چھن کے تعلیمی کاریہ کرتاؤں کو ناز ہے کہ ایے دیش اسیوں کی سیوا میں وہ کچھ کرسکیں . پچھلے پچاس مال میں کسی کو سیلے میں بھی خیال نہیں ہوسکتا ہا کہ یہ باتیں ممکن ہیں . آج وہ اپلی آنکھوں سے ایکھیتے ہیں کہ تعلیم—جہاں یہ ایک بار آنقاب اور ومی پلر رچلا کے آنداز میں تھیک بیتھی—جلاا کی وک شاہی کو پکی شکل دیئے میں زبردست مدد کرتی ہی . صرف دو سال کے آندر پرانی حالت کافور ہوگئی . الیم یا سیکلقری اسکول میں تعلیم پائے کسی بھی ریجوئیت کو آب ہے روزگاری کا ساملا نہیں کرنا پوتا ، ریجوئیت ہوی خوشی کے ساتھ اُن کاموں پر جاتے ہیں ریجوئیت ہوی خوشی کے ساتھ اُن کاموں پر جاتے ہیں ریجوئیت کو آب کے لگے طے کرتی ہے اور جن کے آندر وہ

इन कार्या, सों में इमारी क्रीमी तालीम के तए ढंगों के
मुताबिक ठहराब पास किये गए जिनमें अलग अलग दर्जी
होर क्रिसमों की तालीम के तरीक़े और उसूल तय किये गए.
इसकी मदद से सारे स्कूल क़दम व क़दम एक साथ विकास
और फिर बनाव के रास्ते पर चल सकते थे. इन कान्फ्र सो
में तालीम की मिनिस्ट्री ने देश भर से तरह तरह के विश्यों
के माहिरों और विशेश जानकारों को बुलाया. वे लोग बहुत
जोर शोर के साथ इनमें शरीक हुए और सभी श्रहम व
वेचीदा मसलों पर ठहराव पास किये गए. आज नए चीन
में मुखतिल जगहों पर दस साल से ऊपर कारकर्ता जी
जान से तालीम की मिनिस्ट्री के श्रादेशों की पाबन्दी करने
में लगे हुए हैं.

इस साल पहली सक्तूबर को तालीम की मिनिस्ट्री अपनी महान जन्म भूमि की जब सालगिरह मनाती है तो वह यह कारनामें पेश करती है—

कुल मिला कर चार लाख चालीस हजार से ऊपर प्राईमरी स्कूल है जिन में तीन करोड़ सत्तर लाख से ऊपर लड़के खड़की पढ़ते हैं. बीस बरस के कोमिनटांग राज में प्राईमरी स्कूलों में सबसे जियादा पढ़ने वालों की तादाद 1946 में पहुंची थी. लेकिन हमारी यह तादाद इसके मुकाबले 45 की सही जियादा है.

जहां तक मजदूरों किसानों की तालीम की बात हैं उसका तो पुराने चीन में कहीं नाम निशान भी नहीं था. लेकिन 1951 के पहले दौर में मुलाजिम पेशा मजदूरों वाले कालतू समय के स्कूलों में पंद्रह लाख किसान मजदूरों ने तालीम ली.

पिछले जाड़ों में 'शार्ट टर्म विनटर स्टडी' वाले प्रोप्राम में ढाई करोड़ से जियादा किसान शरीक हुए थे. 1951 के पहले दौर में बाकायदा स्कूलों में पढ़ने वाले किसानों की तादाद कुल देश में एक करोड़ के ऊपर थी.

1951 के शुरू के छै महीनों में कुछ खास स्कूलों में, जहां कलचरी तालीम दी जाती थी, एक लाख पैंतीस हजार से उत्पर किसान मजदूर भरती हुए. इस ट्रेनिंग से उन्होंने अपनी तालीम में जो कमी बेशी थी वह पूरी कर ली.

इमारे देश में छोटे कोर्स वाले 37 सेकेन्ड्री स्कूल हैं जहां मजदूरों और किसानों को खास ऊंची तालीम दी जाली है. इन स्कूलों में विद्यार्थियों की तादाद सात हजार थी. चीनी लोक यूनिवर्सिटी नए तरीक़े पर क्षायम की गई है. इसमें बड़ी तादाद में मजदूरों किसानों के जत्थे आते हैं. वहां पर मजदूरों या किसानों के खानदान के बच्चों को जंबी तालीम मिलने की सभी सुविधाएं रहती हैं.

पुरानी वालीम पाए विद्वानों को फिर से "वालीम देने"

و کانفرنسوں میں ہماری قومی تعلیم کے نئے تھفلکوں کے مطابق تھہواو پاس کئے گئے جن میں جدا درجوں اور قسموں کی تعلیم کے طریقے اور اُصول علیہ کئے گئے . اِس کی مدد سے سارے اسکول قدم به قدم ایک ساتھ وکاس اور پھر بفاو کے راستے پر چل سکتے تھے . ان کانفرنسوں میں تعلیم کی مفستری نے دیش پر طرح طرح کے وشھوں کے ماھروں اور وشیش جاندروں کو بالایا . وے لوگ بہت زور شور کے ساتھ ان میں شریک ھوئے اور سبھی اھم و پہنچدہ مسکلوں پر تھہراؤ پاس کئے گئے . آج نئے چون بھی میں مختلف جان ہو دس سال سے اویر کار کرتا جی جان سے تعلیم کی مفستری کے آدیشوں کی پابلدی کرنے میں بھی لگے ھوئے ھیں .

اِس سال پہلی اکتروبر کو تعلیم کی مذستری اُپذی مہان جئم بہومی کی جب سال گؤہ مذاتی ہے تو وہ ہے کارنامے بیش کرتی ہے .

کل ملا کر چار لاکھ چالیس ہزار سے اوپر پرائمری اسکول میں جن میں تین کرور ستر لاکھ سے اوپر لوکے لوکی پڑھتے میں برائمری اسکولوں میں سب سے زیادہ پڑھئے والوں کی تعداد 1946 میں پہونچی تھی۔ لیکن هماری یہ تعداد ایس کے مقابلے 45 کی صدی زیادہ ہے۔

جہاں تک مزدوروں کسانوں کی تعلیم کی بات ہے اُس کا تو پرانے چون میں کہیں نام نشان بھی نہیں آس کا تو پرانے چون میں کہیں نام نشان بھی نہیں تھا ۔ لیکن 1951 کے پہلے دور میں مالازم پیشٹ مزدوروں نے فالٹو سمے کے اسکولوں میں پندرہ لاکھ کسان مزدوروں نے تعلیم لی .

پچھلے جاروں میں ' شارت ٹرم ونٹراستدی ' والے پروگرام میں دھائی کررز سے زیادہ کسان شریک ھوئے تھے۔ 1951 کے پہلے دور میں باقاعدہ اسکولوں میں پڑھلے والے کسانوں کی تعداد کل دیھی میں ایک کروز کے اوپر تھی۔

1951کے شروع کے چھ مہھدوں میں کنچھ خاص اسکولوں میں؛ جہاں کلمچری تعلیم دی جاتی تھی؛ ایک لائھ پینتیس ھزار سے اوپر کسان مزدور بھرتی ھوئے ۔ اس تریندگ سے اُنھوں نے اپنی تعلیم میں جو کمی بیشی تھی وہ پوری کر لی .

المعارے دیک میں چھوٹے کورس والے 37 سیکنڈری اسکول کی سیکنڈری اسکول کی جانی ہے۔ اِن اِسکوں میں ودیارتھیوں کی تعالم دی جاتی ہے۔ اِن اِسکوں میں ودیارتھیوں کی تعداد سات ہزار تھی۔ چھٹی لوک یونیورستی نئے طریقے پر قائم کی گئی ہے۔ اُس میں بڑی تعداد میں مزدوروں کسانوں کے جانم آتے کی سیوں کو اونچی تعلیم ملنے کی سیھی شوو دھائیں رہاتی کی سیھی سیور دھائیں رہاتی کی سیھی

پرانی تملیم پائے ودوانوں کو '' پھر سے تعلیم دیدے ''

इनकी एक दम काया पलटने और नए सिरे से तामीर करने की जरूरत थी. साथ ही साथ इन्क्रलाबी अडुं के (जिन्हें पुराने आजाद इलाक़े कहा जाता है) स्कूर्तों को भी बदलने की जरूरत थी क्योंकि लड़ाई के बक्नत की तालीम को एक बाक़ायदा और हमेशा काम आने वाली शकल देना थी. नप चीन को ऐसे करोड़ों मदों औरतों की सख्त जरूरत थी जिनमें तामीरी माद्दा हो. काम करने वाले मजदूर किसान भी, जिन्हें नई नई राजकाजी और आर्थिक आजादी मिली थी, तालीमी असानियां चाहते थे. इस चीज की जरूरत उनके बेटे बेटियों को थी. पुराने ढंग के बुद्धि जीवियों को फिर से तालीम देने की करूरत थी. चीन के नए लोकराज की मांग थी की तालीम के दायरे में सोलह आने इन्क्रलाब किया जाए. नई सरकार के कायम होने पर सभ्यता और तालीम के दायरे का यह जबरदस्त काम तालीम की मिनिस्ट्री के सुपूर्व किया गया.

'जन-शिला का सिलसिला' फैलाने के लिये जो प्रोमाम बंना उसकी शुरू की बातें पिछले दो बरस में पूरी कर ली गई हैं. इस प्रोमाम के बनाते बक्दत हमारे सामने माझो-त्से-तुंग के उसूल रहबर का काम करते थे झौर इसमें चीनी पोलीट किल कन्सलटेटिव कान्फ्र स के कामन प्रोमाम का भी ध्यान रखा गया. यह तालीम का काम निहायत पेचीदा झौर अनोखा है. लेकिन माझो-त्से-तुंग ने जो रास्ता बताया है, इन्क्रजाबी अड्डों में जो बीस साल से खियादा का हमें गाढ़ा तजरबा है, रूस के जो ऊंचे तालीमी तजरबे हैं, रूसी शिल्कों से जो मदद हमें मिल रही है, उनके आधार पर हम बढ़े खोरों से तरक्की कर रहे हैं.

तालीमी मिनिस्ट्री के क्रायम होने के दो महीने के अन्दर, विसम्बर 1949 में पहली क्रीमी तालीमी कान्म, स की गई. इस में राश्ट्री पैमाने पर तालीम के बारे में नीति ते हुई. जोर इस बात पर दिया गया कि नई तालीम चीन की तामीरी जरूरतों को पूरा करे. दूसरे, इस पर भी जोर दिया गया कि इमारे स्कूल किसानों-मजदूरों सब के लिये खुले हों. पुरानी तालीम के बारे में भी जो राश्ट्र-निर्मान के काम से अलग थी और बुनियादी तौर पर लोगों के हितों के खिलाफ जाती थी—नई हिदायतें इस कान्म्म, स में की गई. यह तबदीली बहुत ही बुनियादी अहमियत रखने वाली है. पुराने तालीमी ढंग को सुधारने के लिये भी नीति इसमें तब पाई और यह फैसला किया गया कि आगे किस तरीके से कैस कदम उठाने हैं.

पिछले दो बरस में चीनी लोकराज की तालीमी मिनि-स्ट्री ने और भी कई बड़ी कान्फ्रें से बुलाई हैं जैसे किसानों मकरूरों की तालीम, खेकेन्ड्री तालीम, बुनयादी और नामेल खारीम, कौमी अक्रलियत की तालीम बग्रैरा. ن کی ایک دم کانا پلگائی اور نگی سرے سے تعمیر کرنے گی سروت تھی، ساتھ ہی ساتھ انتظامی اقوں کے (جلهوں رائے آزاد ملائے کہا جاتا ہے) اسکولوں کو بھی بدللے کی رورت تھی کیونکھ لوائی کے وقت کی تعلیم کو ایک باقاهدی رسے کروزوں مودوں عورتوں کی سخت ضرورت تھی جن بسے کروزوں مودوں عورتوں کی سخت ضرورت تھی جن بن تعمیری ماددا ہو ۔ گام کرنے والے مزدور کسان بھی المہمی آزادی ملی تھی المہمی آزادی ملی تھی بیتے بیتھوں کو تھی ۔ برائے تھنگ کے بدھی جھویوں بیتے بیتھوں کو تھی ، برائے تھنگ کے بدھی جھویوں بیتے بیتھوں کو تھی ، برائے تھنگ کے بدھی جھویوں بیتے بیتھوں کو تھی کی ضرورت تھی ، چھن کے نگے لوگ بیتے کی مانگ تھی کہ تعلیم کے دائرے میں سولھ آئے بیتے کی مانگ تھی کہ تعلیم کے دائرے میں سولھ آئے بیدی کی مانگ تھی کہ تعلیم کے دائرے میں سولھ آئے بیدی کی مانگ تھی کہ تعلیم کے دائرے میں سولھ آئے بیدی کی مانگ تھی کہ تعلیم کے دائرے کی مانگ تھی کہ زبردست کام تعالیم کی مانگ کی مانگ کی کیا گیا ،

جن شکشا کا سلسلة پهیلانے کے لئے جو پروگرام بنا کی شروع کی ہاتیں پچھلے دو بوس میں پوری کو لی کی هیں ۔ اِس پروگرام کے بناتے وقت همارے سامنے اوتسے تنگ کے اصول رهبو کا کام کرتے تھے اور اِس میں بیعنی پولیٹکل کنسلتیٹو کانفرنس کے کامن پروگرام کا ی دعهان رکھا گیا ، یہ تعلیم کا کام نہایت پھچیدہ اور وکھا ھے لیکن ماوتسےتنگ نے جو راستہ بتایا ھے 'انقلبی س میں جو بیس سال سے زیادہ کا همیں گارها تجربہ رُس میں جو اونچے تعلیمی تجربے هیں' روسی کے جو اونچے تعلیمی تجربے هیں' روسی کے جو اونچے تعلیمی تجربے هیں' روسی کمشکیں سے جو مدد همیں مل رهی ھے' اُن کے آدھار پر م بڑے (وروں سے ترقی کر رہے هیں ،

تعلیمی ملستری کے قائم ہونے کے دو مہیئے کے اندر ی دسببر 1949 میں پہلی قومی تعلیمی کانفرنس کی یہ دسبر 1949 میں پہلی قومی تعلیمی کانفرنس کی بھی طے ہوئی ۔ زور اس بات پر دیا گیا کہ نئی تعلیم بین کی تعمیری ضروتوں کو پورا کرے ، دوسرے' اس پر ی زور دیا گیا کہ همارے اسکول کسانوں مزدروں سب کئے گیاہے ہوں ۔ پرائی تعلیم کے بارے میں بھی و راشتر نرمان کے کام سے الگ تھی اور بلیادی طور پر اشتر نرمان کے کام سے الگ تھی اور بلیادی طور پر نرنس میں کی گئیں ۔ یہ تبدیلی بہت ھی بلیادی شرنس میں کی گئیں ۔ یہ تبدیلی بہت ھی بلیادی میں لئے بھی نیتی اس میں طے بائی اور یہ فیصلہ کیا اگے کس طویتے سے گیسے قدم الی اور یہ فیصلہ کیا ا

پچھلے دو ہرس میں چیٹی لوک راج کی تعلیٰی لساری نے او ربھی کئی ہوی کانفرنسیں بلائی ہیں میے کسانوں مودوروں کی تعلیم' سیکلڈری تعلیم' بیادی اور تارمال تعلیم' قرمی مقالیت کی تعلیم وفیود ،

मालदार इटन्नों के लड़के-लड़की बिदेश जाते थे. जब वह तीट कर बाते थे तो जो तालीम इन्हें मिली हुई थी उस से जनता को बहुत कम फायदा पहुंचाया जा सकता था. इस तालीम के बल पर वह सिर्फ हाकिम बन सकते थे. सेकेन्ड्री स्कूल के ऊपर की संस्थाय बहुत थोड़ी थीं. फिर भी प्रेजुण्ट वे रोजगार रहते थे. कहने की ज़म्रत नहीं कि पिछ घसीद कोमिनटांग राज में सारी तालीम जागीरदारी शाही बीर ताना शाही ढंग की थी. इन स्कूलों में चीन के बच्चों बीर जवानों को कोई आज़ादी हासिल नहीं थी.

जहां तक जन-शिक्षा की बात है उसकी श्रासली जहें 1927 वाले इन्क्रलाब में कायम हो गई थीं. किसानों ने श्रपने श्रालग स्कूल खोल दिये थे. सन 1927 से लेकर 1949 यानी श्राजादी के समय तक चीन में दो चीन थे— एक वह जिस में कोमिनटांग का राज था, दूसरा बह जिस में जनता का राज था. यह जनता का राज उन्हीं इन्क्रलाबी श्रद्धों पर था जहां से जनता ने श्रलग श्रलग समय बशावत की थी. इसी तरह तालीम भी दो तरह की थी—एक जागीर शाही या साम्राज शाही, दूसरो लोक शाही.

पिछले बीसबरम में इन्क़लाबी श्रद्धों में काफी काम कर डाला गया. बाबा धादम के जमाने के रीतरिवाज श्रीर चीनी तालीम के पुराने ढंग बदल दिए गये श्रीर वह नई तालीम जारी की गई जो लड़ाई की हालत से मेल खाती थी और चीनी क्रान्ति में मदद देती थी. इस नई तालीम की खास खर्मा यह थी कि यह जनता के दिल को प्यारी थी और डेनके हितों को फायदा पहुंचाती थी. ताजीम का यह वह तरीका था, जिसे कामरेड मान्रो-त्से-तंग ऋपने नए लोक राज में ''क़ौमी, वैज्ञानि व स्थीर सब-की-व्यारा" कहत हैं. उन वीस बरस से ऊपर के अरसे में जब चीन में लड़ाई की लपटें जल रही थीं यह तरीका फैजता-बढता गया. इन्क्रलाबी काम के लिये इसने हजारों लाखों जवान लडके-लडी तैयार किये. इस तालीम से करोड़ों लोगों की राज काजी चेतना ऊपर उठी. धीरे धीरे धन्छे धन्छे अनुभव इस तालीम में हुए और यह तरक़क़ी करती गई. नतीजा यह हुआ कि इसने अपनी जगह बनाली और कोमिनटांग इलकों की पुरानो और सडी-गली तालीम के मुकाबले में, जो लोगों के हित के खिलाक जाती थी. इस ने अपनी तरक लोगों का ध्यान खींचा.

मगर पूरे राश्ट्र में यह तालीमी इन्क्रलाब तभी लाया जा सकता था जब कुत्त देश आजाद हो, और ऐमा ही हुआ. आजादी के बाद उन स्कूलों में—शहर के चाहे देहात के—हाथ जगाया गया जा कोमिनटांग के कन्ट्रोल में थे. مالدار کلمبوں کے لوکے لوکی ودیش جاتے تھے جب روا لوق کو آتے تھے تو جو تعلیم انہیں ملی هوئی تھی اس سے جاتا کو بہت کم فائدہ پہونتجایا جاسکتا تھا . اس تعلیم کے بل پر وہ صرف حاکم بن سکتے تھے ۔ سیکنڈری اسکول کے اوپر کی سلستھائیں بہت تھوڑی تھیں . پھر بھی کرینجویت پروزار رهتے تھے . کہلے کی ضرورت نہیں که پنچولهسیتو کومئٹانگ واج میں ساری تعلیم جاگیر شاعی اور تانا شاهی تھنگ کی تھی . اِن اسکولوں میں چھن کے بنچوں آور جوانوں کو کوئی آزادی حاصل نہیں تھی .

جہاں تک جن شکشا کی بات ہے اسکی اصلی جویں 1927 والے انقلاب میں قائم ہوگئی تہیں ، کسانوں نے اپنے 1947 والے انقلاب میں قائم ہوگئی تہیں ، کسانوں نے اپنے الگ اِسکول کھول دیئے تھے ، سن 1927 سے لیکر 1949 میں دو چین تھے ۔۔ ایک وہ جس میں کوملقانگ کا راج تھا ، دوسرا وہ جس میں جلقا کا راج اُنھیں انقلابی اقوں بو جہاں سے جلقا نے الگ الگ سے بغاوت کی تھی ۔ اسی طرح تعلیم بھی دو طرح کی تھی ۔ جائیر شاھی ۔ یا سامراج ھاھی دوسری لوگ شاھی ،

پچھلے بیس برس میں انقلابی ادوں میں کائی م کر ڈالا گھا . بایا آدم کے زمانے کے ریت رواج اور چھٹی تعلیم کے پرانے تعلق بدل دیئے گئے اور وہ نئی تعلیم جاری کی گئے جو اوائی کی حالت سے مول کہانی تھی اور چیڈی كرانعي مهن مدد ديعي تهي . اِس ندي تعلهم كي خاص خوبی یہ تھی کہ یہ جنتا کے دل کو پیاری تھی اور اُن کے هنوں کو فائدہ پہونچائی تھی . تعلیم کا یہ وہ طریقہ تھا' جسم کامرید مارتسم تلک ایل نئے لوک راج میں "قومی" ویکهانک اور سب کو بهارا " کهتم هدی ، ان بیس برس سے اریر کے عرصے سیں جب چین میں لوائی کی لیتیں جل رهى نهين تو يه طريقه پهيانا بوهنا گيا . القلابي كام کے لگے اس نے ہزاروں لاکھوں جوان لڑکے لڑکی تھار کیے ۔ اِس تعلقم سے کروروں لوگوں کی راج کاجی چھتھا اوپر أتني . دهيرے دهيرے اچه انوبيو اس تعليم ميں هوئے اور یہ ترقی کرتی گئی ، نتیجہ یہ ہوا کہ اس نے اہنی جگم بنا کی اور کومنٹانک حلقوں کی پرانی اور ستو کلی تعلیم کے مقابلے میں جو لوگوں کے هت کے خلف جاتی نهی اس نے اپنی طرف لواوں کا دھیان کهینچا .

مگر پورے راشتر میں یہ تعلیمی انقلاب تبھی لایا جا سکتا تھا جب کل دیش آزاد ھو' ارر ایسا ھی ھوا۔ ازادی کے بعد اُن استواوں میں -- شہر کے چاہے دیہات کے -- ھاتھ لگایا گیا جو کوملٹانگ کے کلٹرول میں تھے۔

ا الماليس ا

पंजी वादी और साम्राज वादी जोग ऐसा कहा करते ये कि चीन एक पिछड़ा हुआ देश है जिसकी कोई सभ्यता नहीं है. एक सदी से ऊपर तक चीन के मजदूर-किसान पूँजीवादी, साम्राज बादी और जागीर दारी वरोरा के नीचे पीसे गए. उनकी सभ्यता और हाजीम तबाह कर दी गई. यही नहीं, उनके जिन्दा रहने तक का हक खतरे में या. ताजीम का जो पुराना दस्तूर था वह अमीरी और साम्राज शाही ढंग पर रचा गया था. उसका कोई वास्ता काम करने वाली जनता या वहां के लाखों-करोड़ों लोगों से नहीं था. वह महज जमीदारों और पूँजीपतियों वगरा के कायदे के किये थी. जियादातर आदमा जो उस ताजीम को नहीं पा सकते थे और उन स्कूल-कालिजों के दरवाजे जिनके जिये बंद थे वह उन्हें नफरत और गुस्से की निगाह से देखते थे, और उन्हें ठयंग में "विद्या के विदेशी घर" कहा करते थे.

"बिद्या के विदेशी घर" नाम से पुराने चीन की तालीम की साम्राज शाही तासीर का साफ साफ पता चल जाता है. यही तासीर हमारे देश के राज काजी और माली जीवन की थी. इसकी वजह से चीन के उद्योग-धंदे और कला-कौशल नहीं बढ़ सकते थे. साम्राज शाही और जागीर शाही-प्रधान देश में जिस चीज का जरूरत रहती है वह है कुछ एजेन्ट या दल्लाल, जो लोगों पर काबू रख कर उन पर हकूमत कर सकें. बाक्रायदा तालीम पाए हुए और रचनात्मक अकल वाले लोगों की वहां न जरूरत रहती है न गुंजायश. असल बात यह है कि पिछ-घसीटू राज यह चाहता ही नहीं था कि लोगों की तहजीब या दर्जी ऊंचा उठे क्योंकि यह फिर एक बोम बन जाता और उस राज के लिय खतरा सांबत होता.

नतीजा यह है कि आजादी के पहले चीन में जनशिका की पिछले पचास बरस से चर्चा चली आती थी
लेकिन 85 की सदा से जियादा आदमी बिना-पढ़े लिखे
थे और पढ़ने-ताली उमर के बच्चां में 40 की सदी से
कम स्कूलों में जाते थे. कालिजों और यूनिवर्सिटियों की
बादाद प्राईमरी स्कूलों से जियादा थी लेकिन वह चंद या
बोदे-से लोगों के कायदे के लिये ही थे. पुराने चीन के
साम्राज शाही-पसंद समाज में यहां के कालिज और
यूनिवर्सिटियां सिक्षे शुरु झाती स्कूलों की तरह थे जिन में
भरती होने के बाद लोग किटन, अमरीका वरोरा पढ़ने
जाते थे. साम्राज शाही देशों के नुमायन्वों ने भी अपने
स्कूल-कालिज यहां पर खोल रखे थे—इसी मक्सद से
कि चीन के खिलाक अपना तहजीबी हमला कामयावी
के कर सकें.

चीन के कालिज से मेजुपट की डिमी लेकर बहुत से

پرنجی وادی آور سامواج وادی لوگ ایسا کها کرتے مدہ چھن ایک پچھوا ہوا دیھی ہے جسکی کوئی سبھیتا پین ہے ، ایک صدی سے اوپر تک چھن کے مزدرر کسان رنجی وادی سامراج وادی آور جاگیرداری وفیرہ نے تابے بیے گئے ، انکی سبھیتا آور تعلیم تباہ کردی گئی ، بی نہیں انکے زندہ رہنے تک کا حق خطرے میں تھا ، لیم کا جو پرانا دستور تھا وہ امیری آور سامراج شاھی بلیم کا جو پرانا دستور تھا وہ امیری آور سامراج شاھی منگ پر رہا گیا تھا ، اسکا کوئی واسطه کام درنے والی منت یا وہاں کے لائھوں کرورون لوگوں سے نہیں تھا ، وہ تحف زمیدداروں آور پونجی پنیوں وغیرہ کے فائدے کے تحف زمید تر آدمی جو اس تعلیم کو نہیں یاسکتے ہے آور ان اسکول کالجوں کے دروازے جلکے لئے بلد تھے آور ان اسکول کالجوں کے دروازے جلکے لئے بلد تھے اُدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جلکے لئے بلد تھے اُدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جلکے لئے بلد تھے اُدر ان اسکول کالجوں کے دروازے جلکے لئے بلد تھے اُدر اُن سیونگ میں دیکھتے تھے' آور میں وینگ میں دینگ

''ردیا کے ودیشی گهر'' نام سے پرانے چین کی تعلیم سامواج شاهی تاثیر کا صاف صاف پتھ چل جاتا ہے . تاثیر همارے دیش کے راج کاجی ارر مالی جھون تھی ۔ اِس کی وجہ سے چین نے اُدیوگ دهندے اور اُکھی پردهان دیش میں جس چیز کی شاهی اور جاگیر اُھی پردهان دیش میں جس چیز کی ضرورت رهتی اُن پر حکومت کرسکیں ۔ با قاعدہ تعلیم پائے هوئے اُن پر حکومت کرسکیں ۔ با قاعدہ تعلیم پائے هوئے رچناتمک عقل والے لوگوں کی وهاں نه ضرورت رهتی انه گفتهائش ۔ اصل بات یہ ہے کہ پچھ گھسیتو راج ، چاهتا هی نہیں تھا که لوگوں کی تہذیب یا درجه ، چاهتا هی نہیں تھا که لوگوں کی تہذیب یا درجه سچا اُتھے کیونکہ یہ پھر ایک بوجہ بین جاتا اور اُس راج لئے خطرہ ثابت عوتا .

نتهجه یه هے که آزادی کے پہلے چین میں جن شکشا پچھلے پچلس برس سے چرچا چلی آتی تهی لیکن 8 فی صدی سے زیادہ آدمی بنا پچھ لکھے تھے اور پچھنے لی قدر کے 40 فی صدی سے کم اسکولوں میں جاتے تھے، حجوں اور یونیورستیوں کی تعداد پرائسری اسکولوں سے ادا تھی لیکن وہ چند یا تھوڑے سے لوگوں کے فائدے کے ھی تھے ۔ پرانے چھن کے سامراج شاهی پسند سیاج یہاں کے کانم اور یونیوستیاں صرف شروماتی اِسکولوں یں یہاں کے کانم اور یونیوستیاں صرف شروماتی اِسکولوں کے طرح تھے جن میں بھرتی هونے کے بعد لوگ بویتی طرح تھے جن میں بھرتی هونے کے بعد لوگ بویتی طرح تھے جن میں بھرتی هونے کے بعد لوگ بویتی دیشوں کے اللہ یہاں پر کھول رکھے تھے ۔ اسی مقصد سے که چھن کے خلاف اینا تہذیبی حملت سیابی سے کوسکیں ،

چین کے کالبے سے گریجویت کی تکری لے کر بہت سے

विसम्बर '51 (<u>508</u>)

٠ دسبر 21

• بهار کی تمر

में किस तरह शान्ति से रह सकती हूँ." तान-की के इन शब्दों को सुन कर मैं अपने आपको मन ही मन कोसने लगा.

मुक्ते पहले जान जेना चाहिये था कि चसके दिल में क्या तूफान एठा हुआ है. कोरिया उसकी मां भूमि है. कोरिया के गांव, उसकी गिलियां, बहां के लोग, वहां के खेत. वहां के पहाड़, वहां का पानी, वहां की हवा उसके लिये क्या अहमियत रखती हैं? कोरिया की तबाही उसके दिल पर क्या क्या कोट पहुँचाती होगी!

ऐसे वक़्त में अब कि अमरीकी हवाई जहाज सारी कारिया को तबाह करने पर तुले हुए हैं, अमरीकी सिपाही बच्चों, औरतों और बूढ़ों तक की परवा किये बिना कोरिया को शमसान बना रहे हैं, तान-की चुप चाप किस तरह वैठ सकती हैं.

श्रव मुक्ते तान-की की तरफ देखने का साहस नहीं हो रहा था.

यह सच है मैं तान-की से प्रेम करता हूँ, मुक्ते अपना
मुखी जीवन पसन्द हैं. लेकिन यह भी सच [है कि जिस
वक्षत तक इस दुनिया में ऐसे लोग मौजूद हैं जो अपने
निजी फायदे के लिये समूची दुनिया को लड़ाई की भयानक
आग में कोंक देते हैं, हमारे जीवन के सुखी चनों को हम
से छीन लेते हैं, जो नहीं चाहते हैं कि हम इनसानों की
ऐसी जिन्दगी बसर कर सकें, हम अपने बच्चों से मिलने
जा सकें—वह हमला आवर यलों के क़रीब तक आ
चहुंचे हैं.

+ + +

मेरे दिमारा में उठने वाले विचारों के कारन चेहरे पर होने वाली तबदीली को समफ कर तान-की एक बार मुस्करा दी.

नये चीन में तालीम के दो साल (भाई लिंड शीह)

पिछले दो बरस में हमारे देश और हमारे लोगों ने बड़ी बड़ी फामयाबियां हासिल की हैं और काकी तरझकी की है. चीन की नई कान्ति ने हमारी समाजी और आर्थिक जिन्दगी में दुनियावी तबदीलियां पैदा कर दी हैं. इसी के साथ साथ तालीम के दायरे में भी बेमिसाल तरझकी हुई है. सब यह है कि चीन के साढ़े सैंतालीस करोड़ इनसान एक खबरदस्त तालीमी इन्किलाब में से गुजर रहे हैं.

میں کس طرح شانتی سے رہ سکتی ہوں ۔'' تانکی کے اِن شہدوں کو سن کر میں آپ کو من ہی من کو سنے لکا .

مجھے پہلے جان لیفا چاھئے تھا کہ اُسکے دل میں کھا طوفان اُٹھا ھوا ھے . کوریا اُس کی ماں بھومی ھے . کوریا کے گؤں' اسکی کلھاں' وھاں کے لوگ' وھاں کے کھیت' وھاں کے پہاڑ' وھاں کا پانی' وھاں کی ھوا اُسکے لئے کیا اُھمیت رکھتے ھیں . کوریا دی تباھی اُس کے دل پر کھا کھا چوت پہونچاتی ھوگی !

ایسے وقت میں جبکہ امریکی ہوائی جہاز ساری کوریا کو تباہ کرنے پر نانے ہوئے ہیں' امریکی سپاھی بچوں' عورتس اور بوزھوں تک کی پرراۃ کئے بنا کوریا کو شمسان بنا رہے ہیں' تانکی چپ چاپ کس طرح بہتم سکتی ہے۔ اب مجھے تانکی کی طرف دیکھنے کا ساھس نہیں

هو رها تها .

یہ سپ ہے کہ میں تانکی ہے پریم کرتا ہوں' مجھے اپنا سکھی جھوں پسند ہے ۔ لیکن یہ بھی سپ ہے کہ جس وقت تک اِس دنیا میں ایسے لوگ موجود مھی جو اللہ نجی فائدے کے لئے سموچی دنیا کو اوائی کی بھیانک آگ میں جھونک دیاتے ہیں' ہمارے جھوں کے سکھی چھنوں کو ہم سے چھیوں لھاتے ہیں' جو نہیں چاھاتے کہ ہم انسانوں کی ایسی زندگی بسر کو سکھی' ہم آئے بتجوں ہم اُئے بتجوں سے ملئے جا سکھی – وہ حملہ آور یلو کے قریب تک سے ملئے جا سکھی ۔

x + x x

مهرے دماغ میں آتھنے والے وچاروں کے کارن چہرے پر هونے والی تبدیلی کو سمجھکر تانکی ایک بار مسکرا دی .

نٹے چین میں تعلیم کے دوسال (بھائی لھوشیہ)

پنچہلے دو برس میں همارے دیش اور همارے لوگوں نے بڑی بڑی کامیابیاں حاصل کی هیں اور کافی ترقی کی ہے ، چھن کی ندی کرائٹی نے هماری سماجی آور آرتھک زندگی میں بقیادی تبدیلهاں پیدا کردی هیں . اِسی کے ساتھ ساتھ ساتھ تعلیم کے دائرے میں بھی ہےمثال ترقی هوئی هے . سے یہ هے که چھن کے ساتھ سینتالیس کروز السان ایک زبردست تعلیمی انقلاب میں سے گزر رہے میں .

धारो बदते हुए उसने पूझा—"इसका नाम क्या है ?" "किम ल्यांग च्यू."

नाम सुनते ही उसका चेहरा सुस्त पड़ गया. उसने उसे जमीन पर रख दिया और गौर से पहचानने की कोशिश करने लगी. मैं परेशान था कि आखिर इस बात ने इसे चौंका क्यों दिया. कुछ जन बाद उसने दियासलाई जलाई और घायल के चेहरे को ध्यान से देखा और फिर ऐसा मालूम हुआ कि वह कुछ कह रही है जो मेरी समफ में नहीं आ रहा है.

वह सीधी खड़ी हो गई. मैंने देखा उसकी आंखों में आंसू थे. भरीए गले से वह बोली—"यह मेरा भाई है." यह तान की से मेरी पहली मुलाकात थी.

× × ×

इस वक्नत लैम्प की धीमी रोशनी में बैठी अपनी पत्नी तान-की को देख कर मुमें बारह बरस पहले की जिन्दगी की याद हो आई. जापान विरोधी लड़ाई की घटनाओं में जान सी पड़ गई.

लेकिन अवं तो तान-की आठ घरस के एक लड़ के की मां थी. इसका जीवन सुख से भरा पूरा था. इमें अपने काम में आनन्द आता था. इममें काम करने के लिये एक साइस था, एक लगन थी. मुके खयाल आया कि अपने फर्ज को भली भांत सममने और उस पर सखती से कायम रहने के कारन ही तान-की अनिगनत किठनाइयों के बीच सफल रह सकी. इसी के साइस, फर्ज शनासी और विश्वास के कारन ही मुके कितनी बार प्रेरना मिली और मैं काम-याबी से अपने रास्ते पर आगे बढ़ने में कामयाब हुआ.

मुक्ते याद हो श्राया कि 1942 में जब हम लोग छुप कर काम कर रहे थे, जापानियों ने तान-की को पकड़ लिया. तरह तरह की भयानक तकली कें दें कर भी वह तान-की से एक शब्द भी न जान पाए.

जितना ही मैं पिछली बातों पर सोचता गया उतना ही मुक्ते अपने ब्योहार के लिये नफरत सी होने लगी.

इस दो साल के सुखी जीवन ने जैसे मुक्ते मेरा फर्ज भुला दिया हो. मैं कायर बन रहा था.

मैं सोच रहा था जीवन के बारे में मेरा विचार क्यों कर बदल गया. क्यों मैं वह अब नहीं रहा जो मुक्ते होना चाहिये. जीवन से सदा संघंश में ही मुक्ते आनन्द आना चाहिये.

क्या तान-की से एक बार फिर बिछड़ने का साहस मुक्त में नहीं रह गया ?

× + × ''अपने देश पर इस भयानक संकट के जामाने में آئے بوھٹے ھولے اُس نے ہوچھا ۔۔ '' اِسکا نام کیا۔

ن کے لیانگ چیو .''

نام سنتے هی اسکا چهره سست بو گها . اس نے اسے زمین پر رکھ دیا اور فور سے پہچانئے کی کوشش کرنے لگی .

میں پریشان تھا کہ آخر اِس بات نے اِسے چونکا کھوں دیا .

کچہ چهن بعد اُس نے دیاسائی جاائی اور گھایل کےچہرے کو عمان سے دیکھا اور پھر ایسا معلوم هوا کہ وہ کچھ کے رهی ہے جو مھری سمجھ میں نہیں آرها ہے .

وہ سیدھی کھوی ھوگئی ، میں نے دیکھا اُسکی آنکھوں میں آنسو تھے ، بھرآئے گلے سے وہ بولی ۔۔۔ '' یہ میرا بھائی ہے ۔''

یہ تانکی سے مہری پہلی ملاقات تھی .

 \times \times \times \times

اِس وقت لهمپ کی دههمی روشنی میں بیتهی ابنی پیتهی ابنی تعنی کی زندگی ابنی بعنی تعنی بیتهی کی یادی و آئی و دیکھر مجھے بارہ برس پہلے کی زندگی کی یاد هو آئی و جاپان ورودهی لوائی کی گھتناؤں میں جان سی پر گئی و

لیکن اُب تو تانکی آتھ برس کے ایک لڑکے کی ماں نہیں۔ اُس کا جھون سکھ سے بھراپررا تھا، ھمیں اپنے کام میں آسڈ آنا تھا، ھم مھی کام کرنے کے لئے ایک ساھس تھا، ایک لگن تھی، مجھے خیال آیا کہ اپنے فرض کو بھلی بھانت سمجھئے اور اُس پر سختی سے قائم رھئے کے کارن ھی تانکی آنگلت کتھائھوں کے بیچے سپھل رہ سکی۔ اُسی کے ساھس، فرض شفاسی اور وشواس کے کارن ھی مجھے کتھی بار پریرنا ملی اور میں کامیابی سے آپ راستے بر آئے بوھئے میں کامیابی سے آپ راستے پر آئے بوھئے میں کامیابی سے آپ راستے

مجھے یاد ہو آیا کہ 1942 میں جب ہم لوگ چھپ کر کام کر رہے تھے' جاپانیوں نے تانکی کو پکڑ لھا ، طرح طرح کی بھیانک تکلیفیں دے کر بھی وہ تانکی سے آیک شبد بھی نہ جان یائے ،

جتنا هی میں پچھلی باتوں پر سوچتا گیا اُتنا هی مجھے ابنے بیوهار کے لئے نفرت سی هونے لکی .

اِس دو سال کے سکھی جیوں نے جیسے محصے میراً فرض بھلا دیا ہو ، میں کیر بن رھا تھا ،

میں سوچ رھا تھا جیوں کے بارے میں میرا وچار کیوں کو بدل گیا . کیوں میں وہ آپ نہیں رھا جو مجھے ھونا چاھئے . جیوں سے سدا سنگھرش میں ھی مجھے آنند آنا چاھئے .

کیا تانکی سے ایک ہار پھر بچھوٹے کا ساھس مجھ محمد میں رد گیا ؟

+ × × ×
 انه دیش پر اس بهیانک سنکت کے زمانے میں

· Lunase Car

हो बरस बंदी एक वहन एक भरोसे के दोस्त के साथ यलो नदी के पार जापान के खिलाफ लड़ने वाले एक छापा भार दस्ते में शामिल हो गए थे.

किम को पीछे जाने वाले दल के साथ जाने का हुकम मिला. पर जापानियों से अपनी नफरत और पिता की मौत के बदले की प्रवल इच्छा के कारन वह चुप चाप वापिस जीट ग्राया और ठीक इस जगह पहुँचा जहां भयानक गोलाबारी हो रही थी. गोलाबारी के बीच रह कर वह घायल साथियों को अपनी कमर पर रख कर सुरिच्चित जगहों पर पहुँचाने में लग गया. इसकी उमर कम थी इसलिये उसको राइफल नहीं दी गई थी. इसी बीच दुश्मन के एक गोले से किम बुरी तरह घायल हो गया. घाव उसके सिर में लगा था. बहुत जियादा जून निकल जाने की वजह से बेहोश हां कर वह गिर पड़ा.

डसे फीरन पीछे इटाने का हुक्म हुआ. उसकी अपनी पीठ पर लादे मैं जल्दी जल्दी चल कर पीछे की तरफ जाने वाले दस्ते तक पहुंच जाना चाहता था. सारा रास्ता जंगल स हो कर था और एक भयानक अन्धेरा छाया था. वर्फ गिरना बन्द थी लेकिन पेड़ों पर जमी वर्फ अभी तक गिर रही थी जो मेरे आगे बढ़ने में रुकावट पैदा कर रही थी.

मैंने किम के घाव को एक कपड़े से बांधने की कोशिश की लेकिन खून बहना बन्द नहीं हुआ. सरदी के कारन उसके होंट नीले पड़ गए थे. ठन्ड से बचाने के लिये मैंने उसे अपने कोट में लपेट लिया और तेजी से आगे बढ़ने की काशिश करने लगा. कठिनाइयां मुक्ते माल्म ही नहीं हो रही थीं. चत्तते चलते सुबह हो गई. अब मेरा बदन थकावट से चूर चूर हो गया था.

हम अब हेड क्वार्ट्स के क़रीब ही थे. एक कामरेड ने घायल को ले चलने में मेरी सहायता करने को कहा. हम दोनों संभाल कर उसे उठा कर लिये जा रहे थे. अब में जान गया था कि मेरी सहायता करने वाली औरत थी, कुछ दूर चलने के बाद उसने अपनी राइकिल मुक्ते देत हुए किम को अपने कन्धे पर रख लिया. उसके पांत्र कुछ डगमडागए. वह बोली—"हमारा साथी लड़का ही जान पड़ता है."

"हां, इसकी उमर कुल अभी सोलह बरस की ही है." मैंने जवाब दिया.

मैं डर रहा था कि कहीं उसके पांच न साइखड़ा जाएं और दोनों ही गिर पड़ें. इस विचार से मैं सीधा खड़ा रहने में उसे सहायता देता रहा जब तक उसने भार ठीक नहीं कर तिया.

فو بوس بوی ایک بهن ایک بهروسے کے دوست کے ساتھ یلوندی کے پار جاپان کے خلاف لونے والے ایاب چھاپا مار دستے میں شامل ھوکئے تھے .

کم کو پہچھے جانے والے دل کے ساتھ جانے کا حکم ملا ، پر جاپانیوں سے اپنی نفرت اور پتا کی موت کے بدلے کی پربل اچھا کے کارن وہ چپ چاپ واپس لوٹ آیا اور تھھک اُس جگه پہونچا جہاں بھیانک گوله باری ھو رھی تھی ، گوله باری کے بھچ رہ کر وہ گھائل ساتھھوں کو اپنی کمر پر رکھکر سرکشت جگہوں پر پہونچائے میں لگ گھا ، اُس کی همر کم تھی اسکو رانفل نہیں دی گئی تھی ، اسی بھچ دشمن کے ایک گولے سے کم بری طرح کھایل سی بھچ دشمن کے ایک گولے سے کم بری طرح کھایل ھوگھا ، گھاؤ اُس کے سر میں لکا تھا ، بہت زیادہ خون نکل جانے کی وجہ سے بیہوش ھو کر وہ گر پوا ،

أسے فوراً پھچھے ھٹانے کا حکم ھوا ۔ أسکو اپنی پیٹھ پر اللہ میں جادی جلای چل کر پھچھے کی طرف جانے والے دستے تک پہونچ جانا چاعٹا تھا ۔ سارا راستہ جاکل سے ھو کر تھا اور ایک بھیانک اندعمرا چھایا تھا ۔ پرف گرنا بلد تھی لیکن پھڑوں پر جمی برف ابھی تک گر رھی تھی جو مھڑے آئے بوھنے میں رکارت پیدا کر رھی تھی ۔

مهن نے کم کے گہاؤ کو ایک کپڑے سے باندھئے کی کوشش کی لھکن خون بہنا بند نہهں ھوا . سودی کے کارن اُس کے ھونت نہلے پو گئے تھے . ٹہنڈ سے بچانے کے لئے مهن نے اُسے اُسے کوٹ مهن لپهت لها اور تیزی سے آئے ہوشتے کی کوشش کرنے لگا . کٹھنائیاں مجھے معلوم ھی نہیں ھو رھی تھیں . چلتے چلتے صبح ھوگئی . اب مہرا بدن تھکوٹ سے چور چور ھوگیا تھا .

هم آب هید کوار ترس کے قریب هی تھے . ایک کامریت کے گہایل کو لے چلئے میں مہری سہائتا کرنے کو کہا . ام دونوں سلبهال کر أسے أتها کر لئے جا رہے تھے . آب میں جان گیا تھا که مہری سہائتا کرنے والی عورت تھی . کچه دور چلئے کے بعد أس نے اپنی رائفل مجھے دیتے هوئے کم کو آئے کلدھے پر رکھ لھا . اسكے پاؤں کچھ کچھ دیگے . وہ ہولی —'' همارا ساتھی لڑکا هی جان کچھ چوتا ہے ."

'' هاں' اِسکي عبر کل ابھي سوله برس کي هي هي .'' مهن نے جواب ديا .

میں قرر رہا تھا کہ کہیں اُسکے یاؤں نہ لوکھوا جائیں اُور دونوں ہی گریویں ، اِس وچار سے میں سیدھا کھوا وہنے موں اُسے سہائٹا دیتا رہا جب تک اُس نے بھار تھیک نہیں کر لیا ،

हो कर कोरिया जाने बाले साथियों के बारे में सब कुछ पता था. पर मुझे एक छ न को भी यह खयाल न आया था कि तान-का भी को रया जाना बाहेगी क्या नसं का काम उसे पसन्द नहीं है या रखने मस्पनाल में उनका काम जकरा नह है? अगर वह बला गई ता एक बार फिर हमार जीवन पर दुख ही दुख छा जाएगा. उसमे ि छु इने का ध्यान बात ही दिमारां। उलमन से परशान हा कर मैं टहलने लगा.

मेरी आंखें उसके क्ररीब रखे गाउन पर गईं जो वह स्यांग के लिय ठीक कर रही थी. मुक्ते अपनी सांस ककती सी जान पढ़ी. यकायक मैं कह उठा- ''ल्यांग का क्या होगा, उसकी देख भाल कीन करगा ?''

स्तने श्रपना शांखों पर से रूमान हटाते दूए श्रपना सिर अपर सठाया श्रीर मेरी तरफ देखते हुए कुछ कहने की कोशिश की, पर शब्द समके मुँह से न निकल सके. ससने श्रपना सिर फिर नीचे कर लिया.

इसकी चुप्पी देख मुक्ते अपना दिल फटना मा जान पड़ा. एक तरफ मुक्ते तान-की की बात पर दुख हो रहा था और दूसरी तरफ खुद अपने ब्योहार के लिये अपने से एक नफरत. मैं उठ कर उमके कर च पहुँचा और ठीक उस के सामने कुरसी खेंच कर बैठ गया. मैं कारिया की इस औरत को ठीक ठीक समक्षने की कोशिश कर रहा था. इसके साथ मैंने अपने जावन के दस बरस बिनाए थे और पूरा जीवन बिनाने की प्रतिका की थी.

हर चन हम साथ रहे, हमने दुख नाथ साथ सहे, सुख में साथ साथ खुशियां मनाई. पिछली वातें मेरे दिमारा में चक्कर काट रही थीं. मैं अपनी तान-की का बारह बरस पहले की मेंट के बारे में सोचने लगा.

1937 के सर्दों के मौसम की बात है चारों तरफ पहािंक्यों पर कीर मैदानों में वर्फ की मोटा चादर सी बिझा हुई जान पड़त थी. मैं उस बहुत एक गोरिल्ला दस्त के साथ था हुयू-कान के करीब हमारी मुठ भेड़ जापािनयों के जंगक में घूमने वाल एक पेट्रोल से हुई—अचानक एक बम फटा जिसके फटने से कास पास के पेड़ भी गिर पढ़े. ऐसे बहुत में एक दम फैसला करना जरूरी था. यह तय हुआ कि हमारी टुकड़ी का एक हिस्सा तो पास ही में ठहरी हुई हमारी की जागे बढ़ने से रोक. मैं उसी पूप में था जो दुश्मन का मुकाबला करने के लिय हक गया था. एक कोरियन साथी किम-ल्यांग-च्यू जिसकी हमर सिर्फ सोलह बरस की या हमारे साथ हकना चाहता था. उसके पिता को आपािनयों ने मार हाला था, उसको तरह तरह की तकलाफ़ें दूरी गई थीं. किम का मां भी छुट चु भी थी. वह और उससे

مرکر کوریا جائے والے ساتھموں کے ہارے میں سب کچھ پاتھ ہا۔ پر مجھے ایک جھن کو بھی یہ خیدل نہ آیا تھا کہ ناکی بھی کویا جانا چاہے۔ گی۔ کیا نوس کا کم آسے پسلد نہیں ہے یا ریلوے آسیتال میں آس کا کام ضروری نہیں ہے ؟ اگر وہ چلی گئی تو ایک یار پھر ھمارے جھون پر دی دکھ چھا جائے گا۔ اُس سے بچھوٹے کا دھیاں کو کے دمانی اُلجھوں سے پریشان ھو کو میں تھیلئے لگا۔

مہری آنکھیں اص کے قریب رکھے گؤن پر گئیں جو رہ البانگ کے لئے تھیک کر رھی تھی ، مجھے اپنی سانس رکتی سی جان پوی ، یکایک میں کہ آتھا — '' لیانگ کا دیا ھوگا ، اس کی دیکھ بھال کون کرے کا آ''

اُس نے اپنی آنکھوں پر سے وومال ھٹاتے ھوٹے اپنا سر اُوپر آتھایا اور میری طرف دیکھتے ہوٹے کچھ کہنے کی کوشش کی' پر شید اس کے منہ سے نہ نکل سکے ۔ اُس نے اپنا سر بھر مجے کو لھا ۔

اسکی چھی دیکھ مجھ اپنا دل پھتتا سا جان پرا.
ایک طرف مجھ تانکی کی بات پر دکھ ھو رھا تھا اور
درسری طرف خود آنے وبھوھار کے لئے آنے سے ایک نفرت.
میں اُتھکر اُس کے قریب پھونچا اور تھیک اُس کے
سامنے کرسی کھینچ کر بیٹھ گیا . میں کوریا کی اِس
عورت کو تھیک تھیک سمجھنے کی کوشش کر رھا تھا .
اسکے ساتھ مھی نے آنے جیون کے دس برس بتائے تھے اور
بورا جھون بتانے کی پرتگیا کی تھی ،

هر چهن هم ساته رهے . هم نے دکه ساته ساته سهے' سکه مهن ساته ساته خوشیان مغائین . پچهلی باتین میرے دماغ مهن چکر کات رهی تهین . مین اپنی تانکی کی باری مین پہلے کی بهیلت کے بارے میں سوچنے لگا .

हमते अपने बेट स्थांग को स्कूल भेज दिया था और छुट्टियां आने पर हम दोनों ही उसे वापस लेने गए थे. तान-की और मुने अब अपने अबने कामों से थोड़ी कुरसत भी मिल जाती थी. हम दोनों बाजार जाते, अपनी जरूरत की चीजें एक दूसरे की राय से ही खरीदते. किसी दिन कुरसत के समय कोई दूसरा काम न होने पर हम लाग यलो नहीं के किनारे टहलने चले जाते और घन्टों पिछली घटनाओं और भविश्य की योजनाओं पर बातें करते रहते. अब हमारा काम भी मुकर्र था और उसमें हमें आनन्द आता था. हममें एक नया उत्साह, एक नया जोश पैदा हो रहा था और हम बेहद सुखी थे. ऐसी हालत में मैं तान-की के शब्दों का मतलब नहीं समक सका.

"तुम इहना क्या चाहती हो ?" मैंने पूछा.

'में बहुत सोचती रही हूँ.'' इतना कह कर वह चुप हो गई उसके चेहरे पर कुछ परेशानी की रेखाएं उभर आई. फिर कुछ छन बाद वह बोजी—''मैं कुछ दिन पहले ही तुम से कहना चाहती थी......मैं कोरिया जाना चाहती हूँ.''

उसके मुंह से यह शब्द सुनने की आशा मैं नहीं रखता या. मैंने अपनी प्याली मेज पर रख दी. मैं सोचने लगा— तान-की मुम्ने छोड़ कर जाना चाहती है—मेरी पत्नी, मेरी जीवन साथी, मेरी सब इछ मुम्ने छोड़ कर.........अपने प्यारे बच्चे को छोड़ कर जाना चाहती है. मैं बहुत अधीर हो उठा. एक गहरी पीड़ा से मेरा मन भर गया.

"तान-की ! क्या सचमुच ही तुम जाना चाहती हो?" मैं एक ही सांस में कह गया. उसने व्यपना सिर हिलाया.

"नहीं, नहीं ! तुम नहीं जा सकतीं. मैं तुम्हें नहीं जाने दूंगा.'' मैं जोश में यकायक खोर से चिल्ला डठा.

कुछ छन इम दोनों के बीच एक इलमन पैदा करने वाली खामोशी छाई रही. तान-की की खांखें खुल कर चौड़ी हो गईं थीं खीर इनमें परेशानी साफ मलक रही थी. उसने अपने खापको संभालते हुए कहा—"तुम्हारा क्या मतलब है, क्या तुम मुमे नहीं जाने दोगे?"

मैंने अपने शब्द दुइरा दिये.

इस पर उसने बहुत ही मीठे शब्दों में कहा—''मुफे विश्वास है तुम मुफे जाने से नहीं रोकोगे. जो इन्छ तुम कह रहे हो जोश और मुफको न समक सकने के कारन कह रहे हो. तुम जानते हो, मैं जाने के लिये कितनी बेचैन हूँ ? न जाकर क्या मैं अपने दिमारा को काबू में रख सक्रूंगी ? क्या मैं इन हासतों में सुखी रह सकती हूँ ?"

इन्ज न समक पा सकते वाले वालक के समान में इसकी तरफ देखां रहा था. मुक्ते अपने नगर से वालन्टियर قدم کے آھے بھتے لہانگ کو اسکول بھیج دیا تھا اُرر جھتھاں آنے پر ھم دونوں ھی اُسے واس لھنے گئے تھے ، قائکی اور مجھے اب اپنے اپنے کاموں سے تھوڑی فرصت بھی مل جاتی تھی ، ہم دونوں بازار جاتے اُلی ضوروت کی چھڑیں ایک دوسرے کی وائے سے ھی خویدتے کسی دن فرصت کے سے کوئی دوسرا کام نہ ھونے پر ھم لوگ یادوندی کے کمارے تھائے چلے جاتے اور کھنٹوں بچھلی گھٹٹاؤں اور بھوشیم کی یوجھاؤں پر باتیں کوتے رہتے ، اب ھمارا کام بھی مقرر تھا اور اُس میں ھمیں آندہ آتا تھا ، ھم میں ایک تھا اُور ھم میں تاکی کے ایسی حالت میں میں تاکی کے شعہدوں کا مطلب نہیں سمجھ سکا ،

"تم کہنا کیا چاہتی ہو؟ ' میں نے پوچھا ،

وومُهِنَ بہت سوچِتی رهی هوں۔'' اتلا که کر ولا چپ هوگئی ۔ اس کے چهرے پر کچه پریشانی کی ریکھائهں اُبھر آئهں ۔ پهر کچه چهن بعد ولا بولی۔'' میں کچه من پہلے هی تم سے کہلا چاعتی تهی.....من کویا جانا چاهتی هوں۔''

اس کے مند سے یہ شبد سلنے کی آشا میں نہیں رکھتا تھا ، میں نہ ہیں یہ شبد سلنے کی آشا میں نہیں رکھتا تھا ، میں نے ایکی پیالی میزی کر جانا چاھتی ہے۔۔میری پیلی میری سب کچھ' مجھے چھرز کر میں الیے پیارے بچے کو چھرز کر جانا چاھتی ہے ، میں بہت ادھیر ھو آتھا ، ایک گھری پھڑا سے میرا میں بہت ادھیر ھو آتھا ، ایک گھری پھڑا سے میرا میں بہد گیا ،

''تانکی! کیا سے مے هی تم جانا چاهدی هو؟'' میں ایک هی سانس میں کہ گیا ، اُس نے اپنا سر هلایا ،

''نہیں' نہیں ا تم نہیں جاسکتیں میں تمہیں نہیں جائے درنگا۔'' میں جوش میں یکایک زرر سے چلاأتھا، کنچھ چھن ھم درنوں کے میچ ایک الجھن بیدا کرنے والی خاموشی چھائی رھی ، تابکی کی آبکھیں کھل کر چوڑی ھوگئی تھیں اور اُن میں پریشانی صاف جھلک رھی تھی ، اُس نے ایچ آپ کو سنجھانتی ھوئے کھا۔۔۔ ''تمہارا کیا مطلب ھے' کیا تم مجھے نہیں جانے درئے؟'' میں نے ایے شدد دھرا دیئے .

اِس پر اُس نے بہت ہی میٹھ شہدوں میں کہا۔۔ اور مجھے وشواس ہے تم مجھے جانے سے نہیں روکے گے . جو گھے تم کہ رہے ہو جوش اور مجھکو نه سمجھ سکنے کے کاری کہ رہے ہو ، تم جانتے ہوا میں جانے کے لئے کتفی بے چھن ہوں ؟ نه جا کر کیا میں ایے دماغ کو قابو میں رکھ سکونگی ؟ کیا میر اِن حالتوں میں سکھی رہ سکونگی ؟ کیا میر اِن حالتوں میں سکھی رہ سکتی ہوں ؟ '

کجھ نے سمجھ یا سکنے والے بالک کے سمان میں اُس کی طرف دیکھ رہا تھا ، مجھے ایک نگر سے واللٹیر

जाज सभी चीजें नियम में चंध गई थीं. सब एक धुरे से चल रही थीं. हमारे लिये भिवश्य में जाने वाने शुभ-दिनों का यह सन्देश था. हमें अपनी हर चाज की रज्ञा करनी पढ़ेगी. जो हाथ इन्हें तबाह करना चाहते हैं उनसे मुक्ताबला करना पढ़ेगा. हम यह नवजीवन पाकर उसे अब खो नहीं सकते! मैं उन्हीं विचारों में खोया, कल्पनाओं मैं गुमसुम घीमे धीमे वर्क शाप से लीट रहा था.

x × ×

काकी अन्धेरा होने पर ही मैं तान-की के पास पहुंच सका. दरवाजा छोल कर मैं अन्दर गया. तान-की बच्चों का सूती गाउन ठीक कर रही थी. लैम्प की रोशनी उसके चेहरे और खुले बालों पर पड़ रही थी. इस समय उसके मुखड़े पर छाई चमक को मैं एक दुक घूरता हुआ उसके करीब बैठ गया.

"यह मेरे विलकुल ठीक आता है." प्रटर की तरफ इशारा करते हुए मैंने कहा.

ससने हाथ की सुई एक तरफ रख दी और गाउन को तह करती हुई बोली—"अब उन्ड पड़ने लगी हैं अब की बार जब तुम जाना तो ल्यांग के लिये यह गाउन और दूसरे गर्म कपड़े ले जाना न भूजना." ल्यांग हमारे आठ बरस के बच्चे का नाम है. हमने यह नाम उसके मामा किस-ल्यांग-च्यू की याद सदा अमर रखने के लिये रखा है. तान-की का भाई किम-ल्यांग-च्यू जापानियों के हाथों अपने देश की रक्षा करता हुआ शहीद हुआ था.

मैंने दो प्यालों में गरम पानी डाला और एक तान-की की तरफ बदा कर दूसरा खुद उठा लिया. बद उस प्याले को दोनों दायों से पकड़ते हुए गंभीर निगाहों से मेरी तरफ देखने लगी.

इसे कुछ बोलते न देख कर मैंने खुद ही पूछा— "तुम मुफसे क्या कहना चाहर्ता थीं?"

अपने प्याले से एक घूँट लेकर इसने धीमी आवाज में कहा—''संसार का हर आदमी सुर्खा रहना चाहता है.'' मेरी तरफ से आंखें बिना हटाए ही वह कहती गई—''पर बह आदमी सुखी नहीं रह सकता जो अपनी जिम्मेदारी को भुता है."

سبهی چیزیں ٹیم میں بلدھ گئی تھیں ۔ سب
رے سے چل رھی تھیں ، ھدارے لئے بھرشدہ میں
شبه دنوں کا یہ سندیش تھا . ھدیں ایلی ھر
رکشا کرنی ہوے گی ، جو ھاتھ اِنھیں تھاہ کرنا
میں اُن سے مقابلہ کرنا ہوے گا ، ھم یہ نوجھوں پاکر
کھو تہیں سکتے اُ میں اُنھیں وچاروں میں کہویا
میں گم سم دھیمے دھیمے ورک شادی سے لوت

+ × ×

اندھہرا ھونے پر ھی میں تانکی کے یاس پہونچ ورازہ کھول کر میں اندر گیا ، تانکی بچوں کا سوتی یک کررھی تھی ، لیسپ کی روشنی اُس کے اور کھلے بالوں پر بورھی تھی ، اِس سے اُس کے پر چھائی چمک کو میں ایک تک گھررتا ھوا' ، قریب بھٹھ گیا ،

لا ميرے بالكل تهيك آتا هے ،'' سويتر كي طرف ريے هوئے ميں نے كہا .

نے ھاتھ کی سوئی ایک طرف رکھ دی اور گاؤن رتی ھوئی ہولی۔۔۔''اب ٹھنڈ پونے لگی ھے ۔ اب جب تم جانا تو لیانگ کے لئے یہ گاؤن اور دوسوے رحے لے جانا نہ بھولنا ۔'' لیانگ ھمارے آٹھ برس کا نام ھے ۔ ھم نے یہ نام اس کے ماما کم لیانگ کی یاد سدا آمر رکھنے کے لئے رکھا ھے ۔ تانکی کا کم لیانگ چیو جاپانیوں کے ھاتھوں اپنے دیھی کی تا ھوا شہید ھوا تھا ۔ میں نے دو پھالوں میں گرم نالا اور ایک تانکی کی طرف بوھاکو دوسوا خود یا اس پھالے کو دونوں ھاتھوں سے پہتے ھوٹے دیائیوں سے بہری طرف دیکھنے لگی ۔

ے کچھ بولٹے نہ دیکھ کر میں نے خود ھی پوچھا۔۔ جھ سے کھا کہنا چاھٹی تھیں ^{6.9}

کی نے جواب نہیں دیا۔ وہ اُسی طرح موں بیٹھی میں نے آشلکا سے پوچھا۔۔''کیا بات ہے؟''

پ پیالے سے ایک گھونٹ لے کر اُس نے دھیمی آواز کھالے۔'' سنسار کا ھر آدمی سکھی رھنا چاھتا ھے۔'' طرف سے آنکھیں بنا ھٹائے ھی وہ کہتی گئی۔۔ آدمی سکھی نہیں رہ سکتا جو اُپلی ذمے داری

 Sept of Sept

मैं उसकी तरक भेद भरी आंखों से देख रहा था!

मन में तरह तरह के सन्देह उठने लगे—वह इस वहन
क्यों श्रा रही है ? क्या करुरी काम हो सकता है ? उसके
करीब श्रा जाने पर मैंन सवाज किया 'कामरेड का क्या
हात है ?" मेरा मतलब एक राज पड़ले पमर की गोले मे
जलमी होकर अस्पताल में भरती होने वाले एक कामरड

इसने अपना सर दिलाकर मानो मुक्ते वताया कि

कामरेड की हालत ठीक है.

मेरे बिलकुल करीय आ कर एसने एक उनी मोयटर मेरे हाथों में थमा दिया. पास पड़ेहुए डिज्बों पर गोलियों के गड़ों को ध्यान से देखते हुए उसने कहा—"सियोल से मेरी मां की चिठ्ठा आई है. उममें उमने लिखा है कि अमरीकी हवाई जहाज कारखाने, स्कूल, मकान, दुकान सारी चीजें बरबाद कर रहे हैं, वह कुछ भी नहीं छोड़ रहे हैं."

ू. मैंने उसके चेहरे के भाव पढ़ने की कीशिश की, पर

वह मुफ्ते शान्त जान पड़े, उनमें उवाल नहीं था.

मेर कारियन बालने के मुकाबले मेरा पत्नी कहीं अच्छी तरह चानी भाशा बोज सकता है. इसकी खास बजह यह है कि वह कोरियन हाते हुए और यलो नदी के उस पार पैदा होकर भी, छुटपन से ही यलो नदी के इस पार रह कर परवान चढ़ी थी।

अपनी चिन्ता को अधिक न द्वा कर मैंने उससे सवाल किया—"आज इस समय कैसे आ धमकीं, तुम्हारी

छुट्टी है क्या १"

उत्त वह उन गढ़ों में अपनी उंगितयां डाल कर उनकी गहराई देख रही थी. मेरा सवाल सुनकर वह मुक्तराई. आगे बढ़ कर उमने मेरे हाथ से सोक्टर ले लिया श्रीर फिर बोली—"आज रात अस्पनाल के आराम घर में मैं तुम्हारा इन्तजार करूंगी, मुक्ते तुमसे कुछ कहना है." यह कह कर वह लाइन पार करती हुई दूसरी तरफ खड़े हिक्कों की आड़ में आंखों से आंफत हो गई.

× ×

शाम के वक्षत सूरज की किरनें चारों तरक फैज रही थीं. दिन भर के बाद इस समय आममान साक चमक रहा था.

चारों तरफ —रेलवे लाइन, कोयना गोदाम, पानी की टंका, वर्क शाप, ऊंबी ऊंबा । वम नयां और मजदूरों के आराम घर — रख कर नए निमान की एक भावना उम इता जान पड़तों थी. पच छेम हा तरफ जात सूरज की लाज । करने नई बनी इमारता का लात इंटों पर एक चमक पदा कर रहीं थीं.

مهن آس کی طرف بههد بهبی آنکهوں سے دیکه رها تھا آ من مهر طبح طبح کے سندیہ آتھنے لگے۔۔۔وہ اِس وائمت نہوں آرهی ہے؟ به هروی کام هو۔کتا ہے؟ اُس کے قریب آجائے پر مهن نے سوال کھا۔۔''کامریڈ کا نها حال ہے!'' مهرا مطلب آیک روز بہلے امریکی گولے سے زخمی هودو اسپتال میں بهرتی هوئے والے ایک کامریڈ سے تها .

اُس نے اپنا سر ملاکر مانو مجھے بتایا کہ کامریۃ کی حالت ٹھھک ھے .

مهرے بانکل قریب آکر اُس نے ایک اونی سویتر مهرے هاتهوں میں تهما دیا . پاس پڑے هوئے قبوں پر گولهوں کے گذهوں کو دهیان سے دیکھتے هوئے اُس نے کہاست اُسیول سے مهری ماں کی چتھی آئی هے . اُس مهں اُس نے لکھا هے که امریکی هوائی جہاز کارخانے' اسکول' مکلی' دوکان' ساری چھڑیں برباد کررہے هیں' وہ دچھ بھی نہھی جھوڑ رہے هیں۔"

میں نے اُس کے چہرے کے بہاؤ پڑھلے کی کوشش کی' پر وہ مجھے شانت جان پڑے' اُن میں اُبال نہیں تھا۔

مهرے کورین بوللے کے مقابلے مهری پہلی کہیں اُچھی طرح چھلی بهشا بول سکتی ہے ۔ اس کی خاص وجہ یہ ہے کہ وہ دورین ہوتے ہوئے اور یلوندی کے اُس پار پیدا ہوکر بھی' چھٹین سے ہی یلوندی کے اِس پار وہ کر پروان چوعی تھی ۔

اپنی چنتا کو ادھک نہ دباکر میں نے اُس سے سرال کیا۔۔۔"آج اِس سمے کیسے آدھمکیں' تمہاری چھتی ہے

~ . · · · · ·

أس رقت ولا أن كذهون مهن أيلى الكليان ذال كو ولا أن كى گهوائى ديكه رهى تهى ، مهرا سوال سن كو ولا مسكرئى . آئے بچھ كو أس نے مهرے هاته سے سويٹر لے لها أور پهر بولى—" آج رات اسپتال كے آرام گهر مين مهن تمهارا انتظار كورنكى ' مجهد تم سے كچه كها هے." يه كو ولا لائن پار كرتى هوئى درسوى طرف كه ي قبون كى آر مهن آنكهون سے أوجهل هوگئى .

x x x x

شام کے رقت سورج کی کرنیں چاروں طرف پھیل رھی تھیں'۔ دن بھر'نے بعد اِس سے آسمان صاف چمک رہا تھا۔

بھاروں طرف—ریلوے لائن دوئلہ کودام پانی کی گفتگی کودام پانی کی گفتگی کورک شاپ اونچی اونچی چملیوں اور مزدوروں کے آرام گھو—دیکھ کو لگے نرمان کی یک یہارنا آمونی جانے سورچ کی لال کونھی نگی بلی عمارتوں کی لال ایدٹوں پر ایک چمک پھدا کررھی تھیں ۔

近1 タャ・w

िल में हजारों मचर होते हैं. मगर इमारी तिसाबट की तरह इसमें भी 40-42 सचर होते तो शायद चीन ने टाइपों की भी ईजाद कर ती होती.

बारहवीं मदी के बालिर में तो भारत में बौद्ध धर्म का मी सितारा इवने लगा, इसलिय भारती विद्वानों के चीन जाने की संभावना नहीं रह गई थी. चंगेज लाँ हालांकि बौद्ध नहीं था, लेकिन एसकी इमद्रदी बौद्धों के साथ ज़रूर बी. चंगेज ने अपने पोते कुषबाई कां वगैरा की तालीम की जिम्मेदारी एक बौद्ध भिद्ध को द-थी.

आगे चलकर कुबलई (1260-94 ईसवी) ने बौद्ध धर्म स्वीकार किया. घुमंतू मंगोलों के कलचरी निर्मान में बौद्ध धर्म ने इतनी मदद की कि पीछे चलकर वह मंगोलों का जाती धर्म बन गया. अब भारत में बौद्ध धर्म नहीं था, लेकिन मंगोल में धर्म प्रचार का काम तिब्बती आवार्यों ने किया. मंगोल त्रिपटक का अधिक भाग तिब्बती त्रिपटक (कंजूर, तंजीर) का अनुवाद है.

बाहर के ज़ियादातर देशों से भारत का सम्बन्ध बौद्ध धर्म के ज़िरेगे हुन्ना था. वह सम्बन्ध बौद्ध धर्म के स्नरम होने से जहाँ कमज़ोर होन लगा, वहाँ देश की गुलामी ने भी कलचरी मेल को भुजाने में हाथ बटाया. सिद्यों बाद भारत इस हालत में हैं कि वह उस पुराने कलचरी सम्बन्ध को फिर से जिन्दा करे. رئے ہزاررں اکھر ہوتے ہیں ۔ اگر ہماری لکھارت کی طرّع ہے ۔ اس یں بھی 40-42 اکشر ہوتے تو شاید چین نے ٹائپوں ۔ کی بھی ایجاد کرلی ہوتی ۔

باره ویر صدی کے آخر میں تو بھارت میں بودھ دھرم کا بھی ستارہ قوبئے لگا اس لئے بھارتی ودوائرں کے چھن جانے کی سمھارنا نہیں رہ گئی تھی ۔ چنگیز خان حالانکہ بودھ نہیں تھا لیمن اس کی همدردی بودھوں کے ساتھ ضرور تھی ۔ چنگیز نے آئے پوتے قبلئی خان وفیرہ کی تعلیم کی قمعداری ایک بودھ بھمشو کو دی تھی ۔ آئے چل کر قبلئی (94-1260 عیسوی) نے بودھ دھرم سویکار کیا ۔ گھوملتو ملکولوں کے کلچری نرمان میں بودھ دھرم نہیں دھرم بی گیا ۔ آپ بھارت میں بودھ دھرم نہیں میں دھرم بی گیا ۔ آپ بھارت میں بودھ دھرم نہیں تیا لیکن ملکول میں دھرم پرچار کا کام تبتی آچاریوں نے کیا ۔ ملکول تریتک کا ادھک بھاگ تبتی تریتک نے کیا ۔ ملکول تریتک کا ادھک بھاگ تبتی تریتک

باهر کے زیادہ تر دیشوں سے بھارت کا سمجندھ ہودہ دھرم کے خریعے ہوا تھا، وہ سمجندھ ہودھ دھرم کے خدم مونے سے جہاں کمزور ہوئے لگا' وہاں دیش کی فلامی نے بہی کلچری میل کو بھائے میں ہاتھ باتا ، صدیوں بعد بھارت اِس حاات میں ہے کہ وہ اُس پرائے دلتچری سبندھ کو پھر سے زندہ کرے ،

एक बीनी कहानी

प्यार की टकर

(भाई याद चुँग)

यक्षो नदी के उत्तरी किनारे पर एक रेक्षवे स्टेशन है. मैं इसी स्टेशन की मशीन शाप का चार्जमैन हूँ.

एक रोज में अमरीकी बन्बारों के हाथों तबाह किये हुए बायलर और दिखों पर बमों की चोट से पैदा होने बाले गढ़ों की देख भाल कर रहा था. बायलर और दिख्दे तितरबितर इधर उधर पड़े थे. उसी समय मैंने तान की को अपनी तरफ आते देखा! मुक्ते बहुत तावजुब हुआ रेलवे स्टेशन के बिलकुल करीब ही एक अस्पताल है और तान-की उसा में देख नंस है. इस वक्तत उसका आना मुक्ते अचरज में हाल बना नहीं रह सकता था. क्योंकि बहुत हा जरूरो काम दोने पर वह अस्पताल की इ ट छोड़ती है.

آیک چیلی کهانی

پیار کی تکو (بهائی یار چلک)

یاوندی کے اُتری کنارے پر ایک ریلوے استیشن ہے . میں اُسی استیشن کی مشین شاپ کا چارجمین ہوں .

ایک روز میں امریکی بمباروں کے ھاتھوں تباہ کئے ھرئے بانلر اور قبوں پر بموں کی چورٹ سے پیدا ھونے والے گذھوں کی دیکھ بھال کررھا تھا ۔ بانلر اور قبے تقر بقر ادھر اُدھر بچے تھے اسی سے میں نے تانکی کو ایڈی طرف آتے دیکھا! محجے بہت تعجب ھوا۔ ریلوے اسٹیشن کے بالکل قریب ھی ایک اسپالل ہے اور تانکی اُسی میں کے بالکل قریب ھی ایک اسپالل ہے اور تانکی اُسی میں ھیڈ نوس ہے ۔ اِس رقت اس کا آیا محجے اچرچ میں قالے بنا نہیں رہ سکتا تھا ۔ کیونکہ بہت می فدروی کا ھونے پر وہ اسپال کی قیونی چھوڑتی ہے ۔

विसम्बर '51

(500)

'51 ,

पांचर्नों सदी के आखिर में भी दिक्खनी चीन के एक राजकुमार ने कुछ गीत बनाप. इस वंश के इतिहास में लिखा
है कि 487 ईसवी में राज कुमार ने "धर्ष की गाधाओं के
गाने के लिये राग तैयार करने के वास्ते कितने ही भिजुओं
को इकट्ठा किया." बन्होंने जो गीत तैयार किये थे, उनसे
तीन सदी बाद जापान से आने वाले तीर्थ यात्रियों पर
बहुत असर पड़ा.

ज्योतिश.

भारती आवार्यों की प्रेरना और सहायता से चीन में उयोतिश और हिसाब में नई तरक्की हुई. 618 ईसवी में एक भारती विद्वान ने पहले थांग सम्राट के लिये एक नया कलेंडर बनाया. उससे एक सदी पीछे भारती पंडित शुभार सिंह श्रीर विश्व बौद्धी के शार्गिद चीनी भिक्ष ई-शिंग (683-747 ईसवी ने हिसाब करके बतलाया कि सुरज के साल में 365-244 दिन और चांद महीने 29-53 दिन होते हैं. 721. ईसवी में सरकार ने इस सुधरे हुए कलेंडर को मान लिया.

वैद्यक.

द्वा इलाज की विद्या में बौद्धों का बहुत बड़ा हाथ था. उनके विहार में सभी जगह एक आम डिस्पेन्सरी रहती थी. विहारों से चुनकर नौजवान भिन्नु वैद्यक सीखने के लिये चांग-आन भेजे जाते थे.

छपाई.

जनता का प्यारा धर्म होने के कारन सबसे पहले बौद्ध धर्म ने चीन में छापे का इस्तेमाल किया. बौद्धों के कोई कोई प्रन्थ पचासों हजार की तादाद में दूसरे पाठकों के लिये लिखे जाते थे. उन्होंने देखा कि जिस तरह उल्टे अहरों की मुहर बना कर काग़ज़ पर छापा जा सकता है, उसी तरह हम छोटी मोटी किताबों को भी छाप सकते हैं. नवीं सदी के आखिर तक चुंग-लू इस तरह की छपाई का मरकज़ बन गया. 929 ईस्वी में लू-यांग के राज वंश ने जे-च्यान पर क्रबज़ कर लिया और पांच बरस तक राज किया. यहां उनको छापे खाने का पता लगा. 971-83 ईसवी में चीनी बौद्धों ने पांच हज़ार जिल्हों में सारे 'त्रिर पटक' छाप दिये, जिसकी कापियां 985 ईसवी में कोरिया और 986 ईसवी में जापान पहुँचीं.

इस तरह दसवीं सदी के खत्म होते होते चीन में छापे जाने का भारी प्रचार हो गया था. हां, वह इस जमाने के ढंग की छपाई नहीं थी. अलग अलग बने धात के अच्छों को इस्पोज करके छापने का काम योरप ने किया. ऐसा न करने का कारन यह भी था कि चीनी लिखावट में उचारन (तकप्रकुष्ण) का नहीं, मतलब का इशारा होता है. इस المحدود المحد

جهوتش.

بھارتی آچاریوں کی پریرنا اور سھائٹا سے چین میں جیرتھ اور حساب میں نئی ترقی ھوئی ۔ 618 عیسوی میں ایک بھارتی ودران نے پہلے تھانگ سمرات کے لئے ایک نیا کلفڈر بلایا ۔ اُس سے ایک صدی پیچھ بھارتی فیلڈت شبھار سلکھ اور وجر بودھی کے شاگرد چیئی بھکشو اور شلگ (747-683 عیسری) نے حساب کر کے بتایا کہ سورج کے سال میں 244-365 دن آور چاند مہیئے میں 35-29 دن ھوئے ھیں ۔ 721 عیسوی میں سرکار میں سدھرے ھوئے کلفڈر کو مان لیا ۔

ويدك.

دوا علاج کی ودیا میں بودھوں کا بہت ہوا ھاتھ تھا۔ اُن کے رھار میں سبھی جگھ ایک عام تسیدسری رھتی تھی ۔ وھاروں سے چن کر نوجوان بھکشو ویدک سیکھلے کے لگے چانگ آن بھیجے جاتے تھے .

چه پهائی.

details to

جنتا کا پہارا دھرم ھونے کے کارن سب سے پہلے ہودہ دھرم لے چین میں چھاپے کا استعمال کیا . بودھوں کے کوئی کوئی گرنتھ بچاسوں ھزار کی تعداد میں درسرے ہاتھکوں کے لئے لکھے جاتے تھے . اُنھوں نے دیکھا کہ جس طرح اُلٹے اکشروں کی مہر بلاکر کاغذ پر چھاپا جاسکتا ھے' اُسی طرح ھم چھوٹی موٹی کتابوں کو بھی چھاپ سکتے ھیں . نویں صدی کے آخر تک چلگ تو اِس طرح کی چھپائی کا مرکز بن گیا . 920 عیسوی میں لویانگ کے راج ونھی نے چہ چوآن پر قبضہ کرلیا اور پانچ ہوس تک راج کھا . یہاں اُن کو چھاپ خانے کا پٹھ لکا ، ہوس تک راج کھا . یہاں اُن کو چھاپ خانے کا پٹھ لکا ، میں سارے 'قریٹک' چھاپ دیئے' جس کی کاپیاں 898 میں جاپان پہونچیں .

اِس طرح دسویں صدی کے ختم هوتے هوتے چین میں چھاپے خانے کا بھاری پرچار هوگیا تھا . هاں' وہ اِس زمانے کے دعلگ کی چھپائی نہیں تھی . انگ الگ بھے دھات کے اکشروں کو کمھوز کرکے چھاپے کا کام یورپ نے کیا . ایسا نه کرنے کا کارن یه بھی تھا که چیلی لکھاوت میں اُچچاری (تلفظ) کا نہیں' مطلب کا آشارہ ہوتا ہے . اس

But I was a repaired on the con-

में तुन ह्वांग गुफा विहार खास महत्व रखते हैं. यहाँ की कला पर गंधार (तच्च शिला पेशावर) और मधुरा कला का बहुत खसर पड़ा है. यह बहुत मुमकिन है कि जैसे साहित्य के निर्मान में भारती पंडितों ने चीन में जाकर काम किया, उसी तरह भारती कलाकारों ने इन कला की महान यादगारों को तैयार करने में हाथ बटाया हो.

1913-14 ईसवी में कुछ पिछमी खोज करने वालों की टोलियां बीच एशिया और चीन के कई भागों में गई थीं. उस समय जरमन टोली का नेता लेलाक, जिटिश टोली का स्टाइन, फ्रेंच टोली का वासी रूसी एकेडेमी का भी एक दल च्याया था, फ्रानसीसी दल अपने काम के लिये बढ़ता सेचूवान में पहुंचा, जहाँ सातवीं सदी से पहले की कई आहम चीजें मिली. वहां के गुफा विहार तुन्ह-वांग से कम ब्रह्मियत नहीं रखते. यहाँ के सबसे जियादा ऋहम खंडहर यू-कान (बुद्ध पवित्र स्थान) भौर च्यान-यू, यन (बुद्ध की चोटी) हैं. ह्वान पू एन का गुका विहार किवाड़ यू यन नगर के पास एक पहाड़ पर है, जिनमें सात आठ सी गुफायें हैं. इसे एक चीनी सरकारी श्रोहदेदार वई-कांग ने बनवाया था. पवित्र स्थानों में से कितने ही बोधी सत्तुत्रों और भिन्नु शों की मूर्तियां हैं. इन गुफाओं में बहुत से शिला लेख (पत्थर के खम्भे जिन पर इवारत खुदी हैं।, जिन में कितने ही संग युवान, मंग धौर चंग (मंचू) काल के भी हैं. इस स्थान से कुछ मील दर हट कर हांग चे-से में कितनी ही गुफाएें हैं, जिनमें बहुत से सुन्दर चित्र हैं. इसी पहाड़ में 16 फीट लम्बी एक ध्यान किये हुए बुद्ध की मुर्ति हैं.

संगीत.

चीन का अपना एक आजाद संगीत है, जिसका दूसरे देशों से बहुत कम मेल हैं. भारत में संगीत बीना और वेनू जैसे साजों के सहारे गाया जाता है, पर चीन में जैसा कि आज भी अकसर वेखा जाता है, हाथ से बजाने बाले बाओं से मदद ली जाती हैं. छटी सदी में इन गुफाओं में जो दृश्य दिखाए गए हैं, उनसे पता चलता है कि वीना चौर वेनू जैसे बाजों का उस समय कुछ कुछ प्रचार होने स्ता। था, जो पीछे, बन्द हो गया. शुरू में बौद्ध धर्म का प्रचार करने वालों के लिये यह बड़ी कठिनाई थी कि कैसे बौद्ध स्तुतियों श्रीर प्रार्थना श्रों को चीनी संगीत में ढाला जाप. चीनी शब्द एक सलेबली होते थे, जब कि संस्कृत शब्द अधिक सलेवली होते हैं वहाँ एक ऐसे संगीत की ज़रूरत थी, जिसे विदेशी और स्वदेशी दोनों ही भक्त एक साथ इकट्ठा गा सकें. कहा जाता है एक विई (192-232 ईस्बी) राजकुमार चाव-ची ने ऐसे 42 गीत बनाए थे. किनमें बहुत से झटी और सातवीं सदी में भी मौजूद थे.

विसम्बर '51

میں ن موانگ کھھا وہار خاص مہتو رکھتے ہیں ، یہاں کی كلير تندهار (تكشة پيشارر) اور متهرا كة كا بهت اثر يواهي. یہ بہت ممکن ھے که جیسے سامته کے نومان میں بھارتی بلدتوں نے چین میں جاکو کام کیا اُسی طوح بھارتی کا يرن فإن كلا كيمهان ياد اروركو تهار كر فيمين داته بالما هو آ 1913-11 میسوی میں کچھ پچھیی کھوج کرنے رالوں کی تولیاں بیچ ایشیا اور چین کے کئی بھاگوں میں گئیں تھیں . اُس سمے جرمن تولی کا نیٹا لیٹک' برتش تراتی کا استانی ونیج ترای کا واسی تها . روسی اکیدیدی کابھی ایک دل آیا تھا فرآنسیسی دل ایے کام کے لئے بڑھتا سیچو وال میں پہونچا، جہاں ساتویں صدی سے بہلے کی کئی اهم چیزیں ملهں ، وهاں کے کبها وهار نله هواگ سے کم اهمیت نهیں رکھتے ، یہاں کے سب سے باده الم كهنتهم يوكان (بده يوتر استهان) اور جهان یوین (بده کی چوٿی) هیں، هوان، یو، ین کا الها رمار کوار یو ین نگر کے پاس ایک پہار پر ھے' جن میں سات آٹھ سو کھپائیں ھیں . اِسے ایک چیلی سرکاری عهدے دار وئی کانگ نے باوایا تھا ، پوتر استھانوں مھی سے كلام هي بودهي ستتوون اور بهكشوون كي مورتيان هيں . إن كهاؤن مين بهت سے شد الايكه (يعهر كے کہمیے جن پر مدارت کہدی ہے) جن میں کتابے هی سنک یوآن منگ اور چنگ (منچو) کال کے بھی هيں۔ اِس استهان سے کچھ میل دور همت کر هوانگ چے . سے میں کتنی می کپھائیں میں' جن میں بہت سے سندر چتر هيں . اِسى پهار مهن 16 فت لمبى ايك دهیان کئے هوئے بدھ کی مورتی ھے .

سلكيت.

چهن کا ایلا ایک آزاد سنگیت هے جس کا دوسرے ديشوں سے بہت كم ميل ھ . بهارت ميں سلكيت وينا ارر ریدو جوسے سازرں کے سہارے کلیا جاتا ہے' پر چون میں جیسا کہ آج بھی انثر دیکھا جاتا ہے' ھاتھ سے بجانے والے باجوں سے مدہ لی جاتی ہے ، چھٹی مدی میں اِن کیهاوں میں جو درشیم دکھائے گئے هیں' اُن سے پاء آنگتا ہے' که ویلا اور ویلو جهسہ باجوں کا اُس سے كجه كجه پرچار هوني لكا تها جو يهجه بند، هوگها . شروع میں بودھ دھرم کا پرچار کرنے والوں کے لئے یہ بوی کھھنائی تهی که کهسه بوده استوتیرن اور پرارتهاای کو چهای سلكيت مين دهالا جائي . چينى شبد ايك سليبلى ھوتے تھے' جبکہ سلسکرت کے شبد ایک سلیبلی ھوتے هیں . وهاں ایک ایسے سلکیت کی ضرورت تھی' جسے وديشي اور سوديشي دونون هي بهكت أيك ساته اكثها ا ساهن . كها جاتا ه ايك ويكى (232-192 عهسوى) راجكمار جاو جي نے ايسے 42 كيت بنائہ تھ، جن میں بہت سے چھٹی اور ساتویں شدی میں بھی موجودتھے۔

बर्मी के विवारों के खिलाफ नहीं है. दोनों के विवार एक हा हैं. एक आदमी दोना का पालन कर सकता है. हमार यहां के उन्ने विवारों के साथ साथ बद्ध विवारों को भान लिया जाए, तो खड्डा है. पुंद्धमान आदमा जहां भी अब्हा बोजें पाता है, उनका जमा कर तता है, वह दूसरो से साख लेने के लिये तैयार रहता है."

भारती विद्वानों में धर्म रक्षक का चीन में अहम स्थान है. यह मेधाबी महान विद्वान असल में बीच एशिया के शक वंशी ये और घूमते फिरते भारत आए. यह 36 भाशाएँ जानते थे. भारती कलचर के फैजाने की उनको अवरदस्त लगन थी. 294 ईसवी में यह चीन की एक राजधानी चांग आन में पहुँचे, जहां 29 साल । 284-313 ईसवी । रहकर उन्हान अपना काम किया. हजारों चीना विद्यार्थियों ने उनसे शिद्या ली, उनसे भा जियादा लोगां ने उनके उपरेशों से कायदा उठाया. उन्होंने 211 भारती मंथों का चीनी भाशा में अनुवाद किया था, जिनमें से 92 अभी तक मिजते हैं. कुमार जीव का नाम चान के महान अनुवाद करने वाले की शक्ल में ही नहीं, बल्कि महान साहित्यक (अवीव) के तीर पर भी लिया जाता है. कुमार जीव 385 ईसवी में चान पहुँचे और 16 बरस तक रह कर वहां ऊंचे साहित्य के निमान में लगे रहे.

मृतिं कला और चित्र कला.

बौद्ध धर्म ने चीनी साहित्य की श्रनमोल सेवा की. चीनी कला को भी उसकी देन अमर है. उस समय के बने हुए चित्र चान में बरवाद हो चुके हैं, लेकिन तुन ह्वांग (बाच एशिया) की गुफान्त्रां में जो बौद्ध चित्र मिल हैं. उनसे पता लगना है कि चित्र कला में भा उन्होंने चीन की शान उसा तरह बढ़ाई जैसे मूर्ति कला में शैन्सी, हियू, शातुँग, होन:न, शैन्सी श्रीर कान्सी सूर्वो में उसे समय की मूर्ती कला के सुन्दर खंडर हैं. संसार में शायद हा कोई ऐसा बड़ा म्यूजियम हो, जहाँ इन सूबों से मिली हुइ होई न कोई मूर्ती न रखी हो. उत्तरी सम्राट 'तो पावियां ने और उसक इत्तराधिकारियों ने उस समय की मृति कला की देख रेख का कितना ऋच्छा इन्तजाम किया, क मनुश्य की तोड़ फाड़ के बाद भी उनमें से कितनी ही मार्नियाँ बच गई 414-520 ईसवी के बीच तूपा सम्राट ने पहले वई राजधानी के पास फिर आधुनिक था-तंग (शान्सं:) के पास किसने ही विहार पहाड़ों को खाद कर वनवाए. यह वहा समय था. जब कि अजन्ता के विहार वन रहे थे. इन गुका-विहारों को सुन्दर मूर्तियों से मजाया गया था. तूपा भीर दूसरे राजवंशों ने भीर कई जगह गुभा बहार बनवाए, जिनमें शैन्सी में ते युन, शान-तुन, ली-चिंग, लूवांग के पास लो-मिन और बीच पशिया

دهرمیں کے وجاروں کے خلاف نہیں ہے ، دونوں کے وجار ایک کھی ھیں ، ایک آدمی دونوں کا پالن کوسکتا ہے ، ھمارے یہاں کے اونچے وچاروں کے ساتہ ساتہ یودھ وچاروں کومان لھا جائے تو اچھا ہے ، بدھیمان آدمی جہاں بھی اچھی چھزیں پاتا ہے اُن کو جمع کو لیتا ہے واد دوسروں سے سیکھ لیلے کے لئے تھار وہتا ہے.'

بھارتی ودرانوں میں دھرم رکشک کا چین میں اھم استھان ہ . یہ مےدھاری مہاں ودوان اصل میں بیچ ایشتہان ہ . یہ مےدھاری مہان ودوان اصل میں بیچ ایشتہا کے شک رنشی تھے اور کھومتے بھرتے بھارت آئے . یہ 36 بھاشائیں جانتے تھے . بھارتی کلمچر کے پھھٹنے کی ایک راج دھائی جانگ آن میں بہونچے ' جہاں کی ایک راج دھائی جانگ آن میں بہونچے ' جہاں 29 سال (313 284 عیسوی) رہ کر آنہوں نے اپنا کامکیا ، ھواروں چھٹی ودیارتھوں نے آن سے شکشا لی' آن سے بھی زیادہ لوگوں نے آن کے اپدیشوں سے قائدہ آٹھایا . آنہوں نے بھی بھارتی کو تھیس سے 92 ابھی تک ملتے ھیں . کمار جیو کا نام چین مہان انوواد کونے والے کی شکل میں ھی نہیں' بلکہ مہان سا تھیک (ادیب) کے طور پر بھی لیا جاتا ھ . کمار جیو 385 عیسوی میں چین بہونتے اور 16 برس کمار جیو 386 عیسوی میں چین بہونتے اور 16 برس کمار جیو کونوں ارنچے ساھتیہ کے نرسان میں لگے رھ .

مهرتی کلا اور چتر کلا .

ہودھ دھرم نے چیلی ساھٹھ کی اندول سہوا کی۔ چیدی دلا کو بھی اس کی دین اسر ھے . اُس سمے کے بلے هوئے چندرچین میں برباد هوچکے هیں' لیکن تن هوانگ (بیبے ایشیا) کی کپھاؤں میں جو بودھ چھر ملے ھیں' أن سے يته الكتا هے كه چتو الله مهن بهى أنهوں لے جهن كى شان أسى طرح بومائي جيسے مورتی کا ميں۔ شهانسی' هيوا شاتلک هوان شيلسي اور كانسي صوبول مين اُس سے کی مورتی کا کے سلدر کھلڈار ھیں. سلسار میں هاید هی کوئی آیسا برا مهرزیم هو جهاں اِن صوبوں سے ملی هوئی کوئی نه کوئی مورتی نه رکھی هو ، أتری سمرات ' تو یاچیو' لے اور اس کے اُترادھکاریوں لے اُس سهے کی مورتی کلا کی دیکھ ریکھ کا کٹنا اچھا اُنٹظام کیا' که منفس کی تور پهور کے بعد بھی اُن میں سے کتنی ھی هورتهاں بھے گئیں . 520-414 میسوی کے بیٹے تویا صدرات نے بہلے وی . ای راجدهانی کے پاس پهر آدهونک تھا تنگ (شانسی) کے پاس کتنے هی وهار پهاروں کو کھوں کر بقوائے ، یہ وهی سم تها' جبکه اجلتا کے وهار بن رهے تم . إن كهها وهارون كو سقدر صورتيون سے سنجايا كيا تها . تبھا اور دوسرے راج ونشوں نے اور کای جانم کھھا وھار بلوائے' جن میں شہلسی میں تے بن' شان تن' ئی جنگ کو یانگ کے پاس لو من اور بیج ایشیا

81 साल बाद शुरू हुआ, जबकि पारथियन विद्वान अन-सी काओं (76-149 ईसवी में)) चीन पहुँचे. उस समय ईरान पर पारिथयन वंश का राज था. शक छौर पारिथयन दोनों ही उसी पुराने शक जिनसे सम्बन्ध रखते थे, जिनसे आगे पूरबी योरप का सलाद जातियां निकली अन या अन सी चीनी भाशा में पारिथयन को कहते हैं. सी-काश्रो के बार में कहा जाता है कि चन्होंने राज छ। इकर भिन्न वन लिया था. करयप की तरह बीच एशिया के रास्ते वह 149 ईसवी में चीन की राजधाना लायांग में पहुंचे आर वहां के सफ़ेद घोड़े विहार में रहते लगे. अपने बाईस साल के चीन के जीवन में उन्होंने भारती तिवार धारा से चानी विद्वानों को परिचित कराने के लिये अनथक मेहनत की. अन-मी कात्रों के सिर अपगर चीन में बीद्ध धर्म की नीव मजबूत करने का सेहरा है, तो साथ ही साथ दाना देशों के कलंचरी सम्बन्ध को मध्यूत करन का भी सेडरा उन्हीं के सिर वांधना पड़ेगा. उनके 95 अनुवाद किय प्रंथों में 55 अबभी मिलते हैं. हान कात्र में चीन ने सभा मैदानों में बड़ी तरक्रकी की थी. राज ठाजी उपौर कल चरी दोनों तरह से उसी समय वीन का बहुत दूर तक फैनाब हुआ। साहित्य, कला, नई नई ईजादें मधी तरक चीन ने उस काल में तरक का की थीं. इया तरक का में भारती बौद्ध धर्म ने भी पहुंच कर हाथ बटाया था. उस काल के दूमरे अनुवाद करने वाले श्रोर प्रवार करने वाले चू-अन-जी (भारतो महाबल) श्रीर तुत-को-श्रो भारती थे, स्नांग के स्त्रीर वांग मूंग-स्यांग ताजिकथे. वान में उन वक्तत भारता विवार घारा और कनचर का इतना स्वागत हुआ कि आ गे इस काम में हाथ बंटाने के लिये खतन, ताजिक-स्तान, भारत और सिंघल से कितने ही विद्वान वहां पहुँचे. चीन में रजवाड़े की सहायता से सब से आगे कुन-को-सी की तालीम का बहुत प्रचार था, जिस का ऋष्यात्मिकता (रहानियत) से गहरा ताल्लुक नहीं था. नाओं की तालीम रहस्यवाद जन्र था, पर उसमें से ऋजगाव ऋधिक था. व द धर्म की तरक वहां के सोचने विचारने वालों का ध्यान किस लिये गया, इसके बार में इस समय के एक चीना विद्वान की राय थी--

"किन कूसी तालीं महकूमत के जियादा गंभीर सवालों का कोई उत्तर नहीं दे सकती. वह न जीवन संमाम में बड़ने के लिये आदमी को शिक्त दे सकती है, और न मीत के समय तसल्ली ही " चीन की विवार धारा के साथ मिलन और सममीता करन के लिये हमार भारती नुमाइन्दे बराबर तैयार रहत थे. ईमा की दूसरी मदा में दिक्लनी चीन में मूचू एक भशहूर बौद्ध विद्वान थे. उनकी श्राम थी—"कंग फंग-चे धम राज धम हो सकता है, लेकिन की दू धम जनता का धम है. बुद्ध की तालीम चीन के पुराने

ا سال بعد شروع هوا' جبكة دارتهين ودوان أن سي . ر 149-76 میسری میں) جہن پہونتھے . اُس سے ان در پارتهین ونص کا راج تها . شک اور پارتهین دونون آسی پرانے شک جن سے سمبندھ رکھتے تھے' جن سے برزی یورپ کی سلاد جانیاں نملیں ، آن یا آن ، سی نے بھاشا م**یں پارتھھا کو کہت**ے ھیں ، سی ، کاؤ کے ے میں کہا جاتا ہے که اُنہوں نے راج چھوڑ کر بھکشو اليا تها ، كشيب كي طرح بيب ايشيا كي رأستي وه 1 عیسوی مدی چین کی راج دهانی لویانگ میں نصے اور وهاں کے سفید کھوڑے وعار میں رعلے لکے اپنے ہس سال کے چھن کے جدون میں انہوں نے بھارتی ا، دعاراً سے چھلی ودوانوں کو پرپچیت کرانے کے لئے یک محمدت کی . آن . سم . کاؤ کے سر اگر چین میں a دهرم کے نیو مضبوط کرنے کا سہرا هے ' تو ساتھ هے ساتھ اں دیشوں کے کلچوری سمجدھ کو مضبوط کرنے کا سہرا اُنھیں کے سر باندھلا یوے کا اُن کے 95 اد كئے كونتيوں ميں 55 اب بھی ملتے ھيں. ، کل میں چھن نے سبھی میدانوں میں بوی کی تھی ، راج کاجی اور کلنچری دونوں طرح سے سعے چین کا بہت درر تک بهیاؤ هوا . ساهتیم، نگی نگی اینجادیں' سبھی طرف چین نے اُس کال ے ترقی کی تھی اِسی ترقی مِیں بھارتی بودھ دھرم بھی پہولیم کو ھاتھ بقایا تھا۔ اُس کال کے دوسرے اد کرنے والے اور برچار کرنے والے چو. ان لی (بھارتی بل) اور تن کو او بھارتی نھے کھانک کے اور گ- مونگ سدانگ تاجک تھے ، چین میں اُس ت بهارتم وچار دهاوا او، كالجير كا أتنا سرائت هوا كه اِس کام میں هاته بتانے کے لئے ختی تاجکستان بهارت سنهاکل سے کتنے هی ودوان وهاں پهونجے ، مهی چین اڑے کی سہائٹا سے سب سے آئے دی فو سی کی يم كا بهت يرچار تها بس كا أدهيا تمكتا (روحانيت) گهرا تعاق نهرس تها . تاؤ كي تعلهم ميس وهسهمواد · تها' پر اُس میں دنیا سے الفاؤ آدیک تھا ، بودھ دھرم عرف وهاں کے سوچنے وچارنے والوں کا دھمان کس لئے گھا' کے بارےمیں اُسسے نے ایک چینی ودران کی دائے تھی۔۔ ''کن فوسی تعلیم حکومت کے زیادہ گمجھیر سوالوں کا ے اُتر نہیں دیے سکتی ، وہ نه جهون سلکرأم مهی ، کے لئے آدمی کو شکتی دے سکتی ہے اور نہ موت، سمير تسلي هي ." چين کي وچار دهارا کے ساتھ ملغے سمجهونا کرنے کے لیے همارے بھارتی نمائلدے برابر رهاتے تھے ، عیسول کی درسری صدیی میں دکھلی ن ميں مرو . چو ايك مشهور بودھ ودران تھے . أن كى تهی کنگ فنگ چے دھرم راج دھرم ھوسکتاھ' لیکن م دھرم جنتا کا دھرم ھے . بدھ کی تعلیم چھن کے پرانے

(496)

251, years

the first and a second william as a

चीन पर बौद्ध धर्म का ग्रसर

(सहा पंडित राहुल सांकृत्यायन)

चीन में ऐसी परम्पराएँ मिलती हैं जो ईमा से दो मदी पहले वहाँ बीद धर्म के जाने को साबित करना चाहती हैं, लोकन उनका धाधार ठोस नहीं हैं. तो भी अगर नए चीनी जनराज की सीमा को ले लें तो सिक्यांग में बौद्ध धर्म के ईसा से पहले तीसरी सदी में पहुंचने को नामुमिकन नहीं कहा जा सकता. लेकिन हान वंश (220-25 ईसवी) के समय तो जरूर ही चीन में बौद्ध धर्म पहुँच चुका था. इसी वंश का राजा मिंग-ती (58-76 ईसवी) को बौद्ध धर्म का प्रचारक माना जाता है. राजाओं की प्रधानता के जमाने में हर चीज का राजा के साथ नाता जोड़ना जरूरी सममा जाता था.

ब्रगर तुर्क सम्राट 'तू-बा' (568-809) घौर उसकी प्रजापर एक जंगी केदी बौद्ध भिन्नु असर डाल सकता था, तो लाखों की तादाद में जो बौद्ध, शक, हुन, जंगी क़ैदी हा कर चीन में जाते थे, उनसे बौद्ध धम का परवय चना जनता को नहीं मिला हो, यह नहीं भाना जा सकता. मिग-ती के बौद्ध धर्म को अपनाने का यहा मतलब समझना चाहिये कि अब वह चीनी रजवाड़े में भी मान के क़ाबिल हो चता. सिंग-ती ने बौद्ध धर्म की किताबों श्रीर भिन्नुश्रों को लाने के लिये अपने दृत बाहर भेजे. उन्हीं के साथ घरमी किताबें लिये 67 ईसवी में करयप मतंगा श्रीर धर्म रतन हो भारती भिद्ध चीन पहुँचे. भारता ग्रंथ का सब से पुराना श्रनुवाद कश्यप ही का है, जो अब भो मिलता है. मिंग-तो ने सफोद घोड़ों पर चढ़कर राजधानी लो-यांग पहुंचने वाने इन भिद्धान्त्रों का बड़ा स्वागत किया, और उनके लिये वहां सकेद घोड़ा विहार (पे-मा-से) बनवाया. कश्यप बीच मंडल के निवासी थे. बीद्ध पंथों में कुल्चेत्र से संथाल परगना और हिमालय से विन्धयाचल के बीच की भूम यानी आजकल का उत्तर प्रदेश आरे विहार को बीच मंडल कहा जाता है. कश्यप हीन साहित्य के पंडित ये वह दक्क्सिन भारत में धर्म प्रचार के लिये गए थे. उनके साथी धर्म रतन भी बीच मंडत के रहने वाले विद्वान थे. अगरचे करयप और धर्म रतन ने और भी प्रथा का भनुवाद किया था, लेकिन वह अब मिलते नहीं हैं, तो भी उन्होंन अपने पढ़ने पढ़ाने, बहस छौर सत संग के जरिय जा काम किया, वह चीन को भारत के नज़दीक लान में बढ़ा सहायक हुआ, इसमें शक नहीं.

साहित्व के मैदान में सब से ठोस काम करयप के

چین پر بوده دهرم کا اثر

(مها پذدت راهل سانکرتیائن)

چان مهی ایسی پرمپرائیں ملتی هیں جو عیسواسے دو صدی پہلے رهاں بوده دهرم کے جانے کو ثابت کونا چاهتی هیں اور نئے هیں الیکن ان کا آدهار تهوس نہیں ہے تو بھی اگر نئے چیلی جن رأج کی سیما کو لے ایس تو سلامیانگ میں بوده دهرم کے عیسی سے پہلے تیسری صدی مهور یہونچئے کو ناممکن نہوں کہا جاسکتا الیکن هان ونش (25-22 عیسری) کے سے تو ضرور هی چین مهی بوده دهرم یہو جے کا تھا اسیونش کا رأجه ملگتی مهی بوده دهرم یہو جے کا تھا اسیونش کا رأجه ملگتی راجای کی یودهانگا نے زمانے میں هر چیز کا راجه کے ساتھ راجای کی یودهانگا نے زمانے میں هر چیز کا راجه کے ساتھ راجای کی دوری سمجھا جاتا تھا .

اكر ترك سمرات ' تربا ' (809-568) أور أسكور يرجا يرأيك جلكي تهدى بوده بهكشو أثر ذال سكتا تها تو لاکھوں کی تعداد میں جو بودھ عک عب جنگی قیدی هوکر چین موں جاتے تھے' اُن سے بودھ دھرم کا يريحي جيلي جلتا كو نهيل ملاهو يه نهيل مانا جا سكتًا . مذك تي ك بوده دهرم كو أيناني كا يهي مطلب سمجهلا چاهدُے که آب وہ چیلی وجوازے میں بھی ماں کے قابل هو چلا منگ تی نے برده دهرم کی کتابوں اور بهکشوؤں کو لانے کے لئے اپنے دوت باہر بھرھے . اُنھوں کے ساته دهرمی تتابیل لئے 67 عیسوی میں کشیب متنکا اور دەرم رتن دو بهارتى بهكشو چين پهو*نچے* . بهارتى گرنگعه کا سب سے پرانا انوراد کشیب هی کا هے جو اب بهی ملتا ہے . ماگ تی نے سفید گھوڑوں پر چڑھکر راجدھانی لویانگ یهونچدے والے اِن بهکشروں کا بوا سواکت کیا اور اُن کے لئے وعاں سفید گہورا وهار (پے - ما - سے)بقوایا . کشیب بھی منڈل کے نواسی تھے ۔ بودھ گرنٹھوں میں كوكشهتر سے سنتهال پركله اور هماليه سے وندههاچل كے میچ کی بهومی یعلی آجکل کا اتر پردیش اور بهار کو بهم ملدل كها جاتا هي . كشيب هين ساهته كي بندت تھے۔ وہ دکھن بھارت میں دھوم پرچار کے لئے گئے تھے۔ أن كے ساتھى دهرم رتن بھى بيچ ملدل كے رهلے والے ودیوان تھے . اگرچه کشیب اور دھرم رتن نے اور بھی کرنتھوں كا أنوواد كها تها لهكن ولا أب ملته نهين هين توبهي أنهين نے اپے پوهنے پوهانے بحث اور ست ۔ لاک کے ذریعے جو کام کھا' وہ چھن کو بھارت کے نزدیک لانے میں ہوا سهائک هواا اس مین شک نهین .

ساهتهه کے میدان میں سب سے تہوس کام کشیب کے

. نها هلك

1

इस मौसम में काराज की किताबें फेंक हो! गरमी की दोपहर साने के लिये हैं. जाड़े के बरफीले तूफीनों में, पढ़ाई नहीं हो सकती— फजूल किताबें रखने से क्या फायदा—— इन्हें फेंक दो!

हान कान्ति के पहले वहां की सरमायादार सरकार उनकी गादी कमाई किस तरह छान लेती थी. इस का जिकर नीचे लिखे गीत में किया गया है. जरा गौर करमाइये—

संगीत की मांठे सुरों से,
हमने धान खेतों में रोपी.
हमारी आशाओं के साथ,
हमारे धान बढ़े.
कड़ी मेहनत के बाद, हमारे जानवर घास चर रहे हैं,
पर सरकारी अफसर, नए चावलों के,
पकवान खा रहे हैं.
और हम किसानों, मेहनत कशों, धरती के लालों को,
धान के छिलकों पर सन्तोश करना पड़ता है.
सरकारी दफ्तर में जा कर हमें अपनी सारी कमाई,
जाबरदस्ती छोड़ देनी पड़ती है.

चीन श्रौर हिन्द के यह देहाती गीत कितने मिलते जुलते हैं. श्राज चीन में पूर्ग समाजी श्राजादी हैं श्रौर किसानों मजदूरों के सिरों म दुखों श्रीर तकलीकों के काले बादल छट रहे हैं. वहाँ की पूंजी वादी सरकार की तरह अब वह लोक गीत भी बदल जाएंगे जिनमें अपनी तकलीकों का कारन भाग्य श्रौर भगवान की इच्छा को समस्त कर सन्तोश कर लिया जाता था. क्योंकि श्रवामी इन्क़लाब ने जनता की जेहनियत को भी बदल दिया है. चीनी किसान श्रौर मजदूर श्रव अपने हाथों अपनी किस्मत बदल चुके हैं श्रौर पूंजीबाद श्रौर साम्राजवाद के जालिम हाथों कुचली हुई चनकी श्रातमा श्रों में श्राजादी की चमक श्रा गई है श्रौर चनमें एक नया जोश पैदा हो गया है. चनके दिल श्रातम विश्वास श्रौर खद प्तमादी से भर गए हैं.

إِس موسم میں کافٹ کی کتاب پہیلک دو! گرامی کی دولهار سوئے کے لئے ہے ، جاڑے کے برقیلے طوفانوں میں' ِ روهائی نهیں هو سکتی۔۔ نضول کتابیں رکھتے سے کیا ِ فائدہ' انہیں پہیلک دو!

چین کی مہان کرانٹی کے پہلے وہاں کی سرمایعدار سرگر انکی گاڑھی کماٹی کس طرح چھون لوٹنی تھی اِسکا ذر نیجے لکھے گھت میں کیا گھا ھے ، ذرا فور فرمایگے---

سنگیت کے میتھے سروں سے'

هم نے دھان کھھ^یوں مھں روٹی ، هماری آشاؤں کے ساتھ' همارے هان بو<u>ه</u>ے .

کوی منصلت کے بعدا همارے جانور گھاس چررہے هیں' پر سرکاری اقسر' نگے چاولوں کے'

يكوان كها رهے هيي .

اور هم کسانوں مصلت کشوں دهرتی کے اللوں کو، دهان کے چھلکوں پر سلتوش کرنا ہوتا ہے .

سرکاری دفتر میں جاکر همیں ایلی ساری کمائی' زبردستی چهرز دیائی پرتی هے .

چین آور هند کے یہ دیہاتی گیت کتنے ملتے جلتے هیں. آج چین میں پوری سماجی آزادی هے آور کسانوں مزدروں کے سروں سے دامہوں آور نکایفوں کے کالے بادال چیت ویے هیں ، وهاں کی پونجی وادی سرکار کی طرح اب ولا لوک گیت بھی بدل جائیں گے جن میں اپنی تکلیفوں کا کارن بھاگیہ آور بھگوان کی اچھا کو سمجھکر سنترهی کرلیا جاتا تھا ، کیونکہ عوامی انقلاب نے جلتا کی ذهنیت کو بھی بدل دیا ھے ، چینی کسان آور مزدور اب اھے هاتھوں اپنی تسمت بدل چکے هیں آور بونجی واد آور سامواج واد کے ظالم هاتھوں کچلی هوئی بونجی واد آور سامواج واد کے ظالم هاتھوں کچلی هوئی میں آیکی آتماوں میں آزادی کی چمک آگئی ہے آور ان میں ایک نیا جوهی پودا ہوئیا ھے ، آدکے دل آتموشواس میں ایک نیا جوهی پودا ہوئیا ھے ، آدکے دل آتموشواس

Contract of the last

त डा निर्मिर पास तेत नहीं है.

सखी-तू साना क्यों नहीं खाती ?

लड़की-कोई साथी नहीं है.

सखी-श्रच्छा ! उठ दिया तो जला.

लड़की-चुप भी रह ! देख, तूकान उठ रहा है.

लड़की की सखी खीज उठती है और आखीर में कहती
है-'श्रच्छा दुखी न हो! तेरा प्रीतम शाम तक ज़क्र श्रा

श्रकीम चीन की चीज नहीं है. विदेशियों ने इसका प्रचार चीन में करके चीन को बड़ा नुक़सान पहुँचाया है. श्रकीम के बारे में भी एकगीत है—

जायगा, चुलिन."

श्रकीम किसी दूसरे देश से यहाँ शाई, चारों श्रोर से वह हमारी हत्या कर रही हैं. मीत से पहले हम मीत के मुंह में समा रहे हैं, श्रकीमचियों का दिया ठीक ऐसा लगता है— जैसा कि कह के पास जला करता है, धन श्रीर ताकृत का नाश हो गया, हमारे पास, हाय! श्रञ्ज तक न बचा. कपड़े न रहे, श्रीर न कोई सन्ना साथी ही रहा.

एक बूढ़ा चांनी अपना जिन्दगां को आखिरी मंत्रिलें तय कर रहा है. अपनी बीता हुई जिन्दगी की ओर वह त्रूम कर दे ता है, निराशा से उसका दिल अकसोस करने लगता है. जिन्दगी का बहुत सा समय उसने वेकारा में ही विदा दिया. वह कहता है—

सोचा था बचपन में, नगाड़ा बजाऊंगा, पर यह काम कठिन लगा. किर सोचा कि टोपियां हो बुनूँ, पर मैं एक भी पोपी न बुन सका. किर सोचा जुड़ाई का काम ही करूं, पर एक दूटी केतली भी न जोड़ सका. ए भगवान! तूने मुक्ते घौरन क्यों न बनाया? हाय! मैं सीने पिरोने का काम भा तो नहीं कर सका. इसी सोच में मैं बुढ़ा हो गया हूँ, (जन्दगी की घास्तिरी मंजिल पर खड़ा हूँ.

चीन में कुछ बच्चे पढ़ाई से जी चुराते हैं. एक ऐसे ही चीनी लड़के का गीत हैं--बसन्त, कुद्रत की किताब पढ़ने का समय हैं, الموقی سے مورے واس کیل نہیں ہے ، سکھی سے بورے کھانا کیوں نہیں کہانی ؟ الوکی ساتھی نہیں ہے ، اسکھی ساتھی التھ دیا تو جلا ۔ التھ دیا ہے ۔ التھ دی

لوکی کی سکهی کههم آتهتی هے آور آخیر سهل کهتی هرست الهها دکهی نه هوا تهرا بریتم شام تک ضرور آجائے محاسب الها

المهم چهن کی چیز نهیں هے . دیشیوں نے اِس کا پرچار چهن میں کرکے چین دو ہوا نقصان پہونچایا هے . افیم کے بارے میں بھی ایک گہت ہے۔۔

اقیم کسی دوسرے دیش سے یہاں آئی' چاروں اور سے وہ هماری شتیا کررهی هے . موت سے پہلے هم صوت کے ملم میں سمارهے هیں' افیمچیوں کا دیا تھیک ایسا لکتا هے' جهسا که قبر کے پاس جا کرتا هے . دهن اور طاقت کا ناش هوگیا' همارے پاس' هائے ! اُن تک ته بچا . کہرے نه رهے' اور ته کوئی سحیا ساتهی هی رها .

ایک بورها چهلی اپلی زندگی کی آخری ملزله طے کورها هے ، اپلی بیتی هوئی زندگی کی اور وہ گھوم کر دیکھتا هے ، نراشا ہے اس کا دل افسوس کرنے لکتا هے ، زندگی کا بہت سا سبے اُسلے بیدری موں هی بتا دیا ، ہاکیتا ہے۔۔۔

سوچا تھا ہجھیں موں' نازا بحازں گا'
پر یہ کام کتھی لکا .
پر میں ایک بھی توپیاں ھی بنوں'
پر میں ایک بھی توپی نه بن ساہ .
پہر سوچا جوزائی کا کام ھی کروں'
پر ایک ڈوٹی کیا کی بھی نه جوز سکا ،
اے بھکواں! تونے محھے عورت کیوں نا بنایا ؟
ھائے! موں سینے پرونے کا کام بھی تو نہیں کرسکا .

اسی سرچ میں میں بورھا ھوکیا ھوں' وندگی کی آخری مقزل پر کھوا ھوں .

چھن موں بھی کچھ بچے بومائی سے جی چرائے ھیں ، ایک ایسے ھی چہلی لوکے کا گیت ہے۔۔۔

ہستیت تدریع کی کتاب ہوھئے کا سمے ھے ا

دسبير 51

हैं. जरा एक मयावनी जोरी भी सुनिये— मेरे राजा मुन्ने सीजा, न तो मां हूँ खाए. सोजा मेरे राज दुलारे, न तो भेड़ा खाए. सोजा मेरे घाँख के तारे, मन्ना वावा चाए. पीठ पे वसके एक नगावा, मुन्ने की हरवार.

चीन में भी चिदियों की बोली से शगुन विचार किया जाता है. हमारे देश के नीलकंठ की तरह "दिवी कि की" वहाँ की अच्छी चिदिया सममी जाती है. एक गीत है— अच्छी दिवी कि की बोल रही है, मीठे सुरों में बोल रही है. अब पिता बहुत सा धन कमाएंगे, मां के खौर बेटे होंगे. भाई का भी विवाह हो जाएगा; भाभी आएगी, उसे भी बच्चे होंगे, खौर मुमे छोटा चाचा कह कर पुकारेंगे.

भीन के मझाह अपनी मेहनत और कारीगरी के लिये दुनिया भर में मशहूर हैं. एक मझाह का गीत है— इक्सिन से बादल उठ रहे हैं, किश्ती समुन्दर से निकाल को.

× ×

खत्तर से बादल उमड़े,

का पानी घरों में वाहर घुसेगा.

×

पूरव से वादल भाए,

त्कान से बचने को तैयार हो जाओ.

× ×
पिछ्डम में बादल चठे,
मेघों की देवी बादिश के कपड़े पहन रही है.

क चीनी तड़की अपने प्रीतम के विरह में बैठी है. हुआ के मारे उसकी आखें गीली हो उठी हैं. उसकी एक सबी इससे दुख का कारन पूछती है. पर तड़की क्या खबाँब दें १ जरा उनका सवाल जवाब भी सुनिये—

सची- चुलिन (गोरी) बाल सँबार को.

بن فرا ایک پهپاونی لوری بھی سلگے ۔۔۔
میرے راجا ملے سوجا'
ن تو ۔۔ ماں هوں ۔۔ کھائے ،
سر جا مہرے راج فالارے'
ن تو بھیڑا کھائے ،
سو جا میرے آنکھ کے تارے'
جہبا بابا آئے ،
پیٹھ یہ اُس کے آیک نکارا'
میے کو قر وائے ،

چین میں بھی چوہرں کی بولی یہ شکن وچار کیا ا م ممارے دیمس کے نیل کلتھ کی طرح '' دوی '' رماں کی اچھی چوہا سمجھی جاتی ہے ، ایک د م ---

اچهی دری ککی برل رهی هے'

مہدّھے سوروں میں بول رھی 🛋 ۔

اب يتا بهت سادهن كمائهدكم،

ماں کے اور بھٹے ھونگے .

بهائی کا بھی وراہ هو جائے گا ؛ ·

بهابهی آلے کی اُسے بھی بنچے هونگے،

ارر مجه چهوتا چاچا کهکر هکاريلگه.

چین کے ملاح اپنی معمنت اور کاریگری کے لگے دنیا میں مشہور ھیں . ایک ملاح کا گیت ھے — دکین سے بادل آٹھ رہے ھیں'

کشتی سمندر سے نکال لو،

أنر سے بادل أمدّے'

بازھ کا پائی گھروں میں ضرور گھسے گا۔

x x x x

پورب سے بادل آئے'

طرفان سے بچلے کو تیار ہوجا .

بجهم مين بادل أثه

میکھوں کی دیوی ہارش کے کپوے پہن رھی ھے .

ایک چیلی لوکی آب پریتم کے برہ میں بیتھی ہے ، کے مارے اُس کی آنکھیں گیلی ہو اُتھی ہیں ، اُسکی سکھی اُس کی آنکھیں کیلی ہو اُتھی ہیں ، پر لوکی سکھی اُس سے دکھ کا کارن پوچھتی ہے ، پر لوکی جواب دے ؟ ذرا اُن کا سوال جواب بھی سنٹے ۔۔۔

سکهی --- چلن (گوری) یال شاوار لو .

×

×

×

×

تنهس لا الوالي المن

तू ने दृल्हें को क्या देखा है।
पहाड़ की तरह पैरों बाजे,
जिसके घर में घान तक नहीं है।
ऐसे दूल्हें को क्या देखा है ?
उस हँसना तक नहीं आता,
ओ री नई दुलहन!
तुमें तो उद विजाब के साथ,
वगह दिया जाएगा.

ते किन शादी की रस्में पूरी होते ही सारी चहल पहल त्यन हो जाती हैं, दुलहन की बिदाई के समय उसकी चपन की सखियां सब चुहल भूल जाती हैं, प्यारी सखी श्रीकाह में उनकी आँखें बरबस गीली हो जाती हैं. भरे पूराल से वह कहती हैं—

आठ श्रादमी पल भर में तेरी पालकी उठाएंगे, तुमे ससुराल जाना ही पड़ेगा—

भाई अपनी बहन को पालकी में बिठाएगा, बहिनें आँखों में अ सू भर कर बहन को बिदा करेंगी— ज्याह की ख़ुशी में, घन्टे बज रहे हैं, आतिशबाजी इन्द्र रही हैं,

पर सखी तेरे विद्धोह में, हम सब सखियां रो रहीं हैं.

सी सवा सी साल पहले चीन में कभी कभी बड़ी बड़ी इकियों की शादी छोटे लड़कों से कर दी जाती थी. इन इकियों को अपने पति के घर रहना पड़ता था, खीर का सास अकसर उनसे कठोरता का बरताव किया ली थी. इस तरह की एक बहु की छोटी बहन ति है—

मेरी बहन, तेरा सत्रहवां साल पूरा हो गया, दा चार साल में तू इक्कोस की हो जायगी; पर तेरा दूल्हा तो सिर्फ दस साल का ही रहेगा.

मेरी बहन दूरहे से कितनी ऊंची लगेगी.

मेरी बहन कहेगी—"अगर तेरी मां मुक्ते सताएगी— तो थे दूरहे ! मैं तुक्ते इसी कुएँ में ढकेल दूंगी."

चीनी मातायँ भी हिन्दुस्तानी माताओं की तरह अपने चों को डरा कर सुखाने की कोशिश करती हैं. वह अपने ों को 'मां हूँ' नाम के दैस्य का नाम लेकर डरावा करती

A CONTRACTOR OF THE STATE OF TH

فهاد کی طرح بهروں والے' بحس کے گهر مهی دهان تک نهیں هے ، ایسے دولهے کو کیا دیکھا هے ؟ اُسے هنستا تک نهیں آنا' اُسے هنستا تک نهیں آنا' اُو ری نگی دولهن! تجھے تو اُود بلاؤ کے ساتھ' بہاہ دیا جائے گا .

لوکن شادی کی رسیس پوری هوتے هی ساری چهل پہل فائب هو جاتی هے کردانی کی بدائی کے سیے اُس کی بدائی کے سیے اُس کی بیچون کی سکھیاں سب چهل بهول جاتی هیں' پیاری سکھی کے بیچہوہ میں اُن کی آنکھیں پربس فیلی هوجاتی هیں۔۔۔

آٹھ آدمی پل بھر میں تیری پالکی اُٹھائیں گے' تجھے ۔ سسرال جانا ھی پوے کا ۔۔۔

بھائی اینی بہن کو یالکی میں ہتھائے گا' بہنیں آئکھرں میں آنسو بھر کر بہن کو بدا کریں گی ۔۔۔ بیغاد کی خوشی میں' گھلٹے بیج رہے میں' آتش ہائی چھرت رہی ہے'

پر سگهی تهریخ بچهوه میں' هم سب سکههاں رو رهی ههی .

> مهری بهن تهرا سترهوان سال پورا هوگها دو خوا هوگها کی دو خوا سال مهن تو انهس کی هوجائے گی د پر تیرا درلها تو صرف دس سال کا هی رها کا .

> < x x x

ایک دن درنوں ساتھ ساتھ پنگھست جاگھنگے ' مھری بہن دولمے سے کتنی اُونچی لگے گی .

مھوی بہوں کہد گی ۔۔'' اگر تیری ماں مجھے ستائے گی ۔۔ تو آے دولیہ ا میں تجھے اِسی کلوئیں میں تھکیل دوں کی ۔''

ماتائی ماتائی بھی جلدستانی ماتاؤں کی طرح اپنے بیتوں کو قوا کو ساللہ کی کوشیں کرتی ھیں ۔ وہ اپنے بیتوں کو تمال کو ترایا کرتی

तुम हमारे शतिनिश्व हो.
तुम्हारे हाथ में माला है.
तुम घोड़े पर सवार हो.
तीर की तरह चड़कर तुम, स्वर्ग में 'तुम'
यू-हु-आंग से मिलने जाते हो.
तुम पापियों को सजा और पुन्यात्माओं को इनाम
दिलाते हो.

तुम महान हो.

• धौर दूसरे ही दिन जैसे ही सूरज की नई किरनें जमीन पर पड़ती हैं, चीनी बच्चे खुशी के मारे नाच डठते हैं, नप साल की खशी में वह गाते हैं—

स्वागत को नए साल, स्वागत को नए साल; तुम्हारे काने की खुशी में, हम अपने सब दुखों को भूल चुके हैं. (आज) माई खुशी से मूल रहा है, (कौर) बहन खुशी से कूद रही है, (क्योंकि) मां बाप ने हमें नए नए इनाम दिये हैं! और—बड़ों ने मुट्ठी भर पैसे दिये हैं.

शांत के पहते दिन दिये गए यह पैसे "या-पुई चईन" कहलाते हैं. बड़ने इन्हें अपनी मरजी के मुताबिक खर्च करने के लिये आजाद होते हैं.

चीन में भी हिन्दुस्तान की तरह बेबाओं की जिन्दगी हुओं से भरी हुई होती है. चीन के सुंग राजाओं के समय वहां विधवा विवाह पाप समका जाता था. भिग राज में अगर कोई विधवा जिन्दगी भर फिर से विवाह नहीं करती वी तो वहे आदर से देखी जाती थी. राज की तरफ से असकी इजज़त होती थी और उनके माम की तरिवयां सड़कों बर टांग दी जाती थीं. राहगीर आदर से अपना सर उनके सामने मुकाते थे. "नियांग" देवी के त्योहार के समय एक वेश के आंसुओं में इसे हुए गीत को भी सुनिये—

नियांग देवी का त्योहार आ गया,
सववार्य देवी की पूजा कर रहीं है.
सन्तान के लिये प्रार्थना कर रहीं हैं,
पर मैं बेबा पूजा और बिनती करके क्या बरदान मांगूं?
हमारे देश की तरह चीन में भी शादी ब्याह बड़ी धूम
बाम से होते हैं. नई दुलहन की सखियाँ उसे कैसे छेड़ती
हैं, यह इस गीत में देखिये. सखियां कहती हैं—

تم همارے پرٹی لفظی ہو ،

تمہارے هاته میں مالا ہے .

تم گہوڑے پر سوار هو .

تمر کی طرح آزکر تم' سورگ میں 'تم'

پر هو آنگ سے ملقے جاتے هو .

تم بایبوں کو سؤا اور پقیم آتماؤں کو انعام دلاتے ہو'
تم مہان هو .

ارر دوسرے هی دن جهسے هی سورج کی نثی کونهن ان پر پوتی ههن جهدی بچے خوشی کے مارے ناچ تے هیں' نئے سال کی خوشی مهن ولاگاتے ههں۔۔۔۔ سوائت اونٹے سال'

سواك ت أونعُه سال ؛

تمہارے آنے کی خوشی میں

هم اینے سب دکھوں کو بھول چکے هیں .

(آج) بھائی خوشی سے جھول رہائے'

(ارر) بہن خوشی سے کود رھی ھے'

(کیونکه) ماں باپ نے همهن نگے نگے انعام دیگے هیں! ارر-بروں نے متهی بهر پیسے دیگے هیں.

سال کے پہلے دن دیئے گئے یہ پیسے "یاسوئی چئین" آتے هیں . بچے اِنہیں اپنی مرضی کے مطابق خرچ ہے لئے آزاد هوتے هیں .

چین میں بھی ھندستان کی طرح بھواؤں کی زندگی ہوں سے بھری ھوٹی ھوتی ھے . چین کے سونگ راجاؤں سے بھری ودھوا وواہ پاپ سمتجہا جاتا تھا . بھنگ میں اگر کوئی ودھوا زندگی بھر پھر سے وراہ نہیں ن تھی تو بچے آدر سے دیکھی جاتی تھی ، راج کی ن سے اسکی عزت ھوتی تھی آور اسکے نام کی تختیاں ن پر تانگ دی جاتی تھیں ، راھگیر آدر سے اپنا انکے سامنے جھکاتے تھے ۔ ''نھانگ'' دیوی کے تہوءار سے ایک بھوہ کے آنسوؤں میں توبے ھوئے گیت کو سلئے ۔۔۔

سمیے سے نیانگ دیوی کا تھوھار آ گھا' سدھواٹیں دیوی کی پوچا کررھی ھیں . سلتان کے لیّے پرارتھٹا کررھی ھیں' یر میں بھولا پوچا آور بلتی کرکے کیا بردان مانگوں؟'

همارے دیش کی طرح چین میں بھی شادی بھاد ی دعوم دھام سے ھوتے ھیں ۔ نکی دلہن کی سکھیاں ، کمسے چھھوتی ھیں' یہ اِس گیت میں دیکھکے ۔ نبدان کہتی ھیں۔۔۔ اُو ری نکی دلہن ا

Barrier of the state of the

चीन के देहाती गीत

(भाई श्रवन कुमार पचौरी)

हर एक खेतिहर देश की असली जनता तो वहां के गांवा में ही रहती है. देहातों की जिन्दगी से सम्बन्ध रखने वाले गीतों से इमें उस देश की कलचर को सममतने में मन से जियादा मदद मिलती है. सियासी नीति चौर रतकतायों का अगर उन पर असर पड़ता भी है, तो भी वह इन्हें बदलने में सफल नहीं हो पाते. व्याकरन (प्रामर) ग्रीर छन्दों में बंधा हुआ साहित्य (तिटरेचर) हमें जनता के एक खास पढ़े लिखे शहरी आदिमियों की जिन्दगी और क्लचर के बारे में ही बताता है. जनता की असली हालत तां वहां के देहाती साहित्य से ही मालूम हो सकती है. हेहाती गीतों में हमें वहां की आम जनता के सख-दख, प्रेम-विरह और कृदियों से भरे हुए रीत रिवाजों का अच्छी तरह से पता चलता है. इसलिये कि किसी भी सुल्क की असली कल वर में वहां के देहाती गीतों का बहुत बड़ा हाथ होता है. हिन्दुस्तान की तरह चाने भी एक खेतिहर देश है. चीनी जनता पूरे साल खेतों में कसलें खड़ी करने के काम में मशराल रहती हैं वहां की जमीन पथरीली है और ठन्ड के मंसिम में कड़ी सरदी पड़ने के कारन उन्हें अपने काम को पूरा करने में बहुत सी कठिनाइयां का सामना करता पड़ता है. उनके त्योहार उनकी रोजाना की जिन्दगी मं नयापन श्रीर तालगी लाकर, इन्हें मुसीबतों से लड़ने के लिये नया बल स्थीर नया जोश दे जाते हैं. इसलिये चीनी जनता त्योद्वारों का इन्तजार बड़ी बेताबी से करती है. इन मीक़ों पर बच्चे, बूढ़े और नौवजान सभी अपने आगे की जिन्दगी में आने वाली सुसीबतों का सामना करने के तिये खुद को तैयार करते हैं. साल के आखिरी दिन चीन में बड़ी खुशियां मनाई जाती हैं. इस दिन चीनी लोग अपने देवी देवताओं की पूजा करते हैं और वन मुसीबतों को कम करने की प्रार्थना करते हैं. एक चीनी कहानी है, कि उस दिन उनके कुल देवता "त्साद्यो वांग यह" स्वर्ग के मालिक "यू-दू-म्रांग" देवता के पास जाते हैं. अपने साथ वह दो घड़े, जिनमें दुनिया के हर इनसान के पाप और पुनय बन्द रहते हैं, ले जाते हैं. यू-हू-आंग इन घड़ों को खोलते हैं. और हर इनसान के पापों के हिसाब से सजा और पुन्यों के दिसाद से इनाम का लेखा करते हैं. 'त्साक्रो-त्रांग-येद" की तारीक में एक देहाती गीत है-

स्साचारे-बांग-वेह, तुम महान हो.

چین کے دیہاتی گیت

(بهائی شرون کسارپنچوری)

ھر ایک کیھٹیھر دیش کی امای جفتا ہو وہاں کے اوں میں می رہتی ہے ، دیہاتی کی زندگی سے سمبلدہ کھلے والے گیتوں سے همیں اُس دیش کی کلنچر کو سبجهلے میں سب سے زیادہ مدد ملتی ہے . سیاسی نیدی لى انقابول كا أكر أن ير أثر يونا بهي هے؛ تو بهي ولا إنهياب بدللے مهن سپهل نهیں هو باتے. ویاکرن (گرامر) اور جهددين مين بدها هوا ساهتيه (التريجر) همهرا جلتا کے ایک خاص پوھ لکھے شہری آدمیوں کی زندگی ور کلچر کے بارے میں هی بتاتا هے . جنتا کی اصلی ھالىك تو ومال كے ديہاتى ساھتھ، سے ھى معلوم ھوسكتى ھے ، دیہاتی گیتوں میں همیں وعال کی عام جلتا کے سکھ دکھ' پریم برہ اور روزھیوں سے بھرے ھوئے ریت رواجوں کا اُچھی طرم سے پتھ چلتا ہے ، اِسلیُےکه کسی بھی ملک کی اصلی کلنچر سیں رهاں کے دیہاتی گیڈوں کا بہت ہوا هاته هوتا هے . هندستان كىطرے چهن بهى ايك كهيتيهر ديف هے ، چيني جنتا پورے سآل کهيتوں ميں فصليں کوری کرنے کے کام میں مشغول رہتی ہے ، وہاں کی زمین پتهریلی هے اور تهلک کے موسم میں کوی سردی پڑنے کے کارن اُنھیں ایے کام کو پورا کرنے میں بہت سی كَتَّهَمْاتُهُونَ كَا هَامِمْا كُونًا يُونًا هِي . أن كي تهوار أن كي روزادُه كي زندگي مهن نها ين اور تازگي لاكر' أنههن مصهبتون سے لولے کے لئے نہا بل اور نہا جوش دے جاتے میں . اس لئے چینی جنتا تہواروں کا انتظار ہوی بیتاہی سے كرتي هم . إن موقعوں پر بحجے بوڑھ اور نوجوان سبھی ابد آگے کی زندگی میں آنے والی مصیبتوں کا سامنا کرنے کے لئے خود کو تھار کرتے میں . سال کے آخری دن چین میں يوى خوشيال مدائي جاتي هيل . إس دن چيلي لوگ آنے دیری دیوتاوں کی پوجا کرتے ھیں. اور آن مصهبتی کو کم کرنے کی پرارتهدا کرتے هیں۔ آیک چیدی کھانی ہے' که اِس دین اُن کے کل دیونا " تساؤ وانگ یہم " سورگ کے مالک '' یوہو آنگ '' دیوٹا کے پاس جاتے عمل ، آئے ساتہ وہ در گھڑے' جن میں دنیا کے هر انسان کے پاپ اور پلیہ بلد رہتے ہیں' لے جاتے ہیں . پیوهو آنگ اِن گهروں کو کهرلتے هیں' اور هر انسان کے یایوں کے حساب سے سزا اور یقیوں کے حساب سے انعام کا الهكها كرته هوس . " نساؤ وأنك يهم " كي تعريف مهن ایک دیبانی کیت هے ---

الساو والک يه

لم مهلن هو.

गितियों तक में घूमा है और अपनी संचेत आंखों से इसने न की देखा है, इस मिशन के सदर पंडित सुन्दर काल के बयान से अपर की बातों का सबूत मिलता है.

बीनी फिल्मों की तकनीक पर लिखने के लिये दूसरा लेख फ़री होगा. हमें तो यहाँ इन फिल्मों के सदाबारी पहलू से मतलब है. तकनीक और कैमरे का जहाँ तक ताल्लुक है बह सब, बीन ने रूस से लिया है. बमरीकी या बमरिका की नक़ल हिन्दुस्तानी फिल्मों की तरह बीनी फिल्मों की धुरी "क़दकी क़दके का प्रेम" ही नहीं होती—प्रेम और प्रेम वृत्ति का अपना एक महत्त्व है, लेकिन हर बीज बरूरत के मुताबिक और ठीक वक़्त और ठीक जगह पर अच्छी मालूम होती है.

चीन में प्रेम की सतह से ऊपर घठकर दूसरे इनसानी क्षक की तरफ ध्यान विया गया है. चीन को देश भक्त पैदा करने हैं, वहाँ रचना करनी है, उसके लिये कामकर्ता पैदा करने हैं. एन "इनसानों" को पैदा करना है को इनसानियत को एक समूचा सममें और इनसानों के ब्रिये वह सब कुछ कर सकें जो कोई अपने भगवान के सिये करता आया है. चीन वाले इन बातों के लिये फिल्म का सही चपयोग करते हैं. यह है चीन का फिल्मी सदा-चार जिसकी तारीक किये बिना वह लोग भी नहीं रह सके को फिल्मों के सखत खिलाफ हैं. आज आप हिन्दुस्तानी या अमरीकी फ़िल्मों को अपने घर वालों के साथ बैठ कर विना संकोच अनुभव किये नहीं देख सकते, लेकिन चीन में चाप हर छोटे बढ़े के साथ बैठ कर फिल्म देख सकते हैं. कारीन मानिये आपको किसी समय भी लज्जा नहीं शाएगी. आप जब हाल से बाहर आएंगे तो आप में निर्मान करने का एक जोश होगा, आप जीवन का एक आदर्श लेकर निक्तोंगे, आप त्याग की भावना अपने में महसूस करेंगे, यही हाल चीन की दूसरी कलाओं का भी है.

बह है सदाबार की वह ऊंचाई जहाँ बाज वह नया बीन खड़ा है जो सदाचार की बढ़ बढ़ कर वारों नहीं करता, पर हम क्सके कारनामे का कुछ बन्दाका कर सकते हैं. ہوں تک میں گھوما ہے آور ایلی سچھات آلکھوں سے اُس ۔ چون کو دیکھا ہے اُس مشن کے صدر بلقت سندر لال بیان سے اردر کی باتوں کا ثموت ملتا ہے .

چہتی قلموں کی تعقیک پرائعہتے کے لئے دوسرا لہکھ روری ہوگا ، ہمیں تو یہاں اِن قلموں کے سداچاری پہلو مطلب ہے ، تعقیک اور کیمرے کا جہاں تک تعلق بجے سب چھن نے روس سے لہا ہے ، امریکی یا امریکہ کی اور ملدستانی قلموں کی طرح جہتی فلموں کی دھرمی نوکی لوکے کا پریم "ھی تہیں ہوتی — پریم اور پریم تی ایک مہتو ہے" لیکن ہر چیؤ ضرورت کے مطابق ر تہیک وقت اور تہیک جگہ پر اچہی معلوم ہوتی ہے ،

چهن مهن پریم کی سطح سے اوپر اُٹھکر دوسرے انسانی نذي كي طرف دهيان ديا كها هي . چهن كو ديش بكت يهدا كرنے هيں وهال رجلا كرنى هـ أسكے لئے م كرتا يهدأ كرني هين . أن " انسانون " كو يهدأ رنا ہے جو انسانیت کو ایک سبوچه سبجههں اور انسانوں ر لئے وہ سب کچھ کو سکیس جو کوئی آیے بھگوان کے ئے درا آیا ہے . چھن والے إن باتوں كے لئے فلم كا صحيم بہرف کرتے ھیں ، یہ ھے چین کا قلمی سداچار جس يُ تعريفُ كُلُم بِنَا وَلا لوك بِهِي تَهِيْنِ وَلا سَكِم جو قلمون ل سطت خلاب هیں . آج آپ هندستانی یا امریکی لمرس کو اینے گھر والوں کے ساتھ بھٹھکر بدا سڈکوچ انوبھو مُرنبين ديكه سكتم ليكن چين مين آپ هر چهوٿ برے ك ساته بيتهكر فلم ديكه سكت هيس ، يقهن ماني آپ كو سی سے بھی لجا نہیں آئے گی . آپ جب هال سے اهر آٹھی کے تو آپ میں ٹرمان کرنے کا ایک جوہ ہوگا آپ جهرن کا ایک آدرش لے کر نکلیں گے' آپ تیاگ کی بهاونا ابنے مهی منتسوس کریائے : یہی حال چون کی درسری کلوں کا بھی ہے ،

یہ ہے سدانهار کی وہ اونجائی جہاں آج وہ نیا جہیں کرتا؛ کرا ہے جو سدانهارہ کی ہوہ بھوہ کر ہاتیں نہیں کرتا؛ پر مم اُس کے پارنانے کا کچھ اندازہ کر سکتے میں .

हसियों का इस मैदान में नेशा नया कजरना था. क्रान्न बनाकर सदानार स्वयम नहीं हो सकता. सदान?र को जनता में फैलाने के किये जरूरी हैं कि जनता का नैतिक स्तर जंबा किया जाए. चीन में रोजी रोजगार की कमी नहीं रह गई और स्रोग पेट की मुसीबत से आजाद हो गए हैं. अब उन्हें सोचने निचारने और नैतिक स्तर कंचा करने का काफी समय मिसला है. यही कारन है कि छनका सदा-बार जंबा होता जा रहा है.

जिन्सी और दूसरी गड़बड़ियों को दूर करने में चीन में कानून से बहुत कम और शुद्ध समाजी द्वाव से बहुत जियादा काम तिया गया है. इस तरह का जुमें करने वालों को चाजीव साजा दी जाती है. चीन में गए हिन्दुस्तानी गुडविल मिशन को वहीं पर नीचे दिया हुआ किस्सा मालूम हुआ-

एक नौजवान आदमी किसी सरकारी काम से पेकिंग से दूसरे शहर को मेजा गया. वहाँ उसने अपना सरकारी कर्ज पूरा किया, लेकिन रात को कहीं किसी औरत के पास चला गया, जाहिर है, क़ानूतन यह चीज कोई जुर्म नहीं है, फिर भी जब पैकिंग में पुलिस ने यह खबर भेजी तो उस महकमें के सारे लोगों को इकट्टा किया गया, जिस महकमे में वह नौजवान एक अफसर था, मीटिंग में चपरासी से लेकर ऊंचे से ऊंचे अफसर तक सब जमा हुए. बड़े अकसर ने खड़े हो कर सारा किस्सा लोगों को बताया श्रीर कहा-"इस अपने राष्ट्र का सदाचार ऊ चा करना चाहते हैं और हमारा यह नौजवान यह हरकत करके आया है." वह नौजवान शरमा कर रोने लगा और अलकते श्राँसश्रों के साथ उसने सबसे माफी मांगी और यक्कीन दिलया कि आगे से बह ऐसा काम हरशिज नहीं करेगा. यह हैं वह तरीक जिनसे चीन की सरकार अपने कर्मचारियों को सदाचारी बनाती है.

किसी देश के साहित्य और सिनेमा में इस देश के जीवन की मलक दिखाई पढ़ती है, उनका आदर्श दिखाई पढ़ता है, उनका आदर्श दिखाई पढ़ता है, उनके रीतिरवाज और रंग ढंग से परिचय होता है, जब इस जीनी साहित्य और जीनी कला को सामने रखते हैं तो हमें पूरी तरह माल्म होता है कि इन मैदानों में भी मुल्की सदाजार का बहुत जियादा खयात रक्ता जाता है. "ईसा की सम्याता के रखक देशों" में नंगी तसबीरों की भरमार होती है, अखबारों के पनने अशलील तस्त्रीरों से भरे रहते हैं, दुराचार को प्रोत्साहन देन वाले विद्यापन हर तरक विद्याई पढ़ते हैं. सेकिन जीन में इस तरह की अशलील वालों का कहीं गुजर भी नहीं है. यह सिर्फ पढ़ी पढ़ाई वालें नहीं हैं या जीनियों का अंधा घुन्ध विश्वास नहीं है. हिन्दुस्तान से गया हुआ गुडविल मिशन जीन की

المحقق کا اس جهدان میں نیا تھربہ تھا ، سداچار کو الخان پیا کو سداچار قائم نہیں ہوسکتا ، سداچار کو چھٹا میں پہیلانے کے لئے ضروری ہے کہ جلتا کا نیتک استر اونچا کیا جائے ، چین حوں ررزی ررزگار کی کسی نہیں ، وہ گئی اور لوگ پیت کی مصیبت سے آزاد ہوگئے میں ، اسدا نہیں سوچلے بچارنے ارر نیتک استر کو ارنچا کرنے کا کائی سے ملتا ہے ، یہی کارن ہے کہ اُن کا سداچار ارنچا ہوتا جا رہا ہے ،

جلسی آور درسری گوہویرں کو دور کرنے میں جھیں میں جھیں میں قانوں سے بہت کم اور شدھ سماجی دیاؤ سے بہت ویادہ کام لیا گیا ہے۔ اس طرح کا جرم کرنے والوں کو عجیب سؤا میں جائی ہے۔ چین میں گئے ھندستانی گذول مشن کو وہیں پر نیجے دیا ھوا قصہ معارم ھوا —

ایک نوجوان آدمی کسی سرکاری کام سے پھکنگ سے فوسرے شہر کو بھیجا گھا ، وہاں اُس نے اپنا سرکاری فرض پورا کھا ، لھکن رات کو کہن کسی هورت کے پاس چا گھا ، ظاهر ہے' قانونا یہ چھڑ کوئی جرم نہیں ہے' پھر بھی جہب پھکنگ میں پولیس نے یہ خبر بھیجی ہو اُس متحکمے کے سارے لوگوں کو اکتھا کھا گیا' جس متحکمے میں وہ نوجوان ایک افسر تها ، متھنگ میں چھڑاسی سے لے کو اونچے سے اونچے افسر تک سب جمع ہوئے ، بوے افسر نے کھوے ہوکر سارا قصہ لوگوں کو بتایا ہو کہا — '' ہم ایے راشتر کا سداچار اونچا کونا چاہتے نوجوان شرما کو روئے لگا اور چھلکتے آنسوؤں کے ساتھ نوجوان شرما کو روئے لگا اور چھلکتے آنسوؤں کے ساتھ آسی نے سب سے معافی مانکی اور پھلکتے آنسوؤں کے ساتھ آسی نے سب سے معافی مانکی اور پھلکتے آنسوؤں کے ساتھ آسی نے سب سے معافی مانکی اور پھلکتے آنسوؤں کے ساتھ آسی نے سب سے معافی مانکی اور پھلکتے آنسوؤں کے ساتھ آسی نے سب سے معافی مانکی اور پھلکتے آنسوؤں کے ساتھ آسی نے سب سے معافی مانکی اور پھلکتے آنسوؤں کے باتھ ایسا کام ہوگؤ نہیں کرے گا ۔ یہ ہیں وہ طریقے جن سے ایسا کام ہوگؤ نہیں کرے گا ۔ یہ ہیں وہ سداچاری بغاتی ہے ،

کسی دیش کے ساھتیہ اور سلیما میں اُس دیش کے جھوں کی جہاک دکھائی ہوتی ہے اُن کا آدرش دکھائی ہوتی ہے اُن کا آدرش دکھائی ہوتاہے اُن کے ریت رواج اور رنگ ڈھنگ سے پریتھے ہوتا ہے ۔ جب هم چھئی ساھتیہ اور چیئی کا کو سامنی والیہ میں تو همیں پروی طرح معلوم موتا ہے کہ اِن میڈائوں میں یہی ملکی سداچار کا بہت زیادہ خیال وکھا جاتا ہے ۔ '' عیسی کی سبھتا کے رکشک وکھا ہاتا ہے ۔ '' عیسی کی سبھتا کے رکشک کی ہورسان میں نگی تصویروں سے بھرے رهتے هیں' دواچار کی پروتساهی دیئے والے وگھایی هر طرف دکھائی پرتے کی پروتساهی دیئے والے وگھایی هر طرف دکھائی پرتے ہیں گئی جین میں اِسطرح کی اشلیل باتوں کا گیس گئی بھی نہیں میں اِسطرح کی اشلیل باتوں کا نہیں ھیں یا جینوں کا اندھا دھاد وشواس نہیں ہیں کی شہیں میں یا جینوں کی اندھا دھاد وشواس نہیں ہیں گیا ہوا گئول مشن چین کی

के शिये, उसकी सम्बद्धा और सहयोग की तरकती के किये स्थान करना सीख लिया है. जाज चीनी जनता को कियी सरकार से छुना अने हां हो लेकिन किसी इनसान से नफरत नहीं है. उनके लिये दुनिया की जनता एक है—यह है सवा चार की वह ऊँवाई जो धर्म पुस्तकों में बन्द जरूर है लेकिन धर्म का ढंढोरा पोटने वालों ने कभी इसे इस तरह जमक में नहीं अपनाया.

कुछ लोगों का कहना है कि चारी करना कुछ इनसानों की चाएत होता है. लेकिन यह बात सच्चाई से बहुत दूर है. इनसान को अगर जीवन बितान की सुविधाएं हों और समाज की इस तरह रूप रखा हो जिसमें वह ईमान्दारी से जीवन बिता सके और लाजच से बचा रहे तो वह हरगिज हरांगज़ चारा या बेईमानी नहीं करगा. चान में ऐसा समाज काराज़ पर ही नहीं अमल में भा पैदा कर दिया गया है. नतीजा यह है कि वहाँ लोगों की ईमानदारी चमक चठी है. चोरी के कारन ही मौजूद नहीं रह गए तो चारी करने की किसको खरूरत!

जिम्सी सदाबार की चरचा बहुत की जाती है चौर यह भी कहा जाता है कि कम्यूनिस्ट तो इस सदाचार के बिरोधी हैं. लेकिन अजीव बात है कि केवल वही देश आज जिन्सी जीवन का आदर्श सा बन गए हैं जो कि अपने को कम्यूनि का मानने वाला कहते हैं - चीन भी उन्हीं देशों में से एक है. आज चीन में कोई भी वेश्या बाक्री नहीं रह गई. इन बहिनों को चीनी सरकार ने पांतत समम कर या भले भादमियों के समाज को शुद्ध रखने के जिये जरूरी जान कर जन भान्दोलन से बाहर रखने की कोशिश नहीं की. काचून पास करके नुमाइशी तरीके से बेरया पन के खात्मे का ढंढोरा भी नहीं पीटा. चीनी सरकार के आइमी इन बहिनों के बीच में गए और सब को इकट्टा करके इनमें एक नया जोश भर दिया, एक नया आदर्श कनके सामने खड़ा कर दिया. कोई भी वेश्या अपने पेशे से खुरा नहीं होती, वह खुश हों भी नहीं सकती. लेकिन अपनी मजब्रियों को क्या करे. नए चीन ने उन मजब्रियों को जस्म कर विया जो किसी स्त्री को वैश्या पन के गढ़े में बकेतती हैं. उन पेश्यामों को काम सिखा कर फ़ैक्टरियों में भरती कर दिया गया या किसी दूसरे काम में लगा दिया गया ताकि वह ईमानदारी और इज्जत से अपनी रोषी कमा सकें. बहुत बड़ी वादाद ने शादियां भी कर ली और सुबद परिनयां बन गई.

बेरयापन के खत्म करने या दूसरे ऐसे मोटे सदाचार के उस्कों को जिन्दा करने में चीनियों ने कसियों से बहुत इस सीखा है. तरीक्रे वही एखतियार किये हैं लेकिन उन केंद्रियों से क्या गए हैं जो रूख में हो चुकी वी क्योंकि کے لئے' اُس کی شبقیقا اور فہاؤیٹیا کی ترقی کے لئے تھاگیا کرنا سیکھ لھا تھے ۔ آنے چھاگی جلکا کو کسی سرکار سے لیان ایک یہا نے فالسان سے قطرت قہیل ہے ۔ اُن کے لئے دفیا کی جلتا ایک ہے ۔ یہ ہے سداچار کی رہ اُرنچائی جو دھوم پستکوں میں بلد ضرور ہے لیکن دھوم کا تھلتھورا پھاٹے والوں نے کبھی اِسے اِس طرح میل میں نہیں اپلایا ،

کچھ لوگوں کا کہنا ہے کہ چوری کرنا کچھ انسانوں کی عادت ہوتی ہے ، لیکن یہ یات سچائی سے بہت دور ہے ، انسان کو اگر جیوں بھانے کی سوودھائیں سے بہت اور سماج کی اس طرح رویہ ریکھنا ہو جس میں وہ اسانداری سے جیون بقاسکے اور اللج سے بچھا رہے تو رہ ہرگز ہوری یا ہے ایمانی نہیں کرے گا ، چین میں ایسا سماج کافل پر ہی نہیں عمل میں بھی پیدا کودیا گیا ہے نتیجہ یہ ہے کہ وہاں لوگوں کی ایمانداری جمک آئھی نیے ، چوری کے کارن ہی موجود نہیں رہ گئے تو چوری کی کی کس کو ضرورت ا

جنسي سداچار کي چرچا بہت کی جاتی هے اور یہ بھی کہا جاتا ہے که کمیونسٹ تو اِس سداچار کے رودهی هیں. لیکن عجیب بات هے که کیول رهی دیش آج جنسي جهون كا أدرش سأ بن كلي هيل جو كه أنه كو كمهوزيم كا مائلي والا كهاي ههي -- جهين جهى أمهون ديشون میں سے ایک ہے . آج چین میں کوئی بھی ویشیا باتی نہیں رد گئی ۔ اِن بہنوں کو چھٹی سرکار نے پات سبجه کر یا بہلے آدمیوں کے سماج کو شدھ راہنے کے للے ضروری جان کو جن آندوان سے باہر رکھلے کی كوشش نهيس كى . قانون ياس كوك نمائشي طويقے سے ویشیاپن کے خاتیے کا تھندھورا بھی نہیں پیٹا . چھنی سرکار کے آدسی اِن بہنوں کے بھتے میں گئے اور سب کو اکتها کرکے اِن میں ایک نیا جوش بھر دیا' ایک نیا آدرهم ان کے سامنے کہوا کردیا ، کوئی بھی ریشیا انے پیشے سے خوص نہیں هوتی' ره خوص هو بھی نهوں سكعى ، لهكن أيلى مجهوريون كو كيا كري ، الله جهان نے اُن مجھیوریون کو ختم کردیا جو کسی استری کو ریشهایی کے گڈھے میں تھکیلٹی میں ، آن ریشهاؤں کو كُم سكهاكِو فيكتريون مهن بهران كوديا كها يا كسي دوسريد كام ميس لتاديا كيا تاكة ود أيسانداري أور عزت س أيتي رزي كماسكين، نهمت يون تعدأد نے شادياں يون كرلهي أور سكهم يكلهان بن ككهن .

ویشیا پن کے خکم کرنے یا دوسرے ایسے موتے سدانھار کے اساوں کو زندہ کرنے میں چھلیوں نے روسیوں سے بہت کچھ سیکھا ہے ، طریقے رضی اختمار کئے جس لیکن آن خلطین سے بیے کئے جیں باو روس میں جوچکی ایس الیکن धन्तकरी जैसे वैद्ये आपना जिसे हैं, जो हुछ भी पुराने बीन में इनके जिसे मना था जाज मर बीन में वह सब इनके कुछत्रे में हैं. बीन में महिला इंजिनियरों की तादाद भी खुब बढ़ रही हैं.

सवमुन हमारी औरतें ज्मींदार शाही की सताने वाली शादी की रसमें से क्कुटकारा पा गई हैं. पिछले साल सेन्ट्रल सरकार ने शादी का एक नया क्रान्त बनाया है जिसने एक अच्छा और समम्मदारी का शादी का तरीक्रा क्रायम कर दिया है. इस क्रान्त ने तलाक की आजादी दी है, औरतों को दूसरी शादी करने का हक दिया है, औरत को इस क्रान्त ने जायदाद में हिस्सा दिया है और वसको जायदाद की विरासत का भी हक मिल गया है. क्रान्त ने औरतों को न सिर्फ काराज पर यह इक दिया है बिल्क उस हक की रचा भी करता है. चीन में बालपन की शादी सिरे से ख़त्म कर दी गई है. ज्याहता बीवी के आलावा रखेल रखने का रिवाज क्रान्तन ख़रम कर दिया गया है. वेश्यापन अब गुज़रे ज्माने की चीज़ है. इस क्रान्त ने चीनी घरों में ख़रहाली की गंगा बहा दी है.

चीन में सदाचार

(माई मुजीब रिज़वी)

दुनिया में दो तरह के गिरोह हैं—एक वह जो सदाबार का ढोल खूब पीटते हैं लेकिन खुद सदाबार से परे रहते हैं. दूसरे वह जो सदाबार की बढ़ बढ़ कर बातें नहीं करते लेकिन उनके हर काम में सदाबार की ऊवाई धमकती रहती है. नया बीन आज दूसरे गिरोह में है. वह सदाबार की खरबा कम और उस पर अमल अधिक करता है. सदाबार पर पंजिताऊ वहस म न अब तक कोई नतीजा निकला है और न निकल सकता है. यहाँ हम बाराकियों को खाड़ कर केवल माटे मोटे अर्थों में सदाबार शब्द का इस्तेमाल करते हैं.

माओं की सरकार से पहले ऐसा कोई जुर्म नहीं था लो भीन में नहोता था—खुट मार, रिरक्त खोरी, आपश्च की जुएली, बोरी बमारी, खून खराबी, घोका घड़ी, भाई बारे की सिरे से ना पैदगी. लंकन नए चान में बाज यह सारी चीजें गए गुखरे खमाने की बातें हो गई हैं. वहां बाप प्री एका है. माई बारे की मानना हर बीनी के दिल में हिलोरें ले रही है. वहाँ अब एक दूसरे की मदद करने और कायदा पहुँचाने की बाद खाग साबते हैं, एक दूसरे की जह काटने की बादों में बेहार ताकृत नहीं संवाते. चीनियों ने 'इनसान'

سی می هماری عورتیس زسیندار شاهی کی ستانے والی شادی کی رسمبوں سے چھتکارا یا لکیس همیں ، پچھلے مال سنترل سرکار نے شادی کا ایک نیا قانون بغایا ہے جس نے ایک اچھا اور سمجھداری کا شادی کا طریقہ قائم کردیا ہے ، اس قانون نے طلاق کی آزائی دی ہے ، عورتوں کو دوسری شادی کرنے کا حق دیا ہے ، عورت کو اِس قانون نے جائداد میس حصم دیا ہے اور اُس کو جائداد کی وراثت کا بھی حق مل کھا ہے ، قانون نے عورتوں کو نم صوف کافذ پر یہ حق دیا ہے بلکہ اُس حق کی رکشا بھی نہ صوف کافذ پر یہ حق دیا ہے بلکہ اُس حق کی رکشا بھی کرتا ہے ۔ چھن میں بال پن کی شادی سرے سے ختم کردیا گیا ہے ۔ ویشھاپی اب گذرہے زمانے کو چھز ہے ، اِس قانون نے چھٹی گھروں میں خوشتصالی وراج قانونا ختم کردیا گیا ہے . ویشھاپی اب گذرہے زمانے کی گیکا بہادی ہے .

چین میں سالچار (بهائی معیب رموی)

دنیا میں دو طرح کے گروہ هیں۔۔ایک وہ جو سداچار کا تھول خوب بیٹتے میں لیکن خود سداچار سے پرے وقتے ہیں۔ دوسرے وہ جو سداچار کی بوھ چوء کر ہاتیں نہیں کرتے لیکن اُن کے هر کام میں سداچار کی اونچائی چمکتی وهئی ہے ، نیا چون آج دوسرے گروہ میں ہے ، وہ سداچار کی چرچا کم اور اُس پر عمل ادھک کوئی مداچار پر پندتاؤ بعصم سے نہ اب تک کوئی تعیمت نکا ہے اور نہ نکل سکتا ہے ، یہاں مم باریکیوں کو چھور کر کوول موتے ارتبوں میں سداچار شبد کا استعمال کرتے میں ۔

ماؤ کی سرکار سے پہلے ایسا کوئی جرم نہوں تھا جو بھین میں نہ ہوتا تھا۔ اوت مار' رشوت خوری' آپس کی چفلی جوری جماری' خون خرابی' دھوکا دھوی' بھیائی چارے کی سرے سے ناپیدگی، لیکن نئے چھن بھیائی چارے کی باتیں ہوگئیں جیں، وہاں آپسی ایک ہے، بھائی چارے کی بھانا ہو جیئی کے دل میں ہلوریں لے رہی ہے، رہاں اب ایک ہوسرے کی صدد کرنے اور فائدہ پہونچانے کی بات ایک ہوسرے کی حدد کرنے اور فائدہ پہونچانے کی بات میں بیکو طاقت نہیں گلوائے، چیلیوں نے 'انسان' نہیں کیونا

नए चीन की नई माएं

(मेडम नाई-फी-चुन)

[हिन्दुस्तान में आप हुए चीनी मिरान की मेडम नाई-की-चुन एक मेन्बर हैं. आप पेकिंग सरकार के उस विभाग की असिस्टेन्ट सिक्रेटरी हैं जिस की मंत्री मेडम सन-यात सेन हैं—एडीटर]

नए चीन में हर चीज पर नया पन छा रहा है. वहाँ की भीरतें भी नई होती जा रही हैं. मेरा मतलब यह नहीं है कि वह नए तरीक़े से गढ़ी गई हैं बल्कि यह है कि अब चीनी औरतों की हालत में इतनी तबदीली था गई है कि वह विलक्क नई मालूम होती हैं. नए चीन की धौरतों को मरदों के बराबर ही सारे राजकाजी अधिकार हैं. वह किसी मैदान में भी मरदों से पीछे नहीं हैं. गाँव में भीरतें बहम सरकारी नौकरियों पर क्रव्जा जमाप हैं और जनहित के कामों में जोश के साथ लगी हुई हैं. जमींदार शाही में भौरतों की हालत जानवरों से भी गई गुजरी थी. आज को भौरतों को आजादी मिल सकी, उनको बराबर का इक मिल सका, इसका कारन यह है कि चीन में जमीन का सुधार कर दिया गया है, जिसने जुमीदार शाही को सत्म कर दिया और उसी के साथ उससे पैदा होने बाले रीतरिवाज, आचार विचार सबको दकन कर दिया है.

जाज तमाम जीनी जन समाजों में करीब करीब एक तिहाई तात्त् जीरतों की है. बहुत सी जीरतें पार्किमेन्ट में बैठी हुई हैं. दिनों दिन इन्तजामी महकमों जीर सरकारी नौकरियों में जीरतों की तादाद बढ़ रही है. गांव में जीरतें मुखिया हैं, जिलों में जिला जकसर हैं, शहरों में मेयर हैं—हर जगह उनके लिये हैं जीर वह हर जगह पहुंज भी रही हैं. सेन्द्रल सरकार में मंत्री भी हैं. इस समय तीन जीरतें मंत्री मंडल में भी शामिल हैं. इन लोगों ने जन सेवा का बहुत जब्हा परिचय दिया है—जब जीरत मई की मेहनत जोर काम में कोई फर्क नहीं रह गया. एक जीरत का काम एक मई के काम के बराबर ही सममा जाता है और दोनों को बराबर मज़रूरी भी मिजती है. इसके जलावा छुटी, बच्चा पैदा होने की हालत में दवा दाह जीर इसी तरह की दूसरी रिजायतें भी मिजती हैं.

बीनी चौरत को चाज न सिर्फ राजकाजी बरावरी मिली हुई है बल्कि माली बरावरी भी उसको हासिल है. चौरलों ने क्रम ब्राइवरी, पोस्ट मैनी चौर रेसगाड़ी की

نٹے چین کی نگی ماثیں (میتم نائی فی جن)

[هندستان میں آئے هوئے چھنی مشن کی مهدّم ائی نی چن ایک معور هیں، آپ پھکنگ سرکار کے اس ربھاک کی اسستنٹ سکریٹری هیں جس کی مندری مهدّم سن یات سهن هیں ۔۔ ایڈیٹر]

نئے چین میں هر چیز پر نیا پن چیا رها هے . وهاں مورتیں بھی نگی هوتی جا رهی هیں ، مهرا مطلب نہوں کے کہ وہ نگے طریقے سے گڑھی گئی ھیں بلکہ هے که اب جهلی عورتوں کی جاآمت مهن ي تبلديلي آلكي هے كه ولا بالكل نئى معلوم هوتى ی نئے چھن کی عورتوں کو مردوں کے برابر ھی سارے و المها المهكار هيل . وا كسى ميدان مين بهي مردون پيچه نهيس هيس. کاون مين مورتين آهر سرکاري ریوں پر قبقہ جمائے میں اور جن ست کے کاموں میں ش کے ساتھ لکی موثی آھیں ، زمیندار شاھی میں تن کی حالت جانوروں سے بھی گئی گزری تھی ، آج مررتوں کو آزادی مل سعی، اُن کو ہراہر کا حق مل ا اس کا کارن یہ ھے که چین میں زمین کا سدعار کر ا لها هے، جس نے زمیندار شاهی کو ختم کر دیا اسی کے ساتھ اس سے پیدا ھونے والے ریت رواج ' آجار ال سب کو دقین کر دیا ہے .

آج تمام چهالی جن سههای مهل قریب قریب ایک ائی تعداد مورتین کی ہے ، بہت سی مورتین پارلیمنت ن بیتهی هوئی ههن . دنون دن آنتظامی محکمون سرکاری توکریوں میں مورتوں کی تعداد ہوء رهی هے . مين عورتين مكهيا هين' ضلعون مين ضلع انسر ن شہروں میں میر هیں --- هر جگه أن كے ليے هے اور هر جاته پهونچ يهي رهي هين . سنگرل سرکار مين ترى بهي هين . أس سيم تين عورتين منتري ملكل س بهیشآمل همن ، إن لوگين في جن سهوا كا بهت اجها بدي ديا ه س اب عروت مرد كي متحدث أور كام مين ابر هی سمجها جأتا هے اور دونوں کو ہواہر مزدوری بھی عى هـ. اس كے عقود جهتى بحه يهدا هونےكى حالت ميں را دارو اور آسیطرے کی دوسری رمانعیں ہوی منعی میں ، چیلی مورس کو آج نه موت راج کاچی برابری ملی وئي هر بلکه مالي يواني يوي اُس کو حاصل هـ ه ورنیں نے قوام قوالموروں نے رست میشی اور دیل گاوی کی हिन्दुस्तान की चीन से सबक के सकता है वह यह वहीं है कि अपना माकी संगठन या आर्थिक पाकिसी का बनाए वृक्ति यह कि किसी आर्थिक पाकिसी के लिये वाम जनता का सहयोग किस तरह हासिल किया जाता है, कैसे सारी जनता को उसमें शरीक कर निया जाता है.

पिछ्लम के देशों ने चीन पर जो पावन्दियाँ लगाई हैं वनका कुछ असर तो लाजमी तीर पर उस पर पड़ा है. लेकिन वह सब तकली में और दिक्क नें जो इससे पैदा हुई थीं अब एकदम। काफूर हो गई हैं. यही नहीं, लोगों का उस' तरफ ध्यान भी नहीं जाता है. इसकी वजह है कीम की कीम का यह इरादा कर लेना कि इस पावन्दी का तेस तरिक से हम सुकाबला करके ही रहेंगे. इस इरादे ने उनके अन्दर अनोखी ताकत पैदा कर दी है. इसका नतीजा यह हुआ कि चीन में पैदाबार खूब बढ़ी है, हर चीज जो पिछ्लमी देशों से मंगाई जाती थी उसके बदले की चीजें निकाल ली गई हैं और दस्तकारी का सामान जुटाने व काम बनाने में चीनियों ने जो महारत हासिल की है उसका तो खयाल ही अचरज में हालता है. साथ ही साथ रूस और उसके देशों के साथ ब्योपारी ताल्लुकात भी जियादा बढ़े हैं.

कोरिया की लड़ाई का असर चीनियों के आम जीवन द रहन सहन पर कुछ नहीं पड़ा. सरकार ने काला बाजार लत्म कर दिया और चीजों की कीमतों को बढ़ने से रोक लिया. इसके अलावा जियादा पैदाबार करके कारिया की तड़ाई की जरूरी मांगें भी उन्होंने पूरी कर लीं.

हर आर्थिक वायरे में औरतें एक अहम हिस्सा ले रही हैं. राजकाजी कामों और किसान संगठनों में तो वह ऊंची जगह पर हैं ही, कारखानों वरोरा में भी असरदार जगह लिये हुए हैं.

जहां तक रूपी इमदाद की बात हैं, रूस से चीन को तकनीकी झान के अलावा खरूरी मशीनरी सामान भी मिल रहा है. मुक्ते यक्तीन है कि कारलानों और ट्रांस्सपोर्ट के दायरों में रूस बिला किसी हिचकि बाहट के चीन की मदद कर रहा है. अवरज की बात तो यह है कि चीन में काम करने वाले रूसी माहिर कोई जंची नौकरियों पर नहीं हैं. वह चीनी अकसरों के नीचे काम करते हैं, वही तनलाहें केते हैं जो चीनियों को मिलती हैं और वैसी ही तकली में वर्शरत करते हैं. इसी सहयोग का नतीजा है कि चीनी लोग मोटर और रेल, तारीख में पहली बार अपने आप बनाने सग गए हैं. अब सो वह जीप कार भी बना रहे हैं.

चीन को बाहर के तैयार माल की जरूरत अब भी है. भगर हिन्दुस्तान से यह माल मिले तो बदले में काफी भगाज वह यहां मेज सकता है. معنی ہو جین سے سبق لے سکتا ہے وہ یہ نہوں کے آپیا مالی سلکتین یا آرتیک پالیسی کیا بنائے اللہ یہ کہ کائے مام جلتا کا سیوگ کسطرے حاصل کیا جاتا ہے' کیسے ساری جنتا و اس میں شریک کر لیا جاتا ہے .

ہجہم کے دیشوں نے جان پر جو پابلدیاں لائی میں ن كا كتيه ثر توالزمي طور ير أس ير يوا هـ ، ليكن ولا مب تعلیدیں اور دنتھی جو اِس سے پھدا ہوئی تھیں ب ایک دم کافور هوگئی هیں ، یہی نهیں ارکوں کا س طرف دهيان بهي نهين جاتا هي . اِس کي وجه ه نرم کی قوم کا یه اراده کر لهنا که اِس پایقدی کا قهوس فریقے سے هم مقابلہ کو کے هی رهیں کے ، اِس ارادے نے ان کے اندر انواہی طاقت پیدا کر دی ھے ، اِس کا تعید، ہے ھوا که چھن میں پیداوار خرب بوھی ہے ' ھر چھڑ جو جهمی دیشوں سے سفتائی جاتی تھی اسکے بدلے کی چھڑیں نکال لمی گئیں هیں اور دستکاری کا سامان بجالے و کام بقائم مور جهدهون فرجو مهارت حاصل كيه أسكا تو خهال هن أجرب موس قالمًا هي . ساته هي ساته روس أور أس كے درست دیشوں کے ساتھ بھوداری تعلقات بھی زیادہ بڑھے میں. کوریا کی لوائی کا آثر چینیوں کے عام جیون و رهن سهن ہو کھے نہیں ہوا . سرکار نے کالا بازار ختم کو دیا اور چھپوں کی قیمتوں کو ہوعلے سے روک لیا ، اِس کے علاوہ

بھی آنھوں کے پوری کر لھی ،

ھر آرتھک دائرے میں مورتیں ایک اھم حصہ لے
رھی ھیں ، راج کاجی کاموں اور کسان سنگٹھنٹوں میں
تو وہ اونچیجکہ پر ھیں ھی' کارخانوں وقیرہ میں بھی اثر
داو جگہ لئے ھوئے ھیں ،

ایادہ پیداوار کر کے کوریا کی لوائی کی ضروری مانگیں

چهاں تک روسی آمداد کی بات ہے، روس سے چهاں کو تکافیکی گهاں کے علاوہ ضروری مشیقری سامان بهی مل رها ہے ، مجھے یقین ہے که کارخانوں اور ترانسپورٹ کے دائروں مهں روس بلا کسی هچکچاهت کے چهان کی مدد کر رها ہے ، اچرج کی بات تو یہ سے که چهان مهں کام کوئے والے روسی ماهر کوئی اونچی نوکریوں پر نهیں ههیں . وه چیلی افسروں کے نهچے کام کرتے ههیں وهی تلخواهیں لیئے هیں جو چهلیوں کوملتی هیں اور ویسی هی تکلیفیں برداشت کرتے هیں اور ویسی نتیجه ہے که چهلی لوگ موثر اور دیل تاریخ میں پہلی بار ایم آپ بقانے لگ کئے هیں . اب تو وہ جهمی کار بهی بار ایم وہ هیں .

بھین کو باہر کے تیار مال کی فرررت اب بھی ہے، اگر ملدستان سے یہ مال ملے تو بدلے میں کافی آناج وہ پیان بھیج سکتا ہے.

संस्था का जज़ना दिखाई देता ना. फर्क सिर्फ सह है कि जहां हिन्दुस्तान में राजनीति के सम्बर् जन चेतना कौर जन चान्दोलन का जज़ना जाज़ादी के बाद काफी सुरफा गया मालूम होता है, वहां चीन में चीनी लोकराज के कायम हो जाने के बाद यह जज़ना ज़ियादा बढ़ा है, मज़बूत बना हैं धौर तगड़ा पड़ा है.

एक खास बात यह है कि हर एक के अन्दर काम करने की धुन है. उन सबका एक मक्ससद दीखता है— ज़ियादा पैदाबार. लोग एक दूसरे से ररक इस बात में करते हैं कि हमारे दायरे में पैदाबार दूसरे आदमी से ज़ियादा हो. बहादुर मज़दूरों और आदर्श कारकुनों की आज के चीन में सबसे जियादा इज्ज़त है. हर नीजवान चीनी लड़के लड़की को यह इच्छा रहती है कि मैं बहादुर मजदूर या आदर्श कारकुन बन जाऊं.

चीन के चन्दर कम्यूनिस्ट पारटी का जनता पर असर कुछ उन्हों सूरतों से पैदा हुआ जिनसे महात्मा गांधी और उनके साथियों ने हिन्दुस्तान की जनता पर असर क्रायम किया था. चीन की कम्यूनिस्ट पारटी को चीनियों के ऊपर कोई हुक्म नहीं लादना पड़ता. लोग इस पारटी की नेता-गिरी इस वजह से मंजूर कर लेते हैं क्यों कि चस पारटी की तरह दूसरी किसी पारटी ने मेहनत से काम नहीं किया है, और न जनता की सेवा के लिये इतनी लगन दिखाई है.

श्रीन सरकार की कामयाबी की कुन्जी यह है कि उसकी मीति या पालिसी को जनता का जबरदस्त सहयोग मिला है. इसकी बजह भी खाम जनता के खन्दर घुस कर देश के बढ़े बढ़े सवालों पर चर्चा व बहस करना. यही वजह है कि वहां की सरकार कई पारटी हकूमत कामयाबी के साथ चला संकी है.

चीनी यह जानते हैं कि हिन्दुस्तान की सरकार उनसे जुदा ढंग की है. लेकिन इसमें उनको छोई परेशानी नहीं होती क्योंकि उनको माल्म है कि दुनिया के ग्रेर कन्यू-निस्ट देशों में हिन्दुस्तान ही सिर्फ पेसा मुरु ह है जिसने चीन के साथ अपनी वेलाग होस्ती का रिश्ता रक्षा है और इमेशा उसका पलाव किया है—यह सिर्फ जवान से ही नहीं बड़िक अमली शकत में कर दिखाया है. पंदित अवाहर लाल नेहरू की दूर अन्देशी है—उन्होंने सेनफ़ांसिसको कान्यू से में शरीक होने से इन्हार कर दिया और दुनिया से अंची आवाज में कहा कि नए चीनी लोकराज को चीन की असली सरकार माना जाए—चीनियों को यह इतमीनान हो गया है कि उनके और हिन्दुस्तान के बीच जो तारीखी असला स्वाया नज़रीकी और स्वाद् हमें जा रहा है।

ی چہرہ دھیائی فیکا کیا ۔ فرق صرف یہ کہ جہاں مقدستان میں راج ٹینٹی کے آندر جن ہیں اور جن آندولن کا جذبہ آزادی کے بعد کافی مرجہا معاوم هوتا هے وہاں چھرن میں چھٹی لوک راج کے مرجبانے کے بعد یہ جذبہ زیادہ بوما هے مطبوط اور تکوا ہوا ھے ۔

ایک خاص بات یہ ہے کہ هر ایک کے اندر کام کرنے دهن هے . أن سب کا ایک مقصد دیکھکا هے ۔ زیادہ اول ایک ایک مقصد دیکھکا هے ۔ زیادہ اول ایک دوسرے سے رشک اُس بات میں یہ هیں کہ همارے دائرے میں پیداوار دوسرے آدمی سے بھر مو ، بہادر مزدوروں اور آدرهی کارکنوں کی آج کے ن میں سب سے زیادہ عزت هے . هر لوجوان چیلی ن میں سب سے زیادہ عزت هے . هر لوجوان چیلی نے لرکی کو یہ اُچھا رشکی هے کہ میں بہادر مزدوریا هی کارکن بن جاوں .

چھن کے اندر کیھونسٹ پارٹی کا جفتا پر اثر کیچھ سے صورتوں سے پھدا ھوا جن سے مہاتما کاندھی اور اُن ساتھھوں نے ھندستان کی جفتا پر اثر قائم کھا تھا ، اُن کی کیھونسٹ پارٹی کو چھفھوں کے اُوپر کوئی حکم الدنا پوتا ، لوگ اِس پارٹی کی نیٹاگری اِس وجه مظور کرلیٹے ھیں کیونکھ اُس پارٹی کی طرح دوسری پارٹی نے محصفت سے کام نہیں کیا ھے' اور نہ جفتا سیوا کے لئے اتفی لگن دکھائی ھے ،

چین سرکار کی کامهاہی کی کامچی یہ ہے کہ اُسکی ی یا پالیسی کو جنتا کا زیردست سہیوگ ماہ ہے ، لی رجہ تھی عام جنتا کے اندر گیس کر دیش کے ، برے سوالوں پر چرچا و بندش کرنا ، یہی وجہ ہے ، ماں کی سرکار کئی پارتی حکومت کامہابی کے ساتھ سکی ہے ،

چینی یه جانگے هیں که هذدستان کی سرکار اُن سے اُدھنگ کی ہے۔ لیکن اِس میں اُن کو کوئی پریشانی ن هوتی کیونکه اُن کو معلوم ہے که دنیا کے فیر ونست دیشوں میں هندستان هی صرف ایسا ملک ہے ن نے چین کے ساتھ اپنی بیانگ دوستی کا رشته رکھا ہے میشه اُس کا اعلان کیا ہے۔ یہ صرف زبان سے هی ن بلکہ اُصلی شکل میں کو دیکھایا ہے ، پندس جواهر نبرو کی دور اندیشی ہے۔۔۔۔اُنہوں نے سین فرانسسکو رنس میں شریک ہونے سے اِنکور کردیا اور دنیا سے اُنکور میانا کے اُور مطابقان کے اُن کے اُور مطابقان کے اُن کو بیانان کو اُن کیا اُن کے اُن کے اُن کے اُن کیا کہ اُن کیا کیا کہ دانے کیا کہ کیا کیا کہ دیا اُن کیا کہ دیا ہے کیا کہ دیا ہے کہ اُن کیا کیا کہ دیا ہے کہ اُن کیا کہ دیا کہ دیا کہ دیا ہے کہ اُن کیا کہ دیا ہے کہ دیا ہے کہ دیا ہے کہ اُن کیا کہ دیا ہے کیا ہے کیا ہے کہ دیا ہے کیا ہے کہ دیا ہے کہ دیا ہے کیا ہے کہ دیا ہے کیا ہے کہ دیا ہے کیا ہے کی

दी को सहस कर दिया गया सेकिन कारसाने दारों के साथ काम करने दिया जाता है. जीनी लोग सवाल को बहुत समम्बदारी से हल करते वे सभी सुधारों में जाम जनता को साथ ले जलने जी कोशिश होती है. वहां के लोग कमाल के काम ले हैं, 12

(6)

न्टन में उन्होंने असमत फरोशी को चन्द् महीनों में कर दिया और उन सब औरतों को क्रीमी पैदाबार के लगा दिया. बाद के वन्नत जो जज़बा आम लोगों तसे उन्होंने फायवा उठाया. इसकी वजह से वह आफतों से बच गए. लेकिन हमारे देश में गांधी वातावरन तैयार कर गए थे उसे हमने ठंडा पड़ गा. इसका नतीजा यह हुआ कि हम न इधर के रहे ह रहे."

नए चीन की ताक्रत

(डाक्टर वी. के. चार. वी. राव)

पंडित सुन्दर लाल की सदारत में सितम्बर के रं जो हिन्द गुड बिल मिशन चीन गया था उसके वर डाक्टर वी. के. आर. वी. राव भी थे. आप कृत आफ पकोनामिक्स के डायरेक्टर हैं. हिन्दु-रापस आने पर आपने प्रेस वालों से एक बयान र में जो कहा उसका खुलासा हम नीचे दे रहे डीटर रे

। तए इन्क्रलाब के बाद चीन वालों ने जो कमाल ही की है वह ऐसी अचरज मरी है कि अगर मैंने ांकों से उसे न देखा होता, और सिर्फ किसी के से सुना ही होता तो मैं उस पर क्रवई यक्तीन नहीं । यां.

भरोसा है कि चीन वासों में जो जांश और लगन । पर जल्दी ही चन्हें कारसाने चलाने की वह हारी हासिस हो जाएगी जिसकी बिना पर वह किसी भी कारसाने दार मुल्क से टक्कर से सकते हैं. वे बड़ी चीस जिसने मेरे ऊपर असर किया वह । मुक्ते वह महसूस हुआ कि क्रीम की क्रीम जाग र अपनी मंजिस की सरफ बढ़ रही है. मुक्ते उस र आन्दोसन की याद हो आई जो हमारे देश 31 में पैदा हुई थी. चीन के अन्दर भी वही । म बासा, क्रीस, सुगन, ठोसपन, सुद सखती और

الموسى كو ختم كر ديا كها ليكن كاوخانه دارون كو مؤيد كي ساته كام كرنه ديا جاتا هـ . چهنى لوك أنه موال كو يهت سمتهدارى بي حل كرته هين . أنه سبهى سدهارون مين عام جنتا كو ساته له چلفه كى أن كى كوشش هوتى هـ . وعان كه لوك كمال كه كام كونه واله هين ."

(6)

'کھنٹی میں آنہوں نے عصمت فروشی کو جند مہمنوں میں ھی ختم کر دیا اور ان سب عورتوں کو قومی پیداواو کے کاموں میں لکا دیا ، ہاڑھ کے وقت جو جذب عام لوگوں میں تھا اُس سے اُنہوں نے فائدہ اُٹھایا ، اِس کی وجہ سے وہ بہت سی آفتوں سے بچ گئے ، لیکن ھمارے میس میں گاندھی جی جو واتاورن تیار کر گئے تھے اُسے می نے تہذا ہو جانے دیا ، اِس کا نتہجہ یہ ھوا کہ ھم نے تہذا ہو جانے دیا ، اِس کا نتہجہ یہ ھوا کہ ھم نے ادھر کے رہے نہ اُدھر کے رہے ."

نئے چین کی طاقت

(قائتر وي ، ك ، آر ، وى ، رأو)

[پئتت سندر الل کی صدارت میں سامبر کے مہیئے میں جو هند گذول مهن چین گیا تھا اس کے ایک مبیر ڈائٹر وی ۔ آر ۔ وی ۔ راؤ بھی تیے ۔ آپ دلی اسکول آف ایکوناسکس کے ڈائرکٹر ھیں ۔ هندستان واپس آئے پر آئے پریس والوں سے ایک بیان کے دوران میں جو کہا اس کا خلاصہ هم نہنچے دے رہے ھیں۔۔۔ایڈیٹر]

انھ نیے انقلاب کے بعد چین والوں نے جو کمال کی ترقی کی ہے وہ ایسی اچرج بہری ہے کہ اگر میں نے اپنی آنکھور سے آسے نہ دیکھا ہوتا' اور صرف کسی کے مدہ سے آسے سفا ہی ہوتا' تو میں اُس ہو قطعی یقین نہیں کو سکتا تھا ،

مجھے بھروسہ ہے کہ چھن والوں میں جو جوھی اور لگن ہے اُس کے بل ہر جلدی ھی اُنہیں کارخائے چائے کی وہ سب جانکاری حاصل ھوجائیگی جسکی بنا پر وہ دنیا کے کسی بھی کارخانے دار ملک سے تکر لے سکتے ھیں ،

سب سے بوی جیز جس نے میرے اُرپر اثر کیا وہ یہ ٹھی کہ معود یہ محصوس ہوا کہ توم کی قیم جاگ گئی ہے اور اپنی مغزل کی طرف بوہ رهی ہے ، مجھ آئی جو همارے میص میں 1930 میں پیدا ہوئی تھی ، جھن کے اندر بھی وہی گئے ہوگام والا حوص لکن تھوس پن خود سختی اُرد

विताने की क्रीमत इस नहीं चुकाना चाहते. इस रहते ही इस तरह से हैं कि लड़ाइयां हों बीर फिर हाथ चठा कर ईरनर-खड़ाह से दुआ करत हैं कि लड़ाई और बरवाही से हमें बचा. यह मज़ाक नहीं तो क्या है ? शान्ति के लिये जल्दी-वाला-रास्ता हम अपना सकते हैं लेकिन इसकी पीठ पर लम्बी मुद्दत वाली योजना जरूर होनी चाहिये. बह योजना ही हमार जीवन को इस तरह बदल सकेगी कि शान्ति पैदा हो."

(5)

"आपने मुमसे चीन के खेती सुधार के बोरे में पूछा है. ऐसा लगता है कि चीनियों ने इस बारे में बहुत ही सही भौर मजबूत क़द्म उठाया है. उन्होंने आंख मुँद कर रूस की नक्कल नहीं की है बल्कि वहां के तजरबे से क्रीमती सबक लिया है. चीन के अन्दर जमीन पर समाजी मिलकियत कहीं नहीं है. निजी मिलिकेयन यहां का क़ानून है लेकिन इस मिलकियत के इस्तेमाल पर राज का पूरा काबू है. निजी मुनाफे का, हांलांकि उसकी हद बना दी गई है. बोस बाला है और वही प्रेरक शक्ति है. जमींदारी-जिसमें किसान का खून चूपा जाता था-- खतम कर दी गई है लेकिन उन मालदार किसानों को जो खुद कारत करते थे छुआ तक नहीं गया. अब तक किमानों को अपनी पैदावार का आठ श्राने से लेकर सोलह श्राने तक हिस्सा अमीदार को दे देना पड़ता था. लेकिन यह चीज खतम कर ही गई और अब जोतने वाले को अपनी मेहनत का पूरा फल मिलता है.

क्षगान पैदाबार का क़रीब क़रीब 13 की सदी है और बनाज की शकत में बसूल किया जाता है. इस तरह करने से छन्हें बीजों की बढ़ती क़ीमतों को रोकने में बड़ी मदद मिला है. सिपाहियों और मास्टरों को अनाज की शकत में तनखाह मिलती है. आतंक का कहीं नाम नहीं—जेंकिन हां, जिन जमींदारों ने बिद्रोह कं कोशशा की उन्हें ज़रूर दबा दिया गया. उनकी ज़मानें ज़ब्त करती गई. लेकिन जिन क्मींदारों की ज़मीन जोतना क़बूल था उनको दूसरों के जैसी सभी सहुतियतें पहुंचाई गई.

रूसी इन्किलाव का आधार सिल मजदूर थे लेकिन भीनी इन्क्रलाव का आधार खेती सुधार है. दोनों में भेद केवल तादाद का नहीं बल्कि किस्म का है. नतीजा यह है कि चीन में वैसा कन्यूनिज्म नहीं है जो इम रूस के साथ नत्थी करते हैं. रूस का चीन की नंति को ढालने में चतना हाथ नहीं है जितना इस सममा करते हैं.

कई तरह से चीनी इन्क़लाव हमारे लिये सबक़ वाता इस्तकारी, कारजानों के मामले में भी खून चूसने वाले بنانے کی الیست کے اوائیاں ہوں اور پھر ہاتھ اتھا کر ایشرو اس طرح سے مہیں کہ اوائیاں ہوں اور پھر ہاتھ اتھا کر ایشرو اللہ سے دعا کرتے مہیں کہ لوائی آور بربادی سے ممهن ہیا ۔ یہ مذاتی نہوں تو کیا ہے ؟ شانتی کے لئے جلدی را راستہ مم ایفا سکتے مہیں لیکن اسکی پہانے پر لمبی مدت والی یوجفا ضرور ہونی چاھئے ، وہ یوجفا می همارے جہیں کو اس طوح بدل سکے گی کہ شانعی پہذا ہو ۔''

(5)

"آپ نے متجه سے چھن کے که یکی سدھار کے بارے میں پوچھا ھے ایسا لکھا ھے کہ چھنیوں نے اِس بارے میں بہت ھی صحیح اور مصبوط قدم اُتھایا ھے ۔ اُنھوں نے آئکھ موند کو روس کی نقل نہیں کی ھے بلکہ وھاں کے تجربے سے قیمتی سبق لیا ھے ، چین کے اُندر زمین پر سماجی ملکھت کہیں نہیں ہے ، نجی ملکھت یہاں کا قانوں ھے لیکن اِس ملکھت کے استعمال پر راج کا پرا قابو ھے ، نجی مفاقع کا حالانکہ اُس کی حد بفا دی گئیھے' بول بالا ھے اور رھی پریرک شکتی ھے ، زمھنداری دی گئی ھے لیکن اُن مالدار کسانوں کو جو خود کاشت دی گئی ھے لیکن اُن مالدار کسانوں کو جو خود کاشت بیدارار کا آٹھ آنے سے لے کر سولہ آنے تک حصہ زمیندار کو اپنی دے دینا پوتا تھا ۔ لیکن یہ چیز ختم کر دی گئی اُرد دی دینا پوتا تھا ۔ لیکن یہ چیز ختم کر دی گئی اُرد دیدانے والے کو اُنٹی صحیحت زمیندار کو اب جوتنے والے کو آپنی صحیحت کا بردا پہل ملتا ھے ۔

لکان پھداوار کا قریب قریب 13 فی صدی ہے اور اللہ کی شکل میں وصول کھا جاتا ہے ۔ اِس طرح کرنے سے آدی شکل میں وصول کھا جاتا ہے ۔ اِس طرح کرنے سے آدیں چھزوں کی چوھتی قیمتوں کو روکئے میں بڑی مدہ ملکی ہے ۔ سپاھیوں اور ماستروں کو آناج کی شکل میں تنظیٰواہ ملتی ہے ۔ آتلک کا کہیں نام نہیں — لیکن ہاں' جن زمینداروں نےودوہ کی کوشش کی آنہیں ضرور دیا دیا گیا ۔ اُن کی زمینی خوتلا قبول تھا اُن کو دوسروں کے زمینی جوتلا قبول تھا اُن کو دوسروں کے جھسی سبھی سپولیتھی پہوتچائی گئیں ،

روسی انتلاب کا آدهار مل مودور تھے لیکن چیلی انتلاب کا آدهار کھیلائی سدهار ھے ، دونوں میں بھید کیول تعداد کا نہیں پلکہ قسم کا ھے ، نتیجہ یہ ھے که چین میں ویسا کمیونزم نہیں ھے جو هم روس کے ساتھ نتی کرتے بھیں ، روس کا بچین کی نیلی کو تھالئے میں انتا ہاتے نہیں ھے جاتا هم سمجھا کرتے ھیں ۔

کئی طرح سے چھلی انقلاب همارے لئے سبق داتا ہے ، استخاری کارتمالیں کے معاملے میں بھی گئوں چوسلے والے

The set (Albert . *

للحرازجك

"بهنائی اهرن برگ نے کہا ' 'اگر کوئی ڈاکو ہجے کو مارنے گهر میں کیس آئے تو کیا بھے کو بھیانا کاندھی وانسی طریقے کے خلاف موا ؟' میں نے جواب دیا' 'معاف كَيْجِمُهُ أَبُ كِي مِثَالَ تُهِمَكُ نَهِينَ بِمِثْمِتَى هِي . هم كو جو پکونی چاہئے ۔ اگر بنچے کے بدن پر کوئی ایسی چھڑ هے۔۔ جهسے زيرر۔ جس سے قاکو کا من بهجا حرات کوئے کو عوتا ہے تو هم ایک ڈاکو سے اُسے بنچالیس کے تو درسرا آئے کا تیسرا آئے کا . اِس طرح سوال حل نہیں هوئے والا هے ، لوائياں بازهوں كي طَرح هوتي هدى ، أرد ہاوہ نام مے برسات کے پانی کے جمع هو جالے کا ، بہمت پیسم محامت خرج کرکے بازھ روکئے کے لئے مم دام بنا سکتے هيں . ليکن جہاں يہ دام پهوتے کہ تباهی پهر سے آئی . أس لئه بازه روكله كا مناسب طريقه يه هه كه هم ہرسات کے پانی سے کام شروع کریں ۔ اگر ہم زمین جوت الهن تو ولا ياني سوكه كر أيجاد بنتي هي . اگر جنگل بغادين تب بهي بارش لا پائي بهكار نه جاكر زمهن مهن چلا جاتا ھے اور آئے سوتے کے پانی کی طرح کام میں آجاتا ھے . زمین خود ایک بوے حوض یا تالاب کا کام کولیکی ه اور پانی کو بههانک بازه کا روپ نهیں لیڈے دیاتے . چهورتے چهولہ داموں سے بھی یه کام چلتا ہے . یه جهزين ديكهنے ميں تو معبولي سي لكتي هيں ليكن اُن کُی اہمیت سے کون انکار کرسکتا ہے ؟

ور گاندھی جی کا طریقہ یہی ہے کہ پرسات کی پوندوں کو روک کر اُن کو سکارج سے لکا دیا جائے' نہ که اُن کو جمع ہونے دیکر باڑھ کی شکل میں مصیبت پیدا گرتے دیں ۔ جبورا ہے وہ گرتے دیں ۔ جبورا ہے وہ فنیا کی شانعی کے لئے بہت بڑی امداد ہے ۔ آپ کے شانعی سمیلئوں کی پہنچ یا اُنیل اس پروگرام کے سامنے شہوں کے برابر ہے ، مصیبت اصلی یہ ہے کہ سادہ جہوں نہیں کے برابر ہے ، مصیبت اصلی یہ ہے کہ سادہ جہوں

बाबीर में दुलिया क्यांची सदाई की शकत से सेती है. इसिलये कि स्वाई का इसाज करना मलामत का इलाज करना है न कि असली बीमारी का हिययार बन्दी और मुलहों से यह सवाल पूरा हल होने वाला नहीं है. हम यह महसूस करते हैं कि जब अपनी जरूरतों के बनावटी नाम हम खड़े करेंगे और फिर केन्द्री पैदावार के विशेष उन जरूरतों को पूरा करने के वक्कर में पड़ेंगे तो लड़ाइयों का होना साजमी है. हम यह भी महसूस करते हैं कि ऐसे बनावटी नामों से क़ुद्रती लालय और ईशी बढ़ते हैं और नफरत पैदा होती है जिसका नतीजा लड़ाई है. इसिलये हिन्दुस्तान का तरीका, जास कर वह जिसके रहबर महातमा गांधी हैं, मुस्तकित शान्ति कायम करने का तरीका है. लेकिन इतनी बात जरूर है कि यह लम्बी मुद्रत का प्रोप्राम है.

''भाई एइरन वर्ग ने कहा, 'अगर कोई डाकू बच्चे को मारने घर में घुस भाए तो क्या बच्चे को बचाना गांधी वादी तरीक के खिलाफ होगा ?' मैंने जवाब दिया. 'माफ किजिये, आप की मिछाल ठीक नहीं बैठती है. इसकी जड़ पकड़नी चाहिये. आगर बच्चे के बदन पर कोई ऐसी चीज है-जैसे जेबर-जिससे डाकू का मन बेजा हरकत करने को होता है तो हम एक डाकू से इसे बचाएंगे तो दूसरा आएगा, तीसरा आएगा. इस तरह सवाल इल नहीं होने वाला है. लड़ाइयां बाढ़ों की तरह होती हैं. और बाढ़ नाम है बरसात के पानी के जमा हो जाने का. बहुत पैसा मेहनत लर्च करके बाद रोकने के लिये हम डाम बना सकते हैं. लेकिन जहां यह डाम फूटे कि तबाही फिर से आई. इस लिये बाद रोकने का मुनासिब तरीका यही है कि हम बरसात के पानी से काम शुरू करें. अगर हम जमीन जोत लें तो वह पानी सोख कर दपजाऊ बनती है. अगर जंगल बनादें तव भी बारिश का पानी बैकार न जाकर जमीन में चला जाता है और आगे सोवे के पानी की तरह काम में आ जाता है. जमीन खुद एक बड़े हीज या तालाब का काम कर लेती है और पानी को भयानक बाद का रूप नहीं लेने रेती. क्रोटे क्रोटे डामों से भी यह काम चलता है. यह चीचें देखने में तो मामूली सी लगती हैं लेकिन इनकी भहमियत से कीन इनकार कर सकता है ?

"गांधी जी का तरीका यही है कि बरसात की बूँदों को रोक कर उनको सुकारज से लगा दिया जाए, न कि उनको जमा होने दे कर बाद की शकता में मुसीबत पैदा करने हैं. जो रचनात्मक प्रोमाम उन्होंने छोड़ा है वह दुनिया की रान्ति के लिये बहुत बड़ी इमदाद है. आपके शान्ति-धम्मेलनों की पहुँच हा अधील इस प्रोमाम के सामने नहीं के बरावर है. सुक्षिका, अध्यक्षी यह है कि सादा जीवन

है. यहां की सरकारी मरामिदी समम्बद्धार है कौर सब लोग दिल से उसके साथ हैं. वजह यह है कि सब मुलाज़िम जनता से हिल मिल गए हैं. सब एक ही तरह के कपड़े पहनते और एक ही तरह रहते हैं. उंचे और नीचे में कोई बड़ा फर्क नहीं है. चेयरमैन माओ को हर महींने केवल 2,800 कट्टी मक्का मिलती है (एक कट्टी = 10 छटांक), साथ में एक मकान और एक मोटर हमारे हिसाब से चेयरमैन माओ की तनखाह 600 रुपया महीना बैठेगी. मैं दो कैविनट मिनिस्टरों से मिला जो करीब करीब 450 दिपये के बराबर पाते थे. जो स्वयं सेवक हमारे साथ थे उन्हें करीब 150 रुपया मिलता है. इस से आप देख सकते हैं कि चीन में इस तरह के नेता हैं जो जनता का सा जीवन विताते हैं.

"यहां पर वैसी ही एक जान मालूम होती है जैसी हमारे यहां 1931 में थी. कस का उतना जियादा असर नहीं है जितना हम सममते हैं. रूसी कम्यूनिज्म का आधार राश्ट्रीकरन और बढ़े पैमाने की तैयारी है. लेकिन चीन आसगी या निज्ञी जायदाद में— बाहे वह कुछ सीमित ही है— बक्कीन करता है. छाटे पैमाने की तैयारी वाले कारखाने यहां खूब हैं. यहां का आधार है— नया लेती कानून और खेती सुधार. इस बुनियादी फर्क की वजह से चीन आंख बन्द कर के हस की नक्कल नहीं कर सकता.

"मुक्ते यह देख कर खुशी हुई कि यहां बेतन का आधार क्रिश्व क्रिश्व वही है जो मैंने अपने पनने आश्रम, सेल्होड़ (यह वर्षों से बीस मील के फासले पर हैं) में रखा है. चीन में खाना, कपड़ा, मकान मुक्त और जेब खर्च के बिचे दस पन्द्रह कपए महीने. मेरा हिसाब जियादा साइन्टिफिक है क्योंकि समतोली खराक की बिना पर कायम किया गया है. लेकिन दोनों का मेल ताज्जुब की बात है."

(4)

"बीन में मेरी मुलाकात माई इलया एहरन वर्ग से हुई जो रूस के नामी लेखक और उपन्यासकार हैं. वह रूस सरकार के एक ऊंचे प्रोपेगेन्डा अफसर भी हैं. उन्होंने मुक्त के दिन्दुस्तान तो सचमुच शान्ति-पसंद देश है लेकिन फिर भी शान्तिवादी या पैसिफिस्ट संस्थाओं की अंतर क्रीमी शान्ति सभाओं में वह कोई खास हिस्सा क्यों नहीं लेता ? मैंने जवाब दिया:

'हमारा नजरिया ही आपके नजरिये से जुदा है. हमारी फिज़ासकी और क्रोमी कलचर की तासीर यह है कि हम इनसान की निजी जिन्दगी के सुधार की तरफ ध्यान देवे हैं. हम लड़ाई को एक समाजी बीमारी मानवे हैं जो आइसियों के अन्दर की हिंसा का तनीजा है और बही

" یہاں پر ویسی هی ایک جان معلوم هوتی هے جیسی مارے یہاں 1931 میں تھی ، روس کا اتنا زیادت اثر یس هے جہتا هم سمجھتے هیں ، روسی کمیونزم کا آدھار شتری کرن اور بڑے پیمانے کی تیاری هے ، لھکن چھن مامکی یا نجی جائداد میں — چاھے وہ کچھ سیمت ہے ہے ۔ یقیوں کرنا هے ، چھوتے پیمانے کی تیاری لے کارخانے یہاں خوب هیں ، یہاں کا آدھار هے ۔۔ یا کھیٹی قانون اور کھیٹی سدھار ، اِس بنیادی فرق ی وجہ سے چین آنکھ بند کر کے روس کی نقل نہیں ، سکتا ،

''مجھے یہ دیکھکر خوشی هوئی که یہاں ویکن کا آدهار ریب قریب وهی ہے جو میں نے آئے بھے آشرم' سیلہور (یہ ردھا سے بیس میل کے فاصلہ پر ہے) . میں رکھا ہے . ہیں میں کھانا' کیوا' مکان صفت اور جیب خرچ کے لئے سی پندرہ روپے هر مہیئے . میرا حساب ویادہ سائنتنک ہے . کیونکہ سیکوئی خوراک کی بنا پر قائم کیا گیا ہے . کین دونوں کا میل تعجب کی بات ہے ."

(4)

"چھن میں میری مقات بہائی الہا اھرن ہرگ سے اور اینیاس کار ھیں ، اورس سرکار کے ایک اونچے پروینگذتا افسر بھی ھیں ، انہیں نے مجھسے پوچھا کہ ھندستان تو سے میے شانتی سند دیش ہے لیکن پیر بھی شانتی وادی یا پیسینست سند دیش ہے لیکن پیر بھی شانتی سبھاؤں میں وہ کوئی ملستہاؤں کی انٹر قومی شانتی سبھاؤں میں وہ کوئی غامی حصہ کیوں نہیں لیتا ؟ میں نے جواب دیا :

اهمارا نظریه هی آپ کے نظرئے سے جدا هے . هماری السنی اور قومی کلنچر کی تاثیر یه هے که هم انسان کی نجی زندگی کے سدهار کی طرف دهیاں دیائے میں الیں . هم تواتی کو آیک سماجی بیماری مانچے هیں جو آدمیوں کے آنشر کی هلسا کا تکیجه ہے آرر یہی

"बीन को जिसना जियादा में देखता हूँ खतना ही में स पर मोहित होता जाना हूँ. कैन्टन जब हम पहुँचे तो खा कि हांग का मुकाबले वह रारीव शहर है लिकन काई म कोई ईमा नहीं थी. न भिक्रमंगे थे, न मक्खी, न कोई ईमा नहीं थी. न भिक्रमंगे थे, न मक्खी, न कोई जी नक मुंह दसी तरह बन्द थे जैसे आपरेशन हों वाले ढाक्टरों के. सड़कों पर आम तौर से साहिकलें, हि जियादातर सरकारी थीं. टैक्सी या निजी कार नहीं खलाई पड़ती थी. हवाई अड्ड मोटरें थीं लिकन हि जियादातर सरकारी थीं. टैक्सी या निजी कार नहीं खलाई पड़ती थी. हवाई अड्ड मोपड़ों की तरह थे और हा जियादातर सरकारी थीं. टैक्सी या निजी कार नहीं खलाई पड़ती थी. हवाई अड्ड मोपड़ों की तरह थे और हा जियादात था. सभी जगह सादगी थी. न ऐसे आदमी जिसते थे जो दूसरों के मुकाबले वह रईस हों, सब करीब रिव एक से थे.

''कैन्टन की दुकानों के साइन बोर्ड इतने खुशनुमा और ति विरंगे मालूम हो रहे थे मानो किसी स्थाहार की तैयारी ते. कैन्टन कलकत्ते जैसा बड़ा शहर है. लेकिन कहीं भी तिलतू या बेकार खमीन नहीं मिलेगी. शहर तक के अन्दर तो जमीन खाली है वहां खेती कर ला गई है. हम लागों त मुकाबले बहां के आदमी बहुत ही मेहनती हैं. जब मैं विषक्ष गिलयों में धूमने गया तो देखा कि मांगें वपने बड्वों को नहला रही हैं."

(3)

"पेकिंग में पहली अक्तूबर का जशन इमने देखा. ।यरमैन माश्रो के पास से इस लाख आदमी उस दिन तंकले होंगे. इस लोग सुबह के सादे नी बजे से शाम के गर बजे तक खड़े ही रहे. फौज, समुन्दरी बेड़ और हवाई हाज का मार्च कोई हेढ़ घंटे तक हुआ. इसके बाद रेलवे गीर कारखानों के मजदूर आए—तब फिर किसान, गांव तले, स्कूल कालिज के लड़के लड़कियां वरौरा. सब उलामी देते निकल गए. एक दम शानित और डिसिपलिन ा. उनके अन्दर से जोश मानो उमड़ा पद रहा हो. ऐसी गवना के लोग कभी गुलाम नहीं रह सकते. इसके काबले हिन्दुस्तान गया गुजरा है. हम गाल फुला कर हि सममते हैं कि पूरव के अगुबाहम ही हैं, लेकिन रीन इस से कोसी बागे हैं. चीन वाले अपने मकसद पर क सू होकर बल रहे हैं और उनके अन्दर इरादा मालूम दिता है, चन्हें कोई नहीं रोक सकता. हमारे सामने न कोई कसद है न कोई मंजिल, इसलिये हम में जोश नहीं है.

"साना हर जगह बहुतेरा है. जरूरत की दूसरी चीजें में बहुत ही सस्ती मिसती हैं. हां, इन्मलेशन जरूर है, किन सरकार ने इसे दूर करने का रास्ता निकाल लिया ''کھنٹن کی دوکانوں کے سائن یورڈ اتنے خوشنما اور رنگ مرنگے معلوم ھو رھے تھے مادو کسی تیومار کی تیاری ھو ، کھنٹن کلمٹے جیسا ہوا شہر ھے ، لیمن کہیں بھی فالتو یا بھکار زمین نہیں ملے گی ، شہر تک نے اندر جو زمین خالی ھے وہاں کہیٹی کر لی کئی ھے ، ھم لوگوں کے مقابلے وہاں کے آدمی بہت ھی محملتی ھیں ، جب میں وہاں کے وقت کلیوں میں کہومنے گیا تو دیکھا که مانیں سیم کے وقت کلیوں میں گہومنے گیا تو دیکھا که مانیں انے بچوں کو نہا رھی ھیں ،"

(3)

"و پهكنگ مهن پهلي التوبر كا جشن هم في دبيكها . هورمهن ماؤ كي پاس سے دس لاء آدمي أس دن نكلي هونگي . هم لوگ صبع كي سازه نو بنجے سے شام كي چار بنجے تك كوتى ديرة هونى جهاز كا مارچ كوئى ديرة كهلئي تك هوا اسكے بعد رياوے اور هانون كي كوئى ديرة كهلئي تك هوا اسكے بعد رياوے اور كارخانوں كے مؤدور آئے — تب يهر كسان كاوں والے اسكول كاليج كے لؤك لوكهاں وفيرة . سب سلامي ديتے نكل كئي . كاليج كے لؤك لوكهاں وفيرة . سب سلامي ديتے نكل كئي . مائو أموا يو وها هو . ايسى بهاونا نے لوگ كبهى فلم نهيں مائو أموا يو وها هو . ايسى بهاونا نے لوگ كبهى فلم نهيں وه سكتے . اس كے مقابلے هندستان كيا كارا هے . هم كال لهي مقصد هي مدوس الے هي مائور ان نے اندر ارادہ معلوم فيرائي هي اندر ارادہ معلوم فيرائي . انهيں كوئى نهيں روك سكتا . همارے ساملے فيرائي ، أنهيں كوئى نهيں روك سكتا . همارے ساملے فيرائي مقصد هي نه كوئى ملول اس لئے هم ميں جوش

و کہاتا ہر جگہ بہتمرا ہے ، ضرورت کی دوسری چمزیں یہی ایک مستی ملتی ہیں ۔ جان انتلیشن انتلیشن مرور ہے کا راستہ نکال لیا مرور ہے کا راستہ نکال لیا

नए चीन की भलक

(बाक्टर जे. सी. कुमारत्या)

[डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा कुल हिन्द माम चचौग संघ, मगनवादी, वधी, के सदर हैं. आप हिन्द गुडिबिल मिशन के मेम्बर की हैंसियत से चीन गए थे. अपने दौरे में चन्होंने जो खत अपनी संस्था के मंत्री को भेजे वह उनके माहवारी परचे "प्राम चचोग पत्रिका" में छपे हैं. इन खतों से नए चीन की एक खासी मलक मिलती हैं. इम उन खतों में से कुछ को यहाँ दे रहे हैं.

--एडीटर]

(1)

"हम लोग हांग कांग शाम को पहुँचे. स्विमिंग हाउस होटल में हमें ठहराया गया. इस होटल के बैरों में हिन्दु-स्तानी होटलों के बैरों से बड़ा फर्क दीखता था. हमारे यहां के बैरे गर्दन मुकाए इनाम या बखशीश के मुन्तिचर रहते हैं. लेकिन हांग कांग में बीनी बैरों के चेहरे पर ख़ुशी छाई हुई थी, वह मुस्करा रहे थे घौर सर ऊंचा करके अपना काम करते थे. उन्हें देखकर हैरत होती थी. उन्हें अपने नए बीन का नाज था. उन्होंने हमारा स्वागत किया घौर इस तरह पेश आए मानो वही हमारे मेजवान हों.

"दूसरे दिन सबेरे मैं यह देखने निकल गया कि हांग कांग की रारीव वस्तियां कैसी हैं. मैं ऐसी जगह गया जहां मुके अम्मीद थो कि बदबू और गंदगी होगी-मांस मछली बाजार और सब्जी मंडी. लेकिन मैं तो दंग रह गया. न मुक्ते मक्की दीखी, न कौवे न चील-जो पूरव में गंदगी के मशहर सकेंये सममे जाते हैं. सड़कें साफ थीं. हालांकि कौंग सरीब थे कुछ लोग तो सड़क के पास पटरी पर पढ़ बे. च कहीं श्रक दिखाई देता था न और कोई गंदगी. न कोई यू काती थी-सिर्फ सूखी मछती की क़द्रता गंव आ रही थी. पिछम को छोड़ कर ऐसा साफ नगर मैंने कहीं नहीं देखा. नहीं, नहीं, जन्दन के कुछ हिस्से भी यहां धे सबक़ ले सकते हैं. इस जगह राज अंगरेजी है मगर बाबादी रारीब चीनियों की है. इनकी हात्तत हमारे शहरों में बटरी पर रहने वालों से जियादा मुखतिज नहीं है. इसारे शहरों का इन्तजाम भी अंगरेज लोग एक जमाने कें करते थे. मगर भेद जमीन आसमान का मालूम पहला है. इसकी वजह चानियों का सहयोग ही हो सकता है. शाम का हम जहाज से कैन्टन के लिये रवाना हुए, इस अहाका पर क्ररीय दो दिन के बाद हमने बाय के वक्त दो श्राक्तवा देखीं. मेरे साथी फौरन बोल चठे, 'देखा, देखों ! हो सर्वस्थयाँ है."

نئے چین کی جھلک

(ڈائٹر چے . سی ، کمارپہا)

[قائقر چے ، سی ، کمارپہا کل هند گرام أديوگ لله مكن واري ودها كے صدر هيں ، آپ هند كرام أديوگ كرا مشن في معبر كى حهثيت سے چين گئے تھے ، أنها درے ميں أنهرں نے جو خط اپنی سنستها كے منتری كو بهيچے وہ أن كے ماعواری يرچے 'گرام أديوگ پتريكا'' ميں چهنے هيں ، إن خطوں سے نئے چين كي أيك خاصی جهلك ملتی هے ، هم أن خطوں ميں سے كچه كو يهاں دے رہے هيں — ايديگر]

(1)

الهم لوگ هانگ کانگ شام گو پهونچ . سوئملگ هائس هوتل میں همیں تههرایا گیا . اِس هوتل کے بهروں میں همیں تههرایا گیا . اِس هوتل کے بهروں میں هنادے دیکھتا تھا . همارے یہاں کے بهرے گردن جھکائے انعام یا بخشیص کے منتظر وهتے هیں . لیکن هانگ کانگ میں چینی بهروں کے چهرے پر خوشی چهائی هوئی تهی وہ مسکرا رہے تھے اور سر آونچا کر کے اینا کام کرتے تھے . انهیں دیکھکر حفرت هوتی تهی ، آبهیں اینے تینے چین کا ناز تھا . انهیں نے همارا سواکت کیا اور اِس طرح یہھ آئے مانو انهیں نے همارا سواکت کیا اور اِس طرح یہھ آئے مانو

رهی همارے میوبان هوں - در میں ممارے میں سویرے میں یع دیکھئے نکل گیا که ھانگ کانگ کی غریب ہستیاں کیسی ھیں ، میں آیسی جگه کیا جہاں مجھے اُمید تھی که بدیو اور کلدگی هوکی ... مانس منههای بازار اور سبزی ملقی . لیکن مین تو دنگ رہ گھا۔ نہ مجھے مکھیدئھی' نہ کوے نہ چھل۔۔۔ جو پورب میں کندگی نے مشہور صنیکے سمجھے جاتے میں. سركين صاف تهين حالانكه لوگ قريب ته . كچه لوگ تو سرک کے پاس ہالری پر پڑے تھے، تع^{یک}ھیں تھوگ دکهائی دیا تها نه اور کوئی گلدگی . نه کوئی یو آتی تهى مرف سواهي مجهلي كي قدرتي كلده آتي لهي. پنچهم کو جهور کر ایسا صاف نگر مهن نے کہوں نہوں دیکھا ۔ تیس تهیں لقص کے کچھ حصے بھی یہاں سے سبق لے سکتے ھیں ۔ اِس جگد راج انگریزی ھ مگر آبادی فریب چیلیس کی ه . ان کی حالت همارے شہر میں پالوں پر وہنے والیں سے زیادہ مختلف نہیں ھے ، همارے شهروں کا انتظام بھی انگریؤ لوگ ایک زمانے میں کرتے تھے مکر بھید زمین آسمان کا معلوم ہوتا تھ . اس کی وجم جهلیوں کا سهیوگ هی هوسکتا هے . شام کو هم جهاز مع فيهندي كِلي روانه هوني. إسجهاز ير قريب دو دن کے بعد هم نے چانے نے وقت ذو مکھھاں دیکھوں، مھرے سانهی فوراً بول أله "ديكهوا هيكهو ا دو مكهيان هين!"

बहुकी महीने में हाई की कुनिट सबकाइ से रही थी, फैक्टरी के बायरेक्टर की सनकाइ सादे तीन सी यूनिट थी, सरकारी महकमों में कम से कम तनकाइ हेद सी यूनिट थीर जियादा से जियादा तनकाइ सादे तीन सी यूनिट है. इसी तरह का कर्क एक यूनिवर्सिटी के बाइस चानसकर और एक चपरासी में है. चेयरमैन माओ-से-चुंग की तनकाइ मारत के रास्ट्र-पति की तनकाइ के मुकाबले में सोलहबाँ हिस्सा है. इस जिहाज से हम चीन के अन्दर हर किसी कारकाने के मज़दूर और मैनेजर में, एक यूनिवर्सिटी के बाइसचानसकर और एक चपरासी में पौशाक वरारा के जिहाज से कोई तमीज नहीं कर सकते.

चीनी हुक्काम देसी ख्योग धंदों की हिम्मत बढ़ाते हैं. वेकिंग में हमने एक पूरा बाज़ार ऐसा देखा जहां हाथ का बना हुआ कपड़ा बिकता है. कुछ देहातों में हमने देखा कि लोग हाथ का कपड़ा बुन रहें थे चौर दनकी चौरतें पुराने तरीके पर कात रही चौ. हमने एक बड़ी नुमायश देखी जहां हाथ से तैयार की जाने बाली चीजें रखी हुई धीं.

मज़हबी आज़ादी

चीन में पूरी मज़हबी आज़ादी हासिल है. हमने मसजिदें देखीं जहाँ बाक़ायदा नमाफ अदा की जाती थी, हमने सिक्खों के गुरुद्वारे भी देखे जहाँ मन्य साहब रखा हुआ था और इसे दसी तरह पढ़ा जाता था जैसे हिन्दुस्तान में. हमने बड़े बड़े बौद्ध मंदिर भी देखे जहां बड़ी बड़ी मूर्तियां रखी हुई थीं. हांग-चू में ऐसे ही एक मंदिर की छत गिर पड़ी थीं. हमने देखा कि हकूमत के पैसे से दसे नए सिर से बनाया जा रहा है.

में यह असर लेकर और संतुरट हो कर चीन से वापस आया हूँ कि नया चीन और नए चीन के नेता एशिया की हर कीम के साथ पुर अमन तौर पर रहना चाहते हैं. चीन का जियादा ध्यान सिर्फ जंगी सामान बनाने की तरफ ही नहीं है बल्कि ऐसे सामान की तरफ भी ध्यान दिया जा रहा है जो रोज के इस्तेमास में आते हैं. इसका कारन यही है कि चीन में कोई जंग को पसंद नहीं करता.

में यक्रीन रक्षता हूँ कि नया चीन हिन्दुश्वान के युकावले में उन असूनों के वियादा करीब है जिनका प्रचार महात्मा गांधी करते थे. आज जो हम अपने मुक्क में देखते हैं उनमें से बहुत सी बुराइयाँ आज से दो साल पहले चीन में भी देखने में आती थीं. मुक्ते इस बारे में जरा भी खंदेह वहीं कि जगर हिन्दुस्तान में हम उन बुराइयों को दूर करने का अववा रखते हों तो हम नए चीन से बहुत इस सीस सकते हैं.

چیڈی حکام دیسی اُدیوگ دھندوں کی هدف ہوھاتے ہیں ، پیکڈگ میں هم نے لیک پورا بازار ایسا دیکھا جہاں ھاتھ کا بقا ھوا کپڑا بکتا ھے ، کچھ دیہاتوں میں هم نے دیکھا که لوگ ھاتھ کا کپڑا بن رہے تھے لور اُن کی عورتیں پرانے طریقے پر کات رھی تیمن ، هم نے ایک بڑی نمائش دیکھی جہاں ھاتھ سے تیار کی جانے والی چیزیں رکھی ھوڈی تیمن ،

مدهبي آزادي

چھن میں پوری مذہبی آزائی حاصل ہے . هم نے مستجدیں دیکھیں جہاں باقاعدہ نماز ادا کی جاتی تھی، هم نے هم نے هم نے سکھوں کے گرودرارے بھی دیکھے جہاں گرنتھ صاحب رکھا ہوا تھا آور اُسے اُسی طرح پڑھا جاتا تھا جیسے ملائشتان میں . هم نے ہے ہے ہوده مقدر بھی دیکھے جہاں بڑی ہوی مورتیاں رکھی هوئی تھیں . هانگ چو میں آیسے هی آیک مددر کی جہت گر پڑی تھی . هم نے دیکھا که حکومت کے پھسے سے آسے نگے سرے سے بدایا جوا جھا ہے .

میں یہ اثر لے کر آور ساتشت ہوکر چین سے واپس آیا ہوں کہ نیا چین آور نئے چین کے نیکا ایشیا کی ہر قوم کے ساتھ پو آمن طور پر رہنا چاہتے ہیں . چین کا ویات دھی اور نے جلکی سامان بلالے کی طرف ہی دھیان دیا فیمن ہے بلکہ آیسے سامان کی طرف بھی دھیان دیا فیمن ہے کہ آیسے سامان کی طرف بھی دھیان دیا بھا جا ہے جو روز کے استعمال میں آتے میں . اِس کا کارن بیس ہے کہ چین میں کوئی جلگ کو پسلد نہیں کرتا . میں یتین رکھتا ہوں کہ نیا چین هندستان کے جہاتما گاندہ کی کرتے تھے . آج جو ھم آئے ملک میں دیکھتے ہیںا کی بہلے جیوں آئی تھیں . محجے اِس جھیں میں بھی دیکھتے میں آئی تھیں . محجے اِس جھیں میں بھی دیکھتے میں آئی تھیں . محجے اِس جھیں میں بھی دیکھتے ہیں کہ آئر هندستان میں جھی اِس بوائیوں کو دور کونے کا جذبہ رکھتے ہیں تو ھم نئے جھیں سے بہت سکے سکتے ہیں ۔

रेखना पाहते थे. हमने देखा कि पूरे मुस्क में निजी मिलिक यतों और निजी मिलिकयत वाले कारलानों की हिन्मत बढ़ाई जाती है. यही नहीं बल्कि सरकार इन निजी कारखानों को कच्चा माल भी मुहैया करती है और इस बात की जमानत देती है कि उनका तैयार किया हुआ माल बेचा जाएगा. विदेशी पूँजी लगाने के क्षिये भी काफी गुंजायश है. इमने टेन्टसन, शंघाई कौर दूसरी बहुत सी जगहों परं अंगरेज कमीं को काम करते देखा. इमने खास सौर सें झान बीन की और हमें बताया गया कि चीन के अन्वर पेसा कोई एक भी कारसाना या जमीन नहीं जो समाजवादी ढंग की मिलिकयत हो. नए चीन की हकूमत कोई कम्यूनिस्ट इकूमत नहीं है और न वह एक पारटी की सरकार है बल्कि वह केवल एक मिली जुली पारटी की सरकार है जिस में देश की तमाम पारिट यों के नुमाइन्दे शामिल हैं. सरकार में ऐसे मेम्बरों की गिनती सिर्फ एक तिहाई है जिनके बारे में दावे से कहा जा सके कि वह कम्युनिस्ट हैं. लेकिन अगर इसके बाद भी यह कहा जाए कि चीन एक कम्यूनिस्ट गुल्क है तो मैं कहूँगा कि चीन का कम्युनिकम 'चीनी कम्युनिकम' है जिस में जनता की पुरानी परम्परोधों को बनाए रखा गया है.

कान्ती भदालतें

चीन ने अपनी क्रानूनी अदालतों में इन्क्रलाबी तबदीली की है और बकालत के पच्छिमी तरीक्षे को एक दम बदल दिया है. किसी जमाने में केवल शंघाई शहर में बारह सी वदील रहा करते थे. लेकिन आज वहां एक भी वकील नहीं है. इन सबको दूसरे मुहकमों में ले लिया गया है और सिर्फ पांच बहुत काबिल वकीकों को सरकार ने खुद नौकर रस लिया है जिन से पेचीदा मामलों में सलाह की जाती है. इस तरह न सिर्फ यह कि चीन से मुक़दमें वाजी की बीसारी दर हो गई है बल्क अब मुक्कदमों के फैसले भी बहुत बहद हो जाते हैं और इन्साफ सस्ता हो गया है. चीनी सरकार मुजरिमों का सुधार ट्रेनिंग दे कर भी करती है और सजा हुने के मुकाबले में उनको सदाचार की शिक्ता भी देती है. नई चीनी सरकार ने उन लोगों तक को माफ कर विया है जिन्होंने कोमिटांग सरकार से इथियार लेकर नई सरकार से जंग की थी. इसका नतीजा यह है कि वह नई सरकार के सबसे बढ़े बफावार बन गए हैं. 🕹

तनख़ाहें

चीन में तनखाहें सिक्के की बुनियाद पर नहीं बल्कि रास्ते की बुनियाद पर दी काती हैं. जिन कारखानों में इस कोग गए, इमने देखा कि आम मजदूरों और मैनेजर का डायरेक्टर की तनखाहों में तीन और घाठ का अनुपात दिलासुब) था. एक विस्कृट फूक्टरी में जहाँ एक मजदूर

ریکہنا جامعے تھے۔ ھو کے دیکھا کہ ہونے ملک میں نجی ملکوٹوں آور تعیی ملکوٹوں کی ست برمائی جاتی ه . يهي نههن بلكه سركار إن نبيي المفاتون كو كنها مال يهي" مهها كرتي هے اور إس بات رُ مُمَانِت ديعي هـ كه أن كا تيار كها هوا مال بهجا ں ہائے کا ، وہیشی کونجی لکانے کے لئے بھی کافی گذھبائش ہے۔ هم نے تنتسی' شنگهائی آور دوسری بہت سی ہ انکریز قرموں کو کام کرتے دیکھا . هم نے خاص ارر سے چہاں بھی کی آور همیں بتایا گیا که چین کے ندر ایسا کوئی ایک بھی کارخانہ یا زمین نہیں جو سأبر وادى دهنگ كى ملكيت هو . نكر چين كى هراست کوئی کمهونشت حکومت نهین هے آور آنه وا یک پارٹی کی سرکار ہے بلکہ وہ کھول ایک ملی جلی ارثی کی سراار ہے جس میں دیش کی تمام پارٹیوں کے مالندے شامل هيں ، سرکار ميں ايسے ممبروں کی گندی رن ایک تہائی ہے جلکے ہارے میں دعوے سے کہا جاسكے كه ولا كمهونست هيں . ليكن أكر إسكے بعد يهى اله ہا جائے که چهن ایک کمیونست ملک هے تو مهن ہوں کا که چین کا کمیونزم جهیدی کمهونزم عصص مهں جنتا کی پرانی پر-پراؤں کو بنائے رکھا گیا ہے ،

قانونى عدالتهن

چین نے اپدی قانونی عدالتوں میں انقلابی تبدیلی ای مے اور وکالت کے پچھمی طریقے کو ایک دم بدل دیا ہے ۔ کسی زمانے میں کیول شفکھائی شہر میں بارہ سو اکیل رہا کرتے تھے، لیکن آج وہاں ایک بھی وکیل نہیں ہے . ان سب کو دوسرے محصموں میں لے لیا گیا ہے آور مرف پانچ بہت قابل وکیلوں کو سرکار نے خود نوکر رکھ يا ه جن س پهچيدة معاملين مين صلح لي جاتي ه. اس طرح نه مرف یه که چین سے مقدمے بازی کی بهماری اور موککی ہے بلکہ آپ مقدموں کے فیص<u>لہ</u> بھی بہت جلد هو جاتے هيں آور انصاف سستا هوگيا هے ، جهلی سرکار منصوموں کا سدھار تیریننگ دے کر بھی کرتی ہے اور سزا دیلے کے مقابلے میں اُن کو سدانیار کی شکشا بھی دیعی ہے۔ نئی جہلی سرکار نے اُن لوگرں تک کو معاف کر دیا ہے جنہوں نے کومنٹانگ سرکار سے هعهدار لے کر نئی سرکار سے آجگگ کی تھی ۔ اُس کا نعینجہ یہ که وہ نئی سرکار کے سب سے ہونے وفادار بن گیے میں .

تلخواهين

چین میں تنظواهیں سکے کی بنیاد پر نہیں بلکہ
الے کی بکیاد پر دی جاتی هیں ، جن کارخانی میں
م لوگ گئے ہم نے دیکیا کہ عام مزدوروں آور منیجو یا
دائریکٹر کی تنظواهیں میں تین آور آٹہ کا انریات (تناسب)
نیا ، ایک بسکت فیکٹری میں جہاں ایک مزدور

बाने जाने, उदने बैदने पर कोई पायन्दी नहीं थी. इस जहां बाहे जासकते ये और जो देखना चाहते देख सकते थे. बीनी जनता और चीनी हाकिम भी ६मसे खिंचे खिंचे न रहते थे. इसने जो कुछ भी जानकारी हासिल करनी चाही इसमें उन्होंने हमें पूरी पूरी सहुिखयत दी.

दो साल की तरक्रकी

पिछले दो साल के अन्दर चीन ने जो कुछ किया इसका हम पर बेहद असर पड़ा. जापानी फ़ब्जे के बीच जीर बाद में कोमिटांग राज में देश की समाजी और ब्राधिक विन्द्गी का ढाँचा वितकुत दुकड़े हो गया था. चीन के नेताओं को विलक्कत नए सिरे से अपने देश को बनाना पड़ा. इन दो घरसों के अन्दर वह अपने बरबाद हए उद्योग धंदों को बहाल करने और मुलक के आर्थिक निजाम को संवारने में सफज़ हो गए हैं. रिश्वत खोरी बन्द कर दी गई है और अब वही अफसर जो दो साल पहन तक दुनिया के सब मुल्कों से जियादा घूम स्तोर थे, पारसा बन गप हैं. यही नहीं, सब मिला कर जनता का सदाचार भी बहुत ऊंचा हो गया है. इसका सबन इस बात से मिलता है कि इतने लम्बे चौड़े और महान देश से वेश्याओं और भिक्मंगों का बिल कुल खात्मा हो चुका है. खेती में सुधार किया गया है और जिन लोगों के पास जमींने नहीं थीं उन्हें जमीने दे दी गई हैं और अब देश की पैदाबार इतनी बद गई है कि जो देश सिर्फ चन्द साल पहले तक दूसरे देशों से राल्ला मंगाता था अब लाखों टन ग़ल्ला दूसरे देशों को भेजता है. ख्योग धंदों के मैदान में मं उसने इतनी तरक्षकी की है कि अब वह जिन्दगी के हर त्रेत्र में अपनी जरूरत आप पूरी कर लेता है.

समाजी सुधार

चीन में समाजी सुधार भी हुए हैं. खास तौर पर श्रीरतों के सिल सिले में बहुत सुधार हुआ है. चीनी श्रीरत को, जो किसी जमाने में एक जागीर सममी जाती थी, बराबर के हक दिये गए है. शादी के बारे में नया क़ानून बनाया गया है श्रीर एक से जियादा परनी घर में रखने की मनाही कर दी गई है. बेरां जगारी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है और जीवन के हर मैदान में माल-दारों और रारी को, माखिकों और नीकरों, आक़ा और गुलामों के फर्क को मिटाया जा रहा है. कीमतों को एक सतह पर दिकाया जा रहा है और पैदाबार बढ़ा कर सिक की बढ़ती के मससे पर क़ायू पाने की कोशिश की जा रही है.

चीन कम्यूनिस्ट देश नहीं है यहां हिन्दुस्तान में हम से वहा जाता है कि चीन एक क्यूनिस्ट देश है. हम इस बात को ऐन मौक्ने पर पहुँच कर بہتھا پر کرئی پاتھانی نہیں انہوں کھی پاتھانی نہیں کہ اور جو دیکھا چاہتے دیکھ سکتے تیے اور جو دیکھا چاہتے دیکھ سکتے تیے ، جہنی جنتا آور چینی حاکم بھی مم سے کھنچے کھنچے نہ رہتے تھے ، مم نے جو کچھ بھی انہوں نے همیں انہوں نے همیں پوری سہوایت دی .

دو سال کی ترقی

پهچلے دو سال کے اندر چین نے جو کچھ کیا اُسکا هم پر بهت اثر ہوا . جارانی قبضے کے بیچے آور بعد میں کرمنقانگ راج میں دیش کی سماجی آور آرتهک زندگی لا دَمانچه بالكل تُعرِي تَعرِي هركيا نها . چين كے نيماؤں کو بانعل نئے سرے سے ابنے دیمی کو بنانا چڑا . اِن دو پرسی کے اندر وہ اسے بریاد موئے آدیوگ دھددوں کو بعصال کرنے آور ملک کے آرتیک نظام کو سلوارنے میں سپهل هرکئے هيں . رشرت خوري بلد کردي گئي هے آور اب وهی انسر جو دو سال پہلے تک دنیا کے سب ملکوں سے زیادہ کھوس خور تھے' پارسا بن گئے ھیں . یہی نههو، سب مُلاكر جنتا كا سداچار بهي بهت أونچا هوكها هي . أسكا ثبوت أس بات سي ملتا هي كه أثلي لمبي چوڑے اور مہان دیش سے ویشہاؤں اور بھک مذکوں کا بالكل خاتمه هوچكا هي . كهيلاي مين سدهار كها گيا ه آور جی لوگوں کے پاس زمیلیں نہیں تھیں اُنھیں ومهنهی دے دی گئی هیں ارز اب دیش کی پهداوار الدى بوم ككى هے كه جو ديش صرف چدد سال پہلے تک دوسرے دیشوں سے غانہ صلاقاتا تھا اب لاکھوں تن غلم دوسرے دیشوں کو بھھجتا ہے۔ اُدیوک دعندوں کے مهدان میں بھی اُسنے اِتنی ترقی کی ہے کہ اب وہ زندگی کے هر چههتر میں ایلی ضرورت آپ پوری کرلیتا هے .

سماجي سدهار

چین میں ساجی سدھار بہی ھوٹے ھیں . خاص طور پر عورتوں کے سلسلے میں بہت سدھار ھوا ھے . چینی عورت کو جو کسی زمانے میں ایک جائیر سمتھی جاتی تھی برابر کے حق دیئے گئے ھیں . شادی کے بارے میں رکیفے کی مذاعی کردی گئی ھے . یے روزگاری کو میں رکیفے کی مذاعی کردی گئی ھے . یے روزگاری کو میدان میں مالداروں اور فریبوں مالکوں آور جیوں کے ھو میدان میں مالداروں اور فریبوں مالکوں آور نوکروں آفا آور فلاموں کے فرق کو متایا جارها ھے . قیمتوں کی ایک سطح پر تکیا جارہا ھے اور بیداوار برعاکر سکے کی ایک سطح پر تکیا جارہا ھے اور پیداوار برعاکر سکے کی بوھتی کے مسئلے پر قابو یانے کی کوشش کی جارہی ھے .

. چهن کیهرنست دیش نهیں ہے

نیهان هندستان میں هم سے کها جانا هےکه چین ایک قمهزنست دیش هے . هم اِس باسکو عین موقع پر پہلچکر

The second secon

رجهلے ستمبر میں همیں نکی دهلی میں چیلی درت واس کی معرفت چهن کی ککی لوک سنستهاوں کی طرف سے دھوت نامے ملے که هم چیلی لوک راج کی دوسری سالگرہ کے موقعے پر ہونے والے جلسوں میں شریک هوں . یہ دعرت ذامے هم نے منظور کر لئے لیکن همارے چاس شمے بہت کم تھا ، پھر بھی الگ الگ موبوں سے سمبندھ رکھنے والے الگ الگ لوگوں کو چھوں جانے والے گذول مشن میں شامل کرنے کی کوشش کی کئی . مشن کے انگر ممہر جهسے دائدر جے . سی . کماریها' مدر کل هند گرام أديوك سفكه وردها قائتر وي. كي آر . رى . رآو، دَادُريكُتُر دهلي أسعول آف ايكونامكس أور شرى متى هناسهن، صدر كلّ هند ويمنس كانفرنس آزاد طبقه رد خیال سے سمبددھ رکھلے والے تھے . مشن میں کسی كيونست ممهر كو شامل نهيل كها كها تها . يه إس لك كها كها كه خهال يه تها كه كچه نشيكش يا فير جانبدار هندستانی چهن دیکهکر آئیں آور خود وهاں کے حالات كو ديمههن . سركار آور چين كي الگ الگ سنستهاؤن کی طرف سے همارا بهت شاندار سوالت کها کها . جهان کہیں ہم گئے چینہوں نے اینی مہمان نوازی کی حد دردی اور اِس بات کا اُنہوں نے خاص طور سے دھیاں رکھا که همهی کوئی تکلیف نه هونے دائے .

هم چین کے سات ہوے ہوے شہروں میں گئے۔ - (1) كينتن (2) پيكنگ (3) مكدن (4) تينتس (5) نانعنگ (6) شنگهائی آور (7) هانگ چو. ھم نے چیدی کی یونیورستیاں دیکھیں' وھاں کے اسکولوں . آور کالجوں میں گئے' کارخانوں میں گئے۔۔۔اُن میں بھی جو سرکاری ملکیت تھے آور اُن میں بھی جو نجی ملکیت تھے . هم وهاں کے بازاروں مهل بهی گهومے اهم نے چهن كى مدالتين بهي ديكههن أورية ديكها كه وهان مقدمون کے نیصلے کس طرح کیے جاتے هیں ، هم نے چین کی الک الگ سنستهاؤں کو دیکھا آور اُن سنستهاؤںسے تعلق رکھنے والے لوگوں آور دوسرے اثردار چیدھوں سے بات چیت کی هم نے چین کے سلیما بھی دیکھے' اُنکے تھھدروں میں بھی گئے اور اُنکی کھیٹی ہاڑی آور دستکاری کی نمائشوں كو بهي ديكها عن مهل ديهاتي دستكاريون كي نمائشيل بھی شامل تھھی ، مختصر یہ که هم نے وہ سب کچھ دیکھا جو ھم الھے تھوڑے سے دنوں کے دورے میں دیکھ سکتے تھے۔ ہم چین میں چالیس بن ٹھہرے آور سے يده كد إس عرف مين يه تحد مصروف رها ، همار كهين

पिछले मितनवर में हमें नई दिल्ली में चीनी द्तवास की मारकत चीन की कई लोक संस्थात्रों की तरफ से दावत नामे मिले कि हम धीनी लोक राज की दूसरी सालगिरह के मौक पर होने वाले जलसों में शरीक हों. यह दावत नामे हमने मंजर कर जिये लेकिन हमारे पास समय बहुत कम था. फिर भी अलग अलग सूबों से सम्बन्ध रखने बाले बालग बालग लोगों को चीन जाने वाले गुडविल मिशन में शामिल करने की कोशिश की गई. मिशन के अकसर मेम्बर जैसे डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा, सदर कुल हिन्द प्राप्त उद्योग संघ, वधी, डाक्टर वी. के. आर वी. राव, डायरेक्टर देइली स्कूल आफ एकोनामिक्स छौर श्रीमती हुआ सेन, सद्र कुल हिन्द वीमन्स कान्फरेन्स आजाद तबक्रे और खयाल से सम्बन्ध रखने वाले थे. मिशन में किसी कम्यूनिस्ट मेम्बर को शामिल नहीं किया गया था. यह इसिलिये किया गया कि स्त्रयाल यह था कि कुछ निशपत्त था ग़ैर-जानिबदार हिन्दुस्तानी चीन देख कर आएं और सुद्द वहाँ के हालात को देखें. सरकार खीर चीन की अलग अलग संस्थाओं की तरक से हमारा बहुत शानदार स्वागत किया गया. जहाँ कहीं हम गए, चीनियों ने ऋपनी मेहमाँ नवाजी की हद कर दी अपेर इस बात का उन्होंने खास तौर से ज्यान रखा कि हमें कोई तकलीक न होने पाए.

ं इस चीन के सात बड़े बड़े शहरों में गए--(1) कैन्टन (2) पेकिंग, (3) मुखदन, (4) टेंनटसन, (5) नानकिंग, (6) शंघाई और (7) हांग-चू. हमने चीन की यूनि बिसिटियां देखीं, वहाँ के स्कूली कीर कालिजों में गए, कारलानों में गए- उनमें भी जो सरकारी मिल्कियत थे और इसमें भी को निजी (मिल्कियत थे. हम वहाँ के बाजारों में भी घूमे, इसने चीन की भदालतें भी देखीं भीर यह देखा कि वहां मुक़दमों के फैसले किस तरह किये जाते हैं. हमने चीन की अलग अलग संस्थाओं की देखा और उन संस्थाओं से ताल्लुक रखने वाले लोगों और दूसरे असर-दार चीनियों से बातचीत की. इसने चीन के सिनेमा भी देखे, उनके थेटरों में भी गए और उनकी खेती बाड़ी और इस्तकारी की नुमाइशों को भी देखा, जिनमें देहाती दस्तका-रियों की नुमाइशें भी शामिल थीं. मुख्तसर यह कि हमने बह सब कुछ देखा जो हम अपने थोड़े से दिनों के दोरे में क्रिक्क सकते थे. इम चीन में चालीस दिन ठहरे और सच बह है कि इस अरसे में बेहद मसरूक रहे. हमारे कहीं

ting the state of the state of

इसलिये, सदर साहय ! मैं आपको फिर से यकीन दिलाता हूँ कि इस शानित और श्रक्ता के कायम करने की आपको कोशिश में हिन्दुस्तान आपके साथ है. इसके पहले कि में खत्म करते, एक चोज और कहना चाहता हूँ, लेकिन वह खासगी या निजी बात है. मैं इसके लिये आपकी मार्फा चाहता हूँ. वह यह है कि इन पांच हफ़तों में हम जो चीन में रहे तो जिन चीनी भाई बहिनों से मुक्ते वास्ता पड़ा उनसे मुक्ते अपने कुटुम्ब जैसी मुहब्बत पैदा हो गई है. में अपनी ही नहीं बल्क अपने मिशन के हर भाई बहन के दिल की भावना चाहिर करता हूँ जब में यह कहता हूँ कि अपने इस सफर में जिन लोगों से हमें वास्ता पड़ा है इनमें से कुछ को तो हम कभी नहीं मूल सकेंगे.

त्रापने जिस प्यार से इमें यहां पर रखा वह हम कभी नहीं भूल सकते. यक्तीन मानिय कि यहां से जाने में हमें तक्लीक ही हो रही है. मुक्ते ऐसा लगता है मानी हमें किर अपने उस भाई से जुदा होना पड़ रहा है जिससे बरसों के बाद मुलाक़ात हो पाई थी.

सदर साहब ! हम—षीन श्रीर हिस्दुस्तान—केवल दो देश ही नहीं हैं जिनमें पकता है, बिल्क हम एक ही जानदान के भाई बहिन हैं. मुभे यक्तीन है कि हमारा रिश्ता महजा राज काजी रिश्त के मुकाबले कहीं जियादा गहरा श्रीर सच्चा है. जिन नौजवान लड़के लड़कियों से में यहां मिला उन्हें में अपने बंटे श्रीर नेटा मानने लग गया हूँ. में उन प्यारे बेटों श्रीर बेटियों के मुस्कराते चेहरों को कमा नहीं भूल सकता जो हर स्टेशन पर हमें फूलों की मालाएं दिया करते थे. कैसी श्रानोखी मुहद्वत ! कैसा श्रानोखा प्यार ! इसके श्रालावा बड़ी समर के जो लोग हमारे पास श्राए श्रीर जिन से हमारा जियादा नजदीं का ताल्लुकरहा, वह भा हमारे साथ ऐसे ही ब्योहार करते थे जैसे समे भाई बहनों के साथ किया जाता है. इन माठी श्रीर लुभावनी यादों को लेकर हम हिन्दुस्तान वापस जा रहे हैं. यह याद हमेशा ही हमारे दिल में बनी रहेगी.

हमारी पुरानी किताबों में लिखा है कि सारा इन्सानी समाज एक कुटुम्ब है. मैं मानता हूं कि इस घरती पर रहन वाले हो सो करोड़ प्रानी सच मुच एक कुटुम्ब हैं. मैं मानता हूँ बह दिन जल्द आने वाला है जब हम सब एक कुटुम्ब की तरह रहना शुरू कर देंगे. अगर इस में काई खड़्खन है तो उसे दूर कर वह दिन नजदीक लाने की कोशिश करेंगे. यही असली मतलब है पशिया की एकता का, यहा असली मतलब है हिन्दुस्तान और चीन की एकता का.

कैन्टन

29, 10, '51

آئے جس پیار سے قمیں یہاں پر رکھا وہ ہم کبھی نہیں بھول سکتے ۔ یقین مانگے که یہاں سے جانے میں ہمیں تکلیف ہی ہو رہی ہے ، مجھے ایسا لگتا ہے مانو پھر اپنے اس بھائیسے جدا ہونا پر رہا ہے جسسے برسوں کے بعد ماقات عو بائی تھی ۔

صدر صاحب! هم -- چین أور هددستان -- کیول در دیش هی نهیں هیں جن میں ایکتا هے بلکه هم ایک هی خاندان کے بھائی بہن هیں . مجھے یقین هے که همارا رشته محض راج کاجی رشتے کے مقابلے کہیں زیادہ گہرا اور سچا هے . جن نوجوان لوکے لوکیوں سے میں یہیں ملا اُنہیں میں آئے بیتے اور بیتی مائنے لگ کہا هوں مهی اُن پیارے بیتوں اور بیتیوں نے مسکراتے چہروں کو کہی نہیں بھول سکتا جو هر استیشن پر همیں بھولوں کی مالائیں دیا کرتے تھے . کیسی انوکھی محمدت! کیسا اُنوکھا بیار! اس کے علاوہ بڑی عمر کے جو لوگ همارے اُنوکھا بیار! اس کے علاوہ بڑی عمر کے جو لوگ همارے پاس آئے اور جن سے همارا زیادہ نزدیک کا تعلق رها وہ بھی همارے ساتھ ایسے هی بیوهار کرتے تھے جیسے سکے بھائی بہتوں کے ساتھ ایسے هی بیوهار کرتے تھے جیسے سکے بھائی بہتوں کے ساتھ ایسے هی بیوهار کرتے تھے جیسے سکے بھائی بہتوں کو لے کر هم هندستان واپس جا رہے هیں . لیمهاوئی یادوں کو لے کر هم هندستان واپس جا رہے هیں .

هماری پرانی کتابوں میں لکھا ہے کہ سارا انسانی سماج ایک کتمب ہے ، میں مانتا ہوں کہ اِس دھرتی پر رہنے والے دو سو کروڑ پرانی سے میے ایک کتمب ہیں ، میں مانتا ہوں وہ دو جد آنے والا ہے جب ہم سب ایک کتمب کی طرح رہنا شروع کو دینئے ۔ اگر اس میں کوئی آڑچن ہے تو اُسے درر کر وہ دن نزدیک لانے کی کیشش کرینئے ، یہی اصلی مطلب ہے ایشیا کی ایکتا کا ۔ کیشش املی مطلب ہے مندستان اور چین کی ایکتا کا ۔ گہیں اصلی مطلب ہے مندستان اور چین کی ایکتا کا ۔ گہیں اصلی مطلب ہے مندستان اور چین کی ایکتا کا ۔ گہائی

कीर है. दबी हुई कीम होने न होने का कोई सवाक ही नहीं है. आज बोन दुनिया की बड़ी से बड़ी और अंनी से ऊबी ताकतों में से है. और बीन की बात छोड़िये, जब हम प्रिया का जिकर करते हैं तो मैं पूछता हूं क्या कोरिया के चन्द लाख आद्मियों ने ही पिच्छम को एक जबरद्गत मबक नहीं मिखा दिया है ? यह वह सबक नहीं है जिसे कोई सहज में भून जार. कोरिया ने अपनी हिम्मत दिखाई है, चीन ने अपनी ताकत दिखाई है. अंगरेजी साम्राज बाद के शिकंजे को तोड़ कर हिन्दुस्तान आजाद हुआ है. एशिया की दूसरी क्षीमें भी या तो आजाद हो गई हैं या आजाद होने जा रही.

यहां पर इस जलसे में जिन चार पांच देशों के नुमाइन्दे मौजूद हैं उन देशों की कुत आवर्दी मी करोड़ के क़रीब होती है, यह आबादी दुनिया की आबादी का ठाक आधा हिस्सा है, भौर मैं भावको इतमिनान दिलाता हूं कि अगर द्विया की यह आधी आवादी एक साथ क़द्म उठाती हैं तो कोई ताक़त ऐसी नहीं है जा इसके आगे ठहर सके. एशिया ने इरादा कर लिया है कि वह आजाद होगा और फिर से बड़ी चीज होगा. साम्राजशाही, पंती-शाही और जागीरशाही का जमाना लद गया, हमेशा के क्रिये सद गया. जब तक यह चीजें रहती हैं तब तक दुनिया में असली शान्ति कायम ही नहीं हो सकती. श्रीर मैं आपसे कहता हूँ, कि एशिया के देशों ने इन शाहियों को स्रत्म करने का फैसला कर लिया है. इसलिये मैं आपको किर से यक्कीन दिलाता हूँ कि माम्राजशाही, पूंजीशाही श्रीर जागीरशाही के खिलाक आप जो लड़ाई लड़े रहे हैं उसमें हिन्दुस्तान आपके कंबे से कंबा मिताकर साथ देगा.

पशिया की एकता इस ख़ातिर नहीं है, उसका यह
सत्तव नहीं है, कि किसी रूसर देरा पर हम ना—चढ़ाई की
खाए. इसमें कोई शक नहीं कि योरप या अमराका के
किसी देश पर हमें धावा नहीं करना है. हमारी ताक़त
एक जबरदस्त और दर्दनाक जरूरत का नतीजा है. सीबरस से ऊपर हुआ हम पिछ्छमा साम्राजशाही का शिकार
बने और मुसीबतें उठाई. हममें से कुछ तो आज भी,
असी भी, उठा रहे हैं. यही वह खतरा है, यही वह बर्दाक़स्मती है जिस ने हम सब को एक कर दिया काफी बड़े
पैमाने नक हम इस चंगुल से निकल आए हैं और जो
इक्क बाक़ी बचा है उससे भी जलद निकल आएंगे.

इसिलये योरप या अमरीका या और कहीं किसी भी देश को पशिया की एकता में क्षीफ खाने की जहरत नहीं है! इमारी एकता का मक्तमद हैं—दुनिया में शान्त कायम इस्मा. इमारी पकता का मक्तसद है दुनिया के सब रहने वाले एक हो जाएं. ی ، هبین جین دنها کی بوی سے بوی اور اونچی سے بی ہے ۔ آج چین دنها کی بوی سے بوی اور اونچی سے بچی طاقتوں میں سے ہے ، اور چھن کی بات چھوڑیئے کی بات چھوڑیئے کی بات چھوڑیئے کی ما ایشیا کا ذار کرتے ھیں تو میں پوچیم کو ایک زیردست بی نہیں سکھا دیا ہے ؟ یہ وہ سبق نہوں ہے جسے کوئی بہ میں بھول جائے ، کوریا نے اپنی ھست دنھائی ہے ، انگریزی سامراج واد کے بین نے اپنی طاقت دکھائی ہے ، انگریزی سامراج واد کے میں بھی یا تو آزاد ہوائی ھین یا آزاد ہونے جارھی میں بھی یا تو آزاد ہوائی ھین یا آزاد ہونے جارھی

یہاں پر اس جاسے میں جن چار پانچ دیشوں کے مائدد مرجود هدر أن ديشون كي كل آبادي سو كرور ، قریب ہوتی 🚓 یہ آبادی دیا کی آبادی کا تھیک اها حصه هے . أور مين آپ كو أطمهدان دلانا هول كه الكر نها کی یہ آدھی آبادی ایک ساتھ قدم اُٹھاتی ہے تو ائی طاقت ایسی نہیں ہے جو اس کے آگے تھہر سکے ایشیا ، أرادة كر لها هے كه وة آزاد هوكا أور يهر سے بوى چهزهوكا. امرأج شاهی یونجی شاهی ارر جاکهر شاهی کا زمانه لد ہا همیشه کے لئے لد گیا . جب تک یہ چیزیں رهتی ين تب تک دنيا مين أصلى شانعى قائم هي نهين وسکائی ، اور میں آپ سے کہتا ہوں' کہ ایشیا کے دیشوں م أن شاههون دو خدم كرنے كا فيصله كر لها هے . اس لئے یں آپ کو پھر سے یقین دلاتا میں که سامراہ شاهی، رنجی شامی اور جاکیو شاهی کے خلاف آپ جو لوائی ر رہے ھیں اُس میں ھندستان آپ کے کندھے سے کندما . K 20 mlr 2 L

اس لئے یورپ یا امریکہ یا اور کہیں کسی بھی دیش کو ایشیا کی ایکٹا اسے خوف کھانے کی ضرورت نہیں ہے! ماری ایکٹا کا مقصد ہے دنیا کے سب رہنے والے ایک مربی ایکٹا کا مقصد ہے دنیا کے سب رہنے والے ایک مربائیں ،

हीर से हमारा कांपका दो इजार करस का पुराना रिश्ता किर से हरा हो गया है. हिन्दुस्तान छोर चोन में जो होस्ता थी वह पहले के मुक़ाबले कहीं जियादा गहरी और नजदीक हो गई है. मैं आपको यक्तान दिखाता हूँ कि अब यह दोस्ती पक्की और टिकने वाली बन गई है. मैं अपनी तरक से, अपने मिशन की तरक से और हिन्दुस्तान के लोगों की तरक से आपको यक्तीन दिलाता हूँ कि हमारे इस दोरे के बाद दुनिया में कोई चीज ऐसी नहीं है जो हमारे आपके प्यारे और दोस्ताना ताल्लुकात में कोई खलल डात सके. सदर साहब ! चीन की जनता ने पिछले दो बरस में जो कमाल हासिल किये हैं वह हमने देखे. हमने देखा कि अपने मजदूरों, अपने किसानों, अपनी औरतों बीर अपनी आम जनता के लिये आप कितना कुछ इस ब्रासे में कर सके हैं. हमने देखा कि समाजी, आर्थिक श्रीर दस्तकारी-कारखाने के मामलों में आपने कितनी हैरतनाक तरक्रकी की है. इस सबका हम पर गहरा असर पड़ा है. मैं अपने को इतिहास का विद्यार्थी मानता हूँ भीर मुमे यक्तीन हैं कि दुनिया के शायद ही किसी मुल्क ने सिर्फ दो बरस की मुद्दत में इतनी तरक्षकी की होगी जितनी

The state of the s

अपनी तरक से, अपने मिशन की तरक से और हिन्दु-स्तान की जनता की तरफ से मैं चोना जनता के आगे सिर भुकाता हूँ, जिसने कमाल के कारनामे दिखाए हैं. आपके महान नता चेयरमैन माश्रो-त्से-तुंग के आगे सिर कुकाता हुँ. जब जरा समोशी के साथ मैं यह साचता हूँ कि आपक दश में इस बार घूम कर हमन क्या क्या साला तो मैं इस नताजे पर पहुँचता हूँ कि चेयरमैन माश्रा सिर्फ चान क ही नता नहीं हैं बल्क एक तरह स देखा जार तो एशिया के लीडर हैं जिसमें हिन्दुस्तान भी शामिल है. जैसा मैने मभा ऋर्ज । कया, यहां पर हमने जो खुद्ध देखा, उससे इमन अपन देश की तरक की और बेहतरा के लिय काकी बन्क लिया है. हमने आपके कारखान देखे, यूनिवर्धिटियां रेखीं, गांव देखे, बाजार देखे, संगठन सभाएं देखीं. हमने भाप के यहां की अदालतें कचहरियां देखीं. इन सबस हम इसा नवीजे पर पहुंचे कि हमार देश हिन्दुस्तान को चान च बहुत कुछ सीखना है.

चीन ने की हैं.

जहां तक राज नीति का सवाल है उस दायर में भी बीच न पिछले बन्द बरसों में जा फतह हासिल का है वह काई छोटी बोज नहीं हैं. मेरा खयाल है कि पिछल के भाजाज बादिया का यह सबक अच्छी तरह मिल गया होगा कि बीन अजेय हैं, इसे काई नहीं जीत सकता. भेदर साहब ! आपने अपनी स्पीच में कहा कि बीन अब दवी हुई क्रीम नहीं रह मई हैं. लेकिन हमारी राय कुछ

مور من معاول أنها كا كاو هوار يرس كا يرانا رشته يمر سے هرا هوانها هے ، هددستان اور چون میں جو دوستی تھی وہ پہلے كر القابلے كهوس ويادہ كهري اور توديك هوكئى ہے . مهن آپ كَنْ يَعْمِن دَلْتًا هُول كَمْ أَبِ يَهُ دُوسَتَى يَكَى أُورَ تَكَنَّمُ وَأَلَى بھن گئی ہے ۔ میں اپنی طرف سے اللے مشن کی طرف سے أور هندستان کے لوگوں کی طرف سے ایکو یقین داتا ھوں که همارے اِس دورے کے بعد دنیا میں کوئی چھڑ ایسی نهیس هے جو همارے آپکے پیارے اور دوستانه تعلقات مهل كوئي خلل ذال ساعي . صدر ساحب! چين كي جلتا نے پنچهلے دو برس مرس جو کمال حاصل کئے هیں ولا هم نے دیکھے . هم نے دیکھا که الله مؤدوروں الله کسانوں الله عررتوں اور ایدی مام جلتا کے لئے آب کتنا کچھ اِس عرصے مهن کرسکے هیں . هم نے دیکها که سماجی ارتهک اور دستکاری-کارخانوں کے معاملے میں آپ نے کتنی حیرتناک قرقی کی هے . اِس سب کا هم پر کهرا اثر پوا هے ، میں اله . الهاس كا وديارتهي مانتا هون أور مجه يقهن ه کھ دانیا نے شاید ھی کسی ملک نے صرف دو برس کی معدت مهن اندی ترقی کی هوگی جندی چین نے کی هے ۔

Property

ایدی طرف سے اید مشن کی طرف سے اور هندستان ابی جنتا کی طرف سے میں چینی جنتا کے آلے سر جهکاتا ھوں جس نے کمال کے کارنامے ددھائے ھیں. آپ کے مہان نهتا جهرمهن ماؤتسه تذگ کے آگے سر جهکاتا هوں . جب فرا خاموشی کے ساتھ میں یہ سوچھا هوں که آپ کے دیھی مهی اس بار گهوم کر هم نے دھا کیا سیکھا تو میس اِس نعیصے پر پہونچتا ھوں که چیرمین ماؤ صرف چین کے ہے تیتا نہیں ہیں بلکہ ایک طرح سے دیکھا جائے تو ایشیا کے لیڈر هیں جس میں هندستان بهی شامل ھے . جہسا میں نے ابھی عرض کیا' یہاں پر هم نے جو کیچھ دیکھا' اُس سے هم نے آئے دیش کی ترقی اور بہہری کے لئے کانی سبق لیا ہے . هم نے آپ کے کارداے دیکھے يونيورستيان ديمهين گازل ديمهے بازار ديمهے سنگهتن سبهائیں دیکھیں . هم نے آپ کے یہاں کی غدالتیں كجهريال ديكويل. إن سب سے هم إسى نتيجے پر پهوندے ہے ممارے دیمی ملاستان کو چین سے بہت کچھ سيكينا هي.

جہاں تک راج نیتی کا سوال ہے اس دائوے میں بھی جھن نے پنچھلے چدد برسرں میں جو قتم حاصل لیے ہے وہ کوئی چھوٹی چھڑ نہیں ہے میرا خیال ہے کہ بچھم کے سامراج وادیوں کو یہ سبق اچھی طرح مل گیا ہوا کہ جھیں اچے ہے' اسے کوئی نہیں جیست سکتا ، بھر صاحب ! آبھ آپنی اسھیج میں کہا کہ چھن اب بھی ہوئی قوم نہیں رہ گئی ہے ، لیکن ہماوی رائے کچھ

ىسىپر 51'

and the second of the second o

करते.' दिन्दुस्तान यह चाहता है कि इंगलैन्ड हो चाहे समरीका, या कोई सौर देश हो, एिड्डिम का हो या प्रव का, वह सब के साथ इन्तहाई दोस्ती के ताल्लुक रखे. मुमे यक्षीन है कि यही इच्छा चीन की है सौर यही रूस की भी. हमारा आखिरी मक्रसद 'एक नई दुनिया' बनाना है, ऐसी दुनिया जिसमें लड़ाई की कोई गुंजायश न हो, जिसमें सब मुल्कों के लोग अपना भला बुरा एक सा देखते हों, जिसमें कोई किसी को चूस न सके, जिसमें किसी देश का दूसरे पर राज न हो सौर जिसमें सब, सब की भकाई के लिये काम करते हों.

हिन्दुस्तान अरेर चीन इस मक्तसद के हासिल करने के लिये एक दूसरे के हर तरह साथ हैं. हमें उम्मीद हैं कि दूसरे सभी देश और राश्ट्र इस नेक काम में हमारा पूरी तरह हाथ बटायेंगे.

(अंगरेकी अखवार 'शंघाई न्यूक' से)

चीन को अलविदा

मेरे प्यारे चीनी माइयो और बहनो!

चालीस दिन हुए हम आपके इस कैन्टन शहर में हिन्दुस्तान से आप थे. उस वन्नत जिस मुह्ब्बत और उदारता के साथ आपने हमारा स्वागत किया था और जो प्यार मरी खालिर तवाचे आपने हमारी की उससे हमारे दिमागों पर बहुत काकी असर पहा था. इसके बाद हम पेकिंग पहुँचे और फिर चीन के दूसरे शहर देखे. मेरा खयाल है आप यह उम्मीद करते होंगे कि इस अरसे में हमने जो देखा और उसका जो असर हम पर हुआ उसकी कुछ क्रांक आप को दें. मैं वह काम बहुत खुशी से करता हूं.

सण बात यह है कि जब आपने हमें बुलाया तो हम होस्त और हमदर्द बनकर आए. लेकिन हमारे दिमाग़ में कोई लगाव चिपकाव नहीं था. हमने हिन्दुस्तान में आपके देश की बाबत बहुत कुछ सुना था, यहां की बाबत बहुत कुछ पढ़ा था. आप के लिये हमारे दिल में काफी इजजत और ज्यार था. फिर भी, हमें बड़ी लुशी इस बात से हुई कि आप के खाजात दर्शत करने का मौका हमें मिलेगा. और बह मौका हमें मिला. इसके लिये हम आपके बहुत एहसान मन्द हैं.

कात्र में इस चीज पर कार्ज कि हम पर क्या असर कहा, बहुत बोड़े से में कापको में बताऊं कि हमारे इस " مندستان یہ چاھٹا ہے کہ انگلہات ہو چاہے آمریکہ یا اور دیش ہو، بچھم کا ہو یا پورپ کا وہ سب کے انتہائی دوستی کے تعلق رکھے ، مجھے یقین ہے کہ اچھا چین کی ہے اور یہی روس کی بھی ، همارا وی مقصد 'ایک نئی دنیا' بنانا ہے' ایسی دنیا سمیں لوائی کی کوئی گنجائش نہ ہو' جس میں بملکوں کے لوگ اپنا بھلا برا ایک سا دیکھتے ہوں' جس کوئی کسی کو چوس نہ سکے' جس میں کسی کا دوسرے پر راج نہ ہو اور جس میں سب' سب بہلائی کے لئے کام کرتے ہوں ۔

هندستان اور چین اِس مقصد کے حاصل کرنے کے ایک دوسرے کے هر طرح ساتھ هیں . همیں اُمید هے دوسرے سمھی دیش اور راشتر اِس نیک کام میں ارا پوری طرح هاتھ بتائینگے .

(انگریزی اخبار 'شلکهائی نهرز' سے)

چین کو الوداع

میرے بھارے چھٹی بھائھو اور بہذو!

چالیس دن هوئے هم آپ کے اِس کینتن شہر میں دستان سے آئے تھے ۔ اُس وقت جس محبت اور ادارتا ساتھ آئے همارا سواکت کیا تھا اور جو پیار بہری خاطر فع آئے هماری کی اُس سے همارے دمافوں پر بہت اُر پوا تھا ۔ اِس کے بعد هم پیکنگ پہونچے اور پھر بن کے دوسرے شہر دیکھے ۔ میرا خیال ہے آپ یہ اُمید نے هوں کے کہ اس عرصے میں هم نے جو دیکھا اور اُس جو اثر هم پر هوا اُسکی کچھ جھلک آپ کو دیں ، میں کم بہت خوشی سے کرتا ہوں ۔

سے بات یہ ہے کہ جب آئے همیں هندستان سے بایا تو دوست اور همدرد بن کر آئے . لیکن همارے دماغ میں لی لکاؤ چپکاؤ نہیں تھا . هم نے هندستان میں آپ کے شی کی بابت بہت کچھ سفا تھا' یہاں کی بابت ت کچھ پوها تھا . آپ کے لئے همارے دل میں کافی ت اور پیار تھا ، پھر بھی' همیں بڑی خوشی اِس بات هوئی کھ آپکے ساکھات درشن کرنے کا موقعہ همیں یکا . اور یہ موقعہ همیں مالا . اسکے لئے هم آپکے بہت سان مقد هیں .

اب میں اس چیز پر آوں کہ هم پر کیا اثر ہوا ، بہت میں آپکو میں یتاوں که همارے اس

हिनी कम्यूनिका हैं को बसकी कहनियत के मुनाविक हैं بر الملكي للملاحث في مطابق هي الر الملك عليه الملك على الملك على

जाहिर है कि चीन के नचरिये और तर्ज में रूस के न्रांग्ये और तर्ज से फर्क है. तिस पर भी रूसी लोग और मी रूरकार चीन की मदद कर रहे हैं. इससे पता चलता कि रूस वालों का दिल कितना बड़ा है और दिमाग जना वसी है. चीन की इस नई तामीर में रूस हर तरह मदद, तकनीकी हो चाहे कैसी, पहुंचा रहा है. इसके लावा मार्शल स्टालन ने कई बार यह सुकाव रखा है दुनिया के सभी देश धीरे धीरे और एक साथ हथियार म करना शुरू कर दें. यही नहीं, रूस ने अब तक लड़ाई हाथ नहीं डाला है हांलाकि उसके पड़ांस में ही लड़ाई गाले गर ज रहे हैं. रूस के इस अलग रहने से बहुनों हैरन भी हुई है.

हम इस सब से इस नतीजे पर पहुंचते हैं कि कम्यूनिस्ट म और उसके नेता भी शान्ति चाइते हैं और दूमरे देशों मिल कर अमन के साथ रहना चाहते हैं. चीन में मेरी नाकान कई असर और इज्जान दाले कसी विद्वानों से उन्हें यक्तीन है कि चनका आदर्श शान्ति के वातावरन ही फज फूल सकता है और लड़ाई से उनके परने कुछ नहीं पड़ने वाला है. सुमें इस में जरा भी शक नहीं है कस अमन का पुजारी है.

इत सब बातों के आधार पर मैं कह सकता हूँ कि व- मार्शल स्टालन की रहनमाई में, चीन-चेयरमैन मा की रहनुमाई में और हिन्दुस्तान-पंदित नेहरू की नुमाई में-तीनों दुनिया की शान्ति की हिकाजत के य साथ साथ खड़े हो सकते हैं. लाजिमी बात है कि ों देशों का विकास अपने अपने ढंग और तरीके से होगा, लेकिन शान्ति के लिये तीनों बेचैन हैं. और सच ं है कि हम पशिया के देशों काएक हो जाना और एक न ताक्कत बन जाना देखना चाहते हैं, इस वजह से नहीं एशिया या पशिया के किसी देश की यह तमना है कि मी द्वरे इलाक या देश पर अपना राज कायम कर ले. क इस वजह से कि पशिया के देशों ने पच्छिमी ताक़तों सम्राजशाही जालसामों का शिकार बन कर काफी टें खाई हैं और इच्छ देश तो आज भी खारहे हैं. शया एक हो की आवाज सामने के खतरे से बचने के ये सिर्फ बचाव की स्नातिर है. एशियाई एकता इम खराल से न इंगलैंन्ड को डरने की जरूरत है, न रगेका को धौर न पश्चिम के किसी और देश को.

महात्मा गांधी की सीख के मुताबिक हिन्दुस्तान लड़ाई नकरत करता है. हमारे बड़े बजीर नेहरू ने हाल ही कहा है कि "लड़ाइयों से कोई सवाल हल नहीं हुआ ظاهر ہے کہ چین کے لظریئے اور طرز میں روس کے قطریئے اور طرز میں روس کے قطریئے اور طرز سے فرق ہے ، تس پر بھی روسی لوگ اور روسی سرکار چین کی حدد کر رہے ھیں . اِس سے پتہ وسلم ہے کہ روس والوں کا دل کتنا ہوا ہے اور دماغ کتنا وسلم ہے ۔ چھن کی اِس نئی تعمیر میں روس ھر طرح کی مدن تکنیکی ھو چاہے کیسی' پہونچا رہا ہے . اِس کے عاولا مارشل استان نے کئی بار یہ سجھار رکھا ہے کہ دنیا کے سبھی دیش دھیرے دعیرے اور ایک ساتھ ھتھیار کم گرنا ہروع کردیں ۔ یہی نہیں' روس نے اب تک فوائی میں ھاتھ نہیں ڈالا ہے حالانکہ اُس کے پروس میں فوائی کے گولے گرج رہے ھیں ، روس کے اِس انگ رھئے ہیے بہتوں کو حیرت بھی ہوئی ہے .

هم اِس سب سے اِس نتیجے پُر پہونچائے هیں که کمیونست روس اور اُس کے نیا بھی شانائی چاهائے عیں اور دوسرے دیشوں سے مل کو اُمن کے ساتھ رهنا چاهائے هیں هیں، چهن میں مهری ملاقات کئی اثر اور عزت والے روسی ودرانوں سے هوئی، اُنهیں یقین هے که اُن کا آدرش شانائی کے واتاورن میں هی پهل پهول سکتا هے اور لوائی سے اُن کے پائے کچھ بھی نہیں پونے والا هے، مجھے اس مهری ذرا بھی شک نہیں هے که روس امن کا پجاری هے.

اِن سب باتوں کے آدھار پر میں کہ سکتا ھوں که روس--مارشل أستالين كي رهنمائي مين چين--جهرمهن ماو کی رهنمائی میں اور هندستان--پاتحت نهرو کی رهنمائی میں التیارں دنیا کی شانتی کی حفاظت کے لئے ساتھ ساتھ کھوے هوسکتے هدی الزمی باس مے له تهدوں دیشوں کا وکس اسے آسے دهنگ اور طریقے سے می هوکا ، لیکن شانعی کے لئے تهذرں بے چین مهن ، اور سیم یه هے که هم ایشیا کے دیشوں کا ایک هوجانا أور أيك تهوس طاقت بن جانا ديكهنا چاهتم جهن اس رجه سے نہیں که ایشها یا ایشیا کے کسی دیش کی ہم تمنا ہے کہ کسی دوسرے ملاتے یا دیوس براہنا رآئے قائم کرلے' بلکہ اِس رجہ سے کہ ایشیا کے دیشوں نے پیهمی طاقتون کی سامواج شاعی لالساون کا شکار بھی کر کافی چوٹیں کہائی ہیں اور کچھ دیش تو آج بھی۔ کہا رہے میں ، ایشیا ایک هوا کی آواز سامنے کے خطرے سے بچلے کے لئے صرف بچاؤ کی خاطر ھے . ایشھائی المكتا كے اس خيال سے نه انكليلة كو درنے كى ضرورت ھے انتہ امریکہ کو اور نہ پنچھم کے کسی اور دیکس کو .

مہانما گاندھی کی سیکھ کے مطابق عقدستان لوآئی سے تقرت کرتا ہے ۔ عمارے بڑے وزیر نہرو نے حال ھی میں کہا ہے کہ در لوائیوں سے کوئی سوال حل نہیں ھوا

المراجع المرا

इसी तरह से हिन्दुस्तान भी-जिसे महात्मा गांची से शेरना मिल्ली है-अमन शान्ति से रहना चाहता है और दुनिया की हर क़ीम के साथ माई चारे का सम्बन्ध रखना चाहता है. हिन्दुस्तान की सरकार ने अपने बड़े व शिर पंडित जवाहर लाल नेहरू की रहनुमाई में राश्ट्रों के बीच अपन शान्ति बढ़ाने के लिये जो कुछ किया जा सकता था किया है. जापानी सुतहनामे जैसी निकम्मी चोज को हिन्द सरकार ने हाथ भी नहीं लगाया. यूनो में चीन को इज्जतदार जगह मिले, इसके लिये हिन्दुस्तान ने जो हो सका वह किया और कर रहा है. वह कर रहा है इस वजह से क्योंकि हिन्दुस्तान मानता है कि यूनो सब राश्ट्रों का संगठन तब तक नहीं कहला सकती जब तक उसमें चीन पूरी तरह शरीक न हो.

सोशालिज्म या कम्यूनिज्म की इल्मी बहस में मैं इस वक्त नहीं जाऊंगा. लेकिन मुक्ते यक्तीन है कि शायद ही दुनिया में कोई ऐसा विचारक होगा जो जरा आगे की साचता हो और यह न मानता हो कि दुनिया की आर्थिक बेहतरी तभी हो सकती है जब यहां किसी न किसी तरह का सोशितस्ट या कम्यूनिस्ट निजाम कायम हो. इस बार में जो मत भेद हैं वह आखिरी मंजिल के बारे में उतने नहीं हैं जितने इस बात की बाबत कि इस मंजिल तक पहुंचने के लिये जुदा जुदा देशों में इसकी शकत क्या हो श्रीर षह कौन तरीक़े इस्तभाल किये जाएं. चीन कम्यूनिस्ट कहा जाता है और चीनी लोग इस बात से इन्कार नहीं करते. लेकिन हमने देखा कि चीन में हर कारखाना, जमीन का हर दंकड़ा और हर रोजगार या तो किसी की निजी मिल-**कियत है या सरकारी मिलकियत है. निजी मिलकियत का** इक चीन में माना जाता है और उसकी क़द्र की जाती है. निनी कारखाने चलाने के लिये भी लोगों का हौसला बढ़ाया आता है. हां, इस सबके ऊपर सरकार की निगरानी जरूर रहेती हैं. जनता की सरकार यहां तक करती है कि निजी ं कारकाने वालों को कच्चा माल दिलाती है, इनके तैयार ं माल की किकी का जिम्मा लेती हैं और उन के मालिकों को मुनासिब (20 फीसदी तक) मुनाफा भी खाने देती है. यही नहीं, बिदेशी पूँजी, विदेशी कारखानों और विदेशी कम्पनियों को भी बढ़ने फैतने का काशी मीका नए चीन में दिया जाता है.

चीन की सरकार रौर पारटी और सब पारटियों की मिली हुई सरकार है. चीन के नेता सोचते हैं कि अगर कम्यूनिस्ट शादरी पर वह कभी पहुँचे भी तो कम से कम तीस साल खरहें लग जाएंगे. अपने देश के माजी बन्दोबस्त को वह क्रम्यूनिस्ट न कइ 'नया लोकराज' (New Democracy) कृद्ते हैं. अगर चीन कम्यूनिस्ट है तो इसका कम्यूनिजन

إس طرح ميد علقاشقان بهي سد عميد متهاتما التعمى بريرنا ملى هـ - اس شانتي سے رهنا جاهتا هـ أور الهائ هر قوم کے ساتھ بھائی جارے کا سمیندھ وکھنا عامدًا هے عقد سمان کی سرکار نے اسے بوے وزیر المن جواهر لال نہرو کی وہلمائی میں راشتروں کے بیچ من شائلی بوهانے کے لگے جو کنچھ کھا جا سکتا تھا کیا ي جاپاني صلحانے جهسي نکمي چيز کو هلد سرکار ي هاته بهي نهين لعيا . يونو مون چين كو موت دار من ملے اس کے لئے هددستان نے جو هرسکا وہ کھا آور ، رها هے . ولا كر رها هے إس وجه سے كهونكه هلدستان الما هے که یونو سعب راشتروں کا سلکتین تب تک نہیں ہلا سکتی جب تک أس میں چین پوری طرح شریک

سوشلزم یا کمهونزم کی علمی بنجث مهن مهن اِس الت نہیں جاؤنکا ، لیکن مجھ یقین ہے کہ شاید ھی دنیا مهن کوئی ایسا وچارف هوگا جو ذرا آئے کی سوچتا مر اور یم نه مانتا هو که دنها کی آرتهک بهتری تبهی عوسكتي هے جب يهاں كسى نه كسى طوم كا سوشلست يا كدونست نظام قائم هو. أس بارح مهل جو مت بههد ھیں وہ آخے می مدول کے بارے میں اُتھے نہیں ھیں جھلے اس بات دی بابت که اس منزل تک پهونچنے کے لئے جداً جداً ديشون مين اس كي شكل كها هو أور ولا كون طريقے استعمال كئے جائيں . چين كميونست كها جاتا ھے اور چی**نی لوگ اِس بات سے انکار نہیں کرتے ، لیک**ن هم نے دیکھا کہ چھی میں هر کارخانہ اومین کا هر اتکوا ارر هر روزگار یا تو کسی کی نجی ملکیت هے یا سرکاری ملكيت هي . نجي ملكيت كا حق چين مهن مانا جاتا ھے ارز اُس کی قدر کی جاتی ھے . نجی کارخانے چلانے کے لئے بھی لوگوں کا حوصلہ بوهایا جاتا ہے . هاں اِس سب کے اربر سرکار کی نگرانی ضرور رهتی هے ، جلّعا کی سرکار یہاں تک کرتی ہے کہ نجی کارخانے والوں کو کچا مال دلاتی هے' اُن کے تھار مال کی بکری کا ذمه لیدی هے اور اُن کے مالکوں کو مقاسب (20 فیصدی تک) مقافع بھی کھانے دیتی هے . یہی نهیں ودیشی پونجی ودیشی کارخانوں اور ودیشی کمپشهوں کو بھی بوعلے پھھلٹے کا کافی موقعہ نگر چین میں دیا جاتا ھے .

چین کی سرکار فهر پارتی اور سب پارتیوں کی ملی موئی شرکار ہے . چھوں کے نیٹنا سوچتے میں که اگر كديونست أدرهن يروه كههى يهونجي بهى توكم سائم تهس سال اُنہیں لگ جائیلگے ، اُم دیس کے مالی بقدویست کو و" كمهونصت نه كه انها لوك رأي (New Democracy) كبتر هين . أقر جين كميونست ها دو أس كا كيونوم

ينة باللوس كو خالم كرديا . أسلم إللم لمهم جورے دیش سے بھیک ماٹکلے اور رنڈیوں کے بعشے كو مثادياً ساري جنعا كا نيتك استر أرنجا أنَّها دیا سب ہے زمین والے کسانوں کو زمین دے کر آپنی گههتی کی پیداوار اِس حد تک بوهالی که جهان تین برس پہلے أبے دوسرے ملکوں سے الکورں ائن اثابے کی بھیک مانگلی پوتی تھی آب وہاں وہ الکھوں آئی آناہے دوسرے دیشوں کو بھینے سکتا ہے . اس نے امع کارخانوں میں پک مال اِس طرح آور اندی تعداد مهن تهار کر لیا که آب وہ ایلی روز کی ضرورت کی هر جبؤ خود بهدا کر لیتا ہے ۔ نئے چین نے فرق متا دیا مالک اور ملازم کا فریب اور امیر کا آتا اور فلام کا . اس نے چھزوں کے بہاؤ ٹھکانے پر لکا دیئے اور مہلکائی کے سوال كو سجهان قهمتهن آسمان پر چوهتی چلی جاتی تههم ،--تھیک تھیک حل کر دیا ، اُس نے ساری جلتا میں ایک ایمی جان ڈال دی که وہ جی جان سے کام میں جت گئی اور دیش کی خاطر هر قربانی کرنے کو تیار هوگئی. اگو جنتا میں قربانی کا یہ جذبہ پیدا نہ هوا هوتا تو اِتدا سب هونا ناممكن تها . إسسب كي ضاص وجههيچهر مهن ماؤنسے تنگ کی اچوک آور رچنائمک رهنمائی اور اُن کے ہے لاگ آور سعے ساتھیوں کا جتھا ۔ چین کا یہ ایک ایسا کمال \sim ھے ہیں پر بھا آنکھوں دیکھے یقدی کرنا مشکل ہے۔ ھم ائے دیش وہاس جا رہے میں پر پچھلے دو برس کے چیلی اِتهاس کے زبردست کارنامے کا جو اثر هم پر پوا هے آسے کبھی

نهوں ہوول سکتے ۔ ھمھی یہ بھی یقین ہے که چھن اور اُس کے نهتدا دنها کی هر قرم کے ساتھ اُس سے رهلا چاهتے ههر . جهان جهان هم كئے جن سبهاؤن مين هم بيتهے جن بازاروں میں هم کهومے جو اوں شہر هم نے دیکھے کہیں بھی ھمیں کوئی بھی ایسا نہ ملا جسے کوائی کی دعن هو . وهال لرائي کي کوئي سوچتا بهي نهيل . چين مهل لوائم کے شوقین یا خون کے پیاسے لوگوں کا بتھ بھی نہیں ہے. آبہاں کا جو آرتھک سفکہ من ہے وہ لڑائی کو نشات ہداکر نہیں کہڑا کیا جا رہا ہے' بلکہ روز کے برتانے کی جهزوں کو تھار کرنے کے لئے کھڑا کھا گھا ہے ۔ جو دیش ربهدائمک کاموں میں اتنی اجھی طرح لکا ہو اُسے کہاں إتنى فرصت كه لوائي كي بات كرے يا السطرح كا كوئي پروییکلقہ رہے . مکدان تک کے نگر میں' جو کوریا کی سرحد کے پاس ہے اھم لے دیکھا کہ سب لوگ اپنے صعمولی کاربار میں لگے هوئے تھے . يہي حالت هم نے كينتن ميں ديكيهي . هدين معلوم هوتا هے كه چيرمين ماؤ أيك كيول فلور جلول هي نهيل هيل بلكه ارتبع يائم كي رجلانمك الهتير يني هيں . همين يتين هے كه چين اور أس كے البتا ستے دل سے اس شابتی جامتے میں .

हचल नियों को खरम कर दिया. एसमे इतने सम्बे-बीदे देश में भीक मांगने और रंडियों के पेशे को मिटा दिया, सारी बनता का नैतिक स्तर ऊंचा उठा दिया, सब बे अमीन वाले केमानों को जमीन दे कर अपनी खेती की पैदाबार इस ह तक बढ़ाली कि जहां तीन बरस पहले उसे दूसरे लकों से लाखों टन अनाज की भीक मांगनी पड़ती थी पाज वहां वह साझों टन अनाज दूसरे देशों को भेज सकता । इसने अपने कारकानों में पका माल इस तरह और तनी तादाद में तैयार कर लिया कि आज वह अपनी रोज ी जहरत की इर चीज खुद पैदा कर लेता है. नए चीन ने ार्क मिटा दिया मालिक और मुलाजिम का, रारीव और मीर का, आका और गुलाम का, उसने चीजों के भाव हेकाने पर लगा दिये और मंहगाई के सवाल को-जहां र्धमतें शासमान पर चढती चली जाती थीं--ठीक ठीक ल कर दिया. उसने सारी जनता में एक ऐसी जान डाल दी के वह जी-जान से काम में जुट गई श्रीर देश की स्नातिर उर करबानी करने को तैयार हो गई. अगर जनता में हरवानी का यह जजबा पैदा न हुआ होता तो इतना सब ोना नामुमकिन था. इस सब की खास वजह है चेयरमैन ॥भो त्से-तुंग की अचूक और रचनात्मक रहनुमाई, और अने बेलाग श्रीर मच्चे साथियों का जत्या. चीन का यह क ऐसा कमाल है जिस पर बिना आंखों देखे यक्तीन करना प्रकिल है. हम अपने देश वापस जा रहे हैं पर पिछले दो अस के चीनी इतिहास के खबरद्स्त कारनामे का जो असर [म पर पड़ा है उसे कभी नहीं भूल सकते.

हमें यह भी यक़ीन हैं कि चीन और उनके नेता दनिया की हर क़ीम के साथ अमन से रहना चाहते हैं. जहां जहां हम गए, जिन सभाष्ट्रों में हम बैठे, जिन बाजारों में हम घुमे, जो गांव शहर हमने देखे, कहीं भी हमें कोई भी ऐसा न मिला जिसे लड़ाई की धुन हो. वहां लड़ाई की कोई सोचता भी नहीं. चीन में लड़ाई के शौक़ीन या खन के प्यासे लोगों का पता भी नहीं है. यहां का जो शार्थिके संगठन है वह लड़ाई को निशाना बना कर नहीं खड़ा किया जा रहा है, बल्कि रोज के बरतने की चीजों को तैयार करनेके लिये खड़ा किया गया है. जो देश रचनात्मक कामों में इतनी अपच्छी तरह लगा हो उसे कहां इतनी फरसत कि जड़ाई की बात करे या इस तरह का कोई प्रोपेगेन्डा रचे. मुकदन तक के नगर में, जो कारिया की सरहद के पास है, हमने देखा कि सब लोग अपने मामूली कारबार में लगे हुए थे. यही हालत हमने कैन्टन में देखी. इमें मालूम होता है कि चेयर मैन माओ केवल एक दिलर बनरल ही नहीं हैं बहिक ऊंचे पाए के रचनात्मक लीडर भी हैं इमें यक्तीन है कि चीन भीर उसके नेता सच्चे दिल से षमन शान्ति चाहते हैं.

and the second of the second o

. '4

था, जैसे सर के लिये होप, जांधिया या पायजामा, जपाई के टाइप, कृतवनुमा, आतिशवाची और वाह्नद, इसी तरह हिन्दुस्तान ने जो दुनिया को बहुत सी चीचें दी हैं उनमें से खास हैं हिन्दसे--जो योरप में अरबी हिन्दसे कहलाते हैं, और दशमल तरीक़ा जो सारे हिसाब किताब, ज्योतिश भीर भर्थशास्त्र की बुनियाद हैं. आज से दो इजार साल पहले इन दोनों महान और पुराने देशों में काकी नजदीकी रिश्ता था. इस रिश्ते पर ब्योगार, कलचर और धर्म की छाप थी, यह दोस्ताना रिश्ता था, भाई चारे का रिश्ता था जिससे दोनों देशों को फायदा पहुँचता था छीर जो होनों की शान को बढ़ाता था. समय बीतता गया, दोनों देशों में लेन-देन कम होता गया. यह रिश्ता भी उसी चाल स्रे इलका पड़ता गया. बाद में जब पच्छिम के देश इस दोनों पर हावी हो गए और हमारी अपनी अपनी घरेलू आकरों बढ़ गई तब इस रिश्ते का चिरारा एकदम गुल हो गया. हिन्दुस्तान श्रंगरेजी साम्राज शाही के शिकंजे में फंस गया और चीन लगभग नौ योरपी ताक़तों के चक्कर में पड़ कर काफी मुसीवतों का शिकार बना, हिन्दुस्तान में विदेशी राज सौ बरस से ऊपर रहा, क़रीब इतने ही अरसे चीन परेशान रहा.

खुरा किसमती से दोनों देशों ने करवट बदली. महात्मा गांधी की अनमोल रहनुमाई में हिन्दुस्तान ने चार साल हुए आजादी हासिल की. चीन भी बहादुरी के साथ विदेशी साम्राजशाहियों भीर घरेलू पिछ घसीट ताक़तों से लड़ता रहा—लड़ता रहा उस प्रेरना के उभार से जो उसे डाक्टर सन यात सेन से मिली और उस अनमोल रहनुमाई में जो बेयर मैन माओ-स्से-तुंग से चीन को मिली. इसका नतीजा है कि आज से दो बरस पहले चीन ने सच्ची आजादी हासिल की. हम इस वक़्त चीन में जनता की इस लोक-शाही की दूसरी सालगिरह को ही देखने आए थे. और इस आए थे चीन के लोगों को उनके इस महान कारनामे बर बआई देने.

करीय एक महीना हम यहां रह चुके. हमें बेहद अवरज और खुशी यह देख कर हुई कि इतने छोटे से घरसे में चीन किस तरह इतनी तरकक़ी कर गया और उसने अपनी हमाजी और आर्थिक (जन्दगी को—जो करीय करीय बरवाद हो चुकी थी—केसे फिर से बना डाला. हमें तो बह जादू-सा लगता है कि कैसे दो बरस के अन्दर चीन ने इतना कमाल कर डाला. उसने अपने उन उद्योग पंदों और कारखानों को फिर से खड़ा कर लिया जो चकनाचूर हो चुके के, और बेहद बढ़ा लिया. उसने अपने यहां के हाकिमों मानो किर से रच डाला, उसने अपने यहां के हाकिमों

۽ جيس سر کر گڻي ٿونيءَ خانگهها يا پاڻجانندء جهنيائي ک ب تطب نما اتصباری آور بارود . اسی طوع ستان نے جو دنیا کو بہت سی چھزیں دی میں رین سے خاص میں مند سے۔۔جو یورپ میں مربی الدسے کہالتے میں' أور دشمل طريقه جو سارے حساب ان جهوتش آور ارته شاستر کی بلیاد هیں . آج سے هزار سال پہلے اِن دونوں مہان اور پرانے دیشوں میں ی نزدیکی رشته تها . اِس رشتے پر بهوپار' کلچر آور ين کي چهاپ تهي . يه درستانه رشته تها بهائي ار کا رشته تها جس سے دونوں دیشوں کو فائدہ لمنية الله أور جو درنول كي شان كو يوهانا تها . سب بديا كيا وونون ديشون مهي لهن دين كم هوتا كها . ، رشته بهی أسی چال سے هلكا پرتا كيا . بعد ميں یب بھیم کے دیش ہم دونوں پر حاوی ہوگئے آرو مارى ايدى ايدى كهريلو أفتين بوه كثين تب إس ئتے کا چراغ ایک دم کل هواییا . هندستان انگریزی امراج شاعی کے شکلتھے میں پہلس گیا آور چین لگ ہگ نو یورپی طاقتوں کے چاہر میں پرار کافی صهبتون کا شکار بنا . هندستان مهن ودیشی راج سو رس سے اوپر رھا' قریب اِنلے ھی مرمے چھن پریشان رھا .

خوش قسمتی سے دونوں دیشوں نے کوت بدای ، بہاتما گاندھی کی انمول رھلمائی صیب هلدستان نے چار سال ھوئے آزادی حاصل کی ، چین بھی بہادری کے ماتھ ودیشی سامراج شاعهوں آور گھریلو پچھ گھسیت طاقتوں سے لوتا رھا۔ لوتا رھا اُس پریرنا کے اُبھار سے جو سے داکتر سن یات سین سے ملی آرر اُس انمول رھلمائی میں جو چیرمین ماؤتسے تلگ سے چین کو ملی ، اِسکا میں جو حیرمین ماؤتسے تلگ سے چین کو ملی ، اِسکامیل کی ، ھم اِس وقت چین میں جلتا کی اِس حاصل کی ، ھم اِس وقت چین میں جلتا کی اِس اُرک، شاھی کی دوسری سالگرہ کو ھی دیکھلے آئے تھے ، اور ھم آئے تھے چین کو انکے اِس مہان کارنامے اور ھم آئے تھے چین کو انکے اِس مہان کارنامے پر بدھائی دیلئے ،

قریب ایک مهدند هم یهاں را چکے . همیں بیصد اچرج آور خوشی یه دیکهکر هوئی که اِتنے چهرائے سے مرص میں چین کس طرح اتنی ترقی کرگیا آور اُسنے اینی سماجی آور آرتهک زندگی کو --جو قریب قریب بریاد هرچکی تهی - کیسے بهر سے بنا ڈالا . همیں تو یہ جادو سا لکتا ہے که کیسے دو برس کے اندر چهن نے اِتنا کمال کرڈالا . اُسنے اپنے اُن اُدیوگ دهندوں آور کرخانوں کو بہر سے کہوا کولیا جو چکنا چور هو چکرته اُور بہد برها لیا اُس نظام مانو بهر سے رہ دالا اُسلے اُنے اُن اُنہوں کو لیا اُس نظام مانو بهر سے رہ دالا اُسلے اُنہوں آور بیا جینا کی طرح طرح کی بے ایمانهوں آور یہاں کیاں کے جانہوں آور عام جنتا کی طرح طرح کی بے ایمانهوں آور

451 may #

हम यह भी बार्धन है कि नया चीन हिन्दुस्तान की होस्ती की बहुत कड़ करता है. मैं अपने चीनी भाइयों को इतमिनान विवादा हूँ कि हिन्दुस्तान के लोगों के विक में भी ्रे_{चीन की} नई सरकार के साथ वैभी ही दोस्ती खौर भाई चारे ही भावता है. अपने महान नेता महास्मा गांधी की सीख के मुनाविक, हिन्दुस्तान शान्ति का हामी है और हमें यक्तीन है कि चीन और हिन्दुस्तान की दोस्ती विश्व-शानित के लिये इडा मारी सहारा साबित होगी. मुक्ते उम्मीद है कि हमारे मिशन के आने से इस दोस्ती के बदने में बहुत मदद मिलगी. आपस में एक दूसरे के यहां ऐसे मिशनों की तादाद बागे चल कर बढ़ेगी. इमारी यूनिवर्सिटियां एक दूसरे के विद्यार्थियों को अपने यहाँ रखकर उनको कुछ ताकीम देने का इन्तजाम कर सकवी है. इसी तरह से तरह तरह के मिरान-साइन्सवानी के, आधिक शास्त्रियों के, कलाकारों कं, बीरतों के, लेखकों के, और मजदूरों के भी-एक देश से दूसरे देश में चा जा सफते हैं.

में यह स्पीच इस उम्मीद के साथ जत्म करता हूं--बीर यह उम्मीद बड़ी पक्की व सच्ची उम्मीद हैं-कि हिन्दुसान और चीन में देस्ती दिन दूने रात चौगुने बदेगी, दोनों एक दूसरे के जियादा नजदीक आएंगे और तरह तरह से आपस का यह रिश्ता बदेगा. मैं यह भी उम्मीद करता हूं कि हिन्द-चीन के इस रिश्ते से दुनिया की की मों के बीच एकता कायम होने में मदद मिलेगी, उनकी तरककी होगी और यह फूले फर्जोंगे.

नया चीन जिन्दाबाद !

10, .10, 1951

दुनिया की शान्ति के अलमबरदार— बीन और हिन्दुस्तान

चीन में इम जहां जहां गए हमारी इतनी खातिर हुई, इतने प्यार चीर मुहब्बत से यहां के लोग हमारे साथ पेश आर, इमारे इर खाराम चीर आसाइश का इतना खयाल रखा गया, इतने जोश के साथ हमारी हर छोटी-मड़ी सब्बी-मूटी अकरत को पूरा किया गया कि हम सब के सब इस अभोजी आधमगत पर इंग रह गए. इम हिन्दुस्तान वापस आ रहे हैं पर इन चीजों की प्यारी याद हमारे दिल में हमेशा बनी रहेगी.

चीम एक पुराना देश है जिस की सभ्यता का इतिहास कम से इस चार इसार बरस से मिन्नका है. यही हाल हमारे देश का है. चीन ने युनिया को कई ऐसी नेमतें दी हैं जिसके विसादनसानी सभ्यता का फलाना पूलना नामुसकिन منافق الله جهي ياتون هے كه لها جهن هلدستان كى الموسطي كي يبت قدر كرتا هے . ميں أيد جيلي بهائيوں الله المستعان دالتا هوں که هندستان کے لوگوں کے دل مهن ا اُنہیں جین کے لوگوں اور چون کی نکی سرکار کے ساتھ ویسی الله عوستنى اور بهائى چارے كى بهارنا هے . أب مهان تنقیعا منهانما کاندهی کی سیکھ کے حطابق مددستان شانعی لا خامی هے اور همیں یقین هے که چین اور هندستان کئی درسکن وشو شانعی کے لئے بڑا بہاری سہارا ثابت عوليٰ محصه أمهد هے كه همارے مشن كے آنے سے اِس فوستنی کے بوہنے میں بہت مدد ملیکی . آیس میں ایک فرسرے کے یہاں ایسے مشدرں کی تعداد آلے جل کر پوههٔ کئی ، هماری یونهورستهاں ایک دوسرے کے ودیارتههوں كو أنه يهال ركه كر أنكو كنجه تعليم ديني كا انتظام كرسكتي غفی . اسی طوح سے طوح طوح کے مشی--سائٹسدانوں کے آوتهک شاستریس کے کاکارس کے عواتوں کے لیکھموں کے اور مزفوروں کے بھی۔ایک دیھی سے دوسرے دیش مهن آجا سکتے ھیں .

میں یہ اسپیچ اِس اُمید کے ساتھ خدم کرتا ہوں۔۔
اُور چید اُمید بری یکی و سچی اُمید ہے۔۔ که هلدستان اُور چین میں درستی دن درنے رات چوکلے برهیکی، درنوں ایک درسرے کے زیادہ نزدیک انهاکے اور طرح طرح سے آپسی کا یہ رشتہ برھے کا . میں یہ بھی اُمید کرتا ہوں کہ هفد چین کے اِس رشتے سے دنیا کی قومرں کے بیچ اِیکٹا گائم ہونے میں مدد ملیکی، اُن کی ترقی ہوگی اُور وہ ہولے بہلیکے۔

نيا چين زندهاد!

10. 10. 1951

دنیا کی شانتی کے علمبردار۔۔ چیس اور هندستان

چھیں میں هم جہاں جہاں گئے هماری اِتلی خاطر هوئی اِتلی خاطر هوئی اِتلی بھارے هوئی اِتلی خاطر هوئی اِتلی بھارے هر آرام آرر آسائش کا اُتلا خیال کیا گھا گھا اُتلا خیال بھی جھوٹی فرورت کو پورا کیا گھا که هم سب کے سب اِس اُنوکھی آوبهگال پر دنگ رہ گئے . هم هلاستان اِن جوزوں کی بیاری یاد همارے گاہس جارہے هیں پر اِن چیزوں کی بیاری یاد همارے گاہی میں همیشہ بلی رہے گی .

61 mm

के कारकानों में दमने केवा कि सामुबी मक्दुर और मैनेजर की तनखाड़ों में कोई बड़ा कहा मही है. कैन्टन में ओ बड़ी आरी पेपर सिक है वहां पर सब से कम भीर सबसे जियावा तनसाहों में तीन व बाठ की निरवत थी. पेकिंग की एक फ़ैक्टरी में हमने देखा कि एक मजद्र लड़की को जहां ढाई सौ कट्टा अनाज हर महीने मिलता था, हायरेक्टर का सिर्फ साढ़े तीन सी. हमें यह जान कर खुशी हुई कि नए चीन में छाटे से लेकर बड़े तक, जियादातर सरकारी मुलाजिमों को तनसा रुपया या सिक्के के क्जाए अनाज की शक्त में मिलती है. इसी का नर्ताजा है कि एक कैविनेट मि।नस्टर या यूनिवर्सिटी के वाइस चांसतर के कपड़ों में और मामूली क्लर्क या फैक्टरी-मजदूर के कपड़ों में करीब करीब कोई फर्क़ नहीं रहता. महपा देखने से एक इसरे में तमीज करना मुशकिल था. अगर मजदूरों या किसानों की भीड़ में चेयरमैन मास्रो खड़े हों तो उन्हें कपड़ों के बल पर ता पहचाना भी नहीं जा सकता. हमने देखा कि नया चीन एक अमली लोकराज और सही मानों में लोकराज है.

चीनी लोकराज की सालगिरह के दिन हमने देखा कि काक्सें-करोड़ों लोगों में अपने नए लोकराज और उसके चेयरमैन के लिये कितना उत्साह है. उस दिन हमने देखा कींजें क्रवायद कर रही हैं, गोला-तोप-सामान चल रहा है, हवाई जहात दौड़ रहे हैं और लोगों के लम्बे चीड़े जलूस खुपचाप ताली बजाते हुए निकल रहे हैं. हमने देखा क धन सबमें कितनी एकता है, कितनी हिन्मत है और उनके अन्दर क्या कमाल की जान है. हमें यक्रीन है कि नया चीन अंजेय है, इसे कोई नहीं जीत सकता. इमें यह सम्माया गया और हमने एहतियात से सममा कि इन दो बरेसों में नए भीन ने किस तरह अपनी पैदाबार बढ़ा ली, ब्राम निरा लिये, मंहगाई के सवाल को हर कर लिया, अपने आने-जाने के चकनाचूर साधनों को, जिन में रेलवे श्री शामिल है, किस तरह फिर से बना लिया और उनमें सरकारी भी कां, अपने अन्दर आने वाले और बाहर जाने बाते क्योपार का सिलसिला ठीक बैठा लिया, और सबसे खास बात जो की वह यह कि अपने यहां के बे जमीत बालों को जमीनें दी. इस सबसे पता चलता है कि बहा के मेताओं में तामीर का कितना माद्वा है और लोगों में किस क़दर मुस्तक़िल भिजाजी है, जिस पर किसी भी पुरुष को नाज हो सकता है. जो कुछ हमने देखा उससे सारा यह पक्का यक्कीन हो गया है कि नए चीन में न में इसरों पर इसला करने की इच्छा है न हो सकती है. किं बड़ीन है कि नमा चीन शान्ति के किये एक बहुत बड़ा कारा है और सारी दुनिया के लोगों से मिल कर मेल-क्षित के साथ रहना चाहता है.

و المعالي معن الم الله عليه الله مسوال الوالي ال مليد عي تنظواهون مين كولي بوا قرق ليهن هي . ينتن ميں جو يوي بهاري يَهَهُر مَل هـ وهال يو سب س ارر سب سے زیادہ تقطواهوں میں تین و آٹھ کی نسبت پی بیمنگ کی ایک فیکتری میں هم نے دیکھا که اک مزدرر اوکی کو جہاں تعالی سوکٹٹی آباج عر منها ملعاً تها والركادر كر صرف ساره تهان سو . هميان یہ جان کو خوشی ہوئی کہ نئے چین میں چھوٹے سے لے کی ہوے تک زیادہ تر سرکاری سازموں کو تلخواہ رویهم یا کے بتجائے الم کی شکل میں ملتی ہے . اِسی کا نتهجه هے که ایک کهبلت منستر یا یونهررستی کے ائس جانسلر کے کھووں مھی اور معمولی کلرک یا فیعقری ر مزدور کے کھورں میں قریب قریب کوئی فرق نہیں رھٹا ، معض دیکھنے سے ایک دوسرے میں تمیز کرنا مشکل تھا ۔ اگر مودوروں یا کسانوں کی بھیو مھی ،چھرمھن ماؤ کہتے موں تو اُنہیں کھڑوں کے بل پر تو پہنچانا بھی نہیں جاسکتا . هم نے دیکھا که نیا چین ایک عملی لوک راج اور سعیم معدوں میں لوک راج ہے .

چینی لوک راچ کی سال گرہ کے دن هم نے دیکھا که ودموں کروروں لوگوں میں اید نگے لوک راج اور اُس کے جهرمین کے لئے کعدا انساء ھے ، اس دن هم کے دیکھا فرجین قواعد کر رهی هیں؛ کولہ توپ سامان چل رها هے؛ موائی جہاز دور رہے میں اور لوگوں کے لمبے چورے جاوس چب چاپ تالی بجاتے هرائے نکل رقے هیں ، هم لے دیکھا که أن سب ميں كتنى ايكتا هے كتنى هست هے اور أن كے اندر کتنیکمال کی جان هے ، همیں یقین هے که نیا چهن اجئے هے اسے كوئى نهيں جهت سكتا . هميں يه سمجهايا کیا اور هم نے احتیاط سے سمجھا که اِن دو برسوں میں نئے جمین نے کس طرح ایلی پیداوار بوعا لی' دام قرا لکے' مہنکائی کے سوال کو حل کر لھا؛ اید آنے جانے کے چمنا چرر سادهدرس کو' جن میں ریلوے بھیشامل هے' کسطرح بہر سے بنا لیا اور ان میں ترقی بھی کی، لیے اندر آنے رالے اور باہر جانے والے بھوپار کا ملسله تھوک بیکھا لھا، اور سب سے شاص بات جو کی وہ یہ کہ اپنے یہاں کے بے زمین والیں کو ومعنیں دیں ، اِس سب سے بته جلتا ہے که یہاں کے نیعاوں میں تعمیر کا کتفا ماددا ہے اور لوگوں میں کس قدر مسعقل مواجی ہے، جس پر کسی بھی ملک کو تاو هوسکتا هے ، جو کچه هم نے دیکھا اس سے همارا یه یک یقین هوکها هے که نگر جهان میں نه تو دوسروں پر حملت کرتے کی اِنہا ہے تد ھوسکتی ہے ، ھمیں یقین مے کد نیا جیس شانتی کے لئے ایک بہت ہوا سیارا م اور ساری دنیا کے لوگیں سے مل کو میل متعبس کے ساتھ . a lesta lie,

हरेगा कि मैं पड़ कानवान का दिश्या हूँ और इसी तरह हाम करेगा.

हिन्दुस्तान में जो शान्ति आन्दोलन चल रहा है उसका
यही मकसद है. दूसरे प्रामाम भी उसकी मालहती में पूरे
किय जा रहे हैं—जैसे शान्ति अपोल पर दसखत, पंच
ताकत सुजहनामें पर इसरार, वरारा. हमें यक्कोन है कि
दिन दिन हिन्दुस्तान और चीन में सच्ची दास्ती और
भाई चारा बढ़ेगा. और यही वह चीज है जिसके चल पर
हां सकती है.

[People's Daily में 7. 10. '51 को छपा लेख]

पेकिंग रेडियो से ब्राडकास्ट

22 सितम्बर की सुबह को जब हमारा जहाज हांगकांग से चल कर नए चीन की धरती के नजदीक पहुँच रहा था तो हमने तोपें छूटने की आवाज सुनी, कैन्टन के बंदरगाइ की मजावट को दूर से देखा और मिलेट्री बैन्ड की मनोहर अवाज हमारे कान में पड़ी. इससे हम समफ गर कि हमारे खागत की कैसी जबरदस्न तैयारियां हैं. उस बक्त से लेकर अब तक—इस बक्त तक—जो मुहब्बत, जो खदारता, जो मेहरवानी चीनी सरकार और चीनी भाइयों ने हमारे उपर बरसाई है और जिस जोश और खुशों के साथ हमारा स्वागत किया है, उससे हमारे दिन्द मिशन के हर मेम्बर का दिल फूला नहीं समाता. हम अपने देश वापस जा रहे हैं मगर यहां की मोठी याद हमें हमेशा ही बनी रहेगी.

हमने नए चीन के—िनजी और सरकारी—होनों तरह के कारखाने देखे. यहां की यूनिवर्सिटियां देखीं. हमने यहां के मजदूरों के, नौजनानों के, औरतों के ओर तरह तरह के संगठनों को अमली रूप में देखा. हमने यहाँ की सहयोगी सोसाइटियां देखीं, नाटक देखे, सिनेमा देखें. हम नए चीन के बाजारों में, गली-कूचों में और गावों में घूमे. हर जगह हमें महसूस हुआ कि नए लोकराज की सभी जमाअतों के लोगों के दिलों में कितना उत्साह और अपने नेता चेयर मैन माओ-त्से-तुँग के लिये किजना प्यार है. हन दो बरसों में नए चीन ने वह पेबीदा सवाज हल कर लिये जो बहुत से देशों के नेताओं और सरकारों को परेशान किये हुए हैं. चीन की सरकार ने इतने बड़े मुलक में से भिक्तमंगी और इसमत करोशी को विलक्षत खत्म कर दिया. इसने वह वेईमानी और रिश्वत खारी खत्म कर दी जिसके लिये चीन के हाकम दो बरस पहले सारी दुनिया में बदनाम

کا میہی مقصد ہے۔ درسرے پروگرام بھی اُس کی ماتحکتی میں جو شائٹی آندوان چل رہا ہے اُس کی ماتحکتی میں مقصد ہے۔ درسرے پروگرام بھی اُس کی ماتحکتی ایول پر فستخط پنے طاقت صلحنا ہے پر اصرار ' رفهرہ ۔ همیں یقین ہے کہ دن دن هندستان اور چین میں سچی درستی اُور بھائی جارہ برعیکا ۔ اور یہی وہ چیز ہے جس کے بل پر دنیا میں سچے اور مستقل طور پر شانتی قائم هرسکتی ہے۔ [میں سچے اور مستقل طور پر شانتی قائم هرسکتی ہے۔ [میں 10. '51 کا چبیا لیکھ People's Daily

پیکنگ ریآیو سے بران کاست

22 ستمبر کی صبح کو جب همارا جہاز هانگ کانگ سے چل کر نئے چین کی دھرتی کے نزدیک پہنچ رہا تھا تو هم نے تربیس چھوٹلے کی آواز سلی' کینٹن کے بلدرگاہ کی سجاوت کو درو ہے دیکھا اور ملٹری پیلڈ کی مفوھر آواز همارے کان میں پڑی ۔ اِس سے هم سمجھ کئے که خمارے سوائٹ کی کیسی زبردست تیاریاں ھیں . اُس وقت تک سے جو محبت' وقت سے لے کر اُب نک — اِس وقت تک سے جو محبت' چو اُدارتا' جو مہربانی چیلی سرکار اور چیلی بھائیوں نے همارے اوپر برسائی ہے اور جس جوس اور خوشی نے ساتھ همارا سوائٹ کیا ہے' اُس سے همارے هلد مشن ساتھ همارا سوائٹ کیا ہے' اُس سے همارے هلد مشن خور میں مگر یہاں کی میڈھی یاد عمیں اھدیشہ ھی جا رہے ھیں مگر یہاں کی میڈھی یاد عمیں اھدیشہ ھی

م نے نئے چھن کے نجی اور سرکاری --دونوں طرح کے کارخانے دیکھیں ۔

م نے یہاں کے مزدروں کے' نوجوانوں کے' عورتوں کے اور طرح طرح کے سفکتھلوں کو عملی روپ میں دیکھا ۔ ھم تے یہاں کی موبوقی سوسائٹھاں دیکھیں' ناٹک دیکھے' سلاما دیکھے ۔

میں گھویے ۔ ھر جگہ ھمیں محسوس ھوا کہ نئے لوک میں گھویے ۔ ھر جگہ ھمیں محسوس ھوا کہ نئے لوک اور میں کتفا انساد اور اور میں کتفا انساد اور اور میں کتفا انساد کو ایک دارں میں کتفا انساد اور اور میں میں نئے چین نے وہ یہجیدہ سوال حل کو لئے گھا چھوں کے نیداوں اور سوکاروں کو پریشان کئے کہا ہو یہ ہمیں سے دیشوں کی سرکار نے اتلے ہوے ملک میں سے میکند کی دیا ۔ اِس کیکند کی اور عصمت فروشی کو بالکل ختم کر دیا ۔ اِس کیکند کیا اور وہوس کی حوری ختم کر دیا ۔ اِس کیکند کی ایک کیک میں سے کیکند کی دیا ۔ اِس کیکند کی کیکند کردند کیکند کیکند

इधर चन्द बरस में अमरीका की दिलचरपी पूरव के हेशों में बढ़ती जा रही है. अमरीका की जो पालिसी है मौर जो कारनामे हैं उन पर हिन्दुस्तान की पूरी निगाह है. [में यह देखकर दुख हुचा कि आज कल की सभ्य या गरीक कही जाने वाली सरकारें किस हद तक आपे से गहर बदती चली जाती हैं. खोर यह किस लिये हैं ? सिर्फ [संलिये कि दूसरे देशों पर उनका फीजी और आर्थिक वसर क्रायम हो जाए. इस अरसे में कोरिया वालों को हो मुसीवतें डठानी पड़ी हैं और जिन आफतों का सामना हरना पड़ा उसमें हमारी दिली हमददी उनके साथ है. बारे हिन्दुस्तान की यह इच्छा है कि कोरिया एक हो, हों पर एक राज हो जिसमें किसी बाहर वाले का कोई मसर न हो और अपने सब पड़ोसियों से, खास कर चीनी बोकराज से, भाई 'चारे का उसका ताल्लुक हो.

जहां तक विश्व शान्ति आन्दोलन की बात है, उसमें हो उस चीन ने लिया है हम उसकी ताईद करते हैं. हमने हुद् देखा कि चीन के महान नेता, चेयरमैन मन्नो-त्से-तुंग िकितने बड़े रचनात्मक काम किये हैं. पिछले दो बरस रिवनकी रहतुमाई में चीन ने जो शैर मामूली तरक्री में है इसे देखकर जहां हमें अवरज होता है वहां बेहद ाशी भी हाती है.ऐसा रवनात्त्रक आदमी अगर धमन ग सवाहां न होगा तो कीन होगा ? अपने देश वापस ाने पर इस अपने भाइयों को अपनी निजी जानकारी । बल पर बताएंगे कि चेयरमैन माश्रो शान्ति के बड़े से बे अम्बों में हैं. हम जानते हैं कि कोरिया के मामले े **चीन ने तभी हाथ डाला** जब उसकी अपनी सरहद् ातरे में पढ़ गई थी. लेकिन यह हाथ जो डाला सो महज ापने बचाव की खातिर डाला. आप जानते होंगे कि ्रम्ह सरकार ने यूनो **और अ**मरीका को होशियार कर ाया था कि 38 वीं पड़ी लकीर के आगे न बढ़ना. महात्मा श्री से इमें जो प्रेरना मिली है उसकी वजह से हिन्दुस्तान सों के बीच किसी भी तरह की लड़ाई के खिलाफ है. वियत रूस ने जो सुमाव इस सिलसिले में पेश किया है सकी इस बहुत क़द्र करते हैं. रूस का सुकाब है कि निया के सभी देश धीरे धीरे मगर एक साथ हथियार खी शह करदें. इस के अलावा रूस का यह भी कहना है स्मिभी एटामिक हथियार एक साथ खत्म कर दिये जाएं. र इस बात का अकसोस है कि दूसरे बड़े मुल्कों को यह माव मंजूर न हुए. हिन्दुस्तान दिल से इस दिन का तकार करेरहा है जब सारे देश अपनी मरची से वेयार छोद देंगे, मुलक के कुल इथियारों को तोड़ कर हल-बड़े की शकत दे दी जाएमी, जब इस घरती पर रहने 🏨 एक हो जाएंगे और जब हर इनसान यह महसूस

ادهر بھند برس میں امریکه کی دلچسپی پورپ کے دیشوں میں بوھٹی جا رھی ھے . امریکه کی جو پالیسی م اور جو کارنامے هيں أن يو هندستان كى يورى نكاة هـ . مين يه ديكهكر دكه هوا كه آجكل كي سبههه يا شريف کہی جانے والی سرکاریں کس حد تک آپے سے باھر بڑھٹی جلی جانی میں . اور یہ کس لئے ؟ صرف اس لئے که درسرے دیکھوں پر آن کا فوجی اور آرتھک ادر قائم ہو جائے . اِس عرصے مهی کوریا والوں کو جو مصیبتهیں الهاني پوي هين اور جن آفتون کا سامنا کرنا بوا اس میں هماری دای معدردی أن كے ساتھ هے . سارے هندستان کی یه آچها هے که کوریا ایک هو' وهاں پر ایک راج هو جس میں کسی باهر والے کا کوئی آثر نع هو ارر ایے سب پورسیوں سے خاصکر چھٹی لوک راج سے بهائي چارے كا أس كا تعلق هو .

جہاں تک وشو شائتی آندولن کی بات ھے' اِس میں جو رئے چھن نے لھا ھے هم اُس کی تائید کرتے هیں . هم نے خود دیکھا که چین کے مہان نیتا' چیزمین ماؤنسے تنک نے کتنے بڑے رچناتمک کام کئے میں پچھلے در برس میں ان کی رهنمائی میں چین نے جو فیر معمولی ترتی کی مے آسے دیکھکر جہاں ممیں اچرج موتا مے وهاں ہے حد خوشی بھی ھوتی ھے۔ ایسا رچناتمک آدمی اگر امن كا خوامان نه هوا تو كون هوا ؟ اله ديش وأيس جانے پر هم ايے بھائيوں كو اپني نجى جانكارى كے بل پر بتائیں گے کہ چھرمین ماؤ شانعی کے برے سے بوے کھمیوں میں میں . هم جانتے میں که کوریا کے معاملے مهں چین نے تبھی هاته دالا جب اُسکی اینی سرحد خطرے مين پوئئي تهي . ليكن يه هاته جو دالا سو منعض أيه ہدار کی خاطر دالا ، آپ جانتے ھوں کے که هلد سرکار نے یونو اور امریکم کو هوشهار کردیا تها که 38 ریس پڑی لکور کے آگے نہ ہوهذا . مهاتما گاندهی سے هنایس جو پریرنا ملی ہے اُس کی وجه سے هندستان قوموں کے ایم کسی بھی طرح کی لوائی کے خلاف ہے . سوریت روس نے جو سجهاو إس سلسلے میں پیش کیا ہے اُس کی هم بہت قدر کرتے ھیں . روس کا سجھاؤ ھے که دنیا کے سبھی دیھی دهیرے دهیرے مگر ایک ساته هتههار بندی شروع کردیں اِسكے علاوہ روس كا يه بهى كهذا هے كه سبهى آيتا-ك هتههار ایک سانه ختم کردئے جائیں . همیں اِس بات کا انسوس ہے که دوسرے بڑے ملکوں کو یہ سنجہاؤ منظور نه هرئے. هندستان دل سے أس دن كا انتظار كررها هے جب سارے دیش اینی مرضی سے همپیار جهرزدیں کے ملک کے کل مجھیاروں کو تور در مل پھارت کی شکل دے دی جائے گی' جب اِس دھرتی پر رھلے والے ایک ھوجائیں گے اور جب ھر انسان یہ متصدوس

शान्ति का आन्दोलन

मुक्त से कहा गया है कि चीन में 'अमरीकी हमले का मुक्त बला करों' और 'कोरिया की मदर करों' वाला जो आगरालन चल रहा है और शान्ति के लिये हिन्दुस्तान और चीन में जो तहरीक चल रही है उन पर अपनी राय जाहिर करूं. मैं खुंशी से "पीपुलस डेजीं" के लिये यह लेख लिख कर यह काम कर रहा हूँ. मुक्ते यक्तीन है कि जो खयाल मैं जाहिर कर रहा हूँ वही हिन्दुस्तान के जियादा तर लोगों का खयाल है.

अन्तर क्रोमी मैदान में हिन्दुस्तान हमेशा शान्ति का पैरोकार रहा है. आज भी वह पूरे दिल के साथ शान्ति का पैरोकार है. थोड़ा अरसा पहले हम अंगरेकी हुकामी बीर पँजीवादी साम्राजशाही के पंजे में फंसे थे और हिन्दस्तान में विदेशी हुकूमत का रहना हर हिन्दुस्तानी के तियं शर्म और दुःख की बात थी. इस तीदाद में तो बहुत थे लेकिन निहत्ये थे. पर चार साल हुए अंगरेजी साम्राज-शाही के शिकंजे में से हम निकल आए और आजाद हए. हमारी आजादो की लड़ाई के रहबर महास्मा गांत्री थे जिनकी याद हाल ही में साथों को मो-जो ने "शान्ति के तिये शहीद" के नाम से की थी. सचमुच महात्मा गांधी शान्ति के बड़े से बड़े अलमबरदारों में थे. किसी भी सरत वा शकल से कोई देश अगर दूसरे पर चढ़ाई करे तो वह हमें नकरत की बात लगती है. हमारा विश्वास है कि भाजादी पसंद्रहर मर्द औरत का फर्ज है कि ऐसी चढ़ाई या हमले का मुक्ताबला करने के लिये जो कुछ उससे बन सके करे. चढाई या हमले का अहिंसात्मक ढंग से मुकावला करने का तरीक्षा हमें महात्मा गांधी ने बताया. हम हिन्दुस्तानियों ने उनके तरीक़ों को अपनाया और कमाल की कामयाबी हासिल की. साथ ही साथ महात्मा गांधी की साफ राय थी कि जहां जहां चहिंसात्म क तरीक़ की वाक-कियत लोगों को नहीं है या किसी वजह से वह अमज में नहीं लाया जा सकता तो इस देश के लोगों का यह पाक फर्ज हो जाता है कि चढ़ाई का मुकाबला हथियार के बत ते ही करे. अन्होंने हमें सिखाया कि हमले के आगे हाथ पर हाथ बर कर बैठ जाना कायरता ही नहीं जुर्म है. इसितये इम हिन्दुस्तान के लोगों की अपने चीनी भाइयों के साय पूरी हमद्वी है. भीतरी और बाहरी हमले के मुकाबले में क्तोंने जो मोरचा लिया उसका हम हर तरह समर्थन करते हैं और काकी सफलता पर उन्हें बधाई देते हैं.

شانتي كا أندولن

مجبه سے کہا گھا ہے کہ چین میں ' آمریکی حملے کا مہابلہ کرو' اور 'کوریا کی مدد کرو' والا جو آندولن چل ہما ہے اور شانعی کے لئے مندستان آرر چین میں جو تحریک چل رہی ہے ان پر اینی رائے طاهر کروں ، میں خوشی سے '' پدہلس تیلی '' کے لئے یہ لیکھ لکھکر یہ کم کر رہا ہوں ، مجھے یتین ہے کہ جو خیال میں طاهر کر رہا ہوں وہی مندستان کے زیادہ تر اوگوں کا خطال ہے .

أتعر قومى مهدأن مهل هدستان همهشة شانتي كا چھرو ہر رہا ہے . آج بھی وہ پورے دال کے ساتھ شاندی کا مهروکار هے . تهورا عرصه پهلے هم انگریزی حکامی اور پونجي وادبى سامراب شاهو كے بنجے ميں بهاسے تھے اور هندستان مهن ودیشی حکومت کا رهنا هر هندستانی کے لئے شرم أور ذكه كي بات تهي . هم تعداد مهن تو بهت ته لهكن المهاهم تهد ، يو چار سال هوئے الكريزي سامراج شاهى كے شکنجے میں سے هم ذکل آئے اور آزاد هوئے . هماری آزادی کی لوائی کے رهبر مہاتما کاندهی تھے، جن کی یاد حال عَمِي مَهِنَ سَاتِهِي كُو ، مو ، جو لِي "شَانَتِي كَيْ لَيُ شَهِيد"، کے نام سے کی تھی اسے می مہاتما کاندھی شاندی کے بھے سے بوے علمدرداروں میں تھے ، کسی بھی صورت یا کیل سے کوئی دیش اگر دوسرے پر جوهائی کرے تو وہ پھیھی نفرت کی بات لکھی ہے ۔ هدارا رشواس ہے که آزادی الساف هر مرد مورت کا فرض هے که ایسی چوهائی یا خسلے کا ۱۹۱۰ء کرنے کے لئے جو کچھ اُس سے بن سکے کرے . چڑھائی یا حملے کا اهنسانیک دھنگ سے مقابلہ : کوتے کا طریقہ عمیں مہاتما کاندھی نے «یتایا ۔ هم مدستانهوں نے اُن کے طریقوں کو اہدایا اور کمال کی تلایمایی حاصل کی . ساته هی ساته مهاتما کاندهی کی عاقب ولئے تھی که جہاں جہاں اهنسانیک طریقے کی والقیمت لولوں کو نہیں ہے یا کسی وجه سے وہ عمل میں قبيلي الياجة سكتا تو أس ديش كه لوكون كايم ياك قرض هو الماتا هے که جوهائی کا مقابله هتههار کے بل سے هی کرے . النهوس في همهن سكهايا كه حملے كے آئے ماته پر هاته دهر عقد ستائن کے لوگوں کی اپنے چیشی بہائیوں کے ساتھ پوری عنجردس هے ، بهیعری اور باهری حملے کے مقابلے میں أَيْهُونِ لِلَّهُ مُورِجِهُ لَهَا أَسَ كَا هُمْ هُرُ طَرْحٌ سَدِرَتُهُنَ كُرِيَّةً هيور أبو أبي كي سههلتا ير أنهيل بدعائي ديتم هيل .

and the trace of the state of t

British San British British Color

चेसती है और दूसरी कोई नहीं चलती. पूरव या पिछ्ला के सभी क़ानूनदानों का यह खयाल है. हिन्दुस्तान की यह कोशिश हमेशा रहेगी कि चीनी लोक राज को दुनिया की एक बड़ी ताक़त सममा जाए. हम यहाँ पर आपके नए राज को अपनी तरफ से सलामी देने आए हैं. आपने को काम अब तक किये हैं और जो आगे करने का वादा करते हैं वह ताउजुब जैसे लगते हैं. पिछले दो दिन में आपकी सरकार के प्रोमाम के कुछ पहलुओं से जानकारी हासिल करने का मीक़ा हमें मिला. हम आपकी कामयाबी चाहते हैं."

जब यह पूछा गया कि चीन के बारे में हिन्दुस्तान में जानकारी कितनी है तो पंडित सुन्दरलाल ने जवाब दियाः

"चीन के बारे में हमारे श्रखबारों में खबरें श्राती तो लगातार हैं मगर दूरन्देशी उनमें कम रहती है. इसके सुक्राबले पेकिंग का विदेशी माशा प्रेस कमाल का काम कर रहा है. चेयरमैन माश्रो की किताबें हिन्दुस्तान में छपी हैं धौर उनके कई कई एडीशन निकल गए हैं. हिन्दुस्तान में पेसी किताबों की मांग बढ़ती जाती है जिनसे नए चीन के सब हालात मालूम हों. यह मांग पूरी करनी होगी.

"चीनी स्नोकराज के बड़े बड़े नेताओं के नाम— बेबरमैन माओ-त्से तुंग, जनरल चू तेह, बड़े वजीर चू-श्रांले, मायब-चेयरमैन लिऊ-शाओ-ची—बच्चा बच्चा जानता है. हिण्डुस्तान के लोग चीनियों और उनके नेताओं के बार में जियादा से जियादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं. बाजकल खापका सुन्दर अखबार 'पीपुल्स चायना" के अवदी नहीं मिल पाता है. पेकिंग के विदेशी-माशा

पाइत सुन्दरसाल से जब यह पूछा गया कि आपको पाइट में कोई तकलीफ तो नहीं हुई तो उन्होंने मुस्करा कर

में आप आपके महान यात्री हैन-सांग हमारे देश में आए में हो राज हुए ने उनको ऐसे तोहफे दिये थे जो एक राजा ही है सकता था. अब तेरह सौ साल बाद आप एक हिन्दुस्तानी मिशन का स्वागत कर रहे हैं—ऐसे जोर शोर के साथ, ऐसे खुले दिल के साथ, ऐसी मुहब्बत और हुएखत के साथ—जो जनता का लोकराज ही कर सकता है, जो वही सरकार कर सकती है जो अपनी जनता के काम के अकावा उनके दिल की भी आईना हो." اتی ہے آور فوقوں گوئی نہیں جاتی ، چورب یا پیچھم سببی قانوں دانوں کا یہ کھال ہے . ھفدستان کی یہ شن همیشہ رہے گی کہ چینی لوک راج کو دنیا کی بری طاقت سمجھا جائے . هم یہاں پر آپ نے نئہ کو اینی طرف سے سلامی دینے آئے هیں . آپ جو کام ، تک کئے هیں اور جو آئے کرنے کا رمدہ کرتے هیں وہ جب جیسے لکتے هیں ، پیچھاے دو دن میں آپ کی کر نے پروگرام کے کیچہ پھلوؤں سے جان کاری حاصل کرنے کا رتے هیں میں آپ کی کرنے عمیں میں آپ کی کار کے پروگرام کے کیچہ پھلوؤں سے جان کاری حاصل کرنے کا ، تام هیں مالا . هم آپ کی کا میابی چاہئے هیں ،''

جب یه پوچها گها که چهن کے بارے میں هندستان بی جانکاری کتنی هے تو پنت سسندر لال نے جواب دیا :

'' چین کے بارے میں همارے اخباروں میں خبریں تو لکانار هیں مگر فوراندیشی آن میں کم رهتی ہے . کے مقابلے بیکلگ کا ودیشی بہاشا پریس کمال کا کام رها ہے . چیرمین ماؤ کی کتابیں هندستان میں ، پہی هیں اور اُن کے کئی کئی ایڈیشن نکل گئے هیں ، دستان میں ایسی کتابوں کی مانگ بڑھتی جاتی ۔ جن سے نئے چون کے سب حالات معلوم هوں ۔ یہ مانگ ی کرنی هوگی ،

' چینی لوک واج کے بوتے بوتے نیتاؤں کے نام۔۔

برمین ماوتسے قنگ' جارل چو تھ' بوتے وزایر چو آن لے

ب چیرمین لیو شاؤ چی ۔۔ بچہ بچہ جانتا ہے ،

دستان کے لوگ چینیوں اور اُن کے نیتاؤں کے بارے

م زیادہ سے زیادہ جانکاری حاصل کرنا چاھتے ھیں ، آج

آپ کا سندر اخبار ''بیپلس چاننا'' بھیسب کو نیوں

یاتا ہے ، بیکنگ کے ودیھی بھاشا پریس کا کام اُور

یفقت سفدر قل سے جمید یه پوچهادگیا که آپ کو سے میں کوئی تعلیقت کو نہیں هوئی کو آنویں نے سکرا کر جوانی دیا ہ

" جب آپ کے مہاں یاتری ھیوں سانگ ھمارے ش میں آپ کو ایسے تحدے کے تیے جو واجہ ھرکی نے آپ کو ایسے تحدے کے تیے جو ایک واجہ ہی دیے سکتا تھا ۔ آپ تھرہ سو ل بعد آپ آپک ماتھ کی محصص سے زور شہو کے ساتھ کی ساتھ کی اسی محصص مرت کے ساتھ کی اس کی ایک واج ھی کر ساتھ اُپ جو جھی جو ایکی جلتا کے کام کے دو ایکی جلتا کے کام کے وہ آپ کی جاتے گی جو ایکی جلتا کے کام کے دو ایکی جلتا کی کام کے دو ایکی جلتا کی کام کے دو ایکی جلتا کے کام کے دو ایکی جلتا کے کام کے دو ایکی دو ایکی

الملكي جون بدي

उनके इस इस में कोई भी दखल नहीं देगा. में जानता हूँ कि दूसरे देशों की तरह हिन्दुस्तान में भी कुछ लोग ऐसे हैं — जैसे गही से हटाए गए रजवाड़े, पूंजीपित वरौरा—जो अमरीकी या श्रंगरेजी प्ंजीपितयों के साथ मिलकर जनता को अब भी चूसना चाहते हैं श्रौर यह सोचते हैं कि श्रगर दुनिया भर में लड़ाई छिड़ जाए तो इससे उन्हें फायदा होगा. लेकिन ऐसे लोगों का श्रसर श्राम जनता में रत्ती भर भी नहीं है श्रौर न हमें इसे कोई श्रहमियत देनी चाहिये. श्राप इतिमनान रिखये कि हिन्दुस्तान हमेशा शान्ति का श्रलमबरदार रहेगा. हिन्दुस्तान जानता है कि "लड़ाई से" जैसा कि हमारे बड़े बजीर पंडित जवाहर लाल नेहरू कहा करते हैं "कोई सवाल हल नहीं हुशा करते."

जब यह पूछा गया कि चीनी लोकराज के बारे में श्रापका क्या स्त्रयाल है तो पंडित जी ने जवाब दियाः

"मेरा क्या सभी हिन्द बासियों का खयाल दो मोटे मोटे उसूलों के आधार पर बना करता है. पहले यह कि चीन में कैसी सरकार क़ायम हो इसका फ़ैसला सिर्फ चीनी ही कर सकते हैं—वही और सिफ वही यह फ़ैसला करने के लिये सबसे बढ़ कर और आला मुन्सिफ हैं. किसी दूसरे को इस मामले में नहीं पड़ना चाहिये. आपने अपने देश में एक बहुत बड़ी क्रान्ति की और दुनिया को जता दिया कि अपने चेयरमैन माओ-रसे तुंग के बतलाए नए लांकराज के उसूलों में आप का विश्वास है. हिन्दुस्तान दिन खोल कर चीनी लोकराज का स्वागत करता है. हम मानते हैं कि चीन दुनिया की एक बड़ी ताक़त बन गई है जो शान्ति और तरक़की की पैरोकार है और हमारी दुआ है कि आप को दिन दूनी रात चौगुनी खुशी और कामयाबी हासिल हो और आप सदियों फूलते फलते रहें.

"दूसरे, हम दोनों देशों के आपसी माईचारे पर पारटी बाजी की या स्वार्थी विदेशी ताक़तों की दलल-अन्दाजी की हवा के मोकों का कोई असर नहीं पढ़ना चाहिये. हिन्दुस्तान से जो बन सका वह उसने किया ताकि सब मुलक चीन की नई सरकार को चीन की असली सरकार मान हों. कारमूसा या तेवान के हाकिमों को कुल चीन की सरकार का नुमाइन्दा मानने के खिलाफ हिन्दुस्तान ने हमेशा ही आवाज उठाई है. अंगरेजी क़ानूनदां, प्रोफेसर आपन हाइम का कहना है कि किसी नई अन्तर क़ौमी शिनत को मानना या न मानना आपके मन की बात नहीं है और न सीई या चोर बाज़ारी की चीज है, अन्तर क़ौमी क़ानून या रिवाज के सुताबिक किसी सरकार की काबिलयत का कामतल है कि इम इस सरकार की काबिलयत का इक़रार करते हैं, कि इम यह कबूल करते हैं कि फलां इलाक़ में यह सरकार और सिर्फ वही सरकार सचम्च

۔ نجب یہ پوچھا گیا کہ چیای لرک راج کے بارے میں آپ کا کھا خھال ہے تو پلڈت جی نے جواب دیا :

المهرا کیا سبهی هذه باسهول کا خیال دو موقی مولی مولی امولول کے آدھار پر بلا کرتا ہے . پہلے یہ که چین میں کوسی سرکار قائم هو اِس کا نیصله صرف چیلی هی کو سکتے هیں ۔ وهی اور صرف وهی یه قیصله کرنے کے لئے سب سے بوهکر اور اعلی ملصف هیں . کسی دوسرے کو اِس معاملے میں نہیں پونا چاہئے . آپ نے آپ نے اپ دیش میں ایک بہت بوی کوانتی کی آور دنیا کو جا دیا که میں ایک بہت بالی کو بتلائے نئے لوک راج کے اورون میں آپ کا وشواس ہے . هلدستان دل کیول کر اورون میں آپ کا وشواس ہے . هلدستان دل کیول کر چیلی لوک راج کا سواکت کرتا ہے . هم ماندے هیں که بیمون دنیا کی ایک بوی طاقت بن گئی ہے جو شانتی بیمون دنیا کی ایک بوی طاقت بن گئی ہے جو شانتی بیمون درات چولئی خرشی آور کامیابی حاصل هو آور آپ کو دن بیمونی رات چولئی خرشی آور کامیابی حاصل هو آور آپ کو دن بیمونی رات چولئی خرشی آور کامیابی حاصل هو آور آپ

ود هوسرنے هم دونوں دیشوں کے آپسی بھائی جارے چو چاوٹی ہارتی ہی یا سوارتھی ودیشی طاقتوں کی دخل چانی کے ہوا کے جھونکوں کا کوئی اثر نہیں یونا چاهئے .

المعلیستان سے جو بن سکا وہ اُس نے کیا تاکہ سب ملک بھیں کی نئی سرکار کو چین کی اصلی سرکار مان لیں ،

الموسا یا آیوان کے حاکموں کو کل چین کی سرکار کا نیا نہائیڈی ہے . انگریزی قانون دان ، پرونیسر اوپن هائم کا المائی ہے کہ کسی نئی انتر قوسی شکتی کو ماندا یا نہ مانی آیو کے مین کی بات نہیں ہے اور نہ سودے یا چور بازاری گی چیز ہے . انتر قوسی قانون یا رواج کے مطابق بازاری گی چیز ہے . انتر قوسی قانون یا رواج کے مطابق سرکار گی گانیلیست کا اقرار کرتے هیں کہ هم یہ قبول کرتے هیں گئی گانیلیست کا اقرار کرتے هیں کہ هم یہ قبول کرتے هیں گئی گانیلیست کا اقرار کرتے هیں کہ هم یہ قبول کرتے هیں کہ قابل عائے میں وہ سرکار اور صرف وہی سرکار سیج میچ

furm 151

(457)

151 james

Marie Land of the State of the

"बारहवीं सदी के आते आते हिन्दुस्तानियों की विदेश धूमने की आदत कूट सी गई. तुरकी राज के जमाने में सिन-क्यांग में हो कर जाने वाला खुश्की का रास्ता बन्द हो गया. इस बारे में ज्यादा जानकारी मशहूर अंगरेज, मरहूम सर ओरेल इलाइन की किताबों से मिलती है. साइन-इन्डिया नाम से इन्होंने कई जंगी किताबें लिखी हैं. तकला मकन के रेगिस्तान में भी उन्होंने खोजें की. उन से पता चलता है कि उस जमाने में दोनों देशों में कितना गहरा कलचरी ताल्लुक था.

"मेरा मिशन ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान के लोग यह चाहते हैं कि यह ताल्लुक फिर पैदा किया जाए. लेकिन केवल समाजी और कलचरी दायरे में ही नहीं, आज कल की दुनिया के मुताबिक राजकाजी और आर्थिक दायरों में भी यह ताल्लुक पैदा किया जाए. में जानता हूँ कि दोनों देशों की भाशा अलग अलग होना इसमें एक बड़ी रुकावट साबित होती है लेकिन इस रुकावट पर हम हावी हो जाएंगे. वह दिन दूर नहीं जब चीनो जबान और साहित्य के महकमे हमारी सभी यूनिवर्सिटियों में खुल जाएंगे. इस सम्बन्ध में शान्ति निकेतन यूनिवर्सिटी ने, जिसे स्वर्ग-बासी डाक्टर रवीन्द्र नाथ टैगौर ने क़ायम किया था, क़दम उठाया भी है.

"जहाँ तक शान्ति का श्रीर तीसरी दुनिया-व्यापी सङ्गई के खतरे का सवाल है, हम हिन्दुस्तान के लोग सोलह आने शान्ति के हामी हैं. हमारे देश के महान नेता महात्मा गांधी ने जो पाठ पढ़ाया है उससे हमें यही प्रेरना मिलती है. इसके ऋलावा हिन्द सरकार की एलानिया नीति ही अन्तर क़ौमी शानित है और यही चीनी लोक राज की भी एलानिया नीति है. लेकिन शान्ति की वकालत के यह माने हरशिज नहीं लगाए जा सकते कि अगर किसी रूप या शकल में हम दोनों लोगों के मुल्क पर बाहर से कोई चढ़ाई या हमला करे तो हम उसका मुझाबला कार में के इरादे में ही कमजीर पड़ जाएंगे. चीनी लोकराज 🕏 ग्रुखिया सेना पति जनरल चू-तेह साफ साफ कह चुके हैं कि चीन के पिछले सभी इलाक़ों को हम एक करके रहेंगे. इस बड़े काम में इम हिन्दुस्तान वालों की शुभ कमानाय आपके साथ हैं. दुनिया में शान्ति का मतलब है कि भाई चारे की बिना पर सारी दुनिया के रहने वालों का संगठन खड़ा किया जाए, अन्तर क़ौमी मगड़े ते करने के लिये जड़ाई के साधन को सारिज कर दिया जाए. सब तरह की शाहियों को, जैसे जागीरशाही, मुल्क-सादी, साम्राजशाही, चाहे वह पूंजी के जोर पर चलती हों 👊 क्ष्मित के जोर पर, जत्म कर दिया जाए, और सब विद्यों को यह इक हासिल हो कि वह जैसी चाहें सरकार बनाएं. البارهوین صدی گر آتے اعلاماتهوں کی وقیقی ملے کی عاصب چھوٹ سی گئی، ترکی راہ کے زمانے میں میانک میں عودر جانے والا خشکی کا راستہ بند هولیا ، بارے میں زیادہ جانکاری مشہور آنگریز مرحوم سراوریل نے کی کتابوں سے ملتی ہے ، سائن انڈیا نام سے آنہوں نے جلگی کتابیں لکھی ہیں ، تکلا مکن کے ریکستان ن بھی آنہوں نے کیوجیں کیں ، اُن سے بتہ چلتا ہے که زمانے میں دونوں دیشوں میں کننا گہرا کلچری تی تھا ،

"جهان تک شانتی کا آور تهسری دنها ویاپی لوائی خطرے کا سوال مے م مقدستان کے لوگ سوله آنے تی کے حامی ھیں. عمارے دیش کے مہان نیٹا تما کاندھی نے جو پاٹھ پوھایا ہے اُس سے ھمیں یہی نا ملتی قبے اسمے علاوہ هدد سرکار کی علائمہ نہتی انتر قومی شانتی هے آور یہی چینی لوک راج کی مقانیه نیعنی ہے۔ لیکن شانعی کی وکالت کے یہ لى هركو نههل لكائد جاسكة عدة أقر كسى روب يا ل میں هم دونوں لوگوں کے ملک پر باهر سے کوئی مائے یا حملہ کرے تو ہم اسکا مقابلہ کرنے کے ارادے ں ھی کمورر پوجائیلگے ، چیلی لوک راج کے مکھیا لمَا يتني جلول چو ته ماف صاف كه چكه هيل كه ن کے پنچھلے سبھی ماقوں کو ہم ایک کرکے رہیں ي إس بوے کلم مهن هم هندستان والوں کی شبه لائهی آپ کے ساتھ هیں ، دنیا میں شانعی کا مطلب که بہائی چارہ کی بنا پر ساری دنیا کے رهنے والس سلكهائن كهوا كها جائه العر قوسى جهكوے طے كرلے لئے اوائی کے سادھن کو خارج کردیا جائے' سب طرح شاهیس کو جیسے جاگھر شاهی بملک شاهی سامراہ ای بھاھے وہ پونجی کے زور پر چلقی ھوں یا حکومت زرز پر کھم کردیا جائے اور سب دیشوں کو یہ حق مل هو قلاً ولا ، جيسى چاهين سركار يقالهن .

चीन में हिन्द गुडविल मिशन

[20 सितम्बर 1951 को पंडित सुन्दर लाल की सदारत में हिन्दुस्तान से एक गुड़ितल मिशन चीन गया था जिसमें तेरह मेन्बर और दो सेक्रेटरी थे. इस मिशन का चीन में बहुत जोरदार स्वागत किया गया. मिशन ने चीन के काकी हिस्से का दौरा किया. मिशन के सदर पंडित सुन्दर लाल ने इस दौरे में जो खास खास बयान या भाशन दिये वह यहां तारीख वार दिये जाते हैं.

- पड़ीटर]

कैन्टन में भाशन

(22 सितम्बर 1951 को)

"पहली श्रक्तूबर 1951 को हमारे पड़ोसी देश, चीन के नए लोकराज की दूसरी सालगिरह है. इस मौक्ने पर अपने चीनी भाइयों को हिन्दुस्तान की जनता की तरफ से बधाई देने के लिये यह मिशन चीन आ रहा है. हमारे मिशन में हिन्द्स्तान के सब हिस्सों के लोग हैं श्रीर जुदा जुदा राजगार या काम करने वाले हैं. श्रापके महान देश में हम इस वजह से खाए क्योंकि हम इससे प्रेम करते हैं श्रीर हमारे दिल में इसकी इष्जात है. हम दोनों में रिश्ता आज का नहीं बीस सदी या दो हजार बरस से ऊपर का है. यह रिश्ता बढ़े प्रेम धौर भाई चारे का क़रीबी रिश्ता है. सच यह है कि हिन्दुस्तान के पुराने इतिहास का काफी हिस्सा उन बयानों के आधार पर तैयार किया गया है जो आपके सरनाम सकीर, ह्यान सांग और काहियान लिख कर बोड़ गए हैं. हमारे देश के एक विद्वान प्रोफ्रोसर डाक्टर पी. सी. बागची ने "हिन्दुस्तान और चीन" नाम की एक किताब लिखी है. उसके लिये बरसों वह आपके देश में रहे और खोज करके जानकारी हासिल की. दुर्भाग्य से उनकी तिषयत आजकल अच्छी नहीं है, इस लिये वह हमारे साथ न आ सके.

"बीनी के बरतन हिन्दुस्तान क्या, दुनिया भर में
मशहूर हैं. इसी तरह से आप के यहां का रेशम लासानी
है चीनी कलाकारों और दस्तकारों के काम की तारीफ
हमेशा से ही दुनिया भर में होती रही है. चित्रकारी में
भी चीन का मुकाबला कोई नहीं कर सकता है. लेकिन
शायद सारे पूरव को जो चीन की सबसे बड़ी देन थी वह
है काराज बनाना—यह काम हिन्दुस्तान ने दसवीं सदी
में आप से सीका था.

چینی میں هند گڏول مشي

[20 ستمبر 1951 کو بلقت سلدر لال کی صدارت میں مدستان سے ایک گذرل مشن جین گیا تھا جس میں تیزہ ممبر آور دو سکریٹری تھے ایس مشن کا چوں میں برست زرردار سرائمت کیا گیا، مشن نے جین کے کانی حصے کا دروہ کیا مشن کے صدر پلقت سلدر لال نے اِس دررے میں جو خاص خاص بیان یا بہاشن دیا ہے رہ یہاں تاریخوار دیئے جاتے ہیں ۔

كينتَّى ميں بهاشى (22 ستىبر 1951 كر)

12 بہای اکٹوبر 1951 کو همارے پورسی دیھی جین کے نیار لوک رام کی دوسری سالکرہ ھے . اِس صوقعے پر ایم چهنی بهآئهوں کو هندستان کی جنتا کی طرف سے بدهائي دينے كے لئے يه مشن چين آ رها هے . همار ي مشن میں مندستان کے سب حصوں کے لوگ هیں آور جدا جدا روزار یا کام کرنے والے هدی . آپ کے مہان دیش میں هم اِس وجه سے آئے کیونکه هم اِس سے پریم کرتے هیں آور همارے دل میں اِسکی عزت ہے . هم دونوں میں رشته آبے کا نہیں بیس صدی یا دو هؤار برس سے اوپر کا ہے. یة رشته بوے پریم أور بهائی چارے کا تریبی رشته هے . سے یہ ہے کہ مددستان کے پرانے اِتہاس کا کافی حصہ ان بھانوں کے آدھار پر تھار کیا گھا ھے جو آپ کے سرنامستھر هوان سانگ آور قاههان لکهکر چهور کیے ههي . همارے دیمی کے ایک ودران برونیسر داکتر بی . سی . باکچی ل و المندستان أور چهن انام كي أيك كتاب لكهي هي. السعے لئے برسوں وہ آپ کے دیش میں رہے آور کھوج کرکے جه کاری حاصل کی . دربهاکیه سے آنکی طبیعت آج کل أَنْهَانُ لَهِمْ مِنْ إِسَ لَكُمْ وَا هَمَارُ مِ سَالَهُ لَهُ أَسْكِمْ .

ब्बीर वह यह जान गर हैं कि दुनिया में शान्ति किस सरह क्रायम रखी जा सकती है और इमलों का मुनाबला कैसे किया जा सकता है.

बरमा

(भाई थाकिन कोदा मांग)

आम जनता लड़ाई से नफरत करती है. 'लड़ाई तो केवल मुठ्ठी भर लोग चाहते हैं. जो साम्राजशाही पसंद हैं, पूँजी पित हैं और गोला-वारूद का ब्योपार करते हैं, चन्होंने ही कोरिया में लड़ाई छेड़ रखी है.

दुनिया में शान्ति कायम रखने के लिये बरमा के हम सब लोग जो लड़ाई से नकरत करते हैं, सारी दुनिया के अमन-पसंद लोगों के के साथ कंधे से कंधा मिला कर चलने को तैयार हैं.

हिन्दुस्तान

(पंडित सुन्दरलाल)

हमें हमले-चढ़ाई से, चाहे वह किसी तरह या शकत की क्यों न हो, चड़ी नकरत है. हम मानते हैं कि ऐसे इमले-चढ़ाई का मुक़ाबला करने के लिये जो कुछ किसी आजादी-पसंद इन्सान से बन सके वह करना इसका पूरा फर्ज है. इमले-चढ़ाई का मुक़ाबला करने का एक श्रहिंसात्मक तरीक़ा महात्मा गांधी ने हमें बताया. साथ ही साथ उनकी साफ राय थी कि जहाँ श्राहिसात्मक तरीको की जानकारी नहीं है या किसी वजह से उसे असल में नहीं लाया जा सकता तो उस देश का जिस पर हमला किया जाए यह पाक फर्ज है कि हथियारों की मदद से क्कावणा करे. महात्मा गांधी ने हमें सिखाया, कि हमले-चढ़ाई के आगे घटने टेक देना कायरता ही नहीं, बल्क वक जुर्म है. इसलिये इस दिन्दुस्तान के लोग अपने चीनी आइबों का पूरी तरह समर्थन करते हैं और अन्दरूनी व बाहरी दुशमनों का मुकाबला करने में जो कामयावियां कर्वे मिली हैं इस पर उन्हें बचाई देते हैंइमें पूरा विश्वास है कि हिन्दुस्तान और चीन के बीच सच्चा भाई चारा और दोस्ती दिन दिन कायम होगीन इमें पूरा विश्वास है कि इस माई चारे से दुनिया में कारान-शान्ति ठोस और मुस्तिक्षल तरीक्रे से कायम हो सकेगी.

ور رہ یہ جان گکے میں کہ دایا میں گانگی کس طرح قائم رکھی جاسکتی ہے اور حملوں کا مقابلہ کیسے کیا ماسکتا ہے

برما

(پهائي تهائن کودا مانگ)

مام جنتا لوائی سے نفرت کرتی ہے ، لوائی تو کھول متھی بھر لوگ چاہتے ہیں ، جو سامراج شاہی پسند میں پونجی پتی ہیں اور گولہ بارود کا بھوبار کرتے ہیں انہوں نے ہی کوریا میں لوائی چھیو رکھی ہے ،

دنیا میں شانتی قائم رکہتے کے لئے برما کے هم سب لوگ جو لوائی سے نفرت کرتے هیں' ساری دنیا کے امن پسند لوگوں کے ساتھ کندھے سے کندھا مالا کر چلنے کو تیار هیں .

هندستان

(يندَت سندر لال)

همیں حملے چوهائی سے چاهے ولا کشی طرح یا شکل کی کھوں نہ ہو' ہوی نفرت ھے ، ہم مانعے ہیں که ایسے حملے چوهائی کا مقابلت کرنے کے لیے جو کچه _{کسی} آزادی پسند آنسان سے بن سکے وہ کرنا اس کا ہورا فرض هے . حملے جوهائی کا مقابلہ کرنے کا ایک اهلسانمک كي صاف رائه تهي كه جهال أهلساتمك طريقه كي جان کری نہیں ہے یا کسی وجه سے أسے عمل میں نہیں لایا جاسمتا تو أس ديش كا جس پر حمله كها جائه يه هاك فرض هے که هتههاروں کی مدد سے مقابله کڑے . مهانما کاندھی نے ھمیں سکھایا' کہ حملے چوھائی کے آئے لهتني تنيك دنها كأثرتا هي نهين بلكه ايك جرم هن. اِس لیّے هم هندستان کے لوگ اینے چینی بھاٹھوں کا پوری طرح سمرتهن کرتے هیں اور اندرونی و باهری دشملوں کا مقابلة كرني مهن جو كامهايهان أنههن سلى ههن أس هر اُنهين ڀڊهاڻي دييتے هين همهن پورا وشواس هے که هندستان اور چهن کے بدی ستيا بهائي جاره اور دوستي دن دن قائم هواي ، همدن ہررا وشواس مے که اِس بھائی چارے سے دنیا میں اِمن شانتی تهوس اور مستقل طریقے سے قائم هوسکے کی .

हराव. इसी तरह से इस कौरिका वालों की मदद को तैयार रहे, जापान की हथियार बन्दी के खिलाफ रहे और इस मनचले सुन्नहनामे को इमने नहीं माना जो जापान के माथ किया गया.

मोवियत रूस ने अमन और लोक राज का जो मंडा उठाया है उसके नीचे अपने प्रेसीडेन्ट होची मिंह की रहनुमाई में काम करना हम फर्ज मानते हैं. हम दिल व जान से मार्शल स्टालिन के साथ हैं जो दुनिया में अमन के अववल दरजे के अलमबरदार हैं और चेयरमैन माओ-रसे-तुंग के साथ हैं जो एशिया के सबसे बड़े नेता हैं. हम वीत नाम बालों का यह पक्का इरादा हैं कि सारे एशियाई भाइयों के साथ ही नहीं दुनिया भर के लोगों के साथ मिलकर रहेंगे और बहादुरी के साथ अमनशान्ति की जोरदार लड़ाई में शिरकत करेंगे.

इन्डोनेशिया

(भाई मोइन्मद तबरानी)

हम इन्होनेशिया के लोग अमन पसंद हैं और हर तरह की लड़ाई के मुखालिक हैं. चीन की लोकशाही सरकार की तरह इन्होनेशिया का भी यही मक़सद है—शान्ति कायम करना और इमलों का मुक़ाबला करना.

यह सच बात है—हम बढ़ बढ़ कर बातें नहीं कर रहे हैं—कि चीन की लोकशाही सरकार हमारे सामने मिसाल पेश कर रही है कि किस तरह हमले का मुकाबला कर के अपने मुक्क में शान्ति का राज क्रायम किया जाए. मेर दिल में सब से ज्यादा इज्जत उस कहानी और माद्दी मदद की है जो कोरिया को अमरीकी साम्राजशाही के खिलाक उसकी लड़ाई में चोन ने दी. जैसी मदद चीनी लोकशाही सरकार ने कोरिया बालों को दी है बैह मदद एक ऐसा देश ही दे सकता था जो सचमुच बड़ा है और जिस के नेता सच मुच बड़े नेता हैं.

कोरिया को चीनी मदद मिलने से अमरीकी हमला नाकामयाव रह गया. इसकी वजह से अमरीकी रज बत-पसंदों को बढ़े बढ़े नुकसान ही नहीं चठाने पड़े बल्कि अमरीका के नाम को भी बट्टा लगा. दिन पर दिन अमरीका की पोजीशन गिरती जा रही है और चीन के लोकशाही राज की पोजीशन बठवी जा रही है. चीन की इस अन्तर कीमी पोजीशन के उठाव से न सिर्फ चीन को बल्कि एशिया के सब देशों को कायदा पहुँच रहा है और साथ ही साथ दुनिया के बन सभी दंशों को जो शान्ति चाहते हैं और लड़ाई के खिलाफ हैं. यही वजह है कि चीन की लोकशाही सरकार पशिया के देशों के लिये एक मिसाल बन गई है المراق ا

سوریت روس نے امن اور لوک راج کا جو جهذا القهایا ہے اُس کے نربچے ایے پریسهذات ہو چی ملاء کی رهنمائی مهن کام کرنا هم فرض مانتے هیں. هم دل و جان ہے مارشل استالن کے ساتھ هیں جو فنیا میں ماؤنسے مان کے اول درجے کے علم بردار هیں اور چیرمین ماؤنسے تمکن کے ساتھ هیں جو ایشها کے سب سے بوئے نربخا هیں. هم ویت نام والوں کا یہ یکا اوادلا هے که سارے ایشهائی بھم ویت نام والوں کا یہ یکا اوادلا هے که سارے ایشهائی بھائھوں کے ساتھ هی نبھی دنیا بھر کے لوگوں کے ساتھ ملکر رهیں گے اور داو اوائی مهن شرکت کریں گے .

انتونيشيا

(بهائی محمد تبرانی)

ھم اندرنیشیا کے لوگ امن پسند ھیں اور ھر طرح کی لوائی کے متعالف ھیں ، چین کی لوک شاھی سرکار کی طرح اندونیشیا کا بھی یہی مقصد ھے — شانتی قائم کرنا اور حملوں کا مقابلہ کرنا ،

یه سچ بات هے -- هم بوه بوهکر باتیں نهیں کر رهے هیں ۔ که لوک شاهی سرکار همارے ساسلے مثال هیں کر رهی هے نه کس طرح حملے کا مقبله کر کے اپنے ملک مهی شامی کا رأج قائم کها جائے ، میرے دل مهی سب سے زیادہ عزت اس روحانی اور مادی مدد کی هے حو کوریا کو امریکی سامراج شاهی کے خلاف اس کی لوائی میں جهیں نے دی ، جهسی مدد چیلی لوک شاهی سرکار نے کوریا والوں کو دی هے وہ مدد ایک ایسا هیهی دے سکتا تها جو سچ می بوا هے اور جس کے هیش می دیے سکتا تها جو سے می بوا هے اور جس کے فیتا سے می بوے زیتا هیں .

کوریا کو چیئی مدد ملنے سے امریکی حملہ نگامہاب وہ گیا ، اس کی وجہ سے امریکی رجعت پسندرں کو ہوے ہور نقصان هی نهیں اتهائے ہوے بلکہ امریکہ کے نام کو بھی بیتا لگا . دن پر دن امریکہ کی پوزیشن آتهتی جا رهی سے ایس چهن کی اس انتر قومی پرزیشن آتهتی جا رهی سے بیش کی اس انتر قومی پرزیشن کے تہاؤ سے نہ سبق کی اور ساتھ هی ساتھ دسیا کے اُن سبھی دیشوں کو فائدہ پہونچ ساتھ دسیا کے اُن سبھی دیشوں سرکار جو شانتی چاهتے هیں اور اوائی کے خلاف سرکار بھی وجہ ہے کہ چھن کی لوک شاهی سرکار ایس بھی دیشوں کی لیے ایک مثال بن کئی ہے

دسمبر 51

मंगोलिया

(भाई दामदित सुरीन)

आज दुनिया में शानित और आजादी के सोशिलस्ट पड़ाब का रहबर रूस देश ही है. चीनी जनता ने अपनी बिज़ब के जरिये इस पड़ाव को और भी मजबूत बना दिया है. परिाया के अन्दर शानित की हिकाजत करने का भारी काम चीन वालों ने ही अपने कंधों पर इठा लिया है.

इसमं गोल वाले चीनी भाइयों की शानदार कामयावियों पर कूले नहीं समाते. उन्होंने एशिया के सब देशों के आगे यह मिसाल हमेशा के लिये कायम कर दी कि आजादी और स्वराज की लड़ाई में साम्राजशाही लुटेरों का किस तरह मुकाबला किया जाए. हम मंगोल वाले साथ हैं चीनी भाइयों के, कोरियन भाइयों के और अमन चाहने वाले सब माइयों के—और जब तक हमारे अन्दर जात बाकी है इस मुकाबला करेंगे—-आपान के साथ अलग सुनहनामे का, जापान को दोवारा हथियार बन्द करने का और कोरिया में चढ़ाई करने का.

वीत नाम

(भाई दीन थाम)

द्रम बीत नाम वाले यह मानते हैं कि अमरीकी साम्याजशाही ने हाल में जो कारनामे दिखाए हैं—वीत नाम में देखल देना, कोरिया पर चढ़ाई करना और तैवान पर काबू जमा लेना, जापान को हथियार बन्द करना और उसके साथ अजग से 'सुलहनामा' करना—वह उसकी एक बोजना का हिस्सा है. यह योजना है एशिया पर हावी होने की और एक नई लड़ाई दुनिया में छेड़ देने की. हम बीत नामियों का विश्वास है कि हम खुद जो आज मुकाबला इस रहे हैं, जो मुकाबला हमारे कोरियन भाई कर रहे हैं वह स्थित को मुकाबला हमारे चीनी भाई कर रहे हैं वह स्थित में क्या, सारी दुनिया में ही शानित कायम रखने आ सकसे असरदार साधन है.

साथ ही साथ हम बीतनाम वालों ने बढ़े जोश बीर शान के साथ हर ऐसे आन्दोलन का स्वागत किया है जो दुनिया है साथ हर ऐसे आन्दोलन का स्वागत किया है जो दुनिया है सान्ति लाने में मददगार साबित हो. हमने पटलान्टिक पैक्ट का विरोध किया, पिछ्छमी जर्मनी की हथियार बन्दी है इस इंगेशा खिलाक रहे. यही नहीं शान्ति की हिकाजत के लिये जो बड़े बड़े कदम उठाए गए उनमें भी हमने दिल जीतकर शिरकत की, जैसे स्टाकहाम की अमन कान्करेंस का पटामिक हथियारों को रोकने का ठहराब वितन बीस कीन्सिस का पांच-वाक्रतों-की सुलह का

منكوليا

(پهائي دام دين سرين)

آج دنیا میں شانتی اور آزادی کے سوشلست پراؤ کا رهبر روس دیش می هے ، چہای جنتا نے اپنی وجے کے ذریعے اس پراؤ کو اور بھی مضبوط بنا دیا هے ، ایشها کے اندر شانتی کی حفاظت کرنے کا بہاری کام جون والوں نے می اینے کندھوں پر آٹھا لیا ہے ،

مم منگول والے چھنی بھائھوں کی شاندار کامیابھوں کے پر پھولے نہھیں سماتے ، اُنہوں نے ایشھا کے سب دیشوں کے آئے یہ مثال همیشہ کے لیئے قائم کو دی کہ آزادی اور سوراج کی لوائی مھی سامراج شاهی نتھورں کا کس طرح مقابلہ کیا جائے ، هم منگول والے ساتھ ھیں چینی بھائھوں کے کورین بھائھوں کے اور امن چاھئے والے سب بھائھوں کے اور جب تک عمارے اندر زبان یاتی ہے هم مقابلہ کرینگے سے جایاں کے ساتھ الگ صلحامے کا جایاں کو دربارہ هتھار بند کرنے کا اور کوریا میں چوھائی کرنے کا .

ويت نام

(بهائی دین تهام)

هم ویست نام والے یہ مانعے هیں که امریکی سامراج شاهی نے حال میں جو کارنامے دکھائے هیں۔۔۔ویست نام میں دخل دینا کرریا پر چڑھائی کرنا اور تیوان پر قابو جما لینا جاپان کو هتهیار بند کرنا اور اس کے ساته الگ سے 'صلحفامہ' کرنا۔۔وہ اس کی ایک یوجنا کا حصه نے . یہ یوجنا ہے ایشیا پر حاوی ہونے کی اور ایک نگی ارد ایک نگی ورثیا میں چھوڑ دینے کی . هم ویست نامیوں کا وشواس ہے کہ هم خرد جو آج مقابلہ کررہے هیں' جو مقابلہ همارے کورین بھائی کررہے هیں اور جو مقابلہ همارے جینی بھائی کررہے هیں وہ ایشیا میں کھا ساری دنیا میں ہی شانعی قائم رکھنے کا سب سے اثردار۔سادھن ہے۔

ساتھ ھی ساتھ ھم ویت نام والوں نے بوے جوش اور شان کے ساتھ ھر ایسے آندولن کا سوائت کھا ھے جو دنھا میں شانگی گانے میں مددار ثابت ھو . ھم نے اتلانٹک پیکست کا ورودھ کھا' پیچھمی جرمئی کے ھتھیار بندی کے ھم میشھ خطف رھے . یہی نہیں شانگی کی حفاظت کے لئے جو بوے بوے توے قدم اُٹھائے گئے اُن میں بھی ھم نے دل کھول کو شرکت کی' جھسے استاک ھام کی اس کانفرنس کا آٹاسک ھتھیاروں کو روکئے کا تھیراؤ یا گافرنس کی قامل کی علمہ کا میں کونسل کا پانچ طاقتوں کی صلم کا علائی

A Alace

ऐशिया की आवाज-शान्ति

[पहली अक्तूबर सन '51 को चीन के नए लोक-राज की सालगिरह के जलसे में योरप और पशिया के चीदह मुल्कों के गुड़िवल मिशन ने शिरकत की थी. जलसे की खुशी में चेयरमैन माश्रो-से-तुंग की तरफ से सब को दावत दी गई थी. उस दावत में पशिया के मुल्कों से गए लीडरों ने झोटी झोटी तक़रीरें की. श्रजीब बात है कि हर एक पशियाई मुल्क की तरफ से दो ही बातों पर जोर दिया गया—पशिया की एकता और शान्ति. नीचे दिये बयानों को पढ़ कर ऐसा लगता है कि सारे पशिया की जबान एक हो गई हो, दिल एक हो गया हो, दिमाग एक हो गया हो और एक साथ श्रावाज निकल रही हो—पशिया एक हो, शान्त क़ायम हो—एडीटर 1

कोरिया

(भाई ह्यून हुन)

चीन के लोग हमारे पड़ोसी हैं, बड़े भाई हैं. यही नहीं, हम दोनों ने एक लम्बी मुद्दत से विदेशी साम्राजशाही के हमलों के खिलाफ एक दूसरे के कंधे से कंधा मिला कर मोरचा लिया है और इसिजये हम सिपाही साथी हैं. आज भी अमरीकी हमलों का सामना करने और कोरिया को मदद पहुँचाने के इरादे से हम साढ़े सेंतालीस करोड़ चीनी भाइयों ने अपनी जन्म भूमि की शान और अपने घरों की आवरू कायम रखने के लिये कोई कसर उठा नहीं रखी हैं. अपने इस दौरे में हमने इन जबरदस्त कोशिशों को अपनी आंखों से देखा. हम पर सब से ज्ञयादा अमर उस जन आन्दोलन का पड़ा जो देश सेवा के अहदनामों पर दसखतों के लिये किया जा रहा है. यह बेहतरीन सबूत है यहां के लोगों की अंची देश भितत का और उनके सच्चे अन्तरक्षीमी प्रेम का.

हमारा और चीन का चोली दामन का साथ है जिसे न कोई तोड़ सकता है और न मिटा सकता है. जो लड़ाई हम इस बक्षत लड़ रहे हैं वह ईमान और इन्साफ की लड़ाई है. यह खड़ाई तरकको की तरफ ले जाने वाली है. इस बमासान लड़ाई में हम दोनों का खून एक साथ वह कर जो एका हम में फ़ायम हो गया है बसके अधार पर हम बिना किसी शक के यह कह सकते हैं कि साम्राज-शाही के खिलाफ आखीर में जीत हमारी ही होने वाली है और होगी.

یمیا کی اواز ۔۔ مانتی

[پہلی افتوہر سن 51' کو چھن کے نئے لوک راج کی سائکرہ کے جلسہ 'میں یورپ اور ایشھا کے چودہ ملکوں کے گئول مشن نے شرکعت کی تھی . جلسہ کی خوشی میں چیورمین ماؤتسے تنگ کی طرف سے سب کو بھرت دی گئی تھی . اس دعوت میں ایشھا کے ملکوں سے گئے لیکروں نے چھوٹی چھوٹی تقریب کیں ، عجھب یات ہے کہ ہو ایک ایشھائی ملک کی طرف سے دو ھی باتوں پر زور دیا گھا — ایشیا کی ایکتا اور شانتی ، نہجے دیئے بھائوں کو یہ مکر ایسا لکتا ہے کہ سارے ایشیا کی زبان ایک ہوگئی ہو' دل ایک ہوگیا ہو' دمانے گئی زبان ایک ہوگیا ہو' دمانے ایک ہوگیا ہو' در ایک ساتھ آواز نکل رھیھو — ایشیا

کوریا (بهائی هیرن هن)

چھن کے لوگ ھمارے پڑوسی ھیں' بڑے بھائی ھیں۔

پہل نہیں' ھم دونوں نے ایک العبی مدت سے ودیشی سامراج

پھھی کے حملوں کے خلاف ایک دوسرے کے کلدھے سے کلدھا

پھیں ، آج بھی امریکی ، حملوں کا سامنا کرنے اور کوریا

کو مدد یہونچانے کے اورادے سے هم ساڑھے سهنگالیس کروز

پھھٹی بھائیوں نے اپنی جنم بھومی کی شان اور ائیے

پھٹی بھائیوں نے اپنی جنم بھومی کی شان اور ائیے

گھروں کی آبرو قائم رکھنے کے لئے کوئی کسر آتھا نہیں

رکھی ھے ، ایم اس دورے میں هم نے اِن زبردست

کوششوں کو اپنی آنکھوں سے دیکھا ، هم یو سب سے

کوششوں کو اپنی آنکھوں سے دیکھا ، هم یو سب سے

پہٹون اگر اُس جن آندوان کا پڑا جو دیش سیوا کے عہد

گھروں پریم کا اور دیش بھکٹی کا اور

هساراً لور چین کا چولی دامن کا ساتھ ہے جسے نہ اس تہ تہ جسے نہ اس تہ تہ اور نہ متاسکتا ہے . جو لوائی ہم اِس آب لو رہے ہیں وہ ایمان اور انصاف کی لوائی ہے . یہ اِس کیماسان اور انصاف کی طرف کے جانے والی ہے . اِس کیماسان میں ہم دونوں کا خون ایک ساتھ یہ کر جو ایک ہم کی گائم ہوگیا ہے اسکے آدھار پر ہم بنا کسی شک کے اسکے آدھار پر ہم بنا کسی شک کے اسکے آدھار پر ہم بنا کسی شک کے میں کہ سامواج شاھی کے خلاف آخیر میں ہمت ہماوی ہی ہوئے والی ہے اور ہوئی .

دسىبر 51'

नए चीन का क्रोमी गीत

نئے چین کا قومی گیت

ਰਨੀ ! ਚਨੀ ! वह सब चठो जिन्हें नहीं क़ुबूत है रालामी दीन दासता खड़ी खड़ी! हां, हो खड़ी इमारे हाड़ मांस की दीवार एक बहुत बड़ी कि इस घडी है आ पड़ी हमारी चीनी क्रौम पर बला बहुत बड़ी कड़ी हर एक दित से कोर से रठे आवाज एक साथ ह्ये हरो ! वठो वठो ! द्धियों लाखों हों पर एक एक दिल हों एक जान खोल छातियां जशन चले चलो चले चलो दशमनों की गोलियां हां, छातियों पे मेलते बढ़े चलो बढ़े चली ! बदे चलो बदे चलो!

أتهو! أتهو! وه حب أتَّه و جنهيں نهين قبول هے فلامىردين داستا کهری کهری! هاں' هو کهری ھمارے ھار مانس کی ديوار ايک بهت بوی که اِس گهری ھے آپری هماري چينې قوم پر بلا بهت بری کری ھر ایک دل سے زور سے أثهر آواز ایک ساته أثهو أتهو! أدوو أدووا دسهوں لاکهوں هوں پر ایک ایک دل هوں ایک جان کهول چهانیان جوان چلے چانو چاہے چاہو دشمنون کی گولیان هان چهاندوں په جهيلتے ہوئے جار ہوئے جار ! يوه چاو بولے چاو!



चीन नम्बर

چين نمبر

जेल्द् 11

दिसम्बर, सन् '51

नम्बर् 6 6 ,...

نسمبر' سن 51'

ولد 11

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली.

جات آدمي پريم دهرم، هـ هده هندستاني بولي ' 'نها هند ' پهنچ کا کهر کهر لکے پريم کي جهولي .

नए चीन का क्रौमी गीत

[नए चीन ने अभी कोई क़ौमी गीत तैयार नहीं किया. नीचे दिये गीत को ही उन्हों ने क़ौमी गीत की जगह दे रक्खी है. अगले सके पर इसका हिदुस्तानी रूप दिया जा रहा है.—एडीटर]

نٹے چین کا قومی گیت

[نگے چھن نے ابھی کوئی قومی گیت تیار نہیں گیا ، نہیں دیگے گیت کو ھی آنھوں نے قومی گیت کی جگھ دیے رکھی ھے ، اللے صفتے پر اِس کا ھندستانی روپ دیا جا رہا ہے ، سایتیٹر]

中華人民共和國國歌 chung hua jen min kung ho kuo kuo ko

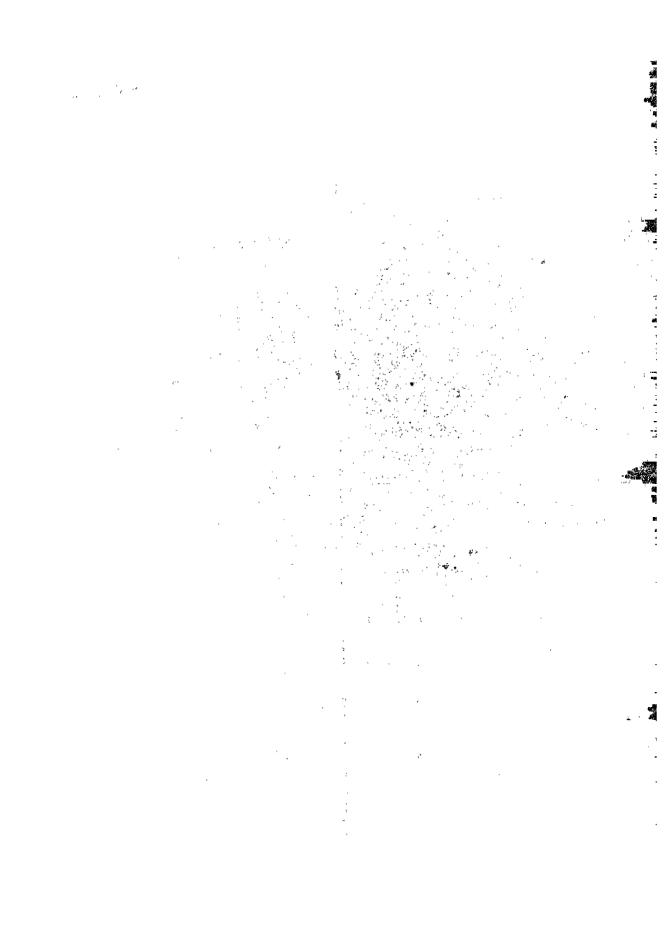
起來!不順做奴隸的人們! 把我們的血肉,築成我們 chi lai pu yilan tso nu li ti jen men pa wo men ti hsueh jou chu ch'eng wo men

新的長城! 中華 民族 到了 最 危險的 時 htm ti ch'ang ch'eng chung hua min tsu tao liao tsui wei hsien ti shih

候, 每個人被 追着發出 最後的 吼 聲。起 來! 起 hou mei ko jen pei p'o cho fa ch'u tsul hou ti hou sheng ch'i lai ch'i

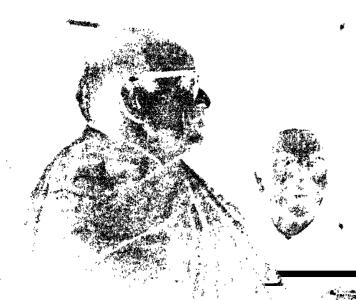
來! 起來! 我們萬来 一心, 冒着敬人的 砲火 lai ch'i lai wo men wan chung i hish mao cho ti jen ti Rao huo

前進! 圖 着 敵 人 的 砲 火 前 進! 前 進! 道!



Tulle 4

एडीटर-ताराचंद, भगवानदीन, मुज्पफ्र हसन, विशम्भर नाथ, सुन्दरलाल الآيتر---تارا چند بهكوان دين مظفر حسن بشمهم ناته سندر الل



पंडित सुन्दरकाल और चेयरमैन माभो-त्से-तुंग مدرال مارالال क्रिक सुन्दरकाल और चेयरमैन माभो-त्से-तुंग

कि ते कलचर सोसाइटी, इलाहाबाद 🛞 अंगिडी



झंकार

सम्पादक-श्री रघुपति सहाय 'किराक'

पिछले पन्द्रह बरस से आज तक की उरदू की चुनी हुई किविताओं का यह संग्रह पढ़कर आप को मालूम होगा कि उरदू किविता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर जिन्दगी की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. आज की उरदू शायरी गुल व बुलबुल और वस्त व किराक तक ही सीमित नहीं है. अब आप को उरदू किवता में किसानों और मजदूगें के दिलों की धड़कनें सुनाई देंगी. गुलामी, अन्याय और लूट खसोट के खिलाफ आप एक ऐसी आवाज सुनेंगे जो आप के दिल को जोश से भर देगी.

इस संग्रह में जिन शायरों की रचनाएं इकट्ठा की गई हैं उनमें से कुछ के नामः—

करीदाबादी, अमराकलहक 'मजाज', अली सरदार जाकरी, करीदाबादी, अमराकलहक 'मजाज', अली सरदार जाकरी, 'साहर' लुधियानवी, अहमद नदीम कामिमी, केफी बांचमी, 'हकीज' होशयारपुर्गा. 'वामिक' जानपुरी, 'मजकह' सुलतान पुरी, जी निसार अखतर. मसऊद अखतर जमाल. 'सलाम' मझलीशहरी, 'वज्द' हैदराबादी, 'मखमूर' जालन्धरी, 'कतील' शिकाई. 'अदा' बदायूनी, कंवल असाद 'कंवल,' मीराजी, मुख्तार मिहीकी, चिख्तमिह, 'शमीम' किरहानी, जमीलुद्दीन 'आली,' गुलाम रव्यानी 'ताबाँ' मसऊद अली जोकी,' प्रमध्वन, मोहम्मद सकदर, जबूर नजर, अहमद रियाज. इन्द्रजीत शमी, विश्व मित्र 'आदिल', हवीब तनवीर, 'ताजवर' सामरी, 'अशश्वर' मज़ीहाबादी, 'मुजफ्कर', शाहजहांपुरी, नरश कुमार 'शाद.' 'स्वामी' मारहवी, सैयदा करहत, 'अकसर' आजरी, प्राकेसर 'शोर', 'राही' मासूम रजा, युमुक जकर, वरीरा.

् नागरी लिखाबट में ऐसा भरपूर उरदृकविता समह चाज तक नहीं निकला, सुन्दर जिल्द, बढ़िया काराज, उम्दा खपाई दाम सिर्फ तीन रुपया.

नोट् किताब छपते छपते इस में कुछ और नई किवताएँ भी जोड़ दी गई हैं और उसके सके दो सो से भी जियादा हो गए हैं इसलिये अब इस किताब का दाम तीन रूपया रख दिया गया है—मैनेजर

मिलने का पर्ता— ्रमैनेजर, 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

يجهنكار

پوسمپادک-شرق رکهویتی سُهائے 'فراق'

اس سنگرہ میں جن شاعروں کی رچفائیں اکتبا کی نئی ہیں۔ آسیں سے کنچھ کے نام : -

جوش ملهم آبادی ' فراق کورکهبوری ' مطلعی فرید آبادی اسرارالعتق اسجاز علی سردار جعسی اساحرا لدهینوی احمد ندیم قاسمی کهنی اعظمی ' تحفیظ هوشهار پوری ' وامق جوندوری ' متجروح اسلطان دوری جان نشار اختر اسمعود اختر جمال ' سلم استجهای شهری ' وجد حهدرآبادی ' اختمور اجاللدهری ' قتیل شفائی ادا بدایونی کلول پرساد ' لفول اسیرا جی استخال شفائی صدیتی تخت سفای ' شمیم کرهایی جمیل الدین ' عالی فلم ربانی ' تابان اسمعود علی ' فرقی بیریم دهوی متحمد صفدر طهور نظر احمد ریاض اسر جیت شرما شومتر عادل حبیب تلویر اناجور اسامری ' اشعر شاهر آبادی ' مظفر شاهده ایوری ایوری نویش نمار 'شاد شوامی اداری ' مطفر شاهده ایوری نویش نمار 'شاد شوامی اداری ' مطفر شاهده ایوری نویش نمار ' شاد شوامی اداری ' مطفر شاهده ایوری نویش نمار ' شاد شوامی اداری ' معصوم رضا یوسف ' ظفر' وغهر اداری ' بروقهس شور نوی نویش نوی بروقهس شور ' در اهی ' معصوم رضا یوسف ' ظفر' وغهر ا

اُلُمُ نَاكُرِي لَهُكَاوِتَ صَوْنَ أَيْسًا بَهْرِبُورَ أَرْدُو دُولِتُنَا سَفَكُرَهُ آجَ لَكُونَ لَكُونَ لَكُلُ الْمُنْكُونَهُونَ لَكُلًا لِسَلْدُورَ جَلْدَ لِيَوْهِيا كَاعَدْ لِ عَمْدِيْ جَهِبِالْي. دَامِنْكُونَ دَهَانُي رَوْنِيمَ لَ

ملنے کا بتہ--

مهلهجر' 'نها هلد' 145' متهى كليم' العآباد .

بلصواطور لعانا وإحال

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइदी

هندستانی کلچر سوسائتی

मकसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना श्रीर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, खखत्रारों, रिसालों बग्रेंग का छापना .
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभात्रों, कानफरेन्सों, लक्चरों से सब धर्मों, जातों, बिरादरियों श्रोर किर्क़ों में श्रापस का मेल बढ़ाना .

--: 0:--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—िम० श्रव्युल मजीद खवाजा; वाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदाम श्रोर डा० श्रव्युल हक ; गर्वार्नग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास ; सकेटरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर—

डा० सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मौलवी सैयद मुलेमान नदवी. मि० मंजर ऋली सोख्ता, श्री बी० जी० चर, मि० एस० के० कद्रा, पं० बिशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द् रांका, काजी मोहम्मद अब्दुल सप्तकार श्रोर श्री श्रोम प्रकाश पालीवाल.

मम्बरी के कायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरलाल सेकेटरी, हिंदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्टी गंज, इलाहाबाद.

नोट—सोसाइटी के नये काय है के अनुसार मेम्बरी की कीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द?" के जो गाहक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया चून्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायगा. अलग स मेम्बरी की कीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सकेंगे या ज्यादा दाम की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम करा सकेंगे.

المتعدي

- (1) ایک ایسی هندستانی کلنچر کا بوهانا پههلانا ر پرچار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هوں .
- (2) ایکٹا پھیلانے کے لئے کتابوں' اخراروں' رسالوں بیرہ کا چھاپلا .
- (3) پڑھائي گهروں کتاب گهروں' سبهاؤں' کانفرنسوں' بھروں سے سب دھرموں' جاتوں' برآدریوں اور فرقوں میں ہس کا میل ہڑھانا ۔

--: 0:---

سوسائتی کے پریسیڈنٹ۔۔۔۔ستر عبدالنجید خواجہ؛ 'ٹس پریسیڈنٹ۔۔۔ڈاکٹر بہکوان داس اور ڈاکٹر عبدالنحق ۔ برننگ باڈی کے پریسیڈنٹ ۔۔۔ ڈانٹر بہکوان داس: کریٹری ۔۔۔ پنڈٹ سندرالل ۔

گورندگ یاتی کے اور ممبر ـــ

داکتر سید محمود' داکتر نارا چند' مهلوی سید لمیمان ندوی' مستر منظر علی سرخته' شری بی جی . ههر' مستر ایس . کے . رودرا' پندت بشمبهر نانه' مهاتما هگوان دین' سیته پونم چندرانکا' قاضی محمد عبدالغفار ور شری اوم پرکاش پالیوال .

معیری کے قاعدوں کے لئے لکھئے ۔

ستدر لال

سكريترى هندستانى كلىچر سومائتى. 147 متهى كنم المآباد .

نوقسسوسائٹی کے نئے قاعدے کے انوسار ممبری کی نیس صرف آیک روپیء کردسی گئی ہے ۔ ''نیا ہند'' کے جو گلمک ممبر بننا چاہیں اُن کو صرف چہء روپیء چندہ مینے پر ھی ممبر بنا لیا جائیا ۔ الگ سے ممبری کی نیسی دیائے والے سوسائٹی کی نالمی ہوئی کوئی کتاب جو ایک روپیء دام کی ہوگی مفت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی ہوگی بار آیک ورپیءکم کراسکینگے ۔

पार हिन्द के परिकार में से कई का विश्वासत जाती की सार्व के साथ काफी रहत जन्म था. और इसलिये इस सारे भी इस उनके सनदान से जाम तौर से और अपने बीची बच्चों से सास तौर से हमरदी जाहिए करते हैं और ईरकर से प्रार्थना करते हैं कि शहीद की रूड को

--- भग्रवानदीन

ا فی العلم کے پرچوار میں یہ کئی کا امامت علی علی مامت کے ساتھ کائی ربط ضبط تھا ۔ اور آس لیٹ اِس تاتے ہیں ہاتے ہیں ہاتے ہیں ہاتے ہم اور اُن کے بعوی ہجوں سے شامل طور سے شامل طور سے همدردی ظاهر کرتے همل اور ایشور سے پرارتہنا کرتے همل کہ شہید کی روح کو شائٹی ملے .

-- بهکوان دین

'नया हिन्द' का चीन नम्बर

'नयाहिन्द' के प्रेमियों को यह जान कर खुशी होगी कि पंडित सुन्दर लाल जी की सदारत में जो हिन्द गुडबिल मिशन बीन गया था दूसरी नवन्दर को दिल्ली वापस का गया है.

भिरान ने चीन में जो देखा और सममा वसकी कुछ कुछ चर्ची असवारों में पांडे हैं लेकन 'नया हिन्द' के मेबी इस से पूरी पूरी जानकारी की आशा करेंगे. इसी किये जाया हिन्द' का दिसम्बर नम्बर 'बीन नम्बर' के नाम से निकतेगा.

इस नम्बर में पंडित सुन्दर लात जी के खलावा मिशन के दूसरे मेम्बरां क लख भी होगे. हमारी कोशिश होगी कि इस नम्बर में हमार महान पड़ोसा देश के हर पहलू बर राजना पड़े जार पाठकों को चीन के बार म रौर जानिक्दार और कजरवेकार आंखों का देखा हाल पढ़ने को मिस जाब जार बनके सामने नए चीन की सच्ची उत्वीर खा जाय.

्यह नम्बर पहली दिसम्बर तक निकल जायगा श्रीर । इसका दाम सिर्फ दस श्राने होगा.

—मैनेश्वर

انیا هندا کا چین نمبر

' نیا ہند' کے پریدیوں کو یہ جان کر خوشی ہوگی کہ پنڈت سندر لال جی کی صدارت میں جو ہند گوڈ ول مصن چین گیا تھا رہ درسری نومبر کو دلیوایس آگیا ہے۔

مشن نے چھن میں جو دیکھا آور سنجھا اُس کی کچھ کچھ چرچا اُخباوں میں آئی ہے لیکن ' نیا ہلد ' کے پریمی ہم سے پوری پوری جانکاری کی آشا کرینگے ۔ اِسی لگے ' نیا ہلد ' کا دسمبر نمبر ' چین نمبر ' کے نام سے نکلے گا ۔

اس نمہر میں پلات سندر لال جی کے علام مھن کے دوسرے مسہوں نے نہتہ بھی تعویکے ۔ ھماری عوشین عولی کہ اس نمبر میں ھمارے مہان پورسی دیش کے عرب دیگئی بڑے آور پاٹھکیں دو نئے چھن کے بارے میں فہر جا بدار اور تجربهار آسمیں کا دیکیا حال پرھٹے دؤ مل جائے آور آنکے ساملے نئے چین کی سنچی تصویر آجائے ،

یہ نبیر پہلی دسمبر تک نکل جائے گا۔ آور اِسکا دام مرف دس آنے ہوگا ،

سمهلهتهن

इसी लाकी के का तो यह असर है कि अपने यह नहीं कहा जा सकता कि यह करना राजकाजी करना था और इस जरा सी भूल और वे परवादी का यह नतींजा हो सकता है कि और दो बार वे गुनाहों को इसी तगह अपनी जान से हाथ धोना पड़े.

न जाने क्यों हजरत ईसा, दुसैन और मातमा गांधी की शहादते इन कातिलों की यह सबक नहीं देतीं कि इम तरह के करल उस उम्मूल को कोई धका नहीं पहुंचा सकते जिस बसूल की जड़ काटने के खयाल से यह कातिल इतना बड़ा गुनाह कर बैठते हैं? यह क्यों इन में समभ में नहीं खाता कि इनसानी खून से उसूल की जड़ पिंचती हैं कटती नहीं खोर जिस इनसान का खून होता है वह इनसान शहीदों में शामिल हो कर उसी उसून के पीधे में एक शास्त्र का खीर इजाफा कर देना है.

क्या कातिल और कानिल के मददगार श्रपनी श्रांगों यह नहीं देख रहे कि एक मिनट भी मक़त्ल की गद्दी खाली नहीं रही. कौरन ही तो उन्हीं जितने मज़बून ना ज़मुद्दीन साह्य ने गयरनर जनरैली को लात मार कर बजारत की उस गद्दी को संभाल लिया, जिस पर अभी अभी एक शहाद हो चुना था.

कातिल के मद्दगार यह अच्छी तरह समफ लें कि हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तानी सरकार लियाकत अली खाँ के जाते जा भले ही उनके कुछ कामों क' शक की नज़र से देखती हों पर उनकी शहादत के बाद तो हिन्दुस्तान और उसकी सरवार उनके हर काम का वह मतलब निकालती है जिस की वजह से शहाद पर कोई शक नहीं रह जाता.

राहीद की जिन्दगा में हिन्दुस्तान पर इसले का शोर जरूर मचा पर वह हुआ कहां. काशमार पर भी जो हमला हुआ था उसके बार में यह कहना जरा मुशकिल है कि इस में उनका हाथ था. असल में राज काजी मैदान में कूर कर कभी कभा कुछ ऐसे काम करने पड़ते हैं जो देखने में बुर और बेहूदा मालूम होते हैं पर उनके पीछे जो मन्शा रहती है वह बड़ी जेक और समम्मदारी की हो सकती है. इस किये उन बुरे और बेहूदा कामा का नतीजा हाने से पहले कोई नतीजा निकाल बैठना खतरे से खाली नहीं होता और जभी ता मुलकों की सरकारें आम आद्मियों की तरह से न कर्दा भड़कती है और न जल्दी कुछ कर बैठती हैं आज ही हिन्दुस्तान में देख लीजिय आने वाले जुनाव की खालिर क्या क्या शगुफ़े नहीं खिलाय जा रहे हैं.

करता की तह की कार प्रकाश में ज र हैं. श्रक्षगा-निस्तान ने कारित को अक्ष्मानी मानने से इनकार कर दिया है और पूँही नहीं इनकार दिया उसके पास इनकार का प्रका सब्द भी हैं.

M. Ballin Co. Carlotte

کے تعلق اور یہ آئر ہے کہ اب یہ نہیں کہا جاسکھا کہ اور اس خرا سی بہول اور بے گاہوں کا یہ نگیجہ ہوں اور اس خرا سی بہول اور بے گناھوں کا یہ نگیجہ ہوسکتا ہے کہ اور دو چار بے گناھوں گراشی طرح اینی جان ہے ماتھ دھرنا ہوے۔

النجمی کی شہادتیں اور فہاتما النجمی کو بہ سبق نہیں اور فہاتما النجمی کی شہادتیں اور قاتلوں کو یہ سبق نہیں فیجمی کہ اِس طوح کے قتل اُس اُصول کو کوئی دھا اُنہیں پہونچا سکتے جس اُصول کی حو کاٹنے کے خیال سے یہ قاتل اُتنا ہوا گناہ کر بیتہتے ھیں ؟ یہ کیوں اِن کی سمجھ میں نہیں آنا کہ اِنسانی خون سے اُصول کی بیتویں سنجھ میں نہیں آنا کہ اِنسانی خون سے اُصول کی بیتویں سنجھی ھیں کٹتی نہیں اور جس اِنسان کا بیتویں ھوتا ھے وہ انسان شہیدوں میں شامل ھوکر اُسی اُمول کے پودھ میں ایک شام کا اور اضافہ کردیتا ھے .

کیا قائل اور قاتل کے مددگار اپلی آنکیوں یہ نہیں انہیں کیا گائل اور قاتل کے مددگار اپلی آنکیوں یہ نہیں کی گئی خالی نہیں کو بھی فوراً ھی تو اُنہیں جائے مفہوط ناظم الدان صاحب کے گورنوجلریلی کو لات ماردر وزارت کی اُس گدی کو سلیمال لیا جس پر اُبھی ابھی ایک شہید ھوچکا تھا ۔

قاتل کے مددگار یہ اُچھی طرح سمجھ ایس کہ مغدستان اور هندستانی سرکار لیاقت علی خان نے جھتے جی پہلے هی ان کے کچھ کاموں دو شک کی نظار سے دیکھتی هوں پر اُن کی شہادت کے بعد تو مقدستان اور اُس کی سرکار اُس کے هر کام کا وہ مطلب نظاتی ہے جسکی وجہ سے شہید پر دوئی شک نہیں وہ جاتا .

القال كى تحقیقات بائسدان میں جاری ہے. القائستان نے قائل كو افغانی ماننے سے انكار كر دیا ہے اور میں فی نہیں انكار كر دیا اس كے پایس انكار كا پكا شہوت بھی ہے.

概1 ____

कारीकी और स्वतिष्ठ से स्टबान्स्क और मिस्निक विक्तें से या और इसी क्षर के गढ कम्यनों से मू. पन. को. की शान नहीं बढ़ती, ताकन तो बढ़ ही कैने सकती है. अब तक यू. पन. को. इस गुटों और पैक्टों को अपने ऊपर क्यांक का धन्वा नहीं मानेगा तब तक ऐसे अमेशन होते ही रहेंगे जैसा काज स्वेज पर हो रहा है.

बू. एन. जो: के जन्म क्षेते के दिन से जीर किनहीं सानों में भी ताक़त में जाने के बाद से कभी कोई ऐसा अप्रेशन दुवा है जिसको सब मुक्तों ने अप्रेशन माना हो. बू. एन. जो. में गुटबन्दी के रहते अप्रेशन आग जगने की तरह मूर्ज से मूर्ज आदमी के जिये अप्रेशन रहेगा. पर गुटु में बंधे सममदार मुल्कों की नजर में वह बचाव की कार्य या ऐसा ही कुछ नाम पायगा.

यह सब कह कर हम मिस्न को यही सलाह देते हैं कि वह यू, एन. को. की तरफ आंख न उठा कर अपने हिल को जांचे और अल्लाह पर मरोला कर के ईमानदारी के साथ अहिंसात्मक लड़ाई छेड़ दे. यही एक ऐसी लड़ाई जिसकी हार को दुनिया के लोग जीत के नाम से पुकारते हैं.

27.10.751

-- 🛪 ावान्दीन

लियाक्रत अली खां---

16 अक्तूवर को रावलियं में जैसे ही नवाबजादा लियाकत अली खां बोजने के लिये खड़े हुए कि किसी ने इन पर गोली दारा दी और वह थोड़ी देर के बाद ही अस्पताल में इस दुनिया को छोड़ कर चल दिये.

असे ही यह खबर रेडियो से दिली पहुँची तो दिली ही सरकार के अन्दर सब बातें भूत कर, राहीद के साथ जो पुराली हम बतनियत थी वह जाग डठी और उन्हें वैसा ही अकसोय हुआ जैसा किसी और मशहूर हमवरन के बादे में होता. और फिर हिन्दुस्तानी सरकार ने उसी स्वयास के सुराधिक इजहार भी किया. यह बहुत ठीक किया.

मौत एक दिन सबको आनी है और किसी न किसी को आए दिन आती ही रहती है, पर इस तरह पिस्तील की गोली पर सवार हो कर आई हुई मौत दिल या दिलों पर गहरा निशान छोड़े बरोर नहीं आती और उन निशानों से मजबूर हो कर ही दिल को जुबान और क्रकम के ज्रिये सामने आना ही पहता है.

राजकाजी करना जाज कल जोरों पर हैं और हो सकता है यह करन भी कसी लंजीर की एक कड़ी हो. पर मुशकिल लों यह है कि पाकिस्तान की जनता कुछ इस तरह की वाकाम पाए हुए हैं कि वह ऐसे नाजुक मौकों पर जपना सम्तोल (तवाजन) को बैठती है और क्रानून को जपने हैं। के में केकर क्रानूनी तहकीकात को बेकर बना देवी है. امریعی کی پریش ہیں ہے **1830ء** کی ہوسائٹ ہوگئی۔ یہ یا اور آسی طرح کے کام یقتیعتوں سے ہو۔ آبوں اور کی شان نہیں ہوھتی طاقت تو ہوھ ھی کہسے سکتی ہے جب تک ہو۔ آبیں ، او ، اِن گلوں اور پیکٹوں کو آباد اِپر کلنک کا شعبہ نہیں مانے کی قب تک ایسے اگریشی من عی رهیں کے جیسا آج سرائز پر هورها ھے ۔

یو. این ، أو ، کے جام لهائے کے دن سے اور کاپی معنوں میں بھی طاقت میں آنے کے بعد سے کھھی کوئی ایسا اگریشن هوا هے جسکو سب ملکوں نے اگریشن مانا هو ، یو ، ایس ، أو ، میں گات بلدی کے رهائے اگریشن آگ لکائے کی طرح مورکھ سے مورکھ آدمی کے لئے اگریشن رہے کا پر گات میں بلدھے سنجھدار مائیس کی نظر میں رہے کا دیا ایسا هی کچھ نام یائے گا .

یه سب کهکر هم مصر کو یہی صلح دیاتے هیں که ولا یو این . او . کی طرف آنکه نه آتهاکر ایل دل کو جانحے ارر الله پر پهروسه کرکے ایمانداری کے ساته اهلساتمک لوائی چهیو دے . یہی ایک ایسی لوائی هے جس کی هار کو دنیا کے لوگ جیت کے نام سے پکارتے هیں .

27 . 10 . '51

لياقت على خال___

16 اکٹوبر کو راولبلڈی میں جیسے ھی نواب زادہ لیائت علی خان بولئے کے لئے کھڑے ھوٹے کہ کسی نے ان پر گولی داغ دبی اور وہ تھوڑی دیر کے بعد ھی اسپٹال میں اِس دنیا کو چھوڑ کر چل دئے ۔

جیسے هی یه خبر ریدیو سے دلی پہونچی تو دلی کی سرکار کے اندر سب باتیں بہول کر' شہید کے ساتہ جو پرانی هموطئیت تهی وہ جاگ آتهی اور آنهیں ویسا هی انسوس هوا جیسا کسی اور مشہور هموطن کے پارے میں هوتا ۔ اور پهر هندستانی سرکار نے آسی خیال کے مطابق اظہار بهی کیا ۔ یہ بہت تبهک کیا ۔

موت ایک دن سب کو آنی هے اور کسی نه کسی کو آئے دن آتی هی رهائی هے کو اس طرح پساتول کی گولی پر سوار هوکو آئی هوئی موسدال یا دلوں پر گہرا نشان چهورے یفیر نیس جاتی ۔ اور اُن نشانوں سے محجور هوکو هی دل کو زبان اور قلم کے ذریعے سامئے آنا هی پرتا هے ۔

رانے کاجی قبل آنے کل زوروں پر هیں اور هوسکتا هے
یہ قبل یہی اسی زنجهر کی ایک کری هو ۔ پر مشکل
تر یہ ہے کہ پاکستان کی جلتا کچھ اِس طرح کی تعلیم
یائے هرکے ہے کہ یہ لیسے تارک موقعوں پر اینا سمتیل
(توازن) گیر بھٹھتی ہے اور قانون کو آنے ہائی

बरतानिया के कारन का सुनाबता हमते के नहीं करेगा, बह बाई कार्ट के हथियार से करेगा. पर यह हमारी समफ में बिलकुल नहीं काता कि वह शान्ति मचक बानी अमन बार खासियत काती और यू. एन. आ. की सुरचा कौंसिल नाम बोबी संस्था के पास क्या मांगन जा रहा है. वहां हमें हाथ कापगा बरसों का ममेला, और जब तक स्वेज के मैदान में बरतानिया के हर तरह के अड्ड तैयार हो चुकेंगे और क्या अजब कि उस सुरचा कौंसिल के कोई हा दुक कैसला मिलने से पहले तीसरी लड़ाई खड़ी हो जाय और फिर अमेरान का सवाल ही न रह जाय.

मिस्न कीन कम हैं! उसने भी मीक़े वे मौक़े किसी न किसी गुट्ट में मिल कर ऐसे क़दम उठाए हैं जिन से बरतानिया को मदद मिली है और आज बरतानिया उसी मदद से फायदा उठाकर अपन मदद देन वाल । मस्न पर जबरहरती कर बैठा है.

चर्चिल के हाथ में इस वन्नत बरतानिया की ताकत की बाग डोर आ जाना छुछ कम मारके की बात नहीं है. अब यह उम्मीद करना मुशकिल है कि स्वेज के मैदान से बरतानिया की कीजें जल्दी ही लीट जायंगी.

इस वजह से नहीं कि मिस्न कमजोर है बहिक इस वजह से कि श्राहिसा का हथियार कभी न चूकने वाला हथियार है, इस मिस्न को यही सलाह देंगे कि वह स्वेज के मामले में जरा भी कदम पीछे न हटाए और इस यझ में शक्ति मर श्राहितयां दे हाले. डसकी जीत होगी क्योंकि उसके श्राहिसक हथियार पर सच्चाई का पानी चढ़ा हुआ है. पुराने मुलहनामे गुलामी के पट्टे हैं, उन पट्टों को ठीक मानना गुनाह है, उन पर अमल हरामद दरना सत्य को पांव से खुनलना है, उनको इज्जत करना इश्वर से विमुख होना है, उन पट्टों पर अमल न करना सक्वाई का सिर पर बिठाना है, उन पट्टों पर अमल न करना सक्वाई का सिर पर बिठाना है. उन पट्टों का ठुकराना और वे इज्जती की नजर से देखूना ईश्वर और अल्लाइ पर विश्वास करना है.

इन होटे छोटे मुल्कों को जो वे सममे बूमे किसी भी गुटु में शांमत हा गए हैं मिल के इस स्वेज नहर के मामले से सबक लेना चाहिये चार यह धन्छी तरह समम रखना चाहिये कि किसा भी दिन उनको अपन यहां जहाजी और हवाई अड्डों के लिय मजबूर किया जा सकता है. छोटे छोटे मुल्क अब भी गुटु से निकल कर एक बहुत बड़ी ताकत बन सकते हैं और अपनी इखलाकी आवाज चठा कर अवस्थि। और कस दोनों को ही ठीक राह पर आने के लिय मजबूर कर सकते हैं आर यू. एन. ओ. को सच्चे मानों में असन की संस्था में तबदील कर सकते हैं.

The state of the s

المسلم ا

چرچل کے ہاتھ میں اِس وقت برطانیہ کیطاقت کی ہاگ قرر آجانا کچھ کمعرکے کیات نہیں ہے۔ اب یہ اُمید کونا مشکل ہے کہ سوئز کے میدان سے برطانیہ کی فوجوں جلدی ہی لوت جائیں گی ،

إُس وجه سے نہیں کہ مصر کمزور ہے بلکہ اِس وجه سے کہ اهلسا کا همهار کہی نہ چوکئے والا همهار ہے شم مصو کو یہی صلح دیں گے که وہ سوئز کے معاملے میں ذرا یہی قدم پہنچھے نہ همائے اور اِس یکیه میں شکتی بہر آهوتهاں دے قائے۔ اُس کی جهت هوگی کھونکہ اُس کے اُهلسک همهار پر سچائی کا یائی چوها هوا ہے ۔ پرائے مائٹا مائٹا ہے اُن پر عمل درآمد کرنا سمیه کو یاوں سے کچلنا ہے اُن پر عمل درآمد کرنا سمیه کو یاوں سے کچلنا ہے اُن پر عمل درآمد کرنا سمیه هونا ہے اُن پہوں کو فلط مائٹا دھرم ہے اُن پہوں پر عمل نه کرنا سجائی کو سر پر یہانا ہے۔ اُن پہوں کو تهمرانا اور یے عزتی کی نظر سے دیکھنا ایشور اور الله پر وشواس کرنا ہے ۔

اُن چھوٹے چھوٹے ملکوں کو جو یہ سمجھے ہوجھے کسی بھی گت میں شامل ہوگئے ھیں مصو کے اِس سوئو اللہ کے معاملے سے سبق لینا چاھئے اور یہ اچھی طرح مستجھے وکھنا چاھئے کہ کسی بھی دن اُن کو اُنے یہاں جھاٹی اُور ہوائی ادرن کے لئے محجور کیا جاسکتا ہے ، حجوائے ملک اب بھی گت سے نکل کر ایک بہت بھی گت سے نکل کر ایک بہت بھی گت سے نکل کر ایک بہت بھی اور اُنڈی اخلاقی آواز اُٹھاکر اُنے کے لئے اُنے کے لئے کہ بھی اور یو ، این ، او ، کو سجے معنوں معنوں کو بھی تھیک واد پر آنے کے لئے معنوں معنوں کو بھی تعدیل کرسکتے معنوں میں تعدیل کرسکتے معنوں میں تعدیل کرسکتے ہیں .

चीन की वे परकाही से कुछ इस तरह दवाया गया कि इते गिने ही इब आवमो जान पाये. इस द्वाने का नतोजा यह हुआ कि दक्तिसानी कोरिया की नरफ से छे इ छाड़ बदती रही भीर भांकिर एक दिन उत्तरों कीरिया की इस छेड़-खाइ से तंग या कर अपने बचात्र के लिये दक्खिना क रिया पर काकायदा इसता करना पड़ा. इस जग आहिर सच्चाई की हु हज़ड़ मचा कर कभी जांच न होने दो गई. इस इस वजह से कोरिया का हमता अमेरान वन गया. चट पट अमरीका की चाला ही से अमन की संस्था यू. एन. आं. जड़ाई की संस्था में तबदील हो गई और उसने अपनी की जो को अमरीकी जनरत की मातहती में कोरिया लड़ने के लिये भेज दिया. उत्तरी और दक्खिनी कोरिया आज इतना मिट चुका है कि अगर विदेशां की जें वहां से हट जायं तो कोरिया में उल्लू वाली शान्ति भीर असन का राज ही दिखाई दे. अगर ऐसी ही शान्ति और अमन यू. एन. ओ. का आदर्श है तो यू. पन. भो. जरूर सफत हुई है छोर ऐसी सफतता तो वह आसानी से स्वेज के मैशन में भी हासिल कर सकती है.

बरतानिया से कीजें चली पारही हैं, स्वेत के मैदान पर इकट्टी हो रही हैं मानो वहां कोई कठ पुतली का तमाशा व्या जिसे देखने के लिये वह ऋाई थीं. बरतानिया से जहाजी वेड़ा चला आ रहा है, उड़न खटो नों का दस्ता चला आ रहा है मानो स्वेज के मैदान में फ़ुटवाल का मैच हो रहा हो. बद कारवाई सारे मुलक देख रहे हैं और मिस्न को छोड़ बह 51 मुलक भी देख रहे हैं जो यू पन. श्रो. में शामिल हैं पर इसे वह अभेरान नहीं कह सकते क्योंकि अमरीका ने अभी उसे अधेशन नहीं कहा. और अगर रूप या और कोई मुल्क उसे अप्रेशन कह भी दे तो उसकी सुनना ही कौत है क्योंकि यू एन. को. में उसकी गुट की गिनती बहुत थोड़ी है. आज कल के नये क़ानून के मुनाबिक आदमा मरेने पर भी मरा दुशा नहीं माना जा सकता, खगर कोई बाक्टर इसे मरने की सनद न दे. बरतानिया अगर मिस्न की तहस नहस भी कर देती वह जब तक अधेशन नहीं सम्बद्ध का सकता जब तक थू. एन. को का मंत्री ली उसे मझेरान न कह दे, यह चार्ज की दुनिया का क़ानून है. हिन्दुस्तान में जब अंगरे जी राज था तो क़ानून की उस तरह ही अनोखी अनोखी वार्ते सुनने में आया करती थीं. मरने बाला अभी जिन्दा है पर उसके मारने वाले को फाँमी की क्या हो गई भौर फांसी पर बढ़ा भी दिया गया और ब्सकी जारा की काजिरी किया भी कर दी गई, आज यू. क. भी. के फैसले भी कुछ ऐसे अनोखे होते हैं. वे दिल हैं संस्था से भीर स्मीद भी क्या की जा सकती है,

निया ने ठीक दी सोचा दें कि यह असी कुछ दिनों

جان كي ي الراحد على الحد إحداج عبالا لما كم إلا كا می کچھ آدسی جان ہائے اس دیانے کا تعیجہ یہ عوا ی دیدلی کوریا کی طرف سے چھیر چھاڑ بڑھٹی رھی اور آخر ایک دن أترو كوريا كو اس جهير چهار ير تلگ اگر الي بچاو كے لئے دكھنىكوريا پر باقاعدہ حمله كرنا ہوا . اس بی طاهر سنهائی کی امو هاو منها کر کیهی جانبے ته مرنے دی گئی . بس اِس وجه سے کوریا کا حمله اگریشن ین گیا اور چت پت امریکه کی چالائی ہے امن کی سلستھا يو . ابن ، او . لو ئي كي سنستها مين تبديل هوگئي أور اس نے ایشی فوجوں کو امریکی جدرل کی مانعمی میں كرريا لوقع كے لكم بههم ديا . أترى اور دكهلى كوريا آج اتفا مت چکا ہے کم اگر ودیشی فوجیں وہاں سے ہت جائیں تو كرريا مهن ألو وألى شانتي أور أمن كا راج هي دكهائي دے . اقر ایسی هي شانعی اور امن يو . اين . او . كا آدرهی هے تو يو . اين . او . ضرور سپهل هوئی هے اور ايسى سپھلتا تو وہ آسانی سے سوئز کے میدان میں بھی حاصل کر ہسک≭می ھے ،

برطانه، سے فوجیں چلی آرهی هیں' سوٹز کے مهدان پر انتهی هو رهی هین مانو وهان کوئی کته پتلی کا تماشه تها جسے دیکھلے کے لگے وہ آئی تھیں . برطانیہ سے جہا ی بهوا چلا آ رها هے اُون کہتولون کا دسته چلا آ رها هے مانو سوائز کے میدان میں قت بال کا مینج هو رها هو . یه کاروائی سارے ملک دیکھ رہے ھیں اور مصر کو چھو رہ 51 منک بھی دیکھ رہے میں جو یو ، آین ، او ، میں شامل هیں پر آسے وہ اگریشن نہیں کی سکتے کیونکہ امریکہ نے کبھی اسے الریشن نہیں کہا ، اور اگر روس یا اور کوئی ملک اسے اگریشن کہ بھی دے تو اس کی سنتا هی کون هے کیونکه یو . این . او . میں اسکی کت کی المتى بہت تهوری هے . أجال كے ندُّ قانون كے مطابق آدسی مرئے پر یہی مرا ہوا نہیں مانا جاسکتا اگر کوئی قادر مصر کو قادر اُسے مرئے کی سبد نه دے برطانیه اگر مصر کو تہس نہس بھی کر دے تو وہ جب تک اگریشن نہیں سمجها جا سکتا جب نک يو اين . او . كا منترى لي أس اگريشن نه كه دے ، يه آج كىدنيا كا قانون هے. هندستان میں جب انگریزی راج تھا تو قانون کی اس طرح کی انوکھی انوکھی چاتھی سللے میں آیا کرتی تھیں ، مرنے والا ایمی زندہ کے پر اس کے مارنے والے کو پھانسی کی سوا مولکی اور پہانسی پر چوہا بھی دیا گیا اور اُسکی تھی کی آخری کریا بھی کر دی گئی . آج ہو . این . او ، کے فیصلے بهی کیچه ایسے انوکی هوتے هیں ، بے دال کی سلستها سے اور امید بھی کھا کی جا سکتی ہے .

ميسر في الهدك هي سوجا هي كد ود الدون كنهد دليان

स्वेज गरा भीर मिस

स्वेज की नहर जो मिस्र से बगी हुई है और जिस पर मिल की माजिकी से शायद ही किसी की इनकार ही अब तक बरतानिया की दुकान बनी हुई थी, दो चार दिन से हावनी हो गई है और क्या अजब कुछ दिना में नी-आबादी का रूप केसे.

योरप के छोटे छोटे मुल्क न जाने कब से किसी तरह से प्रिया और अकरीका के बड़े बड़े मुल्कों के छोटे छोटे हिस्सों के मालिक वन बैठे हैं और हमेशा के लिये उसके मालिक बने रहना चाहते हैं. यह बात अपने आप में तो बर्ग है ही पर इस में एक बुराई और है और वह यह कि गौरप के जिन मुल्कों के हाथ में परशया और अफरीका के ऐसे हिस्से नहीं हैं उनकी ऐसे हिस्से पाने के लिये राल टपकती रहती है. और अगर वह अमरीका जितने ताकतवर या चालाक बन जायं तो जल्हा ही एशिया या अकरीका के किसी न किसी हिस्से पर कब्बा कर बैठें और क्या अजब दो ही दिन में वह उस हिस्से को ऐसा समफने लगें मानों उन्हें भीरास में ही मिला हो.

हात हो में जापान के दो दिक्लनी टापु मों पर देल रेख के बहाने अमरीका डट गया है और सिर्फ इस वजह से कि वह ताक्रतवर और चालाक है. अमरीका के मुकाबले का चालाक अगर रूस होता तो इन टापुओं का माजिक श्रमराका हरशिज नहीं हाता. या तो फिर रूस खुर होता या अपने गुट के किसी और को वहां विद्या देता, जापान के इन द्क्लिनी टापुकों पर अमरीका किसी नाते भी हरा सही इट ज़रूर गया है. और इस इस मामने में चुप रहा इसकी बजह यह है कि जापान के दो उत्तरी टापकों पर वर ख़ुद जासन जमाप हुए है.

इस तरह का नेतुका पन सारी दुनिया में छाया हुआ है, श्रीर फिर भी यू. एन श्रो. नाम की संस्था न मालूम किस ह्याई की चादर छोड़ कर यह कह रही है कि वह दुनिया भर की पंचायत है, दुनिया भर का भला चाहती है भौर दुनिया भर में अमन फैलाना चाहती है.

स्बेज पर बरतानिया की गोली से मिस्न के आदमी का मरना और बादिमयों का बायल होना सुनकर हमें कोरिया की याद जा जाती है, बहां भी शुरू में खुद जम-रीकियों ने या अमरीका के इशारे पर दक्खिनी कोरिया के कोगों ने कत्तरी कोरिया के खिलाफ छेड़ छाड़ शुरू की थी पर उन दिनों दूपरो बड़ी लड़ाई का नशा लोगों के दिल से इतना न असर पाया था कि दुनिया के और मुल्क उस पश्चिमोः कोरिया की खेर खाद की तरफ निगाइ डालते, इसकि वह अधिका कामरोका की मदद से कौर कस और

The second secon

ﷺ کی نہر جو مصر سے لکی ہوئی ہے آور جس پر المنافق مالکی ہے۔ شائد ھی کسی کو انکار ھو' اہلک الموالية كى دوكان بلى هوئى تهى دو جار دن سے جهاوني القولكي ها أور كها عجب كچه دنون مهن نوآيادي كا رہیں لے کے

یورپ کے چھوٹے چھوٹے ملک تھ جائے کپ سے کسی طربے سے ایشیا آور افریقہ کے بڑے بڑے ملکوں کے جھوائے جهوراً حصول كم مالك بن بيتم هين أور همهم كم لك آسکے مالک بئے رهنا چاهتے هيں . يه بات أبي آپ ميں پھو ہری ہے۔ هی پر اِس ميں ايک برائی آور هے آور وہ يه ایسے حصہ نہیں میں انکی ایسے حصہ یانے کے لئے رال تهجتی رهتی هے . آور اگر وہ امریکه جنگے طاقتوریا چالات بن جائين تو جلدي هي ايهها يا افريقه كے کسی نه کسی حصے پر قبقه کر بیٹھیں آور کیا مجب عر هي دن مهل أس حصه كو ايسا سمجهل لكين مانو أنههن مهرات مين هي ملا هو .

. عال هی میں جاپان کے دو فکھنی تاپروں پر دیکھ ربیکھ کے پہانے امریکہ دت کہا ہے آور صرف اِس رجه سے کھ وہ طاقتور آور چالاک ھے . امریکہ کے مقابلے الله الله الر روس هوتا تو أن تايوون كا مالك المربيعة هركو نهين موتا ، يا تو يهر ررس خود هوتا یا آبی گت کے کسی آور کو رهاں بقها دیتا ، جایان کے إن دكهاي قايرون ير أمريكة كسي ناتم بهي ذدًا سهي قت غَيْرُور كها هي . آور روس اِس معامله مهي بهب رها أسكى وجه يه هے كه جايان كے دو أنوى تايوؤں ير وه خود اَأُسن جمالے هوالے هے .

إس طريم كا يه تكاين ساري دنيا مهن جهايا هوا هـ . «پهور بهی یو . آین . او . نام کی سلستها نه معلوم کس الههائي کی جادر اوره کر یه که رهی هے که وہ دنیا بهر کی ﴿ لِمُعَالِمِينَ هِـ ؛ دنها يهر كا يهلا چاهكي هـ أور دنها يهر مهن السن بهدانا جامتی هے .

سوٹھ پر پرطانیہ کی گولی سے حصر کے آدمی کا مرتا اُور المنهون كا كهائل هونا سلكر هديس كوريا كي اياد آجاتي المربعة وهان بهي شررع مون خود امريكيون نے يا امريك فی افغانی پر دانھنی کوریا کے لوگوں نے اُتربی کوریا کے خلاف المهادي المهاد هروم كي تهي در أن دنرن درسري دوي لواثي المنافقين كے دل سے اللا له أثر بايا تها نه دنيا كے أور مُلْکُ آسِ دکھنی کوریا کی جہیج جہار کی طرف ناہ عُالِينَ السَّلِي ولا معامله أمريكه كي بنده بد اور روس أور

نہیں رہ گئی کے سلستھا آیٹم ہم سے مست بھر سکتی ہے۔

ایٹم یک مہل یہ سلستھا آیٹم ہم سے مست بھر سکتی ہے۔

ایٹم کی طاقت سے کوئی آیسی گرآمات نہیں دکھا سکتی ہی ہی سے دنیا کے سب ماکوں کے خوراک' کپڑے اور مکان کی سوال حل ہوری طرح حل ہوجائے اور آسانی سے کہ اگر یہ سوال پوری طرح حل ہوجائے اور آسانی سے حل ہوجائے اور آسانی سے جائے' اور کھوں پوسانیہ کو آنکھ دکھائے' اور کھوں جائے' اور کھوں آسٹریلیا جایان سے جائے' اور کھوں آسکریلیا جایان سے جائی اور کھوں آسکریلیا جایان سے ہوائی اور کھوں ایک ملک دوسرے ملک میں آھے مائی کے بانی میں ایے جہازی بھوے کے لئے ادا بنانے ملک کے بانی میں ایے جہازی بھوے کے لئے ادا بنانے ملک کے بانی میں ایے جہازی بھوے کے لئے ادا بنانے

یو . این . او . اگر زنده رهنا چاهتی هے تو اسے ستھے معلوں میں امن کی سلستھا بنا هوگا اور ان یوی ہو ی طاقتوں کے آبسی جھکووں میں ہو کر ایسے معاملوں میں پونے سے بچنا هوگا جو آسے ہی معلی رکھتے . اُن ملکوں کو بہت جاندی آھے میں شامل کرنا هوگا جو اُسمیں ملنا نہیں چاہتے اُس کے اُس کی قصے داری اُسکو آھے اوپر ارتعلی جائے اُن کے اُس کی قصے داری اُسکو آھے اوپر ارتعلی مرکی . اِسکا یہ مطلب ہوگو نہ سمتھا جائے کہ اُن ملکوں کے اندرونی جھگووں میں آسے ہونے کی فرورت ہے . همارے کی اندرونی جھگووں میں آسے ہونے کی فرورت ہے . همارے نہیں ہوت یہی مطلب ہے کہ یو ، این ، او ، کی یہ نہیں ہیں کسی دوسرے ملک کا حملہ نہ ہونے دے اُور نہیں ہیں ہیں کے باس کے باہر کی بات ہو تو اُن کی بات ہو تو اُن کے بات ہو تو اُن کی پہنے اُن کے بات ہو تو اُن کی پہنے اُن کی بات ہو تو اُن کے باہر کی بات ہو تو اُن کی پہنے بات ہو تو اُن کی باتو ہو تو بانے کی باتو ہو تو اُن کی باتو

لال چین پہر چاھے وہ کسی بھی وجہ سے کیوں نہ ھو اگر ہو ، این ، او ، میں شامل نہیں ھے تب یو این ، او ، کی یہ سب سے بوی ڈمھ داری ھے کہ وہ روس' جاپان' مندستان' برطانیہ' امریکہ یا دنیا کے کسی ملک کا بھی چین پر حملہ نہ ہوئے دے اور اگر کوئی حملہ کو ھی دے تو آیے اخلاقی مدد نہ دے ، پھر چین کو کیا پڑی که رہ یو ، آین ، او ، کو بوی نظر سے دیکھے ، پر یو ، آین ، او ، ایسی بھلی سلستھا بھٹے سے بھیل جین کو آئے میں ملا ایسی بھلی سلستھا بھٹے سے بھلے چین کو آئے میں ملا میں کی کیونکہ چین تو ملفا چاھتا ہے .

پرماتما کرے نگے برس میں قدم رکھتے ہو ، این ، او ، کے مالکوں کو سچی سمجھ آلے اور ہمیشہ کے لئے نہ سھی دس بیس پرسوں کے لئے ہی شاندی کی بہار ساری دنیا میں بھیاں جائے اور دنیا ایک بھائی خارے کے رشتے میں بندھ جائے ۔

بهکواسانین

नहीं रह गई कि यह दुविया की कोई अकाई कर सकती है, इस ऐटम युग में वह संस्था ऐटम बम से मिट भर सकती है, ऐटम की ताइत से कोई ऐसी करामात नहीं दिखा सकती जिससे दुनिया के सब मुक्तों के खुराक, कपड़े और मकान का सवाल हल हो सके. और उनका इस तरह सोबना ठीक ही है कि आगर यह सवाल पूरी तरह इल हो जाय जो फिर क्यों असरीका कोरिया में लड़ने के लिये जाय, और क्यों कस बरतानिया को बांस दिखाप, और क्यों जापान चीन से घवराए, और क्यों आस्ट्रेलिया जापान से बच न पाप, और क्यों एक मुक्त दूसरे मुक्त के पानी में अपने की सोचे, और क्यों एक मुक्त दूसरे मुक्त के पानी में अपने जहाजी बेदे के लिये बड़ा बनाने की बात चीत करे.

यू. पन: भो. भगर किन्दा रहना चाहती है तो इसे सक्चे मानों में अमन की संस्था बनना होगा कौर इन बढ़ी बढ़ी तांक्रतों के आपसी मगड़ों में पड़कर ऐसे मामलों में पड़ने से बचना होगा जो अमन से ताल्लुक नहीं रखते. उन मुल्कों को बहुत जल्दी अपने में शामिल करना होगा जो उसमें मिलना चाहते हैं और जो मुल्क किसी बजह से इसमें मिलना नहीं चाहते उनके अमन की जिन्मेदारी धसको अपने ऊपर ओढ़नी होगी. इसका यह मतलब हर्गिषा न सममा जाय कि इन मुल्कों के अन्दरूती मनकों में उसे पड़ने की जरूरत हैं. हमारे कहने का सिफी यही सतलब है कि यू. पन. को. की यह किम्मेदारी है कि बह ऐसे मल्कों पर जो उसमें शामिल नहीं हैं किसी दूसरे मुल्क का हमला न होने दें और अगर किसी वजह से यह इसके बस के बाहर की बात हो तो वह इखलाकी हथियार के काम ले और हमला रोकने के लिये ऐसी बड़ी पंचायत का यह इथियार बढ़े काम का साबित होगा.

काल चान फिर चाहे वह किसी भी वजह से क्यों न हो जगर यू पन. जा. में शामिल नहीं है तब यू पन. जो. की यह सब से बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रूस, जापान, हिन्दुस्तान, बरतानिया, जमरीका या तुनिया के किसी सुरुष का भी चीन पर हमला न होने हे. जीर जगर कोई हमला कर ही दे तो उसे इसलाक़ी मदद न हे. फिर चीन को क्या पड़ी कि वह यू. पन. जो. को बुरी नजर से देखे. पर यू. पन. जो. ऐसी भली संस्था बनने से पहले चीन को जयने में मिला ही लेगी क्योंकि चीन तो मिलना चाहता है.

परमात्मा करे नये बरस में क़दम रखते यू एन. को. के मालिकों को सक्वी समम बाए बीट इमेशा के लिये व सही दस बीस बरसों के लिये ही शान्ति की बहार बारी दुनिया में फैल जाय बीर दुनिया एक भाई चार के दिश्ते में बंध जाब.

—प्रगचानदीन

25-10-'51

25-10-151

बरताविका में बाह कर्ता बाहरों के मिला बैठने के समय और यू. प्रत. बो. नास लेवें समय करतानिया में राजा था और आज भी हैं. वहां की सरकार पारतिमेन्टरी भरकार थी और आज भी है. इसी तरह अमरीका में अपने ढंग की जमहूरियत थी और आज भी है, फ्रांन्स में बुख और ही दंग की सरकार थी और आज भी है, बान में अपने हंग की सरकार थी और आज भी किसी हंग की है, रूस में किसी और ही हंग की सरकार थी और ब्राज भी है. यहीं संबद्धार की सरकारें मिलकर एक अजब गुल रस्ता बना आ और फिर सबको भला लगना ही था पर अब एक फूल को न जाने क्या सूफ बैठी है जो चाहता है कि सब मेरे रंग के हो जायें या कम से कम एक रंग तो मेरा रंग अपना ही ले. यह भगड़े की जड़ नहीं है तो क्या है, स्रोर ऐसे मान के का इस दुनिया भर की पंचायत में क्या काम है और इसके लिये बीटो और बोट को क्या जहरत ! ऐसा सममौते की सनद (Charter) में कहां

यह अपने ढंग का अनोखा मगड़ा कैसे उठ खड़ा, क्यां उठ खड़ा ? इसको तह में हम न भी जायें तो यह तो साक दिखाई दे रहा है कि मगड़ा अमन से क्लटी चीज है और यह अमन की संस्था को खा जायगा या अमन की संस्था को मगड़ालू संस्था में बदल देगा. और अमन की यह संस्था यू. एन. औ. उसी और फिसलती जा रही है.

इसमें शक नहीं कि दुनिया भर की पंचायत इस यू. एन. हो. ने दिसयों काम बहुत अच्छे किये हैं और दूर दर के बहुत से मुल्कों का बहुत पास ला बिठाया है श्रीर दास्ती के रिश्ते में बांध दिया है. पर बड़ी ताक्षतों की आप-सी ठन्ही लाड़ाई के बुरे कामों में वह अच्छे काम इतने द्व गए हैं कि दुनिया के आम आदिमियों की नजर उस तरक नहीं जाती. इसलिये जब हिन्दुस्तान जैसे अमन पसन्द और बड़े मुल्क के प्रधान बजीर जवाहर लाल यू एत. को को बनाए रखने की बात कहते हैं और बने रहेन के लिये आशीबीद देते हैं तब लोग समक ही नहीं पात कि जवाहर लाल क्या कह रहे हैं, क्यों इस मान इल् संस्था को कायम रखना चाहते हैं ? आम होग करें भी का ? कोरिया की बरबादी वनके सामने हैं, जापान पर अमरीकी फ्रीजों का घेरा उनकी निगाह में है, इन्हो-चीन की लड़ाई की आवाज उनके कानों में है, ईरान का तेल का मगड़ा, स्वेज सुद्धान का भागड़ा आए दिन अखवारों में पदने को मिलता है. (फर वह कैसे मान तो कि यू. एन. भो. एक ऐसी संस्था है जिसके लिये जिन्दाबाद का नारा नगया आय.

यू. पुन. क्रो. से दुनिया के लोगों को अब यह धम्मीद

الموطالية مهن إن بري طالعون ك مل بهالها في سب الور مو ، الدن ، أو ، نام له ي سب برطانهه مهي راجه تها ﴿ وَوَ آَيِم مُهِي هِم وَهِ إِن كَي سَرِكَارَ يَارَا بِمَثَاثَرَتِي سَرِكَارَ تِهِي أَوْرَ آنے اپنی ہے ، اِسی مارح امریکه میں ابنے قعلگ کی مجمهوريت تهي آور آج بهي هـ؛ فرانس مين کچه اور هي خملک کی سرکار تھی آور آج بھی ہے' چین میں آیے قعلیگ کی سرکار تھی اور آج بھی کسی تھنگ کی <u>ہے</u>۔ ' روس مین کسی اور هی دهاگ کی سرکار تھی اور آج المها ها ، الله سب طرح كي سركارين مل كر ايك عجب أل دسته بدا تها آور بهرسب كو بهلا لكذا هي تها پر الب ایک پهول کو نه جالے کیا سوجه بیٹھی ہے جو جاهتا الع که اسب مهرے رنگ کے هوجائیں یا کم سے کم ایک ولک تو مورا رنگ ایدا هی لے . یہ جھکوے کی جو نیس چے تو کہا ہے' اور ایسے جھکوے کا اس دنیا بھر کی پنچایت مهن کها کم هے اور اِس کے لئے ویڈو اور ووٹ کی کہا ضرورت ! اليسا سمجهوت كي سند (Charter) مين كهان ذكر هي .

پہ اپنے تھاگ کا انوکھا جھگوا کیسے اُتھ کھوا کیوں اُتھ کھوا ؟ اِسکی تہم میں ہم نہ بھی جائیں تو یہ تو صاف فکھائی دے رہا ہے کہ جھگوا امن سے الذی چھو ہے اور یہ اُمِین کی سفسکھا کو کیا جائے کا یا اُمن کی سفستھا کو چھگوالو سفسکھا میں بدل دیکا ۔ اور امن کی یہ سفستھا بھو این ، او ، اُسی اور پھسلتی جا رہی ہے .

السمهن شک نهدن که دنیا بهر کی پنجایت اس ہو، این ، أو . نے دسیس کام بہت اچھے کئے ھیں اور فور فور کے بہت سے ملکوں کو بہت یاس لا بتھایا ہے ارد دوستی کے رشتے میں باندہ دیا ھے ، پر ہوی طاقتوں عی آیسی تهددی لوائی کے برے کاموں میں ولا اچھے کام اِتنے دب گئے هیں که دنها کے عام آدسیوں کی نظر اُسطرف نههو جاتي . اسائم جب هددستان جيسم امن يسدد اور ہوتے ملک کے پردھان وزیر جواھرلال یو این او . کو بدائے رکھنے کی بات کہتے میں اور بنے رهنے کے لئے أشيرواد دياتي هين تب اوك سنجه هي نهين يات كه چواهر لال کیا که رهے هیں ' کهرن اس جهکوالو سلستها کو قائم رکھنا چاھیے ھیں؟ مام لوگ کریں بھی کھا ؟ کوریا کی پرہادی أن كے سامنے هے، جاپان پر امريكی قوجوں كا عمراً أن كي نعاه ميس هـ ؛ اندوجين كي لوائي كي آواز أن كُم كاليون مهين هـ، أيران كا تهل كا جهكوا، سولو سودان كا بها الله دن اخدارون مين يوهد كو ملتا هي يهر وا كهسه مان لهن كه يو . آين . او . ايك ايسي سنستها ﴿ جُسِمُ لَيْ وَلَدُهُ بِأَدْ كَا نَعُرُهُ لَكَايِا جَائِدٍ .

ُ يُورُ، أَيْنِ ، أو ، بعد دانها كم لوكون كو أب بيد أسهد

نومبر 61

कर साक हुए जा रहे हैं, इन्हों जीन में आग संगी हुई हैं, हैशन और मिस्र में न आते क्षत्र क्या हो जाय, काशमीर को से कर हिन्दुस्तान और पाकिस्तान में भी कोई नया शग्रा सिताया जा सकता है, पूरवी और पिछ्छमी अरमनी दोनों मितकर न जाने कव क्या कर बेठें. मतलब् यह कि शुनिया के हर हिस्से में धमन की जगह श्रशान्ति का ही राज है. और इस धशान्ति की जिम्मेदार कीन है— -धमन की देवी के नाम से पैदा हुई यू. एन. खो.

किसी पत्थर की मूरत के दो आंख की जगह चार आंख मी हो सकती हैं पर क्या वह देख सकती हैं ? हां, बह देख सकता है जो उस मूरत का मालिक है. पर क्या बह मूरत के दो कान की जगह चार कान हो सकते हैं. पर क्या बह मूरत सुन सकती हैं ? हां, वह मुन सकता है जो उस मूरत का मालिक है. अब मूरत का मालिक जो देखे या सुने वही मून्त देखे और सुनेगी. यही हाल यू. एन. ओ. का है. उसके दो नहीं दसियों आंखें हैं पर उसे यह दिखाई नहीं देता कि चीन की सरकार कीन है. उसके दो कान नहीं इसियों कान हैं पर उसे यह नहीं सुनाई देता कि हिन्दुस्तान जितना बड़ा मुक्क यह कह रहा है कि चीन का मालिक चीन की लाल सरकार. उस मूरत बनी यू. एन. ओ. का मालिक की वाल सरकार. उस मूरत बनी यू. एन. ओ. का मालिक की यह देख रहा है कि चीन का मालिक चांग-काई शेक हैं और वह यही सुन रहा है, इसिलिये यू. एन. ओ. यही देख सुन रही है.

द्सियों आंखों और द्सियों कानों वाली यू. एन. ओ. न कोरिया की बरबादी देख सकती है और न वहां की माओं और बच्चों की कराह सुन सकती है. वह अपने बिक्कुल पास के बीटो और वोटों को भी न देख सकती है और न सुन सकती है. अब बताइये ऐसी संस्था की बरस गांठ के मोक्षे पर हम बसे क्या बधाई दें.

मिल बैठ कर बात करने के वायदे से यू एन. थो. के नाम से जमा हुए थे बरतानिया, अमरीका, फ्रांस, चीन और कस. पर भूल बैठे अपना वायदा और अब जब भी मिल बैठने को इकट्टा होते हैं तो बीटो और वोटों के हथि-बारों से लड़ बैठत हैं. और इस लड़ाई का नाम चल पड़ा है ठन्डी लड़ाई. इस ठन्डी लड़ाई में एक न एक दिन यू. एन. औ. ऐसी अकड़ कर रह जा गी जैसे लकवे की मार से आवर्मी का जिस्म, और फिर न जाने किथर को उसका मुंह होगा और किथर को होंगी आंखों की पुतली. वह बूरत तो उस बक्नत भी रहेगी पर इतनी बदसूरत कि कोई उसे देखना पसन्द न करेगा. हां, तो इन पांच ताक़तों में से चीन नाम की एक ताक़त जो अब सच्छे मानों में एक हाक़त वन गई है उसे उस गुट ने जिस के हाथ का यू. एन. और खिलीना बनी हुई है दूव में बड़ी सक्खी की तरह जिसका बाहर कर दिया. यह अच्छा मिल बैठना हुआ।

کسی پتھو کی مورت کے دو آنکھ کی جگھ چار آنکھ وہ موسکتی ھے؟ ھاں' وہ موسکتی ھے؟ ھاں' وہ بسکتا ھے جو اُس مورت کا مالک ھے، پتھر کی سکتا ھے جو اُس مورت کا مالک ھے ، پتھر کی بورت سن سکتی ھے؟ ھیں' پر کیا بورت سن سکتی ھے؟ ھاں' وہ سن سکتا ھے جو اُس س کا مالک ھے ، اب مورت کا مالک جو دیکھے یا سئے مورت دیکھے اور سٹیگی ، یہی حال ہو ، اُین ، او ، اُس کے دو نہیں دسیوں آنکھیں ھیں پر اُسے یہ اُئی نہیں دیتا کہ چین کی سرکار کون ھے ، اُسکے دو نہیں دسیوں کان ھیں پر اُسے یہ اُسکے دو نہیں دسیوں کان ھیں پر اُسے یہ نہیں سٹائی اُک کہ ھندستان جتنا ہوا ملک یہ کہ رھا ھے کہ چین مالک چین کی الل سرکار ، اُس مورت بنی یو این ، او ، مالک چین کی مالک چانگ مالک چین او ، این ، او ، شیک ھے اور وہ یہی سن رھا ھے کہ چین کا مالک چانگ شیک ھے اور وہ یہی سن رھا ھے' اس لئے یو این ، او ،

دستوں آنکہوں اور دستوں کانوں والی یو ، این ، او ، وریا کی بریادی دیکھ سکتی ہے اور نه وهاں کی ماؤں ،چوں کی کراہ سن سکتی ہے ، وہ اپنے بالکل پاس کے اور ووٹوں کو بھی نه دیکھ سکتی ہے ، اور نه سن تی ہے ، اب بخائی ایسی سنستها کی برس گانٹھ کے ، علی برس گانٹھ کے ، بر ہم اُسے کیا بدھائی دیں ،

 मू. वन कि जिन्ने बहुन्त है शहम में तही हुई माशा और निराम है मोट जैसी बहुत है खुद मीत गाए तो गाए यह बाहती है कि दूसरे इसके गांच गांचं. इसे यह तक नहीं माखम कि गीत गाने या तारीक के गांत सुनने से बाद्रों की मंख्ति तक नहीं पहुंचा जाता और न कोई पहुंचा है. पर कुछ मुल्क हैं जो आप दिन भाट बन कर हमके गीत गांते रहे हैं.

गू. एन. जो. यह खूब समम ते कि जो मुल्क उसके गीत गाते हैं वह उसके अक्ट भी हैं ऐसी बात नहीं है. इनहीं भक्ति गीत गाने तक ही सहदूद है. मौका पड़ने पर वह उसे इस तरह छोड़ कर भागेंगे जिस तरह आदमी के साथ हमेशा चलने वाली परछाई अन्धेरे में इसे छोड़ कर भाग जाती है.

लीग आफ नेशन्स जिस तरह जान बुल के हाथ में होत्ती थी ठीक उसी तरह यू. एन. घो. साम काका के इाथ का खिलीना है. जान बुल की लीग अगर कुछ भला न कर पाई तो कम से कम बुरा तो न कर सकी. इतना ही क्यों ? पिछली लड़ाई के मीक्रे पर लीग केसवें सबी बरता-निया के प्रधान बजीर बाल्ड बन ने तो जड़ाई न होने के लिय कोई काशिश उठा न रखी पर हिटलरी जरमनी और जापान इन दोनों को तो अपने अपने देश में पांव फैलाने के लिये जगह ही न थी इसलिये इन दोनों ने जान बुल की लीग की स्त्री भर परवाह न की और यों लीग आफ नेशन्स कराह कराह कर मर गई. काका साम की यू. पन. श्रो. जोरदार है. वह जहां चाहे टांग अड़ा बैठता है श्रीर टांग अड़ाने में इतनी जरुर बाजी करती है कि उसे यह ध्यान ही नहीं रह जाता कि दुनिया के मुल्कों ने उसे अमन फैनाने के लिये पैदा किया है न कि टांग अड़ा कर लड़ाई या नड़ाइयां शक करने के लिये.

लीग आफ नेशन्स दुनिया को एक करने में नाकामयाब रही यानी सब मुक्तों को न मिला पाई. पर यू. एन. झो. तो दुनिया के दो दुकड़े करने में कामयाब हो गई. पर वह ऐसे ही दो दुकड़े हैं जैसे मनसल और पोटास. जिस वक्तत भी किसी कंकरी के साथ मिल कर यह मनसल और पोटास ठोकर खावेगी तो सारी दुनिया क्सी तरह अनगिनत दुकड़ों में विखर कायगी जिस तरह मनसल और पोटास से बना हुआ पटाखा दीवार से टक्कर खा कर एक जोर की आवाज निकाकता हुआ छोटे छोटे दुकड़ों में छितरा जाता है.

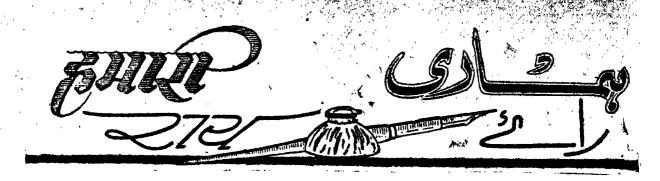
यह यू दन. थो. है या बड़ी बड़ी ताहतों के कुरती बड़ने का अकादा. बोट और बीटो के दिवयारों से आए दिन ताड़ाई हारी और जीती काती है. इन बड़ी ताहतों की बढ़ाई के बीच में आकर कोरिया जैसे कोटे कोटे गुरूक जल

یو این او یه خوب سمجه نے که جو ملک اُس کے گیمت کاتے هیں وہ اُس کے بهمت بهی هیں ایسی بات بهمت کا اُن کی بهمتی گیمت کانے تک هی محدود فی محدود کو بهاگیدگیے جس جیور کومی کے ساتھ همیشه چلنے والی پرچہاٹیں اندهمور جیس اُس جہور کو بهاگ جاتی ہے ۔

لیگ آف نیشلس جسطرے جان پل کے هاته میں گاہلاتی تھی تھی آف نیشلس جسطرے جان پل کی او . سام کاکا کے جاتم کا کھلونا ہے . جان پل کی لیگ اگر کچھ بھلا نہ کر ہائی تو کم سے کم برا تو نہ کرسکی اتفا هی کیوں ؟ پنچھلی لوائی کے موقعے پر لیگ کے سروے سروا برطانیہ کے پردھان وزیر بالقون نے تو لوائی نہ ہونے کے لئے کوئی کوشش اُتھا تھ رکھی پر هقلری جرملی اور جاپان اِن دونوں کو تو اُنے اپنے دیش میں پاؤں پھیلانے کے لئے جگہ هی نہ تھی پروالا نہ کی اور یوں لیگ آف نیشلس کراہ کراہ کر مرگئی ۔ پروالا نہ کی اور یوں لیگ آف نیشلس کراہ کراہ کر مرگئی ۔ پائی کرتی ہے اور تانگ اوائے میں اتلی جلد گانسان کرتی ہے کہ اُسے یہ دھیان هی نہیں رہ جاتا کہ دنیا گانگ اوائر لوائی یا لوائیاں شروع کرنے کے لئے پیدا کیا ہے نہ کہ گانگ اوائر لوائی یا لوائیاں شروع کرنے کے لئے بیدا کیا ہے نہ کہ گانگ ۔

لیگ آف نیشنس دنیا کو ایک کرنے میں ناکامیاب رھی یعنی سب ملکوں کو نہ ملا پائی ، پر یو ، این ، او ، او دنیا کے دوئکوے کرنے میں کامیاب ھوکئی ، پر وہ ایسے ھی دو ٹکوے ھیں جیسے منسل اور پرتاس ، جس وقمت بھی کھی کفی کفیری کے ساتھ مل کو یہ منسل اور پرتاس ٹھوکو کھاوے گی تو ساری دنیا اُسی طرح انگذمت ٹکووں میں گھیور جائیگی جس طرح منسل اور پرتاس پیدیا ھوا ہی تکو کھاکو ایک زور کی آواز نکالگا ھوا ہیکیوں میں جھیوٹے تکورں میں جھیوٹے بھیوٹے ٹکووں میں جھیوٹے بھیوٹے ٹکووں میں جھیوٹے بھیوٹے بھی

یع ہو ، این ، او ، ہے یا بوی بوی طاقتوں کے کشتی اور ویٹو کے متھیاروں سے آئے دی لوائی ماری اور ویٹو کے متھیاروں سے آئے دی لوائی کے اور جیعی جاتی ہے ، ان بوی طاقتوں کی اوائی کے بعجے میں آکر کوریا جیسے جھوٹے ملک جل



यू. एन. भो. का नया बरस-

यू. एन. छो. नये बरस में दाखिल हो रहा है. क्या रिवाज के मुताबिक इसको बधाई दी जाय ? यू. एन. छो. एक संस्था है, संस्था जानदार नहीं हुआ करती. इसको बधाई देना इतना भी ठीक नहीं है जितना भेंस के छागे बीन बजाना. भेंस के कान होते हैं, वह सुनती है और हो सकता है भेंस बीन की आवाज सुन कर अपने पगुराने में कुछ कर्क कर ले पर यू. एन. घो. तो इतना भी नहीं करने की क्योंकि न वह जानदार है, न उसके कान हैं और न वह सुनती है.

यह बिलकुल ठीक है कि यू पन. को. जानदारों की बनाई हुई कीर जानदारों की बनी हुई है. उसमें सब जानदार ही काम करते हैं कोर बद जानदार मामूजी जानदार नहीं सममदार और जूब समभदार हैं. फिर सममदारों की इस संस्था की बेजा तारीक किस लिये. यही ठीक होगा कि इसकी बरस गांठ के दिन इसकी बन बुराइयों से इसे आगाह किया जाय जो इसमें जगह पा गई हैं और पाती जा रही हैं.

मू यन. जो. समक ले कि वह अपने ढंग की नई संस्था नहीं है. उससे पहले उसी जैसी 'लीग जाक नेशन्स' नाम की एक संस्था रह जुकी है जो निकम्मी नाम से बदनाम होकर ऐन उस बक्त मर गई जब उसे अपने करतब दिखाने के लिये मौका मिला था. कहीं इसी तरह की मौत इस यू. एक. जो. को भी हासिल न हो.

कीत जाफ नेशन्स जबकि जपने निकम्से पन के लिये बद्दास थी तो यू. एन. जो. जपने बेहद सकम्से कि के लिये बद्दास होती चली जा रही है. लीग जाफ्र शान्स जज बन्दर जमसी थी, पंचायत बनकर कही हुई जोर समाशे की चीज बन कर मर गई. यू. पन. जो. जमन कायम करने के लिये पैदा हुई, लड़ लड़ कर बढ़ी हो रही है, जल्द बाजी के लिये मशहूर है. उतावती सो बावली की कहावत के बातुसार बदनाम तो हो ही रही है कभी ऐसी ठोकर भी يو. اين. او. کا نيا برس__

آیو . این . او . نئے برس میں داخل هو رها هے .

اللہ رواج کے مطابق اِسکو بدهائی دی جائے ؟ یو ، این او .

اللہ سنستہا هے سنستہا جاندار نہیں هوا کرتی . اسکو دیائی دینا اتنا بھی تھیک نہیں هے جتنا بھینس کے اس مورتے هیں ولا سنتی هے رو هو سکتا هے بھینس بھی کی آواز سن کر این پگروائے ،

اللہ بھینس بھی کی آواز سن کر این پگروائے ،

اللہ بی کیچه فرق کرلے پر یو ، این ، او ، تو اتنا بھی نہیں رئے کی کیونکہ نہ ولا جاندار ہے ' نه اس کے کان هیں اور ،

ع ولا سنتی ہے .

یه بالکل تهیک هے که یو : این . او . جانداروں کی لئائی هوئی اور جانداروں کی بلگی هوئی هے . اُس میں سب جاندار هی کام کرتے هیں ارز رق جاندار معمولی جادار نهیں سبجه دار اور خوب سمجه دار هیں . پهر سبجه داروں کی اس سنستها کی بیجا تعریف کس لئے . یہی تهیک هوگا که اِس کی برس گانته کے دن اِسکی اُن برائیوں سے اِسے آگاہ کیا جائے جو اِس میں جگه پاگئی هیں ، اور پانی جارهی هیں ،

یو این او سبجه لے که وہ انه دهلگ کی نئی سنستها نہیں ہے ۔ اُس سے پہلے اُسی جیسی لیگ آف نیشلس اُنام کی ایک سلستها وہ چکی ہے جو نکسمی نام سے بدنام ہوکر میں اُس وقت مر گئی جب اُسے انها کرتب دکھانے کے لئے موقع ملا تھا ، کھیں اُسی طرح کی موت اس یو ، این ، او ، کو بھی حاصل نه ہو .

لیگ آف نیشلس جبکہ آپ تکسے بن کے لئے بدنام تھی تو ہو۔ این او اپر پر حد سکسے بن کے لئے بدنام مرتی چلی جارمی ہے، لیگ آف نیشلس جج بن کر جلس تھی پہلچاہت بن کر بری ہوئی اور تماشم کی چیز بی کر مرکئی ہیو، این، او، اس قائو گرانے کے لئے پیدا ہوئی او کو بری ہو رہی ہے جلد آوری کے لئے مشہور ہے آتوای سو بارتی کی کہارت کے انوشار بدنام تر ہو میں رہی ہے تھیں ایسی تھوکو بھی کہانیکی جب

- 9. सिंह के प्रसंदेशी की वहाँ रहेंगी जगरेशी सरकार का केसला. किसान मंखदूर प्रजा पारती पहले की तरह काम करती रहेगी—आवार्य करतानों का फैसजा. कराकते में बड़ी अबरदश्त आग तम मई—14 आदमी जा कर खाक.
- 10. **डास्टर अम्बेट्डर ने मिनिस्ट्री से इर**तीका दे
- 11. स्वेत नहर में बिटेन अपनी फीर्जे बनाए रखेगा. कम्यूनिस्ट और अमरीकी अफसरों में सुजह बात चीत के लिये चरवा शुक्त.
- 12. ईरान का तेल मामला तय करने के लिये श्रम-रीका की कोशिश. बन्बई सदकार ने बिजली कम खर्च करन का हुक्म दिया पालियानेन्ट में इन्डस्ट्राज बिल पाप.
- 13. सिडिल ईस्ट कमान में आने के लिये जिटेन, अमरीका, फ़ांस और तुरकी की मिस्न से अप ल ईरान ने आंगरजी ठिर्राव, कि तल बात चात फिर से शुरू की जाए, इन्कार कर दिया. लंका के चीन को रबर बेचन पर अमरीका की लंका का मदद न देन की धमकी.
- 14. चार ताकतों का ठइरात मिस्न को नामंजूर. यान मुन जो में सुलह बात चीत शुरु.
- 15. जापान के तूकान में 385 आदमी मरे, हजारों घायल, 30,000 घर बरबाद. पालियामन्द में पंचसाजा याजना पर बहस. दिल्ला में कागरेस विकेंग कमेटो की बैठक.

".....हमारे सामने जो कुछ हो रहा है, उसे हम
देख रहे हैं. चाटे की छोटी छोटी मिलें हाथ की चिक्कियों
को, तेल की मिलें गाँव की ढेंकी को और शकर की
मिलें गुड़ बनाने के देहाती साधनों वग्नेरा को मिटाती
जा रही हैं. देहाती मज़रूरी के इस तरह उठ जाने से
देहात वाले कंगाल हो रहे हैं और धनी लोग मालदार
बन रहें हैं. जगर काफी लम्बे अरसे तक यही सिलसिला चलता रहा तो और किसी जतन के बसैर ही
देहातों का नाश हो जायगा."

-- महारमा गांधी

گلی معلو مهن الکریوی فوجهن معی وجهن کی۔۔ انگلینی سوار کا فیصلہ ، کسان مودور پرجا پارای لہا۔ کی طوح کام کرتی رمیکی ۔۔آچاریہ کریانی کا فیصلہ ، کلکھی میں ہوی زبردست آگ لگ گئی۔۔۔14 آدمی جل کرخاک ،

10. قائلًا أمهيدكر نے منسترى سے أستعفا ديديا .

11. سوئو نہر میں برتین اپنی فوجیں بنائے رکھ کا ۔ کموونست اور امریکی افسروں میں صلع بات جیت کے لگے بچرچا شروع ۔

12. ایران کا تیل معاملہ طے کرنے کے لگے امریکہ اکی ، فوقت ، ہمیکی سرکار نے بجانی کم خرج کرنے کا حکم دیا ، پارلیامنٹ میں انڈسٹریز بل پاس ،

13. مدّل ایست کمان میں آنے کے لئے برٹین امریکھ' فرانس اور ترکی کی مصر سے اپیل ، ایران نے اسکریوی ٹھہراو' کہ تیل بات چیت پھر سے شروع کی جائے' انکار کردیا ، لفکا کے چین کو ربر بھجینے پر امریکھ کی لفکا کو مدد نه دینے کی دھمہی ،

14. بهار طاقتون کا تههراو مصر کو ناملطور . یان می جو میں ملم بات چهت شروع .

15. جاپان کے طوقان میں 385 آدمی مرے' مزاری گھایل' 30,000 گھر برباد ، پارلیاملت میں پنچ سالہ پرجنا پر بعمل دلی میں کانگریس ررکنگ کمیٹی کی بھٹھک ،

''…. بھمارے ساملے جو کنچھ ھورھا ہے' آیے مم دیکھ رہے ھیں، آتے کی چھوتی چھوتی ملیں ملیں ھانھ کی چھیوتی جھوتی ملیں کاوں کی ڈھیفکی کو آور ھکر کی ملیں گو بغانے کے دیہانی سادھنوں وفیرہ کو مثانی جارھی میں، دیہانی مزدوری کے اِس طرح اُتھ جانے سے دیہات والے کفال ھورھے ھیں اور دھلی لوگ مال دار بن رہے ھیں ، (کر کافی نسبے عرصے تکب یہی مال دار بن رہے ھیں ، (کر کافی نسبے عرصے تکب یہی سال دار بن رہے ھیں ، (کر کافی نسبے عرصے تکب یہی سالساء چلتا رہا تو آور کسی جتن کے بغیر ھی

---مهاتما كاندهى

'मुसितम' युनिवरसिटी जिला पास. यू. पी. असेम्बली ने 'हिन्दी' के लिये विस्त पास किया.

- 28. अर्जनटाइन में क्रीज का बिद्रोह विटेन ईरान तेल का मामला यू. एन. भी. की सुरक्षा कौन्सिल में ले जाएगा. लन्दन में कामनवेल्य के सपलाई मानस्ट्रों की बैठक.
- 29. ईरान की खाड़ी में अपने जहाजों को ''तैयार'' रहने के लिये अंगरेजी सरकार का हुक्म. एक बड़े अमरीकी जनरल फौजी मामलों पर बात करने जापान पहुँचे.
- 30. कांगरेस की तरफ से पंडित नेहरू ने लुधियाने में चुनाव का पहला भाशन दिया.

भनत्वर

- 1. अंगरेकी सरकार ने अंगरेक माहिरों को ईरान से हटाना ते कर लिया कीन में आजादी की सालगिरह मनाई गई, तेल के मामले पर सुरका कीन्सिल में बहस होने पर इस का एतराज.
- 2. स्वीडिन में राजा गुस्टव ने नया मंत्री मंडल चनाया. हिन्दुस्तान भर में महात्मा गांधी की सालगिरह मनाई गई. एक इजार लड़कों की हड़ताल पर सागर यूनिवर-सिटी एक माह के लिये बन्द.
- 3. हिन्दुस्तान में विदेशी हकूमतों के खड़े खत्म होने चाहियें—लन्दन टाइम्स की खपील फिरक़ायन्दी का पूरी साकृत से मुकाबला करने का पंडित नेहरू का प्लान.
- 4. बादशाह जार्ज ने पार्लियामेन्ट को बरखास्त किया. भी रकी बाहमद किदबाई कांगरस में फिर वापस.
- 5. जमींदारी जत्म करने के सिक्सिले में विधान सभा का क्रानृन जायज — सुप्रीम कोर्ट का फैमला. अक्तूकर में अमरीका से दो लाख टन गेहूँ हिन्दुस्तान भेजा जायेगा.
- 6. रूस के पास ऐटम बम होने का स्टालिन का एकान कीर ऐसे हथियारों की पूरी रोक के लिये रूस तैयार. पार्किकार्सेन्ट ने प्रेस बिल दो साल के लिये पास किया. नागपुर में भारती लोक कांगरेस' नई पारटी का जन्म.
- 7. सुसह बात चीत फिर से शुरू करने के तिये कम्यूनिस्टों का जनरल रिजवे को खत. ईरानी बड़े वर्जार डाक्टर सुरसादिक वेत मालते पर यू. प्रन. आ में बहस करने के तिये अमरीका को रवाना.
- 8. श्रंगरे को काथ 1936 वाला सुलहनामा मिस्र ने रद कर दिया—मिस्री बड़े वजीर नहास पाशा का एलान. सुंबह बात बीत के लिये यान-सुन-जो नाम की जगह तथ

رسلم' یولھورسٹی بل یاس ، ہو ہی استملی لے هلیس رائے بل ہاس قیا ،

- 28. آرجنگائی میں فوج کا ودروہ ، برتین ایران یل کا معاملہ یو ، این ، او ، کی سرکھا کونسل میں نے دائے کا ، لقدن میں کامن ویلٹھ کے سپالٹی مفسٹروں کی بیٹھک ،
- 29. ایران کی کہاری میں آبھ جہازیں کو ''تیار'' هنے کے لگے انگریؤی سرکار کا حکم ، ایک برے آمریکی جنرل قوجی معاملوں ہر بات کرنے جایان پہنچے ،
- 30. کانگریس کی طرف سے پلکت نہرو نے الدھیائے۔ میں چفاؤ کا پہلا بہاشن دیا . اکتوبر
- 1. انگریزی سرکار نے انگریز ماھروں کو ایران سے ھٹانا طے کو لیا ، چین میں آزائی کی سال کرہ مدائی گئی، تیل کے معاملے پر سورکشا کونسال میں بنتیث عولے پر روس کا اعتراض ،
- 2 موئدن میں راجه گستو نے نیا مدعوی مندل بنایا ، مندستان بهر میں مهانما کاندهی کی ساگرہ منائی گئی لیک هوار لوکس کی هوتال پر سائر یونهورستی ایک ماہ کے لئے بند ،
- 3 هدستان میں ردیشی حکومتوں کے آتے ختم هونے چاهئیں لنڌن تائیس کی اپیل ، فرقه بندی کا پرری طاقت سے مقابلہ کرنے کا پندت نہرو کا اعلان ،
- 4. بادشاہ جارے نے پارلھامنٹ کو برخاست کیا . شری رفیع احمد قدوائی کانکریس میں پھر واپس .
- 5. زمیدداری ختم کرنے کے ساسلے میں ودھاں سیھا کا قانون جائز --- سیریم کورٹ کا فیصلہ ، اندوبر میں امریکہ سے دو لابھ تن کہیوں ہندستان بھیجا جائے گا ،
- 6 ررس کے پاس ایڈ م ہونے کا اِسٹالی کا اعلان اور ایسے ہتھیاروں کی پوری روگ کے لئے روس میار، پارلیامنت نے پریس بل دو سال کے لئے پاس کیا ، ناکپور میں اُبھارتی لوک کانگریس' نئی پارتی کا جام .
- 7. صلع یات چیت پھر سے شروع کرنے کے لئے کمیونسٹوں کا چھول رجوے کو خط ایرانی بڑے وزیر قائد مصادق تیل معاملے پر یو ، این ، او ، میں بحدث کرنے کے لئے امریکہ کو رواند،
- انگریزوں کے ساتھ 1936 والا صلحدامہ مصر نے رد کر دیا --- مصری بڑے وزیر نتماس باشا کا اعلان ، ملنے بات نہیت کے لئے یان من جو نام کی جات طہ بائی .

देश विदेश की डायरी

(16 सितम्बर से 15 अक्तूबर तक)

सतम्बर

- 16. ईरान और अकसानिस्तान के बीच तेल खरीवने के लिये सममीता हुआ का अपन
- 17. कम्यूनिस्टॉ से बीबाराजात करने के लिये जनरल रिजने की खबाहिश मंजूर हैरान तेल के मामले में कोई समम्भीता नहीं कर सकता—डाक्टर मुस्मादिक, पार्लियामेन्ट में हिन्दू कोड बिल पर बहस.
- 18. पंच साला योजना चलाने के लिये हिन्द सरकार का सूवा सरकारों को हुक्म.
- 19. त्रिटेन में आम चुनाव के लिये 27 अक्तू पर की तारास्त्र तय हुई. विनोबा जी को अपने नए दौरे में दो हजार एकड़ जमीन दान में मिली.
- 20. ईरानी कैंबनेट ने जिटेन को 25 दिन का अल्टामेटम दना तथ किया स्वामी सीता राम शास्त्रों ने सनशन तोड़ा. पंडित सुन्दरलाल की लीडरी में एक गौर सरकारों हिन्द गुडविल मिशन चीन के लिये रवाना.
- 21. उत्तर पटलांटिक सुरज्ञा सुलहनामे में यूनान श्रीर तुरकी भी लिये जाएँगे. हज को जान वाले तींस हजार में से तान हजार यात्री इस साल गरमी लू से मर गप.
- 22. ब्रिटेन का तेल मामले पर बात करने से इनकार. हिन्दुस्तान की मिजों का 25 फासदी करड़ा बिदेश मेजा जाएगा. इलाहाबाद में हिन्दी साहित्य सम्मेलन के दफ्तर में सरकार ने ताला बन्द कर दिया.
- 23. कम्यूनिस्टों पर पात्रन्दी लगाने के लिये आस्ट्रे-लियन सरकार को इजापात नहीं—आस्ट्रेलियन जनता के बहुमत का फैसला.
- 24. कोलम्बो योजना के मातहत आस्ट्रेलिया इस साल हिन्दुस्तान को साढ़े बार करोड़ कपए की मदद देगा. जनरत रिजवे ने सुजह बात चीत के लिये नई जगह की सिफारिश की. हिन्दू कोड बिल पार्जियामेन्ट के इस इजलास में नहीं पास किया जाएगा.
- 25. नौ दिन के अन्दर ईरान छोड़ देने के लिये ईरान सरकार अवस्ता तेल भादियों का हुक्म. बन्धई के सूत्रे में अकाल जैसी हालत.
 - 26. ब्रिटेन की देरान की चेतावनी.
- 27. अवादान का तेन कारलाना पूरी तरह ईरानियों के कन्ने में, पार्लियामेन्ट में बनारस 'हिन्दू' और अलीगद

دیش ودیش کی تاثری

(16 ستمبر سے 15 انتوبر تک)

سلمير

- 17 کمھونسٹوں سے دوبارہ بات کرنے کے لئے جذرل رجوے کی جُواهش منظور ، ایران تیل کے معاملے میں کوئی سنجھوت نہیں کر سکتا۔۔۔قائٹر مصافق ، پازلیاملت میں هندو کوڈبل پر بحث .
- ہ 18۔ پنچسالہ یوجنا چلانے کے لئے هند سرکار کا صوبہ سرکاروں کو حکم .
- 19. ہوٹین میں عام چفاؤ کے لئے 25 افتوبر کی تاریعے طے ہوئی ، وڈریا جی کو آپ نگے دروے میں دو ہوار ایکو زمری دان میں ملی ،
- 20. ایرانی کیمنت نے پرٹرین کو 25 دن کا الٹیمیٹم دینا مسامی سینارام شاستری نے انشن توڑا ، پنگت سندر الل کی لیڈری میں ایک فیر سرکاری هند گذول مشن چین کے لئے روانه ،
- 21. آتر اثلانتک سرکشا صلحفات میں بونان اور توکی بھی لیئے جائیلگے ، حج کو جانے والے تیس ہزار میں بیا تین ہزار یاتری اِس سال کرمی لوسے مرکئے .
- 22. برٹین کا تیل معاملے پر بات کرنے سے انکار، عقدستان کی ملوں کا 25 فی صدی کپڑا ردیش بھیجا جائے گا، الداباد میں ہندی ساہتیہ سمیلن نے دفتر میں سرکار نے تالہ بند در دیا .
- کا کمھونسٹوں پر پاہلئی لکا نے کے لئے آسٹریلین سرکار کو اجازت نہیں۔ آسٹریائین جلتا کے بہوست کا فیصلہ ،
- 24. کولمبو ہوجاتا کے مانحت آسٹریلیا اِس سال مقدستان کو ساڑھے چار اروز روپے کی مدد دے کا ، جارل رجوے نے صلح بات چیت کے لئے نئی جگه کی سفارش کی ، هادو کوڈبل پارلیامات کے اِس اجاس میں نہیں بایس جائیکا ،
- 25. نو دن کے آدر ایران چھوڑ دیتے نے لئے ایران سکار کا انگریؤی تھل ماھروں کو حکم ، ہممکی کے صوبے اگل جھسی حالت ،
 - 26 موتین کی ایران کو چیتارنی .
- ایندان کا تیل کارخانه پوری طرح ایرانیوں کے اللہ اللہ اللہ کا تیل کارخانہ میں مقاومی الفادر' اور علی کوھ

पांचवीं सूची इसमें यह है कि शिखने का जो परीका काम में लाया गया है वह ऐसा है कि बागर किसी की गीता ज्ञान से जरा भी शीक हो वो पढ़ने वाले का दिल इस टीका को पढ़ने से जल्दी नहीं कितायगा. दर्शन जैसे रखे विशय को भी मन लगतो भाशा में लिखना आसान काम नहीं है. और यह आसानी इस टीका में मीजूद है.

जिन के पास और बड़ी बड़ी टीकाएं हों उनको भी इस टीका पर एक बार नजर खालजाना चाहिये. हमारा है चन्हें कुछ नफा ही होगा.

--- भगवानदीन

राजनीति विज्ञान

लेखक--श्री विनयेन्द्रनाथ बन्धोपाध्याय एम. ए. धौर श्री देशरी कान्त शर्मी, एम. ए; बी. एल; लिखावट-नागरी; सफ्रे 134; दाम दो रुपद; निकालने वाले-विश्वभारती, 6/3 द्वारिकानाथ टैगोर लेन, कलकत्ता 7.

इस किताब को देखते ही यह लगता है कि यह किसी संगरेकी किताब का अनुवाद है या अंगरेकी किताब को सामने रखकर लिखी गई है. लेकिन यह कहीं बताया नहीं गया है. इस किताब की भाशा इतनी श्रधिक संस्कृत भरी है कि कान खड़े हो जाते हैं. नमूने के लिये सका 72 पर भारत के विधान के बार में लिखा है-"इसमें शासन-संसार की काशेश लिखित व्यवस्थायें सम्यक रूप से सिंश बश्ट हैं." इसके माने काजिज का विद्यार्थी या कोई दूसरा क्या लगायेगा ?

जहां तक विशय की बात है, किताब में राजनीति के इस्ल समकाए गए हैं, लेकिन उन पर अगरेजियत बुरो तरह बाई हुई है. भूमिका के अन्दर लेखकों ने जो एक बात कही है उससे हमें बहुत तकलीफ हुई. उनका कहना है कि हिन्दुस्तान की राजनीति के बसूल हमेशा पिछ्यम की बुनियाद पर खड़े रहेंगे. इमारा तो खयाल है कि भारत के मीजूदा विधान के इसी बुनियाद पर खड़े होने की वजह से बह केवल काराज पर लिखा रह गया है और जनता पर इसका रक्ती भर भी असर नहीं पड़ा है. इस किताब के स्रोलह् जाना जंगरेजी होने जा सबसे बड़ा सबूत वह है कि आ जिर में जो राजनेताओं के परिचय इसमें दिये हैं बनमें ऐरे ग़ैरे तीस नाम गिनाए हैं के किन हिन्दुस्तानी एक भी नहीं. मानो हिन्दुस्तान में अब तक एक भी राजनेता नहीं पैदा हुआ.

विश्व भारती (शानित निकेतन) जैसी राश्टी संस्था से पैसे रौर-रारद्री मसासे से भरी और ऐसी रौर-रारद्री भाशा में निकलने वाली किताब देखकर हम अवने देश के भविश्य पर दुख व (चन्दा से सोचने सग जाते हैं.

—सरेश रामभाई

نجرس گری اس میں وہ ہے کہ البدے ۲ جر طریقہ ين اليا كها في وه أيسا ها كه أكر كسى كو ليما كيان ا بهي شرق هو تو يوهل وأله كا دل اس تيكا كو يوهل الدى تهين أكتائه كا . درشن جيسي روكهم رشم كو بهي عتى بهاشا مين لكهنا آسان كام نهيل هـ ، أور يه اِس تهکا میں موجود ہے .

جن کے پاس اور بڑی ہری ٹیکائیں مرں اُن کو بھی يكا يو أيك بار نظر دال جانا جاهد . همارا خيال بهن كجه نفع هي هوكا .

- بهکوان دین

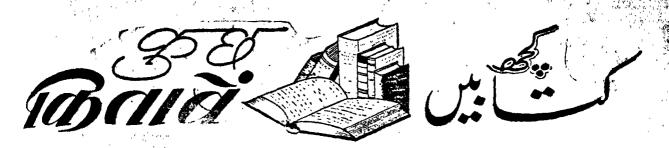
، ن**یتی وگیا**ن

بكهك - شرق ونهقدر ناته بقدهوبادههائے أيم . اعر. بری کیشوی کانت شرما ایم . اے ؛ بی ایل ؛ ق-ناگرى؛ صفتح 134؛ دام دو روبئه؛ نكالله راله-بهارتي ' 6/3 دواركا ناته تيكور لين كلكته -7.

س کُتاب کو دیکھتے ھی یہ لکتا ہے کہ یہ کسی ی کتاب کا آنوواد هے یا آنگریزی کتاب کو ساملے الكهي كأي هے ، لهكن يه كههن بتايا نههن كها هے ، كتاب كي بهاشا أتلى الدمك سلسكرت بهري ه كه رے هو جاتے هيں. نمونے کے لئے صفحه 72 پر بھارت اهان کے بارے میں لکھا قے۔"اِس میں شاسن ر كي أشهم لكهت ويوستهائين سمهك روب سے شت هیں . '' اِس کے معلے کالم کا ودیارتھی یا کوئی کیا لٹائے کا ؟

بہاں تک وشے کی بات ھے' کتاب میں راج نیتی ول سمجهائه كيُّه هوى الهادي أن پر الكريزيت برف سے چھائی هوئی هے . بھومیکا کے اندر لیکھکوں نے جو بات کھی ہے آس سے دمیں بہت تکلیف هوئی . کہذا ہے کہ مندستان کی راج نہتی کے اُصول عمیشہ کی بلیاد پر کھڑے رہیں گے . همارا تو خیال ہے ارس کے موجودہ ودھان کے اِسی بنھاد پر کھڑے ہونے رجم سے وہ کھول کافٹ پر لکھا وہ گھا طے اور جلما پر ا رتی بھر بھی اثر نہیں ہوا ھے ، اِس کتاب کے سولہ آنہ زى هولي كا سب سے ہوا ثبوت يه هے كه آخر ميں ے نیعاوں کے پریچے اِس میں دیئے میں اُن میں فهوري تهس تام كفائه هور ليكن هندستاني أيك نهیں مانو مدستان میں آپ تک ایک بھی راج نهين ڀيدا هوا .

شر بهارتی (شانتی نکیتن) جیسی راشگری تها سے ایسے غیر راشتری ماسالے سے بھری اور ایسی فیر م بهاها میں تعلق والی تعاب دیکھکر هم ایددیس مبقيه ي دكو و جلالي سونها لك جاتم هين . ند سريص وأم بهائي.



गीता ज्ञान

टीका लिखने बाले — भी दीना नाथ दिनेश; मिलने का पता — मानव धर्म कार्योत्तय, पीपल महा-देव, दिल्ली.

भगवत गीता के पहले तीन श्रध्यायों की यह टीका है. इसमें मूल श्लोकों के साथ साथ पद छेद और फिर शब्दार्थ भी दिया गया है और उसके नीचे श्लोक का दिन्दी पदा में अनुवाद है. व्याख्या काकी श्रासान शब्दों में की गई है. फिर भी इतनी श्रासान नहीं हो पाई कि मामूनी पदे लिखे समस लें. हो सकता है पं उत जी का यह खयाल रहा हो कि गीता मामूली लोगों के लिये हैं ही नहीं.

इस टीका में यह बड़ी भारी ख़ूबी है कि यह इस इरादे से नहीं लिखी गई कि लिखने वाल को क्या साबित करना है. बिल्क इस इरादे से लिखी गई मालूम होती है कि गोता क पढ़ने बाले के दिल में यह बात समा जाए कि यह उस लड़ाइ की चीज नहीं है जो तलवारों से लड़ी जाती है. उस लड़ाई की भी चीज है जो आए दिन हमार अन्दर होती रहती है. इसलिये दिनेश जी ने उन जफ्जों को जिन पर बड़े बड़े पंडित घंटों बहस करते हैं पढ़ने बालों का यं समका दिया है मानो वह लक्ष्य इतने मामूली हैं कि उन पर वक्त खोना बेकार है. उनके कुछ भी माने करने पर आगे बढ़ा जा सकता है. यह खुबी कोई कम खुबी नहीं है. रुमरी खबी इस टीका में यह है कि जहां जो बात कही गई है अगेर एसका हवाला किसी उपनिशद में मौजूद है या किसी और पुराने प्रंथ में उसका जिक्र है तो वह वहां करूर दर्ज कर दिया गया है. और पढ़ने वालों की हर तरह स्तल्ली करने की कोशिश की गई है। वीसरी खूबी इस शेका में यह है कि किसी रत्तोक को पदकर जो जिज्ञासा इल और जातने की पढ़ने बाले के दिल में उठती है उसकी रंग करने के लिये इस सिलसिले की और वार्ते भी वहां दर्ज हर दी गई हैं.

पीयी खूबी इसमें यह है कि जगह जगह पर यह उममाने की कोशिश की गई है कि हमारे अन्दर भीशम होन है, होख कोन है, अर्जुन कीन है बरोरा बरोरा. كيتا كيان

تهكا لكهلم وألم -- شري ديدًا ناته دنهش؛

ملنے کا پتھ۔۔۔مانو دھرم کاریالیہ، پھپل مہادیو، دلی۔
پھٹوت گیٹا کے پہلے تین ادھیایوں کی یہ تھکا ھے.
پس میں مول اِشلوئوں کے ساتھ ساتھ پد چھید اور پھر
شہدارتھ بھی دیا گیا ھے اور اُس کے نہجے اشلوک کا ھندی
پدیہ میں انواد ھے۔ ویاکھھا کافی آسان شہدوں میں
کی گئی ھے۔ پھر بھی انظی آسان نہیں ھو پائی کہ
معمولی پڑھ لکھے سمجھ لیں ، ھوسکتا ھے پندت جی
کا یہ خیال رھا ھو کہ گیٹا معمولی لوگوں کے لئے ھے

اِس تها ميں يه بوق بهاری خوبی هے که يه اس أرائع سے نہیں لکھی گئی کہ لکھلے والے کو کھا ثابت كرنا هي . بلكة اس ارادي سے لكهي كئي معلوم هوتي هے كه گھتا کے پڑھٹے والے کے دل مھی یہ بات سما جائے کہ یہ اًس لوائی کی چوز نہیں ہے جو تلواروں سے لوی جاتی ھے۔ اس لوائی کی بھی چیز ہے جو آئے دن ہمارے اندر ہوتی رہتی ہے . اس لگ دنیش جی نے اُن لفظوں کو جن پر بڑے بڑے پندت کہنتی بحث کرتے میں پرملے والون كو يون سمجها ديا هي مانو ولا لفظ اتلي معمولي هیں که أن ير وقت كهونا بيكار هے . أن كے كچه بهى معلم کرنے پر آگے بوھا جا سکرتا ہے ۔ یہ خوبی کوئی کم خوبی المهان هے . دوسری خوبی اس لیکا میں یہ هے که جهاں جو بات کہی گئے ہے اگر اُس کا حوالہ کسی اُپذشد میں موجود هے یا کسی اور پرانے گرنعه میں اُس کا ذکو هے تو وہ وهاں ضرور درج کر دیا گیا ہے ، اور پوھٹے والوں کی مر والرح تسلی کرنے کی کوشش کی گئی ہے ۔ تھسری خوبی اس تهکا مهن یه هے که کسی اِشاوک کو پوهمر جو جگهاسا عجم أور جاند كي يوهد وال ك دل مين أتهتي ه أسكو المراكري كے لئے اس سلسلے كى اور باتيں بھى وهاں درج /کردنی گئی هیں .

کون ہے دوبی اس میں یہ ہے کہ جکہ چکہ پر یہ سنجہانے کی کوشش کی گئی ہے که همارے اندر بهیشم کون ہے دون ہے دون

kı 📈

जाना चाहिये, दूसरे, विवास रोज जुकर करनी चाहिये. सबर नहीं तुमने वह नई तरह की बिनिश करनी शुरू की या नहीं जो नुम्हें मैंने पिछली दका बताई थी. और काणी पर जिख दी थी. अगर अब तक न शुरू की हो तो अब शुरू करना. अगर तुम तिखने की छत पर जाकर एक दरी बिछा कर रोज सुबह ही नई और पुरानी दोनों वर्जिशों करो, और बर्जिश करने के पात घंटे बाद रोज जितना ज्यादा दूध पिया जा सके उतना पियो तो जो चक्कर वंशेश तुम्हें आएं है सब दूर हो जाएं और खून भी बढ़ने लगे और ताकत भी आनी शुरू हो जाय. इस बास्ते तुम कौरन वर्जिश करने जुरूर शुरू कर दो और बराबर रोज सुबह किया करो और जिखा कि तुम्हें बर्जिश करने में क्या दिनकत मालूम होती है.

राधे, जापान का तो तुमने द्वाल बहुत सा सुना होगा छोर ग्लाब पर यह भी देख लिया हागा कि जापान कहां है छौर हिन्दुस्तान से किस तरफ है. अगर अब तक न देखा हा तो अब देख लेना. जापान की सब औरतें मदी की तरह बराबर बर्जिश करता है और जो बर्जिश इस मुरु के में कराई जाती है वह बहुत ही अच्छी होती है. उस में जब बर्जिश करत करत तकत अच्छी तरह आ जातो है ता फिर ऐसे ऐसे दांव पेच सिखाए जात हैं कि उनके ज़िरये से औरतें बड़े बड़े पहलवानों को उठा कर ज़मीन पर फेंक सकती हैं. मैंने एक किताब इस जापान की वर्जिशों की ओर दांब पेचों का मंगाई है. उसका नाम जियू जित्सू है. तुम जरूदी जल्दी बर्जिश कर के अपने बदन में ताकत पैदा करो सा अबका दक्ते जब मैं देहली आउंगा तो तुम उस किताब को देखना और फिर जो दांब पेंच उसमें लिखे हैं उनकी भी मश्क करना.

राधे, तुम्हारा बाहर और शहरों और मुल्हों में फिरने और वहां तरह तरह के आदिमयों और चीजों को देखने और उनकी अच्छी अच्छी वार्ते माल्म करने को मन चाहे है या नहीं. अब से तक्षरीयन दो बरस में मैं दो बरस की फरलों के लगां, उस बक्त अगर तुम्हारा मन होगा तो तुम्हें जापान और चीन ले चलेंगे. मगर उस बक्त तक तुम्हें आंगरेजी बहुत अच्छी तरह पढ़ लेनी चाहिय क्यों कि उन मुल्हों में हिन्दुस्तानी तो कोई भी नहीं जानता इस बास्ते आंगरेजी में सब से बातें करनी पढ़ेंगो. राधे, तुम अब उस्तानी से रोज पढ़ों हो या नहीं. इसका जवाब ज़रूर देना और जब यह चिट्ठी पहुँचे, उसी बक्त जवाब लिखा हेना. به الله المرافق المرافق المرافق المستحد المرافق المرا

ادیے' جاپان کا تر تم نے حال بہت ساسفا ہوگا اور پر یہ بھی دیکھ لیا ہوگا کہ جاپان کہاں ہے اور تان سے کس طرف ہے ۔ اگر ب تک نه دیکھا ہو ادیکھ لیفا ۔ جاپان کی سب عورتیں مردوں کی برابر ورزش فرتی ہیں اور جو ورزش اِس ملک کرائی جاتی ہے وہ بہت ہی اچھی ہرتی ہے ۔ اُس جب ورزش کرتے طاقت اچھی طرح آ جاتی ہے ایسے ایسے داؤں بھچ سکھائے جاتے ہیں که اُن کے ذریعے رتیں بڑے بڑے پہلوانوں کو اُنھاکر زمین ہر بھینگ اور داؤں بھچوں کی منگائی ہے ۔ اُس کا نام جھو و ہے ، تم جادی جادی ورزش کرکے ایے بدن میں یہ بھدا کرو تو اب کی دفعہ جب میں دھئی آؤنکا اور بھر جو داؤں بھچ اُس کی دیکھے ہیں انکی بھی مشتی کرنا ۔

ادهے' تمهارا باهر اور شهروں اور ملکرں میں بھر نے
عال طرح طرح نے آدمیوں اور چھزوں کو دیکھنے اور
بی اچھی اچھی باتیں معلوم کرنے کو میں چاھے ہے
یوں اب سے تقریباً دو برس میں میں دو برس کی
نوزیا' اس وقت اگر تمهارا میں هوٹا تو تمهیں جاپان
بین لے چلیں گے، مگر اُس وقت نک تمهیں انگریزی
اچھی طرح پڑھ لھئی جاھئے ، کھونکہ اُن ملکوں
اچھی طرح پڑھ لھئی جاھئے ، کھونکہ اُن ملکوں
میں سب سے باتیں کرنی پوینکی ، رادھ' تم
ستانی سے روز پڑھو ھو یا نہیں ، اِس کا جواب ضرور
اور جب یہ جاپی پھرندی 'اسی وقت جواب کم

क्षक्रमधी खुट्टी

النبي جهتلى

والفلا هي ويادة كولي جاء أور كسي يات كا وليم فكر لله كور الله سبب بهماری تمهاری چکر آنے کی سر دکھلے کی المناتد آلے کی' سب کی سب ہوا ہوجاوے مکر ساتھ ھی یے بھے یاد رکھنا چاھگے کہ ورزش کرنے کے تھوڑی دیر بعد فوده ضرور پیدا چاهئے اور اگر برا معلوم نه هو "تو مکمن يهي ضرور كهانا جاهله . أيك بات أور تمهين كرني جاهله که روز چاچا کے ساتھ بگی میں بھالهمر هوا خوری کرنے اور بهائنے درونے کے واسطے ضرور جانا چاھائے ، ہارتے ، کے یاس کھلی هوا میں دورنے سے بھی بڑا قائدہ هوتا ھے ، خبر نهین که تم آب روز هوا خوری کرنے جاؤ هو یا نهیں . اس کے علوہ اب کی میں نے تمهارے جاچا کو لکھا تھا کہ اب کے جو اُنھیں چھٹیاں ہوں تو سب کو لے کر کسی پہار پر چلے جائیں . پہار پر جاکر در مہینے رهو اور وهاں خوب بهاکی دورو اور کههار اور آجهار اور کودر . تم جاجا سے برابر کیتے رہو تاکہ وہ ضرور تم سب کو لے جائیں .

14-6-06

کل کی چاتھی میں میں نے لکھا تھا کہ تم ایک تو اینا دل هر وقت خوش رکها کرو درسرے ورزش روز فررر کها کرو' تهسرے هواخوری کو ضرور جایا کرو' چوتھ اب جو تمهارے چاچا کی چهتیاں هوں تو پهار پر ضرور جانا . آب تم لکھو که تم نے اِن باتوں کے کوئے کے واسطے کها کوشش کی .

مهلسي 16_6_06

تم نے کبھی پہار دیکھ بھی ھیں یا نہیں ۔ ھردوار مهن تو دوچار چهوتی پهاریان هین وه تو تم نے دیکھیهی هوں کی خبر نہیں تم کسی بہاری پر چرهیں یا فہیں . آب جو تم چاچا کے ساتھ پہار پر جاؤ تو رھاں خبوب جلفا بهرا اور ورزش كرنا تاكه خوي تهمك هوجاث أور زیادہ هوجائے . اصل سوس خون کے صاف أور زیادہ بهولے هي سے آدمي تددرست رهنا هے اور طاقت آتي هے . آلیو کیوں صاف کھلی تازی ہوا میں پھرنے اور ورزش کرنے الر بوهما ه . إس واسطے جب تك بهار ير نه

ہے جہ دلی شہر کے آثر میں پہاری کے آرپر ایک کھلی عد جہاں اکثر شہر کے لوگ سویر بے شام سیر کرنے اب تک آتے جاتے میں .

बनते हैं और पार पुर नक दे प्रमार हम बार्चरा हराबर रोज क्याना ही क्याचा करती आश्री कीर किसी वात का रंज किक न करों तो सब बीमारी तुन्हारी चक्कर आत की, सिर दुसने की, बाएँट आने की, सब की सब हवा हो जावे. सगर साथ ही यह भी याद रखना चाहिये क वर्जिश करने के घोड़ी देर बाद दूध चरूर पीना चाहिये ब्रार ब्रगर बुरा माल्म न हो तो मक्खन भी जुरूर खाना चाहिये. एक बात और तुन्हें करनी बाहिये कि रोज बावा के साथ बन्गी में बैठ कर इवाखोरी करने और भागने दोड़ने के वास्ते ज़रूर जाना चाहिये. वावटे के पास खुली हवा में वीड़ने से भी बड़ा फायदा होता है. खबर नहीं कि तम श्रव रोज हवासारी करते आधी हो या नहीं. इसके जलावा अन की मैंने तुम्हारे चाचा को लिखा था कि अन की जो उन्हें छुट्टियां हों तो सब को लेकर किसी पहाड़ पर चले जायं. पहांक पर जाकर दो महीने रही और वहां खुब मागा दौड़ो और खेलो और छजलो और कूरो. तुम चाचा सं बराबर कहती रही ताकि वह जहर तुम सब की ले जायं.

मेल्सी 14-6-06

राधे.

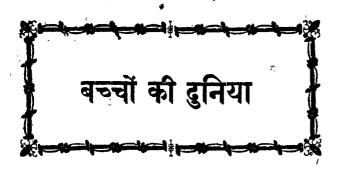
कल की चिट्ठों में मैंने लिखा था कि तुम एक तो अपना दिन हर वक्षत खुश रखा करो, दूमरे वर्जिश रोज जरूर किया करो. तीसरे हवा खोरी को जुन्र जाया करो, चौथे श्रव जो तुम्हारं चाचा की छुट्टियां हा तो पहाड़ पर जरूर जाना. श्रव तुम लिखो कि तुमने इन बातों के करने के वास्त क्या कोशिश की.

> मेल्सी **16-6**-06

राधे.

तुम ने कभी पहाड़ देखे भी हैं या नहीं. हरिद्वार में तो दा चार छोटी पहादियां हैं वह तो तुम ने देखी ही होंगी, ख्वर नहीं तुम किसी पहाड़ी पर चढ़ीं या नहीं. अब जो तुम चाचा के साथ पहाड़ पर जाओ तो वहां खूब चलना फिरना और वर्जिश करना ताकि कृत ठीक हो जाय और ज्यादा हो आय. असल में खून के साफ और ज्यादा होने ही से आदमी तनदुरुस्त रहतों है और ताकृत आती है. और खून साफ ख़ुली ताजी हवा में फिरने और वर्जिश करने से होता है और बढ़ता है. इस बास्ते जब तक पहाड़ पर न

*वह विस्ती शहर के **एतर** में पहादी के अपर एक लुती जमह है, जहां अकसर शहर के लोग सबेरे शाम सैर करने अब तक आते जाते हैं...



बादल और चांद

(भाई हामिदुल्ला 'श्रकसर')

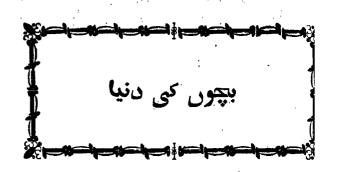
नीले सागर वाले चांद! सुमको पास बुलाले चांद! बरसा में जाता है कहाँ तू लेकर शाल दुशाले चांद! तारे हैं ये ज्ञास लगाये मुँह परदे से निकाले चांद! बादल का एक हलका हलका मुंह पर आँचल डाले चांद! गंगा के घारे में डतर कर फिर कुछ शोते खाले चांद! के ज्ञागा है कहाँ से यह तू कई के इतने गाले चांद! कांप रहे हैं तारे, इनको तू कम्बल में छिपाले चांद!

बादल के फन्दे में न फँसना सुन ए भोले भाले चांद्! (इरद् 'झाजकल' से)

> किकी धंगला 13-6-'06

राघं,

मैंने सब से पहली चिट्ठियों में तुम्हें लिखा था कि अपने दिल को हमेशा खुश रखना चाहिये और कोई बात रंजीदा या उदास या सुरत रहने की हो भी जाय तब भी फौरन उसको अपने मन से अलग कर देना चाहिये, और ऐसी ऐसी बातों की बाबत सोचना चाहिये जिनसे दिल खुश रहे. जो आदमी दिल को हमेशा खुश रखने के सिवाए हर एक आदमी को वर्षिश भी जरूर करनी चाहिये. खबर नहीं कि आज कल तुम वर्षिश भी रोज करो हो या नहीं. वर्षिश अरनी तो हरगिज नहीं छोड़नी चाहिये बल्क रोज बरोज अयादा वर्षिश करते जाना चाहिये. बर्षिश करने से ही खुस बदता है, बदन में ताइत आती है, रग पट्टे मजबूत



بادل اور چاند

(بهائى حامد ألله (افسر)

چاند! مجهمو پاس بلالے چاند! کہاں تو لیکر شال دوشائے چاند! سلائے منه پردے سے نکالے چاند! ملک ملک منه پر آنچل قالے چاند! سلائو کر پہر کچھ فوظے کھالے چاند! یہ تو روثی کے اتابے گالے چاند! یہ تو روثی کے اتابے گالے چاند!

ے سائر والے چاند!
رکھا میںجاتاہےکہاں تو

ے میں یہ آس لگائے
ال کا اک ملکا ملکا
اکے دعارے میں آتو کو
آیا ہے کہاں سے یہ تو
پرھھیں تارے الکو

بادل کے پہندے میں نہ پہنسنا سن اے بہولے بہائے چاند (اُردو 'آجکل' سے)

ككري بلكة 06'-6–13.

راديغ

میں نے سب سے پہلی چتھیوں میں تمہیں لکھا
کہ اپنے دل کو همیشہ خوص رکھنا چاهئے اور کوئی

ارنجیدہ یا اداس یا سست رهنے کی هو بھی جائے

ہ بھی فوراً اُس کو اپنے میں سے الگ کر دینا چاهئے' اور
سی ایسی ہاتوں کی بابت سوچنا چاھئے جی سے دل
وس رہے ۔ جو آدمی دل کو همیشه خوص رکھتا ہے وہ
ار بہت هی کم هوتا ہے ، دل خوص رکھنے کے سوائے
ایک آدمی کو وورش بھی ضرور کرنی چاھئے ۔ خمبر
ایک آدمی کو وورش بھی ضرور کرنی چاھئے ۔ خمبر
سی تو هرگز نہیں چھورنی چاھئے بلکہ روز بروز زیادہ
سی تو هرگز نہیں چھورنی چاھئے بلکہ روز بروز زیادہ
سی تو هرگز نہیں چھورنی چاھئے ، ورزش کرنے سے ھی خوں بوھتا

रादि में एक क्यां, इस दिसान से कुएं कोदे आयं तो बालीस साल में होने वाली नीस करोड़ शादियों में बीस करोड़ कुएं खुदेंगे. जहां कुएं खोदना निलकुत नामुमनिन ही है, वहां की बात अलग है. लेकिन अकसर जमीन में पानी होता ही है, यह निथम है. जमीन के नीचे छिपी हुई यह सरस्त्रती प्रकट होनी बाहियें!

इसिनये जिनके पास जमीनें जियादा हैं, उनसे लेकर जो को कमीन मांगते हों और जिनके पास न कमीन हैं और न कोई दूसरा ही धन्दा, उन्हें वह बांट दी जाय.

गांव के लोग कम से कम दरने तक उपए पैसे के आसरे रहें और उनकी जरूरतें गांव में ही पूरी हों, इसका अयान अगर रखा जाय तो सब को काम देना नामुमिकन नहीं है. लेकिन गांव वाले उपए पैसे के आसरे न रहें, इसके लिये हम कहतें आए हैं कि लगान गल्ले के रूप में क्सूल किया जाय. आप ऐसा क्यों नहीं करते ?

गुरु मानक की बानी

ए साधु, यह सारा संसार राम ने ही बनाया है. कोई तो इस सृश्टिको नारा हो जाने बाली मानता है और कोई इसे सदा बनी रहने वाली सममता है, यह बड़े अवन्मे की बात है, कुछ समम में नहीं आता! काम, कोध और मोह वरौरा के बस में हो कर आदमी ने परमात्मा की मूर्ति को मुला दिया है. रात को दिखाई देने वाले अपने की खरह भूटे रारीर को वह सच्चा मानता है. संसार में जो बीचें हमें दिखाई देती हैं वह सब बादल की छाया की तरह नाश हो जाने वाली हैं. नानक कहते हैं कि इस संसार को मूटा सममो और राम की रारन में रहो.

ए बाधु, मन का बमंड छोड़ दो. काम, कोध और दुरट आदमियों की संगत से रात दिन दूर ही रहो. मुख दुख और मान अपमान को एक सा ही समम्मना चाहिये. जा आदमी सुख और दुख दोनों से ऊपर हठा रहता है वही इस संसार के तत्व को पहचान सकता है. तारीफ और जुग्रली दोनों को छोड़ कर ही मुक्ति की खोज करनी बाहिये. नानक कहते हैं कि यह सब काम करना बड़ा कठिन है. किसी किसी ने ही गुठ के मुख से यह भेद बाना है.

اس لئے جن کے پاس زمیلیس زیادہ میں' أن سے لے کر جو جو زمین مانکتے هوں اور جن کے پاس نے زمین ہے اور نے کوئی دوسرا هی دهندہ' أنهیں وہ بانت دے جائے۔

گاؤں کے لوگ کم سے کم درجے لک روپے پھسے کے آسرے رھیں اور اُن کی ضرورتیں گاؤں میں ٰھی پوری ھوں' اس کا 'فیھیان اگو رکھا جائے تو سب کو کام دینا نامیکی نہیں ھے ۔ لھکن گاؤں والے روپے پھسے کے آسرے نہ رھیں' اِس کے لگے ھم کہتے آئے ھیں کہ لگان قلے کے روپ میں وصول کیا جائے ۔ آپ ایسا کیوں نہیں کرتے ؟

گرو نانک کی بانی

اے سادھو، یہ سارا سنسار رأم نے ھی بنایا ہے ۔ کوئی تو اِس سرشتی کو ناھی ھوجانے والی مانتا ہے اور کوئی اِسے سدا بنی رھنے وہنے والی سمتجھتا ہے یہ بڑے اُچنبی کی بات ہے، کچھ سمجھ میں نہیں آتا ! کام' کرودھ اور صود وفیرہ کے بس میں ھو کر آدمی نے پرماتما کی مورتی کو بھلا دیا ہے ۔ وات کو دکھائی دیننے والے سہانہ کی طرح جھوٹی شریر کو وہ سچا مانتا ہے ۔ سنسار میں جو جھیزیں حصور دکھائی دیتی ھیں وہ سب بادل کی چھایا کی طرح ناھی ھوجانے والی ھیں ، نانک کہتے ھیں کہ اِس طرح ناھی ھوجانے والی ھیں ، نانک کہتے ھیں کہ اِس سنجھو آور وام کی شرن میں رہو ،

الے سادھو' میں کا گھمنڈ چھوڑ دو ۔ کام' کرودھ اور دھی۔ ادمھوں کی سلکت سے وات دی دور ھی وھو ۔ 'سکھ ادکھ آور مان ایمان کو ایک ساھی سمجھفاجا جاھئے ۔ 'جو ؓ آئیمی سکھ آور دکھ درنوں سے آریو آٹھا رُھھا ھے وھی آئیس سلسار کے تقو کو پہنچان سکتا ھے ، تعریف آور چھلی آئیس سلسار کے تقو کو پہنچان سکتا ھے ، تعریف آور چھلی آئیس سلسار کے تقو کو پہنچان سکتا ھے ، تعریف آئیس کسی نے گھوٹے ھیں کہ یہ سب کام کرنا ہوا کتھی ھے ، کسی کسی نے گھوٹے کہ مکھ سے یہ بھید جانا ھے ،

بينة كهذاهون كي شرط غر هي وهايه كي الواون، مهين بالقي أل لهكن بعد بمهن مهوم دههان مهور أيا ر طریقد سے کام نہیں ہوگا، میں نے دیکھا کہ کے ذریعے چائے جانبوالے سہبوئی کہیتی کے عمل به کیدینود لؤگ هلس رهے هیں کیونکه دود ناکامیاب هواء هم ، غریب لوگوں کو حساب کتاب کا گیان ھوتا ، سپیوکی کھیتی کے لئے یہ گیاں چاھئے' نہیں ات کے لوگ کھجراتے ھیں ۔ اِس لئے میں نے سہیرکی کی شرط چھوڑ دی اور نجی کھھٹی کے لئے ھی۔ بالْلَّائِيْ شروم کر دنی ۔ جن لوگوں نے مجھے سہیوگی کی شرط پر زمین دینے کی اِچها ظاهر کی' اُن سے لے کہا '' پہلے آپ ہوے ہوے آدمی اُسطوم کا عمل الكهائي " سركاري كههاي مين يه لوگب ايدا خاصا رکه کر اینا اثر قائم رکهنا جاهتے تھے ، میں نے اُن ا " آپ زمین دے ڈالٹے . زمین کے بدلے میں ، کے پھامنا؛ سے مکت هوجائهے فریموں کو اُس کے مالک

حث کرتے والی نے آن آیکنامک ھولڈنگ (مالی وچار سے ناکافی) اور ایکنامک ھولڈنگ (مالی وچار سے کی دلیلیں بھی پیش کیں . لیکن یہ مالی کافی فیکا سوال بھلوں کی وجہ سے ھی کھوا ھوتا ھے' کیونکہ بتا ھے کہ میں بیس ایکو سے چھوٹی آکائی پر کام کر سکتا . میں کہتا ھوں کہ چار کائی ملکو بیل رکھیلکے اور اس حد تک سہیوگ کریلگے . اور بھی جن باتیں میں سہیوگ کرسکیلگے' کریلگے . لیکن جو کھیت کرنا چاھٹا ھے اور جو جو کھیت اسلام چاھٹے . وہاں مالی وچار سے رناکائی ھوتے کا سوال کھوا نہیں ھونا چاھئے .

گ کہتے ھیں کہ بوی بوی زمینیں چاھگیں.
میرے پاس پون ایکو زمین تھی، شروع شروع میں
بر بیم کا خرچ آیا، آب آگے وہ بھی خرچ نہیں
اس پون لیکو زمین میں سے ہم نے دس عزار پونڈ
بھاجی نکالی دو آنہ پونڈ کا حساب لکائیں' تو بھی
زویے کی ساگ بھاجی ھوئی،

م نے رهت يهي جاته سرهي چايا ، برسات کي بهي کچه اجم طے کي آئے اله کون بارهي کے جهورت رهنے سے کام پہلے ہے آئے الهي آباره نے دجهم والے سے پوچها تها آبان جهوں رکھنگی صرف دیوت کے جهورس رتو آبھنل آبان سيوتا ہے جمورس رتو آبھنل آبان سيوتا سے مطلب ہے بارهی: اگر هم زمین کی جھمیں رهوئی کی ہی الهيت باتھے گئی بڑھے گئی ب

क्यूबोधी क्रेतीकी शर्व पर दी वहां के क्रोगों में क्यीन नांदी, केकिन गृष्ट् में मेरे प्यान में बाया कि इस तरी के से काम नहीं होगा, मैंने देखा कि सरकार के वरिये खलाए जाने बादे सहयोगी खेती के अमल को बेखकर वह लोग हंस रहे हैं क्येंकि वह नाकामयाव सावित हुआ है अरीव लोगों को द्विसाद-किताब का झान नहीं होता. सहयोगी खेती के लिये यह ज्ञान चाहिये, नहीं तो देहात के लोग घवराते हैं. इसिवाये मैंने सहयोगी खेती की शर्त छोड़ दी कौर निजी स्रोती के लिये ही क्यमीन बांटनी शुरू कर दी. जिन कोगों ने धुमें सहयोगी. खेती की शर्त पर अभीन देने की इच्छा शाहिर की, धनसे मैंने कहा, "पहले आप वह बड़े आदमी बस तरह का बमल कर के दिखाइये." सहकारी खेती में यह स्रोग चपना सासा हिस्सा रखकर अपना असर क्रायम स्काना बाहते थे. मैंने उनसे कहा, "आप जमीनें दे डाक्तिये. अभीन के बदले में मालिक की मावना से मुक्त हो जाइये. ग्ररीकों को उसके माजिक करने वीजिये."

बहस करने बालों ने अन इकाना निक हो लिंडग (माली विचार से नाकाकी) और इकामा मिक हो लिंडग (माली विचार से काकी) की दली लें भी पेश कीं. लेकिन यह माली काकी और नाकाकी का सवाल बेलों की वजह से ही खड़ा होता है, क्यों कि बेल कहता है कि में बीस एकड़ से छोटी इकाई पर काम नहीं कर सकता. में कहता हूँ कि चार कुटुन्ड मिलकर बेल जोड़ी रखेंगे और उस हद तक सहयोग करेंगे. और मी जिन जिन बातों में सहयोग कर सहयोग करेंगे. बीर मी जिन जिन बातों में सहयोग कर सहयोग करेंगे. लेकिन जो-जो खेती करना चाहता है और जो-जो खेत मांगता है, उसे खेल सिवनम चाहिये. वहां माली विचार से काकी और नाकाकी होने का सबाल खड़ा नहीं होना चाहिये.

तोग कहते हैं कि बड़ी बड़ी कमीने चाहियें. लेकिन मेरे पास पीन एकड़ जमीन थीं. शुरू शुरू में खाड़ और बीज का खर्च आया. अब आगे वह भी खर्च नहीं आएगा. इस पीन एकड़ जमीन में से हमने दस हज़ार बींड साग भाजी निकाली. दो आना पींड का हिसाब बागायें, तो भी 1250 उपए की साग भाजी हुई.

इस ने रहट भी हाथ से ही खलाया बरसात की भी कुछ ख़ेती हम ने की है, लेकिन बारिश के भरोसे रहने से काम नहीं बहेगा. इसीलिये नारद ने धर्म राज से पूछा बा, "तेरे राज में खेती सिर्फ देवता के भरोसे तो नहीं होती ?" देवता से मतलब है बारिश. अगर हम जमीन के नीचे छिपी हुई गुप्त गंगा प्रकट कर सकें, तो हिन्दुस्तान को धमीन की कावलियत पांच गुनी बड़ेगी. इसलिये इस ने तेलगाना की यात्रा, में लोगों को सब जगह खुबीन में कुएं खोवने का प्रोमाम ही बतलाया. हर एक कोई एक कतना निकास दे और गोहत्या बन्दी हो जाय, यह ठीक नहीं." उनका कहना ठीक है. कोई एक मुसल सम्राट दिल्ली के तखत पर से गोहत्या बन्दी का हुक्स जारी कर दे, इस तरह का यह समाल ही नहीं है. लेकिन प्रधान मंत्री स्वराज में लोकमत का नुमाइन्दा है. अगर वहीं यह बात न करे तो किर कीन करे ?

7. बुनियादी तालीम

सिर्फ इतना कह देने से कि बेसिक तरीका मनजूर है, काम नहीं चलेगा. यह दिखाना होगा कि मौजूदा तालीम के मुकावले नई खुनियादी तालीम का खर्च जियादा है या कम. वनियादी तालीम के कारन लड़कों के मन में एकता का खयाल घर पकड़ता है, इसलिये शुरू से चाहे बुनियादी स्कृत या शाला स्वावलम्बी भले ही न मालूम होती हो, तों भी आखिर वह महज स्वावलम्बी ही नहीं, बलिक श्रमन कुन भी साबित होती हैं. इसलिये आपको कहना चाहिये कि वह शाला चल सकती है, और प्लानिंग रिपोर्ट में बुनियादी शाला की योजना देनी चाहिये. शाला के पास दो एकड़ जमीन होनी चाहिये और लड़कों को अपनी मेहनत से शाला के बगीचे में साग, तरकारियां और कपड़े के लिये षाहरी कपास पैदा कर लेनी चाहिये. मास्टर को इस जमीन में से श्रपनी गुजर के लायक साग-भाजी धौर कपास मिलती रहनी चाहिये. गांव के गुरु जी को एक-एक पायली (100 तोला) राल्ला मिलना चाहिये. इतना सब करने पर भी और जो फुटकर खर्च आयेगा, वह इस योजना में बतलाना चाहिये.

हरिजन लड़कों के लिये छात्रालय या हास्टल या आश्रमों की योजना आपने सुमाई है. हमारे मत से खब आगे चलकर हरिजनों के लिये अलग छात्रालय या आश्रम नहीं होने चाहियें. हरिजन लड़कों के बारे, में सिर्फ इतना ही देखना काकी नहीं है कि चनकी तालीम कैसे बढ़ेगी, बिल्क यह भी देखना चाहिये कि छुआ छून मिटाते हुए तालीम कैसे बढ़ेगी? इसलिये अलग छात्रालय खोलने क बदले उन्हें सब के लिये चलने वाले छात्रालयों में ही जगह दिलानी चाहिये.

8. ज़मीन के बारे में सरकार की नीति

आप कहते हैं कि छोटे-छोटे दुकड़ों से पैदाबार कम होती है. अपनी यह बात आप को साबित करना पड़ेगी. सहयोगी खेती की तालीम सबको देने के बाद ही आइन्दा उस तरह की खेती की जा सकेगी. लेकिन जब तक अपनी जुदा जुदा खेती की तरक लोगों का मुकाब है, तब तक जमीन के छोटे-छोटे दुकड़ों के कारन पैदाबार में कमी होगी, ऐसा मानने की कोई बजह नहीं है. तेलंगाना में शहरू मैंने

7. بنیادی تعلیم

مرف اندا کم دیلے سے که بیسک طریقه منظور هے' کام نہیں چلے کا یہ دکھانا هوگا که سوجودہ تعلیم کے ستابلے نتی بنیادی تعلیم کا خرچ زیادہ هے یا کم . بدیادی تعلهم کے کارن لوکوں کے من میں ایکٹا کا خیال گھر یکوتا ھے، اس لئے شروع سے چاھے بلهائی اسکول یا شالا سواو لعدی بهلے هي نه معلوم هوتي هو' تو بهي آخر وه معصف سواو لمبنى هي نهيس بلكة امن كن بهي ثابت هوتي هـ أس لَيْهِ أَب كو كهنا جاهيه كه ولا شالا چل سكتى هِ اور يقننگ رپورت ميں بنيادي شالا کي يوجنا ديني جاهئے . شالا کے پامس در ایکو زمین هونی چاهئے اور لوکوں كو اينى مصلت سے شالا كے بغيجے ميں ساك، تركارياں ارر کہوے کے لئے ضروری کیاس پیدا کر لینی چاھئے. ماستر کو اُس زمین میں سے اپنی گذر کے لائق ساگ پہاچی اور کیاس ملتی رهنی جاهئے ، کارں نے گرو جی كو ايك ايك يائلي (100 توله) غله ملغا جاهد . اتغا سب کرنے پر بھی آور جو پھٹکر خرچ آئے گا' ولا اِس یوجنا مهن بتانا جامئے .

هریجی لوکوں کے لئے چھاترالے یا هوستل یا آشرموں کی یوجلا آپ نے سجھائی ہے . همارے صف سے اب آئے چھکر هریجاوں کے لئے انگ چھاترالے یا آشرم نہیں ہونے چھھٹیں . هریجی لوکوں کے بارے میں صرف اِتفا هی دیکھلا کافی نہیں ہے کہ اُن کی تعلیم کیسے بوھے گی' بلکھ یہ بھی دیکھلا چاھئے کہ چھواچھوٹ مثاتے ھوئے تعلیم کیسے بوھے گی ؟ اس لئے الگ چھواچھوٹ مثاتے ھوئے بدلے اُنھیں سب کے لئے چانے والے چھاترالیوں میں هی جگہ دانی چاھئے .

8. زمین کے ہارے میں سرکار کی نیتی

آپ کہتے ھیں کہ چھوٹے چھوٹے تکوں سے پیداوار کم فوتی ھے۔ اپنی یہ بات آپکو ثابت کرنا ہوے گی ، سہووکی کھیتی کی تعلیم سب کو دینے کے بعد ھی آئندہ اسٹیٹرے کی کھیتی کی جا سکیٹری ، لیکن جب ٹک اپنی جداجدا کھیتی کی طرف لوگوں کا جھکاؤ ہے تک زمین کے چھوٹے چھوٹے تکووں کے کارن پیداوار میں کئی ھوئی ایسا اسٹیے کی کوئی وجھ نہیں ھے ، تیلنگانہ میں شروع میں میں میں نے

400

की हिम्मत नहीं दिलाई देती. इथियार बन्दी करी, कहते की हिन्मत नहीं है, मशीन बन्दी करो, कहने की भी हिन्मत नहीं है. गो इत्या बन्द करने की फकरत नहीं है, यह कहने की भी हिम्मत नहीं है. लेकिन आपको यह पहचान लेना चाहिये कि इस मुल्क में गोहत्या चल नहीं सकती. गाय-बेल इमारे समाज में दाखिल हो गये हैं और इसलिये यह हमारा समाजवाद है, लोग मुक्तसे पूछते हैं कि, "क्या दूसरे जानवरों की तुन्हें दया नहीं चाती ?" मैं कहता हूँ, 4"नहीं. पहले सुके गाय पर दया कर होने दो. उसको अगर मैं बचा सका, तो फिर बची हुई दया दूसरों के लिये बरत्ँगा. गाय को बचा कर ही मैं दूसरों को बचा सक्ँगा." सवाल सीधा है कि आपको अपने देश की हिकाजत करना है या नहीं ? अगर करना है तो गोषध हिन्दुस्तानी कलचर के मुवाकिक नहीं बैठता, इसका आपको ध्यान रखना चाहिये. गो हत्या जारी रही, तो हिन्दुस्तान में बग़ावत होगी. इसिलये 'गो इत्या जारी रहे' कहने की हिम्मत आपकी नहीं होती. 'श्रीलाद रोको' के बारे में श्राप साफ बोलते हैं. शराब बन्दी के बारे में 'धीरे चली' का इसरार करते हैं. इसी तरह यह भी कह डालिये कि गाय मारने में कोई हर्ज नहीं। लेकिन राश्ट्रकी हालत देखकर आप वैसा नहीं कर सकते. हमारा कहना यह है कि गो हत्या-बन्दी करना ही मुनासिब है. रास्ट की माली हालत इस बोभ को उठा सकती है. गो सदन में रहने वाले ढोरों के मल मृत्र और हड्डियों की खाद का अच्छी तरह से अगर हम उपयोग कर सकें, तो गो-पालन का बोम नहीं होगा. और मुसलमानों की तरक से अगर आप इतमीनान चाहते हों, तो मैं लिख कर देता हूँ कि एन्हें गो हत्या नहीं चाहिये.

मेव कोगों से मैंने महिन्नदों में जाकर कहा कि "अज्ञाह जगर मांस का भूका होता और मांस से खुश होने वाला होता, तो उसे यह क़साई ही खुश कर लेते. उसका सन्देश सुवाने के लिये पैराम्बर की जरूरत न रही होती. लेकिन बह मांस का भूका नहीं है, भिक्त भाव का भूका है." मेरी वह बात उनकी समभ में जा गई. उस वक्ष्त सरकार ने बहां गो हत्या-बन्दी का एकान नहीं किया था. मौलवी लोग मेब कोगों से कहते ही ये कि गो-हत्या नहीं होनी चाहिये. लेकिन एक गांव में दो गायें मारी गई और इस पर वहां तुकान मचने की नीवत आई, तब मैंने लोगों को सममाया

क्या आप ऐसा नहीं मानते कि गो इत्या बन्दी हिन्दु स्तान के लोगों का मैंन्डेट (फरमान) है १ आप को दो-दुक कहना चाहिये कि हम गो हत्या बन्दी करेंगे. वैसे, इस मामले पर जवाहरलाल जी का बंगलोर का भाशन सुके बहुत पसन्द आया. इन्होंने कहा, "विक्री में बैठ कर

هست نهین دکهائی دیتی . هتههار بلدی کرو کهلی مست نہوں ہے' مشین بلدی کروا کہانے کی بھی هست س هے . کو هاتيا يند کرنے کي ضرورت نهيں هے يه نے کی بھی همت نبھی هے . لیکن آپ کو یع پہنچان نا چاهئے که اس ملک میں کو هلاهیا چل نهیں سکتی !. بيل هماري سمام مين داخل هوائد هين آور اس یہ همارا سماج واد هے . لوگ مجه سے پوچھتے هیں " کیا دوسرے جانوروں کی تمہیں دیا نہیں آئی ؟" ن دبها هون " نهين ، پهلے منجه کائے پر دیا در لیلے . اُس کو اگر مهن بَشِّها سکا تو پهر بنچی هوئی دیا مروں کے لگے برتونکا ، گائے کو بنچا کر ھی میوں دوسروں بيجا سكونك " سوال سيدها هي كه آب كو أيه ديهي حفاظت كرنا هے يا نهيل ؟ اكر كرنا هے تو كو بده دستانی کلچر کے موافق نہیں بیٹھتا اس کا آپ کو یان رکهها چاهیی. گو هتها جاری رهی تو هددستان ن بغاوت هوكي . اس لئي 'كو هتها جاري رهي 'كهني همت آپکی نہیں ہوتی ۔ 'اولاد روکو' کے بارے میں آپ ے بولتے هیں ، شرأب بلدی کے بارے میں دهیرے چلو صرار کرتے هیں . اِسی طرح یه بهی که داللے که کائے مارنے ن كوئى هرج نهين! ليكن راشتر كى حالت ديكهكر ، ویسا نهین کو سکتے ، همارا کهذا یه هے که کو هتها یہی کرنا ھی مناسب ھے۔ واشتر کی مالی حالت ع بوجه كو أتها سكتى هي . أو سدن مين رها واله ہروں کے مل موتر اور مذیبوں کی کھاد کا اچھی طرح اکر هم أبيوك كر سكهن' تو كو پالن كا بوجه نهين هوگاً. مسلمانوں کی طرف سے اگر آپ اطمیقان چاہتے ہوں' مهن لكهكر ديمًا هون كه أنهين كوهمها نهين چاهكي.

میو لواوں سے میں نے مستجدوں میں جاکر کہا کہ اللہ اگر مانس کا بھوکا ہوتا اور مانس سے خوش ہونے موتا تو اُسے یہ قصائی ہی خوش کر لیتے ۔ اُس کا دیش سنانے کے لئے پیغمبڑ کی ضرورت نه رهی هوتی . بین وہ مانس کا بھوکا نہیں ہے بهکتی بھاؤ کا بھوکا ہے ۔ " رسی یہ بات اُن کی سمجھ میں آگئی ۔ اُس وقت سرکار وہاں گوہتیا بندی کا اطلان نہیں کیا تھا ، مولوں لے میو لوگوں سے کہتے ہی تھے کہ گوہتیا نہیں ہونی اھئے ، لیکن ایک کاؤں میں دو کائیں ماری گئیں اور یہ وہاں طوفان محیلے کی نو بت آئی' تب میں لوگوں کو سمجھایا اور معاملہ بڑھنے نہیں دیا .

کیا آپ ایسا نهیں مانئے که گوهتیا بندی هندستان لوگوں کا مینتیت (قرمان) هے آ آیکو دو توک کهنا اهئے کا هم گوهتیا بندی کرینگئے، ویسے' اس باملے پر جواهر لال جی کا بنگلور، کا بهاشن' منجھے مع پسند آیا، آنہوں نے کہا' '' دلی میں بیٹیکو इससे. में,बेंद्रकः होता तक आप ऋक देते कि हमें तकवार के बदके सबसा आदिये। हाया हाया कैसी सवाही है यह !

5: हमेशा भीक मांगने का प्लान

आपने प्रतिक्का की कि सन '51 के बाद हम बाहर से अताज ,नहीं मंगायेंगे, इसनी बड़ी प्रतिक्का करने के बाद अब जब यह दिखाई देने लगा कि वह पूरी नहीं हो सकती, तब आप एक प्लानिंग कमीशन कायम करते हैं. वह प्लानिंग कमीशन कहता है, कि अभी कुछ बरस के लिये हमारा गुल्क अनाज के मामले में स्वावलम्बी नहीं हो सकता है. और इसके बाद सरकार को सारी लाज छोड़ कर कहना पड़ेगा कि प्लानिंग कमीशन कहता है कि अनाज के मामले में देश स्वावलम्बी नहीं हो सकता, इसिलये हम बाहर से अनाज मंगायेंगे!

हम खगावार किखवे आए हैं कि पहले अनाज स्वा-वलम्बन साथ लीजिये. लेकिन अधर ध्यान न दे कर आज आप कहते हैं कि 30 लाख टक अनाज बाहर से मंगाना पदेगा. बाहर कोई हमारे बाप की जायदाय रखी है ? बाहर से मंगाने का फैसला करने. पर बाहर वालों की मर्जी के मुताबिक यहां. पर कसल पैदा करनी होगी. इस तरह यह हमेशा के लिये भीक मांगने का प्तान होने वाला है. आपने यह भी लिख दिया है कि शायद जियादा भी मंगाना पहेगा. क्या आप दरअसल कभी हिन्दुरशन की हिकायत का विचार करते हैं शबार करते हों तो क्या कभी यह विचार आप के मनमें आता है कि अनाव की अव्यव आते पर धाप क्या करेंगे ? कक अगर पाकिस्तान से आपकी खड़ाई हो गई, तो साफ हैं कि वह आपको अनाज देने से इनकार करेगा. फिर अमरीका बगौरा जो कोई आपको अनाज देंगे. वह आपके बिये प्रेम के कारन देंगे या आपको अपने वधनों में बांधने के लिये देंगे ? इसलिये आप कम से कम इतता क्यों नहीं कहते कि अनाज और कपढ़े के बारे में हमें श्वाबत्तस्वन पहले साधना है। प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट पदकरः आज देहातः के सोगों को जियादाः अनाज एपजाने का डीसला-नहीं हो सकता संकट के समय देश के लिये कुछ त्वाग करने का जोश उन्हें यह दिनोर्ठ पढ़कर महीं पैटा होता.

6. गोवध-बन्दी

्बापने अपनी रिपोर्ट में एक अगह कहा है कि कसाई खानों का भी जानवरों की तादाद पर कोई असर नहीं हुआ है. कमजोद डोरों को मार डालने से बर्थशास्त्र की निगाह से बहुत ही जोरहार योजना बनेगी, इसमें कोई शक नहीं. लेकिन वैसा करो, यह कहने की आपकी हिस्सत नहीं है. किसी भी मामले में साफ रहजुमाई करने की आप

لس نے کو ابیتر میٹا که آپ کو دیدے که مسین تلواز کے بعالیٰ طیاف چاہئے! مائے ' مائے ' کیسی تدامی ہے یہ !

5 ممهده بهیک مانکلی کا پالن

آپ نے پرتکھا کی که سن 51' کے بعد هم باهر سے اللے بہدی برتکھا کرنے کے بعد آب جب بہت ملکائیلگے ۔ اِللی بوی پرتکھا کرنے کے بعد آب جب آپ اِلیک کلیشن قائم کرتے هیں ۔ وہ پلانلگ کمیشن کہتا ہے ۔ کہ ابھی کچھ برس کے لئے همارا ملک اناج ، کے معاملے میں سوارلمبی نہیں هوسکتا ہے ۔ آور اسکے بعد، سرکار کو ساری الے چھورکر کہنا بڑے کا که اِللیے بعد، سرکار کو ساری الے چھورکر کہنا بڑے کا که پہنائیگ کمیشن کہتا ہے کہ اناج کے معاملے میں دیش سوارامہی ، نہیں هوسکتا اسلئے هم باهر سے اناج ممثلالین کہا اُ

هم لگاتار لکھتے آئے هیں که پہلے آناج سوار لمجن ساده لهجئم الهكن أدهر دههان نه دےكو آج آب كہتے هين که 30 لائه تن آناج باهر سے ملکانا پوے گا . باهر کوئی همارے یاپ کی جانبداد رکھی ہے؟ باعر سے منکانے کا المصلة كرتے ہو باہر والوں كى مرضي كے مطابق يہاں پر فصل بهدا کرنی هوکی . اِس طرح یه همهشه کے لئے بهُوكِ مانكتے كا يقلن هونے والا هے . آب نے يد بهى لكهديا هے که شاید زیادہ بھی ملکانا پوے گا۔ کیا آپ دراسل کیھی هندستان کی حفاظت کا رچار کرتے عیں ؟ اگر کرتے عرب تو کھا کبھی یہ وجار آپ کے من میں آتا ہے که اناج کی ارجان آنے ہر آپ کھا کریدگیے ؟ کل اگر پاکستان سے آپ كَيْ الْوَاتِي هوكُكُي وَ مَاكَ هِي كَمْ وَهُ أَبِ كُو أَنَاتِهِ دَيِكُمْ سِ إدَّى فَرِيرًا . يهم أمريكه وفهرة جو كوئي آب كو أناج دينكها. وَ أَبِ كَمُ لِيُهِ يُرْبِمِ لَمُ كَارِن دِينَكِرِيا آبِ كِو اللهِ يَلْدَهْلُون. مُنهن، باندهانے کے لیے دینکہ ؟ اِس لیّے آپ کم سے کم اِنگا کھوں انہیں کہتے کہ انام آور کیوے کے بارے میں میمن سولو تمين بهلے ساديمنا هے . بالنگ كىيشن كى ريورت پوسکور، آج دیہات کے لوگوں کو زیادہ اناج اُپجانے کا حوصاء فہوں موسیدان سلمت کے سے دیمی کے لئے کچھ تیاگ كره كا بدوهن أنهين يه وبورت يوهكر نهين بيدا هوتا .

8. يۇويىم،يىنىي

آپ نے اپنی رپورٹ میں ایک جگه کہا ہے که قصائی مائی کا بھی جانوروں کی تعداد پر کوئی اثر نہیں ہوا کی عنوزو قعوروں کو مار قالد ہے ارتہ شاسلار کی نگالا ہے کہ نگالا ہے کوئی شک ہیں کوئی شک کی کہتے ہیں ہیں کوئی شک کہتے کی آپ کی میں کوئی شک نہیں کہتے کی آپ کی میں معاملے مہن مان وعلمائی آکرنے کی آپ

راس ہو۔ کمیشن کے معمو نے کہا ، پہلے بھی یہاں کی اس سے کیوا ھوتا تھا ، اس سے کیوا ھوتا تھا ، عبر سے میون کیوا آنے لگا اِسلئے یہاں کا موتا کیوا بلد کیا اور بعد میں باھر سے کیاس ملکاکو عہدی مہین وابلنا ھروع ھوگیا .

ونوبا ؛ ودبیهی کهوا جب آن لکتا هے تو آسکے مقابلے بن آپ سوفیشی ملوں کی حفاظت کرتے هیں نا؟ ر آسی طرح ملون کے مقابلے مهن کهادی کی حفاظت ون نہیں کرتے ؟

دیہات کے جو دہندے آپ نے، چھین لگے میں و يَ دَيْهِاتِيونَ كُورُ وَأَيْسَ أَنْهِينَ فَيَتَّمَ لَا أَنَّ كُنْ هُو كَجِهِ دهن چلتی هے وہ ابع بجوں کو سارتے کے لئے دساغ اللغ والے باپ کی طرح چلتی ہے . آپ نے دیہانہوں سے ج کا دھندہ چھیں لیا آور ملیں کھولیں' تیل کا علدة شجهه ورالها أورتيل كي مليس كهولهن كركا فعلده بههدين كوراشكور كے وكارشاني فهولے ، ايس طوب ديهاتون كو العال الله الله المراقب أن أن يو الموالي كي تو ولا أس بوهائيء کے اسامنے کھسے بھھور سکھوں کے ؟ ھھور والوں کا وأويتان أب كهسم كومايين كم ؟ إس لكم ليسا بكتهم مَنْ مُهِينَ هُونِا مَعِاهِيُّهُ حِسْ. سِي كُرام أديوكون كو مُقصان و الل العلماء جهوع جدادا المول ، يبعى ه كه جن مندون كاركتها بهال بديهاتين بيدن عددا هوقا هي أور جن ا يكير مال كون بعيبات كر لوگون كور فيرورت هوتي . هـ ا وه عليد ع بههياتهورين كي الله أويزورة البعلي معصفوظ وكهاب المثيري إريورة سرفارست متعدوظ بجنكابوسيكي طرح مه حبقلد بردودهاتون، کے اللے مصنوط کھوں نہیں وکھ المكتر كينهواب مهن كها بجاتا هي كتر يهرد جهون مهن ئے ، موارہ نمیس وہ کیالیکا : موبع اشوق کے جھون کا لگے بهن کاون کاونون میں ناپر کانا چاہئے ۔ بلکلور میں ي العلم الالتكويس السيلي لي أس يهلهك ع المعهد لَلْهِونَ رَجِهِي رَ أَمِهِ إِلَي إِن السَّمِي اللَّهِ عَلَيْهِ وَأُوا بِاسْ وَا اللها .

हों, तो फिर बाप देहात में से सगान बयुल करके बाहर क्यों से जाते हें ? आपका काम सिर्फ सिफारिशें करना नहीं हैं. इन पर अमल कराने के लिये मुनासिव रास्ते सुम्हाने की साकृत आप में होनी चाहिये. मिल बातों की कोशिशों से सत्तरह गज की आदमी कपने की निकासी जी-बी बह बारह गज क्यों रह गई ? कहते हैं कि मिल बाओं को काकी कपास नहीं मिली, इसलिये कपड़ा कम बना. कारन के बिना काम नहीं होता, यह तो उसूल ही है. लेकिन उन्हें कपास नहीं मिली, इसका मतलब यही है कि उन्हें जो कपास चाहिये, बैसी कपास यहां पैदा नहीं होती; और यहां जो कपास होती है, वह उनके काम की नहीं. अपना बच्चा नाचता नहीं, इसिलये दूसरे का बच्चा नहीं सिया जाता !

इस पर कमीशन के मेन्बर ने कहा: पहले भी यहां की कपास से कपड़ा होता था, पर वह मोटा व खुरदरा होता था. बाहर से महीन कपड़ा थाने लगा, इसलिये यहां का मोटा कपड़ा बन्द हो गया और बाद में बाहर से कपास मंगा कर यहीं महीन कपड़ा बनना शुरू हो गया.

विनोबाः विदेशी कपड़ा जब आने लगता है, तो उसके मुझाबले में आप स्वदेशी मिलों की हिकाजत करते हैं न ? फिर फसी तरह मिलों के मुझाबले में खादी की हिकाजत करते ?

देहात के जो धन्दे आपने छीन लिये हैं, वह आप देहा-वियो की वापस नहीं देते. आपकी जो कुछ बुद्धि चलती है. वह अपने बच्चों को मारने के लिये दिमारा चलाने बाती बाप की तरह बतती हैं. आपने देहातियों से कपड़े का धन्दा छीन लिया और मिलें खोलीं, तेल का धन्दा छीन क्रिया और तेल की मिलें खोजीं, गुड़ का धन्दा छीन कर शक्कर के कारखाने खोले. इस तरह बेहातों को कंगाल बनाने बर जागर जापने उन पर चढ़ाई की, तो बह उस चढ़ाई के सामने कैसे ठहर सकेंगे ? शहर वालों का बचाव तब आप केंद्रे, इर सक्टेंगे ? इसलिये ऐसा कुछ भी नहीं होना चाहिये, जिससे बामोद्योगों को नुकसान हो. इस मामले में हमारा क्सके यही है कि जिन धन्दों का कड़वा माल देहातों में पैदा होता है और जिनके पक्के माल की देहात के लोगों को बहरत होती है, वह धन्दे देहातियों के क्रिये 'रिजवर्ड' बानी महफूब रखने चाहियें. 'रिजवर्ड' फारेस्ट-महफूब बंगकों की तरह कुछ धन्दे देहातियों के लिये महफ्रेज क्यों नहीं रखे जा सकते ? जवाब में कहा जाता है कि फिर बीवन में कोई मजा नहीं रह जायगा. मौज शीक के जीवन के लिये इन्हें गांव-गांवड़ों का नाथ-गाना चाहिये. बंगलोर अब हिन्द कांगरेस कमेटी की उस बैठक के गंमीर कार्यक्रम में आपने इसके लिये ठहराव पास करा लिया.

ग्रामोद्योगों से भाप कहते हैं कि वह अपने पैरों पर खंडे रहें. आप मेरी टांगें तोड़ देते हैं और फिर मुकसे अपनी टांगों पर खड़े होने के लिये कहते हैं! तिस पर मी में अपने हाथों के बला चल लेता हूँ, इसके लिये आपको मके शाबाशी देनी चाहिये. आपको यह विचार करना चाहिये कि सरकार जब विदेशी थी. तब उसकी मरजी के ब्रीर पालिसी के खिलाफ गांधी जी ने खादी ब्रीर प्रामोशोग चलाकर दिखाए, लेकिन इसकी कर करने के बरले आप हम से कहते हैं कि गांधी जी जैसे आदमी के पचीस-पचीस बरस कोशिश करने पर भी जो नहीं हो सका. वह आज कैसे मुमकिन है ? मैं आप से पूछता ह कि हमें आज जो स्वराज मिला हैं, उसमें खादी का कोई दस की सदी हिस्सा भी है या नहीं ? मां कहती है, 'बेटा, मैंने आज तक मेहनत करके तुमे संभाला है. अब तू मुमे संभाल ले.' लेकिन उसे संभालने के बदले आप इसे नसीहत करने लगे हैं! गाधी जी ने जो किया वह कैसे किया. इसका समे अचरज होता है. धन्होंने वह एक चमत्कार ही करके दिखाया.

आपको सोचना यह चाहिये कि गांधी जैसा अकेला आदमी अगर मुशकिल हालत में इतना कर सका तो आज, जब कि अपनी सरकार हैं, कितना अधिक होना चाहिये ? यह चलटे हिसाब (इनव्हर्स प्रपोर्शन) की मिसाल हैं, लेकिन आप उसे 'सीधे हिसाब' (डिरेक्ट प्रपोर्शन) की मिसाल बनाकर हल करना चाहते हैं. हिसाब के न जानने का यह नतीजा हैं,

अपने हाल ही के दौरे में मैंने गांव-गांव से प्रका. समाजवादियों से भी पूछा कि 'भैया, यहां खादी के सिवा भीर कोई उद्योग तुम सुका सकते हो ?" वह भी मानते हैं कि खादी के सिवा दूसरा कोई च्छोग हम सुका नहीं सकते और न दे ही सकते हैं. खादी के लिये तेलंगाना में काकी मौजू वातावरन है. सौ सौ स्त्रियां तीन-तीन मील से अपने सिर पर चरखे लेकर मुम से मिलने आती थीं और बड़ी आसानी से दो-दो ढाई-ढाई घंटे कातती थीं. एक सार भी नहीं दटता था. फिर भी वहां की सरकार इसका विचार भी नहीं करती है. इसका कारन इतना ही है कि आप कोगों ने अपनी कुछ बातें लास बत मान रखी हैं. अपनी इन लासबूत बातों को अब आप छ। दिये. आप यइ क्रमुत्त की जिये कि इस सब को काम देंगे. फिर आप देखेंगे कि ब्रामोद्योगों के सिवा रास्ता ही नहीं है. आप फहते हैं कि देहात के सब लोगों को काम देने की योजना खब देहातियों को ही करनी चाहिये. हम तो हर अगह यही बर्बसाले जाए हैं. लेकिन जगर आप यही बतलाने वाले

کرام آدیوگیں سے آپ کہتے هیں که وہ آیا پیروں پر وگھوں رهيں . آپ ميري تانكين تور ديتے هيں أور پهر معجهسم اینی تانگوں پر کھوے ھونے کے لئے کہتے ھیں! تسیر بھی میں اپ ھاتھوں کے بل چل لیٹا ھوں اسکے لئے آپ کو مجمد هاباشی دينی چاهئے. آپ کو يه وچار کرنا جاهگے که سرکار جب ودیشی تهی تب اسکی مرضی کے آور پالیسی کے خلاف گندھی جی نے کہادی آور گرام أديوك چلاكر ديهائے . لهكن إسكى قدر كرنے كے بدلے آب ھے سے کہتے ھیں کہ گلدھی جی جیسے آدمی کے پنچیس پچھس برس کوشش کرنے پر بھی جو نہیں هوسکا[،] وہ آج کیسے ممکن ہے ؟ میں آپ سے پوچھتا ھوں که ھمیں آبے بچو سورانے ملا ھے، اُس میں کھادی کا کوئی دس فيصدى حصة بهي ه يا نهيس؟ مال كهتي هـ' 'بيتا' مهن ني آب تک محدث كرك تجه سنبهالا هي . أب تو مجه سنبهال لے . المكن أسے سنبهالنے كے بدلے آپ أسے نصیصت کرنے لگے میں! گاندھی جی نے جو کیا وہ کهسے کہا' اسکا مجھے اچربے ہوتا ہے . اُنہوں نے ایک چمتکار هی کرکے دکھایا .

آپ کو سوچنا یه چاهد که کاندهی جیسا اکیلا آبامی اگر مشکل حالت میں اِتنا کرسکا تو آج' جبکه اینی سرکار هے' کتبا ادهک هونا چاهدے؟ یه 'التے حساب' (اِنوهوسی پرپورشن) کی مثال هے' لیکن آپ اُسے 'میدهے حساب' (تیریکت پرپورشن) کی مثال بناکر حل کرنا چاهتے هیں صساب کے نه جانئے کا یه نتیجه هے .

اید حال می کے دورے میں میں نے گؤں گاؤں سے پوچها سماج واديرس سر بهي پوچها که "بهيا يهال کهادي کے سوا آور کوئی ادیوک تم سجها سکتے هو؟" وہ بھی مانته هیں که کهادی کے سوا دوسرا کوئی ادیوگ هم سجها نہیں سکتے آور نہ دے می سکتے میں . کهادی ك ليَّه تهلناته مهى كانى موزون وأتاورن هي. سو سو استريال تھن تین میل سے اف سر پر چرخے لے کر مجہسے ملئے النی تمیں آرر بری آسانی سے در در دھائی دھائی گھلتے كتاني تهيل . أيك تار بهي نهيل ترتبا تها . يهر بهي وهابی کی سرکار اسکا وچار بھی نہیں کرتی ہے . اِسکا کارن ﴿ لِنَا هُمْ مِ كُمْ آبِ لُولُونَ لِمُ أَيْدُنَ كَجِهِ بِاللِّينِ الثَّبُوتِ مَانِ رَكُهِي الله في أيني إن الثبوت باترن كو أب آب جهرزئيم . آب يه المنال المعجد عدم سب كو الم دينك . بهر آب ديكههل ك الله المارام الميولون كي سوا راسته هي نهين هي . آپ كهاند میں کہ دیہات کے سب لولوں کو کام دیلےکی یوجفا مرق دنیهاندوں کو هی کرنی چاهگے . هم تو هو جگه يهي يُعُلِدُ آئِهِ هيل ، ليكن ادر آب هي بعدل واله

आप ऐसी प्रतिक्वा की किये और फिर बाद जैसी प्लानिन कर की जिये, बाद जैसी प्रशीन की जिये, मुक्ते एतराज नहीं है. पर आप बलटे कहते हैं कि सब को काम देना मुमकिन नदी है. सारे रारट को काम देने की जिन पर ज़िम्मेदारी है, बन्दें सगर यह मुमकिन नहीं मालूम होता, तो उन्हें इसीका दे देना बाहिये!

2, शराव ख़ोरी

अभी में सारे तेलंगाना में घूमकर आया हूँ. धाईसा में मेरा विश्वास है, इसिलये में अपना काम करता रहा. लेकिन बैसा न होता तो में कम्युनिस्टों में दाखिल हुआ दिखाई देता, ऐसी वहां की हालत है. इन पांच-पचास या सौ बरसों में लोग वहां बरावर शराब पीते आप हैं. राश्ट्र के राश्ट्र अपर चठे, लेकिन उनमें कहीं जाप्रति नहीं. लेकिन इस बात की प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट में कहीं चर्चा नहीं है. इस बात की तरफ उनका कहीं ध्यान नहीं गया है. तेलंगाना के देहात का जीवन में देखकर आया हूँ. जिस तरह आअम में शाम को प्रार्थना होती हुई दिखाई देती है, उसी तरह वहां रोज मगड़े होते हुए दिखाई देंगे. मैंने खुद स्वोगों को इस तरह लड़ते हुए देखा है. उनका जीवन कैसे सुधर सकेगा, इसकी फिक इस कमीशन को विलक्कत नहीं है.

3. आबादी पर रोक

परिवार बढ़ने के बारे आप कहते हैं -- बाल-बच्चे कम पैदा की जिये. मैं कहता हूँ -- आप हमारे सेवक हैं या गुरु ? आपका काम हमें खिलाने का है. हिन्दुस्तान में प्रजा जियादा है, ऐसा मैं नहीं मानता. क्या आपका पैदायश-कम्योत के सम्बन्ध में अनुभव है ? प्रजा अधिक क्यों बढ़ती है, इस पर क्या आपने कभी विचार किया है ? सिंह के औक्साद कम होती है, बकरी के जियादा होती है. आपके इस 'बौबाद रोको' प्रचार से बच्चे किसके कम होंगे ? देहात में बच्चे कम होने की जरूरत है. और आज तो देहात में ही किसान के पच्चे जियादा होते हैं. गिरी हुई समाधी हालत की बदौलत यह सब हो रहा है. उसका इसाज भौलाद-कन्ट्रोल नहीं है, बल्कि जीवन को ठीक दिशा में मोइमा है, मैं सन्तान बढ़ने देने, वाखा हूँ, बेकिन साथ साम यह भी कहने वाला हूं कि जीवन की रीति ही ऐसी हो, जिससे प्रतान अपने आप ही कम हो और अच्छी हो. सन्तान अच्छी होने के बिये जिन वातों की करूरत होती है, चन्हीं बातोंकी जुरूरत सन्तान कम होने के क्षिये होती है. यह सवाल बौलाद-कन्ट्रोल का नहीं है, मिक जीवन बवलने का और उसके मुताबिक हालात पैदा करते का है.

آپ ایس پرتی کوچید آور بهر چاھے جهسی داندگ کر لهجی ا پاہے جهسی مشهد میں لهجی کی مجھے اعتراض نهدی ہے، پر آپ اُنٹے کہتے هیں که سب کو کام دیدا مدین نہیں ہے ۔ سارے رائٹر کو کام دیدنے کی جن پر ذمیداری ہے ' آنہیں اگر یہ مسکن نہیں معلوم ہوتا' تو آنہیں استعفی دے دیدا چاھئے!

2. شرا*ب* خوري

ابھی میں سارے تھلٹانہ میں گھوم کو آیا ھوں .
اھنسا میں میرا وشواس ہے' اِس لیے میں اپنا کام کرتا
رھا۔ لیکن ویسا نہ ھوتا تو میں کمیونسٹوں میں داخل ھوا
دکھائی دیٹا' ایسی وھاں کی حالت ہے۔ اِن پانچ' پنچاس یا
نے راشٹر اویر اُٹھ' لیکن اُن میں کہیں جاگرتی نہیں۔ لیکن
اِس بات کی پائنگ کمیشن کی رپورٹ میں کہیں چرچا
نہیں ہے ۔ اِس بات کی طرف اُن کا کہیں دھیان نہیں
نہیں ہے ۔ اِس بات کی طرف اُن کا کہیں دھیان نہیں
دیتی ہے ۔ اُسی طرح وھاں روز جھگڑے ھوئے دکھائی
دیتی ہے' اُسی طرح وھاں روز جھگڑے ھوئے دکھائی
دینی ہے ۔ اُسی طرح وہاں روز جھگڑے ھوئے دکھائی
دینی ہے ۔ اُس کا جیوں کیسے سدھر سکے گا' اِس کی فکر اِس
دینیشن کو بالکل نہیں ہے ۔

3. آباهی پر روک

پریوار بوھنے کے بارے میں آپ کہتے ھیں - بال بدي كم يهدأ كهجيني . مهن كهتا ضون ــ آب همار ـ سيُوكُ هين يا قرو ؟ آپ كا نام همين كهلانے كا هے . هندستان مين يرجا زياده هـ ايسا مين نهين مانتا . کیا آپ کا پیدایش کفترول کے سمبندھ میں انوبیو ہے ؟ پرجا ادھک کیوں بوھتی ھے' اِس پر کیا آپ نے کبھی وچار کیا ہے ؟ سلکھ کے اولاد کم هوتی ہے ' بکری کے زیادہ هرتی هے . آپ کے اِس ^واولاد روکو' پرچار سے بھے کس کے کم هونگے ؟ خیبات مهن بعجے کم هونے کی ضرورت هے ۔ اور آبے دیہات میں هی کسان کے بحجے زیادہ هوتے هیں ۔ گری هوئی سمایوی حالیت کی بدولت یه سب هو رها ھے ، اُس کا علام اولاد کفالرول نہیں ہے' بلکھ جهرن کو تهیک دشا میں مورنا هے . میں سلتان برعلیے دیلے والا هوں' لهکن ساته ساته په پهی کہنے والا هوں که جهون کی ریت ھی ایسی ہو' جس سے سنتان آئے آپ ھی کم ھو أور اجهى هو . سفتان اجهى هول كد ليم جن باتون كي ضرورت هوتی هے؛ أنهيں باتين كي شرورت سلتان كم هوني كم اللَّهُ هوتي هي . يه سوال اولانا كفترول كا نهيل هي بلكه جهون بدلق کا اور اُسکے مطابق حالات بهدا کرنے کا ہے .

A LEAST OF THE REST OF THE

Aac 🚉

ताल्लुक क्रायम करने के लिये एसकी सक्वी खिद्मत की जाये जिसकी खातिर एक नई कौज—जो पुराने माना वाहें एन्हें मुवारक—सड़ी की जाय. हम रह रह कर सोवते हैं कि जवाहर लाल जी इस नेक काम में देरी क्यों कर रहे हैं चौर देश का दुखड़ा क्यों नहीं दूर करते जब कि वह सहज में दूर कर सकते हैं.

—सुरेश रामभाई

--- سريش رام بهائي

'सर्वोदय' से

हिन्द सरकार का पंच साला प्लान

[प्लानिंग कमीशन के एक मेम्बर भाई राम करन पाटिल, 10 जगस्त 1951 को आचार्य विनोबा जी के आश्रम पौनार में हिन्द सरकार के पंच, साला प्लान पर उनकी राय जानने के लिये आए थे. विनोबा जी ने दर्दमरे लहजे में जो अपनी राय जाहिर की वह सितम्बर के 'सर्वोद्य' में अपी है. उसका एक हिस्सा हम नीचे दे रहे हैं.—एडीटर]

1. सब को काम

A CONTRACTOR OF THE PARTY OF TH

आपकी सारी योजना में यह बात नहीं है कि हर एक को काम और खाना मिलेगा ही. भारत के विधान में आपने यह उसूल मान लिया है, फिर भी आपकी योजना में वह प्रतिक्का नहीं है. घर का मालिक हमेशा यह मानता है कि सारे कुनवे को खाना और काम अभी इसी वक्त मिलना आहिये. इसी तरह से सारे समाज का विचार करने के लिये सरकार की ज़रूरत होती है. यह उसूल मान कर जब आप योजना बनायेंगे तो सारी हिश्ट ही बदल जायेगी. इस हिश्ट से हमें क्या करना मुमकिन है, इसका विचार करना चाहिये. लेकिन इस हिश्ट से विचार नहीं किया आता. उन्हें की चाहिये, वक् पैमाने पर उद्योग चाहिये. यह सब मानकर ही यह योजना बनाई गई है, और फिर कहते हैं कि सब को काम देना मुमकिन नहीं है. मैं कहता हूँ कि मैं पहले सब को काम और अनाज दूंगा, सारी बोजना इस हिंद से तैयार कहंगा.

सब को काम देने के बारे में आपको ऐसी प्रतिका करनी बाहिये कि फलाँ सारीख से हम सब को काम देंगे.

وسروودے' سے

هند سرکار کا پنیے سالم پلان

إ بالنك كمهش كے ايك ممبر بهائى رام كرهن يائل' 10 اگست 1951 كو آچاريه ونوبا جى كے آشرم پونار ميں هند سركار كے بنچ ساله بان پر أن كى رائه بهائنے كے ليك آئے تھے. ونوبا جى نے درد بهرے لهنچ ميں جو اپنى رائه طاهر كى را ستمبر كے لا سرووں ، ميں جهنى هے . أسك ايك حصه هم نينچ دے رهے هيں جهنى هے . أسك ايك حصه هم نينچ دے رهے هيں . — انتيتر]

1. سپ کو کام

آپ کی ساری یوجنا میں یہ بات نہیں ہے کہ عر ایک کو کام آور کھانا ملے گا ھی ۔ بھارت کے ودھان میں آپ نے یہ اصول مان لیا ہے' پھر بھی آپ کی یوجنا میں وہ پرتکھا نہیں ہے ۔ گھر کا مالک ھمیھہ یہ مانتا ہے کہ طارے گئیے کو کھانا اور کام آبھی اِسی وقمت ملنا چاھئے ۔ اُسی طرح سے سارے سماج کا وچار کونے کے لئے سرگار کی غیرورت ہوتی ہے ۔ یہ اصول مان کو جب آپ یوجنا بنائیں گے تو ساری درشتی ہے اصول مان کو جب آپ یوجنا بنائیں گئی ہے درشتی سے وچار نہیں کیا جاتا ۔ آنھیں فوج چاھئے' اُس دوشتی سے وچار نہیں کیا جاتا ۔ آنھیں فوج چاھئے' اُس دوشتی سے کو کام دینا بنائی گئی ہے' آور پھر کہتے ھیں کہ سب کو کام دینا بنائی تمیں یہنے سب کو کام دینا آپر اُنیوں فیہ بیانے سب کو کام دینا آپر اُنیوں فیہ سری یہنے سب کو کام دینا آپر اُنیوں فیہ سری یہنے سب کو کام دینا آپر اُنیوں فیہ ساری یوجنا آس درشتی سے تیار کرونا ،

کرتی جاهگر که قال تاریخ سے هم سب کو کام دینگے .

बेत हैं से दूसरा जात ता हाता है। जायता, आवत अवस्ता अति तभी होंगी—जैसा कि पहले होती रही हैं—जब हम जपनी अक़ल और जी-जान इस चीज के लिये सपा दें जो किसी क़दर के लायक है और हम से बुलन्दी पर है."

इस खयाल की इम हर तरह से ताईद करते हैं लेकिन देखना यह है कि कांगरेस इस 'असली जीत' के लिये क्या कृदम और किस तरह उठाती है.

सदर के एड्रेस के बाद ठहराव शुरू हुए. दो ठहराव सब-जेक्ट कमेटी में जैसा हुआ। था सदर की तरफ से पेश किये गए. फिर विदेशी नीति और फिरक़े बन्दी बाले ठहराव आला स्पीचों के साथ रखे गये. दूसरे दिन 19 तारीख की शाम को आर्थिक प्रोप्राम बाला ठहराव आया जिस पर कुछ वर्षा बली. लेकिन सबजेक्ट कमेटी की इस ठहराव वाली बर्चा के मुकाबले यह चर्चा बेजान और कम पुरजोश माल्म होती थी. वर्षा का जवाब तो हुक्कामी लहजे में ही दिया गया. इसके बाद इजलास को खत्म करते हुए पंखित जवाहर लाल की तकरीर हुई और फिर जाकते के शुक्रिये माफी के बाद क्षीमी गीत के साथ कांगरेस के 57 वें जलसे की कारवाई खत्म हुई.

दिल्ली कांगरेस के दूल्हा जवाहर लाल जी थे, उसके सब कुछ वही थे. सारा जलसा उनके चारों तरफ मानो नाच रहा था. कांगरेस के नुमायन्दों की निगाह जवाहर लाल जी पर थी चौर जवाहर लाल जी की निगाह नुमायन्दों पर. ज्यादातर नुमायन्दों के हावभाव ऐसे थे मानो जवाहर लाल जी से पूछते हों, "पंडित जी! टिकट हमें दीजियेगा या नहीं ?" चौर पंडित जी का जवाब था, "यह सब क्या वाहियात है ? मुल्क में जात पात या भेद याब फैलाने चौर तबाही मचाने वाली ताकतों के खिलाफ कमर कस कर आप तैयार हैं या नहीं ?"

विक्री कांगरेस में हमें महसूस हुआ कि आज हिन्दुस्तान की जनता और उसके सिर-मौर जवाहर लाल के
बीच में नेताओं की बड़ी दीवार खड़ी हुई है. यह नेता वह
हैं जिन्होंने बड़ी हिम्मत और बहादुरी से अंगरेजी सामात्र
का मुक्ताबला करके उसे चारों खाने चित गिरा दिया.
लेकिन इस लड़ाई में खुद भी दम दे गए और अब आराम
के अलावा कोई दूसरा काम इनके बूते का नहीं है. अपने
जवाहर लाल की बात उन्हें प्यारी ज़रूर लगती है लेकिन
वह इस पर अमल करने से मजबूर हैं और इस बुरी तरह
मजबूर हैं कि जहां हैं बहां से हटने को भी जी नहीं चाहता,
आगे बढ़ने की कीन कहे. शायद इसी वजह से महात्मा
गांधी ने बसोयत की थी कि यह नेता बने रहें लेकिन
इसका संगठन तोड़ दिया जाब और जनता के साथ सच्चा

ایکے میں ہوتو سے معافق کو موسی جانوں کی افاقی اسلی جیٹھیں تمہی ہوتکی سجیسا کہ پہلے ہوتی رہی میں سبیب ہم ایکی مثل اور جی جان اس چیز کے لئے کہادیں جو کسی قدر کے لائق ہے اور ہم سے بلندی پر ہے۔''

اِس خیال کی هم هر طرح سے تائید کرتے هیں لیکن دیکھا یہ هے که کائکریس اِس 'اصلی جیت' کے لیے کہا ندم اور کس طرح اُتہاتی هے .

صدر کے ایڈریس کے بعد تھہراؤ شروع ہوئے . در تھہراؤ سبجکت کمھٹی میں جیسا ہوا تھا صدر کی طرف سے پیش کئے گئے . پھر پدیشی نھٹی اور فرقے بندی والے تھہراؤ املی اسھیت کئے . دوسرے دن 19 تاریخ ئی شام کو آرتھک پررگرام والا تھہراؤ آیا جس پر کچھ چرچا چلی . لھکن سبجکت کمھٹی کی اِس تھہراؤ ایا جس اور کم پرجوش والی چرچا کے مقابلے یہ چرچا ہے جان اور کم پرجوش معلوم ہوتی تھی . چرچا کا جواب تو حکامی لبحتے میں می دیا گیا . اس کے بعد اجلاس کو ختم کرتے ہوئے ہیں بخانی کی تعریر ہوئی اور پھر ضابطے کے شکری معانی کے بعد قومی گھت کے ساتھ کانگریس کے 57 ویں جلسے کی کاروائی ختم ہوئی .

دلی کانگریس کے دولہا جواہر الل جی تھ' اُس کے سب کچھ وھی تھے ۔ ساوا جاسھ اُن کے چاروں طرف مانو ناچ رھا تھا ۔ کانگریس کے نمائندوں کی نکاہ جواھر الل جی پر تھی اور جواھر الل جی کی نکاہ نمائندوں پر ۔ زیادہ تر نمائندوں کے ھاؤ بھاؤ ایسے تھے مانو جواھر اللجی سے بوچھتے ھوں' '' پنقت جی! تکت ھمیں دیجئے کا یا نہیں؟'' اور پنقت جی کا جواب تھا' '' یہ سب کیا راعیات ہے ؟ ملک میں جات پات یا بھید بھاؤ پھیلانے اور تباھی محیانے والی طاقتوں کے خلاف کمر کس کر آپ تیار ھیں یا نہیں ؟''

دلی کانگریس میں همیں محصوس هوا که آج هندستان کی جنتا اور اس کے سر مور جواهر لال کے بیچ میں نیتاوں کی بری دیوار کھری هوئی هے . یہ نیتا وہ کا مقابلہ کر کے آسے چاروں خاتے چت گرا دیا . لیکن اِس کوئی میں خود بھی دم دے گئے اور آب آرام کے علاوہ کوئی دوسرا کام اِن کے بوتے کا نہیں هے . آئے جواهر قال کی بات اُنہیں پھاری ضرور لگتی هے لیکن وہ اُس پر عمل کرتے سے مجبور هیں کہ جہاں کرتے سے مجبور هیں کہ جہاں میں وهاں سے هنائے کو بھی جی نہیں چاهنا آئے بوسیت کی کھی کو بھی جی نہیں چاهنا آئے وصیت کی تھی که یہ نہتا بیے رهیں لیکن اُن فی سنگاہیں تور دیا جائے اور جاتا کے ساتھ سخیا

The state of the s

गिरामा-इरामा अस्य चाहते हैं विनेत हम विशाप हैं जैसे फिरका कमी बरीरा.

खपे हुए एड स के बारें में तो कहना ही क्या ? पंडित जवाहर लाल की गिनती दुनिया के अच्छे से अच्छे लिखने वालों में हैं. उन्होंने इसमें कहा है कि हम यहां पर असलियत का सामना करने और आगे का प्रोप्राम तय करने के लिये जमा हुए हैं. हमने जो हिन्दुस्तान की सेवा की वह महें जहां की कि यहां हम पैदा हुए बल्कि इस वजह से की कि हमने सोचा कि हमारा हिन्दुस्तान कुछ उस्लों और मकसवों का नुमायन्दा है, और अलमवरदार है इन्सान की मादी और कहानी तरक्की का और इन्सानी समाज की एकता का. दुनिया की कशमकश पर रोशनी डालते हुए उन्होंने बताया कि आज बहुत काकी बुराई फैली हुई है जिसका हमें मुक्ताबला करना है लेकिन इसका मुक्ताबला उन्हों तरीकों से नहीं करना चाहिये जो खुद बुराई से लबालब हैं और न नकरत या हिंसा से यह काम कामयावी के साथ किया जा सकता है.

लेकिन अपने देश के सवालों पर उन्होंने जो विचार जाहिर किये हैं वह एक प्रधान मंत्री के हैं न कि लोक नेता के. मसलन जमीन के बारे में उन्होंने जो कहा वह एक गोलमोल बात है जिससे न जमींदार को शिकायत होगी न किसी हाकिम को, लेकिन किसान को कोई संदोश न होगा. इसो तरह खुराक के मामले में स्वावलम्बन को जरूरी बताया है मगर अब तक यह क्यों न हो सका श्रीर क्यों करोड़ों मन अनाज बाहर से मंगा कर मुल्क बेच दिया जा रहा है इसका कोई जबाब नहीं दिया. इसके अलावा प्लानिंग की दुहाई देते हुए प्लानिंग कमीशन के कारनामे की तारीक की है और कहा कि 'कुछ लोगों की राय जो भी हो, मेरा खयाल है कि आगे चलकर सोच-विचार या प्लानिंग ज्यादातर इसी पंचसाला योजना के आधार पर किया जायेगा." कहने की जरूरत नहीं कि जैसे यह प्लान बन गया वैसे काराषी प्लान हमेशा बनते रहेंगे लेकिन मल्क के अन्दर उरद के ऊपर समेदी बरावर भी फर्क़ नहीं हुआ क्योंकि प्लान बनाने वाले यानी हुकाम लोग और उनके सामीदार या जी हुजुरी करने वाले एक दुनिया में रहते हैं और मासम दीन दुंखी जनता दूसरी दुनिया में. दोनों के बीच की जो खाई है वह दिन दिन चौड़ी ही होती जा रही है.

फिरक़ बन्दी के हर खयात को—जो जाने अनजाने हमारे अन्दर घर कर तेते हैं—उन्होंने जड़ से ख्लाड़ फेंकने की अपील की, और आखिर में कहा है—

"एक जुनाव जीतने या हारने को ज्यादा महत्व हमें नहीं देना चाहिये. अगर हम अपने अन्दर की तकाई जीत ر کا بھا کا بھی بھائے ہیں جی کے ہم ساتا جی جے۔ اوائد کھی رہیں

پہتے جوامر لال کی گلتی دنیا کے اچھے سے اچھے لکھنے والیں میں جوامر لال کی گلتی دنیا کے اچھے سے اچھے لکھنے والیں میں کہا ہے کہ مم یہاں پر اصلیت کا سامنا کرنے اور آئے کا پروگرام طے کرنے کے لئے جمع ہوئے ہیں ، ہم نے جو ہندستان کی سفوا کی کے لئے جمع ہوئے ہیں ، ہم نے جو ہندستان کی سفوا کی بلکھ اس وجہ سے نہیں کی کہ یہاں ہم پیدا ہوئے کتھے اس وجہ سے نی کہ ہم نے سوچا کہ همارا هندستان کتھے اصولوں اور متصدوں کا نمائندہ ہے اور انسانی سماج کی انسان کی ماددی اور روحانی ترقی کا اور انسانی سماج کی انسان کی مادی اور روحانی ترقی کا اور انسانی سماج کی انہوں نے انہوں نے انہوں نے انہوں نے انہوں نے انہوں نے شخابا کہ آج بہت کا فی برائی پھیلی ہوئی ہے جس کا ہمیں شخابا کہ آج بہت کا فی برائی پھیلی ہوئی ہے جس کا ہمیں شخابا کہ آج بہت کا میک رائی سے لبالب ہیں اور نہ نفرت یا شنسا سے یہ کام کامہابی کے ساتھ کیا جاسکتا ہے .

لهائن ابع ديه ع سوالس ير أنهرن فيجو وجار طاهر كيَّے هیں وہ آیک پردھان ملعری کے هیں نہ که لوک نیعا کے . مثلاً زمین کے بارے میں اُنہوں جو کہا وہ ایک گول مول مات ہے جس سے نه زمهندار کو شکایت مولی نه کسی حاکم کو' لهکس کسان کو کوئی سنتوش نه موکا . آسی طرح تهوراک کے معاملے میں سواولمین کو ضرووی بتایا هم معواب تک یه کیوں نه هوسکا اور کیوں کروزوں من اناج باهو سیملا کرملک بیم دیا جا رها هے اس کا دوئی جواب تہیں دیا ۔ اس کے قارہ پلاننگ کی دھائی دیتے ھرئے پھنگ کمیشن کے کارنامے کی تعریف کی ہے اور کہا ہے که ال کیچه لوکوں کی رائے جو بھی ہو' میرا خیال ہے که الله جل كر سوي وجاريا بلاننگ زياده تر إسى بنيم سالا یہجٹا کے آدھار پر کیا جائیکا .'' کہلے کی ضرورت نہیں که جهميية بان بن أيا ريس كافذى بان هموشة بلتے رهيرك المنتدر ملک کے آندر آرد کے آویر سفیدی برابر بھی فرق نہیں ہوا کیونکہ یاں بنانے والے یعنی حکام لوگ اور أن کے اسلجهی، از یا جی حضوری کرنے والے ایک دنیا میں رہیے عین اور معصوم دین دکهی جلتا درسری دنیا میں . درنوں کے اور کہائی ہے وہ دن دن چوڑی ھی ہوتی جا ارهی هے .

فیقے بندی کے هر خیال کو -- جو جانے انجانے همارے انجازے کی کہ کی ایس کے انہوں نے جو سے اُکھار پھیلکنے کی ایس کی ایس کیا ہے --

معلی جھاڑ جھٹنے یا ھارنے کو زیادہ مہتو ھنھں اور اندر کی لوائی جھت علیہ اگر ھم اور اندر کی لوائی جھت

Chillian Walan

में 'कुल' की जगह 'बहुत' सम्ब कह 'विया), किसी मी श्रोगाम का, जैसे बीमे का ही सही, रास्ट्रीकरन वहीं किया गया है. दूसरे भाई ने कहा कि जमीन के बारे में हमें इस ठहराक में साफ साफ कहना बाहिये कि वह हवा पानी की तरह सबकी है, रारीबों को उसे दे देना चाहिये और इस सिलसिले में त्राचार्य विनोवा भावे जो क़दम डठा रहे 🕏 चनकी हम ताईद करते हैं. इसी तरह से एक माई ने कहा कि इमारे यहां की जो टैक्स सम्बन्धी नीति है उसे हमें 'जांचना' ही नहीं 'बदलना' चाहिये. मगर ऐसा लगता था कि ठहराव वाले लोग कांगरेस प्लेट फार्म से नहीं इकूमत-हिन्द के मंच से बोल रहे थे जो-जैसा हर हकूमत का ढंग होता है-एक चिकने घड़े की तरह है और जो रसी भर टस-से-मस नहीं होना चाहती. इस बहस का जवाब वर्किंग कमेटी के नए मेम्बर ने जो दिल्ली केबिनट के नए मिनिस्टर हैं दिया वह अजीव-रारीय था. चन्होंने कहा कि वीमे का राश्ट्रीकरन इमें मंजर है मगर आदमी कहां, जमीन पर धन का हक हमें मंजूर है मगर जिनके पास है उनसे लेकर बांटें कैसे, और दुसरी तरमीमें मजर तो हैं मगर उन पर अमल अभी मुशकिल है. इमें महसूसे हुआ कि आर्थिक प्रोप्राम पर कोई ठहराव कांगरेस के लिये पास करना नामुमकिन है क्योंकि वह इस दायरे में कुछ नहीं कर सकती. अगर कर सकती है तो सिर्फ ह्कूमत की जी-हुज्री और इसकिये अगर नाम के वास्ते करना ही था तो यह ठहराव पास कर देवी-

'कांगरेस इकूमते-हिन्द के आर्थिक प्रोमाम की पूरी तरह ताईद करती है और जनता से अपील करती है कि यह दिन दूने रात चौगुने सरकार के इशारे पर चलती ही रहे.'

खुता इतलास एक दम खुते में हुआ क्योंकि 17 तारीख़ की शाम को सबजेक्ट कमेटी वाला पंढाल बिजली की किटिंग की खराबी से जल गया था. जिस फुर्ती से स्वागत समिति ने खुले इजलास का इन्तजाम किया वह बाक़ई बधाई की बीज़ है. लेकिन जूप की वजह से यह इजलास शाम को साई पांच बजे ही शुरू किया जा सका. पहले दिन सदर कांगरेस पंढित जवाहर लाज नेहरू का एडू स हुआ. लेकिन खबाहर खाल जी ने जो पडू स पहले से लिख रखा था खौर जो छप कर तकसीम भी हो गया था उसके बजाय कार्दोने पक नया पडू स दिया. जपनी स्पीच में उन्होंने सौजूता हालात पर रोशनी हालते हुए कांगरेस बालों से अपील की कि जमाने की नई रफतार को देख कर काम करें. उन्होंने कहा कि हमें सड़ने में छुत्क आता है और इस्रिलिय हम जुनाब खड़ेंगे, हमें इस्र बात की परवाह नहीं कि हम जीतते हैं या हारते हैं. लेकिन हम उन क्षीज़ों को

ن 'تچھ' کی جگه 'بہت' لفظ کہ دیا)' کسی بھی ہورگزام ا جهسے بهتم کا هی سهی، واهانوی کرن نهیں کیا گیا ہے۔ روسرے ایہائی نے کہا کہ زمین کے بارے میں همیں اس لهبراؤ میں ساف صاف کہنا چاھٹے که وہ ہوا پانی کی الرم سب کی ہے فریبوں کو آپیے دے دینا چاہئے اور اِس السلم ميس آجاريه ونوبا بهاول جو قدم أتها رهے هيس ن کی هم تائید کرتے هیں . اِسی طرح سے ایک بهائی نے ہا که هدارہ یہاں کی جو ٹیکس سمبندھی نیتی ہے ہے میں 'جانچنا' می نہیں 'بدلنا' چاھٹیے مگر ایسا عتا تها که تهراؤ والے لوگ کانگریس پلیتفارم سے نہیں عرصت هلد کے ملبے سے بول رہے تھے جو - جیسا هر عرصت کا دهدگ هوتا هے -ایک چکلے گھڑے کی طرح هے ر جو رتی بھر تس سے مس نہیں ھونا چاھتی ۔ اِس حصث کا جواب ورکنگ کمھٹی کے نگے ممبر نے جو دلی ببنت کے نئے منستر میں دیا وہ عجیب فریب نها . بهرس نے کہا کہ بیسے کا راشتری کرن ھییں منظور ہے عر آدمی کہاں' زمین پر سب کا حق همیں منظور ، مگر جن کے پاس ہے آن سے لیکر بانٹیں کیسے' آرر رسری ترمیمیں منظور تو هیں مکر أن پر عمل أبهی شکل هے، همیں محسوس هوا که آرتیک پروگرام پر کوئی ہراہ کانگریس کے لئے یاس کرنا ناممکن ہے کھونکھ ولا س دائرے میں کچھ نہیں کو سکتی ۔ اگر کرسکتی ہے و صرف حکومت کی جی حضوری اور اِس لئے اگر نام ے واسطے کرنا هی تها تو يه تههراؤ پاس کرديائي--

'کانگریس حکومت هند کے آرتهک پررگرام کی پوری ارح تائید کرتی ہے اور جفتا سے اپیل کرتی ہے کہ وہ دن وئے رات چوگئے سرکار کے آشارے پر چلتی ہی رہے ۔'

کہلا اجلاس ایک دم کہلے میں ہوا کیونکہ 17 تاریخ فی شام کو سبجہ کہ کمیٹی والا پندال بجلی کی فتلگ فی کراہی سے جل گیا تھا ۔ جس پھرتی سے سوائت سمیتی مکیلے اجلاس کا انتظام کیا وہ واقعی پدھائی کی ہیز ہے ۔ لیکن دھوپ کی وجہ سے یہ اجلاس شام و سازھے پانچ بجے ہی شروع کیا جاسکا ، پہلے دن در کنگریس پندت جواہر لال نہرو کا ایڈریس ہوا . یکن جواہر لال جی نے جو ایڈریس پہلے سے لکھ رکھا یا اور جو چھپ کو تقسیم بھی ہو گیا تھا اُس کے بجائے بہرس نے ایک نیکی روشنی ڈالتے ہوئے کانگریس والوں سے ایمل موردہ حالات پر روشنی ڈالتے ہوئے کانگریس والوں سے ایمل سے کہ زمانے کی نگی رفتار کو دیکھکر کام کریں ، اُنھوں نے ہا کہ ہمیں اُنون نے میں لطف آتا ہے اور اِس لئے ہم ہا کہ ہمیں اُنون نے میں باتھ میں اُنون کے ہمیں اُنون کے ہمیں اُنون کے ہمیں اُنون کے ہمیں اُنون کی بیا کہ ہمیں اُنون کی بیا کہ ہمیں اُن ہمیں اُنون کی ہمیں اُن جھوڑوں کو ہمیں اُنون کی ہمیں اُنون کی ہمیں اُنون کو ہمیں اُنون کی ہمیں کی ہمیں اُنون کی ہمیں کی ہمیں کی کو ہمیں کی کی ہمیں کی ہمیں کی کی ہمیں کی کی ہمیں کی کی کی ہمیں کی ہمیں کی کی ہمیں کی کی کی کو ہمیں کی کی کی کی کی کی کی کی

STATE DE STEEL OF STATE TO BE STATE OF THE S हें अपनी बगह पर्की या मलनूत कर हैं. यही बजह है कि सबजेक्ट कमेटी की बहसें फीकी और बेजान थीं. सदर की तरक से दो ठहराव होने के बाद-पिछली बरस में गुजरे हुए कांगरेस के सेवकों पर शोक और कांगरेस विधान में तब-हीली के लिये कुल हिन्द कांगरेस कमेटी को अखतियार-तीन ठहराव पेश किये गये-विदेशी नीति पर, फिरक बन्दी पर (यह दोनों 17 तरीख को) और आर्थिक प्रोप्राम पर जो 18 तारीख को पेश हुआ. जहां तक विदेशी नीति बाले ठहराव की बात है उसमें इकूमत-हिन्द की नीति की सोलह आने ताईद करते हुए कांगरेस ने यूनो में अपना विश्वास जाहिर किया और पाकिस्तान से वास्ता रखने वाले मामलों का शान्ति से फैसला करने की अपील की. जिरक़े -बन्ही वाले ठहराव में कांगरेस ने बताया कि धर्म या जात पात या संस्कृति-तह्चीभ, किसी भी शकल में फिरक़ बन्दी इसे मन्जूर नहीं है और इसे वह मुल्क के लिये घातक सममती है.

श्राधिक प्रोप्राम वाले ठहराव को पढ़कर हमें कुछ शरम सी बाती है. उससे साफ पता चलता है कि कांगरेस ताक़तवर श्रीर दौलत मन्दों की जमात है न कि ग्ररीबों श्रीर बेकसों की. इस ठहराव को जब हम पढ़ते हैं तो ऐसा लगता है कि यह एक निराले दिमाग की पैदावार है. इसमें अलल-टप बातें, तुक या देतुक रखदी गई हैं. जास तौर से लचर बात जमीन के बारे में है. उसमें कहा गया है—

'हिन्दुस्तान की आर्थिक बुनियाद जमीन ही हैं. यहां के खेती तरीक का इस तरह से संगठन होना चाहिये ताकि जो मेंहनत करे उसे उसका फल मिल सके और जमीन का उपयोग समाज के लिये एक दौलत के रूप में किया जाए...'

कहने को तो कुछ जरूर कहा है मगर जाहिर है कि असजी बात नहीं कही गई है—वह यह है कि जमीन उसी की सममी जाए जो उस पर खुद मेहनत करे न कि उसकी जो कहता कुछ है और करता कुछ है. इसी तरह देहाती धंदों के बारे में कहा है कि 'उन्हें ऊंची से ऊंची तकनीकी लायकी के साथ किया जाना चाहिये.' शायद ठहराव लिखने वाले के दिमारा में जापान का खयाल आ रहा था. इस ठहराव में एकाथ बात जो सही है वह महज एक उपदेश के तौर पर है जिसका अमल से कोई वास्ता नहीं मालूम एकता. हमारा यह खयाल उस बहस को सुनकर और भी पक्षा हो गया जो इस ठहराव के सिलसिले में हुई.

बहस के दौरान में एक आई ने कहा कि सरकार ने जनता के हित में कुछ भी नहीं किया है (जिस पर सदर साहब सफा हो गए और फिर इनके इसरार पर इन आई الله میں ہے که چناو الهلي چکه يکي يا مضبوط کو ليس. يېي رُبُهُمْ بِهِ که سبجگت کنیتی کی بحثین پهیکی اور بے چان تهیں . صدر کی طرف سے دو تھہراؤ ھونے کے بعد ---مع لیے پرس مھی گذرے ہوئے کانگریس کے سہوکوں پر شوک اور کانگریس ودهان مهل تبدیلی کے لئے کل هذد کانگریس کنیتی کو اختیار - تین تههراز پیش کئے گئے - ودیشی نهتی پر فرقے بندی پر (یہ دونوں 17 تاریخ کو) ارد آرتهک پروگرام پر جو 18 تاریخ کو پیش هوا . جهال تک وديشي نيتي والے تهوراو کی بات هے اُس مهن حکومت هند کی نیتی کی سوله آنے نائید کرتے هوئے کانگریس تے یو نو میں اپنا وشواس ظاهر کیا اور پاکستان سے واسطه وكهل والے معاملوں كا شانعي سے فيصله كولے كى أيمل كي. قرقے بندی والے تھہواؤ میں کاسکریس نے بتایا که دھرم یا جات بات یا سلسکرنی تهذیب کسی بهی شکل مهن فرقے بندی اسے منظرر نہیں ہے اور آسے وہ ملک کے لئے گهاتک سمجهدی هے ،

آرتیک پروگرام والے تھہواؤ کو پوھکر ھمیں کچھ شرم سی آتی ہے ۔ اُس سے صاف پتھ چلتا ہے که کانگریس طاقت ور دوانت مقدوں کی جماعت ہے نه که فریدوں آور یہ کسوں کی اِس تھہواؤ کو جب ھم پوھتے ھیں تو ایسا لگتا ہے که یه ایک نوالے دماغ کی پیداوار ہے ۔ اِس میں الل تپ باتیں' تک یا ہے تک رکھدی گئی ھیں ۔ خاص طور سے لچر بات زمین کے بارے میں ہے ۔ اُس میں طور سے لچر بات زمین کے بارے میں ہے ۔ اُس میں کہا گیا ہے ۔

'هادستان کی آرتهک بنیاد زمین هی هے . یہاں کے گھیتی طریقے کا اس طرح سے سلگھتن هونا چاهئے تاکه چو منعقت کرے اُسے اُس کا پہل مل سکے اُور زمهن کا آپھوگ سماج کے لئے ایک دولت کے روپ مهن کیا جائے...'

کہنے کو تو کچھ ضرور کہا ہے مگر ظاهر ہے کہ اصلی بات نہیں کہی گئی ہے۔ ولا یہ ہے کہ زمون اُسی کی سمجھی جائے جو اُس پر خود متعلمت کرے نہ کہ اُس کی جو کہتا کچھ ہے ، اِسی طرح دیہاتی دہندوں کے بارے میں کہا ہے کہ 'اُنہیں اُونچی سے اونچی تکفیکی لائقی کے ساتھ کیا جانا چاہئیے ،' شاید اونچی تکفیکی لائقی کے ساتھ کیا جانا چاہئیے ،' شاید اُنہیں ٹھہراؤ میں ایگ آدھ بات جو صحیعے ہے وہ محض اُس ٹھہراؤ میں ایگ آدھ بات جو صحیعے ہے وہ محض اُنہیں معلوم پرتا ، ھمارا یہ خیال اُس بحث کو سلکر اُنہیں معلوم پرتا ، ھمارا یہ خیال اُس بحث کو سلکر اُنہیں کہا ہے اُنہیں میں ھوئی ۔

ا بحث کے دوران میں ایک بھائی نے کہا کہ سرکار نے ا اُجٹٹٹا کے هت میں کچھ بھی نہیں کیا ہے (جس پر اُمدر صاحب خفا ہوگئے اور پھر ان کے اصرار پر اُن بھائی

चौँड़ा साइनचोड कोका-कोला जैसी नशीली चीज का था जो जान नई नई फैशन में था रही हैं. हमें नहीं मालूम कि इन इरितहारों से स्वागत कमेटी ने कितना पैसा कमा लिया या यह कांगरेस के नये अन्ताज का—जिसे पंडित व्यवहर लाल नेहरू के लक्ष्यों में 'Approach' सममना चाहिये—नमूना थे.

कांगरेस वैसे तो 66 बरस की है लेकिन बाजादी की कार्ड़ के दौरान में कई बार इजलास न हो सकने की वजह से यह 57 वां इजलास ही था. इसके करने का फैसला पिछले सितम्बर के महीने में ही किया गया था जब कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की एक बैठक में पंडित जवाहर लाल नेहरू कांगरेस के सदर चुने गए. हमें वह दुख भरी कहानी सुनाने की खरूरत नहीं कि क्यों पंडित जवाहर लाल ने बिकेंग कमेटी से इस्तीफा दिया, किस तरह पिछले सदर बाबू पुरुशोत्तम दास टंडन ने अपनी विकेंग कमेटी को बदलने से इनकार किया और फिर किस तरह टंडन जी ने इस्तीफा दिया. लेकिन यह खरूर कहेंगे कि कांगरेस वालों ने महसूस किया कि इसकी खस्ता हालत में जवाहर लाल के अलावा कोई दूसरा चारा उनके पास नहीं है और इसलिये वह यह जानमा चाहते थे कि इस मौक्रे पर पंडित जी का हमारे लिये कया संदेश या हुक्स है.

कांगरेस इजलास का दस्त्र है कि शुरू में सबजेक्ट कमेटी की बैठक होती है जो वर्किंग कमेटी के तैयार शुदा उहराबों पर गीर बहस करके बन्हें खुले इजलास के लिये सुकन्मल बनाती हैं. सबजेक्ट कमेटी की यह बैठक 17,18 तारीख को सुबह के वक्त हुई. 17 की सुबह जब बैठक शुरू हुई तो पिछली रात की द्दंभरी घटना—रावलपिंडी में एक पागल का पाकिस्तान के बड़े बजीर नवाबजादा कियाक्रत झली खां को मार देना—का असर सब के दिल पर था और खास कर पंडित जवाहर लाल के दिल पर जो इचर कई महीनों से ऐसी किरके वाराना और जंगली ताक्रतों के सिलाफ लड़ने का बीड़ा उठाए हुए हैं.

पंडित जवाहर लाल ने अपनी शुक्र की स्पीच में ही दुनिया की बदलती हालत की चर्चा की, बताया कि इसमें दिन्दुस्तान क्या पार्ट खेल रहा है और इसके अन्दर कांगरेस का क्या फर्ज है. उन्होंने कहा कि कांगरेस के सामने हाल में होने वाले जुनाव ही सब कुछ नहीं हैं, वह महज उसके सौ कामों में से एक काम है, बाक़ी काम हैं जनता के बीच में जाना और उसके दिल में तरह तरह की खेवाओं से घर बनाना. लेकिन हमें यह तसलीम करना चाहिये कि सबजेक्ट कमेटी के मेन्बर भाई लोग कमेटी की कारवाई पर ध्यान ब हेकर अलग अलग गुटों में बैठकर आपस में मिसकीट कर रहे थे और जुनाव का मूत उन पर सवार था. शायह

راسائن ہورۃ کوکا کولا جھسھی کشیلی جھیز کا تھا جو آب نئی فیشن میں آرھی ہے ، ھمیں نہیں معلوم که ان ہاروں سے سواکت کمیٹی نے کتنا پیسه کما لیا یا یه ریس کے نئے انداز کا—جسے پنڈت جواھر لال نہرو کے میں 'Approach' سمجھنا چاھئے — نمونہ تھے۔

کانگریس ویسے تو 66 برس کی ہے کہ لیکن آزادی کی وجہ کے دوران میں کئی بار اجلاس نہ ھو سکنے کی وجہ ہرکے واں اجلاس هی تھا جب کل فیصلہ پچھلے ہرکے مہینے میں ھی کیا گیا تھا جب کل هند کانگریس کی کی ایک بیٹھک میں پندت جواهر لال نہرو یس کے صدر چنے گئے . همیں وہ دکھ بھری کہائی یس کے صدر چنے گئے . همیں پندت جواهر لال نے کی فرورت نہیں که کیوں پندت جواهر لال نے نہ کی فرورت نہیں که کیوں پندت جواهر لال نے نہ داس تندن نے اپنی ورکنگ کمیٹی کو بدلنے سے کیا' اور پھر کسطرے تندن جی نے استعفی دیا ، کیا' اور پھر کسطرے تندن جی نے استعفی دیا ، یہ فرور کہینگے که کانگریس والوں نے محصوس نے اسکی خستہ حالت میں جواهر لال کے ملارہ کوئی ا چارہ ان کے پاس نہیں ہے اور اسلئے وہ یہ جاننا ا چارہ ان کے پاس نہیں ہے اور اسلئے وہ یہ جاننا نے تھے کہ اِس موقعے پر پندت جی کا همارے لئے کیا ہیں موقعے پر پندت جی کا همارے لئے کیا ہیں موقعے پر پندت جی کا همارے لئے کیا

بانکریس اجلاس کا دستور ہے' شروع میں سبچکت کی بیٹیک ہوتی ہے جو ورکفگ کمیٹی کے تیار شہہراوؤں پر فور پنجش کر کے آنہیں کہلے اجلاس کے مکمل بناتی ہے سبجکمت کمیٹی کی یہ بیٹیک اُل تاریخ کو صبح کے وقت ہوئی ۔ 17 کی صبح بیٹیک شروع ہوئی تو پچہلی رات کی درد بہری اُل کا پاکستان کے بڑے نواب زادہ لیاقت ملی خان کو مار دینا — کا اثر کے دال پر تیا اور خاص کر پندت جواہر لال کے دل و اِدھر کئی مہینوں سے ایسی فرقے وارانہ اور جنگلی ور کے خلاف لونے کا بیجا اُتھائے ہوئے وارانہ اور جنگلی

نقت جواهر قال نے اپنی شروع کی اسپیچ میں هی بیالتی حالت کی چرچا کی، بتایا که اِس میں کی بدلتی کیا پارٹ کییال وها ہے اور اِس کے اندر کانگریس فرخی ہے ۔ اُنہوں نے کہا که کانگریس کے سامنے حال هونے والے چفاؤ هی سب کچھنہیں هیں، وہ معتشاً کی کاموں میں سے ایک کام ہے، باقی کام هیں جنتا کے میں جانا اور اُس کے دل میں طرح طرح کی سے گھر بنانا ۔ لیکن همیں یه تسلیم کرنا چاهئے سے گھر بنانا ۔ لیکن همیں یه تسلیم کرنا چاهئے ہیں نه دیے کر افک افک کتوں میں بیٹھکر آیس میں یائی نور ویے تھے اور چناؤ کا بھوت اُن پر سوار تھا ۔ شاید عاکر ویے تھے اور چناؤ کا بھوت اُن پر سوار تھا ۔ شاید

त्यारे जाकिर, मैं अपना गिलास एठाता हूँ और अब वह गितास मेरे वाएं हाथ में है और दाएं हाथ से अब में तिख रहा हैं.

> तुम्हारा अपना ही नन्द किशोर मेहरा

तेखक-भ. दी.

يهارت دُاكو مين اينا كلس أتهانا هور أور أب وه اللبس مهري بائيس هاته ميں هے اور دائيس هاته ہے اب مُنهُنَّ لكه رها هون .

تمهارا أينا هي نند کھور مہرا

्दिल्ली कांगरेस

कांगरेस के दोस्त हों या मुखासिफ, श्रकसर लोगों को शिकायत है कि इस बक्त जब कांगरेस के पास कोई नई बात कहने को नहीं थी तब इतना बढ़ा जलसा करके लाखों रुपए बहाने की क्या जरूरत थी. लेकिन हमारा खयाल है कि कांगरेस अब तक जिन्दा है तब तक उसे अपना सालाना इजलास करने की परम्परा कायम रखनी चाहिये. मगर श्रहमदाबाद में कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की 29,30 जनवरी वाली बैठक में जो कांगरेस का नया विधान बना है उसमें कांगरेस इजलास और चुनाव हर दूसरे साल करने का तय पाया जो एक बदकिसमती का फैसला है, खास कर आज कल के जमाने में जब दुनिया के हालात तेजी से बदल रहे हैं. हमें यक्रीन हैं कि अगर साल दर साल का तरीक़ा जारी रहता तो न पंडित जवाहर लाल नेहरू को वर्किंग कमेटी से इस्तीका देने की जरूरत पड़ती और न कांगरेस के अन्दर इतनी बेलुत्की पैदा होती जो पिछले दो महीनों में हुई. लेकिन अगर हर इजलास के मौक्ते पर कांगरेस के पास नई चीज ऐसी नहीं है जो वह मुल्क के आगे पेश करे तो यह कांगरेस के बुढ़ापे की बालामत है.

दिल्ली कांगरेस नई दिल्ली में बड़े वजीर के बंगले से चन्द फरलांग की दूरी पर 17, 18,19 श्रक्तूबर को हुई-उस जगह का नाम दिल्ली की एक बहादुर और जांनिसार वेटी के नाम पर सत्यवती नगर रखा गया था. वैसे इस जगह पर विदेशी राज दूतों की बस्तियां बसने वाली हैं. देखते ही ओ इस कांगरेस की खास बात मालूम पड़ती यी वह यह कि तुमायश नाम की चीज का इस मरतवा कहीं पता ही नहीं है. इधर कई बरस से नुमायश कांगरेस इजलास का खास हिस्सा सममी जाती थी. शायद समय की कमी की वजह से स्वागत कमेटी उसका बन्दोबस्त नहीं कर सकी, क्षेत्रिन हमें यह देखकर हैरत हुई कि सत्यवती नगर में भुसते ही को बड़े बड़े साइन-बोर्ड दिखते थे वह दिल्ली के सिनेमाओं के इरितहार थे और एक बढ़ा सम्बा

ںلی کانگریس

کانگریس کے دوست ہوں یا مضالف اکثر لوگوں کو شکایت ہے کہ اِس وقت جب کانگریس کے پاس کوئی نگی بات کہنے کو نہیں تھی تب اتنا ہوا جلسہ کرکے لابهوں ردیے بہائے کی کیا ضرورت تھی . لیکن همارا خیال هے که کانگریس جب تک زندہ هے تب تک اُسے اینا سالانہ أجُلاس كرنے كى يرميرا قائم ركهنى چاهئے . مكر احمدآباد میں کل هند کانگریس کمیڈی کی 29,30 جنوری والی بهالهک موں جو کنگریس کا نہا ودھان بنا ہے اُس میں کانگریس اجلاس اور چشاو هر دوسرے سال کرنے کا طے یایا جو ایک بدقسمتی کا فیصلہ ہے ' خاص کر آجکل کے زمانے میں جب دنیا کے حالات تیزی سے بدل رہے ھیں . ھیں یقهن هے که اگر سال در سال کا طریقه جاری رها تو نه پنگٹ جواہر لال نہرو کو ورکنگ کمیٹی سے استعفیل دیتے کی ضرورت پوتی اور نم کانگریس کے اندر اتلی بے لطفی پیدا هوتي جو پچهلے دو مههنوں مهن هوئي آليكن اگر هر الجُاس کے مرقعے پر کانکریس کے پاس نگی چھڑ ایسی نہیں ہے جو وہ ملک کے آکے پیش کرے تو یہ کانگریس کے بڑھائے کی علامت ھے .

دلی کانگریس نگی دلی میں ہونے وزیر کے بفکلے سے چند فرانگ کی دوری پر 17,18,19 اکتوبر کو هوئی --آس جگه کا نام دلی کی ایک بهادر اور جال نثار بیتی کے قام پر ساته وتی نگر رکها گها تها. ویسے اس جاکه پر ودیشی وأبع دوتوں کی بستھاں بسلے والی میں دیکھتے می جو أُسُ كَالْكُريس كي خاص بات معلوم پوتي تهيوه يه كه نمائش نام کی چیز کا اس مرتبه کیس پته هی نبیس عُ أُوهُو كُلِّي برس سے نمائش كانكريس أجلاس كا خاص حُصَّة سمجهى جاتى تهي. شايد سي كي كبي كي وجه سے سوالت کمیدی اس کا بلدوبست نہیں کرسکی ، لیکن هُنهَن يَهُ ديكهكر حيرت هوئي كه ستههرتينكر مين گھسکے ھی جو ہوے ہوے سائن بورات دانھتے تھے والا داری کے سلیماؤں کے اشتہار تھے اور ایک بوا لمبا

बहुबक्त हाबरी, अब तू मुक्ते क्या देख रही हैं. ले मैं तेरे खारे इन पंक्षों को नोचे लेता हूँ जो कम्बखा इतना भी उड़ना नहीं जानत कि मक्ते वे मक्ते फैंब कर तुमे उड़ा ले आएं और मुक्ते कभी कोई ज़रूरी बात की याई दिला दें. जब यह पंख इतना भी काम नहीं कर सकते तो इन का होना न हाना बेकार. लो, मैं तुम्हें चीर चीर कर बिखेरता हूँ, और अभी ता क्या, अभी तो मैं तुम्हें आग के सुपूर्व करूगा. मैं दुनिया में तुम्हारा कोई भी निशान न रहने दूंगा. तुमने मुक्ते रमजानी की नज़र में गिरा दिया, इतना ही नहीं तुमने मुक्ते शीला, शंकर और उन की मां की नज़रों में भी गिरा दिया.

पे याद, तू यह कह कर बच नहीं सकती कि तू मेरी डायरी छीन कर ले गई थी, यह दलाल मेरी है. अब तू मेरी दल्लील लेकर मेरा मुक्तावला नहीं कर सकती. मेरे दिमारा में तेर रहने के लियं वे किराए की कोठरी सिर्फ इसा काम के लिये तो मिली है कि तू वक्त बे वक्त मेरे काम आप और मुक्तसे ऐसी वे इनसाका न होन दे जैसी आज हो गई. मैं यह हरांगज मानने का तैयार नहीं कि तू रौर हाजिर था. तू रौर हा।ज्र हाना तो जानता हा नहीं. हां, सू अपनी और सहितयों से बातों में लग जाने मे होशियार है और जब कोई उन सहेलियों से बातें करने लगे तब तू मद आ कृरती है. मैं जानता हूँ आज तू ज़रूर किसी सहेली या सहेलियों के साथ रगरितयां मना रही होगी तभी तो ज्रा सी भूत से तूने मेरी इज्जत को साक में मिला दिया और सब की नज़रों में नीचे गिरा ब्या. डायरी बेजान है असे माक किया जा सकता था, पर त् तो जानदार है, तुमे माफ नहीं किया जा सकता हां, मुक्ते मालूम है कि तरी और मेरा एक जान है पर में आज तेरा जान तन के लिय उस तरक ध्यान ही न दूंगा बलिक तेरी बान लेकर में अपनी जान भा ले लूँगा. जान से भी जियादा प्यारी चीज है आबरू. आबरू गई ता जान का होना न हाना बेकार. आदमियत बरीर आदमा कैसा, इनसानियत बग्नेर इनकान केसा और आवरू बग्नेर जान केसी.

धे बाद, बस अब तू तैयार होजा और अपने मरने से पहते जिस को तुमे याद करना हो याद कर तो. पर क्या तू इस क्रावित रह गई है कि किसी को याद कर सके.

में डायरी कौर याद को कोसने में इतनी बुरी तरह लगा कि मैं रमजानी के बार में कुछ सोच ही न पाया. बस मेर मन ने यह मान लिया कि अब कुछ नहीं हो सकता और जीते जा अब यह चेहरा इस क्रांबल नहीं है कि उसे रमजानी ता क्या उस के बच्चे और उन बच्चों की मां भी उसे देख सके سارے آن پلکھوں کو توجے کہا دیکہ رھی گے۔ آئے میں سارے آن پلکھوں کو توجے لفتا ھوں جو گدیشت اتفا آونا نہیں جانتے کہ موقعے یہ موقعے پھیل کو تجھے لے آٹیں اور مجھے کبھی کوئی ضروری بات کی یاد دلا . جہب یہ پلکھ انفا بھی کام نہیں کو سکتے تو اِن کا نہ ھونا بیکار . لو' میں تمہیں چیر چیر کر پکھیرتا اور ابھی تو کھا' ابھی تو میں تمہیں آگ کے سیود و . میں دنیا میں تمہارا کوئی بھی نشان نہ رھنے ، میں دنیا میں تمہارا کوئی بھی نشان نہ رھنے . تم نے مجھے رمضانی کی نظر میں گرا دیا' انفا ھی تم نے مجھے شیلا' شنکر اور اُن کی ماں کی نظروں ، بھی گرا دیا .

اے یاد' تو یہ کہکر بچ نہیں سکتی کہ تر سیری ے چھھین کر لے گئی تھی' یہ دلیل میری ہے ۔ آب تو ن دلیل لے کر میرا مقابلہ نہیں کر سکتی ، میرے میں تیرے رہتے کے لئے بے کرائے کی کوٹھری صرف اسی کے لئے تو ملی ہے کہ تو وقت ہے وقت میرے کام آئے جه سے ایسی بے انصافی نه هونے دے جهسی آج نے ، میں یہ هرکو مانکے کو تھار نہیں که تو غیر حاضر -بتو فهر حاضره ونيا تو جانتي هي نهيس . هان تو أيذي اور المهول سے باتوں میں لگ جائے میں هوشهار هے ، اور جب أن سهيلهورس باتهى كرنے لكے تب تو جهت أ كودتى مهن جانتا هون آج تو ضرور کسی سههلی یا سههلیون ساته رنگ رلهان سفآ رهی هوگی تبهی تو فرا سی بهول و نے مھری عزت کو خاک میں ملا دیا اور سب کی ں میں نیجے کرا دیا . قائری بے جان ہے اُسے معاف جا سكتا تها هر تو تو جان دار هے ا تجهے معاف نهيں جا سكتاً . هان مجه معلوم هے كه تدرى اور مهرى ، جان هے پر میں آج تیری جان لینے کے لئے أس ے دھیان ھی نه دوں کا بلکھ تھری جان لےکو میں ایلی ، بھی لے لس کا . جان سے بھی زیادہ پیاری چیز ہے . أبرو كدي تو جان كا هونا نه هونا بهكار . أدمهت ر آدمی کیسا انسالیت بغیر انسان کیسا اور آبرو بغیر ن کیسی'۔

اے یاں' بس اپ تو تھار هوجا اور ایے صرفے سے پہلے کو تصفے یاد کرنا هو یاد کو لے ، پر کھا تو اس قابل ٹی ہے کہ کسی کو یاد کر سکے ،

میں قائری اور یاد کو کوستے میں انٹی بری طرح لگا میں رمضائی کے بارے میں کچھ سرچ ھی نہ یایا . میرے میں نے یہ مان لیا کہ اب کچھ نہیں ھوسکتا جیتے جی اب یہ چہرا اِس قابل نہیں ہے کہ اِس باتی تو کیا اُس کے بچے اور اُن بچرں کی ماں بھی

(《雄) 51章

المعلق الله الماليم عرفها كدر الماس والمنافر من لله الروا إلى سلسلى مين به يهي يعد لك الميا كه اً س کے پاس اور بھی کون گون چالدی کی چھڑیں برآمن موثى هين أور يه بهي معلوم هوگها كه رمضاني جهیزیی جوری کرنے کا اقرار کرتا ہے ، فون بقد کرتے کے بعد تهيي مقبت تك يهر مين أيلي ياد س كشتي لوتا رها . مگر میں یاد نے دس فیصفی بھی مدد نه کی که میں ید مان سکوں که میں نے وہ چالو رمضائی کو یادگار کے طور پر دیا قبا . میں سویے هی رها تبا که دروازے پر پهر تھائی کہ باہو جی آپ کی قائرین میں ہسپ کی لکھا مل کھا ، میں نے طرواوہ کھولا الوو فیلئی قائری پوهی ، اب یا، ایک هم قازه هوگلی اور ومقانی کی وهامی کا سارا سهن مهری آنکهوں کے ساملے کھا۔ اب عک کے لئے ذرا سی بھی جاتم نه وہ گئی۔ عبلا ع لقے دوبارہ پہر مهرا حكم هوا كه قم جاؤ ، ولا فوراً نوش هي ، اس بار پهلے کي طرح وه أداس نهيں توي ، ا کہ بھیرے پر سعائی کی کھوچ کی خوشی لہریں سار رهی تھی۔ میں نے دیوازہ پھر بند کر لھا ۔

والزر الكهفا كفاه هي كفاه . وَأَنْرَى الْكَهِفَا يَادُوالْسُتَ ي فعاب مين بلد كر دينا هي . سب تصور اس دائري كا ہے۔ اگا منہیں کے قائری تع لاہی ہوتی تو یہ پاتیس میں عمهی نه بهولتنا ، اور آب اتقا بوا طلم مهرے هاتهوں نه عوا هونا جو مين كو بيتها هون . جهون لال مهوا دوست ي پر ولا مهري طرح مسلمانون کا دوست تو نهين هـ . ومضائي معجم بهاليجهسا يهارا هي يرجهان لال تو ومضاني كو ساتب سمجوعا هـ ، اور يهر وه يوليس كا أفسر هـ أسـ ای مقدمے کی جوہت سے کام' سچائی سے کھا سروکار ، اور منهن جهون لال كو كچه بهى كه ديله كا حقدار ببعي كهون؟ مولى نے جو بھان دیا ہے کسی دباؤ سے نہمن دیا' خوشی سر دیا ہے ، فلط بیانی میں مہرا قصور ہے اور پھر سب سے بياده قصور هـ إس قائري كا . يه كبيضت قائري ميري بياه كو اله ورقس مهل جدها بعقبى أور يهر مجهد الال آئی عبلا کی معرفت ، اور بتائے بھی آئی تو اُس وقت حب مين لي هاته ندًا جها اور اينا دسختي بهان پوليس السيكالم كي هاته سونميا چكا ، جب يه دالوي يه جان تهني تو يه کنبخت يے جان هي کيون ته بلي رهي . اور الكريه بولى هي تهي تو شية سر كيون بولي ، منجه سر بَوْلَعَيْ * مَهِرِي قَالُرِي تَهِي . شية دَائِرِي نَهِينَ وَلَهِا إِنَّ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّ المُعْيَدَ السكى يناك ةالرس كا كام ديقي هـ أور ولا زنده رايير مهور زايق بالرس كرياد بهول بيتها كهونكه يه كميخت غائرین میوری یاد معهد سے جدون چکی تھی، اے

होता बाद के बंद माद्य हो गया कि असामी रमवानी ी है. और इसी सिकासिके में यह भी पता करा गया कि सम्बे पास और भी कौन कौन चांदी की चीजें बरा-ह हुई हैं और यह भी मालूम हो गया कि रमजानी विज चोरी करने का इक्तरार करता है. श्रोन वन्द करने के ाव तीन मिनट तक फिर मैं अपनी याद से कुरती लड़ता हा. मगर मेरी याद ने दस फीसदी भी मदद न की कि बह मान सक् कि मैंने वह चाक रमजानी को यादगार तीर पर दिया था. मैं सोच ही रहा था कि दरवाजे पर हर थाप पड़ी चौर शीला बाहर से जिल्लाई कि बाबूजी गपकी डायरी में सब कुछ जिला मिल गया. मैंने द्रवाजा ोला और डायरी पढ़ी. अब याद एक दम ताजा हो गई ीर रमजानी की विदाई का सारा सीन मेरी आंखों के । मने आ गया. अब शक के लिये जरा सी भी जगह रह गई. शीका के लिये दोबारा फिर मेरा हुक्म हुआ त्म जाभी, यह फीरन चल दी. इस बार पहले की तरह इ ब्हास नहीं थी. उसके चेहरे पर सच्चाई की खोज की शी लहरें मोर रही थी. मैंने द्रवाचा फिर वन्द कर या.

बायरी लिखना गुनाह है गुनाह. बायरी लिखना क्वारत को किताब में बन्द कर देना है. सब क्रुसूर इस परी का है, अगर मैंने खाबरी न लिखी होती तो यह तें मैं कभी न भूलता और भाज इतना बड़ा जरूम मेरे यों न हुआ होता जो मैं कर बैठा हूँ. जीवन लाल मेरा ल है पर वह मेरी तरह मुसलमानों का दोस्त तो नहीं रमकानी मुक्ते बेटे जैसा प्यारा है पर जीवनलाल तो बानी को सांप सममता है, श्रीर फिर वह पुलिस का म्बर है. उसे अपने मुक्दमें की जीत से काम, सचाई से सरोकार. और मैं जीवनलाल को कुछ भी कह देने का ार भी अपों ? मैंने जो बयान दिया है किसी दवाव से दिया. खुद्धी से दिया है. राजव बयानी में मेरा कुसूर है फिर ह ज से जियादा कू सूर है इस डायरो का. यह **उत डायर, केंद्री याद का अपने बरकों** में जिपा बैठी फिर सुमे । कामे आई शोला की मारफत. और बताने पाई तो इस कः एव अब मैं अपने हाथ कटा चुका और ा व्स्तिती बबान प्रकास इन्स्वेक्टर के हाथ सींप चुका. रह बावरी बेजान थीं को सह कम्बखत बेजान ही क्यों री रही. चौर अगर भ'ह बोबी हो थी तो शीला से क्यों े मुक्तसे बोलती, मेरी जायरी थी शीला डायरी नहीं ी इसिलये उसकी बाद डा परी का काम देती है और ज़न्दा डायरी है. इसने मेरी शायरी की याद शीला को ंदा और मैं अपनी झवरी की पाद भूत बैठा क्योंकि क्रवर्कें कावरी मेरी बाद गुक्त से छीन चुकी थी. ऐ

मैं जपनी सक्ती की कह कात सुन कर सक रह बया। मैंने इसके जवाब में इक्ष न कहकर शीका से कही कहा कि जफहा काव सुम आको. और इस मेरी चावाज में हुक्स की इतनी सकती मौजूद थी कि वह कौरन उठ कर बस दी. इसके जाने के बाद मैंने कमरे का द्रवाचा बन्द कर सिया.

काइकी के इस बयान से मेरी बाद कुछ हरी तो हुई पर की यह तय न कर पाया कि सचमुच मैंन यह चाक़ रमजानी को पाकिस्तान चलते वहत इनाम या यादगार के रूप में दे दिवा था. अब मेरे दिल का यह हाल था कि वह कसी यह कहता था कि हां दिया तो या कौर कभी यह कहता था कि नहीं विलकुत नहीं दिया था. इनाम में मिला 🦥 चाक कहीं इस तरह दिया जा सकता है. हां, एक चात जरूर है कि इस चाक़ को मैं न शीला का देता था और न शंकर को. यहां तक कि शंकर की मां को भी इस चाकू को देते हुए मैं किमकाश था. पर न जाने क्यों रमजानी के हाथ में देत सुमे न कोई मिमक होती और न मैं कुछ सोच में पद्ता था. शायद इसकी यह वजह रही हो कि रमजानी इसको ठीक तरह से रखता था चौर उसका ठीक ठाक इस्तेमास भी जानता था. फिर यह सब वातें इस बात का समृत नहीं हैं कि मैं इस इनामी चाक़ को रमजानी को दे बाबूँ. ऐसी प्यारी चीज़ किसी दूसरे को नहीं दी जा सकती जब सक कि उससे जियादा प्यारी बात मेरे सामने न ही. इसी तरह सोषते सोषते मुक्ते यह भी याद चा गया कि रमकाबी की जुदाई के वक्षत मेरी आंखें कर हो गई बी पर चाक देने की यह भी काई कोरदार दलील नहीं भी. अला चाक् भी कोई चीज़ है जो ऐसे मौके पर दिया आय. मैं जितना भी सोचता था इसी नतीजे पर पहुँचता था कि बह चाक मैंन रमज़ानों का नहीं दिया. बहुत साचने पर इतना याव भाया कि रमजानो के सकते बन्नत मैंने करार कोला था और उसमें से रमजानी को देने के लिये पांच राये निकाले थे. रुपए, नीट नहीं. तब चाक् हरार में आ और रुप्य चास् के नीचे थे. चाक् इस कर रुप्य विकासे थे. पर चाक हैने की बात याद के किसी कोने में हुँडे नहीं मिलती थी. बहुत सोचने पर भी मैं यह तय न कर पाया कि मैंने चाक रमजानी को दिया. शीका की कार में व शबने को तैबार ने था कि जिस वरह मेरी चगर वह कार सबत है कि मैंने समजानी को बाक, नहीं दिया तो शीता की यह बाद भी तो रालव हो सकती है कि मैंने रमजाना को क्रक हिया था। कौर किर वही क्या पता कि असामी रमजानी ही है, यह बाद न मैंने इन्स्पेक्टर साहब से पूछी भी बीए न श्रीका ही ने अपने बयान में बताई. यह ध्यान में आते ही 🙀 पुरिष्ठ स्टेशन को कोन किया और थोड़ी देर में

مَهُنَى الْهِلَى الْوَلِّي كَيْ يَطْ فِالْفَلْ سَنِ كُو سَفِيعَ وَالْ كَفِلْ . مَلْهِنَ سَ كِلْ يَعِوْلُبُ مَيْنَ كَجِهِ لَهُ كَهِكُو اللّهَالَّا شِي يَهِي كَها، كَهُ يَا اللّهِ تَمْ عِلْوٌ . أور أس مهري آواز مين حكم كي أتلى يَعْ مَوْجُوبُهُ قَهِيَ كَهُ وَهُ قُوولًا أَنْهَكُو جِلْ دَيْ . أَسَ كَا يَعْيُ مَوْلُوا يَعْدُ دُو لَهَا .

لوکی کے اس بھان سے مہری یاد کچھ ھری تو ھوٹی جی یہ طیے نه کر پایا که سے میے دیں نے یه چاقو یرانی کو پاکستان چلتنے وقت انعام یا یادگار کے روپ ں دے دیا تھا . اب میرے دل کا یہ حال تھا که وا بی یه کهما تها که هال دیا تو تها اور کبهی یه کهما ا كم نهيل بالكل نهيل ديا تها ، انعام مين ملا جاقو ھن اس طرح دیا جا سکتا ہے ، هاں ایک بات ضررو كة أس بهاقو كو ميس نه شية كو ديدًا تها أور نه شفكر ، یہاں تک که شلکر کی ماں کو بھی اس چاتو کو بير هوئے میں جهجهکتا تھا ، پر ته جانے کیوں رمضانی ، عاله مهن ديلي منهم نه كركي جوجهك هولي أور ، مهن کنچه سوچ مهن پوتا تها . شآید اِسکی یه وجه می هو که رمضانی آسکو تهیک طرح سے رکھتا تھا ، ر اس کا تھیک تھیک استعمال بھی جانتا تھا ، ہر یہ سب باتیں اس بات کا ٹبوت نہیں میں کد بیں اس انعامی جاتو کو رمضانی کو دیے ڈالوں ، یسی پهاری چیز کسی دوسرے کو نهیں دی جا سکتی جب نک که اس سے زیادہ پیاری بات مورے ساملے نه الله ، اِسی طرح سوچتے سوچتے مجھے یہ بھی یاد آلیا کہ رمضائی کی جدائی کے وقت مہری آنکھیں تر ہوگئی لهیں پر چاتو دیائے کی یہ بھی کوئی زوردار دلیل نہیں تهي . پهڻا چاقو يهي کوئي چهنز هے جو ايسے موقعے پر ديا جائے . میں جعفا بھی سوچتا تھا اسی نعمتے پر پہنچتا تها که وه بهاقو میں نے ومقانی کو نہیں دیا ، بہت سوچتے پر انتا یاد آیا که رمقانی کے چلتے وقت میں نے قرار کھولا تھا اور اُس میں سے رمضانی کو دیلے کے لگے پالیج روپے شکالے تھے ، روپے' نوطا نیہیں ، لب جاقو ڈرار میں تیا آور روپے جاتو کے نیٹھے تھے ، جاتو مٹا کو روپے نالے تھے ۔ پر بھاقر دیائے کی بات یاد کے کسی کوئے منیس قطلقه نهی ملعی تهی . بهت سوچل پر ایمی میں یم طیے تم کو پایا کہ میں تے چالو ومقالی کو دیا ، عبلا عی پات میں یوں ماللے کو تیار تد تیا کہ جسطرے موری اگر یہ یاد قلط ہے که مهی نے زمضائی کو جاتو نہیں دیاتو شها کی یه یاد بهی تو فلط هوسکتی هے که میں فرانشانی كو بهاقته دنيا تها ، أور يهر يهي كيا يقد كد أساسي ومضاني من یہ بات نہ میں نے انسپکٹر صاحب سے بوجھی لی اور الله نفية عي له اله بنهان منهن بعالي ، يه دعهان منهن المرسى في المرافض المعلق المرافق المرافع المرافع المرافع المراف المرافع المراف

भीते बहा न कि एक असामी की उकाही में मिना है. वह हवालात में है. मैं कल ही उस को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने वाला हूँ."

"यह है कीन जो सिर्फ मेरा चाक चुरा ले गयो. मेरे कमरे में चाक से जियादा कामती और जियादा हलकी दिसियों ऐसी चीजें हैं जिनमें से किसी एक को भी ले जाता तो आसानी से कहीं बेच कर अच्छे दाम उठा लेता. यह अजब बेवक क चोर है जो उठा कर ले गया मेरा इनाम में मिला चाक . बेशक उसने मेरी प्यारी चीज चुरा कर मुक्ते तकलीक तो दी पर खुद उसके तो कुछ हाथ न आया."

"डाकू सोने की चीजें छोड़ कर बन्दूक छौर कारतूस पर सब से पहले हाथ मारते हैं और गठकटे छोर मामूली चार चाक केंची को आपकी घड़ी से जियादा क्रीमती सममते हैं."

"तो क्या मेरा चाक्र गिरहकटों के काम का है. यह तो भाई क्रजम तराश है क्रजम तराश."

"ते ज तो है, जेव तराश का काम भी दे सकता है."
इस तरह थोड़ी देर गप शप हांक कर खोर मेरा
बयान ले कर जीवन लाल जी चन दिये.

श्रमी उनको गए हुए श्राधा घंटा भी न बीता होगा कि मेरी बड़ की शोला कालिज से वापन श्रा पहुंची, श्रीर सीधी मेरे कमरे में बाई और मुक से बोली:—

"बाबूनी! बह आपका चांदी का चाक्रू तो मैंने आज पुलिस इंग्पेक्टर जीवन लाल के हाथ में देखा, वह उसकी हमारी प्रोफेसर नन्दनी को दिखा रहे थे. वह उसके भाई होते हैं न. बाबूती, जब मेरी नजर उस चाक्क पर पड़ी तो मैं पूछ बैठी कि यह चाक आप के पास कैने. यह चाक्क ता हमारे बाबुजो ने रमजानी को उस बक्त इनाम में दे दिया था जब वह पाकिस्तान के लिये रवाना हो रहा था. इस चाक्रूको तो हमारे बाबूजी हमारे हाथ में भी नहीं देत थे. इस चाक से तो उनका चपरासी रमजानी ही उनकी पेनिसल बनाया करता था. यह आप के पास कैसे आ गया. क्या उमने आ(पको बेच दिया? और यह आपके पास कब से हैं? बाबूजी, इसके जवाब में जीवन लाल जी ने सिर्फ इतना ही कहा कि नहीं नहीं, तुम रानती पर हो. तुम्हारे विताजी के कमरे से यह चोरी हुआ है और हम उन से अभी पूछ कर आ रहे हैं. वह बाक्क कोई और होगा जिसकी तुम बात कर रहा हो. बाबुजी, मैंने वह बाक्तू उनसे फिर देखने के लिये मांगा पर उन्होंने मुक्ते नहीं दिया. श्रीर न कुछ आगे श्रीर बताया, भौरून बढकर सीधे पुलिस स्टेशन चल दिये.''

المنظور لے کہا۔ تھ کہ ایک اسامی کی فاض میں ملا ان وقیموالیہ میں ہے ، میں کل ھی اسکو معساریت کے سامنے بھی کرنے والا ہوں ۔''

گمرے میں چاقو سے زیادہ قیدتی اور زیادہ هلکی دسیوں گمرے میں چاقو سے زیادہ قیدتی اور زیادہ هلکی دسیوں آیسنی چیزیں هیں جن میں سے کسی ایک کو بھی لے جاتا تو آسانی سے کہیں بیچ کر اچھے دام اُٹھا لیکا . یہ عجب بیوتون چور ہے جو اُٹھا کو لیا میرا اُنعام میں ملا چاقو . بیشک اُسٹے میری پیاری چیز چرا کر سجھے تعلیف تو دی پر خود اُسکے تو کچھ هاته نه آیا ."

''آآکو سونے کی چھڑیں چھوڑ کر بغدرق اُور کارتوس پر_{وہ} سُپ سے پہلے ھاتھ مارتے ھیں اُور کٹھکٹے اُور معمولی چور چالو قیلچی کو آپکی گھڑی سے زیادہ تھملای سمجھٹے ھیں ''

۔ ''تو کہا مہرا چاتو گرہ کٹوں کے کام کا ھے ۔ یہ تو بھائی قلم تراہی ہے۔''

''تہز تو ہے' جیب تراهی کا کام بھی دے سکتا ہے ۔'' اس طرح تھوڑی دیر گپ شپ ھانک کر اور مھرا جھان لے کر جھوں لال جی چل دیگے .

اہمی اُن کو کئے مرئے آدھا گھنٹھ بھی نہ بیتا ھوگا کہ مہری لوکی شیلا کالیم سے واپس آپہنچی' اور سیدھی مہرے کرے میں آئی اور مجم سے بولی :---

"بهابو جي ! ولا آپ کا چاندي کا چاٿو تو ميں لے آج پوٹیس انسپکٹر جیون لال کے هانه میں دیکھا^ک وہ اُسکو هماری پروقهسر ندونی کو داها رهے تعے، وہ اُس کے پہائی ہوتے میں نه ، بابوجی جب میری نظر اُس خهاقو پر پوی تو میں پوچھ بیٹنی که یه چاتو آپ کے پاس کیسے ، یہ چاقو تو همارے باہو جی نے را فعانی کو اُس وقت انعام میں درے دیا تھا جب وہ پاکستان کے لیے روانہ هو وها تها . اس چالو کو تو همارے بابو جی همارے هاته مهی بهی نهیں دیاتے تھے. اِس چانو سے تو اُن کا چپراسی ومقانی می ان کی پدسل بدایا کرتا تھا . یه آپ کے پاس لیسے آلها آکها اس نے آپ کو بیچ دیا ؟ اور یہ آپکے پاس لب سے مع ؟ يابو جي اسكے جوآب مهن جهون الل جي إِنْ مَتَرَفَ اللَّهُ هِي كَهَا لَهُ نَهِينَ نَهِينَ ۖ ثَمَ فَلَطَّى يُرَاهِو . سیارے پعاجی کے کسرے سے یہ جدری هوا هے اور هم اُن الهي پوچهکر آره هين ، ره چالو کرځي اور هوکا جس و تم پایس کر رهی هو . بابو جی میں نے وہ چاقو اُن ی پھر دیکھئے کے لئے مانکا پر اُنھوں نے محمد نہیں دیا . والقد كويه آكراور بعايا فورا أتهكر سيده يوليس استهشن

कहां सका. वह तो यहीं रहा और आज भी यहीं है, पर कहां और किस तरह से हैं यह तुम्हें मेरे खत में आगे चल कर मालम होगा.

11 नवम्बर को न जाने क्यों मुक्ते उस चाक़ की याद हो आई जो मुक्ते दौड़ में अञ्चल त्राने पर इनाम में मिला था और जिसका दस्ता चांदी का था और जिस पर तुमने कद ही अंगरेजी में मेरा नाम पन. के. मेहरा खुदवाया था. यह भी तुम जानते ही हो कि वह चाक़ू मुमे किस कदर प्यारा था. बस मैं उस चाक्रू को अपने बक्स में तलाश करने लगा. बहुत तलाश किया न मिला, अपने कमरे की सब अलमारियां खोज डालीं, मेज के सब दराज देख डाले. भगर घर पर शीला या शंकर में से कोई होता तो उनसे भी पूछता पर वह दोनों सौर हाजिर थे. उनकी मां मुहल्ले में ही अपनी किसी सहेली के यहां गई हुई थीं. इस लिये मेरी पूछ ताझ की खाहिश मेरे मन में दब कर रह गई. मैं तलारा करने से न थका था न नाउम्मीद हुआ था, बराबर क्से इसर उधर ढूंढ रहा था. इतने में दरवाजे पर थाप पड़ी. जैसे ही दरबाजा खोला तो सामने नजर श्राए जीवन साल इंस्पेक्टर पुलिस. मैं पूछ बैठा कि जनाव इस वक्त कैसे भा टपके. वह बोले--''बैठिये, बैठिये, अभी सब क्रिस्सा बताता हैं.

"देखिये, यह चाक्रू आप का है?" चाक्रू जेब से निकाल कर मेरे हाथ में थमाते हुए जीवन लोल जी ने **€81.**

''है तो मेरा ही. मगर यह आप के पास कैसे पहुँचा? मैं तो दो घंटे से इसी की तलाश में पागल बना हुआ हूँ. इसके लिये मैंने कमरे की सारी चीजें उलट पुलट कर हालीं. कहिये तो काप इसे कब वठा कर ले गए थे?"

"स्तव! मैं उठा कर ले गया था. ऋरे भाई यह एक असामी के पास निकला है, उसके पास और भी कई बांदी की चीचें निकली हैं पर यह चाक तुम्हारे बार के साथी एक वकील ने पहचान लिया भीर उसी ने कहा कि यह बाक़ नंद किशोर मेहरा का है. मैंने उन के पास देखा था. इसे मैं ख़ब पहचानता हूँ और यह कि यह चाक उन्हें इनाम में मिला था और वह इस को बड़ी अरुखी तरह रखते हैं. इसितिये में इस चाक को ले कर आपक पास तहक्रीकात के लिये आया हूँ कि अगर यह चाक्क आपका ही है तो आप एक बयान तिखा दीजिये आर बन्नत पर गबाह के तौर पर अदालत में हाज़िर होने के लिये तैयार रहिये."

मैंते कहा-"वयान तो मैं जिस्ता दूंगा पर यह तो कहिये कि यह आपको मिला कहां ?"

ہاں سکا ، وہ تو یہوں رہا اور آج بھی یہوں ہے ، پر کہاں ر کسطرے سے مے یہ تمهوں مورے خط میں آگے جل کو

11 نومبر کو ته جانے کیوں مجھے اُس چالو کی یاد وآئی جو منجه دور مهل اول آنے پر انعام میں ملا ی اور جس کا دسته جاندی کا تها اور جس پر تم لے ود هی انگریزی میں میرا نام آین . کے . مہرا کهدوایا اً يه بهي تم جانته هي هو له ولا چاقو مجهم كس ، يهارا تها . بس مهن أس چاقو كو النے بكس مهن ی کرنے لکا . بہت تلاش کیا نه ملا . اینے کمرے کی ب الماريان كهوج قالهن مهز كے سب دراز ديكه قالے . . کہر پر شیلا یا شدکر میں سے کوئی ہوتا تو اُن سے بھی حهما يروه دونون فير حاضر تهي . أن كي مان معطي یں می ایدی کسی سہیلی کے یہاں گئی موثی تھیں ۔ ں لئے موری پوچھ تاچھ کی خواہش میرے میں میں ب اوره كُني ، مدى تلاهل كرنے سے نه تهكا تهانه نا أمهد ا تها برابر أسے إدهر أدهر دهرنده رها تها . انفي سهل مازے یو تھاپ یوی . جھسے ھی دروازہ کھولا تو ساملے لر آئے جهون لال انسپكتر پوليس . مهل پوچه بيتها جناب اس وقت كيسے آ تهكے . وه بول -- "بهته له يْبِيُّهُ ابهى سب قصه يتاتا هون .

''دیکھئے' یہ چاقو آپ کا ہے؟'' چاقو جیب سے نکال کر ہوے هاتھ میں تهماتے هوئے جیون لال جی نے کہا .

" هے تو مهرا هي. مگر يه آپ كے پاس كهسے پهونجا ؟ ی تو در کھنٹے سے اسی کی تلاص مھن پاکل بنا ہوا ں ۔ اس کے لئے میں نے کمرے کی ساری چیزیں ت يلت كر قالهن . كهائم تو آب إس كب أنها كر ل ، تھے ای،

الخوب إ مين أثها كر له كها تها . ارم بهائي يه ايك امی کے باس تکلا ہے' اُسکے باس اور بھی کئی چاندی ے چھڑیں نکلی ہیں' پر یہ چاقو تمہارے بار کے ساتھی اً وكيل نے پهجان لها اور أسى نے كها كه يه جاقو د کشور مهرا کا هے . موس نے اُن کے پاس دیکھا تھا۔ ، مير خوب بهجانتا هون آوريه كه يه جاقو أنهين الم مدى ملا تها اور ولا إسكو بوى أجهى طرم ركهتيم ن . اس لئے میں اِس چاقو کو لے کر آیکے پاس عقیقات کے لئے آیا ہرں کہ اگر یہ چاتو آبکا ہی ھے تو ، أيك بهان لكها ديجيئے وروقت پر موالا كے طور پر المت مين حاضر هونے كے لئے تهار رهليے ."

میں نے کہا۔۔"بھان تو میں لکھا دونا پر یہ تو کھٹے يه آپ او ملا کيال ۳۶

نوبير 51'

मह तो क्षम समझ ही को कि मैं यह अवस्ति करने में होई अन्द वाकी नहीं कर रहा कोर मैं तो अपने तजरबे की मुनियाद पर यह कह सकता हूं कि खुदकुशी जल्दवाजी में हो ही नहीं सकती. हाँ, यह किसी दरजे तक ठीक है कि खुदकुशी करने से पहले दिल व दिमाग को और भी जियादा वातें करने का मौका दिया जाया करता होता वो हो सकता था कि खुदकुशी से मरने वालों की तादाद कुछ कम हो जाती. किर भी वह इतनी कम न होती जिसकी बिना पर यह साबित किया जा सकता कि जलद बाजी से भी खुद कुशी की जा सकती है. खतरे के एक दम सामने माने पर जो खुद कुशियां होती हैं उन्हें दक्षत के लिहाज से जलद बाजी में भले ही गिन लिया जाय पर दिमाग के सोवने के लिहाज से उन खुदकुशियों के मौके पर भी दिमाग इतना ही सोच जाता है जितना इसने बहुत वक्षत जगा कर सोचा होता है.

मैं इस बहस को जियादा बढ़ाना नहीं चाहता, और अब मैं बोड़े से लक्ष्जों में तुमको यह बता देना चाहता हूँ कि मैं क्यों आत्म-हत्या करने जा रहा हूँ.

तुम यह खत मेरे भाई ईश्वर दलको भी दिखला देना. गौर यह लिखने की खरूरत नहीं कि धागर वह घवराने हो तो तुम इसे समका देना, भौर तुम हर तरह इस काबिल तो हो ही.

अब मेरी सुनो.

मेरे चपरासी रमजानी को तुम बच्छी तरह से जानते होगे. वह कितना छोटा मेरे पास आया था और किस रह घर भर ने उसको प्यार से अपनाया था. शंकर ही मां उसको शंकर जैसा ही प्यार करती थी और शंकर ही बड़ी बहन रमजानी को कितने प्यार से भच्या कह हर पुकारता थी और तीज-स्थोहार के मौक्रों पर रमजानी हे साथ पेसा ही ब्योहार करता थी जैसा शंकर के साथ. मौर रमजानी को मैंने ही कब चपरासी सममा था. मैं शंकर जैसा प्यार उसे न भी देता हूँ पर और वार्तों में तो उसे शंकर जैसा रखता था. खैर.

यह भी शायद तुन्हें माल्म होगा कि यह रमजानी सन 47 के नवस्वर के महीने में पाकिस्तान जाने के तिये हम हो छोड़ गया. और इस दक्षत भी जब उसने घर छोड़ा था में उसकी आंखें भी उब उक्षा आई थीं और मेरी आखें भी हि हो गई थीं और शंकर की माने तो अपनी साड़ी मांसुओं से भिगो की भी और शंकर की वहन शीला तो हि सबता है समजानी ने पाकिस्तान जाने की हित न दीची होती. और फिर वह पाकिस्तान जा भी مهن کوئی جلد بازی نهیں کررها آور میں تو آئی تجربی کی بلیاد پر یہ کہ سکتا هوں کہ خود کشی جلد بازی مهن هو هی تجربی مهن هو هی نهیں سکتی هوں کہ خود کشی جلد بازی مهن هو هی نهیں سکتی . هاں' یہ کسی درجے تک تهنی یے که خود کشی کرنے سے پہلے دل و دماغ کو آور بهتی زیادہ باتھی کرنے کا موقع دیا جایا کرتا هوتا تو هو سکتا تها که خود کشی سے مرنے والوں کی تعداد کچھ کم هو جاتی . پهر بهی وہ اتلی کم نه هوتی جسکی بنا پر هو یہ ثابت کیا جاسکتی ہے . خطرے کے ایک دم سامنے آئے پر چو کی جاسکتی ہے . خطرے کے ایک دم سامنے آئے پر چو خود کشی بازی مهن بہنے هی کن لیا جائے پر دماغ کے سوچلے کے خود کشی بازی مهن بہنے هی کن لیا جائے پر دماغ کے سوچلے کے بازی مهن بہنے هی کن لیا جائے پر دماغ کے سوچلے کے فود کشیوں کے موقعے پر بهی دماغ آئنا اس نے بہت رقت لگاکر سوچا هئی سوچ جاتا ہے جگنا اُس نے بہت رقت لگاکر سوچا

مهی اس بحث کو زیادہ بوهانا نهیں چاهتا' آور آب میں تهوڑے سے لفظوں میں تمکو یہ بٹا دینا چاهتا هوں که میں کیوں آتم هٹیا کرنے جارها هوں .

تم یہ خط میرے بہائی ایشور دت کو بھی دکھلا دیدا. اور یہ لکھنے کی ضرورت نہیں کہ آگر وہ گھمرانے لگے تو تم اُسے سنجھا دینا اور تم هر طرح اس قابل تو هو هی . اب مهری سنو .

مہورے چھراسی رمضانی کو تم اچھی طرح سے جائتے
ھرکے ۔ ولا کتفا چھوٹا میرے پاس آیا تھا اور کس طرح
گھر پھر نے اسکو پھار سے اپفایا تھا ، شنکر کی ماں اسکو
شفکر جھما ھی پھار کرتی تھی اور شفکر کی بڑی بھن
رمضانی کو کتنے پھار سے بھیا کے کر پکارتی تھی اور تھیے
تھوھار کے موقعوں پر رمضانی کے ساتھ ایسا ھی بھوھار
کرتی تھی جیسا شفکر کے ساتھ ، اور رمضانی کو میں نے
ھی کپ چھراسی سمتیما تھا ، میں شفکر جیسا پھار
اُسے نہ بھی دیتا ھوں پر اور باتوں میں تو اُسے شفکر
جھسا رکھتا تھا ، خیر ،

یه بهی شاید تمهین معلوم هوگا که یه رمضانی سن بههورگها . اور اس وقت بهی جب اس نے گهر جهورا تها ته اس کی آنکهیں بهی جب اس نے گهر جهورا آنکهیں بهی آبگیا آئی تهیں اور شنکو کی ماں نے تو آبگیں سازی آنسووں سے بهکولی تهی اور شنکو کی ماں نے تو شبه تو یا قصده روپڑی تهی . شنکر اگر اس وقت اسکول ته گیا هوتا تو هوسکتا هے رمضانی نے پاکستان جانے کی بات نے سوچی هوتی . اور پهر وہ هاکستان جا بهی

काता है और यह खुबे माम कमितनव जाति के लोगों की सवाना शुरू कर देते हैं.

नए खुनाव होने वाले हैं. साम्प्रदायिक जमातों की तरफ से नफरत फैलाने वाली बार्ने और रालत ढंग से भड़काने वाले नारे लगने शुरू हो गद हैं और उनका नतीजा भी सामने आने लगा है सरकार का फर्ज है कि वह ऐसे नफरत फैलाने वाले प्रचारों की तरफ खास ध्यान रखे और ऐसी वार्तें न होने दे जिनसे देश की शान्ति को खतरा हो. जनता और देश के नेताओं से भी प्रार्थना है कि वह ऐसे प्रचार से वचें और यह समम लें कि आगर देश में लोकशाही को जिन्दा रखना है तो फिरकावन्दी के सिकाफ मोरचा लेना ही होगा. अगर ऐसा न हुया तो देश में तानाशाही आ जायेगी और देश बरवाद हो जायेगा क्योंकि तानाशाही आ जायेगी और देश बरवाद हो जायेगा क्योंकि तानाशाही अब दिनों तो चलती है होकन अन्त में वह देश को ले इवती हैं. जरमनी और हवी की मिसाल हमारे सामने हैं और हमें उससे सबक ना चाहिये.

<u>रानी</u>

एक चिट्ठी

ारे माई पाकिर,

अब हिन्द. तुम आड़े बक्त में हमेशा मेरे काम आए. हारे सममाने का तरीका हमेशा इतना अब्झा साबित ह कि मैं बड़ी बड़ी रालतियों और बदकारियों से बच ा. और आज भी अगर तुम मेरे पास मौजूद होते तो है सतम होने के बाद न पी पाता. जो गिकास को इस मेरे सामने रखा है सुक्ते बहुत जस्दी वहाँ पहुँचा देगा जाने के मैं काबिल हूँ. तुम समुन्दर पार अफरीका में हो और मैं हिन्दुस्तान के शहर दिस्सी से तुम्हें यह बिस रहा हैं.

मार्ज की इस दुनिया का कैसा धनोड़ा इन्तजाम है री खुद इशो की तैयारी का यह खत तुम्हें इस बक्ष्य ए जब दा एक इक्ते पहले तुम तार के फरिये से मेरी का हाल जान चुके होंगे. धौर खगर तुम मेरी मीत ह से कहीं पगका जाओ और इबाई जहाज से साधे खान चले खाओ तो फिर नहीं मालूम तुम्हें कितने बाद यह खत मिलेगा और तुम मेरी मीत की ठीक ज़बह समम सकोगे.

Michigan

ے جو بونٹ اوالت بعدل آلهوں، فوارت کو ان کا بیوانے مل جاتا ہے آور ودکولے عام کم کھیت جاتی کے لوگوں کو سعانا شروع کر دیتے میں ۔

تئے چاؤ ہونے والے بھیں ، سامپردایک جہامہوں کی طرف سے تفوت پھیلانے والی باتیں اور فلط دھنگ سے بھوکانے والے نعرے لگنے شوری ہوگئے ھیں اور اُن کا انتیجہ بھی سامنے آنے لگا ھے ، سوکار کا فرض ہے کہ وہ ایسے نفرت پھیلانے والے پرچاروں کی، طرف خاص بھیاں رکھے اور ایسی باتیں نہ ہونے دیے جن سے دیش کی شاتی کو خطوہ ہو ، جلتا اور دیش کے نیتاؤں سے بھی پراوتھا ہے کہ وہ ایسے پرچار سے بچھیں آور یہ سمجہ لیس کہ اگر میش میں لوک شاھی کو زنداہ رکھنا ہے تو فرادیدی کے خلاف مورجہ لینا ھی جوگا ، اگر ایسا نہ ہوا تو کیش میں تانا ھاھی آجائیگی اور دیش برباد ہوجائے دیش میں تانا ھاھی کچھ دنوں تو چاتی ہے لیکن انت میں وہ دیش کو لیے توبائی ہے لیکن انت میں وہ دیش کو لیے توبائی گی اور دیش برباد ہوجائے میں وہ دیش کو لیے توبائی ہے لیکن انت میں وہ دیش کو لیے توبائی ہے ۔ جرمنی اور اٹنی کی میں میں سبق لینا

کهانی

1

ایک چٹھی

پھارے بھائی ڈاکرا

چے هلد. تم آرے وقت میں هدیشه میرے کام آئے. تدہارے سمجہانے کا طریقه هدیشه اتلا اچہا ثابت هوا که میں ہوی بڑی فلطیوں اور بدکاریوں سے بچے گیا ۔ اور آج بھی لگر تم میرے پاس موجود هوتے تو میں پرتاشیم سائلائڈ پرے پانی کے گلس کو اس چاتھی کے خاتم هونے کے بعد نه پی پاتا . جو گلاس میری سیز پر میرے ساملے رکھا ہے مجھے بہت جائی وهاں پہونچادیا جہاں جائے کے میں قابل ہوں ، تم سملدر پار افریقه میں بھاتے ہو اور میں حکومیاں کے شہر دلی سے تمییں بہائے ہو اور میں حکومیاں کے شہر دلی سے تمییں بہائے ہو اور میں حکومیاں کے شہر دلی سے تمییں بہائے ہوا ہوں ،

آج کی اس دنیا کا کیسا انوکیا۔انتظام ہے کہ مہری خود کھی کی تیاری کا یہ خط تمہیں اُس وقت ملیکا جب دو ایک مفتے پہلے تم تار کے ذریعے سے مہری موس کا حال جان چکے ہوئے ۔ اور اگر تم مہری موس کے تار سے کہمن پالا جاؤ اور ہوائی جہاز سے سمدھے هندستان چلے آور ہوائی جہاز سے سمدھے هندستان چلے آور ہوائی جہان سے سمدھے مفدستان چلے آؤ تو پھر نہیں معلوم تمہیل تعیدی وجہ سمجھ سکوئے ۔

नवस्वर 🏂

3.99.2

(408)

٠51 مسمومة

यह मानना पहेगा कि हिन्दुस्तान के कीगों में साम्प्रदायिक और जात-पात से सम्बन्ध रखने वाले विचारों का
बहुत जल्द असर होता है. इसे हम कह सकते हैं कि एक
तम्बी मुद्दुत की गुलामी ने, ऐसी शिला ने और विदेशी
सरकार की तरक से उन्हीं लोगों को बढ़ावा मिलने ने जो
साम्प्रदायिक मावना रखने वाले थे, इस पौधे को जन चीजों
से खराक मिलती है, उसके खिलाफ प्रेम, मुह्ब्बत और भाई
चार के विचारों का प्रचार किया जावे और फिरकावाराना या मजहची नफरत फैलाने वालों पर रोक हो और
उन्हों नफरत की निगाह से देखा जावे तो यह पौधा मुरमाकर धीर धीरे सूख सकता है और हो सकता है कि हमारी
आने वाली सन्तान इससे बिलकुल बच जाय.

सवाल पैदा होता है कि क्या इतनी बड़ी खूरेजी से देश ने काई सबक सीखा है और हम में इन कांछे और गंद खयालों को छाड़ने की समक आई है ? अकसीस कि आज भा मुल्क की हालत देखने के बाद जवाब 'नहीं' में ही मिलता है. आज साम्प्रदायिकता की नदी ने छोटी छोटी नालियों का रूप धारन कर लिया है और वह जात-पात के विचार और साम्प्रदायिक संगठन और साम्प्रदायिक नकरत के रूप में जाहिर हो रहा है.

मेरा खयाल है कि असेम्बली वरीरा के चुनाव, जहाँ प्रजा तंत्र यानी जमहरियत के लिये जरूरी हैं, उनमें रालत प्रचार के लिये जरूरी रोक न होने से और उस पर पूरी तरह निगरानी न रखने से जनता में नफरत का अहर फैज़ने का डर है. उसकी वजह यह है कि इन जगहों के लिये जो उम्मीदशर होते हैं उनमें कुछ ही लोगों को छोड़ कर बाक़ी सब लोग चुनाव में किसी न किसी तरह जीतना चाहते हैं. हर एक की सेवाओं भौर चरित्रका इतना प्रभाव नहीं होता कि आम लोगों में उनकी तरफ कुछ खिचाव हो, फिर सबसे जियादा असर करने वाली साम्प्रदायिक या जात धर्म की बातें होती हैं. उनको बिना पर यह लोग फिरक़ाबाराना संगठन बनाते हैं, उनके खद नेता बनते हैं श्रीर दूसरे फिरक़ों श्रीर जातियों के जिलाफ जहर फैलाते हैं. देहातों में, जहाँ लोग जियादातर पढ़े जिले नहीं होते, उन पर यह जादू जूब चलता है. चुनाव हो जाते हैं और फिर चुने जाने वाले सज्जन के दरशन दूसरे चुनाव से पहले शायद ही कभी होते हों. लेकिन जिन देहातों में उन्होंने यह जहर फैला रखा होता है, वह किर्कावन्दा और पारटी-वाची में फंस जाते हैं. इसका नतीजा बहुत खतरनाक होता है. छोटी जातियाँ बड़ी जातियों से बुरी तरह दुबी रहती हैं. गाँव में अकस्रियत भीर भक्कियत के फगड़े शुरू हो जाते हैं. बहुगिनत जाति

ور المحالف المحت على المحالف المحالف

سوال پیدا هوتا هے که کیا انظی بوی خونریزی سے فیش نے کوئی سبق سیکھا هے آور هم میں اِن اُوچھے آور گئن ہے خیالوں کو چھوڑنے کی سمجھ آئی هے ؟ افسوس کم آجے بھی ملک کی حالت دیکھنے کے بعد جواب 'نہیں' میں هی ملکا هے . آج سامیردایکا کی بوی ندی نے چھوٹی نالیوں کا روپ دھارن کرلیا هے آور وہ جات پات کے وچار آور سامیردایک سنگھتن آور سامیردایک نفوس کے روپ میں ظاہر ہو رہا ہے .

مهرا خهال هے که اسمبلی وفهره کے چلاو جهاں پرجا تلتر یعنی جمهوریت کے لئے ضروری هیں' أن میں فلط پرچار کے لئے ضروری روک نه هونے سے آور اً اس پر پوری طرح نگرانی نه رکهانے سے جلتا میں نفرت کا زهر پههلنے کا در هے . اسکی وجه یه هے که ان جگهرں کے لئے جو اُمیدوار ہوتے ہیں اُن میں کچھ هی لوگوں کو چھوڑ کر ہاقی سب لوگ چھاؤ میں کسی لم كسي طوح جهدها جامته ههر . هر أيك كي سيواون آور جبرتر كا إنغا يربهاؤ نهيل هوتا كه عام لوگول ميل أنكى اطرف کچه که نجاؤ هو' پهر سب سے زیاده اثر کرنے والی سامهردایک یا جات دهرم کی باتین هوتی هیس . اُنکی . بنا برية لوگ فرقه وارانه سنكتهن بناتههي أنكي خود نهتا ملتے میں آبر فوسرے فرقوں آور جاتیوں کے حلاف زھر پههاته همن . ديهاتون -ين جهان لوگ زياده تر پوه لكه نههو هوتي أن يريه جادو خوب جلتا هي . جداو هو جاتے هيں أور پهر چلے جانے والے سجوں كے، درشوں فوسرے چھاؤ سے پہلے شاید ھی کبھی ھوتے ھوں ، لھکن جُون ديهانون مهن أنهون في يه زهر بهيلارتها هوتا هي ولا فرقه أَهِلَانِي أَوْرُ يَارِثُي بَازِي مِنْ يَهِدْسَ جَاتِمَ هُمْنَ . أَسَ كَا التعويجة بهت خطرناك هوتا هے . چهوائی جاتیاں بوی جاتهن سے بری طرح دہی رهتی هیں . گاؤں میں اندریم ارو اقلیت کے جهکرے شروع هو جاتے هیں . بہوالمت جائی

कौरिशों ने इमें आजाद कराया. हम सच्चाई, मुह्ब्बत जौर इनसाफ़ की राह पर चल कर दुनिया को यह दिखायेंगे कि इस जमाने में सबसे बड़ी शखिसयत और हम पर अहसान करने वाले की हमारे दिलों में कितनी इज्जत, मुह्ब्त और भक्ति है. हिन्दुस्तान ने हमेशा निजी और पब्लिक जिन्दगी में रुहानी ताक्कतों पर बहुत जोर दिया है.

ईरबर हमें अच्छी नियत और हमारे इरादों में खलूस और मजबूती दे ताकि हम तंग नज़री, खुद गरज़ी से अपर डठ कर वतन की खिदमत कर सकें. हम एक नाजुक जमाने से गुजर रहे हैं. दुनिया का राजकाज अमन और जंग के तराजू में तुल रहा है. अगर हम हालत को न समम सके, अगर हमने उन लीडरों का साथ नहीं दिया जो साफ़-दिशी और साफ़ गोई से वह कमजोरियां दिखाते हैं जिन से हमारी क्रीम की नीव खतरे में है, जिन से लोक शाही और गौर फिरक़ेवारी राज को धक्का पहुँच रहा है और अपनी हालत सुधारने के लिये हमने उनकी चुनौती को क़बूल नहीं किया तो फिर पछतावे के लिये मोहलत तक न मिलेगी—

"गया वक्त फिर हाथ आता नहीं"

फ़िरक़ा बन्दी का जहर

(भाई त्रिवेनी सहाय)

भारत में स्वराज के बाद साम्प्रदायिकता या फिरक्ला-बन्दी का भयानक रूप सामने बाया जिससे इनसान की गिराबट की हद मालूम हुई और पता चला कि वह गुमराह होने,पर जानवरों से भी बदतर हो सकता है. लेकिन खयाल होता है कि क्या यह छू मन्तर स्वराज के मिलने ने किया को एक साथ पूरे मुल्क में दो फिरक़े एक दूसरे से लड़ गए और एक दूसरे के खुन के प्यासे बन गए. काकी सोचने के बाद भी ऐसा मालूम नहीं होता. बल्कि इसकी जहें पिछली चुनावों के समय के साम्प्रदायिक प्रचार और जीतने की ज़न में मरत नेताओं की तरक से एक दूसरे के खिलाफ मफरत फ़ैलाने, प्लेट फारमों से बिला किसी रोक थाम के दूसरों को गालियां देने और पाकिस्तान व अखंड हिन्दु-स्तान के गती गली, गांव गांव नारे लगाये जाने के अन्तर दिखाई देवी हैं. इसी फिरक़ वाराना प्रचार ने लोगों के अन्दर नफरत की आग भर कर हिन्दू मुखबमानों के हासों परों को बरवाद किया और बरबाद किया इनसानों ही नैविकता, रहमविली, भाई चारे के विचारों को जिससे ्या देश विरावट के गबढ़े में जा गिरा.

ششون فی حدیق آوآد کرایا ، هم سبطائی محدیت را انصاف کی راه پر چل کر دنیا کو یه دکهائیس کے اس زمانے میں سب سے بری شخصیت اور هم پر احسان نے والے کی همارے دلوں میں کہ کتنی عوت محدیت اور متنی ہے ۔ هندستان نے همیشہ نجی اور پبلک زندئی ہیں روحانی طاقتوں پر بہت زور دیا ہے .

and the second s

ایشور همیں اچھی نہت اور همارے ارادوں میں غلوص اور مضبوطی دے تاکه هم تنگ نظری' خود غوفی یے اوپر اُٹھ کر وطن کی خدمت کرسکیں . هم ایک نازک مانے سے گزر رہے هیں . دنیا کا راج کاج امن اور جنگ نے ترازو میں تل رہا ھے . اگر هم حالت کو نه سمجھ سکے' اگر هم نے اُن لیڈروں کا ساتھ نہیں دیا جو ماف ایلی اور صاف گوئی سے وہ کمزوریاں دکھاتے هیں جن سے غماری قوم کی نیو خطرے میں ھے' جن سے لوک شاهی اور فیر فرقےواری راج کو دهکا یہونچ رہا ھے اور اپنی حالت سدھارنے کے لئے هم نے اُن کی چنوتی کو قبول خالت سدھارنے کے لئے هم نے اُن کی چنوتی کو قبول خالی مہات تک نه مانے گی۔

"كيا رقت پهر هاته آنا نهين"

فرقه بندی کا زهر (بهائی تربینی سهائه)

بھارت میں سوراج کے بعد سامپردایکتا یا فرقه بندی کا بھیانک روپ ساملے آیا جس سے انسان کی گراوے کی کی حد معلوم هوئی آور پته چلا که وه گسراه هونے پر جانوروں سے بھی بدتر هوسکتا هے . لیکن خیال هوتا هے که کها یه چهومنتر سوراج کے ملئے نے کیا جو ایک ساتھ پورے ملک میں دو فرقے آیک دوسرے سے لڑ گئے آور ایک دوسرے کے خون کے پہایے بن گئے . کافی سوچلے کے بعد بهي ايسا معلوم نهيور هوتا . بلكة إسكى جويل يجهل چناور کے سے کے سامیردایک پرچار آور جیتنے کی دھن میں مست نیٹاؤں کی طرف سے ایک دوسرے کے خاف ندرت یههانے کلیت قارموں سے بلا کسی روک تہام کے دوسروں کو کالیاں دینے اور پاکستان و اکھنڈ هددستان کے کلی کای کاوں کاوں نعرے لکائے جانے کے اندر دکیائی دیعی میں . اسی فرقعوارانہ پرچار نے لوگوں کے اندر نفرت کی آگ بھر کر ھفتو مسلمانیں کے لاکھوں گھروں کو بریاد كها آور برباد كها أنسانون كي نيتكتا وحم دلى بهالى چارے کے رچاروں کو جس سے پورا دیس کراوت کے گتھے

و مار کرنے کی کوهم والمرا أور فريب طبقه الي لل سوسائلي ميس ايك موت في جائد قمونقم رها هے . اگر هم بدلي هوئي حالما أور ہے رهن سين كے تملك ميں ميل پهدا نه كرسكهن كے وَ لَيْكَ زَبِرِدُسْتِ مَالَى انقلابِ آئِهِ كَا . فراليواريس ير وَى لَمُانِي كَ لَيْمَ الْمُقَلِّقِي (نيتك) أور روحاني طائتون له مضبوط كها جائه . إس سلسلم مين هم كو دهوم سلمب سے بری مدد ملے کی . دورم مذهب سے مهرا بطلب هـ - سچى مذهبي رراداري انسان دوستي مصبت اور قربانی سے نه که اس وهم پرستی سے جسے فلطی یے دھرم مذھب کا نام دیا کیا ہے . خدا کا نام لے لے کر التلے طلع نہیں تعاثر کٹے کتانے بھیانک جرم نہیں کثر لله الكر مذهب يهي هے تو دنيا سے جنتي جاد مت جائے أتنى هي إس مين دنيا كي بهائي هـ . لهكن اكر مذهب سے مطلب اونچی روحانی اور اخلائی طالتوں سے ہے تو پررب نے پچھم کی طاقتوں کو اس شانتی کا هميشة يبقام ديا هي . اِس زماني مين بهي مهاتما گاندهي نے دنیا کو اس کا پیغام دیا . اچھائی کو جسمانی طائت سے نہیں بلکہ اعلسا وریم اور بلیدان سے حاصل کرنے کا سقدیش سقایا ، اگر أن كے بتائے هوئے اصولوں پر چلتے رهیں تو پیشک پنچھمی ملکوں کے جنگی وچاروں پر اچھے اثر ڈالے جاسکتے میں اور اِس طرح دنیا کے اس اور اس کی ترقی میں همارا بوا حصه هوگا . آئید هم تههه کریں که پُلکت جواهر لال کی اندرونی اور باهری پالیسی میں اُن کا هاتھ بتائیں کے . وہ کاندهی جی کے سمعے چانھين مين.

آندھر' مہاراشقر اور کرناٹک کے نیتاؤں سے مھری ایمل ہے کہ وہ زبان کی بنیاد پر صوبوں کے قائم کرنے کی یابت کو قومی نگاہ سے دیکھیں ، کہیں اِس آندولن سے مِلک کے قائدے کو آنجائے طور پر دھکا تھ لگ جائے . مهرى رأئه مهن ملا جلا حهدرآباد جهان تلنكي؛ مرهتى؛ عَلَى اور هندستانی بولنے والے اور الک انگ کلمچنر کے مانق والم امن جين كي زندكي كوارني والم عام لوك ههن المعديسةان كم لئے أيك زبردست طاقت ثابت هوكا . زيان کی بغیاد پر صربین کے قائم کئے جانے کے بارے میں جنتا چو بھی فیصلہ کوے کی مسلمان اُس کا ساتھ تو دبیں کے هی. رُهِبِي مين عام لوكون كا فائده هـ أس مين مسلمانين كا يهي قائدة هي. ليكن هم سب كو ايك بوا اور لونجها بهندستان بداني كي خواهش هي . يه اجهانيين هولا كه والداري موبه واربت اور فيقهواريت مين بت كو ولا جائي . 🖟 🕬 ما يها أور آزادس كي راه ميس دوسر عشهيد هوتي والور کی شعبہ میں شرمعانجلی پیش کرتے میں ، انہیں کی

हें आही ना असमारी की दूर करने की कोविश करें किनसे समाज की नींब हिक रही हैं. किसान, मधवूर और गरीव तबात अपने किये सोसाइडी में एक इच्यत की जगह दूं है रहा है. खगर हम बदली हुई हाखत और अबने रहन सहन के हंग में मेल पैदा न कर सकेंगे तो एक खबरदस्त माली इस्क्रताब आएगा. फिरक्रेबारियत पर रोक लगाने के लिये एखलाक्री (मैतिक) और रुद्दानी ताकरों को मजबूत किया जाय. इस सिलिंसले में हमको धर्म मजहूब से बड़ी मदद मिलेगी. धर्म मचहब से मेरा मतलब है-सच्ची मजहबी रवादारी, इनसान दोस्ती, मुहब्दव और कुरवानी से न कि उस बहम परस्ती से जिसे गलती से धर्म मजहब का नाम दिया गया है. ख़ुदा का नाम जो ले कर कितने जुल्म नहीं ढाए गए, कितने भयानक जुर्म नहीं किये गए! झगर मजहब यही है तो दुनिया से जितनी जल्द मिट जाय उतनी ही इसमें दुनिया की भलाई हैं. ब्रेकिन धगर मजहब से मतलब अंबी रहानी और एख़लाक़ी बाक़वों से हैं तो पूरव ने पच्छिम की ताकतों को अमन शान्ति का इमेशा पैराम दिया है. इस जमाने में भी महात्मा गांघी ने दुनिया को अमन का पैराम विया. अञ्चाई को जिस्मानी ताकत से नहीं बिलक षहिन्सा, प्रेम श्रीर बिलदान से हासिल करने का संदेश सुनाया. धगर धनके बताए हुए धसूलों पर चलते रहें तो वेशक पिछमी मुल्कों के जंगी विचारों पर अच्छे असर बाले जा सकते हैं और इस तरह दुनिया के अमन और उसकी तरक्की में हमारा बढ़ा हिस्सा होगा. आइये हम तैहरुया करें कि पंडित जवाहरलाज की अन्द्रको और बाहरी पाकिसी में उनका हाथ बटायेंगे. वह गांधी जी के सक्वे जानशीन हैं.

आन्ध्र, महाराश्ट्र और करनाटक के नेताओं से मेरी अपील है कि वह जवान की जुनियाद पर स्वों के कायम करने की बात को क्षीमी निगाइ से देखें. कहां इस आन्दोलन से मुल्क के कायदे को अनजाने तौर पर घक्का न लग जाय. मेरी राय में मिला जुला हैदराबाद जहां वलंगी, मरहटी, कमड़ी और हिंग्दुस्तानी बोलने वाले और अलग अलग कलकर के मानने वाले अमन चैन की जिन्दी गुज़ारने वाले आम लोग हैं हिन्दुस्तान के लिये एक जबरदस्त वाक्षत साबित होगा. ज्वान की जुनियाद पर सूबों के कायम किये जाने के बारे में जनता जो भी फैसला करेगी मुसलमान एसका साथ तो देंगे ही. जिसमें आम लोगों का कायदा है उस में मुसलमानों का भी फायदा है. केकिन हम सबको एक बड़ा और कँवा हिन्दुस्तान बनाने की साहिरा है. यह अच्छा नहीं होगा कि वकादारी स्वेवारियत और फिरको बारियत में बंट कर रह जाय.

इस बापू, और आजादी की राह में दूसरे शहीद होते बाजों की खादमत में भद्धांजलि पेश करते हैं. उन्हीं की

نوکريان تهندن اور جو ايت جهالغين مهن آئز له روزار بهر یے تعمل وہ لوگ نجو عهرسماجی لوگوں کے ظلم آور زيادتي كا شكار بلي جلكي جائدادين جهن كثين جن كو نكاسى جالدأد قانون س نقصان پهونجا ، جو روك تهام رکھٹے کی کوشش میں کوفٹاریوں اور دوسرے ڈر سے سیٹے ھولے ھیں اُس کے داوں میں یہ در بیٹھ گیا ہے که دوسرے شہریوں کے برآبر حتی اُنہیں حاصل نہیں میں' اُن کے ساتھ انصاف کا ہرتاؤ نہیں کیا جاتا ، میری رائے میں اِن سوالوں کی حد مسلمانوں تک هی نهیں هے بلکه إن کا تعلق لوک شاهی سے هے . يه وه کسوالی هے جس پر فيونوتهواری راج کو' جس سے ہم قانونی اور اخلاقی درنیں طرح سے بنده مهن وركها جائے كا . اكر هم يه چاهتے هيں كه دنيا کی نگاہ میں هماری عزت برقے تو یہ ضررری ہے کہ هم لوک شاهی کے قائل بھی دوں . کوئی دیدھ الم مالی واج کاچی اور سماجی مسکاوں کو کامیابی سے حل نہیں کر سکتا ھے جب نگ کہ ہو شہری کو اِس کا یقین تھ ہوجائے که نہ صرف أس كىزندكى عزت اور جائداد متصفوظ مى بلكه هاته پھر جانے کے اُسے برابر کے موقعے هیں اور اُسے کسی ایسی چھڑ سے اُلگ نہیں رکھا گیا جو دوسروں کو حاصل ہے ، اگر کوئی طبقه بازه' چهوت کی بهماریوں' یا کتهفائیوں سے تباہ هوجائے تو لوک شاهی امول کی مانگ هے که ایسے طبقے کا أوروں کے مقابلے میں خاص طور سے لتحاظ رکھا جائے اور ھىدردىي كى جائے .

فرقاواری روگ کئی شکلوں میں ظاهر هوتا هے. مجھے ضلعوں کے دوروں میں یہ دیکھ کر ہوا رنبے ہوا کہ براهمن فهر براهمن ً لفكايت فهر لفكايت ويتني فهر ويتي ؛ کے بیٹے دشملی کے جذبے لوگوں کے دلوں میں توزی سے لہریں لیے رہے ھیں ، یہ فرقہ راریت کی دوسری صورت ھے . اگر اِس کی روک تھام نہیں کی گئی' اِس پر قابو نهیں پایا گیا تو هم کتهنائیس میں پهنس جائیں گے، جنجال سے نکلنا محال هو جائے کا ، همیں وعدہ کرنا ھوگا کہ کوئی قربانی کھوں نہ دینی ہوے ھم فرقہواریت کے شخلاف لویں کے اور مہاتما کاندھی کی طرب اینی جان کی بازی تک لکادیں کے . فرقفراریت اور جعباً بندی کے رجمان حهدرآباد اور سارے هندستان کے لئے اهم سوال بن گئے ههو . سوارته الكاؤ اور يحيه كهسيتو وجاروں كو بے لکام هونے سے روالمے کے لگے همهن کوئی اثردار قدم أثهانا پڑے گا۔ هم آیک آزاد ملک کے رهقے والے هیں جس کی تاریخ ارر جسکی تہلیب ارنچی ہے . همیں ایسے تھنگ نکالنے پڑین کے جو نه صرف هماری ترقی بلکه ساری دائها كي الرقي مهل مددالر ثابت هول . أيك كي ونتجهروں کو مضبوط کرنے اور اپنی طالعوں کے بہتار المعال ك لله دو تجريزين يهض كرتا هين ؛ ايك تو يه الله للم مالي خالت كي ماتك ير زياده دهيان

नौकरियां थीं और जो अब इटनी में आकर बेरोजगार फिर रहे हैं. वह लोग जो ग़ैरसमाजी सोगों के जुरूम धौर क्रियादती का शिकार बने, जिनकी जायदादें छिन गई, जिनको निकासी जायदाद कानून से नुकसान पहुँचा, जो रोक थाम रखने की कोशिश में गिरफ्तारियों और दसरे हर से सहमे हुए हैं उनके दिलों में यह हर बैठ गया है कि दूसरे शहरियों के बराबर इक उन्हें हासिल नहीं हैं. दनके साथ इन्साफ का बरतार नहीं किया जाता. मेरी राय में इन सवालों की हद मुसलमानों तक ही नहीं है बलिक बनका ताल्लुक लोकशाही से हैं. यह वह कसीटी है जिस पर रौरफिरक्रेवारी राज को, जिससे इम क़ानूनी भीर एखबाही दोनों तरह से बंधे हैं, परखा बायगा. अगर हम यह चाहते हैं कि दुनिया की निगाह में हमारी इपजत बढ़े तो यह जरूरी है कि हम लोकशाही के कायल भी हों. कोई देश अपने माली, राजकाजी आर समाजी मसलों को कामयाबी से इल नहीं कर सकता जब तक कि हर शहरी. को इसका यकान न हो जाय कि न सिर्फ उसकी जिन्दगी. इञ्चत भीर जायदाद महफच है बल्कि हाथ पैर चलाने के उसे बराबर के मौक्र हैं और उसे किसी ऐसी चीज से अलग नहीं रसा गया जो दूसरों को द्वासिल हैं. अगर कोई तबका बाद, खूत की बीमारियों या कठिनाइयों से तबाह हो जाय तो कोकशाही उसूल की मांग है कि ऐसे तबक का औरों के मुकाबले में खास तौर से लिहाज रखा जाय और हमदर्शी ह्ये जाय.

फिरकाबारी रोग कई शक्लों में जाहिर होता है. मुके जिलों के दौरों में यह देख कर बढ़ा रंज हुआ कि नायन रौर प्राधन, लिंगायत पैर लिंगायत, रेड्डी गर रेड्डी के बीच द्वरामनी के अञ्चबे लोगों के दिलों में तेजी से लहरें ले रहे हैं. यह फिरफ़ेवारियत की दूसरी सूरत है. अगर इसकी रोक बाम नहीं की गई, इस पर क़ाबू नहीं पाया गया तो इस इंटिनाइयों में फंस जायँगे, जंजाल से निकलना मुहाल हो ायगा. हमें वायदा करना होगा कि कोई क़रवानी क्यों न इंनी पड़े हम फिरफ़े वारियत के खिलाफ लड़ेंगे चौर साहमा गांधी की तरह अपनी जान की बाजी तक लगा देंगे. क्षिरक्रेबारियत और जत्या बन्दी के रुजहान हैदराबाद चौर सारे हिण्दुस्तान के लिये बहम सवाल बन गए हैं. स्वार्थ, अलगाव और पिछ्रघसीट विचारों को बेलगाम होने से रोकने के जिये हमें कोई असरदार क़द्म चठाना पड़ेगा. इस एक जाजार मुल्क के रहने वाले हैं जिसकी तारीख और किसकी तहकीय ऊंची हैं. हमें ऐसे हंग निकासने पढ़ेंगे जो न सिर्फ हमारी तरककी में बल्क सारी दुनियाकी तरककी में सददगार सावित हों. एके की जंजीरों को मजबूत करने और क्रयंनी ताक्रतों के बेहतर इस्तेमाल के लिये दो तंजवी जें पेश करता 🚉 ब्रुक्त तो यह कि हम माली हालत की मांग पर जियादा प्यान

यह एक जागीरवारी समाज की मासक है, इसमें उस समाज की तमाम खरावियां मौजूद हैं से किन फिरक्रेवारियत और तास्त्रव की परखाई दिखाई नहीं पदती.

दस बारह साल से मुसलमानों में फिरफ़ेंबारी जजवा भड़कने की वजह यह थी कि बरतानवी हिन्द में जो गढ़-बढ़ियां हुई उनकी सहरें हैदराबाद को भी खूगई. हमारी सरकार स्त्रार्थी और नाकाबित लोगों के हाथों में थी, वह हालत पर क़ाबू न पासके. मुसलमानों को अपनी तंग-नजरी का काकी लेमियाजा भुगतना पड़ा. धव हैदराबाद की किरक़े-वारियत मर चुकी है. जो रही सही है वह आखिरी सासें ते रही है. यक्तीन के साथ कहा जा सकता है कि मुस्तक-बिल में हैदराबाद के राज काज को कम से कम मुस्लिम किरक़ वारियत की तरफ से कोई हर नहीं है.

लोकशाही विचारों और लोकशाही में चीजों के ढालने का जहां तक ताल्लुक है हमें अभी बहुत दूर जाना है. हिन्दुस्तानी विधान और भारत लोकराज क्रायम होने से लोकशाही की दाग बेल पड़ चुकी है. पर हमारे विवारों पर गौरमजहबी और जागीरदारी असर अभी तक छाए हैं. हिन्दु कों श्रीर मुसलमानों दोनों की वही हालत है. तालीम और प्रोपेगेन्डा से लोकशाही फिजा पैदा करने की बड़ी अफरत है. लोकशाही की मांग है कि फर्द (व्यक्ति) का आदर किया जाय न कि इन पुराने जागीरदारी ढंगों का जो अब भी इञ्जत की निगाह से देखे जाते हैं. इनसान की सेवा के लिये हमें उसी रास्ते पर चलना पड़ेगा जो दुनिया के दूसरे मुलकों ने जनता की भलाई के लिये अपनाए. यह एक मुशकिल काम और मारी जिम्मेदारी है. महात्मा गांधी का हम को एहसान मानना चाहिये कि धनकी लीडरी में हमें राजकाजी आजादी मिल गई. पर यह जीत हार बन जायगी अगर हम माली और समाजी आजादी हासिल करने में नाकाम हुए. हमारी सारी कीशिशें जनता को कपड़ा, खाना और रहने की आसानियां पहुँचाने में अर्थ होनी चाहियें. आजाद मुल्क के हर शहरी के यह बुनियादी इक्क हैं. हैदरावादी वतन की खिद्मत में किसी से पीछे नहीं रहेंगे. हमें बहुत कुछ करना है. अगर हर शहरी इन प्रान की खिदमत का सच्चा जजना ले कर छठे और मिली जुली कोशिश हो तब भी योरपी मुल्कों के रहन सहन की जंबाई तक पहुंचने में कई साक्ष लगेंगे. सोचिये तो हमारा क्या नतीजा होगा अगर हम एक दूसरे से अजग होकर मामूको बातों और मन मुटाव में अपना क्रीमती समय बरबाद करें,

जो मसने आज मुसलमानों को परेशान कर रहे हैं वह चन्द रोजा हैं. मिसाल के तौर पर इन लोगों को फिर वसाने का मसला जिनकी रोजी का जरिया सिर्फ सरकारी بالله الله الماليوداري سماج كى جهلك هـ الس مهن أس سماج كى تمام خرابهان موجود ههن لهكن قراله وأريت أور تعصب كى درجهائين دكهائي نهين يزنى .

دس بارہ سال سے مسلمانوں میں فرقعواری جذبه بهوکئے کی وجه یه تهی که برطانوی هلد میں جو گوبویاں هوٹیں اُن کی لهریں حیدرآباد کو بهی چهو کئیں . هماری سرکار سوارتهی آور ناقابل لوگوں کے هاتهوں میں تهی وہ حالت پر قابو نه پاسکے . مسلمانوں کو اُپڈی تلگ نظری کا کافی خمیازہ بهکتلا پڑا ، اب حیدرآباد کی فرقه واریت مرچکی ہے . جو رهی سهی ہے وہ آخری سائسیں لے رهی ہے . یہیں کے ساتھ کہا جا سکتا ہے که مسلم مساقیل میں حیدرآباد کے راج کاج کو کم سے کم مسلم مساقیل میں حیدرآباد کے راج کاج کو کم سے کم مسلم فرقه واریت کی طرف سے کوئی قر نہیں ہے ۔

لوک شاهی وچاروں ارر لوک شاهی صفیں چھڑوں کے قماللے کا جہاں تک تعلق ہے هديس أبهى بہت درر جاناھ ھے . هندستانی ودهان اور بهارت لوک راج قائم هونے سے لوک شاعی کی داغ بیل پر چکی هے، پر همارے وچاروں پر میر مذهبی آرر جاکیرداری اثر آبهی تک چهائے هیں . هندووں اور مسلمانوں دونوں کی وهی حالت هے . تعلیم اور پروپیگلده سے لوک شاهی فضا پهدا درنے کی بری ضرورت ھے . لوک شاهی کی مانگ ھے که فرد (ویکٹی) کا آدر کیا جائے نے که اِن پرانے جائیرداری دھنگوں کا جو آپ بھی عزت کی نکاد سے دیکھے جاتے میں . انسان کی سیوا کے لئے ممیں اسی راستے پر چللا پڑے کا جو دنیا کے دوسرے ملکوں نے جنتا کی بھائی کے لئے اپنائے . یہ ایک مشکل کام اور بهاری فمعداری هے ، مهاتما کاندهی کا هم کو احسان ماندا چاھئے کہ ان کی ایڈری میں ھنیں راج کاچی آزادیی مل کئی ، پر یه جیت هار بن جائیکی آثر هم مالی اور سماجی آزادی حاصل کرنے میں ناکام هوئے . هماری ساری کرششهن جلتا در کهوا کهانا اور رهلیم کی آسانیاں پہونچانے میں خرچ هونی چاهئیں، آزاد ملک کے مر شہری کے یہ بلهادی حق هیں . حیدرآبادی وطن کی خدمت میں کسی سے پھچھے نہیں رمیں گے ۔ همیں يست كنچه كرنا هي . اكر شر شهري انسان كي خدمت كا شبچا جذبه لے کر اُٹھے اور ملی جلی کوشش ھو تب بھی المورفي ملكوں كے رهن سهن كى أونجائى تك يهونجلے میں کئی سال لگیں کے . سوچئے تو همارا کیا نعیجه جَوا الرهم ایک دوسرے سے الگ هو کر معمولی باتوں أور من معاو مهن أينا فهمتي سية برباء كردين ،

چو مسکلے آج مسلمانوں کو پریشان کر رہے ھیں رہ چند روزہ ھیں ، مثال کے طور پر ان لوگوں کو پھر سے سائے کا مسکلۂ جن کی روزی کا ذریعہ صرف سرکاری हों उस पर सोच विचार करें और ईमानवारी से इस बात की कोशिश करें कि मुल्क का कोई तज्का यह महसूस न करने पाये कि उसके साथ इनसाफ नहीं हुआ।

हैदराबाद में न सिर्फ हिन्दुओं खौर मुसलमानों के आपसी ताल्लक अच्छे थे बल्कि बीते विनों में सरकार भी **बेहद वे** तास्सुब छौर ग़ैरजानिबदार थी. पिछले दस बीस बरस को छोड़ कर हैदराबाद की हकूमत ऐसी ही क़ौमी चौर गैरसम्प्रदाई थी जैसी कि मैसूर की सरकार. रवादारी का यह जुमाना सच्चे मानों में उस समय से खतम हो गया जब महाराजा किशन प्रशाद बहाद्र रियासत के प्रधान मंत्री के छोहदे से झलग हो गए, जब निषामत जंग, राय मुरलीधर, अक्षील जंग और वेन्कट रामा रेड्डी जैसे बड़े लोग पिन्शन लेने या मर जाने के कारन सरकारी जिम्मेदारियों से अलहदा हो गए. तारीख गवाह है कि पांच सौ साल की लम्बी मुद्दत में किरक़ -बाराना मेल मिलाप इतना मजबूत था कि हिन्दू और मुसलमान प्रधान मंत्रियों की तादाद लगभग बराबर थी. हिन्द और मुसलमान जागीरदारों और बालियाने समस्तान को जागीरें दी गई, मन्दिरों और मस्जिदों को नक़दी और जमीन दोनों शकतों में इनाम दिया गया. समाजी जिन्दगी में मुसल-मान और हिन्दू एक दूसरे से घुल मिल गये थे. माल के महकमे के दफतर में इसका दस्तावेजी सबूत मौजूद है कि ईद के साथ दीवाली भी धूम धाम से मनाई जाती थी. ऐसी और भी मिसालों हैं. बाहरी हमला होता या रियासत में बग़ावत होसी तो बिना मजहबी करक या किसी दूसरे करक के मिला जुला मोरचा कायम किया जाता था. हैदराबाद से जब सरहटों की लड़ाई छिड़ी तो हैदराबादी कीजों के कमान्डर मरहटे ही थे. हैदरावादी चाहे वह हिन्दू हों या मुसलमान, ईसाई हों या पारसी, आन्ध्र के रहने वाले हों या महा-रारद्र या करनाटक के, किसी को भी फिरक़ वारियत की क्त नहीं लगी थी. अलग अलग मजहबों के मानने वाले, चाला अलग अवानें बोलने वाले, अलग अलग तह जीव के चाहने वाले, एक दूधरे से दूर रह कर भी क़रीब थे. इस आलगाव में भी एकता की शान थी. बेमेल होने में भी एक मेल था. तास्यव नहीं था. पिछली पांच सदियों में न सिर्फ ब्रिन्दुची चौर मुसलमानों में बलिक करनाटक, आन्ध्र और महाराष्ट्र में मेल और खल्स था. शादी रामी की रसमों और दूसरी रसमों में करका भी था और मेल भी. रहने सहने के तरीक्ष, सोचने विचारने के ढंग पर फिरकों ने इन्छ असर डाला और उन्हीं अलग अलग बातों ने इकट्टा होकर हमारी राजकाजी, माली और समाजी जिन्दगी में एक नई स्प्रिट पैदा कर दो और हैदराबाद और उसके रिवाकों को संबारा. मैं यह नहीं कहता हूँ कि जिस समाज तस्वीर मैंने खोंची है उसमें कालिख विलक्कल नहीं है.

س پرسوچ وچار کریں اور ایمانداری سے اِس بات کی کریں کو ملک کا کوئی طبقہ یہ مصسوس نے کرنے میں اس کے ساتھ انصاف نہیں ہوا ،

عيدرآباد مين نه صرف هلدوؤن أور مسلمانون ك تعلق اچھے تھے بلکہ بھتے دنوں میں سرکار بھی بے ے تعصب اور فہر جانبدار تھی ، پچھلے دس بیس کو چهور کر حهدرآباد کی حکوست ایسی هی قوسی هرسمهردائی تهی جیسی که میسور کی سرکار. ی کا یہ زمانہ سمچے معنوں میں اس سیے سے خام جب مہاراجم کشن پرشآد بہآدر ریاست کے پردھان ی کے عہدے سے الگ موکئے ' جب نظامت جلگ' مرلى دهر، عقيل جنگ اور وينكنت رأما ريدى جهس لوگ پنشن لینے یا مرجانے کے کارن سرکاری داریوں سے علصدہ هوکئے. تاریخ کواہ هے که پانتے سو كى لىبى مدت ميں فرقه وارانه ميل ملاب اتنا مقبوط م هندو آور مسلمان پردهان منتریون کی تعداد لگ ، برابر تهي . هندو أور مسلمان جاكيردارون أور واليان تان کو جآگیرین دی گئین' مندروں اور مسجدوں هدى اور زمين دونون شكلون مين انعام ديا گها . جی زندگی میں مسلمان اور هندو ایک دوسرے سے سَل کُتُے تھے۔ سال کے مصکیے کے دفاتر میں کا دستاریزی ثبوت موجود هے که عید کے ساتھ ی بھی دھوم دھام سے مغاثی جاتی تھی ۔ ایسی اور مثالیں هیں . باهري حمله هوتا يا رياست مهن ت ھوتی تو بقا مذھبی فرق یا کسی دوسرے فرق کے جة مورچه قائم كيا جاتا تها . حيدرآباد سے جب توں کی لوائی چھڑی تو حهدرآبادی فوجوں کے کماندر تے هي تھے. حيدرآبادي چاھے وہ هندو هوں يا مسلمان، ائی موں یا پارسی اندھر کے رھانے والے ھوں یا راشتر یا کرناتک کے کسی کو بھی فوقه واریت کی چھوت ل لعى تهى الك الك مذهبون كے مانلے والے الك ، زبانیں بولنے والے الگ الگ تہذیب کے چاھلے ' ایک دوسرے سے دور رہ کر بھی قریب تھے . اِس میں بھی ایکتا کی ایک شان تھی ، بے میل ھونے ن بهي ايک ميل تها . تعصب نهين تها . پچهلي ہے صدیوں میں تع صرف هلدوؤں أور مسلمانوں میں لله كاناتك، أندهر أور مهاراشتر مين مهل أور خارص . شادی قمی کی رسموں اور دوسری رسموں میں ، بھی تھا اور مھل بھی، رھلے سہلے کے طریقے' سوچلے ارنے کے دمنگ پر فرقوں نے کچھ اثر دالا اور اُنھیں الگ ے ہاتوں نے اکٹھا ھوکر ھماری راج کاچی ٔ مالی اور سماجی لي مين ليك نتى الهرى يبدأ كردى اور حيدرآباد اور أسكم يس کو سنواړا . مهن يه نههن کهها هون که جسسماج کي ور میں نے کہیلچی اسمیں کالکہ بالکل نہیں ہے . (5) भारत और बीन के बौद्ध मिच्छुओं में दोस्ती का सम्बन्ध कायम हुआ जो भारत और बीन की अदूर दोस्ती का निशान था। जीनी भिच्छ जीन लौट कर वहीं से भारती भिच्छ मों से पत्र ब्योहार के जिर्चे अपनी दोस्ती कायम रसते थे. ब्हेन-सांग ने जीन से भारती भिच्छमों के नाम जो खत लिखे थे वह आज भी जीनी रैकाडर्स में रक्खे हुए हैं.

A CONTROL OF THE PROPERTY OF T

- (6) व्हेन-सांग जैसे चीनी भिद्धश्रों के असर से भारत और चीन के शासकों ने आपस में राजनैतिक रिश्ता क्रायम किया. सौम्राट हर्श ने अपना एक राज दूत चीनी सम्राट के द्रवार में भेजा था और चीनी सम्राट ने बदसे में अपना एक दूत हर्श के दरवार में भेजा था. इसी तरह समय समय पर भारत और चीन के बीच राज्यदूतों का आना जाना आरी रहा.
- (7) चीनी मिचुडों में से कई ने अपने समय के भारत के राजनैतिक, धार्मिक और सामाजिक जीवन का हाल तफसील से लिख छोड़ा है. भारत का प्राचीन इतिहास लिखने में इन बयानों से बहुत मदद मिली है. भारती इतिहासकार इन चीनी बयानों का प्राचीन भारती इतिहास का सबसे बड़ा फरिया मानते हैं. अगर यह भिछु ऐसी कितावें न लिख जाते तो प्राचीन भारत का इतिहास लिखना मुशकिल ही नहीं नामुमकिन हो जाता.

भारत में बीनी भिचुकों के बाने के यह कुछ सास नतीजे हुए. पर इन चीनी यात्रियों की हिम्मत, बितदान बौर बेलगाव त्याग का सब से महत्वपूर्न नतीजा यह हुआ कि भारत और चीन के बीच एक गहरा और टिकाऊ कलचरी सम्बन्ध क्रायम हुआ जिसके निशान आज भी क्रायम हैं.

हैदराबाद के मुसलमान

(मीर चक्दर चकी खां, वैरिस्टर, हैदराबाद)

[15 अगस्त सन '51 आजादी के दिन यह लेख दैदराबाद के अजवारों 'सियासत' और 'दकन कानिकल' में निकला था. इसके खास खास हिस्से आसान बोली में इम नीचे दे रहे हैं —पडीटर]

राजकाजी और माली मसलों को इस करते बक्कत इमें इसकी कोशिश करनी चाहिये कि मजहब की बुनियाद पर इनसानों की निंग्ती करना छोड़ दें, इस पहलू को जितनी चहित्रक्त दी जाब हासत चतनी ही बिगढ़ जायगी. बोक्शाही का मक्कबद यही है कि इम जिस मसले से दो चार

- (6) وهین سانگ جهسے چینی بهکشووں کے اثر سے بھارت اور چین کے شاسکوں نے آپس میں راج نیتک وشقہ قائم کیا ۔ سمرات هرهی نے آپنا ایک راج دوت جھنی سمرات کے دربار میں بهیجا تھا اور چینی سمرات نے بدلے میں اپنا ایک دوت هرهی کے دربار میں بهیجا تھا ۔ اسی طرح سے سے پر بھارت اور چین کے راج دوتوں کا آنا جانا جاری رھا ۔
- (7) چیئی بهکشروں میں سے کئی نے ایٹے سے کے بھارت کے راج نیٹک' دھارمک اور ساماجک جیوں کا حال تفصیل سے لکھ چھوڑا ہے . بھارت کا پراچین انہاس لکھئے میں ان بیانوں سے بہت مدد مای ہے . بھارتی انہاس کار ان چیئی بیانوں کو پراچین بھائی انہاس کا سب سے بڑا ذریعہ مانتے ھیں . اگر یہ بھکشو ایسی کتابھی نہ لکھ جاتے تو پراچین بھارت کا انہاس لکھنا مشکل ھی نہیں ناممکن ھوجاتا .

بھارت میں چیلی بھکشوؤں کے آنے کے یہ کچھ خاص نعیجے ھوئے ۔ پر ان چیلی یاترہوں کی ھمت' بلیدان اور یہ لگار تیاگ کا سب سے مہتو پررن نتیجہ یہ ھوا کہ پھارت اور چین کے بیچ ایک گہرا اور آگاؤ کلچری سمبلدھ قائم ھوا' جس کے نشان آج بھی قائم ھیں .

حیدرآباں کے مسلمان

(مير ائبر على خان بهريستر عدرآباد)

[15 اگست سن 51' آزادی کے دن یہ لیکھ حیدرآباد کے اخباروں 'سیاست' اور 'دکن کرانیکل' میں نکٹ تھا ، اِس کے خاص خاص حصے آسان ہولی میں ہم نہتے دے رہے میں ۔۔ ایڈیٹر]

راچ کاچی اور مالی مسئلوں کو حل کرتے وقت همیں میں کی کوشش کرنی چاہئے کہ مذہب کی بنیاد پر انسانوں کی گفتی کرنا چھوڑ دیں ۔ اِس پہلو کو جنگی اوک همیت دی جائے گی اُ لوک پاھی کا مقصد یہی ہے کہ هم جس مسئلے ہے دو چار

पड़ा है. यह हीनयान बौद्धों के सरवितवाद प्रत्य की किताब है. इसे भराहूर भारती भिन्नु वासुवन्यु ने विक्षा था. कहेन-यांग ने इसका चीनी भारा। में अनुवाद किया और इसी के नाम से "कोश" पन्य कायम किया.

चन 664 ईसवी में ठहेन-सांग इस संसार से चता चरा.

ब्हेन-सांग की मृत्यु के बाद उसकी मूरितयां बना कर बौद्ध मन्दिरों में क्रायम की गईं. बहुत से लोग बुद्ध की मूरित के साथ ब्हेन-सांग की मूरित की भी पूजा करते हैं. इन मूरितयों में ब्हेन-सांग भिद्ध का बाना पहने, टोपी लगाए, दाहिना हाथ जपर चठाए और बाएं हाथ में भिशा का बरतन लिये हुए दिखाया गया है.

इ-छिंग

सन 671 ईसवी में इ-लिंग चीन से भारत के लिये रवाना हुआ. असके साथ कई और भिन्नु आने वाले थे पर चलते समय उन सचने इ-लिंग का साथ छोड़ दिया. इ-लिंग समन्दरी रास्ते से अकेले भारत के लिये चल पड़ा. रास्ते में वह सुमात्रा में कुछ साल ठहरा. यहां वह बौद्धों की जिन्हगी, उनके रहन सहन के तरीक़ों और उनके मजहबी तौर तरीक़ों को सममने की कीशिश करता रहा. बाद में इसके बारे में उसने एक किताब लिख डाली.

भारत आकर वह बौद्ध धर्म की सभी मशहूर पित्र के अगहों को नेखने गया. फिर वह नाजन्द विश्वविद्यालय में दब साज ठहरा यहां इसने बहुत सी कितानों की नक्कल की.

सन 695 ईसवी में वह चीन लौट गया. अपने साथ वह बौद्ध धर्म की 400 किताबें ले गया. चीन में इसने मृत सरबिस्तवाद की एक किताब का अनुवाद किया और एक संस्कृत चीनी शब्द कोश तैयार किया.

काहयान, शुंगं युन, व्हेन-सांग और इ-छिंग के अलावा बहुत से और भी चीनी भिद्ध चीन से भारत आए. इनके भारत आने के सात खास नतीजे हुए—

- (1) चीन में बौद्ध धर्म का प्रचार बढ़ा और बौद्ध महों का संगठन भारती तरीक़े से हुआ.
- (2) चीन में भारती साहित्य काफी तादाद में पहुंचा और इसका चीनी अनुवाद किया गया.
 - (3) चीन में मारती कला को काफी रिवाज दिया गवा.
- (4) भारत में चीनी भिद्धकों के बरसों रहने से चीनियों को भारती जिन्दगी का अनुभव हुआ और भारतियों को चीनियों के रहन सहन का पता लगा और दोनों ने एक दूसरे की अच्छी बातों को अपनाने की कोशिश की.

یه ههریتان بودهی کے سورسائی واد یاته کی ہے ۔ اِسے مشہور بھارتی بهکشو واسو بندھو نے لکھا ہیں انوواد هیں سانگ نے اس کا چھنی بھاشا میں انوواد اِسی کے نام سے ''کوش'' ینتھ قائم کھا .

ے 664 عیسوی میں وہین سانگ اس۔ سنسار سے۔ ما

ھن سانگ کی موتھو کے بعد اُس کی مورتیاں بودھ مقدروں میں قائم کی گئیں ، بہت سے لوگ مورتی کی بھی مورتی کی بھی کرتے ھیں ، اُن مورتیوں میں وھین سانگ بھکشو پہنے' توپی لگائے' داھنا ھاتھ اُرپر اُٹھائے اور بائیں ہی بھکھا کا برتی لئے ھوئے دکھایا کیا ہے .

وبنك

ن 671 عیسوی میں ای چھنگ چین سے بھارت روانہ ہوا. اُس کے ساتھ کئی اور بھکشو آنے والے چلتے سے آن سب نے لی چھنگ کا ساتھ چھوو ی چھنگ سمندری راستے سے انھلے بھارت کے لئے اُ۔ راستے میں وہ سماتوا میں کچھ سال تھہوا ، اور مور کی زندگی' اُن کے رهن سپن کے طریقوں او سمجھنے کی کوشش کے مذہبی اُس نے ایک کتاب ما . بعد میں اِسکے بارے میں اُس نے ایک کتاب اُنی .

،ارت آکر وہ ہودھ دھرم کی سیھی مشہور پوتر جگہوں کھنے گیا ، پھر وہ نالقد وشو ودیالے میں دس سال ، یہاں اُس نے بہت سی کتابوں کی نقل کی .

ن 695 عیسوی میں وہ چین لوت گیا ۔ آپ ساتھ است کی 400 کتابیں لے گیا ۔ چین میں آس سروستی واد کی ایک کتاب کا انوواد کیا اور ایک رت چینی شبد کوش تیار کیا ۔

ههان' شلک بن' وهین سانگ اور اِی چهنگ کے ہت سے اُور بھی چیلی بهکشو چین سے بھارت آئے . بھارت آئے ۔ بھارت آئے کے سات خاص نتیجے هوئے ۔۔۔

- پین میں بودہ دھرم کا برچار بوھا اور بودھ کا سلکٹین بھارتی طریقے سے ھوا۔
- 2) چهن میں بهارتی ساهتیه کافی تعداد میں
 اور أن کا چینی انوراد کیا گیا .
 - 3) جهنی مهن بهارتی کا کو کافی رواج دیا گها .
- 4) بہارت میں چینی بہکشوؤں کے برسوں رہنے
 بیدیوں کو بہارتی زندگی کا انوبہو ہوا اور بہارتیوں کو
 وں کے رہی سپن کا ہت لگا اور دونوں نے ایک دوسرے
 بھی ہاتوں کو ایٹائے کی کوشش کی ،

वा का विक किया और विका इवायत भारत वही जाने माक्री मांगी. सम्राट ने ब्हेन-सांग को माक कर दिया र इसे राजधानी आने की वाबत दी. व्हेन-सांग ने भारत चीन की इञ्जात और चीन का मान बढ़ाया था. इसलिये ा व्हेन-सांग राजधानी में पहुंचा तो राजधानी की सारी ाता उसके स्वागत के जिये उमड पड़ी. "चीन के इतिहास किसी भी बौद्ध भिद्ध का इतना शानदार स्वागत नहीं किया ॥ था जितना इस तीर्थ यात्री का. उस दिन सम्राट ने. उनके बार ने, सरकारी नौकरों ने, सौदागरों ने और आम ाता ने छुट्टी मनाई. सडकों पर मर्दी और औरतों की इ लग गई. यह लोग मंडे दिखा कर और नाच गाकर . । नी ख़ुशी जाहिर कर रहे थे. कृ दूरत ने भी उस दिन ा-सांग का दिल से इस्तक्रवाल किया. श्रासमान बिलकल हथा. बादल और पानी के कोई आसार नहीं थे. समान से खुशी मलक रही थी. व्हेन-सांग का पुराना चीड़ वेड भी भूम भूम कर खुशी मना रहा था. जब से व्हेन-ा भारत के लिके चला तभी से वह पिठ्यम की श्रीर भुका ाथा. जब वह भारत से चीन के लिये रवाना हुआ से वह पेड़ अपने मालिक के घर लौटने की सूचना देने लिये पूरव की छोर भुक गया, छौर उसी तरह भुका जब तक व्हेन-सांग चांग-गान वापस नहीं पहुंच गया." गान युचान-च्वांग''—लेखक वाटर्स, सफा—11).

सम्राट ने न्हेन-सांग को बहुत दिनों तक अपने महल में और एक अलग कमरे में बैठ कर वह न्हेन-सांग से त का हाल घंटों सुना करता था.

न्हेन-सांग भारत से अपने साथ महायान बौद्ध धर्म 124 किताबें और 520 दूसरी किताबें बाईस घोड़ों पर कर चीन ले आया था. न्हेन-सांग के कहने पर सम्राट न तमाम किताबों के अनुवाद के लिये विद्वानों की एक ी नियोजित कर दी थी.

सम्राट के कहने पर व्हेन-सांग ने अपनी यात्रा का एक किताब में लिख डाला. इस किताब को "सि-यू-यानी "पच्छिमी देसों का हाल" कहते हैं. इसे व्हेन-ने सन 646 ईसवी में सम्राट को पेश किया था. चीन, या और जापान में यह बौद्ध धर्म की एक पवित्र व मानी जाती है. भारत के इतिहासकारों को भारत खीन इतिहास जिखने में इस किताब से बहुत मदद है. प्राचीन भारत का जितना सच्चा और यक्षीन लायक बयान इस किताब में मिलता है जतना और में नहीं.

बीन में ट्वेन-सांग ने बौद्ध धर्म का एक पन्थ कायम जिसे "किउन्शे" यानी "कोश" पन्थ कहते हैं. इस का नाम बौद्ध धर्म की किताब "अभिधर्म कोश" से

الله الكر عما أور بلا الجارت بهارت بولي جاني عَيْنًا ضِعَاقِي مَانِكِي , سَمِرات نِي وَعِين سَانِك كو معاف كُو دينا أور أيم راجدهاني آلے كى دعوت دى . وهين سانگ نے بہارت میں چین کی عزت اور چین کا مان بوهایا تها ، اس لئے جب وهين سانگ راجدهاني ميں يهونچا تو راجدھانی کی ساری جنتا اُس کے سواقت کے لئے اُمو یہی ، ''چھوں کے اِتہاس میں کسی بھی ہودھ بھکشو کا أتنا شاندار سوآكت نههن كها كها تها جتنا إس تيرته ياترى کا . اُس فین سمرات نے آن کے دربار نے سرکاری نوکروں نے ' سوداگروں نے اور عام جنتا نے چھٹی منائی ۔ سوکوں پر مردوں اور عورتوں کی بھیتو لگ کای یا لوگ جھندے هکها کر اور ثابی کا کر اینی خوشی طاهر کر رهے ته . قدرت نے بھی اُس دن وعین سانگ کا دل سے استقبال کھا ۔ آسمان بالکل صاف تھا۔ بادل اور بانی کے کوئی آثار فههل ته اسمان سے خوشی جهلک رهی تهی ، وههن سانگ کا برانا چهر کا پیر بهی جهرم جهوم کر خوشی منا رها تها . جب سے وههن سانگ بهارت کے لئے چا تبهی سے وہ پنچھم کی اور جھکا ہوا تھا . جب وہ بھارت سے چھن کے لئے روانہ ہوا تب سے وہ پہر اپنے مالک کے گھر لوتنے کی سوچنا دینے کے لئے پورب کی اور جھک گیا' اور اُسی طرح جهکا رہا جب تک وہوں سانگ جانگ کان واپس نہیں پہنچ کیا ." ("آن یوان چوانگ"۔۔۔لیکھک۔۔۔واٹرس' (11-100

سمرات نے وہین سانگ کو بہت داوں تک اپ مصل میں رکھا اور ایک الگ کمرے میں بیٹھ کو وہین سانگ سے بھارت کا حال گھنٹوں سفا کرتا تھا .

وعین سانگ بھارت ہے اپنے ساتھ مہایاں بودھ دھرم کی 124 کتابیں اور 520 دوسری کتابیں باٹیس گھوڑوں پر لاد کر چین لے آیا تھا ۔ وھین سانگ کے کہنے پر سمرات نے اِن تمام کتابوں کے انوواد کے لئے ودوانوں کی ایک کمیٹی نیوجت کردی تھی ۔

سمرات کے کہنے پر وہیں سانگ نے اپنی یاترا کا حال ایک کتاب میں لکھ ڈالا اس کتاب کو ''سی یو کی'' یعنی 'پچھمی دیسور کا حال'' کہتے ہیں ۔ اسے وہیں سانگ نے سن 646 عیسوی میں سمرات کو پھش کیا آتھا ۔ چھن' کرریا اور جابان میں یہ بودہ دھرم کی ایک پوتر کتاب مانی جاتی ہے ۔ بھارت کے اتھاس کاروں کو بھارت گا پراچھن اتھاس لکھنے میں اس کتاب سے بہت مدد ملی ہے ۔ براچھن بھارت کا جتنا سنچا اور یقین کرنے لائق بھان اس کتاب میں ملتا ہے اُننا اور کسی میں نہیں۔ بھان ایس کتاب میں ملتا ہے اُننا اور کسی میں نہیں۔

چوں میں وهیں سانگ نے بودھ دھرم کا آیک پلتھ ۔ قائم کیا جسے''کیو شے'' یعنی''کوش'' پلتھ کھتے ھیں ، آس پلتھ کا نام بودھ دھرم کی کتاب ''ابھیدھرم کوھی'' سے

A CONTRACTOR OF THE PROPERTY O धर्म के अनेक पन्य क़ायम हो गए ये औं आपस में ज़ड़ा करते थे. इस लिये उसने यह तय किया कि वह भारत जाकर बौद्ध धर्म और बौद्ध दरशन का अध्ययन करेगा। भौर वहां से बौद्ध किताबें लाकर उनका चीनी अनुवाद

सन् 629 ईसवी में व्हेन-सांग चीन की राज धानी चांग-गान से भारत के लिये रवाना हुआ. उसने भारत काने के लिये चीन के सम्राट से इजाजत नहीं ली. बीच एशिया के रास्ते होकर वह भारत आया.

भारत में व्हेन-सांग सोलह साल ठहरा. इस अरसे में बह भारत की सभी मशहर जगहों को देखने गया. उसने भारत के पवित्र बौद्ध स्थानों की भी यात्रा की और वहां जाकर अपनी श्रद्धान्जिल श्ररपित की. नालन्द विश्वविद्यालय में वह पांच साल ठहरा. यहां वह मशहूर बौद्ध शिच्नक श्राचाये शीलभद्र के साथ बौद्ध धर्म की किताबों का अध्ययन करता रहा और उसने उनसे बौद्ध दरशन की तालीम हासिल की.

भारत के राजाओं से भी व्हेन-सांग ने गहरी दोस्ती पैदा कर ली थी. जिस समय वह भारत श्राया था, सम्राट हर्श भारत में राज कर रहा था. हर्श बौद्ध धर्म का मानने बाला था. इसके अलावा वह महायान पन्थ का समर्थक था. व्हेन-सांग भी महायानी था, इसलिये हर्श ने उसे अपने हरबार में रख जिया और उसकी बड़ी आवभगत की. ब्हेन-सांग अपनी विद्वता के लिये भारत में भी बहुत जल्द मशहूर हो गया. सम्राट हर्श उसकी विद्वता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने व्हेन-सांग की बौद्ध दरशन की व्याख्या सनने के लिये क्रज़ीज में एक विशाल धार्मिक सभा का आयोजन किया जिसमें सारे हिन्दुस्तान से बौद्ध भिन्न श्रौर प्रचारक मुलाए गए. इसके अलावा, सभी राजाओं की इस सभा में शामिल होने की दावत दी गई. आसाम के राजा भास्कर-बरमन जो सम्राट हर्श के गहरे दोस्त थे, इस सभा में शामिल हुए थे. यह सभा कई दिन चलती रही. व्हेन-सांग की धर्म व्याख्या से सारी सभा पर बहुत गहरा असर पड़ा भौर व्हेन-सांग सारे भारत में मशहूर हो गया. इसी सभा में कुछ ब्राह्मनों ने सम्राट हर्श की इत्या करने की कोशिश की थी और उस कमरे में आग लगा दी थी जहां भगवान युद्ध की सोने की मूर्ति रखी हुई थी.

व्हेन-सांग सन 645 ईसवी में चीन वापस गया. सम्राट हर्श ने बहुत से उपहार के साथ उसे अपने दूतों की देख रेख में भारत की सरहद तक पहुंचा दिया. वहां से फिर वह चीन चला गया.

चीन में व्हेन सांग का शाही स्वागत किया गया. जब वह चीन के रास्ते में था तभी उसने सम्राट के नाम एक प्रार्थना पत्र शिख कर भेजा जिसमें उसने अपनी भारत

دھرم کے انہا ہفتہ قائم ھیلکے تصدور آیس میں لوا كرتي ته . أس ليم إس نے يه طے كها كه وه بهارت جاكر بودھ دھوم آور بہدھ دوشن کا ادھون کرے گا اور وہاں سے ۔ بوده تعابین لاکر أن كا چهنی أنواد، كريكا

سن 629 عيسري ميں وهين سانگ چين کي راجدهاني جانگ کان سے بھارت کے لئے روانہ ہوا . اُس نے بھارت جانے کے لئے چھن کے سمرات سے اجازت نہیں لی . بیچ ایشها کے راستے هو کر وہ بھارت آیا .

بهارت میں وهین سانگ سوله سال تههرا . اِس مرصے میں وہ بہارت کی سبھی مشہور جگہوں کو دیکھلے یا . اُس نے بھارت کے پوتر بودھ استھانوں کی بھی یاترا لى اور وهال جاكر ايني شردهانجلي أريت كي أللد شووديالية مين وه پانچ سال تههرا . يهان وه مشهور وده شکشک آجاریه شیل بهدر کے ساتھ بودھ دھرم کی تابین کا ادههن کرتا رها اور آس نے آن سے بودھ درشن ی تعلیم حاصل کی ۔

بھارت کے راجاؤں سے بھی وعین سانگ نے گہری وستی پهدا کو لی تهی . جس سیم ولا بهارت آیا تها سرات هره بهارت میں راج کر رها نها . هرش بوده هرم کا مائدے والا تھا ۔ اس کے علاوہ وہ مہایان پدیم کا سمرتهک ها . وهین سانگ بهی مهایانی تها اس لئے هرش نے سے اپنے دربار میں رکھ آیا اور اس کی بوی آؤ بھٹت کی، هین سانگ اینی ودونا کے لئے بھارت میں بھی بہت بلد مشهور هوالها . سموات هره اس كي ودوتا سے أتقي ر بھارت ھوٹے کے اُنھوں نے رھین سانگ کی بودھ درشن ی ریاکھیا سننے کے لئے قنوب میں ایک وشال دھارمک سبها کا آیوجن کیا جس میں سارے هندستان سے بودھ عمدو اور پرچارک بلائے گئے . آس کے علاوہ سبھی راجاؤں او اِس سبها میں شامل هونے کی دعوت دبی گئی . آسام نے راجا بھاسکر ورمن جو سمرات هرش کے گہرے دوست تھ' س سبها میں شامل هرئے تھے . یہ سبها کئی دن چلتی هی . وههن سانگ کی دهرم ویاکهها سے ساری سبها پر ہت کہوا اثر ہوا اور وهین سانگ سارے بھارت میں شهور هوگها . اسی سبها میں کچه براهملوں نے سمرات برھی کی معیا کرنے کی کوشش کی تھی اور اُس کدرے ہیں آگ کے دی تھی جہاں بھکوان بدھ کی سولے کی ىورتى ركهى ھوئى تھى ،

وهين سانگ سن 645 عيسوي مين چين واپس یا . سراه هرهی نے بہت سے اُنہار کے ساتھ اُسے ایے ونوں کی دیکھ ریکھ میں بھارت کی سرحد تک پہونچا بيا . وهال سے پهر وہ چهن چا کیا .

چهن مهن وههن سانگ کا شاهی سواکت کیا گیا. جب ہ چھن کے راستے میں تھ اس فے سدرات کے نام ایک وارتهقایعر لکھ کر بھیجا جس میں اُس نے ایلی بھارت रांग-मुन बीच परिया हो कर भारत काया. भारत के कतर पिछम के सरहही राज खर्यन के राजा के नाम वह चीन की मलका का ख़त ले आया था. उसने वह ख़त उदयन के राजा को दिया. राजा साहब ने उस ख़त को बड़ आदर से स्वीकार किया और उसे पढ़वा कर सुना. जब राजा साहब को यह माल्म हुआ कि चीन की मलका बौद्ध धर्म की मानने वाली हैं तो उन्होंने कीरन पूरव की ओर (चीन की ओर) मुँह करके, हाथ जोड़ कर और ध्यान मम होकर अपना सिर मुका लिया. फिर उन्होंने शुंग-युन की बड़ी खातिर की और चीन के बार में तरह तरह के सवाल किये. चीन के बौद्ध धर्म के बार में उन्होंने खास दिलचस्पी ली. चीन के बारे में शुंग-युन की बातें सुन कर राजा साहब बोले—

"आपने जो कुछ बताया अगर वह सब सच है तो आपका देस सचमुच मगवान बुद्ध का देस है. मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इस जीवन के बाद मैं आपके देस में ही जन्म लूँ." ("बुधिस्ट रेकार्ड्स आक दी वेस्टर्न वर्ल्ड"—बीत, सका—94)

खदयन में कई साल रह कर शुंग-युन बौद्ध धर्म की किताबें इकट्ठा करता रहा, फिर वह गान्धार गया. वहां भी उसन बहुत सी किताबें हासिल की फिर सन 522 ईसवी में वह गान्धार से चीन वापस चला गया. वह अपने साथ बौद्ध धर्म की 170 किताबें चीन ले गया.

व्हेन सांग

जितने चीनी यात्री भारत आए चनमें व्हेन-सांग सबसे जियादा विद्वान था, उसने सबसे जियादा शाहरत हासिल की और भारतियों के साथ सबसे जियादा मेल जोल पैदा किया.

व्हेन-सांग सन 603 ईसवी में पैदा हुआ. उसके घर में कभी कंग फूट्ये धर्म के मानने वाले थे. इसलिये शुरू शुरू में वह कंग फूट्य धर्म की ही किताबों का अध्ययन करता रहा. फिर जब वह तेरह साल का हुआ तो उसका बड़ा भाई बोद्ध भिद्ध हो गया. अपने भाई के साथ साथ व्हेन-सांग भी बीद्ध धर्म का अनुयायी हो गया और उसने बीद्ध साहित्य का पदाई शुरू की. बचपन से ही वह बड़ा होनहार और तेज था. याद करने की ताक्षत भी उसमें और लोगों से जियादा थी. उसने बीद्ध दरशन का इतना गहरा अध्ययन किया कि बहुत जल्दी सारे बीन में वह अपनी विद्वता के लिये मशहूर हो गया. चीन के दूर दूर हिस्सों से बीद्ध भिद्ध उसके पास तालीम हासिल करने आने लगे.

ब्हेन-सांग बीद्ध किताबों के बीनी ध्वतुवाद से बहुत स्वंतुरद था. धसने यह भी देखा कि चीन में बीद

اد آپ نے جو کچھ بتایا اگر وہ سب سے ہے تو آپ کا دیس سے میں ایشور سے دیس سے میں ایشور سے پرارتھنا کرتا ہوں کہ اس جیرن نے بعد میں آپ کے دیس میں ہی جنم لوں ۔" (''بدھست ریکارڈس آف دی ویسٹرن ورلڈ''۔ بیل' صفحہ ۔ 94)

أدين ميں كئى سال وہ كو شدگ بن بودھ دھوم كى كتابيں انتها كوتا وھا ، پھو وہ كاندساو گيا ، وھاں بھى اُس نے بہت سى كتابيں حناصل كيں ، پھو سن 250 عيسوى ميں وہ كاندھاو سے چھن واپس چلا كيا ، وہ آنها ساتھ بوده دھوم كى 170 كتابيں چھن لے كيا ،

وههن سانگ

جعنے چینی یاتری بھارت آئے اُن میں وھین سانگ سب سے زیادہ ودران تھا اُس نے سب سے زیادہ شہوت حاصل کی اور بھارتیوں کے ساتھ سب سے زیادہ میل جول پیدا کیا .

وهین سانگ سن 603 عیسوی میں پیدا هوا . أس کے گہر میں سبھی کنگ نوتزے دهرم کے مانٹے والے تھ . اس لئے شروع شروع میں وہ کنگ فوتزے دهرم کی کتابوں کا ادهین کوتا رها ، پھر جب وہ تیرہ سال کا هوا تو اس کا ہوا جہائی بودھ بهکشو هوگیا . اپنے بھائی کے ساتھ ساتھ رهین سانگ بھی بودھ دهرم کا انویائی هوگیا اور اُس نے بودھ ساهتین کی یوهائی شروع کی . بحین ساتھ وہ بڑا هونهار اور تیز تھا ، یاد کرنے کی طاقت بھی اُس میں اور لوگوں سے زیادہ تھی . اُس نے بودھ دوشن اُس میں اور لوگوں سے زیادہ تھی . اُس نے بودھ دوشن اُس میں اور دور دور دور دور کا اُنہیں کے دور دور دور کا اُنہی ودوتا کے لئے مشہور هوگیا ، چھن کے دور دور دور کا اُنہی ودوتا کے لئے مشہور هوگیا ، چھن کے دور دور دور کی کیا تھا مامل کرنے کی اُنہ ہودھ بھکشو اُس کے پاس تعلیم حاصل کرنے کی گھرا اُنہ بھکشو اُس کے پاس تعلیم حاصل کرنے کی آنے لگے ،

وهدن ساگ بودھ کتابوں کے چینی انواد سے بہت استشت تھا ۔ اُس نے یہ بھی دیکھا کہ چین میں بودھ

हाज पर यह असन (बौद भिद्ध) सवार है, इसकिये मारे ऊपर इतनी मुसीयतें था पड़ी हैं. इस अमन को इसी पास के टापू पर उतार दिया जायगा जिससे इस क आदमी की वजह से तमाम दूसरे मुसाफ़िरां की जान तरे में न पड़े."

जब फाहयान के धार्मिक गुरु दनपति ने ब्राह्मनों का ह इरादा सुना तो वह बहुत नाराज़ हुए. उन्होंने उन । ह्मानों से कहा—"अगर तुम इस भिज्ज को जहाज़ से तारागे तो इस के साथ तुम्हें मुक्ते भी उतारना पड़ेगा. । गर तुम मुक्ते इसके साथ नहीं उतारना चाहते तो मुक्ते । र डालो क्योंकि अगर तुम इस श्रमन को जहाज़ से तार दोगे, तब मैं चीन पहुँच कर सीधा बादशाह के पास । फंगा और उनसे तुम्हारी शिकायत करूंगा. चीन का । दशाह बोद्ध धर्म का कहर मानने वाला है और वह । खुआं और पुजारियों का बहुत आदर करता है." यह । नकर वह सब के सब बहुत घरगए और उन्होंने काहयान । जहाज से उतार देने का इरादा बिलकुल छोड़ दिया.

मौसम अब भी खराब रहा. मुसाफिरों का राशन और ानी सब खतम हो चला. इसलिये मल्लाहों ने जहाज ो चीन के किनार कहीं लगा दिया, जहां कोई बन्दरगाह था. यहीं फाइयान उतर गया. पास के खेत और उड़ती है चिड़ियों को देख कर वह समम गया कि यह चीन ही देस हैं. यहां से वह उस जिले के हाकिम की मदद चीन की राजधानो चांग-गान चला गया.

पन्द्रह साल बाहर रह कर सन 414 ईसवी में फाह्यान पने चांग-गान के मठ में वापस आया.

काह्यान ने अपनी भारत यात्रा का एक वयान लिखा किसे 'कू-कुओ-की" यानी "भगवान बुद्ध के देस की हानी" कहत हैं. इस किताब में काह्यान न अपने समय भारत में जो कुछ देखा और सुना सब दर्ज़ किया है. |रत के हतिहासकारों को भारत का प्राचीन इतिहास |खने में इस किताब से बहुत मदद मिली हैं.

फाइयान की भारत यात्रा का वयान चीनी भिंचुओं बड़े चाव से सुना और उससे उनके दिल पर बहुत असर इा. फाइयान की हिम्मत और निहरता से प्रभावित हो कर निक बौद्ध भिक्षु चीन से भारत आए. सच तो यह है कि हियान ने ही चीनियों को भारत आने का रास्ता दिखाया तिर हिम्मत दिलाई.

शूंग-युन

शुंग-युन चीन का एक बौद्ध भिच्छ था. 517 ईसवी में बीन की मलका ने बौद्ध किताबें लाने के लिये उसे अपना बूंच बनाकर भारत भेजा था. جہاز ہور یہ شرموں (بودھ بھکشو) سوار ہے' اس لگے مبارے اوپر اتنی مصبحتیں آ یوی ھیں ۔ اِس شرمین کو کسی پاس کے تابو پر آتار دییا جائے کا جس سے اِس ایک آدمی کی وجہ سے تمام دوسرے مسافروں کی جان خطرے میں نہ ہوتے ۔''

جب فاهیان کے دھارمک گرو دن پتی نے براهدنوں کے ارادہ سفا تو وہ بہت ناراض ہوئے۔ اُنھوں نے اُن براهدنوں سے کہا ۔ '' اگر تم اِس بھکشو کو جہاز سے اُناروئے تو اِس کے ساتھ تمھیں مجھے بھی اُتارنا پوے گا۔ اگر تم مجھے اِس کے ساتھ نہیں اُتارنا چاھتے' تو مجھے مارةالو کھونکھ اگو تم اِس شرمی کو جہاز سے اُتار دوئے' تب میں چین پھونچ کو سیدھا بادشاہ کے پاس جاؤں گا آور اُن سے تمہاری شکایت کروں گا۔ چین کا بادشاہ بودھ دھرم کا کثر مانئے والا ھے آرر وہ بھکشوؤں آرر پجاریوں کا بہمت آدر کرتا ھے'' یہ سنکر وہ سب کے سب بہت گیبر نُد آرر اُنھوں نے فامھان کو جہاز سے آتار دیئے کا اِرادہ بالکل چھوڑ دیا۔

موسم ب بھی خراب رھا ، مسافروں کا راشن آور پائی سب ختم ھوچلا ، اِس لئے ملاحوں نے جہاز کو چھن نے کفارے کھیں لئا دیا جہاں کوئی بلدرگاہ نه تھا ، یہھں فاھھان آتو گھا ، پاس کے کھیت آور اُرتی ھوئی چڑیوں کو دیکھکر وہ سمجھ گیا که یه چین کا ھی دیس ہے ، یہاں سے وہ اُس ضلع کے حاکم کی مدد سے چھن کی راجدھائی جانگ کان چلا گھا ،

پندرہ سال باہر رہکر سن 414 عیسوی میں فاہیاں اپنی اپنی کے متب میں واپس آیا . فاہیان نے اپنی بہارت یاترا کا ایک بیان لکہا ہے جسے ''فو کواو ،کی '' یعنی ''بہکوان بدھ کے دیس کیکہانی'' کہتے ہیں ۔ اِس کتاب میں فاہیان نے اپنے سے میں بہارت میں جو کچھ دیکھا آور سنا سب درج کیا ہے . بہارت کے اتہاس کاروں کو بہارت کا پراچین اِتہاس لکہنے میں اِس کتاب سے بہت مدد ملی ہے .

فاههان کی بھارت یاترا کا بھان چینی بھکشووں نے بہت ادر دوا . بہت ادر دوا . بہت ادر دوا . فاههان کی هست آور ندرتا سے پربھارت هوکر انیک بوده بھکشو چین سے بھارت آئے ۔ سے تو یہ ہے کہ فاعیان نے بھی چینیس کو بھارت آئے کا راستہ دکھایا آرر هست دلائی۔

هنگ يي

شلک ین چین کا ایک بودہ بهکشو تها . 517 میسوی میں چھن کی ملکہ نے بودھ کتابیں لانے کے لئے أينا هوت بناكر بهارت بهمتما تها ،

ते भावा था, तेसर वह चीन के तिये एक बहुत वहे सीदागरी जहाज पर सवार हुआ।

काह्यान को लंका से चीन की यात्रा बहुत ही खतरनाक साबित हुई. इस बार उछे जिन मुसीबतों का सामना करना पड़ा वह उसकी चीन मारत यात्रा से कहीं जियादा दुखदाई था.

जिस जहा । पर फाह्यान सवार हुआ, उसमें दो सी मुसाफिर और मल्लाह थे. उस जहाज के साथ एक छोटा जहाज भी बंधा हुआ था जो खतरे के समय इस्तेमाल किया जा सकताथा. लंका से जिस समय जहाज चला. मौसम बहुत अच्छा था और हो दिन तक जहाज आसानी से चलता रहा. तीसरे दिन बड़े जोरों का तुकान आया भीर बढ़े जहाल में एक सूराख हो गया. इसी के जरिये जहाज में पानी भरने लगा और श्रब डर हुशा कि कहीं जहाज दूव न जाए. छोटे जहाज के मल्लाह बड़े जहाज वालों को धोका देकर रस्सा तुड़ा कर अलग निकल गए जिससे बड़े जहाज के मल्लाह बड़ी परशानी में पड़े. उन्होंने सौदागरों को त्रादेश दिया कि वह अपना सब सामान पानी में फेंक दें जिससे जहाज का बोम हलका हो जाय. उन्होंन वैसा किया. काहयान ने अपनी पानी की सुराही श्रीर हाथ धोने का बरतन पानी में फेंक दिया, उस हर लगा कि कहीं उसकी तमाम किताबें और मूर्रातयां भी पानी में न फॅक दी जायँ. इसिल्ये उसने भगवान अवलोकितेश्वर से प्रार्थना करना शुरू की--"हे भगवान! मैं बौद्ध साहित्य की खोज में दूर दूर देसों में घूमता फिरा आप कृपा कर के अपनी रूहानी शक्ति से मुमे किसी सुरिच्चत जगह पर ले चिलये." तेरह दिन तूकान चत्तता रहा. किर एक दिन जहाज एक टापू के किनारे लगा. यहां मल्लाहों ने जहाज को रोक कर इसके सुराख को बन्द कर लिया श्रीर श्रव जहाज किसी तरह जावा पहुंचा. जावा में फाह्यान ने दूसरा जहाज किया. इस जहाज पर भी दो सौ बादमी थे.

एक महीने सात दिन तक जहाज चलने के बाद समन्द्र में जोरों का तूकान आया और तूकान के साथ पानी भी. आकाश में बादल बिर आए जिसकी वजह से दिशा का पता लगाना भी मुशक्तिल हो गया. जाहाज ख़तरे में पड़ गया. किस वक्षत दूव जाय कुछ ठोक नहीं. सौदागर और मल्लाह सभी बहुत परेशान थे. ऐसे समय काहयान ने भगवान अवलोकिनेश्वर की प्रार्थना फिर शुरू कर दी. और इसी समय जहाज के आधान मुसाफिरों ने एक सभा की जिसमें यह विचार किया गया कि जहाज पर जो मुसीबत आ पड़ी है, उसका कारन क्या है. बहुत सोच विचार और बहस के बाद यह तय पाया कि सारी मुसीबत की जड़ बौद्ध भिद्ध काइयान है. उन्होंने एलान किया—"चूंकि हमारे یا تھا گے کو وہ چین کے لئے ایک بہت ہوئے سوداکری زاہر سوار ہوا .

فاههان کی لفکا سے چھن کی یانرا بہت هی خطر با ثابت هوئی اسلام اسلامی مصید بھوں کا سامفا پورا وہ اُس کی چھن بھارت یانرا سے کہیں زیادہ دائی تھی .

جس جهاز پر فاهیان سوار هوا اُس مهی دو سو افر ارر ملاح تھے . اُس جہاز کے ساتھ ایک چھوٹا جہاز بندها هوا تها جو خطے کے سمے استعمال کہا جا لا تها للكاس جس سم جهاز چلا موسم بهت أجها اور دو دن تک جهاز آسانی سے چلتا رها ، تهسرے ہوے زوروں کا طوفان آیا اور بوے جہاز میں ایک اعر ہوگھا . اِسی کے ذریعہ جہاز میں پانی بھرنے اگا آب در هوا که کهین جهاز دوب نه جائے . چهوائے جهاز ملے ہوے جہاز والوں کو دعوکا دے کر رسا توڑا کر انگ ے گئے جس سے بڑے جہاز کے ملاح بڑی پریشانی مھی ، انهوں نے سوداگروں کو آدیش دیا که وہ ایکا سب مان پانی میں پھینک دیں جس سے جہاز کا بوجھ هلکا ھائے . اُنھوں نے ویسا کیا . فاھھان نے ایلی پانی کی حی اور هاته دهونے کا برتن پانی میں پھیلک دیا . قر لگا که کهیں اس کی تمام کتابیں اور مورتیاں بھی میں نه پهیدک دی جائیں ایس لئے اُس نے وان اولوکتیشور سے پرارتها کرنا شروع کی ۔۔۔ و ھے وان! میں بودھ ساھتیہ کی کھوبہ میں دور دور مُوں میں گھومتا پھرا ۔ آپ کوپا کر نے اینی روحانی ھی ہے معجمے کسی سرکشت جگه پر لے چلکے .'' تهرہ طرفان چلتا رها. پهر ایک دن جهاز ایک تابو کے ہے لگا ، یہاں ملاحوں نے جہاز کو روک کر اس کے ام کو بغد کر دیا 'ور اب جهاز کسی طرح جاوا پهونچا . ا میں فاعیان نے درسرا جہاز کیا . اِس جہاز پر بھی سو آدمی تھے.

ایک مہینے سات دن تک جہاز چلنے کے بعد سمندر زوروں کا طوفان آیا اور طوفان کے ساتھ پانی جمی . ن فوروں کا طوفان آیا اور طوفان کے ساتھ پانی جمی ن میں بادل گھر آئے جس کی وجه سے دشا کا پہد لگانا یہ مشکل ہوئیا . جہاز خطرے میں یو گیا . کس تا قوب جائے کچھ تھیک نہیں . سرداگر اور صلاح سبھی تا پریشان تھے . ایسے سمے فاہمان نے بھگوان اولوکتیشور یرارتہنا پھر شروع کر دی اور اِسی سمے جہاز کے بواہمن افروں نے ایک سبھا کی جس میں یہ وچار کیا کہ جہاز پر جو مصوبہت آ پڑی ہے' اس کا کارن کے جہاز پر جو مصوبہت آ پڑی ہے' اس کا کارن کے بیات سوچ وچار اور بعدت کے بعد یہ طے کہ ساری مصیبت کی جو ہودھ بھکشو کی ساری مصیبت کی جو ہودھ بھکشو ان ہے . آنہوں نے اعلان کیا ۔۔'' چونکہ ھمارے

जन्होंने सोचा, यह वही जगह है जहां भगवान बुद्ध ने अपनी जिन्दगी के पच्चीस साल गुजारे थे. इस समय वह (काह-यान और उसका साथी) अपनी जान खतरे में डाल कर विदेसियों के बीच रह रहे हैं. उनके साथ जो भिद्ध उसी मक्तसद से कई देसों से होते हुए भारत आ रहे थे, कुछ तो जीन बापस चले गए और कुछ रास्ते में ही मर गए. और अब उस जगह को देख कर जहां किसी समय भगवान बुद्ध रहा करते थे और अब वहां मौजूद नहीं थे, उनका विल दर्द से मर आया. उनको इस तरह दुखी होते देख कर, उस मठ के भिद्ध उनके पास आए और उनसे पूछा—"आप लोग किस देस से आ रहे हैं ?"

· 1966年 - 1967年 - 1967年 - 1968年 - 196

धन्होंने जवाब दिया—"हम जोग हान देस (चीन) से चा रहे हैं."

यह सुनकर उन भिचुत्रों को बड़ा ताज्जुब हुआ और वह बोले—"कितने अचरज की बात हैं! जरा सोचिये तो, बौद्ध धर्म की तालीम हासिल करने धरती की सरहद से इतनी दूर यह लोग आप हैं." और फिर आपस में बात करते हुए उन्होंने कहा—"हमारे पुरखे जो इसी जगह समय समय पर रह चुके हैं, उन्होंने हान देस के लोगों को इतनी दूर आते कभी नहीं देखा!" (कू-कुओ-की, लेखक—काहयान, सका-45)

खेतवन मठ में फाहयान को बड़े आदर के साथ ठहरा-या गया. कुछ दिन यहां रह कर फाहयान दूसरी जगहों को देखने चला गया.

फाइयान भारत में बौद्ध धर्म की किताब इकट्टा करना चाइता था इसलिये वह पाटली पुत्र गया. पाटली पुत्र में उसका भारत जाने का मिशन पूरा हुजा. यहां से उसे '7000 गाथाओं की अवस्तिवाद पन्य की एक किताब, 6000 गाथाओं की संयुक्त जाभिधमें हृदय शास्त्र की एक किताब, 5000 रत्तोकों की निरवान सूत्र की एक किताब 5000 रत्तोकों की वैपुल्य निरवान सूत्र की एक किताब और महा संधिका पन्य के ज्ञाभिधमेशास्त्र की एक किताब मिली. यहीं उसने बहुत सी बौद्ध मूरतियां भी इकट्ठा की जिन्हें वह चीन ते गया. फाइयान तीन साल पाटलीपुत्र में रहा. इस अरसे में उसने संस्कृत का ज्ञाध्ययन किया और बहुत सी बौद्ध पुस्तकों को नक्षल किया.

पाटली पुत्र में अपना काम पूरा कर के बह कीन के किये रवाना हुआ. रास्ते में वह लंका में दो साल ठहरा. यहां बसे महीशासक पन्थ के विनय पिटक की एक किताब कीर वीर्षणम और संयुक्त गम की एक एक किताब मिली. यह किताबें पहली बार चीन लाई गई थीं. इन किताबों को, और उन मुर्तियों और किताबों को, जो बह भारत से

نہوں نے سونھا 'یہ وہی جگھ ہے جہاں بھتوان بدھ نے ایلی زندگی کے بچھس سال گذارے تھے اس سے وہ فاهیان اور اس کا ساتھی) ایڈی جان خطرے میں ڈال ار بدیسیوں کے بھی رہ رہے ہیں . اُن کے ساتھ جو بھکھو سی مقصد سے کئی دیسوں سے ہوتے ہوئے بھارت آرہے تھے' چھ تو چھن واپس چلے گئے اور کچھ راستے میں هی بر گئے . اور اب اس جگه کو دیکھکر جہاں کسی سے پکوان بدھ رہا کرتے تھے اور 'ب وہاں موجود نہیں تھا' یکھکو' اُس متھ کے بھکشو اُن کے پاس آئے اور اُن سے یکھکو' اُس متھ کے بھکشو اُن کے پاس آئے اور اُن سے یکھکو' اُس متھ کے بھکشو اُن کے پاس آئے اور اُن سے وجھا۔ ''

اُنہوں نے جو'ب دیا ۔۔۔'' هم لوگ هان دیس (چین) ہے آرھے ههں .''

یہ سن کو اُن بھکشوؤں کو ہوا تعجب ہوا اور وہ بولے—
' کھلے اچرج کی بات ہے! فرا سوچئے تو' بودھ دھرم
بی تعلیم حاصل کرنے دھرتی کی سرحد سے اتقی دور یہ لوگ
نے ھیں ۔'' اور پھر آپس میں بات کرتے ہوئے انہوں نے
بیا —'' ہمارے پر ہے جو اِسی جگہ سیے سے پر رہ چکے
بیل اُنہوں نے ہاں دیس کے لوگوں کو اتقی درر آتے کیھی نہیں
بیکھا!'' (فو کواو کی' لیکھک سے فاھیاں' صفحہ — 45)

جہسی سٹھ سیس فاہمان کو بڑے آدر کے ساتھ آھہرایا یا . کچھ دن یہاں رہ کر فاہمان درسری جگہوں کو پہھنے چلا گیا .

قاهیان بیارت میں بودھ دھرم کی کتابیں اِکھتا کونا چاھتا تھا اِس لئے وہ پاتلی پتر گیا۔ پاتلی پتر بیں اُس بھارت آنے کا مشن پورا ھوا۔ یہاں سے اُسے 6000 کاتھاؤں کی ستی واد پنتہ کی ایک کتاب 6000 کاتھاؤں کی مندیکت ابیھدھرم ھردے شاستر کی ایک کتاب 5000 اشلوکوں شلوکوں کی نروان سوتر کی ایک کتاب اور مہا سادھیکا منتہ کے ابیھدھرم شاستو کی ایک کتاب اور مہا سادھیکا نے بہت سی بودھ مورتیاں بھی اکتھا کیں جامیں اُس نے بہت سی بودھ مورتیاں بھی اکتھا کیں جامیں وہ ہونے لیے گیا ۔ فامیان تین سال پاتلی پتر میں رھا ۔ اِس رہے میں اُس نے ساسکرت کا ادھین کیا اور بہت سی بودھ بھیا۔ کیا ۔ دھین کیا اور بہت سی بودھ بھیا۔

پاٹلی پتر مزں اپنا کام پررا کرکے وہ چین کے لئے روانہ اول راستے میں وہ لفکا میں دو سال ٹھہرا ۔ یہاں آسے مہی شاسک پلتھ کے رئے پٹک کی ایک متاب ارر ۔ یوگھ گم اور مقیکت گم کی ایک ایک نتاب ملی یہ گابیس پہلی یار چھن لائی گئی تھیں ۔ اِن کتابس و اور گتابس کو جو وہ بھارت سے

फाहबान अपने समय के जीनी बौद्ध साहित्य से बहुत समंतुरट था. भारत से अनेक बौद्ध कितावें आई शी और उनका जीनी अनुवाद किया गया था पर वह सबके सब तालत थे, और उनमें बहुत तुक्ष था. इसके अलावा जीन में बौद्ध दरशन और बौद्ध धर्म के बारे में बहुत सी राजत धारनाएं पैदा हो गई थीं. बौद्ध कितावों को सही तरह से समझाने वाला भी जीन में उस समय कोई न था. इसलिये फाहयान ने यह तय किया कि वह भारत जाकर बौद्ध धर्म की कितावों इकट्ठा करेगा, उनका अनुवाद करेगा और भारत के बौद्ध भिद्ध बाँ और शिच्चकों से बौद्ध धर्म की तालीम हासिल करेगा.

सन 399 ईसबी में फ़ाह्यान अपने कुछ साथियों के साथ चीन से भारत के लिये रवाना हुआ. बीच एशिया के रास्ते होकर वह भारत आया. रास्ते में हसे अनेक मुसीवतों का सामना करना पड़ा. इसके साथ जो भिचु आ रहे थे, इनमें से बहुत तो चीन वापस लौट गए और कुछ गस्ते में ही मर गए. अपनी भारत यात्रा की किताब में उसने इस सफर का जो बयान लिखा है वह बहुत दर्द-भरा और दुखदायी है. उससे पता चलता है कि अपना मिर्शन पूरा करने के लिये फ़ाह्यान अपनी आन कितने जोखिम में डाल कर भारत आया था.

बीच पशिया के लोप रेगिस्तान पार करने के बारे में वह लिखता है—

"इस रेगिस्तान में बहुत से शैतान रहते थे. इनसे मुठभेड़ होने पर यह सब के सब आदमी को मार डालते थे. आसमान में न एक चिड़िया उड़ती दिखाई पड़ती थी और न खमीन पर एक जानवर चलता दिखाई देता था. रास्ते का पता लगाना नामुमकिन था. केवल मुरदों की गली हुई हिड्ड्यों से ही राह का पता लगता था." (फू-कुओ-की, लेखक—काहयान, अनुवादक—बील, सका—24)

कोप रेगिस्तान पार करने के बाद इसे रास्ते में जो दिक्क़तें डठानी पड़ीं उनके बारे में फाह्यान लिखता है-

''सड़कों पर न रहने के मकान थे और न रहने वाले थे. सड़क की कठिनाइयों के कारन उन्हें अपनी यात्रा में जो मुसीवतें उठानी पड़ीं, उनकी तुलना करना आदमी की शक्त के बाहर हैं." (कू-कुओ-की, लेखक—काह्यान, अनुवादक—बील, सका-25)

भारत आकर फ़ाह्यान ने सारे देश में अमन किया मीर वह यहां के सभी पिनत्र बौद्ध स्थानों को देखने गया. इसी सिक्सिले में वह अवस्ती (कोशल प्रदेश) के जेतवन मठ भी पहुंचा. जेतवन मठ को देख कर फ़ाह्यान का दिल भर आया. इस वहत की अपनी भावनाओं को खाहिर हरते हुए वह सिखता है—

"अब फाइमान और तो-चिंग जेतवन मठ पहुंचे तो

فاههان آله سمد کے چیقی بوده ساه کھی بیا بهست استخصت کها ، بهارت بیا آنهک برده کتابیں آگی کهیں ور آن کا چیقی انوواد کیا گیا تها پر وہ سب کے سب فلط تھے اور آن میں بہت نقص تها . اِس کے علاوہ بچین میں بوده درشن اور بوده دهرم کے بارے میں بہت سی فلط دهارنائیں پیدا هوگئی تهیں ، بوده کتابوں کو محصوص طرح سے سمجھانے والا بھی چین میں اُس سمی کوئی نہ تھا ، اِس لئے فاهیان نے یہ طے کہا کہ وہ بھارت جائر بوده دهرم کی کتابیں اِنتہا کرے گا اُن کا انوواد کریکا اور بھارت کے بوده بهکشوؤں اور شکشکوں سے بوده دهرم کی تعالی کرے گا ۔

سی 999 عیسری میں فاهیان اید کچھ ساتھیوں کے ساتھ چھن سے بھارت کے لئے روانہ ہوا بیچے ایشیا کے راستے ہوں اُسے انیک مصیدتوں راستے ہوں اُسے انیک مصیدتوں کا سامفا کرنا ہوا اُس کے ساتھ جو بھکشر آرہے تھے' اُن مھن سے بہت تو چھن واپس لوت گئے اور کچھ راستے مھن ھی مرگئے ، اپنی بھارت یاترا کی کتاب میں اُس فی اُس سفر کا جو بھان لکھا ہے وہ بہت درد بھرا اور دکھ فائی ہے ، اُس سے پتم چلتا ہے کہ اپنا مشن پورا کرنے کے لئے فاہدان ایلی جان کتاء جوکھم میں ڈالکر بھارت آیا تھا .

بھچ آیشھا کے لوپ ریائستان پار کرنے کے بارے میں وہ لکھتا ہے ---

'' إس ريكستان ميں بہت سے شيطان رهتے تھے . إلى سے مته بهيو هونے پر يه سب كے سب آدسى كو مار قاتے تھے . آسان ميں نه ايك چوپا أرتى دكيائى پوتى تهى أور نه رايك جانور چلتا دكيائى ديتا تها . رأستے كا پته لكانا نامدكى تها . كيول مردرن كى كلى هوئى هذيوں سے هى رأة كا پته لكتا تها .'' (قو . كوأو . كى' ليكيك بے فاهيان' أنووادك بيل' صفحته ــــ 24)

لوب ریکستان پار کرنے کے بعد أسے راستے میں جو فاقعین اُتھائی پڑیں اُن کے بارے میں فاقعان لکھتا ہے۔ '' سوکوں پر نه رهنے کے مکان تھے اور نه رهنے والے تھے ، سوک کی کشینائیوں کے کارن اُنھیں اپنی یاترا میں جو مصیبتیں اُتھائی پڑیں' اُن کی تلنا کرنا آدمی کی طاقعت کے باہر ہے۔'' (فو ، کواو ، کی' لیکھک ۔ فاهیان' اُلوادک ۔ بھل' صفحت ۔ 25)

بھارت آکر فاھیاں نے سارے دیھی میں بھرمن کیا اور رقد بھاں کے سبھی پوتر بودھ استھانوں کو دیکھنے گیا ۔ آسی سلسلے مھی وہ شورستی (کوشل پر دیھی) کے جیستوں مثلہ بھی بھولتھا ، جیستوں مثلہ کو دیکھکر فاعیاں کا دل بھر آیا ، اس وقت کی ابلی بھاؤناؤں کو ظاهر کرتے ھوٹے بھو لکھتا ھے ۔۔۔

"جب قاههان أور تو چلگ جيتون مٿه پهولنج تو

y.

1.0

भारत में चीनी बौद्ध भिक्षु

(भाई भान चन्द्र वर्मा)

मारत और चीन के कलचरी मेल को बढ़ाने और मज़बूत करने में उन चीनी बौद्ध यात्रियों ने भी बहुत मदद की जो जीन से समय समय पर भारत आए. यों तो चीन में बौद्ध धर्म का प्रचार सन 65 ईसनो में शुरू हो चुका था और भारत से बौद्ध प्रचारक भी चीन जाने लगे थे फिर भी चीन से बौधी सदी के अन्त तक कोई भी चीनी भिद्ध भारत नहीं आया. सन 399 ईसनी में पहला चीनी यात्री काह्यान भारत आया. और फिर उसके बाद सैकड़ों चीनी भिद्ध समय समय पर भारत आए. भारत में इन भिद्ध ओं ने खासकर जार काम किये—

- (1) इन भिचु मों ने सारे देश में घूमकर बौद्ध धर्म के पित्र स्थानों का दरशन किया और वहां अपनी श्रद्धान्जिल अर्थित की.
- (2) यह भिन्नु जियादातर बौद्ध धर्म की शिक्षा हासिल करने नालन्य विश्वविद्यालय आते ये और यहीं रह कर अध्ययन करते थे.
- (3) भारत में इन भिद्धश्रों ने बहुत सी बौद्ध किताबों का अनुवाद किया और बहुतों को नक्कक किया.
- (4) इन भिचुओं में से इन्द्र बौद्ध मूर्तियों की तसवीरें बनाकर अपने साथ चीन लेते गए जिससे चीन में भारता कता को काकी रिवान मिला बहुत से भिचु अपने साथ मूर्तियां भी ले गए.

इन चीनी मुसाफिरों में से कुछ ने अपनी यात्रा का हाल लिख छोड़ा है. इन्हों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि इन बीद भिद्धुओं ने कहां कहां क्या क्या किया. पर जो चोनी भिद्ध भारत आए उन से में बहुनों ने इस तरह का कोई बयान नहीं लिखा है, इसिलये तफसील में बहुन कम भिद्धुओं को जिन्दगी का सच्चा बयान मिलता है. नाचे उन कुछ चीनी भिद्धुओं के बारे में लिखा जा रहा है जो चीन से भारत आए—

शिह फ़ाइयान

फाइयान चीन के पिंग-याग ज़िले का रहने वाला था. तीन सात की उमर में उसे बौद्ध भिद्ध बना लिया गया. इसके समय में यह रिवाज था कि जिस चादमी को बौद्ध भिद्ध की दीचा दी जाती भी उसे 'शिह्' यानी 'शाक्यपुत्र' की उपधि मिलती भी, इसलिये फाइयान भी 'शाक्यपुत्र' बानी 'शिह' फाइयान कहा जाने लगा.

بهارت میں چینی بوں ہوکھ

(بهائی بهان چندر ورسا)

بھارت اور چین کے کلچری میل کو بڑھانے اور مفدوط کرنے میں اُن چیئی بودھ باتریوں نے بھی بہت مدد کی جو چین سی سے پر بھارت آئے . یوں تو چین سی بردھ دھرم کا پرچار سن 65 عیسوی میں شروع ھوچکا تھا اور بھارت سے بودھ پرچارک بھی چین جانے لگے تھے بھر بھی چین سے چوتھی صدی کے انت تک کوئی بھی چیئی پیکشو بھارت نہیں آیا . سن 399 عیسوی میں پہلا چیئی یاتری فاھیان بھارت آیا . اور پھر اُس کے بعد سیکڑوں چیئی بھکشو صدے سے پر بھارت آئے . بھارت میں اُن بھکشو صدے سے پر بھارت آئے . بھارت میں اُن بھکشو مدے سے پر بھارت آئے . بھارت

- (1) اِن بھکشوؤں نے سارے دیش میں گھوم کو بودھ دھوم کے یوتر استھانوں کا درشن کیا اور وہاں اپنی شردہانتجلی اربت کی .
- (2) یه بهکشو زیاده تر بوده دهرم کی شکشا حاصل کرنے نالند وشوردیالے آتے تھے اور یہیں را کر ادھیین کرتے تھے ۔
- (3) بھارت موں اِن بھکشوؤں نے بہت سی ہودھ کتابوں کا انوواد کیا اور بھتوں کو نقل کھا ،
- (4) اِن بھکشوؤں میں سے کچھ بودھ مورتیوں کی تصویریں بداکر آئے ساتھ چین لیکے گئے جس سے چین میں بھارتی کلا کو کافی رواج ملا ، بہت سے بھکشو آئے ساتھ مورتیاں بھی لے گئے .

ان چھنی مسافروں مھی سے کچھ نے اپنی یاترا کا حال لکھ چھوڑا ہے ۔ اِنھیں کے آدھار پر یه کہا جاسکتا ہے که اِن بودھ بھکشوؤں نے کہاں کہاں کھا کھا کھا، پر جو چھنی بھکشو بھارت آئے اُن میں سے بہترں نے اِس طرح کا کوئی بھان نہیں لکھا ہے' اِس لئے تفصیل میں بہت کم بھکشوؤں کی زندگی کا سچا بھان ملتا ہے' نہجے اُن کمچھ جھنی بھکشوؤں کے بارے میں لکھا جا رہا ہے جو جھن سے بھاوت آئے۔۔۔

شيه فاهيان

فامیاں چھن کے پنگ یاگ ضلعے کا رعلے والا تھا .
تھن سال کی عمر میں أسے بودہ بهکشو بغالیا گیا . اُس
کے سیے میں یہ رواج تھا کہ جس آدمی کو بودہ بهکشو
کی دیکشا دی جاتی تھی أسے 'شیہ' یعلی 'شاکیہ پتر' کی
آیادھی ملتی تھی' اِس لئے فاھیاں بھی 'شاکیہ پتر'
یعلی 'شھیہ' فاھیاں کہا جانے لگا ،

त्क्षियां की साहकत में

(आई गु. म.)

(5)

शाम का वक्त था. एक पहाड़ी की चोटी पर एक खुदा के बन्दे के इर्द गिर्द कुछ लोग बैठे हुए थे. सब की आँखें हुबते हुए सूरज पर लगी हुई थीं. ज्यों ही सूरज दूब गया, उस खुदा के बन्दे ने अपना सर ऊँचा किया और आए हुए लोगों से पूछा—"यह खुशबू कहाँ से आ रही हैं ?" उन का यह सवाल सुनकर सुनने वाले जरा हैरानी में पड़ गए क्योंकि उन में से उस वक्त किसी को भी किसी किसम की खुशबू नहीं महसूस हुई थी. इस लिये उनमें से एक ने हिम्मत कर के थोड़ी देर के बाद जवाब दिया—"साहबे मन! यहाँ तो किसी किसम की खुशबू हमें महसूस नहीं हो रही."

"खूब रही". खुदा के बनदे ने कुछ मुस्करा कर कहा— "तुम कहते हो किसी किस्म की खुराबू तुम्हें महसूस नहीं हो रही और मुक्ते तो क़रीब एक आध घंटे से हर एक तरक से गुलाब के फूलों की खुराबू ने सममो मस्त और मतवाला कर दिया है."

"गुलाब के फूलों की ख़ुशबू ?" एक दूसरे की तरफ नजर करते हुए उनके आस पास बैठे हुए लोगों में से एक ने शक के लडजे में कहा.

"हाँ, हाँ." ख़ुदा के बन्दे ने जवाब दिया-"गुलाब के फूलों की ख़ुशबू! मगर तुम लोगों ने तो सिर्फ बाहरी बाग के गुलाब क फूल ही देखे हैं. इसलिये तुम्हें तो किसी और किस्म के गुलाब के फल का खयाल ही क्या आ सकता है. मगर हर एक इन्सान के अन्दर भी एक बाग़ है. वहाँ क्रिस्म किस्म के फुल उगते हैं और उनकी खुशबू हर एक इन्सान को कभी न कभी महसूस होती ही है. जब वह किसी से सक्वी मुहब्बत करता है या किमी की सक्वाई से खिद्मत करता है या किसी के लिये दिल व जान से क़रबानी करता है उस वक्षत उसे इस अन्द्रूनी बारा के फूलों की खुशबू महसूस होती है अगरचे बहुत दफा वह उसे पहचान भी नहीं सकता. उसे एक अजीब क़िस्म को ख़ुशो मालूम होती है. मगर वह नहीं जानता कि इस खुशों का मूल उसके अपने दिल के बाग़ की खुशबू ही है. इन्सान की रूह क्या है ? अगर वह एक फूल नहीं जिसे ख़ुदाबन्दताला ने अपने दिल के बारा में से उखाड़ कर उसके दिल में लगा दिया है, तो वह और क्या है. चीर मुहब्बत क्या है? इन्सान की रूह की ख़ुशबू. और जहाँ जहाँ और जब जब जैसे कि इस वक्त तुम लोगों और मेरे बीच में बंधा है, एक रुद्दानी रिश्ता (दुनियावी रिश्ता नहीं) बंध जाता है तो उस वक्षत इस अन्दरूनी बारा के फूलों की ख़ुराबू कोगों को महसूस होती है."

موقوں کی صعبت میں

(بہائی گ ، م ،) (5)

'' خرب رهی ' خدا کے بلدے نے کچھ مسکرا کر لہا۔'' تم کہتے هو کسی قسم کی خرشیو تمہیں محصوس میدن هو رهی آور مجھے تو قریب ایک آدھ گھٹتے سے هر ایک طرف سے گلاب کے بھولوں کی خرشیو نے سمجھو مست اور متوالا کر دیا ہے ۔''

" گُلُّب کے پھولوں کی خوشہو ؟ " ایک دوسوے کی طرف نظر کرتے ہوئے ان کے آس پاس بیٹھے ہوئے لوگوں مھی سے ایک نے شک کے لہتھے میں کہا .

" هان هان ،" خدا کے بندے نے جواب دیا ۔" کلاب کے پھولوں کی خوشیو! مگر تم لوگوں نے تو صرف باھری باغ کے کلب کے پہول ھی دیکھے ھیں . اس لئے تمہیں تو کسی اور قسم کے کلاب کے پہول کا خیال ھی کیا آسکتا ھے . مگر هر ایک انسان کے اندر بھی ایک باغ ھے . وهاں قسم قسم کے پہول اکتے ہیں اور اُن کی خوشبو ہر ایک انسان کو کیهی نه کیهی معصوس هوتی هی هے ، جب ولا کسی سے سچی معمدت کرتا هے یا کسی کی سچائی سے خدمت كرتا م يا كسى كے لئے دل و جان سے قربانى كرتا هے أس وقمت آسے اِس اندرونی باغ کے بھولوں کی خوشدو محسوس هوأي هي اگرچه بهت دفعه ولا أسي بهنجان بهي نهيس سكتا. أبے آیک عجیب قسم کی خوشی معلوم ہوتی ہے . مگر وہ نہیں جانتا کہ اُس خوشی کا مول اُس کے ابھے دل کے ہائم کی خوشفو می ہے۔ اِنسان کی روح کیا ہے ؟ اگر وہ ایک پہرل نہیں جسے خداوندتعای نے آپ دل کے باغ میں لَيْ أَنْهَا وَ كُو أَسَ كَ دَلَ مِينَ لَكَا دَيَاهِ ' تَوَ وَلَا أَوْرَ كَهَا هَـ ، أَوْرَ معددت کیا ہے ؟ اِنسان کی روح کی خوشبو ، اور جہاں جهاں اور جب جب جیسے که اِس وقت تم لوگوں اور مورے بیچ میں بدھا ہے ایک روحانی رشتہ (دنیاری رفعه نهيل) بقده جاتا هے تو أس وقت اِس اندروني باغ کے پھولین کی خوشدو لوگوں کو منتصوب ہوتی ہے ،'

बह रावत विये वरीर नहीं रहता है. फिर इसरार भी करता है और अगर उसके घर पर पहुँच जाओ तो इतनी खातिर और महारात करता है कि बयान नहीं किया जा सकता. यानी पहले तो वह अपने घर के तमाम लोगों से परिचय कराता है छोटे बड़े, औरत मर्द सब से. फिर घर के सब लोग मेहमान की खातिर में जी जान से लग जाते हैं और वारी बारी से कहते हैं—आप ने हमें सर कराज़ किया है और हमारे घर को रोशन कर दिया है. कसम खुदा की आप की तशरीक आवरी से हम लोगों को बड़ी बरकत हासिल हुई है. इस का जवाब उतट कर यही होता है. कि यह सब कुछ आप हजरात की बदौलत मुसे हासिल हुआ है. और यह कि यह सब कुछ आपकी खुश इसकाकी, मेहमां नवाजी और बंदा परवरी का करिशमा है वगैरा बगैरा.

मेजबान के घर के सब नर नारी, बालक चौर कन्याएं इब्र इस तरह घुल मिल जाती हैं कि मालूम होता है यह अपना ही सानदान है. छोटे बढ़े सब बेतकल्लाकी से बातें करने जगते हैं और अनिगनत सवालात करने लग जाते हैं. बहु भारत को जानना चाहते हैं और भारत की हर चीज के बारे में जानना चाहते हैं. भारत कितना बड़ा मुल्क है, मारत में कितने लोग हैं, भारत में कितने बड़े शहर हैं, कितने छोटे हैं. भारत में अरबी बोली जाती है कि कोई दूसरी भाशा. दूसरी भाशा कैसी भाशा है, एक है कि कई भाशाय हैं. भारत सरकार और पाकिस्तान का क्या मगड़ा है. इस में कीन दोशी है कीन निर्दोश. भारत में मुसलमान कितने हैं गौर मुसलिम कितने. गौर मुसलिम भारतियों का मुसलमानों के साथ क्या बरताव है, यह लोग आपसी मागड़े को क्यों नहीं खत्म करते. क्या उन मागड़ों में अंगरेजों का भी हाथ है वग़रा वग़ैरा. वे शुमार सवालात होते हैं भीर उनका जवाब देते देत मातका वन्द हो जाता है.

(बाक्री फिर)

"वह धन को उसके सिंहासन से हटा कर ईश्वर के लिये थोड़ी जगह जाली करे. मेरा ख़याल है कि धमरीका का भविश्य उन्जवल है. लेकिन अगर वह धन की ही पूजा करता रहा तो उसका भविश्य अंधकारमय है, फिर लोग चाहे जो कहें. धन आखीर तक किसी का सगा नहीं रहा. वह हमेशा बेवफा होस्स खाबित हुआ है."

---महात्मा गांधी

و دهوست دیگے بغیر نہیں رها ہے . پھر اصرار بھی کوتا ہے اور اگر اس کے گھر پر پہونے جاؤ تو اللی خاطر اور مدارات کرتا ہے کہ بھان نہیں کیا جاسکتا . یعلی پہلے تو وہ اپنے گھر کے تمام لوگوں سے پریتچے کراتا ہے مہمان کی خاطر میں جی جان سے لگ جاتے ہیں اور مہمان کی خاطر میں جی جان سے لگ جاتے ہیں اور باری باری سے کہتے ہیں — آپ نے همیں سرفراز کیا آپ کی اور ممارے کہر کو روشن کر دیا ہے . قسم خدا کی آپ کی نشریف آوری سے ہم لوگوں کو بری برکت حاصل ہوئی شریف آوری سے ہم لوگوں کو بری برکت حاصل ہوئی نے . اس کا جواب الت کر یہی ہوتا ہے کہ یہ سب کچھ اپ کی خوش اخلاقی مہمان نوازی اور بندہ بروری کا کرشمہ ہے وغیرہ وفیرہ .

مهزیاں کے گھر کے سب نر ناری الک اور الليائين كنهم أس طرح كهل مل جاتي هين له معلوم هرتا هے يه آبنا هي خاندان هے، جهوائے ہوے سب نے تکلفی سے ہاتیں کرنے لکتے ھیں اور ان لذَّت سوالت كرني لك جاني هين . ولا بهارس كو جاندًا چاھتے ھیں اور بھارت کی ھر چھڑ کے بارے میں جاننا چاهتے هيں . بهارت كتلا بوا ملك هے بهارت ميں كتنے وگ میں' بھارت میں کتنے ہوے شہر میں' کتنے جھوتے انیں ، بھارت میں عربی بولی جاتی ہے کہ کوئی دوسری هاشا . دوسرى بهاشا كيسى بهاشا هے' أيك هے كه كئي بهاشالهی هیی . بهارت سرکار اور باکستان کا کها جهگوا ہے ، اُس میں کون درشی ھے کون نردوھی ، بھارت میں مسلمان كتنه ههي فير مسلم كتني . فهر مسلم بهارتيين كا مسلمانوں نے سانھ كھا بوتار هے، يه لوگ آيسي جهكتے و كيون نهيس ختم كرته . كيا أن جهكون مهر انكريون ا بھی ھاتھ ھے وفیر وفھرہ بے شمار سوالات ھوتے ھھی اور ن کا جواب دیتے دیتے ناطقہ بند هوجاتا هے

(ہاقی پھر)

''وہ دھن کو اُس کے سلکھاسن سے ھٹاکر ایشور کے لئے تھوڑی جگہ خالی کرے ، مھرا خھال ہے کہ امریکہ کا بھوشیہ اُجول ہے ، لیکن اگر وہ دھن کی ھی پوچا کرتا رہا تو اُس کا بھوشیہ ادھلکار سے ہے' پھر لوگ چاہے جو کہیں ، دھن آخیر تک کسی کا سکا نہیں رہا ، وہ همیشہ بےوفا دوست ثابمت ہوا ہے''.

--مهالما كاندهى

इताज इसके मजहब के हुक्स पर बताने में मीजूद है और क्योंकि वह मजहब के हुक्म नहीं मानता इसकिये मुमीबतों और तकलीकों का शिकार है. मजर्ब पर ठीक ठीक चलकर बह अपना मुमीवतों और तकलीकों को दूर कर सकता है झौर उसे हर तरह की सुख शांति भी मित सकती है. हर मिस्री यह मानता है कि दुनिया में उसी का मज़हव सच्चा है श्रीर सब भूटे. धर्म के मामते में इमी तरह को तंग खायाली हिन्दुस्तान के लोगी में भी मिलती है. यह विचार कहाँ तक सही है और कहाँ तक राजा है यह एक इसरी बात है मगर दुनिया के तमाम मज़हबी लोगों में अपने धरम के मामले में इस तरह की विचार धारा जरूर पाई जाती है.

इसके बावजूर मिस्र के लोग काफी आजाद खयाल और काफी जिन्दा दिल हैं. अभी कल की बात है. मैं ट्राम पर सबार था. एक खातून (महिला) अपनी तेरह चौदह साल की लड़की के साथ ट्राम में सवार हुई. खातून को पीक्के की बेंच पर जगह मिल गई, लड़की खड़ी रही मेरे बाजू में ज्रा सी जगह थी. एक मिस्री ने इशारा किया और लड़की मेरे पास आकर बैठ गई. एक शेख ने कहा, जोड़ा भच्छा है. सबलोग खिल खिला कर हंस पड़े. एक दसरे अरब ने लड़की को मुखातिब करते हए कहा-'तू इस हिन्दों से ज्याह कर ले, बड़ा आदमी मालूम होता है. तुमे गहनों से लाद देगा'. पीछे से उसकी माँ ने कहा-'मुक्ते मंजूर है.' मैंन कहा—'लड़को मुक्ते चिलकुत पसंद है. भाली भाली भी है और ख़बसूरत भी. मैं इसे हिन्दुस्तान ले जाऊंगा. ख़ुदा के फजल से मेर पाँच बेटे हैं. जिसको यह पसंद करेगी उमसे इसका ब्याह करदूंगा.' उसकी मां ने कहा - नहीं जनाव, मैं ता इसका ड्याइ आप ही से कहांगी.' इस बीच में पीछे की बेंच पर कुछ जगह खाली हुई. लड़की जो अबतक नीची निगाह किये हुए चुप चाप बैठी हुई थी, उठकर अपनी मां के पहलू में जा बैठी. एक मिस्रों ने कहा - 'शौहर ने मुँह नहीं लगाया तो भाग खड़ी हुई.' मैंने कहा-'नहीं जनाब, यह मेरी बद किस्मती है. लड़की ने मुक्ते पसन्द नहीं किया. तभी तो वह मेरे पास से उठकर चली गई.' उसकी माँ ने कहा-- 'नहीं नहीं यह बात नहीं है. लड़की बिलकुत राजी है. आखिर कुंत्रारी है ना ! जरा शरमाती हैं.'

मिस्न के जोग निहायत सीधे सादे, निहायत मिलनसार, निहायत ख़ुश इसलाक और मेहमाँ नवाज होते हैं. दिल्ली में मैं सुद्वतों रहा किसी एक मर्दे-खुदा ने मेरी दावत नहीं की, न किसी हिन्दू भाई ने न किसी मुसलमान ने. यह अलग बात है कि किसी दोस्त के यहाँ खाने के वक्षत पहुँचा तो सा किया, लेकिन मिस्र में जिससे भी मुलाकात होती है

معلق الس کے مختم کے حکم پر جاتے میں موجود ہے اور المنافقة ولا مذهب ك عكم نهيل مانتا إس لله مصيبتون أور المناها في كا شكار هے ، مذيب ير تهرك تهرك جل كر وه الهلي أصهد بعول أور تمليفون كو دور كر سكما هي أور أسي هو طرح کی سکه شانتی بهی مل سکتی هے . هر مصری يه صابقاً هے كه دنها مين أسى كا مذهب سنچا هے اور سب جهرتم . دهرم کے معاملے مهن اِسی طرح کی تلگ کھالی اهددستان کے لوکوں میں بھی ملعی ہے . یہ وچار کہاں تک صحیح مے اور کہاں تک غلط مے یہ ایک فوسری یات ہے مگر دنھا کے تمام مذھبی لوگوں میں انے دھوم کے معاملے میں اس طرح کی وچار دھارا ضرور پائی

آس کے باوجرد مصر کے لوگ کافی آزاد خیال اور کافی زندلا دل هیں ۔ ابھی کل کی بات ھے ، میں ترام پر سوار تها . ایک خاترن (مهیلا) اینی تیره چوده سال کی لوکی کے ساتھ ترام میں سوار هوائیں . خاتوں کو پہچھے کی ہلیج پر جگه مل گئی ، لوکی کوری رهی، میرے بازو میں فرأ سی جگه تھی ایک مصری نے اشارہ کیا اور لرِکی مورے پاس آکر بوٹھ گئی . ایک شیخ نے کہا جورا المها هي . سب لوك كهلكها قر هنس برّ أيك دوسرے عرب نے لوکی کو مخاطب کرتے ہوئے کہا ۔ ' دو اس مندی سے بھالا کہ لے' بوا آدمی معلوم ھوتا ھے، تنجھے کہدوں سے الد در کا ، ا پینچھے سے اُس کی ماں نے کہا - - منجھے منظور ھے ،' میں نے کہا ۔۔۔' لوئی مجھے بالکل یسلد ھے . بهولی بهانی بهی هے اور خربصورت بهی . مهن اِسے هددستان لے جاونکا . خدا کے فضل سے میرے پانیے بیتے ھھوں ، جس کو یہ پسند کرنے کی اُس نے اس کا بھالا کر **دونگا ،' اُس** کی ماں نے کہا ۔۔' نہیں ج**ناب**' میں تو اس کا بہاہ آپ هي سے کرونگي .' اس بيچ مهن پيچه کی ہدی پر کچھ جگه خالی هوئی . لوکی جو اب تک نهجه آنگاه كلم هوائم چيپ چاپ بيتهي هوائي تهي، اتهكر ایدی ماں کے پہاو میں جا بیٹھی ایک مصری نے کہا -- شوهر نے مدہ نہیں المایا تو بہاک کہی ہوئی ، مهن نے کہا ۔ انہیں جذاب یہ میری بدقسمتی ہے . لوکی نے مجھے پسلد نہیں کیا . تب سی تو وہ میرے پیس سے اللہ کو چلی گئی ،' اس کی ماں نے کہا ۔۔' نہیں مهموں بند بات نہیں ہے، لوکی بالکل راضی ہے، آخر کلیٹون ہے تا! ڈرا شرماتی ہے ،'

🎏 مصوركم لوك نهايت سهده سادر نهايت مللسار تهارست خرهن اخالق اور مهمان نواز هوته هين . دلي میں موتوں رہا کسی ایک مرد خدا نے میری دعوت لَهُمُونَ كُنَّ لَمْ كَسَى هَلَمُو بِهَالُمْ لِنَهُ كَسَىمُسَلِّمَانَ لِيْ . يَهُ الله بات ع که کسی دوسمت کے یہاں کہانے کے وقت بہونچا الوُكُهُا لِهَا الهِكِينِ مصر مين جس سے بھی مالناتھوتی ہے

کے پہذارے ارزهارے اور رهن سپن میں کوئی چیز بھی پورہی یا أعلامی ہائی نہیں رهی ہے ۔ یہاں تک که رنگ دهنگ اور وچار بهی پچهسی سانته میں دَهل كُلِّم هين . شاعري ' چتركاري اللت كلا أرق أور لتريجر ہم یورپ کے رنگ میں رنگ کیا ہے ۔ لیکن غریب مزدرر' کسآن اور عام لوگوں میں ابھی تک پور ہی پن اور اسلامی تهذیب کا رنگ نمایاں ھے' اگرچہ پچھم کے اثر سے بالکل خالی نہیں ہے . خاص کر عورتوں کی رهائش' گهريلو لباس اور رهن سهن پر مذهب کا گهرا آثر ہوا ھے ، پهر بهی جب یه مورتین باهر نکلتی هین تو پررب کا اثر بهی ان کے رنگ ڈھلک اور لباس سے بوتی حد تک نمایاں هوتا م پردے کا رواج اُس شکل میں جو که هندستان كى مسلم عورتون مين بايا جاتا هـ ؛ يهان نهين هـ ، بهر بھی یہاں جس کو پردہ کہا جاتا ہے وہ یہاں کے عام طبقے كي عورتون مين عام طور پر ديكها جاتا هي . اسكي شكل يم هوتي هے كم مورتيس ايك كالي چادر تهيلے كى شكل مهن اورته لهتی ههن جس سے جسم کا بیشدر حصه دمک جاتاً هے . صرف دونوں یلداندوں کا کنچه . عصم، دونوں هاته أور مقه كهلا رهتا هي . بهت سي مورتون كا مقه بالكل كها رها هـ بهت سي مررتين ايك جالي مله ير أس طرح رکھتی هیں کہ ناک سے اوپر کا آدھا چہرہ تو بالکل کھلا دعتا ھے اور ناک کے سرے پر ایک بتی ھوتی ھے اجس میں ایک جالی لٹکٹی رہتی ہے جو چہرے کے نچاہے حصے کو کسی قدر دھانک لیتی ہے . اارچه جالی اتنی چهچهلی اور مهین هوتی هے که چهره جهلکتا رهتا هے . بس يهي پرده هے أور يهي بجهني يا اسلامي كلچر.

کلچر کے سلسلے میں یہاں کچھ چیزیں ایک دوسرے
سے بہت التی دیکھئے میں آتی ہیں. ایک طرف تو
مصری بے دعوک سنیما' تھیتر' ادھ ننگے ناچ گانے اور
شراب خوری کے میدان میں ایک دوسرے سے آئے جاتے
ہوئے نظر آتے ہیں اور دوسری طرف نمازیوں کا هجوم بھی
کچھ کم نہیں ہوتا ۔ اسی طرح حج کرنے والوں کی تعداد
بھی تمام دنیا کے مسلمانوں سے زیادہ مصوی مسلمانوں
کی ہوتی ہے ۔ یعنی ہندستان اور پاکستان کی ملیجلی
حاجیوں کی گفتی کے بوابر ۔ حالانکہ کفتی میں ہندستان
کے مسلمانوں سے مصری آدھے سے بھی کم ہیں اور پاکستان

اس سے زیادہ اچرچ کی چیز مصریوں کی ذهنیت اور وچار هیں ایک شخص جس کو سذهب سے کوئی لگاؤ نہیں ولا یہ سنجہتا ہے کہ مذهب کے بغیر ولا زندہ نہیں ولا سکتا ، نه ولا زندہ ولا سکتا ہے نه اس کی قوم ، آسکی تمام مصیبتوں اور تکلیفوں کا

all a supplied the supplied to

रहनावे बोदावे और रहन सहम में कोई चीज भी बी या इसलामी बाक्षी नहीं रही है. यहां तक कि रंग ं भौर विचार भी पश्चिमी सांचे में ढल गए हैं. शायरी, प्रकारी, ललित कला, आर्ट और लिट्रेचर भी योरप के में रंग गया है. लेकिन रारीब मजदूर, किसान श्रीर म लोगों में श्रभी तक पूरबी पन और इस्लामा तहजाब रंग नुमायां है, अगरचे पिन्छम के असर से बिलकुल ली नहीं है. खास कर श्रीरतों की रिहाइश, घरलू लिवास र रहन सहन पर मजहब का गहरा असर पड़ा है. फिर जब यह श्रीरतें बाहर निकलती हैं तो पूरव का श्रसर एनके रंग ढंग और लिबास से बड़ी हद तक नुमायां ा है. परदे का रिवाज उस शक्ल में, जो कि हिन्दुन्तान मुस्लिम श्रीरतों में पाया जाता है, यहां नहीं है. फिर यहां जिसको परदा कहा जाता है वह यहां के आम के की औरतों में आमतौर पर देखा जाता है. उसकी क्त यह होती है कि झौरतें एक काला चाद्र थैते की ल में बोढ़ लेती हैं, जिससे जिस्म का बेशतर हिस्सा ं जाता है. सिर्फ दोनों पिंडलियों का कुछ हिस्सा, ों हाथ और मुंह खुला रहता है. बहुत सा औरतों मुंह बिलकुल खुला रहता है, बदुत सी औरतें जाली मुंह पर इस तरह रखती हैं कि नाक से र का आधा चेहरा तो बिलकुल खुला रहता है और ; के सिरेपर एक पट्टी होती है जिसमें एक जाली कती रहती हैं जो चेहर के निचले हिस्से को किसी क़द्र ह सेती है. अगरचे जाली इतनी छिछली और महीन ी है कि चेहरा मत्तकता रहता है. बस यही परदा है र यही पच्छमी या इसलामी कलचर.

कलचर के सिलसिल में यहाँ कुछ चीजें एक दूमरे से इत चलटी देखने में आती हैं. एक तरफ तो मिछी वे बड़क सनीमा, थेटर, अधनंगे नाच गाने और शराब खारी के मैदान में एक दूसरे से आगे जाते हुए नजर आते हैं और दूसरी तरफ नमाजियों का हजूम भी कुछ कम नहीं होता. इसी तरह हज करने वालों की तादाद भी तमाम होती है. यानी हिस्दुस्तान और पाकिस्तान की मिली जुली होती है. यानी हिस्दुस्तान और पाकिस्तान की मिली जुली होती है. यानी हिस्दुस्तान और पाकिस्तान की मिली जुली होती है. यानी हिस्दुस्तान और पाकिस्तान की मिली जुली होती है. यानी हिस्दुस्तान और पाकिस्तान की मिली जुली होती है. यानी हिस्दुस्तान के वराबर. हालांकि गिनती में हिस्दुस्तान के मुसलमानों से मिछी आधे से भी कम हैं

इससे जियादा अचरज की चीज मि सयों की जहनियत जीत विचार हैं. एक शख्स जिसकी मजहब से कोई अंगाब नहीं वह यह सममता है कि मज़हब के बग़ैर वह विचया नहीं रह सकता न वह जिंदा रह सकता है न यहां कम गिनत आतियों के साथ बहुगिनत आति का बरताव बहुत क्दार और इमद्दोना है. क्रिक्ती अपनी आबादी के हिसाब से नी भीसदी हैं से किन सरकारी नीकरियों में इनकी गिनती 30 फीसदी है और बड़ी से बड़ी जगहों पर भी इसी हिसाब से वह काम करते हैं.

मिस्न का बजट 231 मिस्नयन पौंड का है जिसके 3234,000,000 रुपए होते हैं. इस में से 1148,000,000 रुपया देश बचाव पर खर्च होता है और 448,000,000 शिक्षा पर, 252,000,000 तन्दुरुस्ती पर और बाक़ी दूसरी मदों में.

सिस्न में चार यूनिवरसिटियां, 28 कालिज और करीव पांच इकार के प्रायमरी मिश्किल और हाई स्कूल हैं. सरकारी कालिजों और स्कूलों में इस वक्त 15 लाख वालिब-इल्म या विद्यार्थी पढ़ते हैं. नई पंच साला स्कीम के मातहत इनकी गिनती 50 लाख की होगी.

इन स्कूलों और कालिजों के अलावा अल-अजहर यूनिवरसिटी के मातहत भी कई कालिज और बहुत से स्कूल हैं. फिर बहुत से प्राइवेट स्कूल कालिज भी हैं.

मिस्न के सरकारी अस्पतालों में 50 इलार मरीकों के लिये चारपाईयां हैं. 25 इलार ग़ैर सरकारी अस्पतालों में हैं.

मिस्न में तीन सी से कुछ ऊपर मुखतिल क सोसाइटियां धीर क्लब हैं जिनमें बहुत सी सोसाइटियां ऐसी हैं जिनकी शाखें मिस्न के हर हिस्से में फैली हुई हैं. यह सोसाइटियां तरह तरह के प्रोप्ताम और मक्रसदों के मातहत काम करती हैं. राज काजी, समाजी, आर्थिक, धार्मिक, तिजारती, समझती हर किरम के काम. इन सोसाइटियों में बहुत सी सोसाइटियां खीरतों, बच्चों, बूदों, लंगड़ों, लूलों, अन्धों, बहरों, नादारों और रारीबों की इमदाद और सहायता भी करती हैं. इनके लिये खाना कपड़ा भी मुहैया करती हैं और मुनासिब काम भी. फिर रारीब तबक़े के दूध पीते बच्चों की देखभाल और आम बच्चों की पढ़ाई लिखाई के लिये भी इन सोसाइटियों वा इन्तजाम काविले कद्र हैं. इसी तरह बहुत सी सोसाइटियां रारीब खानदानों की मुनासिब मदद भी करती हैं और कुछ मजहबी, इखलाक़ी और कलवरी सुधार भी.

मिस्र का समद्दुन, तह जीन, संस्कृति और कल वर विसक्ष बदल गया है, उन्ने तन्के के लोग और बीच के दरजे के लोग सब के सब पिष्ट्रिमी तह जीव, पिष्ट्रिमी रहन सहन और पिष्ट्रिमी लिवास को धापना चुके हैं. महीं के लिवास में विक तुरकी टोपी तुरकों के राज के जमाने की बाद दिला रही है लेकिन उन्ने तबकों की और नीचे के तबकों की औरतों ان کو اقدوں جاتھوں کے ساتھ بھوگفت جائی کا برتاؤ بہت اور همدردانہ ہے ۔ قبطی اپنی آبادی کے حساب سے نو سے بھی میں اس کی گفتی اور بوی سے بوی جگہوں پر بھی اِسی ساب سے وہ کام کرتے ھیں ۔

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

مصر کا بجت 231 ملین پرنڈ کا هے جس کے 3234,000,00 روپے ہوتے هیں . اس میں سے 1148,000,00 روپیہ دیھی بیچاو پر خرچ ہوتا ہے اور 448,000 شکھا پر 252,000,000 تلدرستی پر باتی دوسری مدوں میں .

مصر میں چار یونیورستیاں ' 28 کالم اور قریب ہے ہوار کے پرآئمری مقل اور هائی اسکول هیں ، سرکاری موں اور اسکولوں میں اس وقت 15 لائه طالب علم یا ہارتھی ہوھتے هیں ، نئی پلیج سالہ اسکیم کے مانتصت ان گفتی پنچاس لاکھ کی ہوئی ،

ان اسکولوں اور کالجوں کے علاوہ الازهر یوندورستی ماتصت بھی کئی کانچ اور بہت سے اسکول هیں ، بہت سے پرائیوریت اسکول کالج بھی هدں ،

مصر کے سرکاری اسپتالوں میں 50 ہزار مریضوں کے چارپائیاں ہیں ۔ 25 ہزار فیر سرکاری اسپتالوں میں ،

مصر میں تین سوسے کچہ اوپر منگلف سوسانتیاں ایسی هیں لئب هیں جن میں بہت سیسوسائتیاں ایسی هیں کی شاخیں مصر کے هر حصے میں پہیلی هوئی ، یہ سوسائتیاں طرح طرح کے پررڈرام اور مقصدوں ماتحت کام کرتی هیں ، واج کاجی' سماجی' آرتیک' بہت سی سوسائیاں عورتوں' بچوں' بوزعوں' للگورں) اندهوں' بہروں' ناداووں اور فریبرں کی امداد اور سہایتا کرتی هیں ، ان کے لئے کہانا کپڑا بھی مہیا کرتی اور مطاسب کام بھی ، پھر فریب طبقے کے دوده بچوں کی دیکھ بھال اور عام بچوں کی پرهائی ایکھائی طوح بہت سی سوسائٹیاں فریب خاندانوں کی طوح بہت سی سوسائٹیاں فریب خاندانوں کی طوح بہت سی سوسائٹیاں فریب خاندانوں کی شیب مدد بھی کرتی هیں اور دھی مذهبی' اخلائی

مصر کا تمدن تہذیب سفسکرتی اور کلچر بالکل گیا ہے، اونچے طبقے کے لوگ اور بیچ کے درجے کے سب پچھمی تہذیب پچھمی رهن سهن کھمی لیاس کو ایفا چکے هیں ۔ مردوں کے لباس صوف گرکی ٹویی ترکوں کے راج کے زمانے کی یاد دلا ، لیکن اونچے طبقے کی اور نیچے کے طبقہ کی عورتوں

and the second of the second o

के हारस आफ लार्ड स को हैं. हाँ, मिस्न के बादशाह के अधिकार इंगलैंड के बादशाह के अधिकारों से कुछ जियादा हैं. ब्रेकिन इन एखतियारों का इस्तेमाल करने की बादशाह को न तो जरूरत पड़ती हैं और न इसकी फुरसत मिलतों है.

भाम सद्दन की बहुगिनत पारटी का लीडर प्रधान पंत्री चुना जाता है और दूसरे सब मंत्री प्रधान मंत्री की त्ररफ से चुन लिये जाते हैं और उस समय तक वजीरी कुरसियों पर डटे रहते हैं जब तक कि आम सद्दन में उनकी पारटी का बहुमत होता है और जब तक यह बहुमत उन गर विश्वास करता है.

इस वक्षत हकूमत की बागडोर वक्ष्य पारटी के हाथों में है. वक्ष्य पारटी की मिस्न में वही हैसियत है जो हिन्दुस्तान में कांगरेस की. वक्ष्य पारटी के सब से बड़े लीडर मरहूम साद पाराकोल बाशा माने जाते हैं. उनकी इज्जत मिस्न बालों के दिलों में वही थी और है, जो हिन्दुस्तान में मरहूम गांधी जी की थी और है. इस समय वक्ष्य पारटी के लीडर मुस्तका नहास बाशा हैं. उनकी हैसियत मिस्न में वही है जो हिन्दुस्तान में पंडित जवाहर लाल नेहरू की है.

मिस्री हुकुमत के अदालती क्रानुन जियादातर फान्स से जिये गए हैं या फिर स्त्रीट जरलैंड और इंगलैंड से. हां, परसनत ता सिर्फ मुसलमानों के लिये हैं और इसलामी हंग से बनाया गया है. यह क़ानून सिर्फ मुसलमानों के निकाह, तज्ञाक, विरासत का बँटवारा और वक्षफ (ट्रस्ट) तक सीमित है. यह परसनल ला बहुत कुछ हिस्दुस्तान के मोइमडन ला से मिलता जुलता है. फर्क बस इतना है कि हिन्दुस्तान में मोहमहन ला से सम्बन्ध रखने वाले मुक्तदमों का फ़ैसला भी आम अवातत में होता है लेकिन मिस्न में इसके लिये खास अदालतें हैं. इन खास अदालतों में आम क्कां की जगह शरियत के माहिर क्राजी होते हैं और इनके कैसने आखरी माने जाते हैं. इन क्राजियों के पास दूसरे मुक्कद्मे जाते भी नहीं हैं. आम अदावतों का इन्तजाम वैसा ही है जैसे हिन्दुस्तान का है यानी पुलिस कोर्ट. सोबर कोर्ट, हाई कोर्ट वरौरा में भी उसी तरह का काम होता है जैसे हिन्द्रस्तान में होता है.

मिस्न का रक्तवा चार लाख मुरव्या मील के करीव हैं जिसमें सिर्फ चार फीसदी जमीन पर खेती वाड़ी हो सकती है. बाक़ी जमीन रेगिस्तान है. मिस्न में बारिश न होने के बरावर होती है. खेती दरियाए नील के पानी से होती है. आवपाशी का इन्तजाम अच्छा है और इसमें और मं। तरक्षकी हो रही है.

मिस की कुल काशदी क़रीब दो करोड़ के है जिनमें 18 कास किन्ती, दो लाख विदेशी और बाक्री मुसलमान हैं. اِس آف لاردس کو هیں . هاں' مصر کے باشقاہ اهیکار انگلیلڈ کے بادشاہ کے ادھیکاروں سے کچھ هیں . لیکن ان اشتیاروں کا استعمال کرنے کی ہ کو نہ تو ضرورت پوتی ہے اور نہ اس کی فرصت ہے .

ام سدن کی بہوگفت پارٹی کا لیڈر پردھان ملتری جاتا ہے اور دوسرے سب منتری پردھان مبتری کی سے چن لگے جاتے ھیں اور اُس سے تک وزیری بن پر دئتے رہتے ھیں جب تک که عام سدن میں پارٹی کا یہومت ھوتا ہے اور جب تک یه یہومت وشواس کرتا ہے .

س وقت حکومت کی باک دور وفد پارٹی کے عاتهوں ہے ۔ وفد پارٹی کی مصر میں وهی حیثیت ہے جو بتان میں کانگریس کی ۔ وفد پارٹی کے سب سے ہوے مرحوم سعد غلول باشا مانے جاتے هیں ۔ اُن کی مصر والور کے قالوں میں وهی تهی اور هے ، اس بتان میں مرحوم گندهی جی کی تهی اور هے ، اس وفد پارٹی کے لیڈر مصطفی نحصاس باشا هیں ۔ اُن کی مت مصر میں وهی هے جو هندستان میں پندت بال نہرو کی هے ،

مصری حکومت کے عدالتی قانون زیادہ تر فراس لے کئے هیں یا پهر سوئٹزرلینت اور انکلینت سے . هان' ل لا صرف مسلمانوں کے لئے ھے آور اسلامی دھنگ بایا گها ہے. یہ قانون صرف مسلمانوں کے نکام' طلق' ، كا بتوارة أور وقف (ترست) تك سهست هي . يه البهت کچه هندستان کے محمدن لا سے ملتا ه . فرق بس أتنا ه كه هندستان مهي محمدن لا مهذه وكهني والع مقدمون كا فيصله بهي عام عدالت هوتا هے لهکن مصر ميں اس کے لئے خاص عدالتيں . إن خاص عدالتون مهن عام جعون كي جكم ہت کے ماہر قاضی ہوتے میں اور اِن کے نیصلے آخری جاتے ھیں . اِن قافیوں کے پاس درسرے مقدمے جاتے نهين هيي عام عدالتون كا انتظام ويسا هي ه ا هندستان کا هے یعنی پولیس کورت کورت كورت وفيولا مهل يهي أسى طرح كام هوتا هے جيسے متان میں هوتا هے.

مصر کا رقبہ بھار لاکھ مربع میل کے قریب ہے جس صرف بھار فیصدی زمین پر کھیٹی باڑی ھو سکتی بائی زمین ریگسٹان ہے ، مصر میں بارش نه ھونے برابر ھوتی ہے ، کھیٹی دریائے نیل کے پانی سے ھرتی ب پاشی کا انتظام اچھا ہے اور اس میں اور بھی ھو رھی ہے ،

مصور کی کل آیا تھی قریب ذو کروڑ نے بھے جن میں کھ قبطی' دو لاکھ ودیشی اور ایاقی مسلمان ہیں ۔

मोलाना अब्दुक्षा मिस्री का खत—क्राहिरा से

त्यारे पंडित सुन्दरलाल,

अपने पिछले खत में मिस्न का कुछ हाल लिख चुका रि. इस खत में भी कुछ हाल लिख़्ँगा. यों अगर लिखा नाय तो यहाँ के एक एक विशय, एक एक चीज पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है, हो सकता है आगे चलकर में यहाँ की चीजों पर बहुत तकसील से लिखू पर अभी तो मैं बहुत कुछ न लिखकर बहुत थोड़े में कुछ लिख रहा हूँ.

मिस्र बीच पूरव के देशों में बहुत उन्नित शील देश हैं. बीच पूरव के दूसरे कई देशों की तरह यह भी "इसलामी" शि कहलाता है. यहाँ की सरकार भी इसलामी कही जाती है. लंकिन दर असल इसको इसलाम से महज्ज नाम का जगाव है. (मस्न की सरकार का ढांचा तीन श्रहम जुजों शनी तत्वों से बना है. इसका विधान तो इंगलैंड का है, अदालती और पुलिस क़ानून फ़ान्स और स्वीटजरलैंड के हैं और 'परसनल ला' इसलाम. का है.

मिस्न की हकूमत का उपरी ढाँचा इस मानी में इंगलैन्ड से बहुत कुछ मिलता जुलता है कि यहाँ भी हकूमत की सब से ऊँचा गई। पर हिज मेजेस्टी शाह कारुक बिराजते हैं और बहुत आन बान और शान के साथ बिराजते हैं और मिस्नी सरकार का सब काम काज हिज मेजेस्टी के नाम से होता है. अगरचे सब काम दूसरे लोग ही करते हैं जैसे इंगलैन्ड में होता है.

सीच विचार और कायदे कानून बनाने के लिये इंगलैन्ड के हाउस आफ कामन्स और हाउस आफ लार्ड स की तरह यहाँ भी दां सदन हैं. एक आम सदन और दूसरा जास सदन आम सदन के मेम्बरों की गिनती 319 आर जास सदन के मेम्बरों की गिनती 319 आर जास सदन के मेम्बरों की गिनती 36 है. आम सदन के तमाम मेम्बर चुनाव से आते हैं और जास सदन के आधे मेम्बर चुनाव से और आधे सरकार की तरफ से नामजद होकर. चुनाव में राय देने का इक्ष यहाँ सिर्फ बालिश मदौं को है औरतों को नहीं. औरतों को राज काजी मामलों में भी कोई दखल नहीं है, आगरचे औरतें यहाँ काफी पदी लिखी और आशद हैं.

आम सदन की उमर पाँच साल की और जास सदन की दस साल की रक्खी गई हैं. आम सदन को वह सब अधिकार हैं जो इंगलैन्ड में हाउस आफ कामन्स की हैं. मिस्र के खास सदन को भी वही एखतियार हैं जो इंगलैन्ड

مولانا عبدالله مصری کا خط—قاهره سے

بهارے یقتت سندر لال'

اله بچهلے خط میں مصرکا کچه حال لکه چکا هوں .
اس خط میں بھی کچھ حال لکھوں گا . یوں اگر لکھا خواتے تو بھاں کے ایک ایک وشے ایک ایک چھڑ ہر بہت گھچھ لکھا جا سکتا ہے . هو سکتا ہے آئے چل کو میں پھاں کی چیزوں پر بہت تفصیل سے لکھوں پر ابھی تو میں کچھ لکھ میں بہت کچھ نہ لکھکر بہت تھوڑے میں کچھ لکھ رہا ھوں .

مصر بیچ پورب کے دیشوں میں بہت اُنتی شیل دیش ہے۔ بیچ پورب کے دوسرے کئی دیشوں کی طرح یہ بھی '' اسلامی '' دیش کہلاتا ہے ۔ یہاں کی سرکار بھی اِسلامی کہی جاتی ہے ۔ لیکن دراصل اسکو اسلام سے محص نام کا لگاو ہے ۔ مصر کی سرکار کا ڈھانچا تیں اہم جزوں یعلی تلاووں سے بنا ہے ۔ اِس کا ودھان تو الگلیلڈ کا ہے' عدالتی اور پولیس قانون فراسس اور سوئٹزرلیلڈ کے ہیں اور 'پرسئل لا' اسلام کا ہے ۔

مصر کی حکرمت کا اوپری تھانچہ اس معنی میں الگلینڈ سے بہت کچہ ملتا جلتا ہے کہ یہاں بھی حکرمت کی سب سے اونچی گدی پر هز مجستی هاہ قاروق براجتے هیں اور مصری سرکار کا سب کام کاج هز مجستی کے نام سے هوتا ہے . اگرچہ سب کام دوسرے لوگ هی کرتے هیں جیسے انگلینڈ میں هوتا ہے .

سوچ وچار اور قاعدے قانون بقائے کے لئے انگلیلڈ کے جا اور قاعدے قانون بقائے کے لئے انگلیلڈ کے جا سوں آف کاملس آور ھاؤس آف لارڈس کی طرح یہاں بھی جو سدن ہے ممہروں کی گفتی 319 اور خاص سدن کے ممہروں کی گفتی 180 اور خاص سدن کے ممہروں کی گفتی 180 ہے آئے ممہر چفاو سے آئے بھی اور خاص سدن کے آبھے ممہر چفاو سے اور آبھے سرکار کی طرف سے نامؤد ھوکر ۔ چفاو میں وائے دیلئے کا حق یہاں کی طرف سے نامؤد ھوکر ۔ چفاو میں وائے دیلئے کا حق یہاں مہروں کو ہے عورتوں کو داج گاچی معاملوں میں بھی کوئی دخل نہیں ہے' آگرچہ عورتیں ہیہاں کافی پڑھی لکھی اور آراد ھیں .

نومهر 51 '

attended to the second of the second of

मुल्क के वास्क्र एक इनकलाव आहिसात्मक दंग से आव से आप हो जायेगा.

हमें यक्त न है कि झिहिंसारमक इनकताय करना हिन्दु-स्तान की मिट्टो की तासीर है. हिन्दुस्तान के लोगों ने आहिंसा के जरिये दुनिया की सबसे यहां हुकूमन को जत्म कर दिया, वही लोग उसी झिहेंसा या सत्यावह के जरिये विरोधी सरकार या ताक तों को झपने प्रेम झीर सेवा से जीत कर हिन्दुस्तान के झन्दर किसान-मजदूर का सच्चा स्वराज कायम करेंगे. यही वह संदेसा है जिसकी तमना आज दुनिया हमारे हिन्दुस्तान से कर रही है. यह संदेसा अमली तौर से देना हिन्दुस्तान के जीवन का मक सद हमेशा से रहा है और हमेशा तक तक रहेगा.

-सुरेश रामभाई

رائے کے اُنگر ایک القلاب اهلسالمک کھنگا سے آپ سے آ آپ مہ جائیکا ۔

همیں یقین ہے کہ اهدسانمک انقلاب کرنا هددستان کی متی کی نائیر ہے ۔ هندستان کے لوگوں نے اهنسا کے نریعے دنیا کی سب سے بڑی حکومت کو ختم کردیا وهی لوگ اُسی اهنسا یا ستیائرہ نے ذریعے ورودعی سرکار یا طاقتوں کو اپنے پریم اور سیوا سے جیت کر هندستان کے اندر کسان مزدور کا سچا سوراج قائم کرینگے ۔ یہی وہ سندیست ہے جسکی تمنا آج دنیا همارے هندستان سے کر رهی ہے ۔ یہ سندیست عملی طور سے دنیا هندستان کے جیوں کا مقصد همیشت سے رها ہے اور همیشت تک رهیکا ۔

--سريش رام بهائي

घास के एक तिनके ने कहा ---

(ख्लील जिन्नान)

धास के एक तिनके ने पतमाड़ में माड़े पत्ते से कहा — "तुम गिरते समय शोर क्यों मनाते हो ? तुम्हारे इस शोर ने मेरे सुन्दर सपने को तोड़ दिशा है."

पत्ता गुस्से में आकर बोला—"ओ नीन, पस्ती में रहने बाले, संगीत से बेबहरा, चिड्ने हे तिनके! जब तू कंची हवा में नहीं रहता, तो राग की लय को क्या जाने ?"

फिर पतमड़ में गिरा हुआ पत्ता जमीन पर सो गया जौर जब बहार आई तो उसकी आंख खुली पर अब वह घास का एक तिनका बन चुका था!

जब पतमज़ श्राया श्रीर उस पर दूसरे पत्ते गिरने लगे सो इस ने धीरे से कहा—

"यह पतमृद्ध में गिरे पत्ते कितना शोर मचाते हैं और

श्रनुवादक-बेनी मांधव

گھاس کے ایک تنکے نے کہا۔۔ (خلیل جبران)

کھاس کے ایک تفکے نے پتجھو میں جھوے پتے سے کہا۔ "تم گرتے سمے شور کیوں محیاتے هو ؟ تمهارے اِس شور نے میرے سندر سینے کو تور دیا ہے ."

پتا فصے اسل بهر کر بولا۔ ''او نیچ' پستی میں رہنے والے' سنگیت سے بے بہرہ' چو چوے تنکے! جب تو اور کی لے کو کیا جائے؟''

پهر پتنجهو میں گرا هوا پته زمین پر سو گیا اور جب بهار آئی تو اُس کی آنکه کهلی پر اب وه گهاس کا ایک تفکا بن چکا تها!

جب پھر پتجھ آیا اور اُس پر دوسرے پتے گرنے لکے تو اُس نے دھیرے سے کہا۔۔۔

''یت ہتجہو میں کرے پتے کتنا شور مجاتے ہیں اور مہری میتھی نیند بہنگ کردیتے ہیں۔''

انووادك-بيدي مادهو

पर और पूरी हैंसानदारों के साथ नहीं अपनाया जाता तो कम्यूनिजम हिन्दुस्तान में आकर ही रहेगा. उसका आना जाजमी है, क्यों कि जनता के पास कोई दूसरा बारा नहीं है. आज जनता बेहाल है, बेचैन है, आधी जागी हुई है, उसके पास अपना नेता नहीं है. हुकूमत या लोकशाही या बाकायदा इन्तजाम के नाम पर जो भीख चलरही है उससे मुन्क के अंदर अंधेर और आफत मची हुई है. इनको दूर करने के लिये जनता कम्यूनिजम को खुली दावत देती है."

आज बदिकिस्मती यह है कि हुकूमत और पढ़े लिखों का मुँह पिछ्छम को है तो जनता का पूरव को. दोनों एक दूसरे से मिलते ही नहीं. पंडित जवाहर लाल तक ने क्रबृल किया है कि पिछले चार बरस में आपस की यह खाई बढ़ी है, ख़ृब बढ़ी है. इसिलये पहली जरूरत तो इस बात की है कि जनता के अन्दर अपना विश्वास पैदा किया जाये, और जो कुछ भी किया जाये सच्चे जी से किया जाये.

किशोर लाल भाई चेतावनी देते हैं-

" हम क़दम क़दम भले चलें, लेकिन छगर यह क़र्म ऊपरी दिल से डठाए जाते हैं तो कम्यूनिस्टों की बाद रोके नहीं ठकेगी. और चूँकि आज की हालत कुछ ऐसी नहीं है जिसे क़ायम रखने के लिये कोई भगवान या मालिक से दुआ करे, इसलिये यह बाद पूरी ताक़त से आयेगी और अपने रास्ते में पड़ने वाली हर चीज को कहीं का कहीं चलाड़ फेंकेगी."

यह असलियत है. भूके को रोटी चाहिये. अगर कम्यू-निस्ट यह रोटी देता है तो भूका उसके साथ है, अगर सत्याप्रही देता है तो उसके साथ है. अगर दोनों देते हैं तब वह ज़रूर कुछ सोच विचार में पड़ेगा. लेकिन जहां तक मौजूदा सरकार की बात है उसके ऊपर इतिमनान शायद ही किसी को बाक़ी हो. भूके का भगवान रोटी में है, न कम्यूनिजम में, न सर्वोदय में.

x x x

आगे के बारे में कुछ भी कहना जियादती है. मन के अहू फोड़ने से भी काम नहीं चलता है. लेकिन जहां आज की हालत से हमें बेचैनी होती हैं वहां खुशी यह होती हैं कि सर्वोदय केवल एक विचार ही नहीं है, उसके मानने वाले मैदान में उतर आये हैं. गांधी जी की जिन्द्गी ही सर्वोदय का एक आजा नमूना थी. लेकिन उनके पैरोकार बड़ी खूबी के साथ इस तरफ क़दम बढ़ा रहे हैं. विनोवा जी का पैदल घूमना और मू-दान-यह में शरीक होने के लिये हर रारीव अमीर से अपील करना एक ठीस क़दम है. उनका कहना है इससे एक हवा वंध आयेगी जिससे इस

البر البرائي المعالدان في مباعد البيان المقابية الجادا في المحدورة المدستان ميس آكر هي رهيمًا . أس كا آدا الزري البيان كيونك جلما كي ياس كوئي دوسرا جاره البيان في أن أن البيان في أن أس كي ياس أينا فيما في في أس كي ياس أينا فيما في الوك شاهي يا بالاعدة انتظام كي نام ير حو جهز جل رهي هي أس سے ملك كے اندر اندهم اور آفت منهي هوئي هي أس كو دور كرئي كي لئي جلما كيهونوم كو كهلي دهوت ديتي هي . أن كو دور كرئي كي لئي

آج بدائستی یہ ہے کہ حکومت اور پوھے لکہوں کا ملع پھھم کو ہے تو جلتا کا پورب کو ، دونوں ایک دوسرے سے ملتے ہی نہیں ، پلڈت جواہر لال تک نے قبول کیا ہے کہ پھپلے چار برس میں آپس کی یہ کہائی بوعی ہے : خوب بوهی ہے ، اس لئے پہلی ضرورت تو اس بات کی ہے کہ جلتا کے اندر اپنا وشواس پیدا کیا جائے ' اور جو کھپ بھی کہا جائے ' اور جو کھپ

كشور لال بهائي چهتاوني ديتے هيں --

" هم قدم قدم بها چلیں' لیکن اگر ید قدم آوپری دل سے آتھائے جاتے هیں تو کمیونسٹوں کی ہاڑھ روکے نہیں رکے گی ۔ اور چونکہ آج کی حالت کچھ ایسی نہیں ہے جسے قائم رکھنے کے لئے کوئی بھگوان یا مالک سے دعا کرے' اس لئے یہ ہاڑھ پوری طاقت سے آئے گی اور ایے راستے میں پڑنے رألی هر چھڑ کو کہیں کا کہیں آنھاڑ پھینکیکی ۔"

یه اصلیت هے . بهوکے کو روائی چاهئے . اگر کمیونست یه روائی دیگا هے تو بهوکا اُس کے ساتھ هے ' اگر سکیا گرهی طبیعا هے تو اُس کے ساتھ هے . اگر دونوں دیگے هیں تب وہ فرور کچھ سوچ وچار میں پڑیکا . لیکن جہاں تک موجودہ سرار کی بات هے اُس کے ارپر اطمیقان شاید هی کسی کو باقی هو . بهوکے کا بهگران روائی میں هے نه کمیونیم میں' نه سروردے میں .

آئے کے بارے میں کچھ بھی کھنا زیادتی ہے ۔ میں کے لقو پھورتے سے بھی کام نہیں چلتا ہے ۔ لیکن جہاں آج کی حالت سے عمیں بے چھٹی ھرتی ہے وھا خرشی یہ ھرتی ہے کہ سروودے کھول ایک وچار ھی نہیں ہے' اسکے مالئے میدان میں آئر آئے ھیں . گاندھی جی کی زندگی ہی سروودے کا ایک اعلیٰ نمونہ تھی ۔ لیکن اُن کے پھروکار بھی خوبی کے ساتھ اِس طرف قدم بچھا رہے ھیں . ونوباجی کا پیدل گھوسٹا اور بھودان یکھہ میں شریک عوبی کے لئے ہو فریب امیر سے ایدل کرنا ایک تھوس قدم میں کیا کہ اسے ایک ھوا بدھ جائیگی جس سے اس

Let to a law court of the contraction there there is a second of the contraction of the c

ابت (الكر وفقا) سرو معرمستهاو (مستحدمون يرك لك ليكنا شي بوسم شرفايشيكا استعمال كرنا اور جهواجهوس نه كرنا. نرآ غیر سے دیکھیں تو یعد جلے کا که کمیونست بھالی اُن لهاره مين سے صرف استگره پر اصرار کرتے ههن --- برهمنجریه كهنَّے يا نه وكهنَّے أبير كوئى شكايت نهيں هوكى، سعه مهن تو ولا يقهن هي نبهن كرنا ما كرنا هـ تو أي الك اهلک سے استھے کی وہ قدر کرتا ہے شریر شرم کو برا نہیں ہمًا' اسواد کو دیوانہ ہن سنجممًا هے' ابھے اُسے پسلد هے' ، ورم کو تو وہ افیم مانگا ہے' سودیشی أسے بابا آدم کے مانے کی چیز معاوم پوتی ہے کھواچھوت وہ أته كئى عیال کرتا ہے ۔ اِس طرح اپنی بہترین سے بہترین حالت یں بھی کمھواؤم سررودے کا محص ایک چھوٹا سا تکوا ر . سبع تو يه ه كه كمهونست بهائي جس چهز كو مالي يا تبك دائرے ميں بلند حالت ميں ديكمنا چاهتے هيں' عما گرهی أسے جیوں کے هر پهلو مهن بلقد دیکهما چاهما ، . إسى كا نعهجه يه هوتا ه كه أيلاً جسم عو كمهونست ، سب سے پیاری چھڑ ھے' ستیا کرھی کے لئے سب سے می والوت بن جاتا ہے . اِسی وجه سے سروردے أور كسهونزم یں کوئی میل نہیں رہ جاتا اور دونوں ایک دوسرے کے لو خلف پوتے ههں .

هم نے ارپر کمیونست بھائیوں کے اصولوں کی چرچا اور یہ دیکھا کہ اُن میں اور سروردے کے مانئے والوں ہی کتفا گہرا اور بنیادی فرق ہے ۔ ''گاندهی اور مارکس'' می کتفا میں کشور لال بھائی اور ونوبا جی' دونوں هی' اپنے منتجے هوئے قلم اور پینی و دور پہنچنے والی لا سے اِس چیز کو اِقلہ آسان طریقے سے رکھدیا ہے کہ هو ی خوب اچھی طرح سے سمجھ سکتا ہے ۔ لیکن اصول ی خوب اچھی طرح سے سمجھ سکتا ہے ۔ لیکن اصول بات ہے اُن کا عمل ۔ آج همارے بل هی هیں' اصل بات ہے اُن کا عمل ۔ آج همارے سات پر منتجے می خوب وچاد موجود میں ، اُن کی کامیابی اِس سے پر منتجے وہ دونوں وچاد موجود میں ، اُن کی کامیابی اِس سے پر منتجے وہ کہ دونوں کے دین دکھیوں کی سچی سہوا کو سے انہیں اُنہیں اُنہا کر یہاں کے دین دکھیوں کی سچی سہوا کو

سررودے کے دعویدار بہت بنتے ھیں' سرکار بھی بنتی الیکن اگر سروردے کی آر مھی سرکار محصض امھروں امھر اور فریبچوں کو فریب بنانے کا کام کرتی ہے تو وہ ام تو ہوگی ھی' چریت بھی ھوجائے گی' لھکن یہی اس سے وہ وچار بھی بدنام ھوگا ۔ اگر اس وچار پر ک طرح سے ایمانداری کے ساتھ عمل نہیں کیا جاتا ہے دیس کھور لال بھائی کی بھوشیہ باتی کی سچائی کے میں کوئی شک نہیں ہے ۔ اُن کا کہنا ہے —

الا الله الكر الندهي جي كالراسكة عني مني عملي طور

अभ्य (निकर रहता), सर्व घम समभाव (सब धर्मी के लिये एक सी इजजत), स्वरेशी का इस्तेमाल करना भौर क्रुमा क्रुत न करना. जरा गौर से देखें तो पता चलीगा कि कम्यूनिस्ट भाई इन ग्यारह में से सिर्फ असंग्रह पर इसरार करते हैं- ब्रह्मचर्य रिलये या न रिसये उसे कोई शिकायत नहीं होगी, सत्य में तो बह बक़ीन ही नहीं फरता, या करता है तो अपने अलग ढंग से, अस्तेय की वह क़द्र करता है, शरीर श्रम को जुरा नहीं कहता, अध्याद को दीवाना पन सममता है, अभय हसे पसंद है, धर्म को तो वह अकीम मानता है, स्वदेशी हसे ाबाबा बादम के जमाने की चीज मालूम पड़ती है, छुबा छूत वह इठ गई खयात करता है. इस तरह अपनी बहतरीन से बेहतरीन हालत में भी कम्यूनिज्म सर्वीद्य का महज एक छोटा-सा दुकड़ा है. सच तो यह है कि कम्युनिस्ट भाई जिस चीज को माली या श्रार्थिक दायरे में बुलन्द हालत में देखना चाइते हैं, सत्याप्रही उसे जीवन के हर पहलू में बुलम्द देखना चाहता है. इसी का नतीजा यह होता है कि अपना जिस्म, जो कम्यूनिस्ट को सबसे प्यारी चीज है, सत्याप्रही के लिये सबसे बड़ी रुकावट बन जाता है. इसी बजह से सर्वोदय और कम्यूनिज्म में कोई मेल नहीं रह जाता और दोनों एक दूसरे के कट्टर खिलाक पदते हैं.

x x x x

इसने ऊपर कम्यूनिस्ट भाइयों के उसूलों की चर्चा की खोर यह देखा कि उनमें खोर सर्वोदय के मानने वालों में कितना गहरा और जुनियादी कर्क है. "गांधी और मार्क्स" नाम की किताब में किशोरलाल माई और विनोबाजी, दोनों ने ही, अपने मंसे हुए कलम और पैनी व दूर पहुँचने वाली निगाइ से इस चीज को इतने आसान तरीके से रख दिया है कि हर कोई खूब अच्छी तरह से समफ सकता है. सेकिन उसूल उसूल ही हैं, असल बात है उनका अमल. आज हमारे हिन्दुस्तान में दोनों विचार मौजूद हैं. उनकी कामयाबी इस बात पर मुनहसिर है कि दोनों के पैरोकार किस तरह अमली रूप में इन्हें अपना कर यहां के दीन दुर्सियों की सच्ची सेवा कर पाते हैं.

सर्वोदय के दावेदार बहुत बनते हैं, सरकार भी बनती हैं. लेकिन अगर सर्वेदिय की आड़ में सरकार महज अमीरों को अमीर और उरिवों को गरीब बनाने का काम करती है तो वह बदनाम तो होगी ही, चौपट भी हो जायगी, लेकिन यही नहीं, इससे वह विचार भी बदनाम होगा. अगर इस विचार पर ठीक तरह से ईमानदारी के साथ अमल नहीं किया जाता है तो हमें किशोरलाल भाई की अबिश्य वानी की सचाई के बारे में कोई शक नहीं है. उनकी कहना है—

्राष्ट्रमार गांधीकी का रास्ता सचगुच व्यमती तौर

सहते. बेह बाव सर्वोदय के विकाद से एक दम कार्ती है. क्यका मानने वाला तो हथियारों के सका सोलह आने खिलाफ है कोर कहिंसा के विना एक इन्च भी नहीं खसक सकता.

अपने इस लेख के शुरू में ही हमने जो चार हिसाब दिये हैं चनकी असलियत अब साफ समम्क में जा जाती है. इन चारों में पहला, दूसरा और चौथा तो दिमारा का बहुज फितूर हैं, तीसरा हिसाब यह है—

गांधी बाद-शहिंसा = 0

इस के बारे में हम इतना कहेंगे कि यह राजत नहीं है. बोड़ा सा सही है, लेकिन पूरा सही नहीं है. क्योंकि गांधी बाद या सर्वोद्य जिस विचार का नाम है वह महज अहिंसा ही नहीं है, बल्कि यह वह विचार है जिसका पैरोकार सत्य को पाना चाहता है, सत्य जिसका मक्सद है और उस तक पहुँचने के लिये वह अहिंसा के रास्ते सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ना बाहता है. अहिंसा या प्रेम के रास्ते ही वह उस सत्य या चेतन को पा सकता है जो सारे आजम की जड़ है यह प्रेम का रास्ता बहुत ही तंग रास्ता है जिसका मजा लगातार मश्क से ही मिल सकता है. जैसा कबीर ने कहा है—

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुझा, पंडित हुआ न कोय, ढाई अन्तलर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय.

इन ढाई अक्खरों का ज्ञान कर लेना कोई मजाक नहीं है. एक प्रानी की सारी जिन्दगी भी नाकाफी है. जरा दूर तक देखें तो आख़िरी मंजिल पर पहुँचने के लिये, प्रेम का पूरी तरह पंडित बनने के लिये, इन्सान का यह बदन भी—जो एक तरह की पूँजी है—उसके लिये एक रुकावट है क्योंकि इसकी वजह से कुछ-न-कुछ हिंसा तो हो ही जाती है, प्रेम में कुछ न कुछ बाबा तो पड़ही जाती है.

इस तरह अपनी ऊंची से ऊंची उड़ान में सर्वोदय के अंदर जिस्स या बदन की भी गुंजायश नहीं है, दूसरी फिर किसी चीज का तो कहना हो क्या ? यह वह चीज है जिसके बारे में कुछ कहते नहीं बनता और कतम ठक जाता है. हमारे कन्यूनिस्ट आई इसे खयाली पुलाव कहेंगे, लेकिन दर असल यह चीज उनकी क्या हर एक की समम के बाहर की चीज हो गई है. दिमाग़ फेल हो जाता है, सिर्फ दिल चलता है, दिल की मावना चलती है.

इसी सिक्षसिले में यह कह देना मुनासिब होगा कि सर्वोदय के विचार पर अमल करने के लिये उसके पैरोकार पर इन स्थारह क्रायदों की पावन्दो लाजमी हो जाती है— आहेंसा, सस्व, अस्तेय (चोरी न करना), ब्रह्मचर्य (नक्ष्स पर क्राबू), असंपह (सामान जमा न रखना), शरीर अम (जिस्मानी मेहनत), अस्वाद (जवान के चटोरे न,वनना),

سُرُّنِ اِس لیکھ کے شروع نہیں ھی ھم نے جو چار حساب دیگے ھیں اُن کی اصلیت اب صاف سمتھ میں آجاتی ہے ۔ اِن چاروں میں پہلا' دوسرا اور چوتھا تو دماغ کا مجھن فتور ھیں' تیسرا حساب یہ ہے —

الادهى وأد — اهنسا = 0

اسكے بارے میں هم اتنا كہيں كے كه يه قلط نہيں هے. قبوراً ستعيم نہيں هے. كيرائمة كاندهى واد يا سروودے جس وچار كا نام هے وہ معتوق اهنسا هى نہيں هے، بلكه يه وہ وچار هے جس كا مقصد هے پيروكلر ستيه كو پانا چاهتا هے؛ ستيه جس كا مقصد هے اور اس تك پہنچنے كے لئے وہ اهنسا كے راستے سيوهى هر سيوهى چوهنا چاهتا هے. اهنسا يا پريم كے راستے هى وہ اس ستيه يا چيتن كو پاسكتا هے جو سارے عالم كى جو هے يہ پريم كا راسته بہت هى تنگ واسته هے جس كا ميد ديے ديے ديے ديے ہے۔

پوتهی پوهی پوهی جنگ موا' پلقت هوا نه کوئے تھائی اکهر پریم کا' پڑھے سو پلڈت هوئے

این دھائی اکھروں کا گیان کر لینا کوئی مقاتی نہیں ہے ۔ فرا ہے پرانی کی ساری زندگی بھی ناگافی ہے ۔ فرا دور تک دیکھیں تو آخری منزل پر پہنچنے کے لئے' پریم کا پوری طرح پندت بننے کے لئے' اِسان کا یہ بدن بھی سے جو ایک طرح کی پرنجی ہے ۔ اُس کے لئے ایک رکارت ہے کھونکہ اسکی وجہ سے کچھ نہ کچھ ہنسا تو ہو ہیجاتی ہے بریم میں چھ نہ کچھ بادیا تو پو ہیجاتی ہے ۔

اِس طرح اپنی اونچی اونچی اُزان میں سروودے کے اُندو جسم یا بدن کی بھی گلجائش نہیں ہے، دوسری پھر کسی چیز کا تو کہنا ھی کیا ؟ یہ وہ چیز ہے جس کے یارہے میں کچھ کہتے نہیں بنتا اور قلم رف جاتا ہے . هنازے کمیونسٹ بھائی اِسے خیالی پاؤ کہیں گے، لیکن جیامل یہ چیز اُن کی کیا ھر ایک کی سمجھ کے باھر کی چیز ھوگئی ہے . دماغ فیل ھوجانا ہے، صرف دل کی بھاونا چلتی ہے .

اسی حاسلے میں یہ کہدینا مناسب ھوگا کہ سرووں ہے ہے۔ اور عمل کرنے کے لئے اُس کے پھروکار پر اِن گیارہ قامتیں کی پابندی لازمی ھوجاتی ہے — اھلسا' ستھہ' آسٹھے (جہوری نہ کرنا)' برھمچریہ (نئس پر قابو)' آسٹگریہ (حسانی جمع نہ رکھنا)' شریر شرم (جسمانی محصفت)' اسواد (زبان کے جاتررے نہ یلنا)'

Marie and Ballion of Carling William State and the State of the State of the Carling of the Carl

ाचे बचे होना की कार्तिर इस्तेमाक में काना है. सच्चा स्यामही अपने शरीर का, जो कुछ बसके पास है बसका, बसा एक ट्रस्टी है और यह ट्रस्टी शिप इसे जीवन भर स्थाना है.

इस तरह सर्वोदय के विचार पर चलने के लिये वर्धा पंचरवा, ग़ैर केन्द्री करन और ट्रस्टी शिष पर अमल करना लि है. इन तीनों चीजों को बहुत ही सकाई के साथ इस्तेर लाल भाई ने चन्द सकों में रख दिया है. इन से गंची जी की क्या मुराद थी यह बात बिलकुल साफ साफ स में आ गई है.

हमने कहा है कि सर्वोदय में स्वदेशी-कतई स्वदेशी-ा बोलबाला है. सर्वोदय का मानने बाला यानी सत्या-ाही यह चाहेगा कि स्वदेशी का पूरा पूरा इस्तेमाल करूँ तनी अपनी सातिर दूसरों को कम से कम तकलीक दूं. अब लिये वह अपना काम अपने आप करेगा, खाने कपड़े मे खरूरतें अपने आप पूरी करने की कोशिश करेगा. ।सको कामयाबी से निभाने के लिये उसे दो बातें अमली ीर पर करनी होंगी--पहली यह कि ख़द चोटी का ासीना एड़ी तक बहाये, यानी बदन से मेहनत का काम ले. इडनत करने पर ही वह रोटी खायेगा. दूसरी यह कि वह प्रपत्नी प्रकरतें बहुत ही कम कर देगा और जो जो जकरतें हिंगी उनको अपनी या गांव के लोगों की मेहनत से पूरी हर लेगा. और जब अपनी जरूरतों के लिये इसे बाहर के शाखार का मुंह नहीं देखना पड़ता तो पैसे या सोना रखने ही इसकी तमन्ता आप से आप कम हो जायगी. इन दोनों बीकों को विनोबा जी ने श्रम देवता (मेहनत के देवता) की अपासना पूजा और कांचन-मुक्ति नाम दिया है, जिनकी उरफ छन्होंने अपनी भूमिका के आखिर में ध्यान खींचा 🖁 ब्यीर कहा है कि इन दो बातों से ही हिन्दुस्तान की क्रींटनाइयाँ दूर हो सकती हैं. असल में यह दोनों एक हैं क्योंकि एक के बिना दूसरी नामुमकिन है. इसी चीज में, जैसा विनोबाजी ने बताया है, गांधी विचार या सर्वोदय का छार दिखा देता है, साम्यवाद या कम्यूनिजम से उसका मेस दिखाई देता है और उसी में क्या कम्यूनिजम और क्या पंजीवार होनों का हल दिखाई देता है.

बह क्या ? कम्यूनिजम और पूँजीवाद दोनों का इल ? हां, कम्यूनिजम और पूँजीवाद में जहां काले-सफेद का फर्क है वहां दोनों ही हथियारों या हिंसा के मानने वाले हैं और वैद्धे या सोने को ही सब कुछ मानते हैं, कांबन-मुक्ति दोनों में से किसी में नहीं होती. खागे चलकर भन्ने ही पैसे या कोने का दाम या खहमियत कम्यूनिजम में कम हो जाये केविन हबिकार या हिन्सा तो समकी जान है, मानो बिना केविना हिक्सार या हिन्सा तो समकी जान है, मानो बिना جس آئے سیار کی خاطراساتعمال میں اللہ ہے ، سچا ساتھا کرھی اپنے غریر کا جو کچہ اسکے پاس، ہے اسکا کھول ایک ترسلی ہے اور یہ ترسلی عمید آنے جہون اور نبہانا ہے ،

اِس طرح سروردے کے وچار پر چلنہ کے لیّے وردھا ویوستھا فیر کیندری کرن اور ترستی شپ پر عمل کرنا عرب اور ترستی شپ پر عمل کرنا عرب اور تیست ھی مغائی کے ساتھ کھور الل بھائی نے چند صنصوں میں رکھدیا ھے ۔ اِن سے المدھی جی کی کیا مواد تھی بی بات بالکل صاف صاف اِس میں آگئی ھے ۔

هم نے کہا ہے کہ سروودے میں سودیشی -قطعی سوديشي-كا بول بالا هي . سروودے كا مانلے والا يعلى ستها گرهی به چاه کا که سودیشی کا پورا پردا استعمال کروں یعلی ایٹی خاطر درسروں کو کم سے کم تکلیف دوں اسلکے وہ اپنا کام اپنے آپ کرے گا، کھانے کپڑے کی ضرورتیس ایے آپ پوری کرنے کی کوشش کرے کا ، اِس کو کامیابی سے نبھانے کے لگے اُسے در ہاتھی عملی طور پر کرنی ہونگی۔۔ پہلی یہ که خود چوتی کا پسیلم ایوی تک بہائے علی بدن سے متعلت کا کام لے . متعلت کرنے پر هی والا (والی كهائي كا . دوسرى يه كه ولا أيذي ضرورتهن بهت هي كم کردے کا اور جو جو ضرورتھی رھھنگی اُن کو اینی یا کاوں کے لوگوں کی متصلت سے پوری کرلے کا ، اور جب آپلی فرورتوں کے لئے آسے باہر کے بازار کا ملہ نہیں دیکھنا پرتا تو پیسے یا سونا رکھنے کی اُسکی تمنا آپ سے آپ کم هو جائیگی. اِن دونوں جھڑوں کو وتوہاجی لے شوم دیوتا (مصلح کے دیوتا) کی ایاسلا پوجا آور کانچوں مکتی نام دیا ہے؛ جنکی طرف آنہوں نے اپنی بہومهکا کے آخر میں دھیان کیینچا هے آور کہا هے کمرآن دو باتوں سے هی هندستان کی کتینائیاں دور هوسکتی هیں ، اصل میں یه دوتوں ایک هیں کرونکھ ایک کے بنا دوسوی تامیکن ھے . اِسی چھو میں جیسا ونوہاجی نے بتایا ہے کاندھی وجاریا سروردی کا سار دنهائی دیتا هے. سامیمواد یا كسيونوم س أسكا ميل دكهائي ديعًا هِ أور أسي مين كيا كيهونزم أور كها يونجيواد دونون كا حل دكهائي ديتا هي .

یہ کہا ؟ کمپونوم آور پونجی واد دونوں کا حل ؟ ھاں' کمپونیم آور پینجی واد میں جہاں کالے سفید کا فرق ہے وہاں دونوں ھی ھتھیاووں یا ھنسا کے مانٹے والے ھیں اور پیسے یا سولے کو ھی سب کچھ مانٹے ھیں' کانچوں مکھی دونیں میں سے کسی میں نہیں ھوتی ۔ آئے چلکو بھلے ھی پیسے یا سوئے کا دام یا اھمیت کمپونوم میں کم ھی جائے لیکنے متعیار یا ھنسا تو اسکی جان ھے' مانو میا ھتھیاویں کے تو کمپونست ایک قدم بھی آئے نہیں رکھ तीर की करह दर चीच को चीरता हुआ सीचा. चला आयेगा. इसी किये उसे हर तरह के हिचयार चाहियें और हर तरह को हिचयार चाहियें और हर तरह का सामान व कारलाने चाहियें. उसे बढ़े बढ़े मिल चाहिये और कम से कम समय में जियादा से जियादा नकीजा मिले. इसी बजह से उसे खेती में ट्रैक्टर और की मिया खाद चाहिये. इसी का नतीजा है कि रूस (और शायद चीन भी) हिंसा में सोलह जाने यकीन रखता है और साइन्स के हर तरह के जीजारों से अपने आप को महकूज और सजा घजा रखना चाहता है. और जब यह सब चीजें उसे चाहियें तो इस सारे सामान को बटोरने, संभालने की खातिर पैसा या सोना उसे आप से आप चाहिये. इस तरह कम्यूनिस्ट पूँजी बाद के खिलाफ होते हुए भी सोने या पँजी से प्यार करता है.

. सर्वोदय की भाशा एकदम उलटी है. पहली मंजिल पर पहुँचने के लिये सर्वीद्यी हर साधन इस्तेमाल नहीं करेगा. चेतन शक्ति को-सत्य को-वह कभी नहीं भूल सकता. इसित्ये उसके हर क़द्म में, हर काम में भीर हर सांस में इसी सत्य पर इसरार होगा, इसी सत्य का आश्रह होगा, यानी जिसे गांधी जी के शब्दों में कहें वह सत्याप्रही होगा. दूसरे को मास्ना वह बुरा समभता है, इसलिये इथियार कठाना गुनाह मानता है. वह पशुक्त या इथियार-बल पर आसरा न करके आत्मवल पर आसरा करता है. वह अपना सारा काम खुद करना चाहता है और गुजर-बसर के लिये कोई एक घंदा-बेहतर हो कि वह बाप-दादों से चला चाने वाला धंदा हो-होशियारी व समम-बूम के साथ करने लगेगा. इसे कम से कम चीजें चाहियें. इसे यह खवाहिश रहेगी कि कहीं वह दूसरों के दिल को चोट न पहुँचाये, वह चीजें वह ख़द ही तैयार कर ले. इसलिये सत्याप्रही स्वदेशी का सुरींद होगा, स्वदेश माने अपना देश ही नहीं बल्कि अपने प्रदेश का सूबा, अपना जिला, अपना घर, अपने हाथ पैर खुद. इसक्रिये सर्वोदय में केन्द्री करन (Centralism) की जगह ग़ैर-केन्द्री करन (De-Centralism) रहता है. लेकिन सत्याप्रही अपने हाथ से बनाई हुई चीकों को, सबमुच किसी बीज को भी, अपनी नहीं सममता, किसी माख पर बह अपनी मिलकियत नहीं मानता. सारा माजरा उस शक्ति का है जिसके इशारे पर आजम चल रहा है. सत्याप्रश्री के पास जो सामान है वह एक तरह की घरोहर है जो उसे पहतियात के साथ बरतनी है ताकि असली माकिक को वैसी की वैसी वापिस कर सके यहां तक कि इसका शरीर भी सही मानों में इसका अपना नहीं है. साम की कोज करने के सिये मिला हुआ दक साधन है

. سروودے کی بھاشا ایک دم اُلٹی ہے ، پہلی منزل پر بہونتھلے کے لیے سروردئی هر سادهن استعمال نہیں کریکا، چهتن شکتی کو-ستیه کو-ره کبهی نهیں بهول سکتا. لَى لَيْ اَسْكِمَ هُو قدم مين هو كام مين أور هو سانس مين سی سته پر امرار دوگا اسی ستیه کا اکره هوگا یعنی جسے اندهی جی کشیدوں میں کہیں وہ ستیا گرهی هوگا، دوسرے و مار نا وه برا سمجهتا في أسليه هتهيار أتهانا كذاه مانتاه . ية يقوبل يا معهدار بل ير آسرا تم كركم آتم بل يو آسرا أوتا هي وه اينا سارا كام خود كرنا چاهنا هي ارد كذر بسر نے دی کوئی ایک دھندہ۔۔۔بہتر ھو که ولا باپ دادوں سے ملا آنے والا دهنده هو-هوشیاری و سمجه بوجه کے ساته ولے لکھکا ، أسے كم سے كم چهزيں چاه كهن ، أسے يه خواهش ہیگے کہ کہیں وہ دوسروں کے دل کو چوٹ تم پہونچائے، وہ جدویں وہ خود می تھار کولے اس لیے ستھا گرھی موديهي كا مريد هوكا سرديش معنه أينا ديش هي هيس بلكم الهي ورفيص لا صوبه الهذا ضلع أيدًا كهر الهي اله پهر خود . اس لئے سروودے میں کیددری کرن (De-کې جگه لهير کيندری کړن (Centralism Centralism رهتا هے . لهكن ستها كرهي الله هاته ر بقائی هوئی چیزوں کو' سیج میچ کسی چیز کو بھی' المن تهيين سمجهاً كسى مال ير وه أيني ملكيت الله مانعاً . سارا ماجرا أس شكتى كا هي جسك اشاري ﴿ مَالِمِ حِلْ رَمَّا هِي . سَكِياً كُرَهِي كَيَ يَاسَ هُو سَامَانِ هِي الیک عدر کی دهروهر هے جو أسے احتماط کے ساتھ اللي بعد الكة اصلى مالك كو ويسى كى ويسى وايس كرسك. الل على الله أسكا شرور بهى محميم معلس منوس أنسكا أيلا إِنَّ عِيرِ سِتَهِعَكَى كَهُوجٍ قُرْلِ كِي لِيُّكُ مِلا هُوا لِيكَ سَادَهُنَ هِـ

the state of the s

and the state of t

और तरह तरह की पूँजी या ताजाशाहियों का उतना ही वहा दुरामन है जितना कि कम्यूनिज्य है. सच तो यह है, कि इन के जिताक जड़ाई में सर्वोदय और कम्यूनिज्य एक तरह से साथ साथ हैं, हाजांकि जैसा हम जपर देख चुके— होनों में चुनियादी फर्क है.

x x x x

कम्यूनिस्टों के बारे में इमने ऊपर कहा है कि वह हो बुके-पन के पैरोकार हैं. मान लीजिये कि सर्वोद्यी भी थोड़ी देर के लिये इस हो चुकेपन को मान लेता हैं. इब दोनों को मैदान में उतर आना चाहिये और समाज को उसके मुकर्पर रास्ते पर चलने में मदद देना चाहिये.

बोनों उतर आये, और उन्होंने मदद देने के तिये हाथ लगाना भी शरू कर दिया. लेकिन शरू में ही सर्वोदयी को एक मुसीबत का सामना करना पड़ा. वह यह कि वह यह देखता है कि कम्युनिस्ट अपनी मंजिल पर पहुंचने के लिये आ बेजा या भले बुरे का खयाल नहीं करता, जो उसके हास क्या उसने उठाया, जो बीच में आया उसे उस ने दे मारा और आगे बढ़ने की इविस रखता है. सर्वोदयी यह सोचता है कि जो चेतन शक्ति मुक्तमें है वह दूखरे में मी है, मैं इस दूसरे को मारने वाला कीन ? मैं उससे कहूँगा कि मेरे रास्ते से इट जा, मुक्ते जाने दे, मैं अपनी बात पर इसरार करूंगा, अपनी बात मनवाने के लिये उस पर जोर बालूँगा यहां तक कि अपना खाना पीना भी बंद कर सकता हैं भीर यही कोशिश करूंगा कि उसका दिल पसीज जाये श्रीर वह मुक्ते जगह दे; लेकिन खुद उसकी जान नहीं ब्राँग, बसे किसी तरह की भी चोट नहीं पहुंचाऊंगा, दिल से बसकी बुराई हरशिज नहीं बल्कि भलाई ही बाहुँगा.

यह है कम्यूनिस्ट और सर्वोदय वाले के वीच साधन का कार्ड. कम्यूनिस्ट साधन के बारे में कोई परहेज नहीं मानता, सर्वोदयी—हांलािक उप्रकी मंजिल एक हो-साधन पर ही सब दारोमदार रखता है. मंजिल पर तो जब पहुँचा जायेगा वहुँचा जायेगा. लेकिन उस मंजिल पर पहुँचने के लिये रास्ते के सभी क़दम अपनी जगह पर मंजिल हैं. मगर इस पहुंची मंजिल पर पहुंचने के लिये कम्यूनिस्ट धह से, बटपट क़दम उठाता है, सर्वोदयी जरा दायं वायं, आगे वीखे, अपर नीचे देख कर. एक को मार काट से कोई स्तराज नहीं सिर्फ अपनी जान सकामत रहे, दूसरे को मार काट से कोई बारता नहीं चाहे अपनी जान ही क्यां न चत्नी वाये. इस तरह दोनों के रास्ते अलग अलग हो बाते हैं. एक कहीं का रह जाता है, दूसरा कहीं का.

्र जब साधन का परहेज कम्यूनिस्ट को नहीं तो वह विकास के तैयार शुदा हर भौजार, बाहे वह पटम बम ही × × ×

کمھونسٹلوں کے بارے میں هم نے اوپر کہا هے که وہ ۔ کے پن کے پیروکار هیں ، مان لیجھگے که سروردائی بھی ۔ ن دہر کے لگے اس هو چکے پن کو مان لیکا هے ، تب کو میدان میں آئر آنا چاهگے اور سماج کو اُس کے ۔ راستے پر چلئے میں مدد دینا چاهگے .

دونوں أدر آئے، اور أنهوں نے مدد دینے کے لئے هانه لكانا هروم کر دیا . لیکن شروم مهن هی سرووددی کو مصیبت کا سامنا کرتا ہوا ۔ وہ یہ کہ وہ یہ دیکھتا ہ کمیو ست اینی مغزل پر پہونچلے کے لئے جا بہجا لیے برے کا خمال نہمی کرتا جر اُس کے هاته لکا اُس نے ا جو بھیج میں آیا سے اُس لے دے مارا اور آگے بوھلے موس رکھتا ہے ، سروردئی ہے سوچتا ہے کہ جو چہتی ی مجه میں ہے وہ دوسرے میں بھی ہے' میں اِس رے کو مارنے والا کون ؟ مدین أس سے کہونکا که مدرے نے سے مت جا' مجھے جائے دے' میں اپنی بات پر ر کرونگا' ایدی بات منوانے کے لئے اُس پر زور ڈالونگا ، تک که اینا کهانا پیدا بهی بند کر سکتا هور اور یهی ه کرونتا که اس کا دل پسیم جائے اور وہ مجم جکه ليكن خود أسكى جان نهيس لونتا اُس كسى طرح ہمی چوت نہیں پہونچارتا کا سے اسکی برائی هرگز ل يلكه يهالني هي جاهرنكا .

یہ ہے کمہونست اور سرووں والے کے بھی سادھن کا فرق،
نست سادھن کے بارے میں کوئی پرھیز نہیں مانتا،
دئی — حالانکہ اُسکی مغزل ایک ہو — سادھن پر
سب دارومدار رکھتا ہے . مغزل پر تو جب پہنچا جانے
بہنچا جائے کا لیکن اُس مغزل پر پہونچئے کے لئے
بہنچا جائے کا لیکن اُس مغزل پر پہونچئے کے لئے
ن مغزل پر پہونچئے کے لئے کمیونسٹ دھو سے، چت
ن مغزل پر پہونچئے کے لئے کمیونسٹ دھو سے، چت
ن مغزل پر پہونچئے کے لئے کمیونسٹ دھو سے، چت
ن مغزل پر پہونچئے کے لئے کمیونسٹ دھو سے، چت
ن مغزل پر پہونچئے کے لئے کمیونسٹ دھو سے، چت
ن مغزل پر پہونچئے کے اُسے کو مارکاٹ سے کوئی اعتراض نہیں
سے فونوں کے واستے الگ الگ عوجاتے ھیں ایک
سطرے فونوں کے واستے الگ الگ عوجاتے ھیں ایک
سے کونوں نہ جاتے ہے، دوسرا کہیں کا ۔

جب سادھی کا ہرمیز کیھونسٹ کو تہیں تو رہ ای کے تھار شدہ ھر اوزار' چاہے رہ ایکم ہم ھی

پانچے کی داروں بایراجی یا جاہروں کی باللين كي ذريعي بهواجي . أس ولت سبهي ساللسدان و پودیموں کو بے جاندار مانتے تھے اور آیکم نام کی مهور نه أثوت أور بديادي الأثى ماند وألم تع . سارت جاند ناڑے اور سیاروں کی حرکت نہوتن کے بتائے قانون کے مطابق مائیے تھے . کہلے کی ضرورت نہوں که بهسویں صدی کے شروء هوتے هوتے جگدیش چندر بسو لے یه ثابت کر دیا نها که پیر پردهوں میں بھی همارے جیسی جای اور تمیز هوتی هے . هیدری ویکرل نے یه ثابت کر دیا تها که ایکم چهوں بون کیا جاسکتا ہے اور یہ بقهادی اکائی هراز نهیں ھے. اور آئدستائن نے یہ ثابت کو دیا تھا کہ آسمانیچیزوں کھی حرکت کوئے عام ڈعلگ سے' نیوٹن کے اصولوں پر نبھیں هوتی. همارےکہ لیے کا مطلب یہ هے کہ انهسویں مدی دنھا کے الماس میں سب سے زیادہ مادہ پسند اور مادہ پرست تھی ۔۔ کرٹی اچرج کی بات نہیں کہ اسی مدی نے مالی و انسانی دائرے میں مادے کے علمبودار کارل مارکس کو بھی کھوا کو دیا ۔ ھم یہاں یہ بھی بعادیں که مارکس خود چیلے تھے فویر بانے کے جو سولہ آنے مادے وادى فلا سفر لها ماركس كا كهذا هـ --

'' میرے لئے تو آدرهی نام کی چیز اس ' مادی فنیا ' کے علاوہ کچھ بھی نہیں ھے۔ یہ مادی دنیا وھی ھے جو انسانی دماغ سے ظاھر ھوتی ھے اور طرح طرح کے وچاروں کی شکل لیٹی ھے۔''

طاهر هے که چهتن کو مانٹے والے کو یه رچار کسی طوح بھی ملطور نہیں هوسکتا .

هم نے اوپر کہا ہے کہ انیسویں صدی کے وگھائی اُصولی اُلھے کو جگدیش چندر بسو' ھھنری ویکرل اور الفستائن نے تھا دیا ۔ اُسیطرے سے مارکس اور لینن کے مالی اُصولی اللہ اُلھے کو الستائے اور کامدھی نے دَعا دیا' اور کمھونوم کے بوابر صهن سرودے کا وچار پیش کیا اور اُس پر عمل کرکے اُسے ہائڈار بنایا، لیکن جس طرح سے سوائے کاموں میں سائٹس مجھی نہوائی اور الاہوازیئے وقیوہ کے اصول کی گنجائش اُسی طرح سے عام برتاو میں کمیونوم کے اصول کی گنجائش اور ھمیشہ بنی رھیکی ۔ لیکن اُس کا کون سا میں اُلھیں ہے اور ھمیشہ بنی رھیکی ۔ لیکن اُس کا کون سا میں محصل ہے۔ اور ھمیونوم کی اُمور فریب کے بیچ کی دیواریں اور اُلھیں محصل ہے۔ اور کمیونوم کی اُکر تو آیسی بات نہیں محصل محصل محصل ہے۔ اور کمیونوم کی اُکر تو آیسی بات نہیں ہے، بلکہ محوورت ہے کو کمیونوم کی اُکر تو آیسی بات نہیں ہے، بلکہ محوورت کے نہیں جن سے اُس کو مورچہ لینا تیا اُور ہے ۔ جہاں میکھی تھیں جن سے اُس کو مورچہ لینا تیا اُور دوسرے وادوں

वाँचे वर्श का काविन वायोकाकी या वानवरों की साइन्स के फरिये पहुँचे. वस बन्नत सभी साइन्सर्वा पेड पीयों को वे जानदार मानते थे और ऐटम नाम की चीज को बादट और बुनियादी इकाई मानने वाले थे. सारे चांद तारे और सैयारों की इरकत न्यूटन के बताये क्रानून के मताबिक मानते थे. कहने की जुरूरत नहीं कि बीसबी सदी के हारू होते होते जगदीश चद्र बसु ने यह साबित कर दिया था कि पेड़ पीओं में भी हमारे जैसी जान और तमीज होती है. हेनरी बैकरल ने यह साबित कर दिया था कि ऐटम छिन्त मिन्न किया जा सकता है और यह बुनियादी इकाई हरमिष नहीं है. और आइन्सटाइन ने यह साबित कर दिया था कि आध्यमानी बीजों की हरकत कोई आम दंग से, न्यूटन के चतुकों पर नहीं होती. हमारे कहने का मतलब यह है कि क्लीसबीं सदी दुनिया के इतिहास में सब से जियादा माद्दा पसंद और माद्दा परस्त थी-कोई अचरज की बात नहीं कि इसी सदी ने माली व इन्सानी दायरे में माद्दे के अलमक्लीर कार्ल मार्क्स को भी खड़ा कर दिया. इम यहां यह भी षतादें कि मार्क्स खद चेले थे फोयर गल के जो सोलह जाने माद्देवादी या माटीवादी किलासकर था. मार्स्स का कहना है-

"मेरे लिये तो चादर्श नाम की चीज इस 'माद्दी दुनिया' के चलावा कुछ भी नहीं है. यह माद्दी दुनिया वही है जो इन्सानी दिमारा से खाहिर होती है चौर तरह तरह के विचारों की शक्त लेती है."

ज़ाहिर है कि चेतन को मानने वाले को यह विचार किसी तरह भी मन्जूर नहीं हो सकता.

$$\times$$
 \times \times \times

हमने उपर कहा है कि उन्नीसवीं सदी के विज्ञानी बसूली किने को जगदीश चन्द्र बसु, हैनरी वैकरल और बाइन्सटाइन ने ढा दिया. उसी तरह से मार्क्स बौर केनिन के माली उसूली किले को टाल्सटाय चौर गांघी ने ढा दिया. और कम्यूनिजम के बराबर में सर्वोदय का विचार पेश किया और इस पर अमल कर के इसे पायदार बनाया. बेकिन जिस तरह से मोटे कामों में साइन्स में न्यूटन भीर कांब्रुआजिये वरौरा के चसूल वरते जाते हैं, उसी तरह से शास करदाव में कम्यूनिज्म के उसूल की गुँजायश बनी है और इसेशा बनी रहेंगी. लेकिन उसका कीन सा पहलू? कही कि कामीर रारीव के बीच की दीवारें टूटें. यहां यह मी कह देने की पारुरत है कि दुनिया में महज सर्वोदय कौर कन्युनिजम की टकर तो ऐसी बात नहीं है, बहिक कम्बनिजम के शिकाफ प्रजीबाद, नाजीवाद वरौरा दूसरी वाकरों भी भी जिनसे उनको मोर्चा लेना था भौर है. जहां तक सर्वोदय की बात है वह इन पूंजी भीर दूसरे वादों

کا لکیجھ نہیں' بلکہ ماں اور بچے کے بینے دودھ کی خاطر آرنوک مقابلے موں بچے کی جیت کا تعیجہ ہے!

اسي سے فونوں میں ایک اور نیا قرق پیدا هوجاتا هے۔ سویکٹی یا قرد اور سماج کا . کمیونسٹ کے لئے ویکٹی کی کوئی هستی نہیں ہے' وہ تو ایک ورگ یا درچے یا مشین کا پرزہ ہے . ویکٹی آیا اور گیا' لیکن اصل اور قائم سماج کے وکام کا راستہ محصل ایک درچے کا دوسرے کو سماج کے وکام کا راستہ محصل ایک درچے کا دوسرے کو میا کر آئے پوھلا ہے . اب تک کے انہاس میں متبی بھر مالدار لوگ لکوکھا فریجوں کو دباتے رہے . اب جب فریجوں میں عقل آگئی ہے تو وہ یہ چیز برداشت نہ کر کے سماج کا قمانچا بدل دینگہ' فریب امیر کا فرق نہیں رهیکا اور سب لوگ مزے سے اپنی زندگی گذار سکھلگے .

اس سلسلے کورجاری رکھتے ھوئے کمیونسٹ بھائی کہتے ھیں کہ انسان کا اب تک کا سارا انہاس اُن کے اس خھال کی کوائی الگ اهمیت نہیں ھے' وہ سماجی مشین کا پرزہ بنا ھوا ھے اور اس مشین کا قعفک ایک طیشدہ بات ہے انسان چاھے یا نه چاھے سماج اُس طرف بڑھ رھا ھے ۔ '' مقابلے'' کے طریقے سے اس کا بڑھنا لکانار جاری ھے اور جاری رھیکا ۔ سماج کا یہ راستہ بدلایا تالا نہیں جاسکتا ۔ اسی کو کمیونسٹ بھاشا میں Determinism یمنی ھو چکا پی کہا جاتا ھے' یعلی سماج کا راستہ مقرریا طے ھو چکا ھے' یہ بدستور جاری دھیکا ۔

ھم نے اوپر کہا ہے کہ کمھونزم وچار کو کاول مارکس نامی گیان وان هستی نے جاندار بنانے کا کام کیا ۔ برسوں کی پوهائی اور سر کهپائی کے بعد وہ اس نتیجے پر پہونتھے نہے که دنیا کا اتہاس ورگوں یا درجوں کے آپسی مقابلہ کی کہانی ہے ار اس کی جو کوئی خدا یا پرماتیا یا باھری شعقی نہیں بلکه ہے جاندار مادہ ہے جو هدیشه ممهشة سے هيرها هيجب جاندار چيز کا نام بهينهيس تها . ماركس اليسوس مدى (1883-1818) كي رهله واله تھے ۔ یہ وهی مدی هے جب کوئلہ ' بہاپ اور بعد میں بجلی نے آن ہونی چیویں کر دکھاٹی تھیں' سائلس یا وكيان كا ستاره بلغد تها ورب خوب مالا مال هو رها تها اور پیسے بیا مادے کا بول بالاتھا ۔ اُنھیں دنوں میں قاروں نامک سافلسداں هوئے جلهوں نے یہ کهوچ کی که انسان کا جلم کسی خاص طاقت سے نہیں ہوا بلکہ انسان سے بہلے آئی دوئی چھزوں کی آیسی ٹکر یا مقابلے کے الله آب سے آپ مولیا، جس نتیجے پر مارکس مالی نکاہ سے

हा नतीजा नहीं, बहिक मां और बच्चे के बीच तूच की प्रातिर आर्थिक मुकाबले में बच्चे की जीत का नतीजा है!

इसी से दोनों में एक और नया फक्ष पैदा हो जाता - अविक या फर्च और समाज का कम्यूनिस्ट के लिये ग्यिक्त की कोई हस्ती नहीं हैं, वह तो एक वर्ग या दर्जे या मशीन का पुर्ज़ है. व्यक्ति आया और गया, लेकिन असल और क्षायम चीज़ समाज है, समाज की ही हस्ती क्ष्मी रहती हैं. और समाज के विकास का रास्ता महज़ एक दर्जों का दूसरे को दवा कर आगे बदना है. अब तक के इतिहास में मुट्ठी मर मालदार लोग लख्खा ग़रीबों को द्वाते रहे. अब जब ग़रीबों में अक्षल आ गई है तो वह यह चीज़ बर्दाश्त न कर के समाज का ढांचा बदल देंगे, ग़रीब अमीर का फक्ष नहीं रहेगा और सब लोग मजे से अपनी ज़िन्दगी गुज़ार सकेंगे.

इस सिलसिले को जारी रखते हुए कम्यूनिस्ट माई कहते हैं कि इन्सान का अब तक का सारा इतिहास उनके इस खयाल की गवाड़ी देता है. इन्सान की कोई अलग खहिमयत नहीं है, वह समाजी मशीन का पुज़ी बना हुआ है और इस मशीन का ढंग एक ते शुदा बाद है. इन्सान चाहे या न चाहे समाज उस तरफ बढ़ रहा है. "मुक़ाबले" के तरीक़ से उसका बढ़ना लगातार जारी है और जारी रहेगा. समाज का यह रास्ता बदला या टाला नहीं जा सकता. इसी को कन्यूनिस्ट भाशा में Determinism यानी होचुकापन कहा जाता है, यानी समाज का यह रास्ता मुक़रर या ते हो चुका है, यह बदस्तूर जारी रहेगा.

इसने ऊपर कहा है कि कम्यूनिज्म विचार का काले मार्क्स नामी झान वान हस्ती ने जानदार बनाने का काम किया. बरसों की पढ़ाई और सर खपाई के बाद वह इस सतीजे पर पहुँचे थे कि दुनिया का इतिहास वर्गी या दर्जी के आपती मुकाबले की कहानी है, और उसकी जड़ कोई खादा या परमात्मा या बाहरी शक्ति नहीं बल्कि वे जानदार माद्वा है जो हमशा हमेशा से ही रहा है जब जानदार चीज का नाम भी नहीं था. मार्क्स उन्नीसवीं सदी (1818-1883) के रहने वाले थे. यह वही सदी है जब कोयला, भाप और बाद में बिजली ने अन होनी. चीजें कर दिखाई थीं, साहरस या विज्ञान का सितारा बुलन्द था, योरप खुब मासामास हो रहा था और पैसे या माद्दे का बोस बोला था. उन्हीं दिनों में डार्विन नामक साइन्सदां हुए जिन्होंने यह खोज की कि इन्सान का जन्म किसी खास हाक्रत से नहीं हुआ बल्कि इन्सान से पहले आई हुई की की आपसी टक्षर या मुक्ताबले के कारन आप से कार्य हो गया. जिस नतीजे पर मार्क्स माली निगाह से

ور وہ اللہ فرسون کے جان لیوا یا بعدجا اللہ اللہ میں ۔ یا فرسوں میں بیالہائے یا سائلے کی کوشش کرتے جیں ۔ الا انتہجہ ہے کہ همیں من کو هر لیلے والا واک سائلے مائلا ہے ۔ اگر سروں میں یہ بنیادی میل یا تال نہ نا تو واک بنا ناممکن تھا ، اسی طوح اس ساری یا کے واس کا مہل یا تال ہے ۔

اوپر کہی ہات سے فوراً ہی دوسرا سوال یہ پیدا ہوتا کہ آخر اس وکاس کی جو کیا ہے ۔ اس سب کی بنیاد میں کوئی جان دار جہو ہے یا ہے جان دار مادہ ہے ، ہم سروردے اور کمہونوم کے دوسرے فرق پر آ پہونتھے . ہواست بھائی کہتے میں کہ سارے وکاس کی جو جو ہے ، لئی کوئی جاندار جین نہ ہوکر ہے جان دار مادہ ہی و چہز توں ہی نہیں کہ عزاروں لاکھوں برس پہلے جان و چہز توں ہی نہیں ، ہاندار مادہ ہی مادہ تھا سے نے آئے چل کو جاندار جیو کی شکل لے لی . جان دار مادہ ہی ہے ، جاندار مادے ہی و کی جاندار مادے ہی وکاس ہو کر جاندار جیو آئے اور اسی بے جاندار مادے کی ہو اپنے خاص خاص قعلگوں اور شکلوں اور مادے کی ہو اپنے خاص خاص قعلگوں اور شکلوں ہی طاہر ہوتا رہنا ہے .

لهکن سروردے وجار کے مطابق سارے وکاس کی جو بو نہ ھوکو چھتی یا جاندار چھڑ ھے ۔ سارے مادے یا بو پدارتھ کا جلم چیتن سے ھی ھے' یا اگر چھتی نہ ھو بجو کا پتم ھرگز نہیں چل سکتا ۔ یہ چھتی ھی بھون ھے' یہی ستیہ ھے ۔ ستیہ ھی اتل چھڑ یا اصول ہے ۔ یہ ستیہ یا آنما سب میں ایک سی رعتی ھے اور مھتی رھتی ھے ، بائی سارے روپ یا مادے اسی ستیہ ہے پھدا ھیں ۔ اس ستیہ کی خوبی یہ ھے کہ گو یہ ستیہ با آنما سب میں رھتا ھے پھر بھی اس کی مھڑ نہیں ھو نہیں ھوتی' اکثر تو زندگی بھر اِس کی تمیز نہیں سویائی ۔

اسی چهز کو لے کو سروودئی اور کمیونست میں آتما ور میں کا بھید ہے ، کمھونست آتما کو نہیں مانگا' من matter) کو مانگا ہے ' سروودئی میں کو نہیں مانگا' فیا کو مانگا ہے ۔ اسی وجه سے کمھونست ' دھرم ' نام جوز میں یتین نہیں رکھتے اور آتما' پرماتما' رام' میرز' الله' خدا' چھوا' گا ہے سب کے سب کو یه میرز' الله' خدا' چھوا' گا ہے سب کے سب کو یه میرز کی آتما کرتے کے لئے گوھ رکھے ھیں۔ سروودئی کو جو چیز مذھبی میں کو یہ انسان نے ایکا مطلب کی میں موردئی کو جو چیز مذھبی کی اسکورس ہوتی ہے کمیونست کی سلکھوش کا نتیجہ مانگا ہے ۔ اُن

बेकिन वह एक दूसरे के सानवीना का विश्वासास न हो इस वह दूसरे में बैठने था सहते की क्षेत्रिया करते हैं. इसी का नतीजा है. कि हमें मन को हर तेने वाला राग सुनने को मिलता है. जगर सुरों में यह बुनियादी मेल या ताल न होता तो राग बनना नामुमकिन था. इसी तरह इस सारी दुनिया के विकास का मेल या ताल है.

अपर कही बात से कौरन ही दूसरा सवाल यह पैदा होता है कि आंखिर इस विकास की जड़ क्या है. इस सब की बुनियाद में कोई जानदार चीज है या बेजानदार माद्दा है. अब हम सर्वोद्य और कम्यूनिजम के दूसरे फक्क पर आ पहुँचे. कम्यूनिस्ट माई कहते हैं कि सारे बिकास की जड़ जड़ है, यानी कोई जानदार चीज न हो कर बेजानदार माद्दा ही जड़ है. वह बताते हैं कि हजारों साओं बरस पहले जानदार चीज थी ही नहीं, बेजानदार माद्दा ही माद्दा था जिसने आगे चल कर जानदार जीव की शक्त ले ली. बुन्तदार जीव या जीवन की मां बेजानदार माद्दा ही है. बे जानदार माद्दे से विकास हो कर जानदार जीव आए और इसी तरह हजरत इन्सान आए. यह सब का सब करिशमा वे जानदार माद्दे का है जो अपने खास खास ढंगों और शक्तों में जाहिर होता रहता है.

लेकिन सर्वोद्य विचार के मुताबिक सारे विकास की जड़ जड़ न होकर चेतन या जानदार चीज़ है. सारे माद्दे या जड़ पदार्थ का जन्म चेतन से ही है, या अगर चेतन न हो तो जड़ का पता हरगिज़ नहीं चल सकता. यह चेतन ही जीवन है, यही सस्य है. सस्य ही अटल चीज़ या उसूल है. यह सस्य या आत्मा सब में एकसी रहता है और हमेशा रहती है. बाक़ी सारे रूप या माद्दे इसी सस्य से पैदा हैं. इस सस्य की जूबी यह है कि गो यह सत्य या आत्मा सब में रहता है फिर भी इस की तमीज़ नहीं होती, अकसर तो जिन्दगी भर इस की तमीज़ नहीं हो पाती.

इसी बीज को लेकर सर्वोदयी और कम्युनिस्ट में बास्मा और मन का भेद हैं. कम्युनिस्ट आस्मा को नहीं मानता, मन (matter) को मानता है, सर्वोदयी मन को नहीं मानता, आत्मा को मानता है. इसी वजह से कम्युनिस्ट 'धर्म' नाम की चीज में यक्तीन नहीं रखते और बास्मा, परमास्मा, राम, ईश्वर, अलाह, खुदा, जेहुआ, गाड—सब के सब को यह होंग या ढकोसला मानते हैं को इम्यान ने अपना मतलब हल करने के लिये गढ़ रख है. सर्वोदयी को जो चीज मजहबी या धार्मिक, रहानी बा आत्मिक महसूस होती है, कम्युनिस्ट उसे महज आविक संघर्ग का नतीजा मानता है. इनके मुताबिक मां

الله الهو هُمْ عَلَى الله الله عليه ولسك يه مالك هيل كه هلها لكاتار وكاس كي طرف يوه رهي هي. يه يات سررودڻي بھی منظور کیلگے ، لیکن ہوا سوال یہ ہے کہ یہ ' و^{یا}س' کس طور هو رها هے . مان لینجلے الدآباد کے دشہرے کے موقعے یہ رات کے چار بھے چوک میں چوکیاں دیکولم کے لئے بھور لکی ہے ، یہ بھھر لکاتار چائمان ہے ، کوئی نھا آدمي أب ديكهكنے يهني الله على ولا بهيم مربر كهسے كا أور رأسته بدائے کا یعنی ہوئے کا ، مکر ہوھنے کے دو طریقے هيني. ايک تو په که وه هوا پر سوار هے، دائين پائين، آکے پہنچھے سب پر اللهی یا دوسری کسی چھڑ سے وار کرتا هر وهول دهار اودهم مجاتا هوا جو آيا أسر فهاتا هوا جا جا رما هے اور اس طرح بوھ رها هے دوسرا طریقه یه هے که وہ ذرا دھیسے چلے کا دائیں بائیں اگے پیچے پہار سے بهائي بندون سے کہے کا --- ادر مجھے بھی جگه تهوری سی دیدیجئے' میں بھی دوشن کر لوں ." وہ نه کسی پر هاته أَتِّهَانَا هِم نَهُ بِهِا بِوا كَيْمًا هِم ، أور الرَّاسِ بيني يهير مهي ولا پس بھی گھا تب بھی وأم كا نام لے كر صبر كرلے كا ية نههن که آیے سے باہر هوکر' آو دیکھے نہ تاو اور آگے ہوہ ہی جائے ، اُسے درشن هوگئے تو بھلا' نه هوگئے تو بھلا .

هنارے کمیونست بھائیوں کا یتین ہے کہ دنیا میں ' وکاس ' کا پہلا والا طریقہ کام کر رہا ہے . دشہرے کے میلے کی مثال لیں۔ اُن کا کہنا ہے کہ سب آدمی ایک دوسرے کے دشمن بھیں یا اُن میں چھیوٹے ہوے ایسے ورگ یا دوچے بین گئے بھیں کہ ایک دوجہ دوسرے کے خون کا بیاسا ہے' ایک دوسرے کو دیکھنا برداشت نہیں کر سکتاً اِن درجوں میں ہمیشہ ہی '' مقابلہ ' یا '' سٹکھرش '' متیا ہوا ہے اور ایک دوسرے کو چت کرنے کی کوشش میں بھی اور ایک دوسرے کو چت کرنے کی کوشش میں بھی ، اسی طرح سے' اُن بھائیوں کا کہنا ہے' دنیا بوہ رہی ہے ۔ چھیوں میں بنیادی طور سے آیسی تنا تنی تکر ہے ، اُن ورودھی چھیوں میں مقابلہ ہر وتت گرو ہے ۔

اس کے خلاف سروودئی کا یہ وجار ہے کہ سب آدمی ایک درسرے کے دشین نہیں بھائی بھائی ھیں' کو یہ فیرور ہے کہ اُن کے رھن سپن میں اتفا قرق ہے کہ وہ الگ الگ ورگ یا درجے کے جھسے لکتے ھیں لیکن یہ ایک فوسرے کے دشین بقیادی طور پر نہیں ھیں ایک درسرے کا گا دیا کریہ مورتی کے درشن نہیں کرنا چاھتے' بلکہ محصیت کے ساتھ' ایک درسرے کی سویدھا کے خیال کے ساتھ' ایک درسرے کی سویدھا کے خیال کے ساتھ' ایک درسرے کی سویدھا کے خیال کے ساتھ سلسلہ ہے، وہ کیسا ؟ جیسا کہ سنگھت میں بھوتا ہے ، سب سر الگ انگ رنگ کے ھوتے ھیں ھوتا ہے ، سب سر الگ انگ رنگ کے ھوتے ھیں

अपर इसने कहा है कि कम्यूनिस्ट वह मानते हैं कि या लगावार विकास की तरफ वह रही है. यह बात दियी भी मंदार करेंगे. लेकिन बड़ा सवाल यह है कि 'बिकास' किस तरह हो रहा है. मान लीजिये ।हाबाद के दशहरे के मौक़े पर रात के चार बजे चौक में क्यां देखने के लिये भीड़ लगी है. यह भीड़ लगातार ायमान है. कोई नया आदमी अब देखने पहुँचता है. भीइ में घुसेगा और रास्ता बनायेगा यानी बढेगा. र बढ़ने के दो तरीक़ हैं. एक तो यह कि वह हवा पर गर है, दायें बायें, आगे-पीछे सब पर लाठी या दूसरी खी चीज से बार करता है, धुं माँचार ऊधम मचाता गा, जो भाया उसे दबाता हुआ बला जा रहा है और । सरह बढ़ रहा है. दूसरा तरीक़ा यह है कि वह जरा मे चतिगा, दार्ये-वार्ये, आगे-पीछे प्यार से माई बंदों से गा-"मुके भी जगह थोड़ी सी दे दीजिये, मैं भी र्ीन कर लुं.'' वह न किसी पर दाथ उठाता है न भला-त कहता है. और अगर इस बीच भीड़ में वह पिस । गया तब भी राम का नाम लेकर सबर कर लेगा, यह **हैं कि आ**पे से बाहर होकर, आव देखे न ताव और गो पढ़ ही जाये. इसे दर्शन हो गये हो भला, न हो गये

इमारे कम्यूनिस्ट भाइयों का यक्नीन है कि दुनिया में विकास' का पहला वाका तरीका काम कर रहा है. शाहरे के मेले की मिसाल लें—उनका कहना है कि सब गढ़मी एक दूसरे के दुशमन हैं या उनमें क्षोटे बड़े ऐसे मां या दर्जे बन गये हैं कि एक दर्जा दूसरे के खून का प्यासा , एक दूसरे को देखना बद्दारत नहीं कर सकता. इन दर्जों में मिशा ही "मुकाबला" या "संघरी" मचा हुआ है और सक दूसरे को चित्त करने की कोशिश में हैं. इसी तरह से, जि साइयों का कहना है, दुनिया बढ़ रही है. चीजों में हिन्सादी तौर से आपसी तनातनी है. जो वाक्रयत होते हैं इनमें बुनियादी तौर से आपसी टक्कर है. इन विरोधी विशों में मुकाबला हर वक्षत जारी है.

इसके सिलाफ सर्वोदयी का यह विचार है कि सब आदमी एक दूसरे के दुशमन नहीं भाई माई हैं, गो यह प्रकर है कि बन के रहन-सहन में इतबा फर्क है कि वह अलग अलग बर्ग या दर्जे के जैसे लगते हैं. लेकिन यह एक दूसरे के दुशमन बुनियादी तौर पर नहीं हैं. एक दूसरे का गलर दवा कर यह मूर्ति के दर्शन नहीं करना चाहते, बल्कि मुह्ब्बत के साथ, एक दूसरे की सुविधा के खयाल के साथ—दर्शन करना चाहते हैं. इस सारे आलम के पीड़े एक सिलसिका है. वह कैसा? जैसा कि श्विष्या को सोना या जाराम नसीय नहीं होता. से किन इस पर भी सुबह को जब वह एठती है तो पिछली रात से गई गुज़री हालत एसकी होती है. हाकों करोड़ों को तो मानो हर दम रात है, हर दम जागरन करना है. यह पक बहुत ही दर्व भरी हालत है जो बयान के बाहर है जोर किसका जन्दाज़ अनुभव करने पर ही मिल सकता है. मैंने देखा कि दुखी प्रानियों के दिल को कवीर के एक अजन से दिलासा दिला सकना नासुमिकन है. मूके पेट को तो बस एक अजन चाहिये—जानदार रोटी. जीर यह रोटी एन्हें खेरात में नहीं मिल सकती, बल्क कम्हें जपनी कमाई से पानी चाहिये. और कमाई तभी कर सकेंगे जब सर का पसीना एकी तक बहा हैंगे."

इससे ज़ियादा किसी का दिल दूसरों के लिये क्या तहप सकता है? ऐसा दिल कब ऊंच-नीच या अमीर ग्रांच के मोंडे कर्क बदीरत कर सकता है? इसी बजह से गांघी जी ने अपने खयास को 'सर्वोदय' नाम से ज़ाहिर किया. सर्वोदय माने सब का उदय, सब का उरूज, सब की तर्की, सब की बेहतरी—सब की, चाहे वह राजा हो या रंक, ज़र्मीदार हो या किसान, पूंजीपति हो या मज़दूर, माझन हो या मंगी, कैसा ही क्यों न हो. और बेहतरी—महज़ रूपये-पैसे पा लेना नहीं, बिक्क जिस्म की, दिमाग्र की, चाल चलन की, आत्मा या रूह की, सार जीवन की, जीवन के हर छोटे से छोटे और बड़े से बड़े पहलू की—हर तरह से बेहतरी.

कम्यूनिस्ट भी अमीर रारीष के बीच की दीवार को तबाहकुन और समाज के लिये घातक मानते हैं. उनका यह बुनियादी खयाज़ है कि यह दीवारें एक दम गिरा देनी चाहियें और जब तक आपस में भेद-भाव रहेगा इन्सानी इस्ती को अमन चैन नहीं मिल सकता.

सर्वोद्य धौर कम्यूनिजम में दूसरी चीज़ जो एक सी है वह चस्ती पहलू से वास्ता रखती है. वह यह कि यह सारी स्टिंट या कायनात एक मिली जुली चीज़ है, एक इकाई की तरह है. इसमें जो घटनायें भीर वातें होती हैं उनका असर एक दूसरे पर, सारी दुनिया पर पड़ता है. साब ही साथ, यह दुनिया कोई उस हालत में नहीं है बिल्क लगावार चलायमान है जिसमें भाने-जाने या जोने-मरने का मेला हर दम लगा रहता है. इसके अलावा एक बात यह भी है कि दुनिया जो लगातार चलती है तो विकास या तरककी की तरफ, नीचाई से जंबाई की तरफ चलती है!

* × × × × जन हम दोनों के स्युक्ती कर्क को कें.

وران کو سونا یا آرام فصیحب نہیں ہوتا الیکی اس پر کئی سیم کو جب رہ آلھتی ہے تو پنچھلی راس سے گئی گؤری حالت آسکی ہوتی ہے الانہوں کروڑوں کو تو ماتو ہو دم رات ہے ، مردم جائرن کرنا ہے ، یہ ایک بہمت ہی درد پہری حالت ہے جو بیان کے باہر ہے اور جس کا آنداز پرانیوں کرتے پر ہی مل سکتا ہے ، میں نے دیکھا که دکھی پرانیوں کرل کو کیمرکے آیک بہنچن سے دلاسا دلاسکفا ناممکی پرانیوں کرل کو کیمرکے آیک بہنچن سے دلاسا دلاسکفا ناممکی ہیں ۔ بور کے پیت کو تو بس ایک بہنچن چاھئے — جاندار ورثی انہیں خیرات میں نہیں مل سکتی بیٹکتہ آنہیں ایکی کمائی سے بانی جاھئے ، اور کمائی تبھی کر جاھئے جب سرکا پسیفا ایری تک بہا دینگے ."

اس سے زیادہ کسی کا دل درسروں کے لئے کہا توپ سکتا فرق ہوں اللہ اونے نہی یا امہر فریب کے بھونڈے فرق ہوداشت کر سکتا ہے ؟ اسی وجہ سے گندھی جی نے اپنے شہال کو ' سروودے ' نام سے ظاهر گیا ۔ سروودے معلے سب کا آدے ' سب کا عروج' سب کی ترقی' سب کی بھتری — سب کی' چاہے وہ راجہ ھو یا رنک' زمیندار ھو یا کسان' پونجی یعی ھو یا مزدور' براھمن ھو یا مودور' براھمن ھو یا پہلکی' کیسا ھی کھوں نہ ھو ۔ اور بہتری — محصل پونے پھسے پالینا نہیں' بلکہ جسم کی' دمائے کی' جال چھوٹے سے جھوٹے سے جھوٹے اور بڑے سے بڑے پہلو کی — ھر طرح جھوٹے سے جھوٹے اور بڑے سے بڑے پہلو کی — ھر طرح جھوٹے سے جھوٹے اور بڑے سے بڑے پہلو کی — ھر طرح جھوٹے سے جھوٹے اور بڑے سے بڑے پہلو کی — ھر طرح

کمھونست بھی امیر فریب کے بیچے کی دیوار کو تباہ کی آور سماچ کے لئے گھانک مانتے ھیں۔ ان کا یہ بقیادی خُمال ہے کہ یہ دیواریں ایک دم کرا دیڈی چاھئیں اور خُمال ہے کہ یہ دیواریں ایک دم کرا دیڈی چاھئیں اور خُمال ہے کہ آپس میں بھید بھاؤ رہے کا انسانی ھستی کو اُسُن چین نہیں مل سکتا ۔

سروودے اور کمیونوم میں دوسری چیوز جو ایک سی

وہ اصولی پہلو سے واسطہ رکھتی ہے . وہ یہ ہے کہ یہ ساری

سرقگی یا کائلات ایک ملی جلی چیوز ہے ایک اکائی
کی طوح ہے . اس میں جو گھٹلائیں اور بانیں ہوتی

ھیں اُن کا اثر ایک دوسرے پر' ساری دنیا پر پوتا ہے .

ساتھ ھی ساتھ' یہ دنیا کوئی تیس حالت میں نہیں ہے

پلکہ لگاتار چائے مان ہے جس میں آنے جائے یا جیئے

پلیک گاتار چائے مان ہے جس میں آنے جائے یا جیئے

پلیک گاتار چائے مان ہے جس میں آنے جائے یا جیئے

پلیک کا میلا ہو دم لاا رہتا ہے ۔ اِسکے علوہ ایک بات یہ

پلیک طرف نیچائی سے اونجائی کی طرف چلتی ہے !

× × ×

آب هم دونوں کے اصولی فرق کو لیں ۔

×

क्रं नहीं है, सिर्फ साथन पर जोर अंसग असग है. धिवाद का आधार अहिंसा है और कम्यूनिस्ट किसी उस साथन पर इसरार नहीं करते. मोटे तौर पर इस जि को लोग इस तरह ज़ाहिर करते हैं—

कम्यूनिषम—अहिंसा = गांधीवाद.....(1) हशोरतात भाई की किताब का मकसद यही है कि यह व्यर्स्त गतत-कहमी दूर हो. मनचते तोग तो यहां तक इते हैं जिसकी मुराद यह है.

गांधीवाद—महिंसा = कम्यूनिजम....(2) शितर इसके कि हम दोनों चसुलों की गहराई पर ग़ीर करें हम यह कह देना चाहते हैं कि ऊपर के दोनों हिसाब सरासर रालत हैं. दूसर की एक शकत यह भले हो सकती हैं—

गांधीबीद-अहिंसा = 0.....(3) और पहले की यह है---

x x x x

सर्वोदय और कम्यूनिजम के कर्क पर गौर करने के पहले हम यह बतादें कि दोनों में कहां तक बातें एक सी हैं. सब से पहली चीज़ जो इमें दोनों में बराबर मिलती हैं वह है गरीब या दीन दुखी के लिये दर्द. गरीब और अमीर के बीच जा आज ज्वरदस्त दीवार खड़ी हैं और समीर जो गरीब का शोशन दिन दूने रात चीगने जाने-अनजाने करता है यह बात न कम्यूनिस्टों को गवारा है न सर्वोदयी को. गांधी जो ने 1946 ने कहा था—

हिन्दुस्तान की दर्द नाक ग़रीबी के बारे में विखते हुए
1921 में गांधी जी ने विखा था—

"हिन्दुस्तानी आसमान के नीचे रहने वासी इन्सानी

فرق تہمی ہے' صرف سادمی پر زور الگ الگ ہے۔ گاندھی ہر آواد کا آدھار اھنسا ہے اور کمیونسٹ کسی خاص سادھی پر اُساور نہیں کرتے ، موتے طور پر اس چیز کو لوگ اُس طرح طاهر کرتے ھیں —

The state of the s

کمہونوم-اہلسا ہ گاندھی واد (1) کشور قال بھائی کی کتاب کا مقصد یہی ہے کہ یہ زبردست فلط فہمی دور ھو ، منجلے لوگ تو یہاں تک کہتے ھیں جس کی مراد یہ ہے۔۔۔

گندھی راد — اهنسات کمہونزم (2) پیشتر اسکے که هم دونوں اصولوں کی گہرائی پر غور کویں هم یه کہ دینا جاهتے هیں که اربر کے دونوں حساب سراسر فلط هیں . دوسرے کی ایک شکل یہ بہلے هوسکتی ہے۔۔۔

كاندهى واد — أهنسا = 0 . . . (3) أرر يهلے كي مع — مع م

گاندھی واد + اھنسا $= \times ($ ہے معنے) ... (4) چوتھے اور بھلے حسابوں سے عی یہ صاف ھرجاتا ھے که گاندھیواں یا سرورد = (آئے ھم سروود = (نظ کا عی استعمال کرینگے کھونکہ اصل میں گاندھی جی کی ھستی کو گاندھی واد کے کھھرے میں نہیں یاندھ کو رکھا جا سکتا) اور کمھونؤم میں کتنا ہوا اور کھا تک کا فرق ھے .

سروودے اور کمیونزم کے فرق پر غور کرنے کے پہلے ہم آیہ بھا دیں کہ دونوں میں کہاں تک باتھیں ایک سی ہیں . سب سے پہلی چھڑ جو ہمیں دونوں میں برابر ملتی ہے وہ ہے فریب یا دین دکھی کے لئے درد . فریب اور امهر کے بھی جو آج زبردست دیوار کھڑی ہے اور امهر جو فریب کا شوشن دن دوئے رات چوگئے جائے انجائے کرتا ہے یہ بات نہ کمیونسٹوں کو گوارا ہے نہ سروردشی کو . گاندھی جی نے 1946 میں کہا تھا ۔۔۔

" ورگ ورگ میں اور جنتا میں' واجع میں اور رنک میں جو حیرت ناک بھید ہے آئے جائز تھہوانا یا یہ کہنا که واجہ کی فرورت ھی زیادہ کے لئے ہے بھکار کی دلیل ہے اور میری بات کا مذاتی آزانا ہے آج جو امیر غریب میں فرق ہے اُس سے میرے دل کو بھاری چوت نگتی ہے ودیشی سرکار اور ایھ شہر کے بھائی بندھو مل کو غریب دیہاتیوں کا آج شوشن کو رہے ھیں یہ کینا شرمفاک ہے ؟''

ہلدہ تان کی درد ناک فریدی کے بارے میں الکہتے ۔ برئے 1921 میں کاندھی جی نے لکھا تھا —

الا هندستانی آسمان کے نہدے رهنے والی انسانی

कम्यूनिकाम से इमारे यहां के लोग बहुत कम बाक्रिक हैं, लेकिन कम्यूनिस्ट के बारे में यह खयाल कम गया है कि यह बाक्रई कुछ कर सकते बालों की टोली है और— क्योंकि रूस व चीन के नक्षशे आंखों के सामने आते ही हैं—यह लोग सचमुच हालत में तबवीली ला सकते हैं.

TABLE SHAPEN IN THE WITH THE PARTY OF THE PA

कहने की पासरत नहीं कि जिन महात्मा गांधी ने हिन्दुस्तान में तूफान मना दिया, श्रंप्रेजी हुकूमत जैसी ताक्रतवर दुक्मत के खक्के खुड़ा दिये और दुनिया के सामने पशुबल या ऋहिंसा के मुक़ाबले भारम बल या ऋहिंसा का मंड़ा खड़ा कर के दिखा दिया, उनके चलाये 'सर्वेदय' पर तो उनके देश वासियों को आप से आप श्रद्धा पैदा होती है. लेकिन आज जिसे देखिये वही 'सर्वोदय' का नारा लगा रहा है-क्या कांग्रेस, क्या किसान मजदूर प्रजा पारटी, क्या सोशितस्ट, क्या जन संधी—सभी इसका दम भरते हैं. यही नहीं, कभी कभी तो कम्यूनिस्ट भी अपने को सर्वोदय का हामी कहते हैं. नतीजा यह है कि कोई साफ तस्वीर लोगों के सामने नहीं है कि आखिर सर्वोदय क्या है या गांधी जी क्या चाहते थे भीर कम्यूनिस्ट क्या चाहते हैं या कम्यूनिजम क्या है. खुशी की बात है कि यह तसबीर बहुत संकाई और खूबसूरती के साथ हाल ही में श्री किशोरलाक मशहवालां ने अपनी किवाब 'गांधी ऐन्ड मार्क्स' में पेश की है और जो हिन्दी गुजराती में 'गांघी **भौर साम्याबाद' क्ष नाम से निकली हैं. ऊपर से सोने में** सुहागा यह कि इस किताब की भूमिका आचार्य विनोबा ने लिखी है. पूरी किताब में किशोरलास माई के लिखे 56 सफ़ो हैं, 34 विनोबा जी के लिखे और बाक़ी 18 सफ़ो अपैनढिक्स के हैं जिनमें किशोरवाल भाई और गांधी जी के सेक्रेटरी प्यारे लाल भाई के चार लेख हैं जो गांघी जी के सामने छप चुके थे. इस तरह हम इस किताब को विनोबा जी भौर किशोरलाल भाई दोनों 🕏 विचारों का इजहार मानते हैं, जिन्हों ने मिलकर हमेशा के लिये एक इमारत खड़ी करवी है. बाज इस वक्षत जहां तक हमारी जानकारी है हमारे देश में इन दोनों महारथियों के मकाबले गांधी जी को जियादा समभने चौर उनकी राह पर देहतर चलने वाले दूसरे क्षोग नहीं हैं. इम तो यहां तक कहेंगे कि गांघी जी या गांधीबाद के बारे में जो यह नहीं जानते वह कोई दूसरा नहीं जानता. इस किताब को हम बिनोबा जी घोर किशोरलाल माई की ठोस व बेह्दरीन खेबा का नमूना मानते हैं.

धामतौर से यह कहा जाता है कि क्रम्यूनिजम धौर गांघी जी की बातों में जहां तक मकसद का सवाल है कोई

क यह किताब नवजीबन प्रकारान मंदिर अहमदाबाद ने जानी है, المَهْوَاوَمُ سِي العَمَادِي يَهَالَ كَلَ لُوكَ يَهِمْكُ كَمْ وَأَلْفَ هَانَ لَهُمَّانَ لَهُمَّانَ لَلْمُولِ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ وَأَقَّى اللهُ وَأَقَى لَلْمُولِ لَكُمْ اللهُ عَلَيْهُ وَأَقَى لَمُ اللهُ عَلَيْهُ وَأَقَى هِمْ أُورِ — كَيُونَكُمُ وَوَسَى وَ جَهِينَ كَيْ نَقْشِي آلْكِهُولَ كَيْ سَامِنْ لَا يَكُمُولَ كَيْ سَامِنْ لَا يَكُمُولُ صَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ ا

هندستان میں طوفان محیا دیا' أنگریزی حکومت جهسی طاقتور حکومت کے چھکے چھڑا دیئے اور دنیا کے سامنے یشوبل یا هنسا کے مقابلے آتم بل یا اهنسا کا جهندا کهوا کو کے دکھا دیا' اُن کے چلائے ' سروودے ' پر تو اُن کے يهم واسيون كو آپ سے آپ شردها بيدا هوتي هے . ليكن آیے ہسے دیکھگے وهی' سروودے ' کا نعرہ اگا رہا ہے -- کہا کانگریس، کها کسان مزدور پرجا پارتی، کها سوشلت، کها جن س**نک**ھی --- سبھی اِس کا دم بھرتے ھیں ، یہی نہیں' کیھی کبھی تو کمیونست بھی آیے کو سررودے کا حامی کہتے میں ، نتیجہ یہ ہے که کوئی صاف تصویر لوگوں کے ساملے نہیں ہے که آخر سروودے کیا ہے یا کاندھی جی کیا جاهتے تھے اور کمیونست کیا چاہتے میں یا کمیونزم کہا ہے . خوشی کی بات هے که يه تصوير بہت صفائی أور خوبصورتی کے ساتھ حال ھی مھن شری کشور لال مشرو والا نے اینے کتاب ^و کاندھی اینڈ مارکس ' میں پیش کی ه اور جو هددي كجراتي مين الاندهي اور ساميهواد اله نام سے نعلی ھے ۔ آرپر سے سونے میں سہاکا یہ که اِس كعاب كى بهومهكا آچارية ونوبا نے لكهى هـ ، يورى کتاب میں کشور ال بہائی کے لکیے 56 سنتھے میں' 34 وتوبا جي كے لاءے اور باقي18 منصر ابهندكس كے ههں جن سیں کھور لال بھائی ارز کاندھی جی کے سکریٹری پیارے الل بهائی کے چار لیکھ هیں جو الله هی کے ساملے تهمی چکے تھے ، اس طرح هم اس کتاب کو ونوبا جی اور کشور لال بھائی درنوں کے وچاروں کا اظہار مانعے میں؟ عُمِلُهِوں تے ملکر همهشد کے لیے آیک مدارت کھوی کر دی ھے. آبے اس وقع جہاں تك هماري جانكاري ھے همارے دييس ميس إن دونون - بارتهيون كرمقابل كاندهي جي كو واله دوسريه سمجهد اور أن كي رأه در بهتر چلف واله دوسريه الوف نهیں هیں . هم تو يہاں تک کهيلکے که کاندهی خمی یا کاندهی واد کے بارے میں جو یہ نہیں جانگے وہ الفور لال بهائی کی تهوس و بهترین سیوا کا نمونه امالکے ههی .

صام طور سے یہ کہا جاتا ہے کہ کمیونزم اور گاندھی جی ہے۔ پہانوں میں جہل تک مقصد کا سوال ہے کوئی

ه یه کتاب نوجیون پرکاشن مندر احمدآباد نے جہابی هے ،

ے هو وہ دهوکے کی تکی هے کفاه هے . یہ بات سب لوگ معسوس بھی کرتے هیں اور اس لئے اس تماهی کو دور لوئے کے لئے هیلی روپ سے قدم آتهانا چاهتے هیں . اب سوال یہ هے کہ وہ قدم کیسا اور کیا هو کہ بہت ہوا سوال ہے جس سے هندستان کے لاکھوں کروروں کی هی نہیں بلکہ ساری دنیا کی بہتری کا راسطہ ہے .

ظاهر هے که موجوده سرکار سے کسی کو کوئی آس ذرا می نہیں ہے کہ وہ جلتا کے درد کو دور کرے کی ، لہذا الم پدلک موں سے هی کوئی طاقت أُتهذی هے جو اس طرف کچھ کام کر سکھکی ۔ تھوڑے عرصے سے دو نام وگوں کی زبان پر آنے شروع ہوئے میں -- ایک سروودے ور دوسرا کمهونست. پهلا شدد ایک وچار هے دوسرا یک خاص طرح نے لوگوں کا نام ھے . پہلا شبد مہاتما اندهی کی آیجاد هے دوسرا انگریزی بهاشا کا یون تو بهت رانا شبد م مكر أس مهل جان دالله كا كام ايك نامي جرمن کھان وان آچاریہ نے کھا جو کارل مارکس نام سے سر ام هے . سروردے وچار مہاتما کاندھی نے پیش کھا' اللے هنگ سے پنچاس پنچین برس تک اُس پر عمل کیا اور سکے آدھار پر دکھنی افریقٹ اور ھندستان میں ہوی بوی عكومتوں سے تكويس ليس . هزاروں لاكھوں لوگ إن تكرون بھی شریک هوئے جنهوں نے ہی سے بھی قربانهاں کرکے آیے يدائشي ادهيكار وأيس لئے . كميونست أن لوگوں كا نام ہ جو کمیونزم نام کے اصول میں یقین رکھتے ھیں . یہ عی اصول مے جنس پر کارل مارکس کی نصفحہوں کے طابق عمل کو کے لوگیں نے روس میں 1917 میں عُقاب کیا اور لیڈن نامی بلند هستی نے دنیا میں سب ے پہلی کیھونسٹ حکومت روس میں قائم کی جو آب ال قائم هے . یه وهی اصول هے جس کی روشنی میں کام ر کے آبھی دو برس ھی ہوئے چھن میں ماؤنس نامی ہادر ھتعصیت نے کمیونست سرکار قائم کی اور ہے۔ حال ' د حواس بهكي هوئي جنتا كي كاياً بلت دي . إسي سول کے پھروکار کمیونسٹ بھاٹھوں نے ھندستان میں بھی نگه جگه جفتا کے بیچے احجه سیوا کر کے اینا اثر قائم کیا ہ' خاص کر حددرآباد ریاست کے پوربی حصہ میں جہاں ے ماتر بہاشا تیلگو ہونے کی وجہ سے اُسے تیللگانہ کہا باتا ہے اور جن کا دعوی ہے کہ هم سماج کے اندر سے چهوتے رے اونیے نیچ کے بھید ختم کر کے ایک ورک ھین سماج نانا چآھتے میں جس میں سب کو روثی' کپرا' مکان لے کا اور سب خوشی خوشی رہ سکھلکے ، لیکن کمھونست بالهون کا کام کچھ اُس طرح دور دھرپ کیئے چھپلے کا یا ہے کہ وہ کہل کر کوئی چھنز یا نمونہ هندستان کی بقعا کے آگے تہیں رکھ سکے هیں، یہی وجه فے که

न हो वह धोके की टट्टी है, गुनाइ है. यह बात सब लोग महस्स भी करते हैं और इसकिये इस तबाही को दूर करने के लिये अमली रूप से क़दम खठाना चाहते हैं. अब सबाल यह है कि वह क़दम कैसा और क्या हो. यह बहुत बड़ा सबाल है जिससे हिन्दुस्तान के लाखों करोड़ों की ही नहीं बल्कि सारी दुनिया की बेहतरी का बास्ता है.

जाहिर है कि मौजूदा सरकार से किसी को कोई आस परा भी नहीं है कि वह जनता के दर्द को दूर करेगी. किहाजा आम पबलिक में से ही कोई ताक़त उठनी है जो इस तरफ कुछ काम कर सकेगी. थोड़े अरसे से दो नाम लोगों की जबान पर आने शुरू हुए हैं -- एक सर्वेदिय और दूसरा इम्युनिस्ट. पहला शब्द एक विचार है, दूसरा एक खास तरह के लोगों का नाम है. पहला शब्द महात्मा गांधी की ईजाद है, दूसरा अंग्रेजी भाषा का यूं तो बहुत पुराना शब्द है मगर उसमें जान डालने का काम एक नामी जर्मन ज्ञान-बान बाचार्य ने किया जो कार्ल मार्क्स नाम से सरनाम है. सर्वेदिय विचार महात्मा गांधी ने पेश किया, अपने ढंग से पचास पचपन बरस तक उस पर अमल : किया और वसके आधार पर दक्किनी अफ्रीका और हिन्दुस्तान में बड़ी बड़ी हकूमतों से टकरें लीं. हजारों लाखों लोग इन टकरों में शरीक हुए जिन्होंने बड़ी से बड़ी क़रबानियां कर के अपने पैदायशी अधिकार वापिस लिये. कम्यूनिस्ट इन सोगों का नाम है जो कम्युनिषम नाम के उसूल में यक्तीन रखते हैं. यह वही उसूल है जिस पर कार्ल मार्क्स की नश्रीहतों के मुताबिक अमल करके लोगों ने इस में 1917 में इन्क्रलाव किया और लेनिन नामी बुलन्द इस्ती ने दुनिया में सब से पहली कम्यूनिस्ट हुकूमत रूस में क्रायम की जो अब तक क़ायम हैं. यह वही उसूल है जिसकी रोशनी में काम कर के अभी दो बरस ही हुए चीन में मास्ते नामी बहादुर शखसियत ने कम्यूनिस्ट सरकार कायम की और बेहाल, बदहवास, बहकी हुई जनता की डाया पलट दी. इसी उसल के पैरोकार कम्यूनिस्ट भाइयों ने हिन्दुस्तान में भी जगह जगह जनता के बीच कुछ सेवा कर के अपना असर क़ायम किया है, स्नास कर हैदराबाद रिवासत के पूर्वी हिस्से में जहां की मात भाषा तेलुगू होने की वजह से उसे तेलंगाना कहा जाता है और जिनका द्वा है कि हम समाज के अन्दर से छोटे बढ़े ऊंच नीच 🕏 भेद खतम करके एक वर्ग हीन समाज बनाना चाहते 🖁 जिसमें सब को रोटी, कपड़ा, मकान मिलेगा और सब सुशी खुशी रह सकेंगे. लेकिन कम्यूनिस्ट माइयों 🕆 ाम क कक्का छ इस तरह दोड़ धूप, लुकने छिपने का रहा दै 🥵 वह खुत कर कोई चीज या नमूना हिन्दुस्तान की जनता के आगे नहीं रख सके हैं. यही बजह है कि

सर्वोदय और कम्यूनिम्ट

हमारे हिन्दुस्तान में क्या, विदेश में क्या, सब जगह का समाज हो मोटे हिस्सों में बँटा है. एक की तादाद कम है लेकिन उसके पास पैसा है, दौलत है और ताक़त है. दूसरे हिस्से की तादाद बहुत जियादा है लेकिन उसके पास न पैसा है न दौलत और न ताक़त. मगर दुखी दोनों हिस्सों के लोग हैं क्योंकि मालदार लोगों के पास जो कुछ भी है वह उनके पेट को पूरा नहीं पड़ता और उन्हें दिन दूना रात चौगना चाहिये ताकि उनकी उमंगे पूरी हो सकें, और गरीब लोग तो फिर ग्रीब हैं ही, उनका तो सचमुच दो जून खाना मुशकिल से नसीब होता है. दोनों खेंचतान करते हैं कि हमारे पल्ले कुछ और पड़ जाये और हमारा काम बने. इन्सान के सारे इतिहास को इस कश्मकश की कहानी एक तरह से कहा जा सकता है.

मसल मशहूर है कि पांचों उंगलियां एक सी नहीं होतीं. बेकिन उनमें जो फर्क है वह कितना थोड़ा है यह सब जानते हैं. इसी तरह समाज के लोगों की हालत में थोड़ा बहुत फर्फ़ हो तो कोई शिकायत की बात नहीं. लेकिन अगर जमीन आसमान का भेद हो तो फिर वह हालत बर्शश्त के बाहर हो जाती है. बद्किसमती से हमारे देश में यह फर्क जमीन आसमान के फर्क से भी बढ़कर है. जब अंग्रेजी हुकूमत यहां थी तो यह सममा जाता था कि यह फक्र इसने कर रखा है. इसिलये ले दे कर सब लोग इसे इटाने में लग गए. मगर इसके हटने के बाद अपनी ही सरकार आई तो यह फर्क किसी तरह भी कम नहीं हुआ. रईस रईस होते चले जा रहे हैं और गरीब गरीब, उलटे चीजों के दाम इतने चढ़ गए कि मामूली जहरतें पूरी होना भी दशवार हो गया और आम जनता की निगाह में आजादी न मिली बरबादी मिली. मौजूदा सरकार हैरान है और लाख कोशिश करने पर भी इस चकर से नहीं निकल पा रही है. इसके खिलाफ वह विदेशों से अनाज की भीक मांग मांग कर और पैसा उधार ले लेकर अपने देश को एक तरह से गिरवी रखे दे रही हैं. कोई स्रत सरकारी इलके में ऐसी नजर नहीं आती जिससे बह उन्मीद हो कि यह तबाही भी खतम होगी और दिन पसरेंगे.

क्रुद्रत का यह अमिट क़ानून है कि जो चीज शुरू होती है वह ख़तम भी होती है. तो यह तबाही या बरबादी भी एक न एक दिन ख़तम होगी. मगर इस आशा को मन में बांचकर या इसके पूरा होने के लिये दुआ मिन्नतें करने मर से काम नहीं चल सकता. जिस दुआ के पीछे अमल

سرووں ہے اور کمیونست

همارے هندستان میں کیا' ودیش میں کھا' سب جگھ کا سماج دو موقے حصوں میں بتا ہے۔ ایک کی تعداد کم ہے لیکن اُس کے پاس پیسہ ہے' دوامت سے اور طاقت ہے۔ دوسرے حصے کی تعداد بہت زیادہ ہے لیکن اُس کے پاس نہ پیسہ ہے نه دولت اور نه طاقت ، مگر دکھی دونوں حصوں کے لوگ هیں کھونکھ مالدار لوگوں کے پاس جو کچھ بھی ہے وہ اُن کے پیت کو پورا نہیں پوتا اور اُنہیں دونا رات چوگلا چاھئے تاکہ اُن کی اُملگیں پوری ہو صکیں' اور غریب لوگ تو پھر فریب هیں هی' اُن کو قو سیج میے دو جون کھانا مشکل سے نصیب ہوتا ہے ۔ تو سیج میے دو جون کھانا مشکل سے نصیب ہوتا ہے ۔ قونوں کھانے اور یو خوائے اور یو خوائے اور عمارا کام بنے ۔ انسان کے سارے اِتہاس کو اُس خوائے اُر ہمارا کام بنے ۔ انسان کے سارے اِتہاس کو اُس خوشمکھ کی کہانی ایک طرح سے کہا جا سکتا ہے ۔

مثل مشہور هے که پانچوں انگلیاں ایک سی نهیں هوتيس، لهكن أن مين جو فرق هي وه كتفا تهورا هر يه ساب جائثے ھیں ، أسى طرح سماج كے لوگوں كى حالت ﴿ مَهِنَ تَهُورًا بَهِتَ فَرَقَ هُو أَنُو كُونُى شَكَايِتُعَا كَي بَاتِ تههس المكن اكر زمهن آسمان كا بههد هو تو يهر وه حالت برداشت د باهر هوجاتی هے . بدقسمتی سے عمارے دیس مهن يه فرق زمهن آسمان كے فرق سے بهى بوهكر هے . جب انگریزی حکومت یهان تهی تو یه سمجها جاتا تها که یم فرق اُس نے کر رکھا ہے ۔ اس لِگے لے دے کو سب لوگ أسے هتائے میں لگ گئے . معر أس كے هتائے كے بعد الهالمي هي سركار آئي تو يه فرق كسي طرح بهي كم نهيس هواً. رئيس رئيس هوتے چاہے جا رهے هيں اور فريب فریب . اُلٹے چھزوں کے دام اُنٹے چوھ کلنے کہ معمولی فرورتهن يورى هونا يهى دشوار هوكيا أور عام جلتا كى نگاه مین آرانسی نه ملی بربادی ملی . موجوده سوکار حیران هے اور لائه کرشص کرنے پر بھی اِس چکر سے نہیں نکل یا رهی هے اس کے خلاف وہ دیشوں سے اناج کی پھیک مانگ مانگ کر اور بیست ادھار کے لے کر ایے عیمی کو ایک طرح سے ڈرزی رکھے دیے رهی هے ، کوئی صورت مرکری حلقے میں ایسی نظر نہیں آلی جس سے یم أمید هو دم یه تباهی بهی ختم هوكی اور دن ی**باتیں کے .**

قدرت کا یہ اُمت قانون مے کہ جو چھڑ شروع ہوتی ہے۔ وہ ختم بھی ہوتی ہے ۔ تو یہ تباهی یا بربادی بھی اُلیک دی ختم ہوگی ۔ مگر اس آشا کو من مھس اِلیک دی اس آشا کو من مھس اِلیک کر یا اس کے پورا ہونے کے لئے دیا منتھی کرتے بھر اُلیس کے پروا ہونے کے لئے دیا منتھی کرتے بھر اُلیس کی پیچھے عمل اُلیس کی پیچھے عمل اُلیس دیا کے پیچھے عمل

पहचान श्राहिन्सा की है यह, जो हिन्सा से बढ़ कर रन हो. दावें उंगली सब दांत तले, जब वह धन दे, तन दे, मन दे. पहचान छहिन्सा की है यह जिसको सब ही होवें अपने. जो सह न सके अन्याय कभी जो आँख न दे इससे अपने. पहचान अहिन्सा की है यह जो प्रानों को प्रानी माने, दुख को मेटे, क्यों रे नौबत, प्रानों के जाने की श्राने. पहचान ऋहिन्सा की है यह जो लेती ही आराम नहीं. फिर रहे लड़ाई, अमन रहे, उसका तो घटता काम नहीं. पहचान ऋहिन्सा की है यह जो पग पग पर देखे काँटे. फिर बड़े रहें या हों छोटे, पुचकारे, मुस्कादे, पहचान अहिन्सा की है यह जो श्रेमामृत में हुवी हो. जो न्याय, द्या. सच. जोड़ सके जिस में ऐसी भी खबी हो. पहचान अहिन्सा की है यह जो लिये जा रही हो हमको. . कॉटों में, मगर तसल्ली भी जो दिये जा रही हो हमको. पहचान छाहिन्सा की है यह जारव का हमें पथ दिखलाए, खोटे रस्ते पर चले नहीं सच की खातिर जो मिट जाए.

يهجهان أهنسا كي ه يه جو هنسا سے بوھ کر رن لے' دايهن أنكلى سب دائت لله' جب وہ دھوردے اتوردے امرودے . بهجان اهلسا کی هے یه ر جس کو سب هی هورین آیے' جو سهه نه سکے انهائے کبھی جو آنکه ند دے اُس سے جهیلے . يهنجان أهنسا كي ه ية جو پرائوں کو پرانی مانے' دکھ کو مھٹے کھیں دے نوبت پراروں کے جانے کی آنے . پہنچان اهنسا کی ھے یہ حو ليعي هي آرام نهين' پهر رهے لوائی' امن رهے' أس كا تو گهتتا كام نهيس. بهنجان أهنسا كى هے يه جو یک یک پر دیکھے کانتے · پھر ہوے رھھن یا ھوں چھوٹے' پنچکارے مسکادے کالیے ۔ پهچان أهنسا کی هے یه جو پريم أمرت مين دوبي هوا جو نيائے' ديا' سيے' جوڙ سکے جس مهن ايسي بهيخوبيهو. ₋ بهنجان أهلسا كي هے ية جو لئے جا رهی هو هم کوا كانترن مهن مكر تسلي بهي جو ديئے جا رهي هو هم كو. يهمجان أهلساً كي هے يه جو رب كا همين يته دكهاائم، کهوتے رستے پر چاہے نہیں سے کی خاطر جو ست جائے . بهکوان دیر،

---भगवानदीन



जिल्द 11

नवम्बर, सन् '51

नम्बर 5

نمهر 5

نومير' سن 51'

ولد 11

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्दु' पहुँचेगा घर घर तिये प्रेम की मोली.

جات آدمي' پريم دهرم هے' هندستانی بولی' 'نها هند ' پہنچے کا گهر گهر لیّے پریم کی جهولی .

अहिन्सा भक्तों से

सौ बार तसल्ली दिल को दो संतोश करो, हाँ, सब करो, चौरों को तसल्ली तो दो ही सी जब सही मत जब करी. बदकारों को तुम गले लगा बदकारी उनकी पी डालो, तुम तो दो उनको नेक बना चनकी नेकी में जी डालो. नेकों को बढ़ने दो आगे उनकी जग पर जय होने दो. हिन्सा, बोरी, बदकारी को अपनी अपनी पत खोने दो. हिन्सा के पाँव न जमने दो पर कायरता का ध्यान रहे! बह कहीं अहिन्सा देवि बनी न जमाती भूटी शान रहे! पुज ही जाती है कायरता, हाँ, पहन श्राहिन्सा का चोला, काती ही है क्षूनामी वह, 🏥 🎁 पर, कर एनको पोला.

اهنسا بهکتوں سے

سو ہار تسلی دل کو دو سنتوهل کرو' هال' صهر کرو' اوروں کو تسلی تو دو هی ہدکاروں کو تم کلے لکا بدکاری اُن کی پی ڈالو' تم تو دو أن كو نيك بنا اُن کي نيکي ميں جي ڌالو . نهکوں کو بوملے دو آگے اُن کی جگ پر جے ھونے دو' هدسا، چوری، بدکاری کو ایلی ایلی بت کھونے دو. ھنسا کے پاؤں ته جمنے دو پر کایرتا کا دههان رهے! ولا كهين أهنسا ديوي بني نه جماتی جهوتی شان رها ا پیج هی جاتی هے کایرتا' هان بهی اهلسا کا میولا[،] ر التي هي هي بدنامي

2 نیا هند "

हिन्दुस्तानी कठचर मोसाइटी

ক্য

माहवारी परचा

नवस्था 1951

هندستانی کلچر سوسائتّ_ی ماهواری پرچا نومبر 1951

ा किससे	मका	433 10	کھا کس ہے
—श्रहिन्सा भक्तां से (कविता) भगवातदीन	. 367		T الفلسا بهكتون سے (کویٹٹا) - یهگوآن دین
—सर्वोदय और कम्यूनिस्ट-सुरंश रामभाई	. 369		2- سروودے اور کمہونست - ،، سریش رام بھ ئی۔
—मंलाना अन्दुल्ला मिन्नी का खत—काहिंग से	. 385		لا مولانا عبدالله مصلى كالخطاء الناعره سي
—मूर्कियों का सीहबत में—भाई गु. म.			
भारत में चीनी वोद्ध भिन्तु-भाई भाग तन्द्र वर्मा	. 393		رَّةِ بِهَارَتِ- مَنْجِهِ لَمَى نَوْدُهِ الْهَائِيْسُو - اِلْهَائِيْ عِالَىٰ چِـَلَّـدُرُ
हैदराबाद के मुसलमान-मीर श्रकवर श्रली ख			fi حیدر آباد کے مسلمان میں العبر علی خال
-किरका बन्दी का जहर-भाई त्रिवेनी सहाय	. 406		7- فوقه بالدى يا رهو – بهائي نربهلمي سهاني
एक चिट्टी (कहाती)भगवानदीन			8 - ایك چاپى (دېانى) بېنبواردىن
)—दिल्ली कांगरेस— पुरेश रामगाई			واب دان الكايس سايش رام ديائن
0 हिन्द सरकार का पंचमानी प्लान विनीवा			10 - هدد سار کا بندهساله بلان - و وبا
	. 429		11 - قودنك كي باي
	. 410		12 سرون کی دنیا
	. 433		13 ـــ کچه عتابین
_	. 435		11 - دياس ودياش کي قائري 💎 👑
15— मारी राय—यू. एन. ऋषे. का नया बरल—	- •		15 - عماری رائے — یو راین راو راکا ندا برہ
्भगाशनद्द्यानः, स्वेत नहर ऋौर भिस्त्र —भगवानद्दंन			الهکوال فایان ؛ انهار السولو الور المصور بهکوان ا
लियाकन् अली खो-भगवानदीन 🛒 💢	4 38		لبنادے علی خال — بهگواندین

श्रीमत—हिन्दुस्तान में छै कपया साज, बाहर दस कपया • साल, एक परचा दस भाने .

र्मनेजर 'नया हिन्त्'

مهلیجر 'نیا هاد '

145, मुद्रगंज, इलाहाबाद .

Test Tolking.

145 متهى كنج العاباد،

قیمت مدندستان میں چھ روبھه سال عاهو دس روپیه مال ایک پرچه دس آنے .

groups of specie stee faces

विकास प्रमुद्ध पर से का जा वस की कार्य की जुनी हुई स्थानकों का बह संग्रह पहरूर जान की दालाय कोगा कि किन मिला में किन तस्त्व संपानी होनेकों की कीम कर विज्ञानी की सर्वाहकों से अपना जाना जाने विज्ञा है. आज की सरद्व प्रावधी स्था क इस्त्रांक चीर करने व किराक कि ही सीमित नहीं हैं. अने आप को करद प्रविद्धा में किनानों और मजद्यों के नियों की ध्वकन सुनार्य नेंगी. राजाणी, करणाय चीर सुष्ट कासोट के किनाक आप कि ऐसी आवाज सुनेंगे को साप के दिस को जोश से

्रिस संबद में जिन शायरों की रचनार्ध इकट्ठा की गई

'खोश' मलीहारावी, 'किराक्र' गारस पुरी, 'गुणतवी' क्रिशियाची, क्रिसारतहरू 'मजाज', सली सरवार जाफरी, क्रिक्रें ' सुचियाची, क्रिम्स नरीम क्रिसिमी, क्रिफ्रें खोलमी, 'इक्सें क्रिक्रें ' सुचियाची, क्रिक्रें ' वामक्र' जोनपुरी, 'मजरूर' क्रिक्रें ' मंद्रक्रें ' क्रिक्रें ' क्

्यानारी विकास में ऐसा धरपुर परंतु कविता स्वयर् काल तक वर्षी निकता, सुन्दर जिल्ला, पश्चिम कागुक, कन्ता काली, कुल किये तीन कपका.

ं क्षेत्र - व्यवस्था स्थाने स्थाने हरा में कृत्र कीर नहें क्षेत्रका की कीर से बेंद्र की की की में ने की किया में का दिस्तीय का इस कियान का सम किया का समाजक हैं-- वेदेख الله والمعالى حوال الراق

میں ہے آو کک کی رفو کی چھلی اوس کی چھلی اوس کی ایس کے اوس کی آراس معلم ہوگا کہ آرس کی جھیر کی آرس کی کی ایس کی ایس کی آرس کی آرس کی ایس کی آرس کی ایس کی آرس کی ایس کی آرس کی میں کی آرس کی میں آراز سلیدی جو آرپ کے میں اور سلیدی جو آرپ کے میں دیکی ۔

الله میں جو شامروں کی ربھائیں اکانیا کی ا

الهادي "منهاز على سردار جدخري مطلبي المسادي المجرور المجرور المعلى سردار جدخري المهاد المسادي كولي المطلبي المطلبي المحدد المجاوري المحروح المطابي يوري جال نشار المحروج المعلى شهري "وجدا المحروج المعلى شهري "وجدا المحروج المحلل الدين المالي المحروج على المحروج على المحروج المحدد وبالى المدر جهمت شرما المحروج المحدد وبالى المدر جهمت شرما المحروج المحدد وبالى المحروج على المحروج ا

وی میں ایسا ہیں۔ اردو کریدا سلکرہ آنے سلدر جلک ، بودیا کانل ، صدد جبہائی۔ سلمہ

کی چھوٹے جھوٹے لیں میں تنوی اور نکی اور اسے معمد در سر معال جیں اِس نکہ اب اِس کتاب کا دام انتہاں جیس اِس نکہ اب اِس کتاب کا دام

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किताब के शुरू में दुनिया के सब बड़े बड़े धर्मी एकता को दिखाया गया है और सब धर्मों की किताबों इबाले दे दे कर मिलती जुलती बुनियादी सचाइयों को एन किया गया है.

इसके बाद गीता के लिखे जाने के वक्षत की इस देश हालत, गीता के बढ़प्पन और एक एक अध्याय को इस गीता की तालीम को बतलाया गया है.

आ किर में कुरान से पहले की अरब की हालत, कुरान बहुपन और एक एक बात पर कुरान की तालीम को ान किया गया है. इस में कुरान की पांच सी से ऊपर व्यवों का लक्ष्मी तरजुमा दिया गया है. यह भी बताया है कि कुरान में जेहाद, आक्रवत, आखरत, जमत, क्षम, काफिर बरोरा किसे कहा गया है.

जो जोग सब धर्मों की एकता को सममना चाहें या दू धर्म और इसजाम दोनों की इन दो अमर पुस्तकों की म्बी जानकारी हासिल करना चाहें उन्हें इस किताब को दर पद्धना चाहिये.

पौने सीन सी सफ़े की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की

हिन्दू मुसलिम एकता

इस में वह चार लेक्चर जमा कर दिये गये हैं जो रित जी ने कन्सीकियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर क्षियर में दिये थे.

सौ सके की किताब, कीमत सिर्फ बारह चाने.

महात्मा गांधी के बितदान से सबक

लेखक-पंडित सुन्दरकाल

साम्प्रदायिकता यानी फिरकापरस्ती की बीमारी पर तकाजी, मंजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और का इकाज, जिसने बालिर में देश पिता महात्मा गांची को हमारे बीच में न रहने दिवा.

क्रीमत बारह जाने.

عيتها أور قرأن

ليكهك__بنالي سندو الل

اس کتاب کشررم میں دنیا کے سب ہونے ہونے تھرموں کی آپکتا کو دایاتیا گیا ہے اور سب دھرموں کی کتابوں ہے۔ حوالے دیے در ملتی جلتی بنیادی سچائیوں کو بیان کیا گیا ہے ۔

اُسکے بعد گیٹا کے لکھے جانے کے وقت کی اِس دیش کی حالت کو لیکر گیٹا کے بوہن آور ایک ایک اُدھیاہے کو لیکر گیٹا کی تعلیم کو ایکا ایک ایک اُدھیاہے کو لیکر گیٹا

آخر میں قرآن سے پہلے کی عرب کی حالت' قرآن کے بویں اور ایک ایک بات پر قرآن کے بویں اور ایک ایک بات پر قرآن کی تعلیم کو بھان کیا گیا ہے ، اس میں قرآن کی پانچ سو سے آرپر آیٹوں گا لفظی ترجمت دیا گیا ہے ۔ یہ بھی بتایا گیا ہے کہ قرآن میں جہاد' عاقبت' جہدہ' کافر وقیرہ کسے کہا گیا ہے ،

جُو لوگ سب دھرموں کی ایکٹا کو منجھنا چاھیں یا ھندو دھرم اور اسلام دونوں کی ان دو امر یستکوں کی سچی جائٹاری خاصل کرنا چاھیں اُنھیں اُس کتاب کو فرور پرقفا چاھیے۔

پوٹے تین سو صفحے کی سندر جلد بندھی کتاب کی قیمت صرف ڈھائی روبھ،

هندو مسلم ایکتا

اس میں وہ چار لیکچر جمع کر دئے گئے میں جو پنت جی نے کلسیائٹری بورت گوالیار کی دعوت پر گوالیار میں دئے تھے ۔

سو صفحے کی کتاب ، قیمت صرف بارہ آئے ،

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

ليكهك---يلذت سندر لال

سامیردایکتا یعلی قرقه پرمتی کی بهداری پر راج کاچی، مذهبی ارد اتهاسی پهلو سے وچار ارد اسکا ملاج، چس نے آخر میں دیش پتا مہاتما کا دھی تک کو ھمارے بیٹے میں نے رقابے دیا .

قهست ياره آنے .

हिन्दुस्तानी करुपर सोसाइटी की कितानें

बीचे किसी सब किताचें नागरी और हर्दू दोनों सिसावटों में असग असग मिस सकती हैं. जो किताब एक भी किसावट में झपी है उसका जिकर कर दिया गया है.

दस रुपए से ज्यादा दाम की कितावें ख्रीदने वालों मौर बुकसेसरों को खास रिकायत दी जायगी.

डाइ या देख सर्च हर हातत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

जो 26 जनवरी सन् 1950 से सारे मारत में लागू हुआ।

'भारत में श्रंगरेजी राज' के लेखक पं० सुन्दरलाल
हारा मुख श्रंगरेजी से श्रनुवादित.

इर सहरतवासी का कर्च है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समक ले.

यदि बाप बाने वाले बाम बुनाव में, जिस पर भारत का सारा भविश्य निर्भर है, समक्त कर हिस्सा लेना चाहते हैं और बाखाद भारत में अपने अधिकार समक्ता चाहते हैं तो खक्री है कि बाप इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ लें.

आसानी के लिये किताब के आसीर में हिन्दी से अंगरेकी और अंगरेकी से हिन्दी साठ पत्रे की शब्दमाला दे वी गई है.

भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है. जासान वामहाबरा भाशा. रायस जठपेजी वड़ा साइज़. सगमग चार सौ पत्री. कपड़े की सुन्दर जिल्द. कीमत केवस सादे सात राप.

هندستانی کلپیر سرسانتی کی کتابین

نهجے لکھیسب کتابیں نائری اور اُردو دوئوںلکھارٹوں ن الک انگ مل سکتی میں ، جو کتاب ایک هی ہارت میں چھپی ہے اُس کا ذار کر دیا گیا ہے ۔

ا دس وریکے سے زیادہ دام کی کتابیں خریدئے والیں اور سیاریں کو خاص رعایت دی جائیکی .

قالت یا بعل خرج هر حالت میں العک کے ذمہ هوا ،

بهارت کا ودهان

پورا هلامی انوراد

ہو 26 چفوری سن 1950 سے سارے بھارت میں لکو ہوا۔

المهارت مهن الكريزي راج كل لهكهك بقلات سفدر لال الكريزي سے البوادت .

ُ هر پهارت واسي کا فرض هے که جس ودهان کے ادهین ابتھیں بهارت کا شاسن اِس سب چل رها هے اُسے اُچهي ح سمجه لے .

یدی آپ آنے رائے مام چناو میں' جس پر بھارت کا را بھوشیہ نربھر ہے' سمجھ کر حصت لیٹا جاہتے ہیں اور میہارت میں اور ضووری گھ آپ اس پسٹک کو دھیاں سے پڑھ لیں .

آسانی کے لگے کتاب کے آخیر میں عقدی سے انگریزی انگریزی سے علدی ساتھ پللے کی شہد مالا دے دی پُکُریزی نے علدی ساتھ پللے کی شہد مالا دے دی

یہارس کے هر گهر میں اس یستک کا رهانا ضروری ہے . آسان ہامتحاورہ بہاشا . رایل آٹھ پیجیہوا سائڈ ، لگ آپ چار سو پالم ، کبڑے کی سلدر جلد ، قیمت کھول روپکے ،

बगर सबस्य काल बीन बराबात में देश होता कीर चल ताकृत के हाथ में होता को बामरीका के दाय में केल रही भी सो हिन्दुस्तान की कह शान न होती जो पशिया में **उन्नको बाज हासिल हैं. और इसमें** भी कोई शक नहीं कि जापान के बिर जाने के बाद चीन की आज की **आजादी इत**नी मजबूत न होती भगर हिन्दुस्तान बरता-निया की मुट्टी में होता. असल में हिन्दुस्तान की आजादी भीर मक्बूती चीन की आजादी और मजबूती है. चीन की आजादों और मजबूती हिन्दुस्तान की आजादी और सक्त्रवृती है. हिन्दुस्तान के पास, अगर वह सलाह देने **क**िंदैसियत रखता है और अगर चीन उसे इस क्रांबिल संगमता है कि वह हिन्दुस्तान से सलाह ले, तो हिन्दुस्तान यही सजाह दे सकता है कि बस दुनिया में अमन रखने कें जिले फिसी ब्लाक में न फंसो. और इस बात के कहने के कमी न बरो जिस थात के कहने से दुनिया में अधन और शान्ति कायम रह सकती है.

दिन्दुस्तानी क्रीम के बापने अमन की बेदी पर जान देही थी. दिन्दुस्तान भी अमन की बेदी पर जान देना प्रमुख् करवा है और यही सबक चीन को दे सकता है और यही उसकी मेंट है जो चीन की आज़ादी के नए बरस के दिन कह चीन को दे रहा है.

25. 9. '51.

भगवानदीन

मया शेस बिल-

अगस्त की भाखरी तारीख़ को नई दिल्ली की पार्कि-मेन्ड में हमारे होम मिनिस्टर ने एक नया प्रेस बिल पेश किया है जिसकी जिना पर सरकार हिन्दुस्तान के शक्तवारों भीर विखने वालों को एक नए शिकंजे में कसना चाहती है या सरकार के पहलू से देखा जाय तो नए सांचे में दावना चाहती है. हिन्दुस्तान का शायद ही कोई संख्यादार व्यवचार होगा जिसने इस विक की तरफदारी के हो. क्या सम्पादक संडल कानफरेन्स, क्या पत्रकार संख्या फेडरेशन, सभी ने इसका विरोध किया है. लेकिन स्कं बायक कडील की तरह हुकूमत की तरक से उसकी पैरची होत्री चली जा रही है जौर हुकूमत की पारटी के मेन्बर-पार्लिमेन्ट तो फिर एक तरह की रखेल होती ही हैं-- इसके फीठें हैं. हमें नहीं मासूम कि इस वित की भी गंक हिन्दू कोड विक्र की तरह तो नहीं होगी. मगर इसमें कीई भी शबहा नहीं कि एक बाखाद जमहरी देश के लिबे युक्त प्रेस विल असके माथे पर कलंक का टीका है.

- खुरेश राम माई

عربائد منبی عوال جو امریقات کے هاته میں کیٹی رہی۔ ایس کو عرب ایس کو ایشیا میں ایس کو ایس میں دائی شک نہیں کہ آبی جامل ہے۔ اور ایس میں بھی کوئی شک نہیں کہ جایاں کے کر جانے کے بعد چھیں کی آب کی آزادی انفی میں مفیوط نه ہوتی اگر هائدستان برطانیہ کی متبی میں ہوتا ۔ امل میں هندستان کی آزادی اور مضبوطی چھیں کی آزادی اور مضبوطی ہیں کی آزادی اور مضبوطی

هندستان کی آزائی اور مضبوطی هے . هندستان کے یاس' اگر وہ صلح دیلے کی حیثیت رکھتا هے اور اگر چین آسے آس تایل سمجھتا هے که وہ هندستان سے صلح لے' تو هندستان یہی صلح دے سکتا هے که یس دنیا میں امن

رکھتے کے لگے کسی بلاک میں نه پہشس ، اور اُس بنات کے کہتے سے دنیا میں کہتے سے دنیا میں اُس اور شائعی قائم وہ سکتی ہے .

ھندستانی قوم کے باپ نے اس کی ویدی پر جان دے دس تھی ۔ ھندستان بھی اس کی ریدی پر جان دینا پسند کرتا ہے اور یہی سبتی چین کو دے سکتا ہے اور یہی اُس کی بھینت ہے جو چین کی آزادی کے نیے برس کے دن وہ چھن کو دے رہا ہے ،

به محوان دين

25-9-51

نيا پريس بل_

المست کی آخری تاریع کو نثی دلی کی پارلیمفت میں همارے عوم منسلار نے ایک نیا پریس بل پیش کیا ھے جسکی بنا پر سرکار هندستان کے آخباروں اور التهلي والس كو ايك نك هكلتي مين كسنا چاهتى ه يا سرکار کے پہاٹو سے دیکھا جائے تو نئے سانچے میں تعالقا جاهلتي هے . هندستان کا شاید هی کوئی سنجهدار اخبار هیکا ہمیں نے اِس بل کی طرفداری کی هو ، کیا سیافک مفدّل کانفرنس؛ کها چترکار مفدّل فیدریشن سبهی نے اس الم المراجعة كيا هم ليكبي أيك التي وكيل كي طوم حكومت کی طیف سے اُسکی پھروی ہوتی جانی جایجی ہے اور حکومت کی پارٹی کے مدہر-پالمعملت تو پھر ایک طرح کی رکیبل جوتی جی ہے -- اسکے پہنچے میں ، جمین نهین معلیم که اس بل کی ہمی کت هندو کرہ بل کی هاوي تو تهين هواي . مگر أسبهن كوثي بهي ههه نهين کے لیک آزادہ جمہوری دیش کے لگے ایسا پریس على أسكم ساتهم بر كللك لا تعكد هم .

--سريص رأم بهاكي

但 /

निर्मेश का किनुसाम कुन का जार न था. उन दिनों का वीन बरवानिया और अमरीका के हाब में खेल रहा या और उस बरवानिया के हाथ में जो हिन्दुस्तान की छाती पर सवार था. और उस अमरीका के हाथ में जिसकी हिन्दुस्तान के सिये राता टपक रही थी.

हिन्दुस्तान आज़ाद हुआ पर उसकी आज़ादी ऐसी न भी जिसके ऊपर खड़ा होकर हिन्दुस्तान वह शानदार जगह ले सके जो पशिया में जापान को मिली हुई थीं इसी अन्धेरे में पशिया महादीय में एक समक नजर आई और वह समक ही जीन की आज़ादी की शकत में टिकने वाजी जांदनी का रूप ले बैठी.

आज चीन उसी चांदनी में विदेशियों की गुजामी से करीब करीब सारा आज़ाद हो चुका है. बस दो एक कांट्रे ही ऐसे रह गए हैं जो उसके पांव में चुन रहे हैं.

चीन की बहादुर जनता ने चीन को सिर्फ आजाद ही नहीं किया बिरुठ उसकी इसलाक़ी गुनों में इतना ऊंचा उठा दिया है कि अमरीका और दो एक मुल्कों को छोड़ दुनिया के सभी मुल्कों ने उसकी आजाद क़बूल कर लिया है और उसके इसलाक़ की तारीफ करते हैं.

चीन की आजादी से हिन्दुस्तान की आजादी को ऐसी खुराक मिली और बराबर मिल रही है जिसकी वजह से हिन्दुस्तान की आजादी में जो नुक्षस रह गए थे वह आपो आप दूर होते जा रहे हैं और बहुत थोड़ी कोशिश से ही हिन्दुस्तान एस रतबे की तरफ बढ़ता चला जा रहा है जो कभी जापान को हासिल था. इसमें कोई शक नहीं कि चीन की आजादी ने हिन्दुस्तान की उस हैरानी को एक इम दूर कर दिया जो हिन्दुस्तान को जापान के गुलाम हो जाने से हो गई थी.

पहली अक्तूबर को चीन अपनी आजादी का दूसरा बरस खरम करके तीसरे बरस में कदम रक्लेगा और हसी दिन चीन अपनी राजधानी पेकिंग में धूम धाम से एक अलसा मनायगा जिसमें हिन्दुस्तान से गया हुआ पीसिमसन हिस्ता लेगा और हिस्सा लेकर यह साबित करेगा कि हिन्दुस्तान की जनता और चीन की जनता कसवरी खयाल से उतनी ही पास है जिवने दो भाई हों. जनता इन इसलिये कह रहे हैं कि जो शान्ति मिशन यहां से गया है बह चीन की जनता का ही बुलाया हुआ है. और जो खहां से गए हैं बह भी जनता की संस्थाओं के मेजे हुए आक्सी हैं. उस मिशन में इस 'नया हिन्द' के पहीटर पंडित सुन्दर लाल भी शामिल हैं और चन के वापस आने पर 'नया हिन्द' के परिवार को जहर वहां के सुकरिसल हालात आगे के नम्बरों में पढ़ने को मिलेंगे.

المحمد ا

مندستان آزاد هوا پر اُس کی آزادی ایسی نه تهی ایسی کے اوپر کهرا هو کر هندستان وه شاندار جگه لے اسی جو ایشها مهن جایان کو صلی هوئی تهی اِسی نظر اُنگ اُور وه چیک نظر اُنگ اُور وه چیک هی چین کی آزادی کی شکل میں ایک چاندنی کا روب لے بیٹھی .

َ آَیَ چھوں اُسی چاندنی میں ودیشوں کی قلامی ہے الوسی قلامی ہوں الوسی کے پاؤں میں جبه رہے ہیں ،

بھونی کی بہادر جاتا نے چائ کو صرف آراد ھی انہا ہنکتا اس کو اضلاقی گلوں میں انٹا ارنتها آئہا ہیا ہے کہ امریکہ اور در ایک ملکوں کو جھود دنیا کے سبھی ملکوں نے اس کو آزاد قبول کر لیا ہے اور اس کے اخلاق گئی تعریف کوتے ھیں .

سچھن کی آزادی سے هندستان کی آزادی کو ایسی خوراک ملی اور برابر مل رهی ہے جس کی وجة سے هندستان کی آزادی میں وجة سے هندستان کی آزادی میں اور بہت آزری کرشش سے هی هندستان آس رتبے کی طرف بڑھتا چلا جا رها ہے جو کبھی جاپان کو حاصل تیا ، اِس میں دوئی شک نہیں که جھیں کی آزادی نے هندستان کی اُس حیرانی کو ایک دم دور در فیا جو هندستان کی اُس حیرانی کو ایک دم دور در فیا جو هندستان کی اُس حیرانی کو ایک دم دور در

پہلی اکٹرور کو چھن اپنی آزادی کا درسرا برس ختم کی تھسرے برس میں قدم رہے گا اور اسی دن چھن اپنی راجدہانی پیکنگ میں دھرم دھام سے ایک علیہ مطابع مائے گا جس میں ھندستان ہے کیا ھوا پیس مقدمت لے گا اور حصہ لے کر یہ تابت کرے گا کہ مقدمتان کی جنتا اور چین کی جنتا کلتچری خیال سے اپنی ھی پاس ہے جتادہ بھائی ھی ۔ جنتا ھم اس لئے اور چھن کہ جو شانتی مشن یہاں سے کیا ہے ، وہ چھن چھن چھن جنتا کی سلستہاؤں کے بہینچے ہوئے آدسی ھیں ۔ گری جنتا کی سلستہاؤں کے بہینچے ہوئے آدسی ھیں ۔ گری جنتی میں اس 'نیا هند' کے ادبیتر پلقت سندر گری گور وہاں کے مفصل حالت آئے کے نموروں میں پریکھے کو ملیں کے مفصل حالت آئے کے نموروں میں پریکھے کو ملیں کے مفصل حالت آئے کے نموروں میں پریکھے کو ملیں کے دیسے جاتا گا کے نموروں میں پریکھے کو ملیں کے دیسے حالت آئے کے نموروں میں پریکھے کو ملیں کے دیسے حالت آئے کے نموروں میں

चीन की आजादी ने हमारे दिस पर यह बात परवर्ष की सकीर की तरह अमिट बना दी कि बहुत से ऐव मुक्कों में सिर्फ गुलामी की बजह से हुआ करते हैं और वह ऐव गुलामी के खत्म होने के बाद अगर फीरन ही नहीं मिट जाते तो छुछ दिनों में जरूर मिट जाते हैं सैकड़ों बुरी आदतों के लिये बदनाम चीन आज चन बुरी आदतों से हतना दूर हो गया है कि बरसों पुराने आजाद मुल्क उस सक्त अर की उमर वाले मुल्क से सबक ले सकते हैं. इसे तो हम बमत्कार कहें, करिशमा कहें या जादू कहें कि साल अर बहले मूकों मरने वाला चीन दूसरों की मूक मिटाने के लिये खुले हाथों मदद करने के लिये तैयार मिलता है. एक साल में चीन की यह काया पलट!

इसमें कोई शक नहीं जापान ने कोरिया दवा रक्खा था, चीन पर बड़े जुल्म कर रहा था. और इसमें भी कोई शक नहीं कि जापान के जुल्म उन जुल्मों से बढ़ कर वे जो बरतानिया ने मोपला ट्रेन ट्रेजिडी, जलियान वाला बाग, चिमूर आश्टी हत्या कान्ड और बलिया बरवादी नाम से हिन्दुस्तान में किये थे, या जो और पच्छिमी मुल्क अपने मातहत मुल्कों पर कर रहे थे. और जापान को वैसा करना भी चाहिये था क्योंकि उसने इन जुल्मों की कला सीखी भी तो इन पच्छिमी मुल्कों से थी.

इसमें शक नहीं जापान अपने जमाने में बड़ा जालिम रहा. पर सभी धाक जमाने वाले मुल्क जालिम ही हुआ करते हैं. इसिस्मि जुल्म की ऐसी बात जो सभी मुल्कों में यकसां पाई जाती है अगर निकाल दी जाय तो जापान और दूसरे मुल्कों जैसा ही रह जाता है. और फिर यह कहना ही पड़ेगा कि जापान अपने जमाने में पशिया की शान था. अपने गिरने से पहले वह रूस जैसे बड़े मुल्क का दोस्त था. और उसी रूस का दोस्त था जिसे आज अमरीका अपने लिये खतरा समस्ता है और अमरीका और बरतानिया जैसे बड़े मुल्कों से दुशमनी मोल ले बैठा था. और इसमें शक नहीं कि वह इस दोनों दुशमनों से न जाने कब तक और लोहा लेता अगर पटम बम जैसी गैर कानूनी चीज उसके मुल्क पर न गिराई गई होती.

आपान के हार जाने और एक दम गुलाम हो जाने से इस समय की हिन्दुस्तान की विदेशी अंगरेजी सरकार भने हीं खुश हुई हो पर हिन्दुस्तानी जनता का दिल तो एक दम बेठ गया था. जापान की हार के वक्त हिन्दुस्तानियों में पशियाई खून जोश मारने लगा था और इस वजह से हिन्दुस्तानियों को जापान से हमद्दी पैदा हो गई थी और असी हमद्दी की वजह से उनके दिल से एक सर्द आह विकक्ष गई थी कि जापान के गिरने से पशिया की शान गिर की और अप हिन्दुस्तानियों की आंखों के सामने एक

چھو کی طرح آمت بنا دی کہ بہت سے عیب سلموں اسلامی کے طرح آمت بنا دی کہ بہت سے عیب سلموں اسلامی کے ختم ہونے کے بعد اگر فوراً ہی نہیں مت جاتے وہیں ، سیکروں بوی بادتوں کے لئے بدنام چھوں آج اُن بری عادتوں سے اتنا بور ہو گھا ہے کہ برسوں پرانے آزاد ملک اُس سال بھر کی عمر والے ملک سے سبق لے سکتے ہیں ، اِسے تو ہم چمتکار نہیں کرشمہ کہیں یا جادو کہیں کہ سال بھر پہلے نہیں کرشمہ کہیں یا جادو کہیں کہ سال بھر پہلے بھوکوں صونے والا چین دوسروں کی بھوک متانے کے لئے بیار ملتا ہے ، ایک مال بھر چین چین دوسروں کی بھوک متانے کے لئے مال بھر پہلے ہیں جین کی یہ گیا پلت !

اس میں کوئی شک نہوں جاپان نے کوریا دیا رکھا تھا' چھن پر بڑے ظلم کر رھا تھا . ارر اس میں بھی کوئی شک نہیں کہ جاپان کے ظلم اُن ظلموں سے بڑھکر تھے جو برطاتیۃ نے موبلا ترین تریجیدتی' جلهان والا باغ' چمور آشتی ھتھا کانڈ اور بلیا بربادی نام سے ھندستان میں کئے تھے' یا جو اور پچھمی ملک اپنے ماتحت ملکوں پر کر رہے تھے، اور جاپان کو ریسا کرنا بھی چاھئے تھا کیوں کہ اُس نے اِن ظلموں کی کلا سیکھی بھی تو اِن پچھمی

اِس میں شک نہیں جاپان آیے زمانے میں ہوا طالم رھا۔ پر سبھی دھاک، جمانے والے ملک طالم ھی ھوا کوتے میں اوس لئے طلم کی ایسی بات جو سبھی ملکوں میں یکساں پائی جاتی ہے اگر نکال دی جاتے تو جاپان اور دوسرے ملکوں جیسا ھی رہ جاتا ہے۔ اور پھر یہ کہنا گرنے سے پہلے وہ روس جیسے برے ملک کا دوست تھا ۔ اور اسی دوسری کا دوست تھا جسے آج امریکہ ایپلئے خطرہ سمجھتا ہی اور امریکہ اور برطانیہ جیسے برے ملکوں سے دشمنی مول لے بیٹھا تھا ۔ اور اِس میں شک نہیں که وہ اِن دونوں دشمنی میں شک نہیں که وہ اِن دونوں دشمنی میں شک نہیں که وہ اِن دونوں دشمنی میں شک نہیں که وہ اِن دونوں میں جیسی فیر قانونی چیز اُس کے ملک پر نہ گرائی

جاپان کے ھار جانے اور ایک دم غلام ھوجائے سے اُس سے کی مندستان کی ودیشی انگریزی سرکار بہلے ھی خوص ھوئی ھو پر ھندستانی جلتا کا دل تو ایک دم بھتا کیا تھا ۔ جاپان کی ھار کے وقت ھندستانیوں میں ایشھائی خون جوھی مارلے لکا تھا اور اس وجہ سے مندستانیوں کو جاپان سے همدردی پیدا ھوگئی تھی اُرر اُس جمدردی کی وجہ سے اُن کے دل سے ایک سرد آلا نکل اُلی تھی کہ جاپان کے گرئے سے اُیھیا کی شان گر گئی ۔ اُلیس جندستانیوں کی آنکیوں کے ساملے ایک

and the country of the control of th

के कायम करने में तीमरा नम्बर हैं. समरीका और मिटेन के बाद सब में ज्यादा पैसा इसमें चीन ने ही लगाया है. इस्तिये इतने तुमायां मेम्बर के खिलाफ पावन्दी जिगाना सरासर नाइनसाफी है. हमें नहीं मालूम कि चीन को खुद क्लई वैंक से कितनी मदद की तमजा है, लेकिन जो भी हो, क्लई वैंक का इस तरह हाथ खींच लेना शराकत से हटी हुई इरकत है और इनसानी भाई चारे के खिलाफ है.

मगर हम यह भी बता दें कि अगर दुनिया के साहू कार यह सपना देखते हों कि इस तरह क्तर कोरिया व चीन का गला दबाकर वह कसे तोबा बुतवालेंगे तो वह एक भूटा सपना देख रहे हैं जिसका आंखें खुलते ही नाम निशान भी नहीं रहेगा.

इसी सिलसिले में एक ख़याल हमें यह और आता है कि अगर यह साहूकार सच पुन कमजोर की मदद के हामी हैं और जिसने पहले चढ़ाई की हो उसकी अकल ठिकाने पर लगा देना चाहते हैं तो फिर वह दुनिया के दामन पर पड़े दूसरे घड़ों को क्यों नहीं देखते. और जो उन घड़ों के लिये फिम्मेदार हैं उनके उपर भी कुछ पायन्दी क्यों नहीं लगाते. उन्ह बैंक जैसे साहूकार का फर्ज है कि ईमान से ले और ईमान से दे.

-- सुरेश रामभाई

चीन की आजादी का दूसरा बरस

यों तो चीन इजारों बरस आजाद रहा पर दिसयों बार गुलामी से आजाद भी हुआ. पर इस बार की आजादी बीती हुई हजारों बरस की आजादी से और दिसयों बार पाई हुई आजादी से अलहदा ही किस्म की है. और उन सब आजादियों से ऊंचे दरजे की भी है. अगर बह कांटे भी जो नई पाई हुई आजादी के पांच में लगे हुए हैं निकल गए होते तब तो यह बीसवीं सदी की चीन की आजादी अपने ढंग की ऐसी आजादी होती कि पिच्छमी दुनिया, दाँतों तल खंगली द्वाकर रह जाती और पूरबी दुनिया इस आजादी को वेलकर जामे में फूली न समाती.

बरतानिया और अमरीका अकीम के नहीं में महत बीन से यह कभी उम्मीद नहीं कर सकते थे कि इसका पीकापन कभी इतना सुर्क भी हो सकता है कि कहीं भी पीकापन न रह पाप. बरतानिया और अमरीका हो नहीं पहिला में रहने वाले हम हिन्दुस्तानी भी सचमुच पहले पहन तो देसा समके थे मानो हम सपना देख रहे हों. पर जब हमारे बहादुर प्रधान मंत्री ने बरतानिया और अमरीका कैसे हाल ही में बहाई में जीत का सेहरा बांधे हुए मुल्कों से पहले बीन की आजादी को कब्ल किया और वहां के सबद्ध हमारे देश में जा मए तब हम यह समके कि जिसे इस सपना समक रहे थे वह सपना न था सच्ची बात थी.

مکو هم یه بهی بتا دین که اگر دنها کے ساهوکار یه سیفا دیکھتے هوں که اِس طرح اُتر کوریا و چین کا گلا دیاکو یوه اُن سے توبه بلوا لیلگے آو رہ ایک جهوتا سینا هیکھ رہے هیں جس کا آنکھیں کھلتے هی نام نشان بهی نمی رہ گا۔

اسی سلسلے میں ایک خیال هدیں یہ اور آنا ہے اگریہ ساهوکار سے می کدور کی مدد کے حامی هیں آور جس نے پہلے چوعائی کی هو اسکی عقل تهکانے پر لیا دینا چاهتے هیں تو پهر وہ دنیا کے دامن پر پوردوسرے دهبوں کو کیوں نہیں دیکھتے، آور جو اُن دهبوں کے لئے ذامے دار هیں اُن کے آوپر بھی کچھ پابلدی کیون نہیں لگاتے . وراقہ بینک جیسے ساهوکار کا فرض ہے کہ ایمان سے لے

الور ایمان سے دے .

سسريص رأم بهائى

چین کی آزادی کا دوسرا برس__

یوں تو چین هزاروں برس آزاد رها پر دسیوں بار مقامی سے آزاد بھی هوا ، پر اِس بار کی آزادی بیتی هوئی هزاروں پرس کی آزادی سے اور دسیوں بار پائی هوئی آزادی سے میں ملک میں میں کی ہے ، اور آن سب آزادیوں سے آزادیوں کی بھی ہے ، اگر وہ کانقے بھی جو نئی پائی موٹی آزادی کے باؤں میں لگے هوئے هیں نکل گئے هوئے هیں تکل گئے هوئے هیں تو یہ پیسویں صدی کی چین کی آزادی نے تعلقات اور پوربی دنیا اِس آزادی کو دیکھکر جہنے میں پہولی نہ سماتی ،

برمانه اور امریکه افیم کے نشے میں مست چین سے کہمی آمید نہیں کر سکتے تھے که اِس کا پیلا پن کہمی اتفا سرم بھی هوسکتا هے که کہمی بھی پیلا پن نه یہ پائے ، برطانه اور امریکه هی نہیں ایشیا میں رهئے آلے هم هفستانی بھی سے میے پہلے پہل تو ایسا سمجھ تھے مانو هم سپفا دیکه رهے هوں ، پر جب همارے بهادر میں نواکی میں جیست کا سپرا باندھ هوئے ملکوں سے میں جیس کو قبول کیا اور وهاں کے راجدوت میاں خیری میں میں آئیے تب هم یه سمجھ که جسے هم سنتھ وی تھے وہ سپفا نه تها سجی بات تھی۔

पेजी सास डालर में चीन 60, 00 फ्रांस 52, 50

हिन्दुस्ताने 40, 60 (लगभग दो भरब रुपया)

बैंक के पास कुल पूँजी आठ आरब से भी जियादा है. इसमें से अपने मेम्बर देशों की बेहतरी और तरक्षका की आतिर बैंक साढ़े चार की सदी सूद लेकर पैसा उधार दिना करता है. हिन्दुस्तान को भी तीन बार करके 5 करोड़ 98 लाख डालर (लगभग 25 करोड़ रुपया) मिल चुका है जिसका मोटा हिसाब यह है—

- 1. 3 करोड़ 28 लाख डालर वास्ते.....रेलवे
- 2. 85 लाख बालर बास्ते..........खेती मशीनरी

इस साहुकार के जन्म से ही इसके जिलाफ शिकायत यह रही है कि यह अमरीका के हाथ का जिलीना है जो असने दूसरों को लज्जा कर फांसने के लिये बना रखा है. अमी हाल में निकली बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बैंक अन्हीं की मदद करेगा जिनका "मक़सद और इच्छा" होनों ही अपने देश के साधन बढ़ाने की हो. हमें नहीं मालूम कि कौन सिर फिरा ऐसा देश होगा जो साधन न बढ़ाने के बजाए किसी दूसरे देश की जातिर इतना भारी सूद देवर उधार लेगा. लेकिन जाहिर है, असल में इसके पीछे राजनीत है और बेंक खुझम खुझा यह चाहता है कि जो उसकी मदद ले वह उसी का राग अलापे.

हमारी यह राय इस बात से भी पक्की हो जाती है कि 14 सितम्बर को वाशिंगटन में इस कबें के गवर्नरों ने बह तय किया कि चीन और उत्तर कीरिया के जिलाफ पायन्ती लगाई जाय, यह पावन्ती यूनो की जनरल ऋसेम्बली की उस सिकारिश पर की गई है कि उत्तर कोरिया और काल चीन ने कोरिया के मामले में पहले चढाई करके इतियां की अमन शान्ति को खतरे. में डाला है. हमें इसमें जरा भी शक नहीं कि राजनीति के फेर में पढ़ कर बैंक का चीन व चत्तर कोरिया के खिलाफ यह क़द्म उठाना एक अवरदस्त ज्यादती हैं. कहने की ज़रूरत नहीं कि उत्तर कोरिया आज दुनिया का सबसे दुखी इलाका है, वहां पर जो तबाही हुई है उसके लिये इनसानियत की अदालत में एक न एक दिन घमरीका से जवाब तलब किया जायगा. बजाय इसके कि उसकी मदद की जाय उस पर बह बंदिशें बांधी जा रही हैं. और चीन—मले ही वह क्षाल चीन हो गया हो-का दुखड़ा भी खगर किसी से कम है तो सिर्फ उत्तर कोरिया से. फिर चीन का तो इस बैंक

دونتی لائه قالر مهن 60,00 مهن فرانس <u>52,50</u> مهن فرانس مهن فرانس مهن فرانس مهن مهن فرانس رویه مهن در ارب رویه م

بھلک کے پاس کل پونجی آٹھ آرب سے بھی زیادہ نے اس میں سے اپھ مہر دیشوں کی بہتری آور ترقی نے خاطر بھلک ساڑھے چار فی صدی سود لیکر پیست معار دیا کرتا ہے ۔ هندستان کو بھی تین بار کر کے 5 کروڑ 19 لابھ ڈالر (لگ بھگ 25 کروڑ روپھ) مل چکا ہے سے کا موڈا حساب یہ ہے۔

- 1. 3 كروة 28 لكه قالر واسطى دلاوعه
- 2 85 لاعه قالر واسطمكهيتي مشيئري
- 3. 1 كرور 85 لاكه قالر واسطي....دأمودر گهائي بيدنا.

اس ساهوکار کے جئم سے هی اِس کے خلاف شکایت عرصی ہے کہ یہ امریکہ کے هاته کا کہلونہ ہے جو اُس نے وسروں کو للحچا کر پہانسٹے کے لئے بنا رکھا ہے ، اُبھی عال میں نکلی بینک گی رپورت میں کہا گیا ہے کہ یہ بینک اُنہیں کی مدد کریکا جن کا '' مقصد اور اِچہا '' مؤس هی ای دیش کے سادھن بڑھائے کی هو . همیں بہیں معلوم کہ کرن سر پہرا ایسا دیش ہوگا جو سادھن نہ بڑھائے کے بجائے کسی دوسرے دیش کی خاطر اُنٹا یہ بڑھائے کے بجائے کسی دوسرے دیش کی خاطر اُنٹا بہاری سود دے کر اُدھار لے گا . لیکن ظاہر ہے' اصل میں میں کے پہنچھے راج نیت ہے اور بینلک کہلم کہلا یہ چاھٹا ہے کہ جو اُس کی مدد لے وہ اُسی کا راگ الاہے .

هماری یه رائے اس بات سے بھی پکی هوجانی ہے۔ که· 14 ستمبر کو واشلکتن میں اس بینک کے گورنروں نے یہ طے کیا کہ چین اور اُتو کوریا کے خلاف پابلدی لکائی چائے . یہ پابندی یونو کی جنرل اسمبلی کی اس سفارش ہو کی گئی ہے کہ آتر کوریا اور الل چین نے کوریا کے معاملے سین پہلے چوھائی کر کے دنیا کی اس شانعی کو خطرے مهن قالا هے . همين اس مين ذرا بهي شك نهين كه راج نیمت کے پہیر میں پر کر بیلک کا چین و اُتر کرریا گے خاف ید قدم الهانا ایک زبردست زیادتی هے ، کہنے کی المرورت تهمن که أتر كوريا آج دنيا كا سب سے دكھى عاقه م وهان پر جو تباهی هوئی هے اس کے لئے انسانیت کی مدالت میں ایک نه ایک دن آمریکه سے جواب طلب لها جائے کا . بجائے اِس کے که اُسکی مدد کی جائے اُس ہر یہ بندشهن باندهی جا رهی هیں . اور چهن --- بهاے هي وه لال جهدن هوكها هو -- كا دكهوا بهي أكر كسي سد كم م تو صرف آثر کوریا سے ، پهر چین کا تو اس بینک

c Minnet

عبل بطر .

बाज विनोदा भी इतना परती का दान मांगने नहीं तिकता जितना अभव दान देने निकला है. वह कम्युनिहरों को जुनौती देता है कि वह छिपे छिपे क्यों काम करते हैं, चार्य उसके साथ. प्क तरह से विनोबा तो ऐसा कहता हुआ मालूम होता है कि ए कम्युनिस्टो सरकार तुन्हें क्या मभय दान देगी, तुम ही आकर सरकार को अभय दान दो और उससे कह दो कि हां, हम कम्युनिस्ट हैं भीर इस बरह की सरकार चाहते हैं जिस में कोई दुखी न हो. पर अभय दान देने का ऊंचा काम कम्युनिस्ट उसी वक्रत कर सकते हैं अब ख़ुद हरना छोड़ दें. और ख़ुद हरना वह जभी छोड़ सकते हैं जब जमींदारों, पैसे वालों और सरकारी अफ़सरों को दराना छोड़ दें. और ऐसा वह जभी कर सकते हैं जब सक्वे मानों में बहादुर बन जायं. श्रीर सक्वे मानों में बहादुर वही होतां है जो उतने पर ही भरोसा करता है जो इसे क़दरत ने पैदा होते वक्षत दिया है और वह है इनसानियत और प्रेम से भरा हुआ दिल.

विनोबा कम्युनिस्टों से ऐसा कहते हुए माल्स होता है कि देखो गांधी इनसानियत और प्रेम से भरा हुआ दिल केकर खतरे के गढ़ नों आखाली में भी जाते हुए नहीं डरता. पर आज दुमैन जैसा नक़ली बहादुर हस में जाते हुए खर मानता है और स्टालिन जैसा नक़ली बहादुर अमरीका जाने की हिम्मत नहीं कर सकता.

यह सब कह कर हम इतना ही कहना चाहते हैं कि शन बही ने सकता है जो दुनिया दारों की नजर में नंगा प्रीर भिकारी दिखाई देता है. उसी के दिये हुए दान से निया में अमन चैन फैल सकता है. कपड़ों से लवे जेगरों से सजे पूँजीपतियों के दान से पेट भर सकता है, कुछ निमारियां अच्छी हो सकती हैं पर हमेशा मांगने का डराना रहेगा. और लड़ाई का भूत सवार रहने की वजह से रात को सुख की नींद आ सकेगी न दिन को चैन मिल किगा.

25. 9. '51.

—भगत्रानदीन

र्ल्ड बेंक की ज्यादती-

दुनिया के 44 देशों के मशिवर से हुई 1944 वाली हैन बुद्ध कानकरेन्स के आधार पर कायम हुआ वर्ल्ड नाम का बैंक दुनिया भर के साहुकार का काम कर है आजकत इस बैंक के 47 मेन्बर हैं जिन्होंने अपना आजमा करके उसे खड़ा किया है. इसके पांच बड़े बड़े स्निहारों और उनकी तागाई पूँजी का ब्योरा यह है—

वेश	 पूँजी लाख डालर में
व्यमरी हा	3, 17, 50
ब्रिटेम	1, 30, <u>00</u>

الم رابعا بعد الكا دمرتى كا دان مانكلے نہيں سكا والما أيم دان ديلے نكا هے . ولا كيونستون كو جاوتى فيقا في كه ولا جهود جهود كورن كام كرته هدن ألمن أسك ساته ، ایک طرح سے ونوبا تو آیسا کہتا ہوا معلوم هوتا هے کہ اے کمھونسکو سرکار تمہیں کھا آبعے دان دے گی تم هی آکو شرکار کو آیهے دان در اور اُس سے کیا در که هان اُ هم کنهونست ههن اور اِسطرح کی سرکار انهاهی ههن جس ميں كوئى دكهى نه هو ير أبه دان ديق كا أونتها كام کنهرنست اُسی وقت کر ساتھے هیں جب خود درنا چهور قيلي ، اور خُود درنا ولا جبهي چهور سکيم هين جب ومهداون پیسم والون اور سرکاری افسرون کو قرانا جهور دیں . اور ایسا وہ جبھی کر سکتے ھیں جب سچے معلوں مهل بهادر بن جانهی . اور سجے معلوں میں بہادر وهی عولاً ع جو أنني يرهى بهروسة كرما ه جو أس قدرت لي يه أنهوت وقت ديا هے اور ولا هے إنسا همت اور پريم سے بهوا هوا دل .

واوبا کمہونسٹوں سے ایسا کہٹے ھوئے معلوم ھوتا ھے کہ دیکھو گاندھی اِنسانیت اور پریم سے بھرا عوا دل لے کر خطرے کے کوھ نوانہائی میں بھی جاتے ھوئے نہیں قرتا ، پر آج ترومیں جیسا نقلی بہادر روس میں جاتے ھوئے قر مانٹا ھے اور اسٹائی جیسا نقای بہادر امریکہ جانے عی معت نہیں کر سکتا ،

یه سب کهکر هم اتفا هی کهفا چاهتم هیں که دان وهی دے سکتا هے جو دیا داروں کی نظر میں نفکا اور پهکاری دیائے هوئے دان سے دنیا میں امی چین پهیل سکتا هے کپروں سے لدے زیووں سے سبچے پونجی پتھوں کے دان سے بیت بهر سکتا هے کچه بیماریاں اُچهی هوسکتی هیں پر همیشه مانکئے کا در بها رہے گا اور لوائی کا بهوت حوار رهنے کی وجه سے نه رأت گو سکه کی نیفد آسکے گی نه دن کو چین مل سکے گا .

ــ بهگواندین

25-9-51

وراق بینک کی زیادتی۔۔۔

دنها کے 44 دیشوں کے مشورے سے هوئی 1944 والی برتشین ورٹیس کانفرنس کے آدهار پر آنام هوا ورلڈ بینک نام کا بینک بینها بھو کے ساهوا و کا کام کر رها ہے ۔ آج کل اس بینک کے آپ ممبر هوی جنهوں نے اینا پیست جمع کر کے آپ بھوا کیا ہے ، اس کے پانچ بوے بوے ساجھی داروں اور آن کی ایکائی پونتھی کا بھورا یہ ہے ۔

پرنجی لائه ڈالر میں 3,17,50 1,30,00

دیش آمریکه برتین

दान कीन दे सकता है...

एक रिशी ने दान चार तरह के बताय हैं— (1) भोजन दान (2) दबा दान (3) ज्ञान दान (4) अभय दान.

- (1) खाना खिलाना सब से कम दरजे का दान हैं क्योंकि इसका असर कम से कम दो तीन घंटे और बहुत रहा तो चौबिस घंटे रहता है.
- (2) द्वाई के दान का असर इक्तों, महीनों और बरसों भी रह सकता है.
- (3) ज्ञान दान यानी सीख के दान का असर उमर भर रहता है. तभी तो दुनिया दारी का तजरबा हासिल किये हुए लोगों का यह कहना है कि चाहे दुकड़े देने वाला सर जाय पर सीख देने वाला न मरे.
- (4) अभय दान का असर यानी किसी को बे जीक बना देने का असर उमर भर तो रहता ही है और अगर मरने के बाद दूसरी जिन्दगी है तो उस जिन्दगी के लिये भी अला जाता है.

बस सीख का दान और अभय दान यही दो दान तो गांधी जी करते रहे. और यही दान करने के लिये तो बिनोबा निकले हैं.

भोजन दान भीर दवा दान करने वाले मुलाए जा सकते हैं भीर मुलाद जाते रहे हैं, पर ज्ञान दान भीर श्रभय दान करने वाले न मुलाए जा सकते हैं, न मुलाए जाने का रिवाज है.

हिन्दू यूनिवर्सिटी खुलने के अवसर पर बनारस में गांधी जी ने तभी तो यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों को यह एपदेश दिया था कि अगर तुम सच्चे जी से हिन्सा के करिये हिन्दुस्तान को आजाद करने में विश्वास करते हो तो चुपके से क्षिप कर क्यों बम फॅकते हो. बम लेकर सामने सैदान में आओ और जान पर खेल जाओ.

यह कह कर उन्होंने यही तो समकाया था कि तुम हरपोक हो, तुन्हारे अन्दर डर भरा हुआ है. तुम बम फेंक कर भी जोगों को बहादुरी की जगह डर सिखा सकते हो, बहादुरी की तालीम नहीं दे सकते.

जीर फिर गांधी जी ने किया ही क्या—हिन्दुस्तानियों में जंगरेजों का जो डर भरा हुआ था उसे निकाल बाहर किया. हो सकता है गांधी जी अपने जीते जी आजादी न दिला सकते. पर इससे क्या ? वह उस दरवाजे में लगे ताले की कुंजी हिन्दुस्तानियों के हाथ सौंप चुके थे जिस ताले में आजादी बन्द थी. और वही ताला था अंगरेजों का डर.

ران کوں ںے سکتا تھے۔۔

آیک رشی نے دان جار طوح کے بعائے میں — (1) بہوجی دان (2) دوا دان (3) کیان دان (4) ایم دان .

- (1) کھانا کھلانا سب سے کم درجے کا دان ہے کھونکہ اِس کا اثر کم سے کم دو تھن گھلٹے اور بہت رھا تو چوبھس گھلٹے رھتا ہے .
- (2) دوائی کے دان کا اثر هفتوں' مہیلوں اور پرسوں بھی رہ سکتا ہے ،
- (3) کیاں دال یعنی سیکھ کے دال کا اثر عمر بھر رھتا ھے تبھی تو طنیا داری کا تجربه حاصل کئے ھوئے لوگوں کا یہ کہنا ھے کہ چاھے تکوے دینے والا مر جائے پر سیکھ دینے والا نہ مرے
- (4) آبھے دان کا اثر یعنی کسی کو بے خوف بنا دینے کا اثر عبر بھر تو رہتا ہی ہے ارر اگر مرنے کے بعد دوسری زندگی ہے لئے بھی چلا جاتا ہے .

ہس سیکھ کا دان اور آبھ دان یہی دو دان تو کاندھی جی کرتے رہے ، اور یہی دان کرنے کے لئے تو ونوبا نکلے ھیں ،

بھؤجن دان اور درا دان کرنے والے بھائے جا سکتے هیں اور بیلائے جاتے رہے هیں' پر گیان دان اور آہمے دان کرنے والے نہ بھائے جانے کا رواج ہے .

هندو یونیورستی کهلنے کے اوسر پر پنارس میں کاندهی جی نے تبھی تو یونیورستی کے ودیارتھیوں کو یہ آپدیش دیا تھا کہ اگر تم سجے جی سے هنسا کے ذریعے هندستان کو آزاد کرنے میں وشواس کرتے ہو تو چپکے سے چھمی کر کھوں ہم پھینکتے ہو ۔ ہم نے کر سامنے میدان میں آو اور جان پر کھیل جاؤ .

یه کهکو اُنهوں نے یہی تو سمجھایا۔ تھا۔ که تم قرپوک هو' تمہارے اُندر کار بھوا ہوا ہے ، تم ہم پھیڈک کو بھی لوگوں کو بہادری کی جگه در سکھا سکھے هو' بہادری کی م تعلیم نہیں دے سکتے ،

ارر یہر گندھی جی لے کیا ھی کیا ۔ مندستانیوں میں انکریزوں کا جو تر بہرا ہوا تھا آسے نکال باھر کیا ۔ ھوسکتا ہے گندھی جی ایا جیتے جی آزادی نه دلا سکتے ، یر آس سے کیا آ وہ اس دروازے میں لگے تالے کی کنجی مندستانیوں کے هاته سونب چکے تھے جس تالے میں آزادی بند تھی ، اور وهی تالا تھا انگریزوں کا تر ،

विक्रें के दिये दास करी क्षीक के कप में को जमीदारों की मिल रहे हैं व्यगर यह सीक दनमें से किसी एक के मन के भी कहीं कभी भी जब पक्ष गई तो वह रंग कायगी किसका वयान करना क्षक्रम की ताक्षत के शहर है.

याद रहे, विनोश किसी के दिये दुकदे आने वाता नहीं, यह तो राम के दुकदे स्थाता है और वही दुकदे सा सकता है. यह पेट भरने के तिये दुकदे प्रकर साता है पर वह उनको साकर हाथ से जो मेहनत कर डातता है वह उन दुकदों से विवादा ही होती हैं कम नहीं. यह दुकदों का हिशाय अपनी अन्तरास्मा या अपने राम को सममाये विना, रात के तिये अपनी आँसों बंद करने की बात नहीं सोचता.

सन 1923 में मंद्रा सत्याग्रह के अवसर पर जब ज्याने रसोई पर का काम संभाता था तब शिस्त की पूरी पावन्ती की वजह से अपने सब सावियों को नाराज करके ही वह उनको खुश कर सका था.

चत ही दिनों जेस में इसने चापने साथी कैंदियों को सिर्फ इस वजह से नाराज कर दिया था कि वह इस राम बाँस को पूरा कूट डालता था जो इसको सजा के तौर पर कूटने को मिलता था. इसे कर्तव्य का सच्चा झान हैं इसी झारन पहले लोग उस से बिगड़ते हैं और फिर इसके मित्र बन जाते हैं.

भीक या दान के दुकड़ों को राम के दुकड़ों में बदलना कोई सीखना चाहे तो उस से सीख ले.

विनोवा न कम्युनिस्टों का दुरामन है न कम्युनिजम का. वह तो दुरामन है उस आपसी लड़ाई (क्रास वार) का जो कम्युनिजम और कम्युनिस्टों को पक-मेक नहीं होने देती. जिस हिन कम्युनिजम और कम्युनिस्ट दोनों पक हो जायंगे उस दिन सारी दुनिया कम्युनिस्ट हो जायगी, विनोवा हिन्दुस्तान के राजकाजी शरीर में भरे वर्ग युद्ध (क्रास वार) के बहर को चूसने के लिये निकल पड़े हैं, घरती का दान लेना तो एक बहाना है. अब देखना यह है कि वह इस बाते जितनी सफलता चाहते हैं दिनोवा पर निगाह लगाने बाते जितनी सफलता चिनोवा को मिलने वाली नहीं, पर जितनी सफलता मिलेगी वह ऐसे बीज का काम करेगी जो आगे वर्ग युद्ध के जहर को वर्ग प्रेम के अमृत में बदल कर व्यवस्थ माई वारे की सेती लहतहाने का काम करेगी.

25. 9. '51.

—भगवानदीन

یاد رہے' ونوبا کسی کے دیئے تکوے کھائے والا نہیں' وہ تو رام' کے تکونے کھائے وار وھی تکونے کھائے والا نہیں' وہ پیمت بھولے کے لئے تکونے ضرور کھاتا ہے پر وہ اُن کو کھاکو ھاتھ سے جو مصلمت کر ڈالٹا ہے وہ اُن تکووں سے زیادہ ھی ھوتی ہے کم نہیں ۔ وہ تکووں کا حساب ایلی ابتر آتما یا آئے رام کو سمجھائے بنا راد کے لئے اپنی آنکھیں بند کرنے کی بات نہیں سوچھا۔

سن 1923 میں جہنڈا سٹیا گرہ کے آرسر پر جب آس نے رسولی کی پوری آس نے رسوئی کی کا کام سنبھالا تھا تب شست کی پوری پاہلائی کی وجہ سے اپنے سب ساتھیوں کو ناراض کرکے ھی وہ اُن کو خوش کرسکا تھا ۔

ان هی دنوں جیل میں اُس نے ایے ساتھی قیدیوں کو صرف اِس وجه سے ناراض کردیا تھا که ولا اُس رام بانس کو پورا کوش ڈالٹا تھا جو اُس کو سزا کے طور پر کوٹنے کو منا تھا ۔ اُسے کرتویہ کا سنچا گھان ہے' اُسی۔کارن پہلے ٹوگ اُس سے بگرتے میں اور پہر اُسکے مندر بن جاتے ہوں .

پویک ریا دان کے ٹکڑوں کو رام کے ٹکڑوں میں بدلتا کوگی سیکھٹا چاہے تو اُس سے سیکھ لے .

وتوبا نه کیهونسترس کا دشمن هے نه کیهونوم کا . وہ تو دهبین هے اُس آپسی لوائی (کلاس وار) کا جو کیمونوم اُور کیهونستوں کو ایک میک نهیں هونے دیتی . جس هی کیمونوم اور کیمونست دونرس ایک هو جائینگیے اُس هی ساری دایا کیمونست هو جائینگی اُس کے واج کلاجی شریر میں بهرے ورگ یدھ (کلاس وار) کے واج کلاجی شریر میں بهرے ورگ یدھ (کلاس وار) کے تو ایک بهانا هے . اب دیکھنا یہ هے که وہ اِس زهر کو کهاں تو ایک بهانا هے . اب دیکھنا یہ هے که وہ اِس زهر کو کهاں شہیلتا چوس پاتے هیں ، ونوبا پر نگاہ لگانے والے جگلی شہیلتا جاهتے هیں اُس کا سو واں یا هوارواں اُنھی بھی بیمیلتا وابی کو ملئے والی نہیں ، پر جگلی سپھلتا جاهیکی وہ ایسے بیج کا کام کریکی جو آئے ورگ پریم کے آمرت میں بدل کر وشو بھائی جارے فی کھھٹی لہلهائے کا کام کریکی ،

--- - بهگواريدين

25.9.51

बेशी की तुराई अलाई कार्यों की आदिमक्त के क्स जियादा नंगे होने के किर हैं, न कि आदमी या उसमें बैठे ईश्वर अक्लाह के सिर.

विनोबा को सफलता खरूर होगी. कम होगी या जियादा इस फंमट में इम पड़ना नहीं जाहते, क्योंकि हम स्रक्तता के पीछे कम जियादा लगाना निरी दुनियादारी की बात सममते हैं और उस दुनिया दारी की तराजु में इससानियत नहीं तुला करती, और न इम जाहते हैं कि हम ऐसी मूल करें.

25. 9. '51.

--भगवानदीन.

्भूमि दान--

कोई मनचला कह सकता है कि यह अमीन की खरात मांगने बाला फक़ीर, बिनोबा सब अख़बारों में जगह-पा जाता है, पर इसको अमीन का दान देने वाले अखबार के किसी कोने में ही नहीं बैठ पाते, यह मामला क्या है ?

कोई सर फिरा सोच सकता है कि यह वधी के सेठ जमनाजाल बजाज के दुकड़ों पर पता विनोवा प्रसिद्धी के मैदान में अपने दानी सेठ से भी कहीं आगे निकत गया है, यह बात क्या है ?

यह जानकी बाई बजाज और उनके बेटे कमल नयन बजाज की रोटियां तोड़ने वाला दिन दूनी रात चीगुनी, बीसवीं सदी के भारत में, अपनी जगह बनाता चला जा रहा है, यह भेद क्या है ?

सममने के लिये तो बात बड़ी सीधी है. शहरी छोड़ हर गांव का रहने वाला यह अच्छी तरह जानता है कि पैसा हाथ का मैल है. इसी नाते धन भी हाथ का मैल हुआ और धनों में से एक धन है धरती धन, वह भी हाथ का मैल हुआ. है तो चांदी सोना भी मिट्टी क्योंकि मिट्टी से पैदा है, पर घरती तो साक मिट्टी है एसका दान भी कोई दान है! बंध वहीं बजह है कि दान देने बाले अखबार में कहीं नहीं और दान लेने थाला अखबार के पहले सके पर शब्दों में ही नहीं, शकत में भी मौजूद मिलता है.

जसल में विनोधा दान लेता कहां है, वह तो धरती मोत जरीदता है जौर उसकी इतनी द्रीमत देता है जितनी त कोई सेठ दे सकता है जौर न सरकार. जौर वह क्रीमत है जाएमी के दिल में इनसानियत जगा देना यानी धादमी को उसके राम से मिलने की राह पर लगा देना. जौर फिर विनोधा उस धरती को अपनाता कहां है, वह तो पोस्टमैन की तरह 'इपर आई, उधर उधर दें दी' वह जाम करता है तरह 'इपर आई, उधर उधर दें दी' वह जाम करता عدائی کی برائی بیکٹی انسی کی آسیدہ کے تم بیادہ نکے موتے کے سرچے' نہ کہ آسی یا اس میں بیٹنے ایشور اللہ کے سر

ودویا کو سپهلتا ضرور هوگی ، کم هوگی یا زیاده اس جهنجهت میں هم پرتا نهیں چاهتے کیونکه هم سپهلتا کے پہنچه کم زیادہ لاتان نری دنیاداری کی بات سمجهتے هیں اور اس دنیاداری کی ترازر میں انسانیت نہیں تلا کرتی کور نہ هم چاهتے هیں کہ هم آیسی بهول کریں .

--بهکوان دین

25, 9. '51

بهومی دان___

کوئی من چلا کہ سکتا ہے کہ یہ زمین کی خیرات مانگئے والا فقیر' ونوبا سب اخباروں میں جگه یا جاتا ہے' پر اسکو زمین کا دان دیئے والے اخبار کے کسی کوئے میں ہی تبیں بیٹھ پائے' یہ معاملہ کیا ہے ؟

کوئی سر پہرا سوچ سکتا ہے که یه وردما کے سهتھ جسٹا لال بنجاج کے تکورں پر پلا ونوبا پرسدھی کے مهدان مهن آئے نکل گیا ہے' یہ پات کیا ہے ؟

نه جانکی بائی بجاج اور اُن کے بھٹے کمل نھن بجاج کی روٹھاں تور نے والا دن دونی رات چوگئی' بھسویں صدی کے بہارت میں' اپلی جاته بفاتا چلا جارها ہے' یہ بہید کیا ہے ؟

سمجہلے کے لئے تو بات ہری سیدھی ہے . شہری جھبرر چر کاوں کا رھلے والا یہ اچھی طربے جانتا ہے کہ یہسہ ھاتھ کا میل ہے ، اسی ناتے دھن بھی ھاتھ کا میل ھوا اور دھلوں میں سے ایک دھن ہے دھرتی دھن' وہ بھی ھاتھ کا میل ھوا . ہے تو جاندی سونا بھی متی کیونکہ متی سے پیدا ہے' پر دھرتی تو صاف متی ہے اُسکا دان بھی کوئی دان ہے ! بس یہی وجہ ہے کہ دان دیتے والے اخبار میں کھیں نہیں اور دان لیلے والا اخبار کے پہلے صفحے پر شہدوں میں بھی موجود ملتا ہے .

اصل میں ونوبا دان لیکا کہاں ہے' وہ تو دھرتی مول خوریدتا ہے اور اسکی اللی قیمت دیکا ہے جکٹی نہ کوئی سیکھ دے سکتا ہے اور نه عورار ، اور وہ قیمت ہے آدمی کے دل میں انسانیت جکا دیٹا یعلی آدمی کو اس کے دل میں انسانیت جکا دیٹا ، اور پہر ونوبا اس دھوتی کو ایٹاتا کہاں ہے' وہ تو پوست میں کی طرح 'ادھر آئی' انھو دیے دی' یہ کم کوتا رہتا ہے ،

कींग बहुत पहले से इस तरह की हवा तैबार कर चुके थे. हम तो विनोबा की या कहिन्सा की सफलता या जीत इस बद्धत सममेंगे जब विनोबा किसी दूसरे प्रान्त में कुछ सफलता हासिल कर के दिखा दें.'

यह हमने कम्युनिस्टों की चुनौती का अपने शब्दों में खुलासा दिया है.

विनोबा के मन की बनावट से जितनी हमारी जानकारी है उसके बल पर इस यह कह सकते हैं कि विनोबा इस तरह की चुनौतियों को ध्यान में रखकर कभी किसी मैदान में नहीं कृदा करते. वह तो अपने मन में बैठे ईश्वर से ही सलाह करते हैं और उसी के हक्म की परवाह करते हैं, ब्लीर उसी को मान कर वह किसी भी काम में लग जाते हैं. अब जो वह दूसरे प्रान्तों में खमीन मांगने निकले हैं तो वह कम्युनिस्टों की चुनौती के जवाब में नहीं निकले हैं. उनके मन ने अपने अन्दर बैठे ईश्वर से काफ़ी बहस की झौर जब हर तरह उनके ईश्वर ने उनके मन की तसल्ली कर दी तो वह जमीन मांगने के लिये निकल पड़े. हो सकता है अब भी विनोबा की पूरी हार हो ष्प्रौर कहीं से भी चप्पा भर जमीन उन्हें न मिले, इससे वह न हिम्मत हारेंगे और न अपने ईश्वर को दोश देने बैठेंगे, इस तरह की असफलता में वह अपने ही मन को दोशी मानेंगे. क्योंकि जो काम दुनिया में कोई भी कर सके भौर उसको विनोबा न कर सकें तो उसमें विनोबा के ईश्वर का क्या दोशा. विनोबा के मन और उसके करने के तरीक़ों को ही दोश दिया जा सकता है, और अगर विनोबा को ईस काम में सफलता हुई तो विनोबा अपने को, अपने मन को या उसकी तरकी बों को सराहने वाले नहीं. सफलता का यश इस अन्तरात्मा या उस ईश्वर के पांव में पटल विया जायगा जो ईश्वर उनके घन्दर बैठा है.

विनोवा या सत्य और अहिन्सा पर सच्चे जी से विश्वास करने वाले जब भी किसी मैदान में क्रदम रखते हैं तो इस सचाई को ही ध्यान में रखकर क्रदम रखते हैं कि हर आदमी में आदमियत मौजूद रहती है. और उसी नंगी आदमियत का नाम अन्तरात्मा, जमीर, कानशन्स, इनसानियत या ईश्वर है. उस नंगी आदमियत तक अगर कोई आदमी अपनी बुराइयों का जामा उतार कर और नंगा होकर पहुंच सके तो वह जरूर दूसरी आत्मा अपनी बुराई का जामा उतार कर और अपनाती है और जितनी देर तक वह बुराई के जामे से अबग रहती है ऐसे काम कर जाती है जो उसके लिय तो मंते होते ही हैं दुनिया भर के लिये भी भने होते हैं. अव अगर विनोवा अपने नंगे होने में कमी कर जायंगे तो उत्तने ही कम लोगों की नंगी आदमियत तक पहुँच पायंगे और इतनी ही कम लोगों की नंगी आदमियत तक पहुँच पायंगे और

یہ هم نے کمهونسٹوں کی چئوتی کا آبھ شبدوں میں مخطعه دیا هے .

ونوبا کے من کی بقارت سے جقلی هماری جانکاری ہے أسكم بل يرهم يع كه سكته هيس كه ونوبا إس طرح كي چلوتیوں کو دھیان میں رکھ کر کبھی کسی میدان میں نهين كودا كرتم . وه تو ايم من مين بيته أيهور سه هي صالم کرتے میں اور اُسی کے حکم کی پرواہ کرتے میں' اور أسبى كو مبان كر ولا كسى بهى كام ميل لك جاته هيل . اب جو ولا دوسرے پراندوں میں زمین مانکا ناکلے هیں ھو وہ کمھونسٹوں کی چلوتی کے جواب میں نہیں نکلے ههل . أن كے من نے الله اندر بهتم أيشور سے كافي بعدث کی اور جب مر طرح اُن کے ایشور نے اُن کے من کی تسلی کردسی تو وہ زمین مانکلے کے لئے نکل بڑے . هوسکتا هے آپ۔ بھی ونوبا کی پوری ھار ھو اور کھھن سے بھی چپا بھر وصهن أنهين نه ملے اس سے نه وه هدت هاريلكم اور نه أبي آيشور كو دوش دينے بيتومنكے . اس طرح كى أسبهاتا مهن ولا اید هی من دو دوشی مانینکد . کهونکه جو کام **دنها میں کوئی بھی کرسکے اور اُس کو ونوبا ن**ه کر معیں تو اُس میں ونوبا کے ایشور کا کیا درش. وُنوبا کے میں اور اُس کے کرتے کے طریقوں کو ھی فوهى ديا جاسكتا هي. اور اكر ونوبا كو اس كام مهن سههاتنا هوای تو رنوبا اید کو اید من کو یا اُسکی ترکهبون كو سراها وال نهين . سبهاتا كا يهن أس أتعرآتما يا أس ایھور کے پاؤں میں پاتھ دیا جانبا جو ایشور اُن کے اندر بيتها هي .

ونوبا یا ستیه اور اهلسا پر ستیم جی سے وشواس کونے والے جب بھی کسی میدان میں قدم رکھتے هیں تو اس سیمیائی کو هی دهیان میں رکھ کو قدم رکھتے هیں کم هر آدمی میں آدمیت موجود رهتی هے ، اور اسی نلکی آدمیت کا نام انتراتما ضمیو کانشنس انسانیت یا ایدور هے ، اس نلکی آدمیت تک اگر کوئی آدمی ایلی براٹیوں کا جامه آثار کو اور نلکا هوکر پہونی سکے تو وہ شہور دوسری آنما اینی برائی کا جامه آثار کر اس سے فرائی کے جامے سے الگ رهتی هے ایسے کام کو جاتی هے جو برائی کے جامے سے الگ رهتی هے ایسے کام کو جاتی هے جو اس کے لئے بھی بھلے ہوتے هی هیں دنیا بھر کے لئے بھی بھلے آمید کی سیمی کرجائیلگے اور آتنی هی کم لوگوں کی نلکی آدمیت تک پہونی تو آئیلیکے اور آتنی هی کم سیمیلکا یائیلگے ، سیمیکنا کی کمی

इस नहीं सममते कि इसमें कहाँ सिद्धान्य की हार हुई, कहां शिव्ययत की जीत हुई और कहां लोकशाही की बेक्क्र्री हुई. यह नासमफ लोकशाही ही थी जो अंगरेओं को अपने सिर पर बिठाए हुए थी और यह भी नासमफ लोकशाही ही थी जिसने अंगरओं को निकाल बाहर किया. और अब भी नासमफ लोकशाही न जाने क्या कर बैठे. शराब के नशे में जिस तरह आदमी अपनी समफ खो बैठता है इससे कहीं जियादा समफ वह रुपए के नशे में सो बैठता है.

किसी ने ठीक कहा है— कनक कनकते सौ गुनी मादकता अधिकाय बाय खाय बौरात है याय पाय बौराय.

सच मुच धतूरा (कनक) खाने से नशा होता है पर सोना (कनक) तो हाथ में आने से ही पागत बना देता है.

सिद्धान्त यह है कि वरिका कमेटी को छाल इंडिया जुने. यह है जाल इंडिया का रिश्रायत, कि वह सभापित को अपनी वरिका कमेटी बना लेने हे. सिद्धान्त यह है कि आल इंडिया अपने सभापित को कभी वरलास्त कर दे, यह है आल इंडिया की रिश्रायत कि वह सभापित को मौका हे कि वह अपना स्तीका पेश पर दे. पर यह रिश्रायतें रिवाज में आकर कायदा कानून बन बैठती हैं और फिर सिद्धान्त सी जबने लगती हैं और बहस का मजमून बन जाती हैं.

लोकशाही में पहाड़ की तलहटी उसकी घाटियाँ, उसके मैदान, उसकी चोटियाँ सब शामिल हैं. सिद्धान्त में सिर्फ चोटियाँ शामिल हैं, शिख्यत में सिर्फ इनी गिनी चोटियाँ शामिल हैं. सिद्धान्त और चोटियाँ बनती बिगड़ती रहती हैं चौर तलहटी अटल खड़ी उनका तमाशा देखती रहती है. असल में बिगाड़ती बनाती तो बही है.

स्रोकशाही की सदा जय होती है और दिला में लोक शाही की ही जय हुई.

24.9.751

—भगवानदीन

कम्युनिस्टों की चुनौती-

बहुत दिन नहीं बीते जब कम्युनिस्टों ने विनोबा को यह चुनौती दी थी:—

'विनोबा तेलंगाना में जमींदारों से किसानों को जमीन विज्ञाबा रहे हैं और उसमें उन्हें जो बोड़ी बहुत सफलता मिंती है वह सिर्फ इस वजह से हैं कि वहां हम अन्युनिस्ट

ناڑ ھوئی کہاں شخصیت کی جیت موٹی اور کہاں اور کہاں لوگ اس میتا است اور کہاں لوگ اس میتا کی جیت موٹی اور کہاں لوگ شاھی کی جیت موٹی کی فیاں اوک شاھی کی جو انگریزوں کو ایم سر پر پٹھائے ھوئے تھی اور یہ می ناسمجه لوگ شاھی کی نامریوں کو اس بھی ناسمجه لوگ شاھی ہا اور اب بھی ناسمجه لوگ شاھی نے جانے کیا د بھتھے، شراب کے نشے میں جس طرح آدمی اپنی سمجه وہ بہتھتا ہے اس سے کہیں زیادہ سمجھ وہ روپ کے نشے میں کہو بہتھتا ہے اس سے کہیں زیادہ سمجھ وہ روپ کے نشے

کسی نے تھیک کہا ھے ۔۔۔

كنك كنكتم سوكني مادكتا أدهوكائم

وأ كهائم بورات ه يائه بائه بورائه .

سپے مچے دعتورا (کلک) کھانے سے نشہ ھوتا ہے پر ولا (کلک) تو ھاتھ میں آنے سے ھی پائل بنا دیتا ہے .

سدهانت یه هے که ورکنگ کمیتی کو آل الدیا چئے ۔
هے آل اندیا کی رعایت که وہ سبها پتی کو اپنی ورکنگ بیتی بنا لینے دے ۔ سدهانت یه هے که آل اندیا اپ بها پتی کو کبهی برخاست کر دے نیه بی آل اندیا کی بها پتی کو موقع دے که وہ اپنا استعفیل بیتی کو موقع دے که وہ اپنا استعفیل بیتی کو دے ۔ پر یه رعانتیں رواج میں آکر قاعدہ قانوں یا بیتیتی هیں اور پهر سدهانت سی جیچنے لگتی بی اور پحث کا مضمون بن جاتی هیں .

لوک شاهی میں پہار کی تلهتی اس کی گهاتهاں' اُس میدان' اُس کی چوتھاں سب شامل هیں. سدھانت اِس مرف چوتھاں سب شامل هیں صرف اِنی سخصیت میں صرف اِنی خوتھاں شامل هیں، سدھا ست اور چوتھاں بنتی وتی رہتی ہیں اور تاہتی اُٹل کھری اُن کا تماشه دیکھتی تھی ہے ۔ اصل میں بنارتی بناتی تو وهی ہے .

لوک شاهی کی سدا جے هوتی هے اور دالی میں لوک اهی کی هی جے هوئی .

24 . 9 . 51

ميونسٿوں کي چنوتي--

بہت دن نہیں بی<u>تے</u> جب کمیونسٹوں نے ونوبا کو یہ فوتی دبی تھی :---

'ونوبا تللکانه میں زمینداروں سے کسانوں کو زمین وا رہے ھیں اور اُس میں اُنہیں جو تورزی بہت سپیلتا اُس جے وہ صرف اُس وجه سے ہے که رهاں هم کمیونست जार है. पटेश श्रीक्स का वे चुकार में कोश दिश्या किया. मों टंडन जी की शिक्स यत कांगरेस के सभापित के जासन पर जा बैठी. जगर यह कहा जाय तो वेजा न होगा कि टंडन जी पटेल की गोदी में बैठ गए. खुलासा यह कि नासिक कांगरेस में शिक्स यत की जीत हुई सिद्धान्त की नहीं.

नासिक की कांगरेस में कांगरेस का जो प्रोप्राम पास हुआ उस में भी सिद्धान्त की जीत नाम को भी नहीं थी. इस में थी जीत नेहरू शिखतयत की. या तो इस समय कांगरेस की लोकशाही अपने में नहीं थी या दूसरे में थी तभी वो ऐसी चीज वहाँ पास होगई, जिसे कांगरेस की कोकशाही जी से ठीक नहीं समभती थी. पर इससे क्या बह जी से ठीक सममे या न सममे इसे जीतने से काम. लोकशाही हारना जानती ही नहीं. चसकी हार कभी नहीं होती. फारसी की एक कहावत है कि "इकट्रे होकर मरने में भी बड़ा जानन्द जाता है." फिर लोकशादी क्या हारेगी. यह लोकशाही के बार्ये हाथ का खेत है कि वह चाहे सिद्धान्त को जिता दे, चाहे शिखसयत को. अगर सिद्धान्त भीर शिखसयतों में कुछ भी दम होता तो क्या आज दुनिया में भूट, हिन्सा, चोरी, पंजीवाद, ऐयाशी, शराब खोरी, सूद जैसी चीज कहीं देखने को भी मिलतीं. जैसी रुष्ट वैसे फरिश्ते यह फहावत किसे नहीं मालूम. वैसे ही, जैसी सोकशाही वैसे ही सिद्धान्त या वैसी ही शखिसयत.

सिद्धान्त और शिखसयत का काम है कि वह लोकशाही की मानें भीर कोकशाही का हुक्म मानना ही दुनिया में सब से बड़ा सिद्धान्त हैं. जो इसकी नहीं मानता वह धिद्धान्त मानने बाला आवमी नहीं कहा जा सकता. और बही अपनी शिखसयत स्त्रो बैठता है. दिल्ली में यहीं भूत टंडन जी ने की और उन्होंने इस भूत से अपनी श खिसयत खोई नहीं तो उसे धक्का जहर पहुँचाया. यह लोकशाही तो थी जिसने टंडन जी का इस्तीका मंजूर किया. यह क्रीकशाही तो थी जिसने नेहरू जी को समापति चुना. बह, दो या चार, सचमुष, अलग अलग तानाशाह है, किन्होंने इन दोनों प्रस्ताबों के खिलाफ राय दी अगर उनके दिस में यह बात थी कि दुनिया उनकी माने और लोकशाही को न माने. बेशक, राय देने तक वह कोकशाही के अंश थे तेकित चगर वह उसे अब भी सिद्धान्त सममे हुए हैं तो बेशक वह तानाशाही की तरफ दौड़े चले जा रहे हैं. शुक्ला जी ने नागपुर पहुँच कर क्या ठीक बात कही-"मैंने लोक-शाही के नाते खिलाफ राय दी और लोक्शाही के नाते अब बोहराही के साथ हूँ और नेहरू को अप्रना नेता मानवा हैं."

المسلم الله المحمدات في بهذار مين الهوا المسلم المحمد المحمدات ال

ناسک کی کانگریس مهی کانگریس کا جو پروگرام پاس هوا اُس مهل بهی سدهانت کی جهت نام کو بهی نهها تهي . أس مين تهي جهت نهرو شخصيت كي . يا تو أس سم كانكريس كى لوك شاهى أيد مين نهير، تهى يا فوسوے مهن تهی تبهی تو ایسی چیز وهان پاس هوگئی[،] جسے کانگریس کی ارک شاھی جی سے تھیک نہیں سنجهتی تهی . پر اس سے کیا وہ جی سے تهیک سنجھ یا نه سمتهم أب جیدلم سے کام . لوک شاهی هارنا جاندی هي نهين . أسكي هار كجهي نهين هوتي . فارسي كي ایک کہاوت ہے که "اکٹیے هوکر مرنے میں بھی ہوا آنند آتا ہے.'' پھر لوک شاعی کھا ھاریکی ۔ یہ لوک شاھی کے هائيس هانه کا کهيل هے که وه چاهے سدهانت کو جاتادے' جاهے شخصیت کو . آگر سدھانت اور شخصیتیں میں كجه بهى دم هوتا تو كيا آج دنيا مين جهوت فنسا جورى پونجى دادا عياشى شراب خورى سود جيسى چهویں کہیں دیکھلے کو بھی ملتیں . جیسی روح ریسے قرشتے یه کہارت کسے نہیں معلوم ، ویسے هی جهسی : لوک شاهی ویسے هی سدهانت یا ویسی هی شخصیت.

سدهانت اورشخصیت کا کام هے که ولا لوک شاهی کی مانهن أور لوك شاهي كا حكم ماننا هي دنيا مين سب سے ہوا سدھانت ھے . جو اِس کو نہیں مانٹا وہ سدھانت مالغه والا آدمی نهیں کہا جاسکتا اور وهی اپنی شخصیت کهر بیتهتا هے . دای میں یہی بهول تندن جی نے کی اور انہوں نے اِس بھول سے ایلای شخصیت كهوثى نبههي تو أس دهكا ضرور يهونجايا . يه لوك شاهي تو تھی جس نے تلکن جی کا استعفیل منظور کیا . یہ لوک شاهی تو نهی جس نے نہرو جی کو سبھایتی چلا۔ ولاً دو يا جار سي مي الك الك تأنا شاة هين جنهون یے ان مونوں پرستاؤں کے خلاف رائے دی اگر اُن کے دل مہور یہ بات تھی کہ دنیا اُن کی مانے آور لوک شاهی کی تم مانے . بیشک وائے دیئے تک وہ لوک شامی کے انس تهر الهكين اكر أيد ولا أب بهي سدهانت سمنجه هوائد هيل الله المشكل ولا قافا شاهى كي طرف دور عداد جاره هيل. هکا بھی نے نافہور پہونے کر کیا تبیک بات کہی۔۔''میں دلوک شاهی کے ناتے خاف رائے دس اور لوک شاهی کے ناتے اب لوک شاهی کے ساتھ هوں اور نهرو کو اُبنا نبتا مانتا هوں.''

शराय बेहेद खराय चीच है. इस बात की सभी खूब सममते हैं. यहाँ सभी से हमारी मुराद बन सभी से हैं जिनको इमने नासमक जोकशाही के तीसरे दरजे में रका है.

इसी शराय को लेकर अमरीका में बढ़े जोरों का जान्योसन वठा और एक मरतवा सारे जमरीका में शराब बन्द कर वी गई. बेशक यह काम लोकशाही की मदद से हुआ, लेकिन उस लोकशाही की मदद से जिसे यह ज्ञान तो था कि शराब इनसान और इनसानियत के लिये बेहद खराब चीज है पर यह पता न था कि उसे इस तरह का ज्ञान है. वस, अमरीका की ससमदार लोकशाही की एक था कुछ शिखसयतों ने उस जनता को उसके शान का श्रान कराया और अमरीका में शराब बन्दी के लिये राय ले ली चौर सरकार ने क़ानून के जरिये शराब बन्द कर दी. यह शराब बन्दी की बात सुनकर बरतानिया के धूर्तों ने बोरी से बमरीका शराव पहुंचाना श्रुरू की ब्रीर पहले और दूसरे नम्बर की नासमभ लोकशाही को भड़काना शक किया और तीसरे नम्बर की लोकशाही की खोपड़ी पर जाद का दन्दा फेर कर अमरीका में फिर शराब शुरू करा दी. जिसने शराब शुरू कराई वह भी लोकशाही यी और जिसने बन्द कराई वह भी लोकशाही थी. फरक़ इतना था कि जिसने बन्द कराई वह सममदार कोकशाही थी भौर जिसने फिर शुरू कराई वह सममदार नासमम बोकशाही थी.

हम यह सब कहकर यह कहना चाहते हैं कि हम सब को सममत्वार सममत्वार लोकशाही के फैसलों को ही सच्ची लोकशाही के फैसले सममना चाहिये. और सममदार ना समम लोकशाही के फैसलों को सममना तो गलत फ़ैसला ही होगा, पर बेबसी से उन्हें सर पर तो चढ़ाना ही पड़ेगा. बन्दरों की नासमम लोकशाही ने क्या सममदार बया का घोंसला नहीं तोड़ दिया था. और जिस तरह बया ने उस लोकशाही का जुल्म सहाथा उसी तरह नासमक लोकशाही के जुल्म भौरों के साथ साथ समकदारों को भी सहने पड़ते हैं.

र्यंडन जी को सोकशाही ने समापति चुना. श्रीर जब खुना तब सिद्धान्त जैसी कोई चीज लोकशाही के सामने नहीं थी. इसके सामने थीं दो शिखवर्ते-एक कुपलानी जी और दूसरे टंडन जी-इन दोनों की शखितयतों को भी हिन्दुस्तान की सारी जनता पूरी तरह नहीं जानती थी. बह किन ही और वो शिखसयतों को ठीक ठीक सममती ंबी. चौर वह दो थीं--नेहरू चीर पटेल. नेहरू शखिसयत इस बक्रत चुप रही. सुनवे हैं यही इस शिक्षयत की السراب ير عند كراب بهذر في أس باحد كو سبهي خوب عباد میں . بہاں سبھی سے هماری مراد آن سبھی سے جن او هم لے ناسبعه لوک شاهی کے تیسوے درجے ن رکها ھے .

إسى شراب كو لهكر أمريكه مهن يوء زورون كا أندولن ا اور ایک مرتبه سارے امریکه میں شراب بند کردیی ے. بیشک یہ کام لوک شاھی کی مدد سے ہوا' لیکن ے لوک شاهی کی مدد سے جسے یہ گیاں تو تہا کہ اب انسان ارر انسانیت کے لئے بے حد خراب چیز ہے به پته نه تها که أس اس طرح كا كهان هـ بس اس امريكه سعهدار لوك شاهى كي ايك يا كچه شعصه دو في ے جفتا کو اُس کے گیان کا گیان کرایا اور امریکه میں ب بددی کے لیے رائے لے لی اور سرکار نے قانون کے ذریعے ب بند کردی . یه شراب بندی کی بات سفکر برطانهه دھورتوں نے چوری سے امریکہ شراب پہونچانا شروع اور پہلے اور دوسرے نمبر کی ناسمجم لوک شاهی کو کاتا شروع کیا آور تیسرے نسیر کی لوک شاهی کی پری پر جادر کا تندا پههر کر امریکه مهن پهر شراب ع کوادی ، جس نے شراب شروع کواٹی وہ بھی لوک می تھی اور جس نے بند کرائی وہ بھی لوک شاھی تھی۔ النا تها که جس نے بند کرائی وا سمجهدار سمجهدار ے شاهی تهی اور جس نے پهر شورع کرائی ولا سمجهدار معجه لوک هاهی تهی .

هم یه سپ که کریه کهنا جاهاتے هیں که هم سب سنجهدار سنجهدار لوک شاهی کے فیصلوں کو هی نی لوک شاهی کے فیصلے سمجھڈا چاهیے . اور سمجھدار مجه لوک شاهی کے فیصارں کو سمجھنا تو غلط فیصاء هوگا، پر بے بسی سے انہیں سر پر تو چوهانا هی پویکا: روں کی ناسبچھ لوک شاعی نے کیا سمجھدار بھا کا سلم نہیں تور دیا تھا ۔ اور جس طرح بھائے اُس ، شاهى كا ظلم سها تها أسى طرح ناسمتجه لوك شاهى طلم آرروں کے ساتھ ساتھ سنجھداروں کو بھی سہلے

تندن جی کو لوک شاهی نے سبھا پھی جانا ، اور ، چنا تپ سدهانت جیسی کوئی چیز لوک شاهی کے تے نہیں تھی . اُس کے ساملے تبھی دو شخصتیں ایک م بھی اور دوسرے تلکن جی--ان دونوں کی شخصیتوں ہی مندستان کی ساریجلتا پوری طرح نہیں جانعی . ولا كن هي أور دو شخصيتون كو تهيك تهيك سنجهتي ، اور وه دو تههی سنبرد اور پتهل، نبرد شخصیت ولت بهني وهي , سلتم هين يبي أس شغصيت كي

(2) ولا لوگ جر اپلی بهلائی برائی بهی بالکل نههی سمجهند، پر أنههی اِتفی تمدز ضرور هے که ولا یه سمجهند. هیں که ولا انهانی هیں اور اینا بها برا نهیں سمجهند.

يس يبي جلتا كا ولا بهاك هے جسے كچه من چلے بهكا لهتے میں اور اُس سے یکے چارے کا کام لهتے هیں، جس میں ان کے بہکانے کے جتنی قابلیت ہے وہ اتنی هی فوجیں کھڑی کر سکتا ہے ، کوئی اِنہیں دھرم کے نام پر بہکاتا ہے' کوٹی دیھی کے نام پر' کوٹی اِنسانیت کے نام پر' کوئی پریم کے نام پر کوئی ایشور کے نام پر کوئی ستھ اعدسا کے نام پر اور کوئی لرک شاہی کے نام پر . اِن لوگوں میں یه تدیز تو موتی نههی که یه خود سوچ سکیس که این کی پُهلائی برائی کس بات میں <u>ه</u>' اِس لَمُ جو جهسا سمجها دیتا مے ویسا یہ مان لیتے هیں اور اُس کے لئے جان لواني كه لئم تهار هوجاته هيس . أكر أيسا نه هوتا تو کھا آہے هادستان کی گورکھا پلتنیں هندستان نے برطانیہ غ هاته سونب دی هونهن اور کها وهی گورکها پلتلین مرطانهه کی ماتحتی میں جگه جگه ایسا کام کر رای رهوتهی جس سے برطانهم کی جگم ملدستان بدنام هو رها هوتا . أور كيا ولا تهروكها بِلتَّذين برطانية كي ماتحتى مهن بنا سوج سمجه كورياكم مهدان مهن أبني لواثي کے کر تب دکھا رہی ہوتدی ایسی طرح کی ہر ملک کی فاسمنجه لوک شاهی کوریا میں فوجی حیثیت سے جا التي هے اور كوريا كو تعس نعس كر كے دنيا كے تعس نعصس هونے کی بنیاد ڈال رھی ھے .

(3) ولا جنتا جو إينا بهلا برا خوب سنجهتى ه

پر آسے یہ پتہ نہیں کہ آسے ابھ بہلے برے کا گیاں ہے۔ بس اینسی ناسدہ جاتا کو سمجہدار لوک شاہی کی شخصیتیں سمجھاتی ھیں اور ان کا نشہ آنار دیتی ھیں اور اگر وہ مقلک قالم ھوتا ہے تو وہ اُن کے ذریعے اُس کو آزاد کوالیتی قیل اور پہر آنہیں لوگوں سے وہ حکومت کا کام لیتی ھیں۔ حضرت محمد نے یہی کیا اور مہاتما گاندھی نے بھی یہی کہا۔ روس' چھن' جاپان' امریکہ سبھی ملکوں میں ٹوک شاھی کی سمجھدار شخصیتیں جام لیتی رھیں ٹوک شاھی کی سمجھدار شخصیتیں جام لیتی رھیں ٹوک شاھی کی سمجھدار شخصیتیں جام لیتی رھیں

के किसी न किसी कोने में पाए आते हैं. एन में और कितनी ही मलाइयां क्यों न हों पर दुनिया के सब लोग पक हैं, उनकी मलाई ही में सब की मलाई है, यह मलाई इनमें नाम को भी नहीं पाई जाती. ऐसी जनता से फीजी सिपाहियों का काम भी मुराकिल से लिया जा सकता है.

(2) वह लोग जो धापनी भलाई युराई भी बिलकुत नहीं समझते, पर उन्हें इतनी तमीज जरूर है कि वह यह समझते हैं कि वह अज्ञानी हैं और अपना भला बुरा नहीं समझते. वस यही जनता का वह भाग है जिसे कुछ मनखते बहका लेते हैं और उससे पके चारे का काम लेते हैं. जिसमें इनके बहकाने की जितनी काबलियत है वह

सममते. बस यही जनता का वह भाग है जिसे कुछ मन-खतनी ही फीजें खड़ी कर सकता है. कोई इन्हें धर्म के नाम पर बहकाता है, कोई देश के नाम पर, कोई इनसानियत के नाम पर, कोई प्रेम के नाम पर, कोई ईश्वर के नाम पर, कोई सत्य अहिन्सा के नाम पर और कोई लोकशाही के नाम पर. इन लोगों में यह तमीज तो होती नहीं कि यह खद सीच सकें कि इनकी भलाई बुराई किस बात में है, इसलिये जो जैसा समका देता है वैसा यह मान लेते हैं और उसके लिये जान लड़ाने के लिये तैयार हो जाते हैं. अगर ऐसा न होता तो क्या आज हिन्दुस्तान की गोरखा पत्तटमें हिन्दुस्तान ने बरतानिया के हाथ सौंप दी होतीं और क्या वही गोरखा पलटनें बरतानिया की मातहती में जगह जगह ऐसा काम कर रही होतीं जिससे बरतानिया की जगह हिन्दुस्तान बदनाम हो रहा होता. श्रीर क्या वह गोरखा पलटनें बरतानिया की मातहती में बिना सोचे सममे कोरिया के मैदान में अपनी लड़ाई के कर्तव दिखा रही होतीं. इसी तरह की हर मुल्क की नासमक लोकशाही कोरिया में फीजी हैसीयत से जा डटी है और कोरिया को तहस नइस करके दुनिया के तहस नहस होने की धुनियाद डाल रही है.

(3) वह जनता जो अपना भला बुरा खूब सममती है पर इसे यह पता नहीं कि इसे अपने भले बुरे का झान है.

बस ऐसी नासमक जनता को समकदार लोकशाही की शिखसयतें समकाती हैं और उनका नशा उतार देती हैं और आगर बह मुल्क गुलाम होता है तो वह उनके जिरये उसको आजाद करालेती हैं और फिर उन्हीं लोगों से वह हक्सत का काम लेती हैं. हजरत मुहम्मद ने यही किया और महास्मा गांधी ने भी यही किया. रूस, चीन, जापान, अमरीका सभी मुल्कों में लोकशाही की समकदार शिखस-बतें जम्म लेती रहीं और इसी तरह अपना काम करती रहीं.



लोकशाही, सिद्धान्त ऋौर शिख्सयत—

लोकशाही के नाम पर नेहरू टंडन मामले को लेकर कितने ही नोट पढ़ने को मिले. सममदार लिखने वालों में शायद ही कोई बचा हो जिसने इस पर कुछ लिखा न हो. सब लेखों का निचोड़ इतना ही है कि इस मामले में शाखिसयत की जीत हुई, सिद्धान्त (बसूल) की हार हुई. और सिद्धान्त की हार में लोकशाही की बेकदरी हुई.

हम इस बारे में लिखने से पहले लोकशाही यानी डेमोक्रेसी को हम क्या समके हैं इसे साफ कर देना चाहते हैं. उसके साफ कर देने से हमें उम्मीद है कि शिख्सयत और सिद्धान्त की लोकशाही में क्या जगह है यह भी साफ हो जायगा.

कोकशाही यानी कोकमत को हम दो तरह का मानते हैं—एक सममदार लोकमत—दूसरा ना समम लोकमत—सममदार लोक मत जैसी चीज दुनिया में कहीं नहीं है. जब वैसा हो जायगा तब सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह जायगी. सममदार लोकमत से हमारा मतलब है ऐसी जनता से जो अपनी भलाई बुराई को अच्छी तरह सममती है और यह भी सममती है कि वह उसे खूब सममती है. ऐसी जनता दुनिया के परदे पर कहीं नहीं है. हां, ऐसी शिख्सयतें ज़रूर मिलती हैं. वह ही जनता में रूह फूँकती हैं, उन्हें लोकशाही की जानकारी कराती हैं और कुछ दूर तक उन्हें लोकशाही की तरफ बढ़ा देती हैं.

्र नासमम लोकशाही दुनिया के सब देशों में खूब फैली हुई है. यह लोकशाही भी तीन तरह की होती है—

(1) वह जो अपना भला बुरा बिलकुल नहीं जानती और जिस को यह भी तमीज नहीं है कि वह यह सममती हो कि वह अपना भला बुरा नहीं जानती. इस में वह सब कोग शामिल हैं जो जंगली हालत में दुनिया के हर मुल्क

ب شاهی' سدهانت اور شخصیت—

لوک شاہی کے نام پر نہرو تلقن معاملے کو لے کر کتانے نوت پڑھنے کو ملے ، سمجھدار لکھنے والوں میں شاید کوئی بچا ھو ۔ کوئی بچا ھو جس نے اس پر کچھ لکھا نہ ھو . الیکھوں کا نچور اِنٹا ھی ھے کہ اِس معاملے میں صفت کی جیت ھوئی' سدھانت (اُصوال) کی ھار ہے اور سدھانت کی ھار میں لوک شاھی کی بے . اور سدھانت کی ھار میں لوک شاھی کی بے . ور ھوئی .

هم اِس بارے میں لکھنے سے پہلے لوک شاعی یعنی وکریسی کو هم کیا سمجھے هیں اِسے صاف کر دینا چاهتے ، اُسکے صاف کر دینے سے همیں اُسید هے که شخصیت سدیدانت کی لوک شاهی میں کیا جگه هے یه بھی ، همچائے گا ،

لوک شاهی یعنی لوک مت کو هم دو طرح کا مانکه

اس ایک سمجهدار لوک مت جیسی چیز دنیا میں

نہیں ہے . جب ویسا هوجائے کا تب سرکار نام کی

پخیز نہیں رہ جائے گی . سمجهدار لوک مت سے

را مطلب ہے ایسی جنتا سے جو اپنی بھائی برائی

اچھی طرح سمجھتی ہے اور یہ بھی سمجھتی ہے کہ

اچھی طرح سمجھتی ہے اور یہ بھی سمجھتی ہے کہ

سے خوب سمجھتی ہے . ایسی جنتا دنیا کے پردے پر

نہیں ہے . ھاں' ایسی شخصتیں ضرور ملتی ھیں ،

می جنتا میں روح پھونکتی ھیں' انھیں لوک شاھی

جانکاری کواتی ھیں اور کچھ دور تک آنھیں لوک

ناستجه لوکشاهی دنیا کے سب دیشوں میں خوب پههلی ہے۔ ہے ، یہ لوک شاهی یهی تین طرح کی هوتی ہے۔ (1) وہ جو اپنا بهلا برأ بالکل نهیں جانتی أور ن کو یہ سمجھتی هو وہ اپنا بهلا برا نهیں جانتی ، اس میں وہ سب لوگ ئی هیں جو جانگی خالت میں دنیا کے هر ملک ئی هیں جو جانگی خالت میں دنیا کے هر ملک

धक्सूबर '51

(352)

L'arrience Continue il

'51 med

- 6. कोरिया आर्मिस्टेस कानकरेन्स एक नई जगह करने के लिये जनरल रिजवे की तजवीज. सैन कान्सिस्कों में जापानी सुलहनामें पर रूस के एतराज. नई दिल्ली में कांगरेस वरिक्श कमेटी की बैठक शुरू. बरिक्श कमेटी के सभी मेम्बरों ने अपना स्तीका कांगरेस सदर को दे दिया.
- 7. आचार्य विनोबा जी का दिल्ली पैदल जाने का फैसला. टंडन जी ने नई दिल्ली में प्रेस कानफरेन्स में पलान किया कि मैं कांगरेस सदर की जगह से स्तीका दे देगा मगर वरकिंग कमेटी हरगिज नहीं बदल सकता.
- 8. नई दिल्ली में कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की "गुप्त" बैठक में टंडन जी ने स्तीफा दिया और बड़े बजीर पंडित जबाहर लाल नेहरू कांगरस सदर चुने गए. सैनफ्रांसिस्कों में जापानी सुलहनामें का रूस, जेकोसलोवाकिया और पोलैंड ने बाईकाट किया.
- 9. कांगरेस वालों से ईमानदारी और नैक नीयती से काम करने के लिये कांगरेस सदर जवाहर लाल की अपील. कांगरेस का सालाना इजलास 18, 19 अवत् बर को दिल्ली में होगा.
- 10 श्रांगरेजी सरकारी खजाने ने ईरान की स्टर्लिंग रोक को डालर में बदलने के खिलाफ कारवाई की. कनाडा इस साल डेंद्र करोड़ डालर की मदद हिन्दुस्तान को देगा.
- 11. कम्युनिस्टों ने रिजवे की तजवीज नामंजूर कर दी. पाकिस्तानी बड़े वजीर ने कशमीर के चुनाव को मस्तील बताया.
- 12. अमरीका के डिफ़ेन्स मंत्री जनरत मारशत ने स्तीफ़ा दे दिया. आवार्य विनोबा जी अपने पौनार आश्रम से नई दिल्ली पैदल रवाना.
- 13. अवादान के कारखाने के अंगरेजी इंजीनियर को ईरान सरकार का हुक्म कि अपना चार्ज ईरानी इंजीनियर के सपुर्द करें. ईद के मौक्र पर शेख अब्दुल्ला का प्लान कि कशमीर इमारा है.
- 14. कांगरेस से इटे लोगों को वापस आने के लिये पंडित नेहरू की अपील. जरनिलस्ट फेडरेशन का प्रेस बिल के खिलाफ ठइराव.
- 15. पंडित नेहरू ने अपनी नई वरिकंग कमेटी के पंदूह मेम्बरों के नामों का एलान किया. प्रजा पारटी की कौंसिल ने तय किया कि वह कांगरेस में शामिल नहीं होगी. बर्ल्ड बैंक की चीन और उत्तर कोरिया के जिलाफ कारवाई. नई दिल्ली की कैबिनेट में प्लानिंग मिनिस्टर का नया तक्कर र.

- 6 کوریا آرمسٹس کانفرنس ایک نئی جگه کرنے کے لئے جفرل رجوے کی تجویز ، سین فرانسسکو میں جاپاتی صلح نامے پر روس کے اعتراض ، نئی دلی میں کانگریس روکفگ کمیٹی کی بیٹیک شروع ورکفگ کمیٹی کے سیبی ممہروں نے اپنا استعفی کانگریس صدر کو دے دیا ،
- 7. آچاریہ ونوبا جی کا دلی پھدل جانے کا فیصلہ ، اللہ جی نے نگی دلی میں پریس کانفولس میں اعلان کیا کہ میں کانکریس صدر کی جگہ سے استعفی دیے دوں کا مکر ورکنگ کمیٹی ہرگز نہیں بدل سکتا ،
- 8. نئیدلی میں کل هند کا نگریس کمیتی کی''گیت'' بیٹھک میں تنقیحی نے استعفی دیا اور برے وزیر پندت جواهر لال نہو کا نگریس صدر چنے گئے ۔ سین فرانسسکو میں جاپانی صلح نامے کا روس زیکو سلووائیہ اور پولینڈ نے بائی کات کیا ۔
- 9. کانگریس والوں سے ایدانداری اور نھک نھتی سے کام کرنےکے لئے کانگریس صدر جواھرلال کی ایمل . کانگریس کا سالانہ اجلاس 18 19 اکتوبر کو دلی میں ہوگا .
- 10. انگریؤی سرکاری خوانے نے ایران کی اسٹرلنگ روکو کو قالو میں بدلنے کے خلاف کاروائی کی . کفاڈا اِس سال قیزھ کروڑ ڈالر کی مدد مندستان کو دے گا .
- کمهونستوں نے رجوے کی تجویز ناملطور کر دی.
 پاکستانی ہوے رویر نے کشمیر کے چفاو کو مخول بتایا .
- 12. امریکہ کے دفلس ملاری جلال مارشل نے استعفیٰ دے دیا ، آچاریہ ونوبا جی ایے پونار آشرم سے نگی دلی پہدل روانہ .
- 13, ابادان کے کارخانے کے انگریزی انجیدیر کو ایران سرکار کا حکم که ایدا چارج ایرانی اِنجیدیرکے سیرد کریں ، عید کے موقع پر شیخ عبدالله کا اعلان که کشمیر همارا هے.
- 14. کانگریس سے ھتے لواوں کو راپس آنے کے لئے پیٹھت نہرو کی اپھل ۔ جرناست فدریشن کا پریس بل کے خلف تہراؤ ۔
- 15. پلقت نہرو نے اپنی نئی ورکنگ کمیتی کے پندوہ ممہروں کے ناموں کا اعلان کیا ، پرچا پارتی کی کونسل نے طے کیا کہ وہ کانگریس میں شامل نہیں ہوگی، وولق بینک کی چین اور آتر کوریہ کے خلاف کارروائی ، نئی دلی کی کیبنت میں بلانگ ملستر کا نیا تقرر .

- 26. जासाम के पास रेल गाड़ी पटरी से डतर गई. कुल हिन्द शिया कानफरेन्स का पंडित नेहरू पर 'पूरा यक्तीन' रसने का प्लाम.
- 27. हिन्दुस्तान जापान से द्यलग सुलह करेगा—बढ़े वजीर का हिन्दू पार्लिमेन्ट में एलान.
- 28. पंडित जवाहर लाल की नई दिल्ली में प्रेस कानफरेन्स—मजबूरी की हालत में कांगरेस सदर बनने को तैयार हिन्दुस्तान के विदेशी ट्रेड वैतेन्स की हालत में काफी तरकती. जापान और अमरीका में अलग कीजी सुलहनामें पर रूसी प्रेस में नाराजगी.
- 29. कांगरेस की गुत्थो सुलमती नखर नहीं धाती— नई दिल्ली की खबर. बनस्पति की चीजों पर बाहर भेजने के लिये एक्सपींट डियूटी हिन्द सरकार ने हटा ली.
- 30. इसराईल और अरब के देशों को आठ करोड़ डालर देने का अमरीका का फैसला. टंडन जी का वरिकंग कमेटी को बदलने से लखनऊ में इनकार.
- 31. कशमीर के नए चुनाव में शेख अबदुल्ला और नेशनल कांनफरन्स के पच्चीस नाम बद्द उम्मीद्वार बिला मुकाबला चुन लिये गए. हिन्द पार्लिमेन्ट में प्रेस बिल होम मिनिस्टर ने पेश किया. यू. पी. असेन्बली में बच्चों की बेहतरी के बारे में बिल पास.
- 1. सितम्बर—यू. पन. श्रो. की सिक्योरिटी कौन्सिल ने मिस्र को स्वेज नहर में इसराईल जाने वाले जहाजों को रोक देने पर मिस्र की बुराई की श्रीर उन्हें छोड़ देने के लिये उहराव पास किया. मिस्र का यह फैसला मानने से इनकार. डाक्टर मुसादिक का एलान कि ईरान श्रपनी जगह पर श्रटल रहेगा. श्रीनगर में कशर्मार यूनिवरसिटी के कनवा-केशन में होम मिनिस्टर राज गोपालाचार्य की स्पीच. श्रास्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड श्रोर श्रमरीका ने श्रापस में एक हिंका अती पैक्ट पर दस्तलत किये.
 - 2. ब्लैक पूल में झंगरेजी लेबर पारटी की कानकरेन्स.
- 3. ईरान सरकार अवादान वाला तेल का कारखाना चालू करेगी. पार्लिमेन्ट में सी. रियासतों का बिल पास. दिल्ली के पास रेल गाड़ी लड़ गई.
- 4. सैन फ्रांसिस्को में जापानी सुलह कानकरेन्स शुरू
- 5. धाक्तसानी बड़े बजीर का नई निल्ली में पंडित नेहरू द्वारा सत्कार. श्रंगरेजी ट्रेड यूनियन कानिक्तरेन्स में बाएं दल का ठहराव खारिज. श्रहमदाबाद में गो हत्या बन्द श्रान्दोजन करने वालों पर पुलिस ने गोली चलाई.

- 26. آسام کے پاس ریل کاری پاگری سے آٹر گئی، کل ندھیمہ کانفرنس کا پلکت نہرر پر ' پررا یقین ' رکھنے املان .
- 27. هندستان جاپان سے الگ صلح کرے کا -- بوے پر کا هند پارلیمنت میں اعلان .
- 28. ینگت جواهر ال کی نئی دلی میں پریس نفوس سے مجبوری کی حالت میں کاگریس صدر بلنے و تھار . هندستان کے ودیشی ترید بیللس کی حالت بھی کافی ترقی . جاپان اور امریک میں الگ فوجی صلح اسے پر روسی پریس میں ناراضگی .
- 29. کانگریس کی گٹھی سلجھٹی نظر نہیں آتی۔۔۔ ئی دلی کی خبر ، بنسپٹی کی چھڑوں پر باھر ہھجنے کے لئے ایکسپورٹ ڈیوٹی ھند سرکارنے ھٹالی .
- 30. اسرائیل اور عرب کے دیشوں کو آتھ کرور ڈالر اینے کا امریکہ کا فیصلہ ، تغذن جی کا ورکنگ کمیٹی کو دلئے سے لکھنؤ میں انکار ،
- 31. کشمور کے نگے چفاؤ میں شہخ عبدالله اور یشفل کالفرنس کے پچھس نامزد اُمیدوار بلا مقابله چن لگے گئے . هند پارلیمنت میں پریس بل هوم منستر نے پھی کیا . یو . پی . استبلی میں بچوں کی بہتری کے اربے میں بل پاس ،
- 1. سعمبر -- یو . این . او . کی سکھورتی کونسل نے صر کو سوئیز نیو میں اسرائیل جانے والے جہازوں کو روک یئے پر مصر کی برائی کی ارر آنہیں چھور دینے کے لئے تھہراو اس کیا . مصر کا یہ فیصلہ ماننے سے آنکار . قاکتر مصادق کا ملان کہ ایران اپنی جگہ پر اتل رہے گا . شری نگر میں کشمیر ونیورستی کے کنووکیھن میں ھوم منستر راج گویالا ہاریہ کی اسپیچ . آسٹریلیا' نیوزی ٹینڈ اور امریکہ نے آیس ہیں ایک حفاظتی پیکٹ پر دستخط کئے .
- 2. بلیک پول میں الکریزی ایبرپارٹی کیکانفرنس،
- 3. ایران سرکار ابادان والا تهل کا کارخانه چالو کرے ہے ۔ پارلیمنت مهی سی . ریاستوں کا بل پاس . دلی کے اس ریل گاڑی لو گئی .
- 4. سین فرانسسکو میں جایانی صلع کانفرنس بروم هوئی .
- 5. افغانی ہوے وزیر کا نئی دلی میں پندت ہرو دوارا سکار انگریوی ترید یونین کانفرنس میں اثیں دل کا تھہراؤ خارج احمدآباد میں کو ھاتا ہند عوائی کرنے والوں پر پولیس نے گولی چائی .

and the second second second of the second second

देश विदेश की डायरी

- 16. अगस्त-ईरान में तेल की बात चीत अटक गई. कांगरेस सदर टंडन जी का बम्बई में एलान कि चाहे जो हो मैं अपना फर्ज अदा कलंगा. स्वामी सीताराम शास्त्री का आन्ध्र सुवा बनाने के मामले पर गुन्दर में अनशन गुरू.
- 17. पार्लिमेन्ट ने पंजाब में गवरनरी हकूमत के लिये बिल पास किया.
- 18. ईरान ने झंगरेजी सुमाव रह कर दिये. इलाहाबाद के पास रेज गाड़ी (छोटी लाइन) पटरी से उत्तर गई. मत्रास में झाचार्य कुपलानी ने तामिजनाद प्रजा पारटी के पहले जलसे का उद्घाटन किया.
- 19. कोरिया में अमरीकी फीजों का एक अचानक (लेकिन छोटे इलाक़े में) धाबा.
- 20. पखतृत जिरगए-हिन्द के सदर की डाक्टर फानक माहम से आजाद पखतूनिस्तान के बारे में ग़ीर करने के लिय दरसास्त. जिनेवा में यू. पन. ओ. की आर्थिक और समाजी बैठक में विदेशी पूँजी के मामले पर दिन्दुस्तान और अमरीका के नुमाइन्दों में मत भेद.
- 21. कांगरेस की पार्लिमेन्टरी बैठक में पंडित जवाहर लाल की दिल खोल कर बात चीत. नैपाल के राजा हिन्दुस्तान छाए,
- 22. मध्य प्रदेश के होम मिनिसटर द्वारिका प्रसाद मिश्र का पंख्ति जवाहर लाल की भीतरी बाहरी पालिसी के खिलाफ बयान और डिक्टेटर होने का इलजाम.
- 23. केसांग में बमबारी किये जाने पर कम्यु नस्टों को एतराज—बात चीत बन्द. हैरान में मामला तय न हो सका. श्रंगरेजी नुमाइन्दे स्टोक्स सन्दन को वापस रवाना. मिस्र के बड़े बजीर नहास पाशा का एलान कि हम सन 36 वाला सममौता क्रवूज नहीं कर सकते.
- 24. जापान के अमरीकी कमान्डर जनरत रिजवे की कम्युनिस्टों से बात चीत करने के लिये नई शर्ते. ईरान के मामले में जब तक वहां की सरकार कोई खास क़दम न उठाए तब तक आगे और कुछ न बढ़ने का अंगरेजी कैबिनेट का फैसला. मध्य प्रदेश के होम मिनिस्टर द्वारिका प्रसाद मिश्र का मिनस्टरी से स्तीका.
- 25. सैन फ्रांसिसको कानकरेन्स में हिन्दुस्तान के शरीक न होने का पतान. नई दिल्ली में टंडन-नेहरू गुत्थी को सलमाने की कोशिशें जारी.

ەيش وەيش كى تائرى

16. اگست-ایران میں تیل کی بات چیت اتک کئی. انگریس صدر تندن جی کا بمبئی میں اعلان که چاہے جو هو میں اینا فرض ادا کرونتا سوامی سیتا رام شاستری کا آندھر صوبه بنانے کے معاملے پر گنترو میں ان شن هروء.

17. پارلیمات نے پلنجاب میں گورنری حکومت کے لگے بل پاس کیا .

- 18. ایران نے انگریزی سجهار رد کر دیئے. اله آباد کے پاس ریل کاری (چهوٹی لائن) پٹری سے اُتر کئی ، مدراس میں آچاریه کریلانی نے تامل ناد برجا پارٹی کے پہلے جلسے کا اُدکھائن کیا .
- 19. كوريا مهن امريكى قوجون كا أيك أچانك (لهكون چهوته علاقه مهن) دهاوا .
- 20. پختون جرگهٔ هند کے صدر کی قاکتر فرانک گراهم سے آزاد پختونستان کے بارے میں فور کرنے کے لئے درخواست ، جدووا میں یو این ، او ، کی آرتهک اور سماجی بهتهک میں ودیشی پونجی کے معاملے پر هندستان اور امریکہ کے نمائندوں میں مت بھید ،
- 21. کانگریس کی پارلیمنگری بیگهک میں پندت جواهو لال کی دل کهول کو بات چیت نیپال کے راجه هندستان آئے .
- 22. مدھیم پردیش کے ھوم منستر دوارکا پرساد مشر کا پنت جواھر لال کی بھیتری باہری پالیسی کےخلاف بھاں اور دہتیتر ھونے کا الزام .
- 23. کیسانگ میں ہمباری کئے جانے پر کمھونسٹوں کو اعتراض سے بات چیت بند ، ایران میں معاملہ طے نه هوسکا ، انگریزی نمائندے اسٹوکس لندن کو واپس روانه ، مصر کے بچے وزیر نتماس باشا کا اعلان که هم سن 36 والا سِمجھوته قبول نہیں کر سکتے ،
- 24، جاپان کے امریکی کمانڈر جدرل رجوے کی گمھولسٹوں سے بات چھت کرنے کے لئے نئی شرطیں ، ایران کے معاملے میں جب تک وہاں کی سرکار کوئی خاص قدم نه اُٹھائے تب تک آئے اور کچھ نه بوھنے کا انگریزی گھھٹت کا فیصله ، مدھیه پردیش کے هوممنسٹر دواوکا پرساد میں استعنی ،
- 25ء سین فراسسکو کانفرنس میں هلدستان کے شریک نه هولے کا اعلان نائیدلی میں تلقن نہرو کتھی کو سلجھالے کی کوششیں جاری .

हैं कि जिन लोगों को सवानों की शिका से दिलक्सी हो वह इन कितानों से जरूर लाभ डठाएँ. सब कितानें सोकह सोलह सके की हैं और हर कितान का दाम पांच आना है. ن که نون لوگون کو شهالوں کی شکشاً سے ماجسینی مو اِن کتابوں سے فرور لابھ الهائیں ۔ سب کتابیں سوله له صفحے کی میں اور هر کتاب کا دام پانچ آت ہے ۔

काम धंदे

गोपी तांगे वाला
सम्पत कहार
अब्दुर्रहमान राज
छोटे लाल बढ़ई
कल्लू हलवाई
धूल जी रसोइया
द्वारका प्रसाद नाई
प्यारे लाल दर्जी
फूलचन्द मूल चन्द पंसारी

जीवन-चरित्र

श्री कुरन जी
श्री राम चन्द्र जी (दो भाग)
महात्मा गौतम बुद्ध
भक्त कवीर
चमीर खुसरो
निजामुद्दीन चौिलया
गुरु नानक देव जी
करबला के शहीद
स्वामी द्यानन्द सरस्वती
मुस्तफा कमाल पाशा (दो भाग)

प्रसिद्ध पुस्तकें

रामायन (दो भाग)
हातिम ताई (तीन भाग)
भारहा ऊदल हैं(दो भाग)
शाकुन्तला और दुश्यन्त
पद्मावत
पंच तंत्र (दो भाग)
भातिफ लेला (चार भाग)

मिलने का पता— मक्तवा जामिश्रा लिमिटेड, जामिश्रा नगर, देहली

کام دھندے

گوپی تانگے والا سمیست کہار عبدالرحمان راچ چہوتے لال ہڑھئی کلو حلوائی دھول جی رسوئیا دوارکا پرساد نائی پھارے لال درزی

جهون چر^تر

شری کرشن جی شری کرشن جی (در بهاگ) مہاتما گوتم بدھ مہاتما گوتم بدھ المهر خسرو المهر خسرو نظام الدین اولیا گرو ناتک دیوجی کربلا کے شہید سوامی دیانند سوسوتی مصطفی کمال پاشا (دو بهاگ)

پرسده پستکهن

راماین (دو بهاگ) حالم طائی (تین بهاگ) آلها اودل (دو بهاگ) شکفتهٔ آور دشیفت پدماوت پنج تفتر (دو بهاگ) الف لیله (چار'بهاگ)

ئے کا پتھ— مکتبه جامعه لمهتهد، جامعه نگرا دهلی .

Contract of the state of the st

इस पास्तत को पूरा कर रहे हैं. इस सम्बंध में वह 'रोर-मो-शायरी' नामी किताब बहुत पहले निकाल चुके हैं, उससे सोगों की प्यास नहीं बुमी. गोयलीय जी ने अब वयं किया है कि उरदू की शायरी के इतिहास को सामने रख वह उरदू शायरों को हिन्दी में पेश करेंगे ताकि कोई ब्हुटने न पाप. यह बहुत बड़ी योजना है. 'शेर-भो-सुखन' चस सिलसिले की पहली किताब है. किताब मोटी होने की वजह से उसे है भागों में बांटा गया है. शुरू से लेकर 1900 ई॰ तक के सब मशहूर और इतिहासी अहमियत रखने बाले 'राजल गो' शायरों का इस में जिक है. हर शायर की ग़जल का नमूना देने से पहले उसकी जिन्दगी का भी थोड़ा थोड़ा सा परिचय दिया गया है, उस के वातावरन और माहौल का भी अनुमान कराया गया है. सम्पादक के नोट तो बहुत मारके के हैं. उरदू शायरी से इस तरह की जानकारी इससे कम में कोई किताब अभी तक नहीं पेश कर सकी. गोलीय जी को इस मेहनत पर जितनी बधाई दो जाय कम है.

किताब की जिल्द बेहद सुन्दर है और पीछे इन्हेक्स दिया हुआ है. किताब के लाभ के बारे में जो कुछ भी कहा जाय कम है. मेरो निगाह में तो बस इतना हो कहना काकी है कि इस किताब को हर उस आदमी को पढ़ना चाहिये जो उरदू साहित्य की एक प्रनाली के बारे में एक ही किताब पढ़कर बहुत कुछ जानना चाहता है. मन बहलाब के लिये तो यह जबरदस्त साधन है. हमें अब 'शेर-आं-सुखन' के दूसरे भागों का बेचैनी से इन्तजार है.

---मुजीब रिजवी

प्रौढ़ शिक्षामाला की किताबें

जामिश्रा मिल्जिशा देहली के प्रौद शिचा विभाग (इदारए-तालीम व तरक्की) ने दस साल तक सियानों में शिचा फैलाने का काम किया है. इस सिलसिले में उसने जो तजरने किये हैं वह बहुत सफल रहे हैं. मक्तवा जामिश्रा देहली ने बालिग़ों की शिचा के लिये बहुत सी कितानें भी छापी हैं. इन कितानों की खूबी यह है कि इन्हें अच्छर पहचान सकने वाले लोग भी बड़े मजे में पढ़ सकते हैं. कितानों की भाशा बहुत आसान है और इन छोटी छोटी कितानों के जरिये हर तरह की आनकारी बढ़ सकती है.

असग असग विशयों की किताबों के असग असग कवर हैं जो बहुत सुन्दर हैं. टाइप काफी मोटा इस्तेमाल किया गया है और तस्वीरों की वजह से यह किताबें और भी अपयोगी बन गई हैं. किताबों के नाम ही से उनके अन्दर क्या है, यह मासूम हो जायगा. इम सिफारिश करने

اليور فيرون كو يورا كر رهے هموں اس سمعلاند مهن ولا المعرو شاعري نامي كتاب بهت بهلد نكال جهد مهل ، اُس سے لوگوں کی پیاس نہیں بجھی ۔ گوگلھم جی لے اب طے کہا ہے کہ اُردو کی شاعری کے اتباس کو سامنے رکھ وہ اُردو شاعروں کو ہندی موں پیش کریں گے تائم کوئی جهودًا نه بائے یه بهت بوی یوجلا هے ، ا شعر و سخن اس سلسے کی پہلی کتاب ہے، کتاب موثی هولي كي وجه س أس جه بهاكون مين بانتا كيا هي. شروع سے لے کر 1900 میسوی تک کے سب مشہور أور أتهاسي اهمهت ركهنے والے "فالكو" شامروں كا اُسُ میں ڈیر ھے ۔ ہر شاعر کی فزل کا نمونہ دیلے سے پہلے اُس کی زندگی کا بھی تھوڑا تھوڑا سا پریجے دیا گھا ھے' اس کے واتاورن اور ماحول کا بھی انومان کرایا گیا ہے . سمیادک کے نوت تو بہت معرکے کے هیں . أردو شاعری سے اِس طرح کی جانکاری اِس سے کم میں کوئی کتاب ابهی تک نبین پیش کر سکی . گوئلیه جی کو اِس معملت پر جتنی بدعائی دی جائے کو ھی۔

کتاب کی جلد ہے حد سندر ہے اور پہنچھے انداکس دیا ھوا ہے۔ کتاب کے لابہ کے بارے میں جو کچھ بھی کہا جائے کم ہے ۔ مہری نکالا میں تو بس اتفا ھی کہنا کافی ہے کہ اِس کتاب کو ھر اُس آدمی کو پڑھنا چاہئے جو اُردو ساھتیہ کی ایک پرنالی کے بارے میں ایک ھی کتاب پڑھکر بہمت کچھ جانفا چاھتا ہے ۔ میں بہلار کے لئے تو یہ زبردست سادھی ہے ۔ ھمیں اب 'شعروستی' کے درسرے بہائوں کا بے چینی سے انتظار ہے .

--- منجيب رضوي

ہررزہ شکشا مالا کی کتابیں

جامعہ ملهہ دهلی کے پررزھ شکشا و بھاگ (اِداَرہ تعلیم و ترقی) نے دس سال تک سیانوں میں شکشا پھھلانے کا کام کیا ہے . اِس سلسلے میں اُس نے جو تجربے کی ہمیں وہ بہت سپهل رہے دیں . مکتبه جامعہ دھلی نے بالغیں کی شکشا کے لیئے بہت سی کتابیں بھیچھان میں . اِن کتابوں کی خوبی یہ ہے کہ اِنھیں اکشر پہچان سکتے والے اوگ بھی برے مزے میں پڑھ سکتے دیں . کتابوں کی بھاشا پہت آسان ہے آرر اِن چھوتی چھوتی جھوتی کتابوں کے ذریعے در طرح کی جانکاری بڑھ سکتی ہے .

الگ الگ وهیوں کی کتابوں کے الگ الگ کور هیں جو بہمی سندر هیں تائب کافی موتا استعمال کیا گیا ہے آور تصویروں کی وجه سے یه کتابیں اور بوی آیمولی بن گئی هیں ، کتابوں کے نام هی سے ان کے اندر کیا ہے، یہ معلوم هوجائے گا، هم سفاره کرتے

was the state of t



प्तितारों से जरों तक

तिसने वाले-जगन्नाथ आजाद.

निकालने वाले-मकतवा शाहराह, देहली.

लिखावट--- डरदू, सके 192, क्रीमत दो रुपए बारह आने.

'बेकरां' के बाद जगन्नाथ आजाद का यह दूसरा सजमुशा है. सन '47 के बाद बहुत सी चीजों में तबदीली हुई है. आजाद की शायरी में भी काफी तबदीली हुई है. इस दीबान का नाम "सितारों से जरों तक" ही इस तबदीली का परिषय देता है. इस किताब में सन '47 के बाद की कही हुई नजमें, राजलें और रुवाइयाँ शामिल हैं. कमजोर से कमजोर इनसान की ताक़त का आजाद कायल है और रुहता है—

वही इनसान, साहिल पर जिन्हें तूकां का धोका हो अगर अड़ जायं, तुकानों को भी साहिल सममते हैं.

आज सिक्कों की चमक हमारे साहित्यकों की नीयत डांबांडोब कर देती है, मजबूरी के धारे उन्हें बहा तो जाते हैं. आजाद उन्हें यह पैराम देता है—

> अपना पैराम जमाने को सुनाने के एवज ताज और तखत भी मिलते हों तो इनकार करें.

आजाद का माहौल तो आज हम सबका माहौल है. केकिन इस माहौल ने आजद पर जो असर डाला है, उसकी शायरी को जो रूप दिया है, उसे जानने के लिये इस किताद को पदना बहुत ही जरूरी है.

—मुजीब रिजवी

शेर-भो-सुखन

ر در منظور پروز کام در در انتخاب موراند در در منظور پروز کام در در در انتخاب موراند

सम्पादक—श्री अयोध्या प्रसाद गोयलीय निकालने वाले—भारतीय ज्ञान पीठ, काशी.

लिखाबट-हिन्दी, सफ्ते 754, क्रीमत आठ रुपया.

उरदू साहित्य को सिर्फ नागरी लिखावट जानने वालों के सामने लाने की आज सखत जरूरत है. गोयलीय की

ناروں سے ذروں تک

لكهني والي-جكن ناته آزاد .

نكالنے والے -مكتبه شاهراه دهلي .

لکیهارت—آردو' صفتے 192' قیست دو روپے بارہ آئے،
'بیکراں' کے بعد جگن ناته آزاد کا یہ درسرا مجموعه
، سن 47' کے بعد بہت سی چیزوں میں تبدیلی
، هے . آزاد کی شاعری میں بھی کافی تبدیلی ہوئی
، اس دیوان کا نام ''ستاروں سے ذروں تک'' ھی اس
یلی کا پریتے دیتا ہے . اِس کتاب میں سن 47' کے
، کی کہی ہوئی نظمیں' فزلیں اور رباعیاں شامل ھیں ۔
ر سے کمزور انسان کی طاقت کا آزاد قائل ہے اور کہتا

بی انسان' ساحل پر جلههی طوفان کا دھوکا ھو ر آز جائیں' طوفانوں کو بھی ساحل سمجھتے ھیں . آج سکوں کی چمک ھمارے ساھتیکوں کی نیمت اِآدُول کردیتی ہے' مجبوری کے دھارے اُنھیں بہا لیجاتے ے . آزاد اُنھیں یہ پہغام دیتا ہے —

اپنا پہنام زمانے کو سنانے کے عوض تا اور تنصت بھی ملتے عوں افکار کریں

آزاد کا ماحول تو آج هم سب کا ماحول هے . لیکن ماحول نے آزاد پر جو اثر قالا هے اُس کی شاعری کو روپ دیا هے اُسے جانئے کے لئے اِس کتاب کو پڑھئا ت هی ضروری هے .

۔ مجہب رضوی

مروسخي

سمهادک - شری ابودهها درساد کوثلهه نکلنے والے - بهارتیه کهان پهته کاشی.

لکھاوٹ ۔۔ ھندی' صفتے 754' قیمت آٹھ روپیہ ، اُردو ساھتھہ کو صرف ناکری لکھاوٹ جاننے والوں کے بنے لانے کی آج سطمت ضوروت ہے ، گوئلیہ جی ्योपारी ने भाने में झाइवर के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई और झाइवर को गिरफ्तार कराने के खिये अपनी सारी कोरिश लगादी मगर वह कामयाव न हुआ.

बहुत दिन बीत गए. कई बरस के बाद सी. आई. डी. की रिपोर्ट पर एक आदमी पकड़ा गया. सी. आई. डी. के आफसरों को पूरा यक्षीन था कि यह आदमी बही चोर बाइबर है.

खत आदमी को अदालत में पेश किया गया और बोका देने का इलजाम लगा कर मुक़दमा चलाया गया. मगर उसने ड्राइवर होने से ही इनकार कर दिया और कहा कि मैंने आज तक ड्राइवरी नहीं की है. वह आदमी जमानत पर रिहा हो गया और मुक़दमा चलने लगा. कई बार अदालत में पेशी हुई, मगर वह इनकार ही करता रहा. वह इतनी सफाई से बहस का जवाब देता था कि मुखालिफ अकील की छुछ न चलती. आखिर नौबत यहाँ तक पहुंची कि मुक़दमें को खत्म करने की बात होने लगी.

लेकिन सच सच है और फूट फूट. एक दिन उस जादमी के पाप का भंडा फूट ही गया हुआ यह कि एक दिन अदालत ही में ज्योपारी ने उस आदमी की यह कह-कर बुलाया—"ड्राइवर साहब! मेरी एक बात तो सुनिये."

वह आदमी मुलिजमों के कटबरे में खड़ा था. ब्योपारी की बात सुनकर उसी तरह चौंक पड़ा जैसे कोई हमारा नाम लेकर पुकारे तो हम चौंक कर देखने लगते हैं. उसने मट ब्योपारी की तरफ देखा और कहा—"कहिये क्या कहते हैं ?"

हाकिम बैठा हुआ यह सब देख रहा था. उसे विश्वास हो गया कि यह आदमी पहले जरूर ड्राइवर रहा होगा. और फिर उसे चोरी और धोका देने के जुर्म में सात बरस की सजा दे दी गई और उसका माल सरकार ने जब्त करके क्योपारी को दिला दिया.

('पयाम तालीम' से)

चुटकुला

बाप-बेटा, रास्ते में देख कर चला करो, नहीं तो किसी दिन मोटर के नीचे आ जाओगे.

बेटा-इससे क्या ? मैंने न जाने कितनी बार हवाई जहाज के नीचे आ गया हूँ.

—वेनी माधो प्रसाद

بھوپاری نے تھانے میں قرائیور کے خلاف رپورٹ لکھائی اور قرائیور کو گرفتار کرانے کے لئے ایلی ساری کوشش لگادی مگر وہ کامیاب نہ ہوا ،

بہت دن بیتگئے، کئی برس کے بعد سی، آئی، تی، کی رپورت پر ایک آدمی پکڑا گیا ، سی ، آئی ، تی کے انسروں کو پورا یقین تها که یه آدمی وهی چور قرائهور ہے،

اس آدمی کو عدالت مهی پیش کها گها اور دهوکه دینے کا الزام لکاکر مقدمه چلایا گیا . مگر اس نے قرائیوری هوئے سے هی انکار کر دیا اور کہا که میں نے آج تک قرائیوری نہیں کی ہے . وہ آدمی ضمانت پر رها هوئیا اور مقدمه چلانے لئا . کئی بار عدالت میں پیشی هوئی مگر وہ انکار هی کرتا رها . وہ انکی صفائی سے بنتھ کا جواب دیتا تها که منطائف وکیل کی کچھ نه چلانی . آخر نوبت یہاں تک پہنچی که مقدمے کو ختم کرنے کی بات هونے لگی .

لیکن سے سے ہے آور جھوت جھوت ۔ ایک دن اُس آھمی کے پاپ کا بھنڈا پھوت ھی گیا ۔ ھوا یہ کہ ایک دن مدالت ھی میں بھوباری نے اُس آدمی کو یہ کہکر بالیا ۔ ''ترانیور صاحب! میری ایک بات تو سنٹے''

وہ آدہی مازموں کے کٹکھرے میں گھڑا تھا . پھوپاری کی بات سن کر اُسی طوح چونک پڑا جھسے کوئی ھمارا نام لے کر پکارے تو ھم چونک کر دیکھنے لگتے ھیں . اُس نے جھت بیوپاری کی طرف دیکھا آور کھا۔۔''کھئے گیا کھتے ھیں ؟''

حاکم بھٹھا ھوا یمسب دیکھ رھا تھا ۔ أبے وشواس ھولیا کھ ہے آدسی پہلے ضرور ڈرائیور رھا ھوٹا ۔ آور پھر اُسے چوری آور دھوکم دیلے کے جرم میں سات برس کی سؤا دیدی گئی آور اُس کا مال سرکار نے ضبط کرکے بھویاری کو دلا دیا۔

('پیام تعلیم' سے)

جتكله

پائیا ۔۔۔ بیٹا' راستے میں دیکھکر چلا کرو' نہیں تو کسی دی موٹر کے نیجے آجاو کے ۔

--بینی مادهو پرساد

कौटने से पहले छन कोगों ने महोरी का नर्फ हटाने का नेक्स ने देखा जो एवरेस्ट की नोटी के पास के टीको से 30 फीट नीचे पड़ा था. यह नेक्स पत्थरों पर इस तरह पड़ा था मानो किसी ने कक ही छसे वहाँ रखा हो. यही नेक्स चन हो बीरों महोरी और इरविन का आखिरी निशान था जो सन 1924 में एवरेस्ट की चोटी तक पहुँचने महिलों में खो गए थे. एवरेस्ट की ऊंची नोटी तक पहुँचने की यह कोशिश भी नाकामयान रही.

सन 1933 में एवरेस्ट की चोटी को हवाई जहाज से फतह किया गया. महीनों की तैयारी के बाद, दो हवाई जहाज 3 अप्रैल को बिहार के जिला प्रनीया से एवरेस्ट के लिये रवाना हुए. उनका नेता लार्ड क्लैडस डेल था. उस दिन मीसम कुछ अच्छा था और चोटी भी साफ दिलाई दे रही थी. आहिस्ता आहिस्ता हवाई जहाज 30,000 फीट उपर उहे और एवरेस्ट की चोटी पर चक्कर काटने लगे. सारी दुनिया यह सुनकर ताज्जुब में पड़ गई कि एवरेस्ट की उंची चोटी को आदमी ने हवाई जहाज से फतह कर लिया है.

सन 1936 में पाँचवीं बार एवरेस्ट पहाड़ पर पैदल बढ़ने की कोशिश की गई. इस बार रिटल्ज ही यात्रियों का नेता बना. 27 अप्रेल को चढ़ाई गुरू हुई. मौसम बहुत अच्छा था. ऐसा लगता था इस बार सफलता जरूर मिलेगी. यात्रियों ने पहाड़ पर अपना चौथा कैम्प 23,000 फिट की ऊंचाई पर लगा लिया था. पर इसी बीच जोरों का बर्फ गिरने लगा और पहाड़ पर चढ़ना नामुमिकन हो गया. इस तरह यह यात्रा भी नाकामयाव रही.

इन पाँच कोशिशों की असफलता के बावजूर एवरेस्ट अतह करने की कोशिशों अब भी जारी हैं.

भूट कैसे छिपता ?

पक क्योपारी ने कुछ सामान खरीद कर एक किराये की मोटर ली और उसी पर माल रखकर आप भी उसी मर बैठ गया. थोड़ी दूर चलने के बाद उसने झाइवर से गाड़ी दकवाई और पेशाब करने के लिये मोटर से नीचे उतर गवा.

वह जैसे ही पेशाब करने बैठा, छाइवर ने गाड़ी स्टार्ट करदी और कुल सामान लेकर चलता बना. ब्योपारी सैकड़ों बार इस तरह अपनी दुकान तक सामान ले गया था, लेकिन कभी पेसा संजोग न हुआ था. सामान के अलावा क्योपारी का थैला भी मोटर में था जिसमें क़रीब तीस या बचीस हजार रुपए के नोट थे. نوائیے سے پہلے آن لوگوں نے مالموری کا برف مالے کا بوت مالے کا بوت مالے کا بوت کے پاس کے الیا سے بعد دیکھا جو ایورست کی چوالی کے پاس کے الیا سے با مانو کسی نے کل ھی آسے وھاں رکھا ھو . یہی بیلجت و ویروں مالموری اور ارون کا آخری نشان تھا جو سن 1 میں ایورست کی چوالی تک پہونچکے پہونچکے یہونچکے کی میں کھو گئے تھے . ایورست کی اونچی چوالی تک چیے کی یہ کوشی بھی ناکامیاب رھی .

سن 1933 میں ایورست کی چوٹی کو ھوائی جہاز تمے کیا گیا ، مہیلوں کی تیاری کے بعد در ھوائی جہاز ریل کو بہار کے فلع پورنیا سے ایورست کے لئے روانه . اُن کا نیٹا اور چوٹی بھی صاف دکھائی دے رھی تھی. اُچھا تھا اور چوٹی بھی صاف دکھائی دے رھی تھی. تم آھستہ ھوائی جہاز 30,000 قلت اوپر آڑے اور مت کی چوٹی پر چکر کاٹنے لئے ، ساری دنیا یہ سن بچب میں پر گئی که ایورست کی ارتجی چوٹی کو بچباز سے قائم کو لیا ہے .

سن 1936 میں پانچویں بار ایورست بہار پر پیدل نئے کی کوشش کی گئی . اس بار بھی رقاز ھی ، ہس کا نیکا بنا . 27 اپریل کو چوھائی شروع ھوئی ، م بہت اچھا تھا . ایسا لکتا تھا اِس بار سپھلتا ضرور کی . یاتریوں نے پہار پر ایفا چوتھا کھمپ 23,000 کی اونچائی پر لکا لیا تھا . اسی بیچ زوروں کا برف لکا اور پہار پر چوھنا ناممکن ھوگھا . اس طرح یہ اُ بھی نا کامیاب رھی .

اں پانچ کوششوں کی اسپھلتا کے باوجود ایورست م کرنے کی کوششیں اب بھی جاری ھیں .

جهوت کیسے چهپتا ?

آیک بھوپاری نے کی سامان خرید کر ایک کوائے کی ر لی اور اسی پر بھٹھ گھا ، ر لی اور اسی پر بھٹھ گھا ، رسی دور چلنے کے بعد اُس نے درائھور سے گاری رکوائی پیشاب کرنے کے لئے موار سے نہیجے آنو گھا ،

وہ جیسے بھی پیشاب کرنے بیٹھا' دَرائیور نے گاری الرق کردی اور کل سامان لے کر چلتا بنا . بیویاری کورں بار اس طرح اپنی دوکان تک سامان لے گیا تھا' بن کیھی ایسا سلجوگ نہ ہوا تھا . سامان کے علوہ یاری کا تھیلا بھی موٹر میں تھا جسمیں قریب تیس کیس ہزار روپے کے نوٹ تھی .

कड़ी बर्जीकी हवा के कारन उन कोगों को कैम्प में थोड़े दिन कड़मा पड़ा और फिर वह आगे न बढ़ सके. जब बरफ का तूकान आता है तो हर चीज बर्फ से ढक जाती है और आगे के रास्ते का पता नहीं लगता इसिलये इन लोगों को बौट आना पड़ा. सन 1921 की यात्रा सफल न हुई ता भी उन लोगों ने एवरेस्ट पहाड़ के आस पास का एक नक़शा बना लिया और पनरेस्ट जाने का रास्ता ढूँढ लिया.

सन 1922 में दूसरी यात्रा शुरू हुई. जी. सी. ब्रूस ने 25,000 फिट ऊँचाई पर एक कैम्प लगाया. वहां से यह लोग खीर थागे बढ़े खीर 26,985 फिट की ऊँचाई पर पहुंचे. वहां मौसम बहुत खरान था. फिर भी उन लोगों ने हिम्मत न हारी खीर 27,300 फिट तक पहुंच गए. मौप्तम खीर जियादा खराब होने के कारन उन्हें लौटना पड़ा. उन्होंने फिर ऊपर चढ़ने की कोशिश की. इस बार जब वह ऊपर चढ़ रहे थे तब बर्फ के एक पहाड़ के बीच वह फंस गए खीर दब गए. सात कुक्षी मर गए मगर एक भी अंगरेज पहाड़ बाज नहीं मरा.

सन 1924 में तीसरी यात्रा शुरू हुई जिस का नेता म स था. उसने पहले 16,800 किट की ऊँचाई पर कैम्प बागाया. फिर आखिर में उसने क्ररीय 27,000 किट की कॅचाई पर कैम्प लगाया. यहाँ से एवेरस्ट की चोटी बहुत नखदीक थी. नशहर यात्री मल्लोरी जो पहली कोशिशों में हिस्सा ले चुका था, अपने साथी एन्डिव इरविन के साथ, जो अभी अभी आक्सकोर्ड से पढ़ाई खतम कर के आया था, एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने की कोशिश की. 6 जून को सुबह साढ़े सात बजे मल्लोरी श्रौर इरविन श्रपने है नम्बर केम्प से रवाना हुए. एवरस्ट की चोटी के वह नजदीक पहुँच गए और इसके पास चलते हुए दिखाई पड़े. मगर थोड़ो देर के बाद धादल घिर आया और तब से इरविन और मलोरी का कुछ पता न मिला. हो सकता है कि उनको सांस लेने के लिये आक्सीजन की कमी पड़ी हो या दोनों बर्फ के नीचे आ गए हों. इन दो वीरों की याद में कैम्प के पास उनके साथियों ने एक यादगार क्रायम की.

सन 1933 में चौथो बार पहाड़ बाजों के एक दल ने एवरेस्ट जीतने की कोशिश की. इस दल का नेता रिटल्ज था. 17 मार्च का एवरेस्ट पर चढाई शुरू हुई, उन्होंने अपना छटा कैम्प 27,400 फिट की उंचाई पर लगाया इस के बाद वह और भी ऊ चे गए और 28,100 फिट की उंचाई तक पहुंच गए. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने के लिये केबल 1000 फिट बाकी था. लेकिन अब उत्पर चढ़ना खतरनाक और मुशकिल हो गया. बड़े कोरों का बरक गिरने लगा और तूकान आ गया जिसकी वजह से पहाड़ बाजों को बापस लीटना पड़ा.

نقشه بدالها اور ایورست جانے کا راسته دهونده لها .

مهرس کی دلید

سن 1922 میں دوسری باترا شروع ہوئی، جی. سی. بروس نے 1900ر25 نت ارنچائی پر ایک کیمپ لایا. وہاں بیا لوگ اور آئے بولے اور 26,985 نت کی اونچائی پر پہونچے ، وہاں موسم بہت خراب تھا ۔ پھر بھی اُن لوگوں نے ہمت نہ ہاری اور 27,300 نت تک پہونچ گئے۔ موسم اور زیادہ خراب ہونے کے کارن اُنہیں لوٹنا ہوا ۔ اُنہوں نے پھر اوپر چوہنے کی کوشش کی ۔ اس بار جب وہ اوپر چوہ وہ پہلس خوہ وہ بھی انگریز چوہ رور دب گئے ، سات قلی مرکئے مگر ایک بھی انگریز پہار باز نہیں مرا ،

سن 1924 مول تيسرم ياترا شروع هوئي جس كا نهتا ہررس تھا ۔ اُس نے پہلے 16,800 فت کی اونچائی یر کیدب لکایا . یهر آخر میں اس نے قریب 27,000 فت کی اوندهائی پر کیدمی لتایا . یہاں سے ایورست کی چوتی بهت نزدیک نهی . مشهور یانوی ملوری جو پهلی كوششون مين حصه لي چكا تها' ايل سأتهى أين دريو اردن کے ساتھ، جو ابھی ابھی آکسفورہ سے پوھائی ختم کر کے آیا تها' ایوریست کی چوتی پر پهونچلے کی کوشش کی . 6 جون كو صبح سازه سات بحيمللوري اور آرون اي چه نمبر کھمپ سے روآنہ ہوئے ایورست کی چرقی کے وہ نزدیک پہونے کئے اور اُس کے پاس چاننے موئے دکھائی پوے . مگر لهروی دیر کے بعد بادل گهر آیا اور تب سے اِرون اور مللوری كا كنجه ينه نه ملا . هو سكتا هے كه أن كو سامس لها كے لیے آئسیجن کی کمی پوی هو یا دونوں بوف کے نهجے آگئے هوں . اِن دو ویروں کی یاد میں کیمپ کے پاس اُن کے ساتھیوں نے ایک یادگار قائم کی .

سن 1933 میں چوتھی بار پہار بازوں کے ایک دل یہ ایک دل یہ ایک دل ایک دل یہ ایک دل یہ ایک دل یہ ایک دل یہ ایک رست جیتنے کی کوشش کی اِس دل کا نیتا رائلو تھا ۔ 17 مارچ کو ایورست پر چوتائی شروع ہوئی انہوں نے ایما چھتا کیمپ 27,400 فت کی اور 28,100 فت کی اور 28,100 فت کی اور بہی اونچے گئے اور 1000 فت یہ یہونچ لے لئے کیول 1000 فت باقی تھا ، لیکن اب اوپر چوھنا خطارناک اور مشکل ہوگھا ، بوے زوروں کا برف گرنے لگا اور طوفان آگیا جس کی وجه سے پہار بازوں کو واپس اور طوفان آگیا جس کی وجه سے پہار بازوں کو واپس

एवरस्ट की कहानी

(भाई सी. बी. कुशनन)

दुनिया का सबसे ऊँचा पहाड़ "एबरेस्ट" है. बह 29,141 किट ऊँचा है और नेपाल के उत्तर में है. इस पहाड़ की ऊँची चोटी तक पहुँचने के लिये पाँच बार कोशिशों की गई. लेकिन हर एक काशिश नाकामयान रही. एवरेस्ट को क्रतह करने का जतन अब भी जारी है. अगस्त के महीने में इंगलैंड से चार पहाड़ बाजों का एक दल एवरेस्ट पर बढ़ने के लिये भारत आया है. इस दल के नेता एरिक शिष्टन है. दिली में इनका बड़ा स्वागत किया गया है.

एवरेस्ट पहाड़ का नाम सर जार्ज एवरेस्ट के नाम से पड़ा है. उन्होंने ही सबसे पहले इस मशहूर पहाड़ की ऊँचाई का पता लगाया था. सन 1841 में जब वह हिमालय की मशहूर चाटियों की ऊँचाई का पता लगा रहे थे तब एक दिन एक हिन्दुस्तानी झफसर उनके कमरे में भागा भागा पहुँचा और चिल्लाने लगा—"मैंने दुनिया के सबसे ऊँचे पहाड़ का पता लगा लिया है." उसने सही कहा था. वह पहाड़ 29,000 फिट ऊँचा था. तब से वह पहाड़ "माउन्ट एवरेस्ट" कहा जाने लगा.

यह बात योरप में सन 1841 में ही मालूम थी तो भी किसी योरोपियन ने सन् 1920 से पहले एवरेस्ट को नहीं देखा था. इसकी वजह यह थी कि तिब्बत के लोग किसी परदेसी को अपने देस में नहीं आने देते थे. सन 1920 में तिब्बत के दलाई लामा ने आंगरेजी यात्रियों को तिब्बत आने की इजाजत दी.

सन 1921 में एवरेस्ट की चोटी तक पहुँचने की पहली कोशिश की गई. एवरेस्ट का रास्ता खोजने के लिये नी आदमी चले जिनके नेता कर्नल होवर्ड बेरिंग थे. जी. एल. मक्लोरी भी उनमें थे. वह लोग 18 मई को दारजिलिंग से रवाना हुए और जेलप घाटी पार करने के बाद तिब्बत पहुँचे. तिब्बत पहुँचने पर उन्हें पता लगा कि एवरेस्ट जाने के दो रास्ते हैं—एक नजदीक का रास्ता और दूसरा दूर का रास्ता नजदीक का रास्ता बीच से निकलता था इसलिये उन्हें लम्बे रास्ते से होकर जाना पड़ा जो तिब्बत के गांवों से होकर जाता था. यह रास्ता आसान था.

एक महीना चलने के बाद वह खारटा घाटी पहुंचे और बड़ी मुराकिल से उन्होंने वहां एक कैम्प लगाया. इसके बाद 20,000 फिट की ऊँचाई पर उन लोगों ने एक और कैम्प लगाया और वहां से वह पवरेस्ट की जाँच करने लगे. जल्दी ही उन लोगों ने और ऊँचाई पर दूसरा कैम्प लगाया. इस कैम्प से उन्हें पवरेस्ट का पूरा दश्य दिखाई पड़ा. मगर

ایورست کی کهانی

(بهالی سی ، ری ، کرشان)

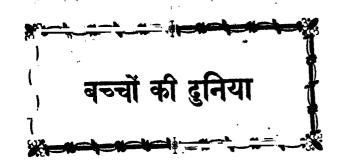
دنیا کا سب سے اونچا پہار ''ایورست'' ھے ، یہ 29,141 کی است اونچا ھے اور نیھال کے انتر میں ھے ، اِس بہار کی اونچی چوتی تک پہونچنے کے لئے پانچ بار کوششیں کی گئیں لیکن ہر ایک کوشش نا کامیاب رھی ، ایورست کو فقم کرنے کا جتن اب بھی جارھی ھے ، اگست کے مہینے میں انگلیلڈ سے چار پہار بازوں کا ایک دل ایورست پر چوعنے کے لئے بھارت آیا ھے ، اس دل کے نیٹا ایویکشیٹن ھیں ، دلی میں اِن کا برا سواکت کیا کیا ھے .

ایورست بہار کا نام سر جارج ایورست کے نام سے پڑا ہے ، اُنہوں نے ھی سب سے پہلے اس مشہور بہار کی اونچائی کا پتم لکایا تھا ، سن 1841 میں جب وہ ھمالے کی مشہور چوٹیوں کی اونچائی کا پتم لکا رہے تھے تب ایک دن ایک هندستانی افسر اُن کے کمرے میں بھاگا بھاگا یہونچا اور چلانے لگا۔۔۔''میں نے دنیا کے سب سے اونچے بہار کا پتم لکا لیا ہے'' اُس نے صحیح کہا تھا ، وہ پہار کوری اون کے اونچا تھا ، تب سے وہ پہار ''ماونت ایورست'' کہا جانے لگا ،

یہ بات یورپ میں سن 1841 میں ھی معلوم تھی تو بھی کسی یوروپین نے سن 1920 سے پہلے آیوریست کو نہیں دیکھا تھا ۔ آسکی وجہ یہ تھی کہ تبت کے لوگ کسی پردیسی کو اپنے دیس میں نہیں آنے دیتے تھے ۔ سن 1920 میں تبت کے دلائی لاما نے آلکریزی یاتریوں کو تبت آنے کی اجازت دی .

سن 1921 میں ایورست کی چوتی تک پہونچلے کی پہلی کوشش کی لئی ایورست کا راستہ کھوجلے کے لئے نو آدمی چلے جنکے نیٹا کرنل ھرورۃ بیرنگ تھ . جی ۔ ایل ، ملوری بھی اُن میں تھ ، وہ لوگ 18 مئی کو دارجلنگ سے روانہ ھوئے اور جیلپ لئاتی پار کرنے کے بعد تبت پہونچئے ، تبت پہونچئے پر انہیں پتم لکا کہ ایورست جانے کے دو راستے ھیں۔ ایک نودیک کا راستہ ارر دوسرا دور کا راستہ ، نودیک کا راستہ راستہ سے ھوکر جانا پڑا جو تبت کے گوؤں سے ھوکر جانا پڑا جو تبت کے گوؤں سے ھوکر جانا نہیں اہے۔

ایک مہینہ چلنے کے بعد وہ کھارتا گھاتی پہونچے اور ہوی مشکل سے اُنہوں نے وہاں ایک کیمپ لگایا ۔ اسکے بعد 20,000 فت کی اُونچائی پر اُن لوگوں نے ایک اور کیمپ لگایا اور وہاں سے وہ وہ ایوریست کیجانچ کرنے لگے . جلدی هی اُن لوگوں نے اور اونچائی پر دوسرا کیمپلگایا ۔ اس کیمپ سے اُنہیں ایوریست کا پورا درہیم دکھائی پوا ۔ مگر



بچوں کی دنیا

शाम का गीत

हे मन अपने को धो डालो बैर बुराई मार निकालो स्रोलो ऐंठन, गुस्सा थूको लोभ जलापा दोनों फूँको देखो, अब तुमको है सोना है न, ज़रूरी हलका होना ? बोलो, अम्मां सुख से सोए छोटी जीजी नेक न रोए नींद पिता जी को जो आए मीठी हो वह सुख सरसाए गहरी नींदें माई सोएं सपने बुरे न देखें रोएं रहें बुरे कामों से डरते सुस्ती पास न आए मरते सबका भला मनाकर सोना बैर विरोध मिटा कर सोना सब से प्रीत बढ़ा कर सोना बहुत असीसें पाकर सोना सोकर देखो डठना ऐसे जनम हुआ हो अब हो जैसे जोम. जामीन सहज से बोलो बक्त हो गया, आओ, सोलो.

--- मगबानदीन

شام کا گیت

ھے من اپنے کو دھو ڈالو بهر برائی مار كهواو أيلتهن فصه تهوكو لويه جلايا دونون يهونكو دیکھو' آب تم کو ھے سونا هے نه ضروري هلکا هونا ؟ بولوا امان سکھ سے سوئے چهرتیجیجی نیک نه روئے نیلد پتاہی کو جو آئے مهتهی دو ولا سکه برسائے گهري تيندين بهاڻي سوڻهي سہانے برے تع دیکھیں روٹھی رههی برے کاموں سے درتے سستی باس ند آئے مرتب سب کا بھلا مفاکر سونا يهر وروده مثائر سونا سب سے پریت ہوھاکر سونا يهمت أسى سهن ياكر سونا جلم ہوا ہو اب می جیسے ارم' آمین سہم سے بولو و**قت ه**وگها[،] آؤ سړلو.

-- بهکوان دین

सवास घठता है कि वह किस तरह का अब काम चलाने वाली है ? मैं कांगरेस का दुशमन नहीं हूँ. अब मैं वसके नियम के अप मुताबिक मेम्बर नहीं रहा हूँ, लेकिन आजादी के लिये वसके बढ़े बढ़े आन्दोलनों में मैंने उसकी सेवा की है. लेकिन अगर वह सही रास्ते से भटक रही है, तो मैं उसका साथ नहीं वे सकता, और न मुक्ते देना चाहिये.

बर्घा, 11-9-'51

-किशोरलाल मशरूवाला

सफ़ेद क्रोम की नफ़रत

सकेद क्रीम सब कुछ भूल सकती है लेकिन शायद यह नहीं भूल सकती कि असका रंग सफ़रे हैं. बक्षत पड़ने पर कालों को बाप भी बना सकती है लेकिन नकरत के भाव में कोई कमी नहीं होगी. पशिया को बचाने की तरकी वें हो रही हैं. पशिया को "आजाद" रखने की कोशिश में वह तन मन धन सब लुटा रहे हैं. वह कालों के दोस्त हैं, उनके श्रम चितक हैं. लेकिन नकरत करना भी उनका धर्म है ! यह लोग किसी को 'नेटिव' कहते हैं, किसी को 'क़्ली' का नाम देते हैं चौर अब दक्तिखनी कोरिया वालों को नकरत से 'गुक' कहते हैं. अमरीकी और अंगरेजी कीजें कोरिया में लड़ने गई हैं. अपने लिये या कोरिबा वालों के लिये इसका फ़ैसला नीचे दिया बयान जोर जोर से सुना रहा है. दक्खिनी कोरिया वालों के साथ जिस तरह का सल्दक यह जोग कर रहे हैं उसे खुद कनाडा के जंगी खबर देने बाते भी बिक्त रास से, जो अभी कोरिया के मोरचे से लौटे हैं और अपना बयान रेडियो से विखेरा है, सुनिये और यक्कीन कर जिजिये कि सफोद क्रीम सब कुछ भूल सकती है लेकिन कालों से नफरत करना नहीं भूल सकती.

آلُهُ عَلَيْ هِ كُمْ وَهُ كُسَ عَارِحَ كَا كُمْ جِلَالِهِ وَالَّى هَ ؟ مهن س كا دشين نهين . أب مين أس كے نهم كے مطابق نهيں رها هوں' ليكن آزادى كے لَيْد أس كے برے برے لوں ميں ميں نے آس كى سيوا كى هے . ليكن اگر وہ مع راستے سے بهتک رهى هے' تو ميں أس كا سأته نهيں سكتا' اور نه مجھے دينا چاهئے .

كشور لال مشرووالا

ردها' 11-9-751 (سی)

سفیل قوم کی نفرت

مفهد قوم سب کچه يهول سکتی هے ليکن شايد ية بهول سكتم كه أس كارك سفيد هي. وقع يولي یں کو باپ بھی بدا سکتی ہے لیکن نفرس کے بہاؤ كُونُي كمي نهين هوكي . أيشها كو بهاني كي تركهبهن نی هیں' آیشیا کو ''آزاد'' رکھتے کی کرشش میں وہ ن دھن سب لٹا رہے میں ۔ وہ کالوں کے دوست میں' کے عبیم جلتک میں . لیکن نفرت کرنا بھی اُن کا هے! یہ لوگ کسی کو انہائوا کہاتے میں کسی کو ا کا نام دینتے هیں آور اب دکھنی کوریا والوں کو نفرت کک کہتے ہوں ۔ امریکی اور آنگریزی فوجیس کوریا کونے گئی ھیں . اینے لیئے یا کوریاوالوں کے لیئے اِس کا م نہجے دیا بہان زور زور سے سفا رہا ہے ، دکھنی والوں کے ساتھ جس طرح کا سلوک یہ لوگ کر رہے أسے خود کناتا کے جنگی خبر دینے والے شری بل سے جو ابھی کوریا کے مورجے سے لوتے ھیں اور اپنا ریدید سے بکھیرا ھے' سذئے اور یقین کرلھجگے که سفید سب کچھ بھول سکتی ہے لیکن کالوں سے نفرت کرنا ي پهول سکتي .

मेरे देखने में अभी तक कोई ऐसी चीज नहीं आई, वससे जाहिर होता हो कि इस योजना में उन्होंने कोई जाती जिस्से जाहिर होता हो कि इस योजना में उन्होंने कोई जाती जिस्सी जी थी. सच तो यह है कि उनका मन उस तरफ है नहीं सकता था. हम सब जानते हैं कि वह उस मय साम्प्रदायिक एकता के निर्मान में 'करूंगा या मरूंगा' भावना से लगे हुए थे, और ऐसी किसी चीज का याल ही नहीं कर सकते थे, जिससे कुछ भी ग्रजतकहमी दा होने का डर हो.

बाबा राघव दास मशहूर रचनात्मक काम करने वाले और उत्तर प्रदेश की विधान सभा भीर सूबा कांगरेस मेटी के खास मेन्बर हैं. साथ ही असरदार बोलने वाले ौर एक मठ के महंत भी हैं. हुकूमत के अधिकारियों पर तका बढ़ा असर है, और उससे भी जियादा असर हमारी ाली जनता पर है. अयोध्या की बाबरी मस्जिद के बारे में मिगड़ा हुन्ना, उसमें उनका हाथ था. लेकिन उनका यह इम उससे भी जियादा शरारत भरा है. अपने इस भाव का मुकाबका उन्होंने, सन् 1947-'48 में गांची ो ने दिल्ली के हिन्दु श्रों से मुसलमानों को उनकी मस्जिदें टाने की बात कही थी, उसके साथ किया है. बाबा जी यह व बानते हैं कि वह बात बिलकुल अलग तरह की थी. वेमें गड़े पत्थर उखाड़ने की, एक पुराना श्रीर भूला हुशा गड़ा उभारने की कोशिश नहीं थी. हिंसा और बेरहमी री वह गांधी जी की आंखों के सामने हुई एक हाल की इना थी, और जिन लोगों से उन्होंने यह मस्जिदें लौटाने कहा, वह ही इसके लिये जिम्मेदार थे. उसमें कोई दो ' बरस पुराना महगड़ा फिर से शुरू नहीं किया जा ाथा.

बाबा राघव दास के बारे में मुक्ते कड़े शब्दों का इस्ते-ल करना पड़ रहा है, इसका मुक्ते दुख है. क्योंकि उनके ये मेरे मन में काफी निजी आदर रहा है. लेकिन मैं यह कहने तिये मजब्र हूँ कि उनका रुजहान बहुत जियादा किरके-राना है. चौर हमारी भोली जनता में फिरक़ेवाराना ार फैलाने वाले वह अहेले कांगरेसी नहीं हैं. खासकर ार प्रदेश में इस क़िस्म के अनेक लोग हैं. एक ने तो श्री ादेव देसाई और गांधी जी के नाम पर जाली चिट्टा र लेख भी तैयार करने की ढिटाई की है. अगर कांगरेस, ता कि वह दावा करती है, हिन्दुओं की साम्प्रदायिक था नहीं है, तो मेरी समफ में नहीं श्राता कि ऐसे लोग ामें कैसे रह सकते हैं. क्या उसे यह महसूस हुआ है कि पक गम्भीर सवाल है और इसके कारन देश में फिर साम्प्रदायिक दंगों की आग भड़क सकती है और खन सकता है ? कांगरेस दावा करती है कि वही एक राजे-मी संस्था है, जो देश का काम चला सकती है.

میرے دیکھنے شہر ابھی نکتا کوئی ایسی چھڑ نہیں آئی جس سے طاهر ہوتا ہو کہ اس پوہنا میں آنہوں نے کوئی ذاتی دلنچسڈی لی تھی ۔ سے تو یہ ہے کہ اُن کا من اُس طرف جا ھی نہیں سکتا تھا . ھم سب جانتے ھیں کہ ولا اُس سبے سامپردائک ایکٹا کے نرمان میں 'کرونکا یا مرزنگا' کی بھاونا سے لگے ھوٹے تھے' اور ایسی کسی چیز کا خیال ھی نہیں کر سکتے تھے' جس سے کچھ بھی ضلط فہسی پھدا ھونے کا تر ہو ۔

بابا راکھو داس مشہور رچلاتمک کام کرنے والے هیں اور آتر پردیش کی ودهان سجها اور صوبه کانگریس کمیتی کے خاص مدہر هیں . ساتھ هی اثر دار بولقے والے اور ایک مله کے مہلت بھی ھیں . حکومت کے ادعیکاریوں پر اُن کا ہوا اثر ہے اور اُس سے بھی زیادہ اثر هماری بھولی جلتا یر ھے . آیودھیا کی باہری مسجد کے بارے میں جو جھکوا هوا؛ أس مهن أن كا هانه تها . ليكن أن كا يع قدم أس سے بھی زیادہ شرارت بھرا ھے . اپنے اِس سجھار کا مقابلہ أنهور لم الله 1947-1947 مين كاندهي جي لم دلي ك هدوروں سے مسلمانوں کو اُن کی مستجدیق لوتانے کہا ہات کہے اُتھی' اس کے ساتھ کیا ھے آبابا جہ یہ خوب جانتے هیں کہ وہ بات بالکل الگ طرح کی تھی ، اُس میں گوے پتھر اُکھار نے کی ایک پرانا اور بھولا ھوا جگھوا آبھارئے کی کوشش نہیں تھی ۔ هفسا اور یے رحمی بھری وہ گاندہی جی کی آنکہوں کے سامنے دوئی ایک حال کی گھٹلا تھی' آور جن لوگوں سے اُنھوں نے یہ مسجدیں ٹوٹانے کو کہا' وہ می اس کے لئے ذہے دار تھے ۔ اُس میں کوئی فو سو برس پرانا چهکوا پهر سے شروع نهیں کیا جارها تھا ۔

ہاہا راکھو داس کے ہارہے میں معجمے کوے شہدرں کا استعمال كرنا ير رها هے اس كا منجهے دكھ هے . كيونكة أن كے ليِّهمهريمن ميں كافي نجي آدر رها هے . لهكن ميں يه کہلے کے لئے محجبور هوں که أن کا رجعان بہت زیادہ قرقتوارانه هے ۔ اور هماري بهوای جفتا میں قرقے وارانه زهر پهیانے والے وہ اکھلے کانگریسی نہیں میں . خاص کر اُتو پردیش میں اس قسم کے آنیک لوگ هیں . ایک نے تو شرق مہا دیو دیسائی اور کاندھی جی کے نام پر جملی چھی اور لیکھ بھی تیار کرنے کی ڈھٹائی کی ھے ، اگر کالگریس، جیسا که ولا دعوول کرتی هے، هندوی کی اسامهردالک سلسالها نهون ها اتومهري سمجه مين نهون آنا که ایسے لوگ اُس میں کیسے رہ سکتے ھیں'، کیا اُسے یہ محصبوس هوا هے که یه ایک گمجهدر سوال هے اور اِس کے کارن فیک میں بھر سے سامپردائک دنگوں کی آگ بھوک سکتی ه اور خون بهه سکا هے؟ کانگریس دعوی کرتی هے که وهی ایک رابرکاجی سفستها هے' جو دیش کا کام چا سکتی هے .

Carried and the second of the

"चुनाव जाने वाला है. करोड़ों जौरतों मर्दी को इनसाफ 🧸 का व्यारवासन देना है. और हम यह पूरा विश्वास करते हैं कि इन तीन महान इतिहासी स्थानों का फिर से सम्मान होते देख भारती जनता न्याय में अधिक विश्वास करेगी.''

बाबा राधव दास ने यह साफ नहीं किया है कि वह काशी, अयोध्या और मधुरा में ठीक क्या करना चाहते हैं. वह किन मन्दिरों का उद्धार चाहते हैं ? क्या उनका इशारा यह है कि काशी में भौरंगजेब की बनवाई हुई बड़ी मस्जिद, बा अयोध्या में हनुमान गढ़ी या मधुरा में इसी तरह की मिन्जिदों को 'दुबारा' जैसा कि अयोध्या में करने की कोशिश हुई है, मन्दिरों में बदल देना चाहिये ?

इस सिलसिले में गांधी जी और सरदार का नाम लेना विलकुल ही रालत था. सोमनाथ का मन्दिर खंडहर की हालत में था और हिन्दुओं के अधिकार में था. वहां कोई मस्जिद् नहीं थी, श्रीर न किसी मुसलमान ने उस जगह के अधिकार का ही दांवा किया था. कुछ बड़े बड़े हिन्दुओं ने, जिनका काकी असर था, उसका फिर से निर्मान करना चाहा. इसका उन्हें पूरा अधिकार था. इन हिन्दुओं में सरदार जैसे कुछ केन्द्र या रियासती सरकारों के मंत्री भी थे चुँकि जूना गढ़ राज भारत संघ में शामिल हुआ और इसी के साथ इस काम का आरम्भ हुआ, और चुँकि सोमनाथ के इतिहास में साम्प्रदायिक अनवन की पुरानी याद जुड़ी हुई है, इसलिये इसमें रालतफहमी पैदा हो सकती थी और हुई भी यह कहा जा सकता है कि सरकार से सम्बन्ध रखने वाले हिन्दू नेवाचों ने इसमें हिस्सा न लिया होता, तो अञ्चा होता. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि धन्हें ऐसा हिस्सा लेने का इक्त नहीं था. गांधी जी ने इसमें जो हिस्सा किया, वह यह सममने के लिये ही कि मन्दिर के फिर से निर्मान का यह काम सरकारी खर्च पर न हो. तारीख 7 दिसम्बर '47 के 'हरिजन सेवक' में उनका तारीख 28 नवस्वर '47 का प्रार्थना प्रवचन निकला है, उसमें इस विशय का जिक है. उसे मैं यहां नक़ल करता हूँ:

"एक भाइ लिखते हैं कि सोमनाथ के मन्दिर का जो फिर से उद्घार होने वाला है, उसमें सरकारी पैसा नहीं सगाना चाहिये. मुक्ते वताया गया है कि शामलदास गांधी ने आरजी हुकूमत बनाई है और इस काम के लिये अनता से इकट्टे किये पैसे में से 50 हजार रुपए देना मंजूर किया है. जाम साहब एक लाख देने वाले हैं. सरदार पटेल ने कहा कि सरदार ऐसा नहीं है कि जो चीज हिन्दु भों के लिये ही है, उसके लिये सरकारी खजाने से पैसा निकाले. हम सब हिन्दी हैं, मगर धर्म हमारी अपनी चीज है. सोमनाथ के फिर से बद्धार के लिये हिन्दू जो पैसा खुशी से हेंगे, उसी से काम चल जायगा. पैसा नहीं मिलेगा, तो बद्द काम पड़ा रहेगा. मैं यह सुनकर ख़ुश हुका."

''چھاو آئے والا ھے . کروڑوں میرتوں۔ مردوں۔ کو انصاف المواسي دينا هے . اور هم يه پورا وشواس كرتے همي كه تهی مهان اِتهاسی استهانون کا پهر سےسممان هوتے دیکھ أه جدمًا نهائه مهي ادهك وشواس كويكي ."

بآبا راکهو داس نے یہ صاف نہیں کیا ہے کہ وہ کاشی' هیا اور معهرا میں تهیک کیا کرنا چاهتے هیں . وہ مندرون كا أندعار جاهتے هين ؟ كيا أن كا إشارة يه ف کاشی مهی اورنگ زیب کی بدوائی هرئی بری مستجد، بودهها مهن هدومان گزهی یا متهرا مین اِسی طرح مسجدون کو 'دوبارا' جهسا که ایودهها مهن کرنے کی هي هوئي هے' مندروں ميں بدل دينا چاهئے '

إس سلسلے میں کاندھی جی اور سردار کا نام لیقا ل هي فلط تها . سوملااته كا ملدر كهلدهر كي حالت تها اور هندووں کے ادھیکار میں تھا ، وهاں کوئی جد نہیں تھی' اور نہ کسی مسلمان نے اُس جگہ کے بکار کا ھی دعوول کیا تھا ، کچھ بڑے بڑے ھلدوؤں نے' کا کافی اثر تھا، اس کا پھر سے نرمان کرنا چاھا . اِس نهيس پورا ادهيکار تها . ان هندوؤن مين سردار جهسم ، کیلدر یا ریاستی سرکاروں کے ملتری بھی تھے ، چونکھ ا کوھ راج بھارت سلکھ مھی شامل ھوا اور اُسی کے ، اس کام کا آرمیه هوا' اور چونکه سومقاته کے اِتہاس ا سامیردایک ان بن کی پرانی یاد جری هوئی هے؛ لئے اِس میں غلط فہمی پیدا ہو سکتی تھی اور ے بھی . یہ کہا جا سکتا ہے کہ سرکار سے سمبندھ رکھاتے مقدر نیتاؤں نے اس میں حصه نه لیا هوتا' تو اچها . ليكن ايسا نهيل كها جا سكتا كه انهيل ايسا م لیلے کا حق نہیں تھا ، گاندھی جی نے اس میں حصه لیا ولا یه سمجهنے کے لئے می که مندر کے بھر سرمان کا یه کام سرکاری خرج پر نه هو . تاریخ 7 دسمبر کے 'هريجن سيوک' مهن ان کا تاريخ 28 نومبر 47' رارتهنا پروچن نعظ هے اس مهن اس وشع كا ذكر هـ . مهى يهال نقل كرتا هول:

" آیک بھائی لکھتے ھیں که سومناتھ کے مندر کا جو سے آددھار ھونے والا ہے' اس میں سرکاری پیست نہیں چاهئے . مجھے بتایا گھا ہے کہ شامل داس الدهی ارضی حکومت بدئی ہے اور اس کام کے لیے جدتا سے ہے کئے پیسے میں سے 50 هزار روپے دینا منظور کیا ، جام صاحب ایک لاکه دینے والے هیں . سردار پتیل کہا کہ سردار ایسًا نہیں ہے کہ جو چیز هلدوؤں کے لگے هے، اُس کے لئے سرکاری خزائے سے پہست نکالے . هم سب بى هنى مكر دهرم همارى اينى چوز هـ . سوماته ہر سے اُددھار کے لئے ھلدر جو پوسه خوھی سے دینکے' ، سے کام چل جائے گا ، پیسم نہیں ملے گا تو وہ کام ہوا

لا ميس يه سن كر خوش هوا".

अक्तूबर '51

(338)

'51 and the state of the state

श्रारत भरा कदम

उत्तर प्रदेश के मशहूर कांगरेसी काम करने झाले वाश राषवदास के इलाहाबाद की हिन्दी 'अमृत पत्रिका' के तारीख़ 29-7-'51 के परचे में छपे एक लेख का हिस्सा नीचे देता हूँ.

"स्वर्गीय सरदार पटेल ने भारत के मशहूर इतिहासी पुन्य स्थान श्री सोमनाथ जी का फिर से उद्धार करके यह बता दिया कि पुराने पिवत्र स्थानों का उद्धार आज़ाद भारत में ज़रूर होगा. वह हमें अमली आश्वासन दे गए हैं. पूज्य बापू जी ने भारत के आज़ाद होने पर जो मस्जिदें हिन्दुओं के क्रब्जे में थीं, उन मस्जिदों को मुसलमानों को वायस दिलाकर हमें यह आशा दिलाई कि मुसलमानों के राज के समय हिन्दुओं के जो मन्दिर अपवित्र कर दिये गए थे, या जिन पर मुसलमानों ने क्रब्जा कर लिया था, उनका भी कभी उद्धार होगा......

"हम यहां पर यह भी नम्रता से कहना चाहते हैं कि इत्तर प्रदेश के तीन खास स्थान काशी, अयोध्या और प्रथुरा के साथ भारतीय जनता और उसके कलचरी जीवन का गहरा सम्बन्ध है. श्री राम, श्री ऋश्न और श्री विश्वनाथ भारत के दिल के राजा हैं. घर घर इनकी चरचा है. श्री ओमनाथ जी के बारे में भारती जनता बहुन कम जानकारी खती है, इसलिये भी इन स्थानों का फिर से उद्धार अपना क खास महत्त्व रखता है.

"यहां कभी कभी यह बात कही जाती है कि यह
ताम्प्रदायिक सवाल है. पर इतिहास इस बात का गवाह
कि यह साम्प्रदायिक सवाल नहीं है. यह जीतने वाले
भीर हारने वाले के बीच का सवाल है. अगर यूनियन
कि (अंगरेजी मंडा) जा सकता है और इसकी जगह पर
तेरंगा मंडा आ सकता है, अगर वाइसराय की जगह को
ताइद्रपति शोभा दे सकते हैं, तो इन गौरव बाले पिवत्र स्थानों
ता फिर से उद्धार भी हो सकता है. अगर भारत सरकार
ते देख रेख में एक हज़ार बरस पहले के विजेता (जीतने
ताले) के ज़रिये बरबाद किये गए सोमनाथ जी के मन्दिर
त उद्धार भुमकिन है, तो फिर इत्तर प्रदेश के इन तीनों
वानों के फिर से उद्धार में उकावट क्यों कर होगी ?

"सवाल महत्त्व का है. उसको जितना जल्दी हल किया त्व, उतना ही अच्छा है. इमें श्री सोमनाथ जी के मन्दिर [फिर से उद्धार देखकर जितनी खुशी होती है, उतनी ही व महान तीर्थ स्थानों से लापरवाही देखकर बेचैनी ती है."

شرارت بهرا قدم

اتر پردیعی کے مھہور کانگریسی کام کرنے والے بابا رائھو داس کے المآباد کی ھندی ' امرت پائریکا ' کے تاریخ 51'-7-29 کے پرچے میں چھپے ایک لیکھ کا حصہ نہنچے دیتا ھوں .

" سورگهه سردار پتیل نے بھارت کے مشہور اِتھاسی پنهه استهاں شری سومناته جی کا پھر سے اُددھار کرکے یہ بتا دیا که پرانے پوتر استهانوں کا اُددھار آزاد بھارت میں فرور هوگا ، وہ همیں عملی آشواسن دے گئے هیں ، پوجونه باپو جی نے بھارت کے آزاد هونے پر جو مسجدیں هندوؤں کے تبقیے میں تھیں' اُن مسجدوں کو مسلمانوں کو واپس دلا کر همیں یہ آشا دلائی که مسلمانوں کے راج کے سے هندوؤں کے جو مندر ایوتر کر دیئے گئے تھے' یا جن پر مسلمانوں نے قبضہ کر لھا تھا' اُن کا بھی کبھی اُددھار

راهم یہاں پر یہ بھی نمرتا سے کہذا چاھتے ھیں کہ اُتر پردیش کے تھی خاص استھاں کاشی' ایودھیا اور متھرا کے ساتھ بھارتیہ جنتا اور اُس کے کا چوری جھوں کا گہرا سمبندھ ہے . شری رام' شری کرشن اور شری وشو ناتھ بھارت کے دل کے راجہ ھیں . گھر گھر اُن کی چرچا ہے . شری سومقاتہ جی کے بارے میں بھارتی جنتا بہت کم جانکاری رکھتی ہے' اِس لیے بھی اِن استھانوں کا پھر سے اُدھار ایفا خاص مہتو رکھتا ہے .

'یہاں کبھی کبھی یہ بات کہی جاتی ہے کہ یہ سامپردایک سوال ہے . پر اِتہاس اِس بات کا گواہ ہے کہ یہ سامپردایک سوال نہ ں ہے . یہ جہتنے والے اور ھارنے والے کے بھیج کا سوال ہے . اگر یونیں جیک (انگریزی جہندا) جاسکتا ہے اگر وایسرائے ہور اُس کی جگہ پر ترنکا جہندا آسکتا ہے اگر وایسرائے کی جگہ کو راشٹر پتی شوبھا دے سکتے ھیں تو اِن گورو والے پوتر استہانوں کا بھر سے اُددھار بھی ھو سکتا ہے . اگر بھارت سرکار کی دیکھ ریکھ میں ایک ھزار برس بہلے کے بھارت سرکار کی دیکھ ریکھ میں ایک ھزار برس بہلے کے وجھتا (جھتنے والے) کے ذریعے برباد کئے گئے سومناتھ وجھتا (جھتنے والے) کے ذریعے برباد کئے گئے سومناتھ وجھتا (جھتنے والے) کے ذریعے برباد کئے گئے سومناتھ کی ایک ہوں اُتر پردیش کے اُن تیلوں استہانوں کے بھر سے اُددھار صیب رکارت کھوں کی ہوگی ؟

'' موال بہتو کا ہے اس کو جتنا جلدی حل کیا جائے' اتنا ھی اچھا ہے، ھمیں شری سومناتھ جی کے مندر کا پھر سے اُدھار دیکھکر جتنی خوشی ھوتی ہے' اُتنی ھی اِن مہاں تیرتھ استھانوں سے لاپرواھی دیکھکر یے چینی ھوتی ہے۔''

Restruction of matter the section of the section of

खुद किया और फिर आपकी देखा देखी आप के पास रहने वाले और आप के भक्त भी करने लगे. कुछ न कुछ यह इवा सारे देश में फैल गई. बापू, यह सुनकर आप को कितनी खशी होगी कि ऐसे अनेकों बाल गांधी पैदा हो गए हैं जिन्हों ने मेहतर के काम में पुश्तहा पुश्त के मेहतरों को कहीं पीछे छोड़ दिया है. और वह बाल गांधी ऐसे जुल के हैं जिनके कुल में मेहतर की परछाई से भी खून हो जाती थी. आखिर जब मेहतर अपना काम छोड़ेंगे तो उनका काम अपनाने के लिये कोई और होना ही चाहिये. और बाप यह सन कर आप को बड़ी खशी होगी कि यह नए मेहतर बाल गांधी इस मेहतर के काम के बदले में एक पैसा भी नहीं लेते. कोई अख़बार में उनकी तस्वीर देदे, यह तस्वीर खेंचने वाला जाने. कोई उन्हें म्युनिसपलटी के क्रिये बोट दे दे, यह बोटर जाने. कोई उन्हें सूबा कांगरेस कमेटी का सभापति चुन दे, यह कांगरेसी मेम्बर जाने, कोई **चन्हें** मिनिस्टर चुन दे, यह क़ानून सभा जाने. कोई उन्हें 3000 तनसाह और मोटरें देदे, तो यह विधान की लाल किताब जाने. और अगर अब उन से कोई मेहतर का काम न ले तो यह काम लेने वाले जानें, बोलिये बापू, इन बाल गां-बियों से आप और क्या चाहते हैं. आप सोचिये तो सही, आप भी तो दुनिया भर की फिकर, दुनिया भर के सुधार और अनगिनत मंभट अपने कंधों पर संमाल बैठे थे. आप ने भूल की या आप ने ठीक किया यह आप जानें. पर यह बाल गांधी तो एक बक्षत में एक ही काम संभाल सकते हैं. अब जब आप के बराबर हो जायंगे तब शायद **चाप के जितना बोम संभाल सकें. हो सकता है उस वक्स** के लिये बोम ही न रह जाय! यह उनकी क़िस्मत!

बापू, आप के नाम पर मरने वाले यह बाल गांधी क्या बड़े होकर इतने क़िस्मत वाले भी न निकलेंगे कि इन बोर्भों से बचे रहें!

बापू, अब तो आप की दूर तक पहुँच है. इन बाल गांधियों के इक्त में दुखा की जिये.

-भगवान दीन

"श्रद्धा की कसौटी यह है कि अपना फर्ज अदा करने के बाद जो कुछ भी भका या बुरा नतीजा हो. इनसान उसे मानले. सुख आए या दुख आए, उसके लिये सब बराबर होना चाहिये."

—महास्मा गांधी

تُقُودُ کَیا اُرْرَ بِهِرِ آپ کی دیکها دیکھی آپ کے پاس رهنے والے اور آیکے بھکرت بھی کرنے لکے، کنچھ نہ کچھ یہ ہوا سارے دیش میں پہیل گئی۔ یاہو' یہ سلکر آپ کو کٹلی خوشی ہوگی که ^ایسے انهکوں بال کاندہی بیدا ہوگئے میں جنہوں نے مہتر کے کام میں پشتہا پشٹ کے مہتروں کو کہیں پیچھے جهور دیا ہے ۔ اور وہ بال کاندھی ایسے کل کے ھیں جن کے کل میں مہترکی پرچھائیں سے بھی چھوت ھو جاتی تهي . آخر جب مهتر اينا كام چهوزيدتك تو أنكا كام أيناني كم لَنْهِ كُونُ إِور هونا هي جامئے ، اور بايو يه سلكر آيكو ہوی خوشی هوگی که یه نئے مهتر بال کاندهی اِس مهتر کے کام کے بدلے میں ایک پیسہ بھی نہیں لیتے . کوئی اخدار میں أن كى تصوير دے دے كه تصوير كوينچلے والا جائے کوئی اُنہیں مہونسیائٹی کے لئے ووق دے دے کے وودر جانے. کوئی اُنہیں صوبہ کنگریس کمیشی کا سیمایشی چن دے عد کانگریشی ممدر جانے کوئی اُنہیں منستر چن دے' یہ قانون سبها جانے' کوئی اُنہیں 3000 تلخواہ اور موترین دے دے تو یہ ردھان کے لال کتاب جانے ، اور اگر اب أن سے كوئى مهدر كا كامنه لے تو يه كام لهذه والے جانهيں . بولمُهابور ان بالكاندهيوس آپ اور كيا چاهتم هيل . آپ سوچئے تو سیی، آپ یہی تو دنیا بھر کی فکر' دنیا بھر کے سدھار اور آن گلت جہلنجہت اپنے کندھوں پر سنبھال ہیتھ تھے آپ نے بھول کی یا آپ نے تھاک کھا یہ آپ جانهی . پر یه بال کاندهی تو ایک وقت مهی ایک هی کام سلمهال سکتےههی ، اب جب آپ کے برابر هوجائیلگے تب شاید آپ کے جتما بوجه سلبهال سکیں . هوسکتا هے أس وقت كولمَّه بوجه هي نه ولا جائه ! به أن كي قسمت ! ہاہو' آپکے نام پر مرنے والے یہ بال کاندھی کیا ہوے ھوکر

اتنے قسمت والے بھی نہ نکلینگے کہ ان برجھوں سے بھے رههن!

ہایو' آپ تو آپ کی دور تک بہونچ ھے . ان بال کاندھیں کے حق میں دعا کیجگے .

-- بهکوان دین

" شردها کی کسوتی یه هے که ایدا فرض إدا کونے کے بعد جو کچھ بھی بھلا یا ہوا نایجہ هو' اِنسان أسے مان لے . سکھ آئے یا دکھ آئے' اُس کے لئے سب ہوابر هونا جواهني "

--مهاتما كاندهي

बर्ज के पढ़े लिखे और हर तरह सममदार ही सममदार थे. वह हमें घेर कर बैठ गए, और लगे अपना अपना हाल सुनाने. एक साहब बोले, मैं पाँचसी रुपए महीने का नौकर या और पांच रुपए रोज अपने खाने पर सर्च करता था. अब आपको मालूम है मैं क्या सर्च करता हूँ ? सिर्फ बारह आने रोज ! और बहुत जल्दी आठे आने पर आ जाऊँगा.

दूसरे साह्य बोले, मेरी आप क्या पूछते हैं, मैं तो दस रुपए रोज खर्च कर देता था तो कम, और पन्द्रह कर देता था तो कम. और अब तो मैं सिर्फ बारह आने पर रहता हूँ!

तीसरे साहब बोले, मुक्ते तो साहब डेढ़ सौ रुपए मिलते थे, डेढ़ रुपया मेरा खर्च था और अब में पूरे पाँच आने में अपनी गुजर कर लेता हूँ !

बापू, आपको इन त्यागियों का हाल सुनकर कितनी खुशी हुई होगी. खाने में ही नहीं, पहनने के मामले में भी यह आप से हर तरह आगे बढ़े हुए थे. बापू, हमारे मन पर भी इन समका बड़ा असर पढ़ा और जी में लहर उठी कि ऐसे त्यागियों के साथ ही रहना चाहिये. श्रीर अब हम उन से ख़ूब घुल घुल कर बात करने लगे. और फिर हमने पूछा कि भाप सब कितने कितने गज सूत कात लेते हैं. तो पाँच रुपए से खर्च घटाने वाले त्यागी ने बताया कि वह दिन भर में 300 गज सूत कात लेता है, श्रीर दस पन्दरह रुपए रोज खर्च से घटाकर बारह माने तक पहुँचने वाले ने बताया कि वह 200 गज सूत रोज कात लेता है. और डेंढ रुपए वाले ने बताया कि वह 600 गज सूत रोज कात त्तेता है, फिर हमने पूछा कि धगर यही सूत आप किसी भौर से कतवाते तो कताई क्या देते. जवाब मिला जियादा से जियादा की सी गज एक पैसा! यानी श्राप्रम की कल कमाई ग्यारह पैसे रोज थी श्रीर खर्च 116 पैसे रोज. श्रव रहे उनके उस मेहनत के दाम जो वह कींतन करने और गीता पढ़ने में करते थे जन दामों का अन्दाजा तो बापू कोई जगा नहीं सकता. उनके तो इतने ही दाम होते हैं जितनी मां की मुहब्बत के और गुरू की सीख के. हां, तो बापू यह आप के घरखे, रामधुन और गीता पाठ की बगिया को लहलहाए हुए हैं और फिर इन्हें हक है कि बाल गांधी होते हुए भी अपने को बापू समर्भें.

बापू, आप की सूम कमाल की थी. आप जी से चाहते थे कि अक्षूतों का उद्धार हो और यह खूब सममते थे कि अक्षूतों में से तरह तरह के और अक्ष्तों का उद्धार तो आ-सानी से हो सकता है पर मेहतरों का उद्धार कोरे उपदेश से नहीं हो सकता और इस मामले में आदेश की तो जरा भी पहुंच नहीं हो सकती. इसिलये आप ने अपने आश्रम से मेहतर का बाईकाट किया और मेहतर का काम आप ने قَوْمِهِ کَ پِرِهِ لَکهِ اور هر طرح سَنجهدار هی شَعجهدار هی استانے . واقع ایک میں یانچ سرروپے مهینہ کا نوکر تها اور پانچ روچ روز ایے کہانے پر خرچ کرتا تها . آب آپ کو معلوم هے مهن کیا خرچ کرتا هوں ؟ صرف بارد آنے روز! اور بهت جلدی آنه آنے پر آجاؤنکا .

دوسرے صاحب بولے' مہری آپ کھا پوچھگے ھیں' مھی تو دس روپے روز خرچ کر دیٹا تھا تو کم' اور پندرہ کر دیٹا تھا تو کم، اور آپ تو میں صرف بارہ آنے پر رھٹا ھوں!

الیسرے صاحب ہوئے' مجھے تو صاحب تیڑھ سو روپے ملتے تھے' تیوھ روپیه میرا خرچ تھا اور آب میں پورے پانچے آئے میں اپنی گذر کر لیتا ہوں!

ہایو' آپ کو ان تیاکھوں کا حال سلکر کٹلی خوشی ھوٹی ھوکی ، کھانے میں ھی نہیں' پہلنے کے معاملے مهن بهی یه آپ سے هر طرح آئے بڑھے هوائے تھے . باپو' همارے من پر بھی ان سب کا ہوا اثر پرا اور جی موں لہر أَتْهِي كِمْ ايسِ تَهِاكُونِ كِ ساتِهِ هِي رَهِنَا چِاهِدُهِ ، أور أب ہم آن سے خوب کھل کھل کر باتیں کرنے لگے ، اور پھر هم نے پوچھا اکم آپ سب کتلے کتلے کو سوت کات لیکے هیں . تو پائے روپے سے خرچ کھٹانے والے تیائی نے بٹایا که ولا دن هر مهن 300 كو سوت كات لهما هـ اور دس پدره روي روز خرب سے گھٹا کر بارہ آنے تک پہونچلے والے نے پہایا کہ وه 200 كز سرت روز كات ليما هي. اور ديوه روي والم لم يقايا كه ود 600 كن سوت روز كات ليكا هي . يهر هم له پوچها که اگر بهی سوت آپ کسی اور سے کتواتے تو کتائی کیا دیتے ، جواب ما زیادہ سے زیادہ فی سو گؤ ایک پیسه! يعلى آشرم كى كل كمائى گياره پيسے روز تهي اور خرچ 116 م بعب ووز . اب رهے ان کے اس متعلمت کے دام جو وہ کھرتن کرنے اور کہتا پوھلے میں کرتے تھے . أن داموں كا اندازہ تو پاہو کوئی لاا نہیں سکتا ۔ اُن کے تو اتلے هی دام هوتے ھیں جننی ماں کی محمدت کے اور گرو کیسیکھ کے، ھاں' تو ماہو یہ آپ کے چرخے ارام دون اور کھتا ہاتھ کی بکیا کو لهلهائے مولے میں اور پھر انہیں حق مے که بال الدهی هوتے هوئے بھی اپنے کو بایو سمنجھیں .

پاپو' آپ کی سوجھ کمال کی تھی۔ آپ جی سے چاھتے تھے کہ اُچھوتوں کا اُددھار ھو اور یہ خوب سمجھتے تھے کہ اُچھوتوں میں سے طرح طرح کے اور اچھوتوں کا اُدھار تو اُسانی سے ھوسکتا ہے پر مہتروں کا اُددھار کورے اُیدیھی سے نہیں ہوسکتا اور اس معاملے میں آدیھی کی تو ذرا بھی پہونچ نہیں ھوسکتی ، اس لئے آپ نے ایم آپ نے ایم آس سے مہتر کا بائیکات کیا اور مہتر کا کام آپ نے

जैसे शराववन्ती, सुमासूत का अन्त, सवकियों का يَدِيْنِي أَشْرَابِ يَقْدَى جَهُوا هِهُوكُ لَا أَنْتُ لَوَكُونِ لَا جَالَدَادِ जायदाद में हिस्सा, किसानों का जमीन पर दक्त. बापू, مون حصه کسانون کا زمهن در حق ، بایو کر کسی دن سم مهم آیم بال سرکار آیسا کر بینتهی تب کها هرکا! بایوا آپ تو ं अपर किसी दिन सच्यमुच यह बात सरकार ऐसा कर बैठी तब क्या होगा ! बापू, आप तो मुस्करा रहे हैं--हमारा दम مسكوا ره ههر - هدارا دم نكلا جارها هـ. آپنے تو بودبوء निकला जा रहा है. श्रापने तो बड़े बड़े उल में मामले सुल-ألجه معامل سلجهائه هدر آب تو مسكرائينك هي . در माए हैं, जाप ता मुस्कराएंगे ही. पर हम तो उलमन में هم تو اُنجهن مهن اور اُلجه کدر ههن اور هم نے ایسی **चौर उत्त**म गए हैं चौर हमने ऐसी उत्तमनें कहाँ सुलमाई الجهنهن كهان سلجهائي هين . آپ هم ير هنست نههن . كوئى راه يعاثي يه آپ كي سعهم اور اهلسا كي بات تو हैं. आप हम पर हंसिय नहीं. कोई राह बताइये. यह هم سے سدعتی نہیں کوئی اور نسخه بتائے جس میں आपकी सत्य और अहिन्सा की बात तो हम से सधती नहीं. कोई और नुसला बताइये जिस में यह दोनों दवाएँ तो

> باہو اُن بال گاندھھوں کی نظر مھی تو آپ اُسی دن سے مہاتما هیں جس دن آیے جنم لیا . اس لئے یہ آپ کے بچپن کی کسی بھی بات کی نقل کر کے الیے آپ کو ہایو مانئے لکتے میں ، اور جس کام کو آئے کبھی بھول سے ایک دن کر ڈالا اُسے یہ برسوں کرنے کے اید آپ کو حقدار سمجهدے هیں . اور جب آپ کو یہ مہاتما سمجهدے هیں تو ایسا مرنے کے حقدار بھی ھیں . یہاں حدیں شیخ سعدى كى كهي هوئى ايك دات ياد أكثى .

یه دونون دوائین تو بالکل نه هون .

باپو، ایک دن ایک بادشاه جنگل مهن شکار کههل رها تھا ، جب أس كے لئے جنكل ميں كھانا بننے لكا تو معلوم هوا ساته میں نمک بالکل نہیں ہے، بادشاہ نے پاس لکے گاؤں سے نمک لانے کے لئے ایک آدمی بھیجا اور آسے هدایت کی دیکهوا پیسه دے کر نمک لانا ، درباری لوگ یہ سن کر هنس پوے . بادشاہ نے پوچھا ، هنستے کیوں هو۔ درباریوں نے جواب دیا حضور ذرا سا نمک لانا هے پیسے دیلے کی کھا ضرورت' اور گؤں والے پیسه لیلکے بھی بکب ؟ بادشاہ نے جواب دیا کہ یاد رکھوا اگر بادشاہ رعیت کے باغ سے ایک سیب توہ کر کھا لے تو بادشا کے نوکر چاکر بیتر کا بیتر اکهاو لینکه . اسی طرح اگر بادشاه آدھے اندے کا ظلم ٹھیک سمنجھے تو اُس کے درباری لوگ سیکورں مرفوں کو کہاپ بغاکر کہا جائیٹکے ، یاد رکھو' ظلم کی جو ہت چھوتی ہوتی ہے پر اُس کا پھر ساری دنھا کھیر کیتا ھے ۔ ھاں' تو باپّو' یہ بال کاندھی آپ کی ایک ایک بات كو خيرب كهيلنج كر ايناتي هيس اور الهي كو بايو سمجهتن همي اور چاه کهتے نه هوں من ميں تو يه اي کو آپ سے ہوا سمجھتے ھیں ۔

بایو کیچه لوگوں نے آب کا چوخه اینا رکھا ھے ، أور ایسا اینا رکها هے که وہ چرخه چلانے کے سوائہ هاته کا اور كوتى كام نهيل كرتم . أور چرخه بهي وه دن ميل كهناتم دو گھنٹے سے زیادہ نہیں چاتے ، بائی وقت گیتا کے پوھلے اور کیرتن میں خرچ کرتے هیں . باہو ایک دن هم ایسے اليك آهرم مهى جا نكلي أس آشوم مهى سب أونج

विलकुल न हों. बापू, इन बाल गांधियों की नजर में तो आप उसी दिन से महात्मा हैं जिस दिन आपने जन्म लिया. इसित्ये यह आपके बचपन की किसी भी बात की नक़ल करके अपने आपको बापू मानने लगते हैं. श्रीर जिस काम को श्रापने कभी भूल से एक दिन कर डाला उसे यह बरसों करने के इयने आपको हक्षदार सममते हैं. और जब आपको यह महात्मा समभते हैं तो ऐसा करने के हक़दार भी हैं. यहां हमें शेख सादी की कही हुई एक बात याद आगई.

बापू, एक दिन एक बादशाह जंगल में शिकार खेल रहा था. जब उसके लिये जैगल में खान। बनने लगा तो मालूम हुआ साथ में नमक विलकुल नहीं है. वादशाह ने पास लगे गांव से नमक लाने के लिये एक आदमी भेजा और इसे हिदायत की, देखो, पैसा देकर नमक लाना. दरबारी स्त्रोम यह सुनकर इंस पड़े. बादशाह ने पूछा, इंसते क्यों हो. द्रबारियों ने जवाब दिया, हुजर जरा सा नमक लाना है पैसे देने की क्या जरूरत, श्रीर गांव वाले पैसा लेंगे भी कद ? बादशाह ने जवाब दिया कि याद रखो, अगर बाद-शाह रैयत के बारा से एक सेब तोड़ कर खाले तो बादशाह के नौकर जाकर पेड़ का पेड़ उलाड़ लेंगे. इसी तरह अगर बादशाह आधे अन्डे का जूलम ठीक सममे तो उसके दरवारी लीग सैकड़ों मुरगों की कवाब बना कर खा जायंगे. याद रखो, जुल्म की जढ़ बहुत छोटी होती है पर उसका पेड़ सारी दुनिया घेर लेता है. हां, तो बापू, यह बाल-गांधी आपकी एक एक बात को खुब खींच कर अपनाते हैं और अपने को बापू समभते हैं और चाहे कहते न हों, मन में तो यह अपने को आप से बड़ा सममते हैं.

बापू, कुछ कोगों ने बापका चरखा अपना रकता है. और ऐसा अपना रक्खा है कि वह परका चलाने के सिबाय हाथ का और कोई काम नहीं करते. और चरखा भी बह दिन में घंटे दा घंटे से जियादा नहीं चलाते. बाकी वक्त गीता के पढ़ने और कीर्तन में खर्च करते हैं. बापू एक दिन इस ऐसे एक पाशम में जा निकले. उस घाशम में सब ऊँचे

अक्तूबर '51

(334)

اكتربر 51'

Control of the Contro

बदा करती हैं और कभी बीखका जाती है. और वाप्, सरकार भी क्या करे, वह ही कौन सी बरस की बुड़ी, या तीस पैतीस की अधेड़, या अट्टारह बरस की जवान है! इसकी भी तो उमर तेदेंके चार बरस या इस से कुछ ऊपर है।

बापू, यह तीन तीन बरस के गांधी बड़ी जल्दी भूक हड़ताल पर उतर आते हैं. आप तो भूक सत्याप्तह को आखिरी हथियार मानते थे और उसको सबसे पैना और बड़ा हथियार सममते थे. पर यह बाल गांधी तो हर दम उसी हथियार को बांधे फिरते हैं. और छोटा मोटा नहीं आमरण अनशन की हट कर के बैठ जाते हैं. इससे तो हमारी सरकार और भी घबरा जाती है. बापू इने बाल गांधियों का यह काम नहीं कि वह यह सोवते फिरें कि सत्याप्रह क्या चीज़ है ? सत्य बिलकुल दूसरी चीज़ है ? खापह सत्य पर किया जाता है. राजकाजी ज़रूरत और चीज़ होती है, सत्य बिलकुल दूसरी चीज़ है ? खापह सत्य पर किया जाता है. राजकाजी ज़रूरतों पर आप्रह कर बैठना सत्याप्रह नहीं दुराप्रह होता है. इस बात से उन्हें क्या लेना देना. और बाल गांधियों को ऐसा कभी सोचना भी नहीं चाहिये. अगर वह ऐसा सोचने लगें तो उनके आगे बढ़ने का रास्ता ही ठक जाय.

बापू, आजकत आमरण अनशनों की बहार आ रही है. आप का यह एक एक गुण एक एक आदमी में अलग अलग अपने अपने तरीके से फत फूत रहा है. यह देख कर तो आपकी बालें खिल जाती होंगी और आप फूले न समाते होंगे. कभी कोई इस बात को लेकर भूकों मरने की तैयार हो जाता है कि इधर जब तक रेल नहीं निकलेगी मैं खाना नहीं खाऊंगा, कोई नहर निकलने की बात पर हट कर बैठता है, कोई भाशा वार सूबों के न बनने पर मरने को तैयार हो जाता है, कोई कालिज की फीस कम कराने के लिये खाना छोड़ बैठता है. कोई बरखास्त होने पर फिर अपनी जगह पाने के लिये डट जाता है. खुलासा यह कि आज कल हर काम पूरा कराने के लिये भूके मरने के हथियार से काम लिया जाता है. इन बाल गांधियों से कोई स्वार्थ और परमार्थ के सममने की बाशा भी क्या करे। और इनको सममाने को भी कौन तैयार हो ! हां, अगर कोई इन सब बाल लीलाओं को देख कर मुस्कराने वाला इनकी पीठ ठोंक कर इनकी हिम्मत बंधाने वाला होता तो यह बाल गांधी आप हा डबम का रस लेते और बाल सरकार भी इनकी लीकाओं पर बौखलाहट का तमाशा न दिखाती.

बापू, हमें तो यह डर लगा हुआ है कि कहीं किसी दिन यह बाल सरकार आमरण सत्यामह न कर बैठे. और इस सत्यामह के लिये ऐसे ही दो चार विशय हो सकते हैं. الهبرا الهتی هے اور کبھی آبُوکھا جائی هے آ آور عاہو سرکار بھی کیا کرے' وہ هی کون سو برس کی بدھی' یا تیس پیڈاس کی جوان ہے! آس کی بھی تو عمر لے دے کے جار برس یا اِس سے کچھ آوپر هے!

باپو' یہ تین نہن برس کے کاندھی بوی جلدی بھوک ھونال پر آتر آتے ھیں . آدیا تو بھرک ستھاگرہ کو آخیری ھتھیار صانتے تھے اور اُس کو سب سے پھنا اور ہوا ھتھھار کو سمجھتے تھے . پر یہ بال کاندھی تو ھر دم اُسی ھتھھار کو ہاندھے پھرتے ھیں . اور چھوتا موتا نہیں آمرن انشن کی ھب کو کے بھتھ جاتے ھیں . اِس سے تو ھماری سرکار اور بھی گھبرا جاتی ھے . باپو اِن بال کاندھیوں کا یہ کام نہیں کہ وہ یہ سرچتے پھریں کہ ستھا گرہ کیا چیز ھے ؟ ستھے کہتے ھیں؟ راج کاجی ضرورت اور چھڑ ھوتی ھے؟ ستھے بالکل دوسری چھڑ ھے آگرہ ستھے پر کھا جاتا ھے . بالکل دوسری چھڑ ھے آگرہ ستھے پر کھا جاتا ھے . والے کاجی ضرورتوں پر آگرہ کر بھتھنا ستھاگرہ نہیں درواگرہ راج کاجی ضرورتوں پر آگرہ کر بھتھنا ستھاگرہ نہیں درواگرہ اور بال گاندھیوں کو ایسا کبھی سوچنا بھی نہوں چھڑے . اگر حالی وہ ایسا سوچنے لگھی تو اُن کے آئے بڑھئے کا راستہ ھی وک جائے .

ہاپو' آج کل آموں اشتوں کی بہار آرھی ھے، آپ كا يه أيك أيك كن أيك أيك أدمى مهور الله ألم أيه امے طریقے سے پہل پہول رعا ھے ۔ یہ دیکھکر تو آپ کی بالهميس كهل جاتى هونكى اور آپ يهول نه سمان هونكه . کھھی کوئی اِس بات کو لے کر بھوکوں مرنے کو تھار ھوجاتا ھے کہ اِدھر جب تک ریل نہیں نکلے گی میں کہانا نہیں کھاوں' کوئی نہر نکلنے کی بات پر هٹ کر بھٹھٹا <u>ھ</u>' کوئی بھشا رار صوبوں کے نه بدائے پر مرنے کو تھار ہوجاتا ھے کوئی کلیم کی فیس کم کرانے کے لئے کہانا چھور بیٹھٹا هـ كوثى برخاست هونے پر بهر أيلى جكه بانے كے لئے تج جاتا هے ، خلاصه يه كه آج كل هر كام پورا كرائے كے لئے بهوك مرن ك هدههار سے كم لها جاتا هے . إن بال كاندههوں سے کوٹے سوارتہ اور پرمارتہ کے سمجھلے کی آشا بھی کیا کرے! آور اِن کو سمجھانے کو بھی کون تھار ھو! ھاں' اگر کوئی اِن سب بال لهاؤں کو دیکھ کر مسکرانے والا اُن کی پهته تهونک کر ان کی همت بندهانے والا هوتا تو یه بال الندهي آپ هي اودهم کا رس لريج اور بال سرکار يهي ان في لهاول ير بولهاهت لا تماشه نه دکهاني .

پاپوء همهن تو یه در لکا هوا هے که کهین کسی دن که بال سرکار آمرن سخماکره نه کر بیشه ، اور اس بجهاگره کے لیے ایسے هی دو جار رشے هرسکتے هیں ،

the state of the s

जाब, उसको उमर कैंद की संजा दी जाय, उसको फांसी के तरुते पर लटका दिया जाय, उसको थोते तीरों से बींघा जाय या यह कि उसको आधा जमीन में दफन करके उस पर कुले छोड़ दिये जायं. और फिर बापू, यह भी आको मास्म है कि जब बादशाह अकबर ने यही सवाल बीरवल से पूछा तो बीरवल ने यह जवाब दिया था कि नहीं, उस बादशाह की दाढ़ी पकड़ने वाले को मिठाई खिलाई जाय. और यह जवाब सुन कर सारे दरबारी हक के बक्के रह गय बे, और बादशाह यह जवाब सुनकर मुस्करा दिये थे. पर दरबारी क्या फिर भी कुछ समम पाए थे? आखिर बीरवल को ही उन बेबकूकों को यह सममाना पड़ा था कि बादशाह के बेटे के सिवा कीन हो सकता है जो बादशाह की दाढ़ी पकड़े और वह गोद में बिठाकर बड़े प्यार के साथ सिवाय मिठाई के और किस बात का मुस्तहक़ हो सकता है.

बापू, ठीक इसी तरह से धाज कोई मामूली अमीरजादा अपने दोस्तों से यह पूज बैठे कि अगर मेरी औरत को कोई हसवाई के हाथ चार आने में बेच कर नलेबी साने की बात कह बैठे तो इसके साथ मैं क्या बरताव करूं. चरूर इसके ना समक दोस्त कुछ ऐसी ही सजा तजवीज कर देंगे जैसी अकवर के दरवारियों ने की थी. और मशकिल से ही कोई एक ऐसा निकलेगा जो बीरबल जैसा ठीक श्रीर खुरत जवाब दे सके. और बापू अगर आज आप हिन्हुस्तान के चोटी के समम्बद्धारों से कहीं यह सवाल कर वैठें कि आगर कोई भारत माता को अमरीका के हाथ कुछ मोटरों और बड़े बड़े मकानों के लोश में आकर गिरवी रखने की बात सोच बैठे तो उसको क्या सजा दी जाब. तो क्या अञ्चल, सारे घोटी के नेता, अपनी समभ को धता बता कर एक आवाज में चिल्ला पड़ें कि ऐसे आदमी को कौरन गोली से मार देना चाहिये. और जब जैसे ही उनके इस फैंसले की चिल्लाहट खत्म हो तब वैसे ही कहीं एक सीधा सादा आवमी यह कह बैठे कि नहीं, उस ो तो पुचकार कर गोदी हे हिना चाहिये, और उसकी इस हिन्मत पर उसकी बलाएं क्षेत्री चाहियें. तो बापू इस वक्षत सिवाय आप के कीन मस्करायगा, चोटी के नेता तो आग बब्बा होकर ऐसी सलाह हेने वाले के ऊपर कृद पड़ेंगे और म जाने उसका मया हाल कर देने के लिये तैयार हो जायंगे. बापू, यह तो आप ही सममते हैं कि आखिर तीन बरस के गांधी के सिवाय और कीन ऐसी बात योच सकता है.

बापू, इन तीन तीन बरस के गांधियों ने सारे हिन्दुस्तान में डधम मचा रखा है. इनके डधम को, आप जिन्दा होते, तो ह्ँसते हँसते देखत रहते और अब भी आप बहां कहीं हैं वहीं से इस तमाशे को इंस इंस देख रहे होंगे. सर बाज की हमारी सरकार तो ऐसे तसाशे देख कर कभी جائے اس او عمر قین کی سرا دی جائے اس کو پھانسی کے تختے پر لگنا دیا جائے اُس کو تھوتے تیروں سے بہدد عاجائے یا یہ که اس کو آدھا زمین میں دفن کرکے اُس پر کئے جہر دائی اور چائیں اور پہر باپو یہ بھی آپ کو معلوم ہے که جب بادشاہ اکبر نے یہی سوال پیربل سے پوچھا تو بیربل نے یہ جواب دیا تھا که نہیں اُس بادشاہ کی داڑھی سارے رباری عکے بکے را گئے تھے اور یہ جواب سن کر سارے رباری عکے بکے را گئے تھے اور بادشاہ یہ جواب سن کر مسکرا دئے تھے ، پر درباری کیا پھر بھی کچھ سمجھ بائے تھے ؟ آخر بیربل کو ھی اُن بھوتوفوں کو سمجھانا ہے جو بیات کہ بادشاہ کے بیاتے کے سوا کون ھوسکتا ہے جو بادشاہ کی داڑھی پکڑے اور وہ گرد میں باتھاکر بڑے پھار بیاشاہ کی داڑھی پکڑے اور وہ گرد میں باتھاکر بڑے پھار بھانا ہے جو بادی ہانے ساتھ سوائے متھائی کے اور کس بات کا مستحدی ھو سکتا ھ

باہو' ٹھوک اِسی طرح سے آج کوئی معمولی امهرزادہ ایے درستوں سے یہ پوچھ بیتھے که آگر میری عورت کو کوئی حلوائی کے هاتھ چار آنے میں بوپے کر جلیبی کھانے کی بات کہ بھاتھے تو اس کے ساتھ میں کھا برتاؤ کروں . فرور اس کے ناسبجه دوست کچه ایسی هی سزا تجویز کر بیں کے جیسی اکبر کے درباریوں نے کی تھی ، اور مشکل بر می کرئی آیک ایسا نکلے کا جو بیربل جوسا تھیک اور چست جواب دے سکے . اور باہو اگر آج آپ هددستان کے چوٹی کے سمجهداروں سے کہیں یہ سوال کر بہتمهن که اکر کوئی بھارسماتا کو امریکم کے ھاتھ کنچھ موتروں اور ہوے ہوے مکانوں کے لوبھ میں آکر گرری رکھنے کی بات سويج بياه تو أس كو كيا سزادي جائه . تو كيا عجب، سارے چوتی کے نیتا' ایلی سمجھ کو دھتا بتائر ایک آواز میں چلا ہویں که ایسے آدمی کو فوراً گولی سے مار دیفا چاهئے . اور جب جیسے هی أن كے اس فيصلے كى چلاهت خدم هو تب ویسے هي کهيں ايک سيدها حادا آدمي يه کے بیتھے کہ نہیں' اس کو تو پنچکار کر گودنی لے لیڈا چاھگے' اور أس كي إس همت يو أس كي بلائين لهذي جاهدين. تو باہو اس وقت سوائے آپ کے کون مسکرائے کا . چوڈی کے نیتا تو آگ ہبولا موکر ایسی صفح دینے والے کے آرپر کوہ پویس کے اور نے جانے اس کا کیا حال کر دیائے کے لئے تیار هو جائیں گے ، باپو' یہ تو آپ هی سمجهتے هیں که آخهر تین برس کے کاندھی کے سوائے اور کون ایسی بات بهريم سكتا هے ،

باپو' اِن تھن تھن برس کے کاندھیوں نے سارے ھندستانے میں اُودھم میچا رکھا ھے ۔ اِن کے اُودھم کو' آپ زندہ ھوتے' تو ھنستے ھنستے دیکھتے وعلیے اُور آب بھی آپ جہاں کہیں ھیں وھیں سے اِس تماشے کو ھنس ھنس دیکھ رہے ھونگے ۔ پر آج کی مماری سرکار تو ایسے تماشے دیکھکر کھھی

Try.

ध्यके बरव बारीक दक्के कर दिये जाये और काटने से जो होटे छोटे रेशे बनें उनमें से कहीं पक रेशा को दिया जाय तो वह पानी पा कर केले का पेड़ बन जाता है. खुकासा यह कि पका केला सब का सब बीज होता है. आपके शहीद होने के बार, हमारा ऐसा खयाल है, कि हिन्दुस्तान के चोटी के नेता श्रों ने, शापके इस पाँच भूत से बने तन के बारे में भी कुछ ऐसा ही अन्दाका लगाया, इसीलिये उन्होंने आपकी हिंदुयों के फूत जगह जगह निद्यों में डाल दिये. और विनोबा के परमधाम के नीचे बहने वाली पौनार नदी में भी उनमें से कुछ फूलों को जगह मिल गई. और वापू, यह सुनकर तो हुम्हें कितनी ख़शी होगी कि चोटी के नेताओं का अन्दाजा आपकी मुट्टी भर राख के बारे में विलक्कल ठी ह निकला ! बापू, तीन बरस के इस अरसे में हिन्दुस्तान के कोने कोने में अनिगनत गांधी पैदा हो गए हैं. उमर के लिहाज से तो वह अभी बच्चे हैं क्यों कि तीन बरस की उमर होती ही क्या है, लेकिन यह सुनकर तो बापू आपको बेहद खुशी होगी कि उनमें से हर एक अपने आपको बापू सममता है. यह दूसरी बात है कि दूसरे लोग उन्हें बापू कह कर नहीं पुकारते.

बापू, कैनी बाल (आदमलीर) बनना, आगर बुरी बात न हो और समाज की दौड़ में पीछे हटने बाली बात न हो, तो हम कहे देते हैं, हमारे मन में आज यह बात जरूर घठी कि आगर आपके शधीद होने के बक्त हम हिन्दुस्तानी कैनीबाल होते तो हम किसी न किसी तरह आपकी बुद्धि, आपका सत्य, आपकी अहिन्सा हजम किये बिना न मानते. आपकी हिन्दुस्तान भर में फैलाई हुई राख के जरिये आपकी बुद्धि का या सत्य और अहिन्सा का भी कुछ आंश हमार हिस्से में आया है या नहीं यह हम नहीं कह सकते. पता नहीं ईश्वर का इसमें का भेद था कि हम आपकी शहादत के वक्षत कैनीबाल नहीं थे.

बारू, यह ठीक है कि अभी जितने गांधी पैदा हुए हैं वह उमर में चाहे कितने बड़े क्यों न हों, गांधी बनने की उनकी उमर अभी तीन बरस नी ही महीने की हैं. और उस उमर के लिहाज से वह जो कुछ कर रहे हैं वह इस आबिल जरूर है कि उनकी बढ़ावा दिया जाय और उनकी हिम्मत बढ़ाई जाय. और इसमें शक नहीं कि आप जहां भी होंगे वहां से ऐसा जरूर कर रहे होंगे.

बापू, अब आप से तो हम क्या कहें, आपको तो बाद-शाह अकबर की वह बात मालूम ही हैं जिस बक्त उसने अपने दरबारियों से यह सवाल किया कि अगर कोई हमारी दादी पकड़ ते तो उसका हम क्या करें. और दरबारियों ने जो जवाब दिया था वह भी आपको मालूम है. उन नासममों ने यही हो जुवाब दिया बा कि उसको बेंत की सजा दी

الش کے بیت باریک کردانے بھالیس آر کاٹھے سے جو جمولة جمولة ريشه باين أن مين سه كهين أيك ريشا بو دیا جائے تو وہ پانی پاکر کیلے کا پھڑ بن جاتا ہے. خاصه يه كه دِكا كيلا سب كي سب بريم هوتا هي . آپ كي شهید مونے کے بعد عمارا ایسا خیال هے که هندستان کے چوتی کے نیتاوں نے' آپ کے اِس پانی بھرت سے بانے تن کے بارے میں بھی کھھ ایسا می اندازہ لکایا اِسی لگے اُنہوں نے آپ کی هذیوں کے پھول جگھ جگھ ندیوں مهن قال دئے. آور ونوبا کے پرمدھام کے نہجے بہلے والى پونار ندى مهن بهى أن مين سے كچه پهولوں كو جگه مل گئی . اور باپو' یه سن کر تو تمههن کتنی خوشی هوگی که چوتی کے نهتاؤں کا اندازہ آپ کی متھی ہمر رائه کے بارے میں بالکل تھیک نکٹا! ہاپو تین فرس کے اِس عرصے میں مقدستان نے کوئے کوئے میں آن گلت کاندھے پیدا ھوکئے ھیں ۔ عسر کے لتحاظ سے تو وہ ابھے بحجے میں کیونکہ تون برس کی عمر هوتی هی کیا هے کی یہ سن کر تو باہو آپ کو بے حد خوشی ہوگی کہ أن مهر سے هر ايك الله آپ كو بايو سمجهتا هے . يه دوسرى واس مے که دوسرے لوگ اُنهیں باہو کهکر نهیں پکارتے .

یایو' کیلئی بال (آدمخور) بللا اگر بری بات نه ھو اور سماج کی دور میں پیچھے ھٹنے والی بات نہ ھو تو هم کي ديتے هيں عمارے من ميں آج يه بات ضرور اُتَّهٰی که اگر آپ کے شہید ہونے کے وقت ہم هددستانی کیدی بال هوتے تو هم کسی نه کسی طرح آب کی بدھی' آپکا ستیه' آپ کی اهلسا هضم کیے بلّا نع مانتے . آپ کی هندستان بهر میں پهیلائی هوئی رائه کے ذریعے آپ کی بدھی کا یا ستیہ اور اہلسا کا عمى كجه أنه همارے حصے مهن آيا هے يا نهين يه هم نبهی که سکتے، پته نهیں ایشور کا اِس میں کیا بھید تھا کہ هم آپ کی شہادت کے وقت کیلی بال نہوں تھے۔ ہاہو کے انہیں ہے کہ ابھی جاتمے کابدھی پیدا ہوئے مهن وه عمر میں چاھے کتنے بڑے کیوں نہ ھوں' کادھی هُلُمُ كَى أَن كَى عبر أَيهِى تين برس نو هي مههِ لَي كي الله عبر أن عبر كي لتعاظ سے وه جو كته كر رهے هيں ولا اِس قابل ضرور هے که أن كو بوهاوا ديا جائے أور أن في همت بوهائي جائي . اور اِس ميں شک نهيں که آفیہ جہاں بھی ہونکہ وہاں سے ایسا ضرور کورہے ہونکیے ۔ ہاہو' اب آپ سے تو هم کها کہیں' آپ کو تو بادشاہ انبر کی وہ ہات معلوم هی هے جس وقت اس نے اپنے درباریوں میے بعد سوال کیا که اگر کوئی هماری دارهی پکولے قو آس کا هم کها کریں ، اور درباریوں نے جو جواب هیا تها ولا بهی آپ کو معلوم هے . أن ناستجهوں نے

یہی تو جواب قیا تھا کہ اُس کو بیلت کی سزادی

खुश करने के लिये बन्होंने इस होस्टल को जमीन दे की बी. लाखों उपया इस मट्टी से कमाते हैं. हजारों कांगरेस को चंदा दे देते हैं. उन से बोल ही कीन सकता है. आए दिन मिनिस्टरों की दावत होती रहती है. भला उनके खिलाफ किस की दाल गल सकती है."

"अरदाचार तमाम फैल गया है, यह सही है. लेकिन हाई कोर्ट में तो अपील हो सकती है वहाँ तो तुम अपनी उन्दुरुस्ती और सदाचार की दुहाई दे कर इन्साफ मांग सकते हो." मैंने जैसे उसकी अड़चन दूर करने के लिये जबरदस्त सुमाब पेश करते हुए कहा.

"जी, जरूर। हाई कोर्ट क़ानून के शब्दों को मानता है, इसकी खात्मा को नहीं. होस्टल के बनने से पहले यह भड़ी षहाँ थी इसिलये इसे यहाँ रहना चाहिये. राजती उन लोगों की है जिन्होंने यहाँ होस्टल बनवाया था. इसलिये हाई कोर्ट का फैसला हो जायगा कि अगर आप चाहें तो होस्टल दूसरी जगह खिसका लीजिये. आपको पूरी आजादी है...... और तुम जानते हो शराव की भट्टी के लिये जगह मिल सकती है, मंदिर मिरजद बनाने के लिये जगह मिल सकती है, बनस्पति घी की फ़ैक्टरी खोलने की जगह मिल सकती हैं, सिगरेट की फ़ैक्टरी के लिये जगह पैदा की जा सकती है, लेकिन विद्यार्थियों के होस्टल बनाने के लिये जगह नहीं मिल सकती, स्कूल खोलने के लिये जगह नहीं मिल सकती, जनता के वास्ते अस्पताल खोलने की जगह नहीं मिल सकती, रहने के लिये मकान बनाने की जगह नहीं मिल सकती. जमीन तो किसी न किसी जमींदार की ही है. वह धन चाहता है जनता का कायदा नहीं. सरकार भी तो एसी की है, जो कुछ करेगी उसके फायदे का बचाव करके ही तो करेगी.....'

मेरे मुँह से आवेश में निकल गया-

"जय स्वराज! जय भारत!! जय रिशियों मुनियों की संतान!!! شوهن گرلے کے لئے آلہوں نے اس موسلال کو زمین مید سے تھی تھی ۔ مزاروں سے تھی ۔ مزاروں کی تھی ۔ مزاروں کا تکریش کو چندہ دے دیتے میں ۔ اُن سے بول می کون سکتا ہے ۔ آئے دن منسلاروں کی دعوت موتی رمانی ہے ۔ بیلا اِن کے خلاف کس کی دال کل سکتی ہے ۔ "

'' يهرشتا چار تمام پههل كها هے' يه صحيح هے . لهكن هائيكورت مهن تو ايهل هوسكتى هے . وهان تو تم ايهى لقدرستى اور سداچار كي دهائى دے كر انصاف مانگ سكتے هو .'' مهن نے جهسے اُس كى اُرچن دور كرنے كے لئے بردست سجهاؤ پهش كرتے هوئے كها .

12 جي ' ضرور! هاڻيکورٽ قانون کے شهدوں کو مانتا ھے' اُس کی آنما کو نہیں . هوستل کے بلنے سے پہلے یہ بهتم يهال تهي إس ليه إس يهال رهذا چاهيه . فلطي أن لوكوں كى هے جنهوں نے يہاں هوستل بنوايا تها ، اِس لُمُ عائمه عنه كا فيصله هوجائع كا كه أكر آپ چاهين تو المستل دوسری جگه کهسکا لیجئے آپ کو پوری آزادی ہے اور تم جانتیے هو شراب کی بهتی کے لیے جاتم مل سکتی ہے مذدر مسجد بدانے کے لئے جگه مل سکتی ہے، ہڈسپتی گھی کی فیکنڈری کھولنے کے لئے جگہ مل سکتی ہے' سگریت کی فیکٹری کے لئے جگہ پیدا کی جا سکتی ہے' یمن ودیآرتههوں کے هوستل بنانے کے لئے جگه نهیں ال سَمَةي اسمول فهولنے کے لئے جگه نہیں اس سمتي جفتا ہے واسطے اسپتال کھولئے کی جگھ نہیں مل سکتی بھنے کے لئے مکان بذانے کی جگہ نہیں مل سکتی . زمین نو کسی ته کسی زمیندار کی هی هے . وه دهن چاهها هے جنته کا فائدہ نہیں . سرکار بھی تو اُسی کی ہے . جو کچھ کرے کی اُس کے فائدے کا بحیاؤ کر کے ھی تو فرے کی .. "

میرے منہ سے آویص میں نکل گیا ---

"جے سرراج ا جے بھارت!! جے رشھوں مذھوں کی سلتان!!!

बापू से

षापू,

गेहूँ का एक दाना जमीन में दक्तन होकर अपने जैसे सैकड़ों हजारों पैदा कर लेता है. और इमने यह भी सुन रखा है कि एक पके हुए केले को अगर एक सुसती पर संत दिया जाय और फिर उस सुतती को सुखा कर केंची से

باپو سے

ايو'

گیہوں کا ایک دانا زمین میں دفن ہوکر آپے جیسے میکووں ہزاروں پیدا کرلیٹا ہے ۔ اور ہم نے یہ بھی سن کھا ہے کہ ایک سخانی پر کھا ہے کہ ایک سخانی پر موٹی کھلے کو اگر ایک سخانی پر موٹیت دیا جائے اور پھر اُس سخانی کو سکھا کر قیلتھی سے

बह सदक पर बैठा के कर रहा था. सामने कोतवाली पर एक सिपादी संगीन से लैस खड़ा था. कानून टूट चुका था और वह खड़ा था...... मुजरिम सामने खड़ा था और वह खड़ा देख रहा था. उसकी खता ही क्या है. कानून ही कुछ ऐसा है—इस हिन्दुस्तान में सब मन के हानों मजबूर हैं!

· 大學學院學院的自然的學學學院學院學院學院學院學院學院學院學院學院

दन के उतरने से एक मुसीबत इल हो गई. मैं ठंडी इवा का मजा ले सका. खूब ही सीन हैं. हम सड़कों को पार करते हुए टी. जी. होस्टल पहुँच गए. तेज बहादुर कमरे में नहीं थे. बराल बाओं से माल्म हुआ वह गोमती किनारे चूमने गए हैं. मैंने उनके कमरे के सामने सामान फेंका और गोमती की तरफ चल दिया. सी राज़ के फासले पर गोमती लहरें मार रही थी. मैं तज बहादुर तक पहुँच गया. हम होनों गले मिले. मैंने जिल्लासा से लदे स्वर में पूछा—"क्या गम्भीर मामला है, तेज?"

"मामला तो कोई गम्भीर नहीं है. सिर्फ सतीश की शादी होने वाली है. आज ही होगी. तुम्हें वह बुलाना बाहता था. मुक्त से तार दिलवा दिया. तुम घबरा तो हुठे होगे १"

मैंने उसके कंधे पर हाथ मारते हुए कहा — "घत तेरी के! ऐसा भी कहीं मजाह किया जाता है."

व्रिया का सीन बहुत मोहक था. बहान में तेजी थी खीर लहरों में जवानी की अंगड़ाई. हरियाली किबारे के दोनों तरक थी. यह सुम्दर दृश्य मुझे बहुत भा रहा था. केकिन शराब को बूहवा में मिल गई थी. मैंने दो चार बार सूँघ कर पता लगाने की काशिश की कि बू किधर से आ रही है. कुछ पता न लग पाया. फिर तेज से पूछा— "शराब की महक कहाँ से आ रही है तेज?"

''हमारे होस्टल के बिलकुल बरास में एक भट्टी है." तेज ने उत्तर दिया.

"लखनऊ में ग्रराब पीने पर तो पावन्दी है और होस्टल के बग़ल में मट्टी जल रही है. यह दुरंगी हमारी समम से दूर है." मैंने गम्भीर स्वर में तेज से कहा.

"यह कांगरेस राज है कांगरेस राज." तेज ने अवंग किया.

"तुम लोग लड़ते क्यों नहीं हो. सरकार से मांग करो कि इस भट्टी को बन्द कर दे." मैंने आवेश भरे लहजे में सुमाब रखा.

तेज के मुँह पर हलकी सी मुस्कराहट आ गई और इसने कहा—''तुम नहीं जानते कि मट्टी के मालिक बड़े इसीदार हैं. यह सारी जमीन उन्हीं की है. गवरनर साहब को وہ سوک پر آبیگھا کے کر رہا تھا۔ سامنے گوتوالی پر یک سپاھی سلکین سے لیس کھڑا تھا۔ تانوں ٹوٹ چکا ھا اور وہ کھڑا ہوا رہا تھا اور وہ کھڑا ہی رہا تھا۔ اُس کی خطا ھی کیا ھے۔ تانوں ھی کچھ ایسا ھے ۔۔۔ اِس عندستان میں سب من کے ھاتھوں حجبور ھیں!

The state of the s

أن كے أترنے سے ایک مصهبت حل هوگئی . میں الهندی هوا كا مزا لے سكا . خوب هی سین هیں . هم سوكوں كو پار كرتے هوئے تی . جی . هوستمل پہونچ گئے .. هوا وہ گومتی كفارے گهومنے كئے هيں ، مهن نے أن كے ليرے كے سامنے سامان پههنكا أور كومتى كی طرف چل ليا . سوگؤ كے فاصلے پر گومتی لهریں مار رهی تهی . میں لیا . سوگؤ كے فاصلے پر گومتی لهریں مار رهی تهی . میں لیے بہادر تک پہونچ گیا . هم دونور ، كلے ملے ، میں نے جگهاسا سے لدے سور میں پوچها —" كوا گمههر معامله ها تهج ؟ "

مهن نے اُس کے کندھے پر هاتھ مارتے هوئے کہا۔۔۔''دهت تهری کے ! ایسا بھی کہیں مذاق کیا جاتا ھے''

فریا کا سین بہت مرهک تھا ، بھاؤ میں تفزی تھی اور لھروں میں جوانی کی انگزائی ، هریالی کفارے کے فونوں طرف تھی ، یہ سفدر درشیہ مجھے بہت بھا رها تھا ، لیٹن شراب کی ہو هوا میں مل گئی تھی ، میں نے در چار بار سونگھکر پاته لکانے کی کوشش کی کہ ہو کدھر سے آرهی ہے ، کچھ پاته نہ لگ پایا ، بہر تھیج سے پوچھا سے آرهی ہے تینج آبائ

ور همارے هوستل کے باہل بغل میں ایک بھٹی فے . " تیم نے اُتر دیا .

" لکھنؤ میں شراب پینے پر تو پابندی ہے اور هوستل کے بغل میں بہتی جل رهی ہے ۔ یه دورنگی هماری سمجه سے دور ہے ، اسان کمدیور سور میں تیج سے کہا ،

" یہ کانگریس رآج ہے کانگریس راج ." تیج نے ویلگ کہا .

'' تم لوگ لوتے کھوں نہیں ھو ، سرکار سے مانگ کرو کھ اُنس بھٹی کو بند کر دے ،'' میں نے آریش بھرے لہجے میں سمجھاؤ رکھا ۔

تیم کے منہ پر هلکی سی مسکراهت آئٹی اور اُس نے کہا ۔۔'' تم نہیں جانٹے که بہتی کے مالگ ہوے زمیندار هیں . یہ ساریزمین اُنہیں کی ہے، گورنر صاحب کو बा. देरी मेरे दिमाश में एलमन पैदा कर रही थी. मैंने मूँमला कर कहा—"बाबा जलदी भी करो, बैठा भी लो.

इसने दूसरी सवारी को बैठा लिया. अभी इन्न ही क्रदम रिक्शा चला होगा कि उन सज्जन ने मेरी तरक अपना मुँह घुनाया और बोले- "श्राप जानते हैं, मैं कीन हूँ. मैं महाराजा ग्वालियार का 'एयर ऐपरेन्ट' हूँ.'' मुँह से शराव का मभका निकल रहा था. मुक्ते शराबी से एक तरह की हमदर्दी है. जब कोई शराब पी लेला है तो वह सच बोलता है. सच शायद बिना नशे के कोई बोलता ही नहीं है. नशे नशे में फरक़ जरूर है लेकिन हैं तो सब नशे ही की बातें. लेकिन यह बादमी साफ फूट बोल रहा था. यह कोई ग़रीब क्लर्क मालूम हो रहा था. अपनी पत्नी को कका कर, बच्चों का दूध और खाना छीन कर इसने शराब पी थी. शराब पी थी तो भी यह भूट बोल रहा था. सुमे चिद्र सी हो गई. मैंने मुँह मोड़ लिया. वह बकवास करता रहा. थोड़ी देर बाद मुके चुहत सूक्ती, उसकी तरक मुँह घुमा कर मैंने पूका-"लखनऊ में तो शराब पीना मना है. भाप कहां से चढा कर भा रहे हैं ?''

''जी, लखनऊ में मना है लखनऊ में...... श्रास पास के गांव में कोई मनाही नहीं है. जब मन चाहता है...... एक दो स्टेशन इधर उधर निकल जाता हूँ......सेर हो श्राता हूँ...''

"पुलिस कुछ नहीं करती? शहर में जाप इस तरह पी कर घूम रहे हैं. जाप को तो जहर पकद लेना चाहिये." मैंने सवाल किया.

'हाँ गिरफ्तार तो कर लेना चाहिये.....लेकिन..... लेकिन......पुलिस जो ठहरी...... और वह भी स्वराज की पुलिस...... हा हा हा हा...... वस जो सामने आया कुछ टिका दिया. सारा मामला ठीक हो जाता है." वह ठहाका लगा लगाकर हंसता रहा. मैं सुकड़ा हुआ नशे में दूबे व्यंग का मज़ा लेता रहा.

ठीक क्रेसर बारा पुलिस चौकी के सामने वह सज्जन खतर गए. रिक्शे से बतरते ही बनको क्रे हो गई. अच्छा हुआ रिक्शे पर बनको बलटी नहीं हुई. एक तो क्रे दूसरे शराब की क्रे. विमारा भन्ना उठा. जी बाहा बन को एक बपत लगाऊँ. मैंने गुस्से में कहा—"जब हज्म नहीं कर पाते तो ढकोसते क्यों हो ? अपना पेट काटते हो, खून जलाते हो, दुख सहते हो, सिर्फ कम्बखत नशे के स्विये."

''बात तो ठीक है...... मन को क्या किया जाय !..... मन के हाथों हम सब मजबूर हैं !!'शराबी ने नीचे शरदन किये हुए मुफे क्तर दिया. ً. دیری مهربے دماغ میں اُلجھن پیدا کر رھی تھی ، بن نے جھنجھا کر کہا --- '' بایا جلدی بھی کرو' آھا بھی لو ''

آس نے درسری سواری کو بیٹھا لیا . ابھی کچھ قدم رکشا چلا ہوگا که اُن سجن نے مهری طرف اینا مله مايا أور بولي " آپ خانات هين مهن كون هون مهن مهن ہاراجه گوالهار کا ' ايرايهرنت ' موں ،'' منه سے شراب بهبکا نکل رها تها ، مجهد شرابی سے ایک طرح کی مدردی هے . جب کوئی شراب پی لیکا هے تو وہ سپے بولگا ، . سے شاید بنا نشے کے کوئی بولٹا ھی نہیں ہے ، نشے الم میں فرق ضرور هے لیکن هیں تو سب نشے هی کی تهن . لهكن يه آدمي صاف جهرت بول رها تها . يه رئی فریب کلرک معلوم هو رها تها . ایلی پشلی کو رلاکرا چوں کا دودھ اور کھانا چھین کر اِس نے شراب ہی تھی ، براب پی تهی تو بهی یه جهوت بول رها تها . منجم چره نی هوکگی ، مهن نے ملت مور لیا ، وہ یکواس کرتا رہا ، ہوڑی دیر بعد منجمے چہل سوجھی ، اُس کی طرف ملھ ہما کو میں نے پوچھا ۔۔۔' لکھٹؤ میں تو شراب پیغا ملع ھے . آپ کہاں سے چوعا کر آ رھے میں 6.4

" جی' لکھنؤ میں منع ہے لکھنؤ میں س پاس کے گؤں میں کرئی مناعی نہیں ہے . جب من چاہتا ہے ایک دو استیشن اِدھر اُدھر نکل جاتا ہوں "

'' پوایس کچھ نہیں کرتی ؟ شہر میں آپ اِس طرح ہی کر گھوم رہے ہیں ۔ آپ کو تو فرور پکر لیٹا چاھئے۔'' میں نے سوال کیا ۔

'' هال گرفتار تو کر لهذا چاهنے لیکن...... یکن پولیس جو تهہری اور وہ یهی سوراج لی پولیس ها ها ها ها بس جو سامنے ایا کچه تکا دیا، سارا معامله تههکهوجاتا هے '' وہ تههاکا کا کر هذستا رها میں سکوا هوا نشے میں دویے وینگ کا مؤا لیتا رها .

تھھک قیصر باغ پولیس چوکی کے ساملے وہ سجن اور گئے ۔ رکشے سے اُترتے ہی اُن کو قے ہوئگی ، اچھا ہوا رکشے پر اُن کو آلگی نہیں ہوئی . ایک تو قے دوسرے شراب کی قے ، دماغ بھلما اُتھا ، جی چاھا اُن کو ایک چھت لگاؤں ، میں نے قصے میں کیا ۔" جب ھضم نہیں گر پاتے تو تھکوسلاے کیوں ہو ؟ اپنا پیت کاتلے ہو' خون جلاتے ہو' دکھ سہلے ہو' صرف کیہخت نشے کے لئے ۔"

" بات تو تھیک ہے من کو کیا کیا جائے!... من کے هاتموں هم سپ مجهور هیں!!'' شرابي لے بینچے گردن گئے ہوئے مجھے آتو دیا .

والمواد المراجعين

199

A Marian डाक्टर साहब ने बात काट कर बहना शुरू किया-"अंगरेज का जमाना रह रह के याद करना पड़ता है. मामूली मामूली डाक्टर तीन तीन सी बार चार सी की आमवनी कर लेते थे. बिना कहे सुने उपए मिलते थे. लेकिन आज कल इमबखतों से मुँह स्रोल के कहो भी तो कोई नहीं देता.आप तो डाक्टर ही हैं, मैं तो सिविल सर्जन हूँ. लेकिन पहले के मुकाबले में कुछ आमदनी नहीं होती. कहीं किसी क्रवल बरौरा के मुकदमे में मौका भी मिलता है तो किसी न किसी खट्टर धारी को भी शामिल करना पड़ता है..... मैं तो अब आफ कह देता हूँ सर्टी फिकेट लिखने, स्रतरनाक चोट का सर्टी फिकेट वरौरा देने का मेरा रेट मुक्तरेर है. खरा काम खरा दाम. किसी के साथ रिमायत नहीं. परसों एक गाँव में लाठी चल गई. एक आदमी की हड़ी टूट गई. मैंने उसकी पारटी वालों से साफ कह दिया कि पाँच सी रुपया दो नहीं तो मैं 'खतरनाक" बोट नहीं लिख्ँगा. लगे इधर उधर की पट्टी पढ़ाने. मैंने एक भी नहीं सुनी. बिना लिये मैंने क्रलम नहीं उठाया."

"हम जैसे छोटों का तो कुछ बस ही नहीं चलता. मुक़द्में बरौरा हम तक पहुंचने ही नहीं पाते. ऊपर ही ऊपर सव तय हो जाता है. मरीजों से पान फूल के लिये भी कुछ नहीं मिलता. मैं तो बताऊँ साफ, आप से क्या छिपाना. दवाएँ ब्लैक मार्केट में विकवा लेता हूँ, श्रीर पानी रोगियां को देता हूं. लेकिन इतने हिस्सेदार हो जाते हैं कि कोई खास भामदनी नहीं होती."

"आखिर किया ही क्या जाय. भई कुछ न कुछ अपने और बच्चों के लिये करना ही पड़ेगा. फिर किसी सूरत क्यों न हो. पेट पालना भी कोई जुर्म है.' 'सिवित सरजन साहब ने डाक्टर साहब की करतूत को ठीक ठहराते हुए कहा.

मेरे मुंह से एक बारगी निकल गया-"जय स्वराज ! जय भारत !! जय महारिशियों की सन्तान !!! "

मेरी आवाज से दोनों चौंक पड़े और चुप हो गए. मैंने किसाब मुँह पर रखकर करवट बदल ली.

सुबह सुबह गाड़ी लखनऊ पहुंच गई. मेरे पास था ही क्या. मट से स्टेशन से बाहर आया. मेडिकल कालिज जाने के लिये रिक्शा किया. इस समय मैं प्रसन्न था, मेरी अमंग लौट आई थी. ऐसा लगरहा था कि मैंने अपने दोस्त को फाँसी से बचा लिया है, या ख़ुद किसी भूटे इसाजाम से बरी कर दिया गया हूँ. मैं बेहद ख़ुश था. रिक्शा सभी जगह से हिला भी न था कि पीछे से आवाज आई —''रिक्शास्त्राली हैं ?"

रिक्शे वाके ने पूछा, अगर मैं राजी हूँ तो वह यह सकारी भी बैठा ले. उसको पैसे मिल जायँगे. वह अपनी गरीकी का रोता रोने लगा, सुके उस बक्त तेज तक पहुंचना

قائلر صاحب نے بات کات کر کہنا شررع کیا ۔۔۔ دوانگریز کا زماته رہ رہ کے یاد کرنا ہوتا ھے . معمولی معمولی ڈاکٹر تهن تهن سو چار چار سوکی آمدنی کر لهتم تهم . بنا کھے سلے روپے ماتنے تھے لیکن آج کل کمینجاتوں سے مله کھول کے کہو بھی تو اوئی نہیں دیتا ۔ آپ تو ڈاکٹر ھی هیں میں تو سرل سرجن هوں ، لیکن پہلے کے مقابلے میں اچھ آمدنی نہیں ہوتی ، کہوں کسی قاتل وفہرہ کے مقدمے میں موقع بھی ملتا ہے توکسی نہ کسی کهدر دهاری کو بھی شامل کرنا پوتا ہے.میں تو اب مان كه ديعًا هول سرتيفكت لكهني خطرناك چوت كا سرتهنكس ديني وفيره كامهرأ ريت مقرر هي . كهرا كام کھوا دام کسی کے ساتھ وعائت نہیں پرسوں ایک کاوں مهن اللهي آچل كدي ايك أدمي كي هذي الوت كدي . مھی نے اُس کی پارٹی والوں سے صاف کہ دیا که پانچ سو رویهه دو نهیل تو میل ' خطرناک " چوت نهیل لکهول کا . لکے ادمر اُدھ کی بتی پڑھانے . میں نے ایک بھی

ود هم جهسے چهوڙوں کا تو کچھ بس هينههن چلتا . مقدمے وقهرة عم تک ديونچة هي نهيال پاتے أربر هي اوڀر سب طي هرجاتا هي . مريضرن سے پان پهول کے لئے بھی کنچھ نہیں ملتا ، میں تو بتاؤں صاف اُپ ہے كها جهيانا . دوائيس بلرك ماركيت مين بكوا ليتا هون اور پانی روایوں کو دیتا هوں . لهکن آنانے حصے دار هو جاتے میں که کوئی خاص آدای نهیں هوتی ."

" آخر كها هي كها جائه . بهدّى كچه نه كچه اله و بیچوں کے لئے کرنا ھی پڑے گا ، پھر کسی صورت کھوں ۽ هو . پيمت بالغا بهي کُونُي جرم هے .'' سول سرجن ساهب نے داندر صاحب کی کرترت کو تھوک تھہراتے ہوئے کہا ۔

مهرے مله سے یکھارگی نعل کھا - '' جے سوراج! جے هارت !! هم مهارشيون كي سنتان !!! ٠٠

مهری آواز سے دونوں چونک پڑے اور چپ هولئے. یں نے کہ ب مدء پر رابعکر کروے بدل لی .

مهم صبح کاری لکهلؤ پهونیج گئی . میوے پاس تها ي كها . جهمت سے استهشن سے باهر آیا . مديكل كالم عالم كو لئه وكشا كها . إس سمه مهى پرسن تها •هرى منك لوت آئى تهى . ايسا لگ رها نها كه مهى في اين ہسمت کو پھانسی سے بحدا لیا ھے' یا خود کسی جھوتے والم سے بری کر دیا گیا هوں ، میں یہ حد خوص تھا ، شا ابھی جگه سے ملا بھی نه تها که پیچھے سے آواز آئی ۔" رکشا خالی ہے ؟''

وكشيم والم لم يوجها أكر مهل راضي هول تو وه يه اری بھی بیتھا ہے . اُس کو پیسے مل جانیں گے . وہ لم قريبي كا رونا رول لكا. مجهاس وقت تهم تك پهونچها ही चाहिये, अपनी सरकार होगई है न.' वह बोले—'क्या बात करते हैं दारोगा जी आप भी, अब ही तो मौका हैं हाथ की संकाई का.' मैंने संकोच जाहिर करते हुए कहा —'क्या किया जाय.' वह मुस्करा कर बोले—'जूब धड़ाके से हाथ चलाइये. हम तो हैं ही. कोई ऊँच नीच पड़ेगा तो देखा जायगा. लेकिन.....आधो आध रहेगा दारोगा जी.' मेरी तो बालें खिल गई. यक्तीन मानो एक साल में उस बाने से इस हज़ार उपये मैंने कमाए थे. सेक्रेटरी साहब के हवाले भी इतना ही कर दिया. अब तो मेरी हिम्मत खुल गई है. जहां जाता हूँ वहां के सबसे असरदार कांगरेसी से मामला तय करलेता हं."

"यही हाल तो अपना भी है दारोगा जी ! लेकिन अब तो इन कांगरेसियों का लालच बढ़ता ही जाता है. जियादा से जियादा हिस्सा मांगते हैं. मेहनत करें हम और मुफ्त का हिस्सा इन को बटाएं. अच्छे आए कहीं के....."

मुक्ते हंसी का रही थी और साथ ही गुस्सा भी. लेकिन मैं कर ही क्या सकता था. बात तो सच थी. गाड़ी ने जोर जोर से सीटी देनी शुरू कर दी थी. मैंने दारोग़ा लोगों को उन के हाल पर छोड़ा और सीधा अपने विस्तरे पर आ गया. कुछ ही देर में गाड़ी रुक गई. यह रायबरेली स्टेशन था. लोग इतनी रात गए भी गाड़ी के लिये यहां खड़े थे. दो साहब मेरे डिब्बे में भी घुस आए. दोनों के साथ काकी सामान था. सफ़ेद पतलून और सफ़ेद क़मीज़ दोनों पहने थे. अन्दर आकर उन्होंने चारों तरफ नजर डाली. कोई जगह खाली नहीं थी. नाक भीं चढ़ा कर उन्होंने फर्श पर बिस्तर खोल दिया और मेरी बग़ल में ही दोनों बैठ गए. गाड़ी रायबरेली से चल पड़ी.

मैं किताब पड़ता रहा भौर वे दोनों बातें करते रहे. पहले मैंने कोई ध्यान नहीं दिया लेकिन एक जगह कहानी बड़ी बल हो गई. मेरा बित्त वहाँ से हट गया बिन चाहे ही मेरा ध्यान उनकी बातों की तरफ होगया.

"बतते बताते बच्छी मुलाकात होगई. कहीं बाने जाने का मौका ही नहीं मिलता जो लोगों से मुलाकात हो सके....."

"क्या कहा जाय डाक्टर साहब. बहुत बुरा जमाना लगा है. जाप तो जानते हैं मैं कितना घुमक्कड़ था लेकिन ६स तक्त मरीजों से जामदनी होती थी, महँगाई भी नहीं थी. हाथ खोलकर खर्च करता था. जब तो कोई कमयल्ड पैसे ही नहीं देता. जो है सो मुक्त काम लेने की सोचता है. किसी सूरत गाड़ी चली जा रही है. शरीक आदिमयों की किसी सूरत इज्जत बची जा रही है......" هی چاهید ارفد چی آب بهی اب هی تو بول ساکه بات کرتے هی داروفد چی آب بهی اب هی تو موقع ها هاته کی صفائی کا، میں نے سلکوچ ظاهر کرتے هوئے کہا۔ کیا کیا جائے، وہ مسکوا کو بولے۔ خوب دهواکے سے هاته چلائیے هم تو هیں هی . کوئی اونچ نیچ پرے گا تر دیکھا جائے گا لیکن آدهو آده رہے کا هاروفه جی ، میری تو باچهیں کہل گئیں . یقین مانو ایک سال میں اس تهانے سے دس هزار رویهے میں نے کمائے تھے . سکریڈری صاحب کے حوالے بهی اتفا هی کردیا ، اب تو میری همت کہل گئی هے . جہاں جاتا هوں وهاں کے سب سے اثردار کانگریسی سے معاملہ طے کرلیڈا هوں."

''یہی حال تو ایفا بھی ہے داروقہ جی الهکن اب تو اِن کانگریسیوں کا اللہ بوهنا هی جانا ہے ، زیادہ سے زیادہ حصہ مانگتے هیں ، مصلت کریں هم اور منت کا حصہ اِن کو بقائیں ، اچھے آئے کہیں کے.....''

مجھے ملسی آرهی تهی اور ساتھ هی قصه بهی الیکن مهی کر هی کیا سکتا تها ایات تو سبج تهی اور خور زور سے سیتی دیئی شورع کردی تهی میں نے داررفه لوگوں کو اُن کے حال پر چهورا اور سیدها اپنے بسترے پر آئها اکتہ هی دیر میں گاری رک گئی استیشن تها الوگ اتلی رات گئے بهی گاری کے لئے بہاں کهرے تھے ادو صاحب میورے قبے مهی بهی کهس آئے اوران کے ساتھ کافی سامان تها مهید پہلون اور سفید قمیض دونوں پہلے تھے اندر آئو انہوں نے چاررں طرف نظر قالی اکوئی جگه خالی نہیں تھی اور میوی بغل میں هی دونوں بیٹھ گئے استر کھول دیا اور میوی بغل میں هی دونوں بیٹھ گئے استر کھول دیا اور میوی بغل میں هی دونوں بیٹھ گئے ا

میں کتاب پڑھتا رہا اور وہ دونوں باتیں 'رتے رہے ، پہلے میں نے کوئی دھیان نہیں دیا لیکن ایک جگه کہانی بوی قل موگئی ، میرا چت وہاں سے مت گیا ، بین چاہے ھی میرا دھیان اُن کی باتوں کی طرف ہوگیا ، ''چلتے چلاتے اچھی ملاقات ہوگئی ، کہیں آنے جانے کا موقع ھی نہیں ملتا جو لوگوں سے ملاقات ھو سکے''

الکها کها جائے قاکتر صاحب ، بہت برا زمانہ لاا هے،
آپ تو جائتے ههی میں کتنا گهمکر دہا ، لهکن اُس
وقت مریشوں سے آمدنی هوتی دهی مهنکائی بهی نهیں
تهی ، هاته کهول کو شرچ کرتا تها ، اب تو کوئی کمبشت
پیسے هی نهیں دیتا ، جو هے سو مفت کام لیلے کی
سوچتا هے ، کسی صورت الهی چلی جارهی هے ، شریف
آدمیوں کی کسی صورت عزت بچی جارهی هے . شریف

पुत्रकुरहर कान में चाई. लोगों ने लाइट बुमा दी थीं, जंधेरे में मेरा व्यान कन बातों की तरफ गया. बाय रूम के बिलकुल क़रीब ही कोई वो धादमी बाल कर रहे थे. मैं बोती ठीक करने के बहाने वहीं कक गया धौर बात सुनमें की कोशिश में लग गया. वनकी बातों से मालूम हुचा कि वोनों पुलिस के धादमी हैं. जब वो धादमी एक ही महक में के मिलते हैं तो ध्यपनी कागुजर्मरयां गिनवाते हैं. बड़े धफ सरों की बुराई धौर धच्छाई की घरचा करते हैं, पूरे महक में का रिविट्यु हो जाता है. वह लोग ध्यपने महक में के बारे में वे सर पैर की बातें करते रहे. मैं चलने ही बाला था कि मुमें सुनाई पड़ा—

"दारोशा जी! अंगरेज अंगरेज़ ही था और यह देसी साहब देसी साहब ही हैं. क्या कहने उसके इन्तजाम के. क्या शान थी उसकी. भई हम लोगों को तो बादशाह बना गया था बादशाह....."

बात काटते हुए दूसरे ने जवाब दिया—"सख बात तो यह है कि अंगरेज ही की देन हैं जो हम लोगों का कुछ रोब अब तक चला जा रहा है. नहीं तो इन लोगों का बस चले तो हम लोगों को भंगी बना कर छोड़ें. अंगरेज हमें शाही सवारी घोड़ा दे गया था, और यह घोड़ा छीन कर मोटर साइकिल दे रहे हैं. यार घोड़ा घोड़ा ही है. मोटर साइकिल का उसका क्या मुकाबला. घोड़े पर थानेतार जिधर निकल जाता था लोग रोब से दब जाते थे."

"तभी तो इनके राज में गइबड़ी फैली है....कोई
पुलिस का रोब तो मानता ही नहीं है....बिना पुलिस के
किसी ने शान से हकूमत की है!....लेकिन दारोग़ा जी,
कांगरेस सरकार ही क्या करे. बात इन्साफ की कहना
चाहिये. क़ानून के हथियारों से दसने तो हम को खूब लैस
कर दिया है. अधिकार पर अधिकार हम को देती जाती
है. किया क्या जाय, लोगों में ही न जाने कहाँ से हिम्मत
आगई है. लाल पगड़ी का कोई रोब ही नहीं मानता. भई रोब
का जमाना तो गया. कमाने के अलबक्ता मौक़े हैं. वह भी सब
के किये नहीं. जो तरकी जान गया है उसके पी बारे

"बात तो ईमान की है. कांगरेस में कोई और बुराई हो तो हो लेकिन अपने लोगों को तो काकी मौका हाथ की सफाई के लिये दिया गया है. मैं तो ढर गया था. अंगरेज के जाते ही मैंने रिशवत से छै महीने के लिये हाथ खींच लिया था. लेकिन भगवान की भी लीला खूब है. एक दिन कांगरेस के सेक्टेटरी साहब मुक्त से मिलने आए और अलग ते जाकर बोले—'दारोग़ा जी, कुछ मामला चल नहीं रहा आजकल.' मैंने कहा—'आप लोगों से साहब डर समता है. और अब हमको अपनी आदत बदल लेनी پسپهساشت کل میں آئی۔ لوگوں نے لائٹ یجها دی تھی،
اندھمرے میں میرا دھیان ان ہاتوں کی طرف گیا ۔ ہاته
روم کے بالکل قریب ھی کوئیدو آدمی بات کر رہے تھے،
آمیں دھوتی تیمک کرنے کے بہائے وھیں رک گیا اور بات
سنگئے کی کوشش میں لگ گیا ۔ ان کی ہاتوں سے معلوم
ھوا که دونوں پولیس کے آدمی ھیں ۔ جب دو آدمی
ایک ھی محکمے کے ملتے ھیں تو اپنی کارگواریاں
گفواتے ھیں' بوے افسروں کی برائی اور اچھائی کی
چوچا کرتے ھیں ۔ پورے محکمے کا ریویو ھوجاتا ہے ۔
وہ لوگ اپنے محکمے کے بارے میں یہ سر بھر کی باتیں
وہ لوگ اپنے محکمے کے بارے میں یہ سر بھر کی باتیں

"داروقه جی! انگریز انگریز هی تها ارر یه دیسی صاحب دیسی صاحب هی هیس. کیا کہنے اُس کے انگظام کے . کیا شان تهی اُس کی . بهدی هم لوگوں کو تو بادشاہ بنایا کیا تها بادشاہ"

ہات کاتھے ہوئے دوسرے نے جواب دیا۔ ''سپے ہات تو یہ ہے کہ انگریز ھی کی دین ہے جو هم لوگوں کا کھتہ رهب اب تک چلا جارها ہے ، نہیں تو اِن لوگوں کا کھتہ ہس چلے تو هم لوگوں کو بہلکی بناکر چھوڑیں ، انگریز همیں شاهی سواری کھوڑا دے کیا تھا' اُور یہ گھوڑا چھھن کر موڈر سائکل دے رہے ھیں ، یار گھوڑا گھوڑا ھی ہے ، موٹر سائکل کا اُس کا کیا مقابلہ ، کھوڑے پر تھانہدار ہمیھر نکل جاتا تھا لوگ رعب سے دب جاتے تھے۔''

را المان كى هـ . كانكريس ميں كوئى أور برائى هو تو هو ليكن أيه لوگوں كو تو كافى موقع هاته كى صفائى كے لئے ديا كها هـ . ميں تو قر كها تها . أنكريز كے جاتے هى مهن نے رشوت سے چه مهيلے كے لئے هاته كهيئي ليا تها . ليكن بهكوأن كى بهى ليا خوب هـ ايك دن كانكريس كے سكريتري صاحب مجه سے ملئے آئے اور الگ لے جاكر بولے—'داروف جي' كچه معامله چل نهيں رها آجكل ،' ميں نے كها—آپ لوگوں معامله چل نهيں رها آجكل ،' ميں نے كها—آپ لوگوں سے صاحب قر لكتاھے، اور أب هم كو ايلى عادت بدل ليلى

1

विचार ही विचार निकला. देस का यह नक्ष्या वेसकर मेरे दिल पर तो सांप लोट जाता है. लेकिन क्या कहूँ. बूदा हो गया हूँ. कुछ बस भी तो नहीं चलता.....स्वराज क्या हुचा मुसीबत चा गई. मैं धगर यह सब जानता तो कभी भी घर बार न उजाड़ता, न जेल जाता, न पुलिस की लाठी खाता. इस मारत के लिये थोड़े ही हमने त्याग किया था."

"मुक्ते भी कुछ कुछ याद पड़ता है. मैं सोचता हूं मैं भी कितना देवफूफ था उस बहत. हर एक से यही सवाल किया करता था. मुक्ते असल में फिकर हो गई थी. तुन्हें याद हो या न याद हो मुक्ते याद पड़ता है कि मैंने दूसरे दिन फिर पूछा था कि भई स्वराज के बाद आखिर होगा हम......?"

पंडित जी बात काट कर बोल उठे—''खूब याद हैं जाँ साहब! आप के बार बार पूछने से मुक्ते भी चिन्ता हो गई थी. मैंने आप को फिर समभाया था कि जब खराज हो जायगा तो देस भर में दूध और घी न विकने गएगा. सबके घर में मैंस गाय होंगी. बाहर से कोई बरीदेगा ही नहीं. दूध घी का रेला पेला होगा. सचमुच ही भारत में दूध की नदियाँ बहेंगी. तुम ने फिर पूछा था जाँ साहब कि अगर किसी का जानवर तुड़ा गया तो क्या होगा? मैंने कहा था तुम भी खाँ साहब अजीव आदमी हो. एक के यहाँ कुछ कमी होगी तो दूसरे के यहाँ से सीगात में आ जाएगा. मिल जुल कर सब का काम बन्नेगा. लेकिन यार छुछ भी न हुआ, कोई बात भी तो सच्ची होती. जो छुछ हुआ सब उलटा ही हुआ.....''

"लेकिन पंडित इतना तो जरूर हुआ कि देश में दूध भी विकता सचमुच बन्द हो गया." जाँ साहब ने व्यंग परे स्वर में कहा.

"हाँ भई हुआ तो कुछ जहर ही ! यह दूसरी बात है के बह नहीं हुआ जो कि होना चाहिये था." पंडित जी ने कि ठहाका लगाया. दोनों की ऊँची हंसी डिक्ने में गूँज ही थी. भारत के स्वराज का मजाक कड़ा रही थी. चुनौती रही थी. में इस चुनौती पर सोच रहा था, शायद सारा गरत सोच रहा था. में इन पुराने त्यागियों के स्वराज पर तोचता रहा, नए नेताओं के स्वराज पर सोचता रहा. तेर सामने भारत का एक ही रख आ खड़ा हुआ था. गरत में खुशहाली महज बकवास है, सुख सम्पन्नता महज पना. लेकिन चोर बाजारी, खूट, जोंकपन, रिश्वत, बदमाशों, गासवाजी, जुलम अत्याचार सच्ची बातें हैं, आज के गरत की बातें हैं, आजाद भारत की बातें हैं. में उसी रख ह सोच रहा था. और दसी सोच में न जाने कब सोगया.

्रात को एक बार पेशाब करने के लिये उठा और बाथ स्म से लीट रहा था कि रात के समाटे में कुछ وهارهی وهار نکا دیس کایه نقشه دیر مهریدال پر تو سانب لوت جاتا هی . لهکن کیا کرن ، بورها هوگها هون ، کچه پس بهی تر نهین چلتا....سوراج کیا هوا مصیبت آگئی. مین اگریه سب جانتا تو کبهی بهی گهر بار نه اُجارتا نه جهل جانا نه پولیس کی لاتهی کهاتا . اِس بهارت کے لئے تهورے هی هم نے تهاگ کها تها ."

المجهد بهی کچه کچه یاد پوتا هد میں سرچتا هوں میں بهی کتا بهوتوف تها اُس وقت . میں سرچتا سے بهی میں کتا بهوتوف تها اُس وقت . هر ایک سے بهی سوال کیا کرتا تها . مجهد اصل میں فکر هوگئی تهی . تمهیں یاد هو یا نه یاد هو مجهد یاد پوتا هد که مهل نے دوسوے دیں پهر پوچها تها که بهئی سرراج نے بعد آخر هوگا کیا؟''

پنتسجی بات کات کر بول اُٹھ۔۔۔''خوب یاد ہے خال ماھیا آپ کیار بار پوچھئے سے مجھے بھی چلتا ہوگئی تھی۔ میں نے آپ کو پھر سمجھایا تھا کہ جب سوراج ہوجائے کا تو دیس بھر میں دودہ اور کھی نہ پکلے پائے کا . سمب کے گھر میں بھیلس کائے ہونگی. باہر سے کوئی خریدیکا ہی نہیں، دودہ گھی کا ریا پیا ہوگا. سپے مبچ ھی بھارت میں دودہ کی ندیاں بہیں گی . تم نے پھر پوچھا تھا خال صاحب کہ اگر کسی کا جانور توا گیا تو کیا ہوگا ؟ میں صاحب کہ اگر کسی کا جانور توا گیا تو کیا ہوگا ؟ میں ایک کے یہاں کچھ کمی ہوگی تو دوسرے کے یہاں سے سوفات میں آجائے گا . مل جلکر سب کا کام چلے گا . لیکن یار کچھ بھی تہ ہوا سب التا ھی ہوا. "

''لیکن پلڈت آننا تو ضرور ہوا که دیش میں دودھ گھی بکنا سے میے بند ہوگیا۔'' خاں صاحب نے وینگ بھرے سور میں کہا .

اس بھٹی ہوا تو کچھ ضرور ہی! یہ دوسری بات ہے کہ وہ نہیں ہوا جو کہ ہونا چاھئے تھا ،'' پلڈت جی نے ایک ٹھیاکا لگایا ، دونوں کی اونچی ہنسی ڈیے میں گونج وہی تھی ، بھارت کے سوراج کا مذاق آوا رهی تھی، میں اِس چلوتی دے رهی تھی، میں اِس چلوتی پر سوچ رها تھا' گیاید سارا بھارت سوچ رها نها ، میں اِن پرائے تھاکروں کے سوراج پر سوچٹا رہا ، میرے ساملے بھارت کا ایک ھی رخ آبھوا ہوا تھا ، بھارت میں خوشتالی محض بکواس ہے اسکے سیکھ سمیلٹا محض سیلا ، لیکن چور باراری' لوظ' ہوائی بن رشوت بدمعاشی' چانجازی' ظلم آتیاچار ہوائی باتھی ہیں' آراد ہوائی باتھی ہیں آبود کی باتھی ہیں اُبی دیے بھارت کی باتھی ہیں اُبی دیے بھارت کی باتھی ہیں اُبی دیے بھارت کی باتھی ہیں' آراد ہوا تھا ،

رات کو پھھاب کرنے کے لئے اُٹھا، باتھ روم سے لوٹ وہا تھا کہ رات کے سفاتے میں کچھ पर किय गई और बाबाज में जरा बावेश भर गया और सन्देंनि फिर बात शुरू की — "लेकिन बाज सारे सपने दूट गए......हम ने तुमने जिसके लिये क़ुरबानी की थी यह भारत कहीं दिखाई ही नहीं पड़ता." यूदे पंडित ने फिर एक ठंडी सांस खींची छीर किसी विचार में को गए.

खाँ साहब भी दुखी माल्म पड़ रहे थे. शायद वह भी किसी बीते दिन की याद ताजा कर रहे थे. मैं उनकी तरक टकटकी बांधे देख रहा था. उनकी बुदाई के पास मेरी जवानी को देने के लिये बहुत कुछ था. मैं लेना चाहता था. उनकी उमर मैं लेना नहीं चाहता था, मैं उनका अनुभव लेना चाहता था, उनकी लगन और क़ुरबानी लेना चाहता था, उनकी लगन और क़ुरबानी लेना चाहता था. लेकिन जानी के पास देने को क्या था—फूट, स्वार्थ, चाल बाजी और द्वेश—मेरी आंख उनसे एक बार मिली और शरम से किताब के पन्नों में गड़ गई.

डिब्बे में सन्नाटा था. सब पर नींद अपना जादू फेर रही थी. पंखों की मन भन जरूर कानों में आती थी. फिर भी पूरी शान्ति फैली हुई थी.

"पंडितजी, नैनी जेल में एक दिन खाना खाते बन्त की बात याद है न ?''

"हां, हां, खाँ साहब ! मेरे लिये तो वह कल की सी बात है. आप का उस दिन का सवाल भी मुक्ते याद है. उस समय तो मैं आप पर हंसा था. लेकिन श्रव सोचता हूँ कितना मीक़े का वह सवाल था."

"मेरी याद्दाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि कुछ याद ही, नहीं रहता. बताओं तो पंडित क्या बात थी. भई अब जिन्दगी में रह ही क्या गया है. बुक्तते चिराग़ हैं हम लोग. यही मिल बैठ के पिछले दिनों की याद के सहारे तो चले जा रहे हैं."

"तुम चिन्ता में डूबे हुए आए इस दिन. उदास बैठ गए. फिर फट से पूछ बैठे कि स्वराज में क्या होगा? सब लोग इस पड़े. मैंने भी मन ही मन मोचा था कि खाँ साहब भी क्या बेवकूफ आदमी हैं. लेकिन तुम्हारी चिन्ता देखकर मेरी हिम्मत मज़ाक उदाने की नहीं हुई. मैंने तुमसे कहा था, भई जब स्वराज हो जायगा तो हमारे यहां अनाज और कपड़े की विलकुल कमी न रह जायगी. सब को काफी कपड़ा मिलेगा. अनाज की रेल पेल होगी. कोई भूका नंगा न रह पायगा. हमारे देश में कमी ही किस बात की है. यह तो सब अंगरेज की लूट है जो हम पर गरीबी का राज है. स्वराज मिलते ही हम अनाज और कपड़े के मालिक खुद हो जायेंगे. अपनी फरूरत पूरी किये बिना दमड़ी की भी चिक्क बाहर न जाने पायगी. लेकिन खाँ साहब, वह सब

پڑ کہنچ گئیں اور آواز میں قرا آویش بیٹر کیا اور آنیس نے بھر بات شروع کی۔۔'' لیکن آچ سارے میڈے ٹوٹ گئے ہم نے تم نے جس کے لئے قربانی کی تھی وہ بھارت کہمں دامائی ہی نہمں ہوتا .'' ہوڑھے پندس نے پھر آپک تمندی سانس کھینچی اور کسی وچار میں کمو گئے۔

خان صاحب بھی دکھی معلوم پر رہے تھے ، شاید وہ بھی کسی بیتے دن کی اد تازہ کر رہے تھے ، میں اُن کی طرف گھٹکی باندھ دیکھ رہا تھا . اُن کی برعائی کے پاس میری جوانی کو دینے کے لئے بہت کچھ تھا ، میں لینا چاھٹا تھا ، اُن کی عمر میں لینا نہیں چاھٹا میں اُن کا قبا اُن کی عمر میں لینا نہیں چاھٹا میں اُن کا تباہ اُن کی لکن اور قربانی لینا چاھٹا تھا اُن کا بھائی چارہ اُور پریم لینا چاھٹا تھا ، لیکن تھا اُن کا بھائی چارہ اُور پریم لینا چاھٹا تھا ، لیکن جوانی کے پاس دیئے کو کیا تھا ۔۔۔ پھوٹ سوارتھ چالبازی اور دویھی ۔۔۔ میری آنکھ اُن سے ایک بار ملی اور شرم سے کی بنیں میں کو گئی .

قیمیں سفاتا تھا ۔ سب پر نیفد ایفا جادر پھیر رھی تھی ، پفکھرں کی یعن بھن ضرور کانوں میں آتی تھی ، پھر بھی پرری شانعی پھیلی ہوئی تھی ،

'' پلقت جی' نیلی جیل میں ایک دن کہانا کہاتے۔ وقت کی بات یاد ہے نہ؟''

''ھاں' ھاں' خان صاحب! میرے لیّے تو وہ کل کی سی یات <u>ھے .</u> آپ کا اُس دن کا سوال بھی متجھے یاد <u>ھے .</u> اُس سمے تو میں آپ پر ھلسا تھا . لیکن آپ سوچۃا ھوں کتنا موتع کا وہ سوال تھا ۔''

'' میری یاد داشت اننی کمزور هوگئی هے که کچه یاد هی نهیں رهتا ، بتاؤ تو پندت' کیا بات تهی ، بهدی اب زندگی میں ره هی کیا گیا هے ، بجهتے چواغ هیں هم لوگ ، یهی مل بیته کے بچهلے دنوں کی یاد کے سهارے تو چھے جا رہے هیں .''

"تم چنتا میں توبے هوئے آئے اُس دن . اُداس بیتہ گئے . پھر جھت سے بوچھ بیتھ که سوراج میں کیا هوکا ؟ سب اوگ هنس پرے . میں نے بھی من هی من سوچا تھا کہ خان صاحب بھی کیا بیوتوف آدمی هیں . لیکن تمہاری چنتا دیکھکر میری همت مذاق اُرائے کی نہیں تھوئی . میں نے تم سے کہا تھا' بھٹی جب سوراج هوجائے گا تو همارے یہاں آناج اور کھڑے کی بالکل کمی نه رہ چائے گی . سب کو کانی کھڑا ملے کا . آناج کی رییل پیل چائے گی . سب کو کانی کھڑا ملے کا . آناج کی رییل پیل تھوگی . کوئی بھوکا نفتا نه رہ پائے کا . همارے دیش میں کھی ھی کس بات کی ھے یہ تو سب آنگریؤ کی گھری کی جو هم پر قریبی کا راج ھے . سوراج ملتے هی گونی بھو کہ مالک خود هوجائیں گے . اینی شرورت پوری کئے بنا دستی کی بھی چیز باهر شرورت پوری کئے بنا دستوں کی بھی چیز باهر شرورت پوری کئے بنا دستوں کی بھی چیز باهر

विती जुली इनसानी जावाज मेरे कानों में गूँज उठी—। य गंगा माई की !"

पुत पर से जब गाड़ी गुजरती है, देश का कुछ न इह धन फरूर इस नदी के पेटे में दफन कर दिया जाता है. दियां भी कितनी भागवान हैं. नील हो या गंगा या कोई हैर जल धारा, सभी का भाग अच्छा है. इनसान किस किस रह इनकी पूजा करता रहा है. जाज भी वह इनकी जा करता है. पेट काटता है, भूकों मरता है, दुख उहता है, लेकिन गंगा के पेट में कुछ न कुछ जरूर सरा देता है. काश इसके आधा भी इनसान इनसान की जा कर सके, मानवता की भक्ति कर सके ! लेकिन विवासों को किर कौन पूछेगा, उनकी पूजा कौन करेगा, नकी इछा कौन पूरी करेगा यही तो ट्रेजडी है! मैंते मन से धाल किया—आखिर यह लोग क्यों अपना धन इस तरह ।राव करते हैं ? मेरे मन ने उनकी तरफ से उत्तर दिया— न के हाथों मजबूर हैं—इन्हें रोशनी की जरूरत है, इनकी ।रमा को विकास की जरूरत है.

एकाएक धक्के के साथ गाड़ी कक गई. मैं भी यथार्थ । ताबरन में लीट आया. इधर उधर नजर डाली दो शावमी मेरी बराल वाली सीटों पर आमने सामने बैठे थे. नों बूदे थे, लोनों नंगे सर थे, दोनों के मुंह पर रोब छाया आ या. इड्डी की चीड़ाई और बुदापे में सुरखी साफ बता ही थी कि जरूर उन्नीसवीं सदी के माडल हैं. पांव सेर श भी खाने वालों की ऐसी शक्त होती थी. अब ता ऐसी किं अजायब घर की चीजें हैं. भाग से ही कहीं देखने हो मिल जाती हैं. मैंने उन पर आयों गड़ा दीं. उनके । इनाबे खदाबे, शक्त सूरत और हाव भाव में कोई खास प्रमुख नहीं था. सन-सी सफ़ेद दादियां दोनों के चेहरों पर खि कीहवा से लहरा रही थीं. मैं उस समय तक कुछ न शन सका कि वह कीन हैं और क्या हैं जब तक उन्होंने हुद ही बात करनी शुरू न कर दी—

"कहो, पंडित! जेल की पहली मुलाकात याद है न ?" "जीवन के घंग को कभी भुलाया भी जा सकता है हाँ साहब. क्या जमाना था वह भी घौर हम लोग भी ध्या थे." बूदे पंडित ने ठंडी सांस लेते हुए कहा छोर इस रिष्ठ की मुद्रा बनाई जैसे सारा अतीत उनके सामने एक शर नाच गया हो.

कुछ देर चुप रहने के बाद खाँ साहब ने फिर कहा— 'आज जब मैं उस बक्तत की बातों को बाद करता हूँ तो दंशी आती है पंडित जी. जुमाना ही बिल कुल बदल गया."

"बह तो परलोक की बातें हो गई हम लोग क्या बचा सोबते थे, क्या सपने देखते थे. लेकिन.....'' दुख बंदित की आंखों से टपकने लगा, निराशा की रेखाएँ माथे ملی جلی انسانی آواز میرے کانس میں گونیم اُٹھی۔''جے کھا مائی کی ! ''

ایکایک ایک دهکے کے ساتھ گاڑی رک گئی . میں بھی یہ یہارتھ واتا ورن میں لوق آیا . اِدھر اُدھر نظر دالی . دو آدمی مهری بغل والی سیٹوں پر آسنے سامنے بیٹھے تھے ، دونوں بورھے تھے ، دونوں نلگے سر تھے ، دونوں کے منہ پر رمب چھایا ھوا تھا . هڈی کی چورائی اور بوھائے میں سرخی صاف بنا رهی تھی که ضرور اُنیسویں صدی کے مادل هیں . پانچ سیر کا گھی کھانے والوں کی ایسی شکل هوتی تھی اب تو ایسی شکلی عجائب گھر کی چیزیں هیں . بھاگ سے هی کہیں دیکھنے کو مل جائی هیں . میں نے اُن پر آنکھیں کوا دیں . اُن کے پہناوے آرھاوے 'شکل صورت اور هاو بھاو معہی کوئی خوروں پر پلکھے کی ھوا سے لہرا سقید دارھیاں دونوں کے چھروں پر پلکھے کی ھوا سے لہرا رهی تھیں . میں اس سے تک کچھ نه جان سکا که وہ کون هیں اور کیا هیں جب تک اُنھوں نے خود هی بات کوئی شروع نه کر دی —

'' کہو' پندس ! جہل کی پہلی ملاقات یاد ہے نہ؟'' '' جہوں کے انگ کو کبھی بھلایا بھی جا سکتا ہے خاں صاحب، کیا زمانہ تھا وہ بھی اور ہم لوگ بھی کھا تھے۔'' بوڑھے پندس نے تھندسی سانس لھتے ہوئے کہا اور اِسطرے کی مدرا پنائی جہسے سارا انہت اُن کے سامنے ایک بار ناچ گھا ہو۔

کتھ دیر چپ رھنے کے بعد خان صاحب نے پھر کہا۔۔
'' آج جب میں اُس وقت کی باتوں کو یاد کرتا ھوں تو ھنسی آتی ہے پندس جی ، زمانہ ھی بالکل بدل گیا ،''
'' وہ تو پرلوک کی بانیں ھوگئیں ۔ ھم لوگ کیا ۔'' سوچھے تھے کیا سپنے دیکھیے تھے ، لیکن ۔۔۔۔'' گیا سپنے دیکھیے تھے ، لیکن ماتھے دیکھیائیں ماتھے

कहना चाहते हैं?'' धनकी मुद्रा से गुस्सा और चुनैशी का पता चल रहा था.

"मैं कुछ नहीं कहूँगा. आप ही सीविये. मैं कानून की बात नहीं करता. सिर्फ भाई-बारे के नाते कहता हूँ....."

"आप क्या चाहते हैं, साफ साफ क्यों नहीं कहते ?" मझाहट अरे स्वर् में उन सज्जन ने सवाल किया.

"मैं कानून की बात नहीं करता हूँ. सिर्फ सदाचार की निगाह से......"

"आपका मतलब है कि हम चार वर्थ छोड़ दें."

'जैसा आप ठीक सममें. मैंने कहा न कि मैं कान्त की बात नहीं कर रहा हूँ. सिर्फ आपके भाईबारे और न्याय से अपीत कर रहा हूँ. आप जो ठीक सम्मिये कीजिये. मैं कुछ कह नहीं रहा हूँ. माफ कीजियेगा मैं आप से कह भी कैसे सकता हूँ. आप ही विचार कीजिये. आप लोग तो जनता के आदमी हैं. आपको तो कश्ट उठाकर लोगों को आराम पहुँचाना चाहिये.....माफ कीजियेगा मैं कुछ कहता नहीं हूँ. जो आप ठीक समर्फे. देखिये न एक मुसाफिर को बैठने तक के लिये सीट नहीं हैं. उसने पैसे खर्च किये हैं और आप ढाई टिकट में आधे डिब्बे पर कब्जा जमाए हैं. आप ही सोचिये न."

'जैसा आप कहिये.'' खहर धारी सज्जन के स्वर से लज्जा टपक रही थी.

"मैं कुछ नहीं कहूँगा. जो आपका सदाचार और भाई चारा कहे!" अब टिकट कलक्टर की आवाज में व्यंग भर

मुक्ते इस बात चीत से दिलचस्पी पैदा हो गई. एक टिकट कक्लटर एक खट्टर धारी के सदाचार श्रीर, उसके इस्लाफ से अपील कर रहा था. उसके मन को, उसकी आत्मा को जीतने की कोशिश कर रहा था. लेकिन खादी के मोल के नीचे आत्मा नहीं थी, अधिकार था, स्त्रार्थ था. डांगरेसी सज्जन ने चादर खोलकर ओढ़ ली और चुप हो गए. उनका यह मीन उत्तर था— "वकवास बन्द करो, हम लाखों को रोज यह पाठ पढ़ाते हैं, इन चीजों से लोगों को सूब बेबकूफ बनाते हैं, तुम चले हो हमारा ही जादू हम पर आजमाने." टिकट कजक्टर उनको इस बेशरमी पर इकित खड़ा रहा. उसके चेहरे पर एक कटीली मुस्कराहट भी और उस मुस्कराहट में छिपा हुआ मेरे लिये एक संदेश.

न जाने कव तक मैं खोवा रहता कि गाड़ी फाफामऊ के पुत्त पर जा गई. तगा शोर मचने. मैंने आंख बन्द कर ती, कार्नों में उगेली ठूँस ली. मन ही मन कोसने सगा—कमवस्त यह शोर खतम भी हो—इस शोर में المِفِا جاهي هير؟" أن كي مدرا سَ قصة أرر جانوتي كا يته فل رها تها .

دمهن کنچه نهیں کہونگا، آپ هی سوچئے، مهن لانوں کی بات نههن کرتا، صرف بهائی جارے کے اللہ لانوں کیا هو،....."

ورآب کا مطلب هے که هم چار برته چهور دیس." در آب کا مطلب کے که می چار برته چهور دیس."

"جهسا آپ تهیک سمجههاں، میں لے کہا نہ که میں قالوں کی بات نہیں کو رہا ہوں، صرف آپ کے بھائی جارے اور نیائے سے اپیل کر رہا ہوں، آپ جو تھیک سمجھئے کہ نہیں کچھ کہ نہیں رہا ہوں، آپ جو منماف کھجئے کا میں آپ سے کہ بھی کیسے سکتا ہوں، آپ کو تو کشت اُتھاکر لوگوں کو آرام پھونچانا ہیں، آپ کو تو کشت اُتھاکر لوگوں کو آرام پھونچانا ہیں میجھیں، دیکھئے نہیں ہیں مسجھیں، دیکھئے نہیں مسافر کو بیاٹھئے تک کے لئے سمجھیں، دیکھئے نہیں ایک مسافر کو بیاٹھئے تک کے لئے سمجھیں، دیکھئے نہیں اُس نے مسافر کو بیاٹھئے تک کے لئے سمجھیں، دیکھئے نہیں اُس نے مسافر کو بیاٹھئے تک کے لئے سمجھیں، دیکھئے میں آدھے دیے بیاٹھیں خرچ کئے ہیں اور آپ دھائی قامت میں آدھے دیے ہوں تھیہ جمائے ہیں، آپ ہی سوچئے نہیں۔

''میں کچھ نہیں کہونگا، جو آپ کا سداچار اور بہائی چارہ کیے!'' اب آکت کلکٹر کی آواز میں بیاگ بہرگیا تھا۔

محجمے اس بات چہت سے دلحجسپی پیدا ہوگئی، ایک تعدی کاکٹر ایک کھدر دھاری کے سداچار اور اس کے انصاف سے اپیل کر رھا تھا، اس کے من کو' اُس کی آتما کو جہتاء کی کوشش کر رھا تھا، لیکن کھادی کے جھوال کے نہتے آتما نہیں تھی' ادھیکار تھا' سوارته کے جھوال کے نہتے آتما نہیں تھی' ادھیکار تھا' سوارته کی اور چھی ہوگئے، ان کا یہ مون اُنٹر تھا "یکواس بند کرر' چھی کھوں کو ررز یہ یاٹھ پڑھاتے ھیں' اِن جھیرں سے لوگوں کو ررز یہ یاٹھ پڑھاتے ھیں' اِن جھیرں سے لوگوں کو رز یہ یاٹھ پڑھاتے ھیں' اِن جھیرں سے لوگوں کو رز یہ یاٹھ پڑھاتے ھیں' اِن جھیرں سے لوگوں کے خوب بھرتوف بناتے ھیں' تم چاہے ھو ھمارا ھی جادو کے خوب بھرتوف بناتے ھیں' تی جہرے پر ایک کٹیلی مسکراھت میں چھیا ھوا مھرے مسکراھت تھی اور اُس مسکراھت میں چھیا ھوا مھرے

ند جانے کب تک میں کھویا رھتا که کاری پھاپھامئو کے پل پر آگئی ، لکا شور منچلے، میں نے آنکھ بلد کولی' کانوں میں انگلی تھونس لی ، من ھی من کوسلے لگاسکیبطت یہ شور ختم بھی ھو ۔۔۔ اِس شور میں इस्बे में घुंस आए. पहले वह दरवा भे पर आकर इस रह सब हो गए जैसे कोई बिना टिकट मुसाफिर किसी हेक्ने में घुसता है और अपने में छुट वहम अनुभव करके ग्रहमा सहमा इधर उधर दबक कर बैठ जाने की कोशिशा हिं सममा जा सकता था. उनकी वरदी ही सफाई की खाह थी. पांच मिनट के बाद उन्होंने मुसाफिरों से टिकट मांगना शुरू कर दिया. मैं डिक्बे के बीच में आसन जमाप हा. मेरा टिकट देख कर वह मेरे दाहिने हाथ की तरफ हते. इस तरफ हो अपर की और दो नीचे की बर्थ थीं. एक हर एक मई लेटा था. दूसरी पर एक औरत ने क्रब्ला जमा आ या. बाकी दोनों बरथों पर छोटे छोटे अनिगनत बच्चों । आसन जमा रखे थे. जैसे ही टिकट कक्षक्टर ने उधर हा कल किया, अपर की बर्थ से एक सजन ने मुक कर हहा—"यह लीजिये."

टिकट कलक्टर टिकट देखने लगा. मेरी नज़र उन सज़न की तरफ गई. सफ़ेद खादी में सजे हुए थे. घांख पर मोटे फरेम का चश्मा चढ़ा हुआ था. सर पर आड़ी तिरख़ी रोपी थी और होटों की सुरख़ी बता रही थी कि पान भी जाते हैं. मैंने अनुमान किया, हो न हो कोई छोटा मोटा कांगरेसी नेता ही हो सकता है. 1947 के बाद यह चिकनाहट और यह हुलिया उनकी ही हो सकती है.

"चारों वर्ध पर आप ही लोग हैं? के क्लिक्ट कलक्टर ने पूछा.

े"जी हाँ."

, Y. Y.

''लेकिन टिकट तो आप ने कुल बाई ही लिये हैं." ''जी. बाकी बच्चे हैं और तीन बरस से छोटे हैं.''

टिकट कलक्टर ने एक बार उन्हें घूर कर देखा. चेहरे से ऐसा लगा कि वह कहना चाह रहा हो—हुजूर, मुके सब क़ानून मालूम है. क़ानून की बात न कीजिये तो अच्छा है—लेकिन न जाने क्यों उसने वह नहीं कहा जो शायद वह कहना चाहता था. नौकरी जाने का ग़ज़ब का ढर होता है. मुसाफिरों के लिये वह क्यों मुसीबत मील ले. खहर धारी के मुकाबले पर क्यों आप. अधिकार के छत्ते को क्यों छेबे. कहीं इन सज्जन ने भूट मूट किसी अफसर से कुछ कह दिया तो उसकी कीन मुनेगा. फौरन बोरिया विस्तर बंध जायगा. शायद कुछ मिनंट की खामोशी इसी उधेद बुन की बजह से थी. वह वहीं खड़ा था और वह सज्जन रह रह कर उसकी तरफ देख रहे थे.

आखिरकार स्नामोशी दूरी और टिकट कलक्टर ने कहा—"मैं कुछ न कहूँगा, आप ही सोचिये." उसकी आवाज से आत्मा की घुटन की बूजा रही थी.

बाहुर धारी सज्जन बोले- "कहिये कहिये, क्या

آنے میں ایس آئے، پہلے وہ فروازے پر آکر اِس طرح کورے ہوئے جیسے کوئی بنا تکت مسافر کسی آنے میں کیستا ہے اور اپنے میں چہت وہم انوبہو کر کسی آنے میں کچھ دیر کہوا رہتا ہے ۔ اُنہیں بے تکت مسافر ہوگز میں کچھ دیر کہوا رہتا ہے ۔ اُنہیں بے تکت مسافر ہوگز کہات تھی ۔ پانچ منت کے بعد اُنہوں نے مسافروں سے تکت مانگذا شروع کر دیا ۔ میں آبی کے بیچ میں آس جائے تھا ۔ میرا تکت دیکھکر وہ میرے داھلے ہاتھ کی طرف تھا ۔ میرا تکت دیکھکر وہ میرے داھلے ہاتھ کی طرف لیک ہو اور دو نیچے کی برتھ تھی ۔ اُن گفت بچوں نے آسن جمائے اُن کی پر ایک عورت نے لیک ہوت ہوں کی کہتے ہو ایک مون اور دو نیچے کی برتھ تھی میں آس جمائے کی کہتے ہو ایک مون اور دو نیچے کی برتھ تھی میں اُن گفت بچوں نے آسن جما رکھے تھے وہوں پر چھوٹے چھوٹ نے اُن گفت بچوں نے آسن جما رکھے تھے و جھسے ہی تکت کی کہتے نے اُن کی برتھ سے ایک سجن نے اُن گفت بے کہا ۔ '' یہ لیجئے ۔''

تکت کلکتر تکت دیکھنے لکا ، میری نظر اُن سجن کی طرف گئی ، سنید کھادی میں سنچے ہوئے تھے ، آنکھ پر موتے فریم کا چشمہ چڑھا ھوا تھا ، سر پر آتی ترچھی توبی تھی اور ھونتوں کی سوخی باتا رھی تھی که پان بھی کھاتے ھیں ، میں نے انومان کیا' ھو نہ ھو کوئی چھوٹا موتا کانگریسی نیتا ھی ھوسکتا ھے ، 1947 کے بعد یہ جکاھت اور یہ حاید اُن کی ھی ھوسکتی ھے ۔

" چاروں برتھ پر آپ ھی لوگ ھیں؟ ، تعت کلعتر

نے پوچھا .

" چي هان ، " ر

'' لیکی ٹکت تو آپ نے کل تھائیھیلئے ھیں ۔''

" جي القي بنج هيل أور تين برس سے جهوائے

رمے سے ، آخرکار خاموشی توتی اور تعدف کلکٹار نے کہا۔۔۔ '' میں کچھ نے کہونکا' آپ دی سوچئے ۔'' اُس کی آواز سے آنما کی گھٹی کی ہو آ رھی تھی ،

کیدر دھاری سجن برلے ۔ "کہتے کہتے کہا

तो क्या सोचता, भाज सोचता हूँ इच्छा भी कितनी प्रवत्त हैं. में स्टेशन से दो ती गज भीर धागे बद गया. रास्ते में होटल हैं, जन पर रेडियो बजा करते हैं. पटरी पर नटों के डेरे क्यो होते हैं. लेकिन मुम्ने किसी का पता नहीं चला, किसो का ब्रान नहीं हुआ. मेरे लिये जैसे उस समय कोई वीज मौजूद ही नथी. एक रिक्शा बाला जन्नाटे से चला धा रहा था. मैंने पूछा—"राम बाग स्टेशन चलोगे?" उसने लाउजुथ से कहा—'राम बाग?……राम बाग? स्टाम बाग ही तो है." मैंने कौरन ग्रलती भांप ली और बोला—"नहीं भई प्रयाग, प्रयाग."

रिक्शा ते जी से सड़कों की छाती को रौंदता हुआ चला जा रहा था. वह किन सड़कों से गुजर रहा था उस समय मुफे यह भी पता न था. मेरी आंखें घड़ी पर ठहरी थीं और बार बार मुंह से निकल जाता था— ''रिक्शे वाले तेज चलाओ'' शायद रिक्शे वाले ने मेरी बेचैनी भांप ली थी. वह सिर्फ इतना कह कर चुप हो जाता था— "वस आ गया प्रयाग, प्रयाग ही तो है आगे, मिन्टों में पहुँचाता हूँ बाबू जी, मिन्टों में."

दिमागी छलभन और अशान्ति साथ लिये मैं प्रयाग स्टेशन पहुँच गया. मेरी घड़ी के अनुसार सिर्फ दो मिनट गाड़ी खूटने में थे. जल्दी जल्दी टिकट खरीदा. भागता हुआ। दतेटकारम पर पहुँचा. वहाँ गाड़ी मौजूद नहीं थी. जान सी ही निकल गई. कमजोर दिल होता तो जरूर दौरा पड़ गया होता. मैंने पागलों की तरह एक कुली से पूछा—"लखनऊ की गाड़ी चली गई क्या ?" वह दो सेकेन्ड चुप रहा, मेरी तरफ देखता रहा और फिर बोला—"अभी चार पाँच मिलट की देर हैं आने में." दम में दम आया. टहलता हुआ स्टेशन मास्टर के कमरे की तरफ गया. घड़ी पर नजर डाली. मेरी घड़ी पाँच मिनट तेज चल रही थी. मेरे मुँह पर हँसी दौड़ गई और मैंने मन ही मन कहा—चलो एक तो कायदा हुआ तेज घड़ी रखने से.

गाड़ी आते ही बिना खाली डिब्बे का लालच किये हुए में एक इन्टर क्लास के डिब्बे में मट घुस गया. सारी बरशें पर लोग बिस्तरा बिछाए हुए थे. कोई जगह दिखाई न पड़ी. अभी घत्रराहट का पसीना सूखा नहीं था. थकावट ने मेरी डमंग और ताअगी छीन ली थी. मैं लेटना चाहता था. कर्श पर ही होल्डाल खोल दिया. मुमे अजीब से खुशी महसूस हुई. इस खुशी में मस्ती नहीं थी फिर भी यह खुशी ही थी—बाधाओं से लड़ाई जीतने की खुशी! मैं लेटे लेटे फिर सोचने लगा—अगर में इसी वक्त तार न पढ़ता, अगर राड़ी न मिखती, तो क्या होता.....??

4 2

Commence have a

प्रयाग स्टेशन से गाड़ी जैसे ही रेंगी एक नए साहब

بوسی سے سوکوں کی چھاتی کو روندتا چلا جا رھا ہے سوکوں سے گزر رھا تھا اُس سمے محجھے بھ بھی مہری آنکھیں گھوی پر ٹھھری تھیں اُور بار نکل جانا تھا ۔ '' رکشے والے تھو چلاؤ '' شاید میری بے چیلی بھانپ لی تھی ، وہ صوف چپ ھوجاتا تھا ۔۔'' بس آگھا پریاگ' پریاگ کے' ملتوں مھی پہونچاتا ھوں باہو جی۔

الجهن اور اشانتی ساته لئے میں پریاگ استیشن میری گھڑی کے انوسار صرف دو ملت گاڑی میں پہونچا ، بھاگتا ھوا پر پہونچا ، وھاں گاڑی موجود نہیں تھی ، ھی نکل گئی ۔ کہ زور دل ھوتا تو ضرور دورا نا ، میں نے پگلوں کی طرح ایک قلی سے ''لکھلؤ کی گاڑی چلی گئی کیا ؟'' ولا چہ رھا' میری طرف دیکھتا رھا اور پھر بولا۔۔۔۔ پانچ ملت کی دیر ھے آنے میں ، ' ۔۔۔ دم میں پلتا ھوا استیشن ماستر کے 'کمریے کی طرف پر نظر قالی ، میری گھڑی پانچ ملت تھڑ چل پر نظر قالی ، میری گھڑی پانچ ملت تھڑ چل یہ میں نے میرے ملت تھڑ چل یہ میرے ملت تھڑ گھڑی یہ کہا ۔۔۔ چہو ایک تو فاردہ ھوا تیز گھڑی

استهشن سالوع جوسده ورينكى ايك ندر صاحب

की बात ही सामने न बाती थी. मट से घड़ी पर नजर बाली. सवा दस बज चुके थे. मन के जलते तबे पर जैसे किसी ने पानी डाल दिया. ऊपर की सांस ऊपर और नीचे ्र की सांस्कृतिचे रह गई. मेरा दिमारा भन्ना उठा, भूँभलाहट ने आव बद्ल दिये. मैं जल्दी घवराता नहीं हूँ लेकिन न बाने क्यों घबराहट ने मुक्ते आ द्योचा-शान्ति जो मुक्त से छिन गई थी !! मुक्ते ऐसा लगा, अगर मैं लखनऊ न पहुँचा तो तेज को फांसी हो जायगी, मैं उस से फिर कभी न मिल सक्रा. आशा और निराशा की चोटें दिमारा में चल रही थीं. इतों में सैकड़ों तरकी बें मेरे दिमारा में आई. और सनीमा के परदे के समान दिमारा के पटल को कोरा छोड़ कर चली गईं. इलाहाबाद स्टेशन से दस बज कर बाईस मिनट पर गाड़ी जाती थी. वहां इस समय पहुँचना नामुमकिन था. यकबारगी दिमारा में विचार आया क्यों ब प्रयाग स्टेशन से कोशिश करूं. संजोग ही तो है. शायद गाडी मिल जाय.

मुक्त में विज्ञली सी भर गई मेरे पट्टे खुद वखुद काम में लग गए. मुक्त में एक फुरती थी जो इस से पहलें मैंने कभी अनुभव नहीं की थी. विस्तरा बांधा और एक भोला लेकर रिकशा की खोज में चल दिया. दरवाजा बन्द किया या नहीं इसकी सुध नहीं थी. उस समय मेरे दिमारा में एक ही विचार था— मुक्ते लखनऊ जरूर पहुँचना चाहिये— मेरा दिमारा इर समय कुछ न कुछ सोचा करता है. उस बन्नत सोचने का अवसर नहीं था. सारी शक्ति खिंच कर पैरों में आ गई थी. पल पल मुक्ते घंटों मालूम हो रहे थे. उलक्तन बहुती ही जा रही थी. मैं दोड़ हरगिज नहीं रहा था लेकिन किर भी सांस ऐसी ही तेज थी जैसे सी गज की दौड़ लगा रहा हूँ.

बाधाएँ इकट्ठा रास्ता रोकती हैं और जब हटने लगती हैं तो इकट्ठा हट भी जाती हैं. कीन जानता था कि इस समय चौराहे पर रिक्शा भी न मिलेगा. इधर उधर नजर घुमाई दूर दूर किसी रिक्शे का नाम निशान न था. सोचने और इन्तजार के लिये वक्षत कहाँ था. मैं राम बाग स्टेशन पहुंच गया. वहाँ तो रिक्शा मिलना ही चाहिये था. लेकिन संजोग को क्या कहा जाय. वहाँ भी मैदान साफ था. निराशा का घोर अधियारा मेरे सामने छा गया. मेरी कनपटी जजने लगी. नाक के बजाय मैंने मुँह से सांस लेना शुरू कर दिया. अधिक थकावट के कारन खूद बखुद मेरे मुँह से सांस निकलने लगती है. आँखों में आँसू डब डबा रहे थे. कोई मेरी शकल देखता तो जरूर पागल समम्क कर कतराने की कोशिश करता, लेकिन मुमे हरगिज हरगिज खकर न होती. मेरा ध्यान ही किसी तरफ नहीं जा सकता आहर न होती. मेरा ध्यान ही किसी तरफ नहीं जा सकता

نی یاب می ساملے تو آتی تھی، جھٹ سے گھڑی و نظر ڈالی ۔ سوا دس بچ چکے تھے ، من کے جاتھے وے پر جھسے کسی نے پانی ڈال دیا۔ اوپر کی سانس اوپر اور نهیچے کی سانس نیچے رہ گئی ۔ میرا دماغ بهللا تها عهنجهاهت نے به و بدل دیئے . میں جلدی کهبرانا نهیں هرر لهای نه جائے کیوں گهبراهت نے مجے آ دیوها - شانعى جو معه سے جهن كئى تهي!! معجم ايسا عا الرميس لكهدؤ نه بهونچا تو تهيج كو پهانسي هوجائد لی' میں آس سے پھر کبھی نعامل سعوں گا. آشا ارر لراشا کی چوتیں دماغ میں چل رهی تهیں ، چهلوں میں سیکوں ترکیبیں میرے دماغ میں آئیں اور سنیما کے پردے کے سمان دماغ کے پدل کو کررا چھرو کر چلی گئیں . العآباد استهش سے دس بجکر بائیس ملت پر نازی جانی تھی ۔ وهاں اِس سیے پہوندچذا ناممکن تها . يكباركي دماغ ميروچار آيا كيون نه پرياك استيشن سے کوشش کروں . سلنجوگ هی تو هے . شايد گاري مل جائے ،

مجه میں بجلی سی بهر کئی میرے پتھ خود بخود کام میں لگ گئے مجه میں ایک پهرتی تهی جو اِس سے پہلے میں لگ گئے مجه میں ایک پهرتی تهی اِندها اور ایک جهولا لے کر رکشا کی کهوج میں چل دیا ، دروازہ بند کیا یا نہیں اِس کی سدھ نہیں تهی ، اُس سے مہرے دماغ میں ایک هی رچار نها — مجھ لکھلؤ میں ایک هی رچار نها — مجھ لکھلؤ سوچا کرتا ہے ، اُس وقت سوچلے کا اوسر نہیں تها ، ساری شکتی کہنچ کر پهروں میں آگئی تهی ، پل پل مجھ شکتی کہنچوں معلوم هو رہے تھے ، الجھی بجھی هی جا رهی تهی ، میں درو هرگؤ نہیں رها تها لیکن پهر بهی سانس آیسی هی تهز تهی جیسے سو گز کی درو لگا رها هوں .

بادهائهی انتها راسته روئتی هیں اور جب متنے لگتی هیں نو انتها هت بھی جاتی هیں . کون جانتا تها که اِس سمے چوراهے پر رکشا بھی نه ملے گا . ادهر اُدهر نظر گهدائی دور دور کسی رکشے کا نام نشان نه تها . سوچلے اور انتظار کے لئے رقت کہاں تھا . میں رام باغ استهشن پہونچ گها . وهاں تو رکشا ملنا هی چاهئے تها . لیکن سنجوگ کو کها کہاجائے . وهاں بھی میدان صافتها . نراشا کا گهور اُندهیارا میرے سامنے چها گیا . مهری کفیتی جلئے لگی . ناک کے بچ ئے میں نے مقه سے سانس لینا شروع کر دیا . ادهک تهکاوت کے کارن خود بخود میرے منه سے سانس نکلئے لگتی ہے . آنکھوں میں آنسو قیدیا وہے تھے . کوئی میری شکل دیکھتا تو ضرور پائل سمجھکر رہے تھے . کوئی میری شکل دیکھتا تو ضرور پائل سمجھکر کھرانے کی کوشش گونا لیکن مجھے هرگز هرگز تھی کہرانے کی کوشش گونا لیکن مجھے هرگز هرگز تھی کہرانے کی کوشش گونا لیکن مجھے هرگز هرگز تھی کہرانے کی کوشش گونا لیکن مجھے هرگز هرگز تھی۔

मैं सारा ग्रुस्ता भूक गया. चीचों की ठीक रखने के मन ही मन वार्दे शराची की वार्तों की तरह एकदम दिमारा से क्तर गए. लेकिन देवताओं को कब यह पसन्द था. चन्होंने पहले से ही साजिश कर रखी थी. मन में शान्ति निवास करेगी तो उन का गुजर कहां होगा ! दरवाजे के दरारे से गिरा हुआ एक तार दिखाई पड़ा. मेरा नाम ध्यों म्बों विसावट में ऊपर लिखा था. बरसों से पढते पढते और लिखते लिखते औरन अपना नाम पढ़ लेने की बादत सी पड़ गई है. किसी तरह भी लिख दीजिये में अपना नाम वो पद ही खंगा. हर खराव लिखावट वाला जरूर कुछ न कुछ बढ़ा आदमी होता है. मैं भी बड़ा आदमी हैं. लेकिन अगर बहुत से बड़े भादमी हो जाएं तो बढ़पन में मजा ही क्या. भता जमघट को कभी किसी ने पूछा है. गुरु घंटाल अपनी बानी में कह गए हैं 'जो कुछ भी रही अकेले रहो, यही सफलता का गुर है. जिस क्लर्क ने मेरा नाम किखा था वह भी बड़ा **ज्यादमी मालूम होता था. जिखावट देखते ही मेरा पारा** चढ़ गया. मैं तो मैं यह कम्बखत कहां से आ गया. बड़ों से एक की जियादती मेरे लिये सहन से बाहर है. दूसरे इस बात पर भी गुस्सा चा रहा था कि इतनी रात गए तार क्यों आया है. पहले तो बेनाम निशान तार देने वाले को मैंने कोसा, फिर इस आइमी को कोसने लगा जो इस रात में आराम करने के बजाय तार बांटता फिरता है - कोई मीज से सोता है और कोई उसकी सेवा के लिये रात भर जागता है, यही तो इस जग का नियम है. तार का अतलव ही है कि कोई न कोई असाधारन बात है. नहीं तो किस के पास इस महंगाई में पैसे बढ़े हुए हैं. मैं इस समय किसी असाधारन घटना के लिये तैयार न था. मैं सोना चाहता या, दिमारा की शान्ति चाहता था, मन की शान्ति चाहता था. लेकिन धत तेरी जिज्ञासा की ! एक भी न चली. लाख कोशिश की कि तार क्ठाकर रख दूं, सबुह फ़रसत से खोल जुँगा, लेकिन इच्छा तेज होती गई. तरह तरह के बहाने गढ़ने शुरू कर दिये. मेरा आराम चैन छिन गया. जिस बात से हर रहा था आखिर बही सामने चाई. लगी दिमारा में घमा चौकड़ी होने. इच्छा के आगे घटने टेकने ही पड़े. तार खोला लिखा था-"मामला बहुत गरेभीर **तुम्हारा चाना ब<u>ह</u>त** जहरी तेज."

तेज बहादुर मेरा पुराना दोस्त है. मेडिकल कालेज में तीखरे साल में पढ़ता है. में उसकी आदत जानता हूँ. बिना मतलब तो वह जात भी न लिखता तार देने की कौन कहे. मैं सोचने लगां जाहर मामला गम्भीर है. मुक्ते लाका कहर जाना चाहिये. दिमारा में जैसे एक ही धुन धुस गई, मन में एक ही इच्छा समा गई—मुक्ते लखनऊ जहर जाना चाहिये और कौरन जाना चाहिये—दूसरे एक

غصه يهول کها ، جهزون کو تهوک رکهنے کے میں ے شرابی کی باتوں کی طرح ایکدم ضماغ سے آثر ن دیوتاوں کو کب یہ بسند تھا ، اُنہوں نے پہلے ازهی کر رکھی تھی ، من میں شانتی نواس کرے ی کا کزر کہاں ہوگا! دروازے کے درارے سے گرا ہوا تَهَائِي فِرَا ، مهرا نام چيون مهون لکهاوڪ مهن ہا . برسوں سے پوھتے پوھتے اور لکھٹے لکھتے فرراً ھ لیلے کی مانت سی پرکگی ہے . گسی طرح بہی ، ميں اينا نام تو يوء هي لونكا . هر خراب لكهاوت کچھ نے کچھ ہوا آدسی ہوتا ہے ۔ میں بھی ہوا ں . لیکن اگر بہت سے ہوے آدمی هوجائیں مهی موا هی کیا ، بهلا جمعهت کو تیهی کسی یے . گرو گھنٹال آدنی بانی میں کو گئے هیں بھی رهو انہلے رهوا يہی سپهلتا کا گرھے ، ہس ميرا نام لكها تها ولا بهي يرا أهمى معلوم هوتا بارت دیکهتے هی میرا پاره چوه کیا . میں یہ کمبخت کہاں سے آگھا ، مورس میں لیک ں مهرے لیے سهن سے باهر هے . دوسرے اس بهي فصد آرها تها كه اتدى رات كيُّم تار كهون آيا ہ تو یے نام نشان تار دینے والے کو میں نے کوسا آدمی کو کوسلے لکا جو رات کو آرام کونے کے ر بانتنا پهرتا هے۔۔۔کوئی موب سے سوتا هے اور کوئی سہوا کے لئے رات بھر جاکتا ہے کہی تو اِس ہم ہے ۔ تار کا مطلب ھی ھے که کوئی نه کوئی ، بات ھے . نہیں تو کس کے پاس اِس مہلکائی نسے برمے ہوئے ہیں ۔ میں اِس سمے کسی اً گھٹٹا کے لئے تیار نہ تھا۔ میں سونا جاھتا غ کی شاندی چاهدا تها' من کی شاندی جاهدا عن دهت تهری جگهاسائی! ایک بهی نه چلی. هی کی که تار اُٹھاکر رکھ دوں' مبھم فرصت سے نکا لیکن اِچها تیز هوتی کئی، طرح طرح کے وهد شروع كرديدً . مهرا أرام چهن كها. ت سے قرر رها تها آخر وهی ساملے آئی . لکی میں دھما چوکوی ھونے اِچھا کے آئے گھٹانہ می ہوے . تار کھولا . لکھا تھا۔"معاملہ بہت تمهارا آما بهت ضروری تهم. "

پہادر مهرا پرانا دوست هے . مذیکل کالم مهل سال میں پوھٹا هے میں اُس کی عادت جانٹا ا مطلب تو وہ خط بھی نه لکھٹا تار دیلے کی ، میں سوچئے لکا۔ ضرور معامله گمههر هے ، بھٹو ضرور جانا چاھئے ، دماغ میں جهسے ایک هی ں گئی میں مهں ایک هی اچها سما گئی۔۔مجھے رور جاناچاھئے اور فورا جاناچاھئے۔۔دوسرے یکھی

動がない。

गंगा से गोमती तक

(माई मयंक राज) ...

देवता जब नाराज होते हैं तो सकर करवाते हैं. जियादा नाराज होते हैं तो पैदल चलवाते हैं. बहुत जियादा नाराज होते हैं तो बोम लदवा कर पैदल चलवाते हैं. ग्रानीमत जानिये, न मुमे पैदल चलना पड़ा और न बोम ही लादने की नौबत आई. फिर भी मैं सोचता हूँ देवता मुम से नाराज थे. ऐसे भी, हम इनसानों की जिन्दगी से खेलने में उन्हें कुछ मजा सा आता है, तंग करने की उनकी आदत सी हो गई है. तंग करने के एक दो साधन थोड़े ही हैं उनके पास. खोज के लिये पूरा मुहकमा खोल दिया है.

इनसान से शान्ति छीन को तो उसके पास बाक़ी ही क्या रह जाता है. वह मुद्दों हो जाता है, वह बेकार हो जाता है, वह सोच नहीं सकता, वह चल नहीं सकता, वह सो नहीं सकता. घशान्ति की पीड़ा से कराहने के सिवा वह कुछ नहीं कर सकता.....यही तो शौतान के घवतारों का हथियार है!

में खुश खुश सात बजे रात को घूमने चला गया. दोस्तों से मुलाकात हुई. गप सदाक चल पड़ी. बातों का न सर था और न पैर. कोई विशय छूटने नहीं पाया. यह भी बताना मुशकिल है कि बात कहां से शुरू हुई थी और कहां एस का अंत हुआ. सब बातें तुक ही की की जाएं तो बात करने का मजा ही क्या. किसी सूरत गप की कड़ी दूटी. दस बजे सब ने रुखसत ली. मेरी आंखें नींद से बन्द होती बा रही थीं. नोंद अपनी मरजी से मेरे पास आती है, मेरी इच्छा की वह ताबेदार नहीं है. हर था कहीं उचट गई तो रात भर करवटें बदल बदल कर सुबह होगी. साइकिल से जल्द कूद पसीना पोंछते हुए दरवाजा खोला. कमरे में घोर अन्धियारा छाया था. पानी के डर से खिड़कियां भी बन्द थीं. बीजों को ठीक रखने की बुरी आदत मुमे बूतक नहीं गई. लाइट दुँढने के चक्कर में दो एक चीकों से टकराया, कुछ च्यापस में टकराकर व्यपनी जगहों पर ही रहगई. भीर कुछ रात के सन्नाटे में शोर मचाती नीचे चा रहीं. मुम्ने लाइट की खोज थी, उन के डठाने की चिन्ता नहीं. मैं पहले से ही हांप रहा था, माँमत्ताहट ने सांस भीर तेज कर दी. गुस्सा कुछ अपनी लापरवाही पर आ रहा बा भीर कुछ बेचारे टेबिल लैमा पर. गुस्सा भीर भूँ मलाहट के साथ अन्धों की तरह इधर उपर हाथ घुमा रहा था. क्षेत्रप कम्बख्त जाता कहां. मिल ही गया. एक खट की आबाज हुई और कमरे में रोशनी ही रोशनी पैदा हो गई.

گنگا سے گومتی تک (بہائی میلک راج)

دیوتا جب ناراض هوتے هیں تو سنو کرواتے هیں .

زیادہ ناراض هوتے هیں تو پیدل چلواتے هیں . بہت

زیادہ ناراض هوتے هیں تو بوجه لدوا کو پیدل چلواتے هیں .

قلیمت جانئے 'نہ مجھے پهدل چلنا پڑا اور نہ بوجه هی لادنے کی نوبت آئی ، پهر بهی میں سوچتا هوں دیوتا محجه سے ناراض تھے ، ایسے بهی 'هم انسانوں کی زندگی سے کھیلئے میں اُنهیں کچه مزا سا آتا هے' تلگ کرنے کی سے کھیلئے میں اُنهیں کچه مزا سا آتا هے' تلگ کرنے کی سادھن تهورے هی هیں اُن کے پاس ، کهوج کے لئے پورا سادھن تهورے هی هیں اُن کے پاس ، کهوج کے لئے پورا سحکمہ کهول دیا هے .

انسان سے شانتی چھون لو تو اُس کے پاس باتی ھی کیا رہ جاتا ھے، وہ مردہ ھو جاتا ھے، وہ بیکار ھو جاتا ھے، وہ سوچتا ھے، وہ سو سکتا، وہ سو نہیں سکتا، اشانتی کی پیوا سے کراھئے کے سوا وہ کچھ نہیں کرسکتا. اشانتی تو شیطان کے اوتاروں کا ھتھیار ھے!

مهن خوهی خوهی سات بنجے رأت کو گهوملے چلا گیا۔ درستوں سے ملاقات هوئی . کپ سواک چل بڑی . بانوں کا نه سر تها اور نه پیر ، کوئی وشه چهوتقے نهیں پایا ، یہ بھی بتانا مشکل ھے کہ بات کہاں سے شروع ھوئی۔ تھی اور کہاں اُس کا انت ہوا ، سب باتیں تک ہی کی کی جائیں تو بات کرنے کا مزا ھی کیا ، کسی صورت کی کی کوی آرائی ، دس بھے سب نے رخصت لی ، مہری آنکھیں نیند سے بدد ہوتی جارھی تھیں . نیاد ایدی مرضی سے مہرے پاس آئی ہے' مہری اِچہا کی وہ تابعدار نهيں هے ، قر تها كهيں أجت الكرى تو رأت بهر كروايس بدل بدل کر صبم هوگی . سائکل سے جلد کود پسیله پونجهاتے هوئے دروازہ کهولا . کمرے میں کهور اندههارا جهایا تها . پانی کے قر سے کھوکھاں بھی بغد تھیں . چیوں کو تھیک رکھنے کی بری عادت منجمے چھو تک نہیں کئی، لائت تھوندھنے کے جمر میں دو ایک چهزوں سے تعرایا' کچھ آپس میں تعرا کر اپنی جعہوں پر ھی رہ گئیں اور کچھ رات کے سفائے میں شور مجاتی نیجے آرهیں ، مجھ لائت کی کھوج تھی' اُن کے 'تہائے کی چنتا نہیں. میں پہلے سے می هانب رها تها جهنجهاهت تے سانس اور تیز کردی ، قصم کچھ ایٹی الپرواھی پر آرها تها اور کچه بهچارے تهدل لیسی پر. فصه اور جهلجهاهت کے ساتھ اندھوں کی طرح إدھر أدھر ھاتھ کھما رما نها ، ليسب كمهضت جانا كهآن. مل هي كها ، ايك كهت کی آواز هوئی اُرر کمرهٔ امران پوششی می روشلی پهدا هرگئی .

समम में नहीं जाना कि दमांच का सवाब जीर असर दुगना हो जाता है अगर अपनी ज्वान में पढ़ी आए. वेद प्रचार पर सासों रूपए सर्च हो रहे हैं और बड़ी बड़ी टीकाएं लिखी जा रही हैं जिन्हें संस्कृतवाँ ही पढ़ सकते हैं. ऐसा कोई वरजुमा नहीं किया गया जो मेरे जैसा साधारन आदमी समम सके. गीता के तरजुमे और टीकाएं तो बहुत हैं लेकिन साक सुवरा कोई नहीं. अभी तक संध्या और गीता का पाठ संस्कृत में ही करना पुन्य समका जाता है. क्यों ने हो हिन्दू और मुसलमान बाह्मनों के बेट का भी सवाल है. अगर इम आप समम सकें तो इन्हें कौन पूछेगा ? इस पेट की आग के लिये ही आजकत के माझनों (जन्म के और कर्म के दोनों) की कोशिश है कि राश्ट्र भाशा संस्कृत हो, नहीं तो मुशकिल संस्कृती हिन्दी हो वाकि वह और धनकी सन्तान भोले भाले किसानों और मज्दूरों को मन्दिरों में ही नहीं बल्कि कबहरियों, दफ्तरों, बनिज ज्योपार और हर एक पेरो में लूट सकें. यह देस सेवा और साहित्य सेवा क्या सुन्दर जाल हैं !......(बाक़ी लेखक की किताब 'भाशा' में पढिये)

"बैल गाड़ी नहीं जा सकती"

(डाक्टर जे. सी. डुमारप्पा)

प्तानिंग कमीशन एडविजरी बोर्ड की बैठक में शामिल होने के लिये मैं नई दिल्ली गया था. उसी समय वह हथकंडे मेरे सामने चमक एठे जिन से धनवान रारी में से नाजायज कायदा चठाते हैं. प्लानिंग कमीशन का दफ्तर 'र।श्ट्रपति भवन' के उत्तरी हिस्से में हैं. मैंने स्टेशन से एक तांगा किया और अपने ठहरने की जगह पर सामान उतारने के बाद तांगेवान को "लाट साहब के महल" चलने का हक्म दिया. तांगेवान ने उत्तर दिया-"मैं एक गरीव आदमी हूँ, अगर आप को वहां ले चलुँगा तो एक मंभट में फँस जाऊँगा, क्योंकि वहां तांगा ले जाने की इजाजत नहीं है." मैंने उसे विश्वास दिलाया कि मैं सब कुछ समम बूम लूँगा. उसकी हिस्सत बंधी और वह मुफे लेकर चन्न दिया. सेकेटेरियट के हो ब्लाकों को पार करने के बाद जब वह वाइसरीगल बाज के गेट में बाई तरफ मुद्दने वाला था, एक नवजवान सिझ ने अधिकार भरी आवाज से उसको सदक से हटने का आदेश दिया. मैंने उस भाई को बताया कि यह एक पिक्तक सङ्क है और मुमे इसके इस्तेमाल का पूरा इक है. बहु नौजवान पुलिस की वरदी भी नहीं पहने था जिससे

سمجه مين نهيل آيا كه نماز كا ثواب أور أثر دكنا هو جاتا يه اگر اپنى زبان مهن يوعى جائه ، ويد پرچار هر لاكهرى رریئے خرچ مو رہے میں اور بری بری تیکائیں لکھی جارهي هين جنهين سنسكرت دان هي يزه سكتے هين . ایسا کوئی ترجمه نهیں کیا گیا، جو میرے جیسا سادھاری آدی سمجه سکے . گیٹا کے ترجیے اور ٹیکائیں تو بہت ههل ليكن صاف ستهرا كوئي نهيل . أبهي تك سندهيا أور كوتا كا ياته سلسكرت مين هي كرنا بليه سمجها جاتا ہے . کیوں نه هو هلدو اور مسلمان براهملوں كے پهت کا بهی سوال هے . اگر هم آپ سنجه سکهن تو إنهيں كون بوچهيا ؟ إس بيت كى آگ كے لئے هى آجکل کے براھینوں (جنم کے اور کرم کے دونوں) کی کوشھ ه که راشتر بهاشا سنسکرت هوا نههن تو مشکل سلسکرتی هندى هو تاكه ولا أور أنكى سنتان بهول بهال كسانون ۔ اور مزدروں کو ملدروں میں ھی نہیں بلکہ کچھوریوں' دنترس بلم بيويار أور هر أيك بيشے ميں لوت سكيس . يه ديس سهوا اور ساهتهه سهوا كيا سندر جال هيس! ، د تی لوغهک کی کتاب ' بهاشا ' مربق پوهگه)

"بيلگارَى نهين جاسکتى " (دَائتر هـ . سي . کناريپا)

پاننگ کمیشن اقریزری بورة کی بیتهک مین شامل هولے کے لئے میں نئی دلی کیا تھا ، اُسی سم وہ معمدندے میرے ساملے جمک آتھ جن سے دھن ران فريمون سے ناجائز فائدہ أتهاتے هيں. يلاملك كموشن کا دفتر 'راشتر بعی بھوں' کے اُتری حصے میں ہے ، مدن لے استمیشن سے ایک تانکہ کیا اور اپنے تھھونے کی جگہ ير سامان أتارنے كے بعد تانكےوان كو "الق صاحب كے معطل ' چلنے کا حکم دیا ۔ تنگروان نے اتر دیا۔ ومهي ايک فريب آدمي هرن اگر آپ کو رهان لے جلونکا قو أيك جها مجهت مين يهلس جاونكا كهونكه وهال تانكه لي جاني كي اجازت نهيل هـ". ميل في أس وشواس دلایا که میں سب کچه سنجه بوجه لونکا ، اُس کی هبت بلدهی اور وه مجهد له کر چل دیا . سکریگریت کے ھو بھائوں کو یار کرنے کے بعد جب رہ وائسریکل لام کے گھٹ مهن بائهن طرف مونے والا تها ایک نوجوآن سکھ نے الد به على معرى آراز سے أس كو سوك سے متلے كا أديش ديا. میں نے اُس بھائمی کو بتایا که یه ایک پہاک سوک ہے اور مجه آس کے استعمال کا پورا حق هے . وہ نوجوان ہولیس کی وردس بھی نہوں پہلے تھا جس سے

(313)

إكتوبر 51'

तरजुमा पहले सलेवानिक में हुआ था. वहां के ब्राइनों ने स्से बहुत दिनों तक क्रायम रखा. लेकिन गो कितावें इस में लिखी जाती रहीं, आम आदमी अपनी अपनी लोकल के लिली बोलते रहे. रूस की राजधानी मास्तो हुआ करती थी. पीटर बड़े के दिनों में इस शाही शहर की बोली ने अपना सिका जमा लिया लेकिन अब भी इस में बाइबिल की बजह से सलेवानिक की काकी चाशनी है. रूसी ब्राइनों ने इस सलेवानिक के लिये बहुतेरे हाथ पाँच मारे लेकिन जुगराफिये के सामने उनकी कुछ न चली. अगर दिल्ली इमारी राजधानी रही तो दिल्ली की बोली को राज करने का काफी मीका है.

योरप की ज़बानों में से इताल बी एक ऐसी अबान है जो राजधानी से नहीं निकजी बिल फज़ोरेन्स की बोली थी. इसकी बड़ी बजह तो यह है कि चीद हवीं सदी में तीन बोटी के शायर दाँते (Dante), पेटरार्क (Petrarch) जीर बोकैशियो (Bocacio) फज़ोरेन्स में पेदा हुए और इन के मुक़ाब ते में कोई सिर न उठा सका. दूमरी वजह यह बताई जाती है कि इटली की जीर बालियों के मुक़ाब ते में फलोरेन्स की बोली लातीनी से ज़ियादा मिनती जुनती थी.

इस सरसरी नजर से हमें एक सबक्र यह मिलता है कि अकसर वही जवान मुल्क में आम होती है जो राजधानी की हो. कहीं कहीं लेकिन बहुत कम यह भी होता है कि ऐसे शहर की बोली आम हो जाती है जहाँ कोई खास महाकवि या बड़ा मजहबी रिकारमर पैदा हुन्ना हो. हिन्दुस्तान की षाबानों से भी यही सबक मिलना है. पुराने जमाने में बढ़ की वजह से मागधी ने पांव फैताए. तुलसी की वजह से अवधी ने कुछ दिनों सिर उठाया. बंगाल में कम से कम तीन बोलियाँ बोली जाती थीं. राजधानी कलकत्ते में थी इसिलिये वहाँ की बोली तमाम बंगाल में चाम हुई. पंजाब में चार पाँच क्रिसिम की बोजियाँ थीं लेकिन लाहीर राज-धानी था इसलिये जितनी किताचें पंजाबी में छपती हैं वह लाहीरी पंजाबी में छपती हैं. शिवाजी के बाद उस के वजीर ने पूना को राजधानी बनाया इसिलये पूना की मरहटी सारे मरहटी देस में धाम हुई. चूँकि पूना धीर कलकत्ते दोनों शहरों में संस्कृत के कालेज भी राजधानी के साथ ही साथ खोले गए इसलिये इन दोनों जनानों में संस्क्रा ने जियादा जोर किया.

दूसरा सबक हमें यह मिलता है कि जिल किसी जबान में अंजीत (बाइबिल) का ऐसा तरजुमा किया गया हो जो आसान हो और जो पूजा पाठ में बरता जा सके तो उस तरजुमे की ज्वान का उस मुल्क की ज्वान पर बड़ा असर पदता है. क़ुरान के सरदू में तीन चार तरजुमे हुए बेकिन सनकी ज्वान एक सी नहीं. अभी तक यहाँ के मुसलमानों की توجیعة پہلے سلہوانک میں ہوا تھا ، وہاں کے براھمنوں لے اسے بہت دنوں تک قائم رکھا ، لیکن کو کتابھی اِس میں لکھی جاتی رھیں عام آدمی اپنی اپنی لوکل بولی بولتے رہے ، درس کی راجدھا ی ماسکو ہوا کرتی تھی ، پیڈر بولے کے دنوں میں اِس شاہی شہر کی بولی نے اپنا سکت جما لیا لیکن اب بھی اِس میں بائبل کی وجہ سے سلہوانک کی کافی چاشنی ہے ، درسی براھمنرں نے اس ساہوانک کی کی بہتیرے ہاتہ باوں مارے لیکن جغرافیے ساہوانک کی لیے بہتیرے ہاتہ باوں مارے لیکن جغرافیے کے سامنے اُن کی کچھ نہ چلی، اگر دلی ہماری راجدہانی رہی تو دلی کی بولی کو راج کرنے کا کافی موقعہ ہے .

یورپ کی زبانوں میں سے اطائری ایک ایسی زبان ہے جو راچ دھانی سے نہیں نکلی بلکہ فلورنس کی بولی تھی . اس کی بری وجہ تو یہ ہے کہ چودھویں صدی میں تھی چوڈی کے شاءر دائتے (Dante) پیڈرارک (Petrarch) اور بوکیشیو (Bocacio) فاورنس میں پیدا ھوئے اور اُن کے مقابلے میں کوئی سر نہ اُٹھا سکا . دوسری وجہ یہ بھائی جاتی ہے کہ اِنّای کی اور بولیوں کے مقابلے میں فلورنس کی بولی لاطیانی سے زیادہ سلتی جلتی تھی .

اس سرسری نظر سے همیں ایک سبق یه ملتا هے که اکثر رهی زبان ملک مهن عام هوتی هے جو راجدهانی کی ہو۔ کہیں کہیں لیکن بہت کم یہ بھی ہوتا ہے کہ ایسے شہر کی بولی عام هو جاتی هے جہاں کوئی خاص مہا کوی یا بوآ مذهبی رفارمر پهدا دوا هو . هددستان کی زباس سے بھی یہی سبق ملتا ھے۔ پرانے زمانے میں بدھ کی وجه سے ماکدھی نے پاؤں پھھالئے . تلسی کی وجه سے آودهی نے کچھ دنوں سر اُتھایا . بدگال صهی کم سے کم تین بولیاں ہوای جاتی تھیں ، راد مانی کلکھے میں تھی اسلئے وہاں کی بولی تمام بنکال میں عام هرئی . پنجاب مهی چار پانچ قسم کی بولهال تههی ليكن العور راجدهاني تها أسليء جتذي كتابهن ينجابي مهی چهپتی هیں وہ لاهوری پنجابی میں چهپتی هیں۔ ھیوا جی کے بعد اُس کے وزیر نے یونا کو راجدھانی بلایا اسلی پونا کی مرهتی ساری مرهتی دیس میں مام هورئي . چونکه پونا اور کاکته دونون شهرون مهن سلسکرت کے کالیم بھی راجدهانی کے ساتھ ھی ساتھ کھولے کئے اس لئے ان دونس زبانوں میں سلسکرت نے زیادہ زور کیا .

دوسرا سبق همیں یہ ملتا ہے کہ جس کسی زبان میں انجھل (ہائبل) کا ایسا ترجمہ کیا گیا ہو جو آسان ہو اور جو پوجا پاتھ میں برتا جاسکے تو اُس ترجمے کی زبان کا اُس ملک کی ربان پر بڑا اثر پڑتا ہے۔ قرآن کے اُردر میں تین چار ترجمے ہوئے لیکن اُن کی زبان ایک سی نہیں ، اُبھی تک یہاں کے مسلمانوں کی

लक्ष्य का नए हैं. आंगरेज़ी पढ़े हुओं को कभी आपस में कोई भी देखी बोली बोलते सुनो, चौथाई लक्ष्य तो अंग-रेज़ी होंगे. एक दिन आने वाला है जब यह साहब भी अपनी ज्यान में लिखना शुरू करेंगे. इस किताब में भी कुछ अंगरेजी लक्ष्य भरे गए हैं सिर्फ इस लिये कि मेरे आंगरेज़ी पढ़े भाई भी इसे पढ़ सकें.

उरदू और हिन्दी के निकास और विकास की बाबत लिखने से पहले ज़बानों के फलने और फूलने के कुछ मोटे असूल बयान करना मुनासिब हैं. चूँकि यह असूल योरपी बिद्वानों ने योरपी ज्बानों से निकाले हैं इस लिये योरपी ज्वानों की कहानी थोड़ी लिखता हूँ जिस से उन असूलों की बुनियाद समफ में आजाप.

लातीनी ने मुद्दूत तक योरप में राज किया रोमन राज के खूते पर. रोमन राज के बाद यह बहुत दिनों तक जी न सकी बावजूद ईसाई धर्म की मदद के. लातीनी के बाद जिस ज्वान ने पहले पहल योरप में अदबी सूरत अख्तियार की वह स्पेनिश थी. आठवीं सदी के शुरू में जब मुंसलमानों ने वहाँ फतह हासिल की, स्पेन में कम से कम तीन बोलियां बोली जाती थीं: चूँ कि उत्तरी हिस्से के बाशिन्दों की कोशिश से मुसलमान स्पेन से आहिस्ते आहिस्ते निकाले गए इसलिय उत्तरी हिस्से की ज्वान दिक्खन की तरफ फैलने लगी और अगरचे इस ने और बोलियों को बिलकुल मिटाया नहीं बेकिन जब तरहवों सदी में इस में ऊँचे दरजे की कविताएँ लिखी गई तो सारे स्पेन में इस का सिका जम गया. यानी मौजूदा स्पेनिश के फैलने की वजह दो हैं, एक पोलिटिकल और दूसरी कविता.

परी जिसे अंगरेजी में पेरिस कहते हैं मुद्दूत से फ़ान्स की राजधानी चली आती है. परो में दरबार होने की वजह से और इसलिये मंडी होने की वजह से परी की जबान सारे फ़ान्स की ही नहीं बल्कि पास पास के देसों की भी आम जबान बन गई. इंगलैंड में भी यही हुआ. लन्दन सिद्यों से राजधानी है इसलिये वहां की बोली तमाम मुक्क की बोली हो गई.

जरमन की कहानी निराली है. बरिलन को राजधानी बने बहुत अरसा नहीं हुआ और न जरमन के और शहरों से बरिलन में कोई खास खूबी है. ल्थर एक मजहबी रिकारमर था. उथों उथों उस का मत फैलता गया उसकी जबान भी साथ देती रही और सारी जरमनी में ही नहीं आस पास के कुछ देसों में भी फैल गई. बड़ी वजह इस के फैलने की यह थी कि बाइबिल का इस जबान में अच्छा और आसान तरजुमा किया गया. सारी पूजा पाठ अब इस में होने लगी.

हसी की कहानी अजब है. शुरू में मुद्दत तक किताबी ज्यान संस्थेयानिक रही. बजह यह थी कि वहां माइनिस का الع آگئے میں الکریزی پڑھ موؤں کو کبھی آپس میں کوئی ہی دیسی بولی برائے سفرا چوتھائی لفظ تو انگریزی ھونگے . اِک دن آنے والا ہے جب یہ صاحب بھی اُپلی زبان میں بھا شورع کریدگے . اِس کتاب میں بھی کچھ انگریزی لفظ برے گئے میں صرف اس لئے کہ میرے انگریزی پڑھے بھائی بی اِسے پڑھ سکوں .

أردو أور هندي كے نكاس أرر وكاس كى بابت لكھنے سے ليے زبانوں كے پھلنے أور پھولنے كے كچھ موتے اصول بھان كرنا فاسب ھے، چونكه يه اصول يورپى ودوانوں نے يورپى زبانوں ، نكالے ھهں اس لئے يورپى زبانوں كى كہانى تهوتي لكھتا بن جس سے أن اصولوں كى بنياد سمجھ مهن آجائے ،

الطهدی نے مدت تک یورپ میں راج کیا رومن راج ہوتے پر . رومن راج کے بعد یہ بہت دنوں تک جی نه کی باوجود عیسائی دھرم کی مدد کے . الطیدی کے بعد سس زبان نے پہلے پہل یورپ میں ادبی صورت اختیار سس زبان نے پہلے پہل یورپ میں ادبی صورت اختیار سلمانوں نے وھاں فتنے حاصل کی' اسپین میں کم سے کم سے کم بولیاں بولی جاتی تھیں . چونکه اتری حصے کے شدوں کی کوشش سے مسلمان اسپین سے آھستے آھستے گئے اس لئے اتری حصے کی زبان دنین کی طرف بلے گئے اس لئے اتری حصے کی زبان دنین کی طرف بیلنے لگی اور اگرچہ اس نے اور بولیوں کو بالکل متایا نہیں بین جب تیرھریں صدی میں اس میں اونتے درجے کی بین جب تیرھریں صدی میں اس میں اونتے درجے کی بین جب تیرھریں صدی میں اس میں اونتے درجے کی بین جب تیرھریں صدی میں اس میں اونتے درجے کی بین بین ایس کا سکہ بین بین یہ بولیتیکل اور دوسری کویتا .

پری جسے الگریزی میں پیرس کہتے ھیں مدت سے رانس کی راج دھانی چلی آئی ھے ، یری میں دربار وئے کی وجہ سے پری مندی ھونے کی وجہ سے پری نہاں سارے فرانس کی ھی نہیں بلکہ پاس پاس کے پیسوں کی بھی عام زبان بن گئی . (نگلیلڈ میں بھی ہی ھوا ، للدن صدیوں سے راجدھانی ھے اسلئے وھاں کی بلی تمام ملک کی بولی ھولئی .

جرمن کی کہائی ترائی ہے ، پرلن کو راج دھائی بلے ہمت عرصہ نہیں ھوا اور نہ جرمن کے اور شہروں سے برلن یقی کوئی خاص خوبی ہے ، لوتھر لیک مذھبی رفارمر تھا ، بھی جھوں اسکامت پہیلتا گیا اسکی زبان بھی اس کے کچھ سوں میں بھی بھیل گئی ، بوی وجہ اِسکے پییلئے کی سوں میں بھی بھیل گئی ، بوی وجہ اِسکے پییلئے کی ، تھی کہ بائیل کا اس زبان میں اچھا اور آسان ترجمہ اُ گھا ، ساری پوچا پاتھ اب اس میں ہوئے لگی ،

روسی کی عہانی عجب ہے ۔ شروع میں مدت تک اللہ کا اللہ کا دھاں ہاگیل کا

(311)

اكتربر 51 '

1. 15 1 36

فوس کا زور بوها گیا ، نایجه یه که آن مهن اسلیبلی لفظوں کی گلای خوب بوهی اور آن مهن هاس آگئی ، اِس پر براهمن اور آن کے چیلے شور منچانے ، اور آج کل اُللی گلگا بہانے میں لگے هوئے هیں ، ایلی دی هی دیکھ لو رات کو راتری کونو کو پورنسا آگ کو ی اور اس طوح سهکروں لفظوں کو مشکل بنایا جا هی .

بالکل اِسی طرح هذه اور مسلمان مولویوں کے هاته ارمی ہولی موں فارسی عربی کے لفظ تھونسے گئے ھیں . ر كي جُكه أُمهد أوس كي جكه شبلم پروس كي جكه سائگی سیکروں لفظوں کی قضول بهر مار . لیکن یک ب تهروح دنول کا معامله هے . زبانیں سدا سدھرتی تى ھيى . ھمارى بھى سدھريكى يعلى آسان ھركى . پنڈتوں اور مولویوں کا دوش نہیں . سب زبانوں کے ته ایسا هی موتا رها هی اور هوتا رهے کا . زبانوں کا یه اقل نون ھے کہ جب کوئی زبان علمی صورت اختمار کرنے لگتی تو أسكى شكل شروع ميس تو سادة هوتى هي ليكن جهال ے نے ذرا سلبھالا لھا تو جو اُس دیس میں پہلے علمی یا بیزبان تھی وہ اُس پر سوار ہوجاتی کے اور اُسکی دکشتری ے نہوں اُسکی گرامر اور بدارت کو بدلانے کی کوشش کرتی آور اکر اس نکی زبان میں لکھنے والے کی یہ نکی زبان ماتو اشا نهیں هوتی تو اُسکے لیکھ میں وہ پرانی ادبی زبان خوب کرتی ہے ۔ ایے هی دیس میں دیمیئے ایک پنجابی عهک أردر میں زیادہ فارسی اور هذدی میں زیادہ لسكوت كے لفظ بوتهكا بع نسبت ايك دلى والے كے . يہى اع هے که بنارس کے لکھنے والیں کی هندی اِتلی هندی نهیں تنفی سفسکرت هوتی هے . یورپی زبانوں پر اسی طرح وع میں الطیلی نے خرب اپنا سکه جمایا تھا . آهستے سُعْدِ جَعْدَد فَصُولَ الطيني لفظ أن مين كبس كيِّد تهد ہ هي آپ نعل کئے . آيران موں جب عربوں کي فتع رئی تو وهاں کی ادبی زبان بھی عربی هرکئی . دسویں دى مهن جب فارسى مين آدب شررع هوا تو پهلم پهل جهسے قردرسی کے شاهنامے میں) موبی لفظ بہت کم ، تعمال کگے ککے هیں . اس ادب نے ترقی کی تو اس^ا ہن مربی لفظ ھی بہلی عربی ترکیبیں بھی خوب ہرتی ھی۔ آج کل کی فارسی مھی بہت کم عربی لفظ <u>برتہ</u> الم ههن ، ترکی میں بھی یہی هوا . ابد هی دیس ہی نظیر اور فالب کی شاعری میں اور کبیر اور هریش لمدر كى كويتا مين فرق ديكه ليجيري.

ابھی تک ھماری زبان پوری سلبھلی نہیں ۔ اس پر اس اور زرردار حملہ ھونے والا ھے ۔ آج کل ھماری علمی ان انگریزی ھے ، بول جال میں تو بہت سے انگریزی

बोतियों का जोर बढ़ता गया. नतीजा यह कि इन में एक सक्षेत्रका तफ्जों की गिनती ख़ूब बढ़ी और उन में मिठास आगई. इस पर ब्राह्मन और उनके चेते शोर मचाने लगे और आजकल चलटी गंगा बहाने में लगे हुए हैं. अपनी हिन्दी ही देख लो रात को रात्रि, पूनो को पूर्णिमा, आग को अगिन और इस तरह सैकड़ों लक्ष्जों को मुशकिल बनाया जा रहा है.

बिलकुल इसी तरह हिन्दू और मुसलमान मौलवियों के हाथ हमारी बोली में फारसी अरबी के लक्ष्य ट्रेंसे गए हैं. आस की जगह उम्मीद, श्रोस की जगह शबनम, पड़ौस की जगह हमसायगी सैंकड़ों लक्ष्यों की फजल भरमार. केकिन यह सब थोड़े दिनों का मामला है. जबानें सदा सुधरती रहती हैं. हमारी भी सुधरेगी यानी आसान होगी. इन पंडितों श्रीर मीलवियों का दोश नहीं. सब जवानों के साथ ऐसा ही होता रहा है और होता रहेगा. जबानों का यह घटन कानून है कि जब कोई जबान इलमी सूरत मिखितयार करने लगती है तो उसकी शकल शुरू में तो सादा होती है लेकिन जनां उसने जरा संभाला लिया तो जो **इस देस में पह**ले इलमी या अदबी जबान थी वह उस पर सवार हो जाती है और उसकी डिक्शनरी ही नहीं उसकी ब्रामर और बनावट को बदलने की कोशिश करती है और भगर इस नई ज़बान में लिखने वाले की यह नई ज़बान मार भाशा नहीं होती तो उसके लेख में वह पुरानी अदबी षाबान खुब जोर करती हैं. अपने ही देस में देखिये एक पंजाबी लेखक उरद् में जियादा फारसी और हिन्दी में षियादा संस्कृत के लक्ष्य बरतेगा बनिस्वृत एक दिल्लो वाले के. यही वजह है कि बनारस के लिखने वालों का हिन्दी इतनी हिन्दी नहीं जितनी संस्कृत होती है. योरपी ज्वानों पर इसी तरह शुरू में लातीनी ने खब अपना सिका जमाया था. आहिस्ते आहिस्ते जितने फजुले लातीनी लफ्ज उनमें घुस गए थे आप ही आप निकल गए, ईरान में जब अरबों की फतह हुई तो वहां की अद्बी ज्वान भी अरबी हो गई. दसबीं सदी में जब फारसी में अदब शुरू हुआ तो पहले पहल (जैसे फिरदौसी के शाहनामे में) अरवा लक्ष्य बहुत कम इस्तेमाल किय गए हैं. इस अद्व ने तरक्का की ता इस में घरबी लक्ष्य ही नहीं अरबी तरकी वें भी खुब बरती गई. आजकत की कारसी में बहुत कम अरबी लफ्ज बरते जाते हैं. तुरकी में भी यही हुआ. अपने ही देस में नजीर और गालिब की शायरों में और कबीर और हरिशचंद्र की कविता में फरक देख लांजिये.

अभी तक हमारी ज़बान पूरी संभत्ती नहीं. इस पर एक और फोरदार हमला होने वाला है. आजकत हमारी इसमी सवाब अंगरेजी है. बोल वाल में तो बहुत से अंगरेजी हार और यू. पी. में सब जातों के लोग बसते ये भीर स किये यहां की बोलियों को हिन्दु औं की बोलियां कहना चित होगा. संस्कृत भी उन ही दिनों में बनाई गई लेकिन शमीर में. उन दिनों कशमीर में सिर्फ ब्राह्मन रहते थे. सा माल म होता है कि कशमीर में आयों की कोई ऐसी र बीर क़ीम जा बसी थी जिसने वहां के असली रहने ालों का बीज तक नास कर दिया था और इसलिये उन ो बोली तीसरी चौथी सदी बी० सी० तक बहुत कुछ वैदिक ौर पेशाची से मिलती जुलती थी. आयों को यहां आए जार बरस से जियादा हो चुके थे. इजार बरसों में हर ाली में जो कि बोली जाती हो जमीन आसमान का फरक । जाता है. उस जमाने की कशमीरी बोली भी बोलने में ासान हो गई होगी. यू. पी. के ब्राह्मनों को उस कशमीरी ातो ज्ञान नथा लेकिन वैदिक की सुध बुध थी इसलिये द्धि मत के प्रचार को रोकने के बिये संस्कृत का सहारा ाया गया और उसे वैदिक शकल देने के लिये जान बूफ र मुशकिल बनाया गया और ऐसा बांधा गया कि वह ल न सके. पाली बौद्धों की जबान बनी श्रीर संस्कृत ाक्षनों की. पाली आसान, संस्कृत मुशकिल. पाली में आठ इर च, चा, इ, ई, ड, ऊ, ए घौर घो. संस्कृत में सोलह-iस्कृत में 'स'. 'घ' श्रीर 'श' पाली में केवल 'स' जिस से ाफ जाहिर है कि 'ष' श्रीर 'श' की श्रावाज हमारे उत्तर is की बोिलयों में से निकले हजारों बरस हो गए हैं. 'व' ो शायद हमें कभी बोलना आया ही नहीं और 'श' बोलना ो हम ने बहुत कुछ मुसलमानों से सीखा. आम आदमियों ो बोली में 'श' सिर्फ फारसी लफजों में बोला जाता है. ंस्कृत सदियों तक बतौर घरमी **औ**र इलमी जवान इस्ते-ाल होती रही. ज्योतिश, गनित धर्म और क्रानून पर रच्छी अच्छी किताबें इस में लिखी जाती रहीं. गो इलमी ्षान यह इज़ार बरस रही, बोली यह कहीं नहीं जाती ी. जो थोड़े बहुत आदमी इसे जानते थे वह भी दरवार ा कचहरी या शास्त्रार्थ में चाहे इसे बोल लें, घर में नहीं ोलते थे. श्रीरत चूँ कि कोई इसे बोलती न थी इसलिये यह अभी किसी की मां-बोली नहीं बनी. अगर मातुभाशा के ।। इने हैं मां की बोली तो इसे मातृ भाशा कहना भूल है गैर धगर मातृ भाशा के माइने हैं हमारी भाशा की मां ो यह भी रालत है क्यों कि यह आप बनाई गई हमारी ोिलयों से.

मुसलमानों के आने के बाद संस्कृत के पुजारियों की गनती रोज बरोज घटती गई. यह धरमी जवान भी न ही. अक्सर श्राह्मन शाक और रीत हैं. दूसरे हिन्दू अक्सर शतव (विशनू के पुजारी) हैं. शाक्तिक कितावें संस्कृत में गिर वैशनव पुस्तकें हिन्दुस्तानी बोलियों में बनीं. हिन्दुस्तानी

بهار اور یو . پی میں سب جانوںکے لوگ بستنے تھاور اس لَيْهِ بِهِانِ كَي بِولِيونِ كَو هَنْدُووْنِكِي بِولِهَانِكِهِمْا أَجْتَ هُوكًا. سقسكرت بهى أن هى داول مين بقائى كئى لهكن كشمهر مين. أن دنون كشمير مين صرف براهمن رهتم تهم . ايسا معلوم ھوتا ہے کہ کشمیر میں آریوں کی کوئی ایسی شور ویر قوم جا بسی تھی جس نے وہاں کے اصلی رہانے والوں کا بیم تک ناس کر دیا تھا اور اس لئے ان کی بولی تیسری چوتھی صدی ہی . سی تک بہت کچھ ریدک اور پیشاچی سے ملتی جلتی تھی . آریوں کو یہاں آئے ہزار برس سے زیادہ هو چکے تھے ، هزار برسوں مهں هر بولی مهں جو که بولی جاتی هو زمهن آسمان کا فرق هوجاتا هے . اُس زمانے کی كشميري بولى بهي بولله مين آسان هوككي هوكي، يو ، بي. کے براهمنوں کو اُس کشمهری کا تو گهان نه تها لهکن ویدک کی سدھ بدھ تھی اس لئے بودھ مت کے پرچار کو روکلے کے لئے سنسکرت کا سہارا لیا گیا اور اُسے ویدک شکل دینے کے لئے جان بوجهکر مشکل بنایا گیا اور ایسا باندھا کیا که وه هل نه سکے . پالی بودهوں کی زبان بنی اور سنسکرت براهمدون كي . يالي آسان ستسكرت مشكل . يالي مهن ीं के न्या का , को हु कि 'व 'है 'हा 'ब्रा 'ब سوله 🛶 'स' اور 'श' پالی میں کھول ' स ' جس سے صاف طاهر هے که ۹ اور ۹۱ کی آواز همارے اُترکھنڈ کی بوليون مين سے نکلے هزاروں برس هوکگے هيں ، 'ष' تو شاید همین کبهی بوللا آیا هی نهین أور हा بوللا تو هم نے بہت کچھ مسلمانوں سے سیکھا . عام آدمھوں کی دولی مهن 🏋 صرف فارسى لفظون مين بولا جاتا 🙇 ، سدسكرت ضديون تک بطور دهرمی اور علمی زبان استعمال هوتی رهي. جيوتهن' كلت دهرم اور قانون پر-اچهي اچهي كتابين اس میں لکھی جاتی رهیں . کو علمی زبان یه هزار برس رهی، بولی یه کههن نهین جاتی تهی ، جو تهورے بهت آدمی اسے جانتے تھے وہ بھی دربار یا کچھری یا شاسترارته مهى جاهے اسے برل ليس' گهر ميں نهيں بولتے تھے، عورت جہونکہ کرئی اِسے بولٹی نہ تھی اُس لئے یہ کبھی کسی کی مال ہولی نہیں بنی اگر ماتر بھاشا کے معنے ھیں مال كى پولى تو إس ماتر بهاشا كهنا بهول هر أور أكر ماتر بهاشا کے معلیے ههن هماری بهاشا کی مان تو یه بهی فلط هے کیانکہ یہ آپ بنائی کئی هماری بولیوں سے .

مسلمانوں کے آئے کے بعد سنسکرت کے پجاریوں کی گفتی روز بروز گھٹتی کئی ۔ یہ دھرمی زبان بھی نه رھی ۔ اکثر پراھمن شاکت اور شہو ہیں ۔ درسرے هندو اکثر ریشنو (وشغو کے پنجاری) هیں ۔ شاکتک کتابیں سنسکرت میں اور پیشنو پستکھی هندستانی بولیوںمیں بنیں ، هندستانی

Maryle, .

अभी संस्कृत नहीं बनी थी. दस के पहले भी बहुत से लोग ईरान से और ईरान के रास्ते हिन्दुस्तान में आए. इन लोगों के जुरिये स्त्रीर ईरानी राज के कारन पुरानी फारसी से बहुत से लक्ष्य हिन्दुस्तानी जवानों में आए. कुछ तो संस्कृत ने ही अपना लिये और कुछ हमारी पुरानी प्राकृत सुरसैनी में शामिल हो गए. यह आम खयाल कि संस्कृत एक शुद्ध भाशा यानी परदेसी लक्ष्जों से पाक है, ग़लत है. इसी तरह यह खयाल भी रालत है कि फारसी के सारे लक्क हमारी बोली में मुसलमान लाए. बहुत से लक्ष्य तो मोहम्मद साहब के पैदा होने से पहले आ चुके हैं जैसे अनार, रोडी, तथा, बराबर, इस लिये यह खयाल भी रालत है कि फारसी के लफ्जों के बरतने से हिन्दी वालों का धर्म बिगड़ता है. यहाँ हिन्दू पानी श्रीर मुसलमान पानी तो है ही अब हिन्दू शब्द और मुसलमान लक्त्र भी हो गए हैं! दुनिया के खेल का चमत्कार देखिये, मुसलमान पानी और हिन्दू पानी का तो भेद कम हो रहा है, लक्जों का भेद जोरों पर है.

संस्कृत के बनाए जाने के तीन चार सौ बरस पहते जैन और बौद्ध धर्म यहाँ पैदा हए बिहार की तरक. वहाँ की भाशा में ही प्रचार शुरू हुआ, बौद्ध मत बहुत फैला, यहाँ तक कि रावलपिड़ी के पास तच्चशिला में इस की यूनीवर-सिटी बनी. लगभग 250 बी. सी. में अशोक ने एक ऐसी बोली को जो यहाँ की बहुत सी बोलियों के जोड़ से पैदा हुई थी अपनी द्रवारी जवान बनाली. अब इसे पाली कहते हैं. तक्कशिला में पाली में तालीम दी जाती थी. लेकिन वहाँ यह धर्मी और इलमी ज्यान ही रही. अदबी ज्यान तो यह दिक्खन में जा कर बनी और मँजी यह जा कर लंका में. शुरू तो हुई यह सीघी सादी मागधी प्राकृत से लेकिन जब इस के पैर जम गए और उभरने लगी, इस पर वैदिक ने हमला किया. यह एक और मिसाल है उस अटल क़द्रती क़ानून की. जब कोई बोली इलमी सूरत श्रखतियार करने लगती है तो आस पास जो इलमी भाशा हो वह उस पर छा जाती है. नतीजा यह कि संस्कृत की तरह यह भी शायद किसी देस, शहर या गांव में बोली नहीं जाती थी. इस में चौर संस्कृत में इतना फरक जरूर रहा कि संस्कृत में तो लक्जों को मुशकिल बनाने की कोशिश की गई, पाली में आसान. जैसे संस्कृत का कर्णत जो हिन्दुस्तानी में काढ़े है, पाली में कढ़े; संस्कृत विद्युत, हिन्दी विजली, पाली विज्जू; संस्कृत अची, हिन्दी आंख, पाली और पंजाबी अखी.

पाली आज कल पढ़ाई बहीं जाती नहीं तो यह माल्य हो जाता कि हमारी आज कल के हिन्दुस्तानी लफ्जों की शक्त इतनी संस्कृत के शब्दों से नहीं मिली जितनी पाली के शब्दों से. वजह यह है कि पाली तो बनी भी बिहारी और यू. पी. की बोलियों के जोड़ से. उन दियों में भी

سکوت نہیں بدی تھی ۔ اُس کے پہلے بھی بہت سے ران سے لور آیران کے راستے هندستان مهن آئے . ان فریعے اور ایرانی راج کے کارن پرانی فارسی سے بہت ملدستانی زبانوں میں آئے۔ کنچه تو سنسکرت نے هی اور کچه هماری درانی دراکرت سورسینی میں شامل یه عام خهال که سنسکرت ایک شده بهاشا رديسي لفظول سے پاک هے فلط هے اِسي طرح ے بھی اغلط ھے کہ فارسی کے سارے لفظ ھماری بولی سلمان الأي . بهت سے لفظ تو محمد صاحب كے نے سے پہلے آچکے هیں جیسے انار' روتی' نوا' برابر۔ ، یہ خیال بھی فلط ہے کہ فارسی کے لفظوں کے هندی والوں کا دهرم بگوتا هے . يہاں هندو ياني لمان یاتی تو هے هی اب هدو شبد اور مسلمان ، هوگئے هیں ! دنها کے کهیل کا چمتکار دیکھئے' پانی اور هندو پانی کا تو بهید کم هو رها هے ا کا بھید زوروں پر ھے .

سکرت کے بنائے جانے کے تین چار سو برس پہلے ر بوده دهرم یهان پیدا هوئے بهار کی طرف ـ بوده مت بهاشا مین هی پرچار شروع هوا. بوده مت یلا' یہاں تک که راولینڈی کے پاس تکشلا میں يونهورستى بنى لک بهک 250 بى سى . رک نے ایک ایسی بولی کو جو یہاں کی بہت لهوں کے جوز سے پیدا هوئی تهی اینی درباری الى . أب إسم بالى كهاني هدى . تكشلا مهى يس تعلهم دي جاتي تهي . ليكن وهال يه دهرمي سی زبان هی رهی ادبی زبان تو یه دکهن مهر ی اور منجی یه جاکر لنکا میں ، شروع تو هوئی اھی سادی ماادھی براکرت سے لیکن جب اِس کے کیئے اور اُبھرنے لگی' اِس پر ویدک نے حملہ کھا . ے اور مثال مے اُس اتل قدرتی قانون کی . جب لی ملسی صورت اختهار کرنے لگتی ہے تو آس نو علمي بهاشا هو ولا أس پر چها جاتيهي . نتيجه سنسکرت کی طرح یہ بھی شاید کسی دیس' كاول مين بوكي نهين جاتي تهي . إس مين عمرت مهن أنذا فرق ضرور رها كه سدسكرت مين تو کو مشکل بنانے کی کوشش کی گئی' پالی میں عیسے سلسکرت کا کرشتی جو مندستانی میں کارھے ے میں کوھے؛ سلسکرت ودیرت، ملدی بجلی، پالی سلسكرت أكشى ملدى أنكه بالى أور يلجابي أفهى رآجكل يوهائي نههل جاتي نهيل تويه معلوم هوجاتا رمی آج کل کے مندستانی لفظوں کی شکل اتقی ت کے شہدوں سے نہیں ملی جاننی پالی کے سے ، وجه یه هے که پالی تو بدی تهی بهاری اور ، کی بولیوں کے جوز سے ، اُن دنوں میں بھی

उरदू और हिन्दी

(भाई मद्न गोपाल)

[अगस्त और सितम्बर के 'नया हिन्द' में 'खालिस बोली' खिनड़ी बोली और बोली की दीवार' नाम के लेख भाई मदन गोपाल जी की किताब "भाशा" से लिये गए हैं. यह लेख भी उसी किताब का एक हिस्सा है. पूरी किताब छप कर तैयार है और नागरी और उरदू दोनों लिखावटों में मैनेजर 'नया हिन्द' 145, मुट्टीगंज, इलाबाद से मित सकती है. क्रोमत डेड़ रूपया. —एडीटर]

उरदू श्रीर हिन्दी का का कुछ बहुत पुराना नहीं, लेकिन खिंचता खिंचता इतना जन्या हो गया है कि श्रव धर्म का भाग बन गया है. दो बोलियों का श्रापन में का मान सदा से चला श्राया है श्रीर होता रहेगा. जिस तरह से यह का श्रीर देसों में निपटे हमारे देस में भी निपटेंगे. यह देखने के लिये कि श्रीर मुल्कों में यह का है किस तरह तय हुए, यह मुनासिब है कि हिन्दुस्तान की ज्वानों पर श्रीर श्रीर देसों की ज्वानों पर सरसरी नजर डाली जाए.

पांच हजार बरस हुए हिन्दुस्तान में आयों के आते से पहले उत्तरी हिन्दुस्तान की क्या बोजी थी उस की बाबत हमें कुछ इत्म नहीं क्योंकि उन लेखों को जो उस जमाने के हमें मिले हैं अभी तक कोई पढ़ नहीं सका. आयों ने यहाँ के रहने वालों को दस्यू, नककीने, कपटी, जंगली वरौरा कहा है. पिछली सदी तक तो जो कुछ वह लिख गए हैं सच माना जाता था लेकिन अब हम जानते हैं कि जब आर्य यहाँ आए थे, वह हठाऊ चूल्हे थे. खेती बाड़ी यहाँ श्राकर उन्होंने सीखी. उन की शुरू को वैदिक ज्वान भी यहाँ की पहली बोली के मेल से पैदा हुई और वह भी बहुत दिन जी न सकी. बौद्धां और जैनियों ने यहाँ की बोलियों में प्रचार शुरू किया. जब उन के प्रचार से ब्राह्मनों के जात के किले गिरने लगे तो उन्होंने संस्कृत बनाई. शुरू में तो यह केवल धर्मी बोली बनी. जब माह्मनों का किजा जात फिर मज़बूत हो गया, उन्होंने इसे दरवारी ज़बान बनाली. उस के बाद यह अद्वी (साहित्यिक) ज्वान बन गई. अद्वी बनकर इस ने वह रंग रूप निकाला कि हिन्दुस्तान में ही नहीं आस पास के देसों में भी राज करने लगी.

सातवीं सदी बी. सी. में ईरानियों ने पिन्छम में मिस्र तक और पूरव में सिंध दरिया तक अपनी हकूमत कायम की. पांचवीं सदी बी. सी. में उने का दारा के राज में सितारा सूच व्यका और मेलम की नदी पर उनका क़ब्ज़ा हो गया.

أردر اور هندى

(بهائی مدن گویال)

[اکست اور ستمبر کے 'نها هند' میں 'خالص بولی' کیچتی بولی اور بولی کی دیوار' نام کے لهکه بهائی مدن گویال جی کی کتاب ''بهاشا'' سے لئے گئے هیں . یہ لیکھ بهی اسی کتاب کا ایک حصم هے . پوری کتاب چهپ کر تهار هے اور ناگری اور اُردو دونوں لکھاوتوں میں منہجر 'نیا هند' 145' متهی گلج' العاباد سے مل سکتی هے . قیمت تیزه رویه۔ ایدیتر]

أردو اور هددي كا جهگوا كنچه بهت پرانا نهيد، ليكن كهنچها كهنچها اتنا لمها هوگها هے كه اب دهرم كا بهاك بن گها هے . دو بولهوں كا آپس مهى جهگوا سدا سے چة آيا هے اور هوتا رههكا . جس طرحسے يه جهگوے اور ديسوں مهى نهتهنكے . يه ديكهنے كه مهى نهتي نهتهنكے . يه ديكهنے كه لئے كه اور ماكموں مدى يه جهگوے كس طرح طے هوئے، يه مناسب هے كه هندستان كى زبانوں پر اور اور ديسوں كى زبانوں پر سرسرى نظر دالى جائے .

پانیے ہزار برس ہوئے ھادستان میں آریوں کے آلے سے پہلے اُتری هندستان کی کیا بولی تھی اُسکی بابت هدين كتجه علم نهيل كيونكه أن ليكهون كو جو أس زماني کے دمیں ملے میں ابھی تک کرئی پوھ نہیں سکا ۔ آریوں نے یہاں کے رہنے والوں کو دسہو تکفیلے کپٹی جلکلی وفهره کہا ہے ، پچهای صدی تک تو جو کچھ وہ لکھ گئے هين سب مانا جانا تها ليكن أب هم جانته هين كه جب آرية يهال آئه ته ود أتهاؤ جواهه ته . كهيعى بأزى یہاں آکر اُنہوں نے سیکھی ، اُن کی شروع کی ویدک زبان بھی یہاں کی پہلی ہوائی کے مهل سے پہذا ہوئی اور ولا يهي بهت دن جي نه سکي . بودهون اور جهذهون لم يهال كي بولهول ميل پرچار شروع كها . جب أن كے پرچار سے براهمدوں کے جات کے قلعے گرنے لگے تو انہوں نے سفسكرت بقائي . شررع مدس تويه كيرل دهرمي بولي هني . جب براهمنون كا قلعه جات يهر مضهوط هوكها أنهول نے اسے درباری زبان بنالی اسکے بعد یہ ادبی (ساهتیک) زبان بن اکمی . ادبی بن کر اس نے وہ رنگ روپ نکالا که هندستان میں هی نہیں آس پاس کے فیسوں میں بھی راج کرنے لگی ۔

ساتویں صدی ہی . سی . میں ایرانیوں نے پنچھم میں مصر تکاور پورب میں سلدھ دریا تک ایلی عکرمت قائم کی پانچویں صدی ہی سی . میں اُن کا دارا کے راج میں ستارا خوب جنکا اُور جھیلم کی ندی پر اُن کا تجھے ہوگیا۔

اكتربر 51'

उनके सुघरने की कोई सूरत नक्षर नहीं जाती. योजनाएँ (स्कीमें) बनाने में, बन महोत्सव मनाने में जीर सोमनाथ के शिव मन्दिर पर लाखों रूपया खर्च किया जाता है लेकिन जनता का बढ़ता हुआ दुख दूर करने की तरफ किसी का ध्यान नहीं दिखाई देता. कांगरेसी नेता, जिनका सारी जनता सम्मान करती थी, आपस में लड़ रहे हैं. यह करनड़े कम होने की जगह बढ़ते ही जा रहे हैं जोर हमारी राश्ट्री एकता यानी क्षीमी इत्तहाद की निशानी कांगरेस दूट रही है और जनता का उस पर विश्वास से उठ रहा है.

पिछले चार साल में जो विधान बनाया गया है उसमें नो शहरी आजादियाँ दी गई थीं विधान में सुधार करके उन पर भी पाबन्दी लगा दी गई है. लोगों का कहना है कि जिस विधान सभा ने यह विधान बनाया है वह जनता की तुमाइन्दा नहीं थी, क्योंकि धसे बालिश वोट से नहीं चुना गया था और उसने जो विधान बनाया है वह जनता का विधान नहीं है बिल क अंगरेजों के बनाए हुए इंडिया ऐक्ट 1935 को नए ढंग से जिस्स कर जनता के सामने पेश कर दिया गया है. इस विधान से जनता का अपने नुमाइन्दे चुनकर भेजने का अधिकार जरूर मिला है लेकिन उन्हें वापस बुलाने का अधिकार नहीं मिला.

इसिलये कांगरेस हो या दूसरी पारटी या पारटियाँ छनका उसी वक्त विश्वास किया जा सकता है जब वह जनता को अपने नुमाइन्दे चुनने के साथ अपने नुमाइन्दे वापस बुलाने का अधीकार भी दें. जब वोटरों को अपने नुमाइन्दे वापस बुलाने का अधिकार प्राप्त होगा तभी वह असल ताक़त जनता के हाथ में रहेगी और तभी जनता की चुनी हुई सरकार जनता की भलाई के काम करेगी. जनता की भलाई और देस की तरक्क़ी उस वक्षत तक मुमकिन नहीं जब तक समाज के इस पुराने ढाँचे को बदला न जाय. देस की आर्थिक तरक्षकी के लिये यह भी जरूरी है कि हमारे देस में लगी हुई सारी अंगरेजी पूँजी श्रीर देस की तमाम अंगरेजी और दूसरी जायदादों को जिस सरह भी हो सके खतम किया जाय और जमीन ग़रीब किसानों में बाँटी जाय. अगर किसी पारटी के मैनिकेस्टो में यह बातें शामिल नहीं हैं तो हमारा खयाल है कि वह पारटी जनता की भलाई की बात नहीं कर सकती. चुनाव में वोट डालते वक्त जनता का यह बातें ध्यान में रखनी होंगी.

ان کے سدھرنے کی کوئی صورت نظر نہیں آتی ۔
یوجفائیں (اسکیمیں) بغانے میں' بن مہوتسو مغانے میں اور سومغانے کے شو مقدر پر الاکھوں رویعہ خرچ کیا جاتا ہے
لیکن جفتا کا بوھٹا ہوا دانے دور کرنے کی طرف کسی کا
دھیان نہیں دکھائی دیٹا ، کاسکرسی نیٹا جن کا ساری
جفٹا سندان کرتی تھی' آپس میں لورھے ھیں ۔ یہ
جھٹوے کم ہونے کی جگہ بوھتے ھی جا رہے ھیں اور ھماری
راشٹری ایکٹا یعنی تومی انتصاد کی نشانی کانگریس
توت رھی ہے اور جفٹا کا اس پر سے وشواس آتے رہا ہے ۔

پچھلے چار سال میں جو ردھان بغایا گیا ہے اُس میں جو شہری آزادیاں دی گئی تھیں ودھان میں سدھار کر کے اُن پر بھی پابغدی لگا دی گئی ہے . لوگوں کا کہفا ہے کہ جس ودھان سبھا نے یہ ودھان بغایا ہے وہ جفتا کی نمائندہ نہیں تھی' کیونکہ اُسے بالغ ووق سے نہیں چفا لیا تھا اور اس نے جو ودھان بغایا ہے وہ جفتا کا ودھان بھی ہے بلکہ اسکریزوں کےبغائے ہوئے اندیا ایکت 1935 کو نئے دھنگ سے لکھ کر جفتا کے سامنے پیھی کر دیا گیا کو نئے دھنگ سے لکھ کر جفتا کے سامنے پیھی کر دیا گیا کے اُس ودھان سے جفتا کو اپنے نمائندے جن کر بھیجئے کے اُس ودھان سے جفتا کو اپنے نمائندے جن کر بھیجئے کا ادھیکار ضرور ملا ہے لیکن انہیں واپس بلانے کا ادھیکار نہیں ملا .

اسلتم کانکریس هو یا درسری پارتی یا پارتهال آن کا اُسی وقت وشواس کیا جاسکتا ہے جب وہ جنتا کو آبینائندے چلنے کے ساتھ ایے نمائندے واپس بلانے کا ادھیکار بھی دیں ، جب روتروں کو ایم نمائندے واپس بلانے کا ادھیکار ہرایت هوکا تبهی وہ اصل طاقت جلتا کے هاته میں رهے کی اور تبھی جنتا کی چنی ہوئی سرکار جنتا کی بھائی کے کام کرے کی . جنتا کی بھائی اور دیس کی ترقی اسوقت نک ممکن نہیں جب تک سماج کے اس پرانے دھانچے ا بدلانه جائے . دیس کی آرتهک درقی کے لئے یہ بھی فرودی ہے که همارے دیس مهی لکی هوئی سازی انگریزی بونجی اور دیس کی تمام انگریزی اور دوسری جاندادوں كو جس طرح بهي هوسكم خدم كها جائه اور زمين فويب کسانس میں بانڈی جائے ، اگر کسی پارٹی کے میلی فسٹو میں یہ باتیں شامل نہیں هیں تو مماراً خیال هے که وہ بارتي جلتا كى بهلائي كي بات نهين كرسكتي . چلاؤ میں ووت دالتے وقت جلتا کو یہ باتھں دھیاں میں ، **کهنی ه**ون گی .

'51

बहां सोगों को अपने नुमाइन्द्रे चुनते का और उन्हें नापस बुलाने का भी अधिकार प्राप्त है. रूस, नया चीन और पूरबी योरप के कुछ देसों पोलैंड, रूमानिया, बलगारिया, हंगरी और चेकोसलोवाकिया में सच्ची जनवादी सरकारें कायम हैं. बहां की जनता न सिर्फ अपने नुमाइन्दे चुन सकती है बलिक अगर वह चाहे तो उन्हें वापस भी बुला सकती है, जिस से असल ताक त हमेशा जनता के हाथों में रहती है. यही कारन है कि वह जनता के चुने हुए नुमाइन्दे जनता की सरुची भलाई के क़ानून बनाते हैं, उन्हें यह ध्यान रहता है कि अगर हमने कोई भी काम जनता की मरजी के खिलाफ किया तो इम से यह ताक़त छिन सकती है. वहां न सिर्फ कानून बनाने वाली संस्थाओं के मेग्बर और मंत्री जनता के चुने हुए होते हैं बिलिक क़ानूनों को देस में सागू करने वाले सरकारी श्रकसर, जज, मजिस्ट्रेट और पुलिस अफसर वरौरा भी जनता के चुने हुए होते हैं. अगर कोई अफसर अपने ओहदे का गलत इस्तेमाल करता है तो जनता उसे अपने पद से हटा सकती है. इस तरह जनता की चुनी 🐒 जनता की सरकार जनता की भलाई के लिये काम करती है और उसके वजीर और श्रकसर सचमुच जनता के सेवक होते हैं.

श्रंगरेज सामराजियों ने डेद सौ साल से हमारे देस को गुलाम बना रखा था और जनता की तरकती रुर्ज रकी हुई थी. हमारे काम धन्दों और तमाम श्रार्थिक साधनों पर बिदेसी क्योपारियों और हुक्मरानों का कञ्जा था. इसी कारन भूक और बेरोजगारी बढ़ी, जनता को अनपढ़ रखा गया और देस सभ्यता और कल पर की दौड़ में दुनिया से पिछड़ गया. भूक और बेकारी को दूर करने और अपनी कल पर को आगे बढ़ाने के लिये ही हम श्रंगरेज सरकार के लिलाक लड़ रहे थे. जब हम देस की आजादी की मांग करते थे और श्रंगरेज सरकार को हटाकर जनता की सरकार बनाने की बात कहते थे तो हमारा मतलब यही होता था कि शंगरेजों के चले जाने के बाद जनता की श्रार्थिक लूब समोट बन्द होगी और देस तरक्की करेगा.

15 अगस्त 1947 को ढोल पीट कर एलान किया गया कि अंगरेज चले गए और हमारा देस आजाद हो गया. लोगों ने सुख का सांस लिया. अगरचे बँटवारे के कारन देस के दुक है हो गए, लाखों आदमी मरे और खाखों के घर बार उजड़ गए. लेकिन किर भी आजादी तो मिली मगर आजादी से जनता की जो उम्मीदें बँधी होती हैं, पिछले बार साल में उन पर आस पड़ गई. वे रोजगादी और महँगाई कम होने की जगह पहले से कई गुना बढ़ गई. तालीम और महँगी हो गई. रेलों के किराये और हैंक्स बढ़ गए. हालात दिन दिन विगड़ते ही गए. अब भी

جہاں لوگوں کو اپنے تماثقدے جلقے کا اور آنھیں واپس بلانے کا بھی ادھیکار پراپت ھے . روس' نہا چھین' اور بورہی یورپ کے کچھ دیسوں پولیڈڈ، رومانھم بلغاریم، هنگری اور چهکو سلوراکها مهی سچی جن وادی سرکارین نائم هين . وهان كي جلتا نه صرف آيد نمائند ع چن سكتي هے بلكم أكو ولا چاهے تو أنهين واپس بهي بلا سكتي هے' جس سے امل طاقت مدیشہ جنتا کے ماتھوں میں رہتی ھے . یہی کارن ھے کہ وہ جلتا کے چلے ھوئے نمائلدے جلتا کی سچی بہلائی کے قانون بلاتے هیں' أنهيں يه دھیاں رھتا ہے کہ اگر ھم نے کوئی بھی کام جندا کی مرضی کے خلف کھا تو هم سے يه طاقت چهن سكتى قه . وهاں نع صرف قانون بقائے والی سنستهاؤں کے صمیر آور مقتری جنتا کے چلے هوئے هوتے هيں بلکه قانونوں کو ديس مهن لگو کرنے والے سرکاری انسر' جبے' مجستریت اور پولیس افسر وفهود بهیجنتا کے چلے هوئے هوتے ههیں . اگر کوئی افسر ایے عہدے کا فلط استعمال کرتا ہے تو جنتا اسے ایے پد سے هتا سُکتی هے . اس طرح جنتا کی چنی هرئی جنتا کی سرکار جنتا کی بھلائی کے لیئے کام کرتی ہے اور اس کے وزیر ارر انسر سے میے جنتا کے سیوک ہوتے میں ،

انگریز سامراجیوں نے تیزہ سو سال سے همارے دیس کو فام بنا رکھا تھا اور جنگا کی ترقی رکی ہوئی تھی ، همارے کام دهندوں اور تمام آرتھک سادهنوں پر بدیسی بھوپاریوں اور حکمرانوں کا قبضہ تھا ۔ اِسی کارن بھوک اور بے دوزگاری بوهی 'جنگا کو ان پڑھ رکھا گیا اور دیس سبھیکا اور کلچر کی دور مھی دنیا سے پچھر گیا ، بھوک ارد بھکاری کو دور کرنے اور اپنی کلچر کو آئے بڑھانے کے لئے ھی مانگی کرنے تھے اور انگریز سرکار کو هٹا کر جنگا کی مانگ کرتے تھے اور انگریز سرکار کو هٹا کر جنگا کی سرکار بنانے کی بات کھٹے تو همارا مطلب یہی ھوتا تھا کہ انگریزوں کے چلے جانے کے بعد جنگا کی آرتھک لوت تھا کہ انگریزوں کے چلے جانے کے بعد جنگا کی آرتھک لوت کھسوت بند ہوگی اور دیس ترقی کرے گا

15 اگست 1947 کو تعول پیمق کر اعلان کیا گیا که انگریز چانے گئے اور همارا دیس آزاد هرگیا . لوگوں نے سکه کا سانس لیا . اگرچه بتوارے کے کارن دیس کے تکرے هرگئے ' ککھوں آدمی مرے اور الکھوں کے گهر بار اُجِوَ گئے . لیکن پهر بهی آزادی تو ملی مگر آزادی سے جلتا کی جو اُمیدیں پندهی هوتی هیں' پنچهلے چار سال میں اُن پر ارس پو گئی . فی روزگاری اور مہلکائی کم هرنے کی جگه پہلے سے گئی گلا بوه گئی . تعلیم اور مہلکائی هوگئی دیلوں کے گزائے اور تیکس بوه گئے . اب بهی اور تیکس بوه گئے . اب بهی

क्रा कर सकते के باب ووثر کها کوسکتے هیں ، او स्वा कर सकते اور کہا کوسکتے هیں ، अगेर पांच साक्ष प्रकार पांच साक اُسے بانچ سال کے لئے چھا کہا ہے اور پانچ سال تک अगेर पांच साक्ष وہ اُن کے سر پر رہے گا .

اس طرح آدمی کا آدس سے وشواس أته جانا هے اور سچائی ایمانداری کا کوئی مطلب نہیں رہ جانا . حالت سدھرنے کی جگہ دن دن بگوتی جاتی هے . اِس کا صرف ایک هیعلج هے اور وہ یہ هے که اصل طالت همیشه ووترون کے پاس رهے . وہ ایسے هوسکتا هے که جس طرح جنتا کسی بهی آدمی کو چننے کا ادهیکار رکھتی هے اسی طرح اگر کبهی بهی اسے یہ معلوم هو جائے که یه آدمی چووں اگر کبهی بهی اسے یہ معلوم هو جائے که یه آدمی چووں خواریوں کے گروہ سے ملا هوا هے تو جنتا دوبارہ ایل ورت قال کو اسے واپس بلا سکے ، یعنی جنتا کو نه صرف چلنے کو اسے واپس بلا سکے ، یعنی جنتا کو نه صرف چلنے بلکه پدسے هانے کا ادهیکار بهی ملنا چاهئے .

یہ اعتراض هوسکتا هے که آج هم کسی کو چنتے هیں' کل اسے واپس بلاتے هیں' پرسوں دوسرے کو چنتے هیں اور ترسوں اسے واپس بلاتے هیں۔ اِسطرے چناؤ جمہوریت اور لوک شاهی ایک کھیل اور مذاق بن کر رہ جاتی ہے۔ اس لئے جنتا کو ایم نمائندے چننے کا ادھی کا دیا جا سکتا هے لیکن جنتا جب چاھے اُسے ایم نمائندے واپس بلانے کا ادھیکار نہیں دیا جا سکتا۔

کسی جگ مهر انسان کو اینے نمائندے چلنے کا بھی ادههکار پرایت نهیں تھا۔ اس جگ میں ساری راج شکتی صرف ایک شخص --راجا-ئے هاته میں هوتی تهی اور أسے ايهرر كا اوتار سمجها جاتا تها . جب دنيا آكے بوهى اور جنتا ایم نمائندے چننے کا ادھیکار مانگنے لگی تو اس مانک کا مذاق اُوایا کیا اور اس ادھیکار کے مانکھے والوں کو جھلوں میں 5^الا گیا اور گولیوں سے اُڑایا گیا ۔ ایک عرصہ تک آنے نمائندے چی کر بھھجنے کی بات کو ناممکی مانا گیا . لیکن جگ کو بدلها تها اور وه بدلا . شهری آزادیان' ووی پریس اور پارٹھاں نگے جگ کی دین ھیں جن سے جنتا نے ایے نمائندے چننے کا ادمیکار حاصل کیا ہے اور اس پر عمل ہوتا ممکن ہوگیا ہے۔ اب دنیا اور آگے ہوھی ھے اور پونتجی وآدی جگ سے نگے جن وادی جگ نے جلم لھا ھے . جن دیسوں میں سچا جن وادی جگ شروع هوچکا ھے وہاں جفعا کو نہ صرف اپنے نمائلدے چلانے بلکہ الهيس وايس بلانے كا ادهيكار بهى مل كيا هے .

پرطانیت اسریکت اور فرانس وفیود میں پونجی وادی سوچوں قائم هیں۔ وهاں جفتا کو صرف آپ نمائلدے چلئے کا ادھیکار ھیں اسکیخلاف فاتھی کے لگ بھگ آدھے نتھے پر کچھ آیسے دیس دکھائی ہیں جہاں سجی جن وادی سرکاریں بن گئی هیں ا

भी उसी तरह के गिरोह में हैं. अब बोटर क्या कर सकतें हैं. उसे पांच साल के लिये चुना गया है और पांच साल तक वह उनके सर पर रहेगा.

इस तरह आदमी का आदमी से विश्वास वठ जाता है और सच्चाई, ईमानदारी का कोई मतलब नहीं रह जाता. हालत सुधरने की जगह दिन दिन बिगड़ती जाती है. इस का सिर्फ एक ही इलाज है और वह यह है कि असल ताक़त हमेशा बोटरों के पास रहे. वह ऐसे हो सकता है कि जिस तरह जनता किसी भी आदमी को चुनने का अधिकार रखती है, उसी तरह अगर कभी भी उसे यह मालूम हो जाय कि यह आदमी चोरों जुवारियों के गिरोह से मिला हुआ है तो जनता दोबारा अपने वोट डाल कर उसे वापस बुला. सके. यानी जनता को न सिर्फ चुनने बिलक पद से हटाने का अधिकार भी मिलना चाहिये.

यह एतराज हो सकता है कि आज हम किसी को जुनते हैं, कल उसे वापस बुलाते हैं, परसों दूसरे को जुनते हैं और तरसों उसे वापस बुलाते हैं. इस तरह जुनाव, जमहू- दिवत और लोकशाही एक खेल और मजाक बनकर रह जाती है. इसिक्ये जनता को अपने नुमाइन्हें जुनने का अधिकार दिया जा सकता है लेकिन जनता जब चाहे उसे अपने नुमाइन्हें बापस बुलाने का अधिकार नहीं दिया जा सकता.

किसी जुग में इतसान को अपने तुमाइन्दे चुनने का भी अधिकार प्राप्त नहीं था. उस जुग में सारी राज शक्ति सिर्फ एक शखस-राजा-के हाथ में होती थी और इसे ईरबर का अवतार समभा जाता था. जब दुनिया आगे बढ़ी और जनता अपने नुमाइन्दे चुनने का अधिकार मांगने लगी तो इस मांग का मुजाक उड़ाया गया श्रीर उस श्रधिकार के मांगने वालों को जेलों में हाला गया और गोलियों से धड़ाबा गया. एक घरसे तक घपने नुमाइन्दे चुन कर भेजने की बात को नामुमकिन माना गया. लेकिन जुग को बदलना था और वह बदला. शहरी आजादियां, वोट, प्रेस और पारिटयां नए जुग की देन हैं जिनसे जनता ने अपने नुमाइन्दे जुनने का अधिकार हासिल किया है और उस पर अमल होना मुमकिन हो गया है. अब दुनिया और आगे बढ़ी है भीर पूँजीवादी जुग से नए जनवादी जुग ने जन्म लिया है, जिन देसों में सच्चा जनवादी जुग शुरू हो चुका है वहां जनता को न धिर्फ अपने नुमाइन्दे चुनने बल्कि इन्हें वापस बुलाने का अधिकार भी मिल गया है.

बरतानिया, अमरीका और फ़ांस वरौरा में पूंजीवादी सरकारें कायम हैं. वहां जनता को सिर्फ अपने नुमाइन्दे जुनने का अधिकार है, उन्हें वापस बुलाने का अधिकार नहीं. इसके खिलाफ दुनिया के लगभग आधे नक्करो पर कुछ ऐसे देस दिखाई देते हैं जहां सच्ची जनवादी सरकारें बन गई हैं, नहीं हैं. कहने को कहा जाता है कि जनता की सरकार, जनता की मरजी से, जनता की मलाई के लिये काम करेगी. लेकिन जनता के जुने हुए लोगों की सरकारें भी जनता की मरजी के खिलाफ काम करती हैं. शहरी आजादियों पर पावन्दियां लगाती हैं, जनता को उसकी मरजी के खिलाफ कहाई में मोंक देती हैं और कलचर और तहजीब को तबाह करती हैं.

बात यह है कि नुमाइन्दे चुनने के लिये वोट का श्रिध-कार मिल जाने से ही हकूमत की श्रमल ताक़त, जिसे सावरेन्टी कहते हैं, चुनने वालों के हाथ में नहीं बिल्क चुने हुए लोगों के हाथ में रहती है. वह जैसे चाहें जसे इस्तेमाल करते हैं. एक बार चुने जाने के बाद जनता का उन पर कोई दबाव नहीं रहता श्रीर वह दूसरे चुनाव तक श्रपनी मन मानी करते रहते हैं.

मिसाल के तौर पर हमारे देस में अब जो चुनाव होने जा रहा है दूसरा चुनाव इसके पांच साल बाद होगा और इस होने बाले चुनाव के बोट तीन जनवरी की शाम तक पड़ेंगे. इस चुनाव में कोई आदमी अपने आप को बोटरों के सामने उम्मीदवार के तौर पर पेश करता है और सच्चे दिल से और लच्छे दार भाशा में कहता है कि अगर आप लोग मुमे अपना नुमाइन्दा चुन देंगे तो आइन्दा पांच साल में मैं लोगों के रोजगार और तालीम का प्रचन्ध कहांगा, उजड़े हुओं को बसाऊंगा, समाजी चोरी नहीं होने दूँगा और देस के काम धंदों को तरक्षकी देने के लिये जितनी भी अच्छी अच्छी योजनाएं आज तक बनाई गई हैं उन्हें अमल में लाऊंगा वरोरा वरोरा

तीन जनवरी की शाम तक वोटरों के हाथ में असल ताकत है वह जिसे चाह चुन सकते हैं और वह उस आदमी को अपना नुमाइन्दा चुन लेते हैं. लेकिन चार जनवरी की सुबह को लोगों को एक दम मालूम होता है कि यह आदमी जितने वादे करता था उनमें से एक भी पूरा नहीं होगा क्यों कि यह ग़रीब जनता के दुश्मनों पूँजीपतियों और समाजी चोरों के एक गिरोह से मिला है. यह गिरोह चीनी और बनस्पति घी के कारखानों का मालिक है और चुनाव में इस आदमी को कामयात्र बनाने के लिये उन कोगों ने रूपया लगाया था. अब वोटर कुछ नहीं कर सकते. वह अपना गला उसके हाथ में दे बेठे हैं और वह पांच साल तक जुरूर उन का हाकिम रहेगा. जनता को लुटेगा, लुट-बाएगा और लोगों को भूका मारेगा. पांच साल बाद जब फिर चुनाव बायंगे तो उसका कोई दूसरा भाई बन्द जो क्सी कभी चोर बाजारी के खिलाक भारान भी करता रहा है लोगों से फिर वही बादे करेगा और मेम्बर या हाकिम बन जायगा और चुनाव के बाद यह भेद खुलेगा कि यह

بات یہ ہے کہ نمائندے چننے کے لئے روت کا ادھیکار کی جانے سے ھی حکومت کی اصل طاقت' جسے ساورنتی ہتے ھیں' چننے والوں کے ھاتھ میں نہیں بلکہ چنے وئے لوگوں کے ھاتھ میں رھتی ہے ۔ وہ جیسے چاھیں سے استعمال کرتے ھیں ۔ ایک بار چنے جانے کے بعد بنتا کا آن پر کوئی دباؤ نہیں رھتا اور وہ دوسرے چناؤ کے اپنی من مانی کرتے رھتے ھیں .

تھی جدوری کی شام تک ووٹروں کے هاتھ میں اصل علاقت هے . وہ جسے چاههی چن سکتے ههی اور وہ اُس أدمى كو ابدا نمائلده چن ليتے هيں . ليكن چار جلوري لي صَبِم كو لوگوں كو ايك دم معلوم هوتا هي كه يه آدمي جعنے رعدے کرتا تیا اُن میں سے ایک بھی پورا نہیں ھوکا کیونکہ یہ فریب جذتا کے دشمنوں پونجی پتیوں اور سماجی چوروں کے ایک گروہ سے ملا ہے ، یہ گروہ چیلی اور بنسیتی کھی کے کارخانوں کا مالک سے اور چناؤ میں اس آدمی کو کامهاب بنانے کے لئے ان لواوں نے رویدہ لکایا نھا ، اب ووٹر کچھ نہیں کرسکتے وہ ایدا کلا اس کے هاتھ میں دے پہتھ هیں اور وہ دانچ سال تک ضرور أن كا حائم بھے گا ۔ جلتا کو لوٹے گا لقوائه کا آور لوٹوں کو بھوکا مارہے گا ۔ ہانے سال بعد جب بهر چناؤ آئیں کے تو اس کا کوئی موسورا بهائى بلد جو كبهى كبهى چور بازارى كے خلاف بها شن بھی کرتا رہا ہے لوگوں سے پہر وہی وعدے کرے کا اور ممبر با حاكم بني جائيكا . ارر جدار كے بعد ية بهيد كها كه يه इनसान को—वाहे वह किसी भी धर्म या फिरंके का हो, आस्तिक हो या नास्तिक—जिन्दगी के वृनियादी हक्तूक या अधिकार हासिल हों. इन अधिकारों में दो बातें जरूरी हैं—

- (1) हर इनसान को अच्छा भोजन और मकान मिले ताकि वह अपने शरीर को तन्दुकरत रख सके और मेंह, आंधी और धूप से बचा सके और काम करने के बाद उसे आराम करने की सहित्यत हो.
- (2) हर इनसान को खुद इलमी और कलचरी तरक्की करने और क्रीम की इलोमी और कलचरी तरक्की में हिस्सा लेने का मौका मिले.

इनसान दूसरे जानदारों की तरह सिर्क पेट भर कर ही सन्तरट नहीं रहता. उसकी जिन्दगी का एक इलमी और कलचरी पहलू भी है. वह सोचता है, अपने ज्ञान को आगे बढ़ाता है और उस ज्ञान के जरिये दुनिया को समकने श्रीर सन्दर बनाने की कोशिश करता है. रामायन, महामारत जैसी किताबें, अच्छी अच्छी कहानियां, तसवीरें और हमारा ताज महल इस ज्ञान चौर सुन्दरता के रूप हैं. जितना जितना यह ज्ञान बढ़ता है उतना उतना ही आदमी का आतम सम्मान या खुद्वारी बढ़ती है और अपनी शक्ति पर भरोसा पैदा होता है. आज का इनसान यह बात अच्छी तरह जानता है कि वह अपनी मेहनत और कोशिश से अज्ञान, अंध विश्वास. तम्मस्यव, इटधर्मी श्रीर इकूमतों की लड़ाइयां खत्म करके अपने जीवन को सुखी और शानदार बना सकता है, बशर्तेकि उसे इसका मौक़ा मिले. जब हम यह मांग करते हैं कि जनता के लिये रोटी और अधिकार चाहिये तो इस का मतलब वह सारे साधन जुटाना होता है जो इनसान को इनसान बनाते हैं. इसमें रोजगार और मकान के श्रालावा सब के लिये तालीम, बोलने, लिखने और सोचने का हक भी शामिल होता है.

किसी सरकार के होते हुए अगर जनता की बड़ी तादाद भूकी और अनपढ़ रहती है, उसे लिखने, पढ़ने, सोचने और मिलने जुलने की आआदी हासिल नहीं तो वह सरकार जमहूरी या जनवादी नहीं हो सकती. फिर भूकी जनता उसे अपना सहयोग नहीं देती और उसे बदलने की कोशिश करती हैं. सरकार से इन सब बातों की गारन्टी लेने के लिये ही इनसान ने सिद्यों की कोशिशों के बाद बोट का अधिकार प्राप्त किया हैं. इसी लिये हर जमहूरी, जनवादी या लोकशाही विधान में लिखा रहता है कि सरकार सब के लिये रोजगार और तालीम का प्रबन्ध करेगी और अपनी कलवर को आगे बढ़ाने के लिये जनता को शहरीआचा-दियां हासिल होंगी.

लेकिन तजरबे से इनसान ने यह भी समफ लिया है कि सिर्फ विधान में इन बातों का लिखा रहना ही काफी لشان کو سچاھے وہ کسی بھی دھرم یا قرائے کا ھو' آسٹک ھو ہا ناسٹک سے زندگی کے بقهادس حقوق یا ادھیکار حاصل موں ، ان ادھیکاروں میں دو ہاتیں ضروری ھیں ۔۔۔

- (1) هر انسان کو اچها بهوجن اور مکان ملے ناکھ وہ ایے شریر کو تندرست رکھ سکے اور میڈیء' آندھی اور دھرپ سے بچا سکے اور کام کرنے کے بعد اُسے آرام کرنے کی سهولیت هو.
- (2) هر انسان کو خود علمی اور کلچری ترقی کرنے اور قوم کی علمی اور کلچری ترقی میں حصہ لیلے کا موقع ملے۔

انسان دوسرے جانداروں کی طرح صرف پیت بھر کر ھی سلاشت نہیں رھا ۔ اسکی زندگی کا ایک عامی اور کلچری پہلو بھی ھے ۔ وہ سوچا ھے' ایے گیان کو آئے بچھاتا ھے اور اس گیان کے ذریعے دنیا کو سمجھلے اور سلدر بنانے کی کوشش کوتا ھے ۔ رامائن' مہابھارت جیسی کتابھں' اچھی اچھی کہانھاں' تصویریں اور همارا تاج محل اس گیان اور سلدرتا کے روپ ھیں ۔ جانا جانا یہ گیان بومائن اور سلدرتا کے روپ ھیں ۔ جانا جانا یہ گیان بومائن یو اتنا اتنا ھی آدمی کا آتم سلمان یا خود داری بوھائی ھے اور ایڈی شکائی پر بھروسہ پیدا ھوتا ھے ۔ آج بوھائی محکلت اور کوشش سے اگیان' اندھ وشواس' تعصب' ھات دھرمی اور حکومہوں کی لوائداں خام کرکے ایئے جھون کو سکھی اور شاندار بنا سکتا ھے' بشرطیکہ آسے اسکا موقع ملے ۔

جب هم یه مانگ کرتے هیں که جنتا کے لئے روثی اور ادھیکار چاهئے تو اِس کا مطلب ولا سارے سادھن جٹانا هوتا هے جو انسان کو انسان بناتے هیں ، اِس میں روزگار اور مکان کے علاولا سب کے لئے تعایم' بولئے' لکھئے اور سوچئے کا حق بھی شامل هوتا هے ،

کسی سرکار کے ہوتے ہوئے اگر جنتا کی بڑی تعداد بھوکی اور ان پڑھ رھتی ہے، اسے لکھنے، پڑھنے، سوچنے ارر ملنے جلنے کی آزائی حاصل نہیں تو وہ سرکار جمہوری یا جن رائی نہیں ہوسکتی ۔ پھر بھوکی جنتا اسے اپنا سھیوگ نہیں دیتی اور اُسے بدلنے کی کوشش کرتی ہے ۔ سرکار سے ان سب باتوں کی گارنتی لینے کے لیئے هی انسان نے صدیوں کی کوششوں کے بعد ووت کا ادھیکار پراپت کیا ہے . اِسی لئے هر جمہوری جن وائی یا لوک شاهی ودھان میں لئے هر جمہوری جن وائی کا لیک شاهی ودھان میں لگھا رهتا ہے کہ سرکار سب کے لئے روزگار اور تعلیم کا پربندھ کرے کی اور اپنی کلنچر کو آئے بڑھانے کے لئے جنتا ہوسہی آزادیاں حاصل ہوں گی .

لیکن تجربے سے أنسان نے یہ بھی سنجھ ایا ہے که صرف ودھان میں اُن باتوں کا لکھا رھفا ھی کافی

Print Was alle.

استو ، هو الیک آدمی کے دو نام هوتے هیں . ایک جس سے دنیا أسے بلاتی هے یا پہنچانتی هے اور دوسرا ا حس سے خدا أسے بلانا هے اور پہنچانتا هے . يه دوسرا نام بي سبيا نام هي. أنسان جو پرارتها بوجا كرتا هي وه صرف م لکے هي که کسي شبه گهڙي ميس وه پريهو گو آه کو بلاتا ن لے اور اِسی طرح ابغا سنچا نام جان لے . هو ایک کے نے خدا نے ایک خاص نام رکھا ہوا ہے جیسے ہر ایک گھر ين مان يلف الله بحول كو الك الك نام سے بالتے هين . ہا کے آوگ اکثر نام پانے یا کرنے کی دور داوپ میں لگے يع هين . كيا هي أجها هو اكروة أينا سجانام ياني يا النبے کے لئے رات دن تربیس . مکر اوروں سے معجمے کیا طلب مجه تو أينا نام تلاش كرنا هے أور اسى تلاش ، سلسلے میں ھی کبھی کبھی میں یہاں اس سملدر ، کنارے اکیلا آدھی رات گزر جانے کے بعد آیا کرتا ھوں . ب تک تو محمد یهان اِس وقت کوئی نههی ملا ، مکر ملوم نہیں تم کہاں سے آج یہاں ٹیک پڑے ، کیا دم بھی ب سُجِهِ نَامَ كَيْ تَلْشَ مِينَ مِيرِي طَرِح إِدَهُرُ أَدَهُرُ بِهِتَكُمْ يَهُ تتے ہو ؟ "

میں کچھ جوآب نہ دے سکا ، صرف میری دونوں کیوں میں سے آنسو چھل چھل یہلے لگے اور جب میری آنکھیں دھل کو کچھ صاب ھولگیں تو میں لے منان کے تاروں کی طرف تاکا اور پوچھا۔۔۔'' بھلا تم ھی ہرا سچا نام بتا دو ''

को सुनी, हर एक आदमी के दो नाम होते हैं. एक पर जिससे दुनिया एसे पुत्तावी है या पहचानती है और दूसरा वह जिससे खुदा बसे बुलाता है और पहचानता है. यह दूसरा नाम ही सच्या नाम है. इनसान जो प्रार्थना पूजा करता है वह सिर्फ इसिलये ही कि किसी शुभ घड़ी में वह प्रभू को अपने को बुलाता सुन ले और इसी तरह अपना सच्चा नाम जान ले. हर एक के लिये खुदा ने एक खास नाम रक्खा हुआ है जैसे हर एक घर में मां बाप अपने वच्चों को अलग अलग नाम से बुलाते हैं. दुनिया के लोग अकसर नाम पाने या करने की दौड़ घूप में लगे रहते हैं. क्या ही अच्छा हो अगर वह अपना सका नाम पाने या जानने के लिये रात दिन तड़पें. मगर खीरों से मुक्ते क्या मतलब. मुक्ते तो अपना नाम तलाश करना है और इसी तलाश के सिक्सिले में ही कभी कभी मैं यहाँ इस समुन्दर के किनारे अकेला आधी रात गुजर जाने के बाद आया करता हूँ. आज वक तो सुमे यहां इस वक्षत कोई नहीं मिला. मगर मासूम नहीं तुम कहां से आज यहाँ टपक पड़े. क्या तुम भी अपने सचने नाम की तलाश में मेरी तरह इधर बधर भटकते रहते हो ?"

में कुछ जवाब न दे सका. सिर्फ मेरी दोनों आंखों में से आंसू छल छल बहने लगे और जब मेरी आंखें धुल कर कुछ साफ हो गई तो मैंने आसमान के तारों की तरफ ताका और पूछा—"भला तुम ही मेरा सच्चा नाम बता दो."

चुनाव श्रोर जनता

(भाई हंसराज 'रहबर')

बढ़े इन्तजार के बाद सन 1952 के शुरू में जुनाव होने का फैसला हो गया. जैसे जैसे जुनाव नजदीक आ रहे हैं नई और पुरानी पारिटयां मैदान में उतर रही हैं और अपने अपने पलेक्शन मैनीकेस्टो आप रही हैं. एलेक्शन मैनीकेस्टो क्या बीज है और जनता को उसे किस निगाह से देखना चाहिये ! इन दो बातों पर विचार करने के बाद ही आदमी अपने बोट का सही इस्तेमाल कर सकता है.

अमहूररियत या लोकशाही का मोटे तौर पर मतलब यह है कि जनता की सरकार, जनता की मरजी से जनता की भकाई के लिये काम करे और उस सरकार के रहते हर

چناؤ اور جنتا

(بهائی هدسراج 'رهبر')

پولے انتظار کے بعد سن 1952 کے هروع میں چاؤ نوئے کا فیصلہ موگیا، جیسے جیسے چاؤ نزدیک آرہے هیں اور پرانی پارٹیاں میدان میں اتر رهی هیں آرو نے آئے الیکشن میڈی فیسٹو چہاپ رهی هیں ، الیکشن بیٹی فیسٹو کیا چوز ہے اور جاتا کو اسے کس نگاہ سے پہنچا چاهئے ؟ اِن دو باتوں پر وچار کرنے کے بعد هی بیٹی ایے ووق کا صحیح استعمال کرسکتا ہے .

جمہوریت یا لوک شاهی کا موتے طور پر مطلب یہ آ که جفتا کی سرکار' جفتا کی مرضی سے جفتا کی ہلائی کے لئے کام کرے اور اُس سرکار کے رہیے ھر

कोंक बाद करा देखों तो, सुख की फसक बमावी तू पक्का एकेश्वर वादी रहा एक, है एक, यही तय इसी एक की सदारही जब वही प्रगट होता होता लय मानी में कन कन में जगके, उस ही की आवादी तू पक्का एकेश्वर वादी

--भगवानदोन

يهروو وله فوا ديمهو يو سكه كي فصل ألا كوف ل يك ايكيشور وادي ایک' ہے ایک' یہی ایک کی سدا هوتا لے يركت هوتا پرائیمیں کن کن میں جگ کے اس هی کی آبادی نو یکا ایکیشور وادی

स्फ़ियों की सोहबत में

(4)

(भाई गु. म.)

एक दका समुन्दर के किनारे में अकेला सैर कर रहा था. रात बहुत बीत चुकी थी. क़रीब क़रीब सब के सब लोग, जो वहां सैर करने आए थे, अपने श्रपने घर वापस चते गए थे, एकान्त में बैठकर में जानन्द लुटु रहा था कि माल्म नहीं कहां से एक फ़क़ीर, जिसने मैले कुचैले कपड़े पहन रक्खे थे, मेरे सामने आकर खड़ा हो गया उसे देख कर मुक्ते बड़ी हैरानी हुई. क्योंकि उस वक्त समुन्दर का किनारा विलक्कल खाली था. तो यह फक़ीर कहां से आ गय? मगर इस सवाल का तसल्लीबखश जवाब उस बक्षत में अपने आपको न दे सका. फिर धनकी इक्जत करने की खातिर मैंने अपने दोनों हाथ जोड़े और सर् फुकाया. फिर मैंने उनसे बड़े अदब के साथ उनका नाम पूछा.

"मेरा नाम ?" वन्होंने मेरा सवात दोहराते हुए कहा— 'में खुद वह नहीं[जानता, तो तुम्हें क्या बतलाऊ ?''

"आपने क्या फरमाया १ में आपके कहने का मतलब . छ सममा नहीं.'' मैंने नम्रता से कहा.

चन्होंने जवाब दिया—''मैं ख़ुद भी तो को कुछ तुम्हें कह हा हूँ उसका पूरा पूरा मतलब बड़ी सुदत तक नहीं समभ का था. मगर हाल हीमें एक खुदा के बन्दे ने इसका मतलब में समकाया है और तब से मैं दिन रात अपने नाम की जाश में इधर उधर भटकता हूँ."

"तो क्या मेहरवानी करके आप मुक्ते भी नाम का ज समभापँगे १"

"क्यों नहीं.'' उन्होंने जवाब में कहा-"क्योंकि जो इ एक खुदा का बन्दा कहता है वह सब के लिये होता है.

صونیوں کی صحبت میں (4) (بهائی گ . م .)

ایک دفعه سمندر کے کنارے میں اکھلا سیرکر رہا تھا۔ رأت بہت بہت چکی تھی ، قریب سب کے سب لوگ جو وہاں سیر کرنے آئے تھے اپنے اپنے گور رایس جلے گئے تھے . ایکانت میں بیتھ در میں آسد لوت رها تھا کہ معلوم نہیں کہاں سے آیک فقیر' جس نے مہلے كتهدا كيزے يهن ركه ته، ميرے ساملے آكر كهرا هرايا . اس دیکهکر مجے بڑی حهرانی هوئی . کهونکه اس وقت سمندر كا كنارا بالكل خالى تها . تو يه فقهر كهال سم أُكُمُهُ؟ مكر أس سوال كا تسلى يخف جواب أس وقت مهن اله آپ کو نہ دے سکا ، پہر ان کی عرب کرنے کی خاطر میں نے ایم دونوں هاته جوڑے اور سر جهکایا . پهر میں نے ان سے بڑے ادب کے ساتھ ان کا نام پوچھا .

ود مهرا نام؟ " أنهرن نے مهرا سوال دوهراتے هوئے کہا ---" ميں خود وہ نہيں جانگا' تو تمہيں کیا بھلاوں ک

" آپ نے کیا فرمایا ؟ میں آپ کے کینے کا مطلب کچه سنجها نهیں " میں نے نمرتا سے کہا .

أنهون نے جواب دیا ۔۔۔ " میں خود بھی تو جو کھھ تمهیں کے رہا ہوں اُس کا پورا پورا مطلب ہوی مدت تک نهیں سمجه سکا تھا . مکر حال می میں ایک خداکے بندے نے اس کا مطلب مجمد سمجھایا ہے اور نب سے میں دن وات أيه نام كي تلاس مهل إدعر أدعر بهتكتا هول ."

ور تو گیا مهربانی کرکے آپ مجمد یعی نام کا راز سمجها تُيلكِ ؟ "

'' کھوں نہوں '' اُنھوں نے جواب میں کیا ۔۔۔ '' کیوں لله جو كجه الكسفدا كا بلدة كها هي وه سبك لليهوناهي .

इसा इन्हीं से वेट अरेंगे, पोसेंगे आजादी त पक्का एकेरवर वादी भाई माई भन्ना लड़ें क्यों ? कोट, कचहरी, कीच सड़ें क्यों ? पंचों के भी पाँव पहें क्यों ? प्रेम प्रीत से बाँटें खाएँ, सस्ती सीख सिखा दी 🗼 तू पक्का एकेश्वर वादी कहीं बड़े हैं मेहतर भाई कहीं बड़े हैं घोबी नाई बड़ी बेशक बनियाई फडीं कहीं पुरोहिताई ठकुराई, जायज सब में शादी त् पक्का एकेश्वर वादी वली बनी, हाँ, रहे अमीरी सेवक बनकर रहे वजीरी सीख सिखाने रहे फक्रीरी चूसेगा फिर कीन किसी को, रोबी ऐंठ मिटा दी तू पक्का एकेश्वर वादी दाह सूभ वृभ खा जाती सूफ बूफ ईश्वर से आती यों ईश्वर की इज्जत जाती

पी पी रब को भूले, फैलाते बरबादी दारू तू पक्का एकेश्वर वादी

बैठे करें ईश्वर की फिर कीन बढ़ाई ब्याज सूद में यही बुराई

तन का, तेरा, तोड़ ताव तब नर बन जाता मादी त् पक्का एकेश्वर वादी

तोप बनी खाकर 'तू तेरा' करे तमंचा तेरा ढेरा तेग तीर का कम न तरेरा

जो भी इनको मेट मिटाए, अगला वह ही हादी त् पक्का एकेश्वर वादी

> अपनी धुन का था त् धुनिया सौ गुनियों का था तू गुनिया बोला, राम संभालें दुनिया

बदबखतो क्यों मरे जा रहे, रो रो नानी दादी तू पक्का एकेश्वर वादी

> अब न गढ़ो ऐटम बम प्यारो जर्म जला इनसान खबारो काफी वह, हिम्मत मत हारो

बाला, उपदेश देने वाला.

کما انہیں سے بہت بہریں گے' بوسیں کے آزادی تو یکا ایکهشور وادی

> بهائی بهائی بها لویں کیوں؟ کونٹ' کچہری' اینے سویں کیوں ؟ پڏھون کے بھی پاون پوين کيون ؟

یریم پریت سے باتیں کھائیں' سستی سیکھ سکھادی تو یکا ایکیشور وادی

کہیں ہڑے میں مہتر بھائی کہیں ہوے میں دھوبی کہیں ہوں ہے شک

شادسي كههن وروهتائي تهكرائي جائز سب مهن تو یکا ایکیشور وآدی

بنی' هاں' رہے امهری ہن کر رھے رهے فقیری سكهانے

کا چهر کون کسی کو' رعبی اینته متادیی تو یکا ایکیشور رادی

بوجه پوجه ایشور أيشور

پی رب کو بھولے' پہھاتے ہرہادی تو یکا ایکهشور وادی

> كمائى کریں بوهائي کی پهر کون براثي سود مهن يهي

تورتاو تب نر بن جاتا مادی تو یکا ایکیشور وادی

> کهاکر ^و تو ت**هرا**' توپ تهغ

جو بھی اِن کو میت متالے' اللا وہ ھی تو یکا أیکیشور وادی

اپلی دهن کا تھا سو گليون دنها رأم بولا' کیوں مرے جا رہے' رو رو نانی تو پکا ایکهشور وادی

أبارو

बली द्रस्टी = जर्म = कीटागु. हादी = हिदायत देने مدايت دينے عدايت دينے اللہ علي اللہ علي اللہ علي اللہ علي اللہ ولا أيديس ديام والا .

اكتوبر 51٪

पाया. हानी वालों की हादी भी नाम की है. दोनों करनो तो साफ होते हैं सिर्फ दुड़ी और दोनों मँछों के बीच में फ़ेंच तुमा बराय नाम खराखशी बाल कुछ इस तरह के होते हैं कि दूर से चेहरा बिलकुल साफ माल्म होता है. मगर पास से कुछ बाल माल्म होते हैं, ऐसे जैसे दो तीन दिन से किसी ने शेव न किया हो. अजहर के हिन्दुस्तानी तालिब इल्मों में हो हिन्दुस्तानी तालिब इल्मों ने शिकायत की कि हमको यहाँ के लोग छंजूस और पादरी कहकर चिदाते हैं.

15 अगस्त '51

श्चावका भाई---श्रम्दुल्ला मिस्री

(बाक़ी फिर)

پایٹ دارهن والوں کی دارهی بھی نام کی ہے، دونوں دونوں کیے تو صاف ہوتے ہھی صرف ٹھتی اور دونوں موجھوں کے بھی میں فرنی نما برائے نام خشخشی بال کچھ اِس طرح کے ہوتے بعیں که دور سے چھو بالکل صاف معلوم ہوتا ہے . مگر پاس سے کچھ بال معلوم ہوتے بھی ، ایسے جیسے دو تین دن سے کسی نے شہور نہ کیا ہو ، ازهر کے هندستانی طالب علموں میں دو هندستانی طالب علموں میں خاصی میں ، اِن دونوں نے شکایت کی که همکو یہاں کے خاصی میں ، اِن دونوں نے شکایت کی که همکو یہاں کے لوگ کنجوس اور پادری که کر چوهاتے هیں .

آپکا بھائی

15 اكست 51'

عبدالله مصري

(ہائی پہر)

वापू

तू पक्ता एकेश्वर वादी एक राम है नाम उसी के रब, रहमान, ख़ुदा, नद्यादी त् पक्का एकेश्वर वादी सिर्फ अप्रव का नहीं खुदा है नहीं हिन्द का राम जुदा है एक मंजूरशुदा है रूप वाब इसमें मगड़ा ही क्या है, सीधी राह बतादी त् पक्का एकेश्वर बादी एक ख़दा के हम सब मनदे जात पात, मत, भजहब, फन्दे फाँस लड़ाने के ढब धन्दे इम न फँसें इनमें बन श्रंधे, खड़तल बात जतादी त् पक्का पदेश्वर वादी काम न पिलने के सब भगड़े मैं उसको वह मुक्तको रगाड़े हुए मिलों से लूले लंगड़े काम बहुत, इम कातें, पहनें, हाथ बनी ही खादी त् पक्का एकेश्वर वादी हाथ राम ने इसी वित्ये तो हमें दया कर दान दिये दो

باپو

تو یک ایکیشور وادی ایک رام هے نام اُسی کے رب رحمان خدا ، برهمائی تو یکا ایکیشور وادی مرن عرب کا نہیں خدا ہے نہیں هند کا رام جدا شدا روپ ایک منظور اب اِس میں جهکوا هی کیا هے' سیدهی راه بعادی تو یک ایکیشور وادی ایک خدا کے هم سب بندے حات یاس مت مذهب پهددے یہانس لوائے کے دھب دھادے هم نه پهنسيسان ميربن اندهـ ' کهوتل دات جعادی تو یکا ایکیشور رادی کام نه ملذے کے سب جهکوے میں اُس کو وہ مجھکو رکڑے ھوئے ملوں سے لولے لنگڑے كام بهبت هم كاتين بهنين هاته بني هي كهادي تو یکا ایکیشور وادی ھاتھ وام نے اسی لگے تو مبین دیا کر دان دئے در مرين بهام بر اگر جيئين تو

मरें भले, पर, अगर जियें तो

बाह्याचा वरहारी (वड़ बहुम) कोर कमतरी (क्रुट बहुस) होनों तरह के बहुम पाए जाते हैं. बहुसास बरतरी सज्ह्बी प्रवार से हैं और भहसास कमतरी माली या कार्थिक पतवार से है. हम मुसलमान हैं और इसजाम सब से अच्छा मज्हब है यह हर मुसलमान का एक कितरी जजवा (स्वभाविक भावना) है. हर इंसाई, हर बहुदी, इर हिन्दू और हर दूसरे मज़हब का मानने वाला अपने मजहब के बारे में यही समभता है. लेकिन मिस्र 📤 मुसलमान बावजूद इस विचार में कट्टर होने के दूसरे मसहबों के लोगों से कोई बैर नहीं रखते बल्कि सब के साथ पक सा मेल जोल रखते हैं.

ष्यद्वसास कमतरी योरोपियन क्षीमों की ग़ैर मामुकी माद्गी तरक्की, रार मामूली वाक्रत, शान शोकत, ठाठ बाट, सज धज और घमंड वरोरा की वजह से हैं. और वह इस कमी को दूर करने के लिये इद दरजा जट्टो जइद और कोशिश कर रहें हैं. उन्होंने काफी तरक्क़ी भी की है. मिस्र आज मिडिल ईस्ट में तुरकी के बाद सब से बढ़ा चढ़ा मुल्क है. मिस्रो सरकार की पिछले साल की कुल बामदनी हो अरब इक्यानवे लाख पचास हजार यानी कुछ कम तीन अरब रुपया है और खर्च तीन अरब तेईस करोड़ है जबकि मिस्र की कुल आबादी दो करोड़ साढे बाईस लाख है बानी हमारे सुवा यू. पी. से आधी आवादी है. मगर आमदनी और खर्च पाँच गुने से भी जियादा है. इससे मिस्न की आजकल की माली तरक्षकी का कुछ अन्दाजा हो सकता है. इसके लिये और भी बहुत से आँकड़े दिये जा सकते हैं.

मिस्र के मुसलमानों में इतनी मजहबी कड़ाई नहीं है जितनी हिन्दुस्तान के मुसलमानों में. मिस्र की भौरतें आम तौर पर सैर तफरोह, सिनेमा थेटर, जुमा की नमाज, खरीन करोख्त के लिये बे मिम्मक बाहर निकलती हैं. जियादा तर देसी लिवास में होती हैं. मगर पद्दी लिखी औरतें और लड़कियां सब की सब योरोपियन लिबास में वे मिमक निकलती हैं भीर वे बुरका होती हैं. बुरका वाली भीरतों का बुरका भी-नाम को होता है. यानी पूरा जिस्म तो उनका ढका होता है पर पिंडलियों तक दोनों पैर, दोनों हाथ और चेहरे के ऊपर का हिस्सा बिलकुल नंगा रहता है. सिर्फ नाफ के सिरे से लेकर दुई। तक एक इलकी जाली इस तरह की लटकती है कि पूरा चेहरा ज़रा ग़ौर से देखने पर दिखाई देवा है.

मिल्ली लोग बामतीर पर दादी बौर मुँबें मँडवाते हैं, बड़े बड़े उत्तमा और मज़हबी पेशवा भी ऐसा ही करते हैं. क्राहिरा और असकंदरिया की अकसर मस्जिदों के पेश-इमामों और बाइकों से भी मैंने खास तौर से मुलाक़ात बी. इसमें दो सीन के सिवा सबको क्लीन रोव्ड (सका चट)

المساس بوتري (بروهم) أور كمعرى الجهت وهم ا فولول طرح کے وہم یائے جاتے میں . احساس برتری مذہبی التعبار سے ہے اوو احساس کمتاری مالی یا آرتھک اعتبار سے ہے . هم مسلمان هين اور اسلام سب ساچها مذهب هي عد هرمسلمان کا اُٹیک قطری جذبہ (موابهاوک بھارنا) ہے، ہر فیسائی ک هر بیرودای اهر هندر اور هر دوسرے مذهب کا مانلے والا الغ مذهب کے بارے میں یہی سمجھتا ہے ، لیکن مصر کے مسلمان باوجرد اس وچار میں کتر هونے کے درسرے مذهبوں کے ٹوگوں سے کوئی بھر نہیں رکھتے باہم سب کے ساتھ ایک سا مهل جول رکھتے هيں .

أحساس كمتارى يورويون قومون كي فهر معمولي مانىي ترقى' فير معمولى طاقت' شان شوكت' ثهاته بات سبع دهبع اور گهملد رفهره کی وجه سے هے ، اور وہ اس کدی کو دور کرنے کے لئے حد درجہ جدو جہد اور کوشش کر رہے میں ، آنہوں نے کافی ترقی بھی کی ہے ، مصر آبہ مدّل ایست میں ترکی کے بعد سب سے بوھا چوہا ملک ہے۔ مصرف سرکار کو پنچھلے سال کی کل آمدنی دو ارب اکیانوے لاکھ پنچاس ھزار یعنی کچھ کم تین ارب روپیہ ھے اور خربے تین ارب تیاس کرور ھے جبکہ مصر کی کل آبادي دو كرور سازهے بائيس لاكھ هے يعلى همارے صوبة یو. پی سے آدھی آبادی ہے مگر آمدنی اور خرچ پانچ کلے سے بھی زیادہ ہے۔ اِس سے مصر کی آج کل کی مالی ترقی كا كتيم اندازة هرسكتا هي . اس ك لئم أور بهى بهت س آنكون ديئے جا سکتے هيں.

مصو کے مسلمانوں میں اتفی مذہبی کوائی نہیں ہے جعلی هندستان کے اسلمانوں میں . مصر کی عورتیں علم طار پر سیر تقریع، ساهما تهیدر، جمعه کن نماز، خرید فروخت کے لئے ہے جہجک باہر نکلتی ہیں. زیادہ تر دیسی لباس میں هرتی هیں. مگر پوهی لکهی عورتیں ارد لرکھاں سب کی سب یرروپین لباس هیں یے جھھک نکلتی میں اور بے برقعہ هوتی هیں ، برقعہ اوالی عورتوں کا برقعہ بھی نام کو ہوتا ہے۔ یعنی پورا بجسم تو ابكا قهكا هوتا هے اير المقالهوں اتک ادونوں الهر؛ عوثرن هاته اور چھرے کے اُریر کا حصہ بالکل نفکا رہتا ہے۔ صرف ناک کے سرے سے لیکر تہدی تک ایک هلکی جالی اس طرح کی لٹکتی هے که دررا چهرا درا فرر سے دیکھانے ، پر دکھائی دیتا ھے .

مصوى لوگ هام طور پر دارهی اور مونچهیں مذکواتے هیں ، ہوے ہوے علما اور مذهبی پیشوا بھی ایسا هی کرتے هدی . قاعرہ اور اسکندریه کی اثر مسجدوں کے پیش اماموں اور وأعظون سے بھی میں نے خاص طور سے ملاقات کی . أن مهى در تهن كے سوا سب كو كلهن شهوة (صفاحت)

की कहरत नहीं. और अगर तू खुदा के हुक्स से बखता है तो ठीक ठीक चल और खुदा की मखलूक को तकसीफ न है." इस तारोखी स्नत के अलावा हजरत उमर ने उमर बिन आस को एक हिदायतनामा लिखा कि इस साल मेले के दिन दियाप नील के नाम का यह खत नील के बीच धारे में छोड़ दिया जाय चौर मिस्र की तमाम जनता को इतिमनान दिला दिया जाय कि अव न तो दरिया का पानी कम होगान बाढ आयगी. ईश्वर की कृपा से ऐसा ही हुआ, तब से कन्या भेंट की रसम बन्द हो गई. पर नीक देवी की आवभगत, मेला ठेला और जशन अब भी हर साल होता है और बड़े ठाट से होता है जिनमें एक से एक नाच गाने, बाजे गाजे, आतशबाजियां वरौरा सब कुछ होती हैं, बहुत एहतमाम और धूम धाम से होती हैं-सरकारी तौर पर दरियाए नील की सलामी होती है, तोपें दगती हैं और इस पूरे मेले का इन्तजाम सरकारी सर्च से होता है.

मिस्न के पुराने बासियों में कुछ परिन्दों, चरिन्दों, मगरमच्छ, सांप, सूरज, चांद, सितारों और गऊ की पूजा भी
होती थी. परिन्दों में कीए का जास मान था. पत्थर की पुरानी
मूर्तियों में आदमी के घड़ और कीए की सी चोंच और सर
वाली बहुत सुन्दर मूर्तियां अब भी मिस्न के अजायब घर में
कसरत से मौजूद हैं और उनमें पुरानी मीनाकारी के खुरातुमा नक्ष्श निगार भी खूब चमकते हैं. कीआ मिस्नयों में
अक्स, हुनर और झान का देवता माना जाता था. पर अब
यह सब बिचार पुराने हो गए और आज के मिस्नो उन्हें
भूता गए.

मिस्न के लोग आम तौर पर बड़े सीधे सादे, अमन पसन्द, नेक, मेहमान जा और दयावान होते हैं. इनमें आपसी मगड़े बहुत कम होते हैं. धरम करम के मामले में भी किसी से मगड़ा अधाद नहीं करते. रंग रूप, इसव नसब, कूत छात और भाशा का भी मिस्न में कोई भगड़ा है. मिस्न के लोग हर गुल्क, हर रंग और हर नसल के लोगों से मेख जोस रखते हैं और प्रेम करते हैं. बस यहाँ दयों और अंगरेजों से यह लाग नफरत करते हैं. मगर इस नफरत के कारन मजहबी, अखलाको या तह जीबी नहीं हैं बल्कि सिक सिवासी और इक्तरतारी (आर्थिक) हैं. इसके अलावा अलग अलग निजी तौर पर उनके ताल्लुकात अंगरेजों और यह दियों से बुरे नहीं हैं.

मिस्र की सरकारी भाशा अरबी हैं. लेकिन यहाँ के पढ़े लिखे कोग और बहुत से कारवारी बहुत सी खबानें जानते हैं. मसलन फ़ोंच, श्रंगरेजी, श्रीक, इटाली, जरमनी वरौरा. फ़ोंच और श्रंगरेजी जानने वाले ज़िबादा हैं. मिस्रियों में تی فرورسد نہیں، اور اکو تم شدا کی منظوی کو تعلیف نه دے ... اس تاریخی خط کے علاوہ حضرت عمر نے عمر و بی عاص کو ایک هدایت نامه لکها که اِس سال میلے کے دن دویائے نیل کے نام کا یه خط نیل کے بیچ دھارے میں چھور دیا جائے اور مصر کی تمام جفتا کو اطمیقان دلا دیا جائے که آب نه تو دریا کا پانی کم هوگا نه باره آئے گی. ایشور کی کریا سے ایسا هی هوا . تب سے کلیا بهیئت کی رسم بفد هوگئی . پر نیل دیوی کی آؤ بھکت' میلا تهیلا اور بخت شہنا اب بھی هو سال هوتا هے اور بخے تھات سے هوتا هے بازیاں وفق کا سب کتھ هوتی هیں' بہت اهتمام اور دهوم بازیاں وفق کا سب کتھ هوتی هیں' بہت اهتمام اور دهوم سلامی هرتی هے' توبیں دئتی هیں اور اس پورے میلے کا شامی هرتی هے' توبیں دئتی هیں اور اس پورے میلے کا انتظام سرکاری خرج سے هوتا هے انتظام سرکاری خرج سے هوتا هے۔

مصر کے پرانے باسیوں میں کچھ پرندوں' چرندوں' مگر متچھ' سانپ' سروج' چاند' ستاروں اور گئو کی پوجا بھی ھوتی تھی۔ پرندوں میں کوے کا خاص مان تھا۔ پتھو کی پرانی مورتیوں میں آدمی کے دعم اور کوے کی مصر حی چونچ اور سر والی بہت سندر صورتیاں آب بھی مصر کے عجائب کھو میں کثرت سے موجود ھیں اور ان میں پرانی مینا کاری کے خوشنما نقش نکار بھی خوب چمکتے ہوانی مینا کاری کے خوشنما نقش نکار بھی خوب چمکتے ھیں ۔ کوا مصریوں میں عقل' ھنر اور گھان کا دیوتا مانا جاتا تھا۔ پر آب یہ سب وچار پرانے ھوگئے اور آج کے مصری اُنھیں بھول گئے ،

مصرکے لوگ عام طور پر ہڑے سیدھے سادے' امن پسلد' نیک' مہماں نواز اور دیاوان ہوتے ھیں ۔ اِن میں آپسی جھکڑے بہت کم ہوتے ھیں ۔ دھرم کرم کے معاملے میں بھی کسی سے جھگڑا فساد نہیں کرتے ۔ رنگ روپ' حسب نسب' چھوت چہات اور پھاشا کا بھی مصر میں کرئی جھگڑا نہیں نه فلچر' تہذیب یا سلسکرتی کا کوئی جھگڑا ہے ۔ مصر کے لوگ عر ملک' ھر رنگ اور ھر نسل کے لوگوں سے میل جول رکھتے ھیں اور پریم کرتے ھیں ۔ بس لوگوں سے میل جول رکھتے ھیں اور پریم کرتے ھیں ۔ مگر ایس نفرت کرتے ھیں ۔ مگر ایس نفرت کے کارن مذہبی' اخلاقی یا تہذیبی نہیں ھیں ایک صرف سیاسی اور اقتصادی آرتیک) ھیں ۔ اِسکے علاق انگریؤوں اور علی تعلقات انگریؤوں اور علی علی ایک نجی طور پر ان کے تعلقات انگریؤوں اور عیودیوں سے برے نہیں ھیں ۔

مصرکی سرکاوی بهاشا عربی هے . لیکن یہاں کے پڑھے لکھے لوگ آور بہت سے کار باری بہت سی زبانیں جانتے ھیں . مثلًا فرنبے ' انگریزی' کریک' اِتّالیٰ جرمن رفیرہ ، فرنبے اُور انگریزی جانئے والے زیادہ ھیں . مصریوں میں

चौर दरवारी होते थे. फिर यह यह पंडित चौर विद्याच. जनता ठट्ट के ठट्ट खड़ी राह देखती थी. जब उसके सामने असूस पहुँचता तब जनता अक़ीदत और श्रद्धा से बेखद हो जाती और जय जय के नारों से फिला गुँज जाती. कन्या पर फूलों की बारिश होती. इस तरह मीलों का सफर तय करते हुए जब जलुस नील के किनारे पहुँचता तर्वे लोगों का जोश हद से गुजर जाता. कन्या भी उस वक्त बहुत ख़ुश होती और फूट फूट कर रोतीं और चीखती भी क्योंकि मीत की चड़ी अब उसके सामने दिखाई देती. महाराजा, बड़ा बजीर श्रीर पुरोहित तीनों फ़ुक कर कन्या को प्रनाम करते और इसके रथ से इसको बड़े अदब के साथ इतारते. फिर फूलों से सजी हुई एक नाव पर उसे बिठाते. घूप जलाते, मंत्र पढ़ते और नील देवी की पूजा करने के बाद उससे प्रार्थना कराते और कहते—"हे देशी! हम द्वासे अपनी सबसे सुन्दर कन्या भेंट दे रहे हैं. अब तू हम से साल भर खुश रहना. हम सब तेरे सेवक हैं. हमें बाढ़ से बचाना और सूखे से बचाना (यानी हमारे यहाँ पानी की कमी भी न हो और न बाद आए).

"हम अगले साल फिर इसी दिन तुफे अपनी सबसे सुन्दर कन्या पेश करेंगे." यह कह कर वह लोग उस जीती जागती सुन्दर कन्या को नील नदी की मौजों के हवाले कर देते थे और यह दिन मिस्न का सबसे बड़ा ख़ुशी का दिन होता था.

मिक्रियों में यह रिवाज इजारों बरस जारी रहा. मिश्व पर हमी ईसाइयों का क़ब्जा हुआ. हमियों ने भी इस रसम को क़ायम रखा. फिर रूमियों को अरब मुसलमानों के मुकाबले में हार हुई और मिस्र इसलामी अमलदारी में श्राया. तब हजरत उमह बिन श्रास को जो मिस्र के अरब हाकिम थे इस जीव हत्या के रोकने की फिक हई. लेकिन शरीश्वत की रू से वह जनता की मजहबी आजादी, उनके रहन सहन और रिवाजों पर किसी तरह की पाबन्दी नहीं लगा सकते थे. उन्होंने मिस्र के पंडितों और सरदारों को बुला कर अपने तौर पर सममाया और कहा बाप जरान जिस तरह चाहें करें मगर एक जीती जागती निरहोश कत्या को दरिया में न डुबाएँ. उन लोगों ने कहा कि अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो नील देवी खका हो जायगी भौर हम सब तबाह हो जायंगे. बाद से खेतियां डूब जायंगी या पानी की कभी से सुख जायंगी. उमह बिन आस ने इन समाम बातों की तकसील मदीना दारु सखलाकत में भेज दी और खलीका से हिदायत मांगी. खलीका हजरत उमर न नील नदा के नाम एक खत लिखा. खत का मजमून यह था-"यह खत मैं अज्ञाह के नाम से लिख रहा हूँ जो बड़ा द्याल और द्यावान है. ऐ द्रियाए नील, मैं तुम से कहता हुँ तु अगर अपने मन से चलता है तो तेरे चलते

اور فرہاری هوتے تھے ، پھر ہوے ہوے پندت اور ونواس . جنتا ٹیٹی کے ٹیٹھ کہری راہ دیکہتی تھی، جب أس كے سامنے جلوس پہونچتا تب جلتا عقيدت اور شردها سے یہ خود هوجاتی اور جے جے کے نعروں سے فضا گونیم جاتی . کنها پر پهولوں کی بارش هوتی . اس طرے مہلوں کا سفر طے کرتے ہوئے جب جلوس نہل کے کفارے یہونچا تب لوگوں کا جوش حد سے گزر جاتا ، کنھا بھی أس وقت بهمت خوش هوتی اور پهوت پهوت _و کر روتی اور چهشتی بهی کهونکه موت کی کهوی اب اس کو سامذے دكهائي ديعي مها راجاً بوا وزير أور پروهت تهلون جهک کو کنها کو برنام کرتے اور اس کے رتب سے اس کو بوے ادب کے ساتھ اُنارتے . پھر بھولوں سے سجی ہوئی ایک ناؤ ی آسے بتھاتے ، دھوپ جلاتے ' منتر پڑھتے اور نیل دیری کے پوچا کرنے کے بعد اس سے پرارتہا کراتے اور کہتے -" هے دیری ! هم تجهے اینی سب سے سندر کنیا بهیلت دے رہے میں . أب تو هم سے سال بهر خوص رها . هم سب تهرے سهوک ههی . همهن بازه سے بنچانا اور سوکھے سے بچے نا (یعلی همارے یہاں پانی کی کمی بھی نه هو اور نه ، ہارہ آئے) .

'' هم اگلے سال پہر اِسی دن تجھے اپنی سب سے سندر کنیا بیش کریں گے '' یہ کہکر وہ لوگ اُس جہتی جائتی سندر کنیا کو نیل ندی کی موجوں کے حوالے کر دیتے تھے اور یہ دن مصر کا سب سے بڑا خوشی کا دن ہوتا تھا .

مصريوں مهن يه رواج هزارون برس جاري دها . مصر پر ووسى عهسائيون كا تبضّه هوا . روصهون في بهي إس رسم کو قائم رکھا ، پھر رومیوں کو عرب مسلمانوں کے مقابلے میں هار هوتی اور مصر اسلامی عملداری میں آیا . تب حضرت ممرو ہی قاص کو جو مصر کے عرب حاکم تھے اس جھو ھتھا کے روکنے کی فکر ہوئی الهکن شریعت کی رو سے وا جنتا کی مذہبی آزائی ' اُن کے رہن سہن اور رواجوں پر کسی طور کی دابندی نہیں لکا سکتے تھے . أنهوں نے مصر کے یه فرزس اور سرداروں کو بلا کر اینے طور پر سمجھایا اور کہا آب جشن جس طرح چاهیں کریں مکر ایک جیتی جائتی فردوهم كلها كو دريا مين نه دبائين . أن لوكون نه بھیا کہ اگر ہم ایسا نہیں کریں کے تو نیل دیوی خفا ہو نھاٹے کی اور هم سب تداہ هوجائیں کے ، باڑھ سے کھیتھاں غرب جآئينگي يا ياني کي کسي سے سوکھ جائيس کي ، عدرو بي ماص نے أن تمام باتوں كى تفصيل مدينه دارالتخافت مهن بههجدى أور خلهم سے هدايت مانكي . خليمه حضرت مُمو نے نهل ندی کے نام ایک خط لکھا . خط کا مصمون يه تها -- " يه خط مين ألله كے نام سے لكيه رها هوں جو ہوا دیالو اور دیاوان ہے . اے دریائے نہل میں تجه سے کہتا ہوں تو اگر آنے من سے چلتا ہے تو تھرے چلئے

مهن عام تھی . مصر کے پرانے کھنڈروں سے ھزاروں مورتیاں نکلی میں جو قاهرہ کے عجائب گہر میں آب بھی موجود ههو . بهت سے ملدر بھی ٹوٹے پھوٹے زمهن کے نيجے پائے گئے ھیں اور بہت سے فرعونوں کے دربار اور انکنے زمانے کے سازسا-ان بھی ملے ھیں جن کے دیکھلے سے صاف پتھ چلتا هے که مصر کی پرانی تهذیب اور وچار بهارت کی یرانی تهذیب اور وچاروں سے بہت کچھ ماننے جلتے تھے. خود اهرامات کی کہائی میں اِس کے بہت سے ثبوت ملع ھیں ۔ اِن اهرامات کی تعمیر آراگون کے فلسفے کی بنا پر ھوئی تھی ، مصر کے پرانے پذترس کا عقیدہ تھا که آدمى مرتا نههن بلكه صرف قالب يعلى شرير بدل ديما ھے۔ پھر ایک زمانے کے بعد وہ اس سفسار میں پھر سے جنم الهتاهي . جنم لهتم وقت أكر أس كا هرانا قالب كسى طرح محفوظ ره جائے تو جلم ليلے والا پهر ايلي پہلی شان شوکت سے جلم لے کا . اِسی فلسفے کے کارن بوے لوگوں اور راجاؤں کی الشیس همهشد تک مصفوط رکھنے کے لئے بہت جنن کئے گئے . مسی تیار کی گئی اور بهار ایسے مقدرے بنائے کئے جو آندھی بانی بارھ اور بهودول سے بھی بھے را سکے . اِس میں شک نہیں که مصریوں کی یہ پرانی عمارتیں جوں کی توں ابتک کھوی هوں۔ اور اسی طرح فرعواوں کی لاشیس بھی پانچ پانچ ھؤار ہوس سے رکھی ھیں . اس زمانے سے اس زمانے تک مصر میں بہت سے انقلاب هوئے' بے شمار شاهنشاهیتیں وجود میں آئیں اور مت گئیں مگر فوقوں کے سے کی يه يادكاريس ابتك موجود هيل.

بھارت کے لوگ جس طرح گذا جمعا کو پوتر مانتے ھوں اور ان کی پوچا کرتے ھیں مصر کے پرائے باسی بھی نیل ندی کو مقدس (پاک) مانتے اور اسکی پوجا کرتے تھے ، نیل دیری کو خرش رکھلے کے لئے مصری ہر سال گرمیوں کے موسر میں جبکہ نیل کی بازہ کا زمانہ ہوتا ھے' ایک بؤا جشن کرتے تھے ، همارے یہاں کے امدی کے سیلے كى طرم برمت بوا مهلا لكما تها . يلدَّت ودوان واجا يرجا سمهی حصم لهتے تھے . بہت کچه دان من هوتا تها أور نهان هوتا تها . طرح طرح کی پوجائیں هوتی تهیں . همرو گهلیفی لکھارے میں لکھے ہوئے بہت سے اشارک اور منتر بوقے جاتے تھے' هر سال مصر کی ایک سندر سے سندر کٹیا پہلے سے چن لی جاتی تھی جو مہا رانی کی طرح بہت تہاتہ بات اور باچے کاچے کے ساتھ جشن میں کھمائی جاتی تھی، اُسکو قیمتی کپڑے اور زیور پہلائے جاتے تھے۔ رنا رنگ پھولوں کے ہار اس کے کلے میں ڈالے جاتے تھے . أس كا بهت شاندار جلوس نكاها نها . جلوس مين كنها تو رتھ پر بھٹھٹی تھی اور راجا پھدال اس رتھ کے آئے آئے سامے دیتا موا جلتا تھا . راجا کے ارد کرد اس کے سب منتری

में भाम थी. सिका के पुराने खंडहरों से हजारों मूर्तियाँ निकती हैं जो फ़ाहिरा के अजायब घर में अब भी मौजूद हैं. बहुत से मंदिर भी टूटे फूटे जमीन के नीचे पाए गए हैं भीर बहुत से फिरश्रीनों के दरबार श्रीर उनके जमाने के साज सामान भी मिले हैं जिनके देखने से साफ पता चलता है कि सिम्न की पुरानी तहजीब और विचार भारत की पुरानी तहजीब और विचारों से बहुत कुछ मिलते जुलते थे. खुद घहरामात की कहानी में इसके बहुत से सब्त मिलते हैं. इन श्रहरामात की तामीर आवागवन के फलसफ़े की बिना पर हुई थी. मिश्न के पुराने पंडितों का अक्षीदा था कि आदमी मरता नहीं बल्कि सिर्फ क़ालिब यानी शरीर बदक देता है. फिर एक जमाने के बाद वह उस संसार में फिर से जनम लेता है. जनम लेते वक्षत अगर उसका पुराना कालिय किसी तरह महफूज रह जाय तो जनम लेने वाला फिर अपनी पहली शान शौकत से जनम लेगा. इसी फलसफ़े के कारन बढ़े लोगों श्रीर राजाश्रों की लाशें हमेशा तक महफूज रखने के लिये बहुत जतन किये गए. ममी तैयार की गई और पहाड़ ऐसे मकवरे बनाए गए जो जाँधी, पानी, बाढ़ श्रीर भूडोल से भी बचे रह सके. इसमें शक नहीं कि मिखियों की यह पुरानी इमारतें जुँ की तुँ अवतक खड़ी हैं भीर इसी तरह फिरश्रीनों की लाशें भी पाँच पाँच हजार बरस से रक्खी हैं. वस ज्माने से इस जमाने तक मिस्र में बहुत से इनक्रलाय हुए, वेशुमार शाहनशाहियसे वजूद में आई और मिट गई मगर फिर औन के समय की यह यादगारें अब तक मौजूद हैं.

भारत के लोग जिस तरह गंगा जममा को पवित्र मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं मिस्र के पुराने वासी भी नील नदी को मुक़द्रुस (पाक) मानते चौर उसकी पूजा करते थे. नील देवी को खुश रखने के लिये मिसी हर साल गरमियों के मौसम में, जब कि नील की बाद का प्रमाना होता है, एक बड़ा जशन करते थे. हमारे यहाँ के कुम्भ के मेले की तरह बहुत बड़ा मेला लगता था. पंडित, विद्वान, राजा, परजा सभी हिस्सा लेते थे. बहुत कुछ दान पुन होता था भौर नहान होता था. तरह तरह की पूजाएँ होती थीं. हीरो गेलीकी लिखावट में विक्षे हुए बहुत से श्लोक और मंत्र पढ़े जाते थे, हर साल मिश्र की एक सुन्दर से सुन्दर कन्या पहले से खुन ली जाती थी जो महारानी की तरह बहुत ठाठ बाट और बाजे गाजे के साथ जरान में घुमाई जाती थी. **इसको क्रीमती कपड़े भौर जेवर पहनाए** जाते थे. रंगा रंग फूलों के द्वार उसके गर्ब में बाले जाते थे. उसका बहुव शानदार जल्स निकतना था. जलूस में कन्या तो रच पर बैठली थी और राजा पेक्ल उस रथ के आगे आगे सलामी हैसा हुआ। बसता था राजा के इर्द गिर्द उसके सब मंत्री

at a second

कर्म कालम तिवयमें को समम कर कर्दे आन, श्रीस या कर्म की तरफ कगावे और तुनिया मर के तालीम देने वालों का फर्ज है कि वह लड़कों और लड़िक्यों के अलग अलग स्त्रमान को समम कर उन्हें इनसानी समाज का आन बढ़ाने या कता और कलवर को तरफ की देने या अपने अमल से पेशों और दस्तकारियों को बढ़ाने और तरफ़क़ी देने की तरफ लगावें. यही मानव धर्म यानी मज़हबे इनसानियत का रास्ता है.% الگ الک طبیعتوں کو سمجھو انہمیں کیاں جھکی ہیئے۔
یا کرم کی طرف لکاوے اور دنیا بھر کے تعلیم دیئے۔
والوں کا فرض ہے کہ وہ لوکوں اور لوکھوں کے الگ الگ
سوبھاؤ کو سمنجہکر انہیں انسانی سماج کا گیاں بوھائے،
یا کا اور کلچر کو ترقی دیئے یا ایک عمل سے پیشوں اور
دستکاریوں کو بوھائے اور ترقی دیئے کی طرف لکاویں ، یہی مانو دھرم یعنی مذہب انسانیت کا راستہ ہے . *

मोलाना अब्दुक्षा मिस्री का ख़त-क्राहिरा से

त्यारे पंडित सुन्दरलाल—आदाब, तसलीमात, नमस्ते और सब कुछ × × × × मुमे तो अपने देस की हर चीज सुन्दर मालूम होती है. गंगा जमना, काशी, मधुरा, बृन्दाबन कितने सुन्दर नाम हैं. फिर 'भारत माता' और 'जन्ता' भोली भाली देवियाँ' और 'ज्ञानी ध्यानी' 'देवी देवता' सभी तो सुन्दर हैं. सभी तो मनमोहन. आदमी पाप भी करता है और पुन भी, संसार में बजाला भी है और अंधेरा भी. सुख दुख की इस धरती में पाप और पुन दोनों का पाया जाना कुदरती है. अगर पाप न हो तो यह संसार स्वर्ग बन कर खत्म हो जाय. अगर पुन न हो तो निरा नरक ही नरक. हमें पापियों के साथ ज़ियादा प्रेम करना चाहिये क्योंकि वह कम बुद्धि रखने की वजह से ज़ियादा प्रेम के हक्षदार हैं. जैसे बंजर ज़मीन ज़ियादा जल और खाद की हक्षदार होती हैं.

में यह खत क़ाहिरा (मिस्र) से लिख रहा हूं. इतिहास से मालूम होता है कि यह देस भी हमारे देस की तरह घरती का एक बहुत पुराना देस है. यहाँ के बादशाहों— फिर ग्रीनों के मक़बरे, जिन को इस देस बाते ग्रहरामात श्रीर फिरंगी लोग पेरामिड कहते हैं, पाँच छै हज़ार बरस की तारीख बताते हैं और इतिहास के कुछ विद्वान उन्हें श्रीर भी पुराना बताते हैं. फिर ग्रीन यहाँ के बसने वालों की पुरानी भाशा में राजा महाराजा या बादशाह को कहते थे. मिस्र के इस पुराने जमाने की संस्कृति, रहन सहन, सोच विचार और घरम करम भारत के पुराने लोगों की उन बंजों से बहुत कुछ मिलते जुलते थे. मूर्ति पूजा मिस्र उन बंजों से बहुत कुछ मिलते जुलते थे. मूर्ति पूजा मिस्र

श्रिवादा जानकारी के लिये लेखक की आंगरेजी किताब The Essential Unity of All Religions' पढ़िये.

مولانا عبدالله مصری کا خط—قاهره سے

پھارے پذکت سلدر لال — آداب' تسلیمات' نمستے اور سب کبچه × × × مجھے تو آئے دیس کی هر چیز سندر معلوم هوئی هے . گفکا جمفا' کاشی' متهرا' برنداین' کتفے سندر نام هیں ، پهر 'بهارت ماتا' اور 'جفتا' 'بهولی بهالی دیویاں' اور گھانی دهیانی' 'دیوی دیوتا' سبهی تو سندر هیں ، سبهی تو مین مودن آدمی پاپ بهی کرتا هے اور پن بهی' سنسار میں اجالا بهی هے اور اندهیوا بهی ، سکه دکھ کی اس مهر آجالا بهی هے اور اندهیوا بهی ، سکه دکھ کی اس دهرتی مهر پاپ اور پن دونوں کا پایا جانا قدرتی هے ، اگر بھاپ نکه هو تو یک سنسار صورگ بن کر خشم هو جائے . گلر پن نه هو تو یک سنسار صورگ بن کر خشم هو جائے . گلر پن نه هو تو یک سنسار صورگ بن کر خشم هو جائے . گلر پن نه هو تو یک سنسار مورگ بن کر خشم و جائے . گلر پن نه هو تو یک سنسار مورگ بن کر خشم و جائے . گلر پن نه هو تو یک سنسار مورگ بن کر بیسے بنجر زمین زیادہ بیادہ پریم کرنا جائے کیونکہ وہ کم بدهی رکھئے کی وجه بیادہ پریم کرنا جائے کیونکہ وہ کم بدهی رکھئے کی وجه بیادہ پریم کرنا جائے کیونکہ وہ کم بدهی بنجر زمین زیادہ بیالہ اور کہاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیالہ اور کہاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیالہ اور کہاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیالہ اور کہاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیالہ اور کہاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیالہ اور کہاد کی حق دار هیں ، جیسے بنجر زمین زیادہ بیالہ کو کرنا ہوتی ہے .

میں یہ خط قاھرہ (مصر) سے لکھ رہا ھوں ۔
اُنہاس سے معلوم ھوتا ہے کہ یہ دیس بھی ھدارے دیس
کی طرح دھرتی کا ایک بہت پرانا دیس ہے ۔ یہاں کے
افشاھوں۔۔۔فرعونوں کے مقدرے ، جذبو اس دیس والے
اُھرامرات اور فرنگی لوگ پھرامت کہتے ھیں ، پانچ چھہ
اُنہ برس کی تاریخ بتاتے ھیں اور اِنہاس کے کچھ ودواں
اُنہوں اور بھی پرانا بتاتے ھیں ۔ فرعوں یہاں کے بسلے والوں
کی پرانی بھاشا میں راجا مہاراجا یا بادشاہ کو کہتے
کی پرانی بھاشا میں راجا مہاراجا یا بادشاہ کو کہتے
سے بہت کھم کرم ابھارت کے پرانے لوگوں کی اُن

انگریزی کتاب کی انگریزی کتاب کی انگریزی کتاب 'The Essential Unity of All Religions بوعثی.

यही तीन पहलू दुनिया की हर सभ्यता के होते हैं. एक साइन्स, झान और विद्या का पहलू, दूसरा लोगों की इच्छाओं, उनके आदशों, उनके शोक और भावों का पहलू और तीसरे उनके रहन सहन, बरताव और काम काज का पहलू, किसी भी सभ्यता या तह जीव का झान का भंडार जितना वहा, जितना तरह तरह का और जितना ठीक और सच्चा होगा, वहाँ के लोगों के भाव, जजबात, शौक और आदर्श जितने ऊँचे, जितने सुन्दर, जितने बेलाग और जितना के होंगे, उनका रहन सहन जितना पाक, जितना इस्सानियत के अस्लों पर कायम और उदार और रवादार होगा, उतनी ही वह सभ्यता या वह तह जीव बड़ी और ऊँचे समभी जायगी. इस तरह हर तह जीव का बढ़प्पन धर्म या मजह व के इन तीनों अस्तों में ठीक ठीक तरक की करने और उन पर ठीक ठीक अमल करने पर है.

दुनिया के उस्तादों, अध्यापकों और तालीम देने वालों का जास कर्ज़ है कि वह हमेशा इस बात का खयाल रक्खें कि उनके विद्यार्थियों का दिमाग़, उनका दिल और उनका जिस्म तीनों ठीक ठीक और एक साथ मिल कर चलें और बढ़ें. वह तालीम ही अच्छी तालीम हो सकती हैं जो विद्यार्थी के दिमाग़ को सच्चे और काम आने वाले जान से भर दे, उसके दिल को उँवा रक्खे और उसे दिल पर कायू करना सिखाने और उसके रहन सहन को नेक, परोपकारी और मेहनती बनाने जिससे दिमाग़, दिल और जिस्स तीनों सुन्दर दिखाई दें. इसके जिये साइन्स की तालीम ,मानन धर्म यानी मज़हने इनसानियत की तालीम और अच्छी दस्तकारियों और पेशे की तालीम तीनों ज़करी हैं.

आजकल योरप के बढ़े चढ़े देशों में यह बात बड़ी जिन्ही होने जगी है कि किस विद्यार्थी में कितने दरजे की और किस तरह की समक है, इसे वह ख़ब तजरबे कर कर के पता लगाते हैं. लेकिन अभी शायद उनका ध्यान इस तरफ नहीं गया कि हर विद्यार्थी के स्वभाव की भी समभाने की कोशिश करें, यानी यह कि विद्यार्थी में ज्ञान को बढ़ाने का पहलू जियादा जोर का है या इच्छा का पहलू जियादा जोरदार है या अमल का पहलू जियादा चमकता हुआ है. इस चीज के बरौर सममे हर लड़के या लड़की को समाज में उसकी ठीक जगह दे सकना नामुमकिन हैं. इसके बिना न वह फूज की तरह पूरा खिल सकेगा और न समाज को उससे परा कायदा पहुँच सकेगा. जिस तरह हकीम या वैद्य का काम है कि वह अपने रोगी के मिजाज को समम कर यह तय करे कि रोगी के अन्दर कक, वात या पित्त में से किस को बढाने और किस को दवाने की जरूरत है, वैसे ही धर्म गुरुझी और मकदबी लीडरों का यह कर्ज है कि वह अपने लोगों की الیک سائنس گیان اور ودیا کا پہلو، دوسرا لوگوں کی ایک سائنس گیان اور ودیا کا پہلو، دوسرا لوگوں کی اُچھاؤں اُن کے آدرشوں اُن کے شرق اور بھاروں کا پہلو اور سیسرےان کے رهن سہن برتاؤ اور کام کاج کا پہلو، کسی بھی صبحبوبھا یا تہذیب کا گیان کا بھندار جٹنا بڑا جنتا طرح طرح کا اور جٹنا تھیک اور سچا هوگا رهاں کے اوگوں کے بھاؤ جذبات شرق اور آدرهی جٹنے اونجے 'جٹنے سندر' جٹنے بی لاگ اور جٹنے نیک هونگے' اُن کا رهن سهن جٹنا پاک چٹنا انسانیت کے اوولوں پر قائم اور اُدار اور روادار هوگا آتنی هی وہ سبھیتا یا وہ تہذیب بوی اور اونچی سنجھی جائے گی اس طرح هر تہذیب کا بربین دهرم یا مذهب جائے گی اس طرح هر تہذیب کا بربین دهرم یا مذهب کے اِن تھنک تھیک ترقی کرنے اور اُن پر ٹھیک تھیک ترقی کرنے اور اُن

دنیا کے استادوں' ادھیاپکوں اور تعلیم دینے والوں کا خاص فرض ہے کہ رہ ھمیشہ اِس بات کا خیال رکھیں کہ اُن کے ودیارتھیوں کا دماغ' اُن کا دل اور اُن کا جسم تینوں تھیک ٹھیک اور ایک ساتھ سل کر چلیں اور بڑھیں ، ولا تعلیم ھی اچھی تعلیم ھوسکتی ہے جو ودیارتھی کے دماغ کو ستیے اور کام آنے والے گیان سے بھر دے' اُس کے دل کو اونچا رکھے اور اُسے دل پر قابو کرنا سکھاوے اور اُس کے وفن سپن کو نیک' پروپکاری اور متحکثی باارے جس سے وہن سپن کو نیک' پروپکاری اور متحکثی باارے جس سے دماغ' دل اور جسم تینوں سلدر دکھائی دیں اُس کے دماغ کی تعلیم' مانو دھرم یعنی مذھب انسانیت کی تعلیم اور اچھی دستکاریوں اور پیشے کی تعلیم تینوں فرروی ھیں .

آچکل یورپ کے بڑھ چڑھ دیشوں میں یہ بات بڑی اچھی مورلئی ھے کہ کس ودیارتھی میں کتنے درچے کی اور کس طرح کی سمجھ ھے، اِسے وہ خوب تجربے کر کرکے پتہ لکاتے ھیں . لیکن ابھی شاید اُن کا دھیان اِس طرف نہیں گیا کہ ھر ودیارتھی کے سوبھاؤ کو بھی سمجھنے کی کوشش کریں، یعلی یہ کہ ودیارتھی میں گیان کو بڑھانے کا پہلو زیادہ زور دار ھے یا عمل کا پہلو زیادہ زور دار ھے یا عمل کا پہلو زیادہ چمکتا ھوا ھے . اس چیؤ کے بغیر سمجھے ھر لڑکے یا لڑکی کو سماج میں اُس کی تھیک جگہ دے سکنا نام وہ پھول کی طرح پروا اُنھل سکے گا اور نہ سماج کو اُس سے پورا فائدہ یہونچ سکے گا ، حس طرح حکیم یا وید کا کام ھے کہ رہ ایا درکی کے مزاج جس طرح حکیم یا وید کا کام ھے کہ رہ ایا درکی کے مزاج جس طرح حکیم یا وید کا کام ھے کہ رہ ایا درکی کے مزاج حسی کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویسے ھی میں کس کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویسے ھی میں کس کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویسے ھی میں کس کو بڑھائے اور کسکو دیائےکی ضرورت ھے، ویسے ھی

के वर्स का नाम 'ताकां' रक्खा. ताकां का अर्थ भी रास्ता है. चीनी शब्द 'ताकां' के लगभग यह सब अर्थ होते हैं जो संस्कृत शब्द 'धर्म' के. ताकां धर्म और वैदिक धर्म दोनों के जानने वालों की राय है कि दोनों में कदम कदम पर एक दूसरे के साथ गहरी समानता है. 'ताओं' शब्द 'नहा' शब्द के भी अर्थ में आता है.

हम इनमें से किसी रास्ते को भी समकें, परखें और उस पर चलें, नतीजा हर सूरत में हमें एक ही मिलेगा, यानी यह कि धर्म का रास्ता सुख शान्ति का रास्ता है, दुज, मौत और डर से छुटकारे का रास्ता है. वह रास्ता 'तर्के खुदी' या 'श्रस्मिता त्याग' यानी अपनी छोटी खुदी को समाज की और दुनिया की वेश्वन्त विशाल श्रांत्मा में लीन या फना कर देने का रास्ता है.

दुनिया के सब धमों में तीन अलग अलग मार्ग या तरीक़े मिलते हैं. वैदिक धर्म में इन्हें झान मार्ग, भक्ति मार्ग और कर्म मार्ग कहा गया है. इसलाम में इन्हों को 'मारकत', 'तरीक्रत' और 'शरीअत' कहा जाता है. यही तीन रास्ते ईसाई मजहब में भी मिलते हैं बौद्ध धर्म में इन्हों तीन को 'सम्यक हश्ट', 'सम्यक संकल्प' और 'सम्यक व्यायाम' कहा गया है. जैन तत्वार्थ सूत्र में भी इन्हों तीनों का जिकर है. सूकी किताब 'गुलशने राज' में इन तीनों रास्तों को खूब अच्छी तरह समकाया गया है और यह भी कहा गया है कि ये तीनों रास्ते—"सुभद दायम मियाने कुफ़ो ईमाँ" यानी इफ और इसलाम दोनों में यह एक बराबर हैं.

ऐसे ही महाभारत में जिला है-

"अपनी ज्ञान को, अपने मन को और अपने शरीर को, जो इन तीनों को अपनी बुद्धि के बस में रख सके वही त्रिवंडी है."

बौद्ध प्रंय धम्मपद में भी 'भिच्च' की ठीक यही तारीक की गई है और इसी को 'साधूपन' कहा गया है. आदमी के स्वभाव के ये तीन पहलू साक हैं—ज्ञान, इच्छा और किया यानी इलम, खाहिश और अमल. इसी लिये इन तीन के मुताबिक तीन रास्ते या रास्ते के तीन पहलू सब धमों में बताए गए हैं—ठीक जानना, ठीक चाहना और ठीक अमल करना. पारसी धर्म में इसी को जरा बदल कर 'हुम्त', 'हुक्त', 'हुक्त' नाम दिये गए हैं जिनके मानी हैं—ठीक सोचना, ठीक बोलना और ठीक बरतना. उपनिशदों में भी यह स्वयाल बारबार आता है. यही बात महाभारत में भी बारबार दोहराई गई है. जेन्द्अवस्ता में लिखा है—

"शहुरमञ्द् यानी ईश्वर कहता है कि जो लोग भकाई सोचते हैं, भलाई कहते हैं और भलाई करते हैं उनके में साथ रहता हूँ और उनके नहीं जो छुराई सोचते हैं, बुराई कहते हैं और खुराई करते हैं.' کے دھوم کا نام 'تاؤ' رکھا ۔ تاؤ کا اُرتھ بھی راستھ ہے ، چھٹی شہد 'تاؤ' کے لگابھگ وہ سب ارتھ ھوتے ھیں جو سفسکرت شہد 'دھوم' کے ۔ تاؤ دھوم اور ویدک دھوم دونوں کے جانئے والوں کی رائے ہے که دونوں میں قدم قدم پر ایک دوسرے کے ساتھ گہری سمانتا ہے ۔ ' تاؤ' شبد ' برھم' شہد کے بھی اُرتھ میں آتا ہے ۔

هم ان میں سے کسی راستے کو بھی سمجھھی، پرکھیں ارر اس پر چلھی نتھجھ ھر صورت مھی ھمیں ایک ھی ملے گا یعلی یہ کہ دھرم کا راستہ سکھ شانتی کا راستہ ھے، وہ راستہ دکھ، موت اور قر سے چھٹکارے کا راستہ ھے، وہ راستہ خودی کو سماج کی اور دنیا کی بے انت وشال آتما میں خودی کو سماج کی اور دنیا کی بے انت وشال آتما میں لھی یا فنا کر دیانے کا راستہ ھے .

دنیا کے سب دھرموں میں تین الگ الگ مارگ یا طریقے ملتے ھیں ۔ ویدک دھرم میں انہیں گیاں مارگ کا ہیں مارگ اور کرم مارگ کہا گیا ھے ، اسلام میں انہیں کو ' معرفت ' ' طریقت ' اور ' شریعت ' کہا جاتا ھے . ایموں انہیں انہیں تین کو 'سمیک درشتی 'سمیک سفکلپ' دھرم میں انہیں تین کو 'سمیک درشتی 'سمیک سفکلپ' اور 'سمیک ویا یام' کہا گیا ھے ۔ جین تتوارته سوتر میں بھی انہیں تینوں کو خوب اجھی طرح سمجھایا گیا ھے اور یہ بھی واستے میں انہیں طرح سمجھایا گیا ھے اور یہ بھی الیہ گیا گیا ھے کہ یہ تینوں راستے۔"بود دائم میانے کفر و ایمالی' میں یہ ایک برابر ھیں .

ایسے هی مها بهارت میں لکھا هے ۔۔'' ایڈی زبان کو ایڈی کو' ایٹی تیدوں کو ایڈی بہتھی کے بس میں رکھ سکے رهی تردندی هے . ''

بوده گرنته دهمید میں بھی 'بھکھو' کی تھیک یہی تعریف کی گئی ہے اور اِس کو ' سادھویس ' کہا گھا ہے ۔ آدمی کے سوبھاؤ کے یہ تین پہلو صاف ھیں ۔ گیان' اِچھا اور کریا یعلی علم' خواھش اور عمل ۔ اِسیلئے اِن تین کے مطابق تین راستے یا راستے کے تین پہلو سب دھرموں میں بتانے گئے ھیں ۔ تھیک جانا' تھیک چاھلا اور آبھیک عمل کرنا ۔ پارسی دھرم میں اِسی کو ذرا بدل کر آبھیک عملی ھیں ۔ تھیک سوچنا' تھیک بولنا اور تھیک پوتنا ، آپیشدوں میں بھی یہ خیال برابر آتا ہے ۔ یہی پہنو مہابھارت میں بھی یہ خیال برابر آتا ہے ۔ یہی پہنو مہابھارت میں بھی یہ خیال برابر آتا ہے ۔ یہی بھی کہا ہے ۔

" اهرهزد یعلی ایشور کہتا ہے که جو لوگ بھلائی سرچیے هیں' بیلائی کہتے هیں اور بھلائی کرتے هیں اُن کے مہی ساتھ رهتا هیں اور اُن کے نہیں جو برائی سوچیے هیں' برائی کہتے هیں اور برائی کرتے هیں ۔"

Mark Market Commencer Comm

धर्म या रुहानी साइन्स. मानव धर्म या मजहबे इनसानियत जो सब अलग अलग धर्मों का वह हिस्सा है जो सब में पाया जाता है हमें यह साफ बताता है कि ईश्वर की इच्छा क्या है. दूसरा यह कि खास सूरतों में अच्छे श्रीर समभ-दारी के क़ानून जो अच्छे और सममदार लोगों के बनाए हुए हों, ऐसे लोगों के जो ईश्वर को यानी सबके घट घट में रहने वाली आत्मा को जानते धौर प्यार करते हों. और जो बेलाग और बेगरज होकर सब का, सब अलग अलग भर्म वालों का, सब जमातों और सब पेशे वालों का भला चाहते हों, और भला करने की पूरी कोशिश करते हों, जिन पर सबको भरोसा हो-ऐसे लोगों के बनाए हुए क़ानून ही आहाँ तक मुमकिन हो सकता है ईश्वर की इच्छा के अनुसार हो सकते हैं. ऐसे लोग ही अल्लाह के नजदीक हैं और उसके बेटे कहलाने के हक़दार हैं. वह जनता या समाज की व्यापक बात्मा, 'रूहे कुल' के नुमाइन्दे होते हैं. ऐसे लोगों के बनाए हुए क्वानूनों से ही जनता का भला हो सकता है. ऐसे लोगों की हकूमत ही 'राम राज' या 'हकूमते इलाही' कहला सकती है.

'क्रिश्चियैनिटी' शब्द का भी श्रासल मतलब वही हैं जो धर्म का. 'क्रिस्टास' का श्रार्थ हैं 'ईश्वरी झान में नहाया हुआ' यानी वह जो अपनी छोटी खुदी को मिटा कर बड़ी खुदी यानी समाज की आत्मा या परमातमा को उसकी ख़गह बैठा चुका हो.

'वैदिक धर्म' का अर्थ है ज्ञान का धर्म, समफदारी का धर्म. 'सनातन धर्म' का अर्थ है हमेशा का धर्म. 'मानव धर्म' का अर्थ है समेशा का धर्म. 'मानव धर्म' का अर्थ है सब इनसानों का धर्म जिसे आजकत योरप में 'ह्यू मनिज्म' कहते हैं. 'बौद्ध धर्म' का अर्थ है सुद्धि यानी अकल का धर्म. 'आर्य धर्म' का अर्थ है मले लोगों का धर्म. मजहब का अर्थ है रास्ता, यानी पथ या पंथ, नेकी का रास्ता, सुख सौख्य का रास्ता.

इस रास्ते पर चलने के लिये रोशनी हर आदमी को अपने अन्दर से ही मिल सकती है. भागवत में लिखा है—

"रोशनी आदमी के अपने अन्दर ही है और कहीं नहीं, और वह रोशनी सब प्रानियों में एक बराबर है."

हजरत ईसा ने कहा है—"इस बात को समक लेना ही कि सब की आत्मा ही मेरी आत्मा है सचाई को जानना है, अपनी तरह सबसे प्यार करना ही ठीक जिन्दगी है और सबके लिये वही करना जो आदमी अपने लिय बाहता है यही धर्म का रास्ता है."

जापान के पुराने धर्म का नाम 'शिन्तो' है. 'शिन्तो' का अर्थ भी सब आत्माओं का रास्ता है. साओरजे ने चीन فَقَرم يَا روحالي سائلس مانو دهرم يا ١٠هب انسالهمته چو سب الگ الگ دهرموں کا وہ حصہ ہے جو سب مهن يايا جاتا هے همين يه صاف بتاتا هے كه أيشور كي إجها كيا هے . دوسرا يه كه خاص صورتوں ميں اچهے اور سمجهداری کے قانون جو اچھے اور سمجهدار لوگوں کے بنائے ہوئے ہوں' ایسے اوارں کے جو ایشور کو یعنی سب کے گھت گھت میں رہاے والی آنما کو جانتے اور بھار کرتے ھوں' اور جو بے لاک اور بے فرض ھوکر سب کا' سب الگ الگ دهرم والول کا سب جماعتول اور سب پیشیم والوں کا بہلا چاعظے ہوں اور بہلا کرنے کی پرری کرشش کرتے ہوں جن پر سب کو بھروسہ ہو۔۔ایسے لوگوں کے بدائر هورُر قانون هي جهال تک ممکن هوسکتا ه أيشور کی اچھا کے انوسار هوسکتے هیں . ایسے لوگ هی الله کے نردیک میں اور اس کے بیتے کہلانے کے حقدار هیں. وہ جنتا یا سمام کی ریابک آنما' 'روم کل' کے نمائلدے ہوتے ھیں . ایسے لوکوں کے بنائے ھوئے قانونوں سے ھی جنتا كا بهلا هوسكتا هي . أيسم لوكون كي حكومت هي 'دام داب' یا 'حکومت الهی' کهلا سکتی هے .

' کرشچینتی 'شدد کا بھی اصل مطلب وہی ہے جو دھرم کا ' کرستاس' کا ارتھ ہے ' ایشوری گیان میں نہایا ھوا' یعلی وہ جو اپنی چھوتی خودی کو متا کر بتی خودی یعنی سماج کی آتما یا پرمانما کو اس کی جگه بیتھا چکا ھو ۔

' ویدک دهرم 'کا ارته هے گهان کا دهرم' سمجهداری کا دهرم 'سفاتن دهرم 'کا ارته هے همیشته کا دهرم 'سفاتن دهرم 'کا ارته هے همیشته کا دهرم جسے آجکل یورپ مهن ' ههوسلازم ' کهنتے ههن ، ' بوده دهرم 'کا ارته هے بدهی یعلی عقل کا دهرم ، آریه دهرم کا ارته هے بهلے لوگوں کا دهرم ، مذهب کا ارته هے راسته' یعلی پته یا لوگوں کا دهرم ، مذهب کا ارته هے راسته' یعلی پته یا پنته' نیکی کا راسته' سکه سوکههه کا راسته ،

اس راستے ہو جلنے کے لگے ررشنی ہو آدمی کو آئے اندر سے هی مل سکتی ہے ، بھائوت میں لکھا ہے —

" ررشنی آدمی کے اپنے اندر هی هے اور کہیں نہیں' اور وہ روشنی سب پرانیوں میں ایک برابر هے ۔''

حضرت عهسی نے کہا ھے --- '' اِس بات کو سمجھ لینا ھی کہ سب کی آتما ھی مہری آتما ھے سچائی کو جاننا ھے اور ھے اور ھی تہیک زندگی ھے اور سب سے پیار کرنا ھی تہیک زندگی ھے اور سب کے لئے وھی کرنا جو آدمی آپ لئے چاھتا ھے یہی دھرم کا راستہ ھے ۔''

جایان کے پرانے دھرم کا نام 'شنتو' ھے . اور 'شنتو' کے اور 'شنتو' کا اُرتھ ہے . لاؤ تزے نے جھن کا اُرتھ ہے . لاؤ تزے نے جھن

अक्तूबर '51

14.75. 3 (4.1) 14.75. 3 (4.1) (290)

'51 ₇₆₇51

स्वाग सब इसमें का जाते हैं. जिना इस करह की कुरवानी या इस तरह के त्याग के कोई आदमी अपनी छोटी छोटी निजी जरूरतों को भी पूरा नहीं कर सकता. स्वार्थ भी परमार्थ के सहारे ही चक्ष सकता है. संसार का यही अटल नियम है. गीता में भी कुरन ने कहा है:—

"भगवान ने सहिरट के शुरू में यज्ञ से सब प्रानियों को बना कर उन्हें यह हिदायत करदी कि इस यज्ञ से ही तुम सब फल फूल सकते हो. यही वह कामधेनु गाय दें जो तुन्हारी सारी इच्छा मों को पूरा कर सकती है."

यहाँ 'यहा' का मतलब है एक दूसरे की सेवा, एक दूसरे की मद्द और एक दूसरे के लिये त्याग यानी अपनी छोटी सी ख़ुवी को दूसरों की या समाज की भलाई में छुरवान कर देना. इसी तरह समाज भी हर आदमी के लिये यह यानी क़रवानी करता है. इसी लेन देन को इस तरह के कानूनों के जरिये कायदे में लाया जाता है. जो कानून अधि-कारों को कर्तव्यों के साथ और इनसानों को एक दूसरे के साथ बाँधते हैं. हर आदमी को यह समकता होता है कि मैं समाज का एक छोटा सा हिस्सा हूँ. मेरी आत्मा उसी बड़ी भारमा का एक जर्रा है, ठीक उसी तरह जिस तरह आदमी के जिस्म का हर श्रंग श्रीर हर जरी सारे जिस्म का श्रंग होता है. जिस्म की जिन्दगी में उसकी जिन्दगी और जिस्म की मौत में उसकी मौत होती है. इस एक बात को समक लेना ही सारे धर्म, मजहब या रिलिजन का इत्र हैं. ऋौर आगो चल कर यह जान लेना कि यह सब अलग अलग जानें या ऋलग अलग वजूद उसी एक बड़े वजूद से निकले और बने हैं और आखिर में उसी में जाकर मित्र जायंगे घौर इस समम से जो सच्चा बढ्णन, ऊँचापन, उदारता और रवादारी आदमी में पैदा होती है यही ऊँचे से ऊँचा धर्म, मजहब या 'रिलिजन' है.

इसलाम शब्द 'सल्म' से निकला है, जिसके मानी हैं 'शान्ति' या 'अमन'. इन मानों में इसलाम शब्द ही इसलाम धर्म का सार है. इसका मतलब है शान्ति के साथ अल्लाह के सामने कुकना यानी अपने को उसके हवाले कर देना, उसकी सब आक्राओं को मानना. संस्कृत में इसी को 'प्रियाधान' या 'प्रपत्ति' कहा गया है, यानी खुदी को मारना और खुदा को उसकी जगह बैठाना. वैदिक असूल है—"नमम किन्तु तब ईहा" यानी हे ईश्वर! तेरी इच्छा पूरी हो मेरी नहीं. इस भाव में इब कर और उसके अनुसार अमल करके ध्री आदमी सारी दुनिया के साथ अमन और सुख से रह सकता है.

यहाँ यह सवाल पैदा होता है कि कितने आहमी ईरवर, सुदा या परमात्मा की इच्छा को जान सकते हैं. इसके दो सुदाब हैं. एक यह कि ज्यापक बुनियादी धर्म, साइनसी

''بھکوان نے سرشتی کے شروع میں یکیہ سے سب پرانیوں کو بنا کر اُنہیں یہ هدایت کردی که اس یکیہ سے میں تم سب پہل پہول سکتے هو . یہٰی وہ کامدهینو گئے ہے جو تمہاری ساری اِچھاؤں کو پورا کرسکتی ہے .

یہاں اِس 'یکیء' کا مطلب ہے ایک دوسرے کی سہوا' ایک دوسرے کی مدد اور ایک دوسرے کے لئے تھاگ پعنی ایدی چهوتی سی خودی کو دوسروں کی یا سماج کی بهلائي مين قربان كرديدًا . إسى طرح سماج بهي هر آدمی کے لیے یکھے یعلی قربانی کرتا ھے . اِسی لیون دین كو اس طرح كے قانونوں كے ذريعے قاعدے سين لايا جاتا ھے جو قانون ادھیکاروں کو کرتوہوں کے ساتھ آور انسانوں کو ایک دوسرے کے ساتھ باندھتے ھیں. ھر آدمی کو یہ سمجهنا هوتا هے که میں سمام کا ایک چهوتا سا حصة هور ، مهرى آنما أسى برى آنما كا ايك ذره هـ تههك اسی طرح جس طرح آدمی کے جسم کا هر انگ ارر هر دره سادے جسم کا انگ هوتا هے . جسم کی زندگی میں اسکی ، ونداي ارز جسم كي موت مين أس كي موت هولي هـ . اس آیک بات کو سمجھ لینا ھی سارے دھرم' مذھب یا ولهجون كا عطر هي . اور آئے چل كرية جان ليدا كه يه سب آگ الگ جانیں یا الگ الگ وجود أسی ایک ہوے وجود سے نکلے اور بنے هیں اور آخر میں اُسی میں جاکر مل جائیں کے اور اِسِ سمجھ سے جو سچا ہوپین' اُونچاپن کا ارتا اور رواداری آدسی مهن یهدا هوتی هے يهي اونجے سے اونچا دهرم' مذهب يا 'رليجن' هے .

اسلام شدد 'سلم' سے نکلا ہے' جس کے معلی ھیں 'شائتی'
پا 'امن'، اِن معدوں میں اسلام شدد ھی اسلام دھرم کا سار ہے۔
اُس کا مطلب ہے شائتی کے ساتھ اللیم کے ساملے جھکنا
پیمٹی ایلے کو اُس کے حوالے کر دینا' اس کی سب آگیاؤں
پیمٹی ایلے کو اُس کے حوالے کر دینا' اس کی سب آگیاؤں
پیمٹی' کہا گیا ہے' یعنی خردی کو مارنا اور خدا کو اُس
پیریٹی' کہا گیا ہے' یعنی خردی کو مارنا اور خدا کو اُس
پیریٹی جگھ بھٹھانا ۔ ویدک اصول ہے۔'' نمم کفتو تو ایہا''
پیمٹی ہے ایشور ا تیری اِچھا پوری ھو مہری نہیں ۔ اِس
پیمٹا میں تیرب کر اور اس کے انوسار عمل کوکے ھی آدمی

یہاں یہ سوال پیدا ہوتا ہے کہ کتنے آدمی ایشور' خدا یا پرماتما کی اِچھا کو جان سکتے ہیں ۔ اِس کے دو جواب ہیں ۔ ایک یہ کہ ویایک بنیادی دھرم' سائنسی हीरा हरेक को नहीं विकास जाता. हरेक ससकी क्रद्र नहीं कर सकता. इसीकिये असकी ज्ञान उपमाओं और सिसाकों में बयान किया जाता है.

इजरत ईसा ने इनजील में एक जगह कहा है:--

"ईश्वर के राज के भेद जानने का तुम्हें मौका दिया गया है, लेकिन उन लोगों को यह मौका नहीं दिया गया. बिस किसी के पास चाबी होगी उसी को मौका दिया जायगा, और उसे बहुतायत के साथ मिलेगा. लेकिन जिस किसी के पास चाबी नहीं है या जिससे उर है कि वह चाबी का ग़लत इस्तेमाल करे उस से कभी कभी जो कुछ उसके पास है वह भी ले लिया जाता है."

तेकिन फिर सवाल सामने आता है कि आखिर धर्म, मजहब या रिलिजन है क्या चीज ? यहाँ हम इस सवाल पर बहुत सरसरी विचार ही कर सकते हैं.

अंगरेजी शब्द 'रिक्रिजन' दो लातीनी शब्दों 'रि' और 'किजारे' से बना है जिनके मानी हैं 'फिर से बांधना' यानी जो चीज आदमियों को एक दूसरे के साथ और सबको भगवान के साथ हमद्रदी और प्रेम की डोरी में बाँधे वही 'रिलिजन' है. आदमी का निचने दरजे का स्वाभाव, उसका मन, उसका नक्स उसे बार बार दूसरे आद्मियों से और भगवान से फाइता रहता है और 'रिलिजन' उसे बार बार फिर से जोड़ता रहता है. इस एकता की तरफ बराबर भ्यान जमाप रखना, खाते पीते चलते फिरते इसका खयाल रखना यही धर्म का सार है. इसी से आदमी के सब काम ठीक और अञ्बे रह सकते हैं. इसी से क़ौमों में वह शक्ति पैदा होती है जिससे बड़ी बड़ी सभ्यताएं जन्म लेती हैं भीर कायम रहती हैं. इतिहास में जितनी बड़ी बड़ी सभ्यताएं हुई हैं या हैं हरेक का अपना कोई न कोई खास 'रिलिजन' होता है, कोई न कोई आदर्श होता है जिसकी वह मानती और पूजती हैं. हर नए रिलिजन की पैदाइश के साय साथ यानी धर्म की पुरानी भावना में फिर से जान बाले जाने के साथ साथ लोगों में मिल कर काम करने की इच्छा जागती है और हमेशा इसी से नई सभ्यताओं ने सम्म लिया है.

संस्कृत शब्द 'धर्म' 'धु' धातु से निकला है जिसके मानी भी 'बाँभे रखना' या 'सँभाले रखना' है, जो अर्थ रिलिजन का है वही धर्म का है.

समाज में लोगों को बाँधे रखना या मिलाए रखना तभी हो सकता है जब सब एक दूसरे को कुछ देते रहें भीर एक दूसरे से लेते रहें. इसी को 'हक और फर्ज' या 'अधिकार और कर्तव्य' अंगरंजी में 'राइट एन्ड ड्यूटी' का नाम दिया जाता है. एक दूसरे के लिये छोटी छोटी करवानियाँ या العهرا هر ایک کو نههی دکهایا جاتا . هر ایک آسکی قدر نهیی کرسکتا . اسی لگے املی گهای آیماؤں آور مثالی میں بهان کیا جاتا هے .

حضرت عهسول نے التجهل میں ایک جکہ کہا ہے:

''ایشور کے راج کے بهید جانئے کا تدہیں موقع دیا گھا
ہے' لیکن اُن لوگوں کو یہ موقع نہیں دیا گھا ، جس
کسی کے پاسچابی ہوگی اُسی کو موقعہ دیا جائیکا' اور اُسے
بہتایت کے ساتھ مہلیکا ، لیکن جس کسی کے پاس چابی
نہیں ہے یا جس سے قر ہے کہ وہ چابی کا فلط استعمال
کرے اُس سے کہھی کبھی جو کچھ اُسکے پاس ہے وہ بھی
لے لھا جاتا ہے۔''

لیکن پهر سوال سامنے آتا هے که آخر دهرم' مذهب یا رلینجن هے کیا چهز ؟ یہاں هم اس سوال پر بہت سر سری وچار هی کرسکتے هیں ۔

انگریزی شبد 'رلیجن' دو لاطینی شبدون 'ری' اور الجارے' سے بنا ہے جن کے معنی میں 'بھر سے باندھنا' یعلی جو چهز آدمیوں کو ایک دوسرے کے ساتھ اور سب کو بھگوان کے ساتھ همدردی اور پریم کی دوری میں باندھے وهي 'دلهجن' هے . آدمي كا نجلے درجے كا سوبهاؤ' أسكا من ' أسكا نفس أسے بار بار دوسرے آدمهوں سے اور بھگوان سے پہارتا رہتا ہے اور 'رلیجن' أسے بار بار پھر سے جورتا رهمًا هے . اِس ایکمًا کی طرف برابر دهیان جمائے رکھنا کہاتے بیتے چلتے بہرتے اِسکا خیال رکھنا یہی دھرم کا سار ھے . اسی سے آدمی کے سب کام تبیک اور اچھے رہ سائتے ھوں ۔ اِسی سے قوموں میں وہ شکتی بیدا ہوتی ھے جس سے بوی بوی سبھیتائیں جنم لیتی میں اور قائم رهته هدي التهاس مهل جندي بري بري سبههائين هرئی هیں یا هیں هر ایک کا ایدا کوئی نه کوئی خاص الهليجين هوتا هے کوئي نه کوئي آدرهن هوتا هے جسکو ولا مانعی اور پوجعی ہیں ۔ ہو انٹے رایطوں کی پیدائش کے $^{\circ}$ ساتھ ساتھ یعلی دھرم کی پراسی بھاؤنا مھں بھر سے جان قالے جانے کے ساتھ ساتھ لوگوں میں مل کر کام کرنے کی الهما جائتي هے اور همدشه اِسي سے نئي سبهدتاؤں نے جلم

سنسكرت شبد 'دعرم' 'دهرى' (ك) دهاتو سے نكلا ہے جسكے معلى بهى 'باندھ وكهنا' يا 'سنبها لے وكهنا' ہے . جو ارته وليجن كا هے وهى دهوم كا هے .

سماج میں لوگوں کو باندھے رکھنا یا ملائے رکھنا تبھی ھوسکھا ھےجب سب ایک دوسرے کو کچھ دیتے رھیں اور ایک دوسرے کو کچھ دیتے اور فرض' یا ایک دوسرے سے لیکے رفین ، اسی کو 'حتی اور فرض' یا المعیکار اور کرتویہ' انگریزی ، بس 'رائت ایندتدیوتی' کا نام دیا جاتا ہے. ایک دوسرے کے لئے چھوتی چھوتی قربانیاں یا

द्रश्य क्यांने का एक बहुत होता है और उताइने का दूसरा बहुत होता है......गिराने का एक बहुत होता है और बनाने का दूसरा बहुत होता है, कोई बहुत रोने का होता है और कोई हंसने का, कोई समय चुप रहने का होता है और कोई बोलने का."

मुहम्मद साहब की एक मशहूर हदीस हैं. वह कहा करते थे — ''इस समय तुम एक ऐसे जमाने में हो कि जब जो जो हुकुम तुमको दिये जा रहे हैं उनमें से एक दसवां हिस्सा भी अगर तुम छोड़ दोगे तो तुम बरबाद हो जाओंगे. इसके बाद एक जमाना आयगा कि जब जो आदमी जो जो हुकुम इम बक्षत दिये गए हैं उनके दसवें हिस्से पर भी अमल करेगा वह निजात पायगा.'' (तिरमिजी)

मौलाना जलालु उद्दीन रूमी ने दीन की 'श्रस्त' यानी इसके प्रधान श्रंश को इसके 'क ह' या गौरा श्रंश से श्रलग करते हुए श्रपनी मसनवी में लिखा हैं:—

> मन ज क़ुरां मग्ज रा बरदाश्तम उस्तक्षां पेशे सगां अन्दाखतम

यानी मैंने कुरान में से गूदा गूदा ले लिया है भौर हिबुयां कुत्तों के सामने फेंक दी हैं.

मौलाना रूम की मसनवी को मुस्लमान आलिम "कारसी जवान का करान" कहते हैं.

गीता में भी कृश्न ने साफ साफ शब्दों में वेदों के रीत रिवाजों और कर्म कान्डों पर जोर देने वालों की निन्दा की है और उन्हें 'नासमंभ' कहा है.

एक और बात भी हैं. जिनकी बात्माएं अभी बच्चों की सी हैं उन्हें हम धीरे धीरे कम जरूरी चीजों से अधिक जरूरी चीजों की तरफ ले जाते हैं. धीरे धीरे उन्हें शब्दों से असल अर्थ की तरफ लाते हैं. इनजील में कहा गया है कि—"बच्चों को दूध दो और बड़े आदमियों को खाना हो." हजरत मूसा और हजरत मोहम्मद भी बिना नक़ाब या परदे के 'नूर क़ाहिर' यानी उस अन्जाह के चेहरे को न देख सकते थे. अर्जुन की जब एक पल के लिये आँखें खुलीं और उसने 'हजारों सूरजों से बढ़कर' चमक वाले उस बिराट रूप को देखा तो वह काँप उठा. उस बिग्नन की ज्योति के सामने आदमी की सारी खुदी और उसका सारा वज्द जलकर या पिचल कर खतम हो जाता है.

पुरान में लिखा है-

"मामूली आद्मियों के देवता निदयों और तासाओं में होते हैं, उन से जियादा सोचने सममने वालों के देवता आकाश और रोशनी में होते हैं, बच्चों के देवता लकड़ी परवर में होते हैं और बुद्धिमान आदमी खुद अपनी आत्मा के अन्वर अपने देश्वर अल्लाह का दर्शन करता है." فرخمت لگائے کا ایک وقت ہوتاہے آور اُکھاڑ نے کا دوسوا وقت ہوتا ہے۔گرائے کا ایک وقت ہرتا ہے' اور بنانے کا دوسوا وقت وقت دونے کا ہوتا ہے اور کوئی ہلسنے کا کوئی سے جہب رہنے کا ہوتا ہے اور کوئی بولنے کا''۔

محمد فآحب کی ایک مشہور حدیث ہے ، وہ کہا گرتے تھے کھ۔ 'اِس سبے تم ایک ایسے زمانے میں ہو که جب جو جو جو حکم تمکو دیئے جارہے ہیں اُن میں سے آیک دسواں حصہ بھی اگر تم چھور در کے تو تم برباد ہو جاڑ کے ، اِس کے بعد ایک زمانہ آئیکا کہ جب جو آدسی جو جو حکم اِس وقت دیئے گئے ہیں اُن کے دسویں حصے پر بھی عمل کریکا وہ نجات پائیکا '' (ترمذی)

مولانا جلال الدین رومی نے دین کی 'اصل' یعنی اُسکے پردھان اُنھی کو اُس کے 'فروع' یا گون اُنھی سے اُنگ کرتے ہوئے ایفی مثنوی میں لکھا ہے:---

من زقرآن مغز را برداشتم استخوان پیش سکان انداختم

یعنی میں نے قران میں سے کودا کودا لے لیا ہے اور ہدیاں کتوں کے ساملے پھیلک دی ہیں .

مولایا روم کی مثذری کو مسلمان عالم ''فارسی زیان کا قرآن'' کهتم ههی ـ

گیتا میں شری کرشن نے مان مان شبدوں میں ویدوں کے ریت رواجوں اور کرم کانڈوں پر زور دیائے والوں کی نندا کی ہے اور انہیں 'ناسمجھ' کہا ہے .

ایک اور بات بھی ہے ، جنکی آنمائیں ابھی بچوں کی سی هیں اُنہیں مم دهیرے دعورے کم فررری چونوں سے اُدھک فروری چونوں کی طرف لے جاتے میں ، دعیرے دهیرے اُنہیں شہدوں سے اصل ارتب کی طرف لاتے میں ، انتجیل میں کہا کیا ہے کہ۔''بچوں کو دودہ دو اور بڑے آنمیوں کو کھانا دو'، حضرت موسی اُر حضرت محصد بھی انتہ یا بردے کے'نور قاهر' یعنی اُس الله کے چہرے کو نه دیکھ سکتے تھے ، اُرجن کی جب ایک پل کے لئے انکھیں کہلیں اُرد اُس نے 'هزاروں سورجوں سے بڑھکر' آئکھیں کہلیں اُرد اُس نے 'هزاروں سورجوں سے بڑھکر' آئیا ، اُنٹ کی جیوتی کے سامنے آدمی کی ساری سے اُنٹ اُنٹ کی جیوتی کے سامنے آدمی کی ساری گیادی اور اُس کا سارا وجود جل کر یا پکھل کر ختم هو گیاتا ہے .

يران ميں لکها هـ-

المعمولي آدموں كے ديوتا نديوں اور تالاہوں ميں المؤقّة لهيں' أن سے زيادہ سوچانہ سمجھانہ والوں كے ديوتا ألاهي اور روشلي ميں هوتے هيں' بنجوں كے ديوتا لكوى لائهر ميں هوتے هيں اور بدهي مان آدمي خود أيلي ألاما كے اندر أبي أيشور الله كا درشن كرتا هے ''

तफरका दर नम्से हैवानी बुनद रूहे वाहिद रुहे इनसानी बुनद

यानी फरक या भेद भाव जानवरों या जानवरों के से दिमारा वालों के अन्दर होता है, इनसानी रूह वह है जो सब रूहों की एकता को सममती है.

अरबी का शब्द 'इनसान' 'उन्स' से निकला है जिसके मानी हैं 'प्रेम' या 'हमदरदी'. इनसान वह है जो सब के साथ प्रेम या हमदरदी करें, जो सब इनसानों का दस्त हो. ऐसे ही संस्कृत शब्द 'आर्य' 'ऋ' धातू से निकला है जिस का अर्थ 'जाना' है. आर्य शब्द का अर्थ बताते हुए एक बिद्वान ने कहा है—

निवारगार्थम ऋतीं नाम ऋतम योग्यो भवेततुयः अर्थते सततम चार्तैः स आर्थ इति कथ्यते.

यानी आर्य इस आदमी को कहना जो दुखियों का दुख दूर करने के क़ाबिल हो और जिसके पास हमेशा दुखी लोग अपने दुख दूर कराने के लिये चल कर आवें.

गीता में बार बार कहा गया है कि जो सब प्रानियों को एक ही निगाह से देखता है और अपने को सब में और अपने अन्दर सब को देखता है, और जो एक ईश्वर के अन्दर सबको और सब के अन्दर एक ईश्वर को देखता है बही जानी है और वही देखने वाला है.

यह भी जाहिर हैं कि किसी भी धर्म, मजहब के सब रीत रिवाज और उसकी सब बातें एक बराबर जरूरी या एक सी अहम नहीं होतीं. सब मजहबों में यह बात बता ती गई हैं कि उनमें कुछ बातें जियादा जरूरी हैं और कुछ कम, कुछ 'नित्य' हैं और कुछ 'काम्य' कुछ पक हुक्म हैं और कुछ सममाने के जिये मिसाल के तौर पर कहे गए हैं, कुछ 'मोहकमात' हैं और कुछ 'अतशाबेहात.' सब मजहबों में यह भी बताया गया है कि देश, काल और दालत के मुताबिक आदमी के यह छोटे छोटे कर्ज या उत्तरी रीत रिवाज बदलते रहते हैं. महाभारत में जिखा है—

देश काल निमित्ता नाम भेदै घर्मी विभिद्यते

यानी देश और काल, जगह और वक्त के फरक से धर्म अलग अलग होते हैं. यहाँ पर धर्म से मतलब इन्हीं ऊपरी रीत रिवाजों से हैं.

इनजील में लिखा है-

"हर चीज के लिये मौसम होता है और दुनिया की इट रारज के लिये एक वक्षत होता है ××× पैदा होने इस एक वक्षत होता है और मरने का अलग वक्ष्त होता है, تفرقه در نفس حیوانی بود روح انسانی بود

یمنی فرق یا بههد بهاؤ جانوروں یا جانوروں کے سے دماغ والوں کے اندر هوتا هے' انسانی ررح ولا هے جو سب ررحوں کی آیکٹا کو سمجھتی هے .

عربی کا شبد 'انسان' 'انس' سے نکلا ھے جس کے معلی مھی دپریم' یا 'ھمدردی'. انسان وہ ھے جو سب کے ساتھ پریم یا ممدردی کرے' جو سب انسانوں کا دوست ھو. ایسے ھی سلسکرت شبد 'آریہ' 'ری' (死) دھاتو سے نکلا ھے جس کا ارتھ 'جانا' ھے . آریہ شبد کا ارتھ بھاتے ھوئے ایک ودوان نے کہا ھے۔

نوارنارتهم ارتىنام أرتم يوكهو بهويت تويه اريتے ستتم چارتهه سآريه اتى كتهيتے.

یعلی آریه اُس آدمی کر کہنا جو دکھیوں کا دکھ دور کرنے کے قابل هو اور جس کے پاس عمیشت دانھی لوگ ایے دانے دور کرانے کے لئے چل کر آویں .

گھتا مھی بار بار کہا گھا ہے کہ جو سب پرانھوں کو ایک ھی نگاہ سے دیکھتا ہے اور اپنے کو سب میں ارر اپنے اندر سب کو دیکھتا ہے اور جو ایک لیشور کے اندر سب کو اور سب کے اندر ایک لیشور کو دیکھتا ہے وھی گھانی ہے اور وھی دیکھتے والا سے ۔

یہ بھی ظاھر ہے کہ کسی بھی دھرم' مذھب کے سب
ریت رواج اور اسکی سب باتیں ایک برابر ضروری یا
ایک سی اھم نہیں ہوتیں . سب مذھبوں میں یہ
بات بہادی گئی ہے کہ ان میں کچھ باتیں زیادہ ضروری
ھیں اور کچھ کم' کچھ انتیہ' ھیں اور کچھ 'کامیہ'
کچھ پکے حکم ھیں اور کچھ سمجھانے کے لئے مثال کے
طور پر کھے گئے ھیں' کچھ 'محکمات' ھیں اور کچھ
محمات' ھیں اور کچھ
محمات' ھیں اور کچھ
محمات' ھیں اور کچھ
محمات' ھیں اور کچھ
محمات کے مطابق آدمی کے یہ چھوٹے
چھوٹے فرض یا اوبری ریت رواج بدائے رھیے دھی۔
مہابھارت میں لکھا ہے۔

ديم كال نستعا نام

بههدے دعرمو ویبهدیتے

۔ یعنی دیش اور کال' جگه اور وقت کے فرق سے دھوم الگ الگ ھوتے ھیں ۔ یہاں پر دھرم سے مطلب انہوں اوروں ریت رواجوں سے ھے ۔

انجيل مين لكها هـ--

الهر چیوز کے لیے صوسم هوتا ہے اور دایها کی هر عربی کے لیے ایک وقت هوتا ہے × × × پیدا هونے کا ایک وقت هوتا ہے؛

कायान के एक विद्वान डाक्टर इनाफो नितान ने अपनी कितान 'आपान' में लिखा है कि सावनीं सदी ईसवी के शुरू में जापान में एक बहुत बड़ा सन्त और राजनेता हुआ है जिसका नाम शोतोकू था. जापान के इतिहास में उसे बड़े से बड़े महात्माओं में गिना जाता है. कहते हैं कि जब बह मरा तो बूढ़े लोग इस तरह रोए कि जिस तरह उनका बच्चा मर गया हो और नीजवान लोग इस तरह रोए कि मानो उनकी मां मर गई हो. उस फामने में 'शिनतो' धर्म जापान में पहले से मौजूद था और कनफ शियन धर्म चीन से और बौद्ध धर्म भारत से कोरिया के रस्ते जापान पहुँच चुके थे. इन वीनों मजहबों के पन्डे पुरोहित आपस में लड़ने लगे थे. डर था कि जापान के रहने वालों में मगड़े न बढ़ जायं. शोतोकू ने उन मगड़ों का फैसला इन शब्दों में किया:—

"शिनतो धर्म, धर्म की जड़ और उसका स्रोत है. जमीन और आसमान के पैदा होने के साथ साथ इस धर्म के श्रंकुर फूटे. यह धर्म आदमी को शुरू का रास्ता सिखाता है. कनफ़्शियन धर्म, धर्म की शाखें और उसके पत्ते हैं. आद्मी की पेदायश के साथ साथ इस भर्म के कल्ले निकले. यह धर्म आदमी को बीच का रास्ता बताता है. बौद्ध धर्म, धर्म का फूल और उसका फत है. आदमां का दिमारा। ताक़तों के बद्ने के साथ साथ इसने जन्म लिया. यह धर्म आद्मो को आखिरी रास्ता दिखाता है. इसिलय इन तानों में से किसी को छोड़ना अपीर किसी को लेनाया एक को दूसरे से जियादा पसन्द करना या बड़ा नताना देवल हट धर्मी भीर खुद्गारजी है. ××× वाहर से किसी नए धर्म के आने भौर अपनाए जाने से हमारो क़ौन की दिमारा। जंबाई एक हाथ बढ़ेगी ही. उससे पहले के धर्मी का अधिकार छिन नहीं जायगा. सच यह है कि हर नया धर्म पुराने धर्म की रोशनी को बढ़ाता और चमकाता है."

पक अंगरेजी किव ने बहुत अच्छा कहा है—"दूसरे का मज़ाक उड़ाना छोटे दिल वालों का काम है. बड़े और उदार दिल वालों के तार तराक़े भो बड़े और उदार ही होते हैं."

बीनी बौद्ध विद्वान स्-शुन-यान ने सिसा है—

"श्रलग श्रलग मज़हबों की तालीम एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं. बड़े दिल बाले लोग जानते हैं। क सब मज़हबों के श्रन्दर एक हा सी सचाइयां हैं. छोटे दिल बाले लाग केवल उनके फरकों को देखते हैं."

हर जमाने की पाक आत्माओं के अन्दर एक ही सा आन उतर कर उन सबको एक ईश्वर के और सब रस्कों के देस्त बना देता है. نجاہاں کے ایک ردوان قاکلر آنازو نعوبے نے اپنی کتاب میں ایک ردوان قاکلر آنازو نعوبے نے اپنی کتاب میں ایک بہت ہوا سنت اور راج نہتا ہوا ہو جیس کا نام شوتوکو تھا ۔ جاہان کے اتہاس میں اسے ہوتے سے روے مہاتماؤں میں گفا جاتا ہے ۔ کہتے ہیں کہ کہت مرا تو ، ورقے لوگ اس طرح روئے کہ جس طرح آن کا بہت مر کیا ہو اور نوجوان لوگ اس طرح روئے که مانو آن کی ماں مر گئی ہو ۔ اس زمانے میں ' شفتو' مانو آن کی ماں مر گئی ہو ۔ اس زمانے میں ' شفتو' دورم جاہان میں پہلے سے موجود تھا اور کلفوشیں دھرم جاہان میں بہلے سے موجود تھا اور کلفوشیں دھرم بہارت سے کوریا کے رستے جاہان بہونے چکے تھے ۔ ان تیاوں مذہوں کے پلڈے پروہت بہونے جاہان کے رہا ہے والوں میں جھگڑوں کا قیصلہ ان شہدر میں کیا :۔۔۔

''شنتو دهرم' دهرم کی حر اور اس کا سروت هے . زمین اور آسمان کے پردا هونے کے ساتھ ساتھ اِس دهرم کے انکر پہرتے . یہ دهرم آدمی کو شروع کا راسته سکھاتا هے . کلفوشیں دهرم' دهرم کی شاخها اور اُسکے پتے هیں آدمی کو بیچ کا راسته بتاتا هے . بوده دهرم' دهرم کا پهرل اور اُسکا پهل هے . آدمی کو بیچ کا راسته بتاتا هے . بوده دهرم' دهرم کا پهرل اور اُسکا پهل هے . آدمی کی دماغی طاقتوں کے بوهنے کے اور اُسکا پهل هے . آدمی کی دماغی طاقتوں کے بوهنے کے راسته دکھاتا هے . اس لیے ان تهنوں میں سے کسی کو بهبورنا اور کسی کو لینا یا ایک کو درسرےسے زیادہ پسلد کرنا یا بڑا بتانا کهول دمت دهرم کی اور خود فرضی هے . * × × × نظم کی اور خود فرضی هے . اس سے یا ہوا بتانا کهول دمت دهرم کے آنے اور اینائے جانے سے هماری یا ہوا بتانا دهرموں کا ادهرکار چھن نہیں جائےگا . سے یہ هے یہ هے پہلے کے دهرموں کا ادهرکار چھن نہیں جائےگا . سے یہ هے یہ هے دهرموں کا ادهرکار چھن نہیں جائےگا . سے یہ هے کہ هر نیا دهرم پرانے دهرم کی روشنی کو بوهاتا اور چمکاتا اور چمکاتا

ایک انگریزی کوی نے بہت اچھا کہا ہے ۔ 'دوسرے کا مذاتی اُزانا چھوٹے دل رائوں کا کام ہے . بڑے اور اُدار دل رائوں کے طور طویقے بھی بڑے اور اُدار ھی ھوٹے ھیں ۔''

چهنی بوده ودوان لو شن یان نے لکھا ھے۔۔

''الگ الگ مقدموں کی تعلیم ایک دوسرے کے معلق نہیں ہیں۔ بڑے دل والے لوگ جانتے ہیں که سیب مقعوں کے اندر ایک ہی سی سچائیاں ہیں۔'' جھوٹے دل والے لوگ کیول اُن کے فرقوں کو دیکھتے ہیں۔''

هر زمانے کی پاک آنماؤں کے اندر ایک هی ساگیان اُنز کر اُن سب کو ایک ایشور کے ارر سب رسواوں کے دوست بنا دیتا ہے۔ इन सब अलग अलग बोलियों, लिबासों और तौर तरीक़ों में इधर से उधर तक फैली हुई और रमी हुई एक बुनियादी एकता है जो इन सब को संभाले और मिलाए हुए है. यह वह सचाई है जिसे कभी हमें अपनी याद से नहीं मिटने देना चाहिये.

घदे, मटके, सुराही, गिलास, लोटे, जग वगैरा बरतन कितनी भी अलग अलग शक्लों के हों उन सब के अन्दर का पानी एक है. लैम्प, लालटेन, दिये, कन्दील, कानूस और बल्ब कितनी भी अलग अलग शक्लों के हों सब के अन्दर की रोशनी एक है. लकड़ी हो या कोयला, उपले हों या कोई और ईंधन आग सबके अन्दर एक है. चलते फिरते जानवर अनगिनत हैं और अनगिनत ही उनकी शक्लों हैं पर जान सब के अन्दर एक है. इसी तरह मजहब बहुत से हैं और सबके अलग अलग रीत-रिवाज और नाम रूप हैं पर आलमगीर यानी ज्यापक मानव धर्म, मजहबे इनसा-नियल एक ही है.

मशहूर द्यंगरेज विद्वान जे. ई. कारपैन्टर ने द्यपनी किताब 'दि प्लेस द्याफ क्रिशचियानिटी इन दी रिलीजन्स आफ दि वर्ल्ड' में चीन का हाल बयान करते हुए लिखा है:—

"चीन में यह रिवाज है कि जब कई देशों या सूत्रों के लोग एक दूसरे से मित्रते हैं तो हर एक दूसरे से पृछता है—'आप किस ऊँचे (सबलाइम) मजहब के हैं ?' तीन आदमियों में शायद एक कनफूशियन मजहब का मानने वाला है, दूसरा ताओं धर्म का और तीसरा बौद्ध धर्म का इसके बाद उन तीनों में से हर एक अपने मजहब के अलावा किसी दूसरे मजहब की दिल खोलकर तारीफ करना शुरू कर देता है. फिर वह तीनों मिलकर यह कहते हैं. "मजहब बहुत से हैं, समम एक हैं, हम सब माई हैं."

चीन के इस रिवाज को सुनकर एक तरह के आदमी विक्षा पड़ेंगे—"ढोंगी!" दूसरी तरह के आदमी कह पड़ेंगे—"पुराने खूसट, पागल, काठ के उल्लू!" एक तीसरी तरह के आदमी, जिनकी तादाद आजकल बदिकिस्मती से शायद बहुत कम है, कहेंगे—"कैसी अच्छी इनसाफ, समफदारी और शराफत की बात हैं!" अलग अलग विद्याओं के माहिर और अलग अलग कलाओं के कलावन्त जो अपनी अपनी विद्या और अपनी अपनी कला में मगन हैं और उसे समफते हैं, अगर वह सच्चे विद्वान और कलावन्त हैं, नीम मुल्ला या नीम हकीम नहीं हैं, तो एक दूसरे की कलाओं और विद्याओं के अन्दर उसी एक इनसानी होशियारी, लगन और बुद्धि की प्रखरता को देख सकते हैं, उस की फद्र कर सकते हैं और उसके सामने आदर के साथ कर कुका सकते हैं.

آن سپ آلگ آنگ بولهون لباسون آور طور طویقون مهون آنهر سے آدھر تک پہیلی ہوئی اور رسی ہوئی ایک پہلهائی آئیکٹا ہے جو آن سب کو سلبهائے اور مائنے ہوئے ہے ۔ یہ والا سچائی ہے جسے کبھی ہمیں اپلی یاد سے نہیں مائلے دینا جاھئے ۔

گهرتے' متکے' صراحی' کلاس' لرتے' جگ وههرا برتین کتفی بهی الگ الگ شکلوں کے هوں اُن سب کے اندر کا پانی ایک هے لیمپ' اللّتین' دیئے' قلدیل' فانوس اور پلب کتفی بهی الگ الگ شکلوں کے هوں سب کے اندر کی روشنی ایک هے الک شکلوں کے هوں سب کے اندر کی روشنی ایک هے الکری هو یا کوئلی' اُپلے هوں یا کوئی اور ایندهن آگ سب کے اندر ایک هے ، چلتے پهرتے جانور اُن گفت هی اور اُن گفت هی اور کی شکلیں هیں پر جان سب کے اندر ایک هے ، اسی طرح من ب بهت سے هیں اور سب کے اندر ایک هے ، اسی طرح من ب بهت سے هیں اور سب کے انگ الگ ریت رواج اور نام ررب هیں پر هال عالم گهر یعنی ویایک مانو دعوم' من عب انسانیت ایک هی هے ،

مشہور انگریز ردوان جے . اِی ، کارپینٹر نے اپنی اتاب ' دی کر پینس آف کر محیدانٹی اِن دی رلیجنس آف دی ورک میں جین کا حال بیان کرتے ہوئے لکھا ہے :--

'' چھن میں یہ رواج ہے کہ جب کئی دیشوں یا صوبوں کے لوگ ایک دوسرے سے ملتے ھیں تو ھر ایک دوسرے سے ملتے ھیں تو ھر ایک دوسرے سے پوچھٹا ہے۔' آپ کس اُرنچے (سب لائم) مذھب کے ھیں ؟' ترن آدمیوں میں شاید ایک کلفوشین دھرم کا مانئے والا ہے' دوسرا تاؤ دھرم کا اور تیسرا بودھ دھرم کا اُلے مذھب کے علاوہ کسی دوسرے مذھب کی دل کھول کر تعریف کرنا شروع کر دیتا ہے ۔ پھر وہ تینیں مل کر یہ کہتے ھیں سے شروع کر دیتا ہے ۔ پھر وہ تینیں مل کر یہ کہتے ھیں ۔' مذھب بہت سے ھیں' سمجھ ایک ہے' ھم سب بہائی ھیں' ."

چھن کے اس رواج کو سن کو ایک طرح کے آدمی چھ پرپہنگے۔ ' تعونگی ! ' دوسری طرح کے آدمی که پرپہنگے۔ '' پرانے کهرست' پاکل' کاٹھ کے آلو! .'' ایک تیسری طرح کے آدمی' جن کی تعداد آجکل بد قسمتی سے شاید بہت کی آدمی' جن کی تعداد آجکل بد قسمتی سے شاید بہت شرافت کی بات ہے !'' الگ الگ ودیاؤں کے مامر أور الگ الگ ودیاؤں کے مامر أور الگ الگ الگ ودیا اور أبنی لا میں مگن ھیں اور أسے سمجھتے ھیں' اگر وہ سچے وران أور کلاونت ھیں' نیم ملا یا نیم حکیم نہیں ھیں' اپنی دوسرے کی کلاؤں اور ودیاؤں کے اندر اسی ایک تو ایک دوسرے کی کلاؤں اور ودیاؤں کے اندر اسی ایک انسانی ھوشھاری' لگن اور بدعی کی پرکھرنا کو دیکھ سکتے ہیں' اس کی قدر کو سکتے ھیں اور اس کے سامنے آدر کے سامنے آدر



इ.11 अन्तूबर सन् '51 नम्बर 4 जात आदमी, प्रेम धर्म हैं, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर तिये प्रेम की मोली.

جلد 11 ہے اکتوبر' سن 51' نمبر 4 ہے۔ جات آدمی' پریم دھرم ہے' ھلدستانی ہولی' 'نہا ھلد ' پہلتچے کا گھر گھر لگے پریم کی جھولی ۔

राही

(भाई श्रली श्रहमद एम० ए०)

राही । अपनी राह चला जा

रगपर हैं सी सी धोके माया के फैले हैं फंदे हैं फूल, ज़ियादा कांटे कांटों को भी फूल सममता

राही ! श्रपनी राह चला जा

ो पथ तेरा नाले टीले बन जाएँगे हिमाले ो को दीइँगे काले इन कालों के सीस कुचलता

राही ! भ्रपनी राह चला जा

अहुं, भूकम्प श्राए परवत से परवत टकराए ो बलने से रुक जाए रुकने का तू नाम न लेना

राही । श्रपनी राह चला जा

िके मत ढूंढ इशारे भढका देगे राह ये तारे पीत के सपने सारे इन सपनों को मृट् समभाता

राही ! अपनी राह चला जा

भाँख मापक सकते हैं दिखा राह भटक सकते हैं भीर सरज थक सकते हैं धकना काम नहीं है तेरा

्राही। अपनी राह चला जा

راهی

(بهائی علی احمد ایم . اے .)

راهی! ایڈی راہ چا جا

ہگسیگ پر هیں سوسو دهوکے مایا کے پھیلے هیں پھندے کم هیں پهول زیادا کا تنے کانتوں کو بھی پھول سمجھتا

راهي! ايذي راة چا جا

روکھی کے پتھ تیرا نالے تیلے بن جائمی کے ہمالے قسلے کو دوریں کے کالے ان کابوں کے سیس کچلتا

راهي ! اينني راه چا جا

طوفان آٹھ، بھوکمپ آئے پریت سے پریت ٹکرائے فھرتی چللے سے رک جائے رکنے کا تو نام نہ لینا

رأهى ! ابنى راء چلا جا

آنکھوں کے مستدھون تھ اشارے بہتک دیں کے راہ یہ تارے جھوٹ یہ تارے جھوٹ سمجھتا

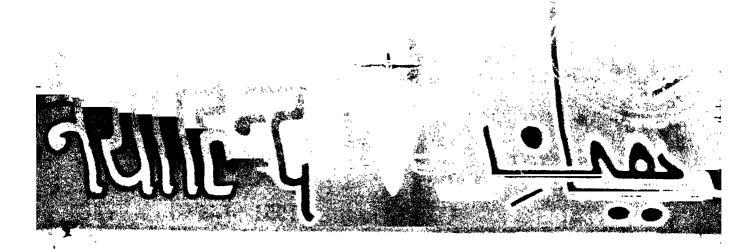
راهي ! ايدي راه چلا جا

راهي! ايني راه چلا جا

मास्यारी मन्त्रा भनत्वर 1951

ماموراری جرب احبر بر 1951

			4.0
अविका) आहे पत्नी व्यवस्था रण. ए	1.1	بالمسارس لالت	100
開発を対する である。 10 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1			
्राती का अवस्था स्थापना निका का रात	31 Si3-cr. 4		
			المكالس
विष्युक्तार विश्वी का चत-वादिरा से	200	لك مصري كا يخط سلالوا	
**************************************		to the could be the transfer of the court of	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
		المجالان	
		ちょうい さつかくれん ちょうしょ こうさいしょ	医肾上腺 医多二十二氯甲基甲磺胺
_Maigre 3-urt g. n.	300	ر مصدق مین دوالی	5
2000 TO 1000 T	1. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2. 2.	1 y 5 10 y 10 10 10 10 1	CONTRACTOR NOTES
्रार प्रका-कार्र हंसराज 'रहनर'		ملتا—یہائی ملسراج 'رہ	استحداد اور د
क्रियी- गाई स्थन मोतास			
		غدىبه لى مس ليال	* N **
अविश्वा चा सच्यों - अपटर जे.			
	to the control of the	ن نهون جاستانی است	ジェンイ
		•••	كساريها
	ت میں او 366		
_// Jack पर (sqid) — मार्र मनंत राज		عی تک (فہانی اسابہ	
THE STATE OF THE S	是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就是一个人,他们就		
अस्य क्षत्रम नाहे विशोधनाव वरास	ater SST	النوسيهالي كالورال م	
			المحدد الم
		Company of the second of the s	CONTRACTOR OF THE STANDARDS
west the	चरि		
The second secon			
THE STATE OF THE STATE OF	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
The second secon		جيلتل من مل کي	4.4
-कुला राज्यसः चीर की जावानी			
	3.2	عن البرسا برس-مبر	
	1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1	- 11 15 - 16 - 12 14 12 15 16 17 17 18 18 19 1	
्रांक विक-सुरेश राम मार्च		ل سيش رام بيدالي	



पडीटर--ताराचंद, भगवानदीन, मुज़फ़्तर हसन, बिज़म्भर नाथ, सुन्दरलाल التيتر-- تارا چند بهكوان دين مظفرحسن بشمههر ناته سندر ال

नायव एडीटर--सुरेश रामभाई, महमूद अहमद 'हुनर'

نائب الآيتر--سريص رام بهائي؛ مصود أحد 'هذر :

इस नम्बर के खाम लेख

मानव धर्म या मजहबे इनसानियत का रास्ता-डाक्टर भगवान टास

मौलाना अब्दुल्ला मिस्री का खत-काहिरा से बापू (कविता)—भगवानदीन चुनाव और जनता—हंसराज 'रहबर' येकगाड़ी नहीं जा सकती—जे. सी. कुमारप्पा गंगा से गोमती तक (कहानी)--मयंक राज बापू से-अगवानदीन

्रहमारी राय---

कम्युनिस्टों की चुनौती-भगवानदीन भूमिदान-भगवानदीन बर्ल्ड बैंक की ज्यादती—सुरेश रामभाई चीन की चाजादी का दूसरा बरस-भगवानहीन

اِس نمبر کے خاص لیکھ

تماني دهرم يا مذهب انسانهت كا راسته ذاكار بهكوان داس

مرلابا عبدالله مصرى كا خط قاهرة سے

ا بایو (اویتا)-بهکوان دین

نهناء آور جنتا ساهنسراج 'رهبر'

يهل گاتي نههن جاسكتي جي . سي . كماريدا

کلتا سے گومتی تک (کہانی سےمینک راج

ہاپو سے۔بکھوان دین منارى وأقےــــ

کمهونسٹلوں کی چلوتی - سبهکوان دین

بهومی دان- بهکوان دین

وراق بهلک کی زیادتی سسریش رأم بهائی جهدن کی آزادی کا دوسرا برس--بهگوان دین

🗱 कलचर सोसाइटी, इलाहाबाद



1951 أكتوبر श्रक्तूबर

क्रीयत रस भाना

فيسمع دس أنه

हिन्दुस्तानी कलचर

पर

निबन्धों (मकालों) के लिये

इनाम

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ने तय किया है कि हिन्दुस्तानी कलचर पर तीन सबसे ऋच्छे निबन्धों (मकालों) के लिये तीन इनाम दिये जाएं. पहला इनाम एक इजार कपए, दूसरा इनाम पाँच सी रुपए और तीसरा इनाम ढाई सी रुपए.

निवन्थों के उस हिन्दुस्तानी कल वर के, जो पिछले सार कराते में रूप लेती रही है, टिकाऊ पहलुओं को वयान करते हुए आगे के लिये एक हिन्दुस्तानी कल चर के रंग रूप को बताने की कोशिश होनी चाहिये. निवन्ध अंगरेजी में वा हिन्दुस्तानी में होने चाहियें. पाँच हजार से कम या दस क्वार से अधिक शब्द न हों. फुलस्केप काराज पर, काराज के एक सरफ, एक चौथाई हाशिया छोड़कर, टाइप करके हर विवन्ध की तीन कापियाँ 30 सितम्बर सन 1951 तक बीचे के पते पर आजानी चाहियें. हिन्दुस्तानी कल चर को साइटी को हक होगा कि आए हुए निवन्धों में से जिसे बाहे शाया करे.

सुन्दरलाल

सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद.

कि नोटः — यह नियन्च पहले 30 जून तक मँगाए गए थे और इनाम की रक्षमें कुछ कम थीं. अब इस के लिये अक्स और रक्षम दोनों बढ़ा दिये गए हैं.

≖-सम्बर्ताल

هندستانی کلپجر

نبندھوں (مقالوں) کے لئے

انعام

هندستانی کلچر سوسائٹی نے طے کیا ہے کہ هندستانی مچر پر تین سب ہے اچھے نبندہوں (مقالوں) کے لئے بن انعام دئے جائیں ۔ پہلا انعام آیک ہزار روپ دوسرا عام پانچ سو روپ اور تیسرا انعام تھائی سو روپ .

نبندھوں میں اُس ھندستانی کلچر کے' جو پچھلے ارے زمانے میں روپ لیتی رھی ہے' تکاؤ پہلوؤں کو بھاں تے ہوئے آئے کے لئے ایک ھندستانی کلچر کے رنگ روپ بتانے کی کوشص ھونی چاھئے . نبندھ انگریزی میں ھندستانی میں ہونے چاھئیں . پانچ ھزار ہے کم یا س ھزار سے ادھک شبد نہ ھوں . فلسکیپ کافذ پر' کافذ ایک طرف' ایک چوتھائی حاشھہ چھوڑ کر' تائپ کر کے ایک طرف' ایک چوتھائی حاشھہ چھوڑ کر' تائپ کر کے نبندھ کی تین کاپھاں (30 ستمبر سن 1951 تک نہجے نبندھ کی آئے ھوئے نبندھوں میں سے جسے چاھے شائع

سندرلال سكرياترى، هندستانى كلىچر سوسائتى

145 مقهى كلم؛ العآباد

نوٹ — یہ نبددہ پہلے 30 جون تک منائے گئے تھے انعام کی رقمیں کچھ کم تھیں . آب اِس کے لگے وقت رقم دونوں بچھا دئے گئے میں .

--سندرلل

हिन्द्रस्तानी कलकर सासाइटी

الملكي للبور سوسالتي

) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना गर करना जसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.

) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखबारों, रिसालों हा कापना .

) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाषों, कानफरेन्सों, से सब घर्मों, जातों, विश्वदियों और फिक्कों में का मेल बढ़ाना .

--: o :--

साइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० अब्दुल मजीद ख्वाजा; प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास और डा० अब्दुल एवर्निंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास; i—पं० सुन्दरलाल.

वरनिंग बाडी के और मेम्बर-

े सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मौतवी सैयद । नदवी, मि० मंचर श्राती सोखता, श्री बी० जी० ।० एस० के० हद्रा, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा दीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काजी मोहम्मद श्रब्दुल खीर श्री श्रोम प्रकाश पालीवाल.

न्बरी के कायदों के जिये जिकिये -

सुन्दरकाल सेकेटरी, हिदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्टी गंज, इक्राहाबाद

द्वासाहरी के नये क्रायते के अनुसार मेम्बरी कि सिर्फ एक बपया कर दी गई हैं. "नया हिन्द" बाइक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया देने बर ही मेम्बर बना लिया जायगा. जलग से बी क्रीस देने बाले सोसाइटी की निककी हुई कोई पक क्राया दाम की होगी मुक्त से सकेंगे या ک ایسی هدستانی کلتور کا بوهانا پهیانا میا جس میں سب هدستانی شامل هوں . معا پیهائے کے لئے کتابوں اخباروں رسالوں

کی گهرون' کتاب گهرون' سیهای ' کانفرنسون' ست معرسی جاتین' برادریون اور قرقون مین جانا

--: o :--

ه پریسه قابت مستر عبداسجهد خواجه؛ معید قانقر به عوان داس اور قائتر عبدالحق . ها پریسه قانت — قائتر به عوان داس؛ ها قاند معدولل .

بہاتی کے اور مسر ــــ

الله المحمودا قائلر تارا جلدا مهلوی سید المحلو مقطر علی سیخته شری بی جی . ایمی ایک ودورا یلکت بشمیهر ناته مهالما المحله یونم جدرانکا قاضی محمد عبدالغفار المحله یالیوال .

کے قامدوں کے لئے لکھکے ۔

سبدر لال

المستریدی، هندستانی کلچر سوسائلی، ۱۹۵۰ متهی کنج، العآباد .

पंजाब हमें क्या सिखाता है

भहास्मा गांधी की सलाह से अक्तूबर सन् 1947 में पिन्द्रमी और पूरवी पंजाब के दौरे के बाद वहाँ की भयंकर बर्बादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो असीवर आई उन का दर्दनाक वर्नन. इस छोटीसी किताब में आजकल की मुसीबतों को हल करने के लिये कुछ समाव भी पेश किये गए हैं. क्षीमत चार आने.

बंगाल ऋोर उससे सबक

 $^{-1}$ इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरबी चौर पच्छिमी बंगाल के फिरक्रेवाराना मगड़ों पर रोशनी काली गई है और ऐसे मगड़ों को हमेशा के लिये खत्म कर नेकी तरकीय भी सुमाई गई है. कीमत सिर्फ दो आने.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक-श्री मंजर खली सोखना

30 जनवरी को अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस के जनरल सेक टरी को बुला कर यह विधान दिया की वह उनकी तरफ से उसे त्राल इंडिया कारिस कमेटी में पेश कर हैं. यह छोटा सा विधान देश के अस्य गांधी जी की आ ज़िरी वसीयत है और इसकी व्याख्या कांकी जी के परम भक्त भी मंजर अली सोखता ने की है जो गांधीबाद को सममतने और अपनाने वाले देश के इने गिने क्रोगों में से एक हैं.

गांधीबाद को सममते के लिये इसका पदना बहुत जरूरी 🤰 225 सके की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क़ीमत सिर्फ़

आज के शहीद

सम्पादक-श्री रतन लाल वंसल.

इत बहादुरीं की कहानियाँ जिन्होंने विदेशी हाकिमों की किलाई पूर की आग में इनसानियत को भस्म होते देख एक छन की भी देर न की और उसे बुमाने की कोशिश में भापनी अवन् कृरभान कर दी.

हर एकता प्रेमी के पढ़ने की किताब. क़ीमत सिर्फ

मुस्लिम देश भक्त

लेखक--श्री रतन लाल बंसल .

चक मुसलमान देशभक्तों के जीवन का हाल जिन्होंने अपनी जान हथेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विदेशों में कर्ते हुए भारत माता हो गुलामी की जंजीरों से आजाद की कोशिश की किताब बड़े दिलबस्प ढंग से लिखी है. क्रीमत तिक्रे एक रुपया बारह जाने.

क 'असक्रिक्ट' 145, महीरांस, ब्रह्मश्राहरू

بنجاب هيين کيا سکهانا ه

مهاتما گاندهی کی صلح سے آگتریر سن 1947 میں بجهد اور بورائی بلتجاب کے دورے کے بعد رعل کی بھیلکر برہائی آور آپسی مار کات کے کارن لوگوں ہو جو جو مصفحتیں آئیں اُن کا دردناک وردن ، اس چھوٹی سی التعاب میں أجكل كى مصيبتيں كو حل كرنے كے لئے كنهم سنجهار بهي ييش كيُّم كيُّم هيس , تيمت چار آني .

بنگال اور اُس سے سبق اس جہوئی سی نقاب میں 50-1949 میں پوربی أور یعیهمی بنکال کے فرقموارانه جهکورں پر روشنی دالی گئی هر اور ایسے جهگروں کو همیشہ کےلئے ختم کرنے کی ترکیب بھی سجهائی گئی هے . قیمت صرف دو آنے .

مهاتما گاندهی کی وصیت لیکهک - شری منظر علی سرخته

30 جغورى كو أي ديهانت سے كچه كهذاتے بهلے مهاتما گاندھی نے انگریس کے جذرل سکریتری کو بلا کر یہ ودهان ديا كه وه أن كي طرف سے اسے آل انتها كالكريس کمیٹی میں پیش کر دیس ، یہ چھوٹا سا ودھان دیش کے نام کاندهی جی کی آخری رصیدت هے ارر اِسکی ویاکهها گاندھی جی کے پرم بھکت شری ملظر علی سوختہ نے کی ھے جو گاندھی واد کو سمجھلے آور ایٹانے والے دیش کے انے گئے لوگوں میں سے ایک ہیں ۔

گاندھی واد کو سمجھنے کے لئے اِسکا پڑھنا بہت ضروری ھے .. 225 صفحے کی سندر جاد بندھی کتاب کی قیست مرف دو ررپکے .

اج کے شہید

سمياهك - شرى رتن لال بنسل

أن بهادورں كى كهانياں جنهوں نے وديشى حاكموں ئی بھیلائی پھوٹ کی آگ میں انسانیت کو بھسم ھوٹے بیکھ ایک چھن کی بھی دیر نه کی آور اُسے بجھانے کی وهش میں اینی جان قربان کر دسی .

هر أيكتا بريمي كے پوهنے كى كتاب ، قيمت صرف

مسلم ديش بهكت ليكهك--شري رتن قل بنسل.

الله مسلمان ديف بهكتور كي جهون كاحال جلهون الهش جاب هتههلي ير ركهكر هندستان آور وديشوس ميس بعرب بهرات مانا کو فلامی کی زنجیروں سے آزاد کرنے کی همیری . کتاب برے دلھسپ دھنگ سے لکھی گئی ہے . المستعاصرف ایک روبهم بارد آنے .

गीता और कुरान

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किताब के शुरू में दुनिया के सब बड़े बड़े धर्मों की एकता को दिखाया गया है और सब धर्मों की किताबों से हवाले दे दे कर मिलती जुलती बुनियादी सबाइयां को बयान किया गया है.

उसके बाद गीता के लिखे जाने के वक्षत की इस देश की हाजत, गीता के बड़प्पन और एक एक अध्याय की लेकर गीता की तालीम को बतलाया गया है.

आखिर में क़ुरान से पहले की अरब की हालत, क़ुरान के बड़प्पन और एक एक बात पर क़ुरान की तालीम को बयान किया गया है. इस में क़ुरान की पांच सौ से ऊपर आयतों का लक्ष्वी तरजुमा दिया गया है. यह भी बताया गया है कि क़ुरान में जेहाद, आक्रवत, आखरत, जन्नत, जहन्नम, काफिर वग़ैरा किसे कहा गया है.

जो लोग सब धर्मों की एकता को सममना चाहें या हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों की इन दो अमर पुस्तकों की सच्ची जानकारी हासिल करना चाहें उन्हें इस किताब को जारूर पढ़ना चाहिये.

पौने तीन सौ सक्ते की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई रुपया.

हिन्दू मुसलिम एकता

इस में वह चार लेकचर जमा कर दिये गये हैं जो पंडित जी ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर ग्वालियर में विये थे.

सौ सफ्रे की किताब. क्रीमृत सिर्फ बारह आने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

साम्प्रदायिकता यानी किरक्रापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार श्रीर एसका इक्षाज, जिसने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह आने.

كيتًا اور قران

ليكهك__پنتات سندر لال

اس کتاب کے شروع میں دنیا کے سب ہونے ہونے دھوموں کی کتابوں سے ایکٹا کو دانیا گیا ھے اور سب دھوموں کی کتابوں سے حوالے دے دیے کر مائی جائی بنیادی سنجائیوں کو بیان کیا گیا ھے .

اُسکے بعد گیتا کے لکھے جانے کے وقت کی اِس دیش کی حالت کھٹا کے ہوین اور ایک ایک ادعیاءے کو لیکر گیٹا گی تعلیم کو بتایا گیا ہے .

آخر میں قرآن سے پہلے کی عرب کی حالمت کو آن کے پہری اور ایک ایک بات پر قرآن کی تعلیم کو بھان کیا گیا ہے ، اس میں لران کی پانچ سو سے اوپر آیٹوں کا لفظی قرجمت دیا گیا ہے ۔ یہ بھی بتایا گیا ہے کہ قرآن میں جہاد 'عالمت آخرت جہت جہلم' کافر وفیرہ کسے کہا گیا ہے ۔

چو لوگ سب دهرموں کی ایکھا کو سنجھلا چاهیں یا هندو دهرم اور اسلام دونوں کی ان دو امر پستھوں کی صحبی جانکاری حامل کرنا چاهیں اُنھیں اس کتاب کو ضرور پوملا چاهیہ ۔

پولے تین سو صفتحے کی سلدر جلد بلدھی کٹاپ کی قیمت صرف ڈھائی رویعہ .

هندو مسلم ايكتا

اُس میں وہ جار لیکنچر جدم کر دئے گئے میں جر پلگت جی نے کلسیلیٹری برزڈ کوالیار کی دعوت پر گوالیار میں دئے تھے .

سو صفتھے کی کتاب ، قیمت صرف ہارہ آئے ،

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

لهكهك--پلدت سندر لال

سامهردایکتا یعنی فرقه پرستی کی بهماری پر راج گلهی مذهبی ارز اتباسی پهلو سے وچار اور اسکا علاج کیسی ایم آخو میں دیش پتا مہاتما کا دھی تک کو همارے بیٹی میں نه رهانے دیا ،

ُقهمت باره آنے .

सिवाने का पता— अस्तिक 'सवा दिन्त' 145, मुद्दी गंज, इलाहाबाद. مللہ کا ہد۔۔ چیملیمبر 'نیا ملد' 145' سلمی کلیے' از آبان ،

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की किताबें

नीचे लिखी सब किताबें नागरी और उदं दोनों किसावटों में प्रलग अलग मिल सकती हैं. जो किताब एक ही लिखावट में छपी है उसका जिकर कर दिया गया है.

दस रुपए से ज्यादा दाम की कितानें ख्रीदने वालों और बुकसेकरों को खास रिमायत दी जायगी.

डाक या रेल सर्च हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी अनुवाद

को 26 जनवरी सन् 1950 से सारे मारत में लागू हुआ

'भारत में श्रंगरेजी राज' के लेखक पं० सुन्दरलाल द्वारा मूल अंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का फर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे स्रच्छी तरह समम ले.

बहि साप आने वाले आम जुनाव में, जिस पर भारत का सारा भविश्य निर्भर है, समक्त कर हिस्सा लेना चाहते है और आजाद भारत में अपने अधिकार समकता चाहते हैं हो जरूरी है कि आप इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ लें.

आसानी के लिये कितान के आसीर में हिन्दी से बांगरेजी और बांगरेजी से हिन्दी साठ पत्रे की शब्दमाला दे दी गई है.

भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना जरूरी है. श्वासान बामहाबरा भाशा. रायल अठपेजी बड़ा साइज बागभग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द. कीमत केवल साढे सात रुपए.

هندستانی کلچر سوسائٹی کی

عصے لکھے سب کتابیں ناکری اور اُردو دونوں لکھاوتوں مهن الگ ألگ مل سكتي ههن . جو كتاب ايك هي لکھارت میں چہپی ہے اُسَ کا ذار کر دیا گیا ہے ۔

دس ربیتے سے زیادہ دام کی کتابیں خریدنے والوں اور بكسهارين كو خاص رعايت دى جائهكى .

داک یا ریل خرچ هر حالت میں کاهک کے ذمه هوگا .

بهارت کا ودهان

پورا هندی انوواد

جو 26 جنوری سن 1950 سے سارے بھارت میں لاکو ہوا۔

'بھارت میں انگریزی راج' کے لیکھک بندت سندر لال دوارا مول انگریزی سے انورادت .

هر بهارت واسى كا قرض هے كه جس ودهان كے ادههن سرادهین بهارت کا شاسن اِس سے چل رها هے أسے اُچهى طرم سنجه لے .

یدی آپ آنے والے عام چلاؤ میں' جس پر بہارت کا سارا بموشهه نربهر هے سمجه كر حصه ليلا چاهتے هيل أور آزاد بهارت مهم الع ادههكار سنجهما چاهتے ههر تو ضروري ه که آپ اس پسٹک کو دھیاں سے پڑھ لیس .

آسانی کے لیے کتاب کے آخیر میں مندی سے انگریزی اور انگریزی سے هددی ساتھ پللے کی شبد مالا دے دی کئی ہے۔

بھارت کے هر گهر میں اس پستک کا رهنا ضروری ہے . آسان بامتحاوره بهاشا . رایل انه پیجی برا سائز . لگ ممک بهار سو بلغی کپوے کی سندر جلد . قیمت کیول مناوهے سات رویکے .

बिन्ध करोड़ों मन नाज इसारे जैसे दूसरे देशों को भी भेज सके, सारे देश के सदाचार को एक दम ऊपर हठा दिया, बीर देश भर के सरकारी नौकरों की रिशवत खोरी को एक बीते जमाने की कहानी बना दिया, उस पड़ोसी लाल चीन या उसके बस्लों से हमें किसी तरह का खतरा नहीं है.

यह सवात इस समय कुछ मानी नहीं रखता कि निजी तौर पर टन्डन जी फिरकापरस्त हैं या नहीं छोर हैं तो किस दरजे तक हैं. न इस सवाल के कुछ मानी हैं कि टन्डन जी का निजी मुकाव अमरीका की तरफ कितना है या कस की तरफ कितना है या कस की तरफ कितना जिस कांगरेस के टन्डन जी सदर हैं वह खपनी एलान की हुई पालीसी के मुताबिक कन्द्रोल, बनस्पति घी या गाँव के धन्दों के मामले में भी टन्डन जी के साथ न चल रही है, न चलने का बादा करती है और न चल सकती है. सूरत बिलकुल साक है.

पक तरफ अमरीका की साम्राजी लालसा, अमरीकी वालें, देश की फिरक़ा परस्त ताक़तें, कुछ पूँजीपित और पुराने राजाओं और जागीरदारों का मिला जुला दल हैं, जिसकी कोशिशें अगर कामयाब हो गईं तो देश को जबरदस्त मुसीबतों और हो सकता है फिर एक बार राजकाजी गुलामी में से निकलना पड़े. दूसरी तरफ देश को किसी तरह इन सब जतरों से बचा ले जाने की कोशिश हैं, जिसकी सबसे जियादा लगन और सबसे जियादा कामित तरह इन सा गांधी के बाद देश को जबाहरलाल में ही दिखाई देती हैं. और जबाहरलाल जो का पिछले चार बरस का रवैया साबित कर रहा है कि छन में यह का बिखात हैं.

हालत काफी नाजुक है. हमारी बात अगर टन्डन जी के दिल में उत्तर सके तो हम नम्रता के साथ उनसे प्रार्थना करेंगे कि वह अपने चारों तरफ निगाह डालें, खुद अपनी शक्तियों और कमजारियों को समभें और अपने इस वक्त के गलत आग्रह को छोड़कर देश की बाग पूरी तरह जवाहरलाल जी के हाथों में सौंपने में देश वासियों को खशी खशी मदद दें.

आत इंडिया कांगरेस कमेटी या कांगरेस क्या कैसला करेगी इससे हमें अधिक सम्बन्ध नहीं हैं. जियादा बड़ा सवाल देश के कैसले का है, और इसमें जरा भी शक नहीं कि इस समय की संकट की हालत में देश का भला, देश की जैरियत और देश की सलामती इस में और केवल इसी में है कि कम से कम आइन्दा कुछ वरसों के लिये देश की आग पूरी तरह से जवाहर लाल जी के हाथों में दे दी जाय.

31. 8. '51.

—सुन्दरतात

پائٹہ کروروں میں ناچھمارے جیسے دوسوے دیھوں کو بھی بھیجے سکے ' سارے دیھی کے سداچار کو ایک دم آؤپر اتھا دیا' ارد دیھی ' بھر چوری کو ایک بھتے دیھی ' بھر کی کہانی بنا دیا' اس پروسی لال چیوں یا اس کے اصولوں سے دمیں کسی طرح د خطرہ 'بھی ہے ۔

یه سوال اِس سدے کچہ معلی نہیں رکھتا کہ نجی طور پر تاکن جی فرقہ پرست ھیں یا نہیں اور ھیں تو کس درجے تک ھیں۔ نہ اِس سوال کے کچہ معلی ھیں کہ تلقن جی کا نجی جهکاؤ امریکہ کی طرف کتنا ھے یا روس کی طرف دتنا۔ جس کانگریس کے تلقن جی صدر ھیں وہ اپلی اُملان کی ھوئی پر لیسی کے مطابق نلگرول پلسیتی گہی یا گاؤں کے دھلدی کے معاملے میں بھی تلقن جی کے ساتھ نہ چل رھی ھے' نہ چللے کے وعدہ گرتی ھے اور نہ چل سکتی ھے۔ صورت با کلصاف ھے۔

ایک طرف امریکه کی سامراجی السا امریکی چالین اور پرانے دیش کی فرقه پرست طاقتین کتچه پونجی پتی اور پرانے واجاق اور جاکیرداروں کا ملا جلا دل هے جس کی کوششین اثر کامیاب هوگئین تو دیش کو زیردست مصیبتوں اور هو سکتا هے پهر ایک بار راج کاجی فلامی میں سے نکلفا پڑے۔ فرسری طرف دیش کو کسی طرح ان سب خطروں سے بحیائے کی کوشش هے جس کی سب سے زیادہ لگن پولسپ سے زیادہ قابلیت مہاندا کاندشی کے بعد دیش کو جواهر لال میں هی دکھائی دیتی هے . جواهر لال جی کا بوجھانے چار برس کا رویه ثابت کر رہا هے که ان میں یه پیچھانے چار برس کا رویه ثابت کر رہا هے که ان میں یه پیلیست هے .

حالت کانی نازک ہے ، هماری بات اگر تلقن جی کے دل میں اُتر سکیے تو هم نمرتا کے ساتھ اُن سے بواوتها گرینگی که وہ آئی جاروں طرف نکاه تالیں' خود آینی گہتیوں اور کمؤوریوں کو سمجھیں اور اینے اِس وقت کے فلط آئارہ کو چھوڑ کر دیھی کی باک پوری طرح جواهر لال جی کے ھاتھوں میں سونینے میں دیھی واسیوں کو خوشی مدد دیں ،

آل ابتها کانگریس کمیتی یا کانگریس کیا فیصله کوے

گی اِس سے همیں اِدهک سمبنده نهیں ہے . زیادہ ہوآ ا سوال دیش نے فیصلے کا ہے' اُرر اِس میں ذرا بھی شک

نہیں که اِس سم کی سلمت کی حالت میں دیش کا

پہلا دیش کی خوریت اور دیش کی سلمتی اِس میں اور

گھول اُسی میں ہے کہ کم سے کم آئندہ کچھ برسوں کے

گھول اُسی میں ہے کہ کم سے کم آئندہ کچھ برسوں کے

گھول اُسی میں ہے کہ کم سے کم آئندہ کچھ برسوں کے
میں دے دی جائے ،

- عندر ال

31.8.51

राखों में आगाद किया था. दूसरी ताक त कुछ ऐसे राजाओं महाराजाओं की है जो जनता की इस वकत की कमजोरियों और तकलीकों से कायदा चठा कर देश की नई एकता को लोड़ कर अपने अपने इलाकों में अपनी अपनी मनमानी हकूमतें किर से कायम करना चाहते हैं. राश्ट्रीय संघ के बढ़े से बढ़े नेता कई बार साफ साफ कह चुके हैं कि हिन्दू पूंजीपतियों और हिन्दू राजों महाराजों को बढ़ाना और किर से कायम करना चनके खास चढ़ेशों में से हैं. हालत जनवरी सन '48 से कहीं नाजुक बतलाई जाती है. यहाँ तक कि अगर अरूरत हो तो हथियारों की मदद से भी नेहरू सरकार को बदल देने की तथ्यारियां सुनने में आ रही हैं. यह चारों ताक्रतें साफ साफ टन्डन जी और उनके दक्ष के पंछे हैं, और जवाहरलाल के खिलाफ टंडन जी को पूरा पूरा बढ़ावा दे रही हैं.

टन्डन जी आर जवाहरलाल का मामला शुक्त हाते ही नागपुर से जबर आई थी कि संच और महासमा दोनों ने देश भर में अपने आदिमियों को यह गश्ती चिट्टियां भेजी हैं कि जवाहरलाल जी के खिलाफ टन्डन जी को हर तरह से मदद दी जावे. नागपुर से भी द्वारका प्रसाद मिश्र के कई बयान इस मामले को और भी साफ कर देते हैं. मिश्र जी ने रूस और अमरीका की लागडाट में अमरीका की तरक साफ अपना मुकाव जाहिर किया है, रूसी या चीनी कम्यु निष्म को भारत के लिये सबसे बड़ा खतरा बताया है, अमरीकी ढंग की ब्रोकशाही के बचाव के लिये अपनी चावाज उठाई है, जवाहरलाल जी की विदेशी पालीसी को वह रातत और वरवाद करने वाली सममते हैं. पाकिस्तान की तरफ जवाहरलाल के रुख को वह पोच मानते हैं, उनकी राय है कि और कोई बात न सही तो पाकिस्तान के हिन्दुओं के बचाव के नाम पर ही हमें पाकिस्तान पर फ़ौरन घावा बोल देना चाहिये, वरौरा. डाक्टर खरे ने भी मिश्र जी को उनके विचारों पर बधाई दी है. मिश्र जी अभी तक टन्डन जी के सबसे बड़े मददगार दिखाई दे रहे हैं.

यह सब बातें काकी गहरी हैं. तकसीली बहस की यहां जहरत नहीं. पाकिस्तान हो या कोई और देश हम दुनिया भर के साथ अमन से रहना चाहते हैं. हम जहाँ तक बन पड़े दुनिया की दलबन्दियों में पड़ना नहीं चाहते. और अगर भारत और किसी दूसरे देश में लड़ाई हो ही आवे तो देश मिश्र जी या उनके दल के मुक़ाबले में जवाहर लाल के हाथों में अपने को कहीं जियादा सुरिवत मानता है. भारत की जनता के सामने यह बात भी बिलकुल साफ है कि जिस लाल चीन ने दो बरस के अन्दर ही उस देश को जहाँ करोड़ों लोग नाज की कमी से मर रहे थे इस का बिल कर दिया कि वह न केवल अपना ही पेट पाले

مهن هیں کو مہاتما کا العمل کے دیمی کو اس خطرے سے ماقت ماف صاف شہدوں میں آگا کیا تھا ، دوسری طاقت کی اس کھتے ایسے راجاؤں مہاراجاؤں کی هے جو جاتما کی اس وقست کی کمزوریوں اور تعلیموں سے فائدہ آتھا کر دیمی کی نئی ایکتا کو تور کر اپنے اپنے علاقوں میں اپنی اپنی میں ماسی حکومتیں پیر سے قائم کرنا چاہتے میں . راشتریہ سنکھ کے بڑے سے بڑے نیتا کئی بار صاف صاف کیا چکے میں که مقدو پونتی پتیوں اور هندو راجوں مہا راجوں کو ہومانا اور پور سے قائم کرنا ان کے خاص ادیشوں میں سے ہے . حالت جاوری سن 48 سے کہیں نازک بالائی جاتی حالت جاوری سن 48 سے کہیں نازک بالائی جاتی حالت جاری مدد سے اس نہو و سرکار کو بدل دیاہے کی تیاریاں سننے میں بھی نہور سرکار کو بدل دیاہے کی تیاریاں سننے میں آرمی میں ۔ یہ چاروں طاقتیں صاف صاف تلقی جی اور جی دل کے بہجھے میں اور جوامر لال کے خلاف تنقی جی کو پورا پورا پورا پورا پورا و دے رہی میں .

تندن جي اُور جواهر الل کا معامله شروع هوته هي ناگھور سے خدر آئی تھی که سلکھ اور مہا سبھا دونوں کے ديس بهر ميس آن آدميون كو يه كشتى چهتيان بهيجي هیں که جواهر لال جی کے خلاب تلکن جی کو هر طرح سے مدی دی جارے . ناکیور سے هی شری دوارکا پرساد مشر کے کئی بیان اِس معاملے کر اور بھیصاف کر دیتے ھیں . مشر جی نے روس اور امریکہ کی لاک ڈاٹ میں امریکہ کی طرف صاف اپنا جهکاؤ ظاهر کیا هے' روسی یا چینی کمیونوم کو بھارت کے لئے سبسے ہوا خطرہ بعایا ہے، امریکی تھنگ کی لوک شاھی کے بچاؤ کے لئے اپنی آراز اُٹھائی هے' جواهر لال جی کی ودیشی پالیسی کو وہ فلط أرر برياد كرن والى سمجهت هيس. ياكستان كي طرف جواهر لال کے رخ کو ولا پوچ مانتے هیں' ان کی رائے مے که اور کوئی بات نه سهی تو پاکستان کے هندورں کے بنچاو کے نام پر هی همهن پاکستان پر فورا دماوا بولدیدا چاهید رفیرہ . قاکقر کھرے نے بھی مشر جی کر اُن نے وچاروں پر دهائی دی هے . مشر جی آبھی تک تلدن جی کے سب سے پڑے مددگار دکھائی دے رہے میں ،

یه سب باتیں کافی گہری هیں . تفصیلی بحث کی پاس ضرورت نہیں ۔ پاکستان هو یا کوئی اور دیش هم نیا بعر کے سانھ اس سے رهنا چاهتے هیں . هم جہاں کی بین پڑے دنیا کی دل بلدیوں ، یں پڑنا نہیں چاهتے ، راگر بھارت اور کسی دوسرے دیش میں لوائی هو هی نارے تو دیش مشر جی یا آن کے دل نے مقابلے میں نواهر قل کے هانہوں میں آئے کو کہیں زیادہ سرکشت نواهر قل کے هانہوں میں آئے کو کہیں زیادہ سرکشت انتا ہے ، بھارت کی جفتا کے ساملے یہ بات بھی بالکل افی ہے کہ جس قل چہن نے دو برس کے اندر هی اس افی کو جہاں کروزوں لوگ ناچ کی کمی سے مروقے ہے ایل کردیا کہ وہ نہ کیول اپنا هی پھت پالے

राखिसियतों से भी हैं. लेकिन सवात का राजकाजी या मुल्की पहलू इतना बड़ा है कि इस के सामने शखसियतों का करक बहुत ही कम मानी रखता है.

दोनों से इमारा परिचय एक पीढ़ी से ऊपर का है. दोनों से हमारा घनिश्ट सम्बन्ध है. दोनों से हमें प्रेम है. कुछ बातों में हमारे विचार टन्डन जी से मिलते हैं जवाहरलाल जी से नहीं. दूसरी कुछ बातों में हमारे विचार टन्डन जी के मुक़ाबले में जवाहर लाल जी से जियादा मिलते हैं. कुछ बातों में हमारा दोनों से मतथेद है और जाहिर है बहुन सी बातों में न इन दोनों के विचारों में कोई खास फरक है और न इन के सौर हमारे विचारों में.

मिसाल के लिये कंट्रोल, बनस्पति घी श्रीर गांव के दूसरे धन्दों के बारे में हमारे विचार जवाहरलाल जी की निस्वत टन्डन जी से जियादा मिलते हैं. इस तरह के सवालों का भी अपना महत्व हैं. लेकिन इस समय की नाजुक हालत में देश को कहीं जियादा बड़े खतरों का सामना करना पड़ रहा हैं. कंट्रोल या बनस्पति घी जैसे सवालों को देश कुछ दिनों के बाद भी हल कर सकता हैं श्रीर करेगा लेकिन जो जियादा बड़े खतरे सामने हैं उन्हें अगर हमने जल्दी ही हल न किया या उनके मामने में हम जरा भी चूक गए तो उर हैं कि हम अपने देश श्रीर श्राजादी दोनों से हाथ धो बैठेंगे.

हमारी नई आजादी की जड़े आभी तक जमने नहीं पाई.

खासकर अमरीका और इंगलिस्तान की राजकाजी
और माली लालसाओं और कोशिशों से हमें हर वक्त डर
लगा हुआ है. हम जान्ते हैं कि देश का बंटवारा इन्हीं
कोशिशों का नतीजा था. दुनिया की सामराज प्रेमी ताक़तें
हमेशा से अपने माउहत मुलकों या कमजोर मुलकों के
आपसी मगड़ों खासकर उनकी मजहबी गिरोह बन्दियों
को भड़काती, बढ़ाती और उनसे कायदा उठाती रही हैं.
आज भी, हिन्दुस्तान में हो या पाकिस्तान में, हिन्दू किरका
परस्ती हो या मुसलिम किरका परस्ती, दोनों को अमरीका
के पैसे और अमरीका और इंगलैन्ड के वादों से काकी
बढ़ावा मिल रहा है. हम यहाँ इन चीजों की तकसील में
जाना ठीक नहीं सममते. हिन्दू महासभा और राख्टीय स्वयं
सेवक संघ को अमरीका की तरक से बढ़ावे दिये जाने की
बातें असवारों में आचुकी हैं और वह वे बुनियाद नहीं हैं.

इनके साथ दो और ताक़तें हैं जो, जाने या अनजाने,
मुल्क की नई आजादी के खिलाफ इस गहरी और खतरनाक
साधिश में हिस्सा के रही हैं. एक देश के ने पूंजीपित जो
महात्मा गांधी के बिलदान के बहुत पहले से अमरीकी
पूंजीपितियों के साथ मिलकर और हिस्सा बटा कर देश की
करोड़ों चुसी हुई जनता को और अधिक चूसने की कोशिशों

تعنقصهتوں سے بھی ہے ، لیکن سوال کا راج کاچی یا ملکی پہنو اتدا ہوا ہے کہ اسکے ساملے شخصهتوں کا فرق بہت ۔ بھی کم معلی رکھتا ہے ،

دونوں سے همارا پربیتے ایک پھڑھی سے اوپر کا ہے .
درنوں سے همارا کھنشت سمبلدھ ہے . دونوں سے همھی پریم
ہے . کنچھ باتوں میں همارے وچار ٹلقن جی سے ملتے
ھیں جواہر لال جی سے نہیں . دوسوی کنچھ باتوں میں
همارے وچار ٹلقن جی کے مقابلے میں جواہر لال جی سے
زیادہ ملتے هیں . کنچھ باتوں میں همارا دونوں سے مت
بہمد ہے اور ظاہر ہے بہت سی باتوں میں نه اِن دونوں
کے وچاروں میں کوئی خاص فرق ہے اور نه اُن کے اور

مَدُالَ كَمَ لَكُوكَنَدُرول السَّهَدَى لَهَى اور كاؤں كَم دهلدوں كَم اور مهل همارے وچار جواهر الل جى كى نسبت تندن جى سے زیادہ ملتے هیں اسطرح كے سوالوں كا بهى دیھى كو كہوں زیادہ برے خطروں كا ساملا كرنا پر رها ديھى كو كہوں زیادہ برے خطروں كا ساملا كرنا پر رها كتجه داوں كے بعد بهى حلكر سكتا هے اور كرے كا لهكن جو زیادہ برے خطرے ساملے هيں انهيں اگر هم نے جلدى ويادہ برے خطرے ساملے هيں انهيں اگر هم نے جلدى هى حل نه كها يا ان كے معاملے ميں هم ذرا بهى چوك كے تو تر هے كه هم الله ديھى اور آزادى دونوں سے هاته دعو تو تر هے كه هم الله ديھى اور آزادى دونوں سے هاته دعو تو تر هے كه هم الله ديھى اور آزادى دونوں سے هاته دعو تو تو تا يہ ديھى كى ديھى كى ديھى كى ديھى كى ديھى كى ديھى كى ديھى كو ديھى كو ديھى كى ديھى كو ديھى

هماری نئی ازادی کی جویں ابھی تک جملے نہیں ابھی تک جملے نہیں اور یا کا اور انگلستان کی راج کاجی اور مالی الساؤں اور کوشفوں سے همیں هر وقت قر لکا هوا هے. هم جانتے هیں که دیش کا بتوارا انہیں کوششوں کا نتھجہ تھا . دنیا کی سامراج پر یمی طالتیں همیشہ سے اللہ مالکوں یا کمؤور ملکوں کے آپسی جھگڑوں خاص کو اُن کی مذهبی گروہ بلدیوں کو بهرکاتی بهرهاتی اور اُن سے قائدہ اُتھاتی رهی هیں . آج بھی هندستان میں مندو قرقه پرستی هو یا مسلم قرقه پرستی هو یا مسلم قرقه پرستی دونوں کو امریکہ کے بیسے اور امریکہ اور اُن جھڑوں کی تفصیل میں جانا تھمک نہیں سمجھتے ۔ اُنگلیلڈ کے وعدوں سے کافی بڑھاوا مل رها ہے . هم یہاں شمدو میں سمجھتے ۔ اُنگلیلڈ کے وعدوں سے کافی بڑھاوا مل رها ہے . هم یہاں شمدو میں سمجھتے ۔ گی طرف سے بڑھاوے دیا جانے کی بانیں اخباروں میں گی طرف سے بڑھاوے دیا جانے کی بانیں اخباروں میں گھکی ھیں اور وہ بے بنیاد نہیں ھیں .

آن کے ساتھ دو اور طاقعیں ھیں جو' جانے یا انجائے' ملک کی سلی آزادی کے خلاف اس دہوی اور خطرناک سازھی میں حصہ لے رھی میں . ایک دیھی کے وہ پونجی پتی جو مہانما گاندھی کے بلیدان کے بہت بہلے سے امریکی پرنجی پتیوں کے ساتھ مل کو اور حصہ بتاکر دیھی کی کرزوں چوسلے کیکوششوں

उस दिस की जगह या तो मूरसता से सुद बैठने की सोची या किसी को किठाने की सोची. ठीक उसी तरह बाज भी मेरा दिल जबाहर लाज, जो मेरी नजर में, यानी लाखों करोड़ों की नजर में, उस कसीटी पर काकी खरा उतरता मालूम होता है जिस कसीटी पर गांधी जी परले गए थे, किसी एक या दस बीस की नज़र में खोटा जंच सकता है, कसीटी पर खोटा परखा तो नहीं जा सकता, और वह या वे मूरख उस जगह बैठने या उस खगह किसी को बिठाने की सोचें तो क्या यह वैसा ही काम न होगा जैसा गांधी जी के साथ हुआ!

"इसमें शक नहीं कि संगठन व्यक्ति से बड़ा होता है. पर असल में संगठन देखने के लिये ही बड़ा होता है भीर बेजान तो होता ही है, भीर बेजान कितनी भी बड़ी चीज किसी छोटे से छोटे जानदार से बड़ी नहीं मानी जा सकती. मकान कितना ही बड़ा क्यों न हो इसके एक कीने में आ जाने वाले आदमी से हरगिज वडा नहीं है. कांगरेस कितनी ही बड़ी क्यों न हो वह सरकार की और हर संगठन की तरह बेजान मशीन है. इसीलिये कांगरेस चड़ी नहीं. जवाहर लाल कांनरेस से बहुत बड़े हैं और अगर तुम समम कर देखो तो जानदार होने के नाते तुम भी कांगरेस से बड़े हो. तुम कांगरेस से बड़े हो यह बात बड़ी आसानी से समम में आ सकती है अगर तुम अपने जापको जवाहर लाल की पोजीशन में ले जा सको श्रीर जवाहर लाल को अपनी पोजीशन में ला सको. च्या तुमने अनेकों बार पार्लिमेन्ट के मंच से नहीं सुना कि सरकार मशीन होती है और वह द्या करना नहीं जानती. इसी जिये सरकार को सरकार के ज़ुल्मों की सजा नहीं दी जाती. मेरे खयात में मुक्त (कांगरेस) से मेरी असलियत समक कर तुम्हारी तसल्ली हो गई होगी. और तुम्हें यह माल्म हो जायगा कि मैं बड़ी होती हुई भी उन मानों में बड़ा नहीं हूं जिन मानों में तुमने अपना कोई मतलब सीधा करने के जिये मुक्ते बडा कर डाला है."

25. 8. '51.

—भगवानदीन

जवाहरलाल और टन्डन जी--

इस समय देश के सामने सब से बड़ा सवाल जवाहर लाल जी बीर टन्डन जी का आपसी करक है. घर घर बीर गाँव गाँव में इसका चरवा है. लाखों लोगों को ऐना लगता है कि इस सवाल के निपटारे पर ही एक बड़े दरजे तक मुल्क की आगे की क्रिस्मत का फैसला है.

यह नहीं कहा जा सकता कि इस सवाल का सम्बन्ध राज सियतों से नहीं केवल विष्यारों या आदशों से हैं. राज सियतें विचारों और आदशों से विजकुत अलग करके नहीं देखी जा सकतीं. इस सवाल का सम्बन्ध दोनों की کسی کو بتھانے کی سوچی، تبھک اسی طرد بھتھتے کی سوچی یا چواھر لال' جو میری نظر میں' یعلی لاکھوں کروزرں کی نظر میں' اس کسوتی پر کانی کھرا اُترتا معلوم ھوتا ہے جس کسوتی پر کانی کھرا اُترتا معلوم ھوتا ہے جس کسوتی پر گاندھی جی پرکھے گئے تھے' کسی ایک یا کسوتی پر میں بھس کی نظر میں کھوٹا جلیج سکتا ہے' کسوتی پرکھا تو نہیں جاسکتا' اور وہ یا وہ مورکہ اس جگت کھوٹا پرکھا تو نہیں جاسکتا' اور وہ یا وہ مورکہ اس جگت بھیٹھلے یا اُس جگت کسی کو باتھانے کی سوچیں تو کیا یہ ویسا ھی کام نہ ھوٹا جیسا گاندھی جی کے ساتھ ھوا!

اس میں شک نہیں که سلگتهن ویکٹی سے ہوا۔ هوتا هے . پر اصل میں سلکتهن دیکھنے کے لئے هی بوا هوتا ھے اور بے جان تو ہوتا ھی ھے۔ اور بے جان کتنی بھی بڑی چھڑ کسی چہوٹے سے چہوٹے جاندار سے بوی نہیں مانی جاسکتی . مکان کتف هی بوا کیون نه هو اُس کے ایک كون ميس آجالي والے آدمي سے هركز برا نهيس هے . كانكريس کتفی هی بوی کیس نه هو وه سرکار کی اور هر سفکتهن كى طرح يه جان مشين هي . اسىلئے كالكريس برى نهين . جواهر الل کاسکریس سے بہت بوے هیں اور اگر تم سمجه در دیکھو تو جاندار هونے کے ناتے تم بھی لانگریس سے بڑے هو، تم کا گریس سے ہوے ہو یہ بات بڑی آسانی سے سمجھ میں آسکتی هے اگر تم اید آپ کو جواهر لال کی پوزیشن میں لے جا سکو اور جواهر لال کو ایدی پوزیشن مهن لا سکو . کها تم نے انھکوں بار پارلیمنت کے منبے سے نہیں سنا که سرکار مشهن هوتی هے اور وہ دیا اون نهیں جانتی اسی لئے سرکار کو سرکار کے ظلمرں کی سزا نہیں دی جانی . مرید خیال میں مجه (کانگریس ' سے مہری اصلیت سمجهکر تمهاری تسلَّى موكثي موكى أور تمهين يم معاوم هوجائد كا كه مين برى هوتى هوئى بهي أن كامون مهن برى نهين هون جن معلوں میں تم نے ایلا کوئی مطلب سیدھا کرنے کے لگے مجه ہوا کر تالا ھے ،"

25_8_51 سيم بهكران دين

جواهر لال اور تندن جي--

The state of the s

اِس سے دیش کے ساملے سب سے بڑا سرال جواھر اور گاؤں جی اور تلقن جی کا آپسی فرق ہے ، گھر گھر اور گاؤں کو ایسا لکتا کاوں میں اس کا چرچا ہے ، لانھوں لرگوں کو ایسا لکتا ہے کہ اس سوال کے نیٹارے پر ھی ایک بڑے درجے تک ملگ کی آئے کی قسست کا فیصلہ ہے .

یہ نہیں کہا جا سکتا کہ اس سوال کا سمبندہ شخصیتیں سے نہیں کیول وچاروں یا آدرشوں سے ہے۔ شخصیتیں وچاروں اور آدرشوں سے بالکل الگ کرکے نہیں دونوں کی اسمبندہ دونوں کی

पादे पक हो. जानर वह इस पांच का एक मुने कोड़ कर पत दें या मुक्त में रहते हुए भी निकम्मा चनकर बैठ जायं तो मेरा सारा बड़ा पन छोटे पन में बद्दत जाता है. मेरा यह हाथी जैसा डील धम से ऐसे ही खमीन पर गिर पड़ता है जैसे हाथी अपने दिल पर एक गोली खाने से मिर पड़ता है और मेरी दहाड़ ऐसे ही हवा में बिला जाती है जैसे उस रोरनी की दहाड़ जिसने अपनी छाती में रक्खे हुए छोटे से दिल पर गोली खाई हो. शेरनी के बड़े और हरावने डील को गिराने के लियं तीर में बंधी हुई मामूजी सुई की नोक काफी है.

"प्यारे मिश्र, क्या तुम्हें यह याद नहीं कि तुमने अपनी समर में कई बार लोगों को अपने बड़े डील डील बाले मां बाप को सिर्फ इस लिये चिता पर जलाते देखा है कि वनके अन्दर रहनेवाला छोटा सा दिल बेकार हो गया होता है. और क्या तुम्हें यह नहीं मालूम कि दिल बड़ी भारी देह का एक छोटा सा हिस्ता होता है, इसे जाने दो. अपनी जेब में पड़ी हुई घड़ी को देखो. उसके अन्दर बाल-कमानी क्या कुछ भी हैं ? कहां घड़ी ऋौर कहां बेचारी बालकमानी ! और फिर उस बालकमानी की उन नोकों को देखो जिनके बल पर वह इधर उधर घूमती है. श्रीर उन दोनों नोकों में से सिर्फ एक नोक को लो और श्रव घड़ी के बड़े पन और उस नोक के छोटे पन का मुकाबला करो. वह नोक कुछ भी हैं ? पर है और बड़ी ज़क्री हैं. वह नोक, चाहे अपनी मरजी से, चाहे दूसरे की ग़लती से अधार अथपनी जगह न रह पाए तो फिर क्या तुम उस धड़ी को अपनी जेव में रहने दोगे ? हां, तुम यह कह सकते हो कि तुम दूसरी बालकमानी ले आत्रोगे. पर इससे क्या, इस बालकमानी के आने तक तो वह घड़ी बेकार ही रहेगी. श्रीर इस बालकमानी के आने पर तो डलटा यही साबित होगा कि बालकमानी घड़ी के लिय बहुत जहरी हैं. और इसलिये एक निगाह से बालकमानी घडी से बड़ी है.

''त्यारे, मुक्त कांगरेस के लिये, फिर मैं चाहे कितनी बड़ी क्यों न हूं एक ऐसे सच्चे पक्के दिल की हमेशा खहरत है और रहेगी जो दिल मेरी माँ भारत के सब बेटी बेटों को एक नजर से देखता हो और उन पर अपनी जान न्योद्धावर करने के लिये हमेशा तैयार रहता हो. तुम जिस तरह से अच्छी चड़ी में खोटी बालकमानी लगा सकते हो वैसे ही मुक्त में अच्छे दिल की जगह खोटा दिल बिटा सकते हो, पर इससे मैं घड़ी की तरह कितने दिन चलूँगी?

"त्यारे मिश्र ! क्या तुमने श्रापनी आंख से यह नहीं देखा कि जो गांधी लाखों करोड़ों की नजर में मेरा ठीक देखा दिख बना हुआ था जैसा मुक्ते ज़करत थी, उसे भी एक मूरक बालक ने क्या का क्या समक विया और ''پھارے مشر' کھا تمہیں یہ یاد نہیں کہ تم نے آپلی همر میں کئی بار لوارں کو اپنے بڑے قبل قول والے مال باپ کو مدف اس لئے جتا ہر جلاتے دیکھا ہے که أن کے اندر رهنے والا جبرتا سا دل بیکار هو گها هوتا هے ، ارد کها تمهین یه نهین معاوم که دل بوی بهاری دیه کا ایک چہوٹا سا حصہ هونا هے اسے جانے دو . ایلی جهب مهو ہوں ہوئی گروں کو دیکھوں اُس کے اندر بال کمانی کھا کجہ بھے ہے ؟ کہاں گھڑی اور کہاں بھجاری بال کمانی ا اور پھر اس بال کمانی کی اُن دو نوکوں کو دیکیو جن کے بل پر وہ ادھر اُدھر کھوہ تی ھیں ۔ اور اُن درنوں نو کوں میں سے صرف ایک نوک کواو اور آپ گھڑی کے ہوے بن اور اُس نوک کے چہوائے پن کا مقابلہ کوو ، وہ نوک کجه بهی هے ؟ پر هے اور بتی ضروری هے . ولا توک چاهے اینی مرضی ہے، چاہے درسرے کی فاطی سے اگر ایلی جگه نه ره پائے تو پور کیا تم اُس گوری کو ایای جوب مهن رهلیم دو کم لا هان تم یه که سکیم هو که تم دوسری بال کمانی لے آؤ کے ، پر اِس سے کہا' اُس بال کمانی کے آلے تک تو رہ کھڑی بھکار بھی رہھگئی ۔ اور اُس بال کمانی کے آنے پر تو اللہ یہی ثابت ہوگا که بال کمانی گھڑی کے لليُّه بهت فرورى هي . اور اِس لله ايك نكاة سي بال كماني گهروں سے اوی ھے ۔

" پھارے' مجھ کانگریس کے لئے' پھر میں چاھے کتلی عربی کھوں نہ ھوں' ایک ایسے سجے پکے دل کی ھمیشہ ضرورت ہے اور رہے کی جو دل میری ماں بھارت کے سب بھائی پھٹس کو ایک نظر سے دیکھتا ھو اور اُن پڑ اپنی جان نیر چھاور درنے کے لئے عمیشہ تیار رہتا ہو ۔ تم جس طرح سے اُچاہی گھڑی میں کھوٹی بال کمانی لکا سکتے ھو ویسے جی مجھ میں اچھ دلکی جگه کھوٹا دل بتھا سکتے ھو ۔ پھر اُس سے میں گھڑی کی طرح کتلے دن چلونگی ؟

'' پہارے مشر! کھا تم نے اپلی آنکھ سے یہ نہیں دیکھا کے جو گاندھی لاکھوں کروڑوں کی نظر میں میرا ٹھھک گیا جو گاندھی لاکھوں کروڑوں کی نظر میں میرا ٹھھک گیا دل بٹا ہوا تھا جیسا مجھے ضرورت تھی' اُسے بھی گیا مورکھ بالک نے کیا کا کھا سنجھ لیا، اور

ستسبر 51'

इन्होंने मेरी क्या गत बना रक्खी थी उसका हाल तो मेरे वहाँ के बेटों से पूछिये. उन की जोकशाही में तो मुक्ते आप दिन खून के आँसू बहाने पड़ते थे, आप दिन सर के बाल नोबने पड़ते थे और न जाने क्या क्या भोगना पढ़ता था. मिश्र जी का कभी मुक्त से पाला नहीं पड़ा, वह मेरी शकल स्रत से बिलकुल वाकिक नहीं हैं तो मेरे बेटे पर उन्होंने मुक्त मां को कभी नहीं पहचाना. ठाकुर शाही के साथ ही वह खेले कूरे हैं, उसी के साथ बड़े हुए हैं, उसी से उन्होंने ज्याह रचाया है, उसी के साथ मिलकर उन्होंने अपनी धाक जमाई है और उसी के साथ मिलकर उन्होंने अपनी धाक जमाई है और उसी के साथ मिलकर उन्होंने अपनी धाक जमाई है और उसी के साथ मिलकर उन्होंने अपनी धाक जमाई है और उसी ठाकुर शाही को वह लोक-शाही नाम से पुकारते हैं क्योंकि जिस लह जे में वह बोलते हैं न वह लोकशाही का लहजा है और जो काम वह लोक-शाही के नाम पर करना चाहते हैं न वह लोकशाही का काम है.

"अच्छा होता अगर वह लोकशाह न वनकर ताना-शाह वन कर खड़े होते पर मुशकिल तो यही है कि ताना-शाह खड़े नहीं हुआ करते, तानाशाह तो मैं और सिर्फ मैं ही कड़े किया करती हूँ.

- भगवानदीन

कांगरेस बनाम मिश्र जी-

कांगरेस अगर बोल सकती होती तो वह अपने मिश्र जी को बड़े प्यार से यों समकाती—

"प्यारे मिभ, यह तो तुम बिलकुल ठीक कहते हो कि मैं नेहरू से बहुत बड़ी हूँ और हां, मैं तुम से तो बहुत ही बड़ी हैं और इसी वजह से मेरा अनुभव नेहरू से बहुत बड़ा और तुम से तो बहुत ही बड़ा है. मुमे अपनी किन्द्रगी का हाल नेहरू और तुम से कहीं जियादा और कहीं अच्छा मालूम है. और मुक्ते यह भी मालूम है कि - भैं कब छोटी थी, कब बड़ी हुई और कब बड़ी होती हूं और कब छोटी हो जाती हूं. मैं तुन्हारे सूबे नागपुर में ंसन् '20 में इतनी बड़ी थी जिसका कुछ ठिकाना नहीं. मगर मुक्त बड़ी का अंगरेजों ने बहुत कम डर माना. पर अब गांधी बाबा ने मुक्तको द्सियों हजार से घटा कर छै इफ़ार की छोटी बना दिया तब मैं दसियों हकार से कई लाख गुना बड़ी हो गई और तब अंगरेज मुक्तसे डरने लगे. असल में मैं बड़ी छोटी गिनती से नहीं होती, अच्छे संगठन से भी नहीं होती, बहुत जोश से भी नहीं होती. मैं तो बड़ी होती हूं सच्चे, पक्के और मेरी मां भारत और इसके सब बच्चों को एक नजर से और प्यार से बुक्तने वाले दिलों से. फिर चाहे वह दस पाँच ही हों और

" اچها هوتا اگروه لوک شاه نه بن کر تانا شاه بن کر که این کر که علی کر که این کر که که ناتا شاه که نه نهیس هوا کرتے' تانا شاه تو میں اور صرف میں هی کهتے کیا کرتی هوں ''

-- بهکراندین

كانگريس بنام مشر جي__

کانگریس اگر ہول سکٹی ہوتی تو رہ آئے مشر جی کو ہوتی ہوتی ہوں سمجھاتی---

''یھارے مشر' یہ تو تم بالکل ٹھیک کہتے ہو که مهی الہرو سے بہت ہوی موں اور ماں اس سے تو بہت می ہوں اور اس وجہ سے میرا انوبھو نہرو سے بہت ہوا اور تم سے تو بہت هي بوا هے . مجھ ايلي زندگي كا حال نهرو ارز تم سے کہیں زیادہ اور کہوں اچھا معلوم ھے ، اور منجھے یہ بھی معلوم ھے که میں کب چھوٹی تھی' کب ېږي هوئي آور کب بري هوتي هون اور کب چهوتي هو جاتی هوں ، مهور تمهارے صوبے نائورر مهن سن ²⁰⁰ مين اللى بوق تهى جسكا كچه الهكانه نهيس . مگر مجه بوق كا الكريووں نے بهت كم در مانا . پر جب كاندهى بايا لے مجهمو دسیوں هوارو سے کهتاکر چه هزار کی چهوتی بنا دیا تب مهی دسهی هزار سے کئی لاکھ کنا بوی هوگئی اور تب انگزیر مجه سے قرلے لگے . اصل میں میں بری جهورتی لندی سے نہوں هوتی' اچھے سنکیتن سے بھی نہیں موتی بہت جوس سے بھی نہیں موتی میں تو ہری موتی موں سچے؛ پکے اور مہری ماں بہارے اور أسكم سب بحول كو ايك نظر سے اور يعار سے ديكھاتے وال دلوں سے پہر جاھے وہ دس پانچ ھی ھوں اور

(276)

سعيد 51'

जंबाहर कांक की तानाशाधी में मेरे सगे बेटें हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी जो बरतानिया की भूटी लोकशाही के बहकावे में बाकर दिल फाड़ बैठे वे खुशी खुशी गले मिल पाते हैं. साथ साथ खा पी लेते हैं बार दिन पर दिन यह पेतवार बढ़ाते जाते हैं कि वह सच-मुच पक लोकशाही के कोख जाए लाल हैं.

"जवाहर लाल की तानाशाही में मैं बापू की तानाशाही की तरह खेल कृद सकती अगर एंग्लो-अमरीकी धूर्तता से भरी लोकशाही ने मेरे बच्चे को बहकाया न होता. मैं अध्छी तरह जानती हूँ कि मेरे बेटे बहक कर मुक्ते बदनाम करते हैं, मुक्ते मार डांबते हैं और मेरे मारने का इलकाम सानाशाही के सिर मंढ कर उसे शहनशाह बनने का मौका दे देते हैं. तानाशाह, लोकशाही का पैदा किया हुआ होता है. लोकशाही और तानाशाह में वही रिश्ता होता है जो पानी और मझली में. पानी के सूखने पर यानी पानी में फूट पड़ने पर (क्योंकि सूखने में यही तो होता है कि कुछ पानी पानी रह जाता है, कुछ पानी कीच का रूप ले लेता है, कुछ पानी भाप बन जाता है और कुछ किघर ही भाग जाता है) जैसे मछली तड़पने लगती है वैसे ही लोकशाही में फूट पड़ने पर तानाशाह तड़पने लगता है और लोक-शाही का दम निकलने से पहले ही तानाशाही का दम निकल जाता है. तान।शाह लोकशाही की नफरत की चीच बनकर एक पत भी जिन्दा नहीं रह सकता. वह तो उसके प्रेम की मूर्ति बनकर ही जिन्दा रह सकता है. जवाहर लाल तानाशाह नहीं है. लोकशाही ने उसे तानाशाह के आसन पर बिठा रक्खा है. कोई शहनशाह तानाशाह नहीं हो सकता क्योंकि वह दिल से तानाशाह होता है श्रीर लोक-शाही को यह बरदारत नहीं.

"मैं लोकशाही हूँ पर मैं सरस्त्रती की तरह अपना पित 'सरस्वता' नहीं रखती. मैं कुत्रांरी ही पैदा हुई हूँ, कुत्रांरी ही रहती हूँ और कुत्रांरी ही मरती हूँ. जो आदमी लोकशाही होने का दात्रा करता है वह मेरा पित बनना चाहता है. लोकशाही और लोक पित एक मानी रखते हैं. मुमे (लोकशाही को) कोई लोकशाह धोका नहीं दे सकता. में वालाशाह को सिर्फ इस बजह से चाहती हूँ कि वह मेरा वेटा होता है पित नहीं. मैं अपने ढंग की अकेली नारी हूँ. मैं विवाह नहीं करती, मेरा कोई पित नहीं, पर मैं अनिगतत पुत्रों बाली हूँ. लोग सममदार हो कर ही मुमे अपना सकते हैं. मुमको न विवाह करने की जकरत पहती है और म बेटे अनने की.

"मिश्र औ मेरी दुहाई देकर 'लोकशाह' बनना चाहते हैं, तभी तो वह मुक्ते पार्लमेन्टरी कमेटी से भी बाहर विकास देना चाहते हैं. और जहाँ वह घर मंत्री थे वहां پوآمر قال کی تانا شاہی میں مہرنے سکے بیکے شدو' مسلمان' سکھ' عیسائی' جین' بودھ' ہارسی جو برطانیہ کی جہوتی لوک شاھی کے بہکارے میں آکر دال پہاڑ بھٹنے ٹیے خوشی خوشی کاے مل راتے ھیں' ساتھ ساتہ کہا پی لیکے میں اور دن پر دن یہ اعتباز بوماتے جاتے ھیں کہ رہ سے میے ایک لوک شاھی کے کوکہ جائے قال ھیں .

« جولهر قل کی تانا شاهی میں میں باپو کی تانا شاهی کی طرح کهیل کود سکتی اگر آید کالو امریکی دهورتا سے پھری لوک شاھی نے میرے بچوں کو بہکایا تم ھرتا ، میں الهبي طرح جاندي هول كه مهرے بيتے بهك كر مجهد بدالم كرتے هيں مجه مار ذلتے هيں اور مهرے مارنے كا الوام تانا شاہ کے سر مندہ کر أسے شہنشاہ بللے کا مرقع دے دیکے میں ۔ تانا شاہ لوک شاهی کا پیدا کیا هوا هوتا ھے . لوک شاهی اور تانا شاہ میں وهی رشته هوتا ہے جو پانی اور مجهلی میں ، پانی کے سوکھٹے پر یملی پانی میں پہوت ہونے ہر (کیونکه سوکھنے میں یہی تو ہوتا ہے که اجه پانی پانی وا وا جانا هے کچه پانی کیے کا دوب لے لیکا مے کچھ پانی بھاپ س جاتا ہے اور کچھ کدھو ھی بهاک جاتا ہے) جیسے منجہلی ترب لکتی ہے ویسه هی لوک شاهی میں پہوٹ ہوتے پر تانا شاہ توبے لکتا ہے اور لوك شاهى كآدم نعلليه بهلم هى تارا شاه كا دم نعل جاتا هـ . تانیا شاہ لوک شاهی کی نفوت کی چیز بن کر ایک بل مھی وندہ نہیں رہ سکتا ، وہ تو اُس کے پریم کی مورتی بن كرهم زندة ره سكتا هي جواهر لال تانا شاه نهيس هي. اوک شاهی نے اُسے تانا شاہ کے آسن پر بتھا رکھا ہے ، کوئی شینشاه تانا شاه نهین هوسکتا کیونکه وه دال سے تانا شاه هوتا هے اور لوک شاهی کو یه برداشت تهیں .

اینا پتی سرسوتا نبیس رکهتی . میں کنواری هی بعدا مولی هی بدا هولی هی الله پتی سرسوتا نبیس رکهتی . میں کنواری هی بعدا هولی هی رهتی هول اور کنواری هی مرتی هول . جو آدمی لوک شاه هوئے کا دعوی کرتا هے وہ میرا بعی بننا چاهتا هے . لوک شاه اور لوک پتی ایک معلی رکهتے هیل . محجے (لوک شاهی کو) کوئی لوک شاه دهوکا تیمی دے سکتا . میں تانا شاه کو صرف اِس وجه س تهاهتی هول که وه میرا بیتا هوتا هے پتی نبیل . میل خیامتی هول که وه میرا بیتا هوتا هے پتی نبیل کرتی . میل هورا کوئی پتی انهای تاری هول . میل وواه نبیل کرتی . میرا کوئی سمجهدار هوکر هی مجھی اِبنا سکتے هیل ، مجهکو نه اوران بیتی هیلی ، مجهکو نه اوران به بیتے جلنے کی ،

ا مھر جی مہری دھائی دے کر' لوک شاہ' بلتا معرف میں کے مہری دھائی دے کر الوک شاہ ' بلتا معرف میں اللہ ا

में दाखिल होती हूँ तो मेरा जी यूकने पर बतार होने पर मीं यूकने की बात सोचना बन्द कर देता है क्योंकि वहां किसी सरकार का 'थूको मत' का साइनबोर्ड लगा हुआ में नहीं पाती. वहां मुक्ते बिलकुल यह नहीं मालूम होता कि मैं किसी दूसरे की हकूमत के नीचे हूँ. वहां मुक्ते विलकुत अपना राज मालूम होता है. इसलिये वहां मैं थूकने को सिर्फ बेअदबी ही नहीं समफती गुनाह भी समफती हूँ.

"गांधी जी कहूँ या बापू! नहीं, बापू ही ठीक रहेगा. बापू की तानाशाही में, या बापू की तानाशाही में से, मैं इस हिन्द्स्तान में जहां मैं एक दिन मर चुकी थी, फिर पैदा हुई. बापू की तानाशाही में मैं फलो फूली, मूली, खेली बोर घरों में बन्द माँ, बहनों और बेटियां को अपने साथ खुले मैदान में खेलन के लिये ले आई. बापू की तानाशाही में मैंने खाद और कीच को चन्दन चूरे, स्तो और कीम से जा मिजाया. खाद से मीठे मीठे फल पैदा होते रहे हैं झौर कीच से कमल खिलते रहे हैं, यह तो सभी जानते थे. पर बाप की तानाशाही में मेरी मारकत लोग यह भी जान गए कि खाद और कीच इतने प्यारे भी हैं कि उन्हें चन्दन चुरे, स्तो घोर कीम की तरह अपनाया जाय. जिनकी परछाई से लोग गनदे हो जाते थे उनके स्पर्श से बापू की तानाशाही में लोग पवित्र हाने लगे. बापू की तानाशाही में माँ आमना करन को गोद खिलाने लगीं और जसोदा मैया मुहम्मद को दूध पिलाने लगीं. बापू की तानाशाही में में इसती ही नहीं थी, मेरा दिल उमड़ कर मेरी दोनों भाँखों से प्रेम की गंगा घोर जमना बह निकलतो.थीं, जब मैं सबके मुँह से 'सत्त श्री अकाल' और 'अलाही-अकबर' के नार एक साथ निकलते सुनर्ती थी. बापू कुछ हिन्दुस्तानियों और दुनिया के और कोगों की न बर में भी भजे हा तानाशाह रहे हां, मेरी नजर में तो वह ऐसे ही थे जैसे गंगुआ तेली, कलुआ धोबी, घसीटा चमार, खूबी मेहतर और श्रंगना कन्जर.

"हाँ! जवाहर लाल की तानाशाही में, में खुद खेल नहीं पाती. में क्रहक़हा भी नहीं लगा सकती. पर हंस लेती हूँ, मुस्करा लेती हूँ, खुश रह लेती हूँ और हर तरह अमरीका, बरतानिया और फ़ाँस से कहीं जियादा अच्छी रह लेती हूँ. जवाहर लाल की तानाशाही में साइन्सदां ऐसे बन्द नहीं रक्खे जाते जैसे काफ़ूर. जवाहर लाल की तानाशाही में सममदार किसी बात पर राय जाहिर करने से इतने नहीं रोके जाते जितने मेरे नाम से मशहूर रूस में. जबाहर लाल की तानाशाही में बाह्मन लड़की को अन्त्यज लाइके से विवाह करके भी हिन्दुस्तान के प्रधान बजीर का आशीर्वाद मिलता है. और अन्त्यज लड़का भी बाह्मन की आशीर्वाद मिलता है. और अन्त्यज लड़का भी बाह्मन की अश्वादी से शादी करके आशीर्वाद से महरूम नहीं रह पाता.

مین فاخل هوئی هوں تو میرا جی کیوگلے پر آثارو جولے پر یہی تہوکئے کی بات سوچنا بغت کر دیتا یورڈ لٹا ہوا میں نہیں پاتی وہاں مجھے بالکل یہ نہیں معلوم ہوتا کہ میں کسی دوسرے کی حکومت کے نیجے ہوں ، وہاں مجھے بالکل اپنا رائے معلوم ہوتا ہے ، اِس لئے وہاں میں تہوکئے کو صرف بے ادبی ہی نہیں سمجھتی

گناه بهی سمجهتی هرس . و باید از نهین باید هی تهیک و کاندهی چی کهوس یا باید از نهین باید هی تهیک رهے گا. باہو کی تانا شاهی مهی کیا باہو کی تانا شاهی مهن سے' مهن اس هندستان مهن جهان مهن ایک دن مرچكى تهي؛ پهر پيدا هوئى . بايو كى نانا شاهى ميں مهن پهلی پهولی جهولی کهیلی اور کهرون میں بند مان بهنوں اور بھتیوں کو آیے ساتھ کھلے مھدان میں کهیلئے کے لگے لے آئی . باہو ای تایا شاهی میں میں نے کهاد اور کهیے کو چندن چورہ' استو اوو کریم سے جا ملایا . کھاد سے میتھے میتھے پہل پیدا هرتے رہے میں اور کیج سے کیل کھلتے رہے میں' یہ تو سبھی جانتے تھے ، پر باپو کی تانا شاهی مهن مهری معرفت لوگ یه بهی جان گئے که کهاد اور کیچ اتنے پهارے بهی هیں که انهیں چندن چورے' اسدو اور کریم کی طوح ایدایا جائے . جن کی پرچهائیں سے لوگ گلدے ہو جاتے تھے اُن کے اسپرہ سے باپو کی تانا شاهی میں لوگ ہوتر هونے لکے . باپو کی تانا شاهی میں ماں آمنہ کرشن کو گود کھلانے لگی اور جسودامیا مصد کو قودہ یلانے لکیں ، باہو کی تانا شاھی میں میں هنستي هي نهين تهي، ميرا دل أمر كر ميري دولون آنعهوں سے پریم کی گلکا اور جمنا بہ نکلتی تھیں جب مهن سب کے منہ سے 'ست شری اکال' اور 'الله انجر' کے نعري ايك ساته نكلتم سنتى تهي بايوكتهم هلدستانهون اور دنیا کے اور لوگوں کی نظر میں بھلے ھی تانا شاہ رہے هور) مهری نظر مهی تو وه ایسے هی ته جیسے کلکوا تهلی، کاوا دهویی، گهسیتا چمار، کهوییمهندر اور انکفا خجر. رَّدُ هان ! جواهر لال كي تانا شاهي مين' مين خود كهيل نهيل پاتى . مين قبقهم بهى نهين لكا سكتى . ير هلس ليتي هرن مسكرا ليتي هرن خوش ولا ليتي هن اور هر طوح امریکه، برطانیه اور قرانس سے کہیں زيادة اچهى رة ليكى هول . جواهر لال كى تانا شاهي مين سائنس دان أيس بند نهين رام جاتے جيسے كافور ، جواهر قل کی تانا شاهی میں سجیدار کسی بات پر رائے طاهر کرتے ہے اتنے نہیں روع جاتے جاتے میرے نام سے مهبور ررس میں ، جواهر لال کی تانا شاهی میں براهس نوعي کو انتهاج لرکے سے وواہ کرکے بھی مندستان کے و معالية وزيري إشهرواد ملتا هـ . اور انتهم لوكا يهي المعند لوك عد فالعر كوك أغوزواد سے محروم لهوں وہ يالل

जाय जब बह अदा करने के क़ाबित हो जगर इस वक्त हरजाना बस्क किया गया तो वह इतना कमजोर हो जायगा कि अपना मामूली बचाव भी न कर सकेगा. और यह हालत ऐसी खतरनाक होगी कि किसी बक्त भी तीसरी लड़ाई को जन्म दे सकती है.

हिन्दुस्तान की राय में असली बुराई है जापान की बाग दूसरे के हाथ में रहना. यह नहीं होना चाहिये. इसके बाद न.तो जापान को इस वक्षत इतना बढ़ाया जाय कि वह चाहे जब दूसरे के इशारे या मामूली मदद से किसी पर इमले की बात सोचे और न इतना कमजोर रखा जाय कि कोई भी पड़ोसी मुल्क उसे कुछ दिनों में ही फिर अपने मातहत करने की बात सोचे.

इस सुलहनामे पर रूस, लाल चीन, हिन्दुस्तान और पशिया के दूसरे देश अगर दसखत नहीं करते तो यह सुलहनामा न रहकर सुलहनामे का मजाक ही रहेगा.

--भगवानदीन

लोकशाही बनाम तानाशाही-

अगर लोकशाही के जबान होती और वह बोल सकती तो वह यह कहती—

"मैं न रूस में हूँ न चीन में. अमरीका और बरतानिया में तो जबरन भरती के क़ानून की वजह से मेरे पांव ही कैसे जम सकते हैं. मैं योरप के किसी मुल्क में नहीं हूं. हां, स्विट जरलैंड की पहाड़ियों में मेरा कुछ कुछ निबाह हो जाता है. पशिया के और मुल्कों में भी मेरा मन नहीं लग पाता. जीवित गांधी के हिन्दुस्तान की बात मैं फिर कहूँगी, पर गांधी के बाद के हिन्दुस्तान में तो फिर मेरी कहीं जगह न रह गई. मैं लोकशाही हूँ, न मैं शहनशाही के ही साथ रह सकती हूँ, न मैं प्रेसीडेन्ट शाही के साथ रह सकती हूँ. तानाशाही में अगर तानाशाह सचमुच अपने दिल का शाह भी हो तो वहां में हँस बोल सकती हूँ. पर ऐसे तानाशाह को तो कोई मुल्क आसानी से जन्म नहीं देता. इसलिये दानाशाही के साथ भी मेरा निवाह नहीं हो सकता. असल में मेरा निवाह किसी दूसरी शाही के साथ नहीं हो सकता. सरकार और लोकशाही ऐसे ही वे मेल हैं जैसे अन्धेरा चौर उजाला.

"मेरा (क्षोकशाही का) मिजाज इस तरह का बना हुआ है कि मैं जब रेल के ढब्बे में बैठती हूँ तो बड़ी शान्त होसी हूँ. पर जब रेल के ढब्बे में 'धूको मत' का साइनबोर्ड सम्मा वेसाती हूँ तो मेरा दिल ऐंठ जाता है, और उसी के साम सेरा पेड एंडने लगता है. मेरा जी मतला उठता है. جائیجیب ولا ادا کرنے کے قابل ہو۔ اگر اِس وقت ہوجاتا وسول گھا گھا تو ولا اتنا کمزور ہوجائے کا کہ اینا معمولی بچاؤ پھی تھا کہ اور یہ حالت ایسی خطر ناک ہوگی گھ کسی وقت بھی تیسری لوائی کو جلم دے سکتی ہے۔

ھندستان کی رائے میں اصلی برائی ہے جاپان کی باک دوسرے کے ہاتھ میں رھنا ۔ یہ نہیں ھونا چاھئے ۔ اِس کے بعد نه تو جاپان کو اِس وقت اتفا بوھایا جائے که وہ چاھے جب دوسرے کے اِشارے یا معمولی مدد سے کسی پر حملے کی بات سرچے اور نه اتفا کمزور رکھا جائے کہ کوئی بھی پورسی ملک أے کنچھ دنوں میں ھی پور ایے ماتھت کرنے کی بات سوچے ۔

اِس صلحدامے پر روس' لال چین' هندستان اور ایشها کے دوسرےدیشاکو دسخط نہیںکرتے تو یہ صلحدامہ نه رهکر صلحفامے کا مذاق هی رهے گا .

--بهکواندین

ہوک شاهی بنام تانا شاهی۔۔

اگر لوک شاعی کے زبان ہوتی اُور وہ ہواں سکتی تو وہ ہے۔ ہے کہتی۔۔۔

"مهن نه روس مهن هون نه چهن مهن . أمريكه اور ہرطانہ، میں تو جبرن بھرتی کے قانون کی وجہ سے میرے پاوں ھی کیسے جم سکتے ھیں ، میں یورپ کے کسی ملک میں نہیں موں . هاں' سویٹزرلینڈ کی پہاریوں مهر ميرا كتهه كنهه بداه هو جاتا هي . ايشها كي أور ملكون مهن بھی میرا من نہیں لگ یاتا . تجھوت کاندھی کے مندستان کی بات میں پہر 'ہونگی' پر گاندھی کے بعد کے هندستان میں تو پهر میری کہیں جگه نه ره گئی ، میں لوک شاهی موں' نه میں شہنشاهی کے هی ساته راہ سکتی هون تع میں پریسیڈنٹ شاهی کے ساتھ رہ سکتی هوں. تاناً هاهي مين الرتانا شاه سي ميم الله دل كا شاه يهي هو تو وهال مين هلس بول سكلي هول . يو ايسے تانا ھاء کو تو کوئی ملک آسانی سے جام نہیں دیتا . اِس الله عالم شاهر کے ساتھ بھی مهرا نباہ نہیں هو سکتا ، المل میں میرا نباہ کسی درسری شاهی کے ساتھ نہیں هو سکتا ، سرکار اور لوک شاهی آیسے هی بے مهل ههن ويس اندهورا أور أجالا .

इस मुलइनामे के जरिये सन '43 के क्राहरा और सन '45 के याल्टा और पोट्सडम एलानों के ऊपर हरताल फेरी जा रही हैं जिनकी रू से जापान का उन जजीरों पर कोई हक नहीं रह जाता था जो उसने हियया लिये थे और जिन की रू से कोरिया हर तरह से आजाद रहना चाहिये था और जिनकी रू से चीन को उसके छिने हुए हिस्से जापानियों से वापस मिल जाने चाहिये थे. उनही एलानों की रू से दिक्खनी सखालीन और क्यूराइल टापू इस के हाथ में होने चाहिये थे. उन ही एलानों की शरतों की रू से जापान आज वे हथियार वाला होना चाहिये था. पर ऐसा मालूम होता है कि जापानियों ने उन एलानों को इस तरह बरवाद किया है कि चनकी याद तक अमरीका और बरतानिया को नहीं रह गई. तभी तो यह नया जापानी सुलहनामा जापान को अपने हाथों तलवार तमंचों से लैस कर रहा है.

इस नए जापानी सुलह्नामे की खास खास शरतें यह हैं:

- (1) जापान की हदबन्दी.
- 🌙 (2) जापान को फिर से हथियारों से लैस करना.
 - (3) जापान से हरजाना वसूल करना.
 - (4) जापान में अमरीकी फ्रीज का बना रहना, और
 - (5) कारमूसा की क्या हालत रहेगी?

इन सब शरतों पर यू. एन. जो. में शामिल मुल्कों में मतभेद हैं.

हिन्दुस्तान इन रारतों को ठीक नहीं सममता जो कारमूसा के बारे में की गई हैं. वह जापान से इस वक्ष्य हरजाना बसूल करने के भी खिलाफ हैं. और यह तो वह हरगिष पसन्द नहीं करता कि जापान की जमीन पर दूसरे मुक्क की फौजें छाई रहें.

इम नहीं समभते जापान भी इस शर्त पर कि उसके मुल्क में दूसरे मुल्क की फीजें बनी रहें कैसे राजी हो सकता है.

माल्म हुणा है इस सुलहनामे की रूसे जापान के रिक्यू और बोनिन टापू किसी दूसरे मुल्क की देख माल में रहेंगे. इसके तो यह साफ मानी हैं कि जापानी जापान के मालिक रहते हुए भी मिल्कियत के मामले में दूसरे मुल्क से बन्ने रहेंगे.

पशिया के मुल्क तो यह चाहते हैं कि फारमूसा का टापू चस चीनी सरकार को वापस कर दिया जाय जो इस वजन खारे चीन पर काविज हैं, फिर वह सरकार चाहे किसी भी खरह की क्यों न हो.

हरजाना वस्स करने के बारे में हिन्दुस्तान की यह इस है कि जापान से इरजाना क्सी बक्क क्सूस किया آس مشتقا اور پولس تم کے اوریو سن 145 کے قاهرہ اور سن 145 کے باتقا اور پولس تم کے املانوں کے اوری هوتال پهیری جا رهی ہے جن کی رو سے جاپان کا اُن جزیروں پر کوئی حتی نہیں رد جانا تھا جو اُس نے هتمها لئے تھے اُور جن کی رو سے کوریا هر طرح سے آزاد رها چاهئے تھا اور جن کی رو سے چھن کو اُس کے چھنے هوئے حصے جاپانیوں سے واپس مل جانے چاهئے تھے ۔ اُنہیں اعلانوں کی رو سے دکھئی سکھالیں اور کھورائل تاہو روس کے هاته میں هونے چاهئے تھے ۔ اُنہیں اعلانوں کی رو سے جاپان آج بے متھیار والا هونا چاهئے تھا ۔ پر ایسا معلوم هونا ہے کہ اُن جاپانیوں نے اُن اعلانوں کو اس طرح برباد کیا ہے کہ اُن جاپانی صلحامہ جاپان کو اُس طرح برباد کیا ہے کہ اُن جو یہ نیا جاپانی صلحامہ جاپان کو اُس عاتموں تلوار

اس نیے جاپانی صلحنامے کی خاص خاص شرطیں یہ میں :

- (1) جاپان کی حد بلدی ،
- (2) جاپان کو پھر سے ھتھھاروں سے لیس کونا ،
 - (3) جادان سے هو جانا وصول كونا .
- (4) جاپان میں امریکی قرج کا بنا رها ، اور
 - (5) فارموسا کی کہا حالت رہے گی ؟

ان سب شرطوں پر یو . این . او . میں شامل ملکوں میں مت بھود ہے .

ھندستان اِن شرطوں کو تھھک نہیں سمجھتا جو قارموسا کے بارے میں کی گئی ھیں ، وہ جاپان سے اِس وقت ھر جانا وصول کرنے کے بھی خلاف ھے اور یہ تو وہ ھرگز پسند نہیں کرتا کہ جاپان کی زمین پر دوسرے ملک کی قوجیں چھائی رھیں ،

ھم نہیں سمجھتے جایاں بھی اِس شرط پر کہ اُس کے ملک میں دوسرے ماک کی فوجیں بلی رھیں کیسے راضی ھوسکتا ہے .

معلوم هوا ہے اِس صلحتامے کی روسے جاپان کے راہو اور ہونوں تاپو کسی دوسرے ملک کی دیاہ بھال ممین رھیں گے ۔ اُس کے تو صاف یہ معلی ھیں که جاپائی جاپان کے مالک رھٹے ھوئے بھی ملکیت کے معادلے میں دیے رھیں گے ،

ایشها کے ملک تو یہ چاھٹے ھیں کہ قارموسا کا تاہو اُس چیقی سرکار کو رایس کر دیا جائے جو اِس رقبعہ سازے چھری پر قابض ھ' پھر وہ سرکار چاھے کسی بھی ظرے کی کھرں تھ ھو ،

میریان وسول کولے کے بارے میں هلدستان کی یہ

गया कि इन्होनीशिया जैसा छोटा द्वापू और दरमा जैसा नया आजाद मुल्क हर तरह के हिमयारों से लैस जापान से अपना बचाब कैसे करेंगे.

इस जापानी सुलहनामें में तो हम यही पाते हैं कि अमरीका आपानी शहद की मिक्खियों के छत्ते को छेड़ कर और अपने और जापान के बीच में धुएं का परदा खड़ा करके खुद मिक्खियों का तमाशा देखना चाहता है.

जिसने जापानी इतिहास पर सरसरी नजर भी डाली है वह अच्छी तरह जानता है कि जापान ने पिछले छ्या-लीस बरस से सिवाय इसके किया ही क्या है कि बह अपने पड़ोसियों पर आप दिन जबरदस्ती करता रहे. यह किस को नहीं मालूम कि जापान के पास न खाने के लिये काकी नाज है और न तन ढकने के लिये काकी रुई और न बढ़ती हुई औलाद के लिये काकी जगह. ऐसी हालत में वह उधर की तरफ बढ़े बग़ैर कैसे रहेगा जिधर उसे कम से कम खतरा हो.

यह किसे नहीं माल्म कि जापान बरसों कोरिया और फारमूसा का मालिक रह चुका है, रूस में जारशाही का मुक्ताबला करके उसको धक्का पहुँचा चुका है और चीन के एक हिस्से पर भी बरसों काबिज रह चुका है. फिर इस मुलहनामे में इन सब बातों की रोक थाम का कोई इन्सजाम न होने से क्या यह नहीं सममा जा सकता कि अमरीका जापान को बम बना कर पिच्छम के देशों पर फेंकना चाहता है.

किसको नहीं मालूम कि बरतानिया और योरप के और देश और अमरीका भी उस वक्त सिर्फ तमाशा देखा किये अब जापान चीन पर जाबरदस्ती कर रहा था, जब तक पर्त हास्बर पर जापान का इमला न हुआ जो सन 1941 की बात है वब तक क्या अमरीका मैदान में कूदा ? सिर्फ तव और तभी अमरीका ने जापान को सब से बड़ा मुजरिम माना, और क्या अमरीका को यह नहीं मालूम कि वह सौ बरस भी जापान से लड़कर जापान को नहीं हरा सकता था अगर उसने एटम बम के नाजायज इस्तेमाल को जायज मानकर जापानियों पर न गिराया होता. अमरीका याद रक्त उसने जापान को धर्म युद्ध में नहीं जीता अधर्म यद में जीता है. अगर कुरती में काटना और नोचना अधम हूँ तो पिछली लड़ाई में गैस का इस्तेमाल अधर्म रहते हए पटम बम का इस्तेमाल अधर्म ही रहेगा. हमें याद है कि सम बक्त एक ईसाई पादरी ने अमरीका के एटम बम गिराने के काम को अधर्म कहा था. पर वहीं तो सत्य मरमेरवर की आवाज थी. खेर, इन सब बातों को छोड़िये. हम तो यही कहेंगे कि अमरीका जान बूम कर यह भूल कर रहा है और समम में नहीं आता क्यों कर रहा है.

الله الكراهشها جيسا چهران اليو اور يوما جهسا تها آزاد ملك هر طرح كے هتهداروں سے ايس جاپان سے اپنا بحواد كيسے كريں كے .

اِس جایانی صلحدات میں تو هم یہی پاتے هیں که آمریکه جایانی شہید کی مکھیرں کے جھتے کو جھیر کر اور ایل اور جایان کے بیچ میں دورتیں کا پردہ کھرا کرکے خود مکھیرں کا تباشہ دیکھذا چاھتا ہے

جس نے جاپانی اِنہاس پر سر سری نظر بھی ڈالی ہے وہ اُچھی طرح جانتا ہے کہ جاپان نے پتچھلے چھیالیس پر سر سرائے اِس کے کہا ھی کیا ہے کہ وہ آئے پروسموں پر آئے دن زبردستی کرنا رھے . یہ کس کو نہیں معلوم کہ جاپان کے پاس نہ کھانے کے لئے کافی ناج ہے اُور نہ تن دھکئے کے لئہ کافی روئی اور نہ بڑھتی ھوئی اُوالا کے لئے کافی جگہ . ایسی حالت میں وہ اُدھر کی طرف بڑھ بھھر کھسے رھے کا جدہر اُسے کم سے کم خطرہ ھو .

یه کسے نہیں معلوم که جایان برسوں کوریا اور فارموسا کا مالک وہ چکا ہے' روس میں زار شاهی کا مقابله کرکے اس کو دهی پہونچا چکا ہے اور چین کے ایک حصے پر بھی برسوں قابض وہ چکا ہے ۔ پھر اِس صلحتفامہ میں اِن سب باتوں کی روک تھام کا کوئی انتظام نه هوئے سے کیا یہ نہیں سمجھا جاسکتا که امریکه جایان کو ہم بغاکر پچھم کے دیشوں پر پھیلکفا چاھتا ہے ۔

کس کو تبھی معلوم که برطانیہ اور یورپ کے اور قیش اور امریکه بهی آس رأمت صرف تماشه دیکها کیّے جب جایان چین پر زبردستی کررها تها . جب تک هرل هاربر ير جايان كا حمله ألم هوا جو سن 1941 كي بات هے تب الک کها امریکه مهدان مهی کودا ؟ صرف تب اور تبهی امریکه نے جایان کوسپ یوا مجرم مال ، اور کہا امریکہ کو یہ نہیں معلوم کہ وہ سو برس بھی جاپان سے لوکر جاہان کو نہیں ھرا سکتا تھا۔ اگر اُس نے ایکم ہم کے شاجائه استعمال كوجائز مان كر جايانهون ير نه كرايا هوتا. إسريكه ياد ركم أس نے جادان كر دعرم يدھ مهى نههى جيمًا أدهرم يده مين جيمًا هي. أكر كشتى مين كاتنا لير نوها ادهرم هر تو پنچهای لوائی میں کیس کا استعمال التعوم وهتے هوئے ايتم بم كا استعمال ادهوم هي وهے كا . هنهن یاد هر که أس وقت ایک عیسائی یادری نے امریکه کے ایکم ہم گرانے کے کام کو ادھرم کیا تھا ۔ پر وھی تو سعیہ ﴿ وَاللَّهُ مِنْ أَوْلَا لَهِي . خَيْرُ إِن سَبِ بَاتُونَ كُو جَهُورَينُهُ. 🚉 ۔تو یہی کیھں کے کہ امریکہ جان برجہ کر یہ بہول کر 🚛 🙇 اُور سمجه میں نہیں آتا کیوں کر رہا ہے ᢏ

Secretary of the second of

मुलहनामे में मुलह की जगह लड़ाई के बीज ही दिखाई देते हैं और यही हाल बरमा और इन्डोनीशिया का है.

आस्ट्रेलिया और न्युजिलैंड जो हर तरह से अमरीकी गुढ़ में हैं वह तक घबराए हुए हैं कि यह जापान की हथियारों से लैस करके किया क्या जा रहा है. मतजब यह कि प्रशान्त महासागर के सारे मुल्क सुलहनामे के इस मसौदे को हर तरह से लड़ाई नामा मानते हैं.

सुना है कि धारट्रेलिया और न्यु जिलेंड इस पर दंस-स्वत कर रहे हैं. तब तो इम यही कहेंगे कि लड़ने के लिये उनके बाजू फड़क रहे हैं और जापान के मुक़ाबले में मरने के लिये उनके पंख निकल घाए हैं. लेकिन वह मरना नहीं चाहते और मरने से बचने का इताज उन्होंने यह सोचा है कि वह दोनों मिलकर धमरीका के साथ जापानी सुलह-नामे पर दसख़त करने से पहले अमरीका के साथ एक सुलहनामा और कर लें. यह चाल तो उनकी ठीक है, पर यह इस बात की गारन्टी नहीं है कि तीसरी लड़ाई नहीं होगी.

फितने मजे की बात है कि अमरीका मरे हुए जापानी शेर में जान डाल कर यह भी सममता है कि वह उसे सरकस का शेर बनाए रखेगा. और अन्दर अन्दर यह भी डरता है कि अजब नहीं वहीं शेर फिर अमरीका नहीं तो कहीं न्यूजीलैंड या आस्ट्रेलिया पर न चढ़ बैठे. क्योंकि उन्हें यह खूब माल्म है कि जापानी शेर का बरसों से आस्ट्रेलिया पर दांत रहा है. जब अमरीका को खुद इस सुलहनामे में सड़ाई दिखाई देती है तो इन्डोनीशिया, बरमा और हिन्दु-स्तान को बही चीज़ दिखाई है, इस में अवरज क्या.

इस सुलहनामे पर दसखत हो जाने के बाद श्रगर पशिया के हिन्दुस्तान, बरमा और इन्डोनीशिया जैसे मुल्क दसखत करने से रह जाते हैं तो उनको इसके सिवाय क्या बारा रह जायगा कि वह या तो किसी दूसरे गुट से मिलें या फिर अमरीका के साथ वैसा ही सुलहनामा करें जैसा आस्ट्रेलिया और न्युजिलेंड करने जा रहे हैं और फिर अपने पड़ोसी कस और चीन को दुशमन बनाएं.

इसमें भी कोई शक नहीं किया जा सकता कि जापानी शेर आस्ट्रेकिया की तरफ रुख न करके पिष्ठिम या उत्तर पिष्ठिम की तरफ रुख करके और च्यांग के साथ सांठगांठ कर के जापानी समंदर को लांघने की सोचने लगे, तो फिर तीसरी लड़ाई शुरू होगी ही और प्रशान्त सागर का अमन खतरे में पड़ जायगा. हमारी समम में नहीं आता कि अमरीका यह सब खतरा क्यों मोल ले रहा है. क्या उसके पास पटमी हथियारों और पटमी बम का इतना ढेर आग गया है कि जो उसे चैन से बैठने नहीं देता.

इस सुलहनामे के नए मसीदे में यह कहीं नहीं सोचा

مالتعقامے میں مانع کی جگارائی کے بینے ھی دکھائی دیتے میں اور یہی حال برما اور اندرایشیا کا ھے .

آستریلیا اور نهوری لهند جو هر طرح سے آمریکی گت میں هیں وہ تک گهبرائے هوئے هیں که یه جاپان کو هنههاروں سے لیس کرکے کیا کہا جارها هے ، مطلب یه هے که پر شانیت مہاساکر کے سارے خالک صلحامے کے اِس مسودے کو هر طرح سے لوائی نامہ مانتے هیں ،

سِفا ہے کہ آستریلہا اور نیوزیلینڈ اِس پر دسخط کر رہے ھیں ۔ تب تو ھم یہی کہیں گے کہ لڑنے کے لئے اُن کے بازو پہوک رہے ھیں اور جاپان کے مقابلے میں مرنے کے لئے اُن کے پذیم نکل آئے ھیں ۔ لیکن وہ مرنا نہیں چاھتے اور مرنے سے بحینے کا علاج اُنہوں نے یہ سوچا ہے کہ وہ درنوں مل کر امریکہ کے ساتھ جاپانی صلحامے پر دسخط کرنے سے بہلے امریکہ کے ساتھ جاپانی صلحامہ اور کرلیں ، یہ چال تو اُن کی تہیک ہے ' پر یہ اِس بات کی گارندی نہیں ھوگی .

کتلے مزے کی بات ہے کہ امریکہ مرے ہوئے جاپانی شیر میں جان قال کر یہ بھی سمجھتا ہے کہ وہ آسے سرکس کا شیر بدائے رکھے گا۔ اور اندر اندر یہ بھی قرتا ہے کہ هجب نہیں وہی شیر پھر امریکہ نہیں تو کہیں نیوزیلیلڈ یا آسٹریلیا پر نہ چوہ بیاھے۔ کھونکہ اُنھیں یہ خوب معلوم ہے کہ جاپائی شیر کا برسرں سے آسٹریلیا پر دانت رہا ہے۔ جب امریکہ کو خود اِس صلحنامے میں لوائی دکھائی دیتی ہے تو اندونیشیا' برما ارد هدستان کو وهی چیز دکھائی دے' اِس میں اُچرج کیا۔

اِس صلحنامے پر دسخط ہو جانے کے بعد اگر ایشیا کے مقدستان برما اور اندونیشها جیسے ملک دسخط کرنے سے رہ جتے ہیں تو اُن کو اِس کے سوائے کیا چارا رہ جائے گا کہ وہ یا تو کسی دوسرے گت سے ملیں یا پھر امریکہ کے ساتھ ویسا ھی صابح نامہ تجریں جیسا آسٹریلیا اور نیمریاھند کرنے جارہے ھیں اور پھر آئے پررسی ررس ارر چھری کو دشمی بنائیں .

اِس میں بھی کوئی شک نہیں کیا جاسکتا کہ جاپانی شیر آستزیلیا کی طرف رخ نہ کرکے پچھم یا اُتر پچھم کی طرف رخ کرلے اور چھانگ کے ساتھ سانٹھ کانٹھ کرکے جاپائی سملدر کو لانگھلے کی سوچلے لگے' تو پھر ٹھسری لوائی شروع ھوئی ھی اور پرشانت سائر کا اُمن گھارے میں پر جائے گا ، ھماری سمجھ میں نہیں آنا کہ گھریکھ یہ سب خطرہ کیوں مول لے رہا ہے ، کیا اُس کے پانی اُیکمی ھتھیاروں اور اُیکمی یم کا اُتفا دَعور لگ کیا گھا گھا اُس کے پانی اُیکمی ھی اُنگا دَعور لگ کیا ۔

أس ملتصفات كالمسودي مهن يه كهين نهين سوها



जापानी सुलहनामा-

इस सुलहनामे का नाम 'जापानी सुलहनामा' धोके का माम है. इसमें दिखावा ही दिखावा है. सुबह की असलियत नाम को भी नहीं है. इसका अगर हम नाम रक्लें तो वह हो सकता है 'प्रशान्त महासागरी लड़ाई नामा.' इस सुलह-नामें में उस यू. एन. भो. ने जो भाज अमरीका के हाथ में खेत रही है तीसरी लड़ाई का ऐसा बीज वो दिया है जिसमें बहुत जल्दी किल्ले फूटेंगे और जल्दी ही फल लग जायंगे. इस सुलहनामे में सलाह लेने के लिये जापान के पडोसी लाल चीन के मान्रो-रसे-तुँग को बुलावा तक नहीं विया गया. और अमरीका के हाथ में खेलने वाले च्यांग के मँह पर पट्टी बांध दी गई है. रहे पशिया के दूसरे मुल्क वह सब जहां तक इमें पता चला है इस सुलहनामे को पसन्द नहीं करते और एशिया के मुल्कों की पसन्दगी तो इसके लिये बेहद जरूरी थी. पर न जाने इस बेहद जरूरी को यू. पन. भो. ने बेहद की हद काट कर सिर्फ वे जरूरी क्यों सममा

अमरीका और श्रंगरेज दोनों मिलकर इस सुलहनामे के तमाशे को सितम्बर के पहले हफ्ते में सान फाँसिसको में दिसाने वाते हैं भीर बड़ी भान बान से दिसाने वाले हैं क्योंकि रूस इसके मसीदे के एक दम खिलाफ है. जो जो मुल्क इस सुलहनामे पर दसलत करेंगे उनके बारे में हमारी बह राय है कि या तो वह अमरीका से दबकर दसलत कर रहे हैं या उनके बाजू लड़ाई के लिये इतने फड़क रहे हैं कि बह तीसरी कड़ाई में अपने करतब दिखाने की तेजी से राइ देख रहे हैं.

हिन्दुस्तान और मामलों में चाहे गांधी का देश न भी रहा हो पर दुनिया में सक्चे मानों में शान्ति बनाए रखने में बह सौ फीसदी और पूरी ईमानदारी से गांधी का देश बना हुआ है. साथ ही साथ वह जापान के काकी पास है चौर उसका जापान से सैकड़ों बरस से कलवरी सम्बन्ध भी रहा है. इतना ही नहीं वह जापान की साम्राजवादी साहिशों से भी पूरी ब्राह वाक्रिक है. उसको भी इस

جایانی صامح نامه __

اس صلحامے کا نام 'جاہانی صلحامہ' دھوکے کا نام هم . إس مين دكهاوا هي دكهاوا هي . صلح كي أصليت نام کو بھی نہوں ہے . آیس کا اگر هم نام رکھوں تو وہ هو سكتا هي 'درشانت مهاساگري لوائي نامه' إس ملتصفامے میں اُس یو . این . او . نے جو آج امریکہ کے هاته موں کهیل رهی هے تیسری لوائی کا ایسا بیم بودیا ھے جس میں بہت جلدی کلے پہوٹیں کے اور جلدی هی پهل لگ جالين كه . إس مالصلام مين ملام لهلے كے لگے جاپان کے پورسی لال چین کے ماؤنسے تونگ کو ہلارا تک نہیں دیا ایا ۔ اور امریکہ کے هاتھ میں کھیالجہ والے جهانگ کے مدہ پر پاتی باندہ دی گئی ہے . رہے ایشها کے دوسورے ملک وہ سب جواں تک همیں پتہ چلا ہے اِس صلحامے کو پسلد نہیں کرتے اور ایشیا کے ملکوں کی پسلدگی تو اِس کے لکے یہ حد ضروری تھی . پر نه جانے اِس نے حد ضروری کو یو . این . او . نے بے حد کی حد کاف کو صرف ہے ضروری کیوں سمعجها .

امریکه اور انگریز درنوں مل کر اِس صلحقامه کے تماشه کو ستدمر کے پہلے هفتے میں سان فرانسسکو مین فکرانے والے هیں اور بوی آن بان سے دکھانے والے هیں کیونکہ روس اِس کے مسودے کے ایک دم خلاف ھے ، جو جو ماک اس ما محلامہ پر دسخط کریں کے اُن کے بارے میں هماری یع رائے ہے کہ یا تو وہ امریکہ سے دب کر دستخط کر رہے ھیں یا اُن کے بازر لوائی کے لئے اُتلے بھڑک رہے ھیں کہ ولا تهسری لوائی میں آئے کرتب دکھانے کی تھڑی سے رالا ديمه رهے ميں .

هندستان اور معاماس مدی چاهے گاندهی کا دیش نه بهي رها هو پر دنها مين سائح معقول مين شانعي بقائد وکھلے میں وہ سو فیصدی اور دوری ایمانداری سے گلدھی کا کیمی بنا موا مے . ساتھ می ساتھ وہ جاپان کے کانی پاس ھے اور اس کا جاپان سے سیکورں برس سے کلچری سمیلدھ بهیں رہا ہے۔ اتنا ہی نہیں وہ جایاں کی سامراج وادی عُولِعشوں سے بھی پوری طرح والف ھے ، اُس کو بھی اِس

वंस विकासी खबरे

(भगस्त 1951)

- 1. मारको के व्यक्तवार "प्रवर्ग" में श्रंगरेश मिनिस्टर मारीसन का विचार व समाचार की श्राजादी पर एक लेख जीर उसका जवाब छपा. लोकमान्य तिलक की इक्तीसवीं बरसी. वर्षों में गांधी विचार परिशद क्रायम हुई.
- 2. दुमैन चार पाइन्ट योजना के मुताबिक हिन्दुस्तान में समरीकी कारखाने खुलने का फैसला. पाकिस्तानी बदे चंचीर का बिला किसी शर्त हिन्दुस्तान साने से इनकार.
- 8. तेल के मसले पर ईरान से बात करने के लिये स्टोक्स मिरान लन्दन से रवाना. दरमंगा जिले में जबर-
- 4. केसांग की बात चीत बीच में ही घटक गई. प्रजा पारटी की कौंसिल ने कन्ट्रोल हटाने के मुद्राफिक ठह-राव पास किया.
 - 5. पंडित जबाहर लाल का पाकिस्तान को जवाब.
- 6. तेहरान में इंगलैंड घीर ईरान के बीच बात-चीत हारू. नई दिल्ली में राजपति ने पार्लिमेन्ट का नया इजलास खोला.
- 7. रूसी सोवियत के सदर का विश्व शान्ति के तिये अमरीकी राजपति को खत. केसांग की बात चीत फिर से शुरू करने के लिये अमरीकी जनरल रिजवे की शतें.
- 8, आसाम का कुछ हिस्सा भूटान को दे देने का बिल पार्लिमेन्ट में पास. सरकार के पास चावल की कमी— अनाज मिनिस्टर का एलान.
- 9. सिस्न को ज़िटेन मिस्न सुलहनामे पर एतराज. हिन्दुस्तान के खगले चुनाव 3 जनवरी से 24 जनवरी तक होंगे. रेलवे वालों ने हड़ताल फिलहाल नहीं करने का फैसला किया.
- 10. पंडित जवाहर लाल ने कांगरेस वरिकंग कमेटी और सेन्ट्रल कांगरेसी पार्लिमेन्टरी बोर्ड से स्तीफा दे दिया.
- 11. मौलाना आजाद का वरिकंग कमेटी से स्तीका. विक्षी में वरिकंग कमेटी की बैठक शुरू.
- 12. पाकिस्तान सरकार पस्नतूनिस्तान के लोगों को अपना जन्मजात हक लेने से नहीं रोक सकती—अफ़राानी राज दूत का पलान
- 13. दिल्ली में बर्राकंग कमेटी की बैठक जारी. नैपाल के राजा दिल्ली पहुंचे.
- 14. कांगरेस सदर ने कहा कि पंडित जवाहर लाल का स्तीका कुलहिन्द कांगरेस कमेटी की एक खास मीटिंग में पेश किया जायगा हिन्दुस्तान के मुसलमानों का पाकिस्तान की कश्मीर पालिसी पर डाक्टर प्राहम को मेमोरन्डम
 - 15. जगह जगह आजादी का दिन मनाया गया.

नोट--आइन्या से एक माइ की 15 तारीख से दूसरे साह की 15 तारीख तक की खनरें दी जाया करेंगी.

ريس جنهن کي ڪبري (است 1951)

 ماسکو کے اخبار '' یرودا '' میں انگریز منسالر ماری سن کا وچار وسماچار کی آزادی پر ایک لهکه اور اس کا جواب چهها ۔ لوک مانهه تلک کی ایکٹیسویں برسی ۔ وزدھا میں گندھی وچار پریشد قائم ھوئی ۔

2. ترومین چار پاینت یوجناکے مطابق هندستان میں امریکی کارخانے کھلنے کا فیصلت ، پاکستانی بڑے وزیر کا بلا کسی شرط هندستان آنے سے آنکار ،

3. تیل کے مسلے پر ایران ہے بات کرنے کے لیے استوکس مشی لندن سے روانہ . دربہنا ضلعے میں زبردست بارہ .

4. کیسانگ کی بات چیت بینج میں هی اتک گئی . پرچا پارٹی کی کونسل نے کفترول هتانے کے موافق تہواو پاس کیا .

5. يندت جواهرال كا داكستان كو جواب.

6. تہران میں انگلینڈ اور ایران نے بیچ بات چیت شروع نگی دلی میں راج پتی نے پارلمینٹ کا نیا اجلاس کہرلا ،

7. روسی سوویت کے صدر کا رشو شائعی کے اگے امریکی راجہتی کو خط کو کرسانگ کی بات چیت پھر سے شروع کو لئے امریکی جفرل رجوے کی شرطیں .

8. آسام کا کچھ حصم بھوتان کو دے دیئے کا بل پارلمیٹٹ میں پاس ، سرکار کے پاس چاول کی کمی --- اناج مدستر کا اعلان ،

9 مصر کو برتین مصر صابع نامت پر اعتراض . هندستان کے اللہ چناو 3 جنوری تک ہوتی کے دو گئے . ریلوے والوں نے هوتال فیالتحال نہیں کرنے کا فیصلہ کیا .

10. پنتس جواهر لال نے کانگریس ورکنگ کمیٹی اور سنگرل کانگریسی پارلمینگری بورتسے استعفیٰ دے دیا . 11. مولانا آزاد کا ورکنگ کمیٹی سے استعفیٰ د دلی میں ورکنگ کمیٹی کی بیٹیک شروع .

12. پاکستان سرکار پختونستان کے لوگوں کو اپنا جلم جات حق لیلے سے نہیں روک سکتی -- افغانی راج دوت کا اعلان .

13. دلی میں ورکنگ کمیٹی کی بیٹھک جاری . نیپال کے راجہ دلی پہوانچے .

14. کانگریس مدر نے کہا کہ پلقت جواہر لال کا استعفی کل ہلد کانگریس کیلٹی کی ایک خاص میٹلگ میں نیفن کیا جائے گا، ہلدستان کے مسلمانوں کا ہاکستان کی کشمیر یااسی پر ڈاکٹر گرامم کو مهموریندم .

15. جگه جگه آزادی کا دن منایا گیا 🕆

نوٹ ۔۔۔ آئندہ سے لیک ماہ کی 15 تاریخ سے دوسرے کی 15 تاریخ تک کی خبریں دی جایا کرینگی .

निकासने वासे—चरका संघ की तामितानाव शाखा भौर सर्वोदय प्रचारवासयम, विरुपुर (वृक्तिन भारत), सर्वे 112; वाम—चौद्द धाने.

अब इमारे पास यह किताब आई तो इम हैरत में रह गए कि यह चीज अब तक क्यों नहीं निकली थी. तरह तरह के मसलों पर महारमा गांधी के विचारों को जमा कर के किताबें निकल चुकी हैं लेकिन खादी पर, जो उनकी सास ईजाद थी, अब तक नदारद! इसिलये आजू जी का इस सब पर बड़ा घहसान है कि उन्होंने मेहनत करके यह चीज तैयार की और दुनिया के आगे रख दी.

किताब के बारे में कुछ भी कहना सूरज को दीपक दिखाना है. बापू के जो लेख या स्पीचें इस में जमा की गई हैं उनमें वह जान है, वह खाग है, वह खचाई है कि हर किसी को—खगर उसने पहले से ही इस के खिलाफ मन में कोई राय न बना ली हो—मानना पड़ेगा कि चरखे और खादी की हिन्दुस्तान को जरूरत है, जितनी आजाद होने के लिये थी उस से कहीं ज्यादा आजादी पाने के बाद है. खाड़ी के पनपने पर ही हमारे देहाती धंदे पनवेंगे, हमारे देहात पनपेंगे, हिन्दुस्तान पनपेगा वरना सब का बंटा धार होने बाला है, कोई ताक्कत नहीं बचा सकती.

बापू में, हिन्दुस्तान में या इनसानी समाज में जिसे ज़रा भी दिलचस्पी है उसने अगर यह किताब नहीं पढ़ी तो हम कहेंगे कि कुछ नहीं पढ़ा. चौदह आने में यह किताब बहुत सस्ती है.

—सुरेश रामभाई

चरखे की तात्विक मीमांसा

निकालने बाले—मंत्री, चरखा संघ, सेवा प्राम, वर्धा. सफ्रे—72, वाम एक रूपया.

यह किताब 'आई डियोलाजी आफ दी चरला' का हिन्दी अनुवाद हैं. मंत्री, चरला संघ से इतनी बिनती जरूर है कि अगली बार जब इसे छपवाएँ तो इस की बोली सब का बोली जैंसी कर दें ताकि हर कोई इसे आसानी से समक सके.

—सुरेश रामभाई

تعالمے والے -- چوخه سلکو کی تامل ناد فاکھا لور غیرہ عیرچار یالیم' تررپور (دکھن بھارت)' صفت 112؛ دام جولة آلے .

جب همارے پاس یہ کتاب آئی تو هم حهرت مهن وہ گئے کہ یہ چیز آب تک کیوں نہیں نکلی تھی ، طرح طرح کے مسئلوں پر مہاتما گاندھیکے وچاروں کو جمع کرکے کتابھی نکل چکی هیں لیکن کهادی پر جو آن کی خاص لیجاد تھی اب تک ندارد! اس لئے جاجو جی کا هم سب پر ہوا احسان هے که آنیوں نے محصلت کوکے یہ چھز تھار کی اور دنھا کے آئے رکہ دی .

کتاب کے بارے میں کچھ بھی کھنا سورج کو دیپک عکھانا ہے. باپر کے جو لیکھ یا اسھیتھیں اِس میں جمع کی گئی ھیں اُن میں وہ جان ہے' وہ آگ ہے' رہ ستھائی ہے کہ ھر اسی کو ۔ اگر اس نے پہلے سے ھی اس کے خالف میں میں کوئی رائے نہ بغالی ھو۔ مائنا پڑے گا کہ چرخے آرر کھادی کی ھندستان کو ضرورت ہے' جنٹی آزاد ہونے کا لئے تھی اُس سے کہیں زیادہ آزادی یائے کے بعد ہے۔ کہادی کے پنیٹے پر ھی ھمارے دیہائی دھندے پنیش کے' عمارے دیہائی دھندے پنیش کے' ھمارے دیہائی بنیہ کا ورت سب کا ہمنی بچا سکتی۔

ہاپو میں' ھندیتان میں یا انسانی سماج میں جسے ذرا بھی دلچسپی مے اُس نے آڈر یه کتاب نہیں پڑھی تو هم کہیں کے که کچھ نہیں پڑھا ۔ جودہ آنے میں یه کتاب بہت سستی ہے ۔

-- سريش رام بهائي

چوخے کی تاتوک میمانسا

ا نگالتے رائے۔۔۔ مقتری' چرخه اسلکه' سیوا گرام' وردها ۔ مفصے۔۔۔۔12' دام ایک رزیہ ۔

یه کتاب 'آئڈیولاجی آف دی چرخه' کا هلای النواد ہے ۔ ملتری' چرخه سلکه سے اتلی بلتی ضرور ہے که که اللی بار جب اسے چھپوائیں تو اِس کی بولی سب کی بولی جیسی' کو دیں تاکه هر کوئی اِسے آسانی سے مسمجه سکے .

مسمويش رأم يهاثي

सारी बहरों हैं, सच्ची कहते हैं, वेशक कहते हैं. ब्यहोंने इस कितान के शुक्त में ही बतवाया है कि समाज को रोज की जिन्स्गी के लिहाज से पाँच हिस्सों में बांटा जा सकता है— मारखाऊ (चीता-शेर जैसे), लुटेरे(बन्दर जैसे), जफाकश (बिड़िया जैसे), गिरोह बन्द (शहद की मक्खी जैसे) और सेवक (मां जैसे). यही पाँच किस्में हकूमतों, रास्ट्रों में भी सिताती हैं. पूँजी पतियों को जो खुद कोई मेहनत न करके दूसरों का पसीना चूसते हैं वह मारखाऊ दरजे में गिनते हैं, नौकर पेशा को लुटेरों में, किसान को जफाकश में, सोनियत कस को चौथे में. सेवा बाला दरजा वह है जिस की तरफ गांधी जी ने हमारा ध्यान खींचा और जिसकी खातिर उन्होंने काम किया. सध्यता का असती नाप ही यही है कि हम मारखाऊ और लुटेरेपन से किस हद तक सेवा की तरफ बढे.

डाक्टर कुमारप्पा ने बहुत ही सुन्दर ढंग से सत्य और धाहिन्सा के आधार पर समाज के आर्थिक और नैतिक दाँचे की तसवीर दी है जिसमें इनसान को अपने निजी विकास का पूरा मौक्षा मिलेगा और वह मशीन का पक निकन्मा पुर्जा न रह कर समाज का एक जानदार हिस्सा बनेगा जिसकी सेवाओं के सिले में समाज उसे पालता पोसता है. यही खास चीज है जो समाजवाद, साम्यवाद, साम्राजवाद, नाजीवाद वरोरा को एक तरक और गांधी-वाद की दूसरी तरक अलग कर देती है. अगर सच्चे सुख और शान्ति की इनसान को तमना है तो इस रास्ते पर उसे चलना होगा.

सुरी की बात है कि इस किताब में जो आर्थिक तजबीज डाक्टर. कुमारप्पा ने पेश की है उसी को अमल में साने के लिये वह बर्बा नगरी से बीस मील दूर एक देहात में जाकर बैठ गए हैं और खेती वरौरा सब चीजों के प्रयोग अपने हंग से-उन्होंने शुरू कर दिये हैं.

किताब बहुत ही प्यारी है और पढ़ने वाले के मन को इरलेवी है. हमारी देशी भाशाओं में इसका अनुवाद जरूर किया जाना चाहिये.

—सुरेश रामभाई

दि भाईडियोलाजी भाफ़ दी चरखा

(महात्मा गांधी के खादी के सवास पर कुछ लेखों और स्पीचों का संबद्ध)

. सम्पादक—भाई भी कुरन दास जाजू; . क्रिसावर—मंगरेजी; گھری گھیے ھیں سی کہتے ھیں ہے معرف کہتے ھیں ، انہوں کے اس کان کے شروع میں ھی بتایا ہے کہ سماج کو روز کی زندگی کے لحاظ سے پانچ حصوں میں بانٹا جا ساتا ہے ۔ مار کھاو (چیتا شیر جرسے) لٹیرے (بلفر جیسے) جیسے) جفاکش (چویا جیسے) گروہ بلد (شید کی مکھی جیسے) اور سیوک (ماں جیسے) ، یہی پانچ قسیوں حکومتوں ، راشدروں میں یہی ملتی ھیں ، پرنجی پتیرں کو جو خود کوئی محملت نه کرکے دوسروں کا پرنجی پتیرں کو جو خود کوئی محملت نه کرکے دوسروں کا پسینا چوستے ھیں وہ مار کھاؤ درجے میں گلتے ھیں نوکر روس کو چوتے میں سیوا والا درجے وہ ہے جس کی طرف بیسے کی جی نے همارا دھیاں کھینچا اور جس کی خاطر انہوں نے کام کیا ۔ سبھیٹا کا اصلی ناپ ھی یہی ہے انہوں نے کام کیا ۔ سبھیٹا کا اصلی ناپ ھی یہی ہے کہ ھم مار کھاؤ اور لٹیرے پن سے اس حد تک سیوا کی طرف بوھے ،

قائلر کمارپها لے بهبت هي سفدر دهاگ سے سلامہ اور لهنسا کے آدهار پر سماج کے آرتهک اور نهلک دهانچے کي تصوير دي هے جس مهن انسان کو افح نتجی وکلس کا پورا موقع ملے کا اور ولا مفهن کا ایک نکما پرزلا نه رلا کو سماج کا ایک جاندار حصہ بنے کا جس کی سهوارں کے صلے مهن سماج أسے پائلا پوسلا هے. یہی خاص چهنو هے جو سماج وادا سامیم وادا سامراج وادا نازی واد وفهرلا کو ایک طرف اور کاندهی وادا کو دوسري طرف الگ کر دیلی هے . اگر ستھے اور گاندهی وادا کو دوسري طرف الگ کر دیلی هے . اگر ستھے سکھ اور شانلی کی انسان کو تمانا هے تو اس راساتے پر أسے حلانا هوئا .

خوشی کی بات ہے کہ اس کتاب میں جو آرتیک تحیریز تاکتر کماریپانے پیش کی اسی کو عمل میں لانے کے لئے وہ وردھا نگریسے بیس میل دور ایک دیہات میں جاکر بیٹھ گئے میں اور کہنٹی وفیرہ سب جوزوں کے پریوگ آئے تمنگ سے آنہوں نے شروع کر دیئے میں .

کتاب بہت هي پياري هے اور پوهنے والے کے من کو هر لهتی هے ، هماری ديشي بهاشاوں مهن اِس کا آنوواد ضرور کیا جاتا جامئے .

ـــ سريش رام بهائی

دى آئتيولاجى أف دى چرخه

(مہاتبا گاندھی کے کہائی کے سوال پر کچہ لیکھوں اور آسپینچوں کا سنگرہ)

> سیادگ — بهائی شری کرشن داس جاجو؛ اگهاری — آبکریزی ؛

الهے پروچلوں میں ونوبا جی نے سروودے کھیکی تعلهم اديوك دهلدرن شهر ديهات تدرتي على سهورك كهدراً هاته چكى جن سهرا رفهره پر روشتى دالي هـ اور دل میں کور جانے والی ہاتیں کہی ھیں۔ مثال کے طور پر عادل آباد ضلعے کے نمل کانوں کا پررچن ليمين أنهون نے كها كه '' همارے کھیت میں طرح طرح کے نکمے جہار آگے ہوئے تھے' أن كے كاتلے كا جو كم هوا أسى كا نام سوراج تھا . اب سوراج یانے کے بعد اُس کھیت میں معملت کونا ہے اور برناً قي . لهكن سون ديكم رها هون كه لواون كا يهي خهال في كه أب تو كاللَّه كا سير هي يه بالكل فلط خيال هي . تو ولا جو كههاللي من متعلت كرك قصل لكانا هي أسي كا نام هم سروردے " کتنے سیدھے سادے لفظرس میں کتنی ہوی ہات ونوبا جی نے کہ دی ! اسی طرح کے انمول رتلوں سے یه کتاب بهری هوئی هے . ونوبا جی کی سادی کشاندار اور یے لاگ زندگی کی ابن کے دل کی توپ کی ان کی پیشی اور دور درشی ناہ کی اُن کے کہلے اور تھلدے دساغ کی جھلک پوهنے والے پر اثر ذالے بنا نہیں رہ سکتی. یہ کتاب پوهنے ا سمنجھلے اور قمل کولے کی چھڑ ھے ،

تھائی سو صفحص کے قریب کی کتاب کا دام صرف پیس آنے وکھکر بھارت جین مہا منقل' وردھا نے ایک ہوا بھاری آئے وکھکر بھارت جین امید ہے کہ یہ ونوبا جی کی دوسوی پستکھن اور اس طرح کا اور ساھتیہ بھی اِسی طریقے سے نکال کو سچی جن ساوا کرتے رہینکے .

-- سريش رأمبهائي

كاندهين ايكونامك تهات__

لکھنے والے - ڈاکٹر چے ۔ سی ، کمارپیا ؛ نکالنے والے - وورا اینڈکو' ہمیگی 2 .

لكهاوت سد الكريزي؛ صفحي -- 72؛ دام -- سوا رويه، .

بمبئی یونیورستی کے 'اسکول آف ایکونامکس ایند سوهیولا جی' کے دائرکٹر' مشہور ارته شاستری پرونیسر سی۔ این ، وکیل کی نگرانی میں 'لائدریری آف انڈین ایکونامکس' فلم ہے، کتابوں کی ایک مالا نکل رہی ہے ، یہ کتاب اس مالا کا بہلا بہول ہے ،

گولم آدیوگ اور دیسی یا گذدهی وادی ارته شاستر کے علیمودار موٹے کے ناتے ڈاکٹر جے ۔ سی ۔ کماریپا کے نام سے دیمی اور ودیمی کے لوگ اجھی طرح والف میں ، وہ یات

निकारी, उनके दिल का हाल पूखते और शाम को प्रार्थना में एक प्रवचन देते थे. रात को आराम कर सुबह फिर निकल पहते.

अपने प्रवस्तों में विनोवाजी ने सर्वोदय. खेती. वालीम, ख्योग-धंदों, शहर-देहात, क्रव्रती इलाज, सहयोग, खदूर, हाथ चक्की, जन सेवा वरोरा पर रोशनी डाली है और दिल में घर कर जाने वाली बातें कही हैं. मिसाल के तौर पर आदिलाबाद जिले के निमल गांव का प्रवचन लीजिये. इसमें उन्होंने कहा कि ''हमारे खेत में तरह तरह के निकम्मे माड़ खो हुए थे, उनके काटने का जो काम हुआ हसी का नाम स्वराज था. अब स्वराज पाने के बाद इस खेत में मेहनत करना है और बोना है. लेकिन मैं देख रहा हूँ कि लोगों का यही खयाल हैं कि अब तो काटने का समय है. यह बिलकुल रालत ख्रयाल है. तो वह जो खेती में मेहनत करके फसल लगाना है इसी का नाम है सर्वोदय." कितने सीधे-सादे लक्जों में कितनी बड़ी बात विनोबा जी ने कह दी! इसी तरह के अनमोल रह्नों से यह किताब भरी हुई है. विनोबा जी की सादी, शानदार और और वे लाग जिन्दगी की, उनके दिल की तड़प की, उनकी पैनी और दूरदर्शी निगाह की, चनके खुले **और** ठंडे दिमारा की मलक पढ़ने बाले पर असर डाले विना नहीं रह सकती. यह किताब पढ़ने, सममते और अमल करने की चीज है.

ढाई सौ सफों के क़रीब की किताब का दाम सिर्फ बीस भाने रख कर भारत जैन महामएल, वर्धा ने एक बड़ा भारी उपकार किया है. हमें उम्मीद है कि यह विनोश जी की दूसरी पुस्तकें भौर इस तरह का भौर साहित्य भी इसी तरीक़ से निकाल कर सच्ची जन सेवा करते रहेंगे.

---सुरेश रामभाई

गांधियन एकोनामिक थाट-

तिखने वाले—डाक्टर जे. सी. कुमारप्पा; निकालने वाले—वोरा ऐन्ड को, बम्बई 2.

लिखाबट-अंगरेजी; सके 72; दाम -सवा रुपया.

बन्बई यूनिवरसिटी के 'स्कूज आफ एकोनामिक्स ऐन्ड छोशियोलाजी' के डायरक्टर, मराहूर अर्थ शास्त्री प्रोफेस सर सी. एन. वकील की निगरानी में 'लायन री आफ इन्डियन एकोनामिक्स' नाम से कितानों की एक माला निक्क रही है. यह कितान इस माता का पहला फूल है.

प्रामोगोग और देसी या गांधीवादी अर्थ शास्त्र के अलम-बरहार होने के नाते डाक्टर जे. सी. कुमारण्या के नाम से देश और विदेश के लोग अच्छी तरह बाक्रिक हैं. वह बात

'तिये या बैठते हुए दिल को समारने के लिये वह आतंक फैजाते थे. इनके हिमारा में न जाने क्यों बैठ गया था कि काले लोगों पर शान शौकत दिखा कर असर कायम रखा जा सकता है. आतंक फैला कर और शान शोकत दिख्य कर श्रंगरेज हिन्दुस्तान पर राज करना चाहते थे. साम्राज की दीवार को जात भेद, रंग भेद और बेजा अभिमान मजबूत करते हैं. जो झंगरेज भी साम्राज की सेवा के लिये इंगलैंड से आता था वह इन्हीं शराबों से बदमस्त यहाँ भाता था. साम्राज की यह शराबें डेजाहोरा को बदमस्त नहीं कर पाई. उसका दिल मजदूरों के साथ धड़कता है. वह एक अंगरेज और एक काले हिन्दुस्तानी में फरक नहीं करता. मजुद्रों की उसके दिता में इज्जत है, वह उनसे हमदर्वी रखता है. डेलाहोरा को दूसरे अगरेज राहार सममते हैं. मजदूरों से हमददी रखने के कारन ही उसे अपनी प्रेमिका को छोड़ना पड़ा, सिविल सर्विस छोड़नी पड़ी, चाय बगान की डाक्टरी छोड़नी पड़ी. लेकिन वह ख़ुश था. उसने दुख सहा था पीड़तों के लिये, मानवता के लिये. पूरी नावेल गंगू नामी किसान की कहानी है और उस कहानी का खारमा रेगीहन्ट की गोली खाकर गंगू की मौत पर होता है. गंगू असल में हिन्दुस्तान के किसान समाज का नुमाइन्दा है. इस नावेल में अंगरेकी साम्राज से पैदा होनी बाली समस्याओं और चरित्रों का चित्रन सुन्दर ढंग से किया गया है. श्रंगरेकी साम्राज की लूट खसोट भौर जुल्म की सच्ची कहानी 'दो पत्तियां, एक कली' अपने पंत्रों में समो कर विदेशी जनता तक गई है और उन्हें इमारा इमदर्द बनाया है.

—मुजीब रिज्वी

सर्वोदय यात्रा

तिस्रने वाले—आचार्य विनोबा भावे. निकालने याले—भारत जैन महामण्डल, वर्धा. तिखावट—नागारी, सक्रे 161; दाम सबा रुपया.

शह किताब बन फूकों का हार है जो रोज शाम को प्रार्थना के बाद विनोबा जी की बानी से बरसते थे. उन दिनों जब कि बह वर्धों से दैदराबाद तक की तीन सी मील से उपर की यात्रा पैदल पूरी कर रहे थे. यह यात्रा 8 मार्च 1951 से शुरू होकर 7 अप्रेल को खत्म हुई, यह यात्रा मध्य प्रदेश के वर्धा और यवतमाल जिलों के गांवों में होकर निजाम की रियासत हैदराबाद, आदिलाबाद, निजामाबाद, मेदक ओर हैदराबाद जिलों के गांवों में हुई. विनोबा जी रोज सबेरे सादे चार पाँच बजे निकल जाते थे, दस-बारह-सन्नह सील बल कर एक गांव में उहर जाते, वहां के लोगों से

ا بماتم مركدال كو أبهار في ليم وه أتلك يهيات تهي . دماغ موں نہ جانے کہوں بیٹھ گھا تھا کہ کالے لوگیں پر هوكت فكها كر الر قايم ركها جاسكتا هي. آتنك کر اور شان شوکت دکهاکر انگریز هندستان پر راج جاهاتے تھے ، سامراج کی دیوار کو جات بھید' رنگ اور بهجا ابههدان مقبوط کرتے هیں . جو انکریز بهی ابر کیسهوا کے لگے انگلهلڈ سے آتا تھا وہ انهیںشراہوں دمست یهان آنا تها . سامراج کی یه شرابین دید کو یدمست نہیں کریائیں . اُس کا دل مزدوروں کے دهوکتا هے . وہ ایک انگریز اور ایک کالے هندستانی فرق نہیں کرتا ۔ مزدوروں کی اُس کے دل میں مزت ہ اُن سے همدردسی رکھتا ہے . تبیلا هورا کو دوسرے انگریز سمجھتے ھیں ، مزدروں سے ھمدردی رکھنے کے ھے آسے اپلی پریمکا کو چھورتا ہوا' سول سروس چھورتی چائے ہاں کی داکٹری چهرونی پوی . لیکن وہ خوص أس في دكه سها تها بيوتوں كي لئي، مانوتا كي لئي . ناول گلگو نامیکسان کیکہائی ہے اور اُس کہانی کا ه ریکی هفت کی گولی کهاکر گذاگو کی موت پر هوتا گنگو آمل میں هندستان رد کسان سماج کا نمائنده اِس ناول میں انکریزی سامراہ سے پیدا ہونے والی مهاوں اور چرتروں کا چئرن سندر دهلک سے کیا گیا ھے. ہی سامراہ کی لوت کہسوٹ اور ظلم کی سچی کہانی بتهاں' ایک کلی' ایم یدوں میں سموکر ودیدی جدتا کئی ہے اور اُنہیں همارا همدرد بنایا ہے ۔

سمجيب رفوي

ووں نے یاتوا

لكهلي وألي - أجارية ونوبا بهاوي .

نكالنے والے -- بهارت جهن مها مندل وردها .

لكهات ــ ناكرى، منته 161؛ دام سوا رربيه .

یہ کتاب اُن پہولوں کا ھار ہے جو روز شام کو پروارتہانا مد ونوبا جی کی بانی سے برستے تھے ۔ اُن دنوں جب وہ وردھا سے حهدرآباد تک کی تین سو میل سے ارپر باترا پیدل پروی کر رہے تھے ۔ یہ یاترا 8 مارچ 1951 فروع ہوئر 7 آپریل کو ختم ہوئی ۔ یہ یاترا مدھیہ می کے وردھا اور برت مال ضلعوں کے گوں میں ھو مام کی ریاست حیدرآباد کے عادلآباد' نظامآباد' کی اور حیدرآباد ضلعوں کے گاوں میں ھوئی ۔ ونوبا کی اور حیدرآباد ضلعوں کے گاوں میں ھوئی ۔ ونوبا دوز سویرےساتھ جار یاتھ بجے نکل جاتے تھ' دس بارہ دسیل جاکر آیک گاوں میں تیم حالے' وہاں کے لوگوں سے دس بارہ

151 mm

दो पत्तियां, एक कली

विखने वाले—डाक्टर गुरुकराज धानंद ; लिखाबट— नागरी. सके 277; क्रीमद—बार रुपय पाँच घाने.

निकालने वाले—चेतना प्रकाशन क्रिमेटेड, आविदं रोड, हैद्रावाद दक्खिन.

देश से जियादा विदेश में डाक्टर ग्रुक्टराज आतंद जपनी रचनाओं के जिये मशहूर हैं. उनकी रचनाएं जंगरेजी भाराा में होती हैं. डाक्टर आनंद का पहला नावेल 'क़ुली' का तरजुमा लगभग सभी योरपी भाशाओं में हो चुका है. 'दो पित्तयां, एक कली' भी झंगरेजी माशा में हैं. इस का अनुवाद श्री श्यामू सन्यासी ने किया है. अनुवाद में बहाव और भाशा की स्वाभाविकता दोनों हैं. जमांदारों के जुलम और साह्कारों की लूट से परेशान होकर किसान मजदूर बनने पर मजबूर हो जाता है. हिन्दुस्तान में झंगरेजी साम्राजवादियों को यहां का कच्या माल लूटना था, वन्हें सस्ते मजदूरों की जहरत थी. इसी लूट खसोट, जुलम जियादती और इन से पैदा होने वाले क़ुदरती असरों का चित्रन इस नावेल में किया गया है.

होशियर पुर गांव के गंगू नामी किसान की जायदाद पर साहुकार क्रमजा जमा लेता है. जमीन का मोह उसे मजदरी कर के अपनी जमीन बापस लेने का आदेश देता है. उसी गांव के एक बूटा राम नाई के ज्ञाल में फंस कर गंगू चाय बगान में आ जाता है. किसान का भ्रम यहां ट्ट गया. बूटा राम इमदर्द होने के बजाय साहब लोगों का ऐजन्ट निकला. गंगू ने बबे दुख से कहा "नाऊ बड़ा छतीसा''. नौकर शाही का यह सिद्धान्त है कि हर एक अपने बद्दे की गाली सुनता और खुशामद करता है और अपने से छोटों को गाली देता है और खुशामद करबाता है. कहते हैं बिना इस सिद्धान्त के नौकर शाही बल ही नहीं सकती. बाय बगान के साहबों, क्लरकों. सरवारों, चपरासियों, बैरों सभी का यह सिद्धान्त है. सब से कमजोर क़ुली है. उसी पर इन सब का गुस्सा उतरता है, और हर एक किसी न किसी तरह झुक्तियों को सताता और रिशवत तेता है, रामी और शादी का भी विचार नहीं करका. सुकामी की प्रवृति ने हिन्दुस्तानियों को पंत्थर बना विया था. वह इनसानी भावनाओं से इमदरदी करना भी भूद्ध सप के गंगू की पत्नी मरी पड़ी थी, वेचारा ककन के क्षिये करका बँद रक्ष मा और हिन्दुस्तानी स्तर्क और चकरासी बाहब से मिलवाने और सिकारिश करने के लिये क्स क्यी आव्मी से रिशवत मांग रहे थे. इस दृश्य का श्वित्रमं रोदं आने कर देता है. अंगरेख हिन्दुस्तान में मुट्टी बर के पर बेहर हरे हुए रहते थे. अपने बर को खुपाने के

ای پتیاں ایک کلی ا

حیص سے زیادہ ودیش میں دکھو ملک واج آندد اپنی رچاؤں کے لئے مشہور هیں، اُن کی رچائیں انکوریوی بھاشا میں هوتی هیں، دائلتر آندد کا پہا ناول انکوریوی بھاشا میں هوتی هیں، دائلتر آندد کا پہا ناول اللہ کا ترجمہ لگ بھگ سبھی یارپی بھاشاؤں میں هی ہوتا ہے، 'دو پتیاں' ایک کای' بھیانگریوی بھاشا میں ہے، انوواد شری شہامو سنہاسی نے کہا ہے، انوواد میں بہاؤ اور بھاشا کی سوا بھارگتا دونوں هیں، ومیدداوں کے بہاؤ اور ساهوکارں کی لوت سے پریشان هوکو کسان مودور کیا ہیئے پر مجبور هو جاتا ہے، هندستان میں انگریوی سامراج وادیوں کویہاں کا کچا مال لوتنا تھا' اُنہیں سستے سامراج وادیوں کویہاں کا کچا مال لوتنا تھا' اُنہیں سستے مزدوروں کی ضوروت تھی، اسی لوت کھسوت' ظلم زیادتی اور اِن سے بیدا هونے والے قدرتی اُدروں کا چترن اِس ناول میں کیا کہا ھے۔

ھوھھار ہور کاوں کے گلکو نامی کسان کی جائداد ير ساهوكار قبضه جما ليتا هي. زمهن كا مود أس مودوري كرك إلى زمهن واپس اليلي كا آديش دياتا هي. اُسی کاوں کے ایک ہوتا رام نائی کے جال میں پہلس کر كَلْكُو جِائِد بِكَانِ مِهِنِ آجانا هِ. كسانِ كا يهرميهان توف كها. ہوتا رام همدرد هونے کے بجائے صاحب لوگوں کا ایجانت نکلا ، کلکو نے ہوے دکھ سے کہا ''تاؤ ہوا جھٹیسا'' ، توکر شاهی کا یه سدهانت هے که هر ایک آیے بوے کی گالی سلتا اور خوشامد کرتا ہے اور آیے سے جہوتیں کو کلی دیتا ہے اور شوهامد کرواتا ہے . کہتے میں بنا اِس سدھانت کے نوکر فاهی چل هی نهیں سکتی . چائے بکان کے صاحبوں كلكركون سردارون چپراسيون بيرون سبهي كا يه سدهانت ھے . سب سے کمزور قلی ھے . اُسی پر اِن سب کا فصه اترتا هے؛ اور هر ایک کسی نه کسی طرح قلیوں کو ستاتا أور رشوت ليعا هـ أ فسي أور شادي كا يمي وبهار لهمي كرتا. علمی کی پرورتی نے هلدستانیوں کو پتھو بنا دیا تھا ، وہ الساقي بهاوناوں سے همدرسی کرنا بھی بھول گئے تھے۔ گلگو کی پاللی مری پڑی تھی' ہے چارا کفن کے لیے قرف قهرتكم وما تها أور هندستاني كلرك أور جهراسي ساحب سے مقوانے اور سفارش کرنے کے لیے۔ اُس دکھی آدمی سے وهوس مانگ ره ته . اس درشهه کا چترن روثهن کهوے كرفيتا هي. ألكريز هندستان مين متهى بهرته، ولا یر حدد قررے هوئے رهائے تھے، أبے در كو جبيائے كے

ें यह अभन हिन्दू धर्म के एक वाजू का वहुत ही अध्वती तरह से वर्नन करता है. इससे यह बात सहज ही खत जाती है कि दिन्द धर्म की कोई विधायक (Positive) ड्यवस्थित, सगंठित और सुसंगत, पारमार्थिक नीव नहीं हैं. 'प्रामार्य बुद्धिवेंदेषु' से यह सूचित होता है कि वेद सारे हिन्दु कों का प्रमान पंथ है परन्तु ऐसे सत्तर प्रतिशत जोग हिन्दू समाज में हैं जिनको वेदाधिकार नहीं है और जिनके रीत रिवाज वैदिक धर्माश्रत नहीं हैं. भला उनके बिये वेद प्रमान प्रंथ कैसे हो सकता है ? जिन लोगों को वेद सुनने का भी अधिकार नहीं, बलिक सुनने से महा-पातक और नरक का अधिकारी बनना पड़ता है उन लोगों की वेदों पर प्रामान्य बुद्धि या बद्धा है, ऐसा कहने का कुछ अर्थ ही नहीं है. साधनाओं की अनेकता और उपास्यों का आनियम यह व्याख्या हो नहीं हो सकती. प्रत्येक विशिश्ट सम्प्रदाय के हिन्द के यानी शैव, वेशनव, स्मार्त, शाक्त आदि के विशिश्ट साधन और विशिश्ट उपास्य हैं ही. यह शात ठीक है कि सारे हिन्दुओं के एक तरह के साधन अथवा एक तरह के बपास्य नहीं हैं, परन्तु यह अभावात्मक क्षचन हिन्दू धर्म का सच्चा लच्चन नहीं. जब किसी पदार्थ का अथवा पदार्थ समुद्राय का लच्चन कहने की आवश्यकता होती है तब इस पदार्थ के बाहर न मिलने वाले परन्त इस सारे पदार्थ को व्याप्त करने वाले उस पदार्थ का भाव रूप (Positive) स्वरूप कहना पड़ता है. 'डपास्यानानियम भौर 'साधनानाम नेकता' से इतना ही सिद्ध होता है कि सारे हिन्दुओं का हिन्दु धर्म एक विशिश्ट सर्व साधारन धर्म नहीं है. हिन्दुओं के धर्म अनेक हैं और हिन्दुओं के धर्म में एक सुत्रता नहीं है.

हिन्दुओं की समाज संस्था का महत्व का (Positive) तज्ञन जाति व्यवस्था है. प्रार्थना समाज, आर्य समाज आदि आधुनिक अपवादों को यदि छोड़ दिया जाय तो हिन्दुओं का बहुजन समाज आति संस्था को मान कर ही अतता है. आर्य समाज और प्रार्थना समाज में भी जाति मान कर चतने वाले बहुत से लोग हैं. जैन धर्म जाति नहीं मानता है, तो भी जैनी जाति मानते हैं. हिन्दुस्तान के मुसलमानों और किश्चियनों तक में जाति मानने वालों की भारी संख्या है. हिन्दू समाज की इस मुख्य संस्था का असर दनमें भी बाकी रह गया है."

यस यह सारी किताब इसी तरह की भाशा चौर इसी तरह के विचारों से भरी हुई हैं.

--- भगवानदीन

الله المنفى مندو دهرم كر أيك بازر كا بهنا هي الهمي طوم سے پوئن کرتا ہے ۔ اس سے یہ بات مہم ھی کھل جاتی ہے کہ هندو دهرم کی کوئی ودهائک (Positive وپوستهمی سنکتهت اور سوسنکت پارمارتهک نهو نههن هیں . 'پرأمانیه پدهیرویدیشو ' سے یه سوچت هوتا هے که وید سارے هندون کا پرمان گرنته هے پرنتو ایسے ستر پرتی شبت لوگ هقدو سماج مهن ههن جنگو وید ادههکار نههن هے اور جنکے ریت رواج ویدک دھرم آشرت نہیں ھیں . بهلا أن كي ليَّم ويد يرمان كرنته كيسي هوسكتا هي ؟ جن لوگوں کو وید سقلے کا بھی ادھیکار نہیں ہے' بلکہ سلقے سے مہا یاتک اور نرک کا ادھیکاری بغفا ہوتا ہے اُن لوگوں کی ویدیں پر پرامانیہ بدھی یا شردما هے ایسا کہنے کا کنچه ارته هي نههن هي. سادهداون انهكا أور أياسهون كا أنهم يم وياكهها هي نههن هوسكتي . پرتيك وششت سمهردائي كه هندو کے یعنی شہو' ریشنو' اسمارت' شاکت آدی کے رششت سادهن أور وششت أياسه هين هي . يه بات تهيك هم كه سارتے مددورں کے ایک طرح کے سادھن اتھوا ایک طرح کے أواسيم نهيرهين ورنتو يه آبهاواتمك لكشن هدو دهرم كا سچا لکشن نهیں . جب کسی پدارته کا اتهوا پدارته سمودائے کا لکشن کہلے کی آوشیکٹا هوتے ہے تپ اُس پدارتھ کے باہر نه ملقے والے پرندو اُس سارے ہدارتھ کو وہایت کرنے والے اس پدارته کا بھاؤ روپ (Positive) سوروپ كهِنَا يُوتَا هِي ' إياسَهَا الله ' أور 'سائهَنَا فَام نَهِ كُمَّا ' سِهِ أَنْنَا ہی سدھ ہوتا ہے کہ سارے هندورس کا هیدهرم ایک وششت سرو سادھارن دھرم نہیں ہے ۔ ھنجۇرں کے دھرم انیک ھیں اور هدووں کے دهرم میں ایک سوترتا نہیں ھے .

هندؤوں کی سماج سفستھا کا مہتو کا (Positive) اُریہ سماج آفی لکشن جاتی ویوستھا ھے ، پرارتھنا سماج' آریہ سماج آفی آود و ک اپرافوں کو یدی چھوڑ دیا جائے تو هندؤوں کا بہت جون سماج جاتی سفستھا کو مان کر ھیچلتا ھے . آریہ سماج اور پرارتھنا سماج میں بھی جاتی مان کر چلنے والے بہت سے لوگ شین ، جین فعرم جاتی نہیں مانتا ھے' تو بھی جینی جاتی ما تے ھوں ، هندستان کے مسلمانوں اور کرشچینوں تک میںجاتی مانتے والوں کی بھاری سنکھیا اور کرشچینوں تک میںجاتی مانتے والوں کی بھاری سنکھیا ہے ، هندو سماج کی اس مکھیت سفستھا کا اثر اُن میں بھی یاتی وہ گھا ھے ،"

بس یہ ساری کتاب اسی طرح کی بہاشا اور اسی طرح کے دیچاروں سے بہری ہوئی ہے .

إحاله والمراجع

-- بهکوان دین

सुद नाष्ट्राम की प्रेमीने. किताब के नाम से पढ़ने बालों को किताब में क्वा किसा है वह सममने में कोई दिक्कत नहीं हो सकती और पंक्षित सुख लाल संघवी ने यह लिख कर कि ... "ऐसे लेखक का माझन परम्परा में जीवित रहना नवयुग का जीवित लचन हैं" यह बता दिया है कि किताब अपने हंग की ऐसी है जैसी अब तक इससे पहले कभी नहीं लिखी गई. हम श्री संघवी जी की राय में राय मिलाते हुए यह कहेंगे कि खगर यह किताब बोलती हिन्दी में लिख दी जाय तो हिन्दुस्तान में एक क्रान्ति पैदा कर सकती है. और वह क्रान्ति मले के लिये ही होगी.

यह किताब कुछ हिन्दू धर्म से चिद्कर नहीं किस्ती गई. बड़े उन्हें जी से इतिहास घीर विज्ञान होनों को निगाइ में रखकर किसी का पचपात किये बिना किसी गई है. जिन्होंने इसको किसा है और जो कुछ उन्होंने इसमें कहा है वह वैसा कहने के हर तरह अधिकारी हैं क्योंकि वह संस्कृत के अच्छे ज्ञाता और चारों वेदों के पाठी होने के साथ साथ पिक्छमी विद्या अंगरेजी के जानकार भी हैं और पिछ्छमी दर्शन शास्त्र को भी उन्होंने जूब पढ़ा है. कार्ल मार्क्स का भी किताब में जगह जगह हवाला है. कम से कम पीन सी किताबों का इस किताब में निचोड़ मीजूद है. इस किताब की भूमिका लिखी है श्री नरेन्द्र देव जी ने.

इस पुस्तक को हमारे पास समालोचना के लिये आए खेद बरस हो चुका. हम तीन बार इसको पद चुके और हर बार कुछ न कुछ हमारी जानकारी बढ़ी ही. हम इस पर एक बड़ी आलोचना लिखना चाहते थे पर किसी वजह से वैसा न कर सके. इस वक्षत तो हम इतना ही कहेंगे कि यह किताब आँखें खोजने वाली किताब है. बस इसमें कमी इतनी है कि इसकी भाशा इतनी संस्कृतमय कर दी गई है कि बी. ए. में हिन्दी लेकर पास करने वाला विद्यार्थी भी इसे आसानी से नहीं समम सकता. मालूम ऐसा होता है कि साधारन हिन्दी जानकारों के लिये यह किताब लिखी भी नहीं गई. पर धर्म पुस्तकों की तरह यह घर में रखने कायक तो है ही.

इस पुस्तक का मसाला एस व्याख्यान-क्रम से लिया गथा है जो लेखक ने नागपुर विश्वविद्यालय में दिये थे. इसिलये यह यूनिवरसिटी लायक रियों में रहने के काम की जियादा है और मामूली चादिमयों के काम की कम.

ऐसी किताब में इन्डेक्स का न होना बड़ी भारी कमी है, दूसरे एडीशन में प्रकाशक इसका खयाल रखें. बानगी के तौर पर हम किताब में से नीचे कुछ दिये देते हैं:

"बोकमान्य तिकक ने हिन्दू धर्म का जो निम्न किसित सचन किया है वह सन्तोश जनक नहीं है:---प्रामायमञ्जितिसेषु साधनानामनेकता ।

डपास्यानामनिष्रमः दतद्वर्मस्य लच्याम् ॥

یه کتاب کچه هدد دهرم سے چوهکو نهیں لکھی گئی.

پویے تهندے جی سے انهاس اور رگهان دونوں کو نگاہ میں
رکھکر کسی کا پکھی پات کئے بنا لکھی گئی ہے ۔ جلھوں
نے اسکو لکھا ہے اور جو کچھ آنھوں نے اِس میں کہا ہے وہ
ریسا کہنے کے هر طرح اده کاری هیں کھونکہ وہ سنسکوت
کے اچھے گیاتا اور چاروں ویدوں کے پاتھی هونے کے ساتھ ساته
پچھمی ودیا انگریزی کے جانکار یہی هیں اور پچھمی
درشن شاستر کو بھی آنھوں نے خوب پڑھا ہے ۔ کاڑل مارکس
کا بھی کتاب میں جگہ جگہ حوالہ ہے ۔ کم سے کم پون سو
کتابوں کا اس کتاب میں نچور موجود ہے ۔ اس کتاب
کی بھومکا لکھی ہے شری نریندر دیو جی نے ۔

اس پستک و همارے پاس سمالوچنا کے لئے آئے تیزہ پرس ہو چکا ۔ هم تین بار اسکو پڑھ چکے ارر هر بار کچھ نه کچھ هماری جائکاری بڑھی ہی ۔ هم اس پر ایک بوی آلوچنا لکھنا چاھتے تیے پر کسی وجه سے ویسا نه کر سکے ۔ اِس وقت تو هم اتفا علی کھیلگے که یه کتاب آنکھیں کھولئے والی کتاب ہے ، بس اِس میں کمی اتفی هے که اِسکی بهاشا اللی سفسکرت مے کر دی گئی که بی . اے . میں اللی سفسکرت مے کر دی گئی که بی . اے . میں هفدی هدی لے کر پاس کرنے والا ودیارتھی بھی اِسے آسانی سے نہیں سمنچھ سکتا . معارم ایسا هرتا هے که سادهاری هفدی جان کاروں کے لئے یه کتاب لکھی بھی نہیں گئی ۔ پر دهرم جان کاروں کے لئے یه کتاب لکھی بھی نہیں گئی ۔ پر دهرم جستکوں کی طرح یه گهر میں رکھنے لائق تو هے هی .

اس بستک کا مسله آس ویاکههان کرم سے لها گها هے جو لهکھک نے ناکهور وشو ودیالے مهن دیئے تھے اسلگے یہ بہونهورسٹی لائمریریوں مهن وهذے کے کام کی زیادہ هے اور معمولی آدمهوں کے کام کی کم .

آیسی کتاب میں اندیکس کا نہ ہونا ہوی بہاری کمی ہے ۔ دوسرے ایڈیشن میں پرکاشک اس کا خیال رکھیں . با گی کے طور پر ہم کتاب میں سے نینچے کچھ دیئے دیئے ہیں :

'' لوگ مانیه تلک نے هادو دهرم کا جو نمن لکهمت لکھی کیا ہے وہ سلعوش جلک نہیں ہے:۔۔ هرا مانیه بدههرویدیشو سادها نام نیکتا .

هرا مانهه بدههرویدیشو سادهای نام نیکگا آهاسها نام نهمه آیگدهرمسیه لکشلم

संबदी ने अपना अवलोकन लिखा है. पढ़ने वालों को प्रन्थ शुक्त करने से पहले इसे जक्रर पढ़ लेना चाहिये. ऐसा करने से किताब के पढ़ने में किसी जगह भी अरुचि का डर नहीं रहेगा. यह किताब मराठी में लिखी गई है, गुजराती रूप इसका दिया जा चुका है और हिन्दी में इसको इस पुस्तक माला ने निकाला है. इस किलाब में को साम्बी जी ने जहां श्रालोचना की है वहां खासी पैनी कर दी है. अगर इतनी पैनी न होती तब भी फाम चल सकता था. पढ़ने बाले अगर इस पैनी आलोचना से अपने आपको बचालेंगे तो इस किताब में जो सचाई भरी पड़ी है उसका पूरा धानन्द ते सकेंगे.

कोसाम्बी जी ने इस किताब में हजारों बरस पहले से चाज के दिन तक भारतीय संसस्कृति के चनेकों रूपों को बड़ी गहराई से पढ़ समम कर अपनी जो राय कायम की है वह ऐसी नहीं है जो यूं ही खड़ा दी जाय. बन्होंने संस्कृति को पांच हिस्सों में बांटा है-एक वैदिक, दो अमन, तीन पौरानिक, चार पारवात्य, पांच संस्कृति श्रौर अहिन्सा. और इन का मेल कुछ इस तरह बिठाया है जिस तरह आज तक किसी लेखक ने न किया. इसके पढ़ने में आनन्द तो आता है पर यह कहने के लिये कि को साम्बी जी ने जो कुछ लिखा है वही ठीक, इसके लिये इतिहास के बहुत बड़े द्यान की जरूरत है और उतने ज्ञान का दावा हम नहीं कर श्रकते. इस तो इस किताब के बारे में इतना कह सकते हैं कि भाजकल जितनी ऐसी किताबें लिखी जाती हैं वह या तो इतिहास को निगाह में रखकर या विज्ञान को निगाह में रस कर या दोनों को ही निगाह में रख कर, और यह किताय जियादातर इतिहास को निगाह में रख कर जिखी गई है भौर इतिहास के बारे में कुछ विद्वानों की यह राय है कि बह कभी सबा नहीं हो सकता और हम भी इस राय के हैं. इसलिये हम को इसके सममने में थोड़ी मुशकिल होती है. हो सकता है यही मुशकिल पाठकों को भी हो.

कुछ भी सही कोसाम्बी जी ने इस किताव में ऐसे धिचार दे दिये हैं जिन पर चिन्तन करने के लिये जी मचल चठता है और ऐसी सामग्री इकट्टो कर दी है जिससे इस विशय पर लिखने बाले लेखकों को बेहद मदद मिल सकती हैं.

किताब बड़े काम की है. भाशा बहुत मुशकिल नहीं है लायन रियों के बढ़े काम की है और लेखकों के पास तो यह रहनी ही चाहिये.

हिन्दू धर्म की समीक्षा-

यह इसी पुस्तकमाला का द्खरा फूल है. यह भी असल में मराठी में लिखी गई है और इसके लेखक हैं तर्क तीथ पंडित सम्मन शास्त्री जोशी. इसका हिन्दी अनुवाद किया है

سَلَكُهُوى فِي أَيْمًا أَوَاوِكِينِ لَكُهَا هِي يُوهِفِي وَالرِسِ كُو گرنته شروع کرنے سے پہلے آسے ضرور پود لهذا چاهد . آیسا کرنے سے کتاب کے پوہنے میں کسی جگه بھی آروچی کا در نهين رهيكا . يم كِدِ بُ مراثهي مين المهي كُنِّي هـ ؛ كجراتي روب اِسکا دیا جا چکا ہے اور هددی میں اِس کو اس یستک مالا نے نکالا ہے ۔ اس کتاب میں کوسامیی جی نے جہاں آلوچلا کی ہے وهاں خاصی پیلی کردی ہے . اگر اتفی پیفی نه هوتی تب بهی کام چل سکتا تها: پرهفے والے اگر اس پیفی آلوچذا ہے آئے آئے کو بچالیفگے تو اس کتاب مهل جر سنجائی بهری پوی هے اُس کا پورا آنند نے سامینگے

کوسامھی جی نے اس کتاب میں ہزاررں برس پہلے سے آج کے دن تک بھارتھہ سلسکرتی کے اُنھاس روپوں کو ہری گہرائی سے پوہ سمجھ کر آپائی جو رائے قائم کی ہے وہ ايسى نهين هے جو يوں هي اُوردي چائے . انهرن نے سنسكرتي كو پانچ حصول مهل بانثا هـ ايك ويدك قو شرمی، تهنی بورانک چار باشچانهه بانچ سنسکرتی ارر اهنسا . اور ان كا ميل كنچه اس طرح بقهايا ه جسطرح آج تک کسی لیکھک نے نه کھا ، اِسکے پوهنے میں آندہ تو آتا ہے پر یہ کہلے کے لئے که کوسامهی جی لے جو کچه لکها هے وهی تهیک اسکے لئے اتهاس کے بہت برے گیاں کی ضرورت ھے اور اُتنے گھان کا دعوا ھم نہیں کر سکتے . هم تو اس کتاب کے بارے میں اندا کہ سکتے هیں که آجکل جندی ایسی کتابوں لکھی جاتی هیں وہ یا تو آنهاس کو نگاه مهی رکه کر یا رکهان کو نگاه مهی رکهکر یا درنون کو هی نگاه مهن رکه کو . اور یم کتاب زیاده تر انہاس کو نکاہ میں رکھ کر لکھی گئی ہے ارر انہاس کے ہارے میں کچھ ودوانوں کی یہ رائے ہے که وہ کبھی سجا نہیں هوسکتا اور هم بھی اِس رائے کے مهن ، اُس لئے هدکو اِس کے سمجھلے میں تهوری مشکل هوتی هے . هوسكتا هے يېي مشكل پاتهكون كو بهي هو .

کچھ بھی صحیمے کو سامھی جی نے اِس کتاب میں ایسے وچار دے دئے میں جن پر چندن کرنے نے لئے جی۔ منهل أَتَّهِمًا هِم أور أيسى سامكري أنتهي كردي هِم جس سے اس وشہ پر لکھلے والے لیکھکوں کو بے حد مدد مل

كتاب يوے كام كى هے . بهاشا بهت مشكل نهيں هے. الموریوں کے بڑے کام کی ہے اور لیکھکوں کے پاس تو یہ رهنی هی چاهنّے .

هلیو دهرم کی سمیکشا ۔۔۔

ية أسى يستك مالا كا دوسرا يهول هي. يه بهى اصل مهن مراته مرد المهر لله في أور أس كم ليكهك هين ترك تيرته هُلِيَّاتِ لِكُمْنِيَ شَاسَكُرِي جَوِشَى لَسِ لَا هَلَدَى أَنْرُوادَ كِيا هِـ



हेम चन्द्र पुस्तक माला-

हिन्दी प्रनथ रक्नाकर कार्यालय, हीरा बाग्न, गिरगांव, बम्बई के मालिक श्री नाथूराम प्रेमी हिन्दी की क्षच्छी किताबें निकालने के लिये हिन्दुस्तान भर में मशहूर हैं. इस की एक वजह यह है कि वह खुद एक बड़े ऊंचे दरजे के लेखक हैं. श्रीर दूसरी वजह यह है कि उनकी साहित्य की रुचि बड़ी ऊंची है. यह हैम चन्द्र मोदी पुस्तक माला उन्हों ने ही शुरू की है. हेम चन्द्र प्रेमीजी के एक लौते बेटे थे. वह भरी जवानों में उन्हें छोड़ कर चल बसे. प्रेमी जी ने उनकी याद में दुख में गलने की जगह यही ठीक सममा कि उस जवान की मन लगती चीचें ही छापकर सस्ते दामों में पढ़ने वालों तक पहुँचा दी जायं. इस के लिये उन्होंने दस हज़ार रूपया श्रलग कर दिया. श्रीर इस तरह से बेटे की जगह बाप ने बेटे का श्राद्ध किया. यादगार का यह क्या ही श्रच्छा तरीका है.

इस पुस्तक माला की पांच किताबें हमें मिल चुकी हैं जिनके नाम हैं:

- 1. भारतीय संस्कृति और ब्रहिंसा
- 2. हिन्दू धर्म की समीचा
- 3. जड्बाद
- 4. स्वतंत्र चिन्तन
- 5. नारी का मूल्य

इन में से स्वतंत्र चिन्तन और जड़वाद की आलोचना विसम्बर सन '50 के 'नया हिन्द' में हो चुकी हैं. बाकी तीन की इसी अंक में दी जा रही हैं.

इस पुरतक माला के सभी प्रन्थ ऐसे हैं जो हर सायज दी और हर घर में होना चाहियें.

मारतीय संसकृति और अहिन्सा

बन देश चन्द्र मोदी पुस्तक माला का पहला फूल है. कि के दें स्वर्गीय धर्मानन्द को साम्बी. इसका दाम दो कि हैं कि पुस्तक के शुरू में मशहूर पंडित सुखलाल

هیم چندر بستک مالا—

ملتی گرنته رتفاکر کاریالیه هیراً باغ گرگؤن بسبئی کے مالک شری ناته ورام پریمی هددی کی اُچھی کتابیں نکالفے کے لئے هددستان بهر میں مشہور هیں ، اِس کی ایک وجه یه هے که وہ خرد ایک برے اونچے درجے کے لیک میں ، اور دوسری وجه یه هے که اُن کی ساهنده کی رچی بری اُونچی هے ، یه هیم چلدر مودی پستک مالا اُنہوں نے هی شروع کی هے ، هم چلدر مودی پستک کا اللوتے بهتم تهے ، وہ بهری جوابی میں اُنهیں چھور کر پیل بسے ، پریس جی نے اُن کی یاد میں دکھ میں چلا کی جوابی میں یوهنے والوں کی من کلا کی جہاری هی چہاپ کر سستے داموں میں پوهنے والوں لگا یہ چھواری ہے جہاں ، اور اِس طرح سے بہتے کی جگه باپ درویه الگ کر دیا ، اور اِس طرح سے بہتے کی جگه باپ درویه الگ کر دیا ، اور اِس طرح سے بہتے کی جگه باپ نے بہتے کی جگه باپ کی بہتے کا شرادہ کیا ، یادگار کا یہ کیا هی اُجہا طریقه

ر ایس پستک مالا کی پانچ کتابیں همیں مل چکی هیں جن کے نام هیں :

- 1. بهارتهم سدسكرتي ارر أهدسا
 - 2 هلدو دهرم کی سمهکشا
 - 3. جو واد
 - 4. سونلتر چلتن
 - 5. ناری کا سولیت

ان میں سے سوتلٹر چلٹن اور جوراد کی آلوچنا مسیور سن 50' کے 'نیا ھند' میں ھو چکی ھے ، ہاقی تھی کی اسی انک میں دی جارعی ھیں .

ا اُس ایستک مالا کے سبھی کرنتھ ایسے ھیں جو ھر المروري اور ھر گھر میں ھونا چاھائیں .

بهارتهم سنسكرتي أور اهنسا

یه ههم چندر مونی پستک مالا کا پهلا پهول هے ، اسکے المیک هیں سورگیء دهرمانند کوسامبی ، اِسکا دام دو این پیهای ، اِس پستک کے شروع میں مشہور پندت سکھ لال

की. मां ने कहा कि तू जो सुशीका की इतनी तारीक करती है तो फिर तू भी उसकी तरह क्यों नहीं पढ़ना तिस्ता शुरू करती. कुशीला ने कहा कि मेरा मन तो पढ़ने तिस्ता में लगता नहीं है. मैं सुशीला की तरह किस तरह काम करूं. मां ने कहा कि जब सुशीला का मन लग जाता है तो तेरा क्यों नहीं लगता. उसी के पास तू भी जा कर बैठा कर और जिस तरह वह सब करती है उसी तरह तू भी करना शुरू कर दे. कुशीला ने कहा कि भच्छी बात है मैं आज शाम को सुशीला से पूछूगी.

नोट:—सुशीला और कुशीला की कहानी का यह सिक्षिता यहाँ खत्म हो जाता है, मगर आगे की एक चिट्ठी
में इसका नतीजा यह निकला है कि सुशीला के अच्छे
असर में आकर कुशीला ने भी अपना मन पढ़ने लिखने
में लगाया और अपना हर काम ठीक वक्षत पर सलीके से
करना और पढ़ना सीला, और थोड़े ही दिनों में वह भी एक
बहुत अच्छी लड़की बन गई.

भारत देस

(बहन सैयदा फरहत)

कितना अच्छा, कितना प्यारा देश हमारा सुन्दर भारत फूल हैं इसमें रंग बिरंगे नीले, पीले, सब्ज और उदे सब से हैं इस बाग़ की शोभा बारा का जीवन, सबका एका भारत माता सबकी मां है सब में घटकी उसकी जाँ है हिन्दू, मुसलिम, सिक्ख, ईसाई इसके पूत, आपस के माई सब के सुख से इसको सुख है कोई दुखी हो, बसको दुख है भारत बारा की नन्ही किलियो नन्हे मुन्ते, त्यारे बच्चो ! बारा को अपने खुब सजाओ अपनी खुरावू से महकाओ सब फूलों को अपनाओ तुम पीत भरे नरामे गाम्नो तुम बारा की रहा फर्क है तुम पर देश की सेवा कर्ज है तुम पर

کی مال لے کہا کہ او جو سوھیلا کی آتھی قمریف کوئی ہو قو پہر تو بھی اسلامطرح کیوں نہیں پڑھٹا الکھٹا شہوع کوئی۔ کوئی۔ کوئی۔ کوئیلا کے میں اسلام سے دورہ نے الکھٹے میں الکٹا نہیں ہے ۔ میں سوشیلا کی طرح کس طرح کام کروں ، ماں نے طہا کہ جب سوشیلا کا میں لگ جاتا ہے تو تیرا کیوں نہیں لگتا ، اسی کے پاس تو بھی جاکر بیٹھا کر اور جس طرح وہ سب کرتی ہے اُسی طرح تو بھی کرنا شروع کردے ، کوئیلا نے کہا کہ اُچھی بات ہے میں آج شام کو سوشیلا سے پوچھونگی ،

نوت: سوثیلا اور کوشیلا کی کہاتی کا یہ سلساہ یہاں خام هوجاتا ہے، مگر آئے کی ایک چاتھی میں اس کا نقیجہ یہ نکلا ہے کہ سوشیلا کے اچھے آثر میں آکر کوشیلا نے بھی اپنا میں پوھنے لکھنے مدی لگایا اور آپنا هر کام تھیک وقت پر سلیقے سے کرنا اور پوھنا سیکھا اور تھوتے ہی دنوں میں وہ بھی ایک بہت اچھی لوکی بن گئی .

بهارت ديس

(بهن سیده فرحت)

بهارا 'نوچا كتنا امله سندر پهول ههی اس میں رنگ برنگ پیلے' سبو اور اُودے ہے ھے اِس باغ کی شوبھا بهارت ماتا سب کی ماں ہے سب میں اٹکی اس کی جاں ھے مسلم' سکه' میسائی اس کے پوت کا بھائی سب کے سکھ ہے اُس کو سکھ<u>ھے</u> کوئی دکھی ہو' اس کو د'ھ ہے بجو! يهارے مهكاؤ

(أردو ' أج كل ' س)

(वरद् 'बाजकल' से)

عرى باعد 12-6-06.

किकी बंगला 12-6-'06

राधे,

कत की चिट्ठी की तरह आज भी सुशीका कुशीला की बातें लिखी जाती हैं. सुशीला ने कहा कि बालों का गिनना तो आसान है क्यों कि उनको हर तरह से सू सकते हैं. तील सकते हैं और एक एक आलग कर के गिन सकते हैं. मगर तारों को तो न खू सकते हैं न अलग अलग कर सकते हैं. फिर भी गिनने वालों ने जितने तारे आंख से दिखाई देते हैं उन को तो गिन ही लिया है. उनके अलावा जितने बड़ी से बड़ी दूरबीन से दिखाई देते हैं उनको भी गिन लिया है. श्रीर सिर्फ गिना ही नहीं है बल्कि हर एक तारे का नाम रख दिया है, और इनकी फ़ेहरिस्तें बना ली हैं भौर उनको पहचानने की तरकीवें निकाल ली हैं. कुशीला ने पूछा कि तारों को क्यों कर गिन सकते हैं. वह तो इतनी दूर हैं और जहां देखो वहां एक के ऊपर एक पास पास गुच्छे दिखाई देते हैं. सुशीला ने कहा अभी तो मैंने इतना पदा नहीं है कि सब तरह के तारों को गिन लूँ और पहचान लॅं. मगर बड़े बड़े मशहूर मशहूर तारों का पहचानना तो कुछ भी मुशकिल नहीं है. यह जो तरह तरह की शकलें तारों की मैंने कल रात को तुम्हें दिखलाई यह इसी वास्ते तो बनाई हैं कि जो जो तारे इन शकलों को बनाते हैं वह फौरन पहचाने जा सकें. कुशीला ने पूछा कि अञ्छा बताबी कि जितने तारे हमें आंख से दिखाई देवे हैं वह कितने हैं. सुशीला ने कहा कि जितने तारे आंख से साफ दिखाई देवे हैं वह तो सिर्फ़ तीन हज़ार हैं. भीर इन में से तीन सी या चार सौ तारे ऐसे हैं कि जो उन शकतों के जरिये जो मैंने तुम्हें इल दिखलाई, बड़ी आसानी से पहचाने जा सकते हैं. बाकियों का पहचानना जरा मुशकिल है. कुशीला ने कहा कि अरी सुशीला तुमे यह सब बातें क्यों कर और कहां से मालूम हो गईं. सुशीला ने कहा कि कुछ तो किताबों के पढ़ने से और कुछ अपने बढ़े भाई से जो कालिज में पहते हैं.

यह बोर्ते हो ही रही थीं कि इतने में पांच बज गए.
सुशीला ने कहा कि मेरे तो उठने का वक्त हो गया. में
तो अब नहाने धोने जाती हूँ, फिर पढ़ने लिखने का काम
कहंगी. बेहतर है कि तुम भी इसी तरह करो. सब काम
ठीक वक्त पर करने चाहियें ताकि कजूल वक्त जाया न
हो. तुम मेरी एकली चादर अपने बिस्तरे में बांध कर ले
आधी. मैं तुम्हारी मैली चादर कल तक धुलवा दंगी. फिर
बादरें बदल लेंगे. यह कह कर सुशीला तो उठ कर चली
गई और कुशीला अपना विस्तर बांध कर अपने घर चली
गई और कपनी मां से जाकर सुशीला की बड़ी तारीक

رادهے'

کل کی چہتی کی طرح آج بھی سوشیلا کوشیلا کی ہاتیں لکھی جاتی ھیں۔ سوشیلا نے کہا کہ بالوں کا گلنا تو آسان مے کیونک اُن کو هر طرح سے چهو سکتے هیں' تول سمعے هيں اور ايك آيك الك دركے كن سمتے هيں . مكر تارون کو تو نه چهو سمتے هيں نه الگ آنگ کر سمتے هيں. پھر بھی گللے والوں نے جتنے تارے آنکھ سے داہائی دیتے ههں أن كو تو كن هي لها هي . أن كے علاوہ جلالے بوس سے ہوی دوربین سے دکھ ٹی دیتے هیں اُن کو بھی گن لھا ھے . اور مرف گذاهی نهوس هے بلکہ هر ایک تاری کا نام رکھ دياً هي اور أن كي فهرستين بدالي هين أور أنكو دبهداني کی ترکیبیں نکال لی هیں ، کوشیلا نے پوچھا که تاروں کو کیوں کر کن سکتے میں وہ تو اتذی دور میں اور جہاں دیکھو وهاں ایک کے اوپر ایک پاس پاس کچھ دکھائی دیتے هیں. سوشیلا نے کہا ابھی تو میں نے اتنا پوعا نہیں ہے که سب طرح کے تاروں کو کن لوں آور پہنچان لوں ، مکر بوے بوے مشہور مشہور تاروں کا پہنچاندا تو کچھ بھی مشكل نهين هے . يه جو طرح طرح كى شكلين تاررن کی میں نے کل رات کو تمہیں دکھائیں یہ اسی واسطے تو ۔ بنائی میں کہ جو جو تارے ان شکاوں کو بناتے میں وہ فوراً يهجاني جاسمين . كرشيلا نے پوچها كه اچها بتار كه جتنے تاریم همیس آنگه سے دکھائی دیتے هیں وہ کتیا هیں . سرشهلا نے کہا که جاندے تاری آنکہ سے صاف دکھائی دیا ہے ههور ولا تو صرف تين هزار ههي ، ارد ان مهي سے تهن سویا چار سر تارے ایسے هیں کہ جو اُن شکلوں کے ذریعے جو میں نے کل تمہیں دکھلائیں' بوی آساس سے پہنچانے جاسكتي هين، يالهون كا پهنچاننا درا -شكل هي ، كوشيلا ن کہا کہ اربی سوشیلا تجھے یہ سب باتیں کیوں کر اور کہاں سے معلوم ہواگھیں . سوشھلا نے کہا که کنچھ تو کتاپوں کے يههنے سے اور کنچه انبے ہوے بہائی سے جو کلیم میں بوعقے

یه باتیں هو هی رهی تهیں که اُتلے میں پانچ بے
گئے . سوشیلا نے کہا که میرے تو انهنے کا وقعه هوگها .
میں تو اب نہائے دهونے جاتی هوں پهر پرهنے لکھنے کا کام
گورنگی . بہتر هے که تم بهی اسی طرح کرو . سب کام
گیرنگی وقت پر کرنے چاهئیں تاکه فضول وقت ضائع نه هو .
تم میری اجلی چادر ایل بسترے میں بانده کر لے جاؤ .
میں تمہاری میلی چادر کل تک دهلوا دونگی . پهر
میری بدل لیلگے . یه که کر سوشیلا تو اُته کر
میری اور کوشیلا اہلا بسترا بانده کر اپنے کهر چلی

उसको ठीक ठीक पढ़ने और सममने से भगवान का हाल और उसकी मरजी मालूम होती है. इस वास्ते छोटी या बड़ी जो चीज भगवान की बनाई हुई हम को मिले या दिखाई दे उसका असल हाल मालूम करने की कोशिश करनी चाहिये.

कुशीला ने पूछा कि अच्छा यह जो तरह तरह की शकलें तारों की बनाई हैं इसका क्या फायदा है. सुशीला ने कहा कि यह शकलें कोई असली थोड़ी हैं यह तो सिर्फ तारों को पहचानने और गिनने में और उनको अलग अलग द्रबीन वरौरा से देखकर उनका हाल मालूम करने के वास्ते यों ही मुक़र्रर कर की हैं. इसी वास्ते बाजी बाजी शकलें तो ठीक ठीक मिल जाती हैं चौर बाजी ठीक नहीं मिलतीं. मसलन बड़े कुत्ते के तो पैर भी मालूम होते हैं. पंछ भी और कान भी. मगर छोटे कुत्ते का तो सिर्फ मंह भौर पीठ ही पीठ दिखाई देती है. असल मतलब तो इनका सिर्फ यह है कि सारे तारे गिने और पहचाने जा सकें. क्कशीला ने हैरान होकर कहा कि हैं! तारों को भी कोई गिन सकता है ? यह तो इतने सारे हैं कि कोई सारी उमर गिने जाय तो भी खतम न हों. सिर के बाल और आसमान के तारे तो अनिगनत हैं, इनको क्यों कर कोई गिन सकता है, सुशीका ने कहा कि जो पढ़ेन लिखेन सोचेन अक्रल को काम में लाए उसके लिये तो कोई काम भी आसान नहीं. सब मुशकिल मालूम होंगे. मगर जो भगवान की बी हुई अक़ल को काम में लाए और अच्छी अच्छी कितावें पढ कर जो कुछ उन में लिखा है उसकी बाबत खब सोचे बहु मुशकिल से मुशकिल काम के लिये भी कुछ न कुछ तरीक़ा निकाल लेता है. देखो तुम्हें तो आसमान के तारे और सिर के बाल अनिगनत मालूम होते हैं लेकिन गिनने बालों ने दोनों को गिन लिया है और कितां में लिख दिया है. सिर के बाल गिनने तो कुछ बहुत मुशकिल भी नहीं हैं. क्योंकि अगर किसी के बाल बिलकुल बराबर काट कर तोल लें और फिर जितने बाल एक रसी या एक माशे में हों बन को गिन लें तो फिर सारे बालों की गिनती माल्यम हो जायगी. मसलन अगर किसी के सब बाल जो काटे गए आध पाव यानी हो छटांक वजन में हों, और एक रत्ती में सी बाल गिने जायं तो सारे बाल आध पाव की रत्तियां बना कर फिर सी में जरब देने से निकल आयंगे. जैसे देखो आध पाव की हो छटांक और दो छटांक के 10 तोजे और इस तोलों के 120 मारो और 120 मारों की 960 रित्यां बनीं. इसिलिये अंगर एक एक रत्ती में सी बाल होते हैं तो 960 रितयों में 960 × 100 यानी 96000 वाल कत सिर पर हुए. कुशीला बड़ी अबरज में पड़ी कि अरे त तों सिर के बाल भी गिन सकती है.

أسكو تهيك تهيك هوها أور سمجها سيهكول كا خال أور أس كى مرقى معلوم هوتى هـ إس وأسط جهوتى يا يوى جو چيز بهكوأن كى بقائى هوئى هم كو ما يا دكهائى در أس كا اصل حال معارم كرنے كى كوشش كرنى چاھائى .

کوشیلا نے پوچھا که اچھا یہ جو طرح طرح کی شکلیں تارس کی بنائی هیں اِس کا کیا فائدہ ھے . سوشیلا نے کہا که یه شکلیل کوئی اصای تهروی هیل . یه تو صرف تاروں کو پہنچانئے اور گلام میں اور اُن کو الگ الگ دوربین وفیرہ سے دیکھ کر اُن کا حال معاوم کرنے کے واسطے يس هي مقرر كرلى هيس ، أسى وأسطم بعضي بعضي شكليس تو تهیک تهیک مل بجاتی هیں ارر بعضی تهیک نهیں ملتیں مثلاً ہوے کتے کے تو پھر بھی معلوم ہوتے ھیں ا پونچه بهی اور کان بهی ، مکر چهوتے کتے کا تو صرف مذہ اور پیشه هی پیشه دکهائی دیشی هے . اصل مطلب تو اِن کا صرف یہ هے که سارے تارے گئے اور پہنچائے جاسکیں. کہشیلا نے حیران ہوکر کہا کہ ہیں ا تاروں کو بیای کوئی كن سكامًا هم ؟ يه تو اللم سارم هيس كه كوئى سارى عمر کھے جائے تو بھی ختم نه هوں . سو کے بال اور آسمان کے تاری تو ان گفت هیں' اِن کو کیونکر کوئی کن سکتا ھے. موشیلا نے کہا کہ جو پڑھے نه لکھے نه سوچے نه عقل کو کام مہیں لائے اُس کے لئے تو کوئی کام بھی آسان نہیں' سب مشکل معاوم هونگه . مگر جو بهگوان کی دی هردی مقل کو کام میں لائے اور اچھی اچھی کتابیں پوھ کر جو كجه أن مين لكها هي أس كي بابت خوب سوچ ولا مشكل سے مشکل کام کے لئے بھی کچھ نه کچھ طریقه نال لیتا ھے . دیکھو تمہیں تو آسمان کے تارے اور سرکے بال ان گلمت معلوم هوتے میں لیکن کلفے والوں نے دونوں کو کن لھا ھے اور ركتابول مين أكبه دياً هي . سرع بال دُلله تو كنيه بهت مشعل بھی نہیں ھیں ، کیونکہ اگر کسی کے بال بالکل ہراہر کاف کر تول لین اور پھر جندے بال ایک رتی یا ایک ماشے میں هوں أن كو كن لهن تو پهر سارے بالوں كى ئنتی معلوم ہو جائے ئی . مثلًا أَدُر كسى كے سب بال جو کتے گئے آدھ پاؤ یعلی دو جھٹانک وزن میں ھوں اور ایک رتی میں سو بال گلے جائیں تو سارے بال آدھ پاؤ کی رتھاں بھاکر پھر سو میں ضرب دیتے سے نکل آئیں گے ۔ جیسے دیکھو آداھ پاؤ کی دو چھٹانک اور دو چھٹانک کے 10 تولے اور دس تولین کے 120 ماشے اور 120 ماشوں کی 960 رتيان بنين . إس الله اكر ايك ايك رتى مين سو ياق هوتي ههي تو 960 رتيون مين 100 × 960 يعاي 96000 يال كل سر ير هولية ، كوفية بوي أبوج مون پون کو آونے کو تو سر کے بال بھی کی مکتی ہے .

व्यवनी सब बादरों की संभात कर रखी और जहाँ एक परा भी मैली हो उसे फौरन धुली की नेदी और धोवन जब कपड़े लाए तो खूब अच्छी तरह देख कर लो और जो कपड़ा खराव घुला हुआ। हो उसे फिर धोकर लाने के वास्ते बापस कर दो और उसकी धुलाई न दो, तो आप मे आप कपड़े हमेशा उजले रहेंगे भीर अच्छे धुलने लगेंगे. मेरे पास तीन चादरें और भी धुली हुई रखी हैं, मैं एक तुम्हें लाकर देती हूँ और सुबह तुम्हारी मैली चादर को खड़े घाट अपनी धोवन से धुलवा दूंगी. फिर देखी तुम्हारी चादर भी ऐसी ही अजली हो जाती है कि नहीं. यह कह कर सुशीला ने कुशीला को एक उजली चादर ला दी और मैली चादर मैले कपड़ों में बाँध कर रख दो. फिर जब दोनों अपनी अपनी खाटों पर लेट गई तो सुशीला ने कुशीला को तारों में बड़ा खटोला, छोटा खटोला, तारों का शेर, सांप चीर बिच्छू, समुन्दर का सांप, अजदहा, और वस्वा और प्याला यह सब दिखालाया, सफेद श्रीर लाल दुनिया विखलाई और यह भी बतालया कि यह जो तार दिखाई देते हैं इन में से जो लपक लपक नहीं करते वह तो दुनियाएं हैं भौर बाक़ो सब सूरज हैं.

सुदह दिन निकलने से एक घंटा पहले जो सुशीला की आँख खुली तो उस ने कुशीला को तारों का देव, साँड और बड़ा कुत्ता और छोटा कुत्ता दिखाया.

चेले वहान 11-6-'06

राधे,

कल भी सुशीचा कुशीला का हाल लिखा था आज फिर वही

कुशीला ने जब तारों का देव और कुले और खरगोश और सांब और जहाज बगैरा सब देख लिये तो फिर उसने सुशीला से पूजा कि इन तारों को देखने और पहचानने से कायदा क्या ? सुशीला ने कहा कि सब से बड़ा कायदा तो यह है कि भगवान की बनाई हुई जितनी जियादा बीजों को हम देखें, पहचानें और उनका सही सही हाल मालूम करें, उसी क़दर जियादा हमें यह पता लगेगा कि परमेरवर असल में कीन है, कैसा है, और उसकी क्या मरजी है. जिस तरह हम को किसी आदमी की बनाई हुई कितान को पढ़ने से मालूम हो जाता है कि वह आदमी किसा है और उसका क्या मतलब और उसकी क्या राय है हमी करह सगवान की बड़ी भारी किताब, जो इस

الكريسب جادرون كو سليمال كر ركوو أور جهال أيك قوا يهي صهلی هو اسے دورا دهللے کو دے دو اور دهوین جب کھڑے اللے تو خوب اچهی طرح دیکهکر لو اور جو کهوا خراب دها هوا هو اس بور دھرکر لانے کے واسطے واپس کر دو اور اس کی دھائی نه درا تو آپ سے آپ کھڑے مدهشه اُجلے رهیں کے اُور اچھ دهلئے اگیں کی میرے پاس تین چادریں اور بھی دهای هولی رکهی هین میں ایک تمهیں الادر دیتی هیں اور صیم تمها می مهلی بهادر کو کهرے گهات آبلی دهوین سے دهلوا دونکی بهر دیکهو تمهاری چادر بهی ایسی هی أَجلى هوجاتي هے كه نهيں . يه كهكر سوهها نے كوشها كو ایک آجلی چادر لادی اور میلی چادر میلے کپورں میں باندهمر رکه دی . پهر جب دونوں ایلی ایلی که توں پر لهت گئیں تو سوهيلاني كوشيلا كو تارون مهن برا كهاولا جهرانا كهتولاً تارون كا شهرا سانب اور ينجهوا سملدر كا ساسي اودها اور كوا اور پياء يه سب دكهاليا، سفيد اور قائی دنیا دکھائی اور یہ بھی بتایا اہ یہ جو تارہ دکھائی دیتے میں اِن میں سے جو لیک لیک نہیں کرتے وہ تو ونهائهن هین اور باقی سب سورج هین .

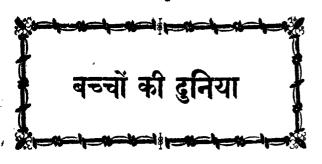
صبم دن نکلئے سے ایک گھنٹہ پہلے جو سوشھا کی آنکھ کھلی تو اُس نے کرشھال کو تاروں کا دیو' سانڈ اور ہوا کتا اور چھوٹا کتا دکھایا ۔

چهلے وہاں 11-0-'06

رادھ'

کل بھی سوشیلا کوشیلا کا حال لکھا تھا آج پھر وھی .

کوشیلا نے جب تاروں کا دیو اور کتے اور خوگوش اور
سابق اور جہاز رقیرہ سب دیکھ لئے تو پھر اُس نے سوشیلا
سے پوچھا که اِن تاروں کو دیکھنے اور پھچانئے سے قائدہ
گھا اُ سوشیلانے کہا کہ سب سے بوا فائدہ تو یہ ہے کہ بھگوان
گی بدئی ھوئی جتنی زیادہ چیز ں کو ھم دیکھیں،
پھچانوں اُور اُن کا سہی سہی حال معلوم کریں، اُسی
پھچانوں اُور اُن کا سہی سہی حال معلوم کریں، اُسی
قدر زیادہ ھمیں یہ پتھ لگے کا کہ پرمیشور اُصل میں کون
قدر زیادہ ھمیں یہ پتھ لگے کا کہ پرمیشور اُصل میں کون
گو کسی آدمی کی بدائی ھوئیکتاب کو پوھنے سے معلوم ھو
گو کسی آدمی کی بدائی ھوئیکتاب کو پوھنے سے معلوم ھو
گو کسی آدمی کی بدائی ھوئیکتاب کو پوھنے سے معلوم ھو
گو کسی آدمی کی بدائی ھوئیکتاب کو پوھنے سے معلوم ھو
گو کسی آدمی کی بدائی ھوئیکتاب کو پوھنے سے معلوم ھو

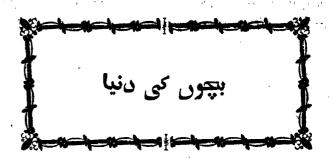


चेते वहान 10-6-'06.



कुशीला का मन सुशीला में ऐसा लगा कि शाम हो गई और इसे घर जाने की याद ही न आई. सुशीला ने कहा कि अगर तम रात की यहाँ ही सो जाओ तो मैं तम्हें तारे विकाऊँगी और उनसे जो तरह तरह की शक्लें बनती हैं बह भी. कुशीला ने कहा अच्छा मैं अपने घर कह आऊँ फिर अभी आजाऊँगीं. यह कह कर कुशीला ने अपनी माँ से जाकर कहा कि मैं तो आज सुशीला के घर सोऊँगी. माँ ने पूछा कि क्यों. कुशीला ने कहा कि सुशीला ने तो मुक्ते बाज बड़ी बच्छी बच्छी बातें सुनाई. मेरा मन करता है कि उसके पास ही बैठी रहूँ. माँ ने पूझा, क्या वातें सुशीला ने बताई. कुशीला ने बताया कि दिन में तो पढ़ने लिखने की बातें बताती रही अब रात को तारे दिखलायगी. माँ ने पूछा तारों को देखने से क्या फायदा है. कुशीला ने कहा मुमे तो सबर नहीं. यह भी सुशीला से पूछ लंगी. माँ ने कहा भच्छी बात है अगर सुशीला के पास तेरा इतना मन क्षगता है तो वहां जाकर आज सो रह. विस्तरा अपना ले जा.

कुरीला अपना विस्तरा उठा सुशीला के यहाँ पहुँची. दोनों की खाटें छत पर विछ गईं. सुशीला ने जो अपना विस्तर विछाया तो बड़ा उजला और साफ था. चादर विज्ञ का सफेद धुली हुई जिस में न गुजंलट थी न कोई धब्बा. मगर कुशीला ने जो अपना विस्तरा खोला तो उस को चादर विलक्षल मेली और बद्यूदार निकली. और सारे में गुँजलटें पड़ी हुई. सुशीला ने कहा कि अरे कैसा मेली चादर है, तुम ऐसी खराब चादर पर खबर नहीं कैसे सोती हो. तुम ने इसे धुलवाया क्यों नहीं. कुशीला ने कहा कि हम तो अक्सर ऐसे ही विस्तरों पर सोया करती हैं और मेरी माँ की चादर भी ऐसी ही मैली इचैली है. खबर नहीं सुशीला तेरी चादर ऐसी उजली क्यों कर रहती है. हमारी खब धोबन भी घोकर लाती है तब भी ऐसी नहीं होती.



چھالے وہاں 06'–6–10

ادهے'

كوشهلالا من سرشهلا مين أيسا لكا كه شام هركدًى أور أبي گھر جانے کی یاد ھینہ آئی سوشیط نے کہا کہ اگر تم رأت کو یہاں هی سوجاؤ تو میں تمہیں تارے دکھاؤں کی اور اُن سے جو طرح طرح کی شکلیں بلٹی میں رہ بھی ۔ کوشیلا نے کہا اچھا میں آیے گھر کھ آؤں پھر ابھی آجاؤں کی . یہ کہکر کوشیلا نے ایدی ماں سے جا کر کہا کہ میں تو آج سوشیلا کے گهر سوؤنگی آمان نے پوچها که کیوں ، کوشیلا نے کہا کہ سوشیلا نے تو مجھے آج بھی اچھی اچھی ہاتیں سفائیں ۔ میرا من کرتا ہے که اُس کے پاس هی بہتھی رهوں. ماں نے پوچھا' کیا باتیں سوشیلا نے باائیں . کوشیلا نے بغایا کہ دن میں تو پڑھانے لکھانے کی باتیں بغاتی رھی أب رأت كو تارے دكھائے كى . ماں نے پوچھا تاروں كو ديكهنيس كها فائده هي . كوشيلا أو كها منجه تو خبر نهيل . یہ بھی سوش الا سے پوچھ لونکی . ماں نے کہا اُچھی بات ھے اگر سوھیلا کے پاس تیرا اِندا من لکتا ھے تو رھاں جاکو آبر سورہ ، ہسترا اینا لے جا ۔

کوشیلا ایفا بسترا آنها سوشیلا کے یہاں پہونچی، دونوں کی کھاتھیں چھت پر بچھ گئیں . سوشیلا نے جو ایفا بستر بچھا یا تو بڑا اُجلا اور صاف تھا ، جادر بالکل سفید دھلی ھوئی جس میں نہ گنجلت تھی نہ کوئی دھیه، مگر کوشیلا نے جو ایفا بسترا کھولا تو اُس کی چادر بالکل میلی اور بدیو دار نکلی ، اور سارے میں گنجلتیں پوی مھواییں . سوشیلا نے کہا اربے کیسی میلی چادر ہے' تم آیسی خراب چادر پر خبر نہیں کوشیلا نے کہا کہ ھم تو اکثر آیسے ھی دھلوایا کیوں نہیں ، کوشیلا نے کہا کہ ھم تو اکثر آیسے ھی بستروں پر سویا کرتی جس اور میری ماں کی چادر بھی ایسی ھی میلی کچھلی ہے ، خور نہیں سوشیلا تیری جوئی ایسی ھین میلی کچھلی ہے ، خور نہیں سوشیلا تیری ہیں جھی ایسی نہیں ھوتی ، ہیں جھیکا ہے ۔

भारा। की जाती है कि यह अपनी पूरी शक्ति भर रचनात्मक प्रोमाम के काम की बढ़ाएंगे. पर वह सर्व सेवा संघ के समाइन्दे होने का दावा नहीं कर सकेंगे.

सचमुष थोड़े से योग्य रचनात्मक काम करने वालों का अपने निजी 'आजाद' ढंग से या किसी राजकाजी परटी के मेम्बरों की हैसियत से राजकाज में हिस्सा लेना जुद रचनात्मक प्रोमाम के हित में अच्छा हो सकता है. ऐसे मौक्रे भी आ सकते हैं जब हर रचनात्मक काम करने वाले को रचनात्मक काम के अन्दर अपनी बुनियादी श्रद्धा की रचा के लिये राजकाजी आन्दोलन में कूदना पड़े. लेकिन यह सवाल इस समय पैदा नहीं होता.

(6) इन हालतों में सर्व सेवा संघ के लिये एक राजकाजी पारटी की तरह काम करना ठीक नहीं है. लेकिन संघ चाहता है कि वे रचनात्मक काम करने वाले जो किसी राजकाजी संगठन के मेम्बर हैं अपनी पारिटयों पर इस बात के लिये जोर डालें कि केवल इस तरह के लोग ही खड़े किये जावें जो बेरारज हों, योग्य हों झौर जो पैसे के या किसी और तरह के बेजा असर में न आ सकें. केवल इसी तरह हम अपनी धारा सभात्रों के मेन्बरों के त्रीर धन लोगों के जो देश के अच्छे शासन के लिये जिस्मेवार हैं नैतिक यानी इखलाक़ी स्तर को ऊँचा कर सकते हैं. बोटरों को आम तौर पर संघ की सलाह यह है कि उन्हें किसी ऐसे उम्मेदवार को वोट देने से इनकार कर देना चाहिये जिसकी पवलिक जिन्दगी, उनकी राय में, उतनी पवित्र नहीं है जितनी होनी जरूरी है, बाहे वह उम्मेरवार किसी ऐसी पारटी की तरफ से भी क्यों न खड़ा किया गया हो जिस पारटी की तरफ उस बोटर का निजी भुकाव है. इन्हें यह भी याद रखना चाहिये कि किसी ऐसे उम्मेदवार को बोट देने का, जो फिरक्रेवाराना विचार का है या जो अपना मक़सद पूरा करने के लिये हिन्सा के तरीक़ों को काम में लाने में विश्वास रखता है, सवाल ही नहीं बठ सकता क्यों कि यह बातें 'सर्वोदय' के असूलों के विलक्क सिलाफ हैं.

افعاً کی جاتی ہے که وہ اپنی پوری شکتی بهر رجناتمک پروارام کے کام کو برهائینگے، پر وہ سرو سیوا سلکھ کے نمائلات م جونے کا دعوا نہیں کر سکینگے ،

سی می تورت سے یوگیہ رچانمک کام کرنے والوں کا اللہ نجی د آزاد ' قعلگ سے یا کسی راج کاجی بارتی کے مممروں کی حیثیمت سے راج کاج میں حصا لیا خود رجانمک پررگرام کے هت میں اچها هوسکتا هے . ایسے موقعے بھی آ سکتے هیں جب هر رچانمک کام کرنے والے کو رچانمک کام کے اندر اپنی بنیادی شردها کی رکشا کے لیے راج کاجی آندولن میں کودنا بڑے . لیکن یہ سوال لیے راج کاجی آندولن میں کودنا بڑے . لیکن یہ سوال اس سمے پیدا نہیں ہوتا .

(6) ان حالتوں میں سرو سیوا سلکھ کے لئے ایک راج کاچی پارٹی کی طرح کام کرنا تھیک نہیں ھے . لیکن سنگه جاءتا هے که وہ رچلاندک کام کرنے والے جو کسی رابع کام سنگتھن کے ممبر ھیں اپنی پارتیرں پر اس بات کے لئے زور ڈالوں کہ کھوا اس طرح کے لوگ ھی کھوے کئے جاریں جو پے فرض ھوں' یوکیه ھوں اور جو پھسے کے یا کسی ارز طرح کے بھجا اثر میں نه آسیں. کھول اسی طرم هم ایڈی دھارا سبھاؤں کے معدروں کے اور اُن لوگوں کے جو دیامل کے اچھے شاسل کے لئے ذمیروار میں نیٹک، یملی اخلاقی استر کو اونجا کر سمتے هیں . ووڈروں کو عام طور یو سلکھ کی صلاح یہ ہے کہ انہیں کسی ایسے اُمیدوار کو ووق دید سے انکار کر دیدا چاھئے جسکی پداک زندگی ا أن كي رأي مهن أتني يوتر نهين هے جتني هواي ضروري ھے کہ بچاھے وہ اُنگدوار کسی ایسی پارٹی کی طرف سے بھی كهون أنه كهوا كها كها مو جس بارتَّى كي طرف اس وولر كا نجى جهكاو هي . أنهيس يه بهي ياد ركهنا چاهي كه كسى الهسيم أمهدوار كو ورت دينے كا جو فرقه وارانه وجار كا هے يا جو أينا مقصد بررا كرنے كے اللہ هنسا كے طريقرن كو كام مون لانے میں وشواس رکھتا ھے' سرال ھینہیں آتھ سکتا کھونکہ یہ ہاتیں ' سروودے ' کے اصولوں کے ہالکل خلاف میں .

प्रेम कुछ नहीं मांगता. बल्कि कुछ न कुछ देता रहता है, प्रेम दुख सहता है कभी नाराज नहीं होता और न कभी बदला लेता है. जहाँ प्रेम है, वहां भगवान भी है.

🗸 -- महात्मा गांधी

ورهم کنچه نهیں مانکتا بلکه کنچه نه کنچه دیتا وهکا هے، پریم دکه سهتا هے' کبهی ناواض نهیں هوتا اور نه گههی بدناء لهتا هے، جهاں پریم هے' رهاں بهکوان بهی هے .

-- مهاتما كاندهى

- (4) फिर भी यह ध्यान में रखना जरूरी है कि धाजकल की हालत में धारा सभायों और सरकारों का मसर जनता की जिन्दगी पर हर तरफ से पड़ता है और हर जगह और हर स्तर पर घारा सभाएं और सरकारें तरह की नई रचना को रूप देती हैं, ऐसी हालत में उन गरिटयों की सरकारें, जिन्हें ऐसे राजकाजी, समाजी श्रीर गली ढाँचे में विश्वास है जिससे 'सर्वोदय' का आदर्श पूरा करने में मदद नहीं मिल सकती, रचनात्मक प्रोप्राम को र्रा करने में खुद बड़ी रुकावट बन जाती हैं और नई नई हकावटें खड़ी कर देती हैं. इसिलये जब कि रचनात्मक काम करने वालों को अपना काम बेरोक करते रहना चाहिये, उन्हें समम बुम के साथ राजकाज में और देश के ठीक ठीक शासन में दिल्लस्पी लेने को भी अपनी चीतरफ़ा रबनात्मक सेवा यानी समग्र सेवा का ही एक हिस्सा सममाना चाहिये. इसके लिये बोटरों को इस तरह की तालीम देना उनका कर्ज है जिससे वह अपने वोट की पविश्रता भीर उसकी शक्ति को समक्तने लगें श्रीर सोच समम कर और निस्वार्थ ढंग से अपने बोट का इस तरह इस्तेमाल करना सीखें जिससे द्याम जनता का भला हो भीर प्रक्लिक जिन्दगी में प्रवित्रता भावे. इसका यह मतलब नहीं है कि हर रचनात्मक काम करने वाला किसी न किसी राजकाजी पारटी का मेम्बर ही हो. असल में अधिक अच्छा यही है कि जयादातर रचनात्मक काम करने वाले किसी भी राजकाजी पारटी के मेम्बर न हों.
- (5) इस सवाल पर कि सर्व सेवा संघ के मेम्बरों को राजकाज, जुनाव वरोरा में अमली हिस्सा लेना चाहिये या नहीं या खुद बम्मीदबार होना चाहिये या नहीं, संघ अपने 11 और 12 अक्तूबर 1950 के ठहराव की फिर से ससदीक करता है. वह ठहराव यह है—

"सर्व सेवा संघ के खोहदेदार खौर पूरा वक्त देने वाले कार्य कत्ती, चाहे वह तनखाइ लेते हों या न लेते हों, किसी राजकाजी संगठन में या किसी गवरमेन्ट या लोकल गवर-मेन्ट में किसी चुनाव के खोहदे के लिये उम्मेदवार नहीं होंगे, खौर खगर बिना किसी तरह के विरोध के भी वह इस तरह की किसी जगह के लिये चुन लिये जावें तब भी वह उसे मंजूर नहीं करेंगे. वह किसी चुनाव खान्दोलन में खमली हिस्सा नहीं लेंगे."

षाहिर है कि ऊपर की रोक वन मेम्बरों के लिये नहीं है जो संघ के ओहदेवार या पूरा वक्त वेने वाले कार्यकर्ता नहीं हैं. ऐसे मेम्बर धगर उनका सम्बन्ध किसी खास रचनात्मक संस्था से हैं तो वसके नियमों के मातहत रहते हुए, धपनी निजी हैसियत से, जिस तरह वह ठीक सममें हाजकाज में हिस्सा लेने के लिये आजाद हैं. उनसे यह

 (4) پهر بهی یه دههان مهن رکهنا ضروری هے که آج کل کے حالت میں دھارا سبھاؤں اور سرکاروں کا اثر جنتا کی زندگی پر هر طرف سے پرتا ہے اور هر جگه اور هر استر یر دهارا سبهانیس اور سرکاریس راشتر کی نکی رجانا کو روب دیتی هیں ۔ ایسی حالت میں أن پارتیوں کی سرکاریں' جلهين ايسے راج كلجي' سماجي اور مالي تعاليع مين وشواس هے جس سے 'سروودے' کا آدرش پروا کرنے میں مدد نههن مل سکتی، رچنانمک پروگرام کو پورا کرنے میں خود ہری رکوٹ بی جاتی هیں ارر ندی نکی رکارتیں کھڑی کر دیتے مهر . اس لئے جب که رجناتمک کام کرنے رالوں کو اینا کم بےروک کرتے رهنا چاهئے اُنورو سمجه بوجه کے ساتھ راج کائے میں اور دیش کے تھیک تھیک شاسن میں دانچسپی لیکے کو بھی ایکی چوطرقه رچاندک سیوا یعلی سمکر سهوا کا یهی ایک حصم سمجهدا چاهئے . اس کے لئے ووڈروں کو اس طرم کی تعلیم دیدا ان کافرض هے جس سے وہ اید ورق کی پوترتا اور اسکی شکتی کو سمجھنے لکیں اور سوچ سمجهكر أور نسوارته تهاكس أيه ووت كا أسطرم استعمال کرنا سیکھیں جس سے عام جلتا کا بھلا ھو اور پبلک زندگی میں پوترتا آوے اس کا یہ مطلب نہیں ہے کہ هر رچد تمک کام کرنے والا کسنی نہ کسی رأج کاجی پارٹی کا ميير هي هو . اصل مهن ادهک اچها يهي هے که زيادلا تر رچناتمک کام کرنے والے کسی بھی راج کاجی پارٹی کے ممبر نه هوں ـ

(5) اس سوال پر که سرو سهوا سلام کے مسبوں کو رائے کاج' چناو وفہرہ میں عملی حصہ لینا چاھئے یا نہیں' سلام اف 11 اور 12 اکتوبر 1950 کے تھہراو کی پھر سے تصدیق کرتا ہے۔ وہ تھہراو یہ ہے۔۔۔

'' سرو سہوا سفکھ کے عہدے دار اور پررا رقت دیئے والے کاریم کرتا بچاھے وہ تنظواہ لیتے ہوں یا نم لیتے ہوں کسی واج کلجی سفکتھی میں یا کسی گورمیلت یا لوکل گورمیلت میں کسی جلاؤ کے عہدے کے لئے اُمیدوار نہور، ہوں گے' اور گر بنا کسی طرح کے ورودھ کے بھی وہ اُس طرح کی کسیجگم کے لئے جن لئے جاریں تب بھی وہ اُسے منظور نہیں کرینگے ، وہ کسی جلاؤ آندوان میں عملی حصم نہیں لینگے .''

ظاھر ہے کہ ارپر کی روک أن مسبوں کے لئے نہیں ہے جو سلکھ کے عہدے دار یا پورا رقت دیلے والے کاریہ کرتا نہیں ھیں ، ایسے مسبو اگر ان کا سسندھ کسی خاص رحتانیک سلستہا سے ہے تو اس کےنیموں کے ماتحت وہتے ہوئے اپنی نجی حیثیت سے 'جس طرح وہ تھیک سیستھیں راے گاے میں حصہ لھلے کے لئے آزاد ھیں اُن سے یہ

आने वाले चुनाव के बारे में

(रचनात्मक या तामीरी काम करने वालों श्रीर वोटरों को हिदायत)

29 जुलाई सन 1951 को वर्धी में सर्व सेवा संघ की एक बैठक हुई थी जिसमें आने वाले चुनाव के बारे में नीचे लिखा ठहराव पास हुआ:—

चूँकि सब रचनात्मक कामों का आखिरी मंशा 'सर्वोदय' यानी एक ऐसा समाज क्रायम करना है जिसमें कोई दूसरे से बेजा फायदा न उठावे और जिसकी बुनियाद सचाई, अहिन्सा और सबके भन्ने पर हो, और

चूँ कि काने वाले चुनाशें को निगाह में रखते हुए कालग कालग राजकाजी पारिटयों की तरक से प्रोधाम और एलान निकल रहे हैं जिनमें एक दूसरे से बहुत करक नहीं है और जो एक दरजे तक सर्वोदय की भाशा काम में लाते हैं, और

चूँ कि बहुत से रचनात्मक काम करने वाले सर्व सेवा संघ से इस बारे में साक साक हिदायत चाहते हैं,

इसिलिये इस मौक़े पर सर्व सेवा संघ इन मामलों पर नीचे लिखे मुताबिक अपने विचार और अपनी पालिसी जाहिर करता है:

- (1) सर्व सेवा संघ राजकाजी पारिटयों के इन प्रोग्नामों और पलानों में से किसी को भी 'सर्वोद्य' के कायम करने के लिये काकी नहीं पाता. सर्व सेवा संघ को यह भी विश्वास नहीं होता कि यह पारिटयाँ ताकत हासिल कर लेने पर इन प्रोग्नामों पर भी पूरी तरह और असरदार ढंग से अमल करेंगी, इसलिये यह संघ माज की राजकाजी पारिटयों में से किसी को भी अपनाने के लिये तैयार नहीं है.
- (2) संघ को यक्तीन है कि राजसत्ता से बिलकुल सक्ता रहते हुए और वोटरों की शुद्ध और निस्वार्थ सेवा में अपने को लगाए रखते हुए देश में राजकाजी शक्ति पैदा की जा सकती है और वोटरों पर इस तरह का असर डाला जा सकता है और उनकी इस तरह रहनुमाई की जा सकती है कि वह ठीक तरह के आदिमयों को ही चुन कर सत्ता की जगहों में भेजें.
- (3) रचनात्मक काम करने वाले हकूमत चलाने की सीधी जिम्मेवारी अपने हाथ में लें. यह सवाल तभी पैदा होगा अब लोग खुद इस बात को महसूस करें और कहें कि बह चाहते हैं कि रचनात्मक काम करने वाले ही हकूमत अपने हाथ में लें और दूसरा कोई न ले. पर यह अभी अधिक की लाद है.

آنے والے چناؤ کے بارے میں

(رچناتمک یا تعمیری کام درنے والوں ارر وودروں کو هدایت)

99 جولائی سن 1951 کو وردھا مھی سرو سھوا سنگھ کی ایک بھٹھک موئی تھی جس مھی آنے والے چٹاؤ کے ہارے میں نہنچے لکھا تھہراو پاس ھوا :--

چونگه سب رچد تمک کاموں کا آخری مدشا 'سروودے' یعلی ایک ایسا سماج قائم کرنا ہے جس میں کوئی دوسرے سے بیچا فائدہ نه آتهاوے اور جس کی بدیاد سچائی' اهدسا اور سب کے اہلے پر ہو' اور

چونکہ آنے والے چداووں کو نکاہ میں رکھٹے ہوئے انگ الگ راج کاجی پارٹیوں کی طرف سے پروگرام اور اُعلان نکل رہے میں جن میں ایک دوسرے سے بہت فرق نہیں ہے اور جو ایک درجے تک سررودے کی بھاشا کام صیں لاتے ہیں' ارد

چونکه بربت سے رچنانمک کام کرنے والے سرو سیوا سنگه سے اس بارے میں صاف صاف هدایت چاهیے هیں'

اس لئے اس موقعے پڑ سرو سہوا سفکھ اِن معاملوں پر نہیں اللہ مطابق اللہ وچار اُور اُیڈی پالیسی ظامر کرتا ہے: کرتا ہے:

(1 سرو سهوا سنگه راج کاجی پاتیوں کے اُن پروگراموں اور اہلانوں میں سے کسی کو بھی ' سروودے ' کے قائم کرنے کے لئے کانی نہیں یاتا ۔ سرو سہوا سنگه کو یہ بھی وشواس نہیں ہوتا کہ یہ پارتیاں طاقت حاصل کر لھنے پر اُن پروگراموں پر بھی پولی طرح اور اثردار تھنگ سے عمل کرینگی' اس لئے یہ سنگه آج کی راج کاجی پارتیوں میں سے کسی کو بھی اینانے کے لئے تیار نہیں ہے .

(2) سلکه کو یقین هے که راج ستتا سے بالکل انگ وهی هوئے اور ووٹروں کی شدھ اور نسوارته سهوا میں ایک کو لکائے وکہتے هوئے دیش مهں راج کاجی شکتی پیدا کی جا سکتی هے اور ووٹروں پر اس طرح کا اثر ڈالا جا سکتا هے اور ووٹروں پر اس طرح کا اثر ڈالا جا سکتا هے که وہ اس طرح رهنمائی کی جا سکتی هے که وہ آھیک طرح کے آدمیوں کو هی چن کر ستتا کی جگہوں جہوں بیمنجھی ،

(3) وبھاتمک کام کرنے والےحکومت چلانے کی سیدھی گئی۔ والے حکومت چلانے کی سیدھی گئی۔ والے حکومت چلانے کی سیدھی کی اور کیلی ایم کام کرنے والے می حکومت اینے کی اور دوسرا کوئی نام کرنے والے می حکومت اینے کی ایم کرنے والے می حکومت اینے کی بیات کے بات کی بات کے بات کے بات کے بات کے بات کی بات کی

हो मीटिंग करके चोहदेदारों का चुनाब कर विका जाय. इसरे इतवार को पास के एक गाँव में सब लोग अपने बरखे साथ ले जाकर कताई करें. लेकिन इस सभा में जो उथसे बहम फैसला हुआ वह यह था कि मन्डल के मेन्बर केसी चुनाव में हिस्सा न लोंगे चाहे वह म्युनिसिपल बोर्ड हा हो या डिस्ट्रिक्ट बोर्ड का, सूबे की असम्बली का ो या सेन्ट्रल असम्बली का. कांगरेस की दलबन्दियों से ही दूर रहेंगे.

आखिर में सदर साहब ने सब को धन्यवाद दिया फिर मेठाई और नमकीन मंगाकर सब लोगों को जलपान कराया था और सब लोग अपने अपने घर चल दिये.

दूसरे दिन श्रक्त गर में खबर छपी कि गांधी लोकसेवा न्हल के नाम से शहर में एक संस्था बनी है जो गांधी जी मिशन को श्रागे चलाएगी.

फिर सनीचर के अखबार में खबर छपी कि इतवार को क्षित की मीटिंग होगी सब मेन्बरों से हाजिर होने की पर्यना की जाती है. जगह बही पुरानी थी जहाँ पहली हिंग हुई थी.

सोमवार के अलबार में छुपा कि मन्डल के सदर ही सज्जन चुने गए जिन के घर पर मीटिंग थी. सेकेटरी ह नौजवान चुने गए जिन्हों ने साम्प्रदायिकता का विरोध ह्या था. साथ ही अगले इतवार का प्रोप्राम छुपा था कि हर के नजदीक गाँव में कताई होगी.

दूसरे सोमवार को अखबार में खबर आई कि मन्डल ो सभा में अधिक लोग न जा सके क्योंकि उस दिन शहर एक खास रईस की मौत हो गई थी.

सीसरे सोमबार को मन्छल की कोई खबर श्रखनार न छपी.

वीथा सोमवार भी खाली गया.

पाँचवें सोमवार को एक खास खबर छपी-

"मन्डल के सदर शहर कांगरेस कमेटी के चुनाव में पने विरोधी को तीन वोटों से हरा कर शहर कांगरेस मेटी के सदर चुन लिये गए. दोनों पारटियों में बड़ा सखत काबला हुआ लेकिन विरोधी दल की सारी कोशिशें सफल रहीं.''

और उसके दो दिन बाद यह स्तवर आईकि उन दोनों स्नवानों ने, जिन्होंने साम्प्रदायिकता का विरोध किया था, रि जिन में से एक मंडल के सेक्रेटरी चुने गए थे, कांगरेस इस्तीका दे दिया. کو منعقب کریں عہدیاووں کا جداو کو کا جائے ۔ کوسرے اتواؤکو پاس کے ایک کاوں میں سبلوک آئے چونگرساتہ لینجائز کانائی کریں ، لیکن اس سبہا میں جو سب ہے اہم فیصله هوا وہ یہ تہا کہ مذال کے مدبر کسی جداؤ میں حصہ ته لیں کے چاھے وہ میونسیل بورا کا ھو یا ڈسٹرکٹ بورڈ کا صوبے کی اسمبلی کا ھو یا سنترل اسمبلی کا ، کا گریس کی دلیندیوں سے بھی دور رھیں گے ،

آخر میں صدر صاحب نے سب کو دھندہ واد دیا پھر متھائی اور نمکھن ملکا کر سب اوکرں کو جلیان 'رایا گھا اور سب لوگ اپے اپنے کھر چادیئے .

دوسرے دن اخبار میں خبر چھپی که گاندھی لوک سیوا مندل کے نام سے شہر میں ایک سنستھا بنی ہے جو گاندھی جی کے مشن کو آئے چلائے کی .

پہر سنیچر کے اخبار میں خبر چھپی که آوار کو مندل کی میٹنگ ہوئی سب ممبروں سے حاضر ہونے کی پراتھنا کی جاتی ہے ۔ جگه وہی پرائی تھی جہاں پہلی میٹنگ ہوئی تھی .

سوموار کے اخبار میں چھپا کہ مندل کے صدر وہی سبجن چلے کئے جن کے گھر پر میٹنگ تھی، سکریٹری وہ نوجوان چلے گئے جنھوں نے سامیردایکٹا کا ورردھ کیا تھا۔ ساتھ ھی آگاے اتوار کا پر وگرام چھپا تھا کہ شہر کے نذدیک گؤں میں کٹائی ھوگی .

دوسرے سوموار کو اخبار میں خبر آئی که ملقل کی سبها میں ادعک لوگ نه جاسکے کیونکه اس دن شهر کے ایک خاص رئیس کی موت هوگئی تهی .

تهسوے سوموار کو منڈل کی کوئی خبر اخبار میں نه چهپی .

چوتها سرموار بهی خالی کها .

پانچوین سوموار کو ایک خاص خدر چهریی --

''منڈل کے صدر شہر کانگریس کمیڈیکے چفاؤ میں افیہ ورودیی کو تین ورڈرں سے هرا کر شہر کانگریس کمیڈی کے صدر چن لئے گئے ، دونوں پارٹیوں میں ہوا سخت مقابلت هوا لیکن ورودی دل کی ساری کو ششیں اسپیل رہیں ۔''

اور اسکے دو دن بعد یہ خبر آئیکہ اُن دنیں نوجوانیں نے جلیوں نے سامپردایکھا کا ورودھ کیا تھا' اور جلمیں سے ایک مندل کے سکریٹری چنے گئے تھے' کانگریس سے استعنیٰ دے دیا ،

मेन्बर इक्ट्रा डोकर देहातों में बाबा करें और बड़ी सभा करके अगले इतकार का प्रोप्राम बना लिया करें.

सरदार की ने कुद्दा-"लेकिन सिर्फ सभा करने से तो काम नहीं चलेगा हमें कोई तामीरी काम भी करना चाहिये." पक सज्जन ने कहा- 'हमें चाहिये कि हम हरिजनों की बस्तियों में जाकर उनका सुधार करें."

सरदार जी ने कहा-"लेकिन हरिजनों में जाकर हमें खाली लेकबर नहीं देना चाहिये. हमें बाहिये कि इस अपने साथ अपनी औरतों को भी ले चलें. जो हरिजन बहनों में काम करें. इमें अपने साथ माड़ ले चलना चाहिये, जिससे कि हम उनकी बस्ती की सफाई करके उन्हें सफाई से रहना बता सकें. हमें अपने साथ साबुन और तेल भी ले चलना होगा. हम हरिजन बच्चों को नहलाएंगे, उनके सर में तेल लगाएंगे श्रीर उनके कपड़े धोकर उन्हें सिखाएँगे कि इस तरह बच्चों को साफ रखना चाहिये. हमारी श्रीरतें यही काम हरिजन औरतों में करेंगी."

सरदार जी के समर्थन में केवल सदर साहब बोले-"सरदार जी ठीक कहते हैं."

बाकी सब लोग सामोश रहे.

फिर साम्प्रदायिकता विरोधी नौजवान ने कहा--"हमें मुसलमानों के मुहल्ले में चलकर एकता के लिये काम करना चाहिये."

सरदार जी ने कहा-"एकता के लिये भीज मुसलमानों से जियावा हिन्दुओं में काम करने की जरूरत है. पाकिस्तान वनने और बापू के शहीद होने से मुसलमानों की फिरका परस्ती बिलक्कल खत्म हो गई है. अब हिन्दुओं की किरका परस्ती खत्म करनी है. मैं यह नहीं कहता कि मुसलमानों में हमें न जाना चाहिये पर आप जानते हैं कि अभी दो महीने पहले हमारे शहर में मुसलमानों को कितना नुक्रमान पहुँचा है. जिन मुसलमानों की दुकानें जलाई गई हैं उनमें बहुत से ऐसे हैं जिनकी सारी पूँजी ख़तम हो गई है. उनके पास जाने से पहले हमें हिन्दुओं के पास जाना चाहिये. प्रायश्चित के रूप में हमें उनसे चन्दा लेकर रूपया इकट्टा करना चाहिये. जब इस रूपए जमा कर लें तब इस ऐसे मुसलमानों के पास जायं जिन्हें रूपए की जरूरत है. हम इनसे माकी मांगें और उनसे दरकास्त करें कि वह कुछ सपर लेकर अपना कारवार शुरू करें. ऐसा करने ही से सनके दिला पर असर होगा और वह महसूस करेंगे कि हिन्दु भों का दिल बदला है. खाली लेकचर दन्हें सन्ताश नहीं दे सदता."

सरवार जी की इस बात का भी केवल सदर साहब को ही समर्थन करना पड़ा. और फिर यह तय हुआ कि इतवार

THE RESERVE OF THE PERSON OF T سيني القيا بوكر فيهالون مين خايا كرين أور وهين سبها

and the same

ا سردار بھی نے کہا ۔ الیکن صرف سبہا کرنے سے تو کام الْهُهِينَ جِلْمَ كَا هِمِينَ كُولُي تَعْمِيرِي كَامِ يَهِي كُرِنَا جِاهِكُمِ". آلِک سجن نے کہا۔ ''همیں چاهئے که هم هريجلوں كى يستهين مين جائر انكا سدهار كرين".

سردار جی کے کہا۔۔"لیکن هریجلوں میں جائر همين خالى لكنهر نهين ديلًا چاملُ . همين چاملُـ كه هم أه ساته أيلي عوردرن كو يهي له جالهن -جو هريجي بهدرس مهن كام كرين . همهن أنه ساله جهاور لے جلنا چاھئے ، جس سے که هم أنكى بستى کی منائی کرکے انہیں منائی سے رهنا بتا سکیں . همیں الي ساته صابن ارد تهل بهي لے چلذا هوگا. هم هريجون بھوں کو نہلائیں گے ؟ ایکے سر میں تیل لٹائیں گے اور ایکے کھڑے دافو کر انھیں سکھا کھی کے کہ اس طرح بھوں کو صاف رکهذا چاه بید مماری عورتین یهی کام هریجن هورتون مهن کريور، گي ٠

سردار جی کے سمرتھن میں کھول صدر صاحب براے۔۔ ''سردار جی ٹھیک کہتے ھیں''۔

بالی سب لوف خاموس رھے .

چھو سامھردایکتا ورودعی نوجوان نے کہا۔ "عمیس مسلمالیں کے مصلے میں چلکر ایکٹا کے لئے کام کرنا

سردار جی نے کہا۔ "ایکٹا کیلئے آج مسلمانوں سے ویادہ هددوؤں میں کام کرنے کی ضرورت ہے ، پاکستان بقلے اور با و کے شہید هوئے سے مسلمانوں کی فرقہ پرستنی بالاءل ختم هو کئی هے . اب هندووں کی فرقه إرستى خدم كرنى هے ، ميں يہ نہيں كہدا كه مسلمانوں نیں میں نه جانا چامکے پر آپ جانتے میں که آبھی ابو مهیلے پہلے همارے شہر میں مسلما وی کو کند) نقصان ينها م . جن مسلماس كي دكانين جلائي كدي هيل أن پین بہت سے ایسے میں جن کی ساری پولجی ختم الله الكي ياس جاني سے بہلے همين هلدووں كے ياس مال جادئے ۔ پرا شجت کے روپ میں مبین ان سے چلدہ مير ويهد اكالها كونا چاهئے . جب هم روبئے جمع كوليس الم ایسے مسلمانوں کے پاس جائیں جدووں رویکہ کی ورفواست معافی مرنکیس اور آن سے درخواست وي كم وه كنهم رويكم لهكم أيفا كاربار شروع كريس . أيسا الع دل پر اثر هوگا اور وہ محصوس کریں کے معدول كا دل بدلا ه . خالى لكور أنهين سلعوهي العد من العالم

المام وي كي اس يات كا يهي كيول مدر ماهب سيرتهن كرنا يوا. أور يهر يه طے هوا كه اتوار

मैंने अपने मुहरूले के लोगों से कहा कि यहां अस्ती घंटे अखन्ड कताई होनी चाहिये. लोग अगर पहले ही इनकार कर देते तो कोई बात न थी. मगर सब ने वादा किया और मैंने अपने घर में कताई शुरू की. दूसरे ही दिन से लोगों का आना कम होने लगा. और आखिर में सिर्फ मैं और मेरे लड़के लड़कियां ही चरला चलाते रहे. तो मेरा मतलब यह है कि हमें सब से पहले यह तय कर लेता चाहिये कि हम यहां जो कुछ तय करेंगे उस पर सच्चे दित से अमल भी करेंगे. नहीं तो ऐसी किसी संस्था बनाने की कोई फरूरत नहीं. जिन को काम करना है वह हर हालत में काम करते रहेंगे. मैंने तीस बरस पहले बाप का संदेश सुना और तब से उनकी हर बात पर जहां तक हो सकता है अमल करता हूँ. मुक्ते बहिसा पर पूरा विश्वास है. मुक्ते इसका तजरवा हो चुका है. पंजाब में इतने दंगे हुए पर मेरा अहिंसा पर से विश्वास न डिगा. मेरे मुहल्ले पर कई बार हमले हुए पर मैं हर दका अकेला हमला करने वालों के पास चला गया और मेरे अकेले सममाने पर वह हर बार लौट गए. मैं उरद् और गुरमुखी जानता था. पर जब गांधी जी ने हिन्दुस्तानी की यह तारीफ की कि दोनों किखावटें सीखनी चाहियें तो मैंने हिन्दी भी लिखना सीख लिया. और अब भी मेरी राय है कि ६में गांधी जी की किसी बात को इस रोशनी में न देखना चाहिये कि हिन्दुस्तान का बटवारा हो गया है. हमें किसी हावत में भी पाकिस्तान की नक़ल न करनी चाहिये. पाकिस्तान में आज एक भी सिख नहीं रह गया है पर मेरे दिल में पाकिस्तान के खिलाफ कोई नफरत नहीं. श्राहिंसा पर विश्वास रखने वाले के दिल में नफरत तो होनी ही नहीं चाहिये. पाकिस्तान में ग़ैर मुसलिमों के साथ जो बरताव भी हो. हमें अपने यहां की अक्रिकायतों ं को खुश रखना अपना धर्म समम लेना चाहिये. मुक्ते उम्मीद है कि आप जो भी संस्था बनाएंगे उसमें इन बातों का जरूर ध्यान रखेंगे."

सरदार जी के बाद एक दूसरे नौजवान सिख की बारी थी. यह नौजवान शायद सरदार जी के लड़के थे. उन्होंने कुछ न कहा और इस तरह लोगों के बारी बारी अपनी राय जाहिर करने का सिलसिला जत्म हो गया.

अब फिर सदर की जगह बैठे हुए सजान की तरफ लोगों ने देखा. इन सजान ने नी कर को पान लाने का हुकुम दिया और फिर बोले—"आप लोगों ने जो विचार प्रकट किये उनसे हमें आगे काम करने में मदद मिलेगी. अब मैं बाहता हूँ कि संस्था का नाम तब हो जाय और काम की रूप रेखा तैयार हो जाय."

थोड़ी बहस के बाद संस्था का नाम "गांधी लोक सेवा सन्दर्भ" तय हो गया.

आगे के काम के लिये तय हुआ कि हर इतवार की सब

نے آیے معلے کے لوگوں سے کہا کہ یہاں اسی گھلانے ق كتائى هونى جاهنے . لوگ أكر بهلے هي الكار نیعے تو کوئی بات نہ تھی۔ مگر سب کے وعدہ ور میں نے آپنے گھر میں انٹائی شروع کی ، دوسرے ہی ير ليكور كا أنا كم هوني لكا . اور آخهر مين صرف مين هرم لوك لوكيال هي چرخه چاتے رهے. تو مهرا مطلب ہے کہ همیں سب سے پہلے یہ طے کر لیما چاهئے که هم ہمو کنچه طے کریں کے اُس پر سنچے دال سے عمل ابھی کے ، نہیں تو ایسی کسی سلستھا بنائے کی کوئی س نهيس . جن كو كام كرنا هي وه هو حالت مين كام وهدر کے . میں نے تیس برس پہلے باہو کا سندیس اور تب سے أن كى هر بات در جهاں تك هو سكتا هے كرتا هول . منجه اهلسا ير يورا رشواس هي . منجه كا تعويه هو چكا هي . ينجاب سهن أتلم دنگي هوئه ير اهلسا پر سے وشواس نه تکا . مهرے مصلے پر کئی بار موثے یر میں هر دفعہ انها حمله کرنے والوں کے اس یا اور میرے اکیلے سمجھانے پر وہ هر بار لوٹ گئے۔ میں اور گورمکھی جانتا تھا ۔ پر جب کاندھی جی نے ستامی کی به تعریف کی که دونرس لکهاوتین سیکهلی نھی تو میں نے هندی بھی لکھنا سیکھ لیا ، اور اب مهری راثے هے که دمیں کاندهی جیکیکسی بات کو اس ی مهن نه دیکهذا چاهلُم که هذدستان کا باواره هرکیا همیں کسی حالت میں بھی پاکستان کی نقل نه چاهنگے . پائستان میں آج ایک بھی سکھ نہیں رہ ھے یہ مهرے دال مهل پاکستان کے خلاف کوئی نفرت ن المنسا ير وشواس ركهنم والم كم دل ميس نفرت انی هی نهیں چاهیئے . پاکستان میں فیر مسلموں کے جو برتاؤ بھی ھو' ھیھی انے یہاں کی اقلیتوں کو ركها الله دهرم سنجه لينا جاهتي . مجه أميد . ، آب جو بھی مفستھا بدائیں کے اس مدر ان باتوں رر دمیاں رکھیں گے ،''

سُردار جَي کے بعد ایک دوسرے نوجوان سکھ کی باری یہ نوجوان شاید سردار جی کے لوکے تھ ، انھوں نے نہ کہا اور اس طرح لواوں کے باری باری ایلی رائے کرنے کا سلسلہ ختم ہو گھا .

ب پہر صدر کی جگم بیتھ ہوئے سجن کی طرف نے دیکھا ۔ اُن سجن نے نوار کو پان لانے کا حکم دیا ہر بولے ۔ ''آپ لوگوں نے جو وچار پرکت 'گے اُن سے آئے کام کرنے میں مدد ملے گی ۔ اب میں چاھٹا کا نام طے ہو جائے اُور کام ای روپ ریکھا معطائے''۔

مورس بحث کے بعد ساستھا کا نام "کاندھی لوک ساکاری میں مولیا .

لے کے فلے کے طے ہوا که هو اتوار کو سب

काश नहीं का बक्कि निराशा थी. जहींने ने कहा- "हम में से बहुत से कांगरेसियों का हिन्दू सुस्तिम एकता की तरफ . से बिश्वास एठ गया है. इम मानने लगे हैं कि हिन्दुस्तान का बटवारा होने के बाद हिन्दू मुसलिम एकता पर गांधी जी चोर दे कर राजती कर रहे थे. पाकिस्तान जनने के बाद यह सनात ही खबस हो गया है. दूसरी बात यह है कि गांधी जी देश की एक रार्ड भाशा चाहते थे. वह भाशा हिन्दी नहीं थी. वह भाशा चरदू भी नहीं थी. गांधी जी देश की भाशा हिन्द-स्तानी चाहते थे. आज आप में से कितने हैं जो यह सममते हैं कि गांधी जी की यह मांग सही थी. अभी अभी यहाँ जितने भाइयों ने बातें की हैं वह संस्कृत लदी हिन्दी में की हैं. गांधी जी ऐसी भाशा को पसन्द नहीं करते थे जो एक आम ष्ट्रादमी समक न सके. मैं जानना चाहता है कि यहाँ कितने भाई हैं जो गांधी जी की हिन्दुस्तानी की हिमायत करते हैं. ष्मगर इम सच्चे गांधी भक्त हैं, हमें गांधी जी के मिशन से प्रेम है तो हमें डनकी उन चीजों को खास तौर पर अपनाना चाहिये जिनकी तरफ से गांधी जी का बार बार नाम लेने वाले राजकाजी लोग वे परवाही बरत रहे हैं. हमारा जो संगठन बने उसके सामने पहला मक्तपद यह होना चाहिये कि वह गांधी जी की हिन्दुस्तानी का प्रचार करे. हमारे जो मेम्बर हों उनके लिये पहली शर्त यह हो कि वह नागरी षीर उरद् दोनों लिपियाँ सीखें. जो लोग गांधी जी के वेचारों को पूरी तरह नहीं अपना सकते उन्हें अपने को गंधी जी का भक्त एलान करके जनता को धोका न देना बाहिये. गांधी जी के नाम का नाजायज फायदा घठाना केसी तरह भी उचित नहीं है."

एम० एक० ए० साहब ने इन सज्जन की तरक इस तरह रेखा जैसे कह रहे हों कि यह सब बेकार सवाल हैं. दसरे गेगों ने भी इन सज्जन को मार्की ही सममा और बात मागे बढ़ गई, अब एक सरदार जी की बारी आई, सरदार ी सर से पैर तक खादी के कपड़े पहने थे. उनके कपड़े द्वत साफ न थे. क्रमीज, पाजामा और पगड़ी देख कर एक मालूम होता था कि इन कपड़ों ने घोषी का घर नहीं ला. सब कपड़े हाथ के धुले मालूम होते थे. नील का स्तेमाल न करते से कपड़ों में सफ़ेदी की समक न आई ो. सरदार जी ने बड़े दर्द भरे लहजे में अपनी बात शुरू ो-"माइयो! मेरी तरफ से एक बिनती है. इस यहां इट्टा हुए हैं और यह तय करने के लिये इकट्टा हुए हैं कि हैं काम करना है. इसित्रये जब हम यहां से उठें तब भी मारे विसी में यह पक्का इरावा होना चाहिये कि हम काम हों। बाब को इस बात करने में बहुत बागे रहते हैं हर बाबक के बहुत सब से पीछे नजर आते हैं. में आप अवार्डे. विक्की अक्तूबर में गांधी जयन्ती के मौक्ने पर

بعرض نہیں تھا بلکہ نراشا تھی۔ آنھوں نے کہا۔۔۔ المن مهل سے بہت سے کانگریسیوں کا هدور مسلم ایکھا كى طرف سے وشواس أنه كيا هے، هم مانطے لكے فَهِن که هددستان کا یتواره هونے کے بعد عددو مسلم ایکتا پر کاندهی جی زور دید کر غلطی کر رہے تھے۔ بالسندان بدلم كے بعد يه سوال هي ختم هوكيا هے دوسري بالله يه هي كه كا دهي جي ديم كي آيك راشار بهالدا چ هند ته . وه بهاشآ هلدی نهوس تهی، وه بهاشا أردو بهی نهي تهي . الدهي جي ديس کي بهاها هادستاني جاهة من جو يه سمجهة هين جويه سمجهة هين كه كاندهي آجي كي يه مانگ صحيم تهي . الهي أيهي أيهي میاں جلم بھاٹروں نے بائیں کی میں وہ سلسکرت لدی هندی مهی کی هیں . کانده ی جی آیسی بهاشا کو پسند نهين كرت ته جو ايك عام آدمي سنجه نه سكه . مين جانبة جاءمًا هور كه يهان كتلج بهائي ههر، جو كاندهي جي کي هندستاني کي حمايت کرتے هيں . اگر هم سنچ گاندھے بہاست میں، همیں کالدھی جی کے مشن سے پریم هے تو همهن أن كي أن چيزوں دو خاص طور پر ايداناً چاھئے جن کی طرف سے کاردہی جی کا بار بار نام لینے والے راج کاچی لرگ ہے پرواھی برت رھے میں ، همارا جو سنكتون بني أسكم سامني بها مقصد يه هونا چ هئے كه وا لاندهی جی کی هندستانی کا پرچار کرے . همارے جو منجر هوس أن كم للي بهلي شرط يه هو كه وه ناكري أور أردر دونرن آدیان سیکھیں، جو لوگ کاندھی جی کے وچارون کو پوری طرح نہیں ایدا سکتے أنهیں الله کو گاندهی جی کا بهكس أملان كرك جلتا كو دهوكا نه ديناچاهئي كاندهي جرك نام كا ناجائز فائدة أثهانا كسى يهيطرم أجت نهيل هـ " ايم . ايل . اير . صاحب نے إن سجن كى طرف اسطرح ديكها جهسے كه رهے هوں كه يه سب بهكار سوال هيں. فوسرے لوگوں نے بھی ان سجن کو جھکی ھی سمجھا اور بات آلے بوھ المی اب ایک سردار جی کی باری آئی . سردار جے سر سے پیر تک کہادی کے کپڑے پہلے تھے . اُن کے کہوے بہت صاف نه نه . قمیض پاہامه اور پکوی درکھکر صاف معلوم هوتا تها که أن كيرون نے دهوہی كا كهر نعیمی دیکھا . سب کہرے هانه کے دهلے معاوم هوتے تھے . لهل کا استعمال نه کرنے سے کھووں میں سفیدی کی بچدک یہ آئی تھی ، سردار جی نے بوے درد بھرے لہتھے میں المانين يرات شروع كى -- " بهائهو" مهرى طرف سے ايك المنتقى هورو هم يهال الثنها هواء ميل أوريه طد كول ك لار العلم المولى مهي كم همهي كام كوناهي . أساليُّه جب هم يهان الهدر الماد هونا جامار الماد ا عد مر الم كون لم و أي توهم بات كرل مين يبت ألمرهت ور مناو عمل کے وابع سب سے پہنچھ نظر آتے عمل میں آن کو بعروں بحول اکتوبر میں اندھی جینتی کے موقع پر

मुक्ते बहुत कम फुरसत मिसती है. पर मुक्ते जो सेवा हो सकेगी वसके सिये मैं तैयार हूँ.

अब जिन सज्जन को बोबाना था वह एक नौजवान थे. उन्होंने बड़े जोश के साथ कहा- "हमें यह न भूलना चाहिये कि बापू हिन्दू मुमलिम एकवा के लिये काम करते हुए मारे गए हैं. बापू के बिलवान से साम्प्रदायिक दंगों की च्याग एक दम से कहर बुक्त गई है पर यह नहीं कहा जा सकता कि यह आग फिर नहीं सुलग सकती. श्राज राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और महासभा वाले चुप हो गए हैं पर इस का यह मतलब नहीं कि इनके दिल बदल गए हैं. बापू की इत्या ने जनता में साम्प्रदायिकता के खिलाफ जो गुरसा पैदा कर दिया है उससे हर कर ही यह लोग चुप हो गए हैं. हमें इसका ध्यान रखना है कि जहाँ जनता का रास्सा कम हुआ, यह लोग फिर मैदान में आजाएंगे और साम्यदायिकता का जहर फैलाना श्रुक्त कर देंगे. हमें चाहिये कि अपनी संस्था में चुन कर ऐसे लोगों को रखें जो दिल से साम्प्रदायिकता के सिलाफ हों. हमें इस समय सब से अधिक और हिन्दू मुसलिम एकता पर देना चाहिये और हिन्दुओं में घुस कर साम्प्रदायिकता के खिलाफ प्रचार करना चाहिये."

इन के पास जो सज्जन बैठे थे वह भी नौजवान थे चौर शायद धह दोनों नौजवान आपस में दोस्त थे क्योंकि उन से जब बोलने को कहा गया तो उन्होंने भी हिन्दू मुसलिम एकता पर खास जोर दिया और आखिर में यह कह कर कि मैं भाई...... के प्रत्येक शब्द का समर्थन करता हूँ, चुप हो गए और सब लोगों पर इस तरह निगाह डाली मानो दूसरों से भी अपना समर्थन चाहते हों.

पर उन की आशा पूरी न हुई क्योंकि किसी ने भी साम्प्रदायिकता के विरुद्ध या हिन्दू मुसलिम एकता की बात न की.

एक सज्जन ने हरिजन उद्धार पर जोर दिया. दूसरे सज्जन ने उन का पूरा समर्थन किया.

तीसरे सज्जन ने कताई मन्डल कायम करने का सुमाव रखा.

चौथे सज्जन ने सेवाजाम जाश्रम के ढंग पर जिले में एक जाश्रम खोलने का प्रस्ताव किया.

पाँचवें सज्जन ने हरिजनों में शिक्षा प्रचार की तरफ सब का ध्यान खींचा और रात में हरिजन बच्चों को पढ़ाने के तिये सब से अपना नाम जिखाने की प्रार्थना की.

छटे सज्जन ने 'जो पंचों की राय' के **श्वन्याज** में पाँचवें सज्जन का समर्थन किया.

त्रेकिन सातवें सज्जन की बात पर एक दम सब चौक को, यह सज्जन भी एक नौजवान थे. उनकी आवाज में مُنْفِقَةً فِيْنِ كُمْ أَفْرَمْنَ مَلَكَى فِي . يَرَ مَعْفِهِ فِي جَوْ سِيواً فُوسَكِ كَى أَسَ كَ لَكِنْ مَهِن تَهَارَ هُونَ .

اب جن سجن کو بولغا تها ولا ایک نوجوان تھے، انہوں نے پڑے جرهی کے ساتھ کہا۔ '' همهن یه نه بهولغا جاهئے کے بایہ هندر مسلم ایکٹا کے لئے کام کرتے هوئے سارے کئے ھیں . باہو کے بلودان سے سامپردایک دنگرں کی آگ ایک كم سے ضرور بعد كئى هے در يته نهيس كها جا سكتا كه ية آگ پھر نہیں سلگ سکتی . آج راشٹری سریم سیوک سلکھ اور مهاسبها والے چب هوائے هيں يراس كا يه مطلب نہیں کہ ان کے دل بدل گئے هیں . باہو کی هنیا نے جلتا مهن سامهردايعتا كے خلاف جو قصم بيدا كر ديا هے اس سے در کر ھی یہ لوگ چپ ھرکئے ھیں ھیں اس کا دهیان رکهنا هے که جهال جلتا کا قصه کم هوا یه لوگ پهر مهدان میں آجائیں گے اور سامپردایکتا کا زهر پهها شورع کر دیں کے همیں چادئے که ایدی سلستها میں چلکر ایسے لرگوں کو رکھیں جو دال سے سامهردایکٹا کے خلاف مرن، همین اس سمے سبسے ادعک زور علدو مسمم ایکتا پر دیدا جاهئے اور هندروں مهرگهسکر سامپردایکتا کے خلاف پرچار درنا چادئے ."

ان کے پاس جو سجن بیتھے تھے وہ بھی نرجوان تھے اور شاید یہ دواوں اوجواں آبس میں دوست تھے کھونکہ ان سے جب بوالمے کو کہا گیا تو آنھوں نے بھی ھلدو مسلم آپکتا پر خاص زور دیا اور آخر میں یہ کہکر کہ میں بھائی ۔۔۔۔۔ کے پرتیک شبد کا سورتین کرتا ھوں' چپ ھوگئے اور سب لوگرں پر اس طرح نگاہ تالی مانو درسروں سے بھی۔ ایک سمرتین چاہتے ھوں ۔

آپر اُن کی آشا ہوری نہ ہوئی کیونکہ کسی نے بھی سامپردایکتا کے وردہ یا ہندو مسلم ایکتا کی بات نہ کی ۔

ایک مجن نے هويجن أدهار پر زور ديا .

درسرے سجن نے اُن کا پورا سمرتھن کھا۔

تھسرے سجن نے کتائی ملڈل قائم کرنے کا سجهاو رکھا ۔ چوتھے سجن نے سیواگرام آشرم کے ڈھلگ پر ضلع مہیں ایک آشرم کھولئے کا پرستاؤ کیا ۔

ہانچویں سجن نے هریجدر میں شکشا پرچار کی اطرف سب کا دهیاں کھیلچا اور زات میں هربجن بچوں کو پوہائے کی پرارتہذا کی .

میں کے انداز میں کے انداز میں کی رائے ، کے انداز میں ان

الهامان سالارشی بیشت کی بات پر ایک دم سب چونک پورٹ یا کا منصور کی اواز اسمان इस कोटे से भारान के बाद इन सजान ने एक बार फिर सब कोगों को पान पेरा किये. इनके बोलते बहत जो जामोशी झाई बी घह दूट गई. सब लोग आपस में धीरे घीरे कुछ बातें करने लगे. आखार एक सिरे से लोगों को एक एक करके अपनी राय जाहिर करने को कहा गया.

एक सज्जन, जिन्हें गांधी जी के साथ कुछ समय रहने का सीमाग्य मिल चुका था, कहने लगे---

"मैं भी यही सोचा करता था कि यहां ऐसा कोई संगठन होना चाहिये जो गांधीवादी सिद्धान्तों का प्रचार करे. जाप ने हम सब को एक जगह इकट्ठा करके बढ़ा अच्छा किया. मेरे विचार में हमें एक नई संस्था बनानी चाहिये. वैसे गांधी सेवा संघ जैसी संस्थाएं बनी हुई हैं पर उनके साथ बंध कर उनके सब उद्देशों को पूरा करने और उसके सब नियमों का पालन करने में सब भाइयों को कठिनाई हो सकती है. इसलिये मेरा सुमाव यह है कि हमें अपनी एक अलग संस्था बनानी चाहिये."

उनके बाद उनकी बराल में बैठे हुए दूसरे सज्जन से राय देने को कहा गया. यह सज्जन नगर के कपड़े के बड़े ब्योपारी हैं. इन की दुकान पर इटली, इंगलैंड, अमरीका, जापान और भारत की मिलों के हर तरह के कपड़े विकते हैं लेकिन यह ख़ुद गांधी जी के बड़े भक्त हैं. अपने इस्तेमाल के लिये हमेशा बहुर भंडार के कपड़े खरीदते हैं. एक पान भौर मुंह में रखते हुए एन्होंने कहा-"यह देश का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि आज जब देश को बापू की बहुत अधिक जहरत थी तब वह उन से वंचित (महरूम) हो गया. पर बापू अमर हैं. वह कभी मर नहीं सकते. लेकिन अव हमारे ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी आ गई है. हमारा धर्म है कि बापू जो कुछ कहते थे हम उस पर अमल करें और वह को काम अधूरास्त्रोड़ गए हैं उसे पूरा करें. मैं सन बाईस से कांगरेस में हूँ और तब से बराबर अपने हाथ के कते सूतका कपड़ा पहनता हूँ. मेरे विचार में हम जो संस्था बनाएं इसके हर सदस्य के लिये यह शर्त हो कि वह एक घन्टा रोज बरखा चलाए और दूसरों को भी चरखा चलाना सिसाए." यह कहकर उन्होंने जेब से सिगरेट केस निकाला फिर माचिम निकाली मगर कुछ सोच कर दोनों चीजें जेव में रख लीं और हाथ बढ़ा कर फिर एक पान लेकर खाया भीर अपने पास बैठे हुए एक सज्जन की तरफ इस तरह देशा मानो कह रहे हों कि अब आप कुछ कहिये.

यह सकान शहर कांगरेस के ओहदेगार होने के साथ साथ सूचे की असेन्यली और और विधान सभा के भी नेकार के केवल इतना कहकर चुप हो गए कि मैं ऐसी हर संस्था का स्वागत करता है जो बापू के मिशन को लेकर चले. چھر سب لوگوں کو پان پھش کئے ، انکے بولقے وابت جو گھر سب لوگوں کو پان پھش کئے ، انکے بولقے وابت جو گفاموشی چھائی تھی وہ ترف گئی . سب لوگ آپس میں دھیرے دھیرے کچھ باتیں کرنے لگے . آخر ایک سنے سے اوابی کو ایک ایک کرکے آپنی رائے طاور کرنے کو کھا گھا .

ایک سجن جمہوں کاندھی جی کے ساتھ احجہ سے رہنے کا سوبھائیہ مل چکا تھا کہانے لگے ۔۔۔

"مهن بهی یهی سوچا کرتا تها که یهان آیسا کوئی
سٹگهتن هونا چاهئے جو گاندهی وادی سدهانتوں کا پرچار
کرے . آپ نے هم سب کو ایک جگه ادتها کرکے ہوا اچها
کها . مهرے وچار وی همین ایک نئی سلستها بلانی
چاهئے . ویسے گاندهی سهوا سلگه جیسی سلستهائهن
بلی هوئی ههن پر آنکے ساته بلادهکر آنکے سب أدیشون
کو پروا کرنے ارز اس کے سب نهموں کا پالن کرنے مهن
سب بهائےوں کو نگهذائی هوسکتی هے . اسلئے وهوا سجهاؤ
سب بهائےوں کو نگهذائی هوسکتی هے . اسلئے وهوا سجهاؤ

أن كے بعد أن كى بغل ميں بيتھ هويَّه دوسرے سمعن سے رائے دیدے کو کہا گھا۔ یہ سمعن نگر کے کوڑے کے بوے بھوباری ھیں. اُن کی دوکان پر اٹلی انکلیلڈ امریکا جاہان اور بہارت کی ملوں کے هر طرح کے کپوے بکتے هیں لهای یه خود کا دهی چی کے بوے بهکت هیں. اور ایے استعمال کے لئے همیشه عدر بهندار کے کپرے خریدتے هیں. ایک یاں ارد منہ میں رکھتے ہوئے انہوں نے کہا ۔۔ '' یہ ديهن کا بہت ہوا دربھائيم هے که رائے جب ديھن کو باپو کی بہت ادھک ضرورت تھی تب وہ اُن سے ونجت رصحروم) هولها وربايو أمرهه من ولا كبهى مرنهه سكته ، لهكن اب ممارے اربر بہت بوی ذہمداری آئٹی ہے . همارا دهرم ھے کہ باپر جو کچھ کہتے تھے ہم اُس پر مثل کریں اُور وہ جو كم ادهورا چهرو كيُّم هيس أسم بورا كريس . مين سي بائيس سے کا گیس میں موں اور تب سے برابر اپنے ماتھ کے کاتے صوب کا کہوا پہلتا ہوں . مهرے وجار مهن هم جو سلستها مِمَاثِينِ أَسِكِهِ هُو سُدُسِيهُ كَمْ لِيُّهِ يَهُ شُوطٌ هُو كَمْ وَلا أَيْكَ كُهُمُدُّهُ أوز جرخا جلائم أور دومرول كو بهي چرخا جلانا سكهائم ٠٠ ھے کہکر اُنھوں نے جھب سے سکریت کیس نکالا پھر ماجس فهائي مگر کنچه سرچاکر درارس چیزین جیب مین رکه لین آلود آماته بوها و پهر ایک پان لے کر کهایا ارز ایے پاس بھاتھ عول ایک سجون کی طرف اس طرح دیکها مانو که ره هون که اب آپ کچه کهکی .

یہ سنجن شہر کانگریس کے عہدے دار ہوئے کے ساتھ ساتھ صوبہ کی اسمبلی اور ردھان سبھا کے بھی مسبر تھے کیا اتفا کہکر جہب ہوگئے کہ هم ایسی هر ساستھا کا سیالیہ کرتا ہوں جو بایو کے مشن کو لیکر چلے .

ं धोती कुरते बाके विलक्क रारीय मासूम होते हैं. बीच दीवार की तरफ एक जगह खाली है. यह शायद इस जिमे के सदर की जगह है. थोड़ी देर बाद एक सज्जन गिले के खन्दर से हाथ में पान की थाली लिये आर और अबको जयहिन्द कर के उस खाली जगह पर बैठ गए.

एन के बैठने के बाद छुछ लोग कहते हैं अब कारवाई इस होनी चाहिये और वह सज्जन कहना शुरू करते हैं—

"मैं पहले तो आप सब लोगों से जमा चाहता हूँ कि पापने यहाँ पधारने का कश्ट किया."—पान की थाली सरी तरक बढ़ा कर उन्होंने लोगों से पान खाने की व्यंता की और एक बार चारों तरक देख कर फिर बात हु की.

"मैंने ब्राप लोगों को एक खास कारन से कश्ट दिया ...इम आज इस लिये इक्ट्रा हुए हैं कि राश्ट्र पिता हारमा गांधी को स्वर्ग सिधारे अभी पूरे दो महीने भी नहीं ीते. इमें विचार करना है कि बापू जो मिशन छोड़ गए हैं से इमें क्योंकर आगे बढ़ाना चाहिये. आज कांगरेस में दो रह के लोग हैं. एक वह जो बापू के रचनात्मक प्रोप्रामी ो चला रहे हैं और राजनीति में कोई हिस्सा नहीं लेते. सरे वह लोग जो राजनाति में हिस्सा लेते हैं भीर बापू के चनात्मक प्रोप्राम से जिन्हें कोई दिलचस्पी नहीं. पहले ाले लोग राजनीति में आगे नहीं आते इसलिय उनका देश जनता तक नहीं पहुँच पाता. यह लोग अपने आश्रम ाला रहे हैं और भारत की करोड़ों जनता से इनका ाम्बन्ध विश्वकुल कट सा गया है. दूसरे लोग जो राजनीति ी द्लद्ल में फंसे हैं उन्हें दलबन्दी और राजनीति भगड़ों ा इतना समय ही नहीं निलता कि वह रचनात्मक कामों ी सरक ध्यान दे सकें. होना तो यह चाहिये था कि हर ांगरेसो गांधा जो के मिशन को श्रागे बदाने के लिये ठ खड़ा होता पर ऐसा नहीं है. मैंने यह सोच कर कुड़ प्रक्रों से बात की अपीर फिर यह तय किया कि हमें अपने ाहर ही में कांगरेस से अलग एक संस्था बनानी चाहिये भीर बापू के मिशन को आगे बढ़ाने में लग जाना चाहिये. म कांगरस का विरोध करेंगे न कांगरेस से घलग होंगे ार हमारी इस संस्था के सदस्य कांगरेस की दलवन्दियों भाग न लोंगे. इमारे नगर में येसे लोगों की काफी तादाद को गांधीवाद को दिल से मानते हैं पर यह सब लोग बेखरे हुए हैं और इन के आपस में मिलने जुलने का कोई क्रीका निकल आए तो यही लोग बहुत कुछ कर सकते . जब हमारा संगठन हो जायगा तो दूसरे लोग भी हमारे डाथ आएंगे और इस तरह इस बापू के मिशन को आगे बढ़ा सकेंगे. में चाहता हूँ कि बाप लोग भी इस विशय पर **प्रमुने अपने विचार प्रकट फरें.**"

کی دھوتی کرتے والے بالکل غریب معلومھوتے مھیں۔ بھنے موں دیوار کی طرف ایک جگه خالی ہے ۔ یہ شاید اس محمع کے صدر کی جگه ہے . تہوری دیر بعد ایک سجی بلکلے کے اندر سے ہانے میں پانوں کی تھالی لئے آئے ارر سب کو چے ہدد کرکے اس خالی جگه پر بھٹھ گئے . انکے بھٹھ لیے بعث ہیں بہتے میں آب کارروائی

شروع هونی چاهیے اور وہ سجن کہنا شروع کرتے هیں —
''سیں پہلے تو آپ سب لوگرں سے چہما چاهیا هوں
که آپ نے یہاں پدهارنے کا کشت کیا''، پان کی نہالی
دوسری طرف برها کر اُنہوں نے لوگوں سے پان کہانے کی
پراتہنا کی اور ایک بار چاروں طرف دیکھکہ پہر بات
مروع کی .

"امیں نے آپ لوگوں کو ایک خاص کارن سے کشت دیا هے.... هم آج أس لئے ائتها هوئے هيں كم راشتر يتا مهانما کاندهی کو سورگ سدهارے ابهی پوریے دو مهیدے بھی نہیں بھتے . همیں رچار کرنا بنے که باہو جو مشن جهور كلُّه هين أس همهن كهونكر آكه بزهانا جاهيه. آج کانگریس میں دو طرح کے لوگ میں ، ایک وہ جو باہو کے رجاناتمک پروگراموں کو چلا رہے ھیں اور رائے نیتی موں کوئی حصم نہیں لیتے دوسرے وہ لرگ جو رائے نیتی میں حصه لیتے هیں اور باہو کے رجنانمک پروگرآم سے جنهیں کوئی دلنچسپی نہیں بہلے والے لوگ رام نیتی میں آکے نہیں آتے املئے اُنکا سندیش جنتا نک نہ آس پہنیے پاتا . يه لوگ اي آشرم چلا رهي هيس أور بهارت كي كرورون جنتا سے إنكا سمبندھ بالكل كت سا كها هے. فرسرے لوگ جو راج نیتی کی دلدل میں پہلسے هیں آنہیں دلبندی اور راہ نیتک جھکوں سے اتنا سے ہی نهیں ملتا که ولا رجاناتمک کاموں کی طرف دھیاں دے سکھن ، ہونا تو یہ چاہیے تھا کہ ہو کانگریسی کاندھی جی کے مشن کو آئے بوھانے کیائے اُتھ کھڑا ھوتا پر ایسا نہوں ہے . میں لے یہی سپے کر کچھ مخروں سے بات کی اور پھر یہ طے کیا کہ همیں آنے شہر هی میں کانگریس سے الگ ایک سلستها بنانی چاهه، اور بایو کے مشن کو آگہ بوهائے مهن لگ جاتا چاهیے . هم کانگریس کا ورودہ نههن کریں کے ته کانگریس سے آگ هونکے پر هماری اس سلستها کے سدسمه کانگریس کی دلیادیوں میں بہاگ نہ لیس کے. هماري نگر ميں ايسے لوگوں کی کافی تعداد ہے جو کاندھی واد کو دل سے مانتے میں پریہ سب لوگ بکھرے هواہے هیں اور اُنکے آیس میں ملنے جلنے کا کوئی ذریعہ نکل آئے تو یہی لوگ بہت کچھ کرسکتے میں . جب عمارا سفکھالی ہو جائے کا تو درسرے لوک بھی همارے ساتھ آئھوں گنے اور اس طرح هم داہو كے مشن كو آكے بڑھا سكيس كے ، ميني جاهتاهين كه آب لوك يهي اس وشائم يراي " we find the dec."

کنی جی تے تاہے

सस्य करने के साथ साथ उन्होंने बौद कता के सुन्दर से सुन्दर नमूनों को भी मटियामेट कर डाला. फिर भी कोरिया की सुनसान पहादियों में भारती कला के निशान वहां के बौद मन्दिरों में बाज भी मौजूद हैं.

भारत और कोरिया का कलचरी मेल एशिया के कलचरी इतिहास की बड़ी महत्व की घटना है सिद्यों पहले भारती कलचर की जो लहर भारत से चीन की तरक बढ़ी थी वह चीन में न रक कर कोरिया भी पहुंची. किर कोरिया से यह लहर जापान जी तरक बढ़ी और धीरे धीरे धीरे घीरे जापान भी उसमें समा गया. कोरिया वालों ने ही पहले पहल बौद्ध घम का संदेश जापान वालों को सुनाया था. इसमें कोई शक नहीं कि भारत और कोरिया के कलचरी सम्बद्ध कायम हुआ. पशिया की कलचरी एकता हो, भारत और कोरिया के सम्बन्ध की यही सब से बड़ी देन है.

पिछलो कई सिद्यों से एशिया के मुल्क बिदेसी हकूमत और बिदेसी बन्कों के ढर से अपनी पुरानी कलचरी एकता और राजनैतिक मित्रता खो बैठे थे. आज बह अपनी पुरानी दोस्ती और पुरानी एकता क़ायम करने को फिर एस्पुक हैं. भारत और चीन अपनी ऐतिहासिक मित्रता को फिर से जगा चुके हैं. अब वह दिन दूर तहीं जब कोरिया भी बिदेसी की जों को अपने देस से खदेड़ कर आजाद होगा और अपने पुराने दोस्त भारत से एक बार फिर सम्बन्ध जोड़ने के लिये हाथ आगे बढ़ाएगा.

معلام گرف کے ساتھ ساتھ آنھوں نے بودھ کلا کے ساتھو سے سطحتو سے سطحتو نمونیا کے ساتھ کوریا کی ساتھ کی ساتھ کی ساتھ کے نشان وہاں کے ساتھ مقدوں میں آج بھی موجود ہوں .

بھارس اور کوریا کا کلچہی میل ایشیا کے دلچری الہاس کی یوی مہتو کی گھتنا ہے . صدیوں پھلے بھارتی گلتچر کی جو لهر بھارت سے چھن کی طرف ہوھی تھی وہ جھین میں نع رک کر کوریا بھی پہونچی پھر کوریا سے یہ لہر جاپان کی طرف بوھی اور دھیرے دعہرے جاپان بھی آس میں سما گیا ۔ کوریا والوں نے ھی پھلے بودھ تھرم کا سندیش جاپان والوں کو سنایا تھا ، اِس میں گوئی شک نہیں کہ بھارت اور کوریا نے کلچری میل ھونے ہو ھی بھارت اور جاپان میں بھی کلچری سمبندھ قائم ہوا ۔ ایشیا کی للچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ گائم ھوا ۔ ایشیا کی کلچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ گائم ھوا ۔ ایشیا کی کلچری ایکتا کو بھارت اور کوریا کے سمبندھ گائم ھوا ۔ ایشیا کی کلچری دین ہے ۔

پچھلی کئی صدیوں سے ایشھا کے ملک بدیسی حکومت اور بدیسی بندرتوں کے تر سے اینی پرانی کلچری اینا اور راج نیانک مترنا کور بیٹھے تھے . آج وہ آپنی پرائی دوستی اور پرانی اینا قائم کرنے کو پھر آتسک مھی . بھارت اور چھن اپنی انہاسک مترنا کو پھر سے جاتا چکے ھیں . آب وہ دن دور نہیں جب کوریا پھی بدیسی قوجوں کو آھے دیس سے بھدیر کر آزاد ہوگا اور اینے پرائے دوست بھارت سے ایک بار پھر سمبندھ جوڑنے کے لئے ھاتھ آئے۔

गांधी जी के नाम पर

(भाई अनवर अब्दुझा)

मार्च सन '48 की बात है. देश पिता महात्मा गांधी को गए पूरे हो महीने भी नहीं हुए थे.

एक बंगले के बाहर के दालान में पन्द्रह बीस आदमी कैठे हैं. खिदकी में एक बदे फ्रम में महात्मा गांधी की तसकीर रखी है. मजमे में हर तबक्र के लोग हैं. कुछ की दूस सी सफेंद खादी का कुरता, पायजामा या घोती बतलाती है कि खादे पीते ही नहीं बचा कर भी रखने बाले तबके के का सम्बद्ध है. कुछ की घारीदार खादी की आधी कार्यां की कसीज और मेले पैआमे उन्हें निचले बीच के

گاندھی جی کے نام پر

(بهائی أنور هبدالله)

ﷺ مارچ سن 48' کی بات ہے۔ دیش پٹا مہاتما گفتھی کو گئے پورے در مہیلے بھی نہیں ہوئے تھے۔

ایک بنکلے کے باہر کے دائن میں بندرہ بیس آدمی بیکے میں میں میں میں مہاتما بیک بورے فریم میں مہاتما الفاقی کی تصویر رکھی ہے ۔ مجمع میں ہر طبقے کے الفاقی کم فردہ سی سفید کہادی کا کرتا یاجامہ با میں بیان بیان بیان کو بھی رکھتے والے طبقے سے آنکا سمبندہ ہے ۔ کچھ کی دھاری دار کھانی کی ادھی آستھی کی امینی آرد میلے یاجامے آنھیں تجلے کیانی کی ادھی آستھی کی امینی ارد میلے یاجامے آنھیں تجلے بیان بالکل مہلی کیانی

पित्र पुस्तक मानी जाती थी. इस कितान का वहां नाम था "सि-यू-डी" (Si-Yu-Ki) थानी "पिक्झिमी देसों का हाल." यह कितान कोरिया के हर मठ में भीर हर कितान घर में पाई जाती थी.

कोरिया में बौद्ध धर्म के पतन के साथ साथ बौद्ध किताबों का भी खुरा हाल हुआ. मन्दिरों और मठों के बरबाद किए जाने के साथ साथ बौद्ध साहित्य भी बरबाद हो गया. किर भी कुछ किताबें बच रहीं जिन्हें जापानियों ने इकट्टा किया और उन्हें फिर छपवाया.

6-कोरिया में भारती कला:-

कोरिया में बौद्ध धर्म के फैजने के साथ साथ वहां बौद्ध कला को भी रिवाज दिया गया. कोरिया के बौद्ध मिन्दिरों में जो मूरितयां कायम की गई उन पर भारती बौद्ध बुत साजी को छाप साक दिखाई देती थी.

सिल्ला की सलतनत के खमाने में (668-918 ई०) कीरिया में खास तौर से भारती कला का चलन था इस खमाने में कीरिया से अनेक बौद्ध भिद्ध भारत आए थे. भारत से बह अपने साथ अनेक बौद्ध मूरतियां और नक-काशी के नमूने कीरिया लेगए थे.

इसी खमाने में कोरिया में, धमिताभ बुद्ध और बोधि-सत्द डुधान-यिन की मूरतियां जगह जगह मन्दिरों में डायम की गईं, दोनों पर भारती कला का धसर जाहिर धा. धमिताम बुद्ध आसन पर बैठे, एक पैर पर दूसरा पैर रखे, अपनी गोद में अपना हाथ रखे और ध्यान में मम दिखाए गए हैं. बोधिसत्व डुधान-यिन का रूप भी भारत से ही किया गया हैं बोधिसत्व सिंहासन पर शाही ठाठ के साथ आराम से बैठे हैं. उनका दायां पैर सिंहासन पर दै और दायां हाथ दायें पैर पर से होता हुधा नीचे लटक रहा है. बायां पैर भी नीचे लटक रहा है और बायां हाथ सिंहासन को पकड़े हुए हैं.

इस खमाने की ढीनी और कोरियाई कला पर अपनी राय जाहिर करते हुए मशहूर इतिहासकार केनेथ लादुरेट जिसता है:—

"बौद्ध मन्दिरों में गान्धार की यूनानी बौद्ध कला या गुप्तबंश के जमाने की भारती कला का असर साम तौर से जाहिर है. इस जमाने में जितनी सुन्दर मूरितयां बनाई गई बतनी सुन्दर मूरितयां कोरिया में कभी नहीं बनीं. इसके नमूने आज भी कोरिया और चीन में मौजूद हैं".

कोरिया से मंगोल राज स्ततम होते ही फंगफूत्तू धर्म के मानने वालों ने कोरिया के तमाम बौद्ध मन्दिरों और बौद्ध महों को गिरा विया धातु की जितनी मूरतियाँ बनी किस सब को उन्होंने गला बाला बौद्ध घर्म का असर پیٹا پیسٹک سالی ہاتی تھی۔ اس کھائی کا رہاں تاہ تھا '' سی ۔ ہو ۔ کی'' (Si-Yu-Ki) پیملی '' پچھسی دیسوں کا حال ''۔ یہ کتاب کوریا کے هر مانو میں اور هر کتاب گهر میں ہائی جانی تھی ۔

کرریا میں بودھ دھرم کے پتن کے ساتھ ساتھ ہودھ کھاہوں کا بھی برا حال ھوا ۔ مقدروں اور مقبوں کے بریاد کئے جائے کے ساتھ ساتھ ہودھ ساتھ یہ بھی بریاد عوگیا ، پھر پھی کچھ کتابیں بچے رہیں جنہیں جایانیوں نے اکٹھا کیا اور آنھیں پھر چھورایا ،

6 ـــ كوريا مرس بهارتى كلا :ـــ

کوریا میں بودھ دھرم کے پھیلنے کے ساتھ ساتھ وھاں بودھ کلا کو بھی رواج دیا گیا ۔ کوریا نے بودھ مندرون میں جو مورتیاں قائم کی گئیں اُن پر بھارتی بودھ بست سازی کی چھاپ صاف دکھائی دیتی تھی ۔

سلا کی سلطانت کے زمانے میں (668 – 918 عیسوی) کوریا میں خاص طور سے بھارتی کلا کا چان تھا ، اِس زمانے میں کوریا سے انیک، بودھ بھاکشو بھاروت آئے تھے ، بھارت سے وہ اپنے ساتھ انیک بودھ مورتیاں اور نقاشی کے نمونے کوریا لے کئے تھے ،

اسی زمانے میں کوریا میں امتیابہ بدھ اور بودھی ستو کوآں۔ ین کی مورتیاں جات جات ملدوں میں قائم کی گئیں . دونوں پر بھارتی کلا کا اثر ظاھر تھا . امتیابہ بدھ آسی ہر بھاتے ایک پیر پر دوسرا پیر رکھ اپنی گود میں اپنا ھاتھ رکھے اور دھیاں میں مائن دکھائے گئے ھیں ۔ پودسی ستو کوآن ان کا روپ بھی بھارت سے ھی لیا گیا ہے ۔ پودھی ساتو سنگھاسن پر شاھی ٹھات کے ساتھ آرام سے بھاتے ہوں کا دایاں پیر سنگھاسن پر ہے اور دایاں ھاتھ دائیں پیر پر سے موتا ھوا نہتے لٹک رھا ہے . بایاں پیر بھی تیجے لٹک رھا ہے اور بایاں ھاتھ سنگھاسن کو پاتے ہوئے ہے ۔

اس زمانے کی چھنی اور کوریائی کا پر اینی رائے طاہر کرتے ہوئے مشہور انہاس کارکینٹھ قترریت لکھتا ھے:---

" پودھ مقدروں میں گاندھار کی یونائی ہواھ کلا یا گیت وٹھی کے زمالے کی بھارتی کلا کا آثر خاص طور سے طاھر ہے ۔ اِس زمالے میں جاتفی سلدر مورتیاں بنائی گئیں ۔ اُتھی سلدر مورتیاں بنائی گئیں ۔ اُتھی سلدر مورتیاں کوریا میں ۔کبھی نہیں بنائی گئیں ۔ اُتھی موجود ھیں ۔ اُتھی موجود ھیں ۔ اُتھیں موجود ھیں ۔ اُتھیں موجود ھیں ۔ اُتھی

کوریا ہے مفکول راہے شکم ہوتے ہی کلکٹونسو دھرم کے مالئے والوں نے کوریا کے تمام یودھ مقدروں اور بودھ مالیوں کو گوا دیا ۔ دھات کی چکٹی مورتھاں دنی تھھوں کے کیا دیا ۔ کھاتھ کے کا 13 یودھ دھرو کا الو अवतार लेकर गीतम युद्ध की शकत में इस संसार में आए थे. अमिताम शब्द का अर्थ है 'उपोति ही व्योति" यानी नूर ही नूर.

इस पंथ की तालीम का निचोड़ यह है: भगवान श्रामिताम बुद्ध में पूरी भक्ति श्रीर विश्वास रखो, उनकी पूजाकरो श्रीर श्रापने को उनकी मरजी पर छोड़ दो. यही निवीन प्राप्त करने का रास्ता है.

इस पंथ के मानने वाले कोरियाई भक्त भगवान आभिताम से प्रार्थना करते हुए कहते हैं:— 'ना-मो अभिदो पूल'

यानीः—"हे भगवान अभिताभ ! मैं भक्ति भाव से और तुम पर पूरा विश्वास कर के तेरी शरन में आता हूँ."

महायान बौद्धों के लिये निर्वान हासिल करने का यह भक्ति मार्ग है.

इस पंथ के अलावा, बोधिधर्म के चान पंथ का, तिब्बत के लामा पंथ का और चीन के तियेन-ताई पंथ का भी कोरिया में काफी प्रचार हुआ. इन सब पर्थों को भारत के और चीन के बौद्ध भिद्धकों ने कायम किया था.

5-कोरिया में बौद्ध साहित्य

बौद्ध धर्म के साथ साथ कोरिया में बौद्ध साहित्य भी पहुँचा. पहले तो चीन से भारत का बौद्ध साहित्य कोरिया ले जाया गया फिर बाद में कोरिया से जो भिक्ष भारत आप, वह अपने साथ बौद्ध धर्म की किताबें कोरिया ले गए. बौद्ध धर्म के हर पंथ का साहित्य कोरिया पहुँचा. वहां के भिद्ध धों ने बहुत सी बौद्ध किताबों का अनुवाद किया.

सन 1000 ईसवी के क़रीब चीन से बौद्ध त्रिपिटक (यानी स्त्रिपिटक, और अभिधर्म पिटक) की एक कापी कोरिया लाई गई. यह त्रिपिटक चीन के सम्राट की आज़ा से सन 971 ई० में तैयार किया गया था. इसमें उस समय तक को बौद्ध धर्म की तमाम किताओं शामिल थीं. कोरिया के राजा ने इस त्रिपिटक का फिर से सम्पादन करने के किये कोरिया के विद्वानों की एक कमेटी बनाई थी. तैयार होने के बाद इस त्रिपिटक का एक एडीशन कोरिया से निकाला गया. इसी के आधार पर जापान में सन 1880 ई० में बौद्ध त्रिपटक का एक जापानी एडीशन तैयार किया गया.

सन 1251 ई॰ में बौद्ध त्रिपिटक कोरिया में पहली बार स्रोपकर निकाला गया.

कोरिया के कोग चीन के मशहूर बौद्ध भिन्नु व्हेन सांग बड़ी कुष्टक्त करते थे, व्हेन सांग ने अपनी भारत यात्रा की को किया किसी वह कोरिया में बौद्ध धर्म की एक बहुत ارتار الی کو کوتم بده کی شکل میں اِس سلسار میں آئے۔ اور اُستا بہ شید کا اُرتہ ہے ''جدوتی می جیوتی'' یعلی گیزهی نور ،

اس پفته کی تعلیم کا نجهور یه هے: بهکوان امهتابه بده اور میں بوعی بهکتی اور رشواش رکور آن کی پوجا کرو اور آئیے کو آن کی صرفی در چهور در . یہی نروان پراپت کرنے کا راسته هے .

اِس بِفته کے مانٹے والے کوریائی بھکت بھگواں اُمیکا، ہ سے پرارتہا کرتے ہوئے کہتے ہیں: —

الامو أحيدر يل'

یعنی :---''هے بهگران احیتابه! میں بهکتی بهاؤ سے اور تجه پر پورا رشواس کرکے تیری شرن میں آتا هوں .''

مہایاں بودھوں کے لئے نروان حاصل کرنے کا یہ بھکتی مارگ ہے .

اس پنتھ کے عالوہ یودھ دھرم کے چان پنتھ کا تبت کے قدم پنتھ کا اور چین کے تی بیبن تاثی پنتھ کا بھی کوریا میں کافی پرچار ھوا ۔ اِن سب پنتھوں کو بھارت کے اور چین کے بودھ بھکشوؤں نے قائم کھا تھا .

5--- کوریا مهن بوده ساعتیه

ہودھ دھرم کے ساتھ کوریا میں بودھ ساھتیہ بھی مہونی ہوئی ہے۔ پہلے تو چھن سے بھارت کا بودھ ساھتیہ کوریا لے ہوایا گھا بھر بعد میں کوریا سے جو بھکشو بھارت آئے' وہ اُنے ساتھ ہودہ دھرم کی کتابھی کوریا لے گئے ، بودھ دھرم کے عر پذتم کا ساھترہ کوریا بہونچا ، وہاں کے بھکشوؤں نے بہت سی بودھ کتابوں کا انواد کھا ،

سن 1000 عیسوں کے قریب چین سے بودھ تریٹک (یعلی سوتریٹک) کی ایک کاپی کوریا لائی کئی ۔ یہ تریٹک چین نے سمرات کی آئیا سے میں 179 عیسی میں تیار نیا گیا تیا ۔ اِس میں اُس سے آگ کی بودھ دھرم کی تمام انتابیں شامل تییں ، کوریا کے راجہ نے اِس تریٹک کا پور سے سمیادن کرنے کے لئے کوریا کے ووانوں کی ایک کمیٹی بدائی تھی ، تیار ھونے کے بعد کے ووانوں کی ایک کمیٹی بدائی تھی ، تیار ھونے کے بعد اُریش تریٹک کا ایک اُدیشن کوریا سے نکلا گیا ، اسی کے آدھار گیا ہے میں بودھ تریٹک کا گیگ جاپائی میں سن 1880 میسوی میں بودھ تریٹک کا گیگ جاپائی آدیشن تھار کیا گیا ،

مین 1251 میسری میں بودہ تریتک کوریا میں پہلی اور نظار کیا .

کوریا کے لوگ چھوں کے مشہور بودھ بھکشو وھیں سانگ کی ہوی عوض کرتے تھے ، وھھن سانگ نے آپلی بھارت یاترا کی ہوی عوض کرتے تھے ، وھھن سانگ نے آپلی بھارت یاترا کی جو کفاب لکھی وہ کوریا میں بودھ دھرم کی آپک بہت आषादी की लड़ाई के खिलाफ कु बला खाँ का साथ दिया था. इसलिये वह देस के दुशमन साबित हुए और जनता की सहातुमृति खो बैठे.

मंगोल राज का पतन होने के बाद कंगकृत्सू धर्म के मानने वालों ने ही कोरिया का राज संभाला. उन्होंने क़ानून बना कर बौद्ध धर्म का प्रचार बन्द कर दिया और कोरिया के सब बौद्ध धर्म का प्रचार मठों को गिरवा दिया. कोरिया के दो छोटे राजाओं ने अब भी बौद्ध धर्म को अपनाए रखने की कोशिश की. उन्हें गई। से उतार दिया गया. कोरिया के रहे सहे बौद्ध भिद्ध शहर छोड़ कर पहाड़ों और अंगलों में जा बसे. वहीं उन्होंने अपने मन्दिर और मठ क़ायम किये.

(पांच) जापानी राज का जमाना (1910—1945 ई०)

कुछ सियों बाद सन 1910 ई० में जापानियों ने कोरिया पर कन्जा कर लिया. बौद्ध धर्म का कोरिया में फिर प्रचार शुरू हुआ. लेकिन इस बार भी विदेशी हकूमत के साथ साथ बौद्ध धर्म कोरिया में फिर से आया और विदेशी इकूमत की मदद से ही उसे फैलाने की कोशिश की गई. शहरों में बौद्ध मन्दिर और बौद्ध मठ फिर से कायम किये गय. बौद्ध धर्म की पुरानी किताबों को इकट्टा करके उन्हें नए सिरे से अपवाया गया. जगह जगह बौद्ध सोसाइटियां आयम की गई, कुछ समय के लिये कोरिया में बौद्ध धर्म का आसर बदता दिखाई पड़ा. इसी बीच दूसरा महायुद्ध छिड़ गया और कोरिया से जापानी राज उठ गया इसके बाद कोरिया में बौद्ध धर्म का क्या हाल हुआ होगा यह कहना कुशी कठिन है.

4--कोरिया में बौद्ध धर्म के फ़िरक़े

कोरिया में बौद्ध धर्म की महायान सम्प्रादाय का ही प्रचार हुआ था. इस के कई किरक़े समय समय पर कोरिया में कायम हुए जिसमें 'सकेद कमल पंथ' के मानने बाझे सबसे ज्यादा थे.

'सफ़ेंद्र कमल पंथ' को चीनी भिद्ध हुइ-युगान ने भारती भिद्ध बुद्ध नश चौर बुद्ध भद्र की मद्द से चीन में कायम किया था. चूँ कि इन थिद्ध जों का मठ एक ऐसे तालाब के किनारे था जिसमें सफ़ेंद्र कमल खिले थे इसलिये उनके फिरक़े का नाम 'सफ़ेंद्र कमल पंथ' पड़ गया. उस पंथ का प्रचार को रेया में भी हुआ.

इस पंथ के लोग यह मानते हैं कि गौतम बुद्ध भगवान अमिताभ बुद्ध के अवतार थे, अभिताभ बुद्ध ही सारी देनिया के सिरजनहार हैं, उन्हों की वजह से दुनिया क्रायम बीर जो कुछ भी होता है उसके कारन वही हैं, वही آزادی کی توالی کے خلاف لبلا خان کا ساتھ دیا تھا ۔ اس لیے وہ دیس کے دشنن ثابت هوئے اور جلتا کی سہانو بہوتی کور بھٹھے .

منگول رأج کا پھن ھونے کے بعد کنگ فوتسو دھرم کے مانئے والوں نے ھی کوریا کا راج سنبھالا ۔ اُنھوں نے قائرن یفائر بودھ معرم کا پرچار بند کردیا اور کوریا کے سب بودھ مندروں اور متھوں کو گروا دیا ، کوریا کے دو چھوائے راجاؤں نے اب بھی بودھ دھرم کو اپنائے رکھنے کی کوشش کی ، اُنھیں گدی سے آثار دیا گیا ، کوریا کے رہے سہ بودھ بھکھو شہر جھوڑ کر بھاڑوں اور جنگلوں میں جا بسے وھیں اُنھوں نے ایے مندر اور متھ قائم کئے ،

(پانچ) جاپانی راج کا زمانه (1910-1945 میسوی)

کچھ صدیوں بعد سن 1910 عیسوی میں جاپانیوں نے کوریا پر قبقہ کرلیا ۔ بودھ دھرم کا کوریا میں پھر پرچار شروع ھوا ۔ لیکن اِس بار بھی ودیشی حکومت کے ساتھ ساتھ بودھ دھرم کوریا میں پھر سے آیا اور ودیشی حکومت کی مدد سے ھی اُسے پھیلانے کی کوشش کی گئی . شہروں میں بودھ مندر اور بودھ مٹھ پھر سے قائم کئے گئے۔ فودھ دھرم کی پرانی کتابوں کو انتہا کرکے اُنھیں نئے سرے سے چھھڑایا گیا . جگہ جگہ بودھ سوسائتیاں قائم کی گئیں . کچھ سیے کے لئے کوریا میں بودھ دھرم کا اثر بوھتا دکھائی پوا . اسی بھی دوسرا مہایدھ چھڑ کھا اور کوریا سے جاپانی راج آٹھ گیا . اِس کے بعد کوریا میں بودھ مھرم کا کھا میں بودھ مھرم کا کھا میں بودھ مھرم کا کھا کی دھرم کا گھی ہودھ ہے۔

4-کوریا میں بودھ ذھرم کے فرقے

کرریا میں بودہ دھرم کی مہایاں سمپردائے کاھی پرچار ھوا تھا ۔ اس کے کئی فرقہ سمے سمے پر کوریا میں تائم ھوئے' جس میں 'سفید کمل پفتہ' کے مانٹے والے سب سے زیادہ تھے .

'سفید کمل پنہ کو چینی بھکشو ھوئی یوآن نے بھارتی بھکشو بدھ بھی اور بدہ بھدر کی مدد سے چین میں قائم کیا تھا ۔ چونکہ ان بھکشوؤں کا ماتھ ایک ایسے تھاب کے کفارے تھا جس میں سفید کمل کھلتے تیے اس لیے آن کے فرانے کا فام 'سفید کمل پنتہ' پر گیا ۔ اِس پہتھ کا پرچار کوریا میں بھی ھوا ۔

اِس بنتھ کے لوگ یہ مانتے میں کہ گوتم بدھ بھکواں اور چھاپے بدھ می ساری دنیا کے اردار تیں' امیتابہ بدھ می ساری دنیا کے سرچی مار میں' انہیں کی رجہ سے دنیا قائم ہے اور جو اس کے کارن رھی میں' رھی

(तीन) कीराई की सर्वत्तवत का जमाना (918—1392 है)

इस जमाने में बौद्ध धर्म कोरिया का राज धर्म बन जुका था. राज दरबार में बौद्ध धर्म के उत्सव बड़े ठाट से मनाप जाते थे. कोरिया में इसी बक्त जगह जगह बड़े शानदार बौद्ध मठ कायम हुए. कानून बनाकर यह हुक्म दिया गया कि जिस आदमी के तीन बेटे हों वह अपना एक बेटा बौद्ध मठ को भिद्ध बनने के लिये सींप दे. राज कुमारों को पदाने के लिये बौद्ध भिद्ध रखे जाते थे.

चौदहवीं सदी में चीनी सम्राट क्रुवलई सां ने कोरिया पर हमला करके उसे अपने अधीन कर लिया. उसने कोरिया में बौद्ध मत का प्रचार करने में हर तरह की मदद दी. इसी जमाने में भारती भिद्ध ध्यानभद्र कोरिया आया था.

(चार) चोज़ेन की सलतनत का ज़माना (1392—1910 ई॰)

 इस जमाने में कारिया के अन्दर यकायक बौद्ध धर्म का पतन शुरू होगया. इस पतन की कहानी भी बौद्ध धर्म के इतिहास में एक अनोखी कहानी है. जब तक कोरिया के अपने देसी राजा खुद बौद्ध धर्म अपनाते रहे और प्रजा को भी उसे अपनाने के लिये हिम्मत दिलाते रहे तब तक कोरिया की जनता का प्रेम बौद्ध धर्म के साथ बना रहा और बद्वा गया. पर कुबलई खां एक विदेशी हमलावर थाः कोरिया उससे पहले कभी दूसरों का गुलाम न हुआ था. कोरिया की जनता में कुबलई खां के खिलाक बगावत पैदा होने लगी. ऋषलई खाँ ने राज का पूरा जोर लगा कर बौद धर्म को फैलाना और मनवाना चाहा. यहाँ तक कि उसके जमाने में कोरिया के बौद्ध मठ हथियार बन्द फीजों से भरे रहते थे और वहाँ के बौद्ध भिन्नु सिपाहियों की तरह हथियार बाँध कर बाहर निकलते थे. दुराचार और रिश्वत स्त्रोरी इनमें और सारे राज के अन्दर बहुत बढ़ी बढ़ी थी. बिडेशी राज से नफरत बढने के साथ साथ इस तरह बौद धर्म से भी कोरिया वालों के दिलों में नफरत पैदा होगई. यही कोरिया के अन्दर बौद्ध धर्म की गिरावट का खुला कारन था. कोरिया वालों ने क़ुवलई खाँ की विदेशो हकूमत को अपने देश से निकाल दिया और उसी के साथ साथ अपने देश के अन्दर से बौद्ध धर्म को भी खतम कर दिया.

बौद्ध धर्म की जगह अब कोरिया के अन्दर चीन ही के कंगफ स्तू धर्म ने ली क्योंकि कंगफ त्सू धर्म के मानने वालों ने ही एक कान्तिकारी दल बन कर कुबलई खाँ के खिलाफ बताबत का मंद्रा खड़ा किया था. इसीक्षिये आम जनता इंगक स्तू के साथ होगई. दूसरी तरक बौद्ध भिछुआं ने

(قهن) گيراليکي سلطلت کا زمانه (918-1392) هيسرس) .

اِس زمانے میں بودھ دھرم کوریا کا راج دھرم بن چکا اُتھا ۔ راج دربار میں بودھ دھرم کے اُنسو بڑے اُلمان برکے منائے جاتے تھے ۔ کوریا میں اُسی رانت جگہ جگہ بڑے شاندار بودھ مٹھ تائم ھوئے ، قانون بداکر یہ حکم دیا گیا کہ جس آدمی کے تین بیٹے ھوں وہ اُپذا ایک بیٹا بودھ مٹھ کو بھکشو بنے کے لئے سوئپ دے ، راج کماروں کو کوھانے کے لئے بودھ بھکشو راجے جاتے تھے ،

چودھویں صدی میں چیلی سمرات قبلتی خان نے کویا کر حملہ کرنے آنے ان ادھیں کرلیا ۔ اُس نے کویا میں بودھ مت کا درچار کرنے میں ھر طرح کی مدد دی اِسی زمانے میں بہارتی بهکشو دھیاں بهدر کوریا آیا تھا۔

(چار) چوزين کی سلطلت کا زمانه (1392-1910

میسوی).

اسی زمانے میں کوریا کے اندر یکایک ہودھ دھرم کا پتن شروع هوگها . اِس دِنن کی کہانی بھی ہودھ دهرم کے اتھاس میں ایک انوکھی کہانی ہے ، جب تک کوریا کے ایم دیسی راجه خود بودھ دھرم ایداتے رہے اور پرجا کو بھی آسے اینانے کے لئے هست دلاتے رهے تب تک کوریا کی جنتا کا دریم بودھ دھرم کے ساتھ بنا رھا اور بوعتا کیا . پر قبلتی خاں ایک ودیشی حمله ور تھا . کوریا اُس سے فِهِلَمُ كَمِهِي درسُورِن كَا فَلَامِ نَمْ هُوا تَهَا . أُورِيا كِي جَفَعًا مَهِن قملئی خال کے خلاف بغارت پیدا مونے لگی . قملئی خال لے راج کا یورا زور لکاکر بودھ دھرم کو یہملانا اور مقوانا چاھا . یہاں تک که اُس کے زمانے میں کوریا کے بودھ مله هامهار بلد فوجوں سے بهرے رهائے تھے اور وهاں کے بوده بهکشو سیاهیوس کی طرح هتههار بادده کر باهر نکلتے تھے . دولھار اور رشوت خوری ان میں اور سارے والم کے اندر بهمه بوهی چوهي تهی . رديشی راج سے نفرت بوهد کے ساتھ اِس طرح بودھ دعرم سے بھی کوریا والوں کے فالولمون نفرت پیدا هوائی یهی . کو یا نے الدر بودھ دھرم کی گراوت کا کھلا کارن تھا ، کوریا والوں نے قبلئی خان کی ودیشی حکومت کو اید دیش سے ذکال دیا اور اُسی کے ساته ساته أنه ديش كے أندر سے بودھ دعرم كو ختم كرديا .

بودھ دھرم کی جگہ آپ کوریا نے آندر جین ھی کے گھگھوتسو دھرم نے لیکھونکہ کلکفوتس دعرم کے مانئے والوں نے ھی آیک کرائٹی کاری دل بن کر قبلتی خال کے خلاف بغارت کا جہلڈا کہوا کیا تھا۔ آسیائے عام جلتا تلکفوتسو دل کے ساتھ ھوگئی ا دوسری طرف بودھ بہکشوؤں نے

ستىبر 51′

(एक) तीन रियासती का जमाना (57 बी सी 668 ई०)

इस जमाने में कोरिया तीन रियासतों में बंटा हुआ था. उत्तर में कोग्र्यू, दिक्खन पिछ्छम में पाकने, और दिक्खन पूरव में सिल्ला. सन 372 ईसवी में बौद्ध धर्म का प्रचार उत्तरी राज कोग्र्यू में शुरू हुआ. कुछ साल बाद बौद्ध धर्म का संदेश पाकने रियासत में पहुँचा. और फिर आलीर में सन 424 ईसबी में सिल्ला राज में भी बौद्ध धर्म का प्रचार शुरू हुआ.

कोरिया की जिन्दगी पर बौद्ध धर्म बहुत जल्दी छा गया क्योंकि इसके मुकाबले में इस समय कंगकृत्जे या ताको के समान कोई बड़ा मजहब कोरिया में न था. फिर कहाँ पक तरफ बौद्ध धर्म के शानदार मन्दिर, उसकी असर-दार टीमटाम ने कोरिया के सीधे सादे बाशिन्दों को पूरी तौर से अपने बस में कर लिया, दूसरी तरफ बौद्ध धर्म के कैंचे आदर्श कोरिया वालों के दिमारा पर छा गए. बौद्ध धर्म ने मर्द और औरत दोनों को बराबरी का दरजा दिया इसिक्षये औरतें खास तौर से बौद्ध धर्म की तरफ भुकीं और इन्होंने कोरिया में बौद्ध धर्म के प्रचार काम में जोश के साथ हिस्सा लिया.

इसी खमाने में कोरिया के क़रीब क़रीब तमाम शहरों में बौद्ध मन्दिर खोर बौद्धमठ क़ायम किये गये. कोरिया से बौद्ध भिद्ध भारत गए और वहाँ से बौद्ध साहित्य कोरिया खाया.

(दो) सिल्ला की सलतनत का ज़माना (668— 918 ई०)

यह जमाना कोरिया में बौद्ध धर्म के इतिहास का सुनहत्ता जमाना कहा जाता है. भारत में, चीन में, कोरिया में चौर पशिया के चौर देसों में भी इस समय बौद्ध धर्म तोगों की जिन्दगी पर पूरी तरह छाया हुआ था. न सिर्फ आम जनता ही बल्कि इन देसों के हुक्मरां भी बौद्ध धर्म के कहर मानने वाले थे चौर बौद्ध धर्म के प्रचार में राज की तरफ से परी मदद दो जाती थी.

चीन में उन दिनों तोग खानदान राज कर रहा था और भारत में सम्राट हर्ष. दोनों बौद्ध थे. कोरिया में सिल्ला का राजा सारे देश पर इकूमत कर रहा था. सिल्ला में सम 424 ई० में ही बौद्ध धर्म फैल खुका था. इस खमाने में भी भारत से कोरिया और कोरिया से भारत बहुत से बौद्ध भिन्न आप और गए. भारती कला का असर इस जमाने की कोरिया की बुतसाजी खोर नक्षकाशी दोनों पर खुब पड़ा.

इसी जमाने में भारत चौर कोरिया के बीच समन्दर के करिये तिजारत का भी हाल मिखता है. चौर इसी समय में चौन के कंगकृत्स धर्म का प्रचार भी कोरिया में शुरू हुचा.

(ایک) تین ریاستوں کا زمانه (57 بی . سی- 668 میسوی)

اس زمانے میں کوریا تین ریاستوں میں بنتا ہوا ہا۔ اتر میں گوکوریو' دکھن پچھم میں پاکچے' اور اکھن پورب میں سلنا سن 372 عیسوی میں بودھ دھرم پرچار اتری رائے کوگرریو میں شروع ھرا۔ کچھ سال بعد ودھ دھرم کا سندیش پاکچے ریاست میں پہونچا ، اور ہر آخیر میں سن 424 عیسوی میں سلنا رائے میں بھی ودھ دھرم کا پرچار شروع ھرا ،

کوریا کی زندگی پر بودھ دھرم جلدی چھا گیا کیونکھ سی کے مقابلے میں اُس سے کلگفوتوے یا آتاؤ کے سمان وئی بڑا مذھب کوریا میں نہ تھا . پھر جھاں ایک طرف ودھ دھرم کے شاندار مددو اُس کی اتر دار آھم آتام نے بریا کے سادھ سادے باشددوں کو پوری طور سے آپ بس بویا والوں کے دماغ پر چھا گئے . بودھ دھرم کے اونچے آدرش روت درنوں کو برابری کا درجہ دیا اِس لئے عورتیں خاص روت دور سے بودھ دھرم کی طرف جھکھی اور آنھوں نے رویا میں بودھ دھرم کے پرچار کام میں جوش کے ساتھ رہیا میں جوش کے ساتھ ایک

اِسی زمانے میں کوریا کے قریب فریب تمام شہروں میں وقد مندر اور بردھ متم قائم کئے گئے۔ کوریا سے بودھ بھکشو ہارت کئے اور وہاں سے بودھ ساھتھ کوریا آیا۔

(دو) عالم كى سلطانت كا زمانه (668 — 918 — 318 عيسرى)

یه زمانه کوریا میں بودھ دھرم کے انہاس کا سلملا زمانه ہا جاتا ھے، بھارت ھیں' چھن میں' کوریا میں' اور ایشیا ، اور دیسوں میں بھی اِس سے بودھ دھرم لوگوں کی دگی پر پوری طرح چھایا ھوا تھا ، نه صرف عام جلتا ھی که اِن دیسوں کے حکمواں بھی بردھ دعوم کے کثر مانلے والے کے اور بودھ دھرم کے پرچار میں راج کی طرف سے پوری دہ دی جاتی تھی ،

چهنی میں آن دنوں توگ خاندان راج کر رہا تھا اور ارت میں سیرات ہوں ، دونوں بودھ تھے کوریا میں لا کا راجہ سارے دیش پر حکومت کر رہا تھا ، ملا میں بے 424 عیسوی میں ہی بودھ دھرم پھیل چکا تھا ، اِس الے میں بھی بھارت بہت سے لام یہکھو آئے اور گئے ، بھارتی 18 کا اثر اِس زمانے کی کوریا بہت سازی اور نقاشی پر خوب ہوا ،

اسی زمانے میں بھارت اور کرریا کے بیچ سفدر کے بعد تعوارت کا بھی بعال ملکا ہے اور اِسی سے میں بعد کیکٹیوٹو دھرم کا پرچار بھی کرریا میں شررع ہوا ۔ मिड्ड मारत जाए जीर सैक्ट्री यहां से चीन गए. चीन में भारती भिड्डजों ने बौद्ध वर्म के प्रचार में काफी मदद पहुँचाई. इन्हीं भिड्डजों में से ड्रह्म कोरिया भी गए. कोरिया जाने बाले बौद्ध भिद्धजों में ध्यानभद्र का नाम खास तौर से लिया जाता है.

चीनी नाम चे-कोंग था. बौद्ध धर्म का प्रचार करने वह चीन गया था. चीन में उठ समय मंगोल खानदान राज कर रहा था. मंगोल शब्द से ही मुग़ल शब्द बना है और यह वही खामदान था जिसमें आगे चलकर तैमूर और सम्राट बाबर पैदा हुए. चीन का सम्राट कुबलई खाँ जो चंगेफ खाँ का पोता था बौद्ध धर्म का कट्टर मानने वाला था. मंगोल राजकाल में बौद्ध धर्म की का राज धर्म सममा जाता था.

कृषलई खाँ ने कोरिया पर हमला कर के उसे अपनी भीनी सलतनत में शामिल कर लिया. बौद्ध धर्म का प्रचार अब वहाँ और जोरों से होने लगा. इस काम में हिस्सा लेने के लिये ध्यानभद्र सन 1326 ईसवी में चीन से कोरिया पहुंचा.

कोरिया में ध्याभद्र 37 साल रहा. इस अरसे में उसने बौद्ध धर्म का प्रचार किया और दो बौद्ध किताबों का अनुवाद चीनी भाशा में किया.

सन 1363 ईसवी में वह कोरिया में ही मरा.

3-कोरिया में बौद्ध धर्म का उठाव और गिराव

भारत और कोरिया के सम्बन्ध को समक्षते के लिये यह जानना जरूरी हैं कि कोरिया में बौद्ध धर्म का किस तरह प्रचार शुरू हुआ, वह कैसे कोरियाई जिन्दगी पर झागया और फिर कैसे और क्यों उसका असर जाता रहा.

कोरिया के इतिहास को आम तौर से पांच हिस्सों में बांडा जाता है:--

- (i) तीन रियासतों का जमाना (57 की. सी. ---668 ईसवी.)
- (ii) सिल्ला की सत्ततनत का जमाना (668—918 इसवी.)
- (iii) कोराई की सलतनत का खमाना (918 —1392 ईसवी.)
- (iv) नोजेन की सलतनत का जमाना 1392 -1910 ईसवी.)
 - (🔻) कामानी राज (1910—1945 ईसवी.)

بُهُکشیک بہارت آئے اُور سَهُکوں بہاں سے چھن گئے، ۔ جھن کافی میں کافی میں بہارتی بهکشوں نے بودھ دھرم کے پرچار میں کافی مدد بہنچائی اِنہیں بهکشوں میں سے کچھ کوریا بھی گئے ، گوریا جانے والے بودھ بهکشورں میں دھیاں بهدر کا ذام شامی طور سے لیا جاتا ہے .

حهیان بهدر بیچ بهارت کا رهنه والا تها. اس کا چهلی قلم چه کونگ تها . برده دهم کا پرچار کرنے ولا چهن قیا . تها . چهن میں اس سبے منکول خاندان واج کو رها تها . منگول شبد سے می مغل شبد بنا هے اور یه وهی خاندان تها جس مهن آگے چلکر تهمور اور سمرات بابر پیدا هوئے . چهن کا سمرات قبائی خان جو چنگهؤ خان کا پوتا تها برده ههرم کا کنتر مانئے والا تها . منگول راج کال مهن برده همرم چهن کا راج دهرم سمجها جاتا تها .

قبلٹی خاں نے کوریا پر حملہ کر کے آسے اپنی چینی سلطنت میں شامل کر لیا ، بودہ دھرم کا پرچار اب وہاں آور زوروں سے ھونے لگا ، اِس کام میں حصہ لینے کے لگے دھیاں بیدر سن 1326 عیسری میں چین سے کرریا ہیونچا ،

کوریا میں دھیاں بہدر 37 سال رھا۔ اِس عرفیے میں اُس نے بودھ دھرم کا پرچار کیا اور در بودھ کتابوں کا اثواد چھٹی بہاشا میں گیا۔

سن 1363 فيسوي مهن ولا كويا مهن هي موا .

3-کوریا میں بردھ دھرم کا اُتھاؤ اور گراؤ

بھارت اور کوریا کے سمبندھ کو سمجھنے کے لئے یہ جانٹا ضرو ہے ہے کہ کوریا میں بودھ دھرم کا کس طرح پرچار شروع ہوا وہ کیسے کوریائی زندگی پر چھا گیا اور پھر کیسے اور کھسے اور کھوں اس کا اثر جاتا رہا ۔

کوریا کے اتہاس کو مام طور سے پانچ حصوں میں بانٹا جاتا ہے: --

- (i) تهن رياستوركا زمانه (57 بي . سي .--668 على . سي .--668
- نام کی سلطانت کا زمانہ (668 فیسوی -- نام (11) فیسوی (11) فیس
- (iii) كورائى كى سلطلت كا زمانه (918—1392 غيسوي ،)
- (iv) چورین کی سلطلت کا زمانه (1392-1910) عیسوں .)
 - (v) جاہانی راج (v) $^{\prime}$

कोरिया से आर्थवर्मी पहते चीन की राजधानी चांग-गांन आया. चांग-गांन से वह सन 638 ईसवी में नालन्द पहुँचा. नालन्द में उसने बौद्ध धर्म की बहुत सी किताबों को नक्षल किया. कहा जाता है वह 'विनय पिटक' और 'अभिधर्म शास्त्र' का बहुत बड़ा विद्वान था.

सत्तर बर्स की डमर में नालन्द में ही उसकी मृत्यु हो गई.

व्हाई-निये

जिस समय आर्थ वर्मा नाजन्द में था उसी समय बहाई-निये नाम नाम का एक और कोरियाई बौद्ध भिन्न भारत आया. कोरिया से वह भी नाजन्द में तातीम हासिल करने आया था.

भारत आकर व्हाई-निये पहले फुछ दिन गया के महा बोधि मन्दिर में रहा. फिर वह नालन्द चला गया. यहीं इसने बौद्ध धर्म की किताबों को नक्षत किया और बौद्ध दरशन की शिक्षा ली.

चीनी यात्री चाइ-चिंग सन 671 ई० में चीन से भारत चाया था. वह जब नालन्द की लाज री में चीनी किता में को सजा कर रख रहा था तो उसे न्हाई- निये के हाथ की लिखी कुछ किता में मिलीं. उसने जिन बौद्ध किता में को नक्षल किया था वह असल और नक्षल दोनों वहां मौजूद थीं. चाइ-चिंग ने मठ के भिद्ध कों से इस बारे में जब पूछ साझ की तो उसे माल्म हुआ कि न्हाई-निये नालन्द मठ में रहा करता था और वहीं साठ साल की उमर में उसने शारीर छोड़ा.

व्हेन-ताई

यह भी कोरिया का एक बौद्ध भिन्नु था. इसका भारती नाम सर्वकान देव था. यह सन 650 ईसवी में तिब्बत और नैपाल होकर भारत आया था.

ध्हेन-ताई भारत की सभी मशहूर बौद्ध जगहों को देखने गया. भारत में कुछ दिन घूम फिर कर वह कोरिया वापस चला गया.

इन चार भिद्ध मों के चलाता और भी बहुत से बौद्ध भिद्ध कोरिया से भारत चाए. कहा जाता है, सान्तीं सदी में दो बौद्ध भिद्ध कोरिया से समन्दरी के रास्ते होकर भारत जा रहे थे. पर बद्ध कस्मती से श्री विजय (सुमात्रा) पहुँचते ही उनकी मौत हो गई. एक भिद्ध कोरिया से किसी तरह समन्दर के रास्ते भारत पहुँचा पर भारत पहुँचते ही चल बसा.

2 -कोरिया में भारत के मिश्

कोरिया में बौद्ध धर्म का प्रचार शुरू होने से पहले व्यीन में बौद्ध धर्म पहुँच चुका था. चीन से सैकड़ों बौद्ध گوریا سے آریم وڑما پہلے چین کی واجدعانی جانگ آیا۔ جانگ کان سے وہ سن 638 میسوی میں دلند نجا نہیں انجاء علیہ میں آس نے بودھ دعرم کی بہت سی ایوں کو نقل کیا ۔ کہا جاتا ہے وہ 'ونے پیٹک' اور 'ابھی رم شاسٹر' کا بہت بوا ودران تھا .

ستر يرس كى عمر مين ناللد مين هي أسكي مرتيو تى ،

وهاڈی ن<u>دے</u>

جس سیم آزیم ورما نالله میں تھا اُسی سیم وھائی ، نام کا ایک اور کوریائی ہودھ بھکشو بھارت آیا ۔ کرریا وہ بھی ناللہ میں تعلیم حاصل کرنے آیا تھا .

یہارت آکر وہ ٹی تھے پہلے کچھ دن کیا کے مہاہودھی در میں رہا ۔ پھر وہ ناللد چلاگیا ۔ یہیں اُس نے عد دھرم کی کتابوں کو نقل کیا اور بودھ درشن کی شالی ۔

چینی یاتری آئی چنگ سن 671 عیسوی میں بن سے بھارت آیا تھا ، وہ جب نالند کی الثبری میں بنی کتابوں کو سجاکر رکھ رھا تھا تو اُسے وہانی نیے ہاتھ کی لکھی کچھ کتابیں مایں ، اُس نے بوده کتابوں کو نقل کیا تھا' وہ اصل اور نقل دونوں نی بوده کتابی کی تھیں ۔ آئی چنگ نے متھ کے بھکشوؤں سے بارے میں جب پوچھ تاچھ کی تو اُسے معلوم ہو کھ ائی نھے نالند متھ میں رھا کرتا تیا اور وہیں ساتھ لی عمر میں اُس نے شریر چھوڑا .

وهين تائي

یه بهی کوریا کا ایک بوده به کشو تها . اِس کا بهارتی نام وگیان دیو تها . سن 650 عیسوی میں تبت اور نیپال کر بهارت آیا تها .

وهین تاقی بهارت کی سبه می مشهور بوده جالهون کو دیکهایی ا ا بهارت مون کنچه دن گهوم پهر کروه کوریا وارسن لاگها .

ان چار بهکشوؤں کے علاوہ اور بھی بہت سے بودہ بھکشو یا سے بھارت آئے کہا جاتا ہے' ساتویں صدی میں دو اسے بھکشو کوریا سے سمندر کے راستے ہوگر بھارت آرھے ۔ پر بدنسمتی سے شری وجے (سمائزاً) پہونچتے ہی اکی موت ہوگئی ۔ ایک بھکشو کوریا سے کسی طرح مندر کے راستے بھارت پہونچا پر بھارت پہونچتے ہی

2 سے کوریا میں بھارت کے بھکشو

کوریا میں بردھ دھرم کا پرچار شروع ھونے سے پہلے چھن برنے بودھ دھرم پہونی چکا تھا، جدن سے سفکروں بردھ दूसरा यह कि बौद्ध धर्म के तीओं में जावर उन्होंने अपनी अद्धा दिसाई.

तीसरा यह कि सन्होंने अनेक बौद्ध किसावों का अनुवाद किया और अब को नकल भी किया.

कोरिया से भारत आने वाले बौद्ध भिसुआं में नीचे जिस्ते चार नाम मशहूर हैं:—

(i) व्हाई-लुन (ii) आर्यवर्मा (iii) व्हाइ-निये (iv) व्हेनलाई.

व्हाई-खन

• व्हाई-लुन का भारती नाम प्रक्रवर्मन था. भारत के मशहूर बौद्ध स्थानों को देखने और नालन्द में धौद्ध किला-सकी की शिक्षा लेने के लिये वह कोरिया से भारत आया.

रास्ते में वह इत्तर चीन की राजधानी कोयांग में ठहरा लोयांग में चीन के सम्राट ने इससे प्रार्थना की कि वह भारत में मशहूर चीनी बौद्ध भिन्नु ठहेन-चिन की मदद करे. ठहेनचिन सन 639 ई० में चीन से भारत आया था. वह भारत में रहकर बौद्ध किताबों का चीनी भाशा में अनुवाद कर रहा था.

भारत आकर व्हाई-लुन बौद्ध धर्म के सब तीर्थों में गया. बीच भारत के अमरावत मठ में वह बहुत दिन रहा. वहां से वह "तू-हो-ला-से" यानी तूस्तार-मठ गया. इस मठ को एशिया के तुस्तारिस्तान देश के बौद्ध भिद्ध आं ने भारत में अपने रहने के लिये बनवाया था. इसी मठ में व्हाई सुन ने संस्कृत पढ़ी. यहां से वह नालन्द विश्वविद्यालय गया. वहां बौद्ध द्रशन की तालीम हासिल कर वह कोरिया वापिस चला गया.

व्हाई जुन ने अपनी भारत यात्रा का बयान एक किताब में लिखा है. वह किताब इतनी मशहूर नहीं हो सकी जितनी फाहियान या हेनसांग की. इस किताब में उसने एक खास बात लिखी है.

वह लिखता है कि उसके भारत आने के क़रीब पांच सौ साल पहले यानी दूसरी सदी ईसवी में उत्तर भारत में श्रीगुप्त नाम के एक राजा राज करते थे. उनके राजकाल में बीस बीनी यात्री भारत आए थे. महाराजा ने उनके रहने और पढ़ने के लिये नालन्द के पास एक बड़ा मकान बनवा दिया जिसे 'चीन मन्दिर' कहते थे. उस मकान के और उन शिक्षुओं के खर्च के लिये एक गांव दे दिया गया.

क्हाई जुन लिखता है कि उस मन्दिर के खंडहरों को उसने अपनी कांकों से देखा था.

आर्थवर्मी

आर्यंत्रमी कोरिया का बौद्ध भिन्नु था. उसका कोरियाई साम क्या का वह पता नहीं लगता. वह भी नालन्द में ی کوریا ہے بھارت آنے والے بودھ بهکشواں میں نیچے الکھے جار نام مشہور ھیں :--

(i) رهائی لُن (ii) آریه ورما (iii) وهائی نات (iv) وههانی نات (iv)

وهائي لن

وهائی لن کا بھارتی نام در گیہ روسن تھا ، بھارت کے مشہور ہودہ استھانوں کو دیکھلے اور ناللد میں بردہ فلاسفی کی شکشا لیلے کے لئے وہ کوریا سے بھارت آیا ،

راستے میں رد آتر چین کی راجدھائی لویانگ میں تھیرا ، اویانگ میں چین کے سدرات نے آس سے پرارتھا کی کہ ود بہارت میں مشہور چیلی بردھ بھکشو وطین چن کی مدد کرے ، وعین چن سن 639 عیسوی میں چین سے بہارت آیا تہا ، وہ بہارت میں وہ کر بودہ کاایوں کا چیلی بھاشا میں ازواد کر رما تہا ،

بھارت آکر وھائی لن بودھ دھرم کے سب تھرتھوں مھی ا کھا ، بھچ بھارت کے امراوت مثلہ میں وہ بہت دن رھا ، وھاں سے وہ ''تو ھو۔لاسے'' یعلی تخار مثلہ گھا ، اس مثلہ کو ایشھا کے تخارستان دیش کے بودھ بھکشوؤں نے بھارت میں ایپ ردنا کے لئے بغرایا تھا ، اسی مثلہ میں وھائی ان نے سلسکرت پڑئی ، یہاں سے وہ ناللد وشوودیالے گیا، وہاں بودھ درشن کی تعلیم حاصل کر وہ کوریا واپس

وهائی لن نے اپنی بھارت یانزا کا بھان ایک کتاب میں لکھا ھے . وہ نتاب انفی مشہور نہیں ھوسکی جتفی فاعیان یا ھیون سانگ کی . اس کتاب میں اُس نے ایک خاص بات لکھی ھے .

ری لکہ تما ہے کہ اس کے بہارت آنے کے قریب پانچسو سال پہلے یعلی درسری صدی عیسوی میں اتر بہارت میں شرق گہت نام کے ایک راجہ راج کرتے تھے ، اُن کے راج کال میں بیس چیلی یائری بہارت آئے تھے ، مہاراجہ اُن کے رهنے اور پڑھنے کے لئے ناللد کے پاس ایک بوا مکن بنوا دیا جسے 'چین ملدر' کہتے تھے ، اُس مکان کے اور اُن بہکشوؤں کے خرج نے لئے ایک کاؤں دے دیا گیا، وہائی لی لکھتا ہے کہ اُس ملدر کے کہلت هروں کو بھائی نے ایکی انکہوں سے دیکھا تھا ،

أريه ورسا

آریه ورما کیریا کا بوده بهکشو تها ، اُسکا کوریائی نام کیا تها یه پته نهین لگتا ولا بهی ناللد میں بوده دهرم کی تعلیم حاصل کرنے بهارت آیا تها . भारत और कोरिया के सम्बन्ध के इस इतिहास को सममित के लिये नीचें लिखी पांच वातें जानना जरूरी हैं-

पहली यह कि, कोरिया और भारत, दोनो पशिया के मुक्क होते हुए भी एक दूसरे से काकी दूर हैं. इन दोनों के बीच चीन का देस हैं. कोरिया चीन का पड़ोसी है और चीन भारत का. इस लिये पहले तीन सी साल तक भारत और कोरिया का कलचरी लेन देन चीन की मारकत होता रहा सातवीं सदी में कोरिया से बौद्ध भिद्ध सीधे भारत आने लगे.

दूसरी यह कि, कोरिया जब राजकाजी निगाह से चीन के आधीन नहीं था तब भी वह हमेशा से चीन के कलचरी असर में रहा. चीनी बोली, चीनी धर्म, चीनी राजकाजी और समाजी ढंग और चीनी कला—इन सब को कोरिया बालों ने पूरी तरह अपनाया इसलिये चीन वालों ने भारत से बालों जो कुछ लिया उसे भी कोरिया वालों ने अपना लिया.

तीसरी यह कि भारत श्रीर कोरिया के बीच जो कुछ भी लेन देन हुश्रा उसका सम्बन्ध सीधे या नासीधे बौद्ध मजहब से था.

चौथी यह कि भारत का कोरिया के साथ तिजारती सम्बन्ध भी था.

पांचवीं यह कि कोरिया से जितने बौद्ध भिद्ध भारत आप उनमें से कोई इतना मशहूर नहीं हुआ जितना चीनी यात्री फाहियान और हवेनसांग. इसिलये इन कोरियाई यात्रियों के बारे में बहुत कम लिखा गया है.

इन बातों को ध्यान में रखते हुए, भारत श्रीर कोरिया के मेल के बारे में हमें नाचे लिखी बातों पर एक सरसरी नखर डालनी होगी:—

- (1) भारत में कोरिया के बौद्ध भिच्छ.
- (2) कोरिया में भारत के बौद्ध भिद्ध.
- (3) कोरिया में बौद्ध धर्म का डठाव छौर गिराव.
- (4) कोरिया में बौद्ध धर्म के फिरक़े.
- (5) कोरिया में बौद्ध साहित्यः
- (6) कोरिया में भारत की कला.

1- भारत में कोरिया के बौद्धि भिक्षु

कोरिया में बौद्ध धर्म का प्रचार सन 372 ईसवी में शुक्त हो गया था. सातवीं सदी में कोरिया से बौद्ध भिच्नुओं का भारत जाना शुरू हुआ. कोरिया से सैकड़ों बौद्ध भिच्नु भारत आए. भारत में उन्होंने स्नास तौर से तीन काम

पहला यह कि उन्होंने नालम्य विश्विद्यालय में बौद्ध

بہارت اور کوریا کے سمبلید کے اس الباس کو سمجھلے کے لئے نہیجے لکھی پائی بائیں جاننا ضروری ھیں—

پہلی یہ کہ کویا اور بھارت کونوں ایشھا کے ماکس ہوتے ہوئے بھی ایک درسرے سے کافی دور ھیں ، اُن درنوں کے بھی چین کا دیس فے ، کویا چین کا پررسی فی اُور چین بھارت کا ، اس کئے پہلے تین سو سال تک بھارت اور کوریا کا کلچری لین دین چین کی معرفت عوتا رھا ، ساتریں صدی میں کوریا سے بودھ بھکشو سیدھے بھارت آلے لگے ،

درسری یہ کہ' کوریا جب راج کاجی نگاہ سے چین کے ادھین نہیں تھا تب بھی وہ عمدشہ سے چین نے کنچری اور میں رھا ۔ چینی بولی' چینی دھرم' چینی راج کاجی اور سماجی تدنگ اور چینی کلانان سب کو کوریا والوں نے پرری طرح اپنایا ۔ اس اگرے چین والوں نے بھارت ہے جو کچھ لیا اسے بھی کوریا والوں نے اپنا لیا ۔

تیسری یه دی بهارت اوز کویا نے بیچ جو کچه بهی الین دین هوا اُسکا سمبدده سیدهے یا ناسیدی بودی مذہب سے تھا .

چوتهی یه که بهارت کا کوریا کے ساته تجارتی سمبلده پهی تها .

پانچویں یہ کہ کوریا سے جتلے ہودھ بھکشو بھارت آئے ان میں سے کوئی اتنا مشہور نہیں ھوا جتنا چینی یاتری فاھیاں اور ھریں سانگ، اس لئے ان کوریائی یاتریوں کے بارے میں بہت کم لکھا گیا ھے .

اِن ہاتوں کو دھیاں میں رکھتے ھوئے' بھارت اور کوریا کے میل کے بارے میں ھیمیں نیمچے لکھی یا توں پر ایک سرسری نظر ڈالٹی ھوئی:۔۔۔

- (1) بھارت میں کوریا کے بودھ بھکشو .
- (2) کوریا میں بھارت کے بودھ بھکشو.
- (3) كوريا مين بوده دهرم كا أنهاؤ أرر كراؤ . ..
 - (4) کوریا میں ہودھ دھرم کے فرقے ۔
 - (5) كوريا مين بوده ساهته، . "
 - (6) كوريا ميس بهارت كي كلا .

1--- بھارت میں کوریا کے بودھ بھکشو---

کوریا میں بودھ دھرم کا پرچار سن 372 عیسوی میں شروع ھوگھا تھا ، ساتویں صدی میں کوریا سے بودھ بھکھوڑی کا بھارت آنا شروع ہوا ، کو یا سے سیکڑوں بودھ بھکھو بھارت آئی ، بھارت میں اُنہوں نے خاص طور سے تھی کام کئے۔۔۔۔ تھی کام کئے۔۔۔

چیاد به که آنهوں لے تالقان وغوردیالے میں بودھ صادعت معالی کی नतीजा

रुस में औरत को इर तरीके से मर्थ के बराबर कर दिया गया है. सिर्फ काराफ पर ही नहीं बिल्क अमल में भी औरत को बराबर के अधिकार मिल गए हैं. शादी ब्याह और तलाक़ के कानूनों में पहले ढील दी गई और फिर कड़ाई की जाने लगी. फिल्म बरौरा के जरिये प्रोपेगेन्डा करके शादी की अहमियत और बारबार की शादी से नफरत लोगों के दिलों में जमाई गई. उन्हें एक नए जीवन का पैरााम सुनाया गया. लोगों की माली हालत सुधार कर शादी के लिये जमीन तैयार कर दी गई. जो लोग माली अड़चन की वजह से शादी न कर सकते थे वह बुरे तरीकों से वासना की प्यास बुमाते थे. रूस में अब यह बात नहीं रही. रूस में औरत अब मर्द पर माली बोम नहीं रह गई.

कानूनों के जिरये कुछ बातें ऐसी की गईं जिनकी मिसाल किसी भी देश में नहीं मिलती. कुछ पूरवी रिप- ब्लिकों में पहले एक वेवा को उसके मरे हुए पित के किसी रिरतेदार से शादी करने पर मजबूर किया जाता था, औरतें भगई जाती थीं और उनकी इच्छा के जिलाफ उनसे शादी की जाती थीं. लड़ कियों को न भगाए जाने, शादी ब्याह या जिन्सी मामलों में किसी तरह की जबरदस्ती न होने देने की पूरी जिम्मेदारी उस इलाके के अफसर की है. अगर वह अपने फर्ज में नाकामयाव होता है तो उस पर अवालत में मुकदमा चलता है और सख्त सजा दी जाती है.

किसी भी देश में मियां बीवी को साथ साथ रहने की वह आसानी नहीं है जो रूस में है. अगर मई का तबादला दूसरी जगह हो जाता है तो क़ानूनन औरत की भी तबदीली उसी जगह की हो जाती है.

रूस में तलाक़ के मुक़र्मे कम होते जा रहे हैं. लोग छोड़ पकड़ की प्रवृति से नफ़रत करने लगे हैं और एक संगठित कुटुंबिक जीवन उनका आदर्श बन गया है. روس میں عورت کو هر طریقے سے مرد کے برابر کو دیا گیا ہے . صرف کفٹ پر هی انہیں بلکہ عمل میں بھی عورت کو برابر کے ادھیکار مل گئے۔ شادی بداہ اور طلاق کے قانونون میں پہلے تھیل دی گئی۔ اور بھر کوائی کی جائے لگی . قلم وفیرہ کے ذریعے پررپھگندہ کر کے شادی کی اعمیت اور بار کی شادی سے نفرت لوگوں کے دارس میں جمائی گئی۔ انہوں ایک نئے جیون کا پیغام سلایا گیا . لوگوں کی مالی خالت سدھار کر شادی کے لئے زمین تھار کو دی گئی۔ مالی خالت سدھار کر شادی کے لئے زمین تھار کو دی گئی۔ جو لوگ مالی اوجوں کی وجه سے شادی نه کرسکتے تھے وہ برے طویقوں سے جو واسلا کی پیاس بجھاتے تھے وہ بری ایس بی بات نہیں رہی ، روس میں عورت اب مرد پر مالی بور یہ نہیں رہی ، روس میں عورت اب مرد پر مالی بور یہ نہیں رہی ، روس میں عورت اب مرد پر مالی بور یہ نہیں رہ گئی ،

تانونوں کے ذریعے کنچھ باتیں ایسی کی گئیں جن کی مثال کسی بھی دیش میں نہیں ملتی ۔ کنچھ پورای مثال کسی بھی دیش میں نہیں ملتی ۔ کنچھ پورای ریپھلکوں میں پہلے ایک بیرہ کو اُس کے مرے ہوئے پتی کی کسی رہتے دار سے شادی کرنے پر منجیور کیا جاتا تیا اُسے شادی کی جاتی تھیں اور اُن کی اُچھا کے خلاف اُن سے شادی کی جاتی تھیں اور اُن کی اُچھا کے خلاف اُن سے شادی کی جاتی تھی ۔ لوایوں کو نہ بھائے جائے ' شادی بھالا یا جنسی معاملوں میں کسی طرح کی زبردستی نہ ہوتے دیئے کی پوس فات داری اُس علاقہ کے افسر کی ہے ۔ اُللو وہ اپنے فرض میں نا کامیاب ہوتا ہے تو اُس پر عدالت میں مقدمہ جاتا ہے اور سخیت سزا دی جانی ہے ۔

کسی بھی دیش میں میاں بیوی کو ساتھ ساتھ رھٹے کی وہ آسانی نہیں ہے جو روس میں ہے ۔ اگر مرد کا تہادله دوسری جگم هوجاتا ہے تو قائرنا عورت کی بھی تبدیلی اُسی بجگم کی ھوجاتی ہے ۔

روس میں طلاق کے مقدمے کم ہوتے جارہے ہیں' لوگ چھور پکو کی پرورتی سے نفرت کرنے لگے ہیں اور ایک سلکٹیت کئیدک جیوں اُن کا آدرش بن گیا ہے .

भारत और कोरिया का सम्बन्ध

(भाई भानचन्द्र वर्मा)

आज से करीब सोलह सौ साल पहने, सन 372 ईसवी में, गीतम बुद्ध का संदेश कोरिया पहुँचा. कोरिया अपनी सादगी और सचाई के कारन उन दिनों 'संन्यासी देश' कहलाता था. उसी समय से भारत और कोरिया के बीव कलकरी सम्बन्ध कार्यम हुआ. करीब एक हजार साल तक

بهارت اور کوریا کا سبنده (بهائی بهان جندر رسا)

آج سے قریب سولہ سو سال بہانے سن 372 عیسوی میں گوتم بدء کا سقدیش کوریا بہونچا ، کوریا اُپلی سادگی اُور سجائی کے کارن اُن دنوں 'سلیاسی دیش' کہلاتا تھا ۔ اُسی سیے سے بہارت اُور کوریا کے بیچ کلچری سمبلدھ تائم ہوا ۔ قریب ایک ہزار سال تک یہ لین دین جاری معا ۔

सोवियत अधिकारियों के सामने हर वन्नत रूसी समाज को मजबूत करने का जयाल था और वह यह भी नहीं वाहते थे कि आपसी रजामन्दी के बजाय किसी दबाव के आधार पर किस को मियां बीबी की तरह रखा जाय. उन्होंने इसीलिये पहले ढील दी और फिर जैसे जैसे लोगों का नैतिक स्तर ऊंचा होता गया वह कानून को भी सखत करते गए. सन '44 में तीसरा कानून पास करके तलाक पर रूस में सखत ठकावट लगा दी गई.

नए क़ानूनों के अनुसार तलाक़ लेने वाले मर्द या औरत को एक जन घरालत के सामने दरखास्त देनी पड़ती है. इस दरखारत को आम लोगों की जानकारी के लिये अख-बारों में छाप दिया जाता है. अगर दरखास्त देने वाले इच्छा जाहिर करें तो मुकदमें की सनवाई बन्द कमरे में भी हो सकती है. जन अदाजत दूसरी पारटी को बुलाने के लिये सम्मन जारी करती हैं. और दरखास्त में दिये कारनों की जाँच परतात करती है. जाँच परताल के बाद जन श्रदालत का फर्ज है कि वह .हर मुमकिन तरह से दोनों मियां बीबी में मेल कराने की कोशिश करे. जब मेल से नाउम्मीदी हो जाती है तब मुक़दमा जियादा ऋधिकार वाली एक दसरी बड़ी अदालत के सामने पेश कर दिया जाता है. इस भदाकत को हक है कि वह तकाक की इजाजत दे या न दे. अगर तलाक की इजाजत मिज्ञ जाती है तो अदालत ही तय करती है कि बच्चे किसके पास रहें और उनका खर्च कौन चठाए. साथ ही साथ मियां बीबी की जायदाद के बटबारे का फैसला भी अदालत कर देती है.

अवात्तत के जैसले के बाद रजिस्ट्रार तलाक का सरिट-फिकेट देता है और दोनों के पासपोर्ट में भी इस अलगाव को दर्ज कर देता है.

तलाक के लिये दरखास्त देने की फीस श्रव सी रूबल है जो क्रीब क्रीब सी रुपए के बराबर होता है और रिजस्ट्रार के यहाँ से सरटिफिकेट लेने की फीस पाँच सी से वो हजार रूबल तक है.

हस के तलाक के कानून में अनोखी बात यह है कि कानून में तलाक देने के लिये कोई कारन नहीं बताए गए. योरप के दूसरे देशों में जो कानून इस सम्बन्ध के हैं उनसे जियादातर बद्चलनी पर ही तलाक मिल सकता है. हर एक मुक्दमें में एक ही कारन नहीं हो सकता. ऐसे भी श्रदालत के सामने गन्ध उछालना और एक दूसरे को बद चलन सा बत करने के लिये गवाही दिलवाना बगौरा बहुत बुरी बातें हैं.

नए क़ानून पास होने के बाद से रूस में तलाक के अक्टूबरे 33 की सदी रह गए हैं. आज योरप और अमरीका के सबसे कम तकाक जिस देश में होते हैं वह रूस है.

سویت آدهیکارپوں کے سامانے هر وقت ووسی سمانے کو مقبوط کوئے کا خیال تھا اور وہ یہ بھی نہیں چاہئے تھے کہ آیسی رضا مقدی کے بجائے کسی دباؤ کے آدهار پر کسی کو میاں بیوی کی طرح رکھا جائے ، انہوں نے اسی لئے بہلے تھیل دی اور بھر جیسے جیسے لوئوں کا نیٹک اسٹر اونچا هوتا گیا وہ قانوں کو بھی سخت کرتے گئے ، سن 44 میں تیسرا قانوں یاس کرکے طالق پر روس میں سخت رکارت تیسرا قانوں یاس کرکے طالق پر روس میں سخت رکارت لیا دی گئی ،

نئے قانون کے انوسار طلق لینے والے مرد یا عورت کو ایک جن عدالت کے سامنے درخواست دینی پوتی ہے. اس درخواست کو عام لوگوں کی جانکاری کے لئے اخباروں مين جهاب ديا جانا هے . اگر درخواست دينے والے إجها طاعر کریں تو مقدمہ کی سنوانی بند کمرے میں بھی۔ ہو سکتنی ہے ، جن عدالت درسری پارٹی کو بلانے کے ایکے سمن جاري كرتي هے ، اور درخوامت ميں ديئے كارنوں كي جانبي پرتال کرتی ہے . جانچ پرتال کے بعد جن عدالت کا فرض ھے که ولا هر مدكن عارج سے دونوں مياں بيوى مييں ميل کرانے کی کوشش کرے . جب میل سے نا اُمیدی ہوجاتی ھے تب مقدمة زیادہ ادھهکار والی ایک دوسری بوی عدالت کے سامنے پیش کر دیا جاتا ہے . اِس عدا ت کو دی ہے که وہ طلاق کی اجازت دے یا نه دے . اگر طلاق کی اجازت مل جاتی ہے تو عدالت هی طے کرتی هے که بھے کس کے پاس رهیس اور أن كا خرچ كون أتهائه. ساته هی ساته مهاس بهوی کی جانداد کے بتوارے کا فیصله بھی مدانت کو دیتی ہے .

عدالت کے فیصلے کے بعد رجسترار طلاق کا سرتیفکت دیتا ہے اور دوزن کے پاسپورٹ میں بھی اِس آ کاؤ کو درج کر دیتا ہے .

طلق کے لئے درخواست دیلے کی نیس اب سو رربل ھے جو قریب قریب سو روپیہ کے برابر ھوتا ھے اور رجسترار کے یہاں سے سرتینکت لیئے کی نیس پانچ سو سے دو ھرار روبل تک ھے .

روس کے طلق کے قانون میں انوکہی بات یہ ہے کہ قانون میں طلق دیلئے کے ایکے کوئی کارن نہیں بتائے لگئے . یورپ کے درسرے دیشوں میں جو قانون اِس سمبلدھ کے ہیں اُن سے زیادہ تر بدچلئی پر می طلق امل سکتا ہے . هر ایک مقدمے میں اُرک هی کارن نہیں ہو۔ کتا . ایسے یہی عدالت کے سامنے اُندھ اُچھ لنا اور ایک درسے کو ید چلی تابت کرنے کے لئے گواہی دلونا رضورہ برت بری بوتیں هیں .

نئے قانوں نے پاس ہونے کے بعد سے روس میں طاق کے مقدمے 33 فیصدی رہ گئے میں ۔ آج یورپ اور آمریکہ میں سب سے کم طاق جس دیش میں عرتے میں وہ रोक सगा दी गई हैं, बहुते वहां स्वयं या कि सियां और बीबी के रिश्तेदारों में भी शादी नहीं हो सकती थी लेकिन सोवियत में यह कायंदा क्षत्र नहीं माना जाता.

योरप में आम तरीक़ से शादी के बाद औरत मर्द का खानदानी नाम अपना लेती हैं. रूस में अरित बाहे तो अपना पहले का खानदानी नाम ही कायम रख सकती हैं. नाम बदलना दोनों की मरजी पर छोड़ दिया गया है मर्द बाहे औरत का नाम अपना ले और औरत बाहे मर्द का. दोनों को इस विशय में रजिस्ट्रार के सामने पलान करना पड़ता है. रूस में जब मर्द के नाम को औरत अपना लनी है तो प्रामर के अनुसार उसकी खनाना शर्कल दे दो जानी है. जैसे मिस्टर अरजेन की बीवी को मिसेज अरजेना कटा जाता है.

किसी मर्द और धौरत की शादी के लिये तीस ने धादमी की रजामन्दी की ज़रूरत नहीं होती. मर्द और धौरत रजिस्ट्रार के यहाँ दरखास्त देते हैं और उसके साथ यह भी साफ साफ लिखते हैं कि उनकी शादो में कोई कानूनी बाधा नहीं है और दोनों एक दूसरे की तन्द्रस्तों के बारे में पूरी पूरी जानकारी रखते हैं; यह उनकी पहली शादों है, दूसरी शादों है या तीसरी शादों है, और पहली शादों से उनके कोई बच्चा भी है या नहीं.

हर एक का फर्ज है कि अगर कोई बात शादी में एतराज़ के का बिल है तो वह आकर अदालत को इत्तला दें. इस तरह की इत्तला मिलने पर उस वक्तत तक के लिय शादी बुल्तवी कर दी जाती है जब तक माम ते की जाँच न कर ली जाये.

रजिस्ट्रार मर्द और घौरत को शादी संबन्धी कानून पढ़कर सुनाता है. शादी के रजिस्टर पर तक दोनों दसस्त । कर देते हैं चौर रजिस्ट्रार इस शादी का गवाह हो जाता है

तलाक

19 दिसमबर 1917 में तलाक संबन्धी वह कान्त पास किया गया जिसका उपर जिकर आ चुका है. इस कान्त के अनुसार तलाक बच्चों का खेल हो गया था. तलाक हासिल करने की कीस सिनेमा टिकट के भी कम था एक कारड लिख कर रजिस्ट्रार को सूचना दे देने से तलाक हो जाता था. तलाक की दरखास्त में तलाक लेने का कोई कारन दर्ज करना जरूरी नहीं था. सन '36 में इस संबन्ध में दूसरा कान्त पास किया गया. यह तलाक के बारे में जार ख़खा कृदम था. अब मियां बीबी दोनों को रजिस्ट र के सामने हाजिर होना जरूरी करार दिया गया. उनके साम मोर्ट में बी तलाक दर्ज होने लगा और पहले से कीस

بگت ایم دی کئی ہے ، پہلے وہاں قاعدہ تھا کہ مہال گؤو گوئی کے رشتے داروں مہل بھی شادی نہیں ہرسکتی تھی بیکی سرویت میں یہ قاعدہ اب نہیں مانا جاتا ،

یورپ میں عام طریقے سے شادی کے بعد عورت مرد کا خاندانی نام اپنا لیتی ہے ، روس میں عورت جائے تو اپنا پہلے کا خاندانی نام ھی قائم رکھ سکتی ہے ، نام پدلنا دونوں کی مرضی پر چھوڑ دیا گیا ہے ، مرد چاہے مورت کا نام اپنا لے اور عوات چاہے مرد کا ، دونوں کو اِس وقعے میں رجسترار کے سامنے اعلان کونا پڑتا ہے ، روس میں جب مرد کے نام کو عوات اپنا لیتی ہے تو گرامر کے اوسار اُس کو زنانه شکل دے دی جاتی ہے ، جھسے مستر اُرزی کی بھوی کو مسئر ارزیله کہا جاتا ہے ،

کسی مرد اور عورت کی شادی کے لئے تیسرے آدای کی رضامندی کی ضرورت نہیں هوتی ، مرد اور عورت رجسٹرار کے یہاں درخواست دیتے میں اور اُس کے ساته یع بھی صاف صاف لکھتے میں که اُن کی شادی میں کوئی تانونی بادها نہیں ہے اور درنوں ایک دوسرے کی تندوستی کے بارے میں پوری پوری جانکاری رکھتے ھیں؛ یہ اُن کی پہلی شادی ہے؛ دوسری شادی ہے یا تیسری شادی ہے اُن کے کوئی بچہ بھی ہے یا تیسری شادی ہے اُن کے کوئی بچہ بھی ہے یا تیسری نہیں .

ھر ایک کا۔فرض ھے کہ اگر کوئی بات شادی میں امتراض کے قابل ھے تو وہ آکر عدالت کو اطلاع دے . اِس طرخ کی اطلاع ملئے پر اُس وقت تک کے لئے شادی ملتوی کر دی جاتی ھے جب تک معاملے کی جانچ نے کرلی جائے۔

رجسترار مرد اور عورت کو شادی سمیندهی قانون پوه کر سفاتا هے . شادی کے رجستر پر تب دونوں فستخط کو دیتے هدی اور رجسترار اِس شادی کا کوالا هو جاتا هے .

طلاق

191 دسمبر 1917 میں طاق سمبندھی وہ قانوں پاس کھا گھا جس کا آرور ذکر آچکا ہے۔ اسقانوں کے انوسار طاق بچوں کا کھیل ھوگھا تھا۔ طاق حاصل کرنے کی فیس سفیما تھت سے بھی کم تھی۔ ایک کارت لکھکر رجسترار کو سوچنا تھے۔ دینے سے طاق ھوجاتا تھا طاق کی درخواست میں طاق لھنے کا کرئی کارن درج کرنا ضروری نہیں تھا۔ سن عالمی اس سمبندھ میں درسرا قانوں پاس کیا گھا۔ یہ طاق کے بارے میں فوا سخت قدم تھا۔ اب میاں بھوی مونوں کو رجسترار کے سامنے حاضر ھونا ضروری قرار دیا گھا۔ آن کے پاسپورٹ میں بھی طاق درج ھونے لکا اور پہلے سے فیس بوھا دی گئی ۔

रोक लग गई. जायदाद बँटाने और सहायता का ऐसा सवाल आ गया कि बहुत ही थोड़े लोग यह जंजाल पालने की हिम्मत करने लगे.

सन '44 में हस में इस सम्बन्ध में एक और कानून पास हुआ. हस अब खुशहाल हो चुका था, औरतें पूरी हरह अपने पैरों पर खड़ी हो चुकी थीं. यह वक़्त था जब कानूनी लगाम को मोड़ने की ज़क्रत थी. अब एक और नप कानून के जिरये ग्रेर कानूनी शादियों को कानूनी मानना बन्द कर दिया गया. केवल चन्हीं शादियों को अब कानूनी मानना जाने लगा जो सरकारी दफ्तर में बाक्रायदा रिजस्टर कराई गई हों.

रूस में शादी की प्रथा

आज इस देश में सिर्फ उन्हीं शादियों को क़ानूनी माना जाता है जो बाक़ायदा रजिस्ट्रार के दफ़्तर में रजिस्टर कराई गई हों. सोवियत नागरिकों को पूरी आजादी है कि वह जो धर्म चाहें मानें और अपने धर्म के मुताबिक शादी क्याह भी करें लेकिन राज ऐसी शादियों का क़ानूनी नहीं मानता.

यहाँ हर नागरिकको पासपोर्ट मिलता है. जिन लोगों की शादी होती है उनके पासपोर्ट पर दर्ज कर दिया जाता है कि इनकी शादी हो चुकी है. इस तरह अपनी पहली शादियों को छुपाया नहीं जा सकता.

सोवियत नागरिक और बाहरी नागरिक के बीच की शादी और या विदेशियों की शादी भी जो रूस में हो मामूली तरीक़ों से रजिस्टर की जाती है.

आगर हसी मर्द या औरत किसी बाहरी औरत या मर्द से शादी कर ले तो उसका नागरी हक नहीं छिनता.

शादी के लिये एक ज़रूरी शर्त डमर है. सोवियत रूस बहुत सी आजाद रिपब्लिकों का मजमूआ है. जियादातर रिपब्लिकों में औरत और मर्द दोनों की शादी के लिये कम से कम 18 साल उमर मुक्तर्र है. कहीं कहीं हवा पानी के कर्क को ध्यान में रखकर 16 साल में भी शादी की इजायत है.

सोवियत रूस में एक मर्द छोर एक औरत के सम्बन्ध को बहुत महत्व दिया जाता है और हर तरह से खयाल रक्का जाता है कि कहीं भी एक मर्द या एक औरत का सम्बन्ध जियादा औरतों या जियादा मर्दे से न होने पाए. इस तरह का सम्बन्ध रखने पर सखत सजा दी जाती है.

जिन लोगों का खून मिलता हो या आधे माई और आधे बहिन हों उनकी शादी सोवियत रूस में नहीं हो सकती. अचेरे, ममेरे या फुकेरे भाई बहिनों में शादी पर روک لگان علی جائداد مقالے اور سهادتا کا ایسا سوال آگیا که بهت آهی تهوی دوگ یه جانجال باللے کی هست کرنے لگے ۔

سن 44 میں ررس میں اِس سمبندھ میں ایک اُور قانون پاس هو! . روس اب خوش حال هو چکا تها ور قانون پاس هو! . روس اب خوش حال هو چکا تها ور تیں پر کھڑی هو چکی تهیں . یہ وقت تها جب قانونی لگام کو موزنے کی ضرورت تھی . اب ایک اور نئے قانون کے ذریعے فیر قانونی شادیوں کو قانونی مانا بند کر دیا گھا . کھول اُنھیں شادیوں کو اب قانونی مانا جانے لگا جو سرکاری دفتر میں با قاعدہ رجستر کرائی گئی هوں .

روس میں شانسی کی پرتھا

آج اِس دیش میں صرف اُنھیں شادیوں کو قانونی مانا جاتا نفے جو با قاعدہ رجسترار کے دقتر میں رجستر کرائی گئی ھرں سرویت ناگرکوں کو پوری آزادی ہے که وہ جو دھرم چاھیں مانھی اور ایٹ دعرم کے مطابق شادی بیاہ بھی کریں لیکن راج ایسی شادیوں کو قانونی نہیں مانتا .

یہاں هر ناڈرک کو پاسپارت ملتا هے . جن لوگوں کی شادی هوتی هے اُن کے پاسپورت پر درج کر دیا جا ا هے که اِن کی شادی هو چکی هے . اِس طرح اُپذی پہلی شادیوں کو چهپایا نہیں جاسکتا .

سویت نگرک اور باعری ناگرک کے بیچے کی شادی آور یا ردیشیوں کی شادی بھی جو کہ روس میں ہو معمولی طریقے سے رجسٹر کی جانی ہے .

اگر روسی مرد یا عورت کسی باهری عورت یا مرد سے شدی کرے تو اُس کا ناگری حق نہیں چھلٹا ۔ . . .

• شادی کے لئے ایک فروری شرط عمر ہے. سوویت روس بہت سی آزاد رپبلکوں کا مجموعہ ہے ۔ زیادہ تر رپبلکوں میں عورت اور مرد دونوں کی شادی کے لئے کم سے کم 18 سال عمر مقرر ہے ۔ کہیں کہیں ہوا یادی کے فرق کو دھیاں میں رکھ کو 16 سال میں بھی شادی کی اجازت ہے ۔

مرویت روس میں ایک مرد اور ایک عورت کے سمبندھ کو بہت مہتو دیا جاتا ہے اور هر طرح سے خیال وکیا جاتا ہے اور ایک عورت کا کہا جاتا ہے کہ کہیں بہتے ایک مرد یا ایک عورت کا سمبندھ زیادہ عورتوں یا زیادہ مردوں سے نہ طولے پائے۔ ایس طرح کا سمبندھ رکھتے پر معصت سوا دی جاتی ہے۔

جن لوگوں کا خبرن ملکا هو یا آدھے به کی اور آدھے مہرن هیں اُن کی شادی سرویت روس میں نہیں هو سکتی ۔ محمد معمدے یا معمد المالی بہاری میں شادی ہے۔ को सुवारने के बजाय एक तथा रास्ता निकात तिका. भीरत की कमकोर माली दालत से कायदा प्रठाया गया. गैर कृन्नी सम्बन्ध शुरू हो गए. न रहा कोई कांनून भीर न तलाक की ज़रूरत. इनकृताव का दौर भभी शुरू हो हुआ था. नया रूस भट्टी से निकत रहा था. भीरत भभी पूरी तरह भमने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकी थी. भीरत की रहा भमने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकी थी. भीरत की रहा भमित की हालत बद्तर होती जा रही थी. भाख़िर सन '27 से रूसी शिष्टकारियों ने फिर एक कानून पास किया भीर इस तरह के गौर कानूनी सम्बन्ध को भी कानूनी शादी मान कर भीरत को नीचे पिरने से रोकने की कोशिश की. नये कानून के भनुसार नीचे तिस्ते सम्बन्ध रखने वाले कानूनी मियां विवी मान लिये गए—

- 1. वह मर्द और औरत जो साथ रहते हों.
- 2. जो जाम तरीक़े से मियां बीबी समसे जाते हों.
- 3. जो सामे में घर गृहस्थी रखते हों.
- 4. जिन्होंने कभी भी एक दूसरे की देख रेख की हो श्रीर बच्चों का मिलकर पालन पोसन किया हो.

इसी क्रानून के ज़रिये षधिकारियों ने जायदाद धौर विरासत की समस्या का भी निपटारा कर दिया.

शादी से पहले की जायसाद के मालिक औरत और मर्द अलग अलग मान लिये गए. लेकिन शादी के बाद की जायदाद में मियां और बीवी का बराबर का अधिकार मान लिया गया. अलगाव हो जाने पर अदालत को उस जायदाद का-बटबारा करने का अधिकार दे दिया गया.

अगर दोनों में से कोई मर जाय तो औरत की जाय-[ाद का मर्द और मर्द की जायदाद की औरत वारिस करार हो गई.

दोनों में से कोई किसी जिस्मानी वजह से काम करने कि जायक न हो तो तलाक के बाद दूसर का उसको हायता देना कर्ज माना गया. कानून ने उसे हक दिया है वह यह सहायता अदालत के बल पर हासिक कर सके. जस्मानी कमजोरी चाहे शादी के पहले की हो और चाहे लाक के बाद पैदा हो गई हो पर यह सहायता देना करी था.

इस कानून ने मई झौर घौरत किसी को यह हक नहीं या कि वह किसी दूसरे की कमाई पर मौज करे और इ काम न करे. घगर दोनों खुद कमाने खाने के काबिल तो नान गुम्का (खाना, कपड़ा वगैरा का खर्च) मिलने ज़करत नहीं है.

इस कान्त्रेन से भिन्न नहीं शादी रचाने वालों पर काकी

- 1. ولا مر اور مورت جو ساته رهتے هوں۔۔۔
- 2. جو عام طریقے سے میاں بیوی سمجھ جاتے هوں.
 - 3. جو ساجه میں کر گهرهستای رکھتے هوں .

جنہوں نے کبھی بھی آیک دوسرے کی دیکھ ریکھ
 کی ھو اور بھوں کا ملکر بالی پوسی کیا ھو .

اسی قانوں کے ذریعے ادھیکاریوں نے جائداد اور وراثت کی سمسیا کا بھی نیٹارا کر دیا ۔

شادی سے پہلے کی جائداد کے ماک عورت اور مود الگ الک مان لئے گئے۔ لفکن شادی کے بعد کی جائداد میں مہاں اور بدوی کا برابر کا ادھیکار مان لیا گیا۔ الکاؤ هوجانے پر عدالت کو اُس جائداد کا بتوارہ کرنے کا ادھیکار دیا گیا۔

اگر درنوں میں سے کوئی مرجائے تو مورت کی جائداد کا مرد اور مرد کی جانداد کی عورت رارث قرار دی گئی۔

دونوں میں سے کوئی کسی جسمانی وجہ سے کام کرنے کے لائی نہ ہو تو طلاق کے بعد دوسرے کا اس کو سہائۃا دیا تہ وہ یہ سہائنا فرض مانا گیا ، قانون نے أسے حق دیا کہ وہ یہ سہائنا مسالت کے بل پر حاصل کرسکے ، جسمانی کمزوری چاھے شادی کے پہلے کی ہو اور چاھے طلاق کے بعد پیدا ہوگئی ہو پو یہ سہائٹا دینا فروری تھا ،

اس قانون نے مرد اور مورت کسی کو یہ حتی نہیں دیا کہ وہ کسی دوسرے کی کمائی پر موج کرے اور خرد کام نہ کرہے ، اگر دونوں خود کمانے کہائے کے قابل هیں تو نان نفقہ (کہانا کہوا وشیرہ کا خرج) ملنے کی ضرورت نہیں ہے .

اِس قانون سے نت نگی شادی رچانے والوں پر کافی

ووس مهی انگلاب آس زمانے مہی ہوا جبکہ یورب مهی استریوں او پریم کرنے اور پریم کے آدھار پر شادی کرنے اور پریم کے آدھار پر شادی کرنے کا ادھیکار بہت پہلے سے مئی چکا تھا . روسی ادھیکاریوں کے اِس وشے پر فور کیا اور اس نتیجے پر پہونچے که اِن شادیوں مهی اصلی پریم کا التی کافی کم هے . اُن شادیوں مہی ادادی بیاہ کے معاملے مهی پربهاؤ قالتے ههیں ایس زهریلی فضا مهی پریم کا انکر مرجهایا والتے ههیں ایس انکر کو هرائے کے لئے روسی ادھیکاریوں نے دھیکاریوں نے سب سے پہلے عورت کو راج کاجی' مالی اور سماجی ادھیکار دیے دیئے ۔ ماں بغلے کے بعد جو کتھنائیاں سہنی پرتی تھیں اُن کو دور کر دیا ، عورت کو خود اُس کے پیروں پر تھیں آن کو دور کر دیا ، عورت کو خود اُس کے پیروں پر کہوا کو دیا ،

سوریت وگیانیوں نے اس بات کو مالئے سے آنکار کر دیا کہ انسان پیدائشی دراچاری ہوتا ہے اور خاص کر جنس کے معاملے میں نمت نئی عورت سے سنجندھ رکھنے کی پرورتی مرد میں قدرتی ہے ۔ اُن کا کہنا ہے که اِن سارے دراچاروں کی جو آدمی کی پرکرتی میں نہیں ہے بلکہ پرستھوں نے یہ حالت اُس پر لاد رکھا ہے دنیا کے اتہاس میں پہلی بار اُنہوں نے انسان کو سائنسی یوجداؤں کے سہارے سداچاری بنانے کی کوشش شروع کی .

روس میں جس طرح أنهور نے مالی خوص حالی پهدا كی اور كچه برائهوں كا خاتمه كیا اس كا بهان هم پهلے كر چكے هيں. سماج ويكتهوںسے بنتاہے اور ويكتی ایک مرد اور ایک عورت كے سمبنده سے پردا هوتا هے . اس لئے شادی بهاہ كوئي ويكتی گت سمسیا نهیں هے . شادی بهاه پر دیس كے بهوشیه كا محل كوا هے روسی ادهیكاویوں نے سمجھ لها تها كه بنا اس مهتو سے بهوی سمسیا كا حل كئے ولا روس میں بوها سماج پیدا هی نهیں كر سكتے . آئهے دیكھیں شادی بهاہ كو سلكتهت اور پریم كے آدهار پر قائم كرنے كے لئے أنهوں نے كها كها ؟

سن 17' کا انقلاب ہوتے ہی اسی سال دسمبر میں شادی بھاتا اور طلاق کے بارے میں خاص قانوں پاس کئے گئے ۔ اِن قانون میں طلاق کو خوب تھیل دے دی گئی ، مود یا مورت جسکا من چاھے رجسترار کو کارت لکھر طلاق حاصل کو سکتا تھا ، کچھ لوگوں نے اِس کا ناجائز قائدہ آٹھانا ھروع کھا ، نت نئے بھاتا رجائے جانے لگے ، جسطرے لوگ کپڑے بدلتے ھیں اُسی طرح بھوی اُور میاں بدائے لگے ، روز شادی بدلتے ھیں اُسی طرح بھوی اُور میاں بدائے لگے ، روز شادی اُور روز طلاق سے سمجھ دار لوگوں کو نفرت ھوئی ، ایسے لُور روز طلاق سے سمجھ دار لوگوں کو نفرت ھوئی ، ایسے لوگوں کا فیکھریوں اور داندوں میں ترسکار ھوئے لگا ، ٹریڈ لوگوں کا فیکھریوں اور داندوں میں ترسکار ھوئے لگا ، ٹریڈ لوگوں کو وزر روز طلاق کے لگا ہوائے میں شرم آنے لگی آنہوں نے ایپ

स्त में इन्कृताब उस जमाने में हुआ जब कि योरप में रित्रयों को प्रेम करने और प्रेम के आधार पर शादी करने का अधिकार बहुत पहले से मिल चुका था. रूसी अधिकारियों ने ज्यान से इस विशय पर ग़ौर किया और इस नतीजे पर पहुंचे कि इन शादियों में असली प्रेम का औरा काकी कम दें. असर, ओहदा, अनदोलत शादी ज्याह के मामले में प्रभाव डालते हैं. इस जहरीली किज़ा में प्रेम का अंकुर मुरमाया रहता है. इस अंकुर को हरा करने के लिये के लिये रूसी अधिकारियों ने सबसे पहले औरत को राजकाजी, माली और समाजी अधिकार दे दिये. मां बनने के बाद जो कठिनाइयां सहनी पड़ती थीं उनको दूर इर दिया. औरत को जुद उसके पैरों पर खड़ा करदिया.

सोवियत विज्ञानियों ने इस बात को मानने से इनकार कर दिया कि इनसान पैदाइशी दुराचारी होता है और खास कर जिन्स के मामले में नित नई औरत से संबन्ध रखने की प्रवृति मर्द में कृदरती है. उनका कहना है कि इन सारे दुराचारों की जड़ आदमी की प्रकृति में नहीं है बिन्क परिश्वितयों ने यह हालत उस पर लाद रखा है. दुनिया के इतिहास में पहली बार उन्होंने इनसान को साइन्सी योजनाओं के सहारे सदाचारी बनाने की कोशिश शुरू की.

हस में जिस तरह उन्होंने माली खुशहाली पैदा की जीर कुछ खुराइयों का खात्मा किया उसका जयान हम पहले कर चुके हैं. समाज व्यक्तियों से बनता है जीर क्यक्ति एक मई जीर एक जीरत के संबन्ध से पैदा होता है. इसलिये शादी व्याह कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है. शादी व्याह पर देश के भविश्य का महल खड़ा है. रूसी अधिकारियों ने समम्म लिया था कि बिना इस महत्व से अरी समस्या का इल किये वह रूस में बढ़िया समाज पैदा नहीं कर सकते. आइये देखें शादी व्याह को संगठित अपीर प्रेम के आधार पर कायम करने के लिये उन्होंने क्या किया ?

सन '17 का इनक्रलाब होते ही उसी साल दिसम्बर में शादी ब्याह और तलाक के बार में जास क़ानून पास किये गय. इन क़ानूनों में तलाक को खूब ढील वे दी गई. मर्द या औरत जिसका मन चाहे रिजस्ट्रार को कार्ड जिखकर तलाक कायदा उठाना शुरू किया. नित न पब्याह रचाय जाने लगे. किस तरह लोग कपड़े बदलते हैं उसी तरह बीवी और मियां बदलने लगे. रोज़ शादी और रोज तलाक से समस्वार लोगों को नफरत हुई. ऐसे लोगों का फैक्टरियां और इक्तरों में तिरस्कार होने लगा. ट्रेड यूनियन वालों ने अपने के ख़िलाफ जिहाद शुरू कर दिया. लोगों को रोज़ अपने समझ के लिये जाने में शर्म आने लगी. उन्होंने अपने

الله المستورج الموتی کو همازا سماج بوی ارتبهی نظر سے فیکنیگا می الور ایسی لوکی کو اشهاروتی سنجهگا هے . ماں باپ کا الهصله زیادہ تراریہ پر ملتعصر هوتا هے . لوکے والے دیکھتے الهیں جہوز کہاں زیادہ ملے کا اور لوکی والے دیکھتے هیں الام سے کم میں کون پہلس جائے گا .

آنهے ابنے کهروندے سے باہر تکلکر دیکھیں پریم اور الشائلي كا كيا سمينده رها هي . شروع زماني مهن استري پرم ، سبدده کا استر جانوروں سے شاید هی کچه اونچا رها هے، اُس یک کا آدمی اِن سب بهیدوں کو نبهی سمجهتا تها . دههرے دعهرے انسان کو کچه سمجه آئی اور گرب ووله کا روایے پهدا هوا ، ایک کروپ کی ساری عورتین آسی گروپ کے سارے مردوں سے سمبلدھ رکھتی تھیں ۔ کام تریتی مرد كا حق تها اور مورتين كيول سادهن تهين . يجه كيسم بهدا هرتا هے اِس کی جانکاری اُن کی سمجه سے یاهر کی عهد تهی ، آدمی کی مقل کا آور وکاس هوا اور آسکی سنجه مهن أيا كه بجه كهونكر بهذا هوتا هي بيدا هوا نها السان عَالَيَ عورت هي کا بنچہ نهيں ۾ بلکه مرد کا بھي اُس کے پهدا کرنے میں حصه هے . اِس سدجه کے ساتھ آیک مرد اور ایک مورت کے سمبلدھ کا رچار بہدا ہوا، سمالے کے وجاروں کی اس تبدیلی میں عورت کی دشا أور خُر'ب ھوگئی . بہت سوں کے بنجائے اب وہ ایک کی جائداد ہی کئی . اُس کا درجه مرد کی داسی سے زیادہ کچھ نه تھا . کسی کسی جگه تو مورت کو سارا کام بھی خود بھی کرنا ہوتا تھا۔ وقت کا چکر چلھا رہا اور ہو سحکر کے ساتھ انسان کا رچار بھی بدلتا گیا . آج کل یکے شادی بھاہ کے ریب رواج بھذا ھوٹے شادی پھاء میں دودھ أور خون كے بهيد بهاؤ برتے جالے لگے. ا اِس یک کے لوگ جب جوان ہوتے تھے تو ساتھیوں سمهت گهورے پر سوار هوکر کسی کنورر قبیلے پر حملہ کرکے کوئی لوکی اُٹھا لاتے نے اور اُسے ایدی پتدی بدا لیتے۔ تھے ، ایسی زبردستی کی فضا میں سجے پریم کا انکر کیسے يهدأ هوسكتا تها .

دھورے دھورے آدسی کو کھانے پھنے کے انتظام اور رھلے سمجنے کی ویوستھا سے کتھ فرصت ملی ، آئے استتو کو کتھہ سوکھت کر کے اُس نے اس سوچنا شروع کیا ، اُس نے اس سمجنا شروع کیا ، اُس نے اس سمجنا شروع کیا ، اُس نے اس

ایک مرد اور ایک عورت کا سبندھ انسان نے ھزاروں مورس کے تجربے سے سبکیا تھا ۔ اِس رواج کا مطلب یہ لیمیں تھا کہ جو صرد اور عورت ایک درسرے کو جاھتے اور میں شادی کر لیں ۔ مرد کو جبید کر ایس میں شادی کر لیں ۔ مرد کو جبیدی تھی اور عورت طرح طرح کے بندھن میں جبیری جوتی تھی ،

की इस तरह आहुति को हमारा समाज वड़ी कंकी नकर से देखता है. और ऐसी कड़की को 'शीकवर्ता' सममता है. मां बाप का फैसला जियादा तर लोभ पर मुनहसिर होता है. लड़के वाले देखते हैं जहेज कहां जियादा मिलेगा और लड़की वाले देखते हैं कम से कम में कीन फंस जायगा.

आइये अपने घरोंदे से बाहर निकलकर देखें श्रेम भौर शादी का क्या संबन्ध रहा है. शुरू जमाने में स्त्री पुरुश संबन्ध का स्तर जानवरों से शायद ही कुछ अंचा रहा है, एस युग का आदमी इन सब भेदों को नहीं सम्मता था. धीरे धीरे इनसान को कुछ समम अहि भौर प्रप विचाह का रिवाज पैदा हुआ. एक सुप की सारी औरतें इस प्रप के सारे मदी से संबन्ध रखती थीं. काम दृश्ति मर्द का हक्त था और औरतें केवल साधन थीं. वश्वा कैसे पैदा होता है इसकी जानकारी उनकी समम से बाहर की बीज थी. आदमी की अक्रल का और विकास हुआ और उसकी समम में आया कि वच्चा क्यों कर पैदा होता है, पैदा हुआ नया इनसान जाली औरत ही का बच्चा नहीं है बल्कि मई का भी उसके पैदा करने में हिस्सा है. इस समम के साथ एक मर्द और एक श्रीरत के संबन्ध का विचार पैदा हुआ. समाज के विचारों की इस तबदीली, में झौरत की दशा झौर खराब हो गई. बहतसों के बजाए अब वह एक की जायदाद बन गई. उसका दर्जी मर्द की दासी से जियादा कुछ न था. किसी किसी जगह तो श्रीरत को सारा काम भी ख़ुद ही करना पद्धा था. बक्रस का चक्कर चलता रहा और हर चक्कर के साथ इनसान का विचार भी बदलता गया. आजकत के शादी ब्याह के रीतरिवाज पैदा हुए. शादी व्याह में दूध और ख़न के भेद भाव बरते जाने लगे. इस युग के लोग जब जवान होते थे तो साधियों समेत घोड़े पर सवार होकर किसी कमजोर कैबीले पर हमला करके कोई लड़की उठा लाते थे और उसे अपनी पत्नी बना क्षेते थे. ऐसी ज्बरदस्ती की फिजा में सच्चे प्रेम का अंकुर कैसे पैदा हो सकता था.

श्रीरे धारे भादमी को खाने पीने के इन्तजाम भीर रहने सहने की व्यवस्था से कुछ फुरसत मिली. अपने अस्तितत्व को कुछ सुरक्षित कर के उसने सोचना शुरू किया. उसने इस संबन्ध में तरह तरह के उसूल बना डाले.

एक मई और एक औरत का संबन्ध इनसान ने इज़ारों । एस के तज़ुरने से सीखा था. इस रिवाज का मतज़ब यह हीं या कि जो मई और औरत एक दूसरे को चाहते और । सन्ब करते हैं वह आपस में शादी करतों. मई को पूरी शक्ति थी और औरत तरह तरह के बन्धन में जकड़ी

भाज अब कि दुनिया में इतना बड़ा इतक्लाब बरपा है और आजादी की ग्रहार मराको की जमीन पर भी मक्लने के किये बेजैन है, वहां के बाशिन्हों की उम्मीद भरी निगाहें इनसानी दुनिया की तरक आम तौर पर और परिया की आजाद क्रीमों की तरक खास तौर पर अपनी आजादों के सवात के इस के लिये लगी हुई हैं.

آپے جبیعہ دانیا میں اللہ ہوا انقلاب بریا ہے اور آزادی کی بہار مراکو کی زمین پر بھی مجلف کے لئے ہے جبن اسانی ہے وہاں کے باشندوں کی امید بھری نکامیں انسانی دنیا کی طرف عام طور پر ارر ایشیا کی آزاد قوموں کی طرف خاص طور پر ایٹی آزادی کے سوال کے حل کے لئے لگی ہوئی میں .

रूस में सदाचार

शादी भीर तलाक

(भाई मुजीब रिजवी)

किसी ने कहा है शादी कर लेना आसान है पर उसके निवाह के लिये कलचर की जरूरत है. सहनशीलता कलचर की पक ही निशानी है. लेकिन इस धोंगा मुश्ती के युग में सहनशीलता को कायरता समका जाता है. सहनशीलता से जब यह दुराव हो तो शादी की गाड़ी कैसे चल सकती है. नतीजा यह है कि जियादातर शादियां जसफल है, हर घर में यह शिकायत सुनी जा सकती है.

बिना एक दूसरे को जाने समसे और पसन्द किये सक्ती सहनशीतता पैदा नहीं हो सकती और जब तक सहस्रशीतता का जन्म न हो शादियां भी सफल नहीं हो सकतीं. बिना शादियों को सफल बनाय दुराचार का निपहारा की नहीं हो सकता. यह सफलता तभी मुमकिन है जब शादियां की पुष्श की आपसी जानकारी और जुनाव के आधार पर हों और दोनों में प्रेम इनिक होने के बजाय किन विन विन विन विन सहता रहे.

खुराबार को मिटाने की लड़ाई में रूसी अधिकारियों ने इस बात को सामने रखा और ऐसी परस्थिती लाने का कोवारां कस्ते रहे जिसमें सच्ची जानकारी और प्रेमके जावार पर शादियां हो सकें.

सवाल होता है क्या अब तक एक दूसरे की जानकारी और प्रेम के आधार पर शावियां नहीं हुई? वास्तव में यह विचार विल्कुत नया है. योरप में अब यह बीज पुरानी हो जुकी है लेकिन हमारे देश में अब भी यह एक हन्कतावी विचार माना जाता है. इका दुका बाग्री कहीं कहीं सर बजाते हैं. समाज उनका तिरस्कार करता है और इस बजावत की सजा उन्हें कई तरीकों से भूगतनी पड़ती है. बजारी स्त्रियां विल्कुत गऊ हैं. अगर मां बाप उनको कसाई

روس میں سداچار

شادی اور طلاق

(بهائی مجیب رضوي)

کسی نے کہا ہے شا ی کو لینا آسان پر ہے اُس کے نہ لا کے لئے کہ لئے کلچو کی ایک ہی نشانی لئے کلچو کی ایک ہی نشانی ہے ۔ لیکن اِس دعینکا مشتی کے یگ میں سہن شیلتا کو کایوتا سمجھا جانا ہے ۔ سہن شیلتا سے جب یہ دراؤ ہو تو ہادی کی گاری کیسے چل سکتی ہے ۔ نتیجہ یہ ہے کہ زیادہ تر شادیاں اسپہل ہیں ' ہو گھر میں یہ شکیت سلی جاسکتی ہے ۔

بنا ایک درسرے کو جانے سمجھے ارر پسند کئے سچی سپی شهلتا پیدا نہیں ہوسکتی اور جب تک سپی شهلتا کا جنم نہ ہو شادیاں بھی سپهل نہیں هوسکتیں . بنا شادیوں کو سپهل بنائے دراچار کا نپتارا بھی نہیں هوسکتا . یہ سپهلتا تبھی ممکن ہے جب شادیاں استری برش کی آیسی جانکاری اور چفاؤ کے آدھار پر ھوں اور دونوں میں یہم چھنک ھونے کے بجائے دن بدن بوھتا رہے .

دراچار کو مقانے کی لوائی میں روسی انھیکاریوں نے اِس بات کو ساملے رکھا اور ایسی پوستتھی لانے کی کوشش کرتے رہے جس میں سچی جانکاری اور پریم کے آدعار پر شادیاں ھوسکیں ۔

سوال هوتا ہے کیا آپ تک ایک دوسرے کی جانکوی اور پریم کے آدھار پر شادیاں نہیں ہوئیں ؟ واستر میں یہ وجار بالکل نیا ہے ۔ یورپ میں آب یہ چیز پرآنی ہو چکی ہے لیکن ہمارے دیش میں آب بہی یہ ایک انقلبی وجار مانا جاتا ہے ۔ اکا دکا باغی کہیں کہیں کہیں سر آنها ہے ۔ اور اس بغارت کی سوا گیویوں کئی طریقوں سے بھیتھی ہوتی ہے ۔ هماری استریاں مانکی گئو هیں ۔ اگر ماں بابید ان کو قصائی کے عاتم میں کہار دیا ہے ہوتا ہی کو قصائی کے عاتم میں کہار دیا ہے ہوتا ہے کی حوال مانکی حوال ما

यह पालीसी मुकामी बारिएन्से से बनकी रोकी छीन कर इनको विलक्कत फाकामस्त बना रही है. वृहे मुस्क में बाक्टरी सहायता पहुँचाने के लिये केवल दो सी बाक्टर हैं सेकिन जनता को क्षायू में रखने के लिये फौज के मलावा चौरह हजार पुलिस रखी गई है. तालीमी बजट का 93 फीसदी हिस्सा फ्रांसीसी बच्चों की तालीम पर सार्च किया जाता है. फ्रांसीसी कुल टैक्स का केवल 5 कीसदी अदा करते हैं लेकिन गुरुक की आमदनी का 95 कीसदी दिस्सा उनके आराम के लिये खर्च होता है. इस जल्म ने मुल्क को सखत माली बदतरी में फँसा दिया है. जनता रारीकी, जेहालत और रोग का शिकार हो रही है.

माज कल इस्तकलाल पारटी वहां की धाजादी की तहरीक की जान है. आम लोगों के अलावा इसमें उलमाए दीन, कलाकार और ब्योपारी भी शामिल हैं. पारटी के पास काको पूँजी है और वह पूरे अकरीका और पिछली पशिया में बहुत असर रखती है. भारत व पाकिस्तान की आजादी के बाद से फिर वहां आजादी की तहरीक में जान पड़ गई है और वहां का हर रहने वाला आज अपने वतन को गुलामी से छुटकारा दिलाने के लिये बेचैन है. एक तरफ इन्होचीन में फ्रांसीसी साम्राज की धिजयां बिखर रही हैं और दूसरी तरफ मराको की जनता में आजादी की मांग की बाद फ्रांसीसी साम्राज को क्रुड़ा करकट की तरह बहा ले जाने के जिये उमंडने ही वाली है. लेकिन फ्रांस अपनी ताक्षत के जोम में इस आने वाले खतरे को देख नहीं रहा है और वह जैसे भी हो मराको की जमीन पर अपने क़दम जमाए रखना चाहता है.

लोकशाही और आजादी का अलमबरदार अमरीका भी फ्राँस की इस तानाशाही और साम्राजी पालीसी की सिर्फ मदद ही नहीं कर रहा है बल्कि लोकशाही और आजादी ही के नाम पर तीसरी जंग लड़ने के लिये मराको में अपनी फ़ीजें स्तार रहा है और हवाई खड़े कायम कर रहा है. एक तरफ तो कोरिया को कम्युनिस्टां के हाथों से बचाने के लिये इनसानी खून से होला खेली जा रही है भौर तीसरी बड़ी लड़ाई तक का खतरा मोल लिया जा रहा है और दूसरी तरक न केवज एक क्रीम के गुलामी के जमाने को सम्बा किया जा रहा है बल्कि उसको जिन्दगी भी दूमर की जा रही है.

मराको के बाशिन्दों और उनके प्यारे बतन की बाजादी के मसले का इस इस कोशिश पर निर्भर है जिसके क्रिये वहाँ के जांबाज देश भक्त शहादत का प्याला पीते चले जाए हैं और उन के जरमानों से मरे दिल जाजादी की बाट जोहते जोहते क्तन की लाक में मिलते रहे हैं. चन्होंने क्षपने जिसर के खन से अपने पाक बतन को रंग दिया है.

م بالتسی معامی باشلدوں سے أن كى روزى جمع كر ال كو الكول فاله مست بنا رهي هي . يورے ملك مين والكوي اللهالة بهونجال ك ليكيول دو سو داكتر هيس ليكن جلعا کو قابو میں رکھنے کے لئے فوج کے عارہ چودہ هؤار پولیس ولهي للى هے . تعليمي بجت كا 93 في صدي حصة فرانسهسی بچوں کی تعلیم پر خرچ کیا جاتا ہے. فوانسیسی کل تیکس کا کیول 5 فی صدی ادا کرتے میں لیکن ملک کی آمدنی کا 95 فی صدی حصه اُن کے آرام كي ليُّ خرب هوتا هي إس ظلم ني ملك كو سخت مالی بدتری میں بہنسا دیا ہے ، جنتا غریبی جہالت اور روگ کا شکار هو رهی هے .

آج کل استقلال پارٹی رہاں کی آزادی کی تصریک کی جان ہے . عام لوگوں کے علاوہ اس میں علماددیوں' کلا کار اور بھوپاری بھی شامل میں ، یارٹی کے پاس کافی پونجی هے اور را پورے افریقه اور پنچهمی ایشها میں مهمت اثر رکهتی هے . بهارت و پاکستان کی آزائی کے بعد سے پہر وہاں آزادی کی تتدریک میں جان پو گلی ہے أور بھاں كا هر رهليم والا آب أبي وطن كو فلامي سے جهالكارا دالتے کے لئے ہے جین ہے ، ایک طرف اندوجین میں فوانسیسی سامرام کی دهجیان بکهر رهی هین اور دوسری طرف مراکو کی جفتا میں آزادی کی مانگ کی ہارھ فرانسهسی سامرام کو اورا کردت کی طرح بها لیجائے کے لله املدنے هي والي هے ليکن فرانس ايدي طاقت کے زهم مهن اس آلے والے خطرے کو دیکھ نہیں رھا ھے اور وہ جهسے بھی هو مراکو کی زمین پر اپے قدم جمائے رکھنا جامعا م

لوك هاهي اور آزادي كا مليبودار امريكة يهي فرانس کنی اِس تانا شاهی اور سامراجی پالیسی کی صرف مدد جی نہیں کر رہا ہے بلکہ لوک شاهی اور آزادی هی کے المام پر تھسری جلک لولے کے لئے مرائو میں ایدی فوجیں أثار رها هم اور هوائي الله قائم كر رها هم ايك طرف تو گوریا کو کمھونسٹوں کے هاتھوں سے بنچانے کے لئے انسانی جمروں سے هولی کههای جا رهی نے اور تیسری ہوی لوگی الك كا خطرة مول ليا جا رها هـ أور دوسرى طرف نه جُهُولَ اَیک قوم کے فلامی نے زمانے۔ کو لمبا کیا جا رہا ہے۔ والكله أس كي وتدكي يهي دو يهر كي جا رهي هے .

الله مزاکو کے باشلدوں اور ان کے بیارے وطن کی آزامی کے مسلے کا حل اس کوشش پر تربهر هے جس کے لگے وهاں هُون أور أن كے ارمانوں سے بھرے دل آزادی كى ياھ موسي مرات وطن كي خاك مين ملتے رم هين . آنھوں نے ابھے جاکر کے خون سے ابھے پاک وطن کو رنگ सन 1936 में स्पेन की घरेल सदाई के मौक पर वहां के आज के शासक जनरल फरेन्कों ने जो उस वक्त स्पेनी मराकों का गवरनर था, पलान किया कि अगर मराकों की जनता इस जंग में उसका साथ देगी तो हकूमत हाथ में आने पर वह उनको आज़ादी की दीलत से माला माल कर देगा. सीधी सादी जनता इस पलान के धोके में आगई. स्पेन की घरेल लड़ाई के सिलसिले में तीस हजार से जियादा मराकशी सिपाही करल हुए और उन्हीं की लाशों के ढेर पर जरनल फान्कों ने पक नया साम्राज खड़ा किया. लेकिन मराकों को बजाय आजादी मिलने के और जियादा मुसीवतों से दो चार होना पड़ा और गुलामी का शिकन्जा पहले से भी जियादा सउत कर दिया गया.

पिछली बड़ी लड़ाई में जबकि फ्रांस जरमनी के क़बजे में जा चुका था, इत्तेहादियों की मदद से इसी जमीन पर अनरल डेगाले की लीडरी में आजाद फ्रांस की तहरीक परवान चढ़ी. इत्तेहादियों और जनरत डेगाले के बड़े बड़े बादों के जाल में फँस कर हजारों मराकशी नौजवानों ने जंग सत्म होने पर आजादी मिल जाने की समीद में ्डस तहराक की कामयाबी के लिये अपनी जान की बाजी सगाई. तारीख के पनने गवाह हैं कि नाजी हवाई जहाजों, टैंकों और तोपों का किस दिलेरी से मुक़ाबला करते हुए वह मराको के सपूत मौत से बरालगीर हुए. इन देश भक्तों को यह कहां खबर थी कि मैदान जंग में उनके बहे खन के गारे से फ्रांसीसी साम्राज की गिरी हुई दोबारें नए सिरे से ऊँची की जायंगी और वही दीवारें उनके वतन को यांत काल तक गलाम बनाए रखेंगी. इस जरमन सम-मीते के खिलाफ़ रूस पर हमला करते वक्त हिटलर ने कहा था कि सममौते तोड़ने ही के लिये किये जाते हैं. चुनांचे फ्रांस जो नाजियों के हाथों गुलामी का मजा चख चुका या भीर उनके जलमों का शिकार हो चुका था, ज़द हिटकर के क़ौल पर अमल करते हुए जंग के अंत पर अपने बादे से फिर गया. यही नहीं मराको पर फ्रांसीसी साम्राजी शिकन्त्रा और भी कस दिया गया.

इस वक्ष्त तक वहाँ चार लाख फांसीसी आबाद हो चुके हैं और उनका आना और वसना बराबर जारी है. योरप में आए दिन जंग के हर से फांसीसी पूंजीपति मराको में तरह तरह के कारबार में अपनी पूँजी लगा रहे हैं क्योंकि यह इलाका जियादा महफूज है. एक तरक मराको की तिजारत पर तौर मुलकियों का पूरा क्रमचा होता जारहा है और दूसरी तरक मुकामी किसानों को बेदलल करके उनकी जमाने नए आए फांसीसियों को दी जारही हैं. सराको के रहने वाले अपने वाप दावा की दौलत और سی 1936 میں اسپین کی گھریلو لوائی کے موقعے پر وہاں کے آج کے شاسک جذرال قریلکو نے جو اس وقت اسپینی مراکو کا گورنر تھا' اعلان کیا کہ اگر مراکو کی جنٹا میں جلگ میں آس کا ساتھ دے کی تو حکومت ھانھ میں آنے پر وہ اِن کو آزادی کی دولت سے مالا مال کردے اللہ سیدھی سادھ جلٹا اِس اعلان کے دعوکے میں آگئی اسپین کی گھریلو لوائی کے سلسلے میں تیس ہزار سے زیادہ مراقشی سیاھی قتل ہرئے اور آنھیں کی لاشوں کے تھیر پر جنرل فریلکو نے ایک نیا سامراج کھوا کھا ۔ تھیر پر جنرل فریلکو نے ایک نیا سامراج کھوا کھا ۔ لیکن مراکو کو بجائے آزادی ملنے کے اور زیادہ مصیبتوں سے دو چار ہونا پوا اور غلامی کا شکنجہ پہلے سے بھی زیادہ سخت کردیا گیا ۔

پچهلی بچی لوائی میں جبکه فرانس جرملی کے قبقے موں جا چکا تھا: اتحادیوں کی مدد سے اِسی زمین پر جدول تیکالے کی لیڈری میں آزاد فرانس کی تصریک پروان چوھی . انصادیوں اور جنرل تیکالے کے بوے بوے وعدوں کے جال میں پہنس کر ھزاروں مراتشی نوجوانوں نے جنگ ختم هونے پر آزادی مل جانے کی امید میں اِس تحریک کی کامهابی کے لیے ایدی جان کی بازی لکائے . تاریخ کے پلے گواہ هیں که نازی هوائی جہازوں' تھنکوں اور توپوں کا کس دانھری سے مقابلہ کرتے ھوئے وہ مراکو کے سپوت موت سے بغلگھر هوئے . اِن دیش بهکتوں کو یہ کہاں خبر تھی کہ میدان جلگ میں اُن کے بہے خون کے گارے سے فرانسیسی سامراج کی گری ہوئی دیواریں نئے سرے سے اوندی کی جائیدگی اور رھی دیواریں اُن کے وطن کو انت کال تک فلام بدائے رکھیں ڈی، روس جرمن سمجهوتے کے خلاف روس پر حمله کرتے وقت مقلر نے کہا تھا که سمجهوتے توز نے هی کے لئے کلئے جاتے هيں . چدائچہ فرانس جو نازیوں کے ھاتھوں فلامی کا مزا جکھ چکا تھا اور اُن کے ظلموں کا شکار ہو چکا تھا۔ خود ہٹلو کے قبل یو میل کرتے ہوئے جلگ کے انت پر اپنے وعدے سے پهر کیا . یهی نهین مراکو پر فرانسیسی سامراجی شکنجه اور بھی کس دیا گیا :

اِس وقت تک رهاں چار لاکھ فرانسیسی آباد هوچکے هیں اور اُن کا آبا اور بسفا برابر جاری ہے . یورپ سیس آئے دس جلگ کے در سے فرانسیسی پرنجی پھی مراکر میس طرح طرح کے کاربار میں اپنی پونجی لگارہے هیں کیونکھ یہ ملاقہ ویادہ صحفوظ ہے . ایک طرف مراکو کی تجارت پر ملکیوں کا پیرا قبضہ هوتا جا رها ہے اور دوسری طرف مقانی کو بے دخل کرکے اُن کی زمینیس نئے آئے فرانسیسیوں کو دی جارهی هیں . مراکو نئے رهنے والے لئے باپ دادا کی درات اُر زمین سے محصورم کئے جا رہے ہیں دادا کی درات اُر زمین سے محصورم کئے جا رہے ہیں ، فیر ملکی حکومت کی

सितम्बर '51

234

سعبير 51

गहीं से क्यारने की भी समकी ही गई की और उनके सब कामी पर कड़ी पाबन्दी लगा दी गई भी. लेकिन सारे मुक्क में बसाबत की जाग भड़क जाने के डर से जनरत जोएन इन को अलग नहीं कर सका फिर भी वह अपने इस इरादे को अमल में लाने के लिये मौका ढंढ रहा है.

सातवीं और दसवीं सदी ईसवी के दरमियान मराकी अरबों के कब्जे में आगया और जल्द ही अरब और वहां के असल बाशिन्दे बरबर आपस में घुल मिल गय. अरवों ने वहां लगभग एक हजार बरस तक शान और कामयाशी से हकूमत की. उनके जमाने में मराको ने हर लिहाज से बहुत तरक्ष्मों की. लेकिन घट्टारवीं सदी ईसवी के शुरू से मराको की किस्मत का सितारा चकर में भा गया. उस जमाने के सुलतानों की आराम तलबी, कबीलों के आपसी मगड़ों, जागीरदारों की आपस की लड़ाइयों और आए दिन की घरेलू जंगों ने मुल्क को तबाह व बरबाद झौर कमज़ोर कर दिया. नतीजा यह दुवा कि योरप के मुलहों की ललकाई निगाहें उस पर पड़ने लगीं. सन 1912 में आर्थ ने उत्तरी इलाक़ की एक पेटी के अलावा जो कि स्पेन के कब्जे में है, बाकी पूर मुल्क पर कब्जा कर लिया लेकिन द्दनिया को धोका देने के लिये वहां के सलतान को नाम क लिये बनाए रखा.

गुलामी में जकड़ जाने पर वहां के बाशिन्दों की आखें खुली और उन्होंने अपने घरेलू माड़े बन्द कर के मिल कर इस नई आजत का मुझाबला करने के लिये कोशिश शुरू की. तब से बराबर मराको की जनता अपनी आजावी के लिये बहुत से क्षीमी नेताओं के मातहत जिन में अमीर अब्दुल करीम खास हैं हर मुमकिन क़ुरबानी करती खली आई है. लेकिन बावजूद इन बेमिसाल क़ुरबानियों और बड़ी बड़ी लड़ाइयों के वह अब तक अपन प्यारे देश को फ़ांसीसी और स्पेनी साम्राजियों की गुलामी से आज़ाद कराने में कामयाब नहीं हो सकी. आज पूरे मराको में शायद ही ऐसा कोई घर हो जहां का कोई न कोई लाल ज़ांकिम फ़ांसीसियों और स्पेनियों के हाथों मिट्टी में मिलाया न जा खुका हो. मराको में फ़ांसीसी ब स्पेनी राज की तारीख के सफहे, वहां के बेगुनाह नौजवानों, बूढ़ों, बच्चों और औरतों तक के खून में इबे हुए हैं.

अमीर अब्दुल करीम ने एक ज़बरद्स्त आज़ादी की तहरीक सन 1925 में एक साथ फ्रांसीसी और रंपेनी सामाजियों से तमाम मुल्क को पाक करने के लिये शुक्र की थी. उस तहरीक की नाकामयानी और अमीर अब्दुल करीम के देश निकाले के बाद इन जालिम हकूमतों के हाथी हजारों बेगुनाह आम लोग बड़ी बेदरदी से तलवार के बाद उतार दिये गए और तहरीक को इस हद तक कुचला गया कि लोग किर सर उठाने की हिम्मत न कर सकें.

ساتویں اور دسویں صدی عهسوی کے درمهان مرائو عربی کے قبضے میں آگیا اور جاد ھی عرب اور وعاں کے آسل باشندے بربر آپس میں گهل مل گئے۔ عربوں نے وهاں اگ بیگ ایک عزار برس تک شان اور کامیابی سے وهاں اگ بیگ ایک عزار برس تک شان اور کامیابی سے حکومت کی اُن کے زمانے میں مرائو نے ھر لحتاظ سے بیمت ترقی کی لیکن اُنهار فویں صدی عیسری کے شربع سے مرائو کی قسمت کا ستارا چکر میں آگیا ۔ اُس زمانے کے سلطانوں کی آرام طلبی' قبیلوں کے آپسی جھگڑوں' کے سلطانوں کی آرام طلبی' قبیلوں اور آئے دن کی گھریلو جاگھرداروں کی ایس کی لڑائیوں اور آئے دن کی گھریلو سے اُنھیں نے ملک کو تیاہ و برباد اور کمزور کر دیا ۔ نتھجے کے میٹوں نے ملک کو تیاہ و برباد اور کمزور کر دیا ۔ نتھجے لیکھیں ۔ 1912 عیسوی میں فرانس نے آتوی علاقے کی ایک لگھیں کے علاوہ جو کہ اسپین نے قبضہ میں ھے' باتی لگھی کے علاوہ جو کہ اسپین نے قبضہ میں ھے' باتی پرقبھے میک پر قبضہ کو لیا لیکن دیا کو دعوکہ دیئے کے پروے ملک پر قبضہ کو لیا لیکن دیا کو دعوکہ دیئے کے پروے ملک پر قبضہ کو نام کے لئے بنائی دیا۔

فلا، یی میں جکو جانے پر وہاں کے باشدوں کی آنکھیں کھلیں اور انہوں نے اپ گھریلو جھکوے بند کر کے ملکر اس نگی آانت کا مقابلہ کرنے کے لئے کوشش شروع کی . تب سے پواپر مواکو کی جفتا اپنی آزادی کے لئے بہت سے قومی نہماؤں کے ماتحت جن میں امیر عبدالکریم خاص ہیں ہو مسکن قربانی کرتی چلی آئی ہے . لیکن بارجود اِن بے مثال قربانیوں اور بوی بوی لوائیوں کے وہ آب تک اُنے پہارے دیش کو فرانسیسی اور اسپیلی سامواجیوں کی فلامی سے آزاد کرانے ، یں کامیاب نہیں ہوسکی . آب پورے مراکو میں شاید ہی آیسا کوئی گھر ہو جہاں کا پورے مراکو میں شاید ہی آیسا کوئی گھر ہو جہاں کا گوئی نه کوئی الل ظام فرانسیسیوں اور اسپیلیوں کے پوری میں مالیا نه جا چکا ہو . مراکو ، یں فارانسیسی و آمیدلی راج کی تاریخ کے صفحے' وہاں کے یہ فارانسیسی و آمیدلی راج کی تاریخ کے صفحے' وہاں کے یہ فورانسیسی و آمیدلی راج کی تاریخ کے صفحے' وہاں کے یہ فورانوں نہووانوں' بوزھرں' پوچوں اُور عورتوں تک کے خون میں قویے ہوئے ہیں .

امهر عبدالعربم نے ایک زبردست آزادی کی تصریک سن 1925 عیسری میں ایک ساتھ فرانسیسی اور اسپیتی سیامواجهوں سے تمام ملک کو پاک کرنے کے لئے شروع کی تھیں۔ اُس تصریک کی قالاحیابی اور امیر عبدالعربم کے فیص فکالے کے بعد اِن ظالم حکومتوں کے ماتھوں ھواردں بے فیص فکالے کے بعد اِن ظالم حکومتوں کے ماتھوں ھواردں بے گھات مام اوگ بعد اور تصریک کو اس حد تک کچھ گیا کہ لوگ بھر سو گھنے اور تصریک کو اس حد تک کچھ گیا کہ لوگ بھر سو آتھائے کی ہمت نہ کوسکھی ۔

बौर एक स्वस्त व शानदार शहर है. फोज इसकामी तालिम का मरकज (केन्द्र) है. यहाँ बीच के जमाने से एक इसलामी यूनिवरिसटी कायम है. मराको नामी शहर जो फान्सीसियों के जाने से पहले मुलक की राजधानी था, एक बारीनक शहर है. एटलान्टिक महासागर पर केसा-क्षांका यहाँ का एक बढ़ता हुआ बन्दरगाह है. तंजेर नामी शहर व बन्दरगाह जनतरकोमी इन्तजाम में है. जबराल्टर के बिलकुल सामने शहर व बन्दरगाह सियोता रपेनी मराको की राजधानी है. इन शहरों में अरब तामीर कला के अच्छे से अच्छे नमूने दिखाई देते हैं. यहाँ की इमारतें दुनिया की लबसूरत से खूबसूरत और शानदार से शान-हार इमारतों में गिनी जाती हैं.

मराको के रहने बाले मुसलमान हैं. बावजूद योरप के पास होने और फ्रान्सीसी असर के वहाँ के बाशिन्दे अभी एक पिछ्लमी तहजीब के असर से बड़ी हद तक बचे हुए हैं. इनकी आदतें, रहन सहन और खाने पीने के ढंग, खिबास. रीत रिवाज और क्रायरे कातून सब पर इसलामी और पशियाई तहजीब का असर है. वह अपने ऊँचे केंद्रेक्टर, ईमानदारी, खुदबारी और रार मामूली मेहमान-दारी की बिना पर दुनिया की क्रीमों की तारील में खास खगह रखते हैं. आज भी कोई मराकशी नौजवान अपने खुजूरगों से आँख मिलाकर बात करने या वनके सामने सम्बाकृ पीने की हिम्मत नहीं कर सकता.

रवात में मराको के आजकल के शासक सुलतान सैयइ मोहम्मद खामिस रहते हैं. लेकिन इन को मुल्क के अन्दर की या बाहर की पालीसी में दखल देने का कोई अख़ितयार नहीं है. वह केवल एक नाम के सुलतान हैं. असल में शासन के कुल अधिकार फ़ाँस की सरकार के मुक़र्रर किये हुए रेजीडेन्ट जनरल के हाथों में हैं. जिस की आँख के इशारे पर सुलतान का रहना या न रहना निर्मर है. बावजूद इतनी पावन्दियों के आजकल के सुक़तान को वहां की आजादी की तहरीक से गहरी दिल- चर्पी है. वह एक तरक़की पसन्द और सच्चे इनसान हैं. और सावा जिन्दगी बसर करते हैं. अपने वतन को बाहरी असरों से पाक करके जनता की जिन्दगी का स्तर बढ़ाने के लिये वन का दिल बेचैन रहता है. इन्हीं गुनों की बदौलत कह अपनी कीम में सब को प्यारे हैं.

वहां की क़ीमी पारटी इस्तक्काल पारटी के साथ सुक्कान की बढ़ती हुई दिलचरपी को देख कर फ़ाँस की अरकार की ज़बरदस्त ख़तरा महसूस होने लगा था. इसकिये काज कल के रेजीडेन्ट जनरक जोएन ने जन कर तेका दबाव हाल कर जनसे इस्तक्काल पारटी से कर्माद्या का प्लान करा दिया. इस सिक्सिक में उनको آور ایک خوبصورت و شاند آو شهر هے . فهر اسلامی تعلیم کا مرکز (کهدور) هے ، یہاں بینج کے زمانے سے ایک اسلامی جونهورسٹی قائم هے . مرائو نامی شهر جو فرانسیموں کے آنے سے پہلے ملک کی راجدھانی تھا ایک بارونق شهر هے . القانقک مها سائر پر کیسا بلانکا یہاں کا ایک بوهتا هوا بندرگاہ سے بدرگاہ انتر قومی انتظام مهوں هے . جبرالتر کے بالکل ساملے شہر و بندرگاہ سموعات موادو کی راجدھانی هے . اِن شهروں میں عرب اسمید کا کہ اچھے سے اچھے نمونے دیائی دیتے هیں . یہاں تعمیر کلا کے اچھے سے اچھے نمونے دیائی دیتے هیں . یہاں نکی عمارتیں دنھا کی خوبصورت اور شاندار سے شاندار عمارتوں میں گلی جاتی هیں .

مراکو کے رہنے والے مسلمان ھیں . ہارچود یورپ کے پاس ھونے اور فرانسیسی اثر کے وھاں کے باشندے ابھی تک پنچھمی تہذیب کے اثر سے بڑی حد تک بچے ھوئے ھیں . اِن کی عادتیں' رھن سہن اور کہانے پینے کے قعنگ' لیاس' ریت رواج اور قاعدے قانون سب پر اسلامی اور ایشیائی تہذیب کا اثر ہے ۔ وہ اُنے اوبنچے کیرنو' ایمانداری خود داری اور فیر معمولی مہمانداری کی بنا پر دنیا کی قوموں کی تاریخ میں خاص جگم رکھتے ھیں . آج کی قوموں کی تاریخ میں خاص جگم رکھتے ھیں . آج بھی کوئی مواقشی نوجوان ائے بزرگوں سے آبکہ ملا کر بات کرنے یا اُن کے سامنے تمباکو پینے کی ھمت نہیں کرسکتا .

ربات میں مرانو کے آج کل کے شاسک سلطان سید متعمد خامس رفقے ھیں لیکن اِن کو ملک کے اندر کی یا باہر کی پالیسی میں دخل دینے کا کوئی اُخذیار نہیں ہے ، وہ کیول آیک نام نے سلطان ھیں ، اصل میں شاسن کے کل اُدھیکار فرانس کی سرکار کے مقرر کئے ھائے ریزیڈنٹ سیطلن کے ھاتھوں میں ھیں ، جس کی آنکھ کے اشارے پر سلطان کا رھایا یا نہ رھایا نربھر ھے ، یاوجود انلی باہلدیوں کے آجکل کے سلطان کو وھاں کی آزادی کی تحریک سے کہری دلتھ ہی ھے ، وہ ایک ، ترقی پسند اور ستھے انسان گہری دلتھ ہی ھے ، وہ ایک ، ترقی پسند اور ستھے انسان ھیں اور سادہ زندگی بسر کرتے ھیں ، آپ وطن کو باھری اثروں سے یاک کرکے جفتا کی زندگی کا استر برمانے کے لئے اثروں سے یاک کرکے جفتا کی زندگی کا استر برمانے کے لئے اثروں کی بدولت وہ اُپلی توم میں سب کو پیارے ھیں ،

ا وهان کی قومی پارتی استفقال پارتی کے ساتھ سلطان کی بڑھتی ہوئی دلچسپی کو دیکھکر فرانس کی سرکار کو زبردست خطرہ محسوس ہونے لگا تھا۔ السلئے آچکل کے رزیقفت جذرل جوئوں نے اُن بیر بے جا دباؤ قالکر اُن سے استقفال پارتی سے بیرونی کا اعلان کواریکا اُن اِس سلسلے میں اُن کو

سلمبر 51'

बाद के जमाने में मराको की बर्डकी का स्रज कमाल पर वा और दुनिया की सम्य कीमों के दिलों में उसके बढ़-पन का सिक्का जमा हुआ था. उस जमाने में यह देश विद्या और कला, तहचीब व कलवर का गहवारा सममा जाता था.

वारी स से पता चलता है कि पुराने जमाने ही से यह सर जमीन अपने मौके और ज़रखेज़ी की बिना पर दुनिया की बहुत सी क्षीमों को अपनी तरक खें नती रही हैं. जिस कीम के कृष्ये में अफरीका का यह हिस्सा रहा है, उसी का मंडा रोम सागर के अधिकतर मुक्कों पर तहरावा रहा है.

मराको उत्तर पिक्समी अफरीका में है. इसके उत्तर में रोम खागर और पिन्द्रम में एटलान्टिक महा खागर सहरें मारते हैं. दक्खिन में सहारा का बड़ा रेगिस्तान और पूरव में अवजेरिया का इलाका है. इसका फैलाव 2,19,000 मुख्या मील है. और भावादी लगभग एक करोड़ है. मुल्क में बरबी धौर बरबरी जबानें बोली जाती हैं. जुराराफिया के खयाल से मुलक के तीन हिस्से हैं. उत्तर और पिछम के समुन्दरी किनारे के उपजाऊ मैदान, बीच के पहाड़ और पठारी इलाक़े जो अतलस पहाड़ के सिलसिले का एक हिस्सा है और दक्किलन का ऊसर वंजर इलाका जिसमें कहीं कहीं नखिलस्तान नजर आते हैं और जो आगे चल-कर सहारा रेगिस्तान से मिल जाता है. किनारे के इलाकों में जाम तौर से न जियादा जरदी होती है और न जियादा गरमी. पहाडी और पठारी इलाक जाड़े में बहत ठंडे रहते हैं चौर दक्क्जिनी इलाक़ों में बरदाश्त के नाका बिल गरमी पड़ती है. बारिश सिर्फ जाड़े में हाते हैं. दक्किनी इलाक़ को छोड़कर यहाँ की जमीन आम तौर से उपजाऊ है. गेहँ. जी, ब्बार, रुई, तम्बाकू, खजूर, जैतून, सन्तरा, अंगूर भौर दूसरे मेवे यहाँ की जास पैदाबार हैं. यहाँ के घो हे बहुत मज़बूत और मेहनती होते हैं. सवारी के अलावा वह खेती के काम में भी लाये जाते हैं. यहाँ की मेहें अपने अच्छे किस्म के ऊन के जिये मशहर हैं.

खेती बाड़ी और बाराबानी, कालीन व शाल की बुनाई, चाँदी, ताँवा व पीतल के बरतन और चमड़े का सामान, और भेड़ें चराना यहाँ के खास घन्दे हैं. राह्मा, चमड़ा व चमड़े का सामान, ऊन, कालीन, जैतून का तेल, मेवा बरीरा बाहर आते हैं और कपड़े, मशीनरी व जिन्द्गी की दूसरी जरूरी चीजें बाहर से मँगाई जाती हैं. मराको खानों से भी माला माल है जिन में ताँवा, पीतल, सीसा, बरता, निकत, कारकेट, अवरक और कोबाल्ट खास है.

रवात, क्षेत्र, मराको, क्षेत्राञ्जांका, तंजेर घौर सियोता वहाँ के बड़े घौर मराहुर शहर हैं. रवात यहाँ की राजधानी یهی کے زمانے میں مراکو کی ترقی کا میروی کسال پر قیا اور دنیا کی سبیب قوموں کے دلوں میں آسکے بریدی کا سکت بریدی کا سکت جسا درا تھا ، اس زمانے میں یہ دبیعی ودیا اور کلا تھا بی کلیچر کا کہوارہ سدچھا جاتا تھا ،

تاریخ سے پتھ چلتا ہے کہ پرائے زمائے ھی سے یہ سر زمین اپھ موقع اور زرخیزی کی بیات سی قوموں کو اپھی طرف کی بیات سی قوموں کو اپھی طرف کییئیچٹی رھی ہے. جس قوم کے قبضہ میں افریقہ کا یہ حصہ رہا ہے، اُسی کا جہندا روم ساگر کے ادھک تر ملکوں پر لیراتا رہا ہے .

مراکو اتر پچهمی ادریقه میں هے ، اس کے اتر میں روم سائر اور پنچهم مهن اتلانتک مها ساگر لهریس مارته هين . دکهن مين صحارا کا بوا ريکستان هے اور پورب مين الجيريا كا ملاله هـ. إس كا يبيلار 2,19,000 مربع مهل هـ اور آبادی لگ بهگ ایک کرور هے ، ملک میں عربی اور بربری زبانیں بولی جاتی هیں ، جغرافیه کے خهال سے ملک کے تون حصے میں ۔ آور اور پچھم کے سمندری گذارے کے اُبجاؤ میدان' بیج کے بہار اور بتہاری علاقے جو اطلس پہاڑ کے سلسلے کا ایک حصہ مے اور دکھن کا اوسر بلجر مقائم جس مهن کهنون کهین نظلستان نظر آتے هیں اور اور جو آئے چل کر صحاراً ریکستان سے مل جاتا ھے . کنارے کے علاقیں موں عام طور سے نه زیادلا سردی هوتی ہے اور نک زیادہ کرمی . پہاری ارر پتھاری علائے جارے میں بہت تھنڈے رہتے میں اور دکھنی ملاتے میں برداشت کے ناقابل گرمی پرتی ہے ، ہارش صرف جارے میں هوتی ہے ، دکھئی علاقہ کو جھبور کر یہاں کی زمین عام طور سے آپنجاؤ ہے . گههور) جوا جوار روئی تمهاکو کهجور زیعون سلعری انگور اور دوسرے مووے یہاں کی خاص پیدارار هیں . یہاں کے گھوڑے بہت مضبوط اور متحقتی ھوتے ھیں . سواری کے علرہ وہ کھیتی کے کام میں بھی لائے جاتے ھیں ، یہاں کی بههویں اید اجھی قسم کے اون کے لئے مشہور ھیں .

کهیتی بازی اور بافیانی قالین و شال کی بغائی و مالدی تانیه و پیتل کے برتن اور چموے کا سامان اور جموع و چموع و چموع و چموع و چموع و چموع اور آلین آور گوری آلین زیتون کا تیل میوه وفیره باهر جانے میں اور کہوے مشیئری و زندگی کی دوسری فروری میونی یاهر سے بھی جاتی هیں ، مراکو کہانوں سے بھی منگار میں تانیا بیتل سیست جستے نکل فیلسفیمی ایرق اور کو بالت خاص هیں .

ریاسا این مراکو کیسا بلانکا تنجیر اور سیوطم یہاں کے برے اور مشہور شہر هوں ، ریات یہاں کی راجدهائی

(26)

व मुजस्समा श्राजादी का देसते होंगे किस दिल से हास्मारक देख के श्राँस पीते. होंगे किस दिल से का दिन भूके नंगे मनाते होंगे किस दिश से हते होंगे किस दिल से ये जीते होंगे किस दिल से ाखर देस की देख आए, हम डालर देंस की देख आए

(27)

की चंचल उंगलियों ने विजली की रगों की छेड़ा है ों में इस उक्ती हुई नागिन के फर्नों को छेवा है अधिकार के सागर की बैकल लहरों को खेदा है क के रखरें जल थल को ऐसी किरनों को छेवा है ालार देस की देख आए. हम डालर देस की देख आए

(28)

बिजली को बस में किया खुद को बस में लाही न सकी र की काम में लाई सगर इनसान के काम आही न सकी की गरमाया लेकिन सीनों को गरमा ही न सकी । द्वन द्वाने वाली सभ्यत। दिल का बढन पाही न सकी हासर देस की देख आए, हम डालर देस की देख आए

(29)

डाकाने बालों को मानवता के साँचे में ढलना आए बेबैनों को विश्व शान्ति की गोदी में पलना आए ती हुई इस तीसरी जंग की आई को उलवा आए हारा जमी पर इनसानों को सहज सहज चलना आए । लर् देस की देख आए, इम डालर देस को देख आए.

(भाई सैयद जमीर इसन काजिमी)

इस महीनों से मराको का नाम अखनारों के सकों पर ्या रहा है केकिन बावजूद इसनी सिवासी, कीजी माबी बहसियत के मराकों के बारे में कोगों की जान-। बहुत कम हैं. जैसे जैसे तीसरी बड़ी जंग का खतरा भाता है वैसे वैसे यह देश राजकात्र से दिलचरपी में बालों का ध्यान अपनी तरफ खींचता जा रहा है.

(26) सुजस्त्रसा = मूरत; महा स्मारक = क्की बाबुगार.

(27) चिर अथकार = कमी न मिटने वाला अधेरा.

یم سب مجست آزادی کا دیکهتر هولکر کس دل س یہ میا سمارک دیکھ کے آنسو پہتے ہونگے کس دل سے آزادی کا دن بهرکے للکے مذاتے هونگے کین دل س یہ مرتے مونکے کس دل سے یہ جیتے مونکے کیش دل سے هم قالر ديسي كو دريمه آلي؛ هم قالر ديسي كو فيكم أله

(27)

ولهان کی چنچل انگلوس لے بجلی کی رکس کو چهنوا ہے المفور مهن اس أراى هولى ناان كے يهنوں كو جهدرا ه جراندهار کے سائر کی بیکل لمروں کو چھنوا ہے جو پھونک کے رکھدیں جل تھل کو ایسی کرنوں کرچھوڑاھے هم الله ديس كو ديكه آيه م قالر ديس كو ديكه آلم

(28)

لوهے پنجلی کو بسمیں کہا خود کو بس میں لاھی ندسکی انسان کو کام میں لائی مگر انسان کے کام آعی نع سکی هاتهبن کو گرمایا لیکن سیدن او گرما هی ته سکی يه يكني ديبًا في والى سبهها دل كا يكن ياهي نه سكى هم ذار ميس كو ميكم آئه ألم ذار ديس كو ديكم آلم

(29)

يم ذهالنے والوں كو مانوتا كے سانحے ميں دهلكا آئے الم بیسیدی کو وشوشاتی کی گوری میں پلتا آئے ملک لائی عرشی اِس تهسری جنگ کی آئی کو ثلث آئے اله کاهی زمهن پر انسانون کو سیم سیم جالما آئی هم دالر دیس کو پایکه آئے' هم دالر دیس کو دیکه آئی

مراكو

(بهائی سید ضمیر حسن کاظمی)

کنوں مہیلوں سے مرائو کا نام آخباروں کے مقصوں ہو تيهر آرها هي لهكين بارجود أتلى سهاسي فوجى أور مالي المسمعة كي موزكو كه ماريه مهل لوكون كي جالكاري ههمعد كم ير . جهيد جهيد تهسري يوي جلگ كا خطرة ياس آنا جانا فے ریسے ریسے یہ دیش واج کاج سے دلچسیوں رکھلے۔ وائین کا دعیان ایٹی طرف کیپٹچکا جا رما ہے :

(27) جواندهكار = كهمى نه متلے والا اندهيرا .

⁽⁶⁾ معصمه = مورسا مهاساوك = يوي ياد كو .

मर बार्ते इनकी बन जाएँ, गर बार्ते इनकी बल जाएँ डुनिया को साफ निगल जाएँ, धरती पे इकूमत फरमाएँ इस देख के करता घरता अपना काम जी पूरा कर पाएँ दुनिया भर पर एक रोज़ सितारे श्रीर धारियाँ लहराएँ इमं डालर देसं को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(22)

वह वालस्ट्रीट का सष्टा खाना व्हाइट हाउस का साजिश घर षह दल्लाली के दाँव पेच वह इस मेसी के छू मंतर वह ल्रुटाल्ट्र तिजारत में वह प्रजा तंत्र का अप्रस्वर वह लेन देन की धूम धाम वह राजनीति की आगर मगर हम अल्प देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(23)

इस वाल स्ट्रीट में दुनिया का दीवाला बोला जाता है जो छुटवादे, जो बिकवादे वह म्हाता खोला जाता है इस व्हाइट हाउस में सब की दुखती रगों को उटोला जाता है सरकारों, मुल्कों, कौमों को काँटों में तोला जाता है हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(24)

इस देस: में सबसे बड़ा अपराध है न्त्रीन रूस से हमददी इस से भी बड़ा जुर्म है श्रमने श्रालम का होना हामी भीर ऐटम बम के ख़िलाफ तो जिसने भूले से एक बात कही उसने तो बैठे बिठाए मोल एक आफ्त अपने सर लेली हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(25)

सोलाह करोड़ में एक करोड़ को मज़दूरी या काम नहीं बानी कम से तीन करोड़ * को चैन नहीं श्राराम नहीं यह आलम है तो कैसे कहिये जीना उन ये हराम नहीं जीवन का सहारा दूट चला है धुबह नहीं या शाम नहीं हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए (21)

ماتهن إن كى بن جائين كركهاتين إنكى جل جائين فالها کو صاف نکل جائیں دھرتی په حکومت فومائیں اِشَ دیس کے درتا دھرتا ایلا کام جو پورا کو پائیس فُلها بهر پر اک روز ستارے آور دھاریاں لہرائیں هم قالر ديس كو ديكه أنَّه م قالر ديس كو ديكه آنَّه

(22)

ولا وال استريت كا سته بته رهائت هاؤس كا سازهي كهر وہ دلانی کے داؤں پیچ وہ ڈیلو میسی کے جھو مختر ولا لوثاً لرق تجارت مين ولا يرجا تغتر كا أقمير ید لهن دین کی دهوم دهام وه راج نیت کی اگر میکر هم قالر ديس كو ديكم أنَّهُ هم قالر ديس كو ديكم أنَّهُ

(23)

إس وال استريت مين دنيا كا ديواله بولا جاتا ه جو للوا دي جو بكوادے وہ كهاتا كهولا جانا هے اس وهائتهاوس، بن سبای دانهای رگون کو تاولا جاتاه سرکاروں ' ملکوں فوموں کو کانڈوں میں تولا جاتا ہے هم قالر ديس كو ديكم آئے ' هم قالر ديس كو ديكم آئے

(24)

اس دیس میں سے بوا ایرادہ ہے چین وس سے همدردی إِسْ نِي بِهِي بَوَا جَرِم هِ أَمِن عَالَم كَا هُونَا حَامَى اور ایٹم ہم کے خلاف تو جس نے بھولے سے اِک بات کہی أس نے تو بہاتم بالمائے مول اِک آفت ایم سر لے کی مر قالر دیس کو دیکه آئے ' هم ذار دیس کو دیکه آئے

(25)

سوله کرور میں ایک کرور کو مزدوری یا کام نهیوں يعلى كم س كم حدون كررز كو چون نهيل آرأم نهيل يَدِ عَالَم فِي تُو كُمِس بَبِيُّهِ جَمِلًا أَن يَه حَرَامُ نَهِينَ جهدين كا سهارا - توت چلا هـ صدم نهيس يا شام نهيس

⁽²⁴⁾ अन्ते आलम = विश्व शान्ति; हामी = समर्थक. **एक करोड़ वेरोज़गारों के बाल बरुपे मिलकर कम** से कम म करीय होंगे.

⁽²⁴⁾ امین عالم = وهو شانعی عامی = سدو تهک . ا ایک کرور بهروزگاروں کے بال بنچے ملکر کم سے کم نین کرور هونگے .

आज़ादी, द्या, धरम, इन्साफ़ की इस तक्कांच को क्या कि देये यू. एन. भी. में ''आज़ाद'' गुलामों की तरतीब को क्या कि देये इन्सानी कारबार में शैतानी तरकीब को क्या कि देये जो इस से रहती दुनिया को ऐसी तहज़ीब को क्या कि देये इस डालर देस को देख आए, इस डालर देस को देख आए,

(17)

याँ लोग हैं आपने आपने लिये याँ कोई किसी का हई नहीं यह बात कान में पनी नहीं यह ख़बर उन्होंने सुनी नहीं तारीख़ उस मोद पे हैं कि जहाँ गुंजायश इसकी रही नहीं जो काम करें वह भूकों मरें बेकारों की कोई कमी नहीं हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(18)

कुल इनसानों को चन्द इनसान मोल ले लें बेदाम दरम इनसान इनसान का साथी है, इनसान इनसान का है इमदम इसको यह बताते हैं धोका, यह कहते हैं इसको महा भरम खूदग्रज़ी इस तहज़ीब की जड़, बेददीं बुनियादे-महकम इस डालर देस को देख आए, इस डालर देस को देख आए

(19)

' दुनिया भर का ब्योपार मिटाकर खुद ब्योपारी बन बैठा सची मूटो मूरत गढ़कर दुनिया का पुजारी बन बैठा इनसाँ को "स्वरों का चारा देकर भंडारी बन बैठा बन्दर को मिली इलदी की गिरह फीरन पंसारी बन बैठा हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(20)

सर से क़दम तक मोहलिक हरने एक सिपाही सौ हियगार यह दुनिया का पालनहार यह तहज़ीन का ठेकेदार टैंक, तोप, बारूद बनाना उसका सबसे बड़ा ज्योपार नक्ष्मी लेकर मीत बेचना सबसे चोखा कारोबार हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए آزاشی عیا دهرم انصاف کی اِس تکذیب کو کیا کیئے یو یو یو کیا کیئے یو یو یو ازاد فلاس کی ترتیب کو کیا کیئے از انہ کا کوئی کیا کیئے از انہ کا کوئی کیا کیئے جو تس لے رمعی دنیا کو ایسی تہذیب کو کیا کیئے ہم قالر دیس کو دیکھ آئے

(17)

یاں لوگ میں لیے ایے لئے یاں کوئی کسی کا مدّی نہیں ہے ہات کلی میں پوی نہیں یہ خبر اُنہوں نے سلی نہیں تاریخ اُس مور یہ ہے کہ جہاں گلتجانس اِسکی رهی نہیں جو کام کریں وہ بھوکوں مریں بھکاروں کی کوئی کسی نہیں مم قالر دیس کو دیکھ آئے

(18)

کل انسانوں کو چند انسان مرل لے لیں بے دام درم انسان انسان کا ساتھی ہے' انسان انسان کا ہے همدم اس کو یہ بتاتے میں دھوگا' یہ کہتے میں اِس کو مہابھرم خود فرضی اِس تہذیب کی جو بے دردی بنیاد محکم مے قائر دیس کو دیکھ آئے۔' مم قائر دیس کو دیکھ آئے۔'

(19)

دنیا بهر کا بهوپار متاکر خود بهرپاری بن بهتها سچی جهوتی مورت اوهکر دنیا کا پجاری بن بهتها انسان کو هسروررن کا نجاره دیکر بهلقاری بن بهتها بندر کو ملی هلدی کی گره فوراً ینشاری بن بهتها هم قالر دیس کو دیکه آنے' هم قالر دیس کو دیکه آنے' هم قالر دیس کو دیکه آنے

(20)

سر سے قدم تک مہلک حربے ایک سیاعی سو هتههار یه دنیا کا تهیکہ داو تہلک تبذیب کا تهیکہ داو تہلک تبذیب کا تهیکہ داو تہلک تربی، بازود بفانا اسکا سب سے بوا بهوبار نقدمی لے کر موت بهتھنا سب سے چوکها کاروبار هم قالر دیس کو دیکھ آئے

⁽¹⁶⁾ तकजीव = भुटलाना.

⁽¹⁸⁾ हमदम = साथी; बुनियादे महक्त = मजुबूत जीव.

माइलो एक बहुत घटिया धनाज को धमरीका में सुधारों को खिलाया जाता है. हिन्दुस्तान में धनाज की कमी पूरी करने के लिये क्रीबी रुपए का माइलो धमरीका ने मेजा है.

⁽²⁰⁾ मोहलिक हरने - पातक हथियार

⁽¹⁶⁾ تكليب=جيلان (16)

^(18) همديم حساتهي؛ يقهاد محكم = مضبوط نهو .

وماثلو ایک بہت گھٹھا آناج جو آمریکه میں سورورں کو گھلایا جاتا ہے ، ھندستان میں آناج کی کسی پوری گری کے لئے کروروں روپا کا ماثلو آمریکہ نے بھینجا ہے ،

ر 20) ميلک حرب الهالک هميدار.

(11)

हुनिया भर को वरबाद करें, हुनिया भर का निर्माता भी हुनिया भर का बिहोही भी, दुनिया भर का निज आता भी हुनिया भर को भूका मारे, दुनिया भर का धानदाता भी हुनिया भर में खैरात करे दुनिया भर पर सतनाता भी हुन हासर देस को देस आए, हम डालर देस को देस आए

(12)

इस देंस में डालर के सेठों के दिस की कसी कर्म फूटती है जब उनकी तिजारत दुनिया भर को एक भाव से खटती है रुपंए में तीन अठकी भुनाने की आदत कब छूटती है सोने पर सोना गिरता है, माया पर माया इटती है हम डालर देंस को देख आए, हम डालर देंस को देख आए

(13) .

रिशंबत, धमकी धीर करल के भी याँ भ्रापना काम बलाते हैं शिविंग क्या है गोरे मिलकर हवशियों को ज़िन्दा जलाते हैं हम जुर्मों में याँ बहे बहे सज्जनगन हाथ बटाते हैं भीर इस कोड़ी तहज़ीब पे ये इस दरजा नाज़ फ़रमाते हैं हम डालर देस को देस भ्राए, हम डालर देस को देस भ्राए

(14)

इस गैंग्स्टर तर्ज़े ज़िन्स्गी से सब दुनिया भर को ख्तरा है इस गैंग्स्टर राज नीत से सब दुनिया में क़ियामत बरपा है इस गैंग्स्टर चील अपट्टे ने सारे संसार को खटा है इस गैंग्स्टर सहें कहें ने दुनिया को नरक बनाया है इस डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(15)

एके भानी हैं ऐटम बम, एव का मतलव है हाइब्रोजन बम बच्चों के ककहरों की देखी बुल जायगा सारा भेद भरम स्कूलों, बरों, दफ़्तरों दफ़्तरों बाज़ारों में मचा है एक उधम कै देके बहाँ बालों के लिये बस मारकाट है धरम करम इस डालर देस की देख आए, हम डालर देस की देख आए (11)

طفیا بہور کو ہرباد کرہ' دنیا بھر کا نرمانا بھی طفیا بھی طفیا بھی کا ددروھی بھی' دنیا بھر کالیے بھرانا بھی طفیا بھر کو بھوات کرے دنیا بھر پر للجانا بھی طبیا بھر دیس کو دیکھ آئے' ھم ڈالر دیس کو دیکھ آئے۔

(12)

اُس دیس مهر قالر کے سیا تھوں کے دل کی کلی کب پھوٹنی ہے جہب اُن کی تجارت دنیا بھر کو ایک بھار سے لوٹنی ہے ووج میں تین اٹھلی بھلالے کی عادت کب چھوٹنی ہے سوئے پر سرنا کرتا ہے' مایا پر مایا توثنی ہے ہم قالر دیس کو دیکھ آئے' ھم قالر دیس کو دیکھ آئے۔

(13)

رہوسہ دھمکی اور قائل سے بھی یاں ایفا کام جلاتے میں ناجہنگ کیا ہے گورے ملکر حبشنوں کو زندہ جلاتے میں این جرموں میں یاں ہونے ہوتے سجوں گی ماتھ بھاتے میں آور اِس کورمی تہذیب یہ یہ اِس درجہ ناز قرماتے میں ، ہم قائر دیس کو دیکھ آئے ، مم قائر دیس کو دیکھ آئے

(14)

اس کھلکسٹر طرز زندگی سے آپ دنھا بھر کو خطرہ ہے۔ اس کھلکسٹر راے نیٹی سے آپ دنھا میں قیامت برہا ہے۔ اس کھلکسٹر جیل جھپٹے نے سارے سلسار کو لوٹا ہے۔ اس کھلکسٹر مٹنے بتے نے دنھا کو نرک بٹایا ہے۔ ہم قالر دیس کو دیکھ آئے' ہم قالر دیس کو دیکھ آئے۔

(15)

الله كم معلى همل ايقم بم اليج كامطلب هـ هااقدروجي بم يعهد يهوم يعهد كلهورل كو ديكهو كهل جائد كا سارا بهمد يهوم المكولول كهرول دفترس بازارس ميس محتا هـ ايك أدهم في ديد كو يهال ولول كو لئر بس مار كات هـ دهرم كوم هم قالر ديس كو ديكه آئه

⁽¹¹⁾ निर्माता = काम बनाने वाला; विद्रोही = बागी, दुरमन; निष्ण श्राता = सगा माई. (13) गैंग्स्टर = छटेरी, डाइभी के गरीह सम्बंध रखने वाले. (15) ककहरीं = श्रतिफ ने, क ल की दिसाने.

दुनिया भरसे सहा बहा, दुनिया भरसे ब्योपार भी है दुनिया भर पर है दया भाव, दुनिया भर पर उपकार भी है सब के इक का दल्लाल भी है, आज़ादी का ठीकेदार भी है इस सेवा भाव के सदक्षे में दुनिया का बंटा धार भी है इस डालर देस को देख आए, इस डालर देस को देख आए

(7)

स्कूरों, कालिओं, यूनिवर्सिटियों की न वहाँ किरुसत न कमी वह तहरीरों की नोक मोंक, तक्तरीरों की गरमा गरमी वह लेक्चर हालों की भीक भाक वह पारटियों में घमा घमी दुनिया भर की ऐसी तैसी वह राजनीत में हट धरमी हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(8)

वह हालीबुड का परिस्तान, वह फिल्मों की मालका मालकी वह नर्म गुलाबी मुस्कराहटें आँखों में हलकी हलकी वह नोक पलक वह हर मूरत जोबन रस से छलकी छलकी वह ऐक्ट्रों की लपक मापक वह ऐक्ट्रोंसे छलबल कलकी हम बालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए,

(9)

वह वहरी बेबे जल धल जीत के रख देने के घक्कर में वह वायुयान मंडलाते हुए आकाशों के भव सागर में वह उदन किले जो आंगारे बरसा जाएं दुनिया भर में वह वस्वारों के दल बादल जो आग लगादें घर घर में हम डालर देस को देख आए, इस डालर देस को देख आए

(10)

वह भारी टैंक जो हफ़्तख़्वान तम कर डालें बेख़ीफ़-श्रो-ख़तर वह श्रार्टिलरी फ़ीलाद श्राग का बदता हुआ गहन गिरिवर वह तोपें जिनकी बाढ़ों से बन जाँग चटानों में सरीवर वह दुनिया भरकी मौत का सामाँ, श्राफ्त, गारत, फ़ितना-श्रो-शर हम डालर देस को देख श्राए, हम डालर देस को देख श्राए

(7) जिल्लात = कमी; (9) बहरी बेबे = समुन्दरी बेबे; बायुगान = हवाइ जहाज़; बम्बार = बमबरसाने वाले. (10) इम्तक्तान = क्लाम की समकी बहातुरी का इम्तहान लेने के लिये, साल महान काम सींपे गए थे. सात कठिन से कठिन मंज़िलें या काम; बारिलरी = तोप.खाना; गहन गिरिवर = बड़े बारी पहाड़; सरोवर = क्लीक; फितना-की-शर = ख्राबी, बरवादी.

فلیا بہر سے سٹا ہٹا' دیلا بہر سے بہوہار بہی ہے دنیا بہر پر ایکار بہی ہے دنیا بہر پر ایکار بہی ہے سب کے حق کا دال بہی ہے آزادس کا تبیکیدار بہی ہے اِس سیوا بہاو کے صدقے میں دنیا کا بنتا دیار بہی ہے جس دالر دیس کو دیکھ آئے۔

(7)

اسکولوں کالجوں یونھووسٹھوں کی نہ وہاں قلت نہ کمی وہ تعدرپروں کی فرما کرمی وہ تعدرپروں کی کرما کرمی وہ لکتھو شالوں کی بھیج بہاج وہ پارتیوں میں گھما لممی دنیا بہر کی ایسی تیسی وہ راج نیت میں ہت دھرمی ہماتار دیس کو دیکھ آئے ہم قالو دیس کو دیکھ آئے۔

(8)

وة هالي ود كا پرستان وة فلموں كى جهلكا جهلكى وة فلموں كى جهلكا جهلكى وة فرم گلابى و سكراهاتين أنكور ميں هلكى هلكى وة فرك بلك وة ايكاريسياں جهل بل كل كى وة ايكاريسياں جهل بل كل كى هم ذائر ديس كو ديكم أيّے هم ذائر ديس كو ديكم آيّے

(9)

وہ بھری بھڑے جل ٹھل جوس کے رکھدیائے کے چگر میں وہ واپو یان مندلاتے ہوئے آکاشوں کے بھو ساکر میں وہ اُزن قلعے جو اُنکارے برسا جائیں دنیا بھر میں وہ بدماروں کے قل بادل جو آگ لگا دیں گھر گھر میں ہم قالر دیس کو دیکھ آئے۔

(10)

وہ بھاری تینک جو هفت خوان طے کر ذانیں بے خوف و خطر رہ آرٹلی فولاد آگ کا برعقا ہوا گہن گریور وہ تربھی جگانوں میں سرورر وہ دنیا بھر علی سوت کے سامان آفت فارس فقدہ و شرحے آلو دیس او دیکھ آئے میں ذالو دیس او دیکھ آئے۔

⁷ قلب حکمی (9) بحصری بورے = سمندری بہوے = سمندری بہوے : وابویان حوالی جہاز؛ بمبار = بم برسانے ولے ، (10) علمت خوان = رستم کو اسکی به دری کا استحان لیلے کے لئے سات کتبن سے لیلے نکے نکے ، سات کتبن سے کیا میں کام؛ اوللوی = لوپ شانه؛ کہن گرور = بوے کیا ہے ہیں اولی شانه؛ کہن گرور = بوے کیا ہیں ہیں ہیں دیا ہیں جہیل؛ قالمہ و شو = خوابی، بربادی

हम डालर देस को देख आए

(भाई रचुपति सहाय 'फिराक")

(1)

है रंग बिरंग वहाँ जीवन, हम डालर देस की देख श्राए वह हरा भरा दौलत का चमन, हम डालर देस की देख श्राए काने के मज़ कपड़ों की फबन, हम डालर देस की देख श्राए कीऊ काहूमें मगन, कीऊ काहूमें मगन, हम डालर देसकी देख श्राए हम डालर देस की देख श्राए, हम डालर देस की देख श्राए

(2)

बह रातों को भी दिन का सैमाँ, वह दूकानें जगमग जगमग बह रेल पेल मोटर कारों की, हर ड्राइवर हुशियार सजग बह रुकती बढ़ती हुई ट्रीफ़िक, बह दब जाने का डर पग पग बाज़ारों का हंगामा जुदा, घन्टों भोंपों का शोर असलग हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए

(3)

वह लक्ष दक्ष साठ मंज़िले बार्ते श्रासमान से करते हुए हर मंज़िल एक दुनिया जिस पर सी वहम-श्रो-गुमान गुज़रते हुए वह घनघनाहरें लिफ़रों की रह रहकर चदते उतरते हुए श्रार्वों खरबों के कारबार दिन रात बिगवते सँवरते हुए हम डालर देस को देख श्राए, हम डालर देस को देख श्राए

(4)

भक्तों को सुनाई दे जाती है गिरधर की मुरली की भनक ज़िन्दानों में रह रहकर क़ैदी सुनते हैं ज़ंजीरों की हानक कान भाहट पर रखकर प्रेमी, सुन लेते हैं नूपुर की मनक दिल की धक्कन से भाती है हर्र कान में याँ डालर की खनक हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए,

(5)

बाजे गाजे का राग भी है और बाल डाम्स का रंग भी हे कुंबाहों की भरमार भी है, विज्ञान, कला, गुन ढ'ग भी हे कुंबा दान पुन्य का स्वांग भी है, उपवेश पाठ सत्संग भी है और इनके अलावा भी कुछ बातें हैं जिन्से दुनिया दंग भी है हम डालर देस को देख आए, हम डालर देस को देख आए,

(2) द्रैफिक = सवारियाँ और सबक की मीड; (3) वहम-क्रो-गुमान = ख्यात विचार; लिफ्टों = विजती से चढ़ने उतरने बासी मसीन; (4) जिन्हानों = जेलों; (5) बाल डांस = ब्रंगरेज़ी महन विकास क्रीरत मर्द मिलकर नावते हैं;

هم قالر ديس كو ديكه أيَّ (ببائي ركه يتي سهائے ' نراق ') (1)

ھے والگ برنگ وہاں جھوں عم دار دیس کو دیکھ آئے وہ ہوا ہورا دوات کا چسن ہم دالر دیس کو دیکھ آئے کہ اور میں کو دیکھ آئے کہ اور کی بھوں ہم دالر دیس دو دیکھ آئے کروکا عرمیں معن کوو کا ہو میں معن عم دالر دیس کو دیکھ آئے ہم دالر دیس کو دیکھ آئے ہم دالر دیس کو دیکھ آئے

(2)

ولا راتوں کو بھی دن کا سیاں' ولا درکانھیں جگمگ جگمگ ولا ریال پیل • وتر کاروں کی' سر قرائیور هشیار سچک ولا رکتی بوستی سوئی تریفک' ولا دب جانے کا قر یک یگ بازاروں کا هنگامه جدا' کهنتوں بهونیوں کا شرر الگ هم قالر دیس کو دیکھ آئے' هم قالر دیس کو دیکھ آئے

(3)

وہ لتی دتی ساتھ منولے باتیں آسمان سے کرنے ھوئے ھوئے ھر منول اک دنیا جس پر سو رھم و گمان گذرتے ھوئے وہ گھنگھناھتیں لفتوں کی رہ رھکر چڑھتے آترتے ہوئے اربوں کھربوں کے کار بار دن رأت بگوتے سنورتے ہوئے ھم ڈائر دیس کو دیکھ آئے

(4)

پھکٹوں کو سفائی دے جاتی ہے گردہ رکی مرلی کی بھلاک زندانوں میں رہ رہ کر تھدی سنتے میں زنجیروں کی چھلاک کلی آھٹ پر رکھکر پریدی سن لینے میں نرپر کی جھلاک دار کی دھڑکن سے آنی ہے مرکن میں یاں قالر کی کھلاک ہم قالر دیس کو دیکھ آئے

(5)

ہاج گلچ کا راک بھی ہے اور بال ذائس کا رک بھی ہے گیتھادوں کی بھرمار بھی ہے وکیاں کلا کن ذماک بھی ہے گیتھادوں کی بھرمار بھی ہے وکیاں کلا کن ذماک بھی ہے کتھ دان بن کا سوانگ بھی ہے اُیدیش پائے ساتھ ہمی کتھ باتیں میں جن سے دنیا د گابھی ہے اور ان کی دیکھ آئے مم ذائر دیس کو دیکھ آئے۔

(2) ٹریفک سواریاں اور سوک کی بھیو؛ (3) ہوم و گمان سخمیل وجار؛ لفترن سبجانی سے چوہ لے اُترنے والی مشهن ، (4) والدانوں سبہاوں؛ (5 یال قانس سائٹریوی ناچ جس مهر عورت مرد ملکر ناچتے هیں ،

सरकारी दकतरों में चौर कानूनी समाओं और अवासती में श्रंगरेजी की जगह बरती जायगी. यह जनता की भाशा नहीं, विद्वानों की जवान होगी. इसके माने यह हुए कि जैसे कभी संस्कृत की छत पड़ी थी, जिस की जगह कभी फारसी ने ली थी और अब अंगरेजी ले रही है, उसकी जगह यह नई भाशा की छत पड़ेगी. खयाल अच्छा है! इस में जात पात का भेंद तो बहुत पुराना है. मतों का भेद भी काफी पुराना हैं. इन मतों में भाशा का भेद कुछ नया है जो दिनों विन जोर पकड़ रहा है. भाशा न्यारी न्यारी, लिपि अलग अलग. कॉंगरेस कहती है कि अब सूबों का भी बटवारा भाशा के अनुसार होगा. हर प्रान्त में ऊँची से ऊँची पढ़ाई इस प्रान्त की भाशा में दी जायगी, जिसका शायद यह फल हो कि हर एक प्रान्त में एक विद्वानों की प्रान्ती भाशा स्वीर दूसरी आम जनतां की, और फिर विद्वान भी शायद दो प्रकार के होंगे, एक प्रान्ती भाशा के और एक राश्ट्री भाशा के. और बहुत मुमकिन है कि आजकत के संस्कृत विद्वानों की तरह अंगरेजीयाँ भी अपने को एक अंलग क्लास सममें ! इनके आलबार, किताबें, क्लबें ही नहीं विरादरी भी अलग बन जाय. हर एक प्रान्त की महाजनी लिपि श्रलग चौर तो छौर हर एक मत की लिपि छलग. जाति सेवा भाष तो मुद्रत से सुनते जाए थे अब प्रान्ती सेवा भाव की भनक भी कानों में पड़ने लगी है. हमारा इतिहास तो यही सिखाता है कि जहाँ राज बहुत फैला तो आपस की फूट ने उसे रहने न दिया. देखिये कल क्या होता है. यह साफ है कि एक नई जवान बना कर समाज में एक और छत हालना, जिसकी सीढ़ी न हो, नादानी सी मालूम होती है. क्यों न दिल्ली या आसपास की बोली को ही दकतरी जवान बनाया जाय. मेरा मतलब केवल भाशा के ढाँचे श्रीर बुनाषट से है, शब्द तो सब जगह से लिये जा सकते हैं. आगर कुछ साइन्सी टर्मी की कमी दिखाई देता नई टर्में बनाने की जगह क्यों न उन टर्मी से ही काम लें जो श्राज कल सरकारी दकतरों में बरती जाती हैं. आखिर अगर दिल्ली ही राजधानी रंही तो यहाँ के आप पास की बोली ही राज की बोली बनेगी. फिर क्यों नहीं इस नेक काम में इमारी सरकार इस बोजी का हाथ बटाती.

अन्त में पंडित पद्म सिंह शर्मा की तरह में भी अपनी किताब को, केवल पहला शब्द बदल कर अकवर के इस शेर से खतम करता हूँ:—

> 'बोली में जो सब शरीक होने के नहीं, इस मुक्क के काम ठीक होने के नहीं, मुमकिन नहीं शेख अमदल केंद्र बनें, पंडित जी वालमीक होने के नहीं."

بمركزي فغلون موق أور فاتونى سدهاون اور مدالتون مين التكويري في خاته برتي جائے كي. يه جنگائي بهاشا لههن ولاوالوں کی زبان هوای ارس كرمعلے يه هولےكه جدسے كنهي سلسکرتکیچهنت پری تهی جس کی جگه کبهی فارسی لے لی کھی اور آب الکریوی لے رهی هے؛ اس کی جکه یه نکی بهاشا في چهت يوے كى . خيال اچها هے! هم ميں جات ہاتے کا بھید تو بہت پرانا ھے . متوں کا بھید بھی کافی پُرانا هے ، اِن متوں مهل به شا کا بههد کچه نیا هے جو فانوں دون زوز پکو رہاھے . بہاشا نیاری نیاری لیے ایک الک ، کانگریس کہتی ہے کہ اب صورن کا بھی بتوارا بَهَّاهًا کے انوسار ہوگا۔ ہر پرانت میں ارتبجی سے ارتبجی نوهائی اُس پرانت کی بهاشا میں دی جائے گی جس کا شاید یه پهل هو که هو ایک پرانت میں ایک وفوانون کی پرانعی بهاشا اور درسری هام جلعا کی ارر پهر ودوان بھیشاید دو پرکار کے ہودگے ایک پرانتی بھاشا کے اور ایکراشتری بها اکے اور بہت مدی هے که آجکل کے سفسکرت ودوانوں کی طرح الکریزی دال یعی اپنے کو ایک انگ کلاس سمجهیں! اُن کے اخبار' نتابیں نلبیں ھی نہیں برادری بھی اگ بن جائے ، هر ایک پرانت کی مہاجنی فهى اک أور تو أور هر ايک مت كي ليمي الك . جاتي سيوا سيوا بهاؤ أو مدت سے سلتے آئے تو، اب پرانتی سهو آباؤ کی بھلک بھی کانوں میں پونے لگی ہے۔ همارا اتهاس تو یهی سکهاتا هے که جهاں رام بهت یهید تو آیس کی پھوٹ نے اُسے رہانے تھ دیا ، دیکھٹے دل کیا طوتا هي . يع صاف هي كع ايك ندي زبان بفاور سماج مهن ایک اور چهت دلفا کس کی سیوهی نم هو فادأني سي معلوم دوتي هي . انهون له داي يا آس پاس کی ہوای کو هی دفتری زبان بغایا جائے . میرا مطلب کھول بھاشا ہے دھانچے اور بناوت سے ھے شبد تو سب جگه سے لئے جاسکتے هیں . اگر کنچه سالدسی ترموں کی کمی دفهائی دے تو نگی تر میں بنانے کی جگه کیوں نه آئ قرور سے هی کام لهر جو آج کل سرکاری دفتروں میں ہرتی جاتی میں . آخر کر دای هی راجده نی رمی تو یہاں کے آس پاس کی پولی هی راج کی بولی بنےگی ، پهر کیوں نہیں أِس نَوكُ كُمْ مِهِن هماري سركار إس بولي كا هاته بداتي .

> ''ایولی میں جو سب شریک ہونے کے نہیں' اُس ملک کی کام ٹھیک ہونے کے نہیں ، 'جنگوں نہیں' شیعے آمرالقیس بلیں' ''ایاؤسٹ جی والمیکن ہونے کے نہیں ''

दिनों कार्यों स्टरत अवशिवार की तो कार में बहुत के संस्कृत के शब्द कर तरसम रूप में और इस उज्राव रूप में था घुसे. अब इस चाहते हैं कि सारे हिन्द्रस्तान की एक भाशा हो. **इतने बड़े देस में एक भाशा बनने के किये तो सैक**ड़ों बरन चाहियें केकिन व्यव हम इतना तो कर सकके: दें कि हम अपनी राष्ट्र भाशा पेसी बनाएं जो सब प्रान्तों में बासानी से समग्री आ सके. इस का सहज तरीका यह है कि जो को सफ्ज हिन्द की हर एक बोली की दिक्शनरी में उसी कष या वैसे ही रूप में पाय बाते हों उन्हें अपनी रारद्र बाशा में तरसम रूप में ले बावें चाहे वह शब्द किसी भी शाम्ब की बोल बोली में उस तस्सम रूप में न पाया जाता हो. यह विचार देखने में तो सुन्दर ही नहीं सरल भी मालूम **हीता हैं. खराबी है तो केवल यह कि भाशा विद्या के** धारे बोटे मोटे नियम जो मैंने पच्छिमी विद्वानों से केन्द्र इस किवाब में लिखे हैं वह सब दृटते हैं:—(1) भाशा को देस में फैलती है वह भकसर राजधानी की बोल बोखी होती है या कभी कभी किसी कविया धर्मी लीडर की. (2) कोई ताक़त जल्दी किसी भाशा के ताने बाने और उस की बनावट को बदल नहीं सकती. इन तरसम शब्दों से हमारी सब बोलियों का ताना सम्बा हो जाता है. (8) हमारी आज कल की इलमी अवान अंगरेकी है, संस्कृत नहीं, इस बङ्गत देश में अंगरेकी जानने बालों की गिनती संस्कृत के जानने बालों की गिनती से कई गुनी है, इसिक्किये यह नामुमिकन है कि हमारी बोक्तियों की बठती \mathbf{m} बानी में उस का रंग न \mathbf{s} जाप. (4) हमारे देस में हिन्दू ही नहीं रहते, और मतों के लोग भी रहते हैं, उनसे हमें मेक रखना परेगा. (5) भाशा सदा सरलता की तरक बहती है, मोदे नोकवार शब्द यानी जुड़े हुए व्यंजनों बाते शक्य सोगों के गले में चुमते हैं. (6) लिप का माशा से गहरा नाता होता है. हमारे विधान वाले चाहे कितना ही देवनागरी को पाहें इमारे देस की आर्थिक दशा को देव सामरी से बैर है, न नौ मन तेल होगा न राशा नाचेंगी. आक इस ही नहीं पैसा सदा से महाबल शन है. (7) अपने वेंस का इतिहास में कुछ सुना चुका हूँ. अगर देस का रख बद्बना है तो संस्कृत से नेजा लगाव छोड़नाही होला. (8) दुनिया अब इतनी छोटी हो गई है कि हम विवाद्या प्रवाग नहीं रह सकते. हमारी भारा। पर और क्राक्तों- की भाशा का दी नहीं और मुल्कों की खबान का भी भसर परेगा.

कहीं कहीं कोई कोई खेकिन दवी प्रवान से कुछ माई मेरी बाकों का मूँ जवाब देते हैं कि यह सब कुछ ठीक है, केंकिन वह कोई साशा यानी बोध-बोकी नहीं बना रहे, वह केंकिन वह किसी बोकी, क्षेत्र स्वीतर्श प्रवान बना रहे हैं जो

فأزون ادبى مورت لخاتهار كي تو أس مهي فهمها بيث بيالسكونه کے شید احجہ تعسم روب میں اور گنچے تدیہو ورب میں آلهسے. اب مم چاهتے هيں ته سارے هالمستان كى ایک بهاها هو. اتلے بوے دیس مهی ایک بهاها بقلے کے لیے تو سیکروں ہرس چاھائیں لیکن اب هم اتنا تو کرسکتے میں کہ هم اپنی راهتر بهاشا ایسی بقائهن جو سب برانتون مين آسائي سے سمجھي جاسكے. إس كا سهل طريقه يه هي كه جو جو لفظ هذه كي هر ایک بولی کی تکشاری میں اُسی روپ یا ریسے هی روب میں یائے جاتے ہوں اُنہیں ایٹی راشٹر بہاشا میں تعسم روپ میں لے آویں چاہے وہ شبد کسی بھی پرانت کی بول ہوای میں اُس تخسم روپ میں له ہایا جاتا هو، په وچار ديکهنے ميں تو سندر هي نههن سرل ہے۔ معلوم هوتا هے . ڪرابي هے تو كهول ية كه بهاشا ودیا کے سارے موالے موالے نہم جو مهی نے پنچھمی ودرانوں سے لے کر اس کتاب میں لامے میں وہ سب توتیے میں:-(1) بهاشا جودیس میں پهیلتی هے وہ اکثر رأجدهانی کی ہول ہولی ہوتی ہے یا کبھی کبھی کسی کوی یا دهرمي ليدر كي. (2) كوئي طالت جادي كسي بهاشا کے تانے بانے اور اُس کی بدارت کو بدل نہیں سکتی . اِن تنسم شددوں سے عماری سب درلیوں کا نانا المبا ہو جاتا ہے ۔ (3) ہماری آج کل کی ملمی زبان أنكريوني هے' سلسكرت نهيں' اِس وقت ديس ميں انگریزی جانئے والوں کی گفتی سفسکرت کے جانئے والوں کی کلعی سے کئی کلی ہے اس لئے یہ نامیکی ہے کہ هماری بولیوں کی آٹھٹی جوانی میں اُس کا رنگ ند آئے . (4) مبارع دیس میں مندر کی نہیں رہتے' اور معوں کے اوک بھی رھتے ھیں' اُن سے ھمھی مھل رکها پوے گا . (5) بهاشا سدا سرلتا کی طرف بہتی ها نوادار موتےشدد بعلی جوے هوئے والمجلس والمشددلوگوں کے کلے میں چھبتہ میں. (6) لھے کا بھاشا سے کہرا ناتا هوتا هي هماري ودهان واله جاهي كتدا هي ديوناكري کو چاهیں هدارے دیس کی آرتیک دشا کو دیوناگری سے بھر 🚓 . نه نومن تيل هوکا نه رادها ناچيس کي . آج کل هى نويس يهسه سدا سے مها بلوان هے. (7) ايم فيس كا أنهاس مهن كجه سناچكا هون . أكر ديس كا وم بدالما هے تو سلسكرت سے بهجا لكاو جهورتا هي هُوا . (8) دنوا أب اتلى جهرتي هوككي هي كه هم بالكل ایک نهیں رہ سکتے . هداری بهاشا پر آور پرائتیں کی پھاشا کا عی نہیں اور ملکوں کی زبان کا بھی اگر ہوے گا۔ كهيوں كہوں كوئى كوئى ايكن دبى زبان سے كتھم مهالی مهری باتوں کا بور جواب دیتے هیں که یہ سب کجه الهدكساها ليكن ولا كولى بهاها يعلى بول بولى تههن بناوها ولا كهول ايك الكهي بولي اليك دفقري زبان بقاره هيل جو

'51 men

में कादीनी सिकाने के तिये किसी गई भी यही हाल इस हिन्दी प्रामर का था. नाम तो हिन्दी की, जिसी गई संस्कृत सिखाने के लिये. सुनता हूँ यह प्रामर यू. पी. और दिल्ली में कोर्स में है. देख कर दिल ठंडा हो गया. ऐसा मालूम होता है कि हम भी वही ग़लती करने पर तुले हुए हैं जो अंगरेज अपने देख में उन्नीसवीं सदी तक करते बाए हैं. वितियम ्वाड ने अपनी अंगरेजी जवान की प्राप्तर (1767) में सातीनी टरमों के बरतने की वजह इस तरह बयान की है-''ब्रॅंकि किसी बादमी को पता नहीं कि उसे फिर कोई ब्रीर ज्यान भी सीखनी पड़े तो उसे श्रागरेजी भी क्यों न इस तरह सिखाई जाय जिस से इसे और जवान सीखने में बासानी हो." क्या खुब ! ब्रंगरेजी सीखना चाहे हर एक के लिये मुशकिल हो जाय! कैसी अचरज की बात है कि अंगरेजी जानते हुए भी हमारे शिक्षा विभागी चौर यूनीवरसिटियाँ दूसरों की गलतियों से कायदा नहीं चठा सकती. ईरवर चन्हें चिरंजीव करे ताकि अपनी रासतियाँ वह आप देख सकें और हमारी संवान को इस मुसीबत से छुटकारा मिले.

到是我的人们是"你说,我们就就没有什么"的问题的人都被**说**的人的说法,还是我们

चाँद वरदाई हमारी भाशा का सब से पहला कवि कहा जाता है. उस की कविता में भी बहत से फारसी के लक्ष्य पाए जाते हैं. यह लाहीर का रहने वाला पृथ्वीराज के दरबार का किव था. हिन्दी का दूसरा दौर अकबर के जामाने का है. उस में भी कारसी लक्ष्यों से परहेज नहीं अगर हिन्दी बरद के विकास और मगड़े की बाबत ज्यादा आनना हो तो पं० पद्म सिंह शर्मा की किताब "हिंदी उरद भौर हिन्दुस्तानी" पढ़ लीजिये. एक हिन्दी साहित्य सम्मेलन के सभापति की बाबत यह कहना कि वह फारसी के पच्चपाती थे, ठीक नहीं मालूम होता. उन के विचार के अनुसार हिन्दी को बिदेसी लफ्जों से साफ करने का ख्रयाल बहुत पुराना नहीं और बहुत कुछ चन्द कम समम मुसलमानों की रीस का फल हैं. कुछ मुसलमान हिन्दी शब्दों से परहेज करते थे, बन को देखा देखी कुछ हिन्दू भी फारसी लफ जों को पक्त समभने लगे. इस परहेज की एक और वजह भी दी जाती है. उस पर ठंडे दिखा से विचार करने की जरूरत है.

में पहले लिख आया हूँ कि वंजारों की मेहरवानी से विस्ती की बोली हूर दूर के देशों में अगर बोली नहीं तो समझी जाने लगी. इस बोली में बहुत से लफज तो हिन्दी के बे, इस फारसी के, पर संस्कृत का शायद कोई न था. इसी तरह रमते साधू संतों की मेहरवानी से कोई दस बीस संस्कृत के ऐसे शब्द जिन का वास्ता धर्म से था सारे हिन्दु-स्ताम में समझे और बोले जाने लगे. मैं यह भी लिख आया हूं कि मुसलमानी राज से पहले संस्कृत सिद्धों तक हमारी इसनी जवान रही है और इसलिये जब किसी प्राकृत ने इन

میوں الملینی سکھانے کے لئے لکمی کئی ہوی ، یہی حَمَالَ إِسْ هَلَدْنِي كُرَامُو كَا تَهَا . نَامَ تُوهَادُنَّي كَي النَّهِي گلی سلسکرت سکھانے کے لئے ، سلتا هوں یہ گرامر ہو، پی أور دلى مهن كورس مين هے . ديكهكر دل تهندا هركيا . أیسا معلوم هوتا هے که هم بهی وهی فلطی کرنے پر تلے هوئے مهن جو انگريز اي ديس مين انهسوين صدى نک كرته آئے میں . ولیم واق نے آیتی انگریزی زبان کیگرامر (1767) میں لاطیدی ترموں کے برتدے کی وجہ اِسطوم بیان کی ھے۔۔۔'' چونکہ کسی آدمی کو بتد نہیں کہ اُسے پھر کوئی اور زبان بھی سیکھنی پڑے تو اُسے انگریزی بھی کیوں نے اِسطرے سکھائی جائے جس سے اُسے اور زبان سیکھنے میں آسانی هو ." کیا خوب ! انگروزی سیکهنا چاهے هر ایک کے لگتے مشکل هوجائے! کیسی آچرے کیبات ہے که انگریزی جانتے هوئے ہی همارے شکشا وبھاگی اور یونهورستیاں دوسروں کی فلطیوں سے فائدہ نہیں اُٹھا سکتیں . ایشور أنههن لجرنجهو كرے تاكم أيني فلطهاں ولا آپ ديكه سكههن اور شمارہ منتان کو اِس مصهبت سے چھتکارا ملے .

چاند بردائی هماری بهاشا کا سب سے پہلا کوی کہا جاتا ہے . اُس کی کویتا میں بہت سے فارسی کے لفظ پائے جاتے ھیں . یہ لاھور کا رھنے والا پرتھوی راے کے دربار کا کوی تھا ۔ ہندی کا درسرا دور اکبر کے زمانے کا ھے۔ اُس میں بھی فارسی لفظوں سے یوھیز نہیں ۔ اگر ھلدی أردو كے وكاس أور جهكترے كى بابت زيادة جانفا هو تو پنتت پدم سنگه شرماً کی کتاب "هندی اُردو اور هندستانی'' یوه لهجدًے ایک هندی ساهته سمهان کے سبهایتی کی بابت یه کهنا که وه فارسی کے یعص پانی تھے' تھیک نہیں معلوم ہوتا . اُن کے وچار کے انوسار هذدی کو بدیسی لفطوں سے صاف کرنے کا خهال بہت پرانا آنهیں اور بہت کچھ چند کم سمجھ مسلمانوں کی ریس کا پہل ہے . کچھ مسلمان مندی شبدوں سے پرهیو كرتم تمر أن كى ديكها ديكهى كجه هدد بهى فارسى لفظون كو أجهوت سمجهد لكي أس يرهيز كي ايك اور وجه بھی دی جاتی ہے . اُس پر تھندے دل سے وجار کرنے کی ضرورت ھے .

میں پہلے لکھ آیاھوں کہ بلجاروں کی مہربانی سے دلی کی بولی دور دور کے دیسوں میں اگر بولی نہیں تو سمجھی جانے لگی ۔ اِس بولی میں بہت سے لفظ تو ہلدی کے تھے کچھ فارسی کے تیر سلسکرت کا شاید کوئی نہ تھا ۔ اِسی طرح رمائے سانھو سنتوں کی مہربائی سے کوئی دس بیس سنسکرت کے ایسے شبد جن کا واسطہ دھرم سے تھا سارے ہندستان میں سنجھے اور بھی جائے لگے ۔ میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلمائی بولی جائے لگے ۔ میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلمائی بولی جانے لگے ۔ میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلمائی بھی جانے لگے ۔ میں یہ بھی لکھ آیا ھوں کہ مسلمائی بھی جانے اُن کے جب کسی بواکرت نے آئی

और सब से ज्यादा रोने की बात यह कि बाज हमारे विद्यान इस सम्बता पर प्रकृतिकात ही कर नायते हैं. चौथी सबी बी. सी. में ईरानी चाए, दूसरी सदी बी. सी. में यूनानी कार, पहली सदी बी. सी. में गूजर खार, फिर बहुतेर बाए राजपूत, मंगोलियन, हुन और बहुत सी क्रोमे--पिक्कम से भी, पूरव से भी और इसर से भी. दो चार हुआर का लशकर जमा करना और पिछल्ल से पूरव तक का भावा बोलना मुमकिन होगया. और तो और जो यहाँ आग तेने भी आया घर का सातिक वन बैठा. पुर्वगाली, डच. फ्राँबीसी. अंगरेज ब्योपार के लिये आए थे, राजे बन बेठे. अजब तमाशा है, इतनी क्रीमें यहाँ आकर बली लेकिन हमारा खून सभी तक शुद्ध सार्थों का ही रहा सौर इसिविये हमारा धर्म है कि हम अपनी शुद्ध आर्थ भाशा वैदिक ही बोलें! और दूसरी अदि-हांसक बात यह है कि इस अरसे में चाहे कितने ही राज यहाँ बने और लुटे, नाहानी टैक्स जो हम पर दो तीन हजार वरस हुए लगाए गए थे वह हम अब तक बड़ी ज़शी से देते हैं कोई हिन्द् जन्म नहीं से सकता, उथाह नहीं सकता, मर नहीं सकता और तो और पुरखों को याद नहीं कर सकता जब तक अपनी आमर्नी के अनुसार वह यह टैक्स अदा न करे चाहे हम पैसे पैसे के लिये मूट बोलंने, बोरी करने, रिश्वत देने में और सब देशों को मोलों पीले छोड़ बाए हों, हमारा यह ख़ुशी ख़ुशी टैक्स देना हिन्दू जाति को महा-धर्मी और महा-भारमी बनाता है. इसिलये इस धर्म शक्ति को किसी तरह हानि पहुँचाने से ज्यादा और कोई पाप बड़ा नहीं हो सकता ! हमारी बोली का इतिहास इस बात का साबूत है कि जब कोई शक्त यानी बोल बोली, तिस्ती बोली का रूप भारन करती है तो उसका मुख्य प्रचार जात पात के विरुद्ध होता है और इस तरह इस टैन्स को हानि पहुँचाता है. बौद्ध भीर जैन मत ने यही प्रचार अपनी प्राकृतों में किया. सिर्यों बाइ हिन्दुस्तानी पैदा हुई. उस में भी कवीर, नानक आदि ने यही राग अलापे. इसलिये ऐसी भाशा को बीते रहने हेना महा पाप है! ऊपर से यह अंगरेकी का टपकी जो ाराबरी बराबरी ही चिल्लाती हैं. ऐसे कड़े वहतों में संस्कृत ौ इमें फिर बचा सकती है! इसलिये उसे लाओ जरूर, ंस्कृत के रूप में नहीं ला सकते तो हिन्दी की ही शकल सदी !

मैंने बचपन में उरदू की खौर संस्कृत की मामरें कुछ कुछ वि. हिन्दी की बामर देखने का इचकाक नहीं दुचा था. बिताब को देवनागरी में छपवाने के जिये मैंने अपनी नवासी से उस की हिन्दी प्रामर जी. उसे देख कर को सरें की अंगरेजी प्रामर याद आगई जो उनासवीं के सक में इंगलैंड के बहुत से स्कूजों में पढ़ाई जाती की साम की तो अंगरेजी सिकाने के जिये लेकिन असल

الور است بنے زیادہ رولے کی بات یہ کہ آیے مساوی ودولن ایس ستهها پر دربهلت هوکر تاجیه هیں، بهرتهی سی سی، مهن ایرانی آئے' دوسری صدی ہی سی، میں یونانی آئے' پہلی صدى ہى . سى . ميں لوجر آنے' پهر بہتھرے آئے راجهرت' ملگرلین هوی اور بهت سی قومهن --- پچهم سے بهی پورب سے بھی اور آتر سے بھی . دوجار هزار کا لشکر جمع کرنا أرر ينجهم سے پورب تك كا دهاوا بوللا ممكن هوكها . أور تو أرر جو يہاں آگ لياے بھی آيا کھر کا مالک بن بھٹھا . ورتكالى و قرانسيسى المريز "بيويار كه ليم آنه ته واج بن بيتني . عجب تماشه هـ ؛ إننى قومين يهال أكر يسين ليمن همارا خبن ابهي تك شدة آريين كا هي رها أور إس للے ممارا دهرم هے كه هم ايلى شده آريه بهاها ريدك هي پولیں ! أور دوسرى أتهم السك بات يه هے كه اِس موسے میں چاھے کتنے می راج یہاں بنے آور لیے' براہمنی تھکس جو هم ير دو نهن هزار برس هوئد لثائد گئد تعد وه هم آب تك ہوں خوشی سے دیتے میں . کوئی هلدو جلم نہیں لے سکتاا بياة نهيس سكتا مرنهين سكتا أور تو أور يركهون كويادنهين ور سکتا جب تک اینی آمدنی کے انوسار وہ یہ تھکس ادا ند کرے . چاہے هم پیسے پیسے نے لئے جهوت بولنے ' جوری كرني شوسادينيمهن آور سب ديسون كومهلون بفيه جهور آله هررا همارا يه خرشي خرشي تيكس دينا هندو جالي كو مهاد عرسي أور مها آتسي بقاتا هي . إسليُّ إس دهرم شكتي کو کسی طرح ھانی پہنچائے سےزیادہ آور کوئی پاپ ہڑا نہیں عوسكتا! هماري بولى كا إنهاس إس بات كا ثبوت هے كه جب کوئی پواکرت یعلی بول بولی کایی بوای ووب دهاون كرتى هے تو أسكا مكهه يرچار جات يات كے ورده هوتا هے أور إسطرے إس تهكس كو هائي پهلتهاتا 🚗 . بودھ آور جين ست نے يہى پرچار ايلى پراكرتوں مهن کها ، صديون بعد هندستاني بيدا هوئي ، أسهن بھی کبیر' نانک آدمی نے یہی راک الایے . اِسلئے ایسی بهاشا کو جهتے رهنہ دینا مها پاپ هے! اربر سے یه انگریزی آٹھکی جو برابری برابری ھی چلانی ہے . ایسے کوے وقتين مين سلسكرك هي هدين يهر بنها سكتي ها! اسلکے آیے لاؤ ضرور' سدسکرت کے روپ میں نہیں لا سکتہ الو هلائي کي هي شکل مين سپي !

میں نے پنچین میں اُردو کی آور سنسکرت کی گرامریں کی جیم کچھ پوھی تھیں ۔ ھلاسی کی گرامر دیکھئے کا اُتفاق اُنہیں بھوا تھا ۔ اِس کتاب کو دیوناگری میں چھپوائے کے لئے میں نے اُنہیں نواسی سے اُسکی ھلادی گرامریاد آگئی جو اُنہسویں صدی کے لئے مرے کی اُنگریؤی گرامریاد آگئی جو اُنہسویں صدی کے بہت سے اسکواوں میں پڑھائی جاتی تھروع میں انگلیلڈ کے بہت سے اسکواوں میں پڑھائی جاتی تھی جو نام کو تو اُنگریؤی سکھانے کے لئے لیکن اُصل

· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	مئتها
महिद्या मृत्तिका मही मही अदेदै कर्पे	
كلترر كرشن لانهة كشن १४ من الله كشن करहों-करनो कुरण कान्द्र-किरान منته كلترر كرشن	كلوهو
	جٹی ۔
साक्षो श्याल साला साला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥	سالو
सामलो श्यामल साँबता	ساملو
	ماوستج
पोत्थन्त्रं प्रस्तकं पोधी पोधा ५०३५ پستکم پرتهی پرته	يوتهم
रुक्स वृत्तः रुख रुख (रें)) (रें))	روکھ
मसागं श्मशानं मसान मसाग् ग्रामणं क्यां के के कि	مسانوا
संकलं शृंखलं सांकल संकल 🎞 سانکل سلکل سلکل سلکل شرنکهای	سلكلن
सच्च सत्य सच सच्च ६३ ६७ ५५%	œ"
राची रात्री रात राचीं التعرب دانت دانتو	ر ^{اتت} ی
अग्गी अग्नि आग अग्ग ी ी	:ککی

संस्कृत के बनाए जाने का कारन में संस्कृत के बाब में लिख भाया हूँ. गो संस्कृत बनी थी चौथी सदी बी. सी. में, पहला पत्थर जिस पर संस्कृत खुदी हुई है वह 150 बी. सी. का है और इस के बाद के भी जितने पत्थर दो तीन सी बरस तक के मिले हैं वह प्रकृत में हैं. संस्कृत पत्थर तो तीसरी सदी बी. सी. में ख़दने शुरू होते हैं. माने यह कि संस्कृत को दरबारी जवान बनने में पाँच है सी बरस लगे थे. किसी नई भाशा को पंद्रह बरस में दफतरी खबान बनाने का खयाल अञ्चल है. लाख दिल को सममामा, जो भाशा बनाई जा रही है नई भाशा ही नहीं एक बनावटी भाशा है. भाजकत प्राने संस्कृत शब्द ही नहीं लाव जा रहे, बल्कि हमारी बोली के मामूली से मालूमी लक्ष्णों की संस्कृत का खामा पहनाया जा रहा है. दूसरे लक्कों में यूँ कहना शायद राज्य न हो कि हमारी बोली को बैदिक से मिलाया जा रहा है और लक्ष्यों के लिहाज से हम तीन हजार बरस पहले जाना चाहते हैं.

बार्य यहाँ एक हल्ले में नहीं आए, एक दो सदी तक दे लहरों में आते रहे. जो लहर आई उसने अगली को और आगे उदेला. यहाँ आकर उन्होंने खेती वाड़ी सीखी, इसिखेंचे उनमें भी ब्राह्मन पैदा हो गए. एकता का भाव उनमें अभी पैदा हो नहीं सका था कि समाज अलग अलग जातियों (Communities) में ही नहीं अलग अलग जातों (Castes) में भी बंट गई. समाज के दुकड़े दुकड़े करने के लिये यह नसल और जात की दीवारें काफी न थीं, संस्कृत बना कर एक भाशा की छत डाली गई. जो इसे जाने वह उपर की छत पर रहने वाला अपने आप को छछ देवता सा समझने लगा. इस तोड़ फोइ का फल है हमारा इतिहास कहते हैं. जिस का दिल का इसारे देस में आ छुता और आकर राज करने लगा.

The state of the s

سنسکرت کے بنائے جانے کا کارن میں سنسکرت کے اب مهن لکه آیا هرن . گو سلسکرت بلی تهی چوتهی مدی ہی . سی . میں کہلا پالھر جس پر سلسکرت کھدی نوئی ہے وہ 150 ہی . سی ، کا ہے اور امکے بعد کے بھی متنه پتهر دو تین سو پرس تک کے ملے مهن وہ براکرت مهن نهن ، سلسکرت پلهر تو تهسري صدي يي . سي . مين هدنےشروع هوتے ههی ، معلمیء که سلسکرت کو درباوی زبان لملے میں یانیم چھ سو برس لگے تھے . کسی ندی بھاشا کو لمدرة يرس مهن دنتري زبان بنانے كا خهال اچهوتا هے . اکه دال کو سمجهای جو بهاشا بنائیجا رهی هے نئی بهاشا نی نہیں ایک بناوتی بھاشا ہے . آجکل پرانے سنسکرت نبد ھی نبھن الے جا رہے' بلکہ ہماری ہوائی کے معلولی ہے معمولی لفظوں کو سلسکرت کا جامع پہلایا جا رہا ھے . الوسوم لقظول مهل يول كهذا شايد فلط نه هو كم هماري ولی کو ویدک سے ملایا جا رہا ہے آور لفظوں کے لتحاظ سے نم تین هزار برس پہلے جانا چاہتے میں .

आर्थों के आने से पहले सिन्ध पंजाब में तो जरूर और खयाल किया जाता है कि राजपूताना और दक्खिन में भी सरस्वती, नर्वदा भौर ताप्तो की वादियों में सुमेरी सभ्यता फैली हुई थी. वह उस जमाने के लिहाज से बड़ी ऊँची सभ्यता गिनी जाती है. हिन्द के दूसरे हिस्सों का हाल मालूम नहीं लेकिन खयाल यही है कि वहाँ सभ्यता बहुत कम थी. उस जमाने की बोलियों का हमें अभी तक कुछ पता नहीं, लेकिन आयों के आने के दो तीन सौ बरस बाद जो बोली यहाँ बोली जाती थी वह वैदिक थी जो आर्य भाशा और हिन्द भाशा के जोड़ से पैदा हुई थी. इसिलये उसे पुरानी संस्कृत कहना ठीक नहीं क्योंकि यह प्राक्तत यानी कुदरती भाशा थी. इस वैदिक भाशा में वड़े श्रच्छे श्रच्छे कवि हुए हैं जिनकी कविता को वेद कहते हैं. आहिस्ते आहिस्ते, जैसे कि हमेशा होता है इस भाशा के लक्ज भी छोटे श्रीर स्वरों से लदने लगे श्रीर इसने देस देस में जाकर चार सौ बरस में कई रूप रंग बदले. इस श्वरसे में जात पात भी बन गई, सातवीं सदो बी, सी, में बौद्ध श्रीर जैन धर्मी ने जन्म लिया. इन धर्मी की दया से पांचवीं छटो सदी बी० सी० में जो प्राकृतें बाली जाती थीं उन में से कुछ का ज्ञान अभी तक हो सकता है, इन प्राकृतों से एक बात साफ है कि हमारी आजकल की बोलियां उन प्राकृतों से ज्यादा मिनती जुलती हैं और संस्कृत जा पीछे बनाई गई यी उस से कम मिलती हैं. इसके माने यह हुए कि जिन्हें पंडित तद्भव शब्द कहते हैं वह असल में तत्सम है और तत्सम तद्भव.

पाली की डिक्शनरी में ऐसे सैकड़ों लक्ष्य मिलते हैं. मैं नम्ने के तौर पर थोड़े से लिखता हूँ:—

प्राकृत	संस्कृत	हिन्दी	पंजाबी
छे	षष	छै	छी
सत्ता	सप्त	सात	सत⁻
संका	सम्ब्या	साँभ	संभा
सिप्पी	श्रुक्ति	सीपी	सिप्पी
सिप्पी	शिल्पन	सेपी	सेपी
द्स-द्ह	दश	द्स	द्स-दह
बारह	द्वादश	बारह	बाराँ
ते रह	त्रयोदश	तेरह	तराँ
घर	गृह	घर	घर
कहाँ	कुत्र	कहाँ	किथे
<u>પુત્રો</u>	पूर्ममाशी	पूनो	पुत्रो
रुखो	रुच	स् खा	रुखी
रोगी	रोगिन	रोगी	रोगी
सुई	सूची	सुई	सूँई

آریس کے آنے سے پہلے سلدھ پلجاب میں تو ضرور اور خهال کها جاتا هے که راجهوتانه اور دکھن مهن بھی سرسوتی ' نربدا آور تایعی دی وادیون مین سومیری سیمهتا پهیلی هوئی تھی . وہ اُس زمانے کے انحاظ سے بوی اُونچی سبھیتا للي جاتي هـ . هلد کے دوسرے حصوں کا حال معلوم، نہیں ایکن خیال یہی ہے که وہاں سبهیتا بہت کم تھی۔ اس زمانے کی بولیوں کا همهن ابهی تک کچه پنته نههی، لهکن آریوں کے آنے کے دو تین سو برس بعد جو بولی یہاں بولي جاتي تهي ولا ويدك تهي جو آرية بهاشا أور هند بهاشا کے جوز سے پہذا ہوئی تھی ۔ اِسلئے اُسے برانی سلسکرت كهذا تهيك نهين كرونكه يه براكرت يعنى قدرتي بهاشا تھی اس ویدک بھاشا موں بڑے اچھے اچھے کوی ہوئے هوں جلکی کویتا کو ورد کہتے میں . آهستے آهستے جیسے که همهشته هوتا هے اِس بهاشا کے افظ بھی چهوائے اور سوروں سے لدنے لکے ارد اِس نے دیس دیس میں جاکر چاد سو برس میں کئے روپ رنگ بدلے. اِس عرصے میں جات پات بھی بن گئی ، ساتوین صدی بی . سی میں بودھ آور جہن فهرموں نے جلم لیا ۔ اِن دھرموں کی دیا سے پانچہیں چهتی صدی بی . سی . میں جو پراکرتیں ہولی جاتی تههي أن مين سي كجه كا كيان أبهي تك هوسكما هي إن پرائرتوں سے ایک بات صاف ہے که هماری آج کل كي بولهان أن بواعرتون سے زياد ملتی جلتی ههن آور سأسكرت جو يدجه بدائي كأي تهيأس سے كم ملكى هيل . أسكم معليايه هوأء كه جلهيس بلذت تدبهو شبد كهتنم هيين وة أصل مين تقسم هي أور تأسم تديهو .

ہائی کی قکشاری میں ایسے سیکورں لفظ ملتے ہیں۔ مہی نمونے کے طور پر تھوڑے سے لکھتا ہوں :۔۔

	٧ - ١٠٠٠	//- // //	
پنجابی	هلدى	سلسكرت	پراکرت
چهی	چھ	ش ھ <i>ن</i>	æ
ست	مدان	سهت	ستتا
سلجها	سانجه	ستدعها	سنجها
سىپى	سيپي	شوكتى	سهپی
سے ہی	سے پی	شلپن	سههى
دس ده	د <i>س</i>	دھي	دس ده
بارا <i>ن</i> باران	باره	دوا دش	پ ^{ار} ه
تدران	تهره	تريودش	تهره
گهر	گهر	گره	گهر
٠٠ ک ت هے	کہاں	کوتر	کهاں
يولدو `	پ ^{رون} و	ړورتماسي	پوندو
24533	روكها	دو ^ي ه <i>ن</i>	رو که ر و
روگی دوگی	(وگی	دوكين	دوگی
	سوقى	مرچ _ن مرچن	ښودي
سول إي	مساو سي	٠+٠	₩,,,

ستبهر 51'

भौर सोसाइटियाँ बनीं जिन का आदर्श ही यह है कि ऐसी सलीस सुथरी भाशा में लिखो जो जनता आसानी से समम सके

हमारे यहाँ न एक मत, न एक लिपि, न एक भाशा, न कोई फ़ौजी डिक्टेटर जो भूत से भविश्य की तरफ हमारा रुख बद्दो. ताक्रत बोट की है और बोट भी अनपदों का जिनका गुजारा खेती पर है. यह एक मानी हुई बात है कि जिस देख में गुजारा बहुत कुछ खेती बाड़ी पर हो वहाँ जोर माझनों का होता है जो सदा भूत नचाते हैं. उन का बस चले तो और किसी को पढ़ने न दें. बीसवीं सदी में यह बात खुल्लम खुल्ला तो नहीं कही जा सकती पर भाशा को सश-किल से मुशकिल बना कर वही मनोरथ सिद्ध हो सकता है. धरदू वालों ने धरदू मुश्रल्ला बनाई जो ''जो सममे सो सममे को न सममे अपनी जहालत के हवाले". हिन्दी वाले हिम्दी को संस्कृतमई बना रहे हैं जिस से एक ऐसी लोहे की दीवार खिंच जाय जो आसानी से टापी न जाए. द्रुतरी बोली के लिये वह लिपि चुनी गई जिसकी लिखाई छपाई दोनों मेंहगी और मुशकिल हों. इन बाह्मनों के अनपढ चेलों का बोट लोने के लिये हर एक पार्टी भाशा को दिनों दिन मुशकिल बना रही है ताकि दलील से नहीं में टेल को के जाद से बोट लिया जाए. हमें आजादी बहत कुछ गांधी जी की मेहरबानी से मिली. अगर वह चाहते तो शायद डिक्टेटर हो सकते थे लेकिन वह श्रहिन्सा का देवता कहना भी मनवाता था तो रूठ कर. इस के निमलवर्तन (असहयोग) के हथियार से भी नाहानी राज को ढर था इस लिये एक अधिक बहके श्राह्मन ने उसे मार डाला. कौन जाने कल क्या होगा. सुमकिन है कि यहां की हकूमत की बाग डोर किसी दिन किसी ऐसे फौजी अफसर के हाथ आ जाय जो बिफटेटर बन कर देस का रुख बदल दे. अगर ऐसा जल्द म हुआ तो किसी भी सुधार के लिये तब तक 25-30 बरस सत्र करना पड़ेगा जब तक नई पींद जवान नहीं होती. सुसकिन है कि इस अरसे में इस तरह के ब्राह्मन फिर किसी विदेसी कीम को यहां बुला लें या ऐसी हालतें पैदा कर दें जिनसे ग़ैरों का फिर हिन्द में हकूमत करना मुम-किन हो जाय.

कत क्या होगा इस पर लिखना नादानी है. इतना चारूर कहा जा सकता है कि जब तक किसी देस के बदन में कोई कीड़ा लगा रहे वह देस पनप नहीं सकता. जबान का जादू, जबान की दोवार, मरे हुए बाबा की मोटी मोटी काखें यह तीनों बीमारियाँ जान लेखा न सही देस का लहू चुस केती हैं. बिहान कहते हैं कि इतिहास मुद्र मुद्र कर बदी हरय दिखाता है; इसलिये अपने इतिहास पर कुछ विवार हासनी मुनासिव है. اور سوسائٹیاں بنیں جن کا آدرش ھی یہ ھے کہ ایسی سلیس ستھری بہاشا میں لکھو جو جنتا آسانی سے سنجھ سکے .

هماری یهاں نه ایک مت نه ایک لهی نه ایک ، بھاشا' نم کوئی فوجی ذانقیتر جو بھوت سے بھوشیم کی طرف هماراً رَخ بدلے . طالت روت کی هے اور روت بھی آن پوهس کا جن کا گزاره کهیتی پر هے . یه ایک مانی ھوئی بات ہے کہ جس دیس میں گزارہ بہت کچھ کھیتی بازی پر هو وهان زور براعملون کا هوتا هے جو سدا بهوت نجاتے ههوں . أن كا بس جلے تو أور كسى كو يوهلے نه دين . بهسوين صدى مهن يه بات كهام كها تو نههن کھی جاسکتی پر بھاشا کو مشکل سے مشکل بناکر وھی مدورته سده هوسكتا هي أردو والول ني أردو معليل بنائي جو "جو سنجه سو سنجه جو نه سنجه اپني جه لت کے حوالے" علدی والے علدی کو سلسکرت ملی بنارهے هیں جس سے ایک ایسی هے کی دیرار کهینی جائے جو آسانی سے تاہی نه جائے . دفتری بولی کے لیّے وة لدي چلي گئي جس كي لكهائي جهدائي دونون مہنگی اور مشکل ہوں . اِن براھمدوں کے آنیوھ چیلوں كا روت ليد ك لئے مر ايك بارثى بهاشا كو دنوں دن مشکل بدارهی هے تاکه دلهل سے نہیں موثی لفظوں کے جادر سے ورت لیا جائے . همیں آزادی بہت کچھ کاندهی جی کی مهربانی سے ملی . اگر وه چاهتے تو شاید دکته تر هوسكتے تهے ايكن وه أهلسا كا ديوتا كهذا بهي منواتا تها تو روقه کر . اُس کے نملورتن (اُسهیوگ) کے هتههار سے بھی براھمنی راج کوڈر تھا اِس لئے ایک ادھک بھکے برالمس في أس مارة الا . كون جاني كل كها هوكا . ممكن ھے که یہاں کی حکومت کی باک ڈور کسی دن کسی ایسے فوجی اوسر کے هانه آجائے جو دنتیتر بنکر دیس کا رہے بدل دے . اگر ایسا جلد نم ہوا تو دسی بھی سدمار کے لئے تب تک 25-30 برس صبر کرنا ہو ک جب تک نکی پُود جوان نہیں هوتی . ممن هے نه اِس عرصے میں اِس طرح کے براهمن بھر کسی بدیسی قوم كويهال باللهن يا أيسي حالتهن بهدا كردين جن سے فیروں کا پھر ہند میں حکومت کونا ممکن

کل کیا ہوگا اِس پر لکھنا نادائی ہے . اننا فرور کہا جاسکتا ہے کہ جب تک کسی دیس کے بدن میں کوئی کیوا نا رہے وہ دیس پنپ نہیں سکتا . زبان کا جادو' رزبان کی دیوار' مرے ہوئے بابا کی موتی موتی انکہیں یہ تینوں بیماریاں جان لہوا نہ سہی دیسے کا لہو چوس لیتی ہیں ، ودوان کہتے ہیں که اِتہاس مو مو کو رہی درشیه دکھاتا ہے ؛ اسلئے آبے اِتہاس یہ کچھ نظر ذالنی مناسب ہے .

واله الألفيذالة الماليجة إلى ال

اللُّهُوا بَعِن لُم وهم تعمهل كراسكاتها . أور ديم وس كم مسلمانون على طور ترك بهي شريعت كا ديواني قانون مانته ته. أس كي جگه كمال نه سولتورلهند كا ديواني قاس تركي بهر جاری کردیا ، باقه کرنا اور کرانا جرم بشادیًے ؛ ان دو سدهاروں سے عورت قانون مهن مرد کے برابر هوگئی . بھارت میں ملدو کرت (جو اس کے سامنے ایک بہت جهرتا سدهارهے) جار برس سے لٹک رها هے . لٹک الثنا كر اتنا دبلا هوليا هے كه شايد ساما مين أور يتنا پُوار قانونی سبها کی چهللی میں سے چهن تکلے . درای مھی کمال پاشا نے جو سب سے بوی اور خوبصورت مستجد تنهی أسے كنچه تبديل كركے عجائب گهر بقا ليا أور كئي صمحدول کو داندر یا اسکول بنا لیا . همارے دیس میں سوک کو بھی سیدھا کرنے کے لئے هم کسی مندر یا مسجد کا کوئه نهیں علا سکتے . وهاں دهوم کا سارا جادو عربی خوقوں میں تھا ، اُس نے عربی حرقوں کو دیس نکالا نیا . پہلی جلوری 1926 کے بعد وہاں ایک کتاب بھی عربی حراس میں نہیں چھپی . همارے یہاں براعملی لهی کو دیس نکالا دینے کی جگه دیونا اوی کو سرکاری لهی بقائے کی تجویز پاس ہوچکی ہے . کمال نے ترکی میں سے وہاں کی براھملی بھاشا عربی کے سارے لفظ تکلوا **3ألے ، هماری سرکار براهمذی بهاشا سنسکرت کو بلا رهی** هے تاکہ یہاں کی ورجا سرکاری بولی کو سمجھ نه سکے .

قرکوں کے سر کا لباس وہ لال ترکی توپی کالے پھندنے وألى هوا كرتي تهي . كمال نے أس كا پهلنا بهي جرم قوار ر قایا لود ترکون کو فرنگی توپی پهائی . ترکی برآهمدون کا أيلًا برأهملي لهاس يهن كركهر سے باهر تكليًّا بلد كرديا . يه سب كتيه أس ن اله ديس كا رخ بدلله ك لئه كها . اس کے لیے اسے کچہ سماجی شاخیں می نہیں جویں مهی کاتملی پویس . وه اینلی دوم کو سدا یهی للکار کر کهتا تها "تركو بهادرو بوه چلو". 98 نيصدى توك مسلمان هیں اور 86 نیصدی کی مال ہولی درکی ہے ، یورپی وبالوں میں سے فرانسیسی کا سب سے زیادہ زور ھے ، پہر هومني و پهر اِتالين. انگريزي كي چوتهي جكه ه. سائلسي و فرانسهسی سے لئے کئے اور بہت سے یورپی لفظ زبان سُهُون عام هوكيَّه ، إن سب سدها،ون لا يولى يريم اثر الله ملغى جاهى هه ، كو توكي مين سور كل أنه هين الله سوروں سے اللے لدے هیں که بولی میں شکو کھل على والى سدهارون سے اولے تركى مين بهى لاهلے والے الم جو صرف بره هول سمجه سكتے تھے عام جلتا كا كسى کو فعمان نه تها. إن سدهاروں نے کلیا پات دی. اب تومی نعُرهُ " خَلْدُو دُولُرو ﴿ حَمْلَى = جِلْدًا ، دُولُرو = مين كهسو) هـ

श्रीर जिन की वही तामील करा सकता था. श्रीर देसों के मुसलमानों की तरह तुर्क भी शरीयत का दीवानी कानून मानते थे. उसकी जगह कमाल ने स्विटजरलैंड का दीवानी कानून तुरकी में जारी कर दिया. परदा करना और कराता जुर्म बना दिये. इन दो सुधारों से औरत कानून में मई के बराबर हो गई. भारत में हिन्दू कोड (जो उसके सामने एक बहुत छोटा सुधार है) बार बरस से लटक रहा हैं. लटक लटक कर इतना दुवला हो गया है कि शायद सभा में और पतला पड़ कर कानूनी सभा की छलनी में से छन निकले. तुरकी में कमालपाशा ने जो सब से बड़ी और .खूबसूरत मसजिद थी उसे कुछ तवदील करके अजायब घर बना लिया श्रीर कई मसजिदों को दफतर या स्कूल बना लिया. इमारे देस में सङ्क को भी सीधा करने के लिये हम किसी मंदिर या मसजिद का कोना नहीं हिला सकते. वहां धर्म का सारा जाद अरबी हरकों में था. उसने अरबी हरकों को देस निकाला दिया. पहली जनवरी 1926 के बाद वहां एक किताव भी धरवी हरकों में नहीं छपी, हमारे यहां माहानी लिपि को देस निकाला देने को जगह देवनागरी को सरकारी लिपि बनाने की तजबीज पास हो चुकी है. कमाल ने तुरकी में से वहां की ब्राह्मनी भाशा अरबी के सारे लक्ष्य निकलवा डाले. इमारी सरकार ब्राह्मती भाशा संस्कृत को बुला रही है ताक यहां की प्रजा सरकारी बोली को समझ न सके.

तुरकों के सिर का जिबास ह लाल तुरकी टोपी काले फूंद्रने वाली हुआ करती थी. कमाल ने उसका पहनना भी जुर्म करार दिया और तुरकों को किरंगी टोपी पहनाई. तुरकी नाह्मनों का अपना नाह्मनी लिवास पहन कर घर से बाहर निकलना बन्द कर दिया. यह सब कुछ उसने अपने देस का रुख बद्तने के लिये किया. इस के लिये एसे कुछ समाजी शाखें ही नहीं जड़ें भी काटनी पड़ीं. वह अपनी क्रीम की सद। यही ललकार कर कहता था "तुरको, बहादुरो, बढ़े वतो.'' 98 की सदी तुक मुसलमान हैं और 86 की सदी की मां बोली तुरकी है. योरपी जगानों में से फाँसीसी का का सबसे ज्यादा जोर है. फिर जर्मन, फिर इतालियन. श्रंगरेजी की बौथी जगह है. साइन्सी टर्म फाँसीसी से लिये गए और बहुत से योरपी लक्ष्य खबान में आम हो गए. इन सब सुधारों का बोली पर यह असर हुआ कि आजकत की तुरकी दसवी सदी की तुरकी से बहुत कुछ मिलती जुलती है. गो तुरकी में स्वर कुल झाठ हैं लक्ष्य स्वरों से इतने लदे हैं कि बोली में शका युल गई.इन सुधारों से पहले तुरकी में भी लिखने वाते चन्द पदे हुओं के लिये ऐसी भाशा और ऐसे विशयों पर तिखते थे जो सिक पढ़े हुए समम सकते थे. आम जनता का किसी को व्यान नथा इन सुधारों ने काया पत्तट दी. अब क्रौमी नारा "लुक्कू डोमू" , खल्क = जनता, डोमू = में घुसो) है तुम अब खड़े हो और अपना सवाल पूछ रहे हो, नजर करनी होगी. हाँ, अब कहो, क्या तुम्हें तुम्हारे आँस् कहीं नजर आते हैं ?

"नहीं, मुक्ते तो आँसू के बदले कुछ कमल के फूल

नजर भाते हैं.

"तो बस धाव तुम्हें तसल्ली हो गई कि तुम्हारे श्राँसू कहाँ गए श्रीर उनका क्या हुआ ?

"हाँ, प्रभु, श्रव मैं समभा. तुम कोई ऐसी कीमिया जानते हो जिससे निराशा को श्राशा में बदल देते हो."

तब उस प्रभु के त्यारे ने अपना गीत गाना और नामना बन्द किया. तारों ने अपनी चौकीदारी पूरी की और अपने घरों को वापस चले गए. मैं भी अपनी मोपड़ी की तरफ हो लिया. अभी मैं रास्ते में ही था कि मुमे अंगरेजी की एक कहावत याद आई. और जब तक मैं अपनी मोपड़ी में न दाखिल हुआ, तब तक वह कहावत मेरे कानो में गूँजती रही—

"मेन्स डिसएवाइन्टमेन्ट इच गाइस एवाइन्टमेन्ट."

यानी---

जब कभी इनसान होता है निरास तो समक ले को प्रभु है उसके पास.

آئم اب کھڑے ھو اور ایٹا سوال پوچھ رھے ھو' نظر کرنی ھوگی ، ھاں' اب کھو' کیا تمہیں تمہارے آنسو کہنی نظر آتے میں ؟ کہیں نظر آتے میں ؟

"نہیں' معجمے تو آنسو کے بدلے کنچہ کمل کے پہول نظر آتے هیں۔

''تو یس اب تمہیں تسلی ہولگی که تمہارے آنسو کہاں گئے اور انکا کیا ہوا ؟

''ھاں' پربھو' اب میں سمجھا ، تم کوئی ایسی کھیے جانعے ھو جس سے نراشا کو آشا میں بدل دیعے ھو۔''

تب اُس پربہو کے پھارے نے اپنا کوت کانا اور ناچنا بند کھا ۔ تاروں نے اپنی چوکھداری پوری کی اور اپنے گہروں کو واپس چلے کئے ، میں بھی آپنی جھونپڑی کی طرف ہولیا ، ابھی میں واستہ میں ھی تھا کہ مجھے انگریزی کی ایک کہاوت یاد آئی ، اور جب تک میں اینی جھونپڑی میں نے داخل ہوا' تب تک وہ کہاوت میرے کانوں میں گونجتی رہی۔۔

"مينس دَس أيوانتمنت أزكادَس أيوانتمنت."

يعني—

معی ۔۔ جب کبھی انسان ہوتا ہے نواس تو سمجھ لے رہ دربھو ہے اُسکے پاس

खालिस बोली-खिचड़ी बोली श्रोर बोली की दीवार*

(भाई मदन गोपाल)

1923 में तुरकी में प्रजाराज हुआ. कमालापाशा उसका पर्देश प्रेसीडेन्ट एक कौजी अफसर था जिमने अपनी बहुादुरी से तुरकी को पहली जंग में इस लूबी से बचाया कि अबान तुकरों की आँखों का तारा बन गया. क्षीम और देस का सच्चा आशिक था इसिलिये कौम भी उस पर जान देती थी. वह डिक्टेटर बन बैठा. स्याह करे, सुफैद करे किसी की मजाल न थी जो उसके सामने चूं कर सके. वह जानता था कि जब तक वह तुरकों का रुख न बदले यानी जब तक वह जाइनों के जारू के मंदिर को न तोड़े और उसमें स्थापित किये हुए भूतकाल के देवता को देस से न निकाले देस उमर नहीं सकता. इस रुख को बदलने के लिये उसने पांच है ऐसे नादिरशाही हुक्म दिये जो सिक वह ही दे सकता था

خالص بولی-کهچتری بولی اور بولی کی دیوار* (بیائی سدن کیال)

1923 میں ترکی میں پرجا راج دوا کمال پاشا اس کا پہلا پریسیدییئٹ ایک فوجی افسر تھا جس نے اُپٹی بہادری سے ترکی کو پہلی جنگ میں اِس خربی سے بحیایا که جوان ترکس کی انکہوں کا تارا بن گھا ۔ قوم اور دیس کا سعیا عاشق تھا اِس لگے قوم بھی اُس پر جان دیتی تھی ۔ وہ ترکشیٹر بن بیٹھا ۔ سیاہ کرے سفید کرے کسی کی محیال نہ تھی جو اُس کے سامتے جوں کرسکے ، وہ جانتا تھا کہ جب تک وہ ترکوں کا رخ جوں کرسکے ، وہ جانتا تھا کہ جب تک وہ ترکوں کا رخ کے نہ توزے اور اُس میں ستھایت کئے ہوئے بھوت کال فی نہ توزے اور اُس میں ستھایت کئے ہوئے بھوت کال دیوں کو دیس سے نه نکالے دیس اُبھر نہیں گھڑ شاھی حکم دئے جو صرف وہ ھی دے سکتا تھا گھڑ شاھی حکم دئے جو صوف وہ ھی دے سکتا تھا

[•] पिछले नम्बर से छागे .

ہ پچھالے نسیر سے آگی ۔

'कादिर' और 'मगवान' दोनों के ठीक दक्क ही मानी हैं. जो 'भगवानदास' का मतलब है ठीक वहीं 'बब्दुल कादिर' का है. पारसी नाम 'बहुरमञ्द' धीर संस्कृत 'बसुरमेधा' दोनों का एक ही मतलब है.

दुनिया के धर्मों को क्रायम करने बाले खपने अपने देश और काल की खरूरत के मुताबिक्क डसी एक सनातन धर्म बसी दीनुलक्कण्यमा के खास खास पहलुओं पर चोर देते रहे हैं. असली धर्म विद्या या इरफान, एक ही है. बीज वही रूप नए नए. الله الهرا بهکوان ورنون کے تهیک ایک هی معلی هیں۔ پور بهکوان داس کا مطلب هے تهیک رهی اعبدالقادر، کا هے پارسی نام الهروزد اور سنسکرت اسرمیدها درین کا ایک هی مطلب هے ۔

دنیا کے دعرصوں کو قائم کرنے والے اپنے اپنے دیش اور کال کی ضرورت کے مطابق آسی ایک سناتن دھرم آسی دیں انگر دیتے دھے آسی دیں انتیاد کے خاص خاص پہلوؤں پر زور دیتے دھے ھیں ۔ اسلی دھرم ودیا یا عرفان ایک ھی ھے ، چھڑ وھی روپ نئے نئے ۔

सृफ़ियों की सोहबत में

(3)

(गु. म.)

आधी रात का वक्कत था. सारी दुनिया सोई हुई थी. सिर्फ आसमान के तारे और प्रभु के त्यारे जाग रहे थे. एक ऐसा ही प्रभु का त्यारा एक दरखत के नीचे अपना मुँह अपने घुटनों के बीच दबाकर बैठा हुआ था. जब क़रीब क़रीब दो घंटे गुजर चुके तो उसने अपना सिर ऊँचा किया और अपना इकतारा, जो उसके पास ही पड़ा हुआ था, उठाकर उसके साथ कुछ गाने जगा और नाचने भी जगा. उसके गाने में मिठास तो थी ही, पर एक चुम्बक जैसा असर भी था.

में कुछ देर तक उसका गीत धुनतो रहा. चाहिस्ता चाहिस्ता उसका मतलब क्या है, मुक्ते मालूम पड़ा. उस गीत का मतलब कुछ इस तरह का था—

"प्रभु, जाज मैं तुमसे एक सवाल पूछता हूँ. इसका जवाब पुम्हें देना ही होगा. और जगर इसका जवाब मुमे तुमने न दिया तो फिर तुम्हारी और मेरी दोस्ती में कुछ करक जा जाने का दर है.

"मेरा सवाल यह हैं. मैंने अपनी जिन्हगी में निराश होकर सैकड़ों ऑसू बहाए हैं. अब तुम मुक्ते बताओं कि मेरे वह ऑसू कहाँ गए. क्या वह सिर्फ मिट्टी में ही सिक्ष गए?

(प्रमु सवाल का जवाब देते हैं) "इससे पहिले कि मैं तुम्हें बताकें कि तुम्हारे वह बाँस कहाँ गए, तुम्हें मेरी तरफ बाना होना अहाँ मैं खड़ा हूँ. बौर इस तरफ जहाँ

صوفیوں کی صحبت میں

(3)

(ک.م.)

آدهی رات کا وقت تھا ۔ ساری دنھا سوئی هوئی تھی ۔ سرف آسدان کے تارے اور پر بھو کے پھارے جاگ رھے تھے ۔ ایک ایسا هی پربوو کا پھارا ایک درخت کے نہیچے ایڈا سنہ اپنے گھٹلوں کے بیچے دیا کر بھٹھا ہوا تھا ، جب قریب قریب دو گھٹٹے گزر چکے تو اس نے اپٹا سر اورنچا کھا اور اپٹا ایکٹارا جو اس کے پاس هی پوا هوا تھا ، اُلھا کو اُسکے ساتھ کچھ گانے لگا اور ناچئے بھی لگا ۔ اُسکے گانے میں مٹھاس تو تھی هی پر ایک چمبک جیسا اثر بھی تھا ۔

میں کچھ دیر تک اُسکا کیت سنتا رہا ۔ آدستہ آسستہ اُسکا مطلب کیا ہے' مجھے معارم ہوا ۔ اس کیت ﴿ مطلب کچھ اِس طرح کا تھا ۔۔

''پر بھو' آج میں تم ہے ایک سوال پوچھٹا ہوں ، اسکا جواب تمہیں دیدا ہی ہوکا ، اور اگر اُسکا جواب محجم آئے کے لئے دیا تو پھر تمہاری اور میری دوستی میں کچھ گیں آجائے کا قریے ،

" "میوا سوال یه هے ، میں نے اپدی زندگی میں فراھی عودر سیکووں آنسو بہائے هیں ، آپ تم سجے فواھی عودر سیکووں آنسو کہاں کئے ، کیا وہ صرف مثلی میں هی مل کئے ؟

﴿ پربھو سوال کا جواب دیتے ھیں) "اِس سے پہلے کہ میں تمہوں میاں گئے' تمہوں میری طرف آنا ھوگا جہاں میں کہوا ھرں۔ اور اُس طرف جہاں

हे हैं और बदसते रहेंगे. अल्लाह ईरवर असग असग केसावों, असग असग ज्वानों और असग असग रस्तों हे ज़रिये एक ही हक्षीकत दुनिया को सिखाता रहा है.

करान कहता हैं—"भल्लाह के प्रेम की मज़बूत रस्ती बीर पढ़ दूसरे से प्रेम तुम सब को मिलाए रखे, कभी कि दूसरे से फटनें की न सोबो."

वेद कहता है—"तुम सब के दित, दिमारा और सब का वेब एक दो, ताकि तुम सब फूलो फलो. सब सुख से रहो, क्ष मित कर खाड़ो, मितकर पियो और मितकर काम हरो, साथ साथ बलो, एक झाबाज़ से बोलो और सब क ही सबाई को सममो."

चीनी मन्य शुक्रिंग में जिला है—"अपने सब पड़ोसियों इसाब मेल मिलाप से रहना सीखो, तुम सब माई हो, इस के साथ प्रेम से रहो."

्यही बात और इसी तरह की बातें इनजील में जगह शब्द पढ़ने को मिलती हैं.

सराहर ईसाई शहीद जस्टिन ने कहा है— "जितनी इक्द्री बातेंं कही गई हैं, दुनिया के किसी देश और किसी वैस में भी, वह सब हम ईसाइयों की मिलकियत है."

एक सुफी कहता है-

"फक्रत तफावत है नाम ही का इर चास्त सब एक ही हैं, यारो ! जो आबे साफी की मौज में हैं एसी का जलवा हवाव में हैं."

ं बानी केबल नामों ही का फरक है, ऐ यारो ! असल सिंध एक हैं, जो साफ पानी लहर के अन्दर हैं उसी की सिंक बुक्क के अन्दर हैं.

सुकी अतार ने कहा है—"रूह अक्रल और इतम से अस्पनी को जानती है. रूह के लिये ताफी और तुरकी का केंद्र करक नहीं है."

भौताना रूम ने कहा है—''रूड की दोस्ती अक्स से भौर इस्म से हैं. रूड के अन्दर हिन्दू, मुस्तिम, ईसाई इस को कोई फरक नहीं.''

े वेदों में बारवार कहा गया है कि बात्सा की कोई जात, काक्षक, रंग या वरन नहीं होता.

ख्यापुष करक केवल नामों का ही है. बात एक ही को अल्लाह है वही ईरवर है. जो अकवर का मतलब है हैं परम या महा का अर्थ है. 'अल्लाहो अकवर' के की आनी हैं 'परमेरवर' या 'महादेव'. जो मानी 'रहीम' कहीं स्वी 'शिव' के हैं. जो मानी 'रहमान' के हैं वही कहीं के हैं. 'दास' और 'अब्द' के एक ही सर्थ हैं. رقع هیں آور بدلتے رهینگے ، الله آیشور آلگ آلگ کتابوں الگ آلگ کتابوں الگ آلگ آلگ قابوں کے ذریعے آیک هی حقیقت دنیا کو سکھاتا رہا ہے .

قرآن کہتا ہے۔۔''اللہ کے پریم کی مضبوط رسی آور لیک دوسرے سے پریم تم سب کو ملائے رکھے' کبھی ایک دوسرے سے پہللے کی تم سوچو''.

وید کہتا ہے۔ ۔''تم سب کے دل' دماغ آور سب کا دھو' ایک ھو' تاکہ تم سب پھولو پھلو ، سب سکھ سے رھو' سب مل کو کام کرو' ساتھ ساتھ جھلو' ایک آواز سے بولو اور سب آیک ھی سجیائی کو سمجھو۔''

چھٹی گرنتھ شوکنگ میں لکھا ھے۔''ابھ سب پروسیوں کے ساتھ میل ملاپ سے رھٹا سیکھو' تم سپ بھائی ھو' سب کے ساتھ پریم سے رھو۔''

یہی بات اور اسی طرح کی باتیں انجیل میں جگه جگه پڑھانے کو ملعی دیں ۔

مشہور عیسائی شہید جستن نے کہا ہے۔''جتنی اُچھی باتیں کہی گئی ھیں' دنیا کے کسی دیش اور کسی قوم میں بھی' وہ سب ھم عیسائیوں کی ملکیت ھیں۔''

ایک صوفی کہتا ہے۔

''فقط تفارت هے نام هی کا دراصل سب ایک هی هیں' یارد! جو آب صائی کی موج میں هے اسی کا جلوہ حباب میں هے.''

یعنی کیول ناموں هی کا فرق هے اے یارو! امل میں سب ایک هیں جو صاف پانی لهر کے اندر هے اُسی کی جمک بلیلے کے اندر هے .

صوفی عطار نے کہا ھے۔۔۔

''ررح عقل اور علم سے زندگی کو جانتی ہے ، ررح کے لئے تازی اور ترکی کا کوئی نوق نہیں ہے ۔''

مولانا روم نے کہا ہے۔۔۔''روح کی دوستی عقل سے ہے اور علم سے ہے ادر هندو' مسلم' عیسائی ترک کا کوئی فرق نہیں ۔''

ويدون ميں بار بار کہا گيا ھے که آنما کی کوئي جات' سمهردائے' رنگ يا ورن نهيں هوتا .

سے مے فرق کیول ناموں لاھی ہے ، بات ایک ھی ہے۔
ہود اللہ ہے وھی ایشور ہے ، جو اکبو کا مطلب ہے وھی
ہرم یا تنہا کا اُرتہ ہے ، 'اللہ اُکبو' کے لنظی معلی ھیں
'ہرمیشور' یا 'مہادیو' ۔ جو معلی 'رحیم' کے ھیں وھی 'شاکر' 'ھیو' کے ھیں وھی 'شاکر' 'کے ھیں وھی 'شاکر' گے جیں ۔ تواس' اُور 'عبد' کے ایک ھی اُرتہ ھیں ۔

ने कहा है कि यह सब काको पिछके 'बुद्ध' कीर अगले पिछको 'तीर्यंकर' बार बार उन्हों एक बुनियादी सचाइयों का उपदेश देते रहे हैं, केवल जब यह सचाइयां लोगों के दिलों में फीकी या धुन्दली पड़जाती हैं तो यह महापुरुश अपनी ठीक ठीक जिन्दगी से उनमें नई जान डालते रहें और डालते रहेंगे.

इनजील में लिखा है—"क्या कोई ऐसी बात है जिस की बाबत यह कहा जासके कि यह नई बात है ? हर बात पहले से चली आरही है, हर बात सनातन है, सूरज के नीचे कोई बात नई नहीं है. (एक्लेजियास्टिक्स)

इज़रत ईसा ने कहा है—"मैं पुराने धर्म कौर पहले के निवयों के काम को नश्ट करने के लिये नहीं आया बिक उसे पूरा करने के लिये आया हूँ." (इनजील)

करन ने धर्जुन से कहा है—"जो बात मैं तुमे सिखा रहा हूँ वही विवस्थान ने मनुको, मनुने इदवाकु को, इद्वाकु ने दूसरों को, इसी तरह युग युग में एक रिशी ने दूसरे की, एक आदमी ने दूसरे आदमी को सिखाई हैं, लोग उसे भूल गए हैं, पर सब जगह मौजूद, सब कुछ जानने बाले सर्वशक्तिमान परमात्मा के अन्दर वह सब बान मौजूद है."

क़ुरान में यह चीज़ बार बार बौर तरह तरह से कही गई है—

"जो बात इस करान में कही गई है वही सब पुरानी किताबों में कही गई है."

"कोई क्रीम नहीं कि जिसके अन्दर हादी यानी राह दिखाने वाले न भेजे गए हों."

"और अल्लाह ने जितने रस्त इससे पहले भेजे हैं सबने यही उपदेश दिया है कि सबका अल्लाह एक है और सब को केवल उसी की इवादत करनी चाहिये,"

"और जितने रसूल मेजे गए हैं उन सब ने अपनी क्रीम की ज्वान में ही उपवेश दिया है ताकि लोगों के दिलों में किसी तरह का शक न रह जावे."

"क़ुरान भरनी में इसिवये उतरा है कि मक्का और भारत पांच के शंहरों के लोग भारतनी से समम सकें,"

"इंमें चन संब रसूकों में किसी तरह का फरक नहीं करते."

इन आयतों से और इसी तरह की और बहुत सी आवतों से साफ आहिर है कि सब वर्मी की बुनियादी समाइयां एक हैं. समाई एक ही समाई हैं. उस पर किसी कौन, किसी वर्म वा किसी रसूल का इजारा नहीं है. अपर के सीक रिवाल देश, काल और हालांस के बॅन्सॉर बदलते گھٹا ہے کہ یہ سپ اگلے بچہلے ابدہ آور پچپلے 'تیرتہنکر' بار بار آنہیں ایک بغیاضی آلیوں کا آپدیش دیتے رہے میں کھول جب یہ آلیاں لوگوں کے داوں میں بھیکی یا چھندلی پو ل میں تو یہ مہا پرش آپنی تھیک تھیک وندگی ہے آن ی نئی جاں ڈانتے رہے میں اور ڈانتے رہیفکے۔

انجهل میں لکھا ہے ۔۔۔'' کیا کوئی ایسی بات ہے ۔ کی باہت یہ کہا جاسکے کہ یہ نئی بات ہے ؟ هر چہلے سے چلی آرهی ہے' هر بات سفاتن ہے' سورج کے یہ کوئی بات نئی نہیں ہے ، (اکلے زیاسٹکس)

سُعُدرت عيسي نے کہا ہے ---

'' سیس پرانے دھرم اُرر پہلے کے نبیوں کے کام کو نشک کے لگے آیا کے لگے آیا ۔ کے لگے نہیں آیا باکھ اُسے پورا کرنے کے لگے آیا ۔'' (انجیل)

گرهن لے ارجن سے کہا ہے ۔

قرآن میں یہ نھیز بار بار اور طرح طرح سے کہی گئی

''' جو یات اُس قرآن میں کہی گئی ہے وہی سب پرگتایوں میں کہی گئی ہے ،''

 کوئی قرم نہیں که جسکے اندر هادی یعقی واہ نے والے نه یہیجے گئے هوں ."

اور الله نے جائے رسول اس سے پہلے بھیجے ہوں اللہ ایک ہے اور اللہ اللہ ایک ہے اور اللہ ایک ہے ایک ہے اور اللہ ایک ہے ایک ہے

ا اور جتنے رسول بھیتے کئے ھیں اُن سب نے اپنی کی زبان میں ھی اُیدیش دیا ہے تاکہ لوگوں کے دلوں کسی طرح کا شک نہ رہ جارے ''

 स्वत्वा के क्षायम करने वाले खुद इस कारे में क्या कहते हैं, इन सब मजह को के बामियों ने साफसाक यह कहा है कि इस सब एक ही बुनियादी सक्याइयों का सपदेश देते स्वाप हैं.

, अपनिशव में लिखा है---

गवाम् स्रनेक वर्णनाम् स्रीरस्यास्ति एक वर्णता स्रीखत् पश्यते जानम् तिंगिनास्तु जवाम् यथा.

यानी गाएं अलग अलग रंगों की होती हैं, पर दूध सब का एक रग का यानी सफ़ेद होता है. ज्ञानी यानी आदिफ दूध को देखता है और ऊपर के रीत रिवाजों में खंखे हुए कोग गायों के रंग को देखते हैं. मीलाना रूम ने इंख्रुदर्त ईसा के डपदेशों का ज़िकर करते हुए कहा है—

> जामये सद् रंग जां खुम्मे सका सादायो यक रंग गरता चूं जिया

थानी सैकड़ों रंग के कपड़े उस साफ भट्टी में पड़ कर इस तरह सफ़ेद और यकरंग हो गए जिस तरह सावों रंग मिकड़र सफ़ेद रोशनी बन जाते हैं.

श्री करन ने भगवत गीता में दो बार कहा है-

्रीये अर्जुत ! सोग सब तरफ से चलकर अस्तग असग रास्त्रीं से की सुक्त तक ही पहुँचते हैं."

्यृही वह व्याखिरी मंज़ित है जिसकी तरफ सारी दुनिया

ं पारसी धर्म के बानी ज्रतुरव ने विस्था है—

ं 'धीर इम दुनिया के धन सब पहले के घर्मों को मानते भीर कुबते हैं जो नेकी सिखाते हैं."

माना में किसा है कि—"श्रासभ्य इत्यु क्रोमों में भी क्रम क्रोमों को सच्चा धर्म सिखाने के लिय पैग्रम्बर होते होते."

जो अमाना हिन्दुस्तान में बुद्ध और महाबोर का या बही बीन में ,लाओत्जे और कंगफूत्जे का या. बीन के बीत बुद्ध, लाओत्जे और कंगफूत्जे तीनों को एक त्रिमूर्ति की बहु अपने बराबर के पैरान्द्रर या अवतार मानते हैं. कंग-कृत्जे ने कहा है—"जो होन धर्म पहले से बला का रहा है में केवल बली को आगे बला रहा है, मैं कोई नई बाद नहीं बाद सकता."

बुद्ध ने अपने से पहले के बुद्धों' का और अपने वाद के 'बुद्धों' का, और इसी तरह 'जिन' यानी महावीर ने किसो से पहले के और अपने वाद के 'तीर्यंकरों' (पुल असम्बद्ध बुद्धाने वालों) का शिकर किया है, और दोनों معجهوں کے تنظم کرنے والے خود اس باوے میں کہا کہتے ہوئے ہیں ۔ ان سب مذہبوں کے باتیوں نے صاف صاف برا کہا ہے کہا ہے کہ مرسب ایک هی باتیادی سچائیوں کا اُپدیش دیاتے ہیں . آئے هیں .

أينشد مين لكها ه --

گوام آتیک ورنا نام چھیر سیاسی ایک ررنتا چھیکھت پشیتے گیانم لنگلاستو گوام یتھا

یعلی کائیں آلگ آنگ رنگوں کی ہوتی میں' پر دودھ سب کا ایک رنگ کا یعلی سفید ہوتا ہے ۔ گیائی یعلی عارف دوفھ کو دیکھتا ہے اور آوپر کے ریت رواجوں مہی پہلسے موٹے لوگ کایوں کے رنگ کو دیکھتے میں ۔ مولانا روم نے حضرت عیسی کے آبدیشوں کا فکر کرتے ہوئے کہا ہے۔

جامهٔ صدرنگ زل خسم صدا ساده و یک رنگ کشته چون ضیا

یعلی سیکوں رنگ کے کپوے اُس صاف بھالی میں پوکر اسطوع سفید اور یک رنگ ھوگئے جس طوح ساتیں رنگ ملکو سفید روشتی بن جاتے ھیں .

شری کرشن نے بھکوت گیٹا میں دو بار کہا ہے۔۔ '' اے لوجن ! لوگ سب طرف سے چل کر الگ الگ رامالوں سے بھی منجہ تک ھی پہونچتے ھیں ۔''

یہی وہ آخری ملزل ہے جس کی طرف ساری دنیا یوھی چای جا رھی ہے ۔

پارسی دھرم کے بانی زرتشت نے لکھا ھے ---

'' اور هم دنها کے اُن سب پہلے کے دهرموں کو مانتے اور پوجتے هیں جو نیکی سکھاتے هیں ۔''

کا تھا میں لکھا ھے کہ ۔۔۔''آسبھیہ دسیو قوموں میں یہی اُن لوگوں کو سنچا دھرم سکھائے نے لئے پیٹمبور ھوتے رہے ھیں ۔''

جو زمانه هندستان میں بدھ اور مہاریر کا تھا وہی چھی میں اور قرارے اور کنگ فرتوے کا تھا ، چین کے لوگ بلیما اور کنیگ فرتوے کا تھا ، چین کے لوگ بلیما فرتوے اور کنیگ فرتوے تھنوں کو ایک ترمورتی کی میں برابر کے پیغمبر یا لوتار مانتے ھیں ، کنیگ فرتوے نے کھیا جے ۔" جو دین دھرم پہنے سے چلا آرہا ہے میں کھول آسی کو آئے چلا وہا ھوں' میں کوئی نئی یابید نہیں گوھ سکتا ۔"

یدہ نے ابھے سے پہلے کے ' بدھوں ' کا اور ابھے بعظ کے ''بدھوں' کا' اور اسی طرح 'جن' یعلی مہاریو نے ابھے سے پہلے کے اور ابھے بعد کے '' تمرته تکرون' ﴿ بِانَ بِنَا وَاسْتُمَّ بِمُنْائِمُ وَانْوں ﴾ کا فکر کھا ہے' اور عولوں

बादिये. हर बच्चा अपनी बाजाद त्रवियत, अपनी पसन्त और अपने अन्दर के मुकाब के अनुसार जो बाहे पढ़े या न पढ़े और जिघर को चाहे जाय. लेकिन इस तरह के सब भावमी नौजवानों को कुछ न कुछ सिखाते ही हैं भौर वही चीज सिसाते हैं जो वह खद नीजवानों के लिये सब से अधिक भायदे की सममते हैं. इस के कम्युनिस्ट अपने नौजवानों को जोरों के साथ कम्युनिज्म सिखाते हैं, इटबी के काशिस्ट उन्हें काशिजम सिखाते हैं. इंगलैंड और अमरीका वाले अपने नौजवानों को खबरवस्ती हेमोक टिज्य बल्क इम्पीरियक्रिकम सिखाते हैं. बातें सब बाजादी की करते हैं पर सब अपने अपने यहाँ के नीजवानों को पूरे जोरों के साथ अपने अपने सांचे में ढालने की कोशिशों में लगे हए हैं. भाजादी की इस दलील में सच्चाई केवल इतनी है और वह बड़ी ज़रूरी चीज है कि बाक़ी जिन्दगी के लिये हर लड़के लड़की को उस काम, उस धन्दे या उस पेरो की तालीम देनी चाहिये जो उसकी तबियत, उसकी ताकत भौर उस की पसन्द के अनुसार हो. बस, यह तो हुई हर बच्चे की खास तालीम. इस के अलावा और इसके साथ साथ हर बच्चे को साम सौर जहारी कलचरी तालीम भी चार चीजों में देनी चाहिये-पढना, लिखना, हिसाद धौर मानव धर्म (मजहबे इन्सानियत).

यह ठीक है कि बड़े होकर हर लड़के लड़की को अधिकार है कि वह जिस चीज को चाहे माने और जिसे चाहे न माने, जो चाहे आपनाए रहे और जो चाहे छोड़ दे. सैकड़ों आदमी, खास कर पढे लिखे. रोज अपना मत. अपने विचार और अपनी पारटी बदलते रहते हैं. यह आए दिन का बदलाव हमारे समाज को बहुत नुक्रधान पहुँचा रहा है. इसका इलाज भी यही है कि हम मजहब के बुनि-यादी असलों यानी सब मजहबों के उन आम असलों की. जो हर इनसान के लिये जरूरी रहानी और इसलाकी यानी चाध्यात्मिक चौर नैतिक, खराक हैं, दुनिया के सब बाइकों और लड़कियों को छोटा उमर से ही पूरी पूरी तालीम हैं. आगे बल कर हमारे बच्चे कोई भी पेशा क्यों न अपनावें मानव धर्म के यह आम असूल ही उन की हर तरह के जिन्दगी में बुनियाद का काम करेंगे और उन्हें गुसराही से और एक दूसरे की नकरव और दुरामनी से बचावेंगे.

श्रव सवाल रह जाता है कि यह मानव धर्म यानी यह इनसानी मजहब है क्या चीछ. इसी को हम विश्व धर्म या आसमगीर मज़हब भी कह सकते हैं. इस इनसानी मज़हब में वह सब सच्चाइयां और वह सब काम शामिल हैं जो अधिकतर नहीं बल्कि सब बढ़े बढ़े मज़हब ठीक मानते हैं. सबसे पहले इस यह देखें कि इन सब अलग अलग الله الدو الما اول طبيعت اللي يسلق اور الهالدو المعام ع البوسار جو جاهے بوھے یا نم پوھاور جدھر کو جاھے للكن اسطرم كے سب آدمى نوجوانوں كو كچھ نه كچھ مُهَالِدُ هي هيس اور وهي جيزيي سكهالِد هيس جو وه خود عمالين كي لئے سب سے ادعك فالدے كى سنجونانے مين. یس کے کمپونست ابھ نوجوانوں کو زوروں کے ساتھ کمھانوم عُهَاتِم هيں' اتَّلَى كَم فَاشْسَتَ أَنْهِينَ فَاشْسَوْمِ سَكُهَاتِمْ هن . انکلینت اور آمویکه والے آئے نوجوانوں کو زوردستی يموكريتن بك أمههريان سكهائه هيل أباتهل سب رائنی کی کرتے میں پر سب اپے آپے یہاں کے نوجرآنوں کو الاے زوروں کے ساتھ اپنے اپنے سانتھے میں تھاللے کی بهمر میں لکے موٹے میں . آزائنی کی اس دلیل بھی سنجائی کیول الذی ہے اور وہ ہوی ضروری چھڑ ہے ی بالی زندای کے لئے ہو لوکے لوکی کو اس کام' اس معدد یا اُس پیشے کی تعلیم دیلی چاهئے جو اُسکی طبهمت اس کی طاقت اور اسکی پسلد کے انوسار هو . يس يه تو هوئي هر بحي كي خاص تعليم . اسك عادة أور سکے ساتھ ساتھ مر بھے کو عام اور ضروری کلنچری تعالم نهي چار چيزرن مين ديني چاهئي--پوهنا لکهناا عساب أور مانو دعرم (مذهب إنسانيت).

یه تههک هے که بوے هوکر هر اوکے لوکی کو ادهیکار هے وہ بوس چیز کو چاھ مائے اور جسے چاھے نه مائے' جو پہتے ہائے رہے اور جسے چاھے نه مائے' جو پہتے ہائے رہے لکھے' روز ایفا مست اپنے وچار اور ایفی پارٹی خاتی کو پہت نظامی کو پورٹ اگے دن کا بداؤ دسارے سماج کو پہت نقسانی پہونچا رهائے . اِسکا علاج بهی پہی ہے که هم مذهب کے بغیادی اسولوں یعلی سب مذهبوں کے اُن عام اصولوں کی شہیاتیک اور نیٹک ' خوراک هیں دنیا کے سب لوکوں اور اُنہیں کو چہرٹی عمر سے هی پوری بوری تعلیم دیں . آئے گھیاتی کو چھرٹی عمر سے هی پوری پوری تعلیم دیں . آئے بائی دهرم کے یہ عام اصول هی اُنکی هر طرح کی زندگی بہت بچاریئے ۔ اور اُنہیں گمراهی سے اور ایک گیرس بنیاریئی ہے اور ایک گیرس بائی کر نفرت اور دشمنی سے بچاریئے ۔

اب سوال رو جاتا ہے کہ یہ مانو دھرم یعلی یہ انسانی میں سوال رو جاتا ہے کہ یہ مانو دھرم یا عالمگیر بھی کہ سکتے ہیں ۔ اس انسانی مذہب میں وہ سب کام شامل ہیں جو ادھک تر سب کام شامل ہیں جو ادھک تر میں بیتے ہیں ۔

हटा कर इसरे किसी भी भजहब को मानते लगते हैं. पर दिलों की गहराई के अन्दर किसी न किसी मज़हब की ध्यास सब के अन्तर बनी रहती है. इस से फाहिर है कि बादमी के लिये जरूरी चीज 'मजहब' है, यह मजहब या बह मजहब नहीं. ऋब हमारे लिये दो रास्ते रह जाते हैं. या तो सब मजहबों से इनकार करदें या सब को मान्ने बारों. यह दोनों नामुमिकन हैं. इसिलये अमली चीज और सब से अच्छी और अकलमन्दी की चीज यही है कि जिलने बड़े बड़े मजहब दुनिया में हैं उन सब में से हम इन नाम रूपों और रीत रिवाजों को अलग कर के जो सब में अलग अलग हैं, और जो अपनी अपनी जगह और अपने अपने हालात में मुकीव हो सकते हैं, उन सब चीजों को जमा कर लें जो सब में एक सी हैं चौर जिल्हें सब जहरी मानते हैं. फिर हम अपने सब बच्चों को यही असली कहानी नाज खिलाएं, उन्हें उन ही की ताज्ञीम दें, और उन्हें यह भी बताएं कि रीत रिवाज के द्विताके सचाई के दानों को क़ायम रखने के लिये जरूरी हो सकते हैं, वह खाने और इजम करने की चीज नहीं हैं.

कुछ लोगों का कहना है कि पुराने जमाने में जो काम मजडब से लिया जाता या वह श्रव कला, क्रानून, फलसफे भौर साइंस से मिलाकर लिया जाता है. इसलिये भव हमें किसी नए या पुराने मजहब की जरूरत नहीं रही. इस का अबाब यह है कि आदमी कोई तीन या चार दकड़ों में बंटी हुई चीज नहीं है, वह एक वजूद है, एक अस्तित्व है. फल-सके, साइंस, क्वानून और कला का मेल बैठाने वाली उसके अन्वर कोई एक चीज होनी चाहिये. अंगरेजी शब्द 'रिली-जन' का अर्थ 'बांधना' है. हिन्दी शब्द 'धर्म' का अर्थ सब को संभावता है. धर्म या मज़हब ही वह चीज है जो सब कोगों के दिनों को एक दूसरे के साथ और सब को ईश्वर के साय एक होर में बांधे रखती हैं. इसके खिलाक दुनिया के स्रोम लालच और दुनियावी खाहिशें हमें एक दूसरे से काइती हैं. वेदान्त या तसब्युक्त वह चीज है जिसमें फल-सका. साइंस धीर कता. बलिक कहना चाहिये मजहब. साइंस और कता तीनों आकर मिल जाते हैं और जिस में सब मजहबों का इत्र खिंच कर या जाता है. हमें यह भी न भूसना चाहिये कि बाजकत की साइंस के बढ़े से बड़े पंडितों की खोज ने हमें यहाँ पहुँचा दिया है कि सारी मादी दुनिया यानी सारा जड़ जगत ऐटमों यानी परमानुष्रों 'इलकट्टोन'. 'प्रोटोन', 'न्युट्रोन', 'रब्र् ट्रोन', 'पोजीट्रोन' वरौरा वरौरा, यहाँ तक कि विजली की ताक्षत और आखीर में केवल माइन्ह फोर्से यानी चित्र शक्ति या खयात की ताक्रत से बनी हुई है और बसी से क्रायम है.

इस लोग इस बात पर जोर देते हैं कि तालीम में बाइकों भीर लड़कियों को जियादा से जियादा आजादी देनी

ملكا كو فارسور كمي جهي مشعب كو مالي ليك حين . ور علیں کی گہرائی کے آلدر کسی تھ کسی مذھب کی پھاس سب کے اندر یلی رهتی هے . اس سے طاهر هے که آدمی کے لیے ضروري چيز 'مذهب' يے' يه مذهب يا وه مذهب نهين . أب همارے لئے دو راستے رہ جاتے میں ، یا تو سب مذهبوں سے آنکار کو دیوں یا سب کو مانلے لگھن ، یہ دونوں ناممکن هیں ، اسلئے مملی چیز اور سب سے اچھی اور عقلملدی کی چیز یہی ہے که جانئے ہوے ہوے و فادب دنیا میں میں ان سب مهل مع أن نام رودر اور ويت رواجون كو الك کر کے جو سب مهل آلگ آلگ هيل اُور جو ايني ايني جگه اور ابے ابے حالت میں سفید ہوس تے میں' اُن سبچیزوں کو جمع کر لیں جو سب میں ایک سی هیں اور جنهیں سب فروری مانعے هيں ، پهر هم اينے سب بچوں كو يهى اصلی روحانی ناج کهاایس ان هی کی تعلیم دیں ا اور اُنہیں یہ بہی متالیں که ریت رواج کے چہلکے سچائی کے دانوں کو قائم رکھنے کے لئے ضروری دوسکتے هیں وہ کھائے اور مقس کرنے کی چیز نہیں میں .

كجه لوكوں كا كهذا هے كه يرالے زمانے ميں جو كام مذهب سے لها جاتا تها وہ اب کلا قانون فلسفے اور سائنس سے ملاء لها جاتا ہے . أس ليُّم أب هنين كسى نئے یا برائے مذهب کی ضرورت نہیں رهی . اس کا جواب یہ ہے که آدمی کوئی تین یا چار ٹکورں میں بٹی هوئی جهز نهيس هے، وَ ايك وجود هے، أيك أستتو هے . فلسف ساٹنس' قانون اور کا کا میل بیٹھانے والی اُس کے اندر كوئى ايك چهز هونى چاهئے . انگريزى شبد 'راهجن' كا ارته 'بالدمنا' هے . مندی شبد 'دمرم' کا ارته سب کو سِلبهالنا هي. دهرم يا مذهب هي وه چيز هے جو سب لیگیں کے دلوں کو ایک دوسرے کے ساتھ اور سب کو ایشور کے ساتھ ایک تورے میں باندیے رکھتی ہے . اِسکے خلاف دنیا کے لوبہ الیے اور دنہاوی خواهشیں همیں ایک دوسرے م پهاوتي هيل . ويدانت يا تصوف وه چيز هے جس مهن فلسنه سائلس أور كلا بلكه كهنا جاهيُّ مذَّبُّ سائلس اور 15 تهليل آكر مل جاتے هيں اور جس مهن سب مؤهبن کا عطر کهنی کر آجاتا ہے۔ همهن یه بهی نه بهوالا چاهئے که آجکل کی سائلس کے ہوے سے بڑے بلقتیں کی کہرے نے همیں یہاں ہبرنجا دیا ن که سازی مردی دنیا یعلی ساوا جو جاست ایلس يعلى د ماتول الكاترون " (دروتون " انهوترون " الهاترون" الموريقارن وفهرة وفهرة يهان تك كه بجلى كى طاات أور أشهر مين كهرل مائلة فررس يعلى جت شكلى يا خَيَالَ كَي طَاقَت سِه بِنَيْ هُولُي هِهُ أُورَ أَسَى سِهِ قَالُم هِهُ .

کیچھ لوگ آس یات پر زیر دیتے میں که تعلیم میں لوگئی اور لوکھیں کو زیادہ ہے زیادہ آزادی دیتی

الرقي أن ينجين كو تعليم ديلران كها ضوورت . الريمانيب في ديته كه هدين كولى حق نهين الور نه اسكى كولى المرورت هے . پر سبے یہ مے که مذهب کے بنا کام چل نہیں سکتا . اس لئر جواب دیدا بونا ہے که بجوں کو مذهبی تعلیم دینے كا همهن أتنا هي حق هم أوريه همارا أننا هي زيرنست قرض هي جالفا أنهيس لكهفا ليوهفا حساب بهوكول، إتهاس أور سائنس سكهانا ، اتلا هي نهين يه سب جہریں آدمی کی آتما کے بہلے کے لئے اُتنی ضروری نہیں هين جندا ملعب عرية سب جيزين أنه بنجون كو أَسِلْيُهِ بِرَعَاتِهِ هَيْنَ كَيُونَكُمُ هُمْ لِي تَجْرِي سِي دَيْكُمْ لَهَا هِي دُهُ إنهيس جانلے مهن هي أن كا يهلا هي . إسميل أكر هم فلطهان کو جائیں تو کر جائیں ، فاطیاں انسانوں سے دی ہوتی همیں بهونکه کهانا کههی کبهی لوکوں کو بدهمینی اور تقصان کر بیتا ہے اسلیے لوگوں کا دھاسا هم همهشه کے لیے بلد نهیں كو سكتي . همين چاهئے يه كه هم أس بات كى بهى كوشش كريس كد كهانا اچها هو اجلاسي بچنے والا هو اور جننا جاهئے الله می دیا جائے کس سے تلدرستی بنے بکرے نہیں . اُسی طرح مذهب کی آنه بنجرن کو تعلیم دیگے سیے تھن پلتیں کو جان لھنے کی پوری کوشش کرنی جاہئے ۔۔ ایک یہ کے مذھب کی کون کون سی باتیں یکی' محمم اور اتل میں دوسری یہ کہ وہ باتیں اِنچی سے اُونچی سائلس كي كسولى ير سچى اور كهري أترتى هين يا نهين اور اس س بهی بومکر تیسری بات همیں ید دیکھلی چاهئے که كين كون سي ياتهن سب مشهون مين أيك مي هين، جی ہو سبکی والے ملتی ہے ، جن سے سب میں ایک دوسرے سے همدودی میل ملاپ اور پریم بوھ سکے ، کار میاھی الماليس كے اقديم بن اور آن كى آيسى نفرتوں كو كم كرنے ایک طریقه هے .

اسی سوال پر آب هم دوسری طرح سے وچار کریں ۔ ملها کے آدھک تر لوگ انے آئے دھرم میں پہدا عوتے میں اور اُسی کو چیٹے رہتے میں تھیک جس طرح مر آدمی آیے باپ دادا کی جائداد کو چیتا رمتا ہے. بهو الكو دو بحج ساته ساته پيدا هرن ايك كسى المسلمان گهر میں اور دوسرا کسی هلدو کهر میں' اور الم اس سير هلدو يحيد كو له جا كر مسلمان گهر مهل الر مسلمان بحج کو لے جا کر هندو گهر میں رکھ دیں الله مولوں کو وهمن يلق اور يوا هرنے ديں؛ تو مقدو قهر مهن پهدا هوا يجه بوا هوكر مسلمانون كي سي سبب ياتين كرته لكهكا أور مسلمان كهر مين يهدا هوا يحيد هندووں كي طرح رهنے سينے اور سوچلے لكے كا . اپنی طرح اکثر لوگ انے جلم کے مذہب سے وشواس

काबी बायते बक्कों को तालीम देने की क्या अस्टरा, घयर सजहब के बिता आवसी का कास चन्न सकता तो इस भी इन सबालों का यही जवाब देते कि हमें कोई हक नहीं, श्रीर न इस की कोई जरूरत है. पर सच यह है कि मजहब के बिना काम चल नहीं सकता. इसलिये जवाब देना पदता है कि वचों को मजहबी तालीम देने का हमें इतना ही हक है और यह हमारा उतना ही जबरदस्त फर्ज है जित्ता उन्हें किखना, पहना, हिसाब, भूगोल, इतिहास भीर साइंस सिखाना. इतना ही नहीं, यह सब बीज बादमी की श्यत्मा के भले के लिये उतनी जुरूरी नहीं हैं जितना मज्दन. इम यह सब चीजें अपने बच्चों को इसित्तिये पढ़ाते हैं क्योंकि हमने तजरवे से देख जिया है कि इन्हें जानने में ही उनका भला है. इसमें अगर हम रालित्यों कर जाएं तो कर जाएं. रातितयां इनसानों से ही होती हैं. चेंकि खाना कभी कभी कोगों को बदहज्मी और नुक्रसान कर देता है इसिलये लोगों का खाना हम हमेशा के निये बन्द नहीं कर सकते. हमें चाहिये यह कि हम इस बात की भी कोशिश करें कि खाना अच्छा हो, जल्दी पचने वाला हो झौर जितना चाहिय उतना ही दिया जाय, जिससे तन्दु-हस्ती बने बिगड़े नहीं. इसी तरह मजह व की अपने बच्चों को तालीम देते समय तीन वार्ता को जान लेने की पूरी कोशिश करनी चाहिये-एक यह कि मजहब की कौन कौन सी वातें पक्की, मुहकम और श्रदल हैं, दूसरी यह कि वह बातें ऊँची से ऊँची साइंस की कसीटो पर सक्ती धीर खरी क्तरती हैं या नहीं. और इससे से भी बढ़कर तीसरी बाद हमें यह देखनी चाहिये कि कौन कौन सी वार्तें सब मजहबों में एक सी हैं, जिन पर सब की राय मिलती है, जिन से सब में एक दूसरे से इमद्रदी, मेल मिलाप और प्रेम बढ़ सके. कहर मजहबी लोगों के अन्धेपन और उनकी आपसी नकरतों को कम करने का भी यहां एक तरीका है.

इसी सवाल पर अब हम दूसरी तरह से विचार करें. दुनिया के अधिकतर लोग अपने अपने धर्म में पैका होते हैं और उसी को विपटे रहते हैं, ठीक जिस तरह हर आदमी अपने बाप दादा की जायदाद को चिपटा रहता है. पर अगर दो बच्चे साथ साथ पैदा हों, एक किसी मुख्यमान घर में और दूसरा किसी हिन्दू घर में, भीर इम इसी समय दिन्दू वचने को लेजाकर मुसक्तमान घर में भौर मुसलमान बच्चे को लेजाकर हिन्दू घर में रख हैं भौर दोलों को वहीं पताने और वहा होने दें, तो हिन्दू घर में पैदा हुआ बद्धवा बदा होकर मुसलमानों की सी सब बार्ते करने लगेगा और मुसलमान घर में पैदा हुआ वच्चा हिन्दुकों की तरह रहने सहने और सोचने लगेगा. इसी तरह अकसर क्षीग अपने जनम के मजहब से विश्वास

วิสัยเวลซ์ เมิว เมษ สิงเกิดเมื่อสีที่เรา เก็บไปเกล้า (พ.ศ. พ.ศ.)

भ्रव धरती की कोख पे कोई ऐटम बन नगर।ए कही न कोई हीरो शीमा नागा साकी बनाए ज़हरीली गेसों का बादल मीत न भ्रव बरसाए काल न कोई बोने पाए भूक न कोई उगाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

यही लाकाई जो फैलाए काला, बिपत, महँगाई क्यों न बनें घनवान फिर इसके रिसया और सौदाई सोहे के बदले में करादे जो सोने की कमाई अब न फैंसेंगे लाख कोई डालर का जाल बिछाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

दोस्त हमारा अब तो वही है जंग का हो जो दुशमन ऐटम की ताकत से चलाए ट्रैक्ट्रों के इंजन रेगिस्तानों को जो सीचे और बनादे गुलशन खेती हँसिया काटे हथींका कारीगरी फैलाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

बेत नाम, मलाया, बरमा, अरब हो या अफ़रीक़ा मूनान, इटली, जरमन, फ़ान्स, इंगलैंड हो या अमरीका दुनिया भर में जंग पसन्दों का है रंग अब फीका भूके मारत वाले भी दानों से नहीं ललचाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

भूकी अनता से धर्राकर यह सरमाया दारी आह में मज़हब की करवादेती है मारा मारी . खह तो छिप जाती है मरती है जनता बेचारी आपस की यह जंग न बदकर और तबाही लाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

آب دهرتی کی کوکه یک کوئی ایگم یم نه گرا<u>ئے</u> کهیں نه کوئی هیرو شیما ناکا ساکی بدائے زهریای گیسوں کا یادل مؤت نه اب برسافے کال نه کوئی بولے پرائے بهوک نه کوئی آگئے

جنگ نہونے پائے مانہی عنگ نہونے پائے إ

پچی لڑائی جو پہیلائے کال بہت مہنگائی گئوں آئے بگئیں دھلواں پھر اسکے رسیا آور سودائی کوس آئے بگئیں دھلواں کو ادے جو سونیکی کمائی آب نے پھسینگے لاکھ کوئی ڈالر کا جال بچھائے اب خیگ ٹہونے پائے !

دوست همارا آب تو وهی مصح جملگ کا هو جو دشمن ایتم کی طاقت سے چائے تربیکتروں کے انجن ریکستانوں کو جو سینچے آور بنا دے گلشن کھیتی هنسیا کاتے هتهورا کاریکری دویلائے جملگ تونے دائے ا

ویت نام' ملایا' برما' عرب هو یا افریقا یونان' اِتّلی' جرمن' فرانس' انگلیند هویا امریکه دنیا بهر میں جنگ پسندوں کا آب رنگ هے پهیکا بهرکے بهارت والے بهی دانوں سے نہیں للجائے ،

جنگ نہونے پائے ساتھی جنگ نہونے پائے !

بھوکی جلتا سے تھرا کر یہ سرمایہ داری آر میں مذھب کی کروا دیتی ہے مارا ماری خود تو چھپ جاتی ہے مرتی ہے جلتا ہے چاری آیس کی یہ جلگ نه بوهکر اور تباهی لائے

جنگ نہونے پائے ساتھی، جنگ نہونے پائے !

इनसान भीर मजहब

(डाक्टर भगवान दास)

बहुत से लोग मंजहब के नाम पर कट्टर, अंधे ब्यौर नासमम लोगों के आपसी मगड़ों, इटअमियों, जुल्मों बौर बुरे से बुरे पापों को देख कर यह कहने लगे हैं कि हमें अपने बबों को किसी तरह की भी मजहबी तालीम नहीं देनी बाहिये. इतनी बुरी बीज अपने वच्चों के अपर नहीं देनी बाहिये. इतनी बुरी बीज अपने वच्चों के अपर नहीं देनी बाहिये. इतनी बुरी बीज अपने बच्चों के अपर साहने का हमें क्या हक है. जो मजहब आदमी बाइमी

انسان اور مذهب (دَائِتُر بهكران دام)

بہت نے لوگ مقصب کے نام پر کٹر' آئدھے اور ناسمجھ گوں کے آپسی جھکوری' ھٹے معود دوں' طلبوں اور برے ، برے پاپس کو دیکھکر یہ کہتے لگے ھیں کہ عمیں اپنے ہوں گو گفتی طرح کی بھی مقطعی تعلیم نہیں دیتی گفتی بری چھرا آپ بھیوں کے آوپر گفانے کا ھمیں اسکی گفتی بری چھرا آپ بھیوں کے آوپر گفانے کا ھمیں دشملی اسکی گفتی ہوں' اسکی آئی آوسی میں دشملی اسکی گفتی ہوں' اسکی آئی آئی آئی کو دیتے ھیں'



निरुष 11

W- /

सितम्बर, सन् '51

तस्बर 3

ستمير' سن 51' نسبر ³

علد 11

जात आदमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्दु' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली.

جات آدمي، پريم دهرم هے، هندستانی بولی، 'نها هند ، پہنچے کا کهر گهر لئے پریم کی جهولی .

जंग न होने पाए

(भाई मुजफ्कर शाहजहाँपुरी)

ं जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए!

जंग के कारन बिक गईं कितनी मरियम श्रीर सीताएँ स्तो बैठी श्रापने नयनों के तारे कितनी माएँ लास बलाएँ लाई एक दो हों तो उन्हें गिनाएँ श्राब की जंग स्त्रिकी तो कम है जो न क्रियामत ढाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

मांग का सेंदूर उजका और कितनों की चूकी इ.टी कितनी बाँहों से जौशन उत्तरे माथों की बेंदी छूटी जंग के ख़्नी देव ने घर घर शान्ति सब की छटी हम पर, तुम पर, सब पर बीती कौन किसे सममाए

जंग न होने पाए साथी, जंग न होने पाए !

श्चाव न हों बेवा जवान सुद्दागिन श्चाव न यतीमी बरसे घूंषट में घुट घुट के न कोई पिया मिलन को तरसे भरती होने पेट की ख़ातिर जाय न कोई घर से जंग किसी साजन को श्चापनी सजनी से न छुड़ाए

अंग न होने पाए साथी, अंग न होने पाए!

इल्म-श्रो-श्रद्ध, श्राकृति श्रीर बच्चों के गालों की लाली जंग ने फैला रक्की है हर शोबे पर अवहाली मुस्तक्रविल पर श्रद्ध म बरसने देंगे हम पामाली श्री बद्ध अहाँ के स्वस्था और पने पने सन आए

جنگ نه هونے بائے

(بهائی مظفر شاهنجهانیوری)

جنگ نہونے پائے ساتھی 'جنگ نہونے پائے !

جلگ کے کارن بک گئیںکتنی مریم اور سیتائیں کھو بیٹھیں آئے نینیں کے تارے کتنی مائیں لاکھ بلائیں لائی آک دو ھوں تو اُنہیں گنا!یں آپ کی جنگ چھوں تو کم ہے جو نه قیامت ڈھائے

جلک نہونے پائے سانھی جلک نہوئے پائے!

مانگ کا سیلدرر اُجوا اور نتلوں کی چوڑی توتی کعلی کعلی چھوتی کعلی بانیوں سےجوشن اُترےماتیوں کی بیلدی چھوتی جلگ کے خونی دیو نے کھر گھر شانتی سیکی لوتی ہم پڑا تم پڑا سب پر بیتی کون کسے سمجھائے

جلگ نہونے پائے ساتھی' جلک نہونے پائے!

اب نہوں بیوہ جوان سہائن اب نے یتھمی برسے گھونگیست میں گھٹ گھت کے نے کوئی پیا ملن کو ترسے بھرتی ہونے پھت کی خاطر جائے نے کوئی گھر سے جلگ کسی ساجن کو ایلی ستجنی سے نے چھوائے

جنگ نہونے پائے ساتھی' جنگ نہونے پائے !

ताना कलचर सोसाइटी

布

माहवारी परचा सितम्बर 1951

هندستانی کلچر سوسانتی ا

ماهواری پرچا

ستبار 1951

(1 544 ***	सका व	مديد			کیا کس سے
्रांग न होने पाए (कविता)—भ	ाई 'मुजफ्कर'	ظفر) بھائی مظ	نے پائے (کویتا	1—جنگ نه در
बाह्यहां 9री	19	7	•••	•••	شاهجهانپوری
विस्तान और मजहब—डाक्टर भग	वान दास 1 9	8	بكوان داس	هب — دانگر بو	2انسان اور مذ
क्रिकों की सोहबत में-भाई गु. म					3مولیوں کی ص
काशिस बोर्ला—खिचड़ी बोर्ला अ	र बोर्लाकी	يوار			4خالص بولی ·
सीनर भाई मदन गोपाल	20	6		ن گوپال	ـــــــــــــــــــــــــــــــــــــ
क्ष डालर देस को देख आए-	-(कविता)	انی	(کویتا) ــ بها	ر کو دیکھ آئے (جـــهـ دال ديس
क्षेट्र रघुपति सहाय 'फिराक'	21	5	• • •	، ' ف راق ·	رگهو پتیسهائ
विदाको भाई सैयद जमार इसन क	ाजमी 22	0	من كاظمى	سيد ضيد حد	B - مراكه - دهائم
क्षा में सदाचार—शादी श्रीर	तलाकभाई		اور طاق	۔ سداچار شاہ	7— روس مي <u>ر</u>
कार ।रपाव।	$\dots 22^{n}$	Մ		، رضوی	بهائي متجيب
भारत कोर कोरिया का सम्बन्ध-	—भाई भान	ي چندر	ه بهائی بهار	ا لوړيا کا سمې د د	8- يهارت اور آ
29 W 632 A	233			•••	
की के नाम पर (कहानी)—		ائى	کہانی) بھ	کے نام پر ا	9 <u>ـــ گان</u> دهی جی
	24;	3	• • •	***	انور عبداللة
काते वाते चनाव के बारे में	25	1		او کے بارے میں	10 آنے رالے چا
कार मात् चुनाय के बार म की दुवना कितामें कितेस की समर्थे	\dots 25-	±	****	دنيا	11 بعد ، که
किताचें	259	9	•••	-	12 نچه کتابه
विदेस की खबरें		•••		ے ۔ کہ خبریں	اند. الاحد دیس بدید
वारी राय-जापानी सुतहनामा-		÷	رامه بهکروان در		14 هماری رائے
क्षाडी पनाम तानाशाही-भगवाद	ोन; कांगरे्स	بن :	ہے۔۔۔۔۔ ہے۔۔۔۔پہعران دیا	بنام تا ا شاه	14۔۔۔۔ معہ رہی رہے لیگ شاھر
मान मिन जी-भगवनदीन; जवाद		رلال	ن وان دين : جواه	ممر مشر جی—بهگر	کانگریس بذام
जी—सुन्दरलाल.	\dots 269	. 3			4

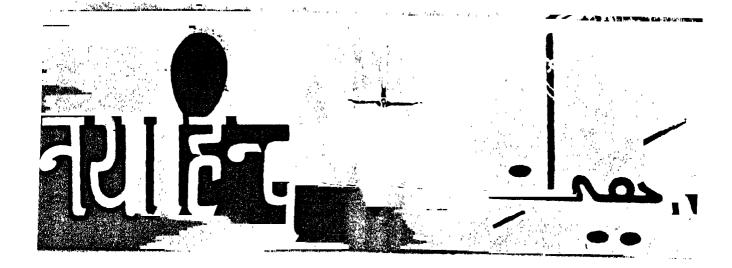
हिन्दुस्तान में छै रुपया साल, बाहर दस रुपया साल, एक परचा दस आने .

मॅनेजर 'नया हिन्त' قیمت۔۔۔هندستان میں چھ روبھہ سال' باہر دس روپیه سال' ایک برچه دس آنے .

میئیتجر 'نیا هدد '

(44) معمى كني الداباد .

क्रा, क्लाहाबाद



एडीटर ताराचंद, भगवानदीन, मृज्यहर हसन, बिशम्मर नाथ, सुन्दरहाल التيقو--تارا چند بهكوان دين مطرهسن بشمجهر ناته سندر الل

नायव एडीटर -- मुरंश रामभाई, महमूद अहमद 'हुनर'

یقرد سریف رام بهائی معمود احد "عنر

इस नम्बर के खास लेख

इनसान श्रीर मजहब-डाक्टर भगवान दास हम डालर देस को देख आए (कविता) -- रघुपति सहाय किराक्त' मराका-सय्यद् जमीर इसन काजमी भारत और कोरिया का सम्बन्ध -भान चन्द्र गांधी जी के नाम पर (कहाती)-अनवर अब्दूलता

हमारी राय-

जापानी सुलहनामा-भगवानदीन लोकशाही बनाम तानाशाही-भगवानहीन कांगरेस बनाम मिश्र जी--भगवानदीन

س المبر کے خاص لیکھ

السان أور مذهب قائلر بهكوان داس هم فالر دیس دو دیکه آنے (دویتا) الم البسركهو يتمي سيائه أفراق المراهو سهد ضمير حسن كاظمى و كوريا كا سمينده- بهان چندر

> جاپانی صامع نامه سبه کوان دین لوك شاهى بدام تانا شاهى-- يهكوان دين كالكريس بغام مشر جي--بهكوان دين

दितानि कलचर सांसाहटी, इलाहाबाद () अंधि अंधि



هماري رائع- -

सितम्बर 1951 ت دس أند क्रीयत दस भाना

हिन्दुस्तानी कलचर पर निबन्धों (मकालों) के लिये इनाम

हिन्दुस्तानी कलचर मोमाइटी ने तय किया है कि हिन्दुस्तानी कलचर पर तीन मबसे श्रच्छे निबन्धों (मकालों) के किये तीन इनाम दिये जाएं. पहला इनाम एक हजार इसप, दुस्तर क्याम पाँच सी रूपए श्रीर तीमरा इनाम ढाई सी क्या

निवन्धों में इस हिन्दुस्तानी कलचर के, जो पिछले सारे जमाने में रूप लेती रही है, टिकाऊ पहलुओं को बयान स्रते हुए आगे के लिये एक हिन्दुस्तानी कलचर के रंग रूप को बताने की कोशिश होनी चाहिये. निवन्ध अंगरेजी में या हिन्दु लागी में होने चाहियें. पाँच हजार से कम या दस से अधिक शब्द न हों. कुलस्केप काग्रज पर, काग्रज में कि बाद के विवन्ध की तीन कापियाँ 30 सितम्बर सन 1951 तक मीचे से पते पर आजानी चाहियें. हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी को हक होगा कि आए हुए निवन्धों में से जिसे बाहे शाया करे.

सन्दरलाल

सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर मोमाइटी 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

्रेनोट:—यह निबन्ध पहले 30 जून तक मँगाए गए थे भौरे दुनाम की रक्षमें कुछ कम थीं. श्रव इस के लिये पहत् और रक्षम दोनों बढ़ा दिये गए हैं.

---सुन्दरलाल

هندستانی کلچر

پر

نبندھوں (مقالوں) کے لئے

انعام

هندستانی کلچر سوسائتی نے طے کیا ہے که هندستانی کلچر پرتین سب سے اچھے نبندهوں (مقالوں) کے لئے تین انعام دئے جائیں ، بہلا انعام ایک ہزار رربے ' دوسرا انعام یانچ سو ویے اور تیسرا انعام ڈھائی سو روبے .

نبندھوں میں اُس ھندستانی کلچر کے ' جو بھھاے سارے زمانے مھی روپ لیتی رھی ھے' تکاؤ بہلوؤں کو بھان کرتے ہوئے آئے کے لئے ایک ھندستانی کلچر کے رنگ روپ یا ھندستانی کوشش ھونی چاھئے ۔ نبندھ انگریزی میں یا ھندستانی میں ھونے چاھئیں ۔ پانچ ھزار سے کم یا دس ھزار سے ادھک شبد نہ ھوں ۔ فلسکیپ کافذ پر' کافذ کی ایک طرف' ایک چوتھائی حاشھہ چھوڑ کر' تائب کر کے ایک طرف' ایک چوتھائی حاشهہ چھوڑ کر' تائب کر کے ھر نبندہ کی تین کاپھاں 30 ستمبر سن 1951 تک نہجے کے رہتے پر آجانی چاھئیں ۔ ھندستانی کلچر سوسائٹی کو حق ھوگا کہ آئے ھرئے نبندھوں میں سے جسے چاھے شائع حق ھوگا کہ آئے ھرئے نبندھوں میں سے جسے چاھے شائع

سندرلال

سكريترى؛ هددستانى كلچر سوسائتى (147) متهى كنبع؛ العاباد

نوت - یہ نبددہ پہلے () کے جون تک منائے گئے تھے اور انعام کی رقمیں کچھ کم تھیں . اب اِس کے لئے وقمت اور رقم دونوں بچھا دئے گئے ھیں .

--سندرلال

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइसी

मकुसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना भौर प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, असवारों, रिसालों बरौरा का छापना .
- (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभाश्रों, कानफरेन्सों, लेक्चरों से सब धर्मी, जातों, बिरादरियों श्रीर फिक्कों में आपस का मेल बढ़ाना .

-: 0:--

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—मि० अब्दुल मजीइ ख्वाजा; बाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास और डा० अब्दुल इक ; गवर्निंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास ; सेफ टेरी—पं० सुन्दरलाल.

गवरनिंग बाडी के और मेम्बर-

डा० सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मौलवी सैयद सुलेमान नदवी, मि० मंजर छाली सोख्ता, श्री बी० जी० खर, मि० एस० के० हद्रा, पं० बिशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काखी मोहम्भद अब्दुल राप्रकार और श्री खोम प्रकाश पालीवाल.

मेम्बरी के क्रायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरकाल सेक्रेटरी, हिंदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुद्री गंज, इलाहाबाद .

नोट—सोसाइटी के नये क्रायदे के अनुसार मेम्बरी की कीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द्" के जो गाइक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया चन्दा देने पर ही मेम्बर बना लिया जायगा. अलग से मेम्बरी की कीस देने वाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किताब जो एक रुपया दान की होगी मुक्त ले सकेंगे वा उवादा दान की किताबें लेने पर एक बार एक रुपया कम करा सकेंगे.

هندستانی کلچر سوسائتی

فألصنف

- رد) ایک ایسی هندستانی کلچر کا بوهانا پههلانا پیهرنهار کرنا جس میں سب هندستانی شامل هرس .
- (2) ایکٹا پہیلانے کے لگے کتابس' اخباروں' رسالوں ۔ گھود کا جہایتا .
- (3) پوهائي گهرون' کتاب گهرون' سيهاؤن' کانفرنسون' سيورون سے سب دهرمون' جاتون' برآدريون اور فرقون مين آهن کا مهل بوهانا .

-: o:--

سوسائٹی کے پریسهذنگ۔۔۔مستر مبدانتھید خواجہ؛ اس دردانتھید خواجہ؛ اس دردانتر مبدالحق ، این اس اور داکتر مبدالحق ، این اس اور داکتر مبدالحق ، این اس اور داکتر مبدوان داس؛ کیریٹری ۔۔۔ بفتح سفدرال ،

گورننگ باتنی کے اور مسر ۔۔

قاکلر سید محمود قاکتر نارا جند مهلوی سید میلی نیوی نیوی نیوی نیوی نیوی نیوی مستر منظر علی سوخته شری ہی ۔ جی ۔ اوردا بندت بشمهر ناته مهاتما میروان عیوی سیته پرنم چندرانک قاضی محمد عبدالنفار شین الهوال ۔

الْمُنْهِدِي كِي قامدون كِي لِدُر لِمُهِدُر ...

سلدر لال سكريترى' هندستانى كلچر سوسائتى' 145' متهى كنج' العآباد .

نوطانسسوسائٹی کے نئے قاعدے کے انوسار معبوی کی ایس میٹوں کی ایک روپیہ کردی گئی ہے ۔ "نہا هلد" کے مورف اللہ میٹوں کی میٹوں گئی ہے ۔ "نہا هلد" کے مورف میٹوں بیٹا چاھیں ان کو مرف چھت روپیہ چلاری کی مشہر بنا لیا جائیکا ۔ الگ سے معبوی کی میٹوں کی تعلی ہوئی کوئی کتاب جو لیک وربیہ دام کی ہوئی منت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی ہوئی منت لے سکیں کے یا زیادہ دام کی کتابیں لینے پر ایک بار ایک روبیہ کم کواسکیلگے ۔

फ़िरक्राबन्दी-पर बापू

सम्पादक-श्री श्रीकृशन दास

देश पिता महात्मा गांधी ने राजकाज के मैदान में क़दम रखते ही फिरक़ाबन्दी के ज़हरीले नतीजों चौर भीशन कुकसानों का चन्दाजा कर तिया था. यही कारन था कि चन्हों ने चपने जीवन की चाखिरी साँस तक फिरक़ाबन्दी के खिलाफ लड़ाई जारी रक्खी.

इस पुस्तक में सन 1921 से सन 1948 तक गांधी जी ने साम्प्रदायकता के सवाल पर जो कुछ कहा ना लिखा बंह सब एक जगह जमा कर दिया गया है.

भारत के आज़ाद होने पर यह और भी ज़रूरी हो गया है कि हर भारतवासी साम्प्रदायिकता के नुक़सानों को सममे और इस ज़हर से अपने दिल और दिमाग को साफ करे.

यह किसाब हर हिन्दुस्तानी को जुरूर पदनी चाहिये.

सुन्दर जिल्द. अच्छा काराज्. दो सौ सके कीमत दो दपया.

छप रही है

भंकार

सम्पादक-शी रघुपति सहाय 'फिराक्र'

पिछले पन्द्रह बरस से बाज तक की उरदू की चुनी हुई किवताओं का यह संप्रह पद्कर बाप को माल्म होगा कि उरदू किवता ने किस तरह खयाली दुनिया को छोड़ कर किन्त्रा की सच्चाइयों से अपना नाता जोड़ लिया है. बाज की उरदू शायरी गुल व बुलबुल और वस्त व किराक तक ही सीमित नहीं है. बाब बाप को उरदू किवता में किसानों और मजदूरों के दिलों की धड़कनें सुनाई देंगी. गुलामी, अन्याय और लूट खसोट के खिलाक बाप पक ऐसी आवाज सुनेंगे जो बाप के दिल को जोश से अर देगी.

नागरी तिसाबट में ऐसा भरपूर छरतू कविता संग्रह काज तक नहीं निकला किताब 15 सितम्बर तक निकल जाबगी. सुन्दर जिल्द. बढ़िया काराज, सन्दा छपाई. दाम सिर्फ दाई रुपया.

فرقهبندی پر باپو

سىيادك-شرى شريكرشن دأس

دیش پتا مہانما کاندھی نے راج کاج کے میدان سیں دم رکھتے ھی فرقعیلدی کے زھریلے نتیجبر اور بھیشن الصانوں کا اندازہ کر لیا تھا . یہی کارن تھا کہ انہوں نے ایے بھون کی آخری سانس تک فرقعیلدی کے خلاف لڑائی تاری رکھی ،

اِس پستک میں سن 1921 سے سن 1948 تک اندہی جی نے سامہردایکٹا که سرال پر جو کچھ کہا یا کہا وہ سب ایک جگه جمع کرد یا گیا ہے .

بھارت کے آزاد ھونے پر یہ اور بھی ضروری ھو گیا ھے کہ بر بھارت واسی سامیودایکٹا کے نقصانوں کو سمجھے اور سی زھر سے ایے دل اور دماغ کو صاف کرے .

ية كتاب هر هندستاني كو ضرور پوهني جاهنگ .

سندر جلد . اچها کافذ . در سر صفحے . تیست ، و رویته .

چہپ رھیھے

جهنكار

سنیادک-شری رکھریتی سہائے 'فراق'

پچھلے پندرہ برس سے آج تک کی اُردر کی چلی عوالی کوپیتاؤں کا یہ سلکرہ پڑھکر آبکو معلوم ھوگا کہ اُردو کوپیتا نے کس طرح خیالی دنیا کو چھوڑ کر زادگی کی سجائیوں سے اپنا ناتا جوڑ لیا ھے۔ آج کی اُردو شامری لل و بلبل اور وصل و فراق تک ھی سیمت نہیں ھے۔ اب آپ کواردو کوپیا میں کسانوں اور مزدوروں کے دلوں کی دہڑکئیں سٹائی دینگی۔ فلامی' انیاے اُور لوگ کیسوٹ کے خلاف آپ ایک ایسی آواز سنینگے جو آپ کے کھسوٹ کے جو آپ کے دل کو جوش سے بھر دیگی۔

ناگری لهکاوت میں ایسا بهرپور اُردو کویتا سلگرہ آج تک نہیں نکل جائیگی . تک نہیں نکل جائیگی . سلمر جلد . بوھیا کافل ، عمدہ چھپائی ، دام صرف قطائی رویدہ .

मिकने का पता— ै गैनेकर 'नया हिन्द' 145, मुटीगंक, इसाहाबाद.

ملئے کا یکد ۔۔

पंजाब हमें क्या सिखाता है

महात्मा गांधी की सलाइ से धाक्तूबर सन् 1947 में पिच्छमी और पूरवी पंजाब के दौरे के बाद वहाँ की भयंकर बरबादी और आपसी मार काट के कारन लोगों पर जो जो मुसीबर्ते आई उन का दर्दनाक वर्नन. इस छोटी सी किताब में आजकल की मुसीबरों को हल करने के लिये कुछ मुमाब भी पेश किये गए हैं. क्षीमत चार आने.

बंगांज और उससे सबक्र

इस छोटी सी किताब में 1949-50 में पूरबी और पिछमी बंगाल के फिरक़ेबाराना मगड़ों पर रोशनी डाली गई है और ऐसे मगड़ों को हमेशा के लिये जत्म कर नेकी तरकीब भी सुमाई गई है. क्लीमत सिर्फ वो खाने.

महात्मा गांधी की वसीयत

लेखक—श्री मंजर झली सोखता

30 जनवरी को अपने देहान्त से कुछ घन्टे पहले महात्मा गांधी ने कांगरेस के जनरल सेक टरी को बुला कर यह विघान दिया की वह उनकी तरफसे इसे आल इंडिया कांगरेस कमेटी में पेश कर हैं. यह छोटा सा विधान देश के नाम गांघी जी की आखिरी वसीयत है और इसकी व्याख्या गांघी जी के परम भक्त श्री मंजर अली सोखता ने की है जो गांघीवाद को समक्तने और अपनाने वाले देश के इने गिने लोगों में से एक हैं.

गांधीबाद को सममते के लिये इसका पदन। बहुत जरूरी है. 225 सफ की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की कीमत सिर्फ दो रुपये.

आज के शहीद

सम्पादक-शी रतन काल बंसल.

चन बहादुरों की कहानियाँ जिन्होंने विदेशी हाकिमों की फैलाई फूट की जाग में इनसानियत को भस्म होते देख एक इन की भी देर न की जौर उसे बुम्मने की कोशिश में जपनी जान कुरबान कर दी.

हर एकता प्रेमी के पढ़ने की किताब. क्रीमत सिर्फ डाई कपया

मुस्सिम देश भक्त

नेसक-श्री रतन लाल वंसल .

च्य मुस्सामान देशमकों के जीवन का हाल जिन्होंने अपनी जान हथेली पर रखकर हिन्दुस्तान और विदेशों में रहते हुए भारत माता को गुलामी की जंजीरों से आजाद करने की कोशिश की. किताब बढ़े दिलबस्प ढंग से लिखी गई है. डीमस सिक एक कपया बारह आने.

भिवने का प्रा

मैतिकार 'तथा हिन्द' 145, सुदीगंक, इलाहाबाद .

بنجاب هيس کيا سکهاتا هے

مہانما کاندھی کی صلاح سے اکتوبر سن 1947 میں بہتھمی اور پوربی پنجاب کے دورے کے بعد وھاں کی بھینکر پربادی اور آیسی مار کاف کے کارن لوگوں پر جو جو مصیبتیں آئیں ان کا دردناک ورنن ، اس چھوٹی سی کتاب میں آجکل کی مصیبتوں کو حل کرنے کے لئے گھیھ سجھای بھی پیش کئے گئے ھیں ۔ قیمت چار آئے ،

بنگال اور أس سے سبق

اس چهوتی سی کتاب میں 50-1949 میں پوربی اور پچهمی بنکال کے فرقوارانہ اِجهکروں پر روشنی دالی گئی ہے اور ایسے جهکروں کو همیشہ کےلئے ختم کرنے کی توکیب بھی سجھائی گئی ہے ۔ قیمت صرف دو آئے ۔

مهاتما گاندهی کی وصیت

ليكهك - شرى منظر على سوخته

30 جنوری کو آنے دیہانت سے کھت کھنتے پہلے مہاتما الندھی نے انکریس کے جنرل سکریٹری کو بلا کر یہ وسان دیا کہ وہ آن کی طرف سے اسے آل انڈیا کانگریس کیسٹی میں پیش کر دین ، یہ چہوتا سا ودھان دیش کے نام گاندھی جی کی آخری وصیعت ہے اور اسکی ویاکھیا گاندھی جی کے پرم بھکت شری منظر علی سوختہ نے کی ہے جو گاندھی واد کو سمجھنے اور اینانے والے دیش کے ہے کئی لوگوں میں سے ایک ھیں ،

گاندهی واد کو سنجهنے کے لئے اِسکا پڑھنا بہت ضروری ہے۔ 225 صنعے کی سندر جاد بندھی کتاب کی قیمت صرف دو روپئے ،

آج کے شہیں

سميادك شرى رتن الل بنسل

آس بہادروں کی کہانیاں جنہوں نے ردیشی حاکدوں کی پھیلائی پہوٹ کی آگ میں اسانیت کو بہسم ھوتے وہیکھ ایک چھوٹ کی آور اُسے بجھانے کی گورشی میں اپنی جان قربان کو دی .

ہر ایکتا پریمی کے پوھلے کی کتاب ، قیمت صرف میاب ، میاب مرف

مسلم ديش بهكت ليكهك-شري رتن ال بنسل.

ان مسلمان دیش بهکترس کے جیون کا حال جلہوں کے الیے جان جلہوں کے الیکی جان معمول میں کے الیکی جان اور ودیشوں میں الیکی کی متنے عیاد کرنے کی متنے عیاد کا دیا کہ کا کہ کا کہ کی گیا ہے ۔ کا کہ کا

ملقے کا پتد۔۔

ميليجر 'نها هند' 145' مثهى كلج' الدآباد ،

मीता और कुसन

लेखक-पंडित सुन्दरलाल

इस किताब के शुरू में दुनिया के सब बड़े बड़े धर्मी की एकता को दिखाया गया है और सब धर्मों की किताबों से हवाले दे दे कर मिलती जुलती बुनियादी सचाइयों को ं बयान किया गया है.

उसके बाद गीता के लिखे जाने के वस्तत की इस देश की हालत, गीता के बड़प्पन और एक एक अध्याय को लेकर गीता की तालीम को बतलाया गया है.

आखिर में क़ुरान से पहले की अरव की हालत, क़ुरान के बद्दपन और एक एक बात पर क़ुरान की तालीम को बयान किया गया है. इस में क़ुरान की पांच सौ से ऊपर कायतों का लक्ष्मी तरजुमा दिया गया है. यह भी बताया गया है कि क़ुरान में जेहाद, आक्रवत, आसरत, जनत, जहन्नम, काफिर वगौरा किसे कहा गया है.

जो जोग सब धर्मों की एकता को सममना चाहें या हिन्दू धर्म और इसलाम दोनों की इन दो अमर पुस्तकों की सक्ती जानकारी हासिल करना चाहें उन्हें इस किताव की करूर पढ़ना चाहिये.

पौने तीन सौ सके की सुन्दर जिल्द बँधी किताब की क्रीमत सिर्फ ढाई रुपया.

हिन्दू मुसिबम एकता

ं इस में वह चार तेक्चर जमा कर दिये गये हैं जो संक्रिक की ने कन्सीलियेटरी बोर्ड ग्वालियर की दावत पर कालियर में दिये थे.

स्त्री सक्ते की किवाब. क्रीमत सिर्फ बारह जाने.

महात्मा गांधी के बिलदान से सबक्र

लेखक--पंडित सुन्दरलाल

साम्प्रदायिकता यानी फिरक्रापरस्ती की बीमारी पर राजकाजी, मजहबी और इतिहासी पहलू से विचार और इसका इसाज, जिसने आखिर में देश पिता महात्मा गांधी तक को हमारे बीच में न रहने दिया.

क्रीमत बारह जाने.

كيتا اور قران

ليكهك___ينتات سندر لال

اس کتاب کےشروع میں دنیا کے سب بوے بوے دعرموں کی ایکتا کو دامایا گیا ہے اور سب دھرس کی کتابوں سے حوالے دے دے کر ملتی جلتی بنیادی سچائیوں کو بھان کیا گیا ھے

أسكي بعد گهتا كے لكھے جائے كے وقت كى إس ديش كى حالت کیتا کے ہویں اور ایک ایک ادعیانے کو لیکر کیتا کی تعلیم کو بٹلایا گیا ہے ۔

آخر میں قرآن سے پہلے کی عرب کی حالت' قرآن کے بوین اور ایک ایک بات پر قران کی تعلّیم کو بهان کها گیا ھے . اس میں قران کی پانیج سو سے اوپر آیتوں کا لفظی ترجمه دیا گیا ہے۔ یہ بھی ہتایا گیا ہے که قرآن میں جہاد' عاقبت' آخرت' جنت' جهذم' كافر وفيره كسم كها كيا هم .

جو لوگ سب دهرموں کی آیکتا کو سمجھنا چاهیں یا هددو دهرم اور اسلام دونوں کی ان دو امر استکوں کی سچی جانکاری حاصل کرنا چاهیں اُنهیں اس کتاب کو ضرور يوهنا جاهنے .

پونے تین سو صفحے کی سندر جلد بندھی کتاب کی قهست صرف تعالی روبهه .

هندو مسلم ایکتا

أس ميں ولا چار لهکنچر جدم کر دئے گئے هيں جو پلقت جی نے کنسیلیتری بورة کوالهار کی دعوت پر *گوال*هار مهن دینے تھے .

سو صفتهے کی کتاب ، قیمت صرف بارہ آئے ،

مهاتما کاندھی کے بلیدان سے سبق

ليكهكب--ينتت سندر لال

سامپردایکتا یعنی فرقه پرستی کی بیماری پر راج کلھے ' مقعبی اور اتہاسی پہلو سے 'وبھار اور اُسکا عالے'' جس نے آگر میں دیش پٹا مہاتما کاندھی تک کو ھدارے بیبے میں نہ رہنے دیا .

قهمت باره آنے .

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी की कितावें

नीचे लिखी सब किताबें नागरी और उद्दू दोनों लिखावटों में अलग अलग मिल सकती हैं. जो किताब एक ही लिखावट में झपी है उसका जिकर कर दिया गया है.

दस रुपए से ज्यादा दाम की किता में ख़रीदने वालों और बुकसेलरों को खास रिश्वायत दी जायगी.

डाक या रेल खर्च हर हालत में गाहक के जिम्मे होगा.

भारत का विधान

पूरा हिन्दी श्रनुवाद

जो 26 जनवरी सन् 1950 से सारे मारत में लागू हुआ

'भारत में श्रंगरेजी राज' के लेखक पं० सुन्दरलाल द्वारा मूल श्रंगरेजी से अनुवादित.

हर भारतवासी का फर्ज है कि जिस विधान के अधीन स्वाधीन भारत का शासन इस समय चल रहा है उसे अच्छी तरह समक ले.

यदि आप आने वाले आम जुनाव में, जिस पर भारत का सारा भविश्य निर्भर है, समक्त कर हिस्सा लेता चाहते हैं और आजाद भारत में अपने अधिकार समक्तना चाहते हैं तो जहरी है कि आप इस पुस्तक को ध्यान से पढ़ लें.

आसानी के लिये किता के आखीर में हिन्दी से अंगरेजी और अंगरेजी से हिन्दी साठ पत्रे की शब्दमाला है दी गई है.

भारत के हर घर में इस पुस्तक का रहना अक्ररी है. आसान वामहावरा भाशा. रायल अठपे ती बड़ा साइज़, लगभग चार सौ पन्ने. कपड़े की सुन्दर जिल्द. कीमत केवल साढ़े सात रुपए.

هندستانی کلچر سوسائتی کی

زینچے لکھیسب کتابیں نائری اور اُردو دونوںلکھاوٹوں مھی الگ الگ مل سکتی مھی جو کتاب ایک ھی الکھارت مھی چھپی ہے اُس کا ذائر کر دیا گیا ہے .

دس روپکے سے زیادہ دام کی کتابیں خریدنے والوں اور پکسیلروں کو خاص رعایت دی جائیکی .

ذاك يا ريل خرج هر حالت ميں گاهك كے ذمه هوكا .

بهارت کا ودهان

يورا هندى أنوراد

جو 26 جفرري سن 1950 سے سارے بھارت م**ھں لا**گو ھوا۔

'بہارت میں انگریزی راج' کے لیکھک یلقت سندر لال عوارا مول انگریزی سے انورادت .

هر بهارت واسي کا فرض هے که جس ودهان کے ادهین سوادهین بهارت کا شاسن اِس سے چل رها هے اُسے اُچهي طرح سنجه لے .

یدی آپ آنے والے عام چناؤ میں' جس پر بھارت کا سازا بھوشیہ نربھر ہے' سمجھ کر حصہ لیٹا چاھتے ھیں اور آزاد بھارت میں آنے ادھیکار سمجھٹا چاھتے ھیں تو ضروری ہے کہ آپ اس پسٹک کو دھیاں سے پوھ لیں ۔

آسانی کے لیے کتاب کے آخیر میں مندی سے انکریزی اور انکریزی سے مندی ساتھ پننے کی شبد مالا دے دی گٹی ہے .

بہارت کے ہر ابر میں اس پستک کا رہنا ضروری ہے .
آسان ہامتحاورہ بہاشا ، رایل آتہ پیجی ہوا سائو ، لگ بہگ جار سو پنتے کہوں سندر جند ، قیمت کیول ساتھ بیات رویئے ،

सममते हैं. इस से यहां पता चलता है कि हमारे विधान
में अभी कितना लोच बाक़ी है. लेकिन प्रेस वालों को इस
सुधार से घबराना नहीं चाहिये क्योंकि अगर वह असल
में जो जान से अपने बुनियादी हक पर लड़ने को तैयार
रहेंगे तो कोई उनका बाल भी बांका नहीं कर सकता.

लेकिन हमें असली दुख तीसरे पैरे की 'बी' दफा को पढ़कर पहुँचा है. इस दका का बास्ता हमारे देश के माली मामलों और उद्योग धंदों से हैं. इसमें सरकार ने जो अखतियार श्रपने हाथ में ले लिये हैं उनसे तो हमें डर है कि हमारे छोटे मोटे देहाती उद्योग धंदे जो इस वक्त लबे-दम हालत में चल रहें हैं वह धीर भी चीपट हो जायंगे. आज जब हकूमत डंके की चोट पर विदेशी और देशी पूँजी ्रपतियों की पीठ सहला कर काम कर रही है तो हम यह मानने से इनकार करते हैं कि वह इस दका का इस्तेमाल उनके बजाय किसी दूसरे के इक में करेगी. यहां यह बताने की जरूरत नहीं कि किस तरह पिछले चार बरस में हमारी आजाद सरकार ने एक के बाद एक देहाती धन्दों को पैरों तले द्वाया है. इस दक्षा के बन जाने पर तो हकूमत को अपनी इस रविश को कमाल तक पहुँचाने में कोई भी अद्चन बाकी नहीं रह जाती. अकसोस कि हमारी सरकार एक तरफसे तो विधान में सुधार कर प्रजा का हित महफूज रखने की डींग मारती है और दूसरी तरकसे उसको तबाह कीर बेहाल कर देने के क़दम चठाने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखती.

—सुरेश रामभाई

مبعهد هیں الهی کتفا لوج باتی ہے ، لیکن پریس ودھان میں الهی کتفا لوج باتی ہے ، لیکن پریس والوں کو اِس سدھار سے گھورانا نہیں جاھئے کیونکہ اگر وہ اصل میں جی جان سے آیے بغیادی حق پر لونے کو تیار وہینگے تو کوئی اُن کا بال بھی بانکا نہیں کر سکتا ،

لیکن همین اصلی دکھ تیسرے پیرے کی ابی' دفعہ کو پڑھکر پہنچا ہے . اِس دنعہ کا واسطه همارے دیش کے مرکب معاملوں آور ادیوگ دهندرں سے ھے . اِس میں سرکار نے جو اختیار ایے هاتھ میں لے لئے هیں اُن سے تو ھمیں درھے کہ ھمارے چھوٹے موٹے دیہاتی اُدیوک دعددے جو آس وقت لب دم حالت میں چل رہے ھیں وہ اور بھی چوپت هوجائیں کے . آج جب حکومت قامے کی چوت یر ودیشی اور دیشی بونتجی پتیرس کی پیته سها کر کام كر رهى هے تو هم يه مانقے سے إنكار كرتے هيں كه ولا أِس دفعہ کا استعمال أنكم بجائے كسى دوسرے كے حق ميں کریگی ۔ یہاں یہ بتانے کی ضرورت نہیں کہ کس طرح پچھلے چار برس میںهماری آزاد سرکار نے ایک کے بعد ایک ديهاتي دهندون كو پهرون تلَّه دبايا هي. اِس دفعه كے بن جانے پر تو حکومت کو اپنی اِس روش کو کمال تک پہنچانے میں کوئی بھی اُڑچن باتی نہیں رہ جاتی . افسوس که هماری سرکار ایک طرف سے تو ودعان میں سدهار کر پرچا کا هت مصفوظ رکهنے کی دیلک مارتی ہے اور درسری طرف سے اُسکو تباہ آور کے حال کر دیائے کے قدم أَتُها فِي مَهِن كُونُي كسر باقي نههن ركهتي .

--سریش رام بهائی

गाहकों से---

इमारे गाहकों और दूसरे प्रेमियों ने देखा होगा कि जुलाई के महीने से 'नया हिन्द' नई शक्त में निकलना हुक हुआ है. जुलाई से इमारा नया साल भी शुरू होता है, और जियादातर गाहक इसी माह में बनते हैं. इसिवये इमने अपने गाहक रिजस्टर को फिर से तैयार कराया है और नए सिरे से गाहक नम्बर दिये हैं. सब भाई बहनों से अरज है कि अपना नया गाहक नम्बर नोट करलें और चिट्ठी पत्री के समय असका हवाला दे दिया करें ताकि कारवाई जल्दी की जा सके.

> —मैनेजर, 'नया हिन्द' 145, मुद्दीगंज, इलाहाबाद.

گاھكوں سے—

همارے کاهکوں اور دوسرے پریمیوں نے دیکھا ہوگا که چولائی کے مہیلے سے 'نیا هند' نئی شکل میں نکلنا شروع ہوتا ہور زیادہ تر کاهک اِسی ماہ میں بلتے هیں ۔ اِس لیُے هم نے ایم کاهک اِسی ماہ میں بلتے هیں . اِس لیُے هم نے ایم کاهک رجستر کو پهر سے تیار کرایا هے اور نئے سرے سے گاهک نمبر دئے هیں . سب بھائی بھنوں سے عرض هے کته اینا رنها گاهک نمبر نوت کرلیں اور چتھی پتری کے سیے اُس کا حوالہ دے دیا کریں تاکه کاروائی چلدی کی جاسکے ،

بمينهجر' انها هلد' 145' متهى كنج' الهآباد

विवान में सुधार-

种种的的基本的企业的内容是严重的重要的

पिछले जून के महीने में नई दिल्ली में हमारी पार्लिमेंट ने इन्झिया यानी मारत के विधान में (जो 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था) कुछ सुधार किये हैं और "विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951" के नाम से नया कानून पास किया है. यह पूरा ऐक्ट हम इस नम्बर में दे रहे हैं. इसको हम अलग से भी छपत्रा रहे हैं और जिन भाई बहनों के पास हमारी किताब 'भारत का विधान' हो यह एक कारड भेजकर "विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951" हम से मंगा सकते हैं.

सरकारी इलकों का कहना है कि छेद बरस के अन्दर ही विधान में सुधार की ज़रूरत इस अजह से पड़ गई क्योंकि जनहित के जो बहुत से काम देश की या प्रदेशों ही सरकार करना चाहती थीं उनमें कानूनी तौर से ककावटें पड़ीं, जैसे ज़मींदारी-ख़त्म-हो क़ानून बहुत सी जगह गास हो चुके थे मगर कई हाई कोटों ने विधान की रोशनी में उस क़ानून को बेजा ठइराया. इसी तरह से बोलने मौर विचार ज़ाहिर करने की आज़ादी के बहाने देश के ख़्लाफ ज़शनी और प्रेस में गन्दा प्रचार किया जाने लगा. सी छोटी बड़ी ख़ामियों को दुरुस्त करने के लिये यह ख़ार ऐक्ट बनाया गया.

इस सुधार ऐक्ट में 14 पैरे हैं, जिनमें 3, 4 और 5 गास महिमयत रखते हैं. बाक़ो तो राजपंचायत, सदन है बैठकों को बुताने, मंग करने के सिखिखते में राजपित, ध्यासत पित या राज प्रमुख के हक, विदेशी जा के नियोन्त, पिछड़ी हुई जमातों की बेहतरी वर्षोरा से ताल्लुक रखते और जिन पर किसी को कोई एतराज नहीं होगा. चौथे गिर पांचनें का ताल्लुक वर्मीदारी-जत्म-हो कात्न की काशों से हैं जिन से जनहित को कोई नुक्सान नहीं होने ला है और जिन का हम स्वागत करते हैं.

सबसे ज्यादा बहस तक तीसरा पैरा है जो विधान दका 19 में सुधार है. इसके पहले हिस्से को हिन्दुस्तान अस्तवार वालों ने अपने बुनियादी अधिकार पर एक वरद्स्त चोट महसूस किया और सारे प्रेस में इसकी ह रही. हकूमत की तरफ से प्रधान मंत्री पंडित जवाहर का नेहरू और घर मंत्री भी राजमोपालाअचार्य ने इस हार को जायजा और लाजमी बताया. हमें हँसी इस त पर आती है कि जो अस्त्वार वाले इस सुधार के काम वरदार बनते हैं वही अमझी राक्स में खुले तौर इसके सब से बड़े दुरामन हैं. इसका यह मतलम नहीं इस हम इस सुधार को मुनासिन और बेहतरी लाने वाला

ونعلن میں سدھار __

سرکارئی حلتوں کا کہنا ھے کہ تیوھ بوس کے آندر ھی ودھان میں سدھار کی ضوروت اِس وجہ سے پوٹٹی کیونہہ جن ھت کے جو بہت سے کام دیش کی یا پردیشوں کی سرکاریں کرنا چاھتی تھیں اُن میں قانونی طور سے رکاوتیں پڑیں' جیسے زمینداری ختم ھو قانون بہت سی جگہ یاس ھو چکے تیے مگر کئی ھائی کورتوں نے ودھان کی پوشئی میں اُس قانون کو بیجا تیہرایا ۔ اِسی طوح سے پوشئی اور وچار ظاهر کرنے کی آزادی کے بہانے دیش کے خالف وہائی آور پریس میں گندہ پرچار کیا جانے لگا ۔ ایسی چھوٹی بڑی خاریوں کو درست کرنے کے لئے یہ سدھار ایکت چھوٹی بڑی خاریوں کو درست کرنے کے لئے یہ سدھار ایکت

اِس سدھار ایکت میں 14 پیرے ھیں' جن میں 13 اور 5 خاص اھیمت رکھتے ھیں۔ باقی تو راج پنجھایت' سدن کی بیٹھکوں کو بالنے' بہنگ کرنے کے سلسلے میں راج پتی' ریاست پتی یا راج پرمکھ کے حق' وہیشی جمع کے نیوجن' پجھتری ھوئی جماعتوں کی بہتری وفیرہ سے تعلق رکھتے ھیں آور جن پر کسی کو کوئی اعتراض نیھی ھو قار چونے آور بانچویں کا تعلق رمینداری ختم ھو قانوں کی فاموں سے ھے جن سے جن ھت کو کوئی نتصان نیھی ھوئے والا ھے آور جن کا ھم سوائت کرتے ھیں۔

سب سے زیادہ بحث طلب تیسرا پیرا ہے جو ودھان کی دفیع کا سیں سدھار ہے ۔ اِسکے پہلے حصے نو ھلدستان کی دفیعار والرسنے اپنے بنیادی ادھیکار پر ایک زبردست چوت سخصوس کیا آور سارے پریس میں اِسکی گونجے رھی ۔ شکیمسٹ کی طرف سے پردھان منتری پندس جواہر الل تیرو آور گور منتری شری راج گربالا چاریہ نے اِس سدھار کو جو المخار والے اِس سدھار کو خاف زیادہ شور محیاتے ھیں جو المخار والے اِس سدھار کے خاف زیادہ شور محیاتے ھیں آور پریس کی آزائی کے علم بردار بنتے ھیں رھی عملی شکل میں کہلے طور پر اِسکےسب سے بڑے دشمن ھیں ۔ اِس کا یہ مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب ارد بہتری الےوالا مطلب نہیں کہ ھم اِنس سدھار کو مناسب ارد بہتری الےوالا

A STATE OF THE STA

जुलाई के आखिरी इपते में दिल्ली में इस कमीशन के सकाइकार कोई की बैठक हुई थी. उसमें नायव सदर ने वड़ी पहतियात से सममाया कि यह प्तानिंग असल में कोई प्तानिंग ही नहीं है, और बताया कि इस रिपोर्ट में आज की मौजूदा शसत में कुछ अच्छे नतीजे निकालने के खयाल से कीच से तौर तरीक्ने इस्तेमाल किये जायें इसकी सिर्फ मलक षी गई है. कमोरान ने समाज में क्रांति पैदा करने की खींग नहीं मारी है और न ऐसी कोई जीवन मान बद्जने की कोशिश की है जिसके कारन जाज के समाज के, कम से कम ऊँचे दरजे के लोगों को अपना श्राराम का जीवन छोड़ना पडे.

इस रिपोर्ट पर सरसरी निगाइ दौड़ाने से ही यह पता चल जायगा कि हमारा दावा सही है. यह सचमुच कोई प्तानिंग ही नहीं है. इस मोटी किताब में बहुत सी इकी दुक्की आजाद योजनाएँ हैं, धनका एक दूसरे से कोई सम्बन्ध नहीं दिखाई देता. इनमें तसे कुछ में साम्राजवादी बू आती है, कुछ में समाजवाद की, कुछ में गांधीवादी होने का स्वांग है और कुछ तो क़रीब क़रीब समाजवादियों जैसी ही हैं. विचार और मकसद का ताल मेल कहीं नजर नहीं भाता. ऐसा साफ दिखाई देता है कि हर एक योजना में सास खास हितों के दबाव में आकर उनके फायदों को घका नहीं लगाया गया है. यह दिपोर्ट क्या बल्क जुदा जुदा हितों के अपना उस्तू सीधा करने की की गई कोशिशों का दैरतनाक तमाशा है और कमीशन के मेम्बर अलग अलग शुकार्मी पर की गई इन कोशिशों के दबाव में आप हुए माल्यम होते हैं.

राश्ट के सामने जो प्लानिंग रखा जाता है वह उसे एक मकसद की तरफ ले जाने बाला होना चाहिये, फिर वह मक्रसद् चाहे माटीबादी हो, चाहे नैतिक, चाहे समाजी या कहानी. ऐसा जब तक नहीं होता तब तक लोग उसको जोश से नहीं मंजूर कर सकते. और लोगों का उसका जोश से स्वागत किये किना वह प्हानिंग अमल में भी नहीं या सकता. इसिंतिये जीवन का मक्ससद क्या हो इसका इस रिपोर्ट में कोई (जकर न होने की कमी को अगर जल्दी ही पूरा न किया गया तो इसके तैयार करने की सारी मेहनत बेकार जायगी.

हमें बताया गया है कि इस 'प्लानिंग' रिपोर्ट को पका करने के पहले पार्लिमेन्ट में शौर करने के लिये पेश किया आयगा. इमें आशा है कि यह मक्तसद की कमी वहाँ दूर कर दी जायगी चौर उसका स्वरूप ऐसा कर दिया जायगा कि बह एक मुनासिब और जोशीली या जानदार चीज बन जायगी. आज का उसका स्वरूप नेकार सा ही है.

ं ('माम स्थोग पत्रिका' से) --जे. सी कुमारप्पा

معالل ك أغرى منع مين دلي مين إس سيقي کے مقامکار ہورہ کی بیٹاہک ہوئی تھی ، اُس میں نائب صدر لے بوی اُحتیاط سے سمجھایا که یه پلانلگ اصل میں کوئی پلانگک هی نهیں هے . ارر بتایا که اِس ریورت میں آم کی موجودہ حالت میں کچھ اچھے نعیسے نکلنے کے خیال سے کون سے طور طریقے استعمال کئے جائیں اِسکی صرف جهلک دی گئی ہے . کمیشن نے سماج میں کرانتی پھدا ، کرنے کی تیلگ نہیں ماری ہے اور نہ ایسی کوئی جیوں مان بدلنے کی کوشش کی ھے جس کے کارن آج کے سماج کے کم سے کم اونجے درجے کے لوگوں کو ایدا آرام کا جهون چهورنا يوے .

اِس رپورٹ پر سرسری نگاہ دورانے سے هی یه بعد چل جائها که همارا دعوا صحیم هے . یه سے می کوئی بالنقک هی نهیں هے . اس موثی کتاب میں بہت سی اِکی دکی آزآت یوجذائیں هیں . أن كا ایك دوسرے سے كوئى سمبندھ انہیں دکھائی دیتا ، اِن میں سے کچھ میں سامراج وادی بو آتى هے كيچه ميں سماج واد كى كيچه ميں كاندهى وادى هونے کا سوانگ هے اور کچھ تو قریب قریب سماج وادیوں جیسی هی هیں . وچار آوو مقصد کا تال میل کہیں نظر نهير آتا . ايسا صاف دكهائي ديتا ه كه هر أيك يوجفا میں خاص خاص متوں کے دباو میں آئر اُنکےفائدوں کو دھکا نهين لئايا كها هي . يه رپورت كها بلكه جدا جدا هترن کے اپنا اُلو سیدھا کرنے کی کی گئی کوششوں کا حمرت ناک تماشه ہے اور کمیشن کے حمیر الگ الگ مقاموں پر کی گئی ان کوششوں کے دیاو میس آئے هوئے معلوم هوتے هیں.

راشتر کے ساملے جو بلانلک رکھا جاتا ہے وہ أسے ایک مقصد کی طرف لے جانے والا هونا چاعثے کھر وہ مقصد چاه مائی وادی هو چاه نهتک عها سماجی یا روحانی . ایسا جب تک نہیں ہوتا تب تک لوگ اُسکو جوش سے نہیں منظور کو سکتے ۔ اور لوگوں کا اُس کا جوہی سے سواكت كلُّم بنا ولا يلانفك عمل مهن بهي نهين أسكتا . إسلئے جهون كا مقصد كيا هو إس كا إس رپورت ميں كوئى ذکر نے موتے کیکسی کو اگر جلدی ھی پورا نہ کھا گھا تو اسکے تهار کرنے کی ساری مصلم بیکار جائے گی .

همهن بتایا کیا هے که اس 'پلانلگ' رپورٹ کو یکا کرنے کے پہلے پارلیمنٹ میں فور کرنے کے لئے پیش کیا جائے گا . هبهن آها هے که یه مقصد کی کسی وفان دور کر دی جائے كى أور أسكا سررب ايسا كر ديا جائي كا كه وه ايك مقاسب اور جرشهلی یا جاندار چیز بن جائےگی . آج کا اُسکا سروپ بيكار ساهى هے ،

﴿ اگرام أديوك يعريكا سے ﴾ --- جے . سی . کمارپہا

राय मांगी, बुंकि कार्स के किसी ने कोई जबाब नहीं दिया, इसकिये सुमें वहीं मानना चाहिये कि इस नहन की रिकायत सही है.

प्रयाग महिता विद्यापीठ एक पुरानी संस्था है और मैं सममता हूँ कि इसके चलाने में क्तर प्रदेश के कुछ आस नेताओं और साहित्य अदृश वालों का भी हाथ है. उसकी आचार्या हिन्दी की मराहूर कवियत्री हैं. मैं आशा करता हूँ कि परीचा लेने वाले के बे इज्ज्ञती के अमल से बहुन मुखतार बेगम सिद्दीकी के मन को जो धक्का लगा होगा, उसकी ठीक कल्पना वह करती होंगी.

यह बहन जिस विद्यालय से परीका के लिये आई, उसके कायम करने वालों ने अपनी संस्था के नाम के साथ पूज्य कस्तूर बा का नाम जोड़ा है. मालूम नहीं, अपने एक विद्यार्थी के साथ किये गए इस बुरे तर्जे अमल पर उन्होंने क्या किया है. अगर वह इस बे इज्ज़ती को चुपचाप सहते हैं, तो बेहतर होगा कि वह कस्तूरबा का बाम अपनी संस्था के नाम से हटा दें. जब तक उनके विद्यार्थी की इस बे इज्ज़ती की सही भर पाई नहीं होती, और ज्योहार की बराबरी और परीका में इन्साफ किये जाने का इतमिनान नहीं मिलता, तब तक उन्हें अपने विद्यार्थियों को इस महिला विद्यापीठ की परीकाओं के लिये नहीं भेजना चाहिये.

घटना मामूली दिख सकती है. ऐसा महसूस हो सकता है कि एक लावक लेकिन कुछ पुराने ख़बाल बाले इम्तहान लेने वाले से एक मामूली छोटी लड़की की कुछ वे इज्जती हुई है, इसमें उसकी इतनी ज्यादा चरचा करने की क्या चरूरत है ? लेकिन इन घटनाओं को छोटा मानने के ख़याल में ही जोखम भरा है. यह मामूली सी दिखने वाली बद्तमीज़ी एक ख़ौफनाक रोग की शुरुष्टात हो सकती है.

यह घटना उत्तर प्रदेश की राजधानी में हुई है. इससे उसे और भी जयादा बड़ाई मिल जाती है. इस से लोगों में चाल इस धारना को बल मिलता है कि उत्तर प्रदेश के नेता और वहां की हकूमत पिछ घसीट फिरका बन्दी की तरफ मुक रहे हैं. इन्हीं छोटी घटनाओं से बाद में धर्म की जगहों को खराब करने, उन पर ज़बरदस्ती अपना क्रब्ज़ कर लेने और फिरक्रेबाराना देंगे वगौरा के कजहानों की शुरुआत होती है.

-- किशोरलाल मशरूवाला

योजना या खिलवाइ-

नई दिल्ली की सरकार को तरक से बनाए गए प्लानिंग क्योरान ने एक पंच साला योजना का ढाँचा पेश किया है. उस पर सोकनत आजमाबा जाकर पत्ती रिपोर्ट तैयार की

प्रसस्त '51

الی مارکی : چونکھ اُن میں سے کسی نے کوئی جواجہ آبیشن میں اُس لئے مجھے یہی ماندا چاہئے که اُس بہن کی شخصت صحیم ہے ،

پریاگ مہیلا ردیا پہاہ ایک پرانی سنساہا ہے اور میں سمجہا ہوں کہ اِس کے چانے میں اُتر پردیش کے کچھ خاص نیتاؤں ارر ساھائیہ اُدب رائوں کا بھی ھاتھ ہے اُسکی آچاریا ھندی کی مشہور کویاتری ھیں ، میں آشا کوتا ھوں کہ پریکشا لہنے والے کے بے عزتی کے عمل سے بہیں مختار بیگم صدیقی کے من کو جو دھکا لیا ھوگا اُس کی تبیک کاپنا وہ کرتے ھونگی .

یہ بہن جس ودیالے سے پریکشا کے لئے آئیں' اسکے قائم کرتے والوں نے اپنی سلستھا کے نام کے ساتھ پوجیہ کستوریا کا نام جوزا ہے . معلوم نہیں' اپنے ایک ودیارتھی کے ساتھ کئے گئے اس برے طرز ممل پر انہوں نے کہا کہا ھے . اگر وہ اس بے عزتی کو چپ چاپ سہتے ھیں' تو بہتر ھوگا' کہ وہ کستوریا کا نام اپلیسنستھا کے نام سے هتادیں . جب تک اُن کے ودیارتھی کی اس بے عزتی کی صحیحے بھر یائی نہیں ھوتی' اور بیوھار کی برابری اور پریکشا میں انصاف کئے جائے کا اطمیقان نہیں ملتا' تب تک اُنہیں اُنے ودیارتھیوں کو اُس مہیلا ردیا پھتھ کی پریکشاؤں کے اُنہیں بھی ودیارتھیوں کو اُس مہیلا ردیا پھتھ کی پریکشاؤں کے اُنہیں بھی بہیرہ بھیدہنا جاہئے ۔

گهتنا معمولی دکه سکتی هی ایسا محسوس هوسکتا هی که ایک الئق لیکن کچه پرآنے خیال والے امتحان لهنے والے سے ایک معمولی چهوائی لوکی کی کچه بے عزتی هوئی هی ' اس میں اسکی اتنی زیادہ چرچا کرنے کی کیا ضرورت هے ؟ لیکن ان گهتناؤں کو چهوانا ماننے کے خیال میں هی جوکهم بهرا هے ۔ یه معمولیسی دکهنے والی بدتمهزی هی خونداک روگ کی شروعات هوسکتی هی ۔

یه گهتدا آدر پردیش کیراج دهانی میں هوئی ہے ۔ اس سے آس آور بهیزیادہ برآئی مل جاتی ہے ۔ اس سے لوگوں میں چالو آس دعارنا کو بل ملتا ہے که آتربردیش کے نیتنا آور وهاں کی حکومت بحجہ کهسیتو فرقه بندی کی طرف جهک رہے هیں ، اِنبیس جهوتی گهتناوں سے بعد میں دهرم کی جگهوں کو خراب کرنے اُن پر زبردستی اُپنا قضبه کو لیدے گور 'فرقه وارانه دنگے وفیرہ کے رجمانوں کی شروعات گور ہے ۔

--- کشور لال مشروا**لا**

پوجنا يا كهاواز_

ا نگی دلی کی سرکار کی طرف سے بنائے گئے پلانقگ گئی ہونقگ گیدشوں نے ایک پنج ساله یوجفا کا ذھانچہ پیش کیا ہے۔ آس پر لوک صت آزمایا جاکر یکی رپورٹ تیار کی پہانیگی۔

CONTRACTOR CANDONICA CONTRACTOR

मिरा बनाबा हुणा यह सामा सुन्तर बरतनों में परोसा तथा था, लेकिन मुझे यह देखकर बका दुख हुआ कि परीका त्रि वाले ने मेरी बनाई बीजों का स्वाद ही नहीं लिया, न्हें टेबिल के नीचे अपने पाँव के पास रख दिया और इस्तर को दे दिया. कारन यह था कि मैं मुसलमान हूँ.

'जब मैं दूसरी हिन्दू लड़िक्यों के साथ रसोई पका ही थी, तब एक आदमी ने मेरा नाम पूछा, श्रीर डसके क्ष्य मुक्त हिन्दू परीचा देने वालियों से दूर रसाई पकाने के क्ष्ये कहा. इस बेइक्जाती के क्योहार से मुक्ते बड़ा दुख शा है.

—मुखतार बेगम सिद्दीक्री'

"आहर है कि परीचा लेने वाले ने दूसरे और तीसरे रे में जिनका जिकर हुआ है, ऐसी दो ग्रांतियां कीं. इस र समास हो सकता है कि उसने इस परीचा देने वाली के अस की कावितयत की जांच कैसे की ? इस मज़मून में सकी कावितयत का अन्दाजा किस आधार पर किया ? रीचा देने वालियों के कुत नम्बरों पर और तमाम नतीजे र परीचा लेने वाली की इस भूल का क्या नतीजा हुआ। गा, यह भी कीन कह सकता है ?

"सब से ज्यादा घोट इम्तदान लेने वाली के मन के स मुकाब का खयाल करके लगती है, जिसकी वजह से स निर्दोश परीक्षा देने वाली की ऐसी बेइज्जती हुई. यह ह नौजवान लड़की की ज्वरदस्त बेइ कत्ती थी. शायद पिने हंग का यह किस्सा अकेला नहीं होगा. हिन्दुओं के सी ज्योहार के कारन अलग अलग धर्म और जातियों तिये अलग अलग संस्थाओं की सांग, बनावट और होती हुई है. आखिर में इसका नतीजा यह होता है कि नका के अलग अलग गिरोह हो जाते हैं, और फिर देश द्वकड़े होते हैं या राज के दुकड़े होकर छोटे छोटे राज दे होते हैं. फहने की जरूरत नहीं कि यही वह बीज था ासने दो-क्रौम-वाद को जन्म दिया, और जिससे आख़िर हिन्द्रस्तान के दुकड़े हो गए. यह बीज कितना ही गहरा मैं ब हो, अगर हमने उसे जड़ से नहीं उखाड़ दिया, तो इक्षर राज बनाने का हमारा ख्याल हवाई महल ही वित होगा. अगर हिन्दुस्तान की जनता को एक होकर इ सज़ब्त क्रीय बनना है, तो इस क्रिसिय के फरक या त भेद की मिटा देता चाहिये."

भी सुरेश रामभाई ने यह नोड मेरे पास कुछ हफ्ते को भेजा था. उसे छापने से पहले मैंने इस शिकायतों स्वच्याई की खोज कर लेना ठीक सममा, और इस बाह्य से प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद और सहूरना बालिका विद्यालय, लखनऊ के खास अधिकारियों स्वास विद्या कर इस घटना पर चनकी जानकारी और اسموا عقبا حواید تیفا سفتویونی میں جوہ کا تیاد نمید ہوا کہ پریکھا اسالہ اللہ نمید میریکھا اسالہ اللہ نمید میریکھا اسالہ اللہ نمید نمید اللہ نمید کو دے اللہ کے نمیدے آنے بارس کے پاس رکھ دیا اور مہتر کو دے دیا ۔ کارن یہ تھا کہ میں مسلمان ہوں ۔

تیب میں دوسری هندو لوکیوں کے ماتھ رسوئی پکا وهی تھی' تب ایک آدمی نے میرا نام پوچھا' اور آسکے بعد مجھے هندو پریکشا دینے والیوں سے دور رسوئی پکانے کے لئے کہا ۔ اس بےعزتی کے بیوهار سے مجھے ہوا دکھ هوا ہے ۔

-مختار بیکم صدیقی

واله نے دوسرے اور تهسرے پہریکشا لیڈے والے نے دوسرے اور تهسرے پہرے میں جن کا ذکر ہوا ہے' آیسی دو فلطیاں کیں . اس پر سوال ہوسکتا ہے کہ اُس نے اُس پریکشا دیئے والی کے کام کی قابلیت کی جانچ کیسے کی ؟ اِس مقموں میں اُسکی قابلیت کا اندازہ کس آدھار پر کیا؟ پریکشا دیئے والیوں کے کل نمبروں پر اور تمام نتیتچے پر پریکشا لیئے والیوں کی اس بھول کا کیا نتیتچہ ہوا ہوگا یہ بھی کون کے سکتا ہے ؟

"سب سے زیادہ چوت امتحان، لیڈے ولی کے من کے اس جہکار کا خیال کرکے لگتی ہے عصمی وجه سے اِس نردره پريکشا دينے والي کي بےعزتی هوئی ، يه ايک نوجوان لوای کی زبردست بےعزتی تھی . شاید اپنے ڈھڈگ کا یہ قصہ اکیٹا نہیں ہوگا۔ مقدووں کے اسی بیوہار کے کارن الگ الگ دھرم اور جاتیوں کے لئے الگ الگ سنستهاؤں کی مانگ بناوش اور یوموتی هوئی هے . آخو میں أسكا نتیجه یه هوتا هے كه جنتا كے الگ الگ گروه ھو جاتے میں' اور پھر دیس کے تکوے موتے میں یا راج کے تکوے هوکو چهوقے واج کهوے هوتے هيں . کہلے کی ضرورت نہیں کے یہی وہ بھیج تھا جس نے دو قوم واد کو بھلم دیا اور جس سے آخر میں هندستان کے تُکوے مَوْكَتُهِ . يه بيم كتنا هي كهرا كيون نه هو الر هم نه أس جو سے نہیں اُکھار دیں تو سیکولر راج بنانے کا همارا خهال هرائی مصل هی ثابت هوال. اگر هلدوستان کی جنتنا كو أيك هوكر أيك مطبوط قوم بننا هے' تو أس قسم کے فوق یا جات بھید کو مثا دینا چاھئے''۔

شرق سریش رام بہائی نے یہ نوت مہرے ہاس کرچہ مفقے بہلے میں نے ان شخصے بہلے میں نے ان شکانیوں کی سنچائی کی کہرے کر لینا تہیک سنجہا اور اس خبال سے بریائی مہلا ودیابیالہ الترایا الترایا کستیریا بالک وفیالہ الکیاریوں کے خاص ادھیکاریوں کو خط کی جانکری اور کی خط کی جانکری اور کی خط کی جانکری اور

क्य क्यांचा के कई क्यांचा पास हुए किनमें हो की तरफ इस अपने पाठकों का ज्यान स्थिता चाहते हैं. उनमें से एक में यह कहा गया है कि मन्दिर, मसजिद या दूसरी सार्मिक जगहों के बारे में हम कोई मगड़ा या छीना मपटी सार्मिक जगहों के बारे में हम कोई मगड़ा या छीना मपटी सार्मिक जगहों के बारे में हम कोई मगड़ा या छीना मपटी सार्मि नहीं करें चौर 14 सगस्त 1947 को जो हालत वी वही बदस्त्र कायम रखी जाय. दूसरे ठहराव में एक क्रीमी एकता मंदल कायम करने की तजवीज़ की गई थी जो किसी राजकाजी दल या गिरोह में न हो कर आपसी मेत माई बारे की बढ़ाने की कोशाश करेगा.

कहने की ज़रूरत नहीं कि दोनों ही ठहराव एक दम ज़रूरी और मुनासिब हैं. धार्मिक जगहों के मामले में तो सरकार को भी चाहिये कि 14 बगस्त 1947 वाली पोजीशन को बनाए रखे और उसमें कोई आँच न आने दें. इसी में हमारा सबका भला है.

क्रीमी एकता मंडल की कामयाबी बहुत कुछ उसके कारकुनों के काम पर मुनहसिर है. हमें यक्षीन है कि ब्रह्मचारी जी ऐसे साथियों के साथ काम करेंगे जिनके दामन साफ होंगे और जो अपने असर से लोगों का दिल हर लेंगे.

आखिर में इस फिर यही कहेंगे कि क़ौमी एकता की जाकरत जिलनी आज है जतनी कभी नहीं थी. अपने निजी जीवन में इस में से हर एक को इस एकता का अलमबरदार बन जाना है. इस बक्षत स्वामी रामतीर्थ का कहा एक शेर हमें बाद आ रहा है—

चीस्त हिन्दू या मुसलमां दो कुज़ा यक कूजागर, गरचें कूज़ा दो शुमार व्यायद व लेकिन गिल यकेस्त!

—सुरेश रामभाई

यू. पी. सरकार के लिये-

"नीचे बाला खत लखनऊ के मशहूर रोजाना अखबार 'नेश्नल हेराल्ड' के 11 मई 1951 के नम्बर में छुपा था:

'मैं कस्तूरका बालिका विद्यालय लखनऊ से प्रयाग महिला विद्यापीठ, इलाहाबाद की प्रवेशिका परीका में बैठी थी. परीका केन्द्र महिला विद्यालय कालिज में रखा गया था.

'हमारी रसोई की परीका 3 मई को हुई. उस दिन मैंने करीब दस रुपए खर्च करके सूचना के मुताबिक रसोई तैयार की. परीका की राह देखती बैठी रही, क्योंकि मेरा कास साववाँ था। केकिस परीका केने वाले ने मुक्ते 20-25 सक्कियों के काम कामा.

گہتے کی ضرورت نہیں کہ دونوں ھی تھھواؤ ایک عم ضروری اور مناسب ھیں ۔ دھارمک جگھوں کے معاملے میں تو سرکار کو بھی چاھئے کہ 14 اگست 1947 والی پوزیشن کو بنائے رکھے اور اس میں کوئی آنیے نه آنے دے ، اسی میں همارا سب کا بھلا ہے ،

قومی ایکتا مندل کی کامهابی بہت کچھ اُسکے کارکدرں کے کام پر منتصور ہے ۔ ہمیں یقین ہے که برهمچاری جی ایسے ساتھیوں کے ساتھ کام کرینگے جنگے دامن صاف مونگے اور جو ایے اثر سے لوکوں کا دل هرلینگے ۔

آخر میں هم پیر یہی کہیلگے که قومی ایکٹا کی فیورت جنگلی آج ہے آئلی کبھی نہیں تھی ۔ اپنے نجی خیری میں هم میں سے هر ایک کو اِس ایکٹا کا علمبردار بن جانا ہے ۔ اسوقت سوامی رام تیرته کا کہا ایک شعر هیں یاد آرها ہے ۔۔

چهست هلدو یا مسلمان دو کوزه یک کوزه گر گرچه کوزه دوشمار آید و لیکن کل یکهست

--- سريش _رام بهائي

یو · پی · سرکار کے لئے۔۔

''نهنچے والا خط لکھنؤ کے مشہور رزانہ اخبار 'نیشنل عبوالگ' کے 11 مئی 1951 کے نمبر میں چھپا تھا: ''میں کستورہا بالکا ودیالیہ لکھنؤ سے پریاگ مہا جینا ہیں۔ چھیا چھٹھ' المیاد کی پرویشیکا پریکشا میں بیتھی تھی، پریکشا کھندر مبلا ودیالیہ کالج میں رکھا گیا تھا۔

العماری وسوئی کی پریکشا 3 مئی کو هوئی ۔ اُس دن استون نے قویب 10 رویئے خرج کوکے سوچنا کے مطابق استون تھار کی ، پریکشا کی راہ دیکھتی بھتھی وهی کھوٹیکھ مھوا نام ساتواں تھا ، لیکن پریکشا لینے والے نے معین کھوٹیکھ میوا نام ساتواں تھا ، لیکن پریکشا لینے والے نے معین کے بعد بھیا ،

السَّى 51'

小人就

है. देश के बोर्के अबुक्त अस्ते के हमें जाने के विधे यो ही रास्ते विकार देते हैं:—

एक महासम गांची का बताया रास्ता और दूसरा रूस और जाल जीन का रास्ता. इन दोनों रास्तों में कुछ बुनयादी मेक की बातें भी हैं और कुछ बुनियादी फरफ़ की भी. इस बारे में हम अपने विचार फिर किसी नम्बर में ज़िहर करेंगे. और कोई बीच का रास्ता हमें किसी काम की जगह नहीं पहुँचा सकता. इन दूसरे रास्तों में से किसी पर चल कर भी देश की मुसीबतें बद सकती हैं घट नहीं सकतीं. साल्स होता है देश को अपना ठीक रास्ता देख सकने और इस पर बल सकने से पहले अभी कुछ और कड़ी आज़-शायशों में से निकलना बाकी है.

25. 7. '51

—सुन्दरताल

क्रोमी एकता कान्फ़रेन्स भीर मंडल-

हिन्दुस्तान के आश्राद हो जाने और उसके दो दकड़ों में बँट जाने के बाद क़ौसी एकता या हिन्दू मुसलिस मेल की बात करना पुरानी लकीर के फ़क़ीर जैसे बनना मालूम होता है. अकसर भाई बहन यह सममते हैं कि हिन्द्स्तान हिन्दुओं का देश है जिसे वह अपने धर्म, कलचर और सभ्यता के मुताबिक बनाएँगे, और मुसलमान का घर तो पाकिस्तान में है. लेकिन जरा भी सोचने पर साफ हो जाता है कि यह ख़याल बहुत ही बेबुनियाद है चौर हम सबको चौपट कर देने वाला है. सच तो यह है कि हिन्दू मुसलिम मेल की, क्रीमी पकता की जितनी जहरत आज है उतनी कमी नहीं थी. जितनी देर इस देश के कुल रहने वालों को-हिन्द्र, मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई वग़ैरा-हाथ की जंगलियों की तरह एक होने में लगेगी उतनी ही हेर इनको एक शानदार क्रीम वनकर अपना अमर संदेखा द्धनिया तक पहुँचाने में लगेगी. खुशी की बात है कि हमारे प्रधान मंत्री पंदित जबाहर लाल नेहरू का इस चीज में पूरा यक्रीन है और इस तरफ क़दम बढ़ाने में जाती तीर पर क्रन्होंने कोई कोशिश का भी नहीं रखी है. लेकिन इस चीज में हमें महज़ हकूमत के मरोसे नहीं रहना है. इसमें तो हर बादमी थोड़ा बहुत कुछ न कुछ कर के मुल्क के एक इकाई बनने में ज्वरदस्त मदद पहुँचा सकता है. इसकिये 24, 25 अप्रैक को जखनऊ में जो क्रीमी एकता कान्फरेन्स दुई चसका हम बहुत खुशी से स्वागत करते हैं. इस कान्फरेन्स के सदर पंडित सुन्दर बाब जी ये और इसके कर्ता वर्त श्री अवय बद्धाचारी ये जो अयोध्या की मसजिद के मामले से अपने चौड़े चौर इर्व मरे दिख के लिये मराइर हैं.

ر المولد الم المولد المول

ایک مہاتما گاندھی کا بتایا راستہ اور قوصراً روس اور گل جھیں کا راستہ ان دونوں راستہ میں کچھ بلہ ادبی میل کی باتیں بھی ھیں اور کچھ بلیادی قرق کی بھی میں بارے میں ھم اپنے وجار پھر کسی نمبر میں طاھر کریاگئے ۔ اور کوئی بیچ کا راستہ ھمیں کسی کسی کریاگئے ۔ اور کوئی بیچ کا راستہ ھمیں کسی کسی سے کسی پر چل کو بھی دیش کی مصیبتیں بڑھ سکتی میں پر چل کو بھی دیش کی مصیبتیں بڑھ سکتی میں گست نہیں سکتی ہیں اور اس پر چل سکتے سے پہلے ابھی راستہ دیکھ سکتے اور اس پر چل سکتے سے پہلے ابھی راستہ دیکھ سکتے اور اس پر چل سکتے سے پہلے ابھی دیچھ اور کبی آزمائشوں میں سے نکلنا باتی ہے ۔

25 , 7 . '51

قومی ایکتا کانفرنس اور مندل

هددستان کے آزاد هو جانے اور اُسکے دوتکروں میں بت جانے کے بعد قومی ایکٹا یا هندو مسلم میل کی بات کرنا پرانی اکھر کے فقیر جیسے بننا معلوم هوتا ھے . اکثر بھائی بہن یہ سمجھتے ھیں که ھندستان ھندورں كا ديش قم جسم وه أيم دهرم كلجر أور سبهينا كم مطابق بدائينگي أور مسلمان كا كهر تو پاكستان مين هے . ليكن ذرا بهي سوچنے پر ماف هو جاتا هے كه يه خهال بهت هی بے بنیاد ہے اور هم سب کو چوپت کردیدے والا ہے. سبے تو یہ ہے که هندو مسلم میل کی ومی ایکتا کی جعلى ضرورت آبر هے أللي كبهي نهيں تهي جللي دیر آس دیص کے کل رہلے والوں کو۔۔۔ھلدو' مسلمان' سكه الرسي عيسائي وفهراسهاته كي الكلهون كي طرح ایک هونے میں لکیکی اُتلی هی دیر آن کو ایک شاندار قوم بن کر اینا أمر سندیسه دنیا تک پهونجانے میں لکیکی . خوشی کی بات ہے که همارے پردهان ملتوبی پندس جواهرلال نهرو کا اسچيز ميں پررا يقين هے اور اس طرف قدم ہوھائے میں ذاتی طور پر آنہوں نے کوئی كوشش ألَّها يهى نهيل ركهى هـ. لهكن أس جهز مهن هنهن معش حکومت کے بهروسے نہیں رها ہے . اس میں تو هر آدمی تهروا بہت کچه نه کچه کرکے ملک کے آیک آٹائی بللے میں زیرد،مع مدد پہونچا سِكُعًا هِي. أَسِي لَيُم 24-25 أَيْرِيل كُو لَكُهُمُو مِينَ جُو قرمي ليكتا كانفرنس هولي أسكا هم يهت خوهي س سراكت عرته هين . اس كانفرنس كي مدر يندت سقدرال جي تم لورامي كرتا دمرتا غرى أغم برمنجاري تم جو البودهها كي مسجد كے معاملے سے اللہ جوزے أور فود يهزيے دل کے لگے معہور هیں .

जगरत '51

(190)

***51**

बापान को बानरीका के बंदी कि बातने से बारत को सोशितस्य सरकार को कोई बास्ता न होगा. हमारे वहाँ की सोशितस्य पारटी इन्डोनेशिया से केंकर मिस्न तक के देशों से गठ बन्धन करना बाहती है. यह अच्छी बात है. पर उस के पतान से फाहिर है कि ताल बीन और लाल रूस से उसे खासी नफरत है. पतान में यह भी कहा गया है कि दुनिया की पिछड़ी हुई क़ीमों को उपर उठाने के लिये और दुनिया से मूक और लड़ाई मिटाने के लिये यू. पन. ओ. जो कोशिशों कर रही है उनके साथ पूरा पूरा सहयोग किया जायगा. फाहिर है हमारे यहाँ की सोशितस्य पारटी को केवल कम्युनिस्टों से अलगाव ही नहीं उन्हें अमरीका से खास तगाव भी है.

सर्वोदय योजना

पिछले साल महात्मा गांधी के असूलों के मानने वाले कुछ भाइयों ने 'सर्वीदय योजना' नाम से एक योजना निकाली थी जिसमें देश के जीवन के सब पहलु झों को मिगाह में रखते हुए देशवासियों को यह बताया गया था कि जनता के दुखों को दूर करने और देश को आगे बढाने में हमें क्या क्या करना चाहिये. हमें अफसोस है कि इस योजना की तरफ देश के लोगों का ध्यान बहुत कम गया है. इस योजना के तैयार करने वाले जुनाव के लिये कोई पारटी बनाकर देश के सामने नहीं आ रहे हैं. इसलिये चुनाव की इस गरमा गरमी में उनकी आवाज नक्षकारखाने में तूती की आवाज ही हो सकती है. फिर भी हम 'नया हिन्द' के किसी बागले श्रंक उस योजना की इन्ह मोटी मोटी बातें देने की कोशिश करेंगे. सोशलिस्ट पारटी के प्लान में सर्वोदय योजना के बहुत से शन्द और फिक्करे शामिल कर लिये गए हैं. उससे यह असर पैदा हो सकता है कि सोशलिस्ट पारटी के बिचार महात्मा गांधी के असूलों से मिलते जुलते हैं. पर ध्यान से पढ़ने पर भी हमें सोशिलस्ट पतान और महात्मा गांधी के विचारों में कोई स्नास बात मिलती ज्ञाती विसाई नहीं देती.

दो ही रास्ते हैं

चुनाव जीतने के लिये अभी तक जितने बतान निकाले गय है हमें इनमें से किसी के ज़रिये भी देश का कोई खास भता विखाई नहीं देता. काँगरस की फूट और उसके साथ उसका नाकाशमन भी हमें बदता ही दिखाई दे रहा है, घटता हुआ नहीं. बंगलीर के जलसे में दोनों दलों को फिर से मिकाने के लिये जो ठहराव पास किया गया है वह मिकाने की तरफ जाता हुआ दिखाई नहीं देता. उसका कुद्रति नतीजार फूट का बदना ही हो सकता था और हुआ سرار کو کوئی واسطه نه هوا ، همارے یہاں کی سوهاست بارتی اندونهشها سے لیکر مصر تک کے دیہوں ہیں گاہ است کا بارتی اندونهشها سے لیکر مصر تک کے دیہوں ہیں گاہ بینده می کرنا چاهتی ہے ۔ یہ اُس کے اُعالیٰ سے طاهر ہے که الل چهی اور لال روس سے اُسے خاصی نفرت سے اُسان میں سے بھی کہا گیا ہے که دنیا کی پنچہوی ہے ۔ اُعالیٰ میں سے بھی کہا گیا ہے که دنیا کی پنچہوی ہوائی متانے کے لئے اور دنیا سے بھوک اور لوائی متانے کے لئے یو ۔ این ۔ او ، جو کوششیں کر رهی ہے لوائی متانے پورا پورا سہیوک کہا جائے گا ، هاهر ہے همارے اُس کی سوشلست بارتی دو کیول کمیونستوں سے الکاؤ می نہیں انہیں امریکہ سے شاص لگاؤ بھی ہے .

سروودے یوجدا

پچھلے سال مہاتما کاندھی کے اصولوں کے مانٹے والے کھے بھائھیں نے اسروودے یوجفا نام سے ایک یرجدا تکالی تھی جس میں دیش کے جیون کے سب پہلوؤں کو نگاہ سیں رکھتے ہوئے دیمی واسیوں کو یہ بھایا گیا تھا که جنتا کے دکووں کو دور کرنے اور دیمی کو آئے برهانے مهى همين كيا كيا كرنا بهاهيُّ . همين افسوس في ك اُس پرجدا کی طرف دیش کے لوگوں کا دھوان بہت كم قها هي . اس يوجفا كي تهار كرني والي جداو كي لغي کوئی ہارتی بناکر دیمی کے سامنے نہیں آرھے میں . اس للَّيْ بَهِنَاو كَي إِس كَرِما كُوسي مِهِن أَن كِي آواز نَقَاد خَالَة میں طوطی کی آواز ھی ھوسکتی ھے، پھر بھی ھم الها هندا کے کسی اللے آنک موں اس یوجنا کی نجه مَولَى مولَّى باتهو ديله كى كوشش كريلكه. سوشلست پارٹی کے اعال میں سررودے پرجلا کے بہت سے شبد ارر فقری شامل کولئے گئے میں . اس سے یہ اثر پیدا هرسکتا یع کم سرشاما پارٹی کے وجار مہاتما کاددھی کے اعمولوں سے ملتے جلتے میں . پر دھیاں سے پوھٹے پر بھی معین سوشاست اعلن اور مهاتدا کاندهی کے رچاروں میں کوئی شاس بات ملعی جلعی دکهائی نهیں دیعی ،

موهى رأسته هين

چھاو جیتنے کے لئے ابھی تک جتنے اعلان نکالے گئے جھیں میھیں ان میں سے کسی کے ذریعے بھی دیھی کا کوئی خابی بھلا دکھائی نہیں دیتا ، کانگریس کی پھرت اور اسے ساتھ اسکا ناگرہ بن بھی ہمیں بوھتا ھی دکھائی دے رہا ہے گہتا ہوا نہیں ، بنگلور نے جلسے میں دونوں کیا گھا ہے کی سرت کیا گھا ہے اسے ملائے کی طرف جاتا ہوا دکھائی نہیں دیتا ، اسکا گھارتی تعیم دیتا ، اسکا گھارتی تعیم بھرت کا برھنا ھی ھوسکتا تھا اور ھوا

'51 mm

سوشلت اعلان مهن ديش کي سماجي' مالي أور رأج کلجی زندگی کو نئے سرے سے اور بالکل نئے ڈھنگ سے تعمهر کرنے کی بات کہی گئی ہے . بڑے ہوتے پونجی پتھوں کو متانے اور دیھی کے دھی کا جہاں تک ھوسکے برابر کا بہوارہ کرنے کا وعدہ کہا گیا ہے کہا کہا ہے ہوے زمینداروں کی زمین بنا معارضه دیئے ضبط کر لی جائے گی' کسی آیک آدمی کے داس تیس ایکڑ سے زیادہ زمین نہیں رہلے دی جائے کی کسانوں اور مزدوروں کے بھلے کا خاص خیال رکھا جائے کا راجہ لوگوں کے سالھانے بند کر دیئے جائینگے کسی دیش واسی کی ماہ واری آمدنی ایک سو روپے سے کم نه هوگی انه کسی کو هزار رویے سے ادھک دیا جائے کا جات پات کی دیواریں ترز دسی جائیلگی' پٹی درج جاتوں کی تعلیم ہر دس سال کے آندر ایک عرب روپیہ خرچ کیا جائے گا، سرکاری نوکریوں میں پٹی درم جانیوں کے لئے کنچھ خاص جگهیں رکھی جائینگی؛ دیش کی کم گلت جماعتیں ایے امے مذهب اینی اینی بهاشا اور اینی اینی لپی کو قائم رکه سکینگی ارد آید خاص اسهولوں میں آید بجوں کو ان سب چهزور کی تعلیم دے سکینگی ' جو کار بار اُدیوگ دھندے پرری طرح سرکار کے هاتھ اور سرکار کے کفائرول مهل هونگے أن سے صبلده رکھنے والی تجارت بھیسرکار کے هاته میں هوکی' آج کل کے کچے اور انھورے کنٹرول کی جگه سمجهداری کا اور یکا کنترول نهجے سے اوپر تک قائم کیا جائے گا نئے صوبے بهاشاؤں کے آدھار پر قائم کئے جانھنگے وفیرہ وفیرہ ،

ھم نے پورے اُعلان کا سار دینے کی کوشش نہیں کی ، کھول کچھ موٹی ہوٹی ہوٹی باتیں نمونے کے طور پر بیان کی ، ھیں ، اِن میں ظاھر ہے کچھ باتیں چھی ھیں' اُرر کچھ خاص لوگوں کے یا جماعتوں کے ورث حاصل کرنے کے لگے کھی گئی ھیں ،

اس اعلان میں دو باتیں خاص جدعتی هرئی هیں۔
ایک بیع کو اگر سرشلستوں کے هاتھوں میں حکومت آگئی
تو اُن کی سرکار اینگلو امریکه اور چین روس اُن دو دُاوں
کے کسی جیکوے میں کوئی حصہ نہ لیکی اُس کا مطلب
کیرل یدھ میں تتسلّم رہما نہیں بلکہ یہ بھی هوسکتا ہے
کیراں یدھ میں تتسلّم رہما نہیں بلکہ یہ بھی هوسکتا ہے
کیراں یہ جہاڑی سے یا جین کے یو ، این ، اُو ، میں لگے
جانے یا نہ لئے جانے سے یا فارموسا کے بھر سے ا

के हायों में आमई तो वह बेंकी, क्रिया कम्पनियों, हा फ़ीलाइ, विजली और रसायनी की की कारलायों, य और नील जैसे बड़े बड़े बगानों को ही नहीं, कपड़ा, हर और सीमेंट के सब कारलानों को भी की मया देंगे नी अपनी सरकार और सरकारी नौकरों के हाथों में लेंगे.

्सोशलिस्ट एलान में देश की समाजी, माली चौर जकाजी जिन्दगी को नए सिरे से श्रीर बिल कुल नए ढंग तामीर करने की बात कही गई है. बड़े बड़े पूंजीपतियों मिटाने और देश के धन का जहाँ तक हो सके बराबर व्वॅटवारा करने का वादा किया गया है, कहा गया है हे जमीदारों की जमीन बिना मुख्यावजा दिये जन्त करली यगी, किसी एक आद्मी के पास तीस एकड़ से जियादा मीन नहीं रहने दी जायगी, किसानों और मजदूरों के अले ा खास खयाल रखा जायगा, राजा लोगों के सालियाने द कर दिये जायंगे, किसी देशवासी की महवारी आम-शिषक सौ रूपर से कम न'होगी, न किसी को हजार ाए से अधिक दिया जायगा, जातपात की दोवारें तोड़ दी वंगी, पट्टी दर्ज जातों की तालीम पर दस साल के अन्दर s अरब रुपया खर्च किया जायगा, सरकारी नौकरियों पड़ी दर्ज जातियों के लिये कुछ खास जगहें रक्खी जायंगी. ा की कमगिनत जमातें अपने अपने मजहब, अपनी अपनी शा और अपनी अपनी लिपि को क्रायम रख सकेंगी र अपने सास स्कूतों में अपने बच्चों को इन सब बांचों तालीम दे सफेंगी, को कारबार उद्योग धन्दे पूरी तरह कार के हाथ और सरकार के कन्द्राल में होंगे उन से अन्ध रखने बाली तिजारत भी सरकार के हाथ में होगी, अकत के कच्चे और अधूरे कन्ट्रोत की जगह समभदारी ं भौर पक्का कन्ट्रोल नीचे से से ऊपर तक कायम बा जाबगा, नए सूबे भाशात्रों के आधार पर कायम ये कायंगे, वरीरा वरीरा.

हमने पूरे पलान का सार देने की कोशिश नहीं की. ति कुछ मोटी मोटी बातें नमूने के तौर पर बयान की हैं. में चाहिर है कुछ बातें अच्छी हैं, और कुछ खास लोगों वा जमातों के बोट हासित करने के लिये कही गई हैं.

इस प्लान में दो बातें खास चमकती हुई हैं. एक यह बगर सोशिक्टों के हाथों में हकूमत आगई तो उनकी कार एंगली-अमरीका और चीन-रूस इन दो दलों के सी मगड़े में कोई हिस्सान लेगी. इसका मतलब केवल में तटस्थ रहना नहीं बल्क यह भी हो सकता है कि रिवा के मगड़े से, या चीन के यू. पन. औ. में लिये ने यान लिये जाने से, या कारमूसा के फिर से चीनी कोश के हवाले किये जाने या न किये जाने से, या

The state of the s

والى بالين المك دايل على المك دايالي هيالي هيال معدر کالارول کو دهیرے دهیرے مثالے کی جات بھی و المائل كو بوهائے كى سديهاوتا يهى دكھائى كئى ہے . الله ماف لکها هے که دیش کی کم سے کم آمدنهیں کواویر لے الله على كا اور يول سے يعلى آمدنيوں كو كهمايا جالے كا . الراكم سے كم مزدوري يائے والے كو 50 روپے ملتے هيوں تو اوریک سے ادھک تلخواہ والے حاکم کو ہزار سے ادھک نہ سلے گا، دیس کی ضرورت کی جعدی چیزیس دیس کے اندر بن سكتى هين أن كے وديشوں سے منائے جانے ہر روک لگائی جاوے کی جو جو چھزیس کاؤں کے اندر گھریلو ادیاک معتدین سے تھار موسکتی میں آنیمیں بنانے کی ہوے ہوے کل کارخانوں کو اجازت نہیں دی جائے گی' کہوا اور کھانے کی چیزیں کاوں کے دھندوں سے ھی بدینکی' بوس ہوں میلوں سے نہیں' کارں کے ادبوات دھندوں کو ہو طرح ہوتا ہا ہے کا برے بوے کل کارخالے کیول ھٹھیار' بجلی مشهدوی جیسی چهزوں کے تیار کرنے اور کھلم پهداوار بومانے کے لیے می رهیلکے . أس اعلان مهن يه بهي كها لیا ہے کہ بہت زیادہ ہوے ہوے کل کارخانوں کے کہلئے سے الیمن کے قریبوں کو فائدہ کم ہے نقصان ادعک ، کہا گیا ہے کہ اُدیباک دعدوں کو قومیانے سے مودووں کے ساتھ الصاف نبهن هوسکتا، بجائے نجی پونجی واد کے اِس سے ایک اور زیاده بهیلکر سرکاری پرنجی واد پیدا هوجاتا ه نظهم کے بایت کہا گیا ہے که انگریز سرکار نے جو زهر همارے بجوس کی تعالم میں اہلی مرض کے لئے گھول دیا تھا وہ أبهى تك موجود هے؛ هنيس أس زهر كو ديش كى تعليم أن تكالما هـ؛ بلهادي تعليم كو يوهاني كا ذكر هـ؛ أور روس انے مثال دے کر کہا گیا ہے کہ مبین آبے دیش میں ایک بھی آدمی ان پڑھ نہیں رہلے دیلا ۔ زمین کی بابت لها گها هے که چو بوائے جوتے وهی اُسکا مالک . جات پات لو خالم كها جالم كا، وفهره وفهره .

کوئی بھی پارٹی آئے رہدوں کو کہاں تک پورا کوسکے لیے یا نہ کوسکھی یہ ایک الگ بات ہے اس میں کوئی ہگت نہیں کہ آچاریہ کریلانی کی پرجا پارٹی نے جو پروگرام سے الیفی کے ساملے رکھا ہے وہ سرکاری کانگریس کے پروگرام سے الیفیا اللہ ہی کے اصولوں کے زیادہ نکت اور جنتا کو ویادہ الیفیا کے والا ہے ۔

إسرهاست يارتى كا أعال

الله جناو جہتنے کے لئے تیسرا پروکرام همارے سامنے اس دیھی کی سرشلست پارٹی کے بختای کے بعض کے ادبیات دهندوں' بختای لور تجارت کو یے پڑھی اور ناستجھ جلتا کے باتیں میں جہورتا دیھی کے لئے ہتکر نہیں ہے! تیوں نے بھی ایر حکومت

को दारस बँगाने वासी बार्व कविक विसाई देती हैं. उसमें कन्ट्रोल को भीरे भीरे इटाने की बात मां है भीर कन्ट्रोल को बढ़ाने की संभावना भी दिखाई गई है. पर यह साफ लिखा है कि देश की कम से कम आमदनियों को जपर ले जाया जायगा और बड़ी से बड़ी आमदनियों को घटाया जायगा. अगर कम से कम मजदूरी पाने वाले को 50 रुपए मिलते हैं तो अधिक से अधिक तनख्वाह बाले हाकिम को हजार से अधिक न मिलेगा. देश की जरूरत की जितनी चीजों देश के अन्दर बन सकती हैं उनके विदेशों से मँगाए जाने पर रोक लगाई जवेगी. जो जो चीजें गाँव के अन्दर घरेल बद्योग धन्यों से तैयार हो सकती हैं उन्हें बनाने की बड़े बढ़े कल कारलानों को इजाजत नहीं दी जायगी. कपड़ा और खाने की चीजें गाँव के घन्दों से ही बनेंगी, बड़ी बड़ी मिलों से नहीं, गाँव के उद्योग धन्दों को हर तरह बढाया जायगा. बड़े बड़े कल कारखाने केवल हथियार, विजली, मशीनरी जैसी चीजों के तैयार करने और खनिज पैदाबार बढ़ाने के लिये ही रहेंगे. उस एलान में यह भी कहा गया है कि बहुत जियादा बड़े बड़े फल कारसानों के खुलने से देश के ग़रीबां को फायदा कम है नुकसान अधिक. कहा गया है कि उद्योग धन्दों को क़ौमियाने से मजरूरों के साथ इन साफ नहीं हो सकता, बजाय निजी प्जीवाद के इससे एक और ज्यादा भयकर सरकारी पँजीवाद पैदा हो जाता है. तालीम की बाबत कहा गया है कि अंगरेज सरकार ने जो जहर हमारे बच्चों की तालीम में अपनी ग़रज के लिये घोल दिया था वह अभी तक मौजूद है, हमें उस जहर को देश की तासीम से निकालना है, बुनियादी तालीम को बढ़ाने का जिकर है, और रूस की मिसाल देकर कहा गया है कि हमें अपने देश में एक भी आदमी अनपद नहीं रहने देना. जमीन की बाबत कहा गया है कि जो बोए जोते वही उसका मालिक, जात पात को खतम किया जायगा, वरारा वरारा.

कोई भी पारटी अपने बादों को कहाँ तक पूरा कर सकेगी या न कर सकेगी यह एक अलग बात है. इसमें कोई शक नहीं कि आचार्य कुपलानी की प्रजा पारटी ने जो प्रोप्राम देश के सामने रक्खा है वह सरकारी काँगरेस के प्रोप्राम से महात्मा गांधी के असूलों के प्यादा निकट और जनता को जगदा उम्मीद दिलाने वाला है.

सोशलिस्ट पारटी का एलान

बगला चुनाव जीतने के लिये तीसरा प्रोग्राम हमारे सामने इस देश की सोशिलस्ट पारटी का है. सोशिलस्ट पारटी के नेताओं को भी पूरा बकीन है कि देश के उद्योग बन्हों, व्स्तकारियों और तिजारत को बेपढ़ी और ना समम जनता के हामों में छोड़ना देश के लिये हितकर नहीं है! कहों ने भी अपने बलान में कहा है कि अगर हकूमत

कांगरेस और सरकार ने बहुत छुद्र किया है. अब केबत वस काम को जारी रखने की जरूरत है. इतिहास के विधा-र्थियों को मालूम है कि यह पट्टी दर्ज जातियाँ उस समय भी भंगरेज सरकार ने अपनी राजकाजी जरूरत के लिये गदी थीं. देश के आजाद होने पर हमें कोई मियाद मुक़र्रर करनी चाहिये थी--पाँच बरस या अधिक से अधिक दस बरस-जिस मियाद के बाद देश भर में कोई 'पट्टी दर्ज खात' या 'पिछड़ी हुई जमात' न रह जाय. यह काम कोई नामुमकिन काम भी नहीं है. सन 1872 में जापान ने अपने यहाँ की अब्रुत जातियों, ईता और हेनिन के असग वजूद को खतम करने के लिये जो कुछ किया था और जितनी कामयाबी के साथ किया था उसकी मिसाल हमारे सामने हैं. दूसरे ढंग भी हो सकते हैं. पर कुछ जातों भीर जमातों को पट्टी दर्ज जातें भीर पिछड़ी हुई जमातें बनाए रखने में शायद आज के कुछ राजकाजी नेताओं को भी उसी तरह का फायदा दिखाई देता है जिस तरह का पहले के अंगरेज राजकाजियों को दिखाई देता था.

प्लान पर आल इन्डिया कांगरेस कमेटी में जो बहस हुई उसमें किसी मेन्यर ने पूछा कि इस एलान में शराब- बंदी का जिकर क्यों नहीं है. पंडित जवाहर लाल जी ने अवाब दिया कि शराब बन्दी से हमारी सारी आर्थिक क्यक्त्या ''बिलकुज उलट पुलट हो जायगी.'' यह भी कहा गया कि देश में बहुत से क्रबीले ऐसे हैं जिनके रीत रिवाज बिना शराब के पूरे नहीं होते, शराब बंदी उनके साथ खुरम होगा और 'बराबत' तक का डर है. अगर यही समक्त राजा राम मोहन राय और लाई बिलियम बैन्टिंग को सबी का रिवाज कान्तन बन्द करने के बक्त आजाती तो माल्य नहीं हिन्दू कियों की दशा आज क्या होती! इन बिवारों और आदशों को रखते हुए कांगरेस और कांगरेसी सरकारों को महारमा गांधी के नाम और उनके अस्तुलों की दुहाई देने का कोई हक्त नहीं रह जाता. हमें दुखा है कि हम कहाँ से कहाँ पहुंच गए.

पत्नान में कहीं जिकर नहीं किया गया कि सरकारी नौकरों या अफसरों की जिशदा से जियादा तनखाह की क्या हद होनी चाहिये, न कहीं कम से कम तनखाह और जियादा से जियादा तनखाह का कोई औसत बताया गया है. कुछ जोगों ने चाहा या कि यह तय कर दिसा जाबे कि किसी परिवार के पास तीस एकड़ से जियादा या जो भी आंकड़ा सुक्रर्र कर दिया जाबे उससे जियादा जमीन न हो. इस सुक्राब का भी मजाक उड़ा दिया गया.

प्रजा पारटी का एलान

आचार्य कृपलानी की इसी प्रजा पारदी के मुकाबले के पुकान में हमें गांधी जी के असुतों का पास और जनता كالكريس أور سركار في بهت كجه ديا في . أب كيول أس کھم کو جاری رکھلے کی ضرورت ہے . اِتہاس کے ودیارتہیوں کو معلوم ہے کہ یہ پائی درج جانیاں اُس سے کی انگریز سُرگار نَے اینی راہ کاجی ضرورت کے لَیے کوهی تههی، دیھ کے آزاد هونے پر همیں کوئی میعاد مقرر کرنی چاهئے تھی۔۔پانچ ہرس یا ادھک سے ادھک دس ہرس۔جس میعاد کے بعد دیش بهر میں کوئی 'پتی درج جات' یا 'پچھڑی هوئی جماعت' ته ره جائے آیه کام کوئی ناممکن کام بھی نہیں ھے۔ سن 1872 میں جاپان نے اپنے یہاں کی اجھوت جاتھوں، ایتا اور عیلن کے الگ وجود کو ختم کرنے کے لئے جو کھے کہا تھا اور جنتنی کامیابی کے ساتھ کیا تھا اسکی مثال همارے ساملے هے. دوسرے تھلگ بهی هوسکتههیں . پر کچه جاتوں اور جماعتوں کو پتی درہ جاتیں اور پچھڑی حوثی جماعتیں بنائے رکھنے میں شاید آج کے کنچھ رآج کاجی نیتاؤں کو بھی اسی طرح کا فائدہ دکھائی دیتا ہے جسطرے کا پہلے کے انگریز راج کاجیوں کو دکھائی دیتا تھا۔

اعلان پر آل اندیا کانگریس کمیتی میں جو بحث هوئی اُس میں کسی ممبر نے پوچها که اُس اعلان میں شراب بندی کا ذکر کیوں نہیں ہے . پندت جواهرال جی ویوستها ''بالکل اُلت پندت هوجائیکی'' . یہ بھی کہا گیا کہ دیش میں بہت سے قبیلے ایسے هیں جنکے ریت رواج بنا شراب کے پورے نہیں هوتے شراب بندی اُن کے ساته بنا شراب کے پورے نہیں هوتے شراب بندی اُن کے ساته طلم عوا اور 'بغاوت' تک کا در ہے ۔ اگر یہی سمجه راجا رام موهن رائے اور الرد رایم بینتگ کو ستی کا رواج قانونا بند کرنے کے رقت آجاتی تو معلوم نہیں هندو ماتونا بند کرنے کے رقت آجاتی تو معلوم نہیں هندو استریوں کی دشا آج کیا هوتی ! اِن وچاروں اور آدرشوں کو مہاتما رکھتے هوئے کانگریسی اور کانگریسی سرکاروں کو مہاتما رکھتے هوئے کانگریس اور کانگریسی سرکاروں کو مہاتما حق نہیں رہ جاتا . همیں دیم ہے کہ هم کہاں سے کہاں جی نہیں رہ جاتا . همیں دیم ہے کہ هم کہاں سے کہاں جی نہیں بہ جاتا . همیں دیم ہے کہ هم کہاں سے کہاں

اعلان میں کہیں ذکر نہیں کیا گیا کہ سرکاری نوکروں یا افسروں کی زیادہ سے زیادہ تفخواہ کی کیا حد ھوئی چاھئے' نه کہیں کم سے کم تفخواہ اور زیادہ سے زیادہ تفخواہ کا کوئی اوسط بھایا گیا ھے ۔ کچھ لوگوں نے چاھا تھا کہ یہ طے کودیا جاوے کہ کسی پریوار کے پاس تیس ایکو سے زیادہ یا جو بھی آنکوا مقرر کودیا جاوے اُس سے زیادہ زمین نہ ھو ۔ اُس سجھای کا بھی مذاتی اُرا دیا گیا ۔

پرجا پارٹی کا اعلان

ا ابھاریہ کریلانی کی اسی ہرجا یارٹی کے مقابلے کے اعلان مہرے مبیس کاندھی جی کے اصوارس کا یاس اور جنتا प्रकान में कहा गया है कि देशों के अकरब में बहुत तरकड़ी हुई है. कारा! इसारे आजबता के बड़े बड़े हाकिन अपने मावहवों की काराश्ची रिपोटों पर राय क्रायम करने के बजाब पुराने बादशाहों की तरह कभी कभी भेस बद्दा कर जनता के अन्दर फिर सकते. वह खुद अनपहचाने कभी तीलरे दरजे में सकर करते तो उन्हें इस बारे में जनता के दुखों का कुछ अन्दाजा होता.

पतान में बहुत सी बातें हैं जिनकी तकसील में जाना हम बेकार सममते हैं. गाँव के उद्योग धन्दों का जिकर जरूर है और, यह भी माना गया है कि देश मर में हाथ से कपढ़ा बुनने वालों को सूत नहीं पहुंच रहा है, पर जाहिर है कि जो सरकार कपड़े के बड़े बड़े कल कारजानों को अपने हाथ में लेगी उससे गाँव के धन्दों को अधिक मदद की उम्मीद नहीं की जा सकती.

कंट्रोल एक जरूरी चीज बताई गई है, यह भी कहा गया है कि कंट्रोल से जो रिश्वतछोरी पैदा हो गई है उसका इलाज भी कंट्रोल को और अधिक कड़ा करना हो है. कहा गया है कि खाने और कपड़े के कंट्रोल के खिलाफ किसी कांगरेसी को कानाफूसी भी नहीं करनी चाहिये!

पक जगह देश को यह भी बताया गया है कि आम लोगों के रहन सहन का स्तर इतना ऊँचा हो गया है कि बड़ी से बड़ी आमदनी और कम से कम आमदनी का फरक पहले से कम होगया है! मालूम होता है हमारे हाकिम किताबी फारमूलों, तकनीकी शब्दों और अपने मातहतों की रिपोर्टों के गोरखधन्दों से बाहर निकल कर दुनिया को देखने के नाक़ावित हो गए हैं.

सरकारी नौकरियों की बाबत कहा गया है कि जिस "ऊँचे स्तर" तक सरकारी नौकर पहुँच गए हैं, उसे "क्रायम रखने" की जरूरत है !

कहा गया है कि जनता की तालीम और सेहत पर
अधिक ध्यान देने के लिये हमारी सरकारों के पास पैसों
की कमी है. पर "कला, साहित्य, संगीत, नाटक, गाना
और नाचना" इन के प्रचार की जरूरत पर जूब जोर दिया
गया है. कहा गया है कि इन चीजों का जनता में प्रचार
र किया गया तो जनता अनकलचर्ड रह आयगी। हम
मुद कलचर के बड़े कायल हैं. हमें गाना, बजाना और
गायना भी अच्छा लगता है. पर हम इस एलान के तैयार
इस्ते बालों को कैसे सममाएं कि भारत की जनता को इस
।सय इन चीजों की निस्तत जिन्दगी की कुछ और बुनियादी
शिंदों की कहीं जियादा जरूरत है.

कहा गया है कि पट्टीवर्ज जातों (शेह्नल्ड कास्ट्स) हैर पिखरी हुई जमातों (वैश्वर्ट क्लासेच) के लिये

اعلان مهی بہت سی بانیں هیں جن کی تفصفل نہیں جانا هم بیکار سمجھتے هیں، گاں کے آدیوگ دھندں کا ذکر فرروھے اور' یہ بھی مانا گیا ہے کہ دیش بھر میں هاته یے کپڑا بننے والی کو سوت نہیں بہونچ رہا ہے' پر ظاهر ہے کہ جو سرکار کپڑے کے بوے بوے کل کارخانوں کو آمیے هاته میں لے کی آس سے گاؤں کے دهندوں کو ادھک مدد کی آسید نہیں کی جاسکتی .

کفترول ایک ضروری چیز بخائی گئی ہے کہ یہ بوی کہا گیا ہے که کفترول سے جو رشوت خوری پیدا ہرگئی ہے اُسکا عالج بھی کفترول کو اور ادھک کوا کونا ھی ہے ۔ کہا گیا ہے کہ کھانے اور کھوے کے کفترول کے خلاف اسی کانگریسی کو کانا بھوسی بھی نہیں کونی چاھئے !

ایک جگد دیھی کو یہ بھی بتایا گیا ھے کہ عام لوگوں کے رھن سھوں کا استر اتنا اونچا ھوگیا ھے کہ بوی سے بوی آمدنی کا فرق پہلے سے کم ھوگیا ھے! معلوم ھوتا ھے ھمارے حاکم کتابی فارمولوں' تکلیکی شہدوں اور ایے ماتحتوں کی رپورٹوں کے گورکھ دھلدوں سے باھر نکل کر دنیا کو دیکھلے کے نا قابل ھوگئے ھیں۔

سرکاری نوکریوں کی بایت کہا گیا ہے کہ جس ''اونچ استو'' تک سرکاری نوکر پہونیج گئے میں' آسے ''قائم رکھنے'' کی ضرورت ہے!

کہا گیا ہے کہ جاتما کی تعلیم اور ضحت پر ادھک دھیاں دیئے کے لئے ھماری سرکاروں کے پاس پیسرں کی کمی ہے۔ یہ 185 ساھتیہ سنگیت ناتک کنا اور ناچنا کمی ہے۔ یہ پرچار کی ضرورت پر خوب زور دیا گیا ہے ۔ کہا گیا ہے کہ اُن چیزوں کا جاتما میں پرچار نه کیا گیا تو جاتما ہیں کلچوت رہ جائیگی ! ھم خود کلچر کے بوے قائل ھیں ۔ یہ ھم فہد کلچر کے بوے قائل ھیں ۔ یہ ھم فہد کانا بحانا اور ناچنا بھی اچھا لگتا ہے ، یہ ھم آس افان کے تیار کوئے والوں کو کیسے سمجھائیں کہ یہارت کی جاتما کو اُس سے اُن چیزوں کی نسبت زندگی کی کچھ اُور باتھادی چھؤوں کی کیھی زیادہ ضرورت ہے ،

کہا گیا ہے کہ پتنی درج جاتوں (شیقولڈ کاسٹس) اور پنچھوں ہوئی جمامتوں (بیک ورڈ کاسڈ) کے لیے

ज़िर राज के डामी चाविकतर चैर वातिवदार वा कख र चीन से वियादा इमदर्दी रक्षने वाते.

कांगरेस पारटी का एलान.

इसी जुलाई महीने में बंगलोर आल इन्हिया कांगरेस नेटी के मौक्रे पर देश के बहुत से लोगों को आशा थी कि गरेस की यह दलबन्दी मिटकर फिर दोनों दल एक हो यंगे. पंडित जवाहर लाल नेहरू ने इसके लिसे काफी कोशिश े की. केकिन मालूम होता है सरकारी कांगरेस के अन्दर तरे विकारों और आदशीं का जोर है. पंदित जवाहर ात नेहरू को सफलता न बिल सकी. इसी अवसर पर ांगरेस ने अगला चुनाव जीतने के लिये अपना प्रोप्राम रा के सामने रक्खा. प्रोप्राम को हमने ध्यान से कई बार हा. उसमें बहुत सी अच्छी अच्छी बातें हैं, जैसी ऐसे कि के इस तरह के प्रोमामों में आम तौर पर होती हैं. कान में महारमा गांधी और उनके अस्तों की भी काकी हाई दी गई है. पर हमें इस सारे प्रोमाम में न कहीं गांधी ो के विचारों और असूलों का पास दिखाई देता है और इमारी राय में इससे देश की दुखी जनता को किसी रह का ढारस बंध सकता है.

एतान में जगह जगह कांगरेसी सरकारों के अब तक कारनामों की तारीकों की गई हैं, देश को आजादी दिलाने किये देश पर कांगरेस के पहसान की दोहराया गया है, रिकार की कठिनाइयों को बयान किया गया है, यह माना था है कि देश में लाखों आदमी बिना खाने, कपड़े और कान के किसी तरह अपने दिन गुआर रहे हैं, इसका शस इसाब बताया गया है.

प्लानिंग कमीशन यानी देश की क्यति की योजना तैयार इस्ते वाला कमीशन, योजना मों को और हर काम योजना त्ना कर करने की देश को तालीम दी गई है. सबसे बड़ी रोजना सारे प्लाम में यह चमकती है कि देश के क़रीब इसीब सब क्योग धन्दे और उनसे सम्बन्ध रखने वाली दारी तिजारत धीरे भीरे सरकार और उसके नौकरों के दार्थों में आजाबे.

आज कल की राजकाजी भाशा में बहुत से शब्द हमें काफी चोके में डाल देते हैं. जिसे उद्योग घंदों का नेशनताइजेशन, रारद्रीकरन या 'क्रीसियाना' कहा जाता है वह आज कल की हालत में केवल 'सरकारियाना' है. एलान में इस तरह के सरकारियाने के अच्छे नतीजों को अवान किया गया है. पर अधिकतर देश वासियों का अब तक का तजरवा यही है कि जो धन्दे जमता के हाथों से जिन कर सरकार और सरकारी आदिसियों के हाथों में आगए उनमें जनता की दिक्रकरों बढ़ी हैं घटी नहीं.

سهکولر رائے کے حامی افعاب کر فہر جائیہ دار یا روس اور چھنی سے زیادہ همدردس رکھنے رائے ۔

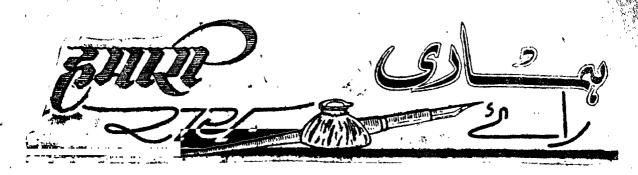
كانكريس پارتى كا املان

إسى جولائي مهيئے ميں بنكلور. آل أنديا كاكريس کمیٹی کے صوتع پر دیش کے بہت سے لوگوں کو آشا تھی کہ کانگریس کی یه دل بندی مت کو پهر دونوں دل آیک هوجائينگي ، يندس جواهر لال نهرو نے اسكے لئے كافي كوشھى بھی کی . لیکن معلوم هوتا هے سرکاری کانگریس کے اندر دوسرے وچاروں اور آدرشوں کا زورھے ، پندت جراهر لال نہو کو سپهلا نه مل سکی . اسی اوسر پر کانگریس نے اگا چااو جہتنے کے لئے اپنا پرولرام دیس کے سامقے رکھا ، پروگرام کو هم نے دههان سے کئی بار بوها . اُس مهن بہت سی اچمی اچمی باتیں هیں' جوسی ایسے سوقعہ کے اس طرح کے پروگراموں میں عام طور پر ہوتی میں ، اعلان میں مہاتما گاندھی اور اُن کے اصولوں کی بھی کافی فھائی دی كتى هے . پر همين اس سارے پروارام مهن نه كهين كاندهى جی کے وچاروں اور اصالوں کا پاس دکھانی دیتا ہے۔ اور نہ هماری رائے میں اس سے دیھی کی دکھی جنتا کو کسی طرح كا دَعارس بدده سكتاهـ .

اعلان میں جگہ جگہ کانگریسی سرکاروں کے آب نک کے کارناموں کی تعریفیں کی گئی ھیں' دیھی کو آزادی دلانے کے کے لئے دیھی پر کانگریس کے احسان کو دھرایا گیا ھے' سرکار کی کتھفائیوں کو بیان کیا گیا ھے' یہ مانا گیا ھے کہ دیھی میں لاکوی آدمی بقار کھائے' کیوے اور مکان کے کسی طرح ایس کوار رہے ھیں' اسکا خاص علاج بتایا گیا ھے .

پلاسٹک کمیشن یعنی دیش کی اُندٹنی کی یوجنا تیار کرنے والا کمیشن یوجناؤں کی اور هر کام یوجنا بنا کر کرنے کی دیش کو تعلیم دی کُنُر ہے ۔ سب سے بوی یوجناً سارے اعلان میں یہ چمکتی ہے کہ دیش کے قریب قریب سب امیں کے دھندے اور اُن سے سمبندھ رکھنے والی ساری تجارت دھیوے دھیوے سرکار اور اس کے نوکروں کے ہاتھوں میں آجارے ،

آبجال کی راج کاچی بھاشا میں بہت سے شہد ھمیں کائی دھوکے میں قالدیتے ھیں ، جسے ادیوک دھندوں کا نیشنظائویشن' راشتری کون یا ' قومیانا ' کہا جاتا ہے وہ آج کل کی حالت میں کیول ' سرکاریانا ' ہے ، اعلان میں اس طرح کے سرکاریائے کے اچھے نتیجوں کو بیان کیا گیا ہے . پر ادھک تر دیش واسیوں کا آب تک کا تجربه یہی ہے کہ جو دھندے جفتا کے ھاتیوں سے جین کر سرکار اور سرکاری آدمیوں کے ھاتیوں میں آگئے اُن میں جنتا کی سرکاری آدمیوں کے ھاتیوں میں آگئے اُن میں جنتا کی سرکاری بھی ھیں گیائی نہیں ،



देश ऋोर राजकाजी पारटियां-

'नया हिन्द' के पिछले नम्बर में हम कांगरेस और उस की दलबन्दी के बारे में अपने कुछ विचार प्रकट कर चुके हैं. सारे देश में एक दूसरे के खिलाफ विचार, असूल और आदर्श टकरा रहे हैं. राजसत्ता हाथ में लेने की इच्छा, लोगों के निजी अगड़े और दिलों के अन्दर एक दूसरे से लगाव या अलगाव बीच में आकर इस हालत को और अधिक पेचीदा बना देते हैं. नतीजा है देश में तरह तरह की राजकाजी पारटियों का खड़ा होना और इन पारटियों के अन्दर एक दरजे तक सिद्धान्तों का फरक होते हुए भी लग-भग हर पारटी में कम या ज्यादा हर विचार के लोगों का पाया जाना. यही हालत इस समय कांगरेस की हैं.

फिर भी मोटे तौर पर कांगरेस में दो तरह के विचार एक दूसरे से टक्कर ले रहे हैं. एक तरफ वह लोग हैं जो देश में सेकुलर यानी ब्योहारी राज फलता फूलता देखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वह हैं जो कड़वे राजकाजी तजरबों से घवरा कर या अपने अन्दर की तंग नजरी के कारन सीधे या नासीधे देश को सेकुलर आदर्श से हटा कर एक खास तरह की साम्प्रादायिकता या फिरका परस्ती की तरफ ले जाना चाहते हैं.

हम यह नहीं कहते कि कांगरेस वालों के जो दो बड़े दल हाल में बन गए हैं, यानी एक सरकारी कांगरेस और दूसरे प्रजा पारटी, वह केवल इसी असूल के ऊपर एक दूसरे से अलग हुए हैं. यह भी जाहिर है कि साम्प्रदायिकता की निगाह से उदार से उदार विचारों के लोग और तंग से लंग किरक्षा परस्त दोनों दलों में मौजूद हैं. पिड्या की राजकाजी पारटी बाजी का, जिसकी हम इस देश में अंघी नक्षल कर रहे हैं, यह एक खास गुन है कि उसमें असूलों से भी अबिक राखिययतों की चलती है. किर भी इसमें शक नहीं कि काँगरेस के इन दोनों दलों में मोटा करक वही है जो इसने उपर बयान किया है. एक बात यह भी ध्यान देने की है कि साम्प्रवायिक विचारों के लोग अधिकतर

<u>ں پش</u> اور راج ^{کاجی} پارٹیاں—

انیا هند کی پچھلے نمبر میں هم کانگریس اور آسکی دل بندی کے بارے میں ایک دوسرے کے خالف وچار اصول ساور آدرهی تکرا رهے هیں . راج ساتا هاته میں اور آدرهی تکرا رهے هیں . راج ساتا هاته میں لیلیے کی اِچہا لوگوں کے نتجی جھکڑے اور داوں کے اندر ایک دوسرے سے لگاؤ یا الگاؤ بیچ میں آکر اس حالت کو آدر اومک پیچھدہ بنا دیائے هیں نتیجہ هے دیشن میں طرح طرح کی راج کاجی پارٹیوں کا کھڑا هونا اور ان پارٹیوں کے اندر ایک درجے تک حدهانتوں کا فرق هوئے هوئے بھی لگ بھگ هر پارٹی میں کم یا زیادہ هر وچار کے لوگوں کا لیا جاتا ، یہی حالت اِس سمے کانگریس کی ہے .

پہر بہی مولے طور پر کانگریس میں دو طرح کے وچار ایک درسرے سے آکر لے رہے ھیں ایک طرف وہ لوگ ھیں جو دیھی میں سیکولر یعنی بیوھاری راج پہلتا پہولتا دیکھنا چاھتے ھیں' دوسری طرف وہ ھیں جو کڑوے راج کلجی تجربوں سے گھررا کریا آئے آندر کی تنگ نظری کے گڑوں سیدھے یا نا سیدھ دیھی کو سیکولر آدرھ سے ھتا گڑوں سیدھے یا نا سیدھ دیھی کو سیکولر آدرھ سے ھتا گڑو ایک خاص طرح کی سامپردایکتا یا فرقہ پرستی کی طرف لے جانا چاھتے ھیں ،

هم یه نههی که یم کانگریس والوں کے جو دو برے دل حال میں بن گئے هیں' یعنی ایک سرکاری کانگریس اور دوسرے پرجا پارڈی' وہ کھول اسی اصول کے اوپر ایک موسوے سے انگ هوئے هیں یه بهیظاهر هے که سامهردایکتا کی نامی ہے ادار سے ادار وچاروں کے لوگ اور تنگ سے تنگ پوسمت هوئوں دلوں میں موجود هیں ، پچهم کی اور کا کہ بی پارٹی بازی کا' جسکی هم اس دیش میں اندهی ایک خاص کن هے که اس پیس اصولوں نیش هیں ادهک شخصه بی کی چاتی هے ، پهر بهی اس نیش هی اس موڈا شکی نیهی که کانگریس کے ان دونوں دلوں میں موڈا شکی وہی کی جاتی ہے ، ایک بات یہ بھی دیمیان دیا ہے دایک بات یہ بھی دیمیان دیمیان دیا دی درس کے دیمی اور امریکہ کے طرفدار هیں' اور امریکہ کے طرفدار هیں' اور

- 18. उत्तर बद्धानिक मुनह में तुरकी व मुनान भी कि होंगे. भी रकी कहमद किदवाईका कांगरेससे स्तीका. 19. केसांग की बात चीत में खड़बन. मौलाना हाद दिल्ली वापिस. कटक में छात्रों पर बाठी चार्ज.
- 20. जोर्डन शाहके अबदुल्लाह गोजी से मार दिये मिल जुल कर काम करने के लिये पंडिन नेहरू की । रिस्न वालों से अपील.
- 21. राजपित ट्रूमैन के नुमायन्दे के तेल मसला करने के लिये कुछ सुमाय. अरब लीग के सेक टरी म्म पाशा को इतिमनान कि हिन्दुस्तान परदेस पर ई नहीं करेगा.
- 22. स्पेन में अड्डा बनाने पर अंगरेकी अल्लबारों की रीका को चेताबनी. पण्डिमी कौजी ताक़तों का साथ के लिये मिस्न की शर्ते. आचार्य कुपलानी का गुजरात में . दक्किनी आसाम में बहुत बड़ी बाढ़.
- 23. ईरान के मामले में उम्मीद की नई किरन. फ्रांस मार्शक पेता का देहान्त. दुनिया की शान्ति के लिये त्यत इकूमत सब से बड़ा खतरा है—राजपित ट्रमैन.
- 24. नेहरू जी का पाकिस्तान के बड़े बजीर को खत. अवेश में एक मिनिस्टर का स्तीका.
- 25. कोरिया की बात चीत आगे बढ़ने के लिये लाल का नया सुमाव. नई पंच साला योजना की कामयाबी के बिदेखी पूँजीकी ज़रूरत—काईनैन्स मिनिस्टरका एलान.
- 26. कोरिया लड़ाई रोको बात बीत के लिये एजेन्डे दोनों फरीक राजी. पाकिस्तानी बड़े वज़ीर की सुलह । विस्त के साथ पंडित नेहरू को दावत.
- 27. करांची में 'डिफेन्स हे' के मौके पर बड़े वजीर रिफ से 'मुका' को क़ौमी निशान बनाने का पलान.
- 28. केसांग की बात चीत में "थोड़ी तरक्षकी." त्रिटेन विवाद बन्दी की तीन साला योजना. हकूमत की नरीं को सुधारने के लिये गोरवाला कमीशन की रिपोर्ट. र में बाढ़.
- 29. नई दिल्लीमें नेहरू जी का पक्षान कि हिन्दुस्तान भी खुनौती का सामना करने को पूरी तरह तैयार.
- 30. कोरिया में लड़ाई बन्द करने की बात चीत में पारटी अपनी जगह अटला पंडित जवाहर लात की किसी शर्त के पाकिस्तान के बड़े वज़ीर को दिल्ली आने विक.
- B1. धवादान में तेश साफ करने बाले दुनिया के से बढ़े कारजाने में काम बन्द, दिक्खन बियत नाम के नर मार बाले गए. भी रकी बाहमद किंदबाई ने नई कि कैबिनेट से स्तीका दिया.

- 18 آتو آگانگک صلع میں ترکی و یوفان بھی شریک مونگے ، شری وقیع الصد قدوائی کا کانگویس سے استعظوں ، 19. کیسانگ بات چیت میں ارچن ، مواتنا آزاد دلی واپس ، کاک میں چھاترن پر التھی چارج ،
- 20. جورتن کے شاہ عبداللہ گولی سے مار دیے گئے. مل جل کر کام کرنے کے لیئے پندت نہرو کی کانگریس والوں سے اپیل .
- 21. راج پھی درومین کے نمائندے نے تیل مسلم حل کرنے کے لئے کتھہ سمجھاؤ ، عرب لیگ کے سکریتری اعظم پاشا کو اطمینان که هندستان پردیس پر چوهائی نہیں کرے گا ،
- 22. اسپین میں اتے بنانے پر انگریزی اخباروں کی چیناونی . پچھمی فوجی طاقتوں کا ساتھ دیئے کے لئے مصر کی شرطیں . آچاریه کرپلانی کا گچرات میں دورہ . دکھنی آسام میں بہت بی باڑھ .
- 23. ایران کے معاملے سپس امید کی نئی کرن . فرانس کے مارشل بھتاں گذر گئے . دنیا کی شانعی کے لئے سوریت حکومت سب سے بڑا خطرہ ہے۔ ۔ راج پنٹی ڈررمین .
- 24. نهرو جی کا پاکستان کے بڑے وزیر کو خط . اتر پردیش میں ایک منستر نے استفی دیا .
- 25. کوریا کی بات چیت آئے بڑھانے کے لئے الل دل کا نیا سجھاڑ. پنچ سالا یوجنا کی کامیابی کے لئے بدیسی پونجی کی ضرورت—قائی نینس منستر کا اعلان .
- 26. کوریا لوائی روکو بات چهمت کے لئے ایجلتے پر دونوں فریق راضی ، پاکستانی بڑے وزیر کی صلع کی پانیے شرطوں کے ساتھ پلڈت نہرو کو دھوت ،
- 27. کراچی میں 'قفینس دے' کے موقع پر ہوتے وزیر کی طرف سے 'مکا' قومی نشان بنانے کا اعلان ۔
- 28. کیسانگ کی بات چیت میں ''تہوڑی ترقی''. هٹھیار بندی کی تین سالا یوجنا ، حکرمت کی مشنهری برتین کی و برتین کی رپورت ، برتین کی کو سدھارنے کے لئے گور والا کمیشن کی رپورت ، بہار میں بارھ ،
- 29 نگی دلی میں نہرو جی کا اعلان که هندستان کسی بھی چتونی کا سامنا کرنے کو، پوری طرح تیار ہے . 30 میں دونوں پارٹی اینی جگه اثل ، پندس جواهر لال کی بلا کسی عود پاکستان کے بوے وزیر کو دلی آنے کی دعوس .
- 31. ایافان میں تیل مان کرنے والے دنیا کے سب سے پڑھ کارکائے میں کام بقد ، دکھن ویت نام کے گورنر مار ڈالے کئے ، شری رفیع آھند قدرائی نے نئی دلی کی کیبنت سے استعفی فیا ،

देस विदेस की जुबाई महीने की डायरी

1. कोरिया की लडाई रोकने के सिलसिक्षे में बास चीत केसांग में होगी. स्थाम के प्रधान मंत्री को बातियों ते रिहा कर दिया.

2. मौलाना चाजाद इस्तम्बुल पहुँचे. चमरीकी राज इत जी घेड़ी इरान के बड़े बजीर मुसादिक से मिले.

- 3. जापान के बंबी मंहल ने स्तीका दिया. गुजरात के खेद्तसंघ का कांगरेस से खलग होकर प्रजा पारटी का साथ देने का कैसला.
 - 4. सोशलिस्ट पारटी का जुनाव घोशना षत्र प्रकाशित.
- 5. हेग अदाखत ने ईरान के मामले में फ़ैसला अंगरेजों के हक में दिया. पंडित नेहरू ने रेलवे वालों से हड़ताल न करने की अपील की. मिस्न ने ब्रटेन को चेतावनी दी कि हमारे यहां आप हवाई अड़े नहीं बना सकते.

6. हेग का फैसला ईरान को नामंचूर. रेलवे कर्म-चारियों ने 27 घगरत से हड़ताल करने का फैसला किया.

- 7. हिन्द सरकार के पिछले चार साल के क्यूनामों की रिपोर्ट पंडित नेहरू ने मुल्क के सामने पेश की. मौझाना आजाद तेहरान पहुँचे.
- 8. कोरिया लड़ाई रोको बात चीत की शुरुवात, यू.पी. की जन कांगरेस का प्रजा पारटी में मिल जाने का फैसला.
- 9. अमरीकी राजपति ट्रमैन का डाक्टर मुसादिक को खत. प्लानिंग कमीशन का पंचे साक्त प्लान छपा.
- 10. केसांग में "बहुत इत्मिनान" के साथ बात चीत. हिन्द सरकार ने गेहँ और चाबल का दाम बढ़ा दिया.
- 11. राजपति द्रूमैन के नुमाइन्दे हैरी मैन का बीच में पड़ता हरान को मंजूर. रेलवे हड़ताल रोकने के लिये नया आहिनेन्स. बंगलीर में कांगरेस वरकिंग कमेटी की बैठक शुरू.
- 12. केसांग की बात बीत में अक्काब. जापात के बारे में बिटेन और अमरीका का बनाया नथा सुलाह मसीबिदा पेश. बरकिंग कमेटी ने कांगरेस चुनाव मनिकस्टो पास किया.
- 13. तेहरान में अमरीकी राजदूत का स्वीका. कुल हिन्द कांमरेस कमेटी में पंडित नेहरू की रिपोर्ड मंजूर.

14. केसांग की बात चीत फिर से शुरू होगी.

15. कांगरेस से हट जाने वालों को फिर से आने की बावत देते हुए बंगलीर में ठहराव पास हुआ.

16. तेहरान में मारशल ला का एकान. वैश्वजियम में बादशाह क्योपोल्ड की जगह गड़ी पर उनका लड़का श्राह्यादा बेडोइन बैठा.

17. केसांग की बातचीत राजी सुरा से चल रही है. इटक में विश्ववियों का सत्यानह.

س بدیس کی جولائی مهینے کی قائری

کوریا کی لوائی روکلے کے سلسلے میں بات چیمت مھانگ میں ہوگی۔ سیام کے پردھان مشکری کو ہافیوں رھا کردیا۔

کے مولانا آزاد استخبل پہونتھے . امریکی راج درت .
 کریدی ایران کے بڑے وزیر ڈائٹر مصادق سے سلے .

3. جاپان کے مفتری مندل نے استعفی دیا . رات کے کھیددت سلکھ کا کانکریس سے الگ هوکر پرجا لی کا ساتھ دینے کا فیصلہ .

بارتى كا چناؤ گهوشنا پخو پركاشت .

5۔ هیگ کی عدالت نے ایران کے معاملے میں ریزوں کے حتی میں فیصلہ دیا ، پنڈت نہرو نے ریلوں اس نیے هوتال نہ کرنے کی اپھل کی ، مصر نے برتین کو بتاوتی دی کہ یہاں آپ هوائی ادے نہیں بناسکتے ،

6 هیگ کا فیصله ایران کو نامنظور . ریلوے عیاریوں نے 27 اکست سے هوتال کرنے کا فیصله کھا .

7. هند سرکار کے بچھلے چار سال کے کارناموں کی رف پنتی نہرو نے ملک کے سامنے پیش کی . مواتنا م طہران بہونچے .

کوریا لوائی روکو بات چیت کی شروعات ، یو . یی .
 چن کانگریس کا پرجا پارٹی میں مل جانے کا فیصله .

9. امریکی راج پتی ترومین کا داکتر مصادی کو خطر ا نگک کیشن کا پلیج سالا پلان چهها .

10. کیسانگ میں ''بہت اطمینان'' کے ساتھ بات مع مند سرکار نے کیہوں اور چاول کا دام بوها دیا . 11. رام یتی ترومین کے اسائندے هیری مین کا

ہے میں ہونا ایران کو ملطور ، ریلوے ہوتال روکئے کے ۔ یہ نیا آرڈیٹٹس ، بنگلور میں کانگریس روکٹک کمیٹی ۔ ے بیٹیک شروع ،

12. کیسانگ کی بات چہت میں اتّکاؤ ، جاپان ، پارےمیں برتین اور اُمریک کا بنایا نیا صلم مسودہ پیش. کلگ کیھی نے کانگریس چناؤ مینینیسٹو پاس کیا .

13. طہران میں امریکی راج دوت کا استعفی ، کل ایم کانگویس کمھٹی میں ہلات نہرو کی رپورٹ ملطور ،

· 14. کهسانگ کی بات چوت پهر سے شروع هوگی .

15. کانگریس سے هت جانے والوں کو پهر سے آنے المورت دوتھ هوئے بلکلور میں ایک تهہرار پاس هوا .

16. طهران صبى مأرشل لا كا اعلان . بلجهم مهن العاد للمجهم مهن العاد المجهد كي جالع كدي در أنكا لوكا شهراد، بيتران بيعها.

17. کیسانگ کی بات چیت راضی خوشی سے چل م ہے . کلک میں وفیارتییں کا ستبائرہ

बन गया. काश्वित्र के दिनों में जयद्यास जी ने ही प्रथी-राज को स्टेज पर इतारा और इसमें क्रिपी कावित्यत की सराहना की. पृथ्वी राज आज हिन्दुस्तानी फिल्मी दुनिया का सबसे ऊँचा कलाकार है और नए हामा जगत का इसे निर्माता कहना भी उचित है. पृथ्वी ने प्रोकेसर साहब को दावत दे रखी थी कि वह आकर अपने पुराने शागिर्द की कामियाबियों की सराहना करें और नाकामियों को बताएं. हैंदराबाद में जब पृथ्वी थेटर्स अपना प्रदर्शन कर रहा था तब प्रोफ़ेसर साहब वहाँ पहुंच गए. फिर साथ ही साथ इन कोगों ने हैंदराबाद, मैसूर, कोल्हा पुर और बम्बई वरौरा का दौरा किया. श्रोक्रेसर जयदयाल ने इस दौरे के सारे श्रोप्राम को डायरी की सूरत में लिख डाला. इस डायरी में उन जगहों का अच्छा परिचय मिलता है जहाँ जहाँ इस थेटर ने दौरा किया था. पृथ्वी राज के ड्रामों—राहार, दीवार, आहुति भौर शकुन्तला-के बारे में भी इस किताब से जानकारी मिलती है. प्रथ्वीराज श्रीर उसकी कला पर इन पत्नों में काकी अच्छी रोशनी डाली गई है. पृथ्वी थेटर्स के कला-कारों में सज्जन, राजकपूर, जुहरा, सीतादेवी वगौरा के बारे में भी इस किताब से जानकारी मिलती है. किताब के आखीर में पृथ्वी राज, उसके कुटुम्ब और पृथ्वी थेटर्स के कोगोंकी तसवीरें दी हुई हैं.

यह किताब उस आदमी ने लिखी है जो न केवल नाटक कला का जानकार है बल्कि प्रश्वीराज को भी खूब जानता है. इस जिये प्रथ्वी राज और उसकी कला की सुन्द्रता और मनशा को समफने के लिये यह किताब अच्छा साधन है.

---मुजीब रिजवी

रचनात्मक कार्यक्रम

लेखक—महात्मा गांधी. अनुवादक-काशीनाथ त्रिवेदी. निकालने वाले-नवजीवन प्रकाशन मन्दिर, बहमदाबाद. सके—पचास. दाम है आने.

यह पचास सके की किताब गांधी जी ने सन '45 में लिखी थी. नवजीवन प्रेस ने अब इसकी तीसरी बार छापा है और छै आने दाम रखे हैं. यह किताब आज उतबी ही नई है जितनी सन '45 में थी. किताब के अंत में 27 जनवरी सन '48 के 'हरिजन' से 'कांगरेस का स्थान और काम' लेख लेकर दे देने से यह किताब और भी काम की बन गई है. इससे यह पता चलता है कि गांधो जो कांगरेस से क्या बाहते थे ! यह सब के काम की किताब है और उन्हें तो इसे बहुत ध्यान से पढ़ना चाहिये जिनके हाथ में कांगरेस की बाग होर है.

پرتمیں راے کو اسامیم پر آثارا اور اس میں جمیری قابلیت کی سراهدا کی ، پرتھری راہ آہ هددستانی قلمی دنیا کا سب سے اونتھا کلا کار ہے آور نکے قراما جکت کا أسے نرماتا کہنا بھی آجت ھے ، پرتھوی نے پرونیسر صاحب کو دعوت دے رکھی تھی کہ وہ آئر آھے ہرائے شاکرد کی کامیابیوں کی سراھنا كريس أور ناكامهون كو باتائهن . حهدوآباد مهن جب يرتهوي تهیترس اینا پر درشی کر رها تها تب پروفیسر صاحب وهال پہنے گئے . بھر ساتھ ھی ساتھ ان لوکوں نے حیدرآباد' مهسور کولها پور آور بمیشی رفهره کا دوره کها ، پروفهسر چے دیال نے اِس دورے کے سارے پروگرام کو ڈائری کی مروس مهل لكه دالاً. إس داري مين أن جكهول كا أجها يريدي ملتا هي جهال جهال إس تهيتر نے دورہ كيا تها . یرتھوں رائے کے قراموں سے غدار' دیوار آھوٹی آور شکفتا -- کے ہارے میں بھی اِس کتابسے جانکاری ملتی ہے . پرتھوی راج آور أسكى كلا ير إن ينون مين كافي أجهى روشني قالي گئی ہے . پرتھری تهیترس کے کلا کاروں میں سجن راجکپرز' زھرہ' سیٹادیوی رفیرہ کے بارے میں بھی اس کتاب میں جانکاری ملتی هے . کتاب کے آخور میں پرتھوی راج' اُسکے کٹسب اور پرتھوی تھیٹوس کے لوگوں کی تصویریں دی ھوئى ھھن ،

بن گیا، علیم کے دانوں میں جے دیال جی لے عی

یہ کتاب اُس آدسی نے لکھی ہے جو نہ کھول ناتک کلا کا جانکار ہے بلکہ پرتھوں راج کو بھی خوب جانکا ہے . اِس لئے پرتھوں راج آور آسکی کلا کی سندرتا آور سنشا کو سنجھنے کے لئے یہ کتاب اچھا سادھوں ہے .

--متجهب رضوي

رچناتیک کاریه کرم

ليكهك --- مهاتما كاندهى. أنووأدك الشي ناته ترريدي. نكالني والي الوجهون بركاشن مندر' أحمد آباد . منتهاس. دام چه آنے .

یہ پچاس صفحے کی کتاب گندھی جی نے سن 45' میں لکھی تھی۔ نوجیوں پریس نے آب اِس کو تیسری بار چھاپا ھے اور چھ آنے دام رکھے ھیں . یہ کتاب آج اُتلی ھی نئی ہے جتنی سن 45' میں تھی . کتاب کے انت میں 77 جنوری سن 48' کے 'ھریجن' سے کانگریس کا استھاں اور کام' لیکھ لے کر دے دینے سے یہ کتاب اور بھی کام کی بن گئی ہے . اُس سے یہ پتہ چلتا ہے کہ گندھی جی کانگریس سے کیا چاھتے تھے ؟ یہ سب کے کام کی کتاب ہے اور اُنھیں تو اِسے بہت دھیاں سے بودللا جاھئے جی کانگریس کی بات دھیاں سے بودللا جاھئے جی کا گروہے .

. Y

کے تھیے

वाजकता के कमाने में अब किसी माता और मितां का होर दौरा है और सारे अवकार क्रीं का राग अवापते हैं, 'चरके के आदर्श' को तेकर चताने वाला अंगरेजी जवान में एक नवा अखवार निकालना हिम्मत और तारीफ का काम है. हम भी यह अच्छी तरह जानते हैं कि आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों चरके का जमाना फिर से आने बाका है और हिन्दुस्तान ही नहीं सारा आजम इस पर बिजहारी होगा.

अख़बार के कवर पर ही महात्मा जी की जिखावट में 1944 का जिखा उनका एक अमर संदेशा है—''सच्चे बनो, तेक बनो और निखर बनो''—जो हम सभी जोगों और अख़बार बाजों के सममते बूमने और अपनाने की चीज है, खास तीर से इस कसौटी के मौक़े पर.

यह अख़बार इसी जुलाई से निकलना शुरू हुआ है, हमारे सामने पहला ही नम्बर है जिसमें आचार्य विनोबा भाषे, श्री किशोर लाल भाई, छुमारप्या जी और जाजू जी बग़ैरा के सार भरे और बेहतरीन लेल हैं. जगह जगह महात्मा जी की बानी पिरो दी गई है जिससे चीज की रोनक बढ़ जाती है. हमें उम्मीद है कि अपने अच्छे लेखों और सुल के हुए विचारों से 'ख़ादी वर्ल्ड' ख़ादी और माम द्योग यानी गाँवों के यानी हिन्दुस्तान के सच्चे स्वरूप छो पेश करके सब की असली सेवा करेगा.

इस मंहगाई के जमाने में भी इसका सालाना चन्दा तीन रुपए जैसी छोटी रक्षम है. हमारी सिकारिश है कि झंगरेजी सममने वाले सभी लोग जिन्हें अद्योग धन्दों या आर्थ शास्त्र से दिलचस्पी है या रचनात्मक काम पसंद है इसे अपनाएं और चाहे वह भले मिल व कारखाने के तरफदार हों फिर भी तसबीर के दूसरे रुख़ पर निगाह डालें. हिन्दुस्तान के हर स्कूल और कालिज लायब री में इसका पहुंचना लाजमी लौर पर कायवा पहुंचाएगा.

—सुरेश रामभाई

आई गो साउथ विद पृथ्वी राज ऐंड हिज पृथ्वी थेटर्स.

लिखने वाले —प्रोफेसर जयद्याल.

निकालने वाले—पृथ्वी थेटर्स पन्लीकेशन्स, बम्बई 4. भाशा अंगरेजी, साइज डिमाई अठ पेजी, सका 80.

क्रीमत पांच रुपए चाठ चाने.

सह किताब प्रोफेसर खयदयात की डायरी हैं. प्रोफेसर साहब प्रथ्वी राज के गुरू भी हैं और दोस्त भी, इन्हीं की संसाह से प्रथ्वी ने सभिनयकता को पढ़ा सौर बढ़ा फलाकार المحل کے زمانے میں جب ولیکی مال اوسلوں کا جائے ہیں۔ اور سارے اخبار اسی کا واک الانکریوی وہاں میں کے آمری کو المحر چلنے والا انگریوی وہاں میں کہ ایمار نکالفا همت ار تعریف کا کام ہے ، هم بھی یہ لچمی تو کل' کل بھی تو پرسوں چرخے کا زمانہ پھر سے آنے والا ہے اور همدستان هی نہیں سارا عالم اس پر بانهہاری ہوگا .

اخبار کے کور پر هی مہاتما جی کی لهکاوت میں 1944 کا لهکا اُنکا ایک امر سندیسہ سے ''سچے بنو' نها اُنکا ایک میں نہک بنو اور نقر بنو''۔۔جو هم سبهی لوگوں اور اخبار والوں کے سمنجھنے بوجھنے اور اُبنانے کی چیز ہے' خاص طور سے اس کسرتی کے موقع پر .

یہ اخبار اِسی جولائی سے نکلفا شروع هوا هے .

همارے ساملے پہلا هی نمبر هے جسمیں آچاریہ ونربا
پہارے' شری کشورلال بھائی' کمارپیا جی اور جاجو جی
وفیرہ کے سار بہرے اور بہترین لیکھ هیں . جگہ جگہ
مہاتما جی کی بائی پروئی گئی هے جس سے چیئز کی
روئی بوھ جاتی ہے . ه بیں اُمید ہے کہ آئے اُچھے لیکھوں
آور سلجھے هوئے وچاروں سے 'کھائی ورلڈ فھائی اور گرام
آور سلجھے هوئے وچاروں سے 'کھائی ورلڈ فھائی اور گرام
آور سلجھے هوئے وچاروں سے 'کھائی کے سچے سروپ کو
آیوسگ یعنی گاؤں کے یعنی هندستان کے سچے سروپ کو

اس مهنگائی کے زمانے میں یہی اسکا سارتہ چندہ تین رویے جیسی چہوئی رقم ہے ، هماری سفاوش ہے که الگریزی سمجھینے والے سبھی لوگ جٹھیں ادیوک دهندوں یا ارته شاستر سے دلچسهی ہے یا رچنائمک کام مسند ہے اسے ایدائیں اور چاہے وہ بھلے مل و کارخانے کے طوقدار ہوں یہر بھی تصویر کے درسرے رہے پر نکاہ ڈائیں . هندستان کے هر اسکول اور کالیج لائمریری میں اسکا یہونچنا لازمی طور پر فائدہ یہونجائیکا .

--سريص رأم بهائي

آئی گو ساؤته وی پرتهوی راج اینت هز پرتهوی تهیترس

لکھنے والے -- پرونیسر جے دیال ، نکالنے والے--پرتووی تھیگرس پہلیکیشنس' ہمبئی 4.

بهاشا أمكزيزي سائز ديمائي اله يهجي مقصه 80، فيسعد ها، فيسعد هان وربي آله آلي .

یہ کتاب پروفیسر جے دیال کی ڈائری ہے ، پروفیسر صاحب پرتھوں راج کے گرو بھی ھیں آور دوست بھی ، اِنھیس کی صاحب سے پرتھوں نے اُبھینے کا کو پڑھا اور بڑا کا کار 2. इन केन ऐसे हैं जो महातमा जी के जिसे नहीं हैं, किन ज़ैसे ते स्व नक्ष्य 146, 169 स्वर्गीय महादेव माई मा प्यारे काल जी या किसी और के क्रजम से हैं. यह वात काहिर हो जानी चाहिये थी.

तीसरी चीज एक सुमान के तौर पर यह कहना चाहते हैं कि लेखों पर उन अलवारों की तारीखें दी हुई हैं जिनमें वह छपे, न कि वह जिन तारीखों पर महारमा जी ने उन्हें अपने क्लम से लिखा या स्पीच में कहा. अगर अगले एडिशन में ऐसा हो सके तो और भी अच्छा होगा.

—सुरेश रामभाई

बेसिक एजुकेशन

लेखक—महात्मा गांधी. लिखावट—श्रंगरेषी.

सका-113. हाम-डेढ रुपया.

निकालने वाले — नवजीवन प्रवित्रिंग हाउस, महमदाबाद.

'सत्याप्रह' वाली किताब की तरह इसमें महात्मा जी के नई तालीम सम्बन्धी लेख आई भारतन कुमारण्या ने जमा किये हैं. जा शिकायतें हमें उस किताब के बारे में रहीं वही एसके बारे में भी हैं. जनवरी सन् 1945 में होने वाली नई प्रास्तीम कान्फरेन्स में महात्मा जी की दी हुई मार्के की स्पीच का इसमें कहीं जिकर ही नहीं है, जिसमें उन्होंने कहा था कि नई तालीम बालों की हालत उन लोगों की सी है जिनकी माब अथाह और असीम समुन्दर पर वह रही है जिसे सिवाय भगवान कपी धुव तारे के कोई दूसरा सहारा उहीं है.

किताब के एक एक सके से पता चलता है कि देश की कालीम के सवाल के बारे में कितनी खबरदस्त आग महास्मा जी के सीने में धधकती रहती थी और वह नई वैक्शिम को कितना खरूरी सममते थे. सचमुच उन्होंने अपने कुल तामीरी काम को राश्ट्र की नई तालीम बताया है.

तालीम में और महात्मा गांधी के विचारों में दिलचस्पी रस्तते वाले हर भाई बहन के पास यह किताब रहनी चाहिये.

—सुरेश रामभाई

खादी वर्ल्ड

सम्पादक-भाई एन. रामस्वामी.

तिस्वावट-अंगरेजी.

सालाना चन्दा- तीन रूपए.

निकासने वाले—चर्का संच की तासिसनाद शासा, सहर मलार घोर सर्वोदय प्रचारालायम तीरूपुर (साउय किन्या रेक्से).

2. کچھ کھکھ ایسے میں جو مہاتیا جی کے لکھے نہیں ہیں 169 ہورگیہ مہانی یا کہ بارگیہ میادیو یہائی یا چھی اور کے قلم سے میادیو یہائی یا علم اور کے قلم سے میں .

تیسری چیز ایک سجهاو کے طور پریہ کہنا چاھتے
ھیں کہ لیکھوں پر اُن اخباروں کی تاریخیں دی ھوئی
ھیں چی میں رہ چھیے' نہ کہ وہ جن تاریخوں پر مہاتما
جی نے اُنہیں اپنے قلم سے لکھا یا اسپیچ میں کہا .
اگر اگلے ایڈیشن میں ایسا ھرسکے تو اور بھی اچھا ھوگا .
سریش رام بھائی ۔

بيسك ايجوكيشي

ليكهك - مهاتما كاندهي .

لكهاوق--الكريزي.

صفحے۔۔۔113. دار۔۔ تیرم رربه، .

نكالنے والے الوجیوں پبلشنگ هاؤس' احمدآباد .

استیا گرہ' والی كتاب كی طرح اس میں مهاتما جی كے نئی تعلیم سموندی لیكھ بھائی بھارتن كمارپیا نے جمع كئے هیں . جو شكائتیں همیں اس كتاب كے بارے میں رهیں وهی اسكے بارے میں بھی هیں . جلوری سن 1945 میں هوئے والی نئی تعلیم كانفرنس میں مہاتما جی كی دي هوئی معر كے كی اسهیج كا اس میں كہيں فدر هی نہیں هے' جسمیں أنہوں نے كہا تها نه نئی تعایم والوں كی حالت أن لوگوں كی سی هے جلكی ناؤ اتهالا أور اسهم سمندر پر بہ رهی هے جسے سوائے بهگوان روپی دهرو تارے كے كوئی دوسرا سهارا نہیں هے .

کتاب کے ایک ایک صفحے سے بتہ چلتا ہے کہ دیمی کی تعلیم کے سوال کے بارے میں کتلی زبردست آگ مہاتیا جی کے سیلے میں دعدکتی رہتی تھی اور وہ نگی تعلیم کو کتا ضروری سمجھتے تھے، سچ می اُنہوں نے ایے کل تعدیری کام کو راشتر کی نگی تعلیم بتایا ہے،

تعلیم میں اور مہاتما گاندھی کے رچاروں میں دلچسپی رکھنے والے هر بھائی بھن کے پاس یہ کتاب رھنی چاھئے.

-سریص رام بهائی

with the second of the second

کهادی ورلت

سمهای سیهائی این دام سواسی.

لكهارك—انگريزى .

سالانه چندهستین روید

تعلقے والے---جرخع بھی کی تامل ناد شاکھا کھدو عمر اور سوروہ عرب جارا لام تجرو جو (سارتھ القیا ریلوے) .

51 mal

किताब विकेशी तो कृष और अवाब नहीं इसी साल में इस का दूसरा पर्शाशन झावना पड़े, पर यह किसी के मन पर गहरा असर झोड़ जायगी, इसमें हमें शक है. हो सकता है, कोई बलते बलते रेल में किसी से यह किताब मांग कर पढ़ ले और तीसरे हिस्से की एक दो घटनाएँ पढ़ने के बाद वह किताब उससे वापस ले ली जाय तो कोई गहरा असर उसके मन पर रह जाय और किताब की गरज पूरी कर दे.

_ч.

सत्याग्रह

सेसक—महात्मा गांधी, तिखावट—श्रंगरेजी. सक्ते—406, वृाम—साढ़े चार रुपए. निकातने वाले—नवजीवन पवितिशिंग हाउस, अहमदाबाद.

महमदाबाद का नवजीवन प्रकाशन मन्दिर जुदा जुदा मजमूनों पर महात्मा गांधी के लेखों का संप्रह सस्ते दामों में छाप कर दुनिया की भौर दुनिया के साहित्य की श्रव्छी सेवा कर रहा है. 'सत्याप्रह' नाम की किताब में महात्मा जी के सत्याप्रह से ताल्लुक रखने वाले 183 लेख, जो उन्होंने दिस्खन अर्फाका के अपने अख़बार 'इन्डियन ओपीनियन' और फिर हिन्दुस्तान में 'यंग इन्डिया', 'हरिजम' वगैरा में 1904 से लेकर 1916 तक लिखे थे, दिये गए हैं. जमा करने की मेहनत का काम भाई भारतन कुमारण्या ने किया है जिन्होंने नवजीवन की खातिर इस तरह की और चीजें भी तैयार की हैं.

किताब को ग्यारह हिस्सों में बांटा गया है जिनसे सत्य। मह के सभी पहलुओं पर अच्छी रोशनी पड़ती है.

'सत्याग्रह' श्रीर 'सर्वोद्य'—यह दो लक्ष्य महात्मा जी की ईजाद हैं. सर्वोद्य स्नकी जिन्दगी का मक्सद या श्रीर सत्याप्रह उसको पाने का साधन. लेकिन मक्सद मक्सद है, दूर की चीज है, साधन श्रपनी चीज है, श्रपने करने की श्रीर काकी हद तक श्रपने बस की चीज है. इस्रक्षिये उस पर महात्मा जी जैसे सत्याग्रही के विचार पढ़ने कायक ही नहीं, सोचने श्रीर किर समक यूककर समक करने लायक हैं. यह किताब रतनों का सान है जिसमें जो जितना गहरा स्तरेगा स्तना ही ज्याहा पाएगा.

केस जमा करने के बारे में दो बातें हम कहना बाहते हैं—

1. इस सिलिसिले के कुछ लेख जरूर इसमें देने से रह गए हैं. इमें खास तौर से महारमा जी के उस लेख की याद आ रही है जो उन्होंने 'दि घेट सैम्टीनक' नाम से गुउ-देश रबीन्द्र नाथ के एक देख के जवाब किसा था.

42---

ستيا گره

لیکھک۔مہاتما کاندھی کھاوت۔انگریؤی . صنحے۔406 دام۔ساڑھے جار رویہ .

رتكالله واله-نوجهون بملشلك مارس احددآباد .

اصدآباد کا نرجیون پرکاشن مقدر جدا جدا مضمونون مهاتما کاندهی کے لیکھوں کا سفکرہ سستے داموں میں اپ کر دانیا کی اور دلیا کے ساھتیہ کی اُجھی سیوا رہا ہے۔ 'ستیا گرہ' نام کی کتاب میں مہاتما جی کے یاگرہ سے تعلق رکھنے والے 183 لیکھ' جو اُنہوں نے دکھن بقہ کے اپ اخبار 'الڈین اوبی نین' اور پھر هندستان 'ینگ انڈیا' 'هریجن' رفیرہ میں 1904 سے لیکر نینگ انڈیا' نمریجن' رفیرہ میں 1904 سے لیکر نینٹ کا کم بھائی بھارتن کماریہا نے کیا ہے جلھوں نوجھوں کی خاطر اس طرح کی اور چھڑیں بھی تھار، نوجھوں

کترب کو گیارہ حصوں میں بانتا گیا ہے جن سے اگرہ کے سبھی پہلووں پر اچھی روشنی پوتی ہے .
'ستھا گرہ اور 'سروودے'۔۔ یہ دو لفظ مہاتما جی کی اد ھیں . سروودے اُن کی زندگی کا مقصد تھا اور اگرہ اسکو پانے کا سادھن اینی چیز ہے' ایپ کرنے کی اور کی چیز ہے' ایپ کرنے کی اور حد تک ایپ بس کی چیز ہے . اس لئے اسپر مناجی جیسے ستھا گرھی کے وچار پوھنے لائق ھی مناجی جیسے ستھا گرھی کے وچار پوھنے لائق ھیں. کا جیسے ستھا گرھی کے وجار پوھنے لائق ھیں. کی کہان ہے جسمیں جو جتما گہرا گہرا گہرا ہی زیادہ پانیکا .

ہم جمع کرنے کے بارے میں در باتیں هم کہنا ہے ہیں ۔۔۔

۔ اس سلسلے کے کچھ ایکھ ضرور اس مَیں دیئے۔ گئے ھیں ۔ ھمیں خاص طور سے مہانیا جی کے اُس پ یاد آرھیھے جو اُنہوں نے 'دی کریت سیٹٹیئل' نام دیو رپیٹدرناتھ کے ایک لیکھکے جواب میں لکھا تھا۔

اكست 51'

यह किताब हर हिन्दी जानने वाले के घर में रहनी बाहिये. क्योंकि इस में साहित्य के घस सामाने का पता त्या गया है जो हिन्दी का अपना है और जिसे हिन्दी गले भूले हुए थे. हर हिन्दी जानने वाले को इस किताब के पढ़ने के बाद हिन्दी पर और ज्यादा अभिमान करने की हेम्मत हो सकेगी और उसे यह साल्म हो जायगा कि उस के पास हिन्दी साहित्य की ऐसी चीज है जो विदेशियों को तौरात के तौर पर भेंट की जा सकती है और अगर हम मूलते नहीं हैं तो इस खजाने का कोई न कोई हिस्सा जरूर हम तक अन्तर कीमी रूप ले जुका है.

सन '48 में इस का पहला एडीरान छपा पर हमारे ज्ञामने यह सन '50 का दूसरा एडीरान है. इस से पता क्काता है कि किताब की कह हुई है, पर काफी नहीं. क्या ही प्रच्छा हो अगर यह किताब जियादा तादाद मेंछाप कर पाठ रुपए की जगह चार रुपए की कर दी जाय.

—¥.

गहरे पानी पैठ

केख रु—भाई श्रयोध्या प्रसाद गोयलीय. सक्रे—224. दाम ढाई रुपया. मिलने का पता—भारतीय ज्ञान पीठ, काशी.

यह फिताब नावेल नहीं है फिर भी हाथ में लेकर होड़ने को जी नहीं चाहता. यह किताब काव्य नहीं है फिर री इसमें सब रस मौजूद हैं. यह कहानियों की किताब भी हीं है पर हर बात इस ढंग से कही गई है कि वह अपने माप में कहानी बन गई है और कहानी का रस देती है. गयलीय जी का ऋजम रसीला रसिया बन गया है. उसके त्थे जो भी चढ़ता है रसीला बन जाता है. यह सब तो है र यह किता । जिस रारज से लिखी गई है उस रारज को ा कर पायगी इस में हमें शक है. यह तीन हिस्सों में ही है. एक गुरुजनों के चरनों में बैठ कर जो सुना, दो तिहास और धर्म प्रन्थों में जो पढ़ा, तीन हिये की आँखों । जो देखा. पहले दो भागों का जियादा हिस्सा ऐसा है जो ान को मोह लेता है, खुश करता है पर चिस पर कोई ाह्ररा असर नहीं छोड़ जाता. 'गपोड़ शंख' कहानी दर्ज हरने में लेखक ने क्या सोचा पता नहीं. इसी तरह से रंगा सियार' उन घटनाओं से कोई मेल नहीं खाता जो हिये की आँखों से देखा' हिस्से में दर्ज हैं. धर्म कथाओं में री कई कथाएं अपना अच्छा असर नहीं छोड़ सकतीं. गठकों को दुविधा में डाल सकती हैं. अच्छा होता अगर स का तीसरा यानी 'हिये की आँखों से देखा' माग अकग . देतांब की शक्त में छपता. तीनों भाग साथ छपने से यह

یه گتاب هر هاتی جائیے والے کے گهر میں رهای بھاھگے ۔ کهرتک اِس میں ساهتی کے اُس خزانے کا یہ فیا گیا ہے اور جسے هاتی والے بهولے دیا گیا ہے اور جسے هاتی والے بهولے دوئے تھے ۔ هر هاتی جائی والے کو اِس کتاب کے پرهائے کے بعد هاتی پر اور زیادہ اُبههمان کرنے کی همت هوسکے کی اور اُسے یہ معلوم هو جائے کا کہ اُس کے پاس هاتی کی ایسی چهز هے جو ودیشیوں کو سرفات کے طور پر بهیات کی ایسی چهز هے جو ودیشیوں کو سرفات کے طور پر بهیات کی جاسکتی هے اور اگر هم بهولتے نہیں هیں تو اِس خزانے کا کوئی نه کوئی حصه ضرور اب تک اُنگر قومی روپ لے چکا هے .

سن 48' میں اس کا پہلا اقیشن چھیا پر همارے سامنے یہ سن 50' کا دوسرا ایدیشن ہے ، اس سے پتہ چلتا ہے کہ کتاب کی قدر هوئی ہے' پر کافی نہیں ، کیا هی اچھا هو اگر یہ کتاب زیادہ تعداد میں چھاپ کر آتھ روپے کی خردی جائے .

--نه.

گھرے پانی پیٹھ

لهکهک-بهائی ایردهیا پرساد گرئلیه . صفتے-224 . دام دُمائی روپیه . ملنے کا پته-بهارتها گهان پهتها کشی .

یہ کتاب ناول نہوں ھے پھر بھی ھاتھ میں لے کر چهورنے کو جی نہیں چاھتا . یہ کتاب کاویہ نہیں ہے پهر بهي اِس مهن سب رس موجود هيي ، يه کهانوون کی کتاب بھی نہوں ہے پر ہر بات اِس قائلگ سے کھی كُذّى هي كه ولا آهي آپ مين كهاني بن كنى هي أور كهاني كا رس ديتي هي . كوئلهم جي كا قلم رسيلاً رسيا بن كيا هي. أسكے هتهے جو بهى جومتا هے رسهلا بن جاتا هے . يه سب تو ھے ہویہ کتاب جس فرض سے لکھی گئی ھے أس فرض كو يورا كر پائيكى اِس مين هين شك هـ . یہ تین حصوں میں بتی ہے۔ ایک گروجنوں کے چونوں م بي بيتهكر جو سدا دو إتهاس آور دهرم كرنتهون مين جو يَرها' تهن هيه كي آنكهون سے جو ديكها. پہله دو بهاكون كا زيادة حصه ايسا هي جو من كو موة ليتا هي خوش كرتا هر يرجت ير كولي گهرا اثر نهيس جهور جانا ، اگهور هلكها کہاتی درم کرنے میں لیکھک نے کیا سوچا پته نہیں ، اسے طرح سے 'رنگا سیار' أن كهتناؤں سے كوئى مهل نهيں کھاتا جو آھھ کی آنکھوں سے دیکھا، حصے میں درج ھیں. دهرم كتهاي مين بهي كثى كتهائيس أينا أجها أثر نهيس جهور سكتين بالهكوركو دويدها مين دالسكتي هير. أجها هوق أكر إسكا تهسوا يعني مهدكي أنكهون سدديكها بهاك الك کتاب کی شکل میں جبیتا. تیلن بھاکساته جبیلے سے یہ



आधुनिक हिन्दी कावेता

एडीटर—नानु भाई बारोट, गिरिराज किशोर. सफ्रे—84. दाम एक क्पया.

मिलने का पता-गुजरात विद्यापीठ, अहमदानाद.

इस किताब को सच्चे मानों में क्रौमी गीत पोथी कहा जा सकता है. इस में पेंतीस आक्षान किताओं को एक जगह इकट्टा किया गया है. किताब के पीछे मुशकित शब्दों की टीपनी देकर उसे और भी जियादा काम का बना दिया गया है. यह पहली किताब है जिसमें नजीर अकबरआ बादी, मैथिली शरन गुप्त, मौलाना अलताक हुसेन हाली, अयोध्या सिंह हरि औध, माखन लाल चतुर्वेदी, सैयद अकबर हुसेन अकबर, सुमित्रानन्दन पंत, बज नारायन चकबस्त, महादेवी बर्मा, सियाराम शरन गुप्त, सुभद्रा कुमारी चौहान, शब्बीर हसन खां जोश जैसे पेंतीस कवि एक जगह बैठे हैं और बच्चों से बूढ़ी बातें कर रहे हैं.

यह किताब हर स्कूल लायबेरी में होना जरूरी हैं. इस तरह की 'क़ौमी गीत प्राइमर' के लिये गुजरात विद्यापीठ को बधाई.

—भ

शेर-झो-शायरी

एडीटर—श्रयोध्या प्रसाद गोयलीय. सक्ते—640, दाम श्राठ रुपया. मिलने का पता— भारतीय श्रानपीठ, काशी.

महा पंडित भी राहुल सांकृत्यायन की प्रस्तावना ने यह बता दिया है कि यह किताब कितने मौके की है और कितने काम की है और यह भी उन हीं का कहना है कि यह किताय कितने गहरे अध्ययन के बाद लिखी गई है.

चोटी का कोई चरदू शायर नहीं छूट पाया, सभी का नमूना इस किताब में मौजूद हैं. उन शायरों की जीवनी देकर पाठकों के दिस में यह खाहिश पैदा करने की कोशिश की गई है कि वह को की और रचनाओं को मंगाएं और पढ़ें.

أدهونك هندي كويتا

ایقیٹر-سنانو بھائی باروت' کری راج کشور صفتحے---84 ، دام ایک رویقہ ،

مللے کا پته۔ کجرات ردیا پیته' احمدآباد

اس کتاب کو ستچے معدوں میں قومی گیت پوتھی کہا جاسکتا ہے ۔ اِس میں پیلتیس آسان کوئتاؤں کو ایک جگھ اکتھا کیا گیا ہے ۔ کتاب کے پیچھے مشکل شبدوں کی تھیلاردے کر اُسے اور بھی زیادہ کام کا بنا دیا گیا ہے ۔ پہلی کتاب ہے جس میں نظیر آبدرآبادی میتھلی شون گیت مولانا الطان حسین حالی ایود عیاستکھ هری آودہ مائوں لال چترویدی سید انبر حسین اکبر سمترا نندن مائوں لال چترویدی سید انبر حسین اکبر سمترا نندن پلمت برج نارائن چکیست مہادیری ورما سیارام شون پلمت سیدراکماری چوهان شیدر حسن خال جره جھسے پینتیس کوی ایک جگھ بہتیے ھیں اور بچوں سے جھسے پینتیس کوی ایک جگھ بہتیے ھیں اور بچوں سے بہتیں کررہے ھیں .

یه کتاب هر اسکول لائبریای میں هونا ضروری هے . اِس طوح کی اقومی گیت پرائبرا کے لگے گھرات ویا بیٹھ کو بدھائی .

• ₩ —

شعر و شاعري

ایتیتر—ایردها پرساد کوئیلیه صفحی—640 . دام آنه رویهه صلقے کا یته—بهارتیه گیان پیته' کشی

میا پلقت شری راهل سانکرتیائی کی پرساونا نے اور کتاب کام کی اور کتاب کام کی اور کتاب کام کی اور کتاب کتاب کام کی ہے اور یہ بھی اُن هی کا کہنا ہے کہ یہ کتاب کتاب کتاب کتاب کامی گئی ہے ۔

چوٹی کا کوئی آردو شاعر نہوں چھوٹ پایا ' سبھی کا میں نہوں کی جھونی میں موجود ہے ، اُن شاعروں کی جھونی اُنے کر پاٹھکوں کے قال میں یہ خواہم پیدا کرنے کی کرشمن کی گئی ہے کہ وہ اُن کی اور رچناوں کو متکاٹیں اُرر پوھیں ،

(-

F-

ाधे.

ात की चिट्ठी में सुशीला और कुशीला का हाल लिखा ीर इस में भी उन्हों का हाल लिखा जायगा. और ो चिट्रियों में भी इसी तरह. कुशीला उस रोज सुशीला शाम तक ठहरी और सुशीला ने उसे पढ़ने लिखने र काम ठीक ठीक वक्त पर अक्ल के मुताबिक के बढ़े कायदे बताए और दिखलाया कि सुशीला ने कै भी नई नई बातें इसी तरीक पर चलने से सीख उसने कुशीला को वर्जिशें भी कई तरह की कर कर बन्नाई. कुशीला ने पूछा कि अभी तून यह सब बातें ा सीख लीं. सशीला ने कहा कि यह सब बातें किताबों ने से मासूम हो सफती हैं. आज फल के जमाने में ारह की किताबें हर एक क्रिस्म की छपी हुई बिकती कोई आदमी इन को पढ़ना सीख ले फिर वह जिस बात या चीज का हाल चाहे खुद पढ़ कर मालूम कर है. कुशीला ने कहा कि मैं भी चाहती हूँ कि पढ़ना ा अच्छी तरह आ जाय. मगर मेरा मन ही नहीं जब मैं पढ़ने लिखने को बैठती हूँ तो जरा मन नहीं भीर यही दिल चाहता है कि मत पट सब कुछ हो जाय तो जाकर खेलों. सुशीला ने कहा कि पढ़ना एक खेल ही है और बढ़ तमाशे का खेल है कि जो ाहो उसी की बाबत पढ़ सको. अगर तुम मालूम पाहती हो कि पीतल क्या चीज़ है, कहा से आता ्रइसके बरतन क्योंकर बनते हैं, तो किताबों के पढ़ने म हो सकता है. अगर तुम जानना चाहो कि पहाड़ ं बनते हैं, दरखत क्यों कर डगते हैं, चांद में धब्बे ा क्यों दिखाई देते हैं, मेंह क्यों बर बता है, आंधी इती हैं, आदमी क्या हैं, जानवर क्योंकर बने, ं क्यों चमकती है और चिरारा क्योंकर जलता है सब और इज़ारों किस्म की और बातें किताबों के । माल्य हो सकती हैं.

चुटकला

प-त्ने मेरा क्रतम क्यों तोड़ा ? ॥—इसिलये कि आप मुक्ते साजा दें. प-क्या तुक्ते साजा अच्छी मालूम होती हैं ? ॥—सजा तो अच्छी मालूम नहीं होती लेकिन ह बाद अम्मां मुक्ते खाने को मिठाई देती हैं !

كل كى چاتهى مين سوشية أور كوشية كا حال لكها تها' أور أس مهل بهي أنههل كاحال لعها جائه كا ، أور اللي چقهيون مهن بهي اسي طوح . كوشيلا أس روز سوشهلا کے گھر شام تک تھھری اور سوشدلا نے اُسے بوھلے لکھلے اور ھر کام تھیک تھیک وقت پر عقل کے مطابق کرنے نے بوے فائدے بتائے اور دکھلایا کہ سوشھلا نے کیسی کیسی نثی نکی باتیں اسی طریقے پر چلنے سے سیکھ لیں ۔ اُس نے کرشیق کو ورزشهی بهی اللی طرح کی کرکر کے دکھائیں . کوشیلا نے پوچھا کہ اربی تولے یہ سب باتھں کہاں سے سیکھ لیں . سوشھا نے کہا کہ یہ سب باتیں کتابوں کے بوھانے سے معلوم ھوسکتی ھیں . آج کل کے زمانے میں طرح طرح کی کتابیں هر ایک قسم کی چبهی هوئی بکتی هیں . جو کوئی آدمی اِن کو پوهنا سیکه لے پهر وه جس کسی بات يا چهز كا حال چاهے خود بوهكر معلوم كر سكتا هے . كوشيلا نے کہا که میں بھی چاہتی ہوں که یوهدا لکھنا اُچھی طرح آجائے ، مگر میرا من هی نهیں لکتا ، جب میں پڑھنے لکھنے کو بھٹھتی ھوں تو ذرا من سہیں لکتا اور يهى دل چاعتا هے كه جهت بت سب كچه ختم هوجائے تو جاکر کھیلھی. سوشھلا نے کہا کہ پوھلا بھی تو ایک کھھل ھی ہے اور ہوے تماشے کا کھیل ہے کہ جو کچھ چاھو اُسی کی بابت پوه سعو. الر تم معاوم كرنا چاهتى هو كه پيتل عيا چیز ہے' کہاں سے آتا ہے اور اِسکے برتن کیوں کو بفتے ھیں' تو کتابوں کے پوھنے سے معلوم ھوسکتا ھے. اگر تم جاندا چاهو که بهار کیونکر بنتے هیں درخت کیوں کر اُنکے هیں' چاند میں دعیہ دهیے سے کھوں دکھائی دیکے هیں' میلہ کھوں برستا هے' آندهی کهوں چلتی هے' آدمی کها هے' جانور عهونکر بنے' بجلی کیوں چمکتی ہے اور چراغ کیوں کر جلتا ہے تو یہ سب اور ھزاروں قسم کی اور باتھی کتابوں کے پوھلے سے معلوم ھو

جتكلا

سكتى هيل .

یاپ — تونے میرا قام کیرں توزا ؟
پچہ — اس لیے کہ آپ مجھے سزا دیں .
پاپ -- کیا تجھے سزا اچھی معلوم ہوتی ہے ؟
پچہ -- سزا تو اچھی معلوم نہیں ہوتی لیکن سزا کے بعد امال مجھے کہانے کو ماہائی دیاتی ہیں !

राधे,

कल की चिट्ठी में सुशीला और कुशीला का थोड़ा सा हाल लिखा था. आज भी उन्हीं का और थोड़ा सा हाल लिखा जाता है. एक दिन कुशीला सुशीला के घर गई. कोई नी दस बजे का वक्त होगा. सुशीला बैठी हुई अपना हिसाब लिख रही थी. कुशीला ने जा कर कहा कि कारी क्या कर रही हैं ? उठो चलो ऊपर चल कर खेलें. सुशीला ने कहा कि मैं पहले अपना हिसान खतम कर लूं फिर कुछ और काम करूंगी. तुम भी देखों, तुम ने अपना कल का हिसाव लिख लिया ? कुशीला ने कहा मुक्ते तो हिसाब विसाव लिखना आता नहीं और न मेरा ऐसे कामों में मन लगता है. सुशीला ने कहा कि वाह हिसाब क्रियना तो बड़ा अच्छा मन लगाने वाला काम है. रेख़ो मैं तो तीन बरस से बराबर अपना हिसाब लिखती हूँ. मुमे दस रूपए महीना मिलता है, उसी में अपना सब करती हूँ. और मेरे पास सब हिसाब एक एक पैसे का मौजूद हैं. आज तीसरे साल का श्राखरी दिन है इस लिये मैंने सब हिसाब जोड़ कर जमा किया है. मुक्ते इन बरसों में कुल 360 रुपए मिले. उन में से मैं ने कुल मिल। कर 110 रुपए खर्च किये हैं और बाक़ी 250 रुपए बैंक में जमा कराए हैं. यह देखो मेरी बैंक की किताब. इस में 250 रुपए तो असल के और 15 रुपए सूद के, कुल 265 रुपए लिखे हुए हैं. कुशीला ने कहा कि तूने रुपया बैंक में क्यों जमा करवाया? कुछ के गहने क्यों नहीं बनवाए ? मेरा तो गहने पहनने को बढ़ा मन करता है. सुशीला ने कहा कि गहना बनवाने से क्या फायदा? मुक्त में रुपया जाया करना है. मैंने तो पिछले तीन बरस में 10 कितावें आंगरेजी की और 25 कितावें हिन्दी और छरद् की पढ़ी हैं. कहीं भी गहने बनवाने का कुछ कायदा नहीं पढ़ा. हां, नुक्रसान बहुत से पढ़े हैं. न मेरा ऐसी फज़ल बातों के करने के वास्ते मन चाहता है जिन में नुक़सान ही नुकसान हो, फायदा कुछ भी न हो. कुशीला ने कहा कि जब सब " औरतें जो बुरा बुरा कहने जगतीं हैं कि करे यह लौंडिया तो निरी मांस का लोंदा है. यह गहने क्यों नहीं . पहनती. कैसी बुरी नंगी नंगी मालूम होती है. इस पर सुशीला ने कहा कि पहले तो सुमे भी घीरतों की ऐसी बातों से बुरा मालूम होता था. मगर जब से मैंने किनाबों . में पढ़ा है कि जब कभी कोई आदमी कोई नया काम करता है, तो चाहे जितना अच्छा काम क्यों न हो, जो आदमी सकीर के फक्रीर होते हैं वह उसे जरूर बुरा कहते हैं, तब के मैंने अपने मन को सममा तिया कि औरों के बुरा असा कहने पर कभी न जाना चाहिये, बताकि जो बात अवस के मुताबिक हो वह करनी चाहिये.

ادي

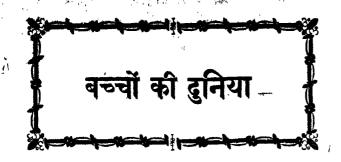
كل كي چيويميس سرشية اور كوشية كا تهورا ساحال لكها عها . آبيبه انهيس كا اور تهورا سا حال لكها جاتا هم ايك دن كوشهلا سرشهلا كے گهر كئى . كوئى نو دس بجے كا وقت هوكا . سوشية بهتهى هودى ابنا حساب لكه رهىتهى. كوشية نے جائر کها که اربی کیا کر رهی هے ؟ أتهو چاو اوپر چلكر كهيلين . سوشية نيكها كه صيل بهلي أبنا حساب ختم كراول يهر كجه اور کلم کروں کی . تم بھی دیکھو' تم نے اپنا کل کا حساب الله لها ؟ كرشيلا نے كيا مجھے تو حساب وساب لكهذا أنا نهيئ اور نه ميرا ايسم لامون مين من لكتا هـ . سوشيلا نے کہا کم والا حساب لکھنا تو ہوا اچھا میں الکانے والا کام ھے . دیکھو میں تو تین برس سے برابر اپنا حساب لکھتی هون . مجهد دس روي مهيله علمًا هي أسى مين اينا سب کرتی هوں . اور میرے پاس سب حساب ایک ایک پیسے کا مرجود ہے . آج تیسرے سال کا آخری دن ہے اِس لئے میں نے سب حساب جور کر جمع کیا ھے . محمد ان پرسوں میں دل 360 روپے ملے . أن میں سے میں نے كل مع كر 110 روي خرج الله هدل اور بالى 250 رويم بينك مهن جمع کرانے هيں . يه ديکھو ميري بينک کی کتاب . اِس میں 250 روپہ تو اصل کے اور 15 روپہ سود کے كل 265 روي لكه هوئے هيں . كوشيلا نے كہا كه تونے وربعة بينك ميں كيوں جمع كروأيا ؟ كچھ كے كہلے كيوں نَهُونِ ؟ بنوائد مهرا تو الهذي بهند كو برا من ارتا هي. سوشيلا نے دیا کہ گہنا بنوانے سے کہا فائدہ ؟ صفت صهب روپهه فالع كرنا هي. مين لي تو پچهلے تدن برس مين 10 کتابین انگریزی کی اورا 25 کتابیں هندی اور اُردو کی یوھی ھیں ، کہیں بھی کہلے بلوانے کا کچھ فائدہ نہیں یوها " هاں انقصان بہت سے بوھے هیں ، نه میرا ایسی فضول باتوں کے کرنے کے واسطے من چاھیا ھے جون میں نعصان مع نعصان مو' فائدة كحجم بهي نه هو . كرشيلا نع كها که جب سب عورتیں جو برا برا کہنے لکتی میں که ارے یم الونڈیا تو نری مانس کا لوندا ھے ، یہ کہلے کیس انہیں پہکتی ۔ کیسی پڑی تلکی تلکی معلوم ہرتی ہے ۔ اِس پر سوشیلا نے کہا که پہلے تو مجمے بھی مورثوں کی ایسی باتوں سے پوا معلوم هوتا تها ، مكر جب سے مهل نے تتاہوں مهن يُوها في كه جب كبهى كوثى آدمى كوئى نيا كلم كرتا هـ، تو تهام جعلا الهما كلم كيون نه هو جو آدمي لعمر نے فعور مُؤْلِدُ عَمِينِ وَا أَسِهِ صُورِدِ بِوا كَهِيمَ عَمِنْ تَبِ سِمِ مَهِن فِي اللهِ الله الله على الله على على على على مطابق هو وا

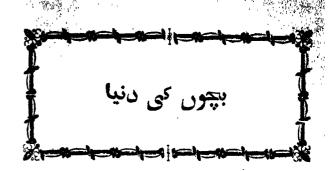
سبها کرتی تهی اور سوتے وقت پیرا آرادہ کر لیعنی نہی كه صمم ضرور بهاه كچه هي هو تهيك بانج بنج أتهولكي . اِس وَأَسْعَاءَ جَهَالَ پَانِهِ بَعْدٍ وهان قَوراً أَسْكَى أَنْكُهُ كهل جاتى تهى اور ولا قوراً أَنْهُ اِبْنَا يَسْتَرَا تَهْ كَرَ يَسْتَرِي رکھنےکی جو جگه مقرر کر رکھی تھی وهاں رکھ فوراً نہا دھو کر کھوے یہن' چوڈی گندھوا کو ورزش کر یوھنے کو بیٹھ جاتی تھی ۔ چھ بھے سے نو بھے تک برابر پوھتے تھی' پھر کھانا کھاکر جو جو چٹھھاں کسی کے پاس سے آتی ٹھھی سب کا روز جواب دے دیتی تھی۔ پھر ہارہ بھے تک کھیلنگ تھی اور پھر روڈی کھا ر سیلے بغاے وغیرہ کا کام تین بحے تک کرتی تھی . اِسکے شام تک کا رقت اچھے اچھے کھھلوں میں جن سے عقل آئے ہوا خوری میں اچھی اچھی کہانیاں پوھلے میں اور عقل ملدی کی اور بانیں کرنے مهن گذارتی تهی . اور آسی وقت مین کهانا بنانا بهی روز سیکها کرتی تهی اور اس طرح ررز بروز زیاده عقل ملد موتی جاتی تھی. بہت سی دهابھی پوھ لی تھیں اور همیشه خوش رهتی تهی .

مگر اُسکی بہدیلی اوشیلا کو اُسکی ماں نے کچھ بھی نه سعهایا تها. إس واسطے جب سویرا هوتا تو اسکا من بسترے پرسے 'تھنے کو ھی نہیں کرتا تھا ، اِس واسطے جاگ پونے کے بعد بھی بہت دیر تک ایلڈا کرتی تھی ۔ بوس مشکل سے حب سب أته كر اينے اينے كم ميں لگ جاتے تھے تب اُٹھٹی تھی اُٹھٹے کے بعد بنجانے اِس کے که جهت یت نها دهوکر کام سے لکے' ادهر سے اُدهر اور اُدهر سے اِدھر پھرتی پھرے تھی ، کھھی کہاری کے پاس جاکر أسكي مساله يهسني كا تداشه ديكهني لكتي. كمهى كوئى بح روتا هوا تو اُسکو اُٹھا لیا ، کبھی کسی سے یوں می وامی تواهی باتوں میں لگ گئی ، نه نهانے دهونے کا وقت مقرر نم چرتی کندهوانے کا . اور روزش کرنے کا تو ذکر هی کها . فرض اِس طرح کبھی آٹھ بھے نہاتی تھی ابھی آنو بھے' اور کبھی نہاتی ھی نہیں تھی ، کبھی کسی نے بہت دہا تو كنچه بوه ليا ورنه أسى طرح سست بيته رهنه يا ألتى سهدهی باتهن کرنے یا کسی بالک سے کہھلنے میں وقت ضائم كرتي تهي ، نه پرهاا لكهاا أجهى طرم سيكها تها نه سیدا یرونا نه نهانا بدانا ، ایک دن جو ترکاری بدانے بهتهی تو دانها نمک دال دیا اور ترکاری بالکل کچی ره کئی' سب پیک کئی . چتبی اثر اُس کے پاس کوئی بههجتا تها تو کههی اسکا جراب نهیس دیتی تهی چاهے كوثي كتفا هي لكه كه ضرور جواب دينا . المونكة جب کوئر چتھی آتی تھی تو جلدی سے پومکر جہاں پوھا وهوں جمور کھیل میں یا کسی اور بات میں لگ جاتی تهيي . اور چاتهي ادهر أدهر هرجاتي تهي پهر جراب كهون

शेया करती थी, और सोते बन्त पूरा इरावा कर लेती थी के सुबद जरूर चाहे कहा ही हो ठीक पांच बजे उठुँगी. स वास्ते जहाँ पांच बजे वहाँ कौरन उस की आंख खुत ातीं भी भीर वह फीरन वठ अपना बिस्तरा तह कर बिस्तरे खने की जो जगह मुकर्रर कर रखी थी वहाँ रख कौरन हा घोकर कपके पहन, चोटी गंधवा कर, वर्जिश कर दने को बैठ जावी थी. है बजे से नौ बजे तक वराबर द्ती थी, फिर खाना खाकर जो जो चिट्टियाँ किसी के ास से आती थीं सब का रोज जवाब दे देती थी. फिर गरह बजे तक खेलती थी और फिर रोटी खा कर सीने निने वरौरा का काम तीन बजे तक करती थी. इसके शाम क का बक्रत अच्छे अच्छे खेलों में जिन से अक्रत आए. वास्तोरी में. अच्छी अच्छी कहानियाँ पदने में और प्रमुलमन्दी की और बातें करने में गुजारती थी. और इसी क्षत में खाना बनाना भी रोज सीखा करती थी. और इस रह रोज बरोज ज्यादा अवलमन्द होती जाती थी. बहुत ी कितावें पढ़ ली वीं और इमेशा खुश रहती थी.

मगर इसकी भनेली कुशीला को उस की माँ ने कुछ री न सिखाया था. इस वास्ते जत्र सबेरा होता तो उस ा मन विस्तरे पर से उठने को ही नहीं करता था. इस ास्ते जाग पड़ने के बाद भी बहुत देर तक ऐंडा करती थी. ाड़ी सुशकिल से जब सब उठ कर अपने अपने काम में ाग जाते थे तब उठती थी. उठने के बाद बजाय इस के के मह पट नहा घो कर काम से लगे, इधर से उधर और धर से इधर फिरती फिरे थी. कभी कहारी के पास जा ज़र इस के मसाला पीसने का तमाशा देखने लगती. कभी गेई क्या रोता दुआ तो उस को उठा लिया. कभी किसी हे थों ही बाही तबाही बातों में लग गई. न नहाने धोने ग बन्न मुकर्र न बोटी गुंधवाने का. और वर्जिश करने हा तो जिक ही क्या. रारज इस तरह कभी आठ बजे नहाती ी कभी नौ बजे, और कभी नहावी ही नहीं थी. कभी कसी ने बहुत कहा तो कुछ पढ़ लिया, वरना उसी तरह इस्त बैठे रहने या उत्तटी सीधी बातें करने या किसी बाल क र खेल ने में वहरा जाया करती थी. न पढ़ना लिखना अच्छी ारह सीखा था, न सीना पिरोना न खाना बनाना. एक देन जो तरकारी बनाने बैठी तो दुगना नमक डाल दिया भीर तरकारी विलक्कल कवी रह गई, सब फिक गई. चिट्ठी मतार इस के पास कोई भेजता था तो कभी इस का हवाब नहीं देती थी, चाहे कोई खितना ही लिसे कि जरूर हवाब देना. क्योंकि जब कोई चिट्ठी आती थी तो जल्दी हे पह कर जहाँ पढ़ा वहीं छोड़ खेल में या किसी चौर शत में लग जाती थी. और चिट्टी इभर उपर हो जाती बी, किर जवाब क्यों कर देती.





يهاڻيو' يهڏو'

भाइयो, बहनो,

मैंने जुलाई नम्बर में आप से वायदा किया था कि आप को यह बता दिया जायगा कि नीचे दिये पत्र किस पिता ने किस बेटी को लिखे थे. तो सुनिये, वह भाग्यवान लड़की श्रीमती राधा रानी थीं और उनके वह पिता दिल्ली के बाइज्ज्ञत श्रीर बहुतों के जाने पहचाने नागर स्वर्गीय श्री राधिका नारायन थे.

हमें अकसोस है कि बहुत तलाश करने पर भी इस सिलसिले की सब से पहली चिट्ठियां हमें नहीं मिल सकीं. अब यह सिलसिला 7जून 1906 से शुरू होता है. नीचे कुछ चिट्ठियां दी जाती हैं जिन में एक कहानी कह कर बच्चों की अच्छी और बुरी तालीम में कर्क बताया गया है.

> भापकी दीदी योग माया

میں نے جولائی نمبر میں آپ سے وعدہ کیا تھا کہ آپ کو یہ بتا دیا جائے کا کہ نیجے دیئے پتر کس پتا نےکس بیتی کو لکھے تھے ، تو سلگے' وہ بھاگواں لوکی شریمتی رادھا رانی تھیں اور اُن کے وہ پتا داری کے با عزت اور بہتوں کے جانے پہنچانے ناگر سورگیہ شری رادھیکا نارائن تھے ،

همیں انسوس هے که بہت تلاش کرنے ہو بھی اس سلسلے کی سب سے پہلی چٹھیاں همیں نہیں مل سکیں ، اب یہ سلسلہ 7 جون 1906 سے شروع هوتا هے ، نینچے کچھیاں دی جاتی هیں جن میں ایک کہائی کہکر بحوں کی اچھی اور بری تعلیم میں فرق بٹایا گیا ہے .

آپ کی دیدی یوگ مایا

सुशीला और कुशीला

कहोड़ 7-6-'06

राधे,

कल की चिट्ठी में एक बुरी मां और उसके बचे का हाल लिखा गया था. आज दो लड़िक्यों का हाल सुनो जिन में से एक की मां तो बहुत बेपरवाह और सुस्त थी और दूसरी की मां बड़ी हुशियार और अक्षलमन्द थी. एक लड़की का नाम कुशीला था और दूसरी का सुशीला. दोनों एक ही गली में रहती थीं और एक दूसरे की मनेली थीं. सुशीला को तो उस की मां ने क्षुटपन ही से बड़ी अक्की अक्षी आवर्ते डाली थीं. इस वास्ते वह हर रोज गर्मवीं में पांच बजे और जाड़ों में हैं बजे उठा करती थीं. एक वड़ी उस के पास बी, वह अपने सिरहाने रखकर

سوشيلا أور كوشيلا

کہنور 06'–6–7

'and

ال کی چاہی میں ایک ہوی ماں اور اسکے بچے کا حال لکھا گیا تھا۔ آج دو لوکیوں کا حال سنو جن میں سے آئیک کی ماں تو بہت ہے پرواہ اور سست تھی اور دوسری کا نام گیسیلا تھا اور دوسری کا سوشیلا ، دونرں ایک بھی گلی میں رہائی تھیں ، اور ایک دوسرے کی بھلیلی تھیں ، اسوشیلا کو تو اسکی ماں نے چھائیں ھی سے بوی سوشیلا کو تو اسکی ماں نے چھائیں ھی سے بوی انجھی اچھی قائی تھیں ، اس واسطے وہ موروز گرمیوں میں یالی بچی اور جازوں میں چھ بحجے اُتھا کوئی تھی، ایک گھوی اُسکے پاس تھی کو بحجے اُتھا کوئی تھی، ایک گھوی اُسکے پاس تھی وہ اُتھا کوئی تھی، ایک گھوی اُسکے پاس تھی وہ اُتھا دوئی تھی، ایک گھوی اُسکے پاس تھی، وہ اُتے سوھالے دیکوکر

श्रीमान सममा बीर कम्युनिस्ट समसी तो सारा गाँव सुझी होगा. यह तो मैं कम्युनिस्टों का ही काम कर रहा हूँ. यह एक फच्चर है, इस फच्चर को हालता हूँ. और फिर इस पर कानून का हथीड़ा पड़ेगा. हमारा काम सिर्फ कानून से नहीं होगा, अगर यह फच्चर काम महीं देगी. इमकी शुरुआत होती है दान से और खात्मा होता है कानून से. और कम्युनिस्ट शुरुआत करेंगे लाठी से और खात्मा करेंगे कानून से. आखिर में कानून से खात्मा वह भी करेंगे, में भी करू गा, लेकिन शुरुआत में मैं प्रेम और दान चाहता हूँ, और वह लाठी और खुट चाहते हैं.

---विनोवा

राजपति की राय

(हिन्दुस्तानी प्रचार सभा बम्बई के काम के बारे में)
गवर्नमेंट हाउस, बम्बई.
26.5.751

सुके यह सुनकर बहुत खुशी हुई है कि हिन्दुस्तानी प्रचार सभा अपना नेक काम स्कूजों में पढ़ने वालों और बालिगों के लिये, अपने प्रचारकों के जरिये क्लासें खोल-खोलकर, बराबर कर रही है. हिन्दुस्तानी का रास्ता बापू के दिल को बहुत प्यारा था. और उनकी बड़ी आरजू थी कि हममें से हर एक, हिन्दुस्तानी दोनों लिखावटों में सीख ले. इस लिये यह बापू के तामीरी कामों का जरूरी और निहायत अहम हिस्सा है, और उन सब को जो इस मैदान में काम कर रहे हैं, सुबारकबाद देना चाहिये.

हिन्दी को हिन्द यूनियन की सरकारी जवान मान लेने का यह मतलब नहीं है कि बालिगों को और स्कूलों में, निजी तौर पर दोनों लिखावटों में हिन्दुस्तानी सिखाने के काम को किसी तरह भी रोका जाय

सब तो यह है कि हिन्द यूनियन के आईन (संविधान)
में जिस हिन्दी का जिकर किया गया है, वह दरअस्त
बही ज्वान है जिसे महात्मा गांधी हिन्दुस्तानी कहते थे.
जिन्हें दोनों चीज़ें सीखने का मौका मित सके, वह बेशक,
प्रभावशाली तरीक़े से राश्ट्रमाशा को अच्छी तरह पुरज़ोर
और लचकदार बातचीत का ज़िर्या बनाने में मदद दे
सकेंगे.

मैं ऐसे काम करने वालों की कोशिशों की पूरी काम-वाकी जाहता हूँ.

—राजेन्द्र प्रसाद

('मंगल प्रभाव' से)

غورسان سنجههن آر کنهونست سنجههن کی تو سازا گوی سنجهی هوگ یه تو میں کنهونستوں کا هی کام کروها هون . یه ایک پهچره اُس پهچرکو دالتا هوں . اور پهراس پر قانون کا همهورا پویا . همارا کام صرف قانون سے نهوں هوگا اگر یه پهچر کام نههی دیان سے اور خاتمه کریں کی قانون سے . آخر میں کے قانون سے . آخر میں قانون سے . آخر میں قانون سے خاتمه کریں کی قانون سے . آخر میں قانون سے خاتمه کریں گی میں بهی کرونکا کیکن شروعات میں میں پریم اور دان چاهما هوں اور وہ قامی اور لیت چاهمی هیں .

--- ونوبا

راج پتی کی رائے

(هندستانی پرچار سبها بمبئی کے کام کے بارے میں) گورنمنت هاؤس' بمبئی . 26-5-50

مجھے یہ سن کر بہت خوشی ہوئی ہے کہ ہدستانی پرچار سبھا اپنا نیک کام اسکواوں میں پڑھتے والوں آرر بالغوں کے لئے' ایک پرچارکوں کے فریعے کلاسیں کھول کھول کو' برابر کر رھی ہے ۔ ہندستانی کا راستہ باہو کے دل کو بہت بھارا تھا ۔ اور اُن کی بڑی آرزو تھی کہ ہم میں سے ہر ایک' ہندستانی دونوں لکھاوتوں میں سیکھ لے ۔ اس لئے یہ باپو کے تعمیری کاموں کا ضروری اور نہایت اھم حصہ ہے' اور اُن سب کو جو اس میدان میں کام کر رہے ھیں' مہارک باد دینا چاھئے ۔

هلدی کو هلد یونین کی سرکاری زبان مان لیلے کا یہ مطلب نہیں ہے کہ بالغوں کو اور اسکولوں میں' نجی طور پر دونوں اکھاوٹوں میں هلدستانی سکھائے کے کام کو کسی طرح بھی روگا جائے ،

سیج تو یه ه که عقد یونین کے آئین (ستودهان) میں جس هندی کا ذار کیا گیا هے' وہ دراصل رهی زبان هے جسے مہاتما گاندهی هقدستانی کہتے تھے ، جلهیں دونوں چھڑیں سیکھلے کا موقعہ مل سکے' وہ بے شک' پربھارشالی طریقے سے راشقر بھاشا کو اچھی طرح پر زور اور لوچکدار بات چیت کا فریعہ بقانے میں مدد دے سکھلگے .

میں ایسے کام کرنے والوں کی کوششوںکی پوری کامیابی ہے۔ بچاھتا ھوں ۔

---راجهندر پرساد

﴿ مَنْكُلْ يَرْبِهَاتَ ' ﴿ وَمُنْكُلُ يُرْبِهَاتَ ' ﴿ وَمُنْكُلُ لِمِرْبِهَاتَ ' ﴿ وَمُنْكُلُ لِمِرْبِهَاتَ '

खोग कहेंगे कि जिसके पास पाँच पाँच हजार एकड़ अमीन होती है, वह सी एकड़ अमीन देता है तो उससे क्या होगा? तो मैं कहता हूँ कि जरा सबर रखा, अभी 5 हजार में से जो सी देता है, वह प्रेम से देता है तो मैं लूँगा और बाक़ी के बार हजार नौ सी एकड़ भी मेरे ही हैं. जब यह लोग देखेंगे कि हम अमीन देते जाते हैं रारीबों को, उससे .रारीबों का प्रेम ही हम को मिलता है, तो फिर वे जुद कहेंगे कि और भी ले लो.

लेकिन तीसरे क़दम में सब ले लेने वाला हूँ

तो फिर कम्युनिस्ट हम को कहेंगे, कैसा भोला बादमी हैं! लेकिन उनकों में कहुँगा कि भोला में नहीं हुँ, मेरा धंदा में जानता हूँ. एक द्का थोड़ी भावना, थोड़ा वातावरन होने दों कि जमीन गरीबों को देने में फायदा है: फिर एक दफा बातावरन तैयार हो जायगा तो झानून में करा लुँगा. फिर राह नहीं देखने वाला कि आज सी एकड़ हैं, पाँच साल के बाद और 100 एकड़ मिलेगी, और फिर पाँच साल के बाद बाक्री 100 एकड मिलेगी. ऐसे चार हजार मिलने में तो सौ बरस चले जाएँगे. बात ऐसी है कि हवा बदल जानी चाहिये भौर हवा बदल जाती है तो क़ानून उसके साथ आता ही है. लेकिन में वातावरन तैयार करूँ तो क़ानून को लोग पसंद करेंगे. बाप ऐसा ही तो करता है. बच्चे को मिठाई खिलाता है, लेकिन मिठाई देता है तो वह प्रेम से देता है भौर तमाचा लगाता है तो प्रेम से लगाता है. भौर जो कोई लूटने के लिये आते हैं, वह बच्चे को मिठाई खिलाते तो हैं, पर वह प्रेम की मिठाई नहीं होती. लेकिन माता जो तमाचा लगाती है, वह प्रेम का होता है. मैं तो जमीन लेता हूँ, वह प्रेम से लेता हूँ. मुक्ते तो ताज्जुब लगता है कि जहाँ मैं जाता हूँ, वहाँ लोग जमान देने के लिये क्यों तैयार होते हैं. मैं सममता हूँ कि क्या यह गांधी जी की करामात है ? कोग जानते हैं कि यह गांधी का आदमी है तो प्रेम से देने को तैयार होते हैं. लेकिन इतनी ही बात नहीं है. और भी बात है. गांधी जी की करामात है, लेकिन परमेश्वर की भी करामात है. परमेश्वर की महिमा है कि इतनी सारी जमीन अपने हाथ में रख कर कोई ले जाने वाला नहीं है, ऐसा स्रोग जानते हैं. आखिर इतनी जमीन को वह ख़द भी तो नहीं कर सकते हैं. इसी लिये इतनी जुमीन अपने हाथ में रखने से कोई फायदा नहीं है, यह बात उनके ध्यान में आ गई. इसलिये आज में बामनावतार हो गया और कहता हूँ कि जमीन दे दो. तीन क़द्म दोगे तो भी बस है. लेकिन मुमे जो सी एकड मिले हैं, उतने ही मेरे नहीं हैं. वह जो चार इजार एकड बचे हैं, वह सारे के सारे मेरे ही हैं. जैसे बामन के तीन कदमों में सारा त्रिभुवन का गया, वैसा यह सामका है. तो यह सारी ख़री पगर गरीब लोग समकेंगे,

لهكن تيسرے قدم ميں سب لے ليذے والا هوں

تو پھر کمیونست هم کو کہیں گے کیسا بھولا آدمی هے! لیکن اُن کو میں کہونکا کہ بھولا میں تھیں۔ ھوں مهرا دهندا مهل جانتا هول ایک دفعه تهروی یهاونا تهورا واناورن هونے دو که زمین فریدوں کو دیئے صهن فادُده هے؛ يهر ايك دفعه واتاورن تهار هو جائے گا تو قانون میں کوالوں کا ، پھر راہ نہیں دیکھلے والا کہ آج سو ایکو هیں؛ بانیم سال کے بعد اور 100 ایکو ملے گی، ارر پھر پانیم سال کے بعد بائی 100 ایکو ملے گی. ایسے چار مزار ملنے میں تو سو برس چلے جائیں گے . بات ایسی هے که هوا بدل جانی چاهیے اور هوا بدل جاتی ہے تو قانرن اُس کے ساتھ آتا می ہے. لیکن میں واتاورن تھار کروں تو قانون کو لوگ پسکد کریں گے ۔ باپ ایسا هی تو کرتا هے . بھے کو متھائی کھلاتا ھے' لهکن متهائی دیتا هے تو وہ پریم سے دیتا هے اور طماچه لتاتا هے تو پریم سے لتاتا هے . اور جو کرئی لوٹھے کے لئے آتے ہیں' وہ بنچے کو مقهائی کھلاتے تو ہیں' پر وہ پریم کی مقهائی نہیں ہوتی . لیکن ماتا جو طماچہ اعاتی هے وہ پریم کا هوتا هے . صیبی تو زمین لیٹا هوں وہ پريم سے ليدا هوں . مجھے تو تعجب لكتا هے كه جهاں میں جاتا ہوں' وہاں لوگ زمین دیلے کے لگے کیوں تهار هوتے هیں ، میں سمجهتا هوں که کیا یه گلدهی جی کی کرامات ہے؟ لوگ جالتے میں کہ یہ کاندھی کا آدمی ہے تو پریم سے دیاہے کو تیار ہوتے گیں ۔ لیکن اتلی هی بات نهیل هے' اور بھی بات هے . کاندهی جی کی کرامات هے' لیکن پرمیشور کی بھی کرامات هے ، پرسیشور کی مہما ہے کہ اتلی ساری زمین آیے هاتھ میں

فرے دو ، تھن قدم دوگے تو بھی بس ھے ، لیکن مجھے بہتو سو ایکو ملے ھھں ' اُتقے ھی مھرے نہھں ھیں ، ولا جو بہار ہزار ایکو بھی ھھں' ولا سارے سارے میرے ھی ھیں ، بہتوسے وامن کے تھن قدموں میں سارا تربھوں آگھا' ریسا یہ معاملہ ھے ، تو یہ ساری خوبی اگر خوبی لوگ سمجھھں گے'

जो जिस्स है, वह मेरा हुए नहीं है, मैं तो मगवान की जमक हूँ और यह एक जोला पहना है, तो वह भी निडर हो सकता है. अगर वह यह समझे कि हम तो भगवान की जमक हैं और यह शरोर ऊपर ऊपर का हमारा एक कपड़ा है, हम भगवान के प्रकाश भर ही हैं, तो हिम्मत जा जायगी. लोग मानते हैं कि हाथ में बंदूक आएगी तो हिम्मत आती है, लेकिन यह बिलकुल ग़लत खबाल है.

मेरा और उनका तरीका

यही देखो न कि कम्युनिस्टों ने विचार किया कि ग़रीब सोगों की सेवा करें. उनका विचार तो पच्छा है, लेकिन क्ट्होंने जो तरीक्रा अलिवार किया है, उससे किसानों का कोई लाभ नहीं हो रहा है, बल्कि किसान डर गए हैं, गांधी जी इस लोगों में आए और उन्होंने इस की हिम्मत दी. वह आप लोगों ने देखा. अंगरे जों ने हमारे हाथ से हथियार जीन लिये थे तो गांधी जी ने कहा कि हमें हथियार की कोई दरकार नहीं. श्रीर सत्याप्रह को लड़ाई में जहाँ तक कोगों ने देखा, औरतें जो कभी घर से बाहर नहीं निकली थीं. इन्होंने भी अपनी जान खतरे में डाली और हिन्दस्तान े से ऐसा कमाल देखा कि हजारों स्त्रियाँ बाहर श्रागई. मतस्य उसका यह हुआ कि श्रीजारों की ताक़त कोई ताक़त महीं है, आत्मा की ताकत ही सच्ची ताकत है. लेकिन कम्यु-निस्टों का अभी तक आत्मा की ताक़त पर विश्वास नहीं बैठा, बह बौजारों पर ही भरोसा रखे हुए हैं. अगर वह ब्रीजारों पर मरोसा रखते हैं तो वे देखेंगे कि हिन्दुस्तान के लोग उनके न्**वारे में कोई हमदर्श नहीं रखते.** लेकिन अगर वे इथियारों का बिरबास झोड़ दें और आत्म-शांक्त पर विश्वास रखें तो वे देखेंगे कि मैं भी उनके साथ में दाखिल होता हूँ. फिर मैं कहुँगा कि मैं भी एक कम्युनिस्ट हूँ और तुम भी कम्युनिस्ट हो ता दोनों मिल कर हिन्दुस्तान की सेवा करेंगे. लेकिन धन सीगों का तरीका अभी तक यह रहा कि वे एक-एक गाँव में फूठ डाजते हैं और मेरा तरीका यह होगा कि सारे गाँव को मैं एक बनाऊँगा. वह एक ही गाँव में एक घर वाले को दूसरे घर वाले के साथ लड़ाएँगे, मैं सब गाँव वालों को एक करुँगा.

वामनावतार का पहला कदम

अभी देखिये न कि मैं एक छोटे गाँव से हो आया, उस गाँव को लूट कर आया हूँ. उस गाँव में 50 एकड़ अमीन एक मालदार भाई से रारीकों को विलवाई. उसके पहले भी 8 गाँवों में इसी तरह 100 एकड़, 75 एकड़ अमीन लोगों से ली और रारीकों को दिलवाई. आज आपके बाँव को भी इन्न लूटने वाला हूँ. लेकिन यह कम्युनिस्ट بَوْ جَسَمُ فَيْ وَهُ مَيْراً رُوبِ نَهِيں فِيْ مَهَى تو يَهْتُواْنَ كَي جَمَكَ هُونَ اور يَهُ ايك جُولًا بِهِا هِ تُو وَهُ بَهِي نَدَر هُوسَكِنَا هِ تَو وَهُ بَهِي نَدَر هُوسَكِنَا هِ . اگر وَ يَهُ سَمَجِهِ كَهُ هُمْ تَو بَهْكُواْنَ كَي جَمَكَ هَيْنَ أُورِ يَهُ شُرير أُوبِر أُوبِر كَا هَمَارا أَيْكَ كَيْراً هِ عُنَ هُمَ بَهُمُواْنَ كَي يَرَكُسُ بَهْر هَي هَيْنُ تَو هَمَت آجَائِهِ كُي . لوگ مائيّههان كه هاته مين بقدري آئِهُ كَي تو همت آتي هـ أُلوكُن يَهُ بِالكُلُ فَلَمَا حَيَالَ هِ .

مهرا اور أن كاطريقه

یهی دیکهو نه که کمیرنستس نے وچار کیا که فریب لوگوں کی سہوا کریں ، أن كا وجار تو أجها هے ليكن أنهوں نے جو طریقہ اختہار کیا ھے' اُس سے کسانوں کا کوئی لابھ نهيل هو رها هي علكه كسان در كثير هيل ، كاندهي جي هم لوگوں میں آئے اور انہوں نے همعوهمت دی، وہ آپ لوگوں نے ديكها . انگريزون نے همارے هاته سے هتهيار چهابي لئے تهے تو کاندھی جی نے کہا کہ ھمیں ھتھھار کی کوئی درکار نہیں۔ اور ستھا گرہ کی لوائی میں جہاں تک لوگوں نے ديكها' عورتين جو نجهي گهر سے باهر نهيں نكلي نهين' أنهون نے بھی اینی جان خطرے موں قالی او هندستان فايساً كمال ديكها كم هزارس استريال باهر أكثيل. مطلب أس كا يم هوا كم اوزاروں كى طائت كبائى طاقت نہيں ہے' آتما كي طالت هي سچي طالت هي ليكن كميونستون کا أبهی تک آتماً کی طاقت پر رشواس نهیں بیتها ولا ارزاررس پر هی بهروسه رکه هیئے هیں . اگر وه ارزاروں پر بھروسہ رکھتے میں تو وہ دیکھیں گے ته هندستان کے نوگ أن کے بارے میں کوئی همدردی نہیں رکھتے ، لیکن آئر وہ هتھیاروں کا وشواس چھوڑ دیں اور آتم شکتی پر وشواس رکھیں تو وہ دیکھیلگے کہ میں بھی اُن کے ساتھ میں داخل هوتا هول ، يهر مهل كهونكا كه ميل بهي أيك كميونست هون اور تم یهی کمیونست دو تو دونون ملکر هددستان كى سهوا كريدگے . لهكين أن لوگوں كا طريقة ابهى نك يه رها که وه ایک ایک گاؤں میں پھوٹ ڈاتے ھیں اور میر ا طویقه یه هوال که ساوے گاؤں کو مهل ایک بداؤں گا . وا ایک ھی کاؤں میں ایک گهر والے کو دوسرے گهر والے کے سانه لوالهنگه، سهل سب کاول والول کو ایک کرونکا .

وامن أوتار كا يهلا قدم

ابھی دیکھئے نہ کہ میں ایک چھوٹے گاوں سے ھو آیا' اس گاوں کو لوٹ کو آیا ھوں ، اُس گاوں میں 50 ایکو زمین ایک مالدار بھائی سے فریدوں کو دلوائی ، اُسکے پہلے بھی 8 گاؤں میں اسی طوح 100 ایکو' 75 ایکو زمین لوگوں سے لی اور فریدوں کو دلوائی ، آج آپ کے گاؤں کو بھی کچھ لوٹئے والا ھوں ، لیکن یہ کمونسٹ कर्द काना किकावे हैं तो पुलिस हमें डरावी है. अगर इम इम्युनिस्टों को खाना नहीं किकावे हैं तो वह मार डालने का डर बवावे हैं. इस तरह रात में कम्युनिस्टों से तकलीक होती है, दिन में पुलिस बालों से. ऐसी सूरत में इमें क्या करना चाहिये ?

निडरता की ताकृत पैदा कीजिये

हमने कहा कि आप लोगों को निडर बनाने के लिये ही मैं आया हूँ. अगर कोई जबरदस्ती से आपके घर में घुस कर खाना मांगता है तो इसको खिलाने की जिम्मेवारी चाप पर नहीं है. उन्होंने कहा कि जिम्मेवारी तो हम पर नहीं है, लेकिन वह हम को मार डालेंगे तो हम क्या करेंगे? मैंने उनको समभाया कि परमेश्वर ने जिसका मरना आज तिख रखा है, उसका मरना कभी टलने वाला नहीं है. भीर श्रार उसने हमारा मरना श्राज नहीं लिखा है तो कोई कम्युनिस्ट हम को मार सकने वाले नहीं. तो आप लोगों को मरने का डर छोड़ना चाहिये. जो लोग मरने से डरते हैं, वह जिन्दा नहीं हैं, लेकिन मर चुके हैं. आप सममते हैं कि हम में से कोई यहाँ रहने वाला नहीं है, सारे के सारे जाने वाले हैं. जब परमेश्वर का बुलाबा आता है तो हरेक को जाना ही पड़ता है. इसिलये कोई बंदूक ले के हमारे सामने आएगा तो उसके सामने छाती खुली करने की हिम्मत हम में होनी चाहिये. वह अगर मारने के लिये आएगा और अगर वह भी हमारा भाई होगा तो उस पर मन में दया होनी चाहिये श्रीर उसके सामने शांति से खड़े हो जाना चाहिये श्रीर कहना चाहिये कि भाई, जबरदस्ती से कोई चीज मांगते हो तो हम देने वाले नहीं हैं, हम को करल करके जो लेना है, वह ले जाओ. जब हम लोग इस दनिया को छोड़ कर जाते हैं तो यहाँ का सारा सरंजाम साथ ले कर नहीं जाते हैं. यह जो निखरता की ताकत है, खनी लोगों का सामना करने की ताकत है. वह ताकत हैम लोगों में होनी चाहिये.

हिम्मत बंद्कु में नहीं होती !

19 11 Albert ...

आज एक भाई ने कहा कि 'आँध्र में काकतीय हकूमत पी उसके बाद 700, 800 साल हुए, इस जमीन में कोई बहादुर इनसान ही पैदा नहीं हुआ.' लेकिन किसानों में से केतने ही ऐसे पैदा हुए होंगे, जिन्होंने मुसीबतों का सामना केया होगा. उनका इतिहास लिखने बाला थोड़े ही कोई मेला हैं? इससे हम को नाउम्मीद नहीं होना चाहिये, बल्क केसान को अपनी ताकत क्या है, उसका अन्दाज होना हाहिये. आपने प्रह्लाद का चरित्र सुना है. वह छोटा-सा ज्वा था, लेकिन उसने हिरन्यकरवप का सामना किया. वना एक छोटा-का क्रिका भी अगर यह सममे कि यह الموں کھانا کھاتے ھیں تو پولیس ھمیں قواتی ہے۔ الم جم سیونستوں کو کھانا نہیں کھاتے ھیں تو وہ مار قاللے الم تقر بھاتے ھیں ۔ اِس طرح رات میں کمیونسٹوں سے علیق ھوتی ہے' دن میں پولیس والوں سے ، ایسی صورت میں همیں کیا کونا چاھئے ؟

ندرتا كي طاقت ييدا كيجاء

ھم نے کہا کہ آپ لوگوں کو نقو بٹانے کے لیے ھی۔ مھن آیا۔ هوں۔ آار کوئی زبردستی سے آپ کے گھر میں گھس کر کھانا مانکٹا ہے تو اُس کو کھانے کی ذائم واری آنیا ہر نبهين هے . انهوں نے کہا که ذمه واري تو هم پر نبهين هے ا لهکن وہ هم کو مار دالیں کے تو هم کیا کریلکے ؟ میں نے أن كو سمجهايا كه پرميشور نے جس كا مونا آج الكه ركها هے' أس كا مونا كبهى تللي والانهوس هـ ، اور اكر أس في همارا مرفا أج نهيل لكها هي تو كوئي كميونست هم كو مار سكد. والے نہیں . تو آپ لوگوں کو سرنے کا در چھورنا چاھگے . جو لوگ مرنے یے درتے میں وہ زندہ نہیں میں لیکن مر چکے میں . آپ سمجھتے میں که عم میں سے کرئی یہاں رهيه والا انهون هـ؛ سارے كه سارے جانے والے هون . جب ير مهمور كا بلاوا أنا هے تو هر ايك كو جانا هي يوتا هے . إس لليه كوئى بدوق لے كے هدارے سامند آئے كا تو أسكے سامنے چهاتی کهلی کرنے کی هست هم دین هونی چاهنی و ولا الكو مارتے كے ليے آئے كا أور اكر وہ بھى همارا بھائى هوكا تو أس پر من میں دیا هونی چاهئے اور اسکے سامنے شانتی سے كهور هوجانا چاهيً أور كهذا چاهيً كه بهائي، زبردستي ہے کوئی چھن سانکتے ہو تو هم دیلے والے نبھن هھن هم كو قتل كرك جو ليلها هـ، والي جاؤ . جب هم لوك إس علیا کو چهور کر جائے میں تو یہاں کا سارا سر انجام ساتھ لے اورنہیں جاتے میں یہ جو نذرتا کی طاقت ہے خونی ليكون كا سامنا كولي كي طائب هي ولا طاقت هم لوكون مهن هوني جاهئے .

همت بلدرق میں نہیں ہوتی !

آج ایک بھائی نے کہا کہ 'آندہر میں کا کائیہ حکومت کھی اسکے بعد 800'700 سال ہوئے' اِس زمین میں کوئی ایسان ہی پہدا نہوں ہوا۔' لیکن کسانوں میں سے کائی ایسے پیدا ہوئےہوں گے۔ جنہوں نےمصیبہوں کا سامنا کیا ہوگا۔ اُن کا انہاس لکھنے والا تبورے ہی کوئی ما ہے؟ ایس سے ہم کو نا اُمید نہیں ہونا چاہئے' بلکہ کسان کے اپنی طاقت کیا ہے' اس کا انداز ہونا چاہئے۔ اُن نے پرھاد کا چرتر سنا ہے۔ وہ چہوٹا سا بچہ تھا' لیکن اُس نے ہرنیہ کشیپ کا سامنا کیا۔ ایک چہوٹا سا بیچہ تھا' لیکن اُس نے ہرنیہ کشیپ کا سامنا کیا۔

माने हुए नेता और सार रारट्र के त्यारे तो हैं ही. हकूमव करने वाली पारटी और साथ ही बसकी विरोधी पारटी दोनों का नेता होने की अनोली इज्जात बन्हें हासिल है, या हालत को दूसरी निगाह से देखते हुए इसे बनकी बड़ी कमनसीबी भी कहा जा सकता है. केवल तमाशबीन को यह हालत कितनी ही मजेदार क्यों न मालूम हो, लेकिन हम कोगों के लिये तो—जिनकी तकदीर इन नेताओं के साथ जुड़ी हुई है—यह उतनी हो बड़ी दुईनाक और तकलीक देह है, जितनी कि अयोध्या की जनता के लिये दशरथ के दरबार में चलनेवाली कैकई की साजिशों थीं.

क्या इस द्दैनाक चीज से बचा नहीं जा सकता? खुदी को मिटाने और सीधी तरह सोचने से बिगड़ी हुई हातत को सुधारा जा सकता है. भगवान हम में से हर एक को यह ताक़त दे

-- कि० घ० मशस्वाला

'सर्वोदय' से

कम्युनिस्ट जो काम चाहते हैं, वही में कर रहा हूँ !

भाइयो और बहनो,

आज मैं आपके गाँव में आया और मैंने सुना कि कल पुलिस आपके यहाँ से चार लोगों को गिरफ्तार करके ले गई है. मैं सुनता हूँ कि जिन लोगों को पकड़ा है, उन के बारे में यह शंका है कि उन लोगों ने कम्युनिस्टों को कुछ मदद पहुँचाई. पुलिस को इस तरह शंका आई और इन लोगों को यह ले गए, इससे हमको डरना नहीं चाहिये. पुलिस बाले अपना काम करते हैं. आप लोगों को यह व्यान में रखना चाहिये कि पुलिस आपकी मदद के लिये हैं, आपको तकलीक देने के लिये नहीं. जो लोग गिरफ्तार हुए हैं, उन लोगों ने कम्युनिस्टों को मदद दी होगी तो कम्युनिस्टों के डर से दी होगी या उनके साथ इमददीं रखने के कारन दी होगी. यह कोई न समसे कि यह लोग ओ पकदे गए हैं, सारे के सारे गुनहगार होंगे. वह अगर बिना डर के ओ कुछ हुआ हैं, पुलिस वालों को सुनाऐंगे तो मैं उम्मीद करता हूँ कि उन्हें भी कोई तकलीफ नहीं होगी.

दोनों तरफ़ हर

आज एक नीजवान हम से मिसने आए थे. उन्होंने एक समात पूछा कि कम्युनिस्ट आते हैं, इसको घमकाते हैं. हम

کھا اِس دردناک چھنے سے بچا نہیں جاسکتا ؟ خودی کو متانے اور سیدھی طرح سوچئے سے بگتی ہوئی حالت کو سدھارا جاسکتا ہے . بھگوان ہم میں سے ہر ایک کہ یہ طاقت دے .

...ك . كه . مشرورالا

اسروودے' سے

کمیونست جو کام چاهتے هیں' وهی میں کو رها هوں!

يهاڻيو آور بهڏو'

آج میں آپ کے گؤں میں آیا آور میں نے سٹا کہ کل پولیس آپ کے یہاں سے چار لوگوں کو گرفتار کر کے لے گئی ہے۔ میں میں سٹتا ھوں کہ جن لوگوں کو پہڑا ھے، اُن کے بارے میں یہ شنکا ھے کہ اُن لوگوں نے کمیونستوں کو کچھ مدد وہ لے گئے، اِس سے ھم کو آرنا نہیں چاھئے ۔ پولیس والے اُپٹا کام کرتے ھیں ۔ آپ لوگوں کو یہ دھیان میں رئینا اُپٹا کام کرتے ھیں ۔ آپ لوگوں کو یہ دھیان میں رئینا چاھئے کہ پولیس آپ کی مدد کے لئے ھے، آپ کو تکلیف دینے کے لئے نہیں ۔ جو لوگ گرفتار ھوئے ھیں اُن لوگوں نے کمیونستوں کو مدد دی ھوگی تو کمیونستوں کے آر سے نے کمیونستوں کو مدد دی ھوگی تو کمیونستوں کے آر سے سمجھیں کہ یہ لوگ جو پہڑے گئے ھیں اسارے کے سارے گئے اور کے جو کچھ ھوا ہے۔ پولیس والوں کو سٹائیں گے تو میں امید کرتا ھوں کہ آپیوں بھی کوئی تکلیف نہیں ھوگی ۔

دونول طرف تو

ایک فوجهان هم سے ملئے آئے تھے ۔ اُنہوں نے ایک سوال پوچھا کا کمیونسمال آئے هیں عم کو دهمکاتے میں ، هم

एक दर्दनाक चोज

हमारे नेताओं और अखबारों ने यह जाहिर किया है कि कुल हिन्द कांगरेस कमेटी की बंगलोर बैठक को कांगरेस के भीतर एकता पैदा करने में बहुत बड़ी सफलता मिली हैं. लेकिन बैठक मुशक्तिल से पूरी हो पाई थी कि भी किंदबाई और श्री जैन के बयानों और स्तीकों ने यह साफ बता दिया कि हालत पहले ही जैसी बिगड़ी हुई हैं— सममें रत्ती भर सुधार नहीं हुआ हैं. हर एक कांगरेसी अख़बार ने श्री किंदबाई के स्तीफें को राहत देने वाली मुक्ति मानकर उसका खुला स्वागत किया हैं. बेकिन अब कांगरेस को इस पेचीदगी का सामना करना पड़ रहा हैं, जिस के लिये श्री नेहरू जिम्मेदार हैं. और वह यह कि इन्होंने श्री किंदबाई और श्री जैन को अपने केन्द्री मंत्रिमंडल में बनाए रखा है बावजूद इस बात के कि वह दोनों प्रजापारटी के नेता हैं और उस कांगरेस के कट्टर बिरोधी हैं जिस के सदर श्री टंडन जी हैं.

इम जनता के लोगों के लिये, जिन्हें कांगरेस के भीतरी मतभेवों और फूट का बहुत कम ज्ञान है, सक्चे गुन-दोशों के आधार पर इन सारे कामों की क्रीमत आंकना मुश्किल है. जनता तो अखवारों में जो कुछ छपता है, उसी से कैसला कर सकती है. और जो घटनायें घट रही हैं. उन्हें वह कांगरेस के भीतर पैठी हुई सड़ांघ के बद्से बद्तर होने की निशानी ही मान सकती है. जनता इस नतीजे पर धाए बिना भी नहीं रह सकती कि यह सड़ांच ऊपर से नीचे तक सारे संगठन में फैली हुई है. नई दिल्ली और सुबों की सरकारों में बहुत ही महत्व बाले महकमों की जिम्मेदारी संभालने वाले अनेकों मिनिस्टर अपने समय, अक्रल और ताक्कत का काफी बड़ा हिस्सा मिनिस्टरों के नाते अपना फर्ज पूरा करने में नहीं, बल्कि इन गनदे दाँव पेंचों और चाल-बाजियों में ही खर्च करते होंगे. क्या जनता यह सममे कि जनहित राज या वैलफ्रेयर स्टेट इन साजिशों भीर शहयंत्रीं की कटीली चनी माड़ियों के जंगल में से पैदा होगी ?

श्री जबाहर लाल नेहरू दो रानी बाले उस नामी राजा की तरह मालूम होते हैं— जिसकी बड़ी रानी पटरानी होने पर भी राजा की कुपापात्र नहीं है बौर छोटी काई खास हक न रखते हुए भी राजा की कुपापात्र है. प्रजा पारटी के नेता श्री किदबाई भी यह पाहिर करते हैं कि नेहरू जी मेरे नेता और प्यारे दोस्त हैं. और, बेशक नेहरू जी कांगरेस के

ایک دردناک چیز

همارے نیتاؤں اور اخباروں نے یہ ظاهر کیا ہے کہ کی ہند کانکریس کمیتی کی بنگلور بیٹھک کو کانگریس کمیتی کی بنگلور بیٹھک کو کانگریس کے بہیتر ایکتا بیدا کرنے میں بہت بڑی سپھلتا ملی ہوں قدوائی اور شری جین کے بھانوں اور استعفوں نے یہ ساف بتادیا که حالت بہلے هی جھسی بگڑی هوئی ہے۔ اس میں رتی بھر سددار نبھی هوا ہے . هر ایک کانگریسی اخبار نے شری قدوائی نے استعفے کو راحت کانگریسی اخبار نے شری قدوائی کے استعفے کو راحت دیلے والی مکتی مان کر اسکا کھلا سوائت کیا ہے . لیکن اب کانگریس کو اس پھتھیدگی کا ساملا نرنا پروہا ہے ، لیکن جس کے لئے شری نہرو ذمدار ہیں . اور وہ یہ که انہوں نے شوی قدوائی اور شری جین کو ایلے کیندری منتری منتری منتری برجا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس بات کے کہ وہ فونیں پرجا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کئیر فونیں پرجا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کئیر فونیں پرجا پارٹی کے نیتا ہیں اور اس کانگریس کے کئیر

هم جنتا کے اولوں کے لئے جلهیں کانگریس کے پہھٹری مت بھیدوں اور پھوٹ کا بہت کم گھان ہے' ستھے کی درشوں کے آدھار پر ان سارے کاموں کی قیست أبكنا ممكل هي. جنتا تو اخبارون مهن جو كچه جهبتا هے اسی سے فیصله کرسکتی هے. اور جو گھٹٹائیں گیت رھی ھیں' اُنہیں وہ کانگریس کے بھیٹر پیتھی هوئی سواندھ کے بد سے بدتر هونے کی نشانی هی مان سَكتي هي جلتا إس نتيجي پر آئے بنابهي نهيں رہ سکتی که یه سواندھ اوپر سے نهجے تک سارے سلکتھن مهن پههلی هوئی هے ۔ نکی دلی اور صوبوں کی سرکاروں مهول بهمت هي مهلاو والے محصموں کي ذمرداري سنجهاللے والم انهكس منستر الله سيم عقل أور طاقت كا كافي بوا حصم منسترس کے ناتے ایدا فرض ہررا کرنے میں نہیں بلکہ أن كلديد داول بيلچول اور چالبازيول ميل هي خرچ كُولَة هونكي كها جلتا يه سنجه كه جن مت وأب يا ويل المتهت ان سازهوں اور هدينتروں كى كتملى کھٹی جہاریوں کے جنگل میں سے پیدا موکی ؟

شوی جواهرال نهرو دو رانی والے اُس نامی راجه کی طوح صعلوم هوتے هیں۔۔۔جسکی بوی رانی پت رانی فولی هوئے هیں۔۔۔جسکی بوی رانی پت رانی فولی نقاض حق نه رکھتے هوئے بهی راجه کی کریا پاتر نهائی برجا پارٹی کے نهتا شری قدوائی بهی یه طاهر کیتے هیں که نهرو جی مهرے نیتا اور بهارے خوست هیں ، اور یه شک نهرو جی کانگریس کے

ही जान निम के त्रारी भी निस्ती रहे. साम ही साथ यह भी मानी हुई बात है कि कोका-कोला के फैलने से हमारे देश का काफी पैसा बाहर चला जायगा जो इसके अन्दर पढ़ने वाले जुदा जुदा रसीं भीर चीज़ों के लिये चाहिये. इसकी बनावट की सब से खास चीज़ों तो विदेश से ही आती हैं क्योंकि पेटेन्ट का अधिकार उन्हीं को मिला हुआ है'. (मैस्र 9 अप्रेल, 1951).

जाहिर है कि बाहर की पेटेन्ट श्रुदा चीजों से ठंडाइयां भीर शरबत अब सरकार हमें विकापगी और पैसा बाहर भिजवायगी. यह सरकार की आम पालिसी है.

चाय आगे हम क्या कहें ? हम बिके जा रहे हैं आपने पूंजीपतियों के हाथों में, और हम सब मिलकर विके जारहे हैं अमरीका व जिटेन के पूँजीपतियों के हाथों में! इसी का नाम तरककी है, इसी का नाम वह जुनयादी चीज है जिस पर पंडित जवाहर लाज नेहक हम से बिलहारी हो जाने को कहते हैं. हम फिर अर्ज करेंगे कि साइन्स की इन तक्बीरों की हमारे देश में इस वक्षत इस तरह के इस्तेमाल की बात हमारी समम्म में नहीं आती. कई बार सारी रिपोर्ट हमने इधर से उधर तक गौर के साथ देखली, हर दक्षा पंडित जवाहर लाज नेहक का बिर्फ एक जुमला हमारे दिमारा में उतर आता है—"जनता की तरक से बेठली दर असल बढ़ी है," खूब बढ़ी है, बढ़ रही है.

यह बेहरज़ी ही एक सच्चाई है. यही पंडित जवाहर साल की रिपोर्ट का निचोड़ है. यही आज़ाद हिन्दुस्तात की खुद-मुखतार सरकार के कारनामों का एक सर्टी किकेट है, यही देश की सब से बड़ी घटना है, सबसे दर्द भरी घटना है, सबसे खतरनाक घटना है.

—सुरेश रामभाई

अमन या जंग ?

"आगर तुनिया की जनता अमन क्रायम रखने और आखीर तक अमन की रहा करने का काम खुद अपने हाथ में ले ले तो अमन क्रायम रहेगा और मज़बूती पकड़ेगा. लेकिन अगर जंग की बातें फैलाने वाले दुनिया की आम जनता को भूटी बातों के जाल में फंसाने, उन्हें घोका देने और एक नई बड़ी जंग में असीट काने में कामियाब हो गए तो सुमकिन है जंग न टल सके."

—स्टालिन

من جائے جن ہے تری بھی ماتی رہے ۔ ساتھ می ماتھ ہی ماتھ کے دیش کا کافی پیست باہر چلا جائے کا جو اسکے اندر پرنے والے جدا رسوں اور چیزوں کے لئے چاہئے . اسکی بنارت کی سب سے خاص چیزیں تو ودیش سے ہی آتی میں کیونک پیٹنٹ کا ادھیکار آنہیں کو ملا ہوا ہے .' (میسور 9 اپریل' 1951)

ظاهر هے که باهر کی پیٹنٹ شده چیزوں سے تهندائیاں ور شربت اب سرکار همیں بلائے کی اور پیسه باهر بهجوائے ہے۔ یہ سرکار کی عام بالیسی هے ۔

اب آئے ہم کیا کہیں؟ ہم بکے جا رہے ہیں انے پونتجی تھیں کے ہاتھوں میں' اور ہم سب ملکر بکے جا رہے ہیں امریکہ و برتین کے پونتجی پتیوں کے ہاتھوں میں! سی کا نام ترقی ہے' اسی کا نام رہ بنیادی چیز ہے جس و پندت جواہر لال نہرو ہم سے بلیہاری ہوجائے کو کہتے ہیں ۔ ہم پہر عرض کریں گے کہ سائنس کی اُن تدبیروں نی ہمارے دیش میں اُس وقت اِس طوح کے استعمال نی ہمارے دیش میں اُس وقت اِس طوح کے استعمال نی ہمارے دیش میں اُس وقت اِس طوح کے استعمال نی بات ہماری سمجھ میں نہیں آتی ۔ کئی بار ساری بیورت ہم نے اِدھر سے اُدھر تک فور کے ساتھ دیکھ لی' ہو بیماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طوف سے دخی دامی دراصل یماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طوف سے دخی دراصل یماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طوف سے دخی دراصل یماغ میں اُتر آتا ہے ۔ ''جنتا کی طوف سے دخی دراصل

یہ ہے رخی هی ایک سچائی هے . یہی پندت جواهر لال کی رپورت کا نچور هے . یہی آزاد هندستان کی خود مختار سرکار کے کارناموں کا ایک سرتیفیکت هے . یہی دیش کی سب سے بوی گهتنا هے سب سے درد بہری گهتنا هے ' سب سے خطرناک گهتنا هے .

--- سريش رأم بهائي

امن یا جنگ

"اگر دنیا کی جنتا اس قائم رکھنے اور آخھر تک امن کی رکشا کرنے کا کام خود آیے ھاتھ میں لے لے تو اس قائم رھے کا اور مضبوطی پکڑے کا البکن اگر جنگ کی پتیں پھیلانے والے دنیا کی عام جنتا کو جھرتی باتوں کے جال میں پھسائے اُنھین دھوکا دینے اور ایک نئی ہوی جنگ میں گھسیت لانے میں کامیاب ھو گئے تو مسکن ھے جنگ نہ تل سکے ۔"

_ إستالن

इस बार नहीं या इस बनके कायक नहीं. वह सो सभी शोमा देंगे अब इममें काम सीखने और सिकाने बालों के देमारा के पुराने जाले साफ हो जावंगे. तालीम के मौजूदा रंग से वह जाले बढ़ते हैं और इन सोज घरों से हिन्दु-तानियों को फायदा नहीं पहुँचने देते.

मिसाल के तौर पर हम रुड़की के बिल्डिंग रिसर्च इन्स्टीट्यूट को लें जो रुड़की इन्जीनियरिंग यूनिवरिसटी से इस क़हम के फासले पर है. यह रुड़की यूनिवरिसटी भी मभी हाल में बनी है जिसमें 180 लड़के पढ़ते हैं जिनकी खिदमत में 90 तो निजी नौकर हैं, चौकीदार, चपरासी, तेकचरर, प्रोफ़ेसर खलग, जिनके मां बाप उन पर दो सौ-डाई सौ रुपया महीना खर्च करते हैं और जो डिम्मी लेने के बाद ठेकेदारों की खुशामद करते हैं कि उन्हें नौकर रख लें. प्रगर इस शैतानी और हैरतनाक चीज़ में खागे नहीं जाकर इम नए खुले हुए बिल्डिंग रिसर्च इन्स्टीयूट की बात करें जो हिन्दुस्तान के ग्यारह खोज घरों में से एक रतन हैं. वहां जाकर खाप देखें तो पता चलेगा कि यह खोज की जा रही कि देहाती आदमी सरने घर, मज्यूत घर कैसे बनाये—इत पर कन्कीट हो, ऐसबसटस हो या और कोई शेख़-चल्ली का मसाला!

इसी तरह दक्खिन में मैसूर में कुड रिवर्च इन्स्टीटयूट है. वहां यह खोज हो रही है कि हमें अच्छा भीर सस्ती बराक कैसे मिले. कीन नहीं जानता कि बनस्पति के मुकाबले बीया तेल बेहतर है, चीनी कं मुकाबले गुड़ या शकर बेहतर है, डिब्बा बंद जेलियों और मुरब्बों के मुक़ावले । जी. हरी या उनली चीज बेहतर है-तो जहाँ जरूरत ाह है कि बनस्पत, चीनी श्रीर टानिकों को तैयार करने के हारखाने बन्द किये जायं वहाँ इन्स्टीटयूट वाले इस बात पर । राज-पच्ची करते हैं कि किस तरह ऐसी चीज बनाली जाय कि अनाज न मिलने पर पेट भर जाय! काश एक रेसर्च इन्स्टीट्यूट इस बात के लिये खुलता कि रूई या ऊन मौर कपड़ा न मिलने पर किसी की मियागिरी से तन कैसे क लिया जाय. इसने कोका-कोला के बारे में इस फूड घर ह डायरक्टर को लिखकर पूछा कि इसमें क्या खुबियाँ हैं हो सरकार इतने जोश से इसके कारखाने खुलन दे रही े तो धन्होंने जवाब दिया:--

"एक साइन्सदां की हैसियत से, मुमे तो इस बात पर पूरा यक्तीन नहीं होता कि ज़दरत में होने वाले फलों, सबज़ियों और पीचे के रसों को सदा कर जो हलकी नशीली चीज़ें तैयार की जाती हैं उन तक के इस्तेमाल को बन्द कर देना एक सच्ची बरकत है, लेकिन झैर, अब जब यह हमारी क्रीमी पालिसी का एक हिस्सा हो गया है तब, एक तरह से, यह मुनासिब होगा कि दूसरी मामूली भड़काने वाली चीज़ों के इस्तेमाल को तरह की اس والمع اله بي الهم أن كم التى الهدى اليه الوالهي الولها المناع والهي الولها المناع والهي المناع والتي كم المناع والتي كم المناع والتي المناع المناع والتي المناع والتي المناع و

مثال کے طور پر هم رزکی کے بلق کی رسری الستی قدم کے فاصلے پر هے ، یہ رزای بیانهرستی بھی ابھی حال قدم کے فاصلے پر هے ، یہ رزای بیانهرستی بھی ابھی حال میں بلی هے جس میں 180 اوکے پوہتے بھیں جی کی خدمت میں 90 تو نجی اوکر هیں' چوکیدار' چپراسی' لیکنچرز' پروئیسر، الگ' جی کے ماں باپ اُن پر در سو تمائی سو رویہ مہینہ خرچ کرتے هیں اور جو تگری لیلے بعد تبیکہ داروں کی خوشامد کرتے هیں ایک اُنھیں نوکر رکھ لیں ، مگر اس شیطانی اور حیرت ناک چیؤ میں اگے نہیں جاکر هم نئے کہلے هائے بلند گ رسرچ انستی آئے نہیں جاکر هم نئے کہلے هائے بلند گ رسرچ انستی میں سے ایک رتن ہے وهاں جاکر آپ دیکھیں تو پتھ چلے میں سے ایک رتن ہے وہاں جاکر آپ دیکھیں تو پتھ چلے میں طہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کلکریت ہو' ایسبستس مظہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کلکریت ہو' ایسبستس مظہوط گھر کرسے بنائے — چہت پر کلکریت ہو' ایسبستس

اسی طرح داہن میں میسور میں فوت رسرچ آستی۔

ہوت ہے ، وہاں یہ کورچ ہو رہی ہے کہ ہمیں چھی اور

سستی خوراک کیسے ملے ، کون نہیں جانتا تھ بلسیتی

مقابلے گری یا تیل بہتر ہے چیئی کے مقابلے تازی شکر بہتر ہے تابی خورات یہ ہے کہ

ہمری یا آبلی چھز بہتر ہے — تو جہاں ضرورت یہ ہے کہ

پنسپتی چیئی اور تانکوں کو تیار کرنے کے کرخانے بلد

کئے جائیں وہاں انستی تیرت رائے اِس بات پر مغز پچی

کرتے ہیں کہ کس طرح ایسی چیز بنائی جائے دہ آناچ نہ

ملئے پر بیت بہر جائے ! کش ایک رسرچ آنستی تیوت

اس بات کے لئے کہلتا کہ روثی یا اون اور کیوا نہ ملئے پر

کسی کیمیاگری سے تن کیسے ڈھک لیا جائے ، ہم نے کواکولا

کسی کیمیاگری سے تن کیسے ڈھک لیا جائے ، ہم نے کواکولا

کسا نے میں اس فوڈ کہر کے ڈائر ڈر کو لکھکر پرچھا کہ اِس

میں کیا خوریاں ہیں جو سرکار انٹے جوہی سے اسکے

میں کیا خوریاں ہیں جو سرکار انٹے جوہی سے اسکے

میں کیا خوریاں ہیں جو سرکار انٹے جوہی سے اسکے

" ایک سائنسدان کی حیثیت سے مجھ تو اس بات پر پورایقین نہیں ہوتا که قدرت میں ہونے والے پہلوں' سبزیوں اور پردھے کے رسوں کو سوا کو جو هلکی نشهلی چیزیں تیار کی جاتی میں ان تک کے استعمال کو بلد کر دینا ایک سچی برکت ہے ۔ استعمال کو بلد کر دینا ایک سچی برکت ہے ۔ لیکن کھڑ' آب جب یہ ماری قرمی پایسی کا ایک حصہ ہوگیا ہے تب ایک طرح سے یہ مناسب ہوگا که دوسری معمولی بورکانے والی چیزوں کے استعمال کو توقی

आगर याँ ही आर्थ के तस्त्रमीने बढ़ते गए को कह जाकाँर भीज अटकेगी कीन जाने!

महानदी पर को हीरा कुन्ड डाम बनाया जा रहा है उसके सिजसिले में बम्बई के नामी हमतेबार "भारतज्योति" में भाई इमार भूशन राय का एक सममदारी भरा और दिलचस्प लेख छपा है. उन्होंने बताया है कि हमारी सरकार यह चाहती है कि अमरीकी सरकार ने जिस तरह अपनी कोलोरेडो और टेनेसी निवयों को इस में कर लिया उसी तरह हम भी करलें. सरकार की स्कीम थी कि महानदी में तीन जगह पर—हीरा फ़ुन्ड, तिरू पुर श्रीर बारज डाम बाँधकर पानी के हौज तैयार किये जायं. लेकिन बाद में तीन की जगह सिर्फ हीरा कुन्ह में यह कारवाई करना तय पाया श्रीर 1945 में खर्चे का तखमीना 48 करोड़ के क़रीब था जो अब और बढ गया है. लेकिन, जानकार लेखक का कहना है, जब कोलोरेडो जैसी छोटी नदी को क़ाबू में लाने के लिये असरीका वालों ने 134 होज बनाए ता महानदी जैसी महानदी के लिये तीन ही जों से क्या होने वाला है और अब तो तीन की जगह एक ही बन रहा है. यही नहीं, कोलोरेडो नदी में हौजों की लगर जहाँ एक हजार से दो हजार साक तक की है, महानवी वालों के लिये सरकारी अन्दाजा सिर्फ छ: सी साल का है और भाई कुमार भूशन राय ने हिसाब लगा कर दिखलाया है कि यह ठीक से एक सौ साल में नहीं होगा! फिर, जब को जोरे हो स्कीम पर कुल सर्च तीन अरब छ्यालीस करोड़ चार लाख सत्तानवे इजार दो सौ डालर (या दस-बारह अरथ ४५५ यानी इजार-शरह सौ करोड़ रुपए के क़रीब) पड़ा तो महानदी पर कुल खर्च कितना बैठेगा और वह रूपया कहाँ से बाएगा ? उनका कहना है- '८सारी नदी स्कीमों पर फिर से सोचने और उनकी क्रीमत आँकने का बक्षत आ गया है. अलग अलग आदमी एक ही चीज को अलग अलग रोशनी में देखते हैं. इसिलये में उम्मीद करता है कि अगर मैं साफ साफ बौर ख़ुल कर अपनी राय को पेश कर दूं जो सरकारी स्कीम बनाने बालों की राय से बहुत जुदा है तो इसे उनकी शान के खिलाफ नहीं समका जायगा."

यह राय है पढ़े लिखे इन्जीनियर लिगों की ! तब फर मामूली किसान तो यही कहेगा—'बाबा, बख्शों ! इम कुआँ स्नोद लेंगे और जो पड़ेगी भुगत लेंगे.'' कहने की ज़रूरत नहीं कि इन योजनाओं का कितना पैसा काम में न आकर शलत तरह से जावा हो जाता है और हिसान किताब के मामले में जो बेतरतीबी रही है उसीक चर्चा तो पार्लिमेन्ट में भी या चुकी है.

विज्ञान के खोज घरों के बारे में हमारी वही हालत हैं जो दूध के जले की होती हैं. माना कि यह अच्छी चीज हैं, सक्ष्यता के घर हैं—लेकिन हमारे लायक नहीं, कम से इस گار پیرل جی خربے کے تنصبیتی پوھٹے گئے تو کواں جاکر میڑ اتکیکی کون چائے!

مهاندی پر جو ههرا کلت دام بنایا جا رها هے اسکے المسلم مين بمهاي كي نامي هفتي وار "بهارت جيوتي" مين هائي كمار بهوشن رائيكا ايك سمجهداري بهرا اور دانچسپ یکھ چھیا ہے اُنھیں نے بتایا ہے کہ هماری سرکار یہ چاعتی ے قد امریکیسرکر نے جس طرح اُپلیکولوریکو اور تینهسی دیوں کو پس میں کر لیا اُسی طرح هم بھی کر لیں، سرکار ی اسکیم تھی که مہاللی میں تین جگه پر ۔۔ هیرائنڈ، ہرو پور اور بارج قام باندھ کر بانی کے حوض تھار کئے عائهن . ليكن بعد مين تين كي جائه صرف هيرافقد مين ه كاروائى كرما طم يايا اور 1945 ميں خرچے كا تخميلة 4/ کرور کے قریب تھا جو 'ب اور بڑھ گیا ھے ، لیکن' جان ار لیکھک کا کھٹا ہے' جب کواوریڈر جیسی چھوٹی ندی و قارو میں لانے کے لئے امریکہ والوں نے 134 حوض بنائے و مہاندی جیسی مہاندی کے ایکے تین حوضوں سے کیا ونے والا ھے اور ب تو تھن کی جگه ایک ھی بن رھا ھے . ہی نہیں' کواوریڈو ندی میں حوضوں کی عمر جہاں ایک بزار سے دو ہزار سال نک کی ہے، مہاندی والوں کے لئے سرکاری الدازلا صرف چه سو سال کا هے اور بھائی کمار بھوشن رائے نے حساب لگا کر دکولایا ہے کہ یہ تھیک سے ایک سو سال هي نهيين هوال يهر جب كولوريدو اسكيم پر كل خرج ين ارب چهيالهس كررو چار لاكه ستانوے هزار در سو د لر یا دسی بارہ ارب رویے بیعنی ہزار بارہ سو کروز رویے کے ریب) پوا تو مهاندی بر ال خرج کندا بیتهیا اور وه ويهه كهارس آنيمًا ؟ أن كا كهذا هي --"هماري ندي اسكيمون ر یهر سے سوچلے اور أن كى تيامت آسكلے كا رقت آئها ہے الگ الگ آدمی ایک هی چیز و الگ الگ روشنی لين ديمهتم هيل أسلئم مهن أليد كرتا هول كه اكر میں صاف صاف اور کھل کر آیڈی رائے کو پیھی کر 'وں مو سرکاری اسکام بدانے والوں کی رائے سے بہت جدا ہے و اسے أن كى شان كے خلاب نہيں سنجها جائے گا ."

یہ رائے ہے پوھے لکھے انجیلیر لوگرں کی ! تب پھر
معمولی کسان تو یہی کہ کے ۔ '' بابا' بخشو ! هم کذراں کھود
یفکے اور جو بڑیکی بھکت لیلئے ۔'' کہنے کی ضرورت
بھی کہ ان یوجلاؤں کا کٹٹا بھسہ کام میں نہ آکر فاط
درج سے ضائع هوجاتا ہے اور حساب کتاب کے معاملے میں
جو یہ توتیبی رہی ہے اُس کی چرچا تو یارلھمنت میں
ہی آچکی ہے ۔

رکیاں کے کھوچ گھاوں کے پاپہ میں هداری وهی حالت نے جو دودھ کے جلے کی اُلی اُلی ، مانا که یه اچھی چیز ہے، سبھیٹا کے گھو هیں -- لیکن همارے لائی تہیں کم سے کم

हमारी बात राक्षत साबित हों. केबिन पूत के कच्छन पाकने में जैसे वीखते हैं उससे ही हम इसके आगे का अन्दाजा लगा सकते हैं.

प्लानिंग कमीशन ने हाल में ही एक पंच साला स्कीम मुल्क के आगे रखी है और बताया है कि किस काम में कितना रुपया खर्च करें तो पांच साल में इस अपने देश को क्या बना लेंगे. प्लानिंग कमीशन की रिपोर्ट को हम भन्जी तरह समम रहे हैं और उम्मीद है कि अगले नम्बर में पूरे ब्योरे के साथ उस पर अपनी राय चाहिर कर सकेंगे. मगर यहाँ हम एक बात कहे बिना नहीं रह सकते जो इस प्तानिंग कमीशन की रिपोर्ट को सरसरी तौर पर देखने से इमें चुभती हुई मालूम हुई, वह यह कि "न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेंगी." अगर कमीशन उन्हें नचाले गया तो राधा परदेसियों के डायों विकी जरूर रखी है.

नदी-की मों को भी हम ग्रुबहे की आँखों से देखते हैं. गहले तो हमारा दिल इस बात की गवाही नहीं देता कि स्म तरह दामोदर, महानदी वरोरा पर हाम बांध बांध कर इम कोई खास काबू उनके बहाव पर पालेंगे चौर प्रपने सुखे खेतों को हरा कर लेंगे. हमें मालूम है कि पंजाब में जगह जगह जहां बड़े जोरों से नहरें खोदी गई थीं या डाम ांघे गए थे वहां शुरू के बरसों में तो खूब अच्छी पौध स्त्री किन फिर बाद में कहीं कहीं जमीन पर बपजाऊ मिट्टी की ागह नमकीनी मिट्टी-सज्जी जैसी-की तह जम गई और इ इलाक़े एक दम निकम्मे से बन गए. यही हाल इन हीमों से भी ईश्वर न करे हो जाय!

भव तक जो इन डामों का तजुरना है वह भी दर्द भरा रहा. तीन डामों को तो इम जानते हैं जिन के खिये ोरों से तैयारी हुई, लाखों रुपए खर्च किये गए मगर द में उन्हें बीच में ही छोड़ बिया गया-उत्तर प्रदेश में हन्द हाम, मदरास में रामपद सागर हाम और आसाम ब्रह्मपुत्रा हाम. अभी 24 जुलाई को बंगाल के गवरनर ने हा-"हम पच्छिमी बंगाल वालों को जब यह मालूम हुआ ः दामोदार-बाद-रोक-डाम स्कीम पर सरकार अब कोई ान नहीं दे रही है तो हम पस्त हिम्मत हो गए." यानी मोदर चाटी स्कीम के मुकम्मल हो जाने पर भी दामोदर बाद पिछामी बंगाल के दुखियों को सताती रहेंगी.

अकरा-नंगल बाम पर साल दर साल खर्च का जो ामीना है. वह देखने की चीज है-

सन्	करोड़ रूपये
1947	42
1948	70
1949	110
1950	133

عَيْدِينَ الْمَالِينِ عَلَمَ ثَابِتِ هِينِ . لَيْكُن يُرِيعَا فِي تَعْفِيقُ وَاللَّهِ میں جیسے دیکھتے میں اسسے میھم اس کے آگہ کا اندازہ لکا سکتے میں .

يقلک كبيشن نے حال ميں هي أيك يقي ساك اسکھم ملک کے آلے رکھی ھے اور بتایا ھے کہ کس کلم میں كتنا أوبيه خرج كرين تو ياني سال مين هم آله ديه كو كها بنا لينكه . يُلاننگ كسيشن كي رپورڤ كُو هم لجهي طرح سمجه رهے هيں اور اُمهد هے که اگلے نمبر میں دررے مهورے کے ساتھ اُس پر اپنی رائے ظاهر کر سکھنگے . مگر یہاں هم ایک بات کہے بنا نہیں رہ سکتے جو اس پلانلگ کمیشن کی رپورت کو سرسری طور پر دیکھنے سے همیں چېپېتى هرقى معلوم هوئى. وه يه كه " نه نو من تيل هولانه رادها تاجينكي ." اكر كنيش أنهين تنجال ليا تو رأدها پردیسهوں کے هاتهوں بکی ضرور رکھی ہے ،

ندی اسکیسوں کو بہی هم شبه کی آنکہوں سے دیکھتے هیں . پہلے تو هدارا دل آس بات کی گواهی نہیں دیتا که اس طرح دامودر' مهاندی رفیره پر دام بانده بانده کر هم کوئی خاص قابو أن كے بہاؤ پر پالينگے اور الله سوكه كهيتون كو هرا كر ليذكي . همين معلوم هے كه پنجاب مين جگہ جگہ جہاں ہوے زوروں سے نہریں کھودی گئی تھیں یا قام با ندیے گئے تھے وہاں شروع کے برسوں میں تو خوب أجهلي يوده أكى ليكن يهر بعد مين كهين كههل زمين پر اپنجاؤ متی کی جاته ناینی متی --- سجی جیسی - كى تهه جم كأى أور ولا علاقي أيكدم نكيم سے بين كئے . یہنی حال ان اسکیدوں سے بھی ایشور نہ کرے هوجائے!

أب لک جو إن دَاموں كا تجربه هے وہ بهى دود بهرا ھی رھا . تین قاموں کو تو ھم جانٹے ھیں جن کے لئے زوروں سے تھاری ہوئی' لاکھوں روپئے خرچ کئے لگے مگر بعد میں أنهيل بيه ميل هي چهور ديا كيا... آترپرديش ميل رهند قام مدراس میں رام پد ساکر دام اور آسام میں برهم پدرا قام، ابھی 24 جولائی کر بنال کے گورنر نے کہا۔۔۔''هم پچھمی بلغال والوں کو جب یہ معارم هوا که دامودر بازه روک قام اسکیم پر سرکار اب کوئی دھیان نہیں دے رھی ھے تو ھم يسمعاً همت هوكيَّم . " يعلى دامودر كهاتي اسكهم كم مكمل هیجانے پر بھی دامودر کی بازھیں پچھمی بنکال کے دکھھوں کو سٹالی رهیلکی .

يهكرا نفكل دام پر سال در سال خرب كا جو تعمهنه ھے' وہ دیکہنے کی چیز ہے۔۔

				
کروز رو پے			سن	
42			1947	
. 70	,		1948	
110		,	1949	
133			1950	

तरीका अमल में कार उसकी कामयाबी इसमें है कि वह हमें इमारो मनशा के अनुवार नतीजे देता है या नहीं. असक बीज़ तरीका नहीं बरिक मकसद है."

इस निगाह से देखते हुए वह फिर नदी स्कीमों पर पहुँच गए और उसके बाद खेती पर. बदती हुई आवादी से घडरा कर उन्होंने "कुनबा प्लानिंग" की सलाह दी है. इसी का नाम है वर्ध-कन्ट्रोल. और क्योंकि अब तक यह कन्ट्रोल नहीं हुचा इसलिये उनके खयाल से जनाज का मसला दिन 'पर दिन टेढ़ा हो गया और देश के कुछ हिस्सों में कहत जैसी हालत पैदा हो गई सरकार ने 'और राल्जा उपजाओ' आन्दोलन चलाया जो कामयाब तो रहा ''मगर नतीजे इतने साफ साफ नहीं दिखलाई पड़े." इसी सिलसिले में उन्होंने अनाज बरौरा के मौजूदा कन्ट्रोल को भी जरूरो बताया है.

पंडित जवाहर लाल नेहरू ने अपनी रिपोर्ट में इस बात की जुशी जाहिर की है कि इस चार साल के अरसे में हमने नवा विधान बना डाला, जमींदारी प्रथा को जस्म करने की तजबोजें रच डालीं, हिन्दू-कोड बिल जैसे इनिक्रजाधी कदम के लिये कानून गढ़ डाला. मगर हवा में कोई फरक तो नहीं दोख रहा है. हम भी खुश हो लेते हैं कि चलो अच्छा हुआ यह हो गया, लेकिन यह सब काले अच्चर हैं जिनसे फायदा लो काई दूसरे ही उठा ले जाते हैं.

अपनी रिपोर्ट के बाद वाले हिस्से में पंडित जा ने अपनी विदेशी पालिसी, क्शमार का सवाल, दाना बगालों में तना तनी, प्रजा और सोशिलस्ट पार्टियों और आने वाल सुनाद में कांगरेस के कर्ज पर रोशना डाजी है. और यह सलाहें दो है कि क्या करना चाित्य. इसी दारान में उन्होंने सरकारा मुलाविमों के काम की तारीक करत हुए कहा है—"मेरा खयाल है कि जा सखत आलाचना उनका को आतो है वह बहुत हद तक सहा नहीं है......... मुके यक्कान है कि उन्होंने कमा भी इतना मेहनत स काम नहीं किया जितना इन चन्द बरस में." इसके अलावा यह भा बताया है कि बार्ज कैसे चलाना चाहियें.

बड़े बादर मगर दुख के साथ हमें कहना पड़ता है कि इस रिपाट में पंडित जा का सिक एक बात के अलावा काई दूसरा बीज हमार गले नहीं उतरती. वह है उनका यह मानना कि सरकार और जनता में बदम जगा बढ़ी है. हम धममते हैं कि इन बार बरस में दिवाय इस बदमजगा के किसी दूसरी बीज का पैदवार नहीं बढ़ा. इससे कहीं ज्यादा दुख हम इस बात का है कि जिन तान बाज़ां पर पंडित जी सब से ज्यादा जार देते हैं—विश्वान खोज घर, नदी स्कीमें धौर प्लानिंग कमीशन—वह मुल्क में तरा लाने के बजाय सबाही लाने बाली है. हम महसूस करते हैं कि हम कितनी الويقة عبال مهن اللهن أسكى كامهابي اس مهن هـ كه ولا بهن هناري ملها كـ الرسار اللهجة دينا هـ يا نههن . مل چهز طريقة نههن بلكه مقصد هـ ."

اِس ناہ سے دیکھتے ہوئے وہ پھر ندی اسکھموں پر پونچے گئے اور اُسکے بعد کھھتی پر . بوعتی مُوئی آبادی سے پھرا کر اُنھوں نے '' کفیم پلانلگ '' کی ملاے دی ہے . سی کا نام ہے برتھ کفترول . اور کھونکہ اب تک یہ کفترول بھی ہوا اِسلئے اُن کے خیال سے اناج کا مسئلہ دی پر بی تحصط سے موالت پھدا ہوگئی . سرکار نے 'ارر غلم اُپجاؤ' میسی حالت پھدا ہوگئی . سرکار نے 'ارر غلم اُپجاؤ' ندرلی چلایا جو کامیاب تو رہا '' مگر منتھجے اُننے صاف ندولی جلایا جو کامیاب تو رہا '' مگر منتھجے اُننے صاف ناہوں نے ساف نہیں دکھائی ہوے۔ '' اِسی سلسلے میں اُنھوں نے ساف نہیں ہوجودہ کفترول کو بھی ضوروری بتایا ہے .

پندت جواهر لال نهرونے اپنی رپورت میں اِس بات کی خوشی طاهر کی هے که اِس چار سال کے عرصے میں هم نے نیا ودهان بنا ڈالا زمیدداری پر تها کو ختم کرنے کی جبریزیں رچ ڈالیں' هندو کوڈ بل جیسے انقلابی قدم کے لگے انہن کوھ ڈالا میر هوا میں کوئی فرق تو نہیں دیکھ ها هے . هم بهی خوش هو لیتے هیں که چلو اچها هوا کا هوگیا' لهکن یہ سب کالے اکشر هیں جن سے فائدہ تو وئی درسرے هی اُتھا لے جاتے هیں .

ایئی رپورت کے بعد والے حصے میں پندس جی نے بنی ودیشی بالیسی' تشدور کا سوال ' دونوں بنگالوں میں تفائلی' پرجا اور سوئلسٹ پارٹیوں او آنے والے چفاو بیں کنگریس کے فرض پر روشنی ڈالی ہے اور یہ صفحی می دیموں کہ کیا کرنا چاہئے۔ اِسی دوران میں اُنہوں نے مرکاوی مقارموں کے کام کی تعریف کرتے ہوئے کہا ہے ۔ میرا خیال ہے کہ جو سخت آلوچنا اُن کی کی جاتی ہے وہ بہت حد تک صحیح نہیں ہے۔... مجھے جاتی ہے وہ بہت حد تک صحیح نہیں ہے۔... مجھے جین ہے کہ اُنہوں نے کبھی بھی اتای محتیت سے کام بیس کہا جتنا اِن چند برس میں ،'' اِسکے عقوہ یہ بھی تایا ہے عقوہ یہ بھی تایا ہے عقوہ یہ بھی

پورے آدر مگر دکھ کے ساتھ ھمھی کھنا پوتا ہے کہ اِس پورے میں بندت جی کی صرف ایک بات کے علاوہ کوئی اوسری چھڑ ھمارے کئے نہیں آترتی . وہ ہے اُن کا یہ مانفا یہ سرکار اور جنتا میں بدمؤگی ہوھی ہے ۔ ھم سمجھیے بیس کہ اُن چار برس میں سوائے اِس بدمؤگی کے کشی بوسری چھڑ کی پیداوار نہیں بوھی . اُس سے کہفن زیادہ بھی میں اس سے کہفن زیادہ بھی میں اس سے کہفن زیادہ بھی سب سے زیادہ زور دیتے میں سوگھان کم چی اسکے میں تری قللے کے میائے تہادی لائے والی ھیں . ھم محصوس کرتے ھیں کہ ھم حصوس کرتے ھیں کہ ھی

शाहिर है कि वह रिपोर्ट पिछते पार साल का कोई शिवहास नहीं हो सकती. यह तो महज़ कुछ घटनाओं और इधर-उधर की बातों से भरी एक छोटी सी गठशी हो सकती है जिससे दूसरों को मोदा अन्दाज़ा हो जाय और आगे के लिये रास्ता निकालने में मदद मिले. लेकिन हमारी मुसीबत यह और भी है कि एक छोटे से लेख में उस गठरी, की चाहे वह छोटी ही क्यों न हो, सभी चीजों को निकाल निकाल कर जाँच कर उनकी कीमत परखना नामुमकिन नहीं तो मुशकिल जरूर है. इसलिये हम सिर्क खास जास नमुनों को लेकर संतोश करेंगे.

पंडित जवाहर लाल ने ग्रुरू में ही कहा है कि आजादी के साथ साथ हकूमत पर मुसीबतों के पहाड़ टूट पढ़ें—बटवारा और लाखों की तादाद में वे घरवालों का आना, कश्मीर पर पाकिस्तान का हमला, बापू की हत्या, चीजों के दाम चढ़ जाना और आरथिक बन्दोबस्त ढांवाडोल हो जाना. इन सभी को दुरुस्त करने के फेर में सरकार बड़े बड़े चक्करों में फंसती चली गई और काम संभवते हुए भी नहीं संभल रहा था. नतीजा हुआ जनता और सरकार के बीच सहयोग की कमी. यह कमी बढ़ती ही गई और इन चार साल—में ज्वरदस्त कोशिशों के होते हुए भी—जनता की सरकार के कामों के साथ बेरुकी हद को पहुंच गई.

इतना कहने के बाद जवाहर लाल जो ने अपनी सरकार के कारनामे गिनाये हैं. हम उन्हें चुन कर नीचे देते हैं—

- 1. रियासतों का मिलाया जाना जिसके लिये हम सब स्वार्गीय सरदार पटेल के एइसान मन्द हैं.
- 2. इसारे देश में पिछते चन्द बरस में विज्ञानी खोज में मार्क की तरककी, जिसे धाम तौरसे नज़र धन्दाज़ कर दिया जाता है. विज्ञान और उसके कारनामों की दुनिया में यह धाने की उन्नति के लिये एक बुनयादी चीज़ है.
- 3. निवयों वाली स्कीमें, जैसे दामोदर घाटी, भकरा नंगल और हीराकुन्ड.
 - 4. शरनाथियों का बसाना.
 - 5. प्लानिंग कमोशन का कायम होना.

इसके बाद पंडित जी यह क्रयूल करते हैं कि देश की जो बुनयादी आरियक पेचीदगी थी इसे कामयाबी के साथ इल नहीं किया जा सका है. वह इस कमी को बहुत गहराई के साथ महसूस करते हैं और सारी जिम्मेदारी अपने मत्थे बेते हैं.

आरो चलकर पंडित जी उस्ती बड़े सवाकों पर आ जाते हैं कि हमें अपनी राजकाजी, माली और समाजी बढ़ोतरी के क्षिये आरो क्या निशान रखना चाहिये और कौतसा रास्ता अपन्याना है. उनका कहना है—"हम जो भी العمر في كه يه رپورت پحپهلم چار سال كا كوائي البهاس الهمس هوسكتى . يه تو محتض كحپه كهاناؤل اور الهمر أنهر كى باتوں سے بهرى ايك چهوائى سى كالهرى هوسكتى هے جس سے دوسروں كو موانا اندازہ هوجائے اور آئے كے لئے راسته نكالنے ميں مدد ملے . ليكن همارى مصهبت يك اور بهى هے كه ايك چهوائے سے ليكه ميں اس كالهري كى چاھے وہ چهوائى هى كيوں نه هو سبهى چهووں كو كى خاص نكال كر جانچ كر ان كى قيمت پركها ناممكن نهيں تو مشكل ضرور هے . اس لئے هم صرف خاص خاص نمونوں كو لے كر سنتوش كريں گے .

پفت جواهر لال نے شروع میں هی کہا ہے که آزادی کے ساتھ ساتھ حکومت پر مصیبتوں کے پہار توق پڑے سیتوارہ اور لاکھوں کی تعداد میں یے کھر والوں کا آنا کشمیر پر پاکستان کا حمله باپو کی هتها چھڑوں کے دام چوھ جانا اور آرتھک بندربست دانوا دول هوجانا ، ان سههی کو درست کرنے کے بھیر میں سرکار برے برے چکروں میں پہنستی چلی گئی اور کام سنجہلتے هوئے بھی نہیں سنجھل رہا تھا ، نتیجه هوا جنتا اور سرکار کے بیچ سهھوگ کی کسی بوهتی هی کئی اور ان چار سال میں سرکار کے بھی بردست کوششوں نے هوئے کھوئے بھی ۔۔ جنتا کی سرکار کے کاموں کے ساتھ بے رخی حد کو پہونیج گئی ،

اِتنا کہنے کے بعد جواهر لال جی نے اپنی سرکار کے کارنامے گذائے هیں . هم اُنهیں چن کرنیمچے دیتے هیں .۔۔

- ریاستس کا مقیا جانا جس کے لئے هم سب سروئیء سردار پتیل کے احسان مند هیں.
- 2. همارے دیش میں پنچھلے چاد برس میں وکھانی کھرے میں معرکے کی ترقی جسے عام طور سے نظر انداز کر دیا جاتا ہے ۔ رگھان اور اسکے کارناموں کی دنیا ۔ سری یہ آئے کی انتخی کے لئے ایک بنیادی چیز ہے ۔
- 3. ندیوں والی اسکیمیں' جیسے دامودر کھاتی بھکرا ننگل اور ھیرا کند .
 - 4. شرنارتهیون کا بسانا .
 - 5. پلانلگ کمهشی کا قائم هونا .

اسکے بعد پندت جی یہ قبول کرتے میں کہ دیمی کی جو پنیامی آرتھک پیچیدگی تھی آسے کامیابی کے ساتھ بخال نبھی دیا ہے اس کمی کو بہت گہرائی کے ساتھ مخصوس کرتے میں اور ساری ذیے داری اپے معلم الکیتے میں .

کے چلکو پلکت جی امولی ہوے سوالوں پو آجاتے میں کہ همیں اپلی واج کاجی مالی اور سماجی پوتوٹوی کے لئے آئے کہا نشان رکھنا چاھئے اور کون سا راستہ ایٹانا ہے ۔ ان کا کہنا ہے ۔ '' هم جو بھی

Maria de la constitución de la c

बीच में खड़ी की गई. शहर की बोबी वो बाधी खरनी हो गई, लेकिन देहात की बोबी बहुत छुछ तुरकी ही रही और इसकिये तुरकों के बास्ते तुरकी जबान को फिर जिन्हा करना मुमकिन हो गया. उन्नोसवीं सदी में तुरकों के दिलों में भी बाजादी की तरंग उठी और साथ ही यह जयाल भी बा गया कि बाजादी हासिल करने के लिये यह दीवार भी गिरानी पड़ेगी. चुनांचे उन्नोसवीं सदी के बालिर में छुछ ऐसे नौजवान पैदा हो गए जिन्होंने भाशा को सुधारने की कोशिश की लेकिन जिलाफत के बाहानों के सामने उनकी छुछ चली नहीं.

[भाई मद्दन गोपाल जी की किताब 'भाशा' के आखिरी अध्याय का अधूरा हिस्सा. बाक़ी अगले परचे में]

स्वाराज के चार साल

हर कारज के करने में यह दस्तूर बरता जाता है कि साल के तमाम होने पर या बीच में जब कभी सहित्यत हो अपने सार काम का लेखा ड्योदा ठीक करके उसका पूरा चिट्ठा कारकुन लोग अपने मालिक के आगे पेश करहें या अपन साथी साम्भीदारों को सममा दें और तब लोग गये साल के तजरने के आधार पर आपस में सलाह सक्षिरा कर के आगे के लिये अपना प्रोप्राम बनायें. हकुमत या सरकार का काम भी एक कारज बन गया है भौर लोकशाही के बढ़ते हुए प्रचार से उसकी बागडोर संमालने वालों की यह जिम्मेदारी और भी वढ जाती है कि जिन्होंने उन को कुर्सी पर बिठाया है उनको अपने काम की जवाबदही दें. चार साल हो रहे हैं जब हमारा देश बाजाद हुआ था और उसके इंतजाम का सारा बोक पंडर जवाहर लाल नेहरू के कंशों पर रखा गया था. बैसे तो आजादी के क़रीब एक बरस पहले से ही यह बोम इनके ऊपर आचुका था. लेकिन इन चार पांच बरस में एक बार भी सरकारी काम का 'हिसाब' अनता या कांगरेस (जिस ने आजादी जीती थी) या शायद कांगरेस पार्ली-मेन्ट्री पारटी के आगे भी नहीं आया और काम चलता रहा. चोटी पर प्रंडित जवाहर लाल थे इसलिये कोई इतनी हिन्मत भी कैसे करता कि उनसे हिसाब वताब करे. खुशी की बात है कि जवाहर काल जी ने खद ही यह रिपोर्ट क्रम द्विन्य कांगरेस कमेटी की खातिर उसकी हाल में बंगसीर में दुई बैठक के पहले मुल्क के सामने पेश करदी. इन्हर्भ इस दरिया दिली और नम्नता पर उनके आगे सिर और भी ऊफ जाता है.

[بھائی مدن گوہال جی کی نداب 'بہاشا' کے آخری ادھیائے کا ادبورا حصہ ، ہاتی ابلے پرچے میں ،]

سواراج کے چار سال

ھر کارہے کے کرنے میں یہ دستور برت جاتا ہے کہ سال کے تمام هونے پر یا بیچ میں جب دجھی سمولهت هو اله سارے کم کا لیکھا تیووھا تھیک کرکے اُس کا پورا چھھا کارکن لوگ ایم مالک کے آئے پیش کردیں یا ایم ساتھی ساجهی داروں دو سمجهادیس اور تب لوگ گئے سال کے تجریے کے آدھار پر آپس میں صلح مشورہ کرکے آگے کے لئے آینا پروگرام بنائیں . حکومت یا سرکار کا کام بھی ایک کارے بن گھا ھے اور لوک شاھی کے برَعاتے ھوائے پرچار سے اس کی باک دور سنبھالنے والوں کی یہ ذمود ری اور بھی بڑھ جاتی ہے که جدہوں نے اُن کو کرسی پر بگھایا هم ان کو ایم کی جواب دھی دیں . چار سال هورهے ھیں جب همارا دیمی آزاد هوا تھا اور اس کے انتظام کا ساراً بوجه پندت جواهرلال نهرو کے تندھوں پر ردھا کیا تھا۔ ویسے تو آزادی کے قریب ایک برس پہلے سے ھی یہ بوجہ أن كے أوبر آچكا تھا . ليكن أن چار يانيم برس میں ایک بار بھی سرکاری کام کا 'حساب' جلتا یا کانگریس (جس نے آزادی جیتی تھی) یا شاید کانگریس ہاراسمنٹری ہارتی ہے آگے بھی نہیں آیا اور كلم جلتا رها . جرثى بر يندس جواهرال تعد إس لله إتنى كوئى هدت بهى فيسم كونا كه أن سم حساب طلب كوم . خوشی کی باس ہے تہ جواءرلال جی نے خود ھی یہ ربورت کل هلد کانگریس کمیٹی کی خاطر اُس کی حال میں بنکلور میں ہوئی بیٹیک کے پہلے ملک کے سامنے پیمی کردیی . أن كی اِس دريا دلی اور نمرتا پر أن كے آئے سر اور بھی جھک جاتا ہے ۔

किया की समस नहीं सकता. इंदानी दो हिस्सी में बट गए. 90 की सदी से ज्यादा अनपद और पाँच है की सदी पढ़े हुए. इन दो हिस्सों को जुदा करने के लिये अवान को दीवार जुनी गई. इस दीवार को खड़ी करने वाले थे ईरान के बाह्मन जिन्हें शायद वह मौलाना कहते हैं. इन बाह्मनों का चाहे वह किसी देस या जमाने के हों सबसे बड़ा हथकंडा है जादू टोने का और खास कर भाशा का जादू. बोलोंगे ऐसी बोली जो दूसरा अच्छी तरह से समम न सके. जो पाठ कराएंगे तो ऐसी बोली में जो समम से बाहर हो. ताबीज गुरमंत्र सब का यही ढंग. दूसरा जादू जो वह सदा चलाते हैं वह है बड़े बाप के बेटे का ताकि जजमान आगे की न सोचें पीछे को ही ताकते रहें.

चन्नीसवीं सदी में इरानियों को भी लोकराज की सुमी. क्रानूनी मजिलसें बनीं भी, दूटीं भी, बावशाह अच्छे भी हुए बुरे भी. सन् 1921 में रजाखाँ एक कीजी अकसर ने हकूमत की बाग जबरदस्ती अपने हाथ में ले ली और 1925 में शाह ही नहीं मुल्क का खकेला हिक्टेटर बन बैठा. वह देस प्रेमा था इसलिये देस को भो उस से प्रेम हो गया. वह देस का रुख बदलना चाहता था. आगे देखो, पीछे देखना छ। इ दो. किसी गिरे हुए देस को सुधारने का यही गुरमंत्र हो सकता है. परदा उड़ा कर और शादी तलाक के क़ानून में सुधार कर के औरतों को आजाद किया. धौर बोली को अरबी से छुड़ाकर प्रजा को वहां के बाह्मनों की क़ैद में से निकाला भौर वह फसील गिरा कर जो ईरानी को ईरानी से ज़ुदा करती थी देस में एकता पैदा की और ताबीम भासान कर दी. यह तो सब जानते हैं कि ईरान में मुसलनान ही रहते हैं, उनकी लिपि एक है घौर बोली भी बहत कुछ एक.

तुरकों के पुराने इतिहास में जाने की जरूरत नहीं. इतना कहना काशी है कि मुसलमानों के आने से पहले भी तुरकी एक बहुत बड़ा राज था. जबान बहुत सादा मुलमी हुई. मामर सादा और मामरी जिन्स से पाक. कुज आठ स्वर और लफ्ज स्वरों से लदे हुए. गो अरबों की हकूमत तुरकों पर बहुत दिन न रह सकी. अरबी अपने इतमा खजाने की वजह से जमोसवीं सदो तक तुरकी जबान की गरदन पर सवार रहो और उस म जुड़े हुए व्यंजनों को बीमारी पैदा कर दो. तुरकी मुलतानों की हकूमत दूर दूर के मुलकों तक फैली यहाँ तक कि अरब भी इनके राज में आ गया. तुर्क मुलतान ही न हुए इसलाम के खजीका भी बन बैठे. इस का नतीजा यह हुआ कि तुरकी माझनों की पांचों लंगलियां वी में. बही माझनों के हथकंडे जबान के आदू तुरकी में भी खेले जाने लगे. जबान की दीवार यहाँ मी लड़ी की गई. शुकर इतना है कि यह दीवार शहर और देहात के

المنافعة والمنافعة والمنافعة والمنافعة والمنافعة والمنافعة المنافعة المناف

آنیسویں صدی میں ایوانیوں کو بھی لوک راج کی سوجهى . قانونى مجلسهن بنين بهي، توتهن بادهاه ا میں موئے برے بھی . سن 1921 میں رضا خال ایک قوچی اقسر نے حکومت کی باک زیردستی آیے ہاتھ میں لے لی اور 1925 میں شاہ ھی نہیں ملک کا اکیا ڈکٹیٹر بی بھٹھا۔ وہ دیس پریسی تھا اس لئے دیس کو بھی أس سے پریم هرکیا . وہ دیس کا رہے بدلنا چا تا تھا ، أُکَّے هیکهوا پهچه دیکها چهور دو . کسی گرے هوئے دیس کو سدمارنے کا یہی کرر منتر هرسکتا هے . پردہ أوا كر ارر هادی طلق بے قانون میں سدمار کرکے عروتوں کو آزاد کیا . اور ہوئی کو عربی سے چھڑا کو پرچا کو رھاں کے براھملوں کی الهد مهن سے نکالا اور وہ فصیل کرا کر جو ایرانی کو آیرانی سے جدا کرتی تھی دیس میں ایکتا پیدا کی اور تعلیم آسان کر دیی . یه تو سب جانتے هیں که آیران مهی مسلمان هي رهيم هين' اُن کي لهي ايک هـ اور بولي بهي أبيت بعد ايك .

توکوں کے پوانے اتہاس میں جانے کی ضرورت نہیں ۔ الله کہنا کہنا کہنا کائی ہے ته مسلمانوں کے آنے سے پہلے بھی ترئی گیات بہت بادہ سلجھتی ہوئی ، گیات بادہ سلجھتی ہوئی ، گرامو مادہ آر گراموں جانس سے پائے کل آٹھ سور آور آبھ سوروں سے لدے ہوئے کو عربوں نی حکومت ترکوں پر آبھیسویں صدی تک تو ہربی ایا علمی خزانے کی وجہ سے آبھیسویں صدی تک ترکی زبان نی گردن پر سوار رہی آور گیاسیں جوے ہوئے ویلجنوں کی بھماری پیدا کر دنی ، گرفی شامانوں کی حکومت دور درر کے ملکوں نگ پھھلی گرفی شامانوں کی حکومت دور درر کے ملکوں نگ پھھلی گرفی شامان کی حکومت دور درر کے ملکوں نگ پھھلی گرفی شامان کی جادر ترکی سلمان کی بانچوں آنکا ہا ، ترک سلمان کی ہوئی میں انہوں کی براہمنوں کے متعلقات کی بانچوں آنکا ہاں گھی میں ، پھی پراہمنوں کے متعلقات کی بانچوں آنکا ہاں گھی میں ، پھی براہمنوں کے متعلقات کی بانچوں آنکا ہاں بھی گھڑی کی گھی۔ بھی دیوار یہاں بھی گھڑی کی گھی۔ بھی اور دیہات کے گھی۔

Company of the Compan

Tree Area

जरूरत ही नहीं पड़ी, इसकिये मुनासिक है कि हम डब थोड़ी सी सरसरी निगाह तुरकों और ईरानियों के इविदास और जुधाफिये पर डालें और फिर अपने इतिहास और जुगराफिये से चन्हें मिलाएं

ं ईरान के शरू की तवारीख की बाबत लिखने की यहाँ जरूरत नहीं. शायद हिन्दुस्तान से पहले आर्य ईरान में जाकर बसे. ईरान और आर्य दोनों एक ही धात से हैं. जो पहली कारसी है वह वैदिक से वहत कुछ मिलती जुनती है. लेकिन आहिस्ता आहिस्ता उस क्रानून के मुताबिक जी हर बोली पर लागू है उस के बन्द ऐसे खुते कि स्त्ररों से नद गई. तक्त घिस घिस कर छोटे होते गए. छटी सदी बी० सी० में ईरानी राज को बह चाँए लगे कि रूम सागर से जेकर हिन्दुस्तान में कशमीर की घाटियों और सिन्ध की वादियों तक फैल गया. गो चौथी सदी बीठ सीठ में सिकन्दर ने उस मुल्क को कतह कर लिया पर राज ईरान में ईरानियों का ही रहा. यह ठीक कि वह वो सदियों तक थूनान को खिराज देते रहे. तब से सातवीं सदी ईसवी तक यानी फोई दो हजार बरस तक ईरान में राज बहुत कुछ इरानी बार्यों का ही रहा. नतीजा यह कि ईरानी भाशा सुवरती रही. सातवीं सदी में मुनलमान अरवीं ने ईरान को जीता. ईरानियों ने इससाम जरूर क्रयुत किया लेकिन इसलाम की परहेजगारी उन्हें अपने में समी न सकी. वही खिलाने पिलाने का प्रेम. राग और चित्रकला का अनुराग. रोर व सुखन का शीक्ष और प्रकृति की पूजा उनमें जारी रही. यह हैं चार जास गुन आयों के हमें भी दावा है आर्थ होते का लेकिन उन के गुनों में से एक भी अब हमारे में नहीं पाया जाता. जो थोड़ा बहुत ग्रवती से कहीं दिखाई दे जाता है तो वह समम लो इन ईरानियों, युनानियों और पश्चिमी क्षीमों की मेहरवानियों का नतीजा है. गो इस मनवाली क्रीम पर अरब कुछ ज्यादा मुद्रुत तक हकूमत न कर सके, घरनी ने घपना सिकका ईरानी पर जमा लिया. इसमें इस तो हकूमत का हाथ था लेकिन बहुत सा हाथ उस इंस्मी पालीरे का था जो बरबों के इल्मी शीक ने सारी द्वनिया के इल्मों से अरबी में जमा कर लिया था. अरबी सदियों तक पश्चिमी परिाया की ही नहीं बहुत से योरपी देशों की इल्मी जवान रही हैं. दसवीं सदी में जब हकूमत की बाग ईरानियों के हाथ में फिर आ गई तो ईरानी ने भी फिर पर निकाले, फिरवौसी ने उस सदी के आखिर में शाहनामा जिला जिल की जबान शुद्ध ईरानी हैं. फिर भाशा विद्या के इस नियम के अनुसार जिस को मैं बहुत दक्ता लिख चुका हुँ घरबी जो इल्मी जबान बी उस ने ईरानी को द्वा लिया. हाफिज जो चौदहवीं सदी में पैदा हुआ था उस की शायरी अरबी लक्ष्यों से खदी हुई है. नवीजा यह कि कोई ईरानी कुछ अरबी जाने बिना अपनी बोली की

رات على فينيل جوي أأس الله مقامي على قد هم الهو ری سی سرسری نگاہ ترکوں اور ایراندوں کے اِتہ اس جَمْرافهم ير دالين أوريهر أهي إنهاس أور جموافهم سے

ایران کے شروع کی تواریخ کی بابت لکھنے کی یہاں ،رتنهیں. شاید هندستان سے بہلے آریم ایران میں جاکر اً. ایران اور آریه دونوں ایک هی دهات سے هیں . جو ی فارسی هے وہ ویدک سے بہت کچھ ملتی جلتی هے . ی آهسته آهسته اس قانون کے مطابق جو هر بولی پر ہے اُسکے بند ایسے کہلے که سوروں سے لدگئی . لفظ ں گیس کو چھوٹے ہوتے گئے ۔ چھٹی صدی بی ۔ سی ۔ ن ایرانی راج کو وہ چاند لکے کہ روم ساگر سے لے کر استان میں کشمیر کی گھاٹیوں اور سندھ کی وادیوں ، پهيل گها . گو چوتهي صدي بي . سي . مين سکندر أس ملک کو فقم کر لها پر راج ایران میں ایرانهوں کا رها . یه تهیک که وه دو صدیون تک یونان کو خرابر ہ رہے ۔ تب سے ساتویں صدی عیسوی تک یعلی کوئی زار برس تک ایران مهی رام بهت کچه ایرانی آریون ی رها . نتیجه یه که ایرانی بهاشا سدهرتی .رهی . ایس صدی میں مسامان عربوں نے آیران کو جیتا ۔ ندوں نے اسلام ضرور قبول کھا لیکن اسلام کی پرھیزگاری س آبیے میں سبو نہ سکی ، وہی کہلانے پلانے کا پریما ، اور چندر که کا انوراگ شعرو سخون کا شوق اور پرکرتی پوچا أن ميں جاري رهي . يه هيں چار خاص كن س کے ، ہمیں بھی دعووں ہے آریہ ہونے کا لیکن اُن کے میں سے ایک بھی اب همارے میں نہیں پایا جاتا ، تهورا بهت فلطى سے كهيں دكهائى دے جاتاهے تو وہ سمجه ن أيرانيون يونانيون أور بجهمي قومون كي مهربانيون نیجة هے . گو اس ملحالی قوم پر عرب کچه زیاده مدت حکومت نه کر سکے عربی نے اپنا سکه ایرانی پر جمع . إسمين أحجه تو حكومت كا هاته تها لركن بهت سأ ، اُس علمی فخیرے کا تھا جو عربوں کے علمی شبق نے ماری ا کے علموں سے عربی میں جمع کو لیا تھا ، عربی صدیباں ا پنچهمی ایشها ای هی نههربهت سے یورپی دیسوں کی ن زیان رعی ہے۔ افسایس صدی میں جب حکومت کی ے ایرانیوں کے ہاتھ مھر چھر آگئی تر ایرا ی نے بور پھر پر ہ' فردوسی نے اُس صدی کے آخر میں شاہدامہ لکھا ں کی زبان شدھ ایرانی ہے ۔ پھر بھاشا ودیا کے اس نیم نرسار جسكو مهن يهب دائعه لكه چكا هون عربي علمی زبان تھی اُس نے ایرانی کو دینا لھا۔ ظ جو چوردهوین قبدی میں بیدا هوا تها اسکی ربی اعربی لفظول سے لدی هوٹی ہے۔ تعیمود یہ درائي ايرأس كنهم عربي جائي بدا أيدي بواي كي

वहा भारी हुआ कभी किसी का. आखिर मिल जुझ कर वसेरा करना पड़ा. दूसरी बात यह कि कातोनी और रमैनिक दोनों आर्थ भाशा की बेटी हैं. केवल जुग़ाफिया नो का जुदा. एक उत्तर में जा कर बसी, दूसरी दक्खिन जिनसे इन के रंग हप में ही नहीं बनावट में भी करक गया.

हमारी बोली खिचड़ी नहीं सत नजी है. गो मुक्ते अब द नहीं कि बचपन में इसे सीखने के लिये मुक्ते कोई खास गिकिल हुई थी. इतनी समम अब जरूर है कि एक हिन्दु-ानी बच्चे के लिये यह खड़ी बोली हिन्दुस्तानी सीखना ना आसान नहीं जितना शायद एक प्रजवासी के लिये त भाशा या एक मदरासी के लिये अपनी मां बोली खना. इसिलये अगर मेरे बच्चों के बच्चों और उन के बच्चों लिये यह आसान बनाई जा सके और हम न बनावें तो । अपनी सन्तान के दुशमन हैं. आजकत कुछ भाई इस सतनजापन निकालने की धुन में हैं और अगरचे वह सान के माने नहीं समभते केवल शुद्धी को समभते हैं का हाथ बटाना हमारा धर्म है ! क्योंकि मुशकिल लफ्ज विस कर आप ही आसान हो जाएंगे (जवान की इस को कोई नहीं रोक सकता) भाशा बिना बीने इकनजी है। सकती. लेकिन बीनने से पहले यह सोचना जरूरी के क्या हम बीनने में सफल हो सकते हैं ? अगर नहीं कोशिश फजूल ही नहीं नुक़सान भी पहुँचाती है.

यह तो सब जानते हैं कि इस सदी के शुरू में दो ायाई क्रौमें आजादी हासिल करते ही यह काम कर सकीं. ा कि मैं हरफों के बाब में लिख आया हूँ. तुर्क अपनी ान में से सारे अरबी और फारसी लक्क निकालने में ायाब हो गए. ईरानियों ने सारे श्ररबी लक्ष्जों को देश ाला देना ठीक नहीं समभा लेकिन उनकी ईरानी में ाने फजल अनगिनत भरती के लक्ज घुस गए थे उन को उन्होंने मार भगाया. हमारे भाई भी इन तुरकों ्ईरानियों की तरह उन अरबी और फारसी लक्षों को हमारी हिन्दुस्तानी में आ घुसे हैं निकालना चाहते हैं ; बड़े जोरों से कहते हैं कि जो तुर्क और ईरानी कर वह हम तो बहुत आसानी से कर सकते हैं क्योंकि रे पास संस्कृत का भंडार मौजूद है. जाहिरा तो उनकी सोलह आने पकी मालूम होती है. फारसी में एक वत है--आधे हकीम से जान का डर आधे मुला से न का डर-इसी तरह आधे पंडित से देस का डर. हमारे त आधे पंडित हैं. अपना इतिहास जो सच पूछो इति-: नहीं इति-रोना है. उसे तो वह जान ही नहीं सकते के हमारे कुछ बड़ों ने उस पर खब मोटा गाढ़ा पोचा रक्सा है और दूसरों का इतिहास जानने की उन्हें कभी

هماری بولی کهچوی نهین ست نجی هے ، کو منده اب یاد نہیں که بجین میں اِسے سیکھلے کے المے سجھ خاص مشكل هوئي تهي . اتلي سمنجه أب ضرور ه كه ایک مدد متانی بھے کے لئے یہ کہوں بولی مدستانی سیکھنا اتنا آسان نہیں جتنا شاید ایک بہج باسی کے لئے برج بھاشا یا ایک مدراسی کے لئے اپنی ماں بولی سهکهنا آ اس لئے اگر مهرے بحوں کے بحوں اور آن کے بجور کے لیے یہ آسان بقائی جاسکے اور هم نے بقاویں نو هم ایای سفتان کے دشمن ههن آج کل کنچه بهائی اس کا ست نجاین نکالئے کی دھن میں میں اور اگرچہ وہ آسان کے معلی نہیں سمجھتے کھول شدھی کو سمجهت هيس أنك هاته بتانا همارا دهرم هـ ! كيونكه مشکل لفظ تو گهس کر آپ هی آسان هوجانهدگی (زیان کی اس باره کو کوئی نهیں روک سکتا) بهاشا بنا ہیئے اِک نجی نہیں ہو سکتی ۔ لیکن بینلے سے عبلے یہ سوچنا ضروری ہے که کیا هم دیننے مهی سپهل هو سکتے هيں ؟ اگر نهيں تو کوشش قضول هي نهيں نقصان بہی پہونچاتی ہے .

یت تو سب جانتے هیں که اس صدی کے شروع میں دو ایشیائی قومیس آزادی حاصل کرتے هی یه کام کرسکیس. جیسا که سهی حرفوں کے باب میں لکھ آیا ہوں ، ترک اپنی زبان میں سے سارے عبری اور فارسی لفظ نکالنے مهن کامیاب هرکیّے . آیرانیوں نے سارے عربی لفظوں کو **دیس نکالا دینا تهیک نهی**ی سمجها لیکی آن کی آیرانی میں جتنے فضول انگلت بھرتی کے لفظ گھس گئے تھے أن سب كو أنهول لے مار بهاایا . همارے بهائی بهی ان تروس اور ایرانهون کی طوح اُن عربی اور فارسی لغظوں دو جو هداري هندستاني مين آگهسے هيں نكالذا چاہتے میں اور بوئے زوروں سے کہتے میں که جو ترک اور ایرانی کرسکے وہ هم تو بہت آسانی سے کرسکتے هیں کھونکہ همارے یاس سنسکرت کا بہندار موجود ہے . ظاهراً تو أن كي بات سواء آنے يكي معلوم هوتي هے. فارسی میں ایک کہاوت ہے۔آدھے حکمیم سے جان کا در اور آدھ ما سے ایمان کا در-اسی طرح آدھ پلات سے عيس كا در. همارے بلدت آدمے بلدت هيں ابنا أتهاس تو سيم يوچهو أتهاس نهين إتى وونا هـ. آسے تو وہ جان ھی نہیں سکتے کیونکہ همارے کچھ بورس نے آس پر خوب موتا کارها پوچا پههر رکها هے اور قوسروں کا اتہاس جانئے کی اُنہیں کبھی

भीर बेलाग सिपाइी थे, जो नतीजों भी परवाह न करते हुए देश भीर धर्म की खिदमत करते करते हमेशा के लिये भाराम की नींद सो गए. हम सब भल्ताह से भाए हैं भीर भल्ताह ही की तरफ हम सब को जाना है.

("ब्रहरार" देहली के आधार पर)

اور بے لاگ سہامی تھے جو ٹھٹنجوں کی پرواہ تم کرتے ہوئے۔ بیعی اور دھرم کی شدمت کرتے کرتے ہمیشہ کے لئے آرام بی نھند سو گئے۔ ہم سب اللہ سے آئے ہیں ارر اللہ ہی بی طرف ہم سب کو جاتا ہے۔

(" احرار " دهلی کے آدیار پر)

खालिस बोली-खिचड़ी बोली और बोली की दीवार

(भाई मदन गोपाल)

कुछ अंगरेकी विद्वानों का यह खयाल दुरुस्त मालूम होता है कि एक अंगरेज के लिये अंगरेजी सीखना ज्यादा मुशकिल है बनिस्वत एक जरमन या फ्रांसीसी के लिये जरमन या फाँसीसी सीखना. वजह यह बताई जाती है कि फ्रांसीसी, स्पैनिश और इटालियन रोमानी जबानें हैं जिनकी जहें अकसर लातीनी से निकली हैं इसलिये इन ज्वानों के बहुत से लक्ष्म ऐसे हैं जिन की जड़ वही होने के कारन उन सब लक्ष्यों का जो इस जड़ से निकले हैं सममना और याद करना बहुत ज्यादा आसान है. यही हाल स्त्रीडिश, डैनिश और जरमन का है क्योंकि उन के श्रकसर लक्ष्य जरमैनिक जड़ों से निकले हुए हैं इसलिये जब एक जड़ सीख ली तो, उस जड़ में से जितने लक्ज श्रपनी बोली में मा गए हैं उनकी शकत चूँ कि आपस में मिलती जुलती है और वह एक ही घराने के मालूम होते हैं, उन्हें सममना और याद रखना मुशक्ति नहीं होता. अंगरेकी चूँकि एक खिचड़ी बोली है जिस में अकसर लातीनी जड़ों के लक्ष्ज और जरमैनिक जड़ों के लक्ष्ज ही नहीं, काकी यूनानी जक्ज भो आ मिले हैं, इसलिये उन्हें जानने के लिये याददाश्त पर जयादा कोर डालना पड़ता है. बिलकुल खाद्भि बोलो तो दुनिया में न कोई हुई स्वीर न कोई है. थोड़े बिदेसी लक्ष्ज तो हर ज़वान में आ ही जाते हैं. उन से जवान की बनावट में फरक नहीं आता, वह तो दाल में नमक मसाले का ही काम देते हैं.

श्रंगरेजो में यह दो भाँतिपन क्यों शौर कैसे श्राया ? इस का जवाब इंगलैन्ड की हिस्ट्री देती है जिस में पड़ने का यहाँ कोई ज़रूरत नहीं. यह बताना ज़रूरी माल्म होता है कि बीदहवीं सदी से लेकर दशीसवीं सदी तक यानी पाँच सी बरस इन दोनों में एक दूसरे को निकातने के लिये खूब जंग रही लेकिन चली किसी की नहीं. कभी किसी का

خالص بولی۔کھچتی بولی اور بولی کی دیوار

(بهائی مدن گوپال)

كنجه انكريزى ودوانون كا يه خيال درست معلوم عونا هے که ایک انگریز کے لئے انگریزی سیکیٹا زیادہ مشكل ه به نسدت ايك جرمن يا فرانسبسي كے لئے جرمن يا فرانسيسي سيكهنا . وجه يه بتائي جاتي هي كه فرانسيسي اسيهده أور إتالهن روماني زبانهن هين جن کی جزیں اکثر اطینی سے نکلی میں اس لیے اِن بانوں کے بہت سے لفظ ایسے ھیں جن کی جو وھی ھولے کے کارن اُن سب لفظہر کا جو اُس جو سے نکلے میں سمجهلًا أور ياد كرنا بهت زيادة آسان هي . يهي هال سردُنیدَش' دینش اور جرس کا هے کیونکه أن کے اکثر غظ جرمهنک جوں سے نکلے هوئے هيں اس لئے جب ایک جو سیکھ لی تو اُس جو میں سے جتلے لفظ اہلی بولی میں آئے میں اُن کی شکل چونکه آیس میں ملتی جلتی ہے اور وہ ایک ھی گھرانے کے معلوم ھوتے هين أنهيل سمجهنا اورياد ركهنا مشكل نهيل هوتا . انگریزی چونکه ایک کهنچوی بولی هے جس میں اکثر اطینی جوں کے لفظ اور جرمینک جوں کے لفظ هی نهين کافي يوناني لفظ بهي آملے هيں اس لکے اُنهوں جانئے کے لئے یاد داشت پر زیادہ زور ڈالٹا پونا ھے . بالکل خالص بولی تو دنیا میں نہ کوٹی هوٹی اور نه کوئی ہے۔ تهورے بدیسی لفظ تو هر زبان میں آهی جاتے هیں . أن سے زبان کی بغارت میں فرق نہیں آتا' وہ تو دال میں مك مسالے كا هي كام دينتے هيل .

انگریزی میں یہ دو بھانتی پن کیرن اور کیسے آیا ؟
اُس کا جواب انگلیفڈ کی هستری دیتی ہے جس میں
ہونے کی یہاں کوئی ضرورت نہیں ۔ یہ بتانا ضروری معلوم
ہونا ہے کہ چودھویں صدی نے لیکر اُنیسویں صدی تک یعلی
ہانتے سو پرس اُن دونوں میں اُیک دوسرے کو تکالئے کے لئے
خوب جنگ رھی لیکن جلی کسی کی نہیں ۔ کبھی کسی کا

सन 1921 में मेरी राजकाती किन्तृती शुरू हुई. कई र मौलाना से बहुत कुछ मत मेर हुआ. लेकिन मौलाना में भी मिलते छली पहले की सी मुह्ब्बत और उतने ही पने पन से मिलते. मेरे दिल में भी मौलाना का अदब र मान बहुता चला गया.

सन 1947 में पूरबी पंजाब के उजड़ने के साथ लुधि-ना भी उजड़ा. मैं भी बेबतन होकर दिल्ली आगया. स्त्री में मौलाना हसरत से मिक्का. हमारी मुसीवतों हाल सुनकर बहुत हमद्दी जाहिर की. वालिद साहब देहान्त की जबर सुन कर बहुत दुखी हुए. इस के द मौलाना जब जब दिल्ली आते मेरे मकान पर जहर तो और हमेशा मुकसे और बच्चों से मुहब्बत की बातें तो.

24 अप्रैल सन '51 को मैं किसी काम से लखनऊ चा. मौलाना इसरत लखनऊ ठहरे हुए थे. करीश दो तिने से बीमार थे. इलाज हो रहा था. 25 अप्रैल की सुबह मौलाना इसरत से मिलने गया. मैंने देखते ही समम्म या कि अब सच्चे घर की तरक जाने की तैयारियाँ हैं. ताम कर के बराबर की चारपाई पर बैठ गया. मौलाना आहिस्ता आहिस्ता अपना हाथ बढ़ाया. उनका हाथ ति दोनों हाथों में लेकर कुछ ठक कर मैंने कहा—"आप याद होगा पहली मरतवा आप सन 1912 में लुधि-ता आए थे. मेरे एक सवाल के जवाब में आप ने कर-या था कि मैं इतना तन्दु हस्त इस लिये हूँ कि मेरे दिल किसी कोने में मोत का डर बाक़ी नहीं रहा."

मौलाना ने जवात्र दिया—''मुमे याद है."

मैंने फिर कहना शुरू किया—"एक इनसान इनसानी म के लिये और एक मुसलमान इसलाम के लिये अपनी न्द्गी में जो अच्छी से अच्छी खिदमत कर सकता है पने उस में कोई कसर उठा न रक्खी. अल्लाह के यहाँ शी का कोई अमल फजूल नहीं जाता. आपको भी इस नेक फल जहर मिलेगा."

मौलाना ने कमजोर आवाज में जवाब दिया—"इस धुबह है."

इस फिक्करे के साथ साथ मौलाना की बाँखों से बांस् री हो गए. मौलाना का यह जवाब खुदा के खीफ में हूवा । था. ऐसा जवाब एक रूहानी परहेजगार बादमी ही उकता है.

मौज़ाना इसरत आजकत की जबान में सच्चे मुसला । और सच्चे कम्युनिस्ट थे. इसी जिये वह किसी । अत में स्वप न सके. वह हिन्दुस्तान की राजकाजी वृती का एक सास बाब (अध्याय) थे. वह एक बहादुर اسن 1921 میں مہری واپ کلجی زندگی گیروج ہوگی ۔ کئی بیار موانا ہے بہت کتھ مست بھید ہوا ، لیکن موانا ہے بہت کتھے مس بھید ہوا ، اور انتہے ہی اپنے بھی میں بھی موانا کا ادب اور میں بھی موانا کیا .

سن 1941 میں پورپی پنجاب کے اُجوئے کے ساتھ لدھیاء بھی اُجوا میں بھی بے وطن ھو کر دلی آگیا ۔ دلی میں مولانا حسرت سے ملا ، ھماری مصیبتوں کا حال سن کو بہت ھمدردی ظاہر کی ، والد صاحب کے دیہائت کی خبر سنکر بہت دکھی ھوئے ، اِسکے بعد مولانا جب نجب دلی آتے صیرے مکان پر ضرور آتے اور ھمیشہ مجھ سے اور بچوں سے محصهت کی ہاتھی کرتے ،

24 اپریل سن 51' کو میں کسی کام سے لکھاؤ کھورتے اور قریب دو مہین چھوٹی اور مورانا حسرت لکھاؤ کھورے ھوئے تھے ۔ قریب دو مہین مولانا حسرت سے ملنے گھا میں نے دیکھتے ھی سبتھ لھا کہ آب ستھے گھر کی طرف جانے کی تیاریاں ھیں ۔ سلام کرکے برابر کی چار پائی پر بیٹھ گیا ، مولانا نے آھستہ آستہ ایفا ھاتھ ہوھایا ، ان کا ھاتھ آبے دونوں ھاتھوں میر آب کو یاد ھوگا پہلی موتھہ آب سن 1912 میں لدھیانہ آئے تھے ، میرے ایک موتھہ آب سن 1912 میں لدھیانہ آئے تھے ، میرے ایک سوال کے جواب میں آبنے فوسایا تھا کہ میں اتلا تلدرست ایس لئے ھوں کہ میرے دل کے کسی کونے میں موت کا در اس نہیں رھا ''

مولانا نے جواب دیا۔ " مجھے یاد ھے ."

مهس نے پهر کہنا شروع کیا ۔۔ ' ایک انسان انسان انسان قمم کے لئے اپنی زندگی مهس جو لجھیسے اچھی خدمت کو سکتا ہے 'پ نے اسمیں کوئی کا انہا نہ رکھی ۔ اللہ کے یہاں کسی کا کوئی عمل قصول نہیں جاتا ۔ آپ کو بھی اِس کا نیک پهل ضرور ملے گا ''

مولانا نے کمزور آراِز میں جواب دیا۔۔۔'' ہی میں اللہ ہے ۔''

اس فقرے کے ساتھ ساتھ مولانا کی آنکھوں سے آنسو بھاڑی ھواگئی مولانا کا یہ جواب خدا کے خوف میں قویا ھی اس ایک روحانی پرھیوگار آدمی ھی دے سکتا ہے .

مولانا حسرت آجکل کی زبان میں ستھے مسلمان اور سبھے کمیونسٹ تھے۔ اسی لئے وہ کسی جماعت میں کھی ندگی کھی ندگی واجد کاجی زندگی کا لیک خاص باب (ادھیائے) تھے۔ وہ ایک بہادر

जवाब मिला—"मेरे दिल के किसी कोने में मौत का हर नहीं रहा. शहीब होने का शीक बढ़ता जा रहा है. सब मुशकिलों से गुजर चुका हूँ. अब एक फाँसी रह गई है. इस के लिये अपने को हर वक्षत तैयार पाता हूँ."

यह जुमले मौलाना की जबान से बहुत ही क़ुद्रती की सीत सीधे सादे हंग से निकले. मेरे लिये इन जुमलों में बहुत कुछ था. इन से मेरे दिल व दिमारा पर जो असर होना चाहिये था वही हुआ।

"इस बन्नत आप का माहाना खर्च क्या है ?"

"सिर्फ पाँच रुपए माह्वार में मैं अपनी जिन्दगी अच्छी तरह गुजार बेता हूँ. जिन्दगी की जरूरतों को कम से कम कर दिया है."

मेरे वालिद साहब कानपुर में तालीम के लिये ठहरे हुए थे. इसी जमाने में मौलाना इसरत से इन का गहरा मेल जाल होगया. वालिद साहब से मोलाना इसरत की जिन्दगी के हालात सुनने का अकसर मौका मिला.

एक दिन वालिद साहब कहने लगे कि इसरत की तरह विन्द्गी गुज़ारने वाले आदमी बहुत हो कम होंगे. एक सफर में मेरा उन का साथ हुआ. मेरे साथ घर का बना खाना था जो तीन चार आदमियों के लिये काफो था. खोपहर के वक्षत मैंने खाना निकाला और मौलाना इसरत से खाना खाने के लिये कहा. उन्होंने इनकार कर दिया. जब मैंने बहुत जिद की तो कहने लगे—"भाई! मैं कई बरस से खगातार रोजे रखता हूँ. मैं जिस रास्ते पर चल रहा हूँ उसकी हर तकली क बरदाश्त करने के लिये जिस्म को आदी बनाना है."

बालिय साहब ने बताया कि मौलाना इसरत का यह अमल क्ररीय बीस बरस जारी रहा और जहाँ तक हो सकता था कोई न कोई बहाना लेकर उसे साथियों और होस्तों से छिपाते थे.

मौलाना इसरत अलीगढ़ से एक रिसाला 'उरदू-ए-मुझल्ला' निकालते थे. उन हिनों मोलाना के पास इतना रुपवा न था कि नौकर रख कर काम कराते, इसलिये मौलाना जुद और उनकी बेगम साहिबा और उन का एक सायक शागिर्द तीनों मिल कर प्रेस की हैंड मशीन चलाते थे, खुद ही पत्थर जमाते थे और पैक करके डाक जाने पहुंचाने तक के सब काम जुद ही करते थे. इसी परचे से आप की रोजी थी.

मौलाना इसरत का बालिद साइब से जो सम्बन्ध था इसकी बिना पर में श्रकसर मौलाना से मिलता रहा. इर बार मुलाक्षात के बाद जब लौटा तो बहुत कुछ ले कर क्रीटा. نہیں رہا ، شہید ہونے فل کے کسی کوئے میں موت کا قر نہیں رہا ، شہید ہونےکا شرق بوهما جا رہا ہے ، سب مشکلوں سے گذر بچکا ہوں، آبایک پہانسی رہ گئی<u>ہ</u>، اسکے لئے آبے کو ہر وقت تیار پاتا ہوں ۔''

یہ جملے مولانا کی زبان سے بہت ھی قدرتی اور سہدھے سادے دھلگ سے نکلے ، مہرے لئے اُن جملوں میں بہت کجھ تھا ، اُن سے مہرے دل اور دماغ پر جو اثر ھونا چاھئے تھا وھی ھوا ،

الس وقت آپ کا ماهانه خرب کها هے ؟"

'' صرف پانچ روپ ماهوار میں میں اپنی زندگی چھی طرح گذار لیتا هوں ، زندگی کی ضرورتوں کو کم سے کم در دیا ھے ۔''

میورے والد صاحب کانہور میں تعایم کے لئے ٹھہرے ھوئے تھے ۔ اسی زمانے میں مولانا حسرت سے اُن کا گہرا میل جول ھوئیا ۔ والد صاحب سے مولانا حسرت کی زندگی کے حالات سلنے کا اکثر موقع ملا .

ایک دن والد صاحب اینے لئے که حسرت کی طرح زندگی گذارنے والے آدمی بہت ھی دم ھونگے۔ ایک سفر میں میرا اُن کا سانھ ھوا ۔ میرے ساتھ کھر کا بنا کھانا تھا جو تین چار آدموں کے لئے کافی تھا دورپور کے وقت میں نے کہانا نکالا اور مولانا حسرت سے کھانا کھانے کے لئے کہا ۔ اُنھوں نے انکار کر دیا ، جب میں نے بہت ضد کی تو کہلے اُنھوں نے انکار کر دیا ، جب میں نے بہت ضد کی تو کہلے لئے ۔ ۔" بھائی ! میں کئی برس سے لئاتار روزے رکھتا ھوں اسکی ھر تکایف عوں اسکی ھر تکایف برداشت کرنے کے لئے جسم دو عادی بنانا ھے ."

واند صاحب نے بتایا کہ مولانا حسرت کا یہ عمل قویب بیس برس جاری وہا اور جہاں تک ہوسکتا تھا کوئی نہ کوئی بہانہ لیکر اسے ساتھوں اور دوستوں سے جھیاتے تھے ،

مولانا حسوت علی گذه سے ایک رسانه ' أردرئے معلی ' نکائیے تھے ۔ أن دنوں مولانا نے پاس أتنا روپیه نه تها كه نوكر ركهكر كام كراتے' اس لئے مولانا خود اور أن كى بهگم صاحبه اور أن كا ایک لائق شاگرد تهنوں ملكر پریس كى هينت مشهن چاتے تھے اور پیک هينت مشهن چاتے تھے اور پیک كركے قائدانے پہونچانے تک كے سب كام خود هى كرتے تھے .

مواتنا حسرت کا رالد صاحب سے جو سمبندھ تھا اُسکی پنز پر میں اکثر مواتنا سے ملتا رھا ، عربار ماقات کے بعد جب لیٹا تو بیت کچھ لے کر لوتا ،

which the same and the same of the same of the same of

मौलाना इसरत मोहानी से मुलाकात

(भाई मौलाना इबीबुर्रह्मान लुधियानवी)

महीना तो याद नहीं. सन 1912 की एक सुबह को केसीने द्रवाजा खटखटाया. मैंने फीरन द्रवाजा खोला. वेरे सामने एक बाइज्जत इनसान जिसके चेहरे पर मतानत, तनजीदगी और परहेजगारी के आसार दिखाई देते थे। हुत ही सादा मगर साफ सुथरे जिंबास में खड़ा था.

"आप का इस्म शरीक (शुभ नाम) ?"

"फजलुल इसन."

''सैयद फज्जलुल इसन इसरत?"

"जी हाँ."

मौलाना इसरत से मेरी यह पहली मुलाकात थी.

मैंने कौरन दो मनिजली मसिजद कर वह कमरा जिस में रेरे वालिद साहब रहते थे खोल दिया और मौलाना हसरत हो उसी कमरे में ठहराथा.

उस जमाने में मौलाना हसरत बहुत ही खतरनाक आदमी सममे जाते थे, इस लिये झंगरेज सरकार की तरक से सी. आई. डी. के दो आदभी हर बक्तत मौलाना की नगरानी और देख भाल के लिये रहते थे.

मौलाना को अपने मकान पर देख कर मुक्ते कितनी ज़ुशी हुई इसका क्या कोई अन्दाजा कर सकता है! रसमी बात चीत के बाद मैंने पूछा—"क्या आप के लुधियाना तशरीफ लाने का मकसद सिर्फ किश्वला धालिद साहब से मुलाकृत करना है या कुछ और भी ?"

बंन्होंने जवाब दिया—''श्रंगरेजी माल के हिन्दुस्तान में बाइकाट की तहरीक चलाना चाहता हूँ. इस सिलसिले में हिन्दुस्तान के चलमा से फतवा लेने के लिये एक मसीदा तैयार किया है. इस वक्षत देवबन्द से था रहा हूँ. इस फतवे पर देवबन्द में सिर्फ शैखुल हिन्द मौलाना महमूदुल हसन ने दस्तखत किये हैं. आप के वालिद साहब से दस्तखत लेने के लिये लुधियाने आया हूँ."

उन दिनों बालिद साहब लुधियाना न थे इसलिये फतवा

पर उनके दस्त खत न मिल सके.

मौलाना डेढ़ दिन लुधियाना ठहरे. उनके इस क्रयाम का मेरी तबीयत पर बहुत असर पड़ा और इस थोड़े से अरसे में मुल्की और मजहबी हालात पर उन्होंने मुक्ते बहुत कुछ बताया.

मौजाना के रवाना होने से थोड़ी देर पहले हिम्मत कर के मैंने पूछा—"आप की तन्दुरुस्ती इस कृदर अच्छी कैसे हैं ?"

مولانا حسرت موهانی سے ملاقات

(بهائي مولانا حبيب ألوحمان لدههانوي)

الله مہینہ تو یاد نہیں ۔ سن 1912 کی ایک صبع کو گسی نے دروازہ کھڑا ، مھرے کو سامنے ایک مبعض کو سامنے ایک باعزت انسان جسکے چھرے پر متانت سنجیدگی اور پرھیزگاری کے آثار دکھائی ہیتے تھے بہت ھی سادہ مگر صاف ستھرے لباس میں کھڑا تھا ،

" آپکا اِسم شریف (شجه نام) ؟"

" فقل التعسن ،"

" سيد ففل ألحسن حسرت ؟"

'' جي ما*ن* ."

مولانا حسرت سے مدري يه پہلی ملاقات تهی .

میں نے قوراً دومنزلی مستجد کا وہ کمرہ جس میں میرے والد صاحب رہتے تھے کھول دیا اور مولانا حسرت کو اُسی کمرے میں تھہوایا .

أس زمانے میں مولانا حسرت بہت ھی خطرناک آومی سمجھ جاتے تھے' اس لئے انگریز سرکار کی طرف سے سی. آئی . تی کے دو آدمی ھر وقت مولانا کی نگرانی آرو دیکھ بھال کے لئے رہتے تھے۔

مولانا کو آبی مکان پر دیکھکر ، جھے کتنی خوشی ہوئی اُس کا کیا کوئی آندازہ کر سکتا ہے! رسمی بات چھت کے بعد میں نے پوچھا — '' کھا آب کے لدھیانہ تشریف لانے کا مقصد صرف قبلہ والد صاحب سے ملاقات کرنا ہے یا کچھ

أنهوں نے جواب دیا ۔ '' انگریزی مال کے هندستان میں ہائیکات کی تحریک چلانا چاهتا هوں ، اس سلسلے میں هندستان کے علما کے فتوں لینے کے لئے ایک مسودہ تھار کیا ہے ، اس وقت دیو بند سے آرہا هوں ، اِس فتوی نو دیو بند میں صرف دیخ آلیف مولانا محمودالحسن نے مستخط لینے مستخط لینے دستخط لینے لدعها نے آیا هوں ''

أراج دنون والد صاحب لدههانه نه تهم اسليَّم فتوي هو

ال کے دستخط نه مل سکے .

مولانا قیرہ دن لدھیانہ تھہرے ۔ اُن کے اِس قیام کا میری طبیعت پر بہت اثر پڑا اور اس تھوڑے سے عرصے میری ملکی اور مذھبی حالات پر اُنھوں نے مجھے بہت میری بیایا ۔

مولانا کے روانہ ہوتے سے تھوڑی دیر پہلے ہست کرکے میں اس تدر اچھی کیسے ہوئی اس تدر اچھی کیسے ہوں۔

वहीं पहने टालैएडो में घुम रहे थे. वह नई नई खीकें देख रहे थे. दूसरे दिन इनके एक दल ने "अपने" लेखक के दर्शन करने का निश्चय किया. उन लोगों ने अपने आने की खबर गोर्की को पहले से नहीं दी थी. रूसी माई चारे के मुताबिक यह बात एकदम साफ थी कि उनका लेखक उनका स्वागत करेगा ही. उन्होंने ठीक ही सोचा था. जब वह लोग आए तो गोर्की ने उनका स्वागत किया और अन्दर ले गए. इसरे दिन गोर्की ने मुमे हँसते हुए सुनाया कि इन लोगों ने (जिनकी सेवा गोर्की के लिये सब से बड़ी चीज थी) धन्हें हैरान कर डाला. घर में घुसते घुसते उन्होंने पूछना श्रुक्त किया- "आप यहां कैसे रहते हैं ?" "आपके रहने का हुंग एक दम बुर्जुञ्जा है-- बौर फिर आप रूस क्यों नहीं चलते ?'' गोर्की को इस सब की जवाबदही करनी पड़ी. असल में यह सीधे सादे भोले भाले लोग उतने कठोर नहीं थे जितना कि वह दिखा रहे थे. उन लोगों ने आराम से चाय पी. बात चीत की और चलते वक्रत एक एक करके गोर्की के गले लगे. यह घटना अचरज भरी चीज थी. गोर्की इस नई पीढ़ी के भोले पन से मुग्ध हो गए थे. इन लोगों की बेतक-रुलुकी से उन्हें जरा भी परेशानी नहीं हुई. वह बार बार कह रहे थे-"हम लोगों की दुनिया में कितना फरक था ! या तो हम लोग हरपोक होते थे या बेरहम. लेकिन श्रात्मविश्वास तो नाम को भी नहीं था.'' श्रीर जब मैंने कहा-"मेरे खयाल में आपकी सबसे बड़ी इच्छा उनके साथ ही चले जाने की थी.'' तो मन्होने मेरी स्रोर देखा और कहा—"स्राप ने कैसे जान लिया? सचमुच बाखीर तक मैं सोच रहा था कि में कितानें, काराज वरौरा सन कुछ छोड़ छाड़ कर इन जनानों के साथ पंद्रह दिन के लिये चला जाऊं. इससे मुक्ते मालूम हो जाता कि कुस अब क्या है. दूर रहने से आदमी अपनी ्सवसे अच्छी चीज को भूत जाता है और हममें से किसी ने निर्वायन (जलावतनी) में कोई भी काम की चीज नहीं निखी."

अनुलादक-प्रकाश चन्द्र चतुर्वेदी

तमाम सोना

(भाई नष्म आफन्दी)
माया माटी है जौर लोना है तू,
संसार की हाट में खिलौना है तू.
समका ही नहीं आपको मूरख लोभी,
बाहर भीवर तमाम सोना है तू.

ووهي پهليڏالهاڏو مهن گهور رهراني. وه لکر لکي ڇهزين هيکه رهے تھے دوسرے دن اُن کے ایک دل نے ''ایم'' لیکھک کے دوھن کرنے کا نشخصے کہا ، أن لوگوں نے الے آنے کی خبر گررکے کو پہلے سے نہیں دی تھی. روسی بھائی چارے کے مطابق یہ بات ایک دم صاف تھی کہ اُن کا ایکھک اُن کا سواکت کرے گا ھی . آنھوں نے تھیک ھی سوچا تھا ، جب وہ لوگ آئے تو گورکی نے اُن کا سواگت کھا اور اندر لے گئے . دوسرے دن گورکی نے منجهے هلستے - هوائے سلایا که اِن لوگوں نے (جلکی سهوا گورکی کے لئے سب سے بوی چھز تھی) اُنھیں حهران کر قالاً . گهر میں گهستے گهستے آنهوں نے پوچهنا شروع کیا ۔" آپ یہاں کیسے رہتے ہیں ؟" " آپ کے رہنے کا دھنگ ایک دم برژوا ہے - اور پھر آپ روس کھوں نہوں چلاتے ؟** گورکی کو اِس سب کی جوابدهی کرنی پڑی ، اصل میں یه سیدھے سادے بهولے بهالے لوگ أُتِّنْ كُتِّبُور نهين تھے جتما كه وه دكها رقع تھے ، أن لوكوں نے آوام سے چائے ہی' بات چیت كى أور چلانے وقمت ایک ایک کرکے گورکی کے کلے لگے . یہ کہتنا اچرج بھر*ی* چیز تھی ، گورکی اِس نگی پیڑھی کے بھولے ہیں سے مگدھ ھوگئے تھے۔ اِن اواوں کی بے تکلفی سے اُنھیں ڈرا بھی پريشاني نهين هوئي. وه بار بار که ره تهــــــ د هم لوگون کي دنيا مين كتنا فرق تها! يا توهم لوك دريوك هوت اته یا ہے رحم . لیکن آتم رشواس تو نام کو بھی نہیں تھا ۔'' اور جب میں نے کہا ۔۔" مورے خوال میں آپ کی سب سے بوی اِچھا اُن کے ساتھ ھی چلے جانے کی تھی' تو أنهوں نے مهری اور دیکھا اور کہا ۔۔" آپ نے کھسے جان لیا ؟ سیم میم آخیر تک میں سوچ رہا تھا کہ میں كتابين "كافد وفيره سب كچه چهور چهار كر إن جوانون کے ساتھ پندرہ دن کے لئے چلا جاؤں . اِس سے محجمے معلوم هوجاتا که روس آب کیا ہے . دور رهلے سے آدمی آپلی سب سے اچھی چھڑ کو بھول جاتا ہے اور ھم میں سے کسی نے نروأسن رجالا وطلى) مهن كوئى كام كيچهز نههن لكهيَّ،.

انورادک – پرکاش چندر چترویدی

قمام سونا (بهائی نجم آفقدی) مایا مائی هے اور لونا هے تو' سفسارکی هات میں کهلونا هے تو۔ سمجها'هینہیںآپکومورکه لوبهی' یاهر بههتار تمام سونا هے تو۔

गांकी शंकने बाजा, भोकी या जावारा समम सकता था. बह पूरी चरह रूखी 'मामूली बादमी' थे. रास्ते में कोई भी जनकी तरक बिना ध्यान दिये और बिना कोई खास बात देखे निकल जा सकता था लेकिन आमने-सामने बैठ कर बात बीत करने पर मालूम हो जाता था कि वह कीन हैं. अन जाने में ही वह अपनी कहानियों के पात्र (किरदार) के साथ सहज ही घुल-मिल जाते थे. एकबार उन्होंने एक बढे आदमी का हाल सुनाया और उनकी बात का तरजुमा होते के पहले ही उस बुढ़े की पूरी शकल मेरे सामने आ गई. यह कुबड़ा, थका हुआ बूढ़ा उन्हें यात्रा के समय मिला था. आप ही आप गोर्की का सिर आगे को अक गया, कंधे भी जैसे बोम से मुक्त गए और वह आँखें, जो अभी तक चमक रही थीं, उनमें थकान आगई, आवाज भी लडखडाने लगी. अनजाने में ही गोर्की वह बूढ़ा बन गए. फौरन ही कोई हेंसी की बात आई तो गोर्की ठट्टा मार कर हँसने लगे. उन का चेहरा फिर से चमकने लगा. जब वह गांव श्रीर जनतां के बारे में बात चीत करते तो उन्हें बड़ा धानन्द घाता था. उनकी हर एक बात, हरेक चीज सरल और स्वाभाविक थी. उनकी चालढाल, बैठने का ढंग, हँसी वग़ैरा सब कुछ ! एक देन शाम को उद्दोंने पुराने रूसी सिपाही का भेस बनाया, हमर में एक तलवार लटका ली श्रीर उनकी श्राँखें कोई ब्रास चीज देखने लगीं; भवें तन गई; चाल में तेजी आगई. ोकिन एक छन बाद यह भेस हटाते ही बच्चों की तरह ।धर खिलखिलाहट उनके चेहरे पर खेलने लगी. उनके प्रन्तर अचरज भरी शक्ति थी. शरीर विज्ञान के सारे बंधन ोड़ कर वह केवल एक फेफड़े के सहारे जिन्दा रहते थे. उन ं बे पनाह इच्छा शांक्ति थी और अपना फर्ज पूरा करने की भिलाशा ही उन्हें जिन्दा रखती थी. रोज सुबह वह अपने न्दर अद्वरों में अपने नावेल का हिस्सा लिखते थे और कड़ों सवालों के जवाब देते थे जो उन के देश के नए लेखक ीर काराकर्ता खतों के जरिये पूछते थे. उनके साथ रह कर के रूस का तरजबा हुआ, बोलशेविक रूस का नहीं, पुराने स का भी नहीं, बरिक रूस की महान ताक तवर जनता . इन दिनों वह पूरी तरह से किसी फैसले पर नहीं पहुँच ए थे. पुराने क्रांतिकारी होने के नाते उन्हें क्रांति की कांचा थी; वह लेनिन के मित्र थे, फिर भी पूरी तरह से र्री में शामिल होने से भिमक रहे थे. लेकिन उन्हें सदा ाँ की चिन्ता लगी रहती थी.

संजोग से मुक्ते एक ऐसा सीन दिखाई दिया जो हस की फाँकी था. इससे उनके मन की खींचातानी की तस्बीर मेरे सामने आगई. उन दिनों पहला रूपी जि नेपस्स के बन्दरगाह पर लगा था. जवान जहाजी होंने परिद्य की दुनिया कभी नहीं देखी थी अपनी

ور مانکلے والا موچی یا آوارہ سبعید سکتا تھا ، وہ ہوری المان ورسی المعمولی آدسی کھے ، راستے میں کوئی ابھی المان کوئی المان کی اور بنا کوئی خاص بات دیکھے للل جاسمتا نها . لهكن أملي ساملي بهتهكر بات چهت عرنے پر معلوم هو جانا تها که وه کون هيں . أن جانے میں هی وہ ایدی کہانیوں کے پاتر (کردار) کے ساتھ سہم ھی کہل مل جاتے تھے ، ایک بار اُنھوں نے ایک بورھے آدسی کا حال سدایا آور اُنگی بات کا ترجمه هونے کے پہلے ھی آس ہوڑھ کی پوری شکل مھرے ساملے آگئی . یہ کہوا، تھکا ہوا ہوڑھا اُنھوں یاترا کے سے ملا تھا ۔ آپ هی آپ گورکی کا سر آئے کو جهک گیا کندھے بھی جهسم برجه سے جهک گئے آور وہ آنکههں' جو ابهی تک چمک رهی تهین أن مین تهكان آلدُی. آواز بهی لوعهوانے لکی ، ان جانے میں ھی کورکی وہ بوڑھا ہن میں بات میں ہات کا . جب وہ گاؤں آور جلتا کے بارے میں بات جهم كرته تو أبهيس برا آنند آنا تها . أنكى هر ايك بانس هر ایک چیز سرل اور سوابهاوک تهی . أنكی چال تعال بيتها كا دهنگ هنسي وفيره سب كچه! ايك دن شام کو اُنہوں نے پرائے روسی سہاھی کا بھیس بغایا، كسر مهن أيك تلوار للكالى أور أنكى أنكههن كوثى خاص چيز ديمهنے لکين؛ بهوين تن کئين؛ چال ميں تهزي آئدُي . ليكن أيك چهن بعد يه بهيس هماتي هي بهر كي طرح مدهر كهلكهلاهت أنك ههري ير كهيلل لعی . انکے آندر اچرج بهری شکتی تهی . شریر وکیان ع سارے بندھی تورکر وہ کھول ایک پھیپھوے کے سہارے زندہ رہتے تھے اُن میں بے پناہ اِچھا شکتی تھی آور آیفا قرض بورا کرنے کی ابھیلاشا ھی انھیں زددہ رکھتی تهي . روز صبع ولا أيد سندر اكشرون ميس أيد داول كا حصم لکھتے تھے آور سیکڑوں سوالوں کے جواب دیتے تھے جو ان یے دیمی کے نئے لیکھک آور کارکرتا خطوں کے فی مد یوجهتے تھے . اُنکے ساتھ رهکر مجھے روس کا تصویم هوا بولشیوک روس کا نهیں پرائے روس کا بھی الهدي بلكم روس في مهان طاقت ور جدما كا . أن فالوں وہ پوری طرح سے اسی فیصلے پر نہیں پہدیے بالے تھے۔ پرانے کرانتکاری ھونے کے ناتے انہیں کرانتی کی آئیسا تھی: وہ لیڈن کے متر تھے؛ پہر بھی پوری طرح سے آئیسا تھی: وہ لیڈن کے متر تھے؛ پہر بھی پوری طرح سے ارتبادی میں شامل ھونے سے جہنجیک رہے تھے. لیکن أَلْهُ فِي سَدا وهال في تهلتا لكي رهتي تهي .

سلتھوگ سے مجھے ایک ایسا سین دکھائی دیا جو ایک ایسا سین دکھائی دیا جو کئے ورس کی جھائکتی تھا ۔ اِس سے اُن نے من کی کھھلچا گائی کی پرری تصویر مھرے ساملے آنڈی ، اُن دنوں پھا ووشی جہاز نیپاز کے بلدرگاہ پر لٹا تھا ، جوان جھاڑی جھھوں نے پچھم کی دنھا کبھی نہیں دیکھی تھی اُیلی

高温光点:

13. हैदराबाद जागीर (मुझावजा) कायदा, 1359 फसली (1359 फसली का नम्बर पच्चीस)."

Proprietor:—मानिक
Sub-proprietor:—उप-मानिक
Under-proprietor:—नायब-मानिक
' Intermediary:—विचौतिया
'Tenure:—पट्टा
Conversion:—बद्ताव
'Alienation of land:—जमीन दूसरे के नाम
कर देना.

Commutation:—मुद्यावजा

गोर्की की एक भलक

(लेखक स्टीफन ज्विग)

रूस से बापस आते वक्षत जो सबसे की मती चीज मैं आपने साथ जाया वह थी गोर्की के साथ दोशी, जिनसे पहली बार मास्को में ही मुजाकात हुई थी. एक दो साल बाद मैं उनसे सौरेन्टो में मिला जहां वह अपनी तन्दुकरती सुघारने के जिये गए हुए थे. इस बार उनका मेहमान होकर तीन कभी न भूजने वाले दिन बिताने का सौभाग्य मुक्ते मिला.

इस मुलाकात का भी एक दिलचस्प पहलू था. गोर्की कोई विदेशी भाशा नहीं जानते थे और में रूसी भाशा नहीं जानते थे और में रूसी भाशा नहीं जानता था. इसकी वजह से होना तो यह चाहिये था कि या तो इस दोनों एक दूसरे के सामने मूर्ति की तरह चुप बाप बेठे रहें या बात चीत करें तो अपनी मित्र मैरी बुड़का की मारफत जो दुमाशिए या तरजुमान का काम करती थीं. गोर्की दुनिया के साहित्य के सबसे महान कहानी कार थे. कहानी उनके लिये केवल कला ही नहीं थी बिल्क वह उनके समूचे जीवन की आईना भी थी. वह जिन्दगी से मरे पुरे थे और अपनी रचनाओं के साथ एक रूप हो जाते थे इसकिये उनकी भाशा जाने विना ही उनकी बात उनके बेहरे से समफ में जा जाती थी. वह पूरी तरह से 'क्सी' थे. इस भाव को दूसरे शब्दों में नहीं कहा जा सकता. उनकी शक्त में कोई भी चीज ऐसी नहीं थी जो दूसरों को अपनी दरफ खींचे. कोई भी चीज ऐसी नहीं थी जो दूसरों को अपनी दरफ खींचे. कोई भी इस लम्बे आदमी को मजदूर, किसान,

1. جوهرآباد (جاهرس کا است) تامده 1858 . (1368 فصلی کا نیبر آنهتر).

1. حيدرآباد جاگهر (ممارضة) قاهدة 1359 (1359 فصلي كا نمير يتهيس)"

مالك --- Proprietor

آپ مالک :-: Sub-proprietor

نائب مالک: - : Under proprietor

بچرایا __: Intermediary

يته -: Tenure

بدال :-- Conversion

اسرے کے نام کر دیا اے: Alienation of land

معارضة --: Commutation

گورکی کی ایک جهلک (لیکهک استینن زریگ)

س سے واپس آتے وقت جو سپ سے قیمتی چیز پے ساتھ لایا وہ تھی گورکی کے ساتھ درستی' جن سے بار ماسکو میں ھی ملاقات ھوئی تھی ۔ ایک دو عد میں اُن سے سوریفٹو میں ملا جہاں وہ اُپلی ہی سدھارنے کے لئے گئے ھوئے تھے ۔ اِس بار اُن کا ھوکر تین کبھی نہ بھولنے والے دن بتانے کا محصے ملا .

ماقات کا بھی ایک دانچسپ بہاو تھا ، گورکی دیشی بهاشا نهیں جانتے تھے آور میں روسی بهاشا مائتاً تها . اسكى وجه سے دونا تو يه چاهئے تها و هم دونوں ایک دوسرے کے ساملے مورتی کی طرح چاپ بیتے رهیں یا بات چیت کریں تو اپنی رمی روتورک کی معرفت جو دو بهاشکے یا ترجمان تی تھیں . گررکی دنیا کے ساعتیہ کے سب سے کھانی کار تھے۔ کھانی اُکے لئے کیول الاھی هي بلكه وه أنكي سموجي جهون كي أثيثه بهي تهي . س سے بھرے ھورے تھے آور ایدی رچناوں کے ساتھ ب موجاتے تعے . اللئے أنكى بهاشا جانے بناهى ات أنكم جهرم سے سمجه ميں آجاتي تهي . ، طرح سے 'روسی' تھے ، اِس بھاو کو دوسرے شددوں میں ایا جاسکتا . أنكى شكل میں كوئى بھى سی تھیں تھی جو دوسروں کو ایلی طرف . کوئی اینی آس لمیم آدامی کو مزدورا کسان

12. दक्का 372 में सुधार— विधान की दक्का 372 की धारा (3) की चप-धारा (प) में, "दो बरस" शब्दों की जगह "तीन बरस" शब्द रख दिये जायंगे.

13. दुफ़ा 376 में सुधार— विधान की दका 376 की धारा (1) के अन्त में, नीचे किस्ते शब्द जोड़े जायंगे, यानी:—

"कोई ऐसा जज, इस बात के रहते भी कि वह भारत का नागर नहीं है, उस हाई कोर्ट का सरजज या किसी दूसरे हाई कोर्ट का सरजज या कोई दूसरा जज नियोजे जाने का का पात्र होगा."

14. नवीं पट्टी का जोड़ा जाना—विधान की भाठवीं पट्टी के बाद, नीचे लिखी पट्टी जोड़ दी जायगी यानीः—

"नवीं पट्टी

[दफा 31 बी]

- 1. बिहार जमीन सुधार ऐक्ट, 1950 (1950 का बेहार ऐक्ट नम्बर तीस).
- 2. बम्बई पट्टावारी और काश्तकारी जमीन ऐक्ट, 948 (1948 का बम्बई ऐक्ट नम्बर सरसठ).
- 3. बम्बई मालकी पट्टा झन्त ऐक्ट, 1949 (1949 । बम्बई ऐक्ट नम्बर इकसठ).
- 4. बम्बई तालुकदारी पट्टा अन्त ऐक्ट, 1949 (1949 । बम्बई ऐक्ट नम्बर बासठ).
- 5. पंचमहाल मेहवासी पट्टा अन्त ऐक्ट, 1949 1949 का बम्बई ऐक्ट नम्बर तिरसठ).
- 6. बम्बई खोटी अन्त ऐक्ट, 1950 (1950 का बई ऐक्ट, नम्बर छै).
- 7. बम्बई परगना और कुलकरनी बतन अन्त ऐक्ट, 50 (1950 का बम्बई ऐक्ट नम्बर साठ).
- 8. मध्य प्रदेश मालिकाना ऋषिकारों का (मिलिकयतें, लिल, दूखरे के नाम की गई अमीन) अन्त ऐक्ट, 1950 951 का मध्य प्रदेश ऐक्ट नम्बर एक).
- 9. मदरास मिलकियत (धन्त श्रीर रैयतबाड़ी में नाव) ऐक्ट, 1948 (1948 का मदरास ऐक्ट र छुड़ीस).
- 10. मद्रास मिलकियत (अन्त और रैयतवाड़ी में बाव) सुधार ऐक्ट, 1950 (1950 का मद्रास ऐक्ट र एक).
- 11. एत्तर प्रदेश बर्मीदारी अन्त और बमीन सुधार , 1950 (1951 का उत्तर प्रदेश ऐक्ट नम्बर एक).

12 دامع 372 میں سدھار — ودھائ کی دامعہ 372 کی دہتارا (3) کی آپ دھارا (اے) میں' '' دو اوس '' شہد رکھ دائے میں '' شہد رکھ دائے جاتھی ئے .

13 دفعه 376 میں سدھار — ودھان کی دفعه 376 کی دھارا (1) کے انت میں' نیچے لکھے شہد جوڑے جائیں کے' یعنی :—

'' کوئی ایسا جیم' اس بات کے رہتے بھی که ولا بھارت کا ناگر نہیں ہے' اُس ہائی کورٹ کا سر جیمے یا کسی دوسوے ہائی کورٹ کا سر جیم نھوجے جائے کا ہار ہوگا ۔''

بتی کے بعد' نیچے لکھی پتی جور دی جائے کی یعنی:— دن نیچے لکھی پتی جور دی جائے کی یعنی:—
در نیچے لکھی پتی

[دنعه 31 بي]

- 1. بهار زمین سدهار ایکت ' 1950 (1950 کا بهار ایکت انتجار تیس) .
- 2. بمبدّي پٽه داري آور انشتکاري زمين ايکت' 1948). (1948 کا بمبدي ايکت نمبر سرسته).
- پهمېنې مالكن پته انت ايكت 1949 (1949 كا بمبئي ايكت نمبر اكسته).
- 4. بمبئی تعلقداری یتم انت ایکت ' 1949 (1949) کا بمبئی ایکت نمبر باسته '۔
- 5. ينج متحال مهواسی يتم انت ايكت 1949 (1949 كا بمبئى ايكت نمبر ترستم).
- 6. بىبئى كھوتى انت ايكت ُ 1950 ، 1950 كا بىبئى ايكت نىبر چھ).
- 7. بمثى يركله اور كلعرني وطن انت أيكت 1950 (1950 كا بمبئى ايكت نمبر ساله).
- 8. مدعیه پردیش مالکانه ادهیکاروں کا (ملکیتیں' محال' دوسرے کے نام کی گئی زمین) انت ایکت' 1950 (1951 کا مدهیه پردیش ایکت نمبر ایک).
- 9. حدراس ملکیت (انت اور رعیت وازی میں بدائو) ایکت 1948 (1948 کا مدراس ایکت نمبر بهدیس).
- 10 مدراس ملكيت (أنت اور رميت وارى مين بدلاو) سدهار أيكت 1950 (1950 كا مدراس أيكت تسبر أيك).
- َ 11. ` أَتُر پرديش زمينداري انت اور زمين سدهار آيكت 1950 (1951 كا أثر پرديش ايكت نمبر ايك)

ः चारम्भ में चौर हर सास के पहते इसकास¹⁷ शब्द स दिये जायंगे.

- (2) धारा (2) में, ''और यह बहस सहन के भीर कामों से पहले हो" शब्द निकाल दिये जायंगे.
- 8. दुङ्गा 174 में सुधार— विधान की दुका 174 की जगह, नीचे लिखी दुका रख दी जायगी, यानी:—

"174. रियासत की क़ान्न समा के इजलास, उनका बरख़ास्त होना और उनका भंग होना— (1) रियासत पित समय समय पर रियासत की क़ान्न सभा के सदन को वा हर सदन को मिलने के लिये जिस समय और जिस जगह ठीक सममेगा बुलाएगा, लेकिन एक इजलास में उसकी आज़िरी बैठक और अगले इजलास में उसकी पहली बैठक की जो तारीख ठहराई गई हो उनके बीच की महीने नहीं बीतने पायंगे.

- (2) रियासत पति समय समय पर-
 - (ए) सदन को या किसी सदन को बरखास्त कर सकता है.
- (बी) आम सदन को भंग कर सकता है."
- 9. दफ्रा 176 में सुधार— विधान की दका 176 में,—
- (1) घारा (1) में, "हर इजलास" शब्दों की जगह "आम सदन के हर आम चुनाव के बाद पहले इजलास के आरम्भ में और हर साल के पहले इजलास" शब्द रख दिये जायंगे;
- (2) धारा (2) में, "और यह बहस सदन के और कामों से पहले हो" शब्द निकाल दिये जायंगे.
- 10. दफ्रा 341 में सुधार— विधान की दफ़ा 841 की धारा (1) में, 'किसी रियासत के रियासत पति या राज प्रमुख से सलाह कर है" शब्दों की जगह ''किसी रियासत के बार में, और जह वह कोई ऐसी रियासत है को पहली पट्टी के भाग (ए) या भाग (वी) में दर्ज है, वहाँ उस रियासत के रियासत पति या राज प्रमुख से सलाह करके" शब्द रख दिये जायंगे.
- 11. द्फ़ा 342 में सुधार— विधान की द्फ़ा 34 2की धारा (1) में, "किसी रियासत के रियासत पित या राज प्रमुख से सलाह करके" शब्दों की जगह "किसी रियासत के बारे में, और जहाँ वह कोई ऐसी रियासत है जो पहली पट्टी के भाग (ए) या भाग (बी) में दर्ज है, वहाँ उस रियासत के रियासत पित या राज प्रमुख से सलाह करके" शब्द रख दिये जायंगे.

کے آزمیم میں اور ہو سال کے پہلے اجلاس 4 شید رکو فقہ جائیں کے .

- (2) دعارا (2) میں' '' اور یہ بحث سدن کے اور کاموں سے پہلے ہو' شبد نکال دئے جائیں گے .
- 8. دنعه 174 میں سدھار -- ردھان کی دنعه 174 کی جگه' نیچے لکھی دفعه رکھ دبی جائے کی' یعنی:--

" 174. ریاست کی قانون سبھا کے اجلاس' اُن کا برخاست ہونا اور اُن بھنگ ہونا — (1) ریاست پتی سے سے پر ریاست کی قانون سبھا کے سدن کو یا ہر سدن کو ملنے کے لئے جس سے اور جس جگہ ٹھیک سبجھ کا بلائے کا لیکن ایک اجلاس میں اُسکی آخری بیٹھک اور اگلے اجلاس میں اُسکی پہلی بیٹھک کی جو تاریخ ٹھہرائی گئی ہو اُن کے بیچ چھ مہینے نہیں بیٹنی یائیں گے .

- --- بياست يتني سيے سيے پر (2)
- (اے) سدن کُو یا کسی سدن کو برخاست کر سکتا ہے.
 - (ہی) عام سدن کو پہلگ کر سکتا ھے ۔''
- 9 دنعة 176 ميں سدهار ودهان كى دنعة 176 ميں سدهار ودهان كى دنعة 176 ميں سدهار ودهان كى دنعة 176
- (1) دھارا (1) میں' ' ھر اجائس '' شہدرں کی جگھ '' عام سدن کے ھر عام چناؤ کے بعد پہلے اجائس کے آرمیہ میں اور ھر سال کے پہلے اجائس '' شبد رکہ دئے جائیں گے '
- (2) دھارا (2) مھن' " اور یہ بعث سدن کے اور کاموں سے پہلے ھو''شہد نکال دئے جاٹھں گے ،
- 10. دفعه 341 میں سدھار ودھان کی دفعه 341 کی دفعه 341 کی دھارا (1) میں '' کسی ریاست کے ریاست پتی یا واج پر مکھ سے صلح کوئے '' شبدوں کی جگه '' کسی ریاست کے بارے میں' اور جہاں وہ کوئی ایسی ریاست ہے جو پہلی پتی کے بھاگ (اے) یا بھاگ (بی) مھں درج ہے' وہاں اُس ریاست کے ریاست پتی یا راج پرمکھ سے صلح کرکے '' شہد رکھ دئے جائیں گے .
- 11. دفعة 342 میں سدھار ردھان کی دفعة 341 کی دھارا (1) میں' '' کسی ریاست کے ریاست پتی یا راج پرمکھ سے صلح کرکے' شہدوں کی جگه ''کسی ریاست کے بارے میں' اور جہاں وہ کوئی ایسی بیاست فی جو پہلی پتی کے بھاگ (اے) یا بہاگ (بی) میں درج ہے' وہاں اس ریاست کے ریاست پتی یا راج پرمہ سے صلح کرکے '' شہد رکھ دئے جائیں گے .

- (बी) "अधिकारों" राज्य में, किसी मिलकियत के सम्बन्ध में, वह सब अधिकार शामित होंगे जो किसी मालिक, उप-मालिक, नायब-मालिक, पट्टे दार या दूसरे विचीलिया को हासिल हैं, और उसमें जमीन की माल गुजारी के बारे में सब अधिकार था निज नियम शामिल होंगे."
- 5. नई द्रा 31 वी का जोड़ा जाना—विधान की दका 31 ए के बाद, जिसे धारा 4 से जोड़ा गया है, नीचे विस्ती दका जोड़ी जायगी, यानी:—
- "31 बी. कुछ ऐक्टों श्रीर क्रायदों का सरदुरुस्त ठहराया जाना दका 31 ए के बन्धानों की श्रामियत में कमी किये बिना, नशें पट्टी में दर्ज ऐक्टों या कायदों में से किसी को भी या उनके किसी बन्धानों को, इस बिना पर कि वह ऐक्ट, कायदा या बन्धान इस भाग के किन्हीं बन्धानों से बे मेल हैं या वह उन अधिकारों में से किसी को छीन लेता है या कम कर देता है जो इस भाग के किन्हीं बन्धानों में दिये गए हैं, न रहू सममा जायगा और न कभी रहू हुआ सममा जायगा और इसके ख़िलाफ किसी श्रदालत या पंच श्रदालत का फैसला, डिभी या हुक्म होते हुए भी, उन ऐक्टों, और कायदों में से हर एक, किसी श्रधिकारी कानून सभा के इस शक्ति के श्रधीन कि वह उसे सुधार सकती है या रह कर सकती है, श्रमल में रहेगा."
- 6. दुक्ता 85 में सुधार—विधान की दका 85 की जगह नीचे लिखी दका रख दी जायगी, यानी:—
- "85. राज पंचायत के इजलास, उनका बरख़ास्त होना श्रोर मंग होना—(1) राजपित समय समय पर राज पंचायत के हर सदन को जिस समय श्रोर जिस जगह ठीक समसेगा मिलने के लिये बुतायगा, लेकिन एक इजलास में उस सदन की श्राखिरी बैठक श्रीर श्रगले इजलास में उसकी पहली बैठक की जो तारीख ठहराई गई हो, उनके की सहीने नहीं बीतने पायंगे.
 - (2) राजपति समय समय पर-
 - (ए) सदनों को या किसी पक मदन को बरखास्त कर सकता है;
 - (बी) लोक सदन को भंग कर सकता है."
 - 7. दुझा 87 में सुधार.—विधान की दका 87 में,—

(1) धारा (1) में "हर इजलास" शब्दों की जगह "बोक्सर्व के दूर काल चुनाव के बाद पहले इजलास (بی)''' ادهیکاروں '' شبد میں' کسی ملکیت کے سبندھ میں' وہ سب ادهیکار شامل ہونگے جو کسی مالک' آپ مالک' نائب مالک' یتے دار یا درسوے بچولیا کو حاصل هیں' اور اُس میں زمین کی مالگذاری کے بارے میں سب ادهیکار یا نبج نیم شامل ہونگے۔''

5. نئی دنعه 31 بی کا جورا جانا -- ودهان کی دنعه 31 اے کے بعد' جسے دھارا 4 سے جورا گیا ھے' نہجے۔ لکھی دنعه جوری جائے گی' یعنی :--

ور 31 ہی۔ کچھ ایکٹوں اور قاعدوں کا سردوست تھہرایا جانا۔ ۔دفعہ 31 اے کے بندھاس کی عامیت میں کئی کے بنا نویں پٹی مور درج ایکٹوں یا قاعدوں میں سے کسی کو بھی یا اُن کے کسی بندھانوں کو' اِس بنا پر که وہ ایکٹ قاعدہ یا بندھان اِس بھاگ کے کنھیں بندھ نوں سے ہمیل ہے یا وہ اُن ادھیکاروں میں سے کسی کو چھین لیٹا ہے یا کم کر دیٹا ہے جو اِس بھاگ کے کنھیں بندھانوں میں فدٹے گئے ھیں' نه رد سمجھا جائے گا اور نه کبھی رد هوا محمجھا جائے گا اور نه کبھی رد هوا کا فیصلہ' تکری یا حکم هوتے هوئے بھی' اُن ایکٹوں' اور قاعدوں میں سے هر ایک' کسی ادھیکاری قانوں سبھا کے ادمیں که وہ اُسے سدھار سکتی ہے یا رد کر ایس شکتی کے ادمیں که وہ اُسے سدھار سکتی ہے یا رد کر سکتی ہے عمل میں رہے گا۔'

6. دنده 85 میں سدهار — ردهان کی دنده 85 کی چکه نیچے لکھی دنعه رکھ دی جائے گی' یعنی :--

''' 85. راج پنچایت کے اجلاس' اُن کا برخاست ھونا اور بھنگ ھونا —(1) راج پتی سے سمے پر راج پنچایت کے ھر سدن کو جسسے اور جس جگه تھیک سمجھے کا ملنے کے لئے بائے کا لیکن ایک اجلاس میں اس سدن کی آخری پیٹھک اور اُئلے اجلاس میں اُسکی پہلی بیتھک کی جو تاریخ تبہرائی کئیھو' اُن کے بعج چھ مہینے نہیں بیتنے پائیں گے .

- (2) راج پتی سے سے پر۔۔
- (أن) سدنوں كو يا كسي أيك سدن كو برخاست كو سكتا هے؛
 - (ہی) لوک سدن کو بہنگ کر سکتا ہے۔''
- 7. دفعة 87 مين سدهار .-- ردهان كى دفعة 87
- (1) دهاوا (1) میں " هو اجلاس " شیدوں کی جگت " لوک سدن کے هر عام چناؤ کے بعد پہلے اجلاس

(2) कोई कानून जो विधान के आरम्भ से ठीक पहले मारत के भूमाग में अमल में था, और जो इस घारा की उपधारा (1) से सुघारी हुई विधान की दका 19 के बन्धानों से मेल खाता है, सिर्फ इसी बिना पर न रह सममा जायगा, न कभी भी रह हुआ सममा जायगा, कि वह एक ऐसा कानून है जो उस अधिकार को छीन लेता है या कम कर देता है जो अधिकार उस दका की धारा (1) की उपधारा (ए) में दिया गया है और जिस के अमल को उस दका की धारा (2) से, जैसी वह शुरू में कानून बनी थी. नहीं बचाया गया था.

समभाव— इस उपधारा में "कानूत श्रमत में" शब्दों के वही मानी हैं जो विधान की दका 13 की धारा (1) में हैं.

4. नई दफ़ा 31 ए का जोड़ा जाना—विधान की दका 31 के बाद नीचे लिखी दका जोड़ी जायगी, और बह हमेशा से जोड़ी हुई सममी जायगी, यानी:—

3] ए. उन कानूनों का बचाव जो मिलकियतों वृगैरा को हासिल करने का बन्धान करते हैं— (1) इस भाग के, ऊपर लिखे बन्धानों में, किसी बात के रहते भी, किसी भी कानून को जो इस बात का बन्धान करता है कि राज किसी मिलकियत को या उसके बारे में किन्हीं अधिकारों को हासिज कर ले या जो ऐसे किन्हीं अधिकारों को खस्म कर देने या उनमें अदल बदल कर देने का बन्धान करता है, इस बिना पर रह्न नहीं समका जायगा कि वह कानून इस भाग के किन्हीं बन्धानों से बेमेल है या वह उन अधिकारों में से किसी को छीन लेता है या कम कर देता है जो इस भाग के किन्हीं बन्धानों में दिये गए हैं:

शर्तेकि जहां वह कानून कोई ऐसा कानून है जिसे किसी रियासत की कानून सभा ने बनाया है, वहाँ उस कानून पर इस दका के बन्धान तब तक नहीं लागू होंगे जब तक कि वह कानून राजपित के विचार के लिये रखा न गया हो और उस पर राजपित की मंजूरी न मिल गई हो.

(2) इस दका में,—

(प) "मिलकियत" शब्द के, किसी मुकामी छेत्र के सम्बन्ध में, वही मानी होंगे जो उस छेत्र में अमल में जमीन के पट्टों के सम्बन्ध के मौजूदा कानून में उस शब्द के या उसकी बराबरी के मुकामी शब्द के मानी होते हैं, और उसमें हर जागीर, इनाम, या माफी या इसी तरह की दूसरी देनगी भी शामिल होंगी. بھارت کے بھوبھاگ میں جو ودھان کے آرمیھ سے تھیک پہلے بھارت کے بھوبھاگ میں عمل میں تھا اور جو اِس دھارا کی اُسدھارا (1) سے سدھاری ھوئی ودھان کی دفعہ 19 کے بلدھانوں سے میل کھاتا ھے صدف اِسی بلاپر نع ود سمجھا جائے گا نع کبھی ود ھوا سمجھا جائے گا کہ وہ ایک ایسا قانون ھے جو اُس ادھیکار کو چھین لھٹا ھے یا کم کردیتا ھے جو ادھیکار اُس دفعہ کی دھارا ھے اور (1) کی آبدھارا (اے) میں دیا گیا ھے اور جس کے عمل کو اُس دفعہ کی کھارا (2) سے جیسی وہ شروع میں قانون بنی تھی' نہیں بچایا گھا تھا .

سمجھاؤ — اِس اُپدھارا میں ''قانوں عمل میں'' شبدوں کے وقی معنی ھیں جو ودھان کی دفعہ 13 کی دھارا (1) میں ھیں .

4. نگی دفعہ 31 اے کا جوراً جانا ۔ ودمان کی دفعہ 31 کے بعد نہجے لکھی دفعہ جوری جائے گی' اور وہ همیشہ سے جوری هوئی سمجھی جائے گی' یعلی: ۔۔ سے جوری هوئی سمجھی جائے گی' یعلی: ۔۔ تال قانونوں کا بچاؤ جو ملکھاتوں وغیرہ *

و حاصل کرنے کا بلدھان کرتے ھیں — (1) اِس بھاگ عن اُرپر لکھے بندھانوں میں کسی بات کے رھتے بھی کسی بھی قانون کو جو اِس بات کا بندھان کرتا ھے کہ واج کسی ملکیت کو یا اُسکے بارے میں کنہیں ادھیکاروں کو حاصل کرنے یا جو ایسے کنہیں ادھیکاروں کو ختم کردینے یا اُن میں آدل بدل کر دینے کا بندھان کرتا ھے اُس بنا پر د نہیں سمجھا جائے گا کہ وہ قانون اِس بھاگ کے کنیں بندھانوں سے یے میل ھے یا کہ کر دیتا ھے جو اِس بھاگ کے کنہیں کو چھین لھتا ھے یا کم کر دیتا ھے جو اِس بھاگ کے کنہیں بو دھانوں میں دیئے گئے ھیں:

شرطیکہ جہاں وہ قانون کوئی ایسا قانون هے جسے کسی ریاست کی قانون سبھا نے بنایا هے وہاں اُس قانون پر اِس دفعہ نے ہندھان عب نک نہیں لاگو ھونگے جب تک کہ وہ قانون راج پتی کے وچار کے لئے رکھا نہ گیا ھو اور اُس پر راج پتی کی منظوری نہ مل گئی ھو.

(2) إس دنعه مين⁴---

(اے) '' ملکیت '' شید کے' کسی مقامی چھیتر کے سمبندھ میں' وھی معنی ھونگے جو اُس چھیتر میں عمل میں زمین کے پتوں نکے سمبندھ کے موجودہ قانوں میں اُس شبد کے یا اُسکی برابری کے مقامی شبد کے معنی ھوتے ھیں' اور اُسمیں ھر جاگیر' انعام' یا معانی یا اِسی طرح کی دوسری دینگی بھی شامل ھوں گی ۔

हुई नागरों की किन्हीं जमातों की तरकती के लिये, या पट्टी दर्ज जातों और पट्टी दर्ज कबीलों के लिये, कोई जास बन्धान करने से राज को नहीं रोकेगी."

- 3. दफ्ता 19 में सुधार और कुछ क़ानूनों का सरदुरूस्त ठहराया जाना—
 - (1) विधान की दका 19 में, -
 - (ए) धारा (2) की जगह नीचे लिखी धारा रख दी जायगी, और यह सममा जायगा कि उस धारा को हमेशा से नीचे लिखे रूप में क़ातून बनाया गया, यानी:—
- "(2) धारा (1) की उपधारा (ए) की किसी बात का किसी मौजूदा क़ानून के अमल पर वहाँ तक कोई असर नहीं होगा जहाँ तक वह क़ानून राज की सुरचा के, बिदेसी राजों के साथ दोस्ताना रिश्तों के, जन-व्यवस्था के, भलमंसी या सदाचार के, हितों में, या अदालत की तौहीन के, मानहानि के, या किसी जुर्म के लिये उकसाने के, सम्बन्ध में, उस अधिकार से काम लेने पर उचित रकावटें लगाता है जो उस उपधारा में दिया गया है, और न उस उपधारा की किसी बात से राज को कोई ऐसा क़ानून बनाने से रोका जा सकेगा."
 - (बी) धारा (6) में, उन शब्दों की जगह जो ''उस उपधारा की किसी बात का" शब्दों के साथ शुरू होते हैं श्रीर ''कोई ऐसा क्रानून बनाने से रोका जा सकेगा' शब्दों के साथ खतम होते हैं, नीचे लिखे शब्द रख दिये जायंगे, यानी:—

"उस उपधारा की किसी बात का किसी मौजूदा ज़ानून के असल पर वहां तक कोई असर नहीं होगा जहां तक उस क़ानून का सम्बन्ध,—

- (एक) ऐसी पेशे सम्बन्धी या तकनीकी जोगताओं से हैं जो किसी पेशे को अपनाने, या कोई धन्दा, ब्योपार या कारबार करने के लिये जरूरी हो, या
- (तो) राज के, या किसी ऐसी एकतनी के जो राज की मिलकियत है या इसके दबान में है, किसी ब्योपार, कारबार, उद्योग या सेवा करने से हैं, चाहे वह ब्योपार, कारबार, उद्योग या सेवा नागरों को उस से पूरे तौर पर या कुछ हद तक झलग रख कर की जाती हो या नहीं,

और न उस उपधारा की किसी बात से राज को कोई ऐसा क़ानून बनाने से रोका जा सकेगा जिसका सम्बन्ध इन में से किसी से हो." موائی ناگروں کی کلہیں جماعتوں کی ترقی کے لیے' یا پائی درج استان اور پائی درج قبیلوں کے لیے' کوئی خاص بلدهاں پرائے سے راج کو نہیں درکے گی۔''

3 دنعه 19 میں سدھار اور کچھ قانونوں کا سر درست تھھرایا جانا —

(1) ودهان کی دفعه 19 میں'۔۔

(اے) دھارا (2) کی جگه نیچے لکھی دھارا رکھ دی جائے گی' اور یه سمجھا جائے گ که اُس دھارا کو همیشه سے نیچے لکھے روپ میں قانوں بنایا کیا' یعنی: ۔۔۔

(بی) دھارا (6 میں' اُن شیدوں کی جگہ جو ''اُس اُپدھارا کی کسی بات کا'' شیدوں کے ساتھ شروع ھوتے ھیں اور ''کوئی ایسا قانون بنانے سے روکا جاسکے گا'' شیدوں کے ساتھ ختم ھوتے ھیں' نیچے لکھے شید رکھ دیئے جائیں گے' یعنی:—

'' أس أبدهارا كى كسى بات كا كسي موجودة قانون كى ممل پر وهاں نك كوئى اثر نهيس هوكا جهاں تك أس قانون كا سمبلدھ'۔۔۔

(ایک) ایسی پیشے سمبندھی یاتکنیکی چوگتاوں سے ھے جو کسی پیشے کو اپنانے یا کوئی دھندا' پیوپار یا کاربار کرنے کے لئے ضروری ھو' یا

(دور) راج کے کہا کسی ایسی ایک تلی کے جو راج کی ملکیت ھے یا اُس کے دیان میں ھے کسی بیوپار' کاریار' اُدیوگ یا سیوا کرنے سے ھے' چاھے وہ بیوپار' کاریار' اُدیوگ یا سیوا ناگروں کو اُس سے پورے طور پر یا کچھ حد تک الگ رکھ کر کی جاتی ھو یا نہیں'

اور نے اُس اُپُدھارا کی کسی بات سے راج کو کوئی ایسا قانون بقائے سے روکا جاسکے کا جس کا سمبقدھ اِن میں سے کسی سے ھو۔''

Harrist Louis Court Share a large Court Court of the St.

था सकती थीं. काम की जगहों पर दो महीने से लेकर पाँच बरस के बच्चों के लिये देख भाख संस्थाएँ मुपत बना दी गईं. दिन में कई घन्टों की छुट्टी मां को दे दी जाती थी ताकि वह जा कर बच्चे को दूध पिला सके. ऐसे सब बच्चों को नकदी और कपड़े बगौरा की सहायता सरकार से मिलने लगी.

शौरतों को मां बनने के बाद जो कठिनाइयाँ मेलनी पड़ती थीं वह जतम कर दी गई और उसी के साथ साथ प्रचार के सारे साधनों के जिरिये जनता को शिचा भी दी गई. यह चौथा क़दम था. मां बनने के खिलाफ जो ग़लत धार-नाएं बन गई थीं उनका जोरदार ढंग से खंडन किया गया. मां बनना एक मान बताया गया और आदर्श धौर पवित्र जीवन बिताने के लिये लोगों को उभारा गया.

हस की औरतें अब सदाचार के आदर्श को पूरा कर सकती थीं, मां बनने का आनन्द ले सकती थीं, घर गृहस्थी ठीक रख सकती थीं, बच्चों को प्रेम दे सकती थीं और साथ ही साथ किसी तरह की माली चिन्ता से भी दूर बी— उनकी कोमल भावनाएं उभर आई थीं, सारे पोचे धुल गए थे. आखिरी कदम वहाँ की सरकार ने यह उठाया कि सन् '44 में पेट गिराने के सम्बन्ध के कानूनों को बदल दिया और पहले जो चीज कानूनी जायज ठहरा दी गई थी अब रौर कानूनी ठहरा दी गई. रूस में अब पेट गिराना ग़ैर कानूनी है. जिस तरह और जिन अस्लों को सामने रख कर कदम उठाए गए अनका नतीजा यह है कि सारी रूसी कीम इस काम को बुरा सममने लगी है और पेट गिराना हस में अब करीब करीब करीब ना पेंद है.

اسکتی تهیں کم کی جگہری پر دو مہینے سے لے گر پانچ پرس کے بچوں کے لئے دیکھ بھال سلستھائیں منت بنا دبی کئیں دن میں کئی گھنٹوں کی چھٹی ماں کو دے دبی جاتی تھی تاکہ وہ جاکر بچے کو دودھ پلا سکے ۔ آیسے سب بچوں کو نقدی اور کپڑے وفیرہ کی سہائٹا سرکار سے ملنے لگی ۔

مورترں کو ماں بننے کے بعد جو کٹھنائیاں جھیلنی پوتی تھیں وہ ختم کر دبی گئیں اور اسی کے ساتھ ساتھ برچار کے سارے سادھنوں کے ذریعے جنتا کو شکشا بھی دبی گئی ۔ یہ چوتھا قدم تھا ۔ ماں بننے کے خلاف جو فلط دھارنائیں بن کئی تھیں اُن کا زور دار دھنگ سے کھندن کیا گیا ۔ ماں بننا ایک مان بتایا گیا اور آدرش اور پوتر جھون بتانے کے لئے لوگوں کو اُبھارا گیا ۔

روس کی عورتیں اب سداچار کے آدرش کو پورا کرسکتی تھیں' ماں بلنے کا آنلد لے سکتی تھیں' گھر گوھستی تھیں' ماں بلنے کا آنلد لے سکتی تھیں' بچوں کو پریم دے سکتی تھیں اور ساتھ ھی ساتھ کسی طرح کی مالی چنتا سے بھی دور تھیں — اُن کی کومل بھاؤنائیں اُبھر آئی تھیں' سارے پوچے دھل گئے تھے ۔ آخری قدم وھاں کیسرکار نے یہ اُٹھایا که سن 44 میں پھت گرانے سمبندھ کے قانونوں' کو بدل دیا اور پہلے جو چیز قانونی جائز تھہرا دسی گئی تھی اب فیر قانونی تھہرا دسی گئی ، روس میں اب پیت گرانا فیر قانونی قبرا دی گئی اور جن اُصولوں کو سامنے رکھکر قدم فیر قانونی جسطرح اور جن اُصولوں کو سامنے رکھکر قدم اُس کام اُتھائے گئے اُن کا نتیجہ یہ ھے کہ ساری روسی قوم اِس کام گو برا سمجھنے لگی ھے اور پیت گرانا روس میں اب قریب کو برا سمجھنے لگی ھے اور پیت گرانا روس میں اب قریب کو برا سمجھنے لگی ھے اور پیت گرانا روس میں اب قریب کو بیب ناپید ھے .

विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951

भारत के विधान में सुधार करने के लिये एक ऐक्ट.

[18 जून, 1951]

राज पंचायत नीचे लिखा ऐक्ट बनाती हैं: -

- छोटा सरनामा— इस ऐक्ट को विधान (पहला सुधार) ऐक्ट, 1951 कहा जाय.
- 2. दुफा 15 में सुधार— विधान की दका 15 में नीचे लिखी धारा जोड़ दी जायगी:—
- "(4) इस दका की, या दका 29 की घारा (2) की कोई बात, समाजी और तालीमी निगाइ से पिछड़ी

ودهان (پهلا سدهار) ايكت ' 1951

بھارت کے ردھان میں سدھار کرنے کے لئے ایک ایکت . [18 جرن' 1951]

راج پلچایت نیچے لکھا ایکت بناتی ہے:

- 1. جهوتا سرنامه اِس ایکت کو ودهان (پهلا سدهار) ایکت ٔ 1951 کها جائے .
- 2. دفعہ 15 میں سدھار --ردھان کی دفعہ 15 میں نیچے لکھی دھارا جور دی جائے کی :--
- (2) اِسْ دفعهٔ کی' یا دفعه 29 کی دهارا (2) کی کوئی بات ساجی اور تعلیمی نااه سے پچھوی

A STATE OF THE STA

का पोछा करने की कोई जरूरत नहीं पड़ी. जब द्वा सस्ती, अच्छी और जानकार हाथों से मिलती हो तो महँगे, नातजरबेकार मुजरिमों के पास कोई क्यों जाने लगा!

दूसरा बढ़ा क़दम रूस ने यह उठाया कि इस काम के े लिये **अ**स्पताल खोले गए. यहाँ खाली दवा नहीं दी जाती थी बिलक सलाह मंशविरे के लिये एक बोर्ड भी क्रायम था. इस अस्पताल में ऐसी औरतें बुलाई जाती थीं और उन्हें गुप्त मद्द देने का वायदा किया जाता था. इन अस्पतालों और केन्द्रों का काम "गुप्त क़रल करना" नहीं था बल्कि पेट गिरवाने वाली औरतों को सममा बुमा कर ऐसा काम करने से रोकना था. इस काम में यह अस्पताल बहुत कामयाव रहे. ऐसी औरतें परेशानी की हालत में रहता हैं. वह चाहती हैं कि किसीन किसी सूरत मामला चाहिर हो जाने से पहले उसका निपटारा करलें. बेचारियों को पेट गिराने क बारे में कुछ ज्ञान नहीं होता. उड़ी उड़ाई वातें उनके कानों में पड़ी रहती है. ऐसे वक्त में इन्हें एक सच्चे दे।स्त, एक सच्चे हमदर्द की जरूरत होती है जो उन्हें सलाह दे सके भौर बनके दिल में बैठे हुए डर को कम कर सके. श्रस्पतालों में सलाहकार बोर्डों ने बहुत सफलता हासिल की. जा लडकी या औरत पेट गिराने के लिये श्राती थी वह इस सलाहकार बोर्ड के सामने लाई जाती थी. बोर्ड के मेम्बर बड़ी हमदर्दी से उसे सब चीजें बताते थे. सब ऊँच नीच समभाकर उससे इरादा बदलने की अपील करते थे. इन लोगों की हमदर्वी ने जबरदस्त श्रसर किया. चन्द साल के श्चन्दर 51 फासदी ऐसी श्रीरतों ने पेट गिराने से तीना कर ली. इन्हीं अस्पतालों में उन के बच्चे पैदा हए और जिय. बाक़ी 49 फोसदी श्रीरतें किसी सूरत से मां बनने के लियं राजी न की जा सकीं. उनका आपरेशन कर दिया गया. दूसरा चारा भी न था. इन अस्पतालों से निराश होकर यह झौरतें फिर मुजरिमां के फन्दे में फंस जातीं.

पेट गिराना कानूनी बना देने से बारह साल में रूस के अन्दर करीब तीन लाख औरतों की जान बचाली गई. लेकिन रूस के अधिकारियों का असली मक्कसद कुछ और था. आन्दोलन का रुख अब दूसरी तरक पलटा गया. पेट गिराने के कारनों को मालूम करने की कोशिश की गई और उन कारनों को मालूम करने की कोशिश की गई और उन कारनों को दूर करने के लिय कानून बनाए गए. यह इस रास्ते का तीसरा कहम था.

हर खौरत को गर्भ के जमाने में मुक्त दवा और हाक्टरी मदद दो जाने लगी. सोहर से पहले पाँच हक्ते की खुट्टी खौर सोहर के बाद छै हक्ते की खुट्टी खौरतों को मिलने लगी. सोहर का जमाना खतम करने के बाद माएँ खारने काम या नौकरी पर बिना किसी कहावट के फिर

المعلوم المرق كى كولى ضرورت نهيس هوى . حجب فولسسطى المجهى أور جانكار هاتهوں سے ملدى هو تو مهلكے التحرومكار معلوموں كے پاس كولى كيوں جانے لكا!

دوسرا ہوا قدم روس نے یہ اُٹھایا که اِس کام کے لگے استال المولے كئے . يہاں خالى دوا الهوں دى جاتى تهى بلکہ صلام مشورہ کے لئے ایک بورة بھی قائم تھا . اِس اسهتال مين ايسي عورتين بالني جاتي تهين أور أنههن كيت و د ديني كا وعدة كيا جاتا تها . إن اسهتالس أور كهندورن كا كام "كيت قعل كرنا" نهين تها بلكه يهت كرراني والى عورون كو سمجها بجها كر أيسا كام كرنے سے روكفا تها . اس کام میں یہ اسپتال بہت کامیاب رھے . ایسی عورتیں پریشانی کی حالت میں رمتی هیں ، وہ چاهتی هیں که کسی نه کسی صورت معامله طاهر هو جانے سے پہلے أس كا نهمارا كولين ، بهجاريون كو پيت كرانے كے بارے مين كهه كيان نهين هوتا . أرّى أرائي باتين أن ع کانوں میں پوی رهتی هیں . ایسے رقت میں أنهیں ایک سچے درست ایک سچے همدرد کی ضرورت هوتی هے جو انہیں صلاح دے سکے اور ان کے دل میں بیٹھے آھوئے قر کو کم کر سکے . اسپتالوں میں صلح کاربورڈوں نے بہت سههلتا حامل کی . جو لوای یا عورت پیت کرانے کے لئے آتی تھی وہ اِس فالح کارپورڈ کے سامانے لائیجاتی تھی . پورة کے منبر بوی هندردي سے اسے سب چهزين بتاتے تھے۔ سب ارنبے نیج سنجهاکر اُس سے ارادہ بدلنے کی اپیل كرتے تھے. إن لوگوں كي همدودي نے زيردست افر كيا . جند سال کے اندر 51 فی صدی ایسی عورتوں نے پیت گرانے سے توبع کولی انہیں اسپتالوں میں أن كے بنچے يهذا هوله اور جله . باني 49 في صدى عورتين كسي مورت سے ماں بللے کے لئے راضی نه کی جاسکیں . اُن لا آیریشن کردیا کیا . دوسرا چاره بهی نه تها . اِن استالوں سے نراش هوکو بنه عورتیس پهر محورموں کے پهندي ميں پهنس جاتيں .

پہت گرانا قانونی بنا دیئے سے بارہ سال میں روس کے اندر قریب نین لاکھ عورتوں کی جان بچا لی گئی .
لیکن روس نے ادھیکاریوں کا اصلی مقصد کچھ اور تھا .
اندولن کا رخے اب دوسری طرف پلٹا گیا ، پیت گرائے وائی عورتیں عام طور سے خراب نہیں ہوتیں ، پیت گرائے کے کارنوں کو معلوم کرنے کی کوشھ کی گئی اور ان گرائی کو دور کرنے کے لئے قانون بدائے گئے . یہ اِس راستے کا تیسرا قدم تھا ،

هر مورت کو تربه کے زمانے میں منت درا اور داکٹری مدت درا اور داکٹری مدت دی جانے لگی سوھو سے پہلے پانچ ھفتے کی چھٹی اور سوھو کے بعد چھے ھفتے کی چھٹی عیوتوں کو مللنے لگی ۔ سوھو کا زمانہ ختم کرتے کے بعد مائیں اپنے کام یا نوکری پر بنا کسی رکارت کے بعد مائیں اپنے کام یا نوکری پر بنا کسی رکارت کے بعد

थोरप में यह खंडत भी चल पड़ा है कि मां बनने से लूबस्रती ख़तम हो जाती है. इस लिये भी पेट गिराने को और अधिक बढ़ावा मिला. हिन्दुस्तान में भी आजकल यह रोग जोर पकड़ रहा है. बच्चा पैदा करने में औरतों को जिसमानी तकलीफ बरदारत करनी पड़ती है. पेट गिराने में भी शायद तकलीफ बठानी पड़ती है. लेकिन यह तकलीफ एक बार होकर ख़तम हो जाती है और बच्चा पैदा करने पर तकलीफ और चिन्ता बराबर बनी रहती है. लगातार तकलीफ से एक बार तकलीफ उठा लेना ज्यादा अच्छा है.

हसी विज्ञानियों ने इस बात की जाँच पड़ताल की और इस नतीजे पर पहुँचे कि पेट गिराने की जड़ ग़रीबी और दुराचार में हैं. अगर औरतों को माली चिन्ता से छुट्टी देदी जाय और उनका सदाचार ऊँचा कर दिया जाय तो पेट गिराने का मसला खुदबखुद ख़तम हो जायगा. जार के जमाने में पेट गिराने की वजह से 25 हजार औरतें हर साल मर जाती थीं. क्रानून बहुत सखत था. कोई डाक्टर पेट नहीं गिरा सकता था. ऐसा करने पर करल के जुर्म में सजा दी जाती थां. इसो तरह का क्रानून करीब करीब दूधरे मुल्कों में भी जारी है.

रूस में पहली मरतवा पेट गिराने के खिलाफ जबरदस्त अमली तजबीज की गई. उनका पहला क़दम यह था कि पेट गिराने को क़ानून बनाकर जायज ठहरा दिया गया. हर डाक्टर को पेट गिराने की इजाजत देदी गई. यह बात अजीव लगती है. मालूम होता है कि पेट गिराना आसान हो गया तो और भी अधिक लोग पेट गिराएंगे. पर नताजा चलटा हका. पहले आइये देख लें उन देशों में पेट गिरान की क्या हालत रही जहाँ श्रव भी सखत कानून लागू हैं और पेट गिराने वाले को सखत सजा दी जाती है. अमरीका को ही ले लीजिये. छै लाख अस्ती हजार बच उस देश में हर साल पैदा होने से पहले मार दिये जाते हैं. मीजूदा जमाने की तमाम ईजादों के होते हुए भी आठ हजार औरतें वहाँ हर साल पेट गिराने की वजह से मर जाती हैं. से किन रूस में, जहाँ शुरू में पेट गिराना जायज ठहराया गया था, आज पेट गिराना करीब करीब नापैद है. इससे पहले जानकार डाक्टर पेट गिरायें तो सजा पाते थे लेकिन अधडाक्टर, नर्स और दूसरे ऐसे ही लोग ख्तरनाक तरीक्रों से पेट गिराते थे और पकड़ में न आते थे. नतीजा यह था कि खतरनाक द्वाओं के इस्तेमाल से ऐसी भौरतों की तन्द्रहस्ती पर जनरदस्त असर पड़ता था भीर मौत भी हो जाती थी. सोवियट रूख में एक तरफ यह क़ानून पास किया गया कि हर डाक्टर पेट गिरा सकता है और दसरी सरफ यह भी क़ानून बना दिया गया कि सैर डाक्टरों को पेट गिराने के जुमें में सखत सजा दी जायगी. मुजरिमों

ورت میں یہ خیط بھی چال ہوا ہے کہ مال بھلے سے خوبصورتی ختم ہو جاتی ہے۔ اس لئے بھی پیمت گرانے کو اور ادھک بوھاوا لا، ھندستان میں بھی آج کل یہ روگ زور پکر رھا ہے . جہ پیدا کرنے میں عورتوں کو جسمانی تعلیف برداشت رنی پڑتی ہے . پیت گرانے میں بھی شاید تعلیف تعلیف ایک بار ہو کر ختم ہو جاتی ہے اور بچہ پیدا کرنے پر تعلیف اور چاہا رابر بنی رھتی ہے . لگاتار تعلیف سے ایک بار تعلیف نہالینا زیادہ اچھا ہے .

روسی وگیانیوں نے اِس بات کی جانچ پونال اُکی و اِس نتیجے پر بہونتچے که بیعت گرانے کی جو غریبی و دراچار میں ہے ، اگر عورتوں کو مالی چفتا سے چھتی ہے دی جائے اور اُن کا سداچار اونچا کردیا جائے تو مت گرانے کا مسلم خرد بخود ختم ہو جائے گا ، زار کے مالے میں پیت گرانے کی رجم سے 25 ہزار عررتیں ہرال مرج تی تھوں ، قانوں بہت سخت تھا ، کوئی مال مور بھی درادی جاتی ، ایسا کرنے پر قتل کے جرم میں درادی جاتی ، اسی طرح کا قانری قریب قریب وسرے ملکوں میں بھی جاری ہے .

روس میں پہلی مرتبه بیت گرانے کے خلاف زیردست ملى تنجويز كى كُدّى . أن كا پهلا قدم يه تها كه بهمت انے کو قابوں بغاکر جائز تھہرا دیا گیا ۔ هر قاشر کو یت کرانے کی اجازت دے دی گئی . یہ بات عجیب عتى هے . معلوم هوتا هے كه دينت كرانا آسان هوكيا تو ر بھی ادعک لوگ بیت کرائیں کے . پر نتیجہ التا ما يهلم آئيم ديكم ليس أن ديشون مهن بيت كران كي ها حالت رهی جهان آب بهی سخت قا ون لاکو هیس ر يهت گرانے والے كو سخت سؤا دبي جاتي هے . أمريكه و دی لے لیجئے . چه لاکه اسی هزار بھے اُس دیم ين هر سال پيدا هونے سے پہلے مارديئے جاتے هدن . رجود، زمانے کی تمام ایتجادوں کے هوتے هوئے بھی أته بار عربتیں وهاں هر سال بهت گرانے کی وجه سے مرجانی يق . ليكن روس مهن جهان شورع ماين پيت كوانا عالمَوْ تَههراياً كها تها أج بهت كرانا قريب قريب نابهد ے ایس سے پہلی جانکار قاکیر پیٹ کرائیں تو سوا باتے ہے لیکن ادھ ڈاکٹر نرس اور دوسرے ایسے می لوگ مطرناک طریقوں سے پیت گراتے تھے اور پکر میں نہ آتے ہے ، نتیجه یه تبا که خطرناک دواؤں کے استعمال سے بسی مورتوں کی تقدرسائی پر زیردست ادر ہوتا تھا اور وت بهی دو جاتی تهی ، سوریت روس مهن ایک طرف م تانون پاس کیا گیا نه هر قاکتر پیت کرا سکتا هے اور اوسری طرف یہ یہی قانون پنا دیا گیا کہ غیر ڈاکٹروں کو مت کرانے کے جرم میں سطعت سزادی جائے گی، مجرموں

La Company of the State of the

स्थान ग्रुक्त होते हैं, जहां काम करने वासी औरतें अपने वच्चों को छोड़ सकती हैं.

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

पेट गिराने की समस्या को जिन तरीकों से रूस में हल किया गया है उन पर रोशनी डाजने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि यह समस्या क्या और क्यों है. कुछ माएँ ऐसी होती हैं जो मां बनना नहीं चाहतीं और किसी न किसी ढंग से पैदा होने वाली जिन्दगी को मौत की गोद में पटक देती हैं. कहते हैं श्रीरतों की भावनाएं मर्द से अधिक कोमल होती हैं. किसी कोमल भावना वाले के लिये क्या यह मुमकिन है ? लेकिन जब कोमल भावनाओं पर हर, भूट, धोके के मोटे मोटे पोचे फिरे हों तो क्या किया जाय. कोई औरत भी शायद पेट गिराना नहीं चाहती लेकिन मजबूरी को क्या किया जाय. वह सब कुछ करना पड़ता है जिसे करने को मन नहीं चाहता. सदाचार को अपर उठाने के लिये जरूरो है कि इन पोचों को घो दिया जाय और श्रादमी की कोमल भावनाओं को उजागर किया जाय. श्राइये देखें वह कौन सी हालतें हैं जो एक मां को पैदा होने से पहले बच्चे को मारने पर मजबूर कर देती हैं. रूस श्रीर योरवी देशों की समस्या हमार देश से कुछ श्रलग है. हमारे यहां कुछ साल पहले सो सिर्फ लोफ लाज के कारन पेट गिराया जाता था. किसी कमजोरी में पड़ कर या किसी तरह धोका खाकर कुँवारी या विधवा औरतें पेट से हो जाती थीं और अपने को समाज में बे इष्जत होने से बचाने के लिये उन्हें इस तरह के जुन अपनी गरदन पर लेने पड़ते थे. लेकिन अब बड़े बड़े घरों में जीवन स्तर ऊँचा रखने के लियं बर्थ कन्ट्रोल पर अमल किया जाता है और जब वह असफल रहता है तो पेट गिराने की नौबत आती है! पर दूसरे देशों में श्रीर दूसरे कारन भी हैं जो मजबूर करते हैं कि पेट गिरवा दिया जाय. रोजी रोजगार पेट गिराने के मसले पर बहुत असर रखते हैं. योरप में बहुत सी औरतों को अपनी रोजी खुद कमानी पड़ती हैं. पहली लड़ाई के बाद मदीं की कमी हो गई थी. उस बक्तत से श्रीरतों में नौकरी का सिलसिला श्रीर जोरों से चल पड़ा है. उसी बक्त से पेट गिराने की समस्या भी बहुत भयानक हो गई है. मां बनने में इन बेचारी श्रीरतों को नौकरी से हाथ घोना पड़ता है. जब नौकरी ही न रहे तो ख़ुद क्या खाएं और बच्चे को क्या खिलाएं. इस मंग्नद से फ़रसत पाने के किये यही अच्छा समका जाता है कि पैदा होने से पहले ही इस जंजाल से छुट्टी पा ली जाय. जीवन स्तर बढ़ाने का भी सवाल योरप के लोगों के सामने हैं. रहने सहने के ढंग में बढ़ीती और आसायश बड़े बड़े खानदान वालों के लिये नामुमकिन हैं. इस लिये कोशिश की जाती है कि कम से कम बच्चे पैदा हों ताकि पालन पोसन की जिम्मेदारी से छहकारा मिल सके और जीवन मौज में विवास जा सके.

پھنٹ گرانے کی سمسھا کو جن طریقوں سے روس مھی حل کیا گیا ہے اُن پر روشنی ڈالنے سے پہلے یہ جان لینا المروزي هي كه يه سمسيا كيا أور كيون هي . كنچه مائهن ايسي هوتي هين جو مان بلنا نهين چاهاه اور كسي نع کسے قطنگ سے پیدا هونے والی زندگی کو موت کی گرد میں بتک دیتی میں . کہتے میں عورتوں کی بھاؤنائیں مرد سے ادھک کومل ہوتی ھیں ، کسی کومل بھاؤنا والے کے لئے کیا یہ ممکن ھے ؟ لیکن جب کر، ل بھاؤناؤں رر قر کورت دھوکے کے مولے مراثے بوجے بھرے ھوں تو كها كها جائے. كوئى عورت بهى شايد بهت گرأنا نههن چاهی . لیکن مجبوری کو کیا کیا جائے . را سب کنده كرنا يوتا هي جسے درنے كو من نهيں چاهكا . سداچار كو اریر اُٹھانے کے لئے ضروری ھے دع اِن پوچوں کو دھو دیا جائے اور آدمی کی کومل بھاؤناؤں کو اُجاگر کھا جائے . آئه ديمهي وه كونسي حالتين هين جو أيك مان كو یودا ہونے سے پہلے بحے کو مارنے پر مجبور کردیائی میں . ررس ارر یورپی دیشوں کی سمسیا همارے دیش سے کنچه الگ هے'. همارے يهاں كچه سال بهلے تو صرف لوك الب کے کارن پیت گرایا جاتا تھا ۔ کسی کمزرری میں ہو کر یا کسی طرح دهوکا کهادر کنواری یا بدهوا عورتهن پیت سے ھو جاتی تھیں اور ایے کو سماج میں بے عزت ھونے سے ہجانے کے لئے اُنہیں اِس طرح کے خون اُیلی گردن پر لینے پوتے تھے . لیکن أب بوے بوے گھروں مهی جهون استر اوندیا رکھنے کے لئے برتھ کنترول پر عمل کیا جاتا ہے اور جب وہ اسپھل رھتا ھے تو پیت کرانے کی نوبت آتی ھے! ہو دوسرے دیشوں میں اور دوسرے کارن بھی ھیں جو مجبور کرتے هیں که بیت گروا دیا جائے . روزی روزگار یہت گرانے کے مسئلے پر بہت اثر رکھتے ھیں . یورپ میں بہت سی عورتوں کو ایٹی روزی خود کمانی پوتی ھے . یہلی لوآئی کے بعد مردوں کی کمی هوگئی تھی . اُس وقعت سے عروتوں میں نوکری کا سلسلہ اور زوروں سے چل یوا ہے ، أسى وتمت سے پیت كرانے كى سمسيا بھى بہت بههانک هوکشی هے . مال بذالے میں اِن بیجاری عورتوں رکو توکری سے هاته دعولا پوتا هے . جب دوکری هی نع رهے تو خود کیا کہائیں اور بھے کو کیا کہائیں اس جهدمهت سے فرصت بانے کے لئے یہی اچھا سمجھا جاتا م که بیدا هولے سے بہلے هی اِس جلجال سے جهتی یالی جائے ۔ جیرن استر بوھانے کا بھی سوال بہرب کے لوگیں کے سامنے ہے، رہنے سینے کے قعنگ میں بوہوتی اور آسائص بوے بوے خاندان والرس كرائے ناممكن هے. إس ليك کوشھی کی جاتی ہے کہ کم سے کم بھے پیدا موں تاکہ پالن پوسن کی فسددارى سے جهالكارا مل سكيدارر جهيرن موج ميں بتايا جاسكيد.

Market and the second of the s

जगह फैसा हुआ है. धक्का लग जाने, कोई जिसमानी गड़बड़ी हो जाने से भी पेट गिर जाता है. हमें रोग के इस पहलू से यहाँ मतलब नहीं है. यह हाद्से पहतियात से रोके जा सकते हैं. हम "पेट गिराने" के उस पहलू पर रोशनी डालना चाहते हैं जिसे क़त्ल कहा जाता है. इस हरकत को सभी करता मानते हैं. चाहे मजहब के मानने वाले हों और चाहे साइन्स के प्रेमी किसीं की भी इस बारे में दूसरी राय नहीं है. पेट गिराने का मतलब है किसी नये इनसान को पैदा होने से पहले मार डालना. एक नई जिन्दगी को पैदा न होने देने के सवाल पर सोचते सोचते एक और सवाल खड़ा हो जाता है. आखिर वर्ध कन्ट्रोल को क्या कहा जायगा ? क्या बर्थ कन्ट्रोल (दवाओं श्रीर डाक्टरी के जरिये बच्चों की पैदाइश को रोकना) करल करने का बढ़िया ढंग नहीं है ? और क्या इस के इस्ते-माल का प्रचार करने वालों को कत्ल के उभारने के इलजाम में सजा दी जा सकती है ? जवाब यह दिया जाता है, नहीं, वर्थ कन्द्रोल पर कानून हाथ नहीं उठा सकता. संस्थाएँ खुली हुई हैं. वह वर्थ कन्ट्रोल का प्रचार करती रहती हैं. दिनिया में इस चीज का प्रचार बहुत संगठित दंग से किया जा रहा है. दूसरे देशों की सरकारें आबादी के बदने से घवरा रही हैं. वह हर तरह का सहयोग वर्थ कन्द्रोल बान्दोलन को देती हैं. पर रूस में मामला बिलकुल उलटा है. वर्थ (जन्म) को कन्ट्रोल करने की कौन कहे वहां वर्थ बढाने के लिये इनाम दिये जाते हैं. 15 करोड़ डालर हर साल माताधों की सेवा में खर्च किया जाता है. ज्यादा बच्चे पैटा करने बाली माताओं को मान दिया जाता है. इस तरह के मान को जाहिर करने के लिये वहाँ तीन तमग्रे होते हैं: (1) मेटरनिटी मद्र, (2) आडर आफ मद्र्स गिलोरी और (3) हीरोइन मदर. जो मां जितने ज्यादा बच्चे पालती या पैदा करती है उतना ही बड़ा तमग़ा उसे दिया जाता है.

माताओं को नकदी सहायता भी दी जाती है. हर गर्भ वर्ती स्त्री को डाक्टरी मदद, जरूरी छुट्टी और रिश्रायतें तो दी ही जाती हैं. हर स्त्री को तीसरा बच्चा पैदा होने पर 80 डालर इनाम दिया जाता है. चौथे बच्चे की पैदाइश पर 250 डालर इकट्टा और 16 डालर हर महीने मां को दिये जाते हैं. पांचवें बच्चे के पैदा होने पर 34 डालर इकट्टा और 24 डालर हर महीने मां को आमदनी होती है. इस तरह दस बच्चों तक मामला चलता रहता है. ग्यार-हवें बच्चे की पैदाइश पर इकट्टा 1000 डालर और 60 डालर हर महीने मां को दिये जाते हैं. विधवा माओं को 20 डालर हो 40 डालर तक हर बच्चे के लिये वाहर बरस तक मिलता है. छोटे बच्चों की देख भाल के लिये

جَلَّمُ مِهِيدٌ عَوا هِي. وهكا لك جالي كولي جسماني كو يوي هو جانے سے بھی پیس کرجاتا ہے ، ھمین روگ کے اِس پہلو سے یہاں مطلب نہیں ہے . یہ هادئے احتیاط سے روکے جاسکتے هیں. هم '' پیت کوانے " کے اُس پہلو پر روشنی دالنا چاهتے هیں جسے قتل کہا جاتا ھے . اِس حرکت کو سبھی تعل مانتے ھیں . چاھے مذھب کے ماننے والے ھوں اور چاھے سائنس کے پریدیکسیکی بھی اِس بارے میں دوسری رائے نہیں ہے . پہت گرانے کا مطلب ہے کسی نگه انسان کو بھدا ھونے سے پہلے صار ڈالٹا ، ایک نگی زندگی کو پیدا نہ ھونے دینے کے سوال پر سوچتے سوچتے ایک اور سوال كهوا هوجاتا هي. آخر برته كفقرول كو كها كها جائے كا ؟ كها برتھ کفترول (دواؤں اور ڈاکٹری کے ذریعے بنچوں کی یپدائش کو روکنا) قتل کرنے کا بوھیا ڈھنگ نہیں ہے ؟ اور کیا اِس کے استعمال کا پرچار کرنے والوں کو قتل کے ابھارنے کے الزام میں سزا دی جاسکتی ہے ؟ جواب یہ دیا جاتا هے نہیں برته كنترول پر قانون هاته نهيں أنها سكتا . سنستهائين كهلي هوئي هين ، وه برته كلترول كا پرچار کرتی رمتی دیں دنیا میں اِس چیز کا پرچار بہت سنکتهت دهنگ سے کہا جا رہا ہے . درسرے دیشوں کی سرکاریں آبادی کے بوھنے سے گھدرا رھی ھیں ، وہ ہر طوح کا سيهوك برته كنترول آندرلن كو ديتي هيس. پر روس مهن معاملة بالكل ألتّا هـ. برته (جدم) كو دفترول كرني كي كون كهم وهآل برته بزهاني كي للمُ انعام ديئم جاتي هيل . يدوره كرور دالر هر سال ماتاؤل كي سهوا مهل خرج كها جاتا ھے . زیادہ بھے پیدا کرنے والی ماتاؤں کو مان دیا جانا ھے. اِس طرح کے مان دو ظاهر کرنے کے لئے رهاں تهن تمغے هوتے هيں: (1) ميثرنثى مدر' (2) آردر أف مدرس کلوری ارر (3) هیررئن مدر . جو مال جتابے زیادہ بجے پالتی یا پیدا کرتی ہے اتنا می ہوا تمعه أسے دیا جأتا هي .

ماتاؤں کو نقدی سہانگا بھی دی جاتی ہے ۔ ھر گربھوتی لستری کو ڈاکٹری مدد فررری چھٹی اور رعائتیں تو دی ھی جاتی ھیں ۔ ھر استری کو تیسرا بچھ پیدا ھونے پر 80 ڈائر انعام دیا جاتا ہے ۔ چوتھ بیچے کیپیدائص پر 250 ڈائر اکٹھا اور 16 ڈائر ھر مہینے ماں کو دیئے جاتے ھیں ۔ پانچویں بیچے کے پیدا ھرنے پر 34 ڈائر اکٹھا اور 24 ڈائر عرمہینے ماں کو آمدنی ھوتی ہے ۔ اِس طرح دس بیچوں تک معاملہ جلتا رھتا ہے ۔ گھارھویں بیچے کی پیدائش پر اکٹھا 1000 ڈائر اور 60 ڈائر ھر مہینے ماں کو دیئے جاتے ہیں ۔ ودھوا ماوں کو 20 ڈائر سے 40 ڈائر تک ھر بیچے کائے ہیں ، ودھوا ماوں کو 20 ڈائر سے 40 ڈائر تک ھر بیچے کائے ہیاں کھائے بیچوں کی دیکھ بھال کھائے

अगस्त ⁹51

(138)

السب 51'.

. From the Sandaria

रूस में सदाचार-गर्भ हत्या

(भाई मुजीब रिजवी)

गुप्त रोगों और वेश्या पन से फ़ुरसत पाकर हुसी प्रधिकारियों ने दुराचार के खिलाफ लड़ाई बन्द नहीं की. न्हें उन सारी हालतों को बदलना था जो आदमी को ब्राचार से गिराती हैं. वेश्यापन को खतम करने का जरूरी ातलब दुराचार या बदचलनी को खतम करना नहीं होता. सिरे कुछ देशों में भी क्षानून बना दिया गया है कि कोई मीरत बेश्या नहीं बन सकती और न अपना बदन बेचने के लेये किसी जगह दुकान लगा सकती है. फिर भी दुराचार हां खुब फल फूल रहा है. अन्तर इतना हुआ है कि दुरा-गर के स्थानों का नाम नाइट क्लब, बालक्म, होटल । ग़ैरा रख दिया गया है. कोठे न सही विजली के पोल के वि ही दुकान लगा ली जाती है. पुलिस वाले क्रानून का ंडा नचाते रह जाते हैं लेकिन इस तरह के अपराधी हाथ हीं आते. जो क़ानून को धोका देना चाहे उसके लिये प्रनिग्नत मौक्ने क़ानून ही पैदा कर देते हैं. इन देशों के लोग ज्ञानन श्रीर सजा के बल पर रोके जाते हैं इसलिये यह हान्न को धोका दे सकते हैं. हस में साइन्सी श्रसूल पर श्रीर एक खास ढंग से वेश्यापन को खतम किया गया है. हां पहले लोगों का सदाचार ऊँचा किया गया. लोग खद उब किसी चीज के खिलाफ खड़े हो जायं तो उन्हें कान्त ही जरूरत नहीं होती, लोगों के दिन और दिमारा को अपील ही जाय तो कानून को धोका देने की जरूरत भी नहीं हती. रूस में अगर कानून बने तो तब बने जब उनको ोइने की किसी में इच्छा बाक़ी न रह गई थां. हसी कानून विल इसिल्ये हैं कि किसी मानिसक कमजोरी से गिरते नसान पर जरा रोक रखी जा सके. श्रभी वहां ऐसे काननों ी जरूरत भी है. बुराई का असर जल्दी होता है. जब गरों तरफ लू चल रही हो तो उन्डे कमरे से बिना क्रतियात किये निकलना स्नतरनाक साबित होता है. कहने हा मतलब यह है कि उन दूसरे देशों की तरह रूस में श्याद्यों और वेश्यापन के स्थानों को कोई दूसरा लुभावना ाम नहीं दिया गया बलिक इस काम के खिलाफ ख़ुद जनता ही भावना इतनी उभार दी गई है और उसको इसके कुसान इस तरह बता दिये गए कि अब बिना किसी हानून और सजा के ही वहां के लोग इन बुराइयों से दूर गगते हैं. सब से बड़ी बात यह है कि वहां वह हालात हो मब नहीं हैं जो किसी भले आदमी को मजबूर करके इन ाढों में ढकेल देते हैं.

दुराचार के एक पहलू को ख़तम करके अधिकारियों ने स्तरे पहलू पर नज़र डाली. "पेट गिराने" का रोग जगह

روس میں سداچار-گربھ هتیا

(بهائی منجیب رضوي)

گیت ورگوں اور ویشها پن سے فرصت پاکر روسی ادههاديس نے درا چار کے خلاف لوائی بند نہوں کی. أنهيں ان ساری حافوں کو بدلنا تھا جو آدمی کو سداھار سے گرآتی هیں . ویشها بن کو ختم کرنے کا ضروری مطلب دراچار یا بد چلنی کو ختم کرنا نهیں هوتا . دوسرے کچھ دیشوں مرں بھی قانون بنا دیا گھا ہے کہ کوئی مورت ويشها نههرين مكتى اورنه ابنا بدن بهچنے كالكےكسى جگه دوکان لکا سکتی هے . پهر بهی درا چار وهاں خوب یهل یهبل رها هے . انتر اننا هوا هے که دراچار کے استهانوں كا نام نائت كلب بال روم عودل وفيرة ركه ديا كيا هي . کوتھ نہ مہر بجلی کے پول نے نوبچے ھی دوان لالی جانی ھے ، پوریس والے قانون کا ڈنڈا نچاتے رہ جاتے میں لیکن إسطرح كم أيرادي هاته نهيس آتم . جو قانون كو دعوكا دينا چاھے اُس کے لئے اُن گفت موقعے قانون ھی پھدا کر دیتے ھھی ۔ اِن دیشرں کے لوگ قانون اور سزا کے بل پر روکے جاتے هیں اِس لیے یہ قانون کو دهوکا دےسکتے هیں . روس مهن ساندسی اصول پر ارز ایک خاص دهنگ سر ویشها پن كو خعم كيا كيا هـ . وهان يهل لوكرن كا سداچار ارتجا ديا گیا . لوگ خرد جب کسی چیز کے خلاف کھڑے ہوجائیں تو اُنھیں قانوں کی ضرورت نہیں ھوتی ، لوگوں کے دال اور دماغ کر ابهل کی جائے تو قانون دو دھوکا دیئے کی ضرورت بھی نہیں رھتی. روس میں اگر قانون بنے تو تب بلے جب أن كو ترزيع كي كسي مهن أچها باقي نه ره كئي تهي . روسي قانون کيول اِس لگے هيں نداکسي مانسک کمؤوري سے گرتے اسان پر ذرا درک رکھی جاسکے . ابھی وهاں آیسے قانونوں ،کی ضرررت بھی ہے . برائی کا اثر جلدی ہوتا ہے . جب چاروں طرف لو چل رهي هو تو تهائدے كمرے سے بنا أحتماط كأر نكلنا خطرناك ثابت هوتا هي كهلي كا مطلب یت مے که اُن دوسے دیشوں کی طرح روس میں ویشهاؤں أور ریشیا پن کے استهادر کو کوئی درسرا لبهاؤنا نام نهیں نیا لیا بلاء اس کام کے خلاف خود جاتنا کی بھاؤنا اتلی ابهار دی گئی هے اور اس کو اس کے نقصان اِس طرح بعا دینے گئے کہ اب بنا کسی قانون اور سزا کے هی وهاں کے لوگ اِن ہوائھوں سے دور بھائتے دیں . سب سے بوی بات يه 🙇 كه وهال ولا حالات هي أب نهيل هيل جو كسي بهلے آدمی کو معجبور کرکے اِن کووش میں تھکیل دیتے

دراچار کے ایک پہلو کو ختم کرکے ادھیکاریوں نے دوسرے پہلو پر نظر ڈالی۔ '' پیٹ کرانے '' کا روگ جگت

इस तरह जब भारा सभा से बाहर के सीग वजीर बनाए जावंगे तो इससे नीचे जिसे कायदे होंगे:—

- योग्य जानकारों को ढूँढकर बजीर बनाया जा सकेगा.
- 2. धारा सभा उन पर श्रंकुश रख सकेगी. सारी भारा सभा यह काम करने के क्षिये आजाद रहेगी.
- 3. शालोचकों को वजीर बनाकर उनका मुँह बन्द करने की चाल न चली जा सकेगी.
- 4. हर चालाक आदमी को खुश करने का सवाल न होगा, इसलिये थोड़े से वजीरों से काम चलाया जा सकेगा. इससे खर्च में बचत होगी.
- क्जीर बाहर के आदमी होंगे इसिलिये चुनाव वाले क्लोग बचीरों को परेशान न कर सकेंगे.
- 6. चुनाव की चख-चल से बचे रहने के कारन अच्छी तरह कर सकेंगे.
- 7. हकूमत का खीर खाफिस का काम करने के लिये ही उन्हें रखा गया है, इसलिये उन्हें इस काम में खास ध्यान देना होगा. दलबन्दियों के मगड़ों से वह लगभग बच्चे रहेंगे.
- 8. प्रान्त के बाहर के भी बजीर होने से सरकारों में प्रान्तीयता का भाव न पनप पाएगा और भारत के एक जान होने में इससे मदद मिलेगी.
- 9. धारा सभाका हर मेम्बर वजीर बनने के लिये जो तिकड़म भिड़ाता रहता है वह बन्द हो जायगी.

इस देश की हालत के मुताबिक यही तरीका ठीक है. हमारे बाज के विधान में इस तरह का सुधार होना ज़रूरी है. اُس طرح دھارا سیھا ہے باہر کے لوگ وزیر بھالے خالیدگے تو اس بی نہیچے لکھے قالدے ہونکے:--

- یوگیه جان کاروں کو قاهرنگاه کر وزیر بقایا اسکے گا۔
- دھارا سبھا ان پر انکش رکھ سکھگی۔ ساری دھارا سبھا یہ کام کرنے کے لئے آزاد رھیگی ۔
- 3. آلوچکوں کو وزیر بناکر اُن کا منه بند کرنے کی چال نه چلی جاسکے گی .
- 4. هز چالاک آدمي کو خوهی کرنے کا سوال نه هوگا ' اس لگے تهورے سے وزیروں سے کام چلایا جاسکے کا ، اس سے خربے میں بچت هوگی .
- 5. وزیر باهر کے آدمی هونگے اس لئے چناو والے الوگ وزیروں کو پریشان نے کرسکھنگے .
- 6. چناو کی چنے چنے سے بنچے رہنے کے کارن وزیر لوگ آنس کا کام اچھی طرح کرسکینگے ۔
- 7. حکومت کا اور آفس کا کام کرنے کے لئے ھی اُنھیں رکھا گیا ھے' اس لئے اُنھیں اس کام میں خاص دھیان دینا ھوگا. دل بندیوں کے جھکڑوں سے وہ لگ بھگ بھے رھیں گے.
- 8. پرانت کے باہر کے بھی وزیر ہونے سے سرکاروں میں پرانتیکا کا بھاؤ نہ ینی پائیکا اور بھارت کے ایک جان ہونے میں اس سے مدد ملے گی .
- 9. دهارا سبها کا هر مبیر وزیر بننے کے لئے جو تکوم بهوانا رها هے وہ بند هوجائے گی .

اس دیس کی حالت کے مطابق یہی طریقہ تھیک ھے ، همارے آج کے ردھان میں اِس طرح کا سدھار ھونا ضروری ھے ،

प्रेम-डनर

(भाई 'नज्म' आकन्दी)

सुध बुष का धनी पीत नगर क्या जाने, यह तुम्ममें हैं सूम बूम झगर, क्या जाने. झाँखें खोले हुए चला जाता है, मूरक तू प्रेम की डगर क्या जाने.

پريم تگر

(بهائی نجم آنلدی)

سده بده کا دهلی بهت نگر کیا جائے،
یه تجه مهل هے سوجه بوجه اگر، کیا جائے،
آنکهیں کهولے هوئے چلا جاتا هے،
مورکه تو پریم کی قکر کها جائے،

- 5. बारा समा के मेन्दर जब बजीर या सेक टरी बन जाते हैं तब जिस इलको से उन का खुनाब हुआ था, जिन लोगों ने उन्हें जुनाव में मदद की थी वह लोग अपना अपना काम कराने के लिये दबाब डालने लगते हैं. अगर उनका काम न किया जाए तो अगला जुनाव लड़ने में वह साथ न देंगे या विरोध करेंगे, इसलिये उनके बेजा काम भी करने पढ़ते हैं.
- 6. चुनाव इलक्षे के लोगों से मिलने जुलने में इतना समय निकल जिता है कि वजीर जिया नायव वजीर लोग क्षिपने आफिस का काम नहीं के बराबर कर पाते हैं.
- 7. धारा सभा के मेम्बर्होने के कारन बजीर वरौरा लोग अपने को नौकर की तरह जिम्मेदार नहीं सममते हैं. एक तरह हैं मालिकों में ही अपनी गिनती करते हैं. इसलिये कहीं कहीं ऐसा होता है कि दम्तर खाली पड़ा रहता है. सब बजीर बरौरा अपने अपने बंगलों पर आफिस बना लिया करते हैं और जनता को अपने काम के लिये बंगलों बंगलों भटकना पड़ता है. इस तरह साहब को आफिस के नौकर घर के नौकर के रूप में मिल जाते हैं. आफिस के नाम पर बंगलों को महल बनाने में और मदद मिल जाती है. साहब बहादुर घर में सो रहे हों तब भी वह आफिस की हाजरी सममी जाती है.
- 8. धारा सभा के मेम्बरों पर द्विनाव का भूत सदा सवार रहता है इसिलये वह सरकारी काम के बहाने अपने प्रचार में लग जाते हैं. बजीर बन जाने पर तो यह काम और भी बढ़ जाते हैं, इसिलये शासन के काम में वह कम से कम समय दे पाते हैं. दौरा भत्ता, पारटी मीटिंग या इसी निगाह से मिलना जुलना उनके खास प्रोप्राम बन जाते हैं.

यह ऐसी बुराइयाँ हैं जिनसे लोकशाही सरकार सच-मुच लोकशाही नहीं बन पाती और इसके सभी लाभ नश्ट हो जाते हैं. इसके लिये कुछ सुधार करने की जरूरत है. एक सुधार की तरफ ख़ास तौर पर]ध्यान खींचा जाता है—

सरकार बनाने का काम धारा सभा या पार्लिमेन्ट तो करे पर विधार धारा सभा या पार्लिमेन्ट के बाहर के आदमी ही बनाए जायँ, बिल्क इसमें प्रान्त से बाहर के आदमी भी क्षिये जायँ. हाँ, यह ठीक है कि घारा सभा में जिस दब का बहुमत होगा उस दलं की पालिसी को स्वीकार करने वाले या उसी पालिसी को मानने वाले लोग ही वजीर बनाए जायंगे और धारा सभा उन्हें अलग कर सकेगी. उन्हें धारा सभा की राय के अनुसार काम करना होगा, पर वह घारा सभा के किसी फैसले में वोट न देसकेंगे. हाँ, कोई बात भी सरकार की तरफ से पेश कर सकेंगे. الله حمارا سبها كرميم جب وزير يا سكولگرى بي حالة الهور تب جس حلق سے أن كا جهذاو هوا تها جن لوگوں نے أنهمي جهذاو ميں مدد كى تهى ولا لوگ ايفا ايفا كام كولئے لئے دباو دالئے لكتے هيں . الو أن كا كام نه كيا جائے تو الله جهذار لونے ميں ولا ساتھ نه دينگے يا وروده كرينگے 'لسلئے أن كے بيجا كام بهى كرنے پرتے هيں .

6. چفاو حلقے کے لوگوں سے مللے جلفے میں اُتفا سیے نکل جاتا ہے که وزیر اور نائب رزیر لوگ آئی کا کم نہیں کے برابر کر پاتے ہیں .

7. دھارا سبھا کے معبر ھونے کے کارن رزیر وفیرہ لوگ آھے کو نوکر کی طرح ذمہ دار نہیں سمجھتے ھیں ۔ ایک طرح سے مالکوں میں ھی ایٹی گئتی کرتے ھیں ۔ اسلئے کہیں کہیں ایسا ھوتا ھے کہ دفتر خالی پوا رھتا ھے ۔ سب وزیر وفیرہ آئے آئے بٹکلوں پر آفس بٹا لیا کرتے ھیں اور جٹتا کو آئے کام کے لئے بٹکلوں بٹکلوں بھتکا پوتا ھے ۔ اسطرح صاحب کو آفس کے نوکر گھر کے نوکر کے روپ میں مل جاتے ھیں ۔ آفس کے نام پر بٹکلوں کو محمل بٹانے میں آور مدد مل جاتی ھے ۔ صاحب بہادر معدن سو رھے ھوں تب بھی وہ آفس کی حاضری سمجھی گھر میں سو رھے ھوں تب بھی وہ آفس کی حاضری سمجھی جاتی ھے ۔

8 دھارا سبھا کے معدروں پر چناو کا بھوت سدا سوار رھتا ہے اِسلئے وہ سرکاری کام کے بہانے انبے پرچار میں لگ جاتے ھیں. وزیر بن جانے پر تو یہ کام اور بھی بوھ جاتے ھیں' اِس لئے شاسن کے کام میں وہ کم سے کم سے دے پاتے ھیں. دورہ بھتہ' پارتی میتنگ یا اِسی نکاہ سے ملنا بان کے خاص پررگرام بن جاتے ھیں.

یه ایسی برائهاں ههں جن سے لوک شاهی سرکار سپے مپے لوک شاهی نهیں بن باتی ارر اسکے سبهی لابه نشت هوجاتے ههں . اِسکے لئے کچه سدهار کرنے کی ضرورت هے . ایک سدهار کی طرف خاص طور پر دهیان کهیلچا جاتا هے ...

سرکار بلانے کا کام دھارا سبھا یا پارلیمنت تو کرے پر
وزیر دھارا سبھا یا پارلیمنت کے باھر کے آدمی ھی بغائے
جائیں ، بلکت اِس میں پرانت سے باھر کے آدمی بھی لئے
جائیں . ھاں یہ ٹھیک ھے کہ دھارا سبھا میں جس دل
کا بھومت ھوٹا اُس دل کی پالیسی کو سویکار کرنے والے یا اسی
پالیسی کو مانئے والے لوگ ھی وزیر بنائے جائیں گے اور دھارا
سبھا اُنھیں آلگ کر سکے گی ۔ اُنھیں دھارا سبھا کی رائے کے
اُنوسار کام کرنا ھوٹا پر وہ دھارا سبھا کے کسی فیصلے میں
ووق نہ دے سکھی گے ۔ ھاں 'کوئی بات بھی سرکار کی طرف
سے پھھی کر سکھی گے ۔ ھاں 'کوئی بات بھی سرکار کی طرف

Million of the second of the s

(नकस्यात) की नजर्ं से विचार किया. इस लिये वह तरीका लोकशाही सरकार बनाने में सफल नहीं हुआ और न इस से सरकार बनने के लिये अच्छे आदमी मिल सके. आज की हालत में इस मामले में हमारे सामने यह दिक्करों आरही हैं:—

1. हर तरह के अच्छे अच्छे जानकार चुनाव लड़कर धारा सभा में नहीं पहुँचते. जियादातर जानकारों में अच्छी जरह काम करने की लियाक़त भले ही हो पर चुनाव लड़ने की लियाक़त नहीं होती या तिबयत नहीं होती. जब धारा सभा के मेम्बरों में से ही बजीर बनने के लिये आदमी लेने का रिवाज है तब ऊँचे दरजे के जानकारों की कमी खटकती है. सेहत मंत्री के लिये हमें तन्दुरुस्ती का अच्छा जानकार नहीं मिलता, शिचा मंत्री के लिये ऊँचे दरजे का तालीम शास्त्री नहीं मिलता, खेती मंत्री के लिये खेती विद्या का अच्छा जानकार नहीं मिलता, इसलिये खेती विद्या का अच्छा जानकार नहीं मिलता, इसलिये बजीर मंडल में घटिया आदमी भर लेना पड़ते हैं.

2. घारा सभा सरकार के उपर अंकुश (कन्ट्रोल) रखने के लिये हैं. पर धारा सभा के सभी मेन्बर इतनी क्रियाफ़त नहीं रखते कि सरकार पर अंकुश रख सकें. सैकड़ा पीछे शायद पन्द्रह बीस आदमी ही इतनी लियाफ़त के हों. पर लगभग वही सब के सब था तो मंत्री बना लिये जाते हैं या उप मंत्री, सेकटरी वग़ैरा. तब उनपर अंकुश रखने के लिये कोई नहीं रह जाता. जो रह जाते हैं वह 'लगभग या तो उनके मददगार होते हैं या हाँ में हाँ मिलाने वाले. ऐसी हालत में धारा सभा और सरकार पर अंकुश कैसे रह सकता हैं? कुछ बचे खुचे लोग टीका मले ही करलें पर नए चुनाव तक सरकार को बदल नहीं सकते. धारा सभा सरकार पर अंकुश तभी रखा सकती है जब सरकार धारा सभा से अलग हो, धारा सभा का हिस्सा नहीं.

3. आज के तरीक़ में सरकार बनाने वाले लोग अपनी खुराई से बचने के लिये बुराई बताने वाले मेम्बरों को सरकार में शामिल कर लेते हैं. देखा कि कोई मेम्बर पोल पट्टी खोलने में जियादा होशयार है तो उसे भी मंत्री बनाकर सामेदार बना लिया. इससे जर्च बढ़ जाता है और सरकार की बेलगामी ज्यों की त्यों बनी रहती है. इस बाल से लोक शाही केल हो जाती है.

4. ब्रिटिश सरकार के समय में जहाँ तीन वजीर काम करते से खीर काम अच्छी तरह होता था वहाँ दस दस वृत्तीर खीर दस दस देस किये जाते हैं. इस तरह खाज सरकार कहजाने वालों का जनता पर बोम चौगुना कुछ गुना बढ़ा हुआ है.

(بنسهات) کی نظر آیے وچار کیا ، اِسَ لگے یہ طویتہ اوک شامی سرکار شائے میں سیمل نہیں ہوا آور نہ اِس سے سرکار بننے کے لئے اُچھے آدمی مل سکے . آج کی حالت میں اِس معاملے میں همارے سامنے یہ دفتیں آرهی هیں :---

1. هر طرح کے اُچھ اُچھ جانکار چناو لوکر دھارا سبھا میں نہیں پہنچتے . زیادہ تر جانکاروں میں اُچھی طرح کام کرنے کی لیاقت بھلے ھی ھو پر چناو لونے کی لیاقت نہیں ھوتی . جب دھارا سبھا کے مسمورں میں سے ھی وزیر بننے کے لئے آدمی لینے کا رواج ھے تب اونتچے درجے کے جانکاروں کی کمی کھٹکتی ھے . صحت منتری کے لئے ھیں تندرستی کا اُچھا جانکار نہیں ملتا شمشا منتری کے لئے اُونچے درجے کا تعلیم شاستری نہیں ملتا کھیتی منتری کے لئے کھیتی دیا کا اُچھا جانکار نہیں ملتا اُسلیکے دیر منتل میں گھتیا آدمی بھر لھنا پرتے ھیں .

2. دھارا سبھا سرکار کے اوپر انکش (کنترول) رکھنے کے لئے ھے. پر دھارا سبھا کے سبھی مسبر اِتنی لیاقت نہیں رکھتے که سرکار پر انکش رکھ سکیں. سیکوہ پیچھے شاید پندرہ بیس آدمی ھی اِتنی لیاقت کے ھوں. پر لگ بھگ وھی سبکے سب یا تو منتری بنا لئے جاتے ھیں یا آپ منتری سکریتری وفیرہ. تب اُنپر انکش رکھنے کے لئے کوئی نہیں رہ جاتا. جو رہ جاتے ھیں وہ لگ بھگ یا تو اُن کے مددگار ھوتے ھیں یا ھاں میں ھاں مانے والے. ایسی حالت میں دھارا سبھا آور سرکار قریب قریب ایک ھوجاتی ھے؟ کچھ بچے کھچے آور سرکار پر انکش کھسے رہ سکتا ھے؟ کچھ بچے کھچے لوگ ٹیک بھلے ھی کرلیں پر نئے چناؤ تک سرکار کو بدل نہیں سکتے. دھارا سبھا سرکار پر انکش تبھی رکھ سکتی ھے جب سرکار دھارا سبھا سے الگ ھو، دھارا سبھا کا حصہ نہیں .

3. آج کے طریقے میں سرکار بنانے والے لوگ آپنی برائی سے بچنے کے لئے برائی بتانے والے میں کو سرکار میں عامل کولیتے میں دیکھا که کوئی صمیر پول پتی کیولئے میں زیادہ هوشیار هے تو آسے بھی منتری بناکر ساجھ دار بنالیا ایس سے خرچ بوھ جاتا هے اور سرکار کی یہ لتامنی جھوں کی تیوں بنی رہتی ہے ایس جال سے لوگ ہاھی فیل ہو جاتی ہے .

4. برتھ سرکار کے سے میں جہاں تین وزیر کام کرتے تھے اور کام اچھی طرح ہوتا تھا وہاں دس دس وزیر اور دس دس سکریڈری رکھ لگے جاتے ہیں ۔ اِس طرح آج سرکار کہائے والین کا جفتا پر بوجھ جولفا پچ گفا بوہا ہوا ہے ۔

الولاية المالي سوالاستخاصة

च्छा हुक्स पाक्सी में क्रिगे कि मौत का बर सामा और जब यह। गंदा बर गया कि सत्य सोचने, बोलने और कर डालने का बल आया. यह बल आया और अंदर बैठी सारी ताक़तों का एका हुआ और एका हुआ कि आत्मा चमकी और विजय देवी के दर्शन हुए.

अब चिन्ता कैसे ? नतीजे से अब क्या मतलब ? कैसी जीत; किसकी हार ? सब मन, वचन, कर्म अपने राम को समर्पन---

भव मँमी श्रात्मा के सामने हैं:—
सवमें राम श्रीर राम में स्व
यानी
मैं सबमें श्रीर सब मुक्तमें.
—भगवानदीन

स्वोकशाही सरकार—एक सुभाव (स्वामी सत्यमक)

राजा या तानाशाह (डिक्टेटर) की सरकार आपको प्रसन्द हो या न हो, आप उसे आसानी से बदल नहीं सकते, उसे बदलने का अधिकार आपके हाथ में नहीं होता वह ' अच्छा राज करे तो उसकी मेहरवानी, न करे तो झाप की किस्मत. पर आज का जमाना ऐसी पराधीनता को सह नहीं सकता, इस लिये संसार में लगभग सभी जगह लोकशाही (जमहूरी) सरकारें हो गई हैं. जनता इन्हें चुनकर बनाती है और आशा की जाती है कि जनता की इच्छा के अनुसार यह काम करेंगी. अगर जनता की इच्छा के अनुसार यह काम न करें तो पार्लिमेंट वा धारा-सभा को अधिकार है कि इन सरकारों को अलग करहे. भारत के विधान में इसी तरह की सरकारें बनाने की योजना रक्खी गई है. इस योजना के अनुसार घारा सभा में जिस पारटो का बहुमत होता है उस पारटी के मेम्बरों में से कुछ मेम्बर सरकार या वशीर मंडल बना दिये जाते हैं जो कि घारा सभा के अधीन रहकर काम करते हैं. इस तरह की सरकार लोकशाही या जनतंत्री सरकार कहलाती हैं. इंग्लैन्ड के विधान से इसने यह नक़ल की है.

सेकिन इस तराक्षे को काम में लाते समय हमने भारत की हासत पर ध्यान नहीं दिया और न मनोविज्ञान آپ چنٹا کیسے ؟ نعیتے سے آب کیا مطلب ؟ کیسی جیت؛ کس کی هار ؟ سب من' وچن' کرم آبے رأم کو سمرین .

اب منجهی آنیا کے سامنے ہیں:—
سب میں رام آور رام میں سب
یعنی
میں سب میں آور سپ مجهمیں .
سبهگوان دین

اوک شاهی سرکار-ایک سجهاو (سوامی ستیه ببعث)

رأجه یا تاناشاه (دَکتیتر) کی سرکار آپ کو پسقد هو يا نه هو' آپ أسے آسانی سے بدل نہيں سكتے' أسے مدلئے کا آدھیکار آپ کے ھاتھ میں نہیں ھوتا۔ وہ اچھا راہے کرے ہو اُسکی مہریائی' نه کرے تو آب کی قسمت ۔ یر آب کا زمانه ایسی پرادهینتا کو سهه نهین سکتا ' أسلك سدسار ميس لك يهك سبهي جكه لوك شاهي (جمهوري) سركارين هوكثي هين . جنتا إنهين جنكر پیاتی ہے آور آشا کی جاتی ہے کہ جنتا کی اِچھا کے اُنوسار یم کلم کرینگی . اگر جنتا کی اِچها کے انوساریت کام نه عيين تو پارليمنت يا دهارا سبها دو ادهيكار هي كه اِن سُرکاروں کو اُلگ کردے، بھارت کے ودھان میں اِسی طربے کی سرکاریں بنانے کی یوجنا رکھی نگی ھے۔ اِس پیوی کے انوسار دھارا سبھا میں جس پارٹی کا بہومت عید اس پارٹی کے ممدون میں سے کچھ ممدو سرکار ياً وابر مندل بناديئے جاتے هيں جو که دهارا سبها كے المعين وهكو كام كرتے هيں . اِس طرح كى سركار لوك هاهي يا چن تلقري سركار كهالتي هـ . انكليند ك ودهان سے مم نے یہ نقل کی ہے .

فوشق کے معمل کھڑے کرفاجو رنگ اسکتا ہے وہ مانو سمانے کے رہے سے رہائے کے قابل نہیں ہوسکتا ۔ مارکس نے ماتی وادی سادھنوں کو اِنقا مہتو دیا کہ نیتک سدھانت اور چال چان کی صفائی ایک دم پیچھے جاپڑی دیا کو اُدارتا' ھمدردی اُسکی نظر میں پیسے کی شاخیں بن کو رہ گئیں ۔ یہ کسی حدتک تہیک ہے کہ ماتی وادی چکر نیتک وچاروں پر اپنا اثر دالتا ہے پر عمیشہ اور ھر حالت میں نہیں' اگر ھر طرح سے پیسے کی بنیاد پر حالت میں نہیں' اگر ھر طرح سے پیسے کی بنیاد پر چاھئے تھا پر ویسا نہ کبھی ھوا نہ ھوتا سنا ۔ اکال کے چاھئے تھا پر ویسا نہ کبھی ھوا نہ ھوتا سنا ۔ اکال کے تھیک بھی ہے پر کہیں ہزاروں میں ایک ۔ ایواد تو تھیک بھی ہے کر کچھ بھی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بلواں ہوتا ہے؛ کچھ بھی ھو مارکس کا فلسفہ کچے بیکٹی سدھانٹوں پر تکا ھوا ہے ۔

جو آدمی اینے وقت کی سماجی آور آرتھک حالت میں کرانعی پیدا کردے آور لوگوں کے دل میں أنهل پتهل معدادے أور أنكو أن فلاميوں سے نكال دے وهي إتهاس بغانا هي أور وهي إنهاس كو ألت يلت ذالتا هي . بده، مهابیر' مهسول سے لیکر کاندغے تک کا اِتہاس کواہ ہے کہ یه لوگ اینے وقت کی سماجی آور آرتهک اوستها میں بیدا نہیں اُسکے خلاف کھڑے هوئے آور ارته کو نیچا دیھاکر اخلق آور اونجے چال جلن کو راب کدی دلوائی . سماب سهوا کی بهاونا آور مانو سیوا کی بهاونا جگا کر ولا یه جادو کر پائے . مانوتا یا مانو ہریم ابھ آپ میں دھوکے کی چین ھے اگر اُسکی ته میں آتم بل نه هو آرد آتم بل کی پهچان ھے کرم' کھونکہ کرم آتم بل کا پہل ھے اور وہ کرم آیسا ھونا چاھئے جو آدمی میں سچی آور نرمل بھاونا پیدا کرے آور ایسی کوئی بھی اِچھا بیدا کرے که وہ کرتویه کو سمجھلے لگے اور اُسکو پورا کرنے میں جت جانے ، بس اب آتما کی منتجهائی یہی ہے کہ هم سماج کو ایسی تعلیم دیں کہ اُن میں جب بھاونا کی ترنکیں تھیں تو وہ سچی آور مانوچت هون . هوآ ٔ پانی ٔ روشنی کی طرح نهکی ایمانداری المسا سجائی کے دام بدعی نہیں آنک سکتی' أسے تو من هي آنکے کا ، وہ تو بھارنا کي لرازو میں هي تل سكتي هے .

اب سليَّ أتسائس طرح منجه كي :--

ہے شمت تو آئے اندر سماجاؤ آور آئے ستیہ یعلی رام کو کہرچ لو ،

مين وچين كرم س الها كرم كي حكم بالق مهي لك جاور

दर्शन के महत्व खंदे करना जो रंग ला सकता है वह मानव समाज के रुख से रहने के क्राबिल नहीं हो सकता. मार्क्सने माटीवादी साधनों को इतना महत्त्व दिया कि नैतिक सिद्धान्त और चाल-चलन की सफाई एकदम पीछे जा पड़ी—दया, ह्रमद्दी उसकी नजर में पैसे की शाखें बनकर रह गई. यह किसी हद तक ठीक है कि माटोबादी चक्र नैतिक विचारों पर अपना असर डालता है पर पेशा और हर हाजत में नहीं; अगर हर तरह से पैसे की झुनि के द पर नैतिक महत्व खड़ा होता तो ग्रीबी में वह महत्व गिर पड़ना चाहिये था पर वैसा न कमी हुआ न होता सुना. अकाल के मौक़े पर मां को अपने बच्नो बेबने की बात सुनी है और वह ठीक भी है पर कहीं हजार में एक. अपवाद दो उलटा यह साबित करता है कि नैतिक बल पैसे से कहीं ज्यादा बलवान होता है; कुछ भी हो मार्क्स का फलसका कच्चे नैतिक सिद्धान्तों पर टिका हुआ दे

जो चादमी अपने वहत की समाजी चौर चार्थिक हालत में क्रांति पैदा कर दे और लोगों के दिल में उथल ्युथस मचा दे चौर जनको उन गुलामियों से निकास दे वही इतिहास बनाता है और वहीं इतिहास को उत्तट पुत्तट बाजता है. बुद्ध, महाबीर, ईसा से लेकर गांघी तक का इतिहास गवाह है कि यह लोग अपने वक्षत की समाजी और आर्थिक अवस्था में पैदा नहीं उसके खिलाफ खड़े हर भौर अर्थ को नीचा दिखाकर इख लाक और ऊँचे चाल-चलन को राज गद्दी दिलवाई. समाज सेवा की भावना और मानद सेवा की भावना जगाकर वह यह जादू कर थाये. मानवता या मानव प्रेम अपने आप में धोके की चीज है अगर उसकी तह में आत्मवल न हो और न्धात्मवल की पहचान है कर्म, क्योंकि कर्म आत्मवल 🦥 का फल है और वह कर्म ऐसा होना चाहिये जो आदमी में सचची और निर्मल भावना पैदा करे और ऐसी कोई मी इच्छा पैदा करे कि वह कर्त्तव्य को समक्तने लगे और इसको पूरा करने में जुट जाये. वस अब आत्मा की भँमाई यही है कि हम समाज को ऐसी तालीम दें कि इनमें जब आवना की तरंगें चटें तो वह सच्ची और मानवोचित हों. हवा. पानी. रोशनी की तरह नेकी, ईमानदारी, ऋहिन्सा, सच्चाई के दाम बुद्धि नहीं आँक सकती, उसे तो मन ही ऑकेगा. वह तो भावना की तराजू में ही तुल सब्ती है.

अब सुनिये, आत्मा किस तरह मँमेगीः—

है हिम्मत तो अपने अन्दर समा जाओ और अपने सत्य बानी राम को खोज लो.

कत, वचन, इस्तें से अपने कार्य के हुक्स पालने में क्षम आओ.

آلگی اِسکو سانٹے میں کاسمانے سے الگ تھلگ رہے گوریا آلگان میں آور یہی تو گھسلان نکر جانے والی سرک ہے جہاں آزادی فلاسی کاروپ لےلیتی ہے ۔ جو ایک (الکیا) یہ سسجھتا ہے کہ سمانے کے ساتھ اُسکا آزادی کا رشتہ ہے ، وہی ایک (آلگیا) سنچے معلے میں آزاد ہے . آپسی بھوہار میں چھوٹے ہوے میدوں کے ناتے دوسرے سے ایک کا رتی بھر قر بھی میں بھر آدزای کو کھا سکتا ہے .

خاص وأد نام سے بحجهم میں ایک نهادرشن کهوا هوگها ھے . پچھم کے لوگ من ماتی کے دوت واد سے اوب گئے ھیں کیونکه آب تک وهال یا تو یه مانا جاتا نها که آدمی پس من (مائلة) هـ، يا يه مانا جاتا تها كه أدمى بس ماتي (مهتر) هے ایا یه مانا جاتا تها که آدمی بس من ماتی (مائلة ميتر) كا يتلا هه . خاص وأدى كهتم هيل آدمي نعمن هے نع ماتی هے أور نه من ماتی . وه هے پرهی (Person) . بس إس وجار دهارا كا نام هي خاص واد یا پرهی واد . ایس وچار دهارا نے آدرهی واد آور ماتی وأد كو بهت پيچه چهور ديا ارزيه وچار دهارا هنده فرشوں دھارا سے کائی موئی ایک نہر می سی ناتعی ہے. يهال فرا وجار أور كوم كا رشته سنجه لها جاي . هم بهلي وجارت هين يا يهلم كرم كرتے هين ؟ إسكا جواب بهت مشكل أور بهت آسان هي مشكل يوس كه كوثى كرم ایسا نهیں جسکے بهتھے وچار نه هو ، آسان یوں که کوم ماملے مے وجوار آنکھ کے پرے اسلیے کرم ضروری آور پہلے . کوم کو ہوا سمنجھنا ھی ہوے کا کیونکہ کرم میں وچار شامل هي . وجار تو اكيلا أور نكما هي . أس بوا سمجهل سے کیا فائدہ . آدرهی واد میں یہ ہوا عیب ہے که بس شوچے جاو سوچے جاو آور اِسلئے وہ هبکو ماتی واد کی کھائی میں جا پاتھتا ہے ۔ یہاں کوئی یہ سوال کھوا کر سكمًا هي كه كرم تو سر سي پهر تك ماتي راد هي . اب ؟ یس اسی کے لئے آیا خاص واد . وا کہتا ہے نہ آدری والله کی برقیلی چورتیاں ناپتے پہرو' نہ مارکس رشی کے مالي وأد كي سندر مين فوطء كهاتے يهرو . إس مين هکت نهیں که حارکس رشی نے مانو سماج پر ہوا احسان کیا ہے . اُنہوں نے آدمی کے جمون کو اِس طرح کہول کو سمجها دیا ہے جس طرح جراح آدمی کی لاش کو چیر کر رگ رک کا کیاں کو آ میکا ھے، آلنا می کیوں ؟ انہوں نے تو په سکهادیا که جهون کا بدل دالنا آدمی کے هاته کی عاس هے اور یہ که وہ کلسے بدلا جاسکتا ہے ؟

لیکن کو اس دھی میں جا کیسے انہاس میں۔ وہاں کی کرانتیوں پر کیا تھا ؟ ماتی وا دیا نظا تاہے ! افغان کی کرانتیوں پر

का बह आजाद हों और यही वो असर असर रहने को वह आजाद हों और यही वो अमंड नगर जानेवाली सड़क है जहाँ आजादी गुलामी का रूप ले लेती है. जो एक (असिया) यह सममता है कि समाज के साथ उसका आजादी का रिश्ता है, वही एक, (असिया) सच्चे माने में आजाद है. आपसी ज्योहार में छोटे बड़े ओहदों के नाते दूसरे से एक का रतीभर हर भी मन भर आजादी को खा सकता है.

खासबाद नाम से पिछझम में एक नया दर्शन खड़ा हो गया है. पञ्छिम के लोग मन माटी के दुत्तवाद से जब गये हैं क्योंकि अब तक वहाँ या तो यह माना जाता था कि आदमी बस मन (माइन्ड) है, या यह माना जाता था कि आदमी बस माटी (मैटर) है, या यह माना जाता था कि श्रादमी बस मन-माटी (माइन्ड-मैटर) का पुतला है. खासवादी कहते हैं आदमी न मन है, न माटी है और न मन-माटी. वह है पुरुश (Person). बस इस विचार-धारा का नाम है खासबाद या पुरुशवाद, इस विचार धारा ने श्रादर्शवाद और माटी वाद को बहुत पीछे छोड़ दिया और यह विचार धारा हिन्दू दर्शन धारा से काटी हुई एक नहर ही सी लगती है. यहाँ जरा विचार और कर्म का रिश्ता समम लिया जाय. हम पहले विचारते हैं या पहले कर्म करते हैं ? इसका जवाब बहुत मुश्किल और बहुत आसान है. मुश्किल यों कि कोई कर्म ऐसा नहीं जिसके पीछे विचार न हो. श्रीर कोई विचार ऐसा नहीं जिसके पीछे कर्म न हो. श्रासान यों कि कर्म सामने हैं विचार श्राँख के परे, इसलिये कर्म जरूरी और पहले. कर्म को बड़ा समकता ही पढ़ेगा क्योंकि कर्म में विचार शामिल है. विचार तो श्रकेला और निकम्मा है. उसे बड़ा समझने से क्या फायदा. आदरीवाद में यह बड़ा ऐब है कि बस सोचे जाओ सोचे जाओ और इसिलये वह हमको माटीबाद की खाई में जा पटखता है. यहाँ कोई यह सवाल खड़ा कर सकता है कि कर्म तो सर से पैर तक माटीवाद है. श्रव ? बस इसी के लिये श्राया खासावाद. वह कहता है न आदर्शवाद की वर्जीली चोटियाँ नापते फिरो. न मार्क्स रिशि के माटीवाद के समुंदर में ग़ोते खाते फिरो. इसमें शक नहीं कि मार्क्स रिशि ने मानव समाज पर बढ़ा पहचान किया है. उन्होंने भादमी के जीवन को इस तरह खोलकर सममा दिया है जिस तरह जरीह बादमी की लाश को चीर कर रग रग का ज्ञान करा देता है, इतना ही क्यों ? पन्होंने तो यह सिखा दिया कि जीवन का बदल डालना आदमी के हाथ की बात है और यह कि वह कैसे बदला · वा सकता है ?

लेकिन, वह इस धुन में जा घुसे इतिहास में. वहाँ क्या या ? माटीबाद का नंगा नाच ! इतिहास की क्रान्तियों पर इसी तरह की मन, वचन, कर्म की तस्तीनता का नाम है 'ईरवरार्पन'.

रहे कोध, मान, माया लोभ यह तो उपर की रीति से किये अभ्यास के बाद बेदम हो जाते हैं और इस वक्षत आदमी में काम करने की ताकृत वे हिसाब बढ़ जाती है.

इसे अपने पन का ध्यान नहीं रहता और इसी को कुछ स्रोग कहते हैं कि वह तो ईश्वर के हाथ का श्रीजार भर रह गया है.

वस इसी अवस्था का नाम है:-'ं] सब में और सब मुक्त में"

भगवद्गीता का यही सन्देश और यही निचोड़ है. बात्म-मॅमाई को कला पर इससे बढ़ कर और क्या कहा जा सकता है. गी प जो उपनिशदों का निचोड़ है, वह गुस्से को ठंडा करती है, मानको ढाती है, मोह का नारा करती है, लालच की जड़ काटती है. इस गीता से न जाने कैसे कोई यह मतलब निकाल बैठता है कि उस में भगवान ने अर्जु न को लड़ाई का उपदेश दिया. गीता को निश्काम कर्म करने का प्रन्थ बताना और फिर अर्जु न के उस जयद्र- थवंच कर्म को उस गीता की कसीटी पर ठीक उतारना जिसको अर्जु न ने अभिमन्यु का बदला लेने के लिये किया था, कहाँ तक ठीक हो सकता है उसे हरेक आसानी से समम सकता है.

यह ठीक है कि खात्म-मँमाई में आजकल का समाज आड़े आता है पर आज का समाज तो निरा स्वार्थी बना हुआ है और बहुत जल्दी ही या तो उसकी सुधरना होगा या किसी में मिल जाना होगा. सुधार इसके सिवाय क्या हो सकता है कि अब एक (अलगिया, व्यश्टि, इनडिविजु-आत) सब के लिये रहना सीखे और सब (समिश्ट) एक की रका के लिये तैयार रहें.

समाज के लिये न जीकर जो अपने लिये जीता है वही
पूजा, पैसा प्रतिश्ठा का मूका होता है और अपने किसी मतलब
का पूरा करने के लिये वह सारे स्वांग रचता है, तरह तरह
के ह्रव धरता है. आज इसो वजह से सिपाही सिपाही है,
आदमी नहीं; पुजारी पुजारी है, बनिया बनिया है और
कारीगर करीगर है, आदमी कोई भी नहीं. यह क्या वात है
कि जो कल दारोगा था आज दारोगा न रहने से दो कोड़ी
का भी आदमी नहीं रहता ? असल में वह जब दारोगा था
तब आदमी नहीं था, अपने दारोगापन से पूजा, प्रतिश्ठा,
पैसा कमाने में लगा था, फिर वह दो कोड़ी का रह ही जायगा.
यही हाल आज बजीरों तक का है, और अगर दारोगा या
बजीर ने निश्काम कर्म किया होता तो जीते जी उनकी
इक्जत समाज में बनी रहती. दारोगा और वजीर अपने

ا اُسی طوح کی من واہمن ' کرم کی علیاتا کا نام ہے ' لیشور ارون '

رهے کرودھ' مان ' مایا لوبھ یہ تو ارپر کی ریت سے کئے ابھیاس کے بعد بیدم ھوجاتے ھھں اور اِس وقت آدمی میں کام کرنے کی طاقت ہے حساب بڑھ جانی ہے .

آسے ایے پی کا دھیاں نہیں رھٹا آوو اِسی کو کچھ لوگ کہتے ھیں که وہ تو ایشور کے ھاتھ کا ارزار بھر وہ گیا ہے۔

يس إسى أوستها كا نام هے :-

" مهن سب مهن آور سب مجه مين "

بهگودگهتا کا یہی سندیش آور یہی نچور ہے۔ آتم منتجهائی کی کا پر اِس سے بوهکر آور کیا کہا جاسکتا ہے . گیتا جو اُپنشدوں کا نچور ہے' وہ قصے کو تهندا کرتی ہے' مان کو دھاتی ہے۔ اُس گیتا سے نہ جانے کیسے کوئی یہ مطلب نکال بیتهتا ہے کہ اُس میں بهگوان نے ارجن کو لوائی کا اُپدیش دیا ۔ گیتا کو نشکام کرم ترنے کا گرنتھ بتانا اور یہر ارجن کے اُس جیدرته ودھ کرم کو اُس گیتا کی کسوتی پر تھیک اُکارنا جس کو ارجن نے ابھیمنیو کا بدلے لینے کے لئے کیا تھا' کہاں تک تھیک ہوسکتا ہے اُسے ھر اُپک آسانی سے سمجھ سکتا ہے ۔

یہ تھیک ہے کہ آتم منجھائی میں آج کل کا سماج آرے آتا ہے پر آج کا سماج تو نرا سوارتھی بنا ہوائھ اور بہت جلدی ھی یا تو اسکو سدھرنا ھوگا یا کسی میں مل جانا ھوگا ۔ سدھار اِسکے سوا کیا ھوسکتا ہے کہ اب ایک (الگیا' ویشٹی' انڈیویجول) سب کے لئے رھنا سکھے آور سب (سمشٹی) ایک کی رکشا کے لئے تیار ھیں ،

سماج کے لئے نہ جی کو جو اپر لئے جیتا ہے وہ رہ جیوا' پیستہ پرتشتہا کا پہوکا ہوتا'ہے آور اپر کسی مطلب کو پیرا کرنے کے لئے وہ سارے سوانگ رچتا ہے' طرح طرح کے روپ دھرتا ہے ۔ آج اِسی وجہ سے سیاھی سیاھی ہے' آدمی نہیں؛ پنجاری پنجاری ہے' بنیا بنیا بنیا ہے آور کاریکر کاریکر ہے' آدمی کوئی بھی نہیں ، یہ کیا آبات ہے کہ جو کل داررفہ تھا آج داروفہ نہ رہنے سے دوکوہی کا جھی آدمی نہیں رہتا ؟ اُصل میں وہ جب داروفہ تھا تب آدمی نہیں تھا' اُپ داروفہ پن سے پوجا' پرتشتہا' پیستہ کمانے میں لٹا تھا' پہر وہ دو کوہیکا رہ ھی جائیکا، یہی حال آج والدوں تک کا ہے' اگر داروفہ یا وزیر نے نشکام کرم کیا حول تو جیتے جی اُنکی عوت سماج میں بنی رہتی ، داروفہ میں اُپر والدوا اُپ عہدے پر رہکر آزادی کا آرتہ ہیول جاتے ہیں ، وہ اُپر والدوا اُپ عہدے پر رہکر آزادی کا آرتہ ہیول جاتے ہیں ، وہ

नाम है निश्चय और ज्योहार, अवेदार निश्चय यानी झान यानी नाझनवारा समाज को निगाह में रखते हुए बड़ी खतरनाक है, अवेदा ज्योहार यानी अनुभव वानी अमन-विचार समाज में दथल पुथल तो मचा सकता है, बहुत काम भी कर सकता है पर वह टिकाऊ नहीं हो सकता. अनुभव के लिये समाज और समाज के आदमियों की जितनी खरूरत होती है दतनी झान के लिये नहीं. लोक संग्रह के लिये अनुभव बेहद जरूरी है. समाज की रहा के लिये अनुभव ही काम करता है.

खासपन की प्रनता के लिये यानी बात्म-मँमाई के लिये घर छोड़कर जंगल में रहना तो पड़ता है पर वह हरेक के लिये जुरूरी नहीं और हमेशा के लिये तो हरगिज जरूरी नहीं, और किसी के लिये जरूरी नहीं. असल में घर छोड़ने का इतना ही सहस्व है जितना साँसे बाहर छोड़ने का. साँस बाहर छोड़ना तो जरूरी है पर साँस छोड़े रखना जरूरी नहीं, उसको फिर अंदर भी लेना पड़ता है. ठीक इसी तरह अनुभव के लिये यानी आत्म-मैंमाई के लिये समाज से अलग रहना जितना जरूरी है उतना ही समाज से घुलमिल कर रहना भी जरूरी है. समाज से अलग रहकर आत्म-विश्वास बढ़ाया जाता है-सोचा सममा जाता है यर इतना भर तो अनुभव के लिये काफी नहीं. उस सोचे समके पर अमल करने से तो आत्म मंमाई पूरी होगी और उस पर अमल करने के लिये तो समाज की जहरत है, समाज के साथ रहने की जरूरत हैं. समाज में रह कर अपने सोचे सममे पर अमल करके ज्ञान को बल मिलता है, निश्चय का रूप सामने आ जाता है. बस उसी तरह साँस अन्दर खींचने और बाहर निकालने की तरह अनुभव या आत्म-मँमाई के लिये कभी समाज से अलग रहना पड़ता है और कभी चसमें घुल मिल कर.

समाज से भलग होकर भलग पन जागता है भीर खासपन विचार में लग जाता है.

अब खासपन अपने भीतर की सारी शक्तियों को बुलावा देता है और उनके आने पर उनकी मदद से अपने भीतर बैठें सत्य को जानने की कोशिश करता है. उनको जान कर अपने मन, बचन, कर्म में उसको युला कर उनको समाज के काम के रूप में जाहिर करता है. उसके विचार बचनऔर कर्म सत्य के कवच में युलकर उसको निडर बना देते हैं. अब मौत से उसको कोई डर नहीं रह जाता. शक्ति बेहद बद जाती है. मानो किसी मीटर में बिजली का तार कोड़ दिया गया हो,

मन, वचन, कर्म की समता से उसका हरेक काम इतना पक्का हो जाता है कि उसको अब इस बात का ध्यान ही नहीं रह जाता कि उसके कामों का नतीजा क्या होगा. नतीजे की जिसे परवाह नहीं उसके तिये हार जीव कैसी ? الم المحمد اور بهوهار . الحية نشتج يعلق المان يعلق المحمد المان المحمد المان المحمد المحمد وهار المحمد المحمد المحمد المحمد وهار المحمد المحم

شاص بن کی پورنٹا کے لئے یعنی آتم منجھائی کے لئے گھر چھوڑ کر جلکل میں رهنا تو پوتا ہے پر وہ هر ایک کے لئے ضروری نہیں اور همیشه کے لئے تو هرگز ضروری نہیں' اپر کسی کے لئے ضروری نہیں ، اصل میں گھر چھ وڑنے كا إتنا هي مهتو هي جتنا سانسين باهر چهورني كا . سانس ہاھر چھورنا تو ضروری ھے پر سانس چھورے · رکھنا ضروری نہیں' اِسکو پھر اندر بھی لھنا پوتا ھے ، تھیک اُسی طرح انوبھو کے لئے یعنی آتم منجھائی کے لئے سماج سے آلگ رَهنا جننا ضروری هے آتنا هی سماج سے گهل ملکر رهقا بھی فروری ہے . سماج سے الگ رهکر آتم وشواس بوهايا جاتا هے -- سوچا سمجها جاتا هے پر اتنا بهر تو انوبھو کے لئے کافی نہیں . اُس سوچے سمجھے پر عدل کرنے سے تو آتم صفحهائی پروی هوائی اور اُس پر همل کرنے کے لئے ہو سمام کی ضرورت ہے' سمام کے ساتھ رہلے کی ضرورت ھے . سماہ میں رهکر الله سوچے سدجھے پر عمل کرکے گھان كو بل ملتا هے انشجے كا روب ساملے أجاتا هے . يس أسى طرح سانس أندر كهيدچنے اور باعر نكالنے كى طرح أنوبهو یا آتم منجهائی کے لئے کبھی سماج سے الگ رها ہوتا ہے 🦠 اور کیمی اس میں کیل ملکر .

سماج سے الگ هوکر آلگ بن جاکتا هے اُور خاص بن وجار میں لگ جاتا هے .

اب خاص پن آپ بھیدر کی ساری شکھیوں کو بالوا اندیکا ہے اور اُن کے آنے پر اُن کی مدد سے آپ بھیدر بھتے استیہ کو جانئے کی کوشش کرتا ہے ۔ اُن کو جان کر آپ من وچھن ' کرم میں اسکو گھا کر اُن کو ساج کے کام کے ورب میں ظاہر کرتا ہے ۔ اُس کے وچار وچن اور کرم ستیہ کے کوچ میں گھل کر اُسکو نقر بنا دیتے میں ، اب موس سے اُس کو کوئی در نہیں رہ جاتا ، شکتی ہے حد ہو جاتی

من وچن اکرم کی سمتا سے اُس کا هر ایک کام آلتا یک هوجاتا سے که اُسکو آب اِس بات کا دهیان هی نہیں رہ خاتا که اُس کے کاموں کا نتیجہ کیا هوگا ، نتیجے کی جسے پرواہ نہیں اُس کے لئے هار جیت کیسی ؟ कि यह शक होने अगल है कि कहने वाका खुद भी ठीक ठीक समम रहा है या नहीं; जर, इस बात को छोड़िये, इसारे काम की कहा, तो इतनी ही है कि एक खासपन हम सब में है.

अक्रगपन और कासपन को समके विना आत्म-मँमाई में लगना सतरे की चीच है.

इस दो पन में से खासपन ही हमारे काम का है. यही कारमा के ज्यादा निकट है, इसी को समम लेना चाहिये, यह खासपन असल में आत्मा ही है पर मैला चहुत है और मैली आत्मा को अगर कोई आहंकार कह वेठे या क्षमीर कह वेठे त्वे बुरा ही क्या करता है शिषाज खासपन ने जो रूप ले रखा है वह परमात्मा के निकट वाला नहीं हो सकता, वह तो है के निकट वाला ही हो सकता है और मैली आत्मा माटी पदियों, जड़वादियों का दिया 'ख़मीर' नाम ही पा सकती है. जर्मन डाक्टर निटशे ने इस को आदमी के भीतर का 'अहंकार भरा अलगपन' (ईगो इस्टिक इनडिविजुएिलटी) कहा तो ठीक ही कहा. जो मारधाड़ में आत्म पूरनता माने, जो दुनिया पर छा जाने की किकर में मस्त होकर जी चाहे कर डालने में आत्म पूरनता माने, वह शहंकार भरा अलगपन नाम नहीं पाएगा तो और क्या!

हिन्दू दर्शन ने इस अलगपन और खासपन को अपने हंग से अलग समफा है, और ऐसा समफा है कि अगर एस पर अमल किया जाय तो दुनिया में चारों ओर अमन चैन अमन चैन ही दिखाई पड़े. उस दर्शन को दलीलों से मूटा साबित करना तो अमन चैन को लितयाना है या उसको दलीलों से यह साबित करना कि नहीं वह दर्शन इस को अहंकार का पाठ देता है, दर्शन के साथ अन्याय करना है. हिन्दू दर्शन का निचोड़ है—'एक अनेक में समाया है और अनेक एक में यानी सत्य सब में और सब सहय में.'

खासपन एक आदमी के अनोखेपन का सब्त नहीं है वह तो सारे आदमियों के अनोखेपन का सब्त है, उस खासपन से तो हम आदमी और जानवर को अलग अलग कर पाते हैं.

हिन्दुस्तान का इतिहास बताता है कि गुद्धृत से इस देश में हो तरह की विचार घाराएँ बहती आई हैं—एक झान घारा और दूसरी अनुभव धारा. इन्हीं का दूसरा नाम बाझन संस्कृति और अमन संस्कृति है. झान घारा अलग-पन पर जोर देती है और खासपन को बहुत कम खूती है. अनुभव घारा खासपन पर जोर देती है और अलगपन के समाई रहती है. झान घारा और अनुभव घारा के दूसरे کے رہے گئی ہوتے ٹاکھا ہے کہ کہتے والا خود ہیں تہمک تہمک سنجم رہا ہے یا نہیں؛ خیرا اِس بات کو چہرویکے' همارے کام کی بات تو اِنٹی هی ہے که ایک خاص پن هم سب میں ہے .

الگ پن آور خاص بن کو سمجھے بنا آنم منجهالی میں لگنا خطرے کی چیزھے۔

اِن دو پن میں سے خاص پن هی همارے کام کا هے .

یہ آتما کے زیادہ نمت ہے اِسی کو سمنچہ لینا چاهئے اُور

یہ خاص پن اصل میں آتما هی هے پر میلا بہت ہے اُور
میلی آتما کو اگر کوئی اهفکار کہ بیٹھے یا خمیر کہ بیٹھے

تو برا هی کیا کرتا ہے ؟ آج خاص پن نے جو روپ لے رکہا
فکت والا هی هرسکتا ہے آرر میلی آتما ماتی وادیوں
فکت والا هی هرسکتا ہے آرر میلی آتما ماتی وادیوں

ز جر وادیوں) کا دیا 'خمیر ' نام هی پاسکتی ہے . جرمن

قاکٹر نٹشے نے اِسکو آنسی کے بہیٹر کا 'اهنکار بھرا الگ پن'

ز ایکو اِسٹک اندیویجوئلیٹی ' کہا تو تھیک هی کہا .

جو مار دھار میں آتم بورنتا مانے' جو دنیا پر چہا جائے

جو مار دھار میں قر بورنتا مانے' جو دنیا پر چہا جائے

پورنتا مانے' وہ اهنکار بھرا انگ پن نام نہیں پائے کا تو

آور کیا !

هندر فرشن نے اِس الگ پن آور خاص پن کو اور خاص پن کو ایر دھنگ سے الگ سبجها هے' آور ایسا سمجها هے که اگر اُس پر عمل کھا جائے تو دنها میں چارں اور امن چین امن چهن امن کو دلیلوں سے جهوتا ثابت کرنا تو امن چین کو لنیانا هے یا اُسکو دلیلوں سے یہ ثابت کرنا کہ نہیں وہ درشن هم کو اُھنار کا پاتھ دیتا هے' درشن کے ساتھ اُنھائے کرنا هے ، هندو درشن کا نتھوت هے – ایک اُنھک میں سمایا هے اور اُسک میں اور سب ستھے اُمین ایک میں یعنی ستھے سب میں اور سب ستھے میں' ،

خاص پن ایک آدمی کے انوکھ بن کا ثبرت نہیں ہے وہ تو سارے آدمهوں کے انوکھ پن کا ثبوت ہے اُس خاص بن سے تو ہم آدمی اور جانور کو الگ انگ کر ہاتے ہیں .

هندستان کا اِتهاس بتاتا هے که مدت سے اِس دیش مهیں دو طرح کی وچار دهارائیں بہتی آئی هیں۔۔ایک کهان دهارا اور دوسری انوبهو دهارا اِنهیں کا دوسرا نام پراهیں سلسکرتی هے کهان دهارا الگ پن هر زور دیتی هے اور خاص پن کو بہت کم چهوتی هے اورجهو دهارا خاص پن پر زور دیتی هے اور الگ پن مهن ارجهو دهارا خاص پن پر زور دیتی هے اور الگ پن مهن ستانی وهتی هے . گهان دهارا آور انوبهو دهارا کے دوسرت

बात्म-मॅभाई

हमारी कात्मा साक नहीं है, इतना ही नहीं, वह इतनी मैसी है कि क्कि माँमने की जरूरत है.

जाप मुमने जाता, मैं जाप से जाता, यों हम सब जाता जाता है. इस का नाम है जातापन, जातापन को कुछ तोग व्यक्तिरव, इनकरादियत या इनडिविजुएतिटी भी कहते हैं. यह जातापन सब में मौजूद है.

धलगपत के बारे में कुछ का यह कहना है कि यह धलगपन पेसा है, जैसे बूँद का धलगपन, जो पानी में मिलकर पानी में ही घुल मिल जाती है और फिर बूँद जैसी कोई चीज ही नहीं रह जाती. कुछ का यह कहना है कि नहीं, यह धलगपन सदा कायम रहता है.

इस जलगपन की बात हमने यों कही कि जात्म-मँमाई में लगनेवाले जलग जलग लोगों ने ऐसी दो जलग जलग बातें हमारे सामने रखी हैं.

इस जानकारी से आत्म-मँमाई में कोई ठकावट नहीं होती और नहोनी चाहिये.

आप किसी तरह सोचते हैं, मैं किसी तरह सोचता हूँ. आपकी बात सब सुन तेते हैं, मेरी बात कोई नहीं सुनता. आप से कुछ लोग डरते हैं, मुझे कुछ लोग डराते हैं. यों आप और मैं अलग अलग हैं. इस तरह का अलग-पन भी सब में मिलता है. यह लास तरह का अलगपन 'खासपन' कहलाता है, जिसे 'विशेशत्व' 'पुरुशत्व' शिखस-यत या परसनालिटी भी कहते हैं.

इस खासपन के बारे में कोई इन्द्र कहता है, कोई इन्न.
पक का कहना है—यही पुरुश या परमात्मा है; दूसरे का कहना है—यही जात्मा है; तीसरे का कहना है—यही जात्मा है; तीसरे का कहना है—यही जात्मपन की पूरनता का रूप है, यानी यही पूरनता है; पाँच में का कहना है—वह अलग कोई बीच नहीं है. पाँच भूत मिल कर जो पुरुशा बना उसी का यह नतीजा है. यह पाँचवाँ अपनी बात को दूसरों के मन में बिठाने के लिये यह दलील देता है कि मक्ति वानी कुद्रव में ऐसा जाय हिन होता रहता है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर एक सीसरी चीज बन जाती है, कोई भी दो चीज मिलकर है, पर इस सामका है, पर काल मानुकी, समीर जैसी चीज वो सममता है, पर काल मानुकी सक प्रदूर्णने में इतना पेचीहा बना दिया है

أأتم منجهائي

هماری آتما صاف نہوں ہے' اِتلا می نہیں' وہ اِللیٰ نہلی ہے کہ اُسکو مالجھلے کی ضرورت ہے .

آپ مجھ سے الگ' میں آپ سے الگ' یوں هم سب الگ الگ هیں . اس کا نام هے الگ بین الگ بین کو کچھ لوگ ویکھٹو ' انفرادیت یا اِنقیریجوٹلٹی بھی کہتے ہیں . یہ الگ بی سب میں موجود ہے .

الگ پن کے بارے میں کچھ کا یہ کہنا ہے کہ یہ الگ پن ایسا ہے ' جیسے بوند کا الگ پن ' جو پانی میں میلار پانی میں ہی گھل میں گوئی چیز ہی نہیں رہ جاتی ، کچھ کا یہ کہنا ہے کہ نہیں' یہ الگ پن سدا قائم رہتا ہے ۔

اِسَ الگ پن کی بات هم نے یوں کہیکہ آتم مقتهمائی میں انگلے والے الگ الگ لوگوں نے آیاسی دو الگ الگ ہاتھی همارے ساتے رکھی هھیں .

ُ اِسِ چاتکاری ہے آتم مقتصهائی میں کوئی رکارت نہیں نهرتی اور نہ هونی چاهئے ۔

آپ کسی طرح سوچھے ھیں' میں کسی طرح سوچھا موں . آپ کی بات سب سن لیھے ھیں' میری بات کوئی نہیں سنتا . آپ سے کچھ لوگ ترتے ھیں' منجمے کچھ لوگ قرآتے ھیں . یوں آپ اور میں الگ الگ ھیں . رس طرح کا الگ بن بھی سب میں ملتا ہے . یہ خاص طرح کا الگ بن 'خاص بن کہلاتا ہے' جسے ' وشیشتو' جرح کا الگ بن 'خاص بن کہلاتا ہے' جسے ' وشیشتو' جرمتو 'شخصیت یا پرسنالتی بھی کہتے ھیں .

हुए ही के कि मैंने अपने आदर के दरवाले पर औ शान किसे हुए थे उन्हें जिस तरह मेरे बेढे ने पढ़ा था, सुचार दिया. और किर घर से बाहर किस दिला ने पूरी पूरी गवाही दी कि दूर रहा और जैब दिला ने पूरी पूरी गवाही दी कि दूरवर दे और हर जीह है तब मैं एकान्त से बाहर निकल कर किर दुनिया में वापस आया और आजकल जब कमी भी कोई मौका मिलता है तो दुनिया के कोगों को 'प्रमु हैं' ऐसी बार्वे करता हूं, और हमेशा प्रमु के प्रेम का गीत गाता रहता हूं."

तब जिस स्टेशन पर उन्हें स्तरना था, वहाँ गाड़ी आ पहुंची, भौर वह अपनी जगह से एठकर गाड़ी के बाहर निकतो. मैंने उन्हें प्लाम किया. उन्होंने मुसे आशीर्वाद दिया भौर कहा—''बेटा, पुन्हें भी प्रभु को पहचानने की बेसबरी भौर बेचैनी का बुखा जन्दी ही और ज़ोर से चढ़े.''

यह उनका आशीबोद कव फलेगा, यह तो मैं नहीं कह सकता, हाँ, इतना ज़रूर कहुँगा कि उनका यह आशीबीद मैं आपने जीवन की एक बहुत बड़ी और क्रीमती विस्शिश समम्बद्धा हुँ. میں ہے ہو ہیں گے آئے باہر کے باروائے ہو ہو شبط النے اور پھر شبط النے اور پھر گھا النے اور پھر گھر کے دوھا تھا سدھار کیا ۔ اور پھر گھر بھر کی ایک ایک ایک میں دیا ہو دور دھا اور جب دل نے بوری بوری گواھی دی کے ایشور سے اور ھر جانے ہے تب میں ایکانت سے باھر تعلیر پھر دنیا میں واپس آیا اور آج کل جب کیھی بھی کوئی موقع ملتا ہے تو دنیا کے لوگوں کو 'پربھو میں' ایسی باتیں کوتا ھی' اور ہمیشہ پربھو کے بربھ کی بین کاتا رھتا ھی ''

حمب جس استمیشن پر آنہیں آترنا تھا' رھان کاری آیہوںتھی' اور وہ اپلی جگه سے آٹیکر کاری کے باھر نکلے ۔ میں فے آئیمن پرنام کیا ۔ انہوں نے محمد آشیر واد دیا اور کہا۔'' بیٹا' تمہیں بھی پربھو کو پہنچانئے کی پرموری اور پرنام کی برطوری اور پرنام کی برطوری اور پرنام کی برطوری اور بہیلی کا بطار جلدی ھی اور زور سے چوہے ۔''

یه أن کا آشیر راد کب پهلیکا یه تو میں لہیں که سکتا هاں اِتفا ضرور کهونگا که أن کا یه آشیر راد میں ایے جهون کی ایک بہت بچی اور قیمتی بخشش سمجهتا هوں .

साजन रूप पुजारी निकले

(भाई 'बिसमिल' शेखूपुरी)

भौरों ने भी कहा था ऐसा पी को जान न अपने जैसा स्रोग जिन्हें कहते ये योगी

> अकसर वह संसारी निकले सामन रूप पुजारी निकले.

मैंने समका प्यार करेंगे भौरों का ना ध्यान धरेंगे जितने नयन ये भोते भाते

> खतने अस्याचारी निकले साजन रूप पुजारी निकले.

प्रेम पुजारी कहने वाले प्रेम नगर में रहने वाले हो दिन इस दुनिया में जाकर

> जोबन के न्योपारी निकले साजन कप पुजारी निकले.

ساجن روپ پجاری نکلے

(ہمالی 'بسمل' شمخو پوری) .

بھوٹروں کے بھی کہا تھا ایسا پی کو جان ند ایے جیسا لوگ جنھیں کہتے تھے ہوگی

اکثر وہ سنساری نکلے . ساجن روپ پجاری نکلے .

> میں نے سنجھا پھار کریں کے اوروں کا نا دعیان دھریں کے جھٹے نین تھے بھولے بھالے

اتلے اتیاچاری نکلے . ساجن روپ پنجاری نکلے .

> پریم یجاوی کہتے والے پریم نکر میں زمنے والے ہو میں اس دلیا میں اکر

جوہی کے بیوپاری نکلے۔ ساجن روپ ہتجاری نکلے۔ जबाब मिला—"मैरा सात बरस का सबका." "बह कैसे, मार्च साहब ?"

"तो सुन लो मेरी प्रसु से 'प्रेम सगाई' की कहानी:
''आज से चालीस बरस पहिले मैं एक प्रोफेसर था. सुमे
अपने इल्म पर बढ़ा ही घमंड था और शास्तार्थ का तो
सुमे एक जास शीक था. औरों को दलील बाजी मैं किस
तरह से हरा हूं इसी फिक में मैं दिन रात रहता था. एक दफा
हमारे शहर में एक बड़े बिद्वान आए. उनसे आम लोगों के
सामने मैंने ''ईश्वर है या नहीं" इस मज़मून पर दलील
छेड़ी. आजिर मैं बहुस में उनसे जीत गया. लोगों में मेरी
बाह बाह होने लगी और मेरे राहर की तो कोई हद ही न
रही, यहाँ तक कि मैंने अपने घर के बाहर के द्रवाजे पर
बड़े अन्नरों में यह शब्द लिखाना दिये—

GOD IS NO WHERE

यानी ईश्वर कहीं भीं नहीं है.

'इसके बाद मैं अपनी नास्तिकता के नशे में रात दिन चूर रहने लगा.

"इतने में मेरे घर में एक लड़का पैदा हुआ. मगर इसके पैदा होने से भी मेरे दिल में प्रभु का या इसकी कृपा का रत्ती भर भी खयाल न बाया. वह जब साढ़े पाँच बरस का हुआ तो मैंने इसे एक श्रंगरज़ी स्कूल में पढ़ने के लिये भेजा. श्राहिस्ता श्राहिस्ता वह श्रंगरेज़ी के कुछ छोटे छोटे फिक्करे पढ़ने लगा.

"एक दिन जब वह बार मैं शाम को सैर करके घर वापस आए तो वह घर में दाखिल होने की जगह अचानक दरवाज़ के बाहर खड़ा हो गया और जो शब्द उस पर श्रंगरेज़ी में लिखे हुए थे उन्हें चुपचाप पढ़ने लगा. फिर मेरी तरफ देखकर कहने लगा—

'' 'पिताजी, मैं बताऊँ दरवाजे पर क्या किसा हुआ है ?' '' 'अगर बता सकते हो तो बताओ, बेटा !' मैंने जवाब स्या

"फिर वह शब्दों को एक एक करके पढ़ने लगा. उसने उन्हें इस तरह पढ़ा-

'GOD IS NOW HERE'

यानी ईश्वर भव यहीं ही है.

"साल्म नहीं क्यों, अपने केटे को इन शब्दों को इस तरह पढ़ते देखकर मेरे सारे जिस्म में एक किस्म की विजली दौड़ उठी और मेरे मुँह से अपने आप यह शब्द निकल पढ़ें—"बात तो बिल्कुल सही हैं!' उस वक्कत से मुक्ते एक किस्म की वेचैनी का बुक्तार चढ़ गया और सारी रात उस बुक्तार में मैं एका रहा. सुबह हुई, अभी घर के लोग सोए پیولی ملا ۔ " میرا سات برس کا لوگا ہا

الا ولا کھسے ' بھائی صاحب کا''

GOD IS NO WHERE

یعلی ایشور کہیں بھی نہیں ہے ۔

'' اِس کے بعد میں ایلیناستعتا کے نشے میں رات دن ہور رہنے لگا ،

" آتنے میں مہرے کہر میں ایک لوکا پیدا ہوا ، مگر اُس کے پیدا ہونے سے بھی میرے دل میں پربھو کا یا اس کی کریا کا رتی بھر بھی خیال نہ آیا ، وہ جب ساڑھے ہانچ برس کا ہوا تو میں نے آسے ایک انگریزی اسکول میں پڑھنے کے لئے بھیجا ، آھستہ آھستہ وہ انگریزی کے کچھ جھوٹے جھوٹے جھوٹے خیرے پوھنے لئا ،

'' ایک دن جب وہ اور میں شام کو سیر کرکے گھر واپس آئے تو وہ گھر میں داخل ہونے کی جگھ اچانک دروازے کے پاہر کھوا ہوگیا اور جو شبد اس پر انگریزی میں لکھے ہوئے تھے آنہیں جب چاپ پڑھنے لکا ، پھر میری طرف دیکھ کے کہنے لگا ۔۔۔

'' 'پتا جي' مهن بتاون دروازه پر کيا لکها هوا هے آگ' '' 'اگر بتا سکتے هو تو بتاو' بيتا!' ميں تے جواب ديا ۔

" "پھر وہ شہدوں کو ایک ایک کرکے پوھلے لیا ، اُس لے اُس میں اِسلام پوھا —

'GOD IS NOW HERE'

﴿ يَبِعِنَى ايشرر أب يهون هي هـ .

'' معلوم نہیں دھوں' آپ بھتے کو اِن شہدوں کو اِسطاح اِسطاح اِسطاح میں ایک قسم کی بجلی دور اُسطاح اور مہارے ملے سے آپ یہ شبد نکل ہوں۔' بات اُس وقت سے مجھے ایک قسم کی یہ میں کا بخار جوہ گیا اور ساری رات اِس بخار میں میں ہوا رہا ۔ صبح ہوئی' ابھی کہر کے لوگ سوئے میں ہوا رہا ۔ صبح ہوئی' ابھی کہر کے لوگ سوئے

ईश्बर की कुद्रत के कानूनों को मानना है. यही वह कानून है जो सब कौमों, सब मुलकों और सब मजहबों के बानी, महात्मा और साइंसदां बताते आए हैं. इन कानूनों को मानने और उन पर अमल करने से ही इस दुनिया और दूसरी दुनिया में आदमी को सुख मिल सकता है.

ं यह यह कायरे कानून हैं जिन पर सब अलग अलग धर्म एक राय हैं.

इस आज तक सुनते आए हैं कि इर बच्चे को तीन चार यानी पढ़ना, लिखना और हिसाब सिखाना जरूरी है. इन तीन में एक चौथा आर 'यूनीवरसल रिलिजन' यानी व्यापक काचमगीर मजहबे इनसानियत, मानव धर्म का भी हमें ओड़ लेए चाहिये. पर पहले इस मानव धर्म को को ज निकालना को ग्रामना होगा. यह मानव धर्म वह असूल हैं जो सब धर्म मजहबों के अन्दर एक बराबर पाए जाते हैं. दुनिया के तालीम देने वालों और साइन्स दानों का फर्जी है कि वह इस काम में मदद दें. अलग अलग मतीं और तफरकों के अन्दर से एकता के जवाहर बीन निकालें. इसके लिये दुनिया के सब बड़े बड़े मजहबीं की खोज पाहरी है. फिर इन एकता के क़ीमती जवाहरात को जमा कर के किताबों स्पीर पाठों की सूरत में दुनिया के सब लड़कों भौर लड़कियों को सिखावें. दुनिया को एक करने के जितने तरीके बताए जा रहे हैं उन में सबसे मुफ़ीद, सबसे जरूरी भौर सबसे टिकाऊ तरीका यही है.*

ایمور کی قدرت کے قالونوں کو مانکا ہے ۔ یہی وہ قانوں ہے جو سب قدرس آور ساندس ملکوں آور سب مقدر کے گھانی مہاتما آور ساندسداں بھاتے آئے مھیں ۔ اِن قانونوں کو ماننے آور اُنھر عمل کرتے سے می اِس دنیا آور دوسری دنیا میں آدمی کو سکھ مل سکھا ہ

یہ وہ قاعدیے قانون میں جن پر سب الگ الگ دھرم ایک رااے میں ،

هم آب تک سنتے آئے هیں که هر بنچے کو تین آر يعلى لهوهنا لكهنا أور حساب سكهانا فروري ه. إن تهور مهن ایک چوتها آر 'یونهورسل ریلهجن' یعلی ریایک عالمُكهر مدهب أنسانيت مادو دهرم كا يهى همين جور لينا جاهيً . ير يهل إس مالو دهرم كو كهوم نكالنا أور سمجهدا هوكا . يه مانو دهرم وه اصول ههي جو سب دعرم مذهبوں کے اندر ایک برابر بائے جاتے میں . دنیا کے تعلهم ديني والول أور سائنس دانول كا فرض هے كه ولا إس کام میں مدد دیں . الگ الگ متوں آور تفرتوں کے اندر سے ایکٹا کے جواہر بھی تکالیں' اِسکے لگے دانیا کے سب ہوے ہوے مذھبوں کی کھوچ ضروری ہے۔ پھر اِن ایکتا کے تهستی جواهرات کو جمع کرکے کتابوں اور پاتھوں کی صورت میں دنھا کے سب لر س آور لڑکھوں کو سکھاویں . دنها کو ایک کونے کے جدئے طریقے بتائے جارہے عیں أن مھن سب سے مفید' سب سے ضروری آرر سب سے تکاؤ طريقه يهي هے .•

स्फ़ियों की सोहबत में

(2).

(भाई गु० म०)

"यह सगन आपकी प्रभु से कब की लगी हुई हैं, भाई बाहब ?" मैंने अपने साथी से, जो मेरे साथ रेल में सफर कर रहे थे, पूछा.

''तक़रीबन तीस बरस से.'' चम्होंने जवाब दिया.

"और इस रास्ते पर पहले आपको कीन लाया ?'' मैंने फिर उनसे पूछा.

صونیوں کی صحبت میں (2)

(بهائی گ . م .)

'' یہ لگن آپکی پربھو سے کب کی لگی ہوئی ہے' بھائی صاحب ؟'' میں نے ابھ سانھی سے' جو مھرے ساتھ ریل میں سفر کر رہے تھے' پوچھا .

" تقریباً نیس برس سے ،" أنهوں نے جواب دیا . " أور أس وأستے پر پہلے آپكو كون لایا ؟ ' میں نے بهر أن سے پوچوہا .

[•] अधिक जानकारी के लिये लेखक की अंगरेजी किताब—The Essential Unity of All Religions पढ़िये

انمک جانعری کے لئے لیکیک کی انگریزی کتاب
 The Essential Unity of All Religions

को अपन्य की पारना रहेती, कर तक अध्यक्ष में क्ये वह कान्ति और सक्त मिलेगा जो उसके बीनना नामुसकिन भी है और जुल्म भी. जावमी के विंत से यह बात नहीं मिट सकती कि भगर इसे सारी दुनिया भी मिल जावे पर ध्यकी आत्मा या रूह ध्यसे खो जावे तो उसे कोई काबदा नहीं. अगर सममदार आदमी लोगों को सच्चा धीर साइन्सी मज़हब न हैंगे तो लोग मजबूर होकर मृदे बहुमों और अन्धविश्वासों के उन मजहबों में फंसते रहेंगे जो दुनिया भर के पंढे पुजारी, पार्री और कठ मुझा इन्हें देते रहते हैं. धर्म मज़हब की पियास केवल इन लोगों में नहीं होती जो जानवरों की तरह आगे पीछे नहीं देख सकते, या उन लोगों में भी नहीं होती जो सब देख भाल कर अपनी अनन्त आत्मा के अन्दर सारी दुनिया का रहस्य यानी राज देख चुके हैं. यह दूसरे लोग धर्म मजहब से ऊपर उठ चुके. आज की दुनिया में इस तरह के आदमी विरले ही हैं. अधिकतर लोगों के लिये धर्म की जरूरत है इसीलिये धर्म जिन्दा है. उसका एक रूप खतम हो जाता है तो वह दूसरा रूप धारन कर लेता है.

स्वामी शकराचार्य ने तिखा है—"जो आदमी इच्छा, इतन चौर कमें तीनों गुनों से ऊपर एठ जाता है उसके तिये फिर न कोई विश्वि या हुकुम है चौर न किसी चीज का निशेध या मनाही."

इसी बात को सूकी वूसरे राब्दों में कहता है—"जो रब को पहुंच गया वह रब हो गया, जिस के लिये सब रब ही रब है उसके लिये फिर श्रलग रब कहां, जहां सूरज ही सूरज है वहां रात कहां, सूकी श्रपने को मिटा चुका; जिसने अपने को सिटा दिया उसके लिये कोई मजहब नहीं, जो यार तक पहुंच गया उसे दूसरा कोई मतलब नहीं."

जगर यह बात सच है, और यह सच है कि इनसान के दिल के जन्दर यह बात जमी हुई है कि इस जिन्दगी के बाद भी कोई जिन्दगी है, और आदमी उस जिन्दगी को और इस जिन्दगी के साथ उसके सम्बन्ध को जानना और सममना बाहता है, अगर यह बात है, और यह सच है कि साइन्स जीवन के लिये हैं, जीवन साइंस के लिये नहीं, तो सममतार बादमी कभी इस बात को आखिरी नहीं मान सकता कि साइंस और मजहब दोनों में मेल नामुमकिन हैं. इज्लीकत, साइंस, वेद, मारकत और ज्ञान पांचों के एक ही मानी हैं इसे इन पाँचों को एक दूसरे की रोशनी में देख कर इन की एकदा को सममना है.

वैशेशिक सूत्र में लिखा है—"यतो अभ्युद्य निःश्रेयस सिक्षिः सघर्मः." मानी जिस बात से इस दुनिया में चौर इसरी दुनिया में दोनों में भावमी को सुक्ष मिले बही धर्म दुर्मिकर सम्बद्ध की भाकाओं को मानने का मतलब ही

کی مناعب کی فرورت رہے گی، قب گفت میں ميني أس وه شانعي أور سكون ملے گا جو أس س والمناف المسكن بهي هي أور طلم بهي . أدمى كي على س الله بات نہیں مت سکتی که اگر أسے ساری دنیا بھی مل جارے پر اسکی آنما یا روح اس سے کھو جارے تو أس كوئى قائدة نهين . اكر سمجهدار آدمى لوگون كو سجا آور سائنسی مذهب نه دینگے تو لوگ مجبور ھوکو جھوتے وھموں آور اندھ وشواسوں کے أن مذھبوں میں پہنستے رهیں کے جو دنیا بھر کے پندے پنجاری پادری آور کتم ملا أنهين ديتم رهتم هين . دهرم مذهب کي پهاس کهول آن لوگون مين نهين هوتي جو جاتورون کی طرح آئے پیچھ نہیں دیکھ سکتے' یا ان لوگوں میں بھی نہیں ہوئی جو سب دیکھ بھال کر ایڈی اندت آتماً کے آندر ساری دنیا کا رہسیم یعنی راز دیکھ چکے مہن ، یہ درسرے لوگ دھرم مڈھپ سے اوپر اُتھ چکے. آج کی دنھا میں اِس طرح کے آدمی براے هی هيں . ادهک تر لوگوں کے لئے دعرم کی ضرورت هے اِسی لیے دهرم زنده هے . اُسکا ایک روپ ختم هو جاتا هے تو وہ دوسرا روپ دھارن کرلیتا هے.

سوامی شدّ کر آچاریه نے لکھا ہے۔۔۔ ''جو آدمی اِچھا' گھاں اور کرم تھذوں گفوں سے اُردر اُتھ جاتا ہے اُسکے لگے پھر نے کوئی ودعی یا حکم ہے اُرر نہ کسی چھڑ کا نشیدہ یا مقاهی''.

اسی بات کو صوفی دوسرے شبدوں میں کہتا ہے۔
''جو رب کو پہنچ گیا وہ رب ھوگرا جسکےلگے سب رب ھی
رب ہے اسکے لگے پھر الگ رب کہاں' جہاں سورج ھی سورج
ہے وہاں رات کہاں' صوفی آئے کو مثا چکا' جس نے آئے کو مثا دیا اُسکے لگے کوئی مذھب نہیں' جو یار تک پہنچ
گیا اُسے دوسرا کوئی مطلب نہیں''

اگو یک بات سے ھے' اور یہ سے ھے کہ انسان کے دل کے اندر یہ بات جمی ھوئی ھے کہ اِس زندگی کے بعد بہت جمی ھوئی ھے کہ اِس زندگی کے بعد اور آدمی اُس زندگی کو اور اِس زندگی کے ساتھ اُسکے سمبندھ کو جاتا آور سمجھا چاھٹا ھے' اُئر یہ بات ھے' آور یہ سے ھے کہ سائٹس جھون کے لئے ھے' جھون سائٹس کے لئے نہیں' تو سمجھدار آدمی کبھی اِس بات کو آخری نہیں مان شکتا که سائٹس آور مذھب درنوں میں معل ناممکن ھے۔ کہ ایک ھی معلی میں دید' معرفت آور گیان پانچوں کو ایک فرسرے کی دوشلی میں دیکھکر اِن کی ایکنا کو سمجھا ھے۔ شروسرے کی دوشس سوتر میں لکھا ھے۔ "یتو ابھیودے نیم شرو یس سدھی سفومہ''، یعلی جس بات سے اِس فنیا شہور میں آور دوسری دنیا میں درنوں میں آدمی کو سکھ میں میں آدمی کو سکھ میں میں شرو دوسری دنیا میں درنوں میں آدمی کو سکھ میں میں شرو دوسری دنیا میں درنوں میں آدمی کو سکھ میں میں شامل کی مانٹے کا مطاب ھی

मतलब है जो हिन्दू पुस्तकों में 'यम' और 'बमाबान' का 'अल-जन्तर' और 'अल-करीम' का वही अर्थ है जो 'घोर' और 'द्यालू' का. 'अल-जलील' और 'अल-जमील' के बहीं मानी हैं जो 'ईश्वर' और 'मधुर' के, वरौरा: इसी तरह के जोड़े जोड़े के नाम ईरषर के दुनिया की सब धर्म पुस्तकों में मिलते हैं.

्र इसलाम की किताबों में जिन्हें 'सि नात' कहा गया है हिन्द किताबों में उन्हीं को 'विभूतियाँ' कहा गया है. 'सिफात' दो तरह की हैं. 'जलाली' और 'जमाली' विभू-तियाँ भी दो तरह की हैं. 'ऐश्र्य बाली' और 'माधूर्य बाली'. दोनों का एक ही मतलब है.

यह दियों के पर्म प्रन्थों में भी जिन्हें 'क़ब्बालह' कहा जाता है ठीक इसी तर् की नाम मिस्रते हैं. 'फ़ब्बालह' के बहुत से नाम घरबी और संस्कृत नामों से बिलकुल मिलते हुए हैं.

क़्रान में चल्लाह के निकानवे नाम मशहर है. पारसी · किताबों में 'ब्रहरमञ्द' के एक सी एक नाम हैं. यह एक सौ एक नाम वेदों के संस्कृत नामों से बेहद मिलते हुए हैं जैसे पारसी 'बहुरमज्द' संस्कृत 'बसुर-मेधा' पारसी 'अवितन्य' वैदिक 'अभितन्य' पारसी 'खत' वैदिक 'कतु', फारसी 'खिरद'. पारसी 'चिरित' वैदिक 'चित'. पारसी 'दाता' संस्कृत 'घाता'. पारसी 'थाता' संस्कृत 'त्राता'. पारसी 'दूरेदर्शता' संस्कृत 'दूरदृश्टा'. पारसी 'पनाता' संस्कृत 'झाता' वरौरा बरौरा. ईश्वर के इन पारसी नामों का एक एक का ठीक वही मतलब है जो संस्कृत नामों का. प्रानी पारसी भाशा और संस्कृत दोनों का निकास एक जगह से हैं.

यही दुई का ख़याल और यही जोड़े जोड़े के नाम हमें चीनी महात्मा कंगकृतचे की कितावों में मिलते हैं.

ठीक यही चीजें चीनी महात्मा लाझोतजें की किताबों में भी मिलती हैं. लाब्योत जो जिसे 'सनत्साइ' कहता है उसी को हिन्दू कितावें 'सन्सार' कहती हैं.

यूनानी धर्म की कितावों से भी इसी तरह की वातें नक्षम की जा सकती हैं.

आदमी की जिन्दगी इस दुई के साथ एक लगातार संप्राम है. इसी दुई में से हमें अपना रास्ता बनाना है, ठीक खुनना है, दुई को पार करना है.

यही सब धर्मी का उपदेश है, यही सब विदाओं का धीर यही ऊँची से ऊँषी साइंस का. सब यह है कि हमें पक साइन्सी मजहब की ज़रूरत है. मजहब दुनिया के निये उतना ही पहरी है जितना साइंस. भादमी जब तक दहें भीर मीत की बाबत सोचता रहेगा, जब तक वह भएतें: आगे और पीछे दोनों तरक निगाह बालेगा, तब तक इनसार

ملك و بر دهو يعكن من اير اور بهدال " "النصفار" أور "الكريم" كا وهي أرته ها جو "كهور" أور "ديالو" كا 'التصليل' آور ' التصديل على وهي معلى هيس جو ' ايشور آور ا سدهر ' کے رفیرہ ، اِسی طرح کے جوڑے جوڑے کے نام ایشور کے دلیا کی سب دھرم پستکوں میں ملتے هیں . . إسلام كي كتابس مهي جنهيل و سنات كها كيا هـ هقدر كتابين مين أنهين أو ' وبهوتيان ' كها كها هي . ' صفات ' فو طّرح کی هیں ، ' جلالی ' أور ' جمالی ،' ربهوتیان بهی دو طرح کی هیں ، ایشوریه والی آور مادهریه والی ، آور مادهریه والی ، دونوں کا آیک هی مطلب هے .

يهوديوں كے دهرم گرنتهوں ميں بھى جنهيں 'قباله' کہا جاتا ہے تھیک اِسی طرح کے نام ملتے میں . 'قبالہ' کے بہمت سے نام عربی آور سلسکرت ناموں سے پاکیل ملتے ہوئے ہیں ۔

قرآن میں اللہ کے نفانوے نام مشہور ھیں ، ہارسی کتابوں میں 'اعرمود' کے ایک سو ایک نام ھیں . یہ ایک سو ایک نام ویدوں کے سنسکرت ناموں سے بیعد ملته هونه هين . جيسه يارسي 'أهرمود' سنسكرت ' آسر مهدها ، پارسی الریعلیه از ریدیک البه پیعلیه ، پارسی 'کهرتو' ریدک 'کرتو' فارسی 'خرد' پارسی 'چشعی' ریدک 'چت' پارسی 'دان' سنسکرت 'دهانا' پارسی أُتَّهِرَانَا السَّلَسَكِرِتَ أَتَرَانًا . پارسی 'دوردرشتا' سلكرت 'درر درشتا' . پارسی 'زناتا' سنسکرت 'کیاتا' وفیره وفیره . ایشور کے اِن پارسی ناموں کا ایک ایک کا تھیک وہی مطلب هے جو سلسکرت ناموں کا . پرانی پارسی بهاشا اور سنسکرت دونوں کا نکاس ایک جگه سے ہے.

یہی 'دوئی' کا خیال اور یہی جوڑے جوڑے کے نام همیں چھٹی مہاتما کلگ فوتوے کی کتابوں میں ملتے

تهیک یہی چیزیں چینی مہاتما لاؤتزے کی کتابیں مين بهي ملتي هين . لاوتوب جسم "سلتسائي" كهتا ه آسی کو هلدو کاتآبهن اسلسارا کهاتی ههن .

یونانی دهرم کی کتابوں سے بھی اسی طرح کی باتیں نقل کی جاسکتی هیں .

آهمی کی زندگی اس دوئی کے ساتھ ایک اعاتار سلکرام ھے ، اِسی فوٹی میں سے همیں اینا راسته بدانا ہے کہیک حفقا هے فرٹی کو پار کرنا ھے .

يہى سب دھرموں كا أيديم هے يہى سب ودياوں كا ارر یہی اُونچی شُ اُرنچی سائلس کا . سے یہ ہے که همهن ایک سائلسی مذهب کی صرورت هے . مذهب دنها كر للر الله هي فروري في جنتنا سائلس . آدمي جب تك دوي أور موت إلى بايت سبهتا ري كا جب تك رد الله أو يهديم عالم الله الله الله قال ١٤ تب تك إنسان

है और एक रस होकर सामना करते हुए अपनी तरक और वूसरी तरक अपने करकों को पूरा करते रहना और इससे अपने खुद के लिये कोई बदला न चाहना ही हन्द यानी हुई से ऊपर उठना है.

यूनान के एक मराहुर मन्दिर, डेखफिक टेन्पिल पर यह हो बाक्य खुदे हुए थे. एक—'कोई चीज हद से जियाता नहीं.' और दो—'अपने को जानो.' यह दोनों वातें एक दूसरे को पूरा करती हैं. जो किसी बात में भी हद से बढ़ता है वह अपने को नहीं जान सकता. यह सम्तोल यानी सकून हासिल कर बेना ही सच्चा ज्ञान हासिल कर लेना और अपने को पहचानना है.

पारसी धर्म के बानी जातुरत ने लिखा है— "डजाला धौर डांधरा, अच्छाई और बुराई जो एक दूसरे के साथ बंधी हुई हैं हमेशा से चली आरही हैं. फिर भी वह एक दूसरे से अलग हैं. हमारे सोच किकर में, हमारी बातों में और हमारे कामों में सब जगह यह साथ साथ और अलग अलग दिखाई देती हैं. सममदार आदमी रोशनी की तरक चलते हैं और नासमम तब तक आंधरे की तरक को चलते रहते हैं, जब तक वह सममदार नही जाएं. इन्हीं पुराने रास्तों पर चल कर अच्छी और बुरी इच्छाएं आदमी में पैदा होती हैं. इन्हीं से एक नकरत की तरक जाते हैं और दूसरे मुहब्बत की तरक, ऐ अहुरमजद (ईश-बर)! मुमे अपने मन पर काबू हासिल करके इस दुई से जपर उठते हुए सीधे रास्ते पर चलने की ताकत दें."

सब धर्म पुस्तकों में ईश्वर अल्लाह के नामों के बारे में भी यह दुई मौजूद है और सब धर्म वालों ने ईश्वर को हो दो नामों से पुकारा है.

क़रान उसे 'अल-अञ्बल' और 'अल-आजिर' कह हर पुकारता है, वेदों में उसे 'आदि' और 'अन्त' कहा ाया है. दोनों के एक ही मानी हैं. क़रान उसे 'झल-बातिन' मीर 'अल-बाहिर' कह कर पुकारता है. वेद उसी को घटयक्त' और 'व्यक्त' कहता है. दोनों का एक ही मतलब ै. करान में उसे 'अल-बादी' और 'अल-जामी' कहा गया े. बेंबों में उसी को 'सुरटा' भीर 'संहाती' कहा गया है. ोर्नो का ठीक वही मनशा है. क़रान में 'कल-मुही' और अब-अमीत' नाम आते हैं. वेदों में उसी को 'भव' और हर' कहा गया है, यानी जान डालने वाला और मारने ाला. फ़रान में जो 'अल-मुजिल' और 'अल-हादी' से ातलव है वही बेदों में 'मायी' और 'तारक' से हैं. यानी भाने वाला या आजमाने वाला और ठीक रास्ता वताने । ता. करान में 'मल-कहहार' भीर 'मलरज्जाक' नाम शते हैं. वेदों में बन्हीं के मुक़ाबते के 'ठद्र' और 'शिव' क्रुरान में 'राष्ट्रकार' का वही

آور ایک رس هوکر سامقا کرتے هوئے ایلی گوت گور دوسری طرف ایھ فرضوں کو پورا کرتے رها آور اس سے آیے خود کے لئے کوئی بدلہ نہ چاهدا هی دوند یعلی دوئی سے اور آتھنا ہے .

یونان کے ایک مشہور مندر' ڈیلفک ٹمپل پر یہ دو واکیہ کیدے ہوئے تھے . ایک ۔ ''وائی چھڑ حد سے زیادہ نہیں'، اور دو۔۔'ایے کو جانو' . یہ دونوں باتیں ایک دوسرے کو پورا کرتی ھیں . جو کسی بات میں بھی حد سے بوھٹا تھے وہ آیے کو نہیں جان سکتا . یہ سندول یعنی سکون حاصل کو لینا اور آیے کو بہتیاننا ہے .

پارسی دهرم کے بانی زرنشت نے اکھا ہے ۔۔'' اُجالا اور اندھیرا' اچھائی اور برائی جو ایک دوسرے کے ساتھ بندھی ھوئی ھیں مدیشہ سے چلی آرھی ھیں ۔ پھر بھی وہ ایک دوسرے سے انگ ھیں ۔ ھمارے سوچ فکر میں' ھماری بانوں میں اور ھمارے لامرں میں سب جگہ یہ ساتھ ساتھ اور الگ انگ دکھائی دیتی ھیں ۔ سمجھدار آدمی روشنی کی طرف چلتے میں اور نا سمجھ تب تک اندھیرے کی طرف کو چلتے رھتے ھیں' جبٹک وہ سمجھدار نہ ھوجائیں ۔ اِنھیں پرانے راستوں پر چلکر اُچھی اور بری انھیں تدا ہوتی ھیں ۔ اِنھیں سے ایک نفرت کی طرف جاتے ھیں آور دوسرے محبت کی طرف ، اِنھیں سے ایک المرمود (ایشور) ا مجھے ایے من پر قابو حاصل کرکے اس دوئی سے اوپر اُتھتے ہوئے سیدھے راستے پر چلئے کی طاقت دے ۔''

سب دھرم یستکوں میں ایشور الله کے ناموں کے بارے میں بھی یہ دوئی موجود ھے اور سب دھرم والوں نے ایشور کو دو ناموں سے پکارا ھے .

धर्म मज़हब की ज़रूरत

(डाक्टर भगवान दास)

दुनिया के सब बड़े बड़े मजह वों की धर्म पुस्तकों को मिला कर पढ़ने से उन में तरह तरह की समानता देखने हो मिलाती हैं. मिसाल के तौर पर यह खयाल सब धर्म इसकों में पाया जाता है कि लगभग हर चीज के दो हिला होते हैं और सममत्वारी इसी बात में है कि हम दोनों हिला को मिला कर देखें और जहाँ तक हो सके बीच के इसे चे चलने को कोशिश करें. उपनिशद में लिखा है—
यह सारा जगत द्वरूपय / दुई से भरा) है. यहाँ की । च चीजें दो दो के जोड़ों में रहती हैं."

क़ुरान में भल्लाह कहता है—"हमने सब चीजें दो दो जोड़ों में बनाई हैं."

ठीक यही बात इनजील में कही गई है.

कभी कभी इन दो में से देख भाल कर एक को जुनना इ जाता है. योगभारय में लिखा है—'आदमी के चित गानी मन की नदी एक दूसरे के जिलाफ दो तरफ को बहती हती है, कभी भलाई और नेकी की तरफ और कभी पाप शीर बरबादी की तरफ एक सूकी ने कहा है—'एक कड़ुवे गानी की नदी और दूसरी मीठे पानी की नदी दोनों साथ गाथ बहती रहती हैं, और इन दोनों के बीच से तलवार शी घार की तरह बारीक असकी सकून और सलामती का

महाभारत में लिखा है—"जिस तरह सरदी और रमी के बीच एक जगह है जहाँ न सरदी है चौर न गरमी, सी तरह सुख चौर दुख के बीच में शान्ति का वह मुक़ाम जहाँ न सुख है चौर न दुख." यही खयाल सब मजहबी कताबों में मिजता है. गीता में बार बार यह विचार आया —"ऐ कर्जुन! जो जादमी दुन्द (दुई वा रौरियत) से उपर ठ जाता है वह आसानी के साथ सब बन्धनों से कूट गता है. जो कामवाबी चौर नाकामयां में एक रस हता है, जो अपने पराप का करक नहीं करता, जिसे किसी है बैर नहीं, जो अपने लिये जो कुछ भी मिल जाय वसी सन्तोश मान लेता है, वह दुनिया, में खपना फर्ज पूरा इरते हुए भी अपने कामों से बन्धन में नहीं पड़ता."

सब धर्म पुस्तकें हमें यह समकाती हैं कि इस दुनिया हिं साम और हानि, नका और नुक्रसान, सुख और दुख हाथ साथ चलते हैं. ज्व तक हमारे असग असग जिस्म हैं। श्री तक यह सब रहेंगे. इससिये इन सब का शान्त चित्त

فهرم مذهب كي ضرورت

(قائقر بهغوان داس)

فیا کے سب ہوے ہوے مذہوں کی دہوم پستکوں کو ملائر پوہلے سے اُن موں طرح طرح کی سمانتا دیکھنے کو ملتی ھے . مثال کے طور پر یہ خیال سب دھرم پستکوں میں پایا جاتا ھے کہ لگ بھگ ھر چھڑ کے دو پہار ھوتے ھھں آور سمتجھداری اِسی بات میں ہے کہ ھم دونوں پہلوؤں کو ملا کو فیکھیں آور جہاں تک ہوسکے بیچے کے راستے سے چلنے کی کوشش کریں . اُینشد میں لکھا ھے ۔ '' یہ سارا جکمت دوند مے (دوئی سے بھرا) ھے . یہاں کی سب چیزیں دو دو کے جوزوں میں رہتی ھیں ''

قرآن میں اللہ کہتا ہے ۔۔'' ہم نے سب چیزیں دو دو کے جوزوں میں پذائی ہیں ۔''

توپیک یہی بات انجهل میں کہی گئی ہے .

کبھی کبھی اوں دو میں سے دیکھ بھال کر ایک کو چاہل پر جاتا ہے۔ یوگ بھاشیہ میں لکھا ہے ۔۔'' آدمی کے چت یعلی من کی ندی ایک دوسرے نے خالف دو طرف کو بہتی رہتی دی کبھی بھائی آرر نیکی کی طرف آور کبھی پ پ آور بری دی کی طرف ایک صوفی نے کہا ہے ۔۔''ایک کووے پانی کی ندی آور دوسری میٹھے پانی کی ندی دونوں ساتھ ساتھ بہتی رہتی ہیں آور اِن دونوں کے بھی سے تلوار کی دھار کی طرح باریک اصلی سکون اور ساتھ ہے ۔''

مها بهارت میں لکھا ہے۔ '' جسطرے سردی آور گرمی' کے بیچ ایک جگہ ہے جہاں نہ سردی ہے آور نہ گرمی' اسی طرح سکھ آور داھ کے بیچ میں شانتی کا وہ مقام ہے جہاں نہ سکھ ہے آرر نہ دکھ '' یہی خھال سب مذھبی کتابوں میں ملتا ہے ۔ گیتا میں بار بار یہ وچار آیا ہے ۔ '' اے ارجن اِ جو آدمی دوند (دوئی یا غیریت) سے اوپر آتے جاتا ہے وہ آسانی کے ساتھ سب بلدھلوں سے چھوت جاتا ہے ، جو کامیابی آور ناکامیابی میں ایک جھوت جاتا ہے ، جو کامیابی آور ناکامیابی میں ایک کسی سے بھر نہیں' جو آپ پرائے کا قرق نہیں کرتا' جسے کسی سے بھر نہیں' جو آپ لئے جو کچھ بھی مل جائے اُسی میں سفتوش میں لیتا قرض پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں فرض پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں فیس پورا کرتے ہوئے بھی اپ کاموں سے بلدھن میں فیس پینا ۔''

سب دهرم پستکیس همیں یه سمجهاتی هیں که اِس دنها میں لابھ آور هائی تقع آور نقصان سکھ آور دکھ ساتھ ساتھ چاتھ جھیں ، بجب تک عمارے انگ الگ جسم هیں تب تکیدیہ سب زائمگی، اِس لگر اِن سبکا شانت جست विनारिकों उक्ती हैं तेरी शरारत पर कनता की आँकों से वाक्द की वृ आती है बरावर अब जनता की साँकों से हिरायार ! उपकता है अब और ही कुछ जनता की बातों से कुछ मीत की आँख अपक जाती है अब जनता की निगाहों से वह छलका सब का पैमाना, तारीख ने वो छापा मारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाव चलेगा बंजारा.

(28)

बह देख कि अब दुनिया भर में मज़्द्धमों के दल सजते हैं बह सुन कि सताए हुए तेरे शेरों की तरह गरजते हैं ग़ुस्से से वह चेहरे दमकते हैं शोलों से वह सीने मेंजते हैं बह बाग़ियों के लक्कर में कही अब कूच के डंके बजते हैं बह उदे शरर वह इनक़लाब के काले नाग ने फुनकारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा

(29)

मैं वाल स्ट्रीट के सहे वाज़ों का श्रासली रूप दिखाता हूँ इस हुक्मरान तबक़ के रुख़ से आज नकाव उठाता हूँ दुनिया भर में इस फैले हुए खतरे से तुम्हें चौंकाता हूँ अमरीकी बंजारानामा गा गा के 'फिराक़' सुनाता हूँ सब मिल के लगाओं देश देश में जनता की जय का नारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

['फिराक़' साहब की इस कविता में जहाँ अमरीकी जिल्दगी का खासा चित्र है वहाँ इसमें हिन्दुस्तानी बोल चाल के कुछ चुने हुए महाबरे भी भरे हुए हैं जैसे वे भाव की पड़ना. वारा न्यारा. दुकान बढ़ाना. परले पड़ना. पारा चढ़ना. सर मारना. दराल कसल. शैतान की आँत. वार्तों में आना. दो दिन की चाँदनी फिर अन्धेरा पाखा बरौरा वरौरा. यह हिन्दी सीलने वालों के लिये बड़े काम के हैं.

इसी तरह की 'किराक' साहब की एक दूसरी कविता "इम डाजर देस को देख आए" सितम्बर के 'नया हिन्द' में इम छाप रहे हैं.

---पडीटर]

بارود کی ہو آتی هیں تیری شرارت پر جنتا کی آنکھوں سے
بارود کی ہو آتی هے برابر آب جنتا کی سانسوں سے
هشهار! ٹیکٹا هے آب اور هی کچه جنتا کی باتوں سے
خود موت کی آنکه جههک جاتی هے آب جنتا کی ناعوں سے
وہ چهلکا صبر کا پیمانہ تاریخ نے وہ چهاپا مارا

(28)

وہ دیکھ کہ آب دنھا بھر میں مطلوموں کے دل سجھے میں وہ سن کہ ستانے ہوئے تیرے شہروں کی طرح گرجتے میں مصلوب سے وہ سینے منجھے میں وہ یافیوں کے لشکر میں کہیں آب کوچ کے ذنائے بجھے میں وہ آڑے شور وہ انتقاب کے کاے ناگ نے پہنکوا اسب تہات ہوا۔ کا بنتجاراً ۔

(29)

میں وال استریت کے ستے بازوں کا اصلی روپ دکھاتا ھوں اس حکمولی طبقے کے رخ سے آج نقاب اُٹھانا ھوں دنیا بھر میں اِس پھھلےھوئے خطرے سے تمہیں چونکاتا ھوں امریکی بنجارہ نامہ کا کا کے ' فراق' سناتا ھوں سب مل کے لکاؤ دیھی دیھی میں جلتا کی جے کا نعرہ سب ٹھات پوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجاراً.

['فراق' صاحب کی اِس کویدا میں جہاں امریکی زندگی کا خاصا چھر ہے وہاں اُس میں ہددستانی ہول چال کے کچھ چنے ہوئے محصاوری بھی بھرے ہوئے ہیں، جیسے یے بھاؤ کی یونا، وأرأ نہارا، فوکان بوہانا، یلے یونا، یارہ چوہنا، سرمارنا، دفل فسل شیطان کی آنت، بانوں میں آنا، دو دن کی چاندنی بھر اندھیرا یائه، وفیرہ وفیرہ، عددی سیکھنے والوں کے لئے بوے کام کے ہیں،

اسی طرح کی ' فراق ' صاحب کی ایک دوسری کویتا '' هم قالر دیس کو دیکھ آئے '' ستمبر کے '' نیا هند ' میں هم چہاپ رہے هیں .

-ايتبتر]

⁽²⁸⁾ रार्ट - विभगारियाँ (29) नमाय - पर्दा.

दी तरह बहुत दुनिया भर के मज़दूरों श्रीर किसानों ने की तेरी विद्यारों पर हैरत दीवानों ने फ़रज़ानों ने शायल सीनों में ज़ोर भरा फिर ख़ुन हुए श्ररमानों ने श्री पैंतरेबाज़ श्रव देखेगा कि सताए हुए इनसानों ने दुनिया के श्रवाबे में तुमको एक रोज़ उठा के दे मारा सब ठाट पदा रह जाएगा जब साद बलेगा बंजारा.

(23)

जो बात बनाई थी तूने वह बात बिगइने बाली है जो बज़म जमाई थी तूने वह बज़म उस्वइने वाली है श्चव छुटे हुए राथों की बग़ाबत ज़ोर पकदने वाली है बंजारे सर की खेरे मना बे भाव की पड़ने वाली है तारे नज़र श्चाएंगे दिन के अब सर पै बजेगा नक्क़ारा स्वब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(24)

दुनिया को बनामे आज़ादी तूने दिये गृरुचे पर गृरुचे दुनिया भर से आज़ादी के बादे हैं तेरे मूटे सच्चे जो आजाएं भरों में तेरे अब लोग नहीं ऐसे कच्चे क्या मर्गे - कोरिया आज़ादी है ओ आज़ादी के बच्चे अब काँदे ज़िन्दगी से तुमको यह दुनिया देगी छुटकारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(25)

एटम बम चीन पे फेंकोंगे ? बढ़ बढ़ के बोलना क्यों बाबा इस विदव शान्ति के सागर में यूँ ज़हर घोलना क्यों बाबा बीवन बाज़ार में मौत की यह दूकान खोलना क्यों बाबा तहज़ीब की फूल सी क़दरों को कॉटों में तोलना क्यों बाबा बालर की मकर चाँदनी दो दिन फिर झँधियारा पखवारा सब ठाट पढ़ा रह जाएगा जब लाह चलेगा बंजारा

(26)

बाज़ारे जहाँ में देखें कब तक मबी रहे यह लेव देव दुनिया के गले का फंदा कब तक तेरे कर्ज़ों की जनेव दुनिया की मिटाने की भमकी, यह दया माव यह महासेव तेरा ही एटम बम करदे सर पर तेरे बम महादेव बह दिन लद गए कि फिरे ऐंटला, कोई ज़िलम इत्यारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाव चलेगा बंजारा. نتی طرح بیمت دنیا بهر کے مزدوروں اور کسانوں کے کی تھری بدھتوں پر حدرت دیوانوں نے فرزانوں نے گھاٹل سهدوں میں زور بهرا پهر خون هوئے ارمانوں نے او پہلترے باز اب دیکھے کا کہ ستائے هوئے انسانوں نے دنیا کے اکہارے میں تجه کو ایک روز اُٹھاکے دیے مارا سب تہات ہوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بلجاراً.

(23)

جو بات بنائی تھی تونے وہ بات بکولے والی بھے جو بوم جمائی تھی تونے وہ بوم اکھونے والی بھے اب لگے ھوئے ھاتھوں کی بغارت زور پکونے والی بھے بنجارے سر کی خهر منابے بھاؤ کی پونے والی بھاتارے نظر آئیں گے دن کو جب سر په بحجے کا نقاراً سب تھاتھ ہوا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجاراً،

(24).

دنیا کو بقام آزادی تونے دیگے فتے پر فتے دنیا بھر سے آزادی کے وعدے میں تمرے جھوٹے ستے جو آجائیں بھروں میں تمرے اب لوگ نہیں ایسے کتے کیا مرگ کوریا آزادی کے بتے او آزادی کے بتے اب قید زندگی سے تجھ کو یہ دنیا دے کی چھٹکارا سب ٹھات ہوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بلتجارا ،

(25)

ایٹم ہم چین یہ پہیلکو گے' ہوھ ہوھ کے بوللا کیوں بایا اِس وشو شانٹی کے سائر میں یوں زھر گھولٹا کیوں بایا جیوں بازار میں موت کی یہ دوکان کیولٹا کیوں بایا تہذیب کی پہولسی قدروں کو کانٹوں میں تولٹا کیوں بایا قالر کی مکر چاندنی دو دن پیر اندھیارا یکھوارا سب تہات پوا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجوارا

(26)

بازار جہاں میں دیکھیں کب تک مچی رہے یہ لیودیو دنیا کے گئے کا پھندا کی تک تیرے قرضوں کی جنیو دنیا کو مثانے کی دھمکی' یہ دیا بھاؤ یہ مہاسیو تیرا ھی ایٹم ہم کر درے سر پر تیرے ہم مہادیو وہ دن لد گئے کہ پھرے اینگھتا' کوئی طالم ھتھارا سب تھاھ پوا رہ جائے کا جب لد جانے کا بنجاراً.

⁽²²⁾ तरह देना = मौका देना; विद्यातों = नई नाजायज वालों; कृरणानों = अमुस्तमंदों (23) वर्म = महिन्स (24) मरों = बहुकाने में; मर्गे कोरिया = कोरिया की मौत (26) कृषों का जनेव = बिन्दुकों के जनेक में तीन भागे तीन कृषों की अस्तामत होते हैं — बिन्दुकों के जनेक में तीन भागे तीन कृषों की अस्तामत होते हैं — बिन्दुकों किता का कृषों, गुरू का कृषों और ईस्वर का कृषों, सेव = सेवा.

⁽²²⁾ طرح دیا = موقع دیا ؛ بدعتوں = نکی نلجائز باتوں ؛ فرزانوں = عقل مقدوں (23) بزم = متعلل (24) بهروں = بهنائے میں ؛ مرک کرریا = کوریا کی مرف کروں = کوریا کی مرف کوریا = کوریا کی مرف روں کے جلیو میں تھیں موق تھیں ۔ مال یتا کا دیا ہے ۔ اور ایکوں کا فرنی ؛ سیر = سیوا

विन रात नहीं बातर बालर कन तक इस धुन में मरी बाबा कब तक इस ग्रम में धुलो बाबा कब तक यह ध्यान घरो बाबा कुछ सोची समस्तो ग़ीर करो कुछ प्रपने जी में डरो बाबा ''बाब मौत नक़ारा बाज चुका चलने की फिक्र करो बाबा'' डठ जाना है तुमको दुनिया से डालर का फेंक के पुरतारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

(18)

बंजारे! मरारिक मग्रिब की अपना ही दुख क्या बोबा है रिजवे, बल्लेस, आहजन हावर बटमारों को किस पर छोड़ा है क्या दुनिया भर को छट के अब भी कारबार का तोड़ा है कुछ रोज़ उसे कर ज़हरमार दुनिया का लहू जो निचोड़ा है जमहूरे जहाँ इन तेरे पिट्टु आं को कर देंगे नाकारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(.19)

ये यू, एन. को. में ऐस्पारी यह फोब फाँस यह दग्ल फ़सल ये हिफ़्ज़े धामन के पाकीज़ा राज़ीनामे में रहोबदल यह बैनुलब्धकवामी साज़िश यह तानाशाही छल बल कल यह धाग धुआँ यह चिनगारी यह तीसरी जंग के दल बादल पैग़ामे धाजल है तेरे लिये बजता हुआ धाम्न का नक्षक़ारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(20)

यह मारशल एक, यह पैसिफ्क एड, यह लेन देन रिस्ता नाता और बेनुलकीमी बेंक का वो होतान की आँत बही खाता यह डालर साम्राज का एइसाँ अब तो उठाया नहीं जाता बुनिया को उसके हाल पे छोब, श्रव श्रो बुनिया के श्रवस्ता तुम्हको भी एक दिन ले डूबेगी कर्ज़ की यह बदती धारा सब, ठाट पड़ा रह जाएमा जब लाद चलेगा बंजारा,

(21)

उत्तरिंगी तेरी सब तक्कीरें पलटेंगी जहाँ की तक्कीरें क्या थाम सकेंगी ताज़ीरें क्या रोक सकेंगी ज़ज़ीरें टूटेगा यें मौत का सकाटा जब बोल उटेंगी तसवीरें एक दिन क्रिन जाएंगी तुमसे तेरी संगीनें शमशीरें भूकी क्रीर नंगी जनता को वह देख अजल ने सनकाश सब टाढ पड़ा रह जाएंगा जब लाद क्लोगा बंजारा تعنی والی وهی قالر قالر کب تک اِس دهن میں صور بابا کب تک اِس دهن میں صور بابا کب تک یا دھن میں دور بابا کب تک یا دھن دھیاں دھرر بابا گوری سرچو سمجھو فور کرو کچھ آھے جی میں قرو بابا " آئی صوت نقارہ باج چکا چلنے کی فکر کرو بابا " آئی جانا ھے تم کو دنیا سے قالو کا پھیلک کے پشتارا سب تبات ہوا رہ جائے گا جب لاد چلے کا بنجارا،

(18)

بلجارے! مشرق مغرب کواپنا هی دکھ کیا تهورا هے رہوء کو تھی آئوں هاور بت ماررں کو کس پر چهورا هے کیا دنیا کہ دنیا کہ دنیا کا تورا هے کچھ روز اسے کو زهرمار دنیا کا لہو جو نکچورا هے جبور جہاں اِن تیرے پتھوڑں کو کردیں کے ناکارا سب تهات ہوا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بجفارا.

(19)

یه یو . او . میں میاری یه پهور پهانس یه دخل فصل یه حفظ امن کے باکیرہ رافی نامے میں رد و بدل یه بین الاقوامی سازش یه تانا شاهی چهل بال کل یه آگ دهران یه چنگاری یه تیسری جنگ کے دل بادل پیغلم اجل هے تیرے لئے بجتا هوا امن کا نقارا سب تهات پرا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بلجارا .

(20)

یه مارشل اید، یه پیدسک اید، یه این دین رشته نانا اور بهن القومی بیدک کا وه شیطان کی آنت بهی کهانا یه قالر سامراج کا احسان اب تو اقهایا بهی جانا دینیا کو اُس کے حال یه چهور اب او دنیا کے ان داتا تجهیمو بهی ایک دن لے تربے کی قرض کی یه بوهتی دهارا سب تهات بوا ره جائے کا جب لاد چلے کا بهجارا.

(21)

¹⁷⁾ जुरतारा = पीठ का बोम (18) बटमार = रास्ते का डाकू; इरमार = इज़म करना; जमहरे जहाँ = दुनिया की जनता; कारा = निक्रमा (19) दग्ल फ़सल = किसी को लड़ा देना, किसी फंसा देना; दिस्क ममन = शान्ति रुखा; बैद्धल मक्समा = मैंतर स्वी (21) ताज़ीई = सज़ाएँ.

⁽¹⁷⁾ بشقاراً بهقه کا بوجه ر18 بت مارد راستے کا استان کی جفتا : جمہور جہاں دنیا کی جفتا : جمہور جہاں دنیا کی جفتا : خاکاراد نکما (19) دفل فصل حکسی کر لوا دیاا کسی کو انگراد نکما : حفظ امن دشاتی رکشا: بین لالوأمی دانتر دانگری راکا) تعزیریں دسوائیں .

खुन को अधरीकी बंजारे! संसार तेरी क्कान नहीं इसी बीनों भी ताजिर हैं, इनसान हैं वो शैतान नहीं है जिनसे उनका कारबार जानें उनकी हलकान नहीं यह तेरी समक्त में आजाए क्या इसका कोई इसकान नहीं? डाके से कोई दुनिया में फला ? चोरी से किसी को हुआ वारा ? सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(13)

तू हिन्दुस्तान श्रीर पाकिस्तान की नरक बना कर छोड़ेगा बत्त आर्थ श्रगर तेरी चालें दोनों की मिटाकर छोड़ेगा होनों की उजाब के छोड़ेगा वीरान बना कर छोड़ेगा होनों की चबा क्र छोड़ेगा दोनों की खाकर छोड़ेगा लेकिन ये निवाले । बन जाएँगे तेरे लिये संगे खारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा

(14)

जिन कीमों का तू मददगार बनता है क्या तू उनके यहाँ भारी भारी फ़ैक्टरियों के बनने का दिल से है ख़्वाहाँ जिन मुल्कों का तू टेकेदार बनता है ऐ दल्लाले जहाँ ! उन में भी दौलत बरस पड़े इस बात की तुमको फिक कहाँ ऐ अपने दोक्तों के दुशमन ले मीत ने वह फन्दा मारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा,

(15)

कृताले कोरिया याद रहे जब फ्रेंसले का वक्ष्त आएगा तारील का सबसे बड़ा मुजरिम इनसाफ़ तुमे ठहराएगा इनसान बयक आवाज़ तेरा हर जुल्मो सितम गिनवाएगा अपने करतूत बाद करके तू पीट के सर पछताएगा जो मौत के मुंह पर चढ़ जाए इसका भी किसी में है यारा सब डाट पड़ा रह जाएगा जब ताद चलेगा बंजारा.

(16)

आपान, कोरिया, जीन, मलाया, इन्डोनीशिया श्रीर बरमा मूनान, मिल, करामीर और तिब्बत, यूगोस्लेविया, श्रास्ट्रेलिया फिलस्तीन, ईरान, सीरिया, योरप, एशिया, श्रफ्रीका किस किस पर श्राँखें हैं तेरी कुछ लालच की इद है बाबा हो गज़ ही कफ़न हाथ श्राएगा गो दुनिया दुनिया सर मारा सब ठाट पदा रह जाएगा जब साद बलेगा बंजारा.

(12) ताजिर व्योपारी; हलकान = परेशान; नारा = फायदा (13) निवाले = कौर; संगे खारा = सक्त पत्थर (14) ख्वाहाँ = इच्छुक (15) कलाले कोरिया = कोरिया का हत्यारा; वयक स्थाबाज = एक सावाज से. سي او امريكى بلجارے إسلسار تيرى دوكان نهيں وسي جيئى بهى تاجر هيں إنسان هيں وشيطان لهيں له جن سے آن كى هلكان نهيں كه تيرى سمجه ميں آجائے كها اِس كا كوئي امكان نهيں؟ اگےسے كوئى دنيا ميں پهلا؟ چورى سے كسي كو هوا وارا؟ مب تهات ہوا را جائے كا جب لاد چاہے كا بنجارا.

(13)

و مقدستان اور پاکستان کو نبرک بدا و چهورے کا چل جائیں اگر تھری چالیں دونوں کو مقائر چهورے کا ونوں کو مقائر چهورے کا ونوں کو اجاز نے چهورے کا دونوں کو کهاکر چهورے کا دونوں کو کهاکر چهورے کا یکن یہ نوالے بن جائیں گے تھرے لگے سفگ خارا سب تھات پوارہ جائے کا جب الد چانے کا بفجارا.

(14)

من قوموں کا تو مددگار بنتا ہے کیا تو اُن کے یہاں ماری بھاری فیکٹریوں کے بننے کا دل سے ہے خراہاں میں ملکوں کا تو تھھکیدار بنتا ہے اے دلال جہان! یہ میں بھی دولت برس بڑے اِسبات کی تجھکوفکرکہاں ہا بہ دوستوں کے دشمن لے مرت نے وہ پھندا مارا سب تہات بوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا.

(15)

تمال کوریا یاد رہے جب فیصلے کا وقت آئے گا اربیع کا سب سے بڑا مجرم انصاب تجھے تھہرائے گا نسان بھ یک آواز تیرا ھر ظلم و سمم گلوانے گا نسان بھ یک آواز تیرا ھر ظلم و سمم گلوانے گا یہ کرتوت یاد کرکے تو پیت نے سر پچھتائے گا جب لاد چلے گا بلخار سب تھات ہوا رہ جائے گا جب لاد چلے گا بلخار ۔

(16)

هاپان' کرریا' چهن' مالیا' اندرنیشها اور برما ونان' مصر' کشمهر اور تبحث' یوکوسلهویا آستاریلیا لمسطهی' ایران' سهریا' یا رپ' ایشیا' افریقا اس کس پر آنکهیں هیں توری کچه اللج کی حد هے بابا اوگؤ هی کفن هانه آئے کا گو دانها دنیا سو مارا اسا

⁽¹²⁾ تاجر= بیوپاری : هلکان = پریشان : وارا = فائده
(13) نوالے = کور : سلگ خارا = سطت پتهر
(14) خواهان = اجبک (15) قتال کرریا = کوریا کا متهارا : به یک آواز = لیک آواز ہے ۔

सीजाक आतराक नेवा चेचक हैंका प्लेग महामारी कोड़ कंठमाला सरतान जलंबर दिक स्लाहारी हर कीम तेरी इन सीगातों से है अब जीने से आरी से तेरे भी दिन आ पहुंचे हुशियार ! ओ मीत के न्योपादी अब विफरी हुई दुनिया का बराबर नदता जाता है पारा सब ठाट पदा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(9)

दुनिया में हश्र उठा रक्का है ज़िलम तेरी सियासत ने दुनिया, को सिरे से लूट रक्का है ज़िलम तेरी तिजारत ने दुनिया को भूका मार रखा है ज़िलम तेरी कफ़ालत ने दुनिया को ज़लील बना रक्का है ज़िलम तेरी ज़लालत ने एक दिन दुनिया को लूटने का मिट जायगा तेरा ब्योपारा सब ठाट पदा रह आएगा जब लाद बलेगा बजारा.

(10)

यह नीप्रो बेटिंग और लिन्चिंग तेरे किरदार में शामिल हैं माओं बहुनों बच्चों के लहू इस कारोबार में शामिल हैं यह करूस व गारत डाकाजनी तेरे ब्योहार में शामिल हैं शैतान भी जिन पापों से डरे तेरे अतवार में शामिल हैं अब मौत की देवी लेने वाली है तेरे लहू का चटखारा सब ठाट पूपा रह आएगा जब लाद बलेगा बंजारा.

(11)

क्या रूस है ऐसा बंजारा ? सामान तो उसके पास भी है क्या चीन है ऐसा बंजारा ? उससे दुनिया को आस भी है सनअत, हिरफ़त, दौलत, इज़्ज़त नवजनतंत्रों को रास भी है कसबल इन सब में है लेकिन क्या इनसे किसी को हास भी है एक रोज़ अजल के हाथों कहीं खुल जाय न भेद भरम सारा सब ठाउ पढ़ा रह जाएगा जब लाद बलेगा बंजारा. سوزاک آتشک گهیکا چینچک هیشه پلیگ مهامآری کوره کنته مالا سرطان جلنده دق سوکهاهاری هرتوم تیری ان سو فاترن سے ها آب جهلے سے ماری لے تیرے بهی دن آپورنچے هرشیار! او موت کے بهپپاری آب بههری هوئی دنیا کا برابر چوها جاتا هے پارا سب تهات پوا رہ جائے کا جاتے کا بهجارا.

(9)

دنیا میں حشر اُتھا رکھا ہے طالم تیری سیاست نے دنیا کو سرے سے لوت رکھا ہے طالم تیری تعجارت نے دنیا کو بھوکا مار رکھا ہے طالم تیری کفالت نے دنیا کو ذلیل بنا رکھا ہے طالم تیری ڈلالت نے ایک دن دنیا کو لوٹنے کا مت جائے کا تھرا بیوپارا سب تھات پوارد جائے کا جب اِلاد چانے کا بغجارا.

(10)

پہ نہگرو بیتنگ اورائنچنگ آپرےکردار میں شامل ہیں ماوں بہتوں کے اہو اِس کاروبار میں شامل ہیں یہ قبل وفارت ڈائھ زنی تیرے بیوہار میں شامل ہیں شیطان بھی جن یاپوں سے ڈرے تیرے اطوار میں شامل ہیں اب موت کی دیمی لینے والی ہے تیرے لہو کا چشطارا سب تھات پڑا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجواراً.

(11)

کیا روس ہے ایسا بنجارہ ؟ سامان تو اُس کے بھی پاس ہے کیا روس ہے ایسا بنجاہ ؟ اُس سے دنیا کو آس بھی ہے صفعت' حوفت' دولت' عوت نوجن تفتروں کوراس بھی ہے کس بل اِنسب میں ہے لیکن گیا اِن سے کسی کو هراس بھی ہے یک روزاجل کے هاتموں کہیں کہل جائے نہ بھید بھرم سارا سب تھات ہوا رہ جائے کا جب لاد چانے کا بنجاراً.

⁽⁸⁾ सौगात = तोहफा; आरी = बेजार; बिफरी = नाराज्
होर बेचैन (9) हश्र = क्यामत ; कफालत = मदद (मार्शल एड)
10) नीकों बेटिंग और लिन्निंग = किसी काले नीक्रो को
इसी भी भूडे सच्चे इसजाम पर पक्क कर मार डालने या जला
ने का दिशाज; किरदार = चित्र; अतहार = दंग (11) सनवात
[रफ्त = स्वीम विद; नक्ज नतंत्र = योरप की नई लोकशाहियाँ;
क्रिक्त = स्वीम विद; क्रिक्ल = ताकृत; हास = दर.

⁽⁸⁾ سوفات = تحنه؛ عاری = په زار؛ بپهری = نارانس أور په چهن (9) حضر = تیامت؛ کنالت = مدد (مارشل أید) (10) نهکرو بیتنک اور لنچنگ = کسی کالے نهکرو کو کسی بهی جهوتے سچے الزام پر پکو کر ماردالئے یا جد دیئے کا رواج؛ کردار = چوتر؛ اطوار = دهنگ (11) سفعت حرفت ادبوک دهندے؛ نوجن تنتر = پورپ کی نئی لوک شاهیاں؛ رأس = موافق؛ کس بل = طاقت ؛ فراس = قراس =

हिटलर मुसोसिनी टोजो का जो इश्र हुआ वो देख लिया हैंगलैन्ड में हो या फ्रान्स में हो मगरिय हो कि मशरिक का खिला आह ऊँचे सुरों में सरमाए का राग सुनाई नहीं देता हुए साज़ पर ऐसी चोट पड़ी जैसे फट जाए हर परदा पूंजी का पियानो टूट चुका अब हाथ में ले ले इकतारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(5)

बह मोटर, जीप, रेमिंगटन, पारकर, ब्लेड, जहाज़ी सरो सामोँ यह लोहा लंगर टीन रबर पेट्रोल केरोसिन गैस धुआँ बिजली के खिलीने लहू बाजे गेंद तारा गुड़े गुक्यिँ जब मौत बदायगी तेरी तुकाँ कुछ भी पल्ले न पदेगा मियाँ सब माल घरा रह जाएगा जब पैके अजल ने ललकारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद बलेगा बंजारा.

(6)

यह लिप्सटिक, पाउडर, सास, पिकिल यह पशमीने यह कीमती फ़र नंगी तस्वीरों के एलबम, जहरीला जिन्सी लिटरेचर और हालीवुड की फ़िल्मों का वह गंदा सदा गला कलचर ध्रमरीकी तर्ज़ जिन्दगी का यह टीम टाम यह करोंफ़र हर गुनहगार का मीत के हाथों हो जाता है निस्तारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(7)

क्या कोका कोला, मारगेरीन, क्या एग पाउडर क्या चाट चसक क्या नाइट कलब, क्या नारकेटिक, ऋफ्यें का धुआँ, कोकीन मदक क्या टर्डिल सूप और क्या सासेज क्या बेकन पोर्क, शराब गज़क क्या तहज़ीब ऐसी चटोरी भी क्या तबक भड़क क्या चटक मटक इस ऋगक्स बगक्स खाने पीने ने वे मीत तुमे मारा सब ठाउ पका रह आएगा जब लाइ खलेगा बंजारा. مگلر مسؤللی توجو کا جو حشر هوا وہ دیکھ لھا انگلینی میں هویافرانس میں هونمٹرب هو که مشرق کا خطا آب اوانچے سروں میں سرمائے کا راک سنائی نہیں دیکا اِس ساز پر ایسی چوت یوی جیسے پہت جائے هر پردا پولجی کا پھانو توت چکا آب ہ تھ میں لے لے اکتارا سب تھات پوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا،

(5)

یہ موٹر' جیپ' ریسنگٹن ' پارکر' بلیق' جہاز و سرو ساماں یہ لوھا لنگر تین رہر پٹرول کیرو سن گیس دھواں بجلی کے کہلونے لٹو باچے گیلات تاھی گڈے گڑیاں جب موتبوھائے کی تیری دوکل کچھ بھی پلے نه پڑے کامیاں سب مال دھوا رہ جائے کا جب بھگ اجل نے للکارا سب تھات ہوا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بنجارا .

(6)

یہ لیسٹک پاوڈر ساس پکل یہ پشمیلے یہ قیمتی فر نظی تصویروں کے البم زهریلا جنسی لٹرینچر اور هالی وڈ کی فلدہ سوا گلا کلنچر امریکی طرز زندگی کا یہ تیم تام یہ کروفر هر گلهگار کا موت کے هانهوں هو جاتا ہے نستدا سب تهات پوا رہ جائے کا جنب لاد چلے کا بنجارا

(7)

کھا کوکا کولا' مارگرین' کھا اِگ پاؤڈر کھا چاھ چسک کھا نائٹ کلین مدک کھا تارکٹک' افھوں کا دھواں' کوکھیں مدک کھا ڈرٹل سوپ اور کھا ساسھیج کھا بھکی پورک' شراب گزک کھا تہلیب ایسی چھوری بھی کھاتوک بھوک کھا چھک متک اِس اُگڑم بگڑم کھانے پھلنے نے یے مرت تجھے مارا سب تھات پڑا رہ جائے کا جب لاد چلے کا بلجارا۔

⁽⁴⁾ हश्र = नतीजा; मग्रिक = पिछ्छम; मश्रिक = प्रव ; स्त्रा = इलाका (5) सरो सामाँ = सामान; पैके अजल = मीत का फ्रिश्ता (6) सास = एक तरह की चटनी; पिकिल = विसानती अचार; जिन्सी लिटरेचर = काम वासना-साहित्य; कर्रोफ्र = शाल-शोकत (7) नारकेटिक = एक नशा; टर्डिस स्प = क्खुले का शोरवा; सासेज = एक विसानती खाना; वेकन के लेखे = गुज्ञ (का गोश्त; गज्क = शराव के साम का खाना.

⁽⁴⁾ حشر = نتيجه ؛ مغرب = ہچهم ؛ مشرق = پورپ ؛ خطا = علاله (5) سروساماں = سامان ؛ پیک اجل = موس کا فرهنده (6) ماس = ایک طوح کی چھٹی ؛ پیکل = والیتی آبچار ؛ جنسی لتربیچر = کام واسنا ساهنده : گرال سوپ = کچهوے کا شوریا ؛ ساهیم = ایک والیتی کهانا ؛ پیکی پورات = سور کا گزشم ؛ گزات = شراب کی کہانا ؛ گیانا ، گیانا ،

विस्य 11

भगस्त, सन् '51

नम्बर 2

اگست' سن 51' نمبر 2

علد 11

जात बादमी, प्रेम धर्म है, हिन्दुस्ताना बोली, 'नया हिन्द' पहुँचेगा घर घर तिये प्रेम की मोली.

جات آدمي' پريم دهرم هے' هلدستانی بولی' 'نها هند ' پهنچے کا کهر گهر لیّے پریم کی جهولی .

अमरीकी वंजारानामा

(भाई रहपति सहाय 'किराक्र' गोरखपुरी)

(1)

भो भमरीका के बंजारे ! क्यों देस विदेस फिरे मारा क्रिज़ाक श्राजल का छटे है दिन रात बजा कर नक्षकारा क्या लशकर बेंबे सबमेरीन क्या तथ्यारा क्या गुज्बारा क्या तोप टैंक ज़हरीले गैस प्रेनेड धुआँ श्रोर श्रंगारा क्जा है मीत का नक्षकारा होता है तेरा वारा न्यारा सब ठाट पड़ा रह जाएगा जब लाद चलेगा बंजारा.

(2)

क्यों खून से सारे आलम के तू अपना दिया जलाता है क्यों मौत के इन हथियारों को अपना ब्योपार बनाता है यह मंडी मंडी दूकों दूकों क्यों तू आग बिकाता है अबुद घर के चिराग से बंजारे, सुनते हैं कि घर फुंक जाता है यह एटंम बंम हाइड्रोजन बम कर देंगे तेरा निषटारा सब ठाट पड़ा रह जाएंगा जब लाद चलेंगा बंजारा.

(3)

गह हुनिया भर में कैसा ताना बाना फैला रक्खा है किस नाते दुनिया भर में अपना हिस्सा बख्रा रक्खा है क्यों देश देश के कारबार में अपना साम्मा रक्खा है इन चालों से क्या मिल जाएगा इन बातों में क्या रक्खा है बस दी दिन का थे लैन देन यह लेखा जोखा है सारा संब ठाड पड़ा रह आएगा जब लाद बलेगा बंजारा.

(1) करणाक का का का निया नियारा हवाई जहाज; प्रेनेड कोटा वस; नक्षकारा कनगाडा (2) आजम द्विनया

امريكي بنجاره نامه

(بهائی رگهریتی سهائے 'فراق' گورکهپوری)

(1)

او امریکت کے بنجارے! کہرں دیس بدیس پہرے مارا قواق اجل کا لوئے ہے دن رات بجاکر نقارا کہا لشکر بیڑے سیمرین کیا طیارا کہا قبارا کہا ترب ڈینک زھریاے گیس گرینیڈ دعواں اور انقارا بیجیٹا ہے مرت کا نقارا ہوتا ہے تیرا وارا نیارا سب تھات بڑا رہ جائے کا جب لاد چاہے کا بنجارا.

(2)

گھوں خون سے سارے عالم کے تو اپنا دیا جاتا ہے کھوں موت کے اِن ھٹھیاروں کو اپنا بھوپار بناتا ہے یہ منقبی منقبی منقبی منقبی منقبی منقبی منقبی درکاں کیوں تو آگ بچھاتا ہے کودگور کےچراغ سے بنجارے' سنتے ھیں که گھر پہنک جاتا ہے ہے ایکم ہم ھائت روجن ہم کردینگے تیرا نبتارا سب تہات ہوا رہ جائے کا جب لاد جائے کا بنجارا.

(3)

یہ دنیا بھر میں کیسا تانا بانا پھیلا رکھا ھے کس ناتے دنیا بھر میں اپنا حصہ بخرا رکھا ھے کس ناتے دنیا بھر میں اپنا حصہ بخرا رکھا ھے کھیں دیھیں دیھیں کے کاربار میں اپنا ساجھا رکھا ھے اُن چائیں کا اِن باتیں میں کھا رکھا ھے سارا۔ کیس در دی کا یہ لھی دین یہ لیکھا جوکھا ھے سارا۔ میب تھات پڑا رہ جائے کا جب لاد چانے کا ہنجارا۔

(1) فؤاق = قاكو؛ اجل = موت؛ طيارة = هوائى جهاز؛ فريلية = جهوتايم ؛ نقار = نكاراً (2) عالم = دنها (3) بطراً = همه ،

इन्स्रह्मी कलवर सोसाइटी

भाहवारी परचा अगस्त 1951

هَندستانی کلچر سوسائتی ۲

ماهواری پرچا

اگست 1951

सहा स्टब्स

کیا کس سے

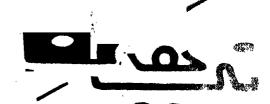
अधिकारा नामा (कविता)—भाई रघुपति		1امریکی بقتطارا نامه (کویگا)۔۔بھائی رگھو پائی سہائے۔۔
किराफ '	113	فغراق' نفراق'
कृष्य की जरूरत—डाक्टर भगवान दास	120	2-فهرم مذهب کی ضرورت-قاکتر بهگوان دین
🌉 सोहबत में-भाई गु. म. 🔑	124	3صوفیوں کی صحیت میں۔۔بہائی گ . م .
रूप पुजारी निकले (कविता) — भाई अरोक्टूपुरी		4-ساجن روپ پجاری نکلے (کویٹا)-بھائی 'بسمل'
क्ष' रोखपुरी	126	شيخو پورى
अंभार्ड— भगवानदीन	127	5آتم منتجهائیبهگوان دین
एक सुमान स्वामी सत्यभक्त	133	6لوک شاهی-ایک سجهاؤ-سوامی ستهه بهکت
हिंद (कविता)—भाई 'नउम' आफन्दी	136	7پريم ڌگر (کويٽا)بهائي "نجم' آفلدي
<mark>खदाचारगर्भ हत्याभाई मु</mark> जीव रिजवी	137	8روس میں سداچار-گربه هتیا-بهائی مجیب رضوی
(महता सुधार) ऐक्ट, 1951	142	9-ردهان (پهلا سدهار) ايكت ' 1951
🙀 📭 मतक-लेखक भाई स्टीकन जिन्ना;		10—گور′ىكىايك جهلك—لهكهك' بهائىستىفن زويگ
🔐 🖚 — माई प्रकाशचन्द्र चतुर्वेदी 💎	• 148	انووادک' بهائی پرکاش چندر چتر ویدی
श्रीनां (कविता)—भाई 'नवम' श्राकन्दी	150	11تمام سونا (كويدًا) بهائي 'نجم' آفندي
हिसरत मोहानी से मुलाकात—मौलाना		21 مولانا حسرت موهانى سےملاقاتمولانا حبیب الرحمان
मान लुधियानवी	151	لدههانېي
कोली—खिचड़ी बोली और बोली की		31سخالص ہولی۔—کھچ _{وی} ہولی آرر ہولی کی دیوار— 31
आई मदन गोपाल	154	بهائي مدن گوپال
चार साल—सुरेश रामभाई	158	14 سوراج کے چار سال سریش رام بھائی
निक चीक भाई किशोरलाल मशहवाला	165	15—أيك دردناك چهز—بهائي كدرر لال مشرر والا
🚒 जो काम चाहते हैं, वहीं में कर रहा		16کمیونست جو کام چاهتے هیں' وهی میں کر رها
न्यं विनोवा	166	هونآچاريه ونوبا
🔭 डुनिया	171	17—بچس کی دنیا
हैं। इसमें	175	18 كچه كتابين
स की जुलाई महीने की डायरी	181	19-دیس بدیس کی جولائی مهینے کی ڈائری
्राय—देस श्रीर राजकाजी पारटियाँ—		20-ھماری رائے۔۔ دیش آور راج کاجی پارٹیاں۔۔سندر لال؛
क्रिक्नीमी एकता कानकरेन्स और मंडल-		قومی ایکتا کانفرنس آور منقل-سریش رام بهائی؛
नामाई य पी सरकार के लिये-किशोर-		يو. پي . سرکار کے لگے۔۔۔کشور لال مشرو والا؛ یوجلا
क्षा है वीजना या खिलवाद जे. सी.		يا كهلوارچ . سى . كماريپا؛ ودهان مهى سدهار
विधान में सुधार—सुरेश रामभाई	183	سریش رام بهائی .
4 C 4 C 7 C 7 C 7 C 7 C 7 C 7 C 7 C 7 C		

स्तान में है रुपया साल, बाहर दस रुपया है एक परचा दस आने .

मैनेजर 'नवा हिन्द' مینیجر 'نیا هلد '

क्ष्माराजार -





ण्डीटर—ताराचंद, भगवानदीन, मुज़फ्फर हसन, विशम्भर नाथ, सुन्दरलार्ल 🙀 اتيتر---تارا چند' بهكوان دين مظفرحسن بشمجهر ناته سندر ال

ं नायव एडीटर— सुरेश रामभाई, महमूद अहमद 'हुनर'

ريش رام بهائي' مصود احدد 'هذر'

इस नम्बर के खास लेख

श्रमरीकी बंजारा नामा (कविता)-रघुपति सहाय 'फिराक़' धर्म मजहब की अरूरत-इाक्टर भगवान दास ब्रात्म मंभाई-भगवानदीन लोक शाही-एक सुकाव-स्वामी सत्यभक्त गोर्की की एक मजक—इस्टीकन ज्विग मौलाना इसरत मोहानी से मुलाकात-मौलना हबीबुर्रहमान लुधियानवी स्वराज के चार साल-सुरेश रामभाई

हमारी राय---

देश खौर राजकाजी पारटियां—सुन्दरलाल यू. पी. सरकार के लिये-किशोरलाल मशरूवाला योजना या खिलवाड़-जे. सी. इमारप्पा विधान में सुधार—सुरेश रामभाई

اس نمبر کے خاص لیکھ

أمریکی بنجاره نامه (کویتا)--رگهریتی سهائے تهراق، فهرم مذهب کی ضرورت-دائتر بهکوان داس آثم مُلجهاثي-بهكوان دين ' المامي ستهه اوسوامي ستهه بهكت گورگی کی ایک جهلکساستینن زویگ مُؤلِّتُم حسرت موهاتم سے ملاقات—مولانا حبوب الرحمان بریکے کی اسسال-سویش رام بھائی

> يهم أور والم كاجي بارتيان-سلدر لال 🖓 یی . سرکار کے لئے۔ کشور ال مشرو والا پهرها يا کهلواز—چ . سي . کماريپا ودهارييهم سدهار-سريش رأم بهائي

'स्तानी कलचर सासाइटी, इलाहाबाद 🎆 अंगि औ



اگست 1951

ليمت دس إنه

हिन्दुस्तानी कलचर

पर

निबन्धों (मकालों) के लिये

इनाम

दिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी ने तय किया है कि विन्दुस्तानी कलचर पर तीन सबसे अच्छे निवन्धों (मकालों) के लिये तीन इनाम दिये जाएं. बहला इनाम एक इजार अन्य, दूसरा इनाम पाँच सी रुपए और तीसरा इनाम ढाई सी रुपए.

नियन्थों में उस हिन्दुस्तानी कलचर के, जो पिछले सारे क्याने में रूप कर्ती रही है, दिकाऊ पहलुओं को बयान करते हुए आगे के लिये एक हिन्दुस्तानी कलचर के रंग रूप कराने की कोशिश होनी चाहिये. निवन्ध अंगरेजी में इंटिन्दुस्तानी में होने चाहियें. पाँच हजार से कम या दस क्यार से कम या दस क्यार से कमिक शब्द न हों. फुलस्केप काराज पर, काराज कर तरफ, एक चौथाई हाशिया छोड़कर, टाइप करके हर कार्य की तीन कापियाँ 30 सितन्वर सन् 1951 तक के पते पर आजानी चाहियें. हिन्दुस्तानी कलचर को तीन कापियाँ कि आए हुए निवन्धों में से जिसे कार्य करें हर तिवन्धों में से जिसे कार्य करें.

सुन्दरलाल

सेकेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

्रिक्रोट: व्यक्त निवन्ध पहले 30 जून तक मैंगाए गए थे और क्रिकेटी रक्तमें कुछ कम थीं. खब इस के लिये क्रिकेटिंग किस दोनों बढ़ा दिये गए हैं.

- सुम्बरकाक

هندستانی کلچر

نبندھوں (مقالوں) کے لئے

انعام

هندستانی کلچر سرسائتی نے طے کھا ھے کہ هندستانی کنچر پرتین سب سے اچھے نبندہوں (مقالوں) کے لئے تین انعام دئے جائیں ، پہلا انعام ایک جزار ررپ دوسرا انعام یانچ سو ، وپ اور تیسرا انعام تھائی سو ، وپ ،

نبلدهوں میں اُس هندستانی کلچر کے جو پچھلے سارے زماے میں روپ لیتی رهی هے تکاؤ پہلوؤں کو بیان کرتے ہوئے آئے کے لئے ایک هندستانی کلچر کے رنگ ررپ کو بتانے کی کوشش هوئی چاهئے ۔ نبلده انگریزی میں یا هندستانی میں هوئے چاهئیں ۔ پانچ هزار سے کم یا دس هزار سے ادهک شبد نه هوں ۔ فلسکیپ کافڈ پر کافل کے ایک طرن ایک چوتھائی حاشیہ چھوڑ کر آئی کر کے هم نبلده کی تین کاپیاں 30 ستمبر سن 1951 نک نیچے کے پتے پر آجانی چاهئیں ۔ هندستای کلچر سرسائٹی کو کے چتے پر آجانی چاهئیں ۔ هندستای کلچر سرسائٹی کو حق ہوگا که آئے هرئے نبلدهوں میں سے جسے چاھ شائع

سندرلال سكريترى، هددستانى كلىچر سرسائتى 145، متهى كنيم، الدآباد

ا نوبھ — یہ نبددہ پہلے 30 جون تک متاائے گئے۔ تھے اور انعام کی رقمیں کچھ کم تھیں ۔ آب اِس کے لگے وقت اُور وقم دونوں ہوتا دئے گئے میں ۔

--سندرال

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी

ىغىيىتانى كالبير سوخالتى

मक्रसद

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बढ़ाना, फैलाना और प्रचार करना जिसमें सब हिन्दुस्तानी शामिल हों.
- (2) एकता फैलाने के लिये किताबों, अखवारों, रिसालों क्रोरा का छापना .
- े (3) पढ़ाई घरों, किताब घरों, सभात्रों, कानकरेन्सों, केक्चरों से सब धर्मों, जातों, विरादरियों श्रीर फिक्की में आपस का मेल बढ़ाना .

-: 0:-

सोसाइटी के प्रेसीडेन्ट—िम० घन्दुल मजीद खवाजा; बाइस प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास श्रीर डा० श्रन्दुल इक्ष ; गवर्निंग बाडी के प्रेसीडेन्ट—डा० भगवानदास ; सेक्रेटरी—पं० सुन्द्रलाल.

गवरनिंग बाडो के श्रीर मेम्बर-

डा० सैयद महमूद, डा० ताराचन्द, मोलवी सैयद सुलेमान नदवी, मि० मंजर द्यली साखता, श्री बी० जी० खेर, मि० एस० के० कर्रा, पं० विशम्भर नाथ, महात्मा भगवानदीन, सेठ पूनम चन्द रांका, काजी मोहम्मद द्याद्युल राप्तकार खौर श्री खोम प्रकाश पालीबाल.

मेम्बरी के कायदों के लिये लिखिये -

सुन्दरताल सेकेटरी, हिंदुस्तानी कलचर सोसाइटी 145, सुट्टी गंज, इलाहाबाद.

नोट—सोसाइटी के नये क्रायदे के अनुसार मेम्बरी की फीस सिर्फ एक रुपया कर दी गई है. "नया हिन्द" के जो गाइक मेम्बर बनना चाहें उनको सिर्फ छै रुपया अन्या देने पर ही मेम्बर बना लिया जायगा. अलग से मेम्बरी की फीस देने बाले सोसाइटी की निकली हुई कोई किवाब की एक रुपया दाम की होगी मुक्त ले सक्तेंगे या ان ایسی هندستانی کلچر کا بوهانا بههلانا گفته ایسی میں سب هندستانی شامل هوں .

الله گهرون کتاب گهرون سیهاون کانفرنسون گهرون مین گرفتان مین اور فرقون مین گرفتانی

-:0:-

کے پریسیڈنٹ۔۔۔۔ستر عبدانمجید خواجہ؛ فیڈنٹ۔۔۔۔ڈاکٹر بھکوان داس اور ڈاکٹر عبدالحق ، گئی کے پریسیڈنٹ ۔۔۔ ڈاکٹر بھکوان داس؛ پیٹھٹت سندرلال ،

ی ہاتی کے اور ممبر

السهد متحمود قائتر تارا چند مهلوی سهد مستر منظر علی سوخته شری بی جی . ودرا پندت بشمیم ناته مهاتما می متصد عبدالغفار یوکاش پالهوال .

الله المعدول كے لئے المهدر _

سندر لال سكريترى، هندستانى كلىچر سوسائتى، 145، متهى كنج، العآباد .

राजकाजी मामली में रखी भर भी भेदभाव नहीं करते, जिनके दिल और दिमांग हर तरह की तंगनजरी से उत्पर कठ चुके हैं. देश की खुराकिश्मती से हर मजहब के मारक वासियों में इस तरह के काफी आदमी मीजूद हैं. प्रोफेसर सुधीर कुमार ठद्र इसी तरह के एक आदर्श भारत वासी थे. इसी तरह के लोग इमारे रास्ट्रीय महल के सच्चे निर्माता कहती सकते हैं. इस निगाह से प्रोफेसर सुधीर कुमार ठद्र के जीवन अपने स्वर्गीय पिता प्रिंसपल सुशील कुमार ठद्र जीवन की तरह उन हजारों भारतबाखियों के लिये जो आरत रास्ट्रीयता को खुले और खिपे किसी एक धर्म के साथ जोड़ते रहते हैं, सच्ची रास्ट्रीयता के एक बहुत बड़े सबक का काम दे सकता है.

हमें भाई सुधीर कुमार ठद्र के चले जाने का बड़ा दुख है. हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के अन्दर वह एक बहुत बड़ी कमी पैदा कर गए हैं. भगवान चनकी आत्मा को शान्ति और उनके सम्बन्धियों और मित्रों को सन्तोश हैं.

29. 6. '51.

—सुन्दरलाल

'नया हिन्द' के पाठकों से

'नया हिन्द' के प्रेमी देखेंगे कि इस नम्बर से 'नया हिन्द' नई शकल में निकल रहा है. इस बन्दोबरत की वजह से जुलाई नम्बर के छपने में इतनी देर हो गई जिसके लिये इस माश्री के तलबगार हैं. हम पूरी कोशिश करेंगे कि 'नया हिन्द' का अगला नम्बर अगस्त महीने के पहले हभते में पाठकों के पास पहुँच जाय और आगे से बराबर ठीक बक्रत पर मिलता रहे.

- वृत्तर से कई बार एक एक पते की जाँच करने के बाद 'नवा हिन्द' डाकखाने भेजा जाता है फिर भी हमारे पास अकसर 'नया हिन्द' के न पहुँचने की शिकायतें आती रहती हैं. अपने प्रेमियों से हम अपील करेंगे कि इस बारे में वह अपने डाक्खाने से पूछताछ करने के बाद हमें इत्तलां दिया करें. हम दूसरा. परचा भेज दिया करेंगे.

नया नम्बर आपके हाथ में हैं। समीव है कि इस सिसिसिसे में आप अपने सुफाब भेज कर हमें इस बात का मौका देंगे की हम आपकी ज्यादा से जयादा सेवा कर सकें.

--एडीटर

اوی معاملوں میں رتی بھر بھی بھید بھائی قبیل گری الھی معاملوں میں رتی بھر بھی بھید بھائی قبیل گری معنی کی خوش کی تنگ نطری سے اوپر آتھ ہارت باسیوں میں اسطرے کے کافی آدمی موجود ھیں ، وفیسر سدھیر کمار رودر اِسی طرح کے ایک آدرهی بھارت اسی تھے ، اِسی طرح کے لوگ ھمارے راشتری محل کے اسی تھے ، اِسی طرح کے لوگ ھمارے راشتری محل کے مار رودر کا جدون آبھ سورگدہ پتا پرنسیل سوھیل کمار رودر کا جدون آبھ سورگدہ پتا پرنسیل سوھیل کمار رودر کے جدوں کی طرح اُن ھزاروں بھارت بامدوں کے لئے جو مارت راشتریتا کو کھاے اور چھیے کسی ایک دھرم کے ساتھ جورتے رھتے ھیں ' سنچی راشتریتا کے ایک بہت بوے سبق خورتے رھتے ھیں ' سنچی راشتریتا کے ایک بہت بوے سبق کام دیے سکتا

همیں بھائی سدھیر کدار رودر کے چلے جانے کا بڑا اللہ ہے ۔ ھندستانی کلچر سوسائٹی کے اندر وہ ایک بہت بوی کمی یَیدا کو گئے ھیں ۔ بھگواں اُن کی آتما کو شانتی ور اُن کے سمبندھیوں اور محروں کو سنتوش دیں ۔

-- سددر لال

29-6-'51

'نیا هند' کے پاٹھکوں سے

' نیا ہند ' کے پریمی دیکھھلگے کہ اس نمبر سے ' نیا ہند ' نئی شکل میں نکل رہا ہے ۔ اُس بندوبست کی وجہ سے جولائی نمبر کے چہپنے میں اندی دیر ہوگئی جس کے لئے ہم معانی کے طابکار ہیں ۔ ہم پوری کوشش کرینگے کہ 'نیا ہاڈ' کا اُنگا نمبر اگست مہمنے کے پہلے ہنتے میں باتھکوں کے پاس پہونے جائے اُرر آگے سے برابر تھیک وقت پر ملتا رہے ۔

دفاتر سے کئی ہار ایک ایک ہتے کی جانچ کرنے کے بعد انیا هند ' تاکشانے بھیجا جاتا ہے بھر بھی همارے ہاس اگثر 'نیا هند' کے نه پھرنچنے کی گئٹٹیں آتی رهائی هیں ، انھا نے بہرنچنے کی اس بارے میں رہ آنے تاکشانے سے پوچھ تانچھ کرنے کے بعد همیں اطلاع دیا کریں ، هم دوسرا پرچه بھیج دیاکریں کے .

انها تبدر آپ کے هاته مهن هے . أميد هے که اس سلسلے مهن آپ أي سجهاي بههج كر هنهن اس بات كا موقع دينگے كه هم آپ كى زيادہ سے زيادہ سهوا كر سكهن .

_ ایڈیٹر

Build from the form on the First of अब करता करती मालून होता है. विश्वपत कर बहुत ही ब्सार विचारों के आइसी थे. उनका दिस मानव प्रेम से अरा हुआ था. किसी तरह की मक्दनी तंग नक्दी चन्हें क्षू भी नहीं गई बी. वह सक्ये हिन्दुस्तानी और सक्ये इनलान बे. दिल्ली में इस जमाने में दिन्यू, मुसलमान जीर ईसाई सब उन्हें त्यार करते थे और सब बड़ी इज्जत की निगाह से देखते थे. दीन बन्धु सी. एफ. एन्ड्रू इन हे साबियों में से थे. साला हर द्याल उनके शागिरहों में थे. सहारमा गांची से चन्हें बढ़ा गहरा प्रेम था. दोनों में गादी मित्रता थी. दक्लिन अफ़रीका से आने के बाद शुरू के दिनों में महात्मा गांधी दिल्ली में उन्हों के यहाँ ठहरा करते थे. इमें भी गांबी जी से दिल्ली में प्रिंसपल रुद्र के मकान पर मिलने और वार्ते करने का सीभाग्य मिला है. उन दिनों गांधी जी नीची गुजराती धोती, कुरता और अंगरका पहनते थे भीर काठियावाड़ी पगड़ी बांधते थे.

प्रिंसपक सुशील कुमार रुद्र सच्चे देश भक्त थे. इस देश में अहिंसा का युग आने से पहले उनके न जाने कितने विद्यार्थी जेकों में सदे और स्कियों पर लटक गए. इस देश के बहुत से देश भक्तों और रारद्र सेवकों के लिये प्रिंसपल सुशील कुमार रुद्र एक आदर्श देश भक्त और आदर्श रारट सेवक थे.

प्रोफेसर सुधीर कुमार रुद्र एक योग्य और नेक पिता के योग्य और नेक पुत्र थे. ईसाई धर्म जिन जिन गुनों पर जोर देता है वह सब उनके अन्दर मौजूद थे. पर किसी तरह की अनुदारता, संकीनेता या तंग नजरी अपने बाप की तरह उन्हें भी खून गई थी. प्रोफेसर सुधीर कुमार रुद्र हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के क्रायम करने वालों और शुक्त से अपनी मृत्यु के समय तक उसकी इन्सजामिया कमेटी के मेम्बरों में से एक थे. गांधी जी चन्हें हमेशा वात्तसन्य (पित्राना) प्रेम की निगाह से देखते थे.

हमारा देश अनेक अमें का गहवारा है. दुनिया के सब अमें को इसमें आदर और प्रेम के साथ जगह मिली है. दिन्दू, मुस्तमान, सिख, पारसी, यहूदी, ईसाई, बीद और जैन सब इसके अन्दर बसे हुए हैं. भारत माता सबकी एक बरावर माता है. इस संगम के कारन ही यह देश घर्म की निगाह से दुनिया के लिये एक आदर्श देश है. हमारा रारद्र एक मिला जुला रारद्र है. हमारे इस आदर्श रारद्र में सबसे मुबारक एह हिन्दू, वह मुस्तमान, वह सिख, वह पारसी, बह सहूपी, वह ईसाई, वह बीद और वह जैन हैं जो अपने अपने अलग अलग अलग धर्मों को मानते हुए भी, अपने धर्मों के देंचे से केंचे गुनों को धारन करते हुए भी सक्ये भारती

The second of the last of the second of لتهيد فيلط ضوورس معاوم هوتاهر. يونسهل وللم يهمها في أهلو والماني كر أدمى تهد . أن كا دل مانو يريم سر بمراهدا فيا . المسي طرح كى مناهبي تلك نظري أنيهن جهو يهي نيهن گلی لهی . ولا سعے هندستانی اور سعے انسان تھے ۔ دلی مهن أس زماني مين هلدوا مسلمان أور ههسائي سبب انهیں پیار کرتے تھے اور سپ ہوی عزت کی نکاہ سے دیپکھتے تھے، دین بغدھو سی . لیف . ایفقروز اُن کے ساتھیں منہ ہے اللہ ور دیال أن كے شاكردوں ميں تھے. سَيْقِهَا الله على يه أنهيل بوا كهوا يريم تها . دونون مين الرهى مترنا تهى . دكهن افريقه سر آنے كے بعد شروع كے جواموں میں مہاتما گاندھی دلی میں آنہیں کے یہاں ٹھہرا گرتے تھے ، همهن يهي الله هي جي سے داي مهن پرنسهل رودر کے مکان پر مرلئے اور باتیں کرنے کا سوبھاکھہ ملا ہے . أن ذنون الندهي جي نهچي گجراتي دهوتي، كرته اور الكركها پہنتے تھے اور کاٹھیاواری پکری باندھتے تھے۔

پرنسپل سوشهل کمار رودر سچے دیش بهکمت تھے ۔
اس دیش مهی اهنسا کا یک آنے سے پہلے اُن کے نه جانے کتنے
ودیارتھی جھلوں میس سوے ارر سولیوں پر ٹٹک گئے ۔ اس
فیش کے بہت سے دیش بهکتوں اور راشتو سیوکوں کے لئے
پرنسپل سوشیل کمار رودر ایک آدرش دیش بهکمت
آور،آدرش راشتر سیوک تھے ۔

پروفیسر سدهیر کمار رودر ایک یوکیه اور نیک پتا کے یوگیه اور نیک پتر تھے ، عیسائی دهرم جن جن گئوں پر زور دیتا ہے وہ سب ان کے اندر موجود تھے پر کسی طرح کی انودارتا' ساکھرنتا یا تاگ نظری اپنے باپ کی طرح آئیمیں بھی چھو نه گئی تھی ، پروفیسر سدهیر کمار رودر فیدستانی کلجر سوسائٹی کے قائم کرنے والوں اور فیروع سے اپنی مرتبو کے سبے تک اسکی انتظامیم گیوع سے اپنی مرتبو کے سبے تک اسکی انتظامیم گیوع سے اپنی مرتبو کے سبے تک اسکی انتظامیم جی گیوع سے دیکھتے تھے ، گلدھی جی آئیمیں عمیمی و تسلیم پریمکی تاہ سے دیکھتے تھے ،

ज़रा सा भी करण के जारबार का जाने तरक के सीवालरों ज़ोर नात्रियों के जारबार का जाने जाने में कोई फरक पढ़ने पाएगा. जो देश भी किसी दूसरे को चूसना या उससे नेका फायबर उठाना नहीं चाहते और सब के साथ मेल निकाय और धमन से रहना चाहते हैं उनके सारे घापसी मामके आसानी से शान्ति के साथ तय हो सकते हैं. मारत अपनी शकि भर इस रास्ते पर चलता रहा है, चलता रहेगा और दूसरों को इस पर चलने की सलाह और महद देशा रहेगा.

28.6. '51,

—सुन्दरकाल

विनोबा जी तेलंगाना में--

इस नम्बर में दूसरी जगह इम विनोबा जी की तेलंगाना बाबा पर श्री सुरेश रामभाई का लेख दें रहे हैं. विनोधा जी की इस सच्ची और प्रेम भरी कोशिश ने देश के बहुत से सोगों का ध्यान उनकी तरफ खींचा है. इस अनोसी कोशिश में जियनी भी सफलता उन्हें मिली वह बड़ी साशी की चीच और आगे के लिये खम्मीद दिलाने वाली और रास्ता दिसाने वाली है. जैसा विनोधा जी ने कई जगह कहा है हमें इसमें जरा भी शक नहीं कि ऋहिन्सा और कम्यूनिजम का मेल ही इस देश के और दुनिया के अधिकतर दुखों का इकाल है, मले ही इसमें बाद तक के कम्यूनियम का रंग ह्म बहुत कुछ बद्दा जावे और भने ही इस समय के अधिया भक्तों की कुछ जमी हुई मानताएँ भी हिल जाएँ. दुलिया में कोई समक्तार आदमी यह नहीं कह सकता कि इसे चाइन्दा कोई नई चीज नहीं सीखनी. मानव उन्नति की नदी बराबर बहती ही रहती है, हम विनोधा जी के इस दौरे के लिये उन्हें और देश को दोनों को बधाई देते हैं भीर चाहते हैं कि इसी तरह के भहिंसा के तरीक़े इसी काम के विये देश के इक ऐसे इलाकों में भी जाजमाए बाब जो अभी तक कम्यूनिस्टों के हिंसा के तरीकों से बचे gę ł.

29. 6. '51.

—सुन्द्रखाद

प्रोफ़ेसर सुधीर कुमार रुद्र—

21 जून सन '51 को इलाइ।बाद यूनिवरसिटी के प्रोक्तसर सुधीर कुमार ठद्र की नैनीताल में अचानक मृत्यु हो गई, प्रोक्तेसर ठद्र का यह 60वां साम था. उनतीस काम वह इलाहावाद यूनिवरसिटी की सेवा कर चुके थे. इत्यु विश्वकृत अचानक हुई, नैनीताल की सात साल मील के सहाने गय हुए थे. तैरते तैरते पानी की महादेशों में फंस कर खारे वहीं जीवन जीवा समाप्त हो गई.

मोकेसर सुबीर कुमार कहा ईसाई थे. धनके पिता

فراسا بھی ہے جے کا لو اہ دونوں طوف کے موقائیں ہو ۔ بھرپوں کے کار بار یا آئے جاغہ میں کوئی فرق برنے باقیا ہو ۔ کیش بھی کسی دوسرے کو چوسٹا یا اسسے بھنجا فائدہ اُتھاتا نہیں چاہتے اور سب کے ساتھ میل ملاپ اور اُمن سے رفقا چاہتے میں اُن کے سارے آیسی معاملے آسانی سے شانعی کے ساتھ طے موسکتے میں ، بھارت اپنی شکتی بھر اِس راستے پر چلتا رما ہے چاہا رہے کا اور دوسروں کہ اِس پر چاہئے کی ماتے اور مدد دیتا رہے گا ۔

ــسلادر لال

28-6-51

ونوبا جي تيلنگانه ميں ـــ

إس تمهر مين هوسري جائد هم وتوبا جي کي تهللکاند یاترا پر سربی سریش رام بھالی کا لیکھ دے رقم هیں . ونوبا جی کی اس سچی اور پریم پہری کوشش نے دیش کے بہت سے لوگوں کا دھیان أن کی طرف کھینچا ھے . اِس انوکھی كوشش مرن جعلى بهي سيهاها أنهين ملى وه يويخوشي کی چیز اور آئے کے لئے أميد دلانے والی اور راسته دکھانے والى هے . جيسا ونوبا جي نے کئي جگه کہا هے همين اس مُهِنَّ قَرَا بِهِي هُكَ تَهِينَ كُهُ أَعَنْسَا أَوْرُ كَنَهُونُومٌ كَا مَهُلَّ هِي اس دیش کے اور دنیا کے ادھک در دکھوں کا علام ھے، بھلے ھی آسمیں اب تک کے کمیونزم کا رنگ روپ بہت کتھے بھال جارے اور بھلے میاس سیے کے اهنسا بھکٹوں کی کچھ جمی هور انتالهن بهي هل جالهن . دنها مهن كولي سمجهدار آدمی یه نبهن که سعتا که آسے آثلنده کوئی نثی جهز نهیں سههکئی . مانو أنفتی کی ندی برابر بهتی ہی رہی ھے . هم ونوبا جی کے اس دورے کے لئے اُنھیں اور دیھی کو درنوں کو بدھائی دیتے میں اور جاھتے میں که اِسی طرح کے اھنسا کے طریقے اِسی کام کے لئے دیش کے کچھ ایسے ملاقس میں بھی آزمالے جاتیں جو ابھی تک کیمونسالوں کے هنسا کے طرباتیں سے بھے هوئے هوں .

-- سندر لال

29-6-51

پرونیس سدهیر کهار رودر-

21 جون سن 51 کو الدآباد یو ہورسٹی کے پروفیسر سعی کم کروفیسر سعید کیار وردو کی نوعی تال میں اجانک مرتبو ہوگئی۔ پروفیسر وردو کا یہ 60 وال سال تھا ، انتیس سال وہ الدآباد یہ بھورسٹی کی سیوا کر بھی تھے ، مرتبو بالکل اجانک ہوئی نیفی تال کی سامت قال جہیل میں نہائے کئے ہوئے تھے . تعوقی تال کی سامت کال جہیل میں نہائے کئے ہوئے تھے . تعوقی تعوق

ورقاس محدواللو ورهرامهسالی اور ان کے بعد برنسیال مردور ان کے بعد برنسیال مردور ان کے بعد برنسیال کا ان کے بعد ا

पानकाण गामान का का प्रकार ने प्रकार गाम का प्राप्त प्राप्त प्रमुख की नी फीज का एक जंग समझी जायगी. तिड्यत की सरहद को दूसरे देशों की दुखल अन्याची से बचाना चीनी सरकार का कर्ज होगा और उसे इसके प्रवन्ध करने का इक होगा. अंतरकीमी मामकों में तिड्यत चीन के साथ रहेगा.

पाहिर है विष्यत में न इतनी शक्ति है और न रे प्ता कि वह आजकत की नाजुक अंतरक्रीमी हालत में दूसरे देशों से अपना बचाव कर सके. दुनिया के दोनों बड़े बड़े एता सब छोटे और कमजोर देशों की मलाई चाहने और हिफाजत करने का दम भरते हैं. सबाल सिर्फ इतना है कि इस तरह का कोई भी छोटा देश इन दोनों में से किस पर अयादा एतबार करे. हमें इसके कहने में जरा भी संकोच नहीं कि तिज्यत का भला चीन के साथ रहने में है और चीन की सलामती एक दरजे तक तिज्यत की सलामती पर निर्मर है. इसलिये चीन और तिज्यत के इस समम्मौते पर हम दिल से दोनों देशों को बधाई देते हैं.

यह सममीता इस फैबी हुई और खतरनाक रालतफहमी को भी दूर करता है कि लाल चीन या किसी भी
लाल देश का असर जहाँ कहीं बढ़ता है लोगों के धार्मक
विश्वासों और उनके रीत रिवाजों पर जबरदस्ती हमला
करता है. हम तो चाहते हैं कि तिब्बत अपने पुराने गए
बीते, दक्षियानूसी धार्मिक जंजालों से भी बाहर निकल सके
और अपने रीत रिवाजों को अक्रल, साइन्स और मानव
प्रेम की रोशनी में सुधार सके. पर यह काम चीनियों का
नहीं. यह तिब्बती नताओं और वहाँ की जनता को खुद
ही करना होगा. कोई भी विदेशी सरकार, अगर उसमें
करा सी भी समम है, दूसरे लोगों पर अपना असर क़ायम
रखने के लिये उनके धार्मिक अंघ विश्वासों और उनके
सहे गले रीत दिवाजों को बदलता या सुधारती नहीं, उन्हें
और बढ़ाती और उनसे फायदा उठाती है.

एक छोटी सी बात और है. चीन और भारत के बीच तिजारत हमेशा से बड़ी अच्छी तरह होती रही है. इस तिजारत के रास्ते पर दो जगह एक ग्यानत्से और दूसरा यातुंग पर भारत सरकार की ट्रेड एजेन्सियाँ रहती हैं. ग्यानत्से में सीदागरों और यात्रियों की हिकाजत के जिये बोड़ी सी हिन्दुस्तानी कीज भी रहती हैं. इस तिजारत के रास्ते पर भारत के इछ डाक घर और तार घर भी हैं. तिब्बत की राजधानी लासा में सारत सरकार का एक पजेन्द्र भी रहता है. यह सब चीजें केवल दोनों के मले के लिये थीं और हैं. हमें इसमें जरा भी शक नहीं कि इस इन्सज़ाम में कोई छोटी या बड़ी तबदीली भले ही हो, न رہے جبی معدم جدوں و دوں یہ رہے ہو میت کی جبیعی اللہ ایک انگ سمجھی جائے گی۔ تبحیکی شرحد کو فوسوے دیا ہوں کی دیکو اندازی سے بحیانا جہلی سرکار کا فرض ہوگا ۔ اور آسے اِس کے پربندھ کونے کا حق ہوگا ، اندر قومی معاملیں میں تبت جدین کے ساتھ رہے گا ۔

ظاهر ہے تبت میں نہ اتنی شکتی ہے اور نہ یوگتا کہ وہ آج کل کی نازک اندر قومی حالت میں دوسرے دیسوں سے اپنایتواو کر سکے۔ دنیا کے دونوں بڑے بڑے دل سب چھوٹے اور کمزور دیشوں کی بھائی چاھئے اور حفاظت نوئے کا دم بھرتے ھیں ۔ سوال صرف اتنا ہے کہ اِسطرے کوئی بھی چھوٹا دیش اِن دونوں میں سے کس پر زیادہ اعتبار کرنے ، ھمیں اِس کے کہنے میں فرا بھی سنکوچ نہیں کہ تبت کا بھا چھن کے ساتھ رھنے میں ہے اور چھن کی سلامتی ایک درجے تک تبت کی سلامتی پر نربھر ہے ۔ اس سمجھوسے پر ہم دل سے اس کیشوں کو بدھائی دیتے ھیں .

یه سمجهونه اس پهیلی هوئی اور خطرناک فلط فهمی و بهی دور کرتا هے که لال چین یا کسی بهی لال دیمی کا اگر جهاں دهیں بوهنا هے لوگوں نے دهارمک وشواسوں اور اُن نے ریمت رواجوں پر زبردستنی حمله کرتا هے . هم تو چهاهته هیں که تبت اپنے پرانے دئے بیتے ' دفیانوسی دهارمک جیلجالوں سے بهی باعر نکل سکے اُرر اپنے ریمت رواجوں دو عقل ' سائنس اور مانو پریم کی روشنی میں سدهار سکے . پر یه کام چینیوں کا نہیں . یه تبتی نیتاؤں اور وعال کی جلتا کو خود هی کرنا هوگا . کوئی بهی ودیشی سرکار' اگر اس میں درا سی بهی سمجه هے ' دوسرے لوئوں پر اپنا اشر قائم رکھنے کے لئے ان کے دهارمت انده وشواسوں اور اُن اُنہیں اور بوهائی وریت رواجوں کو بدلتی یا سدهارتی نهیں' اُنہیں اور بوهائی اور اُن سے قائدہ اِنهائی هے .

सित्यों से तिब्बत को अपने शरीर का एक अंग मानता रहा है. सारत ने कभी भी चीन के इस दावे से इनकार नहीं किया. अक्तूबर सन '50 में चीनी सेना के तिब्बत में धुसने पर भी भारत सरकार ने तिब्बत पर चीन के इस दावे को ठीक मान लिया.

जंब से एक तरफ़ रूस और चीन और दूसरी तरफ़ इंगलैन्ड और अमरीका में खेंचातानी शुरू हुई तिव्यत पर भी दोनों तरक से डोरे डाले जाने लगे. तिज्वत में सदियों से एक तरह की दोहरी हकूमत चलती थी. दालाई लामा वहाँ का राजकाजी हाकिम था श्रीर पंचेन लामा वहाँ का मजहबी या आध्यात्मिक शासक, हाल में एक अजीव बात यह हुई कि, कहा जाता है, दालाई लामा कुछ अंगरेजों और अमरीका वालों के असर में आने लगा था और पंचेन लामा चीन और कम्यूनिजम की तरक मुक्ता था. तिब्बत की सरहद भारत, लद्वाख और कशमीर से मिली हुई है, रूस और कशमीर में बहुत थोड़ा फासला है. अकग़ानिस्तान और पाकिस्तान की सरहरें भी पास पास ही हैं. ऐसी सूरत में, जाहिर है, रूसो-चीना श्रीर ऐंग्लो-अमरीका दोनों में से कोई भी तिब्बत की तरफ से बेपरवाह नहीं हो सकता. चीन के लिये तिब्बत का सवाल और भी गहरा सवाल था. तिब्बत के ऊपर चीन की अपनी सलामती का दार मदार था.

पेंग्लो. श्रमरीका के तिब्बत पर बढ़ते हुए श्रमर श्रीर रेशेदबानियों को देखकर चीन ने इस बिना के ऊपर कि तिब्बत बढ़े चीन का एक श्रंग है, शक्तूबर सन '50 में अपनी फीजों तिब्बत भेजों. भारत 'ने एक सच्चे मित्रराश्ट्र की हैंसियत से चीन के दाबे से तो इनकार नहीं किया लेकिन चीनी सरकार को दोस्ताना सलाह दी कि फीज को श्रागे बढ़ेने से रोका जाय श्रीर शान्ति के साथ बातचीत करके चान श्रीर तिब्बत के बीच का मामला तय कर लिया जाय. बाड़ी सी लिखा पढ़ी हुई. चीनी सरकार ने श्रपनी फीज को शागे बढ़ने से रोक दिया. चीन की राजधानी पेकिंग में चीनी सरकार श्रीर तिब्बत के नुमाइन्दों के बीच बातचीत श्रुक हुई मई सन '51 के खालीर में चीन श्रीर तिब्बत के वाच शान्ति सममौत की सत्रह शर्ते हैं. हमारे देश की श्रन्तर की मी राजनीत की सह एक छोटी सी लेकिन सासी श्रम्बरी श्रीत हैं.

सममीते की लास खास बातें यह हैं—दालाई लामा तिक्रत के राजकाजी शासक बने रहेंगे. पंचेन लामा वहाँ के आध्यात्मिक गुरू रहेंगे. अपने मजहबी मामलों और रीत रिवाज के पालने में सबको पूरी आखादी होगी. तिक्वत ائیوں سے قمت کو آپے شریر کا ایک انگ مانکا رہا ہے۔ ارت کے کبھی بھی چین کے اِس دعوے سے انکار نہوں ا ۔ اکتوبر سن 50' میں چیلی سیدا کے تہت میں سلے پر بھی پھارت سرکار نے تہت پر چھن کے اِس دعوے تھیک مان لیا ۔

جب سے ایک طرف روس اور چھن اور دوسری طرف لمهلك أور امريكه مهل كهيلها تاني شروع هوثى تهت بھی دونوں طرف سے تورے ڈالے جائے لکے . تبت ن صديون سے ايك،طرح كى دوھرى حكومت چلتى ر داللی لاما وهال کاراج کاجی حاکم تها اور پنتچن لاما آن کا مذہبی یا آدھیاتیک شاسک ، حال میں آیک يهب بات يه موثي كه كها جانا هے واللي لاما كيه ریزوں اور امریکے والی کے اثر میں آنے لگا تھا اور چن لاما چین أور كمیونزم كى طرف جهكا تها . عا کی سرحد بہارت الدائع أور كشمير سے ملى هوئى هـ. س أرر كشمهر مين بهت تهرزا فاصله هي . انغانستان پاکستان کی سرحدیں بہی پاس پاس هی هیں. مي صورت مهن ظاهر هے' روسو جهدا أور أيلكلو. یکه دونوں میں سے کوئی بھی تبت کی طرف سے پرواہ نہیں هوسکتا . چهن کے ایک تبت کا سوال اور ي كُهرا سوال تها . تبت كي أوير چهن كي ايني سلامتي ،ارمدار تها .

اینکلو امریکه کے تبت پر بوهتے هوئے اثر اور ریشے نهرس کو دیکهکر چین نے اس بنا کے اوپر که تبت برے ن کا ایک انگ ہے اکتوبر سن 50' میں اپنی فوجیس ت بهیجیں . بهارت نے ایک سچے متر راشتر کی شیت سے چین کے دعوے سے تو انکار نہیں کیا لیکن نی سرکار کو دوستانه صفح دی که فوج کو آگے بوهنے سے جائے اور شانتی کے ساتھ بات چیت کرکے چین اور ت کے بہی کا معامله طے کرلیا جائے . تهوری سی اپرهی هوئی ، چینی سرکار نے اپنی فوج کو آگے بوهن کی راجدهائی پیکنگ میں نے سے روک دیا . چھن کی راجدهائی پیکنگ میں نے هوئی ، مئی سن 13' کے آخیر میں چین اور تبت کی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بہیے بات چیت بی سرکار اور تبت کے نمائندوں کے بہیے بات چیت نمائندی سے سرکار اور تبت کی ساتھوئی میں اور تبت بی ساتھوئی میں اور تبت بی ساتھوئی میں اور تبت کی ساتھوئی میں اور تبت کی انتر قومی راجابیت بی ساتھوں ہیں ، همارے دیش کی انتر قومی راجابیت یہ نمائی سے بیش کی انتر قومی راجابیت یہ نمائی سے لیکن خامی اچھی جیت ہے ۔

سمجھوڑتے کی خاص خاص باتیں یہ میں۔دالائی لاما ت کے رأیج کاچی شاسک بلے رهیں گے، پنچن لاما وهاں کے ماسک گرو رهیاگی اللے مذهبی معاملوں اور ریست کے پائلے میں سب کو پوری آزادی مرکی ، تبت الدر کے شاملی میں تبنی سرکار پوری طرح آزاد

अपने किसी भी प्यारे केंग्ने से जीर उसमें एक नहीं क्रुएकानी की करके प्यारे चेकी में से बे-वह काम तहीं कोना पाइते थे को कुपकानी जी ने नई पारटी के नेता की हैसियत से इस समय हाब में लिया है, देश के दुखों का यह इसाज भी हो सकता है और इसे भाजमाया जा सकता है और आजमाया जायगा. पर गांधी जी का सोका और बताया इताज यह नहीं था. गांधी जी का बताया इक्षाज वह है जो किसी भी ऊँचे काँगरेस बाले के मन को नहीं भाषा, यानी काँगरेस वालों का हकूमत की कुरसियों और बोहरों के मोह को वितकुल छोड़कर बोक सेवफ संघ के रूप में गाँव गाँव में जाना और जनता से सीधा नाता जोड़ना. यू. पी. सरकार की मदद से जो लोक सेवक संघ इस सूबे में बनाया गया है उसमें और गांबी जी के लोक सेवक संघ में भाकारा पाताल का भन्तर है. गांधी जी के बताए रास्ते को न सरकारी काँगरेस बालों ने माना और न आवार्य कप्तानी और उनकी पारटी ने. किर भी इसे इसमें शक नहीं कि जहाँ तक नेक इरावों का सम्बन्ध है नई पारटी पुरानी सरकारी पारटी से कुछ न कुछ इंच आप इंच ऊँचे पर ही है, नीचे नहीं. जनता के सच्चे वाम की इन चुनावों से आशा हो या न हो एक बार देश को इन चुनावों के मयंकर जंजालों से निकलना ही हैं. हमें बिश्वास है कि इन पेचदार रास्तों से चल कर और तजरबा हासिल करके ही देश और जनता अपनी भलाई के सच्चे रास्ते को पा सकेगी.

26. 6. '51

—सुन्दरताल

तिब्बत, चीन और भारत

जैंचे पहाड़ों और बरफ की वीवारों से बिरा हुआ छोटा सा देश तिब्बत हमेशा से अपने दोनों बढ़े पड़ोसियों चीन और हिन्दुस्तान के साथ प्रेम से रहता आया है. अफ़रानि-स्तान कई बार भारत का एक सूबा रद चुका है. किसी समय जब बिन्ध्याचल से नीचे का देश भारत में नहीं पिना जाता या तब भी अफ़रानिस्तान भारत का एक दुकड़ा था. औरंगचेब ने भी अफ़रानिस्तान को जीत कर बसे अपने साम्राज का एक सूबा बनाया और राजा जसबन्तसिंह को वहाँ का गबरनर मुक्रंर किया. लेकिन तिब्बत को हिन्दुस्तानी सस्तनस में शामिल करने का खयाता कभी किसी भी हिन्दू या मुस्तमान सम्राट को नहीं हुआ. सौदानरों, यात्रियों और धर्म प्रचारकों का आना जाना दोनों देशों में बराबर जादी रहा और अब तक है. विब्बत की आबादी करीब सीस नामने बाते हैं.

कावने सम्बद्ध के शासन में विस्तृत सरीय सरीय ध्रमेशा पालाह रहा है लेकिन संतरकोगी सम्बन्ध के सिवे पीन

لیے کسی بھی بعارے چیلے ہے۔۔ اور اِس مھی شک جیس می آن کے پدار کے جدارں موں سے تھے۔۔۔وہ کام لہدوں کے بیارتی کے نیعا کی خيڻيڪ آس سي هاڻو ۽ ٻي لها هي . ديش کي هکوس ید ملاج بھی هوسکتا هے آور اِسے آزمایا جا سکتا هے آور آزمایا جائے گا . پر گاندھی جی کا سوچا اور بتایا علاہے یہ نهیں کھا۔ کاندھی جی کا بتنایا ملے وہ مے جو کسی بھی ﴿ اَوْلَمْ عِلَا كُلُونِ مِنْ كُو لَهُمْ لِمِهَا لَا لَمُعَلِّي الْمُعَلِّي الْمُعَلِّي الْمُعَلِّي گانگریس والوں کا حکومت کی کرستوں آرر عیدیوں کے مولا کو پالکل جہور کر لوک سیوک سلکھ کے روپ ممھی کاوں ر الله من من جانا أور جلتا سے سیدما ناتا جورنا ، ہو ، ہے .. سرکار کی مدد سے جو لوک سیوک سفکھ اِس صوبے میں الما گیا ہے اُس میں آور کاندھی جی کے لوک سیوک ستکه میں آگاش پاتال کا انتر ہے ۔ کاندھی جی کے ، بتائے واستعے کو نہ سرکاری کانگریس والوں نے مانا آور نہ آجاریہ عربانی آور اُن کی پارتی نے ، پھر بھی ممیں اُس میں هک نبین که جهان تک نیک اراس کا سمبنده هے نئی پارٹی پرانی سرکاری پارٹی سے کھی نه کھی اِنہے آدھ اِنہے اُونجے پر می ہے' نہجے نہیں ، جنتا کے سچے لابھ کی ان چاوں سے آشا ہو یا نہ مو ایک ہار دیش کو ان چھاروں کے بهینکر جنجانوں سے تلکنا ھی ھے، ھیوں وشواس هے که اِن پیچ دار راستوں سے چاکر آور تجربہ حاصل کر کے هی ديش آور جلتا اپلی بهائی کے سچے راستے کو پاسکے گی .

— سندر ال

26-6-'51

تبت چین اور بھارت __

اونجے پہاڑوں اور برف کی دیواروں سے گہرا ہوا چھوتا سا دیش تمت همیشہ سے اپنے دونوں بڑے پڑوسیوں چین اور هندستان کے ساتھ پریم سے رهتا آیا ہے . افغالستان کئی بار بھارت کا ایک صوبہ رہ چکا ہے . کسی سیے جنب مقدههاچل سے نینچے کا دیشں بھارت میں نہیں گلا جاتا تھا تب بھی افغانستان بھارت کا ایک تکوا تھا . ایرنگ زیب نے بھی افغانستان کو جیت کر آبیے اپنے سامزاج کا ایک صوبہ بنایا اور راجہ جسونت سنگھ کو سامزاج کا ایک صوبہ بنایا اور راجہ جسونت سنگھ کو رهاں کا گورنر مقرر کیا . لیکن تبت تو هندستانی مقلقت میں شامل کرنے کا خیال کبھی کسی بھی مقلقت میں شامل کرنے کا خیال کبھی کسی بھی بھی بھتوں اور دھرم پرچارکوں کا آرہ جانا دونوں دیشوں بیاتوزوں اور دھرم پرچارکوں کا آرہ جانا دونوں دیشوں میں باتوروں اور اب تک ہے . تبت کی آبنادی خیاب توسی بھی میں ادھک تر لوگ پوچھ مت

الها أنذو كے هاسي مهن تبت لويب كريب هيهدد آزاد رها هے ، ليكور انكو كوسى سمبلده كے لگے جهان

- The state of the

गया है क्ससे व केवत यही मुमकिन है कि किसी भी कीव पर से कन्द्रोल कम न किया जावे, बल्क यह भी साक कह दिया गया है कि मुमकिन है और जियादा चीजों पर और इससे बढ़ कर कन्द्रोल की जरूरत पड़े.

इस जाकार्य कुपलानी की कठिनाइयों को समक सकते हैं. उनके दल में इस समय हर तरह के जीर हर विकार के लोग भरे हुए हैं. उन सब को किसी तरह साथ लेकर कलना है. कुल मिलाकर हमें इसके कहने में जरा भी संकोक नहीं कि नई पारटी का यह ऐलान खासा अच्छा और उन्मीद दिलाने वाला ऐलान है. गांधी जी के सच्चे अनुयाई भी जे. सी. कुमरप्पा पटना में मौजूद ये और उनके विचारों की छाप इस ऐलान में कई जगह दिखाई देती है. इस दिल से चाहते हैं कि आचार्य कुपलानी और उनकी पारटी सरकारी काँगरेस से किसी भी समय मिल जुल कर या अपने वजूद को अलग रस कर जिस तरह भी हो सके इस प्रोमाम को बदाने और इन बादों को पूरा करने में सफल हो.

पर जुनाब से 'पहते जनता को तरह तरह के वादे दिलासे देना एक पुरानी बीज है. 15 बगस्त सन '47 से पहले समय समय पर कॉंगरेस ने अपने प्रोप्राम और अपनी पालिसी के जो ऐलान निकाले ये वह सब देश के बामने मौबूद हैं. कॉंगरेस के सेवकों के जरिंग 'कुषाग्रः हुथ्वीपितः' यानी 'को जोते बोए वही जमीन का मालिक' की बावाज बारबार सारे देश में गूँज चुकी है फिर भी हमें किसी बावमी या दल पर पहले से उसके जिलाफ राय नहीं कायम कर लेनी चाहिये. हम इस नई पारटी के खड़े होने को यक कुद्रती बीज मानते हैं और बाकी देशवासियों के साथ इस बात के देखने का इन्तजार करेंगे कि यह नई पारटी अपने वादों को कहां तक पूरा करती है.

केवल एक बात और कह कर हम इस नोट को खतम करेंगे. हमने आचार्य कुपलानी की पटना की तक़रीरों को श्यानसे पढ़ा है. बन्होंने कम से कम दो बार सुनने वालों को यह बाद दिलाया कि आचार्य कुपलानों के कॉंगरेस की सदारत से इस्तीका देने के बाद जब बरकिंग कमेटी की मेम्बरी की बात आई तो गांधी जी ने श्रीमती सुचिता कुपलानी से यह कहा कि—"मुक्ते कुपलानी की वक और काम के लिये अकरत है." इस बात का हवाला देते हुए आचार्य कुपलानी ने यह साफ जाहिर किया कि गांधी जी उन से यही काम कराना बाहते थे. इस पर उन्हें खूब वालियाँ भी मिलीं.

चुनाव नीति के जिहाज से यह सब बातें जायज हो सकती हैं. पर इम बड़ी नज़ता के साथ कहना बाहते हैं कि आंधी जी कॉंगरेस गवरमेन्टों के सुद्ध के तज़रने के साद گیا ہے گئی ہے کہ کیول یہی سکی ہے کو کسی بھی ہے۔ یر سے کفگرول کم نہ کھا جارے ابلکت یہ بھی صاف کیلیا کہا ہے کہ سکن ہے اور زیادہ چھڑوں پر اور اِس سے بوهغر کلٹرول کی فسرورٹ پڑے ۔

هم آچاریه کریانی کی کامائیوں کو سمتیہ سکاتے هیں ،
ان کے دال میں اِس سے هر طرح کے آور هر وچار کے لوگ بہرے هوئے هیں . اُن سب کو کسی طرح ساتھ لے کر چلقا مے . کل ماہ کر همیں اُس کے کہنے میں ذرا بھی سنکوچ نہیں کا نئی پارٹی کا یہ اعلان خاصا اچھا آور اُمید دالئے والا اعلان ہے . کاندهی جی کے ستھے انویائی شری جے . سی ،
کماریہا یافت میں موجود عمد اور اُن کے رجاروں کی چھاپ اِس اعلان میں کئی جگاہ دکھائی دیائی ہے ، هم دل سرکاری کانگریس سے کسی بھی سمے مل جل کر یا اُنے سرکاری کانگریس سے کسی بھی سمے مل جل کر یا اُنے وجود کو الگ رکھکر جسطرح بھی هو سکے اِس پروگرام کو بودا کرو میں سبھال هو .

یر چفاو سے پہلے جفقا کو طرح طرح کے وعدے دائیے دینا ایک پرانی چیز ہے ، 15 اگست سن 47 سے پہلے سے سے سے سے سے یہ کی دو کا اگست سن 47 سے پہلے اعلان نکالے تھے وہ سپ تایش کے سامنے موجود ھیں ، کانگریس کے سهوکوں کے فریعے 'کرشانہ پرتھوی پتی' یعنی انہو جوتے ہوئے وہی زمین کا مالک' کی آواز بار بار سارے دیش میں گرنج چکی ہے پھر بھی ھمیں کسی آدمی یا دیش میں گرنج چکی ہے پھر بھی ھمیں کسی آدمی یا دل پر پہلے سے اُس کے خلاف رائے نہیں قائم کر لینی دل پر پہلے سے اُس کے خلاف رائے نہیں قائم کر لینی چاھئے ، ھم اِس نئی پارٹی کے کھوے ھونے کو ایک قدرتی چھو ماتے ھیں اور بائی دیش واسیوں کے ساتھ اِس بات کے دیکھنے کا انتظار درینگے کہ یہ نئی پارٹی آھے وحدر کو کہاں تک پورا کوئی ہے ۔

کھول ایک بات اور کیکو هم اِس نوت کو ختم کرینگید، هم نے آجاریہ کرینائی کی پتفہ کی تقریروں کو دهیاں سے پرفا ہے ، انھوں نے کم سے کم دو بار سفلہ والوں کو یہ یاد دلیا که آجاریہ کرینائی کے کانگریس کی صدارت سے استعفا دیلے کے بعد جب ووقفگ کمیٹی کی ممبری کی بات آئی تو کاندهی جی نے شریمتی سجھتا کرینائی سے یہ کیا کہ ۔ '' محید کرینائی کی ایک آور کام کے لئے ضرورت کہ ۔ '' اس بات کا حوالہ دیتے ہوئے آجاریہ کرینائی نے یہ مان طاهر کیا کہ گاندهی جی اُن سے یہی کام کرانا جاهیے صاف طاهر کیا کہ گاندهی جی اُن سے یہی کام کرانا جاهیے سان ہے یہی کام کرانا جاهیے

وفار نیکی کے تصاف سے بھے سب باتیں جائز ہوسکتی میں ۔ پر مر بری تسال کے ساتھ کیفا جامتے میں که کاندھی جی کانگریک گامفتری کے شروع کے تجربے کے بعد

जनता से करता है, कुपकानी पारटी की तरफ से जो पेसान पटना में किया गया है उसमें कई बहुत अच्छी अच्छी वार्से हैं—

सरकारी नीकरों को सुधारा जायगा और इकुमत को विलक्क नए ढंग पर ढाला जायगा, चोर बाजारी बन्द-की जायगी, जमीन को जो बोए जोतेगा वही जमीन का मालिक होगा, गांव के उद्योग धन्दों को बढ़ावा दिया जायगा, सासकर पहनने के कपड़ों और खाने की चींजों को बड़े बड़े कल कारलानों की जगह घरेलू धन्दों के जरिये ही पैदा कराया जायगा. देश में छोटी से छोटी मजदूरी और बड़ी से बड़ी आमदनी का श्रीसत एक और बीस से वियादा न होगा यानी अगर कम से कम मजदूरी पाने वाले मजदूर को पंचास रूपए मिलते हैं तो अधिक से अधिक तनलाह वाले हाकिस को हजार से जियादा न मिलेंगे, एक ऐसी समाज क्रायम की जायगी जिसमें कोई जात पात न हो श्रीर कोई मालिक मजदूर या अमीर रारीव न हो और कोई किसी से बेजा कायदा न उठावे, इस बात पर ग़ौर किया जायगा कि सरकारी 'कन्टोल' का दायरा कहाँ तक कम किया जा सकता है और जनता के कारबार ब्योपार धन्दों में सर-कारी दुखल कहाँ तक कम हो सकता है, हरिजनों और द्वे हुओं को उभारा जायगा, पैदावार बढाई जायगी. स्वदेशी को फिर से जगाया जायगा, विदेशों से ऐसे माल की चामद, जो देश में पैदा हो सकते हैं, कम की जायगी, खेती में नए और जियादा भच्छे तरीक्रे काम में लाए जायेंगे. गांवों में फिर से जान बाली जायगी, हर किसान को कम से कम इतनी जमीन दी जायगी जिससे उसका और उसके बच्चों का अच्छी तरह गुजारा हो सके, कोआपरेटिव कारमिंग यानी सरकारी या सकिया खेती को बढ़ावा दिया जायगा, बंजर जमीनों को काम में लाया जायगा. तालीम में सुधार किये जायँगे, जो शरनार्थी भाई पाकिस्तान बापस जाना चाहेंगे, पाकिस्तान सरकार से बात बीत करके और पाकिस्तान में उनके कारबार और सख शान्ति का प्रवन्ध करके उन्हें वापस भेजा जायगा, अन्तर क्रीमी राजनाति में देश को बिलकुल तटस्थ यानी ग्रैर जानिबदार रक्सा जायगा, बरौरा वरौरा.

इमने यह सब बीजें नई पारटी के पटने के ऐलान से ली हैं. केवल उन्हें अपने शब्दों में और थोड़े से में कहने की कोरिशा की हैं. कहीं कहीं ऐलान को सममने में हमारे जैसे पदने बालों को कठिनाई हो सकती हैं. कहीं कहीं एक दूसरे के खिलाफ बातें भी दिखाई देती हैं. जियादा बहस में न जाकर इम केवल एक बात की तरफ प्यान दिलाते हैं. इस समय अनता की सब से बड़ी मुसीबत 'कन्द्रोल' के कारन हैं. जिन शब्दों में कन्द्रोल का ऐलान में जिकर किया سرلاری نوکروں کو سدھارا جائیٹا آور حکومت کو پالکل ئے تھنگ پر تھالاً جائیکا' چور بازاری بند کی جائیکی' مهن کو جو بوئے جوتے کا وهی زمین کا مالک هوکا کاوں ل أديوك دهندون كو برهارا ديا جائهاً فاص كر يهني ل کھروں آور کھانے کی چھڑوں کو بڑے بڑے کل کارخانوں ی جگه گهریلو دهندر کے ذریعے هی پیدا کرایا جائیکا . یم میں چھرٹی سے چھرٹی مزدرری آور ہوی سے ہوی سدئی کا اوسط ایک اور بیس سے زیادہ نہ ہوکا یعلی اگر م سے کم مزدرری یانے والے مزدور کو پنجاس روپے ملتے ہں تو ادھک سے ادھک تفخواہ والے حاکم کو ھوار سے ہادہ نه مایں کے ایک ایسی سماج قائم کی جاٹیکی س میں کوئی جات پات نه هو آور فوئی مالک مودور ا امیر فریب نه هو آور کوئی کسی سے بینجا فائدہ نه لهاري' إس بات در فور كيا جائيكا كه سركاري 'كنترول' دائرہ کہاں تک کم کیا جاسکتا ہے آور جدتا کے کاربار ہوپار دھندوں میں سرکاری دخل کہاں تک کم ھوسکتا يا هريجدون أور دي هوون كو أبهارا جائيكا بهداوار هائی جائهگی سودیشی کو پهر سے جاایا جائیکا ودیشوں ، ایسے مال کی آ-د[،] جو دیعی میں پیدا "هو سعتے ين كم كي جانهكي كهيتي مين نئے أور زياده الهم ريقے كام موں لائے جائيدكے . كاؤوں موں پهر سے جان اره هوسكے كوآپريدو فارملك يعلى سهكاري يا سجهورا لهنعي كو يوهارا ديا جائها 'بنجر زمينون كو كام مين ا جائها تعليم مين مدهار كيُّ جائين كي جو شرنارتهي ائی پاکستان واپس جانا چاههن کے پاکستان سرکار مات جهمت كرك أور بالسعان مين أنك كاربار أور عه شائعي كا يربنده كرك أنهيس وايس بههجا جاليكا الر الومي راج انهالي مين ديش كو بالكل تاسعه يعلى و جانب فأر ركها جائيكا وفهره وفهره

ताने के बाद से इस विशास भवन की बुनियादें एक दम ती के से खिसकने क्यों. नतीजा यह हुआ कि इस बार जो [रार पड़ी इसने सारे भवन ही को बीच से दुकड़े करके इंडइर के क्षप में दुनिया के सामने रख दिया.

कांगरेस सभापति का जाखिरी चुनाव शायद अपने गि का पहला चुनाव है जिसमें खुद रारख पूंजी पितयों हे हवाई जहाओं से वोट लेने में मदद ली गई और पूरे पूरे सूबों के वोट वहां की आपसी दल बन्दियों से जिस रारह भी हो फायदा चठा कर और एक एक को बारी बारी मि दिलासा देकर हासिल किये गए. कांगरेस की गिरावट ही शायद यह सब से दर्दनाक मिसान है.

कांगरेस चौर हकूमत के गठबन्धन ने चौर भी जह-ीलें नतीजे पैदा किये. धन और सत्ता के लोभ ने तो तेकडों को गिराया ही, डिसि व्लिव यानी शिस्त के नाम ार फरमान जारी होने लगे कि कोई कांगरेस वाला भारत सरकार या किसी सुवाई सरकार के किसी काम के खि-हाफ किसी तरह की नुक्तार्चानी न करे. यहाँ तक कि मगर ऐसे किसी इलाक के लोग जहाँ आभी तक शराब ही दुकानें खुली दुई हैं शराब बन्दी का आन्दोलन शरू हरें तो किसी कांगरेस बाले के इस आन्दोलन में हिस्सा नेने पर उसके खिलाफ शिस्ती कारवाई की धमकियां दी गई. इन हालात में भाचार्य कृपलानी और उनके साथियों का खुले कांगरेस से अलग होकर किसान मज़रूर प्रजा पारटी खड़ा करना एक क़द्रती और होनहार बात थी. माल्यम होता है इस पारटी के बनते ही शिस्ती कारवाई की धमकी एक दम हवा हो गई. सरकारी कांगरेस के छाध-कारियों को दिखाई दे गया कि अब अगर किसी की तरफ इस तरह की कारवाई का इशारा भी किया गया तो वह मत कृद कर दसरी पारटी में पहुँच जायगा.

इन दोनों पारिटयों का आगे चल कर क्या हरार होगा, कंगलीर में या उसके बाद इनके फिर से मेल की कोशिशों कामयात्र होंगी या नहीं, और अगर न हुई तो बड़े चुनाव में इनकी लागडाट के क्या नतीजे होंगे इन सवालों में इस समय पड़ना बेकार है. जाहिर है, जो लोग कांगरेस को जिल्हा रखने के अभी तक सपने देख रहे हैं और थोड़ी बहुत समफ रखते हैं वह इसकी पूरी कोशिश करेंगे कि जिस तरह भी हो यह दरार फिर से भर जाय. पर अभी इस समय आचार्य कुपलानी की पारटी इस जोर पकड़ती दिखाई दे रही है. उसकी है भी उठती हुई उमर. सरकारी

राजकाज में जो भी नया वृक्ष सामने भाता है वह सपने भस्तों के साथ खपते हुए—अगर कोई उसके खास कुछ हों तो—ऊँचे से ऊँचे चौर अच्छे से अच्छे वारे جائے کے بعث سے اُس رشال بھوں کی بتھائیں گائے ہم نہاتھ کے بعث سے کہسکتے لگیں ، نتیجہ یہ ہوا کہ اِس باز بھو درار پڑی اُسکے سارے بھوں می کو بیچے سے ٹاعرے کرکے کہنگاہر کے روپ میں دنیا کے سامنے رکھدیا ،

کانگریس سبھاپتی کا آخری چناؤ شاید آئے تھنگ کا پہلا چناو شاید آئے تھنگ کا پہلا چناو شے جس میں خود فرض پونجی یعیوں کے ہوائی جہازوں سے ووٹ لینے میں مدد لی گئی آور پردے تورے صوبوں کے ووٹ وہاں کی آپسی دل بندیوں سے جس طرح بھی ہو فائدہ اُتھاکر آور اُیک ایک کو باری دم دالسا دے کر حاصل کئے گئے ۔ کانگریس کی گراوٹ کی شاید یہ سب سے دردناک مثال ہے ۔

کانگریس آرر حکومت کے گاتھ بلدھن نے آرز بھی زمریلے نعیمے بهدا کئے . دهن آور ستتا کے لوبه نے تو سیکورں کو گرایا ہی ۔ قسیلن یعلی شست کے نام پر فرمان جاري هونے لگے که کوئی کانکریس والا بهارت سرکار یا کسی صوبائی سرکار کے کسی کام کے خلاف کسی طرح کی نکتم چیڈی نه کرے . یہاں تک که اگر ایسے کسی علاقے کے لوگ جہاں ابھی تک شراب کی دوکانیں کھلی هوئی ههی شراب بندی کا آندولن شروع کریس تو کسی کانگریس والے کے اُس آندولن میں حصہ لیلے پر اُسکے خلاف شستى كاروائى كى دهمكيان دى كئين. إن حالات میں آچاریہ کربانی آور آنکے ساتھیوں کا کھلے كالكريس سے الگ هوكر كسان مزدور پرجا پارتى كهوا كرنا ایک قدرتی آور هونهار باك تهی . معلوم هوتا هے إس پارٹی کے بنتے هی شستی کاروائی کی دعمکی ایک دم ھوا ھو گئی . سرکاری کانگریس کے آدھیکاریوں کو دکھائی دے کہا کہ آب اگر کسی کی طرف اِس طرح کی کاروائی کا اشاره بهی کها گها تو وه جهت کود کر دوسری پارتی مهی بهلم جائيكا

ان دونوں پاوتیوں کا آگے چاکر کیا حشر ہوگا' بنگلور میں میں یا اسکے بعد ان کے پہر سے میل کی کوششیں کامیاب ہونگی یا نہیں' آور اگر نہ ہوئیں تو بوہ چیاو مہی انکی لاگ تانت کے کہا نتیجے ہونگے اِن سوالوں مہی اِس سیے پوتا بیکار ہے ۔ طاعر ہے' جو لوگ کانگریس کو اِندہ وکوئے کے اُبھی تک سپلے دیکھ رہے میں آور تھوڑی بہت سمجھ وکھتے میں وہ اِسکی پوری کوشش کرینگے بہت سمجھ وکھتے میں وہ اِسکی پوری کوشش کرینگے کہ جس طرح بھی ہو یہ درار پھر سے بھر جانے ، پر آبھی اس سیے آجاریہ کریائی کی بارٹی کچھ ورور پکوئی دکھائی دیے روی عمر ، سرکاوی دیے روی عمر ، سرکاوی

رائے گئے جھن جو بھی نیا دل ساملے آتا ہے۔ وہ آپ آسولوں کے ساتھ فیلئے ہوار۔۔۔۔اگر کوئی آسکے خاص امول جن جے۔۔اونجے نے ارتباعے آور اچھ سے اچھے رہدے समरीका की सरकार ने काई करोड़ काकर बतीर कर्क के भी ईरान को देने कहा है. पर ईरान की सरकार तब तक इस बात पर भी सोचने के लिये तैयार नहीं जब तक संगरेल कम्पनी से मगड़ा तय न हो जाय और ईरानी तेल का सारा कारबार ईरानियों के हाथों में न सा जाय.

经验的证据的证据的证据的证据的证据的证明的证明的证明

पक बड़ी बात यह है कि आगरेज कम्पनी और उसके आइमियों के तरह तरह की शरारतें करने पर भी और सारी ईरानी क्रीम के दिकों में आंगरेजों के ख़िलाफ गुस्सा भरा होने पर भी मोहम्मद मुस्सादिक का इन्तजाम इतना सुन्दर और उनका असर इतना ज्यवरदस्त है कि अब तक ईरान भर में आंगरेजों के जान माल को किसी तरह का नुक्रसान नहीं पहुँचा.

पशिया की बेदारी

कोरिया हो या चीन, तिब्बत हो या इन्डो चीन, ईरान हो या मिस्न, एक क्षीम के दूसरी क्षीम की कमजोरी से कायवा घटाने के दिन ध्वब हमेशा के लिये लद चुके. अच्छा हो धगर इंगलैन्ड धौर धमरीका जैसे देशों की सरकार दुनिया की बदली हुई हालत से सबक सीख कर धपने रास्ते को दुरुस्त कर लें धौर पशियाई क्षीमों को इन मुसीबतों धौर का कायदा नहीं पहुँ च सकता. जमाने का बहाव रोका नहीं जा सकता. हम मोहम्मद मुस्सादिक धौर उनके देश को इस कठिन परिस्थिति का सच्चाई, ईमानदारी, इनसाफ धौर हिम्मत के साथ मुकाबला करने के लिये दिल से बधाई देते हैं.

30, 6, 51.

-- सुन्दरताल

कांगरेस झौर दलबन्दी-

कांगरेस की मिसाल एक विशास भवन से दी जा सकती है जिसने पिछले 65 वरस में लाखों खोजी आत्माओं को अपनी दीवारों के अन्दर पनाह दी और इन्हें धर्म का सच्चा रास्ता दिखाया. इस देश के लोगों पर कांगरेस का पहसान इतिहास के पन्नों से किसी के मिटाये नहीं मिटाया जा सकता.

इस सुन्दर भवन के अन्दर कई बार दरारें पड़ चुकी हैं. सन 1906 में नरम दल और गरम दल की दरार और सन '23 में कौंसिल पारटी और नो चैंज पारटी की दरार इसकी सबसे बड़ी मिसालें हैं. हर बार दरार पड़ने के बाद इसकी मरम्मत की कोशिश हुई और वह कोशिश काकी कामवाब मी रही.

पर 15 जगस्त सन '47 के बाद से, यानी कांगरेस का असली सकसद देश, की राजकाजी आजादी, पूरा हो امریکہ کی سرفار نے ڈھاٹی کرور ڈالر بطور قرض کے بھی ا فراق کو دینے کہا ہے ، پر ایران کی سرکار ٹھٹک اِس بات آپھی سوچلے کے لئے تیار نہیں جمائک انگریز کمپھی سے جمائک انگریز کمپھی سے جمائل اور ایرانی تیل کا سارا کاربار ایرانیس کے ھاتھیں میں نہ آجائے ،

ایک ہوی بات یہ ہے کہ انگریز کمپنی آور اُسکے آدمہوں کے طرح طرح کی شرارتیں کرنے پر بھی آور ساری ایرانی قوم کے دلوں میں انگریزوں کے خلاف غصہ بھرا ھونے پر بھی محصد مصادق کا انقطام اِتنا سندر آرر اُن کا اگر اتنا زبردست ہے کہ اب تک ایران بھر میں انگریزوں کے جان مال کو کسی طرح کا نقصان نہیں پہنچا .

ایشیا کی بیداری

گوریا هو یا چین' تبت هو یا اندو چین' ایران هو یا مصر' ایک قوم کے درسری قوم کی کمزرری سے قائدہ اُٹھانے کے دن آب همیشت کے لئے لد چکے ۔ اُچھا هو اگر انگلیفت آرر امریکت جیسے دیشوں کی سرکاریں دنیا کی بدلتی هوئی حالت سے سبتی سیکھ کر اپنے راسٹنے کو درست کرلیں آور ایشیائی قوموں کو اُن مصیبگوں آور قربانیوں سے بچینے کا موقعت دیں جن سے کسی غیر کو قائدہ نہیں پہلیج سکتا ۔ ومانے کا بہاو روکا نہیں جاسکتا . هم محمد مصادق آور آنکے دیش کو اِس کتین پرستھتی محمد مصادق آور آنکے دیش کو اِس کتین پرستھتی کا سبچائی' ایمانداری' انصاف آور همت کے ساتھ مقابلت کونے کے لئے دل سے بدھائی دیتے هیں ۔

-سندر ال

30.6.'51

أكانگريس أور دل بندي__

کاتگریس کی مثال ایک وشال بهون سے دی جاسکتی ہے جس نے پنچھلے 65 برس میں لاکھوں کھوجی آساؤں کو اپنی دیواروں کے اندر بناہ دی آور اُنھیں دھرم کا اِسْتَقِا راستہ دکھایا ۔ اِس دیش کے لوئوں پر کانگریس کا اُلےسان اِنہاس کے پئوں سے کسی کے مثالے نہیں مثایا آباس کے بنوں سے کسی کے مثالے نہیں مثایا ۔

اِس سفدر بھون کے آندر کئی بار دراریں ہو جھی فیں۔ سن 1906 میں نرم آور کرم دل کی درار آور سن 23 میں کونسل پارٹی آور نو جھنج پارٹی کی درار اس کی سب سے بتی مثالین ھیں ۔ ھر بار درار پرنے کے بعد آسکی مومت کی کوشش ھوئی آور وہ کوشش گئی کامیاب بھی رھی ۔

پر 15 اکست سن 47 کے بعد سے' یعلی کانگریس کا اسلی مقصد' دیش کی راج کاجی آزادی' پورا ہو

WELLEN AND A STATE OF THE STATE

100.

2世4 - 20

इरान और युस्सादिक को नाकाम करने की जो कोरिशों हो रही हैं बनकी तकसील में जाना कजूल है. युस्सादिक और उसका देश इस मामले में चट्टान की तरह घटल हैं. युस्सादिक कह चुके हैं कि उन्हें अपने सारे तेल के कारबार को बन्द कर देना मंजूर है—वह ७से आग लगा देने के लिये भी तैयार हैं—लेकिन अंगरंज कम्पनी के पैर अब फिर से अपने देश में जमने न देंगे.

ईरानी सरकारी को अब तक अपने हिस्से के डेद करोड़ पींड सालाना अंगरेज़ कम्पनी से मिक्कते थे. अब अगर यह सारा घंदा ईरान सरकार के हाथों में आ गया तो इस काम से ईरान की आमदनी बारह करोड़ पींड यानी क्रीब दो अरब रुपय सालाना होगी.

विल्ली में किसी ने भारत के बड़े बज़ीर जवाहरलाल जी से सन 1933 के ईरान के सममीते और आजकल के इस सवाल पर राय पूछी. जवाहरलाल जी ने ईरानी सरकार के साथ हमदरही ज़ाहिर करते हुए कहा कि सन '33 का सममीता इस तरह के बहुत से सममीतों की तरह फक ताकृतवर और एक कमजोर आदमी के बीच का ज़बरदस्ती का सममीता था जो हो करोड़ ईरानियों के हित के ख़िलाफ नहीं चल सकता. इसे सुनकर मोहन्मद सुस्सादिक ने भारत सरकार का शुक्रिया अदा किया. इस मामले में जवाहरलाल जी की आवाज सारे भारत की बल्क सारे एशिया की आवाज है.

अंगरेज कम्पनी को सबसे बड़ा एतराज यही हो सकता था कि उसका इरान के तेल में धन लगा हुआ है. लेकिन अम्पनी का कुल धन जो इस काम में अब तक लगा है, हो करोड़ पाँड यानी क़रीब 30 करोड़ हुपए के हैं. और पिछले सात बरस के अन्दर ही कम्पनी इससे कम से कम दुगना मुनाके के तौर पर कमा चुकी हैं. इस पर भी मोहम्मद मुस्सादिक ने यह बादा किया है कि तेल के धंदे से जो कुछ आमदनी ईरान को होगी उसका पच्चीस की सदी हर साल इस बात के लिये अलग रक्खा जायगा कि उससे अंगरेज कम्पनी का जो भी हरजाना या नुक्सान इस सारे मामले में हुआ हो उसे पूरा कर दिया जाय.

इंग्लेन्ड और अमरीका में लागडाट

इस मामले में एक बात कीर चमक बठी है. वह यह कि इंगलैन्ड और अमरीका भी ईरान के मामले में एक दिल '' नहीं हैं. दोनों में कुछ लाग-डांट हैं. अमरीका की कुछ कम्पनियों ने ईरानी सरकार से यह भी कहा है कि अगर अंगरेज कम्पनी की जगह कम्हें ठेका दे दिया जाय तो वह आंगरेज कम्पनी के 16 फीसदी के बजाब 72 फी सदी अनाका ईरानी सरकार को देने को तैयार हैं. मोहम्मद अस्सादिक को अब कोई इस तरह की चीज मंजूर नहीं. ایران آور مصادق کو نا کام کرنے کی جو کوشھیں ھے۔ مصادق آور اسکا دیش اِس معاملے میں چانا فضول ھے ۔ مصادق آور اسکا دیش اِس معاملے میں چانان کی طرح آتل ھیں ۔ مصادق کی چکے ھیں کہ اُنہیں اینے سارے تیل کے کاربار کو بغد کردیفا منظور ھے۔۔وہ اُسے آگ لٹا دینے کے لئے بھی تیار ھیں۔۔لیکن انگریز کمہنی کے پیر اب پہر سے اینے دیش میں جملے نا دینکے ۔

ایرانی سرکار کو ابتک آپ حصے کے تیرہ کرور پونڈ سالانہ انگریز کمپنی سے ملتے تھے ۔ اب اگر یہ سارا دھندا ایران سرکار کے هاتھوں میں آگھا تو اِس کام سے ایران کی آمدنی بارہ کرور پونڈ یعنی قریب دو ارب روپے سالانہ ہوگی .

دلی میں کسی نے بھارت کے بڑے وزیر جواهر الل جی سے سن 1933 کے ایران کے سمجھوتے آور آج کل کے اِس سوال پر رائے پوچھی . جواهر الل جی نے ایرانی سرکار کے ساتھ همدردسی ظاهر کرتے هوئے کہا که سن 33' کا سمجھوته اِس طرح کے بہت سے سمجھوتوں کی طرح ایک طاقتور آور ایک کمزور آومی کے بیچ کا زبردستی کا سمجھوته تھا جو دو کرور ایرانیوں کے هت کے خلاف نہیں چل سکتا ، اِس معاملے میں جواهر الل جی کی آواز سارے بھارت کی بلکہ سارے ایشھا کی آواز ھے .

انگریز کمپنی کو سب سے بڑا اعتراض یہی هوسکتا تھا کہ اس کا ایران کے تیل میں دھن لکا ھوا ہے . لیکن کمپنی کا کل دھن جو اس کام میں ابتک لکا ہے' دو کروڑ پرنڈ یعلی قریب تیس کروڑ روپہ کے ہے آور پچھلے سات پرس کے اندر ھی کمپنی اس سے کم سے کم دوگنا مفاقع کے طور پر کما چکی ہے . اِس پر بھی محمد مصادی نے یہ وعدہ کیا ہے کہ تیل کے دھلدے سے جو کچھ آمدنی ایران کو ھوگی اُسکا پنچیس قیصدی ھر سال کچھ آمدنی ایران کو ھوگی اُسکا پنچیس قیصدی ھر سال اس بات کے لئے الگ رکھا جائیگا کہ اُس سے انگریز کمپنی کا جو بھی ھرچانہ یا نقصان اِس سارے معاملے میں ھوا اُسے پورا کردیا جائے .

انكليند أور امريكم مين لأك دات

اِس معاملے میں ایک بات آور چسک آنہی ہے، وہ یہ کہ انگلیفتہ آور آمریکہ بھی ایران کے معاملے میں ایک دل نہیں میں دونوں میں کچھ لاگ ڈانٹ ہے، امریکہ کی کچھ کمپلیوں نے ایرانی سرکار سے یہ بھی کہا ہے کہ اگر انگریز کمپلی کی جگہ آنہیں تہیکہ دے دیا جائے تو وہ انگریز کمپلی کے 16 فیصدی کے بجانے 72 فیصدی متابع ایرانی سرکار کو دیتے کو تیار میں ، محصد فیصدی کو آب کوئی آس طرح کی چیز متطور نہیں ، محصد

बीयम दिश्वा के देशों में इसमैन्ड सीर समरीका की एक बहुत बढ़ी पंकड़ इन वेशों के तेल के हुएँ हैं. यह इस्ट देशन, इराक, शाम (सीरिया), अरब और मिल में इसर से उपद तक फैले हुए हैं. सब अगह कम या ज्यादा इसी तरह के ठेड़े अंगरेजों या अमरीका वालों को मिले हुए हैं. इसलिये ईरान का वेल का सवाल केवल ईरान का सवाल नहीं बल्कि सारी पष्टिस पशिया की आजादी या बरवादी का सवाल है.

ईरान का अपने तेल पर क्रब्ज़ा

ईरान की मजतिस ने 20 मार्च सन '51 को एक राय होकर पास कर दिया कि ईरान की जमीन से तेल निकालने, इसे साफ करने और दुनिया में वेचने का काम ईरानी सरकार अपने हाथ में ले ले और इसे जहाँ तक हो सके ईरानियों के हाथों ही कराया जाय. श्रंगरेज कम्पनी को नोटिस दे दिया गया कि सन '33 का ठेका रह सममा जाय. अंगरेज कम्पनी ने यू. एन. ओ. की श्रदालत से अपील करना चाहा. अपील दायर भी हो गया. मोहम्मद मुस्सादिक ने ईरानी सरकार और एक ब्योपारी कम्पनी के मामले में यू. एन. बो. की बदालत के अधिकार को मानने से इनकार कर दिया. फिर एक बार हमेशा की तरह साजिशों और धमकियों का दौर शुरू हुआ. अगरेजी जंगी जहाज ईरान की खाड़ी में दिखाई देने लगे. लेकिन सन '21 का रूस चौर ईरान का सममौता मौजूद है, जिससे श्रंगरेज सरकार की बढ़ने की हिम्मत न हो सकी. मोहस्मद मुस्सादिक को गिराने की कोशिशों की गई. पानी की तरह रुपया खर्च करके मजलिस के मेम्बरों, ईरान के बजीरों और सरकारी नीकरों को तीड़ने फोड़ने की कोशिशें हुईं. पेशीन-गोई की गई कि मोहम्मद मुस्सादिक को मजलिस में बहमत नहीं मिल सकता और उसकी सरकार खतम होने वाली है. मजिलस के सामने मोहम्मद मुस्सादिक पर विश्वास की तजवीज आई और एक राय से पास हो गई. यह भी पेशीन गोई की गई कि तेल की आमदनी रक जाने से ईरान की सरकार का विवाला निकल जायगा. लेकिन ईरान की सारी जनता, चमीर और रारीय ने अपनी जिन्दगी भर की कमाई, नक्दी और जेवर मुस्सादिक के हवाले कर दिये, यहाँ तक कि मुस्सादिक को करोड़ों की रक्कमें लौटानी पड़ गई, और ऐकास करना पड़ा कि अब कोई रुपया बरौरा न मेजे, सरकार को कोई जरूरत नहीं है. इस बीच रूस ने भी 308 मन सोना, जो उसे पिछली जंग के एक समग्रीते के चनुसार ईरान को देना था, ईरान सेज दिया है. मुस्सादिक मात्र सारा ईरानी क्षीम का देवता बना हुआ है और माह्य होता है कि देश के साथ दशा के बीज अब इस हवा में ईशास के कान्यर पतापते नहीं पा रहे हैं.

بچھم ایھیا کے دیھوں میں انگلیفی اور آمای کی گئی گے اس بہت بچی بہت بچی بہت بچی بہت بچی بہت بچی اسلام (سدریا) عرب اور مصر میں عربے ادعر تک بھیا عوقے ھیں . سب جگ کم یا زیادہ می طرح کے تھیکہ انگریزوں یا امریکہ والوں کو ملے هوئے ہی . اس لگے ایران کا تھل کا سوال کیول ایران کا سوال میں بلکہ سارے بجھم ایشیا کی آزادی یا بربادی کا وال ہے .

ران کا اینے ٹیل پر قبضه

ایران کی مجلس نے 20 مارچ سن 51' کو ایک راہ وکر پاس کردیا که ایران کی زمین سے تیل نکالمے' أسے اف کرنے آور دنیا میں بیچلے کا کام ایرانی سرکار ایے اته میں لے لے آور اِسے جہاں تک هو سکے ایرانیوں کے الهون هی کرایا جائے ۔ انگریز کمینی کو نوٹس دے دیا ہا کہ سن 33' کا تھیکھ رہ سمجھا جائے ۔ انگریو کمیٹی م يو . ين ، او . كي عدالت سے أبيل كرنا جاها . أبيل ائر بھی ھو کیا . محمد مصادق نے ایرانی سرکار آور کے بھوداری کمھنی کے معاملے میں یو ، این ، او ، کی دالت کے ادھیکار کو مانلے سے انکار کردیا . پھر ایک او هبیشه کی طرح سازشوں آور دهکیوں کا دور شروع وا . انگریزی جنگی جهاز ایران کی کهاری میں داهائی ینے لکے لیکن سن 21' کا روس اور ایران کا محجوته موجود ہے، جس سے انگریز سرکار کی ہوھئے کی من نه هراسکی . محمد مصادق کو گرانے کی کوششیں ی گئیں ، پانی کی طرح روپیه خرچ کرکے معلس کے سمجروں ایران کے وزیروں آور سرکاری نوکروں کو تورانے ہورتے کی کرششیں ہوئیں . پیشینگوئی کی گئی که عضد مصادق کو معلس میں بہومت نہیں مل سکتا ور اُسکی سرکار خاتم هونے والی هے . مجلس کے سامنے مصد مصادق پر وشواس کی تجریز آئی آور ایک رائے ے پاس ھوکئی ۔ یہ بھی پھشدی کوئی کی گئی کہ تیل بی آمدنی رک جانے سے ایران کی سرکار کا دیرات نکل عاليه ليكن ايران كي ساري جلتا امير ارد فريب لے الني ولدكي بهركي كمائي نقدي أور زيور صصادق كي عُوالِيَ عَرِدِينِي يهال تك كه مصادق كو كروزوں كي رقمين بتانی پوکٹھی آور املان کرنا پڑا که کوئی رویہ وهمرہ نه المحص سركار كو كوئى فرورت نهيس هـ ، أس المج بس نے بھی 308 میں سونا جو أسے پچھلی جلگ كے ک سمجهوتے کے انوسار ایران کو دینا تھا ایوان بھھیے را ھے۔ مصافع آج ساوی آیرانی قوم کا دیوتا بایا ہوا ھے آور ملیم مرفا ہے کہ دیش کے ساتھ دفا کے بینے آپ اِس وا میں ایران کے اندر پلیلے نہیں یا رہے هیں ۔ कर्णको अवने हुनको हा 16 की हरी देखने सरकार की हेवी की अब कि कर्री कम्पनी आपने मुनाफे का 49 की सबी ईरानी सरकार को देने को तैयार हो गई. इस समस्य भी ईरान के बड़े बखीर ने उसे मंजूर कर ज़िया बेकिन वरीर मजलिस के पास किये ठेका मंजूर न समन्त जा सकता था. ईरान में उस समय तक यह खेयाल बहुत बार बकड़ चुका था कि ईरान का तेल ईरान की मिल-किंबत है, ईरान इसे खुद निकाल कर और साफ करके पूरा कायदा क्यों न उठाएँ. विदेशी माहिर जुरूरत के मुता-विक नौकर रक्से जा सकते हैं-जिस देश से भी घासानी से मिक्र सकें. यह एक ध्यान देने की बात है कि यही मोहम्मद् मुस्सादिक को इस समय अंगरेज कम्पनी के ठेके के खिलाफ दटा हुआ है, उस समय रूसी कम्पनी को ठेका देने के भी जोरों से खिलाफ था. मजलिस ने रूसी कम्पनी की दरखास्त नामंजूर करदी. उसी समय से यह बात पक्की होगई कि ईरोम जितनी जल्दी हो सकेगा व्यंगरेज कम्पनी के ठेके को भी खतम करने की कोशिश करेगा.

घेंग्ली अमरीकी साजिशें

सन 1946 के बाद से दुनिया और खासकर पशियाई सुरुषीं की राजकाजी और माली हालत कहीं ज्यादा पेचीदा होती जा रही है. सन '50 और '51 के ईरान के हालात माउड़ों के सामने ताजा हैं. जहाँ से और जिथर से भी हो सके इंग्लैन्ड और अमरीका रूस के खिलाफ आखिरी जंग सहमे की तैयारी कर रहे हैं. हास में अमरीका की श्चरकार ने आधी दुनिया के ऊपर और सोवियत रूस के नारों तरफ अपने फीजी, समन्दरी और इवाई अडु बनाने 🕏 ब्रिये अपनी काँगरेस से 656 करोड़ खातर यानी करीब बीस धरव रुपए की माँग की है. धड़ों का यह सिलसिला द्धनिया के 48 खास खास देशों में से 44 देशों में फैला इसा होगा जिनमें जापान, फिलिपाइन्ड बरौरा सब शामिल हैं. बहुत से देशों के नाम अभी गुष्त रक्खे गए हैं. यह सिक सिका दो साल में बनकर तैयार होगा. 35 लाख बादमियों की इसमें जरूरत होगी. बमरीकी सरकार ने साफ कहा है कि यह भड़े ऐसे मुकामों पर होंगे जहाँ से जहरत पड़ने पर इस पर जासानी से बम बरसाए जा सकें. जाहिर है बीच पशिया और पण्डिम पशिया के सब अरुक इस जाल का शिकार हैं.

सन '50 में इंगलैन्ड और असरीका ने मिलकर इंद्रानी सरकार से दरसास्त की कि इन होनों देशों को ईरान में जुड़ाराफियाई सर्वे (ज्योग्राफिकत एनड होपोग्राफिकत सर्वे) करने की इजाजत वी जाय. रूस ने इंदान को इस अवसीज के खिलाक जागाह किया. ईरान ने इजायत देने

و خاص الله مقالع كا 45 عن صدی ایرانی سرکار کو دیائے کو تیار هرگائی۔ س سے بھی آوران کے بوے وزیر نے اسے منظور کر لیا هكن يغهر منجلس كے پاس كاتے الهيك مدينور نه سجها جا سكتا تها . ايران مين أس سيد تك يه خهال ہم زور یکو چکا تھا کہ ایران کا تیل آیران کی ملکیت الدان أع خود نكال كر اور صاف كرك يبرا فائدة كيس نه أَتَّهَائِم ، وديشي ماهر ضرورت كے مطابق نوكر ركھ جا سكتے هيں - جس ديش سے بهي آسانيسے مل سكهن . به ایک دههان دیلے کی بات هے که یہی مصد مصافق جر اس سے انگریز کمیلی کے تہیکے کے خلاف ڈٹا عوا ہے، س سے روسی کمپلی کو تھیکھ دیلے کے بھی زوروں سے خلاف تھا ، مجلس لے رَوسی کمپذی کی درخولست نا ملظور کر دی . اسی سے سے یہ بات یکی هوکڈی که ایرأن جننی جلدی هرسکیکا انگریز کمپلی کے تھیکے کو بھی ختم کرنے کی کوشش کریگا ۔

اينكلو أمريكي سازشهن

سن 46' کے بعد سے دنیا اور خاص کو ایشیانی ملکوں لی رأج کاهی ارر مالی حالت کهیں زیادہ پیچیدہ موتی جا رهی هے . سن 50 اور 51 کے ایران کے حالات پاٹھعوں کے ساملے تازہ هیں . جہاں سے اُور جُدهر سے بھی هرسکے انگلینڈ اور امریکہ روس کے خلاف آخری جنگ لونے کی تیاری کو رہے میں . حال میں امریکہ کی سرکار نے آدھی دنیا کے اُوپر اور سوریت روس کے چاروں طرف اپنے فوجی سملدری اور هوائی ادے بنانے کے لئے اپنی کانگریس سے 656 کرور ڈالر یعلی قریب بیس ارب روپے کی مانگ کی هے . أقول كا يه سلسله دايدا كے 48 خاص خاص ديھوں مهں سے 44 دیشوں مهر پهیلا هوا هوکا جن مهر جاپان، فليالنس وفيره سب شامل هين . بهت سے ديشوں كے نام أبهى كيت ركه كلَّه هين . يه سلسلة دو سال مهن بنكر تيار هوكا. 35 لاكه آدميون كي اس مين ضرورت هوكي. امریکی سرکار نے صاف کہا ہے کہ یہ اق سے ایسے مقاموں پر ھرنگے جہاں سے ضرورت پڑنے پر روس پر آسانی سے ہم ہرسائے جاسكيس . ظاهر هے بينے ايشها اور بنجهم ايشها كے سب ماك أس جال كا هكار مين .

سوں 50° میں انگلیات اور امریکہ نے ملکر ایرانی سرکار سے درخواست کی کہ ان دونوں دیشوں کو ایران میں جغرافیائی سیرب (حیوارافیکل ایلڈ ٹردو گرافیکل سروے) کرنے کی اجلات میں جائے ۔ روس نے ایران کو اِس تجویز کے خلاف گیا ۔ ایران کو اِس تجویز کے خلاف گیا ۔ ایران کو ایس تجویز کے خلاف گیا ۔ ایران نے اجازت دیتے سے انکار کو دیا ۔

सिये रका शाह पर इद दरके का दुवान हाता गया. इस समय भी इंगलैन्ड के जंगी जहांक इरान की खाड़ी में पहुँच गए थे. हासत नाजुक हो चली थी. आखिर रजा शाह ने अपनी मरजी के खिसान इस शर्त को मान सिया.

मई सन '33 में ईरान की सरकार ब्यौर ऐंगलो ईरानियन बाइल कम्पनी के बीच एक नया समम्मीता होगया जिसमें ईरान के दक्खिन पिछमी किनारे की एक लाख बर्ग मील ज्मीन में, जो कुल ईरान का 62 वां हिस्सा है, ब्यंगरेख कम्पनी को साठ बरस के लिये तेल निकालने, उसे साफ करने ब्यौर बेचने का ठेका मिल गया.

रज़ा शाह के साथ अंगरेजों के मान आप बीर दोनों में अनवन बढ़ती चली गई.

दसरी बड़ी जंग

सन '39 में दूसरी बड़ी जंग शुरू होगई. कुछ दिनों बाद जरमनी ने रूस पर हमला कर दिया. रूस और इंगलैन्ड दोनों के लिये अब जरमनी को बढ़ने से रोकने की कोशिश करना ज़रूरी होगया. इसके अलावा रूसी कौज को रसद और सामान पहुँचाने का रास्ता भी ईरान से होकर ही था. फिर वहीं सन '14 वाली हालत पैदा होगई. अगस्त सन '41' में रूसी कीज ने उत्तर ईरान पर और श्रंगरेज़ी फीज ने दक्किन ईरान पर एक ही दिन क्रब्जा कर लिया. रजा शाह खासकर श्रंगरेजों के इस क्रब्जे के खिलाफ था. वह ईरान की तरफ से जरमनी के खिलाफ जंग का ऐलान करना भी नहीं चाहता था. अंगरेजों की साजिशें ईरान में रजा शाह के खिलाफ पहले ही से चल रही थीं. रजा शाह के समाज सुधारों से मौक्रा पाकर अंगरेजों ने कट्टर मौलवियों और ईरान के कुछ बड़े बड़े जमींदारों को रंजा शाह के ख़िलाफ तैयार किया. सन '41 ही में रजा शाह गद्दी से उतार दिया गया और उसका बाईस साल का लड़का ईरान के तखत पर बैठा दिया गया. ईरान ने जरमनी के ख़िलाफ जंग का ऐलान कर दिया. कहा जाता है कि रजा शाह के ख़िलाक इस साजिश में रूस का कोई इाय न था. लेकिन अमरीका का पूरा पूरा हिस्सा था.

दिसम्बर सन '43 में खंगरेज, रूस और अमरीका तीनों ने एसान कर दिया कि जंग ख़तम होने के हैं महीने के अन्तर सब विदेशी फीजें ईरान से हटा ली जायंगी. दो सितम्बर सन '45 को जंग ख़तम हुई. सन '46 में ख़गरेजी, अमरीकी और रूसी कीजें ईरान से हटा ली गई.

क्सी साल उत्तर ईरान से तेल निकासने के लिये हस ने अपनी एक कश्पनी बनाई और ईरानी सरकार से उसी वरह तेल निकासने का ठेका लेना चाहा जिस तरह आंगरेज कश्मनी को मिता हुया था. करक केवल यह था कि अंगरेज الگرا آرفیا شاہ پر حد درجے کا دبال ڈالا قیا ، آئی ہیں۔ ایقی انگلیلڈ کے جلگی جہاز ایران کی گیاری میں پہلی گئے تھے ، حالت نازک ہو چلی تھی ، آخر رفیا شاہ نے اپنی مرضی کے خلاف اس شرط کو ماں لیا ،

مئی سن 38' میں ایران کی سرکار اور اینگلو ایرانین آئل کمپٹی کے بیچ ایک نیا سنجہوت ہوگیا جس میں ایران کے دکھن پچھنی کذارے کی ایک لاکھ ورگ میل زمین میں' جو کل ایران کا 62 وال حصہ ہے' انگریز کمپٹی کو ساتھ برس کے لئے تیل نکالنے' اُسے صاف کرنے اور پہنچنے کا ڈیوکٹ مل گیا ۔

ت رضا شاہ کے ساتھ انگریزوں کے جھکوے اور دونوں میں آن بن بوھٹی چلی گئی ۔

دوسری یوی جنگ

، سى 39' ميں درسرى بوى جنگ شروع هوكئى. کچه دان بعد جرسلی نے روس پر حمله کر دیا . روس اور انگلیلڈ دونوں کے لئے آب جرملی کو بوہلے سے روکلے کیّ کوشش کرنا ضروری هرگیا ۔ اِس کے علاوہ روسی قوے کو رسد اور سامان پہونچانے کا راستہ بھی ایران سے ہوکر آھی تها . پهر وهي سن 14' والي حالت بهدا هولئي . اگست سن 41' میں روسی فوج نے اُتر ایران پر اُرُر انگریزی فوج نے دکھن ایران پر ایک ھی دن قبضه کر لیا . رضا شاه خاصکر انگریزوں کے اس قبضے کے خُلاف تھا ۔ وہ ایران کی طرف سے جرمنی کے خلاف جنگ کا املان کرنا بھی نہیں جامتا تھا ۔ انکریزوں کی سازشیں أيرأن ميں رضا شاہ كے خلاف پہلے هي سے جل رهي تهير، وفا شاہ کے سمانے سدھاروں سے موقع پاکر انگریووں نے کالر فولویوں اور ایرآن کے کنچہ بڑے بڑے زمینداروں کو رضا شاہ کُمُ خُلَاف تَیْار کَیا ، سن 41' هیمیں رضا شاہ گذی سے آثار فیا گار اس کا بالیس سال کا لوکا ایران کے تخت پر پھالہا دیا گھا ، ایران نے جرمنی کے خلاف جنگ کا اعلان كُوْ دَيِا. كَمَا جاتا هَ كُم رَضًا شَاء كَ خَلَافَ إِسَ سَارُهُنَ مِينَ رُوس کا کوٹی هاته نه تها . ليکن امريکه کا پورا پورا

فسمبر سن 43' میں انکریز' روس اور امریکہ تیدوں نے افتان کو دیا کہ جنگ ختم ہونے چہہ مہینے کے اندر سب وقیمی قوجیں ایران سے مثال لی جائینگی ۔ دو ستمبر سن 45' میں انگریزی' امریکی اور روسی قوجیں ایران سے مثال لی کئیں ۔

اسی سال آتر ایران سے تیل نکائے کے لئے روس نے اپنی ایک کمپنی بنائی اور ایرانی سرکار سے آسی طرح انگریز کیا نکائے کا تبیکت لینا چاہا ہمس طرح انگریز کمپنی کو حال حوا تھا ۔ فرق کیول یہ تھا کہ انگریز

हो गया था, एक एक कर वह सब रिकायतें कंगरेज़ें कें वापस ले कीं जो ईरान की कमज़ोरी के जमाने में क्टें सिल चुकी थीं. इम्पीरियल बैंक आफ परशिया तोड़ ढाला गया. ईरान की खाड़ी में सब अंगरेज़ी रोशनी घरों पर ईरानी सरकार का कृष्णा होगया. इन्हों योरोपियन टेलीप्राफ कम्पनी का सारा कारबार ईरानी सरकार ने अपने हाथों में ले लिया. इंगलैन्ड को अपने कोयला भरने के स्टेशन इटाने पड़े वरीरा.

ईरान और अंगरेज़ों का सम्बन्ध अब सिर्फ एक चीज के बारे में रह गया और वह था तेल निकालने का ठेका. यह ठेका ईरानी सरकार की तरफ से एक अंगरेज़ी ब्यो-पारी कम्पनी 'एंग्लो ईरानियन आहल कम्पनी' को मिला हुआ था और तय यह था कि अंगरेज कम्पनी तेल के इस ब्योपार से जो कुछ सुमाफा कमापगी उसका सोलह की सही ईरानी सरकार को देगी.

 जिस तरह इस बक्त्त 'यू. एन. को.' है उसी तरह इस बन्नत 'लीग आफ नेशन्स' बनी हुई थी. यू. एन. औ. कहने को सब कौमों की पंचायत है पर असल में दो तीन सकतनत के प्यासे मुलकों के हाथ की कठपतली है, ठीक यही हाज़त उस वक्षत लीग आफ नेशन्स की थी. जिस तरह अब सन 1951 में एंग्लो ईरानियन आइल कम्पनी ने मोहन्मद मुस्सादिक के हुकुम के ख़िलाक यू. एन. छो. की कायम की दुई हेग की अन्तरक़ौमी अदालत से अपील की है, उसी तरह उस वक्षत इसी फम्पनी ने रजा शाह के हुकुम के जिलाफ लीग आफ नेशन्स से अपील करना चाहा या. ठीक जिस तरह मोहम्मद मुस्सादिक ने इस समय ईरानी सरकार और एक ब्योपारी कम्पनी के बीच के समादे में अंतरक़ौमी अदालत के अधिकार को मानने से इनकार कर दिया उसी तरह उस समय रजा शाह ने कींग आफ नेशन्स के अधिकार को मानने से इनकार कर दिया.

सन 1933 का समभौता

बातचीत हुई. कम्पनी ने बहुत सी नई शतें रजा शाह की मान जीं. सिर्फ एक बात पर मामला कुछ घटका. नई शतों के बवले में कम्पनी ने इस बात पर जोर दिया कि कम्पनी का ठेका नए सिरे से साठ बरस के लिये कर दिया जाय. यानी जो ठेका सन 1962 में सतम होने बाला था बह सन 1993 में खतम हो. इस शर्त को मंजूर कराने के

"नवन्त्र सन 1932 में रखा शाह ने यह देख कर कि संगरेज कम्पनी ईरानी सरकार को उसके हिस्से की श्रुणासिय रक्त अदा नहीं कर रही है कम्पनी पर कुछ नई सर्वे खगाना चाहा और हुकुम दिया कि सगर नई शर्ते क सानी गई तो कम्पनी का ठेका रह समम्म जायगा.

موگها تها ایک ایک کر وه سب رمانهی انگریزوں واپس لے بیں جوایران کی کسزوری کے زمانے میں انہیں مل چکی نہیں ۔ امیهریل بهنک آف پرشیا تور دالا گیا ، ایران بی کہاری میں سب انگریزی رزشنی گہروں پر ایرانی سرکار کا قبضه هوگیا ۔ اندو یوروپین تیلیکراف کمیٹی کا سارا کاویار ایرانی سرکار نے ایے هاتموں میں لے لیا ۔ لکلهند کو ایے کوئات بھرنے کے استیشن هتانے پرے وغیرہ .

ایران اور انگریزوں کا سمبقدھ اب صرف ایک چیز کے بارے میں رہ گیا اور وہ تھا تیل نکالئے کا تھیکہ یہ تھیکہ یرانی سرکار کی طرف سے ایک انگریزی بھرپاری کمیفی اینگلو ایرانین آئل کمیفی' کو ملا ہوا تھا اور طے یہ تھا کہ انگریز کمیفی تیل کے اس بھرپار سے جو کچھ منافع نمائیگی اسکا سولہ فیصدی ایرانی سرکار کو دیگی

* جس طرح اس وقت 'یو ، این ، او ؛ هے اسی طرح اسوقت 'لهگ آف نیشنس' بنی هوئی تهی ، یو ، این ، او کهنے کو سب قوموں کی پنچائت هے پر اصل میں دو بین سلطنت کے پیاسے ملکوں کے هاته کی کالم پالی هے' بین سلطنت کے پیاسے ملکوں کے هاته کی کالم پالی هی بین اس وقت لیگ آف نیشنس کی تهی ، جس طرح اب سن 1951 میں اینگلو ایرانین آئل کمپنی نے محصد مصادق کے حکم کے خلاف یو ، این ، او ، کی قائم اسی طرح اس وقت اِسی کمپنی نے رضا شاہ کے حکم کے خلاف لیگ آف نیشنس سے ایہل کرنا چاها تها ، تهیک خلاف لیگ آف نیشنس سے ایہل کرنا چاها تها ، تهیک ایک بیوپاری کمپنی کے بیچ کے جہائے میں انتر قومی عدالت کے ادھیکار کو مانئے سے انکار کردیا اسیطرح اُس سے رضا شاہ نے لیگ آف نیشنس کے ادھیکار کو مانئے سے انکار کردیا اسیطرح اُس سے رضا شاہ نے لیگ آف نیشنس کے ادھیکار کو مانئے سے انکار کردیا ا

سن 1933 كا سمجهوته

بات چیت ہوئی . کمپنی نے بہت سی نئی شرطیں رضا شاہ کی مان لیں . صرف ایک بات پر معاملہ کچہ آتکا . نئی شرطوں کے بدلے میں کمپنی نے اس بات پر زور دیا کہ کمپنی کا ٹھیکہ نئے سرے سے ساتھ برس کے لئے کر دیا جائے . یعنی جؤ ٹھیکہ سن 1962 میں ختم ہوئے والا تھا وہ سن 1993 میں ختم ہوئے والا تھا وہ سن 1993 میں ختم ہو کو رائے کے۔

A STATE OF THE STA

2.4

نومبر سن 1932 میں رضا شاہ نے یہ دیکھکر کہ انگریز کمیٹی ایرائی سرکار کو اسکے حصے کی مناسب رقم ادا نہیں کررھی ہے کمیٹی پر کچھ نئی شرطیں لگانا چاھا اور حکم دیا کہ اگر نئی شرطیں نہ مانی گئیں تو کمیٹی کا ٹیفکہ رہ سمجھا جائیگا .

हराम के वह क्योर ने कार फर्चम की नई एककीज़ ागन किया. पर इस भीच ईरान में मजलिस यानी वहाँ । पार्किमेन्ट कायम हो चुकी थी. जब तक मजलिस नई । बीज को मंजूर न कर ले तब तक उसे मंजूर नहीं मना जा सकता था.

यह नई तजवीज ठीक इसी तरह की थी जो खंगरेज शिस्त्री सदी में मिन्न के उतर लाद चुके थे. अगर ाक्षिस इस सममौते को मान जेती तो इसका मतजब ः अरसे के लिये ईरान की आजादी का खातमा था.

ान और बोलशेविक रूस

बोक्करोविक रूस ने एक और कदम बढ़ाया. फरवरी । 1921 में नई रूसी सरकार ने अपनी तरक से ईरान अन्दर वह सब रिआयर्ते और स्नास अधिकार छोड़ का ऐलान कर दिया जो जार की सरकार ने ईरान ले रक्खे थे. इसी समय रूस और ईरान में यह सुलह-मा होगया कि धगर अंगरेज अपनी जंग के बक्त की ई हुई फीज को ईरान की जमीन से हटाने में देर करेंगे. श्राइन्दा किसी समय कोई विदेशी ताकत अपनी ज ईरान के किसी हिस्से में उतारेगी तो रूस फौरन अपनी ज ईरान में भेज कर इस दूसरी ताकत की फौज को इर निकालने में ईरानी सरकार को मदद देगा.

ईरान और रूस के बीच तिजारत और दोस्ती बढ़ती ी गई. एक बढ़े दरजे तक रूस की उस समय की रवाइयों ने ही ईरानियों को हिम्मत दिलाई और उनके ंको इंगलैन्ड के जाल में फँसने से बचाया.

ाखाँ

७सी संकट के समय ईरानी देशभक्त, नेता चौर गरक रजा काँ ने ईरान के शासन की बाग अपने हाथों ली. रजा खाँ ईरान का फौशी डिक्टेटर बना सारी ानी फौज और ईरानी जनता में एक नई जान आगई. । 1921 में रजा खाँ ने अंगरेजों की सन 1919 वाली बीज को नामंबूर कर दिया. मजलिस ने उसे पास ने से इनकार कर विया.

अंगरेजों ने देख बिया कि अगर जनता और फीज ों की मरजी के खिलाक और अधिक जगरदस्ती की शरा की गई तो सारा ईरान बोलशेविक रूस की गोद वा बेठेगा.

रज़ा साँ की ताकत बढ़ती गई. स्मिथ साहब को ईरान । कर मागना पदा, खार्ड कर्षन अपना सा मेंह लेकर बैन्ड बापस था गए. इसके बाद सन 1922 से लेकर बरस के अन्तर क्ष्मा कों ने, जो बाव में रजा शाह

المان كر اور على المالوران على اللي المجود المان الها ، الهوالش بهيم ايران مهن مجلس يعلى وهان كي يازلينك الام هوهكي تهي جداك المطلس لكي التجرير كو منظور ته كرلي تب تك أيد منظور نهين سمجها , lat littinla.

يه نائى تجويز تهيك أسى طرح كى نهي جو اناريز أنهسویں صدی میں مصر کے آربر لاد چکے تھے ، اگر معملس إس سدجهوت كو مان ليتى تو إس كا مطلب 🖈 ایک مرصر کے لگے ایران کی آزادی کا خاتمہ تھا .

اليران أور دولشهوك روس

بولشهوک روس نے ایک ارر قدم بوهایا . فروری سن 1921 میں نئی روسی سرکار نے ایدی طرف سے ایران کے أندر ولا سب رمآلتين أور خاص انهيكار جهور ديني كا اعلان گردیا جو زار کی سرکار نے ایران میں لے رکھے تھے ۔ اِسی سهد روس آور ايران مهن يه صاحصنامه هوكها كه اگر انگريز ایشی جناگ کے وقت کی آئی ہوائی فوج کو ایران کی زمیوں سے مثالے میں دیر کریں گے' یا آکلاۃ کسی سے کوائی ردیشی طاقب اینی فوج ایران کے کسی حصے میں اُقارے کی تو روس فوراً اپنی فوج ایران میں بھدیج کر اُس دوسری طاقت کی فرج کو یاهر نکاللے میں ایرانی سرکار کو حدد دیے گا .

ایران اور روس کے برچے تجارت اور دوستی بوهتی چای گئی . ایک بوے درجے تک روس کی اُس سے کی کارواٹھوں نے می ایرانیوں کو همت دلائی آرر اُن کے دیکھ کو انگلهات کے جال میں پہلستے سے بحیایا ،

أسى سلكت كے سيے ايراني ديعي بهكت نها اور سدہارک رضا خاں نے ایران کے شاسن کی باک اپنے هاتهوں مهن لی رضا خان آیران کا فوهی تکتیتر بنا . ساری إيراني قوب أور أيراني جلتا مهن أيك نثى جان آكتي . سن 1921 میں رضا خال نے انگریزوں کی سن 1919 والی تجویز کونا ملظور کردیا ، مجلس نے اُسے پاس کرنے سے أتبكار كرديها .

المگریورں نے دیکہ لیا کہ اگر جلتا اور قوم درنوں کی سرفی کے خلاف اور ادھک زبردستی کی کرشش کی گئی تو سازاً آیران بولشهرک روس کی کود میں جا پہتھیتگا ۔

رضا خان کی طاقت برمتی کئی . استثم صاحب كو أيران جهورام بهاكلا بوا ، الردكرزن أينا سا منه ليعر التعليدة واپس أكلي . أسكر بعد سن 1922 مر الهاعو دس ہرس کے العر رضا شال نے جو بعد مهی وها شاه

धान्दर इस जुमाने के क्रिसियों और धानरेखों की साजिशों को बड़ी खच्छी तरह और बड़े दर्द के साथ दिखलाया है. रूस और इंगलैन्ड ही के धासर से शस्तर को ईरान से निकास दिया गया. रूस और इंगलैन्ड की साजिशों और बढ़ती चली गई. ईरान की हालत बद से बदतर होती गई. पहली चड़ी जंग

सन 1914 में पहली बड़ी जंग शुरू हुई. तुर्की और अरमनी एक तरफ ये और इंगलैन्ड और रूस दूसरी तरफ. तुर्की की सरहद ईरान के उत्तर पिछ्छमी सरहद से मिली हुई है. तुर्की या जरमनी के इमले से अपने बचाब का बहाना केकर जब रूसी फीज ने बाजाब्ता उत्तरी ईरान पर क्रव्जा कर किया और अंगरेजी फीज ने दक्किनी ईरान में डेरे डाल दिये.

सन 1917 में रूस में इनक्रलाय हुआ. ज़ार की सलतनत इमेशा के लिये ख़तम होगई. रूस में बोलशेविक इकूमत क्रायम हो गई. रूस की सारी राजनीत बदल गई. इस इनक्रलाय के बाद ही रूस ने अपनी सारी कीज ईरान से इस हन ली.

हंगलैन्ड के लिये जब मैदान और साफ होगया. सन 1918 में जंग खतम होगई. फिर भी जंगरेज़ी फीज ईरान को खाली करने की जगह जब उत्तर की तरफ फैल गई. ईरान का रूध से खतरा जब मिट चुका था. पर उत्तर से दिस्सन तक सारे ईरान में जब जगह जगह जंगरेज़ी फीज की खादनियाँ पदी हुई थीं.

सार्ड कर्ज़न की साज़िश

सन 1919 में वही लाई कर्जन, जिन्होंने 14 वरस पहले हिन्दुस्तान के गवरनर जनरल की हैसियत से बंगाल के वो दुकड़े करके इस देश में खलवली मचा दी थी, ईरान पहुँचे. ईरानी सरकार के साथ उन्होंने अब एक नया समझौता करना चाहा. इस समझौते की पहली दका यह वी कि इंगलैन्ड की सरकार ईरान को पूरी तरह आजाद सुरुक मानती है और बाकी सब दकों में इस बात का प्रवन्ध किया गया था कि ईरान की सारी कीज और वहाँ के सारे सरकारी मुलाजिम अंगरेओं के पूरी तरह मातहत हो जातें.

सिय नाम के एक अंगरेज़ को एक बहुत पड़े अमले के आय ईरानी सरकार का माली सलाहकार (फाइनेन-शियल पडवाइज़र) बना कर मेला गया. इन्पीरियल केंद्र आफ परिया नाम से एक नया बैंक अंगरेजों की मूंबी से और पूरी तरह अंगरेजों के अधिकार में तेहरान बेंद्रोल दिया गया जिस से ईरान के आर्थिक जीवन को इस तरह अपने क्रब्जे में रक्ता जा सके. ईराम की राज- اندر اس زمانے کے روسوں اور الکریوں کی سازشوں کو جوئے۔ اچھی طرح اور بویہ درد کے ساتھ دایاتیا ہے ، یوس اور الکلیفڈ ھی کے اثر سے شستر کو ایران سے نکال دیا گیا ، روس اور الکلیفڈ کی سازشیں اور بوھٹی جائی گئیں ، ایران کی حالت ید سے بدتر ھوتی کئی ،

پہلی ہوں جلک

سن 1914 میں پہلی بری جنگ غروع ہوئی ، درگی اور جرمنی ایک طرف تھے اور انگلیلڈ اور روس دوسوی طرف ، درگی کی سرحد ایران کے اُتر پچھمی سرحد سے ملی ہوئی ہے ، درگی یا جرملی کے حملے سے آئے بچاو کا بہانے لے کر اب روسی فوج نے یاضابطہ اُتری ایران پر قبضہ کر لیا اور انگریزی فوج نے دکھلی ایران میں تیرے کال دئیے ،

سن 1917 میں روس میں انتلاب ہوا ۔ زار کی سلطنت ہمیشہ کے لئے ختم ہوگئی۔ روس میں بولھیوک حکومت قائم ہوگئی ۔ روس کی ساری راج نیت بدل گئی ۔ اِس انتلاب کے بعد ھی روس نے اپنی ساری فوج آیران سے مثالی ۔

انگلینڈ کے لئے اب میدان اور صاف ہولیا . سن 1918 میں جنگ ختم ہوگئی . پھر بھی انگریزی فوج ایران کو خالی کرنے کی جکھ اب آتر کی طرف پھیل کئی ، ایران کا روس سے خطرہ آپ مت چکا تھا ، پر آتر سے دکھن تک سارے ایران میں اب جکھ جکھ انگریزی فوج کی چھاؤنیاں پڑی ہوئی تھیں ،

لارت کرزن کی سازھی

سن 1919 میں وھی الرة کرزن جلہوں نے 14 ہرس پہلے ھئیستان کے گورنو جلول کی حیثیمت سے باتال کے دو تعربے کرکے اِس دیش میں کہلبلی محیادی تھی ایران پہلچے ، ایرانی سرکار کے ساتھ انہوں نے اب ایک نیا سمجہوتہ کرنا چاھا ، اِس سمجہوتے کی پہلی دفعہ یہ تھی کہ انگلیئی کی سرکار ایران کو پوری طرح آزاد ملک مانٹی ہے آور باقی سب دفعوں میں اِس بات کا پریٹدھ کیا گیا تھا کہ ایران کی ساوی فوج آور وہاں کے سارے سرکاری مائٹی ہو جاویں ،

است المسته الله الله الكريز كو ايك بهت بوے هماي كي ساتھ ايرائى سركار كا مائى صلاح كار (فائللشيل ايكوائور) بقاكر بهيئت آف پرشها نام سے ايك نيا بهلك آف پرشها نام سے ايك نيا بهلك الكريزوں كى پرنجى سے آور پررى طرح أنكريزوں كى اسمين ميں طوح أنكريزوں كى اسمين ميں كورل ديا كيا جس سے ايران كى آرتيك بيا بياروں كو عر طرح آبے قبضے ميں ركھا جاسكے .

तहाओं को जहाजी चौरी रोकने का बहाना क्षेकर सूटना शुरू कर दिया. ईरान के साथ इथियारों की सारी तिजारत अपने हाथ में से ली, अपने जहाजों के लिये कोयला भरने के लिये स्टेशन बना लिये. यहाँ तक कि ईरान की खाड़ी का वह सारा हिस्सा जो किनारे से मिला हुआ है, अंगरेजों की कीजी जहाजी चौकियों से भर गया.

THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

सन 1901 में खंगरेजों ने दिक्खन पिछमी ईरान में मिट्टी के तेल के कुछों का पता लगाने और तेलें निकालने का ठेका साठ बरस के लिये उस समय की कमजोर और नासमक ईरानी सरकार से हासिल कर लिया.

क्स भी चुप न रह सकता था. उत्तर ईरान में जहाँ क्स और ईरान की सरहद मिली हुई है क्स ने रेलें बनाने, बैंक खोलने और विजारती माल पर चुँगी बसूल करने के ठेके उसी समय के आसपास ईरानी सरकार से हासिल कर लिये.

ईरान की सूट में रूस और इंग्लैन्ड की लाग-डाट बद्ती गई.

जरमनी भी ईरान की खाड़ी की तरक बढ़ा और एक दो जगह उसने भी अपने कीजी जहाजी अड़े बना डाले.

सन 1904 में जरमनी के खिलाफ इंगलैन्ड और फ़ानस में दोस्ती होगई.

सन 1905 में रूस जापान युद्ध में रूस ने बुरी तरह हार खाई.

रूस की हिम्मतें अब कुछ दिनों के लिये दूढ चुकी थीं. सन 1907 में इंगलैन्ड ने मौका देखकर जरमनी के जिलाफ रूस के साथ सममौता कर लिया. इंगलैन्ड और रूस ने आपस में तय कर लिया कि ईरान के तीन दुकड़े कर दिये जायं. उत्तर का हिस्सा रूस के असर में रहे, दिक्खन का इंगलैन्ड के और बीच का थोड़ा सा दुकड़ा 'आजाद' छोड़ दिया जावे.

मई सन 1908 में श्रंगरेजों को दक्किन पिछमी ईरान में कुछ तेल के छुएं मिले. इंगलैन्ड का नाता ईरान के साथ बदता चला गया.

रूस चौर इंगलैन्ड दोनों की तरफ से खब ईरान में साजिशों के जाल बिछाए जाने लगे चौर ईरानी सरकार को अपनी कठपुतली बना कर रखने की कोशिशों होने तगीं.

धमरीकियों के दिल में उस समय तक अपना साम्राज बढ़ाने की लालसा नहीं जागी थी. एक अमरीकी विद्वान मारगन शस्त्रर को ईरानी सरकार ने अपने खजाने का सबसे बढ़ा अफसर मुक्रेर किया. शस्त्रर एक बढ़ा ईमान-दार आदमी था. ईरानियों से उसे और उससे ईरानियों को सुख्या में मा. उसने अपनी मशहूर किलाब 'स्ट्रेंगिलिंग आफ परशियां' (ईरान का गला घोटा जाना) में ईरान के جہازوں کو جہازی جوری روکئے کا بہانہ لے گر آوگئا شروع کر دیا ایران کے ساتھ ھتھیاروں کی ساری تبجارت اپے ھاتھ میں لے لی' اپنے جہازوں کے لئے کوالمہ بھولی کے لئے اسٹیشن بدالئے . یہاں تک که ایران کی کھاری کا وہ سارا حصہ جو کنارے سے ماد ھوا ہے' انگریزوں کی قوجی جہازی چوکھوں سے بھر گیا .

سن 1901 میں انگریزوں نے دکون بچھمی ایران میں مقی کے تیل کے کدور کا پته لٹانے اور تیل نکاللے کا تھیکہ ساتھ برس کے لئے اس سے کی کمزور اور ناسمجھ ایرانی سرکارسے حاصل کر لیا .

روس بھی چپ نه ره سکتا تھا ، أتر ایران میں جہاں ورس اور ایران کی سرحد ملی هوئی هے ' روس نے ریلیں بدائے' بھنک کھولئے اور تجارتی مال پر چنگی وصول کوئے کے تھھکے اسی سے کے آس یاس ایرانی سرکار سے حاصل کولئے

ایران کی لوٹ میں روس اور انکلینڈ کی لاک تانت هتی کئی .

جرمتی بھی ایران کی کھاڑی کی طرف بوھا اور ایک دو جکھ اُس نے بھی ایے فوجی جہاری ادے بنا ڈالے ۔

میں 1904 میں جرمنی کے خلاف انگلینڈ اور فرانس میں دوستی هوگئی ،

سن 1905 میں روس جاپان یدھ میں روس نے بری طرح ھار کھائی .

روس کی همتیں اب کنچھ داوں کے لئے توت چکی تعمل .

سن 1907 میں انگلینڈ نے مرابع دیکھکر جرمای کے خلاف روس کے ساتھ سمجھوتھ کر لیا ۔ انگلینڈ اور ووس نے آپس میں طے کر لیا که ایران کے تین تکوے کر دائیے جاٹیں ۔ اُتر کا حصہ روس کے اثر میں رہے' دکھن کا انگلینڈ کے اور بھی کا تھوڑا سا تکوا ' آزاد' چھوڑ دیا جارے ۔

مگی سن 1908 میں انگریزرں کو دکھن پچھسی ایران آمیں کچھ تیل کے کوئیں ملے انگلینڈ کا ناتھ ایران کے آساتھ پوھٹا چھ گیا ،

روس اور الکلهند دونوں کی طرف سے آپ ایران مہی سازشوں کے جال بچھائے جانے لگے اور ایرانی سرکار کو ایکی کھی چھلی بھلی بھلی دیا ہاتھ پھلی بھلی دیا ہاتھ ہاتھ کے درششیں ھونے لگیں .

امریکھوں کے دل میں اُس سے تک اپنا سامراج پوھائے کی السا نہیں جاگی تھی ، ایک امریکی وہواں مارگن شستر کو ایرانی سرکار نے اپنے خزانے کا سب سے بڑا افسر سقرر کینا ، شستر ایک بڑا ایماندار آدمی تھا ، ایرانیوں کو سچا پریم تھا ، ایرانیوں کو سچا پریم تھا ، اُس نے آبلی مشہور ، کتاب ' ستریلکلنگ آف پوشھا' (ایران کا کلا کھونقا جاتا) میں ایران کے پوشھا' (ایران کا کلا کھونقا جاتا) میں ایران کے

(95)

का बदन इतना इसका फुलका है कि मास्म होता है दवा के एक मोंके में उड़ जायगा, पर उस दुवले पतले जिस्म के अन्दर ऐसी जबरदस्त कूवते इराई। (संकर्लप शाक्ति) है जो ईरान के अलबुर्ज पहाड़ की चट्टान से भी ज्यादा अटल और जो अवादान के सारे तेल से ज्यादा महक उठने वाली है."

मुस्सादिक के रहन सहन से लोग उन्हें 'दरवेश' कहते हैं. कहते हैं उनका बिना करश का कमरा सामान से उतना ही खाली होता है जितना किसी साधू की कुटिया. वह इरान के "सन्त देशभक्त" कहलाते हैं. लोग महात्मा गांधी से उनकी तुलना करते हैं.

मालूम होता है मुस्सादिक तेल के मामले में अंगरेजों के या दुनिया की किसी भी ताक़त के सामने बाल बराबर मी मुकने को तैयार नहीं. पर मोहम्मद मुस्सादिक कहर या अंधिवश्वासी नहीं हैं. चन्होंने फ्रॉन्स में राजनीत और अधंशात्र की तालीम पाई है, स्वेटजरलैन्ड में कानून के डाक्टर की डिगरी ली है. मुस्सादिक उनका गुरू का नाम नहीं है, जब उनकी उमर केवल 25 बरस की थी तो उनकी गौर मामूली ईमानदारी और सच्चाई को देल कर उस समय के ईरान के शाह ने उन्हें 'मुस्सादिक' का खिताब दिया था जिसके मानी होते हैं सच्चा और ईमानदार. दुनिया के बहुत से लोगों को यक़ीन है कि मुस्सादिक न केवल ईरानियों को गरीबी और जहालत से ही छुटकारा दिलाने के लिये आए हैं बिल्क बीच एशिया और पिछम प्रशिया के देशों की बहुत सी उलमनों के उनके ज़रिये मुलमने की आशा की जाती है.

महात्मा गांधी और मोहन्मद मुस्सादिक में बहुत सी बातें मिलती जुलती हैं और इसमें कोई शक नहीं मोहन्मद मुस्सादिक इस समय की दुनिया के ऊँचे से ऊँचे और नेक से नेक बादिमियों में से हैं.

ईरान, इंगलैन्ड और हस

इंगलैन्ड ने पिछली सदी में ईरान और आसपास के समन्दर में इसी तरह बढ़ना शुरू किया जिस तरह कई सदी पहले ईस्ट इंडिया कम्पनी ने हिन्दुस्तान में किया था. सन 1870 में एक इन्डो योरोपियन टेलीग्राफ कम्पनी बनाई गई जिसने हिन्दुस्तान और योरप में समग्रम्थ के लिये ईरान के अन्दर तार के अम्बे बिछाने शुरू किये. इसके बाद आंगरेज ईरान की खाड़ी की तरफ बढ़े. धीरे धीरे ईरान के किनार के समन्दर में इधर से डधर तक अंगरेजों ने अपने रोशनी घर (खाइट हाडस) बना डाले, समन्दर से तार खबर के जिने के लिये 'केबल्स' डाल दिये, ठीक जिस तरह वह कियुस्तान में कर चुके थे इसी तरह पास से जाने वाले

کا بدن اِتَفَا هَلَکَا بِهِلَکَا هِ کَدَ مَعَلُومٌ عَوِتًا هِ حَوَّاً کُلُهُ اِیکَ جَهِرْنَکِهِ مِیس اُر جائیکا' پر اُس دیلے پاتیلے جسم کے اندر ایسی زبردست قرت ارائی (سلملپ شکتی) هے جو ایران کے البرز بہار کی چان سے بھی زیادہ اُتّل ارر جو ابادان کے سارے تیل سے زیادہ بھی زیادہ والی هے "،

مصادی کے رهن سهن سے لوگ آنهیں 'درویش 'کھیے هیں ۔ معنی کہتے هیں آن کا بنا فرض کا کدوہ سامان سے آتنا هی خالی هوتا هے جینا کسی سادھو کی کٹیا ۔ رہ ایران کے ''سلت دیش بھکت '' کہلاتے هیں لوگ مہانیا گاندهی سے اُن کی تلنا کرتے هیں .

معدوم هوتا هے مصادق تول کے معاملے میں انگریزوں کے یا دنیا کی کسی بھی طاقت کے سامنے بال برابر بھی جھکنے کو تھار نہیں ، پر محصد مصادق کثر یا اندھ وشواسی نہیں ھیں ، انہوں نے فرانس میں راج نہت اور انہ شاستر کی تعلیم پائی ہے 'سوڈآزرلینڈ میں قائری کے دائم کی تگری لی ہے ، مصادق ان کا شروع کا نام نہیں ہے ، جب انکی عمر کیول 25 برس کی تھی تو انکی غیر معمولی ایمانداری اور سچائی کو دیکھکر اُس سمے کے ایران کے شاہ نے انہیں 'مصادق' کا خطاب دیا تھا جسکے معنی ھرتے میںسچا اور ایماندار ، دنیا کے بہت سے لوگوں کو یقین ہے کہ مصادق ناد کیول ایرانیوں کو فریجی اور جہالت سے ھی چھٹکارا نے کیول ایرانیوں کو فریجی اور جہالت سے ھی چھٹکارا دیشوں کی بہت سی الجھنوں کے اُن کے فریعے سلجھنے کی دیشوں کی بہت سی الجھنوں کے اُن کے فریعے سلجھنے کی

مہاتما کاندھی اور محمد مصادق میں بہت سی باتیں ملتی جلتی ہیں اور اس میں کوئی شک نہیں' محمد مصادق اس سے کی دنیا کے اونچے سے ارنچے اور نیک سے نیک آدمیس میں سے ہیں .

ایران انکلیند اور روس

---- 2----



ईरान का तेल संकट-

ईरान की आजकल की मुसीवतों की शुरुआत क्लीसवीं
सदी ईसवी में उस समय से होती है जब अंगरेजी राज
मारत में पूरी तरह जम खुका था, रूस के जार का जी
गिलैन्ड के इस नए साम्राज को देख देख कर लजवा
रहा था और हिन्दुस्तान पर रूस के इमले की खबरें
माए दिन चढ़ती रहती थीं. रूस के बढ़ने का रास्ता ईरान
हो कर ही दिखाई देता था और ईरान में ही अंगरेज
सबसे जयादा कामयावी के साथ बढ़ती हुई रूसी कौज
हो रोक सकते थे. पर उस पुराने इतिहास में जाने से पहले
गिरक निगाह उस आदमी पर डाल लेनी चाहिये जिस
हे हाथों में इस समय ईरानी क्रीम की राजकाजी बाग
नजर आती है.

डाक्टर मोहम्मद ग्रुस्सादिक

ईरान के आजकल के बढ़े बजीर डाक्टर मोहन्मद रसादिक की उमर इस वक्तत लगभग सत्तर साल की है. इस महीने पहले तक दुनिया में बहुत कम लोग छन्हें मानते थे. आज दुनिया का शायर ही कोई अखबार हो जैसमें मुस्साविक का नाम बार बार न चा चुका हो. शेरप के पत्रकार और राजकाजी स्रोग आमतौर पर ग्रेहम्मद मुस्सादिक की इद दरजे की सादगी. सच्चाई, मानदारी और देशभक्ति की वारीक करते हैं. हाल में क चालाक अंगरेज राज नेता इसी तेल के मामले में रिसाविक से मिलने गए थे. लौट कर अपनी नाकामी की रचा करते हुए उन्होंने कहा कि ''हम एक ऐसे बदमारा काम चन्ना सकते थे जिस पर भरोसा हो सकता, पर र्व्धमानदार कहर मजहबी बादमी से कैसे काम निकल व्या है.'' मोहन्मद मुस्साविक बहुत भावक हैं. ईरान की लिस में ईरान की असीयतों का जिकर करते हुए वह ं वार रो प्रकृषे हैं, बनके बेखाग और निस्वार्थ होने को सब सामग्रे 🐍 21 मई को ईरान की सेनेट में रोते व्नहोंने अध्याना विश्व रह तेल का मामला खतम कर लूं पुरन्त पुर केरी समह बूसरा चारमी सुकरेर कर ." दुनरी का का कारीकी विकास है—"मुस्सादिक

ایران کا تیل سنکت --

ایران کی آج کل کی مصیبترں کی شروعات آنیسریں صدی عیسری میں اُس سے سے هوتی ہے جب انگریزی راج بھارت میں پوری طرح جم چکا تھا' روس کے زار کا جی انگلیلڈ کے اِس نگے سامراج کو دیکھکر للچا رہا تھا اور تعقیل پر روس کے حملے کی خبریں آئے دن اُرتی رهتی تعیس ۔ روس کے بوعلے کا راستہ ایران هوکر هی دکھائی دیتا تھا اور ایران میں هی انگریز سب سے زیادہ کامیابی کے ساتھ بوھتی هوئی روسی فرج کو روک سکتے تھے ۔ پر اُس پرائے اِنہاس میں جانے سے پہلے همیں ایک نکاہ اُس سے آدمی پر ڈال لیلی جامئے جس کے هاتموں میں اُس سے ایرانی قوم کی راج کاجی باک نظر آتی ہے ۔

تاكتر محدد مصادق

ایران کے آب کل کے بوے وزیر ڈاکٹر محدد مصادق کی عمر اس والت الك بهك ستر سال كي هي . كنهم مهيل پہلے تک دنیا میں بہت کم لوگ آنہیں جانتے تھے ، آج دنها کا شاید هی کرگ_ی اخبار هو جس میں مصادق کا ^نام ہار یار نع آچکا ھو . یورپ کے پعرکار اور راج کاجی لوگ عام طور پر متصد مصادق کی حد درجے کی سادگی' سنچائی' ایدانداری اور دیش بهکتی کی تعریف کرتے هیں . حال مهن ایک جالات انکریز راج نیتا اسی تیل کے معاملے مهن المصادق سے ملنے گئے تھے ، اوق کو اپنی ناکامی کی چوچها کرتے هوائے أنهوں نے کها که " هم ایک ایسے بدمعاهی نے کام چلا سکتے تھے جس پر بھروسہ عوسکتا' پر لیک اليبانداو كار ماهيي آدمي كهيكام نكل سكا هي" مصد مصادق بهم بهاوک هيس . ايران كي مجلس مهي ايران كي مصيبتين كا ذكر كرته هواء وه بار بار رو يرته هيل . أن کے نے لاک اور انسوارتہ ہونے کو بھی سب مانٹے ہیں . 21 مثی کو لیران کی سیلیت میں روتے ہوئے الهون في كها سـ " مهن يه تهل كا معامله ختم كرلون أور ترنب تم مهرى جكه دوسرا آدمى مقرر كر لهنا ." فوسوى طرف ايك أمريكي لكها هـ ــ " مصافق

है कि बिन्दुस्ताव की दर पोजीवि इसका अनुवार विश्वतः बाने की कोशिश कर ताकि संभी बादमी इससे फाक्का की कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य कार्य बढ़ा सकें. जाखिर में इस जयने माई गोरा को इस नन्हीं सी मगर बेश क्रीमती चीज तैवार करने पर दिल से बबाई देते हैं.

-- सरेश रामभाई

स्त्री पुरुश मर्यादा

लेखक-किशोरलाक मशरूवाला, विखावट-नागरी. सफ्रे-एक सौ घठासी. दाम-पौने दो दपया.

मिलने का पता-नवजीवन प्रकाशन संदिर, बहम-दाचाद.

यह किताब गुजरावी में लिखे हुए लेखों के संप्रह का दिन्दुस्तानी में तरजुमा है.

इसका हर तेख पढ़ने, और ध्यान से पढ़ने लायक है, हर लेख में नयापन तो मिलेगा ही, और साथ में दो बीचें और मिलेंगी. एक यह कि पढ़ने वाले के मन में पढ़े बरसों के शक बासानी से दूर होते बले जायंगे. दूसरी बात यह कि पढ़ने बाले में एक जान सी पड़ती मालूम पदेगी, जिसके बढ़ा पर इसे समाज में इनक्षताब करने की बाव सूक्त सकती है.

किवान के जिलाने नाले भी किशोर जाज मरारुवाला येखे आदमी हैं जिनकी लेखनी से यह सब शोभा देता है.

इस ज्यादा न कहकर नीचे कुछ लेख गिनाये देते हैं, बिनपर बड़ी साफ राय चाहिर की गई है जिसकी आज-कत वडी जरूरत थी.

- 1. पुरुशों के दोश
- 2. नवजवान और शादी
- 3. स्त्रियों पर अस्याचार
- 4. स्त्री-पुरुश का सम्बन्ध
- 5. सह रिाचा
- 6. संतति नियमन का सवात
- 7. बुड़ापे में विवाह
- 8. महावर्य का साध्य

कर्दी कर्दी माशा कठिन हो गई है. संस्कृत के ऐसे शास्त्रों की भरमार है कि काश्रिज के विद्यार्थी भी टीपवी बानी म्हासरी की मन्द्र के बिना किन्नाब से पूरा फायदा नहीं कडा सकते. इतनी काम की किताब के साब टीपनी होना

Silver I La La Carle de ب هُم أَنِهِ المِالِي كُورا كُو إِسْ تَلْمِي سَيْمَكُر بِيْضَ فَيُمْعَيُّ ہو تھار کرنے ہر دل سے بدھائے دیتے میں .

--- سريص رأم يهائي

ستری پرش مریانا

ليكهك - كشور ال مشرو وألا لكهارت-ناكري.

صنعیے -- ایک سو اٹھاسی . دام پولے دو روپے .

ملنے کا یعد - نوجیوں پرکاشی مندر' احمدآباد .

یہ کتاب گجراتی میں لکھے ہوئے لیکھوں کے مذکرہ کا دستانی میں ترجہ <u>ہے</u> .

اِس کا هر لیکه پوهلی' اور دههان سے پوهنے لائی ہے. لیکه میں نیا پن تو ملے ا هی اور ساته میں دو چیزیں ملیں کی ایک یہ کہ پڑھنے والے کے من میں پڑے س کے شک آسانی سے دور ہوتے چالے جائیں کے . دوسری ت ہے که پوهنے والے میں ایک جان سی پوتی معلوم ے گی، جسکے بل پر اُسے سماج میں انقلاب کرنے کی بات جه سکتی ھے .

کتاب کے لکھلے والے شری کشور لال مشرو والا لیسے س هیں جنکی لیکھنی سے یہ سب شربها دیتا ہے. هم زیادہ نه کپکر نیمے احجه لیکه گذائے دیتے هیں' ، پر ہوی صاف رائے ظامر کی گئی ہے جسکی آج کل ل فرورت تهی .

- 1. پرشوں کے دوش
- 2. نوجران ارر شاسي
- 3. استریس پر اتهاچار
- 4. إمترى يرض كا سمبنده
 - 5. سبم شکشا
 - 6. سنتني نيس کا سوال
 - 7. بوهاي مين وواه
 - 8. برهمچريه کا سادهيه

کیمن کیمن بہاشا کالہن مرکائی ہے . سلسکرت کے م شبدین کی بهرمار ہے که کالیم کے ردیارتھی بھی تھیلی لی گلسری کی مدد کے یقا کتاب سے پررا فائدہ نہیں اُٹھا هم ، أَتَكُى كُلُم كُي كِتَالِب كِر سَالَةٍ تَنْهَلَى هُونًا صُرورَى لَهِي.

हैं सहा नास्तिक (सुपर वंशीस्ट) हैं. " यह शादी मार्च 1948 है सेवा भाग भाश्रम में ठबार बापा और पंडित सुन्दरबाज हरोरा की मीजूदगी में हुई.

कुल किताब में 54 सके हैं जिन में से 23 सके की भी किशोरलाल भाई की भूमिका है. किताब क्या है एक बहुत ही दिलक्श और आंखें खोल देने वाली कहानी है.

श्री किशोरताल भाई की भूमिका उनके गहरे इतम ग्रीर पहुँचे हुए तजरबे का एक, श्राला नमूना है. अपनी पूमिका के आखीर में उन्हों ने कहा है कि ''ज्यादा सोच वेचार और तजरबे के बाद गोरा के विचार बदल सकते हैं या और भी पक्के हो जा सकते हैं यह कई बातों पर गुनहसिर है. लेकिन जब तक उनके दिल में मुहब्बत हैं ग्रीर जब तक क्या निजी क्या समाजी जीवन में उनका प्रस्नलाकी चाल चलन और हिम्मत बुलन्द बने रहते हैं ग्रीर जब तक वह सेवा और त्याग का जीवन बिताते हैं ।ब तक उनका नाम ईश्वर के श्रपने बन्दों में रहेगा. उनकी खातिर, देव भी अदेव नाम श्रपना लेगा."

श्री किशोरलाल भाई की इस सच्ची बात पर हमें तेमा रोलां की एक किताब—राम ऋरत परमहंस की बीवनी—याद श्रा रही है जिस में पच्छिम के उस महान वेचारक श्रीर कलाकार ने कहा है—

"...... बहुत से आदमी ऐसे हैं जो सभी तरह के गजहबी विश्वास से बरी हैं या उनका खयात है कि वह गरी हैं, लेकिन दरश्रसल वह एक अति बौद्रिक चेतना ही हालत में दूबे रहते हैं, जिसे वह समाजवाद, कम्यु-नेज्म, जीव-द्यावाद, राश्ट्रीयता या बुद्धिवाद भी कहते है. विचार की चीज से नहीं लेकिन विचार की बुलन्दी ग खुबी से उसका पैदा होना निश्चित होता है. और हम ाह तथ कर सकते हैं कि वह मजहब से पैदा होता है ग नहीं. अगर वह विचार हर तरह की मुसीबत सहकर, क लगन और हर तरह के बिलदान की तैयारी के साथ, उचाई की खोज की तरफ निडरता से जाता है तो मैं हसे मजहब ही कहुंगा. क्योंकि मजहब के अन्दर यह वेश्वास शामिल ही है कि इन्सानी कोशिश का मकसद तमाज के जीवन से ऊँचा घीर सारे मानव समाज के बीवन से भी ऊँचा हैं. नास्तिकता भी, जब वह सी फीसदी उच्ची ताक़तवर प्रकृतियों से निकलती है, और जब वह ब्मकोरी की नहीं बल्कि ताकत की एक शकत होती है. ो वह भी धार्मिक आत्मा की महान सेना के मार्च में तामिल हो जाती है."

जैसा इम ऊपर कह चुके हैं किताब पढ़ने कायक है. इर अंगरेकी जानने बाते से इम कहेंगे कि इस को गीर वे देखें और नवजीवन प्रकाशन मन्दिर से हमारी प्रार्थना کل کتاب میں 15 صفحے هیں جن میں سے 23 صفحے کی شری کشو لال بھائی کی بھو-یکا ہے ، کتاب کیا ہے ایک بہت هی داچسب اور آنکھیں گھول دیائے والی کہائی ہے .

شری کشرر لال بھا ی کی بھرمیکا اُن کے گہرہے علم اور پہنچے ہوئے تجربے کا ایک اعلا نمونہ ہے ۔ اپلی بھومیکا کے آخیر میں اُنھرں نے کہا ہے کہ '' زیادہ سوچ وچار اور تجرب کے بعد گورا کے وچار بدل ستنے ہیں یا اور بھی پکے ہو جا سکتے ہیں یہ کئی باتوں پر منحصر ہے ۔ لیکن جب تک اُن کے دل میں متحبت ہے اور جب تک کیا تجی کیا سماجی جیون میں اُن کا اخلاقی چال چان اور ہمت بلاد بنے رہتے ہیں اور جب تک وہ سیوا اور تھاگ کا جھون بتاتے ہیں تبتک اُنکا نام ایشور کے ابھے بندوں میں وہ یہ بان کی خاطر' دیو بھی ادر و نام اپنا لے گا۔''

شری کشور لال بھائی کی اِس سچی بات پر تقدیں روما رولاں کی ایک کتاب — رام کرشن پرم هاس کی جدونی -- یاد آرهی هے جس میں پنچھم کے اُس. مہان وچارک اور کلا کار نے کہا ہے —

" بہت سے آدمی ایسے هدی جو سبھی طرم کے مذھبی وشواس سے بری میں یا ان کا خیال ہے کہ وہ بری هیں، لرکن دراسل وہ ایک اتیبودھک چیتدا کی حالت مهن دويه رهتے هيں' جسے وہ سداج وادا کمیونوم' جدودیا وان راشتریتا یا بدمی واد بهی کهتم هیس . وجار کی چیز سے نہیں لیکن وچار کی بالمدی یا خوبی سے اُس کا پیدا هراً الشعبات هوال هي . أور هم يه طع كرسكتم هيس كه وه مدهب سے پیدا هوتا هے يا نهيں . ائر وہ وچار هر طرح کی مصیدت سع کو ایک لگن اور هر طرح کے بلهدان کی تهاری کے ساتھ سچائی کی کہوج کی طرف ندرتا سے جاتا ہے۔ تو میس آسے مدان می کہوں گا ، کیونکہ مذھب کے اندریہ وشواس شامل هي هے که انساني کوشش کا مقصد سمام کے ، خورن سے اونکھا اور سارے مانو سماج کے جھوں سے بھی ارنجا هے ، ناستکتا ہمی جب وہ سو ایصدی سچیطالترر پرکرتون سے نکلٹی هے آرز جب وہ کمزوری کی لہذر بلکہ طِبَائِمِتِ كُي أَيْكِ شَكُل هُوتِي هِا تُو وَهُ بَهِي دَهَارِمُكَ أَتَّمَا اً کئی مہاں سهدا کے سارچ میں شامل هوجاتی ہے . ا

مَّ جَيْسا هم أوير كه چكے هيں كتاب پوهنے لائق هے . هر أنگريزى جانئے وألے سے هم انهن كے كه اِس كو يُعور سے ديكھے اور نو جهوں پركشن مقدر سے همارى پرارتهنا

एन एथीस्ट विद गांधी

लेखक—भाई गोरा (जी. राम चन्द्र राव) भूमिका लेखक—भाई किशोर खाल मशरूवाला. लिखावट – श्रंगरेजी, दाम—एक रुपया.

निकालने वाले — नवजीवन पञ्लिशिंग हाउस, अहमदाबाद

गांधी जी की शहादत के बाद उनके उपर उनके जीवन की कांकियों और दूसरी वीजों को लेकर बहुत बड़ी तादाद में किताबें निकली हैं. लेकिन वह सब एक तरक और भाई गोरा की यह किताब एक तरफ. इसमें हमें बापू के जीवन का एक बड़े कमाल का पहलू मिलता हैं. पहले तो बापू ने गोरा से मिलने से इनकार किया मगर बाद में जब गोरा के नास्तिक केन्द्र पटामाटा (बेजबाड़ा-आन्ध्र) के पक कारकुन ने वहाँ के काम की तस्वीर बापू के आगे रखी तो उन्होंने केन्द्र के मुखिया, गोरा को अपने आश्रम में आने की दावत दी. यही नहीं, बापू ने उनके केन्द्र के साथियों और उनके बीवी बच्चों को भी बुलाया और उनसे बातें कीं.

गोरा का कहना है कि बीसियों लोगों ने नास्तिक केन्द्र और नास्तिकता के बारे में उनसे चरचा की थी लेकिन एक प्रवाल को बापू ने उनसे किया वह और किसी ने कभी नहीं किया—यह कि "आप नास्तिकता क्यों चाहते हैं ?" यह ऐसा दर्द भरा सवाल था जिससे गोरा का रोम रोम हिल उठा और उन्होंने ने सारी दास्तान सुना कर बापू को आलिर में बतलाया कि मैं नास्तिकता इस वजह से चाइता हूँ ताकि इनसान में खुद के अन्दर भरोसा पैदा हो और अहिंसात्मक तरीक़ से समाजी और माली बराबरी कायम की जा सके. इस पर बापू ने कहा कि " न मैं यह कह सकता हूँ कि आपकी नास्तिकता राजत है न यह कि मेरी आस्तिकता ही सही है. हम दोनों सच की तलाश में हैं... मैं आपकी मदद करूँगा, हाँलांकि आपका रास्ता मेरे रास्ते के जिलांक है." इतनी गहरी हमदरदी का वादा पाकर गोरा का कलेजा छुल उठा,

लेकिन घटनात्रों का चक्कर कुछ इस तरह चला कि बापू फिर गोरा को अपने सामने सेवायाम न बुला सके. गोरा जन्म के झाझन हैं. उन्होंने अपनी बेटी की शादी एक हरिजन लड़के से करना तब की थी. यह शादी बापू कराने बाले थे और मद्रास में गोरा से सुलाकात होने पर बापू ने उनसे कहा था कि क्योंकि लड़का लड़की दोनों ही नास्तिक हैं इसिलये शादी की रस्म में 'ईश्वर के नाम पर' लक्ष्य न आकर 'सत्य के नाम पर' लक्ष्य आयेंगे, और आगे उन्होंने

ایتهیست و کاندهی

لیکهک بهائی گورا (جی. رام چندر راو)
یهومهمالیکهک - بهائی کشور لال مشرر ولا.
لکهارت - انگریزی دام - ایک رویهه.
نکاله واله - نوجهون بداشنگ هاوس احمدآباد.

گادھی جی کی شہادت کے بعد اُن کے اوپر اُن کے کی جھانکھوں اُرر دوسری چھؤرں کو لیکر بہت تعداد میں کتابیں نکلی ھیں الیکن وہ سب ایک اور بھائی گورا کی یہ کتاب ایک طرف اِس میں یاپو کے جیوں کا ایک بڑے کمال کا پہلو ملتا ھے تو باپو نے گورا سےملئے سے اُنکار کھا مگر بعد میں جب کے ناستک کھندر یتا جاتا (بیج واُڑھ آندھر) کے ناستک کھندر یتا جاتا (بیج واُڑھ آندھر) کے کارئی نے وہاں کے کام کی تصویر باپو کے آئے رکھی تو یہی نہیں اُبو نے اُن کے کیندر کے مکھیا اُورا کو اُنے آشرم میں آنے کی یہی دی۔ یہی نہیں باپو نے اُن کے کیندر کے ساتھیوں یہ کھوی بچوں کو بھی باتیا اور اُن سے باتیں کیں ،

اورا کا کہنا ہے کہ بھسیوں لوگوں نے ناستک کیندر اور کمتا کے بارے میں اُن سے چُرچا کی تھی لیکن ایک بجو باپو نے اُن سے کیا وہ اور کسی نے کبھی نہیں ۔ یہ کہ '' آپ ناستکہا کیوں چاھٹے ھیں ؟'' یہ ایسا ۔ یہ کہ '' آپ ناستکہا کیوں چاھٹے ھیں آتھا اور اُنھوں اوی داستان سنائر باپو کو آخر میں بنتیا کہ میں کہروسہ بیدا ہو اور اھنسانہک طریقے سے سماجی اور بھروسہ بیدا ہو اور اھنسانہک طریقے سے سماجی اور برابری قائم کی جاسکے ۔ اس پر باپو نے کہا کہ '' نہ برابری قائم کی جاسکے ۔ اس پر باپو نے کہا کہ '' نہ برابری آستہ کی جاسکے ۔ اس پر باپو نے کہا کہ '' نہ بی استہتا ھی صحیحے ہے ۔ ھم دونوں سیے کی تلاش میں اُپ کی مدد کرونیا' حالا کہ آپ کی مدد کرونیا' حالا کہ آپ میں میں آپ کی مدد کرونیا' حالا کہ آپ میں میں آپ کی مدد کرونیا' حالا کہ آپ

المكن گیتفاؤں كا چكر كچه اس طرح چلا كه باپو پهر و الله شامقے سهوا كرام نه بلا سكے. كوراً جقم كے براهدن و اله شامقے كي تهي دي هادى ايك هريجين لوكے الله على تهي ، يه شادى ياپو كرائے والے تها كه سمين گوراً سے مالاقات هوئے پر باپوئے أن سے كہا تها كه لوكا لوكى دونين هي تاستك هين اس لئے شادى كى مهن ' أيشور كے نام پر' لفظ نه آكر ' سالا كے نام مهن ' أيشور كے نام پر' لفظ نه آكر ' سالا كے نام مهن ' أيشور كے نام پر' لفظ نه آكر ' سالا كے نام مهن آنينگو ' الهن الهن الهن الهن كيا آپ

यह अख्यार हात ही में निक्याना ग्राह हुआ है. इसके पहले जात की चार कापियाँ, नम्बर 5, 6, 7, और 10 अपनी राग चाहिर करने के किये हमें मिली हैं. अंगरेची में 'इकोनामिक रिड्यू' नाम का परवा कांगरेस के सदर वृष्यर से कापी अरसे से निकल रहा है, 'आर्थिक सर्मीचा' असका हिन्दी नमूना मालूम पदता है.

इमारे देश में लेन देन, उपए पैसे के मामले पर अस्तवारों की आम तौर से कमी है, फिर अच्छे और समम-दार अखवारों की तो और भी ज्यादा कमी है. इसलिये कांगरेस दफ्तर जैसी जिम्मेदार जगह से इन सवालों पर विकलने वाले इस पंत्रह रोजा अखवार का हम दिल से स्वागत करते हैं.

इस असवार में दो बातें निराली हैं. एक तो इसमें सम्पादक की तरफ से अपनी राय जैसी कोई चीज नहीं रहती. त्सरे यह कि इसमें जो लेख अपते हैं वह किसी त्सरे असवार या सरकारी रिपोर्ट से लिये गये होते हैं. इसलिये किसी हौसलामन्द को यह तकलीफ करने की जहरत नहीं है कि 'आर्थिक समीजा' में अपने के लिये कोई अपनी नई चीज भेजे.

तो इस 'आर्थिक समीद्या' को कांगरेस के नवरिये से चुने हुए आर्थिक मामलों से ताल्लुक रखने वाले लेखों का एक मजमुआ मानते हैं. लेकिन जो लेख इसमें रहते हैं बह सचमुच काम के हैं जिनसे काकी जानकारी मिल सकती है. पाँचवां नम्बर बजट नम्बर है जिसमें नई दिल्ली की सरकार के खलावा पंजाब, क्सर प्रदेश, क्ड़ीसा, विहार, पच्छिमी बंगाल, आसाम, बम्बई, मध्य प्रदेश और महास सरकारों के इस साल के बजट दिये गये हैं.

ते को के बारे में इस इतना ज़कर कहेंगे कि उनसे यह एक ख़ास मज़क निकलती हैं कि वह हकूमत और कांगरेस के पहलू से दी सब बीजों को देखते हैं. दाँ, कुछ केस ऐसे भी हैं— मैसे छटे नम्बर में भी किशोर जाल पनश्याम लाल मशक़वाला का लेख या दसवें नम्बर में भी कुमारणा हा केस—जो इस असर के नहीं कहे जा सकते. फिर भी माम जनता का एक हित होता है. और कीन नहीं जानता के आज हिन्दुत्तान के लोग जितने दुसी आर्विक रूप से जाने शायव ही कभी रहे हों! इस बाहते ये कि आर्विक समीका' इकूमत और काँगरेस की मजबूरियों और [सीबर्ती के ही बहम में न पदकर लोगों के दुसहों का भी यान रसे और नीचे से उठने वासी उनकी दुवें मरी आह ो समस् सक पहेंचाने. ید اخبار حال هی مهی تعلقا شروع هوا هی آسکی الله سال کی چار کابهان تمیر 5 6 6 7 اور 10 ایفی وائد قاهر کرنے کے لئے همیں ملی هیں انگریزی میں انگریزی میں انگریزی میں انگریزی میں اکونامک ویریو نام کا پرچه کاگریس کے صدر داخر سے اللی عرصے سے تعلل وہا ہے ، 'آرتیک سمیکشا' اسکا هلدی میند معلوم ہوتا ہے .

هماری دیش میں لین دین' روپے پیسے کے معاملے پر اخباروں کی عام طور سے کسی ھے' پہر اچھے اور سمنجہدار اخباروں کی تو اور بھی زیادہ کسی ھے۔ اس لئے کاگریس فقتر جیسی فیےڈار جگہ سے ان سوالوں پر نکلفے والے اس یقدرہ روزہ اخبار کا هم دل سے سواکت کرتے ہیں .

آس اخبار میں دو بانیں نرائی هیں ۔ آیک تو اس میں سیادک کی طرف سے اپنی رائے جوسی کرئی چیز نہیں رہتی ، دوسرے یہ که اس میں جو لیکھ چھپتے میں وہ کسی درسرے اخبار یا سرناری رپورٹ سے لئے گئے هوتے هیں ، اس لئے کسی حوصاء مقد کو یہ تکلیف کرنے کی قرررت نہیں ہے که 'آرتیک سیهکھا' میں چھپٹے کے ائے کوئی آپنی نہیں ہے که 'آرتیک سیهکھا' میں چھپٹے کے ائے کوئی آپنی نئی چیز بھیجے ،

تو هم ' آرتیک سدهکشا ' کو کانگریس کے نظریے سے چنے هرئے آرتیک معاملوں سے تعاقی رکھنے والے لیکھوں کا ایک مجموعہ مانتے هیں ، ایکن جو ایکھ اس میں وہتے هیں ولا سے کافی جانکاری مثل سکتی ہے ، پانچواں نمبر پجب نمبر ہے جس میں نگی دلی کی سرکار کے عالم پنجاب' آترپردیش' آویسہ' بہار' پجھمی بنگال' آسام' بمبئی' مددیم پردیش اور مدواس بحوری کے اس سال کے بجت دیئے گئے هیں ،

لیکھوں کے بارے میں ہم اُتنا ضرور کہھلگے کہ اُن سے اید ایک خاص جہلک نکلتی ہے کہ وہ حکومت اور گانگریس کے پہلو سے سب چھڑوں کو دیکھتے ہیں ، ھاں کچھ لیکھ ایسے بھی ہیں۔ جھسے چھٹے تمہر میں شری کشوروال کھشیام الل مشرر والا کا لیکھ یا دسویں کمبر میں شرق کمارپیا کا لیکھ۔۔۔جو اُس اُتر کے تہیں کھی جاسکتے ، پھر بھی عام جنتا کا ایک هت ہوتا ہے . اُور کون نہیں جانتا کہ آج هندستان کے لوگ جتنے دکھی آور کون نہیں جانتا کہ آج هندستان کے لوگ جتنے دکھی گرامی وی سے کھ ' آرتیک سیکھا ' حکومت اُور کانگریس جامتے ہے گئے ' آرتیک سیکھا ' حکومت اُور کانگریس جامتے ہے گرامیک سیکھا ' حکومت اُور کانگریس کی مجھوریوں اُور مصیبتوں کے هی وہم میں نہ پوکر بھوں گئے دکھی نے دکھی ہے آبہتے ہوائی اُن کی دوہ بھوں آلا کو اوپر تک پیونچھائے ،

سريص رأم يهاثى

هبارا راب

हमारा राज

लेखक—मदन मोइन गुप्त. लिखावट—उरदू. दाम—दस बाने. सके—चौंसठ.

भिलने का पता—मक्तवा जामिया लिमिटेड, जामिया नगर, देहली.

यह किताब भारत के विधान का खुलासा है. बच्चों को सममाने के लिये लिखा गया है इसलिये भाशा काकी भासान लिखी गई है. मोटी मोटी बातें सभी सममा दी गई हैं. तस्वीर धौर नक्ष्शे देकर और भी आसान कर दी गई हैं. कहीं कहीं इस तरह लिख दिया गया है जिससे बच्चों के दिव पर ठीक असर नहीं बैठ सकता, जैसे सफा सात पर बराबरी के इक बताते हुए इस तरह लिखा गया है—

"ऊपर लिखे हुए उसूलों को अमल में लाने के लिये, वस्तूर में जनता को कुछ इक दिये गए हैं....."

इस इबारत से बच्चे के दिले पर यह असर रह सकता है कि इक सरकार ने जनता को दिये हैं जब कि बात ऐसी नहीं है. असल में दस्तूर यानी विधान जनता ने अपनी तरफ से भेजे हुए आदमियों की मारफत तैयार करा कर उस सरकार के हाथ में सौंपा हैं जिसे जनता ने खुद बनाया है और जिसमें उन बच्चों के मां बाप का भी हाथ है जिन बच्चों के हाथ में यह किताब पहुँचेगी. इसकिये अपर की इबारत को इस तरह लिखना ठीक रहता—

'अपर लिखे हुए उस्लों को अमल में लाने के लिये दसत्र में जनता ने अपने हक गिना दिये हैं, जो उसके पैराइसी और बुनियादी हक हैं.'

इसी तरह की भूतों किताब में दो एक जगह और हैं. इस कहना तो यह चाहते थे कि यह किताब इस तरह दुवस्त करके ही बच्चों के हाय में दी जानी चाहिये थी पर जब इतना ही कहना काकी है कि दूसरी 'छपाई में इसे क्षक कर दिया जाय.

—¥.

आर्थिक-समीक्षा

(कुल हिन्द काँगरेस कमेटी के माली, राजकाजी खोज महक्ते का पंदरह रोजा कासवार) -

सम्पादक—भाई हर्शदेव मासवीय; निकासने वाले, दफ्तर इस हिन्द कांगरेस कमेटी, नई दिल्सी. सालाना चन्दा चार रुपए. لیکهگ -- مدن موهن گیت کهاوت - اردو. دام -- دس آنی مفتی -- جوندی .

ملئے کا پائد—مکائبہ جامعہ لیمائی جامعہ ناکر' بھلی۔

یه کتاب بهارت کے ودھان کا خلامہ ہے ۔ بچوں کو سمجھائے کے لئے لکھا گیا ہے اِسلئے بھاشا کافی آسان لکھی لئی ہے ، موتی ووتی باتیں سمھی سمجھادی گئی ھیں۔ صویر اور بقشے دیکو اور بھی آسان کردی گئی ھیں ، کہیں اُمیں طرح لکھ دیا گیا ہے جس سے بچوں کے دل بر تھیک اثر نہیں بھتھ سکتا ' جیسے صفحہ سات پر رابری کے حق باتاتے ہوئے اِس طرح لکھا گیا ہے ۔۔۔

''اُوپر لکھے، ھوٹے اصولوں کو عمل میں لائے کے لگے۔ سعور میں جلعا کو کچھ حق دیگے گئے ھیں.....''.

اِس عہارت سے بیچے کے دل پر یہ اثر رہ سکتا ہے کہ مق سرکار نے ہوئیا کو دیئے میں جب که بات ایسی نہیں ہے ۔ اصل میں دستور یعلی ودھان جلتا نے اپلی طرف سرکار اس سرکار اس سرکار اس سرکار اس سرکار اس سرکار کے ہاتھ میں سونیا ہے جسے جلتا نے خرد بلایا ہے اور جس میں اُن بچرں کے آماں باپ کا بھی ہاتھ ہے جن جوں کے ہاتھ میں یہ کتاب پہلیچے گی ۔ اسلئے اوپر کی بدارت کو اِسطرے لکھنا تھیک رہنا۔

'ارپر لکھے ھوئے اسولوں کو عمل میں لانے کے لگے استور میں جنتا نے اپنے حق گنا دئے ھیں' جو اُس کے بدائشی اور بنیائی حق ھیں ۔

اسی طرح کی بھولیں کتاب میں دو ایک جگت اور بیں ۔ ہم کہنا تو یہ چاہتے تھے کہ یہ کتاب اِس طرح برست کرکے ھی بچوں کے جاتے میں دی جاتی چاہتے میں دی جاتی میں پر اب اتنا ھی کہنا کائی ہے کہ دوسری چھیائی میں سے تھیک کردیا جائے ۔

. 44--

أرتهك سيكشا

(کل هند کانگریس کمیٹی کے مالی' زاج کاجی کھوج محکمہ کا یندرہ روزہ اخبار)

سمهادک سیهایی هرهی دیو مالوی؛ نکالله والی، انتر کل هفت کانگریس کمیشی، نکی دلی سالانه جلده اور درید .

1-ख्याई जिल्लामारों की तहरीक क्या थी.

2-अंगरेजों ने सता सता कर पठान औम की लूटमार की आक्त दात दी थी. इस आदत को हुड़ाने के किये इन जुदाई जिदमतगारों ने क्या किया.

3 - खुदाई खिद्मतगार राजकाजी मैदान मैं कब भौर

कैसे भाए.

4--कॉंगरेस के साथ मिसकर खुदाई खिद्मतगारों ने हिन्दुस्तान की चाजादी के किवे क्या क्या तक्कीकें सहीं.

5—किस तरह त्यवार के भक्त यह खुबाई जिन्मतगार जिल्ला के भक्त बन गए और खूट मार छोड़कर लोक सेवा के काम में लग गए.

6—इस किताब को पढ़कर पठानों का स्वभाव समम में जा जाबगा चौर यह पता लग जायगा कि पठान दोस्त बनकर किस तरह दोस्त की खातिर जान पर खेल जाता है.

7—पठान नाम धर्म के खयास से नहीं पड़ा, बोली के ख़्याल से पड़ा है. जो परातो बोलते हैं वह सब पठान कहे जाते हैं, फिर चाहे वह हिन्दू हों, मुसलमान हों या किसी भी धर्म को मानते हों.

किताब के अन्दर बहुत सी तस्वीर भी हैं और दाम के लिहाज से यह किताब बहुत सरती हैं.

--- XT

भापका बन्ना, उसकी सेहत भीर परवरिश

सेखक—डाक्टर पी. राज. मूँगा. लिखावट—चरदू. बाम—तीन रुपए-सफें- वो सौ पेंसठ.

मिलने का पता—मक्तवा जामिया लिमिटेड, जामिया नगर, देहली

यह किताब पदी लिखी भौरतों के लिये लिखी गई है. जो अच्छी चरदू नहीं जानतीं वह इससे पूरा फायदा नहीं चठा सकतों. कुछ तस्त्रीरें भीर नक्ष्यों भी दिये गए हैं, इससे किताब के समझने में आसानी होती है. इसमें ज्यादातर वह तरीके बतलाए गए हैं जो अस्पताकों में काम आते हैं या अमीर परों में जिनसे काम लिया जाता है. दवाएँ सब अंगरें जी हैं, यह दन्हीं के काम की है जो शहरों में नीम अंगरें जी हैं, यह दन्हीं के काम की है जो शहरों में नीम اس کتابی میں گدھی جی کے فراتھورکے فوریے گا بہرن دیکھا حال ہے ، ساتھ ھی ساتھ فراتھور کا بھوگول لائق اِتہاس بھی دے دیا گیا ہے . یہ کتاب ھر بھارتی فدرور پڑھ لھلی جاملے . اِس کتاب کو پڑھلے سے یہ کام باتھن معلوم ھونگی ۔۔۔

1-خدائی خدمت گاروں کی تحریک کیا تھی . 2-سانگریؤوں نے سٹا سٹا کر پٹھان قوم کی لوت مار ماست قال دی تھی ، اُس عادت کو چھڑانے کے لئے غدائی خدمتکاروں نے کیا کیا .

السفدائي خدمتار راج کاهي ميدان مهن کب

الساکانگریس کے ساتھ ملکر خدائی خدمت گاروں مندسکانگریس کے ساتھ ملکر خدائی خدمت گاروں مندستان کی آزادی کے لئے کہا کہا تکلیفیں سپیس تارسکس طرح تلوار کے بہت یہ خدائی خدمتگار نسا کے بہت بن گئے آرر لوگ مار چہور کو لوگ سپوا کام میں لگ گئے ۔

6---اِس کتاب کو پوءکر پتهانوں کا سوبهار سمجه س آجائهکا آور یہ پتم لگ جائیکا که پتهان دوست کر کس طرح درست کی خاطر جان پر کههل جاتا ہے .
7---پتهان نام دهرم کے خیال سے نههی پڑا، بولی کے هال سے پوا ہے . جو پشتو بولتے ههی را سب پتهان

مال سے ہوا ھے ، جو پشتو بولتے ھیں وا سب پتمان سے حاتے ھیں' پھر چاھے وہ ھندو ھوں' مسامان ہوں یا می بھی دھرم کو مانتے ھوں .

کتاب کے اندر بہت سی تصریریں بھی ھیں آور دام کے عاط سے کتاب بہت سستی ھے .

ب کا بچه ٔ اُس کی صحت اور پرورش المهاره--اردر .

دام تهن رویده-سنجه-دو سو پهنسته .

ميلي كا يتع--مكتبه جامعه لميثك جامعه نكر

میہ کتاب پومی لکھی مورتوں کے لگے لکھی گئی ہے و اُچھی اُردو نہیں جانتیں وہ اِس سے پورا قائدہ نہیں ہا سکتیں ۔ کچھ تصویریں اور نتشے بھی دئے گئے ہیں اُسانی ہوتی ہے ۔ بین اُسانی ہوتی ہے ۔ بین اُسانی ہوتی ہے ۔ سمجھلے میں آسانی ہوتی ہے ۔ سمجھلے میں آسانی ہوتی ہے ۔ بین ایا اُمیر کھروں میں جن سے کام لھا اُلے ہیں سب اُنگریزی ہیں ، یہ اُنھیں کے کام لھا ہو ہیروں میں نہم اُنگریزی ہیں ، یہ اُنھیں کے کام کی ہو ہیروں میں نہم اُنگریزی تھنگ سے رہتے ہیں ۔

मेरे पूर्व की तकलीक, इस दुक्तिया से पूछी की सह सके, न बेहोश हो !

्यह खूब कहा !

"दुबा सहके मुख दुगना हो जाता है !''
तो, क्या जान के, साज के मुख के कारन दुख दिया

दित के दुकदे तो गिनो !

मुक्ते अधूरा ही मुख बहुत होता !

ओ मुक्ते गुजरी तुमने सही होती,
तो पृक्कती 'शिकवा कव खतम होता है ?'
तुमसे क्या पृक्कूँ कि तुमरे क्या गुजरी,
तुम्हारे दिल को लगती तो यों तदपता छोड़ते !

शब कहिये इसकी क्या सभातोवना की जाय ?

---₩

राज-भाशा बोधनी

सेसक-श्री देववृत विद्यार्थी, तिस्रावट-हिन्दी. दाम-दो रुपये. सक्ते-दो सी सत्तावन.

मिलने का पता—घिलल भारतीय हिन्दी परिशद. 9, कीरोजशाह रोड, नई दिली.

राज-भाशा बोधनी के नाम से तो यह पहिली बार ही निकली है पर जैमा इस किताब के अंगरेजी में लिखे परिचय से पता चलता है यह पहिले "हिन्दी सेक्र टाट कार नान हिन्दी एम्पीज" के नाम से निकल चुकी है. किताब कासी लिखी गई है और उन लोगों के बढ़े काम की है जो हिन्दी सीखना चाहते हैं. पर यह है उन्हीं लोगों के लिये, जो अंगरेजी जानते हों और हिन्दी सीखना चाहते हों. यह किताब आम आव्मियों के इतने काम को नहीं है, जिसनी उन आव्मियों के काम की है, जो पार्लियामेन्ट के मेम्बर हैं, क्योंकि उन्हीं को निगाह में रखकर लिखी गई है. आप की मूलें कम ही हैं, और जो हैं उनकी एक सूची दे दी गई है. हो उपय में सस्ती ही है.

__¥.

गांधी जी बादशाह ख़ां के देश में

वेसक-भी प्यारे लाज. क्षित्सावट-चर्.

सके-352, दाम-तीन रुपए.

मिसने का पता—मक्तवा खामिया विमिटेड, समियानगर, बेहबी. مهر فرد کی الکھا اس دائیا ہے ہوجو است مرحد ایا اوجو سید سید ند یہ دوس ہو است کو سید کی سید دائل ہوجاتا ہے اللہ ایک تکویے تو گار اسکو کے کارن دکھ دیا تھا ؟ محول ادھررا هی سید بہت ہوتا ! جو محجود گزری تم نے سہی ہوتی ' شیرہ کر کر کر سہی ہوتی ' شیرہ کر کر کر خانم ہوتا ہے ؟ تم سے کھا پرچورں کہ تم یہ کھا گزری ' شیرہ کر ایر تریتا چارتے تم یہ کھا گزری ' شیرہ کر ایر تریتا چارتے اس کی کھا سمالوچھا کی جائے ؟

راج بهاشا بودهنی

لیکهک -- شرقی دیودرت ودیارتهی که اوق-هندیی. دام بد دو رویکی منتصر-دوسو ستارن . ملنے کا پته -- فائول بهارتها هندی پریشد . 9 نهروز شاه روت نگی دلی .

رائے بہا عا بودھئی کے نام سے تو یہ پہلی بار ھی نکلی ہے پر جہسا اِس کتاب کے انگریزی میں لکھے پریجے سے پتہ چلتا ہے یہ پہلے '' ہندی سیلف ٹاٹ فارنان ہندی آئیں '' کے نام سے نکل چکی ہے ، کتاب خاصی لکھی گئی ہے اور اُن لوگوں کے بوے کام کی ہے جو ہندی سیکھنا چاہتے ہوں ، پر یہ ہے آنیوں لوگوں کے لئے' جو انگریزی جانتے ہوں اور ہندی سیکھنا چاہتے ہوں ، یہ کتاب عام آدمیوں کے آتنے کام کی نہیں ہے' جتنی اُن آدہیوں کو آدمیوں کے بو پارلیمنت کے جمعر ہیں' کیونکہ آنیوں کو ناتا میں رکھکر لکھی گئی ہے ، جہانے کی بہولیس کم ھی ناتا میں رکھکر لکھی گئی ہے ، جہانے کی بہولیس کم ھی ہیں' اور جو جیس اُن کی آیک سوچی دے دی گئی ہے ، ہوئی' ور دویئے میں سستی ھی ہے ۔

41--

14 1

گاندھی جی بانشاہ خان کے دیش میں ایکوکسفری بیارے قل انتہارت اردر . منجہ 352 مار - تین رواد .

ملل کا بالله سمکانه جامعه لهمهای جامعه نکوی



परछाई

लेखक-आसिक अली साहब, र्गवरनर, आसाम **लिखावट—उरद्**. दाम-चार रुपया. सक्रे--इक्यानवे.

मिलने का पता-श्रंजुमन तरक्की उरदू, अलीगद.

कहीं कहीं इक्का दुक्का शब्दों को छोड़कर किताब की इवारत खासी आसान है. अगर यह ज्यों की त्यों नागरी लिखावट में छाप दी जाय तो वह लोग भी खब रस ले सकते हैं जो चरद् लिखावट नहीं जानते. बोल चाले की भाशा में इतनी गहरी किताब लिखी जा सकती है यह इस बात का सबूत है. आदमी के पास जब कुछ कहने को होता है और वह इतना ज्यादा होता है कि वह खुद फूट निकलता है तो ज्यादातर भाशा वही रहती है जो इसने मां की गोद में सीखी होती है और अपने हमजो-लियों के साथ बोली होती है.

. उरद् अदब में यह अपने ढंग की निराली चीज है.

'परखाई' इसका नाम है और परखाई को लेकर ही जीवन के एक पहलू को दिल पकड़ भाशा में दर्शाया गया है. इसे पढ़ते पढ़ते हम अपने आप को भूल गये, यह हमें पाद ही न रहा कि हमें इसकी रिन्यू करना है. इस किताब की समालोचना नहीं हो सकती. इसिलये हम कहीं से सि किताब को खोलते हैं और वहीं से कुछ लिखे देते हैं. [मारे पढ़ने वाले समक लें कि इसव की सब किताब ऐसी n 8-

(सफा प्रचास - 4.) तुन्हारे पत्थर दिलाको क्या सावर ? जो मुमपे बीती, मेरे दिक से पूछी ! ्या सुनने गुनने बाल से ! मेरी वेचैनी. समुन्दर की मीजों में देखों ! मेरी तद्दर का हाल. इस क्यूतर से पूछी जो बाज के पंजों में हो ! لهكهك ـــ آصف على صاحب كورنو أسام . لكهات __ أردو.

دام - چار رویه، مفصر-اندانون.

مللم كا يته - انجمن ترقى أردو علهكده .

کہیں کہیں اِکا دکا شہدوں کو چھور کر کتاب کی عبارت خاصى آسان هے . اگر يه جهرن کي تهرن ناگري لکهاوت میں چھاپ دی جائے تو وہ لوگ بھی خوب رس لے سکتے هين جو أردو لمهاوك نهين جانتے ، بول چال كى بهاشا مهن اتذی گهری کتاب لکھی جاسکتی ہے یہ اس بات كا ثبوت هي . آدمي كے ياس جب احجه كہلے كو هونا ه اور وه إنغا زياده هوتا هے كه وه خود پهوت تكليا هے تو زياده تر بہاشا وهی رهتی ہے جو اُس نے ماں کی دود میں سیکھی ھوتی ہے اور آیے همجولیوں کے ساتھ ہولی هوتی ہے .

أردو ادب ميں يه اله دهنگ كي تراثي چهز هـ . 'پرچهائیں' اِس کا نام هے اور پرچهائیں کو لیکر هی جهون ﴿ يَكِ اللَّمَ يَهِلُو كُو دُلُّ يَكُو بِهَاشًا مِينَ دَرَشَايًا كَيَا هِ . إِسَ الموريقي يوهقه هم اله آپ كو بهول كثير، يه همهن ياد هي انه رها كه عمهن إسكى ريويو كرنا هي . إس كتاب كي سمالوها تہیں موسکتی اس لئے هم کہیں سے اس کتاب کو کھولتے هیں اور وهیں سے کچھ لکھے دیتے هیں، همارے پوهلے والے سنجھ لیں کہ سب کی سب کتاب ایسی ھی ہے --

(منحه بجاس --- 4 .)

إثمهاريم بتهرفل كوكها خبر؟

جو معجهیه بیتی میرے دل سے پوچھو!

مغاری ہے جھلی سیلدر کی موجوں میں دیکھو ا

ميرق لوپ كا حال'

أس كيوير سے پوچھو جو ياز كے يلجوں ميں هو أ

मां वहाँ था पहेंची और बोली-"क्यों ताहक मगवते ही.

तुम तीनों के हाथ सुन्दर है."

पर इससे फैसला न हुआ. इसने में एक भिकारी आ पहुंचा. इसने गिड्गिड्गकर भीक माँगी. रामू श्यामू दोनों. ने उसे डाँट ६र कहा-"पहले यह बताओं कि इस तीनों में किसके हाथ सबसे अधिक सुन्दर हैं ? फिर तुन्हें स्त्राने को देंगे."

भिकारी की आँखें भर आईं. इसने रोते हुए जवाब दिया-"बेटा, मैं क्या जानूं किसके द्वाय सुन्दर हैं. मुक्ते

भक लगी है, एक रोटी दे दो."

सरता को भिकारी पर द्या आई. वह दौड़ी हुई घर में गई और अपने साने की रोटियाँ लाकर भिकारी के हाथों पर रख दीं. भिकारी जब रोटी लेकर चला गया तब राम् भीर श्यामू से उनकी मां ने कहा-"तुम दोनों के हाथ सुन्दर नहीं हैं. हाथ तो सुन्दर इस छोटी लड़की के हैं, जिसने भूके प्यासे की सुध ली."

मां की यह बात सुनकर रामू और श्यामूं बहुत लजित हुए. सब है, ग़रीबों की मदद करने वाले ही संसार में

अच्छे कहे जाते हैं.

भिल मिल तारे

(भाई अशोक)

मिल मिल तारे, मिल मिल तारे! क्रगते हो क्यों इतने प्यारे? रोज सबेरे क्यों छिप जाते? और रात को क्यों छग आते?

> ह्योटे वडे अनोखे तारे! रहते हो क्यों इस से न्यारे ? दूर कहाँ है वास तुम्हारा ? तम से हैं कुछ काम हमारा.

जग को तुम प्रकाश हो देते, बद्ते में न कभी कुछ लेते. हो परोपकारी. कितने <u>तु</u>म तुन्धारी महिमा न्यारी. धन्य

> कहो, चाँद से क्या डरते हो? मिल मिल मिल जो करते हो. यदि दरते हो तो नतलाओ, मुक्त से अब तुम मत शरमाओ.

जियो सदा ऐ मिल मिल तारे, रहो तुम सब के प्यारे. नित्य रात को रहो समकते. चाँद के साथ दमकते.

مان رهان أيهانجين أور بولين -"كبور ناحق جهكولي هو ، الم تهلول کے هاڻه ساندر هيں".

ير أس سر فهصاء نه هوا . انتي مهن ايك بهكاري أيهلها . أس لے كو كوا كر يهيك مالكى . رامو شدامو دونون نے آسے ڈانٹ کر کہا۔۔۔۔'پیلے یہ بھاؤ کہ ہم تیلوں میں کس کے ماتھ سب سے ادعک سندر میں ؟ پھر تمہیں کھانے کو دينكر"

بهكارى كى آنكهيں بهر آئيں ، أسلے روتے هوئے جواب دیا۔۔۔ وہیتا کمیں کیا جانبی کس کے هانه سددر هیں. مجھے بھوک لکی ہے . ایک روتی دیدو".

سرلا کو بهکاری پر دیا آئی . وه دوری هوئی گهر میں گئی آور اپنے کہانے کی روتیاں لاکر بھکاری کے مانھوں پر رکھدیں . بھکاری جب روتی لے کر چا گیا تب رامو آور شہامو سے اُنکی ماں نے کہا۔۔۔''تم دونوں کے هانھ سندر نہیں میں ، هاتھ تو سندر اِس چھوتی لڑکی کے هیں' جس نے بھوکے پھاسے کی سدھ لی''۔

مال کی یه بات سن کو رامو آور شیامو بهت لجت ھوئے . سبع ھے؛ غریبوں کی مدد کرنے والے ھی سنسار

میں اچھے کہے جاتے میں ۔

جهل مل تارے

(بهائی اشوک)

جهل مل تارے عمل مل تارے ا لكتي هو كهول إنفي بهاري ؟ روز سبیرے کیوں چھپ جاتے ؟ اور رابعہ کو کھیں آگ آتے ؟

چھوٹے ہوے انوکھ تارے! رهیے هو کهوں هم سے نیارے ؟ دور کہاں <u>ھے</u> واس تمہارا ؟ تم سے ھے کنچہ کام ھمارا۔

> جگ کو تم پرکا*ش* هو **دی**نے' بدلے میں نه کبھی کچھ لیتے، پروپکاری' مهما نهاري .

کہو' جاند سے کیا ڈرتے ہو ؟ جهل مل جهل مل جو كرتے هو. يدى درټه هو تو بثلاوا منجهسے اب تم مت شرماؤ.

> جهو سدا اله جهل مل تاريخ رهو تم سب کے نیارے . ا راس کو رهو چمکتے' نهانه کے ساته دمک<u>تے</u>

शासक पर पढ़ भी पहाने अवहीं भी, मगर केवल शुरुवाती शिया के जिये. सदकी की व्यसकी शिका तो इन विद्वियों से ही पूरी हुई. और वह शिका भी कैसी! झान की शायद ही कोई ऐसी शासा बची हो, जिसकी बाबत जरूरत भर इन चिट्ठियों में न बताया गया हो. जाज पवास बरस बाद भी जो बिशय जाम तौर से तहिक्यों की पढ़ाई में शामित नहीं किये जाते, उन सब की तालीम इन चिट्टियों में दी गई है. अर्थ विद्या, गृहस्य विद्या, प्रानी विद्या, बनस्पति विद्या, इतिहास, जुराराकिया, ज्योतिश, हिसाब, दर्शन श्रीर नीति सभी तो चा गए, चौर इसके मतावा खाने पीने, रहने सहने, सेहत वरारह के सम्बन्ध में साधारन ज्ञान की बातें हर चिट्ठी में भरी पड़ी हैं. मैं अपने को एक पड़ी लिखी खड़की मानती हूँ और मैंने कालिज की शिचा भी पाई है, मगर इन चिट्ठीयों को पढ़ कर मेरी तो जैसे नए सिरे से फिर तालीम हो गई. इतनी नई बातें गुफ को मालूम हुई हैं, जिनको स्कूल और कालिज में जानने का कभी कोई मौका ही न मिला क्योंकि वह इमारी पढ़ाई का कोई हिस्सा थीं ही नहीं.

मेरी यह खश क़िस्मती है कि मुफ्तको यह चिद्रियां पदने को मिलीं, और इनको पदकर मैं विश्वास के साथ कह सकती हूँ कि यही सच्चे मानों में शिचा है, जिससे ज्ञान, केवल इम्तहान पास करने के लिये बुद्धि का बीम न बन कर, हमारे शरीर, दिमारा और आत्मा का बल बढ़ा सकता है, हुमारा चरित्र बना सकता है और हमें अपने देश का एक चपयोगी नागर बनने के सायक कर सकता है. 'नया हिन्द' के जरिये यह चिट्टियाँ हर महीने आपकी पढ़ने के लिये मिज्ञसी रहेंगी.

अगस्त के नम्बर में जब पहली चिट्टी छपेगी तब आपको यह जरूर माल्म हो जायगा कि किस बाप ने अपनी किस बेटी को यह चिद्धियाँ लिखी थीं.

> आपकी दीदी योगमाया

सुन्दर हाथ

(भाई सी० बी॰ रामऋरनन, देहली)

दोपहर का समय था. रामू श्यामू दोनों घाँगन में चौकी पर बैठे बातें कर रहे थे, पास ही उनकी छोटी बहन सरका भी बैठो हुई थी. बात ही बात में दोनों भाई आपस में कहने लगे "बताको इस तीनों में किसका हाथ सबसे अधिक सम्बर है १"

्योनों भाई बढ़े नटसर थे. मट हौड़ कर अन्दर गए, साबन से हाथ भोप भीर भाकर बैठ गए. पर सरका अवनी कराह से न हटी. दोनों को मराइते हुए देख कर उनकी

شاید گهر پر بهی پرهانے آتی تهی مگر گهول شرماتی فکشا کے لگے لوکی کی اصلی فکھا تو اِن چکوهوں سے هي وہي هوڻي. آور يه عاما بهي كيسى ! كهان كي شارد هي كولي أيسي شكها بحي هوا جُسْكُمي بابت ضرورت بهر إن چِتَههرن مهن نه بتأيا كها هر. آج پنچاس برس بعد بھی جو رشے عام طور سے لوکھیں کی پڑھائی میں شامل نہیں کئے جاتے اُن سب کی تعلیم اِن چاہوں میں دی گئی ہے . اُراہ ردیا' گرهسته ردیا برانی ردیا بنسیعی ردیا آیهاس جغرافها چهوتهی حساب گرشن آور نیدی سبهی تو آلگے اور اِسكے علوہ كهائے بهذے رهانے سهلے صحبت وفهوہ كے سابهده مهل سادهارن کهان کی باتین هر چتهی مهل بهری پوی هیں . میں اپنے کو ایک پوهی لکھی لوکی مانعی هرن اور مهن نے کالبے کی شکشا بھی پائی ہے، مگر آن چاتھیں کو پڑھکر مقربی تو جھسے نگے سرے سے پهر تعليم هوگئي. إنلي انكي باتين مجهكو معلوم هورثی هیں' جذکو اسکول اور کالیج میں جانئے کا کبھی كوئي موقعه هي نه ملا كيونكه وه هماري پرهائي كا كوئي جصم تهين هي نهين ،

مهري هم خوش تسمتي هے که مجهکو یه چتههان پوھئے کو ملیں' آرر اِن کو پوھکر میں رشواس کے ساتھ کہ سکتی ہوں کہ یہی شجے معلوں میں شکشا ہے؛ جس سے گھاں کھول امتحان پاس کرنے کے لئے بدھی کاہوجھ نع بن كر مماري شرير دماغ أور آتما كا بل بوهاسكتا هي همارا جرنر بناسكتاهے أور همين الهديش ايك أيهوكي ناار بلقے کے لائق کرسکتا ہے، 'نیا ہند' کے ذریعے یہ چتھیاں مر مہینے آپ کو پوھلے کے لئے ملتی رھیں گی .

اگست کے نمبر میں جب پہلی چٹھی چھھیکی تب آپ کو یہ ضرور معاوم هوجائیکا که کس باپ نے اپنی کس بهتی کو یه چتههان لکهی تههی .

آپ کی دیدی يوك مايا

سندر هاته

(بهائی سی ، وی . رام کرشنن دهلی)

دو پهر کا سيم تها . رامو شهامو دونون آنکون مهل چوکی پر بیتھ باتیں کررھے تھے، یاس ھی اُنکی چهوڻي بهن سرلا بهي بيڻهي هوڻي تهي. يآت هي ہات میں تونوں بھائی آپس میں کہنے لگے۔۔"بتاؤ ہم تهلیل میں کس کا ماتھ سب سے ادعک سندر ہے ؟''

دونوں بھائی ہوے نعی کہت تھے ۔ جھت دور کر اندر گئے' صابن سے هاته دهوئے اور آکر بہتھ اگے ۔ پر سرلا اہلی جگه سے نه ملی ، دونوں کو جهکرتے هوئے دیکهکر اُن کی हाय करा गया वरना वह भी नहीं. इमारी माओं ने नहीं तो इमारी दादी नानी ने तो यह जमाना जरूर देखा था.

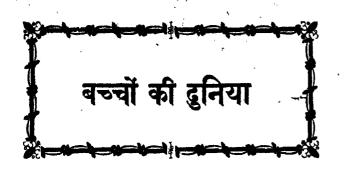
मगर इसी काले समय में हिन्दुरंजन का भाग्य करबट ले रहा था. जिन हिन्दुस्तानियों ने सोते ही सोते अपने देश को दूसरों के हाथ सींप दिया था, उन्हीं की सन्तान ने देश को इस गढ़े में से निकालने की पहली कोशिश की. 1857 के बाद देश भर मानो जाग सा उठा. हमारे पतन के कारन द दे जाने लगे, और उन्होंने देखा कि राजकाजी राजजत के साथ साथ हमारे समाज, हमारे कुदुम्ब और हमारे निजी आचरन में ऐसी बुराइयां आ गई थीं जिनको दूर किये बिना देश का उद्धार नहीं हो सकता था. हिन्दुस्तानी समाज में औरतों की गिरी हुई दशा की घोर उनका ध्यान खास तौर से गया. चौरतों की पढाई लिखाई के लिये धान्दोलन चला. सभाएँ हुई, प्रचार हुआ. मगर इस मैदान में मंच पर से बोलने बालों और अखबारों में लेख तिखने वालों से बढ़ कर काम पन लोगों ने किया, जिन्होंने नारी शिक्षा के इस ऊँचे असूल को अमली रूप दिया और समाज के कड़े विरोध का सामना करके, और अपने कुन्बे के बड़े मूढ़ों के सखत बुरा भला कहने पर भी, भापनी लड़कियों को पढ़ाया. इमारे देश के कोने कोने में आज लड़कियों के लिये जो स्कूल और कालिज खुले हुए हैं, और लड़कों से अयादा लड़कियों की पढ़ाई पर जो जोर दिया जाता है, वह इन्हीं महापुरुशों की अनयक कोशिशों का फल है.

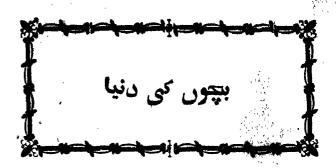
इस लेख के शुरू में जो चिट्टी की तसवीर छापी गई है वह उन चिट्टियों में से एक चिट्ठी का दुकड़ा है जो सन 1907 में एक बाप ने अपनी बेटी को लिखी थीं. बाप एक जबान इंजीनियर था जो जेठ बैसाख की लू लपटों की परबाह न करके घोड़े पर चढ़ कर सैकड़ों मील का सफर करके पश्चिमी पंजाब में नहरें खुदवा कर रेगिस्तान को शुक्षजार बना रहा था. बेटी दिल्ली के बिवले द्रजे के इस की ग्यारह बारह बरस की लड़की थी, जिसकी लगभग धन सहेलियों और और इमचन्न लड़ कियों की शादियां हुए भी कई बरस हो गए थे. इस जड़की के बाप ने उसकी इतनी अस्दी शादी करने से साफ इनकार कर दिया था और इसी कारन अपने दुन्बे, अपनी विराद्री और अपने समाज में काकी बुराई भी उठाई थी. दिल्ली में इस समय सद्कियों के लिये शायद कोई स्कूल बरौरा था ही नहीं, और अगर एक आध था भी तो एक मते घराने की लड़की को बाहर कीन निकाले. बाप अगर शहर में होता तो शायद इसका कुछ प्रबन्ध कर ही देता, मगर क्से तो बारह महीने बाहर ही रहना पढ़ता था. पर लहकी को पढ़ाना भी जरूरी था, इसकिये सैकड़ों मील की दूरी से चिट्ठियोंके ज्रिये, **ब्रह्मने अ**पनी वेटी की तालीम हा**रू की, एक आध** उस्तानी

عاله لگنا گیا ورفع و بھی نہیں ۔ هماری ماوں نے تبھیل تو حماری فاقعی نائی نے تو یہ زمانہ ضرور دیکھا تھا ۔

مكر إسى كالے سيے ميں هندستان كا بهاك كروها لے رها تها ، جن هندستانهوں لے سوتے هی سرتے ابه دیھی کو دوسروں کے ہاتھ سونپ دیا تھا کافھیں کی سفتان نے ديُسُ كُو إِس كَدَهِ مِينَ سِ نَوَالِي كَي بِهِلَي كَرَشِف كَي ، 1857 کے بعد دیمی بہر مانو جاگ سا اُتہا ، همارے یتی کے کارن قھونڈے جانے لکے' اور اُنہیں نے دیکھا که راجکاجی ففلمت کے ساتھ ساتھ همارے سماج ' همارے کالمب اور همارے نجی آچرن میں ایسے برانیاں آگئی تھین جن كو دور كيُّم بنا ديش كا أددهار نهيس هو سكتا تها . هلدستانی سماج مهی عورتوں کی گری هوای دشا کی اور اُنکا دھھان خَاص طور سے گھا' عورتوں کی پوھائی المهائي کے لئے آندولن جال سبهائيں ھوئيں' پرجار هوا . مكر اس ميدان مين منبج بهر سے بوالم والوں اور اخباروں مهی اهامه لکهفی والوں فی بوهکر کام أن لوگوں نے کیا جنہوں نے ناری شکشا کے اس اُونجے اُصرل کو عملی روب دیا اور سماہ کے کوے ورودھ کا سامدا کرکے اور آیے کنیے کے بڑے برزموں کے "سخمت برا بہلا کہنے پر بھی" الذي لوکھوں کو پوهايا . همارے ديھى کے کوئے کوئے مهل آبے لوکھوں کے لئے جو اسکول اور کالم کھلے ھوٹے ھیں ' اور لوکوں سے زیادہ لوکھوں کی پوهائی پر جو زور دیا جاتا ھے' ولا إنهين مهايرشون كي انتهك كوششون كا يهل هي .

اس لهکھ کے شروع میں جو چھھی کی تصویر چھاپی کئی ہے وہ اُن چتھیوں میں سے ایک چھتی کا تعوا ہے جو سن 1907 میں ایک باپ نے اُپذی بیٹی کو لکھی تههن باپ ایک جوان انجهدیر تها جو جهاته بهساکھ کی لو لھالوں کی پرواد نہ کر کے گھوڑ ہے پر چوھمر سیکتوں میل کا سفر کر کے پنچھنی پنجاب میں نہریں کهودواکر ویکستان کو کلزار بنا رها تها . بهتی دلی کے بنچلے درجے کے دل کی گیارہ ہارہ پرس کی لوکی تھی، جسعی اگ بهگ سب سهیلیون ارد همعدر لواهون کی شادیاں موٹے بھی کئی برس موکٹے تھے ، اِس لوکی کے باپ نے اُس کی اِتدی جلدی شادی کرنے سے ماف آنکار کردیا تھا اور اِسی کارن آیے کشیہ ایشی برادری اور آیے سماج مهن کافی برائی بھی اُٹھائی تھی، دلی میں اُس سمے لوکھوں کے لیے شاید کوئی آسکول وقهرہ تھا هی نبهن اور اکر ایک آده تها بهی تو ایک بهلے کہرائے کی لوکی کو باہر کرن تکالے . پاپ اگر شہر میں هرتا تو شاید اِسکا کیه پریقده کرهی دیگا، مگر أیه تو باره میشفی یاهر هی رهها پوتا تها . پر لوکی کو پوهاتا بهی فروری تھا اسلیے سیمیوں میل کی دوری سے چھیتوں کے فريم أسل ايني بيعي و المالية شروعكي. ايك آدم أسعاني





भाई बहुनी,

ايهائی بهنو!

الكهائيكي بآت نهيس أتهتى

تهي . پرده ايسا تها که ايک

هي گهر مين مرد الگ اور

مروتين الک رهاني تهين :

لوکیوں کو پرآیا دھن سمجه

جادی سے جادی ماں باپ

أنكا أبوجها ابه سر سے أثار نے كى كوشف كرتے تم، اور آته

آٹھ نو نو پرس کی نتھی

بنهيال داهن بنتى تهاس

گھر ہساتی تبھی اور کبھی کھھی بٹا آئے پتروںکے درشن

کثی هی ودهوا هو جاتی

تهين جو بهلي مان باپ

تھے وہ ایلی لوکیوں کو سِنجائے بلاتے تھے اور زیوروں

سے لاد دیتے تے' جو اُنلے

بھلے نہیں تھے وہ پیار سے

ادھک مارپیت سے کام لیکے

تھے' مگر کسی کو بھی اس

يات كا دههان نههن آتا تها

که لوکهوں کے لئے کہانے پہلے'

کہونے گہلوں کے علاوہ کھید

دِمانی خبراک کی بھی

المرووت في أنكى هيدتي

کله یتلهون یا سلار

बहुत दिन नहीं हुए दिन्दुस्तान में, खासकर उत्तरी दिन्दुस्तान में, स्कूत कालिजों की तो कौन कहे, लड़कियों

की घर में भी पढ़ाई लिखाई की बात नहीं उठती थी. परवाऐसा था कि एक ही घर में मई अलग और श्रीरतें श्रलग रहती थीं. लडकियों को पराया धन समभ जल्दी से जल्दी मां वाप इनका बोमा अपने सर से उतारने की कोशिश करते थे, चौर चाठ चाठ नौ नौ बरस की नन्ही बिचियाँ दुलहिन बनती थीं, घर बसाती थीं और कभी कभी बिना अपने पतियों के दर्शन किये ही विधवा हो जाती थीं. जो भने मां बाप थे वह अपनी लड़कियों को सजाते बनाते थे छौर जेवरों से लाद देते थे, जो इतने भले नहीं थे बह प्यार से छाधिक मार पीट से काम लेते थे. मगर किसी को भी इस बात का ध्यान नहीं आता था कि लड़ कियों के लिये खाने पीने. कपड़े गहनों के चलावा कुछ दिमाग्री खूराक की भी जरूरत है. डनकी हस्ती कठपुरक्तियों या सुन्दर

بہت دن نہیں ہوئے ہندستان میں' خاص کر آترہی مندستان میں' آسکول کالجوں کی تو کون کہے' لوکیوں کی گھر میں بھی پڑھائی

अवित में स्त्रील (फिती है! उनके बीच में में सीन के अतर म उन्चिर में मा अप इतन का मानी की तरफ रस में इतन का मानी की तरफ रस में मारा की आस्तान तक ने ने के के में मारा कर ना हम आस्त्रान के माया कर जी बहा खुर माना में दिखाई देशा। अस्त्री की की की माना कर का नारा करी में की की।

भूरते वाके थुरु का तारा कभी नंशी हमा अहमे रात की जामी जन एपर कारत मा भूरते रहा है।। पाती ता तकीन के वारे। भूरते हैं और जो शोग टुक़ी, वारें। तरफ़ अबदे हैं और जो शोग टुक़ी, वारें। तरफ़ अन्ते ते (तरा क्षिण है) उसके जी ल अन्ते ते (तरा क्षिण है) उसके जी ल

गुवियों से बद कर इस और नहीं थी. अगर किस्मत भक्ती हुई तो बारह कड़ी और कुछ अमा बाक्री گزارس سے بوهکر کچه اور نهیں تهی، اگر قسمت آچهی جوئی تو باره کهوی اور کچه جمع باتی किसान की मुसीबत नहीं दूर होने बाली हैं. अगर गाँव के मिलने बाले कच्चे माल को लेकर उसका तैयार माल किसान कोग बनाने सग जायँ तभी वह अपनी हालत को संभात सकते हैं."

पढ़ाई या तालीम के सिलसिले में चम्होंने कहा— "धनवानों को चाहिये अपने गांव में ही पाठशालाएँ खोलें. इससे तालीम का ऐसा बन्दोबस्त होगा जिससे कि सभी जात के बालकों को एकसा लाभ पहुँचेगा. इन पाठशालाओं में महात्मा गांधी की बताई हुई नई तालीम के ढंग पर बढ़ाई होनी चाहिये. इसके मुताबिक अमीर रारीब, हर छोटी बड़ी जात के बच्चों को बढ़ई का काम, हल चलाने बरौरा की अयोहारी तालीम ही जायगी. इस तालीम की बदौलत समाज में बैठी हुई ऊँच नीच जड़ से खतम हो जायगी."

विनोबाजी की यह यात्रा गोदावरी नदी के किनारे मंचेरियल गांव पहुँचने पर 6 जून 1951 को पूरी हुई. 51 दिन के सफर में उन्होंने 51 गांव में क़याम किया और क़रीब दो सौ गांवों से होकर गुजरे. अपनी इस यात्रा में क़रीब नौ हजार पकड़ जामीन उन्हें दान में मिली जिसकी वक़सीम के लिये सीन जनों की एक कमेटी उन्होंने बना दी है.

मंचेरियल गाँव से पैदल चलकर 27 जून को विनोबाजी जपने परमधाम आश्रम वापस पहुंच गए. सर्वोदय सम्मेलन, शिवरामपल्ली (हैदराबाद), में शिरकत करने के लिये विनोबाजी 8 मार्च को सर्वेर अपने आश्रम से निकले थे. सादे तीन महीने की इस अनोखी यात्रा से देश भर का ध्यान विनोबीजी की तरफ गया है. बापू के जाने के बाद यह पहला मौका है जब लोगों के कानों में प्यार और मुहब्बत की सुरीबी तान सुनाई पड़ी है. वेलंगाना जैसे त्फानी इलाके में उसका असर साफ साफ माल्म हो रहा है. •

—सुरेश रामभाई

کسان کی مصوبت مہوں دور ہوئے والی ہے، آلو گوں میں ملکے والے کچے مال کو لیکر اس کا تھار مال کسان لوگ بغائے لگ جائین تبھی وہ ایٹی حالت کو سنبھال سکتے میں ''

پوهائی یا تعلهم کے ساسلے میں اُنہوں نے کہا ۔۔
" دھٹوانوں کو چاھئے اھے گاؤں میں ھی پاتب شالائیں
کیولیں ۔ اِس سے تعلیم کا ایسا بندوبست ھوگا جس سے که
سبجی جات کے بالکوں کو آیک سا لابہ پہنتھے گا ۔ اِن
ہاتہ شالاؤں میں مہاتما گاندھی کی بتائی ھوئی نگی تعلیم
کے ڈھٹگ پر پوھائی ھوئی چاھئے ۔ اِسکے مطابق امیر
غریب' ھو چھولئی ہوئی جات کے بچوں کو بوھٹی کا کام
مل چلانے وفیوہ کی بیوھاری تعلیم دی جا ٹیکی ۔ اِس
تعلیم کی بدولت سماے میں بیٹھی ھوئی اُونیے نیچے جو
سے ختم ھوجائیگی ۔"

ونوبا جی کی یہ یاترا گوداوریندی کے کنارے منچهریل کوں پہنچنے پر 6 جون 1951 کو پوری هوئی . 51 دن کے سفر میں آنہوں نے 51 کاوں میں قیام کیا اور قریب دوسو گاؤں سے هو کر گزرے . اینی اِس یاترا میں قریب نو هزار ایکو زمین آنہیں دان میں ملی جسکی تقسیم کے لئے تین جنوں کی ایک کمیٹی آنہوں نے بنا دی ہے .

ملچھریل اوں سے بھدل چاکر 27 جون کو ونوبا جی اید پرم دھام آشرم راپس پہنچ گئے ۔ سرودے سبھلی' شھو رام پلی (حددرآباد)' میں شرکت کرنے کے لئے ونوبا جی 8 مارچ کو سویرے اپنے آشرم سے نکلے تھے ۔ ساڑھے تین مہیلئے کی اِس انوکھی یاترا سے دیش بھر کا دھیان ونوبا جی کی طرف گیا ہے ۔ باپو کے جانے کے بعد یہ پہلا موقع ہے جب لوگوں کے کاتوں میں پھار اور متصبت کیسریلی تان سلائی پڑی ہے ۔ تھلگاتہ جیسے طوفانی علاقے میں اُس کا اثر ماف ماف ماف معاوم ہو رہا ہے ، ہ

سسريش رام بهالي

[•] इस केख में विनोबाजी की स्वीचों की रिपोर्टें इमने जन अंगरेजी बुलेटिनों से तरजुमा करके दी हैं जो इमें हैदरा-बाद रियासत के डायरेक्टर खाक इनकारमेशन से लगातार जिसते रहें हैं. इसके लिये इम बनके ऐइसान मन्द हैं ---लेसक

اس لیکھ میں ونویا جی کی سیبچوں کی رپورٹیس مم نے اُن آنگریونی بلیڈٹوں سے ترجمہ کر کے دی میں جو ممیں حیدرآباٹ ریاست کے قائرکٹر آف انفارمیشن سے لگاناو ملت میں ملتے رہے میں ایک کے احسان مند میں اسکے لیے مم اُن کے احسان مند میں اُن کے اُن کی اُن کے اُن ک

कम्पुनिक्ट भागमा काम कर रहे हैं और सरकार भी अपने वरीके से अपना काम कर रही है. मैं भी यहाँ पर क्रव काम अपने तरीक्रे से कर रहा हैं जिसका आधार प्रेम है, महक्वत है." यह प्रोम का रास्ता वही रास्ता है जो हाल ही में हमारे बादू दुनिया को बता कर गए हैं, यह वह सनातन रास्ता है जिसे संतों, पैराम्बरों और अवतारों ने बारबार दोहराया है. वेलंगाना में दिन में सरकार का जोर, रात में कम्यूनिस्टों का जोर-इससे न कम्यूनिस्टों का अला होगा न सरकार का. जैसा विनोबा जी ने कहा-"पुलिस की होशियारी और कम्यूनिस्ट कारकरताओं में फूट की वजह से तेलंगाना के अन्दर के कम्यूनिस्ट हंगामे का जोर-शोर कुछ घरसे के लिय भले ही मंदा पड़ जाय लेकिन जब तक इम शराब बन्दी करके और जमीन का दोबारा बँटवारा करके वहाँ की ग़रीकी का सवाल हल नहीं कर लेते तब तक कम्युनिजम एक सवाल की शकल में बना ही रहने वाला है."

एक बार जब बरंगल जेज में कम्यूनिस्ट केंदियों से विनोबा जी मिले तो उन्होंने पूछा क्या इस तरह अमीरों को फिर से अपने घरों में बसा कर आप सवाल इल कर सकेंगे ? बिनोबा जी ने जवाब दिया—''मुके यक्तीन हैं कि दिल बदलते हैं. जमीन दान देने से आदमी के अन्दर रहने वाली भलाई और चुराई में भिड़ंत हो जायगी और फिर उनका नजरिया संभल जायगा. पिछमी साइन्स और हिन्दुस्तानी फलसके के मेल का नतीजा लाजिमी तौर पर अच्छा और मीठा होगा. अहिंसा ही सब चुराइयों का इलाज है."

लेकिन यह प्रेम का रास्ता कोई हँसी खेल नहीं हैं.
तलवार की धार पर चलना आसान है मगर प्रेम की धार
इससे भी जयादा पैनी और पतली हैं. विनोबा जी ने
गावीचरला गाँव में कहा—"काँगरेस वाले तो जनता की
सेवा कर नहीं सकते क्योंकि सेना का उसूल काँगरेस के लिये
एक मज़ाक हो गया हैं. समाजवादी किसी कदर अच्छे हैं
मगर वह भी सचा के पीछे पागल हो रहे हैं. ऐसी हालत में
सर्वोदय समाज ही सौदा पटा सकता है."

इस उपर कह चुके हैं कि विनोबा जी ने गाँव वालों को कुएँ सोदने के लिये सलाह दी है. इस बीज पर उन्होंने बारबार इसरार किया है. एक गाँव में उन्होंने कहा—"इमें नहरें भी सोदनी चाहियें. नए कुएँ और नई नहरें सोदने से एक नया जमाना जा जायगा जिसमें कोई जादमी भी बीस एकड़ सिंचाई की जमीन पाकर सन्तोरा से रहेगा. हालाँकि अब सो एकड़ से भी काम नहीं चलता है." इसके असावा वह चाहते हैं कि देहाती उद्योग-धन्दे बढ़ें— "विना देहाती दशकारियों के केवल अमीनें रसकर,

فنونست لنا کم کر رہے میں اور سراق ابھی آن طریقے سے اپنا کام کر رهی ہے، میں بھی بیان پر البجه كام أنه طريق سے كر رها هوں جس كا أضعار يويم هـ، مبعبت هے ." یه پریم کا راسته وهی راسته هے جو حال هی میں همارے باپو دنیا، إکو بتا کر گئے هیں، يه وه سلاني راسعه هے مسم سنتوں بهغمبروں أور اوتاروں کے بار بار دوورایا ہے . تھلاکات میں دن میں سُوُوُرٌ کا زور' رات میں کمیونسٹس کا زور — اِس سے نے کمھونسٹیس اکا بھلا ھوکا نے سرکار کا جیسا ونویا جی آئے کہا ۔۔ " پولیس کی مُوشیاری ارر کیدونست کارکوتاوں میں پہوٹ کی وجه سے تیللگانہ کے آندر کے کمیرنست هذامی کا زور شور کنچه عرصے کے لئے بہلے هی مندا ہو جائے لیکن جب تک هم شراب ہندی کرکے اور زمین کا دوبارہ بتوارہ کرکے وعال کی غویجی كا سوال حل نهيل او لهتي تب تك المهونوم ليك سوال كي شكل مين بنا هي رمني والا هي ."

ایک بار جب ورنگل جیل میں کمیونست تهدیوں سے
ونوہا جی ملے تو نہوں نے پوچھا کیا اسطرے امیروں کو پھر
سے اپنے گھروں میں بسا کر آپ سوال حل کر سکھی گے ؟
ونویا جی نے جواب دیا ''مجھے یقین ہے کہ دل بدائے میں ،
ومین دان دینہ سے آدمی کے اندر رھنے والی بھائی اور
برائی میں بہونت ہوجا بھکی اور پھر اُن کا نظر یہ سنبهل
جائیگا، پچھمی سائنس اور هندستانی فلسفے کے میل کا
نتهجه الارمی طور پر اچھا اور میتھا ہوگا، اهنسا ھی
سب برائیوں کا عالج ہے ''

لیکن یه پریم کا راسته کوئی هذسی کهیل نهیں ہے .

تلوار کی دهار پر چالنا آبان ہے مکر پریم کی دهار اِس سے

بھی زیادہ پہلی اور پتلی ہے . وزویا جی نے گاری چرلا گاؤں

میں کہا —'' کانگریس والے تو جنتا کی سیوا کر نهیں

سکتے کیونکہ سیوا کا اصول کانگریس کے لئے ایک مذاتی

هوگیا ہے . سیاج وادبی کسی قدر اچھے ہیں مگر وہ بھی

ستتا کے پہنچھے پاکل ہو رہے ہیں . ایسی حالت میں

سروردے سیاج ہی سردا پتا سکتا ہے ۔''

ھم أوپر كه چكے هيں كه رنوبا جى نے كاؤں وانوں كو كفولين كورنى كے لئے صلح دى هے ، اس چوز پر أنهوں نے باو بار إصرار كيا هے ، أيك كاؤں ميں أنهوں نے كها سلاميں نهويں بهى كهردنى چاهديں ، نكے كلوئيں أور نكى تهرين كهودنے سے أيك ليا زمانه آجائيكا جس ميں كوئى أومي بهى بيس أيكو سينجائى كى زمين ياكو سينجوش أومي بهى بيس أيكو سينجائى كى زمين ياكو سينجوش هيں كه ديہاتى أديوك دهندنے بوهيں سكاريوں كے كيول زميني توبياتى أديوك دهندنے بوهيں سينجول زميني توبياتى أديوك دهندنے بوهيں سينجول زمينيوں توبياتى أديوك دهندنے بوهيں سينجول زمينيوں توبياتى أديوك دهندنے بوهيں سينجوبي كے كيول زمينيوں توبياتى أديوك

हम अपर कह चुके हैं कि वेशोगाना में कन्युनिस्टी के हाथी हो जाने की बजह विनोबाजी ने क्या बताई हैं कम्यूनिस्टों की जात से धन्हें कोई शिकायत नहीं है. वह कतसे मुद्दवत करते हैं और उनके दिल में कम्यूनिस्टों के क्रिये जनह है. एक गांव में प्रार्थना के बाद बोलते हुए विनोबाजी ने कहा-"मुक्ते मालूम हुआ कि इस गांव में इस जामित है क्योंकि कम्यूनिस्टों ने यहां कुछ काम किया है. मैं कम्यूनिस्टों को अपना भाई मानता हूँ. इनमें मेरे कई एक दोस्त हैं. कम्यूनिस्ट होना कोई गुनाह नहीं है. कम्यूनिस्ट होने के माने हैं रारीबों की सेवा करना." लेकिन विनोबाजी की यह पक्की राय है कि कम्यूनिस्टों का रास्ता मुल्क के लिये ठीक नहीं है. उसी स्पीच में उन्होंने कहा-"लेकिन कम्यूनिस्ट लोग हिंसा और खून खराबी के कामों में लगे रहते हैं. यह बहुत राजत चीज है. इसी वजह से उनकी सारी की-कराई मेहनत मिट्टी में मिल जाती है "मेरी यह दिली इच्छा है कि मैं लोगों को यह समका सकूँ कि जनता की असली सेवा करने का तरीक़ा अहिंसा का तरीक़ा ही है." एक दसरी जगह पर चन्होंने कहा-"मैं कम्यूनिस्ट भाइयों को यह साफ तौर पर बता देना बाहता हूँ कि उनके तिये अब इसकी कोई जरूरत नहीं कि वह अमीरों को क्रतल करें. क्योंकि अब तो लोकराज का जमाना आ गया है. यह अमीर तो बिना पिस्तील के ही मारे जा सकते हैं, क्योंकि हर वालिश आदमी को अब बोट देने का अखतियार मिल चुका है. आगे आने वाला राज आम जनता का राज होगा. मैं कम्यूनिस्ट भाइयों से विनती करता हूँ कि वह खुते में आये और काम करें. अगर वह पेसा करेंगे तो मैं उनका पूरा साथ दूंगा. अगर कम्यूनिस्ट हिंसा का रास्ता छोड़ दें तो सब अच्छे और नेक कोग एनकी मदद करेंगे. महात्मा गांधी कहा करते थे--'मैं कम्यूनिस्टं हूँ लेकिन मैं खुद्कुशी वाला हिंसा का रास्ता नहीं अपनाऊँगा.'

यही नहीं, विनोबाजी और आगे जाते हैं. उन्होंने कहा—"मेरी उनसे आरजू है कि हिंसा करना बन्द करें और आगर बह ऐसा करते तो मैं उनके साथ रहकर हिन्दुस्तान के कोने में जादर कम्यूनिज्य का परचार कहाँगा."

विनोवा जी का तरीका प्रेम का तरीका है. यही प्रेम का पाठ वह जगह जगह पढ़ाते हैं. एक गाँव में उन्होंने कहा—''आपको जो सारी हवा में फर्क दिखाई रे रहा है यह भगवान की वरकत है. अगर हर कोई भगवान पर भरोसा रखे तो भगवान जरूर रास्ता विख्याता है. भगवान हर एक दिल में मौजूद है. हम इससे दुआ करें तो बहुत का काम हो सकता है. मैं यहाँ कोई बंदूक लेकर या हकूमत حراون وعني كالبلغاء من فيبتش الأ اوی ہوجائے کی وجم رنوبا جی لے کہا بتائی ہے، يونسگون كي فالت سے أنهون كوئي شكايت نبهن هے . وا سے معصمت کرتے میں آور اُن کے دل میں کمھونسگوں، لئے جگه ھے ، ایک گاؤں میں پرارتھڈا کے بعد بولقے ہوگے۔ یا جی نے کہا ۔۔۔ " مصمے معلوم ہوا کہ اِس کاوں میں ہم جاگرتی ہے کھولکہ کمھونسٹوں نے یہاں کھھ کام کھا . میں کمیونسٹی کو ایدا بھائی مانعا ھرں ، اُن میں رے کئی ایک درست هیں . کمهونست هونا کوئی گلالا ری ہے ۔ کمھونست ھونے کے معلے ھیں فریبوں کی صوراً ا "" لهكان ونوبا جي كي يه بكي واله هي أنه أمهر ساتون " واسته ملک کے لئے تهیک نہیں ہے ، اُسی اسپیے میں وں نے کہا ۔۔ " لھکون کمھونست لوگ ھفسا اور خون رابی کے کاموں میں لگے رہتے ہیں ، یہ بہت فاط چھڑ . اِسی وجه سے اُنکی ساری کی کرڈی مصاب مٹی میں ا جاتی هے مهری یه دلی اِچها هے که مهن س کو یہ سمجھا سکوں کہ جنتا کی اصلی سیوا کرنے کا يقة أهنسا كا طويقة هي هي ، " ايك درسري جكه پر س نے کہا ۔۔۔" میں کمروست بھائیوں کو یہ صاف ر پر بتلا دینا چاهتا موں که أن كے لئے أب إسكى كوئى روت نهیں که وہ امهروں کو قعل کریں؛ کیونکہ آپ تو ے راہ کا زمانہ آئیا ھے ۔ یہ امیر تو بنا پستول کے ھی ربے جا سکتے هيں' کيونکه هر بالغ آدمي کو اب ووت نے کا اختیار مل چکا ہے . آئے آلے وال راب عام جنتا کا م هوگا میں کمیونست بھائیوں سے ونعی کرتا ہوں که کھلے میں آئیں اور کام کریں، اگر وہ ایسا کرینگے تو میں كا دورا ساته دول كا . أكر كميونست هنشا كا راسته جهور ن تو سب اجهاور نهک اوگ أنكى مدد كرينگه. مهاتما دهی کہا کرتے تنے ۔۔ میں کمیونسٹ هوں لیکن میں رد كشي والا هنسا كا وأسعه نهوس ايناون كا" ،"

یہی نہیں' ونوبا جی اور آئے جاتے میں ، اُنہوں نے اُسے'' میری اُن سے آرزو ھے کہ منسا کرنا بند کریں آور وہ ایسا کر لیں تو میں اُن کے ساتھ رہکر مندستان کے نے کوئے میں جاکر کمیونزم کا پرچار کروں گا ۔''

ونوبا جی کا طویقہ پریم کا طویقہ ہے ۔ یہی پریم کا پاتھ جکہ جگہ پوھاتے میں ۔ ایک کاوں میں آنہوں نے کہا ۔'' آپ کو جو ساری ھوا میں فرق دُنھائی دے رھا ہے ۔ بھکواں کی برکت ہے ۔ اگر ھر کوئی بھکواں پر بھرومہ نے تو بھکواں عر ایک دل نے تو بھکواں عر ایک دل موجود ہے ۔ ھم آس سے دعا کریں تو بہت سا کام ھو نتا ہے ۔ مہی یہاں کوئی بندوق لھکر یا حکوم ت کی نشی ھوئی کوئی دیسوں طاقت لھکر نہیں آیا ھوں ۔

लोगी की केवेंनी काली रहेगी और समन शानित कायम होगी. जो लोग दान वाली जमीने पायें उनको सरकार की तरफ से तकावी वरोरा की दूसरी सहस्वायतें मिलनी चाहियें. इसके खलावा सरकार को चाहिये कि वह एक कानून बनादें जिसमें यह साफ कर दिया जाये कि एक आदमी हद से हद कितनी जमीन अपने पास रख सकता है और इसी क्रानून में यह भी जाहिर कर देना चाहिये कि बाक्की जमीन गरीबों को दान दे दी जाय. अगर यह बीजों अमल में आने लगें तो कम्यूनिस्टों का नाम नहीं रहेगा."

इस के बाद बचते हैं बाक़ी तेलगाना के बारान्दे. उनसे बिनोबा जी ने कहा — "बालिग उमर बाले भाइयों को मैं एक सबक़ देना चाहता हूँ. वह यह कि शादी के समय बर को दिवाना या दहेज के बजाय कुआं खुदवारें. इस तरह देश भर में कुएँ बन जायँगे जिनसे अपने देश की तरहकी होगी. नई तालीम और शादी के समय कुएँ खुदबाना इन दो तरीक़ों से सारा गांव गोकुल बन जायगा. गोकुल के माने हैं कि सभी के पास जो दौलत है उसका इस्तेमाल सभी कर सकें." इम यहाँ यह बतादें कि अपने परमधाम आश्रम में (जो वर्धा शहर से पांच मील की दूरी पर है) विनोबाजी ने आश्रम के भाई बहनों की मदद से एक कुआं खुद ही पार साल खोदा है जहाँ बिजली या बेल की जगह आश्रमवासी ही रहट खेंचते हैं.

यह खयाल पैदा होगा कि विनोबाजी जमीन का दान क्यों मांगते हैं ? क्या पैसा लेकर और फिर उसे ग़रीबों में बांट कर सवाल का हल नहीं हो सकता ? नहीं, हरगिज नहीं. इस बारे में विनोबाजी बहुत सखत हैं. उन्होंने एक जगह कहा-"मैं दान में रुपया नहीं लेता. असल बात यह है कि रुपए ने हिन्दुस्तान को तबाह कर दिया है. चीओं की जो क्रीमत है वह नहीं घटती-बदती, रुपए की क्रीमत घटती-बदर्ता है. अनाज की क्रीमत मुस्तकिल है. मैं तो लोगों को रुपए के चंगुल से खुदाना चाहता हूँ. रुपया तो महज एक जरिया है और यह दान देनेवाले के अन्दर घमंड पैदा कराता है. सेकिन जमीन-दान में तो ग़रीब का जन्मजात इक है. इसिक्ये मैं खभीन-दान लेता हुं अगर हर कोई मुहब्बत के साथ गरी वों को अपनायेगा तो इम्यूनिस्टों का रंग आप से आप जाता रहेगा.'' बिनोबाजी तो पिछले हेद बरस से ज्यादा हुआ इस चीज पर ख़ुद अमल कर रहे हैं. इन्होंने जीवन अर के बिये सिर्फ अम-दान (जिस्म की मेहनत की शक्क में वान) लेना क्रमूल किया है, इसी आधार पर उनका धांश्रम चल रहा है जिसमें उनको जबरद्स्त कामबाबी हुई है. उसकी वकसील में इस बक्क हम नहीं जायँगे.

الوگوں کی پیچھلی جانی رہے گی آور آمن شانگی گائو ہوگی۔
یہو لوگ دان والی زمینہیں پاٹیس آنکو سرکار کی علوف سے
تقاوی وفیوہ کی دوسری سپولٹیں ملفی چاھٹیں ،
اسکے علاوہ سرکار کو چاھئے که وہ ایک قانون بفائے ہوس
میں یہ صاف کردیا جائے که ایک آدمی حد سے حد کتفی
زمین ایم پاس رکھ سکتا ہے اور اِسی قانون میں یہ بھی
طاهر کردینا چاھئے که بائی زمین فویدیں کو دان دے
دی جانے ، اگر یہ چیزیں عمل میں آلے لکھی تو

اسکے بعد بنچہے ھیں باقی تبلنکانہ کے باشندے .

اُن سے ونوبا جی نے کہا۔۔''بالغ عدر والے بہائیوں کو میں ایک سبق دیلا چاھٹا ھوں . وہ یہ کہ شادی کے سبے بر کو دکشنا یا دھیز کے بنجائے کنواں کھدوا دیں ، اِس طوح دیھی بہر میں کنوئیں بن جائیں گے جن سے اپنے فیصکی ترقی ھوئی ، نئی تعلیم اور شائسی کے سبے کنوئیں کھدوانا اِن دو طریقوں سے سارا گاؤں گوکل بن جائیگا .

گوکل کے معنے ھیں کہ سبھی کے پاس جو دولت ہے اُسکا استعمال سبھی کر سکیں' ، ھم یہاں یہ بتادیں کہ اپنے برددھا آشرم میں (جو وردھا شہر سے پانچ میل کی دوری پر ہے) ونوبا جی نے آشرم کے بہائی بہتوں کی مدد یوری پر ہے) ونوبا جی نے آشرم کے بہائی بہتوں کی مدد سے ایک کنواں خود ھی پارسال کھودا ہے جہاں بجانی یا بیل کی جگہ اشرم واسی ھی رھت کھیئچتے

يه خيال پيدا هوا انه ونوبا جي زمين کا دان کيس مانعته هين لا ديا پيسه ليكر اور پهر اس فريبون مهن بانت کر سوال کاهل نهیں هوسکتا ؟ نهیں، هوگز نهیں، إس بارے میں ونوہا جی بہت سخت هیں . أنهوں نے ایک جگه کها ساد میں دان میں وربیه نهیں لیکا . اسل بات یه ه که روپ نے مندستان دو تباہ کر دیا ه . جهزوں کی جر قیبت هے وہ نہیں گھٹھی بوھھی روپے کی قيست گهتتي بوهتي هـ اللج كي قيست مستقل هـ مين تو لوکیں کو روپے کے جلکل سے چہوانا چاھٹا ھوں. روپیہ تر محصف ایک دریمه هے اور یه دان دیلے والے نے اندر لمسقة يهدا كراتا هي . لهكن زمهن دأن مهن تو فريب كا جلم جات حق هـ . أسلنه سهن زمين دان لهاما هون... اکر شر کوکیمصبت کے ساتھ فریدوں کو ایدائے گا تو کمھونسٹوں کا رنگ آپ سے آپ جاتا رہے گا" ، ونوبا جی تو ہمچھلے قیوھ پرس سے زیادہ هوا اِسچیز پر خود عمل کر رہے هیں۔ انہوں نے جہوں بھر کے لئے صرف شرم دان (جسم کی معدلت بي أشعل مين دان) لينا قبول كيا هـ . إسى أدهار ير أن كا أشرم جل رما هـ جس مين أن كو زيردست لامهابي هوري هے ، اسکی قفصیل میں اس وقت هم نہیں چائیں کے و

لوك كلهه له الهم جوفال هين امي طرم إس يالية مهي منهن زمون دالي ديمًا جاهكي . لوك شك كرتي تم كه بهدًا کلچک میں بھی کرئی ایسا دان دے سکے کا، لیکن جب مانکنے وال بهذا هو جاتا هے تو دينے والے بھی مل جاتے هيس أور أب نك (30 مئي) معيد ساتھ تين هوار ایکو زمین مل چکی هے". اس بهوسی دان کو هی وتوبا جي نے اصحیم راسته عایا هے . ایلي اُسی اسپیج میں آئے چل کر اُنھوں نے کہا۔۔''کرمی کے مرسم میں آپ کو گهاس دکھائی نہیں دیتی . لیکن یانی پڑتے ھی گھاس اک آئی ہے کھونکہ اُسکے بہم تو زمین میں رہتے ہی ھیں . اِسی طرح پولیس کچھ وقت کے لئے کمیونسٹ اثر بہلے کم کردے لیکن اِسے جو سے نہیں ختم کرسکتے . اسكو جو سے ختم درنے كے لئے هدين صحيم رأسته اپنانا هوکا . کچه کانگریس والوں نے متجهسے کہا که یه راسته هماري سمجه مهن نهين آتا . اگر وه اِس يكيه كا مطلب نہیں سمجھتے آور لوگوں کے دلوں میں پیدا ہونے والی تبدیلی نهین دیکه سکتے تو مهن سمجهتا هون که أنهوں نے آنکھیں بند کرلی ھیں ۔ اگر أنھیں اھنسا کے اندر يقين نهين هے تو بهتر يه هے که وہ کمیونست پارتی مهن شریک هوجائیں . مهن تو آن سے کہنا چاهتا هوں که اگر ولا اِس یکیه مهل حصم لینکے تو کانکریس کی غوت آور اُسکا لحاظ بوھ کا . اُنکے حصم لینے سے انکے جهرن میں فرق پویکا سماج میں کرنٹی هوگی آور هو ایک كا دال بدل جائيها جس كا نتيجه يه هوكا كه ديس كي کایا بلت جائیکی آور دیش خوب پھلے بھولے گا".

ونوبا جی نے یہ بھی صاف کردیا که دان دیئے والے جو دان دین سو اپنا فرض سنجھکر' نه که یه که وہ کوئی احسان کررھے ھیں . ایک جگه آنھوں نے کہا۔"یہ جو دان دئیے جارھے ھیں' کوئی احسان نہیں ھے . شاسترون میں بتایا گیا ھے که دان دینا معلے جو ایے پاس ھے اسکو دوسرے کے ساتھ ملکر بھوگنا . اس سے صاف ظاھر ھے که دان دینے سے کوئی بھی کسی دوسرے پر احسان نیمہ کتا ھ''۔

ایکن آب حکومت کا کیا قرض ہے ؟ آسے اپنی هنسا بهری کاروائی تو بند کرهی دینی چاهئے . اِسکے علاوہ آسے چاهئے کے ایسے قاترن پاس کرے جنکے ماتحت کوئی آدمی فرورت سے زیادہ زمین آپے هاته میں رکھ هی نه سکے وزویا جی کے لنظیں میں۔۔''جو کام میں نے شروع کیا ہے جاری رهنا چاهئے . نلکندہ فیلم کانگریس کمیٹی کے مدو بہائی کیشوراو جی آپے چائینکے . میرے تخمیلے کے مدو بہائی کیشوراو جی آپے چائینکے . میرے تخمیلے کے مدو بہائی کیشوراء جی آپے چائینکے . میرے تخمیلے آبادی ہے . اور اللہ چودہ پندرہ هزار ایکو زمین دان میں میں جیل جائے تو جودہ پندرہ هزار لوگوں کی دوئی اس میں جیل جائے کے اس کام جی

लोग कुछ न कुछ बहाते हैं इसी तरह इस यह में हमें ज्मीन दान देना चाहिये. लोग शक करते ये कि भक्ता कलजुग में भी कोई ऐसा बान दे सकेगा लेकिन जब मांगने बाबा पैदा हो जाता है सो देने बाबे भी मिल जाते हैं और बाब तक (30 मई) मुक्ते सादे-तीन हजार एकड़ जमीन मिल खुकी है." इस भूमि दान को ही विनोबा जी ने 'सही रास्ता' बताया है. अपनी उसी स्पीच में आगे बलकर क्टोंने कहा-"गर्मी के मौसम में आपको घास दिखाई नहीं देती. लेकिन पानी पड़ते ही घास का आती है क्यों कि इसके बीज तो ज्मीन में रहते ही हैं. इसी तरह पुलिस कुझ बहत के लिये कम्यूनिस्ट असर भले कम कर दे लेकिन इसे जब से नहीं खतम कर सकती. इसको जब से खतम करने के लिये हमें सही रास्ता अपनाना होगा. कुछ काँगरेस बालों ने ममसे कहा कि यह रास्ता इमारी समम में नहीं आता. अगर वह इस यह का मतलब नहीं सममते और कोगों के दिलों में पैदा होने वाली तबदीली नहीं देख सकते तो मैं सममता हूँ कि उन्होंने घाँखें बन्द करती हैं. अगर चन्हें आहिंसा के अन्दर यक्तीन नहीं है तो बेहतर यह है कि वह कम्यूनिस्ट पार्टी में शरीक हो जायँ. मैं तो उनसे कहना चाहता हैं कि चगर वह इस यह में हिस्सा लोंगे तो काँगरेस की इञ्चत और उसका लिहाज बढ़ेगा. उनके हिस्सा लेने से धनके जीवन में फर्क़ पड़ेगा, समाज में क्रान्ति होगी और हर एक का दिल बदल जायेगा जिसका नतीजा यह होगा कि देश की काया पलट जायेगी और देश खुब फले फूलेगा."

बिनोबा जी ने यह भी साफ कर दिया कि दान देने बाते जो दान दें सो अपना फर्ज समफ कर, न कि यह कि वह कोई एहसान कर रहे हैं. एक जगह उन्होंने कहा— "यह जो दान दिये जा रहे हैं कोई एहसान नहीं है. शास्त्रों में बताया गया है कि दान देना माने जो अपने पास है उसको दूसरे के साथ मिला कर भोगना. इससे साफ ज़ाहिर है कि दान देने से कोई भी किसी दूसरे पर एहसान नहीं करता है."

केकिन अब इक्सत का क्या फर्ज हैं ? उसे अपनी हिंसा अरी कारवाई तो बन्द कर ही देनी चाहिये. इसके अज्ञावा एसे चाहिये कि ऐसे कानून पास करे जिनके सातहत कोई आदमी ज़रूरत से ज्यादा ज़मीन अपने हाथ में रख ही स सके. बिनोबा जी के लक्जों में—''जो काम मैंने शुरू किया है उसे जारी रहना चाहिये. नलगुन्डा ज़िला कांगरेस कमेंटी के सदर, माई केशबराब जी इसे चलायेंगे. मेरे तक्कमीने के मुताबिक नलगुन्डा जिले की चौदह पंद्र लाख के करीब आवादी है. और अगर चौदह पंद्र हजार लोगों की कियी वससे चल जायेगी. जमीन बँटने के इस काम से

वा सकता है जो बन्होंने शकापानी गांव में 31 सई को वी बी- "इस गांव की भावादी 3000 है और यहाँ जमीन भी 3000 एक इ.है. वेकिन 10 खानदान ही सारी जमीन के मालिक हैं जब कि 600 खानदान वें अभीन वाले हैं. किसी देहाती सनवात या दस्तकारी का भी इन्तवाम नहीं हैं. बुनकरों को सूत सिर्फ इतना मिलता है कि मधीने में भाठ दिन काम चल जाय. जमीन के बराबर के बटबारे के साथ साथ देहाती धंदों की भी तरक्षकी होनी चाहिये. गांव वाले पैंसा कमाने की फसलें न पैदा करें. उन्हें चाहिये कि अनाज पैदा करें और इतनी कपास खगालें कि अपने कपड़े का सवाल ख़ुद इल कर सकें. तेलंगाना में मुसीबत यही है कि पैसे कमाने वाली फसलें जैसे मँगफती और तम्बाकु वे इन्तहा पैदा की जाती हैं." हम यहाँ यह बतावें कि पैसे कमाने वाली असलों की-जैसे ईख. पटसन. म्ँगफली, तम्बाकू बगैरा-खेती के लिये जनता को मजबूर करके हिन्द सरकार ने अनाज के सवाल को और खतरनाक बना दिया है. विनोबा जी इन सब चीजों से कितने परेशान हैं यह उनकी एक दूसरी स्पीच से, जो 28 मई को दी गई थी, पता चलता है- "बालीस साल पहले जब मैं पढ़ता था तो अपने देश की हालत की बाबत पढ़कर और सोच विचार करने पर मुक्ते उस पर दुख होता था. आज चालीस साल बाद भी उन हालतों में कोई करक नहीं है ! इसके खिलाफ, वह और ज्यादा बिगड़ गई हैं." तेलंगाना में जो कम्यूनिस्टों के आन्दोलन ने जोर पकड़ लिया है उसकी वजह बताते हुए बिनोबा जी ने कहा है-"अमीर और रईस लोग ही कम्यूनिश्में के पैदा हो जाने के जिम्मेदार हैं. असल बात यह है कि कम्यूनिस्ट रईस लोगों की ही भौलाद हैं."

तेलंगाना की बीमारी को समक लेने के बाद दूसरा सवाल जो सामने आता है वह है इसका इलाज. कम्यूनिस्टों ने यह सममा कि जमीनें जबरदस्ती छीनकर गरीबों में बांट देना इसका इलाज है. हकूमत असली मरज की दवा करने के बजाय कम्यूनिस्टों को नेस्तनाबृद करने में फँस गई. विनोबा जी को महसूस हुआ- 'कम्यूनिस्टों के असर को खतम करने में पुलिस बहुत कामबाब न हो सकेगी. इसको खत्म करने का तो एक ही रास्ता है. वह यह कि ज़मीन का जो नाबराकर बँटवारा है उसे शान्ति के साथ बदल दिया जाय." या जैसा एक दूसरी स्पीच में उन्होंने कहा-"पुराने ज्माने में जब भी कोई संकट देश में भाता था तो हमारे पुरसा लोग यह किया करते थे. मैं भी इसीलिये एक यह करना चाहता हूँ और मैंने यह भूमि दान यह शुरू कर दिया है. मैं सोगों से कहता हूँ कि अपनी जमीने दान में दीजिये. इर एक को चाहिये कि इस यह में शरीक हो क्योंकि वह संबन्धी बेहतरी से लिये हैं. हवन या यह में

والمنتاج حو أنهن نے بالا بائی کان میں 31 میلی کو المهي 3000 ايعو هي ليعن 10 خالدان هي ساري زمين 🦰 کے مالک ھیں جب کہ 600 خاندان بے رمین والے ھیں . السر درماتي صلعت يا دستكاري كا بهي انتظام نههن هـ . بدعرون كو سوت صرف أتدا مادًا في أله مهدال مدن أنه دن اکلم چل جائے. زمین کے برابر کے بترارے کے ساتھ ساتھ دیہاتی دىقدون كى بهى ترقى ھونى چاھئے . كۇن والے پيست كمانے كى قصليس نه يبدا كريس أنهيس جاهيًم كه أناج بيدا كريس آرر اتلے کہاس اکالیم کہ اپنے کپوے کا سوال خود حل کو سكين أ تيلنكانه وين مصهبت يهي هے له رها كمالے والی قصلوں جیسے مونگ پولی اور تمباور ہے انعہا پیدا ۔ کی جاتی هیں .'' هم یہاں یه بتا دیں که بیسے کمانے والی قصاوں کی - جهسے ایکه' بت سن' مونگ پهلی' تمماکو وفهرہ -- کههتی کے لئے جنتا کو مجبور کرکے هلد سرار نے نام کے سوال کو اور خطوناک بدا دیا ہے. وتوہاجی ان سب چیزوں سے دلائے پریشان میں یہ اُن کی ایک درسري إسههم سے جو 28 مئي دو دي گئي تهي بعد چلعا هـ سَـُرُ عِالَهُس سال يهل جب مهن يوعما تها تو اله ديهس کي حالت کی بايت پوهکر آور سرچ رچار کرنے پر المجهد أس ير دكه موتا تها . آم جاايس سال بعد بهيأن بدالعول مين 'ولي فرق نهيل هي . إسكم خلاف' وه أور زياده پکوکئی میں 🖰 تھالمگانہ میں جو کمیونسٹارں کے آندوان نے زور يكبُّو الما هي أسكني وجه بقالة هوله ونوبا جي نے كها ---" امهر اور رئدس لوگ می کمهونستی کے پیدا هوجانے ﴿ كِمَ فَعَمَ وَأَرْ هَوْنَ . اصل بات يه ه كه كمهونست رئيس الوگوں کی ھی اولاد ھیں ۔''

تهلنگانه کی بهماری کو سمجه لهنے کے بعد دوسرا سوال جو ساملے آنا ہے وہ ہے اسکا علام . کمی نسٹوں غریه سمنجها که زمهدی زبردستی چهین کر فریدول میل عالم دينا اسكا علم هي حكومت اصلي مرض كي درا اللونے کے بجائے کدیواسلان کو نیست نابود کرتے میں اَ اِلْهُهُمُ مِنْ اللَّهُمُ . وتوبا جي كو منصسوس هوا- - "كمهونساتون کے اثر کو ختم کرنے میں پولیس بہت کامیاب نہ ہوسکے الله السكو ختم كرني كا تو أيك هي راسته هي و ولا يه الله ومهن کا جو نا برابر باتواره هے أسے شانتی کے ساتھ بدال فيها جائ: " يا جهسا ايک دوسري اسههيم مهي اُنهوں نے کھا۔۔''ہوائے زمائے میں جب بھی کوئی سنکت دیش منهن آتا تها تو همارے ہوکھا لوگ یکید کیا کرتے تھے۔ بُیُّهُن بھی اُسلنے ایک یکھے کرنا چاعتا ہوں آور مھوں نے الله بهرمی دان یکهه شروع کردیا هے . میں لوکوں سے کها هوں که ایکی زمهدیں دان میں دیجائے ، هر ایک کو چاهنگ که اِس یگهه ۱ هن شریک هو کهونکه یه سب کی بہتری کے لئے ہے . عرن یا بہید میں

है कि वहाँ कम्युनिस्टों का जोर है और हकूमत की दाल नहीं गलती. यह भी मशहूर है कि कम्यूनिस्टों ने वहाँ पर जबरवस्त आर्तक जमा रखा है जिससे जनता बुरी तरह परेशान है. इस इलाक के इख आदमियों को, जो पैसे वाले भीर दौलतमन्द थे, अपना घर बार छोड़ कर हैदराबाद के शहर में ठिकाना खूँढना पड़ा. ऐसी हालत में हकूमत ने अपना फर्ज सममा कि लोगों की जान माल की हिफाजत करे और नुक्रसान पहुँचाने वालों को सवा दे. कहते हैं हैद-राशाद की हकूमत और नई दिल्ली की सरकार दोनों मिलकर तेलंगाना पर ट्रुट पड़ीं और सिर के जुझों की तरह कम्यनिस्टों को बीन बीन कर फेंकदेने का तुफान मचा दिया. लेकिन मरज बढ़ता गया च्यों च्यों द्वा की. तेलंगाना के दुखियों की बाबाजतेज होती गई. इसे सुनकर एक इनसान का दिल तड़प उठा. बिना कोई हथियार लिये वह उनके दिल का हाल जानने की रारज से पैदल निकल पड़ा. यह गांधी जी के नामी सत्याप्रही बिनोबा जी हैं जिन्हों ने रामनवमी के दिन, 15 अप्रैल 1951 को, हैदराबाद के शहर से तेलंगाना के लिये कुच किया. जैसा उन्होंने एक जगह आगे चल कर कहा- 'शान्ति का संदेश फैलाने की स्नातिर शान्ति सेना का एक सिपाही होने के नाते मैं तेलंगाना में घूमना चाइता था. बहुत अर्से से, मैं कई वजहों से अपनी इस इंड्डा को प्रानहीं कर सका. लेकिन, भगवान राम का आशीर्वाद लेकर मैंने अब यह दौरा शक्त कर दिया है."

तेलंगाना में असली सवाज क्या है ? विनोबा जी के लक्जों में-- "यहाँ पर कुछ लोगों के पास तो हजारों एकड़ क्सीन है और कुछ के पास एक इंच भी नहीं." जाहिर है कि मुद्री भर आदमियों की तादाद तेलंगाना के लाखों बाशिन्हों की मेहनत व पैसे को चूस कर जी रही है, जिसकी वजह से ग़रीब और अमीर के बीच जमीन भासमान का भेद खड़ा हो गया है. इसी चीच से दहलकर श्रीर अपने राजकाजी खयालों से असर लेकर क़रीब पंद्रह बरस से कुछ कम्यूनिस्ट नौजवान तेलंगाना के इलाक़े में अपने तरीफ़ से जनता की खिदमत करने की कोशिश कर रहे हैं. लेकिन बदक्तिस्मती यह है कि इन बहादुरों ने अपने मक्रसद् को पाने की खातिर किसी एक निश्चित सारते को नहीं अपनाया. वह हर तदबीर अमल में लाए और अपने रास्ते की हर रुकावट को उन्होंने बेरहमी के साथ उखाड फेंका. यहाँ तक कि अमीरों के मकान जला डाले, कुछ को भौत के घाट भी उतार दिया और उनकी जमीन को वे जमीन बालों में बांट दिया. लाजमी तौर पर जमींदार लोग अपनी जान लेकर भाग निकले और हकूमत हैदराबाद का दरदाजा खटखटाने लगे.

Ġ.

तेलंगाना में आम रच्यत की हालत कितनी संगीन है इसका अन्दाज विनोबा जी की एक दूसरी स्पीच से लगाया

له وهان کیهونشگین کا زور ہے۔ اور حکومت کی حال ن گُلْغی، بیه بهی مشهور هے که کمیونسٹون لے ے پر زبردست آتلک، جما رکھا ہے جس سے نا بری طرح پریشان هے۔ اِس علالہ کے کنچہ ہوں کو جو بیسے والے آور دولت مدد تھے اینا کھر بار رِ کر حهدرآباد کے شہر میں تهکانه تھونڈھلا ہوا۔ ایسی مت میں حکومت نے ایفا فرض سمنجھا که لوگوں کی ، مال کی حفاظت کرے آرر نقضان پہنچانے والوں کو دے ، کہتے ھیں حیدرآباد کی حکومت آور نثی دلی سرکار دونوں ملکر تھلفکانہ پر ڈوٹ پویں آور سر کے ں کی طرخ کمیونسٹوں کو بین بین کر پویلکدیا کا ان محها ديا. لهكن مرض بوهما كها جول جول دوأ . تیلنگانہ کے دکھیوں کی آواز تیز ہوتی گئی ، اُسے سلکر ، إنسان كا دل توب أتها . بنا كوئي هتهيار لئم ولا أن دل کا حال جائے کی فرض سے پیدل نکل ہوا . یہ ھی جی کے نامی سٹیا گرھی ونوبا جی ھیں جدوں ام نومی کے دن' 15 اپریل 1951 کو' حیدرآباد کے شہر یلفاته کے لئے کوچ کھا ، جیسا اُنھوں نے ایک جگھ چاکر کہا ۔۔۔' شانتی کا سلدیش پھیلانے کی خاطر تی سینا کا ایک سیاهی هونے کے ناتے مهن تیلنگانه ع كهومدا چاه تا ، بهت عرصه سن مهى كئى وجهور اپنی اِس اِچها کو پورا نهیں کر سکا . لیکن بهگوان رام شهرواد لے کر مهی نے آب یہ دورہ شروع کر دیا ہے ."

تيللكانه مين أصلى سوال كيا هي ؟ وأوبا جي كے لفظوں ے ۔۔۔'' یہاں ہر کچھ لوگوں کے پاس تو ہزاروں ایکر ن مے آور کچھ کے پاس ایک انبج بھی نہیں ." ظاهر له متھی بھر آدمھوں کی تعداد تیلناتھ کے لاکھرں لدوں کی متعلت و پیسے کو چوس کر جی رھی ہے۔ کی وجہ سے فریب آور امھر کے بیچے زمین آسمان کا ن کھڑا ھوگھا ھے ، اِسیچھڑ سے دعل کر اور اپنے راہے کاچی الوں سے اثر لیکر قریب پغدرہ برس سے کچھ کمیونست وان تھا لمانہ کے علقہ میں اب طریقہ سے جفتا کی مت کرنے کی کوشش کرھے میں ، لیکن بدنستی یہ کتے اس بہآدروں نے ایم مقصد کو پانے کی خاطر کسی ا لشجت وأستم كو نهين أيقايا . ولا هر تدبير عمل ی اللے اور ایے راستے کی در رکاوت کو آنہوں نے یہ رحمی ماتھ اُکھار پھیٹکا یہاں تک کہ امیروں کے مکان جا ا کچه کو موت کے گهات بھی آثار دیا اور اُن کی زمین ، زمین والوں میں باتبت جیا ۔ الزمی طور پر زمیلدار البلى جابي ليكر بهاك نكله اور حكومت حيدرأباد رازه کیتکیتا نے لیے

تبلنانہ میں قل ومنت کی خالت کتلی سلکین ہے ، کا انداز ولید جی کی ایک دوسری اسپیج سے لکایا

विनोबा जी की तेलंगांना यात्रा

"मैं जापके सुन्वर देश में पैदल घूम रहा हूँ जीर आप लोगों के बीच धूमने फिरने से हम सबको बड़ी खरी हासिल हो रही है. इस इलाक में लोग ईरवर की प्रार्थना में गाने गाते हैं और हमारा स्वागत करते हैं. वह एक एक मील तक भजन गाते हुए चले आते हैं. वह तेलुगू श्रीर हिन्दी में भजन गाते हैं. सच यह है कि यही हमारी क्रीम की ताक़त है. बहुत से राजाओं ने राज किया और खतम हो गए और इमने चन्हें मुला भी दिया. इम सिर्फ एक राजा को जानते हैं और वह भगवान राजा राम हैं. ईरवर का नाम गंगा की तरह मुसलसल जारी है. गंगा हर जगह मौजूद नहीं है लेकिन भगवान राम का नाम मौजूद है. तेलंगाना में में बार या पांच ज़िलों में घूम चुका हूँ. जब मैं नलगुन्हा जिले में दाखिल हुआ तो लोगों ने मुमसे कहा कि आप दम्यूनिस्टों के इलाक़ में दाखिल हुए हैं. लेकिन राम नाम का जो भजन मैंने आदिलाबाद जिले में [सुना था वह इस नलगुन्हा जिले में भी सुना. कम्यूनिस्ट_ आयेंगे और जायेंगे लेकिन राम नाम को नहीं मिटा सकेंगे. राम नाम हिन्दुस्तान की सबसे बड़ी ताक्रत है. पर हमने राम नाम का पूरा पूरा मतलब नहीं सममा है. जो कोई भी राम नाम पुकारता है वह भगत होने का दावा करता है. लेकिन आखिर भगत है क्या चीज ? और भगवान कहाँ रहते हैं ! सची बात यह है कि वह किसी एक कोने में नहीं रहते हैं और न वह बैकुन्ठ या कैलाश में रहते हैं. वह हर आदमी के दिल में रहते हैं. इसलिये हम हर एक की सेवा करने श्रीर हर एक के साथ मुहब्बत करने का प्रन लेते हैं. इस तरह भगवान जो हर इनसान के दिल में रहते हैं इस उनके सेवक बन जाते हैं. भजन गाना और हर इनसार के साथ भुइन्क्त रखना दोनों एक बात हैं. यही सबक्र इमें गीता सिखताती है." यह शब्द नलगुन्डा जिले के नागवाद गांव में एक भरी समा में शाम की प्रार्थना के बाद आवार्य विनोबा माबे ने 28 अप्रैल को कहे.

तेलंगाना हैत्राबाद रियासत के पूरबी इक्षक्ते का नाम है. जहाँ के कोगों की बोली तेलुगू है और जिनमें अतराके बलदा नलगुन्छा, बरंगल, करीमनगर, महबूबनगर और निषापाबाद के विके दशासित हैं. सारे हिन्दुस्तान में आज तेलंगाना का नाम केला हैं और यह बाद महाहूर

ونوبا جي کي تيلنگانه ياترا

"مهن آپ کے سندر دیش میں پیدل گھوم رھا ھوں۔ آؤو آپ لوگوں کے پینے گھومٹے پورٹے سے ھم سب کو ہوی خوشی حامل هورهی هے . اِس علاقے میں لوگ ایشور کی پرارتهنا میں کانے کاتے هیں آرر همارا سواکت كرتم ههور . ولا ايك ايك ميل تك بهجن كاتم هوا جاء آتے میں . وہ تیلکو اور هندی میں بہجن گاتے هیں . سے یہ ھے کد یہی هناري قوم کی طاقت ھے . بہت سے راجاوں لے راج کیا آور خاتم هوگئے اور هم نے اُنھیس بہلا بهی دیا . هم صرف ایک راجه کو جاناته ههی آرر وا يهكوان راجه رأم هيل . ايشور كانام كذكا كي طرح مسلسل جاري هے . گلکا هر جگه موجود نهيل آهے ليکن بهگوان رأم كا نام موجود هـ. تهلئانه مهل مهل چاريا پاني صلعور مهى كهوم چكا هول . جب ميل للكنظة ضلع میں داخل ہوا تو لوگوں نے مجھسے کہا کہ آپ کمھونسٹلوں كر علاقي مين داخل هوايه دين . ليكن رام نام كا جو همجين مدن لے عادل آباد ضلع ميں سفاتها ولا اِس نلكلده قلع مهن بهي مقا . كميونست آئينكي آور جائينكي ليكن وام نام کو تھےں مگاسکھں گے ، رام نام ھلٹسگان کی سب سے ہوی طاقت ہے . ہر ہم نے رام نام کا پورا پورا مطلب نههن سمجها هـ . جو كوئى بهي رأم نام پكاوتا هـ ولا بهكت هولي كا دعوا كرتا هي . اليكن آخر بهكت هي كيا جهبو؟ آور بهکوان کهاں رهتے هیں ؟ سنچی بات یه هے که وہ کسی ایک کوئے میں نہیں رھٹے ھیں آور نه وہ بهكالله يا كيلهي مين رهتے هين ، وه هر آدمي كے دل مين وعاتم مهن ، اسلکے هم هر ایک کی سیوا کرنے آور هر ایک کے ساتھ محصبت کرنے کا برن لیٹے میں. اِس طربے پہکوان جو هر انسان کے دل میں رهیے هیں هم آس کے سورک بن جاتے ہوں . بہنجن کانا آور ہر انسان ع ساته صحصت رکها دونون أیک بات ههن . یهی

تھلگتانہ حیدرآباد ریاست کے پورہی علائے کا نام ھے جہاں کے لوگوں کی بولی تھلکو ھے آور جن میں اطراف بلدہ نشائلڈکٹ ورنگل' کویم نکر' محبوب نکر اور نظام آیاد کے ضلع شامل ھیں، سارے ھلدستان میں آپ تھلگتائھ کا نام چھھلا ھوا ھے آور یک بات مشہور

سَمِق هنين لَيْمًا سَكُولَاتِي هِي . " يَهُ شَبِدَ لَلْكُلْدُهُ فَلَعَ ۚ كَيْ

بَنْكُوالْدُ كُلُونَ مِينَ أَيْكَ بَهْرِي سَبْهَا مِينَ شَامَ كَي يُرَارِبُهُنَا

کے بعد آجاریہ ونوبا بھاوے لے 28 ایریل کو کہے ۔

मिल सकेगा." अमरीका से कहीं बदकर अपने देख में हमारी सारी मुसीवतों की जब में किसानों की बुरी हालत ही है. इसलिये उसे सुवारना हमारा पहला कर्ज है.

कुछ इधर और कुछ दधर फुटकर कोशिशें करने से काम नहीं बत्त सकता. हम खादी और दूसरे गाँव के धंदों को संगठित कर सकते हैं, देहातों की सफाई और तन्दुकरती सुधारने की कोशिश कर सकते हैं या स्कूल और रात स्कूल भी चला सकते हैं. ये सब कोशिशों अच्छी हैं, पर वे किसी पुखता बुनियाद पर खड़ी हैं यह तब तक नहीं कहा जा सकता जब तक हन कोशिशों के जिरये गाँव की माली हालत नहीं सुधरती. गाँव की माली हालत तभी सुधरी कही जा सकती है जब वे खाने और कपड़े के मामले में अपने पैरों पर खड़े हों, किसी दूसरे का आसरा न देखें. करोड़ों टन नाज बाहर से जाने से हालत सुधर नहीं सकती. यह तो सिर्फ उपरी मरहम पट्टी करना होगा. इसलिये कम से कम अब यह जहरी होगया है कि हमारे नेता हुकूमत से अपना दिल हटाकर उसे रचनात्मक काम में लगावें.

पंडित नेहरू की सरकार बाहरी तड़क भड़क और बाडम्बर के बावजूद दूरदेश साबित नहीं हुई. हमारे देहातों की हालत सुधारने की उसने कोई नई तरकी नें नहीं सोच निकालीं. जहाँ कहीं हालत सुधारने की कोशिशों की गई वहाँ की हालत और भी बद से बदतर होगई, क्योंकि हुकूमत को गाँव की असली हालत से वाक्रियत नहीं थी और दूर बैठे बैठे केवल हुकुम जारी करके काम किया गया. हमें तो ऐसी सरकार चाहिये जो गाँव की जिन्दगी के बिलकुल पास और उससे मिली रहे और गाँव वालों की जाकरतों को जाने.

क्या हम आशा करें कि पटना में हमारे जो नेता लोग इकट्टा हो रहे हैं वे हिम्मत के साथ और एक दिल हो कर इस सवाल को गांधी जी के बताए हुए रास्ते से सुलमाने की कोशिश करके देस को आनेवाली बरबादी से बचाएंगे ? •

् ('प्राम-उद्योग-पत्रिका' से)

ل سکے گا ۔'' امریکہ سے کہتی بوعکر آئے دیس میں ساری ساری مصیبعی کی جو میں کسالوں کی بری عالمت ھی ھے ۔ اسلام آئے سدھارتا شمارا پہلا فرض ھے .

کچھ اِدھر اور کچھ اُنھر پھٹکر کوششیں کرنے سے کام بھی چل سکتا ، ھم کھادی اور دوسرے گاؤں کے دھلدوں اور سلکھیت کو سکتے مھی کیماتوں کی صفائی اور تلدوسکی سدھار نے کی کوشش کرسکتے ھیں یا اسکول آور رات اسکول بھی چھ سکتے ھیں ، یہ سب کوششیں اچھی ھیں اور وہ کسی پخٹھ بلیاد پر کھڑی ھیں یہ تب تک نہیں جا سکتا جب تک اِن کوششوں کے ذریعے گاؤں کی مالی حالت تبھی سدھوی جالت نہیں سدھرتی ، گاؤں کی مالی حالت تبھی سدھوی اپنی جا سکتی ھے جب وہ کھانے آور کھڑے کے معاملے میں اور روں تن ناج باھر سے لانے سے حالت سدھر نہیں سکتی ، اور وی موھم پٹی کرنا ھوگا ، اس لگے کم سے کم اب یہ ضروری ھوگیا ھے کہ ھمارے نیٹا حکومت سے اپلا اب یہ ضروری ھوگیا ھے کہ ھمارے نیٹا حکومت سے اپلا دل ھٹا کر آسے رچھاتیک کام میں لگاویں ،

پلترت نہرو کی سرکار باھری توٹ بھوک آور آدمبر کے باوجود دوراندیش ثابت نہیں ھوئی ۔ ھمارے دیہاتوں کی حالت سدھار نے کی اُس نے کوئی نئی ترکیبیں نہیں سوچ نکالیں ، جہاں کہیں حالت سدھار نے کی کوششیں کی گئیں وھال کی حالت آور بھی بد سے بدتر ھوگئی' کیونکہ حکومت کو گاؤں کی اصلی حالت سے راقف نہیں تھی اور درر بیٹھے بیٹھے کیول حکم جاری کرکے کام کیا تھی اور درر بیٹھے بیٹھے کیول حکم جاری کرکے کام کیا کیا ۔ ھمیں تو ایسی سرکار چاہئے جو گاؤں کی زندگی کے بالکل پاس آور اُس سے ملی رھے آور گاؤں وُالوں کیضرورتوں کو جانے ۔

کھا ہم آشا کریں کہ یکنہ میں ہمارے جو نیکا لوگ اکتھا ہو رہے ہیں وہ ہمت کے ساتھ اور ایک دل ہوکر اس سوال کو کاندھی جی کے بخائے ہوئے راستے سے سلجھانے کی کوشش کرکے دیس کو آنے والی بربادی سے بچائیلگے ؟ *

ו פנו פני

"كالعَرْيْس أب أينا كام كرجكي هـ اور أسه أب أينًا ورب

(माई जे. सी. जमारव्या)

'कॉमरेस अब अपना काम कर चुकी है, और उसे अब अपना कप बदत देना चाहिये' यह बात गांधी जी ने कही थी. इसके बाद तीन बहुत बातक साल गुजर चुके. हममें से कुछ लोग कॉमरेस के मुदें को बरफ में रख कर उसके इबं गिर्व नाचने में बहुत खुश नजर आते थे. पर कुछ अरसे के बाद मुदें से सदन की बदबू जाने ही लगी. भी टी. प्रकाशम, बाक्टर प्रजुक्तचंद्र घोशा और आवार्य कुपलानी सरीखे लोगों के पीछे कुछ कॉमरेसी इस मुदें को छोड़कर राश्ट्र में नई जान चूँकने के लिये आगे बढ़े. नई जान फूँकने के लिये कौन सा रास्ता अखितवार किया जायगा यही आज सब लोगों के मन में बड़ी सोचने की बात है. राश्ट्र की मलाई चाहने वालों की एक सभा जून में पटना में इस बात पर विचार करने के लिये बुलाई गई है.

गांची जी ने सुमाया था कि कॉंगरेस को इक्स त चाहने वाली राजनीत छोड़कर नई क्रीम तैयार करने के लिये एक रचनात्मक काम करने वाली संस्था बन जाना चाहिये जिससे इस देस के सात लाख गावों को, न कि शहरों और करवों को, समाजी, सदाचारी और माली आजादी हासिल हो सके. क्या अभी भी हमें गांघी जी के रास्ते पर चलने की बात स्मेगी, या हम अपने अज्ञान से हँसते हँसते बरवादी की तरफ बद्दे रहेंगे ?

श्रंगरेकी राज के जमाने में रचनारमक कामों में भी कुछ कुछ राजनैतिक वृ रहती थी. इस संमय चरखे की बुनियाव में मैनचेस्टर की जड़ उखाड़ना खास मक्तसव था. अब यह सब बदलना होगा. अब हमें सारा ध्यान खेती को धरी मानकर गाँबों की फिर से तामीर करने पर देना चाहिये. अब गाँव की समाजी और माली जिन्दगी इस तरह गढ़नी चाहिये कि वह सक्वे जनराज की सुनियाद कन सके. गाँव में ही सबको ऐसी दे तिंग मिलनी चाहिये कि कोई भी गाँव वाला आगे चल कर राजनीत में पडकर भी देस की सेवा ही करता रहे. हमारी राजनीत हमारी मासी जिन्दगी की दासी होनी चाहिये, मासिक नहीं. अमरीका जैसे देस में भी, जहाँ के सब धरे बड़े बड़े कारकानों में समाप हुए हैं, वहाँ के खेती विभाग के खेक दूरी श्री जनन, अपनी रिपोर्ट में कहते हैं, ''दुनिया भर के देशतियों का रहन सहन सुधारने से भीर अमीन का लगान इस तरह तय करने से जिससे सब के साथ इनसाफ हो और सब बाद्तिमें का मान बढ़े, फेबल अपने देस को ही नहीं बरिक बार्ड हिनेया को राजकाकी और मासी टिकाव

ِ (بہالی چے . سی . کمار پیا)

بدل دینا جاهئے کے بات کاندھی جی نے کہی تھی .

أسكم بعد تون ببت كهاتك سال كذر چكے . هم ميں سے گرچھ لوگ کانگریس کے مردے کو برف میں رکھاکر آسکے ارد گرد ناچانے میں بہت خوش نظر آتے تھے . پر کچه عرمي يعد مرد _ سے سون كي بديو ألے هي لكي . شري تي ، پرکاشم ، داکلر پريهل جدر کهوش اور آچاريه کريلاني سريعها لوگيل کے پيچها کچه کانگريسي اِس مردے کو جهوركو راشقر مهن نكى جان يهونكلے كے لكے آگے بوقے ، فکی جان بهونکلے کے اللے کورسا راسته اختیار کیا جالیکا یہی آب سب لوگوں کے من میں بوی سوچنے کی بات ھے : رأشتر کی بھائی چاھئے والوں کی أیک سبھا جون منهن يللغه مهن إس بأت ير رجار كرني كُللْم بالنَّي للنَّي هـ . کاندھی بھی نے سجھایا تھا کھ کانگریس کو حکومت جاهفے والی والے نیت جهور کو نئی قوم تیار کرنے کے لئے اليك وجفاتمك كلم كوني والي سدستها بن جانا جاهني جس سے اِس دیس کے سات لاکھ کاورں کو' نے کہ شہروں أير تصدين كو سماجي سداچاري آرر مالي آزادي حاصل ھوسکے ، کھا ایمی بھی ممیں کاندھی جی کے راسٹے پر بھلنے کی یات سوچھ کی یا هم اند آکیان س هنستے

جاستے بربادی کی طرف برمتے رایں کے ؟ انکریزو رابر کے زمانے میں رچناندک کاموں میں بھی کچه کچه راج نیتک بو رهتی تهی. اس سے چرخے کی بنياد مين مينجسو كي جو أكهارنا خاص مقصد تها. أب يه سب بدلنا مولاً . آب هدين سارا دهيان كهيتي او معرى مانكر الورل كي يهر سے تعمير كرلے پر ديلا چاهائے. أب الون كي سياجي آرز مالي زندكي اِس طرح اوهلي الله عليه ولا ستهم جن راج كى بنياد بن سكم . كاون اللهن هي ساب کو ايسي تريننگ ماني چاها که کوئي الهي کاوں والا آکے جل کر راج نیت میں ہوکر بھی دیس اکی سهوا هی کرتا رهے . هماري راج نیت هماری مالی وَلَقُلُى كَي دَاسَى هُونَى جِاهَيْءُ مَالِكَ نَهِينِ . ومريكة چھسے دیس میں بھی جہاں کے سب دھلدے ہوے ہونے کارشانوں میں سمائے ہوئے میں وہاں کے کھیتی وبھاگ کے سکریگری شر پرٹن ایلی رپورٹ میں کہتے ہیں' 2/ منها بهر کے دیہاتیوں کا رهن سهن سدهارنے سے آور ومهن کا لٹان اُس طرح طے کرنے سے جس سے سب کے ساتھ أنصاف هو أور سب أدمهون كا مان بوهـ كيول اله ديس کو ہے نبیدں' بلکھ ساری دنیا کو رأب کلجی آور مالی لکاو

अपना मेखा करें, में मानता है कि इस के सिका की खरिया भिक्षणे बाखा नहीं हैं. मैंने खोशकिस्टों से भी यात्र की है, बाब कभी वे सुमको मिले, वृसरे जवानों से भी बात की और पूछ लिया कि जमीन की तकसीम, जो कि ज़रूर करनी चाहिये, कर को. तिस पर भी क्या आप सममते हैं कि इन किसानी की दालत उतने से सुधर जायगी और खतने से उनको साल भर का काम मिल जायगा ? और इसमें से उनकी जीवन की जरूरतें पूरी हो सकेंगी ? क्या आप यह सममते हैं कि खदर बरौरा के बरौर कोई मशीनी स्कीम दस पाँच साल में ऐसी हो सकेगी जिससे लाखों करोडों को काम दिया जा सकेगा? तो इसका जवाब उनको 'नहीं' में देना पड़ता है. उनको मानना पड़ता है कि भीर कोई रास्ता इम नहीं देखते हैं. लेकिन वे कहते हैं कि इसका मतलब यह होता है कि सरकार हम अपने इाथ में हो हों भीर भपना समाजवाद का भीर दूसरा प्रोपाम बजावें. तो हिन्दुस्तान की अभी की दालत को देखते हुए जो सीचा सा काम हम कर सकते हैं वह करने, से इनकार करें चौर दस' पंद्रह साल के बाद कुछ बात होगी उसकी बाशा में अपना जीवन बेकार बनाएं, ऐसी बात हो जाती है.

ंगांधी जी का मन्त्र

इस लिये आप सब लोगों से मेरी प्रार्थना है कि गांधी जी ने जो खरर मंत्र हमें दिया है वह अभी की हालत में कमजोर मही दुवा है बिल्फ ताकतवर हुवा है. यह जब कि मिलें 17 गंज कपड़ा। पैदा करती थीं, वह आज 12 गज पैदा करेंगी और जाहिर कर रही हैं कि इस साल आधा गज चौर पैदाबार कम होगी क्योंकि काफी इइतालें हो जुकी हैं, तो मिलों पर आधार रखने के लिये कोई सबब नहीं है. और गांधी जी के जाने के बाद कोई ऐसी'दूसरी हालत पैदा नहीं हुई है जिससे खादी को अलग करके भी हम अपने सवात हल कर सकते हैं. अगर किसी के मन में कोई स्कीम आई है और विना सहर के हमारा काम निभ जायगा, ऐसा किसी को लगा है, तो उससे चरचा करना बाहुँगा और कोई दलीखें उसके पास हैं, कोई सबूत हैं तो मैं जानना चाहुँगा. लेकिन बगर ऐसा सबूत मिलता नहीं है तो इस सब लोग खादी के काम में अपनी शद्धा ताजा करें, पक्की करें और खादी का शास्त्र (इल्म) जितना भरपूर बना सकते हैं, बतना बनाने में अपना सहयोग दें. इसमा कर के मैं ज़ाहिर करता हूँ कि यह प्रवर्शन अब खुल

لينه کين. جي ديا جن لا لا ج شلمتان سے بھی بات کی ہے' جب کبھی وہ سجیتار ہے'۔ هرسر یہ جوانوں سے بھی بات کی اور پوچھ لھا کھ ين كي تقسيم جو كه ضرور كرنى چاهكے، كرلو، ہر بھی کھا آپ سُمجھتے ھوں که اِن کسانوں کی البت آتھے سے انگو سال بھر کم مل جالیکا ؟ آور اُس مدن سے اُنکی جهون کی ورثهن پوري هوسکين کي ؟ کها آپ يه سنجهتے هين کھدر وفیرہ کے یتھر کوئی مشیلی اسکیم دس پانی ل میں آیسی ہو سکے کی جس سے لاکھوں کروروں کو ديا جاسكي لا ؟ إسكا جواب أن كو 'نهين' مين ديمًا تا ہے۔ اُن کو مانقا ہوتا ہے که آزر کوئی راسته هم نهیں عهتے هيں ، ليكن وه كهتے هيں كه أسكا مطلب يه تا ھے کہ سرکار هم اپنے هاتھ ميس لے ليس اور ايا سماج ن کا اور دوسرا چروگوام چاویس . تو هندستان کی ایمی کی الت کو دیکھتے هوئے جو سيدها سا کام هم کر سکتے هيں کرتے سے اِنکار کریس اور دس پلدرہ سال کے بعد کچھ ت هوكى أسكى آشا مين أيقا جهرن بهكار بقائين؛ سی ہات ھوجاتی ہے .

گلدهی بچی کا ملتر

إسلتم آپ سب لوگوں سے مہری پرارتہنا ھے که گاندھی ہے نے جو کھدر مذار هميں ديا ھے وہ ابھی کی حالت ين كمزور نهيل هوا هي بلكه طاقت ور هوا هي . يه جب ، ملین 17 کو کہوا پیدا کرتی تھیں' وہ آج 12 کو پیدا یں گی اور هاهر کررهی ههی که اِس سال آدعا گو اور دارار کم هوکی کهونگه کافی هوتالهن هو چکی ههن . ، ملوں ير آدهار رکھنے كے لئے كوئى سبب نهيں هے . ہر گاندھی جی کے جائے کے بعد کوئی ایسی دوسری عالمت پیدا نہیں ہولی ہے جس سے کہادی کو الگ رکے بھی ہم اللہ سوآل حل کرسکتے دیں . اگر کسی کے ن مهل کوئی اسکیم آئی ہے اور بقا کھدر کے عماراً کام به جاليه آيسا کسي عوليا ها تو اُس سے چرچا کرنا جاهوں کا اور کوئی دایلیں اُسکے پاس هیں کوئی ثبوت بين تو مهن جانفا جاهون 8 . ليكن أكر ايسا ثبوت طلقا ہیں ہے ہو هم سب لوگ کهادی کے کام میں اپلی شردها ازه کریں کی کریں آور کھادس کا شاستدر (علم) جعدا مريد بقة سكتم هدر أتنا بقالم مهن أبقا سبيوك دين. تنا کیے کے میں فاہر کرتا میں که یه پردرشی اب کہل . . . 4

The second se

और कह रहे हैं कि माइको, खराज मिल गया है. जिनकें नाम से और जिनकें काम के सिये आपने स्वराज हासिल किया बनकी सेवा के लिये फुरसत पाइये और आइये, ऐसी पुकार हो रही हैं.

खादी की अहमियत

खास करके इस हैदराबाद स्टेट में जो देखा, इसने खादी के लिये मेरी अदा और मी पक्की कर दी. और बहुत लोगों का, यह जो खयाल होता था कि हाता कि खादी की जरूरत आज भी कम तो नहीं है, फिर भी कुछ दूसरे पहलुकों पर जोर देना आज शायद ज्यादा जरूरी होगया है और खादी का काम, मुमकिन है आगे न भी चले, यह जयाल मैंने गलत पाया. वहाँ लोगों से पूछा, जो साथ आए थे उनसे भी पूछा कि क्या इन देहातों को सिवा खद्वर के कोई ऐसा जरिया है जिससे उनको कोई राहत पहुंचा सकते हैं ? इमदाद दे सकते हैं ? ढारस पैदा कर सकते हैं ? तो मैंने तो कोई जरिया नहीं पाया. जाहिर बात है कि जो चीज हर आदमी इस्तेमाल करता है, और चाहे फाक्ता भी करले, लेकिन बिना कपड़े के नहीं चल सकता. क्योंकि वह सभ्यता की निशानी समभी गई हैं, ऐसी जो चीज और जिसका कच्चा माल गाँवों में पड़ा है वह धंदा गाँव का रिजर्व धंदा होना चाहिये. वह वहाँ से छीना गया है और दूसरे भी कई धंदे जिनके लिये कच्चा माल गाँवों में पड़ा है, उनके द्वाथ से छीन लिये गए हैं और छीने जा रहे हैं. ऐसी हालत में सिवा गाँव के उद्योग धंदों के स्रीर उसमें भी सिवा खादी के और कीन सा धंदा हम उनको दे सकते हैं ? कौन सा ऐसा ज्रिया है जिससे उनको राहत पहँचा सकते हैं ? इस पर बहुत सोचा. लेकिन गाँवों की मद्द करने का इससे बेहतर साधन नहीं देखा. हाँ, सफाई का काम है. बादमी का मैला बेकार जा रहा है. इसका इस्तेमाल करने की स्कीम बना सकते हैं. और भी कुछ काम कर सकते हैं, लेकिन उन सब कामों को करवे हुए भी उनको खादी के काम से जितनी राहत हम पहुंचा सकते हैं, उतनी और किसी काम से नहीं पहुँचा सकते. यह बात लुद ब खुद साबित सी मुक्ते लगी और मैं मानता हूँ कि हममें से जो भी गाँव में पहुँचेगा, उसको वैसी ही लगेगी.

अवेत्लाः सहारा

लेकिन सिर्फ इस फलसके से काम होने वाला नहीं है. अपने मन में यह संकल्प (अहद) कर लीजिये की यह जो खादी का मंत्र है, वह हम हिन्दुस्तान के हर एक किसान के पास पहुँ चाएँगे और इस बारे में हार नहीं बाएँगे, ऐसा शक नहीं करेंगे कि दूसरे बहुत सारे काम पड़े हैं तो इस पर ही इतना जोर क्यों ? अगर ऐसा शक पैदा होता है तो इन गांबों का दुर्शन करें और दुवारा सोचकर آور کیا رہے تعین که بہائیوا سوزاج مثل گیا ہے ، تعلی آمار سے آور ہلکتے کام کے لگر آپ نے سوزاج خاصل کیا آن کی سہوا کے لگے فرصت پالیہ آور آلیہ' ایمی پکار ہو رہی ہے ،

مة **كهادتي ألى أهميت** ،

خامکر کے اِس حیدرآباد استیت میں جو دیکھا أُسْلَى كِهَادِي كِي لَيْدَ مَهْرِي شَرِدَهَا أَوْرَ بَهِي يَكِي كُو دَبِي . آور بهت لوگوں کا یہ جو خیال هوتا تھا که حالانکه کهائی کی ضرورت آج بھی کم تو نہیں ہے پھر بھی کچھ درسرے پہلرؤں پر زور دینا آج شاید زیادہ ضروری هرکیا هے آور كهادى كا كام ممكن هـ آخ نه بهي چله يه خيال مين نے فلط قایا ، وهاں لوگوں سے پرچھا، جو ساتھ آلے تھے أن سے بھے پوچھا کہ کھا اِن دیہاتوں کو سوا کھدر کے کوئی ایسا فریعه هے جس سے أن كو كوئى راحت پہنچا سكتے هيں؟ امداد دے سکتے میں ؟ دھارس پیدا کر سکتے ھیں ؟ تو مُهِن آنے تو کوئی فریعہ نہیں پایا ، ظاهر بات ہے کہ جو چهر هر آدسی استعمال کرتا هے اور چاهے قاقه بهی کولیں لَیْکُن بِنا کَپڑے کے نہیں چل سکتا کیونکہ وہ سبهیتا کئے بُھاتی سنجھی گئی ہے ، ایسی جو چیز آور جس کا کچا مال گاوں میں بوا ہے وہ دھندا: گاوں کا ریزرو دھندا هونا المخاهكي ولا وعال سے چهيدا كيا هے أور دوسرے بهي كثى دهندے جن كے لئے كچا مال كاؤں ميں بوا هے' أن کے عاتم سے چهین لگے گئے هیں اور چهیئے جا رہے هیں . ایسی حالت میں سوا گارں کے ادبوک دھندوں کے اور اس میں بھی سوا کہادی کے اور کون سا دعندا هم اُن کو دے سُمُعَيْدُ هيں ؟ كون سا ايسا ذريعه هے جس سے ان كو راحت يهنيا سكتے هيں؟ اِس پر بهت سوچا . ليكن كاوں كىمدد کرنے کا اِس سے بہتر سادعی نہیں دیکھا ، هاں' صفائی ، كاكلم هـ . آدمى كا مهلا بيكار جا رها هـ . أس كا استعمال کرنے کی اسکیم بنا سکتے هیں آور بھی کچھ کام کو سکتے هُهُن . لَيْكِي أَن سب كامور كو كرته هواء بهي أن كو كهادي کے کام سے جلنی راحت هم پہنچا سکتے هیں' أتلی ارر كُسِي كُلْم بِي نهيس بهنها سكتے . يه بات خود بطود ثابت سني مجهد لكي أور مون مانتا هون كه هم مين س جو بهي المُونَ مُهِنَّ بِهِنْجِے كَا أَسْكُو وَيْسَى هِي لَكِ كَى .

اليلا تنهارا

ایکی موب اس فاسفے سے کام هونے والا نہیں ہے ۔
ایک میں میں یہ سلکلپ (عہد) کرلیجئے کہ یہ جو
کہادی کا مفتر ہے وہ هم هندستان کے هر ایک فسان
کے پاس پہنچائیں گے آور اِس بارے میں هار نہیں
کہائیں گے . ایسا شک نہیں کرینکہ که درسرے بہت
سارے کام ہوے هیں تو اِسٹر هی اتنا زور کیرں ؟ اگر ایسا
شک پہذا هوتا ہے تو اُن گاوں کا درشن کریں آور دربارہ سرچ کر

मास गाँवों में जोरों से आयगा. आज भी काकी तावाद में आया है, और यह जो थोड़ा सा बचा हुआ काम है यह भी बरबाद हो सकता है, यह सब कुछ हमने देखा.

गाँव की पुकार

कई देहात ऐसे मिले कि आगर हमें यहाँ, शिवरामपन्नी में, आने की जरूरत न होती तो वहीं चंद रोज रह जाने की इच्छा होती. क्योंकि एक जगह देखना, वहाँ की कमियाँ महसूस करना, उनको हम इल कर सकते हैं ऐसा विश्वास करना और फिर भी इस जगह को छोड़कर आगे बढ़ना, यह अच्छा नहीं लगता था. फिर भी वह करना पड़ा. जहाँ जहाँ हो सके वहाँ लोगों में मुकामी ही काम करने वाले निकलें, ऐसी कोशिश भी की. अनुभव का सार यही है कि इस जो अक्सर शहरों में काम करते हैं और शहरों से सम्बन्ध रखते हैं वे अपना शहर का सम्बन्ध क्रायम रख कर भी अगर अपनी रहने की जगह देहात ही में रक्खें और हममें से हर एक के नाम पर अगर एक देहात रहे तो बहुत भारी काम होगा.

बहुत दफा सोचता हूँ तो लगता है कि यह क्यों नहीं हो सकता कि जो भी काम हम करते हैं, चाहे कोई काँगरेस कमेटी का आफिस भी चलाता हो, तो वह किसी देहात में क्यों न खोले ? जहाँ पोस्ट आफिस वरौरा का कुछ सुभीत। हो, ऐसे देहात में वह बैठ सकता है. और अगर हम में से कोई शहर के नजदीक ही रहना चाहते हैं तो वे शहर के नकदीक का गाँव लेकर बैठ सकते हैं. वहाँ रहने से ही कुछ न कुछ गाँव का सम्बन्ध आयगा. और 'देहात में जाना चाहिये' यह जो पुकार बापू ने उठाई थी. उसको कुछ इद तक इम पूरा कर सकते हैं. देहात के लोग बहुत आशा रखते हैं कि गांधी जी के बाद उनके सेवक कुछ न कुछ काम करेंगे. धनकी सेवा में लग जायँगे. दूसरे बहुत सारे कोग कुछ सेवा करते भी हैं. फिर भी वह सिर्फ नाम को होती है, जोश दिलाने वाली नहीं होती है और बेलाग तो होती ही नहीं है. इस वक्त जरूरत है बेलाग सेवा की. यानी ऐसी सेवा की कि जिसके पीछे कोई वृसरा मकसद न हो, सिवा इसके कि जिनकी हम सेवा करते हैं उनकी सेवा करके उनको हिस्मत देना और मदद पहुंचाना. आज कल जो सेवा की जाती है वह अपने निजी स्वार्थ के खयाल से की जाती है और वह भी बहुत कम. देहात के पीछे देहात देखे गए जहाँ बहुत स्त्रोग पहुंचे भी नहीं हैं. वहाँ अगर कोई सभा हुई तो एक्स्पन की हुई, और कोई सभा नहीं हुई. जहाँ इल्म ज्ञान का अबार नाम की, भी नहीं है, जहाँ किसी तरह की रोशनी नहीं पहुंची है, जहाँ स्कूल भी नहीं है, जहाँ वचों के विकास का कोई खयाल नहीं है, ऐसे कई गाँव देखे. इमकी वे सारे गाँव के लोग बुला रहे हैं

، الروان معن زورون سے آلها۔ آج بھی کافی تعداد مھن آیا اور پیم بخور تموراً سا بحیا هوا کام هے وہ بھی بریاد هوسکھا یہ سب کچھ ہم نے دیکھا ۔ کوں کی پکار

کگی دیہات ایسے ملے کہ اگر هدیں یہاں' شہر رام دای ا أنه كى ضرورت نه هوتى تو وهيس چند روز را جانه . إجها هوتي . كيونكم ايك جكم ديكهنا وهال كي كمهال سوس کونا اُن کو هم حل کر سکتے هیچ ایسا وشواس آور پهر بهی أس جگه كو چهور كر آكے بوهدا يه اچها ل لکتا تها . پهر يهي وه كرنا يوا . جهال جهال هوسك ا لوگوں میں مقامی هی کام کرنے والے نکلیں ایسی في بهي كي . أنربهو كا ساريهي هے كه هم جو أكثر یں میں کام کرتے ھیں آور شہرون سے سمبلدھ رکھتے ، وه الهذا شهر كا سميقده قائم ركهكر بهي اگر ايذي رهني جگہ دیہات هی مهن رکههن آور هم مهن سے هر ایک ام پر اگر ایک دیہات رہے تو بہت بہاری کام هوگا .

بهت دفعه سوچها هول تو لکها هے که یه کیول نهیں کلا که جو بهی کام هم کرتے هیں ؛ چاهے کرئی کانگریس لي كا أنس بهي چلاتا هو' تو وه كسي ديهات مهن كهرن ہولے ؟ جہاں پوست آفس رفارہ کا کچھ سبھیٹا ھو دیہات میں وہ بیتہ سکتا ہے . اور اگر ہم میں سے شہر کے نزدیک ھی رھٹا چاھتے ھیں تو وہ شہر کے ا کا گؤں لیکر بیتھ سکتے ھیں ، وھاں رھلے سے ھی نه کچه گاون کا سنبنده آئے گا، آور 'دیہات میں جانا ئے' یہ جو پکار باؤر نے اُقہائی تھی' اس کو کھچ حد هم پورا کو سکتے هيں . ديہات کے لوگ بہت آشا ، هیس که گاندهی جی کے بعد أن کے سیوک کچه نه کام کریدگیے . اُن کی سیوا میں لگ جائیں گے . دوسرے ، سارے لوگ کچھ سهوا کرتے بھی هیں ، پھر بھی وہ ، فام كو عوتي هے جوهن دلانے والى نههن هوتي هے له لاك تو هوتي هي نهين هي . إس وقت ضرورت هي ال سهوا کی ، یعنی آیسی سیوا کی جسکے پیچھ ل دوسرا مقصد نه هو؛ سوا إسكي كه جذكي هم سهوا هیں اُن کی سپوا کرکے اُن کو همت دیلا آور مدد چانا ۔ آج کل جو سهوا کی جاتی هے وہ اید نجی سوارته خیال سے کی جاتی ہے اور وہ بھی بہت کم. ح کے پہنچھے دیہات دیکھے گئے جہاں بیت لوگ 🚁 بھي۔ نييس هھن ۽ وهان اگر کوئی سبها هوڻي تو هن کی هوئی آور کوئی سیها نهیں هوئی . جهاں کھان کا پرچار تام کو تھی نہیں ھے جہاں کسی طرح (رشلی نهدین بهنجی یو بهان اسکول بهی نهدی جهان المجاورة في وكاس كا كولي خمال نهون ها أيسم ، گاؤں علیکھے ، همکو وہ سارے گاؤں کے لوگ بلا رہے ههن

देहात की जीवन बूटी •

मेरे कर्लंव प्यारे आइबो और बहनो !

पैर्व यात्रा का यह मेरा आसिरी दिन है. हैरराशद से यहाँ तक का छोटा सा पाँच मीख का सकर बाज हुआ. रास्ते में परमेश्वर की कृपा से सब तरह से अवदा रहा भीर बहुत ही दिलचस्प तजरने हुए, देहात के कोगों में जोश देखा. शहरों में भी जोश कम नहीं था. लेकिन देहात में एक सास भावना देखी जिससे यह साक जाहिर होगया कि इमारा वहाँ पहुँचना कितना जरूरी था और है. रोज हम वैसे ज्यादा नहीं चलते थे, लेकिन कोशिश वह होती भी कि छोटे छोटे गाँव में मुकाम करें. कई छोटे छोटे गाँव देखने में जाए. जहाँ वन सका वहाँ गाँव के घसें में भी घूम जाया. हालाँ कि मैं तेलगू जानता हूँ, पर तेलगू में बात नहीं कर सकता. फिर भी जितना कुछ ज्ञान था इसका बहुत इस्तेमाल हुआ-प्रेमभाव बढ़ाने में. जब मैंने इन भाशां मीं का अभ्यास शुरू किया था प्रेमभाव के विकास की नज़र से, तो प्रार्थना में मैं रिथत प्रज्ञ के लक्सा वेताग भाशा में बोलता था. मैंने देखा कि वे लक्षण उनके देल तक सीथे पहुंच जाते थे और चनको महसूस होता रा कि अपना ही एक भाई बोल रहा है. बहुत प्रेम से लोगों ो हमारा स्वागत किया.

गाँव की गिरावट

गाँवों की जो हालत हमने देखी वह जैसा हम सोचते। वैसी ही थी. इतना ही नहीं, बल्कि बदतर थी. इतनी ज्ञ्चना हम घर बैठे नहीं कर सकते थे. सिवाय खेती के, ते एक ही धंदा उनके हाथ में रहा है, और कोई धंदा कई हातों में वहीं देखा. कुछ देहात ऐसे जरूर थे कि जहाँ सरे दो चार धंदे चलते थे. लेकिन कुछ ऐसे भी देहात के जहाँ वे भी छोटे छोटे धंदे मौजूद नहीं हैं. कुछ औरतें तिसी थीं. कुछ आदमी भी कातने वाले देखे. और अपने ति का कपड़ा पहनने वाले भी कुछ देखे. इस पर से यह हिए हैं कि यह पक धंदा ऐसा या और है कि जो हर खत में देहात में चल सकता है. लेकिन अभी इस मुल्क आमद-रक्त के साचन बहुत नहीं हुए हैं और सड़कें न रही हैं. लेकिन जैसे जैसे जैसे ये साचन बहुती, बाहर का

क सर्वोदय सम्मेशन, शिवरामपत्सी, हैंदराबाद में अपने '51 को भी वियोगा की का भारान जो कर्नोने सर्वस सोसदे सन्त क्याँ दिया. मारा। क्याँ कर्म आसान र की गई है.

ا دیهات کی جیون بوٹی *

ميريد إتهلت يهارے بهالهو أور بهلو!

يهدل ياترا كا يه ميرا آخرى دن هـ . حهدرآباد س یہاں تک کا جہوتا سا ہانے میل کاستر آج هوا۔ واستے میں پرمهفور کی کریا سے سب طرح سے انہا رھا اور بہت ھی دلجسب تجريه مولى . ديهات كم لوكون مهن جوهي ديكها . شهرون میں بھی جوش کم نہیں تھا ، لیکن دیہات میں أيك خاص بهارنا ديكهي جس سي يه صاف طاهر هركها که همارا وهان بهلیچها کتنا ضروری تها اور هے . روز هم وبعی زیادہ نہیں چلتے تھے' لیکن کوشش یہ هوتی تهی که چهوتے چهوتے گاوں میں مقام کریں ، کئی چهوتے چهوتے کاوں دیے پھی میں آئے ۔ جہاں بن سکا وهاں کاوں کے گھروں مهن بهي كهرم آيا . حالانكه مين تهلكو جانتا هون ور تهنگو مين بات نهيركر سكتا . پهر بهيجتنا كچه كهان تها أسكا بهت أستعمال هوا-- يريم بهاؤ بزهاني مهن. جب مهن نے اِن بھاشاؤں کا ابھیاس شروع کیا تھا پریم بھاو کے وکاس عی قطر سے او آپرارتها میں امیں سعمت پرکیم کے لکھن ٹھٹکو بہاشا میں بواتا تھا ۔ میں نے دیکھا کہ وہ لکشن أن كر دل تك سيده يهلي جاتم تعد اور أن كو متحسوس هرتا تها که اینا هی ایک بهآئی برل رها هے . بهت پریم سے الوالين في همارا سراكت كها .

گا<u>وں کی گراوت</u>

گاری کی جو حالت هم نے دیکھی وہ جیسا هم سرچکے نے ویسی هی تھی ابتا هی نہیں' بلکہ بدتر تھی ، آتلی کلینا هم کہر بیٹھے نہیں کو شکتے تھے ، سوائے کھیٹی کے' جھو ایک هی دهندا اُن کے هاته میں رها هے' آور کوئی فہور تھے کہ جہاں درسرے دو چار دهندے چلتے تھے ، اُنہیں کچھ ایسے بھی دیہات دیکھے جہاں وہ بھی چھرٹے ایسے بھی دیہات دیکھے جہاں وہ بھی چھرٹے ایسے بھی کچھ دیکھے ، اور آئے سوت کا مجھوا پہنئے والے بھی کچھ دیکھے ، اور آئے سوت کا مجھوا پہنئے والے بھی کچھ دیکھے ، اور آئے سوت کا مجھوا پہنئے والے بھی کچھ دیکھے ، اِس پر سے یہ طاهر ہے که جو هر حالت میں اُنہی اِس ملک میں گھرانی کی سادھن بچل سکتا ہے ، لیکن ابھی اِس ملک میں گھرانی کی سادھن بچھسے جیسے یہ سادھن بوھیئے' ہاھر کا شہر ہے ۔

ا سروود سنیان شهورام یلی حهدرآباد میں 151 کو فرق واجاد میں 151 کو فرق واجا جی ایمان بهاها کیدل کیدل آسان کو دی گلولات وقت رهال دیا . بهاها کهدل کیدل آسان کو دی گئی ہے .

बाराबी बावे. जनता का पैसा जनता की सरकार ने सर्व किया और अनता के ही काम के जिये, फिर बेकार का सोर क्यों!

क्षतकार शोर मचा सकते हैं कि अगर राय ती जावेगी की हमारी बात को डुक भी राय न मिलेगी. इस से क्या होता है. सोमनाथ में चालिर यूँभी तो वह चीज जायगी जिसे भारत की 100 की सदी जनता अपनाय हुए हैं, कोई इमें रोक कर ठीक करने लगेगा, नहीं नहीं 'पचास की सदी'. तब इस कहेंगे कि जाइये और सोमनाय के दर्शन कीजिये और इमारी सचाई की जाँच कर लीजिये!

बायू! बाप मुसकराते क्यों हैं ? इस तो सच ही कह रहें हैं!

–भगवानदीन

नाच

नाच रहे मन नाचे जाओ लोग हुँसें हुँसनें दो उनको, अपने राम रिकाओ

द्रनक द्रनक चुँघर बजने दो सुख रस साज सजा सजने दो यह ही रंग मुक्ते झजने दो नेक न सोषो इघर उधर की, गाओ तान उदायो.

थिरक थिरक कर जो फिरकैयाँ खडे सामने राम गुसैयाँ अव न छोड़ना इनकी छैयाँ. हिलाने दो अब दुड़ी गरवन, हाँ नैना मटकाओ

कंधा अपनी बारी उले छाती सुख सांसों से फूले बाँह चठे चा नीचे मृतो दो नितम्ब बेखटक मटकने, कमर मुका लचकाचो

सिर्का घडा न रसी उताके हाथ कटोरा नेक न इसके ऐसे नाची इसके हसके पाँव तले का एक बताशा, जो तुम तोड़ न पाओ

लग जाओ जब बाँह उठाने भीर कलाई हो सच्छाने **खंगकी पोर पोर खद्राने** अपने तन में औरों के भी, सुख विजली लहराओ -- भगवानदीन جلالاً في فيل . جلعا لا يهسه جلعا كي سركار له شير لها أور جَلَيْنًا كِي هِي عَلَم كِي لَيْنَ عِهِم بِهِكَارِ كَا هُورِ كَهِينِ !

پترکار شور منها سکتے هيں که اگر رائے لی جاريكى تو هماری بات کو کچھ بھی رائے تھ ملے کی ، اِس سے کھا ھوتا ھے ، سومقاته مهن آخريوں بهي تو وه چهز آئيكي جسے بهارسه كى سوليصدى بجلعا أينالے هوالے هے، كولى همهن روك كو تهیک کرلے لگے کا ' نہیں نہیں ' پنچاس قیصدی ' . تب هم کیموں کے که جائیے اور سومناتھ کے درعن کیمیئے اور هناری سجائی کی جانبے کر لیجئے! بايو! آپ مسمرات كيوں هيں ؟ هم تو سے هي كه

رھے ھیں ا

ــبهگواندین

ون

ناچ رھے من ناچے جاؤ لوگ ھلسیں ھلسلے دو انکو' اٹے رام رجھاؤ

تهذك تهذك كهنكهرو بجاء دو سکھ رس ساج سجا سجلے دو یه هی رنگ مجه چهجاء دو نهك نه سوچو آدهر أدهر كي كاو تان أواو

تهرک تهرک کرلو پهرکيان کهورے ساملے رام کسیاں أب نه چهورنا إن كي چههان هلئے دو اب لاہتی کردن ماں نینا متکاؤ

كندها أينى بارى أولي چھاتی شکھ سانسوں سے پھولے بانه أته أنيج جهول دونتسب ہے کہتک متکئے کی جها لچکا

سرکا گھڑا نہ رتی تھلکے هاته کالورا نیک نه چهلکے أيس ناجو هلك هلك پاؤں تلے کا لیک بعاشم جو تم تور نه پاؤ .

لك جاء أب بانه أتهاني پور لیرائے آھے تن میوں آوروں کے بھی' سکھ بجلی لیراؤ में विवाद वार्मिक रहम हैं विवाद की सब रहमें भी धार्मिक होती हैं, वह गालियाँ भी धर्म समम कर गाई जाली हैं जौर बूदे बड़ों से हमने यह सुना है कि वह सीता और रुक्मनी के विवाद के अवसर पर भी गाई गई थीं. और रास लीला में तो अब भी हम वसका रिवाज देखते हैं. इसलिये आज हमें बड़ा दुल हो रही हैं कि 'मद्र संस्कृति' की ऐसी एक रस्म को तो इकर हमने वहीं काम किया जो वसने किया, जिसने सती प्रथा तोड़ी या जिसने सोमनाथ का मन्दिर तोड़ा. अब हम चाहते हैं कि गाली की इस रस्म को फिर से जारी करने की रस्म के लिये रास्ट्रपति को जुलकारों और भीक माँगकर वसके लिये सार्द्रपति को जुलकारों और भीक माँगकर वसके लिये सार्द्रपति को जुलकारों भी इतना पैसा नहीं जुटा सकते!

बापू। जब अंगरेज यहाँ राज करते थे तो हुकूमत करने के नाते कुछ ऐसे काम कर बैठते थे जो लोगों की नजर में जुल्म माने जाते थे—जैसे जिल्लियान वाला बारा, मोपला इन हे जडी, विमूर आश्टी दुर्घटना .

बोग तो, नासमकी से, माँ बाप अगर षच्चे को दो चपत जमा दें तो इसको भी ालत समम बैठते हैं. असल में इस तरह के कामों को समकते के लिये मामूल से ज्यादा बुद्धि चाहिये! श्रंगरेजी राज में यह काम ईसाई धर्म के जानकार गवरी किया करते थे, खीर वही ठीक ठीक बता सकते थे. परकारी काम कोई मामूली काम तो होते नहीं जिन्हें हर कोई समम ले: उसको सममने के लिये सन्तों की श सन्त जैसों की जरूरत होती है! सन्त-जैसों के बगौर ो वह समक्त में आ ही नहीं सकते. बापू! आज काँगरेसी सरकार के बहुत से काम इतने घेचीदा और बहुत से रेखने में इतने बेतुके मालूम होते हैं जिन्हें हर कोई नहीं समय सकता. इसलिये इन कामों को समफने के लिये सन्तों या सन्त जैसों की जरूरत है! और यह काम वर्धा के 'हरिजन' और 'सर्वोदय' पत्रोंने ले रखा है. हमारे रेस के भलेमानस पत्रकारों को इतना भी नहीं सुमता के अपने पत्रों में सरकारी कामों पर राय देने से पहिले हरिजन' चौर 'सर्वोदय' पद लिया करें!

सोमनाथ को लेकर ही जून सन इक्यावन के 'सर्वीह्य' में राक्ट्रपति के प्रभास पाटन जाने के बारे में साफ राय ही नई है, और वह यह कि वहाँ जो कुछ हुआ, वह वही हुआ जिसको हिन्दुस्तान की जनता चाहती थी! और बनता की सरकार वह न करे, जो जनता चाहती है, वो और क्या करे ?

अनवा का भारत, समझा के पहाड़, जनवा के पत्थर. इसी समर से तैयार हुए जनवा के सोमनाय, जनवा के लड़ جنہاں ووالا تعاومک رسم ہے ، ووالا کی سب وسطون المسلوم ہیں دھرم ہیں جو النہاں یہی دھرم ہیں جو النہاں یہی دھرم سیا ہوتھے ہوں سے ہم نے یہ سیا ہے کہ وہ سیعا آور رکسلی کے ووالا کے آوسر پر بھی کائی کئی تھیں ۔ آور راس لیلا میں تو آب بھی ہم آس کا رواج دیکھتے ہیں اسلئے آج ہیں ہوا داتھ ہو رہا ہے کہ ' بھدر سیسکرتی ' کی ایسی ایک رسم کو تور کر ہم نے وہی کام بیس جو آس نے کہا جسٹے سعی پر تھا توری یا جس نے کھا جسٹے سعی پر تھا توری یا جس نے بھی کم بیومناتھ کا مبددر تورا ۔ آب ہم چاھتے ہیں که کائی کی اِس بیومناتھ کا مبددر تورا ۔ آب ہم چاھتے ہیں که کائی کی اِس بیومناتھ کا رہا ہیں کر آسکے لئے دراشتار پعی کو بیونکه مزدروی کرکے تہ ہم آجکے هندستان میں' تیں جنم میں بھی اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں جی اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں بھی اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں جاتم اُنے اُنے دراسکے اُنے خرجہ جاتائیں' میں بھی اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں جاتم ہیں جاتم ہیں جاتم ہیں بھی اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں جاتم اُنے اُنے دراسکے اُنے خرجہ جاتائیں' میں بھی اِننا ہیست نہیں جاتم ہیں جاتم ہیں اِننا ہیست نہیں جاتا سکتے ا

باپو! جب انگریز یہاں راج کرتے تھے تو حکومت کرنے کے ناتے کچھ ایسے کام کر برتھتے تھے جو لوگوں کی نظر میں طام مانے جاتے تھے — جیسے جلیان والا باغ' موبلا ترین تربعتی 'چمور آشتی درگھتنا

الوك تو ناسبتههي سے مال باپ اگر بتجےكو دو جيت جمادين تو أسكو يهى غلط سمجه بهالهاتم هين . اصل مهن اِسطرم کے کاموں کو سمجھنے کے لئے معمول سے زیادہ بدهی چاهگے! انگریزی راج.میں یہ کام عیسائی دهرم کے جان کار پادری کوا کرتے تھے اور رھی تھیک تھیک بتا سکتے تھے ، سرکاری کام کوئی معمولی کام تو ہوتے نہیں جنهیں هر کوئی سمجه لے . أسكو سمجها ع لئے سنتوں کی یا سنت جیسوں کی ضرورت هوتی هے! سنت جهسوں كم بغير تو وه سنجه مين آهي نهين سكتي ، بايو! آج کانگریسی سرکار کے بہت سے کام اِتلے پیچیدہ اور بہت سے دیکھئے میں اِتنے بے تکے معلوم ہوتے میں جنہیں مر کوئی نہیں سمجه سکتا . اِسلئے ان کاموں کو سمجھنے کے لله سلتوں يا سنب جيسوں کي ضرورت هے! اور يه كام وردھا کے ' ھريجن ' اور ' سروودے ' يتروں نے لے رکھا ھے . همارے دیس کے بھلے مانس پترکاروں کو اِنلا بھی نہیں سوجهتا که اینے پتروں میں سرکاری کاموں پر رائے دینے سے پہلے ' هريجن ' اور ' سروردے ' پوھ لها كريں !

سوملاته کو لهکر هی جون سن 51' کے ' سربودے '
میں راشتر پتی کے پربہاس پاتی جائے کے بارے میں صاف
رائے دی گئی ہے آور وہ یہ کہ وہاں جو کچھ ہوا' وہ وہی
ہوا جسکو هندستان کی جنتا چاهتی تهی ! آور جنتا
کی سرکار وہ نہ کرے' جو جنتا چاهتی ہے' تو اور
کیا کرے ؟

جلعا کا بہارس جلتا کے بہار 'جُلتا کے پتھن ۔ اُسی پتھر سے تیار ہوئے جلتا کے سرمناتہ' جلتا کے لڈر'

इस सामने में शाहद्वित से मिन्ने और उन्हें इस बात के किने शाली करलें कि को अनके मन्दिर के पास एक शराब की इकान कोलने की रस्म अदा कर हैं. और जब इसारे शादद्वित वह रस्म अदा करने जायँगे, तब भी सब नहीं तो ऐसे पत्रकार, जिनके धर्म में शराब मना है, इस न इस बाहर लिख मारेंगे ! बापू! अब आप ही बताइये कि अंगर इसारे रास्ट्रपति इन पत्रकारों की राय पर अमल करने लगें तो एक दिन भी हुकूमत चल सके ? इन शोर सचाने बालों को हुकूमत की चाल से क्या सरोकार!

बापू ! जब धर्म के नाते हमारे राश्ट्रपति भैरवी चक्र में शामिल होने जायंगे, तब तो यह पत्रकार बौखला इसेंगे, पर इनकी बौखलाहट की दो कोड़ी भी उठेंगी ? इनको यह तक नहीं मालूम कि जिसे वह 'कुसंग समा' इसेंगे हैं, असल में वो 'मद्र समा' है, और अगर इन्हें इमारी बात पर पत्तबार न हो, तो इम सबूत में जून सन इस्यावन के 'सर्वीश्य' को पेश करते हैं जिसमें श्री किशोर झाल मशरूवाला ने शी खामी सहजानन्द की बताई 'कुसंग़ सभा' को बढ़े संकोच के साथ 'भद्र सभा' का नाम दिया है, आपू ! यह पत्रकार नासमम हैं, यह बात बुरी नहीं, पर सम्मा देने वाले जो दो चार पत्र और जो दो चार श्राहमी रह गाने हैं, उनसे यह लोग समम भी दो नहीं लेते !

स्वाम् । जगर हम भूतते नहीं हैं तो जापने एक वार स्वामी द्यानन्द जी के लिखे सत्यार्थ प्रकाश के वारे में हो बार कहे राज्य कहे थे, पर जाज तो हम 'सर्वोदय' से सीख लेकर सत्यार्थ प्रकाश पर नहीं, स्वामी जी पर यह टीका करते हैं कि वन्होंने मूर्ति की पूजा जैसी 'मद्र संस्कृति' के खिलाक लेखनी उठाकर इस 'सन्त संस्कृति' को साथ लेकर कुली थी ! नापू ! स्वामी जी गुजराती थे, इसिलये हम जापसे पुक्रते हैं कि हम ठीक टीका कर रहें हैं न ?

वापू । श्रव आपसे क्या खुपायें. भद्र संस्कृति' के लिकाफ बाईस बरस की समर में हमारे हाथ से भी एक गुनाह ही गया है. हम चाहते हैं एक विन राष्ट्रपति को बुलाकर सम पाप का प्रायरियत कर डालें.

बह पाप यह है-

विवाद के मौके पर आई हुई बरात को घरात की धौरतें ग़ाकियाँ गाती हैं, और वह गाकियाँ इतनी गंदी होती हैं—हाय! हाय! इस बर्स की 'मह संस्कृति' के लिये गुल्या राज्य निकाल बैठे—साफ करना बापू! वह गाकियाँ सबगुब ऐसी होती हैं कि मके आदिमयों को मकी नहीं लगती, हमें भी अच्छी नहीं लगी. हिन्दुओं

س بھامی میں راشگریتی سے ملین آور الفان کے مادو کے ساتھ کے لگے راسی کران کھولئے کی رسم ادا کردیں۔ رر جسید همارے راشترہتی یہ رسم ادا کرنے جائیفگے کی راب مبتع ہے کچھ نه کچھ ضرور ان ماریفکے ایابوا براب مبتع ہے کچھ نه کچھ ضرور ان ماریفکے ایابوا براب مبتع ہے کچھ نه کچھ ضرور ان ماریفکے ایابوا براب مبتع ہے کتاب کی اگر همارے راشتریتی اِن یترکاروں کی رائے پر عمل کرنے لکھی تو ایک دن بھی حکومت کی جال مدید ی جال مدید ی جال مدید ی جال مدید یہ کیا سروکار!

باپو! جب دھرم کے تاتے ھمارے راشتریای بھھروی ہمی میں شامل ھوئے جائیلگے تب تو یہ پترکار بوکھا نہیں گئے، پر اِن کی بوکھاھمت کی دو کوڑی بھی تھیلگی ؟ اِن کو یہ تک نہیں معاوم که جسے یہ کوسلگ سبھا، کہا میں وہ 'بھدر سبھا، کوسلگ سبھا، کہا و اعتبار نہ ھو، تو ھم بوت میں جرن سن اکیارن کے 'سرووںے' کو پیش رتے ھیں جس میں شری کشورال مشرو والا لمے شری وامی شہتوانلک کی باتائی 'کوسلگ سبھا، کو بجے باکوچ کے ساتھ 'بھدر سبھا، کا نام دیا ھے بایوا یہ ترکار نا سبجھ ھیں، یہ بات یری ناہیں پر سبجھ ترکار نا سبجھ ھیں، یہ یات دو جو دو جار آدسی رھکئے یہ، اُن سے یہ دو جو دو جار آدسی رھکئے

یاپو! آب آپ سے کیا چھپائیں ۔ ' بھدر سنسکرتی ' کے خلاف بائیس برس کی سر میں شمارے ہاتھ سے بھی یک گفاہ ہوگھا ہے ۔ ہم چاہتے میں ایک دن راشتر بھی و به کر اُس پاپ کا پرایشچہس کر ذائیں ۔

ولا پاپ يه هے --

وواہ کے موقعہ پر آئی ہوئی برات کو گھرات کی مورتدی الیاں گائی میں اور وہ گلیاں اتلی ڈ دی ہوتی ہوں اگے! ہائے! ہم جمور کی 'بھدر سلسکرتی' کے لگے گلدا اللہ نکال بیائی سیمانی کرنا باہو! وہ گانیاں سے میں یسی ہرتی ہمیں ہیں۔ کتیں میں ہدیں ہیں آئیں نہیں تکیں ، ہندوی बार वह समकार कि वह अपना जुन जान ही में रहे हैं, जब भी जनसे हुई। झीनने की कोशिश की तब तब वह हमसे नाराज हुये और उन्होंने तुझ ही माना. फिर वर्भ की खातिर वह रारीव जारमी भूके रह कर पंढों को सड़ सिताने से रोके जायंगे तो कितने नाराज होंगे ओर कितना हुस्त मानेंगे, इसका अन्ताजा यह मूरस पत्रकार जरा भी नहीं सगा पाते और साधु पुरुश, मुँशी कन्हेया साल, पर फबती कस बैठते हैं और रिशी तुल्य रास्ट्रपित महापंडित राजेन्द्र प्रसाद पर, जो जी में आया, लिख मारते हैं। बावू! कोई इनसे यह पूछे कि यह कितनी सरकारें अब तक बला चुके हैं? कहाँ राजनेता और कहाँ यह दुट-पुँजिये पत्रकार!

सेकुलर सरकार के नाते या अपनी निजी हैसियत से कल अगर जगनाथ पुरी के मन्दिर के मालिक, राश्ट्रपति को उन मूर्तियों का पदा इटाने को जुलायें, जिन पर धर्म के ठीक ठीक न सममने वालों ने पदा इलवा रखा है, और उनका बुलावा मंजूर करके इमारे राश्ट्रपति पदी इटाने के लिये जायँ, तब न जाने इन नासमम पत्रकारों का क्या हाल होगा! "राजमीत जगत के ये बच्चे पत्रकार, टक्कर लेने बैठे हैं, राजनीत में घुटे बड़े बृढ़े—महारथियों से! सरकार की हैसियत से, सेकुलर सरकार अभी क्या क्या नहीं करेगी, इसका उनको क्या अन्दाजा!

सती धर्म नरट हो चुका है और वो भी सोमनाथ के मन्दिर की तरह पापी विलियम बेंटिंग धराशाई कर गया है! अभी उसका उद्धार बाक़ी है! और हिन्दू धरम के नाते भी करपात्री जो और भीमती प्रभावती राजे, किसी देवी की सती होने को तैयार करके, सती प्रथा के उद्धार की खातिर राश्ट्रपति की निमंत्रन दें और सेकुलर सरकार के राश्ट्रपति होने के नाते जब उन्हें वहाँ जाना ही पड़े तब तो यह पत्रकार शायद आग बगूला हो जायगें! बागू! यह पत्रकार, न तो राजनीति के पेचों को सममते हैं, न नेता गिरी के दाँव पेचों से वाक़िफ हैं. रही चुनाव की कला, उसकी इन्हें अभी अलिफ वे भी नहीं आती. पंखे के नीचे दुर्सी मेच के सहारे कृतम घसीट कर यह पत्रकार न आने अपने को क्या सममते हैं.

वापूर्र आप शराब बन्द करने की बात तो कह गये.
पर उस बक्त शायद आपकी नजर या तो इसलाम अर्म पर रही, या उन रारीब मज़दूरों पर रही जो शराब पीकर अपनी औरत बच्चों को भूकों मारते थे. जगर कहीं आपकी नजर शाक वर्मियों या बाम मार्गियों पर गई होती, या कम से कम उनका कोई डेप्टेशन आपके पास आया होता तो जाप बादे दुनिया की शराब बन्द करा देते, पर बमका ही बाद के नाते कुछ खयाज करते ही !

ر یه سمعهکر که یه اینا خرق آپ هی یی رقم بن بن جب یهی آن سے هتی بههیلنے کی کوشش کی بن جب یهی آن سے هتی بههیلنے کی کوشش کی بهر تب وہ هم سے ناراض موثر آرر نهرں نے دام هی آگئی بهر دهرم کی خاطریه فریب آدس بهرکے رهکر آبوں کو لڈو کھلنے ناراض گئے آور کھانا دام مانیس کے اسکا آندازہ یه مورکه پھرکار ایمی نهیں لٹاپاتے آرر سادهو پرش ملشی فلهیالل پهبتی کس بیٹھتے هیں آور رشی تلهه راشگریتی پهبتی کس بیٹھتے هیں آور رشی تلهه راشگریتی بایندت واجدور پرساد پر جو جی میں آیا لکه مارتے باید اور کوئی ان بے یه پوچھے که یه کشی مرکاریں یہ بہتے هیں ؟ کہاں راج نیٹا آرر کہاں یه بہتے کے بھرکار!

سهکولو سرکار کے ناتے یا آپنی نجی حیثیمت سے کل جگفاتھ پوری کے مندر کے مالک' راشتریتی کو اُن ہوتی کا پردہ ھتانے کو بھٹیں' جن پر دھرم کے تھیک ہک نه سمجھنے والوں نے پردہ قوا رکھا ھے' آرو اُن کا وا منظور کرکے ھمارے راشتر اپتی پردہ ہتانے کے لئے اُنیں' تب نه جانے اِن نا سمجھ پترکاروں کا کھا حال اُنیں' تب نه جانے اِن نا سمجھ پترکاروں کا کھا حال گا۔ راج نیمت میں گھتے ہوے پترکار' تکر لھئے گھے ھیں' راج نیمت میں گھتے ہوے ہورھے مہارتھوں یا سرکار کی حیثیت سے' سیکولو سرکار اُبھی کھا کیا ہیں کویکی اِسکا اُنکو کھا اندازہ !

ستنی دهرم اشت هو چکا هے اور وہ یهی سوماته کے قدر کی طرح پاپی ولهم بهنگنگ دهراشائی کو گها هے!

هی اسکا اددهار بائی هے! آور هندو دهرم کے ناتے شربی پائری جی آور شریمتی پربهاوئی راچے' کسی دیوبی کو شیار کرکے ستی پرتها کے اددهار کی خاطر شتریتی کو نملترن دیں آور سیکولو سرکار کے راشتریتی برگار شاید آگ بگولا هوجائیدگے! بایو! یه پترکار' نه تو برکار شاید آگ بگولا هوجائیدگے! بایو! یه پترکار' نه تو پرکار شاید آگ بگولا هوجائیدگے! بایو! یه پترکار' نه تو پیچوں سے واقف هیں ، رمی چداو کی کلا' آسکی پوس آبی ، پنکھے کے نہیچے ہیں آبی ، پنکھے کے نہیچے ہیں مین کے سیارے قلم فیسیت کر یه پتوکار نه جانے ہیں مین کے سیارے قلم فیسیت کر یه پتوکار نه جانے ہی

باہو اِ آپ شرآب بند کرنے کی بات تو کہ گئے۔ ہر یں وقعت شاید آپ کی نظر یا تو آسلم دعوم ہر وھی' یا ی غریب مؤموروں پر رھی جو شراب ہی کر اپنی عورت چوں کو بھوگوں مارتے تھے۔ اگر کہیں آپ کی نظر ایکت دعومیوں یا بلم مارکیوں پر کئی عوتی' یا کم سے کم یکا کوئی تیپوٹیشنو آفیا کے پاس آیا عوتا تو آپ جاھے دنیا ی شراب بند کوافیائے کو ایکا تو دعوم کے ناتے کچھ خھال رتے ھی اُ معجب نہیں جندی ھے شانت اوک آور بام مارکی

बापू से !

باپر سے

ं चापू !

सोमनाथ के मन्दिर के खुत्तने का काम हुए हफ़्तों बीत गये, पर अखबार हैं कि अभी तक न आवाजे कसने से बाज आते हैं और न छीटे फेंकने से. यह अपनी धुन में इतने मध्त हो जाते हैं कि इन्हें यह तक याद नहीं रहता कि. बायु । ज्ञाप खुद एक बार एक गुरुद्वारे में एक अधना बढ़ी चुके हैं. यह ठीक है कि धन दिनों हिन्दुस्तान में चंगरेषों का राज था. पर इससे क्या ! आप सिंख धर्मी तो नहीं थे. आप तो सर्व धर्म समभावी थे, और 'सेकुतर' शब्द का 'सर्व धर्म समभाव' से अच्छा और क्या बर्थ हो सकता है ? बस, आजकत की हमारी सेक्रवर सरकार सर्व धर्म समभावी है, भौर इस नाते इमारी सरकार, सरकारी हैसियत से किसी को भी सोमनाथ का मन्दिर खोलने के लिये भेज सकती थी और एक अधना नहीं आधा करोड़ या आधा अरब,अगर उसमें समाई हो, तो स्रोमनाय के मन्दिर को दान दे सकती बी या उसमें बढ़ा सकती थी. पर ऐसा कुछ तो सरकार ने किया नहीं. हमारे रारट्रपति वो निजी हैसियत से वहाँ पहुँचे थे भौर उसी सिक्षसिते में सरकार ने योदा बहुत सर्च कर दिया था. पर इस बात को भी क्षेत्र नासमक पत्रकार ले उड़े और सर्ड का फावदा बनाकर जनता के सामने रख दिया. प्रभास पाटन में किस चीज की स्थापना हो रही थी, इससे सेक्कर सरकार के रारट्रपति को क्या मतलब. उनका तो सिर्फ इतना काम है कि यह यह जान लें कि वहाँ धर्म के रिवाज के माधिक नया काम शुरू किया जा रहा है या किसी प्रसाने रिवाज या प्रराने मन्दिर में फिर से जान बाली जा रही है, और सोमनाय में इसके सिवा और हुआ ही क्या ? मले ही हिन्दुस्तान के डरोड़ों बावमी और दुनिया के अरबों आदमी इस तरह की खिंग स्थापना की, बाज के क्माने में गिरा हुचा काम सममते हों, पर लाखों धादमी देखे भी तो हैं जो लिंग पूजा करते हैं और अपनों माँ-बहुनों, बेटियों से उसकी पूजा कराते हैं. तो क्या सेकुलर क्रकार ऐसी बाखों की वावाद बाबी प्रजा का विज तोड 💐 इससे क्या हुआ, अगर इस फाम में शामिल होने से काल दो जास कर्ष हो गये और इससे भी क्या हजा क्यार इस पाँच इकार रारीच आदमी भूके रह जायं. वह भूके रहे, खुशी से रहे, बगर चन्हें मूर्के रहने से होई किया वो वह करते दुसी होते. बापू ! इम सक कहते हैं कि क्रिने सी फीसदी कुचों को सूखी हड्डी चचोरते देसकर بابو!

سومناته کے ملدر کے کھائے کا کام هوئے هنعوں بیت گئے' پر اشدار میں که ابھی تک نه آوازے کسلے سے باز آتے هيں آور نه چيدائے بهدانکے سے ، يه ابنی دارن میں اُنّے مست هرجاتے هیں که اِنهیں یه آک یاد نہیں رہتا کہ باہو! آپ خود آیک بار ایک گرودوارے میں آیک اداما چوھا چکے ھیں. یہ تھیک ھے که أن دنون هندستان مين انكريزون كا راج تها . پر اِس میے کیا ! آپ سکھ دھرمی تو نہیں تھے . آپ تو سرو دھرم سمیهاوی تم اور اسیکولرا هید کا اسرو دهرم سمیهاو سم اچھا آور کھا ارتھ موسکتا ھے ؟ بس آج کل کی مماری سهکوار سرکار سرو دهرم سمجهاری هے' آور آس ناتے هماری سرکار' سرکاری حیثیت سے' کسی کو بھی سومداتھ کا مقدر کھولقے کے لگے بھینے سکتی تھی آور ایک ادعقا نہیں آدیا کروو یا آدھا ارب اگر اس میں سمائی ہوا الو سرملانه کے مرادر کو دان دیے سکھی تھی یا اس مهن چونا سکتی تهی ، پر ایسا کیچه تو سرکار لے کها نہیں . همارے رام مرتدی تو نصی حیثیت سے رهاں پہلچے تھ آور اُسی سلسلے میں سراد نے تھورا بہت خرچ کردیا تها . پر اُس بات کو بهی کچه نا ممجه پترفار لے اُڑے اور سوئی کا بھاروا بناکر جنتا کے سامنے رامدیا ، پراہاس باتن میں اس چیز کی ستهاپنا هو زھی تھی اس سے سیکولر سرکار کے راشتریعی کو کھا •طلب. أن كا تو مرف إنا كام هي كم ولا يم جان ليس کہ رھاں دھرم کے رزاج کے موانق نیا کام شروع کیا جارها ھے یا کسی پرانے رواج یا پرانے مندر میں پہر سے جان قالي جارهي هـ؛ أور سومناته مهن اسكيه سوا أور هوا هي کیا ؟ بہلے می هندستان کے کررز ں آدمی آرر دنیا کے أربوس آدمي اِس طرح كي للك ستهايلنا كو' آج كے زمانے ويس كرا هوا كام سمجهته هون بر لاكهون أدمى ليسه بھی تو میں جو للگ پوجا کرتے میں آرر ایلی ماں یہنوں' بیٹیوں سے اُسکی پوجا کراتے ھیں ۔ تو کیا سهكوار سركار أيسى لاكهون كي تعدأك رالي يرجا كا دل توردے ؟ اِس سے کیا ہوا کر اِس کام میں شامل ہوئے سے لاکھ دو لاکھ خربے هوگئے آور اِس سے بہی کہا هوا اگر دس پائیے هوار غربیب آدامی بہرکے رہ جائیں . وہ جو بهور ها خراهی سے رهے اگر انهوں بهوکے رهانے سے کوئی روکتا کو رو اُلگے دکری هوتے ، بایو! هم سے کہتے هیں که بعد اسو فیمسدی کترس کو سوکهی هذی چچورتے دیکھکر

MARINE LEVEL OF THE REAL REST

The state of the s

- सोमनाथ का सफ़र

(नमक पारा)

कुछ मत पूछी क्या क्या देखा !

हुने श्राक्षीदत्त वरपा देखा, दीन धरम का चरचा देखा श्रीम का ऊँचा मंडा देखा, श्राह ! तिर्या नीचा देखा और बताएँ क्या क्या देखा ?

मेला देखा, नर नारी का रेला देखा सत्य गुरू का चेला देखा, आग चिलम और गांजा देखा भीर बताएँ क्या क्या देखा ?

पूरी खुनते देखा, बाटा मैदा सनते देखा पेका बनते देखा, पेट भरों का चलना देखा और बताएँ क्या क्या देखा ?

राजेन्दर परशाद को देखा, सेक्यूलर धुनियाद की देखा टंडन जी उस्ताद को देखा, वैदिक काल का सपना देखा श्रीर बताएं क्या क्या देखा १

रिन्दों तक एक जाम न श्राया, रोटी का पैगाम न श्राया गांधी जी का नाम न आया, दूर वहां से चरखा देखा · श्रीर बताएं क्या क्या देखा १

पंडित और जदा धारी भी, ऊँचे ऊँचे ब्योगारी देखे अफ़सर सरकारी भी, हर माथे पर टीका देखा श्रीर बताएं क्या क्या देखा ?

आग लगी थी रोस में जिस दम, नीरी को सूमी थी छम छम कहीं पे देखा पेट का मातम, कहीं पे लड्ड बटता देखा श्रीर बताए क्या क्या देखा १

दीलत के दस्लाल को देखा, भारत के कंगाल को देखा श्रीर कन्हेया लाल 🖔 की देखा, उलटा देखा सीघा देखा भीर बताएं क्या क्या देखा १

रजवादों का जोवन देखा, घन वालों का दर्शन देखा लाचारों का सुमरन देखा, इमने भूका देखा कुछ मत पूछो क्या क्या देखा.

('उजाता' से)

" अदा की क्रमानत.

ें **हैं और करो**श साल मानिक साल मुंशी, केंद्र के के के कि

سومناته کا سفر (نىڭ ياھن)

الله مت پوچهو کیا کیا دیکها!

مغر معينسة بريا ديمها دين دهرم كا چرجه ديكها أوم كا أونجها جهدة العيماء أة أ ترنكا المنها اور بعائين کيا کيا ديکها ؟

جونا گذه کا میله دیکها نر ناری کا ریله دیکها أسع كرو كا نهيله ديكها أك چلم أور كالحا ديكها اور بتانهن کها کها خیکها ؟

علوه پوری جهنتے دیکیا آتا میده سنتے دیکیا لقو پیوا بنچے دیکھا، بیت بہروں کا چالقا دیکھا اور بتائين کيا کيا ديکها ؟

والمعدر يرشاد كو ديعها سيعيولر يتهاد كو ديكها للقن جي أستاد كو ديكها ويدك كال كا سهدا ديكها ارر پتالیں کیا کیا دیکھا ؟

راہیوں تک اک جام نہ آیہ اُ روٹی کا پیغام نہ آیا گاندھی جی کا نام نہ آیا اُ دور وہاں سے چرخہ دیکھا ا اور پتانهن کیا کیا ردیکها ؟

پنتات أورا جدادهاری بهی اولیم أولیم درواری بهی ويكهي افسر سركاري بهيئ هر ماته ير ثهكا ديكها S ان بعالین کیا کھا دیکھا S

إلى تعيروم ميںجسدم المروث وسوجهي تعي هام جهم كينهن يم ديكها يهت كا أاتم . مهين يم لدو بتعا ديكها اور بعائهن کیا دیکها لا

المؤلف کے دال کو دیکھا'۔ بہارت کے کلمال کو دیکھا أور كذبها الله الم و ديكها الكا ديكها سيدها ديكها أور بتالين كيا كيا ديكها ؟

رجواور کا جوین دیکها دهن والس کا درشن دیکها المهارون کا سمرن دیکها هم نے بهارت بهوکا دیکها كجه ست يوجهو كيا كيا ديكها

· (- () () ()

एक की जी जाह बैठ कर बाजा बजा रहा था.

شردها کی قیامی

الله المراق عليها وال مالك إلى ملهى والمراك والمعاود

नंतरतः (युस्ते में आकर)—वस ! वस !! अपनाः प्रदेश कालिमों और शोशकों को सुनाओ वही तुम्हारी रिक के गीत गायेंगे. सिद्यों के जुल्मों से तदी शरीब निता काद क्यादा बरदारत नहीं कर सकती. क्रत्याचारी है जिलाफ जिहाद बोलना ही पढ़ेगा. मैं, क्रत्याचारियों है कफन बन कर उनके साथ दफन होना पसन्द करूँ गी र तुम्हारी तरह ग़रीब के बाँसुओं और कमीर की शराब नों में यकसाँ प्यार रूपी केयड़े की यूदें मिलाने की हिमाकत हीं करूँ गी. तुम तो 'सब का मला करे राम' कह कर मिर होना चाहती हो और मैं 'अत्याचारियों का नाशा हो कह कर मिर जाना चाहती हैं.

कुछ देर दोनों खामोश रहीं. फिर मुइन्बत ने कहा— गव का भला करे राम' कह कर मैं अमर होना नहीं हिती, अमरता फैला देना चाहती हूँ. तुम 'अत्या-गिरयों का नाश हो' कह कर मिटती नहीं हो, और इकती हो. मैं अत्याचार ही को हड़प करके मानव को मर करती हूँ, अत्याचारी को भी अत्याचार से छुटाकर उचा मानव बना देती हूँ. तुम अत्याचारियों को हड़प रने के चक्कर में और भी अत्याचार फैलाती हो और बची ची मानवता को भी फुजसा देती हो. हाँ, अत्याचार रूपी हर पी सेने पर भी मेरी हार नहीं, मेरी जीत ही होती है. रैर तुम......

नकरत ने जवाब दिया—और मेरी जीत में भी मेरी र होती है!

मानवता खामोश खड़ी सुन रही थी. अब सामने गई और बोली—तुम दोनों एक तसवीर के दो पहलू. घूप झाँव का सा तुम्हारा साथ है. नकरत से ही हक्त की कदर है. घूप न हो तो झाँव लोग किसे कहेंगे. करत से मुहब्बत और मुहब्बत से नकरत का करक मम में आता है. मुहब्बत का आदर्श है बुरे आदमी गई छोड़कर मले बन जायं यानी लोग बुराई से नकरत है. मैं जिस दर्द से कराह रही हूँ बह कैसे दूर हो. आदमी आदमी का शोशन एक बीमारी है. शोशक और शोशित शा एक बीमारी के दो फोड़े हैं. नकरत खबरदस्ती का परेशन करने वाली डाक्टर बनकर सामने आती है और एकत कहती है—जान पान और हवा को शुद्ध करके पने खन को साफ करी. मुक्ते रास्ता निकालना है!

Mark the second of the second

المراجعة المحدد من الله المستوس المن المن المحدد ا

کچھ دیر درنوں خاموش رھیں۔ پھر محبت نے کہا۔۔
'سب کا بھلا کرے رام' کہکر میں امر ھونا نہیں چاھتی' امرتا پھیلا دیفا چاھتی ھوں۔ تم ' اتیاچاریوں کا ناش ھو' کہکر متنی نہیں ھو ارر بھوکتی ھو۔ میں اتیاچار ھی کو ھوپ کرکے مانو کو امر کرتی ھوں' اتیاچاری کو بھی اتیارچار سے چھٹا کر سچا مانو بفا دیتی ہوں۔ تم اتیاچاریوں کو ھوپ کرنے کے چکر میں ارر بھی اتیاچار پھیلاتی ھو اور بچی کھچی مانوتا کو بھی جھلسا دیتی ھو۔ میں' اتیاچار ربی زھر پی لینے پر بھی میری ھار نہیں' میری جیس ھی ھوتی ہاور تم

نفرت نے جواب دیا ۔۔۔ اور مہری جیت میں بھی میری ھار ھرتی ھے .

مانوتا خاموش کهوی سن رهی تهی اب سامنی آئی ارر بولی -- تم دونوں ایک تصریر کے تو پہلو هو . دهرپ چهاوں کا سا تمہارا ساتھ هے . نفرت سے هی محبت کی تدر هے . دهرپ نه هو تو چهاوں لوگ کسے کہیں گے . نفرت سے محبت اور محبت سے نفرت کا فرق سمجھ میں نفرت سے محبت کا آدرهی هے برے آدمی برائی جور کر بہلے بن جائیں یعنی لوگ برائی سے نفرت کریں . میں جسے دود هو . آد ی سے جسے دود هو . آد ی سے آدمی کا شوشن ایک بیماری هے . شوشک آور شوشت الهی ایک بیماری کے دو پهورے هیں . نفرت زبردستی کا آپریشن ایک بیماری کے دو پهورے هیں . نفرت زبردستی کا آپریشن ایک بیماری کے دو پهورے هیں . نفرت زبردستی کا آپریشن محبت کہتی ایک بیماری نور هوا کو شدھ کرکے نیے خرن کر صاف کرو . محبت کہتی محبھ راسته نکالغا هے !

The party of the

के शक्त क्केस रहे हैं है वा वह यह सममत है कि नगकीन जीर सह जों का देर देखकर मूर्ज नंगी जनता धर्म का असली मतलब समम जायगी है क्या टंडनजी, राजेन्द्र वाबू, मुंशी, गाडगिल और स्वर के साथ वेद मंत्र गाने वाले 150 पन्डितों ने धर्म का असली मतलब समम लिया है है धर्म का वह अन्धापन जो सिद्यों पहले दक्त हो चुका है, पिछ घसीट और हारों की वदब्दार सड़ी गली लाश को निकाल कर चाँदी सोने के वरक विपक्त कर किर चसमें जान डालने की (१) शोक्तेवाची करना टंडन जी, राजेन्द्रवाबू, मुंशी और गाडगिल ही नहीं, इस युगके बढ़े से बढ़े जादगर के लिये भी नामुमकिन है!

کے رائے تعکیل رہے جھی ؟ یا وہ یہ سنجھکے تھیں کے تعکیلی اور لقوؤں کا تھیر دیکھائر بھوگی آلگی جگاتا دغرم کا اصلی مطلب سنجھ جالھائی ؟ کیا تلقی جی راجندر بابو' منشی' لانگل اور سور کے ساتھ وید منتزر کانے والے 150 پاقتوں نے دھرم کا اصلی مطلب سنجھ لیا ہے گوری کا وہ اندھایں جو صدیوں بہلے دفن تعرچکا ہے' پچھ کیسیت اور ھاروں کی بدبو دار سوی گلی لاش کو نکال کر چاندی سوئے کے ورق چھکا کر بھر اُس میں جان کو نکال کر چاندی سوئے کے ورق چھکا کر بھر اُس میں جان ماشی آر لانگل ھی نہائی گیا سے بود ملشی آر لانگل ھی نہائی اِس یک کے بودے سے بود ماشی آر لانگل ھی نہائی اِس یک کے بودے سے بود مادور کے لئے بوئی نامیکن ہے ا

नफरत और मुहब्बत

(भाई खोम प्रकाश पालीवाल)

बीसवीं सदी हैं. नकरत और मुहब्तत में बहस हो रही है. मुहब्बत मुसकरा रही थी और नकरत नाराज थी. दोनों की आँखों से ओमल मानवता सुन रही थी.

नकरत ने कहा—मुक्ते तुम पर कोध आता है. मुहब्बत ने जवाब दिया—और मुक्ते तुम पर रहम! नकरत—क्यों ?

मुहब्बत—क्योंकि तुम अग्नि कुँड की तरह हर समय मुलगने के लिये झटपटाती रहती हो.

नकरत—और तुम घर बार छोड़े हुए साधू की तरह जातिम और मजजूम दोनों में प्यार कराना चाहती हो. शेर और बकरी को एक घाट पानी पिलाना चाहती हो. मुक्ते तुम्हारी इस हिमाकृत पर क्रोध आता है.

मुह्ब्बत (बढ़े प्यार से)—जालिम कौर मजल्म, शोशक कौर शोशित का भेदकरना तुम्हारी मूल है, बहिन! मानवता के इस तरह दुकड़े करने से काम नहीं चलेगा. घगर तुम्हें कहीं जुम्म दिलाई दे तो प्यार से ही जालिम को रास्ते पर साना इनसानियत है. दूसरा रास्ता हैवानियत का है. 'घल्वाचारियों का नारा हो' न कह कर 'अत्याचार का नारा हो' कहना ज्यादा मुनासिब है. कहीं बदले की मावना जिर बदले की माबना को जन्म न दे दे और इस शैतानी चकर का कभी चंत ही न हो.

نفرت اور محبت

(بهائني أوم يركاش باليوال)

بیسویں صدی ہے ۔ نفرت آور متعبت میں بعث مو رهی ہے ۔ متعبت مسکراً رهی تهی اور نفرت ناراض تهی ۔ دونوں کی آنکھوں سے اُوجھل صادرتا سن رهی تهی ۔

غفرس نے کہا ۔۔۔ مجھے تم پر کرودھ آتا ھے .

مصبت نے جراب دیا ۔۔ اور مجمد تم پر رحم ا نفرت ۔۔ کیوں ؟

معصبت - کورنکه تم اگذیکند کی طرح هر سبیے سلکنے کے لئے چہالی اتنی رهائی هو .

نفرت — آور تم گهر بار جهورے هواے سادهو کی طرح طائم آور مظاوم دونوں میں بیار کرانا چاهتی هو . شیر آور بگری کو آیک گهات بانی بلانا چاهتی هو . مجھے تمهاری آس حدالت پر کرودھ آتا ھے .

محصت (بڑے پہار سے) — طالم اور مطلوم' شرشک اور شوشت کا بھید کرنا تمہاری بھول ھے' بھی ا مانوتا کے اسطرح تکڑےکرنے سے کام نہیں چلے گا . اگر تمہیں کہیںطلم دکھائی دیے تو پیار سے ھی طاام کو راستے پر لانا انسانیت ھے . دارسرا راستہ حیوانیت کا ھے . 'اتھاچاریوں کا ناھی ھو' تھ کہکر 'اتھارچار کا ناش ھو' کہنا زیادہ مناسب ھے . کہیں بدلے کی بھارتا کو جنم نہ دے دے اور اِس عیدانی چکو کا کبھی اندہ ھی نہ ھو .

फिर से प्रतिरठा फिल्रके हैं बार की इंगिज नहीं हुई दोगी। इतना ही नहीं, यह प्रतिश्ठा 101 तोपों की गड़गड़ाइट, 74 जगहों की पाक जिल्ले के स्थानों के पित्र जिल्ल, 35 स्थानों की पाक जड़ी कूटियाँ और 150 पंडितों के स्वर के साथ वेद मंत्रों के गाने के साथ हुई. साथ ही 1800 मन कड़ कों और 4000 मन नमकीन का ढेर भी लगाया गया था. इस बार सोमनाथ बाबा को हरिजनों को भी दर्शन हेने होंगे, क्योंकि वह एक 'रोर साम्प्रदायिक' राज में प्रतिश्ठित हुए हैं!

यह सारी वातें अक्षत के दिवालियेपन के साथ ही एक बहुत बड़ा सवाज हमारे सामने रखती हैं. क्या यह 'ग्रीर साम्प्रदायिक' (सिकूलर) राज है ? और जनता की दशा सुधारने का यही तरीका है ? जिस देश में लेखक और पत्रकार, पंडित और विद्वान मूकों मरते हों, जहाँ हकारों लाखों रोगी बिना दवा के मर जाते हों, जहाँ आम जनता की तालीम, तन्दुरुखी और रहन सहन के साधनों की कमी हो, स्कूलों, पुस्तकालयों, पढ़ाई बरों, अस्पतालों, मनोरंजन की जगहों बरौरा की बेहद कमी हो, वहाँ लाखों रुपया एक मन्दिर में लगा देना-- और उस हालत में जब कि मन्दिरों की देश में कभी न हो और सैकड़ों मन्दिरों की पैसे की कमी के कारन मरम्मत तक न हो पाती हो-कहाँ तक ठीक है ? और उपयों से भी बढ़ कर अज्ञान भीर अन्धविश्वास को सरकारी तौर पर इस तरह बढ़ावा देना क्या मुनासिब है ? सब से ज्यादा दुख की बात है उन राश्ट्रपति के हाथ से इस मन्दिर की प्रविश्ठा कहर सनावन हिन्द्- अन्धेपन के तरीक्रे से करवाना जो भाज हिन्दू-मुसलमान, पारसी, सिख, इसाई, एँग्लो-इंडियन वरौरा नागरिकों के इस देश के सब से बड़े अधिकारी हैं. अगर वह शेव मत के होते, तबभी कोई बात थी. इसी तरह सोमनाथ के दूसरे प्रतिश्ठा करवाने वाले सरदार पटेल, जाम साहब, मुंशी और गाडगित भी रीय नहीं हैं. तब फिर इन खोगों का इस धर्म यह में मगुमा बनना क्या मानी रखता है ? जवाब साफ है—इन प्रव के लिये यह एक राजकाजी खेल ही है, जिसका मकसद है बिना पैसे सोमनाथ का सरकस दिखा कर भोले माले, अनपद और अझानी, गिरानी और वेचैनी में डूबे इंद की गों को इनकला वं के बजाय 'जय सोमनाथ' के रास्ते नर जाने की घेरना और भुकाबा देना. पिछकी 11 मई हो शाम के बक्त प्रभावपाटन में बोलते हुए टंडन जी ने यह साफ साफ कबूल किया कि 'पिछले क्याने में धर्म के असली मानी की निस्वत उस की बाहरी निशानियों को जियादा रहरव देने के कारन जमता को करट बठाना पदा'. फिर भी जिन की और उनकी कांगरेस सरकार के बढ़े बढ़े अधि-भरी पदा नहीं क्या सोचकर जनता को किर वसी करह

پہرسیرتھگھا پیچھکے جونہ بار تو فراو تہیں فرائی فرائی آنگا می نہیں فرائی فرائی آنگا می نہیں کی در تھا 101 تریس کی کوارافت ' 74 جانہوں گی باک مالی ' 35 استہانوں کے بوتر جل ' 35 استہانوں کی بوتر جل ' 35 استہانوں کی باک کو کری بولیاں اور 150 یفڈروں کے ساتھ ہوئی۔ ساتھ ھی 1800 میں لڈروں اور 4000 میں نمایھی کا تھی بھی 1800 میں بارسومانی بابا کو مریجھوں کو بھی درشن دیلے ھونگے' کھونک وہ ایک 'فھر سامیردایک' راج میں پرتشاہت ھوئے ھیں ا

يه سارى باتهى عقل كرديوالله إن كه ساته هي أيك بهت ہوا سوال همارے سآمنے رکھتی هرس ، کیا یه افهر سامیردایک (سیکولر) راج هے ؟ اور جندا کی دشا سدهارنے کا یہی طریقه هے ؟ جس دیمی میں لیکھک اور پترکار' پندس ارر ودوان بهوکوں مرتے هوں جهاں هؤاروں لاکهوں روگی بنا درا کے مرجاتے هوں' جہاں عام جلتا کی تعالم' تلدرستی اور رهبی سین کے ساتھنوں کی کمی هو اسکولوں پستکا دوں يزهائي گهرون اسپتالون مقررتجن کي جگهون وفهره کي ي حد كمي هو وهال الكهرل رويها أيك ملمر مين لكا دينا ــ أور أس حالت مهن جب كم مندرون كي ديش میں کئی تع ہو اور سیکورں مقدروں کی بیسے کی کدی کے کارن مرمت تک نے ہوہاتی ہو ۔۔ کہاں تک تھک ھے ؟ آور رویھوں سے بھی ہوہ کر اکھان اور الدھ رشواس کو سرکاری طور ہر اس طرح بوهاوا دینا کیا مناسب ہے ؟ سب سے زیادہ دکھ کی بات ھے اُن راشدر پدی کے هاته سے اس مندر کی پرتشتها کثر سفانی هندو اندهے بن کے طریقے سے کروان جو آبے هندو' مسلمان' ہارسی' سکھ' عیسائی' اینکار اندین وقهرہ ناگرکوں کے اِس دیس کے سب سے برے ادھیکاری ھیں . اگر وہ شہومت کے ہوتے' تب بھی کوئی بات تھی ایسی طرح سومذاتھ کے دوسرے پرتشٹھا کروائے والے سردار پھیل جام صاحب منشی ارد کاتکل بھی شہو نہیں هیں . تب پهر أن لرگوں كا اس دعوم يكهم ميں ألوا بننا کیا معلی رکھتا ہے ؟ جواب صاف ہے -- ان سب کے لئے یہ ایک رآج کامی ٹیهل هی هے' جس کا متصد هے بنا پیسے سومقاته کا سرکس دکھا کر بھولے بھالے' آن جوہ اور اکھانی کرانی آور ہے جھٹی میں دویے ہوئے لوگوں کو انقلاب کے بجھائے لیے سومقاتہ کے راستہ ہر جانے کی پزیرتا اور بہلاوا دینا ۔ پچھلی 11 مکی کو شام کے وقت پر بھاس باتن میں بولعے هوئے تلقن جي نے يه ماف صاف تبول کیا که ، پچھلے زمانے میں دھرم کے اصلی معلی كى نسبت أسعى باهرى نشائهون كو زياده مهدو ديد کے کارن جدیا کو کشت اُٹھانا ہوا ،' ہمر بھی ٹنگس جی اور آن کی کانگریش سرکار کے بوت بوے ادھیکاری یته انبین کیا مین کر جاتا کو بهر اس کشت

इन क्षांस अभी के पूसने को क्रम के नाम पर पंताया. वेरनको ने तो राचा कुरन के बनाबढ़ी प्रेस और अंगार के रूप के खुले जाम व्यमिनार का प्रचार किया और द्वारी तरफ औरत मर्द के वापसी कुद्रती सम्बन्धों को ज्याता से ज्याता बन्धनों और हरियों के जाल में कस दिया. इसका असर छटा दुआ, जिसका नतीजा हुआ जिस्सानी, विमाशी, समाजी और तरह तरह से समाज की गिराबट, कमजोरी और खोखलापन इस तो इस बात को सोच भी नहीं सकते कि कोई भी देश, कोई भी समाज इतना वेशरम और ना समम कैसे हो सकता है कि खुते आम धर्म के नामपर अपने लड़के लड़कियों और बहु-बेटियों के सामने चौरत मद के गुप्त अंगों की पूजा करे! और पेसे पूजकों का बाज को हाल है, उसका देश भर में फैली वेश्याओं, देव-दासियों, साधु संन्यासियों और बद्बलनी के अड़े बने मठ-मिन्दरों और सड़ी गली मौजूदा नस्तसे डुड अन्दाजा किया जा सकता है.

सोमनाथ के सम्बन्ध में फैली हुई भूटी सची बहुत सी अफबाहों को यहाँ बयान करना बेमौका होगा. पर पिछली 11 मई को 'गैर साम्प्रदायिक' भारत के रार्ट्रवित ने पीताम्बर पहन कर प्रभासपाटन में सोमनाथ की जो फिर से प्रतिश्टा की है, वह कई निगाह से ग़ौर करने की चीज है, बहुत से भारती अखबारों में न सिर्फ फिर से 'जय सोमनाव' का नारा ही गुँजाया गया, बल्कि इसका इतना धुँआधार प्रचार प्रोपेगेंडा हुआ कि कुछ छन के लिये शायद बिहार, आन्ध्र और राजस्थान के भूके पेंटों को धर्म ह्रपी अफ़ीम की पीनक का नशा भी मासूम हुआ हो तो अवरज नहीं. भूकी नंगी जनता को लड्डु कों के ढेर के साथ साढ़े सात फुट ऊँचे कसीटी के पत्थर के शिव लिंग के दर्शन कराना कितना बड़ा घोका श्रीर राहारी है, इसे शायद यह ना समक और वे जवान अधि पशु न समक सकें. यह लगभग वैसा ही है, जैसे कोई मुक से तद्यते हुए बच को भुत्रभुता बजाकर या गुड़िया दिखा कर फुसलाना चाहे. मन्द्रि के निर्मान में 9-10 बरस और 60 65 सास रुपए सरोंगे, यह अन्दाजा है. इसमें 30 काल के लगभग जमा हो भी चुका है. मन्दर के किनारे 3000 एक इ अमीन लीगई है, जहाँ जबाहरात जड़े 56 खंभों पर 13 मं जिल का मन्दिर खड़ा किया जायगा. मन्दिर के तीन हिस्से होंगे-गर्भ गृह (सब से अन्दर का हिस्सा जहाँ केवज पुजारी ही जा सकता है), गृद मंडप (बीच का हिस्सा) और नृत्य गृह (नाच घर जो सबसे बाहर का हिस्सा है). संगम्या के क्योतिर्तिमा के पीछे पार्वती की सूर्ति होंगी. सन्दिर के सिर की तरह 14 सोने के कलश-वाले सीनार होंगे और कई को सीने की जंजीर से बजने-वाले सीने के पहिचाल जर्गेंगे इसी बदकर सोमनाथ की ان کامن الگیں کے پیچائے کو فقیم کے الحاولی چونے اور موناور کے روب میں الملے عام ویوبھتور کا پیچائے اور کھا اور دوسری طرف عورت صرد کے آیسی قدرتی سمیددھوں کو زیادہ سے زیادہ یقدهنوں اور روزادیں کے جال میں کینے دیا ۔ اس کا اثر القا ہوا' جس کا نتیجہ ہوا میتوری اور کھوائی سداجی اور طرح طرح سے سماج کیگولوت' کینوری اور کھوائی بن ۔ ہم تو اِس بات کو سوچ بھی نہیں سماج اتفا نے شرم اور اسمجھ ایسے ہوسکتا ہے کہ کھلے عام دھرم کے نام پر اپنے ناسمجھ ایسے ہوسکتا ہے کہ کھلے عام دھرم کے نام پر اپنے المحجھ ایسے ہوجا کرے! اور ایسے پوجموں کا آج جو حال ہے' اسکا دیکی بھر میں بھیلی ویشیائی' دیوداسیوں ' سادھو اسکا دیکی بھر میں بھیلی ویشیائی' دیوداسیوں ' سادھو سری گلی صوچودہ نسل سے کچھ اندازہ کیا جا ساتھا ہے۔

🧦 سوممالته کے سدبلادہ میں پھیلی ہوئی جہوتی سچی بہت سی افواہوں کو یہاں بیان کرنا نے موقع ہوگا۔ در پچھلی 11 مٹی کو ' فیر سامپردایک' بھارس کے راشتر یعی نے پہتامہر بہانکو پربہاس باتن میں سومفاتھ کی جو پہر سے پرتشاها کی ہے' وہ کئی نگاہ سے فور کرنے کی چیز ھے ، بہت سے بھارتی اُکہاروں میں اند صرف پھر سے ' جے سوسفاته ' كا نعره هي كنجايا كما بلكم إسكا أتنا دهوان فھار پرچار پریکلڈا ھوا کہ کچھ چھن کے لئے شاید بھارا آفدهر اور راجستهان کے بھوکے پیٹوں کو دھرم روپی افھم کی پیٹک کا نشہ بھی ماور هوا هو تو آچرے نہیں ۔ بھوکی لنگی عملتنا كولدوورك دههرك ساته سازه سأت فت أو حج كسولي کے یعمرکے شدرلاگ کے درشن کوانا کتنا ہوا دھوکا اور فداری هُ اس شاید یه ناستجه اور یه زبان آده پشو نه سنجه سَعَهِن . زَمُ لَكَ يُهِكُ ويسا هي هُ جهس كُواني يهوك س الوياتي هوأء بنج كو جهلجها أبجا كريا كويا دكها كر يهسانا چھاتے . مندر کے نرمان میں 10-9 برس اور 65-60 لاکھ وَوْلِهُ لَكُولَكُمُ لِمُ الدَّارِةِ هِي أَسِ مِينِ سِر 30 لاكه كِي لگ المُهُلُّ جَمِع هو بهي هرچه هي مندر کے کنارے 3000 ايکر وَمُنْهِنِ لِي كُدُى هِ عُهُ جَهِال جواهرات جوم 56 كهموس پر 15 منزل کا مقدر کھی کیا جائیکا ، مندر کے تین حصے المواكلة -- كويه كرة (سب سے اندر كا تحدة جياں كهول المحاوي هي جا سكتا هي) اوره ملذب (بيج كا حصد) أَوْوَ الْمُرْتَقِعَ كُرُهُ (تَابِعِ كُهُر جُو سَبِ سِهِ بِاهْرِ كَا حَصَمَ هِمْ) . المنفلات الموسول كے جهوار للگ كے بيجه دارواي كى عاوراتي العوالي ملدر کے سر کی طرح 14 سرنے کے کلھی والے مُهدار هواكم أبوركتي الرب اسرة كي زنجير في يجلع والم سول کے لوریال اعمالے، اِس سے بوهکو سرمتاالورکی

- الله على هو تو- عجه دهى حدق لها هونا الرقب بالراق گريدان مين مدة دالير ديكها هوتا؛ تو شايد ندرت كي بمع هم محمود کا احسان هی مانتے اور آج هماری حالت انتی يري أور گري هواي نه هوتي جندلي كه هي هندو لوگ سلسار کی دوسری جا پین سے دھرم کے معاملے امیں کہیں ادیک اندھے اور لکیر کے فقیر امیں؛ کیرنکم ادھیانم (ررحانیس) اور درشن (فلسفه) أن كے اجیون پر كافی بیلے سے چھارا رہا ہے . وہ آسانی سے مسلمانیں کو مورتی بهنجک (بت شکن) کیکر آله من میں بولے گھملڈ)اور بویپی کا سا انوبهو کرتے رہے هیں . در سے تو یه آھ که نرکی راکار ایشور کے آپاسک مولے کا دعوق کرکے بھی انہوں نے اپنی ہرجا کا آدھار پتھر کے جن تکورں کو بنایا ھے' اُن کی کریا بِے نه صرف إن كي پرجا أباسنا كاهي دواله نكل كيا هے، بلكه به خرد بهی جر پتهر بن کئے هیں . اِسی دراهتنا سے له بهجه چلنے والوں کو بچانے، کے لئے مارٹن لهوتهر نے ررب امیں کیتھالکوں کے پونکا ہنتھی بن کے خلاف آواز تھائی تھی اور اِسی کے خلاف حضرت متحمد نے قران شریف سيس مررتي بوجا كو كهرر أدنارمك (المذهبي) بتاياً، س پرستی کے خلاف کہری اشرداعا بھر کر انھوں نے مسلماتوں و دهرم کے نام پر چانے والے ادهرم اور الیان سے کانا بنچایا؟ س کا پتہ بت برستوں سے بہت سیباتوں میں مسامانوں ا مقابله كرني بر صاف ماف لك كا ويسير تو 'دهرم' شبدهي م اکیان اور ناممجھی کا پریائے (هم معنی) بن کیا ھے؟ ر إسكم ساته مورتى پرجا جيسے جو باهرى پائهلد دهرم یں جور گئے ھیں' اُنہوں نے سماج کو اور بھی کمزور کر دیا اُ ہ. اسی لئے سوامی دیاند سرسوتی نے پتھر پوجا کے خلاف بردست آواز اُتهائی (اور اُنهدن اکهانی اور نا سمجه سمای نے عیانمام دیا ، جو مهسی و کاندهی کو ملا!)

یر انده وشواس کو متالے سے بھی بوهکر محدود کے بیچھے شاید یہ خیال بھی رہا ہو کہ دمی کے اِس خاص انگ کی پوجا کسی بھی سبھیہ اور منسکرت (شریف) سماج کے لئے مفاسب نہیں ۔ یہ مارا ابنا اندازہ هی ہے ۔ پر اُن میں شہولنگ کی جو تھا ہے' اُسکا خلاصہ بھی ہمیں یانھکوں کے سامنے رکھنے سامس نہیں ہو رہا ۔ بیت اور لنگ کی طرف اداک عمان آدمی میں جانوروں کی طرح قدرتی ہے ۔ اس پر میں چکوائی نے ایک ایسا پردا ذال دیا ہے' جس سے میں کی بدشکنی تعک سی گئی ہے ۔ پرانوں کے زمانے کے سامے میں کافی قرق ہے ۔ س سے میں اور آجکے سماج میں کافی قرق ہے ۔ س سے میں اور آجکے سماج میں کافی قرق ہے ۔ س سے میں اور آجکے سماج میں کافی قرق ہے ۔ س سے میں اور آجکے سماج میں کافی قرق ہے ۔ س سے میں اور آجکے سماج میں کافی قرق ہے ۔ س

सी सचाई हो तो कुछ भी सबक्र लिया होता, एक नार अपने गिरेबान में मुँह बाल कर देखा होता तो शायद नफरव की जगह हम महमूर का पहसाम ही मना ते और का ज हमारी हाकत इतनी सुरी चौर गिरी हुई न होती, जितनी कि है. हिन्दू लोग संसार की दूसरी जातियों से भर्म के मामले में कहीं अधिक अन्धे और तकीर के फकीर हैं; क्योंकि काश्यातम (ह्रहानियत) श्रीर दर्शन (फलसफा) उनके जीवन पर काकी पहले से छाया रहा है. वह बासानी से मुसल-मानों को मूर्ति-भंजक (बुतशिकन) कहकर अपने मन में बड़े घमंड और बद्दानहा-सा अनुभव करते रहे हैं. पर सच तो यह है कि निगुन तिराकार ईश्वर के खपासक होने का दावा करके भी इन्होंने अपनी पूजा का आधार परथर के जिन दुकड़ों को बनाया है, उनकी कृपा से न सिर्फ इनकी पूजा-उपासना का ही दिवाला निकल गया है, बल्कि यह खुद भी जड़ पतथर बन गए हैं, इसी दुर्घटना से अपने पीक्के चलने वालों को बचाने के लिये मार्टिन ल्यूथर ने योरप में कैथालिकों के पोंगापंधीपन के खिलाक आवाज एठाई थी और इसी के खिलाक हजरत मुहम्मद ने क़रान शरीफ में मूर्ति-पूजा को घोर अधार्मिक (लामजहबी) बताया. ब्रुतपरस्ती के खिलाफ गहरी अश्रद्धा भरकर इन्होंने मुसलमानों को धर्म के नाम पर चलनेवाले अधर्म और अज्ञन से कितना बचाया, इसका पता बुतपरस्ती से बहुत सी बातों में मुसलमानों का मुकाबला करने पर साफ साफ लगेगा. वैसे तो 'धर्म' शब्द ही आज अज्ञान और नासममी का पर्याय (हम मानी) बन गया है; पर इसके साथ मृर्ति-पूजा जैसे जो बाहरी पाखन्ड धर्म में जुड़ गए हैं. जन्होंने समाज को और भी कमजीर कर दिया है. इसी लिये स्वामी द्यानन्द सरस्वती ने पत्थर पूजा के खिलाक जबर-द्स्त आवाज एठाई (और उन्हें अज्ञानी और ना समम समाज ने वही इनाम दिया जो ईसा व गांधी को मिला!)

पर अन्ध विश्वास को मिटाने से भी बढ़कर महमूद के शिव-लिंग तोड़ने के पीछे शायद यह ख्याल भी रहा हो कि आदमी के इस लास अंग की पूजा किसी मी सभ्य और संस्कृत (शरीफ) समाज के लिये मुनासिब नहीं. यह हमारा अपना अन्दाजा ही है. पुराण में शिव-लिंग की जो कथा है, उसका खुलासा भी हमें पाठकों के सामने रखने का साहस नहीं हो रहा. पेट और लिंग की तरफ अधिक ध्यान आदमी में जानवरों की तरह अव्यक्ती है. इस पर उसकी खुराई ने एक ऐसा परदा डाल विवा है, जिससे उसकी बदशकती ढक-सी गई है. पुराणों के अवाने के समाज में और आज के समाज में काफी करक है. उस समय जो भी कारन और वातावरन रहा हो, पर आज उस तरह की पूजा को आदी रखना एक शरम-आफ पिख घसीट है. एक उसक हो समाज में आपना मई के स्वार पर शरम-

ارا یہ گارس کوتا ہے گھ جم آس سے ہو تھے۔ اندازہ یہ جرتا ہے کہ سرمناتھ کے حملے کا مقابلہ اندازہ یہ جرتا ہے کہ سرمناتھ کے حملے کا مقابلہ ایک اندازہ یہ جرتا ہے کہ راجہ کی فوج (رجاس کی جنتا میں ایعنی اس عالمے کے راجہ کی فوج (رجاس کی جاتا میں ایعنی بیشت کی آشا کی روبہلی ریکھا دیکھتے ہوئے۔ حداری اس حار کا خاص کارن تھا دیھی کا بہت یہ الگ الگ متوں فرقوں اور جاتیوں میں بتا ہونا اور راجے مہاراجوں کی آپسی لاگ قانت ، بدلستی سے بہ زهریلی مادتیں اور برائیاں اِنٹی حاروں کے بعد بھی حم سے سے کانیں نہیں ، سنچے معنی میں تو ایک راشاریکا اور حات پرستی فرقہ جسکا کھا جستی اور شہوت ہے دیھی کا باتوارا اور جات پرستی فرقہ برستی اور سرتے کا روز ا

اب سومنانه کے اِنہاسی پہلو پر بھی ڈرا پراھ ألهن براد ون أور مهابهارت مين جسم 'آنرت' تتها لرى مد بهالوت ميں جسے 'آنرت پری' کہا کیا ہے' سی کو پانٹی نے 'سراشتر' اور بعد کے سنسکرت ساھندہ سیس 'سوراشتر' نام سے پکارا لیا ہے . رک رید (2-95-7) میں جس سرسوتی کا ذکر ہے وہ اُسی علاقے میں بہتی ھی اور اُسی کے کنارے پربھاس نگر (پرانوں کے انوسار پربھاس کھنڈ') تھا . يہيں دواركا سے آكر شرى كرشن كے المرير جهورنے کا ذکر بھی اِسکند پران میں ھے . یہاں هاص مندر شیو کامی تها . پر گلیش وشنو سورج فهرہ کے مندر بھی تھے' جسکے کارن یہ هندووں کا أیك عبت برأ تهرته هوكها تها - سومناته كا منذر أريس كا يها مغدر سمنجها جاتا هے جو بارہ جهوترلدگوں میں سے پہلے سرمناتھ (چاند) کے نام پر بنایا گیا تھا ، کہتے ھیں یلے سوم (جاند دیوتا) نے یہ سونے کا مندر بنوایا . ھد میں رارن نے اُسی جگھ جاندی کا اور پھر شری ارشن نے اکری کا ، اُن کے بعد وللبھی واجاوں نے 700-700 عهسوی اور پهر سولنکی راجان نے اُسکا رب بدل دیا . 1024 میسوی میں سومذاته پر معتمرد فزنوس کے حملے کے سمبندہ میں کاتھیاوار گزیتیر بھی ایک ہوا معرکے کا بھان ہے . وہ یہ که معمود نے قر جب شهوللگ کی پوجا کا 'مهاتم' سفا' تو کرودھ کے ماوس أس في أسم توراديا . مددر تو بعد مهن أسكم سعسالر میتها خال نے تورایا بعالے هیں .

جن لوگوں لے إنهاس كو أيتى كمزورى چههائے كے لئے و سامهزدارك چشيے سے ديكها هے أنهيں بهلے هى إس بقنا ميں أيك مسلمان يا فهر هفدو كى أبه دعرم بين فسلي ذكهائى دے پر هميں تو أيسا لكتا هے كه أثر هما يا محصود كى إس كهائنا ہے — أثر أس ميں كوئى يا محصود كى إس كهائنا ہے — أثر أس ميں كوئى

हारता वह खाँचत करता है कि इस वह समय भी कुल्के हुन्हें और वर्म के मामलों में बन्धे वे. यन्तावा यह होता है कि सोमलों के हमले का मुकाबला शायद कवेले उसी इलाके के राजा की फीज (वहाँ की जनता नहीं) ने किया होगा और दूसरे राजे महाराजे उसकी हार में अपनी जीत की आशा की उपहली रेखा देखते होंगे. हमारी इस हार का खास कारन या देश का बहुत से अलग अलग मतों, कि खार जीर आसियों में बँटा होना और राजे महाराजों, की खापसी लाग डाँट. वदकिसमती से यह कहरीली आदतें और खुराइयाँ इतनी हारों के बाद भी हम में से गई नहीं. सच्चे मानी में तो एक रास्ट्रीयता हम में आज तक मी नहीं आ सकी है, जिसका खुला नतीजा और सबूत है देश का कटवारा और जात परस्ती, फिरका परस्ती और स्वा परस्ती का जोर!

बाब सोमनाथ के इतिहासी पहलू पर भी जरा प्रकाश डालें. पराणो और महाभारत में जिसे 'आनत्त' तथा श्रीमद भागवत में जिसे 'आनर्शपुरी' कहा गया है, उसी को पाणिनी ने 'सुराष्ट्र' और बाद के संस्कृत-साहित्य में 'सीदाष्ट्र' नाम से पुकारा गया है. ऋग्वेद (7-95-2) में जिस सरस्वती का जिकर है, वह उसी इताक़े में बहवी थी और उसी के किनारे प्रभास नगर (पुराखों के अनुसार 'प्रभास खंड') था. यहीं द्वारिका से आकर श्रीकृशन के शरीर छोड़ने का जिकर भी स्वन्दपुरान में हैं. यहाँ खास मन्दिर शिव का ही था. पर गनेश, विश्तु, सूरज वरौरा के मन्दिर भी थे, जिसके कारन यह हिन्दुओं का एक बहुत बड़ा तीर्थ हो गया था. सोमनाथ का मन्दिर आयों का पहला मन्दिर समका जाता है, जो बारह ज्योतिर्लिङ्गों में से पहले सोमनाथ (चाँद) के नाम पर बनाया गया था. कहते हैं पहले सोम (चाँद देवता) ने यह सोने का मन्दिर बनवाया. बाद में रावन ने इसी जगह चाँदी का और फिर श्री क्रश्न ने सकदी का. उनके बाद बल्सभी राजाओं ने 500-700 ई० और फिर सोलंकी राजाओं ने उसका रूप बद्दल दिया. 1024 ई० में सोमनाथ पर महमूद राजनवी के हमले के सम्बन्ध में काठियाबाद-गर्ज टियर में एक बढ़ा मार्के का बयान है. वह यह कि महसूद ने षाकर जब शिव-लिंग की पूजा का 'महात्म' सुना, तो कोध के मारे उसने उसे तुड़वा दिया. मन्दिर तो बाद में चसके सिपद्दसालार मीठा खां ने तुद्वाया बताते हैं.

जिन लोगों ने इतिहास को अपनी कमकोरी छिपाने के किये और सांप्रवायिक बरने से देखा है, उन्हें भले ही इस घटना में एक मुसलमान या रौर-हिन्दू की अपने धर्म के क्षानिनी दिखाई दे, पर हमें तो ऐसा लगता है कि अगर इसने महमूद की इस घटना से—अगर इसमें कोई

دهس گلیت گرا کی گوشش کی ہے وہ اس بات کو بھی اور ہاتے ہیں اور کی انہم کا قرز دیئے اور ایم جاتا کو دهرم روپی انہم کا قرز دیئے اور ایم شان شوکت کے دکھاوے کے اور شان شوکت کے دکھاوے کے اورنگ زیب وفہرہ آبنی جہت کی نشانی کے روپ میس مندر تورکر وہاں مسجد بنواتے تھے ، یہ دهرم کا نہیں سرباروں سرداروں کی تکر کا ایک فرو بی انگ تھا ، پہر یہ بھی سب جانعے ہیں کہ هندووں کے مندروں اور مورتیوں میں اتنا سونا اور قیدتی زیور کپرے وفہرہ رهتے تھے کہ اوئی بھی لقیرا انہیں دیکھ کر انہیں لوائے کا لوبھ روک بیس سکتا تھا ، کہتے ہیں کہ سومناته کے مندر میں بواتی سونا لکری بھیر پر لکا تھا ، وہاں کے شیولنگ کو توری پر وہ بھیتر کے آدگن تک منوں سونا لکری تہر پر لکا تھا ، وہاں کے شیولنگ کو توری پر وہ بھیتر

ے کھوکھا نکا اور اس میں کافی سونا اور جواھرات وفھرہ

علم بتلائم جاتے هيں.

اگر ایک پل کے لئے هم یہ مان بهی لیں که اوپر لکھی اتوں میں سنچائی کا حصہ کم ھے اور ودیشیوں کے حملے وق سے آدھک ھمارے دھرم پر ھی حملے تھے' تو ایک ات سمجه میں نہیں آتی کہ آخر فزنی کی سیٹا بہارت ا شیربهکارس سے آدھک تو رھی نہیں ھوکی ۔ پہر کیا ارن ہے کہ سوم دیو کی رکشا نہیں هوسکی ؟ کچھ رگیں نے لکھا ہے که سومقاته کی رکشا کے لیّے الشوں پر شیں جم کئیں' خرن کی ندیاں بہ کئیں اور اس طرب ام آلے ویروں کے یکوپویت (جنبوی) کے دھیر لک گئے! اگر حملے کے بھاری پن کو بڑھائے کے لئے بھی یہ سب نها کها هے تو بھی بہت ہوی رقمیداً مبالغه اور دھوکا مان يوتا هے . اگر اتها تكوا و ودھ هوا هوتا ، تو شعرو كبهي ع جهتتا . اس سدبنده مهن ایک بات یه بهی مشهور هے له جب فزاری (یا شاید اورک زیب) کے لوگ چوھے رھے تھے' تو انیک چھٹری ویروں نے اپنے آپنے میان سے اوار نکال کر بھکوان سومغاتھ سے پرارتھنا کی کہ اگر وہ کھا دیں، تو شعرو کا کام عمام کردیا جائے ، پر کالے پعمر کے س شیرلنگ میں آئیا دیئے کی طاقت ہوتی' تبھی و وہ آگیا دیتا ۔ جنانچہ سومناتھ کے یہ ویر پوجک تو کیا کی آدید میں تلواریں نکالے هی رہے اور شترو کی عرف کے لوگوں کے آگو اُنہیں تلواروں سے کاجر مولی کی الرم إنهيس كات ةالا مع ينقر بجاري مندر ميس مال راتے تھے' وہ اپنے سومغانہ بھاران کو چھورکر کب بھاگ ئے' کسی کو پتہ بھی نہ چا! !

ارپر کی اِتہاسی افراہرں میں کٹنی سچائی ہے' یہ کہنا تو کٹھن ہے؛ پر اُتنا تو صاف ھی ہے کہ سومناتھ کی ہار نے اُس دیش کو فلم بنادیا۔

हुरामन साचित करने की कीशिश की है, वह इस बाद की मूझ जाते हैं कि जिस तरह हिन्दू राजा जनता को यम क्यी अफ़ीम का डोज देने और अपने मताप और शान-शौकत के दिखाने के लिये शानदार मन्दिर खड़े करते थे, ठीक इसी तरह औरंगजेन नगरा अपनी जीत की निशानी के रूप में मन्दिर तोड़कर नहाँ मरिजय नननाते थे. यह धर्म का नहीं, सरदारों सरदारों की टक्कर का एक जरूरी अंग था. फिर यह भी सन जानते हैं कि हिन्दुओं के मन्दिरों और मूर्तियों में इतना सोना और क्रीतमी जेनर कपड़े नगरा रहते से कि कोई भी लुटेरा उन्हें देखकर उन्हें खूटने का लोभ रोक नहीं सकता था. कहते हैं कि सोमनाम के मन्दिर में किवाड़ों से लेकर भीतर के आंगन तक मनों सोना लकड़ी-पत्थर पर लगा था. वहाँ के शिव-लिंग को तोड़ने पर वह भीतर से खोखला निकला और उसमें काफी सोना और जनाहरात नगरा निकले नतलाए जाते हैं.

चागर एक पल के लिये हम यह मान भी लें कि ऊपर जिस्बी बातों में सचाई का हिस्सा कम है और विवेशियों के हमले लूट से अधिक हमारे धर्म पर ही इमले थे, तो एक बात समम में नहीं भाती कि चास्तिर राजनी की सेना भारत के शिवभक्तों से अधिक तो रही नहीं होगी. फिर क्या कारन है कि सोमदेव की रचा नहीं हो सकी ? क्रम्ब लोगों ने लिखा है कि सोमनाथ की रज्ञा के विये बाशों पर बाशें जम गई, खुन की निद्यां बह गई चौर इस तरह काम भाग वीरों के यक्कोपवीत (जनेक) के ढेर लग गए! अगर इससे के भारीपन को बढ़ाने के क्षिये भी यह सब कहा गया है, तो भी बहुत बढ़ी विडम्बना सुवासता और घोका जान पढ़ता है. अगर इतना तगड़ा विरोध हुआ होता, तो शत्रु कभी न जीतता. इस सम्बन्ध में एक बात यह भी मशहूर है कि जब राजनवी (या शायद भौरंगजेब) के लोग चढ़े था रहे थे, तो अनेक चत्री वीरों ने श्रपने अपने स्थानसे तलवार निकाल कर भगवान सोमनाथ से प्रार्थना की कि अगर वह आहा दें तो रात्र का काम तमाम कर विया जाय. पर काले पत्थर के उस शिव-लिंग में आहा देने की ताक़त होती, तभी तो वह आहा देता. चुनाचे सोमनाव के यह वीर पूजक तो बाझा की उम्मीद में तलवारें निकाले ही रहे और राज्य की तरक के लोगों ने भाषर चन्हीं तलवारों से गाजर मूली की तरह इन्हें काट डाला. जो पंडे-पुजारी मन्दिर में माल डड़ाते थे, वह अपने सोमनाय भगवान को छोड़ कर कब भाग गए. किसी को पता भी न चला !

जपर की इतिहासी अफवाहों में कितनी सचाई है, यह कहना तो कठिन है; पर इतना तो साफ ही है कि सोमनाय की हार ने इस वेश को गुज़ाम बना दिया.

(जय ?) सोमनाथ

(भाई मोहनसिंह सेंगर)

[यह लेख हिन्दी माहवारी रिसाले 'तरण' (फलकता) से लिया गया है. केवल कुछ राब्दों की जगह जरा जासान शब्द रख दिये गए हैं—एडीटर]

किसी ने हिन्दुस्तान का मुकाबला एक ऐसी भोली, बेबस और सीधी सादी औरत से किया है जिस पर कई लोगों ने हमले किये, बलात्कार किये, उसे लूटा, मारा; और वह फिर से जैसे अपने कपड़े माड़कर गुजारा करने की चिन्ता से चूल्हे के पास जा बैठी-मानो जो कुछ हुचा, वही डसकी क्रिस्मत में था! और किसी समय यह बात चाहे जागू न भी हो, पर सोमनाथ पर बार बार के हमले - जैसा कि इतिहास से पता चलता है-इस बात को ठीक साबित कर रहे हैं. पिछली 11 मई को सौराश्ट्र के अन्दर प्रभास-पादन में जिस सोमनाथ की स्थापना हुई है, कहते हैं वहाँ के मन्दिर, लिंग-मूर्ति या बस्ती पर ई० 1024, 1227, 1318, 1395, 1511 और 1520 में हमले हुए. आखिरी हमला या बरबारी खीरंगजेब के समय की बतलाई जाती है, जिसने सोमनाथ के मन्दिर की जगह एक मस्जिद बनवा दी. भारत का ग्यारहवीं से सोलह्वीं सदी तक का इतिहास बतलाता है कि बैर, बदला, इत्या या धर्म बदलवाने की निस्वत उस जमाने के हमलों का खास मक्सद सिर्फ लूट था. इसलिये सोमनाथ पर इन हमलों का सम्बन्ध धर्म या मजहब से जोड़ना इतिहास भीर सचाई के साथ ज्यादती करना है. सही बात यही लगती है कि दूसरे देशों से अधिक उपजाऊ होने के कारन हमारा देश उन दिनों खुशहाल था. इसलिये जहाँ कहीं गुजर बसर की इतनी सुविधा नहीं थी, वहाँ के लोगों का हमारे खुशहाल देश की तरक लिंचना स्वाभाविक था. पर माज हम जो गला फाड-फाड़ कर यह कह रहे हैं कि सोमनाथ पर 6 या 7 बार इमले हुए सो वह कोई घमंड करने की नहीं, लड़जा की बात है. समक्त में नहीं आता कि इतनी बड़ी हार और पतन की बात कहते भी हम लजाते नहीं. पर चतुर बादमी कभी भी सीधी हार स्वीकार नहीं करता. सो हमने भी अपने बल-यूते की इतनी बड़ी कमी को कभी अपनी कमी, कम-जोरी या दीनता कहकर स्वीकार नहीं किया-बल्कि उलटे दुनिया की हमदर्दी हासिल करने और दुशमन के लिये नफरत फैकाने की रारंज से अधिक प्रचार इसी बात का किया कि इमारे मन्दिर भीर मूर्तियाँ नश्ट कर दी गई, हमारे धर्म पर इनला हुआ, वरौरा. जिन्होंने सोमनाथ के मन्दिर-मूर्ति तोदने वाले महमूद राजनवी से लेकर वहाँ मस्जिद् बन्नानेवाले औरंमखेब तक सब को जपने धर्म का

(جے ?) سومناتھ

(پهالی مرهن سلکه سهلکر)

[یه لیک هددی ماهواری رسالی 'ترون' (کلکگه) سے لیک گها هے . کیول کچه شهدوں کی جگه درا آسان شهد رکه دیگے کئے هیں۔۔ایدار]

کسی نے مقدستان کا مقابلہ ایک ایسی بھولی ہے پس اور سیدهی سادی مورت سے کیا ہے جس در کئی لوقس نے حملے کئے' بلاتکار کئے' أسے لوتا' مارا؛ اور وہ پھر سے جیسے آنے کیوے جہارکو گذارا کرنے کی چندا سے چولیے نے پاس جا بیٹھی۔مانو جو کچھ هوا' وهی اُسکی قسمت مهن تها! أوركسي سيے يه بات چاھے لاكو نة بھی ھو' پر سومقاتھ پر بار بار کے حملے سجیسا که اِتہاس سے یعم چلعا هے اس بات کو تبیک ثابت کررھے هیں . یصهای 11 ملی کو سوراشتر کے اندر پر بھاس پالی مهن آجس سومناته کی ستهاینا هوئی هے' کہتے هیں رہاں کے مندر کاگ مورتی یا بسائی پر عیسوی 1520 ميل 1511 1395 1318 1227 1024 ميل حملے ہوئے. آخری حمله یا بربادی اورنگ زیب کے سے کی بتلائی جاتی ہے ' جس نے سرمذاته کے مقدر کی جگه ایک مستجد بلوادی . بهارت کا کیارهریس سے سولہویں مده تک کا اِنهاس بعلانا هے که بهرا بداء معها یا فھرم بدلوانے کی نسبت اُس زمانے کے حملوں کا خاص مقصد صرف أوق تها . اِس لدُه سومداته بر إن حملون کا سمیده دهرم یا مذهب سے جوزنا اِتہاس اور سجائی کے ساتھ زیادتی کرنا ھے ، صحیم بات یہی لکتی ھے کہ فرسرے دیشوں سے ادھک أیجاد مونے کے اون معارا دیش أن فنون خرص حال تها . اس لئے جہاں کہیں گذربسر کی اِتلی سرودها نهیں تهی وهاں کے لوگوں کا همارے عُمْرِهِي تَحَالِ ديهُن كي طَرِف كَهَدَهِلَا سَوْلَهِهَاوِكَ تَهَا . پر آب هم جو گلا پهار پهار کر يه که رهے همل که سومقاته ير 6 يا 7 دار حصلے هوئے سو وہ كوئى گهمند كرنے كى نهيں؛ لتجا كي بات هي. سمجه مين نهين آنا كه أتذي بري خار اور پائن کی بات کہتے بھی ہم لجاتے نہیں ۔ پر چائر آھمی کبھی بھی سهدھی ھار سويکار نہيں کرتا ، سر ھم نے ایھی ابھا بل ہوتے کی انڈی ہوی کمی' کو کبھی ایڈی کمی' عَمْرُورِي يَا هَمُعَمَّا كَهِ كُر سُويكَار نَّهِ بَن كَياسَالِكُمُ اللَّهِ اللَّهِ دلها کی تعدودی حاصل کرنے اور دشمین کے لگے تدوی پینائے کی فرنی سے ادعک پرچار اِسی بات کا کیا که همارین مناشر اور مورتهان نشت کردی گلین هذاریم دھزم اور حدثه هوا؛ وقهرة ، جلهوں لے سومداته کے، مددرا متورثی الزرق والے محمود فزاوی سے لیکر وهاں مسجد، بقائے والے اورنگ زیب تک سب کو ابع دھرم کا

करते थे. जन्ह नाम का एक बौद्ध भिद्ध सूत्रों का अबे करता था, दूसरा चन्दा शब्दों का अनुवाद करता था, तीसरा पांडुलिपि तिखता था और चौथा अनुवाद की भाशा ठीक करता था. इस तरह बोधिकि की मदद करने के तिथे अनुवादकों का एक पूरा मंडल था.

बोधिरिय ने चीन में बौद्ध धर्म की कुत 53 किताबों का अनुवाद किया. इस में सब से मशहूर किताब "रतनकूट" समफी जाती है. ह्र नसांग यह किताब भारत से चीन तेचाया था. सन 706 ईसवी में बोधिरिय ने इस किताब का अनुवाद शुक्त किया और सन 713 ईसवी में इसे पूरा किया. कहा जाता है जिस समय यह अनुवाद पूरा होने वाला था, चीन का सम्राट अपने दरवार के समी ओहदेदारों और महत की रानियों के साथ वहाँ मौजूद था और सम्राट ने अपने हाथ से इस अनुवाद के आसिरी पन्नों को लिखा.

"रत्नकूट" का अनुवाद पूरा कर लेने के बाद बोधिरुचि ने अनुवाद का काम बन्दकर दिया और अपनी बाकी जिन्दगी ध्यान श्रीर योग में गुजारी.

कहा जाता है बोधिरुचि एक सी छप्पत साल की डमर में मरा. जब उसके मरने का दिन नजदीक आया तो एक दिन उसने अपने चेलों को बुला कर कहा—

"मेरा शरीर दिन ब दिन उसी तरह कमजोर होता जा रहा है जिस तरह पानी की धूंदें धीरे धीरे भाप बनकर उद्भी जाती हैं. मैं बहुत दिन जिन्दा रह जुका हूँ और अब सुके अपना अन्त नजदीक दिखाई पड़ रहा है. इतने दिनों तक मैं खाना खाकर अपनी कमजोरी दूर कर रहा था. अब जबकि मेरे जाने का दिन क़रीब आ गया है तो फिर अब उसे आगे ठेलने की क्या जहरत ?''

इसके बाद वह 55 दिन तक उपवास करता रहा और अन्त में शरीर त्याग दिया.

कश्यप मतंगा, कुमार जीव, बुद्धयश, गुण वर्षन, बोधिधर्म प्रभाकर मित्र, और बोधिविच के श्रलावा और भी बहुत से हिन्दुस्तानी बौद्ध प्रचारकों की चर्चा चीनी साहत्य और चीनी सरकारी काराजों में मिसती है. उनकी जिन्दगी, उनकी कुरवानी, उनके त्याग, उनकी हिम्मत, उनके लगन का ही यह नतीजा है कि भारत और चीन के बीच गहरा और टिकाऊ कलचरी सम्बन्ध कायम हुआ और सारे चीन ने बौद्ध धर्म को अपना लिया. चीन और भारत के इस मेत मिलाप का गहरा असर आज तक होनों देसों के धर्म, समाज, रहन सहन, कला, साक्षत्य, विचारों और आदशों पर साफ चमक रहा है.

رتے تھے ، برھمہ نام کا آیک بردہ بھکھو سہتروں کا آرائی گوٹا نہا' دوسوا چلدا ھمدوں کا انوواد کرتا تھا' تیسوا پانگو پی لکھتا تھا اور چوتھا انوواد کی پھاشا تھیک کرتا تھا۔ س طرح ہودھی رچی کی مدد کرتے کے لئے انووادکوں کا یک پورا ماکل تھا .

بودھی رچی نے چھن میں بودھ دعرم کی کل 53 ماہیں کا انوواد کیا ۔ اِس میں سب سے مشہور کتاب ' رتی کوٹ '' سمجھی جاتی ہے ۔ ھرین سانگ یہ کتاب ہارت سے چھن لے آیا تھا ، سن 706 میسوی میں بودھی چی نے اِس کتاب کا انوواد شررع کیا اور دی 173 میسوی ہیں اِسے پورا کیا ، کہا جاتا ہے جس سمے یہ انوواد پورا وئے والا تھا' چین کا سمرات ایے دربار کے سبھی مہدے اروں اور صحل کی رائیوں کے ساتھ وہاں موجود تھا اور مرات نے ایے ہاتھ سے اس انوواد کے آخری پنوں کو لکھا ۔ مرات نے ایے ہاتھ سے اس انوواد کے آخری پنوں کو لکھا ۔

'' رتن کوٹ '' کا انوراد پورا کر لیلے کے بعد بودھی چی نے انوواد کا کام بغد کر دیا اور اپنی باقی زندگی دعیان پر یوگ میں گذاری .

کہا جاتا ہے ہودھی رچی ایک سو چھھوں سال کی مر میں مرا ، جب اُسکے مرنے کا دن نودیک آیا تو ایک ن اُس نے اپنے چیلوں کو بالا کر کہا —

'' میرا شریر دن بدن اُسی طرح کمزور هوتا جا رها بشکر جس طرح پانی کی بوندیں دعیرے دهیرے بهاپ بلکر رتی جاتی هیں ، میں بہت دن زندلا رلا چکا هوں اور اُب جیمے ایفا اُنت نزدیک دکھائی پر رها هے ، اتف دنوں تک یوں 'کھانا کہا کر اُبلی کمزوری دور کر رها تھا ، اب جب ، میرے جانے کا دن تریب آگھا هے تو پھر اب اُسے آگے ، میلے کی کہا ضرورت ؟'' ۔

اِس کے بعد وہ 55 دن تک آپواس کرتا رہا اور انت بن شریر تیاک دیا ۔

کشهی متلکا کمار جهو' بدهیش' کن ورمن' بودهی قرم' پربهاگر متر أور بودهی رچی کے عقوۃ أور بهی بهت هددستانی بوده پرچارکوں کی چرچا چیلئی سامتیم رچیئی سرکاری کافلارں میں ملتی ہے ۔ اُن کی زندگی' کی قربانی' اُن کے تیاگ' اُن کی همت' اُن کی لکن عی یہ نتهجہ ہے کہ بہارت اور چهن کے بہج گہرا اور اور ساری چهن نے بوده اور ماری چهن نے بوده اور کو ایفا لیا ، چهن اور بهارت کے اس میل مالی کا را اثر آج تک درنوں دیسوں کے دهرم' سماج' رهن سہی' سامتیه' وچاروں اور آدرشوں پر صاب چمک رها ہے .

Samuel कुछ दिवा सक कर बाह्य विद्युविकास में वहाँ के महाहूर विद्यान सीला मह से बौद दरशन पहला रहा. वहीं बाद में उसे बौद दरशन का प्रोफ़लर बना दिया गया. पर वह नाक्षन्द में ज्यादा दिन न रह सका. बाहर के मुल्कों में बौद धर्म का प्रवार करने की उसे बड़ी इच्छा थी इसकिये वह बीन के किये रवाना हो गया.

बीन जाते समय रास्ते में वह त्राक्स्तान में ठहरा. तुर्किस्तान के बादशाह ने उसका बढ़ा स्थागत किया और बीद्ध धम में बड़ी दिलचस्पी ली. सन 626 ईसबी में तुर्किस्तानी द्रवार के चीनी राजदूत ने प्रभाकार को चीन जाने की दावत दी. प्रभाकर चीन जाना चाहता था पर तुर्किस्तान के बाहशाह ने उस समय उसे रोक लिया. इस पर चीन के सम्राट ने खुद तुर्किस्तान के बादशाह को लिखा और चीनी सम्राट की निजी द्रावत पर प्रभाकर 'मिन्न को सन 627 ईसवी में चीन की राजधानी पहुंचा दिया गया.

चीन के सम्राट ने प्रभाकर का बड़ा स्वागत किया. सम्राट के कहने से प्रभाकर ने बहुत सी बौद्ध पुसाकों का अनुवाद चीनी भाशा में किया. प्रभाकर को वहता से चीनी सम्राट बड़ा खुश हुआ. सम्राट ने उसकी बड़ी इड इस और तारीफ की.

प्रभाकर मित्र की इतनी इज्जत होते देख भीन के कंगफूत्वो धर्म के मानने वाले समके खिलाफ आवाज स्टाने लगे. इसका धीनी सम्राट पर बुरा श्रसर पड़ा सम्राट ने प्रभाकर के काम में दिलचस्पी लेना कम कर दिया.

कहा जाता है कि सम्राटके इस ज्योहार से प्रभाकर के दिल को बड़ा सदमा हुआ। सन 633 ईसवी में वह चीन ही में इस दुनिया से चल बसा.

बोधिरुचि

बोधिरुचि दक्खिन भारत का रहने वाला था. बारह साल की एमर में एसने घर छोड़ दिया और एक विद्वान मान्हन से वेद, सांख्य शास्त्र वरीरा की तालीम ली.

कहा जाता है, एक बार वह एक आम बार्मिक सभा में हिस्सा तेने गया. वहाँ उसकी एक बौद्ध मिचु यशघोश से वहस हुई. वहस में उसने हार मानती और वह तुरन्त बौद्ध वर्म अपनाकर बौद्ध भिद्ध हो गया.

सन 692 ईसबी में चालुक्य दरबार के चीनी राजदूत ने बोधिकि को चीन के खिये दावत दी. इसने इस दावत को मंजूर कर खिया और सन 693 ईसबी में समुन्दर के रास्ते चीन पहुँचा.

चीन पहुंचकर उसने बौद्ध कितावों के अनुवाद का काम ग्रुक किया. इस काम में कई बौद्ध मिल्ल उसकी मदद

کچھ دنوں کک رد نالفت رشو رفیات مھی بعلی کے مشہور ودوائی شہل بہدر سے بودھ درشن پر اندا وعا ، وهس بعد میں آیے بودھ درشن کا پرونیسر بنا دیا گیا ، ہر وہ نالفت میں زیادہ دن نہ وہ سکا ، باہر کے ملکوں میں بودھ دہرم کا بہتار کرنے کی اُسے بری اُچھا تھی اُس لگے وہ چھن کے لئے وہ چھن کے لئے وہ جھن

چین جاتے سے راستے میں وہ ترکستان میں تہہرا، ارکستان کے بادشاہ نے اسکا ہوا سوائٹ کیا اور بودھ دھرم میں ہوی دلھسیں لی، سن 626 عیسوی میں ترکستانی ادبیار کے چیلی راج دوت نے پرپہاکو کو چین آنے کی دعوت بی پربہاکر چین جانا چاھتا تھا پر ترکستان کے بادشاہ نے اس سے آسے روک لیا ، اِس پر چین کے سمرات کی نجود ترکستان کے بادشاہ کو لکھا اور چیلی سمرات کی نجی دعوت پر پربھا کرمتو کو سن 627 عیسوی میں جھن کی راجدھانی پہونچا اوریا گیا ،

چھین کے سمرات نے پربھائر کا ہوا سوائت کیا ، سمرات کے کہتے سے پربھائر نے بہت سی بودھ پستکوں کا انوراد چھٹی بھائی بہائد کی دوتا سے چیٹی سمرات ہوا خوش ہوا ، سمرات نے اسکی بریءوت اور نعریف کی۔

پربہاکر متر کی اتلی عزت ہوتے دیکھ چھن کے کلگ فوتوے دہرم کے مانلے والے اسکے خلاف آراز اُٹھانے لگے . اِس کا چیلی سمرات پر برا اثر ہوا اور سمرات نے پربہاکر کے کام مھی دلجیسچی لھٹا کم کر دیا .

کہا جاتا ہے کہ سمرات کے اُس بیوھار سے پربھاکر کے دل کو ہوا صدامہ ہوا، سن 633 میسوی میں وہ چین ھی میں اُس دنیا سے چل بسا .

بر**ده**ی رچی

بودھی رچی دکھن بھارت کا رھلے والا تھا ۔ بارہ سال لیفسر میں اُس لے گھر چھور دیا۔ اور ایک ودوان براھس سے وید' ساتکھیم شاسٹر وفیرہ کی تعلیم لی ۔

کہا جاتا ہے' ایک بار وہ ایک عام دھارمک سبھا مھی حصہ لیلے گیا ، وھاں اُس کی ایک بودھ بھکشو یش لیوش سے بحث ھوئی ، بحث میں اُس نے ھار مان لی لور وہ ترنب بودھ دھرم ایفا کر بود بھکھو ھوگھا .

سن 692 میسوی میں چالوگیہ دریار کے چیلی راج لوت نی . ابوت نے بودھی رچی کو چین جانے کے لئے دفوت دی ۔ اس نے اس دعوت کو منظور کر لیا اور سن 693 میسوی بین سمندر کے راسٹے چین پہرنیجا .

چھن ہہونچکو اُس نے بودہ کتابوں کے انوواد کا کام مورم کھا۔ اِس کام میں کئی بودھ بھکشو اُسکی مدد बहुत अस्य फेल गया. बीन के फलाकारों की नक्कारी और बुक्साजी पर भी इसका बहुत बड़ा असर पड़ा यह पंच आज भी क्रायम है लेकिन इसके मानने वाले जापान में ज्यादा पाए जाते हैं.

इसमें कोई शक नहीं कि चीन की धार्मिक जिन्दगी और वहाँ की कला पर जितना गहरा असर बोधिधर्म का पड़ा उतना किसी और हिन्दुस्तानी का नहीं पड़ा. उसके इस असर के निशान आज तक चीन की जिन्दगी में क्रायम हैं.

धर्मगुप्त-

धर्मगुष्त काठियावाड़ में पैदा हुआ. तेईस साल की उमर में वह कन्नीज गया जहाँ उसने की मुदीसंघर्म (?) नाम के एक मठ में बौद्ध धर्म की दीचा ली. पचीस साल की उमर में वह बौद्ध भिद्ध हो गया. बौद्ध भिद्ध हो जाने बाद वह तक्का देस (उत्तर पंजाब) चला गया. यहाँ उसे मालूम हुआ कि चीन में बौद्ध धर्म फैन रहा है. यही से वह चीन के लिये रवाना होगया.

सक्का से वह काशगर गया और काशगर से कूबी. कूबी में इसे वहाँ के राजा ने रोकना चाहा पर वह न ठका. एक दिन बिना राजा की इजाजत के वह कूबी से चल पड़ा और फिर अग्निरेस, तुरकान, और हामी होते हुए सन 590 ईसवी में चीन की राजधानी चाँग-गान पहुंचा.

चाँग-गान में कुछ साल रहने के बाद वह चीन के सम्राट के साथ लोगांग (एतर चीन) चला गया. वहाँ उसने बौद्ध धर्म की दस किताबों का चीनी में धनुवाद किया. वहाँ रहकर उसने उन सब एशियाई देसों का हाल एक किताब में लिखा जिनसे होकर वह चीन धाया था. वह किताब धव नहीं मिलती. कहा जाता है इन देसों के बारे में धर्म गुष्त ने इस किताब में जितनी बातें लिखा थीं उतनी है नसाँग भी धपने सफरनामें में नहीं लिख सका. इस किताब के दस भाग थे—(1) पैदाबार (2) जलवायु (3) महान धीर रहन सहन के तरीक़ें (4) सरकार (5) रीत रिवाज (6) खान पान (7) पोशाक (8) तालीम (9) धन धीर तिजारती सामान (10) पहाड़, निद्याँ, राज, शहर धीर मशहूर शहरी.

सन 619 ईसवी में धर्म गुप्त ने चाँग-गान में ही शरीर त्याग दिया.

प्रभाकर मित्र—

प्रभाकर मित्र मध्य भारत के एक राज्यराने में पैदा हुआ था. दस साल की उमर में उसने घर छोड़ दिया और बौद्ध धर्म की किताबें पढ़नी शुरू कर दीं. कुछ ही साल में बह इतनी तरक्की कर गया कि एक खाख रलोक बह खबानी सुना सकता था. फिर वह बौद्ध भिन्न बना िकिया गया. بہت جاتے ہوں گے کا کاروں کی نکائی اور بت سازی پر بھی اِس کا بہت ہوا اثر ہوا ۔ یہ پانتہ آج بھی قائم ہے لیکن اِمکے مانئے والے جاپان میں ویادہ بائے جاتے میں .

اِس میں کوئی شک نہیں که چین کی دھارمک زندگی اور وہاں کی کا پر جنٹا گہرا اثر بردعی دھرم کا پوا اُتنا کسی اور ھندستانی کا نہیں پوا اُس کے اِس اثر کے نشان آج تک چین کی زندگی میں قائم ھیں ۔

دهرم کیت---

دهرم گهت کاتههاواز مهی پهدا هوا . تهتیس سال کی عمر میں وہ قدوج گیا جہاں آسنے کومدی سنگهرم (؟) نام کے ایک مته میں بودھ دهرم کی دیکشا لی . پچیس سال کی عمر میں وہ بودھ بهکشو هوگیا . بودھ بهکشو هرجانے کے بعد وہ تکا دیس (اُتر پنجاب) چلا گیا . یہاں اُسے معلوم هوا که چین میں بودھ دهرم پهیل رہا ہے . یہیں سے وہ چین کے لئے روانہ هوگیا .

تکا سے وہ کاشفر گیا اور کاشفر سے کوچی . کوچی میں أسے وهاں کے راجه نے روکفا چاها پر وہ نه رکا . ایک دی بنا راجه کی اجازت کے وہ کوچیسے چل بڑا اور پهر اگفی دیس طرفان اور هامی هوتے هوئے سن 590 عیسوی میں چین کی راجدهانی چانگ کان بہونچا .

چانگ کان میں کچھ سال رہلے کے بعد وہ چین کے سمرات کے ساتھ لویانگ (اُتر چین) چاد گھا . وہاں اُس نے بردھ دھرم کی دس کتابوں کا چینی میں انوراد کیا . وہیں رہکر اُس نے اُن سب ایشیائی دیسوں کا حال ایک کتاب میں لکھا جن سے ہوکر وہ چین آیا تھا . وہ کتاب اب نہیں ملتی . کہا جاتا ہے ان دیسوں کے بارے میں دمرم گیت نے اس کتاب میں جتنی باتین لکھی تھیں اُتنی ہویںسانگ بھی اُنے سفر نامے میں نہیں لکھی تھیں اُتنی ہویںسانگ بھی اُنے سفر نامے میں نہیں لکھی جل وایو (3) مکان اور رہن سہن کے طریقے (4) بیداوار (2) جل وایو (3) ریت رواج (6) کھان پان (7) پوشاک (8) تعلیم (9) دھن اور تجارتی سامان (10) پھاڑ ندیاں ندیاں نہیر اُور مشہور شہری ۔

سن 619 عیسوی میں دھرم گھٹ نے چانگ کان میں ھی شریر تیاگ دیا .

بربها كرمعر-

پریہا کومٹو مدھیہ بہارت کے ایک راے گھرائے میں ایدا ھوا تہا ۔ دس سال کی عمر میں اس نے گھر جہوں دیا اور بودھ دھرم کی کتابیں پوھٹی شروع کو دیں ۔ کچھ می سال میں رہا اتھی ترقی کو گیا کہ ایک لاکھ شلوک وہ زبانی سنا سکٹنا تھا ۔ پھڑ وہ یودھ پھکشو بنا لیا گیا ۔

स्वाह ने के विका से पूछा — 'जब से मैंने राज की बागबोर सन्दाली, मैंने बहुब से मन्द्रि बनकाए, बहुत सी वर्म की किताबों का अनुवाद कराया और कोगों को बौद्ध भेखु बनने के लिये बढ़ावा देता रहा. क्या मैं अपने इन हामों की बजह से निजात हासिल करने जोग हो गया हूँ १"

बोधिधर्म ने जवाब दिया-"यह सारी दुनिया माया है, जसत्य है. और शून्य है. आप जो भी रीत रिवाज के काम इर रहे हैं, वह आपको निर्वाण की तरफ नहीं ले जा रहे हैं, गीक्षे घसीट रहे हैं."

सम्राट ने पूछा—''तो फिर सही रास्ता कीनसा है ?'' बोधिधर्म ने जवाब दिया—''ध्यान(मराक ने) के जरिये ही आप निर्धाण प्राप्त कर सकते हैं, इन दुनियावी रीत रिवाजों के जरिये नहीं. इन दुनियावी चीजों की तरफ से जब आप पन को हटाएँगे तभी सच्चाई दिखाई पहेगी.''

सम्राट ने पूछा--"बौद्ध धर्म की किताबों में सबसे । पवित्र कौन सी किताब है ?"

को धिधर्म ने जवाब दिया—"जब यह सारी दुनिया शून्य है और असत्य है तो फिर कौन सी किताब पवित्र है और कौनसी नहीं यह सवाल ही रालत है."

सम्राट ने पूछा—''यह कीन है जो सुमे इस तरह जवाब दे रहा है ?''

बोधिधर्म ने जवाब दिया—" मैं नहीं जानता."

सन्नाट वूत्ती बोधिधर्म की इन बातों से बहुत नाराज हुन्ना. बह यह उम्मीद करता था कि बोधिधर्म सम्राट के ऊपरी कर्मकांड की जूब तारीक करेगा लेकिन सम्राट को निराश्च होना पड़ा. सम्राट ने बोधिधर्म को किसी तरह की मदद न दी. इसके बाद बोधिधर्म उत्तर चीन चला गया जहाँ बाई वंश का राज था.

कहा जाता है उत्तर चीन जाते समय बोधिधर्म ने याँग रसी (Yang-tse) नदी बाँस की एक छड़ी पर खड़े होकर पार की थी. इस कथा को लेकर बहुत से चीनी कलाकारों ने तसवीरें बनाई हैं.

यह भी कहा जाता है कि उत्तर चीन में लोयांग के एक मन्दिर में बोधियम नी साल तक लगातार एक चट्टान पर आँख गड़ाए बैठा रहा जिसकी वजह से उसके पैर उसके शरीर से अलग हो गए. उसके पैर की चप्पल अभी तक चीन के एक मन्दिर में रखी हुई हैं. जापान में अब भी बोधियम के नाम से बच्चों के लिये एक खिलीना बनता है जिसके पैर नहीं होते. इस खिलीने को "व्रूमा" कहते हैं.

चीन में बोधिशम ने अपने मत का प्रचार किया और बोद्ध समें का एक जुमा पंथ 'चान पंथ'' के नाम से कायम किया, ''चान'' का सतसब 'ध्यान' है, चीन में यह पंथ سمراگ نے ہودھی دھرم سے ہوچھا ۔ '' بھٹ میڈوں نے رائے کی باگ درر سلبھالی صین نے بہت سے ملدر پیٹوں نے بہت سے ملدر پیٹوائے' بہت سی دھرم کی کتابوں کو آنوواد کرایا اور لوگوں کو بودھ بھکشو بلنے کے لئے بوھاوا دیتا رھا۔ کھا میں اپنے اور کاموں کی وجم سے نجات حاصل کرتے جوگ بھگیا تھوں ؟''

یہ آپُونھی دھرم نے جواب دیا ۔۔ " یہ ساری دانیا مایا ہے' آسٹیہ ہے اور شواہہ ہے ۔ آپ جو بھی ریت رواج کے کام کر رہے میں ولا آپ کو نروان کی طرف نہیں لے جا رہے ھیں' پہچنے گھسیت رہے ھیں ۔"

سنرات نے پوچھا ۔۔۔ '' تو پھر صحیح راستہ کون ۔ ساتھ ک''

یردهی دهرم نے جواب دیا ۔۔ '' دههان (مراقبہ) کے فریعے هی آپ نروان پراہت کر سکتے هیں' ان دنهاری راہت رواخوں کے فرایعے نہیں ، ان دنهاری چهزرں کی طرف سے جب آپ می کو همائنگے تبهی سچائی دکهائی بویمی،'' سمرات نے پوچها ۔۔ '' بوده دهرم کی کتابوں میں سب سے پوتو کون سی کتاب ہے ؟''

آءَ بودهی دهرم نے جواب دیا — " جب یه ساری دنیا شونهه هے اور استهه هے تو پهر کون سی کتاب پوتر هے لوژ کون سی نهیں یه سوال هی غلط هے ،"

کون سی تہیں یہ سوال هی فلط هے ."

سراٹ نے پوچھا ۔ "نیه کون هے جو مجھے اِس طرح جواب درے رها هے ؟"

یودهی دهرم نے جواب دیا — ''مهن نههن جانگا .'' سمرات ورتی بودهی دهرم کی آن باتوں سے بہت ناراض هوا . ولا یه آمهد کرتا تها که بودهی دهرم سمرات کے اُوپری کرم کانڈ کی خوب تعریف کریکا لهای سمرات کو نراش هونا پوات سبرات نے بودهی دهرم کو کسی طرح کی مدد نه دی. اِسْکے بعد بودهی دهرم اُتر چهن چھ گیا جہاں واثی ونش کاراے تها .

گہا جاتا ہے آتر جہیں جاتے سیے بودھی دھرم نے یائکتسی (yang-tse) ندی بانس کی ایک چھڑی پر کھڑے ھوکر پار کی تھی اس کتھا کو لیکر بہت سے چیئی کا کاروں نے تصویریں بنائی ھھیں .

یه بهی کها جاتا هے که اور چهی میں لویانگ کے ایک مقدر میں بوده ی دهرم نو سال تک لگاتار ایک چقان هر آنکه گوائے بهتما رها جسکی رجه سے اس کے بهر اس کے شریو سے الگ هوگئے ، اس کے بهر کی چیل آبھی تک چهین کے ایک مقدر میں رکه ی هوئی هے ، جاپان میں اب بهی بوده ہی خام سے بچوں کے لیے ایک کهلونه بقتا هیں ، جسکے بهر نهیں هوئے ، اِس کهلونے کو ''دروما'' کہتے هیں ، جسکے بهر نهیں هوئے ، اِس کهلونے کو ''دروما'' کہتے هیں ، جبین میں بوده ی دهرم نے اپنے مت کا پرچار کها اور بوده تعون کا ایک نیا به ایک نیا سے قائم سے تاریخ سے سے قائم سے تاریخ سے تاریخ

प्रसारिका राजा देशान कर दिया जाय. गुरायसीत हैं एक इनकार कर दिया.

इस समय वाद वह काशामीर से सिंहक वीप (लंका) बता गया. लंका के बौद्ध भिद्धकों ने चसका वहा शानदार बागत किया जहाँ उसने बौद्ध धर्म के प्रचार में वहाँ के बिद्धकों को खब मदद दी.

सिंहल रीप से वह याव दीप (जावा) गया. जावा में गैद्ध धर्म फैल जुका था. वहां के राजा ने उसका बदा बागत किया. गुगावर्मन ने यहाँ भी बौद्ध धर्म के प्रचार हरने में मुकामी भिद्धभों की सदद की और राजा समेत समुचे राजधराने को बौद्ध धर्म का मानने वाला बना लिया.

गुणवर्मन अपनी विद्वता के लिये चीन में भी मराहूर हो जुका था. चीन के नानिकंग राहर के भिज्ज मों ने चीन अमंद को अरजी दी कि गुणवर्मन को चीन आने की दावत ही जाय. सम्राट ने मंजूर कर लिया और कुछ बौद्ध मेजुओं को दूत बनाकर गुणवर्मन को चीन ले आने के लिये हावा भेजा. गुणवर्मन इन भिज्ज में के साथ सन 431 सबी में नानिकंग आया. जिस समय वह नानिकंग पहुँचा हीन के सम्राट ने अपने महत्त के बाहर, निकल कर उसका बागत किया था. चीन में छन दिनों यह एक बहुत ही मनोस्ती बात थी.

गुण्यवर्मन को जेतवन मठ में ठहराया गया. वहाँ रह कर हरीब एक साल तक वह बड़ी मेहनत के साथ बौद्ध किताबों हा बीनी में अनुवाद करता रहा. एक साल बाद उसकी मौत हो गई. इसी एक साल के अरसे में उसने ग्यारह बौद्ध गुस्तकों का अनुवाद बीनी भाशा में किया.

गेधिधर्म--

130 k

बोधिधर्म दक्खिन भारत में काँजी (काँजीवरम) का अकुमार था.

काँजी से वह जावा और सुमात्रा गया. वहाँ उसने होत धर्म के एक नये पहलू पर जोर दिया. अभी तक बौद्ध हमें में निर्वाण (निजात) हासिल करने के लिये दो रास्तों पर होर दिया जाता था—एक कर्म मार्ग यानी अमल का एसा और दूसरा ज्ञान मार्ग यानी मारफत का रास्ता. हो धिष्ममं ने एक तीसरे रास्ते बानी व्यान मार्ग पर जोर देवा. उसने बताया कि व्यान यानी मराक्रवे के जरिये हम अध्याई तक पहुँच सकते हैं, निर्वाण (निजात) हा सिल हर सकते हैं.

बोधिधर्म अपने इस नए मार्ग का प्रचार करने चांन पहुँचा. सन 520 ईसबी में वह समुन्दर के रास्ते से कैन्टन आया और दिक्खन चीन के सम्राट बूसी से मिला. सम्राट और बोधिधर्म में जो बादचीय हुई उसका बयात बीन के सरकारी काराजों में मिलाता है. बाबजीत इस सम्राह हुई کیٹھ سیے بعد وہ کشمیر ہے سلکیل دیپ (لفکا) چہ کیا ، للکا کے بردہ بہکشروں لے اُس کا بوا گاندار سوالت کیا جہاں اُس نے بردہ دھرم کے پرچار میں وہاں کے بہلشروں کو شوب مدد دی .

سلکھل دیت سے وہ یاودیپ (جاوا) گھا ۔ جاوا میں یودھ دھوم پھیل چکا تھا ۔ وھاں کے راچھ نے اُس کا ہوا سوائٹ کیا ، کی ورسی نے یہاں بھی بودھ دعوم کے پرچار کرتے میں مقامی بھکشووں کی مدد کی اور راچھ سمیتسنوچے راچ گھرانے کو بودھ دھوم کا مانٹے والا بھا لیا ۔

گن برمن اپنی ودرتا کے لئے چین میں بھی مشہرر موری کے بہاشروں نے چین میرات کو عرضی دھی کہ گن ورمن کو چھن آنے کی دعوت دی جائے، سمرات نے منظور کو لیا اُر کچھ بودہ بہاشووں کو دوت بنا کر گن ورمن کو چین لے آنے کے لئے جاؤا بیتیا ہائی ورمن اُن بہاشروں کے ساتھ سن 431 میسوی بیتیا ہائی ورمن اُن بہاشروں کے ساتھ سن اُنگلگ آیا ، جس سے وہ نانکنگ پہونچا چین میں نانکنگ پہونچا چین کے سمرات نے آنے متحل کے باہر نکاکر اُس کا سوائمت کھا تھی۔ چین میک بہت ھی انواہی بات تھی۔

کی درمیں کو جیتوں متھ میں تھہرایا گیا ، وہاں وہکر قریب ایک سال تک ولا ہوں مصلت کے ساتھ ہودھ کتاہوں کا چیدئی میں انوواد کرتا وہا ، ایک سال بعد اُسکی موت موکئی ، اِسی ایک سال کے عرصے میں اُس نے گیارہ بودھ بستکوں کا انوواد چیدئی بھاشا میں کیا ،

بودهی دهرم

بردى دهرم دگهن بهارت مين كانچى (كانچى ورم) كا راجكمار تها .

کانجی سے وہ جاوا اور سماترا گیا ، وہاں اُس نے بودھ دھرم کے ایک نئے پہلو پر زور دیا ، ایمی تک بودھ دھرم میں نہواں (نجات) حاصل کرنے کے لئے دو واستوں پر زور دیا جاتا تھا۔ ایک کرم مبارک یعنی عمل کا واستہ اور دوسرا گیاں مبارک یعنی مجرفیت کا واستہ ، بردھی دھرم نے ایک تیسرے واستے یعنی دھیاں مبارک پر زور دیا ، اُس نے بیسرے واستے یعنی دھیاں مبارک پر زور دیا ، اُس نے بیسرے واستے بھیاں یعنی مباقیہ کے ذریعے ہم شجائی تک بہونی مکتے ہیں ،

بردھی دھرم آپ اس نگر مارک کا پرچار کرنے چھن بہرنچا ، سن 620 عیسوی میں وہ سنددر کے راستے سے کیلٹن آیا ۔ آور دکھی چھن کے سعرات ورتی سے ماہ ، سعرات ارر بردھی دھرے میں جو یاب چھت ھوٹی اس کا بھاں جین کے معرکان کافان میں ملتا ہے ، بات جمت اس طرح ھوٹی विश्वास नामर हैं साथ भी कार में हुई निष्कु हो । वा कोर करते निरुष्ठ पड़ा पुर करते में की स्वास का नार करते निरुष्ठ पड़ा पड़ा पहले कारागर गया. क्ष्म ह आरागर पहुँचा पत्नी सलय वहाँ के राजा ने तीन कार बौद्ध मिलुकों को एक आर्मिक कार में रारीक होने । क्षित्र बुलावा था. हुद्धवरा भी पत्न जलसे में रारीक जा. कारागर का राजा बुद्धवरा भी पत्न जलसे में रारीक जा. कारागर का राजा बुद्धवरा की विद्धता और उसके गोहार से इतना खुरा हुआ कि वसने बुद्धवरा को अपने हिस में बुला किया. उन्हीं विश्वों कुमार जीव भी तरागर आया था. इन्हा दिनों तक कुमार जीव और दिया करते रहे. इसके बाद कुमार जीव कूवी वापस ला गया.

इस साल कारामर रहने के बाद बुद्धवरा भी कूबी त्या. कुमार जीव कस समय कूबी में न था. यह वह समय ता अब कुमार जीव को क़ैद करके चीन पहुँचा दिया गया ता. बुद्धवरा ने कुमार जीव को खत लिखा कि मैं भी चीन पामा चाइला हूँ. कुमार जीव ने चीन के सम्राट से कह कर दियश को चीन बुतवा लिया.

बुद्धमश सन 410 से 413 ईसवी तक चीन में रहा. स अरसे में प्रचार के काम में वह कुमार जीव की हर रह मवद करता रहा. बुद्ध यश ने खुद कुछ बौद्ध पुस्तकों श अनुवाद किया जिनमें दीर्वागम और धर्मगुप्रविनय ।हुत मशहूर हैं.

बुद्धयरा बहुत ऊँचे चरित्र का मार्मी था. चीन के त्रजाट ने कई बार उसे कुड़ मेंट देने की कोशिश की. उसने तेने से बारबार यह कह कर इनकार कर दिया कि किसी री बौद्ध मिन्नु को यह इक नहीं कि वह इस तरह की भेंट केसी से ले.

गुरावर्मन--

गुम्बनमंन काममीर का एक राजकुमार था. उसके दादा रिमद्र बढ़े वाक्षिम राजा थे इसकिये उन्हें अपना देस होदकर मागना पड़ा था. गुम्बमंन के पिता संघानन्द को नी अपनी जिन्दानी पहादियों और जनकों में लुकक्षिप कर निक्ती पड़ी थी.

गुष्यवर्मन बीसं साल की बमर में घर छोड़ कर बीत मञ्जू हो गाँगा. बसने बहुत जल्द ही बीत दरमन की जच्छी गनकारी हाखिल करकी और एक हजार रकोड कमानी गद कर किये. कुछ साल तक लगातार पद्ते रहने के बाद ह बीत दूररान का विद्यान हो गया.

वर के तीय साथ का या ती काशमीर का राजा मर ता. के कि कीई चौकार न बी. इसकिये काशमीर रचर कि बोकों ने यह तय किया कि गुस्तवर्मन को کی قمیم یاتر ای میال کی سر میں شود میں گراہ کو اللہ اللہ اللہ اللہ کور دیسوں میں بودہ سما کا پرچار کرنے انکل ہوا ، بدہ یمی پہلے کا شر کیا ، جس وہ گاہ شر پہرنچا کو آسی سیے وہاں کے راجہ نے تھی ہوار بودہ بھکشوں کو ایک دھارہ کی جاسے میں ھریک ہونے کے قلتے باتیا تھا ، یدہ یمی ہوت اور اس کے بھرھار سے اتبا خوص ہوا کہ اس نے بھرھار سے اتبا خوص ہوا کہ اس نے بدہ یمی کو آبی معمل میں بلا لیا ، آنہوں دنوں کہار جمو اور اس بردہ درھی بوہتے اور اس بر جرچا بدھیمی درنوں ملکر بودہ درھی بوہتے اور اس بر جرچا بدھیمی درنوں ملکر بودہ درھی بوہتے اور اس بر جرچا کیا ،

دس سال کاشفر رہلے کے بعد بدھ یک بھی کہچی کہا ۔ "کبار جھو اُس سے کوچی میں ناہ تھا ، پاہ وہ سیے تھا جب خدار جمو کو قید گرکے جہیں پہرنچا دیا گھا تھا ۔ پاشھ یکس لے کبار جمو کو خط لکھا کہ میں بھی چھی آنا چاھا ہوں ، کبار جمو لے جہیں کے سمراتسے کہکر بدھیمل او جہیں بلوا لیا ،

بدھ یھی سن 410 سے 413 عیسوی تک چھن میں رھا ، اس عرصہ میں پرچار کے کام میں وہ کبار جیو کی ھر طرح مدد کرتا رھا ، بدھ یھی نے خود کچھ بودھ پستکرں کا انہواد کیا بھی میں دیر کہائم اور دھرم گیٹک وتے بہت مشہور ھیں ۔

بدھ یش بہمی اُنچے چرتر کا آدسی تھا . چین کے سرات نے کئی بار اُسے کچھ بھھٹت دیلے کی کوشش کی ۔ اُس نے لیڈے سے بار بار یہ کہکر اُنکار کر دیا کہ کسی بھی بوضہ بھکشو کو یہ حق نہیں کہ وہ اُس طرح کی بھیٹت کسی سے لے ،

لن ورسن-

گن ورمن کاشمیر کا ایک راج کمار تها . اُسکے دادا هری بهدو ہور علام راجه تھے اس لیے اُنہیں اُیقا دیس چهور کو بهنائنا پوا تها . گن ورمن کے پتا سلکها نند کو بهنائنی وندگی پهاریوں اور جلکلوں میں لگ چهپ کو کاٹنی نوی تهی .

کی ورمن بیس سال کی عمر میں گھر چھور کر پردہ بھکشو ھوگیا ، اس نے بہت جلد ھی بردہ درشن کی اچھی جان کاری حاصل کر لی اور ایک ھوار شلوک زبانی یاد کر لگے ۔ کچھ سال تک لتاتار پوھٹے رھنے کے بعد پیدیدہ درشن کا ودران ھوگیا ،

حبب رد تهبی سال کا تها دو کاهمهو کا راجه سر گیا راجه کی گوگی آواید نه تهی اس لگر گاهبهر هربار کے سفعریوں آنے یه طے کیا که کی ورمن کو پ वे पेत्र युका का चीन में भी हुमांस्वीद अपनी पित्र के ब्रिये मराहर हो युका था.

सन 383 इसपी में चीनी कीज ने चूची पर इमका किया. सीटते समय चीनी सेनापित कुमारजीव को हैं कर के चीन से गया, जब चीन के सम्राट को पता लगा कि कुमारजीव को द करके चीन साया गया है तो सम्राट में बढ़े आदर के साथ उसकी राजधानी में बुसाया. सन 401 इसवी में कुमारजीव चीन की राजधानी पहुँचा और तथ से बारह सास तक वह वहीं रहा.

कुमार जीव के चीन पहुँचने पर चीन के बौद्ध धर्म के इतिहास में एक नया गुग शुरू हुआ, कुमार जीव से पहले जितने बौद्ध प्रचारक चीन आए वे वह चीनी जनता को बौद्ध दरशन इतनी अञ्चली तरह न समका पाते थे. उसने बौद्ध किताबों के चीनी अनुवादों को भी दुवस्त किया और खुद बहुत सी नई बौद्ध किताबों का अनुवाद किया. उसकी प्रचास चीनी किताबों अब भी मिलती हैं. वह संस्कृत और चीनी भाशा दोनों का पूरा पंडित था.

चीन के दूर दूर के हिरसों से चीनी और भारती प्रचारक उसके पास तालीम लेने काते थे. चीन के सम्राट ने राजधानी में उसके लिये एक लेकचर मदन चनवा दिया जिनमें वह आम जनता के सामने बौद्ध दरशन पर प्रवचन किया करता था. चीनी जनता पर उसकी विद्यता का इतना गहरा अग्रद पड़ा कि लाखों चीनियों के बौद्ध धर्म अपना लेने के जालावा करीब 3000 चीनी उसके कहने से बौद्ध मिद्ध हो गए.

सन 413 इंसवी में कुमार जीव का शरीर खूटा. मरते वक्त अपने चेलों को बुलाकर एसने कहा—"मेरी जिन्त्गी को तुम अपना आदर्श न बनाओ. मेरे काम को अपनाओ और उसे पूरा करो. कीचड़ से कमल खिलता है इसिलये कीचड़ से प्रेम न करो, कमल से प्रेम करो."

जिस आदर और प्रेम के साथ भारत के रहने वाले आज भी भीनी यात्री फाइियान और होन सांग को बाद करते हैं उतने ही आदर और प्रेम के साथ भीन के रहने वाले आज कुमार जीव को याद करते हैं. सन 1924 ईसवी में जब भी रवीन्द्रनाथ ठाइन भीन गर तो "जीबित (जिन्दा) कुमार जीव" कह कर बनका स्वागत किया गया था.

सुद्धयश्—

बुद्धयश कारामीर के यक नामन बराने में पैता हुआ था. उसके पिता बीद धर्म के कहर बुरामन के. कहा जाता है एक बार उन्होंने एक बीद मिख्न को पीद दिया था. अधीया यह हुआ कि उनके हाथ को सक्या मार गुजा. उस पाप को धोने के लिये पिता ने कपने सक्के बुद्धयश को अधी बीद मिख्न के दबाबे कर दिया. बुद्धक्या के समय की बीद मिख्न के दबाबे कर दिया. बुद्धक्या के बीद वर्म

عرز المطال (19 آلا) : پيتان معن بهي ليا (مهور العلي والوا د اگر حشور حو چنا لها .

من 383 فیسوی میں چیلی فوج نے کوچی پر دالم کیا ، لواقع سے چیلی سیایتی کیا چیر کو دیا کیا کیا ، لواقع سے چیلی سیایتی کیا چیر کو پہتے کہ کہا ، جب چین کیا گیا ہے تو سمرات نے بولے در کے ساتھ آسکو راج دعائی میں بلیا ، سن 401 نیسوی میں کمار جیو چین کی راجدھائی پہونچا اور بالے بارہ سال تک وہ وہیں رہا .

سن 418 میسوی میں کمار جھو کا شریر چھوٹا ،

رقے وقت آپ چھلوں کو بلاکر اُس نے کہا۔۔۔''مہوی ندگی کو تم ایٹا آدرھی ند بذاؤ ، میرے کام کو ایٹاؤ اُور اُسے رزا کرو ، کھچو سے کمل کھلٹا ھے اُس لگے کھچو سے پریم درو' کمل سے پریم کرو ،''

جس آدر اور پریم کے ساتھ بھارت کے رہلے رالے آج بھی چیئی یاتری فاہیان اور ہویں سانگ کو بیاد کرتے ہیں نئے ہی آدر اور پریم کے ساتھ جدن کے رہلے والے آج سار جھو کو بیاد کرتے ہیں ، سن 1924 میسوی میں میں شہری ربیٹدرناتھ تھاکو چیئی گئے تو ''جیوت زندہ) کمار جھو'' کچہ کر آنکا سوائٹ کیا گیا تھا ،

بده يض

بدھ بھی کا فیمور کے ایک برامین کورائے میں پیدا برا جیا ۔ اس کے ہاتا ہودہ دھرم کے کار دشین لیے۔ کیا ماتا ہے گیک بردہ بیکشو کو بیعت دیا ۔ ایک بردہ بیکشو کو بیعت دیا ۔ اس کو فاتوہ مار گیا ۔ اُس اب کو فاتوہ کے اگر بعد بھی کو اُسی بردہ بیکسور کے حوالے کو دیا ، بدہ بھی اُس سیے کھول اور سے بیدہ بھی ا

स्वतं साम क्या सबेद सार्व पर सैक्यों कांद्र विकास सिंद मूर्तियों को साद कर चीन सेता गया. चीन में करवंप का शाहाना स्वागत हुआ. समाद ने क्सके सिये चीन की राजधानी सो-यांग में एक मठ बनवा दिया. इस मठ का नाम "पी-मा-से" बानी "सजेद घोदे वाला मठ" रखा गया क्योंकि करवंप अपने सफेद बोदे पर वैठ कर बौद्ध धर्म का प्रचार करने निकताता था. आज भी चीन में यह मठ क्षायम है. यही चीन का सबसे पहला बौद्ध मठ कहा जाता है.

करयप चीन जाकर वहीं बस गया और फिर हिन्दुस्तान कौट कर नहीं आया. चीन में उसने बौद्ध मत का प्रचार किया और बहुत सी बौद्ध किताबों का अनुवाद किया. उसकी एक किताब "बयालीस धाराओं वाला सूत्र" चीन में बौद्ध धर्म की सबसे पहली किताब मानी जाती है. आज भी चीनी बौद्ध प्रचारक इस किताब को बौद्ध धर्म की जुनियादी किताब मानते हैं. इस किताब में बौद्ध धर्म के जुनियादी असुलों को बड़ी सफाई के साथ समकाया गया है. हाल में इस किताब का अंगरेजी अनुवाद भी हुआ है.

चीन के राज दरबार पर करयप मतंगा के प्रचार का गहरा असर पड़ा. बहुत से बड़े बड़े ओहरेदार और सरदार बीद धर्म के प्रचार में मदद करने लगे. जनता में प्रचार शुरू होगया. करयप मतंगा के चीन पहुंचने के तीन सौ साल बाद बौद्ध धर्म सारे चीन का धर्म बन गया.

कुमारजीव--

कुमारजीव बीच एशिया के कूची देस का एक बौद्ध भिज्ञ था. ६ छके पिता कुमारायन हिन्दुस्तान के एक राजा वजीर थे. कुछ कारनों से चन्होंने वजारत छोड़ ही बौर पामिर पहाड़ से होते हुए बीच एशिया के कूची देस में जाकर वस गए.

कूची के राजा ने कुमा यन का बड़ा स्वागत किया और उन्हें अपना राजगुरू बनाया. कुछ दिनों बाद राजा ने अपनी ज़ड़की बीव की शादी कुमारायन से करदी.

कुमारजीय इसी राजकुमारी से पैदा हुआ. उसके पैदा होने के थोड़े ही दन बाद जीव बीद्ध भिजुनी हो गई और बीद्ध धर्म का अचार करने सगी. जब कुमारजीय नी साल का हुआ तब उसकी मां उसे लेकर काशमीर चली आहे. काशमीर में बन्धुदत्त नाम के गुरू ने कुमारजीय को बीद्ध दरशन और बीद्ध साहित्य की वालीम दी. काशमीर में वालीय हासिल करने के बाद कुमारजीय बीच पशिया के बहुत से देसों की यात्रा करता हुआ कुची बापस बहुँबा. जब बहु तमाम पशिया में बीद्ध धर्म का खबरदत्त विद्वान मराहुर हो गया. उससे कुची में वासीम हासिल करने सोतान, काशनर और थारकंद से बीद्ध प्रचारक आते أ أن الله الله المورد أو منكون أواظ الكاني ور مورتیوں کو لادکر جین لیکا گیا، جینی میں شهمیه رکا شاهات سوالت هوا . سمرات لے اسکے لالتے جهوں ی راج دهانی لو یانک میں ایک متع بقرادیا ، س منه کا نام ''هو . ما . يو' يعلى ''سليد گهرون یتھ کر بودھ دھرم کا ہرچار کرنے نکلتا تھا ۔ آج بھی بھن میں یہ مراہ قالم ہے . یہی چین کا سب سے پہلا وده ماله کیا جاتا ہے ، کشیب چین جاکر وهیں بس يا أوريهر هندستان لوق كر نهيل آيا . چيل ميل سئے بودھ مت کا پرچار کیا اور بہت سی بودھ کتابوں انوراد كياً. أمكى ايك كتاب "بياليس دهاراؤن لا سوتر" چھن میں بردہ دعرم کی سب سے پہلی دنب مانی جاتی ہے . آج بھی چینی بودھ پرچارک س کتاب کو بودھ دھرم کی بدیادی کتاب مانتے ھیں . س کتاب میں بردھ دھرم کے بنیادی امواس کو ہوی خالی کے ساتھ سمجھایا گیا ہے ۔ حال میں اِس کتاب انگریزی انوواد بھی ہوا ہے ،

چھن کے راج دربار پر کشیپ مہلکا کے پرچار کا اور سردار اور سردار دور سردار اور سردار دع دعمرم کے پرچار میں مدد کرنے لگے . جاتا میں چار شروع هوگها . کشیپ مہلکا کے چھن پہونچنے کے بی سو سال بعد بودھ دعوم سارے چھن کا دھرم بی گھا .

کمار جیو بیچ ایشیا کے کوچی دیس کا ایک بودھ بھی تھا ۔ اسکے ہتا کمارائن ھندستان کے ایک راجه ، وزیر تھے ، کچه کارنوں سے اُنھوں نے وزرات چھوڑدی و پامر بہاڑ سے ہوتے ہوئے بیچ ایشیا کے کوچی دیس بھی جاکر بس گئے ،

کوچی کے راچہ نے کمارائن کا بوا سوائت کیا اور بھیں اپنا راج گرو بنایا ، کچھ دنوں بعد راجہ نے اپنی کی جیو کی شادی کمارائن سے کردی ، کمار جھو اِسی بیدا ہوا ، اسکے پیدا ہونے کے تمورے ہی نے بعد جھو بودھ بهکشونی ہوگئی آور بودھ دھوم کا بچار کرنے لگی ، جمب کمار جھو نو سال کا ہوا تسب کمار جھو دو سال کا ہوا تسب ندھو دست نام کے گرو نے کمار جھو کو بودھ دوشن آور بھی ساھیے کی تعلیم دسی ، کشمیر میں تعلیم دی ، کشمیر میں تعلیم دی ، کشمیر میں تعلیم اس اور کرنے کے بعد کمار جھو ایشیا کے بہمت سے اس کرنے کے بعد کمار جھو ایشیا کے بہمت سے اس کی بیادا کرتا ہوا کوچی رایس پہلچا ، آب وہ ایشیا میں بودھ دھرم کا زبردست ودوان جھھور کھیاں کی بیارائند سے بودھ پرچارک آنے تھے ، آب وہ گھا گھور گور یارتند سے بودھ پرچارک آنے تھے ، آب وہ گھا گھا ، آس سے کوچی میں تعلیم حاصل کرنے کھیاں گھر گور یارتند سے بودھ پرچارک آنے تھے ، آس

भारत और चीन का कलचरी मेल

. (भाई भान चन्द्र)

(2)

सन 65 ईसबी में बीच पशिया से होकर भारत से चीन पहुंचने का रास्ता खुला. इस रास्ते बौद्ध भिद्धभी और प्रचारको का बाना जाना बढ़ता गया. बौद साधुबी को मिश्रु कहते हैं. उस समय से लेकर स्थारह सी बरस तक बौद्ध धर्म के सैकड़ों भारती मिद्ध और प्रचारक चीन पहुंचे, इन लोगों ने रास्ते की दिक्क़तों और मुसीबतों का बड़ी बहादुरी के साथ मुकाबला किया. खतरनाक पहाड़ों और सुनसान रेगिस्तानों को पार करते हुए उन्होंने गौतम बुद्ध का संदेश चीन पहुंचाया. चीन में इन्होंने चार स्तास काम किये.

(1) चीनी जनता और चीनी राज दरबार में बौद्ध

धर्म का प्रचार किया.

(2) बौद्ध धर्म की सैकड़ों पुस्तकों का संस्कृत से चीनी में अनुवाद किया और बहुत सी नई कितावें खुद चीनी में

(3) चीन में जगह जगह बौद्ध मठ] कायम किये जिनमें चीनी मिछणों और प्रचारकों को बौद्ध धर्म की वालीम दी.

(4) भारत से अनेक अच्छी अच्छी बौद्ध मूर्तियाँ भौर तसवीर ले जाकर चीन में बौद्ध कला को रिवाज दिया.

इस तरह के बहुत से भारती प्रचारकों का चीनी साहित्य और चीन के सरकारी काराजों में बयान मिलता है. इनमें से कुछ मशहूर प्रचारकों का हाल हम नीचे देते हैं.

कश्यप मतंगा-

करयप मतंगा एक बौद्ध भिद्ध, या जिस के चीन जाी के बारे में एक दिलचस्प कहानी मशहूर है. कहा जाता है सन 65 ईसवी में चीन के सम्राट मिंग-ती ने एक दिन सपते में रेखा कि एक सोने का आदमी चड़ता; हुआ आया और उसके महल में घुस गया. सम्राट घवरा कर उठ ठवे और अपने दरवारियों को बुला कर सपने का मतलब पूछा. दरवारियों ने बताया कि वह सोने का आदमी हिन्दुस्तान का देवता गौतम खुद्ध है. यह सुनते ही सन्नाट ने अपना एक दूत, बौद्ध प्रचारक और बौद्ध कितावें लाने के ं सिये भारत भेजा.

मिंग-वी का दूत हिन्दुस्तान से करवप सर्वगा नाम के यक पौद्ध भिन्न को अपने साथ चीन से गया. करवप सतंगा

('بهاڻي بهاڻ چندر)

(2)

سن 65 میسوی میں بیچ ایشیا ہے ھوکر بہارت سے چین پہلچنے کا راستہ کہا . اِس راستے بردھ بهکشور آور پرچارکول کا آلا جانا بومتنا کیا . بوده سادھوؤں کو بھکشو کہکے ھیں ۔ اُس سیے سے لے کر گیارہ سو برس تک بودھ دھرم کے سیکورں بھارتی بھکشو اور پرچارک جهن پہنچے اِن لوگوں نے راستے کی دقتوں آور مصیبٹس کا بچی بہادری کے ساتھ مقابلہ کیا، خطرناک بهارس آور سلسان ریکستانس کو بار کرتے هوئے اِنهوں نے گوتم بدھ کا سندیش چین پہنچایا . چین میں اِنہوں نے چار خاص کام کئے .

(1) چینی جلتا آور چینی راج دربار میں بودھ

دهرم کا پرچار کھا .

(2) بودھ دھرم کی سیکورں پستکوں کا سنسکوت سے چیلی میں انواد کیا آور بہت سی نگی کتابیں خرد چيلي مين لکهين .

(3) چینی میں جکه جگه بوده مته قائم کئے جنیهی چینی بهکشری آور پرچارکن کو بوده دهرم

کی تعلیم دی .

(4) بہارت سے انیک اچھی اچھی بردھ مورتیاں أرر تصویریں لے جاکر چھن میں بودھ کلاکو رواج دیا .

اس طرنے کے، بہت سے بھارتی پرچارکس کا چیلی ساھتیہ اور چین کے سرکاری کفارں میں بیان ملتا ھے . اِن میں سے کھی مشہور کی پرچارکوں کا حال ھے نيجے ديتے هين ,

کشوب متنکا---

کشیمی متنکا ایک بردھ بهکشر تها جسکے چین جائے کے ہارے میں ایک دلنچسپ کہائی مشہور ہے ۔ کہا جاتا ہے سن 65 میسری میں چین کے سمرات منگ تی نے ایک دن سہنے میں دیکھا کہ ایک سونے كَ أَدْمَى اللَّهِ أَوْلًا هُوا أَلِيا أَوْرُ أُسْكِم مَحَلُ مِينَ كُهُسَ كُها . سمرات گھھڑا کو اُٹھ بھٹھا آور آھے دریاریوں کو بلاکو سینے کا مطلب پوچها: دوباریس نے بتایا که وہ سونے کا آدمی مندستان کا دیوتا کرتم بده می . یه سلتم هی سمرات نے أبنا ایکٹ فترت آبودہ پرخارک اور بودہ کتابیں الے کے لکے يهارت يههمها

ملک کی کا دوت ملدستان سے کشیب معلی نام کے ایک موجد به عمل کو آیے ساتھ جمیں لے کیا . کشیب معلا रक्षामन्ति से किसी वर्षे क्षीर कार्बोशान क्षेत्रांवयं पर में एक पुराने क्याने की बार्गाद के तौर पर क्सी पर क्या कर दिये कार्य क्षित्र तरह इस बार सोमनाथ के इससे पहले के बहुत से परवर वरीरा नए क्षाप्त करने वालों ने किसी कार्वायक्यर में रक्ष दिवे हैं और इम सब यक निसंकार ईरवर के मानने वाले, जिसे इस ईरवर, करलाइ और गाड सब नामों से पुकार सकें, "बसुधेव कुटुम्बकम्" यानी इनसानी आईचार के सक्ते विश्वार्श वन सकें. यही सक्षामती की शाहराइ है. बाक्की गलियाँ बरवादो की तंग गलियाँ हैं. इसे इस समय फिर गांधी जी याद का रहे हैं. एनकी इस लाइन के साथ इम इस लेख को बन्द करते हैं—

सब को सम्मति दे भगवान !

12. 6. 51.

---सुन्द्रकाक

माया

माया तू दीखे क्यों गोरी ? भीतर से तू काजर कारी, मोह पिता की छोरी.

है तो दुरमन, दोस्त बताएँ हैं तो भूके, कहें स्रघाए क्रोब भरा तो भी मुस्काए ये सब हैं तेरी करतूरों, बनती सीघी भोरी.

हाय सरतता का मैं सेवी कैसे सममा तुमको देवी सममा जीवन नैया खेवी जादू किया गज़ब का तूने, जो छोरी बरजोरी.

साये! तेरी कैसी माचा बहुक, पक्कने दौड़ा झावा पझ्ताना भर हाथों खाया वक भी तो मैं तोड़ न पाया, पैरों बॉबी डोरी.

था तो मैं नाटक का राना सफल हुआ तेरा वदकाना मैं बन बैठा सवा राना मेद सुका परदा गिरने पर, नक़ल रह गई कोरी.

राजन ! विथे इंरवर को घोड़े नाम किये से से मोंके सुने साधु तो माथा ठोड़े नीत म माये दुक्को चार्ड, हे निर्वंडने कोरी माया दू वीसे क्यों गोरी रै

---अनवानवीन

رقباملدی پر کسی ہوں اور فالهشان عبوائب گور مهل ایک پرائے زمانے کی یادالو کے طور پر اسی طرح جسم کو میٹ پر اسی طرح جسم کو میٹ خاتمی جسمارے اس یار سومداتہ کے اس سے پہلے کے مہل راہدید میں دورہ نئے احدہار کرنے والرس نے کسی محیالیہ گور میں راہدید میں اور دم سب ایک نواکار ایشور کے مالئے والی جسے مایشور اللہ اور لاڈ سپ ناموں سے پہر سکیں اور دھیو دھیو کلسپ کم '' یعلی انسانی بھائی چارے کے سچے وشواسی بن سکیں ، یہی سلامتی کی شاہراہ ہے ، یالی وشواسی بن سکیں ، یہی سلامتی کی شاہراہ ہے ، یالی گلیاں دیں ، مدوں اِس سے پھر گلیاں دیں ، مدوں اِس سے پھر گلیاں دیں جی یاد ارہے میں ، اُن کی اِس لائن کے ساتھ دم ایس لیکھ کو بلد کرتے دیں .

سبکو سملتی دے بھکران!

-- سادرال

12-6-51

ايل

مایا تو دیکھے کیوں گوری کا بھینٹو سے تو کاجرکاری' مولا پٹنا کی چھوری ۔

ھے تو دھمن' درست بقائے ھھں تو بھرکے کہھں گھائے کرودھ بھڑا تو بھی مسکلے یہ سبھیں تھریکوتوتیں' بقتی سیدھی،ہھوری۔

هائے سرلگا کا مهن سهوی کیسے سمجھا تجھکو دیوی سمجھا جهرن نها کھیوی جافو کھا فقیب کا توتے' او چھروی (رجوری .

مایے! تیری کیسی مایا بهک پکولے درزا چهایا پنچهتانا بهر هاتهوں آیا تس بهی تو مهں ترز نه پایا پهروں باندهی و

تهاتو میں ناٹک کا رانا سپهل هوا تهرا پیکانا میں بی پیٹھا سچا رانا پههد کهلا پردا گرتے پر' نقل رہ گئی کرری ،

غضب! هیاے ایشور کو دھرکے الم لگے لے لے سو جھوکے ربیائے سادھو تو ماتھا ٹھوکے موجد تھ مانے تحویکو آئی' ہے نو لججھے کوری ۔ مالیا تو دیکھے کیوں گوری ؟

-- بهکوان مین

का में कुलों की काका कालने के, बीर इस सम के लिल कर अपने देश में शिवकिंग की पूजा को फिर से जोशें के साव अवकाने से अमरीका, इंगलैन्ड या किसी दूसरे देश के राजकाजी लोग हमें शाबाशी भले ही दे लेंहुकीर हमारी इन बीचों से फायदा भी भले ही दठालें, पर इस सबसे इमारी और इमारे देश की इज्जत बनके दिला में नहीं बढ़ सकती.

यसली इलाज

इस किसी मूर्ति पूजक वा। शिव पूजक के दिल को हुखाना नहीं चाहते. अपने मंदिर बनाने, और बनमें अपने धंग से अपने इस्ट देव की पूजा बन्दगी करने की उनकी श्राजावी को भी इस इरिंगज छीनना या कम करना नहीं भाइते. पर इस नई घटना ने इमें और इमारे जैसे बहुत सों को अपने देश की संकट भरी हालत पर करा गहराई से कोचने पर सम्बद्ध कर दिया. इसे सोचना पढ़ता है कि हमारा व्यारा देश किथर जा रहा है. पन्त्रहवीं सदी से क्षेकर आज तक हमारे देश के कवीर साहब, गुरु नानक, गुरु गोबिन्द सिंह, स्वामी दयानन्द, राजा राममोहन राय जैसे कानेक सन्त, महात्मा और सुधारक हमें मूर्ति पूजा झोड़ने का उपदेश देते रहे हैं. कबीर साहब और गुरु नामक की इस तरह की बानियां घर घर फैली हुई हैं. गुरु गोविन्द सिंह ने औरंगजेव के नाम अपने महाहूर खत 'क्कर नामा" में पंजाब के पहाड़ी हिन्दू राजाओं से अपना मुकाबला करते हुए किसा है-

"व भां बुतपरस्तां व मन बुतशिकन "

बानी वह बुत परस्त. हैं और मैं बुतशिकन, गुरु नानक से केटर गुरु गोबिन्द सिंह तक दस्तों सिख गुरुकों की बानी इतने चौरों के साथ एक ही सक्चाई की गूँज है कि हम अनेक बार कह खुके हैं कि जगर पंजाब ने बल्कि सारे भारतवर्श में केवल सिख गुतकों के वपदेशों पर ही अमल किया दोता तो आज यह देश रुद्दानी और दुनियानी दौलतों से माकामात दिसाई देता. स्वामी दयानम्य ने मूर्वि पूजा को पाप बताया है और लिंग पूजा को जिल राज्यों में बयान किया है अन्हें यहाँ दोहराने की खकरत नहीं. यही उपदेश इमें राजा राम मोहन राम ने दिया. देश की इस समय की इासत को देखते द्वप इस और इमारे जैसे विचार के लोग अगवान से प्रार्थना किये विका वहीं रह सकते कि भगवान हम सबके दिलों को नफरत, गुरखे और बदले की नापाक और बांक मावनाओं से पाक करें. इमारी राजनीति ऊँची हो, पक्की हो, बदे दिल बालों की राजमीति हो, मानव प्रेम से जरी हुई दो जीर दूर तक देखने जांबी हो ! इसारे दिल भीर दिमाप पुराने, रासव और हानिकर किरवाओं से अपर कर करें और इसारे क विकर्ण मन्दिरों के सामान सकती

کے مائی چھولوں کی مالا گالم ہے اور کم سب کے امائی کے دانے کلجی لوگ ممیں مابائی بہار می دے لیں اور مماری ان چھورں سے فائدہ یمی بہار می آیا لیں' پر اِس سب سے مماری اور ممارے دیمی کی مزت آئے دائوں میں نہیں بوم سکتی ۔

املی علاج

ہم کسی مورٹی پوچک یا شیو پرچک کے دل کو دكهانا نهيل جامع . أبه مندر بنائه أور أن ميل أبه اهلک سے اور آیشت دیو کی بوجا بندگی کرنے کی آنکی آزادی کو یہی هم هرکز چهیدنا یا کم کرنا کہیں جامتے ، ہر اِس نائی کھٹلا نے عبیں اور عبارے جیسے بہت سوں کو آھے دیش کی سلکت بھری حالت پر ذرا کہراڈی سے سرهاء پر مجبور کر دیا . همیں سوچا پوتا ہے که همارا بھارا دیش کدھر جا رہا ہے ، پلدرھویں مدی سے لیکر آج نک همارے دیعی کے کمیر مناصب کرونالک کروکوبلڈ سلكه اسوأمي ديانلدا راجه رام موهن راتے جهسے انهك سلم مهاتما اور مدهارک همین مورنی پوجا چهور نے کا آیدیش دیتے رہے ھیں ۔ کبھر صاحب اور گرزنانک کی اس طرح کی بانهان گهر گهر پههلی هوئی هیں . گررگوپنگذ سلکھ نے آرونگویب کے نام ایے مشہور خط " طفر نامہ " سیں پلجاب کے پہاری ملدر راجاوں سے اینا مقابلہ کرتے مرثم لكها هر ---

" و آن بست پرستان و من بت شکنی "

يعلي ولا يمت پرست ههن أور مهن يت شكن . گرو الک نے لیکر گروگویٹد سلکھ تک دسوں سکھ گروؤں کی انی اتنے زوروں کے ساتھ ایک هی سچائی کی اونے هے له هم انیک بار که چکے هیں که اگر پلجاب نے بلکه سارے بھارت ورھی نے کھول سکھ گروؤں کے اُیدیشوں پر ھی سل کیا هوتا دو آج یه دیس ورجانی اور دنهاری دولتین سے مالا مال داہائی دیتا ، سوامی دیانلد نے مورثی ہوجا ئو پاپ بھایا ہے اور لنگ پوجا کو جن همدوں میں بیان ایا ہے آنہیں یہاں دوھرائے کی فرورت نہیں ۔ یہی ایدیش همهن راجه وام موهن رائے کے دیا ، دیش کی اِس سیے کی حالت کو دیکھتے ہوئے ہم اور ہمارے جیسے وجار کے لوگ بھکواں سے پرارٹھفا کئے بقا نہیں وہ سکتے کہ بھکواں ام سب کے دلیں کو تفرت عصے آور بدنے کی نایاک اور بانجه بهاوناوں سے باک کریں ، هماری راہے نیکی ارتجی موا يكي هوا بوي دل والون كي وابع نهاي هوا مانو يؤيم مکین اور هماری ایفک تو ملین کی سامان سب کی

अस्थान जोर इसरे के लेका की सूर्त प्रका की किंग एको को उसरे पासरे हैं, कपने को चुनान से कारण रकते तो वह विस्तान हक वर होते.

इतिहासी पहलू

इस चंक में किसी दूसरी जगह हम माई मोहन सिंह सेंगर का एक लेख दूसरे हिन्दी अखबार से लेकर जाप रहे हैं. माई मोहन सिंह ने एक छोटा सा सवाल सोमनाथ पर महमूद के हमले की इतिहासी सच्चाई का भी चठाया है, यह संबात परा पेचीवा है, हम यहाँ केवल इतना कह देना बाहते हैं कि महमूद कभी सोमनाथ पहुँचा भी या नहीं इस बात पर भी इतिहास के कोजियों में काकी मत-भेद है. मशहर महारारट इतिहासकार भी चिन्तामणि विनायक वैद्य ने अपनी किताब ''हिस्ट्री आफ हिन्दू मिडीवल इन्डिया" में इस सबाल के दोनों पहल्कों पर काफी बहस की है. हम यान लेते हैं कि दोनों तरफ कुछ न कुछ कहा जा सकता है. पर इसमें जरा भी शक नहीं कि महमूद् के सोमनाथ पर हमले के सम्बन्ध में जितनी बातें उड़ी हुई हैं या इतिहास की मामूली किताबों में या दूसरी कितानों में पाई जाती हैं उनमें से कम से कम नव्ये की सदी बितकुल बे बुनियाद हैं. सोमनाथ के मेले से जो निजी खत इमारे पास आप हैं जनसे मालूम होता है कि इस तरह की अगगिनत गप्पें वहाँ पर चड़ी हुई थीं और वहाँ से चारों तरफ देश में फैली डोंगी. इन गप्पों ने कितनों के दिलों में जहर मरा चौर पुराने जखमों को ताजा किया हम नहीं कह सकते. हमारे विमाशों की यह हालत हो गई है कि हम नावेल और हिस्ट्री में भी फरफ नहीं कर पाते. श्री कन्हेंया लाल मंशी का नावेल "जय सोमनाथ !" नावेल ही है और नावेल ही बताया जाता है. पर न जाने कितनी आजीव अजीव गर्पे उसी नावेल के आधार पर मेले में इतिहास बन कर फेली और फेलाई गई.

गंदी राजनीति

सौराश्ट्र के राज प्रमुख जाम साहब के मुँहसे एक वड़ी सच्ची बात निकत गई. एन्ट्रोंने कहा कि सोमनाथ का फिर से एद्वार करने वालों में से छुड़ के लिये सवाल न घम का मा न इतिहास का, उनके किये सवाल था राजनीति का. हम बड़ी नम्रता लेकिन पूरे जोर के साथ कह देना बाहते हैं कि इस तरह की राजनीति गन्दी, बांक मौर खुद अपने को मिटा देने वाली राजनीति है. कहा जाता है भी कन्द्रेया लाल मुंशी इस सारे मामले के प्रान थे. पर बहाँ तक अन्तरक्रोमी राजनीति का सन्वन्ध है इस कर्दे यह बता देना बाहते हैं कि मारतीय जनराज के प्रसिक्त के महित हैं का प्रान पर सोमना के मंदिर में काल की प्रान के बांक प्रान कर पहन पर सोमना के मंदिर में काल की प्रान के बांक प्रान के मंदिर में काल की प्रान के बांक प्रान पर सोमना के मंदिर में काल की राजनीत के बेल नन्दी के

هسلنان اور هومرے وہ حسور بھو مورانی ہوتھا یا گانات ہوتھا کو غلط مانکے میں' اپر کو نملاو نے الک رکیکے کو وہ بالکل نمال ہر عوتے

إتهاس يهذو

الس انک میں کسی دوسری جگه هم بهالی موهن سُلِقُهُ سَمِلُكُم كَا أَيِكَ لَمِكُم دُوسِرِ عِلْدَى أَحْبَارِ سِي لَمِكُم چہاپ رہے ھیں ، بھائی موھن سلکھ نے ایک چھوٹا سا سَوَالُ الدومقاته بر محمود کے حملے کی اِتہاسی سجالی كا يه: أَتَّهَايَا هِي بِهُ سَوَالَ دُراً يَهْجِهُدُهُ هِي هُم يَهَانَ پہفتھا بھی یا نہیں اِس بات پر بھی اِنہاس کے کھوجنوں مهن کانی منع بههد ہے ، مهدور مباراشکر اِتداس کار تقريل بهلتا توللي ونايك ويد نے ايني كتاب " هستري آف مقدو متيول انتيا " مهن اس سوال کے دردون پہلووں يُواْ كَالَيْ يَنْحَتُكُ كَى هِي ، هم مان ليقي هيس كه تونول طوف کھے نے کچھ کہا جا سکتا ہے . پر اِس میں درا بھی شک الْهَابُنِ كَهُ مُحْسَرِد كِي سُومُقَالَهِ فِي تَصَلِّم كِي سَمِعُدُهُ مُهِينَ تَوْهَلَىٰ بِاللَّهِنِ أَرَى هَوْلَى هَهِنَ يَا اِلَّهِ اسَ كَيْمِعْمُولَى كَتَابُونَ مُهِنْ يَهُ فَالْمُونِ كَتَابُونَ مَيْنَ فِالْيَجَاتِي هَيْنَ أَنْ مَهِنَ فِي كُمْ فَيْ يَكُو الْوَلِي فَيَصِدَى بِالْكُلِ فِي بِلْهَادُ هِيْنِ . سوملاته كُمْ مُنْفِلِكُ سِيْ جَو نَعِي نُصُطُ همارے ياس آئے هيں أن سے معلوم تَعُونًا ﴾ هِ أَنْكُمُ إِسَ طَرِح كَي أَن كُلْتَ كَيْفِي وَهَانَ يُور أُرِي فولي الهول أور وهال س جارول طرف ديس ميل يههاي شورن کی داری میں کے معدر کے داری میں زهر بهرا اور پرائے زخمرں کو تازہ کیا ہم نہیں کے سکتے ، همارے دماغوں کی ہے ۔ لت هرکئی هے که هم تاول اور هستاری میں بھی الهيني كرياتي شرى كنههاالل منشى كا ناول " ح فَكُنَالُو اللَّهُ عَالِي هِي هِي أور ناول هي بتايا جانا هِي . يو نه الله المعلى المجهد معهد الله الله الله الله الله الماد ور الله أله أنهاس بنكر بهمليل أرر بهيائي كثيل .

كلس راجليتي

 है और न दरदेशी. हम नहीं मानते कि राजेन्द्र कालू का इशारा भारत के मुसलमानों की तरक था. तो फिर क्या यह ललकार समय को थी, जमाने की गरिदश को बी ? फिक्करे से कुछ ऐसी ही मनक मिलती है. लेकिन अगर ऐसा है तो हम राजेन्द्र बाबू और चनके विचार के लोगों को बड़े आवर और नम्रता के साथ बता देना चाहते हैं कि यह ललकार निकम्मी और शोथी है. समय आगे को बह रहा है. चार दिन के लिये हम अपनी पिछ घसीटी हरकतों से खुरा भले ही हो जाएं, समय की गति नहीं बदल सकती. मन्दिरों और मसजिदों के जमाने लद गये. जमाना म्हें पीछे छोड़ चुका, खासकर अगर मानव समाज को मारी या रहानी तरक्षकी के मैदानों में आगे चौकड़ियां भरती हैं तो उसे मूर्ति पूजा और लिंग पूजा से उत्पर उठना होगा. भारत को भी आगे बढ़ना है. फिर से महान बल्कि पहले से कहीं अधिक महान होना है, और इस आगे बढ़ने में किसी प्राचीनतम जमाने की इन रूदियों को एक पुराने गलत खबाब की तरह पीछे छोड़ जाना है. हम राजेन्द्र बाबू को इस फिक्करे के लिये बधाई नहीं दे सकते. इस फिक्करे को पदने के बाद अगर कोई यह सोचने लगे कि राजेन्द्र बाबू की पुराने जखमों को हरा न करने की बात उलटा जखमों पर नमक छिडकना थी तो हमें उसे इस गलतकहमी के तिये माफ ही कर देना पड़ेगा.

ग़ैर मृर्ति पूजकों के साथ ज़ियादती

जगर भारत के कुछ सच्चे शिव भक्त सोमनाथ के मन्दर को या किसी भी ऐसे मन्दिर को फिर से बनवाते भौर अपना आद्र प्रकट करने के लिये राजेन्द्र बाबू को या किसी भी जिम्मेदार सरकारी अफसर को वहाँ बुलाते और वह वहाँ चला जाता, आदर से बैठाया जाता, तो हमें कोई पतराज न होता. पर सोमनाथ में जो कुछ किया गया वह कुछ और ही था. जिन सूबों और यूनिवरसिटियों से उनके चुने हुए नुमाइन्दे बुलाए गए वह क्या केवल उनका आदर दरशाने के लिये या सब सुवा सरकारों और यूनिवरसिटियों को इस "रार्द्रीय" (?) काम में पट्टीदार साबित करने के सिये ? जो लोग मूर्ति पूजा को ठीक मानते हैं छन्हें निजी हैंसियत से पूरा इक है कि ऐसे काम में सहयोग वें पर जो ठीक नहीं मानते - और हम खुद मूर्तिपूजा को ठीक नहीं मानते, आर्य समाजी, मुसलमान, प्रोटेस्टेन्ट ईसाई और त्रहा समाजी कोई ठीक नहीं मानते—उन्हें अपना नुमाइन्दा इस काम के लिये जुनने को क्यों कहा गया ? बागर यह हुक्रम सरकारी हुकुम था तो हम किसी तरह भी नहीं समम सकते कि कोई सेकुलर सरकार इस तरह का हुकुम कैसे दे सकती हैं ? इमें इस बात के कहने में अरा भी संकोच नहीं कि जिस समय यूनिवरसिटियों के नुमाइन्दे चुने जा बंदे थे इस बन्नत अगर यूनिवरसिटी के आर्थ समाजी, هے اور نه موراندیشی. هم نهوں مانٹے که والمعلقو باہو کا اشارہ بھارت کے مسلما وں کی طرف تھا ۔ تو بهر کھا ایم للکار سنے کو تھی وسالے کی گردھی کو تھی ایک فقرے سے کچھ ایسی هی بهلک مالتی هے . لیکن اگر آیسا ھے تو ھم راجددر باہو اور اُنکے وچار کے لوگوں کو ہوے آدر اور نمرتاً کے ساتھ بھا دیلا چاھتے ھیں که یه للکار نکمی اور تهوتهي هي . سيم آگي کو بوه رها هي . چار دن کے لئے هم ابنی کیچہ کیسیتی حرائتوں سے خوش بہلے ہی ہوجائیں ا سمے کی گئی نہیں بدل سکتی . مندروں اور مسجدون کے زمانے لد گئے . زمانہ اِنہیں پیچیے چھور چکا ، خاص کر اگر مانو سماج کو مادی یا روحا ی ترقی کے میدانوں میں آگے چوکویاں بھرنی ہیں تو اُسے مو تی پوجا اور للگ پوجا سے اُوپر اُٹھنا هوکا . اُھارت کو بھی اکے بڑھنا ھے . بھر سے مہان بلکہ پہلے سے کہیں ادھک مہان ھونا ھے اور اِس آئی بڑھنے میں کسی پراچین تم زمانے کی اِن روزھیوں کو ایک برائے غلط خواب کی طرح پیچھے چھور جانا ھے . هم راجندر بابو کو اِس فقرے کے لئے بدھائی نہیں دے سمنتے اِس فقرے کو پوھنے کے بعد اگر کوئی یہ سوچنے لگے که راجندر بابو کی پرانے زخموں کو هرا نه کرنے کی بات ألعًا زخموں ير ندك چهوكا تهى تو هدوس أسے إس فلط فہدی کے لکتے معاف هی کر دیلا پرے گا.

غیر مورتی پوچگوں کے ساتھ زیادتی

اکر بھارت کے کچھ سچے شیو بھکت سوماتھ کے مذدر کو یا کسی بھی ایسے مقدر کو پھر سے بقوائے اور ایفا آدر پرکت کرنے کے لکتے راجندر باہو کو یا کسی بھی ذمہ دار سرکاری انسر کو وہاں بلاتے اور وہ وہاں چلا جاتا اور سے بیتھایا جانا و همدی کوئی اعتراض نه هوتا . پر سومااته مهی جو كنچه كيا كيا وه كنچه أور هي تها . جن صوبون أور يونهورستيون سے أن كے چاہے هوئے نماذاتے بالنے كئے وہ كها كيول أن كا آدر درشانے کے لیے یا سب صوبہ سرکاروں اور یونیورستیوں كو إس " راشترى " (؟) كام مين يتلى دار ثابت كرل کے لیے ؟ جو لوگ مورتی پوجا او تھیک مانتے ہیں آنھیں نجی حیثیت سے پورا حق ہے کہ ایسے کام میں سہیوگ دیں ۔ پر جو تھیک نہیں مانتے - ارز هم خود مورتی برجا کو تهیک نهین مانتے اربه سماجی مسملان ا يروتستنت ميسائي أور برهم سماجي كوئي تهيكة نهيل مانتے ۔۔ اُنھیں اہلا نمائلدہ اِس کام کے لئے چلئے کو کیوں کہا گیا ہے ؟ اگر یہ حکم سرکاری حکم تھا تو هم کسی طرح بھی تھیں سنجھ سکتے که کوئیسیکولر سرکار اِس طرح کا حکم کیسے دے سکتی ہے؟ مدین اُس بات کے کہتے +س ذرا بھی ساتھوں کے جسسے یونھورسٹھوں کے نمالقدے جلے جا رہے تھے اُس وابت الله يونيورسالي كے آريه سماجي،

蒙然 4

1 20 L

क्षेत्र की पर क्षाहाला है है एक सन्दिर का किसा यह का रहा है. तीस वरस पहले की वाल है कुछ जोशीले लोग कहर सनातिकों के एक मन्दिर में कुछ हरिजनों को पवरदस्ती जलूस बना कर ले गए. जुरी-हित ने देख लिया कि हठ करने से काम नहीं चलेगा. उसने दरवाजा सोल दिया. हरिजनों ने दर्शन किये. जीत की खुशी में सब लौट खाए. उसके बाद पुरोहित जी-ने गंगा जल के कलसे मंगा कर सारे मन्दिर को फिर से उसी तरह घो ढाला जिस तरह खगर कोई जानवर वहाँ मैला कर जाता तो करना पड़ता.

राजेन्द्र बाबू की ललकार

राजेन्द्र बाबू की तकरीर का एक फिकरा उत्तर भारत के हिन्दी उरतू अखबारों ने बढ़े बढ़े मोटे हरकों में छापा है. वह यह है—''बाज अपनी राख में से दोबारा खड़ा हो कर सोमनाथ का यह मन्दिर मानो दुनिया से ललकार कर कह रहा है कि इस दुनिया का कोई आदमी और कोई ताकत उस चीच को मिटा नहीं सकती जिसके लिये लोगों के दिलों में बेकंद्र श्रद्धा और प्रेम है."

, म दे दुख के साथ हम यह कहने पर मजबूर हैं कि इस किकरे के भाव हमें ऊँचे दिखाई नहीं देते. राजेन्द्र बाबू यह कह कर वालिए किसे ललकार रहे हैं ? उन्हें और सारी दुनिया को अब यह मालूम है कि सोमनाथ का मन्दिर महमूद से पहले भी और उसके बाद भी कम से कम आठ बार गिराया गया और आठ बार फिर से बनाया गया. कारसी की एक कहावत है-" जो आया उसने अपनी नई इमारत खड़ी की." यह कहाबत आगर किसी जगह के बारे में ठीफ उतरती है तो सोमनाथ के बारे में. पर जाहिर है इस ललकार के समय सोमनाथ के दूसरे विध्वन्सक राजेन्द्र बाबू की निगाह के सामने न थे. तो फिर क्या उन के सामने महमूद गजनबी था ? हमारा दिल नहीं मानता. हम रुहानी तकलीफ के साथ कह रहे हैं गुरवों को ललकारना किसी इनसान को शोभा नहीं देता. हम मान लेते हैं कि उनकी निगाह के सामने महमूद नहीं था. तो फिर क्या महमूद के सह धर्मी थे ? अगर ऐसा है तो हमें मालूम होना चाहिये कि हिन्दुस्तान से बाहर के जागे हुए मुसल-मानों को अब कहीं भी पहुँच कर मन्दिर या गिरजा तोड़ने और मसबिद बनाने की न इच्छा है, न तवियत और न जुरसत. किसी बाहर के देश के लोगों पर-भीर उन सबसे हमारी राजकाजी मित्रता हैं—इस तरह का इशारा हरगिज राजेन्द्र बाबू जैसे जिम्मेदार आदमी के मुंह से नहीं निकल सकता. तो फिर क्या यह जलकार हिन्दुस्तान के ग्रारीव ससलमानों के लिये बी ! इसारा दिल भर जा रहा है. किसी बायशी की करत्त के लिये वसके इस समय के या सेक्ट्रों क्रांस कात् के सह धर्मियों को सलकारना न इनसाक

بعنیں اس سرقع پر العراقات کے بھی ایک سکھو کا العظم باد آ رہا ہے ، تیس برس پہلے کی بات ہے ، کچھ جرہ بھیلے وہا گئے ، پررہ میں کچھ جرہ بھیل کو بردستی جلوس بنا کر لے گئے ، پررہ میں لے دیراوہ کھول دیا ، اس نے درواوہ کھول دیا ، بریجلوں نے درشن کئے ، جیت کی خرشی میں سب بھی آئے ، اس کے بعد پروہ جی نے گنتا جل کے بعد پروہ سے اسی طرح دھو ڈالا کیسے منہ کر کوئی جانور وہاں میلا کر جاتا تو کرنا ہوتا ۔

أجلدر بابوكي للكار

وأجلدر بابو كى تقرير كا أيك فقرة أتر بهارت كے هلدى أردر أخباروں نے بڑے بڑے موتے حرفوں ميں چهاپا هے . الله على سے دوبارة كهوا هوكر سوملاته كا يه ملدر مانو دنيا سے للكار كر كه رها هے كه اِس الله كا كوئى آدمى أور كوئى طاقت أس چيز كو متا نهيں سكتى جسكے لئے لوگوں كے داوں ميں بے انت شردها أور ويم هے ."

ہوے دکھ کے ساتھ هم يه كہلے پر ميجبور هيں كة اِس لقوے کے بھاو هديس أونچے دكھائي نهيس ديتے . واجدو عَهُو يَهُ كَهِكُمُ آخُرُ كُسُمُ لَلْكَارِ رَهِمُ هَدِينٍ ؟ أَنْهُمُن أَرْ سَارِي انها كو أب ية معلوم هے كه سومذاته كا مددر متصمود سے چلے بھی اور اُس کے بعد بھی کم سے کم آٹھ بار گوایا گیا ور آته بار پهر سے بدایا گیا . فارسی کی ایک کہاوت ہے --' جو آیا اُس نے اپنی نئی ممارت کھری کی ،'' یہ کہارت کر کسی جگه کے بارے میں تھیک اُترتی ہے تو سومذانه کے بارے میں . پر ظاہر هے اِس للکار کے سبے سومناتھ کے الوسرم ودهونسک واجلدو بابو کی نگاه کے سامنے نہ تھے. و پہر کیا اُن کے سامنے محمود غزنوی تھا؟ ھمارا دل نہیں بُانعاً . هم روحانی تکلیف کے ساتھ کے رہے هیں مردوں کو لمكارنا كسى إنسان كو شوبها نهيس دينا . هم مان لهاي مھیں کہ اُنکی نکاہ کے ساملے متعمود نہیں تھا ، تو پھر کیا بعجبود کے سہدعوسی تھے؟ اگر ایسا ھے تو هبھی معلوم هونا تهاهد که هددستان سے باهر کے جاکے هوئے مسلمانوں کو البدكية بهي بها فيكر مددريا كرجا تورل أور مسجد يقال الى نه إجها هـ ' نه طبيعت أور نه نوصت . كسى ياهر ك الیفن کے لوگوں پر -- اور اُن سب سے هماری راہ کاجی بيرنا هـ -- إس طرح كا اشارة هركز راجندر وابو جوس مع دار آدمی کے مقع سے نہیں نکل سکتا ، تو پھر کیا یہ المجر ملاستان کے فریب مسلمانوں کے لئے تھی ؟ همارا دال مر آ رها ہے ، کسی آدمی کی کرتوت کے لئے اُس کے اُس مینے لله الله المهرون برس بجديك سهدهرمهون كو للكارنا نع انصاف

कनका इरावा बद्ध गया ' गांधी जी की इस बारे में राष इसे अच्छी तरह मालूम है, उनसे हमारी काफी बात चीक हुई. जीरों से भी हमारी मौजूदगी में हुई. गांधी जी की आज्ञा से ही हमने सोमनाथ पर वह लेख लिखे जो 'इरिजन' में छपे हुए हैं.

इस मजमून पर और अधिक लिखने का हमें समय न मिल सका. गांधी जी की राय यह नहीं थी कि सोमनाथ का मन्दिर लोगों के चन्दों से बनाया जाय और सरकार उसमें इस तरह से सहयोग दे जिस तरह, दिया गया है. इम पूरी जिम्मेवारी के साथ कह सकते हैं कि सोमनाथ में जो कुछ हुआ वह गांधी जी की राय के मुताबिक नहीं हुआ और परलोक में उसे सुनकर गांधी जी की आत्मा सन्तुरट नहीं हो सकती.

एक बार बहुत पहले गांधी जी से हमारी इस बारे में भी बात बीत हुई थी कि देश में मिन्दरों और मसजिदों मी तादाद जरूरत से ज्यादा है. गांधी जी की साफ राय थी कि हर धर्म बालों को इस बात की आज़ादी होना बाहिये कि वह जब भी अपना कोई नया मिन्दर, मसजिद या गिरजा बनाना चाहें तो बना सकें या पुराने की मरम्मत करना चाहें तो कर सकें. पर उनकी अपनी इच्छा यही थी कि इन अलग अलग पूजा बन्दगी के स्थानों की तादाद कम ही हो और कम ही रहे तो अच्छा है.

सुधार का धोका

दुनिया को वड़ी बहादुरी के साथ यह भी बताया गया है कि कट्टर सनातनियों को नाराज करके सोमनाथ के इस मामले में बड़े बड़े सुधार किये गए हैं. मन्दिर हरिजनों के किये खुका रहेगा, गैर हिन्दू भी मन्दिर में जा सकेंगे वग़ैरा. पर रौर हिन्दुओं और हरिजनों के मन्दिर में जा सकने भीर सोमनाथ बाबा के दर्शन कर सकने का रिवाज तो बहुत पुराना रिवाज है. उस मन्दिर के तीन हिस्सों में से बाहर का हिस्सा हमेशा सब के लिये खुला रहा है. हमें यह भी याद रखना चाहिये कि राजेन्द्र बाबू ने जिस मूर्ति के ऊपर से सोने की पिन इटाई वह 11 मई को सनातन रिवाज के मुताबिक अभी बेजान पत्थर थी, वेबता नहीं. अभी वह राज मजदूरों के हाथों में थी, देवता का वासा अभी इस में नहीं हुआ था. अभी इसकी प्रान प्रतिरठा होनी बाक़ी थी. प्रान प्रतिरठा के बाद सूर्ति देवता बनती है. प्रान प्रतिरठा केवल प्राञ्चन पुरोहित ही करेगा. उसमें कोई यैर बाह्यन बाहे वह भारत का प्रेसीडेन्ट हो और चाहे कांगरेस का सदर हाथ न लगा सकेगा. इसकिये यह जो सनातन रिवाज में सुधार की बातें दुनिया से कही जा रही हैं इसमें असक्षियत नहीं के बराबर है.

ان کی گواف ایکل گھا کا گاندھی جی کی اِس کارے میل والے میں اوروں سے بھی ھناری موجودگی میں ہوئی کی اس کاندھی جی کی آوروں سے بھی ھناری موجودگی میں ہوئی کاندھی جی کی آگیا سے ھی ھم نے سرمائتھ ہو والا لیکھ لکھے جو 'ھریجن' میں چھپے ھوئے ھیں ، اِس مشمون ہو اور ادھک اکھلے کا ھمیں سے نہ مل سکا ، گاندھی جی کی راے یہ نہیں تھی کہ سومائتہ کا مدر لوگوں کے چادوں سے بقایا جاے آرر سرکار اُس میں اِس طرح سے سہیوگ دے جس طرح دیا گیا ھے ، میں طرح دیا گیا ھے ، هم پرری ذمعواری کے ساتھ کہ سکتے ھیں کہ سومائت میں جو کچھ ھوا وہ گاندھی جی کی راے کے مطابق میں ھوا آور پرلوک میں اُسے سن کر گاندھی جی کی اُنہ ہی کی تاہد ہی کی اُنہ ہی جی کی دیا ہے ۔

ایک بار بہت پہلے گاندھی جی سے ھماری اِس بارے میں بھی بات چہت ھوئی تھی کہ دیش میں مقدروں اور مسجدوں کی تعداد ضرورت سے زیادہ هے . گاندھی جی کی صاف رائے تھی کہ ھر دھرم والوں کو اِس بات کی آزادی ھونی چاھئے کہ وہ جب بھی اینا کوئی نھا مقدر' مسجد یا گرجا بقانا چاھیں تو بفا سکیں یا پرائے کی مرمت کرنا چاھیں تو کرسکیں ، پو اُن کی ایفی اِچھا یہی تھی کہ اِن الگ الگ پوجا بقدگی کے ستھانوں کی تعداد کم بھی ھو اور کم ھی رہے تو اُچھا ہے .

سدهار کا دهرکا

دنیا کو ہو_گبہادریکے ساتھ یہ بھی بٹایا گیا <u>ہے</u> که کٹر سفاتفهوں کو ناراف کرکے سومقاتھ کے اِس معاملےمیں ہوے بوے سدھار کئے گئے ھھی. مقدر ھریجنوں کے لئے کھا رہے گا' فهر هادو بهی مددر مهن جا سکین کے رفیرہ . پر فیر هندووں اور هريجنوں کے مندر مهي جاسكنے اور سومناته بايا کے درشری کر سکانے کا رواج تو بہت پرانا رواج ھے . اُس ملدر کے تھی حصوں میں سے باہر کا حصہ معیشہ سب کے لکے کہلا رہا ہے ، همیں یہ بھی یاد رکھنا چاهگے که راجندر باہو نے جس دورتی کے اوپر سے سونے کی پی همائی ولا 11 مٹیکو سفاتن رواج کے مطابق ابھی بیجان ہتھر تھی' دیوتا نہیں ، ابھی وہ راج مزدروں کے ھاتھوں میں تھی ديونا كا ياسا أيهي أس مهن نهين هوا تها . ابه ي أس کی پران پرتشتہا هونی باتی تھی . پران پرتشتها کے بعد مررتی دیرتا بنتی هے . برآن برتشتها کیول براهمی پروهت هي كُرِينَ كُا رِ أُسْنِ مِهِن كُولِي فير براهبن جاهِ ولا بهارت كا پریسیکنٹ هو لور نهاهے کانگریس کا صدر هاته نه لکاسکے گا . اِس لكن أيم هو سفاتي رواج مهن سدهار كي ياتهن دنها ہے کہی کھا وہی علیں آن میں اصلوت نہدن کے

- miles

कर मुकी हैं. इस पर भी कहा का सकता है कि एक तर जानिबदार सरकार भी किसी भी धर्म के मंदिरों, मसजिदों. गिरजों या गुरुद्वारों को इस तरह जमीनें दे सकती है. इम यह पूछना नहीं चाहते कि सौरारद्र संरकार ने अपने राज के ईसाइयों, मुसलमानों, पारसियों या दूसरे धर्म वालों के पाक स्थानों को अब तक कितनी जमीने दीं. पर इस जरा और आगे बढ़ें. क्या हम सचमुच ठंडे दिल से यह फह सकते हैं कि सौरारट सरकार या भारत सरकार का इस सोमनाथ के मामले से कोई सम्बन्ध नहीं ? राजेन्द्र बाबू वहाँ भारत के प्रेसीडेम्ट की हैंसियत से गए थे या एक बहुत बड़े शैव की हैंसियत से ? कांगरेस प्रेसीडेन्ट वहाँ क्या केवल अपनी निजी हैसियत से ही मौजूद थे? सौराश्ट्र के राज प्रमुखं श्रीर बड़े वजीर यानी वहाँ की सरकार के दोनों बड़े अफसर क्या इस सूबे के सब से बड़े शिव भक्त भी हैं और क्या वह केवल इसी हैसियत से आगे आगे हिस्सा ले रहे थे है और फिर भारत के तमाम सूबों से सब सरकारों और युनिवरसिटियों के प्रतिनिधि वहाँ किस हैसियत से और किसके हुकुम से बुलाए गए थे ? और आगे बढ़िये. दुनिया भर के चौहत्तर देशों से जो जगह जगह की मिट्टी और बनस्पति मंगाई गई वह किसके हुकुम से १ जापान जैसे देश के भारती राजदूत या उसके अमले वालों ने जो वहाँ से फूजी पहाड़ की मिट्टी और बनस्पति लेकर भेजी वह किसके हुकुम से श्रीर क्यों १ यह एक जानने की चीज है कि भारत सरकार, सुबों की सरकारों और विदेशों में हमारे राजदूतों ने इस सारे मामले में क्या खर्च किया और किसके हुकुम से किया. श्राखिर सोमनाथ के मन्दिर का हमारे विदेशी विभाग के साथ क्या सम्बन्ध है ? एक सौ एक तोपें क्या किसी श्रीर धर्म के मसजिद, गिरजा या गुरुद्वारे के पुनरुद्धार में भी छोड़ी गई या छोड़े जाने की तजवीज है है इम नहीं कह सकते कि भारत सरकार का मंत्रिमंडल इस काम के लिये कहाँ तक जिम्मेवार है. हमें यह भी नहीं मालूम कि ऐसे मामलों में प्रेसीडेन्ट के लिये मत्रिमंडल से या प्रधान मंत्री से सलाह कर लेना कहाँ तक जरूरी है या नहीं है. लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि जो लोग देश के बहुगिनत लोगों के धर्म को खेंच तानकर किसी न किसी हर में भारत का राष्ट्री धर्म बनाने के चक्कर में हैं उन्हें इमारी सरकारों को इस काम के अन्दर घसीट लेने में एक बार पूरी कामयाबी मिली है.

गांधी जी और सोमनाथ

श्री० मुंशी ने ठीक कहा है कि "सरदार वल्सभ भाई पटेस सोमनाथ के मंदिर को सरकारी सर्च पर फिर से बनवाना चाहते थे पर गांधी जी के विरोध करने पर

大风强 能压力流 () ()

مكى هـ . إس ير بهى كها جاستها في كه ليك فيترجانبداو ار بھی کسی بھی دھرم کے مندروں مستعدوں گرجوں گرودواروں کو اِس طرح زمینین دے سکتی ہے۔ یہ پوچہنا نہیں جاءتے که سوراشتر سرکار نے اللہ راہ عيسائهون مسلمانون پارسيون يا دوسرے دهرم والون یاک ستهانون کو ابتک کتنی زمینیس دیس ، پر فرا اور آئے برھیں کیا ھم سے مے تھندے دل سے له سکتے هيں که سوراشتر سرکار يا بهارت سرکار کا ا سیمیاته کے معاملے سے کوئی سمیلدھ نہیں ؟ ندر باہو وهاں بھارت کے پریسیڈنٹ کی جیثیت لیے تھے یا ایک بہت بڑے شہو کی حیثہت سے ؟ ريس يريسيدنت وهال كها كهول ايني نجى حهثيت ھی موجود تھے؟ سوراشتر کے راج پرمکھ آور ہوے یمنی وهاں کی سرکار کے دونوں ہونے افسر کیا ے صربے کے سب سے بڑے شہوبهکت بھی میں آور ولا كهول إسى حوثهت سے ألم ألم حصم لم رهم تعم ؟ پھر بھارت کے تمام صوبوں سے سب سرکاروں آرد ورستیوں کے پرتیندھی وھاں، کس حیثرت سے آور ی کے حکم سے بالے کئے تھے؟ آور آئے بوہیے . دنیا کے چوھٹر دیشوں سے جو جاکه جاکه کی ماتی آور بہتی منائی کئی وہ کس کے حکم سے ؟ جاپان سے دیھ کے بھارتی راج دوت یا اُسکے عملے والوں جو وهاں سے نوجی پہار کی متی آور بلسیتی لے کر عجی وہ کس کے حکم سے آور کیوں ؟ یہ ایک جانئے چیز هے که پهارت سرکار' صوبوں کی سرکاروں آور شوں میں همارے راج دوتوں لے اِس سارے معاملے ، کیا خرچ کیا آور کس کے حکم سے کیا . آخر سومناته مندر کا همارے ودیشی وبھاک کے ساتھ کھا سمبندھ ؟ ایک سو ایک توپیل کیا کسی اور دهرم کے مسجدا یا گرودوارے کے پذرددھار میں بھی چھوڑی ں یا چھوڑے جانے کی تجویز ہے؟ هم نہھں کھ لے کہ بہارت سرکار کا ملعری ملدل اِس کام کے لیے ے تک قامتوار ہے ، همهن يه يهي نههن معلوم كه ہے معاملوں میں پریسیڈنٹ کے لگے منتری ماڈل سے بردهان مِنتري سِ صلاح كرليفا كهان تك مروري هـ نہیں ہے ، لیکن اِس میں کوئی شک نہیں که جو ے دیش کے بہوگلت لوگوں کے دھوم کو کھیلیے تان کو ن نه کسی روپ میں بھارت کا راشتری دھرم بطانے ہمر میں میں آنہیں هماری سرکاروں کو اِس کام کے کهسیت لینے میں ایک یار پوری کامیابی ملی ہے . هل جي اور سومقاته

شری مقشی نے تھیک کہا ہے که ''سردار راجههائی بل سرمفاته کے مقدر کو سرکاری خرچ پر پھر سے انا جهاهتے تھے پر گاندهی جی کے ورودھ کرنے پر विश्वास और उन कीमतों पर कायम हैं जिन पर हमें अनन्त युगों से कायम चले आ रहे हैं.....यह मराहुर इतिहासी मन्दिर हमारे सनातन विश्वास की एक निशानी हैं जिसे फिर से पूरे जोश के साथ कायम करने का काम हम अपने ऊपर ले रहे हैं.'

जाहिर है राजेन्द्र बाबू और उनके साथी किसी बीते समय की 'राजकाजी और समाजी हालतों' को फिर से लाना बाह रहे हों कम से कम उस बीते जमाने की धार्मिक हालतों, खास कर शिवलिंग की स्थापना और उसकी पूजा को वह पूरे जोश के साथ कायम करना चाह रहे हैं.

पुराने ज़रूमों को हरा करना

दूसरी मारके की बात राजेन्द्र बाबू ने ऊपर के फिक़रें में यह कही है कि वह पुराने जलमों को हरा करना नहीं बाहते. हम उनकी बात मान लेते हैं. फिर भी इस फिक़रें को पढ़ कर हमें हैरानी और दुल हुआ. हमारे दिल में राजेन्द्र बाबू की इज्जत है, हमें उनसे प्रेम है, हम उन्हें अपना भाई मानते हैं. हम उन्हों से अपील करना चाहते हैं कि वह भारत के किसी हिस्से में दौरा करके और आम जनता में मिल कर देखें या मई महीने के देसी भाशाओं के अखबारों की फाइलों को उलट पुलट कर देखें और फिर ठंडे दिल से बतावें कि सोमनाथ के इस नए उद्धार से कोई पुराना जलम हरा हुआ या नहीं और हुआ तो किस दरजे तक. हम यह समफ ही नहीं सकते कि इस सारी घटना से कोई किसी दूसरे नतीजे की आशा कैसे कर सकता था.

सरकार की ज़िम्मेवारी

1500

श्री के. एम. मुँशी ने किशोरलाल भाई के नाम अपने सत में यह भी सिंखा है कि "यह काम सरकार की तरफ से नहीं हो रहा है बिलक मन्दिर को बनाने और सोमनाध की मूर्वी को फिर से क़ायम करने का सारा खर्च एक ट्रस्ट से किया जा रहा है जो जाम चन्दों से कायम हुआ है." हो सकता है सौरारट सरकार ने असली धार्मिक रसम के लिये कुछ खर्च न किया हो. लेकिन श्री मुंशी ही के अनु-सार सरकार ने चारों तरक से सड़कों की मरम्मत करवाने में, उन पर रोशनी भीर जगह जगह पानी का इन्तजाम करने में चौर यात्रियों को सब तरह की सुविधाएँ देने में तो उपया खर्च किया. इस पर कहा जाता है कि सरकार इस तरह का इन्तजाम सब मेलों ठेलों पर करती ही है. पर जाम साहब ने जो सीराश्ट्र के राज प्रमुख हैं यह भी पेक्सन किया कि सरकार इमारतों क्रौरा के आलावा एक सी दस एकड़ फर्ज़ों की जमीन और दो सो इक्यासी एकड़ केदी के कावित जमीन नए मन्दिर को देने का कै तज्ञा

رشواس آور آن قیمتیں پر قائم میں جن پر اندت یکوں سے قائم چلے آرہے میں یہ مشہور ایمانی مقدر میارے سفاتی وشواص کی ایک نشانی ہے جسے پہو سے پورے جوش کے ساتھ قائم کرنے کا کام هم انے اوپر لے رہے میں."

ظاهر ہے واجلد باہو آور اُنکے ساتھی کسی بھتے سیے کی 'راُچ کاجی اور سماجی حالتوں' کو بھر سے لانا چاہ رہے ہوں یا نہ چاہ رہے ہوں کم سے کم اُس بھتے زمانے کی دھارمک حالتوں' خاص کر شیوالمک کی ستھایفا آور اُسکی ہوجا کو وہ پورے جرشن کے ساتھ قائم' کرنا چاہ رہے مہر ،

يرانے زخموں کو هوا کرنا

دوسری معرکے کی بات راجندر بابو نے اوپر کے فقرے میں یہ کہی ہے کہ وہ پرانے زخمرں کو ھرا کرنا نہیں چاھٹے ۔ ھم اُن کی بات مان لیٹے ھیں . پھر بھی اِس فقرے کو پڑھکر ھیوں حہرانی آور دکھ ھوا . ھمارے دل میں راجندر بابو کی عزت ہے میں . ھم اُنہیں سے پریم ہے 'ھم اُنہیں اپنا یہائی مائتے ھیں . ھم اُنہیں سے اپیل کرنا چاھٹے ھیں کہ وہ بھارت کے کسی حصے میں دورہ کرکے اور عام جنتا میں ملکر دیکھیں یا مئی مہینے کے فیسی بہاشاؤں کے اخباروں کی قائلوں کو اُلت پلت کر دیکھیں آور پھر تھندے دل سے بتاویں کہ سومناته کے اِس نئے اُددھار سے کوئی پرانا زخم ھرا ھوا یا نہیں کے اِس نئے اُددھار سے کوئی پرانا زخم ھرا ھوا یا نہیں کہ اِس ساری گھٹنا سے کوئی کسی دوسرے نتیجے کی آور ھوا تو کس درجے تک . ھم یہ سمجھ ھی نہیں سکتے کی اِس ساری گھٹنا سے کوئی کسی دوسرے نتیجے کی آشا کہسے کر سکتا تھا .

سرکار کی ذمعراری

شری کے . ایم . مذشی نے کشورلال بھائی کے نام اله خط مهن ياء بهي لكها ه كه دايَّه كام سركار كي طرف سے نہیں ہورہا ہے بلکہ مندر کو بنائے آور سومناتھ کی مورتی کو پھر سے قائم کرنے کا سارا خرچ ایک ترست سے کیا جارہا ھے جو عام چندرں سے قائم ہوا ھے." ہو سکھا ہے سرواشقر سرکار نے اصلی دعارمک رسم کے لئے كچه خرچ نه كيا هو . ليكن شرى بلشى هى كے انرسار سرکار نے بچاروں طرف سے سوکوں کی مرمت کروانے مھی' أن ير ررشني آرر جگه جگه باني كا انتظام كرني مين آرر یاتریوں کو سب طرح کی سرودھائیں دیئے میں تو رويدة خرب كيا . إس ير كها جاتا هے كه سرار إس طرم کا انتظام سب میلون تهیلوں پر کرتی هی ہے . یر جام ساحب نے جو سوراشٹر کے رابے پر مکھ ھدی یہ بھی اعلان کھا کہ سرکار عمارتوں وقیرہ کے علاوہ لیک سردس ایکو پهدر کی زمون آور در سو انهاسی ایکو کہنتی کے قابل زمین نئے ملدر کو دینے کا فیصلہ

TO THE PARTY OF TH वासी सेकूबर रकता चाहते हैं और अपने अनव से भी स ग़ेर जानिकारी के बसल की निवाहना चाहते हैं.

कुछ दिन हुए इसने अंगरेशी के अस्पार 'आरगे-नाइकर', में, जो बार० एस० एस० का बखबार सममा जाता है, एक बेक पढ़ा था जिसमें यह बताया गया था कि "राश्टीय स्वयं सेवक संघ केवल हिन्द्भों का राज नहीं वाहता. वह किसी एक धर्म बालों का राज नहीं चाहता. बह यह भी नहीं चाहता कि हमारे राज में किसी के साथ वर्म की बिना पर किसी तरह की कोई क्र रिकायत की जावे या फिसी धर्म बालों के साथ किसी मामले में भी किसी उरह का भेद भाव बरता जावे, वह चाहता है कि देश की सरकार इस मामले में बिलकुल ग़ैर जानिबदार हो और सब धर्म बालों के साथ सब बातों में एक बराबर बरताव हो, सब को एक से मौक्षे दिये जावें और सब के बराबर के इक हों, वरारा." यह हमने उस लेख के एक हिस्से का नियोद अपने शब्दों में यादवारत से देने की कोशिश की है. इमें खारगेनाइजर' के इस लेखक की नियत में शक नहीं. वह जो जी से चाहता था वही उसने लिखा.

केवल नेक इरादे काफ़ी नहीं

पर इस दुनिया में, जो इनसानों खौर क़ौमों दोनों के क्तिये एक कठिन आजमाइश की जगह है, केवल नेक इरादों से काम नहीं चल सकता, श्रंगरेजी की एक मशहूर कहावत है-- ''नरक का रास्ता नेक इरावों से पटा पड़ा है" इस में से हर एक को अपने हर काम और उसके अच्छे बुरे नतीओं पर हर पहलू से ग़ौर करना होगा, और अपने कामों के इद्रती नतीजों की जिम्मेवारी अपने उपर लेनी होगी.

राजेन्द्र बाबू ने उसी तक़रीर में एक जगह कहा है कि 'मैं इस बात को साफ कर देना चाहता हूँ कि इन जलसों का न यह मतलब है न हो सकता है कि हम अपने देश में किसी पुराने जमाने की राजकाजी और समाजी हालतों को फिर से क्रायम करना चाह रहे हैं, न इसका यह मतलब है कि इस इस दिमासी या जिसमानी जख्म को फिर से हरा करना चाह रहे हैं जिसे समय ने अपने आप भर विया था. "

पुराने जमाने को फिर से लाना

जहाँ तक राजकाजी और समाजी हालतों का सम्बन्ध है, सबस्य के कोशिश करने पर भी किसी बीते जमाने की सब राजकाजी चौर समाजी हालतें फिर से नहीं चा सकर्ती, समय की गरि किसी के रोके नहीं रक सकरी. पर राजेन्द्र बाबू ही ने आगे बत कर कहा है-"यहाँ हमारा मक्सक विकी नए सिरे से यह ऐसान करना है कि इस उस

الله ميد و معرد ع مسالة حيل باري حرد يعلى سيكولر وكهفا جاهات هيس أور أنه عمل سي لهي اس فیرجانبداری کے اصول کو تباهدا چاہیے میں ،

کچه من مول هم نے انگریزی کے اخبار 'آرگفائزر' مين جو آر . ايس . ايس . كا اخبار سمجها جاتا هـ " ليك ليكه برها تها جس مين يه بتايا ليا تها كه "راشتری سریم سیوک سنعه کیول هندورس کا راج نهیس جاهدا ولا كسى ايك دهرم والول كا رأج نهيس جاهدا وہ یہ بھی نہیں چاھٹا که همارے راج میں کسی کے ساته دهرم کی بنا پر کسی طرح کی کوئی رو رعائت کی جاوے یا کسی دھوم والن کے ساتھ کسی معاملے میں بھی کسی طرح کا بھیدبھار برتا جاوہے' وہ چاھتا ہے که دیمی کی سرکار اِس معاملے میں بالکل فیرجانبدار ھو آور سب دھرم وا وں کے ساتھ سب باتوں میں ایک برأبر برتاو هو' سب او ایک سے مرقع دیئے جاویں آور سب کے برابر کے حتی هوں' وفیرہ .'' یہ هم نے اُس المکم کے ایک حصے کا نچور آنے شبدوں میں یادداشت سے ديني كى كوشمى كى هه . هديس واركناتزر ك أس المعهک کی نیت میں شک نہیں، وا جو جی سے جُاهِمًا تها وهي أسلم لكها .

کھول نیک ارادے کانی نہیں

پر اس دنها میں' جو انسانوں آور قوموں دونوں كم الله اليك كالهن أزمائش كي جامة هـ؛ كول نيك ارادوں سے کام نہیں جل سکتا ، انگریزی کی ایک معهر کهاوت هے۔ انوک کا راسته نیک ارادوں سے یتا ہوا ھے'' ہم میں سے ہر ایک کو آئے ہر کام آور أسكم الجمع برے للته حول ير هر پهلو سے فور كرنا هوگا آور ایے کاموں کے قدرتی نتیجوں کی ذمعداری ایے اوپو لهای هوگی .

راجلدر بآبو نے اُسی تقریر میں ایک جگه کہا ہے كم "مهل إس بات كو صاف كردينا چاهتا هول كم إن جلسور كا نه يه مطلب هے نه هوسكتا هے كه هم أيه دبیم میں کسی پرائے زمائے کی راج کاجی آور سماجی حالعوں کو پھر سے قائم کرنا جاہ رہے میں' نہ اِس کا یہ مطلب هے که هم أس دمافي يا جسماني زخم كو يهر سے عرا کرنا چاہ رہے میں جسے سے نے آپ آپ بھر الما لما "

ہوائے زمانے کو پھر سے النا

بهان تک راج کاچی آور ساجی حالتون کا سدینده من می کوشش کرنے پر بھی کسی بیٹے زمانے کی سير راج کاهي آور ساهي هالتهن پهريه نهين آسكتهن. سیے کی گئی کسی کے روکے نہیں رک سکتی . پر راجیدو ينهو على لے آگے چلکو کہا ہے۔"يہاں ممارا مقصد صيف بل سرير سے يه أعلان كرنا هے كه هم أس

सोमनाथ फिर

11 मई '51 को सोमनाथ के फिर से उद्धार का मेला ही गया. मई के 'नया हिन्द' में इम इस बारे में अपनी राय दे खुके हैं. उसके बाद इमने राजेन्द्र बायू की सोमनाथ की तक़रीर को और भाई किशोरलाल मशरुवाला के नाम श्री के एम० मुंशी के उस खत को, जो 5 मई के 'हरिजन' में झपा है और जिसमें उन्होंने कुझ एतराजों पर अपनी सफाई देने की कोशिश की है, ध्यान से पदा.

नेक इरादे

26 मई के 'हरिजन' में राजेन्द्र बाबू की तक्तरीर का नीचे लिखा हिस्सा 'नागपुर टाइम्स' से लेकर छापा गया है:—

'हमारे देश में इसकी बहुत बड़ी जरूरत है कि हम में से हर एक इस बात को अच्छी तरह समम ले कि हर जमा मत और हर मजहब के लिये आदर और बरावरी का भाव रखते हुए बरतना ही हमारे लिये सबसे अच्छा रास्ता है. हमारी सारी क्षोम और देश का और हममें से हर एक का भला इसी में हैं. इसी श्रद्धा और विश्वास के कारन हमारे संघ (यूनियन) ने धर्म के मामले में ग़ैर जानिबदारी (सेंकुलरिज्म) की नीति अपनाई हैं और सब को यह भरोसा दिया है कि इस देश के किसी सम्प्रदाय या यहाँ के किसी आदमी के जिलाफ धर्म की बिना पर किसी तरह का भेद भाव नहीं बरता जायगा. और हर एक को वह सब मौक़े और सुविधाएँ दी जायँगी को दूसरों को मिली हुई हों. इसी आदर्श के अनुसार में सब धर्मों के लिये आदर और प्रेम रखता हूँ.

"मैं खुद अपनी श्रद्धा और अपने रोज के अमल में सनातनी हिन्दू हूँ और आम तौर पर सनातन धर्म के रिवाजों के मुताबिक अपने ईश्वर की पूजा प्रार्थना करता हूँ, फिर भी मुझे विश्वास है कि धर्म को मानने वाला हर आदमी अपने ही धर्म के नियमों के अनुसार भगवान की पूजा करते हुए इस तक पहुँच सकता है. इस तरह मेरे विला में न सिर्फ सब धर्मों के लिये और उनके पूजा के स्थानों के लिये आवर है बल्क जब कभी मुझे मौक़ा मिलता है, मैं अपना आवर दरशाने के लिये उनमें जाता भी हूँ. जब कभी मौक़ा मिलता है मैं दरगाह और मित्रद में, गिरजा और गुरुद्धारे में उसी आवर भाव से जाता हूँ जिस आवर भाव से मैं अपने धर्म के मिन्दरों में जाता हूँ."

ें राजेन्द्र बाबू के इन साम साम फ्रिकरों के बाद सोम-साम के मामले में उन की नियत पर किसी तरह के राक की गुजायरा नहीं रह आती. जाहिर है कि बहु इस राज और سومناته يهر

ورئیا ، مثی کے انہاهند، میں هم اِس بارے میں اورئیا ، مثی کے انہاهند، میں هم اِس بارے میں اورئیلی رائے دے چکے هیں. اسکے بعد هم نے راجندر بابو کی سومناته کی تقویر کو آور بہائی کشورلال مشرووالا کے نام شری کے ایم ، منشی کے اُس خط کو، جو کے میں چہپا ہے اور اجس میں اُنہوں نے کچھ اعتراضوں پر اپنی صفائی دینے کی کوشھی کے ہے دھیاں سے بوھا ،

نیک ارادے

26 مئی کے 'هريجن' ميں راجندر بابو کی تقرير کا نيچے لکھا حصة 'نائورر ٿائيس' سے لے کر چھاپا گيا ھے:—

''همارے دیش میں اِسکی بہت بڑی ضرورت ہے کہ هم میں سے هر ایک اِس بات کو اچھی طرح سمجھ ہے کہ مر جماعت آور هر مذہب كے لئے آدر آور برابرى لا بهای راهای هوئے بوتنا هی همارے لئے سب سے اچھا راسته مع ، هماري ساري قوم أور ديه كا أور هم سهين سے هر ایک کا بهاا اِسی میں هے. اِسی شردها آور ہشواس کے کارن همارے سنگھ (یونیس) نے دهرم کے معاملے میں فیرجانبداری (سیکولرزم) کی نیتی ابدائی هے آور سبکر یہ بهررسه دیاڑھ که اِس دیش کے کسی سمپرداے یا یہاں کے کسی آدمی کے خاف دھرم كى بناپر كسى طرح كا بهيد بهاؤ نهين برتا جائيكا . آور هر ایک کو ولا سب مرقعے ،ارر سوودهائیں دبی جائیدلکی جو درسزوں کو ملی هوئی هوں ، اِسی آدرش کے انوسار میں سب معرموں کے لئے آدر اور پریم رکھتا هوں . "میں خود ابنی شردھا اور اپنے روز کے عمل میں سناتنی هندو هوں اور عام طور پر سناتی دهرم کے رواجوں کے مطابق آلھ ایشور کی پوجا پرارتھڈ کرنا ھوں' بهريهي منجم وشوآس هي كه دهرم كو ماند والا هر آدمی آیے هی دهرم کے نیسوں کے انوسار بھکوان کی پوجا کرتے هوئے اُس تک پہنچ سکتا هے . اِس طرح میرے دل میں نہ صرف سب دھرموں کے لئے آور انکے پوجا کے ستھانوں کے لئے آدر ہے بلکہ جب کبھی مجھ مواقع ملتا ہے اُمهی آیدا آور درشانے کے لئے اُن میں جاتا بھی

آدربهاو آسے میں آنے دھوم کے مقدروں میں جاتا ھوں '' راجادر بابو کے اس جانب ماف فقروں کے بعد سومقاتھ کے معاملے میں آب کی نیست پر کسی طرح کے شک کی کتھاتی نیس رہ جاتی ، ظاهر ہے کہ وہ اِس راج آور

هون. جب کیهی موقع ملتای میں درگاه آور مسجد میں،

كرجا أور كرودواري مين أسى آدربهاو سے جانا هوں جس

वा. सह वह जिल्हमी में अपने को साख जरून करने पर भी सवा न सकी और जाहिस्ता जाहिस्ता सरम होगई.

बेरयापन और गुष्त रोग दोनों रूब में अब सपना हैं. सन् 39 में डाक्टरी के विद्यार्थियों को दिखाने के लिये गुष्त रोगों के रोगी तक न मिल सकते थे. यूकरेन में जरमन कृड्वे के दिनों में कुछ स्त्रियाँ जावरदस्ती फिर बेरवाएँ बनाई गई थीं. लेकिन हिटलरी की जों के हटते ही खुद ही यह बेरवाएँ अपना मान पहचान गई और फिर वह पेशा छोड़ कर देस की एशति में बाच्छे नागरिकों की तरह माग लेने सगीं.

इस तरह कम्युनिस्ट रूस ने पन्द्रह बरस के अन्द्र वह पाप लगभग जड़ से खतम कर दिया जिसको मिटाने की असफल कोशिशों धर्म सुधारक, सदाचार के पंडित और राजकाजी धुरंधर सभी हमेशा से करते चले आ रहे थे.

(बाक्री फिर)

चिता

चिता ! तू जीत न मुक्तको पाए जल जल मुक्ते जलाती क्या है, तू खुद ही जल जाए!

चित कर दिया सही, हाँ तूने घेर जिया तेरी धूधू ने जिपटा जिया जपट की खूने समम, समम जे जी में, मुमसे पहले तूमर जाए!

घुमड़ रही है तू घबराई फफक रही है तू पजराई चिते! कहाँ पर शान्ति हिराई खोकर शान्ति उसे जीतेगी, नेक न जो घबराए?

ले मैं तुम पर लेट चुका हूँ चुप चुप चित्त लपेट चुका हूँ मैं मालिक से भेंट चुका हूँ जक्ष कर, जल भर ले जा सकती, राख न तू से पाए!

हवा हवा में शामिल करदे पानी को पानी में भर दे मिट्टी को घरती में घरदे पक बाग ले, तू अच्छी हैं, तू तो क़रज खुकाए! चिता! तू जीत न मुक्तको पाए.

—भगवानदीन

عاً۔ وہ نای زندگی میں آپ کو لکھ جعن کرنے پر بھی کھیا تھ سکیں اور امستہ انستہ ختم موکٹیں ،

ویشها پن اور گیت روگ دونوں روس میں آب سیدا میں سن 39 میں قائدری کے 'ودیارتھیوں کو دکھانے کے لئے ایک سن 39 میں قائدری کے 'ودیارتھیوں کو دکھانے کے لئے ایک نہ مل سکتے تھے . یوکرین میں ایک نہ مل سکتے تھے . یوکرین میں پیشمائیوں قدیفے کے دنوں میں کچھ ستریاں زبردستی پھر ویشیائیوں بدائی گئی تھیں اور پھر میں خود ھی یہ ویشیائیوں اینا مان بہتان گئیں اور پھر ولا پیشمہ چھر کر دیس کی اُنتی میں اچھے ناگرکوں کی طرح بھاگ لیڈے لگیں .

اس طرح کمیونست روس نے پلدرہ برس کے اندر وہ پاپ لگ بہگ جر سے ختم کر دیا جس کو متانے کی اسپہل کوششیں دھرم سدھارک' سداچار کے پندت اور راج کاجی دھرندھر سبھی ھمیشہ سے کرتے چلے آرھے تھے .

(باتی پهر)

چتا

جتا! تو جیت نه مجهکو پائے. حل حل مجھ جالتی کها هے! تو خود هی جل جائے!

چت کر دیا سہی' هاں تونے گھھر لھا تھری دھو دھو نے لپٹا لھا لپت کی لونے سنجھ' سنجھ لے جی میں' منجھسے پہلے تو مر جائے!

گھمو رھی ھے تو گھبرائی پھپھک رھی ھے تو گھبرائی چھپھک رھی ھے تو پنجرائی ؟ چھے او کہاں پر شانعی مرائی ؟ کہو کر شانعی آسے جھتے گی' نھک نم جو گھبرائے ؟

لے میں تجھپر لیٹ چکا ھوں چپ چپچت لہیٹچکا ھوں میں مالک سے بھیلٹچکا ھوں جل کر' جل بھر لے جاسکتی' راکھ نہ تو لے پائے!

ھوا ھوا میں شامل کر دے پانی میں بھر دے مثنی کو دارتی میں بھر دے مثنی کو دارتی میں دار دے ایک آگ او اچھی ہے' تو تو قرض چکائے! چکائے! چکائے ا

- بهگوان دين

कार में कर निकक गका. इन केन्द्रों में इकाज के साथ साथ ऐसे काम भी सिकाप गए जिनसे यह औरतें इकत के साथ रोजी कमा सकें. खाली रोग दूर कर देने से काम नहीं बनता था. ऐसी डालत भी पैदा करनी थी जि ग्में यह रोग किर सर न बठा सके. इन केन्द्रों में औरनों को बढ़िया है निग दी गई. रारद्र निर्मान में उनका मन्त्व बता नर उनके कमिमान को जगाया गया इन बातों का उनके दिलों और दिमार्गो पर जबरदस्त असर पड़ा.

असार असार दरजे के रोगी इन केन्द्रों में थे. कोई सन्दी अच्छा हुआ और कोई देर में. सब तरक से छुट्टी पार्कर सोवियत अधिकाियों ने वेश्यारन पर आंखर इमसा किया. केन्द्रों से निकती स्त्रियों को बसाने की कोकना तैयार की गई—

(1) कोई धौरत उस समय तक इन के दों से न निकाती गई जब तक उसके इक उत्तरार समाजी जिन्दगी बिताने के लिये पूरा इन्तकाम न हो गया. उसकी पिछली किन्दगी बिलकुत गुरन रक्खा गई. समाजी कार करता शों ते उप स्त्रों की कच्चि के अनुनार काम दूँव रक्खा था. यह भी इन्तकाम किया गया था कि वह आरत ऐसे लागों के साथ रहे जो सत्वार के स्तर से गरे नहीं थे.

(2) कुछ चुने लोगों ने ऐसा धौरतों की देख भाल धौर मददका बीदा उठा जिया कम से कम कोई एक ऐसा सहायक हर धौरत के साथ साथ काम भी करता था.

(3) हर जिले में देख रख करने वाले व्यां का इकट्ठा करके एक सहायता कींसल बना वा गई. इनकी बैठक सहीने में लीन मरतवा होता था और यह लोग डाक्टरां, मनीवझानियों और फेक्ट्रयों के मैनजरों से सलाह संस्विरा करते थे. इस तरह जब किसी को कोई क उनाई पढ़ता बी तो फौरन तजरबेकार लोगों की हमदर्दी आर असकी सहायता मिज जाती था. बाद में कींनिल के काम को इन्हीं रोगियों ने खूब बढ़ाया और अपने दूसरे साथियों की स्वत् की.

(4) इस कौंसिक ने एक कानून समिति बनादी जो बादी, नौक्रा, मज़दूरा, किराया बग्नेरा के किसी भा मगड़े कैं कौरतों को मदद दे सके.

(5) पहले क रोगियों से प्रार्थना की गई कि वह है निंग केम्ब्रों के सम्दर भरता कोगों से ख़त किताबत करें स्वीर सनकी हिम्मत बढ़ाएँ.

इन केन्द्रों से निकली हुई अस्ती की सदी औरतों ने केन्द्री, काम बरोरा में अच्छे अच्छे काम किये और सम्मान द्रांसिक किया इनमें से बहुत बड़ी तादाद ने शादी की और मार्थ बन गई. 19 कीमदी से कुछ कम औरतें पेसी किन्दें दोबारा बन्द्रों में आना पड़ा. बाकी बानी एक केनदी पर पिछली जिन्दगा का जबरदस्त सराव असर بعد میں علی کی کی کی کی دور میں علی کے ساتھ میا اور اور اس سے کم بھی کی ساتھ ہوتی سے یہ عارتیں عوت کے ساتھ ہوتی اس کیا ساتھ ہوتی سے کام نہیں بفتا تھا السی حالت یہی روگ ہور کر دیلے سے کام نہیں بفتا تھا السی حالت یہی روگ ہور کی ہور نہ اللہ اسکے اور کی کی دوران میں اور کی کی اور دمانوں کو جاتیا گیا ۔ اِن باتوں کا اُن کے دلوں اور دمانوں پر زبردست اثر ہوا۔

انگ الگ قرچے کے روگی اِن کیددروں میں تھے ، کوئی جلدی اُنگ الگ قرچے کے روگی اِن کیددروں میں تھے ، کوئی جلدی اُنچها ہوا اُور کوئی دیر میں سب ط ب سے چہتی پاکر سوویت اُدھیکاریوں نے ویشیا پن پر آخری حملہ کیا ، کیلدروں سے نکلی استویوں کو بسائے کی یوجنا تیار کی گئی ۔۔۔

لکی جب تک اس سے تک اِن کیندروں سے نه نکائی گئی جب تک اُس کے عوصدار سماجی زندگی بتانے کے گئی بورا انتظام نه هوگیا ، اُس کی پنچهلی زندگی باعل گیت رکھی گئی ، سماجی' کارکرتاؤں نے اُس استای کی رچی کے انوسار کلم تھوندھ رکھا تھا ۔ یہ بھی انتظام کیا گیا تھا کہ وہ عورت ایسے نوگوں کے ساتھ رہے جو سداچار کے استار سے گرے نہیں تھے ،

(2) کچھ چنے اوگوں نے ایسی عورتوں کی دیکھ یہال اور صدد کا بیرا اُٹھا لیا ۔ کم سے کم کوئی ایک ایسا سہایک هر عورت کے ساتھ ساتھ کام یہی کرتا تھا ۔

(3) هر ضلع میں دیکھ ریکھ کرنے والے دلوں کو اکٹھا کرکے ایک سہایتا کونسل بنادی گئی۔ اِس کی بیٹھک مہیئے میں تین مرتبہ هوتی تھی' اور یہ لوگ ڈاکٹروں' مفووگیانیوں اور فیکٹریوں کے مفیجروں سے صلاح مشورہ کرتے تھے۔

اِس طرح جب کسی کو کوئی کانینائی پوتی تهی تو فوراً تجربه کار لوگوں کی همدردی اور عمای سهایاتا مل جاتی تهی بعد میں کونسل کے کلم کو اُنھوں روگووں نے خوب بوهایا اور ایے دوسرے ساتھوں کی خوب مدد کی ۔

(4) ایس کونسل نے ایک فانون سمیٹی بدا دی جو شادی نوکری مودوری کرایہ رفیرہ کے کسی بھیجھگوے میں عورتوں کو مدد دے سکے

(5) پہلے کے روگیوں سے پراتیدا کی کلیکہ وہ قریدنگ کہندیوں نے آندر بھرتی لوگوں سے خط کتابت کریس اور اس کی ھیمت پرھائیوں ۔

این کیلدروں سے نکٹی ہوئی اُسی فیصدی عوردوں نے فیکٹری فاوم وفہرہ جیس لچھ اُچھ کام کئے اُور سمان حاصل کیڈ اُور سمان حاصل کیڈ اُون میں بہت ہوں تعداد نے شادی کی اُور مائیں بی گلیس 19 فیصدی سے کچھ کم عورتیس اُیسی تعدیل جیٹریس میں آنا ہوا ، ہاتی یعلی اُیکس فیصدی جو چھیلی زندگی کا زبردست خواجہ اُلو

कि जन मनोरंजन के स्वानों पर वह खास प्यान रक्ज.
वेशा करने वालियों को नहीं छेड़ा जाता था. उनके
स्वान वंद नहीं किये जाते थे. लेकिन यह खादेश दिया
गया कि मकान के मालिकों का पता लगाया जाय
और जब तक मालिकों का पता न चले और उनको
सज़ा न मिल जाय तब तक वह चर चन्द कर दिये जायें.
मिलेशिया को और जनता को चेतावनी दी गई कि वह
वेश्याओं को परेशान करने की कोई बात न करें. वेश्याओं को गिरफतार नहीं किया जा सकता था. सिर्फ दलाल या
मालिक मकान मुजरिमों के खिलाफ गवाही देने के लिये
वह खदालत में मुझाई जा सकती थीं.

इस आन्दोलन में भाग केने वाले सब कोगों को हिदायत थी कि वह ऐसी औरतों को विसकुत अपने बरावर 'सममें, उनको मुक्त्म और वेसहारा जानकर हमदर्दी का बरताव करें और मन में नफरत विलक्क्स न आने दें. वेरयाएँ बाहे कुछ भी कहें, कैसा भी ठख लें लेकिन मिते— शिया का कोई आदमी कच्ची खबात न निकाले और न उनका अपमान करे. अफसरों पर रोक थी कि वह नाम और पता भी ऐसी औरतों का नोट न करें.

सरकारी हुकुम का यह हिस्सा अजीव था. गांघी जी तो अपने सत्यामींह्यों का यह सबक दे सकते थे लेकिन किसी सरकार से यह आशा नहीं की जा सकती थी कि वह ऐसा करेगी. रूसी सरकार के मानव प्रेम ने सरकार से यह भी करवा दिखाया.

एक क़ानून के अनुसार वेश्याओं के स्थानों में पाए गए मर्दों को गिरफतार करने की मनाही करदी गई. लेकिन ऐसे लोगों का नाम, पता और पेशा नोट कर लिया जाता था. पश्तिक स्थानों और फिल्ट्रीयों के नोटिस बोर्ड पर उनके नाम पते और पेशे मोटे मोटे अक्रों में लिखकर नीचे लिख दिशा जाता था ''स्त्रियों का जिस्म खरीदने बाले.'' इस लोक लाज का जबरदश्त असर पड़ा.

पहले आर्थिक कठिनाइयों को दूर किया गया फिर जुर्म करने वालों की खतम किया गया. इसके बाद प्रवार आन्दोलन बकाया गया. लाग जात्रत भी हो गए थे. लेक्चर, ब्रामे, खिनेमा, बर्खवार सभी लंडकार्म इन पापों के जिलाक जुट गए.

हासत बहुत ने के बाद जब असस रोग की तरफ ध्यान विया गया: इवा वेने बाते अस्पतालों के बजाय है निंग केन्द्र खोले गए. जराब कही जाने वाली स्त्रियाँ पहले एक अन-अवासत के सामने बाई जाती थीं, फिर जाँच पड़ताल के बाद बनको इन केन्द्रों में दाखिल किया जाता था. जबर-इस्ती किसी के साथ नहीं थी. न पुखिस का पहरा होता या और न किसी तरह की वाला बन्दी होती थी, पहले के स्त्रियाँ वेसे केन्द्रों में बाखिल होने से बबराती थीं सेकिन جون مقورتون کے سقانوں پر ولا خاص فطیان ہوں ۔ پیشت جوانے جاتا ۔ اُن کے سقیان بلد نہیں کئے جاتے تھے ، اُن کے سقیان بلد نہیں کئے جاتے تھے ، اُن یہ آدیمی دیا گیا کہ مکان کے مالکوں کا پتہ نہ چاہے اُور بورا نہ مل چائے تب تک مالکوں کا پتہ نہ چاہے اُور بورا نہ مل چائے تب تک ولا گہر بلد کر دیئے جائیں ، بھیا کو اور جفتا کو چھتارتی دی گئی که ولا ریشیاؤں میں کئی که ولا ریشیاؤں دیئے کی کوئی بات نہ کریں ویشیاؤں کو گرفتار لہیں جا سکتا تھا ، صرف دلال یا مالک مکان متجرموں کے ۔ گوامی دیئے کے لئے وہ عدالت میں باللی جاسکتی تبین ،

اس آندونی میں بہاک لینے والے سب لوگرں کو ہت تھی کہ وہ ایسی قورتوں کو بالکل آپے برابر سمجھیں' کو مظاوم اور یہ سہارا جان کر همدودی کا برتاؤ کریں' سی میں نفرت بالکل تم آنے دیں ، ویشیالیں چاھے کچھ کیھیں' کیسا بھی رخ لیس لیکن ملیشیا کا کوئی آدسی زیان تم نکانے اور نم ان کا ایمان کرے ، السروں پر تھی کھ وہ نام اور پتم بھی ایسی عورتوں کا نوبی

سرکاری حکم کا یک حصد عجیدب تھا ۔ گندھی جی لیے سٹیا گرھیوں کو یہ سبق دے سکتے تھے لیکن کسی سے یہ آشا نہیں کی جا سکتی تھی که رہ ایسا کرے ررسی سرکار کے مانو پریم نے سرکار سے یہ بھی کروا

ایک قانون کے انوسار ریشهاؤں کے استھانوں صیب پائے مردوں کو گرفتار کرنے کی صفاعی کر دی گئی ۔ لیکن لوگوں کا نام پائد اور پیشد نوے کر لیا جاتا تھا ۔ استھانوں اور فیکٹریوں کے نوٹس پورڈ پر اِن کے نام اور پیشہ موٹے موٹے اکشروں صیب انکھکڑ نیچے لکھ جانا تھا '' استریوں کا جسم خریدنے والے '' ۔ اس لوک اِزورشسب اُٹر پوا ۔

پہلے آرتیک کلھنائیوں کو دور کیا گیا پھر جرم کرتے پ کو ختم کیا گیا ایس کے بعد پرچار آندوان چالیا لوگ خاکرت بھی ہوگئے تھے الکچر' قرابے' سلیھے' ر سبھی پلیت دارم اِن پاپوں کے خلاف جت گئے ،

جائب بدائے کے بعد آب اصل روگ کی طرف دھیاں ایل ، دوا دینے والے اسپتالوں کے بنجائے ٹریندگ کیندر کئے . خواب کہی جانے والی استریاں پہلے ایک جن کا کے سامنے لائی جاتی تھیں ' پھر جانچ پوتال کے ایک کیندروں میں داخل کیا جاتا تھا ، زبردستی کے ساتھ نہیں تھی ، نه پوایس کا بہرہ ہوتا تھا اور سی طرح کی تالا یقدیی ہوتی تھی ، بہلے تو استریاں کیندروں میں فائل ہوئے سے گھبراتی تھیں، لیکن

- (2) तुरुक में फैक्षी हुई बेरोजगारी का एक इक कामी सरकारों को यह बतावा गया कि को भाषरटिव कड़ी जौर कार्म खोते जायें जससे बेसहारा कियों को प्रम मित सके.
- (3) तमाम बौरतों को हौसला दिलाया गया कि वह कूलों और ट्रेनिंग केन्द्रों में दाखिल हों. किसी पेशे और निकासी कामों में हिस्सा केने वाली औरतों के खिलाफ शेगों की जो बुरी घारना है, उसके खिलाफ यूनियन लड़े.
- (4) अधिकारियों ने रहने सहने के लिये को आपरेटिय थान बना हिये और बेघर बार औरतों और देहात से प्रहर में आने बाली औरतों को घर मुहैया किये. यही भीरतें ज्यादातर वेश्या का पेशा अपना लेती थीं.
- (5) वेघर बार बच्चों और बच्चिन में की रक्षा के क्षेत्र कीरन क़ानून लागू किये गए.
- (6) लोगों में जामति लाने के लिये एक प्रचार शान्त्रोलन चलाया गया. विचार या कि सारा राश्ट्र वेश्या न चौर गुष्त रोगों के खिलाफ घठ खड़ा हा चौर सबके शहयोग से इन बुराइयों का खातमा किया जा सके.

इन क्रान्नों से भी ज्यादा लाभ नहीं हुआ। राज के प्रांचकारियों ने सोच विचार कर देखा कि जब तक ऐसे गिग मीजूद हैं जो इस पाप से रोजी कमाते हैं उस वक्त कि वेरयाओं का खातमा नहीं हो सकता. क्योंकि भीरतों गि थोड़ी सी भी कमजोरी से कायदा उठाकर यह लाग कर्डे इस पेरो में फँसा देते हैं. केन्द्री सरकार ने एक दूसरा अनून पास किया जिसके जरिये इस पाप के दलालों पर शिषा इसका किया जाना समकिन हो सका—

- (1) चार के ज्ञाने में पुलिसवाले वेश्याओं को तरह रह से तंग किया करते थे. अब कानून के ज़रिने पुलिस इसमें और कानून दोनों से वह साधन खतम कर दिये ए जिनसे वेश्याओं का तंग किया जाना मुमकिन था.
- (2) एक जनरदस्त सदाई छन लोगों के खिलाक इस गई जो बेरवा काम से सीधे या नासीधे दश्या कमाते इस सम्बन्ध में मुकामा सरकारों को कड़ा दख् अख्ति-हर करने का हुक्म दिया गया.
- (3) तमाम बास्टरों और दवाओं की आसानियाँ सब गेगों का जो भी गुप्त रोगों से दुखी थे मुकत मिलने सगीं.

मिलेशिया बाले नए कानूनों की स्पिट न समक सके.
व्यों के गोरलधम्दे में फंस कर रह गए. जासिए सोवियत
मालाओं को इस काम के खास क्रायदे बनान पड़े. मिलेहमीलाओं को इस काम के खास क्रायदे बनान पड़े. मिलेहमी का काम सारे ऐसे स्थानों का पता सगाना ठहराया
मा जहाँ ऐसे काम कराए जाते थे. इस काम से किसी
दह का भी सम्बन्ध रखने बाजों को कड़ी सका देना तय
बार ऐसे घरों के मालेक। को जादमा का ब्बोपार करने
हमीली उहराया गया. यिनेशिया को दिहायत की गई

- (2) ملک میں بیغلی فولی پیروزالوں کا ایک حق معامی سرکاروں کو یہ بعایا گیا کہ کوآپریٹو فیکٹری اور قارم کورلے جالیں جس سے یہ سہارا استریوں کو کام مل سکیے۔
- (3) تمام مورتوں کو حوصاء دلایا گیا که وہ اسکولوں اُور تریقلگ کیلدووں میں داخل ہوں ، کسی پیشے اور صلعائی کاموں میں حصہ لیٹے والی مورتوں کے خلاف لوگیں کی جو بوی دھارنا ہے اُس کے خلاف یونین لڑے ،
- (4) ادھوکاریوں نے رہنے سہنے کے لئےکوآپریٹو استہاں یہا دیئے آور پے گہر بار عورتیں اور دیہات سے شہر میں آنے والی عررتیں کو گھر مہیا کئے ، یہی عورتیں زیادہ تر ریشیا کا پیشتہ اینا لیتی تھیں ،
- (5) ہے گھر ہار بچوں اور بچھوں کی رکھا کے لگے۔ قوراً قانون لاکو کلے گئے ۔
- (6) لوگوں میں جاگرتی لانے کے لئے ایک پرچار آندولن چلایا گیا ، وچار تھا کہ سارا راشتر ویشیا پن اور گیت روگوں کے خلاف آتھ گھڑا ھو اور مہب کے سپھوگ سے اِن برائیوں کا خاتمہ کیا جا سکے .

ان قانونوں سے بھی زیادہ قابه نہیں ہوا ۔ راج کے ادھیکاریوں نے سوچ بچار کو دیکھا کہ جب تک ایسے لوگ موجود ھیں جو اِس پاپ سے روزی کماتے ھیں اُس وقت تک ویشھاوں کا خاتمہ نہیں ھوسکتا ۔ کیونکہ عورتوں کی تھوڑی سی بھیکمؤوری سے فائدہ اُٹھا کو یہ لوگ اُنھیں اُس پیشے میں بھٹسا دیتے ھیں ۔ کیلدری سرکار نے ایک دوسرا قانوں پاس کیا جسکے ذریعے اِس پاپ کے دلالوں پوسرا قانوں پاس کیا جانا ممکن ھوسکا ۔۔۔

- (1) زار کے زمانے میں پولیس والے ویشاؤں کو طرح طرح سے تنگ کیا کرتے تھے ۔ آب قانون کے ڈریعے پولیس کے کموں اور قانون درنوں سے وہ سادھن خام کر دیائے گئے ہوں سے ویشیاؤں کا تنگ کیا جانا ممکن تھا ۔
- (2) ایک زبردست لوائی آن لوگوں کے خلاف چھھڑی گئی جو ویشھا کام سے سہدھے یا نا سیدھے رویھ کماتے تھے، اِس سمبلدھ میں مقامی سرکاروں کو کوا رہے اختمار کرتے کا حکم دیا گیا۔
- کو جو بھی گھٹ روگوں سے دکھی تھے ملت ملئے لکھیں۔ کو جو بھی گھٹ روگوں سے دکھی تھے ملت ملئے لکھیں۔

ملیعیا والے نئے قانونوں کی اسپرت نه سمجه سکے۔ هجدوں کے گورکه جملدے میں پہلس کو رہ گئے۔ آخر سویت نوماتاوں کو اِس کام کے خاص قاعدے بقائے ہوئے، ملیمیا کا کام سارے ایسے استہانوں کا پته لاانا تھیوایا گیا جہاں ایسے کام کرائے جاتے تھے۔ اِس کام سے کسی طرح کا بھی سمجلدہ رکھنے والیں کو کوی سوا دیلا طے موال ایسے گھروں کے مالکوں کو آدمی کا بھویار کرنے موال ایسے گھروں کے مالکوں کو آدمی کا بھویار کرنے کی گئی

काल करिक काला कर है कि पैसी हाता पैना की जात (अससे मंदों की भी पाप करने की चाजातों में बकावत पैदा हो ससी विद्यानियों ने इस मससे को लूप समम किया था. कियों को उन्होंने सताया हुआ करार दिया और हालात बदसने में लग गये जिस से चौरतें समाज के कात्याचार और जुक्म से खुद हुटवारा पाकर अपना सदाचार डाँचा ले जा सकें.

खार युग में दो तरह के कार्ड तमाम रिकाबा में तक मीम किये जाते थे. एक सफ़ेर कार्ड दूसरे पीज कार्ड सिर्फ सफ़ेर कार्ड वाले नागरिक माने जाते थे पाले कार्ड वाले नहीं. वेश्याचीं को पीले कार्ड दिये जाते थे एक मरतवा जिसे पाला कार्ड मिल जाना था फर उनको सफ़ेर कार्ड कमी नहीं मिलता था. एक दफा भटक जाने पर मारी जिन्द्गा के लिये तीवा प्रायश्चित के द्रवाजे वन्ध् होजाते थे.

नए रूस में पंति कार्ड की प्रथा को मिटा दिया गया. सब जीरतों को, षाहे वह काई भी काम करती रही हों, रूस:का नागरिक मा किया गया कानून पास किय गये जिसके जारये क्रियों को माली, समाजी जीर राजकाजी जावादी दी गई. पर इससे वेश्यापन के मिटाने में कोई लास क:मयानी नहीं हुई.

सन '21 तक जिन्सी गड़बड़ी और बढ़ गई. कम्युनिस्ट नेता चुप नहीं बैठे. सन' 23 में सवातों का एक बिट्टा तैयार किया गया जो हर दरजे, हर बग का औरतों के पान मेजा गया और यह यक्तीन दिला दिया गया कि उनके जवाब गुप्त रक्खे जायँगे. जवाबों के देखन से पता बजा कि पेरो बाली और गैर पेरो बाजी औरतों में कोई जयादा फरक नहीं है. एक सवाज के जवाब में बहुत सा आरतों ने, जिस में ब्याही और कुँ आर। दोनों शाल्मल थीं, यह उत्तर मेजा कि ज्यादातर सूरनों में उहीं न प्रेम के बजाय दूमरे क रनों स जिन्सी लम्बन्ध में भाग लिया है. ज्यादातर औरतों ने बिना पूछे भी यह लिखा कि आगर उन्हें राजा रोजगार की गारन्टी हो जाय तो वह इस गन्दे पेरों में हर्गाज न रहेंगी.

सन् '25 में सोवियत सरहार ने एक कानून पास किया जिसके बनुसार नाचे जिस्ते काम किये गए—

(1) मिलेशिया यानी वाल टयर, द्रेड यूनियन की सहायता से हर तरह इस बात की रोक थाम करनी कि कोई मजदूरी या नौकरी करने वाली चौरत चपन काम से न इटाई खाब बानी किसो मी परिस्थित में खपने पैरों पर खर्मा चुंचारी सक्षक्यों का, गर्भ (इसल) वाली चौरतों को, बन चौरतों को जिल के झाटे वचने होंचीर नौजवान तर करा है हो अपन इट्टूड के साथ त रहती हो, जाम से दरमिक खाला न किया साथ.

جال بلکه حوال یہ ہے کہ ایسی حالت یہ آ کی جائے وس سے مردوں کی بھی یاب کرلے کی آزادیں مهر رکارت بہتا هو، روسی رکیانیوں نے اس مسکلے اور شہت سمجھ لھا تھا ، استریوں کو اُنہوں نے سفایا هوا قرار دیا اور حالات بدلنے میں لگ کئے جس یہ افورتیں سماج کے اتھاجار اور ظلم سے خود جوٹکارا یاکو ایفا سداجار اُرنجا نے جاسکیں ،

واو یک میں دو طرح کے کارت تمام رہایا میں تقسیم کیے جاتے تھے ، ایک سفید کارت دوسرے پیلے کارت ، صرف سفید کارت والے ناگرک مالے جاتے تھے پیلے کارت والے نہیں ، ویشیاوں کو پیلے کارت دیگے جاتے تھے ایک مرتبه جسے پیلا کارت مل جاتا تھا پہر اس کو سفید کارت کبھی نہیں ملکا تھا ، ایک داوازے بقد عوجاتے تھے ، ایک دورازے بقد عوجاتے تھے ،

نگے روس میں پہلے کارہ کی پرتھا کو مثا دیا گیا ،
سب مورتوں کو جاھے وہ کوئی بھی گام کرتی رھی ھوں ' روس گا
گنارگ مان لیا گیا ، قانون پاس دئے گئے جسکے ڈویعے
آسٹوریوں کو مالی ' سماجی 'اور رأچ کاجی آزائی دی گئی ،
بو آس سے ویشیا پن کے مثالے میں دوئی خص

سن 21 تک جفسی گوہوی اور ہوہ گئی۔ کیونسٹ انھار بھی نیھی نیھی بھتے سن 23 میں سوالوں کا ایک چاتھا تھار کھا گھا جو ھر درجے ھر ورگ نی عورتوں کے پاس بھیجا گھا آور بھ بھتیں دلایا گھا کہ اُن کے جواب گیت رکھ جائیں گئے ، جواب گیت رکھ جائیں پھتے والی عورتوں میں کوئی زیادہ قرق نہیں ہے ۔ ایک بیوال کے جواب میں بہت سی عورتوں نے ' جس میں بیوال کے جواب میں بہت سی عورتوں نے ' جس میں بیوال کے جواب میں بہت سی عورتوں نے ' جس میں بیوائی اور کاواری دونوں شامل تھیں' یہ اُتر بھیجا کہ زیادہ تو عورتوں سے تو میں انہوں نے بریم کے بیجائے دوسرے کارنوں سے تو میں بھی یہ نہیں دوری روزگر کی آرنگی بیا ہوجھے بھی یہ نکھا کہ اگر انہیں روزی روزگر کی آرنگی بینے ہوں میں دوری روزگر کی آرنگی

بین 25 میں سہویت سرکار نے ایک قانون پاس گیا ۔ جسکے آنوسار نہتے لکے کام کئے گئے۔۔۔

ا) ملههیا یعلی والنگیرا تریک یونین کی سهایگا ہے هو هونی ایس علی دوک تهام کرے کی که کوئی مودودی یا ایک گیری کرنے اور کام ہے نے مثانی جائے یعلی کسی بھی پرسٹینٹی میں آنے بھروں پر کموں کلواری لوکھوں کو گوبه (حمل) والی عورتین کو ان مورتین کو جملکے بھی طور اور نوجوان لوکھوں کو جو انے نگست کے ساتھ بھی طور کام ہے جرگو انگ نہ کہا جائے۔

असूनों के आधार पर इनसानी नरत को ढासना था. दूसरें मैदानों में उनके कारनामों से इस समय हमें मतलब नहीं है. आइये देखें जिन्मी गड़बड़ी, वेरयापन, पेट गिराना, शराब पाना बरौरा मैदानों में रूस वालों न क्या किया. 'क्या किया' से जयादा हमारे लिये 'कैसे किया' महत्व की बीज़ है. यह बुराइयाँ हर देस में हैं, हमारे देस में भी हैं. जब तक इनसे छुटकारा न मिलेगा, मानव समाज में सहाबार का स्तर नहीं ऊँचा हो सकता!

सोवियत विकानियों ने तारीख़ के पनने बलट डाले. एजीपैथी की तरह उन्होंने मट रोग का इलाज करना नहीं शुरू किया बल्कि युनानी कीर वैद्यक की तरह पहले रोग की जड़ मालूम करने में लग गए. बन्होंने देखा कि असली समस्या माली और समाजी है और यह फारमूला निकाला कि "पित पस्ती को एक दूसरे के सम्बन्ध में लानकारी और उनके भे म में लगातार बढ़ोती ही वह नीब है जिस पर असली सदाचारी समाज खड़ा किया जा सकता है." यह मक्कसद उन्होंने अपने सामने रक्खा. रास्ते नए नए अख़तियार किये लेकिन मंखिल से कभी नजर नहीं हटाई.

जद पाकर वह लोग इलाज पर इट गए उनका इलाज जाहिरी रोग अच्छा करने के लिये नहीं था बल्कि उस सिस्टम को अच्छा करने के लिये था जिसने यह रोग पैदा कर दिया था. दूसरे मुल्कों में सिस्टम का इलाज करने के बजाय रोग का इलाज किया जाता है. कभी रोग अच्छा तो हो जाता है लेकिन जब पलटा लेता है तो और भयानक रोग अपने साथ साता है.

कम्युनेस्ट राज के निर्माता इसी नतीजे पर पहुंचे कि जब तक भौरतों को पूरी माली, समाजी भीर राजकाजी आजादी न हो, की पुरश सम्बन्ध केवल प्रेम के आधार पर होगा ही नहीं और अब तक यह बात नहीं होगी तब तक किन्सी सदाचार भी ऊपर नहीं एठ सकता. दूसरे मुल्कों में ऐसे क्रानून तो जरूर हैं जिन के अनुसार किसी स्त्री की इच्छा के किताफ उसकी शादी करने वाले को सजा मिल सकती है लेकिन ऐसा कोई कातून नहीं है जो परिस्थितियों को इस तरह बदल सके कि वह सियां खुद ही अपनी इच्छा के खिलाक किसी दूसरे मोद में पड़कर शादी करने पर मजबूर न हों. कानून की किताबों में तो औरतों को माली. समाजी आजारा है लेकिन अमल में मामला उलटा है. बेकारी मजबूर हैं कि अपनी अन्तरात्मा को घोका हैं. खियों की आवादी का मतलब बहुत से देसों में यही सममा गया कि आप वो को भी पाप करने की आजादी मदों के बराबर मिल जाय. इसी नकल में शराब पाना, सिगरेट पीना बग़ैरा दुरं काम भौरतों ने शुक्र कर दिये सवात यह नहीं है कि भौरतों को भी पाप करने की आजादी अधिक देवी

البن في العدد إلى السالي السال في الخالفا فيه المرخ المهادون مين أناء الإنامون بير إلى سدر السين اللب البيان مين أناء الانامون بير إلى سدر اللبيان ويقوان في الأيان هوان مين روس والون في الواد المهادون اللبيان في اللبيان المهادون اللبيان المهادون اللبيان اللبيان اللبيان المهادون اللبيان اللبيان اللبيان المهاد اللبيان المهاد اللبيان المهاد اللبيان المهاد اللبيان المهاد ال

سووبت رگھانھوں نے تاریخ کے بھالت ڈالے ایلو بھی کی طرح اُنھوں نے جھت روگ کا علی، کرنا نہیں وعلی کیا بلکھ یونائی اور ریدک کی طرح پہلے روگ کی معلوم درئے میں لگ گئے ۔ اُنھوں نے دیکھا کہ اصلی سیا مالی اور سماجی بھاور یہ قارسولا نکلا کہ '' پتی کو ایک دوسرے کے سمعلدہ میں جانکاری اور اُنکے میں لٹاتار ہوھوتی ھی وہ نیو بھے جس پر اصلی اُچاری سماج کھوا کیا جاسکتا ہے ' یہ مقصد اُنھوں نے سامنے رکھا ۔ راستے نئے نئے اُضتھار کئے لیکن مغول کیمی نظر نہیں ھائی ۔

جو پائر وہ لوگ علاج پر دَت كُلُد . أن كا علاج ظاهري الها نونے كے للّه نهيں تها بلكه أس سستم كو أيها كولئة تها جس نے يه روگ پيدا كوديا تها . دوسرے ول ميں سستم كا علاج كول كے بجائد روگ كا علاج كها الله . كبهى روگ اچها تو هوجاتا هے ليكن جب بلقا الله تو أور بهيانك روگ الله ساته لاتا هے .

کمهرنست راج کے نرماتا اِسی ناتوجے پر پہلجے که تک عورتین کو پوری مالی' سماجی اور رام کاچی می تھ موا استربی پرھی سمملدھ کیول پریم کے آدھار مولاً على نهيل أور جهتك يه بات بهيل هوكي تبتك سي سداچار بهي اوڀر نهون اٿه سکتا ، درسن ون مهن ايسي قانون تو ضرور هين . جلك أنرسار ا استری کی اِنجها کے خلاف اُس کی شادی والے کو سزا مل سکتی ہے لھکن ایسا کوئی ن نہیں ھے جو پرستهتیں کو اس طرح بدل سکے که ستریاں خود هی اینی اچها کے خلاف کسی درسرے میں پُوکر شائنی کرنے پر مجبور نه هوں . قانون کی بن مهن تو هروتوں كو مانى؛ سماجى آزادى فى ليكن عمل معامله التا هي پرهاري محبور هيس ده ايلي آتما کو محولا دیں۔ اسٹریوں کی آزادی کا مطاب ا سے دیسوں میں یہی سمجھا گیا کہ استریس می یعنی عرب ہی آوادئی مردوں کے برابر مل جائے ، نتل مهن غراب بينا سكريت بها واجرا ارد اتن لے عود فرق مرک م سوال یہ میدن کے کہ ں کو بھی چیٹ ہوئے کی آزادی ایمک دے دی

ते. बिसी ने कहा क्रस में स्वांबार की स्वस्न किया जा हा है, कोई बोसा रूस में सियाँ रारट्ट की मिसकियत बना जावेंगी, किसी ने बाँग दी कि रूसी व्याह की प्रथा कठा के सौर सरकारी संस्थाओं के ज़िरये बच्चे पैदा कराय गे. र बच्चों के माँ बाप का पता निशान भी न मास्म होगा. स्न की बात यह हैं कि यह तस्त धारना कम्युनिकम के र बच्च भी माँदी जाती है ब्यौर खास कर वन देसों ज़िरवे जो खद गंदगी में फँसे हुए हैं. सेनिन का चे सिखा बयान इन तस्त धारनाओं का जबरदस्त वाब है—

" बेशक त्यास झुमानी चाहिये. लेकिन एक तम्बुक्स ादमी अच्छी हालतों में क्या परनाके में लेड जायगा और त्वा पानी (पथेगा ? और क्या कोई आदमी उस गिलास पानी पियेगा जिसको बहुत से कोगों ने भूटा कर दिया ? समाजी पहलू इन सब वातों से भी अधिक महत्व का पानी पाना एक निजी सामला है लेकिन वासना को माने में दो जिन्दिगयों का सम्बन्ध हो जाता है भीर एक सरी नई जिन्दगी पैदा होती है. यही जिन्दगी वासना । एक समाजी रूप देता है और समाज की तरफ अपने र्ज के पालन का आदेश देती हैं. कम्युनिस्ट होने के नाते रों बराबर भी मेरी इमद्दीं " पानी का गिलास " वाली रिना से नहीं है हालाँ क लोग इसे " प्रेम तृप्ति " का भावना नाम देते हैं! मेरे लिये वासना की आजादी न इ चीज है आर न कम्युनिस्ट है. शायद आप लोगां को द हो, पिझली सदी क बाच में " दिल की आजादी " म से इस चीज का प्रचार रोमांचक साहित्य में किया या था. उस समय आज के मुक्तवले में प्रचार ज्यादा मक बूक से किया जाता था, अमल के बार में मैं कोई सला नहीं दे सकता."

तेनिन से पूछा गया कि जिन्सी (सेक्सुझल) आजादी । विराध कहाँ तक किया जायगा? ध्सन जवाब दिया, में अपने विरोध से हमेशगी के कुँ आर पन का प्रवार ही करना वाहता. विलक्ष नहीं. कन्युनिजम रूसे पन के जाय जीवन का आनन्द, जिन्दगा की तक्प लायगा और तन्सी मानों में तुण्य या आसूदा जीवन इन वीं की तो में सहायक होगा. मेरे विवार में जिन्सी आजादी पर जोर आज कल दिया आ रहा है वह न तो आनन्द । ता है और न जिन्दगी में तक्प पैदा करता है बहिक जीवन । । नन्द और तक्प झीन लेता है. इस इनक्काय के युग में ह बेहद सुरी बात है. ''

तोग क्रम भी कहें, पर कम्युनिस्ट राज कायम करने लों के सामने यह राजत धारनाएँ नहीं थीं. कम्हें रूस वालों । सन्ताबार बभारना था. उन्हें न सिर्फ व्यक्तिक आधार र एक सवा मानव समाज तैवार करना वा वरिक साइन्सी الله ، کسی نے کیا روس میں سداچار کو ختم کیا جا رہا ہے اولی ہوا روس میں امتریاں راشتر کی ملکھت بنا دی خاتیں گی کسی نے بانگ دی که روسی بیاہ کی پرتھا آتھا دیں گے اور سرکاری سنستھاؤں کے ذریعے بنچے پیدا کراٹھں کے اور سرکاری سنستھاؤں کے ذریعے بنچے پیدا کراٹھں کے اور سرکاری سنستھاؤں کے نشان بھی نے معاوم کو گوں دکھ کی بات یہ ہے کہ یہ فلط دھارنا کی وارد خاص کر اُن دیسوں کے شریعے جو خود گندگی میں پہلسے ھوئے ھیں ، لیشن فریعے جو خود گندگی میں پہلسے ھوئے ھیں ، لیشن فریعے کو خود گندگی میں پہلسے ھوئے ھیں ، لیشن خوریعے کہا بیان اُن قلط دھارناؤں کا وہردست جوری ہے .

" بے شک پہاس بجہانی چاھئے۔ لیکن ایک تلدرست آدمی اجھی حالتیں میں کیا پرنالے میں لیت جائے کا ارر کلدا کانی یئے کا ؟ اور کہا کوئی آدمی اُس کلاس سے ہائے بئے کا جسکو بہت سے لوگوں نے جہوتا کر دیا ھے ؟ سماجی پہلو اِن سب باتوں سے بھی ادعک مہدو کا ھے . یاتم پهنا ایک نجی معامله هے لیکن واسلا کو بجهانے مهن دو زندگیوں کا سمیندہ هوجاتا ہے اور ایک تیسری تکی زندگی پیدا هوتی هے . یہی زندگی وأسفا کو ایک سماجی روپ دیدی ہے آور سماج کی طرف اپنے فرنس کے ہالی کا آدیش دیتی ھے . کمیونست ھونے کے ناتے ڈوہ ہواہر ہمی مهري همدردنی " ياني کا کلاس " والی دهارنا سے نهين هـ حالانكه لوك أيه " بريم تو يتى " كا لمهاونا نام دیتے میں! مہرے لئے راسنا کی یہ آزادی نہ نئی جیز ه أور نه كمهونست هي. شايد آپ لوگون كو ياد هو' ينجهلي صدى كے بيچ ميں " دل كي آزادي " نام سے اِس چهنز کا پرچار روماندیک ساهتیه میں کیا گیا تھا ، اُس سمے آجکے مقابلے میں پرچار زیادہ سمجھ برجھ سے کیا جاتا تھا' میل کے ہارہے میں میں کوئی فیصلہ نہیں دے ". très

لهندن سے پوچها گیا که جنسی (سکسول) آزادی کا وردھ کہاں تک کیا جائے گا؟ اُس نے جواب دیا۔ '' مهں آئے وردوھ سے همیشگی کے کلوار پن کا پرچار نبھیں کرنا چاھگا، بالکل نہیں، کمیونزم روکھے پن کے پیچائے جیون کا آنند' زندگی کی توپ لائے گا اور جنسی معلی مهن تربت یا آمودہ جیون اِن چیزرں کو لائے میں سیایک ھوگا، میرے رچار میں جنسی آزادی پر جو زرر سیایک ھوگا، میرے رچار میں جنسی آزادی پر جو زرر آئے کل دیا جا رہا ہے رہ نہ تو آنند لانا ہے اور نے زندگی میں توپ پہدا کرنا ہے بلکہ جیون سے آنند اور توپ چھھی لیک میں یہ ہے حد بری اسکا ہے، اُس انتقاب کے یک میں یہ ہے حد بری

لوگ کچھ بھی کیس' پر کمھونسٹ والے قائم کرنے والوں کے سامنے یہ فاط دھارنائیں نہیں تھیں ، اُتھیں روس والوں کے کا سداچار اُبھارنا تھا ۔ اُنھیں نہ صرف آرتھک آدھار پر ایک نیا مانو سمالے تھار کرنا تھا ہلکہ سائلسی

रूस में सदाचार

(माई मुजीब रिजवी)

(1)

सहाचार यानी इसलाक पर हजारों मन सियाही और लाखों मन काग़ज़ ख़र्ज किये गये हैं. तरह तरह के विचार प्रकट किये गए हैं. सहाचार साधन है या साध्य, रास्ता है या मंजिल इस पर भी बात के बतंगड़े हुए हैं. हमें उन बहुमों से मतलब नहीं है. देखना यह है कि आख़िर जनता सदाचार शब्द किन अर्थों में इस्तेमाल करती है. जनता के सामने इस शब्द के अर्थ हैं—चोरी, बहुमाशी, बेईमानी न करना और की पुठश सम्बन्ध में समाज के अच्छे बंधनों का पालन करना. इसी अर्थ में इम इस शब्द पर रोशनी डालते हैं और देखते हैं कि कहाँ तक सोवियत रूस ने अपने यहाँ के लोगों के सदाचार को अपर उठाया है ?

सन् 17 के रूसी इनकलान के बाद अजीव हवा चल पड़ी. इनसान उन चीकों की कीमत कैसे समम सकता है जिन पर उसको सोचने का मौका ही नहीं मिलता. अत्या-भारों में पिसे भीर रोजी के लिये धींगा-सुशती करते हुए भावमी को असल में सोचने का कोई मौका ही नहीं मिलता. जब ऐसा इनसान सभरता है तो हर चीज को अपने उपर जुल्म का साधन समम कर तोड़ने की कोशश करता है. रूसी इनक्लाव के शुरू में यह होना कृद्रती बात थी. कुछ नौजवानों और बुद्धिजीवियों ने सदाचार को असीरों का चींचला कहना शुरू किया. कार्ल मार्क्स के नारे "तुम्हारे पास है ही क्या स्त्रोने के लिये सिवाय अपनी जजीरों के ''का कर्य इन सक्त्रनों ने यह लगाया ''तम क्रस्ट नहीं खोकोगे सिवाय अपने ऊपर समाजी बंधनों के " जिस तरह यह सोग सममते थे कि फेलम की एक हरकत से लेनिन सोशिकस्ट राज कायम कर देगा जिस में कोई भी बीज पाजाना मुशकिल न होगा, उसी तरह इन लोगों ने तरह तरह की और भी रालत धारनाएँ फैलावी, लोगों को बताया कि स्त्रीपुरुश सम्बन्ध बहुत सीधा साधा है. भूक लगती है लाना का लेना चाहिये, प्यास लगे पानी पीना चाहिये और वासना कोर करे तो उसे भी पूरी कर लेना बाहिये. पर इन बातों का कार्ल मार्क्स या कम्युनिजम के असलों के साथ कोई सम्बन्ध नहीं था.

इन कोगों की राकवियों का नवीजा यह हुआ कि हस में बेरयापन वह गया. भकी औरतों में भी एक दरजे वह-चकनी फैल गई. रूस विरोधी इसकों को चिल्सी पुकार का मौक्षा मिस गया. काजी जी शहर के बान्देरों से दुवसे होने

روس میں سدا چار

(بهائی محمد) رضوی)

(1)

سدا چار یعتی اخلق پر هزارس من سیاهی اور لاکهوس کف خرج کئے گئے هیں ، طرح طرح کے رچار پرکت گئے هیں ، سداچار سادهن هی سادهید واسته هی یا منزل پر بهی بات کے بخلگوے هوئے هیں ، همیں أن بحثوں طلب نهیں هے ، دیکھنا یه هے که آخر جلتا سداچار کن ارتهوں میں استعمال کرتی هے ، جلتا کے سامنے شدد کے ارته هیں سحیده میں سماج کے اچھے بندهنوں کا مخری پرش سمجنده میں سماج کے اچھے بندهنوں کا کرنا ، اِسی ارته نمیں هم اِس شبد پر روشنی کرنا ، اِسی ارته نمیں هم اِس شبد پر روشنی ، هیں اور دیکھتے هیں کہ کہاں تک سوویت روس نے بھاں کے لوگوں کے سداچار کو اربر اُتھایا هے ؟

سن 17 کے روسی انقلاب کے بعد عجیب ہوا چل پوی . ن أن چيزوں کي قيمت کيسے سمجه سکتا هے جو يو کو سوچئے کا موقع هی نهیں ملتا ۔ اتھ چاروں میں ارر روزی کیلئے دھینکا مشتی کرتے ہوئے آدمی کو اصل ، سوچنے کا کوئی موقع هی نهیں ملتا . جب أيسا ن أبهرنا هے تو عر چيز كو الله أوبر ظلم كا سادهن عهکر تورثے کی کوشش کرتا ہے۔ روسی انقلاب کے شروع ا ينه هونا قدرتي بات تهي . كنيه نوجوانون اور بدهي یوں نے سداچار کو امیروں کا چونچله کہنا شروع کیا . مارکس کے تعربے '' تمہارے پاس ہے۔ ھی کھا کھولے ے سوائے' اپنی زنجیروں کے'' کا ارتبہ اِن سجنوں نے یہ "تم کچھ نہیں کھوؤ کے سوائے آئے آوبر سماجی بادعتوں ' جس طرح یه لوگ سبجهتے تھ که قلم کی ایک ت سے لیان سرشلست راج قائم کر دے کا جس میں يهي جهو هاجانا مشكل نع هوكا أسي طرح إن لوكس لم و طرح كي أوريهي فلط دهارتائين پهيلاً دين ، لوكون تايا كه استرى ورش سبلكه بهت سيدما سادا هي. الكتى هے كهانا كهاليقا چاهيے بياس لكے بانى بيقا ئے اور آوآسفا زور کرمے تو أسے بھی پوری کر لینیا چاھئے . ن باتوں کا کارل مارکس یا کمھو فزم کے اصولوں کے ساتھ ے سیندھ نہیں تھا ۔

ان لوگوں کی قلطهوں کا تغیجہ یہ ہوا که روس میں یا پن بود گیا ۔ بھلی مورتوں میں بہی ایک درجے بدچلتی یا لگی ۔ روس ورودھی حالتوں کو جانی یکار کا موتع گیا ۔ قالمی جانی گھور نے اندیشہ سے دہا۔ ہوتے

स्फ्रियों की संगत में (गई ग्र॰ म॰)

मेरे एक दोस्त के यहाँ एक दका एक सूकी मेहमान ठहरे हुए थे. उन के बारे में मैंने ऐसा सुना था कि बार्का स करस तक दन्होंने एक जंगल में एक दरखन के नांचे रह कर लामोशी की साधना का थी. एक दिन उन पर प्रमू की रूपा हुई और उनकी अन्दर की आंखें मोर उनकी दिल की गांठें सब खुल गई. इम लिये जब कमा उन से कोई पूलता—' साहबे मन! आप अपनी साधना का मन्तर तो बताइये. '' ता आप जवाब में करमाते—'' अन्दर और बाहर सं चुप रहने की कोशिश करो जब तुम चुप रहना साख जाआगे तो वह जो हर जगह मौजूद है, बाहर और मीतर भं, बोलना शुरू करगा. अब ता तुम उस बोलने का एक मोका तक नहीं दते.''

पक शाम में उन ी सूकी साहब से मिलने गया आप हुनका पा रहे थे. आप क इवं गिवं फरश पर एक हिन्दू, एक मुसलमान, एक पारसी और एक ईसाई साहबान बैठे हुए थे. सूकी साहब की आंखें बन्द थीं. मगर उन से जो मिलने आर थे उनकी आखें खुली थीं और सूकी साहब के चमकते वहरें पर जम हुई थीं.

यकायक बरसान होने लगी. मगर कुछ देर के बाद बरसात रुक गई. तब सुकी साहब ने अपनी आखें खोलीं और सब पर अपनी करम हु।। की किरन डाल कर बोलने क्षगे-- ' अभी ही बरसात पड़ी थां. वह तो मालिक का द्या का बरशात था, किसी समन्दर के किनारे पर बरसों सं जो एक सीप बरसात के एक क्रतरे के इन्तजार में था याज उसके दिल का मुराद पूरा हुई होगी. बरसात का एक कतरा उसक मुँह में पड़ा हागा आर वह अब एक मोना बन गया होगा. लिकन हम सब पर मालक की द्या की बरसात क्य पड़ेगी ? सगर पड़े भी कैस क्योंकि हम सारा दिन ऐसी दौड़ भूप में क्षगे रहत हैं कि हमें चुपचाप बैठ, कर रन्तकार करना काता ही नहीं और न ऐसा करने की क्मो खबाहिरा हो होती है. खुदावन्द ताला से दुका करना यानी खुदावन्द ताला का इन्तजार करना है. मगर दुश भी तो कोस करना नहीं चाहत. वह ता काम क कैद्छाने में या तो बम्द रहते हैं और नहीं तो दाम के दाम में फॉसे रहत हैं."

इतना कहकर सूकी साहब की आँखें फिर बन्द होगई. देंद होगई ! महीं नहीं, ध्रयन दिलकर के दीदार के लिये वह लुल गई क्यों के दिलकर को तो सिक बन्द आँखों से हा देखा आता है के ऐसा है कहाती क्षित्रका का कारस्मा।

صوفیوں کی سنگت میں (بہائی ک.م.)

مهرے ایک دوست کے یہاں ایک دفعہ ایک صوفی اہمان تہورے هوئے تھے ، اُنکے یارے میں میں نے ایسا سفا بہان تہورے هوئے تھے ، اُنکے یارے میں میں نے ایک جاگل میں ایک برخت کے نہیجے وہ کر خاموشی کی سادھفا کی تھی ۔ ایک دن اُن پر پربھو کی کریا هوئی اور اُن کی اندر کی سکھیں اور اُنکی دل کی گانتھیں سب کہاں گئیں ، اُس لئے جب کھھی اُن سے کوئی پوچھتا۔'' صاحب میں اُن اور یادر اور باہر سے جب رہنے کی کوشش کرد ، ارماتے ۔'' آدر اور باہر سے جب رہنے کی کوشش کرد ، جب تم چہ رہنا سیکھ جاؤگے تو وہ جو هر جگه موجود ہے ، باہر اور بھیتر آبھی' بولفا شورع کرے گا ، آب تو تم ہے بولئے کا ایک موقع تک نہیں دیتے ،''

ایک شام میں ان می صوفی صاحب سے ملقے گیا . اپ حقد ہی رہے تھے . آیکے اردگرد فرش پر ایک شندو' ایک مسلمان' ایک پارسی اور ایک میسائی صاحبان بیٹھے ہوئے تھے . صوفی صاحب کی آنکھیں بقد تھیں . مگر ان سے جو مللے آئے تھے انکی آنکھیں کہلی تھیں اور صرفی صاحب کے جسکتے جہرے پر جسی ہوئی تھیں ،

یکایک برسات مونے لکی . مگر کچھ دیر کے بعد برسات رک کئی . تب صوفی صاحب نے ایدی آنکھیں کهوایس ارز سب بر اینی کرم کریا کی کرن ڈالکر بوللے لکے ۔۔ آ ابھی ھی برسات پری تھی ، وہ تو مالک کی دیا کے پرسات تھی کسی سمندر کے کفارے پر پرسوں سے جو ایک سیب برسات کے ایک قطرے کے انتظار میں تھا آج أس كيدل كي مواد يوريهوئيهوئي . يرسات كا أيك قطراً اس کے ملت میں ہوا عولا اور وہ آپ ایک موتی ہیں گیا جواً، لهكين هم سب يو مالك كي ديا كي يرسات كب يور کے ؟ مگر ہونے بھی کیسے کیولکہ هم سارا دن ایسی دور دھوپ مين لك رهته مين كه همين چپ چاپ بهتهكر انتظار عُرِياً آتا هي نهين اور نه ايسا کرتے کي کبھي خواهش هي هوتي هي . خداوند تعالى سے دماكرنا يعلى خدا وند تعاليل كا انتظار كونا هے ، مكر دعا بهى تو لوگ كرنا نيس جاهتے ، ہے۔ تو کام کے تھد خانے میں یا تو بلد رہتے ہیں اور نہیں رتو دام کے دام میں پہلسے رہائے میں ۔''

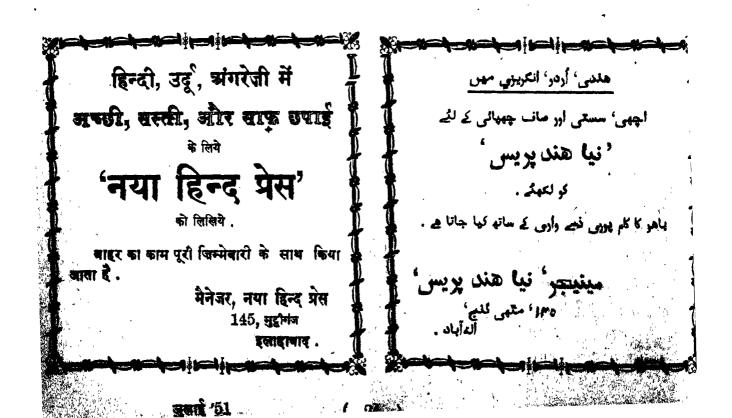
اتنا کیکو صوئی صاحب کی آنکھیں یمر بند ھوگٹیں۔ بند ھوگٹیں ؟ نہیں نہیں ' آچ دامر نے دیدار کھلگے وہ کھل گئیں ، کیونکہ ڈائبر کو تو صرف بند انکیوں سے ھی دیکھا جاتا ہے تھ ایسا ہے روحانی زندگی کا کرشنڈ آ

Ki Mar

इस अज़र्चे इनसानियत, उस मानव वर्ष को कायम करना है जो सब अलग अलग दीन घर्मों की जद है, जो सब की तह में है, जो सब में बराबर मीज़्द है और जो इन सब अलग अलग दीन घर्मों को एक दूसरे से मिलाता और उनका नाता जोड़ता है. दुनिया की वही कलचर सब से कॅबी और अच्छी होगी, जिसे सब दीन घर्मों की बुनियादी एकता में और सब इनसानों के एक कुटुम्ब कुनबा होने में सच्चा विश्वास हो।

हमने उपर हिन्दू और मुसलमानों की ख़ास तौर पर बात कही हैं. लेकिन, हमें यह समम लेना चाहिये कि और भी जितने दीन धर्म हिन्दुस्तान में हैं, उन सबके मानने बालों की मदद की हमें ज़रूरत हैं. और उन सब में हम वैसा ही मेल मिलाप और प्रेम चाहते हैं, जैसा कि हिन्दू मुसलमानों में. हिन्दुस्तानी कलचर का यही आदर्श यही मयार हमारे सामने रहना चाहिये. ज़ाहिर है कि उस तक पहुँचने के लिये हमें बहुत लल्बा रास्ता तय करना पड़ेगा. सेकिन हम अभी से उस रास्ते पर चलना शुरू कर सकते हैं. अगर हम एक एक कदम आगे बदते रहें तो एक पड़ाव से दूसरे पड़ाव पर हम अपनी मंजिल के ज्यादा से ज्यादा नज़दीक पहुँचते जावँगे. ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि हमारा अद्दर्श, हमारा मयार हमारी आंखों से किसी वक्तत सी आंमल न होने पाए. معدد اسالوجه اس مانو معرم کو گام کرنای جو است الگ دین فغومی کی جو چا جو سبکی کہا میں ایک اگل سب میں برابر موجود ہے آور جو ان سب الگ اگل ن دھرموں کو ایک دوسرے سے ملاتا اور ان کا ناتا جورتاہے ، با کی وہی کلتھو سب سے آونجی اور اچھی ھوکی' جسے با دین دھرموں کی بنیادی ایکنا میں اور با انسانوں کے ایک کاب کلیا ھوئے میں سجھا واس ھو .

هم نے أوپر هندو أور مسلمانوں كى خاص طور پر بات في قد لهكن عمه به سمجه لينا چاهئے كه أور بهى نئے دين دهرم هندهاں ميں هيں ان سبكے ماننے وں كى مدد كى هميں فرورت في اور أن سب ميں هم سا هى ميل ملاپ أور پريم چاهئے هيں جيسا كه هندو سلمانوں ميں هنستانى كلچور كا يهى آدرش يهى معيار ارے سامنے رهنا چاهئے . ظاهر في كه أس تك پهنچنے ميں ارے سامنے رهنا چاهئے . ظاهر في كه أس تك پهنچنے مي سے أس راستے پر چلنا شروع كرسكتے هيں . اگر هم أيك قدم آئے بؤهئے رهيں تو ايك پواؤ سے دوسوے أو پر هم أينى منزل كے زيادة سے زيادة نوديك پهنچئے اثوں كے زيادة سے زيادة نوديك پهنچئے سارا معيار هماري آدموں سے كسى وقت بهى أوجهل نه سارا معيار هماري آدموں سے كسى وقت بهى أوجهل نه سارا معيار هماري آدموں سے كسى وقت بهى أوجهل نه



की चींजों, जातियों, नसजों, दीन घरमों, होर तरीकों, धाबार विचारों और अलग अलग तबीयतों को मिलाकर उनमें एकता, मेल मिलाप और एक समन्वय पैदा करें और हर एक को अपनी अपनी जगह, अपने अपने बक्त पर और अपनी अपनी तरह से काम करने, फलने फूलने और दूसरों के लिये उपयोगी मुकीद साबित होने का मौका दें.

अब मैं सारी बात को थोड़े से शब्दों में दोहराता हूँ. हर सभ्यता, हर कलचर में तीन बातें होती हैं— (अ) हर एक में ज्ञान का, साइन्स का, विद्या का, भाषा का एक मंडार होता है जिस में कुछ उसकी खास चीचें होती हैं और कुछ चीज सब में एक सी होती हैं. हर कलवर के इस तरह के मंडार में जड़ और चेतन, मादा और रुद्द के वेशुमार जहूरों और रंग रूपों में से कुछ एक दिखाई दे जाते हैं (व) हर कलचर को अपने खलग खलग काम पूरे करने होते हैं, हरेक के अलग अलग आदर्श मयार, अलग अलग उत्साह उमंगें, अलग अलग जोश, अलग अलग हुनर और धंरे, अलग अलग आर्ट और कला, खेल तमाशे, इमारतें, शहर, पूजा के तरीक़े और दीन धर्म होते हैं (स) हर कलचर के रहन सहन के अपने तरीक़े होते हैं. राज काज के अपने ढंग, चाल चलन, ब्योपार तिजारत, दूसरे देसों में जा कर बसना, दूसरे देसों को जीतना भौर अपने अपने कारोबारी ढंग होते हैं. जिस कलवर में यह तीनों बातें जितनी अच्छी और ऊँची होंगी उतनी ही वह कलचर ऊँची और महान होगी. किसी भी कलचर में ज्ञान का खजाना जितना ज्यादा होगा, उसमें जितनी तरह तरह की चीजें होंगी वेह सब चीजें जितनी सोच समक कर होशियारी और समम के साथ जमा की गई होंगी, और लोगों के आदर्श मयार, उनके शीक, उनकी उमंगें, उनके जजवात जितने ऊँचे, जितने सुन्दर, जितने पाक होंगे और सबकी अलाई के ख़याल से भरे हुए होंगे, और लोगों के रहन सहन के तरीके जितने सुथरे होंगे, उनके के कारबार श्रीर ब्योपार जितने फैले हुए श्रीर दुनिया भर के सब आद्मियों की भलाई करने वाले होंगे, उतनी ही वह कलचर, वह सभ्यता बड़ी, महान, ऊँची, सुन्दर झीर देर तक टिकने वाली होगी. सब से ऊँची, सब से सुन्दर और सब से अच्छी तहकीब वह होगी जिसने इस बातको सम्भ लिया हो, और इस पर अमल करना शुक्र कर दिया हो, कि दुनिया के सब आर्थिक यानी माली और राजकाजी यानी सिवासी मनादों का सिर्फ एक ही इलाज है और वह यह दें कि सारे इनसानी समाज को, दुनिया के सब भादमियों को एक साइनटिफ्रिक निजाम, एक वैज्ञानिक संगठन में काया जाय. सब साम्प्रदायिक फिरक्रेवाराना कार्यों का भी आख़ीर में बस एक ही इसाज है. और वह With the state of the state of

چھڑوں جانھوں نسلوں دین دھرموں طور طور الی میں ار بچاروں اور الگ الگ طبیعتوں کو ملا کر اُن میں بنا میں میں میں مال ملاپ اور ایک سماویہ بیدا کریں اور ھر ایک ایٹی ایٹی ایٹی جگہ آئے ایٹ وقت پر اور اپنی اپٹی طرح سے کام اُن پہلنے پہولنے اور دوسروں کیلئے آپ یوکی منید ڈیت نے کا موقع دیں .

آپ میں ساری بات کو تھوڑے سے شہدوں میں دھواتا ں ، هر سبهرها هر کلچر مين تين باتين هوتي هين ---في) هر ايك مهل كهان كا سائلس كا وديا كا بهاشا كا ے بھندار ہوتا ہے جسمیں کچھ اُس کی خاص چھڑیں نی هیں اور کچھ چیزیں سب میں ایک سی هوتی ههن . کلچر کے اِس طرح کے بھندار میں جو اور چیتن مادہ روے کے بے شمآر ظہوروں اور رنگ روپوں میں سے کچھ ے دکھائی دے جاتے میں' (ب) مرکلچر کو آنے الگ ا کام پورے کرتے هوتے هوں در ایک کے الگ الگ رض معهار' الك الك أتساء أملكين' الك الك جوش' ت الك هذر اور دهندے؛ الك الك آرك اور كلا، كهمال اھے عمارتیں شہر' پوجا کے طریقے اور دین دھرم ھوتے ن . (ج) هر کلچر کے رهن سهن کے ايم طريقے هوتے س ، راج کاج کے ابد دهدك، چال چلن، بهوبار تجارت، سرے دیسوں میں جاکر بستا دوسرے دیسوں کو جیکنا انه انها کاروباری تعدک هوته هیں . جس کلنچر میں تهذوں باتھی جتنی اچھی اور اونچی ھوں کی اُتنی ھی كلهر أونجي أور مهان هوكي . كسي بهي كلهر مهن ان كا خوانه جتنا زياده هوكا أس مهن جتني طرح رم کی چیزیں هونگیوه سب چیزین جاندیسوچ سمجهکو شھاری اور سنچھ کے ساتھ جمع کی گئی ھونگی اور لوگوں آدرهی معیار' انکے شرق' انکی اُملکیں' اُنکے جُذیات الله أونجه مالله سندر جالله باك هولكه اور سبكى الله کے خیال سے بھرے ہوئے ہونگے اور لوگوں کے رہوں ہن کے طریقے جالے ستھرے ھونگے' اُنکے کاربار اور بھرپار عُنّے پھیلے هوئے اور دنیا بہر کے سب آدمیوں کی بھاڑی نے والے هونگے' اُتقی هی وہ کلنچر' وہ سبهها ہوی' مہان' نجهی سندر اور دبیر تک تکفی والی هوکی، سب سے نجی اسب سے سقدر اور سب سے اچھی تہذیب وا ہوگی میں نے اس بات کو سمجھ لیا ہو اور اس کو مدل کرنا روم کو دیا هو که دنها کے سب آرتیک یعلی مالی آور ہے کاچی یعنی سیاسی جهکررں کا صرف ایک هی علاج ا اور ولا يم هے كم سارے انسانى سمام كو دنيا كے سب مهول کو ایک سالفتفک نظام' ایک ویکهانک سلکتهون يس اليا جائے ، سب ساميردائک فرتعوارنه جهگورل کا بيَّ آهيرُ مين بس ايک هي علي هـ؛ 'اور 'ولا

اخلق مناهار طور طريق أرت كا كويلو زندكي أور ساجي جهون ورزے برب دموتين جهرنار مهاے تماشك تیوهار اور چهتهاں' سوگ کے دن اور خوشی کے دن ان سب کے ہارےمیں لوگوں کے اندر ایک سی اُملکیں اور آیک سے آدرهی معیار پیدا کئے جائیں۔ اِن اُمنگرں کے بوهائے اور مضبوط کونے کے لئے اور لواوں کو آن میل ملاپ کی جھیوں لا هوق دلانے کیلئے اُن میں ان چیزوں کی ٹھیگ ٹھیک جانکاری پیدا کرنی اور پههلانی هوگی. هندرون اور مسلمانون کے ایسے گروہ' جن میں ایک دوسرے سے پوری هددردی بهدا ہوگئی ہے جو ایک دوسرے کے یکے دوست میں اور جو ایک دوسرے کو سدجہتے میں ایسے مہلوں تماشوں اور تہوھاروں کے موقعوں پر جلسے کرکے کماوس نکال کر اور طرح طرح سے جفتا کے سامنے مثال قائم کریں ، جدلے آندولن جَكْمَى تصريكيس ستيم املسا أنصاف يرهيزاري ياكي نهكى سمجهداري، همت دهيرج، صدر اور اِسى طرح أن كى اچہی اچھی چیزوں کو پھیلانے کھلئے چلائی جاتی میں جنهیں سب دھرم مذھبوں کے لوگ اور سب طور طریقوں کے مانقے والے مانعے اور پسقد کرتے ھیں، ایسے ھی پاک چهریں کھانا' پاک چهریں پیغا' نشہ کی سب چهروں سے پرهیز کرنا' اس طرح کی سب کوششیں آهمارے اس کام مين بهت مدد ديلكي .

3 - همارے کام کے در حصے اوپر بھان کئے جا چکے هیں . هندستانی کلچر کا تیسرا اور آخری حصه یه هے که اس طرح کے دیعقدوں' دست کاریوں' بھوپاروں اور تحیارتوں كو جارى كها جاوے اور بوهايا جاوے جن ميں هندو اور مسلمان دونون حصه لهن اور دونون ملكر كام كريس. رچناتمک یا تعمیری،کم کی جتنی کوششیں هو رهی هیں جهسے ماں اور بھے کے بھاؤ اور بھلائی کے طریقے' گاوں کی حالت کو شعاهارنا گهریلو دهندی که کام کو ترقی دینا اور اُس کی پهداوار کر بوهانا جنگلوں کی حناظت کاوں اور شہروں کی صفائی ایماروں کے علاج کے لئے جو طرح طرح کے طریقے چل پڑے ھیں اُن سب کو ملا کر اُن سے فائدہ اُٹھانے کی کوشیص ' جانوروں کی نسل کو سدهارتا أور بوهانه يم سب جهزين هماري هندستاتي كلجر کو هر طرح سے مدد عیدیں گی اور اُس کلچر کے اِس دوسرے حصے کو چورا کریں گی ، لیکن شرط اتنی هی هے که هندو اور مسامان دونون ملكر اس مين حصد لين اور هر كام میں دونوں کا مهل بوهدا تھا جارہے ، هماری سوسائٹی کو اینی پوری طاقت سے اس میل جول کے برتعالے میں هر طرح کی مدد کرنی جاهگے.

تھوڑے سے میں نگی ملدستانی کلچر کا بلمادی کام یہ مونا چھاھیے کھ، وہ سیب طرح کے لوگوں سب طرح

इंबालाक सदाचार, वीर तरीके, बार्ट कता, घरेल जिन्त्रा भौर समाजी जीवन, रोजे वर्त, दावते ज्योनार, मेले तमाशे, त्योद्दार और छुट्टियाँ, सोग के दिन और खुशों के दिन इन सब के बारे में लोगों के अन्दर एक सी उमगें और एक से आदर्श मयार पैदा किए जावें. इन डमंगों के बढ़ाने और मज़बूत करने के लिये और लोगों को इन मेल मिलाप की ची जों का शीक़ दिलाने के लिये उनमें इन ची जो की ठीक ठीक जानकारी पैदा करनी और फैलानी होगी. हिन्दुकों और मुसलमानों के ऐसे गिरोह, जिनमें एक दूसरे से पूरी हमदर्दी पैदा होगई है, जो एक दूसरे के पक्के दोस्त हैं और जो पक दूसरे को समकते हैं ऐसे मेलां, तमाशों और त्योहारों के मौकों पर जलसे करके, जलस निकाल कर और तरह तरह से जनता के सामने मिसाल कायम करें. जितने आन्दोलन, जितनी तहरीकें, सत्य, भहिंसा, इन्साक, परहेजगारी, पाकी, नेकी, सममदारी, हिम्मत, धीरज, सब और इसी तरह की उन अच्छी अच्छी चीजों को फैलाने के लिये चलाई जाती हैं जिन्हें सब धर्म मजहबों के लोग भीर सब तौर तरीकों के मानने वाले मानते और पसन्द करते हैं, ऐसे ही पाक चीजें खाना, पाक ची ज पीना, नशे की सब ची जो से परहेज करना, इस तरह की सब कोशिशें हमारे इस काम में बहुत मदद देंगी.

3-इमारे काम दो हिस्से ऊपर बयान किए जा चुके हैं. हिन्दुस्तानी कलचर का तीसरा श्रीर श्राखिरी हिस्सा यह है कि इस तरह के धन्दों, दस्तकारियों, ब्योपारों श्रीर तिजारतों को जारी किया जावे श्रीर बढ़ाया जावे जिनमें हिन्दू और मुसलमान दोनों हिस्सा लें और दोनों मिलकर काम करें. रचनात्मक या तामीरी काम की जितनी कोशिशें हो रही हैं, जैसे माँ भीर वच्चे के बचाव भीर भलाई के तरीके, गाँव की दालत को सुधारना, घरेलू धन्दे, खेती के काम को तरककी देना और उसकी पैदावार को बढ़ाना, जंगलों की हिफाजत, गाँव और शहरों की सफाई. बीमारों के इलाज के लिये जो तरह तरह के तरीके चल पदे हैं उन सब को मिलाकर उनसे फायदा उठाने की कोशिश, जानवरों की नसक को सुवारना और बढ़ाना, यह सब चीजें हमारी हिन्दुस्तानी कत्तचर को हर तरह से मन्द ही देंगी और उस कलचर के इस दूसरे हिस्से को पूरा करेंगी. लेकिन शर्त इतनी ही है कि हिन्दू और मुसलमान दोनों मिल कर इनमें हिस्सा लें और हर काम में दोनों का मेल बढ़ता चला जावे. इमारी सोसाइटी को अवपनी पूरी ताकत से इस मेल जोल के बढ़ाने में हर तरह की मनुद करनी चाहिये.

शोह से में नई हिन्दुस्तानी कलचर का बुनियादी काम बहु होना चाहिये कि वह सब तरह के लोगों, सब तरह गुरुष का होता करें, यह हो चोटकार्ज से और एक ही जरते में सब जगह साथ साथ सेक्यर में.

(म) दिन्दी और उरदू के लिखने वाकों को इस बात के लिये राजी करवा चादिये कि करों से इस एक संस्कृत और कारसी शब्दों के करोब करीब पाँच सी जोड़े जैसे राजनीति सियासत, सभ्यता तहजीब, इललाकी नैतिक अच्छी तरह याद करले और अपने लेलों और मजमूनों में हर जोड़े के दोनों शब्दों को साथ साथ काम में लावे. इस तरह उनके पड़ने वाले भी बहुत जल्दी इन सब जोड़ों को जान आवेंगे. यह भी कोशिश करनी चाहिये कि उरदू के लिखने वाले इजाफत का और हिन्दी के लिखने वाले समासों का बहुत ही कम इस्तेमाल करें.

(स) देस भर में असकारों के जो एडीटर इस नेक काम से इमदर्श रखते हों उनसे मदद ली जावे और हिन्दी और उरदू के रोजानां, इफ्तेवार और माहवारी रिसालों गित्रकाओं में इस तरह के अच्छे अच्छे लेख छपवाए जावें जो लोगों को अच्छे भी लगें और जिनसे उन्हें इन चीजों की जानकारी भी हो.

(द) इस तरह की चुनी हुई छोटी छोटी कितावें नेकाली जावें जिनमें हर किताब के अन्दर उरद् लिखावट शौर नागरी लिखावट दोनों में ठीफ वही जबान और वही राज्य हों. नागरी और चरदू दोनों एक दूसरे के आमने तामने के पन्नों पर हों. अंगरेखी और दूसरी योरप की तवानों में बहुत सी इस तरह की कितावें निकल चुकी िजिन्हें लोग आम तौर पर पसन्द करते हैं. उनमें से प्रच्छी से अच्छी किताबों के ढंग पर हमारी किताबें भी नेकल सकती हैं. इन किताबों में जितनी तरह की जानकारी ी जा सके देनी चाहिये. खास तौर पर हिन्दुओं और उसक्रमानों का इतिहास देना चाहिये और योड़ा सा ्नसानी होस मानव जाति का इतिहास भी देना चाहिये. ्न किताबों में हिन्दु कों और गुसलमानों के दोनों तरह हे धार्मिक रीति रिवाज और एतकाद विश्वास मी हों. क वह जो जहरी सममे जाते हैं भीर दूसरे वह जो इतने इस्री नहीं सममे बाते. इन किताबों में ऐसी किताबें भी ोनी चाहियें जिनमें मोटे तौर वर लोगों को यह बताया ावे कि रोजी कमाने के खास खास तरीक़े कीन से हैं गीर हर आवंभी अपने लिये जीविका रोजगार का ठीक विसा कैसे करें जिसमें वसे कामयानी हो.

इस तरह हम अपने देस के लोगों में अच्छे और ज़ब्त विभाग तैयार कर सकेंगे जिनमें अच्छे और प्रयोगी कारामद ज्ञान का मंडार मरा हो. यह इमारी रमुख्यामी कलपर के काम का एक तिहाई हिस्सा हुआ.

क बसारे कास का दूसरा दिस्सा नद दे-दीन वर्त,

مُلک کا مورو کوین ایک هی بانیت کارم سے اور آیک هی جانب میں سب جاند سالہ سالہ لاعتور دیں .

(ب) عقدی اور آردو کے اکھیے والوں کو آھی بات گھلٹے رافی کونا جاھئے کہ اُن میں سے ھر آیک سقسکرت اور قارسی ھبدوں کے قریب قریب پانچسو جوڑے جیسے راج نیت سیاست' سبھٹا تہذیب' اُخلاقی میں ھو جوڑے کے دونوں شہدوں کو سانھ ساتھ کام میں قور ر اُن طرح اُنکے پڑھئے والے بھی بہت جادی اُن سب بھروں کو جان جاریں گے ، یہ بھی کوشش کرنی چاھئے والے کہ آردو کے لکھنے والے اضافت کا اور ھندی کے لکھنے والے ساسوں کا بہت ھی کم استعمال کریں .

(ج) دیس بہر میں اخباروں کے جو اقیتر اس نیک کام سے همدودی رکھتے ہوں اُن سے مدد لی جاوے اور مقدی اور آردو کے روزآنت هنته وار آور ماهواری رسالوں پترکاوں میں اس طرح کے اچھے اچھے لیکھ چھیوائے جائیں کو اچھے بھی لگیں اور جن سے آنیوں اُن چھزوں کی جائکوں بھی ہو۔

د) اِس طرح کی چلی هوئی جهوتی چهرتی کتابین نکلی جارین جن میں هر کتاب کے اِنھر اُردو لکھارے اُرر ناگری لکھارے درنوں میں تبیک وهي زيان اور وهي شبد هون ، ناكري أور أردو دونون ايك دوسرے کے آملے ساملے کے پلوں پر هوں . انگریزی اور موسرى يورپ كى زيانوں ميں بہت سي اس طرح كى كعابين نعل چهي هيل جنهيل لوك عام طور پر يساند كرتم هول . اس میں سے اچھی سے اچھی کتابوں کے تھلک پر ھماری کتابین بهی نکل سکتی هیں . ان کتابی میں جتنی طرح کی جانکاری دی جا سکے دیلی جاهئے ، خاص طور هر هندبروس ارد مسلمانوس كا إنهاس دينا جاهي اور تهورا سا انسانی قوم مانو جانی کا انهاس بهی دیفا جاهگه . ان کتایوں میں مندروں اور مسلما لیں کے دونوں طرح کے عهارمک ریس رواج اور اعتقاد وشواس بهی هون ایک وه جهد ضروري سمجه جاتے عمل أور درسرے وہ جو اتلے ضروری پینین سمجھے جاتے . ان کتابوں میں ایسی کتابیں بھی ریونی جاهلیں جن میں مرتے طور پر لوگوں کو یہ بھایا بطور که روزی کمانے کے خاص خاص طریقے کون سے عهیں أور جر آدمي ابي للے جهرکا روزکار کا تبهیک فیصله کهسے َ وَكُونِهِ عِيسَوِنِ أَبِيرَ كَامَهَابِي هو .

2 أست عمارت كام لا فرسرا حصه يه ها سد عين حيوم

बहु कर दूसरे मुल्कों में अपनी बस्तियाँ वसाना, आग करना, एक राजा का राज, खमीरों का राज, आम लोगों का राज बगैरा.

अब कल बर और सिबिलिज रान यानी संस्कृति और सभ्यता दो चीजें हुई और हर एक के तीन तीन पहल, जितने सवाल जवाब हमने उपर लिखे हैं और जितने सवाल जवाब इस तरह के और लिखे जा सकते हैं वह सब इन्हीं दो में या इन्हीं छे में जा जाते हैं. इनसे हमें पता चल जाता है कि असली कलचर या असली सभ्यता क्या चीज है. असली कलचर आदमी के अन्दर की नेकी और बढ़ाई है और असली सिविलीज रान या सभ्यता अन्दर की नेकी का बाहरी फैलाब है.

जितनी बिद्या कोई कतचर होगी उतने ही अच्छे झान, अच्छी खनाहिशों और अच्छे कामों से भरी हुई वह सभ्यता होगी जो उस कलचर का जिस्म और उसका रंग रूप है. इसी तरह बाहर की सभ्यता का असर अन्दर की कतचर पर पड़ता रहेगा और दोनों का मिलकर एक अच्छा सुन्दर, दायरा या चक्र बन जायगा, जो आदमी को नेकी की तरफ ले जायगा.

मुक्ते हर है कि मेरी इन बातों में शब्दों का बाडन्वर विकाई देगा, लेकिन बगर इनमें कुछ भी सचाई है तो मुक्ते मालूम होता है कि हमारी छोटी सी सोसाइटी एक बहुत बड़ा लेकिन बहुत ही क्रीमती काम हाथ में ले रही है. यह सोसाइटी एक हिन्दुस्तानी कलबर और हिन्दु-स्तानी सिविलीखेशन का बीज वो रही है, उनकी नन्ही सी पौध को रोप रही है. हमारी यह हिन्दुस्तानी कलचर और हिन्दुस्तानी सभ्यता सबसे पहले हिन्दुस्तान की पुरानी कलबर और बरव ईरान की कलचर, या दूसरे शब्दों में हिन्दू कलचर और मुसलिम कलचर, इन दोनों के अच्छे से अच्छे और जरूरी पहलुओं को मिलाने की कोशिश करेगी.

इस बीज में शंकुर फूटें और यह पौध फूले फले इसके लिये इमें अपने काम के तीन हिस्से करने होंगे.

1—सब से पहले आम लोगों को एकसा ज्ञान का अंकार देने के लिये—

(अ) कुछ नौजवानों को इस तरह तैयार करना नाहिये कि वह एक हिन्दू और एक मुसलमान, दो दो मिक्क मिलकर साथ साथ काम करें. दोनों में से हर एक संस्कृत भी जानता हो भीर फारसी भी, भीर भगर हो सके तो बोही सी भरवी भी. इन लोगों को खास तौर पर बेहाना भीर तसन्तुफ की सक्त्री से अच्छी कितावें पढ़ केनी चाहियें, भीर दोनों धर्मों की कितावों के लास लास बीहर काम के हिस्से जान केने चाहियें. यह साथ साथ

ہوہ ہوگئو فوس نے ملکوں میں ایکی ہستیاں بساتہ بھاگیا۔ کرنا? ایک وابعد کا واج ' امہروں کا واج ' عام لوکوں کا واج ہموہ .

آپ گلچر أور سویلدویشی یعلی سنسکرتی اور سبههانا دو چهژین هوئین اور هو ایک کے تین تین پہلو . جائے سوال جواب هم نے اوپر لکھے هیں اور جائے سوال جواب اس طرح کے اور لکھے جا سکتے هیں وہ سب ان هی هو میں آجاتے هیں . ان سے همیں پات چل جاتا هے که اصلی کلچر یا اصلی سبهیانا کیا چیز هے . اصلی کلچر آدمی کے اندر کی نیکی اور بوائی هے اور اصلی سویلدویشن یا سبهیانا اندر کی نیکی کا باهری بهیاؤ هے .

جتنی بوهیا کوئی کلچر هوئی آتیے هی اچھے کیاں اچھی خواهشوں آور اچھے کاموں سے بھری هوئی وہ سبھیٹا هوگی جو اُس کا رنگروپ ھے، اِسی طرح باهر کی سبھیٹا کا اثر اندر کی کلچر پر پڑتا رھاگا اور دونوں کا ملکر ایک اچھا سندر دائرہ یا چکر بن جائے گا جو آدمی کو نیکی کی طرف لے جائے گا .

مجھے قر ہے کہ میری ان باتوں میں شبدوں کا اُتسبو
دکھائی دے گا لیکن اگر اُن میں کچھ بھی سچھائی ہے
تو مجھے معلوم ہوتا ہے کہ ہماری چھوٹی سی سوسائٹی
ایک بہت بڑا لیکن بہت ہی قیمٹی کام ہاتو میں لے
رھی ہے ۔ یہ سوسائٹی ایک ہندستانی کلچو اور ہندستانی
سویلیزیشن کا بیم ہو رھی ہے' اُنکی ننھی سی پود کو
روپ رھی ہے ۔ ہماری یہ ہندستانی کلچو اور ہندستانی
سبھیٹا سب سے پہلے ہندستان کی پرانی کلچو اور عرب
ایران کی کلچو' یا دوسرے شہدوں میں ہندو گلچر ارر
مسلم کلچو' اُن دونوں کے اچھے سے اُچھے اور ضوروں پہلوؤں
مسلم کلچو' اُن دونوں کے اچھے سے اُچھے اور ضوروں پہلوؤں
کو مانے کی کوشش کرے گی ۔ اس بیچ میں انکر پھوٹیں
اور یہ پود پھولےپہلے اس کھائے ہمیں آپ کام کے تھی حصے
اور یہ پود پھولےپہلے اس کھائے ہمیں آپ کام کے تھی حصے

سب سے پہلے عام لوگرں کو ایک ساکھاں کا بھلڈار دینے کیلئے۔۔۔

त्या केल से. बादमी का दिमारा बन्द्धा और मजबूत हो, रेक्टर अच्छा सौर मजबूत हो और जिस्म अच्छा ीर मजबूत हो तो इन्हीं वीनों से अच्छी और मजबूत तचर बने. दिमारा के अच्छेपन का मतलब यह है कि ावसी को बहुत सी और काम कि ची में मालूम हों नी बसके पास झान का अच्छा भंडार हो, और वह राई और मलाई में, नफ्ने और नुकसान में फरक कर सके र पहचान सके कि किस चीज में उसका सबा नफा है रि किसमें नकसान. दिमारा के मजबूत होने का मतलब ह है कि आदमी सब तरह की चीजों की जल्दी से समम के, उसकी याददारत अच्छी और पक्की हो और वह ोजों का ठीक ठीक फैसला कर सके. कैरेक्टर या चरित्र । मज़्बूती का मतलब यह है कि आदमी में इतनी हिस्मत ं कि बह जिन चीजों को करना चाहे उन्हें करे और ानसे बचना चाहे उनसे बच सके. कैरेक्टर के अच्छेपन ा मतलब यह है कि आदमी अपनी तबियत को और पने हाथ पैरों को नेक कामों की तरक लगावे. इसका तलब यह है कि खुदी यानी अपने निजी सुख की इच्छा ी रहे और सब के भले की इच्छा काम करे. जिस्म के च्छे होने का मतलब यह है कि हाथ पैर और सब श्रंग डौल हों खीर सूरत शकल प्यारी लगे. जिस्म की मजबूती ामतलब यह है कि बदन में जान हो, बल बूता हो, खती हो, कड़ाई हो, बर्दाश्त की ताक्रत हो, रग पट्टे तबूत हों, मन में धीरज हो और आदमी सब काम तेजी चौर बिना लड़खड़ाए कर सके. जिस चादमी का स्म, जिसका कैरेक्टर और जिसका दिमारा तीनों इस इ के हों, वही पूरी तरह और ठीक ठीक 'कलचर्ड' ममा जा सकता है. इसी तरह इतिहास में जितनी बड़ी ही सभ्यताएं, तहजीवें हुई हैं ... जैसे बीती हुई सभ्यताओं मिस्री, असुरी (असीरियन), बाबुली, यूनानी, रोमन, वेसकन और पेरुवियन, और जिन्दा सभ्यताओं में चीनी, न्दुस्तानी, बहूदी, ईरानी, अरब और आज कल की ोपियन-इन सब सभ्यताओं के तीन खास पहल हैं-1) उनका तालीम का एक खास ढंग और ज्ञान, साइन्स र फलसके का अपना मंडार; (2) हरेक का एक स दीन धर्म, सदाबार इललाक और रहन सहन का ं जास तरीका, घरेलू जिन्दगी और समाजी जिन्दगी एक सास ढंग और इनके साथ ही साथ इनसे मिली ती चीर्जे-चार्ट, कला, चित्रकारी, संगतराशी, गाना राना, शायरी, कविवा, खास तरह की मज़हबी और ारी इसारतें बनाना, खेल तमारो, छुट्टियाँ, त्योदार, तसे, रीति दिवाज, मज़हबी कितावें, मन्दिर, मसजिद, में; (3) ज्योपारी, विजारती और राजकाजी कामों के व साम्य तरीक्रे, खेती, स्थोग धन्दे, स्थोपार, सट्टा,

کریا فعل سے ادمی کا دماغ اجہا اور مشہوط ہوگا كهركار أجها أور مضبوط هو أور جسم أجها أور مقبوط هو تو أن هي تهلول سے أجهى أور مقبوط كلحور بلے . دماغ کے اچھے بن کا مطلب یہ مے کہ آدمی کو یہمت سی اور کام کی جہوین معاوم ھوں یعلی اُس کے پاس کهان کا اچها بهندار هو' اور وه برائی اور بهلائی میں' نفع اور نقصان میں فرق کر سکے اور پہنچان سکے که کس چیز میں اُس کا سچا نفع مے اور کسمیں نقصان . دماغ کے مقدوط ہونے کا مطلب یہ مے که آدسی سب طوح کی چیزوں کو جلدی سے سمجھ سکے اُس کی یادداشت الجهنى اور يكى هو اور وه چهزوں كا تهيك تهيك فيصله کر سکے ، کیرکٹر یا چرتر کی مشبوطی کا مطلب یہ ہے کہ آفعی میں اتنی همت هو که ولا جن چهزوں کو کرنا چاھے أُنهيں كرے أرر جن سے بچنا چاھے أن سے بچ سكے . كيركثر کے اچھے پن کا مطلب یہ ہے کہ آدمی اینی طبیعت کو اور اھے ھاتھ پھروں کو نیک کاموں کی طرف لٹائے ، اِس کا مطلب یه هے که خودي يعلى أبي نجي سکه کی اِچها دہی رہے اور سب کے بھلے کی اِچھا کام کڑے . جسم کے اچھے هوت کا مطلبیء هے که هانه پهر اور سب انگ سدول هوں أور صورت شكل يهارى لكه . جسم كى مضبوطى كا مطلب يه هے که بدن مهل جان هو' بل بوتا هو' سختی هو' کواثی هو' برداشت کی طاقت هو' رگ پتھ مضبوط هور' من مهن دههرج هو أور آدميسب كام تيزي سے اور بنا لوكهوائے کر سکے . جس آدمی کا جسم' جس کا کھرکٹر اور جس کا فماع تیلوں اِس طرح کے هوں' وهی پوری طرح اور تهیک لهيك ' كلحِرة أ سنجها جاسكتا هي اسي طرح إنهاس مهن جالي بري يري سبيهايانين تهايبهن هوأي هين -- ههسد بيتي هوئي سبههتاون مهن مصرى آشوري (اسهوین)' بابلی' یونانی' رومن' میکسکن اور پهرورين أور زنده سبيههاؤن مين چهايي، علاستاني، يهودي' ايرانی' مرب اور آجکل کی يورپون — ان سبب سهههداؤں کے تین خاص پہلو هیں --- (1) أن كا تعلیم كا ایک خاص قعلک اور گیان سائلس اور فلسفے کا اینا بهندار؛ (2) هر ایک کا ایک خاص دین دهرم سداچار أخالق اور رهن مهن كا ايك خاص طريقه كهريلو زندكي اور سماهي زندكي كا ايك خاص دهنگ اور إنكه ساته هي ساته ان سے ملی جلیچیزیں۔۔۔آرٹ کا ' چترکاری' سنگ عواهی کانا بحیانا؛ شاعری، کویکا خاص طرح کی مذهبی أور دوسوى معارتين بناكا كهيل تعاهم چهتيان تهوارا مجلسے رسم رواج مذهبی تعابین مندر مسجد تهرتها (3) بیوپاری؛ تصارتی اور راج کاجی کاموں کے کچھ خاص طريقيا كبيتي أديوك دهلداع بيبيارا ساله

ك هي معلى مين استعمال كرته هين . هلاستالي ا یں کلنیو کو کہدنگے ۔ 'ششتانا' 'سلسکولی بذَّيب 'تاديب يا 'شالستكى' . اور سويلهزيشي كو كها انا هے ۔ "سبههانا" اسبوداچار انہذیب یا اطور ریق' . اس سے زیادہ آسان شدد جنہیں سب سدجھتے یں _ جال تھنگ جلن میں' لیکن ان سے را مطلب نهین نکل سکتا . هم ایک بات یه بی دیهان مهی رکهیں که شاید سریلهزیشی اور سبهیتا ونوں کا نکاس ایک هی سا هے علمی اسبها اسوس جماعت 'شهراً اسويلائود' أورسيه دونوں كے معلے هيں-ا آدمی جو 'شہری' کہلانے کے یا سبھیت سوسائٹی میں يتهنے كے قابل هو . درسرى طرف "كلچر" ليتن شبد التس (Cultus) سے نکا ھے . کلٹس کے معلی ھیں -عل'. زمین پر کهینی کرنا اور آدمی کے دل اور دماغ کو المصر كرنا دونوں ايك هي سے كام هيں . دونوں ميں هل مِلانا يونا هـ؛ جوتها يونا هـ؛ زمين تيار كرني هوتي هـ؛ لتی کو ہاریک کرنا ہونا ہے اور پھر اچھے قیمتی اور کام ئے بیم اُس میں بونے ہوتے ہیں . یہ بیم مادی بھوتک ، خلاقی نیتک اور دماهی مانسک تینوں طرح کے هو سکتے نیں . بھیج ایسے هونے چاهئیں جن سے جسم و روح دونوں ر تندرستی دینے والی جسمانی اور روحانی خورآک تیار الوسكے . سلسكرتي مانجلا إس كا بهي يهي مطلب هے . یہی شائستگی اور تہذیب کا مطلب هے . ان سب شبدوں میں سلسکار کرنا' سدھارنا' پھر سے صاف کرنا' زیاده اچها بنانا چمکا کر سندر رنگ روپ دینا یه سب باتیں شامل هیں . انگریزی کی تکشفری میں کلچر اور سریلهزیشی دو ول کے معنوں میں 'رفائن،منت' شبد أتا هے ' جس كا مطلب هے ' پهر بهر صاف كرنا . اِس لئے 'للچر' کا اصلی نچور اسی بات میں هونا چاهئے که آدمی کو اُس کے جهرن کے سب پہلوؤں میں مانجا اور پھر پھر صاف کہا جائے ، 'سویلزیشن' کا مطلب وہ سب اوپر کی چیزیں میں جو اس طرح کے منجے موٹے لوگوں کی کوئی نیشن کوئی قوم یا آن کا کوئی گروہ ایے ملے جلے جھوں کے سب پہلوؤں میں کرتا اور دکھاتا ھے . آدمی کے اندر جو چیز دیی چھپی رہتی ہے' اُس کے باہر کے روپ پھیلار کا نام هي أسويليويشن هي .

اب - همیں یہ دیکھنا ہے کہ آدمی کے سبھاؤ کے یہ خاص خاص پہلو کون سے میں اور اُن میں سے کس کس کا ملی بھوٹی قومی زندگی کے کس کس پہلو کے ساتھ خاص سبھندہ ہے ؟ همارے جمہوں کے تین خاص پہلو یہ میں تشک، کیریکٹر یا جلن اور جسم شہر کمان علم سے ہے . اور جسم کا رجماع کے اُجھا کواہش سے اور جسم کا ربیکٹر یا اُجھا کواہش سے اور جسم کا ربیکٹر یا اُجھا کواہش سے اور جسم کا

एक ही माने में इस्तेमाल करते हैं. हिन्दुस्तानी में कलचर को कहेंगे—'शिश्टता', 'संस्कृति', 'तहजीव', 'वादीव" या 'शाइस्तगी'. और सिविलीजेशन को कहा जाता है-'सभ्यता', 'समुदाचार', 'तहजीब' या 'तौर तरीक्र'. इससे जवादा आसान शब्द जिन्हें सब समस्ते हैं-चाल, ढंग, चलन-हैं, लेकिन इनसे पूरा मतलब नहीं निकल सकता. हम एक बात यह भी ध्यान में रखें कि शायद सिविली-षोशन और सभवता दोनों का निकास एक ही सा है, यानी 'सभा', 'सिविस', 'जमात', 'शहर' 'सिविलाइज्ड' चौर 'सभ्य' दोनों के माने हैं-वह बादमी जो 'शहरी' कहलाने के या सभा सोसाइटी में बैठने के काबिल हो. दूमरी तरफ 'कलवर' लैटिन शब्द 'कल्टस' (cultus) से निकला है. कल्टस के माने हैं- 'हल'. जमीन पर खेती करना और आदमी के दिल और दिमारा को कलचर करना दोनों एक ही से काम हैं. दोनों में इल चलाना पड़ता है, जोतना पड़ता है, जमीन तैयार करनी होती है, मिट्टी को बारीक करना होता है और फिर अच्छे क़ीमती और काम के बीज उसमें बोने होते हैं. यह बीज मादी मौतिक, इललाक़ी नैतिक चौर दिमागी मानसिक तीनों तरह के हो सकते हैं. बीज ऐसे होने चाहियें जिनसे जिस्म और रूइ दोनों को तन्दुरुस्ती देने वाली जिस्मानी भौर रूक्षानी खूराक तैयार हो सके. संस्कृति, मांजना, इसका भी यही मतलब है. यही शाइस्तगी श्रीर तह जीव का मतलब है. इन सब शब्दों में संस्कार करना, सुधारना, फिर से साक करना, ज्यादा अच्छा बनाना, चमका कर सुन्दर रंग रूप देना, यह सब बातें शामिल हैं. श्रंगरेजी की डिक्शनरी में कलवर और सिविती जेशन दोनों के मानों में 'रिफाइनमेंट' शब्द आता है जिसका मतलब है, फिर फिर साफ करना. इसलिये 'कलचर' का असली निचोड इसी बात में होना चाहिये कि आदमी को उसके जीवन के सब पहलुकों में माँजा कौर फिर फिर साफ किया आवे. 'सिविली जैरान' का मतलब वह सब ऊपर की चीजें हैं जो इस तरह के मँजे हुए लोगों की कोई नेशन, कोई क्रीम या उनका कोई गिरोह अपने मिले जुले जीवन के सद पहलुओं में करता और दिखाता है. आद्मी के अन्दर जो चीज दबी छिपी रहती है, उसके बाहर के रूप फैकाब का की नाम ही 'सिविक्तिक रान' है.

धव इमें यह देखना है कि आदमी के स्वभाव के यह जास जास पहलू कीन से हैं और उनमें से किस किस का मिली हुई क़ौमी जिम्दगी के किस किस पहलू के साथ जास सम्बन्ध हैं ? हमारे जीवन के तीन जास पहलू वह हैं—दिमारा यानी मस्तिरक, कैरेक्टर या चरित्र, और किस्स रारीर. दिमारा का सम्बन्ध झान इल्म से हैं, कैरेक-कर का चरित्र का इच्छा सवाहिश से और जिस्स का

माने मही समय रहे हैं. बार्कर फिर बार है है या क्रमार में क्या क्या कीजें शामिक हैं, इस पर हम सब की एक ही राम नहीं है. एक खास तरह के कपने पहनना ? शायर ! साथ तरह से बोलना ? एक दरजे तक. यह दूसरे को साम तरह से सलाम करना ? हाँ। यह सी. वालीस का एक सास ढंग ? बेराक, कुछ तो. लेकिन किस चीज की वालीम और किस तरह की ? इसमें भी चापने चापने ढंग हो सकते हैं. ज्ञान का मंदार ? कुछ तो ! बेकिन फिर फिस तरह का झान ? तरह तरह का. सेन देन और आपसी ब्योहार में एक खास तरह का ढंग ? हाँ ! यह भी. और घरेलू जीवन में घर वालों में आपसी बर्ताव १ हाँ ठीक ! घर में खास खास मौकों जैसे बच्चा पैदा होना. ज्याह शादी बग़ैरा मनाने का ं ढंग १ हाँ, बेशक. एक स्नास तरह का मजहबी जजबा बा धार्मिक भावना ? हाँ, शायद. चार्ट, कला, शायरी कविता, गाना बजाना, चित्रकारी जैसे दुनर में से किसी एक या ज्यादा की तरफ खास मुमाद ? हाँ, यह भी. मेले, तमाशे, जलसे, मौसम के त्योहार, दूसरे त्योहार और अपने इतिहास के खास खास दिन मनाना ? हाँ ! खान पान, दावतों और ज्योनारों के खास खास तरीके ? हाँ ! कुछ तो यह भी. मकान बनाने का कोई खास ढंग ? हो सकता है या शायद है, इसमें भी बहुत से खलग खलग ढंग रहेंगे. अपना एक खास साहित्य यानी अवृत और अपनी साइन्स यानी विद्यान ? जरूर, थोड़ा बहुत. एक ऐसी बोली जिसे सब बोल और समम सकें ? बिला शक ! एक दूसरे को समझने और एक दूसरे से बात चीत करने के लिये जरुरी है.

ऊपर के सवालों में शायद कोई खास सिलसिला मालूम नहीं होता. उनके जवाब भी जो जैसे मुमे समे. इंद्र मिमकते हुए मैंने लिख दिये. यह सब जबाब नामुक-न्मिल और अधूरे हैं और जैसा चाहिये साफ नहीं हैं. फिर भी दर जवाब में कुछ न कुछ सबाई जरूर है. कलचर की ऐसी क्या परिभाशा या तारीक की जाय जो अधूरी न हो, जो सुकत्मिल हो, जिससे कलवर एक बाबग साक चीज विखाई दे और जिसे अक्रक भी मानके. अब हम पहले यह देखना चाहते हैं कि हिन्द्रस्तानी जनात में 'कलचर' के लिये ठाक शब्द क्या होना चाहिये ? र्घागरेची में 'सिविकी बेशन, और 'कलवर' इन दोनों शब्दों का विज्ञात यह हो मदश्व सो नहीं है, लेकिन फर भी यह वाना राज्य बहुत मिलते जुबते हैं. मोटे तीर पर कहा जा सकता है कि कुल बर से आदमी की अन्दर की हालत का पता विकास है और 'सिविवायेंशन' इस चन्दर की दालत की बादकी क्रम रेखा को कहते हैं, 'कसपर्व' और विविद्यासम्बद्धः का क्षेत्रं सम्बद्धां को साम काय जीर पर

بعلى لهين سبجه رھ هين ، كلجر كس بات مهل ۾ ا كليور من كيا كيا "جيزين شامل هين إس فرهي مبت کی ایک ھی رائے نہیں ہے . ایک خاص طور کے لهون بهدنا؟ شايد! خاص طرح سه بولما؟ آيك قاريق نکتھ ۔ ایک دوسرے کو خاص طرح سے سلم کرنا ؟ ہاں ! یہ بھی ، تعلیم کا ایک خاص دعدگ ؟ یے شک کنچھ تو ، لھائن کس چھڑ کی تعلیم اور کسطرے کی؟ اس مھی بھی ام ام تاهلک هو سعتے هيں ، کبان کا بهندار ؟ کچه تو ! لقِعَى يَهْر كسطرح كا كهان ؟ طرح طرح كا . لهن دين أور أَفِسى بهوهار مهن ايك خاص طرح كا دَعلك ؟ هان ! يم يهي . اور گهريلو جدون مهن گهر والين مهن آهسي پرتاو؟ هان تهيك ! كهر مين خاص خاص موتعين جهسے بعدہ بیدا هونا علی بیاد شادی وفیرہ مدانے کا تھلک؟ هاں ، پہ شک ، ایک خاص طرح کا مذہبی جذبه یا فعارسك بهارنا ؟ هان شايد . آرت، كلا شاهري كويتا كانا بعجاماً چدرکاری جیسے هنر میں سے کسی ایک یا زیادہ كي طرف خاص جهكاو؟ هان يه بهي، ميلي تماشيه علسه موسم کے تیوهار دوسرے تیوهار اور ایم اِنہاس کے خاص كاهن من مدانا ؟ هان ! كهان يان دمرتون اور جهونارون ك خاص خاص طريقے ؟ هاں! كنچه تو يه بهي . مكان بَعَالَمْ كَا كُولُى خَاصَ دَهَنَكَ ؟ هو سكتا هے يا شايد هـ ا اس میں بھی،بہت سے الک الک تعلک رھیں کے ، اینا أيك تماس سامتهم يمني أدب أرر أيتي سأتنس يعلى وکھان ؟ ضرورا تهورا بهت . ایک ایسی بولی جسے سب بول ارد سنجه سکهن ؟ باشک ! ایک دوسرے کو سنجهلے أَوْدِ أَلِيكَ فُوسِرِم سِم بات جهت كُرْنِي كِي لَيْم ضروري هـ.

اریر کے سوالوں میں شاید کوئی خاص سلسلم معلوم نههن هوانا ، أنكم جواب بهي جو جهيم متجم سوجه کچه جهجهکتے هوئے میں نے لکه دئے . یہ سب جواب تنامكمل أور أدهورك ههن أورجيسا جاهثم صاف تههن هیں : پیر بینی هر جواب میں کبچه نه کبچه سچائی شرور هے ، کلتھر کی ایسی کیا پری بہاشا یا تعریف کی خاله بعو الدهوري نه هوا جو مكمل هوا جس مد كلمهر ایک ادک صاف چیز دکھائی دے اور جسے مثل بھی مان والله مهن فلحور كر لئے تورك شيد كيا مرتا جامئے ؟ الكريون مين "سوليزيهن" اور "كلچر" إن دونون شهدون كا بالنكل ليك هي مطلب تو نهين هـ؛ ليكن پهو بهي يد عَوْلُونِ شَيْدَ بِهِمُعَا مِلْقِي جِلْقِهِ هِين . مُوتِي طَوْدِ يُو كَهَا جِا سُکتا ہے که کلنچر سے آسی کی اندر کی حالت کا يه بهنكا ها أور "سويليويشن" أس أندر كي حقيف الله يناهون رزي ويكها كو كيات هين. الكليهية الرر الله عونين شمدين كو لوك مام تلور ير

हिन्दुस्तानी कलचर

(डा. भगवानदास जी का भारान जो उन्होंने हिन्दुस्तानी इसचर सोसास्टी की पहली बैठक में दिया)

प्यारे वोस्तों और साथियो !

मेरा जी तो बहुत चाहता था कि आप से मिलकर एक वेसे मसले पर कि जिसका हमारे देस की आगे की भलाई हे साथ गहरा लगाव है, बातें करता और खुश होता! ार बदक्किस्मती से मेरा जिस्म मेरे दिल का साथ नहीं दे हा है. इसिलये मैं अपने कुछ खयाल लिखकर आपके अमने रक्ष रहा हूँ और इसी से अपनी तसल्ली कर लेता ं. मैंने आपसे बहुतेरा कहा फिर भी आपने अपनी विक्रि वाडी की सवारत का भार मुक्त पर रखना ही क सममा. मैं इस भार के उठाने के क़ाबिल नहीं हूँ, बोंकि मैं स्वभाव से ही चीजों के अमली पहलू को शायद म सममता हूँ और अपनी राय श्रीर अपने उसुलों में इ कट्टर भी हूँ. इसिलये जो कुछ कहने वाला हूँ, उसमें ापको बहुत सी कमियां दिखाइ देंगी. मेरी प्राथना है कि ाप चीरज के साथ उन्हें सुन लेंगे. मुक्ते बरसों से यह ह बादत सी पड़ गई है कि जित खास खास शब्दों को व अपने पदलिक कामों या निजी कामों में भी बरतते हैं श्राक्यों के अर्थ और उनके माने में बिल्क्कल साक साक तमा जेने की कोशिश करता हूँ. हमारी सोसाइटी का म 'हिन्दुस्तानी कलचर सोसइटी' है. किसी भी सभा-साइटो का नाम खास चीज होता है. नाम ही से लागों पता चलता है, या कम से कम चलना चाहिये, कि वह रा सोसाइटा क्या चाहती है. उसका असली मकसद या ेश्य क्या है, वह क्यों बनाई गई, इसके बनाने की ा रारण है और वह क्या करना चाहतो है ? हमारी साइटी के नाम में 'हिन्दुस्ताना' शब्द के बारे में तो है शक न होना चाहियं. 'हिन्दुस्ताना' के साफ माने -'हिन्दुस्तान की चीज' या 'हिन्दुस्तान में पैदा हुआ र पक्षा द्वभा भावमी, इस भारत मां का वचा' भीर ा तरह के आदमी की सब चीजें या उसके सब मामले.' हाइटी शब्द के माने भी काफी साफ हैं. 'सोलाइटी' अने हैं-इब ऐसे लोगों की एक जमात जो मिलकर िकाम करना चाहते हों और जिनका एक दूसरे से ही नाता हो जैसा किसी भी जिन्दा जिस्स के अन्दर पहुर्वे भीर हाथ पैरों का एक दूसरे से.

के किन 'कत चर' शब्द इतना आसान नहीं है. मुके का क्रम कि इस सब 'कल चर' के एक ही माने समफ सा, अखन अलग. मुक्ते शक है कि इस सब एक

هندستانی کلچر

(آائٹر بھگوان داس جی کا بھاشن جو آنھوں نے مقدستانی کلچر سوسائٹی کی پہلی بھٹھک میں دیا۔) ۔ پھارے دوستو اور ساتھیو!

مهرا جی تو بہت چاہ تا تھا کہ آپ سے مل کر ایک ایسے مسللے ہر که جس کا همارے دیس کی آئے کی بھلائی كيساته كهرا لناؤ هـ؛ باتهركرتا أور خرص هرتا! ير بدَّتسمتي سے مہرا جسم مہرے دل کا ساتھ نہیں دے رہا ھے . اِس لٹے میں اپے کچھ شیال اکم کر آپ کے سامنے رکھ رہا هوں اور آآسی سے اہلی تسلی کر لیٹا هوں . میں نے آپ سے بہتیرا کہا پھر بھی آپ نے اپنی گررننگ باتنی کی صدارت کا بهار معه پر رکهدا هی تهیک سمعها . مین اس بھار کے اُٹھانے کے قابل نہیں ھرں' کیونکھ میں سوبھاؤ سے ھی چھڑوں کے عملی بہلو کو شاید کم سمجھھا هرس اور ایلی رائے اور ایم أصواوں میں کچھ کتر بھی عوس. اس لئے جو کچھ کہنے والا ہوں اُس میں آپ کو بهت سی کمهان دکهائی دین گی . آمیری پرارتها هے که آپ دعدرج کے ساتھ اُنھیں سن لیں کے . سجمے برسوں سے یہ ایک عادت سی پو کئی ہے کہ جن خاص خاص شہدوں كو هم أيه يباك كأمول يا نجى كامول مهل بهي برتتے هيل أن شبدوں كے ارته اور أن كے معلم ميں بالكل صاف صاف سمجه لیلے کی کوشش کرتا هوں . هماری سوسائٹی کا نام هندستاني كلتچر سوسائتي هي . كسي بهي مجها سوسائتي كا نام خاص چيز هوتا هي. نام هي سے لوگوں كو پته جلتا ھے' یا کم سے کم چلفا چاھئے که وہ سبھا سوسائٹی کھا چاهتی م اس کا املی مقصد یا أددیش کیا هے وا کھوں بھائی کئی اُس کے بدائے کی کیا فرض ہے اور وہ کھا کونا چاعاتی ہے؟ هماری سوسائتی کے نام میں المنسعاني شهد کے بارے میں تو کوئی شک نام ہونا جاهیًے . هدستانی نے ساف معلے ههں۔ مدستان کی چيز' يا 'هندستان مهن. پيدا هوا اور پلا هوا آدمي' اِس بھاؤت ماں کا ہمچہ آور اس طرح کے آدمی کی سب جهوس يا أس كے سب معاملے ." سودائكي شبد كے معلى بهى كافي صاف هين. 'سوسائلي' كمعلى ههن--عجه ایسے لوؤوں کی ایک جماعت جو مل کر کوئی کام کرنا چاہتے میں اور جن کا ایک دوسرے سے ویسا هی ثاتا ھو چوسا کسی بھی زندہ جسم کے اندر رک پھھوں ارر ھاٹھ مهروں کا ایک دوسرے سے .

لیکی کلچرا هید اتفا آسان نهیں ہے ، مجھ نیش معلی کدھم سب کلچو کے ایک ھی معلی سمجھ رہے عین یا الک الک مجھے کک ہے کہ ہم سب ایک हिंसी की कारपार के रविकार स्वकार सोमाइटी का कार बेट में देश रेख में रहेता, और वह प्रश्तकामी कमेटी के फैसकों पर अगल करायवा

क्रिंगर सेक टरीं कुछ विनों के सिंग गैरहाज़िर होगा तो इन्तकामी कमेटी के सहर को इस बात का अखितयार होगा कि इन्तज़ामी कमेटी के किसी मेन्बर को सेक टरी का काम करने के लिये मुक्तर्र कर दे.

इन्तजामी कमेटी के सदर की रजामन्दी से सेक टरी को अख्तियार होगा कि अपना कोई काम इन्तजामी कमेटी के किसी मेन्बर के सुपुर्व कर दे.

इन कायदों मे ऋदल बदल

इन्तजामी कमेटी को इस बात का अखितयार होगा कि अगर ज़रूरी समझे तो अपने मेन्बरों की कम से कम दो तिहाई की कसरत राय से इन कायदों में कोई तब्दीली करें या इन में कोई नया कायदा बढ़ावे, बशर्ते कि इन्तजामी अमेटी को यह भी इक होगा कि अपनी किसी बैठक में हाजिर मेन्बरों की कसरत राय से इस तरह के कायदे या उसूल बनावे जो इन कायदों के खिलाक न जाते हों.

मेम्बरी का एलान

मैंने हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के छपे हुए मक्रसद् और सोसाइटी बनाने की जरूरत (मेमोरेएडम आक्र एसोसियेशन) पढ़े हैं. मैं सोसाइटी के मक्सदों को और छन मक्रसदों को पूरा करने के लिये सोसाइटी जो जो काम करना चाहती हैं उन्हें पसन्द करता हूं. मैं सब बड़े वड़े धर्म मज़हबों और कलचरों की बुनियादी एकता को मानता हूं. मैं मानता हूं कि पिछले जमाने में हिन्दुस्तान के रहने वालों के अन्दर एक मिली जुली कलचर और पक मिली जुली समाजी जिन्दगी पैदा हो रही थी, और आज भी हमारा भला इसी में हैं कि हिन्दुस्तानी कलचर की एकता को बढ़ावें. मैं वादा करता हूं कि मैं सोसाइटी के मक्सदों को पूरा करने के लिये और सब धर्मों, जातों और विरादिएयों के लोगों में एक दूसरे की इज्जत, प्रेम और मेलजोल बढ़ाने के लिये जो कुछ कर सकूँगा करगा.

فیکوں کی کارروائی کا رجسٹر رکھ^{یں} سوسائٹی کا بھیر ن کی میکم روکم میں رہے کا اور وہ انعظامی کنیکی فیصلوں پر صل کرانے کا ۔

اگر سکریگری کنچھ دنوں کیلئے فہر کافر ہوگا تو نظامی کمیگئی کے صدر کو اُس بات کا اُحتیار ہوگا کہ نظامی کمیگی کے کسی ممبر کو سکریگری کا کام کرنے لگے منگرر کر دے ۔

انعطامی کمیٹی کے صدر کی رضامتھی سے اسکریٹری اکٹھار افواہ کہ وہ ایٹا کوئی کام انعظامی کمیٹی کے سی ممبور کے سورد کر دے ،

العامدون مهن ادل بدل

انتظامی کمیتی کو اس بات کا اختیار ہوگا کہ اگر

ورس سمجھے تو افی ممبدروں کی کم سے کم دو تھائی

اکٹرت والے سے اُن قاعدوں میں کوئی تبدیلی کوے

اُن میں کوئی نیا قاعدہ بوعاوے بشرطیکہ انتظامی

یقی کو یہ بھی حتی ہوگا کہ اُلیتی کسی بیتھک میں
فیر ممبدوں کی کثرت وائے سے اس طوح کے قاعدے

اُسول بداوے جو اُن قاعدوں کے حالف نہ جاتے

پُری کا اعلان

میں نے مندستا ہی کلچر سوسائٹی کے چہیے ہوئے مید اور سوسائٹی بنانے کی ضورت (میمو رندم آف بوسی ایشن) پوھے میں ، میں سوسائٹی کے مقصدوں کو پررا کرنے کے لئے سوسائٹی جو انہیں پسلد کرتا ہوں ، میں یہ بوسے برنا چاہٹی ھے آنہیں پسلد کرتا ہوں ، میں ایکٹا خانٹا ہوں کی بنیادی ایکٹا خانٹا ہوں ، میں مانٹا ہوں کہ بچہلے زمانے میں فلستان کے رهنے والوں کے اندر ایک ملی جلی کلچر کی اور ایک ملی جلی ملی ایک اور ایک ملی جلی میں وہدہ کرتا ہوں کہ میں سوسائٹی بھی ہمارا بھا اسی میں وہدہ کرتا ہوں کہ میں سوسائٹی بھی ہوا کرنے کیلئے اور سب دھرموں کی جاتوں پراہوں کے لوگوں میں ایک دوسوے کی عوت پریم اور بھول بوھائے کیلئے جو کچھ کر سکوں کا کروں گا ،

वस्तस्त्रतः....

lacks and

इन्तज़ामी कमेटी की बैटक

इन्तजासी कमेटी काम वौर पर हर तीन महीने में एक कार मिलेगी. इन्तजामी कमेटी की बैठक में तीन का कोरम दौगा,

शामिल करने का अख़ितयार

्रह्न्तजामी कमेटी को अखितयार होगा कि जब कभी ज़करी समके सोसाइटी के मेम्बरों में से एकया ज्यादा सम्बद्ध अपनी कमेटी में शामिल कर ले.

खाली जगह

सोसाइटी के ओहदेदारों में से और इन्तज़ामी कमेटी के ओहदेदारों या मेम्बरों में से अगर किसी की जगह खाली होगी तो इन्तज़ामी कमेटी अपनी कसरत राय से अस जगह को भर देगी.

सोसाइटी का सदर

खोसाइटी की जाम बैठक में सोसाइटी का सदर सदर होगा. वही उसकी जाम पालिसी चलायेगा. सोसाइटी की बैठक में सदर की ग़ैरहाजिरी में कोई एक नायब सदर सदर होगा.

भगर सदर भीर नायब सदर दोनों गैरहाज़िर होंगे तो बैठक को अखितयार होगा कि वह इस जलसे का काम बाताने के लिये किसी को सदर चुन ले.

इन्तज्ञामी कमेटी का सदर

्रिन्तजामी कमेटी के जलसों में इन्तजामी कमेटी का सदर सदर होगा.

खुजानची

सोसाइटी के रुपये पैसे के लेन देन का काम ख्जान्वी करेगा. वह आमदनी और ख्र्च का हिसाब रक्खेगा, सोसाइटी का सालाना चिट्ठा (बैलेन्स शीट) तैयार करावेगा और उसे बाजान्ता आखिट कराकर इन्तजामी कमेटी की बैठक के सामने रक्खेगा. आखिटर को इन्तजामी कमेटी अपनी कसरत राय से मुकर्रर करेगी. इन्तजामी कमेटी अपनी कसरत राय से मुकर्रर करेगी. इन्तजामी कमेटी अपनी सालाना रिपोर्ट में जो खोसाइटी की आम बैटक के सामने रक्खी जावेगी चिट्टे (बैलेन्स शीट) की सामित कर लेगी.

अरगर किसी वजह से खज़ान्थी कुछ दिनों के लिये हिंदाज़िर होगा तो इन्तज़ामी कमेटी के सदर को अखितवार का कि वह इन्तज़ामी कमेटी के किसी मैम्बर को कार्मी का काम करने के लिये मुक्कर्र कर है.

सेमदरी

किंदरी सोसाइटी की भौर इन्तजामी कमेटी की

العام المثل في بعلب

التظامي کیهاي عام طور پر هر تهن مهيل جهن ايا بار ملے کی ، انتظامی کیهای کی بهایک کهن کا کورم هوا

شامل كرل كا لختيار

انتظامی کمیٹی کو اختیار ہوتا کہ جب کبھی ضروری سمجھے سوسائٹی کے ممہروں میں سے ایک یا زیادہ ممبر ایٹی کمیٹی میں شامل کرنے .

خالی جکه

سوسائتی کے عہدتارداروں میں سے اور انتظامی کمھتی کے مہدتاروں یا ممدورں میں سے اگر کسی کی جات خالی ہوگی تو انتظامی کمھتی ایلی کثرت رائے سے اُس جات کو بھر دے گی .

سوسالتي كا صدر

سوسائتی کی عام بیتیک میں سوسائتی کا صدر صدر مولا، وهی اُس کی عام ہالیسی چلائے کا سوسائتی کی بیتیک میں صدر کی فیر حاضری میں کوئی آیک نائب صدر صدر هوگا .

اگر صدر اور نائب صدر دونوں فہر حاضر هوں <u>گے</u> تو بہتھک کو اختھار هوگا که وہ اس جلسے کا کام چلانے کھائے کسے کو صدر جوں لے ،

أنتظامي كمهتى كا صدر

انتظامی کمیڈی کے جلسوں میں انتظامی کمیڈی کا صدر صدر هوگا .

خزانچى

سوسائٹی کے روپھہ پیسے کے لھن دین کا کام خواندی کرے گا۔ وہ آمدنی اور خرج کا حساب وکیے گا سوسائٹی کا سائٹھ چتھا (بیللس شیت) تھار کوائے گا اور اُسے باضابطہ آدت کراکر انتظامی کمھٹی کی بیٹھک کے سامنے رکھے گا، آڈیٹر کو انتظامی کمھٹی اپنی کڈرٹ وائے سے مقرر کرے گی، انتظامی کمھٹی اپنی سائنے رپورٹ مھس جو سوسائٹی کی عام بھٹھگ کے سامنے رکھی جارے کی نہتھ (بھٹھی کو شامل کرلیگی ۔

اگر کسی وجہ سے خوانچی کچھ دنوں کے لگے فیر خاصر حولا تو انتظامی کمیٹی کے صدر کو اختیار حولا کہ وہ انتظامی کمیٹی کے کسی ممیر کو خوانچی کا کام کرنے انتظامی کمیٹی کے کسی ممیر کو خوانچی کا کام کرنے

سكريكري

سیوانی سیساللی کی اور انعظامی عمیایی کی

Carrier and Carrier

हर मेन्बर सोसाइडी की एक बपना साताना बन्दा देगा. हर ऐसा मेन्बर जो एक बार में सी वपने ने ज्वादा दे देगा जिन्दगी भर सोसाइटी का मेन्बर (बाइफ मेन्बर) रहेगा.

सरपरस्त (पेट्रन)

जो लोग ५०० रु० या एससे ज्यादा चन्दा देंगे उनके नाम सोसाइटी के सरपरस्तों (पेट्रन) में किस्ते जार्येंगे.

सोसाइटी के ब्रोहदेदार

सोसाइटी के सदर

श्री श्रब्दुल मजीद खत्राजा, एम. एल. प, बैरिस्टर, समी मंजिल, श्रलीगद.

सोसाइटी के नायब सदर वाइस प्रेसीडेएट)

- (1) बार्य भगवानदास, एमर्य पर्य, डीर्य लिटर्स, लेखक, रईस और जमींदार, बनारस.
 - (2) डा॰ अब्दुलहक, डी॰ लिट, सेकेटरी अंजुमन तरक्कीं उरदू, कराची (पाकिस्तान)

इन्तजामी कमेटी के सेक्रेटरी और खजान्वी सोसाइटी के भी सेक्रेटरी और खजान्वी होंगे.

श्राम बैठक

साल में कम से कम एक मर्तवा सोसाइटी के मेन्यरों की एक धाम बैठक होगी.

सालाना आम बैठक की कार्रवाई

सोसाइटी की सालाना आम बैठक में इन्तजामी कमेटी के उस साल के काम की रिपोट और उसके साथ सालाना चिट्ठा (बैलेन्स शीट) बैठक के सामने ग़ौर करने के लिये रक्खा जावेगा.

नोटिस

सोसाइटी की आम बैठक का नोटिस सब मेन्बरों को बैठक की तारीख से कम से कम एक महीना पहले भेजा जायगा.

कोरम

सोसाइटी की जाम बैठक का कोरम ग्यारह होगा.

ः इन्तज्ञामी कमेटी

सीसाइटी के सब काम इन्तज्ञमी कमेटी (गवरिंगा बाकी) के अखितवार में होंगे, वही उनका। इन्तजाम करेगी और सोसाइटी के मक्रसदों को पूरा करने के लिये सब् बाकरी काम क्योगी और देख माल करेगी. هر ممبر شوسالگی کو لیگ رویه ساقه معهد با

عرابسنا منبوجو لیک بار میں سو وزیقه یا ویافتا یے کا وندگی بہر سوسائٹی کا منبر (لائف منبر) یکا .

پرست (پیترن)

جو لوگ پانچ سو روپیت یا اُس سے زیادہ چفدہ دیلئے کے نام سوسائٹی کے سرپرسٹوں (پیٹرن) میں لکھے لیفائد . *

سوسائتی کے مهدیدار

مالکی کے صدر

هري مبدالمجيد خواجه ايم ايل اكا. بهرستر الم مبدالمجيد خواجه ايم ايل اكا. بهرستر

سائٹی کے ناٹب صدر (وائس پریسیڈنٹ)

أست قائلو بهكوان داس أيم . أن . قىلت ليكهك والمست رئيس أور زميدار. بنارس .

عب داندر مبدلجق تی لت سکریدری انجمن ترقی اردو ، کراچی ۱ (پاکستان) ،

انعطامی کمیٹی کے سکریٹری اور خزانچی سوسائٹی کے اسکریٹری اور خزانچی ھوں گے ،

سائی امیں کم سے کم ایک مرتبہ سوسائٹی کے «سیدوں ایک عام بیٹیک ہوگی ، آئی جام بیٹیک کی کارروائی

سوسائٹی کی سالانہ عام بھٹھک میں انتظامیکمیٹی اُس کے ساتھ سالانہ جھٹھا اُس کے ساتھ سالانہ جھٹھا اُس کے ساتھ سالانہ جھٹھا اُس کے سامنے غور کرنے کے لگہ رکھا ۔

المستقلی کی دام پیٹھک کا نوٹس سب ممدوری کو المان کی تاریخ سے کم سے کم ایک مہیلے پہلے بھیجا

سرسائلی کی مام بهتهک کا کورم گهاره هوگا . هاند کمیک

موسائلی کے سب کام انتظامی کمیٹی (گورننگ نی کے اختمار میں ہوں گے' وہی اُن کا انتظام کریگی موسائلی کے مقصدرں کو پورا کرنے کے لئے سب فاروری مراکبائیگی اور دیکھ بھال کریگی .

सेम्बर

- (1) श्री अब्दुल मजीव खगजा एम. एल. ए., वे रिस्टर, समी मंजिल, अलीगढ़ (सोसाइटी के सदर).
- (2) डा. अब्दुल इक डी. लिट, सेक्रेटरी अंजुमन तरक्की खदू, कराची, (पाकिस्तान)
- (3 डा. सय्यद महमृद पी. एच. डी., डेबलपमेन्ट मिनिस्टर, पटना.
- (4 मौलवी सय्यद् सुलेमान नद्वी, लेखक, दाठल-मुसन्निकीन बाज्मगढ्.
- (5) श्री मंजर श्रली सोखता, सेवा कुंज श्राश्रम, गंगा
- (6) श्री बी. जी. खेर, प्रीमियर, बन्बई प्रान्त, बन्बई.
- (7) श्री एस. के. रुद्रा एम. ए. (केन्टब), प्रोफेसर इलाहाबाद यूनीवरसिटी, इलाहाबाद.
- (8) महात्मा भगवानदीन, एडीटर 'नया हिन्द' 145 मुद्रीगंज, इलाहाबाद.
- (9) सेठ पूनमचन्द राँका, राँका कालोनी, नागपुर.
- (10) काजी मोहम्मद अब्दुल राफ्फार, सेकटरी **चं**जुमन तरङ्गकी उद्, चलीगढ़.
- (11) श्री घोम प्रकाश पालीवाल, पत्रकार, किरोजा-बाद, आगरा.
- (12) पं. विश्वम्भर नाथ पांडे, पड़ीटर 'विश्ववागी? 142, साउथ मलाका, इलाहाबाद.

ख़ज़ान्ची

डा॰ साराचन्द एम॰ ए०, डी॰ फिला॰, सेक्रेटरी ऐजुकेशन मिनिस्ट्री, 22 खीरंगखेब रोड, नई दिल्ली.

सेक्रेटरी

पं० सुन्दरलाल, एडीटर 'नया हिन्द', 145, मुट्टीगंज, इलाहाबाद.

सोसाइटी के क्रायदे

मेम्बरी

इर भौरत या मर्द जिसकी छमर 21 साल से ऊपर हो, बाहे किसी भी धर्म, जात या पोलिटिकल पार्टी का हो, सीसहदी का मेन्बर हो सकेगा, बशर्ते कि वह उत्पर लिखे सोखाइटी के मक्ससदों से इत्तफाक करता हो, साथ में दिये द्विये मेन्यरा के एजान पर दस्तखत कर वे जीर इन्तजामी क्रमेडी के मेम्बरों की कसरव राय उसके नाम को मंजर

- (1) هوني عبدالمعهيد خواجه ايم . ايل . ايه؛ بهرسالوا سنیع مقول علی گوہ (سرسائٹی کے صدر)
- (2) ةاكلر مبدالحق قى نت، سكريترى انجمن ترقى أردو^ل كراچي، (پاكستان) ،
- 3 داکار سهد متحدود في . آين . تي . نيولپملت منسترا يثله.
- (4) مولوي سون صليمان تدوى المكهك دار المصلفين ا أعظم كدّه .
- (5) هرى منظر على سوخته اسهوا كليم آشرم كلكا
- (6) ھري بي . جي . کھھڙ' پرينھر' بمبڻي پرانت'
- (7) شری ایس ، کے ، زدرا ایم ، اے ' (کیلتب)' يروقهسر العآباد يونهورستي العآباد .
- (8) مهانما بهكوان دين ايديتر انيا هندا 145 متهى كنيم العآباد.
 - (٩) سهته پوئم چدد رانکا ارنکا کالونی ناکپور.
- (10) قاضى محمد عبدالغفار عكريتري الجمن ترقى أردو على كوه .
- (11) شرى ارم پركاش بالهوال، يعركار، فهروزآباد،
- (12) يلقت بهمبهر نانه باندَے' اتيتر 'رشروانی' 142 سناوته ملكا العآباد .

قَائِكُو تَارَأَ چِلْدَ ايم اے' قي ، فل' سكريگري ايجوكيشن ملسلوي 22 اورنكزيب روة نلى

يندَت سفدولال ايديتر انها هند 145 متهى كنيرا

سوسائتی کے قاعدے

هر عورت یا مود جسکی عمر 21 سال سے اوپر هو چاھے ی بھی دھرم' جات یا پولیٹکل پارٹی کا ھو سوسالگی سدر عوسي الله يقرطهكه ولا أوير لكه سوساللي كي صدول مد الفاق كرتا هوا ساله مين دله هولم ممهوى ك ان ہو مستحدہ فو در ار انتظامی کمیای کے ممبروں . نگری وال سر کر فار کر منظور کرے .

हिन्दुस्तानी कलचर सासाहटी

मेमोरण्डम आफ एसोसियशन

नाम इस सोसाइटी का नाम हिन्दुस्तानी कजचर सोसा-होगा.

मक्सद

- (1) एक ऐसी हिन्तुस्तानी कलचर का बदाना, फैलाना और प्रचार करना जो सब हिन्दुस्तानियों की मिली जुनी कलचर हो.
- (2) ऐसे पढ़ाई घरों का कायम करना जहाँ इस हिन्दुस्तानी कलचर की तालीम वी जाय और जिनके जरिये हिन्दुस्तानी कला और कलचर के सब धंगों की जानकारी फैले.
- (3) ऐसे किताब घरों का कायम करना जहाँ हिन्दुस्तान की तारीख़ की पढ़ाई और झान बीन की जा सके; ताकि हमारी सभ्यता के कारनामों की जांच हो, और सब धर्मी, फलसकों, अद्बों, वरोरा की खोज हो सके.
- (4) एकता फैलाने के लिये किताबों, अख़वारों, रिसालों वरौरा का छापना और निकालना.
- (5) सभाजों, कानफरेन्सों, लेकचरों का इन्तजाम चौर सब इस तरह के कामों का करना जो एकता बढ़ाने के लिये ज़रूरी सममे जावें. सब घर्मों, जातों, बिरादरियों चौर फिरकों की समाजी सेवा करना जिससे खापस में मेल बढ़े.
- (6) उन सब लोगों और सोसाइटियों की मदद करना जिनका मकृसद हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के मकृसद से मिलता हो.
- (7) क्यमा जमा करना और ऐसे सब काम करना जितसे सोसाइटी का मक्सद और सोसाइटी बनाने की रारक पूरी हो.

इन्तज्ञाम

सोसाइटी की एक इन्तजामी कमेटी (गवरिंग बाडी) ी, इस कमेटी के सुपुद सोसाइटी के सब कामों का जाम होगा, वह कमेटी यह होगी —

इन्तजामी कमेटी के सदर बाक्स प्रमाणनदास प्रमान एक, बीक किट, वेसक,

मार प्रयोगित, स्मार्थ,

هندستانی کلپچر سوسائتی ۲

ميمورينتم أف ايسوسي ايشن

اس سوسائلی کا نام هندستانی کلنچر سوسائلی هوکا . اس سوسائلی کا نام هندستانی کلنچر سوسائلی هوکا .

ملصد

- آسایک ایسی هندستانی کلچر کا برهانا، پههاانا اور پرچار کرنا جو سب هندستانیوں کی ملی چلی کلچر هو.
- 2 ۔۔ ایسے پوھائی گھروں کا قائم کرنا جہاں اِس ھندستانی کلچر کی تعلیم دی جائے اور جلکے فریعے ھندستانی کا اور کلچر کے سب انگوں کی جان کاری پھیلے ،
- 8 ایسے کتاب گھروں کا قائم کرتا جیاں ھقدستان کی تاریخ کی پوھائی اور چہان بین کی جا سکے' تاکہ ھماری سبھیٹا کے کارناموں کی جانچ ھو اور سب دھرموں' فلسفوں' ادبوں وفھولا کی گھوچ ھو سکے .
- 4-- ایکتا پهیلانے کے لئے کتابوں' اشباروں' رسالوں میں اسلام کا یہایتا اور نکالتا .
- 5 سبهاؤں' کانفرنسوں' لیکچروں کا انتظام اور سب اس طرح کے کاموں کا کرنا جو ایکتا پرمائے کے لئے ضروری سمجھے جاویں ، سب دھرموں' جاتوں' برادریوں اور فوتوں کی سماجی سیوا کرنا جس سے آپس میں میل بڑھے .
- 6 أن سب لوگوں أور سوسائتھوں كى مدد كرنا جن كا متصد هندستاني كلىچر سوسائتى كے مقصد سے ملعا هو .
- 7 سروپیم جمع کرنا اور آیسے سب کام کرنا جوں سے سے سوسائٹی کا مقصد اور سوسائٹی بقائے کی فرض پروں ہو۔

العظام

سوسائعی کی ایک انعظامی کمیتی (گورندگ باتی) مولی اس کمیتی کے سیرد سوسائٹی کے سب عاموں کا اقتظام هوگا ، ولا کمیتی بله هوگی :---

العظامي کيهاي کے صدر

تاکی بیکران داس ایم . لے کیلٹ. لیکھک واقعی اور ومھلدار بدارس ، गरीकों को अपने मकसद के पूरा करने के लिये का में कार्वे—

- (1) एक ऐसी हिन्दुस्तानी कलचर का बदाना के जाना और प्रचार करना जो सब हिन्दुस्तानियों की मिली जुली कलचर हो.
- (2) ऐसे पढ़ाई घरों का कायम करना जहाँ इस हिन्दुस्तानी कलचर की तालीम दी जाय, और जिनके चरियें हिन्दुस्तानी कला और कलचर के सब अंगों की जान-कारी फैले.
- (3) ऐसे किताब घरों का कायम करना जहाँ हिन्तु-स्तान की तारीख की पढ़ाई छोर छानबीन की जा सके ताकि हमारी सभ्यता के कारनामों की जांच हो, छोर सब धर्मों, फलसकों, अथबों बरोरा की खोज हो सके.

(4) एकता फैजाने के लिये किताबों, अलबारों, रिसालों वरौरा का छापना और निकालना.

- (5) सभाश्रों, कानकरेन्सों, लेकचरों का इन्तजाम भीर सब इस तरह के कामों का करना जो एकता बढ़ाने के लिये जरूरी सममे जानें. सब धर्मों, जातों, बिरादिरयों भीर किरकों की समाजी सेवा करना जिससे आपस में मेल बढ़े.
- (6) उन सब लीगों और सोसाइटियों की मदद करना जिनका मक्सद हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के मक्सद से मिलता हो.
- (7) रुपया जमा करना और ऐसे सब काम करना जिनसे सोसाइटी का मकृतद और सोसाइटी बनाने की रारज पूरी हो.

सुन्दरलाल सेक्रेटरी, हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी 1) ایک ایسی عددستانی کلمور کا بوهانا ایمیکانا ایر پرچار کرنا جو سب عددستانهوں کی سائی نمانی کلمور هو،

ر پورستان کی از در اسک از میں

2) ایسے پوھاٹی گھروں کا قائم کرنا جہاں آص مقدستانی کلچر کی تعلقم دی جائے اور جلکے توریعے مقدستانی کلاآور کلچر کے سب انگوں

کی جان کاری پھیلے .

(3) آیسے کتاب گهرون کا قائم کرنا جہاں هندستان کی تاریخ کی پوهائی اور چهان بهن کی جا سکے تاکع هماری سبهیتا کے کارناموں کی جانچ هو' اور سب دهرموں قلسفوں ادبوں وفیرہ کی کہوج هو سکے ،

(4) ایکھا پھیلانے کے لئے کھاہوں' اخباروں' رسالوں فیرہ کا چھاپنا اور نکالنا

(5) سُبهاؤی، کانفرنسوں اور لیکھررں کا انتظام اور سب اِس طرح کے کاموں کا کرنا جو ایکٹا بوھانے کے لئے فروری سمجھے جاویں ، سب دھرموں ' جاتوں' برادریوں اور فرتوں کی سماجی سموا کرنا جس سے آپس مہن میل بڑھ .

(6) أن سب لوكرن اور سوسائتيون كى مدد كرنا جن كا مقصد هندستانى كليور سوسائتى كم مقصد سے ملتا هو .

(7) روبھہ جمع کرنا اور ایسے سب کام کرنا جن سے سوسائٹی کا مقصد اور سوسائٹی بلانے کی فرض پوری ھو .

سندرلال سكريترى، هندستاني كلچر سومانتي

'नया हिन्द' की छमाही बँधी हुई बिदया जिल्दें

जुलाई सन 1946 से जून सन 1951 तक की. क्रीमत हर जिल्द की सिर्फ की कपया.

नोट-शुरू से आज तक की कुल जिल्दें सरीदने । पर डाक सर्व मान

> — मैनेजर 'नया हिन्द्' 145, मुद्रीगंज, इसाहाबाद

انیا هندا کی چهماهی بندهی هوئی برهیا جلدیں

جولائی سن 1946 سے جون سن 1951 تک کی . قیمت ہر جلد کی صرف چه رریبه . نوعیمشروع سے آج تک کی کل جلدیں خریدنے ر ڈاک خوبے معانی .

سمیلیجر'نیا هلد' 145' متهی للج' الدآباد ीनी को नियाना है में हमें निकार इस हिन्द में मानी।

ार की मेंसी करणीय छोषणी पहेंगी जिल पर हमारी।

समक खर्च हो, जिल मुसीवर्तों में हबार देस माई ज हुने हुए हैं वह सब पर एक सा जसर डालती हैं.

मुसकसान जीर सब बरावर ही उनके शिकार हैं.

लिये उनके हर करने की तहवोरें सब को मिलकर निकासनी पहेंगी.

हमारे इस काम का सब से जरूरी पहलू इललाक़ी नैतिक हैं. जिन्दगी की हार ने हमारे दिलों को छीटा दिया हैं. हमें इस संगी को दूर करना है. हमें अपने तों को इतना बड़ा, अपनी आत्माओं को इतना अँना गाना है कि हर हिन्दुस्तानी की भलाई में हम अपनी गाई देखें. हमें अपने अन्दर की उन दीवारों को गिराना जिन्होंने हमें छोटे छोटे घरौंदों में बन्द कर दिया है। प्यार और मुहब्बत की जड़ को सींचना है जिसकी ए फैलकर हमारे सब देस भाइयों को अद्भट रिशतों में ध दे.

उपर हमने आवशों की बात कही है और जीवन वुनियादी असूलों और सब मकसदों की चर्चा की है. ाने बताया है कि हर आदमी का दिल ख़ुदा और ख़ुदी, मार्थ और स्वार्थ, सब के भने और अपने सुख की हिश की निरंतर लड़ाई का मैदान है. हम कह चुके हैं आदमो की अपनी अपनी जरूरतें और समाज की बरतें जुदा जुदा हैं. हमने कहा है हिन्दस्तान के अलग लग फिरकों और बिराइरियों की जिन्दगी मिलाकर तरह (ह के मोतियों की एक लड़ी के समान है और हमारे व धर्मी के अन्दर एक सचाई की रोशनी है. हमने इस त की जरूरत बताई है कि हमें सोच समम कर वड़े मने पर अपनी माली तरक्की की एक तजबीज तैयार रनी चाहिये. हमने अपने काम के राजकाजी, तालीमी, माजी, माली, म बहबी और इललाका पहलु मों की तरक गन दिलाया है. इन सब बातों का निचीड़ यह है कि हम क नये हिन्दुस्तान को जन्म देना चाहते हैं, ऐसे हिन्दुस्तान ो जिसके सारे रहने वालों का मुकाब जीवन की तरफ क सा हो, सब समाज और नीति के एक से आदर्श लते हों, कीर सब सब धर्मों की बुनियादी एकता में यकीन रते हों.

काम कठिन है और इसके बहुत से रुस हैं. तेकिन उसका में काम एक ही है. इसे पूरा करने के किये बाहिये के वह सब तोग जो दिग्दुस्तान के कुल फिरकों कोर गरोहों के मेंक में विश्वास रक्षते हैं, जो एक मिली जुली देन्दुस्तानी कलकर के हामी हैं, मिलें. इस लोगों ने इस क्स को हासिल करने के लिये यह तजवीत की है कि क सोसाइटी कास्त हरने के लिये यह तजवीत की है कि فرینی کو مثال ہے کو همین متعر کل کھی ہوگی سنجار کی ایسی ترکیبیں سوبھلی ہوبائی ہوں ہو هاری ہوری سنجی کمرے ہو، جنی مصیبائوں میں ہاڑے کیس بھائی آج درے ہوئے میں وہ سب پر ایک سا اگر قائدی جیں . هفتو مسلمان اور سب برابر هی اُن کے شکار جیس . اسلئے اُن کے درر کرنے کی تدبیریں بھی سبکو ماعر هی دیائی پرینگی .

تعدارے اُس کام کا سب سے ضروری پہلو اُخلاقی یا تعکک ہے ۔ زندگی کی هار نے همارے دلوں کو چھوٹا کو دیا ہے ۔ همیں آپ دلوں کو اُٹھا ہوا اُرتھا بدانا ہے کہ هر اُٹھا ہوا اُرتھا بدانا ہے کہ هر مغدستانی کی بھلائی میں هم اینی بھلائی دیکھیں ۔ همیں آپ اندر کی اُن دیواروں کو گرانا ہے جنہوں نے همیں جھوٹے گھروندوں میں بند کر دیا ہے ۔ اُس بیار جھوٹے گھروندوں میں بند کر دیا ہے ۔ اُس بیار ور محصمی کی جو کو سیجنا ہے جسکی بیل پیمل کو معاربے سب دیس بھائیوں کو اُلوٹ رشتوں میں باندہ دے ۔

ارپر هم نے آدرشوں کی بات کہی ہے اور جهون کے بليادي أصولون أور سنج مقصدون كي چرچا كي هي . هم تے متایا ہے که هر آدمی کا دل خدا اور خودی پر مارته اور **سوارتہ' سب کے بھلے اور اپنے شکھ کی خواہش کی نونٹر** الوالي كا مهدان هي . هم كهة چكم هيل كه آدمي كي ايني 🦈 اَیْدُی ضَرورتهی آور سماج کی ضرورتهی جدا جدا هیں . هم نے کہا ہے که هندستان کے الگ الگ فرقوں اور برادریوں کی زندگی ملا کر طرح طرح کے موتیوں کی آیک لوی کے سدان ھے اور عمارے سب دھرموں کے اندر ایک سچائی کی روشقی ہے ۔ هم نے اس بات کی ضرورت بھائی ہے کہ همیں سوچ سمجھکر ہوتے پھمانے پر ایکی مالی قرقی کی ایک تجویز تهار کرنی چاهئے، هم نے ابھے کم کے راج کجی تغلیمی سماجی مالی مذهبی اور اخلاقی پهلووں کی ا طرف دهیان دلایا هے۔ ان سب باتوں کا نچور یہ هے که هم ایک لئے هندستان کو جنم دینا چاهتے هیں ایسے الله سال کو جسکے سارے رہاے والوں کا جهکاؤ جیون کی طرف ایک ما دو سب سمام اور نیالی کے ایک سے آئوش والهاقية هون أور سب سب دهرمون كي بديادي أيكدا مهن المالية المرت هول .

کام کتھن ہے اور اِس کے بہت سے رم مھیں۔ لھکن اصل میں کام ایک می ہے ۔ اِسے پورا کرنے کے لیّے جامئے کہ وہ سب لوگ جو مقل سب لوگ جو مقل سب اور گروموں کے مهل میں وہواس و'بھتے میں' جو ایک ملی جلی فلاسکائی گلور کے حامی میں' ملیں ، مم لوگوں نے گلاسکائی گلور کے حامل کرنے کے گئے یہ تجویو کی ہے کہ گئی میں مقال کرنے کے گئے یہ تجویو کی ہے کہ گئی میں مقال اوادہ ہے کہ تھنے لیاہے

होते रहा विकान बाका नहीं विकास इसीकिये करते है कि कह ऐसी जमार बनाई जाय जो हट, ब्लासी और ब्लाइक्ट को दकावटों को नये समाज के रास्ते से दूर कर है और बन सब ताकतों को बढ़ाये जो समाज के बन्धनों को स्वाक्त करती और राज के इन्तजाम को संवारती है.

हमें ऐसे लोगों को साथ लेना है जिन्हें अपने देस के आहें बाले अव्यान का पूरा यक्कीन है, जो देस के सवालों पर तंगनजरी के साथ जुदा जुदा फिरकों की भलाई के सबालों से विचार नहीं करते, जो सम्प्रदायों और फिरकों के करते हैं कि हर तरह से देस की रंग विरंगी रस्मों और रिवालों का एक दूसरे से मेल बैठा कर इकरंगी सभ्यता कायम करें. ऐसे भाइयों और बहनों को एक जत्थे में लाना है ताकि बह एक ऐसी सभा बनावें जिससे नेल और महस्वत का संदेश सारे देस में फैल सके.

इस समा का काम जितना जिम्मेवारी का है उतना ही कठिनं भी है. इसका सम्बन्ध हमारी जिन्दगी के सब पहलुकों से हैं. इसके दो पहलू हैं. एक तरफ तो आपस के इन शकों को दूर करना है जो इमें एक दूसरे से अलग करते हैं. दूसरी तरफ हमें देस के सब लोगों को लेकर एक मिली जुली जिन्हागी का नया ताना बाना तैयार करना है, यह काम राजकाज से भी सम्बन्ध रखता है पर इसका दायरा राजकाज की हतों से बहुत बाहर तक फैला हजा है. हमें वह जानकारी, वह इल्म, वह समम पैदा करना है जिसके जरिये हम अपने को और एक दूसरे को पहचाल सकें. ऐसे बादशों को जायम करना है जो सब हो अपनी तरफ खींचें, सब के दिलों पर एक सा असर बाहा. सब को मिलाकर एक राह पर चलने का न्यौता दें. बाबममी को दर करना है, जहातत से तदना है, बीते जमाने ही एलमनों को सुलमाना है, एक दूसरे के बदबी कारनामों, एक दूसरे की मलहबी खुबियों, एक दूसरे के बतान की ऊँबाइयों को एक दूसरे पर जाहिर करना है. सच्या प्रेम तभी पैदा होगा जब हमारे दिलों में एक दूसरे

यह काम मेल मिलाप का है. लोगों के जीवन में, जाए विन के कारवार में सेकड़ों मीक़ों पर एक दूसरे का संग आब होता है. हम मदरसों पाठशाकाओं में, कारजानों हुकानों में, हाट वाजारों में, खेल कूद तथाशों में, मेकों स्वीहारों में एक दूसरे से मिलते हैं. संगत हमें एक दूसरे के पास जाती है, हमें प्रेम और दोस्ती की डोरियों से बांबती है. पेशों और घन्यों, दस्तकारी और कारीगरी, अधीवार और लेनदेन में भी हमारे सभी देशवादियों को कार कुछ है से वास्ता पड़ता है. अगर हमें अपने देस की

की इज्जात होगी और एक दूसरे की इज्जात के लिये एक

दसरे को ठीक ठीक जानने और सममने की जरूरत है.

اس سبها کا کام جنتا فمرزاری کا هے أتنا هی كتهن بی ہے . اس کا سمبندہ هماری زندگی کے سب پہلروں ہے ہے . اس کے دو پہلو میں ، ایک طرف تو آپس ئے اُن شکوں کو دور کرنا ہے جو همیں ایک دوسرے سے لگ کرتے میں ، دوسری طرف همیں دیس کے سب لوگوں و لیکر ایک ملی جلّی زندگی کا نها تاناً بانا کهار کرنا ھے . یہ کام راج کام سے بھی سمبلدھ رکھتا ھے پر اُس کا دائرہ راے کاے کی حدوں سے بہت باہر تک پہیلا ہوا ہے : هميس ولا جان كارى ولا علم ولا سمجه يهذا كرنا هـ جسك ذريعي هم ابه كو اور ايك دوسرے كؤ چهچان سكهن . ايسے آدرشوں کو قائم کونا هےجو سب کو ایڈی طرف کیمٹھیں ۔ سب کے دلوں پر ایک سا اثر ڈا یاں سب کو ملاکر ایک راه پر جللے کا نہوتا دیں ، ناسمجھی کو دور کرنا ہے ' جمالت سے لونا ہے، بہتے زمانے کی الجملوں کو سلجهانا ھے، ایک دوسرے کےادیمی کارناموں، آیک دوسرے کی مذہبی خوبھوں' ایک دوسرے کی بھان کی اُولٹھائیوں کو ایک درسرے پر ظاهر کرنا ہے . سبچا پریم تبھی پھدا ہوگا جب همارے دلوں میں ایک درسوے کی عوت طوکی اور ایک دوسرے کی موت کھاگے لیک دوسرے کو تھیک تھیک جانئے اور سمتجھلے کی ضرورت ھے .

یہ کار میل مالی کا ہے ۔ لوگوں کے جھون میں اُلے اس کے کاروبار میں سیکٹوں موقعوں پر ایک دوسرے کا سلگ براتی ہوتا ہے ۔ ہم مدرسوں باتیت توں جوں کرخاتی درکتی میں اور تھ بازاروں میں کیمل کود تعالیقی میں حیلی تیرخاروں میں ایک دوسرے یہ ملاتے میں مسکتے میں ایک مدسول کے باش اتی ہے مدسی بونی اور دوستی کی توریق سے متبعدی ہے بھیمی اور دھلموں مسکتی ہوئی۔ اور ان اور اور اور اور دوسرے بارہ میں اور دھلموں میں میں اور دوسرے शिक्त प्रामी में हमने एक अपनुत और बुक्त्रत संस्थता की शानकार प्रधारत कही कर की थी. वह इस बनह से कि हिन्दू वर्ग ने वापनी जात्या के भीवरी कु ज में इसकाम को जगह ही और अपने प्रेम के दायरे को ब्दाकर उसमें इसलामी विवारों को घर लिया, जिससे असकी अपनी तंगनवारी कर्म हुई. ऐसे ही मुसलमानों ने मी हिन्दू मजहन और प्रवसके के ऊँचे असुकों को भापनाया जिसका नतीजा यह हवा कि धनका भापना बहुरपन नरम पदा. दोनी ने मिलकर एक ऐसी सम्यवा को पैदा किया जिसमें अपनी आनवान और बखबते से दुनिया को अचरज में बाक्ष दिया. आज हमें अतीत की इस रीत को जगाना हैं. अपने पुराने वजुरवों को नई हासतों में फिर से दुहराना है. अपनी रवादारी और प्रेम की मूली हुई रसमों को एक बार फिर से जगाना है. हिन्दू और मुसलमानों की भारमा के भाइने से भाषापापी के मैल को साफ करना है, ताकि वह अपने हक्तिकी, असली हप को पहचाने और अपने में दूसरे को और दूसरें में अपने को देख अपनी एकता को सममें और उसका रस हों.

इस प्रकार को इसका करने के बिजे हुने एक संगठन के कारत है कमारे तेल में बहुत से वेसे मोग हैं को देस का गया पाइते हैं जो प्रकारते हैं कि सक किएकों चीर मिन्द्रों के कह जीन जागती सर्वाचीर में हो हमारा महा कार स्वाद किसार है देसे बोला की प्रमी नहीं हैं जो स्वाद की साथ जीन किसार अस्ता होते हैं कि प्रमी

سِلْتِهِ اللهِ وَمَا فِي مِينِ هُمْ فِي أَلِكُ مَصْبُوطُ أُورِ خُوبِصُورِتِهُ وَهُجُا كَيْ عَالَمَارُ مَعَارِبُ كَهُونَ كُرُ لَي لَهِي . وه إنقَ ا الله الله المدر دهرم في الدي أثما كي يوهدري الميم مهن کو جات دیں اور اپے پریم کے دائرے کو بوطا کر اس السلامي ويهارون كو كهور لها الجس سے أسكى رايعي انظري كم هولي ، ايس هي مسلمانون لے يهي ابو امقعب اور فلسف کے اوتیے اصولوں کو ایفایا جسکا جه يه هوا كه أن كا اينا كارين نرم يوا . دونون في مل ایک ایسی سمهها کو بیدا کیا جس نے ایدی آن بان عل عرق سر دنها كو الهرم مين قال ديا . آب همين ت کی اُس ریت کو جانا ہے . ام برائے تجربوں کو ي حالتين مين چهر سے دورانا هے . ايني وواداري اور و کی بھولس ہولی رسموں کو ایک بار بھر سے جاتا المندوار مسلمالون كي أتما كي آليني سے آيا دهايي شهل کو صاف کرنا هے' تاکه وہ اپنے حقیقی اصلی روپ المجانفي اور آن منهن دوسرے کو اور دوسرے میں اید فيهم إيالي أيكانا كو سنجهين أور أسكا رس لهن .

فہوں مدت ہے عمارے ملک کے لوگ کشت سہتے اُلیاتے آبی دن کی بات جوہ رہے میں جب ایک نئے فسائن کا جنفی ہوگا ، وہ دن تو آئے کا می اسبیں کوئی آنہیں ، پر عو سکتا ہے نہ عیاری نکاہ کی کمزوری یا اُوپر بھرویے کی کسی اُس دن کے آئے میں دیر لگا دے ، رابعا جانکے کہ عولیار ہو کر رہے گی ، اُس کا ٹالقا میں ہے ۔ آئیں وہ سب لوگ جن کی آنکیوں آجکل میں چھکورں ہے دعقدلا نہیں گئی میں ، آئیں اور پہکران ہو جوہور ایک سیدھے راستے پر پائی اور نگی آزادی کے سورے کو اُیٹی پوری آب جان ہائے آئیا دیکھیں میں یقین ہے کہ اُس سورے کی باقل جیس جانہ کی ہی میں اور میصبہ کی اُن میں اور میصبہ کی اُن میں اور میصبہ کی اُن میں میں اُن میں اور میں اُن میں دور ہو جانبا اور میل اور میصبہ کی اُن میں میں اُن میں کی جوت کو جانبا اور میل اور میصبہ کی اُن میں میں اُن میں کی جوت کو جانا کیا ،

 प्रवेशार की कीर बार्यार के लिए की की की का प्रवे से इसारे की में ले लाकी की ही की हैं. हमारी बार्य किवारों एक कंजीर में कर की हैं. बकार में इस बार्य का बात्रों इसारे सामने का रहे हैं. इसारे विसालों में बादानों की नई नई वादें गुंध रही हैं. इसारी निकारों में बादान का क्यों जोर पक्य रहा है. इसारे किता में एक बादान का क्यों जोर पक्य रहा है. इसारे किता में एक बादान का क्यों जोर पक्य रहा है. इसारे किता में एक बादान का क्यों जोर पक्य रहा है. इसारे किता में एक बादान की इसायों पर कमस करें जिसमें ग्रेरों का रखत न हो. बादान की इस बाजादी की कादिरी निशानी राज का बल है. इसी किये देस में बादाक वठ रही है कि राज यानी इस्माद की इसारे हाकों और दिया जाए.

यह आशां क्रीं भी है. लेकिन इस खें वातानी में हमें वह नहीं भूव जाना वाहिये कि हकूमत ही जिन्दगी का सकसद या व्येच नहीं है. हकूमत तो एक हथियार है. इस हथियार से जगर जादमी जीर समाज की जिन्दगी का अस्वती मंशा पूरा होता है तो हथियार जञ्जा है, संशहने सायक है, जीर जगर इससे इनसानी जीवन के संख्या अतलव के हासिल करने में रुकावट पड़ती है तो हथियार धुरा है. नकरत के क्रांबिल है.

दुनिया की वारीख, जुद अपने समाज का तजुरवा कौर अपनी समक, सब हमें यही बताते हैं कि हकूमत की वाकत का दारमदार लोगों के मेल मिलाप पर, समाज के संगठन पर जीवन के बुनियादी असूलों और असली नन्ने कुकसान की एकता पर हैं. जहाँ लोगों के मकसद एक होते हैं और उनके मन मिल जाते हैं, वहाँ उनके दिलों में एक सी प्रमंगों की लहरें उठती हैं, उनकी अजाओं की रगें पक साथ फरकती हैं, उनमें हिम्मूत, हीसला और बल बढ़ता है. इसके खिलाक जहाँ जुनियादी असूलों पर लोगों की रायें जीवन के मकसदों में विरोध होता है, वहाँ सारे समाज के बदन में कह रक रक कर चलता है और समाज के रग पहुं डीले पर जाते हैं, जिसकी वजह से लोगों के पालपतन

दक्रमत समाज की वह समानत है जो आपस के सममीत पर ही कायम रह सकती है. क्योंही इस सममीत है विधन पड़ा, एक दूसरे का भरोसा खड़ा, स्योंही राज की सांख दूटी और ताकत का मारा होने समा, हिन्दुस्तान को यस की ज़करत है, पर हथी यह जान सेना चाहिये कि बह बस कोमी चारमा की एकता में ही बास करता है. जगर किया हिन्दुस्तानी एक बार अपनी आरमा की दुविधा को निका है, अपने साथ को पहचान के को हक्क्स की दाकत

یہ آواز تھیک بھی ہے۔ لیکن اس کھیلنجا تانی میں مدیں یہ نہیں بھول جانا چاہئے کا حکومت ھی زندگی اس کھیلنجا ہے۔ مختصد یا دھیے نہیں ہے۔ مکومت تو ایک محتیار ہے ۔ اس محتیار ہے اور سماج کی زندگی کا اصلی سفھا پورا ھوٹا ہے تو همیار اچھا ہے سراھئے لائی ہے اور اگر اس سے انسانی جیوں کے سجے مطلب کے حاصل کرئے میں رکارت پونی ہے تو همیار برا ہے ندرت کے قابل ہے ۔

دنیا کی تاریع' خود ایے سمانے کا تجربہ اور اپنی سمجھ'
سب همیں یہی بھاتے هیں کہ حکومت کی طاقت کا دار مدار لوگوں کے میل ملاپ پر' سمانے کے سنگلیس پڑا جیرن کے بنیادی اسولوں اور اسلی نفع فقصان کی ایکھا من مل جاتے هیں' وہاں انکے دلوں سیس ایک سی اسٹیلوں کی لہریں اُتھتی هیں' اُن کی بہمجاؤں کی رگیں ایک ساتھ پہوکتی هیں' اُن میں همت' جوسلہ اُور بل پوها ها اُدر بل پوها جدا جون جہاں بابیادی اسولوں پر لوگوں کی رائیں جدا جدا ہوتی هیں' جہاں اُنکے وچاروں میں فرق اور جدا جدا ہوتی هیں' جہاں اُنکے وچاروں میں فرق اور جدا جدا ہوتی هیں' جہاں آنکے وچاروں میں فرق اور جدا جدا ہوتی هیں' جہاں آنکے وچاروں میں فرق اور جدا جدا ہوتی ہیں' جہاں آنکے وجاروں میں فرق اور جدا جدا ہوتی ہیں' جہاں آنکے وجاروں میں فرق اور جدا جدا ہوتی ہیں' جہاں آنکے وجاروں میں فرق اور جدا ہوتی میں لیو وک رک کو جاتا ہے اور سمانے کے رگ پائیں تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں' جس کی وجد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں گری جد سے لوگوں کے بحال جاتے تھیلے اپر جاتے ہیں گری جد سے اُن جاتے ہیں گری جد سے اُن کی دیا ہے بحال جاتے ہیں لوگوں کے بحال جاتے ہیں گری جد سے اُن کی دیا ہے بحاتے ہیں گری جد سے کی دیا ہے بحاتے ہیں گری جد سے کی دیا ہے بحاتے ہیں گری ہوتے سے اُن کی دیا ہے بحاتے ہیں گری جد سے کی دیا ہے بحاتے ہیں کی دیا ہے بحاتے ہیں کری دیا ہے بحد اُنے کی دیا

بالاست مسلح الرواحة المائنت في جو أيس في سنجوري مو المرافقة الموردة المرافقة المراف

इसके बाद अब हमारी तारीख का मंमला बमाना ांखरी सांसें से रहा था, पच्छिमी सम्यता हमारी सम्बता टकराई. इस सुटभेड़ का नतीजा यह दुआ कि हमारे देस नय विचारों, नई शक्तियों ने घर कर लिया. इमारे पुराने ज दूटे, हमारे ज्योपार और धन्दों का पुराना ढांचा चक-पर हो गया, लेकिन फिर कुछ दिनों बाद ही दुटे खंडरों विखरी हुई ई'टों में एक नई इमारत के जासार दिखाई ो लगे. मुद्दी बदन के अंगों में जिन्द्ती के तिशान मासकते ो. नए जीवन भीर नए खयालों के असर से एक नई क्रीस ाती दिखाई दी समाज के एक नए पुत्रके की शक्त यार होने कागी. इस पुतले में नई जान और नई ताकत इसमें एक नई एकता का अनुपम भाव है. अब अगर इस ता या उसके रंग रूप को फिरकों के मागड़े, सूबों की ताड़ा-ाँ, धर्मों के बसेड़े विगादना बाहें तो तुकसान छन्हीं का है त करना अमाने के बहाब के जिलाफ समाज की नाब को टा चलाना है. इत्रत ने हमारे देख को पहाड़ों और समु-रों के एक चौकट में गाँधा हैं. इनहीं के पारिये कुन्दत ने र से इमका करने वालों के मुकाबले के लिये बासानियाँ ा की हैं. इस देस की बरती में क्सने इबर क्यर तक तरह ह के वन वीखत को ज़ितरा रका है. मीजी चलरतों की गाइ से दी नहीं सेंद और बान की बपन के सवास से इमारा देस एक है. हर इलाके, पर दूखरे इलाके, का देसा ति और सहारा है कि सब मिल कर ही बाराम की मानी पसर कर सकते हैं. इस पाई वो अपनी इस क्रम-यक्ता को बमार रखें और बढ़ायें, बादे दोनें जीर विकार दें इमारे असातमार में है कि बारे अद्रत वान विश्वकर अपने समाजी बीवन को द्वकी बनाएं कारे कारेर की इस नेकारें के दूबरा कर शुक्रीपत्.

إنكر بعد جب مناري تاريع لا منجها زماته أخرى سائسين لے وہا تھا' پچھنی سبهيتا هماری سبهيتا سے الله الله منك جهور كا تعهجه يه هوا كه هماري ديس میں دیے ہواروں تکی شکتیوں نے گہر کر لیا ، همارے ولي قرق مارے بهربار اور دهندوں کا برانا قعالیا المان يمن هي قراني يمن هي قراني مناكرين في يعهري دولي اينالون مين أيك نثى ممارت و انگرن میں اللہ ، مردہ بدن کے انگرن میں اللغي كي نقان جهلكل لك ، نثر جهون اور نقد خيالون و ایک نگی قوم بناهی دوکهای دی سمای کے ایک بعلے کی شکل تھار ہوئے لکی ۔ اس یعلے میں لکی والله الراتكي طالب هـ اس مهل ايك لئي أيكتا كا النهم بيناني . أب اكو اس ايكتا يا أسك رنك روب كو والله کے جو کوے صوبوں کی لوالیاں دھرموں کے بکھھونے عَيْدًا بِهِ عَيْنَ لَوْ نَقِصَانَ أَنْهِ بِنَ كَا هِـ . أيسا كرنا وَما لَمْ كَ معادر دیس کو یہاورں اور سمادروں کے ایک جرکھاتے الله الدما هـ . أن هي ك دريط قدرت في باهر بي حمله اس کے مقابلے کھلئے آسانیاں پیدا کی میں ، اس عی معرتی میں أس نے إدهر سے أدعر تک طرح کے دیمن مولت کو جہٹرا رکہا ہے ، فوجی ضرورلوں کی عد میں کہوت اور کمان کی اُیم کے خمال سے من منارا دوس ایک ہے . هر علائے پر درسرے علائے کا ایسا منتهدة أور مهاوا هم كه سب ملكر هي أوام كي ولدكي ایک استعم میں علم جامیں تو ایلی اس قدرتی ایکتا و عقاله رکمهی اور عومالیس بهای تورس اور مکی مهن علا میں حدارے اختیار میں ہے که جانے قدرت کے ساتھ ملکر آی سنگھی جنہوں کر سکھی بقائض لرر جاھے گذرت کی این فینفین کر تمارا از مصیعت بهوک اور موت کا

देश हैं हैं हैं. सब्बं और हुआं के इसकों की कांची ने इस सम्यक्त की नहीं की गंदका किया. लेकिन उस त्कान की मीओं के बपेड़े धोम पहते ही गुम, सातवाइन और राजपुत राजों ने नदी के बहाद को ऐसे रजवहों में बांटा कि जिनसे मुक्क भर में जीवन की खेती सेराव हुई और समाजी किसियानों को घटादूट मर देने बाक्षी फसल पैदा हुई, सारनाथ और सांची के टोप, बाध और अजंता की तसवीर, संजुराहो और मुवनेश्वर के मन्दिर, कालिदास और भवमूति के नाटक उस सुनहते जमाने की जगमगाती सादगारें हैं.

कमाने ने फिर पत्तटा काया, और नई नई नसतों ने इमारे देसने में देश हाता. अरब, तुर्क और मंगोत हिन्दु-स्तान की सरहदों में घुसे. उनके साथ समाज का एक नया संगठन आया, घर्म के नए असूत आए जिनका ढांचा मजबूत और जिनकी तरक्रीय पक्की थी. हिन्दुस्तान की पुरानी सभ्यता ने इन आनेवालों से कड़ी टक्कर की. लेकिन हाजकाल के मैदान में अभी किंचातानी बन्द न हुई थी कि फिर एक नई तहलीय के निर्मान का काम शुरू हो गया.

्र इसलाम और हिन्दू धर्म, जिन के बीच आसमान अमीन का अंतर जान पहता था, पक दूसरे के पास आये. एक ने दूसरे ही खवाह गहराई में हिलोरें घठाइ. इनके बेंद्र से मिक्त और तसब्बुक का दरिया समंद पड़ा. प्रेम के मतवालों और इरंक के दीवानों ने लोगों के दिलों को मोह लिया । इस नय पंच के चलाने वाले साधू , संतों और करवेशों ने समाज और सभ्यता पर गहरा असर डाला. कबीर, नानक, चैतन्य, तुकाराम, मुईनुदीन चिरती, वावा करीय निकासुद्वीन भौकिया और इन सरीखे सैकड़ों सुकी सन्तों ने समाज के जीवत में इलचल मचा दी. बड़े बंदे सम्राटों और शहराहों को इनके नये आदशों के सामने सिर मुकाना पड़ा. जिस लहर ने हिन्द्रतान के बीदन समुन्दर को घुर नीचे तक मथ डाला उसका असर संस्थला के इर अंग पर पहना साथमी था. इसीलिये मंसले जमाने की कलकर के हर पहलू पर इस मेल की काफ दिसाई देती है. शायरी और संगीत में, इमारतों बौर वस्त्रीरों, में रहने सहने के तरीकों और वालवलन में, खेल कृद और तमाशों में, मेलों और श्योद्वारों में, जातों और क्रिक्रों में, इर तरफ, इर जगह नई जिल्ह्गी की चमक इंगक और गरमा गरमी महसूस होती है. नए अधिन की कारों में नई मौजों का उमार नवर काता है.

एक बार फिर सारा हिन्तुस्तानी समाज एकता के बागों में बाँबा. समाज के जीवन की बुनियार काम धंदों और क्योपार पर कायम होती हैं. इन्हीं पर समाज के विवाह का सहारा है. इन्हीं बुनियारों पर कहा और फन, किया की इन्हों स्टू कहा सीर फन, किया की इन्हों स्टू कहा साथ होता

المکن کی طرفان کی مرجون نے تبیورے ل عي كينجا بياس وأهن لور واجهوت واجهون غ بار ار اید رہ بہیں میں باندا که جی سے ملک المعمون في كهنتي سهراب هولي اور سناجي كو البالوك يهر نبيل والي فصل بهدأ هولي اسار سالتھی کے الوبیا بالہ اور اہلتا کی تصریبیوں اور بهوتهشور کے صفحار کالی داسی اور بهو بهوتی أس سلهلي ومالي كي جاكماتي يان كارس هون . ، نے یہر پلٹا کھایا' اور نگی نگی نسلوں نے ممارے هي تيرا قالا عرب ترك اور منكول مندستان بون مین گهسے . اُنکے ساتھ سمایہ کا ایک نیا آیا' دھرم کے لئے اصول آنے جن کا تھانچا مقبوط ، ترکیب پکی تھی ، هددستان کی پرانی سبهیتا ۔۔ والرس سے کوی تعر لی . لیکن راج کاج کے میدان ى كهيلنها تانى بند نه هوئى تهى كه پهر ايك ہب کے نرمان کا کام شروع ہوگیا ۔

'اور هدو دهرم' جلكے بيبي آسدان زمين كا ابتر تھا! ایک دوسرے کے پاس آئے ، ایک نے دوسرے ا گهرائی مهی هلورین أتهائهی اِنكے میل سے ر تصوف کا دریا اُملق ہوا ، بریہ کے معوالوں اور ھیوائیں لے لوگوں کے دلوں کو موہ بید ا اُس کے بلاتھ الےسادھو' سلتوں اور درویشوں نےسماے اور سمهیتا الر دالا , كيهر نانك چهتن تكارام معهن الدين بابا فريد نظام الدين أولها أور أن سريكه سهكون نتس نے سمام کے جمون میں عل چل مچا دی. سدراتیں اور شہدشاھیں کو اِنکے نئے آدرشوں کے ر جهكانا يوا . جس الهر لي هندستان كي جهون و دهر نهجے تک منه دالا أس كا اثر سبهينا كے هر ہوتا لازمّی تھا . اِسی لیّے ملجھلے زمانے کی کلچر بہلے ہو اس میل کی جہاپ دکھائی دیگی ہے ، ر سلکیت مهر، عمارتین اور تصویروں میں، رهایے طريقين اور چال چان مين کهيل کود اور بين مهلول اور تهوهارول مهل جاتول اور فرقول اطرف المراجعة الكي زندكي كي جمك دمك أور مبحوس هولي في نئے جهون كى أملكون موجون كا أيهار نظر آتا هے .

ہار ہے سارا مقدسفائی سنانے ایکٹا کے دھائوں موال سنانے کے جنوں کی یقیادیں کام دھقدس ان قائل ہوئی طیس، انہیں پر سنانے کے معالی اور فریا معالی کی مصل کھڑا ہوتا हमारे इस इसने बड़े देस में, जिसे हिमालय की बरफ दकी काँकी दीवार दुनिया से कक्षम करती हैं और तो समुन्दर की गहरी खाइयां तीन तरफ से घेरे हुए हैं, य कमाने से तेकर जो तारीख की याद से परे हैं, एक के ह एक बहुत सी नसतों और बहुत सी तहजीवें चाई गैर झाकर वस गई तेकिन पहले के रहने वालों और ए झाने बाजों में हाक के जवाई मगड़ों के बाद यहाँ भी हवा और पानी के असर से हमेशा मेल जोल और विका वौर कायम हुआ, आपस के बैर मिटे, मेल नकाप की राह्ने निक्की, सहयोग और सममौते ने क्यम माया हर बजा जब बह समय काया और प्रेम की नींक हो हो कस नींब के कपर एक नई सम्बता का नया महल वहा हुआ जिसमें नव और प्राने के संगम से एकता की

هدارے اس اگلے ہوے دیس میں جسے هدالہ کی بوت ہے۔ ایک کرتی میں بوت ہے انک کرتی میں بوت ہے انک کرتی میں بوت ہے انک کرتی میں بوت ہیں اس اس رمانے سے لے کر جو تاریخ کی یاد سے پرے بیٹ بیٹ سی نسلیس اور بہت سی فیلیے کردی اور میں کی بوت کی بوت کی اور بیٹ میل میل جول اور بیٹ کی دامین نکلیس کی بیٹ میل میل جول اور بیٹ کی دامین نکلیس کی بیٹ میل میل جو اور بیٹ وہ بیٹ وہ بیٹ کی اور بیٹ کی تھی کی اور برائے کی بیٹ کی ایک انہ کی بیٹ کی بیٹ کی بیٹ ایک انہ کی بیٹ کی بیٹ ایک انہ کی بیٹ ایک بیٹ کی بیٹ ایک انہ کی بیٹ کی بیٹ ایک کی بیٹ کی بی

ابھے موسرے کے یعد اس طوح کے کئی میلم اس مور میں میلم اس مور کے کئی میلم اس مور میں میلم اس مور میں تیکھیے۔ کا گران اس مور کی تیکھیے۔ کا گران اس مور اس میں اس مور اس مور

दिन्दुस्तानी कथपर सांसाइटी से मकसद

[बिन्दुस्तानी कतचर सीसाइटी की दिक्सी सन 1943 में हुई थी, जब कि सोसाइटी की इन्तकानी कमेटी के कम से कम चार मेन्बर जेल में बे. नीचे दिये हुए सोसाइटी के मकंसद से पता चलेगा कि वह जाजावी मिलमें से पहले की बनी हुई है. इसने जान कर उन बाव्यों को नहीं चवला क्योंकि उन से यह भी माल्म होगा कि इस सोसाइटी के काम की असल जरूरत जान भी उतनी ही बल्कि इससे मधिक है जितनी उस समय बी—पडीटर]

आदमी के मन के अन्तर को बड़ी ताकतों में हमेशा सड़ाई होती रहती है. इन में से कमी एक आदमी को अपने बस में कर तेती है और कमी दूसरी. इन दोनों में हमारे विक पर क्राबू पाने के लिये बराबर खींचा तानी होती रहती है.

इनमें से एक ताक्रव खुदरारची या स्वार्थ की है जो हमें जपनी छोटी छोटी साहिशों के पूरा करने में लगाती है. यह ताक्रव, जाने या जनजाने जोर के साथ हमारा स्वान हमारी तुरत की जरूरतों की तरफ और जपने भोग विसास की तरफ सींचती है. इसके जसर में जाकर हम जपनी जसली, ठोस और टिकाज मलाई को भी भूत जाते हैं और हमें जपने भाई बन्दों की दस मलाई की भी सुख नहीं रहती जिसके बिना हमारा जपना करवान नहीं हो सकता.

दूसरी ताझत इसारी वह समय, वह अन्दर की रोशनी है जो इसारे दिल में सब से मिलकर रहने की चाह पेट्रा करती है. यह इससान्यत का वह रिशता है जो जादगी आवभी को प्रेम के नाते में जोड़ता है. यह रिशता बादगी को सजबूर करता है कि वह अपनी जात्मा की सोई हुई बाइगों को दूसरे जादमियों से मिहकर जीर कनकी मदद से बगाए, जीवन के जैंचे जादशों को पूरा और सफल करे, जीर जादगी और समाज होनों के जब मंजिल जी तरक से जाद गई हमें इस हुनिया है सहुक्ता है.

पहली प्राप्तन काएगी को काएगी से काइग करती है मीं अगरंब के करकों को प्राप्तकों है एवरी शासक आएगी को समाज के बंबनों है आपने है, आपने से किल्किक पहाली है, कोटे बाद जिल्की के लोग कर वर्ष के किएगों में परव रोगों के काई आपने हैं गर्म के किएगों में परव रोगों के काई काई है के की

آسی کے من کے اندر در ہوی طالعوں میں همیشہ ی عوتی رهائی ہے ، اِن میں سے کبھی ایک آدمی کو پس میں کو لیاتی ہے اور کبھی دوسری ، اِن دونوں مارے دل پر قابو یائے کے لئے برابر کھیلچا تانی بروہری ہے ۔

जुलाई सम् '51

1 نيور 1 جوائي سن 51°

आत बार्यी, प्रेस वर्स है, हिन्दुस्तानी बोली, 'नया हिन्त' पहुँचेगा घर घर लिये प्रेम की मोली.

المراب الدمي اليهم دهرم هـ علدستاني بولي الما معدد م يهاجه كا كور كور لك يريم كي جهولي .

राम फँसे जंजालीं में (माई स्वामी मारहरवी)

विजय स्ती, मन्दिर वीरों, कोई घर काबाद नहीं, क्त बेकल अपनी धुन में, मुल्ला भी दिलशाद नहीं. न जाना एक सेव बतायूँ ? बात यह वे बुनियाद नहीं, नि हैं जर मूल से खुरखल, स्वर्ग की याँ बुनियाद नहीं. बलटे सीचे शन्दों से तू, उलटा सीधा नाम न ले. अपने आप को बिन पहचाने, राम का मूरशानाम न ले.

भूमनी नैया आप इबी कर, जग का खेवन हार न बन, 🍱 बाप के दाग ती धोले, जीवन का तू भार न बन. है तिक जगर तिलक संगाया, स्वर्ग का ठेकेदार न बन, ही बढ़ तेरी मल्ला भल्ला ! खुदा का सम्बर्दार न बन.

कर्म की पोर निराशा में तू सन की बीर उदास न कर, क्षम के सीदे हानि ख्या है, मुक्ता की तू आस न कर.

क्ष सीतर करना बन्द, और ईरवर क्रेंद शिवाली में, वि सन्त्रा पंडित जी का, जन्मत सल्ला वालों में. मह राम की ऐंचा ताको, राम फैसे जंजाती में, के यह अठ भी देखे, मुख्या घरती गावी में काम किसी का देशवर चलता, कीम किसी का मन्ता है. कीन यह क्रीका फाका बाले. धर्म का मुद्रा धन्या है औं करवी पूनी की, नीस्तानी हायों केर विवा, की बीक्की-आर्थित ने सामीज बनाकर केन विचा. म किया के अपने किया, क्षा के मन्तर में केर विमा, करी कार्य कर रहे जी सामान देश कर हेन दिना

the sent of some and the the first I want were and I

رام بهنسے جنجالوں میں (بهالی سوامی مارهروی)

سَنْقُونُ سَوْنِي مَدُورُ وَيِرَالُ * كُوكِي كَهُرُ أَيَادُ تَهِينَ * والمامة بهوال المني دهن مين ملا بهي دل هاد نهون . ال جالا الله بهید بعادی ؟ بات یه بے بلیاد نہیں 🕒 فوانس مهن جوريول ساله على سورك كي يال بنيادنهين.

الله سودي فيدون من لوا الله سودها كام نه ليا أله أب كو بن يبحال رام كا موركه نام له لم .

الله للك للها الله المرك كا تهديدار نه بن موسى به تعربي الله الله ! خدا لا لمعردار نه بي .

عيد الله عود تواشا مهن و من كو اور أداس نه كوا العلايم في سودي هان لكي هي مكتي كي لو أس نه كو .

سيجد يههج الله بكدا أور ليشرر قيد شوالين مهرا الله والمن علات جي كا جلت الله والول مهل . اللي الم كي اينجاناني رام يهنس خنجانون مين، لعالي کے بعثمالم بھی دیکھے' سورکھ دعرتی والیں سوں ۔

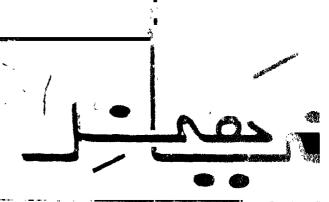
المن كسي كا ايشور الله كون كسي كا بلدا هـ" عمدا دورم لا جمولا الله معدد الله المعدد الم

سالن عن العن ورفي كو كوسواسي هاتون يدي دياً الما الما الله الله الله مدر سلة مورسيها" ور سابق خدالی لور رقه لی منکوان آلها کر بدی بها ...

والساق برانا فيلي اليدن الله يرانا باللي ه منظمتان کے اس پیروٹی میں بیکرانی بدلتا بالی ہے ۔

क सीवाची के सकता और الله الأسوس المعن علد عمال المور في الأكثر بيام إلى عالي سواهیں کی ساکند میں سے پیاکی گ رس من سناهار سایمانی مجیب رمین हिन्सा सुनीय रिक्सी مها (کریا) - بیکرلرس د ومنال بهر سر ساند ال سيا (المكا) - بالران دي ميل الله ميل का कारणे सेव-गर् मा मार् मोदनविद संगर ؟) چرمغاله سبهای موهی ستکه سیلکر 58 فرسه أور منصوبية - يهاني اوم براهن क्षा काम कार्य سيور المالية السيور (كويتا) سد تمك ياهي क्षर (क्षिकः) नगर गरा سوملناته لو المار) دايو س ا - بهكران دين - THE PARTY - git - faster ما يو د مارا - سوي را سال de interpretario de la contraction de la contrac





ण्डीटर--ताराचंद, भगषानदीन, मुज्प्पूर हसन, बिशम्भर नाथ, सुन्दरलाल التيتر - تارا چند' بهكوان دين مطفر حسن بشمههر ناته سندر لال

नायन एडीटर सुरेश रामभाई, महमूद अहमद 'हुनर'

इस नम्बर के खास लेख

हिन्दुस्तानी कलचर सोसाइटी के मक्सद-सुन्दरलाल हिन्दुस्तानी कलवर—डाक्टर भंगवानदास सुफियों की संगत में -गुरदयाल मल्लिक सोमनाथ फिर-सुन्दरलाल भारत और चीन का कलचरी मेल-भानचन्द्र (सोमनाथ को लेकर) बापू से !--भगवानदीन विनोबा जी की तेलंगाना यात्रा-- युरेश रामभाई

हमारी राय

ईरान का तेल संकट-सुन्दरलाल काँगरेस कीर दलवंदी-सुन्दरलाल तिच्यत, चीन और भारत सुन्दरलाल سريس رأم بهائي مصمود اجهد يعبر

اس نمبر کے خاص لیکھ

ھندستانی کلچر سوسائٹی کے مقصد هندمهالى كلىدرسةاكتر بهاوان داس صوفهوش كى سلكت مينسكورديال ملك سيوميقاته فهر-سقدر لال المارت أور جهان كا كلتورى مهل سيهان جلد ﴿ سُومَعُالُهُ كُوا لَهُكُم ﴾ بايو سي--بهكوان دين وتوبا جي آكي تهلفُكانه يناتوا - سريش رام بهائي

أيران كا تهل سلكت—سندر لال كانكريس أور دل بندي—سندر لال تبت جهن أور بهارت—سندر لال

ह्यां कलचर सोसाइटी, इलाहाबाद 🎇



جولائي 1951